शान्तकुटी-वैदिकग्रन्थमाला

तस्यां च शास्त्र्यादिविरुदलङ्कृतेन

विश्वबन्धुना

कर्मिष्ठसंघघटकानां लम्भितप्रौढिविशेषाणामुपत्रिंशानां विदुषां सहयोगतश्च
परामर्शकसंघघटकानां नानादेशीयानामुपत्रिंशानां
विपश्चिदपश्चिमानां सन्निर्देशतश्च

संपादितायाम् अयं

६ठो ग्रन्थः

होशिआरपुरे

विश्वेश्वरानन्द-वैदिक-शोध-संस्थानेन प्रकाशितः

२०१२ वि०

THE SHANTAKUTI VEDIC SERIES

Edited

with the co-operation of a Staff Organisation of about thirty specially Trained Scholars and under the general guidance of an inter-national Advisory Board

By

VISHVA BANDHU, *Shastri, M. A., M.O.L., O.d'A. Fr.*

VOLUME VI

HOSHIARPUR

Published by the V. V. R. Institute

1955

The Shantakuti Vedic Series, Vol. VI.

A VEDIC WORD-CONCORDANCE

Being a ***universal vocabulary register*** of about **500** Vedic works, with complete textual reference and critical commentary bearing on phonology, accent, etymo-morphology, grammar, metre, text-criticism, and ur-Aryan philology

In five Volumes, sub-divided into fifteen Parts

•

By

VISHVA BANDHU

Director, the Vishveshvaranand Vedic Research Institute and the D. A.-V. College Research Department, formerly, Principal, Dayanand Brāhma Mahāvidyālaya.

With the immediate assistance of

BHIM DEV, RAMANAND & AMAR NATH

Vol. I in Five Parts

(Saṁhitās)

PART II

आ–घ

Pages I-IV and 593—1282.

HOSHIARPUR

PUBLISHED BY THE V. V. R. INSTITUTE

1955

वैदिक-पदानुक्रम-कोषः

स च

संहिताब्राह्मणोपनिषत्सूत्रवर्गीयोपपञ्चशत [५००] वैदिकग्रन्थस्थ-सकलपदजात-संग्रहस्वरूपः

प्रतिपदप्रतियुक्त-श्रुतिस्थलसर्वस्व-निर्देशैः समवेतश्च यथासंगत-तत्तन्नवपुराणवेदाङ्गीय-

विचारसमन्वितटिप्पणैः सनाथितश्च

संभूय पञ्चदशखण्डात्मकैः पञ्चभिर्विभागैर्व्यूढश्च

सन्

दयानन्दब्राह्ममहाविद्यालयीयाचार्यपदप्रतिष्ठितपूर्वेण, विश्वेश्वरानन्दवैदिकशोधसंस्थानस्य

च दयानन्दमहाविद्यालयीयाऽनुसंधानविभागस्य च संचालकेन

सता

विश्वबन्धु

भीमदेव-रामानन्द-अमरनाथशास्त्रिणां

नान्तरीयेण साहाय्यकेन

संपादितः

अयं च तत्र

(सांहितिकस्य)

पञ्चखण्डात्मकस्य १मस्य विभागस्य

२यः खण्डः

आ—घ

पृष्ठानि I-IV च ५९३–१२८२ च

होशिआरपुरे

विश्वेश्वरानन्द-वैदिक-शोध-संस्थानेन प्रकाशितः

२०१२ वि०

Printed and bound at the V. V. R. I. Press, Hoshiarpur.
First edition, first issue, 1955. Quality II, 375 Copies.
Price Rs. 30/-.

होशिआरपुरस्थे वि. वै. शो. सं. मुद्रागृहे मुद्रितो बद्धश्च ।
प्रथमं संस्करणम्, प्रथमः प्रकाशः, २०१२ वि. । २या कोटिः, ३७५ प्रतिकृतयः
मूल्यम् ३०) रु. ।



Prepared and published under the patronage of the Governments of the Indian Union and the States of Panjab, Himachal, Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Jammu-Kashmir, Bombay and Madras, the former Princely States of Hyderabad, Mysore, Travancore, Baroda, Indore, Kolhapur, Sangli, Patiala, Nabha, Jodhpur, Bikaner, Alwar, Udaipur, Shahpura, Sirmur and Keonthal, the former Princely Estates of Awagarh and Vijayanagram, the Universities, of Panjab and Calcutta and the Trusts and Charities of Swami Vishveshvaranand, Shri Vishva Bandhu, Shri Moolchand Kharaitiram, D. B. Krishna Kishore, Shri Dhani Ram Bhalla, Shri Jai Dayal Dalmia and other donors.

अथ

वैदिक-पदानुक्रम-कोषे

सांहितिके प्रथमे विभागे

द्वितीयः खण्डः

आ

१आ ऋ १, ४,[४;९,४५,२][a]:७,२[b]: ९, ३[c]; १२,[४; ५, २६, ५: ८, ४४, १४][d]; १७, ८[e]: २२,[८; ९, १०४, १][f]; २४, १२[g];२५, १०[h] १५[i] २७. ६[j]; २१[k]. ३१, ७[l]; ९[m]; १७[n]; ३३, ७[o]; ११[p]; ३७, ६[q]; १३[r]; ३८, ७[s]; १०[t]; ४१, ९[u]; ४४, १३[v]; ४८, १६[w]; ५८, ५[x]; ६[y]; ६०, ३[z]; ४[a1]; ६१, ९[b1];

[a]) नैप्र. लुप्तांशं क्रिप. = (आ√वृ >) आवर् (:) इति। अत्र धा. रक्षार्थे आवहनार्थे वा वृत्तिः (वैतु. स्क. वें.सा. आ [प्रयच्छति] इति कृत्वा क्रिउ. इति, PW. GW. GRV. Gri. [अपेक्षार्थ संकेतुकाः] सखिभ्यः इति पं. युक्तः, ORN. च. युक्तश्च कप्र. इति)।

[b]) सं-मिश्लः इत्यस्यार्थावधारणे स्वाप्र. (वैतु. सा. व्याप्त्यर्थ इति, भा. [नैत्रा १,५, ८, २], भ. [कौ ३,२,३], GW. च समुच्चय इति)। 'वचोयुजा (तृ१) संमिश्ल एव' इति संबन्धः (वैतु. सा. अन्यथावचाः)।

[c]) सवनेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. स्क. वें. पादपूरण इति, सा. क्रिउ. इति च)।

[d]) बर्हिषि इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. सा. GW. प्रभृ. आसन्दि इति)।

[e]) धीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. प्रभृ.: वैतु. स्क. एवं पश्यन्नपि युगपदेव पादपूरणत्वमपि प्रतिपादुकः सन् व्याहतवचाः, सा. अन्य. सदुत्तरार्थीयं क्रिवि. इति च)।

[f]) अर्वागर्थीयं स्वाप्र. (तु. स्क. वे.: वैतु. सा. GW. प्रभृ. आनिर्षादत इति)।

[g]) हृदः इति पं. युक्तः मर्यादावचनः कप्र. (तु. GW.: वैतु. स्क. सा. आविचष्टे इति)।

[h]) पस्त्यासु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ३, ३५, ६: ६, ४०, १: ८, २५, ८ [यत्राऽऽङं विनैव श्रुतिः], GG.: वैतु. स्क. वें.पादपूरण इतीव, सा. प्रभृ. आ···निषसाद इति, भा. [नै १,८,१६,१] GW. च चार्थीयः नि. इति च)।

[i]) यथाक्रमं मानुषेषु, उदरेषु इति सप्त. युक्तौ कप्र. [तु. वें. (१मे श्रवणे), GW. GG. प्रभृ.: वैतु. स्क. चार्थ इति, वें. (अन्तिमे) आ(चक्रे) इति, सा. आ···चक्रे, आ(चक्रे) इति च]।

[j]) उपमार्थे स्वाप्र. [तु. सा.: वैतु. PW. GW. प्रभृ. उपाके इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, स्क. (पक्षे) मर्यादार्थे स्वाप्र. इति च]।

[k]) यथाक्रमम् अन्तात्, पराकात् इति पं. युक्तौ कप्र. (तु. स्क. वें. सा. प्रभृ.)।

[l]) प्रयः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. मर्यादार्थे क्रिवि. सत् स्वाप्र. इति, सा. आ··· कृणोषि इति च)।

[m]) उपस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ९, ७४, ५; GW.: वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[n]) बर्हिषि इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. सा. GW. प्रभृ. आसादय इति)।

[o]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. PW. GG. प्रभृ.: वैतु. स्क. पादपूरण इति, सा. क्रिउ. इति च)।

[p]) मध्ये इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.: वैतु. स्क. अपेत्यस्य स्थाने नि. इति, सा. व्याप्तौ स्वाप्र. इति च)।

[q]) आ नरः इति पाठे? आन(त,न)रः इति शोधः (तु. तृतीये पादे यद् इति: वैतु. वें. पादपूरण इति, सा. GW. प्रभृ. स्वाप्र. इति च)।

[r]) अध्वन इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. स्क. PW. प्रभृ.: वैतु. सा. अध्वन इत्येतद्व्याप्तौ स्वाप्र. इति)।

[s]) धन्वन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.: वैतु. सा. GG. क्रिवि. सत् स्वाप्र. इति)।

[t]) सद्म इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ५, ४८, २: ७, ६६, १५ प्रभृ., वें. अनन्वायुक इव, GRV.: वैतु. सा. क्रिउ. इति, स्क. पादपूरण इति, GW. स्वाप्र. इति च)।

[u]) एवार्थे स्वाप्र. [तु. PURB. ९(१), १५ (तत्रोक्तं या ३, १६ च): वैतु. नि √धा >नि-धानोस्(.) इति भाप. पञ्चम्यन्तेन समानार्थकेना सता युक्तः कप्र. इत्यन्ये]! सन्निर्वचनाय निधातु- इति यद्र.।

[v]) बर्हिषि इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. सा. GW. प्रभृ. आसीदन्तु इति)।

[w]) समुच्चयार्थे स्वाप्र. (तु. स्क. वें. सा. GW. प्रभृ.)।

[x]) वने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW?, OV?; वैतु.स्क. सा. आ···अवव्राति इति)।

[y]) मानुषेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. GW.: वैतु. वें. सा. आ···दधुः इति (वैतु. ऋ १,६०,४)]।

[z]) हृदः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW. ORN.: वैतु. सा. आ···अश्याः इति [वैतु. वें. ग. अभावः])।

[a1]) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. आ···भुवत् इति)।

[b1]) तु. टि. *a1* (वैतु. सा. आ···ववक्षे इति)।

६३, ५[a]: ६[b]: ७१, ६[२c]: ७२, ८[d]; ७३, ४[e]: ८३, ४[f]; ८४, ९[g]: २०[h]: ८७, २[i]: ९१, ⌊१३: ८, ९२, १२⌋[j]; ९२, ३[k]; १६[l]: १७[m]: १०४, ⌊१[n]; (७, २४, १)⌋: १०५, ⌊५?; ८, ६९, ३?⌋[o]; १४[p]; ११२, १७[q]: ११३, १०[r]: ११६, २२[s]; ११९, ७[t]; १२०, ६?[u]; १२१, १[v]; १२२, १४[w]; १२९, ९[२x]; १३२, ४[y]; १३४, ३[z]; ४[a1]; १३५, ६[b1]; १४१, ५[c1]; ७[d1];

[a]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः मर्यादार्थीयः कप्र. (तु. स्क.; वैंतु. वें. सा. आ···वि···वः इति)।

[b]) **समर्ये** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**, ८, ५: ९, १, ७, ORN.: वैंतु. स्क. मर्यादार्थीयं स्वाप्र. इति, सा. आ···**भूत्** इति च)।

[c]) यथाक्रमं **स्वे**, **इमे** इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैंतु. स्क. सा. मर्यादायां 'यथाशास्त्रम्' इति, उत्तरत्रम् **आविर्भाति** इति च)।

[d]) **दिवः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**, १, ३: **५**, ४१, ७: **७**, ७०, ३, स्क. GW. प्रभृ.: वैंतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[e]) **इमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.: वैंतु. सा. आ···**सचन्त** इति ⌊वैंतु. वे. ग. अभावः⌋)।

[f]) **पशुम्** इति द्वि. युक्तः कप्र. [तु. स्क.: वैंतु. स्क.(पक्षे) पादपूरणं इति, वें. सा. GRV. समुच्चयार्थीयं स्वाप्र. इति च]।

[g]) **बहुभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैंतु. स्क. सा. प्रभृ. क्रिउ. इति)।

[h]) **चर्षणिभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैंतु. सा. आ···**उपमिमीहि** इति)।

[i]) **रथेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**, २१, ५: ८, २, ८, वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैंतु. स्क. पादपूरणो वा मर्यादार्थीयो वा, सा. स्वाप्र. उत्तरत्राऽन्वितमिति, सपा तै **४**, ३, १३, ८ सा. एव आ···**उक्षन्त** इति च)।

[j]) **यवसेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इवं, GW.; वैंतु. स्क. पादपूरण इति, सा. स्वाप्र. सत् क्रिवि. इति)।

[k]) **परावतः** इति पं. युक्तः कप्र. [तु. वे.? (तु. संटि.), स्क. सा. प्रभृ.]।

[l]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.: वैंतु. सा. स्वाप्र. इति)।

[m]) **दिवः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.; वैंतु. वें. लक्षणार्थीय इति, सा. अनन्वायुक इव च)।

[n]) अत्यन्तसंयोगेऽधिकरणार्थे श्रूयमाणया **तम्** इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैंतु. स्क. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[o]) निर्देशः? विमर्शस्तु **त्रिषु-**>**-षु**(:) इत्यत्र द्र. (वैंतु. GW. **त्रिषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, स्क. वें. सा. **आ-रोचन-** इत्यनुपपन्नस्वरं योगं प्रतिपादुकाश्च)।

[p]) मर्यादायां स्वाप्र. सत् क्रिवि. (तु. स्क. सा. GW. प्रभृ.)।

[q]) **अज्मन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. स्क., वें. अनन्वायुक इव, PW. प्रभृ.; वैंतु. सा. स्वाप्र. सत् क्रिवि. इति)।

[r]) मूलतः<**अह** इति कृत्वा प्रश्ने अव्य. (तु. टि. ऋ **२**, ३०, १: सस्थ. टि. ?**क्रियाल्या** च)।

[s]) **अवतात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैंतु. सा. आ···**चक्रथुः** इति)।

[t]) **क्षेत्रात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैंतु. स्क. वें. आ···**जनथः** इति, सा. स्वाप्र. समुच्चयार्थीयमिति)।

[u]) वा.? तु. टि. **इत्** ।

[v]) **विशः** इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैंतु. सा. स्वाप्र. सत् क्रिवि. इति)।

[w]) एवार्थे स्वाप्र. (तु. सा.: वैंतु. PW. GW. प्रभृ. आ-**जग्मुषीः** इति द्विस्वर्ये सत्यप्य् ऐकपद्यं मन्वानाः)। द्वितीयस्य श्रवणस्य कृते च **आ**√**गम्**>ϕ**आ-जग्मुषी-** इत्यत्र सस्थ. टि. द्र.।

[x]) यथाक्रमं **पराके**, **अस्तमीके** इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वैंतु. वें. द्वितीये श्रवणे चार्थे स्वाप्र. इति सा. १मे श्रवणे **आसचस्व** इति ⌊वैंतु. वे. ग. अभावः⌋)।

[y]) उपमार्थे स्वाप्र. (तु. सा. GRV.; वैंतु. वें. आ··· **जेषि** इति)।

[z]) उपमार्थे स्वाप्र (तु. ऋ **१०**, ११, ६: वैंतु. सा. ईषदर्थे इति, GG. अवधारणे इति च)।

[a1]) **वक्षणाभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वे.; वैंतु. GW. **दिवः** इति, सा. मौनीति)।

[b1]) **अप्सु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**, १३, ४; २२, २; **५**, ४४, ६, GW.; वैंतु. सा. आ···**अयंसत** इति)।

[c1]) **यासु** इति सप्त. युक्तः कप्र (वैंतु. वें. **आ** ⌊**विवेश**⌋ इति क्रिउ., सा. **आ-शुचि-** इत्येवं समस्यन् द्विस्वर्यानुपपत्त्या पर्यनुयोज्यः)।

[d1]) **पुरुमन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. [रजो भवतीति शेषः (वैंतु. सा. रज आस्थादिति वा. मत्वा **आ** क्रिउ. इति, GW. **रजः** इति द्वि. इति कृत्वा **आ** तद्युक्तः कप्र.? इति)]।

११[a]; १४२, ३[b]; १४३, ४[c]; १४४,३[d]; ५[e]; १४८, ४[f]; १४९, १[g]; १५०, १२[h]; १५१, ३[i]; ५२[j]; १६१, १०[k]; १६३, ७[l]; १६४, ३०[m]; १६५, ९[n]; १२[o]; १६६, ९[p]; १८२, ८[q]; १८९, ४[r]; २,१, ८[s]; १२[t]; [१६; २,१३][u]; २, ४[v]; ४, ३[w]; ५, ५[x]; ६, ८[y]; ८, ३[z]; ९, ११, १५[b1]; १६, १[c1]

[a]) ऋते इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ६, ७, १, वें. अनन्वायुक इव, GW.; वेंनु. सा. आ···यमति इति)।

[b]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ. ३,५६,५ःः; वेंनु. GW. स्वाप्र. इति, वें. आ[गच्छतु] इति, सा. मिमिक्षति इत्यनया मधुतया गत्या वा, 'गच्छति, हरति' इत्यन्यतरया-ऽऽक्षिप्तया गत्या वा क्रियया युक्तः गत किउ. इति)।

[c]) दमे इति सप्त.युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. प्रभृ.; वेंनु. स्क. [या ४,२३] मर्यादायां स्वाप्र. इति, सा. द्र. आ···हिनुहि इति च)।

[d]) अस्मन इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १, ६२,१६, GW. ORN.; वेंनु. वें. सा. सम्···आ···अयंस्त इति)।

[e]) प्रवतः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १०, ८,३; वेंनु वें', सा. उपमार्थे स्वाप्र. इति, PW. GW. OV. प्रभृ. आ··· ऋण्वति इति)।

[f]) वने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा. अनन्वायुक्ता-विव, GW.)।

[g]) पदे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वेंनु. सा. किउ. इति) ।

[h]) १मे श्रवणे अवधारणार्थे स्वाप्र. [वेंनु. स्क.(सा.) पादपूरण इति]। द्वितीये श्रवणे शरणे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा ५, ५ द्र. GW. प्रभृ.; वेंनु. सा. उभयत्र स्वाप्र. इति)।

[i]) रोदस्योः इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेंनु. सा. आ··· भूषन् इति योगमापादुकः)।

[j]) सद्मन इति सप्त. युक्तः, निम्रुचः इति पं. युक्तः मर्यादाया च कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वेंनु. वें. उभयत्र किउ. इति. सा. १मे श्रवणे किउ. इति, द्वितीये श्रवणे मौनीति)।

[k]) निम्रुचः इति पं. युक्तः मर्यादार्थे कप्र. (तु. वें.. सा. [द्वितीयं वर्णकम्], GW. MVG ४१६ प्रभृ.)।

[l]) (गोः) पदे इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. वें.; वेंनु. सा. GW. प्रभृ. आ√जि>ϕआ-जिगीषमाण- इति कृत्वा ग. इति, ORN. (भोजनार्थे) इषः इति द्वि३ वा प१ वा, ईषे इति च१ वा युक्तः कप्र. इति]। प्रकृते इषः(=द्वि३ [अन्तो-दात्त-संवादनार्थं तु. L ४६७]=घासान्) इत्यस्य स्वरो भूयो विमृश्य एव द्र. (तु. सस्थ. टि. जिगीषमाण-)।

[m]) मध्ये इति सप्त.युक्तः कप्र [तु. सपा. पै १६, ६८,६ ०ध्यम् इति द्वि. युक्तः पामे., GW.; वेंनु. वें. आ(गच्छति) इति, सा. आ(शेते) इति च किउ., पक्षान्तरे सा. अनुपयुक्तः पादपूरण इति च])।

[n]) स्वाप्र. (तु. वें. आश्चर्ये नि. इति, सा. स्मरण इति च; वेंनु. उ.[मा ३३,७६] किउ. इति)।

[o]) समुच्चयार्थे स्वाप्र. (तु. वें. सा.)।

[p]) अंसेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेंनु. वें. उपमार्थे, सा. समुच्चयार्थे स्वाप्र. इति)।

[q]) सदसः इति पं. युक्तः कप्र. (वेंनु. सा. समुच्चयार्थे स्वाप्र. इति)।

[r]) सदने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव; वेंनु. सा. शुशुक्वान इत्येनद्युक्तं व्याप्तौ स्वाप्र. इति)।

[s]) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेंनु. वें. सा. किउ. इति)।

[t]) वर्णे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वेंनु. वें. सा. किउ. इति)।

[u]) वस्यः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. प्रत्यर्थे, GW.; वेंनु. सा. व्याप्तौ स्वाप्र. इति)।

[v]) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. ORN.; वेंनु. सा. व्याप्तौ स्वाप्र. इति)।

[w]) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वेंनु. सा. किउ. इति)।

[x]) धा. याच्ञायां वृत्तिः। शेषम् ऋ १,४,४ टि. गतम् (वेंनु. वें. किउ. आ[गच्छति] इति, सा. अर्थार्थे स्वाप्र. इति, GW. GRV. Gri. [अपत्यार्थमभिपद्यन्तः] तिसृभ्यः इति पं. युक्तः कप्र., ORN. च. युक्तश्च कप्र. इति)।

[y]) तु. टि. ऋ १, ३२,४। इह वेंनु. सा. आ···सस्ति इति विशेषः।

[z]) दमेषु इति सप्त. युक्तः कप्र.। शेषं ७ टि. द्र.।

[a1]) वस्यः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. प्रत्यर्थे [ऋ. टि.u]; वेंनु. सा. ϕआ-प्रणेतृ- इतीवोपकल्पुकः, भा. [तै ३. ५,११,३] समुच्चये स्वाप्र. इति)।

[b1]) पृत्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वेंनु. वें. सा. समुच्चये स्वाप्र. इति)।

[c1]) समुच्चये स्वाप्र. [तु. वें. GW. प्रभृ.; वेंनु. सा. ϕआजघन्वान् ? (मुं.)]।

६३, ५[a]; ६[b]; ७१, ६[?c]; ७२, ८[d]; ७३, ४[e]; ८३, ४[f]; ८४, ९[g]; २०[h]; ८७, २[i]; ९१, ⌊१३; ८, ९२, १२⌋[j]; ९२, ३[k]; ९६[l]; १७[m]; १०४, ⌊१[n]; (७, २४, १)⌋; १०५, ⌊५?; ८, ६९, ३?⌋[o]; १४[p]; ११२, १७[q]; ११३, १०[r]; ११६, २२[s]; ११९, ७[t]; १२०, ६?[u]; १२१, १[v]; १२२, १४[w]; १२९, ९[?x]; १३२, ४[y]; १३४, ३[z]; ४[a1]; १३५, ६[b1]; १४१, ५[c1]; ७[d1];

[a]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः मर्यादार्थीयः कप्र. (तु. स्क.; वैतु. वें. सा. आ···वि···वः इति)।

[b]) **समर्ये** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**, ८, ५: ९, १, ७, ORN.: वैतु. स्क. मर्यादार्थीयं स्वाम्र. इति, सा. आ···भूत् इति च)।

[c]) यथाक्रमं **स्वे**, **दमे** इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. स्क. सा. मर्यादायां 'यथाशास्त्रम्' इति, उत्तत्रम् **आविभाति** इति च)।

[d]) **दिवः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**,१,६:५,४१,७: **७**,७०,३, स्क. GW. प्रभृ.: वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[e]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.: वैतु. सा. आ···**सचन्त** इति ⌊वैतु. वें. ग. अभावः⌋)।

[f]) **पशुम्** इति द्वि. युक्तः कप्र. [तु. स्क.; वैतु. स्क.(पक्षे) पादपूरण इति, वें. सा. GRV. समुच्चयार्थीयं स्वाम्र. इति च]।

[g]) **बहुभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. स्क. सा. प्रभृ. क्रिउ. इति)।

[h]) **चर्षणिभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. आ···**उपमिमीहि** इति)।

[i]) **रथेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**,२१,५;८, २,८, वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. स्क. पादपूरणो वा मर्यादार्थीयो वा, सा. स्वाम्र. उत्तरत्रान्वितमिति, सपा. तै **४**,३,१३,८ सा. एव आ···**उक्षन्** इति च)।

[j]) **यवसेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. स्क. पादपूरण इति, सा. स्वाम्र.सत् क्रिवि. इति)।

[k]) **परावतः** इति पं. युक्तः कप्र. [तु. वें.? (तु. संटि.), स्क. सा. प्रभृ.]।

[l]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.; वैतु. सा. स्वाम्र. इति)।

[m]) **दिवः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.; वैतु. वें. लक्षणार्थीय इति, सा. अनन्वायुक इव च)।

[n]) अत्यन्तसंयोगेऽधिकरणार्थे श्रूयमाणया **तम्** इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[o]) निर्देशः? विमर्शस्तु **त्रिष्व-**>**-ष्वा**(:) इत्यत्र द्र. (वैतु. GW. **त्रिषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, स्क. वें. सा. **आ-रोचन-** इत्यनुपपन्नस्वरं योगं प्रतिपादुकाश्च)।

[p]) मर्यादायां स्वाम्र. सत् क्रिवि. (तु. स्क. सा. GW. प्रभृ.)।

[q]) **अज्मन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. स्क., वें. अनन्वायुक इव, PW. प्रभृ.; वैतु. सा. स्वाम्र. सत् क्रिवि. इति)।

[r]) मूलतः<**अह** इति कृत्वा प्रश्ने अव्य. (तु. टि. ऋ **२**, ३०,१; सस्थ. टि. ?**क्रियाख्या** च)।

[s]) **भवतात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. आ···**चकथुः** इति)।

[t]) **क्षेत्रात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. स्क. वें. आ···**जनथः** इति, सा. स्वाम्र. समुच्चयार्थीयमिति)।

[u]) वा.? तु. टि. **तुन**।

[v]) **विशः** इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. स्वाम्र. सत् क्रिवि. इति)।

[w]) एवार्थे स्वाम्र. (तु. सा.; वैतु. PW. GW. प्रभृ. **आ-जग्मुषीः** इति द्वैस्वर्ये सत्यप्य् ऐकपद्यं मन्वानाः)। द्विती-यस्य श्रवणस्य कृते च **आ √गम्** >ϕ**आ-जग्मुषी-** इत्यत्र सस्थ. टि. द्र.।

[x]) यथाक्रमं **पराके**, **अस्तमीके** इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. द्वितीये श्रवणे चार्थे स्वाम्र. इति, सा. १मे श्रवणे **आमुचस्व** इति ⌊वैतु. वें. ग. अभावः⌋)।

[y]) उपमार्थे स्वाम्र. (तु. सा. GRV.; वैतु. वें. आ··· **जेषि** इति)।

[z]) उपमार्थे स्वाम्र. (तु. ऋ **१०**,११,६: वैतु. सा. ईषदर्थ इति, GG. अवधारण इति च)।

[a1]) **वक्षणाभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें.; वैतु. GW. **दिवः** इति, सा. मौनीति)।

[b1]) **अप्सु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ **३**,१३,४;२२, २; **५**,४४,६, GW.; वैतु. सा. आ···**अयंसत** इति)।

[c1]) **यासु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. **आ**⌊**विवेश**⌋ इति क्रिउ., सा. **आ-शुचि-** इत्येवं समस्यन् द्वैस्वर्यानुपपत्त्या पर्यनुयोज्यः)।

[d1]) **पुरुमन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. [रजो भवतीति शेषः (वैतु. सा. रज आस्थादिति वा. मत्वा **आ** क्रिउ. इति, GW. **रजः** इति द्वि. इति कृत्वा **आ** तद्युक्तः कप्र.? इति)]।

११[a]; १४२, ३[b]; १४३, ४[c]; १४४,३[d]; ५[e]; १४८, ४[f]; १४९, १[g]; १५०, १[2h]; १५१, ३[i]; ५[2j]; १६१, १०[k]; १६३, ७[l]; १६४, ३०[m]; १६५, ९[n]; १२[o]; १६६, ९[p]; १८२, ८[q]; १८९, ४[r]; २,१, ८[s]; १२[t]; [१६; २,१३][u]; २,४[v]; ४, ३[w]; ५, ५[x]; ६, ८[y]; ८,३[z]; ९, २[a1]; ११, १५[b1]; १४, ७[c1],

---

[a]) **ऋते** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ६, ७, १, वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. आ···यमति इति)।

[b]) **दिवः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ. ३,५६,५;८: वैतु. GW. स्वाश्र. इति, वें. आ[गच्छतु] इति, सा. **मिमिक्षति** इत्यनया सश्रुतया सत्या वा, 'गच्छति, हरति' इत्यन्यतरया-ऽऽक्षिप्तया सत्या वा क्रियया युक्तः सन् क्रिउ. इति)।

[c]) **दमे** इति सप्त.युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. प्रभृ.: वैतु. स्क. [या ४,२३] मर्यादायां स्वाश्र. इति, सा. दु. आ···**हिनुहि** इति च)।

[d]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १, ६२,१६, GW. ORN.; वैतु. वें. सा. **मम्**···आ···**अयंस्त** इति)।

[e]) **प्रवतः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १०, ८,३: वैतु. वें?, सा. उपमार्थे स्वाश्र. इति, PW. GW. OV. प्रभृ. आ··· **ऋण्वति** इति)।

[f]) **वने** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा. अनन्वायुकाविव, GW.)।

[g]) **पदे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. क्रिउ. इति) ।

[h]) १मे श्रवणे अवधारणार्थे स्वाश्र. [वैतु. स्क.(या.) पादपूरण इति]। द्वितीये श्रवणे **शरणे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. या ५,७ दु. GW. प्रभृ.: वैतु. सा. उभयत्र स्वाश्र. इति)।

[i]) **रोदस्योः** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. आ··· **भूषन्** इति योगमापादुकः)।

[j]) **सद्मन्** इति सप्त. युक्तः, **निम्रुचः** इति पं. युक्तः मर्यादायां च कप्र. (तु. GW. प्रभृ.: वैतु. वें. उभयत्र क्रिउ. इति, सा. १मे श्रवणे क्रिउ. इति, द्वितीये श्रवणे मौनीति)।

[k]) **निम्रुचः** इति पं. युक्तः मर्यादार्थे कप्र. (तु. वें., सा. [द्वितीयं वर्णकम्], GW. MVG ४१६ प्रभृ.)।

[l]) (**गोः**) **पदे** इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. वें.; वैतु. सा. GW. प्रभृ. **आ√जि>φआ-जिगीषमाण-** इति कृत्वा ग. इति, ORN. (भोजनार्थे) **इषः** इति द्वि३ वा ष१ वा, **ईषे** इति च१ वा युक्तः कप्र. इति]। प्रकृते **इषः**(=द्वि३ [अन्तोदात्त-संवादनार्थं तु. L ४६७]=घासान्) इत्यस्य स्वरो भूयो विमृश्य एव द्र. (तु. सस्थ. टि. **जिगीषमाण-**)।

[m]) **मध्ये** इति सप्त. युक्तः कप्र [तु. सपा. पै १६, ६८,६ °ध्यम् इति द्वि. युक्तः पाभे., GW.; वैतु. वें. आ(गच्छति) इति, सा. आ(शेते) इति च क्रिउ., पक्षान्तरे सा. अनुपयुक्तः पादपूरण इति च])।

[n]) स्वाश्र. (तु. वें. आश्चर्ये नि. इति, सा. स्मरण इति च; वैतु. उ.[मा ३३,७६] क्रिउ. इति)।

[o]) समुच्चयार्थे स्वाश्र. (तु. वें. सा.)।

[p]) **अंसेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. उपमार्थे, सा. समुच्चयार्थे स्वाश्र. इति)।

[q]) **सदसः** इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. समुच्चयार्थे स्वाश्र. इति)।

[r]) **सदने** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव; वैतु. सा. **शुशुक्वान** इत्येतद्युक्तं व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[s]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[t]) **वर्णे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[u]) **वस्यः** इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. प्रत्यर्थे, GW.; वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[v]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. ORN.: वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[w]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[x]) धा. याच्ञायां वृत्तिः। शिष्टम् ऋ १,४,४ टि. गतम् (वैतु. वें. क्रिउ. आ[गच्छति] इति, सा. अप्यर्थे स्वाश्र. इति, GW. GRV. Gri. [अपेक्षार्थमभिप्रयन्तः] **तिसृभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र., ORN. च. युक्तश्च कप्र. इति)।

[y]) तु. टि. ऋ १, १२,४। इह वैतु. सा. आ···**सत्सि** इति विशेषः।

[z]) **दमेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र.। शेषं ७ टि. द्र.।

[a1]) **वस्यः** इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. प्रत्यर्थे [तु. टि.u]; वैतु. सा. **φआ-प्रणेतृ-** इतीवोपकल्पुकः, भा. [तै ३, ५,११,३] समुच्चये स्वाश्र. इति)।

[b1]) **पृत्सु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. समुच्चये स्वाश्र. इति)।

[c1]) समुच्चये स्वाश्र. [तु. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. **φआजघन्वान्** ? (मुं.)]।

१७, ६[a]; २३, १६[b]; २४, ७[c]; २७, ५[d]; १६[e]; ३०, १[f]; ३४, ४[g]; ८[h]; ३५, २[i]; ७[j]; ८[k]; ३६, १[l]; २[m]; ३८, २[n]; ७[o]; ३, ३, ९[p]; ४, ६[q]; ६, ४[r]; ७[s]; ८, ५[t]; १३, ४[u]; १४, २[v]; १६, ४[w]; २२, २[x]; २३, १[y]; ४[z]; २९, ६[a1]; ३०, १[b1]; १७[c1]; ३१,

[a]) जनुषः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. वें. अवधारणार्थे स्वाश्र. इति, सा. आ···अकृणोत् इति च)।

[b]) हृदि इति सप्त. युक्तः कप्र.। 'ये हृदि आ देवानां व्रयः वि···ओहते(<वि√ओह् अदा. यद्र.)' इति वा. (वैतु. वें. समुच्चयार्थे स्वाश्र. इति, सा. आ···ओहते इति, GW. वि···ओ° इति च आकारश्चार्थे स्वाश्र. इति च, GRV. आ···ओ° इति च वि [ओ°] इति च, ORN. HL. प्रभृ. वि···आ···ओ° इति च योगमुशन्तः)।

[c]) भुतस(:) इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. चार्थीयः नि. इति, सा. क्रिउ. इति च)।

[d]) भये इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[e]) उरौ इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[f]) प्रश्ने स्वाश्र. (=अह) इति (तु. सा.; वैतु. PW.प्रभृ. क्रियाति इति सप्त. युक्तः कप्र. इति [तु. टि. ऋ १, ११३,१०])।

[g]) सदम् इत्येतयुक्तं सन् स्वाश्र. (तु. तथायुक्तम् इद् इति, ORN. [तु. ऋ ६,६७,८]; वैतु. वें. अवधारणे अव्य. इति, सा. आ···ववक्षिरे इति च)।

[h]) भगे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. आ···युञ्जते इति)।

[i]) हवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. आभिमुख्यार्थे स्वाश्र. इति)।

[j]) उमे इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. GW.; वैतु. वें. आ···पीपाय इति ?, सा. क्रिउ. आ(सीदति) इति]।

[k]) अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GG. प्रभृ.; वैतु. सा. व्याप्त्यर्थे स्वाश्र. इति)।

[l]) होत्रात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[m]) पोत्रात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. क्रिउ. आ[कृप्य] इति, सा. आ···पिबत>ता इति)।

[n]) व्रते इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, PW. प्रभृ.; वैतु. सा. क्रिउ. आ[स्यन्दन्ते] इति)।

[o]) समुच्चये स्वाश्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव; वैतु. सा. व्याप्ताविति)।

[p]) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. [मुं.] व्याप्तौ स्वाश्र. इति)।

[q]) स्वाश्र. द्र.।

[r]) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. टि. आ-नि√षद्, GW.; वैतु. वें. सा., उ. म. [मा १८,५३], GG. आनिषत्तः इति योगमिच्छन्तः)।

[s]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.; वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. आ···रुचयन्त इति)।

[t]) विदथे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऐ २,२, वें.; वैतु. GW. समर्ये इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, सा. आ··· वर्धमानः इतीव निगामुकः, भा. सा.[तैत्रा ३,६,१,३] आ···जायते इति)।

[u]) अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW. प्रभृ.; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[v]) मध्ये इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. GW.; वैतु. वें. चार्थे स्वाश्र. इति, सा. मध्ये बर्हिः (द्वि.=प.) आ···निषत्सि इत्येवं निगामुकः (वैतु. सस्थ. टि. √चित>चेतते, बर्हिस्->-र्हिः [प्र१] च)]।

[w]) देवेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. क्रिउ. इति वा चार्थे स्वाश्र. इति वा)।

[x]) ऋ १,१३५, ६; ३,१३,४ प्रभृ. सन्यायता द्र. (तु. माश ७,१,१,२३; वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाश्र. इति)। सपा. तै ४,२,४,३ वा इति पाभे.।

[y]) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW. ORN.; वैतु. सा. आ···दधे इति)।

[z]) (इळायाः) पदे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. आ···नि···दधे इति)।

[a1]) वनेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक्त इव, GW.; वैतु. सा. आ···वि···रोचते इति)।

[b1]) स्वत् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. GW. GG. ORN.; वैतु. सा. आ···प्रकेतुः इतीव योजुकः)।

[c1]) कीवतः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. या. [६, ३], सा. प्रभृ.; वैतु. वें. आ···चकर्थ इति योजुकः)।

३[a]; १४[2b]; ३५, २[c]; [६; १०, १४, ५][d]; ३९, १[e]; २[f]; ५[g]; ४८, २[h]; ५१, ३[i]; ५३, ११[j]; २०[3k]; ५४, [११; ५६, ५; ८][l]; ५६, ६[m]. [n]; ५९, ३[n]; ६१, ४[20]; ४, १, १[p]; २, ८[q]; ३, ९[r]; ५, १५[s]; ७, ६[t]; ११, १[2u]; २१, ६[v]; २२, ४[w]; २३, ६[x]; २४, ८[y]; ३०, ११[z]; ३२, २[a1];

[a]) समुच्चयार्थे स्वाग्र. (तु. वें. GW.; वैतु. सा. आजातम् इति, Weber [ORN.] आ-जानम् इत्येवं शोध-परश्च)।

[b]) स्वाग्र. (तु. ऋ ४,२२,८, GW.; वैतु. वें. सा. आ···वस्मि इति च आ···यन्ति इति च योगौ)।

[c]) भूर्षु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. PW. उप···आयुनज्मि इति)।

[d]) बर्हिषि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. पपा. शौ २०,६, ५ यत्र आङोऽभावः, GW.; वैतु. सा. आ···दधिरे इति)।

[e]) हदः इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. आ···जिगाति इति)।

[f]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. ϕआ-जायमाना इति)।

[g]) अभि-ज्ञु इति युक्तमुपमार्थे स्वाग्र.।

[h]) द्रुमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GG.; वैतु. वें. सा. GW. परि···आसिञ्चत् इति)।

[i]) सदने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. आ···पिप्रिये [वैतु. ऋ ४,४,७; ७,५७,२])।

[j]) वरे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. GG.; वैतु. भा. [तै १,२,३,३] क्रिउ. इति, स्क. [या ७,२] आ···यजाते इति वा पादपूरणो वा)।

[k]) यथाक्रमं गृहेभ्यः, अव-सा, वि-मोचनात् इत्येताभिः पं. युक्ताः कप्र.। मौस्थि. सुँ अस्ति आ गृहेभ्य आऽवसानौदा विमोचनात् इत्येवंस्वरूपेऽर्धर्चे सति °सानौदा>°सा औ आ>°सा आ इति नैप्र. छान्दसो विपरिणाम इति कृत्वाऽत्रत्यः अव-सा 'अव-सान->-नात्' इति न तु अवसै (तु. पपा. GW. GRV. ?) इति, यद्विषये पृ ४६८ यनि. शोधः द्र. (वैतु. WG §९७१a, ORN. च अव-सा->-साः [पं१ -सः?] इति)। द्वितीयम् आ इत्यक्षरमादौ १मस्य पादस्याऽवसानं सत् कालेनाऽर्थसंनिकर्षस्य प्राधान्यतः द्वितीयस्य पादस्याऽऽद्यक्षरतया गृह्यमाणत्वादुक्ते विपरिणामे निमित्तं पूर्वयोः स्थलयोर्बभूवेत्यभिसंधिः।

[l]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. पूर्वयोः स्थलयोश् चार्थे स्वाग्र., सा. च ϕआ-पत्यमान- इति, वें. सा. चरमे स्थले च आ···सन्तु इति, Gri. सर्वत्र आ [गच्छति] इति क्रिउ. च)।

[m]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. १मे स्थले क्रिउ. इति, सा. द्वितीये स्थले आ··· सोषवीति इति च)।

[n]) वरिमन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. MR.; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[o]) अन्नात् इति पं. द्विर्युक्तः कप्र.।

[p]) मर्त्येषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. स्वाग्र. इति)।

[q]) द्रुमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. GW.; वैतु. सा. अथार्थे स्वाग्र. इति)।

[r]) गोः इति पं. युक्तः कप्र. [तु. ऋ १, ६२,६; २,४०, २; ६, १७,६; ८,८६,७ यत्र विषयसाम्यं द्र., GW., ORN. (तु. ऋ ४,२२,४; २३, ६; १०, १००, १२); वैतु. सा. आ···ईके इति]।

[s]) q टि. मन्न्यायना द्र. (वैतु. वें. सा. आरुरोच इति)।

[t]) सा. चार्थे स्वाग्र. इति, GW. GG. वने इति सप्त. युक्तः कप्र. इति।

[u]) पूर्वार्धे उपाके इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. सा. आरोचते इति [तु. टि. ऋ ४, ५,१५])। उत्तरार्धे चार्थे स्वाग्र. (तु. सा.; वैतु. PW. GW. क्रिवि. इति, ORN. दशो इति च. युक्तः [तु. ऋ १, १७, ३] कप्र. इति च)।

[v]) पाठे ? (तु. मस्थ. टि. ?दुरोषाः)। यनि. आ (याऽ) इत्येवं क्रिउ. इत्यन्ये।

[w]) गोः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW. ORN.; वैतु. वें. सा. चार्थे स्वाग्र. इति)।

[x]) गोः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW. ORN.; वैतु. वें. सा. GG. आ···इषे इति)।

[y]) दुरोणे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. GG.; वैतु. सा. आ···अचिक्रदत् इति)।

[z]) विपाशि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ORN.; वैतु. या ११, ४८, स्क. दु. सा. प्रभृ. आ···शये इति [वैतु. ऋ ८,४१,७ प्रभृ. आ √शी इत्यस्य सकर्मकत्वेन श्रुतयः, वें. GW. ग. अभाव इति च])।

[a1]) चित्रिणीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. चार्थे स्वाग्र. इति)।

३६, ८[a]; ३७, ८[b]; ४५, २[c]; ५०, ३[d]; ५१, १०[e]; ५४, ४[f]; ५, ७, ४[g]; १३, ३[h]; १७, ४[i]; २३, ४[j]; ३१, २[k]; ३[l]: ३४, ७[m]; ४१, १३[n]; ४३, ११[o]; १२[2p]; ४४, ६[q]; ४७,१[r]; ४८, १[s]; २[t]; ३[u]; ५२, २[v]; ७[w]; ५४,३[x]; ५६,३[y]; ६१,१२[z]; ६४, ५[a1]; ७३, ९[v]; ७४, ८[b1];

[a]) समुच्चयार्थे स्वाम्र. (तु. वें. GRV. प्रभृ.; वैतु. सा. आ···तक्षत>ता इति)।

[b]) चर्षणिभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. ORN.; वैतु. सा. मम्···आ···शस्त इति)।

[c]) चार्थे स्वाम्र. (वैतु. सा. GRV. क्रिवि. सत् स्वाम्र. इति, वें. अनन्वायुक इति कृत्वा पादपूरणे भवेदिति, GW. तमः आ>तमसा ⌊ तु. ऋ २,२३,१८; १०,११३, ६⌋ इतीव कृत्वा श्राव्यमिति वदंश्चिन्त्यः, तमस एव ननु तत्परिभूतस्य सतः रजसोऽपोर्णूयमानस्य श्रुतिप्रसिद्धेरिति दिक् | तु. ORN. अनु ऋ ७, ७५,१: १०,८८,१२⌋)। द्वितीयायाः श्रुतेः कृते तु. सस्थ. टि. आ √तन्>ϕआ-तन्वत्->-त्वन्तः।

[d]) अनस(:) इति पं. युक्तो मर्यादायां कप्र.(तु. GW. MR.; वैतु. वें. आ···निषेदुः इति, सा. अर्वागर्थे स्वाम्र. इति च)।

[e]) स्योनात् इति पं. युक्तोऽभिविधौ कप्र. (तु. GG. MR.; वैतु. वें. ⌊पक्षे⌋, सा. हेतौ पं. ब्रुवाणौ यनि. प्रच्योतयन्तौ च वा. वृथाऽन्यथाकुर्वाणौ)।

[f]) वरिमन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. ORN.: वैतु. वें. सा. GRV. चार्थे स्वाम्र. इति)।

[g]) दूरे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. चार्थे स्वाम्र. इति)।

[h]) मानुषेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[i]) रथे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. वि-चेतसः (प१) इति प्र३ इति कृत्वा तदन्वितः क्रिउ. इति)।

[j]) क्षयेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. आ···दीदिहि इति)।

[k]) आभिमुख्ये स्वाम्र. (वैतु. सा. GW. आप्रव इति द्विस्वरो योगः)।

[l]) सहसः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GG.; वैतु. सा. GW. उद्···आ ऽअजनिष्ट इति योगः)।

[m]) दुर्गे(चन) इति सप्त. युक्तः कप्र. (=यस्मिन् कस्मिंश्चिद् दुर्गे एव ⌊ वैतु. सा. आ···ध्रियते इति, GG. स्वाम्र. इति⌋)।

[n]) उपमार्थे स्वाम्र. वा, सुभू- इति आकाश-पर्यायः (?) इति कृत्वा सुभ्वः इति पं.(?) युक्तः कप्र. वा ? (वैतु. सा. आभिमुख्ये स्वाम्र. इति, GW. आऽअवयन्ति इत्येवमुत्तरत्र ग. च ?)।

[o]) पर्वतात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. क्रिप. वृथावर्तुकः, भा.⌊नै १,८,२२,१⌋ अप्यर्थे स्वाम्र. इति)।

[p]) यथाक्रमं द्रुमे, सदने इति सप्त. युक्तः कप्र. (१मे श्रवणे वैतु. सा. GW. आ···सादयध्वम् इति योगः, द्वितीये श्रवणे तु. GW.: वैतु. भा. सा. (तैब्रा २,५,५,४) आदीदिवांसम् इतीव युञ्जानौ स्वरतश्चिन्त्यौ)।

[q]) अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. अवधारणे स्वाम्र. इति, पक्षान्तरे आ···सं···दधिरे इति च)।

[r]) पितृभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW. GRV.: वैतु. सा. ⌊पक्षान्तरे⌋ स्वाम्र. इति)।

[s]) *अभ्रात् (*अभ्राद् आ>नैप्र. अभ्रा आ>अभ्र् आ) इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. पपा. या ५,५ प्रभृ. अभ्रे इति, तदनु सा. PW.GW. प्रभृ. च सप्त. युक्तः कप्र. इति)।

[t]) अप्यर्थे स्वाम्र. (तु. सा.: वैतु. GW. अवधारण इति)।

[u]) मायिनि इति सप्त. युक्तः कप्र.। यद्वा चार्थे स्वाम्र. (तु. ?ORN. Gri.; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[v]) यामन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. चार्थे स्वाम्र. इति)।

[w]) चार्थे स्वाम्र. (तु. सा.)।

[x]) व्याप्तौ वा समुच्चये वा स्वाम्र.।

[y]) अस्मत् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.; वैतु. सा. आ...एति इति)।

[z]) रथेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. स्क. क्रिउ. आ ⌊रुढाः⌋ इति, सा. चार्थे स्वाम्र. इति च)।

[a1]) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. आदरार्थो वाऽनर्थको वा नि. इति)।

[b1]) मर्त्येषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. पादपूरणः, पक्षान्तरे च व्याप्तौ स्वाम्र. इति)।

७६, ४[a]; ८७, ३[b]: ६, १, ६[c];
१२[d]. १२, [४: ७, १:
२][e]; १३, २[f]; १५, ३[g]; १६,

४१[h]; २०, ८[i]; २२, ११[j];
३१, २[k]: ३८, २[l]; ४०, १[m];
४६, [७; ८, ६, २४][n]; ८[o];

४८, [६२[p]; (७, ९, २)]; १५[q];
५१, २[r]: १५[s]; ५८, ४[t]
५९, २?[u]; ५[v]; ६३, ११[w];

a) **पर्वतात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ५,४३,११)।

b) **सधस्थे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. चार्थे स्वाभ्र. इति)।

c) **द्रुमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. उत्तरेण क्रिप. युक्तः ग. इति)।

d) यथाक्रमम् **ऋते** (तु. GW.), **आसन्** इति सप्त. युक्तौ कप्र.। 'ऋतार्थं (तु. सपा. तै १,४,१३,१ बौश्रौ २६,३१:६ [ऋत आ>] **ऋताय** इति पाभे.) जातमग्निं देवा आसन्यन्तः (=मुखे) पात्रं (=तद्वद् धारकम्) जनयन्त' इति वा. (तु. सपा. कौ १,६९: २,४६० जै १,७,५:३,२८,४ तां ४, ६, २२ नः इति पाभे.: वैतु. सा. पूर्वार्धे तात्पर्यतः **आ**··· **जातम्** इति [तु. उ.म. (मा ७, २४: ३३,८) स्पष्टं तथैव प्रतिपन्नौ], उत्तरार्धे च भा. सा. [तै.] **आ**···**जनयन्त** इति, उ.म. **आ-पात्रम्** इतीत्र च योजुकौ)। द्वितीयस्य पादस्य ×**ऋताया (य आ-) जातम्**× इत्याकारो मौलिकः पाठस्तु संभाव्येत। एवं स्थिते तत्र **आ** इति ग. स्यान्न कप्र. इति स्पष्टम्। एवमेव चतुर्थस्य पादस्य **आसन्ना(न आ-)पात्रं** ×× इत्याकारो मौलिकः पाठ इति भूयो विमृश्यं द्र.।

e) **द्रुमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. [द्वितीये स्थले], GW.: वैतु. सा. [प्रथमे स्थले] **आ**···**स्तवे** इति)।

f) तु. टि. **?इषे**।

g) **सत्येषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. **आ**···**यच्छ** इति)।

h) वाक्यार्थावधारणे स्वाभ्र.। यद्वा **योनौ** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. टि. **नि√षद्>नि-षत्त-, नि-षद्य** याभ्यां पुरस्तादसकृत् [तु. ऋ ३,६,४ प्रभृ.] श्रूयमाणमप्येतद् अव्य. उपसर्गतां नैव भजेत: वैतु. सा. प्रभृ. **आ**···**निषीदतु** इति)।

i) समुच्चयार्थे स्वाभ्र. (तु. सा.: वैतु. GW. **आ**···**उप** ···**सृज** इति)।

j) अवधारणार्थे स्वाभ्र. (तु. सा.)।

k) **अज्मन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.: वैतु. सा. ϕ**आ**[आ-अ]**ज्मन** इतीवाऽऽकल्पुकः)।

l) **दूरात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. **आ-वसतः** [=आगच्छतः] इति योगः)। अत्र सस्थ. **√वस्** **>वसतः** इत्यत्र टि. अपि द्र.।

m) **गणे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.; वैतु. सा. PW. **आनिषद्य** इति)।

n) **कृष्टिषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. चार्थे स्वाभ्र. इति)।

o) (तृन्तु-दुत्यु-पृक-वर्गीये) **जने** इति सप्त. युक्तः कप्र.। शिष्टं n टि. द्र.।

p) यथाक्रमम् **ऊर्म्यासु, श्यावासु** इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. GW. [प्रथमे श्रवणे]; वैतु. स्क. **आ**···**ददृशे** इति च पक्षान्तरे प्रथमे पादपूरण इति च, सा. प्रथमे श्रवणे स्वाभ्र. सत् क्रिवि. द्वितीये क्रिउ. इति च)।

q) **चर्षणिभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. टि. ऋ १,८४,२०: वैतु. सा. चार्थे स्वाभ्र. इति)।

r) **सनुतर्(:)** इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. अन्यथे स्वाभ्र. इति, सा. पादपूरण इति, GW. स्वाभ्र. इति च)।

s) **अध्वन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. स्क. सा. समुच्चये स्वाभ्र. इति)।

t) चार्थे स्वाभ्र. (तु. स्क. सा. प्रभृ.)।

u) अवधारणे स्वाभ्र. (वैतु. सा. चार्थे स्वाभ्र. इति, PW. प्रभृ. च स्वाभ्र. सतः **पनिष्ठ-** इत्यनेनाऽन्यस्यान्वय इति व्याहतवादा इव)। यत्तु **पनिष्ठ-** इत्यस्योत्तरार्धेऽन्वयं सा. आह, तदपि न। **महिमा** इत्यनेनैवाऽस्याऽन्वयस्य युक्ततरत्वात् (तु. ऋ ७,५४,२:८,१०१,११;१०,७५,६ यत्र सर्वत्र स्तुत्यर्थस्य **√पनेर् महिमन्-** इत्येतद्विषये श्रुतिर्भवति)। छन्दस्तो विकलस्त्वत्र पाठः द्र.। **इन्द्राग्नी पनिष्ठ आ** (?× **पनिष्ठो अह**) इत्येवं पाठ-शोधश्च द्र. (तु. १, ४१, ६ यत्राप्येवम् **अह** इत्येष मौलिकः पाठः नैप्र. **आ** इत्येतत्तया विपरिणत इव भवति भूयानप्येतद्विषयको विमर्शः PURB. ९ (१) इत्यत्रास्माकं *The Tṛca* (ऋ १,४१,७–९) *Reinterpreted* इत्यत्र लेखे द्र.। प्रथमस्य पादस्यापि पाठः ! (तु. **युष्मद्- >वाम्** इत्यत्र सस्थ. टि. [तत्कृत इति **शोध-प्रस्तावः**])।

v) **रथे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. स्क. **युवाम्** समुच्चये स्वाभ्र. इति, सा. **आ**···**ईयते** इति)।

w) **सुम्ने** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW?: वैतु. स्क. वे. आभिमुख्यार्थीयम् इति, सा. प्रभृ. स्वाभ्र. सत् क्रिवि. इति च)।

७, १, २०[a]; ६, ७३[b]· ७, २[c]; १०, २[d]; १२, २[e]; १६, ८[f]; २०, २[g]; २१, २[h]; ३२, ४[i]; ३९, ५३[j]; ४२, ४[k]; ४३, ३[l]; ५६, १३[m]; ६७, ५[n]; ९५, २[o]; ५[p]; ९९, ⌊७; १००, ७⌋[q]; ८, ९, १६[r]; ११, १[s]; १७, १३[t]; १८, ११[u]; १९, २७[v];

[a]) **रातौ** इति सप्त. युक्तः कप्र.(तु. वें. अनन्वायुक इव;वैतु. सा. आ···**स्याम** इति योगः, GW. अवधारणे स्वाश्र. इति)

[b]) द्विर् अवरात्, परस्मात् ⌊समुद्रात्⌋ इत्याभ्यां मकृच्च **दिवस्पृथिव्याः** इत्यनया पं. युक्ताः कप्र. (वैतु. सा. सर्वत्राऽविशेषेण आ···ददे इत्येवं योजुकः ⌊तु. वें. द्विर् ग. इति⌋)।

[c]) (**पृथिव्याः**) सानु (=पृथिव्याः पर्यन्तान् यावत्) इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सस्थ. टि. √नद्>नदि>नदयत्-, शुष्म-, सानु-)।

[d]) **देवे** (वैतु. पपा. देवः) इति सप्त. युक्तः कप्र.। 'जन्मानि विद्वान् (सन्) अग्निः देवे (=देवसङ्घे तद्विषये) वि (स्वाश्र. =विवेकपूर्वम्) दूतः (भवतु इति शेषः)' इति वा. द्र.। भूयोऽपि वि इत्यत्र टि. यद्र. (वैतु. वें. सा. वि···आ...द्रवत् ⌊क्रिप?⌋ इति, GW. आ-वि-विद्वान् इत्युत्तन्त्रो योगश्च)।

[e]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. मा. अनन्वायुकाविव, GW.)।

[f]) **दुरोणे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा आ···**निषीदति** इति)।

[g]) चार्थे स्वाश्र. (तु. सा.; वैतु. वें?, PW. **मुहुर्** इत्येतेन योजुक इति, GW. आ···**भूत्** इति)।

[h]) **गृभात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. मा. चार्थे स्वाश्र. इति)।

[i]) **ओकः** इति द्वि. युक्तः कप्र.। 'मदाय पीतये···ओक आ तान् (सोमान्) आ···याहि' इति वा. (तु. वें. मा. PW. GW. GR.)।

[j]) पूर्वार्धे **दिवः**, **पृथिव्याः** इत्येताभ्यां पं. युक्तौ कप्र., उत्तरार्धादौ च समुच्चये स्वाश्र.। 'आ दिव आ पृथिव्याः (=यत्रापि ते स्युस्तत्रैव) मित्रवरुणेन्द्राग्नीन आ (=तथा) एषां (=देवानां मनसा परामृश्यमानानामेव मध्ये ⌊वैतु. मा. यजमानानाम् ?⌋ अर्यमादीन (प्रतीमाः) गिरो वह' इति वा. (वैतु. वें. समुच्चयार्थीयास्त्रयोऽपीति, मा. आ··· **वह** इति)।

[k]) **दमे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. GG.; वैतु. सा. चार्थे स्वाश्र. इति)।

[l]) **सानौ** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. मा.GW. आ··· **सदन्तु** इति)।

[m]) **अंसेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. GG. [ग]. अभावः; वैतु. सा. क्रिउ. इति, भा. मा. ⌊तैब्रा २,८,५,५⌋ 'सर्वतः' इत्यर्थे स्वाश्र. इति च) ।

[n]) **वाजे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. समुच्चयार्थे स्वाश्र. इति)।

[o]) **समुद्रात्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. प्रभृ.)।

[p]) **युष्मत्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. ORN.: वैतु. सा. क्रिउ. इति कृत्वा भूर्याक्षेपः)।

[q]) क्रिवि. सत् स्वाश्र.। 'हे विष्णो ते आसे (=मुखाय) आ आभिमुख्येन वषट् कृणोमि' इति वा. (तु. वें.मा., सस्थ. टि. आस्->?आसः इति च;वैतु.भा. ⌊तै२,२,१२,४⌋मर्यादायां स्वाश्र. इति, GW. प्रभृ. **आसः** इति पं. युक्तः कप्र. इति च)।

[r]) स्वाश्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, ORN.: वैतु. सा. **मतिम्** इति युक्तः कप्र. इति)।

[s]) प्रथमस्तु **देवे** इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु.म.(मा ४,१६), Barth. KZ २९,५८३; BB १७, ३४७ (देवे=देवेषु इति म., ?W. R. L. ⌊शौ १९, ५६, १⌋); वैतु. (सर्वे) पपा., भा.(तै १, १,१४,४=देवेषु इत्येवम् अर्थतः प्रतिपन्नोऽपि), मा., उ., म. (पक्षान्तरे), GRV. ORN. प्रभृ. **देवः** इति प्र१ इति]। द्वितीयश्च **मर्त्येषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. भा. मा. म. समुच्चये स्वाश्र. इति)। 'अग्निः देवे (=देव-लोके, देवानां मध्ये) व्रतपा भवति (ततोऽसौ) मर्त्येषु (=मर्त्य-लोके) यज्ञेष्वीड्यो भवतीति' स्वरसः वा. (तु. ऋ ६,८,२; १०,६१,७ यत्र यथाक्रमम् अग्नेः परमे व्योम्नि ⌊=देव-लोके⌋ व्रत-पः सतो व्रतरक्षकत्वं च व्रतपात्वेन देवकर्तृकं जननं च श्रावितं भवति)।

[t]) **अस्मिन** इत्यन्वादिष्टया सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. प्रभृ. आ···नि···दधे ⌊वैतु. वें. ग. अमन्वान इव⌋ इति, GW. स्वाश्र. इतीव)।

[u]) **अस्मत्** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. चार्थे स्वाश्र. इति)।

[v]) **दुरोणे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. **देवान्** इति द्वि. युक्तः कप्र. इति, पक्षे आ···एतु इति योगश्च ⌊वैतु. वें. उभयथा भिन्नः⌋)।

२०, ५[a]; १८[b]; २२, १८[c]; २३, १०[d]; १२[e]; २७, ८[f]; ११[g]; २०[h]; ३३, १२[i]; ३४, १८[j]; ३९, ७[k]; ४०, १[l]; ४५, २०[m]; ४८, ४[n]; ६[o]; ५३, ३[p]; ६०, १७[q]; ६२, ११[r]; ६७, ११[s]; ७१, ११[t]; ७४, ७[u]; ७७, ५[v]; ६[w]; ७९, ४[x]; ८२, १[y]; ७[z]: ८३, ६[a1]; ८७, ⌊२:१०, ४०, १३⌋[b1]; ९३, २६[c1]; १००, ५[d1];

a) **अज्मन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १,११२,१७: ६,३१,२, वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. **आनानदति** इति)

b) **अतस**(:) इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. नः इति द्वि. युक्त इति ⌊तु. सस्थ. टि. **आ √वृत्** > °**वृत्(द्)ध्वम्**⌋)।

c) **आ-याने** इति सप्त. युक्तः कप्र.। 'अश्विनोरायानम् उपलक्ष्य वयं विश्वानि वामानि (=सामानि) धीमहि (गायेमहि)' इति वा. (वैतु. GW. **अस्मिन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, वें. सा. **आ**···**धीमहि** इति)।

d) **विक्षु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. व्याप्तौ स्वाअ्र. इति)।

e) **समत्सु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वे. सा. चार्थे स्वाअ्र. इति)।

f) क्रिवि. सत् स्वाअ्र. (वैतु. वें. सा. GW. प्रभृ. **आप्रयात** इति)।

g) स्वाअ्र. (वैतु. **उप**···**आऽअसक्षि** इत्यन्ये)। असंधिकरणेनुनासिकश्छन्दस्तोऽपेक्षितः स्यात् (तु. पपा., ऋप्रा २, ६१)।

h) **मध्ये** इति सप्त. युक्तः कप्र.। 'यद् दाशुषे (=दाश्वांसं प्रति गमनार्थ) छर्दिः (स्वकं) वियेम (=त्यजेम), तद् मध्ये आ व उपस्थेयाम' इति वा. (तु. GW.; वैतु. वे. सा. अन्यथैव ब्रुवाणौ)।

i) **नदीषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. स्वाअ्र. इति)।

j) **मध्ये** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इवः वैतु. सा. **आ**···**तिष्ठम्** इति)।

k) समुच्चये स्वाअ्र. (तु. वें. सा.)।

l) **समत्सु** इति सप्त. युक्तः कप्र.।

m) **सधस्थे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु GW.: वैतु. वे. सा. चार्थे स्वाअ्र. इति)।

n) **हृदः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. टि. ऋ ८, १००,५: वैतु. **हृदे** इति पपा. अनु ORN. MR. प्रभृ. च. युक्तः कप्र. इति, वें. सा. **आ**···**भव** इति)

o) **मदे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा. अनन्वायुकाविव, GW. प्रभृ. च)।

p) **जनेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. ⌊पूसं.⌋ **आ**···**सुम्विरे** इति)।

q) **शश्वतीषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. **आ** ⌊**हुवेम**⌋ क्रिउ. इति)।

r) **सनिभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें सा. प्रभृ.)।

s) चार्थे स्वाअ्र. (वैतु. वें. सा. **आ**···**पृषि** इति, GW. सप्त. युक्तः कप्र. इति च)।

t) **मर्त्येषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. चार्थे स्वाअ्र. इति)।

u) **अस्मत्** इत्य अभिविधौ सत्या पं. युक्तः कप्र.। 'मतिरस्मत्तस्तुभ्यं द्रुताऽभूद्' इति वा. (तु. GG.; वैतु. सा. सप्त. अर्थे पं. इति कृत्वा **√धा** गतौ ⌊तु. **√द्रा**, **√द्रु**, **√धाव्**⌋ इत्यस्मादसंस्कुर्वन्निव व्याचक्षाणः)।

v) **रजःसु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. **अभि**··· **आ**···**अतृणत्** इति च)।

w) **गिरिभ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. PW. प्रभृ.: वैतु. स्क. दु. ⌊या ६, ३४⌋ **आधारयत्** इति, सा. **निर्**··· **आ**···**विध्यत्** इति च)।

x) **दिवः**, **पृथिव्याः** इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. चार्थे स्वाअ्र. इति)।

y) **परावतः**, **अर्वावतः** इति पं. युक्तः कप्र. ⌊तु.⌋ टि. ऋ १, ६२,३; वैतु. सा. PW. स्वाअ्र. इति, GW. GG. **आप्रद्रव** इति च)।

z) **चमसेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG.: वैतु. वें. चार्थे स्वाअ्र. इति, सा. व्याप्तौ स्वाअ्र. इति, भ. ⌊कौ १, १६२⌋ क्रिउ. इति, विव. पादपूरण इति च)।

a1) **अध्वन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा. ग. अमन्यमानौ, GW. च)।

b1) **दुरोणे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

c1) क्रिवि. सत स्वाअ्र. (तु. वें. सा.)।

d1) **हृदः** इति पं. युक्तः कप्र.। अभ्यन्तरतमं हृत-कूपं यावद् इति भावः (तु. ऋ १, २४, १२ ⌊१०, ५, १ पाभे.⌋; ८,४८,४; वैतु. **हृदे** इति पपा. अनु GG. ORN. च. युक्तः कप्र. इति)।

१०२,११[a]: १०३,१०[b]:९, १, ७[c]:⌊१०:१०६, ३⌋[d]; ६,⌊३:५२, १: ६३, १६: ६४, १२⌋[e]: ८, ६[f]: १२, ५[g]: १८, ७[h]: २७, ६[i]: ३८, ⌊४; (५७, ३; ८६, ३५)⌋[j]; ३६,⌊३;४४,३;६१,८⌋[k]: ८[l]:४३, ५[m]:५४, २[n];६१, १[o]: ⌊११; १०, १११, १⌋[p]: ६२, ८[q]:२१[r]:६३,⌊२: ११,८⌋[s]: ६४, ११[t]: ६५, ७[u]:६६, ६[w]: ७१, ५[x]: ७२, ५[y]: ७३, ७[z]; ९[a1]: ७४, ५[b1]: ७५, ३[c1]:

[a]) **दुमेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. **आ दीदाय** इति)।

[b]) तु. टि. ?**आसाव्**।

[c]) **समर्थे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. **आगृभ्णन्ति** इति)।

[d]) **मदेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. प्रथमे श्रवणे **आ···जिघ्रते** इति, द्वितीये च आनन्तर्येऽर्थे स्वाम्र. इति)।

[e]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW., द्वितीये स्थले ORN. अपि; वैतु. सा. प्रथमे स्थले स्वाम्र. इति, द्वितीये च **आ···अर्ष** इति)।

[f]) **कलशेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा. अनन्वायुकाविव, GW.: वैतु. सा. ⌊कौ **२**, ५३३⌋ ϕ**आ-पुनान्**- इति)

[g]) **कलशेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु GW.. वैतु. वें. सा. **आ** ⌊आस्ते⌋ क्रिउ. इति)।

[h]) **कलशेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. **आ··· अचिक्रदत्** इति)।

[i]) **इन्द्रम्** इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. सा. समुच्चयार्थे स्वाम्र. इति)।

[j]) नञर्थ इवार्थे वा स्वाम्र. सत क्रिवि. इति कृत्वा **सीदनि** इत्यनेन युक्तं स्यात। तथा च्यौपम्यांशस्य समुपयोग इत्यभिसंधिः (वैतु. वें. क्रिवि. सत् स्वाम्र. इति, सा. **आ···सीदति** इति योगः, GW. सप्त. युक्तः कप्र. इति च)।

[k]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. प्रथमे तृतीये च स्थले अनर्थकः नि. इति, द्वितीये स्थले **आ···गृति** ⌊=समन्तात् ? ऽति⌋ इति च)।

[l]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति, विव. ⌊कौ **२**,२५०⌋ **आ···व्य** ⌊वि-अ⌋ **क्षरन्** इति च)।

[m]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW. प्रभृ.)।

[n]) चार्थे स्वाम्र.। 'सरांसि धावन्ति सप्त प्रवतो दिवं च' इति सा. (वैतु. सा. क्रिउ. इति, PW. प्रभृ. द्वि. युक्तः कप्र. इति)।

[o]) **मदेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. चार्थे स्वाम्र. इतीव ?)।

[p]) **अर्यः**(<?अरि-) इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GG. ORN.: वैतु. सा. ϕ**आ** ⌊आ-१अ⌋**रि**>**आर्यः** ⌊प्र३⌋ इतीव योजुकः सन् स्वरतश्चिन्त्यः, उ. म. ⌊सपा. मा **२८**.१८⌋, विव. ⌊सपा. कौ **२**, २४⌋ क्रिउ. इति भाष्यमाणाः १**अर्य**-> **अर्यः** ⌊प्र१⌋ इति मन्वानाश्च चिन्त्याः ⌊तु. पृ ४०९*b*⌋)।

[q]) **वनेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, PW. GW.: वैतु. सा. **आ···सीदन्** इति)।

[r]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. GW ! **आ···सृजत** इति)।

[s]) **चमूषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. PW. **आनिषीदसि** इति)।

[t]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. सा. **आ···सीदन्** इति)।

[u]) **तनूषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. स्वाम्र. इति ?)।

[v]) **इन्द्रम्** इति द्वि. युक्तः (अभ्यर्थे) कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

[w]) **नदीषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. **आ···मर्जयन्त** इति)।

[x]) **उपस्थे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. सा. क्रिवि. सत स्वाम्र. इति)।

[y]) **चम्वोः** इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. GW. **आसदत्** इति ⌊ तु. टि. **ऋ** ९,६५,३७⌋)।

[z]) **पवित्रे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, PW. प्रभृ.: वैतु. सा. **आ···पुनन्ति** इति)।

[a1]) वैतु. सा. क्रिउ. सतः द्वितीये पादे संबन्धमिच्छुः। शिष्टं ऽ टि. सन्न्यायं द्र.।

[b1]) **उपस्थे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. **आ···दधाति** इति)।

[c1]) **कोशे** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. वें. **आ**⌊पवते⌋ क्रिउ. इति)।

७६, १[a]: ८४, ३[b]; ४[c]: ८५, १०२[d]: ८६, २२[e]; २३[f]: ८७[g]; ८८, ३[h]: ५[i]: ८९, १[j]: ९८, ४[k]: ९६, ३[l]: ९७, ३७[m]: ९९, ८[n]: १०४-५, ६[o]: १०७, १[p]: १३[q]: ११०, ४[r]: ८[s]: १११, २[t]: १०, ३, ७[u]; ७, ४[v]: ११, ६[w]: १४, ५[x]; १५, २[y]: १६, ११[z]: २०, ८[a1]: २२, २[b1]: ३[c1]: २५,

a) नदीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. विव. ?, GW.: वेतु. सा.स. [कौ १,५५८] किउ. इति)।

b) ओषधीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा. आ···सृज्यते इति)।

c) कलशेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेतु. वे. सा. GW. आ···सीदति इति)।

d) यथाक्रमं समुद्रे, पवित्रे इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. GW.), यद्वा चार्थे स्वाश्र. (वेतु. वे. सा. किउ. इति)।

e) चार्थे स्वाश्र. (तु. सा.: वेतु. GW. पवित्रे इति सप्त. युक्तः कप्र. इति)।

f) पवित्रे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा चार्थे स्वाश्र. इति)।

g) कलशेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेतु. वे. अभिमुख्यार्थे स्वाश्र. इति, सा. GW. आ···सीदसि इति च)।

h) हवे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेतु. वे. चार्थे स्वाश्र. इति, सा. स्वाश्र. इति कृत्वा शंभविष्ठ- इत्येनद्युक्तमिति)।

i) सपा. ऋ ९, ६६, १ [विशिष्टः पाभे. द्र.। वने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वे. अनन्वायुक्त इव. GW.: वेतु. सा. आ सृज्यमानः इति ?रत्रयांचन्त्यः)।

j) वने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. GRV. : वेतु. वे. आ [असदन] इति, सा. आ [न्यसदन] इति [तु. मुं.: वेतु. पृभं. M. यत्र भाष्यं स्खलितम्])।

k) चार्थे स्वाश्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा. आ निरियाय इति, ORN. श्रिये इति च. योगं समर्थुक इव)।

l) उरोः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा. आ [गच्छन] किउ. इति)।

m) चमूषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ९,६२,८.६४, ११ प्रभृ., वे. अनन्वायुक्त इव: वेतु. सा. GW. आ··· असदन् इति)।

n) पवित्रे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. सा. आ···यतः इति)। द्वितीयस्य श्रवणस्य कृते तु. टि. ऋ ९, ६३, २।

o) अस्मत् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा. चार्थे स्वाश्र. इति)।

p) यनि. ? एवं स्थिते वा. अपि ? अतः यः (सोमः) दधन्वान् (सन्) नर्यः (भवति [तु. ऋ ९, ६७, २] यश्च) अप्सु अन्तर् आः (स्वरशोधपूर्वकम् [<√अस् भुवि>लङि प्रपु१]) इत्येवं पाठगतौ द्विनिङ्ग वा. द्र. (वेतु. पपा. प्रभृ. यनि. इति कृत्वा चार्थे स्वाश्र. [तु. वे. सा.] इति वा, अन्तर् इत्यनेन साकम् अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. GW.] इति वा, त्रिविधं वा. प्रत्यात्मावमायामुक्ताः)।

q) नदीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. सा. आ...हिन्वन्ति इति [वेतु. वे. ग. अभावः])।

r) मर्त्येषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वे. अनन्वायुक्त इव, PW.: वेतु. सा. तेनैव संबन्धे सति स्वाश्र. इति)।

s) गाहात इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वे. अनन्वायुक्त इव, GW.: वेतु. सा. स्वाश्र. इति)।

t) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वेतु. वे. सा. चार्थे स्वाश्र. इति)।

u) दिवस्पृथिव्योः इति सप्त. युक्तः कप्र. (वेतु. वे. सा. GW. आ···सस्मि इति)।

v) दमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वे. अनन्वायुक्त इव, GW.: वेतु. सा. तथैव युक्तः सन् मर्यादायामिति ?)।

w) उपमार्थे स्वाश्र. (तु. या ६,१६ प्रभृ.)।

x) बर्हिषि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वे. अनन्वायुक्त इव, GW.: वेतु. सा. आनिषद्य इति)।

y) रजसि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. WI.: वेतु. भा. सा. [ते २, ३, १२, ४], उ. म. [मा १९, ६८], PW. ϕआनि-षत्त- इति)। यद्वा चार्थे स्वाश्र. स्यात् (वेतु. वे. चार्थे स्वाश्र. इति)।

z) समुच्चये स्वाश्र. (तु. या १,४ प्रभृ.)।

a1) यथाक्रमम् अस्मत् इति पं. युक्तः, वामे इति सप्त. युक्तश्च कप्र. (तु. GW.: वेतु. सा. प्रथमे श्रवणे पादपूरण इति, द्वितीये च आस्थुः इति [वेतु. ऋ १०,२७,४ यत्र आ सन्तम् इति पृथगेव पदद्वयं श्रूयते])।

b1) जनेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वे. सा. अनन्वायुक्ताविव. GW.)।

c1) स्वाश्र. मर्यादायामिति सा., अवधारणे इति GW.।

११[a]; २७, ४[b]: २८, २[c].
२९, ३१. ६[e]; ४०,
२[f]: १३[g]: ४३, ४४,

५[i]; ४६, ३[j]: ४९, १०[k]; ५५,
६?[l]; ८[m]: ५६, ४[n]: ६१, १[o]:
८?[p]: ६४, ८[q]: ११[r]: ६८,

५[s]: ७०, ६[t]; ७२, ७[u]; ७३,
९[v]; ८०, ६[w]: ८९, १२[x];
९१, ८[y]; १२[z]; ९२, ८?[a1];

[a]) आ√वृ>आ-वर् (>:) इत्यत्र क्विप्. नैप्र. तिङ्शलोपः द्र. (तु. टि. ऋ १,४,४)। 'हे सोम ! अयं (त्वं) सप्तभ्यः (ऋत्विग्भ्यः) वरम् आवः' इति वा. विशेषः।

[b]) क्षेमे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. आसन्तम् इति योगः)।

[c]) वरिमन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. आ··· तस्थौ इति)।

[d]) c टि. सन्न्यायता द्र. (वैतु. सा., स्वाप्र. इति)।

[e]) योनौ इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. चार्थीय इति, सा. क्रिउ. इति)।

[f]) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. ⌊३,१५⌋ प्रभृ. आ··· कृणुते इति, वें. चार्थीय इति)।

[g]) दुरोणे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सपा. शौ १४,२,६ यत्रैतदभावः, GW.: वैतु. वें. सा. आधत्तम् इति)।

[h]) रजःसु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. आ··· अकृणोत इति)।

[i]) तु. टि. ऋ १,१२,४।

[j]) चार्थे वा इवार्थे वा स्वाप्र. (वैतु. सा. व्याप्त्यर्थ इति, वें. अनन्वायुक इव, ORN. हर्म्येषु इति सप्त. युक्तः कप्र. इति च)।

[k]) वक्षणासु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.; वैतु. सा. मघोः इति पं. युक्तः कप्र. इति)।

[l]) स्वरूपं ? सनात् इत्यनेन पञ्चमीप्रतिरूपकेण सता युक्तः कप्र.। अथवा √अस्(भुवि)>आः (लङि प्रपु१) इत्येवं क्विप. (तु. ORN. इतीव संकेतुकः; वैतु. वें. सा. पपा. अनु यानि. इति कृत्वा आ ⌊गच्छति⌋ इति क्रिउ.)।

[m]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. GG.: वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति कृत्वा विपरीतार्थमिवाऽन्तर्वाक्यं कुर्वाणौ, तथा सति निर्धमनाऽपादानस्य दुर्लभत्वप्रसङ्गादिति दिक्)।

[n]) तनूषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. अनन्वायुक इव; वैतु. वें. GW. आ··· निविविशुः इति)।

[o]) अहन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW. ORN.: वैतु. सा. आ··· पर्षत् इति)।

[p]) अयं च नि. नैप्र. <अह इति विमृश्यम् ? सस्थ. स्मद् इति अव्य. अर्थस्याऽवधारकत्वेन वा. अस्य संबन्धः (एतां दृष्टिमनु पृ २७८ m यथापेक्षं शोधः स्यात्)।

[q]) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. आ··· हवामहे इति ?)।

[r]) जनेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. चार्थे, सा. आनन्तर्ये च स्वाप्र. इति)।

[s]) अथ इत्यस्य वा अह इत्यस्य वाऽर्थे स्वाप्र. (वैतु. वें. सा. आ ⌊किरति⌋ क्रिउ. इति)।

[t]) उपस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. GW. आ··· सीदन्तु इति)।

[u]) समुद्रे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. आ गूळ्हम् इति स्वयंदोषमदर्शकः)।

[v]) अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. भ. ⌊कौ १,३३१⌋ पादपूरण इति, सा. विव. PW. आनिषत्तम् इति, सा· ⌊कौ⌋ व्याप्त्यर्थे स्वाप्र. इति च)।

[w]) घृते इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GG: वैतु. सा. आनिषत्ता इति ⌊वैतु. GW. ग. अभावः⌋)।

[x]) दिवः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW.)। अत्र अश्मा = अश्मना (तु. पृ ४८१r: वैतु. सा. प्रभृ. प्र१ इति)।

[y]) समुच्चये स्वाप्र. (तु. सपा. काठ ३९,१३ कौ २,३३४ तैब्रा ३,११,६,३ आपश्रौ १६,३५,५ ⌊यत्रोपसर्गाद् ऋतेऽपि निर्वाहः⌋; वैतु. वें. सा. आ··· वृणते इति ⌊वैतु. GW. ग. अभावः⌋)। वस्तुतः पाठः शोध्य-सापेक्षः (तु. सस्थ. टि· तद्->तम्)।

[z]) अस्मत् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव, GW.: वैतु. सा. आ··· समगमत इति)।

[a1]) स्वरूपं ? सर्व-पर्यायस्य सतः (√*अर् ⌊संबन्धे ⌊तु. पृ ३९७p⌋>) *अर्-⌊तु. नभा. अस्मिन्नेवार्थे हर्, हर⌋ इत्यस्य संना. नैप्र. (=इन्द्रादुकश्रित्> -°दुकश्रित्> °द्रा कु°) इति विपरिणामः स्यात्। एवं किल प्रथमे पादे यच्छ्रुतं भवति तद् दृष्टोपपत्तिकं स्यात्। सना. चैतत् साजात्यपरंपरया यद्- इत्यस्य नेदीय इव पातुकमितीह दिङ्मात्रं नो विस्तरः (वैतु. ORN. इन्द्रात् इति पं. युक्तः कप्र. इतीव, GW. चार्थे स्वाप्र. इतीव, GG. चित् इत्युपस्तम्भकं स्वाप्र. इति च)।

९३, ८[a]; ९६, ३?[b]; ११[c]; १००, १२[d]; १०५, १?[e]; ३?[f]; ४?[g]; ११०, ६[h]; १११, ७[i]; ११६, ४[j]; ११८, १[k]; १३४, १७५, ३[n]; १३७, २[2m]; खि २, १४, १[o];

[a]) स्वाम्र. (वैतु. वें. मा. φआ-जूजुवान->-नस्य इति ⌊वैतु. GW. प्रभृ. ग. अमन्वाना इति⌋)।

[b]) स्वाम्र.। हरि-इत्येतदीयाऽर्थोपस्तम्भनं वा समुच्चयार्थकं वा ? [वैतु. सा. आ (हन्त, क्रिउ. इति]।

[c]) रोदसी इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ३,६,८ यत्र अन्तर् इति कप्र. द्यावा इति द्वि. एवमेव युक्तो भवतिः वैतु. वें. मा. आ ⌊पर्यभि⌋ क्रिउ. इति. GW. आ-हर्यमाण- इति योगश्च)।

[d]) वा. ? उपमार्थे स्वाम्र. स्यात। 'आ(=यथा) गोः पश्वः (ष१) तथा (स्पृधाम्) अग्रं रज्या (=रज्ज्वा) दुवस्युः (=ऋषिः) परितुतूर्षति (=वशीकर्तुमिच्छति)' इति वा. द्र. (वैतु. GW. वार्थे स्वाम्र. इति, ORN. गोः इति पं. युक्तः कप्र. इति च ?)।

[e]) एवं पाठमिच्छन्तः पपा. प्रभृ. चिन्त्याः। वा. अनुरोधतश्छन्दस्तश्च पा.? तद् यथा— 'कदा वसो सुतं (*ते) वाताप्याय (=वर्धापनाय) स्याद्' इति मन्त्रस्य हृदयमिति कृत्वा कदा वसो स्तोत्रं) हर्यते *ते भैवा(त्>द्) अव श्मशा (रु) रुधद् वाः इत्येवं मूलतः पठ्यमाने सती द्वे वाक्ये नैप्र.…हर्यते (*ते>x*भवाद् अव>*अवा अव> *अआ अव> *आ अव>) आव श्मशा(रु>x) रुधद्वाः इत्येवं विपरिणते द्र.। एवं स्थिते…आव…=…आ अव… (वैतु. पपा. प्रभृ.=…आ अव…) इति मौलिके पाठे च पुनःस्थापिते सत्य् उष्णिक् च शुद्धाऽत्र छन्दः द्र. (वैतु. AVM. ३२३ 'विराट्-स्थानीया' इति ब्रुवंश्चिन्त्यः)। श्मशा रु <श्मशारु रु॰ इत्यत्र तु. ORN. GRV. वैतु. सा. ⌊पक्षे GRV. अपि⌋ श्मशा- ⌊=कुल्या⌋ इति पदं साध्विति। यस्था. दीर्घ-, वा-, वाताप्य-, ?श्मशा-, हिरीमशा- टि. द्र.।

[f]) स्वरूपं ? √अस् (भुवि)>लङि प्र१ आः (=आसीत्) इति तु संभाव्यते (वैतु. सा. अनर्थक इति)। एवं सति 'अप (=कप्र. यस्था. गतः) योः इन्द्रः शश्रमाणः बिभीवान् मर्तः न =इव (√भज्,ञ्ज्>⌊ यङ्लुकि भाप.⌋ *बाभज्- ⌊=भञ्जातिशय-⌋> -भजे नैप्र.>) पापजे आः' इति वा. भूयो विमृश्यमिव द्र.। आ मर्तः प्रभृ. माध्यमिकस् त्रैष्टुभः पाद इति कृत्वा तदादौ तिङ्-निघाताभावश्च उत्तमस्य पादस्योत्तरस्यामृचि संबन्धः।

[g]) स्वरूपं ? (कौ १, १६६ जै १, २१, ३ 'सदा व इन्द्रश्चर्कृषद् आ उपो नु स सपर्यन्। न देवो वृतः शूर इन्द्रः' इति पाभे. द्र. ⌊तु. f टि.⌋)। वा. ? पूर्वस्मिन् स्थल इवेहापि आ =आः(=आसीत्) स्यात् (तु. यस्था. टि. उपानस्- इति, योः ⌊पपा. आयोः ?⌋ इति च)। कौ. जै. अपि सन्न्यायतया द्र. (वैतु. पपा., विव. पादपूरण इति, सा. भ. ⌊कौ.⌋ आ…चर्कृषत् इति, ?Foy ⌊KZ ३४, २३९⌋ आ ⌊यातु⌋ क्रिउ. इति। पाभे. तु भूयसे विमर्शाय स्यात्।

[h]) योनौ इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. उ. पक्षे ⌊मा २९, ३१⌋ ,GW. WI. प्रभृ.: वैतु. या. ⌊८,११⌋स्क., भा. ⌊नैब्रा ३,६,३,३⌋, वें. सा. प्रभृ. आ…नि…सदताम् इति योगश् चिन्त्यः, आ √सद् इत्यस्य सकर्मकत्वाद् नि √सद् इत्यस्य चाऽकर्मत्वात्।

[i]) मर्यादावचनः कप्र. वा स्वाम्र. वा। 'यत् (=यदा) दिवो नक्षत्रं न ददृशे, (तदा) आ (=तदा-पर्यन्तं) नकिः पुनर्यतः केतुम् अद्धा नु वेद' इति वा. (वैतु. वें. φआ-यत्->यतः इति ⌊तु. ORN. आ यत्>आ-यत्-> -यत् इति शोध-पद्धयः सन् निघाताऽभावं यथाकथंचित् समाधित्सुः⌋. GW. MW. आ √दृश् > आ … ददृशे इति च)।

[j]) गवि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.: वैतु. वें. सा. आ ⌊यातु⌋ क्रिउ. इति)।

[k]) मर्त्येषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. वें. अनन्वायुक इव; वैतु. सा. क्रिवि. सन् स्वाम्र. इति, भा. सा. ⌊ तैब्रा २, ८,१,७⌋ समुच्चये स्वाम्र. इति च)।

[l]) समुच्चये स्वाम्र. [तु. सा.: वैतु. भ. विव. (कौ १,१७६ ⌊यत्र नकिरा>नैप्र. नक्या इति पाठः द्र.⌋), वें. GW. आयोपयामसि इति]।

[m]) समुच्चये स्वाम्र. (=सिन्धोश्च परावतश्च ⌊परावत्-इति पर्वत-पर्यायः स्यात⌋: वैतु. वें. सा. मर्यादार्थे पं. युक्तो कप्र. इति)।

[n]) उपरेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. पादपूरण इति ⌊वैतु. वें. ग. अभावः⌋)।

[o]) द्वि. युक्तः कप्र.। आ सूर्यम् इत्यस्य स्थाने सपा. शौ ४,५,७ ओत्सूर्यम् इति पाभे.।

४,५, १३[a]; १७[b]; ३८[b]: ५, ७, २, ११[c]; ४, १५[c]: मा ४. ९[d]; १०[d]: १६[२]†[e]: ५. १९[२f]. ७, २४[२]†[g]; १०, २७†[h]: ११, १०[i]: २९[j]: ५७[k]: १२. ४८†[l]; ५५†[m]: १३. २[j]; १४, ३१[n]: १५. ३०†[o]; ६०†[m]: १७. ६[p]: १८, ५३†[q]: ७२[r]: १९, २†[s]: २०[t]: ६५†[u]: ६८†[v]: २०, २†[h]: २१. ६१[c]: २६, ८[r]; १८†[w]; २३†[x]: २८, १३[y]: २०[z]: २९, १८†[a1]: ३१†[b1]; ३३. ८[२]†[g]: १५†[c1]: ७९†[d1]: ३४. १८†[e1]: का ४. ४, १[d]: ४[d]: ५, ८[२]†[e]: ५, ५, ७[२f]: ७, १०, १[२]†[g]: ११. ८, २†[h]: १२, १, १०[i]: ३, २[j]. ५. ८[k]: १३, ४, ४†[l]: ११†[m]: १४. १, २[j]: १५. १. ३[n]: १६. ५, ११†[o]: ७, ३†[m]: १८. १, ७[p]; २०. ३, ३†[q]; ५, ५[r]; २१. १. २†[s]: २, ९[t]: ४, १५†[u]: १७†[v]: ७, १†[h]; २३, ६, १४[c]: २८. ६, १[r]; ३०,२, २[j]:९[z]:३१,३, ७†[a1]: ४,७†[b1]; ३२, १. ८[२]†[g]: १५†[c1]: ६, १८†[d1]: ३३, १, १२†[e1]: तै १, १,१४,४[२]†[e],२, २, २[d]; ३[d]:३, ९[२]†[e]:३[f]: १३, २[f]:३[f]: ४,१३, १†[g1]: ४५. २[h1]: ५, १०, १[i1]:

a) समुच्चयार्थे स्वाअ. ।

b) मूलात् इति पं. युक्तः कप्र. ।

c) सं-गतेभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. ⌊तैब्रा २,६,१५,२: ३, ६,१५,१⌋ क्रिउ. आ [गत्य] इति, उ. ⌊मा २१, ६१⌋ आसंगतेभ्यः इति, म. आ…अवृणीत इति च) ।

d) उद्रुचः इति पं. युक्तः कप्र. ।

e) =ऋ ८, ११,१[२] ।

f) यथाक्रमं दक्षिणात्, सव्यात् इति पं. युक्तौ कप्र. [तु. मै १,२,९: भा. (तै १, २,१३,२: ७,१३,४). सा. (का ५, ५,७) अनन्वायुक इव; वैतु. सा.(तै.), उ म. आप्रयच्छ इति (एतदनु सपा. काठ २, १० शौ ७, २७, ८ आप्रयच्छ इति पाठे? आ प्रयच्छ इति द्वि-पदः शोधः ⌊तु. सस्थ. प्र √यँच्छ्>प्रयच्छ⌋), द्वितीये श्रवणे चार्थे स्वाअ. इति ᐟ] ।

g) =ऋ ६,७,१[२] । h) =ऋ १,२४,१० ।

i) सधस्थे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. ⌊का १२. १,१०⌋ स्वाअ. इति, उ. अनर्थकः नि. इति च) ।

j) पुष्करे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. मै ३, १, ५: काठ २०, ५; माश ६. ४,१, ८ यत्र सपा. आङोऽभावः; वैतु. सा. ⌊तै ४, १,३,१⌋, द.⌊मा.⌋ आ…प्रथस्व इति, उ. म. आ⌊मीड⌋ क्रिउ. इति, सा. ⌊का १२,३,२⌋ पक्षान्तरे म. च व्याप्त्यर्थे स्वाअ. इति च) ।

k) गर्भे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. ⌊का १२, ५,८⌋ अभिव्याप्त्यर्थे ⌊=कर्म-समाप्तेः⌋ कप्र. इति, उ. आ ⌊धारय⌋ क्रिउ., इति म. व्याप्त्यर्थे स्वाअ. इति च) ।

l) =ऋ ३,२२, २ ।

m) =ऋ १,१०५,५; ८,६६,३ ।

n) पाठः? सपा. मै २, ८, १ अनु यः इति मौलिकं पदं द्र. (वैतु. माश ८, २, १, ६ तैब्रा ३, ७, ७, ८ आपश्रौ १०, ३, ८ यनि. पाठः) । मूलतः पितेवैधि सूनवे यः सुशेवः इत्येवं सतः पादस्य ×वे यः सु× इत्यंशस्य नैप्र. ×वे यँम्सु×>×वे यॉं सु×>×वे आँ सु× >×व यॉं सु×>×व आ सु× इति वावि. इति भावः (वैतु. भा. ⌊तैब्रा.⌋,सा. ⌊का १५,१,३⌋, म. व्याप्त्यर्थे स्वाअ. इति, सा. ⌊तै ४,३,४,१: तैब्रा. च⌋, उ. आसुशेवा इति च) ।

o) =ऋ १०,१६१,१ ।

p) नदीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. उ. म.; वैतु. सा. ⌊का १८,१,७⌋ समुच्चयार्थीयं स्वाअ. इति) ।

q) =ऋ ३,६,४ ।

r) परावतः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. WI.; वैतु. उ. म. आप्रयातु इति) ।

s) =ऋ ९,१०७,१ । t) समुच्चये स्वाअ.

u) =ऋ १०,१६,११ । v) =ऋ १०,१५,२ ।

w) =ऋ ९,६१,११ । x) =ऋ ३,३५,३ ।

y) क्रिवि. सत स्वाअ. (तु. उ. म.) ।

z) समुच्चये स्वाअ. (वैतु. उ. म. आ ⌊अस्पृक्षत⌋ क्रिउ. इति) ।

a1) =ऋ १,१६३,७ । b1) =ऋ १०,११०,६ ।

c1) =ऋ १,४४,१३ । d1) =ऋ १,१६५,६ ।

e1) =ऋ ३,३०,१ । f1) =ऋ ३,४३,११ ।

g1) तु. टि. ऋ ६, ७,१ ।

h1) रिपुः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. सपा. मा ३, ४८ प्रभृ. यत्रैतं विनाऽपि निर्वाहः; वैतु. भा. सा. आ…पाहि इति) ।

i1) गे(आ-ए)तोस(:) इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

११,१[a];६,१२, २[b]; ७,१३,४[२][c]; ८,१६, १†[d]: २२, १†[e]: २,१, ५, ५[२]¶[f]; २, १२, ४†[g]: ३.१, ४[h];५[h];४,१४,२†[i]; ५,१, ५[२][j]; १२, १†[e]: ६, ४,३[k]: ११, ४†[l]: १२, ४†[m]: ५†[n]: ६†[o]: ३. १, ११, २†[e]: ३.७, ३[p]: ५,५,२[q]: ११, ३†[r]; ४†[s]; ४,१,१,४[t]; ३, १[u]; ५, ३[v]; २,४,४†[w]; ८,१[u]; १०,१[x]: ३, ४, १?[y]; १३,१†[z]; २†[z]: ८†[a1]; ४, ४,४†[l]; ६,१, २[२]‡[b1];७, ३†[c1]; ७,१३,२†[d1]; ५,४,६, ५[e1]; ८, ६[२][f1]: १०, ४[r]: ५. ६, ३†[w]; ६,१, २[g1]; २, ३[f]; ३, २[h1]; ६,१, ४, ६[२]†[i1]; ३,४, ६[j1]; ७[k1]; ४,२, ६[l1]; ५, ६[m1]; ९, ५[l1]; ५, ६, ५[l1]; ७, १, ६, ८¶[n1]; ४, १५, १†[o1]; मै १, २, २[p1]; ३[२]†[i1]; ९[२][c]; ३, १५[२]†[q1]; ३९[r1]; ५, १४[s1]; ६, २†[d]; १०,१९[m1]: २, २, १†[t1]:

a) =मा १८,७२ ।

b) यस्मिन् इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. मा. आ··· तिष्ठन्ति इति ⌊वैतु. भा. ग. अभावः⌋) ।

c) =मा ५.१९[२] ।   d) =ऋ १.२५.१० ।

e) =ऋ ५, ४३,११ ।

f) पुरुषात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

g) =ऋ ७,९९,७ ।

h) अमुष्मात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा. मा. K: वैतु. सा. प्रथमे स्थले आ ⌊नीय⌋ इति क्रिउ.) ।

i) =ऋ १, ६१,९ ।

j) वि-जनितोस्(:) इति युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

k) प्रति-प्स्वार्थे (=°याः इति कृत्वा मौल्पि. वै. यास इत्येतयोः स-याटकयोः प्र. अभेदः स्यात ⌊पाप्र. तु पं. अर्थे च. उप्स. पावा २, ३, ६२⌋) इति च. इवाऽऽभासमानया पं. युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

l) =ऋ १०, १६१,१ ।   m) =ऋ १०,१४,२ ।

n) =ऋ १०,१६,११ ।   o) =ऋ १०,१४,५ ।

p) सं-स्थातोस्(:) इति युक्तः कप्र. (तु. भा. प्रमृ.) ।

q) यथाक्रमं समुद्रात्, अन्तरिक्षात् इति पं. युक्तौ कप्र. (तु. भा. मा.) ।

r) =ऋ २,६.२ ।   s) =ऋ ६,१६,४१ ।

t) =मा ११,१० ।   u) =मा ११,२८ ।

v) =मा ११,५७ ।   w) =ऋ १,१०५,५;८,६९.३ ।

x) मेधे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. मा १३,४७ यत्रन्यं मेधाय ⌊च१⌋ इति प्रकृते मेध आ इति; वैतु. सा. मेध ⌊सं१⌋, आ-चीयमानः इति पदद्वयम्) ।

y) =मा १४,३ ।   z) =ऋ ४,११,१[२] ।

a1) =ऋ १, ८७, २ ।

b1) प्रथमस्य श्रवणस्य कृते तु. टि. मा १७,६ । अन्यत्र मूलतः पावकया यश्चि° इत्येवं सतः पाठस्य (तु. ऋ ६,१५, ५ मा १७,१० का १८, १,११ मै २, १०,१ काठ १७, ७ माश ९,१,२,३०) स्थाने नप्र. °कया यच्छि°> °कया यच्चि°>×याचि°> पावकया या×>पावक आ आ>पावक आ (वैतु. °के इति भ्रान्तः पपा.) इत्यस्य पाठस्य प्रवृत्तेः संभाव्यमानत्वात् आ =यः (तु. टि. मा १४. ३) इत्येवं सुवचं द्र. (वैतु. भा. प्रथमेन पादेनैव वाक्यं परिसमापुकः सन आ ⌊गच्छ⌋ इति क्रिउ. मन्यमानः) । उत्तरार्धस्य वा. कृते तु. टि. सपा. ऋ. आ √तृप्>øआ-ततृपाण- ।

c1) =ऋ १,१६३,७ ।

d1) =ऋ ३,६,८ ।

e1) पुच्छात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा. मा. K.) ।

f1) यथाक्रमं त्रयस्त्रिंशतः, अष्टा-चत्वारिंशतः इति पं. युक्तौ कप्र. ।

g1) तस्मात् इति पं. युक्तोऽभिविधौ कप्र. (वैतु. भा. आभिमुख्येऽर्थे स्वाप्र. इति, मा. समन्तादित्यर्थ इति च) ।

h1) मुखात् इति पं. युक्तः कप्र. ।

i1) =ऋ ८,११,१[२] ।

j1) रशनायाः इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

k1) चषालात् इति पं युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

l1) तृतीय-सवनात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

m1) तमितोस्(:) इति युक्तः कप्र. (तु. भा.) ।

n1) कर्णम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. काश ५,६, ५,६: माश ४,५,८,१० तु कर्णे इति सप्त. युक्तः कप्र. इति, शांश्रौ ४, ११ काश्री १३, ४, १८ पागृ १, १८,४ प्रमृ. आङोऽभावः, सा. चः वैतु. भा. क्रिउ. इति, PW. प्रमृ. आजपेत् इति च) ।

o1) =ऋ ८,६२,११ ।   p1) =मा ४,६ ।

q1) =ऋ ६,७,१[२] ।   r1) =तै १,४,४५,२ ।

s1) आ-गमात् इति पं. युक्तः कप्र. ।

t1) अव-गमस् (:) इति युक्तः कप्र. (तु. सप्र. तै २,३, १,४;५, सस्थ. टि. अव √गम् इति च) ।

११[a]; ५, ९[b]; ६, १२†[c]; ७, १[d]; ३[e]; १६†[c]; ८, १†[f]: १०, १[g]: ४[h]; ११, ६[२i]; १२, ३†[j]; १३, १[k]: ६†[l]; ७†[m]; ३, २, १[n]: ४[n]: ८†[f]: ४, २[२i]; ६, ६[o]: ९, ४[p]; ११, ७[q]†; ४, २, १[r]; ४, ६†[c]; ७[s]; ५, ५[t]; ६[२u]; ६, २[u]; ४[u]; ५[o]; ६[u]; ७, १[u]; ८, १०[v]; ९, १[w]; ५[x]; ११†[y]; १०, १†[z]; २[२]†[a1]; ३[२b1]†; ४†[c1]; ६†[d1]; ११, २†[z]; ३[२]†[e1]; १२, २[f1]; १३, १†[g1]; ३†[h1]; ६†[i1]; ९[j1]; १४, ४[२]†[k1]; ७†[l1]; १३?[m1]; १६[२]†[n1]; १८†[o1]; काठ २, २[o]; ३[o]; १०[२p1]; १५†[m]; ४, ५[२]†[q1]; १६[२r1]†; ६, १०†[s1]; ७, ३[२t1]; ६¶[u1]; १६†[v1]; ८, ७†[c]; ९, १८†[w1]; ११, ६[x1]; १२, १५†[y1]; १३, ३[b]; १४, ३[z1];

a) **परा<u>व</u>तः** इति पं. युक्तः कप्र. (तु. टि. ६०३y) ।

b) **<u>भ</u>वितोस्** (:) इति युक्तः कप्र. ।

c) =ऋ १,२४,१० । d) =मा ११,१० ।

e) =मा ११,२६ ।

f) =ऋ १,१०५,५;८,६६,३ । g) =मा १७,६ ।

h) **<u>भ</u>रेषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सपा. ऋ १०,१०३, ११ यत्र <u>हु</u>वेषु इति पाभे. **आक्रोऽभावः**) ।

i) =तै ५,४,८,६[२] । j) =ऋ ३,६,८ ।

k) =तै ५,६,१,२ । l) =ऋ १,७,२ ।

m) =ऋ १०,१६१,१ । n) =तै ५,६,२,३ ।

o) =मा ४,६ ।

p) **<u>व</u>नस्प<u>ति</u>भ्यः** इति पं. युक्तः कप्र. ।

q) =ऋ ९,१०७,१ ।

r) **<u>उ</u>देतोस्** (:) इति युक्तः कप्र. ।

s) =तै ५,४,१०,४ t) =तै ६,४,५,६ ।

u) =तै ६,४,२,६।

v) **<u>प</u>क्षसः** इति पं. युक्तः कप्र. ।

w) पाठः? वैतु. **मा ३८,१७ का ३८,२,८ तै ४,१,३,** ३ तैआ ४,३,१ **श्र<u>व</u>सा** इति पाठः, यमनु **श्र<u>व</u>स <u>आ</u>>** **श्र<u>व</u>सा** इति वा **श्र<u>व</u>सा** (**सा <u>आ</u>**) इति वेह **शोधः** द्र. । उत्तरे कल्पे समुच्चये स्वाभ्र. स्यात् ।

x) **देवे<u>षु</u>** इति सप्त. युक्तः कप्र. ।

y) =ऋ ३,६,८ । z) –ऋ ५,४३,११ ।

a1) द्विः **<u>ज</u>निषु** इति सप्त. युक्तः कप्र. । सकृच्च =ऋ ३, ५६,३ ।

b1) =ऋ ५,४३,११; ६,१६,४१ ।

c1) =ऋ २,९,२ । d1) =ऋ १०,१५,२ ।

e1) =ऋ १,१६५,९;१२ ।

f1) **<u>य</u>स्मिन्** इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. टि. सपा. तै १,६,१२,२ प्रमृ.; वैतु. मा. [तैआ १,८,७] **<u>आ</u>···<u>रो</u>हन्ति** इति) ।

g1) =ऋ ३,८,५ h1) =ऋ १०,११०,६ ।

i1) =ऋ ६ १,६ । j1) =खि ५, ७,२,११ ।

k1) =ऋ ५,४३,१२[२] ।

l1) =ऋ ७, ९५,२ ।

m1) तु. सस्थ. टि. **√अव्>आवत्** । पपा. अनु **<u>आ</u>(<u>आ</u>-<u>अ</u>)वत्** इति पाठः? अन्यत्र सर्वत्र मूको. स्तात. च **आवत्** इति निहतस्य तिङ्मात्रस्योपलम्भात् तस्यैव साधुतरत्वाच्च । श्लेषप्राचुर्यात् पपा. अप्रमाणं, वा. **<u>आ</u>** इत्यस्य कप्र. अन्यथासिद्धत्वं च द्र. ।

n1) =ऋ ६,५८,४; १०,१४,५ ।

o1) =ऋ ७,५६,१३ ।

p1) =मा ५,१९[२] ।

q1) =ऋ ६,७,१[२] ।

r1) =मा १८,७२; ऋ ५,४३,११ ।

s1) =ऋ ७, ९९,७ ।

t1) एकतरत्र तु. टि. मै १,५,१४(पृ.५५१ **आस्माक->** **-कम्** इत्यत्र **आ** । **अ॰** इति **शोधः**) । अन्यत्र **॰या** (य-आ) **XX ददै ते** इति पाठे? **XXX मदैतोः** इति **शोधः** (तु. सपा. क ५, २) । एवं च **आ√इ> ऐ (आ-ए)-** **तोस्** (:) इति युक्तः कप्र. ।

u1) **जीवितोस्** (:) इति युक्तः कप्र. ।

v1) =ऋ ५,१,१० ।

w1) =ऋ १,१६५,१२ (तु. सस्थ. टि. **इष्->इषः**) ।

x1) **<u>सं</u>-स्यातोस्** (:) इति युक्तः कप्र. ।

y1) =ऋ २,३५,२ ।

z1) पाठः? मूलतः **"<u>नि</u> अन्तर्विप्रा यासस्ति"** इत्येवं सतः पादस्य काठ. **न्यन्तर्विप्र आ सनी** इति, मै १, ११,४ च **<u>नि</u>यन्तर्विप्रायाम ते** इति वावि. एवं स्याताम् । तु. सस्थ. टि. **<u>नि</u>**, **अन्तर्-विप्र->-प्रा** (परि.), **<u>या</u>मन्->-म**, **√या>यासस्ति**, **<u>यु</u>ष्मद्->ते**, **√अस** (भुवि)>**स(त्>)** ती-(परि.), **वम्->-०म्नः** ।

१५,८†[a]; १२†[b]; १६,१[c]; ३[d]; ५[e]; १५[d]; १७[f]; १९†[g]; २०†[h]; १७,१?[i]; १७[j]; १८,५†[k]; १५[l]; २०†[m]; १९,१३[n]: २०,१५†[o]; २१,३†[g]; ८[p]; ११¶[q]; १४†[r]: २३,३[s]; ६[t]; २५,४¶[u]: ¶२७, २[v]; ५[v]: ¶२८,१[?v]; ३०, २¶[w]: ३५,३†[x]; १४†[y]; ३६, १३¶[z]; ३७,१८†[a1]; ३९,२[b1]: १२†[c1]: ४४,४†[d1]; ४६,३†[e1]: क १,१४[g]: १५[g]; १६?†[f1]: २, ४?[g1]; ३,५?†[h1]; ५,२?[i1]; ५[j1]; ७,४†[g]: २५,८[k1]; ९†[g]; १०[l1]; २८,१[j]: २९,४†[l]; ३१,७[d]: १८†[g]: ३६,३[l1]; ३९,१[m1]; ४२, २[n1]; ५[n1]: ४६,५¶[o1]; ४८,४†[x]: १३†[y]: †कौ १,५०[p1]: ६७[q1]: ९७?[r1]: १६२[s1]: १७६[t1]: १९६[u1]: २२८[v1]: २६२[w1]: २९३[x1]; ३०७‡[y1]; ३३१[z1]: ३५६[a2]: ३६८[b2]: ४५९‡[c2]; ४९५[d2]: ४९६[e2]; ५०३[f2]; ५१२[g2]; ५५८[h2]; ५६८[i2]; २,२४[j2]: ४६[k2]: ५२[l2]; ७७[m2]: १०६[n2]; १४७[c1]; २५०[o2]: २५१[p2]: ४३२[p2]; ४९०[q]; ५०७[l2]: ५३३[q2]; ५५०[r2]; ५६०[d2]; ५७८[h2]; ६२६[s2]; ६८०[t2]: ६५५[u2]; ६६३[g]; ६९२[v2]: ७०७[w2]: ७५६[x2]: ८४४[y2]: ८८८[z2]: ८५४[a3]; ९०५[b3]: ९४२[c3]: ९६३[d3];

a) =ऋ १,२५,१० । b) =ऋ ६,१६,४१ ।
c) =मा ११,१० । d) =मा ११,२९ ।
e) =मा ११,५७ । f) =तै ४,२,१०,१ ।
g) =ऋ १,१०५,५:८,६९,३ ।
h) =ऋ १०,११०,६ । i) =मा १४,३ ।
j) =मा १७,६ । k) =मै २,१०,४ ।
l) =ऋ ३,६,४ । m) =ऋ ६,१,६ ।
n) =मा २१,६१ । o) =ऋ ५,४३,११ ।
p) पुच्छात् इति पं. युक्तः कप्र. ।
q) =तै ५,४,८,६ । r) =ऋ १०,१६,११ ।
s) =मा ४,९:१० ।
t) गन्तोस्(:) इति युक्तः कप्र. ।
u) प्रतिष्ठायाः इति पं. युक्तः कप्र. । v) =तै ६,४,२,६ ।
w) सादयितोस(:) इति युक्तः कप्र. ।
x) =ऋ २,३५,७ । y) =ऋ ५,७,४ ।
z) =तै ६,४,५,६ । a1) =ऋ ९,१०७,१ ।
b1) =तै ५,६,१,२ । c1) =ऋ १,७,२ ।
d1) वरीषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सपा. ऋ ८,६२,११ यत्र सनिभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. सुलभो भवति)।
e1) =ऋ १,१६३,७ ।
f1) =ऋ ८,११,१? । g1) =मा ५,१९? ।
h1) =ऋ ६,७,१? । i1) =काठ ७,३? ।
j1) =काठ ७,६ । k1) =तै ४,२,१०,१ ।
l1) =काठ २३,६ । m1) =काठ २५,४ ।
n1) =काठ २७,२;५ । o1) =काठ ३०,२ ।
p1) =ऋ १,४४,१३ । q1) =ऋ ६,७,१ ।
r1) =ऋ १,१५०,१? । s1) =ऋ ८,८२,७ ।
t1) =ऋ १०,१३४,७ । u1) =ऋ १०,१०५,४ ।

v1) =ऋ १०,१०५,१ । w1) =ऋ ६,४६,७ ।
x1) =ऋ ७,३२,४ ।
y1) नैप्र. मा (तु. ऋ ८,१,२० या ६,२४) इत्यर्थकं प्रतिषेधं स्यात्म. (तु. मा. विव.: वैतु. भ. आ···याचन् इति)।
z1) =ऋ १०,७३,९ । a2) =ऋ ५,६१,१२ ।
b2) रोचने इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. भ. पादपूरण इति: वैतु. मा. विव. आ-रोचने इति)। तु. टि. सपा. ऋ १,१०५,५ ।
c2) सुतेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (सपा. ऋ १,१३०,१ विशिष्टः पाभे.)।
d2) =ऋ ९,६१,१ । e2) =ऋ ९,५२,१ ।
f2) =ऋ ९,६२,८ । सपा. ऋ ९,६५,१९ आ···सीदन् इति पाभे. ।
g2) =ऋ ९,१०७,१ । h2) =ऋ ९,७६,१ ।
i2) =ऋ १,२२,[८:९,१०४,१] ।
j2) =ऋ ९,६१,११ ।
k2) =ऋ ९,१,[१०:१०६,३] ।
l2) =ऋ ९,७५,३ । m2) =ऋ ८,१७,१३ ।
n2) =ऋ ९,५४,२ । o2) =ऋ ९,३९,४ ।
p2) =ऋ ९,३९,३ । q2) =ऋ ९,८,६ ।
r2) =ऋ ९,१२,५ । s2) =ऋ ९,३८,४ ।
t2) =ऋ ९,२७,६ । u2) =ऋ ७,१२,२ ।
v2) =ऋ १,८४,९ । w2) =ऋ ९,६७,३७ ।
x2) =ऋ ५,१३,३ । y2) =ऋ ९,११०,८ ।
z2) =ऋ १,२७,६ ।
a3) अस्मत् इति पं. युक्तः कप्र. ।
b3) =ऋ ८,७१,११ । c3) =ऋ ९,१११,२ ।
d3) =ऋ ९,१०५,६ ।

९७७[a]; १०६३[b]; १०७४[c]; १०८४[d]; १०८६[e]; ११०७[f]; ११३३[g]; ३, १, ३$[h]; ८[i]; २, ३[j]; ३, ७$[k]; †जै १, ५, ६[l]; ७, ५[m]; ११, १?[n]; १७, ८[o]; १९, २[p]; २१, ३[q]; २४, ८?[r]; २७, १०[s]; ३१. १[t]; ३२, ५‡[u]; ३४, ९[v]; ३७, ५[w]; ४८, ३‡[x]; ५१, ९[y]; १०[z]; ५२, ७‡[a1]; ५३, २[b1]; ५७, ५[c1]; ५८, ३[d1]; २, २, ६$[k]; ४, ८$[h]; ५, ८[j]; ३, ३, ३[i]; ५, ११[e1]; ८, ३[f1]; ११, २[g1]; १४, ८[j]; २०, ५[d1]; २१, १५[h1]; १६[i1]; २८, २[j1]; ३३, ७[i1]; ३८, ४[j]; ४०, ३[d1]; ४१, ९[k1]; ४३, ६[l1]; ४५, २[y]; ४७, ४[c1]; ५१, ७[m1]; ५२, ७[n1]; ५४, ५[o1]; ५५, ४[b1]; ५६, १९[p1]; ५८. १[q1]; ४[r1]; ५९, ५[s1]; ४, १, ३[t1]; ४, १०[s1]; १२, २[u1]; १४, ७[v1]; १८, २[b]; २०, ५[w1]; २३, ८[a]; २५, ३[x1]; शौ १, १४, ३[y1]; ३, ४, ५[z1]; १०, ७?[a2]; १३, १[b2]; ३१, १?[c2]; ४, १३, २†[d2]; १५, ११[e2]; ५, १२, ६†[f2]; २७, ८?†[g2]; ३३, १[h]; ३[h2]; ३५, १[i2]; ६३, ४†[i]; ७, ९, १[j2]; २३, १?[k2]; २७, ८?[l2]; ६१, १[m2]; ८०, १[n2];

a) =ऋ ७,१००,७ । b) =ऋ १,१२,४ ।
c) =ऋ १,८४,२० । d) =ऋ १,९२,१६ ।
e) =ऋ १,९२,१७ । f) =ऋ १,९२,३ ।
g) =ऋ १०,५५,६ ।
h) आ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मपा. शौ ६, ३३,१)। रुजः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. भ.; वैतु पपा. ऐब्रा. [५,२,१] च आ-रुजः इत्येकं पदमिति, शांश्रौ. [१८,३, २] आ-रुज्->-रुजः इति पाभे. [तु. K. ऐब्रा], सा. आ···युजः इति च)।
i) =ऋ ९,६१,११ । j) =ऋ १,७,२ ।
k) क्रिवि. सत. स्वाभ्र. ।
l) =ऋ १,४४,१३ । m) =ऋ ६,७,१ ।
n) =ऋ १, १५०,१² । o) =ऋ ८,८२,७ ।
p) =ऋ १०,१३४,७ । q) =ऋ १०,१०५,४ ।
r) =ऋ १०,१०५,१ । s) =ऋ ६,४६,७ ।
t) =ऋ ७,३२,४ । u) =कौ १,३०७ ।
) =ऋ १०,७३,६ । w) =ऋ ५,६१,१२ ।
) =कौ १,४५६ । y) =ऋ ९,६१,१ ।
) =ऋ ९,५२,१ । a1) =कौ १,५०३ ।
b1) =ऋ ९,१०७,१ । c1) =ऋ ९,७६,१ ।
d1) =ऋ १,२२,[८: ९,१०४,१] ।
e1) =ऋ ९,७५,३ । f1) =ऋ ८,१७,१३ ।
g1) =ऋ ९,५४,२ । h1) =ऋ ९,३९,४ ।
i1) =ऋ ९,३९,३ । j1) =ऋ ५,१३,३ ।
k1) =ऋ ९,८,६ । l1) =ऋ ९,१२,५ ।
m1) =ऋ ९,२७,६ । n1) =ऋ ९,३८,४ ।
o1) =ऋ ७,१२,२ । p1) =ऋ १,८४,९ ।
q1) =ऋ ९,११०,८ । r1) =ऋ ९,९७,३७ ।
s1) =ऋ ९,१,[१०;१०६,३] ।

t1) =ऋ ९,१११,२ । u1) =ऋ १,२७,६ ।
v1) =ऋ ८,७१,११ । w1) =ऋ ८,३३,१२ ।
x1) =ऋ १,१०५,५:८,६९,३ ।
y1) शीर्ष्णः इति पं. युक्तः कप्र. ।
z1) =मै २,२,११ ।
a2) पाठः? तु. टि. पै १,१०३,३ यदनुसारमत्रापि प्रथमे पादे रात्रि वहाः इति द्विपदपूर्त्यात्मकः शोधः, द्वितीये पादे च रात्र्या(त्रि आ) इत्येकपदपूर्तिरूपः शोधः, तादृश एव च वा. द्र. । उभयत्र *रात्रि वहा रात्रि आ> (नैप्र.) *रात्र्या रात्र्या>रात्र्या (पै.), रात्रि (शौ.) इति भावः । शौ. पुष्टे, पोष्ये इति च. अर्थे सप्त. इति विशेषः द्र. ।
b2) =तै ५,६,१,२ ।
c2) पाठः? शाखान्तरसंवादाद् मूलत उद् इत्यस्य नैप्र. स्थानापन्नतया संभाव्यमानत्वात (तु. तै १,२,८,१ का २, ७,५ तैब्रा ३,४२,२ आश्रौ १, ३,२३ आग्र ३, २,१४ यद्धि. तु स्वाभ्र. एव द्र. (तु. मा. W. वैतु. PW. MW. आ···उदस्थाम इति)।
d2) =ऋ १०,१३७,२ ।
e2) समुद्रात् इति पं. युक्तः कप्र. (तु. WI.)
f2) =ऋ १०,११०,६ ।
g2) पाठः? (तु. पाभे. ऋ १०,११०,६)।
h2) जनेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. WI.; वैतु. सा. समुच्चये स्वाभ्र. इति)।
i2) =मा १८,७२ । j2) =तै १,२,३,३ ।
k2) पाठः? तु. टि. ?आनवो यद्र. ।
l2) =मा ५,१६² । m2) =खि ४,५,७ ।
n2) सु-स्रसः इति पं. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. व्याप्त्यर्थे स्वाभ्र. इति)।

८,१,१६?[a];९,१०,८†[b];१२,३, ५५–६०[c]; १२, ४,१६[d]; ११, २[e];१६,४, २[f]; १८, १,२३†[g]; ४६†[h], ५९†[i]; ३, ६२[j]; ४, ४९[k]; १९, ४२, ३?[l]; ५२, २?‡[m]; ५९, १²†[n]; †२०, ', ७[o]; १६, ५[p]; १७, ८[q]; २५, ४[r]; ३०, ३[s]; ३२, १[t]; ३८, ५[u]; ४७, ५[u]; ६३, ६[v]; ६७, ४[w]; ६८, ४[x]; ७०, ८[u]; ७६, ७[y]; ८८, ३[z]; ९४, ५[a1]: १३५, १०$[b1]; १४२,१[c1]: पै १, १५, ३[d1]; ९९, ४?[e1]: १०३,३²?[f1]: २,३०, ३†[h]; ३, १, ५[g1]: ४, १[h1]; २८, ४[i1]; ४, १४, १?[j1]; ५, ७, १०[k1]; १३, ८?[l1] १८, ३²†[m1]; ६, ३, ५²[n1]: ८, ११, ८²[o1]: ९, ११, ८[f]: १३, ५, ५?[p1]: १४, २, ३?[q1]: १६, २, ६?[a];५, ७[r1]: ६८, ९†[b]: ११४; ५[s1];१४६, १२[e]: १७, १७,६[d],

[a]) पाठः ? जागतः पादः (वैतु. अस्र. प्रस्तारपङ्क्तिश्छन्दः) इति कृत्वा मूलतः **मा जिह्वाया(ः) बर्हिः, प्रमयुः कथा स्याः (=सिआः)** इत्येवंस्वरूपे पाठे सति मध्यतोऽक्षराधिक्यनिवृत्तिप्रयोजनः नैप्र. **जिह्वायाः**>(–**ह्वाआः**>) –**ह्वाः**(ष१)>पपा. –**ह्वा** (प्र१) इति विपरिणामः स्यात्। मा (ते) **जिह्वा**(याः) **बर्हिः** (<√**बर्ह्** बन्धात्मकाहिंसायां ⌊तु. पाधा. चुरा.⌋ इति कृत्वा=बन्ध– ⌊तु. नभा. ज़बांबन्दि⌋) इति यतिपर्यन्तं वा. च द्र. (वैतु. पपा.प्रभृ. **जिह्वा आ** इति पदद्वयमिति कृत्वा वा. अपश्यन्तः ⌊तु. सा. **आ** उपमायां स्वास्र. इतीव. LR. **आ-बर्हीः** इति लुङि रूपमिति W. **जिह्वा** ⌊ह्व-आ⌋**बर्ह्**– ⌊तु. **मुष्काबर्ह्**-⌋>-**र्हः** इति चाऽप्रसन्न-शोधौ)।

[b]) =ऋ १,१६४,३०।

[c]) **ऐ**(**आ-ए**)**तोस्** (:) इति युक्तः कप्र. (तु. टि. तै १, ५,१०,१)।

[d]) **त्रैहायणात्** इति पं. युक्तः कप्र.।

[e]) =खि ४,५,१७।

[f]) **मर्त्येषु** इति मप्त. युक्तः कप्र.।

[g]) =ऋ १०,११,६। [h]) =ऋ १०,१५,२।

[i]) =ऋ १०,१४,५।

[j]) **जरिम्णः** इति पं. युक्तः कप्र.।

[k]) क्रिवि. सत् स्वास्र.।

[l]) पाठः ? (तु. सस्थ. टि. **प्र**√**भृ**> **प्रभरे** इति, ?**मनीषामा** इति च)।

[m]) पाठः? (तु. सस्थ. टि. **सखि**–>-**०खे**)। **सख आ** इत्यस्य स्थाने सपा. ऋ १०,६१,१ **सुपखा** इति पाभे.।

[n]) =ऋ ८,११,१²। [o]) =ऋ ८,१७,१३।

[p]) =ऋ १०,६८,५। [q]) =ऋ १०,४३,८।

[r]) =ऋ १,८३,४। [s]) =ऋ १०,६६,३।

[t]) =ऋ १०,६६,११। [u]) =ऋ १,७,२।

[v]) =ऋ १,८४,६। [w]) =ऋ २,३६,२।

[x]) =ऋ १,४,४। [y]) =ऋ १०,२६,७।

[z]) =ऋ ४,५०,३। [a1]) =ऋ १,१२,४।

[b1]) समन्तात् इत्यर्थे स्वास्र. (=सपा. ऐब्रा ६, ३५; शंपा. मात. गो २, ६; १४ तु **आ वरम्** इत्यस्य स्थाने ?**आसुरम्** इति, शांश्री १२, १९, ३ यद् **वरम्** इति च पाभे.)। एवं सति पृ ५३५ **असुरम्** इति परिहृतं द्र.।

[c1]) =ऋ ८,९,१६। [d1]) =शौ १,१४,३।

[e1]) तु. सस्थ. टि. ?**आपो**°।

[f1]) पाठः? **आ मा पुष्टं च पोष्यं च रात्रि वहाः** इति मौलिकः शुद्धो जागतः पाद इति कृत्वा **आ**√**वह्**>(लेटि मपु१) **आ-वहाः** इति रूपं स्यादिति प्रस्तावः। **रात्र्या**(**त्रि आ**) **देवानां सुमतौ स्याम** इति मौलिकः शुद्धो द्वितीयः पाद इति कृत्वा चाऽत्रत्यः **आ** सप्त. युक्तः कप्र. स्यादित्यपरः प्रस्तावः (तु. टि. शौ ३,१०,७)।

[g1]) =शौ ३,४,५। [h1]) =शौ ३,१३,१।

[i1]) **यस्मिन्** इति सप्त. युक्तः कप्र.।

[j1]) तु. सस्थ. टि. ?**आसीस्तिहितः**।

[k1]) =शौ ४,१५,११। [l1]) पाठः ?

[m1]) =ऋ १०, १३७,२²।

[n1]) समुच्चये स्वास्र.। पाठः? (तु. टि. ?**शुन्धोत्वाम्**)।

[o1]) समुच्चये स्वास्र. द्र.।

[p1]) वा. ?

[q1]) पाठः? मूलतः (**आ-बाध**–>**आबाधी** √**कृ**>) °**कारो व्येतु ते** इत्येवं सतः पादस्येह च सपा. नी १,३ च शोध्यता द्र.।

[r1]) पाठः? तृतीये पादे **अनामयस**(?—⌊**यम्**>⌋**यं**) इति, चतुर्थे पादे च **आ त्वा** (?**अस्त्वा** ⌊**स्तु आ**⌋) इति **प्राणो**(?**ण**⌊**:**⌋ **उ**) इति च शोधाः द्र.। प्रकृते **आ** इति **उ** इति च यथाक्रमम् अधिकारार्थे च समुच्चयार्थे च द्र.। **ते** इति सना. चोभयवाक्यान्वयि द्र.।

[s1]) **जरसः** इति पं. युक्तः कप्र.।

२९,६[2a]: १८,२०,१०?[b]; १९, ७,१†[c]:९, ४[d]: १९,१[e]: १३[f]; २०, १२[g]; २५, ५?[h]: २८, ३[i]; ३३, ८[j]; ३९, ८[k]; ४१, १४[3l]; ४२, १६[2/h]; ४७, ४[2]†[m]; २०, ३,२[n]: ४, १०?[o]; ६,८[2p]:१७, ३[q]; २०, ४?[r]: ६१, ११[s8];

२आ<६अ (आ-यवम्- प्रभृ. द्र.).

३आ- इदम्- द्र.

आः, आः √अस (भुवि) द्र.

आक- आ(आ√अ)च,ञ्च द्र.

आ√कन्, आ…चाकन्धि ऋ १०, १४७,३.

आ-कनिक्रद्- आ√क्रन्द् द्र.

आ-कर- आ√कॄ (विक्षेपे) द्र.

आ-कर्तृ- आ√कृ द्र.

आ√कल्

आ-काल[t]- -ले तै २,२,९,५;६[2].

आ-काय्य[u]- -य्यस्य ऋ ४,२९,५.

आ√काश्

आ-काश[v]- -शम् खिसा ३३, ११: पै ३, २८,५.

आ-काश्य,श्या[w]- -श्यम् पै ९,११, १४; -श्या पै ९,१६,४.

आ√कि, आचिकेतु तै १,२,५,१: ६,१,८,२.

आ√कित्,>चिकित्स, आचिकेतत ऋ ७,४२,४: †आ…चिकेतत्[x] कौ १,१०१: जै १,११,५: आचिकेतम् ऋ १०,२८,५: आचिकिद्धि ऋ १०,२८,४: †आ…चिकिद्धि ऋ ५,१,१०: मै ४,११,४: काठ ७,१६. †आचिकेत ऋ १,९५,४,१५२, ३; १६४,१६[y]; ७, ६१, १; ८,२,१४; कौ १, २२५; २, ११५५; जै १,२४,३; शौ ९, १४, १५[y]; १५,२३: पै ८,१४, ४; १६,६७,६[y]; आ…चिकेत शौ ५,१,२; †आ…चिकेत ऋ ८,९,७; शौ २०, १४०,२; आचिकित्रिरे ऋ १,१६६,१३; आ…चिकित्रे[z] ऋ १०,९१,४. †आ…चिकित्सामः ऋ ८,९१, ३; पै ४,२६,४.

ɸआ-चिकित्वस्[a1]- -त्वान्, आ-(०त्वान्) ऋ १,७०,१.

आ-किरत्- आ√कॄ (विक्षेपे) द्र.

a) यथाक्रमं पशुषु, अश्वेषु इति सप्त. युक्तौ कप्र. ।

b) पाठः? मूलतः *तम् आरोह सुखम् आशु स्व(सु-अ)-श्वम् इति पादः स्यात् (तु. ऋ १, ११७, २ प्रभृ., स्यश्वम् इति मूको. च; वैतु ?. स्वश्व्यम् इति?) । एवं सति आशु स्वश्वम् इति द्वि-पदः शोधः द्र. । सपा. शौ १३,२,६ पाठाभावः ।

c) =ऋ ९,६१,[११:१०,१९१,१] ।

d) =मा १८,७२ ।

e) धामसु इति सप्त. युक्तः कप्र. । सपा. शौ ६, २६, १ पाठाभावः ।

f) अन्तरिक्षम् इति द्वि. युक्तः कप्र. ।

g) वस्तेः इति पं. युक्तः कप्र. । h) पाठः?

i) =शौ ६,३३,३ ।

j) पृथिव्याम् इति सप्त. युक्तः कप्र. । सपा. शौ ६, ४३, २ पाठाभावः ।

k) परावतः इति पं. युक्तः कप्र. ।

l) यथाक्रमं पश्चात्,पुरस्तात्,अधरात् इति पं. युक्ताः कप्र. ।

m) =ऋ ८,११,१[2] । n) =शौ ७,९,१ ।

o) =शौ ७,२३,१ । p) =मा ५,१९[2] ।

q) =खि ४,५,१७ ।

r) पाठः? प्रथमे पादे ?देवराज्ञी >देव° इति, तृतीये पादे ?मेनिम् आ न >मे(मा ए)नां मा नः इति, चतुर्थे पादे ?उत्तरे सस्तो°> उत्तरेत् सा स्तो० इति च शोधाः द्र. । द्वितीये पादे यान्याद्य =याऽन्याऽद्य इति द्र. ।

s) यथाक्रमं मृत्योः, परावतः इति पं. युक्तौ कप्र. ।

t) भाप. (आकलन-, संपादन-) । गस. घञन्ते थादि-स्वरः (तु. भा.: वैतु. सा., भा. [पक्षान्तरे], K. च 'यथा-कालम्' इत्यर्थे अस. इति?) ।

u) विप. (?- [वैतु. वें. सा. इन्द्र- इति]) । व्यु.? वें. सा. <आ√कै>का (शब्दे) इति, PW. GW. WAG. प्रभृ. <आ√का (कान्तौ) इति । गस. आ√चि (उप-समाधाने) + ण्यत् प्र. आयादेशः कुत्वं च उसं. (पा ३,१, १२९) यद्वा आकाय- (भाप. [तु. ORN?]) + मत्वर्थे यत् प्र. उसं. (पा ४,४,१२८), उभयथा तित्स्वर इति तु मतं द्र. ।

v) नाप. । गस. उप. अधिकरणे घञ् प्र. (पा ३,३, १२१) । थादि-स्वरः ।

w) विप. (चक्षुस्-, ओषधि-) । गस. उप. कृत्यः प्र. ।

x) सपा. ऋ ९,१०२,४ चिकेत यत् इति पाभे. ।

y) =सपा. या १४,२० । इमम् आचिकेत इत्यस्य स्थाने तैआ १,११,४ तु इमा चिकेत इति पाभे. ।

z) अ>इरे>रे-भावः (पा ६,४,७६) ।

a1) गस. क्वस्वन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु स्क. वें. [एकतरत्र], सा.; वैतु. GW. अतथावादीव) ।

?आकीम्[a] ऋ १,१४,९.

?आकुः पै ५,१४,८[b].

आ√कुल्

आ-कुल[c]– -लेन पै ११,७,३.

आ√कू[d], ¶आकुवते काठ २३, २: क ३५,८.

आ-कूत[e]– -तम् खि ३, १५,६: तै ३, ४,४,१: मै १, २,३[f]: ४,१४[2]; २,७,७[g]; काठ ३५,५; क ४८, ६; –तात् मा १८,५८: का २०, ४,१: तै ५, ७,७,१; काठ ४०, १३; –‡[h]तानि मै २,२,६: काठ १०, १२: पै १९,२५,३.

आ-कूति[i]– –तयः तै ३, २, ७, १: –०तयः[j] शौ ३,२,४: पै ३,५,४: –तये शौ ६, ४१, १: पै १९, १०,१; –तिः ऋ १०,१२८,४; १९१,४; तै ३,४,४,१; ४,७, १४,२†; ¶मै १, ४, १४[2]; ३, ६,८; काठ ३९, १४‡[k], ४०, १०†; शौ ४, ३६, ४; ५, ३, ४†; ६, ६४, ३†: ७३,२;११, ९,१८; पै ४, ११,७: ५,४,४†; १५,८: १६,८३,८; १९,८, २[l]; ५३,४-६: –तिम् खि २,६, १०; ५,१,८: खिसा ३६,४?[m]; मा ११, ६६[n]; ३९, ४; का १२, ७,१[n]; ३९,२,२: तै ४, १,९,१[n]; काठ १६, ७[n]: शौ ५, ७, ८:८, २: ११,१०,४: १९,४,२[o];४; पै २, ६२,१:८९, ३;७,९,५; १८, २; १६,८५,४;१९, २४,७: ९:३६, ८; २०,२८,७ –तीः मै २,२,६; शौ ३, ८,५;२०,९; ६, ९४,१; पै ३, ३८,१०; १९, १५,२;५२, ३: –०ते शौ ६, १३१, २; –त्या ऋ १०,१५१,४; तै ६,१, २,२¶; मै ३,६,८¶; ४,९,१३; शौ ३, २,३[p]:५,६,१०; १९,४, ३[q]: पै ६,११,१२;१९,२४,८[q]; –त्याः पै ३,५,३[p]; –त्याम् शौ ५, २४,१–१७[q]; पै १५,७,१–१०; ८,१-९:९,१–४;१९,५३,४–६; –त्यै मा ४, ७[n]: का ४, ३,१[n]; तै १,२,२,१[n];३,८,२,१;३,४¶; ६,१,२,१[n]: मै १,२,२[n]; ३, ६, ८[n]; काठ २,२[n]: १३,११; १२¶; २३,२[n]: क १,१४[n]; ३५, ८[n].

[a]) प्राति.? पपा. नावग्रहः। नि. (तु. न-किस्, मा-किस्, न-कीम्, मा-कीम्) आद्युदात्तः (फि ८०) इतीव मा. प्रभृ. (तु. WAG. १,२४८a)। आ···वक्षति (तु. वें. स्क. GW.) इति कृत्वा आ इति ग. कीम् इति च पृथङ् नि. (मौस्थि. *घ ईम्?) इति तु विमृश्यम् (पूर्वे मन्त्रे ये सर्वे देवा मधुपानाय निमन्त्रिताम् त इह परामृष्टाः द्र.। 'विप्रो होता घ निश्चयेन ईम् एनान् देवान् इह आवक्षति' इति वा. द्र.)।

[b]) पाठे? आ√गा>आऽगुः इति शोधः।

[c]) विप. (अहिनाशक-भेषज-)। धा. हिंसार्थः उप.। गस. उप. कर्तरि कः प्र. (तु. वैप३ यद्र.)।

[d]) धा. आध्याने संकल्पे च वृत्तिः।

[e]) भाप.। क्तान्तेऽनन्तरस्य ग. स्वरः।

[f]) =सपा. तैब्रा ३, १०,८,१० तैआ २, ५, ३ आपश्रौ १०,१८,३; १७,२३, ११ हिगृ १,१७,४। मागृ १,३,२ तु आकूतिः इति, मा ४,१५ का ४,५,७ शौ ६, ५३,२ माश ३, २,२,२३ आत्मा इति च पाभे.।

[g]) तु. टि. आकूतिम् मा ११,६६।

[h]) =सपा. मागृ १,८,१०। ऋ १०, १९१, ४ शौ ६, ६४,३ तैब्रा २, ४,४,५ आगृ ३, ५,८ तु आकूतिः इति पाभे.।

[i]) भाप.। गस. क्तिन्नन्ते उप. अनन्तरस्य ग. स्वरः (पा ६, २,५०)।

[j]) तु. पपा., PW. प्रभृ., गस्थ. टि. वी(वि√इ) च; वैतु. सा. प्राम. वा बस. वेति विकल्प्य वि-आकूति– इति प्राति. इति।

[k]) सपा. ऋ १,७६,१ उपेतिः इति पाभे.।

[l]) सपा. शौ ६,५३,२ असुनः इति पाभे.।

[m]) समाकूतिः इति पाठे? सम्। आकूतिम् इति शोधः (तु. नान्तरीयपूर्व स्थलं, –तीः इति च पाभे.)।

[n]) =सपा. माश ६,६,१,१५ काश्रौ १६,४,३० आपश्रौ १६, ८,१३। मै २, ७,७ माश्रौ ६, १,१,३ मागृ १, ६, २: २३,६ तु आकूतम् इति, मा ४, ७ का ४, ३,१ तै १,२,२,१: ६,१,२,१ मै १, २,२: ३,६,४ काठ २, २: २३, २ क १,१४: ३५, ८ माश ३, १,४,६; ११, १२ काश्रौ ७,३,१६ आपश्रौ १०, ८, ५: १६, ८, १३; २०, ८,५ माश्रौ २, १,२,१: ६,१,३ आकूत्यै इति च पाभे.।

[o]) =सपा. तैब्रा २,५, ३,२। मंब्रा २, ६,६ तु आकूतीम् इति पाभे.?।

[p]) सपा. °त्या <> °त्याः इति पाभे.।

[q]) सपा. तै ३,४,५,१;४,३,३,२ काठ ३८,१२; ३९,७ शाश्रौ ४, १०, ३ आपश्रौ १६, १,३ पागृ १, ५, १० विशिष्टः पाभे.।

आकूति-प्र[a]- -प्रः शौ ३, २९,२.

¶आ-कूप[b] काठ २३,२; क ३५, ८.

आ √कृ[c], आ[d]…करति ऋ ४, २२, १; आकरामहे[e] ऋ १०, १५६, २; †आ…करामहे, †आ(करामहे) ऋ ९, १०८,१४; कौ २, ४४७; जै ३, ३४, ५; आ…करामहे ऋ १,२५,५; १०, २३, ६[e]; ‡आकरामहै[e] कौ २,८७८.

आकृधि ऋ १, ५५,७; ८, ९०, ४; खि ४, ९, ४[२]; मा १२, ८[२]; ‡[f]; का १३, १, ९[२]; ‡[f]; तै ३,३,८,३[२]; ‡[f]; ४, २,१,३[२]; ‡[f]; मै १, ७, १[२]; ‡[f]; काठ १६, ८[२]; ‡[f]; शौ ५, ८,७; ६,६५,१; ७७,३; पै १, ४१,२; ४३,१;२; ७,१८,५; १९, ११, ११; २०, ३६,९;४३,३‡[f]; ४७,४; आ…कृधि पै १९,३६,७[g].

आकृणोति ऋ १, १७३, ११; आ[h]…कृणोति ऋ ५, ७, ४; आ…कृणोषि ऋ ४, ३२, २; आ…कृणुथ ऋ ८, २७, १८[i]; आकृण्महे पै ७, ३,२[j]; ‡आ…कृणोतु[h] काठ ३५, १४; क ४८, १३; आकृणुष्व ऋ १०, ६,६; आ…कृणुष्व ऋ २, २, ६; आकृणुध्वम् ऋ १, ७७,२; ६, ४९, ६; १०, ६,५; †आ…कृणुध्वम् ऋ ४, ३,१; तै १, ३, १४,१; मै ४, ११,४; काठ ७, १६; कौ १, ६९; जै १, ७, ७; आ…अकृणुत ऋ १०, ८९, ७; आ…कृण्वीत ऋ ४, ३१, ५. ¶आकुरुते मै ३, १०,७; आकुरु पै ६, २२, १७; १९, ५४, २; आ…अकुर्वत खि २, १३, ५. †आचक्रे ऋ ३, ३२, १३; १०, ६८,५[k]; १८१,२; शौ २०, १६, ५; †आचक्रे ऋ ८,१०१,१; मा ३३,८७; आ…चक्रे ऋ ५,२९, ११; †आ…चक्रे ऋ १, २५, [१५; १०, २२,२]; १६५, १४; काठ ९,१८; †आचक्रुः ऋ ३, २७,६; १०, ६५,७; मै ४, १०, १; काठ ४०, १४; आ…चक्रम >मा ऋ ४,१७,१८; †आ…चक्रम ऋ ८,६१,८; कौ २,९३२.

¶आ-कर्तृ[l]- -र्तारम् मै ३,७,६.

आ-कृण्वत्- -ण्वन् पै ५,१४,७.

आ-कृत,ता[m]- -तः पै २०, २९,४; ४९, ५०; -तम् पै १२, ३,१५; -ता पै २०, २५,९; -¶तासु मै ४,२,११; -ते ऋ ८, १०,१.

†आ-कृति[n]- -तिः ऋ १०, ८५,५; शौ १४,१,४; पै १८,१,४.

आ-कृत्य शौ १०, १,३; पै १,४७, ३; ५,२५,७; १६,३५,६.

आ-चक्राण[o]- -णः ऋ १०,८,९.

आ-चक्रि[p]- -क्रि[q]ः ऋ ६, २४,५.

आ-चरिक्रत्[r]- -‡क्रत्[q] शौ११,७,६; पै १६,१५३,६.

आ √कृ(विक्षेपे) आ…किरामि ऋ ८, ४९,८; खि ३, १,४; आ…किर ऋ ९,८१,३.

†आ-कर्[s]- -रः ऋ ५, ३४, ४;

[a]) विप. (अत्रि-)। उप. √प्रा+कर्तरि कः प्र.। उप. प्रकृतिस्वरम्।

[b]) तु. सप्र. तै ६,१,२,२ मै ३, ६,४।

[c]) बधा.। अभिमुखीकरणे, समीपकरणे, स्वीकरणे, आनयने प्रभृ. धा. वृत्तिः।

[d]) तु. सा.; वैतु. वें. GW. ग. अभाव इति।

[e]) °हे<>°है इति पाभे. (S. तु ऋ. पाठ एव)।

[f]) एकतरत्र सपा. ऋ ६, ५४, १० शौ ७, ९, ४ आजतु इति पाभे.।

[g]) तु. सस्थ. टि. वि…सहस्व।

[h]) तु. GW.; वैतु. सा. स्वाग्र. इति। °ति<>°तु (आपश्रौ १४,२९,३ च) इति पाभे.।

[i]) वैतु. वें. अनन्वायुक इव, सा. वाक्यान्तरं मत्वा आ (कृणुथ) इति क्रिउ., GW. सप्त. युक्तः कप्र. इति च।

[j]) धा. स्तुत्यर्थे वृत्तिः।

[k]) एतत् किप. मूलतः (आ √कृप् >)*आ-चकृपे इत्येवं मतः पाठस्य (>कृहे>कृण्>क्रे इत्येवं) नप्र. विकारः द्र.। एवं सति छन्दस्त आकाङ्क्षितस्य मत उत्तरवर्तिनः स्वाग्र. आ इत्यस्य पाठेऽनुप्रवेशः द्र. (तु. ऋ १,५२,१४; १०,६७,६)।

[l]) गस. तृजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[m]) गस. क्तान्ते उप. अनन्तरस्य ग. स्वरः।

[n]) तु. टि. आ-कूति-

[o]) गस. कानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[p]) गस. कर्तरि किः प्र. (पावा ३, २,१७१)। उप. प्रकृतिस्वरम्।

[q]) =सपा. °क्रिः<>°चरिक्रत् इति पाभे.।

[r]) गस. यङ्लुगन्तात् शता प्र. उप. प्रकृतिस्वरं च (वैतु. सा. लिङ्ग हर्षं ब्रुवाणश्चिन्त्यः, स्वरानुपपत्तेः)।

[s]) गस. उप. अधिकरणे घः प्र. प्रकृतिस्वरश्च (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. पाका. पासि ३, ३, ११८, सा. GW. <आ √कृ इति।

८,३३,५; –रे ऋ ३, ५१,३; मैं ४,१२,३.

आ-किर(त्>)न्ती[a]– -न्तीम् शौ ४,३८,२.

आके, आकेनिप्– आ(आ√अ) च्, ञ्च् द्र.

आ√कै>का (*कान्तौ)[b], आचके ऋ १,४०,२: ८,४५,५: आचके ऋ १, २५,१९:११७,२३; ३,३,३; १०:६२,५: ८,६४,८; १०,४०, ७; मा ४,२१: २१,१†; का ४, ७,१: २३,१,१†; तै २, १,११, ६†: मैं १,२,४: ३,७,६:४,१०, २†:११,१†:१४,१७†, काठ २, ५: ४,१६†: २४,४: ४०,११†: क १,१८;३७,५: कौ २,९३५†.

आक्त– आ(आ√अ)ञ्, ञ्ज् द्र.

आ√क्रद्,न्द्,>क्रन्दि,कनिक्रद्,न्द्, आ[c]···क्रदः ऋ ९, ९७, १८.

†आक्रन्दय ऋ ६, ४७,३०: मा २९,५६: तै ४,६,६,७: मैं ३,१६, ३: काठ ४६,१: शौ २,३६,६$: ६,१२६,२: पैं १, ४३,१$: ५, ३४, २$: १५, ११, १०: १९, ४१, १३.

†आ···कनिक्रन्ति[d] ऋ ९, ९५, १: कौ १,५३०: जै १,५४,६.

आ-कनिक्रद[e]– -दम् पैं १,५५,१.

आ-क्रन्द[f]– -न्दः शौ १२, १, ४१; पैं १७,५,१.

आ-क्रन्दयत्[a]– -यते मा १६,१९; का १७,२,३; तैं ४, ५,२,२; मैं २,९,३; काठ १७,१२;क २७,२;

आ√क्रम्, >क्रमि, क्राम्,¶आक्रमते तैं ६, ३,२,१;६,१,१; मैं २, २, १३: ३,३,९;८,७: ४,४,१०;८, ३: ¶आक्रामति तैं ५, ६,६,२: मैं ३, ४, ७; ६, ९: ¶आक्रामति मैं ३, ३,४[g];८,१०[२]: ४, १,१४: काठ२१,६:क३१,२१:¶आक्रमेते मैं ४, ६,३[२]: आक्रमताम् शौ ९, ५, १: ३[२]: पैं १६, ९७, १;२: आक्रमस्व शौ १८,४, ६: पैं १६, ९७–९८, १०; आक्राम पैं १५, २३, ५; १३: ¶आ(आ-अ)क्रमेताम् काठ ८, १: क ६,६: ¶आ-(आ-अ)क्रमन्त मैं १,६, ९: ३,२, ३:९: ¶आक्रामेत् तैं ५,६,६,२. आ(आ-अ)क्रंस्त तैं ७,५,१९,१: काठ ४५, १५: †आ···अक्रमीत् ऋ ९, ६४, २९: ७४, ८[h]: १०, १८९, १: मा ३,६: का ३,१,६: तैं १,५,३,१: मैं १,६,१; काठ ७, १३: क ६, ४: ७,२; कौ २,५: ७२६: ३,५,४: जैं २, ६, ३: ३, १,७: ५९,१८: शौ ६, ३१, १: २०, ४८,४; पैं १९, ४५, ११; आ(आ-अ)क्रान् तैं ७, ५, १९, १[२];काठ ४५, १५[२]; आ(आ-अ) क्रमिषम् तै ५, ६,८,१[३]; आ··· अक्रमीम्[1] ऋ १०,१६६,५.

¶आक्रमयति तैं ५, २, ६, ५[२]; ¶आक्रमयति तैं ५, १, २,६; मैं ३, २, ८; ४,३, १[२]; काठ ८,५, २०, ५; २१, ९[३]; २५, ८[२]; २६,२[२]; २८,४[२]; क ७,१; ३१, ७; ४०,१[२];५[२]; ४४, ४[२]; ¶आ-क्रमयन्ति मैं ३, २,५; काठ २०, ५; क ३१, ७; ¶आक्रमयन्ति मैं ३,२,५.

आ-क्रंस्यमान[j]– -नः शौ ९, ५, ८; पैं १६,९७,६.

आ-क्रम[f]– -मः मा १५,९; का १६, २,७; काठ २१,९¶; –¶माः मैं ४,६,७; काठ २८, २;४; –माय मा १५,९; का १६, २, ७; –मे पैं ९,१२,७.

आ-क्रमण[k]– -णम् मा २५, ३; ६; का २७, ३,१;६,१; ¶तै ५, ५, ७,२;४,१५,१$; ६ ५,३,३; ६, ४,२; ७, ५,८,५; मैं ३, १५,३: ६: काठ ७,१५¶;५३,५; क ६, ५¶; शौ ५, ३०,७: १३,१,४४; पैं ९, १३, ७; १८, १९, ४;

a) गस. शत्रन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

b) तु. सा.; वैंतु. उ. म. PW. GW. प्रभृ. <आ√कन् इति, दे. (निघ २,६), वैंप २,१८२ यस्था. टि. च <आ √चक् इति, वैंप ३, १३१ < आ √ *कृ(शब्दे) इति च ।

c) वैतु. वें. अनन्वायुक इव, सा. GW. च आ-सृजानः इति ।

d) वैतु. सा. आ इति स्वाश्र. सन् सृज्यमानः इत्यनेन युक्त इति, विव. भ. ⌊कौ १,५३०⌋ आ-सीदन् इति GW. आ-सृज्यमानः इति च ।

e) विप. (आजन-)। गम. उप. यङ्लुगन्ताद् धा. कर्तरि अच् प्र. ।

f) भाप. । गस. उप. घञन्ते थादि-स्वरः ।

g) °क्रम° इति पाठे? यनि. शोधः ।

h) तु. ऋ ९,३६,१: वैंतु. GW. कार्ष्मन् इति मत्र. युक्तः कप्र. आ इति ।

i) उपु१ मिप्>अम्>म् (पा ७,१, ४०)। यद्वा मिप् >म् अम्भावाभावः उसं. (पा ३,४, १०१)।

j) गस. उप. लृटः शानच् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

k) भावादौ ल्युट् प्र. । गस. उप. प्रकृतिस्वरम् ।

-णेन पै ९,१९,२.
आ-क्रममाण,णा[a]- -णः मै ३,७,२¶; -णा काठ ३९, ६; -¶णाः काठ ३४, ५; -णाय तै २, ४, ५,२.
आ-क्रम्य खि ४,९,१; मा ११,१९; का १२, २, ८; तै ४,१, २,३; ५, १, २, ६¶; मै २, ७, २; काठ ८, १०¶; १६,२; १९, ३; क ७, ६¶; ३०, १; शौ ८, ८, १६; पै १६,३०,७.
¶आ-क्रम्य,म्या[b]- -म्यः काठ ८,५[c]; क ७,१; -म्यम् क ७, १; -म्या तै ५, ६, ६,२[c].
आ-क्रान्ति[d]- -न्तिः काठ ३९,६; न्तिम्, -न्त्या मै २,८,८; -न्त्यै मै २,८,८;¶४,६,७;८,३.
आ-काम- -माः क ४४,२;४.
आ-क्राम(त्>)न्ती- -न्ती काठ ३९,६.
φआ-चक्रमाण[e]- -णा ऋ ६, ६२, २.

आ √क्री

आ-क्रया[f]- -यायै[g] मा ३०, ५; का ३४,१,५.

¶आ √क्रुश्, आक्रोशति, आ···क्रोशति तै ७,५,९,३.
आ-क्रोशत्[h]- -शन्तः तै ७, २, १, ४.

आ √क्रम्>क्राम्

आ-क्रान्त- -न्तम् पै ११,२,७.
आ-क्षाण[i]- -णे ऋ १०,२२,११.

आ √क्षि[j] (निवासे), आ[k]···क्षयसि ऋ ६, १३,२.
†आक्षेति ऋ १, ६४, १३; ८,३९, ९; १०, ९१, २; १२४, ८; १३६, ५; तै ३,२,११,३; पै ५, ३८,५.
आक्षियन्ति शौ १८, २, ४९; आ(आ-अ)क्षियन् शौ १२, १, ५७; पै १७, ६, ६; आक्षियेम[l] शौ ६,११७,३.
आ-क्षित्[m]- -क्षित् ऋ ३, ५५,५.
आ-क्षित[n]- -तम् ऋ ५,७,७.

आ √क्षि (हिंसायाम्)

आ-क्षिण[o]-
आक्षिण-क[p]- -केभ्यः[q] मै २,९,९
¶आ-खर[r]- -खः तै ६,४,११,३.
आखण[s]- -णम् पै ९,२५,५[t].

---

a) गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
b) विप. । गस. उप. कृत्यार्थे यत् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।
c) वैतु. आन. पपा. शोधार्हः ।
d) गस. क्तिन्नन्ते उप. अनन्तरस्य ग. स्वरः ।
e) गस. उप. कानजन्तं प्रकृतिस्वरम् ।
f) भाप. । गस. प्रकृतिस्वरः । उप. स्त्रियाम् अः प्र. उसं. (पा ३,३,१०४) टाप् प्र. च ।
g) सपा. तैब्रा ३,४,१,१८ आक्रयाय इति पाभे. ।
h) गस. शत्रन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
i) नाप. (आख्यान-, कथा-)। यद् ह···दम्भयः, ता (नैप्र. तद्) ते···आ° (प्रसिद्धं भवतीति शेषः) इति वा. । आ √*क्षा(=कशा<>ख्या)+कर्मणि नः प्र. (तु. पाउ ३, ६)। गस. उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पपा. नावग्रहः, वें. =युद्ध- इति ? ORN.< √अक्ष्(व्यधने) इति, निघ२, १८ ⌊°णः इति पाठे? यनि. शोधः ⌋ या ३, १०, उद्गी. सा.< √अश् ⌊व्याप्तौ⌋ इति,? GW.< √अक्ष् ⌊व्याप्तौ⌋ इति कृत्वा विप. इति ⌊पृ १४ यनि. शोधः⌋)।
j) उपसृष्टः धा. सकर्मकः द्र. ।
k) वैतु. मा. √इ>इषे इत्यनेन क्रिप. अनुगामुकः, GW. च ग. अभाव इति ।
l) सपा. तैब्रा ३,७,९,९ तैआ २, १५,१ आपश्रौ १३, २२,५ (संपा. दीर्घ इति कृत्वा) आक्षीयेम इति, माश्रौ २,५,५,२२ संचरेमहि इति च पाभे. ।
m) विप. (अग्नि-) । गस. क्विबन्तं उप. प्रकृतिस्वरम् ।
n) नाप. (ग्रामाद्यावास-) । गस. उप. अधिकरणे क्तः प्र. अनन्तरस्य ग. स्वरश्च (तु. OV.; वैतु. मा. नैप्र. =आ-क्षित- इति ?, GW. =अ-क्षित- ⌊< √क्षि क्षये⌋ इति ? मन्वानः विप. ⌊अन्वन्- ⌋ इति) ।
o) गस. उप. शः प्र. उसं. (पा ३, १, १३७) प्रकृतिस्वरश्च ।
p) स्वार्थे कः प्र. तत्स्वरश्च (तु. °क्षेण°, °क्षण° मूको.) ।
q) सपा. मा १६,४६ माश९,१,१,२३ विक्षिणत्के° इति, तै ४,५,९,२ काठ १७,१६ विक्षीणके° इति च पाभे. ।
r) नाप. [वेध्य-, लक्ष्य-(तु.भा. K., सा. तु ⌊गजवराहादीन् पातयितुम्, K. पक्षे ⌊व्याधस्य निभृतावस्थानार्थम्⌋ गर्त-)] । व्यु.? पपा. नावग्रहः । प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. √खन्+कर्मणि डः प्र. (पावा ३, ३, १२५ ⌊वैतु. पाप्र. करणे प्र. =खनित्र- इति⌋) ।
s) नाप.(लोष्ठ-)। व्यु.? √अक्ष् (व्यतिवेधने) > (अधिकरणे ल्युटि) अक्षण->नैप्र. यनि. स्यात् (पाप्र. कृते तु. टि. वैप ३,१३१f) ।
t) सस्थ. अ(ख>)खा->-खा इति पृथक् पदं द्र. (वैतु. पृ ५४१ अखाखण- इति समस्तो निर्देशः यनि. अनु शोध्यः) ।

*आ √खण्ड्
आ-खण्ड[a]–
†आखण्ड-लू[b]– -ल ऋ ८,१७,१२; कौ २,७६; जै ३,८,२; शौ २०,५,६.
आ √ख(खा)द् (*भोपणे)[c], †आच-खाद् ऋ ६,६१,१; मै ४,१४,७; काठ ४,१६.
आ √खन्
आ-ख(?खा[d])न– -नम् पै ११,७,१०.
आ-खु[e]– -खुः मा ३,५७;२४,३८[f]; का ३,८,१; २६,८,३[f]; तै १,८,६,१;५,५,१४,१; ६,६,४,५¶; मै ३,१४,१९; काठ ४७,४; पै ५,२०,८;१९,३२,११;१३; –खुम् ऋ ९,६७,३०; मै १,१०,४;२०; काठ ९,७;३६,१४; क ८,१०; शौ ६,५०,१; पै १९,२०,५; –खून् मा २४,२६; का २६,६,१; मै ३,१४,७; –खोः पै ५,२०,६;७;१९,३२,१२.
?आख्वी– ?आखो टि. द्र.
¶आखु-किरि[g]– -रिः, -रिम् मै १,६,३; –रौ मै १,१०,२०; काठ ३६,१४.
आ-खर[h]– -रः शौ २,३६,४; पै २,२१,४; –†रे ऋ १०,९४,५; काठ ३५,१४; क ४८,१३; शौ ६,४९,३; पै ३,२८,२§; १९,३१,१६.
आखरे-ष्ठ[i]– -ष्ठः[j] मा २,१[k]; का २,१,१[k]; तै १,१,११,१; क १,११;४७,१०.
आखरे-ष्ठा[l]– -ष्ठाः[j] मै १,१,११; ४,१,१३; काठ १,११;३१,१०.
आ √खिद्, आ···खिदति ऋ ४,२५,७; आखिदन्ति पै १६,७३,५; आखिदामि पै १९,१४,२; आ···खिदामि शौ ६,१०२,२; आखिद>दा शौ ४,२२,७; पै ३,३६,१.
आ-खिद[m]– -दम् पै ६,१४,९; –दाय[n] मै २,९,८; काठ १७,१५; क २७,५.
आ-खिदत्[o]– -दते[n] मा १६,४६; का १७,७,५; तै ४,५,९,२; मै २,९,८; काठ १७,१५; क २७,५.

[a]) नाप. (वज्र-)। गस. उप. कर्तरि अच् प्र. वा करणे घञ् प्र. वा। थादि-स्वरः।

[b]) =वज्र-भृत्-। उस.। उप.< √ला इति कृत्वा कान्तम् प्रकृतिस्वरं, यद्वा मन्वर्थे लच् प्र. उसं. (पा ५,२,९७)। चित्स्वरः (वैतु. या. ⌊३,१०⌋ प्रकृताद् धा. एव कृद्वृत्तिमास्थायुक इव)।

[c]) तु. ऋ १,९३,४ (यद्गतस्य मुषेः धा. इवास्यापि द्वि-कर्मकता द्र.), Egg.: वैतु. सा. हिंसार्थ इति, सा.(माश.) PW.प्रभृ. भक्षणार्थ इति च। पाप्र. (६,१,५२)< √खिद् [तु. माश ३,६,२,१२; वैतु. पाका. चिखा° इत्यपपाठः (तु. मूको. ⌊India Office⌋ यनि.)]।

[d]) मुपा. मूको. अनु छन्दस्तः प्रति-शोधः। करणे घञ् प्र. (पा ३,३,१२५)।

[e]) नाप. (मूषक–)। पपा. नावग्रहः। गस. उप. डुः प्र. (पाउ १,३६) प्रकृतिस्वरश्च।

[f]) सपा. तै ५,५,१८,१ पान्त्रः इति, काठ ४७,८ पाङ्क्तः इति च पाभे.।

[g]) नाप. (⌊मूषक-विकीर्ण-⌋ मृत्तिका-विशेष- ⌊=आखु-करीष तैब्रा १,१,३,३⌋)। षस. अन्तोदात्तः। उप. √कॄ (विक्षेपे)+कर्मणि इः प्र. (पाउ ४,१४३)।

[h]) नाप. (मृग-विवर-)। आ √खॅन् (खनने)+अधिकरणे घः प्र. उसं.। गस. उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पावा ३,३,१२५ आ √खन्+डरः प्र. ⌊यत्र प्र. चित्त्वम् उसं.⌋।

[i]) विप. (२कृष्ण-)। उस. उप. √स्था+कः प्र. सप्र. अलुक् च (पा ६,३,१४)। थादि-स्वरः।

[j]) °ष्ठः<>°ष्ठाः इति पाभे.।

[k]) =खर-(=आहवनीय-)> -रे+φआ-स्थ- इतीत्र उं. म. ?, म. पक्षे (तु. सा. सपा. का.) आँ-खर- इति प्राग. (=वृक्ष-?) इति चोभयं चिन्त्यम्। असामर्थ्याचाऽप्रसिद्धेश्च प्रसिद्धि-विरोधाच्च। सर्वत्र कृष्ण-मृगसाहचर्येण आ-खर-इत्यस्यैव श्रुतेरिहापि तस्यैव प्रकृतत्वाच्च।

[l]) विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् इति पूर्वाद् विशेषः।

[m]) विप. (रुद्र-, पै. रक्षस्-)। गस. उप. कर्तरि कः प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[n]) °दाय<>°दते इति पाभे.।

[o]) विप. (रुद्र-)। गस. शत्रन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। वि. स्वरः (पा ६,१,१७३)। °खिद° इति तै. पाठः।

आ-खु- आ √खन् द्र.

?**आखो**[a] पै १९,४७,१.

आ√ख्या, †आ···अख्यत् ऋ ४,२,⌊१८[b]; (७,६०, ३;८, २५,७)⌋; शौ १८,३,२३[b].

आ√गच्छ्,गम्,>गमि, आगच्छति ¶मै१, ४,११[2]; ११,५; ३,१०, ७;४,१,११;२,१;३; आगच्छति ¶तै ३, १, १,४; ६, २, १,२; मै ३, ९, १: आगच्छति ¶काठ ७,९; १४,५; २३, ५;९;२५,७; ३१, १५; ३७, १४; ¶क ३६, ६; ३९, ५; पै १६, १२१, ५; आ···गच्छति तै २, ५, २, ६¶; ५, ६, १,४; ¶मै १, ११, ५[c]: २, १३, १$; ४, २, ७[2]: काठ १४, ५[c]; ३५, ३; क ४८, ४; शौ ३, १३, ६; १५, २, ८[2]; १४[2]; २०[2]; २८[2]; ७, ३[2]; ५[2]; १०, ८:१०; ११, ७; ९; ११; आगच्छन्ति ऋ १, ८५, ११: तै ६, १, २, ३¶; ¶मै २,४,६;१०; ३,३,६;४,२, ९;८,२[2]; ¶आगच्छन्ति तै १, ६, ७, १; मै १, ४, ५; आगच्छन्ति काठ ३१,१५[2]; ३२,७;३५,१८; क ४८, १६; पै १५, १८,६?[d]; आ···गच्छन्ति ऋ १०, १६८,२; शौ १५,७,३[e]; पै १,१०७,२†; आ···गच्छसि ऋ ४,३१,५; आ···गच्छाति ऋ ७, ३३,१४; आ···गच्छत् पै ३, ४, ६[f]; आ-गच्छात् खि १,९,५; मा१८,६०; का २०,४,३; तै ५,७,७,१: काठ ४०,१३: आ···गच्छात् ऋ १०, १०८, ३; †आ···गच्छान् ऋ १०, १०, १०; शौ १८,१, ११;आगच्छतु मै १,४,१[2h]:४[5g]; काठ ५,४[2]; ६[2a]: ३२, ४[2]; आ···गच्छतु पै २०, ५९, ३: †आ (*गच्छतु) ऋ ३, ४,⌊८; ७, २,८⌋; ६,१९,१: मा ७,३९; का ७, २१, १; तै १. ४, २१, १; मै १, ३, २५; काठ ४, ८: आ···गच्छताम् ऋ १.२१,४; २२, ⌊१[h]: (५,७५, ७;७८,१)⌋; आ···गच्छन्तु ऋ ९,८१,४; पै २०,४१,७;४४,१; आगच्छतात् शौ ९.३,१०; पै १६,३९,१०; आगच्छ पै २०,२२,१: आगच्छ-तम् ऋ ६,६०,९: ८, ५७,१[i]; खि १,४,२; काठ ४,१६: कौ २,३४३: जै ३,२८,१५; आ··· गच्छतम् ऋ १,३४,१०: ५,७५, ⌊३; (१, १८३, ५: ७, २४, ४); ८, ८,१; (१८;८७,३);८५, १⌋; कौ २, १०९५; आ···गच्छतम् ऋ ४,४९,३;५, ७५,⌊७;(१,२२, १)⌋; ७८, १; ८, ३५, १०; तै १, ४,७, १‡[j]; आ(*गच्छतम्)[k] ऋ ५,६४,५; †आ···गच्छत ऋ १०,१५,११; मा १९,५९; का २१, ४,८; तै २, ६,१२,२; मै ४,१०,६; काठ २१,१४; शौ १८,३,४४; ¶आ(आ-अ)गच्छत् तै २, ५,३,६; ३, १,९,४;५;६, १, ६,२:३; ४,११,२; मै १, ६, ३; १२; ३, ७, ३[2]; काठ ८, ५; १०,६;३०,१; क ७,१;४६,४; $शौ८,१२,१;३;५;७;१३–१४, १;५; ९: १३: $पै १६, १३४, १-४; १३५, १-८; १७, २९,६; आ···अगच्छत् ऋ १०, ९८,२[l]; मै ३, ७,३¶; आ(आ-अ)गच्छन् काठ७,९¶;३७,११; आ(आ-अ) गच्छतम् ऋ १, ११७, १९; ५, ७८,४; खि १,७,५; आगच्छेत् तै ७,५, २१, १¶; काठ ७, ९¶; १०,९¶;४५,१८; शौ १५,१०-१२,१: १३, ११: ¶आगच्छेयुः तै ६,१,२,३.

आ···गमन्ति ऋ ७, ३४, २०; आ···गमथ. ऋ ४,४३,४;आ··· गमताम्[m] खि ५, ५, ५; †आ, गमन्तु ऋ १, १०७,⌊२[n] (१०, ३५,१३)⌋;६,४९,⌊१ (५१,१०); १०,१५,५⌋; १०, ३५,⌊(१,८९,

---

a) पाठ ? यदु आखोर्यदु आख्व्याः, अर्णवः इति शोधः। आखु-जम् आख्वी-जं च विषमुपमेयम् ।

b) पाठो विशेषतो विमृश्यः (तु. सस्थ. टि. उग्र- > -अ)।

c) तु. तैब्रा २,७,१८,३ ।

d) अ॰ इति पाठः ? यथा-शोधमप्य् अर्थः ? (तु. टि. तद्गइछ॰) ।

e) तु.RW.; वैतु. शंपा. प्रभृ. ॰च्छति इति शोधार्हः पाठः।

f) सपा. शौ ३,१३,६ आ···गच्छति इति पाभे. ।

g) एकतरत्र =सपा. आपश्रौ ९, १०,१६। आश्रौ ३, १३,१५ तु अवतु वर्धताम् इति विशिष्टः पाभे. ।

h) तु. या १२,४ ।

i) आ । अ॰ इति पपा. ? (तु. सपा. खि.) ।

j) सपा. ऋ १, २२,१ आ···गच्छताम् इति पाभे. ।

k) द्वितीयस्य श्रवणस्य कृते तु. सस्थ. टि. आ ।

l) तु. सस्थ. टि. अभि ।

m) सपा. शांश्रौ ८,१६,१ आगताम् इति पाभे. ।

n) तु. सस्थ. टि. उप ।

७)१३⌋; मा १८,३१; १९,५७;
३३,५२; का २०, १,२; २१,४,
६; ३२,४,९; तै २,६,१२,३;४,
७, १२, १; मै ४, १०, ६; काठ
२१, १४[२]; शौ १८, ३, ४५;
†आ···गमन्तु ऋ १,१८६ २;
मै ४,१४,११[a]; आ···गमेत् शौ
२,३६,१;३,१२,३;१३,५; पै ३,
२०,३; आ(गमेत्), आ (गमेयुः)
शौ ३, १२, ३; पै ३, २०, ३:
आगमेः मा १८.५६; का २०,३;
६: आ···गमेम ऋ ७, ६७, ⌊६;
(८४–८५,५)⌋.
आ···गथ ऋ ८, २०, १६;
आगन्तु ऋ १, १८६, ६[b]: †आ
···गन्तु ऋ १, १७५,२;५,४३,
⌊११;(७६,४)⌋; १३; ७, १८,४:
तै १, ८, २२, २: मै ४, १०,१;
काठ ४, १६; कौ २, ७८३:
†आ(गन्तु) तै २, ५, १२, १:
३, १, ११, २: मै ४, १४, ३:
आगन्ताम् पै २०, ५५,१०: आ
···गन्ताम् मा ९,१९[c]; तै १, ७,
८,३; काठ १४, १; आगहि ऋ १,
४,२[d]: ३;६,९; १४,२;१६, ⌊४;
३,४२,१⌋[d]; ५:१९,⌊१–९⌋;२३,
⌊१; ८, ८२, २⌋; ⌊२३; १०, ९,
९⌋; ३०, २२: ४९, १: ८४, १;
१३९,⌊६[२];(१,९१,११)⌋; १४२,
१३[२]; २, ६,६:४१, १: ⌊२; (४,
४७,१; ८, १०१,९)⌋; ३, ३७,
⌊११[२]; ४०,८; ९⌋; ४२,२; ४४,
⌊१; ८,१३,१३⌋; ५, ५,९; २६,
⌊४; ५१,१⌋; ५१, ⌊३; (८, ३८,
७)⌋; ६, २२,११;४१,१;५४,७;
७,३२,१;८,१,९: ३, ⌊१७; ४९,
७;५०,७⌋;४,२; ३;१०;१८, ४;
२१,४; २६,२०; ३४,६; ६५,९;
६६,८; ८२,४;९५,८; ९७, ⌊५;
(५,७३,१)⌋;९९,१[d];९,६५, ५:
१०,१४,५: ३८, ५; १५०, १[२];
१६७,२: खि ३, १,७;२,७; मा
११,७२: १६,५१:१७,६;†२७,
२९:३२: का १२,७,७; १७,८,
५: १८,१,७; †२९, ३,५;७; तै
१,४,३९,१†:२,४,५,१;६,१२,
६†; ३,१,११,२†: ४, १,९,३;
५,१०,५:६,१,२: मै २, ७, ७;
९,९:१०,१:†४,११,२;१२,३[२]:
१४, २: १६: काठ १७, १७: क
२८, १: †कौ १, १६; २५२;
२८४: ३०१: ३०२[d]: ३४७; २,
१३६: १६३[d]; ३७८; ४३९:
५८२:७५३;१००५$[f]; १०२५:
१०७१: ३,२,६: †जै १, २, ६;
२६,१०:३०, २: ३१, ९; १०[d];
३६,६; ३, १३,१२: १५, ११[d]:
३०,२१: ३३, १३; ४७, ८: ४,
१०, ७: १७, १०$[e]; १८, १:
२६,४: शौ ६, ७,१; १०८, १:
१८,१,५९†; १९,४,३: †२०,
६,८:९: २०, ४[२]; २४, २: ३६,
११; ५७,३;७[२]; ६८,३; ७०,५:
१२०,२: पै १, ३९,१: ६, १६,
३‡[f]: †१७, १–१०; १२, ३,
१५‡[f]: १९,१७,७; †आ···गहि
ऋ ३,१,⌊१९;३१,१८⌋: ८, १३,
१४; ३४, १२: ४६, ⌊९:(४,२९,
१):६६,१२⌋:६०,४[g]: मै ४.१४,
१५; जै ४,२८,९[g]: पै २०, ३६,
२; †आ···आगहि ऋ ४, ३२,
⌊१; ८, १, १६: ८२, ४⌋: मा
३३, ६५: का ३२,५,११: मै ४,
११,४: काठ ६, १०: २१, १३:
कौ १, १८१: जै १, १९, ७:
†आ···गधि ऋ ८, ९८,४: कौ
१, ३९३:२,५९७: जै १,४४,१:
३, ४८, १३: शौ २०, ६४, १:
आगतम् ऋ १, ४६, १३: ४७,
७: ⌊९: (८, ८, २): २२, ५⌋:
११२, ⌊१–२३⌋ : ३, १२, १;
५८, ४: ९: ४, ४६, ५: ५, ५,
⌊७; (९, ५, ८)⌋ : ७१, ⌊३:(१,
१६, ४: ३, ४२, १)⌋[d]: ७३,
⌊१; (८, ९७, ५)⌋ : ७४, ६:
६, ५९, ⌊१०: (८, ८, ७: १२,
२३)⌋ : ६०, ८ ; १५: ७. ७३,
⌊४: ७४, ३⌋ : ८२, ८: ८३,३:
९४, ७: ८, ५, १३: १६: ३०:
१०,५: २२, १०: १२: ३५,
⌊ २२–२४ ⌋ : ३८, ⌊४–६⌋ :
⌊७: (५, ५१, ३)⌋: ७३, १०:
८७,१: ६: १०,६१, ४: खि १,
२,५: ५, ६, ४: मा ७, ३१†:
३३, ३३: ७३: ८८†: का ७.
१३,१†:३२,३,४: ६,४: तै १,
४, १५, १†: ४, ७, १, १: ५,
७,३,२¶; मै १,३, १७†: ४,
९,१२[h]; १०,१;११, १†: १२,

[a]) °मन्त इति Sch. पाठे मुद्रण-भ्रेषः द्र. ।
[b]) तु. सा.; वैतु. वें. अच्छा···आग° इति,GW.अच्छा
···ग° इति ।
[c]) सपा. का १०,३,१२ आ···गतम् इति पाभे. ।
[d]) तु. सस्थ. टि. उप ।
[e]) तु. टि. एु (आ √इ)> एहि ।
[f]) सपा. ऋ १,१८७,३ आचर इति पाभे. ।
[g]) तु. सस्थ. टि. अभि ।
[h]) उत, आगतम् इत्यस्य स्थाने सपा. तैब्रा ३,७,१३,४
तैब्रा ४,२०,३ 'उप···अवतम्' इति पाभे. ।

६; १४, ६; काठ †४, ७; १५; ३५,५[a]; क ३,५†;४८,६[a];†कौ २, १९; ३४२; †जै ३, २,१०; २८, १४; शौ ७, ७७,२[b];४; पै २०,११,६[b];८; आ…आगतम्, (आ) आगतम् ऋ १, १३५, ⌊४[c] (४, ४८, १–४)⌋; आ…गतम् ऋ २, ३७, ५: आ…गतम् ऋ ७,७०,१;८,२६,८; का १०, ३,१२[d]; आ (गतम्) खि ५,६, ३: मा ३३, ७२; का ३१, ६, ३; आगन्तम्[e] ऋ २,३९,३: आ…गन्तम् ऋ १,१३५, ५: १३७, १[f]: ५, ७१, ⌊१[g] (८,८, १७)⌋:८,८,⌊७:१७; १९⌋: ९,१: जै ४,१८,५[g]†; शौ २०,१३९, १†: आ…गन्तम्[g] ऋ ८, ८७, ४; †आगत,>ता ऋ १, ३, ⌊७;२,४१,१३;६,५२,७⌋:१०६, ⌊२;१०, ३५, ११⌋;१९, ५१,⌊(१, १२,७) २⌋:७, ५६, १०: ९, ५, ११;१०, १५,४; ७७,४; मा ७, ३३;३४; १९, ५५; का ७,१५, १; १६,१; २१, ४,५; तै १,४, १६,१; २, ६,१२,२:४,३,१३, ५; मै १,३, १८; ४, २, १०$: १०,५;६; काठ ४,७; २१, १४; क ३,५: शौ १८,१, ५१: पै ४, २८,२; आ…गत ऋ ८, २०, १०; आ[h]…आगत,आ (गत) ऋ ८, २१,२: †आगन्त,>न्ता ऋ १,३,८: ८, २०,१: तै ३,२,४, ५[i]$; कौ १,४०१: जै १,४५,३: पै २०,४८, १०; आ…गन्त> न्ता ऋ १, ३९, ९:८, २७, ५: आ…गन्त ऋ ६, ४९, ११; आ …गन्त मै १, ११,३: †आ… गन्तन ऋ २,३६,३; ८,५४,३[j]: खि ३,६,३[k]; मा २६,२४;आ… गन्तन ऋ २,३४,५:६;५,५७,१; ८,७,११[j]; तै १, ५,११, ४[j]: मै ४,१०, ४[j]; काठ ८, १७[j]: आ[k] …आगन्तन ऋ ७,४३, ४; आ- गम्यात् तै ३,२,६,१[l];७,२[m]: मै १,४, १[2l]; आ…गम्यात् मा ९, १९; का १०,३,१२; तै १,७,८, ४;३,२,७,१;२;३[2];मै १,११,३; काठ १४,१; आगम्याः[l] काठ २५, ७[?]; क ३९,५[?]; आ…गम्याः ऋ १,१८१,३;१८६,६[n];१०,२, ७; काठ ५,५; ८,१३.

आ(आ-अ)जगन् ऋ १, १६१,१; ४; शौ १९,४९,३; आजगम्यात् शौ ७,२७, २‡[o]; ४२, १; ८९, ३‡[o]; पै १,७७, २‡[o];१९, २७, १२[p]: आ…जगम्यात् ऋ ५,३३, ५:६,५०,⌊८(७, ३५,१०)⌋; मा ९,१९; का १०,३,१२; तै १,७, ८,३: मै १,११,३;७; काठ १४, १;७: क २९,.२; पै २०,४,३[q];आ (जगम्यात) काठ १८, १३: ?आ …जगम्य[r] पै २०, ४०, ५; आ (जगम्याताम्) मा ९,१९; का १०, ३,१२: तै १,७,८,३; मै १,११, ३: काठ १४,१: आजगम्यातम् ऋ ६,५०,१०.

---

[a]) सपा. तैब्रा ३,७,८,३ आपश्रौ १४, ३०,२ जुषेथाम् इति पाभे. ।

[b]) =सपा. आश्रौ ४,७,४ शांश्रौ ५,१०,८ । मा २०, ५५ मै ३,११,३ काठ ३८,८ तैब्रा २,६,१२,१ तु विशिष्टः पाभे. ।

[c]) तृतीये पादे आ इत्यस्याऽऽदरार्था द्विरुक्तिः द्र. (वैतु. ORN. अन्तःपादं रथेन इति पदं प्रवेशुकः ⌊वैतु. ऋ ४, ४८,१ इत्यत्रत्यं टि.⌋ पादान्तात् यनि. क्विप. विरे- चुकश्च) ।

[d]) सपा. मा ९,१९ आ…गन्ताम् इति पाभे. ।

[e]) तु. वें. सा. ORN.; वैतु. पपा. GW. प्रथमा । गन्तम् इति ।

[f]) तु. सस्थ. टि. उप; वैतु. सा. GW. (पक्षान्तरे) च आङम् अनन्वायुकावित्र ।

[g]) तु. सस्थ. टि. उप ।

[h]) आदरार्था द्विरुक्तिः (वैतु. सा. पादपूरण इति) ।

[i]) आ । अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. माश्रौ २,३,७, ३ भा. सा. प्रमृ. च) ।

[j]) तु.सस्थ.टि उप; वैतु. मा. (ऋ.) आनन्तर्येऽर्थे स्वाश्र. इति, भा. सा. (तै.), SI. आङम् अनन्वायुका इव ।

[k]) द्विरुक्तिरादरार्था (वैतु. वें. मा. आ क्रिउ. इति कृत्वा वाक्यान्तरं कुर्वाणौ) ।

[l]) सपा. काठ २५,७ आगम्याः इति, आपश्रौ ४,१२, १० आगमेः इति, काठ ५,४; ३२, ४ आगच्छतु इति च पाभे. ।

[m]) सपा. वैताश्रौ १७, ८ आगमयेत् इति पाभे. ।

[n]) अनुपसृष्टम् इति GW. विमृश्यः ।

[o]) सपा. °गन्थ <> °गम्यात् <> °गाम इति पाभे. ।

[p]) सपा. शौ ६,२९,३ आपपत्यात् इति पाभे. ।

[q]) सपा. शौ ७,२१,५ आ…जगाम इति पाभे. ।

[r]) सपा. तैब्रा १०,४२,१ हिगृ १,८,४ आ…जगम्या इति पाठः । तत्र चेह च आ…जगम्यात् इति शोधः (तु.भा.⌊तैआ.⌋

आजगाम ऋ १०, २,१८; तै १, ६,१२, ५‡[a]; ¶काठ ९, ३; १२; २६, ६; ¶क ८, ६; ४१, ४; आजगाम ऋ १०, २८, १;१६५, १[b]; शौ ६, २७, १†[b]; ७१, २; पै २, २८,३; ५,२८,५[२]; ३६,३; १९,१३, १३†[b]; २७,१२[c];२०, १०, १[d], †आ···जगाम ऋ ५, ३१, १२; ८, ४, ११; कौ १, ३०८†; जै १, ३२, ६†; शौ ७, २१, ५; ?आजग्मुः[e] क ३, १०; आ···जग्मुः ऋ १०, १११,१०; †आजगन्थ,>न्था ऋ १०, १०८, ७; १८०, २[a]; मा १८, ७१[a]; का २०,५,४[a]; मै ४,१२, ३[a]; काठ ८, १६[a]; कौ २, १२२३[a]: †आजगन्थ ऋ १०, ⌊४५, २(८४,५); १०८,९⌋; मा १२,१९; का १३, २, २; तै ४, २,२,१; काठ ९,१९;१६,९; शौ १४,२,१९$[f]; पै १८,८,१०$[f]: आ[g]···आजग्मथुः ऋ १०, २२, ६; आजग्म मा ८,१८: का ९,३, ४; तै १,४,४४,२; मै १,३,३८; काठ ४,१२: शौ ७, १०२, ४; आजगन्म ऋ ४, १६, १८[h];

†आ-गमत् ऋ ३,४२,४;५,४२, ७; ८, १०३, ९; कौ २, २२९; जै ३, २०, १३; शौ २०, २४, ४; आ-गमत् ऋ १, १,⌊५; ३, १०,४⌋; ४, ५५,१०; ५,३६,१; ४६,५; ६; ८, १, २७; १८, ७; ३३,९; ६१, १; ७२, १; खि ७, ७, २; मै ४, १२, १; ‡काठ[i] १८, २; ३०, ५; क २८, २‡[i]: †कौ १,१०२;२९०;२,२१५‡[j]; ५८३;१०८८; †जै १, ११, ६: ३०,८; ३,१९, १०‡[j]; ४७,९: †शौ २०, ५३, ३; ५७, १३; ११३,१; पै १,५५,२; ३, १७, ३: ८,२०,१०[४]; ९, १२,२; १०, ६,६; १९,५०,४; †आ···गमत् ऋ १,५.३: ३, १३,१: ८, ४०, २[२]; कौ २,९२; जै ३, ९,६: शौ २०, ६९,१; आ···गमत् ऋ १, ३०, ८[k]; ८, २, २६; १०२, ९[k]: खि ५, ५,२; ४;८;१०;११; ७, ४, ५; †कौ २, ९५[k]: २९८[k]: १०९: †जै ३, ९, ८[k]; २४, १४[l]: शौ २०,२६,२[k]†: आ··· गमत्, आ[?] (गमत्) खि ५, ७, ४,९; आ-गमन् ऋ ५, ५६, २;

९, ४९, २[k]; मा १७, ७८; का १८, ६, १४; तै ५, ५, ४, ३; मै २, १०,६; †आ-गमन् ऋ १, ८९, ७[l]; ८, ५४, ३; ९,५,⌊८ (५,५,७)⌋; खि ३, ६,३; ५, ६, ६; मा २५, २०[l]; का २७, ११, ७[l]; मै २, १२, १[l]; काठ १८, १३[l]; ३५, १[l]; ३९, ३: क २९, २[l]; पै ९, १२, ११$: †आ···गमन् ऋ १०, ४४, ५: शौ २०, ९४, ५; आ···गमन् ऋ १०, १०८, ८; खि ५, ५, ६; ७; ९; आ··· गमन् ऋ ४, ३४, ५: †आ-गमः ऋ ८, ३, १४;३३,२[j]; शौ २०, ५०, २; ५२, २[j]; ५७, १५[j]; †आ···गमः ऋ ८, ३३, ८; कौ २, १०४७; शौ २०, ५३, २; ५७, १२; आ(आ-अ)गमत् ऋ १०,६०,७; शौ १,८,२: ६,३५, २: १०,६,२:२२–२८; पै ४,४, १०; १६,४२, २: ४४, ५–७: १९, ९, ५: आ(आ-अ)गन् ऋ १, १६४, ३७[m]: शौ ६, ११६, २: ३; ९, १५, १५†: १८, २, ३७; पै १६, ६६, ६†;

निघाताभावम् अन्त्यलोपं च मन्वानः, वैप ३,१३१; वैतु. मा. आ⌊गच्छतु⌋ इति क्रिउ. च °जगम्या इति कृत्यान्तमिति च)।

[a]) सपा. °गाम<>°गन्थ<>°गम्यात् इति पाभे.।

[b]) =सपा. माग्र २,१७,१ या १,१७। तैआ ४,३३,१ तु आगतः इति पाभे.।

[c]) सपा. शौ ६,२६,२ वि.शिष्टः पाभे.।

[d]) सपा. शौ ७,४२,१ आजगम्यात् इति पाभे.।

[e]) पाठः? प्रकृते प्रपु. अनुपयोगात् सर्वत्राऽन्यत्र सपा. (वैतु. या १२,४२) आजग्म (यद्र.) इति मपु. श्रवणाच्च तत्परः शोधः स्यात्।

[f]) आजगन्थ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. RW.W.)।

[g]) आदरार्था द्विरुक्तिः (वैतु.सा. प्रभृ. प्रथमे अत्रणे गृहम् इति द्वि. युक्तः कप्र. इति)।

[h]) तु. सस्थ. टि. अनु।

[i]) सपा. ऋ १०,८१,७ मा ८,४५: १७,२३ काठ २१, १३ माश ४, ६, ४, ५ जोषत् इति, तै ४,६,२,६ जोषते इति, मै २,१०,२ जुजोष इति च पाभे.।

[j]) सपा. °गमत्<>°गमः इति पाभे.।

[k]) तु. सस्थ. टि. उप।

[l]) वैतु. GW. ग. अभाव इति। =सपा. आपश्रौ १४, १६,१। ऋ १०, ३५, १३ मा १८,३१: ३३;५२ तै ४, ७,१२,१ तु आगमन्तु इति पाभे.।

[m]) आ–अ° इति पपा.? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ पपा. ⌊तु. पा ८,१,७१⌋)।

आ(आ-अ)गन् ऋ १,१७९,४; ४,३५,२;५३,७; ७, २०,९;१०, १०,७: २९,४; मा ४,१५[२a]; शौ २, २९, ४; ३, ५, ४; ७, ८४, ३[२];‡[b]; ९, ४,२२: १२, ३,१५: १४, २,१३;१४; १८,१,८†;२, ५७;४,५३; १९, ३७, १[c]; ५२, ४[d]; २०,७६,४†; आगन् पै १, १३,१:३०,४;५४,२; १०३,१[२]; ३,१३,४;५,३१, ३;४; १२, ३, १४: १३,५,१६;१४,३, १;१५, १५,९;२२,१०;१६,२६,२:३६, ९[e]: ४९,८: ९:६९,६†: ७१,८; १४९,११;१७,३७,५;१८,८,४; ५;१९,८,२[२f]; २०,१०,२;३३, २: आ···अगन् ऋ १,१२३,२: १०,४०,१२: मा २३,१३; का २५,४,२: मै २,१३, १[g]; काठ ३५,३[g]: ३९,२[g]: शौ २,३०,५: ३,५,१:१०,८;४,३७,६;५,२६, ६; ६, ६८,१[h]: १०,४,१५;११, १,१४; १४,२,५†;१८,४,५०; १९, ३१, ७; पै १,१०६,१:२, १७,२; ३,१३,१; ९,२,६; १०, ५,७; १३,४,१०; १६, १६,५; ९०,४; १८, ७,५†; १९, १७, १३;३१,८; आ-गन् ऋ ७, ५०, १; तै ३.५,१, १[i]: आ···गन् तै ५,६,१, ४[g]; शौ ३,४,१: पै ३, १,१;४,५; आ(आ-अ)गमन् शौ १४, २, ७३; पै १८, १४, ३: आ(आ-अ)ग्मन् ऋ १०, ३०, १५: †आ[j]···अग्मन् ऋ ९, ६४, ⌊१७: ६६, १२⌋: कौ २, ९: जै ३, १, ११: ५३, ८: आ··· अग्मन् ऋ ६, २८, १: ६९,७: १०, ३०, १४: तै १,६,४,२[k]?: ७, ४, ३: मै १, ४, १ : ५?[l]: काठ ५, ३?[l]; ३२, ३?[l]: कौ १, ४३५; जै १,४२,९: शौ ४,२१, १: पै २०,३३,५: आ-गमिष्टम् ऋ १०, १०६, ३; ४; आ(आ-अ)-गमम् ऋ १,१६१,२: १६६, ४: १६७,४: मा २०, २२‡[m]: का २२, १, ७‡[m]; तै ‡१[m], ४, ४५,३; ४६,२; मै १,३,३९‡[m]; शौ २, ३०,५[२]; ७, ९४, १‡[m]; ८, ६, २२[n]; ९, १, १४‡[m]; १०, ५, ४६‡[m]; १९, ३५, ३?[o]; आगमम् ‡[m]काठ ४,१३; ३८,५: क ३,११‡[m]; पै १,३३, १‡[m];६०,३; २,१७, २[२]: १६, ११,१०; ३३,४‡[m]: १९, २५, ९†;२०,२१,७; †आ···अगमम् ऋ १०,१३७,४; शौ ४, १३,५: पै ५, १८, २ ; आ(आ-अ)गन्म ऋ ३, ३१, १४: ६, ४७, २०; ८,१९,३२; ३९, ८: ७४, ४; मा ३,३८: का ३,४,२: तै ३, ५,४,१: मै १,४,३; आगन्म काठ ५,६: पै १,९२,१: आ···अगन्म ऋ ⌊(९,६७,२९) १०, ६०, १⌋; आ···अगन्म[p] ऋ १०,२,३: मा ४,१: का ४,१,१; तै १,१,१४, ३:२,३,३;३,१,१,४: मै ४.१०, २†: शौ १९,५९,३†: आ··· अगन्म काठ २,४:१५†: २३,६; क १,१६: ३६,३: पै १९,४७, ६†; †आ···अगामि ऋ ६,१६,

a) =सपा. माश ३, २,२,२३[३] । का ४,५,७[३] मै १, २, ३[२] तैब्रा ३, १०, ८,९[२] तैआ २, ५,३[३] मंब्रा १,६,३४[२] आपश्रौ १०,१८,३[२]: १७, २३,११[२] हिगृ १,१७,४[२] तु आगात् इति, शौ ६,५३, २[२] मागृ १, २, २[२] एतु इति च पाभे. ।

b) सपा. ऋ १०,१२५,३ शौ ४,३०,२ अहम् इति, तै ३,५,१,१ निवेशनी इति च विशिष्टः पाभे. ।

c) सपा. मै २,३,४ तैब्रा २, ५,७,१ आश्रौ ६, १२, २ आगात् इति, काठ ४०,३ आ···एतु इति च पाभे. ।

d) सपा. तैआ ३,१५,२ आगात् इति पाभे. ।

e) सपा. शौ १०,१,१६ आभृतम् इति पाभे. ।

f) सपा. शौ ६,५३,२ एतु इति पाभे. ।

g) सपा. शौ ३, १३,५ आ···गमेत् इति, तै ५,६,१, ४ आ···गन् इति च पाभे. ।

h) =सपा. कौसू ५३,१७; ५५,२ । मंब्रा १,६,१ गोगृ २,६,१० द्रागृ २,३,२० तु आ···अगात् इति पाभे. ।

i) =सपा. तैब्रा २, ७, ७,१:२ । शौ ६,३८, १-४ तु एतु इति पाभे. ।

j) तु. सा. GW.: वैतु PW. लक्षणे कप्र. इति ।

k) पाठः? तु. सस्थ. टि. ?एमा अग्मन्नाशिषः ।

l) पाठः? तु. सस्थ. टि. ?आमाशिषः ।

m) =सपा. माश १२, ९,२,६ तैब्रा २, ६, ६, ५ लाश्रौ २,१२,१३ आपमं २,६,६। ऋ १, २३,२३: १०, ६,६ तु आगहि इति पाभे. ।

n) सपा. मै २,१३,१० आगाम् इति पाभे. ।

o) पाठः? तु. पपा. शंपा. WI. यनि. इति : वैतु. पै ११, ४,३ सा. W. आ-गत->-तम् इति, PW. प्रभृ. आ-गम-(?)>-मम् इति, मूको. आदभन् इति च पाभे. (तु. सस्थ. टि. पाप-कृत्वन्->-त्वानम्) ।

p) तु. सस्थ. टि. अपि ।

१९; काठ २०,१४.

?आगमया (य-आ) गमे (< गमय)[a] शौ ६, ८१, २; पै १९, १७,२[b].

†आगनीगन्ति ऋ ६, ७५,३; मा २९, ४०; का ३१, २, ५; तै ४, ६,६, १; मै ३,१६, ३; काठ ४६,१; पै १५,१०,३.

आ-गच्छत्- -च्छतः शौ ६, ८२,१; पै १९,१७,४.

आगच्छन्ती- -न्तीः पै ७, १३, १२.

आ-गत,ता[c]- -तः मा ८, ५६; का ९, ७,३; तै ४, ४,९,१[२]; पै १, ३२,४; -तम् खि २, १, १; मै ३,७,८¶; शौ १०,४,९; पै १, ४८,२; ११, ४,३; १३, १३,५; १६,१५,९; -तस्य शौ ६, ८२, १; पै १९, १७, ४; -†ताः ऋ १०,८५,३१; शौ १४, २, १०; पै ७, ३,६; १८, ८,१; -¶तान् काठ २८,१०; क ४५,१; -¶ताम् काठ २७,९; -ताय तै ५, २,२, ४¶; -तायाम् ऋ ७,१०३,३;९; -ते ¶तै १, ६,८,४;५,५,१,७[२]; ३,१;¶मै १, ११,६;३,४,५[४];६, ७; ४,६,८; ¶काठ १४, ६; २२, ६[४];२३,६; क ३४, १[४]¶; कौ २, १२१९; शौ ७,५४,२; ११,६,४; १९,१३,१; पै ७,४,१;१६,२१, ३;१९,१५,१; -तेन ऋ १०,७१, १०: शौ १९,५३,७; पै १२, २, ७: -¶तेभ्यः काठ २४, ८; क ३८, १.

आ-गति- -तिः मा २०,१३: का २१, ७,१४; मै ३, ११,८; काठ ३८, ४: -तौ ऋ २,५,६.

आ-गत्य ऋ ३,३५,८; ४२,७; ५०, १: खि ४,९, १: मा ११, १८: का १२,२,७: तै १, ५, ९,४¶; ¶२, २,१,५: ६,५: ४, १,२, ३; ५, १, २, ६; मै २, ७, २; ३, १,४¶; ¶काठ ९,१७;१६, २$; १९, ३$; २६,१;२९,४; ३०,५; क ३०, १; ४०, ४¶; ४५, ५¶; शौ २०,२४,७†.

आ···गत्वा शौ १२, ३,१३: पै १७, ३७,३.

आ-गन्तृ- -न्तारम् खि ५,७,४,१०.

१आ-गम[d]-

†आगमिष्ठ[e]- -ष्ठः ऋ ३, ५८,९; ४, ४३,२; ६,५२,५;६; -ष्ठा ऋ ५,७६,२: कौ २,११०३; -ष्ठा[f]: ऋ १०,१५,३; मा १९,५६; का २१,४,७; तै २,६,१२,३; मै ४, १०,६: काठ २१, १४; शौ १८, १,४५.

२आ-गम[g]- -मात्[h] मै १, ५,१४[२]; काठ ७,३; क ५, २; -मे काठ २३, ६¶.

¶आ-गमय(?यि)त्वा[i] क ४४, ६.

¶?आ-गमयित्य[j] काठ २८,६.

¶आ-गमिष्यत्[k]- -ष्यत् मै ४, १, १३: काठ ३१,१०; क ४७,१०.

¶आ-गामुक,का[l]- -कम् मै ३,१, ५;२,२; -काः काठ २८, ४: क ४४,४.

आ-जगन्वस्[m]- -न्वान् ऋ ७, ७,५.

आ-जग्मिवस्[n]- -ग्मुषः शौ २, २६, २: पै २,१२,२.

ϕआजग्मुषी- -षीः ऋ १,१२२, १४[o].

---

[a]) पाठः? यनि. लोटि मपु१ वीप्सायां द्विरुक्ते सति नैप्र. छान्दसोऽवसाने वर्णविकारः (वैतु. पपा. आ गमय आ-गमे पृथक्पदत्वम् ?, सा. च तत्र आ-गम-> -मे (सप्त१) इति निघातोपेक्ष इव भावुकः, PW. प्रभृ० च आ-ग(म>) मा-> -मे इत्येवं स्त्रोपज्ञं त्रिप. प्रकुर्वाणाः पाठं शोधुकाः] ।

[b]) ०मः इत्यवसानविकारः द्र. ।

[c]) वा. कर्तृ-साधिकरण्यात् तु. पृ४४६*a* ।

[d]) गस. अजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[e]) विप. । आतिशायनिकः इष्ठन् प्र. नित्स्वरश्च (वैतु. भा. प्रभृ. पाप्र. <°गन्तृ- इति) ।

[f]) तु. अग्रा १,१,११, भा. सा. PW. प्रभृ.; वैतु. सा. [शौ.] उ. म. क्रिप. इति ।

[g]) गस. भावे अबन्ते थादि-स्वरः ।

[h]) =सपा. आपश्रौ ६, २४,३;४;६ माश्रौ १, ६,३,७ शांगृ ३,६,२ । आश्रौ २,५,२:१२ तु आयनात् इति पाभे. ।

[i]) तु. मूको.: वैतु. उत्तरं पदं (काठ.) अनु ल्यबन्तः पाठः? ।

[j]) पाठः? तु. *i* टि. । गम. उप. णयन्ताद् धा. क्त्वो ल्यपि नैमित्तिकस्येटोऽनपाये गुणायादेशयोः कथंचिन निष्पन्नं संभाव्येत ।

[k]) गस. लृटः शता प्र. । उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[l]) गस. उकञन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[m]) गस. क्वस्वन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[n]) *m* टि. द्र. । इडागमस्तु विशेषः (पा ७,२,६८) ।

[o]) उभयेषु अस्मे (=अस्मात्) सद्यः आ (एव) आ··· जग्मुषीः (=नवीयस्यः) अर्यः (<अरि- [प्रशस्तार्थे विप.] द्वि३) गिरः उस्राः (देवाः) चाकन्तु (=प्रपु३ <चाकनन्तु) इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. आ; वैतु. आ···चाक° इत्यन्ये) ।

आ√गध्[a]

आ-गधि(>त)ता- -ता ऋ १, १२६,६.

आगमी[b]- -मीम् पै ५,२६, ५.

आ-गर्- आ√गृ (शब्दे) द्र.

आगस्[c]- -†गः ऋ १,⌊१७९,५;१८५, ८;५,८५,७;७,९३, ७⌋;२, २७, १४;२८,५;२९,१;५; ४, ३, ५: १२,४; ५, ३,७; १२: ७, ५७, ⌊४; १०,१५,६⌋;८६,४; ८७,७; १०, १३७,१; मा १९, ६२; का २१,४,१२ : तै ४,७,१५,७ : मै ३,१६,५: ४, १२,६; १४, २:९; काठ २,१५: शौ ४,१३,१;$१३, ३, १-२५; १८, १,५२; पै २, २८,३$; २०, ३७, ३[d]: -गसः तै ४[e], ७,१५,२;३[२]; ४[२]: मै ३, १६, ५[३e]; काठ २२, १५[३e]; शौ १२,४,५०: -गसि ऋ ८, ४५, ३४; -गांसि ऋ ७,८८,६.

¶**आ(गस्>)गो-मुच्**[f]- -मुग्भ्याम् तै ७,५,२२,१[२]; मै ३, १५,११[२]; काठ ४५,१९[२].

आगस्त्य- अगस्त- द्र.

आ√गा (गतौ), आजिगाति ऋ १, ११७, २; आ[g]···जिगातु ऋ २, ३४,१५; आ···जिगात ऋ ७, ५७,७; आ···जिगातन ऋ ५, ५९,६.

आ (आ-अ)गात् ऋ १, ⌊३५,८; २, ३८,४⌋;७९, २; ११३,१;२: १६:१२३, ४: १२४, ४: १२६, ३[h]:१६४,२७[i];२,३८,३;६; ३, ८,४:४,१,७:१४,३:५, ८०, ५; ६,५९,६;७,७५,१;७६, २:१०, १,१:३,३:३३,१;५३,१;३;९९, ५;१०७,१; खि ३, ११, २; मा १२,१३†:१९,४४: ३३, ९३†; ३४,२४†; का ४,५,७[३j]:१३,१, १४†;२१,३,१५: ३३,१,१८†; †तै १,३,१४,२:३,१,११,५;४, २,१,४:३,११,५[२]$;५,२,१,५; मै १, २, ३[२j];४,९; २, ३,४;७, ८†:१६[k]:१३,१०: ३, ११,१०; †४,११, १; १२, ५;१३,१;१४, १४$;काठ २, १५†; ११,१३†; ३२,६:३८,२†:३९,३[k]; †कौ१, १७७$[l];२८१;२,८९८;१०९९; ११००; जै १,१२,१०; १९,३[l]; २९, ९†;४, १३, ११†; शौ २, ९,२: पै २,१०,४; १९, ४४,१[k]; आ(आ-अ)गात्[m] ऋ ३,३०,१३; ५३,८; १०, ७३, ५[n]; काठ १५, १२†;१६,८†;३९,१०[२]; आ··· अगात् पै १,९७,२; आ(अगात्) शौ ३,१२,७[२]: आ-गात् ऋ २, ३८, ११: काठ १७, १९†; ३६, १५[३o]; पै १,२७,३[?]; आ···गात् ऋ १, १६७, ५; २, ३८, ८; ५, ४५, २: आ···आ-गात्[p] पै २०, ४९, ५: आ(आ-अ)गुः ऋ १, १७४, ८[q]; १८१, ६; ३, ८, ९; ५६,२[r]; ७,७५,३; तै ४,३, ११,

[a]) धा. मिश्रीभावे वृत्तिः (तु. या ५,१५)।

[b]) व्यु.? *आगस्वती-> नैप्र. यनि. इति विमृश्यम्।

[c]) भाप. (अंहस्-)। आ√(ह>घ>)गन्+कर्मणि डसुन् प्र. (तु. पाउ ४, २२८, पृ १६७ *d,j*, WW १, ३८: वैतु. पाउ ४,२१२ <√इ इति)।

[d]) कृत(?त्) वा(आ) गश् (?:) च (?स) चक्षतु इत्येतन-परतया पादः मु-शोधः।

[e]) सपा. शौ ४, २३-२९,१-७ अंहसः इति पाभे.।

[f]) विप. (अश्विन्-, मित्रावरुण-)। व्यु. कृन्ने तु. टि. अंहो-मुच्-, एनो-मुच्-।

[g]) उ इत्यनेन समुदितो नि.।

[h]) तु. सस्थ. टि. अनु।

[i]) तु. टि. अभ्या(भि-आ)√गा>°गात् इति, अभी-(भि√इ)च्छ्>अभी(च्छत्>)च्छन्ती-> -न्ती इति च।

[j]) तु. टि. आगन्। [k]) तु. टि. आगाः।

[l]) सपा. शौ ६,१,१ पै १९, १,१ वैताश्रौ १७, २ कौसू २३, २; ५०, १३; ५९,२५ गाय इति पाभे. यनि. अनु मु-शोधः [तु. ऐत्रा ५,१३ आश्रौ ८,१,१८)। अत्र द्वितीयः पादो भूय इव विकृतः (तु. सस्थ. टि. ?गामन्)।

[m]) आ अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१)।

[n]) तु. सस्थ. टि. उप। शिष्टं *m* टि. द्र.।

[o]) सपा. शौ ६,३८,१-४ गेतु इति पाभे.।

[p]) पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

[q]) वा.? स च नैप्र. तंत्ते>ता ते इति कृत्वा सुलभः द्र. 'इन्द्र! नन् सना (=सदा) नव्याः पूर्वीश् (च) सहः (<सह्-प्र३) नभः (<-नभ्-प्र३) अविरणाय (=रणाऽभावाऽभात्राय) ते (=तुभ्यम्) आगुः। अदेवीः पुरो न (=इव) भिदः (<भिद्- द्वि३) भिनत् (?न्) <*(भिनत्- <भिन्दत्- नैप्र.) अदेवस्य पीयोर्वधश् (च त्वम्) ननमः (अनमयः)' इति (वैतु. पपा. ता ते इति पदे; सा. GRV. GR. GRI. प्रभृ. ता, ते, नव्याः (पुं.), स(हस्->)हः, भिनत् ⌊क्रिप.⌋, न ⌊=अपि⌋ इति; GR.GRI. <आ√गै इति च)।

[r]) तु. सस्थ. टि. उप

१[2a]; मै २,१३,१०[2a]; काठ २२, १५[b]; ३९,१०[2a]; शौ ४,२४,१[b]: ८,९,१३[2a]; १३,१,१०; १४[b]; पै ४,३९,१[b]; १६,१९, ३[2a]; १८, १५,१०; १६,४; आ···अगुः शौ ३,१२,७[c]; ११, १,१०; १४: पै १६,८९,१०: ९०,४; आ[d]·· गुः ऋ १, १०४,२; आ[e]···आ (आ-अ)गुः ऋ १,८८,४: आ(आ-अ)-गाः ऋ ३,२१,४: १०, २२,५: १६१,५: तै ४, २,९,४[f]; ३,११, ५; मै ४,१३,५†: काठ १६,२१†: ३९, १०; शौ ८,१,२०†: १४, २,१९; २०,९६, १०†: पै १६, २,९; १८, ८, १०: आ-गाः शौ १२, २, १०; पै १७, ३०, १०. आ (आ-अ) गाम् ऋ ५, २,[८: १०,३२, ६]: मै २, १३, १०[g]: आ-गाम्[h] मा ७, ४५: का ९,२, ५; काठ ४,९; २८, ४: क ३,७: ४४,४.

आ-गामुक– आ √ गच्छ्, गम् द्र.

आ√गुर्, आगुरस्व ऋ ३,५२,२; शौ ५,२०,४; पै ९,२४, ३: आ··· गुरस्व खि ५, ७, २,११: ४,१५; मा २१,६१; का २३,६,१४: मै ४,१३,९: काठ १९,१३.

आ-गुर्[i]– -गुरः खि ५, ७. ४,१६: –गुरि मै १,२,२.

आ-गुर्[j]– -रे तै १,२,१,२[k].

आ√गृ (शब्दे), †आ···गृणन्ति ऋ ६, ४५ [३३: ८,९४,३][l]: जै ४. १०, १०. आ···गृणन्ति ऋ ७, ३८,३: ८,४६,३: १०,६, ५: आ ···गृणीमसि ऋ २,३४,१४?[m].

आ-गर्[n]– -रे शौ ४,३६,३.

आ√गृभ्,गृह्, आ···गृभ्णे ऋ ८, ४५,३९. ?आगृह्णामि काठ ५, ६[o]; आगृह्णीमहे पै ५, २३, १; आगृह्णीतम् शौ ११,११,११.

आ√गै>गा, आ···गासि[p] ऋ ८, २७,२.

आगो-मुच्– आगस्- द्र.

आग्नावैष्णव-, आग्निपावमान-, °मारुत-, °वारुण-, आग्निवेशि-, आग्नीध्र-, आग्नीध्रीय-, आग्नेन्द्र-, आग्नेय- अग्नि- द्र.

आघाट–, आघाटि- आ √हन् द्र.

आ√घुष्,>घोषि, †आघोषते ऋ १,८३,६: शौ २०,२५,६: आघोषतः ऋ ८,२५,[४(१,१५१,४)]: आघोषथः ऋ १, १५१,[४ (८, २५,४)]: आ···घोषात् ऋ ५, ३७,३: आ···घोषान्[q] ऋ ३,३३, ८: आघोषेथाम् तै १,२,१३,१: मै १,२,९: काठ २, १०: क २.

---

[a]) तु. सस्थ. टि. अनु (तै ४,२,११,१)।

[b]) सपा. तै ४,७,१५,१ मै ३,१६,५ उपागुः इति पाभे.।

[c]) सपा. शांगृ ३, २, ६ आ···गमन् इति, आपमं २, १५,४ आगृ २, ८,१६ हिगृ १,२७,४ आ···अयन इति, मागृ २,११,१२ आ···गेरेयम् इति, पागृ ३, ४,४ उप इति च पाभे.।

[d]) आ+उ इति नि. समाहारः द्र.।

[e]) आदरार्था द्विरुक्तिः (वैतु. स्क. वें. सा. परिणा योग इति)।

[f]) =सपा. आपश्रौ १६,२६,६। मै २,७, १६ काठ ३९, ३ पै १९,४४,१ तु आगात् इति पाभे.।

[g]) तु. टि. आगमम् (शौ ८,९,२२)।

[h]) तु. पपा., सस्थ. टि. अभि च : वैतु. उ. म. अभ्या-(भि-आ)गाम् इति।

[i]) भाप.। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) भाप. काऽन्ते उप. थादि-स्वरः (तु. भा. सा. K.: वैतु. पक्षे भा. आ-गुर्->-गुरे इत्येवं सद् अन्याय्य-स्वरमिति)।

[k]) वैतु. Henry, C. च (*L'Agniṣṭoma 12–14*) प्रकृतधातोः क्विप. मद् उपु१ °गुरि इति। सपा. मै. आगुरि इति, मा ४.५ माश ३, १,३, २४ आशिषः इति च पाभे.।

[l]) तु. वें. सा.: वैतु. PW. GW. अ॰ क्रिवि. इति. ORN. अर्यः इति पं. युक्तः कप्र. इति, Pischel ZDMG ४०, १२४. प्रमृ. अर्यः (तु. पपा.) > °र्ये (<अर्य-) इति सह. युक्तः कप्र. इति च।

[m]) गुना = पूनान आ > नैप्र. विपरिणाम इति मतन् (तु. सस्थ. टि. √इ > ?इयानो इति. उप इति च: वैतु. वें. सा. अनुपसृष्टवादिनौ, PW. GW. उप···गृणीमसि इति च)।

[n]) व्यु. अर्थश्च ? गस. उप. अप् प्र. थादि-स्वरश्च (तु. W. GRI ; वैतु. सा. = युद्धरङ्ग-इति कृत्वा < √गॄ [निगरणे])।

[o]) पाठः ? (तु. सपा. तै १,६,१,२[2] मै १,४,४:६ काठ ३२,६ माश्रौ १,४,१,१५ यत्र सर्वत्र अनुपसृष्ट एव पाठः)।

[p]) लुङि आत्म. उपु१ रूपम् (तु. GW. प्रमृ.: वैतु. वें. सा. लेटि मपु१ रूपम् इति च पक्षान्तरे < √गा [गतौ] इति च)।

[q]) तु. वें. GW. प्रमृ.: वैतु. सा. °षात्-(=°षत्-) > -षान् (प्र१) इति ?।

४; आघोषतम्[a] मा ५,१७; का ५,५,४.

आ-घोष– -षासः पै ७,१३,१.

आ-घोषत्– -षन् ऋ ८,६४,४;१०, ८९,१६.

आ-घोषयत्– -यन्तः ऋ १०, ७६, ६;९४,४.

आ √घृ,>घारि[b], आजिघर्ति ऋ ५, ४८,३[c];१०,६,४;आ···जिघर्ति ऋ ४,१७,१४;आजिघर्मि ऋ १०, ८७,१; मा ४,२२; का ४,७,२; तै १, २,५,१;१४,६†;६,२,२; ६, १,८,२; मै १,२,४;३,७,६; काठ २,५; २४, ४; क १, १८; ३७, ५; शौ ८,३,१†; पै १६,६,१†; †आ···जिघर्मि ऋ २, १०, ५; मा ११, २३‡[d]; २४; का १२, २,१२‡[d]; १३; तै ४, १, २, ५;५,१,३,३; मै २, ७,२[२];‡[d]; काठ १६, २; १९, ३; क ३०, १.

¶आघारयति तै २, ५, ११, ३; ६,३,७,२[२];३; ¶आघारयति तै २,५,११,४[२]; ६;७[२];५,५,१,२; ६,२,३, ३; मै ४,१, १४; काठ २९, ३; ३६, १०; क ४५, ४; ¶आ(आ-अ)घारयत् तै २,५,११, ३;६,३,७,२; ¶आघारयेत् तै २, ५, ११,४; ¶आघारयेत तै २, ५,११,७; ३,१,९,३; मै १,४, १२[३];४,१,१४.

आ-घार[e]– -¶रः तै २,५,११,७;६, ३,७,३[२]; मै १,४,१२[५];१०,१६; २,५,१;३,९,६;४,१,१४[२]; काठ १३,१;२६,८; क ४१,६;–¶रम् तै २, ५, ११, ३[२]; ६; ८; ३, १,९,३; ५, ५, १,२; ६,२, ३, ३;३, ७,१; २[२]; ३[२]; मै १,४, १२[३]; ३, ९, ६; ४, १, १४[३]; काठ २६, ८;२९, ३; ३६, १०; क ४१, ६; ४५, ४; –राभ्याम् तै ४,४,५,१; काठ ४०,२; –रे पै ११,५,२; –रौ तै ७, ३,११,२; काठ ४३,१.

¶आघार-व(त>)ती[f]– -तीः तै ३,१,९,२.

¶आ-घार्य तै २,५,११,८; ६,३,७, ३; मै ३,९,६[g];४,१,१४[२]; काठ २६,८; क ४१,६.

†आ-घृणि[h]– -णिः ऋ १, २३, १४; १०,१७,५[i] मै ४,१४,१६[i]; शौ ७,१०,२[i];–०णे ऋ १,२३,१३; ६,५३,९: ५५, १; –०णे ऋ १, १३८,४; ३,६२,७; ६,४८,१६; ५३,३;८;५५,३;७,४०,६;८,४, १७;१८;९,६७,१२.

आँघृणि-वसु[j]– -०मो ऋ ८, ६०, २०.

आ-घ्नान्– आ√हन् द्र.

आ √घ्रा>जिघ्र, आजिघ्र मा ८,४२; का ९, ६,१; तै ७,१, ६,६¶.

?आ-घ्राय[k] शौ १९,८,५.

?आङ्गरोग–, आङ्गिरस– √अङ्ग् द्र.

†आङ्गूष[l]– -षः ऋ ३,५८,५;५, ७४, ८; –षम् ऋ १,६१,२; ३; ६२, १;११७,१०;६,३४,५;७, २४, ३; मा ३४,१६; का ३३,१,१०; शौ २०,३५,२;३; –षाणाम् ऋ ९,९०,२[m]; –षान ऋ १,१३८,

a) सपा. माश ३,५,३,१२: १४। माश्रौ २, २,२,१५ तु आघोषेथाम् इति पाभे.।

b) धा. क्षरणे दीप्तौ च वृत्तिः।

c) धा. प्रक्षेपणे प्रहरणे च वृत्तिः (तु. ORN. प्रमृ.)।

d) सपा. ऋ २, १०, ४ तु अनुपसृष्टः पाभे.।

e) भाप. वा नाप. वा। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।

f) विप. (आहुति–)। मतुबन्ते स्वरेऽविशेषः।

g) °र्यम् इति पाठः? (तु. तै २, ५, ११, ८ क ४१,६)।

h) विप. [पूषन्– (आगत-घृणि–, आगत–दीप्ति, बहु-दीप्ति–[तु. या ५,६ आगत-हृणि–, स्क. वें. प्रमृ.: वैतु. स्क. ऋ १,२३,१३ (पक्षे) दधिपूर्णादृति-युत–, स्क. (या.) आगत-क्रोध– इति])]। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. सा. ऋ १, २३, १३ प्रास. इति)। उप. भाप. (वैतु. पपा. नावग्रहः)।

i) सपा. तैब्रा २,४,१, ६ तैआ ६,१,१ अ-घृणिः इति, तैआ ४,१६,१ अघृणिः इति च पाभे.।

j) विप.(अग्नि–)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

k) पाठः? यनि. RW. इत्येतदीयं कल्पनामात्रम्। सपा. पै २०, ४६,२ पाठोऽपि समानं तु शोधः द्र.।

l) नाप. पुं. न. च। व्यु.? =स्तोम–इति कृत्वा<आ √घुष् इति या ५, ११, √अङ्ग्>*अङ्गूष–>(स्वार्थे) यनि. इत्यपि पक्षे सा. ऋ ३, ५८, ५: विप. (रथ–) इति कृत्वा =स्तुत्य– इत्यपि पक्षे सा. ऋ ५,७४,८।

m) प्रकृतस्य प्राति. च समाने स्थले वाणी–इत्यस्य च पर्यायत्वात् पाठः? संबन्धाऽसंभवात्। एवं स्थिते वें. सा. कर्तरि व्युत्पन्नं सत् प्रकृतं प्राति. अन्यदिग्यप्रसक्तस्तर्कः। वस्तुतः अङ्गोषिन्–>–षिणम् (कौ १, ५२८) इत्यतः श्रुत्यन्तरात् °ङ्गोषिन्–>–षिणम् इत्यस्य मौलिकतया संभाव्यमानस्य प्रकृतस्यापि पाठस्य देवनापरस्यैव संगततरत्वात्।

२; -षेण ऋ १,१०५,१९; मै ४, १२,४[a]; काठ १२,१४;२३,११[b]; -षेभिः ऋ ४, २९, १; -षैः ऋ ७,९४,११; खि ५, ७, ४,१५; मा ३३, ७६; का ३२,६,७.

†आक्ष्र्य[c]- -ष्र्यम् ऋ १, ३२,२[d]; ९,९७,८; मा ३४,१७; का ३३, १,११.

आङ्नार- ?अङ्गनार- द्र.

आ(आ√अ)च्, ञ्च्, आञ्चतु शौ ११, १२,१६.

आक्[e]-

आके ऋ २,१,१०.

†आके-निपु[f]- -पानाम्[g] ऋ १०,४४,४?; खि १,९,६[h]?; शौ १९, ९४, ४: -पासः ऋ ४, ४५, ६[i].

†आ(आ-अ)च्य >-च्या ऋ १०, १५,६; मा १९, ६२; का २१, ४,१२; शौ १८,१,५२.

आच्[j]-

आच-पराच्[k]- -चम् काठ २३, १; क ३५, ७.

आचो(च-उ)पच्[l]- -चः काठ १२, १३.

आचक्रे, आचके आ√कै द्र.

आ-चक्रमाण- आ√क्रम् द्र.

आ-चक्राण-, आ-चक्रि- आ√कृ द्र.

आ√चक्ष्, आचष्टे ऋ ७, ३४, १०; †आचक्ष्व ऋ १०,१६४,१; शौ २०, ९६,२४; पै १९,३८,४; आचष्ट[m] पै २०,१२,२: आचक्षीत तै ७, ३,१,४¶.

आ-चतुर[n]- -रम् मै १,७,३; काठ ८, १०;९,१; क ७,६;८,४.

¶आ√चम् > चाम्, आचामति, आचामेत् काठ २९, ३.

?आ च मा नोस्य° पै १४, ३,४.

आ√चर् (बंधा.), †आ...चरति ऋ ६, २१, ४; १०, १७,६; मै ४, १४,१६; शौ ७, ९,१; आचरतः ऋ १, ६२, ८; आचरन्ति ऋ ४, ५१, ८; आचरन्ति तै २,३,१४, ५; मै ४, १२, ४; काठ १०, १३; पै १,२९,१;२; ३६, १-३; ७, १३, २; १५, १९, २-५; ¶आ...चरन्ति काठ २७, ५; क ४२, ५; आ (चरन्ति) पै १, ३६, १; आचरामि पै ५, ३४, ९; आचरन्तु ऋ १०, ३५, ६; आ...चरन्तु ऋ ८, २५, ६; आचर ऋ १, ११४, ३; १८७, ३[p]; मा १६,५१; का १७, ८,५; तै ४,५,१०,४; काठ ४०, ८†[p];

---

[a]) तु. सस्थ. टि. ? एनां मुखेन।

[b]) °क्ष्र्° इति मुद्रितः पाठः विमृश्यः।

[c]) विप. (वाण-, सामन-)। तदर्हतीयः यत् प्र. (तु. सा.; वैतु. उ. म. तस्मैहितीय इति)। तित्स्वरः।

[d]) अत्रत्यस्य निगमस्य मतुबर्थे यति (पा ४,४, १२८) उसं. सुवचनतरं स्यात्।

[e]) भाप. सामीप्यवचनम् (तु. टि. २अपाक्-; वैतु. दे. ⌊निघ २,१६⌋ <आ√क्रम् इति)।

[f]) नाप. (तु. g टि.; वैतु. विप. इत्यर्वाञ्चः)। सन्निकर्षे (GRV. नियतसमये) रक्षां विदधान- इत्यभिप्रायात् उस. कान्ते थादि-स्वरः। उप. <नि√पा (रक्षणे ⌊वैतु. वें. पान इति, सा. दे. <नि√पत् इति च⌋)।

[g]) नाप. (मेधाविन्- ⌊निघ. ३, १५⌋)। के नि° इति पपा., क्वाचित्कः निघ. मूको., PW. GW. LR. GRV. प्रभृ. च विमर्शापेक्षाः (संपा. पूर्वेण सवर्णदीर्घत्वस्य सुलभत्वात् ⌊तु. NW. प्रभृ.; वैतु.?ORN.⌋)।

[h]) °कोनिपाना इति पाठे? यनि. शोधः।

[i]) नाप. (अश्व- ⌊तु. वें. सा.; वैतु. PW. GW. GRV. प्रभृ. विप., Foy, KZ ३६, १२५ पूर्वाद् मन्त्राद् आक्ष्र्या ऽग्नेर्विशेषणमिति⌋)।

[j]) विप.। व्यु.? नैप्र. <अर्वाच्-(=अर्वाञ्च्-) इति विचार्यम्।

[k]) आचं च पराचं च यथा स्यात् तथेति कृत्वा कस. उसं. (पा २,१,७२), अन्तोदात्तश्च। न. द्वि१ सत् वा. क्रिवि. द्र. (वैतु. PW. पूप. <आ√अञ्च् उप. च < परा√अञ्च् इति; PW. ⌊पक्षान्तरे⌋, BDG २,१,३५०, WAG २,७४ आ, च। परा, च इति कृत्वा नि.समाहार इति च।

[l]) विप.। आचं (=अर्वाक्, सद्यः) उपचीयते (<उप √चि) इति कृत्वा नैप्र. °चय्->यान. इति वावि. द्र.। पाप्र. उस. उप. प्रकृतिस्वरं च द्र.। कर्तरि अचः प्र. स्थाने डः प्र. उसं. (पाउ ५,४७)। शिष्टं. k टि. द्र.।

[m]) सपा. शौ ७,११२,४ आजग्म इति पाभे.।

[n]) अस. टच् प्र. (पा ५, ४,१०७), चित्स्वरश्च। उप. चतुर्- यद्र.। वा. क्रिवि.।

[o]) पाठः? (आत्मन्->) आत्मानो अस्याः इति द्वि-पदः शोधः (तु. सस्थ. टि. ?समपैयं)।

[p]) तु. सस्थ. टि. उप।

११†; पै ३. १०,५: १३. २,९:
आचरत् पै १९, २१,९.
आ-चरण- -णेषु ऋ १, ४८, ३;
आ-चरत्- -रन् खि ५. १०, २[a]:
शौ २०, १२७, ८: -†रन्तम्
φऋ १,१६४,⌊३१: १०, १७७,
३⌋; मा ३७, १७φ: का ३७,
३,४φ: तै ३,१.४. १¶[b]; मै ४,
९,६φ; शौ २,३४.५§; ९, १५,
११φ; पै ३.३२.७§: १६, ६८,
१०φ.
आचरन्ती- -†न्ती ऋ १,१२३,
९: १६४, ४०: ६. ७५,४: ७.
७६, ३: मा २९, ४१: का ३१,
२, ४: तै ४. ६, ६, २; मै ३,
१६, ३: काठ ४६, १: शौ ७,
७७, ११: ९. १५,२०: पै १५,
१०,४; १६, ६९,१०: २०,११,
४: -न्तीः ऋ ८, ९६, १५[c]:
शौ २०, १३७, ९[c]†; पै ८. ८,
६:१२,९.
आ-चार[d]- -रः पै १७, १४,१०[e].
आ√चरण्य(<चरण-), आचरण्यत्[f]
मै ४,११, २: आचरण्यात्[f] काठ
४,१६: शौ ७. ३९. १: पै २०,
७, १: आचरण्येत्[f] तै १, ८,
२२,१.
आ-चरण्यु[g]- -ण्यवः शौ २०.
४८,१?[h]; पै १८. २२,१०?[i]
आचार्य[j]- -र्यः शौ ११, ७. ३: ८:
१४-१७: पै १६, १५३, २: ९:
१५४,५-७: २०,४९,१[k]: -र्यम्
शौ ११,७,१; पै १६, १५३,१:
-र्याय शौ १९,६४,४.
आ√चि (चयने)
आ-चित- -तम् ऋ १, १६२, २:
१०,८६,१८; शौ ४,७,५; २०,
१२६,१८†; पै २, १,४.
आ√चित्, आ···चेतत् ऋ ८, ६८,
१८.
आ-चित्[l]- -चिता ऋ ७,६५,१.
?आचित्ते मनस्ते भुवो विवस्ते[m]
काठ ३५,३; क ४८,४.
आ√चृत्, आ···चृतत् शौ ५, २८,
१२: पै २,५९,११.
आ√च्छद्>च्छादि
१आ-च्छद्[n]-
†आच्छद्-विधान[o]- -नैः ऋ १०,

a) आसरम् इति पाठे ? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ., शांश्रौ १२,१७,१)।

b) सपा. माश्रौ १,८,३,३ निश्चरन्तम् इति पाभे.।

c) तु. सस्थ. टि. अभि√षह्>अभि···ससाहे इति।

d) धा. भक्षणे वृत्तिः।

e) केवला° इति मूको. (तु. सस्थ. टि. केवल->-लः)।

f) सपा. यथाक्रमम् उच्चरण्यत्, उच्चरण्यात्, उच्चरण्येत् इति पाभे. यद्र., मै.=शांश्रा ७,२, तु. सस्थ. टि. अनु च।

g) विप.(गिर्-)। गस. उप. उः प्र. (पा ३,२,१७०) प्रकृतिस्वरश्च।

h) आचरण्यु- इति पाठे ? यनि. शोधः।

i) पाठः ? आचरण्य(?ण्य)वः इति, आ (?आ)चरण्य-त(?व): इति मूको. च यनि. सुशोधौ।

j) नाप. (गुरु-)। व्यु. ? आ√चर्>आ-चार्- इत्यतः तद्धितवृत्तमिति या. (१,४) विकल्पः (तु. वैप ३,१३३ अपि)। आ√चर् इत्यतः कृद्वृत्तौ ण्यत् प्र. इति पावा ३, १, १००, एवं च गस. उप. प्रकृतिस्वरमिति कृत्वा तित्स्वरितः द्र.। आ√चि इत्यतः कृद् इत्यपि या. उक्ते स्थले विकल्पान्तरं द्र.। आ√चर् इत्यस्येह शब्दोपदेशे वृत्तिः स्यात् (तु. समानार्थः √कद् इति √जद् इति च)।

k) तु. सस्थ. टि. पत्नी->-त्नी ?

l) गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

m) पाठः ? अत्र पृथिवी देवताऽनुष्टुप् छन्द इति दृष्ट्या

पृथिवि विभु भूवरे, अशनीवालि पुरन्ध्रे।
आऽऽशिते मनस्ते भुवद्, आशित्यै भूयो नमस्ते॥

इति शुद्धो मौलिकः पाठो भवेत्। 'हे विभ्वादि-गुणयुक्ते पृथिवि! (अस्माकम्) आशिते (=आशने, भुजिसंपादने) ते मनः आ-भुवत् (तु. ऋ. १, ५,३ प्रभृ., अस्माकम्) आशित्यै (=आशितिमने ⌊तु. तै ७,१,१७,१ काठ ४१,८⌋) ते (तुभ्यं) भूयः नमः (कुर्मः)' इति वा. च द्र.। एवं तावत् ?विभूवरि=(*वि-भू->) विभु(सं१, *भूव⌊र>⌋रा-⌊=उर्व-रा-⌋>)भूवरे(सं१), ?सिनीवालि=(√अश् ⌊भोजने⌋> *अशनी->*अशनी-वाली-⌊तु. क. मूको.⌋>)-°लि(सं१); ?उरन्ध्र=*पुरन्ध्रा-⌊=पुरन्धि-⌋>)°ध्रे(सं१): ?आचित्ते=आ (उपसर्गः)+√अश् ⌊भोजने⌋ (>आशि>भाप.)आशित->-ते (सप्त१= च. अर्थे); ?भुवो=भुवत्+विवस्ते=(आशित्यै भूयो+) नमस्ते (तु. क. मूको. यत्र ?आचित्यै इति आशित्यै इत्यस्य वावि. द्र.); इह भुवदाशित्यै भूयो>भुवो इति दृग्भ्रमकृतो भ्रेष इति नमस्ते>?वँस्ते>?विवस्ते इति वावि. च तच्छोधार्थं प्राचीनः प्रयत्नश्चेति मतं भवति। सपा. आपश्रौ १४, १७,३ हिश्रौ १५,३ इत्यत्रापि पाठः? तत्रापि यनि. शोधः द्र.।

n) गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

o) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. वि√धा (*वेष्टने)

८५, ४; शौ १४,१,५; पै १८, १,५.

२आ-च्छद्[a]- -च्छत् मा १५, ४; ५; का १६,१,४;६; ते ४,३,१२,२; मै २,८,७; काठ १७,६[२]; क २६, ५[२]; -च्छदि मै १,६,१;२.

आ√च्छिद्, आ···छिनत्ति पै ५, ३२,१०; आच्छिनद्मि शौ ७,७८, २; पै १९,३६,३; २०,४९,१०; आच्छिन्धि शौ ४, १९,१; १२, १०,५; पै १६,१४३,१ : ¶आ (आ-अ)च्छिनत् तै ६, १, ३, ६; काठ २३, ४[b]; क ३६, १; आ(आ-अ)च्छिनत् काठ २३, ४: ¶आ (आ-अ)च्छिन्दन् काठ ८, २; क ६,७.

¶आ-च्छिद्य काठ १०,११[२].

आ-च्छिन्न- -न्नम् पै ११,७,३[२].

आ-च्छेत्तु- -त्ता तै १,१,२,१: मै ४,१,२; काठ १, २: ३१, १: क १,२; ४७,१.

आ-छेदन- -नः पै ७, ५,१२.

आछेदनी- -नीम् पै २०,५०,१.

आ√च्छृद्, ¶आच्छृणत्ति तै ५,१, ७,४[४]; मै ३,१, ८[४]; काठ १९, ७[२]; क ३०, ५[३]: ¶आच्छृन्दन्ति काठ १९, ७: आच्छृन्दन्तु मा ११,६५[४]; का १२,६,५[४]: तै ४, १,६,३[४]; मै २,७,६[४]; ३, १,८: काठ १६,६[४]: १९,७; क ३०,५.

आ√च्छो>च्छ्, आच्छ्यति मा २३,३९; का २५,८,१; तै ६,३, ९,२[२]¶; ¶आच्छ्यन्ति तै ६,३, ९, २[२]; आच्छ्यन्तु[c] मा २३, ४१: ४२: का २५, ८, ३; ४: आच्छतात्[d] मै ४,१३, ४; काठ १६,२१.

आ(आ-अ)च्य आ(आ√अ)च् च्च् द्र.

आ√च्यु>च्यावि[e], ¶आच्यावयति तै २, ४, ९, ४: १०, ३: †आच्यावयसि ऋ ८, ९२, ७ : कौ १, १७० : २, ९९२: जै १, १८, ६ : ४, २७,१ : आच्यावयामः ऋ ४, १७, १६; आच्यावयामसि ऋ ४, ३२,१८; आच्यावयन्तु शौ ३,३,२: पै २, ७४, २ : आच्यावय ऋ १०, ४२, २: खि ५, २२, ११: †शौ २०, ८९,२:१३७, २: ?आच्याव(*त)[f] ऋ १०, १०१,१२. आ···अचुच्यवीत् ऋ ८,७२,८: आ(आ-अ)चुच्यवुः ऋ ५,५९,८; आ···अचुच्यवुः ऋ १, ४५, ८: ८,४२,४;९५,२; तै ३, ३,३,२; ४, २; मै १, ३, ३६; काठ ३०, ६; †आ···अचुच्यवुः ऋ ५, ५३,६; तै २,४,८,१; मै २, ४, ७: काठ११, ९; †आ···चुच्यवीरत ऋ ८, ९, ८; शौ २०, १४०, ३; †आचुच्युवीमहि ऋ ८,९,९: शौ २०,१४०,४.

आ(आ√अ)ज्, †आ(आ-अ)जति ऋ ८, ४५, ३ ; कौ २, ६९० ; जै ४, १७, ६: पै २०, ४७, ५; आ···अजति ऋ ५, ३७, ४; आ(आ-अ)जामि शौ ३, २५,५; आ···अजामि[g] काठ ४४, ८; आ(आ-अ)जाति ऋ ५, २, ५[h]; आ(आ-अ)जत् शौ ३, ८, ४; पै १, १८, ४; आ···अजामि मा २३,१९; का २५,५,३: तै ७,४, १९, १: मै ३, १२, २०: काठ ४४, ८; ?आजाम्[i] मै ३, ७, ७¶; †आ(आ-अ)जतु ऋ ६, ५४, १०[j]; शौ ७, १०, ४[j]; पै २०,२५,५: आज पै ६,२२,१७; †आ···अज[k] ऋ ६. ४७, ३१; मा २९, ५७; तै ४. ६,६,७: मै ३, १६,३: काठ ४६, १: आ··· आ(आ-अ)ज>जा[l] ऋ १, २३,

>भाप. द्र. (तु. वें. सा. ORN.; वैतु. W. GW. WAG २,६१ प्रभृ. तस. इति)। बार्हत- [यद्र.] इत्यस्य वल्कलार्थे नाप. मतः विप. च द्र.।

[a]) नाप. (छन्दो-विशेष- [अन्न- तु. माश ८, ५, २, ३ ; ४])। व्यु. ? पपा. नावग्रहः।

[b]) निरुपसर्गस्य रूपम् इति S.I चिन्त्यम् (तु. तै.)।

[c]) सपा. तै ५,२,१२,१ काठ ५०,६ छ्यन्तु इति पाभे.।

[d]) मपु३ त>तात् (पा ७,१,४४)।

[e]) तु. तै. कौ. पपा.; वैतु. ऋ. शौ. पपा. च्यवि इति।

[f]) पाठः? छन्दस्तः वा. विचारतश्च यनि. शोधः द्र. (तु. सस्थ. टि. कृपय-> -यम्)। एवं स्थिते निर्दिष्टः इति त्र्यक्षरं पदमिति कृत्वापि जागतः पादः साधूयितः द्र. (वैतु. AVM २८७ त्रैष्टुभं मानमभिमन्यमान इव [वैतु. ऋअ.])।

[g]) आ···अजानि इति पाभे. यद्र.।

[h]) तु. सस्थ. टि. उप।

[i]) अर्थतः पाठः? (छन्दांसि) तत् सोमं नः आ(आ-अ) जान् (लोटि प्रपु३) इति' इति वा. कृत्वा शोधापेक्षः द्र.।

[j]) तु. टि. आ√कृ>आकृधि।

[k]) सपा. शौ ६,१२३,३ प्र···जय इति पाभे.।

[l]) तु. स्क. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. मा. आ(हर) इति किउ., अज(सं१<अज्-) इति च?।

१३; आजतम् पै २०, ३६,१०; आ···अजानि[a] मा २३, १९; का २५, ५, ३; तै ७, ४, १९, १; मै ३, १२, २०; †आ···आजत ऋ १,८३,५; शौ २०, २५, ५; आ···अजेत ऋ १, १२९, ६[b]. आजेत्[c] तै २,२,६,५¶.

आ(आ-अ)ज(न>)नी[d]– -न्या शौ ३,२५,५.

आ(आ√अ)ञ्ज्,ञ्ज्, ¶आ(आ-अ)ङ्क्ते तै ६,१,१,५;६[४]; मै ३,६,२[e];३[६]; काठ २२,१३; २३,१[४]; ¶आङ्क्ते तै २, ५, १, ७; ६, १, १, ५; काठ २३, १[५]; आङ्क्ते क ३५, ७[५]; ¶आनक्ति तै ४,१. ८,१[f]; काठ २३,१; क३५,७; ¶आनक्ति मै ४,४,३ ¶आञ्जते तै ६,१,१, ६[३]; मै ३,६, ३[४]; काठ २३,१[४]; क ३५,७[४]; आ···अञ्जते ऋ ७, ५७,३[g]; आनज्मि पै ४,१०,८; †आ···अनक्तु ऋ ७, ४३, ३; ४४, ५; ८, ६०, १; काठ ३९, १५; कौ २, ९०२; जै ४, २५, ४; शौ २०, १०३, २; आ(आ-अ)क्ष्व शौ १९, ४५,५; पै १५, ४, ५; १९, ३८, ३?[h]; आ··· आञ्जन् ऋ ६, ६३,३; ¶आञ्जीत तै ६,१,१,६.

आ(आ-अक्त>)क्ता– -क्ता खि ४, ५,३०[i]; शौ १०,१, २५; पै १६, ३७,५.

आक्ता(क्त-अ)क्ष[j]– -क्षः खि ५, १३,२[k]; शौ २०, १२८,७.

आ(आ-अ)ञ्जन[l]– -०न शौ ४, ९, ३–७;१०:१९,४४,१:१०: ४५, १; पै ८, ३, २; ५;६; ९;१०: ११‡[m]; १२: १३; १५, ३, १: १०; ४, १: –नम् तै ६,१,१, ५; मै ३, ६, ३[n]; शौ ४, ९, ९: १९, ४४,२;३;४५,३; ४: पै १, ५५,१; ५,११,२;८,३,१; १५, ३,२; ३: ४, ३; ४; २०, ४९, ७?[o]; –नस्य शौ ४, ९, ८: ६, १०२,३; पै २, ७७, २; ८, ३. ७; १९,१४,३;–नात् पै५,८,४; –ने पै ८,१०,३; –नेन ऋ १०, १८,७; शौ १२,२, ३१†; १८, ३,५७; पै १७, ३२,१†;२.

आञ्जनी–

आञ्जनी-का(र>)री[p]– -रीम्[q] मा ३०, १४; का ३४, ३,१.

आञ्जन-गन्धि[r]– -न्धिम् ऋ १०, १४६,६.

आञ्जना(न-अ)भ्यञ्जन[s]– -नम् शौ ९,६,११,

आञ्जन्य– -ञ्न्यान्[t] शौ २०, १३५,२.

¶आ(आ-अ)ञान– -नः मै ३,६,६.

आ-जगन्वस्–, आ-जग्मिवस्– आ√गच्छ्, गम् द्र.

आ√जन्,>जा,जनि, आजायते काठ २७,८¶; पै २, ३२,१; ¶आ··· जायते तै १, ५,८,४;७, ४, ६;६, ७;३,२,९,६;५,३,४, ६[३]; ७: ७, ४,५,४; मै १,८,३;९,८;३,७,९;

---

a) सपा. आ···अजामि इति पामे. यद्र. ।

b) तु. सा. ल.; वैतु. या.१०, ४२ (तु. स्क.) आनिदः द्वि३<(निद्-) इति?, PW. प्रभृ. अस्मत् इति पं. युक्तः कप्र. इति (पृ ५९ √अज्>अजेत इत्यत्र यनि. शोधः)।

c) स्वरः? तुदा. रूपं स्यात् ।

d) नाप.(कशा-)। गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. PW.प्रभृ. °नि- इति ह्रस्वान्तं प्राति. इति [वैतु.W.यनि.])।

e) मुद्रितपाठे स्वराभावश् चिन्त्यः ।

f) सपा. काठ १८, १७ शौ ५,२७,२ अनक्ति इति, मा २७,१२ का २९,२,२ मै २,१२,६ अनक्तु इति च पामे. ।

g) 'रोदसी समानमञ्जि···' इति वा. कृत्वा द्विकर्मकता स्यात्। यद्वा मध्ये किवि. इति विशेषः (वैतु. सा. रोदसी विशानाः इति संबन्धं मत्वाऽध्याहारमुखेन वाक्यं घटुकः)।

h) अ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. आङ्क्ष्व° इति मूको.)।

i) ताः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ.)।

j) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. खि., RW.; वैतु. मूको. शंपा. च °क्ता° इति)।

k) °क्ष्यः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ., शांश्रौ १२, २१,२ च)।

l) नाप. (अनुलेपन-द्रव्य-)। गस. करणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

m) सपा. ऋ १०,६७,१२ ओषधीः इति पामे. ।

n) तदाञ्ज° इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. तै.)।

o) अ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको., तु. सस्थ. टि. ?इन्वे, √सिच्>सिसिक्षा, ?वर्च स्वयम्भुवा समञ्जनम्)।

p) नाप.। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

q) सपा. तैब्रा ३,४,१०,१ अञ्जनीकारम् इति पामे. ।

r) विप. (अरण्यानि–)। उपमाने बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । नप. गन्धि- यद्र. ।

s) समाहारे द्वस. अन्तोदात्तः ।

t) पाठे? °भ्यात् इति शोधः ।

काठ ६, ८[a]; ८, ७; २१,१[3]; क ४, ७; ७, ४; ३१, १६[3]; आ··· जायन्ते तै ७, १,८,१¶; आ··· जायताम् खि २, १०,१; मा २२, २२[3]; का २४, ८,१[2];२; तै १,२, १३,१; ७, ५, १८,१[3]; मै १, २, ९; ३, १२,६[3]; काठ ४५, १४[3]; शौ ३, २३, २; आ (आ-अ) जायन्त तै ७,१,८,१¶; आजायेत ¶मै १,८,२;३; पै १३,५,१२. आ[b]···जज्ञे ऋ ६,९,४; ‡आ··· जजान तै ४,६,२,१[c]; मै २,१०, ३[c]; पै १५, २,५; आजनिषीष्ट[d] ऋ ४, १८, १: †आ (आ-अ) जनि[e] ऋ १,८३,५: शौ २०,२५, ५: आ···जनिष्ट ऋ ७, ३, ९:

आजनिष्ठाः ऋ ५, ३०,५. †आ···जनयतु[f] ऋ१०,८५,४३; मै २, १३, २३; काठ १३, १५; ४०,१; शौ १४, २,४०; पै १८, १०,८; †आ (जनयतु) काठ ३५, ९; क ४८,१०; आ···जनय ऋ १,११३, १९; आजनयावहै[g] शौ १४,२,७१; पै १८,१४,१. ∅आ-जनितृ– -ता मै ४,१४,९. †आ-जात,ता[h]– -तः ऋ१, १७९,४; –तम् पै १९, ४०, १०∅: –ता ऋ ४, ४३,३: १०, १२९,६; मै ४,१२,१†. आ-जान[i]– -नम् मा ३१,१७: का ३५, २,१; मै २, ७,१५; काठ ३९,२; पै १९,४६,३; –नेषु[j] मा

३३,७२; का ३२,६,३. †आ-जानि[k]– -नीः ऋ ३,१७,३: तै ३, २,११,२; मै ४,११,१; काठ २,१५. आजनी– आ(आ√अ) ज् द्र. ?आजम्[l] पै ५,२८,६. आजमीळ्ह– अजमीळ्ह- द्र. ?आजरस[m]– -साय ऋ१०,८५,४३[n]. आ√जि,>जिगीष, ¶आजयति काठ ७, ९; २१,११; क ५,८; ¶आ-(आ-अ)जयन् तै ५, ६,७,३[3]; मै ३,४,६[3]; काठ २१, ५[3]; क ३१, २०[3]. आ-जयत्– -यन् ऋ २, २७, १५. आ-जिगीषं(?त्[o]) कौ १, ३७२; जै १,३९,३.

[a]) अस्य इति पाठे? आ(आ-अ)स्य इति शोधः (तु. क ४,७ इत्यत्र संस्कर्तुः टि.।

[b]) तु. ऋ ५, ३०,५: वैतु. सा. तात्पर्यतः आनि-षत्त– इत्यत्र पर्यवसायुकः: GW., PG. ⌊२, २२०⌋, ORN. ध्रुव–> -वः> -वे इत्येवं कृत्वा आ तद्युक्तः कप्र. इति (तु. ऋ ३,६,४)।

[c]) तु. सस्थ. टि. अभि। सपा. ऋ १०,८२,३ विशिष्टः पाभे.।

[d]) तु. सा. PW.: वैतु. GG. आ इत्यस्य स्वाभ्र. सनः चिद् इत्यनेन योगः इति, GW. एवं च यनि. चेति व्याहतः।

[e]) कर्तरि चिण् (पा ३,१,६१)।

[f]) =सपा. मंब्रा १, २,१८ आपश्रौ १४, २८,४ माश्रौ १, ६,४,२१ आपमं १,११,५ आगृ १,८,६। काठ १३, १६ तु रमयतु इति पाभे.।

[g]) सपा. जैउ १,१७,२,७ आगृ १, ७,६;१३,४ पागृ १,६,३ प्रजनयावहै इति पाभे.।

[h]) गस.। उप. कर्तरि क्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः उसं. (तु. टि. पृ ४४६a)।

[i]) आँ-जनन्त–>यनि. इति नैप्र. विपरिणामः। 'तद् (=तदा) तस्य मर्त्यस्य देवत्वम् आजानम् (=प्रादुर्भावयद्) रूपं विदधत् त्वष्टा अग्रे एति' इति वा. द्र.। यनि. शब्रन्तै-कन्यार्थं सत् (तु. ऋ ३,६१,४;९,१०,५), विप. (रूप-) इति। देवत्वम् इति च तस्य कर्म द्र. (वैतु. भा. ⌊सपा. तैआ ३,१३,१⌋ आ√ज्ञा>आँजानाम् इत्यस्य क्रिप. नैप्र. विपरिणाम इतीव प्रस्तावयन् निघाताऽभावं प्रति चोद्यः, WAG. ⌊२,६२b⌋ च आ√जन्> भाप. इतीवाभिप्रयन् देवत्वम् इत्यत्र द्वि. प्रयोगस्य प्रयोजनं प्रति चोद्यः)। छन्दस्तः चतुर्थस्य पादस्य पाठः?।

[j]) धा. शब्दे वृत्तिः स्यात्? उ. म. तु अधिकरणे प्र. इति।

[k]) भाप.। गस. उप. इञ् प्र. (पावा ३, ३,१०८) प्रकृतिस्वरश्च।

[l]) पाठः? आ (आ√अ)ज्>लङि उपु १ इति वा, आ। जं(<?जंच्<यत्) इति द्वे पदे इति वा।

[m]) स्वरूपम्? ६अ+जरस्– (=जरा–)>अँ-जरस– (तस.=जराऽभाव–)+स्वार्थे अण् प्र. (पा ५,४,३८) इति वा, अ-जरस्– (=अ-जर–) अण् प्र. इति वा>यनि. >(तुमुनो विषये ⌊पा २, ३, १४⌋ च. द्र.। 'अर्यमा न आजरसं (प्रापयितुं) समनक्तु' इति वा. (तु. सप्र. शौ १४,२,४० यत्र तथैव च. श्रूयते; वैतु. पपा. प्रभृ. आ+ जरस्– ⌊अस. समासान्ते टच्⌋>आ-जरस–इत्यतः क्रिवि. अर्थे च. अम्-त्वाऽभावश्चेतीव प्रतिपन्नाः)।

[n]) =सपा. मंब्रा १,२,१६। शौ १४,२,४० तु अहोरात्राभ्याम् इति पाभे.।

[o]) पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ ७, २१, १

आजि- √अज् द्र.

आ√जिन्व्, आ…जिन्वथः ऋ ४, ४५, ३[a]; आ (जिन्वतु)[b] पै २०, २०,२; आजिन्वन् पै २, ४०,४.

आजीगर्ति- अजीगर्त- द्र.

?आँ-जीव्[c]-

¶?आजी(व्)-वत्[d]- -वन्तः मै १, ४,८; काठ ३२,४.

आ√जुष्, आ…जुषेथाम्[e] खि १,२, ३; आ…जुषस्व[f] शौ २,५, ४.

φआ-जुषा(ण>)णा- -णा पै १९, ४८,९[g].

आजुहूर्थाः आ√हृ द्र.

आ-जुह्वान[h]- -नः ऋ १,१८८,३, ५, ३७, १; १०, ११०,३; मा १७, ७३; २०, ३८; २१, ३२; २९, २८†; का १८, ६,९; २२,४,३; २३,४,४; ३१,४,४†; तै ४, ६, ५,३; मै २,१०,६; ३,३,९;११, १; २; ४, १३, ३†; काठ १६, २०†; १८,४; २१,९; ३८, ६; क २८, ४; शौ ५, १२, ३†; पै २०, ९, २; -नम् मा २८, ३; का ३०, १, ३; -†नस्य ऋ १, १२७, १; ७, १६, ३; मा १५, ४७; का १६, ५,२९; तै ४, ४, ४, ५; ८; मै २, १३, ८; काठ २६, ११; ३९, १५[२]; कौ १, ४६५; २, ११६३; जै १, ४८, १०; शौ २०, ६७, ३; -ना मा २०, ५८; का २२, ६,४; मै ३, ११, ३; काठ ३८, ८; -नाः ऋ ७,२,४.

आ-जोहुवान- आ√ह्वे द्र.

आ√ज्ञा,>जा, †आजानीत ऋ १, ९४,८; पै १२,१,८.

φआ-जानत्- -नन्तः ऋ १,१५६,३.

आ-ज्ञात्- -ता ऋ १०, ५४,५.

आ-ज्ञातोस्(:) काठ ७, ६¶.

आज्य[i]- -०ज्य पै १९, ५४,२; -ज्यम् ऋ १०, ९०, ६; १२२,७; १३०, ३; खि २,६[२],१६; ५,७,२,११[२]; ४,१५[२]; मा २,८; १५,१०; २०, २०,३१, १४†; का २, २, २; १६, ३, २; २२, १, ५; ३५, १, १४†; ¶तै १, $५,३,२[j]; ३[3k]; १०, २[j]; ६, १, १$[२]; ३, ३$[j]; ९,४[२]; २, २, ९,४; १०, २[२]; ३, ११,२;६,१,२;२, ४; ३, १[३]; ३, ५,९,३; ४,४,२,१$;५,१,९,५; २,७,४;४,८,१;७, ३, ४; ६, २, ११, ३; ३,४,३;५,८;११,५; ५, ११, २; ७, १,५, ४; २, १०, ४; ¶मै १, १,११$; ४, १३; ६,४; ९,१$; ३;६[२]; २, १,८;२,४; ३, २[२]; ६,६[२]; ८,९$; ३, ७,५; ८, २; ११,१०$; ४, १,१२[४]; १३; १४[j]; ८, ६; १३, ९[३]; ¶काठ १, १०$; ६, २; ९, ६$; ८$; ११; ११,५[२]; १२,२; १५,५; १७, ८; २१,९; २४,५; २६,३; २८, ८; ३०, १; ३१, ९[२]; १०; ३४,११; ३५, ३$; ३८,५$; ¶क ४, १;

आविवासत इति पाभे. (उभयत्र पादादौ सः>यः इत्येवं शोधोऽपेक्षितः द्र. । एवं तर्हि निङ्-स्वर उपपद्येत । एवं चापि चतुर्थ-पादादौ स्थितस्य तम् इति पदस्य मृग्योगश्च [तु. ?BS.; वैतु. सा. भ. शत्रन्तम् इति, वि. S. <√गा इति च])।

[a]) तु. वें. GW.; वैतु. सा. आ(गच्छतम्) इति क्रिउ. मत्वा वाक्य-पार्थक्यमिति ।

[b]) मूको. खण्डितः सन् संस्कर्त्रा पूरितः द्र. ।

[c]) स्वरूपम्? इति कृत्वा यनि. नाप. (जीवनाऽऽशिष-, आश्वसित-वचन-?) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् उप. च भाप. ।

[d]) विप. मतुबन्तम् । नैप्र. मध्यतो वर्णलोपः द्र. ।

[e]) ०वे० इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

[f]) तु. पपा.; वैतु. सपा. आश्रौ ६,३,१ आङं विना पाभे., सा. अनन्वायुक इव च ।

[g]) वा. ?

[h]) <आ√हु इति <वा आ√ह्वे>हु इति वा सांकर्याद् विवेको दुश्शकः । विशेषः वैश. यद्र. ।

[i]) नाप. (घृत-) । व्यु.? पावा. पाम. ३, १,१०९ आ √अञ्ज् + क्यप् प्र., सा. [तै १, ६,१,१], उ. द. [मा २, ९] <√अज् इति, काठ २४,७ क ३७, ८ <अञ्ज्- इति, तां ७, २,१ आजि-इत्यस्य नाद्धितं वृत्तमिति, ऐब्रा २, ३६ जैभि १,१०५ आ√जि इत्यस्य कृद्वृत्तमिति ?, Wust (*Stilgeschichte und Chronologie des* RV. ४१, ४२) √अञ्ज् >अज्य->यनि. इति, GW. <√अञ्ज् इति । √आज्(=√अञ्ज्)+यत् प्र. यना. स्वरश्च तु. शौ ९, ६, ११ यतोऽञ्जनक्रियायोगः व्यु. कृते स्पष्टमपेक्षितो भाति, पपा. नावग्रहस्चात्र अनुपसृष्टस्य धा. ज्ञापक इति तु मतं द्र. ।

[j]) =सपा. तैब्रा ३,७,६,१६ आश्रौ २, ५, १४ वैताश्रौ ४,३ । मा २,१३ का २,३,११ मै १, ५, १;४,८,९ काठ ३४,१६ माश १, ७,४, २२ काश्रौ २५, १०,२२ लाश्रौ ४,१२,१ तु आज्यस्य इति पाभे. ।

[k]) मै १,७,१;५ काठ ८,१४;९,३ हविषः इति पाभे. ।

[l]) मै ४,१,३ हव्यम् इति पाभे. ।

८,९; ११$; २६, ७$; ३७, ६; ४४, ८; ४६, ४; ४७, ९[२]; १०; ४८, ४$; जै २,४, १†: शौ ५, ८, १; ६, ११५, ३: ७, ७३, २; ३; ९, २, ८; ४, ७: ५, ३८; ६, ११; १०, ६, ६: ११, ७, १३; १०, २९: १२, ४, ३४; १३,१, ५३; १९, ६, १०†: पै ५, २८, ६; ७, १८, १: ८, ११, ४; ९, ५, ८†; २३, ७; २५, ११: १४, १,१७: १६,२४,८: ४२,६;४९, ६; ७६,७; ८७, १०: १११,१२; १५४, ४: १७, १९, ४; १८, २०, २: १९, २७, १[a]: २: ४; –ज्यस्य खि ५, ७, १, १-११; १२[२]; २,२:३; ८[२]: १०[२]; मा २, १३; ५,३५: ६, १६: १०, २९: २१,२९-३९;४०[२]; २८, १-१०: ११[२]; २४-३४· का २, ३, ११: ५,९,१: ६,३,७: ११, १,४: ८, ६; २३,४,१-११; १२[२]: ३०,१, १-१० : ११[२]; ३,१-११: तै १, ३,४,१; ६,१,१; २,२: ३,१,३, २¶: ¶५, २,७,३;४: ५,१०,७: ६, ३,२,२: मै १, १, ११¶; २, १३: ६,११¶: ७,१; ¶२,१,७[२]: १०; ३, ११, २[१३]: ४,८,६;१०, ३[१३]: १३, २[११]: ५[४]: ७[३]: काठ १, १०;३,१; १५,१३[१२];२०,१५[१३]; २४, ७¶; ३०, १¶; ३१, १४; ३४, १९; क २, ८; ३७, ८¶; ४६,४¶; ४८,१: शौ १, ७, २; पै २, ५०-५१, १-५; ४, ४, २; ११,५,१: –¶ज्यात् काठ२९,१; क ४५, २; $पै ८, १९, १; २; –¶ज्यानाम् मै १,६,५; ४,२,४: –ज्यानि तै ३, १, ७, २¶: मै ३, ९, १[२]¶: काठ १५, १०[२]¶, शौ ६, ११४, ३[b], ८, ९,१८: पै १६,१६,८: –ज्याय ¶मै २,१, ५:३,६: शौ ११,१,३१; पै १६, ४२,६:९२,१:–ज्ये ¶तै १,८,९, २:३: काठ२१,७¶: शौ५,२१,२; ११, ११,६: –ज्येन ऋ १०,५३, २:८८,४; खि २,९,५; ५,७,२, ११[२]:४,१५[२]: मा २, ९[c]: का २, २,५[c]; ¶तै२, २,१०,२:६,१०, ४[२]: ५,१,९,५:४,७,६: ८,१;५, ६,५: ६,२,११,३:३,५,४: ११, ६: ६,६,१; ¶मै १,८,३; ३,५, ४; ४, १,१२[२]:१३,९[२]$: ¶काठ ६,३:८,११: १९,५:२१,९:२४, ९[२]: २९,१;९: ¶क ४,२; ७,८: ३०,३: ३८,२[२]: ४५,२; शौ २, २६,४: ५,२१,३: ९,२,१; १०, ६,२५: १२,३,२३: १३,१,५२: १९,२७,५: पै २,१२,४;३९,२: ९, ३, ५: १०, ७, ५: १५, २१, १; १६, ४९, ३: ७६, १: १३८, ६; १७, ३८, २: १८, ६, ९: २०, ९: –ज्यैः ऋ १०, ७९, ५; मै १, ९, २[d]: काठ ९, १०[d]: १४¶.

¶आज्य-ग्रह्[e]– -हः मै १, ८, ९: काठ ३२, ६; –हम् तै ३, ५, ९, ३.

¶आज्य-त्व– -त्वम् काठ २४,७; क ३७,८.

¶आज्य-ग्रा(न>)नी[f]– -नी, -नीम् मै ४, १, ११; काठ ३१, १३; –न्या मै ४,१,१४.

आज्य-पु[g]– -पाः खि ५, ७, १,१२; मा २१, ४०;५८: २८,११[h]; का २३, ४,१२;६,११: ३०,१,११[h]: मै ३,११,२;५; ४, १०,३[h]:१३, ५[h];९: काठ १५,१३[h];२०, १५: ३२,१; –पानाम् खि ५,७,२,८; १०: मा २१, ४६;४७; का २३, ५, ४:५: मै ४, १३, ७[२]; काठ १८, २१[२]; ३२,१.

¶आज्य-भाग,गा[i]– -$गः तै ७, ५,२१,१; काठ ४५, १८; –गस्य तै २, ६, २, २; मै १, ४, १२[२]; काठ ९, २[२]: क ८, ५[२]; –गा तै २, २,९,१[२];५;६[२]: –गाः मै ३, ७,२: –गौ तै २, ६,२,१[२]:४:३, १[२]: ६, ६,३,३: ७, ३,११,२$; मै १, ७, ४[२]:१०,८; १५: ४,८, ५: काठ ८,१०[२]:९,२[२]: २९,३[२]: ३६, २: ९; ४३,१$: क ७, ६[२]: ८, ५[२].

¶आज्या(ज्य-आ)हुति– -तीः काठ २७,६: क ४२,६.

---

a) सपा. शौ ७, ७३,१ आहुतिम् इति पाभे.।

b) सपा. तैब्रा २,४,४,६ आज्येन इति पाभे.।

c) =सपा. माश १,४,५,४ । मै १, १०,२ काठ ९.५ आपश्रौ ८,१२,४ तु पाठाभावः।

d) सपा. तैब्रा ३,८,२ दक्षिणाभिः इति पाभे.।

e) षस. अन्तोदात्तः।

f) नाप. (पात्र-विशेष-)। कास. उप. अधिकरणे ल्युट् प्र., प्रकृतिस्वरश्च।

g) विप. (देव-)। उस. उप. √पा (पाने)+ कः प्र., प्रकृतिस्वरश्च।

h) सपा. तैब्रा ३, ६, २, ३ आज्यपान् इति पाभे.।

i) विप. (सरस्वती-), नाप. (=आहुति-विशेष- [=नान्त-रीयोत्तरं प्राति.])। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

आजि- √अज् द्र.

आ√जिन्व्, आ···जिन्वथः ऋ ४, ४५, ३[a]; आ (जिन्वतु)[b] पै २०, २०,२; आजिन्वन् पै २, ४०,४.

आजीगर्ति- अजीगर्त- द्र.

?आ-जीव्[c]**-**

¶?आजी(व्)-वत्[d]- -वन्तः मै १, ४,८; काठ ३२,४.

आ√जुष्, आ···जुषेथाम्[e] खि १,२, ३; आ···जुषस्व[f] शौ २,५, ४.

ϕआ-जुषा(ण>)णा- -णा पै १९, ४८,९[g].

आजुहूर्थाः आ√ह्व द्र.

आ-जुह्वान[h]**-** -नः ऋ १,१८८,३, ५, ३७, १; १०, ११०,३: मा १७, ७३: २०, ३८; २१, ३२; २९, २८†; का १८, ६,९; २२,४,३; २३,४,४; ३१,४,४†; तै ४, ६, ५,३; मै २,१०,६; ३,३,९;११, १; २; ४, १३, ३†; काठ १६, २०†: १८,४; २१,९; २८, ६; क २८, ४; शौ ५, १२, ३†; पै २०, ९, २; -नम् मा २८, ३; का ३०, १, ३; -†नस्य ऋ १, १२७, १; ७, १६, ३; मा १५, ४७; का १६, ५,२९; तै ४, ४, ४, ५; ८; मै २, १३, ८; काठ २६, ११; ३९, १५[2]; कौ १, ४६५; २, ११६३; जै १, ४८, १०; शौ २०, ६७, ३; -ना मा २०, ५८; का २२, ६,४: मै ३, ११, ३: काठ ३८, ८: -नाः ऋ ७,२,४.

आ-जोहुवान- आ√ह्वे द्र.

आ√ज्ञा,>जा, †आजानीत ऋ १, ९४,८; पै १२,१,८.

ϕआ-जानत्- -नन्तः ऋ १,१५६,३.

आ-ज्ञातृ- -ता ऋ १०, ५४,५.

आ-ज्ञातोस्(:) काठ ७, ६¶.

आज्य[i]**-** -०ज्य पै १९, ५४,२: -ज्यम् ऋ १०, ९०, ६;१२२,७; १३०, ३; खि २,६[2],१६; ५,७,२,११[2]; ४,१५[2]: मा २,८; १५,१०;२०, २०, ३१, १४†; का २, २, २; १६, ३, २; २२, १, ५; ३५, १, १४†; ¶तै १, $५,३,२[j]; ३[3k]; १०, २[j]; ६, १, १$[2]; ३, ३$[j]; ९,४[2]; २, २, ९,४; १०, २[2]; ३, ११,२;६,१,२;२, ४; ३, १[3]; ३, ५,९,३; ४,४,२,१$;५,१,९,५; २,७,४;४,८,१:७, ३, ४; ६, २, ११, ३: ३,४,३:५,४:११,५; ५, ११, २; ७, १,५, ४; २, १०, ४; ¶मै १, १,११$; ४, १३; ६,४; ९,१$:३;६[l]: २, १,८;२,४; ३, २[2]: ६,६[2]: ८,९$: ३, ७,५; ८, २: ११,१०$: ४, १,१२[4]; १३; १४[l]: ८, ६; १३, ९[3]: ¶काठ १, १०$: ६, २; ९, ६$; ८$; ११; ११,५[2]; १२,२:१५,५; १७, ८; २१,९; २४,५: २६,३: २८, ८; ३०, १: ३१, ९[2]; १०; ३४,११; ३५, ३$: ३८,५$: ¶क ४, १;

आविवासत् इति पाभे. (उभयत्र पादादौ सः>यः इत्येवं शोधोऽपेक्षितः द्र. । एवं तर्हि निङ्-स्वर उपपद्येत । एवं चापि चतुर्थ-पादादौ स्थितस्य तम् इति पदस्य सुप्रयोगश्च [तु. ?BS.; वैतु. सा. भ. शत्रन्तम् इति, वित्र. S. <√गा इति च]) ।

[a]) तु. वें. GW.; वैतु. सा. आ(गच्छतम्) इति क्रिउ. मत्वा वाक्य-पार्थक्यमिति ।

[b]) मूको. खण्डितः सन् संस्कर्त्रा पूरितः द्र. ।

[c]) स्वरूपम्? इति कृत्वा यनि. नाप. (जीवनाऽऽशिष्-, आश्वसित-वचन-?) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् उप. च भाप. ।

[d]) विप. मतुबन्तम् । नैप्र. मध्यतो वर्णलोपः द्र. ।

[e]) ०वे० इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

[f]) तु. पपा.; वैतु. सपा. आश्रौ ६,३,१ आङं विना पाभे., सा. अनन्वायुक इव च ।

[g]) वा. ?

[h]) <आ√हु इति <वा आ√ह्वे>हु इति वा सांकर्याद् विवेको दुश्शकः । विशेषः वैश. यद्र. ।

[i]) नाप. (घृत-) । व्यु. ? पावा. पाम. ३, १, १०९ आ √अञ्ज्+क्यप् प्र., सा. [तै १, ६,१,१], उ. द. [मा २, ९]<√अज् इति, काठ २४,७ क ३७, ८ <अञ्ज्- इति, नां ७, २,१ आजि-इत्यस्य नाद्वितं वृत्तमिति, ऐब्रा २, २६ जैमि १,१०५ आ√जि इत्यस्य कृद्वृत्तमिति ?, Wust (*Stilgeschichte und Chronologie des* RV. ४१, ४२) √अञ्ज् >अज्य->यनि. इति, GW.<√अञ्ज् इति । √आज्(=√अञ्ज्)+यत् प्र. यना. स्वरश्च तु. शौ ९, ६, ११ यतोऽञ्जनक्रियायोगः व्यु. कृते स्पष्टमपेक्षितो भाति, पपा. नावग्रहश्चात्र अनुपसृष्टस्य धा. ज्ञापक इति तु मतं द्र. ।

[j]) =सपा. तैब्रा ३,७,६,१६ आश्रौ २, ५, १४ वैताश्रौ ४,३ । मा २,१३ का २,३,११ मै १, ७, १;४,८,९ काठ ३४,१६ माश १, ७,४, २२ काश्रौ २५, १०,२२ लाश्रौ ४,१२,१ तु आज्यस्य इति पाभे. ।

[k]) मै १,७,१;५ काठ ८,१४;९,३ हविषः इति पाभे. ।

[l]) मै ४,१,३ हव्यम् इति पाभे. ।

८,९; ११$; २६, ७$; ३७, ६; ४४, ८; ४६, ४; ४७, ९[३]; १०; ४८, ४$; जै २,४, १†: शौ ५, ८, १; ६, ११५, ३: ७, ७३, २; ३; ९, २, ८; ४, ७: ५, ३८; ६, ११; १०, ६, ६: ११, ७ १३; १०, २९: १२, ४, ३४: १३,१, ५३; १९, ६, १०†: पै ५, २८, ६; ७, १८, १: ८, ११, ४; ९, ५, ८†; २३, ७; २५, ११: १४, १,१७: १६,२४,८: ४२,६;४९, ६;७६,७; ८७, १०; १११,१२; १५४, ४: १७, १९, ४: १८, २०, २: १९, २७, १[a]: २: ४; –ज्यस्य खि ५, ७, १, १-११: १२[२]; २,२:३; ८[२]: १०[२]; मा २, १३; ५,३५: ६, १६: १०, २९: २१,२९-३९;४०[२]; २८, १-१०: ११[२]; २४-३४· का २, ३, ११: ५,९,१: ६,३,७: ११, १,४: ८, ६: २३,४,१-११; १२[२]: ३०,१, १-१०: ११[२]; ३, १-११; तै १, ३,४,१; ६,१,१: २,२: ३,१,३, २¶: ¶५, २,७,३:४: ५,१०,७: ६, ३,२,२: मै १, १, ११¶; २, १३; ६,११¶; ७,१; ¶२,१,७[२]: १०; ३, ११, २[१२]: ४,८,६:१०, ३[६]; १३, २[११]: ५[४]: ७[३]: काठ १, १०:३,१; १५,१३[१२];२०,१५[१२]; २४, ७¶; ३०, १¶; ३१, १४; ३४, १९; क २, ८; ३७, ८¶: ४६,४¶; ४८,१: शौ १, ७, २; पै २, ५०-५१, १-५: ४, ४, २; ११,५,१: –¶ज्यात् काठ २९,१: क ४५, २: $पै ८, १९, १; २; –¶ज्यानाम् मै १,६,५; ४,२,४: –ज्यानि तै ३, १, ७, २¶: मै ३, ९, १[२]¶: काठ १५, १०[२]¶, शौ ६. ११४, ३[b], ८, ९,१८: पै १६,१६,८: –ज्याय ¶मै २,१, ५:३,६: शौ ११,१,३१: पै १६, ४२,६:९२,१:–ज्ये ¶तै १,८,९, २:३: काठ २१,७¶: शौ ५,२१,२: ११, ११,६: –ज्येन ऋ १०,५३, २:८८,४; खि २,९,५; ५,७,२, ११[२]:४,१५[२]: मा २, ९[c]: का २, २,५[c]; ¶तै २, २,१०,२:६,१०, ४[२]: ५,१,९,५:४,७,६: ८,१;५, ६,५: ६,२,११,३:३,५,४: ११, ६: ६,६,१: ¶मै १,८,३; ३,५, ४: ४, १,१२[२]:१३,९[२]$: ¶काठ ६,३:८,११: १९,५:२१,९;२४, ९[२]: २९,१:९: ¶क ४,२; ७,८: ३०,३: ३८,२[२]: ४५,२: शौ २, २६,४: ५,२१,३: ९,२,१; १०, ६,२५: १२,३,२३: १३,१,५२: १९,२७,५: पै २,१२,४:३९,२: ९, ३, ५: १०, ७, ५: १५, २१, १: १६, ४९, ३: ७६, १: १३८, ६; १७, ३८, २: १८, ६, ९: २०, १; –ज्यैः ऋ १०, ७९, ५: मै १, ९, २[d]; काठ ९, १०[d]: १४¶.

¶आज्य-ग्रह[e]– -हः मै १, ४, ९: काठ ३२, ६; –हम् तै ३, ५, ९, ३.

¶आज्य-त्व– -त्वम् काठ २४,७; क ३७,८.

¶आज्य-स्था(न>)नी[f]– -नी, -नीम् मै ४, १, ११: काठ ३१, १३: –न्या मै ४,१,१४.

आज्य-प[g]– -पाः खि ५, ७, १,१२: मा २१, ४०;५८; २८,११[h]; का २३,४,१२;६,११: ३०,१,११[h]: मै ३,११,२:५; ४, १०,३[h]:१३, ५[h];९: काठ १५,१३[h];२०, १५: ३२,१; –पानाम् खि ५,७,२,८: १०; मा २१, ४६;४७; का २३, ५, ४:५; मै ४, १३, ७[२]: काठ १८, २१[२]; ३२,१.

¶आज्य-भाग,गा[i]– -ऽगः तै ७, ५,२१,१; काठ ४५, १८; –गस्य तै २, ६, २, २; मै १, ४, १२[२]; काठ ९, २[२]; क ८, ५[२]; –गा तै २, २,९,१[२];५;६[२]; –गाः मै ३, ७,२: –गौ तै २, ६,२,१[२]:४:३, १[२]: ६, ६,३,३: ७, ३,११,२$; मै १, ७, ४[२]: १०,८: १५; ४,८, ५: काठ ८,१०[२]:९,२[२]: २९,३[२]; ३६, २; ९: ४३,१$; क ७, ६[२]: ८, ५[२].

¶आज्या(ज्य-आ)हुति– -तीः काठ २७,६; क ४२,६.

---

a) सपा. शौ ७, ७३,१ आहुतिम् इति पाभे. ।

b) सपा. तैब्रा २,४,४,६ आज्येन इति पाभे. ।

c) =सपा. माश १,४,५,४ । मै १, १०,२ काठ ९,५ आपश्रौ ८,१२,४ तु पाठाभावः ।

d) सपा. तैब्रा ३,८,२ दक्षिणाभिः इति पाभे. ।

e) षस. अन्तोदात्तः ।

f) नाप. (पात्र-विशेष-) । कास. उप. अधिकरणे ल्युट् प्र., प्रकृतिस्वरश्च ।

g) विप. (देव-) । उस. उप. √पा (पाने)+ कः प्र., प्रकृतिस्वरश्च ।

h) सपा. तैब्रा ३, ६, २, ३ आज्यपान् इति पाभे. ।

i) विप. (सरस्वती-), नाप. (=आहुति-विशेष- [=नान्त-रीयोत्तरं प्राति.]) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

?आज्येन[a] पै ९,२५,२.
आ(आ√अ)ञ्च् आ(आ√अ)च् द्र.
आ(आ√अ)ञ्ज्, आञ्जन-, आञ्जन्य- आ(आ√अ)ज्,ञ्ज् द्र.
आदणार्- अद्णार्- द्र.
आडम्बर[b]-
आडम्बरा(र-आ)घात[c]- -[d]तम् मा ३०,१९; का ३४,४,१.
√आण्[e]
आण-[f]
आण्ड(ण-ड)[g]- -ण्डम् तै ६,५,६,१¶; ¶मै १,६,१२;१०,६; २,२,४; काठ ३६,१¶[h]; पै २०,५२,१२; -†ण्डा ऋ १,१०४,८; ⌊८,४०,(१०)११⌋; १०,६८,७; शौ २०,१६,७; -ण्डात् शौ १४,२,४४; पै १८,११,४; -ण्डानि ऋ ⌊८,४०,१०(११)⌋; पै १७,१३,३; -ण्डाभ्याम् मा २५,१;७; का २७,१,१; ७,१; तै ७,३,१६,२?[i]; मै ३,१५,१;९; काठ ४३,६; -ण्डौ मा २०,९; का २१,७,८; तै ७,५,२५,२; मै ३,११,८; काठ ३८,४[j]; शौ ९,१२,१३; पै १,६८,३;१६,१३९,१६.
आण्डी[k]- -ण्ड्यौ शौ ६,१३८,२[l].
आण्डा(ण्ड-अ)द्[m]- -ण्डादः शौ ८,६,२५; पै १६,८१,६.
आण्डा(ण्ड-अ)द[l]- -दः पै ७,१९,५.
आणाश्चाणाश्चण्डामर्कान्[n] पै ३,९,६.
आणि- √अण् द्र.
?आण्डीक- -कम् शौ ४,३४,५?[o]; ५,१७,१६?[p]; पै १०,२,१०.
आत्[q] ऋ १,६,४; १८,८; ३२,४; ⌊४(६,३०,५)⌋; ३३,१; ५१,४; ६७,४; ६८,२; ७१,३;४; ८२,१; ८३,४;८७,५; ९४,१०; ११५,४; ११६,१०; १२७,५; १३१,५; १४०,५; १४१,४-६; ८; १४४,३; १४८,४; ⌊४;७,३,२⌋; १६१,४; १६३,७;१६४,३७;४७; १६८,⌊९; १०,१५७,५⌋;२,५,७;१७,४; २४,९; ३,९,⌊९; १०,५२,६⌋;२६,८;३०,१२;३१,१५; ५४,७;११; ४,१,१८[२];२३,६;२४,४;५[४]; ३०,७; ⌊३३,२(९,९७,५)⌋; ५४,२; ५,१,३;७,१०;२९,४;३०,८;३२,३;६५,४;८५,४;६,६७,१०; ७,१६,११; ३३,६; ६४,३; ६६,

a) पाठे? माज्येन (<माज्य-<माज्ज-<मज्जन्-) इति संभाव्येत।

b) नाप. (वाद्य-विशेष-)। व्यु.? अभा. <आ√डम्ब् इति वा आडम्ब-+र- इति वा। आ√ध(>डं)म् >भाप. *आ-डम्- +√भृ>भाप.>*भर- इति कृत्वा बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति तु विमृश्यम्।

c) उस. उप. आ√हन्+कर्तरि अण् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

d) सपा. तैब्रा ३,४,१३,१ दुन्दुभ्याघातम् इति पाभे.।

e) धा. प्रवयणे (=प्रजनने) वृत्तिः (तु. पाधा. √अण् प्राणने)। इहापि दीर्घादित्वं मौस्थि. द्र., पाप्र. तस्यानपेक्षितत्वात्।

f) नाप.(वीर्य-, बीज-)। घञन्तेऽन्तोदात्तः।

g) नाप. (मुष्क-, पक्षिशावक-पूर्वावस्थाविशेष-, ⌊सामान्येन⌋ अपत्य-)। मत्वर्थे डः प्र. उसं. (पा ५,२,१००)। अण- इति ह्रस्वादित्वेन श्रुतौ (तु. परि.)<√अण्(*प्रवयणे)+घः प्र. इति विशेषः (वैतु. पाउ १,११४<√अन् इति)।

h) मण्डम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मपा. मै १,१०,६; तैब्रा १,६,२,४ ⌊तत्र सा. च⌋)।

i) वैतु. पपा. (मैसं.) अ° इति ह्रस्वादिः पाठः।

j) ह्रस्वादौ पाठे? यनि. शोधः।

k) स्त्री. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. सा. पुं. इति? ⌊वैतु. 'उभे इत्येतत् साधिकरणं सस्थ. पदान्तरम्⌋) ङीष् प्र. उसं. (पा ४,१,४१)। द्विर यणादेशे स्वरितः (पा ८,२,४)।

l) सपा. पै १,६८,३ °ण्डौ इति पाभे.।

m) विप. (रक्षस्-)। उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

n) पाठे? आऽनाशयश्चा नश् चण्डान् मर्को नश्चापि नश्यतु इत्येतदर्थपरः शोधः स्यात्?।

o) पाठे? छन्दस्तश्च सपा. पै ⌊६,२२,८⌋ संवादतश्च पुण्डरीक->-कम् इति वा (नैप्र. तत्तुल्यभूतं सत् *अण्डरीक->-कम् इति वा शोधः।

p) पाठे? नाण्डीकम् इत्यस्य (पपा. अनु) द्विपदस्य सतो नँण्डीकम् इत्येकपदात्मकतया शोध्यत्वं द्र.। *न° इति प्रस्ताव्यमानं प्राति. नैप्र. पुण्डरीक-(=उँ=अँ>ह* >अँ>अँ>)) *न° इत्येवमादितः, इत्येवं *°ण्डरी°> (*°ण्डी°>) *°ण्डी° मध्यतश्चाभिनिर्वृत्तं द्र. (तु. समाने स्थले १२-१५ संख्याकेषु मन्त्रेषु १७ संख्याके मं. च प्रक्रमसामान्ये सति पूर्वार्धे सर्वत्रैकस्यैव नमः श्रुतिः)।

q) आनन्तर्यार्थः नि.। इअ-> पं१ रूपम्।

११[2]; ८,६, ३०; १२, ८;⌊२५; २७⌋; ⌊२८-३० (८, ३, ६; ९, ८६,३०; १०,५६,५)⌋; २१,१४; २६, २०; ३२, ११; ५१,४; ८; ५५,५;६०,१५;६३, ५;७७, २: ८०,९; ८२,३; ९१,५; ६; ९३, १५;१००,१; ९,१४,३; ३२,⌊२ (३८, २; ४३,२; ६५, ८)⌋; ३; ४७,३; ६२,६; ७०,३; ८८, २; ९७,२२;११०,६; १०, २७, ३; ४८, ९; ८२ ⌊१ (१४९, २)⌋; २[a]; ८६,१३;१८; ८८,८[2];११; ९२, ३; १११ ,३;९; ११३, ५; खि ३, ३,४;८;७,५; ५, ५,२; १५, १५; †मा १५, ६२; १७, २५; २६[a];३२$; २९, १८;३३, ७: ३७; ५४; †का १६, ७,५; १८, ३, १;२[a]; ८$; ३१, ३,७; ३२, १,७; ३,८; ४, ११; †तै ३, १, ११, ४; ४, ४,३, ३; ६, २, ३$; ४; ७, ३; ५, ६, १, ४$; †मै २, ८,१४;१०,३[2],$; १३, १$; ८;४, १०,२, १२,५;१४, २; १४; †काठ २,१४, ११, १३; १७,१०; १८, १$;२;३५, ३$; ३९,२$;४६, ३; †क २६, ९; २८, २[2]; $; ४८, ४$; †कौ १, २०; ४६; ५५; २८८$; ३०५$[b];५३७; २,१२०; १२१; २०१;३६०;५७०;७४०; ७७५; ८२२;८४५;८६३; १०९९; †जै १,२,१०;५,२;६, १; ३०, ६$; ३२,३$[b];५५,५;३,१८, ८;३०, ३;४६,५;५८,३;४,४,३;२१,१; २७,५;६; शौ २, ३,२; ३, १३, २[c];६; २१,१०; ४, ३,३;४;९, ८;२०,१; ५, १३,२;३; ६,२२, १†; ७, ७३, २: ८, ६,२६; ९, १५, १५†; २२; १०, १०,१०; ११, ७, २४; ११, ८: १३, २, ४१; †२०, २५,४; ४०,३;६३, ३:६९, १२; ७५, ३; ११४, २; १२३, १; १२४, ६;१२६, १३; १८;१३२,१$; पै १, ८,२;४६, ६?[d]:२,८,३;५;५५,१[c];३,४,२; ६:३९,१;४,२६,५;६;७,११,१; ८,२,२:३,७;६,१;१२,१,१०†; १३, ६,४[2]†; १६, †६९,६;१३; ८१,७;१०७,१०;१५५,५; १७, २९,८; १८, २४,९; १९, २२, १०†;२६,४;२७,२;२०,२८,२.

?आत्[f] पै ५,६,३.

१आत,ता[g]– -ताभिः खि ५,७,१,६; मै ४,१३,२; काठ १५,१३; –तैः ऋ ९,५, ५; मा २९,५; का ३१; १,५; तै ५, १,११,२; मै ३.१६, २; काठ ४६,२.

आ √तंस् > तंसि, आतंसयेथे ऋ १०, १०६,१.

आ √तक्ष्, आतक्षन्तु ऋ ४, ३३,८; आतक्षत ऋ १,१११,३; ४, ३५, ६; आ···तक्षत ऋ १, १११,२: ४,३६,८[h].

आ √तञ्च्, ¶आतनक्ति तै २, ५,३, ५; आतनक्मि[i] का १, २, ४; आतनच्मि[i] मा १,४; तै १,१,३, १; मै १,१,३; ४,१,३; काठ १, ३;३१,२; क १,३;४७,२; ¶आ-तञ्च्यात् तै २,५,३,५.

¶आ-तञ्चन– -नेन तै २,५,३,५.

आ-तत–, आ-ततन्वस्– आ √तन् द्र.

आततायिन्[j]– -यिने[k] मा १६, १८;

---

a) तु. टि. यद्->यः (मै २,१०,३)।

b) आत्। उ। अन्यथा इति पदविभागो यथायथं द्र. (तु. पपा. BS.; वैतु. सा आद्धन्। यथा इति)।

c) सपा. तै ५,६,१,२ काठ ३९,२ ताः इति पाभे.।

d) शोधानुगतः पाठः द्र. (तु. टि.?आदद्रुः)।

e) जैन्नाय। आत् इति पद-विभागः द्र.।

f) पाठे? माता इति शोधः (तु. सस्थ. टि. √ए>आयन्)

g) नाप. (स्त्री. पंजा. मुहाठ इति ख्यात- द्वारस्य प्रतिष्ठात्मककाष्ठ-; वैतु. वें. सा. =दिश्– ⌊=२आता- यद्र.⌋)। ?लिङ्गभेदतो वृत्तौ तु. -ताभिः<>-तैः मा. प्रभृ. पाभे. (तु. L४४२ च; वैतु. GW.°ता->-ताभिः⌊नैप्र.⌋>°तैः इत्येवं प्रपन्नः संश् छन्दोविचारतोऽनुपपन्न इव। व्यु?<आ √तन् इति ?PW.* MW., विप. (पक्षस्-)<√अत् इति उ. म.।

h) तु. सा.; वैतु. वें. चार्थे स्त्राम्र. इति (तत्रत्यं संस्कर्तुः टि. चिन्त्यम्)।

i) °क्मि (काश २,६,३,११ च)<>°च्मि (माश १, ७,१,१९ तंब्रा ३, २, ३, १० आपश्रौ १, १३,१४ माश्रौ १,१,३,२४ च) इति पाभे.।

j) नाप.। व्यु.? पपा. नावग्रहः। आ √तप्>°तापि (णिचि)>°तंताप्>नैप्र.(°तताप् (यङ्लुकि ⌊पा ७,४,६५ उसं.⌋)+(ताच्छीलिकः) इनिः प्र. [°तंतापिन्–>नैप्र. (°*यिन्–>°विन्⌊अग्रे द्र.⌋ इति च °तंताइन्>) यनि.(इति च समूलः सन् द्विधा प्रवृत्तो वाक्प्रयोगः द्र.] इति विमृश्यम् (WAG १,८८c तु आ-तत-+√ इ+ णिनिः प्र. ⌊=आततेन धनुषा एतुं शीलमस्य⌋ इति च, नैप्र. °यिन्–>°विन्– इति च? ⌊तु. सा. °ताविन्– यद्र.⌋)।

k) °यिने<>°विने(यद्र.) इति पाभे.।

का १७,२, २; मै २,९,३; काठ १७,१२; क २७,२.

आततावि॒न्[a]- -विने[b] तै ४. ५,२,१.

∅आ-ततृषाण॒- आ√तृप् द्र.

आ√तन्,>तानि, आ॒···तत॒नन् ऋ १,१६६,१४.

आतनो॒ति शौ १२,१.१५: पै१७, २,६; आ॒तन्वते ऋ १, १५९,४: आ॒···तन्वते॒[c] ऋ ६,५९,७: आ-तन्व॒न्ति मा १३, २२:१८,४६: का १४, २,७:२०, २. ९: तै ४, २,९,४:५,७.६,३: मै २,७,१६: काठ १६, १६: आ॒तन्वन्ति शौ १३,४,७: पै १५,२२,७: आ॒··· तन्व॒न्ति ऋ १, १९, ८: मै ४, ११, २: †आ॒···तन्वन्ति ऋ ९, ९९,१: कौ १, ५५१; जै १,५६, ३; आ · तन्वन्ति पै ६, १७,८: आ॒तनुषे[d] शौ १३,२,१०: पै १८, २१,४; आ॒तनोषि शौ ९, ४,९: पै १६,२४,९; आ॒···तनोषि,आ॒(तनोषि) ऋ ४,५२, ७; †आ॒त-नोमि ऋ१०,१२५,६;शौ४,३०, ५; आ॒···तनोमि शौ ४,४,७:६. १०१,३: पै १९,१३,१२: आत-नोतु पै ५, २२, २: †आ॒तनुष्व ऋ ४,४, ४: १०, १२०,४; मा १३, १२; का १४, १,१२; तै १, २.१४,२; मै २,७,१५; काठ १६, १५: क २५,६: शौ ५,२,४: २०, १०७,७; पै १, ७६,१[e]; ४,१६, ८[d];६,१,४; आ॒तनुध्वम् ऋ १०, १०१,२:आ॒(आ॒-अ॒)तनोत् ऋ २, १७,४;१०,१११,५; ‡आ॒तनोः[f] कौ ३,३,३: जै २,१,३.

आ॒तता॒न ऋ १,३५,७[g]: १२६, २:५,७६,३[h]:१०, ८०,४: तै २. २,१२,६†: ४,१,२,३‡[i]: मै १, ६,२‡[i]: कौ २,११०४†; शौ ७, ८७,५; १८, १, २८: १०,, २२, २१:२३,३०: आतता॒न ऋ ७, ४७,४:१०,८८, ३: आततान पै ८,९,१:१६,१५२, ७: †आ॒··· तता॒न ऋ ५,१,७;७,२३,१;१०, ८८,१२; कौ १,३३०: जै १,३४, ८: शौ २०,१२,१; आ॒···ततान ऋ ३,५३,१५; ४,३८,⌊१०(१० १७८,३)⌋; तै १, ५,११,४†; मै २, १३, २२; आ···ततान काठ ४०,१२; †आतत॒न्थ ऋ ३,२२, २: मा १२,४८; का १३, ४,४; तै ४,२,४,३; मै २,७,११: काठ १६, ११; क २५, २; †आ॒त-तन्थ ऋ १,९१,२२[f];३,६,५;७, ५,४;८,४८,१३[i];मा११,१७$[i]; १९, ५४[i]; ३४, २२[f]; का १२, २, ६$[i]; २१, ४, ४; ३३, १, १६[f]; तै २, ६, १२, २[i]; मै १, ८, ९$[i]; ४, १०, ६[i]; १४, १[f]; काठ १३, १५[f]; १६,२$[i]; २१, १४[i]; आ॒···ततन्थ ऋ ६, ६, ६: आ॒ · तत॒न्थ ऋ १०, १,७; आ॒ततंन ऋ ७, २९, ३: †आ॒-तनत्[k] ऋ १,९१,२३: मा ३४, २३: का ३३,१,१७; आ॒ (आ॒-अ॒)तान्[l] ऋ ६, ६७, ६ : शौ ९. ४,१; पै १६,२४,१.

आ॒ताय॒ताम् शौ १०, २,१७: पै १६,६०,५.

आ॒तानय,>या शौ ४, ४, ६;६, १०१,२:पै४,५,८;१९,१३,११.

†आ॒-तत,ता- -तः ऋ ६, २,६[m]: १०,५७,२:१३५. ६: तै ७, २, १०, १¶: कौ १, ८३[m]: जै १, ९, ३[m]; शौ १३, १,६०: १८, ४, ५९[m]: पै १७,२५, ३: **–तम्** ऋ १, २२, २०; १०, ५६,६: खि ५,१५,१६; मा ६,५; का ६,

---

[a]) सा. तु आ॒-तत-(=धनुस्-)+√अव्+णिनिः प्र. इति ?। शि॒ष्टं पृ६३७*j*. द्र.।

[b]) °विने<>°थिने (यद्र.) इति पाभे.।

[c]) अच् प्र. उसं. (पा ३, ४, ७८ ⌊तु. कृण्वते॒, वृण्वते॒ प्रभृ.⌋)।

[d]) सपा. °नुषे<>°नुष्व इति पाभे.।

[e]) °हुष्व इति पाठे ? यनि. शोधः।

[f]) °तनोः<>°ततन्थ (तैत्रा २, ८, ३, १ च) इति पाभे.।

[g]) वैतु. GW. अस्य आ॒° इति पदे (क्रम-व्यत्यासेन)> °स्याः(स्त्री. ?) तता॒न इति।

[h]) '(यतः) इदानीं पीतिरश्विनौ नाऽऽततान (=पूरित-वर्ती, अतस्तौ युवां) दिवानक्तम्··· उत (=पुनःपुनः) आयातम्' इति वा. द्र. (वैतु. सा. अकर्मक-वृत्ता-ऽऽभासः वा. अन्यथा दर्शुकः ?, GW. अनुपसृष्टं क्रिप. इति च)।

[i]) सपा. °तान तैत्रा १, २, १, २३ <>°तन्थ ⌊माश ६, ३, ३,६ काश ८, ३, २, १६ च⌋<>आ॒वि-वेश शौ ७,८७,४; १८,१,२७ इति पाभे.।

[j]) सपा. ऋ ४,५८,३ आ॒विवेश इति पाभे.।

[k]) वा. ? भूयो विमृश्यम्।

[l]) लुङि प्रपु१। हलन्तलक्षणा वृद्धिः सिचो लुक् च। छन्दस्तोऽटो वि-सन्धिः (तु. ORN. AVM.)।

[m]) सपा. कौ २,११७५ वि॒राजति इति पाभे.।

१, ६; तै १,३,६,२; ४,२,९,४; मै १,२,१४; काठ ३,३; क २, १०; कौ २,१०२२; जै ४,९,३; शौ ७,२७,७;९५,३$;२०,१३२, ६$; पै २०, २९,३$; –ता ऋ १, १०५,९; –ताः ऋ २,५,२ϕ; पै १९,१८,१४$[a].

आ-ततन्वस्[b]– -न्वान् ऋ ३,१,५.

आ-तनि[c]– -निः ऋ २,१,१०.

ϕआ-तन्वत्– -न्वन्तः ऋ ४, ४५, २[d];६.

आ-तन्वान– -नाः शौ ६,६६, २: पै १९,११,१२;–नेभ्यः मा१६,२२; का १७.३,१; तै ४,५,३,२; मै २, ९,४; काठ १७,१३; क २७,३.

आ-तान[e]– -०न मा ६, १२; का ६, ३,१; तै१,३,८,२:६,३,८,३: मै १,२,१६: ३,१०,१: काठ ३,६: ९,४; क २,१३: ८, ७; –नाः तै ६,३,८,४¶.

आ√तप्,आतपति मा ३१,२०;का ३५, २,४; आतपति शौ १२,१,२०; पै १७,३,१; आतपन्ति शौ १२, ३,५०:पै१७,४०,१०; आतपन्ति ऋ७,८३,५[f];आतपन् पै ५,६,२; आतपतु शौ ८,२,१४‡[g]; पै १६, ४,४; आतपन्तु पै ५,६,१:१०.

आ-तप्[h]– -तपः ऋ ५, ७३, ५:८, ७३,८.

१आ-तप[i]– -पः ऋ १,५५,१.

२आ-तप[j]– -पः पै ९,११,६; –पाय तै ७,१,१७,१; काठ ४१,८.

आतप्य[k]– -प्याय मा१६,३८; का १७,६,२: तै४,५,७,२; मै २,९, ७: काठ १७,१५: क २७,५.

आ-तपत्– -पतः तै६,४,२,४; –पति तै २,४,७,२; मै २,४,७[l]: ४,४, १: काठ ११,९[l]; –पते तै ७,५, ११,२[२]; काठ ४५,२[२]; –पन्तम् शौ ८,६,१२; पै १६, ८०,३.

आ-तप्स्यत्– -प्स्यते[m] तै ७,५,११, २: काठ ४२,२.

आ-तस्थिवस्– आ√स्था द्र.

१आता– १आत- द्र.

२आ(त>)ता[n]– -ताः ऋ ३, ४३,६; –तासु ऋ १, ५६,५;११३,१४.

आताक्षीहतामुमुग्धुभ्याम्[o] पै १, ९५,१.

आताममश्[p] पै ७,१५,४.

आतार–,आ-तार्थ– आ√तॄ द्र.

?आतासि[q] पै ४,१५,४.

आति–> °ती-[r]

आतिच्छन्दस– अतिच्छन्दस्– द्र.

आतिथिग्व–, आतिथ्य– अतिथि–द्र.

आतिदम्भ– अतिदम्भ–द्र.

आ√तिष्ठ आ√स्था द्र.

आतु[s]– -तुम् पै १, ९७,२;३.

[a]) सपा. मा १३,२२ आतन्वन्ति इति पाभे. ।

[b]) गस. क्वस्वन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[c]) विप. (अग्नि-)। गस. कर्तरि इञन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। सकर्मकस्य धा. सतः यज्ञम् इति कर्म द्र. (तु. GW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. अन्यथा दर्शुकौ) ।

[d]) तु. सस्थ. टि. आ, वें. सा. (उत्तरे स्थले), GW. प्रमृ. च: वैतु. सा इहाऽऽङं चार्थे वदन् व्याहतः ।

[e]) बप्रा. । नाप. (यज्ञ-[तु. माश ३,८,२,२], आदित्यरश्मि- [तु. तै ६,३,८,४; वैतु. PW. प्रमृ. नि-योजनी- इति) । गस. उप. कर्मणि घञ् प्र. । थादि-स्वरः ।

[f]) तु. सस्थ. टि. अभि ।

[g]) सपा. ऋ ८,१८, ६ मा ३, ६; १० मै ४, ६,२७ शौ ७,७२,१ तैब्रा ३, ७,१०,५ तैआ ४,४२, १ आपश्रौ १४,२९,१ तपतु इति पाभे. ।

[h]) गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. MW. कसुबन्तम् इति)।

[i]) विप. (इन्द्र-)। गस. उप. कर्तरि अच् प्र.। थादि-स्वरः ।

[j]) भाप.(घर्म-)। गस. अबन्ते थादि-स्वरः।

[k]) विप. (रुद्र-)। तात्रभविकः यत् प्र. (पा ४,४,११०)। तित्स्वरः ।

[l]) BC. SI. च निरुपसर्गः पाठः शोधार्हः (तु. तै.)।

[m]) वि. स्वरः (पा ६,१,१७३)।

[n]) नाप. (चरम-सीमा-, दिगन्त-) । व्यु. ? पपा. नावग्रहः (वैतु. दे. [निघ १,३] प्रमृ. <आ√तन् इति, सा., दे. [पत्ते] च <√अत् इति) । यप्रा. सतः १अर्ध- इत्यस्य नैप्र. रूपान्तरमिति तु विमृश्यम् ।

[o]) पाठः ?

[p]) पाठः ? आ ताम् अम (<√अम्>लोटि मपु१) इति त्रि-पदः शोध इति कृत्वा 'ताम् (इमां दक्षिणाम्) आऽम' इति वा. स्यात् ? ।

[q]) पाठे ? त्रैष्टुभः पाद इति कृत्वा ···अर्हे जाताऽसि (>नैप्र. °र्हे आ°>°र्ह् आ°) इति शोधः (पृ ४३४f एतदनु शोधः)।

[r]) नाप. (पक्षि-विशेष- [भा. तै ५,५,१३,१ = चाष-])। व्यु.? यत्तु पृ ७३ √अत् इत्यत्र निर्देशोऽकारि, तत्र पाप्र. व्यवहारमात्रं प्रयोजनं द्र. ।

[s]) = सतत-संचारिन्- । व्यु. ? तु. सस्थ. टि. अभि ।

आ√तुच्[a]

आ-तुच्[b]– -तुचि ऋ ८,२७,२१.

आ√तुज्

आ-तुजि[c]– -जी ऋ ७,६६,१८.

आ-तुजे[d] ऋ ७,३२,९.

आ√तुद्, आतुदः पै १, ४४,२;१३, १३,५.

†आतुतोद ऋ १०, १६, ६; शौ १८,३,५५.

ϕआ-तुदत्[e]– -दन्तः ऋ १०,९४, १४.

आ-तोदिन्[f]– -दिनी शौ ७,१००,३.

आतुर[g]– -रम् ऋ ८,२२,१०; शौ ६, १०१,२; पै १७, १२, ५?[h]; १९, १३,११; –रस्य ऋ ८,२०,२६; ७२, १७.

आ√तुश्, आ···तोशते[i] ऋ ८, ५०,५.

आ√तुष्, आ···तोषते[i] खि ३,२,५.

आ√तृद्

¶आ-तृण्ण,ण्णा– -ण्णम् तै ५, २, ७,२;३; –ण्णाम् काठ २०, ८; क ३१,१०.

†आ-तृदस्(:)[j] ऋ ८,१,१२; मै ४, ९,१२?[k]; कौ १,२४४; जै १,२६, २; शौ १४, २, ४७; पै १८, ११, ७.

आ√तृप् >तर्पि, आ[l] · तर्पयेथाम् ऋ १, १७,३; आ···तर्पयत्[m] जै १,२०, ६; आ···तर्पयात्[m] कौ १,११०.

आ√तृष्

ϕआ-ततृषाण[n]– -†णः ऋ ६,१५, ५; मा १७,१०; का १८,१,११; तै ४,६,१,२; मै २,१०,१; काठ १७,१७; क २८,१.

आ√तॄ, >तर्, तारि, तिर्, आ[o]··· तरेते ऋ १, १४०, ३; †आतर ऋ ८, ७५, १५[p]; मा ११, ७१; का १२, ७,६; तै २, ६,११,४; ४,१,९, ३; मै २, ७, ७; काठ १६, ७; आतरन् पै १६,१०३, १०; आतरः पै १९, ४०, १?[q].

आ(आ-अ)तिरत्[r] ऋ २,१७,२?; ७, ८२, ६?; †आ(आ-अ)तिरत् ऋ ३, ३४,१; शौ २०, ११,१; आ(आ-अ)तिरः[r] ऋ ४,३०,३?; आ(आ-अ)तिरः ऋ ४, ३०, ७; १०, ५४, १; आ(आ-अ)तिरन्त ऋ ७, ७, ६; ८, ९६, १; आ-तिरेयम्[s] खि १,९,५.

आ[t]··· तरुषन्ते ऋ ५,५९,१.

?आ(तारि) ऋ १०,१४४,६[u].

---

a) पाधा. उसं. । अर्थः ? । गमने वृत्तिरिति वें. सा., संवरण इति GW. ।

b) नाप. (प्रदोष-समय-) । गस. अधिकरणे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

c) विप. (मित्रावरुण-) । गस. प्रकृतिस्वरः । उप. कर्तरि इक् प्र. उसं. (पाउ ४,१४२) ।

d) गस. केन्नन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. द. कर्तरि क्विप् प्र. ततश् च१ इति) ।

e) तु. GW.; वैतु. सा. PW. आक्रीडय इति योगं मन्वानौ स्वरतश्चिन्त्यौ ।

f) विप. गस. णिन्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) नाप. । व्यु. ? पपा. नावग्रहः । <आ√तुद् इति श्रभा. GW. ।

h) पाठः ? यातुरम् इति मूको. । याः आ॰ इति पदद्वयं मत्वा शोधः द्र. ।

i) ॰शते<>॰षते इति पाभे. ।

j) गस. कसुन्नन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

k) आतृद इति Sch. आतृद इति सात. च पाठे ? यनि. शोधः ।

l) तु. वें. सा. GW.; वैतु. PW. ORN. आ व्याप्ति-वचनम् अव्य. सन् क्रिवि. इति (तु. सस्थ. टि. रै–> रायः) ।

m) ॰यत्<>॰यात् इति पाभे. ।

n) 'रणे नु तुर्वश यो घृणे (=घृते) आ॰' इत्येवं वा. द्र. (वैतु. सा. आ√घृण्>आ···घृणे (प्रपु१) इति कृत्वा घृण्– इत्येतत् प्राति. सद् आख्यातुकः, उ. म. क्रिउ. इति, GW. स्वाप्र. इति च) ।

o) वैतु. सा. (तु. GW.) अभिना योगं पश्यन् आङम् ईषदर्थे स्वाप्र. प्रतिपादुकः । यनि. तु मातृद्वयस्यापि समान-लक्ष्यस्य सतः शिशोः प्राधान्येन श्रावयितव्यत्वात् अभि इति तद्युक्तः कप्र. इति विवेकः ।

p) तु. सस्थ. टि. अभि ।

q) पाठे ? आतर (लोटि) इति शोधः (तु. मूको.) ।

r) आ-अ॰ इति पपा. यनि. शोधः (तु. पा ८,१,७१) ।

s) ॰रे॰ इति पाठे ? यनि. शोधः ।

t) तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. आ स्वाप्र. इति ।

u) नैप्र. अत्राऽऽतरणम्>आ-धरणम्>आ-हरणं द्र. । एवं नाम पं. योगश्च वा. च साधूयेत (वैतु. वें. सा. आ-सुतः इति ?, GW. इति अस्मत् इति पं. युक्तः आ कप्र. च) ।

*आ-तार्[a]–

आताय्य[b]– -र्याय तै ४, ५,८,२.

आ-त्त– आ√दा द्र.

आत्मन्[c]– -त्मन् मा १९, १२;१३[d]; २०, १०[e]; ४०, ६; का २१, ६, १३; १४[d]; ७,१०[e]: ४०,१ ६; ¶तै १,५,८,२:३:६,७,८:१०, ६[२]; ११,५–७:७,१,६[२]:३,२:४, १;५[२];५,३: २, १,४,६:७;२,१, ५;४,२,७[२]:८[२]:५,२,४:३,३:५, १;११,८:६,३.१; ३.१,१,३:२, ९,२;३:४[२]; ३,२,१:४, ३[२]:४, ३,८;१०,५;५,७,३: ५, १, ९, ६; २,२,५:३,१०,४[२]: ८,१,१[२]. ५,३[२]; ६,६;५,९,३;६,३,४: ९, २;७,५,२:६,८;९,१[२]$[f]: २:४: ६,१,७,८: १०,४:२,५,३:३,७, ३:९,६:१०,२:४,९,४: ११,४: ५,२,२: ११,४[२];६,३,५:५, १[२]: ७,२:८,१: ११,१: ७,१,४,२[२]; २,१,३: २-३, २;५,६: ३,७, १;२:४,३,१: २: ३[२]: ४:५: ७, २; ५,८,५: ९,२: ¶मै १,४,५: १०;११[२];१४:५,९: ११: १४[२]: १०,५;९; १०: ११,७[२]: २,१, २;३;३,२;५[२]: ९:५,३[३]: ५: ७; १०;३,२,१:३,५[२]: ६[२];४,२:६: ६,२; ९,६; १०,१:४: $११,८: ९; ४,१,१४;२,९[२];३,१:६,१[२]; ४;७,६:८,४: ¶काठ ७,६:८:९: ११[३]; १०,२;८:१०[२]:११,१: ८; १२,२;११; १३,४[३];५[२]:७[२]:१४, ६:७;१९,३;२१,४:२३,६: २४, ४:६[२]:९: २६, ८;२७, ५: १०[२]; २९,२:३;७;८: ९[२]: ३२,१[२]:२[२]: ३:४;५[२]:३४,२;७;३५,१६:१९: ३६,४:५:७:१४: $३८, ३[२]: ४: ¶क ६, १[२]: ३१, १९:३५, २[२][g]: ३७,५:७[२]:३८,२:४१,६:४२,५: ४५,३:८: ४६,२[२]:४८,१४:१७; शौ ९,७,८;१२,३,५८: १५,१, २: पै १७,४१,४: २०,१८,१[h]; –त्मनः ऋ [१०, १६३, ५:६]: ¶तै १,७,६,३:२,१,१,४:४,४: २,६,३: ४: ५,२,३:६,९,८: ३, १,५, १: २,३,४:४, २[२]: ५: ५, ४$: ५,२,१,३:५,४:३,५,२;६, ६,१:८,२[२]:७,६,१:५[२]; ८,१:२: ६, १,८,५:१०,३:२,२,३:७:५, ५[२]:३,२,६:८,३:५,१०,२: ¶मै १,५,९[२]: ९, ५: १०, १०[२]: २, ३,३, ४,२: ३,१,८; २,१[२]:४[२]: १०[२]: ३,५:४,७[२]:८:६,७:९: ७, ६:८[२]: ८, ९:१०: ९, १[२]: ४[२]: १०,५: ४,१,२[२]:५:९: १२: २, ८[२]:४,५:६: ५,७:७, ८: ¶काठ ७,६;९,११;१३;१०,७[२];९;११, २;१९,११;२१,२;२२,७[२]; २३, ६;९[२];२४,४;९;२५,८; २६, १; २:७;२७,८:२८,१:२९,२; ३१, १[२];७;११: ३४,६:७: ३५, २०: ३६,५: ३७,१०:१६; ३९, ८$: ¶क ५, ५; ८[i]: ६, १[j]; ३१, १: १७; ३५,१[२]:३७,५:३८,२:४०, १:४:५: ४१,५: ४४,१: ४५, ३: ४७,१[२]:७;११: ४८,१८: शौ ५. २९,५:९,१३, ९: ११, ७, १५: १५,१०,२: पै ४,१५,५:७,१९. ८: ११, १,४: १३, ९, ६: १६. ७४,९:७५,२:१४९.१२: १५४, ५:१८,२७,२[k]; –त्मना मा ३२, ११: का ३५, ३,८: ¶तै १,७,३, ३: २,१,४,५:४, ३,३;५,४,३[२]: ८.५:११,९;६,८,१: ३,२,२,३: ३,७,२:४,६,२;५,३,३,१:९,१: ११.२:४,१,१;६,२,१: ६,४:६, २.२.२: ७: ५,४: ३, १०,६:४, १०,१:६,९,१: ७.२. ५.४: ¶मै १,९,३:८[२]:१०,९:१५: २,३,९: ८. १४[२]$; ३.२, ८.३.७: ६-७, १०: ८, १: ५: ९. ५: १०. ५: ६: ४, १, १०: ३, ४: ४, १०[२]: ५, ६: ६, ४[२]: ७, ६: ¶काठ ७, ६: ८. ११: १३; १०, ४: ९[२]:

a) भाप. घञन्ते थादि-स्वरः ।

b) तदर्हतीत्यर्थे यत् प्र. तित्स्वरश्च ।

c) नाप. । विप. अपि क्वचित् (तु. ऋ १, ३४,७; १०,९२,१३)। व्यु.? पपा. नावग्रहः । <√अत् (>√आत्) वा √आप्(?) वेति या ३, १५, <√अद् इति वानि. २, ७, √अन्>आ+त्मन्- इति WAG १, १२२a, अत्मॅन्- इति त्मन्- इति चास्यैव नैप्र. रूपान्तरे इति चापि विमृश्यम् (वैतु. पृ ७२i, आ+अत्मन्- इति व्यु. अपि)।

d) =सपा. तैब्रा २, ६, ४, ६ । मै ३, ११, ९ तु आत्मानम् इति पाभे. ।

e) =सपा. माश १२, ८,३,२२ तैब्रा २,६,५,६ । मंब्रा २,२,५ तु आत्मनि इति पाभे. ।

f) एकतरत्र मै १, ६, १ काठ ७, १२ आत्मनि इति पाभे.।

g) सपा. काठ २२,८ पाठाभावः ।

h) सपा. शौ १,१८,३ आत्मनि इति पाभे. ।

i) सपा. काठ ७,९ पाठाभावः ।

j) सपा. काठ ७, ११ पाठाभावः ।

k) सपा. शौ १५,१,२ आत्मन् इति पाभे. ।

१२,३;११; १३,४;५; १९,११: २०, ६; १३: २३, ७; २४, ९; १०;२५,२; ६; २६, १०; २७, ८; ९; ३१,४; ८[२]; ९; ३६,४; ५[a]?;३७,१२; १६; ¶क ५, ५; ७,८;८,१;३१,१;८;१५;३६,४; ३८,२;३;५;३९,३;४१,८; ४७, ४;८[२];९; शौ ३,२९,८;५, २९, ६-९;८,२,८;९,५,३१-३६;१८, २,७‡[b];१९,३३,५; पै३,२८,१; १२,५,५: १३,९,७;८: १६,'३, ९;९९,८; १००, ५-११; ११९, १[२]-३[२]; –त्मनि ऋ९,११३, १; खि ६, ३, १: मै १, ६,१; ३,६, २[२]¶; ¶४, २,८[२]; ८,५[२]; काठ ७,१२; क६,२; शौ १,१८,३;४, १२,२; ७,५५,३; ५९,१;९,१, ११-१३;१६; पै १६, ३३,१-३; ११२,१०;१९,३०,५;२०,१०, ६; –त्मने मा ७,२८; का ९,१, ३; ¶तै २,५,११,९;६,४,३; ९, ३;३,१,७,१;२,३,२$;४, ८,१; ५,१, २,४; २,३,१; ६,४,१०, २[२];७,३,१६,२;४,२,४;५,१२, २$; मै १,४,९;५,८; ९, ५¶; ¶काठ६,१;७,६`;८,१३;९,१३; १९,२; २०, १;२५, ५; ३२,६; ३७,१६;४३,६$; ¶क ३, १२; ५,५`;८,१;२९,८; ३१,३; ३९, २; शौ ४,१८,६;१२,१,१०;२, ३४; पै ६, ७, ६; १६, ३७, ७;

१७,२,१; ३३, ५; –¶त्मनोः मै २,१,११; काठ १०, ५; –त्मसु काठ३७,१०; शौ ३,१५,७;११, ७,२२;१९,४८,५; पै ६,२१,५; १६,१५५,२; –त्मा ऋ १,३४, ७;७३, २; ११५,⌊१ (४,१४,२) ७,१०१,६⌋;१६२,२०;१६४,४; ७,८७,२:८,३,२४;९,२,१०;६, ८;८५,३;१०,१६,३[b]: ९७,११: १०७, ७; १६८,४; खि ४, ७, ७; खिमा ३३,१८; मा ४,१५[c]; ७,४२†;११,२०;१२,४; ८५†; १३,४६†;१८,३; २९; २०, ७; २२,३३;२५,४३†; ४०, ७; का ४,५,७[c];८,१७,१†;९, २,२†; १२,२, ९; १३. १, ५; ६, ११†; १४,४,९†;१९,२,३;९, ३; २१, ७,६;२४,२०,१;४०,१,७; ¶तै १,१,१०,२$; ४,४३,१†:७,९, २$; २, ३,२, ९; ११,१:४,१४, ४†:५,११,७;६,७,३$;३,४,१, ४; ४,१,२, ३$; १०, ५$;२,४, १$;६,२†;६,९,४†: ७,१, २$; १०,२$;५,५,२,३;६,२;८,३;६, ६,३;९,२;७,२५, १$;६, १,१, ८;५,४;३,७,३; ५[२]; ९,६; १०, २;३;११,६;४,११,४; ५,१, ४; २,२:१०,२;६,१,५:७, २,९,२; ३;४,२,४;११,३;५,२५,१;¶मै १,३,३७†;९,५;१०,७;८; ११, ६;२,१,२[३];५[२];३,२;५[२];$७,२;

८;१३†;११,२$; ३, १,४[२]; $; ३,५;६,३[४];७,२;७; ८,४;९,३[२]; ६;८[३]; १०, १-४; ११, ८$; ४, १,१२;१४;२,२;३,४;७[४]; ५,९; ६,४;६; ७,८; ¶काठ ४,९†;७, १२$;१४$; १५; ८,५; ९,१३; १०,४[२];११,५;१२,२; ४; १३, १०;१४,१$;६;१६, २$; ८$; १३†:$१८,७;१२;२०,२;३;५; ८;२१,४;५;८; २२,२; ४; ५$; ८;२३,१[३];९;२४,६:२५,३:२६, ४[२]; ८; ९[३]; २७, ५: ९[३]; १०[२]; २८,५;२९,८; ९[४]: ३३, ८; ३४, ८[२]: ३५, ६[२]†; ३६, १: २;३७, १५$;१६[३]; ३८,४$:३९,२[३]$; ४०,५$;४५,५$:४६,५†; ¶क ३,७†;६,२$;४$;५:७,१: २५, ४†;२८,७$;३१,४: ५:७; १०; १९;२०:३५,२;७[३]:३६,६; ३७, ७;३८,६;४१,२[२]:६:७[३];४२,५; ४४,५;४८, ७[२]†:†कौ २,३९५; ३,५,३;†जै २,८,६:३,३१,१५; शौ ५,१,७:५,७:९,९[d]: ६,५३, २[c];७,६९,१[e]; ११६,१: ९, ४, १०:१४,४†;१३,२,३५†; १६, ३,५: ७, ५; १९,५१, १: ६०, २: २०, १०७, १४†; पै १, १०७,३†;२,२९,५: ३,१३, ६; ६,४,६; ११, ६, ७†: १३,५, १३[f]; १६, २४, १०; ६६, ४†; १८, २४, २†; १९, १६,१३[g];

---

[a]) पाठः? (तु. मै १,१०,१० आत्मनः इति पाभे.)।

[b]) सपा. °त्मना<>°त्मा ⌊तैआ ६, १,४;७,३ च⌋ इति पाभे.। मै ४, १३,४ काठ १६,२१ ऐब्रा २,६ तैब्रा ३, ६,६,२ आश्रौ ३,३,१ शांश्रौ ५,१७,३ प्राणम् इति च पाभे.।

[c]) तु. टि. आकूतम् f।

[d]) =सपा. तैआ ३,४,१। काठ ३७,१५;१६ तु विशिष्टः पाभे.।

[e]) =सपा. शांश्रौ ८,१०,१। तैआ १,३०,१ मंब्रा १, ६,३३ आगृ ३,६,८ मागृ १, ३,१ हिगृ १,१७,४ तु आयुः इति पाभे.।

[f]) °त्म-कृतः इति पाठे? °त्मा। कृतः इति द्वि-पदः शोधः।

[g]) सपा. शौ ६,८०,३ अन्तः इति पाभे.।

२०, ९, ९; ४२, ८; ५३, ९; –त्मानः पै १४, ३,४[a]; –त्मानम् ऋ १,१६३, ६; १०, ९२, १३; ९७,[४;८]; खि ३, १०,३; मा ६,३१;†१२,७८;८२; १४, १७; १९,९३; २९, १७†; ३२, ११; ४०,६; का ६,८,२;†१३,६,४; ८;१५,५,१; २१, ६, १४; ३१, ३,६†;३५,३,८;४०,१,६; ¶तै १,७,१,४^{२};५,२;६, ४;२, २,७, ३;१०,५;३,२, ९^{२}; ११,४; ४, १२,३;५,९,५;११, ९;६, ७,३; ३,१,८, १$:४, २,६,३†;४‡[b]; ३,६,२$; ६,७,२†:५,१, ८,४; २,१,३^{२};४,६,६:५, ७,२; ६,६, १^{२};२^{२};१०,२;३; ७,८, १$;६, १,५,४;५: ६,१^{२}; ८,४; ११,६; २,२,७;५,३; ३,२,१; ७, ५:४, ९,२;५,१,८;५: ५,३^{२}; ६,१,५: ७,२^{४};११, १;७,२, १०,४$:८, ९,१^{२};¶मै १,१, १३$;३, २$: ४,६;५,६;११;६,४;८,२;९,३^{२}; ६^{२};२, २,५;३, २; ७^{२}; ४,२;३; ५,९;७, १३^{२}:†; ‡[b]; ८,३$:३, २,४;४,६;७:८^{२}; ६,२;३^{२}; ६^{२}; ७^{२};८, ९; ७, ३^{२};८^{४}; १०^{२}; ९, ६;८;११,९^{२};४,१,८;१२^{२};१३; २,१; ३^{६}; ३, ४^{२}; ४,९^{२}; ७, ६; ८^{६};८,७$;¶काठ ३,१०;८,१३; ९,११^{२}; १४; १०, १;१०; १२, ४;५^{२}; १३, ७; १४, ६;९; १६, १३^{२};†;‡[b];१७,३$;२१,८;२२, १;४;२३,३^{२}; ६; ९^{२}; १०; २४, ५;७^{२}; ९;२५, ६;२६,१^{२};३;९^{२}; २७,५:९; १०^{२}; २८,५; २९,२; ६;७;९^{२};३१,६;१०;३२,५;३३, ८;३४,२;५;७^{२};११;३६,७;३७, १४^{२};१५$: १६^{३}: $: ३८, २¶: ३९,८$:४०,५^{२}$:४६,३†;¶क २, १७$; ८,१;२५,४^{२};†; ‡[b]; २६,२$; ३५,९^{२}; ३६,६^{२};३७, १;६;८^{२}:३८,२;३९,४;४०,४^{२}: ४१,७^{२}:४२,५: ४४,५: ४५, ३; ७;८;४७,६;१०; कौ २, ६५२; शौ ४,९,७†;२०,५;५,९,७;६, १६,२;८,६, १३;९,५,३०;१०, ८,४४;११,१०,३१;१२,३,३०; ५१;४,३०; १६,७,५; १९,१७, १-१०;पै २,६७, २; ८०,१; ४, १०,४:५,१, २: ६, १२, ५: ७, १६,१-१०;८,३, १३†: ६,११: ११,६, ८†:१३, १०,१२: १६, ८०,५:८८,२:१७,१८,१०;३८, ९;४१,१;१९,५,८.

आत्म-कृत[c]– -तस्य मा ८,१३.

आत्म-चेल– -लः पै ५,१०,८[d]/.

आत्म-ज– -जाः पै ९,६,१०.

आत्म-तस(>:) पै १८,२५,९

¶आत्म-दक्षिण[e]– -णम् तै ७,४,९,१

†आत्म-दा[f]– -दाः ऋ १०,१२१, २; मा २५, १३; का २७, १०, ४; तै ४,१, ८,४;७,५, १७,१; काठ ३९, ९$; शौ ४, २, १; १३,३,२४.

आत्म-दूषि[g]– -षिः शौ १६,१,३; पै १०,९,१;१८,२८,३.

¶आत्म-निष्क्रयण[h]– -णः तै ६, १, ११,६.

आत्मनीन[i]– -नम् पै ५,११,८.

आत्मन्-वत्[j]– -वत् ऋ ९,७४,४; तै ४,७,१५,३; मै ३, १६,५: काठ २२,१५;३५,६†; क ४८, ७†; शौ ४,१०,७;२५,१;१०,२,३२; ८,२;४३; ११, २, १०; १३,१, ५२; पै १,४०,४;४,२५,७;३४, १;८,९,४;१६, ६२,४; १०१,१, १०४,१०;१८,२०,१; १९,३८; १५; –वताम् शौ १९,२७,८; पै १०, ७, ८; –वते काठ ४५, ३, –वन्तम् ऋ १, १८२, ५; तै २, ३,१३,३¶; –वान् का १,१०,५.

आत्मन्वती– -ती शौ १४, २, १४; पै ७, १५, २; १८, ८, ५; –तीभिः ऋ १, ११६,३.

आत्म-पराजित[k]– -तः शौ ५,१८,२; पै ९,१७,२.

¶आत्म-मात्र[l]– -त्रम् काठ ३७, १६.

---

a) तु. सस्थ. टि. ?आ च मा° ।

b) सपा. ऋ १०,९७,१२ शौ ४,९,४ अङ्गमङ्गम् इति पाभे. ।

c) विप.(एनस्-)। सस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,२)।

d) अर्थः वा. च ?

e) विप. (सत्र-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

f) विप. (प्रजापति-, इष्टका-) । उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) नाप. (अग्नि-विशेष-)। उस. उप. ण्यन्ताद् इन् प्र. उसं. (पा ३,२,२६), प्रकृतिस्वरश्च ।

h) विप. (पशु-) । कास. उप. करणे ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च (तु. सप्र. मै ३, ७, ८ काठ २४,७ क ३७, ८) ।

i) तस्मैहितीयः ख>ईनः प्र. ।

j) विप. (यजमान-, सोम- प्रभृ.)। व्यु. कृते तु. टि. अक्षण्वत्- ।

k) विप. (राजन्य-)। तृस. अन्तोदात्तः (पा ६, २, १४७)।

l) विप. (वर्मन्-) । व्यु. कृते तु. टि. अरत्नि-मात्र- ।

¶आत्ममात्री— -त्री काठ ३७, १६[2].
¶आत्म-रूप[a]— -पम् काठ २३,१०: क ३७,१; -पयोः तै ६,१,६,१; काठ २३,१०; क ३७,१.
आत्म-वृका[b]— -का पै १७,१३,९.
आत्म-सद्[c]— -सदौ शौ ५,९, ८; पै ६,११,१४.
आत्म-सनि[d]— -नि मा १९,४८; का २१,३,१९; मै ३,११,१०; काठ ३८,२.
¶आत्म-स्परण[e]— -णाः तै ६, ५,५, ३; -णान् तै ६,५,५,२.
आत्म-हन्[f]— -हनः[g] मा ४०, ३; का ४०,१,३.
¶आत्मीय[h]— -यानाम् काठ ३१, ७.
¶आत्मीय-त्व— -त्वम् काठ ३१, ७.
¶आत्मेय[h]— -यानाम् मै ४, १,९; क ४७,७.
¶आत्मेय-त्व— -त्वम् मै ४, १, ९: क ४७,७.
¶आत्मे(त्म-इ)ष्टका[i]— -काः तै ५, ५,८,३.
¶?आत्मैतद्ध[j] काठ २२,६; क ३४,१.
आत्रेय— अत्रि- द्र.
?आत्स्यः[k]
आथर्वण— √*अथ्>अथर्वन्- द्र.
आ(आ√अ)द्, आ···अद्मसि शौ ६, १६,१; आत्ताम्[l] मा २१,४३: का २३,५,३: मै ४,१३,७: काठ १८,२१: आत्ताम् खि ५,७,२,६.
आद्—, आदः आ√दा द्र.
आदः आ√दृ, दृ (विदारणे) द्र.
आदक— √अद् द्र.
आ√दघ्[m], आ-दघत् तै १, २,९,१.
†आ-धक्[n] ऋ १, १७८,१; ६, ६१,१४; ७,१,२१; मै ४,११,२; काठ १७,१८; ३०,३; क ४६,६.
आ-दघ्न[o]— -घ्नासः ऋ १०,७१,७.
आदन् √अद् द्र.
आदत् आ√दा द्र.
?आदत्[p] ऋ ५,३२,८.
?आ-दत्त—,१ददान—,२ददान्—, ददि— आ√दा द्र.
?आदद्रः[q] पै १,४६,६.
आ-दधत्—, १आ-दधान—, २आ-दधान—,आ-दधिवस्— आ√धा द्र.

a) पस. अन्तोदात्तः।
b) व्यप. (सदान्वा-विशेष-)।
c) विप. (द्यावापृथिवी- [तु. काठ ३५, १५])। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
d) विप.(हविस्-)। उस. उप. √सन्+इन् प्र. (पा ३, २, २७) प्रकृतिस्वरश्च।
e) विप.(ग्रह-)। उस. उप. √स्पृ (भा. प्रीणने, PW. रक्षणे) कर्तरि ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।
f) विप.(जन-)। शिष्टं c टि. द्र.।
g) सपा. माश १४, ७, २,१४ बृउ ४, ४,११ अविद्वांसोऽबुधाः इति विशिष्टः पाभे.।
h) तु. टि. √*अप्> अप्—>आपीय-, >आपेय-। सपा. °त्मीयानाम्<>°त्मेयानाम् इति पाभे.।
i) मध्यमपदलोपिनि कस. अन्तोदात्तः।
j) पाठः? विशिष्टा इष्टका अधिकृत्य 'अथैताः सर्वात्मानः। एतद् ह···'इत्येवं मूलतः प्रवृत्तस्य सतः पाठस्य वावि. स्यात। °ताः सर्वात्मानः। ए°>°ताः मच्चा(>सावा°>साआ°>मा)त्मान ए°> (°तासा°>°ताहा°>°ताआ>) तात्मानै°>°तात्मा ऐ°>°तात्मै°>°तात्मे° (तु. मूको.) इत्येवमत्र व्यवहारमुपेयुषी च नैप्र. द्र.। एवं तावन् २सर्वात्मन्- (नाप. स्त्री. [इष्टका-विशेष-] 'अग्नेः सर्व आत्मा संपद्यते याभिः [इष्टकाभिः]' इति कृत्वा बस.)> -*त्मानः (प्र३), एतद्, ह इति त्रीणि मौलिकानि पदान्यत्र द्र. (तु. नस्थ. टि. ?सर्वात्मागाः, ?सात्मानम्)।
k) ?यमाऽऽस्य- द्र.।
l) तु. PW.; वैतु. पपा. उ. म. च निरुपसृष्टस्य रूपमिति।
m) धा. हिंसायां वृत्तिः द्र.।
n) तु. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. प्रभृ. <√दह् इति।
o) विप.(ह्रद-)। व्यु. ? पपा. नावग्रहः (वैतु. सपा. उप-कक्षासः इत्यत्राऽवग्रहः)। आ-*(<आस्—=आस्य- [तु. √आस्>आध्वम्])+दघ्न-*(<√दघ् [स्रवणे] वा √दस् [उपेक्षये] वा) इति कृत्वा कास. इतीव या [१,९], आ (अव्य.)+दघ्न-* (नाप. इति कृत्वा = जघन- वा गुल्फ- वा) इति वा, *आद- (=जघन- वा गुल्फ- वा)+घ्न- (<√हन्) इतीव च RN. (२५०, भू. ६४ च)।
p) रूपम्? पपा. नावग्रहः। सा. <आ √दा(दाने) इति (बलवद् ग्रहणं उपसृष्टस्य धा. वृत्तिरित्याशयः), ORN. <आ √दृ(विदारणे [तु. ऋ १०,१२०,६])। केषांचिद् अभियुक्तानां<√अद् इति च तत्स्वरतो नोपपद्येत। अत्रवधे प्राकरणिकस्य हिंसार्थस्यैव धा. रूपस्य संभाव्यमानत्वात् नैप्र. <आ-अवधत्(<√वध्) इत्यस्य विपरिणामो भवेत्।
q) पाठः? आद् दर्दुर् भिन्द्याद् उपहत्या(त्य-अ)रातिम् इत्येवं पाद-शोधः स्यात्।

आदन- √अद् द्र.

?आदन्ताश्[a] पै १६,१५२,७.

आ√दभ्, आदभ्नुवन्ति ऋ १,५५,७.
आ-दभत् ऋ १, १७८,२; आ-दभत् ऋ ७, ५६, १५; आ-दभन् ऋ १, ८४, २०[b]; ६, ४४, १२; ८, ४५,२३; कौ २, ८२; जै ३, ८, ८; शौ २०, २२,२; †आ-दभुः ऋ ३, १६,२; ६,४६,१०; शौ २०, ८३,२.
आ-दभे[c] ऋ ८, २१,१६.

आ√*दम्[d], आ···दम् ऋ ६, ३, ७![e].

आदम् आ√दा (दाने) द्र.

?आदयित्नु[f]-

आँ-दर्तृ-, आ-दर्दिर-, आ√दॄ,

?आदर्शति आ√दृ,दॄ(विदारणे)द्र.

आ√दशस्य(<दशस्-), आदशस्य ऋ ७,४३,५; आ···दशस्यत ऋ ५,५०, ३; आदशस्येः[g] ऋ ७, ३७, ⌊५;८,९७,१५⌋.

आ√दह्

आ-दहन[h]- -नम् तै ३,४,१०,४¶; शौ १२, १०, २; पै १६, १४५, १०; -ने पै १७,२२,१४.

?आदहिः[i] शौ ४, ९,८.

आ√दा[j], >दद्, दिम्, आददामि पै १३,३,४; आददामहे मै १,६, ७¶.
आदत्ते तै ६, २,५,१¶; शौ १२, ९, ८; आदत्ते ¶तै २,६,४,१; ८, १[२]; ३, २,३, २§; ३,८, ३; ४, ६, २; ८, ६ : ५, १,१,४; २, १; २, ४, २; ३, १०, ३; ६,२, १०, १§; ३, ६,१; ३; ४,४,१; ¶मै ३, १, २[४]; ४ ; ८, ८ : ९, ६[२]: ४, १, २:४:१०:१४; ५, ४[२]: काठ १०, ११¶; शौ ९, ५,३२-३६; आदत्ते¶काठ §१९,१:४:९: २०,२;४[२]: २५, ९[२];१०[२]: २६, ५[२];८[२];३१,१:८[२]: ¶क २९,८: ३०, २ : ३१, ४; ६[२]: ४०, २[२]; ३[२]: ४१, ३[२]: ६[२]: ४७, ३: ८[२]: पै १, ६९, ३: १२, ७,४[२]: १६, १००,५-११; १४५,८; आ··· दत्ते ऋ ९, ९६, १; तै २, ६, २, ५¶; कौ १, ५३३†; जै १, ५५,१†.
†आददे[k] ऋ ५, ७, ३; ८, १९, ३१: ४६, ३३: ६३, ९; ९, ६१, १०; ६८, ३:१०, १३८, ४; मा २६, १६: तै २, १, ११,४†; मै ४,१२,४†: कौ १,४६७,२, २२; ११७३: जै १, ४९,१; ३,३,१;
†आ···ददे[k] ऋ १, १८०, ६; ५, ७,१०; ७, ६, ७[२1]: ८, ४५, ४: १०, ५५, ७: कौ १, २१६; २, ११३४, जै १,२३,३.
¶आददते तै ७,५,९,१;२: काठ २२, ६[२]: क ३४,१[२]; ¶आ··· ददते तै ६,३,२,२: ¶आ(ददते) तै ६,३,२,३[२]: आदत्से शौ १२, १०,१०; पै १६,१४६,६.
आददे[m] ऋ १, १२६,५:४,१५, ८: ८, ६,४६; ६५,११:६८,१५; ७२, १७: ७८,१०: ९,१०, ८[n];

---

[a]) पाठे? आ (हन्मि), अहम्, तान् इति त्रि-पदः शोधः।

[b]) चना दभन्>चन। आ-दभन् इति च्छेदः द्र. (तु. AVM. १७५,२; वैतु. पपा. चन। दभन् इति)।

[c]) गस. केनन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[d]) नैप्र. ध्रमन्-,ध्रामन्- इत्यन्यतर-परिणतः धा. उसं.।

[e]) लुङि प्रपु१ च्लि-लुक् उसं. (पा २,४,८०)। एवं स्थिते 'यः (अग्निः) रोदसी वसुना (=दीप्त्या) आ···दम् (आदीपयत्)' इति वा. स्यात् (तु. ऋ १०,३,२; वैतु. सा. आ इति क्रिउ. इति कृत्वा दम्- इति शब्दार्थे=दमयत्- इति, GW. दंसु-पत्नी इतीव, WAG. ⌊२, २४९⌋ दंसुपत्नी इतीव च ? ORN. आ√तन्>आ···तन् इति किप. इति च)।

[f]) पृ १०८ यनि. मुद्रिते पाठे? मदयित्नु- इति शोधः (तु. ऋ ९,१०१,१)।

[g]) 'हे इन्द्र नः (च३) रायः (ष१) कदा आ°' इति वा. (तु. ऋ १,२७,५ यत्र वस्वः ⌊ष१⌋ इति √शिक्ष् इत्यनेनाऽन्वितं श्रूयेत, सा. ⌊प्रथमे स्थले⌋ GW.: वैतु. ORN. राये इति च. युक्तः, NW. च रायः इति द्वि. युक्तः कप्र. आ इति ⌊वैतु. द्वितीये स्थले विश्वप्स्न्यस्य इति स्पृहयाय्यस्य इति च रायः इत्यस्य विप.: सा. च द्वितीये स्थले क्रिवि. सत स्वाम्र. इति⌋)।

[h]) ऋ. भा२. अन्यत्र नाप. (चिता-)। गस. उप. भावाधिकरणयोर् ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[i]) पाठः?। आन्। अहिः इति पपा.। अहि- = नद्विष- इति सा.। आ-दुहि-(रोगविशेष-) इति CA.।

[j]) उपसृष्टस्य धा. आदाने धारणे च वृत्तिः द्र.।

[k]) प्रपु१ रूपं लटो वा लिटो वेति स्वरतोऽपि विवेको दुश्शक इति कृत्वा यनि. निर्देशः।

[l]) तु. सस्थ. टि. आ।

[m]) उपु.१ रूपं लटो लिटो वेति भूयो विमृश्यम्।

[n]) नैप्र.>√धा इति कृत्वा धारणे वृत्तिः (तु. PW. प्रमृ.; वैतु. सा. दानार्थ इति)।

१०, ४८-४९,२;खि १,१,१[a];३, १५,२७; मा १, २४;५.२२;२६; ६,१; ३०; ११, ९; २२,१; ३७-३८, १; का १,९,१; २,३,५:५, ६-७,१;६,१,१;८,१; १२,१,९; २४,१,१;३७-३८,१,१; तै१,१, ९, १; ३, १, १; ८,१; ४,१,१; ४,१,१, ३; ४[३]; २, ७, १[b]; ५, २,५, ६[b]; ७, १, ११,१:३,११, २; ३; मै १, १,१०:२,१०:१५; ३,३; २,७,१; ३, ११,८:४,१, २;४;१०;९,१;७; काठ १,२:९; २,९;११:१२: ३,३:५:१०; १६, १:२७,१;३६,१५[४].४१,२:४३, १[२]; क १,९: २, ३:५; ६; १०; १२;१७; ४२,१; कौ २,४७६†: जै २,४,७;३,३५,१०†; शौ ६, १३५, १; ७, १३,३; १४, १;२; ११९,१; १०,४,२४; १९, ४९, ४; पै १,१५,१; २, ९०, १; ६, १५,४[२];५-७; ८[२];९; ७,१२,४; ९,२५,१५; १४,४,८; १६,१७, ६; १९,२१,१;२९,७:३४,७;८; ५०,१२; २०,१६,३;४; २३,१; ५४,४; आ···ददे ऋ १०,१६६, ४; शौ १, ९,४; २,१२,४; ४, ३६, ४[c]; ७,११९,१[२]; पै २, ५, ४; ४७,१-५; ९०,१; ६, १५, ८; १९,२५,११†; ३७,२; २०, १६, ३: आ(ददे) ऋ १०, १६६, ४[२]; खि ३, १५,१४; तै ७, ३, ११,३[d]; शौ ७, ११९,१; पै २, ९०, १; १९, २५, ११[२]†;२०, १६,३;आ···दुह्महे ऋ८,३४,१६: †आ···दद्महे ऋ ९, ५८,३: खि ५,८,१: कौ २,४०९: जै ३,३१, २९; शौ २०,१२७,१$; †आ··· दद्महे ऋ ९,५८.४; कौ २,४१०; जै ३,३१,३०: आदत्ताम् शौ ३,१,६; पै ३,६,६; १९,३२,९; ४१, ७: आ···ददातु मै २, ७, ५[e]; आ···ददतु खि ५, २०,४[f]; शौ २०, १३५,१०; आदत्स्व शौ ५,२१, १०; आदत्त शौ १९,२, ५; पै ८,८,११; १७,२८,१; ६; ७; आ(आ-अ)दत्त ऋ ५,२९,२; १०, ३१.११: मा २०, ७१; का २२, ७, ५: तै ७, १, १, २¶: मै ३,११,४: ¶काठ ८, २; ३१,२: ३४,६[२]:३८,९$; ¶क ६,७:४७, २, शौ १०,८,२१: १५,१,६; पै १६, १०२, ८; १८, २७, ६: †आ···अदत्त ऋ १,३२,३. शौ २, ५, ७; पै १३, ६, ३; ¶आ-(आ-अ)ददत तै ३, ४,६,२[२]; ६, १,१०,३; मै ४,५,८; काठ ३७, ११; ¶आददीत तै २, ३, १,२; ६,१,१०,४; मै २,२,१;३,२,५; काठ २७, १; क ४२, १; ¶आ-ददीय तै ३,४,८, ६; काठ १०, ३; पै १६,५०,२$[g]; आददीमहि ऋ २, २३, ९; †आ···ददीमहि ऋ १, ८, ३: शौ २०, ७०,१९. आददे ऋ १, १६१,१२; ८,४६, २१; ९, ७९,४; शौ ७, १४, १; १३,३, ५: आ[h] ··आददे ऋ ८, ४६,२१; आददाथे ऋ १,१३९, २: आदत् ऋ १, १२७, ६[i]: २, १२, ४[i]: शौ २०, ३४, ४†: पै १३,७,४†: आदुः पै २०,५४,५; आदः[i] ऋ १,१२१, ८: आदम्: ऋ १, १२६,२: मा १२,१०५[b]; का १३, ७, ४[b] : क २५, ५[bi] ३१, ६[b]; आदि[b] मै २,७,१४ : ३, २,५; काठ[j] १६,१४;२०,४; आ(आ-अ)दिषि[k] शौ ७, ५८,५: आ(आ-अ)दिषि शौ १, १४, १: १३, १,३०[l]; आदिषि पै १,४८, १: आदाम ऋ ५,३०,१५. ¶आदीयते मै ४,८,४[२]. ¶आ(आ-अ)दित्सन्त तै १,५,१,

ª) सपा. खिसा १,१ उपाददे इति पाभे. ।

ᵇ) आददे (आपश्रौ १६, २७,६ च) <>आदम् (मा. प्रमृ., माश ७, ३,१,२३ च) <>आदि (माश्रौ ६,१, ६,५ च) इति पाभे. ।

ᶜ) तु. W.WI; वैतु. शंपा. पाठाभाव: ।

ᵈ) वैतु. सा. आ(वृञ्जे) इति ।

ᵉ) सपा. मा ११, ५६ का १२, ५, ७ तै ४, १,५,३ काठ १६, ५ माश ६, ५, १, १० आ···दधातु इति पाभे. ।

ᶠ) °दु इति पाठे निघाताभावश्चिन्त्यः (तु. सपा. शौ.) ।

ᵍ) ?अदीप इति पाठे? यनि. शोधः (तु. यद्र. टि.) ।

ʰ) आदरार्था द्विरुक्तिः । शिष्टं b टि. द्र. ।

ⁱ) लुङि अङि प्रपु१ रूपम् । प्रथमे स्थले आऽअदत् इति द्वितीये च आऽअदत् इति विवेकः (तु. सा. ⌊मुद्रितपाठे भाष्यं शोध्यम्⌋, GRV.⌊उभयत्र⌋, MR. ⌊द्वितीये स्थले MCS १४७a⌋; वैतु. पपा. नावग्रहः, वें. सा. GRV. ⌊प्रथमे स्थले, सा. पक्षान्तरे च⌋ <√अद् इति) ।

ʲ) वैतु. SI. <आदिन्- इति ब्रुवाणो भ्रान्त इव ।

ᵏ) तु. PW. W. B. प्रमृ.; वैतु. सा. <आ√दो (अवखण्डने) इति ।

ˡ) तु. सपा. पै १८, १८,१ आदधे इति, W. WI. च; वैतु. PW. B. ?W. (टि.)<आ√दो (अवखण्डने) इति ।

१; मै ३,९,१.
आ-त्त[a]– -त्तः तै १,५,१०,४; ४,४, ९,१[b];६,३,२,१¶.
¶आत्त-रेतस्[c]– -ताः तै ७, १, १,३.
?आ-दत्त[d]– -त्तम् पै १०, ६,४;९.
१आ-ददान,ना[e]– -नः ऋ १०,१८, ९; ¶काठ १०, ४; २७, ८; शौ १८,२,५९;६०†; –नम् शौ १२, १०,६; पै १६,१४६,२; –नस्य शौ १२,५-६, ५; पै १६, १४०-१४१, ५: –ना शौ ४, ३८,३: –नाः तै ३, ५, ४, ३¶; काठ ३२,६¶.
२आ-ददान[f]– -नः ऋ ४,१९,९.
आ-ददि[g]– -दिः ऋ १, १२७,६;२, २४,१३;८,४६,८.

आ-दाय ऋ ४,२६,६;७; १०,१६६, ५; खि ४,५,२६;¶तै २, ४, ३, १;५,१,१; २,५; ३,१,९,३; ३, ७,१; २; ४,८,६;¶मै १, ४, ६; ८,१[2]; ९,८; २,१,८; ४,१; ३, ३,१०; ७,७; ४, २,१३; ५, ६; ¶काठ ६,४;८,१०;९, १५;२१, ७;१०; २३,१०[3]: २६,३; ३७, ११;¶क ४, ३: ७,६; ३७, १[3]; शौ १२,२,३५; पै ६,१५,८;१०, १०, ५; १६,१४६, ७; १७,३३, ६; १९, २५, ११†;२०,१०,२; २८,२.
आ-दि[h]–
आदि-द्वे(व>)वी– -वीः पै २, ३६,२.
आदि-भेषज– -जम् पै ३,१७,२.

२आद्य,द्या[i]– -द्यम् खि ४, ११, ७; –द्याम् खि २,६[3],२९.
३आद्य[j]– -द्यैः शौ १९,२२,१.
१आ-दीयमान, ना– -नः काठ १०, ५¶; –ना शौ १२,७,४[k].
¶आ-दे(य>)या[l]– -या तै ६,३,२,६
आ √दा[m], आ...दाति ऋ ५,७,७.
आ-दान– आ √दो (बन्धने) द्र.
आ-दाय– आ √दो (अवखण्डने) द्र.
?आ-दार[n]– -रः ऋ १,४६,५.
आ-दारिन्– आ √दृ, दॄ(विदारणे) द्र.
आ √दाश्, आ...दाशति ऋ ६,१६, ३१[o]; आ...दाशत् ऋ १०,६१, २५[p].
आ-दिग्ध– आ √दिह् द्र.
आदितेय, आदित्य- अदिति- द्र.
आदिनव[q]– -वम् शौ ७, ११४, ४;

a) पपा. नावग्रहः। गस. कर्मणि क्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः।
b) सपा. मा ८,५८ उद्यतः इति पाभे.।
c) विप. (अश्वतर-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
d) पृ १०८ अ-दत्त->-त्तम् इत्यत्र यनि. शोधः (तु. दत्तम् इति मूको.)।
e) गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
f) उप. कानच् प्र.। शिष्टं e टि. गतम्।
g) विप. (अग्नि- प्रभृ.)। गस. उप. किः प्र. (पा ३,२, १७१) प्रकृतिस्वरश्च।
h) नाप. पुं.। गस. उप. किः प्र. (पा ३,३,९२)।
i) तात्रभविकः यत् प्र. यना. स्वरश्च।
j) =नान्तरीय-पूर्व-। यः प्र. उसं. (पा ४, ४, ११०) प्र. स्वरश्च। यद्वा यना. स्वरस्याऽपवादः उसं. (पा ६,१, २१३)।
k) तु. पूर्वस्मिन् सूक्ते पञ्चमी श्रुतिः।
l) गस. यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
m) धा. आधाने वृत्तिः (वैतु. सा. प्रभृ. खण्डने इति)।
n) विप. ?, नाप. [(प्रेरक- ⌊स्क. वें. प्रभृ.⌋, उद्बोधक- ⌊GW. ORN. प्रभृ.⌋) सोम- (वैतु. माश ४,५,१०,४-५ तैब्रा १,४, ७,४-६ सोमस्थानीय-क्षीरयुक्तवल्ली-विशेष-)]। व्यु.? आ √द (आदरे)+कर्तरि णः प्र. गस. प्रकृतिस्वर इति विमृश्यम् (वैतु. PW. GW. प्रभृ. उप.< √दॄ ⌊विदारणे⌋ इति)।
o) धा. दाने वृत्तिः (तु. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. स्वाश्र. आ इति)।
p) धा. धारणे वृत्तिः (वैतु. सा. प्रभृ. प्रदाने वृत्तिरिति)। वा.? 'विश्वत्र यस्मिन् (=स्तोमे) गातुः (=गाता) पूर्वीव (=पूर्वीर्वा ⌊=इव⌋) समीचीः गिरः सूनृतायै आ...' इति वा. क्वोत्तरयर्चा संबन्धः द्र. (तु. ORN.; वैतु. वें. सा. आ क्रिउ. इति, PW. प्रभृ. यस्मिन् इति सप्त. युक्तः कप्र. इतीव च)।
q) भाप. (तु. आदि°– इतीव मूको. पपा. ⌊तु. WI.: वैतु. शंपा. आ √दिव् >आ-देवन- इत्येतत्परतया शोधुकम्⌋; वैतु. सा. आ √दिव् >आदीव्यम् इति क्रिप. सन् ⌊लङि उपु१⌋ विशिष्टं रूपम् इति ? ⌊वैतु. तैब्रा ३, ४, १६,१ भा. अनु स्वयं सा. भाप. सत् =आ-देवन– इतीव⌋)। आत्मनः कृतेऽनिष्टे प्रतिदीव्नस्तु कृत इष्टे द्यूतविषयकप्रातिकूल्ये तात्पर्यम् (तु. म.⌊मा ३०,१८⌋,PW. प्रभृ. च)। व्यु. ? आदि- [नैप्र. =नैर्दि-(=नर्दि- =२अक्ष- ⌊तु. MW.⌋)]+ नव- (भाप. सत् नैप्र.< √नभ् ⌊हिंसायाम्⌋) >षस. अन्तोदात्तश्चेति विमृश्यम् (वैतु. PW. प्रभृ. आ√दी> आ-दीन-+वः प्र. इति ?)।

पै ४,९,७.

आदिनव-दर्श[a]- -र्शम्[b] मा ३०,१८; का ३४,३,५.

आ√दिश्, आदिदेशति ऋ १,४२,२; ६,५६,१: ⌊९, ५२,४ (६४,२७), १०, १३३, ४:१३४, २⌋: शौ ६, ६,२: आ···देदिशते ऋ ८, २०,६[c].

आदिशतु शौ १२,१,४०: पै १७, ४,८; आ···दिश पै ७,९,१[d].

आ-दिश्[e]- -दिशः ऋ ८,६०,१२: ९२, ३१[f]; मा ६,१९: का ६.४, ४; तै १,३,१०,२: मै १,२,१७; काठ ३, ७: क २, १४: कौ १, १२८†; जै १,१४,४†: -†दिशम् ऋ ८, ९३, ११; १०, ६१, ३[g]; मा ७,१७[g]: का ७,७,२[g]: पै ११, ५,११§: -दिशाम् ऋ ६,४,५.

आ-दिशे ऋ ६,४८,१४: ५६.१; ९, २१,५:६.

¶आ-दिष्ट- -ष्टम् तै ७, ५, ७, १:२: काठ ३३,७[२].

आ-देदिशान- -नः ऋ ९,७०, ५: -नान् ऋ ६,४४,१७.

?आदिसुम्बी[h] पै १,४६,५.

आ√दिह्

आ-दिग्ध- -ग्धेन पै १५, १६,४.

†आ√दी(दीती)>दीदी, आ···अदीदेत् ऋ १,१४९,३: कौ २,११२४: आ···दीदयत् ऋ २,४,३[i].

आ√दीधी आ√धी द्र.

आ√दीप्, >दीपि, ¶आदीपयति मै २, १,९: काठ २५, ५: क ३९, २: आदीपयामि खि ३,१५,१९: †आ···दीपयः ऋ ६, २२, ८: शौ २०, ३६, ८: ¶आ (आ-अ) दीपयत् मै ३,२,६.

¶आ-दीप्य तै २,२,४,७.

१आ-दीयमान- आ√दा द्र.

२आ-दीयमान- आ√दो (अवख°) द्र.

?आदुरि[j]- -०रे ऋ ४.३०,२४.

?आदुरोपाः[k] ऋ ४,२१,६.

आ√दुह्, आदोह पै २०,२६, १?[l]; आ···दुहन्ति[m] ऋ ९, ६२,२०; †आदुहे ऋ ९, १०, ८; कौ २, ४७६; जै ३, ३५, १०; आ-दुहुः ऋ ९,७२,२.

आ···दुदोहिथ ऋ २,१३,६[n].

आ√दृ (आदरे)

आ-दृत- -तः पै २०,३७,१; -तम् पै २०,२४,१;६१,११.

†आ-दृत्य>त्या ऋ १,१०३,६;८, ६६,२; कौ २,३८; जै ३,४,९.

¶आ-दृत्य[o]- -त्यम् मै १,९,८.

आ√दृ,दॄ(विदारणे),>दर्दृ, †आदर्षि ऋ १, ११०, ९: ४, १६, ८: ९, ६८, ७; शौ २०, ७७, ८: आ···दर्षि ऋ ८,२४,४, †आ···दर्षि ऋ ५, ३९,⌊३ (९,६८, ७)⌋: ६,३३,३: ८,६, ⌊२३(९, ६५,१३)⌋; ३३,३: कौ २,२१६: ५२४; जै ३,१९,११; ४०,१९; †शौ २०,५२,३;५७,१६.

†आदर्धते[p] ऋ १०,१२०, ६; पै ६,१,६;‡[p]आदर्श(र्ष)ति शौ ५, २,७;२०,१०७,१०; आ (आ-अ) दः ऋ १,१२१,१०.

†आ[q]···दर्दर्षि ऋ २,१२, १५: शौ २०,३४,१८; पै १३, ७,१६;

---

a) नाप. । उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

b) सपा. तैत्रा ३,४,१६,१ सभाविनम् इति पाभे. ।

c) सपा. शौ ५,७,१ आ···भर इति पाभे. ।

d) प्रपु३ रूपम् (तु. वें. सा.; वैतु. GW. तनूपु इति मत्त. युक्तः कप्र. आ इति) ।

e) स्त्री. भाप., नाप. (दिग्-विभाग- ⌊अवाङ्के स्थले⌋) च । गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

f) तु. GW.; वैतु. वें. सा. विप. (सूर्-) इति ।

g) वैतु. वें. सा. कमुलन्तम् इति, उ. म. असं. इति च ।

h) पाठे? उद्गभ्य कूलाद् नावम् इवाऽम्बुधिः इति पाद-शोधः द्र.? ।

i) तु. सस्थ. टि. आ ।

j) प्राति. व्यु. च? आ-दु° इति पपा. । एवं स्थिते गस. सति उप. <√दृ (विदारणे) + कर्तरि प्र. इति सा. GW.MW. च, <√दृ (आदरे) इति या. ⌊६,३१⌋ दु. स्क., PW. च (=यजमानमुद्दिश्य हे आदरयुक्त !), वें. तु आदुर- (=आदरण-?) >सप्त१ इति मन्वानो निघातं प्रति चोद्यः ।

k) पाठः? तु. सस्थ. टि. ?दुरोषाः ।

l) भ्वा. लोटि मपु१? यद्वा °ह->-हः इति स्यात्? वा.? ।

m) तु. वें. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. अनुपसृष्टं क्विप. इति ।

n) तु. सा.; वैतु. GW. क्विप. अनुपसृष्टे सति (तु. वें.) आदृत् इति पं. युक्तः कप्र. आ इति ।

o) गस. क्यबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

p) पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ १०,१२०,६ मा ११,२१ °र्धते इति) ।

q) तु. सा. PW.GW.; वैतु. GG. आवित् इत्येवं समस्तमिव सत् क्रिवि., ORN. दुधुः (पपा.)>°धे इत्येवं मन्यमानः सप्त. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ३,२७,५) इति।

आ…दर्दृहि ऋ ३, ३०, २१; आ…दर्दृहि ऋ ८,३४,१४; का २८, १२, १; आ(आ-अ)दर्दृतम् ऋ ४,२८,५; आदर्दिरत ऋ ८, ३२,१८.
आ-दर्तृ[a]– -र्ता ऋ ४,२०,६.
आ-दर्दिर[b]– -रः ऋ ८, १००,४; –रामः ऋ १०,७८,६.
आ-दारिन्[c]– -रिणम् ऋ ८,४५,१३.
आ √दृश्
आ-दृश्– -दृशा पै २०,२७,५.
आ-देदिशान– आ √दिश् द्र.
आ-देय– आ √दा द्र.
१आ-देव[d]–
२†आ-देव[e]– -वम् ऋ ४, १, १; –वासः ऋ ७,९२,४; –वे ऋ २, ४,१; काठ ३९,१४.
आदेवी[f]– -वीः ऋ ६,४९,१५.
आ √दो (बन्धने) >द्, दा, आद्यति शौ १२,७,४; पै १६, १४२,४; आद्यामि पै १९, ३९, १०; आ-द्यामसि शौ ६, १०४,१; पै २०, २७, ६; आ…द्यताम् शौ ६, १०४, ३; पै १९, ४९, १२[g]; आ-द्य>द्या शौ ६, १०४, २; पै १९, ४९,१२; आ(आ-अ)द्यः ऋ २, १३,९?[h]
२आ-दान– -नम् शौ ६, १०४, २; ३; पै १९,४९, १२; १३; –नेन शौ ६, १०४,१; पै १९,४९,१४.
आदान-संदान[i]– -नाभ्याम् शौ ११,११,३.
आ √दो (अवखण्डने)
आ-दाय[j]– -यः मै २, १०, ४‡[k].
२¶आ-दीयमान– -नाः काठ २५,६; क ३९,८.
आद्धि[l] पै १२,३,१.
१आद्य– √अद् द्र.
२आद्य–, ३आद्य– आ √दा द्र.
आ √द्युत्, आद्योतते पै १६,१५१,५. आदिद्योत शौ ६,२४,२; पै १९, ७,९.
आ √द्रु, आद्रवत् पै २,३१,२; आद्रव मा ११,१२; का १२,२,१; तै ४, १,२,१; ५,१,२,१;६, ४,३, ३; मै २, ७,२ काठ १६,१; १९,२; क २९, ८;४७,४[m]; आ…द्रव ऋ ६,४८,१६[n].
आ-द्वादश[o]– -शम् ऋ १०,११४,६.
आ √धन्[p]
ϕ*आ-दधन्वस्[q]– -†न्वान् ऋ ९, १०७,१[r]; मा १९,२; का २१, १,२; मै ३, ११, ७; काठ ३७, १८; कौ १,५१२; २, ६६३; जै १,५३,२;३,५५,४.
? ‡आ-धन्वा[s] मै ४, ९,४.
ϕआ-धर्तृ– आ √धृ द्र.
आ-धव–, आ-धवन–, आधवनीय– आ √धु,धू द्र.
आ √धा, > दधा, धि, ¶आधत्ते मै १,६, ३[१०]; ४[२]; ६[२]; ७;९[४]; ११; १२; १३[२]; ७, २; ५[२]; ¶आधत्ते तै १, ५, १,४[२]; २,१; ४, १[२];२;

[a]) विप. (इन्द्र-)। गस. तृन्नन्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः (पा ६,२,५०)। तु. सस्थ. टि. ? वज्रम्।
[b]) विप. (इन्द्र-, ग्रावन्-)। गस. उप. यङ्लुगन्तात् कर्तरि कः प्र.। थाथि-स्वरः।
[c]) विप. (इन्द्र-)। गस. णिन्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
[d]) ऋ २,२२,४;८,५९, २ <अ-दे° (तु. पपा.)
[e]) विप. (जन-, देव-, सूरि-)। देवान् आगत- (देवाऽऽराधनपर-) इति कृत्वा प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
[f]) विप. (विश्-)। तु. इहैव प्रतियोगिपदम् अदेवीः इति, स्क. सा. च; वैतु. GW. GRV., ?ORN. <अ-दे° इति (तु. ऋ १,१७९,३)।
[g]) एनान् इति पाठस्य? ऐ(आ-ए)नान् इति शोधे यनि. द्र.।
[h]) पाठः ? तु. ऋ १,१३३,४;२,१४,६;४,३०,१५;७, ९९,५ शौ ८,८,५ प्रभृ., ORN., पृ १०२*h*।
[i]) द्वस. अन्तोदात्तः। [j]) गस. णान्तम् उप.प्रकृतिस्वरम्।
[k]) सपा. ऋ १०,१०३,७ मा १७,३९ काठ १८,५ अदयः इति, तै ४,६,४,२ शौ १९, १३,७ अदायः इति च पाभे.। वस्तुतस्तु मूलत एकस्यैव सतः प्राति. नैप्र. अयं भेदः परिणतः द्र.।
[l]) पाठे ? आत्, इद्, हि इति त्रिपदः शोधः द्र.।
[m]) सपा. मा १,१५ काठ ३१,४ एहि इति पाभे.।
[n]) तु. सस्थ. टि. उप।
[o]) अस. अन्तोदात्तः। द्वि१ सत् वा. क्रिवि. द्र.।
[p]) धा. अर्थः ? गतिर्वा (तु. सा. प्रकृते स्थले) शब्दो वा ?।
[q]) विप. (सोम-)। क्वस्वन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
[r]) तु. सा. तैब्रा २, ६,१,२ ; वैतु. सा. (प्रकृते स्थले) चार्थे स्वाश्र. आ इति, उ. म. विव. च आ…सुपाव इति, GW. ORN. प्रभृ. अन्तर् आ इत्युभावपि अप्सु इति सस. युक्तौ कप्र. इति ? (अत्र द्वयोरप्युत्तरयोः पक्षयोर् द्वैस्वर्यमसह्यं द्र.)।
[s]) पाठः ? सपा. ऋ २, ३३, १०, पपा. अनु अभ्वं न वा(=वै) इति त्रिपदः शोधः द्र.।

५, ४,१०, ५; मै १, ६,३^{८}; ४^{३}; ७;७,२;९; १०;१२^{२}; ३, २, १; ४, ५; काठ ८, २; १२; आधत्ते ¶काठ ७,१५^{२}; ८,१^{१६};२^{२}; ३^{१२}; ४^{५};५;६^{९};८;१५; ९,३^{२}; २२,२; ¶क ६, ५^{२};६^{१६};७^{२};८^{१२};९^{५}; ७, १;२^{७};३;७; ८,३;६; पै ५, ३७, ७; १७, २८, ७; २९, १६; आ[a]···धत्ते ऋ ३, ४४, ४; आ-दुधाति ऋ १०,७९,५[b]; ¶तै १, ५,४,२;७,६;५,४,७,४;५;६,९, ३; ¶मै १, ५,८;६,५^{४}; १२;८, ४; ¶काठ ८, १२; आदधाति ¶तै १, ५,१,४^{२};४,१; २, ६,६, ३^{२};९,१^{२}; ५, १,९,६^{२}; १०,१^{२}; २^{३};२,२,४;४,६,१^{२};७,३;४; ६, २,१,६^{२}; ¶मै १,६,७; २,३,६; ३, १,६;९;३,८^{२}; ४, १,१३^{२};४, ६[c]; काठ १०,२[d]¶; शौ ४,८,१; ११,७,१३; आदधाति ¶काठ ६, ५;७,१५^{४}; १९,१०^{४}; १२; २१, ८^{२}; ९; २२,१०; १२^{२}; ३१, १०^{२}; ¶क ४,४; ६, ५^{४}; ७, ७; ३०,८^{४}; ३१,२; ३५,४;५; ४७, १०^{२}; पै ४, २, १; १०, ५, ९[e]; १६, १५४, ४; आदुधते[f] ऋ ६, ४८, १७; आदधते मै १, ६, १३^{३}¶; आदधति खि ५, ७, ३, ८; मै ४, १३,८; आदधति काठ १९,१३; आ (*दधति) ऋ १, १२७, ८[g]; आ···धत्से ऋ ८, ९६,५; आधत्थः[h] ऋ ५, ६३,७; †आदधे ऋ १०, ९७, ११; मा १२,८५; का १३, ६,११; तै ४, २, ६, २; मै २, ७, १३; काठ १६,१३; क २५,४; पै ११,६,७; आदधे मा ३, ५; ५, ९^{३}; का ३, १,५; ५, ३,२^{३}; तै १, २,१२,१; २;५,३,१[i]; मै १, २,८^{३}; ६,१^{६}; २^{६};५^{४};७; काठ २, ९^{२}; ७,१३^{९}; १४; आदधे काठ ८, ४^{३}[j]; ६[i]; क २,३^{२}; ६,४^{२};९^{३}[j]; ७,२[i];पै २, ८१, ५;९,११,८; १८,१८,१[k]; आदधामि शौ २,१०,५;१२,८; ५,२५,२; ११, १,२०; १८, ३, ३०–३५; पै २, ३,३;५,७;१३, २,१; १६, ९१, १; १९,४९,४; २०,५३,६; आ···दधामि ऋ८, ९३,२७; तै १,६,२,२; काठ३१, १४; आदध्मः पै ३,२८,४; ७, १,७; २०, १३,६; आ (*दध्मः) ऋ १,१२७,८[g]; †आ···दध्मसि ऋ ८,१०२,२०; मा ११, ७३; का १२, ७,८; तै ४, १,१०,१; मै २,७,७; काठ १६,७; शौ१९, ६४,३; ¶आदुधातै[l] तै १,५,१, २: मै१,७,२; काठ ८.१५; क ८, ३; आ (दधते) ऋ ९,६८, २[m]; ¶आदुधति मै४,८,६[n]; आ-दुधत् ऋ ९, १९,५; आ-दधत् शौ ४, १९, ८; २०, ४; ५, २५, १: ११, ६, ११; आ-दधत् पै ५, २५,८; ८, ६,४; १६, २२, १; †आ···दुधात, >ता ऋ ७, ३२,१३[p];३४,४; ९,२१,५: शौ २०, ५९,४; आदधातु शौ ३, १५, ६; ७, ५,२; १९,३१,९; पै १५, ५,४[o]; १९,४९,३; २०,२, ३; आ···दधातु ऋ ७,१०४,९; मा ९,८; ११, ५६[p]; का १०,२, ५; १२, ५,७[p]; तै ४, १, ५,३[p]; काठ१६, ५[p]; शौ ६,९२,१;८,४,

a) तु. सा.; वैतु. वें. पूरणार्थे स्त्राअ. इति ।

b) तु. पपा. प्रभृ.; वैतु. GW. ग. अभाव इति ।

c) °दुधाति इति पाठे ? यनि. शोधः द्र. (तु. तैब्रा १, ७,९,६) ।

d) सपा. मै २,१,४ दुधाति इति पाभे. ।

e) सपा. शौ १९,३१,९ °तु इति पाभे. ।

f) तु. सा.; वैतु. स्क. प्रपु१ < √दध् इति, GW. आ-दुधत्–>च१ इति । उभयथापि वा.? यनि. 'मा उत सूरः (प्र३) अह एवा चन वेः (=अवेः?) ग्रीवाः आदुधते (एतदेवं यद्भवति तत् पूष्णः सामर्थ्याद्देव भवतीति पूजा-विषयः)' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. वि–>वेः, सूर्–>सूरः, अवि–> -वेः ⌊परि.⌋) ।

g) 'यस्याऽऽसया (देवाः) आदधति (⌊=आददते वें.⌋, वयं च तेनैव) देवेषु हव्या वयश् (च) आदध्मः' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. आसया, वयस्–> -यः; वैतु. सा. आ क्रिउ. इति कृत्वा गच्छन्तीति वा ददतीति वा क्रिप. योजुकः) ।

h) तु. GW.; वैतु. सा. चार्थे स्त्राअ. आ इति ।

i) सपा. कौसू ७०,६ आदधत् इति पाभे. ।

j) सपा. तैब्रा १,१,४,८^{६} आपश्रौ ५,११,७ आदधामि इति पाभे. ।

k) सपा. शौ १३,१,३० आदिषि इति पाभे. ।

l) प्रपु१ लेट्याडागमः ।

m) प्रपु१ लेट्यडागम आकारलोपः (पा ७,३,७०) ।

n) तु. वें. PW.; वैतु. सा. GW. अनुपसृष्ट इति ।

o) त्रुटितः पाठः । आपमं २,४,४ अनु संस्कर्त्रा पूरितः ।

p) =सपा. माश ६, ५,१,१० । मै २,५,७ तु आ··· ददातु इति पाभे. ।

९†; पै १६, ९, ९†; १९, ३४, १०; २०, २९,५; आ(दधातु) पै २०, २९, ५; आधत्ताम् ऋ १०, १८४,२; शौ ३,२२,४†;५,२५, ३†; पै २, ९,५; ५, ११,६; ८, १०,९;११†; २०,२९,६; आ-दधताम् शौ ८, ८, २; पै १६, २९,२; आधत्स्व काठ ८,१०¶; क ७,६¶; पै १०,३,१; १५, ६, ८; १९, ५५,८-१०; आ[a]...धित्र ऋ ६, १८,९; आधेहि ऋ ९,१९,६; १०,१७,८; ८५,४५; खि ४,१३,१;२;३[b]; ५, ४,८; तै ३, ५,४,२; मै १,४,३; काठ ५, ६; ७,१२; कौ २,१११†; ४,८; जै २,७,३;३,११,७†; शौ १,९, ३; ५, १४,४;२५,८;१०[b]-१३[b]; ६, ८१,२;१३३,४; ७, ५७, २; †१८, १,४२;४,४६; १९, ३७, २; पै १,१९,३;५,३३,१०;३४, २; १०,३,४; १३,२, १०-१५; १९,१७,२;३२,१९; आ ... धेहि ऋ १, ७९, ९; मै ४, १०, ६†; काठ २, १४†; कौ १,२३१; २, ८७६†; जै १, २४, ९; शौ ६, २६,१; १२, २,४६; पै ७, १२, ५; १७, ३४, ७; १९, १९, १; आ (धेहि) मै ४, १२, ४†; (आ)धेहि शौ ६, १३३, ४; आधत्तम् ऋ ६, ५२, १६; खि ४,८,२[c]; तै ३, २, ५,४; मै १, ३,१२;४,६,३; पै ९,८,७; १३, २,४; १९, १२,८; आ...धत्तम् ऋ ८, ८, १३; आधत्त मा २, ३२?[d]; ३३; का २, ७, ६; शौ १६, १, १३[e]; ¶आ(आ-अ)धत्त तै १, ५,१,२;३[२]; मै १, ६, ३; १०; ७, २[५]; काठ ८, १[२]; १०; ११;१५[५]; २४,६; क ६,६[२]; ७, ६; ८; ८, ३[५]; ३७, ७; शौ १३, १,४६$; $पै १३,१४,१६;१८, १९,६; आ(आ-अ)दधात ¶काठ ८,४[२];९,११;१०,२[f];¶क६,९[२]; पै ३,२७,१; १६,५९,५; आ... अदधात् शौ १३, ३,२२;आ... अदधात्, आ(अदधात्) ऋ १०, ५६,७; ¶आ(आ-अ)दधत तै ३, ५,१,२; मै १, ६,१३[२];७,२;५[२]; काठ ८,१;४[२];१५; ९,३[२]; क ६, ६;९[२];८,३;६[२]; आ...आदधता? पै २०, ३७, ५[g]; आ(आ-अ)दधुः ऋ ९, ११३, ३; मा ९, ७; का १०,२,४; तै १, ७,७,२; मै १, ११, १; काठ १३,१४; आ... अदधुः ऋ १०, ५६, ६; आ-(आ-अ)धत्तम् ऋ १,११६,[१६; (११७,१७)]; आ...अधत्तम् ऋ १, [(११६,१६) ११७,१७]; ¶आदधीत तै १,५,४,४; मै १, ६, ९; ११; आदधीत ऋ १०, १०,१; तै १, ५, १,४[२]¶; ¶मै १,६,९[२]; १३; ७, २; ¶काठ ८, १[४];३[२];५;१५; ११,६[h]; ¶क ६, ६[४]; ८[२]; ७, १; ८, ३; कौ १, ३४०†; जै१,३५,९†; शौ १८, १,१†; आ...दधीत ऋ १,४०, २; ?आ...दधीत[j] ऋ ५, ६६, १; ¶आदध्यात् तै ३,४,१०,४; मै १,६,९;१३[२]; ¶आदध्यात् तै ६, ३,११,५[२]; मै १, ६,५[४];९[८]; १०;३,१,९[२]; २,२; ¶आदध्यात् काठ ८,१; १९, १२; २२, १२[३]; क ६, ६; ३१,२; ३५, ५[२]; आ-दधीयाताम् मै १, ६, ४¶; आ-दधीय मै २,१,२¶.

आदधे ऋ ९, ७७, ४; शौ १, २१,३; ४,१७, ?५, २५,२; ६, १७, १; आदधे ऋ ३, २७, ९;

a) तु. सा.; वैतु. GW. ग. अभावः ।

b) =सपा. आपमं १, १२, ६ मागृ २, १८, ४ । मंब्रा १,४,९ तु विन्दस्व इति पाभे. ।

c) खिसा ३१,२ °धत्ताम् इति पाभे. ।

d) क्रिप. अनपेक्षत्वादनन्वितत्वाच्च संपा. अपाकर्तव्यम् (तु. पपा., मपा. का २,७,४ मंब्रा २,३,१४ आपश्रौ २,७,६ यत्र पाठाभावः, उ. म. द. च; वैतु. निसा. BC. सात. च तद्भावमिच्छन्त उपेक्षया:) ।

e) सपा. तै ५,६,१,२ मै २,१३,१ ऐब्रा ८,६ निधत्त इति पाभे. ।

f) सपा. मै २,१,४ अदधात् इति पाभे. ।

g) पाठे? °ते इति शोधः सावसरो भवेत् ।

h) सपा. तै २, ३, १, २ मै २, २,१ आदद्दीत इति पाभे. ।

i) तु. PW.; वैतु. स्क. वें. सा. GW. च चार्थे स्वाभ्र. इति ।

j) तिङो रूपं च स्वरश्च? । अतः वा. अपि? । 'हे मर्त ! वरुणाय आदधीत (?हि)' इति वा. स्यादिति कृत्वा यनि. मूलतोऽस्याऽपि कस्यचिन् निर्णयस्य सतः मपु१ (तु. सा.: वैतु. GW. प्रभृ. प्रपु१) रूपस्य नैप्र. परिणतं विकार-मात्रं स्याद् इति दिङ्मात्रम् । सा. GW. प्रभृ. आ क्रिउ. इति कृत्वा भिन्नमेव वाक्यं मन्वानाः, WG. [φ६६८a] ORN. प्रभृ. स्तोम- इति वा धी- इति कर्तृपदमिति वा-ऽऽक्षिप्य कर्मणि रूपम् इति प्रकल्पयेयुः (तु. ऋ ५,४१,५) ।

९,७३,८[a]; खि ४,१३,२; कौ २, ८२९†; जै ४,२६,१०†; आदधे पै २,८१,५;५,२३,३;१३,२,१; १४, ३, २२; आ···दधे ऋ ३, २,१३;९,१८,४[b]; आदधौ शौ १०,२,५;१९,३४,९; पै ११,३, ९; आ · दधिरे ऋ १, ५९,३; ७,१७,६[c]; ८, ५०,४[d]; खि ३, २,४[d]; †आदधुः ऋ २,२,४;७, ३२,२; ९, ९,५[e]: ८३,३; १०, १८,१४; कौ २, २२७; १०२६; ३,२,२; जै २,५,५,१०;३,२०, ११; †आदधुः ऋ ५,१६,३; ८, १०३,१; कौ १, ४७[f]; २,८६५; जै १, ५,३; ४, २१,३;२६, ५; आदधुः ¶काठ ३३, ६[2]; पै ९, ११,८; २०, ५१,१†; †आ··· दधिषे ऋ १०, ९६, १०; शौ २०,३१,५; आ··दधिषे ऋ ७, २८,२; आ··दधिध्वे ऋ ४,३४, ३; ¶आधास्यामि काठ ८,४; क ६,९; आ··धेयाम् ऋ १०,५२, ⌊(१, ६३,२)५⌋; आ···धिषीय[g] काठ ३,९; क २,१६;आ (आ-अ) धित तै १, ४,४०,१; आ(आ-अ) धात् ऋ १, १६४, ३३: २, ३८, ५; ५,४०,८; ६,६६,३; ७,८८, ४; मै १, ४, ८¶; ५, ३[h]; ६, २[2h];२,५,८¶; ४,७,६[2]¶; शौ २,२९,१;९,१५,१२†; १२,२, ६; पै १६, ६९,२†; १७,३०,६; आधत् पै १४, ३,८; आ-धात् मै ४, ९, १२[i]! आ···धात् ऋ १, ६३, ⌊२(१०, ५२,५)⌋; ४, २४, २[j]; मै १,९,१[k]; काठ ९, ८; क ८, ११; आ-धाताम् पै २, ६६, ५; आधिषत मै १, ६, १३[3]¶; †आ··धासुः ऋ ७, ९७, ५; काठ १७, १८; आ-धु ऋ ४, ६, ६; तै ४,३,१३,१†; पै १९, ३१, १०; २०, २८, १: आ·· धुः ऋ ५,४१,६; आ··अधिथाः ऋ ६,३१, १; †आ-धाः ऋ ५, ८३, ७; ६, ४७, ३०; मा २९, ५६; तै ३,१,११,६;४,६,६,७; मै ३,१६,३: काठ ११,१३;४६, १; शौ ६,१२६,२; पै १५,११, १०; आ··धाः ऋ १,६१,१६; ४,३२,⌊१२:५,७९,६⌋; ५,७,९; ६,१३,५[l];४७,९[m]: शौ ५,२५, ७;२०,३५,१६†; पै १३, २,६; आ(धाः) ऋ ५, ७, ९[2]; आ··· धातम् ऋ १०, ९३,१०; पै १९, २६,१; ?आधाम् पै १९,३४,३[n]. ¶आधीयते तै ६, १,८,५;४,२, ५; मै १, ६,३;६;१०[2];१३[3];३, २,१; ¶आ-धीयते तै ५,४,१०, २; मै १, ६,७;१०;८,६: ३, २-२;३,८;४,६: आधीयते काठ ८, ४[3]; ८; ९:११;१४; क ६,९[3]:७, ३; ५;८; ¶आधीयन्ते मै ३, ९, १; काठ ७, १५: क ६,५: आधी, यताम् काठ ७, १२[2]: क ६. २[2]: पै १६, १४९, १२[2]: आधायि काठ ४०, ३; आ···अधायि ऋ ५,७५,९.

आ-दधत्– -धत् ऋ ४, १५,२ϕ:९, ९९, ६; मै ४, १३, ४ϕ: ϕकाठ १६, २१; ३८, १२: –धतः ऋ १०,३४,६ϕ.

आ-दधान[o]– -नः ऋ ९,९०,१: मै १, ६,७¶; ७, २?[p]; ४,१४,९: काठ ८,३¶; ¶क६,८; कौ १,५३६†: जै १,५५,४†; –नम् पै १९,३०, १६;–¶नस्य काठ ८,८: क ७.२, –नाः ऋ ६, ६६,५ϕ:७,६०.८: –¶नान् काठ ८, ८[2]. क ६.९[2]: –¶नेन काठ ७, १५; क ६,५.

a) तु. सस्थ. टि. अन्तर् ।

b) तु. वें. सा.; वैतु. GW. अनुपसृष्ट इति ।

c) तु. सा. ; वैतु. वें. आकारः पादपूरण इति, GW. ग. अभाव इति च ।

d) तु. सस्थ. टि. उप । e) तु. सस्थ. टि. अभि ।

f) अधुः इति S. पाठः ।

g) तु. सस्थ. टि. अनु√धा>धि>अनु···धिषीय । सपा. मै १,३,१ धेषीयः इति पाभे. ।

h) सपा. तै ४,२,८,१ काठ ३९,१ अधात् इति,शौ १६,९, २ धात् इति च पाभे.(तु.सस्थ.टि.√धा>धात्, अधात्)।

i) तु. सस्थ. टि. अन्तर् । सपा. तैआ ४,२०,२ आधाः इति पाभे. ।

j) तु. वें. सा. द.; वैतु. GW. ORN. प्रभृ. ग्रामन् इति सपा. युक्तः कप्र. आ इति ।

k) =सपा. तैआ ३,१,१ शांश्रौ १०,१४,६ । शांत्रा २७, ४ तु आ···धाः इति पाभे. ।

l) तु. सा. द.; वैतु. सा. ⌊पक्षे⌋ नृभ्यः (पं३) इति कृत्वा आ स्वाश्र. इति, ORN. नृभ्यः इति च. युक्तः कप्र. इति।

m) वैतु. सा. चार्थे स्वाश्र. इति, GW. अश्वयोः इति सस. युक्तः कप्र. इति ।

n) पाठः ? [वैतु. शौ १९,३२,८ एतदन्तपादोनः पाठः (तु. सस्थ. टि. वर्चस्वत्–> -स्वा⌊न्⌋)] ।

o) पृ ६४४ २आ-दधान्– इत्यपमुद्रितं द्र. ।

p) °नुः इति पाठे ? यनि. शोधः ।

¶आ-दधिवस्– -वांसम् काठ ७, ६; ८; क ५,५.

आ-धान[a]– मपुध्यि १,६; –नम् ऋ १०, ९४, ८; ¶तै ६, ५, ९,२; ¶मै ४,७, ४; ¶काठ १९,१२[२]; ¶क ३१.२[२]; –¶नानि काठ २८, ९; क ४४,९.

आ-धाय मा ११,११; का १२, १, ११; तै¶१,५,१,४;४,४: ४,१, १,८; मै १, ६,१२[२]¶; २,७,१; ¶३, ८,४; १०[२]; ¶काठ ८, ६; १२;१५; १६, १; २३, ६; २५, ३:३५,१९[२]; ¶क ७,२;७:८,३; ३८,६;४८,१७[२]; शौ ८,६,१३; १३,१,४७; पै १६, ८०,५;१८, १९,१.

¶आ-धास्यत्– -स्यन् काठ ८, १२: क ७,७.

¶आ-धास्यमान– -नः मै १,६,१२[२]: १३ ; –नेन काठ ८, १२[b]: क ७,७.

१†आ-धि[c]– -धिः ऋ १०, १०९, ३: शौ ५,१७,३; पै ९,१५, ३.

¶आ-धेय,या– -यः मै १, ६, ४[४]; ५;९; १०:१३[२];७, २[२]; काठ ८, १[७];३[८]:४[७];१०; १२[२]; १५[२];९, २; क ६,६[७];८[८];९[७]; ७,६: ७[२]; ८,३[२];५; –यम् मै १,७,५;–याः काठ ७,१५[२]; क ६,५[२]; –या: ३[d]; काठ ८, १२; क ७, ७; –याम् पै १४,३,६$; –येन मै १,७,५; ३,४,५; काठ ९,२; क ८,५.

आ-हित,ता– -तः ऋ ८, ५,१९; ९, १२,५; १०, ८५, २[e]; मा २८, १९; का ३०,२, ८; ¶तै, १,५, १,४; २,२; ७,३; मै १, ५,६¶: ¶काठ ७,४[२];८,५;९,३;३३,६[२]; ¶क ५,३[२]; ७, ९:८, ६; कौ २, ५५०†;जै ३,४३,६†;शौ४,११, ८; ६, १२९,३; ७,५२,८; ११, ६, १३;९,१; २; १४, १, २†[e]; १९, ५३, ३: पै १, ४९, १; ३, २५, १०; १२, २,३; १६, २२, ३; ८२, १;२: १८, १,२: –तम् ऋ १,१६४, २३[२]; ६, ९, ६; ८, २९,४:१०,१३५,४; खि १,११, ५; मै १,६,६¶; काठ ८, ११¶; क ७,८¶; शौ ९,१५,१[२]†;१०, ३,१७; २३; २५; ७,१;२९;३०; १४, १,३५; १७, १,१९: पै १, ४९, ४: २, ३४,१; २; ३, २८, ३;२९, ४:१६, ६४,७; ६५, ४; ६८,१[२]†:११०,३:१४८,८;१७, ७,१:९, १०:१०,१: १८,४, ५; ३२,३;१९,२४,१४:२९,८;२०, २५,२: –ता ऋ १,१६६,९; ५, ७५,४; १०,१४,१६[f]; काठ २७, ५¶; ४०, ११[f]†; क ४२, ५¶; शौ १०, ७, ३ ; १२ ; ११, ९, २२:१९,५४, २; पै १२,२,१२; १६, ८४, २; १७, ७, ३; ८,३; –ताः पै १६, ८२,४; १५०,३; २०,२८,५; –तात् मै १,६,७¶; –¶तायाम् काठ ६, ५: क ४, ४; –तौ पै ९,४,१२.

¶आहिता(त-अ)ग्नि[g]– -ग्नयः मै १,५,१३:८,६; –ग्निः तै १,७,६, ७:२,२,२,२;५,१,३; ३,४,१०, २; मै १,८,९:२,१,१०[४]: ३,६, ६; ४, ३,२;५,१; काठ ७, ८$: ८,१;११:१०,५[३]; १२,७: क ६, ६;७,८: –ग्नेः तै १,५, ९,७;७; १,१: मै १,८,९; काठ ३५,१७; क ४८,१५.

आ-धार्– आ √धृ द्र.

आ √धाव् (गतो), †आ· ·धावते[h] ऋ १, १०५, १; मा ३३, ९०: कौ १, ४१७ ; जै १, ४०, ९ : शौ १८, ४, ८९; पै १८, ३२, १४; आ· ·धावति ऋ ७, ३२, [६ (८,३१, ५)]; आ। धावति ऋ ९, १७, [४ (४२,४): ६७, १४]: आ· ·धावतः ऋ [(७, ३२,६) ८,३१,५]; आ · धावतु

a) भाप. नाप. च । उभयथाप्यर्थभेदतः प्रवृत्तिः । ततः वधा. विषयः स्यात् । पाप्र. गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

b) °स्यमानेना३ इति प्लुतोदात्तः पाठः (वैतु. उत्तरं क. स्थलं यत्र सपा. सत्यपि यनि. पाठः) ।

c) भाप. (प्रतिदान-) । गस. क्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । 'ब्रह्मजाया क्षत्रियस्य दारकर्मणे न भवति। तस्मात् क्षत्रियस्य सा चेद् हस्तगता स्यात्तर्हि तेन स्व-हस्तेनैव तस्या आधिः (=प्रति-दिः, तस्याः पत्या) ग्राह्यः न (हि सा तस्मै) दूतद्वारा प्रहेतुं तस्थे (=योग्या भवति)' इति वा. द्र. (वैतु. PW. प्रमृ. नाप. [न्यास-, बन्धक-] इति) ।

d) प्र१ रूपम् । विचार्यमाणे प्लुतिरुदात्तता च (पा ८,२, ९७) ।

e) =सपा. माग् १,१४,८ । आपमं १,९,२ तु आधितः इति पाभे. ।

f) सपा. शौ १८,२,६ आर्पिता इति पाभे. ।

g) नाप. (साग्निक-, अग्निहोत्रिन्-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

h) तु. स्क. वें. सा. विव. भ. म.; वैतु. GW. उ. WI' ग. अभाव इति, PW. मौनी च ।

ऋ ८,२२,४; आधावन्तु मा ६, ३६; का ६,८,७; तै १, ४, १, २; मै १,३,४; काठ ३, १०; क २, १७; आधाव मै २, ४,१¶; काठ १२,१०¶; पै २, ७८, ४[a]; ५[a]; आधावतम् ऋ १,१०९,४; आ॰॰॰धावतम् ऋ ५, ६४, ७; आधावत,>ता ऋ ८, २, २५; ९,११,५;४६, ४; कौ १, १२३; २, ७९५; १००७; जै १, १३, ९; आ॰ धावत, >ता ऋ ९, १०६, ९: कौ २,६७८†; जै ३, ५६,६†; शौ ६,२,१.

आ√धाव् (शुद्धौ) >धावि, आ धावत,>ता ऋ ८,१,१७.
आधावय पै ११,५,६.

आ-धावा- आ√धु,धू द्र.

आ-धारयत्-, °स्यमान-,१आ-धि- आ√धा द्र.

२आ-धि[b]- -धयः तै ३,४,७,३;-धिम् मा २२,२०; का २४,७,१; तै ७, ३,१५,१: काठ ४३,५.

आ√धी[c] (चिन्तायाम्), आदीध्ये ऋ १०,३४, ५: आ॰॰॰दीधयन् ऋ ७,७,६.
आदीधीथाः शौ ८,१,८; पै १६, १,८.

आ-धीत[d]- -तम् ऋ १,१७०,१; मा १५,७; १८, २; का १६, २,४; १९,२,२: तै ४,७,१, २; ७,३, १५,१; मै १, ४, १४[2]¶; ९,१; ३¶;२,६,८;११,२: काठ ९,८; ११¶;१८,७;४३,५; क ८,११: २८, ७; -ताय मा २२, २०; का २४, ७, १ : तै ७, ३, १५, १; मै २, ८, ८; काठ ४३, ५; -तेन मा १५, ७: का १६,२,४.

¶आधीत-यजुस्[d]- -जुर्भिः, -जुषाम् मै ३,६,४; -जूंषि मै ३, १,९; ६,४; काठ १९, १०; क३०, ८.

¶आधीतयजु(स्-स्व>)ष्ट्व- -ष्ट्वम् मै ३,६,४.

आ-धीति- -तिः मै १, ४,१४[2]¶; -तौ मै १,३,३६.

१आ-धी[e]- -धीभिः पै ९,२५,४[2];१२; -ध्यः ऋ १, १०५, ७;८; १०, ३३,३; शौ ६, १३१,१[f]; पै ३, ३७,१: ९, २५,१-१७; -?ध्या[g] शौ ६,१३२,१-५.

आध्री-प(र्ण>)र्णा[h]- -र्णाम् शौ ३, २५,२.

२आ-धी[i]- -ध्यं ऋ १०,९५,१३.

आ√*धीष्[j]
आ-धीषमा(ण>)णा- -णायाः ऋ १०,२६,६[k].

आ√धु,धू, आधूनोति मै ४, ७,७¶; आ॰॰॰धूनुथ[l] ऋ १, ३७, ६; आधूनोमि मा ८, ४८[l,m]; का ८, २२, २[l,m]; तै ३, ३, ३,१ ; २; ४,१; मै १, ३, ३६[l]; काठ ३०, ६[l];७.

आ-धव[n]- -वम् ऋ १०, २६, ८; -वे ऋ १,१४१,३.

आ-धवन-
आधवनीय[o]- -यः मा १८,

[a]) पाठे ? तानि (?ताति ⌊तु. मूको.⌋=ता अति), साधाव (?मा आधाव ⌊तु. मूको.⌋) इति शोधौ द्र. । 'हे नारि ! ता (पैतृकाणि) सदनानि अति (कप्र.) मा (= मां प्रति) आधाव' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. तपस्->-पः) ।

[b]) कष्ट-पर्यायो भवति । व्यु.? भा. ⌊तै ७, ३,१५,१⌋, उ. PW. प्रमृ. <आ√ध्यै इति, भा. ⌊तै ३,४,७,३⌋ =काम्य-इन्द्रियार्थ- इति, सा. ⌊तै ७, ३,१५,१⌋ =बुद्धि- इति, म. च <आ√धा इति । √*आध् (बाधायाम्) +किः प्र. तत-स्वरश्चेति तु मतम् ।

[c]) अयं धा. √ध्यै इत्यस्य व्यवहार्यं रूपान्तरं द्र. (तु. पावा ३,२,१७८) ।

[d]) कस. अन्तोदात्तः । [e]) =२आ-धि- । व्यु.? ।

[f]) द्वि३ रूपं द्र. ।

[g]) स्वरः पपा. च ? (तु. पा ६, १, १७५; ८, २, ४, पूर्वस्मिन् सूक्ते द्वि३ रूपं च ⌊तु. जिह्मशी-, दुराध्री-, दूढी- इत्येतेषां द्वि३ प्रमृ.⌋) ।

[h]) विप. (इषु-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[i]) भाप. (पोषण-) । उप. <√धी<√धा (पोषणे ⌊वैतु. अन्ये =१आ-धी- इति⌋) ।

[j]) धा. अर्थः ? भद्राकरणे (=वपने) वृत्तिरतु संभाव्येत (वैतु. वें. उद्गी. सा.<आ√धा इति, PW.GW.,WG. ⌊φ८६७⌋ प्रमृ. <आ√धी<√ध्यै इति ।

[k]) पाठः ? °णयोः इति शोधश्चेति वदन् LR. चिन्त्यः वा. अनुपयोगात् ।

[l]) वैतु. वें पूरणार्थीयः नि. इति, स्क. धूतयः इत्यस्य च सा. वर्षिष्ठः इत्यस्य च विशेषणतापरः नि. इति ।

[m]) एकतरत्र =सपा. माश ११,५,९,९ । तै ३,३,३,२; ४,१ मै १,३,३६ काठ ३०,६ आपश्री १२,७,१८ तु गृह्णामि इति पाभे. ।

[n]) यथाक्रमं विप. भाप. च । गस. उप. कर्तरि भावे च अच् प्र. थादि-स्वरश्च ।

[o]) नाप.(सोम-पात्र-) । तादर्थिकश्छ >ईयः प्र. तत्स्वरश्च ।

२१[a]; का १९, ७,३[a]; तै ३, २, १,२¶; ४, ७, ८, १[a]; -यम् तै ३, २,१,३¶; -ये काठ ३४, १६¶.

आ-धा(व्>)वा[b]- -वाः तै ३, ३, ४,१.

आ-धून्वत्- -न्वते ऋ ९,७२,८.

आ-धूयमान- -नः तै ४,४,९,१.

आ √धुनि[c], आ···धुनयन्ताम् ऋ ३, ५५,१६.

आ √धू, >धारि, आ[d]···धारयः ऋ ९, २२,७; †आ···धारय ऋ ९, १२,९; कौ २,५५३; जै ३,४३, ९; आ[e]···अधारयः ऋ १, ५२,८.

φआ-धर्तृ[f]- -र्तारम् ऋ ९, २६,२.

आ-धार- -रः शौ १२, ३, ४८; पै १७,४०,७.

आ √धृष्, आ···दधर्षते जै १, २९, ६‡[g]; †आदधर्षति ऋ १, १५५,५; ६,२८,३; १०, १५५, ५; मा ३५, १८; का ३५, ४, १७; शौ ४, २१, ३; ६, २८, २; पै १०, १,१३; आदधर्षति ऋ ८, २७, ९; †आ···दधर्षति ऋ ७, ३२, १४; कौ १, २८०; २, १०३२; जै ४, २७, ७; †आ-दधर्षत् ऋ २, ४१, ८; मा २०,८२; का २२,८,३.

आदधर्षते शौ ६,३३,२[h].

आ-दधर्ष ऋ ५,८५,[६;६,७,५]; †आ-दधर्षीत् ऋ १, १८३, ४; ४,४,३; मा १३, ११; का १४, १, ११; तै १, २,१४,२; मै २, ७,१५; काठ १६, १५; क २५, ६.

आ-धृषस(>:)[i] ऋ २,१,९.

आ-धृषे[j] ऋ १, ३९,४;१३६,१[?];५, ८,५;८७,२; ९,५३,३; १०,४९, ४; कौ २, १०६६†; जै ४, ७, ३†; शौ ६, ३३, २[?k]

आ-धेय- आ √धा द्र.

आध्यक्ष्य- अध्यक्ष- द्र.

आ √ध्यै, ¶आध्यायति क ३०,३[l].

†आध्र[m]- -ध्रः ऋ ७, ४१, २; मा ३४, ३५; का ३३, २,३; शौ ३, १६,२; पै ४, ३१, २; -ध्रस्य ऋ १,३१,१४; -ध्राय ऋ १०, ११७, २; -ध्रेण ऋ ७, १८, १७.

आ √ध्वस्

आ-ध्वस्त-

• आध्वस्त-पक्ष-

आध्वस्तपक्षिन्- -क्षिणे पै २०, ५७, ९.

१ आन- √अन् (प्राणने)परि. द्र.

२ आन[n]- -नम् ऋ १, ५२,१५; पै १, ९७,२.

आनंश √*अंश् (परि.) द्र.

आनजान- √अज्,ञ्ज् द्र.

आनडुह- अनस्- द्र.

आ-नत-, आ-नति- आ √नम् द्र.

आ √नन्द्

---

a) सपा. मै २,११,५ काठ १८,११ अपूतभृत् इति पाभे.।

b) स्त्री. नाप. (⌊वैतु. PW. प्रभृ. पुं.⌋ २अप्- ⌊वैतु. सा. मन्त्र-⌋)। गस. घञन्ते थादि-स्वरः ।

c) धु (न्>)ना- इत्यतो वा धुनि- इत्यतो वाऽऽचारे णिजन्तः नाधा. अकर्मकः द्र. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. सा. √धू>धूनि (पावा ७,३,३७) >धु° (दोहने वा कम्पने वा ⌊वें. रक्षणे⌋) इति]। धु(न्>) ना-*, धुनि-(< √धुन्) यद्र.।

d) वैतु. वें. सा. आ क्रिवि. (=आहृत्य) इतीव कृत्वा योजुकौ, GW. पणिभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. इति ।

e) तु. वें. GW.; वैतु. स्क. मर्यादार्थे इति, सा. चार्थे स्वाम्र. इति ।

f) गस. तृजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. सा.; वैतु. GW. दिवः इति पं. युक्तः कप्र. आ इति)।

g) सपा. °र्षते<>°र्षति इति पाभे.।

h) सपा. ऐब्रा ५,२,१ आदधर्ष इति, शांश्रौ १८,३,२ आदधर्षया इति, पै १९, २८,२ विशिष्टः पाभे. च ।

i) गस. कसुन्नन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. वें. भाप. क्विबन्तस्य पं१ इति, सा. कर्तरि प्र. मत्वा °स->-सः इति)।

j) गस. केनन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

k) तु. मा. W.; वैतु. पपा. आ-धृषे इति ?. एकतरत्र सा. K. सपा. ऐब्रा ५,२,१ अ-धृष->-षः (प्र१) इति, यनि. अपि वा. ? अन्यत्र धृषितम् इति ऐब्रा. पाभे.।

l) सपा. तै ५, १, ५,८ काठ १९, ५ ध्यायति इति पाभे.।

m) नाप. (दरिद्र-, दुर्बल-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <आ √ध्र इति वें. स्क. सा. उ. ? GW. च, <१अ+ध्र- (<√ध्रै ⌊तृप्तौ⌋) इति (पक्षान्तरे) सा. ऋ १, ३१, १४, उ. म. च ?।

n) नाप. (मुख-)। व्यु. ? <√अन् (प्राणने ⌊तु. सा. प्रभृ.⌋) वा √अन्(*कान्तौ ⌊तु. पृ१५६k, ३३६l⌋) वाऽन्यतः कुतश्चित् धा. वा ?।

आ-नन्द– -न्दः खि २,६[२], २८; शौ ९,१२,२३; पै १६, १३९, २४; -न्दम् ऋ ९, ११३, ६; खि २, ६, १६; ११, २; तै ५, ७, १९, १[a]; पै १२, ६,८; १६, १५२, ११; -न्दाः ऋ ९, ११३, ११; खि ३,१२,३; शौ[b] ११,९,२६; १०,२४; पै[b] १६,८४,८;८७,४; -न्दान् शौ १०, २, ९; पै १६, ६०,१; -न्दाय मा १९,८; ३०, ६;२०; का २१, १,७; ३४, १, ६;४,२; काठ ३७,१८.

आनन्द-नन्द[c]– -न्दौ मा २०,९; का २१,७,८; मै ३,११,८; काठ ३८,४.

?आनन्द-नन्दथु– -थुभ्याम् काठ ५३,९[d].

आ-नन्दि(न्)नी[e]– -नीः शौ ४,१५, १६; पै ५,७,१४; -नीम् शौ ४, ३८, ४.

आ√नम्, †आनमन्ति ऋ ७, ५६, १९; मै ४, १४,१८; आनमे ऋ १,१३९,९[२]; †आ···नमे ऋ ७, ३२,२०; कौ १,२३८; २,२१७; जै १,२५,६;३,१९,१२; आ··· आनमे[f] ऋ ६, ५१, ९; आ ··· नमन्ताम ऋ ६, ५०, ४; †आ-नमस्व ऋ ८,७५,५; तै २,६,११, १; मै ४; ११,६; काठ ७,१७.

आ-नत– -तेन तै ५, ७, १४, १; काठ ५३,४.

आ-नति– -तिः मा २०, १३[२]; का २१,७,१४[२]; मै ३,११,८[२]; काठ ३८,४[२].

†आ-नमम्[g] ऋ ४,८,३; काठ १२, १५; जै ४,१९,७.

आनव– √अन् (प्राणने) द्र.

?आनवो[h] कौ १,४५८; जै १,४८,२.

आ√नश् (व्याप्तौ), आ···नशन्त ऋ १०, ११५,४.

†आ···आनट्[i] ऋ १, ७१, ८; मा ३३,११; का ३२, १,११; तै १, ३,१४, ६; मै ४, १४,१५.

आ√नश् (अादर्शने)>नाशि, आनाशय पै ४,१३,७.

आनशान–,आनशुः,आनशे,आनश्याम् आनाश √*अंश (परि.) द्र.

?आनस्वा[j] पै १३,५,११.

आ√नह्, आ···नह्य खि ५,२,३[k]; शौ ६, ६७,३; पै १९,६,१५.

आ-नह्यमान– -नः ऋ १०, १०२,८.

आ-निर्√दो (अवखण्डने), ?आनिरदात[l] पै ४,१३,४.

आनिर्हत– अ-निर्हत– (परि.) द्र.

आ-नि√विश्, आ···निविविशुः ऋ १०,५६,४[m].

आ-नि√वृत्, ?आनिवर्तय खि ४, ५,१३[n].

आ-नि√ष(<स)द्[o], >सीद्, †आ···निषीदति ऋ ९, ७०, ७;

a) द्र. टि. ?आनन्दनन्दथुभ्याम् ।

b) सपा. तैब्रा २, ४,६,५; ३,१०,१,१; ३ °न्दः इति पाभे. ।

c) द्वस. अन्तोदात्तः ।

d) पाठः? मन्त्रादौ वृषणम् इति वा तत्प्रकारकं पदान्तरं वा च्युतं स्यात् (तु. सप्र. मा २५,७ यत्र यनि. स्थाने श्राव्यमाणम् आण्डाभ्याम् इति पदम्=आनन्द-नन्दाभ्याम् [तु. मा २०,९]; वैतु. सपा. तै ५, ७,१९,१ यत्र आनन्दं नन्दथुना इति द्वि-पदः पाभे.?)

e) विप. (ओषधि-) । गस. णिन्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

f) वैतु. प्रथमे श्रवणे स्क. पादपूरणः, सा. स्वाभ्र. सत् नमस्– इत्येतद्युक्तं विप. इति ।

g) गस. कमुलन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

h) पाठः? अयं सहस्रमानवो (?वद् [तद्-उ]नो [तु. शौ ७, २३, १ पै २०,४,१०]) दशः (?शो [तु. शौ. पै.]) कवीना (=न-आ) म् इत्येवमत्र गायत्रे सति पूर्वार्धे शोधः स्यात् तथा च सति मध्यतः (आ√नव् [आदीपने]>)आ-ऽनवत् उ नः इति त्रीणि पदानि स्युः । यद्वा कौ. जै. च वः इति तृतीयं पदमिति, शौ. पै. तु नः इत्येव वास्तविकः पाभे. अभ्युपगन्तव्यः । ततश्च यथार्थाभिसंधि नैप्र. (=°नवो यो>°नवो इति कौ. जैं.,°नो नो>नो इति शौ. पै.) मुवर्तनगा स्यात् । अथापि शौ. पै. आनव (लोटि मपु१) इति, कौ. जै. यनि. (लङि प्रपु१) इत्येवमप्यपरः पाभे. स्यात् (तु. टि. आ शौ ७,२३,१) ।

i) आडागमो यद्योगीयश्च स्वरः ।

j) पाठे? अथ स्व (सु-अ)र् इति द्वि-पदः शोधः । सरस्वती अथ स्व (सु-अ) र् यज्ञश्च इत्येवं तृतीयस्य त्रैष्टुभस्य पादस्य मौलिकं स्वरूपं स्यात् । द्वितीयस्य पादस्य च मृत्युर् वैश्वानरो अथ इत्येवं मौलिकं स्वरूपं स्याद् इति कृत्वा मुद्रिते पाठे तत्परः शोधः द्र. ।

k) °ह्य इति स्वरे ? यनि. शोधः द्र. ।

l) आनिरदाः (मपु१) इति शोधो विमृश्यः ।

m) तु. GW.; वैतु. वें. नि इति, सा. आ इत्य-नन्वायुकाविव ।

n) आ° इति पाठे ? यनि. शोधः ।

o) उपसृष्टो धा. सकर्मको ज्ञेयः ।

†आ···निषीदत ऋ २, ४१, ⌊१३[a]; ६,५२,७[a] (८,७३,१०)⌋; मा ७, ३४[a]; का ७,१६,१[a]; कौ २, ९०; जै ३, ९, ४; शौ २०, ६८, ११.
आ[b]···नि···असदन् ऋ १०, ३०,१५.
φआनि-षद्य[c] ऋ २,३,८.
आ√नी, ¶आनयति तै ६,४,११,४; काठ १५, ५; आनयामि पै १९, ३७, ४; २०, ६१, ११; आ··· नयामि पै ११, १, ११; आ-नयामसि शौ ५, २५, ८[d]; पै २, ३३,५; १३, २, १५[d]; आ-नयन् पै २०, ५२, १३; आ···नयत ऋ ३,९,५[e]; आ-नयात् पै १,५०, ४; आ···नयात्, आ(नयात्) पै १, ५०, २; आनयतु खि २, ९, ३; शौ २,२६,२; पै २, १२,२; २०, २३,५; आ···नयतु शौ २, २६,२[f]; ३६,८; ३, ३,४; पै २, १२,२;७४,४; २०,२४,५; आ-नयतात् पै १, ४३, २; आनय, >या मा २०,३१‡[g]; का २२, २, ८‡[g]; ‡कौ[g] १, ४९९; २, ५७५; ‡जै[g] १,५२,३; ३, ४७, १; शौ ९,५,१; पै १,६५,१;४, ४,१[h]; ६[i]; ७[i]; २०, ६; ९,२५, १४; १६, ९७, १; २०, ५८,२; ६१, १०; आ···नय शौ ३, ३, १‡[j]; पै २,७४,१‡[j]; २०, ५८, १; †आ (आ-अ) नयत्[k] ऋ ६, ४५,१: ८,३३,१६; खि २, १२, १; कौ १, १२७; जै १, १४,३; आ(आ-अ)नयत्[l] ऋ ८,७०,१५; आ(आ-अ)नयत् पै २०, ६०,८; आ···अनयत् ऋ ७, १८, ७[l]; ?आनयः पै १,५०,३; ¶आ (आ-अ) नयन् मै ३, ७,९: ८,३: आ (आ-अ)नयन् ऋ ६, १५, १७; आ···अनयन् ऋ १,३१,४; ७, ३३,२; आ(अनयन्) ऋ १,३१,४.
†आनिनाय ऋ १०, १०९, २; शौ ५, १७, २; पै ९, १५, २; ‡आ···निनाय[m] काठ १८, १; क २८, २; ¶आनेषत काठ ८, ११; क ७,८.
आ-नीत– -तः ऋ ९, ९६, २४; ¶मै २, १, १०; ४, ३, २; ¶काठ ८, ११; १०,५;१२,७; ¶क ७,८; –¶ताः काठ ८,११[२]; क ७,८[२];
आ-नीय तै ५,३,७,२¶.
आ-नीयमान,ना– -नस्य मै ३,९, ७¶; –ना पै १६, १४२, ४[n]; –ने मा ३९,५: का ३९, ३,१.
†आ-नेतृ– -ता ऋ ९, १०८,१३; कौ १, ५८२; २, ४४६; जै १, ५९,५; ३,३४,४.
आ√नु,नू >,नोनू, आ···अनूषत ऋ १, १५१,६[o].
†आनोनवीति[p] ऋ १०, ६८, १२; शौ २०,१६,१२.
आ√नुद्(प्रेरणे), >नवीनोद्, आ-नवीनोत् ऋ ७,८७,२[q].
आ-नु(न>)त्ता[r]– -त्ताः पै ८, १६, १-३.
आनुपक्[s]– अनु√पञ्ज् द्र.
आनुषूक्– अनु√पू द्र.
आनुष्टुभ– अनु√स्तुभ् द्र.
आनूक्– अनूक– द्र.
आ√*नूष्[t] आ···अनूषत ऋ ९,६५. ⌊१४(१,०६,७)⌋.

a) =सपा. शांब्रा २४, २। आश्रौ २, १४, ३१ शांश्रौ १,१७,१९ तु **आ···निषीद** इति पाभे.।
b) वैतु. वें. सा. आ क्रिउ. इति, GW. ग. अभाव इति।
c) तु. सा. GW.; वैतु. वें. सा. (पक्षान्तरे) च आ क्रिउ. इति।
d) सपा. शांगृ १,१९,११ **हवामहे** इति पाभे.।
e) **परि···आ···नयत** इति द्व्युपसृष्टिं वदन्तौ PW.GW. चिन्त्यौ, परेः कर्मप्रवचनीयतयैव स्वन्वयात्।
f) सपा. खि २, ९,३ **नयति** इति पाभे. विमृश्यः।
g) सपा. ऋ ९,५१,१ **आसृज** इति पाभे.।
h) सपा. शौ १,७,१ **आवह** इति पाभे.।
i) सपा. शौ १,७,६ **विलापय** इति पाभे.।
j) **आमुं नय** इत्यस्य स्थाने सपा. ऋ ६, ११, ४ मै ४, १४,१५ **आयुं, न, युम्** इति पाभे.।
k) आ-अ इति पपा. यनि. शोधः (पा ८,१,७१)।
l) वैतु. GW. अनुपसृष्टं मन्वानश्चिन्त्यः।
m) सपा. ऋ १०, ८२,३ विशिष्टः पाभे.।
n) सपा. शौ १२, ५,१५ **आदीयमाना** इति पाभे.।
o) धा. आह्वाने वृत्तिः द्र.। 'वाम् केशिन्यः (=अङ्गुलयः) ऋताय आह्वयन्त' इति भावः।
p) तु. सस्थ. टि. अनु।
q) यङ्लुगन्तस्य लङि प्रपु१ रूपम्।
r) पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।
s) **आयुपक्**– इत्यत्र टि. अपि द्र.।
t) **नमस्**– (=अन्न-)>नैप्र. *नूष्–>नाधा. द्र.। धा. भोजन-धारणे वृत्तिः। 'कलशाः ओजसा (=पयसा =अन्नेन भरिता इव) संजाताः कृता वा' इति भावः (वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. <आ√नू इति)।

आ√नृत्, **आ**···**नृतुः**[a] ऋ ५,५२,१२.
आ-नृत्यत्– -त्यतः शौ ४,३७,७.
आनृत्यन्ती– -न्तीम् पै १७, १४, ३.

आ-नेतृ– आ√नी द्र.

¶**आ (आ-अ)न्त**[b]– -न्तम् तै ६, २, १०,५[२];३,४,३[२];६,४,३; मै ३, ९, ३; काठ २५,१०;२६,५; क ४०,३[२]; ४१,३; पै २, ३१,४$.

१-२आन्तरिक्ष– अन्तरिक्ष– द्र.

१आन्त्य–, **२आन्त्य**–, **आन्त्यायन**– अन्त– द्र.

आन्त्र– अन्त्र– द्र.

?**आंत्वानि**[c] पै ९,६,६.

आन्दु– √अन्द् द्र.

?**आन्यजात्** पै ३,३९,३.

?**आन्यानि**[d] पै १७, १४,६.

√आप्, >**आपि**,**ईप्स**,**आप्नोति**[e] ¶तै २,२,९,७; ६, २,६,२; ७,२,८, २;३;५; ¶मै १,५,७[२];२,१,७[२]; ४,६,८; शौ ९,५,२२;११,१३[२]; **आप्नोति** मा १९, १९;२०; २५; २७[२]; २९; ३०[३]; ३१; का २१, २,८; ९; १४; १६[२]; १८; १९[३]; २०; ¶तै २,२,६, ३;४; ९, ५; ६[२];४,१,४;५, ८,३; ३,४,१०, २;५,४,१,३;१२,३; ५,७,५;६, ५,३;७,१[४];२[४]; ३[२];६. २,६, २; ४,५,१;२[२]; ¶मै १, ६, ४;७;८; ११;१२[२];७,५[२];१०, २०; ११, ६;८;९[२]; २, १,२;७[३]; ८;२,२; १३;३, ३[२];६[२]; ९;४,३;५,४;९; ३, २,३; ३,४; ४, ६[६]; ६, ४;६; ७,४; ६; ४, १,८; ३, ३; ९; ४, १; ३;४; ७; १०; ५,३[३];५[४];७; ७, ५[२]; ६;७;८,४;५;८; ¶काठ ६,८; ७, १५; ८, १;२; ३[२];७; ८; ११; १२[२]; १३; ९,२; १०, १[४];७; ११, ८; १२, १[२]; ६; ९; १३,१; ७; १०[२]; १४, ७;९[५]; १०[२];१८,१९;१९,३;६;२०,६; २१,५[८]; १२; २२,८[२]; २३,२[२]; २४,१;४;५;२५,१;२६,२[२];१०[२]; २८,९; २९, ३;६[२]; ३०,२[२];७; ३१,६;३४,४;७;१२[२];३६,१४; ३७,७;११; ¶क ४,७; ६,५-७; ८[२];७,३[२];४;७[२];८; ८,१; ५;६; २९,७;३०, १;४; ३१, ८;२०[८]; ३५,२[२]; ८[२]; ३७,२; ५;६; ३८, ४;४०,५[२];४१,८[२]; ४४,९; ४५, ७[२];४६,५[२]; शौ ४.११,९;९,२, २४;१०,२,२०; २१; ९,१०; पै ३,२५, ९;५, १३,३; ८.१९,३; ७[२];९,२०,१-१२; १२, ७,५;६; १४,३,२८;३०; १६,६१,२[f];५; ६;१३६,१०; **आप्नुवते** पै १४, १,७; ¶**आप्नुवन्ति** तै ७,४, ४, २;५,१, ४; काठ ३३, २[४]; ८[३]; ३४,७[४];९; **आप्नोतु** शौ ४, ३८, ३; पै ८, १९, ३; ७; **आप्नुहि**[g] शौ २, ११,१-५; पै १, ५७,५; **आप्नवानि** का ११,९,२[h]; ¶**आप्नोत्**[i] मै २, २,८; ३, ६,४; **आप्नोत्** तै ५,६, १,३; मै २, १३, १; काठ १०,१०¶;३९, २; शौ ३,१३,२; पै ३,४,२; **आप्नुवन्** मा ४०,४; का ४०,१,४; ¶तै ५, ६,७,१;७,४,४,१; ¶मै ३,१०, २;४, २, ७; ¶काठ २६, १०[२]; ३०,७[४]; ¶क ४१,८[२]; **आप्नुयात्** खिसा २६,२३; ¶**आप्नुयाम** काठ ३४,९.

आप[j] ऋ १, १२२,९;४,५१,७; ५,४५,६; **आप** ऋ ४,१,९:२३, २;४१,१;५,४२,६;७,९९,२;मै २,१३,१०[k]; कौ १,२६८‡[l]; जै १, २८. ६‡[l]; पै १६, ७८, १; †**आपिरे**[m] ऋ ९,१०८,४; कौ २, २८९[n]; जै ३, २४, ५; **आपुः** ऋ १, २४, ६; ३३,१०; १००, ⌊१५;१६७,९⌋;१७९,२; शौ ४, ३५,४; **आपुः** ऋ १०,५४,३; शौ ९,२,१९; १७,१,१२; पै ३, ८, ५[o]; १६, ७७,८;७८,२;३; १८, ३१,७; **आप्स्यन्ति**[p] खिसा ३३, २४; **आपत्**[i] ऋ९,९२,१; ¶मै १, १०, १७[३]; **आपत्** ऋ ८,७०,७[q];

[a]) 'नृतिं कारयामासुः' इत्यर्थे पाप्र. द्वित्वाऽभाव इति, √*नृतय>नृतयामासुः>नैप्र. यनि. इति तु मतम् ।

[b]) अस. अन्तोदात्तः । वा. किवि. द्र. ।

[c]) पाठे? आन्त्राणि इति शोधः द्र. ।

[d]) पाठे? आस्यानि इति शोधः? विमृश्यः ।

[e]) तिपः पित्त्वाभिघाते विक. स्वरः ।

[f]) सपा. शौ १०, २,१९ अन्वेति इति पाभे. ।

[g]) सति शिष्टस्वरस्य विक. अन्यत्रैव प्रवृत्तेस् तत्स्वराभावे (पावा ६, १,१५८) प्र. स्वरः ।

[h]) सपा. मा १०,३० प्रसर्पामि इति पाभे. ।

[i]) आडागम उदात्तः ।

[j]) णलि लित्स्वरः ।

[k]) सपा. तै ४,३,११,४ काठ ३९,१० विशिष्टः पाभे. ।

[l]) सपा. ऋ ८, ७०,७ शांश्रौ १८, ८,५ आपत् इति पाभे. । सा. विव. भ. आपतत् इति ।

[m]) चित्स्वरः ।

[n]) अपिरे? इति S. ।

[o]) सपा. शौ १९,५६,५ आयुः इति पाभे. ।

[p]) °ष्यन्ति इति स्वरः?

[q]) पाभे. कृते l टि. द्र. ।

१०, १०६, ७; ¶तै ७, २, ८, २;३;५; ¶मै १,६,११[२];२, १, २; काठ ३६, ११[२]¶; आपन् ऋ ६,१, ४; मै ४,१३,६†; काठ८, ४;१८,२०†; ३३,२[४]; क ६,९; आपः[a] ऋ१०,९५,१३[b];आपम्[a] तै५,५,७,५[९]¶; काठ २२,८[५]; ;३५,२[५]; आपाम[c] मा १०,२१[d]; का ११, ७, १[d]; आपाम मा १२, ७३; का १३, ५, १२; मै २,७, १२; काठ १६, १२; क २५,३.
आप्यते[e] तै २, ५, ११, ४¶; आप्यते मा १९, १७; २५;२८; ३०; का २१, २,६; १४; १७; १९; ¶तै २, ५,८,३; ५, ६,७, २; ६, ५,११, ४[२]; ७, ३,७,२[२]; ¶मै १, ७, ३; २, १,२;२,१२; ५, २; ३, ७,४; ६; ¶काठ ८, ४[२]; १०, ८; २१, ५[२]; ३३, २[२]; ३; ८; ¶क ६, ९[२]; ३१, २०[२]; ¶आप्यन्ते[e] मै ३,१,४; आप्यन्ते मा १९, २८; का २१, २, १७; मै १, ७,३[२]¶; काठ ९, १[२]¶; क ८,४[२]¶; आपि पै ११, ७,७?[f]
¶ईप्सति काठ ८, ७; क ७, ४; ईप्सत पै १६,१०,८‡[g].

आपयितृ- -ता तै ७,१,५,६¶.
आपस्[h]- -पः ऋ १,१७८, १; ४, ३८,४.
आप्त,प्ता[i]- -सः ऋ १,३०,१४[i]; तै ७, ३, ३,१¶; काठ ३४, ७[२]¶; शौ २०,१२२,२†[i]; -सम् खि४, ११,१२[j]; मा १९,२६; का २१, २,१५; ¶तै१,८,१५,१$[d]; ६,२, ६,२;७,५,१,२; मै२,६,११[d]; ३, ८,४¶; ४,४,५[d]; काठ १५,८[d]; २५, ३¶; क ३८, ६¶; -¶सा तै ३, ४, ३, ८; काठ ११, २; -साः ऋ ९, ११३, ११; काठ ३४. १७¶; -¶साम् तै ७,४, ५,३; काठ १०,४[२]; -¶से तै ६, २,६,१; -सेभ्यः पै १७,२२,३.
¶आप्ते(स-इ)ष्ट(का>)क[k]- -कम् तै ५, ६,७, ३; काठ २१, ३;५; क ३१,१८;२०.
¶आप्त(व्य>)व्या- -व्या काठ २१,५; क ३१,२०.
¶आप्ति- -प्तिः तै ५,५,७,५: -प्तिम् काठ २२,८; क ३५,२; -प्त्यै तै १,७,३,३; २,३, २,२;६, २;४, ११,५:५,११, ५;६,६, ६;३,४, १,४;५,१,३, ४;६,४; ८,१; ४; ९,२;२,८, ३;४,२,४; ७,२; ६; १२,३;६,१, २,७;२, १०,६;३, ३,६;७,१;६,१०,१;७,१, ४,२; १०,४;२,२,२;३,२; ३,३,१; ८, २; ५,८,४; काठ ८,८;१३,७[२]; १०; १९,९; २३,८: २९,८; क ७,२.
¶आप्तुम् तै २,२,९,७; ५,१,३,४; २,७,४; मै १,११,९; काठ १०, १;१२,१; १४,१०; २०,५;२१, १२; २९, ३;६[२]; ३६,१४[l]; क ३१,७;४५,७[२].
¶आप्त्वा तै २,२,६,२; ३,४,१,४; १०,२[२]; ५, ५,१,६;७; ७,३,१, ४;९,२; ४,४,१[२]; ५,१,१;५,२; ६,४; मै १, ४,१४; १५; ५,६[२]; ७,२[२]; ३[२];४;८,६;१०,१६;११, ६:२,१,२[२];२,२[२];८[२];११[२];१२: ३,९; ४,१[६]; ५,१[३];२;३;५[३]; ६; ७[२]; १०[२]; ११[२]; ३, २,२; ४,३: १०[२];६,४:५;७,४; ६[२];८,२;४, २,७;३,३[२]; ४,७[२]:८;६,४[m]; ६; ७; काठ ७, ९[२]; ८,४; ९,१५[n]: १०, ३[२];८; १०[२]; १२, ४;१०[२]: १३[२],१३, १[२]; ४; ३४,७: १०; १२[२];३६,१०; क ६,१; $पै १४, ३,१५;२६;२७.
आमान[o]- -नम् ऋ १०,११४,७.

[a]) आडागम उदात्तः ।
[b]) पृ २६४ २अप्- इत्यत्राऽपाकृतं द्र. ।
[c]) आपाम् इति पपा. शोधार्हः । अपाम इति मन्वानौ उ. म. चिन्त्यौ (तु. सपा. माश ५,४,३,९) ।
[d]) सपा. आपाम (तैब्रा १, ७,९,३ आपश्रौ १८, १७, ७ च)<> आप्तम् इति पाभे. ।
[e]) लसा. निघाते विक. स्वरः ।
[f]) एवं किल शोधः द्र. (तु. सस्थ. टि. ?अहि-> -हिना) ।
[g]) सपा. ऋ ७ १०४, १८ इच्छत इति पाभे. ।
[h]) भाप.⌊=अपस्-⌋ । असुन् प्र. नित्स्वरश्च (तु. वें. प्रथमे स्थले, PW. GW. प्रभृ.; वैतु. पाउ ४, २०९ ⌊यत्र ह्रस्वत्वमाह⌋ । पृ २६४ २अप्-> आपः इत्यत्र शोधः द्र. ।
[i]) सपा. कौ २,४३५ जै ३, ३३,१० युक्तः इति पाभे. ।
[j]) आ° इति पाठे? यनि. शोधः द्र. । सपा. खिसा ३३,१२ काशि १३५ : १० व्याप्तम् इति पाभे. ।
[k]) विप. (अग्नि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
[l]) सपा. मै १,१०,२० आप्यः इति पाभे. ।
[m]) सपा. काठ २७, ९ यत्वा इति पाभे. ।
[n]) सपा. मै १,९,७ गत्वा इति पाभे. ।
[o]) विप. (तीर्थ-) । क्र्या. कर्तरि शानन् प्र. उसं.

¶३आप्य[a]- -प्यः मै १,१०,२०[b]; ४,८,५; -प्यानाम् तै ७,४, १२,१[c]; काठ ४४,१.
ईप्सत्- -प्सन् शौ ९,५,१२[d].
ईप्समान- -नः मै ४,१४,१७[e].
आ(आ√आ)प्, आ(आप्नोति) मा१९, २०; का २१,२,९.
आ···आप ऋ १०,३२,८.
आप्-, आप-,आपः[f] २अप्- द्र.
आ√पच्
आ-पाकृ[g]-
आपाके-स्था[h]- -स्थाः शौ ८,६, १४[i]; पै १६,८०,६[j]!
आ√पत् (गतौ), >पति, †आ··· पतन्ति ऋ ८,६९,१०; शौ २०, ९२,७; †आ···पताति[k] ऋ ७, २५,१; तै १,७,१३,२; मै ४, १२,३; काठ ८,१६; †आ (पताति) मै ४,१४,१२; आपतताम् पै १९, २८, ६; आपत खि ४,१३,१; मा ३,४९; का ३,६, १; तै १, ८,४,१; मै १, १०,२; काठ ९,५; क ८,८; शौ ३,३,३; १०,७; पै १, १०६,५; २,७४, ३; आ···पततम् ऋ ५, ७८, ⌊१-३⌋[l].
आपपत्यात्[m] शौ ६, २९,३.
आ···अपसन् ऋ ७,५९,७.
आ···पसत[n] ऋ १,८८,१.
आपतयन्ति पै १५, १८, ५;
आ · पतयन्ति ऋ १०, ६४,२.
आ-पतत्- -तन्तम् शौ १२, २,४७; पै १७,३४,८.
आपतती[o]- -तीः पै १५,१८,४.
आ-पतन्त[p]- -न्तानाम् मै २. ६,६¶.
आ-पति[q]- -तये मा ५,५; का ५,२, १; तै १,२,१०,२; ६,२,२,२; मै १, २,७; ३,७,१०[2]; काठ २, ८;क २,२;-तिः तै ६,२,२,३¶;
आ-पथि[r]- -थयः ऋ ५, ५२,१०.
आपथिक-[s] -कात् पै १३, ३,१.
आपथी[t]- -थ्यः ऋ १, ६४,११.

पा ३, २, १२८) निःस्वरश्च (वैतु. सा. चानशन्तमिति ब्रुवाणः स्वरतश्चिन्त्यः)।

[a]) कृत्यार्थे यत् प्र. यना. स्वरश्च।

[b]) पाभे. कृते पृ ६५९ l द्र.।

[c]) नाप. (प्राप्तव्यवस्तु- ⌊तु. सा. K.; वैतु. भा. <आ √प्यै⌋)।

[d]) सपा. पै १६,९८,१ प्र···ईप्सन् इति पाभे.।

[e]) तु. टि. ? नेन्न ऋणा°।

[f]) प्रथमाया द्वितीयायाः संबुद्धेश्च बहु. रूपाणि यद्र.।

[g]) नाप. (चुल्ली-)।· गस. उप. अधिकरणे घञ् प्र. थादि-स्वरश्च।

[h]) विप.(रक्षस्-)। उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. सप्त. अलुक्।

[i]) उप. कृते तु. शौच २,९४, W. च; वैतु. शंपा प्रभृ. °स्थाः? इति।

[j]) °ता(:) इति पाठे? यनि. शोधः द्र. (तु.सपा. पूर्वं शौ. स्थलम्)।

[k]) तु. मा.; वैतु. भा.मा. ⌊नै⌋ φसमाऽरन्त इत्येवम् आङं मध्ये प्रवेशुकौ, वैं. PW. प्रभृ. च तं स्वाम्र. इतीव योजुकाः।·

[l]) तु. सस्थ. टि. उप।

[m]) °पद्यात् इति सा.। सपा. पै १९,२७,१२ आजगम्यात् इति पाभे.।

[n]) तु. स्क. वें. सा.; वैतु. व्यावितोपसर्गः GW. ?।

[o]) स्त्री. ङीपि नुमोऽभावः उसं. (पा ७,१,८१)।

[p]) नाप.(कृष्णव्रीहि-? ⌊तु. सप्र. तै १,८,१०,१⌋)। व्यु.? गस. उप. √पत् (गतौ)+अच् प्र. (तु. पाउ. ३,१२६) प्रकृतिस्वरश्चेति विमृश्यम्।

[q]) नाप.(वायु-,प्राण-)। प्रास.पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. अधि-पति-, परि-पति-; वैतु. भा. मा. PW. प्रभृ. <आ √पत्(गतौ) इति कृत्वा विप. गस. चेति?, भा. ⌊पक्षे⌋ <आ√पा (रक्षणे) इति)।

[r]) विप. (मरुत्-)। बस. वा प्रास. वा? पूप. प्रकृति-स्वरम्। उप.(√पथ्>) =पथिन्- (मार्ग-) वा पान्थ-वा?

[s]) विप. (अश्वत्थ-)। व्यु.?। तद्धितः सन् <आँ-पथ- (=प्र-पथ-) इति वा अपथा- (=वृक्षविशेष-⌊तु. MW.⌋)-> इति वा?

[t]) वा. व्यु. च? न (=यथा) आपथ्यः (=भेदन-वपनादि-प्रकारककर्मानुजीविनः कर्मकराः) पविभिः (=भेदनोपकरणैः) पर्वतान् (=शिलोच्चयान्) उज्-जिघ्नन्ते (=उद्भिन्दन्ति), मरुतः (पयोवृष्ट्यर्थं) पर्वतान् (=मेघान्) पविभिः उज्जिघ्नन्ते (=उद्भेदं प्रापय्य जलं स्रावयन्ति) इवेति श्लेषोपमानुप्राणितोत्प्रेक्षाया विषय इति कृत्वा यनि. प्रकृते नाप. च पुं. च प्र३ चेति द्र.। व्यु. च (√वप्>) *वा(=भा ⌊>हा>आ) प+थस->नैप्र. °थ्य्>°थी>थी- (=वापो वपनं कर्तनं भेदनमिति यावत्, तद् दधाति करोति ⌊तु. पंजा. वाढी =शस्यलावक-⌋) इति विमृश्यम्; (वैतु. पपा. आ-प° इति, स्क. नाप. =अप्- (<मत्वर्थे <आ-पथि- इति वा, स्त्री. <आपथु-<अ-पथ- =अन्त-

आ√पद्,>पादि, आपद्यन्ताम् शौ ८, ८,१८; पै १६, ३०,६; आ (आ-अ) पद्यत मै ४, ८,१¶.
¶आपादयति काठ ३०, २; क ४६,५.
आ(आ-अ)पीपदाम शौ १०, ५, ४२; पै १,६३,२;१६,१३२,८.
आ-पद्- -पदे पै १,४७,२.
आ-पद्य काठ २९,१०¶; क ४६,३¶; शौ ११,१,३०; पै १६,९१,१०.
¶आ-पन्न- -न्नम् तै ६, १,९,१[२]; मै ३,७,४[२].
आ√पन्, आ···पनन्त ऋ २,४,५;
†आ·· पनन्त ऋ १०,७८,४; मा ३३,२८; का ३२,२,११.
†आपपन ऋ ८, २,१७; कौ २, ७०; जै ३,७,८; शौ २०,१८,२.
आ-पनीफणत्- आ√फण्(गतौ) द्र.
आ-पप्रिवस्-, °प्रुषी- आ√प्रा द्र.
आप*-(य>)या[a]- -यायाम् ऋ ३, २३,४.
आपयितृ- √आप् द्र.
आ-परा(रा>ला√अ)य्
आपला(ला-अ)यित[b]- -ताय तै ७, १,१३,१; काठ ४१, ४.
आ√पश्, आपश्यति शौ ४,२०,१[c]; आपश्यसि पै ८,६,१[c]; आपश्यत पै १,९९,४.
आपस- √आप् द्र.
आप-*स्पृश्[d]- -स्पृक् पै ८, ६,७?
आ√पा(पाने), आपिब[e] शौ १९,४५, ५; आ ··पिब ऋ ९, ८५,२[f];
†आ···पिब ऋ १,१०,११[g];२, ३६,५[h]; १०,११६,२; शौ २०, ६७,६; आपिबतम् ऋ २,३६,६[i].
ϕआ-पात्[j]- -†पान्तम् ऋ ८,९२, १; कौ १,१५५: २, ६३; जै १, १७,१;३,७,१.
¶२आ-पे(य>)या[k]- -या मै २,३, ९; काठ १२,११[l].
आपार्कं-, °के-स्था- आ√पच् द्र.
†आपान[m]- -नम् ऋ २, ३४, ७[n]; -नासः ऋ ९, १०, ५[o]; कौ २, ४७३[p]; जै ३,३५,८.

रिक्त- इति वा), सा. =(मार्गशोधन-)तृणवृक्षादि- (तु. वें. BW. MW. [अर्थमात्रे]) इति कृत्वा पथिन- +तत्रभवार्थे यति °थ्यः [पुं प्र१] इति वा पथिन्->मत्वर्थे °थी-> -थ्यः [प्र३] इति वा वदन्नुभयथापि प्राति. आ इत्यंशमुपेक्षकः, PW. GW. HLR. <आ-पथि- (पुं. =पथिक,- GRV. =पथि रथवाहक- इति च)।

[a]) व्यप. (नदी-विशेष- [तु. वें. सा. प्रमृ.])। यद्वा विप. (दृषद्वती-)?। व्यु. ? पपा. नावग्रहः। २अप्->(समूहार्थे अञि पा ४,२,३७) आप- +(√धा [नैप्र.]> √या+कः प्र. >°य->) या-[=आपगा-] इति कृत्वा (बहुजलवर्तीत्यर्थे) उस. प्रकृतिस्वरश्चेति विमृश्यम् (तु. आप-*स्पृश्-, PW. प्रमृ. च)।

[b]) पृ २८६ अ-पला° इत्यत्र यनि. शोधः द्र.।

[c]) सपा. °ति<>°सि इति पाभे.।

[d]) विप.। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। °पस्स्पृ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. *a* टि. मूको. च)।

[e]) तु. सात.; वैतु. RW. WI. च पिब (तु. पै १५,४,५) इति मात्रं पाठ इति? वाक्यादौ तिङ्निघातानुपपत्तेरिति यावत्; सा. तु अविवेकम् इति पाठम् अभिप्रैति।

[f]) तु. सस्थ. टि. अभि√हन्>अभि···जहि।

[g]) वैतु. सा. आ(गच्छ) किउ. इति, PW.? स्वाम्र. इति।

[h]) तु. सा.; वैतु. GW. आ स्वाम्र. वा ब्राह्मणात् इति पै. युक्तः कप्र. वा?।

[i]) तु. वें. GW.; वैतु. मा. क्रिवि. सत् स्वाम्र. आ इति।

[j]) विप. (इन्द्र-)। गस. शत्रन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. GW.; वैतु. वें. मा. ग. अभाव इति, AVM. <आ √पा(रक्षणे) इति ?)। वा. अन्धसः इति शेषे प. द्र.।

[k]) विप. (सुरा-)। गस. यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[l]) वैतु. SI. अ-पे° इति मन्वानश्चिन्त्यः।

[m]) व्यु. ? सा च नान्तरीयोत्तरयोः टि. द्र.।

[n]) ब्रह्मन्->ब्रह्म इत्यस्य न. द्वि१ सतः यनि. विप. (तु. GW. Gri. प्रमृ.; वैतु. सा. तम् इति पपा. मुग्धः सन् पुत्रम् इत्याक्षिप्य च वें. अश्वम् इत्याक्षिप्य च तयोरेतद् विप. इति ब्रुवाणौ)। निघ २, १८ या ३, १० चास्य पदस्यापाठः द्र. (तु. उत्तरं टि.)।

[o]) पूर्वस्मिन् मन्त्रे पठितस्य सतः इन्दवः इति पदस्य विप. द्र. (वैतु. वें. सा. GW. प्रमृ. सूराः इति पदं सोमवाचकमिति कृत्वा तस्य विप. इति [मतमेतत् सूर- इत्यत्र निराकृतं द्र.])। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। आ√*पा (=√भा [दीप्तौ])+कर्तरि युच् प्र. उसं. (पा ३,२,१५०) इति तावद् विचारणीयम् (वैतु. निघ २,१८ या ३,१० PW. GW. GRV. ORN. प्रमृ. [तु. माश ११, २,३,६] <√आप् इति, वें. सा. ? BS. S. <आ√पा [पाने] इति च)। सस्थ. टि. √जन्>जनत्- इत्यत्र सूर- इत्यत्र च द्र.।

[p]) अपा° इति S. पाठः ?।

आपान्त[a]–

†**आपान्त-मन्यु**[b]– -न्युः ऋ १०, ८९,५; तै २,२,१२,३.

आपाष्ठि– २अपाष्ठ– (परि.) द्र.

†**आपि**[c]– -पयः ऋ १,११०,२;२,२९, ४;३४,१०; ५,५३,२; –पये ऋ १,२६,३; २,३८,[११;७,८,६]; मा९,२०$; का १०,४,१$;काठ १७,१९; –†पिः ऋ १, २६,३; ३१,१६; ३,५१,६;९; ४,१७, १७; २५, ६; ६. २१, ८; ४४, १०;४५,१७; ७, ८८,६; ८, ३', [१(५४,५)]; ४५, १८; १०, ११७,७; कौ १,२३९; २,७७१; जै१,२५,७; पै १,५१,४; –पिम् ऋ ८,६०,१०;१०,७,३; कौ २, ८९५; जै ४,१४,२; –पिषु ऋ २,२९,४; –पी ऋ ४,४१,२; १०, १०६, ४?[d]; –पीन् ऋ ७, ३१,१२; कौ २,११४५; जै ४, २९,९; –$पीनाम् शौ १९,२४, ६[e]; पै १५, ६, ३; –पेः ऋ २, २७,[१७; २८,११;२९,७]; ४, ३, १३; १०, ८३, ६?[f] शौ ४, ३२,६?[f]; पै ४,३२,६?[f]

†१**आपि-त्व**– -त्वम् ऋ ८,२०,२२; २१,१३; कौ १, ३९९;२,७३९; जै १,४५,१; शौ २०,११४,१.

†४**आप्य**[g]– -प्यम् ऋ १,३६,१२; १०५,१३; ३, २,६; ७, १५,१; ३२, १९; ८२, ८; ८३, १; ८, १०,३; २७,१०; ७३,६; ९७,७; ९,११०,६;१०,६३,१;१४२,१; कौ १, २६०; २, ८४५; ११४७; जै १,२७,८;३,५८,३; शौ २०, ८२,२; –प्येन ऋ २,२९,३.

२**आपित्व**(त-व)[h]– -†त्वे ऋ ८,४,३; कौ १, २५२; २, १०७१; जै १, २६,१०.

आ-पिप्यान– आ√प्याय् द्र.

आ√पिब्द्

आ-पिब्दमान[i]– -नः ऋ १०,१०१, ११.

आ√पिश्[j], आ···पिंशत ऋ १०, ५३,७.

ϕ**आ-पिशान**[k]– -नाः ऋ ७,५७,३.

आपिशर्वर– अपिशर्वर– द्र.

आ√पिष्, आपिनष्टि खि ५, १६,१;

---

[a]) विप. (मन्यु-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <आ√*पम् (दीप्तौ [नैप्र.]=√*भम् [तु. भामन्–])+कर्मणि क्तेऽनन्तरस्य ग. स्वर इत्येवं सुवचं स्यात् (तु. वैप ३, १४८; वैतु. या. [५,१२] स्क., वें. सा. प्रभृ. <आ√पत्>पाति [=आ-पातित-] इति, भा.?, PW. GW. ORN. प्रभृ. भाप. [=आ-पान-] <आ√पा [पाने] इति, भा. [पक्षान्तरे] आ+अपाऽन्त–[<अप√अम् गतौ] इति, सा. [तै.] च आ+अपाऽन्त–[=अपगतः अन्तम् इति प्रास.] इति)।

[b]) विप. (इन्द्र-)। आपान्तः (आभान्तः [=आदीप्तः]) मन्युरस्येति कृत्वा बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. या. प्रभृ. आपाततिः अन्यस्योपरि मन्युरनेनेति, PW. प्रभृ. आपानेन [सोमस्य] मन्युर्यस्येति)।

[c]) नाप.(बन्धु-)। व्यु.? <√आप् इति या.[६,१४] प्रभृ.।

[d]) °पीवो अस्मे>°पी वः अ° इति पपा. ? एवं स्थिते हि वा.? पपा. पीव(पी-इव) उ अ° इति शोधः स्यात्? (तु. Henry °पी इवास्मे इति संपा. शोधं प्रस्तावुकः सर्वांशतः संवदमानः; वैतु. सा. वः=युवाम् [अश्विनौ] इति ?, ORN. च ऋ १,१२९,८ इत्यत्र यथा वः श्रूयत एवमिहापि वः इत्येतदेव श्रूयेतेति ?)।

[e]) =सपा. आपमं २,२,८ हिगृ १,४,३ W. च। शौ २ १३,३ (सा. च) तु गृष्टीनाम् इति [तु. अत्रैव ५मः मं.], RW. वशानाम् इति पाभे.। यत्तु पपा. (तु. शंपा.) वापी° इत्याह तच्छोधार्हम् (तु. पै.)।

[f]) पाठः? इति कृत्वा समाने स्थले बोधि<√भू इति च कृत्वा अनन्तरस्य मन्त्रस्याऽऽधारेण आपिः (प्र१) इति शोधः [तु. ऋ ८, ३,१, GRV. [पक्षे], PG. १, २२५: वैतु. GRV. [पक्षे] °पे [सं१] इति (तु. ऋ १०,११२, १२)]। सा. अनु GRV. ORN. बोधि<√बुध् इति कृत्वा प१ एव समर्थुकौ (तु. ऋ ८,४४,२२)।

[g]) भावे प्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च (तु. वें. सा. GW. प्रभृ.; वैतु. या ६,१४, सा. ऋ ३,२,६;८,१०,३; १०,१४२,१ प्रभृ.<√आप्)।

[h]) भाप. (दीप्ति- [अह्नो योगे], वृद्धि- [अन्यत्र])। आ √*पि>(कर्तरि) *आ-पित्–+(भावे) मयडर्थे वः प्र. तत्स्वरश्च (तु. टि. अपपित्व–, अभिपित्व– च यत्र प्रे. विषये शोधः द्र.)। अपपित्व–, अभिपित्व– प्रपित्व– इत्येतेषां भाप. सन्यायता द्र. (वैतु. पपा. यथाक्रमम् अप–, अभि–, प्र– इतीवाऽवग्रह इति ?, GW. पित्व–<√पत् [ऐश्वर्ये] इति, वें. आपित्व– (=प्रातर् इति, BS. =निकट– इति, प्रपित्व– =सायम् इति)।

[i]) विप. (वह्नि- [=सोम-])। गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। √पिब्द् तदर्थश्च यद्र.।

[j]) व्यञ्जने अलंकरणे च धा. वृत्तिः।

[k]) तु. वें. GW; वैतु. सा. आ···अञ्जते इति योगः।

शौ २०,१३३,१[a].
आपिपेष मा १९,११; का २१,
१,१०.
†आ-पीत[b]- -तासः ऋ ८,९,१९; शौ
२०,१४२,४.
आ-पीन- आ√प्याय् द्र.
आपीय- २ अप्- द्र.
आ√पू, आ···पवते ऋ ९, ८०, ३;
८४,३; †आ···पवन्ते ऋ ९.७,
८; कौ २,४८५; जै ३,३६,१०;
आ[c]···पवताम् ऋ ९, ३६, ⌊५
(६४,६)⌋; †आ[c]···पवन्ताम् ऋ
९, १३,⌊५; ६५,२४⌋;⌊(३६,५)
६४, ६⌋; कौ २, ३८६; ५१५;
५४२; जै ३, ३१,६; ४०, ११;
४२,७; †आपवस्व ऋ ९,८,७;
२५,⌊६; ५०,४⌋; ३३, ⌊६; ४०,
३;६२, १२; ६३,१; ६५, २१⌋;
४१, ⌊४ (४२, ६; ६१, ३)⌋:
६३, १८; ६५,५; ६६,१५;६७,
३०; ७०, १०; ८०, ४; ९०,४;
९७,२८-३०; ३६; ४४[२]; ११३,
२; मा ८, ६३; कौ १, ५०१;
२, १३६; २११; २२१; २४५;
२७६; ३४६; ५३४; ५५८;
७६०; जै १,५२,५; ३,१३,१२;
१९,६;२०,३;२१,१०; २३, ८;
२९,३;४१,१०;४४,४; †आ···
पवस्व ऋ ९,२९,६;३५,१; ६५,
३; ६९, ⌊८(८६,३८)⌋; कौ २,
२५६; जै ३, २१,२१; †आ···
पवस्व ऋ ९,⌊(१,१;२९,४)३०,
३ (६७, १३; १००,५)⌋; ४९,
१; ६५,⌊(३) १३⌋; ८६, १८;
कौ २, ५०४; ७८५; जै ३,
३९,३; †आपव ऋ ९, ४९, ३;
कौ २, ७८७; जै ४,३०,१.
आ√पृ (व्यायामे)
?आ-पृत[d]- -तः पै ४, २७,७.
आ√पृ,पॄ(पूरणे),>पूर्,पूरि, आ···
पूपुरन्तु ऋ ७, ६२, ३; आ···
अपिप्रत ऋ ५,३४,२.
आपृणीते पै १, १०१, ३; †आ-
पृणाति ऋ १०,२,४[e]; तै १, १,
१४,४[e]; मै ४,१०,२[e]; काठ ८,
८¶; ३५, ९[e]; पै १९, ४७,५[e];
†आपृणन्ति ऋ ५,११,⌊५(१०,
१२०, ९)⌋; मै २, १३, ७;
†आ···पृणन्ति ऋ १,५२,४;६,
६७,७; ८,४९,३; १०, ९६, २;
खि ३, १, ३; शौ २०, ३०, २;
आपृणासि शौ १३,१,९;१८,२,
९; पै १८, १५, ९: †आ···
पृणासि ऋ ८, ६४, ⌊४[f] (१०,
१४०,२)⌋; मै २, ७,१४; आ
पृणातु शौ १९,५९,२‡[g]; आ···
पृणातु काठ ३७, ९; पै ४, ३,४;
†आ···पृणीतम् ऋ ७, ६५,४[g];
मै ४,१४,१२; आ(आ-अ)पृणात्
शौ ४, ३५, ३; पै २०, १४, २[h];
†आ···अपृणात् ऋ ⌊(३, ६,२)
४, १८,५ (७,१३,२); १०,४५,
६⌋: १०, ५५, ३; मा १२, २३;
का १३, २, ६; तै ४,२,२,३; मै
२, ७, ९; काठ १६, ९; आ
(अपृणात्) ऋ १०,५५,३; आ-
पृणाताम् क २, ६; १०; ४०-
४१, ३; †आ···अपृणाः ऋ ३,
६,⌊२ (४, १८, ५): ७, १३, २
(१०,४५,६)⌋; तै १, ५, ११,२;
मै ३,१६,५.
आ···पर्षथः ऋ १०, १४३,४.
¶आपूरयते काठ ७, ६[i]; ३२,५;
क ५, ५[i]; ¶आपूरयति मै १,५,
९[i]; ३,९,३[i];४,२,८; काठ २१,
३:२३,१; क ३५,७; आपूरयाति
शौ १२,१,६१; पै १७, ६, १०;
आपूरयन्तु काठ ४०. ५; आपूरय
तै १, ५,७, ५[i]; आ···पूरयत तै
३,२,५,५.
†आ-पूर्ण- -र्णः ऋ ३, ३२, १५;

---

a) वैतु. शंपा. स्वररहितः पाठः ?

b) विप. (अंशु-, गो-)। आगतः पीतः प्रस्नुतो रसो यस्येति बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. <√पा>पी (पाने) + कर्मणि क्तः प्र. इति कृत्वा रस-पर्यायभूतं नाप. द्र. (तु. पीथ-⌊तु. गो°, सोम°⌋) । 'यथा तादृश्यो गावो धारावाहिन्यो भवन्ति, एवं सोमांशवः' इति भावः (तु. ऋ १, १६८,३ इत्यत्र तृप्तांशु- इति सूयमान-सोम-विशेषणं, यत्र तृप्त- =सृप्त- इति द्र. । अत्र √*तृप् ⌊सर्पणे⌋ इत्यभिसंधिः ⌊तु. तरल- इत्यत्र तर- इत्यंशः स्रुतिवाचकत्वेनाऽस्य धा. तृ° इत्यंशेन संवादुकः; वैतु. वें. GW. गस. इति, PW. GRV.MW. उप.<√प्यै>पी⌊तु. ऋ १,९१,१६;१७⌋ इति, सा. उप. =वर्णविशेषवादिति कृत्वा प्रास. इति ?) ।

c) वैतु. GW. स्वाश्रं. आ इति ।

d) पाठे ? यनि. कर्तृपदस्य सतोऽर्थः ?

e) सपा. °णाति<>°णातु इति पाभे. ।

f) सपा.ऋ१०,१४०,२मा१२,१०७ तै४,२,७,३ काठ १६,१४कौ२,११६७ माश७,३,१,३२ पृणक्षि इति पाभे.।

g) वैतु. सा. आ (यच्छेत्) इत्येवं क्रिउ. सत् पृथग् वाक्यमिति ।

h) सपा. शौ ७,५९,१ आपृणत् इति पाभे. ।

i) सपा. °यते<>°यति<>°य इति पाभे. ।

j) सपा. काठ २६,५ क ४१, ३ व्युनत्ति इति पाभे. ।

९,७४,२; शौ २०,८,२.

आ-पू(र्य>)र्या[a]- -र्याः[b] तै ३,२,५,५.

आ√पृच्, आ॰॰पृक्षसे[c] ऋ १०,२२,७.

†आ॰॰पृणक्तु ऋ १, ८४, १: तै १,४,३९,१; कौ १,३४७; २,३७८; जै १,३६,६; ३,३०,२१.

आ॰॰पृचीमहि, आ (पृचीमहि) ऋ १,१२९,७[d].

आ-पृच्- -पृक्[e] ऋ ⌊(१,३२,५) १०,८९,१४⌋: -पृचः ऋ ८,४०,९?[f]

आ-पृचे[g] ऋ ५,५०,२.

आ√पृच्छ्, आ॰पृच्छन्ति पै ५,१५,४.

†आ-पृच्छ्य[h]- -च्छ्यः ऋ १,६०,२; -च्छ्यम् ऋ १, ६४, १३; ९,१०७,५; कौ २,२६; जै ३,३,५.

आ√पृण्, आ॰पृणति ऋ ६,२९,५;३७,५; आ॰॰पृणैथे ऋ ७,६१,२; आ॰॰पृणताम् ऋ ३,५०,१; खि ५,७,४,१०: आ-पृणस्व,>स्वा ऋ ६,४१,४; मा १७,७९; का १८,६,१५; तै १,५,३,३; ४,६,५,५; मै १,६,२; काठ ७,१४; ८,३; १८,४;३४,१९: क ६,८; आपृण ऋ १,१६,⌊९; ८,६४, ६⌋; ५७,५; ३,३०,१९; ६,४५,२१; मा ३,१७:६,२१[i]; ११,६३; १७, ७२; का ३,३,८;६,५,२[i]; १२,६,४:१८,६,८; तै १, ५,५,४;७,५: ४,१,६,३:६,५,३:५, १,७,३: मै १,२,११[j]: १४[j,k]: ५, २:९: २, ७,६: ८,३[i];१०,६: ३, १,८; ८,९[j]:९,३[j,k]: ४,१,१४: काठ ६,९: ७,६:१६,६: १८,४:१९,७; २१,९: ३९,१; क ४,८;५,५:२८,४:३०,५; शौ २०, १५,५: †आ॰॰पृण ऋ ८,१,१८;२४,६:९,४१,५: मा ५,२७[k]; का ५,७, २[k]: तै १,३,१,२[k]; ६,१[k]; २,४,८,२;१०,३: ६,२,१०,४[k];३,४,३[k]: मै २,४,७:८; काठ २,१२[k]; ११,९:१०: क २,६[k]: †कौ १,५२; २,२४६; †जै १,५, ८; ३,२१, ११: आ (पृण) ऋ ८, २४, ६: आपृणे-थाम्[l] खि १,७,२; तै १,३,१,२;६,२,१०,५; काठ २,१२;३,३;२५,१०;२६,५; †आपृणध्वम् ऋ १,१६२,५; मा २५,२८; का २७,१२,५; तै ४,६,८,२; मै ३,१६,१; काठ ४६,४; आ॰॰पृण-ध्वम् ऋ ३,३३,१२; आ(आ-अ) पृणत् ऋ ३,३४,१; शौ ७,५९,१[m];२०,११,१†: †आ॰॰अपृ-णत् ऋ २,१५,२;२२,२; कौ २,८३८; †आ॰॰अपृणत्, आ(अपृ-णत्) ऋ ३,२,७: मा ३३,७५; का ३२,६,६; †आ(आ-अ)पृणः ऋ ३,३,१०: मै ४,११,१.

आ-पृ॑ण[n]- -पृणाम् पै १२,३,९.

आ-पृणत् -णन् ऋ ४,५३,२: मै २,७,१२; काठ ३८,१४; पै २,२२,६; -णन्तः ऋ ७,७५,३.

ϕआपृणन्ती- -न्ती ऋ १,१२४,५.

१आपेय- √*अप्>२अप्-द्र.

२आ-पेय आ√पा(पाने)द्र.

आप्तु-, आप्त्य-, आप्ति-, आप्तुम् √आप् द्र.

---

a) विप. (धाना-)। गस. कर्तरि करणे वा (तु. भा.) क्यबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

b) =सपा. आश्रौ ६,१२,४। शांश्रौ ८,८,११ तु आपुरः इति पाभे.।

c) तु. वें. GW. आ√पृक्ष (⌊=यनि.⌋ पूरणे वा तर्पणे वा वृत्तिः); वैतु. सा. ग. अभाव इति।

d) वैतु. GW. ग. अभाव इति।

e) न. द्वि१ सन् वा. क्रिवि. द्र.।

f) तु. वें. सा. GW. ORN.; वैतु. PW., WAG. (१,१२८d) कसुनन्तम् अव्य. इति।

g) अव्य.। गस. केनन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

h) विप. (अग्नि-, क्रतु-, धरुण-)। क्यबन्तम् उप. द्र.।

i) =सपा. माश ३, ७, १, ३२ आपश्रौ ७, २७, ४। मै १, २, १४ काठ ३, ३; २६, ६ तु विशिष्टः पाभे.।

j) सपा. मा ५, २८ का ५, ७,४ माश ३, ६, १, २१ पूर्येथाम् <> माश्रौ १,८,२,११; २,२,३,२० आपृण <> आपृणेथाम् आपश्रौ ७,९,१०; ११, १०,४ <> आप्रीणाथाम् लाश्रौ १, ७,७ <> आपृणाताम् क २, ६;१०; ४०,३; ४१, ३ च पाभे.।

k) सपा. आपृण <> आ॰॰पृण <> आ॰॰प्रप्राः काठ ३, ३; २६, ५ क २,१०; ४१, ३ च पाभे.।

l) =सपा. मा १४, ११ तै ४,३,६,१। काठ १७, ३ माश ८,३,१,८ तु पाठाभावः।

m) सपा. पै २०,१४,२ आपृणात् इति पाभे.।

n) विप.। गस. कर्तरि क्विबन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम्।

†आप्त्य[a]**–** -प्त्यः ऋ १,१०५,९; ५,४१,९; १०,८,८; –प्त्यम्, -प्त्यानाम् ऋ १०, १२०,६; ?शौ[b] ५,२,७; २०,१०७,१०; पै ६, १,६: –प्त्याय ऋ ८,४७,१४; –प्त्ये ऋ ८,१२,१६; ४७,१३; १५: १७[c]. को १,३८४; जै १,४३,४; ४,९,१०: शौ १९, ५६, ४$; २०,१११,१: पै ३,८,४$.

आप्त्वा √आप् द्र.

***आप्नवान्–** √*आप् द्र.

आप्नान– √आप् द्र.

१,२आप्य– २आप्–(परि.) द्र.

३आप्य– √आप् द्र.

४ आप्य– आपि–द्र.

आ√प्याय्, प्यै,>पी, प्यायि, आप्यायते मै ४, ५, ५[२]¶: आप्यायते खि ५,२,४; ¶तै १,७,५,१[२]: ३,५,१,४: ¶मै १,९,३:३,२,५:६,७; आप्यायते¶काठ ११,३: २४,१०; क ३८, ३¶: पै १,४६,३; आ···प्यायते पै ७,१९,८: ¶आप्यायन्ते मै ४,१,१;२,१४[e]: काठ ३०,१०: क ४६,८; †आप्यायसे ऋ १०,८५,५; शौ १४,१,४; पै १८,१,४; आप्यायताम् खि ४, ७[२], ११; मा ५,७; ६, १५[६]; ३८, १८[२]: का २,५,३:५,२, ५; ६, ३, ३[६]: ३८,५, १[३]: तै १, २, ११, १: ३,९, १[७]: ६-७, ५, १ ; ६, २,२, ४: ३, ९,१[२]: मै १,२,७: ३, ८, २¶: काठ २, ८: २४,९; ३१,१४, क २,२:३८,२: शौ ५,२९,१२:१३: ६,७८,१: पै १,४६,४: २,३९,१: ६,४,११: १३,९,१५; १६; १९,१६,९; २०,२६,८: आ··· प्यायताम्[d] तै १,२,११,१: ६,२,२,५: मै १, २,७ : काठ २, ८ : क २,२: आ···प्यायताम्[d] मा ५, ७; का ५, २, ५: आप्यायन्ताम् ऋ १,९३,१२; तै १,१,१३,१: शौ १२,३,२०[c]: †आप्यायस्व ऋ १,९१,[१६: ९,३१,४]: १७; मा १२,११२:११४: का १३,७,११:१३: तै १,४,३२,१: २,३,१४,३:५,१२,१: ३,१,११,१:२,५,३; ४,२,७,४: मै २,७,१४; ४,६,६[३]$; ९,१०$: १३,१०; काठ १६,१४; ३५,७[३]$; १३[२]; क २५,५; ४८,९[३]$; १३[२]: शौ ७,८६,५$; पै २०, $४१, ५[२]; ६; ५१,४:५; आ···प्यायस्व मा २,१४[f]:५,७; ३८,२१; का २,३,९[f]; ५,२,५; ३८,५,४; तै १,२,११,१; ६,२,२,५: मै १,२,७[g]; काठ २, ८; क २,२; आप्यायध्वम् मा १,१: का १,१,२; तै १,१,१,१: मै १,१,१; ४,१,१; काठ १,१; ३०,१०; क १,१; ४६,८; आप्यायन काठ ११, ३¶: ¶आ (आ-अ) प्यायन्त मै १,९,३; काठ९,११. आ··· प्यासिषीमहि[h] मा २,१४: ३८,२१: का २, ३,९;३८,५,४; शौ ७,८६, ५[i]; आ···प्यायिषीमहि[h] मै ४,९,१०.

¶आप्याययति तै३,२,२,१;काठ ११,१०; ¶आप्याययति तै१,७,५,१: २, ३,५,३;५,४,३; ३, १,१०,३; ६,२,२,५[२]; मै १, ५,९; ३,८,२; ४,१,१:२,८:३,३; काठ ३०,१०; आप्याययति काठ १३,५: ७; ३१, १३; क ४६, ८: आ···प्याययति तै २,३,५,३¶:

[a]) विप. वा नाप. वा व्यप. वा? =आप्तव्य- इति या ११,२१, वें. ऋ १०,१२०,६ । नाप. =इन्द्र- इति PW. GW. प्रभृ., =त्रित- इति वें. PW. प्रभृ., =आदित्य- इति सा. ऋ ५, ४१,९ । बहु. =माध्यमिक-देवगण- इति नैरुक्ताः निघ ५,५च, =ऋषिगण–(=एकत-द्वित-त्रित-रूप-) इति या ११,२० । व्यु.? <आप्त–(<√आप्) इति या. प्रभृ., <अप्त– (<२अप्-) इति वें. ऋ ८,४७,१४, सा. ऋ ८,१२,१६, GW. च ।

[b]) °प्त्यम् इति पाठे? यनि. शोधः ।

[c]) सपा. शौ ६, ४६, ३ द्विषते इति, शौ १९, ५७,१ अप्रिये इति च पाभे. ।

[d]) सपा. आ···प्या°<>आ···प्या° इति पाभे. ।

[e]) सपा. पै १७,३७,१० आप्यायन्तः इति पाभे. ।

[f]) =सपा. माश १,८, २,४ शांश्रौ १, १२,१२ आपश्रौ ३,४,६ माश्रौ १, ६,९,३४ आपमं २, ६, ११ शांगृ २. १०,३ हिगृ १,८,४ । तैआ. ४, १०, ४: ५; ५, ८, १० आपश्रौ १५,१२,७ तु पाठाभावः ।

[g]) प्या° इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. पपा., मा ५, ७ च)।

[h]) =सपा. माश १,८,२,४; १४,३,१,२३ तैआ ४,११,४ शांश्रौ १,१२,१२ आपश्रौ ३,४,६ शांगृ २,१०,३ हिगृ १,८,४। मै ४,९,१० माश्रौ १,६,१,३४ तु आ···प्यायिषीमहि इति, आपमं. २,६, ११ आप्यायमानो भूयासम् इति च पाभे. ।

[i]) तु. सा. PW.; वैतु. RW. ···प्याविषी° इति, शंपा.···प्याशिषी° इति ।

शौ ४, ११, ४[a]; ¶आप्यायन्ति मै ३, ८, २; ४, ५,४; ५; ७, २; आप्याययन्ति तै २, ३, ५, ३¶; ४, १४, १ : ६, २, २, ६¶; मै ४, ९, २७; १२, २; शौ ७, ८६, ६ ; आप्याययन्ति काठ १०,१२;२४,९[२]¶; क ३८, २[२]¶; पै १, १०२, ४; आ ·· प्याययन्ति तै २,५,२,५¶; आप्याययामि शौ १८, ४, ६४ ; आप्याययन्तु तै २,४,१४,१; मै ४,९,२७;१२,२; काठ १०,१२; शौ ७,८६,६; पै १,१०२,३;४; २०,४१.४; आप्यायय मा ५,७; का ५,२,६; तै १,२,११,१;६,२, २,५; मै १,२,७; काठ २,८; क २, २; आ···प्याययेत् पै ३, २५, २[b]; आप्याययेयुः मै ४,५,५¶. आ···पीपयन् ऋ १,१५२,६.

आ-पिप्यान- -नम् ऋ ४, २७,५.

आ-पी(न>)ना- -नाम् शौ ९, १, ९; पै १६,३२,९.

आ-प्यान- >आप्यान-व (त्>) ती- -ती मै ३,२,५¶.

आ-प्यायत्- -यन्तः पै १७,३७,१०[c].

आ-प्यायमान,ना- -†नः[d] ऋ १,९१, १८ ; मा १२, ११३; का १३, ७,१२; तै ४, २,७,४; मै २, ७, १४; काठ १६, १४; ३७, ५; क २५, ५; कौ ३, ३, २; जै २, १, २; -¶नम् तै २, ३,५,३; ३,५, १,४; मै २,२,७[२]; काठ ९,११; ११, ३[२]; पै ५, ४०, ५$; -नाः ऋ १०,१८,२; शौ १८,३,१७; पै २०,५१, ६‡[d]; -नाम् तै १, ७,५,१[२]¶.

*आप्याययाa[e]-

आप्याययां √कृ, आप्याययांचकार मै ४,६,६¶.

आ-प्याययितव्य- -व्यः मै ४,६,६¶.

आ-प्याययितुम् मै ३,८,२¶[f].

आ-प्यायित- -तः तै ६,२,२,६¶.

आ-प्याय्यमान- -नः[g] मा ८, ५७; का ९,७,५.

आप्र[h]- -प्रस्य ऋ १,१३२,२.

आ √प्रथ्, >प्रथि, आ···पप्रथे ऋ ५, ८७,७[l].

आ···पप्रथन् ऋ ८,९४,९.

आ-प्र √*यच्छ्(दाने), आप्रयच्छ[j] काठ २,१०; क २,४; शौ ७,२७,८; आ···प्रयच्छतम् ऋ ६,५९,९[k].

आ-प्र √या, †आ···प्रयाहि ऋ ७,२४, ⌊१(१,१०४,१)⌋; २९, १; १०, १७९, २[1]; कौ १,३१४; जै १, ३३, २; शौ ७, ७५, २[1]; आ··· प्रयातम् ऋ ७, ⌊(६५, ४) ७०, ५⌋;६.

आ √प्रा, आ···प्रासि ऋ ८,१,२३[m].

आपप्रे शौ ११,२,२७; पै १६, १०६,७; आपप्रौ ऋ १, ८१,⌊५ (६, ६१, ११)⌋; ३, ३०, ११; ५४,⌊१५; ४,१६, ५; ८, २५, १८⌋; काठ ११,१३†; शौ १९, ४९, १; २०, ७७,५†; पै १४, ४, १; आ···पप्रौ ऋ ६, १०, ४; ४८, ⌊६[n] (७, ९, २)⌋;

---

a) सपा. पै ३,२५,२ आ···प्याययेत् इति पाभे.।

b) सपा. शौ ४, ११,४ आ···प्याययति इति पाभे.।

c) सपा. शौ १२, ३,२० आप्यायन्ताम् इति पाभे.।

d) सपा. °नः <> °नाः इति पाभे.।

e) तु. टि. *अभ्युत्सादया-।

f) °प्याय° इति Sch. पाठः शोधार्हः (तु. मान.)।

g) सपा. तै ४,४,९,१ उपावह्रियमाणः इति पाभे.।

h) व्यु. वा. च ? पपा. नावग्रहः। 'यथा इन्द्रः अहन् (=अहनि ⌊वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. क्विप. <√हन् इति ?⌋) आप्रस्य = अर्पणशीलस्य = स्वभक्तस्य मर्म [तु. अपसः, इहैव च काणस्य, उपबुधः (वें. हविर्भिर् आपूरयितुरिति, सा. GRV. आ समन्तात् प्रीणयितुरिति, सा. ⌊पक्षान्तरे⌋ आपनशीलस्य इतस्ततो व्याप्तस्येति, PW. GW. KZ २५,३१२, ORN. प्रभृ. अनलसस्य, कुशलस्येति)] विदे (=प्रतीतये, स्यात् तथा तस्य) ते (=तव हे इन्द्र !) रातयः असमत्रा सन्तु' इति वा. कृत्वा विप. द्र.। आ √पृ (पूरणे, प्रीतौ, व्यायामे च) + कर्तरि कः प्र. इति मतम्। सा. <आ √प्रा इति वा (पक्षान्तरे) <√आप् इति च (तु. आपस्-)। नैप्र. √अर्प् > *अर्प्र- > यनि. इति तु विमृश्यम्।

i) 'येषामज्मेषु दीर्घं पृथु (यथा स्यात्तथा) पार्थिवं सद्म आ···पप्रथे (कर्मणि रूपम्)' इति वा. द्र. (वैतु. सा. आ ⌊गच्छन्ति⌋ क्रिउ. इति मत्वा पृथग् वाक्यं कुर्वाणः, PW. GW. ORN. प्रभृ. अज्मेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. आ इति)।

j) सपा. मा ५, १९ तै १,२,१३,२;७,३,४ मै १,२, ९ आ। प्र° इति द्वि-पदः पाभे.।

k) इह आ=प्र इति कृत्वा आदरार्थे ग. द्र. (वैतु. सा. आ अभ्यर्थे इति ?)।

l) अत्र आ + उ इति निपात-समाहारः द्र.।

m) तु. वें. सा. GG.; वैतु. PW. GW. ग. अभावः।

n) तु. GW.। इतरस्य श्रवण-द्वयस्य कृते तु. सस्थ.टि. आ।

१०, ८९, १; आपप्रुः ऋ १०, ६५, २; ६६, ९; †आपप्राथ ऋ १०, १३४, १; कौ १, ३७९; २, ४४०; जै १, ३९, १०; ३, ३३, १५; †आपप्राथ ऋ ७, २०, ४; ८, ६८, २; ७०, ६; मै ४, १२, ४; कौ २, २१३; ११२२; जै ३, १९, ८; शौ २०, ८‍., २; ९२, २१; †आ पप्राथ ऋ ७, ९८, ३; शौ २०, ८७, ३; आ···पप्रथुःª ऋ ६, ७२, ३; ‡आ(आ-अ)प्रात् शौ १३, २, ३५; २०, १०७, १४; पै १८, २५, १; †आ(आ-अ)प्राः?ᵇ ऋ १, ११५, L१; ४, १४, २J; ४, ५३, ३; मा ७, ४२, १३, ४६; का ८, १७, १; ९, २, २; १४, ४, ९; तै १, ४, ४३, १; २, ४, १४, ४; मै १, ३, ३७; काठ ४, ९; २२, ५; क ३, ७; कौ ३, ५, ३; जं २, ४, ६; पै १८, २४, २; †आ···अप्राः?ᶜ ऋ ४, ५२, ५; ९, ९७, ३८; १०, १, १; ७४, ६; १०६, ११; १२७, २; मा १२, १३; का १३, १, १४; तै ४, २, १, ४; मै २, ७, ८; काठ १६, ८; कौ २, ७०८; जै ३, ५८, ५; †आ(आ-अ)प्राःᵈ ऋ १, ५२, १३; ९, ७२, ५; खि ५, ७, ३, ९; मा ६, २; का ६, १, २; मै ४, १३, ८; काठ ३, ३; १९, १३; २६, ५; क २, १०; ४१, ३; ‡?आ-प्राःᵉ जै २, ४, १०; †आᶠ···प्राःᵉ ऋ ६, ४६, ५; कौ ३, १, १; शौ २०, ८०, १.

आ···अप्रायिᵍ खि ४, २, १; मा ३४, ३२: का ३३, २, १; शौ १९, ४७, १; पै ६, २०, १.

†आ-पप्रिवस्– -वांसम् ऋ १, १४६, १: –वान् ऋ १, ७३, L८; १०, १३९, २J; मा १७, ५९: का १८, ५, १०: तै ४, ६, ३, ३; मै २, १०, ५ʰ: काठ १८, ३: क २८, ३.

आपप्रुषी– -षी ऋ ४, ५२, ६; L(१, ६१, ११)६, ६१, ११J.

आ√प्री, आ···पिप्रयः ऋ २, ६, ८. ¶आप्रीणीते मै ३, ४, ६; ९, ६; ४, ७, ८; ¶आप्रीणाति तै ५, १, ८, ४; ६, ६, ७, ४; काठ २२, १: २६, ९: २९, ९; क ४१, ७; ¶आ-प्रीणन्ति मं ३, १, १०; काठ २६, ७; ८²; क ४१, ६²; आप्रीणे काठ ४०, ५; पै १, ९६, ४: ¶आ-प्रीणीत तै ५, १, ८, ४; मं ३, ४, ६; ९, ६; ४, ७, ८; काठ २२, १; २६, ९; २९, ९: क ४१, ७: ¶आप्रीणीयात् काठ २६, ९; क ४१, ७.

¶आ-प्रीⁱ– -प्रियः तै ५, १, ८, ४; मैं २, ५, १²: ३, ४, ६²: ९, ६²; काठ १३, १²; २२, १²: २६, ९: क ४१, ७: शौ ११, ९, १९$: $पै ९, २, ५ʲ: १६, ८३, ९: –प्रीः मा १९, १९$; का २१, २, ८$: तै ५, १, ८, ३: मैं ३, ४, ६: ९, ६: काठ २२, १: २६, ९²: क ४१, ७³: –$प्रीभिः मा १९, १९: का २१, २, ८: –प्रीषु काठ ३४, १५.

आ-प्रीणान– -नौᵏ मै १, ४, ३: काठ ५, ४.

¶आ-प्रीत– तः मै ३, ९, ७: –तम् तै ३, १, ३, २; काठ २६, ७; क ४१, ५; पै १०, ३, २$.

आप्रीत-पाˡ– -पाः मा ८, ५७: का ९, ७, ५.

आ√प्रु, आ(आ-अ)प्रवत काठ १३, २¶.

ª) वैतु. PW. <आ√प्रथ् इति।

ᵇ) प्रपु१ इति कृत्वा पाठे? °प्राद् द्या°>°प्राद्या° इत्येवमिह मध्यत एको दकारश्च्युत इति कृत्वा तत्पूरकः शोधः द्र. (तु. सपा. शौ. प्रभृ. °प्रात् इति पाभे.: वैतु. सपा. माश ४, ३, ४, १०; ७, ५, २, २७ तैब्रा २, ८, ७, ४ ऐब्रा ३, २, ३ शांब्रा ८, ४ तैंब्रा १, ७, ६; २, १३, १ या १२, १६ यत्र सर्वत्रापि शोधः द्र.)। एवं स्थिते °प्राः इति पपा. अपि ?*आप्राद्> *आप्राध्>*आप्राह्> यनि. इत्येवं वावि. एव द्र.?(वैतु. स्क.वें.सा.PW.प्रभृ.पुरुष-व्यत्यय-दिशा यनि.एव समर्थुकाः?)।

ᶜ) प्रपु१ रूपम्। पूर्वं टि. उक्तया दिशा वावि. एव द्र.।

ᵈ) मपु१ रूपम्।

ᵉ) सपा. ?आ-प्राः<>आ···प्राः इति पाभे.। कौ. स्थले पप्राः इति पठन्तौ पपा. मात. च शोधार्हौ।

ᶠ) तु. सा.: वैतु. GW. ग. अभाव इति।

ᵍ) खिसा २६, १ आ···प्रायु इति पाठे? यनि शोधः।

ʰ) °पप्रृ° इति पाठे? यनि. शोधः द्र.।

ⁱ) नाप. (देवता-विशेष-, सूक्त-विशेष-, ऋग्-विशेष-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पचे या ८, ४ <√आप् इति)।

ʲ) सपा. शौ ५, २६, ४ विशिष्टः पाभे.।

ᵏ) सपा. तैंब्रा ३, ७, ५, ११ आपश्रौ ३, ९, १० संजानानौ इति पाभे.।

ˡ) उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। उप.<√पा (रक्षणे) यद्र.।

आ √प्रुष्(सेचने), आ···प्रुष्णवत् ऋ ३, १३, ४[a].

आ √प्रुषाय[b](<प्रुष-), आप्रुषायति ऋ १०,२६, ३; आ···प्रुषायन्त ऋ १, १८६,९.

†आ-प्रुषायत्- -यन् ऋ १०,६८,४; शौ २०,१६,४.

आ √प्लु, आप्लवन्ते खि ५,१५,१; शौ २०,१२९,१.

आ-प्लुत[c]- -तासः खि ७,५,१.

आ √फण् (गतौ)

†आ-पनीफणत्[d]- -णत् ऋ ४,४०, ४; मा ९,१४; का १०,३,७; तै १,७,८,३; मै १,११,२; काठ १३,१४.

आ √बध्,न्ध्, ¶आबध्नाति तै २,४, १०,१; मै२,३,५[२];काठ ११,८[२]; ३७,१; आबध्नन्ति[e] शौ ३,९,३; आबध्नामि[f] खि ४,६,८; मा ३४, ५२; का ३३,२, १५; आ··· बध्नामि पै १३,१३,१०;१९,२९, ११; आ-बध्नात शौ ६,८१,३; पै १९, १७, ३; आबध्नन्तु[e] पै ३, ७, ४; आ(आ-अ)बध्नन् खि ४, ६,८; मा ३४,५२[g];'का ३३,२, १५; शौ १,३५,१.

आबेधे शौ ५,२८, ११; पै २, ५९, ९; आबन्ध मा १२,६५; का १३,५,४; तै ४,२,५,३; मै २,७,१२;३,२,४;काठ १६,१२; २०,२; क २५,३;३१,४; शौ ६, ६३,१; १३३,१; पै ५,३३,१; १९,११,४; आबेधुः शौ ९,३, ६; पै १६,३९,६.

आ-बधे शौ ५,२८,११; पै २,५९,९.

आ-बंध्य[h] खिसा २९,४८.

आ-बन्धन-

आबन्धनीय[i]- -ययोः मै २, ७,१२.

आब<>वयु[j]- -०यो शौ ६, १६, १; -०यो शौ ६,१६,१; पै १९, ५,७[२].

आ √बाध्, आ(आ-अ)बाधन्त तै ५, ७,३,१¶.

१आ-बाधु[k]- -धः ऋ ८,२३,२.

२आ-बाध->आबाधी √कृ>°कार-

?आ वार्चाकार- द्र.

?आबाहो पै १०,२,३.

†आ √बुध्, आ···बोध>धा ऋ ७, २२,३; मै ४,१२,४; काठ १२, १५; कौ २,२७९; जै ३,२३, १०; शौ २०,११७,३.

आ √बृह् आ √वृह् द्र.

आ √ब्रू, आब्रूहि पै १३,१४,६.

आ-भग[l]- -†गः ऋ १,१३६,४[२]; १०, ४४,९; शौ २०,९४, ९; -गम् ऋ ८,५३,६; खि ३,५,६; शौ ४,२३,३; पै ४,३३,४.

आ √भज्, ¶आभजति मै १,५,११; ८,१;३,७,७; काठ १३,५;३५, १८; आ···भजति ऋ ५,३४,५; आभजत्[m] पै १४,४,१७; आ-भजात्[n] शौ १९,५०,७; आभज-ताम् पै ७,९,८; आ···भजस्व ऋ ४,३२,२१; †आभज,>जा ऋ १,१०४,६; ९,४,५; १०,४५, १०;११२,१०; मा १२,२७; का १३,२,१०; तै ३,१,९,६¶: ४, २,२,४:७,१,६,६¶; मै २,७,९; काठ १६,९; कौ २,४०१; जै ३, ३१, २१; आ···भज,>जा ऋ १,२७, ५; ४३, ८; १२१, १५; ७, २७, १; ४६, ४; १०, ४५, १०; मा ४,२८; १२,२७†; का ४,९,५; १३,२,१०†; तै १,१, १२,१;६,१२,१†;४,२,२,४†; †मै २,७,९;४,१२,३; काठ १, १२; १६,९†; ३१,११; क १,

[a]) तु. ऋ १०,६८,४; वैतु. सा. आ ⌊उपनमति⌋ क्रिउ. इति मत्वा ? प्रुष्ण-वत् इत्यनुपपन्नस्वरत्वे सत्यपि मतुबन्तं विप. इति, GW. अप्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. आ इति।

[b]) नाधा. (तु. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. इनः शायज् इति।

[c]) गस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)।

[d]) गस. उप. यङ्लुगन्ताच् छता प्र (पा ७,४,६५) प्रकृतिस्वरश्च (तु. या २,२८, स्क.सा. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. पासि. अन्वाप° इति ?)।

[e]) सपा. घ्नन्ति <> °ध्नन्तु इति पाभे.।

[f]) सपा. शौ १,३५,१;४१०,७;१९,३३,४ बध्नामि इति पाभे.।

[g]) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. सपा. शौ. पपा., पा ८,१,७१ च)।

[h]) आ° इति स्वरे ? यनि शोधः द्र.।

[i]) तदर्हतीत्यर्थे छ>ईयः प्र. द्र.।

[j]) नाप. (सर्षप-)। व्यु.? यत्तु कौसू ३०, १, RW. शंपा. यनि. पाठः, पपा. पै. सा. PW. °व° इति पाठः तत्र वार्वि. लैवि. चैव सद्भावस्तात्त्विकस्य पाभे. चा-ऽभावः द्र.।

[k]) भाप.। गस. घञन्ते थादि-स्वरः (वैतु. वें.सा. कर्तरि प्र. इति)।

[l]) प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[m]) सपा आभजत्<>आभजात् इति पाभे.।

१२;४७,११; †कौ १,३१८;२,८४९; †जै १, ३३,६;४,१२,१; शौ ४,२२,२; पै ३,२१,३;†आ (भज) ऋ १,२७,५; कौ २,८४९; जै ४, १२,१; आ ··भजत, आ (भजत) शौ ६,५५,२; पै १९,९,३; आ···भजतन ऋ ७,५६,२१; आ(आ-अ)भजत् ऋ १,१५६,५; २,३८,१;४,३०,१६; आ(आ-अ) भजः[a] ऋ ३,३५,९;४७,३. †आबभाज[b] ऋ १,१६४,८; शौ ९,१४,८; पै १६,६६,८; आ-भक्षत् ऋ ९,६७,⌊१०-१२⌋; आ-भक्षि खि ३, ६, ६[c]; आ-भाक् ऋ ८, ८०. ८ ; मं ४, १४, १५.

आ-भज(त>)न्ती- -न्ती तै ४, ३,४,२; –न्तीः मा १७,५४; का १८,५,५; तै ४,६,३,२;५,४,६,२; मै २,१०,५; काठ १८,३; क २८,३.

आ √भन्, आ···भनन्त, आ (भनन्त) ऋ ७,१८,७.

१आ-भरत्–, २आ-भरत्– आ √भृ द्र.

आ-भवत्–, °विभ्यन्ती– आ √भू द्र.

आ √भा, आभाति ऋ ३,२५,३; ⌊(१,४९-५०, ४) ४४,४⌋; ५,७६,१; ७,१०,१; ¶मै ३,१,८;४,६; कौ २,११०२†; आभाति शौ १३,२,२; पै १९,९,१०; आ-भाति पै १६,११७,१-५ : १८,२०,६; †आ···भाति ऋ १०,४५,४[d]; खि ५,५, ८; मा[d] १२,६; २१; ३३; का[d] १३, १, ७; २,४; ३,४; तै[d] १, ३, १४, २; ४, २, १, २; २, २ ; मै २, ७, ८[d] : काठ[d] १६, ८-१० : शौ ११, ९, १४$: पै १६, ८३, ४$; आ ··· भाति ऋ २, ४, ६: आ(भाति) खि ५, ५,८; आ-भासि ऋ १, ४९,⌊४(५०,४; ३,४४,४)⌋; †आभासि ऋ १,⌊(४९,४)५०,४ (३,४४, ४)⌋: मा ३३,३६; का ३२, ३,७: तै १, ४,३१, १; मै ४, १०,६; काठ १०,१३; कौ ३, ५, ९; जै ४, २, १; शौ १३,२,१९; २०,४७,१६; पै १८,२२,४; आ[e] ··भासि ऋ २, २, २: आ···भासि,आ(भासि)[2] मा १५,६३; का १६,७,६; तै ४,३,६,१; मै २,८, १४; काठ ४०,५; आ···भातु काठ ३७, ९; पै ४, ३, ४; आभाहि ऋ १,४८,९; मा २७,१; का २९,१, १; तै ४,१, ७, १; ५,१, ८, ६¶; मै १,२,१०; २,१२,५: ३,४,६; काठ १८,१६; क २९,४: शौ २, ६,१; १९,३३,५; पै ३,३३,१; १२,५,५.

?आभारद्वाजेति[f] मै ३.१०,४¶.

आ √भास्

आ-भासमान– -नः मै ४,१४.१४; जै १,१२,१०.

*आभि[g]– -भिः ऋ १०,७३,५.

?आ(?अ)भिप्रगाहि[h] पै १७,१४,१.

आभु[i]– -भु ऋ १०, १२९, ३[j];

[a]) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८, १,७१)।

[b]) तु. सा.; वैतु. वें. ईपदर्थे स्वाश्र. आ इति, GW. ऋते इति सप्त. युक्तः कप्र. इति च।

[c]) सपा. ऋ ८,५४, ६ आवक्षि इति पाभे.।

[d]) तु. सस्थ. टि. अन्तर्।

[e]) वैतु. वें.?, GW. ग. अभात्रः।

[f]) पाठे ? आह। भारद्वाजः इति शोधः।

[g]) √अव् (अवगमे स्वाम्यर्थे वा)+(लिङर्थे) किन् प्र. उसं. (पा ३,२,१७१) =*आवि– इति सत् (नैप्र.) यनि. द्र.। एवं स्थिते √भृ (धारणे)+किन् प्र. =बभ्रि– इत्यस्य पर्यायः द्र. (वैतु. पपा. प्रमृ. =आ, आभिः ⌊<इदम्–>तृ३, अन्वादेशे निघातः⌋ इतीव द्वे पदे इति?)। 'इन्द्रो हि माया आभिः (सन्) दस्युम् (=दस्योः) उप (=उपरि) आगात् (=तं प्राभवत्)' इति वा. द्र.। लस्थानिक-कृद्-योगे मायाः इति कर्मणि द्वि. न तु ष. (तु. पा २, ३, ६९)। इन्द्रस्य प्रातिस्विक-नाना-माया-धारणे तु. ऋ ६, ४७,१८। तस्य माया दस्योर्मायाभ्यो बलीयस्य इति कृत्वाऽसौ दस्युकृता मिहू-तम्रा-तमो-लक्षणाः चतुर्थे पादे परिगण्यमाना मायाः प्रावपद् इति तत्त्वं द्र. (वैतु. पपा. प्रभृ. अयुक्तं वा. अभिप्रयन्तः)। उक्तस्य वा. पूर्वार्ध-गते प्रजायै अर्थं मन्दमानः (=दातुमनुमन्यमानः ⌊√*भन्द् वर-दाने इत्यत्र टि.⌋), तु. सस्थ. टि. उप (कप्र.), तम्रा– (=प्र-ध्वत्र-, तूफ़ान इति नभा.)>म्राः, प्र √वप् (नाशने)।

[h]) पाठे? यनि. शोधः?। एवं स्थिते च यनि. रूपम् <अभि-प्र √गा (परि.) द्र.।

[i]) बप्रा.। व्यु.? पपा. नावग्रहः।

[j]) अत्र एकम् इति पदं वेदान्तेषु प्रसिद्धं सदप्यप्रमेय-लक्षणमनिर्भेद्यरहस्यात्मकं च सर्वबीजमयं च मूलतत्त्वमाहेति च प्रकृतं प्राति. तद्युक्तं विप. इति च कृत्वा व्यु. संभाव्यते। तद् यथा <आ √*भृ (=√वृ अप्रकटीभावे) इति वा, <आ √सू (प्रसूतौ) इति वेति। प्रथमे कल्पे *आ-

-भुः[a] मा १६,१०[b]; का १७, १, १०[b]; तै ४, ५, १,४[b]; क २७, १[b]; –भुम्[c] ऋ १०, २७,१;४.

आ√भुज् (भोगे)

आ-भोग–

आभोग–य[d]– -यम् ऋ १,११०, २.

आ√भू, ¶**आभवति** तै १,७, २,२; आ(भवतः) ऋ ६,६७,८[e]; ¶आ-भवन्ति तै १,७,२,३;६,२,४,५; ५,११,२; काठ २५, ४; क ३९, १; आ···भवामि पै २०,२१,२[f]; आ···भवतु तै ७, ३, १३, १; आ (भवतु) तै ७, ३, १३, १[२g]; काठ ४३, ३; आ···भवन्तु तै ७, ३,१३,१: काठ ४३, ३[२]; †आ(आ-अ)भवत् ऋ ८, ८९, २; मा ३३,९५; तै २, २,१२, १; शौ ७, १, २; पै २०,१, २; आ(आ-अ)भवः ऋ ८,९३, १७; †आ(आ-अ)भवः ऋ १०,१५३, ५; शौ २०, ९३, ८; आ(आ-अ)भवः पै १६, ७२, ४?; आ··· अभवः ऋ ३,१,१७. आबभूव ऋ १०,१२९,६;७; खि ३, १८[२], २; मा ३२, ५; मै ४. १२, १[२]†; शौ ५,१,१: पै ६, २,१[h]; आबभूव ऋ १०, १६८, ३; मा ९, २५;२२,२[1]; का १०, ५,२; २४,१,२[1]; तै १, ६,६,३; ७,६,७;१०,१;३,२,७,२; मै १, ११,४; ३,१२,१[1]; शौ ७,५,२; आबभूव काठ १४,२; क २९,२; पै १, १०७,४; २०,२,३; आब-भूवाँ३[j] शौ १०, २, २८; आब-भूवुः[i] तै ४,१,२,१; ७, १,११, १: आबभूवुः शौ १०, ४, २३; आबभूवुः[1] काठ ४१, ३; पै १६, १७,५; आबभूविथ शौ १९,५६, १;२; पै ३, ८,१;२; आ···बभू-विथ पै २०, २१, ६; †आबभूथ ऋ १०,८४,⌊(४५,२)५⌋; मै २, ७, ९‡[k]; शौ ४, ३१, ५; पै ४, १२, ५: आबभूव काठ ४०, ९‡[1]: ¶आभविष्यन्ति मै ४,६, ३[२];७,४[२]; काठ २७,८[२]:२८,९[२]; क ४४, ९[२]; आ···भूयासम् पै २०, ४९, ७[m]; †आ-भुवत्

भाल्क–(>*आभाउ-) इत्यतः, द्वितीये कल्पे च *आ-सा-वुक–(<*आआवु-) इत्यतः नैप्र. यनि. विपरिणतं द्र. । इह आ√सू=आ√भू इति किमु वक्तव्यम् (वैतु. सा. GG. MV. प्रभृ. <आ√भू इति, GW. =रिक्त- इति कृत्वा ⌊तु. पक्षान्तरे ORN.⌋<अ-भू– इति च) ।

[a]) निषङ्गधेर् निष्-खङ्गीभावे तात्पर्यम् इति कृत्वा <६अ +भु– बस. अन्तोदात्तश् छान्दसं दीर्घत्वञ्च । खङ्ग-पर्यायभूतम् (तु. सा. ⌊का.⌋ उ. म.; वैतु. सा. ⌊तै.⌋ <आ ⌊=ईषत्⌋+भु– ⌊<√भू⌋ इति च प्रास.), उप. च √*भृ(वृ)ध् (शासने) *भर्धुक–(=वर्धक-) इति कृत्वा नैप्र. विपरिणतं द्र. ।

[b]) सपा. मै २, ९,१ काठ १७, ११ २आभू–>-भूः इति पाभे. ।

[c]) यज्ञे बाधनशीलस्य नाशने तात्पर्याद् इह प्राति. आ√*भा (बा) ध्>*आ-भाधुक– इति सत् नैप्र. यनि. विपरिणतं द्र. । गस. प्रकृतिस्वरः (वैतु. वें. सा. प्रथमे स्थले =व्याप्नुवत्- इति च, द्वितीये स्थले =अभिभवत्- ⌊=शत्रु-⌋ इति च, GW. GRV. प्रभृ. =रिक्त- ⌊हस्त-⌋ इति कृत्वा <अ-भू– इति च) ।

[d]) नाप. (आभोग-, प्राप्तिस्थान-) ? । व्यधिकरणः बस. इति कृत्वा उप. (√या>*यु– इति भाप. द्र. । पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पपा. आ-भो॰ इति वें. °भोग्य– ⌊अ-लोपाभावि⌋> यनि. इति, स्क. भोग– ⌊भाप.⌋+स्वार्थिकः प्र. इति, सा. विप. =आभोगार्ह- इति कृत्वा यप प्र. तद्धित इति वा, *आभोगि– इति प्राति. सतः यनि. रूपम् ⌊द्वि१⌋ इति वेति ?) ।

[e]) ता । जिह्वया । स–दमा- । आ । इदम् । सु-मेधाः इति प्रथमे पादे पदानि स्युः (तु. सस्थ. टि. *स-दम–> -मा) । 'यत् (=यदा) इदं सुमेधा वामृत आ-भूत, (तदा) ता (प्रत्यक्ष-कृत्या =युवां) स-दमा आ-भवतः (प्रत्यक्ष-कृत्या =भवथः)' इति वा. च स्यात (वैतु. पपा. प्रभृ. सदम् । आ । इदम् इति पदानीति, वें. सा. आ (याचने) इत्येवमाक्षेपुकौ, ORN. आ स्वाअ. इति कृत्वा सदम् इत्यनेन योजुकश्च ⌊तु. टि. आ ऋ २,३४,४⌋) ।

[f]) तु. सस्थ. टि. ? ऐन्द्रोवोन् ।

[g]) तु. सा. K.; वैतु. भा. एकतरत्र आ(विशतु) इति ।

[h]) विभावा इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ.) ।

[i]) सपा. °भूव <>°भूवुः (तैब्रा ३, ८, ३, ४ च) इति पाभे. ।

[j]) उदात्तः प्लुतः (पा ८,२,९७ ।)

[k]) सपा. ऋ १०, ४५,२ आजगन्थ इति पाभे. ।

[l]) सपा. ऋ १०,१२५,६ आविवेश इति पाभे. ।

[m]) तु. सस्थ. टि. वर्चस्वयम्भुवा समञ्जनम् ।

ऋ १,५,३;४,३१,१;मा२७,३९; ३६,४; का २९,५,८; ३६,१,४; तै ४,२,११,२;४,१२,५: मै २, १३,९;४,९,२७;काठ ३९,,१२; कौ १,१६९;२,३२; ९२: जै १, १८,५; ३,४,३:९,६: शौ २०, ६९,१; १२४,१; †आ-भुवत् ऋ ८,१०२,८: कौ २,२९७ जै ३, २४,१३;आ···भुवत्[a] काठ ३५, ३: क४८, ४; आ·· भूत् ऋ २, ४, ५[b]; ६, ६७, ८[c]: आ-भुवः ऋ ५, १९, ५; ‡कौ १, ५३[d]; १८८[e]: जै १,५,९‡[d];२०,४‡[e]: ३,२८,११[f].

आ-भवन्– -वन शौ ३,२९,२.

¶आभवन्ती– -न्तीः तै १,७,२, ३;४.

¶आ-भविष्य(त>)न्ती– -न्तीः मै १,५,५; काठ ७,४; क ५,३.

†१आ-भू[g]– -भुवः ऋ १, ६४,१;६; ९,६५, २७; तै ३,१, ११, ७[h]; –भुवम् ऋ १,१३३,७[?];१५१,४: शौ २०,६७,१[?]; –भूभिः ऋ १, ५१,९[i];५,३५,३[j].

आ-भूत– -तः मै ४,१४,७; शौ ११, ६,२०: पै १६,२२,१०.

आ-भूति– -तिम् पै १६, ७२, ४[k]; –त्या ऋ १०,८८,६: शौ४,३१, ६†:पै४, १२, ६†; १०, ९,२.

२आभू[l]– -भूः[m] मै २,९,२; काठ १७, ११: –भूपु ऋ १,५६,३[n].

आभूक[o]– -कम् शौ ६,२९,३.

आ√भूष्[p], आभूषति ऋ १,१३६,५; शौ ७,१२,१; †आ···भूषति ऋ ८, ६६,८; १०, ११,७[q]; कौ २, १०४२: शौ १८, १, २४; २०, ९७,२; †आभूषन्ति ऋ ८,९९, २: कौ २,१६४[r]; जै ३,१५,१२: †आ···भूषतु[s] ऋ ८,९०,१; शौ २०,१०४,३; †आ···भूषत ऋ १,१८२,१[t]; ८, ६६, ७: कौ १, २६९‡[u]; २७२; २, ८४२‡[u], १०४१; जै १,२८,७‡[u];१०;४, १८,९‡[u]: शौ २०,९७,१.

†आ-भूषत्– -षन्तः ऋ १०,१६०, ५; शौ २०, ९६,५.

आभूषन्ती– -न्तीः ऋ १,४३,९.

आ-भूषेण्य[v]– -ण्यम् ऋ ५,५५,४.

a) यनि. शोधितः पाठः द्र. (तु. सस्थ. टि. ?आचित्ते°)।

b) वैतु. सा. आ-युवन्– इतीव स्वरतोऽनुपपन्नं प्राति. कृत्वाऽपि यनि. अनुजानानः सन व्याहतः, PW. प्रभृ. आ इतीमं स्वाश्र. इति।

c) वा. कृते तु. सस्थ. टि. आ (भवतः)।

d) तु. पपा. सा. भ.; वैतु. विव. अभुवः इति। सपा. ऋ ३,९,२ अभवः इति पाभे.।

e) सपा. ऋ ८,६३,१७ आभवः इति पाभे.।

f) सपा. कौ २,३३९ अभवः इति पाभे.।

g) विप. (गिर्-, दक्ष-, मरुत्-, रयि-) नाप. च। गस. कर्तरि क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। अर्थास्तु नानेति कृत्वा यथा. विषयः द्र.।

h) पुं. प्र ३ वा, स्त्री. द्वि ३ वेति विमृश्यम् (तु. ORN. प्रभृ.)।

i) अत्र °भिः =°भ्यः (च ३) इति विमृश्यम् (तु. ऋ १, ६५,१ यत्र °भ्यः =*°भिः)। तु. उत्तरं टि.।

j) अत्र यनि. रूपम्=च३ इति द्र. (तु. ऋ ५, ३५,४: १०,९५,११ प्रभृ. जज्ञिषे इति क्रिप. च. योगार्थम्)। तु. पूर्वं टि.।

k) तु. सस्थ. टि. अनु।

l) बप्रा.। व्यु.? पपा. नावग्रहः कियानपि संकेतः n टि. द्र.।

m) पाभे. कृते तु. टि. २आभु–> -भुः (मा १६,१०)।

n) नाप.। अर्थः ? आ√भर्व् (हिंसायाम् ⌊तु. ऋ १, १४३,५⌋)>*आ-भर्व (न)- (=संग्राम-) (नैप्र.*आभ⌊भा⌋व-(तु. आह⌊हा⌋व–) यनि. प्राति. विपरिणतं स्यात्। इन्द्रस्य युद्धेष्वप्रतिहतभावे तात्पर्यम् (वैतु. वें. आत्मीय- देश- इति, सा.=कारा-गृह- इति,GW., Gri, GRN. च =१आ-भू- इति वदन्त्यश्चन्त्याः)।

o) पपा. नावग्रहः (तु. अप्रा ३,४,१)। आ√भर्व् (हिंसायाम्)>(भावे) *आभर्वक- इति निष्पन्नं सत नैप्र. यनि. विपरिणतं स्यात् (तु. सस्थ. टि.⌊परि.⌋ अरस–⌊=*आ-रध-⌋ इत्यत्र २अभ्व–इत्यत्र च यथापेदं शोधः द्र.: वैतु. सा. <आ√भू इति च, W. B. =२आभू– इति च)।

p) सत्ता-प्राप्ति-दीप्ति-स्तुत्याद्यर्थे यथा. द्र.।

q) वैतु. सा. आ कप्र. इति?।

r) वैतु. त्वया। भूषन्ति इति पपा. ?

s) तु. PW.? वैतु. वें. सा. GW. उप (तु. सस्थ. टि.) इत्यनेन संयोजुकाः। सपा. °वतु<>°वत इति पाभे.।

t) संपा. आ+उ इति निपातसमाहारः द्र.।

u) तु. विव. भ. BS.। पाभे. कृते s टि., सस्थ. टि. उप च द्र.।

v) गस.। उप. केन्यः प्र. (पा ३,४,१४)। प्रकृतिस्वरश्च।

आ√भृ <>**हृ**, †आ[a]···भरति ऋ १, १५२, ३; शौ ९, १५, २३; पै १६, ६९, १२; आ···भरति ऋ ४,२२,४; आभरन्ति ऋ १०, १०२,१०: †आ···भरन्ति ऋ ५, १,१०[b]; मै ४, ११, ४; आभरे शौ ३,२४,१; पै १९, १४, ३[c]; आभरामि शौ ८,२,१: ७, २६: पै १६, ३,१;१४,४; आभरामसि शौ ६, ११, १[d]; आ···भरामसि ऋ ६,१६,४७; पै ७,५,११; आभरत्[e] जै १,२०,६; आ···भरन् ऋ १,१७३,३[f]; २,१९,५: आभरात्[e] कौ १, १९०: आभरताम् शौ ५,७,६: आभर,>रा ऋ १, १२,⌊११; ८,२४,३; ९,४०,५; ६१,६⌋: ५३,३; ६३,९: ८१,७; ⌊९; ८, ४५,१५⌋;९२, ⌊१३ (४, ५५,९;९,७४,५)⌋;१२७,११;२, ७,१;१७,७;३०,१०; ३,२९,१; ५४,१५;४,२०,१०;३२,२०;५, ४,५;⌊६,१-१०; ८,७७,८: ९३, १९; ९, २०, ४⌋: ६, ८: ९,⌊७[g]; २३,२⌋: १०,१; ७; १६,५;२३, १: ३५,१;⌊२;६,४६,७⌋;३८,४; ३९,१;२;६,१६,⌊(१,७८,१:४, ३२, ९) २९: ३६ (८, ४३,२)⌋; १९,६:७:२२,३;४६,५; ७,१५, ११:३२,२४[g]; २६; ७७,⌊४ (९, ७८,५)⌋;८१, ५;८, १, ⌊४;६०, १८⌋;१३,५;१९,१५; २१,१६[g]; २४,४;२५;३२,८;३३,१२;४५, ⌊४०-४२⌋; ४६,१९;६१,६;७८, १;३;८१,७;९३,२८[h];⌊२९;१०, १११,१⌋; ९८, १०; ९,४, १०; १९,१;२९,⌊(६३,२९;६७,३)६; १०६,४⌋;४०,४;⌊६;५७,४;६४, २६; १००, २⌋: ५९,१; ६०,४; ६१,२६;६३,१८; ८७,६; १०१, ९: १०, २१,४[i]: ४२,३; ८३,३; ११३,१०:१,८०,१; खि १,५,२; ३,१५,९: ४,९,१; मा ८, ६३: ११, ९; १६; †१५, ३०; ४१-४३;३४,३३†:३६,७†; का १२, १,९; २,५: †१६, ५, ११; २३-२५;३३,२,२†;३६,१,७†; †तै १,३, १४,३; ६:७; ७, १३, ३: २, २,१२,७; ६,११,४; ३, ४, ११,४; ४, १,१, ४[२]$;४,४,४; ६[२]; ७; ७, ५, ७, ४; मै १,४, ३[j]; २, ७,१; २; १३, ५: ७[४]†; ३, १, ३; †४,११,१;४;१२, ३:४;†काठ २,१५; ८,१४$;९, ६;१०,१२; १६,१[२]$;१९,२$; ३३,७; ३८,७; ३९,१३; १४[२]; १५; क २९, ८; †कौ १,१०$; ८१;११३:१३४; १७३[h]; २०७; २५९; २६२; ३०९[g]; ३४५; ४०५: ४१९; ४२५; ४३७$; ५६७; २,१३९; १७०; ३२१; ३४९; ३७२-७४; ४०६; ४२०-२२; ५१९$;५२२;५२३;५६४; ६७५[k]‡; ७४८; ८०६: ९३०; ९३६; १०८१: १०८७-८९; १११४;३,१,१;†जै १,१,१०$; ९,१; १२,७; १४,१०: १८,९[h]; २२,४; २७,७;१०;३२,७[g]:३६, ४; ४१,१; ७; ४५,७: ४६,१$; ५८, २; २,४,१०; ३,१३,१५: १६,८; २२,३; २६,७; २९, ६; ३०,१५-१७; ३१,२६:३२,१०-१२; ४०,१५; १८: २०:४५,१; ५६, ३‡[k]; ४,६,९:७,८:२०,५: ३०,६; शौ ३,१०,७:४,२२,६; ३२,३†; ५,२९,५: ६,६३,४†: ७,७७, ९†; ११,१,१५: †१८, ३, ६७; ४, ८८: †२०, २१,३: ३६,३;४३,१-३: ५६,४:६:७९, १:८०,१: ८५,४; ८९,३:१०८, १; ११८, २; पै १,१०६,५; ४, ३२,३†; ५,४, १३: ८, ११,७; ११;९,९,५[२]; १३,९,६;१९,७, १†; आ···भर,>रा ऋ १, ४, ७;८,१;७९,८; ३,३०,१९:३६, ९;४५,४;५३,१४; ६,१९,८;७, २०, ७: २५,२; ३२,७: ८, ३४, १५; ७८,२; ८१,६; ९, २३,३; ६५, १८; ६७,६; १०,१८८,१: १५६, ३; मा ४,१६: का ४,५, ९; †तै १,२,३,२$; ७, १३,३; २,२, १२, ७;३,४,११,३: ६,१, ४,८$; मै १,२,३;३,६,९: †४, १२, ३; ४; काठ २,४; ६,१०†;

[a]) तु. गा. WI; वैनु. वें. GW. ग. अभावः ।

[b]) तु. भा. मा. (तैब्रा २,४,७,९); वैनु. मा. चार्थे स्त्राश्च. आ इति, GW. दृरात् इति पं. युक्तः कप्र. इति ।

[c]) सपा. शौ ६,१०२,३ उज्जरे इति पाभे. ।

[d]) सपा. पै १९,१२,१ आहरन्ति इति पाभे. ।

[e]) सपा. °रत्<>°रात् इति पाभे. ।

[f]) वैतु. GW. ग. अभावः ।

[g]) तु. मस्थ. टि. आभि ।

[h]) सपा. खि २,२,३ आवद इति पाभे. ।

[i]) तु. मस्थ. टि. आ (भर) ।

[j]) =सपा. माश्रौ १, ३, ५, १५; ४, १, १८ । काठ ५, ४ तु विन्द इति, आश्रौ १, १०, ३ विदेय इति च पाभे. ।

[k]) सपा. ऋ ९,६७,३ उत्तमम् इति पाभे. ।

८, १७†;१०, १२†; २३,६: क १,१६; †कौ १,१२९; ३१६:२, १८४;८७५; ८७९: †जै १,१४, ५; ३३,४; ३,१७,५: शौ ५,७, १[a]; †२०, ६८, ७; ७०, १७; †आ (भर) ऋ ८,९८,१०[b];१०, २१, ४[c]; काठ २६, ११$: कौ १, ४०५: २, ५१९: जै १,४५, ७: ३, ४०,१५; शौ २०,१०८, १; †आ (*भर) ऋ ६. २२, १०: शौ २०, ३६, १०; आभर-तम् ऋ १, १०९, ७: आ··· भरामहे, आ (भरामहे) पै १,४९, ३: आ(आ-अ)भरत् ऋ ८. ७७, १०;१००, ८:९,८६,२४:११३, ३; १०, ११,४: ७२,९: मा १९, १[d]; ११[d]: २०, ५९: का १२, १.१[d]: ११[d]: २२. ६,५: तै ४, १,१, १: मै २,७, १[3d]: ३,१, १[d]: ८, ३†: ११, ३ : जै ४, ११, ४†; शौ ६, १३७, १ : १०, ८, २१: ११, ७,१९: १०, १२[e]: १६;१७:१३, २,३९:१८, १, २१†: आभरत् काठ १५, ११[d], १६,१:३८,८: पै १,८५, १ ; ७, ५,१ ;९, ८, ४ : ११, २; ११: १६, ८६, १[f];२:६:७: ८८, ६ :१०२ , ८: १५४ , ९: २०, ५०, ३: आ (आ-अ)भरत् ऋ ८, ८२,९: १०,१४४,४:५: शौ ११,१०,११: आ···अभरत् ऋ ६,८, ४: पै १६, १०८, २[e], आ(आ-अ)भरन् तै ४, ३, ११, २[f]: मै १. ७,१[g]: २.१३.१०[g]: ३,११,२[h]: आ(आ-अ)भरन् शौ ४,२३,६: आभरन् काठ ८.१४[h]: ३९.१०[f]: क ८,२[h]: पै १, ८५, २: ४. ३३. ६: आ···अभरन् ऋ १०,१८१, ३: †आ(आ-अ)-भरः ऋ ८. ९७, १ : कौ १, २५४: जै १. २७, २: शौ २०, ५५.२: आ(आ-अ)भरम् ऋ १०, ६०,१०: पै १६,१५८,३[i].

†आ[j]···बिभ्रति ऋ ६,१६,४०: तै ३.५,११,४: मै ४.१०,३: काठ १५.१२: आ···बिभृथ>था ऋ ८,२०,२६[k].

आ···अजभर्तन ऋ १०,७२,७.

आजभार ऋ ७, ३३.१०: आज-भार,>रा ऋ ४, १८,१३: १०, १८१, १; कौ ३, २,५†: जै २, ५, ७†; शौ ५, ३१,१०:११,७, ९; आजभार पै ९, २३, १८: १६, १५३, ८: †आ···जभार ऋ १, ९३, ६: तै २, ३, १४, २: मै ४, १४, १८: काठ ४. १६; आ···जभार ऋ ३, ४३, ७; आ···जभ्रिरे मा २०,६७:का २२. ७, १; मै ३, ११, ४; काठ ३८. ९: आजभ्रुः ऋ ४, ७,८: आजभर्थ ऋ ४,१९,९; आ (आ-अ)भाः ऋ १०, २०, ⌊१०:९९, १२⌋: आ(आ-अ)भार्षम् मा २८, १७[l]: का ३०,२.६[l]: †आ (आ-अ)भार्षम् ऋ १०, १३७,४: शौ ४. १३, ५[m]: ६, ५२, ३$[n]: पै ५, १८,२:१९,५५,४-७.

१आ-भरत्– -रन्तः मा १९,८९: का १६,६,१: तै ४,७,१३,३: मै २. १२,४: काठ १८, १८: क २९. ६: पै १६,१९,४[f].

आभरन्ती– -न्तीम् शौ ८.९.१४[f]

२*आ-भरत्[o]–

आभरद्-वसु[o]– -†सु ऋ ५,७९. ३: कौ २. १०९२: –सू खि ५,

a) सपा. पै ७,९,१ आ···दिश इति पाभे. ।

b) 'अस्मभ्यम् ओजःआभर पृतनाषहं वीरं (च) आ(भर)' इति वा. द्र. (वैतु. सा. उत्तरार्धीये विप. इन्द्रपरे इति कृत्वा आ ⌊याचामहे⌋ इत्येवमध्याहारपरश्चिन्त्यः) ।

c) वाक्य-भेदमकृत्वाऽऽदराभ्यास-विधया आ···आभर इत्येवं योगो वेति सुवचम् (वैतु. वें. सा. अनन्वायुकाविव) ।

d) तु. सस्थ. टि. अधि ।

e) सपा. शौ १०,१०,१२ आ···अहरत् इति पाभे. ।

f) °भरन् इदम् इत्यस्य स्थाने सपा. शौ ८, ९, १४ आभरन्तीम् इति, पै १६, १९, ४ आभरन्तः इति च पाभे. ।

g) सपा. तै १,५,३,२ समाभरन् इति पाभे. ।

h) सपा. मा २१,३० भरन् इति पाभे. ।

i) सपा. शौ ११,७,१४ आभृतम् इति पाभे. ।

j) तु. सा. GW.: वैतु. भा. आ (=आगतोग्नि-) इति ।

k) तु. सा.: वैतु. वें ?, GW. तनूषु इति सस. युक्तः कप्र. आ इति ।

l) तु. टि. आभरद्वसु–> -सू खि ५,७,३,६ प्रमृ. ।

m) तु. पै. मूको. सा. W. च : वैतु. पपा. शंपा. RW. प्रमृ. आ(आ-अ) भारिषम् इति ।

n) तु. RW. प्रमृ. , सपा. पै १९,७, ६ आहार्षम् इति पाभे. च; वैतु. पपा. शंपा. सात. प्रमृ. आ(आ-अ)भारिषम् इति पाठः छन्दोऽनुरोधाच्चिन्त्यः ।

o) व्यु. कृते तु. टि. २अर्वत्–, अर्वद्-धुरु- ।

७,३, ६[a]; मै ४,१३, ८[a]; काठ १९,१३[a].

आ-भृत,ता— -तः ऋ २, ३६, ⌊५ (१०,११६,७)⌋; ४,५८,११; मा १७,९९†; का १९,१,१२†; काठ ४०,७†; शौ २,४,५; ४,१०,४[b]; ९,४,१०; २०,६७,६†; पै २,११, ५; ४,२५, ६; ८,१२,११†; ९, २५,४; १६,२४,१०; —तम् ऋ १,२५,१७; १६१,१०; ६,४७, २७[c]; ९, ६६, ३०; मा २९, ५३†[c]; ३८,२८; का ३८,६, २; तै ४,६,६,६†[c]; मै २, ७, १६; काठ ३९,३; ४६,१†[c]; शौ ६, १२५,२†[c]; ७,४६, १[d]; १०,१, १९[e]; ११,७,१४[f]; २२; १३,१, ५५; ४,२-७; ९; पै २,५२,१; ३, २८,५; ५,८,८; १४,४[g]; ७, ५, ८; ९,२५, ९; १५, ११, ६[2]‡[h]; २१,६; १६,१५५, २; १८,२०, ४; १९,२३,२; ३३,१३; ३५,७; —तस्य पै २०,७,६; —ता ऋ ६, १६, ४८; १०, १७०, ४; पै ९, ७, ६; १५, २,८[i]; —ताः शौ १, ६, ४; ८,५,९; ७,८; २५; १९, २,२; पै ५, १९, ६; ८, ८, ८; १२, ११; १२,७,११[j]; १६, १२, ८; १४, ५; २७, ९; ३८, २[k]; ९६,३; १९,३२,७; —ताभ्यः शौ ८, ७, १५; पै १६, १३, ५; —ते शौ १०,२,१; पै १६, ५९,१.

आ-भूत्य ऋ ⌊१०, ७१, ३; १२५, ३⌋.

१आ-भोग— आ√भुज् (भोगे) द्र.

२आ-भोग[l]— -गम् ऋ ७,९४,१२.

?आभोगय[m] ऋ १,११३,५.

आभोग-*य— आ√भुज् (भोगे) द्र.

?आभ्याम्[n] खि १, ६,२.

१आम,मा[o]— -†मः ऋ ९,८३,१; कौ १, ५६५; २, २२५; जै १,५७, १२; ३,२०,९; पै १७,३६,७$; —मम् तै ६,५,९,१[2]¶[p]; काठ ८, ९¶; क ७,५¶; शौ ८,६,२३; पै १६, ८१, ५; —†मस्य ऋ १, १६२,१०; मा २५,३३; का २७, १३, २; तै ४, ६, ८, ४; मै ३, १६,१; काठ ४६,४; —मा क ३,

[a]) सपा. मा २८, १७ का ३०, २, ६ आभार्ष्टाम् वसु इति पाभे.।

[b]) सपा. शौ ७, ४६,१ आभृतम् इति पाभे.।

[c]) सपा. मै ३,१६,३ आवृतम् इति पाभे.।

[d]) सपा. शौ ४, १०,४ आभृतः इति, पै २०,१३, ३ विशिष्टः पाभे. च।

[e]) सपा. पै १६, ३६,९ आगन् इति पाभे.।

[f]) सपा. पै १६, १५४,३ आभरम् इति पाभे.।

[g]) पाठे ? आभृतः इति स्यात्।

[h]) यथाक्रमं सपा. ऋ ६, ४७, २७ उद्भृतम्, आवृतम् इति च पाभे.।

[i]) सपा. मा १२,१०५ का १३,७,४ तै ४, २, ७, १; ५,२,५,६ मै २, ७,१४; ३,२,५ काठ १६,१४; २०,४ क २५,५ विशिष्टः पाभे.।

[j]) पाठे ? यनि. शोधः द्र. (तु. मस्थ. टि. ?करिश्वास)।

[k]) सपा. शौ १०,१,३० आवृताः इति पाभे.।

[l]) विप. [दुःशंस-मर्त्य- (तु. वें. सा.; वैतु. GW. नाप. ⌊मर्त्य-⌋ इति, ORN. भाप. इति)]। व्यु.? <आ√भुज् (भोगे) कर्तरि प्र. इति वें. सा., <आ√भुज् ⌊कौटिल्ये⌋ इति GW. ORN.। <आ√भुज् (*वश्चने ⌊तु. समानार्थः √मुच्⌋)+ कर्तरि अच् प्र. कुत्वं (तु. पा ७,३, ५३), गम. थादि-स्वरश्चेति तु मतं द्र.।

[m]) पाठः ? आ-भोगये इति पपा. (१आ-भोग->) आभोगाय, इष्टये···इत्येवं मूलतः यनिविच्छिन्नस्य सतः पाठस्य स्थाने यनि. °गय इत्यपपाठः स्यात्। पपा. °गि- (भाप.⌊तु.गा.⌋)> °गये इत्याकारको भ्रमश्च द्वयोरपि समाने स्थले उप. °ये इत्यनयाऽवमानश्रुत्या प्रयोजितः स्यादिति विमृश्यम् (वैतु. वें. स्क. च१⌊प्राति.?⌋ इति,सा.⌊पक्षे⌋° ग-> च१ यकारोपजनः इति, ORN. °गय-> °ये ⌊सप्त१⌋ इति, WAG. १,२६७b °गा[य]>]या->·°ये[सं१] इति च ?)।

[n]) पाठः ? अ-दाभ्यम् (विप. महिमानम्) इति शोधः स्यादिति कृत्वा °रापोऽदाभ्यम् > °रापोऽ(*धा>*हा>) आभ्यम् > °राप आभ्यम् (तु. मूको.) इति वावि. द्र. (तु. सपा. ऋ ८, ५९, २ यत्र वावि. वा लेवि. वा द्वारा √आस् > आस्ताम् इति पाभे.)।

[o]) विप. (उस्रिया-, गो-, कविस्-, मांस-, पात्र-, पुर- ⌊= पाक-रहित- तु. ऋ ९,८३,१ अतप्ततनू-; वैतु. शौ ५, २९,६ सुपक्व-, विपक्व-⌋)। नाप. (गो- ⌊तै ६,५,६,४ प्रमृ.⌋ ओषधि- ⌊पै ९,७, ७⌋)। व्यु.? पपा. नावग्रहः। WW १,१७९ <√अम् कटुभावे इति। यदा विप. तदा ३अ+ (√मा ⌊पाके⌋ >भाप.) भाम- > यनि. बस. अन्तोदात्तः (पा ६, २,१७२) इति मतम्।

[p]) सपा. मै ४,७,४ असुर्यम् इति, काठ २८,९ अश्नतम् इति च पाभे.।

३०,१४; ४,३,९![a]; तै ६,५,६,६,४¶; मै४,६,९¶; काठ २८,६¶: क ४४,६¶; पै ९,७,७;–मायाम् ऋ १, १८०, ३; –मासु ऋ १, ६२,९; २,३५,६;४०,२;६,१७, ६;७२,४;८,८९,७;तै १,६,१२, २; मै ४, ११, २; काठ ८,६६: १७; कौ २, ७८१: –मे शौ ४, १७,४[२]:५,२९,६:३१,१[२]:पै५, २३,६[२]: १३,९,९: –मेषु पै ७, ३,५.

आम-पात्र[b]– -त्रम् शौ ८,१४,१०: –त्रे पै ५,३६,५.

¶आम-पेष[c]– -षाः मै १,१०, ११: काठ ३६,६.

आमा (म-आ)द[d]– -¶मात् मै१,८, ७[e]:४,१,८: काठ ३१,६: क४७, ६: पै ७,३,२$: –मादः ऋ १०, ८७, ७: शौ ८,३,७†: ११, १२,८: पै १,४२,४:७,३,१: ३:४:११,८: १६,६,७†: –मादम् मा १,१७: का १,६,१: तै १,१,७,१: मै १,१,८:४,१, ८: काठ १,७; ३१,६; क १,७: ४७,६: पै ६,१४,९.

आमा(म-आ)दि (न>)नी– -नीः पै १७,१४,१०.

२आम–

√*आमि[f], आमयति ऋ१०,९७,९; मा १२,८३†: का१३,६,९†;¶तै २,१,१,३:२,७:६,५:२,१०,८; ३,११,१; ३,४,९, ३[२]: ४,२,६, ३†; ७,२,७,१;५; मै १,८,९¶: २,८,१¶:७,१३†; काठ११,५¶: १६,१३†: क २५,४†: पै ११, ६,५†: ¶आमयति तै ७,२,४, ३: मै २,१,६: ३,१:५,१:३:४, ३,६:७: काठ ११,५: १२,१[२], ८: ३०,३[२]: क ४६,६[२]: ?आमयतु पै २,४९,१-५: ?आमयत पै २,५०,१-५: आमयत ऋ १०, ८६,२३: शौ २०,१२६,२३†: पै १९,१०,५†[g]: आमयेन् तै २,१,६,५¶.

†आममत् ऋ ९,११४,[४[g]:१०, ५९,८-१०][h]: मा १६,४७[h]; का १७,८,१[h]; तै ४,५,१०,१[h]: मै २,९,९[h]; काठ१७,१६[h]; क २७, ६[h]; शौ ६, ५७, ३[h]; १०, ५, २३[h]; पै ८,३,४;१२,६,११;१६, १३०,८[h].

आमयु[j]– -यम्[j] पै १९, ५५, ४-७.

?आमयत्– -यत् शौ ९, १३, १०[k]; पै ३, २, ६[1]: १६, ७४. १०[k].

¶आम(य>)या-विन्[m]– -विनः तै ७, २,७,१:५: मै ३,४, ६: काठ ११,५: २२,१: ३०,३[२]: क४६,६[२]; –विनम् मै २,१,२;६: २,१०: ३,१[२]:५[२]; ५,१:६:४,३, ६: काठ २५,९;२७,४; ३७,१४: क ४०,२: ४२,४: –विना काठ २९,२: क४५,३;–वी तै ३,२,३, ३: मै २,१,२:४: ३,१:५,६:४, ८,९: काठ १०,४[२]:५[२]:९[२]: ११, ५;८[३];१२,१[४];८;१३,२[२]: ६:७[२].

?आमणक[n]– -कः शौ २०,१३०,९.

आ√मद्,न्द्, †आ···मलति[0] ऋ ८,

a) पाठे? नैप्र. (ʹमायाः ⌊पं१⌋) > -माः इति पाठः द्र. (वैतु. पपा. यनि. इति)।

b) नाप.। कस. अन्तोदात्तः।

c) नाप. (आमयव-पिष्टक-)। पूप. =*आम-यव– ⌊कस.⌋ +उप. पेष– ⌊नाप.⌋=पिष्टक- इति>यनि. पस. अन्तोदात्तः (तु. काश्रौ ५,३,१ माश्रौ १,७,४,१ प्रमृ., PW. MW. प्रभृ.)।

d) विप. (अग्नि-, गृध्र-, दिवङ्का- प्रभृ.)। उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

e) तु. सप्र. काठ ६,६ अग्रत्यु–> -त्यः इति।

f) =पाधा. चुरा. √अम् (रोगे)। मौस्थि. तु नाधा. अयमिति कृत्वा वृत्तिवैशिष्ट्यपूर्वकं <(√भाम् ⌊*तापे⌋ >भाम–> नैप्र. ह्राम–>) आम्– इति विमृश्यम् (तु. पृ३७९f)।

g) सपा. आमयत्<>आममत् इति पाभे.।

h) सपा. आश्रौ ३,१४,१३ आपश्रौ९,१९,११ रीरिषः इति पाभे.।

i) नाप. (रोग-)। कर्तरि शः प्र. उसं. (पा ३,१, १३८) प्र.स्वरश्च।

j) सपा. ऋ १०,१३७,४ यक्ष्मम् इति पाभे.।

k) पाठे? बहुामः इत्येनदीर्थं विप. इति कृत्वा °यत्–> (पुं. प्र१) –यन् इति शोधः द्र. (वैतु. अन्ये मृत्रम् इत्यनेन योजुकाः?)।

l) सपा. शौ ३,७,७ दुर्भूतम् इति पाभे.।

m) मत्वर्थे विनिः प्र. (पावा ५,२,१२२) प्र. स्वरश्च।

n) पाठे? वावि. =आमनक– यद्र.। आमणल्कः ⌊मूको.⌋, अमणिकाः ⌊RW.⌋, आमणिकाः (Gri. ⌊बस.⌋) इति च पाभे. द्र.।

o) तु. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. जोषम् इति द्वि. युक्तः कप्र. आ इति।

९४,६; कौ २,११३७; आमदत् शौ २०,४९,२[a].

ϕआ-मन्दान्– –†ना[b] ऋ ७,९४, ११; मा ३३,७६; का ३२,६,७.

आ √मन्, आमंस्व पै २०,२३,२.

आमन्येथाम् ऋ ३, ५८, ४; ८, २६,५.

आ-मन[c]– -नम् तै २, ३, ९, १[२]; –ऽनस्य तै २,३,९,१-३; मै २, ३,२[४]; काठ १२,२[२]; –नेन मै २, ३,२¶.

आमनक[d]– -कः खि ५,१५,७.

?आमनम्[e] पै १७,१२,५.

आ-मनस्[f]– -नसः तै २, ३,९,१;२; मै २, ३,२[४]; काठ ११, ६¶; १२, २[३]: –नसम् शौ २, ३६, ६; पै १९,४१,१३.

आ √मन्त्रि(<मन्त्र-)

आ-मन्त्रण– -णम् ¶काठ ६, ८;८, ७[२]; ¶क ४,७;७,४[२]; शौ ८,१०, १३; पै १६, १३३, ७; –णे काठ ८, ७[२]¶; क ७,४[२]¶; शौ ८,१०, १२; पै १६,१३३,७.

आमन्त्रणीय– -यः मै ४, ४, ८¶; शौ ८, १०, १३; पै १६, १३३,७.

आ-म(न्त्र्य>)न्त्र्या– -न्त्र्याम् पै २०,१९,१.

आ √मन्थ्, आममन्थ पै ५,३६,९.

आ √मन्द् आ √मद् द्र.

आम-पात्र–, °पेष– १आम– द्र.

?आमन्यतः[g] पै ९,२२,११.

आमयुँ– २आम– द्र.

आमयत् √अम् गतौ (परि.) द्र.

?आमयत्–,आमया-विन्– २आम–द्र.

आ-मरीतृ– आ √मृ (हिंसा°) द्र.

आ √मह्[h], आ···महे[i] ऋ ७,९७,२.

आ √मा(माने), आ (*मास्व) ऋ ९, ७२,९[j].

आमिमीते पै ३,२५, ३[k]; आमिमीयात खि ५,७, ३, २; मै ४, १३, ८; काठ १९, १३; शौ ६, ९२, ३‡[l]; आमिमीयान् पै१९, ३४, १३‡[l]; आमिमीयाः[l] ऋ १०,५६,२.

आ···ममिरे ऋ ३,३८,७.

?आमाताः[m] पै १७,१२,४.

आमाद्–, °दिनी– १आम– द्र.

?आमावास्याः[n] पै १३,५,२७.

!*आमाशिषः[o] मै १,४,१;५; काठ ५, ३;३२,३.

√आमि २आम– द्र.

आ √मि (प्रक्षेपणे), आमिनोति खि ५, १५,१०; शौ २०,१३१,१.

आ √मि (हिंसायाम्), †आमिनाति ऋ २, १२, ५; ६, ३०, २; ८, ८८,३; कौ १,२९६; जै १, ३१, ४; शौ २०, ३४, ५; पै १३, ७, ५; आमिनन्ति ऋ ५, ६९, ४; †आ-मिनन ऋ ९, ६१,२७; कौ २, ५६५; जै ३, ४८, १०; †आ··अमिनन्त ऋ १, ६९, २[p]; तै ३,१,११,५; मै ४,१२,५; काठ ११, १३.

आ-मिनत्[q] ऋ ४, ३०, २३; ७, ३२,५;८,२८,४.

†आ-मिना(न्>)ना– -ना ऋ १, ९२, १०; –ने[r] ऋ १,११३,२; कौ २,११००.

---

[a]) तु. BC. RW. MVG ३२३ आमदः इति पाभे.।

[b]) यत् सोमे (१०) इति उक्थेभिर् (११) इति चोभयोर् ऋचोः ताविद् (१२) इत्यनयर्चान्वयः द्र.। 'यत् नरः इन्द्राग्नी अजोहवुः, यौ (इन्द्राग्नी) गिरा (स्तुत्या) आमन्दानौ (सन्तौ) चित् (=इव) आ-विवासतः (दीप्तौ भवतः)' तौ इद्(एव) दुःशंसं हतम्' इति तृचस्य वा. स्वरमः (तु. उ.; वैतु. आ इति वें. सा. क्रिउ. इति, GG. स्वाम्र. इति च)।

[c]) नाप. (आमनस्कता-, प्रयोजक-कर्मन्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप.=मनस्- इति कृत्वा पृथक् प्राति. द्र.।

[d]) =आमणक– यद्र.। आ-म° इति बस.(तु.संस्कर्तुः टि.)।

[e]) पाठः? *या(:)*यामिन्यां (=रात्रौ) जम्भयन्त, नक्तम् इच्छन्ति या (*स्)तुरम्(⌊तु. मूको.⌋ √तुर् ⌊हिंसायाम्⌋ +तुमुनर्थे अम् प्र. उसं. ⌊पा ३,३,१२⌋) इति शोधः द्र.।

[f]) विप. (सजात-कुमार-, स्त्री-, वर-प्रभृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[g]) ?पद्मावागासु इत्यत्र टि. द्र.।

[h]) उपसृष्टस्य धा. अर्थः?। वें. LR. आपूजने वृत्तिर् इति, GW. प्रभृ. दाने इति, सा. आदाने? इति।

[i]) अदा. प्रपु१ त-लोपे रूपं द्र.।

[j]) वैतु. वें. सा. आ⌊प्रच्छ⌋ इति।

[k]) सपा. शौ ४,११,२ विमिमीते इति पाभे.।

[l]) सपा. °यात्<>°यान्<>°याः इति पाभे.।

[m]) पाठे? आमा(म-अ)द्– >-मादः इति शोधः?

[n]) पाठः वा. च?

[o]) पाठः? आ मेमा अग्मन्नाशिषः>(नैप्र.)यनि. इति मतमनु शोधः द्र.(तु.टि.विकल्पान्तरे? एमा अग्मन्नाशिषः इत्यत्र)।

[p]) वैतु. आ>न इति शोधः इति LR.?

[q]) श्ना-श-विकरणयोर् लेटि रूपं. द्र.।

[r]) सप्र. °मिनाने=°मेन्याने (पृ ६७७) द्र.।

आ-मेम्या(न>)ना[a]- -ने ऋ १,९६,५

आ √मिक्ष्, आमिमिक्षुः[b] ऋ ६,२९,३; आ···मिमिक्षुः[b], आ (मिमिक्षुः)[?] ऋ ६,२९,२[c].

आमिक्षा[d]- -¶क्षया तै २,५,५,४;५: ५,७,६,५; मै ३,४,७; काठ ३६,१; -क्षा मा १९,२१: २३; का २१,२,१०: १२: तै ३,३,९,२; ६,२,५,३¶; मै १,१०,१[3]:६¶: २,५,१०:६,१३: ४,४,६¶: काठ ९,४[3]¶; १३,९; १५,९: २९,१¶: ¶क ८,७[3]; ४५,२: शौ ९,४,४; पै १६,२४,५: -क्षाम् ¶तै १,८,२,१:३,१[2]:१९,१: ¶मै २,१,६:९; ४,४,६: शौ १०,९,१३-२४; पै १६,१३७,३-१०;१३८,१-४; -क्षायाः मै २,१,९¶.

आमित्र- २अमित्र द्र.

आमित्रशोचनि- अमित्रशोचन- द्र.

आ-मिनत्-, ^०मिनाना- आ √मि (हिंसायाम्) द्र.

आ-मिश्ल[e]-

आमिश्ल-तम- -मः ऋ ६,२९,४.

आमिष[f]- -मिषि ऋ ६,४६,१४; १०,९४,३.

आ √मीव्

आ-मीवत्-

आमीवत्-क[g]- -केभ्यः तै ४,५,९,२[h].

आ-मुख(<प)[i]- -खः मै ३,८,३¶.

आ √मुखाय(<मुख-), आमुखाय मै ४,१२,३.

आ √मुच्,ञ्च्, आमुञ्चते, आमुञ्चेत मै ३,९,४¶.

आ √मुष्, आमुष्णात् मै ३,७,३¶[j]; †आ···अमुष्णात् ऋ १०,६७,६: मै ४,१४,५; शौ २०,९१,६.

आ-मुष[k]-

†आ-मुष्य>ष्या ऋ ३,४८,⌊४:८, ४,४⌋: कौ २,१०७२.

आ √मुषाय[l], आमुषायति ऋ १,१३०,९.

आमुष्यायण- अदस्->अमु- द्र.

?आमूनाम् पै २०,३७,२.

आ √मू (<मु) र्छ्, आ (आ-अ) मूर्छत् शौ २०,३४,१२: पै १३,७,१२.

आ √मृज्>मर्मृज्

ϕआ-मर्मृजत्- -जन् ऋ १०,२६,६.

आ √मृद्, ‡आमृद्यन्ताम्[m] पै १६,७,८.

आ √मृळ्, †आ[n]··· मृळाति ऋ ४,५७,१; तै १,१,१४,२: मै ४,११,१; काठ ४,१५.

आ √मॄ (हिंसायाम्)

आ-मरीतृ- -ता ऋ ४,२०,७.

आ-मुर्[o]- -मुरः ऋ ४,३१,९: ८,२४,५; ३९,२: ९,६१,२४.

†आ-मुरि[p]- -रिम्[q] ऋ ८,९७,१०; शौ २०,५४,१; -‡रीम्[q] कौ १,३७०; २,२८०; जै १,३९,१;

a) विप. (नक्षोषासा-)। प्रकृतात् धा. यङ्लुकि शानच् प्र.। गस. उप. प्रकृतिस्वरम्। पृ ६७६ r टि. द्र.।

b) <√ म्यक्ष् इति PW. GW. प्रमृ.।

c) तु. सा. द.; वैतु. GW. यस्मिन् इति सप्त. युक्तः कप्र. आ इति।

d) नाप. (क्षीरविकार-विशेष-)। व्यु. ? पपा. नावग्रहः। <आ √मृज् इति पाउभो २,३,१९१ ?।

e) विप. (सोम-)। प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =मिश्र- यद्र.।

f) नाप. (क्रविस्-)। व्यु. ? पपा. नावग्रहः। <१आम- +क्रविस्- ⌊कर्.⌋ इति वा, <√अम् इति वेति ? WAG. २,३९e; ३,१६२b, <आ √मिष् इति वाच. च ?

g) विप. (देवानां हृदयभूत-रुद्र-)। स्वन्तात्स्वार्थे कः प्र. तत्स्वरश्च। धा. हिंसार्थे वृत्तिरिति K., स्थौल्य इति सा.।

h) सपा. मा १६,४६ मै २,९,८ प्रमृ. पाठाभावः।

i) =एमु<>मूष- (तु. सपा. काठ २५,२ क ३८,५ प्रमृ.)। नाप. (वराह-)। गस. उप. √मु(ष्>)ख् ⌊इति वावि.⌋+ कर्तरि कः प्र. थादि-स्वरश्च।

j) सपा. तै ६,१,६,५ पर्यमु^० इति पाभे.।

k) तु. टि. आ-मुख-, एमुष-।

l) अत्र *मुष- इत्यतो भावे वा कर्तरि वा(?) मतः कृतः नाधा. द्र. (वैतु. सा. √मुष् इत्यस्यैव शायचि रूपम् इति ?)।

m) सपा. ऋ १०,८७,१८ आ-वृश्च्यन्ताम् इति पाभे.।

n) 'गां चाऽश्वं च पोषयिन्तु (नाप.=यदपि पुष्टिकारकम्= अन्नादिकम्) च नः आ-मृळाति ईदृशे' इति वा. द्र. (वैतु. या ⌊१०,१५⌋ स्क. दु., वे. मा. आ⌊हर⌋ क्रिउ. इति, वें. ⌊पदे⌋, भा. GW.GRV. प्रमृ. चार्थे स्वाग्र. इति, सा. ⌊तै.⌋ आ···जयामसि इति च)।

o) नाप. (राक्षस-, शत्रु-)। प्रकृतस्य धा. आच्छादने वाऽन्तर्भावित-ण्यर्थे वा वृत्तिः द्र.। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. वें. सा. ऋ ८,३९,२ <आ √मुर्छ् इति)।

p) विप. (इन्द्र- ⌊वैतु. GW. प्रमृ. नाप. =आ-मुर्-⌋)। गस. इन्नन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। शिष्टं पूर्वत्र टि. द्र.।

q) सपा. ^०रिम्<>^०रीम् ⌊छन्दस्तो दीर्घ इति ?BS⌋ इति पाभे.।

३,२३,१२.
आ √*मेन् (हिंसायाम्)
आ-मेन्य[a]– -न्यस्य ऋ ५,४८,१.
?आ म्र स्स्व देव करोर् उ त क-
दे व वः पै २०,५८,३.
?आ म्रा सै स्रा पै २,७७,१.
¶आम्ब[b]– -म्बानाम् तै १,८, १०,१:
• काठ १५,५.
?आम्य[c] पै १७,२९,१७.
आ √म्लुच्
आ-म्लोच(त्>)न्ती– -न्ती मै २,८,
१०[d].
आयु– ऐ(आ √इ) द्र.
आ √यच्छ् , यम् (यमने),> यामि,
¶आयच्छते मै ३,७,१०[e]; काठ
२४,९; क ३८,२; आयच्छति मै
३,६,४¶; †आयच्छन्ति ऋ ८,४,
२; कौ २, ५८२; जै ३,४७,८;
शौ २०,१२०,२; आयच्छतु पै ४,
४,४[f]; आ···यच्छतु ऋ ४,३२,
१५; ८,३४,२[g]; आ···यच्छन्तु
ऋ १,१३०,२; ८,३२,२३; आ-
यच्छस्व खि ५, ५, १०; मा ३,
३८-४०[h]; का ३, ४, ३-४[h];
‡आयच्छ[i] पै १२,६,३; १९,५१,
१३; आ···यच्छ,>च्छा शौ ६,
१३७, ३; पै १, ३८,४; आ(आ-
अ)यच्छत् मै ४, २, ८¶; आ
(आ-अ)यच्छन् मै ३, ६,४¶.
†आ···यमसे[j] ऋ ५,३३,३[k]; मा
१०, २२[k]; आ-यमत् ऋ ८,९२,
३;९,४४,[५;१०,१४,१४[l]]; खि
१,४, ९; कौ २,६५†; जै ३,७,
३†; †आ···यमत ऋ ८, ११,७;
मा १२,११५; का १३,७,१४; कौ
१,८; २, ५१६; जै १,१, ८; ३,
४०,१२; शौ६,३५,३$[m]; आय-
मेत् शौ १८, २, ३‡[l]; आ···
यम्याः ऋ ४,२२,८;६,२३,८.
आयपाम शौ ९, ३, ३; पै १६,
३९, ३; आयेमिरे ऋ ३, ६,८.
†आयामयन्ति[n] ऋ १,१६२,१६;
मा २५,३९; का २७,१४,१; तै
४,६,९,२; मै ३,१६, १; काठ
४६.५; †आ···यामय[n] ऋ ८,
३,२; कौ २,७७२.
आ-यच्छत्– -च्छद्भ्यः मा १६,२२;
का १७,३,१, तै ४,५,३,२; मै
२,९,४; काठ १७,१३; क २७,
३; –च्छन्तः शौ ६, ६६, २; पै
१९, ११,१२.
१आ-यत्[o]– -यत् ऋ ३,५५,८; शौ
१२,३,४९[p].
आयु(त्>)द्-वसु[q]– -सुः शौ
१३,९,३.
आ-यत,ता– -तः ऋ १०, १३०,१,
–†तम् ऋ ८,९२,७; कौ १,
१५०; २,९९२; जै १, १८, ६;
४,२७,१; –¶तया तै ३,२,९,५;
मै ३,२,४;४,२,१२; काठ २१,६

a) विप. (रजस्- [=ज्योतिस्- तु. या ४,१९]) । व्यु.? यनि. कर्तरि कृत्यः यः प्र. उसं. (पा ३,४,६८)। मौलिथ. तु नैप्र. आ √मी>(भाप.) *आ-मयन->*आमेन->आ-मेन्य- इत्यनवगृहीतस्तद्धित इति संभाव्येत। 'मायिनी अपो वृणाना अग्रे आमे° [=हिंसकस्य, दाहकस्य] रजसः (=तेजसः [कर्मणि ष.]) वितनोति' इति वा. द्र. (वैतु. सा. यनि. <आ √मा[माने] इति, ?PW.<आ-मेनि इति, GW. <अमेन- इति वा [PW. अनु] °मेनि- इति वा, ORN. पाठः? इति कृत्वा =*आमेम्य- [तु. आमेम्यान- <आ √मी] इति ?)।

b) नाप. (धान्य-विशेष-)। व्यु.?।

c) पाठे? **असि अथ** इति द्वि-पदः शोधः स्यात्?

d) सपा. मा १५,१७ का १६,४,५ तै ४,४,३,२ काठ १७,९ क २६,८ माश ८,६,१,१८ **अनुम्लो°** इति पाभे.।

e) सपा. तै ६,२,२,७ **समायच्छते** इति पाभे.।

f) सपा. शौ १,७,४ **आरभताम्** इति पाभे.।

g) सपा. कौ २,११५९ **आ···वक्षतु** इति पाभे.।

h) तु. सस्थ. टि. **अभि**।

i) सपा. ऋ ४,५७,४ **बध्यन्ताम्** इति पाभे.।

j) तु. सा.; वैतु. GW. ग. अभावः।

k) =सपा. माश ५,४,३,१४। का ११,७,२ तैब्रा २,७, १६,२ तु **आ···युवसे** इति पाभे.।

l) सपा. °यमत् (तैआ ६,५,१ च) <>°**यमेत्** इति पाभे.।

m) सपा. आश्रौ ८,११,४ शांश्रौ १०,९,१७ एपु इति मुद्रण-भ्रेषः सन् **शोध्यः** द्र.।

n) °**यमय**° इति ऋ. मा. पपा.।

o) विप. (विश्व-)। गस. **क्विबन्तम्** उप. प्रकृतिस्वरम्। धा. *वृद्धौ वृत्तिः **उसं.**।

p) विप. (वयस्-)। पाठे? **धेनुर् अनड्वान् वय आ-युद् एव (वा)** इति पाद-**शोधः** द्र. (तु. प्रकरणं छन्दश्च, सस्थ. टि. √इ>यन्तु इति, तद्->तम् इति च)।

q) विप. (इन्द्र-)। बस. पूप. **प्रकृतिस्वरम्**। पूप. धा. *ज्वलने वृत्तिः उसं. (तु. सस्थ. **इवद्-वसु-, भवद्-वसु-** इति, सं √यम्>संयत्->°युद्-वसु- इति च)।

क ३१, २१; –ता ऋ ५, ४४, ९; शौ ६,६५, १; पै १९, ११, ११; २१, ६; –ताः काठ ३४, १८[2]¶; पै २,७०,१; १६,१५०, ३; –ताम् तै ३, २,९,५¶; शौ ११, २, १; पै १६, १०४, १; –तायाम् काठ ३६, १५; शौ ६, ३८,४; पै २, १८,३.

आयत-प्रतिहि (त>)ता[a]– -ताः काठ ३४, १८¶.

आ-यति– -तिः ऋ १,१३९,९.

आ-यन्तृ– -न्तारम् ऋ ८,३२,१४.

आ-यमन– -नम् पै १९,३८,११.

आ√यज्, >याजि, इयक्ष, आ··· यजति ऋ १,२६,३;७,७,५; आ यजन्ते ऋ ३,४,२; †आयजसे ऋ १,९४, २; पै १२, १, २; आ-यजामहे ऋ १,४०,४; आयजाते ऋ ७, ६०, ११; आयजताम् खि ५,७, २, १०; मा २१,४७; का २३,५,५; मै ४,१३,७; काठ १८, २१; †आयजन्ताम् ऋ १०,१२८, ३; तै ४,७, १४, १; काठ ४०, १०; शौ ५, ३, ५; पै ५, ४,५; आयजस्व ऋ ३, १, [२२; १०, ८०,७]; ८,११,१०; १०,२,६[b]; मा १४,४;१५,३; का १५,१,४; १६, १,३; तै ४,३,४,२; मै २, ८,१;७; काठ १७,१;६; क २५, १०; २६, ५; शौ ६, ११०, १; आ ··यजस्व मा ७,४[c]; का ७, २, १[d]; आयज ऋ १, १८८, ९; आयजेथाम् ऋ १०,७०,७; आ-(आ-अ)यजन्त[e] ऋ १,१२१,[५; १०,६१,११]; आ(आ-अ)यजन्त ऋ ४,४२,८.

†आयेजे[f] ऋ १, ११४,२[g]; १०, ६३, ७; काठ ४०, ११; आयजे तै ४,५,१०,२‡[g]; आयक्ष्यते खि ५, ७, २, ११; ४, १५; मा २१, ६१; का २३, ६,१४; मै ४.१३, ९; काठ १९, १३; †आ···यक्षते ऋ ८, १९, ४; कौ २, ७३४; आ···यक्षत् ऋ ६, १२, २; आ-यक्षसे मै १,९,१; ४¶; काठ ९, ८; क ८, ११; आ[h]···यक्षि ऋ १, १०५,१३; १०, ५२,५.

आयाजयानि[i] काठ १०,११.

†आ ··इयक्षनि ऋ १०,११,६[j]; शौ १८,१,२३.

आ-यज[k]–

•†**आयजिष्ठ**[l]– -ष्ठः ऋ २,९,६; १०,२,१; तै ४, ३,१३,२;४;६, १,५; मै ४, १०,१; ५; काठ २, १५;१८,२१;२१,१३.

आयजीयस्[m]– -यान् खि ४,९, ६; ५, ७, ३,११; मै ४, १०,३; काठ १९,१३.

आ-यजि[n]– -जिम् ऋ ८, २३, १७; –जी ऋ १,२८,७.

a) द्वस. पूप. पुंवद्भावः उसं. (पा ६,३,४२)।

b) तु. मस्थ. टि. अनु।

c) =सपा. माश ४,१,२,१५। तै १,४,३,१ मै १,३,५ काठ ४,१;२७,२ तु सम्···यजस्व इति पाभे.।

d) राय एषो यज॰ इत्येवं मूलतः पाठस्य सतः रायो ऽवेषो यज॰ इति विकृतः पाठः संभाव्येत । एवं पृ ४५८ अव···यजस्व इत्यत्र शोधः द्र.।

e) आ-अ॰ इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१)।

f) लिटि संप्रसारणाभाव एत्वाभ्यासलोपौ च द्र. (तु. पाम ६,४, १२०, मा., नागेशश्च; वैतु. कैयटः लङि उपु. आङ्-आगमं परिकल्पयंश्चिन्त्यः)।

g) सपा. ऋ १,११४,२ आयेजे इति पाभे.। तद् मूलतः द्विरुक्ताद् धात्वंशाद् ययज् इत्यतो द्विविधोऽत्र नेप्र. विपरिणामः द्र.। तथाहि येज् इति ऋ.,(*यअज्>) यज् इति तै. च। एवं स्थिते इदं यज् इति वस्तुतो द्विरुक्तं सद् अद्विरुक्तमिवाजनीति कृत्वा यजति प्रभृ. वस्तुतोऽद्विरुक्तात् सत इतराद् √यज् इत्यतो भिन्नं द्र. (ORN. तु द्वित्वाभावं पक्षयन् विमृश्यः)।

h) वैतु. सा. प्रभृ. स्वाश्र. सत् क्रिवि. इति।

i) Sch. सात. SI. ॰या जयानि इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सप्र. मै २, २,४)।

j) '(अग्ने !) जारः (=ज्योतिर्धरः सन्) पितरौ (=अग्न्यौ) उदीरय (यतः) हर्यतो (यजमानः) भगमेयक्षनि' इति वा. द्र. (वैतु. या [३,१६] स्क. दु., वें. सा. PW. GW.GRV. प्रभृ. जारः [प्रसिद्धः] आ भगम् इत्येवं संबन्धः इति कृत्वा आ औपमिकम् अव्य. इति, W. जारः [= जरिता = स्तोता] आ [ह्वयति] इतीव कृत्वा क्रिइ. इति च)।

k) कर्तरि कृत्।

l) आतिशायनिकः इष्ठन् प्र. नित्स्वरश्च। पाप्र. तु <आ-यजितृ– इति।

m) ईयसुन् प्र.। शिष्टं l टि. द्र.।

n) विप. (अग्नि-, उलूखलमुसल-)। गस. उप. कर्तरि वा करणे वा इः प्र. (पाउ ४, १४०) प्रकृतिस्वरश्च (तु. स्क. सा.; वैतु. या [९, ३६] वें. च कर्मणि प्र. इति)।

आ-यजिन्[a]- -**जी** खि ४,९,६:५,७, ३,११: मै ४,१०,३[b].

आ-यज्यु[c]- -**ज्यवः** ऋ ९,९७,२६.

ए(आ-इज्य>)ज्या[d]- -**ज्याः** खि ५,७,२,१०; मा २१, ४७; का २३, ५, ५, मै ४, १३, ७: काठ १८,२१.

ए(आ-इ)ष्ट,ष्टा- -**ष्टः** मा२३,४९; का २५, ९, ५: -¶**ष्टम्** काठ ६,६: क ४,५: -**ष्टा** मै १, २, ७: ३, ८,२; काठ २,८: क २,२;-**ष्टाः**[e] मा ५,७: का ५,२, ७; तै १,२, ११,१;६,२,२,६: मै १, २, ७: ३,८, २: काठ २,८: १२, ७¶: २४,९; क २,२;३८,२.

आ √यत्, आ···यतते, आ(यतते)[२] ऋ ३,१६,४[f]; †आ···यतन्ते ऋ १०,२९,८: ९१,७: मै ४, ११, ४: कौ २,३३३; जै ३, २८, ५: शौ २०,७६,८: आयतथः ऋ ५, ७४, २; आयतन्ताम् शौ १७, १, ३०: आ(आ-अ)यतन्त काठ १४, ५¶: आ···यतेमहि[g] ऋ ५,६६,६: †आ···यतेम ऋ ६, १,१०: मै ४,१३,६; काठ १८, २०.

आ-यतन[h]- -¶**नम्** तै १,६,७,१:२: ७,५,३; २,२,६,१[२]: ५,२,४,३: १०, २; ६: ३,७,१; ६, २,५[२]: ६, २,५,५: ६,१०,२[२]; ७,१,५, २;२,८, ६[२];७; मै १, ४,१०;५, ११;९,३[२]:४[२]:५; २,१,२;३,१, ३;९;२,६;३,५:९,५;१०,५[३];४, २, ४: ७,६; काठ ९,११[२];१२[२]: १०,३: २०,६:९[२]; २१,८; २३, ५:९: २५,५: २८,३; २९, ६[२]: ३२,७: क ३१,८;११[२]: ३६,६; ३९,२:४४,३;४५,७[२]:§शौ १५, १२,७;११: §पै १७,२९,५:११: -¶**नात्** तै १,५,२, ३:२,२,६, १:५,१,५,८; मै ३,३,१०[२]: काठ १९,५:२०,१:२८,३: क ३०,३: ३१,३:४४,३: -¶**नाय** काठ ८, १०; क ७, ६: -**ने** मा ५, २८: का ५,७,४: ¶तै १,६,७,१: ७, ५,३:२,२,६,१: १०,५[२]; ३, ४, ८,५:५,२,४,३:४,११,४:६,२, ५,५; ७,२,८,१[२]:२: ३[२]: ४[२]:६; ७[२]:मै ३,१,९¶;९,२:¶४,२,४: ६,६:७, १; -¶**नेन** तै ७,१,५, २[२]: मै १,९,५:३,१,८: काठ ९, १२; १९,७: २०,७: क ३०,५: ३१,९.

आयतन-तम- -**मम्** मै ४,७,६¶.

¶**आयतन-वत्**- -**वतः** काठ २८, १०;३०,७; क ४५,१: -**वति** मै १,६,११;३,१,४;४,४;७,७;४, ५,२; ८,५; -**वन्तः** मै ३, १०, ५; काठ २८, १०; क ४५, १; -**वन्तम्** तै २, ३,१३,३; मै ३, ४, १०: काठ २६, ३; २८, ३: क ४१,१; ४४,३; -**वान्** तै ३, १,९,३; ५, २,१०,६;६,२,५[२]: ६,६,१०,२[२]; मै ३,४,१०;१०, ५: काठ २०, ९[२]; २६,३[i]; २८, ३:१०; २९,६[२]; ३०,७; क ३१, ११:४१,१; ४४,३;४५,१:७[२].

¶**आयतनवती**- -**तीः** तै ३,१, ९, २[२]: ३: -**तीम्** तै ५, ७,३,३.

आयतनवत्त(न त)र- -**रः** मै २:२,१,२¶.

¶**आयतन-शम(>:)** काठ ३०, क ४६, ५.

आ-यत्त,त्ता- -**त्तम्** खि ३,१५, २१: पै २, ४९,१-५![j]: -**त्ता** मै ३, ४,६[२]¶: -**त्ताः** शौ ११,९, ३: पै १६,८२,३.

?आ-यत्- आ √यच्छ् द्र.

?२आयत् मै ४, ११,१![k]; पै २, २८, १?[l].

आ-यत-, आ-यति- आ √यच्छ् द्र.

?आयते[l] पै १८, ३२,१३.

?आयदायतु[m] पै २०,३६,१.

---

a) उप. इनिः प्र. इति आ-यजि- इत्यतो विशेषः ।

b) यजी इति पपा.? ।

c) विप.(सोम-)। गस.उप. युच् प्र.(पाउ ३,२०)प्रकृतिस्वरश्च।

d) विप.(इष्-)। गस. उप. कर्मणि क्यप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

e) स्त्री. प्र३ रूपम् (तु. मा. पपा.; वैतु. तै. पपा., तैप्रा ८,१८-२२ °ष्टः इति प्राचीनतरः लेवि. द्र. तमनु च भा. <एष्टृ- इति ?)।

f) तु. वें. सा. GW.; वैतु. सा. अन्तिमे श्रवणद्वये आ (गच्छति) क्रिउ. इति ।

g) तु. PW. GW.; वैतु. सा. आ(ह्वयामः) क्रिउ. इति ।

h) नाप. (स्थान-, गृह- [=युद्ध-स्थान- इति भा. तै २, २,६,१]) । गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

i) वैतु. अनाय° इति SI. पदच्छेदश् चिन्त्यः ।

j) पाठे? आ √यस्>भाप.आ-यस्त->-स्तम् इतिशोधः?

k) द्वितीयः पादः ? अन्नम् प्रतिगृभ्णाम्य् अन्यथा यत् इति शोधः द्र. (तु. *m* टि. शोध्यमानः सपा.)।

l) तु. टि. ?म आयते रमन्ताम् ।

m) द्वितीयः पादः,? अन्यथा यत् प्रतिगृह्णाम्य् अन्नम् इति शोधः (तु. *k* टि. शोधितः सपा.; वैतु. र. अन्यद्-आयत् इति मोघप्रस्तावः?) ।

१आयन- √अय्(परि.) द्र.

२आ(आ-अ)यन[a]**- -नः** काठ ८,४[६b]: क ६, ९[६b]; **-नम्** पै १६, ५१, ६[c]; **-नाय**[d] मा २२,७: का २४, ३,३: तै ७,१,१२,१; मै ३,१२, ३: काठ ४१,४: **-†ने**[b] ऋ १०,१४२,८: शौ ६,१०६,१: पै १९,३३,५: **-नेन**[e] शौ ६, १२२,२.

३आयन- ग(आ√इ) द्र.

आ-यन्तृ-, आ√यम् आ√यच्छ् द्र.

आयम् √इ(यथा.) द्र.

आ-यमन- आ√यच्छ् द्र.

आँ-यव[f]**- -वाः** काठ ३२,५:६¶: क ३४,१¶.

आ-यवन्[g]**- -वभिः**[h] मै २,१२,३: **-वानः** मै ३,४,४¶.

आ-युवन- आ√यु द्र.

आ-यवस्[i]**- -वोभिः** मै ३,४,४[२]: काठ २२,५:६: क ३४,१.

१आयवस[j]**- -से** तै ५,२,८,३: मै ३,२,६: काठ २०,६: क ३१,८.

२आयवस[k]**- -सस्य** ऋ १,१२२,१५.

आ√यस्

आ-यास- -साय मा ३९,११: का ३९,९,१: तै १,८,३५,१: काठ ४९,६.

१आयस-, °सी- २आयस-, °सी- √अय्>अयस्- द्र.

आ√या, आयाति खिसा २६,१८: तै २,३,१४,४[l]: शौ ६,६०,१: पै १९,१४,४: †आ···याति ऋ १,३५,२; ३:४८,५: ७७,५[m]: ११३, [१४(४,१४,३)]: ८,९, १८; मा ३३,४३: ३४,३१: का ३२,३,१८:३३,१,२५: तै ३,४, ११,२: मै ४,१२,४§[l]; ६;१४, ६†[n]; शौ २०,१४३,३: आ··· याति ऋ४.२९,२[o]: ?आ···येति[p] खि १,८,१: आयान्ति ¶काठ १९,११:३६,७: १३:१८: पै ४, २,५: आ···यान्ति ऋ १,८८, २[q]: आयासि पै ५,१२,३:१९, १३,१७: आ···याथः ऋ १, १३५,७: आयान पै १४,३,७: †आयातु ऋ ४,२१,१[o]: ३:८८, ५:७,६९,२[r]:८,२७,८:१०,४४, १: मा २०,३८[s]:का २२,

a) विप. नाप. च सत् बप्रा. द्र. ।

b) नाप. (आश्रय-, बन्धु-)। गस. आ√इ + अधिकरणे ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च (वैतु. र. पूर्वेण समस्तमिति)।

c) = *अर्तन- = ऋतयुक्त- । व्यु. ?।

d) विप. (अश्व-)। उप. कर्तरि प्र. (वैतु. भा. भाप. =३आयन इतिः सा. [तै.] बस. इति च म. अयन- > -नाय इति च पपा. विरोधाक्तिन्यौ)। एतदनु पृ ३९२ अयन- > -नाय इत्यत्र यनि. शोधः।

e) तु. C टि.। सपा. काकृ १३२:१८ आयतनवत् इति पाभे.।

f) नाप. (कृष्णपक्षदिवस-)। तस. नञ्-स्वरः। यनि. = अ-यव- (मा १४, ३१ प्रमृ.) इति कृत्वा पृप. २आ, उप. युव- (=शुक्लपक्ष-) इति च यद्र.।

g) नाप. (?कृष्ण-पक्ष-रात्रि-)। शिष्टं f टि. द्र.। उप. युवन्- यद्र.।

h) सपा. मै ३,४,४[२] काठ २२,५;६ क ३४,१ माश्रौ ६,१,५,२३ आयवोभिः इति, तै ५,६,४,१ आपश्रौ १६, १७,७; १९,११,६ अयावभिः इति, मा १२,७४ का १३,५,१३ माश ७,२,३,८ अयवोभिः इति च पाभे.।

i) युवस्- इति उप. इत्येव विशेषः। इहत्यं व्राह्मणं =आयवन- इत्यभिप्रैति। शिष्टं f,g टि. द्र.।

j) व्यु.? पपा. नावग्रहः। अ-यवस्- + स्वार्थे अण् प्र. उसं. (पा ५,४,३८: वैतु. पाग. पाम ५,४,३६ अञ् प्र. इति, भा. मा. आ =ईषद् इति, PW. आ-य° इति च)।

k) व्यप.(राज-विशेष-)। व्यु.? पपा. नावग्रहः।

l) सपा. आयाति <> आ···याति <> आ···यातु इति पाभे.।

m) वैतु. स्क. मा. आ-चिकित्वान् इत्यनुपपन्नस्वरौ, GW. जोषम् इति द्वि. युक्तः कप्र. आ इति।

n) सपा. ऋ ७,४५,१ आ···यातु इति पाभे.।

o) तु. सस्थ. टि. उप।

p) पाठः? याति इति संभाव्येत (तु. संस्कर्तुः टि.)।

q) तु. स्क. वें. सा.: वैतु. GW. वरम् इति द्वि. युक्तः कप्र. आ इति।

r) तु. सस्थ. टि. अभि।

s) तु. टि. ϕउप-जुषाण > -णः। =सपा. तैब्रा २, ६,८,२। तैब्रा २,८,२,१ तु आयान्तु इति पाभे.।

४,३[a]; ५,११[b]; तै २,२,१२,७; मै ३, ११,१[a]; ४, १४,२; १०[c]; काठ ३८, ६[a]; शौ ३,८,१$; २०, ९४,१; $पै १,१८,१; २०,१३, २; †आ···यातु ऋ १, ११८,१; ४,१६,१; २०,२; ५,४५,९; ७४, ८; ७,४५,१[d]; ६९,१; ८,२६,४; १०,७०, २; ११६,४; मा २०, ४९; का २२, ५,३; मै ४, १४, १०; काठ १०,१३$[e]; १७,१९; शौ ६,७३,१[२]$; २०, ७७,१; पै १९, १०,९[२]$; आ(यातु) ऋ ४, २१, ३; आ···याताम् खि ५, ७,४,१८; आयान्तु[b] पै ४,४,५[f]; १९,३३,१५; आ···यान्तु ऋ १, १६७,२; †आयाहि ऋ १,२,१; ३,४; ५[b]; ⌊६[b] (१०, १०४,६)⌋; १०१,८; १३४,१; १७७,२; ३,४, ⌊११; ७,२,११(५, ११,२; १०, १५,१०; ७०,११)⌋; ⌊(२,४१,२) ४,४७,१(८,१०१,९)⌋; ५,४०, ⌊१; ८,२१,३⌋; ५१,⌊५; ६,१६, १० (७,९०,१)⌋; ⌊८–१०⌋; ६, ४०,३; ⌊४(७,२९,२)⌋; ७,७,२[k]; ८,२,२८[२]; १३, ११; १७,१; २१, ३; ३४,१३; ६०,१; ६२,४; ६५, १; १०, ४४, २; ५; ११०, ३; १७२, १; २; खि १, ४,८; २,

१४,६; ३,८,५; ५,४,३; मा ११, ४६; २०,८७; ८८[b]; ८९[b]; $२६, ४; ५; २७,३०; २९,२८; का १२, ४,१०; २२, ८,८; ९[b]; १०[b]; २८, ३,१$; २९,३,८; ३१,४,४; तै २, ५,७,३; ४; ८,१; २; ४,१,४,३; ५, १,५,८[२]; ५,६,१; मै २,७,४; १३, ९; ३,१,६; ४,१०,२[२]; $; १३,३; काठ १६,४; २०; १९, ५; २०, १४; २६,११; ३९,१५; क ३०, ३. कौ १,१; १९१; २२७; ४०२; ४४३; २,१०; १६; ३०२$; ४९६; ४९७[b]; ४९८[b]; ९०२; ९७८; ४, ३$; जै १, १, १; २०,७; २४, ७[b]; ४५,४; ४६,७; २,७,१$; ३, २,१; ७; ६,९$; ३८,१०; ११[b]; १२[b]; ४, २३, ९; २५, ४; शौ २, ५, १$; $५, ८,२; ११, ८; १२,३†; २६, १२; २०, ३, १; ३८, १; ४७, ७; ८४, १; २[b]; ३[b]; ९४, २; ५; १०३, २; $पै २,७,१; ४, १८,५; ७,१८,२; ८, १,८; †आ···याहि ऋ ३, ४५, १; ४,२९,१[b],४८, ⌊१–४⌋; ६, १८,११; ७,१४,३[b]; ८,२६,२३; ४६,२५; १०१,९; मा २०,५३; का २२,५,७; मै ४,१४,२; कौ १,२४६; २,१०६८; जै १,२६,

४; शौ ७,१२२,१; †आ···याहि ऋ १, १४,१; १३०, १[b]; १३५, ⌊३; ७,९२, ५⌋[b]; १७७, ५[b,h]; ऋ २, १८, ⌊४; ५⌋; ६; ३,६,९; ४१, १; ४३,३; ५३, ५; ४, १६, १०; ६, १६, ⌊४४ (१, १४, ६)⌋; २१, ११[b]; २२, ११; ४१, ५; ७, ११, १; २४, ⌊३ (८, ७९,४)⌋; ⌊४(८,८,१; १८; ८७, ३)⌋; ३०,१; ३२,४[l]; ८,१,२३; ६,३६; १७,४[b]; ३३, १३; ३४, १[b]; ७; ⌊(८,५)११⌋; ⌊(२,४१,२; ४,४७,१)१०१,९⌋; १०३,१४; १०,१५,९; १०; ९८,९[b]; ११२, २; ४; मा ११,४१‡[j]; २७,२८[b]; ३३,८५; का १२,४,४‡[h]; २९,३, ९[b]; तै ४, १,४, १‡[j]; मै २, ७, ४‡[j]; ४, १०, २$; ६; १४,२[b]; काठ ८, १७; †कौ १, २९३[l]; ३४८[b]; ४५९[b]; २, ११५७[b]; जै १, ३१,१[l]; ३६,७[b]; ४८,३[b]. ४, १६,३; शौ २,५,४[k]; १८,३,६७; ६८; २०, ८,१[b]; १३,४; २३,१; ३६,११; आ···आयाहि ऋ ३, ४३, २[1]; आ(याहि) ऋ २, १८, ४[१]; ५[३]; ६; ७, २४, ३; ८, ६९, ५?[m]; खि ३,१,५?[m]; †आयातम् ऋ १, २,६[b]; ३,३; ४७,⌊२; ८,८,

a) पृ ६८१ r टि. द्र. । b) तु. मस्थ टि. उप. ।
c) तु. सस्थ. टि. अभि ।
d) पाभे. कृते पृ ६८१ n टि. द्र. ।
e) पाभे. कृते पृ ६८१ l टि. द्र. ।
f) सपा. शौ १, ७,५ °यन्तु इति पाभे. ।
g) तु. सस्थ. टि. अनु ।
h) आ+उ इति निपातसमाहारः द्र. ।
i) तु. सस्थ. टि. आ ।
j) सपा. ऋ ८,२३,६ याहि इति पाभे. ।
k) आ···इहि इत्यस्य स्थाने छन्दस्तः आ···याहि इति शोधः द्र. (तु. सप्र. ऋ ८, १,२३; ३३,१३; ३४,१ प्रभृ.) ।
l) तु. मस्थ टि. उप ; वैतु. वें. सा. उप·· आ याहि इति योगः, अपरश्च आकारः पूरणार्थ इति ।
m) 'सोतृभिः (कशाभिः) हियानोऽश्वो न नः स्तोममुप (=स्तोमेन हेतुना सता) द्रवन् (क्रिवि. =वेगयुक्तः यथा स्यात्तथा) आयाहि' इति वा. इति कृत्वा आ क्रिउ. इति स्यात् । यद्वा प्रथमे पादे त्रैष्टुभे सति 'अश्वो न °याहि सोतृभिः' इति द्वितीय आनुष्टुभः पादः स्यादिति कृत्वा प्रतीयमानाया-श्च्युतेः पूर्तिः कर्तव्या (तु. सस्थ. टि. द्रु-°वत्-, सोतृ-, स्तोम-; वैतु. GW. आ···उप···द्रवत् इति) ।

११; १४]; ९३, ११[a]; १०८, १; ११८, २; १३७, १: २: २, ३९, ५; ४१, ३: ३, ५८, २: ४, ४७, [३; ८, २२, ८]: ५, ४३, ८: ७६, ३; ६, ६२, १०: ७, ६६, [१७-१९]: ६९, ३; ७४, ३: ८, ५. २४: ८, ::११: १०, १; २२, १२[a]: ७३, २; ८५, ८; १०, ४१. ३: मा ३३, ५८ : ८८ : का ३२, ५. ८ : मै ४, १४, १०: कौ २. ९८० : ११०४: जै ४, २८, १: शौ ५,२६,१२§: †आ···यातम् ऋ १, ३०, १७: ३४, ११ : १०८, [४: ७. ९३, ६]: ११८, १०[a]: ११: १८३, [५[a] (८, ८५, १)]:[६;१८४,६: ३.५८.५]: ४, १४, १[a]: [४४,५ (७, ६९,६)]: ५, [(४३,११)७६, ४]: ६, ६२, ११: ६९. ३: ७, ५३, २: ६४, २: ६८, १: ७१, ४[a]: ७२. १: २[a] : ५ : ७३, ५: ७४, ४ : ९१, ६: ९३, ६[a] : ८, ५, ३२: ८, [२ : ९, १४: ८७, ५] : ४; [५ (३४, ११)]: १०१, ७[b]: १०,३९,१२: १०६, ११[a]; खि १, २, ४; ७, ३: मा ३४, ४७: का ३३,२, १०: तै ४,१, ११, ४; मै ४,१०,३: शौ २०,१४१, ४:१४३, ५: †आ···यातम् ऋ १, ४६,७: १०८,६[c]:[७-१२][d]: ४, ४१, ११; ६, ६०, ३: ८,५, ७[a]: १०, १४३. ५: मै ४, १३, ७: काठ ४, १५: †आ(यातम्) ऋ ७, ७२, ५[e]: ७३, ५[e]: ८,५, ३२[e]: ८, ३: ४: मै ४. १४, ८: आयात ऋ १, १७१. २[a]: ५, ५३,८: शौ १,१५. २: १८, ४, ६२[f]: ६३: आ·· यात ऋ १, ८८,१: शौ १८,३,१८: पै १९, १०,१०[f]: आ(यात) ऋ ५. ५३, ८: आ···यातन[g] ऋ ७, ५९,५: आ ··यातन ऋ ४.३४, ६[a]: आ ···यः(?यु:) पै ३, २०, ६[h]: आ (आ-अ)यातम् ऋ ८.८.[६: ३५. २२-२४][i]: आ···अयानम् ऋ १,११६,१९[a].

आ-ययौ ऋ ९, ८७,८: आययुः ऋ ५.५३,३[a]: १०.६३.५:१३०. १:आ ··ययुः ऋ२.५,५[j]:आ··· ययाथ ऋ ३, ३३,१०[k]: आयय ऋ १,१६८,६;५,६१,१;†आ··· यामत्, †आ(यामत्) ऋ ४,२०, १: मा २०, ४८: का २२,५,२: आ··यासिष्टम्[l] ऋ १,११९,४: आ···यासिष्टम् ऋ ८, २२,१७: †आ · यासीष्ट ऋ १, १६५, [१५: १६६, १५: १६७, ११: १६८, १०]: मा ३४, ४८: का ३३,२,११: मै ४,११, ३: काठ ९,,१८.

आ-यात्- -यान् खि १, २, १४: —यान्तम् काठ २४,६¶.

आ-यात- -तः पै १, ३७,१.

आ-यान- -ने ऋ ८,२२,१८.

आ-यु[m] ऋ २.१८,३.

?आयामी[n] खि ५,१३,५:६.

आ-याविन्- आ√यु द्र.

आ-यास- आ√यम् द्र.

?आयि पै ८.१०,८.

आयिन्- √इ(बधा.) द्र.

?आयिन- -नाय पै ४.१८,३.

आ√यु (मिश्रणे), >योयु, आयुवते ऋ ९, ७७, २: आ···युवते ऋ १, १०५, २[o]: आ···युवसे का १,१.

[a]) तु. मस्थ. टि. उप ।

[b]) तु. मस्थ. टि. प्रति√या>प्रति (यातम्). मा. Gri. च; वैतु. PW.GW. प्रति···यातम् इति ।

[c]) तु. मस्थ. टि. अभि ।

[d]) तु. स्क. वें. मा.: वैतु. GW. परि···आ··· यातम् इति ।

[e]) =सपा. हिगृ २, १०,५ कौसू ८३.२७ । मंब्रा २.३, ५ गोगृ ४,३,४ विध ७३,१२ तु गत इति, शौ १८,४, ६३ परायात इति च पाभे. ।

[f]) सपा. शौ ६,७३,३ एव स्त इति पाभे. ।

[g]) आ+उ इति निपातसमाहारः द्र. ।

[h]) पाठे? यनि. शोधः द्र. (तु. पृ ६२७ c टि.)।

[i]) वैतु. आ या° इति पपा. प्रभृ. अडागममपठन्तः सन्तः पूर्वार्धर्चांयमंवाऽनस्वारस्यं विघातुकाः ।

[j]) वैतु. वें. आ (गच्छति) किउ. इति, मा. आभ्यर्थे स्वाश्र. आ इति, GW. तिसृभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. इति ।

[k]) तु. टि. √श्रु>शृणवाम, GRV., RN. ४०५: वैतु. या [२.२७] स्क., वें. सा. प्रभृ. ग. अभावः ।

[l]) तु. स्क.: वैतु. वें. आ···निवहन्ता इति, सा. मर्यादायां कप्र. आ इति, GW. प्रभृ. पितृभ्यः इति पं. युक्तः कप्र. इति ।

[m]) गम. उप. के प्र. उसं. (पा ३, ४, १०) प्रकृतिस्वरश्च ।

[n]) पाठे? अ-यामिन्-> -मी इति शोधः द्र. (तु. टि. ?अनाशु° [परि.]) ।

[o]) तु. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. धा. अमिश्रणे वृत्तिः ।

७, २‡[a]; आयुवन्[b] पै २, २२, १‡[c]; आयवन्[b] शौ ३, १७, २‡[c]: आयुवस्व तै २, ४,५,२. आयुयुवे ऋ १,१३८,१[२].

आ-यवन[d]- -नम् शौ ९,६,१७;११, ३,१६: १२,३,३६: पै १६,५४, ३;११२,३;१२०,५:१७,३९,६: -नेन खि ५,१५,१२[e]: शौ २०, १३१,११[f].

?आ-याविन्[g]- -विभ्यः पै१९,३५,९.

¶आ-युत- -तम् मै ३, ६, २: काठ २३,१: क ३५,७.

आ-यूय>या ऋ २,३७,३: खि ५, ७,४,११.

आ-योयुवान- -नः ऋ ४,१,११.

१आयु[h]- -†यवः ऋ १,६०,३: ११७, २५: १३०,६: १३१,२[२]: १३९, ३: २, ३१,७: ४,७,४:५,४३, १४;६,१४,३; ७,३१,४[i]: ८,३, ७:८:१६: १२, १३:९,१०, ६: १५, ७; २३,२: [४: १०७, १४ (३६,२)]:६२, २०:६३, [१७; १०७, १७]:६४,१७; २३: ८६, २५: १०, ७, ५; ४६,८;७४,४: मा ३३, २८; ९७; का ३२,२, ११: तै ३, ३, ११, ४§: कौ १, २५६: ५०२; ५१८: ५२०: २, २०६: ४२७; ४७४: ६१८: ७१३; ९२३: ९२४; जै १,२७, ४: ५२, ६: ५३, ८: १२: ३, १९,१.३३,२: ३५,९: ५०,१०: ५८,१०: शौ २०, १०,२: ५९, २:७२,१[२]:९९,१: २: पै २०,३, ८§: -†यवे ऋ १,३१,२: ११[j]: १४०, ८: २,२,८[k]: ३,६०, ७: ५,७, ६: ७,४,३: ८, १५, ५[k]: ९, ६७, ८: १०, ४९, ५[l]: काठ ३९, २§: कौ २, २३१[k]: जै ३, २०, १५[k]: शौ २०, ६९, २[k]: -युः ऋ १,१६२, [१[m]:५, ४१, २]: ९, ६७, ८: मा ५, २: २५, २४†: का ५, १, २: २७, १२, १†: तै १, ३, ७, १[k]: ४,६, ८,१†; ६,३,५, ३: मै १, २, ७: ३, ९, ५: १६, १†: काठ ३, ४: ८, १०[२]¶[k]: २६,७[२]; ¶:४६,४†; क २, ११; ७, ६[२]¶[k]; ४१, ५[२]; ¶; पै ६, २,७?: -युभिः ऋ ५,६०,८;९, ५७,[३;६६, २३]: ६२,१३: कौ २, १३५‡[n]: १११३‡[n]; जै ३, १३,११‡[n]:४,७,७†; -युम् ऋ १,३१, ११:५३, १०[k]: ६,११, ४[o]: १८, १३; ८,५३, २[l]: १०, २०,७: खि ३,५,२: मै ४,१४, १५†[o]: काठ ८, १०¶[k]; क ७, ६¶[k]; शौ २०, २१,१०†; पै ६, २,७[p]:१७, १३,५: -युवः ऋ २, ५,५: मा १८, ३९: का २०,२, २: तै ३,४,७,१: मै २,१२, २: काठ १८,१४: क २९,३: -युपु ऋ १,५८,३:१३५,२:३,५९,९: ८,३९, १०;९,१६, ८: १९,३[q]: कौ २,८५३‡[r]: -योः ऋ १,९६, २:१०४,४: १२२,४: १४७,१[s]: १७४, ६:१७८,१: २,४,२:१४, ७:२०,४:३२,२:४,२,१२:१८: ६,[११: ५,३,४]: २३, ८: ३८, ४: ५,४१,१९: ४३, १४:४९,१:

[a]) सपा. ऋ ५,३३, ३ मा १०, २२ आ···यमसे इति पाभे.।

[b]) सपा. युवन् <>°यवन् इति पाभे.।

[c]) सपा. ऋ १०,१०१,३ मा १२,६८ माश ७, २,२, ५ या ५, २८ युयात् इति, तै ४, २, ५, ६ मै २, ७, १२ काठ १६,१२ आयत इति च पाभे.।

[d]) नाप. (धवनोपकरण-विशेष-)। गस. उप. करणे ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[e]) आ° इति स्वरे? यनि. शोधः द्र.।

[f]) वैतु. शंपा. आय, वनेनती इति?। [g]) अर्थः?।

[h]) विप. (इन्दु-, इन्द्र-, धेनु-, विश्- प्रमृ.), नाप. (मनुष्य-[निघ २,३, या १०,४१])। व्यु.? पपा. नावग्रहः। <√इ+उण् प्र. (पाउ १, २), सा. (तै ३, ४, ७,१) उ. म. द. (मा १८, ३९) च आ√यु(मिश्रणे) इति।

[i]) वैतु. पपा. प्रमृ. त्वा-यु->-यवः इतीह पदमिति? (तु. सस्थ. टि. अभि)।

[j]) GW. नाप. (अग्नि-) इति।

[k]) व्यप. (उर्वशीपुरूरवसोः पुत्र-) इति (तु. वें. सा.)।

[l]) सा. व्यप. (ऋषिविशेष-)।

[m]) वें. सा. नाप. (वायु-) इति।

[n]) सपा. ऋ ९, ६५,६ गभस्त्योः इति पाभे.।

[o]) पाभे. क्रुते पृ६५७ j टि. द्र.।

[p]) वायुम् इति पाठः? ऊर्जावन-> -र्जाव इति, यनि. चेति द्वि-पदः शोधः द्र.।

[q]) सपा. कौ २,३५० जै ३, २९, ७ आयुषि इति पाभे.।

[r]) सपा. ऋ ३,२४,४ विशिष्टः पाभे.।

[s]) वा.? 'हे अग्ने! ते आयोः' इति वा 'शुचयन्तः (आयोः =) आयवः' (आयवो >*आयभो >*आयहो > आयोः इति कृत्वा) शोधार्हः पाठः? इति वा। उत्तरे कल्पे छान्दसः वाविः द्र. (तु. ORN.)।

२;६,६७,६; १०,५,६; मा १५, ६३; का १६,७, ६; तै ४,४,३, ३; मै २,८,१४;४,१०,६†; काठ १७, १०; २१,३;१४†; ३९,२: क २६, ९: ३१, १८; शौ ५,१, ६†; १८, ३,२३; –†यौ ऋ १, ११४, ८[a]: ८,L(४,२)५२, १]: खि ३, ४,१; काठ २३, १२[a].

आयु-पत्नी– -०त्नि काठ ३७,१५[b].

²आयु[c]– -†युः ऋ १,६६, १[d]. १०, १७, ४[e]; मै २,१३, १४[f]: काठ ३९,४[f]; शौ १८,२,५५[g]; –युना मा ५,९[h]; का ५,३,२[h]: मै १, २,८[h]: काठ २,९[h];८,१०¶; क २,३[h]:७,६¶[h]; –युनि ऋ ३,३, ७;९,१००,१; १०,५,७; खि ५, १५,६[h]; मै ३,१२, १[i]; कौ १, ५५०†; जै १,५६,८†.

¹आयु-ध[j]– -धम् पै २,२०,५.

आयु-षु(<स)द्– -पदम् मै १, ११,४[k].

?आयुंदछति पै ५, २७,२.

आ√युज्,आ…युनज्मि ऋ३,५०,२. आ[l]…युयुजे ऋ १०,१०५, ३; आयुयुत्रे[m] ऋ ५,५८, ७: आ… अयुग्ध्वम् ऋ १,८५,४[n]: आयुक्षि मै २,७, १३‡[o].

†आयुयुज्रे[p] ऋ १०, ४४,७: शौ २०,९४,७.

आ-युज्– -युजः शौ १९, १०,२५: पै १६,८७,५.

‡आ-युजे– -जः पै १९,२५,९[q].

आ-युत– आ√यु (मिश्रणे) द्र.

²आ-युध[r]– -धम् ऋ २, १५, ४; ३, ४४,४;५,६३,४;६,२५,८:८,३, ३९.२९,५;९६,९: मा १६, ५१; २९,४५†: का १७,८,५: तै ४, ५,१०,४: ६,६,३†: ७,१५,४[s]; ६,५,५,२¶: मै ३,१६,५[t]: काठ १७,१६: २२, १५[t]; ४६.१†: क २७,६: शौ ६,१३३,२:१०,१०, १८: ११, ११, १: २०, १३८, ३†: पै ५, ३३, २: ७,११, ७: १५. १०, ८†: १६. १०८, ८; –†धा ऋ १, ३९,२: २.१६. ६;

a) पाठः? *आयवि (तु. मधु–>[मध१] मधवि) >नैप्र. यनि. इति कृत्वा छन्दस्तस् तत्परः शोधः द्र. (तु. सपा. मा २२,२ यत्र आयुस्–>-युषि इत्यपि प्राकरणिके वस्त्वर्थे [तु. मा.] न तु वयोऽर्थे आविर्नं स्यात्: वैतु. ORN. वयोऽर्थमेवाऽभिमन्यमानस्तत्परत्वेन आयु–>-यौ इति मोघ-शोधं प्रस्तावुकः, GRV. च तदेव पुष्णन्निव ऋ १, ८९, ९; १८३, ३; १८४, ५; ६. ४९, ५ इति स्थलानि साद्दृश्यरूपेणोदाहारकः सन् मूदृशं किमपि प्रकरणवैरूप्य- मुपेक्षमाणः]) ।

b) सप्र. शौ ५,९, ८ आयुष्पत्नी इति, आपश्रौ ६,२१. १ आयुःपत्नी इति च पाभे. ।

c) नाप. पुं. (वायु- [तु. e टि.], अग्नि-विशेष-), न. (आयुस् –), विप. (प्राण-) । व्यु. ? पपा नावग्रहः । <√इ इति सा. प्रमृ., <वायु– इत्यस्य वलोप इति धं. सा. (पक्षे), उद्गी. प्रमृ. ।

d) तु. GW.: वैतु. स्क. वें. प्रमृ. =आयुस्– इति ।

e) =वायु- [गन्तृ-] इति वें. उद्गी. सा., आयुषोऽधिष्ठातृ- देव- इति GW. W. ORN. (तु. तै ४, ४, ७, २) । भा. सा. [सपा. तैआ ६,१,२] विप. इति? ।

f) सपा. आपश्रौ १६, २८,१ वायुः इति पाभे. ।

g) एकतरत्र सपा. तै १,२,१२,१ आयुषा इति पाभे.। मै. °यु° इति स्वरः शोधार्हः।

h) सपा. शौ २०,१३०,१ इषूनि इति पाभे. ।

i) तु. टि. आयुस्–>-युषि (मा २२,२) ।

j) विप. (जीव-) । उस. । उप. √धा>कर्तरि कृत् द्र. (मन्त्रपूर्वार्धे पाठस्य शोधार्थं तु. सस्थ. टि. ?नामामि) । पृ ३३६ a इत्यत्र आयुषम्>आयुधम् इति शोधः द्र. ।

k) सपा. मा ९, २, माश ५,१,२,४ मनःसदम् इति, तै १, ७,१२,१ भुवनसदम् इति, काठ १४.३ आयुस्सदम् इति च पाभे. ।

l) तु. सस्थ. टि. अप: वैतु. सा. अनर्थक इति, वें. GW. ग. अभाव इति ।

m) प्रपु३ रूपम् (पा ६,४,६३) ।

n) तु. वें. सा.: वैतु. GW. MR. रथेषु इति सप्त. युक्तः कप. आ इति ।

o) सपा. ऋ १०, ९७, ७ मा १२, ८१ तै ४,२,६,४ काठ १६,१३ आविसि इति पाभे. ।

p) कर्मणि प्रपु३ रूपम् । यत्तु GW. छन्दस्तः -युजिरे इति पाठम् अभिप्रेयाय तच्चिन्त्यम् (तु. ORN.) ।

q) सपा. ऋ १०,१६६,४ आम्ना इति पाभे. ।

r) व्यु. ?, पपा. नावग्रहः । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. √युध्>भाव. इति विमृश्यम् ।

s) सपा. °युधम् <>°युधा (पृ ६८६ a द्र.) इति पाभे. ।

t) सपा. शौ ४,२७, ७ वैताश्रौ ९, २ अनीकम् इति पाभे. ।

५,२,३; ५७,६: ८,२०,१२;९,
३५,४;५७,२: ६१,३०; ७६,२:
९०,१; १०, ८४,१; १०१, २;
१०८,५; ११३,३; १२०,५; मै
४,११,४; कौ १,५३६;२,१३०;
५७९; ६५८‡[a]; १११२; जै १,
५५,४; ३,१३, ६; ४७,५: ५४,
११‡[a]; ४, ७, ६: शौ ३. १९,
५$: ४, ३१, १: ५,२,५: २०,
१०७, ८: पै ३, १९, ५$: ४,
१२, १: ६,१, ५: -†धानि ऋ
१, ६१, १३; ९२, १: ४,१६,
१४: ५, ३०, ९: ६,४४,°२२:
९, ९६, १२:१९: १०, ८, ७:
८: १०३, १०: १२३, ७: मा
१७,४२: का १८.४,१०: तै ४,
६,४, ४; कौ २,५२७; ११०५:
११९७;१२०८; जै ३, ४१, ३:
शौ ५,२०,८$;८,८,२०$:२०,
३५,१३: $पै १,५६,२: २,५६.
१-५: ३,१९,६: ९,२४,६: १६.
३०, १०: -धाय मा १६, १४;
का १७, १, १४: तै ४,५,१,८;
मै २, ९, २: काठ १७, ११; क
२७,१; पै १४,२, १२: -धेभिः
ऋ ७,२१,४; -†धिः ऋ २,३०,
९; ७,५६, १३: ५७, ३: मै ४.
१४,१८.

आयुधिन्- -धिनः काठ ३७, ११:
-धिने मा १६,३६; का १७,५,
५; तै ४,५, ७, १; मै २, ९, ७:
काठ १७,१४: क २७,४.

†आयुषक्[b] ऋ ९,२५,५;६३,२२: कौ
१,४८३:२,५८५: जै १, ५०,७:
३,४८,१.

आयुस्[c]- -युः ऋ १, १०, ११: २४.
११: ३४, ११: ३७, १५: ४४,
६: ५३, ⌊११: १०, ११५.
८⌋: ६६, १: ७३, ५: ८९,
२: ८: ९[d]: ९२, १०: ९३,
⌊३: ८, ३१, ८: १०, ८५,
४२⌋: ९४, १६: ९६, ८: ११३,
⌊१६: ८, ४८, ११⌋: ११७.११६,
१०: ११९: २५: १२५, १: ६:
१२७, ५: १३२,५: १५७,४; २,
३२, १: ३८. ५: ३,१,५: ७,१:
४९,२[d]: ५३, ⌊७:७,१०३, १०:
(१०. ६७, २)⌋: ⌊१६: ७, ८०,
२⌋:६२, १५: ४, १२, ⌊६: १०,
१२६,८⌋;६,१६, २७: ५२,१५:
७, २३, २: ७७, ५: ९०, ६:
१०४, १५; ८, १८, १८: ⌊२२;
१०, ५९, ५⌋; ४४, ३०; ४८,
४; १०[e]; ५४, ७; ५९, ७;७९,
६; ९, ८०, २; ९३, ५; ९६,
१४; १०, १४, ।१४; १८, ६⌋;
१६, ५: १८, ६; २७, ७; ३६,
१४: ४५, ८; ५१, ७; ८: ५३,
३: ५९. १[f]; ६२, ११: ८५,
१९: ९५. १०;१०७, २; १४४,
५: १६१, ५ : १७०, १: खि
१, ६, ७: २, ६, २४: ११.
२: ५: १४, ७: ३, ६. ७: ४.
५. ४: ६,७[g]: ५,७,२, १: खिमा
३२, १: मा ३, १७: ४. १५[g]:
२३:५,१७:२७; ६,३: ७,४७[h]:
८,६२:९,२१: १०,२५[g]: †१२.
१:२५. १४,१७: १८, ३: २९:
४९†: ५५: १९,३७: ९३: २१,
२†: २२, १: ३३: †२५, १५:
२१: २२: ३३,३०†:३४,४७†:
५१[g]: ३७,१२: का ३,३,७: ४.
५,७[g]:७,४:५,५,५:७,४: ६,१,
४:९,२,८[h]; १०,४,२: ११,७,
५[g]: †१३, १,१: २,८: १५,५,
१: १९, २, ३: ९, ३, २०, २,
१२†: ३,५: २१, ३,८: ६,१४:
२३, १, २†: २४, १,१:२०,१;

a) पृ ६८५ S टि. द्र.।

b) व्यु.? नैप्र. =*अनु-षक्-, आनुषक्-, सानुषक्- च (तु. सा.; वैतु. GW. २आयु- ⌊=शक्ति-⌋ इति पूप. इति ⌊वैतु. पपा. नावग्रहः⌋)। मौस्थि. *सधु-, *सन्धु- (=संहित-, अविच्छिन्न-) इति पूप.। नैप्र. *सधु->*हधु->*अधु(यु)- २आयु- इति, *सन्धु->*आनु-, *अनु- इति च वावि. क्रमाः द्र.।

c) नाप. न. (जीवनावधि-, एकाह-विशेष- ⌊तै.⌋)। व्यु.? <√इ(बधा.) इति पाउ २, ११८।

d) छन्दस्तः २आयु->-यु इति GW. प्रमृ.।

e) सपा. तै २,२,१२,३ अच्छ इति पाभे.।

f) नाप. (स्तुति-)। √*भृ(भ्र)ध् (स्तुतौ)>*भ(व) ध्रुस्->(नैप्र.) यनि. इत्यभिसंधिः। 'यथा क्रतुमता स्थात्रा रथस्य (आयुः ⌊प्रेरणं प्राजनमिति यावत⌋ प्रतरं नवीयश्च यथा स्यात्तथा प्रतारितं ⌊प्रवर्धितं⌋ स्यात्, एवं मया (क्रतुमता स्तोत्रा देवतायाः ⌊निरुक्तेः⌋) आयुः (स्तोत्रम्) प्रतारि (प्रस्तारं गमितम्)' इति पूर्वार्धस्य वा. द्र. (तु. मस्थ. टि. उद्>त् √तु, प्र√तॄ, स्थातृ- ⌊तरु-, तारु-⌋ इति च)।

g) =सपा. माश ३, २,२, २३ तैआ २, ५,३ आपश्री १०, १८,३; १७, २३,११। मंत्रा १, ६, ३४ तु आत्मा इति पाभे.।

h) =सपा. माश ४, ३,४, २८ शांश्री ७, १८, १। मै १, ९,४ तु मयः इति पाभे.।

†२७, ११, २ ; ८ ; ९ ; ३२, ३, ११†; ३३, २, १०†; १४[२]; ३७, २, २; तै १,१, ७,१; १३, २; ३,१४,२†; ४;५†; ५,५,३; ७,४¶; ९, ५¶; १०, ४; ६,१, १; ६, १; ११, ७¶; ७, ४,१¶; १६,१; ४९,१; ८,१५,२[२];¶२, १, ११, ६†; २, ३, २; ३[२]; ३, २, १[२]; २[३]; ५, ३ ; ११, १; ४; ५[४]; ४, १४, १†; ५, २, ४: ७, ४;५; १२, १$; ६,९,७$[a]; ३, १, ८, १ ; ¶२, १, २ ; ३; ३, ३, ३: ¶४,२; ३[३]; ५, १ ; ३¶ : ४, १, १०, ४† : २, २, ४†; ३, ६, २:४, ७, २; ७, १, २; १०, २: १३, २; १५, ७†; ¶५, १, ५, ७[२]: ३, ७, ३[३]; ४; ११, २; ६, २, २; ३,१: ७, २, १$; ४, ६, ४[२]; ५, २, १[२]; २: ३[२]; ६,५, १[२]; १०,२; ¶७, २, ४, २[२]; ३, ३, १; ५, २[२]; ६, १; २; ७, २; ३; ९, २[२]; ४, १, १[२]; ४,२[२]; १०, २; ११, १;२; ५,१,४;५: १९,२[२]$; मै १, १, ११; २, ३[b]; ८†; ३, २: १२[२]; ४, ७¶; ५, २; ४: ८[२]: ११: १४¶; ¶६, ४; ११: १२; ७, ५[४]¶; ८, ४; ९, ५[२]¶: ११, ३; ८; ¶२, १, ७[४]; २, २[८]; ३, ४[६]$;५[६];$[२];९;५,९;६,१२[२]$:

७,८†; ८,३$; ११, २$; १२, ३$;¶ ३, १,६;३,४; ४, २$; ८†; ७, ३; १०, ३[३];$११, ९; १०; १६, ५†; ¶४, १, ६; ७; १४; २,१;२;४;५$;७$;११$; ४, २; ३; ४[२]; ५, ३;९; ६,३$; ६[२४];८;८,३; ७$;$९,३; १२[c]; †११, १; २[d]; १२, २†; १३, ४; ९[e]; †१४, २[३]; १५[२]; १७: १८; काठ १, ७; १० ; २, ५ ; ७; ९†; १५[३]; †[२]; ३, १०;४, ४; १३[f]; १६†; ५,१; ३; ६, ५;९; ७,६[२];¶; ¶९,२[३]; १३[२]; १९†[d]: १०,४[२]¶: १२†;¶११, २[३];४[२]; ७[२]$: ८' ; १२, ११¶: १३, १५†: १४,१:८[२]: ¶:१५, ८[२]; †१६,८: ९; १७,३;१८†; १९‡[d]: १८,७: १२; १५: १९, ५[२]¶: २०, ११ : ¶२१, २: ३: ७[२]: ११$: ¶२२, ८:१०: २६, ९[२]¶:२७,४¶: ¶२८, १[२६]:५[२]: २९, १¶ : २[२]; ३: ६¶ ; ३०, ८: ९: ३१, ५¶:६: ३२,१[२]:¶: ३[८]: ¶': ५¶: ¶३३, २; ३[२]: ¶३४, २: ५: १५: ३५, १[२]†: ७: १६[२]¶: ३६, १५[२]: ¶३७, १; १४: १६[२]: ३८, २:३; १३[२]; ४०, ११†: ४५, १५[४]. क १, ७: २, ३†:१७; ३. ३; ४. ४;८: ५,५[२];¶:८.५[२]¶:२६,२:२८,७:

२९, १; ४; ३०, ३[२]¶; ¶३१, १३$; १७; १८[४]; ¶३५, २:४; ४१,७[२]¶; ४२,४¶; ¶४४,१[८]; ५[२]; ¶४५, २¶; ३[२]; ७; ४७, ५¶:६; ४८,९;१४[३]¶; †कौ १, ३९५; २, ८०३; १२२४: ३, ५, ७; †जै१, ४४,५; २, ३, २; ४, ७, ९; शौ १, ३०, ३: ३५, २; २, १३, २; ४ : १७, ४[२]: २९, २: ४, ३९, २; ४; ६:८; ५, ९, ८: ६, ४१,३; ७८, ३[h]; ७, ३३, १[h]; ३४, १[h]; ५५,३: ६; ८६, २[i]; ८७, २: १०८,१; ८, १, ३; २०†; २, १; २: ७; ११; १७: ४, १५†; ९,४, २२; १०, २, १५; ५, ३६, ११, १, ३४; ६, ६; १२, १, २२:६२: ७, २४[२]†; ३०†: ४५; ४,२८: ६, ३ ; १३, २, ३७; १४. १, २२†: २४: ४७; २,३६†: ३९; ६४; ७५: १६, ८, ४-२९: ३३: १८, २, ३†: १०†: २३: २९: ४६; ३,१७: ४,४=; ५२ ६२: १९, २७,४: ३२,३;५५,६: ५६, ५: ६१,१: ६३,१; ६४,४; ६९. १-४: ७०-७१, १: †२०. १२. २: २१. ११; ४८, ३: ९६. १०; पै १, १२,३: ४६,१: २:५: ५८, २: ८३, २: २. २३, १: २८, ४: ३०,१†: ३८,१:४४,१:४५,१[२].

[a]) =सपा. तैब्रा ३,५,१०,४ आश्रौ १, ९,५ शांश्रौ १, १४,१७ । माश १,९,१,१३ तु दीर्घायुत्वम् इति पाभे. ।

[b]) पृ ६८६ *g* टि. द्र. ।

[c]) पाठे? यनि. शोधः सुवेचः । प्रथमे पादे मा नो (आयुः) वर्म व्यथितो विव्यधीः । द्वितीये पादे मा नः परमधरं, मा रजो न उनयीः (तु. तैआ ४, २०, २ मा रजोऽनैः इति; वैतु. पपा. मानदोनैः इति पाठं मा, अनत्, आ, उनैः इति चतुष्पदं विच्छेदुकः)। तृतीये पादे मो ष्म त्वमस्मानन्तराधाः । चतुर्थे च पादे मा रुद्रियासो अभिगुर्वेवृनैः इति (तु. तैआ ४, २०,२, मस्थ. टि. मा च)।

[d]) पृ ६८६ *e* टि. द्र. । [e]) पृ ६८६ *h* टि. द्र. ।

[f]) =सपा. आपश्रौ १३,२२,१ । मै १,३,३९ तु पाठाभावः

[g]) सपा. ऋ ८, ४८,७ आयुषि इति पाभे. ।

[h]) तु. टि. आयुष्मन्तम् (खि २,६,१९)।

[i]) सपा. काठ ७, १२ पुष्टिम् इति, तै ५, ७,९,१ वर्चः इति च पाभे. ।

३,१७, ३ ; ४, १, ७‡[a]; ५,
२२, ९; ३९, ८†; ६,३, ४†:
११ , १३ : १८, १-९ ; ८, १,
११[b] ; १५, १० ; ९, ११, ३ ;
१२, ६: २१, २: १०, १०, ४[२]:
५ ; १२, १ : ११,५, ९: १२ :
१३; १२,१,१६†;४,३: १३,९,
१२:१३:१७: १३,१०: १४,१,
१२;१९: ३,१: १५,५,२:४: ६,
१:६-८:१२, १०: १६,१,३:२,
९:३,१:२; ७;८,१:७: १०,५†:
२१,६: ६०, ६: ६२,२: ९२,४:
११४, ५: १२५, ५: १४१, ३:
१४९,११:१२: १७, ३,३: १८,
८, २९, १४: १५: ३२, ५[२]†:
१०†: ३४,६: १८,३,१†; ३†:
५,४; १०,६†: १०;१३,३:१८,
५; २३, १:२४,४: १९,८, २[c]:
१०,२·१६,११:१७,१०[d]; ११:
२८,४; ५[३]: ६: २९,२:३९,१०·
४८,१: ११; ५१, ४: ५४, ११-
१४;२०,३,५:१०:१०, ६. १२,
५; १३,२: २२, ४: २३,१: २८,
१: ३२, ३; ४१,१;५४, ५:५५,
९[२]; ५६, ४; –युषः ऋ १०,
१००,५; मा ११,४६;१२,६५[e]:
का १२, ४,९; १३, ५,८[e]: ¶तै
२, २, २,५; ३, २,१,२: ३:३,
३; $४, १, ४, ३: २, ५, ३[e];
५, १,५, ७[२]$: ६, ५, २, ३[३]:
¶मै २, २, २: ३, ५: $७, ४;
१२[e]; ३,१, ६: ४, ६, ६: काठ
१६, ४; १२; १९, ५¶: २७,
४¶; ३३,८¶: ३७,१४¶: ३९,
८; क २५,३: ३०,३: ४२,४¶:
शौ १०,३,१६:१९,४८,१: ५८,
१: पै १,११०,१:२,८१,१:१३,
१, ९; १५, ३, १: १६, ३८, ६:
–युषा ऋ १,२३, २४: ११९,६:
७,१,२८: १०,८५,३९: खि १,
१२, ६:·३,१६, ६: खिपा ३३,
१७: मा ३,१९: ४,२८: १२,७:
९: ४०: का २, १,५: ३,३, ११:
४,९, ५: १३,१,८:१०: ३,११:
तै १,१,१, २: २,३, २: ८, १:
१२,१[२f]: ५,३,३:५,४: १०,२:
२,३,१०,३[२]:३,२,३,४¶:४,२,
१,२;३: ३,४: ६,१, ११,१: ६,
१०, २¶: मै १,२,३: ३;५,२[२]:
८[२]: ७,१[२]: ४: ५[२]¶: २,१,७¶:
३,४[३]:५[२]¶:८,१४[२]: ३,३,१¶:
४,६,६¶: काठ २,४; ६: ५,५:
६,९[२]; ७,६[२]:८,१४:९,१: २¶:
११,७[c]: १६,८[२]: २१,७¶:२४,
६:२८,१[२]:२९,६¶:३२,५:३५,
१७¶: ३६, १५¶: क १, १६:
१९:४,८[२];५,५[२]; ८,२:४:५¶;
३७,७: ४५,७¶: ४८,१५¶;कौ
२, ११८२; शौ ३, ५, ३; ३१,
१-९: १०[३];११; ७,९८,२†: ९,
१,१५: १०,५,४७:१२, २,३२;
५५: १३, १, १७-१९ : १४,
२,२†; १९,२७,८; ३३,१†; पै
१,४१,१;४;३,१३,३;१०,७,८:
१२,५,१; १६,३३,५; १५२,४;
१७, ३३, ३: ३५, ४; १८, ७,
२; १९, २२,६; ३८, १०: ४४,
११;–युषि ऋ ४,४,७;५८,११;
मा १६, १६‡[g]: १७, ९९† ;
२२, २[h]: का १७, १, १६‡[g]:
१९,१, १२†: २४,१, २[h]: ¶तै
१, २, १४, ३†: ५,२, २: ७,
५; २, ३, २, १:११,५:३, २,
६,३:३,८,३: ४,११,२‡[g]:४,१,
२,१$[h]:५,१०,३‡[g]:६,६, १०,
२: ७,१,११,१$[h]; २,१,४: ५,
९,२: मै ४,६,८¶:११,५†:१२,
६‡[g]: काठ ६,११†; १०, ४¶:
११,८¶: ४०,७†; ४१,२[h]: पै
८,१३,११†:१९,२८,६; –युषी
पै ६,२२,२२; –युषे खि ४, ६,
६; मा १,२०; ३, ६३; ७,२२:
२३[c]; २८;१४,२१: का १,७,४;
३,९,५: ७,९,२[c]: ९,१,३: १५,
६,१: तै १,१, ६, १:५, १०,१;
२,३,१०,३: ११,५; ३,२,३,२:
५,२;४,३,७,२. ७,५,१३,६; मै
१,१, ६;७:२, १०: ३,१४; ९,
५[२]¶; २,३,४;८,३: ३, १२,९;
४,१,६;७; २,४: काठ १,६; ४,
६[७];५,२;४;९,१३[२]¶;११,७;८:
१७,३;३१,५; ३६,१५[३];४५,९;
क १,६; ३,४[७]: २६,२; ४७,५;

[a]) सपा. ऋ १०,१२१, ७ √हृ(वधा.)>आयन् इति पाभे. ।

[b]) उर्वायुः इत्यस्य स्थाने सपा. शौ ५,११,११ उराध इति पाभे. ।

[c]) सपा. शौ ६, ५३,२ आत्मा इति पाभे. ।

[d]) सपा. शौ २, २९,१ आयुष्यम् इति पाभे. ।

[e]) =सपा. माश ७, २, १, १५ । शौ ६, ६३, १ तु आयुषे इति पाभे. ।

[f]) पू ६८५ g टि. द्र. ।

[g]) =सपा. तैआ १०, ५३ श्वेउ ४,२२ । ऋ १, ११४, ८ काठ २३, १२ मंब्रा २, १, ८ तु आयौ इति पाभे. ।

[h]) =सपा. तैब्रा ३,८,३,४ । मै ३, १२, १ तु आयुनि इति पाभे. ।

शौ १,३५,१[a]; २,२८,५;४,१०, ७[a];५,२८,६;१३:६,६३,१;७६, २;४: १८,२, २: १९, २४[b], २; ३: २६,३; ३२,१; ४०,३: ४५, ६-१०; ४६,१; पै १,५४,५: २, ४३,२:५९,४: ४,२३,१:२५,७: ७,१९,१०:१२,४,१: १५,४,६-१०; ५,३: ९:१०: १९,११,४: १५,१३:१५:२०,५७,४: –युंषि ऋ २,२५,१२:२७,१०:४१,१७: ३,१७,३: ४,३९, ६:८, ४८,७; ९,६६,१९:१०,१८,५:१८६,१: खि ५, २२, १३: खिमा ३, ४: †मा १९,३८:२३,३२:३४,८$: ३५,१६:†का ८,१२,१: २१,३, ९;२५,६,१२: २९,५,१:३३,१, ३$: ३५,४,१४:†तै १,३,१४, ७;४,२९,१: ५,५,२;११,४: ६, ६,२: ३,२,११,२: ३,११,४$: ७,४,१९,४: †मै १,३,३१: ५, १[२]: ६,१$: ७,४: ३,११, १०: १६, ४$: ४, १०, १: २: ११, १:१२,४: ५; †काठ २,१५: ४, ११; ६, ९: ७,१६; ९,२; ११, १३; १२, १४: १३,१६$: १९, १४:३४,२:३८,२: †क ३,९:४, ८:८,५; †कौ १,१८४:३५८;२, ३५०‡[c];८१४: ८६८: ११९०; ३, ५, १$: †जै १, १९, १०: ३७, ७; २,६,२: ३,२९, ७‡[c]: ४, ३,९: १२, ६: ३०, ३: शौ २,४,६:४,१०,६: ५,२८,७:६, ७८, ३: ७,१५,४: १२,२, १३: २५†:१४,२,६७: १९,३४,४†: २०,१३७,३†: पै २,५९,५:११, ३,४;†१७,३१,३: ३२,४: १८, १३,६: १९,१६, ११: ४३,७†: २०,३,३:२६,१०:†४८,२:३.

आयुः-का॑र्[d]– –०र मै ४,७,३.

आयुर्-दद्[e]– -ददम् शौ ६,५२,३[f].

आयुर्-दा[g]– -दाः मा ३, १७[h]; का ३,३,७[h]: तै १,३,१४,४[i]: ५,५, ३[h]:७, ४[२h]: २,५,१२,१[i];३,३, ८,१[?]: मै २,१३,१६: ४, ९,६: १२, ४[i]; काठ ११, १३[i]:३९,९; शौ २, १३, १[i]; पै २, ४४, १: १५,५,१[i].

आयुर्-धा[g]– -धाः तै १, ६,६, १[h]; ७,६,१[h]: मै १,५,२[h];९[h];४,६, ६[?]; काठ ६,९[h]; ७,६[h]: ३५,७; क ४,८[h]:५,५[h]:४८,९.

आयुर्-युध्[j]– -युधः मा १६, ६०; का १७, ८,१४

आयुर्-विद्– -विदम् पै १९, ७, ६[f].

¶आयुष्-काम[k]– -मः मै २, २,२[?]: काठ ११,४: –मस्य मै ४,५, ३: ६,६.

आयुष्-कृत्[l]– -कृतः मै २, ३,४[m]: ५[?]¶: काठ११,७:८¶: –०कृता[n] शौ ५, ९,८[o]: पै ६, ११, १४[o]; –कृताम् शौ ३, ३१,८: १९,२७, ८: पै १०, ७, ८: –कृते काठ ३९,२[p].

आयुष्-ट्व(<त)त्[q]– –०ट्त् काठ ३७,१५[o].

---

[a]) आयुषे, वर्चसे इति पाठस्य स्थाने सप्र. शौ १९,३३, ४ जरसे, स्वस्तये इति, खि ४, ६, ८ मा ३४, ५२ आयुष्मान् जरदष्टिः इति च पाभे. ।

[b]) सपा. हिगृ १,४,८ ब्रह्मणे इति पाभे. ।

[c]) सपा. ऋ ९,१९,३ आयुषु इति पाभे. ।

[d]) विप. (अग्नि-) । उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । सपा. तै ३,३,१,१ तेजस्विन्- इति पाभे. ।

[e]) विप.(वीरुध्-)। उस.उप. √दद्+क्विप् प्र.प्रकृतिस्वरश्च

[f]) सपा. °ददम् <> °विदम् इति पाभे. ।

[g]) विप. (अग्नि-) । उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[h]) सपा. °दाः (माश २,३,४,१९ शांश्रौ २,११,३: ४, १२, १०, पागृ २, ४,८ च) <> °धाः (जैमि १, ७८ माश्रौ ३, ६, २० च) इति पाभे. ।

[i]) =सपा. तैब्रा १,२,१,११ तैआ २,५,१ आश्रौ २,१०, ४ आपश्रौ ५, ६,३;६,१६,१०;१३,१९,१०; १४,१७,१ माश्रौ २,५,४,२०;५,२,२,१४; ११,९,२ आपमं २,२,१ शांगृ १,२५,७ आपगृ ४, १०,९ हिगृ १,३,५:६,२ कौसू ५३,१:१३ । मा ३५,१७ माश १३,८,४,९ काश्रौ २१,४, २६ तु आयुष्मान् इति पाभे. ।

[j]) विप. (रुद्र-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । सपा. तै. काठ. ?यव्युधः इति, मै. ?वोयुधः इति च पाभे. यद्र.।

[k]) तु. टि. अश्व-कामा– ।

[l]) उस. कर्तरि क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[m]) सपा. तै २,३,१०,३ काठ ११, ७ पागृ १, १६, ६ आपमं २, १४,८ आयुष्मत्, °ष्मान्, °ष्मन्तः इति च पाभे. ।

[n]) सं२ द्र. । पाठे (°कृदा° > °कृता आ° इति शोधः (तु. पै. मूको. W. च: वैतु. पपा. °कृत इति) ।

[o]) सपा. आपश्रौ ६,२१,१ °युकृत (?ता) इति पाभे. । सप्र. °कृता <> °ट्त् इति पाभे. ।

[p]) सपा. आपश्रौ १६, २९,२ आयोष्कृते इति पाभे. ।

[q]) व्यु. कृते l टि. द्र. । उप. < √तन् ।

¶आयु-ष्टो(<स्तो)म[a]- -मम् तै ७,४,११,१; काठ ३३,३.
आँयुष्-प(ति>)त्नी[b]- -त्नी शौ ५,९,८[c].
आयुष्-पा[d]- -पाः मा २२,१; का २४,१,१; तै १,१,१३,२.
आयुष्-प्रतरण[e]- -णः शौ ४,१०,४; पै ४,२५,६.
आयुष्-मत्- -मत् तै २,३,१०,३[३f]; काठ ११,७[३f]; ३६,१५[२]; शौ ६,९८,२[g]; पै ७,१४, ९[३]; १९,१२,१४; २२,४; -मतः मै २,३;५¶; शौ ८,२,१३; पै १६,४,३; -मताम् शौ ३,३१,८; -मते तै २,३,३,२¶; मै १,३,३१[२h]; काठ ३६,१५; -मन्तः तै २,३,१०,३[३f]; ११,५¶; ३,१,९,२[२]; मै १,३,३६; २,३,५¶; काठ ११,७[३f]; ८[२]; ३०,६; ३८,१४; शौ ६,४७,१; २[i]; ७,६३,१; २; पै १,१०३, २; ७,१४,१०[३]; १६,१३२,१२; १९,२८,१२; ४३,१०; ११; ४२,८; २०,२५,४; ५६,८; -मन्तम् खि[j] २,६[२],१९[k]; तै २,२,३,२¶; ३,१०,३[२]; ३,३,१,१[m]; २[n]; मै ४,७,३[n]; काठ ३५,३[k]; ३६,१५; क ४८,४[k]; पै १,८३,४; ६,९,६; १९,१-६; ७,१४,१-११; ८,२०,८; -मान् खि ४,६,८[o]; मा ३४,५२[o]; ३५,१७[p]; का ३३,२,१५[o]; ३५,४,१५[p]; तै १,६,२,४; ४,१; ११,७; ७,४,१; २,३,१०,३[३f]; ११,५¶; मै २,३,४[३f]; ५¶[q]; ४,२,४¶; ७,३[q]; काठ ५,५; ११,७[२(३f)]; ३२,५; ३६,१५; क ३,११; शौ ८,५,१९; २१; १०,३,१०; १२; १७,१,१; १८,२,४५; १९,२६,२; २७,८; पै २,५२,३; ५९,८; ७,१४,१[३]-८[३]; ११[३]; १०,२,२; ३,६; ७,८; १६,२८,८; १०; ६३,१०; ६४,२; १८,३०,१; १९,१७,१४[r].
आयुष्मती- -ती शौ १४,१,४५[s]; पै १५,२१,३; १८,५,२; -०ती पै ६,११,१४[c]; -तीः काठ ११,७[२]; -तीम् काठ ४०,२; शौ ३,१०,३; ८; पै १,१०८,३; -त्याः तै ३,२,७,१; पै २०,४८,५.
आयुष्य, ष्या[t]- काठपुखि २८; -ष्यः काठ ३३,४; -ष्यम् खि २,६[२],२४[u]; ४,६,१; मा ३४,५०; का ३३,२,१३; शौ २,२९,१; १९,२६,४; ६; ७; -ष्यया काठ ११,२¶; -ष्या पै ११,२,१२; -¶ष्याः तै ५,२,११,२; मै ४,४,२; ४.
आयुस्-सँद्- -सदम्[v] काठ १४,३.
आ-य्यु आ√यु (मिश्रणे) द्र.
आ-यैै आ√या द्र.
?आयो[w] खि ५,४,११.

[a]) नाप. (क्रतु-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। विसर्गलोपः षत्वं च (पा ८,३,३६;८३)।
[b]) नाप.। षस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,१८)।
[c]) सपा. -०पत्नी<>-०ष्मती इति पाभे.।
[d]) विप. (अग्नि-)। उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
[e]) विप. (मणि-)। उस.उप. कर्तरि ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।
[f]) पाभे. कृते तु. टि. आयुष्कृतः।
[g]) सपा. मै ४,१२,२ काठ ८,१७ ओजस्वत् इति पाभे.।
[h]) सपा. ते १,४,२९,१काठ४,११ तेजस्वते इति पाभे.।
[i]) =सपा. काश्री ९,१४,१७। काठ ३०,६ माश्री २,४,६,२६ तु सुमेधसः इति पाभे.।
[j]) ॰ष्यु॰ इति स्वरे? यनि. शोधः द्र.।
[k]) =सपा. तैआ २,१८,१ बौध २,१,३४;४,२,११। शौ ६,७८,३; ७,३२,१; ३३,१ जैमि १,३६२ आपमं १,८,१० कौसू ४२,१७ तु दीर्घम् आयुः इति, आपश्री १४,१८,१ सर्वमायुः इति च पाभे.।
[l]) सकृत् =सपा. आपमं २,१४,५ पागृ १,१६,६ आपगृ ६,१५,१२। ॰मन्तम्<>॰मान् इति पाभे.।
[m]) एकतरत्र=सपा. आश्री ६,३,२२ वैताश्री २५,१४। मा ८,३९ का ८,१४,१ मै ४,७,३ माश ४,५,४,१२ शांश्री १०,३,१० तु पाठाभावः।
[n]) सपा. मा ८,४० का ८,१५,१; १६,१,१७ शांश्री १०,४,१२ माश ४,५,४,१२ विशिष्टः पाभे.।
[o]) तु.टि. आयुषे (शौ१,३५,१)। [p]) पृ ६८९ i टि.द्र.।
[q]) सपा. तै ३,३,१,१ तेजस्वी इति पाभे.।
[r]) सपा. शौ ६,६८,३ गोमान् इति पाभे.।
[s]) =सपा. मंब्रा १,१,५ पागृ १,४,१२;१३ मागृ १,१०,८। मागृ १,२२,३ तु आयुष्मन् इति, आपमं २,२,५ हिगृ १,४,२ आयुष्मान् इति च पाभे.।
[t]) विप.। तस्यनिमित्तमित्यर्थे यति तिस्वरः।
[u]) आ॰ इति स्वरे? यनि. शोधः द्र.।
[v]) तु. टि. आयु-सद्->-सदम्।
[w]) पाठे? आ, युः इति पाठः संभाव्येत।

आ-योयुवान– आ √यु (मिश्रणे) द्र.

आ (आ √*अ) र्[a] (पूजायाम्), आ-(आ-अ)र्यन्ति[b] ऋ८,१६,६;१०,४८,३;आर्यात् ऋ ८,२४,२७[c].

*आ(आ-अ)र–

आरित[d]– -तः ऋ १,१०१.४; २,२१,२: ८, ३३,५;१०,१११,१०.

आ(आ √*अ)र्[e]

२आ(आ-अ)रग[f]– -गे ऋ १,११२,६; –णेषु ऋ ८,७०,८.

आ (आ √ *अ<>ऋ) र्, च्छं[g] (यथा.), आ···इयर्ति ऋ९,६८,९;आ···इयर्त>र्ता ऋ ८,⌊(५,१५)७,१३⌋.

आ···ऋण्वे[h] ऋ५,७४,५; आ···ऋणोमि ऋ ८,२४,६; †आ···ऋणोः ऋ १, ३०, १४; कौ २,४३५; जै ३,३३,१०; शौ २०,१२२,२; †आ···आ···ऋणोः[i] ऋ १, ३०,१५; कौ२, ४३६; जै ३,३३,११; शौ २०,१२२,३.

आच्छंति[j] मै १, ८, ३; ७; ¶आ-च्छंति तै १, ५,२,५; २,१,५,७; ७,७;२,२,३;४,७;१०,४; ३,२,४,३[2];३,८,१;४,१,३;८,५;१०,३; ५,१,५,९; ९,३; ३,७,२;९,२;४,२,३; ३,१;५; ५,१,७;९,२;१०,३; ६,२,२,२; ४,४,२; ४; ६,७,४; ७,२,७,३; मै ३,२,८; ३,४;५; ७,८;८,१०[4];४,५,४;६;६,३;८,९; काठ ७, ६; २०,८; २१, ७; २२,८[2];२६,१[2]; २९,१;६; ३१,११; ३५,१८[2]; क ५,८; ६,१; ३१,१०;२१; ३५,२[2]; ४०,४[2]; ४५,२; ७; ४७, ११; ४८,१६[2]: आर्छत: काठ ७, ११; क ६, १; ¶आच्छंन्ति तै ३,१,३,२$. ७, ४, ११, २; ५, ६, ३; मै ४, २, १०; ८,९; काठ २१,६; ३३,३; आच्छंतु शौ २, १२,५; पै २,५, ५; ¶आच्छंत् तै २,६, ८,२; ३, ४,१,२;५,१,९,२;५,१,६;७,६, १;६,४,१०,६; ६,४,४; मै १, ८,८;४,२,१;३,२; काठ १२,७; १३,१०; १९,६; ७; २४, १०; ३५, १९; क ३०,४;५; ३८,३; ४८,१७[2]; ¶आच्छंयुः तै ३, १, ३,२$; ७, ५,६,२; मै ४,८, ९; काठ ३०,५.

¶आरिष्यति तै २, ६,६,१;८,५; ६, २, ८, ४; मै ३, १, ८;८,६;

†आ(आ-अ)रताम् ऋ ३, ३३, १३; शौ १४, २,१६; पै १८,८,७;आ(आ-अ)रन् ऋ १,१२५,७; ५, ३१,१३.

ϕआ(आ-ऋ च्छ)च्छंत्– -च्छंन् पै १७,२८,१[k].

• ¶आ(आ-ऋ)र्त,र्ता[l]– -र्तः मै२,४,१; ३,६,७; काठ १२,१०; –र्तम् तै ७, ४,८, १; मै ४,६,३[2]; ८, ९; काठ २३,५[2]; क ३६, २[2]; –र्ताम् काठ ३५,१९; क ४८,१७.

¶आर्त-पात्र[m]– -त्रम् तै ६, ४ १०,६; ७,२,७,३; काठ ३०, ३; क ४६,६.

¶आर्त-यज्ञ[m]– -ज्ञः मै २,४,१; काठ १२,१०.

आ(आ-ऋ)र्ति[n]– -र्तिः शौ ८,८, ९; १०,२,१०; पै १६, २९,९; ६०,२;–¶र्तिम् तै १,५,२,५; २,१,५,

[a]) तु. पृ ३९७ पञ्चमः स्तुतिपरक-शब्दात्मकोऽर्थभेदः ।

[b]) दिवा. वृत्तं द्र. (तु. ORN.; वैतु. पपा. अवग्रहाभावेन सूच्यमानादुपसर्गाभावात् स्वरविरोधः ⌊तु. वे. < √ऋ इति, अर्वाक्षश्च < √*आर स्तुतौ इति⌋ : सा. च आर्य–> नाधा. इति ब्रुवन् समानं चोद्यः) ।

[c]) वा । आर्यात् इति पपा. (तु. सा.) स्थाने वार्यात् (पं१ <वार्य-< √वृ ⌊वरणे⌋) इति GW. ।

[d]) भाप.+ इतच् प्र. उसं.(पा ५,२,३६) । विप. (इन्द्र-)। पपा. अनवग्रहम् अनु स्क. सा. चानुपसृष्टस्य √ऋ इत्यस्य GW. च √*आर् ⌊स्तुतौ⌋ इत्यस्य, या ⌊५,१५⌋ ORN. च <आ √ऋ इत्यस्य स्क. (पक्षे) आ √रि (गतौ) इत्यस्य च रूपमितीव प्रतिपद्यमानाः ।

[e]) धा. संसर्गप्रतिबन्धे वृत्तिः (तु. टि. √*अर्) ।

[f]) भाप. (अगाध- ⌊तु. प्रतियोगिपदं गाध- इति⌋)। गम. उप. अधिकरणे ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च (तु. स्क. वे. सा. PW.GW.प्रभृ. अर्थत समीपवर्तिनः; वैतु. सा. प्रथमे ध्वरणे धा. प्राप्त्यर्थे वृत्तिः)। १अरण– इति उप. तत्रत्यं टि. च यद्र.।

[g]) धा. हिंसायाम् (तु. आरिष्यति ऐब्रा ३,३३, NW. ७,८८ च) प्राप्त्यर्थे च वृत्तिः यथायथं द्र. (तु. टि. √*अर्)।

[h]) प्रपु१ त-लोपे रूपं द्र. ।

[i]) तु. स्क. GW. GRV.; वैतु. सा. प्रथमम् आङं योग्यक्रियान्तरमाक्षेपुकं नि. इवानुगमकः ।

[j]) तुदा. रूपम् द्र. ।　[k]) तु. टि. ऋच्छ ।

[l]) धा. हिंसार्थे वृत्तिः । यद्वा तै. पपा. अनवग्रहमनु √*आर् (हिंसायाम्)+तन् प्र. नित्स्वरश्चेत्यपि विमृश्यम् ।

[m]) नाप. । पस. अन्तोदात्तः ।

[n]) तु. भा. पपा.; वैतु. ऋ. तै. शौ पपा. नावग्रहः (वैतु. अवर्ति–, निर्ऋति- सम्भृति- प्रभृ.) । शिष्टं टि. द्र ।

७; ७,७; २,२,३;४,७; १०,४; ५; ६, ६,१; ८, २; ५; ३,१,३, २[२]$; २, ४, ३[४]; ३, ८, १; ४, १, २; ३ : ८, ५; १०, ३ ; ५, १, ५, ९; ९, २; ३; २, ८, २: ३, ७, २ ; ९, २: ४, २, ३: ३, १;५; ५, १,६:७: ९,२; १०,३; ६, २, २: ४; ७, १,२[२];६,१; ८; ६, २, २, २ ; ८,४; ४,४,२; ४; १०, ६ ; ६, ४, ४; ७,४ ; ७, २, ७, ३; ४, ११, २: ५, ६, २: ३; मै १, ४, ७; ५, १४ ; ८, ४; ७;८; २,५,१; ३,१,८; २, ८;३, ४; ५[२]; ४, ८; ७, ३; ८;८,१०[g]: ९, ४; ४, १, २;२, १; १०; ३, २;५,४;६;६,३;७,६;८,९[२]; काठ ७,६;११; १२,७; १३,१०;१९, ६;७;२०,८; २१,६;७; २२,८[२]; २४,१०:२६,१[२]; २९,१;६;३०, ५;३१,११; ३३,३; ३४,२;३५, १८[२];१९[२]; क ६,१[२]; ३०,४;५; ३१, १०; २१;३५, २[२]; ३८,३; ४०,४[२];४५,२;७;४७,११;४८, १६[२];१७[२]; $शौ १२,२,३८; $पै १७, ३३,८; २०, ५०,७; –र्यां ¶तै२,६,६,३;४; शौ ३,२१,२; –र्याः पै ९, २२, २४; –र्यै मा ३०, ९; १७[a]; का ३४, २, १; ३,४[a].

आ(आ-अ)र्तोस्(>:)[b]तै २, २, ४, ७;१०,५; ५,२,८,२;७,६,४.

?आर[c] पै ११,२,५.

१*आर- आ(आ√*अ)र्(पूजायाम्)र्

२आर[d]- -रात् ऋ१,१२९,९;१६३,६; १६४,४३;३,५४,९; ५,२,३;६, ४७,⌊१३;७,५८,६; १०,७७,६; १३१,७⌋;५६,५; ८,३२,६;१०, २७,१९: २८,९: ४२,६; ७; मा १९, ८४ : २०, ५२† : २९, १७†; का २१,६,५;२२,५,६†: ३१,३,६†; †तै १,७,१३,५;४, ५,१०,३‡[e];६,७,२; मै ३,११, ९;१६,३‡[f];†४,१२,५; १४,५; काठ ८,१६†;२९,९¶; ३८, ३: ४६, ३†; शौ १, १९, १; २,३, ६: ६, ३०,२; ३२, १; ७, ९७, १†;८,१,१२;२,९;१२; ९,१५, २५†; १०, १, १; २; १९,३१, ११; ५६,६; †२०, ८९, ६; ७; १२५,७; पै १,२०, १; २९,४; ६९,२; ८६,२; ३,८,६;७,८,१; ५;१३,१;१०,५,११; १६,२,२; ३,८; ४,१;२; ३५,१; १९,११, ६; ४२, १५?[g]; २०, २६, १; –रे ऋ १, ७४, १; ११४, ४[e]; १०; १७१,४; १७२,२[२]; १९१, ⌊१०-१३⌋; २,२८,६;२९,१;५[२]; ३,८, २; ३९,७; ८; ४१,८; ४, ११,६[३]; ५, ४५,५; ५०, ३; ६, ४७, ३:⌊(१,२४,९) ७४,२⌋; ७, २२,६;२५,२: ३२,१; ५६,१७; ८,२, २०: २६; १८, १६; ४७, १३[३];६१,१६[२];९,६६,१९[h];८१, ३; १०,३५,४; ६३,१२; १०२, १०;११२,९;१४२,१; १६४,३; †मा ३,११;१६,१२$;१९,३८; ३५,१६;†का ३,३,१;८,१२,१; १७,१,११$; २१,३,९; २९,५, १;३५,४,१४;†तै १,२,३,३$[i]; ३,१४,८; ४,२९,१; ५,५,१;२; ६,६,२: ८,२२,५; ४,५,१,४$; †मै १,३,३१; ३९‡[j], ५,१; २, ९, २$; ४,११, २[k]; १२, ६[२]; १३, १; १४, ९; †काठ ४,११; १३‡[j]; ६, ९; ११, १२[k];१५, १२ ; १७, ११$; ४०, ११ ; †क ३, ९; ११‡[j]; ४, ८: २७, १$; †कौ १, २८४: २, ७२९; ८१४; ८६८; १००९ ; १०२५; ११५० ; ३, ५, १ ; †जै १, ३०, २; २,६,२: ४,३,९; १२, ६;२६,४; शौ १, २६, १[२]; ६, ८५, २†;१०,४,२६; २०, २३, ८†; पै १,७१,३;†४,१९,१-६;

a) सपा. तैब्रा ३,४,१४,१ ऋत्यै इति पाभे. ।

b) धा. प्राप्त्यर्थे वृत्तिः । तोसुन्नन्तेऽनन्तरस्य ग. स्वरः ।

c) पाठे ? *अल-वती-> -तेर् (?तीर् ⌊तु. मूको.⌋ एतदनु पृ ४३५ शोधः द्र.), आ (?अ ⌊तु. मूको.⌋) र- (⌊नाप. अर्थः?⌋<√*अर् ⌊हिंसायाम्⌋) > -रम् इति, ?यन्-मुखम्>अयो-मुखम् इति च शोधाः द्र. ।

d) भाप. (दूर-) । व्यु. ? √*अर् (संसर्गप्रतिबन्धे भेदने वा)> २अर्ध-> नैप्र. *आड-> यनि. इति विमृश्यम् (तु. पपा. नावग्रहः) ।

e) सपा. आरात्<>आरे इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ ६, ४७, २९ मा २९, ५५ तै ४, ६, ६, ६ काठ ४६, १ शौ ६, १२६, १ या ९, १३ दूरात् इति पाभे. ।

g) पाठः ? (तु. सस्थ. टि. ?म मा गन्तु) ।

h) सपा. कामा १३०:६ अरे ? इति ।

i) तु. सस्थ. टि. आरे शत्रुम् ।

j) सपा. ऋ १,२४,९ दूरे इति, तै १, ४,४५,१ द्वेषः इति, काठ ३९,१ परा इति च पाभे. ।

k) सपा. शौ ६,९७,२;७,४२,१ दूरम् इति पाभे. ।

५, १७, ३; १४, १, २०; २, १६; १६, १७,७; १९, १,७[2]†; ११; ३६,५; ३९, १[a]; ४८,४-६; २०, ४८,२.

†आरात्-तात्[b] ऋ १, १६७, ⌊९; (१००,१५)⌋; ७,३२,१;८,२२, १६; कौ १, २८४; २, १०२५; जै १, ३०,२;४,२६,४.

आराद्-घोष[c]- -षाय तै ७, ५, १३, १; काठ ४५, ९[2].

†आरे-अ(घ>)घा[d]- -घाः ऋ ६, १,⌊१२ (७४,२; ९, ८७,९)⌋; मै ४,१३,६; काठ १८, २०; -घाम् ऋ ६, ५६, ६.

आरे-अवद्य[e]- -द्यः ऋ १०, ९९, ५.

आरे-शत्रु[f]- -त्रुम्[g] शौ ७, ९, १; पै ०,२,०

आ√रक्ष्, ?आ···रक्षतु पै १६, २८, ९[h]; आ···रक्षतम् ऋ ७, ५०,१.

आरं-*गर[i]- -रः खि ५, २१,३[j]; -रा ऋ १०, १०६,१०.

आरड्डुक[k]- -कम् पै १०,३,२.

??आरण- १ अरण- द्र.

२आ(आ-अ)रण- आ(आ√*अ)र् द्र.

आ√रथिराय (<रथिर-), आ··· रथिरायताम्[l] ऋ ९, ९३,४.

आ√रप्

आ-रप(त्>)न्ती-, -न्ती मा २२, २; का २४, १,२; तै ४,१,२,१; ७,१,११,१; मै ३, १२,१; काठ ४१,२.

आ√र(=ल)भ्, म्भ्,>रिप्स,आरभते ¶तै २,५, ७,३; ६, ९, २; ३, ५,१, ४; ५,४, ५,१;५,१,४[m]; ७,४, १; ६,१,४, ३;३, ६,३[n]; ७,२, ७, ३; १०, ३; आरभन्ते तै ७, ४, ३, ३¶; पै ५,३६,३; ६; ६,१०,५; १५, ६,७; आरभे ऋ ३,५३,२; मा ४, ६[o];९; का ४, २, ४[o]; ४, १; तै १, २, २, १; ३; ३, ८,१[p]; ६,१,४,२;३, ६, ३[q]; मै १, २, २; ४, १, २; काठ २, ३[o]; क १.१५[o]; शौ ४, २०, ६; ६, ७६,२; १९,५१,२; ९, ३, २; २१, १-१२; १९, १५, १३; २०, ५३,१०; आरभामहे ऋ १०, ⌊(९, ६१, ४; ६५,९)१३३,६⌋; शौ ४,१७,१; पै ५, ३०,९; ९,१०,१; आ··· रभामहे शौ ८,१, ८; पै १६,१, ८; आरभथाः शौ ८, २, ७; पै १६,३,७; आरभताम् शौ १,७, ४; आरभन्ताम् शौ १८,४,१२; पै ५, १५,३; आरभस्व ऋ १०, ८७,८; १५५, ३; मै २,१२, ४; शौ १,७,६; ८,२,१;३,८†;९, ५,१; १०,३,१; २; १८,३,७१; पै ४,४,६; ६,८,७†; १४,३,४; १६,३, १; ६, ८†; ६३,१; २; ७१, ११; ९७, १; २०, ७,७;

a) सपा. शौ १,१,१ तन्वः इति पाभे. ।

b) तातिलि लित्स्वरः ।

c) तस. अन्तोदात्तः ।

d) विप. (इष्-, स्वस्ति-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । छन्दस्तः संधेरभावः ।

e) विप. (इन्द्र-) । शिष्टं d टि. द्र. ।

f) विप. (इदम्- ⌊जन-⌋) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. सा. पृथक् पदद्वयम् इति) ।

g) सपा. तै १, २, ३, ३ ऐब्रा १, १३ आश्रौ ४, ४,२ शांश्रौ ५,६,२ माश्रौ २, १, ३, १५ आरे शत्रून् इति पाभे. ।

h) सपा. शौ ८,५,२० आ···अरक्षत इति पाभे. ।

i) नाप. (मधुकर-) । व्यु. ? <*अरं-गर- [< अरं√गृ (निगरणे)] इति वैं., *आरङ्ग- (<आ√रञ्ज्) +रः प्र. इति GW., =मेघ- इति कृत्वा अरं√गृ (शब्दे)> *अरंगर- (भाप.) + तस्येदमर्थीय अण् प्र. इति सा. ।

j) सपा. शौ २०, १३५, १३ अरंगरः इति पाभे. यद्र. ।

k) नाप. (वृक्ष-विशेष-) । व्यु. ? ।

l) आचारे क्यङन्तस्य लोटि प्रपु१ [=आगच्छतु (तु. टि. रथिर- ⌊=गतिमत्- न तु रथ-वत्- इत्युपगमार्थम्⌋. Gri. च; वैतु. वें. सा. GW. प्रभृ. °यत्- इत्यस्य षड ⌊तथा सति °यताम् इति गंभाव्येन⌋ व्याख्यापुकाः स्वरतः, आ इत्यनेन वृथा क्रिय. आक्षिपन्तश् च चिन्त्याः)] ।

m) सपा. मै ३, १, १० आलब्ध इति, काठ १९, ९ आलभते इति च पाभे. ।

n) सपा. मै ३,९,६ काठ २६, ८ क ४१, ६ आलभते इति पाभे. ।

o) =सपा. माश ३,१,३, २५ । मै १,२,२; ३,६,८ तु परिगृह्णामि इति, काठ २,३ क १, १६ प्रतिगृह्णामि इति च पाभे. ।

p) सपा. मा ६,८ प्रतिमुञ्चामि इति पाभे. ।

q) सपा. मै ३,९,६ प्रतिमुञ्चामि इति पाभे. ।

†आ···रभस्व ऋ १०, ८७,२: शौ ८,३,२: पै १६, ६, २: आ-रभेथाम् मै १,४,३: काठ ५, ४: शौ ११, ११, ३: १२,३, ७[a]: पै १७, ३६,७[a]: आरभध्वम् मै ४, १३, ४: काठ १६, २१: शौ २, १२,५;६,६२,२:३: १२,२,२८: पै २,५,५;८,११,२:१७,३२,८: १९,३०,६:७.

आरेभे शौ १,२८,३: ४,१७, ३: पै १३,१०,८: आ···रारभे[b] ऋ १,१६८,३: आरेभिरे पै ५,३६, ४: ८:९: आरेभाथे शौ ४, २८, ४: पै ४, ३७, ४: आ···ररम्भ >रम्भा[c] ऋ ८,४५,२०: आ··· अरब्ध ऋ १०,८,३[d].

आरभ्यते तै ६,३,६,४¶.

आ-रब्ध- -ब्धः शौ ५, १८, ४: -‡ब्धान्[e] शौ ८,३,७: पै १६,

आ-रभम् ऋ ५, ३४,५: ९,७३,३; १०,६२,९.

†आ-रभस (ण>) णा- -णा ऋ १०,१२५,८: शौ ४,३०,८.

आ-रभे ऋ १,२४,५:३४,२:१८२, ७: ९,७३,१.

आ-रभ्य,>भ्या ऋ १,५७,४: ¶तै १,६,८,१:३,५,१,४:६,१,११, ६;४,२,१:२:११,३: ७,४,८,१: २¹: मै ४, १,३¶: ¶काठ ३२, ७:३५,१८: क ४८,१६¶: कौ १, ३७३†: जै १,३९,८†: शौ २०, १५,४†.

आ-रम्भ- -म्भः मै ४,३,७¶.

†आ-रम्भण[f]- -णम् ऋ १०,८१,२: मा १७,१८: का १८, २, ३: तै ४,६,२,४: मै २,१०,२: काठ ७, १५¶:१२,१२¶: १८,२: क ६, ५¶:२८,२.

?आ-रिप्सु- -प्सु पै १९, ४२, १७: -प्सुः पै १९,४२,१६.

‡आ-रेभाण- -णान्[g] शौ ८, ३,७: पै १६,६,७.

?आरभसेचने पै १९,३९,७.

आ √रम्, >रमि, आ···रन्ते[h] ऋ ७,३६,३.

आ · रमयत् पै १९,२२,१४.

आ-रमण- -णम् तै ६,५,११,४³¶.

?आरयम्[i] पै २०,६१,७.

?आरवः[j] पै २०, ३३,५.

आरा[k]- -रया ऋ ६, ५३,⌊५(७)⌋:६; -राम् ऋ ६,५३,८.

आरा(ग-अग्र>)ग्रा[l]- -ग्रा, -ग्राम् ६,२,३,५¶.

आराग्र-मात्र- -त्रम् पै १६, १०३,२.

आरा[?]ड्य[m]- -ड्यौ काठ ५०,१.

आ √राध

आ-राधि- -धिः पै ६, १५,३.

?आराध्वं सैनाव्रतनाजैताः[n] पै १५, २०,६.

आ(आ-अ)रि[o]- -रीः ऋ १, ७७, ३; ९६,३.

आ √रि, री, आ···रीयते ऋ १,३०, २: आ··· रीयन्ते ऋ १०,४०,९. आ···रिणन्ति ऋ ९, ७१, ६:

---

[a]) =सपा. तैआ २, ६, २। शौ ६, १२२, ३ तु अन्वारभेथाम् इति पाभे.।

[b]) °रर° इति पपा.*।

[c]) वैतु. या ३, २१ यत्र सर्वत्रापि संस्करणेषु ररम्भ इति पाठः शोधार्हः (तु. RN.)।

[d]) तु. वें सा.; वैतु. सा. ⌊पक्षे⌋ ईषदर्थीय आ इति, GW. ग. अभावः।

[e]) सपा. ऋ १०,८७,७ आलब्धम् इति पाभे.।

[f]) नाप.। गस. करणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम्।

[g]) सपा. ऋ १०,८७,७ आलेभानात् इति पाभे.।

[h]) नैप्र. °रमन्ते>°रन्ते इति द्र. (तु. वें. सा. द. GG. ?BSG १५८; वैतु. PW. GW. GRV ⌊पक्षे⌋ प्रभृ. यनि. रूपम्<आ√ ऋ इति)। यद्वा °रन्त इति लङि रूपम् स्यात् पपा. च तदनु शोध्यः स्यात् (तु. ऋ १, ६ १,१ १; ७, ३९,३ यत्र रन्त इत्यस्य लङि श्रुती इति।

[i]) पाठे? आ√रज्>आरजम् (लङि) इति शोधः?।

[j]) पाठे? कारु->कारवः इति शोधः?।

[k]) नाप. स्त्री. (वेधनोपकरण-विशेष-)। व्यु.? आ√ऋ +अप प्र. उसं. [पा ३, ३,१०४ (वैतु. पाप्र. अङः प्र. विधानात् स्वरार्थे ग्रपाद्यन्तःपातगौरवम् ⌊तु. पाग ६, १, २०३⌋)]।

[l]) विप. (अवान्तर-दीक्षा-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[m]) व्यु.?। सपा. अराड्य- इति यद्र.।

[n]) पाठे? आराद् ध्वसयैना आराद् व्रतेनाजैताः इति शोधुकः BKA.।

[o]) विप. (विश्-)। आ√*अर् (स्तुतौ)+कर्तरि इन् प्र. उसं. (पा ३,२,२७; वैतु. पपा. नावग्रहः, स्क. वें. सा. ⌊प्रथमे स्थले⌋ च<√ऋ इति, सा. ⌊द्वितीये स्थले⌋ √ऋ+ यङ्लुगन्ताद् किः प्र. ङीष् चेति मन्वानः स्वरतश्चिन्त्यः, स्क. ⌊पक्षे⌋ <आ√रा इति, PW. GW. आर्य-> स्त्री. यनि. इति)।

आ···रिणन्तु खि ३,१९,१.

आ √रि(=लि)ख्, आरिख ऋ ६, ५३,[७;८].

आ √रिच्, आ···रिणक् ऋ २,१९,५. आरिरेच शौ १८,३,४१‡[a].

आरित– आ (आ √*अ) इ (पूजायाम्) द्र.

?आ-रिप्सु– आ √रभ् द्र.

आरिवस्– √ऋ द्र.

†आ √रिश्, आरिशामहे ऋ १, १८७, ८; काठ ४०, ८; पै ६, १६, ९; आरिशन्ताम्[b] ऋ १०, १६९, १; तै ७, ४,१७,१; पै १९,५१,५.

आ √रिप्>रेपि, आरीरिपः ऋ १, १०४,६.

†आ √रि(=लि) ह्, †आरेळ्हि ऋ १०,१६२,४: शौ २०,९६,१४; पै ७,११,५.

आ-रेहण– -णम् शौ ६,९,३[c].

आ √रु,>रोरु, आरुतः पै १८, १२, १०.

आरुव ऋ १,१०,८.

†आ··· रोरवीति[d] ऋ ६,७३,[१: १०, ८,१][e]; कौ १,७१; जै १, ७,९; शौ १८,३,६५;२०,९०,१.

आ √रुच्>रोचि

१आ-रोक[f]– -कः पै ५,६,१०[g].

२आ-रोक[h]– -काः ऋ ८,६३,३.

आ-रोचयन– -यन् शौ १३,२,३२; पै १८,२३,१०.

आ √रुज्, †आरुजासि ऋ १०,४४, ९: शौ २०,९४,९; †आरुज ऋ ८,७३,[१८: ९, १०८, ६]; कौ १,५८५; जै १,५९,८; ३,४०, २; आ(आ-अ)रुजः[i] ऋ ४,३२, १०, आ···अरुजः ऋ ३, ३२, १६[j].

आरुरोज[k] शौ ४,२४,२.

‡आरुरुज्रे[l] पै ४,१२,३.

आ-रुज[m]– -जः ऋ ३, ४५,२: कौ २,१०६९ –जम् ऋ ८,४५,१३.

†आ-रुजत्– -जन्तः ऋ १०,८४,१: शौ ४,३१,१; पै ४,१२,१.

†आ-रुजत्नु[n]– -त्नुभिः ऋ १,६,५: कौ २,२०२: जै ३,१८,९: शौ २०,७०,१.

†आ-रुजे ऋ ४, ३१, २; मा २७, ४०:३६,५: का २९,५,९: ३६, १,५; मै २, १३, ९:४,९, २७; काठ ३९,१२; कौ २,३३: जै ३, ४,४; शौ २०,१२४,२.

आरुणि–, ?आरुणी– अरुण- द्र.

आ √रुध्, आरुन्धते[o] शौ १९, ३८, १: पै १९, २४, १: आरुन्धन्ति पै १३,५,१५: आरुन्धाम् शौ ३, २०,१०: पै ३,३४,११; आरुन्धि पै २०,४७,४.

†आ-रुरुध्रे[l] ऋ १०,८८,३: शौ ४, ३१,३.

आ-रु(द्ध>)द्धा– -द्धाम् पै १९, ३३,३.

आ-रुन्धान– -नः ऋ ४, ३८,४.

?आ-रोद्ध्र– -द्धा पै २०,५३,७.

†आ-रोधन[p]– -नम् ऋ ४, ८, २: [(४, ७,८)४]: काठ १२,१५[२]: जै ४,१९,६: –नानि ऋ ४, ७,[८ (८,४)]; –ने ऋ १,१०५,११.

आ-रुपित–, आ-रुरुक्षत्– आ √रुह् द्र.

आरुपी– √ऋ द्र.

आ √रुह्,>रुपि, रोपि, रोहि, रुरुक्ष, ¶आरोहति तै ७,५, ८,५: काठ ७,१५:२८,४:क ६,५:४४.४:शौ १०,९,५$;¶आरोहन्ति मै ३, ६, ६: काठ २३,३: आरोहति पै ७,

---

a) सपा. ऋ १०,१३,४ प्रारिरेचीत् इति पाभे. ।

b) सपा. काठ ४४,६ आविशन्ताम् इति पाभे. ।

c) सपा. पै २,९०,४ आरोहणम् इति पाभे.

d) आ रोदसी° इत्यस्यस्थाने सपा. तैआ ६, ३,१ आविर्विश्वानि° इति पाभे. ।

e) तु. वें. PW. प्रभृ.; वैतु. मा. (अन्तिमे स्थले) इदानीम् इत्यर्थे नि. आ इति ।

f) नाप. (सप्त-सूर्यान्यतम-)। कर्तरि अच् प्र. ।

g) सपा. तैआ १, ७,१; १६,१ °गः इति शोधार्हः ।

h) नाप. (ज्योतिस्स्फुरणस्फुलिङ्ग- [तु. PW.GW.प्रभृ.; वैतु. वें. सा. आरोचमान-पशु- इति]) शिष्टं f टि. द्र. ।

i) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१) ।

j) तु. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. स्वाभ्र. आ इति ।

k) सपा. पै ४,३९,३ आसमाद इति पाभे. ।

l) सपा. °रुरुज्रे <> °रुरुध्रे इति पाभे. ।

m) विप. (इन्द्र-) । गस. कान्ते थाथ्-स्वरः ।

n) विप. (मरुत्-)। गस. कत्नुजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

o) तु. W.; वैतु. पपा. अ° इति, शंपा. सात. सा. च अ° इति छन्दस्तो ह्रस्व इति पठन्तः? पै. RW. B. अरुन्धती–>–०ते? (मं१) इति, WI. L ३७२ अरुन्धत (लङि प्रपु३) इति ।

p) नाप. (निभृत-स्थान– [आरोहणस्थान– इति सा. दु. [या ६,१७] प्रभृ., आदित्यमण्डल– इति स्क. सा. प्रभृ. ऋ १,१०५,११]) । व्यु. ? गस. उप. अधिकरणे ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च । सा. स्क. दु. प्रभृ. BW. च <आ √रुह् इति ।

११,४‡[a]: आ···रोहति ऋ १, १४१, ४; आरोहन्ति काठ ३३, ४: शौ १९, ५३,१; पै १२, २, १: आ·· रोहन्ति[b] मा १७,६८; का १८,६,४: तै ४,६,५,२; मै २,१०,६: काठ १८,४; क २८, ४; शौ ४, १४, ४; आरोहम्मे ऋ १, ५१, १२: आरोहसि ऋ ९, ८०,२: खि ४,७[३],५: शौ ५,५, ३: पै ६,४,५: आ · रोहसि ऋ ९, ३६, ६: †आरोहथः[c] ऋ ५, ६२,८: मै २, ६, ९: काठ १५, ७; आरोहतु शौ १४, २,२२: पै ११,५,९: १६,१३६,६: १८,९, ४: आ···रोहतु पै १३, २, ८; १९,२०,१७: †आरोहन्तु ऋ १०, १८,७; शौ १२,२,३१: १८,३, ५७: पै १७, ३३, १; आ··· रोहन्तु[b] पै ३,३८, ४: आरोह ऋ ९,६३,२२:१०,८५,२०: खि ४, ६, ९: मा ३, १८‡[d]: ४, ३२[e]: १०, १०:११[f]; १२:१३[f]: १४[f]: १२, ५[f]: ५२‡[d]; १५,५६‡[d]: का ३, ३, ४‡[d]: ४, १०, ३[e]: ११, ५, १; २[f]; ३: ४[f]; ५[f]: १३, १, ६: ४, ८‡[d]: १६, ६, ८‡[d]; तै १,५, ५, २‡[d]; ३, ४, १०, ५: ४, २,१,१[३];२: ४, ४‡[d]; ७, १३, ५‡[d]; मै १, ५, १‡[d];६,१‡[d];२,७,८[g]: काठ २, ४[२]: ‡[d]:६,९‡[d];१६,८[४];११‡[d]: १८, १८‡[d]: ३१, १४; क १, १६[२]: ‡[d]: †कौ १, ४८३: २, ५८५: †जै १,५०,७;३,४८,१: शौ २,३६,५;३,२०,१‡[d]: ८,१, ८:९,५,९[g]; १२,२,१: ३,१४: १३,१,२: १४,१,६१†; २,२४: ३१:३९: १८,३,७३: ४,६: ५१; १९,३३,२;६५,१: पै २,२१,५: ५२,५: ३,३४,१‡[d]: ३९,३: ५, १६,३: १२,५,२; १६,७१,१०: १५०, ४: १७, ३०, १: ३७,४; १८,५,४[h]:६,१०†:९,५;१०,१: १०;१५,२:२०,१०; आ···रोह शौ ५, २८, १४: आ··· रोह शौ ८,१,६: १८,१,६‡[i]; पै १६,१, ६: ‡[c]आरोहतम् मा १०, १६: का ११,५, ७: तै १,८, १२,३; आरोहत ऋ १०,१८, ६; शौ ७, १०२, ४[j]; १२, २, २४†; ४८: १८,३,६४; ४,१: पै २, २०,१: १७, ३२,५†; ३५,५; आरोहाम पै ९, ७,९; आ(श्रा-श्र)रोहत् ऋ १०, ८५,१२; शौ १४,१,१२†; २,३०;१५,३,९; पै १८,२,१†; ९, १०?[k]; आ···अरोहत् ऋ ३, ७,३; आ(श्रा-श्र)रोहन् तै ७, ३, ५,१¶; आ(श्रा-श्र)रोहम् पै १६, १५२, ४; आरोहेत् तै ६, १, ५,५¶; आरोहेः पै ८,६,३[l].

आरुह, >हा जै ३,२३, ३‡[m]; पै १४, ३, ११; १८, ३१, ३[n]; आ···रुह शौ १२, २, १७: पै १७,३१,८; आ···रुहतम् ऋ ८, २२, ९: आ···रुहाव[o] ऋ ७, ८८, ३; आरुहे पै २०, १०, २; आरुहेयम्[p] मा २१,७; का २३, १,७; †आरुहेम, >मा ऋ १० ६३, १०: १४: १७८, २: खि २,४,१: मा २१,६: का २३,१, ६: तै १,५, ११,५; मै २, १३; २२$; ४, १०, १; काठ २, ३; ४०, १२$; शौ ७, ७, १: पै ९, २२,२६$; २०,१,९.

आरुरोह काठ ७, १२: क ६, २; आरुरोह शौ १३, १,४;३३:४५; आरुरोह पै १३, १४, ७; १८, १८, ३; १९, ५; २०, ५९, १;

a) सपा. ऋ १०,१६२,४ विहरति इति पाभे. ।

b) सपा. °हन्ति<>°हन्तु इति पाभे. ।

c) सपा. °थः (या ३, ५ च) <>°तम् (माश ५,४, १,१५ च) इति पाभे. ।

d) =सपा. माश २,३,४,१३; ७,१,१,२८ तैब्रा १,२, १,१६;२,५,८,८ जैमि १,६१ जाउ ४ । ऋ ३,२९,१० तु आसीद इति पाभे. ।

e) =सपा. माश ३,३,४,८ । तै १,२,४,१; ६,१,७,३ मै १,२,५;३,७,७ काठ २,६; २४,६ आपश्रौ १०,२२,८ माश्रौ २,१,३,४९ तु आरुहम् इति पाभे. ।

f) =सपा. माश ५,४,१,४;६;७ । तै १,८,१३,१[२];२ मै २, ६,१० काठ १५,७ तैब्रा १,७,७,२ तु आतिष्ठ इति पाभे. ।

g) सपा. पै १६,९७,१० आक्रमस्व इति पाभे. ।

h) सपा. शौ १४,१,४७ आतिष्ठ इति पाभे. ।

i) सपा. ऋ १०,१४,४ आ···सीद इति पाभे. ।

j) सपा. पै २०,१२,२ आतिष्ठत इति पाभे. ।

k) °त इति पाठे? यनि. शोधः द्र.(तु. शौ १४,२,३०) ।

l) सपा. शौ ४,२०,३ आरुरोहिथ इति पाभे. ।

m) सपा. ऋ ९,२५,२ आविश इति, कौ २, २७१ आरुहः इति च पाभे. ।

n) सपा. °रुह<>°रुक्षः इति पाभे. ।

o) GW. ग. अभावः ।

p) सपा. °रुहेयम्<> °रुहम्<> °रुक्षः<> मंब्रा २,५,१४ आरोक्षम् इति च पाभे. ।

आ…रुरोह शौ १३, १, १५³; पै १८, १६, ५³; आ(रुरोह) शौ १३, १, १५; पै १८, १६, ५; आरुरुहुः शौ ४, ११, ६; पै ३, २५, ६; १९, ४०, १४ᵃ; आरुरोहिथ शौ ४,२०,३ᵇ; आरोक्ष्यामः मै १,६,९¶; आ(आ-अ)रुक्षत् मै ३, ६,६¶; शौ १८,४, १४; †आ…अरुक्षत् ऋ १०, ६७, १०: मै ४, १२, १; शौ २०, ९१, १०; आ…अरुक्षत् शौ ३, ५, ५; ८, ५, २०; पै ३, १३,५; आ(आ-अ)रुक्षः शौ १७, १,८ᶜ;२५ᵈ;२६ᵈ; पै १८, ३२,८; आरुक्षम् पै १८, ३२, ९: आ… अरुक्षामᵉ शौ १४, २, ८: पै २, ३१, ३: आ(आ-अ)रुहत् ऋ १, ५१,२; ३,२,१२; ५,१०,२; ७, ८३,३;८,४१,८:९,[(८३,५)८६, ४०]: ८९, २; मै १,४,८¶: जै ४,१९,८; शौ १२,२,१२ᶠ; १३, १,२६; २,८; २५; पै १५, २०, १०;१७,३१,२;१८,१७,६:२१, २; २३, २; १९, ५०, ६²; आ (आ-अ)रुहत्ᵍ ऋ १, १०, २ʰ; आ…अरुहत् ऋ १, ११९, २; ५,४५,[१०; ७,६०,४]; ८,४८, ११; मा १५, ५१: का १६, ६, ३; तै ४, ७,१३,३; मै २, १२, ४;४, १२,४†; काठ १८, १८; क २९, ६; आ-रुहत् ऋ १,३४, ५; †आ…रुहत् ऋ ९, ४०,२; कौ २,२७५; जै ३,२२,७;आ… रुहत् ऋ ५, ३६, २; आ(आ-अ) रुहन्ⁱ कौ १, ९२: जै १, १०, २; शौ १८,१,६१; आ (आ-अ) रुहन् शौ २०, ४९, १; पै १९, ४५, १४; आ…अरुहन् ऋ ८, १००,५; आ(आ-अ)रुहः ऋ ९, ८३, [५ (८६, ४०)]: कौ २, २७१‡ⁱ; शौ १९, ६५, १; पै १६,१५०,४; ‡ʰआ(आ-अ)रुहः कौ २, ६९५; जै ३, ५६, २२; आरुहम् तै १, २,४,१ʲ; ५,११, ५; ६,१,७,३ʲ; मै १, २, ५ʲ;३, ७,७ʲ; काठ २, ३ᵈ; ६ʲ; २४,६ʲ; क १,१५ᵈ;१९ʲ;३७,७ʲ; शौ ४, १४,३²ᵏ; पै ३, ३८, ८²ᵏ;१६, ९८,६²;१८,३२,८ᵈ: आ…अरुहम् तै ७, १, १८,२: काठ ४१, ९; आ…रुहम् ऋ ८, १, ३१: आ (आ-अ)रुहाम मा ८, ५२: का ९,६,४. आरोहयति पै ११,५,४: आरोहयन्ति ऋ ४, १३,२; पै ११, ५, ३; १३,१४,७: आरोहयामसि पै १,६९,३; †आ…रोहयत् ऋ १, ७,[३ (८, ८९,७; ९,१०७, ७; १०,१५६,४)]; मै २,१३,६; कौ २,१४९; शौ २०, ३८, ६; ४७, ६; ७०, ९: आ(आ-अ)रोहयन्ᵍ ऋ १०,[(६,७२,२)६२,३]; काठ ३३, ६¶; आ(आ-अ)रोहयः ऋ १,५१,४; ९,८६,२२; †आ… रोहयः ऋ [(१, ७,३)८, ८९,७; ९,१०७,७;१०,१५६,४]; तै १, ६,१२, २; काठ २,१४; ८,१६; कौ २, ७८१; ८८०.

आ(आ-अ)रुरोहन् पै १६, ५७, १८.

आ-रुपितˡ– -तम् ऋ ४, ५,७.

†आ-रुरुक्षत्– -क्षतः ऋ ८, १४, १४; शौ २०,२९,४.

आ-रुह्– -रुहः शौ १३, १, ९: पै १८,१५,९.

†आ-रुहम् ऋ १०, ४४, ६: शौ २०, ९४,६.

आ-रुह्य काठ ३४,५²; शौ ८,५,७; पै १६,२७,७.

आ-रूढ,ढा– -ढः तै ५, १. ५. ५¶: शौ ६, ११, १; पै १९, १२, १: –ढाःᵐ पै ८,१६,१ⁿ:२:३.

आ-रोपयत्– -यन् पै ८,१५,४.

आ-रोपिᵒ– -पयः पै ९,१०,११.

a) सपा. तै ५, ७, २, २ मै २, ७,१२ काठ २२,१० आनशुः इति पाभे. ।
b) पृ ६९६ l टि .द्र. ।
c) पृ ६९६ n टि. द्र. ।
d) पृ ६९६ p टि. द्र. ।
e) सपा. आपमं १,६,११ आरुक्षम् इति पाभे. ।
f) सपा. °हत्<>°हन् इति पाभे. ।
g) आ-अ इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८, १,७१) ।
h) सपा. °हत्<>°हः इति पाभे. ।
i) पृ ६९६ m टि. द्र. ।
j) पृ ६९६ e टि. द्र. ।
k) =सपा. कौसू ६८, २७ । मा १७,६७ का १८,६,३ तै ४,६,५,१;५,४,७,१ मै २,१०,६; ३,३, ९ काठ १८, ४; २१,९ क २८.४ माश ९, २,३,२६ तु उद्…आरुहम् इति, (उद्) आरुहम् इति च पाभे. ।
l) णिचि लघूपधगुणाऽभावः उसं. (पा ७,३,८६) । अ° इति पपा. ? ।
m) सपा. शौ ६,२५,१-३ संयुन्ति इति पाभे. ।
n) रूढाः इति पाठे? यनि. शोधः द्र. (तु. उत्तरौ मन्त्रौ) ।
o) विप. (अनड्-वाह्-) । गस. उप. कर्तरि इन् प्र. ।

¶आ-रोहु- -हः मै १,६,१२²; काठ २६,३²; क ४१,१²; -हम् तै ६,३,३,४; -हस्य काठ ८,१०ª; क ७,६.
आ-रोहण- -णम् शौ ५,३०,७; पै २,१०,४?ᵇ; ९,१३,७.
आरोहण-वाहᶜ- -हौ तै ५,६,२१,१; काठ ५०,१.
आ-रोहत्- -हन् ऋ १,५०,११; शौ ३,६,६; १३,१,४३; २,४२; १७,१,१०; १९,३६,१; पै २,२७,१; १६,७१,८; १८,१९,३; २५,२; ३१,५; -हन्तः काठ ३९,२; -†हन्तम् ऋ २,१२,१२; १०,३७,८ᵈ; खि १,१,३; ५,६; क ३७,७¶; शौ २०,३४,१३; पै १३,७,१३.
आ-रुढ- आ √रुह् द्र.
१आरे २आर- द्र.
२?आरे पै २०,६१,७.
आ-रेभाण- आ √रभ् द्र.
आ-रेहण- आ √रिह् द्र.
आरेक्, आरैक् √रिच् द्र.
१आ-रोक-, २आ-रोक- आ √रुच् द्र.
आरोग्य- अ-रोग- द्र.
?आ-रोद्धृ-, °रोधन- आ √रुध् द्र.
आ-रोचयत्- आ √रुच् द्र.
आ-रोपयत्-, आ-रोपि- आ √रुह् द्र.
आ-रोहि (त>ण>) णीᵉ- -णीः पै १७,१४,८.
आर्क्ष-, आर्क्ष्य- १ऋक्ष- द्र.
?आर्क्षध्वे, ?आर्क्ष्यामहे मै ४,१,९ᶠ.
आ(आ √अ)र्च्, †आ···अर्चतिᵍ ऋ १,९,१०; शौ २०,७१,१६; आ (आ-अ) र्चे (?र्चे), आ···अर्च (?र्चे)ʰ ऋ १०,७६,५ʰ; आⁱ··· अर्चत ऋ ५,५४,१.
आर्चत्क- ऋचत्क- द्र.
आ (आ √ऋ) च्छे आ (आ √*अ <>ऋ) इ, च्छे द्र.
आर्जीकʲ- -कात् ऋ ९,११३,२; -के ऋ ८,७,२९; -†केषु ऋ ९,६५,२३; कौ २,५१४ᵏ; जै ३,४०,१०.
आर्जीकीयˡ- -ये ऋ ८,६४,११.
आर्जीकी(य>)याᵐ- -ये ऋ १०,७५,५.
आर्जुन-, आर्जुनेय- √अर्ज् द्र.
आ(आ √ऋ)र्ज्, आ···ऋजसे ऋ ५,१३,६ⁿ; १०,७६,१ᵒ.
आर्त- आ (आ √*अ <>ऋ) इ, च्छे द्र.
आर्त(न>)नाᵖ- -नासु ऋ १,१२७,६.

a) °हसि, अरणी इति च्छेदं कुर्वाणः SI. चिन्त्यः।

b) सपा. शौ ६,९,३ आरेहणम् इति पाभे.।

c) विप. (अनड्-वाह्-)। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. = शकट- इति।

d) परि···आरोहन्तम् इति GW. चिन्त्यः। पञ्चम्यर्थानुवादितयैव परेः स्वन्वयात्।

e) विप. (गो-)। प्रास.। आ रो° इति व्यस्ते पाठे? यनि. शोधः।

f) पाठे? क्रूरमा° = क्रूरं मा° इति कृत्वा √मृज् > (लुटि) मार्क्ष्यध्वे, मार्क्ष्यामहे इति यथाक्रमं शोधौ द्र. (तु. सस्थ मृजान- इति, अमृजत इति च, सपा. काठ ३१,७ क ४७,७ च मार्क्ष्यध्वे (?ध्वे [तु. Sch.]), °क्ष्यामहे इति, तैब्रा ३,२,८,९;१० अक्ष्यामहे, अक्ष्यध्वे इति च पाभे.; वैतु. Sch. सात. च यनि. रूपे <आ √ऋक्ष् इति ?)।

g) अत्र आ (=प्र) गतिः (तु. ऋ १०,१३३,१; वैतु. स्क. सा. आ इति पादपूरणः, सा. [पक्षे] व्याप्तौ स्वाप्त्र. इति)।

h) वः इति च. प्रयोगे द्र. (तु. पृ ३१७० टि.)। पाठः?। द्वितीये पादे विभ्वनश्चिद् आ(आ-आ) इवपस्तरेभ्यः इति, चतुर्थे पादे च अग्नेश्चिद् आ(आ-अ)र्चे इति च शोधितः पाठः द्र. (तु. सस्थ. टि. विभ्वन्- > -ना?; वैतु. पपा. प्रभृ. आ इति पदं द्विरेव श्रावयन्तः?)।

i) वैतु. मा. ORN. गस्थ. दिवः इति पदं ष१ सत् पं१ इत्यभिमन्यमानौ यथाक्रमम् आ इति पदं क्रिउ. इति च कप्र. इति च वदन्तौ?।

j) व्यप. (जनपद-विशेष-)। ऋजीक- (पर्वत-विशेष-?) + अदूरभवेऽर्थे अण् प्र. (पा ४,२,७०) प्र. स्वरश्च (तु. मा.; वैतु. मा. [पक्षे] <ऋजु- इति)।

k) °र्जि° इति S. पाठः?।

l) स्वार्थे छ>ईयः प्र. तत्स्वरश्च।

m) व्यप. (नदी-विशेष- [विपाश्- इति या ९,२६])। तत्रभवीयश् छ>ईयः प्र.। या. तु <ऋजीक- (=पर्वत-) इति वा <ऋजु- इति वा।

n) मपु१ रूपम्। o) उपु१ रूपम्।

p) भूमि-परं विप. विशेष्यीभूतम् नाप. द्र.। व्यु.? पपा. नावग्रहः। ६अ + (√वृध् [*फलग्रहणे] + कर्तरि ल्युः प्र. लित्स्वरः>) *वर्ध(न>)ना- इति कृत्वा तस. नञ्-स्वरः (=अनुर्वरा-)। नैप्र. *अ-वर्धना- इत्येतद् यनि. विपरिणतमिति भावः। छन्दस्तश्च पुनस्तथात्वेन पाठः आकाङ्क्षितः द्र. (वैतु. PW. GW. प्रभृ. विप., वैं. भाप. इति, सा. च नाप. [पृतना-] इति कृत्वा <√अर्ति नाधा. <आर्त- इति)।

आर्तव— ऋतु- द्र.

आर्ति—, आर्तोस् (:) आ (आ√*अ <>ऋ)र्, च्छे द्र.

आर्त्नी[a]— -त्नियोः[b] तै ४, ५, १, ३; –र्त्नी ऋ ६,७५,४; १०,१६६, ३; मा २९,४१; का ३१,२,४ तै ४,६,६,२; मै ३,१६,३; काठ ४६,१; शौ १,१,३; पै १,६,३; १५,१०,४; –त्न्योः[b] मा १६,९; का १७,१,९; मै२,९,२;काठ १७, ११; क २७,१; पै १४,२,१३.

आर्त्विजीन—, आर्त्विज्य- ऋतु- द्र.

?आर्त्व्युः[c] शौ ८, १३, ३ : पै १६, १३५,१.

¶आर्द्र,द्रा[d]— -द्रैः मै ३, ९, ६; काठ २६,७; क ४१, ५; –द्रम् मै ३, १०, ७[e]; ४,५,९; काठ २३,९; शौ १,३२, ३$; पै १,२३,२$; –द्रस्य ऋ १,११६, ४$; तै ६, ४, १, ५[e]; –द्रां तै ४, ४, १०, १$[f]; मै ३, ४, ७; काठ ८, २; २६, ७; क ६, ७; ४१, ५; शौ १९,७,२$; –द्राः तै ६,२,११, २; $मै २,७,१५; ३,४,७; काठ २७, १[?]; ३९,३$; क ४२,१[?]; –$द्रात् ऋ २, १३, ६; –द्राम् $खि २,६,४;१४; $खिमा ११, ४;१३;१४; तै १,६,११,३; –द्रे तै २, ५, ८, ३; ७, ५, ९, ३[g]; –द्रेण मै ४,३,४.

आर्द्र-दानु[h]— -नवः काठ २,१; क १, १३; –नु[i] तै ४, ४, १२, ३; मै ३,१६,४; काठ २२, १४; –नुः मा १८,४५; का २०, २, ८; तै ४,७,१२,३; मै २,१२,३; ३,४, ३; काठ १८, १४ : क २९, २ : शौ १६,३,४.

आर्द्र-पवि[j]— -विः शौ १६, ३, ४.

आर्द्र-पवित्र[k]— -त्रः शौ ९,७, १०[?]; पै १६,११३,५.

आर्द्र-ह(स्त>)स्ता[l]— -स्ता शौ १२, ३,१३; पै १७,३७,३.

आ(आ√ऋ)र्घ्, आ···ऋध्याः[m] ऋ ३,५०,१.

आ(आ√*अ)र्पृ>र्पि[n], आर्पयन्ति तै ३,२,४,३[?].

आर्पित[o]— -तः शौ ६, ११२, ३[p]; १०,७,१४[q]; पै १,७०,४; १७, ८, ५; १९, ३३, १०; –तम् शौ १०,८,६;१०,३३; पै १६,१०१, ९; –ता ऋ १, १६४, १४; शौ ११, ७, ९; १८,२, ६[r]; पै १६, ६७, ४†; १५१, १०; १५३, ८; –ताः शौ १०, ७, १२; १३, ३, १०[s]; पै ४,३, १[t,s]; १७,८, ३; –तानि शौ ८,९, १९[?]; १८,१, १७; पै १,९१,४.

[a]) नाप. (धनुष्कोटि-) । व्यु. ? पपा. नावग्रहः । या ⌊९, ४०⌋ GW. <आ√ऋ (हिंसायाम्) इति, सा. दे. (निघ ५, ३)<√आर्त्<√ऋ इति, दे. (पक्षे)<√आर्त् <√रिष् इति ।

[b]) सपा. °त्नियोः(नीउ २,८ च)<>°त्न्योः इति पाभे.।

[c]) पाठे ? (दिति->) दैत्यः इति शोधः (तु. पै. मूको.: वैतु. पपा. प्रभृ. यनि. पठन्तः ?) ।

[d]) विप. (चर्मन्-, दारु-, पृथिवी-, प्राण- प्रभृ.)। नाप. (नक्षत्र-विशेष- ⌊तै. शौ.⌋) । व्यु. ? पपा. नावग्रहः । <√अर्द् इति पाउ २, १८ प्रभृ., <आ√अर्द् इति अभा. ?। वा (नैप्र.<>*भा)र्=आर्+(√ध>*ध्र->)द्र- इति कृत्वा कास. प्रकृतिस्वर इति तु विमृश्यम् ।

[e]) सपा. °द्रम्<>°द्रस्य इति पाभे. ।

[f]) सपा. मै २,१३,२० काठ ३९, १३ बाहुः इति पाभे. ।

[g]) सपा. काठ ३४,५ पाठाभावः ।

[h]) विप. (२अप्-, क्षत्र-, वायु- प्रभृ.) । नाप. (वायु-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. W.; वैतु. सा. प्रभृ. उस. उप. <√दा ⌊दाने⌋ इति) ।

[i]) सपा. पै १५, १, ८ दान्वोजः इति, आश्रौ ४,१२,२ आर्द्रदानुम् इति च पाभे. ।

[j]) नाप. (सूर्य-रथ-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[k]) विप. (एतद्-) । शिष्टं j टि. द्र. ।

[l]) विप. (दार्मी-) । शिष्टं j टि. द्र. ।

[m]) तु. सा.; वैतु. वें. ?, PW.GW. ग. अभाव इति ।

[n]) तु. टि. √ *अर्पृ>अर्पि ।

[o]) व्यु. ? पपा. नावग्रहः । पृ ४२५ e संदेहः समकेति तद् यत्रापि आर्पित- इति श्रूयते तत्र सर्वत्र =आ-अर्पित- इति द्र. । यत्र च अर्पित- इति श्रूयेत तत्र तद् *आर्पित- >नैप्र. विपरिणतमिति द्र. । ऋ १, १६४, ४८ इत्यत्र श्रूयमाणम् अर्पित- इत्यत्र लिङ्गं द्र. (वैतु. पा ⌊६,१,२०९⌋ अत्र समाधिगानुशासनम्) ।

[p]) तु. सस्थ. उत्-सित- इति ।

[q]) तु. सस्थ. समा-हित- इति ।

[r]) सपा. ऋ १०,१४,१६ काठ ४०,११ तैआ ६, ५, ३ आपश्रौ १७,२१,८ आहिता इति पाभे. (तु. पृ ६५३ f टि.)।

[s]) सपा. काठ ३७, १ तैब्रा २, ७, १५, ३ तैआ १, ७, १ अर्पिताः इति पाभे. ।

[t]) पृ ४२५ अ° इत्यत्र यनि. शोधः ।

आर्भव- ऋभु- द्र.

आर्य[a]– -र्यः ऋ ५, ३४,६; ८,५१,९; १०,३८,३; १३८,३; खि ३, ३, ९; मा ३३, ८२†; का ३२, ६, १३†; काठ ३४. ५¶; कौ २, ९५९†; जै ४, १९, १†; शौ ४, २०, ४[b]; ५, ११, ३; १९, ४५, ४?[c]; पै ३, १३,८; ८, १, ३; १५,४,४?[c]; –र्यम् ऋ १, १०३, ३; १३०, ८; १५६, ५; ३, ३४, ९; ९, ६३, ५; १०, ४३, ४; ४९, ३; ८३, १; ८६, १९; खि ५, ५, ११; काठ ३४, ५¶; †शौ ४,२०,८$; ३२, १; २०,११,९;१७,४;१२६,१९; पै ४,३२,१;८, ६, ८; –†र्यस्य ऋ ७,१८,७;८,१०३,१; १०,१०२, ३; कौ १,४७; २, ८६५; जै १, ५,३;४,२१,३; पै २०, ५१, १; –†र्या ऋ ४,३०,१८; ६,३३,३; ६०, ६[d]; ९,६३, १४; १०,६५, ११; ६९, ६; कौ २, २०५[d]; जै ३, १८,१२[d]; –र्याः ऋ ७, ३३, ⌊७(१०१,१)⌋; १०, ११, ४; शौ १८,१,२१†;पै९,१०,५;–र्याणि ऋ ६, २२, १०; ७, ८३, १; शौ २०,३६,१०†; –र्यात् ऋ ८,२४, २७[e]; –र्यान् ऋ १, ५१, ८; पै २०, २४, ८; –र्याय ऋ १,५९, २; ११७,⌊२१;७,५,६⌋; २,११, १८; ४, २६,२; ६, १८,३: २५, २[f]; मै ४,१४, १२†; शौ १९, ३२,८; पै १२,४,८;१९,३४,३; ५०,१३; –र्ये शौ १९,६२,१; पै २,३२,५; –र्येण ऋ २,११,१९.

¶आर्य-क्र(त>)ती[g]– -ती मै १,८,३

आर्यन्ति आ(आ√*अ)र (पूजायाम्) द्र.

?आर्वा पै २०,४१,३.

आर्श- ऋश- द्र.

आर्श्य- ऋश्य- द्र.

आ(आ√अ)र्षु, आ…अर्षति[h] ऋ ९, ९७,१३[i]; ‡आ…अर्षसि[h] कौ २,१५६; जै ३,१५,४.

आर्ष-,आर्षेय- ऋषि- द्र.

आर्ष्टिषेण- ऋष्टिषेण- द्र.

?आर्ष्य पै १५,१७,८.

१आल[j]–

आला(ल-अक्त>)क्ता[k]– -क्ता ऋ ६, ७५,१५.

?२आल[l] शौ ६,१६,३.

आलक[m]– -कम् पै ९,१०,१०.

?आलका- -का पै ८,२,६?[n].

आ√लप्

?आ(?आ)-ल(?त)पत्[o]– -पन् शौ ८, २,३; पै १६,३,३.

आ-लाप– -पाः शौ ११,१०,२५: पै १६,८७,५.

आ-लब्ध-,°लब्धि- आ√लभ्,म्भ् द्र.

¶**आ√लभ्,म्भ्**[p] (वधा.), >म्भि,

¶आ_लभते तै २, ५, ५, ३; ५,

[a]) बप्रा. । विप. (ऋ ३,३४,९ प्रभृ.), नाप. (ऋ १, ५१,८ प्रभृ.) च । व्यु. ? <अर्य- (<√ऋ इति ⌊पा ३, १,१०३⌋) इति या ⌊६,२६⌋ । आ + (√ऋध् ⌊वधा.⌋> क्यपि भाप.) ऋध्य- > (बस.) *आर्ध्य- > नैप्र. यनि. इति तु मतम् ।

[b]) सपा. पै ८,६,८ विशिष्टः पाभे. ।

[c]) पपा. अनु यनि. ? । अर्यः इति पाठः संभाव्येत (तु. ऋ १०,३४,१३ मा. अर्य ⌊सं१⌋ ? इति; वैतु. W. चार्यः ⌊च आ°⌋ इत्यस्य स्थाने वार्यः ⌊वा आ°⌋ इति) ।

[d]) सपा. शौ ७,११५,१ तैब्रा २,४,५,७ पै २०,१४,७ अप्रति इति पाभे. ।

[e]) ORN. वार्यात् इति पदमेकं चिकीर्षति ।

[f]) अर्या° इति Pischel ⌊ZDMG ४०,१२६⌋ शोध-प्रस्तावः स्पष्टेतर इति (तु.ORN.) ।

[g]) विप.(स्थाली-)। तृस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)। स्त्री. ङीप् (पा ४,१,३०) । विशेषस्तु Sch. टि., वैप४⌊यद्र.⌋ ।

[h]) सपा. °र्षति <> °र्षसि इति पाभे. ।

[i]) 'इमां स्तुतिरूपां वाचं प्रचेतयन्नाऽर्षति (आगच्छति)' वा. द्र.(वैतु. वें., सा. यनि. इति कृत्वा ⌊तु. मुं.⌋ असंबद्धमिव ण्यर्थं प्रत्यायुक्तौ, GW. स्त्राअ. आ इति च) ।

[j]) नाप. (विष-? ⌊तु. मा. GW.⌋) । व्यु. ? ।

[k]) विप.(इषु-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[l]) पाठः ? छन्दस्तोऽक्षरयुग्मेनोनः पाद इति कृत्वा निर् (अपेहि),१आल–> ? *आल(–गर्भः) इति पदद्वयं संभाव्य तत्परः शोधः स्यात् ? (तु. पपा. द्वे पदे; वैतु. पै १९,५,९ पाठाभावः, कौसू २५, १८ ⌊तु. भू ४७⌋ आल– =लता विशेष- इति, सा. W. *निराल–=अक्षिरोग-विशेष- इति च)।

[m]) विप. (१आल-) । व्यु. ? <√*अर्, ल् (हिंसा-याम्) इति विमृश्यम् ।

[n]) पाठः ? । नाप. (सर्प-विशेष-) । शिष्टं m टि. द्र. । सपा. शौ ५, १३, ७ आलिगी इति पाभे. अनु आलिका इति शोधः स्यात् ? ।

[o]) पाठे ? यनि. शोधः (वैतु. पपा. अनु पृ ४३५ b टि. अ-ल° इति निर्देशो नेष्टः) ।

[p]) तु. पा ७,१,६४;६५ ।

५,१,८,३;६,१,११,६[२]; ६,७,३; ४[२];मै१,५,१०;आलभते मा २४, ११[a]; १६; २०-२९;३०,२२;का २६,३,१[a];४,१;५:५,१-५;६,१-४: ३४,४,४; ¶तै १,६,७,२; ७, ६,७;८,१९,१; २१,२; २,१,९ ३:३,१,५,१;४,३,१; ४; ५, १, ३;४; ५, १,८, २[b];५,१,१[c]; ६, ३,७,५; १०,१; ६, ५,२;३[२]; ४; ¶मै १,४,५; १४;१५; ५, ९[d]; ७,४; २,१,१०;२,९;५,१;३,३, ९;६,२;४;५;७;९; १०;७,८;९; ९,६[४]; १३,१४$; $१४,१-१०; ४,५,३;८,६; काठ १०, ५; १२, १३[२];२२,१३[३];२३,१; २[२]; ३[४]; ४[३]; आलभते ¶काठ ८,१: ११; ९,२[e];३;१०,१[२];९;११,४;१२, ३;१३, ५; १२; १८,१९[f];१९, ८; ९[f]; २१, ७; २३,५[३]; २४, ७[२];८[g]; २६,७[२]; ८[२]; २९,२; ४; ३०, ३; ९[३]; ३१,१२; १५; ३२, ६;५०,४; ¶क ६,६;७,८; ८,५: ६;२९,७;३०,६;३५,७;८[२];३६, १[३]; २[२]; ३७, ८[२]; ४१, ५[२]; ६[२]; ४५,३; ५;४६, ६; ¶आलभन्ते तै ७,५,६,३;७,४; मै १,४,१५; २,४,२[२h]; ३,९,५;७; काठ ३४, १[i]; आलभे शौ ७, ११४,७; पै ४,९,६; आलभे[j] काठ ४, १४; ३१, १५; आलभामहै मै २, ५, २[२]¶[k]; ¶आलभत तै २,१,१,४; २,१;३,१;४,६;९,१; मै २, १, ८;५,३[४]; ५;६;१०; ११[४]; काठ १०, ११; १३,२; ४[२]; ५; १३[३]; २९, ९; आलभेताम् मै २, ५, ९¶; ¶आलभन्त तै २,१,२,३; ४;४,१; ४;८,१; ३,५,१,३; ६, ३,५,१; मै २, ५, २;३; ३, ६, १०[२]; ९, ५; १०,२[७]; काठ १२, १३[२];१३,५; १४,९: ¶आलभेत तै २,१,४,६;३,५,१,३;५,१,८, २;६,६,५, ४; मै २, १,३; आलभेत तै २.१,१,१[२];२[२]; ३; ५: ६;२,१; ४[२]; ५:६:७[२]: ८;९; ३, १[२];२;३[२];४; ५[२]; ४,१[२]; ३[२];५- ८;५,१;२[२]:३;४: ५[२];७: ६,१[२]; २[२];३; ४[२];५,७,२-४; ५[२];६;७; ८, १: २; ३[२]; ४; ५; ९, १-४: १०, १-३; ५, ७,४; ३,४,३,२: ३[२]; ४; ५,१,३[२]: ६,६, ५,३; मै २,५,१[७];२[७];३[७];४[७];५[७];६[४]; ७[७]: ८[७]:९[४]:१०[७];११[७]; ३,१, १०[c]; ४,८,६[३]: काठ १२,१३[८]; आलभेत काठ ८, ११:१२, ८; १२[h]; १३, १[४]:२[२]; ३[९]; ४[८]; ५[७]; ६[८]; ७[७];८[९];१२[६]:१३; १९,८;२२,७; २४,७; २९,१०[२];३१,१५: ३४, २; क ७,८:३०,६;३५,१; ३७, ८; ४६,३[२]; आलभेरन् काठ३४, १[८]¶; आलभेय काठ १३, ४¶.

आलेभे मै १, १, ६[l]; ४, १, ६; आलेभिरे शौ १०,१,९; पै १६, ३५,९; आलप्स्ये[j] मै १,४,१:५; आलप्स्यामहे तै २,१, २, ३¶[k]; ¶आलब्ध मै १, ४, ९; ६,८[२]; ९,५[४]; ८[३];१०, १८; २, २,९[२]; ३, १,१[२f]; ६; ७; १०[f]; २, ३; ६; ९[२]; ३, ६ ; ४, ४; ६ : ५, २; ६, १[४]; ४[२]; ८[७]; ७, १: ४; ६; ९; ४, ३, १; ७, २; ८, ५: ६; काठ ८, ११; १२, १२[h]; क ७,८; आलब्धाः मै ४,८,१¶. ¶आलभ्युते तै ५,४,१२, २: मै ३,९,६[२]; ७;८;१०,१[२];४,७,८: ¶आलभ्यते तै ५, ५,१,१;२: मै २,३,१;५,२[२];३,६,१;१०,१;३; ४,३,६;७,८;८,१०[२]; काठ २३, २; ¶आलभ्यते काठ १३, १२[३]; १९,८[२m];२३,५;७[२];२४,७[४];८; २६,७; ८; २९,१०; ३०,५; क ३६,२; ४[२]; ३७, ८[४]; ३८, १[२g]: ४१,५;६; ४६, ३; ¶आलभ्युन्ते तै ५,५,१,१; मै २, ५, १०;४, ७, ९; ¶आलभ्यन्ते तै २,१,४, २; ५, ४, १२, २; ६, २२,१[२]; मै १, ११, ९; २, ५, १०[२]; ३, १, १०[b]; १०, १; ४, ७, ९; ¶आलभ्यन्ते काठ १४, ९; १९, ८[२b];२९,८[३];५०,२[२];क ३०,६[b]; आलभ्यन्त मै २, ५,१०¶.

a) सपा. मै ३,१३,१९ विशिष्टः पाभे. ।

b) सपा.°भते<>°भ्यन्ते इति पाभे. ।

c) सपा. °भते<>°भेत<>°भ्यते इति पाभे. ।

d) सपा. काठ ७,७ पराहन्ति इति पाभे. ।

e) °भेत इति पाठः शोधार्हः (तु. सपा. क ८,५) ।

f) सपा. °लभते<>°लब्ध इति पाभे. ।

g) सपा. °भते<>°भ्यते इति पाभे. ।

h) सपा. °भन्ते<>°भेत<>°लब्ध इति पाभे. ।

i) आलभन्त इति SI. चिन्त्यः ।

j) सपा. °भे<>°प्स्ये (माश्रौ १,४,१,६ च) इति पाभे. ।

k) सपा. °भामहै<>°प्स्यामहै इति पाभे. ।

l) सपा. मा १, १३ पराजघ्नुः इति, का १,४,४ काठ १,५ क १,५ पराजघान इति च पाभे. ।

m) ६ टि. द्र. । यत्तु SI. द्विः प्रस्या° इत्याह तच्चिन्त्यम् सपा. तै ५,५,१,२ प्रस्या° इति पाठोपलब्धेः ।

¶आलम्भयति तै २,२,२,२; ५, ४,५: ६,१,४,६; मै १,८,९;२, १,१०.

¶आ-लप्स्यमान- -नः मै १, ४, १४[a]; २, ५, ९; काठ ९, १६[२]; १०,१.

आ-लब्ध,ब्धा- -¶ब्धः तै ३, ४, १, १; मै ३, १०, ७; ४, ७, ८[२]: पै ९, १७, ३६[b]: -ब्धम् ऋ १०, ८७, ७[c]; तै ६, ३, ५, २¶: काठ २६, ४[२]¶: क ४१, २¶: -¶ब्धस्य तै ३, ४,१, ३; ६,३,९,१: १०,२; ३: ४, १, ४; काठ १३,१०: -ब्धाः मै ३, ९,५¶: -ब्धाय तै ५, ७, २०,१; ७,४, १६, १; काठ २६, ७¶: ४४, ५; ५३, १०; ¶क ४१,५; -ब्धायाम् ¶तै ३, ४, ३, ७: ८: -ब्धे मै १, ५, १०¶.

¶आ-लब्धि- -ब्ध्यै काठ २६,४; क ४१,२.

आ-लभम् मै ३,१०,२.

¶आ-लभमान- -नः तै १,६,१०,३; ३, ४, ३, १;५,१,३[a]; मै १, ४, १५.

¶आ-लभ्य तै ५,७,१,२; ६, ३, ५, १;२;१०,१;५,१,५;६,५,३; ७, ४,१०,१; मै १,४,१०;१४; २, ३,५: ३,६,२: ४, १,४[२]; ३,९[२]; ४,६;१०; ५, १[२]; ६; ६, ५[२]; ८; काठ ८,१०; ९,१६[३]; २२, १३: २६,५; २७,१०; ३३,२[२]; क ७, ६: ४१,५.

¶आ-लभ्य,भ्या- -भ्यः मै २,३,१; ३,६,५$;९,५[२]; ४, ३, ६; काठ २३,२; २४,८; क ३५,८; ३८, १; -भ्या मै ३,९,५: -भ्यौ मै १,४,१५.

¶आ-लभ्यमान- -नम् काठ २४,७; ३०, ९: क ३७, ८: -ने मै ३, १०,२.

¶आ-लम्भ्य[d]- -म्भ्यम् तै ६,३,५,१

आ-लेभान- -नात ऋ १०, ८७,७[e];

¶?आ-लम्भम्[f] काठ २२, ८; क ३५, २.

?आलाद्य[g]- -द्याय तै ४,५,८,२.

आ-लाप- आ √लप् द्र.

?आलि(कं>)गी[h]- -गी शौ ५, १३,७.

आ √लुप्>म्प्, आलुम्पसि पै ७, १२,९; आलुम्पामि पै २०,४०, १०; आलुम्पेत् शौ १२,४,३४; पै १७,१९,४.

आलोभी काठ (पुष्पि) ७.

?आल्वन्तरोटं[i] पै ४,१६,४.

आ(आ √अ)व्, आ···अवन्तु[j] ऋ ७, ३६,६+७.

ϕआ(आ-अ)विष्यत्- -ष्यन् ऋ १, ५८,२[k].

आ(आ-अ)व्य>व्या[l] ऋ १, १६६,१३.

आव[*] अस्मद्- द्र.

आवः,आवः वि √वृ(आच्छादने) द्र.

आ √वक्ष्, ‡आववक्षत[m] कौ १,६४; जै १,७,२.

आ √वच्, आ···वोचत् जै १, ११, १‡[n]; †आ···वोचे[n] ऋ १, १५०,१[o];७,७३,२; कौ १, ९७;

---

[a]) सपा. °प्स्यमान.<>°भमानः इति पाभे.।

[b]) सपा. शौ ५,१८,४ आरब्धः इति पाभे.।

[c]) सपा. शौ ८, ३, ७ पै १६, ६, ७ आरब्धान् इति पाभे.।

[d]) गस. ण्यदन्ते उप. निस्स्वरः प्रकृत्या।

[e]) पृ ६९४ *g* टि. द्र.।

[f]) पाठे? आ-लभम् इति शोधः द्र. (तु. सपा. क. मूको., मै ३, १०, २, OK. २२, तै ५, ७, १, २ आलभ्य इति, तांत्रा ३, ६, २ आलम्भम् इति च पाभे.; वैतु. र. काठ. पाठम् अनुसरन् यनि. पाठ इति)।

[g]) प्राति. व्यु. च? ⌊अलम् √अद्>⌋ *अलाऽद्- ⌊=जीव-⌋>तद्धित इति सा., =आ √ल(<र)द् ⌊शब्दे⌋> *आ-लाद्य- ⌊=समुद्र-⌋ इति PW. प्रमृ.। *आ-(ह्ना>) लाद्- [=आ-ह्लाद्-=ह्लाद्-=हृद्- (=हृदय>हृदय्य- ⌊मा १६, ४४⌋)] >यदन्तस्तद्धित-स्तित्स्वरश्चेति विमृश्यम्।

[h]) पाठे? यनि. शोधः? (तु. टि. आलका)। व्यु.? <√*अर्, ल् (हिंसायाम्) इति विमृश्यम्।

[i]) पाठे? मन्त्रोऽयं इति शोधः? ।

[j]) 'यत् (यदा) सरस्वत्यादयो नद्यो मरुतश्च नः धियं तोकं च साकम् आऽवन्तु' (तदा) मा नः इत्यादिके उत्तरस्य मन्त्रस्योत्तरार्धे संबन्धः द्र. (वैतु. वें. सा. GRV. Gri. आ ⌊गच्छन्तु⌋ क्रिउ. इति)।

[*]) वैतु. वें. सा. आ···तिष्ठति इति, GW. आ··· युवमानः इति च (पृ ४४३ सस्थ. √अव्>अवि° इत्यत्र शोधः द्र.)।

[l]) वैतु. पपा. नावग्रहः।

[m]) सपा. ऋ १०,११५,१ ववक्ष इति पाभे.।

[n]) सपा. °वोचत्<>°वोचे इति पाभे.।

[o]) वैतु. या. ⌊५,७⌋ प्रमृ. अनुपसृष्टवादिनः नि. उपयोगं

आ···वोचम् ऋ ५,४१,१४[a].
ओ(आ-उ)क- -का ऋ १,६३,९.
आ√वञ्च्, †आवच्यस्व ऋ ९, २, २; ९७, २; १०८,१०; कौ २, ३६२; ३८८; ७५०; जै ३, ३०, ५;३१,८.
आवत् अस्मद्- द्र.
?आवत् पै १५, ६,६; २०,३४,४.
आ-वत्[b]- -वतः शौ ५, ३०, १[3c]; पै ९,१३,१[2].
?आवतंकरणीदसी[d] पै १, १००,२.
आ-वत्सर[e]- -रम् पै १६,७२,४.
आ√वद्, आवदति मै ३, ८, ७¶; आवदामि शौ ८, ७, ४; १२, १, २९; पै १,६६,३, १६, १२, ४; १७, ३, १०; आवदामसि पै १, ९३, २[f]; आवदासि ऋ १०, ८५,२६; शौ ८, १, ६‡[g]; १४, १,२०†; २१‡[g]; पै १६, १,६; १८, २, ९; १०‡[g]; आवदः पै १९,४८,१; आवदाथः[g] ऋ १०, ८५,२७; आवद ऋ २,४३,२[2]: ३: खि २,२,३;५;१६,१; मा १, १६; का १,५,५; तै १,१,५,२[2]; २,१३,१[h];६,२,९,१[h]; मै १,१, ६[3];२,६[h]; ३,८,७¶[h]; ४,१,६[3]; शौ १,१०,४; ४,१५,१४; पै १, ९,४; ५,७,१३; १०,३,६; २०, २७, १०; आवदतम्[h] मा ५, १७; का ५, ५, ५; आवदत ऋ १,६४,९; आवदानि मा २६,२; का २८,१,२; शौ ६,६९,२; ९, १,१९; पै १०,६,४;१६,३३,९; १९,३२,१४; २०, २८, ९; आवदेम ऋ ⌊१,११७,२५; २,१२, १५ (३९,८) ८, ४८, १४⌋; शौ १२,२,२२;३०: २०,३४,१८†; †पै १३, ७, १६: १७, ३२, २; १०.
ओदिम मै ४,१४,१७[4l].
†**आ-वदत्**- -दन् ऋ १,११,६; २, ४३, ३: खि २, २, ५: जै ३, ४८,१८.
आ√वध्, †आवधीत् ऋ ८, ७२, ४[j]; ७५, ९: तै २, ६, ११, २; मै ४,११,६; काठ ७, १७; आवधिष्ठाः खि २,११,३.
आ√वन्, आ···वनते, (आ)वनते[k] ऋ ५,४१,१७; आ···वनमे ऋ १,१४०,११.
आवव्ने ऋ ५,७४,७; †आवंमते[l] ऋ ८, १०३, ९; कौ २, २२९; जै ३,२०,१३; आवंसत् ऋ १०, २६, २; आवनिषीष्ट ऋ १, १२७,७.
आ√वप्. ¶आवपते मै ४. ३. १: काठ २२,१३: ¶आवपति मै १. ८, १०: काठ १५, ५[m]: २८,९; ३२,७; क ४४,९:¶आवपन्ति मै २,६,६[m]: पै १९,४२,१०; आवपतु मा ३५,५; का ३५,४,५; आवप शौ ११,१,२३:२९:३२; पै १६, ९१,६;९;९२,२: ¶आवपत् काठ २८, ९: क ४४, ९: आवपेत मै ४,३,१.
ओपिथे ऋ १,३१,९.
आ-वपन[n]- -नम् मा २३. ९: १०: ४५; ४६: का २५,३,६:७:९,१: २; तै ७. ४, १८,१.२: मै ३, ३,१¶;१२,१९[2]; काठ ४४.७[2].
आवपनी- -नी शौ १२. १, ६१; पै १७, ६,१०.

प्रति पर्यनुयोज्याः ।

a) 'दैव्यानि पार्थिवानि जन्म(=जन्मानि)अपः(=जलानि) (च स्तुत्यत्वेन) अच्छा (=अभिलक्ष्य) सुमखाय (सुयज्ञस्य ⌊सुधनस्य वा⌋ सिद्धये) आ···वोचम् (=स्तुतिमकार्षम्)' इति वा. इति कृत्वा यनि. अन्तर्हितकर्मकं क्रिप. द्र. (तु. GW.; वैतु. सा. अच्छा इति कप्र. संकेतयन्नपि वा. प्रति चिन्त्यः) । पृ ५५ अच्छा···वोचम् इत्यत्र शोधोऽपेक्षितः । स्तुतिकर्मणां धा. अकर्मकत्वविमर्शः पृ ३१७ *i,o* टि. कृतः द्र., तत्रापि विशेषतः तु. ऋ ८, ६९,४;९२,५ ।

b) स्त्री. । धात्वर्थे वतिः प्र. (पा ५, १, ११८)। प्र. स्वरश्च ।

c) प्रथमे पादे पाठे ? सकृत् परा-वतः इति शोधः (तु. सपा. पै.) ।

d) पाठे ? यथा त्वा पर्युत-सर्क पत्नि ! औषधम् आ-वर्नकं रगोयसी->-०मि इति पूर्वार्धर्चे-शोधः? ।

e) अप. वा. किवि. ।

f) तु. पस्थ. टि. ?कामदः ।

g) सपा. °वदासि (आपमं १,९,४ च) <> °वदाथः इति पाभे. ।

h) सपा. आवद <> आवदतम् इति पाभे. ।

i) सपा. कामा १२५:१-४ ऊदिम इति पाभे. ।

j) तु. वें. GW.; वैतु. सा. ग. अभावः ।

k) तु. GW. ; वैतु. सा. यनि. सपा. अनुसमृष्टान् सतः धा. रूपाद् अविवेचुकः ।

l) लेटि प्रपु१ रूपम् ।

m) सपा. °पति <> °पन्ति <> तै १, ८, ९, ३ विचिनुयात् इति पाभे. ।

n) नाप. (क्षेत्र-, पात्र- प्रभृ.) । गस. अधिकरणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

आ-वप(त्>)न्ती–
आवपन्ति(-कृ>)का[a]– -का[b] शौ १४,२,६३; पै १८,१३,२.
?आवपम्[c] पै ४,४०,४.
¶ओ(आ-उ)प्य काठ १२,३.
ओ(आ-उ)प्यमान– -नाः शौ १२,३,२८.
आ√वय् (*स्तुतौ), ?आ… वयः[d] कौ १,३५३; जै १,३७,२.
आ-वय[e]– -यम्[f] शौ ८.६,२६: पै १६,८१,७.
आवयः, आवयः, आवयत्, आवधत् प्रभृ. √अन् द्र.
?आ वयम्[g] पै ९,१०,६.
†आ-वयस्[h]– -याः ऋ १,१६२,५: मा २५,२८; का २७,१२,५: तै ४,६,८,२; मै ३,१६,१: काठ ४६,४.
?आँ-वर[i]– -रान् ऋ २,३४,१४.
?आवरव्रजत[j] पै ६,२,८.
आवरीवः आ√वृत् द्र.
आवरीवुः आ√वृ (वरणे) द्र.
आ-वर्तक–, °र्तन–, °र्तमान–,°र्तयध्वै, °र्त्स्यत्–, आ-ववृतत्–, आ-वर्वृतत्- आ√वृत् द्र.
आ-वर्हम् आ√वृह् द्र.
आ√वल्
आ-वलत्– -लते तै ७,१,१३,१.
आववृध्वम् आ√वृत् द्र.
आ√वस् (निवासे),>वासि, आवसन्ति[k] ऋ ७,८४,२: आवसन्तु[k] पै १,१०३,४; आ (आ-अ)-वसत्[l] ऋ १,१४४,२.
आ-वसथ[m]– -थात् पै १९,९,११[n]; –थान् शौ ९,६,७; पै १६,११९,८;११६,४.
आ√वह्,>वाहि,आ…वहति ऋ ३,५८,१; आ…वहतः ऋ ५,४१,७; खि ५,१४,४?[o]; आवहन्ते[p] मै १,१,२; ४,१,२; आवहन्ति ऋ ३,५५,१८[q]; तै १,१,२,१: आ…वहन्ति ऋ ८,७,३५: आ…वहन्ति[r] ऋ ७,६६,१५: ७८,४; ¶तै ६,१,११,६; आवहेथे ऋ ८,५,३१; आवहथः खि १,८,३: आ…वहथः ऋ १,११९,३;

[a]) स्वार्थे के प्र. अणो ह्रस्वः प्र. स्वरश्च।

[b]) =सपा. आपमं १,५,२ शांगृ १,१४,१ पागृ १,६,२ मागृ १,११,१२। मंब्रा १,२,२ हिगृ १,२०,४ तु आवपन्ती इति पाभे.।

[c]) पाठे ? आ-वपत्–>–पन् इति शोधः।

[d]) यनि. रूपं लङि मपु१ (वैतु. पपा. अनु भ. PW. BSG. १६५ वयोवयः-शयुम् इत्येकं पदमिति, सा. वयः (=अन्न-⌊तु. BSG.⌋), वयस्य!, अयम् इति त्रिपदमभिप्रयन् यनि.द्वि१ इति; आ इति च सा. भ. आ ⌊हर⌋ इति क्रिउ.)।

[e]) भाप.। अर्थः व्यु. च ? नैप्र. <आ-वह्- इति विमृश्यम् (तु. सस्थ. रोद–, अघ–)।

[f]) सपा. मंब्रा १,१,१४ आपमं १,४,११ हिगृ १,१९,७ विशिष्टः पाभे.।

[g]) पाठे ? आ√भृ>(लङि) आभरत् इति शोधः (तु. सस्थ. टि. ?त्वामृत, ?तन्वारोपयस)।

[h]) नाप.(ऋत्विग्-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =२वयस्–<√वी इति (तु. टि. अभि-वयस–, MW.; वैतु. वें. सा. म. ⌊पक्षे⌋ च <आऽवयज्– इति, PW. प्रभृ. <आव-याज्–<अव-याज्– इति, ORN. ⌊?पक्षे⌋ अव√या>अव-या–>आवय–>–याः ⌊प्र३⌋ इति च <आ√वी इति च)।

[i]) अवरान् इति पाठे ? यनि. शोधः इति मतम् (वैतु. पपा. अनुमरन्तः वें. सा. GW. प्रभृ.)। पृ ४६१ अवर–> –रान् इत्यत्र शोधः कर्तव्यः।

[j]) पाठः ? आ√वृध्>वर्वृध् >आ-वर्वृधत्–> -धत (प्र१.) इति कृत्वा वा. वरुण-प्रतियोगि विप. द्र. (तु. टि. आवर्वृतत्–> -ततः।

[k]) सपा. °न्ति<>°न्तु इति पाभे.।

[l]) आ-अ° इति पपा. यनि. शोधः (तु. पा ८,१,७१)।

[m]) नाप. (गृह-)। गस. उप. अथः प्र. (पाउ ३,११६) थादि-स्वरश्च।

[n]) अ° इति पाठे ? यनि. शोधः।

[o]) पाठे ? आवह इति शोधः द्र. (तु. शौ २०,१२८,१५ शांश्रौ १२,१६,२)। आवहाऽतः इत्येवं मूलतः सतो विकारः संभाव्येत।

[p]) तयावहन्ते इत्यस्य स्थाने सपा. तै १,१,२,१ तैब्रा ३,२,२,३ तु आवहन्ति इति, काठ १,२; ३१,१ क १,२; ४७,१ तद् आहरन्ति इति च पाभे., प्रथमद्वये पाभे. यलोपाभावः पाक्षिकः द्र. (तु. पा ८,३,१९ MVG ६६)। द्वितीये स्थले मुद्रितः पाठः शोधार्हः (वैतु. पपा. तया। वह° ? इति)।

[q]) वैतु. GW. ग. अभावः।

[r]) तु. वें. सा.; वैतु. GW. ग. अभावः इति व° इत्येवं निहतं क्रिप. इति च।

आ-वहत् शौ १,८,१; पै २,६६, २;४,४,८;१९,९,२[a]; २०,५४, ६; आ (वहत्) पै १०,५,१०[b]; आ-वहात् मा १८,५९; का २०, ४,२; तै ५,७,२,३[a]: ७,१; काठ १३,१५[a];४०,१३; शौ ६,१२३, १; पै १९,२८,४; आ(वहात्) शौ १९,३१, १०[b]; आवहातः ऋ ३, ३५, २[c]; आ···वहातः ऋ ३, ४३, ४; आवहान् ऋ १, ८४, १८; शौ २०, ४८, ३[d]: पै १८, २३,१; आवहासि पै २,६६,३;४: ?आ···वहाः[e] पै १,१०३,३: आ-···वहतु ऋ ७, ३७, १: आ(आ-वहतु) शौ १९,७,५[?]; आवहताम् शौ ३,२४,७; पै ८,११,३: †आ-···वहताम् ऋ ८,१,२५: कौ २, ७४२: †आ···वहताम् ऋ ८, १७, २: मै २. १३, ९: कौ २, १७: जै ३,२,८; शौ २०, ३,२: ३८,२: ४७,८: आवहन्तु ऋ ७, ४१,६;८,४६,७: †मा ३४,३९: काठ ३५,१[f]; क ४८,२[f]; शौ ३, १६, ६†: ७,८७, ६: ९,२, ११, १९, ७, ४: ५: पै ४, ३१, ६†; १६,७६,१०;२०,३२,२: आ··· वहन्तु ऋ १,१६,१:८५,६: ९२, [१८(८,१, २४)]; १०१, १०; ११८,[४; ६, ६३,७]; १८१,२; ३,४३,[६: ६,४४,१९]; ६१,२; ४,१४,४;५,३१, ९:६२,४;७५, ६: ६,४०,३;५५,६: ६९,४; ७, ६७,४: ८, ५,३३: ६५,४: १०, १४,४: ९६,१२: खि १,२, ३[g]; तै २,६,१२,६†: मै २,९,१; ४, १४,१६†: कौ २,१०८५†: †शौ १८,१,६०;२०,१३,२:२२,२; पै २०,२९,५: †आ···वहन्तु ऋ १, १३४,१: ४,४६,[३: ८,१,२४]: ३३,१४: कौ १,२४५: २,७४१: जै १, २६, ३: आ···आवहन्तु[h] शौ १९, ७, ५: †आ···आ··· वहन्तु[h] ऋ १०, ८४,३: शौ २०, ९४, ३: †आ (वहन्तु) ऋ १, १८१,२:८,१,२४: कौ १,२४५: २,७४१: जै १,२६, ३: शौ १९, ७,५$: आवह,>हा ऋ १,१२, [३: १०:१५,४]: १३,१:४:१४, १२: २२,९: ३१, १७: ४४, ७: ९: ४५,२: ४८,११[c]:१२: ७६, ३:९२,१५:९४,३: १४२,१:[४: ५,५,३]: २,३,३:[११:३,६,९]: ३२,३: ३,६,६: १९,४: ४,५५, [(१,९२,१३)९: ५,७९,७]: ५, ७९, ८: ६, १६, ६: [(१,१४, ६)४४]: ६४,४: ५: ७, १,२४: १०,४;१६,९;१७,२; ८,४४,९; ६०,४;९३,[२५[i](२७)]; १०२, २; १०,१,७;१६,१२; १५०,३; खि २, ६, १; २: १३-१५; मा २,१६[j]:५, १२; †१७,९; ८८; १९,७०†; २६,२०†; का २,४, ३[k]:५,४,३;१८,१,१०†;१९,१, २†: २१,४,२०†: तै १,२,१२, ३:३,१४,८†:५,५,३†;२,५,९, ३:४[?]: ६,१२,१†: ४,६,१,३†; ५.७,८,३: ६, २,८,२: मै १,२, ८:१५:५,१†;६,२[?]: १०,१८†; ३,८,५:९,६: ४,११,४†: काठ २,९: ३,५; ७,१३[?]: १९,१४; २१,१४†:२५,६: ३९,१३†; क २,३; १२: ६,३[?]; ३९,४: †कौ २, १८२: ४१६: ६९७; ७००; ७३८; १०८३: †जै ३, १४, ३; ३२, ६: ५७,१:४; ४,१२,१०; २८,९: औ १,७,१[k]:७[k]:४,२३, २:५,४,६: १८,१,५६†:५७:२, ३४: २०, १३, ४†;१०१,३†; १२८,१५[l]: पै १,३१,१;५३,१; २,९,४:६६.१:७९,४;४,३३,३: १२,९,४†: आ···वह,>हा ऋ १,२२,१०:४४,१;२५,२;४,२, ४: ५,२६,[२:७,१६,४]:५:४३, ६:७,११,५:३९,५: ८,२३,३०;

a) सपा. °वहत्<>°वहात्<>वहाति शौ ६,५५.१ इति पाभे.।

b) सपा. आ (वहत्)<>आ (वहात्) इति पाभे.।

c) तु. सस्थ. टि. उप।

d) तु. टि. √वज् > ?वज्रापव°।

e) तु. सस्थ. टि. आ।

f) =सपा. आश्रौ ५,१९,३। तैब्रा १,२,१,११ आपश्रौ ५,६,३;१४,१७,१ तु वहन्ति इति पाभे., शौ २, १३,९ च विशिष्टः पाभे.।

g) °वहन्तु इति स्वरे ? यनि. शोधः।

h) ग. आदरार्थोऽभ्यामः (वैतु. मा. ऋ. द्वितीये श्रवणे आ पादपूरण इति. GW. उभयत्रापि स्वाभ्र. इति)।

i) सपा. कौ १, २१३ जै १, २२, १० मृडय इति पाभे.।

j) =सपा. माश १, ८, ३, १५। तै १, १, १३,२ काठ १, १२; ३१, ११ तैब्रा ३, ३, ९, ४ तु मृडय इति पाभे.।

k) सपा. पै ४,४,१;७ आनय इति पाभे.।

l) पृ ७०४ O टि. द्र.।

१०,११,[९; १२,९]; ७०,११; मा १,१७; का १,६,१; २४,४, ९†; तै १,१.७,१[a]; मै १,१, ८[a]; काठ १, ७; क १, ७; †कौ १,४०; २, ८७२; ११३०; †जै १,४,६; ४,११,८!; १८,२; शौ १२, २, ४२; १४,१,६२[b]; १८, १,२५†; पै १७,३४,३; †आ··· वह,>हा ऋ ९,६५,१७; १०, ११०,१; मा २९,२५; का ३१, ४,१; तै २,५,९,४$; मै ४,१३, ३[c]; काठ १६, २०[c]; कौ २, १८५; जै ३,१७,६; शौ ५,१२, १ : आ(वह) ऋ १, १४, ६; ५,४३,६[d]; ६,१६,४४; आवह- तात् ऋ १०, २४, ५?[e]; शौ ६, ८२,२; पै १९, १७, ५; †आव- हतम् ऋ ३, ५३, १; ८, ५, १५, खि ५,७, ४, ८; काठ २३, ११; कौ १, ३३८; तै १, ३५, ७; आ···वहतम् ऋ १, ३४, १२; ९२,[१७;१५७,४]; खि १,७,६; १२, १; कौ २, १०८६; आ··· वहतम्, आ(वहतम्)[२] ऋ ५,४२, [१८; ४३,१७; ७६,५; ७७,५]; आ···वहत>ता ऋ ८, २०, २३; आवहानि पै १९, ४९, ४[f]; आ···वहानि ऋ १०,५२,१; आ (आ-अ)वहत् ऋ १०,५९,१०[g]; शौ ११, १०, १; १६, ८५, १; आ(आ-अ)वहन् शौ ११,१०,४; पै १६, ८५, ४ : आ···अवहन्, आ (अवहन्) ऋ १, ५१, १०; आ(आ-अ)वहः[k] ऋ ८, २४, २८ : मा ८, १९ : का ९, ३, ५; तै १, ४, ४४, २: मै १, ३, ३८ : काठ ४, १२; क ३, १०; शौ ७,१०२,३; पै २०,३४,३: आ···वहेथाम् ऋ ७,७१, ३. †आ-वक्षि[h] ऋ १, १८८, ३; २, ३६,[४ (५,२६,१;६,१६,२; ८, १०२,१६)]; ३,१४,२; ६,४७, ९;८,५४,६[i]; १०,३,७; शौ २०, ६७, ५; †आ···वक्षि[h] ऋ ३,४, १;७,९; ५, १,[११;४,४]; २६, [(२,३६,४) १; ६, १६,२; ८, १०२,१६];४३,१०;६,१५,१८; १०,७०,३; ७३,४; मा १७, ८; २९,१$; का १८,१,९; ३१,१, १$; तै १,३,१४,८;५,५,३;४, ६,१,२;५,१,११,१$; मै १,५, १; ३, १६,२$; काठ १७, १७; ४६,२$; क २८,१; कौ २,८२५; ८७१; जै ४,४, ६; १२,९; आ- (वक्षि)[h] ऋ ५,४३,१०; †आवो- ढम् ऋ २, ४१,९; मा २०,८३; का २२, ८, ४; आ···वोढम्[j] ऋ ८,३५,४-६; आ···वोळ्हम् ऋ ८, ५,१०; ओ(आ-ऊ)हतुः शौ १९, ६८,१०[k]; पै १५,३,१०; ओहिरे ऋ ८, १९, १; ओहिषे ऋ १, १२८, ६; †आ···वक्षति ऋ १, १,[२ ; ४, ८, २]; काठ १२, १५; जै ४, १९, ६ : आ-वक्षत् ऋ १, १५७, ३; १०, २०, १०; खि ४, ९, २; ५, ७, १, ४; काठ १५, १३;†कौ २, १११०; आ···वक्षत् ऋ १, १३५, ४[l]; ३, ५, ९[l] : ८, ३४, ८; खि ५, ५, १; ७, ३, ४; मा १७, ६२[३]; २८, १५[l]; का १८, ५, १३[३]; ३०, २, ४[l]; तै ४, ६, ३, ४[२]; ५,४,६,६[२]. मै २,१०,५[४]:३,३, ८[४]; ४, १३, २; ८[l]; काठ १८, ३[२]; १९, १३[l] : क २८, ३[२] : शौ १, ३१, ३; पै १, २२, ३: ‡[m]आ···वक्षतु कौ २, ११५९: †आ···वक्षतः ऋ १, १६, २[n];

[a]) पपा. ग. अभावः ।

[b]) सपा. आपमं १,१,३ सुव इति पाभे. ।

[c]) °व° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ.मा. प्रमृ.)।

[d]) वैतु. मा. आ स्वाश्र. इति ।

[e]) पाठे ? आवहतं नः इति शोधः (*°तन्न इति> *°तान इ°>*°तान् इ°> यनि. इति कृत्वात्र नैप्र. पुरस्कृतः लैवि. इति भावः; वैतु. उद्री. सा. GW. GRV. प्रमृ. मपु२ स्थाने मपु१ इति, वें. सा. [पचे] च प्रपु१ इतीव कृत्वा वा. कर्तृत्वेन अग्निरिति पदमाक्षेपुकौ ?) ।

[f]) सपा. शौ ३,१५,२ आहुराणि इति पाभे. ।

[g]) आ- अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. शौ पपा., पा ८,१,७१ च) ।

[h]) मपु१ रूपम् ।

[i]) पृ ६६९ c टि. द्र. ।

[j]) वैतु. GW. ग. अभावः ।

[k]) 'तौ भोगाय त्वाम् पुनर् ओहतुः (=प्रत्या-आनिन्तवन्तौ)' इति वा. द्र. (तु. पपा. सात. W.; वैतु. सा. √आह् >आहतुः इति, RW. WI. √ऊह् ओहताम् इति) ।

[l]) =सपा. तैब्रा ३,६,१३,१ या ९, ४३ । तैब्रा २, ६, १०,३ तु आ···अवाक्षीत् इति पाभे. ।

[m]) पृ ६७८ g टि. द्र. ।

[n]) 'इमा धानाः उप हरी इन्द्रम् आ°' इति वा. कृत्वा इहोप =इह आ उप इति पदत्रयं द्र. (वैतु. पपा. प्रमृ. इह उप इति) ।

८, २, २७; ३४, ९; कौ २, १००८; आ(आ-अ)वाक्षुः शौ १६, ७८, १[a]: आ-वक्षन् ऋ १, १०४,२; आ··वक्षः शौ ११,१, ४; पै १६,८९,४.
ओ(आ-उ)ह्यते मै ३,७,८.
आवाहयामि[b] मै २,९,१.
आ-वह(त>)न्ती- -न्ती ऋ १,४८, ९;११३,१५; ४,१४,३: -न्तीम् ऋ ५, ८०,१.
आ-वाहित- -०त?, -नम् मै २,९, १०.
ϕ‡आ-वोढवे[c] कौ २,५०१, जै ३, ५७,१३.
आ√वा, आवाति पै १९, ४१, १; आवातु ऋ १०, १३७, २[d]; १८६, १: कौ १, १८४: २, ११९०; जै १, १९, १०: ४,२०, ३; आवातु शौ४,१३,२†:आवातु पै ५, १८, ३†; १९, ४६, ७†: आ···वातु पै २०, ३८, ५:
†आ···वाहि ऋ १०, १३७,३; शौ ४, १३, ३: पै ५,१८,४.
?आवाः पै १०,१,५.
?आ वाचीकार- -रः पै १४,२,३[e].
आ√वाश्, आ···वाश्यताम्, आ-(वाश्यताम्) पै ७, ६, ७[f]; आ-वाश्यन्ताम् पै ७,६,७[g].
√आवि, आवयः ऋ ८, ४५,३८[h].
आ√विद्, आ···विड्ढि[i] शौ २. ५, ४[j]; पै २,७,२.
आ-वि√तन्
ϕआवि-तत- -नम् ऋ ९,६७,२३[k].
आ-वित्त- आ√विद्(लाभे) द्र.
आ√विद्, (ज्ञाने)>वेदि, आवेद[l] ऋ १०, ११४, ९.
आवेदयते[m] काठ १५, ७[n]: आ-वेदयति मै ४,४,३: ¶आवेदयति तै ७,१,६,८: मै ३,६,९[o]:४,४, ३ : आवेदयामसि ऋ ४,३६,७; १०, १५१,१: आ···वेदयामसि ऋ ४, ३६,२.
१¶आ-विद्[o]- -विदम् तै ५, १,९, ६; मै १,९,७.
आ-विद्वस्[p]- -द्वान् ऋ ४,१९,१०.
आ-वेद्य पै २, २, १[q].
आ√विद्,(लाभे)>वेविद्, आविदे ऋ ८,४५,३६; आ···विदामि पै २,२९,१-६; आविदामि पै २, १९, १-४.
आविन्दतु खि १,३,५; ?आ[q]··· अविन्दन मै ४, २,६.
• आविविद्रे[r] ऋ ३,५४,४: आ-विदन पै १९, १६, ९[s]. आ-विदम् ऋ २, २७,[१७;२८,११: २९,७]; †आ(आ-अ)विस्मि[t] ऋ १०, ९७, ७; मा १२, ८१: का १३,६,७: तै ४, २, ६, ४: काठ १६, १३: क २५,४: पै ११,६, १०: †आ···अविस्मि ऋ १०, ९५, ३; मा १९, ५६; का २१, ४,७: तै २,६,१२,३; मै ४,१०, ६: काठ२१,१४: शौ१८,१,४५.

a) सपा. पै १९,१६,९ आविदन् इति पाभे. ।
b) ०वाह० इति स्वरे? यनि. शोधः ।
c) गम. तवेनन्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः । सपा. ऋ ६, ६०,९ वोढवे इति पाभे. ।
d) यनि. स्वरे? आवातु इति शोधः (तु. सपा. शौ [तु. W.टि.] तैब्रा २,४,१,८ तैआ ४,४२,१, पा ८,१,६५)।
e) पाठे? आ-बाध- [बस.] > 'धी√कृ> धीकार- इति शोधः द्र. ।
f) सपा. शौ ३,१२,३ आ···गमेत्, आ (गमेत्) इति पाभे. ।
g) सपा. शौ ३, १२,३ विशिष्टः पाभे. ।
h) अर्थः व्यु. च ? √भू [प्राप्तौ]> भावि>(नैप्र.) यनि. इति मतम् (तु. सस्थ. टि. ?एवारे)। पृ ४३९ √अव्>आवि>०यः इति शोधार्हं द्र. ।
i) पाधा. 'शब्दे' पठ्यमानः सन्नयं धा. 'मनःप्रीतौ' 'तृप्तौ' वा अदा. उसं. (वैतु. W. प्रकृतं रूपम्<√अव् [तु. WG९०८] इति वा, <√विष् [तु. WSR.] इति वा, सा.<√वृध् [वर्धने] इति)।
j) पाठे? पृणस्व कुक्षी विड्ढि शक *ध्या (=ध्या [=धिया] आ) नः इत्येवं द्वितीयः पादः शोधितः स्यात् तदनु 'हे शक ! अस्माकं स्तुत्या प्रीतमनास्तृप्तो वा भव' इति तात्पर्यं द्र. (वैतु. सा. प्रभृ. ना. अन्यथयन्त इव)।
k) तु. सा.: वैतु. मा १९. ४१ प्रभृ. तैब्रा १,४,८,२ च अन्तरा इति द्विस्वरस्य स्थाने अन्तरा इति पाभे.; PW. GW. अन्तर् आ इति द्विस्वरः समाहृत इव सन् आर्चिषि इति मत. युक्तः कप्र. इति (वैतु. टि. आ···धावते, ϕआ-दधन्वस्-)। l) लटि प्रपु१ रूपम् ।
m) सप्र. माश ५, ३,५,३१ वाचयति इति पाभे. ।
n) उत्तरेण संधिरार्षः । o) भाप. (ख्याति- [तु. भा.])।
p) गस. उप. वसु(श्) प्र. उसं. (पा ३,२,१२४)। पाप्र. [७, १,३६] तु शतुर्वसुर् इति ।
q) शोधितः पाटः (तु. सस्थ. टि. ?कुमारवत्या०)।
r) श>इरेच्>रे प्र. (पा ६,४, ७६)।
s) पृ ६८५ ० टि. द्र. ।

आ-वित्त,त्ता[a]– -त्तः मा १०,९[3]; का ११,४,६[3]; मै २, ६, ९[4]; ४, ४, ३[4]: काठ १५,७[4]: –त्ता मा १०, ९; का ११, ४,६: मै २, ६, ९: ४,४,३: काठ १५, ७; –त्ते मा १०,९: का ११, ४,६; मै २,६, ९; ४, ४, ३; काठ १५, ७: –त्तौ मा १०,९; का ११,४,६; मै २, ६,९: ४,४,३: काठ १५, ७.

२आ-विद्[b]– -विदि तै २,६,९,६: मै ४,१३,९.

३आ-विद्[c]– -विदः काठ १५, ७.

आ-विदे ऋ ७, ३२, १९ϕ; १०, ११३,३.

आ-विन्न, न्ना[a, d]– -न्नः[e], -न्न, -न्ने, न्नौ तै १,८,१२,२.

आ-वेदन– -नम् पै २,४९,१-५.

ϕआ-वेविदान[e]– -नाः ऋ १,७२,४.

१आ-विद्–, °द्वस्– आ √विद्(ज्ञाने) द्र.

आ √वि(<व्य)ध्

आ-विद्ध– -द्धम् ¶तै २, ३,१३, ३; ६,८,३; पै १२, ३,२: –¶द्धस्य काठ २५,४; क ३९,१.

आ-वि √धा, ?आविधात् खि २,६[2], २४.

आ-वि √भा, आ···विभाति[f] ऋ २, ८,४.

?आविर्[g] खि १,९,१.

आ √विवास्, आविवासते ऋ १, ११७,१: †आविवासति ऋ १, १२,९: ८४,⌊९(८,९७,४)⌋; २, २६,३; ६,६०,११; ८,१९,१३; १०, ९३, २; तै २,३,१४,३; मै ४,१४,१०; कौ २,१९६;५००; ६९२; जै ३, १८, ३; ५६, १९; ५७, १२; ४,१२,११; शौ २०, ६३,६; आविवासति ऋ ५,७४, १; ८,६९,१[h]: ९७,⌊(१,८४,९) ४⌋; ९, ४४,४: ८६,१४; मा ६, २३: का ६,६,१: तै १, ३, १२, १; मै १,३,१; काठ ३,९; क २, १६: †कौ १, २६४:३६०: †जै १, २८, २: ३८, १: आ··· विवासति ऋ १, ५८, १: †आविवासतः ऋ ७, ९४, ११ : मा ३३,७६; का ३२, ६, ७; †आविवासन्ति ऋ ३,५१,७: ४,११, ५:८,६०,५; मा ७,३५: का ७, १७, १: तै १,४,१८,१: २, ३, १४,६$: मै १,३,१९: काठ ४, ८: क ३,६: कौ १,४२: जै १, ४,८: पै ५, २, ८; आविवासमि ऋ १, ३१, ५; आविवासमि ऋ १०,६४,५: आविवासथः ऋ १, ११९, ९: †आविवासे ऋ १, ४१,८; ६,५१,८[2];५२,१७;६२, ५; ६६,⌊(१, ६४,१२) ११⌋; ७, ६, २; ८,१६,३; जै ४, २२, ७; शौ २०, ४४, ३; आ···विवासे ऋ ७, ५८, ५; आविवासत्[i] शौ ७, २२, १; पै २०, ५, २; आविवासात् ऋ ७, २०,६; १००, १ ; आ-विवासान् ऋ २, ११, १६ : आ···विवासान् ऋ १, १७३,१; आविवास ऋ ५, ८३, ⌊१: ८, ९६,१२⌋; १०, ६३, ५; †आविवासत,>ता ऋ ८, १५, १: कौ १,३८२; जै १, ४३, २; शौ २०, ६१, ४; ६२, ८ ; आ-विवासेत् ऋ ⌊(३,१४,५) ६,१६, ४६ (१०,७९,२)⌋; ⌊(१, १२८, २) १०, ३१,२(७०, २)⌋; आ-विवासेयम् ऋ २,३३,६; †आ-विवासेम ऋ ६, ३८, ५:६१, २; मै ४,१४,७; काठ ४,१६.

†आ-विवासत्– -सताम् ऋ ७,१०४, २१; शौ ८,४,२१; पै १६,११,१; –सन ऋ १,१५२,६;७,७२,३;९, ३९,५: कौ २,२५२; जै ३,२१, १७; –सन्तः ऋ ५,४५,३;४.

आविवासन्ती– -न्ती ऋ ५,४७, १.

?आ वि विद्वान् द्रवत्[j] ऋ ७,१०,२.

[a]) सपा. तै. शाखायाम् आ-विन्न, न्ना– इति पाभे. । धा. लाभे वृत्तिर् इति मा. ⌊का.⌋ PW. प्रमृ., ज्ञान इति सा. (माश.) उ. म. Gri., सत्तायाम् इति Egg. MW. प्रभृ.।

[b]) भाप. (लाभ-)। [c]) नाप. (मन्त्र-व्याहृति-)।

[d]) वैतु. पपा. नावग्रहः।

[e]) गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[f]) तु. वें. सा. GW.; वैतु. PW. ग. अभावः।

[g]) पाठे? √अव्>आवीत् इति शोधः।

[h]) वैतु. GW. प्रप्र···आ° इति ? (तु. सस्थ. टि. प्रप्र √कृ)। [i]) पाभे. कृते पृ ६३३ o टि. द्र.।

[j]) वा. ? पपा. यनि. चत्वारि पदानि । वें. सा. आ वि···द्रवत् इत्येकं पदं विद्वान् इति चापरं पदमिति, GW. आवि–विद्वान् इत्येकं पदं द्रवत् इति चापरं पदमिति, ORN. आ···विद्वान् इति च वि···द्रवत् इति च पदे इति? । शोध्यः पाठः इति कृत्वा आ आविर् विद्वान् द्रवत् इति चत्वारि पदानीति तु स्वरतोऽर्थतश्च विमृश्यम् । एवं स्थिते 'यज्ञं तन्वाना उशिजो न (=यथा) मन्म (=मन्मानि ⌊आविर् आ-कुर्वन्ति⌋ तथा) अग्निर् देवो विद्वान् दूतो देवयावा वनिष्ठः (सन्) जन्मानि द्रवत् (=द्राग्) आविर् आ (=आ-करोति)' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. द्रवत्–)।

आ-विवृत्सत्- आ√वृत् द्र.

आ√विश्,> वेशि, †आविविश्याः ऋ १०,१०,३; शौ १८,१,३. आविशते शौ ४,३६,८; †आ… विशते ऋ १०,८५,२९; शौ १४,१,२५; पै १८,३,४; आविशति तै ७,१,७,४¶; काठ ७,७¶; शौ ७,८०,४; पै १९,४०,८; †आविशन्ति ऋ ३,४६,४; ६,३६,३; मै २,२,३¶; ४,१४,१८; काठ ७,८¶; ३८,७; पै ९,१२,४$; †आ… विशन्ति ऋ ९,८५,७; ९५,३; कौ १,५४४; जै १,५५,१०; आ… विशन्ति शौ ६,२,२[a]; आविशे शौ ४,३६,७; आविशाति शौ १२,३,४८[b]; आ… विशन् पै २०,४८,८; आविशासि पै १७,४०,७[b]; आविशाथः काठ १७,१९[c]; आ… विशताम् शौ १,२३,२[d]; आविशतु तै ७,३,१३,१; काठ ४३,३; आ… विशतु मा १२,१०५; का १३,७,४; तै ४,२,७,२; ७,३,१३,१^2; मै २,७,१४; काठ १६,१४; ४३,३^2; क २५,५; पै १५,२,८; आ(विशतु) मा १२,१०५; का १३,७,४; तै ४,२,७,२: काठ १६,१४: क २५,५; पै १५,२,८; आविशतात् खि ४,६,१[e]; ८,३[f]; मा ८,४२; ३४,५०[e]; का ९,६,१: ३३,२,१३[e]; तै ७,१,६,६¶: ७,२; आविशताम् तै ७,३,१३,१; काठ ४३,३; ‡आविशन्ताम् काठ ४४,६[g]; आविशन्तु तै २,४,८,२[h]; ७,३,१३,१^2; काठ ११,९[h], ४३,३^2: शौ १३,१,१०; पै ७,८,१०: १८,१५,१०: आ… विशन्तु ऋ १,५,७;१५,[१: ८,९२,२२]:४,५०,१०: १०,९६,१;९८,४: मा ८,४२: का ९,६,१: तै ७,१,६,६¶: †कौ १,१९७:२,१०१०; जै १,२१,४†: शौ २,५,४: †२०,१३,१; ३०,१; ६९,५: पै १,१०६,३[i]; २,७,२: १९,१,६[a]; आ (विशन्तु) पै १,१०६,३[i]: आविशस्व मा १७,८७: का १९,१,१: तै ५,५,१०,६;७,२,५[j]; काठ ४०,६; आविश,> शा ऋ १,९१,[११(१३९,६)]; १७६,[१; ९,२,१]; ८,४८,१५; ९,८,७;२५,२[k]; ६३,[२३; ६४,२७]; ६५,२; ७०,[९; १०८,१६]; ७६,३: ९६,२१: ९७,३६; १०,८५,४३; मा ३,२२:४,२७; ६,११: का ३,३,१३; ४,९,३: ६,२,६;९,२,७[l]: तै १,२,७,१: ६,२,२; ३;१०,६^2; ३,२,५,१:६,१,११,१; ७,१,७,३[m]: मै १,२,६:१५:३,७,८:९,७:४,१०,१†; काठ २,६: १४†: ३,६: ४,९[l]: १४^2: ७,१२: १३,१५[l]: २४,६; २८,४[l,n]: ३१,१५^2: ३८,१२: क १,१९: २,१३:३,७[l]: ३७,७; ४४,४[l]: †कौ २,२११: २५५: ३८७:५३४:५८०:५८६:†जै ३,१९,६: २१,२०: ३१,७: ४१,१०:४७,६:४८,२: शौ ७,११५,३: १४,२,४०†; पै १६,७०,९; १८,१०,८; आ… विश ऋ ९,६५,१४ : ६६,१५: ९०, ३३ :

आविट् वि°>°विवृवि°>°विवि° इत्येवं पाठे वावि. द्र.।

a) सपा. °शन्ति<>°शन्तु इति पाभे.।

b) सपा. °शाति<>°शासि इति पाभे.।

c) सपा. मा १९,७ का २१,१,६ माश १२,७,३,१४ आविशन्ती इति, मै २,३,८ ऐब्रा ८,८ आविशन्तौ इति, काठ ३७,१८ तैब्रा १,४,२,२: २,६,१,४ आपश्रौ १९,३,४ आविशन् इति च पाभे.।

d) सपा. पै १,१६,२ तैब्रा २,४,४,१ आ… अश्नुताम् इति पाभे.।

e) =सपा. आपमं २,८,१। हिगृ १,१०,६ तु आविशताम् इति पाभे.।

f) =सपा. आपमं. २,४,६ हिगृ १,१०,४। तैआ १०,४१,१ मना २,४२ हिगृ १,८,४ तु जुषताम् इति, मागृ १,२२,११ आविशताम् इति च पाभे.।

g) पाभे. क्रने पृ ६९५ *b* टि. द्र.।

h) सपा. °शन्तु<>°शत इति पाभे.।

i) सपा. शौ ६,५५,२ आ… भजत,आ(भजन)इति पाभे.।

j) सपा. °शस्व (तैब्रा २,४,८,७ मंब्रा २,१,१३ माश्रौ १,६,४,२५ शांगृ ३,८,३ पागृ ३,१,४ च)<>°श (आश्रौ २,९,१० च)<>कौसू ७४,१९ आविवेश इति पाभे.।

k) पाभे. क्रने पृ ६९६ *m* टि. द्र.।

l) सपा. °श<>°शत (माश ४,३,४,२० शांश्रौ ७,१८,९ च) इति पाभे.।

m) सपा. मा १०,२६^3 का ११,८,१^3 तै १,८,१६,१ मै २,६,१२^2; ७,१६^2; ४,४,६^2 काठ १५,८^2;३८,४^2 माश ५,४,४,४ तैब्रा १,७,१०,२;२,६,५,१ आपश्रौ १८,१८,७ आसीद इति, लाश्रौ ३,१२,१३ आसदम् इति च पाभे.।

n) प्र…आ° इति Sl. चिन्त्यः।

तै१,५,६,२: मै १,५.२; काठ ७, १[a];७: क ५,१; कौ २, ५५९‡[b]: जै ३,४४,५‡[b]: आ(विश) तै १, ५,६, २[२]: मै १,५, २[३]: ३; काठ ७, १[३]: ७[३]: क ५,१[२]: **आविशत** मा ४,१३:७,४६[c]: का ४, ५,५: तै १, ३,८,१[c];४,४३,२[c]: ५,६, ३: ६, ३,८,२[c]:६,१,४[c]: मै १, ३,३७[c]:५,३;१०; २. ४,७[d];८; ४, ८,२[c]: काठ ७,१: ८: क ५, १: शौ १९, १९. १-११: पै ८, १७, १-११: आ(आ-अ)**विशत** ऋ १,१४१,५: २,१३,१: काठ ९, ९[e]: १२[e]: क ८, १२[e]. पै १६, १०९, ५[f]: १९, ४३, ८: †आ(आ-अ)विशत् ऋ ९,, २८, ५[g]: कौ २, ६२७: जै ३,५२,९; आ···**अविशत्** शौ १२, १,५५: पै १७, ६, ३: आ(आ-अ)**विशन्** शौ ११, १०, १३; १८; २९: पै १६,८६,३;८:८७,१०: **आविशः** पै १९,,४३,७.

आविवेश ऋ ६,७४,२: ८, ४८, ∟(४,५८,३)१२⌋;१०,१६,६: मा ८,३६,९,,५: १८,३०; २३,५०: का ८,११,१:१०,२,१: २०,१, १: २५,९,६: तै १,७,७,१: ८. २२,५†: ५,५,९,३: ७,९,१: मै १,६, १; ११, १: २,१३, १३[३]; ४,११,२†: काठ ७,१२: १३[h]: १४[३]: ४०,५: शौ १,१२,३; ३, २१,१: २: ७,४३, १†: ९२,१: १२,१, २४: २,३३; १६, १,८: १८,३,५५†: १९,,३,३; ५९,२: **आविवेश** ऋ १, ९८, २: १६४, २१:३२: ३,३,४; ७,४; ३१,५: ३४,५:६१,∟७: १०,८०,२⌋: ४, ५८,∟३-(८,४८, १२)⌋: ५,४७, ३: ७,९, ३: ८, १०१, १४: ९, ९६, २०: २२: १०,८१,१:९८, ३:११४, ४: १२५, ६[l]: १३०, ५: मा ८,२४: †१७, १७:६०: ९१: १८, ७३: २३, ५१: ५२: का ९,४, २: †१८, २, २: ५, ११: १९, १, ५†: २०. ५, ६: २५. ९, ७: ८: तै १, ४, ४५, १: ५, ११, १† : †४, ६, २, १: ३, ४; मै १. ३, ३९; †२, १०, २; ५: १३, ११ : शौ ३, २९. ७[e]: ४, ११, १;३०,५†[1]: ३४, ५[j];५,१,२: ७, ८७,४‡[k]: †९,, १४,२२;१५,१०: १०,२, ३३;७,३५:†८,३:४०: १२, २, ४३[1];१३,१,२४:१८,१,२७‡[k]: २०, ११, ५†: **आविवेशाँ३**[m] मा २३, ४९: का २५, ९, ५: **आविवेश,>शा** †काठ ४,१३[२]; १६; ११,१२[n]; १३, १४$:१७, १९[४]$:१८,१:३: २९,३$: ४०, ३[२];७; क ३, ११[२]: ६,२: ३[३n]; †२८,२;३:४५,४: पै १,१७,३; ३०, ६[c]:१०९,१: ३,१२,१:२; २५,१: ५,६,४;६,२,२: ८,१३, ३†: १३,५,५: १५,२, ५: १६, ६२,५: ६७,१२†: ६९,१: ७२, १०: १०१,६†: १७,३,५: १०, ७:३३,४: १८,१७,४: १९,,४७, ५†: २०,१,७: १०,४: १९,२; ३२,६: **आविविशुः** तै ४, २, ६, ४‡[o]: मै २,७,१३‡[o]: काठ १६, १३‡[o]: क २५,४‡[o]: शौ २,३१, ५: १८, २,४९:३, ५९: आ··· **विविशुः** ऋ ३, ७, १: ५,१९, २; **आविवेशुः** ऋ ४,२३,९: †**आविवेशिथ** ऋ ९, २०, ५: कौ २, ३२२: जै ३, २६, ८: **आवेशीत्** ऋ ८,६०,२०.

आवेशयामि मै ३, १६,४[p]: काठ २२,१४[p]: शौ ७,५५,३:१२,३, २२: १८, ४,४८: पै १५, १,६, १९,३०,५; २०, १०,६: **आवेशयामहे** शौ ६, १०८,५: पै १९, ३४, ९: **आवेशयामः** तै ४, ४, १२, २[p]; **आवेशयामसि** शौ ६,

a) विश्वरूपा इति पाठे? °पा (पा-आ) इति पाठशोधः।

b) सपा. ऋ ९,५०,५ विशिष्टः पाभे.।

c) पृ ७०९ l टि. द्र.। d) पृ ७०९ i टि. द्र.।

e) सपा. °विशत (तां १, ८,१७ च)<>°विवेश<>आविश तैब्रा २, २, ५,६ तैआ ३, १०, २;४ आश्रौ ५,१३,१५ आपश्रौ १४,११,२ इति पाभे.।

f) सपा. शौ १०,१०,२५ अविशत् इति पाभे.।

g) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. कौ. पपा., पा ८, १,७१ च)।

h) सपा. शौ १९,३,२ विशिष्टः पाभे.।

i) पृ ६७० l टि. द्र.।

j) सपा. पै ६, २२,५ आससाद इति पाभे.।

k) पृ. ६३८ i टि. द्र.।

l) सपा. पै १७, ३४,४ प्रविवेश इति पाभे.।

m) अनुदात्तः प्लुतः, सपा. अनुनासिकत्वं च (पा ८,२, १००; ४,५७)।

n) तु. सस्थ. टि. अनु।

o) सपा. ऋ १०,९७,१२ शौ ४,९,४ विशिष्टः पाभे.।

p) सपा. °शयामि<>°शयामः<>°शयानि आश्रौ ४,१२,२ इति पाभे.।

१०८, ३; पै २०,१९, ८; आवेशयन्तु शौ १८, २, २६; आवेशय,>या ऋ १, १७६, २; शौ २, २५, ४; १३, १, २; पै ४, १३, ५; ७, ६, १०; १८, १५,२.

आविवेशीः ऋ ३,३२,१०.

आ-विशत्– -†शन् ऋ ५,२५,४;७, ५५,[१; ८,१५,१३; ९,२५,४]; ९,२८,२; ५६,२; ६०,[३; ८६, १९]; ६२, १९; ८६, २३; काठ ३७,१८$[a]; मै १,५,१३; कौ १, ४८९;५५९; २,१७१;६३१; जै १,५१,३:५७,६; ३,१६,९;५१, ९: शौ १८,४,५८; पै २०,२२, २; –शन्तौ मै २,३,८[a];९,१०.

आविशन्ती– -न्ती मा १९,७[a]: का २१,१,६[a].

आ-विशम् ऋ २,२४,६.

आ-विष्ट– -ष्टः क ४८, १३; शौ ३, २१,२: ६,८५, १; १०,३,५: पै ३,१२,२;१९,६,१; ‡ष्टाः[b] काठ २२,१०; क ३५,४.

आ-वेशयत्– -यन्तः शौ ४,३०,२‡[c].

आवेशयन्ती– -न्ती तै ३, ५, १, १. शौ ७, ८४,३; पै १, १०३, १; १९, २८, १०; –न्तीम् ऋ १०,१२५,३[c].

आ-वेशित– -तम् खि ५,२२,५: शौ २०,१३६, ९.

?आ-वेशि(न>)नी– -नीः पै ३,३७, १[२].

आ√विष्ट्

आ-विष्टित,ता– -तः ऋ १०,५१,१; –तम् तै ३.४,१,४¶[d]; –ता शौ ५,१८,३; पै ९,१७,१०; –तानि शौ ५,२८,१[e]; पै २,५९,१०.

आविस्(ऱ्,ष्)*[f] -विः ऋ १, ३१, ३: ८६, ९; ११६, १२; १२३, ६; १०; ११; १२४, ४; १३१, ३[g]: १४३, २; १४६,[४; ४, ३, ११; १०, ८८,२]; २, १५, ७[h]; २३, १४; ३, ३४, ३; ५५, १५: ४, १,१६;४,५;१६,८; ५, १,९: २,९;८३, ३: ६, १७, ३; ४८, १५; ६४, २: ७, ५८, ५; ७६,१;१०३,८; ८,८,२३: १४, ८[i]; ४७,१३: ९, ३, ५: ७९,५, ९५,२; १०, २७,२४; ४८, १०; ५४,५;६८,६;७१, १: ९६, ११; १०७, १; खि १, १२, ७: मा १०,९; १३,१३†:१८,६०:३२, २६†; का ११, ४, ६; १४, १, १३†; २०, ४, ३; ३२,२,९†; तै †१, २,१४,२;७: २,१,१०, ३; ५,७,७,२; मै १,८,६;९,७; २,७,१५†; १२,४[२]: ३, ९, ४[२]: ४,१,९; काठ २. १५†: ६, ७[२]; ८,१०: १६, १५†: २६,१:६[२]: २९,,८; ३१, ७: ४०,१३: क ४, ६[२]: ७,७: २५,६†: ४०.४:४१, ४[२]: ४७, ७: †कौ १, ४३५: २, ६०९; ९९१: ३, ३, ५: †जै १,४२,९: २, १, ७: ३, ४९, ८: शौ ४, २०, ५: ६, १२३, २:७, ११३,१: ८, ३,२४†: १०.८,६: १२,१,६०:४,२९:३०:†२०,८, १;११,३;१६,६: २८,२;३२,१: ३९, ३; ७७, ८: पै ८, ६. ११: १६, ८,३†; १७. ६,९: १८.९: १०.

¶आविः-पृष्ठ[j]– -ष्ठः मै १, १०, ७: काठ ३६,१.

आविः,ष्√कृ, आविःकुर्वीत[k] मै ३, ६,७¶.

आविष्-कृ (गवन्>) ण्वती– -तीम् ऋ ७, ८०, १[l].

आविष्-कृण्वान,ना– -नः ऋ ४.

---

a) पृ ७०९ c टि. द्र. ।

b) =सपा. माश्रौ ६, २, ६,२६ । तै ४, २, ६,५; ५, ५, ७, ५ तु प्रविष्टाः इति, ऋ १०, ९७, ९९ मा १२, ९३ ऐब्रा ८, २७ तैब्रा ३, १२, ६, ३ मंब्रा २, ८, ४ विष्ठिताः इति, शौ ३,९,६ विष्ठिता इति च पाभे. ।

c) सपा. °यन्तः<>°यन्तीम् इति पाभे. ।

d) सपा. काठ १३,१० आवेष्टितम् इति पाभे. ।

e) सत्स्वपि भूयिष्ठेषु मूको. °ष्ठिता° इति मन्यमानः शंपा. चिन्त्यः ।

f) (सामान्यतः) अव्य. (पा १,१,३७), (कृद्-योग एव विशेषतः) गतिः (पा १,४,६१)। व्यु. ? आ√*विष् (स्) [दीप्तौ (=√विद् [*दर्शने (तु. Lat.√*vidēre, vis*)]] +(भावे)क्विप् (तु. या [८, १५] PW. च; वैतु. शक., नाच. <आ√अव् [दीप्तौ] इति)। गस. प्रकृति-स्वरः। क्रिवि. इति कृत्वा प्रयुक्तं सद् अव्य. इत्युक्तं भवति ।

g) वैतु. सा. GW. प्रभृ. आविष्करिक्रत् इति ।

h) वैतु. सा. आविर्भवन् इति ।

i) वैतु. सा. GW. प्रभृ. च आविष्कृण्वन् इति ।

j) विप. (पुरोडाश-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

k) अयमेवैकः आविर्गतिकप् तिङ् दृष्टो भवति अतः पाठस्य प्रामाण्यं? (तु. मै ३,९,४ आविः कुर्यात् इति) ।

l) वैतु. आविष्कृण्वत्– [ऋ ८,१४,८] यत्र 'समानेऽर्थे द्वैस्वर्यात् पृथक्पदत्वं विमृश्यम् ।

१७,३; –ना ऋ ५, ८०, ४: ७, ७५,१.

आवि॒ष्-कृत– -तम् मै ३,८,७¶.

?आ॒विष्कृत-द॒त्[a]– -दता मै ३,६,७¶.

आवि॒र्-ऋजीक[b]– -कः ऋ ४,३८,४.

आविर्√भू

आवि॒र्-भूत– -तम् मै १,९,७¶.

¶आविर्-भूति– -त्यै काठ ८,९: क ७,५.

आविर्-भू॒य[c]– -यम् मै १, ८, ६¶.

†आवि॒(स्-त्य>)ष्ट्य[d]– -ष्ट्यः ऋ १, ९५,५; मै ४, १४,८; पै ८, १४,५; –ष्ट्यम् ऋ १०,१००,७.

आविः-सू॒र्यं[e]– -र्यै मै ४,५,१¶.

आ√वी[f],>वेवी, आ॒···वे॒ति ऋ ६, १५, १: †आ॒···वयति ऋ ८, २१, १०; शौ २०, १४, ४; ६२, ४: आ॒-वयत् मा २१, ४४;४५: का २३, ५, ३[?]: काठ १८,२१[?]: आ॒···वे॒: ऋ १, ६३, २[g]: आ॒···वेनु ऋ १०,३१,१[h]: आ···व्यन्तु पै १९, ४८, ९: आ॒···अव्यन ऋ ३, ८९,१.

आविवा॒य ऋ १०, १०७, ५: आ॒···विवाय ऋ १, ७१, ४; †आ॒···विवा॒य ऋ १, १५६, ५; १०,६,२: मै ४,१४,१५.

आ॒वेवीरन् तै ३,२,९,५¶.

आ-वीत॒– आ√व्ये द्र.

आ√वृ(वरणे), आवृणीते पै १०, ६, १: †आ॒वृणे ऋ १, १७, १; ३, १२,५;३७,९;७,५९,११; तै १, ६, १२, १ : २, ५, १२, २ ; मै ४,१०, ३; ११, १:१२,२; काठ ८,१६: १२, १४; २०, १५; कौ २,९२५;१०५३; जै ४, २२, ८; शौ २०, २०, २; ५७,५; आ॒··· वृणे ऋ ३,३३,११: ८,३८,⌊१० (९४, ८)⌋: मा १७, ७४[i]; का १८, ६, १०; तै ४, ६,५,४; मै २,१०,६; काठ १८,४; क २८, ४: शौ ७, १६, १: †आवृणीम॒हे ऋ ६,१५,९: ८,८३,४: कौ २, ९१९: जै ४, १६, २ : †आ॒-वृणीमहे ऋ १,११४,४: २,२६, ⌊२: १०,३५,२⌋: ४१, १९; ८, १४,⌊६: ९,६१,४: ६५,९(१०, १३३,६)⌋: २६, ⌊२१; ६७, ४⌋; ७७,२२; ८३, १; ९०, २; १०, ३५,१;३६,११: खि ५, १, ५; ३,७; मा २७,३४; का २९, ३, १०; तै २,६,१०,२;३; मै ४, १३, १०; काठ ११, १२; ४०, ११; कौ १, १३८; २, १३७; ८४३: जै १,१५,४;३,१३,१३; ४, १८, १०; शौ २०, २७, ६; १०४, ४; आ॒···वृणीम॒हे ऋ ३, २,४; ८, ३१,⌊(१८,१६) १०⌋; †आ॒···वृणीमहे ऋ १, ३९,⌊७; ४२, ५⌋; १३९,१: ५, ८२, ७; ७, ९७, २; ८, १८, ⌊१६(३१, १०)⌋; ९,६५, २८; १०, ३१, १[j]; १००, ⌊१-११⌋; तै ३, ४, ११,२: मै ४, १२, ६; कौ १, ४२०; ४६१, २, ४८७; ४९८; जै १, ४१, २; ४८, ७; ५२, २; ३,३७,२; †आ॒(वृणीमहे) ऋ ८,१८,१६;३१,१०;९,६५,२८; २९[?]; ३०[?k]; कौ २, ४८७; ४८८[?]; ४८९[k]; जै ३, ३७, २; ३[?]; ४[?k]; आ-व॒रत् ऋ १,१४३, ६; आ-व॒रः ऋ ८, १३,२१;१९, ३०[l]; काठ १२, १४†[l]; पै १४, २,१४?[m]; आ॒···अवृणीत ऋ १, ११९, ५[n].

आ॒···अव्रि[o] ऋ ४,५५,५.

---

[a]) शोधितः पाठः (तु. पृ २२५ *j* टि.)। विप. (दीक्षित-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[b]) विप. (दधिक्रा-)। बस. पूंप. प्रकृतिस्वरम् ।

[c]) गस. भावे क्यबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[d]) विप. (अग्नि-, देवहेडन-)। त्यप् प्र. (पावा ४, २, १०४)। या ⌊८,१५⌋ तु आविष+त्य-(<√तन् कर्तरि प्र.) >षस. इति ।

[e]) अस. अन्तोदात्तः । वा. क्रिवि. ।

[f]) बधा. । धा. गतौ ⌊तु. निघ २, ८⌋, खादने प्रभृ. वृत्तिः द्र. ।

[g]) प्रकरणतः धा. योजने वृत्तिः (तु. ऋ १०, १०५,२, वें. सा. प्रभृ. GRV. PG २, ७५; १५७; वैतु. स्क. ⌊पक्षे⌋<आ√विद् ⌊ज्ञाने⌋ इति)।

[h]) तु. सस्थ. टि. उप ।

[i]) सपा. पै २०, ३,४ मनामहे इति पाभे. ।

[j]) वैतु. GW. ग. अभावः इति ।

[k]) आ इत्यस्याऽवशिष्टे द्वे श्रुती कप्र. सत्यौ यद्र. ।

[l]) पृ ४३९ *b* टि. द्र. ।

[m]) सपा. नी २, ११ आभरः ⌊तु. BC.; वैतु. वैप ३, १३९ °भर⌋ इति पाभे., मा १६, १३ का १७, १,१३ तै ४,५,१,४ मै २,९,२ काठ १७,११ क २७,१ आग्र २, ३,६ हिग्र १,१६,१८ सुमना भव इति च विशिष्टः पाभे. ।

[n]) वैतु. स्क. सा. PW. GW. GRV. प्रभृ. आ··· जभ्रुषी इति ।

[o]) उपु१ लुङि रूपम् ।

आ(आ-अ)वरीवुः[a] ऋ १०,५१,६.
आ-वृणान– -नः ऋ ४, १, २०; मा ३३, १६†; का ३२, १, १६†; मै ४, १२, ३?[b]; शौ १९, ४२; ३?[b]; –नाः काठ ८, १६?[b].
आ√वृ (आच्छादने), आ···वव्रे ऋ ३, ३८,८[c].
आ-वृत,ता– -तः ऋ १, ८७, ४;८, २६,१३; मा १९,७६; का २१, ५,३; मै ३,११,६; ¶काठ २३, ३; ३८, १; क ३५, ९¶; शौ १०, २, ३१; १३, ४,२;७; ९: १७,१,२७[d]; पै ९, ७, १; १६, ६२, ३; –तम् ऋ १, ५१, २[e]; १६४,१४;३,३,५; ८,८८,२; मै ३, १६, ३‡[f]: काठ ७, १२†; की २, ३६†; जै ३,४, ७†; शौ ९,१४,१४†; १०,८,४३; ११, ११,४; १२,१,८; †२०,९,२; ४९, ५; पै १०,१२, १२; १६, ६७,४†;१७,१,९; –ता शौ ९, ३,१७; १२,१,५२;५,२: ७,१; १०, ७; पै १६,४०,७;१४०,२: १४२,१; १४६,३: १७,५, १०; –ताः खि ३,१५,२२: मा ४०, ३; का ४०, १, ३: शौ १०,१, ३०[g]; –ताम् शौ १०, २, २९: पै ६,७,१; १६,६२,२: –तामः ऋ १,५५,८.
आ√वृज्, आवृर्जते ऋ १,३३,१.
आवृञ्जे तै ७, ३,११,२: ३: काठ ४३, १[i]: आऽवृक्षम ऋ १०, १४९,५[h].
आ···अवृक्त[i] ऋ ८, १०१,१६.
आ-वृक्षि ऋ १, २७,१३[j]: तै १, ६-७,६,१.
आ√वृत्, >वर्ति, आवर्तते ¶तै ३, २,९,७; ५,२,१,२[k];६,३,८,३, मै ३, २,४[2]¶; शौ १२, २,५२; पै १७,३८,११; आ···वर्तते ऋ ४, ४३, ५[l]; आ···वर्तते ऋ ५, ७७,३: खि ४,२,१; मा३४,३२; का ३३, २, १; शौ १९,४७,१; पै ६,२०,१; ¶आवर्तन्ते तै ५, २,५,४;४,१,४: काठ ३४, ७; आ···वर्तन्ते ऋ १०, ११७, ५; आवर्ते[m] मा २,२६:२७; का २, ६,५,७: आ···वर्ते ऋ १०, १०१, ९: आवर्तस्व मा १२, १०३[n]; का १३, ७, २[n]; तै २, ६,६,२[o]: ५,४,९,१[o]; ६,२, ८, ५[o]; आवर्तध्वम् खि ४, ५, २८; ¶आ (आ-अ)वर्तत तै ५,७,१०, १: काठ ३२, ५; आवर्तन्त काठ ९,१५¶.
†आ[p]···वर्त[q] ऋ १, १६५, १४: मै ४,११,३: काठ ९,१८.

a) लुङि मपु३ (तु. वें. सा. GG.; वैतु. PW.WAG ⌊१,२४१γ⌋ MVG६४ प्रमृ. <*आवरीवरुः⌊<आ√वृ आच्छादने⌋ इति, ORN. <*आवरीवृतुः⌊<आ√वृत⌋ इति (तु. तै ५,३,१,३)। वस्तुतः प्रकृतं रूपं नैप्र. <*आवरीवुः इति। यत्तु सा. PW. प्रमृ. चेह अन्वा √वृ इत्यस्य वृत्तमित्याहुस्तन्न (तु. टि. सस्थ. अनु)।
b) पाठे? √वृ>वृणान–> –नाः इति शोधः (तु. सस्थ. टि. प्र√भृ > ?प्रभरे इति, ?मनीषामा इति, √गृ>गृणान–> -नाः ⌊तै १,६,१२,३?⌋ इति च)।
c) 'यथा योषा जनिमानि (=शावकान्) अपि-वव्रे (=आत्मन्यन्तर् आच्छादयति) तथा सविता रोदसी (आत्मन्यन्तर्) आ-वव्रे' इति वा. (तु. ऋ १०, १८, ११, सा. ORN.; वैतु. GW. अपि···आ···वव्रे इति)।
d) सपा. शौ १७,१,२८ तैआ २,१९,१ परीवृतः इति पाभे.। e) वैतु. सा.<आ√वृ (वरणे) इति।
f) सपा. ऋ ६, ४७,२७ आ-भृतम् इति पाभे.।
g) तु. WI.; वैतु. पपा. °ता इति। सपा. पै १६,३८,२ आभृताः इति पाभे.।
h) धा. बलवद्ग्रहणे वृत्तिः (तु. PW.GW. ORN. च; वैतु.वें.भा. प्रकृतं रूपम्<आ√व्रश्च इति)। सपा. पै २, ४१,५ मुष्णामि इति, आपमं १,१६,५ आविल्शि इति च पाभे.।
i) तु. GW.: वैतु. वें. सा. परि···आ···अवृक्त इति कर्मप्रवचनीयतयैव परेः स्वन्वयात्।
j) 'ज्यायसः (द्वि३ ⌊=युष्मान् देवान्⌋) शंसम् (=णमुलन्तम्) मा (युष्माभिः स्वतोऽहम्) आवृक्षि (=सर्वथा पृथक् कारि)' इति कृत्वा प्रकृतस्य धा. पृथक्कृतौ वृत्तिः स्यात्? (तु. भा. सा. K.⌊तै.⌋ द. GW. GRV. ORN. च: वैतु. वें. सा. आ इत्यस्य शंसम् इत्यनेनाऽन्यथा संबन्ध इति कृत्वा वृक्षि<√व्रश्च् इति, भा.⌊पत्ते⌋ स्क. प्रकृतं रूपम् =मपु३ इति, LR. <आ√व्रश्च् इति)।
k) सपा. मै ३,२,१ अभ्यावर्तते इति, काठ १९,११ क ३१,१ पर्यावर्तते इति च पाभे.।
l) तु. वें.; वैतु. पृ. ३२१ f टि. यत्र वें. इति निर्देशो नेष्टः। m) तु. सस्थ. टि. अनु (परि.)।
n) तु. सस्थ. टि. अभि। o) तु. सस्थ. टि. उप।
p) आ+उ इति नि. समाहारः।
q) लोटि मपु३ त>तप् द.।

आववर्नीति ऋ ५, ७३, ७; आव-
वर्तीति ऋ १०, ६४, ९[a]; आ···
ववर्तति ऋ ८, ८८, ४; आ···
ववर्तति ऋ ८, १०३, ११; आ-
ववर्तत् ऋ २,३४,१४;७,८५,४;
†आ-ववर्तत् ऋ४,२४,१;४४,३;
शौ २०, १४३, ३; †आ···वव-
र्तत्[b] ऋ ८,९७,१३; शौ२०,५५,
१;आ···आ-ववर्तत्[c] ऋ ६,६८,
१; आववृत्स्व ऋ २,१६,८[a]; ३,
३२,५;६१,३; ४,१,२; ३[a]; ६,
१९, ३[a]; १०, ८३, ६[a]; ९८,२;
मा १२,७०[a,d]; का १३,५,९[a,d];
काठ २६,११†; शौ ४, ३२,६†;
पै ४,३२,६†; आववृ (द्) ध्वम्[e]
ऋ ८,२०,१८; आ···ववृत्तन ऋ
५,६१,१६; आ···ववृतीत ऋ ७,
६८, ४; †आ···ववृत्यात् ऋ १,
१०७,१; ६,१७,१३;३८,२; मा
८, ४; ३३, ६८; का ८,१, ३;
३२, ५, १४; तै १, ४,२२, १;
२,१,११,४; मै १,३,२६; काठ
४,१०; क ३, ८; आ···ववृत्युः
ऋ १,१३५,५[f]; १०,२६,८; कौ
१, ३४०‡[g]; जै १, ३५, ९‡[g];
आववृत्याः ऋ १०, ७३, ३;
आ···ववृत्याः ऋ १,१७३,१३;
६, ११, १; ५०, ९; ७,४२, ३;
आ···ववृतीय ऋ १,१८०,५?[h];
७,९३, ६; †आ···ववृत्याम् ऋ
१,५२,⌊१; १६८,१⌋; १५२,⌊७
(७,६५,४)⌋; ३,३२,१३;५,४९,
१; ७,३६,४;८४,१; मै ४,१४,
१२; कौ १,३७७; जै १,३९,८;
आ[i]···ववृत्याम् ऋ ८, ७, ३३;
†आ[i]···ववृत्याम्[n] ऋ १०,१०,
१; खि ३, १३, १; शौ १८,१,
१ ; आ[i]···ववृतीमहि ऋ १,
१३८,४; आ···ववृत्याम ऋ ७,
२७,५.
‡आवावृते[j] कौ १, ४२३; जै १,
४१,५; †आ-ववर्त ऋ १,१६५,
२; मै ४, ११,३; काठ ९, १८;
आ···ववर्त ऋ ६, ६३, १; कौ
१, ४६०‡[h]; जै १, ४८, ४‡[h];
आवृत्सत[k] मै १,२,९[l]; आ···
अवृत्सत ऋ ८,१,२९.
¶आवर्तयति तै ३, ४,१, २; मै
४, १, १; २,३; काठ १३, १०;
१९, १; क २९, ८; †आवर्त-
यन्ति ऋ ८, ६९, १७; शौ २०,
९२, १४; ¶आवर्तयन्ति मै २,
४, ८; आवर्तयामि खि ३, १५,
१५;३०; †आवर्तयामसि ऋ ३,
३७,१; १०, ५८,⌊१-१२⌋; खि
३, १५, ३१; मा १८, ६८; का
२०, ५,१; काठ १३, ९‡[m]; शौ
७, १२, ४; २०, १९,१; पै १,
८४,१-१०; ६,६, ९[n]; १९,३४,
५$; †आ···वर्तयामसि ऋ ८,
६८,१; कौ १,३५४; २,११२१;
जै १, ३७, ३; आवर्तयासि मा
२३,७; का २५,३,३; तै ७, ४,
२०, १; मै ३, १२, १८; काठ
४४,९; आवर्तयतु मा ४,२०; का
४,६,५; तै १,२,४,२; ६,१,७,
७; मै १, २,४; ३, ७,६[२]; काठ
२,५;२४,३; क १, १७; ३७,४;
पै २०, ३६, ९; आवर्तयन्तु पै
२०, २८, ८; आ···वर्तयन्तु ऋ
७,४८,१;७१,३; आवर्तय ऋ ४,
३२,१५; तै ३, ३,१०, १‡[m];

a) तु. सस्थ. टि. अभि ।

b) सपा. °वर्तत (तैब्रा २, ५, ८, ९ च) <> °वर्त इति पाभे. ।

c) ग. द्विरुक्तिगदरार्था द्र. (वैतु. सा. प्रथमे श्रवण आ वाच्य. सन् उद्यत– इत्येतेन युक्त इति)।

d) तु. मा.⌊का.⌋; वैतु. उ. =आवर्तताम् (पुरुषव्यत्ययः) इति वदन् (तु. सस्थ. टि. सीता–>–०ते)।

e) इलौ लोटि मपु३ द्र. । पाठे? मध्यतो दकारो लुप्तः द्र. (तु. GW.ORN.; वैतु. सा. उप···आ° इति द्व्युपसृष्टं सत्⌊तु. PW.⌋ प्रकृतं रूपम् <आ√वृ ⌊संभजने क्रया°⌋ इति कृत्वा वा. उत्लीङ्कः ⌊प्रथमः आ अतः इति पं. युक्तः कप्र. अपि सन् न, तथेत्यभिसंधाय नः इति द्वि. युक्त इति वदतस्तस्य उपावृ° इति सकर्मकस्य सतः क्विप. कर्ममाका-ङ्क्षत्वापत्तेः ?⌋)।

f) तु. सस्थ. टि. उप ।

g) सपा. °वृत्युः <> °वृत्याम् इति पाभे. ।

h) पाठे? आ√वृध्> °धीय इति शोधः । 'गोः (स्तुतेः) ओहेन (आवर्धकेन=प्राचुर्येण) त्वां दानाय' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. ओह-)।

i) आ+उ इति नि समाहारः ।

j) सपा. ऋ १,८४,४ आवावृधे इति पाभे. ।

k) तु. Sch.; वैतु. मात. अवृत्सत इति पाठः? ।

l) सपा. शांब्रा ९, ४ शांश्रौ ५, १३, ३ अप···अवृ° इति, तैब्रा ३, ७, ७,१४ आपश्रौ ११, ७,२ अप···वर्तय इति च पाभे. ।

m) सपा. ऋ १०,१९,८ निवर्तय इति, तै ३, ३,१०,१ आपमं २,२२,७ आवर्तय इति च पाभे. ।

n) ते(<युष्मद्-)> तय् आवर्त° इति विमृश्यम् (तु. सपा. ऋ १०,५८,१-१२ यत्र त आवर्त° इति पाभे.)।

मै ४,२,३; काठ १३, ९;१०; पै १९,५४,२;२०,२६,६; †आ··· वर्तय ऋ १०, १९,८; तै ३, ३, १०, १; ४,१,१; काठ १३,९; आ (वर्तय)[a] ऋ १०, १९, ६; आ · वर्तयेताम् पै ८, १०, ६; आववृर्तत् ऋ २,३४,१४[b]; आववृत्रन् ऋ १,१६४,४७; मा १०, १९[c]; का ११, ६,८[c]; तै १, २, ३,२; ३,१,११,४†; ६,१,४,७; मै ४, १२,५†; †काठ ११, ९; १३; शौ ६, २२, १†; ९, १५, २२; १२, ३, ४१; १३, ३,९†; पै १६,६९, १३†; १७, ३४,२; १९,२२,१०†.

†आवरीवर्ति ऋ १,१६४,⌊३१; १०, १७७, ३⌋; मा ३७, १७; का ३७,३,४; तै ५,३,१,२¶[d]; मै ४,९,६; काठ २०,१०¶; क ३१, १२¶; शौ ९, १५, ११; १०, २, ७$; पै १६, ६८, १०; १८,२६,१$; आ···ववृतति ऋ ६, ४६, १४; आ(आ-अ)वरीवः[e] ऋ १०, १२९,१.

†आ-वर्तन- -नम् ऋ १०, १९,४; ५; खि ३,१५,८; शौ ६,७७,२; पै १९,१६,२.

†आ-वर्तमान- -नः ऋ १,३५,२ϕ; मा ३३, ४३ϕ; ३४, ३१ϕ; का ३२, ३, १४ϕ; ३३, १, २५ϕ; तै ३, ४, ११, २ϕ; मै २, १३, २२$; ϕ४, १२,६;१४,६; काठ ४०,१२$.

ϕआ-वर्तयध्यै[f] ऋ ५,४३,२.

आ-वर्त्स्यत्- -त्स्यन् शौ १५,६,१९.

आ-ववृत(त>)ती- -तीः ऋ १०, ३०,१०.

आ-ववृतत्[g]- -ततः शौ ५, १, ८[h].

†१आ-वृत्[i]- -वृतः ऋ १०,१३०, ७; मा ३४, ४९; का ३३, २, १२; -वृता[j] ऋ ९,७४,२.

२आ-वृत्[k]- -वृत् मै ३, २, ४¶; -वृतः मा १२,८; का १३,१,९; तै ४,२,१,२; मै १,७,१; काठ १६, ८; शौ ६,७७,२; १०,७,४; पै १, ४१, २; १७, ७, ५; १९, १६, ३[l];४; -वृतम् ऋ २, ३६, ६[l]; ५,४६,१; मा २, २६; २७; का २,६,५;७; तै १,६,६,२;७,६,३; ¶५,२,१,३;५,४; ¶मै १,४,७; ८,५, ३, २,१; ४;१०, १; काठ ५, ५; ३२, ५[l]¶; शौ १०, ५, ३७[l]; पै १०,१०,३[l]; १६,१३२, २[m]; १८,२९,२[l].

आवृत्-वत- -वत् ऋ ८,४५,३६.

†आ-वृते[n] ऋ ३, ४२, ३; शौ २०, २४,३.

आ-वृत्त,त्ता- -त्तः तै ४, ८, ९, १; काठ २६,३¶[o]; क ४१,१¶; शौ ९, १२, २३; पै १६,१३९,२४; -¶त्तान् काठ २२, ७; क ३५, १; ¶त्तायै मै ३, ७, ६; काठ २४,३; क ३७,४.

¶आ-वृत्ति- -त्त्यै तै ६, १, ७, ८; ८,२.

आ-वृत्य,>त्या ऋ १, ५६, १; तै ६, ४, १०, ३¶; काठ ३६, १२¶.

३आ-वृत[p]- -वृत तै २, ४,७,१[s];२[l];

a) आ-निवर्त इति क्विप्. मन्यमानः सा. चिन्त्यः (तु. तत्रैव पूर्वः मं., सस्थ. टि. निवर्त- इति च)।

b) 'यान् (अस्मत् कृतं नमः)आववृ°' इति वा. द्र.।

c) =सपा. माश ५, ४,२,५। ता आव° इत्यस्य स्थाने सपा. तै १,८,१४,२ मै २, ६,११; ४,४,५ काठ १५,७ तैब्रा १,७,८,५ तु समाव° इति पाभे.।

d) तु. सस्थ. टि. अनु।

e) लुङि च्लेः लुकि धातोस्तकारस्य लोपः (पा ८,४,६५ ⌊तु. GW.ORN.; वैतु. वें. सा. प्रभृ. प्रकृतरूपम् <आ√वृ ⌊आच्छादने⌋ इति?⌋)।

f) गस. ण्यन्तात् शध्यै प्र.। उप. प्रकृतिस्वरम्। सुष्टुती ⌊सत्यौ⌋ द्यावापृथिव्यौ नमसा···⌊शक्येते इति शेषः⌋ तु. सा. प्रभृ.।

g) गस. उप. शत्रन्ते अमागमः उसं. (पा ६,१,५९)।

h) सपा. पै ६,२,८ आवरमजत? इति पाभे.।

i) विप. (ऋपि-, रोदसी-)। बास. उप. कर्तरि क्विप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

j) तु. ऋ १,१८५,१;५,३०,८। =द्विर (तु. GR.; वैतु. वें. GRV.यनि. धा., सा. च आ√वृ ⌊वरणे⌋ इत्यस्य भाप. >तृ१ इति। k) गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

l) तु. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. प्रभृ. आ-वृत-(<√वृ ⌊आच्छादने⌋)>-तम् इति मन्वानाः स्वरदोषाच् चिन्त्याः।

m) °वर्तम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मा २,१६, शौ १०,५,३७, मूको. च)।

n) गस. केनन्तं उप. प्रकृतिस्वरम्।

o) °तः इति पाठे? यनि. शोधः द्र.।

p) विप. (पुरोवातादीनामन्यतम- ⌊तु. भा. सा.⌋)। व्यु.? =आ-भृत- <आ√*वृ (=भृ) इति नैप्र. द्र. (तु. द्वितीयायाः कण्डिकाया अवसाने मित्र-भृत्- प्रभृ.)। यत्तु सपा. मै २, ४, ७ काठ ११,९ जिम्व रावद् इति भ्रष्टं

आ√वृध्,>वर्धि, आ···वर्धत[a] ऋ १०, ६१, २६; आ···वर्धन्त ऋ ५,१९,३.
आवावृधे ऋ १,८१, ८[b]; †आ[c]···वावृधे ऋ ६,१९, १: मा ७, ३९; का ७, २१,१; तै १, ४, २१,१; मै १, ३, २५; काठ ४, ८; क ३,६; आ···वावृधुः[d] ऋ ५, ५५, ३: आ[e]···अवृधन मा ३३,६०; का ३२,५,६.
आवर्धयन्तु पै ८,१५,९.

आ√वृश्च्, व्रश्च्, आवृश्चते ¶ मै १, ६, ५:११: ३, ५,१: ८, २: ४, १, ११[f]: शौ १२, ४, २६: ३४[g]; १५, २, ३; ११; १७:२३:१०,२[?]: १३,६; पै १६, ११८, १-७: १२१-१२२, १-४; १२३, २: ४: १२४, १-११; १७, १८, ६; आ···वृश्चते ¶ मै ३,५,१;४,१,११[f]; शौ १२, ४, ६;१२;१५,१२,१०; पै १७,१६, ५:१७,२; ¶आवृश्चति तै २,१, ५,७;७,७;२,२,३; ५, ३, ७, २; ४,२,३; काठ २१,२;६; २२,६; २७, १; क ३१,१७;२१; ३४, १; ४२, १: आवृश्चन्ने शौ १२, २,५०;४,५१; पै १७,२०,११; ३४,१०: आवृश्चामि पै १७,२१, २; ३; ५-९: २२, १-६: ८; १०; आ···वृश्चामि पै १,६६,४: आ-वृश्चन्ताम् शौ ८, ३, १६‡[h]: ¶आवृश्चेत मै १,६,५:११.
आवृश्च्यते ¶ तै २,४,११,४;५; ३,१,६,१[?]:३,८,१: ५,५,५,१; ७,२:७,१,१[?]: ६, १,४,९: काठ ३१,१३¶[f]; पै ९,२१,६; ¶आ··· वृश्च्यते तै ३,१,६,१[f]: ५,७,१, १ : काठ ३१, १३[f]; आवृश्च्येते तै ३, ५,९,१¶: आवृश्च्यन्ताम् ऋ १०, ८७,१८[h]; आवृश्च्येत काठ २३,५¶ : ¶आ···वृश्च्येत तै ३, २, ८, ४ ; ६, १, ४, ८.
¶आ-व्रश्चन– -नात् तै २, ५,१, ४[?]:६,३,३,३: मै ३,९,३: काठ २६,३: क ४१,१: –ने तै ६,३, ३,३: मै ३,९,३: काठ २६, ३: क ४१, १.
¶आ-व्रस्कै[i]– -स्कम् काठ १३, ३.

आ√वृष्, †आवृषस्व ऋ १, १०४, ⌊९: १०,९६,१३⌋; ३, ३२, २; ४०,२:६०,५: ६,४७,६:८,२४, १०; ६१, ३; १०, ११६, १; ४; शौ ७,८१,२$; २०,६,२;७,४; ८, २; ३२, ३; पै २०, ३१, ७; †आ-वृषेथाम् ऋ १, १०८,⌊३; ६,६८,११⌋; शौ ७, ६०, २; पै २०,६,६.

आ√वृषाय(<वृष-), आवृषायसे[j] ऋ १०, ४८, ४; शौ २०, ९४, ४†; आवृषायस्व शौ ६, १०१, १; पै १९, १३, १०: आवृषायध्वम् मा २,३१[k]; का[k] २,२,६; ७,३.
आ(आ-अ)वृषायिषत[l] मा २, ३१; का २, २,६;७,३.

आ√वृ(<>वृ)ह्[m], आवृहति ऋ १०, ६१, ५; ¶आ(आ-अ)वृहत् तै ५, ३,१२,२; मै १, ६, ९[?n]; काठ ८,१; क ६, ६.
¶आ-वर्हम्[o] काठ २५,६: क ३९,४.
¶आ-वृ(ढ>)ढा– -ढायाम् मै १, ६,९.
¶आ-वृह्य मै ३,९,४; काठ २६, ६: क ४१,४.

आ√वे
ओ(आ-उ)त,ता– -तः मा ३२, ८: का ३५, ३,५; –तम् खि ४,११, ५; मा ३४,५; शौ ११, ९,१०;

पाठम् अनु WAG १, २८५ MVG ७० K. प्रभृ. च प्रकृतमपि रावद् इति पाठं स्वीकुर्युस्तदसत् ।

a) वैतु. वें. सा. GW. ग. अभावः इति ।

b) पाभे. क्रुने पृ ७१४ j टि. द्र. ।

c) वैतु. भा. प्रभृ. ग. अभाव इति, सा. आ ⌊गच्छतु⌋ क्रिउ. इति, मा. ⌊का⌋ उ. म. आचर्षणिप्राः इत्येकं पदमिति च ।

d) तु. वें. सा. PW. प्रभृ.; वैतु. GG. NW. श्रिये इति च. युक्तः कप्र. आ इति ।

e) वैतु. उ.म. अर्थार्थे स्वाप्र. इति ।

f) सपा. °श्चते<>°श्च्यते इति पाभे. ।

g) सपा. पै १७, १९,४ वृश्चते इति पाभे. ।

h) सपा. °श्चन्ताम्<>°श्च्यन्ताम्<> पै १६, ७,८ आमृश्चन्ताम् इति पाभे. ।

i) भाप. । गस. घञन्ते थादि-स्वरः ।

j) तु. सा.; वैतु. GW. घरुणं इति सप्त. युक्तः कप्र. आ इति ।

k) सपा. काठ ९,६ क ८,९ पाठाभावः ।

l) सपा. माश २,४,२,२२:६,१,४० मंब्रा २, ३, ७ लाश्री २, ५, १० कौसू ८८, २१ गोगृ ४, ३, १२ द्राय ३,५,२० । आश्री २, ७,२ तु आवृषायी (?यि) षत इति, शांश्री ४, ४,१४;९,३ अ(?आ)वीवृषत (?न्) इति च पाभे. ।

m) धा. उद्यमने उच्छेदने उन्मूलने च वृत्तिः ।

n) पवर्गादिः पाठः । o) गस. उप. णमुलन्तं द्र. ।

पै १५,६,६;१६,८२,१०;१०३, १०;१८,२५,१०; –ता शौ ५, २३,१; ६,९४,३; पै ७, २, १; –ताः शौ ६, २३, २; १०, ८, ३७; ३८; पै १७,११,४?[a];१९, ४,११; –ते शौ ५, २३, १; ६, ९४,३; पै ७,२,१; –तौ शौ ५, २३, १; ६,९४,३; पै ७,२,१.

ओ(आ-उ)तवे[b] ऋ १०,१३०,२.

†ओ(आ-उ)तवै[c] ऋ १, १६४, ५; शौ ९,१४,६; पै १६,६६,५.

ओ(आ-उ)तु[d]– -तवः काठ २३, १[e]; क ३५, ७[e]; शौ १४, २, ५१; पै १८, ११, १०; –तुः तै ६, १,१, ४[e]; पै २, ८७, २; –तुम्[f] ऋ ६, ९,२;३.

आ-वेदन– आ√विद् (लाभे) द्र.

आ-वेद्य आ√विद् (ज्ञाने) द्र.

आ-वेविदान– आ√विद्(लाभे) द्र.

आ-वेशयत्–, आ-वेशित–, °शिनी– आ√विश् द्र.

आ√वेष्ट्

आ-वेष्टित– -तम् काठ १३,१०[g].

आ-वोढवे– आ√वह् द्र.

आव्य्य[h]– -व्यम् तै २,२, ६,३[२]; ३,२, ९,४; मै ४,८,३; काठ ३०,९[२].

आ√व्यध्

आ-व्याधिन्– -धिने का १७,२,२[i].

आव्याधिनी[j]– -नीः मा ११,७७; का १२,७,१२; तै ४,१,१०,२; मै २,७,७; काठ १६,७; पै १, ८२,१; –नीनाम् मा १६, २०; का १७,२,४; तै ४,५,३,१; मै २,९,३; काठ १७,१२; क २७, २; –नीभ्यः मा १६, २४; का १७,३,३; तै ४,५,४,१; मै २, ९,४; काठ १७,१३; क २७,३.

आ-व्युष[k]– -षम् खि २, १४,१[l]; शौ ४, ५,७[l].

आ√व्ये, †आ…व्ययेयम् ऋ २,२९, ६; मा ३३, ५१; का ३२, ४, ८; मै ४,१२,६.

†आ…अव्यत[m] ऋ ९, १०१, १४;१०७, १३; कौ २, ११८; ७३७; जै ३,१२,५; ४,२६,२;

आ…अव्यत ऋ १,१६६,४.

आ-व्ययत्– -यन् पै ७,१,८[n].

आ√व्रश्च्, आ-व्रश्चन–, आ-व्रस्क्– आ√व्रश्च द्र.

आ(आ√अ)श् (व्याप्तौ), आ…अश्नुताम् पै १,१६,२[o].

आ(आ√अ)श् (भोजने), आ…अशीमहि पै १९,५,७[p].

आ√शंस्, शम्, >शंसि, आशंसते काठ १३,३¶; ¶आशंसन्ते तै २, ५,८,६; मै १,५,११; ४,८, ७; काठ २७,१; क ४२, १; आ…शंसन्ते मै ४,८,६¶; आशंस>सा पै २०,१६,३; ¶आशंसत मै २,५, ८; आशंसेत शौ १२, ४,४४;४६; आशंसेत काठ १३,३¶; पै १७, २०,४;६.

†आ…शंसिषम्[q] ऋ १०,४४, ५; शौ २०, ९४,५.

†आ…शंसय[r] ऋ १, २९, [१ (२,४१, १६)]; २-७; काठ १०,

a) हो° इति पाठः? यनि. शोधः।

b) गस. उप. क्तवेन् प्र. उसं. अनन्तरस्य ग. स्वरश्च [पा. ३,४,९;६,२,५० (तु. PW.; वैतु. मा. GW. WI. अनुपसृष्टाद् <√वे इति [तु. पपा. नावग्रहः])]। सपा. शौ १०,७,४४ वातवे इति पाभे.।

c) पपा. नावग्रहः। गस. क्तवै प्र. उसं. तदन्तस्य च द्विस्वर्य द्र. (पा ३,४,९; ६,२,५१; वैतु. GW. WI. प्रभृ.< √वे इति)।

d) नाप. (वान-)। पपा. नावग्रहः। उप. तुन् प्र. उसं. (पाउ १,६९; वैतु. भा. PW. प्रभृ. अनुपसृष्टाद् <√वे [>ऊत्]? इति), पाउ.<√अव् इति।

e) सपा. °तवः <> °तुः इति पाभे.।

f) वैतु. GW. Wolff [KZ ४०,६२] तुमुन्नन्तम् इति।

g) पाभे. क्रुते पृ ७११ *d* टि. द्र.।

h) नाप. (रोग-)। <√अव् [*हिंसायाम्]+ण्यत् प्र. तित्स्वरश्च (तु. भा. तै २, २,६,३; वैतु. भा. तै ३, २,९,४, PG १, २४६ <आ√वी इति, PW. प्रभृ. २अवि->आव्य-(विप.)>आवी-(भाप.) >यान.?।

i) विप.(रुद्र-)। सपा. मा १६,१८ मै २,९,३ काठ १७, १२ क २७,२ व्याधिने इति, तै ४,५,२,१ विव्याधिने इति च पाभे.।

j) विप. (सेना-), नाप. (दस्युगण-) च।

k) अस. समासान्तष् टच् प्र. चित्स्वरश्च। वा. क्रिवि. (=उषःकालपर्यन्तम्)। उप.<वि-उष्- (=व्युष्टि-) इति।

l) सपा. पै ४,६,७ उद्व्युषम् इति पाभे.।

m) लुङि च्लेरङादेशः उसं. (पा ३,१,५२)।

n) सपा. शौ ५,१४,१० अव-कामिन्->–मी इति पाभे.।

o) पाभे. क्रुते पृ ७०९ *d* टि. द्र.।

p) सपा. शौ ६,१६,१ आ…अन्नसि इति पाभे.।

q) तु. वें. GW.; वैतु. मा. ग. अभाव इति।

r) सपा. नैब्रा २,४,४,८ आ…भाजय इति पाभे.।

१२; शौ २०,७४,१-७.
आ-शंसमान- -नात् मै ३,७,८¶.
आ-शस्[a]- -शसः ऋ ५, ३२, ११: ५६, २: ८, २४,११; ६६, १२; ९२,१३: ९,१,५: -शसा ऋ ४, ५,११: ८, ७३,९: ७८,१०;१०, १६४, ३[b]: शौ ७, ५९, १: पै २०,१४,२.
१आ-शा[c]- -¶शया तै४,४,१२,१[d], ५,६,१०,१: मै ३,४,८.१६,४[d]: काठ २२,४;१४: -¶शा मै ४, ३,५: ४,६: काठ १२,८: -शाम् ¶मै ४,३,५[2]: ४,६[2]: काठ १२, ८[2]¶; शौ ६,११९,३:१९,,४,२: पै २, ६२, २-४: १६, ५०, ७, १९, २४, ७: २०, ३८, ७: -शायाम् पै २,६२,५.
आ√शाक् ,>शिक्ष , आ ··शक्याम् ऋ १०,२९,३; शौ२०,७६,३†. आशोकुः ऋ १०, ८८, १७: आ-शकन् ऋ८,३२,१२: आ-शकः ऋ ७, २०,९.
†आ···शिक्ष>क्षा ऋ ८, ९२, ९[e]: कौ २,९९४: जै ४, २७, ३, आ···अशिक्षतम् ऋ १, ११२, १९;†आ·· शिक्षेयम् ऋ ७,३२, १९:कौ २,११४७: शौ २०,८२, २: आ···शिक्षेम काठ ४०.५.
आ-शिक्षा[f]- -क्षायै मा ३०,१०: का ३४,२,२.
?आशम् पै १७,२९,६.
आ-शयान- आ√ शी द्र.
आ-शरीक[g]- -कम् शौ १९,३४,१०.
आ-शरीर[h]- -रम् पै ११,३,१०.
आ√शश्(*प्लुतौ)
‡आ-शशान[i]- -नाः शौ १८, ३, २१.
आ√शस् (हिंसायाम्)
आ-शसन- -नम् ऋ १०,८५, ३५: शौ ५, १९, ५:१४,१,१:१४,१, २८†: पै १६, १४५, १: १८, ३,७.
२आशा[j]- -शा तै ४,४,१२,४; ५; मै ३,१६, ४[2k]; काठ २२,१४[31]; पै १३,५,२१;१५, २,१;२: -शाः ऋ १,३९,३: १६२, ७; ४, ३७, ⌊७:५,१०,६⌋: १०,१७,५; ७२, ३: ४: मा ११, ६३; १७, ६६; १८, ३३; ३४: २३, ३५: २५, ३०†:२७,७[m]:३८,१०: का१२, ६,४: १८, ६,२: २०,१, ४: ५: २५, ७, ३: २७, १२,७†: २९, १,७[m]: ३८,२,४: तै४,१,६,३; ७,३[m]:६,५,१:८,३†:७,१२,२; ५,१,७,३: २,११,१: ७,८,२[2]; मै १,६, १:२; २,७,६;१२,१[2]; २:३,१,८:१२,२१:१६,१†:४, ९,९;१४, १६†; काठ १, ७: ७, १२:१३: १६, ६: १८,४: १३[2]; १९,७: २१,९; ३१,६[2]:४६,४†; ५०, ५: क १,७: ६, ३: २९,२[2]; ३०,५: ४७, ६[2]: शौ ५,७,९: ६, ६२,२: ७,१०, २†; ९, २, २१;

a) =१आ-शा-। गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। यत्तु सा. ⌊तैब्रा.⌋ <√शस्(हिंसायाम्) इत्याह तदुपेक्ष्यम्।
b) = सपा. तैब्रा ३,७,१२,४ तैआ २, ३, १। शौ ६, ४५, २ पै १९, ३६, ५ तु अवशसा इति पाभे.।
c) भाप. (आशंसा-)। उप. ङः प्र. उसं.(पाउ५,४७)। गसः प्रकृतिस्वरः, स्त्री. टाप् (तु. शौ. पपा., शौच. ४,७२, फि १८, PW. प्रभृ.; वैतु. तै. पपा. नावगृहीतः, अभा. प्रभृ. <आ√अश् ⌊व्याप्तौ⌋ इति. भा. ⌊पक्षान्तरे⌋ =२आशा-इति च ?)।
d) तु. तै. पपा., K., आपश्रौ २०, ९,३,C. च; वैतु. मै. पपा. Sch., BC. आशयानः इत्येकपदमातिष्ठमानाश्चिन्त्याः।
e) 'नः ⌊च३⌋ रायः ⌊द्वि३⌋ आ°' इति वा. द्र. (वैतु. सा. आ ⌊ हृत्य ⌋ क्त्वि. इति, GW. प्रभृ. द्वि. युक्तः कप्र. आ इति)।
f) गस. प्रकृतिस्वरः। उप. स्त्री. भावे अः प्र. टाप् च।
g) नाप. (रोग-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. भाप. <√शॄ (हिंसायाम्) इति।
h) °रीकम् इति पाभे.।
i) मूलतः आशुषाण-> -णाः इत्येवं सतः (तु. सपा. ऋ ४, २,१६ मा १९,६९ तै २,६,१२,४) यनि. प्राति. तदभिन्नं सत् तदीयः वावि. एव स्यात् (तु. सा. ⌊ऋ.⌋ इवेहापि √अश् ⌊व्याप्तौ⌋ इत्यस्यैव वृत्तमिति; वैतु. शौ पपा. आ-श° इत्येवमवग्रहः, W. <आ√शा इति च)। एवं स्थितेऽपि व्यु.? (तु. टि. आ-शुषाण-)।
j) नाप. (दिश्-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <आ√अश् (व्याप्तौ) इति अभा. PW. प्रभृ. [तु. टि. अंश- (यत्र स्वरशोधः कर्तव्यः) √अश्(व्याप्तौ ⌊यत्रत्यश्च शोधोऽपाकर्तव्यः⌋)]।
k) °शा° इति मुद्रितस्वरः शोधार्हः (तु. सपा. तै.)।
l) एकतरत्र °शा<>°शानाम् इति पाभे.।
m) सपा. मै २,१२,५ काठ १८,१६ क २९,४ शौ ७, ८९,१ पै ३,३३,७ अमीवाः इति पाभे.।

१०,५, २९;८,३६[a]; ११,८, ६; १९, १५,६; ५२,३; पै १, ३०, ३;३,३५,६; ६,१८,६; ७, १९, ४: १५, १३, ४; १६, ७८, ५; १३१,५; १९,३०,७; –शानाम् तै ४, ४,१२,३[b]; मै ३,१६, ४: शौ १, ३१, १-३, पै १, २२, १-३; १५,१,७; –शाभिः पै २, ७२,१:१५,२२,५; –शाभ्यः ऋ २, ४१, १२: मा १, १८: २२, २७[c]; का १,६,४:२४,१३, १[c]; मै ३,१२,७; ४,३,४; शौ १०, ५,२९: †२०,२०,७: ५७,१०: पै १६, १३१, ५; १७, २२, १: –शाम्ऽ-शाम् शौ ४, १५,८;१२, १,४३;५४: पै ५,७,९: १७, ५, २:६,२: –शासु पै १,९१,१.

आशा-पालु[d]– -लः शौ १, ३१, ३; पै १,२२,३; –लाः शौ १,३१, २; पै १, २२, २; –०लाः मा २२,१९; का २४, ६, २; तै ७, १.१२, १; मै ३, १२, ४: काठ ४१,३; –लेभ्यः शौ १, ३१, १. पै १,२२,१;१७,२२,१.

आशा-संशित[e]– -तः शौ १०, ५, २९; पै १६,१३१,५.

आ-शार[f]–

आशारै(ऽ-ए)षिन्[g]– -षी शौ ४, १५,६[h].

आ√शास्,>शिष्, आशास्ते[i] ¶मै १,४,९[j];५,११;२,१,८; ४,१३, ९[j]; आशास्तेऋ १, २८, ११: १६३,१३: †मा १८,४९: २१, २:२९,२४: †का २०, २, १२; २३,१,२: ३१, ३,१३: ¶तै १, ५,७,६:८,४; ७,३,८; ६,१,८[2]; २,१,११,६†; ३,९,३: ५,९,५: ६,७, ५: ९,३; ६[2]:७[2]: १०,३; ३,१,८,३: २,८,२: ४,३,७: ४, ६,७, ५†: ५,२, २,१: ६,१,१, ३;९: २,२,६:३,३,३:८,४: ¶मै १,४.८:५,८[2]: ९:१०: १४: ३, १,९: २,२: ४,८†:६,२:३: ७, ५:८,७: ९-१०, १: ४, १,१:२: ६$:७:१०: १४[2]:७,२: १३,९[4]; १४,१७†: ¶काठ ४,१६†:३०, १०: ३१, १०: ३७, १६: ४०, ११†: आशास्ते ¶काठ ७, ५: ६[2];९:१३,१२[2]; १९, १०[2];१२; २५,९:१०: २६,३:५: २९,३[2]; ३१,१;२; ५:६[2]: ११;१५: ३२, २[2];४[2];६[2]; ३६,७;१४:४६,३†; ¶क ५,४;५[2]:८:३०,८[2]: ३१,२; ४०, २; ३; ४१, १;३: ४६, ८; ४७,१;२:६[2];१०:११; †आशासते ऋ १, १६५, ४: ९,९९,५; मा ३३,७८: का ३२, ६, ९: मै ४,११, ३: काठ ९,१८: आशासै तै १.५,६,४[2]:८,५[2]¶:६,६,३[2]: ७,६,५[2]¶; काठ ७,२[k];९: क ५, २;८: पै १,११२,३: आशास्महे ऋ १, ३०,१०: आ ''शास्व. शास्व[l] खि ५.७,२,११; ४,१५; मा २१, ६१: का २३,६,१४: मै ४, १३, ९: काठ १९, १३; †आ···शाधि ऋ २, २८, ९: मै ४.१४,९: ‡आ(आ-अ) शासत[m] कौ १, १०१; जै १, ११, ५. आशिषामहि[n] ऋ ८, २४, १; ‡आशिषामहे[n] कौ १, ३९०: जै १,४३,१०· शौ १८.१,३७.

आ-शासान,ना– -नः तै ३, ५.५,३; काठ २५, ८¶: क ४०, १¶: –ना तै १, १, १०, १: काठ १, १०: शौ १४. १, ४२: पै २०,

[a]) सपा. पै १८,२६,४ दिशः इति पाभे. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ७१८ l टि. द्र. ।

[c]) सपा. तै ७, १,१५,१ काठ ४१,६ अवान्तरदिशाभ्यः इति पाभे. ।

[d]) नाप. (इन्द्रादि-देवता-) । उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[e]) विप. (उद-वज्र-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[f]) अर्थः व्यु. च ? *वर्ष-भर्–>नैप्र. (*भा>*हा>) आ (*षा>) शार्–इति वा *भर-शार्–>नैप्र. यनि. (=वृष्टि-प्राचुर्य-) इति वा विमृश्यम् (तु. शौ ४,१५,४ वाश्राः ⌊<*वर्षाः⌋=वर्षणशीलाः; वैतु. सा. आ√सृ(संसरणे)>भाप. इतीव, W. आश्रयार्थे आ√श्रि⌊आवरणे⌋> भाप. इतीव (तु. JAPA १५,९ इत्यत्र L. ⌊पावा ३, ३,२१⌋ संवादुकः) ।

[g]) विप. (⌊अवृष्टिजनितश्रमाधिक्यात् कृश-गु-⌋ वर्षभरमिच्छु- कृषक-) उस. । उप. <√इष् (इच्छायाम्) ।

[h]) सपा. पै ५,५,३ आसा॰ इति पाभे. ।

[i]) Sch. ॰स्ते इति स्वरः शोधार्हः (तु. सात.) ।

[j]) सपा. काठ ३२,६ गृह्णाति इति पाभे. ।

[k]) ॰शास्ते इति पाठः? यनि. शोधः (तु. सपा. क ५,२, तत्-संस्कर्तुः टि. च)

[l]) का. मै. काठ. स-लोपः पाठः ।

[m]) सपा. ऋ ९,१०२,४ अशासत इति पाभे. ।

[n]) सपा. ॰षामहि (ऐआ ५,२,५ आश्रौ ७,८,२;८,१२, १७ शांश्रौ १०, १३, १२; ११, ६, २; १८, १२, ५ च) <>॰षामहे इति पाभे. ।

३४, १०: –नाः मै ४, १३, ४; काठ १,८:१६,२१: क १,८.

¶आ-शिष्ट,ष्टा– -ष्टम् काठ १२, १३; –ष्टाम् काठ २५, १०; २६, ५; क ४०-४१,३.

आ-शिस्(>ष्, र्)[a]– -शिषः ऋ १, १७९, ६ : ३, ४३, २: ७, १७, ५: ८, ४४, २३: ५४, ७: खि १, ११, ४; ३, ६,७; मा २,१०[c]: ४, ५[b]; १७, ५७; १९, २९:३५,२०; का २,२,९[२]:४,२; ३[b]; १८,५,८: २१, २,१८; ३५, ४, १९: तै १, ६, १, ३: ३-४,२: ७,४,३; २,४,११,६¶: ३,२,७, १;५,६,३:४,६,२,३:७,१५,३[c]; ५,४,६,३; ¶६,२,८,२;३:९,४: ७,३,११,२[२]: मै १,४,१[२]:४;५[४]; ¶[१]; ७¶;९[२]¶; ७,४¶;२,४,३[२]; १०,५; ¶३, ३, ८[२];८,९: ९,३, ४, ३, ८¶: काठ ५, २: ३: ६: ७,९¶; १८, ३,२२,१५[c]; २६, १¶: ३२, २; ३[३]: ¶[२]; ६[२]; ¶; ४३, १[२]: क ५, ८: २८, ३: शौ ४, २५,७[c]:५, २६,९:८,९,२५: २६;११,१०,२७:१२,१०,१०. पै ४, ३४, ७; ९, २, ११: १६, २०,३:४: ८७, ७: १४६, ६: –शिषम् ऋ ८,९३,१८: १०, ६७,११; ¶तै १,५,६,४[२]$; ७, ६; ८, ४: ५[२]: ६, ६,३[२]$; ७, ३, ४; ६,१:३:४;५[२]; २, ३,१, २;९,३;५,७,५;९,५:६,७,५;९, ३;४;५[२]; ६: ७; १०,३:३,१,१, ४;८,३:२,४,२:४,३,७;५,२,२, १;६, १,१, ३:९$: २, २,६;३, ३, ३; ७-८, ४; ¶मै १,४,५, ८;९:५,८-११; १४: ३,१,९:२, २;६,२;३:७,५: ८,६[२]:७[२]:९,१: १०,१:४, १,१:२; ६$:७: १०; १४;७,२: ¶काठ ७, २[d]: ५:६[९]: ९[२d]; १३,१२[२]:१९, ६:१०[२]:१२: २५,७[२]: ८:९: १०[२]: २६,३:५[२]; २९, २[२]: ३०,१०; ३१,१;२:५; ६[२]:१०; ११: १५[२]:३२, २[२]: ३: ४[२]; ६[२]: ३६, ७; १४; ३७,१६: ¶क५, २[d];४;५[३]:८[d]:३०,४:८[२]; ३१,२:३९,५[३]:४०,१: २:३[२]:४: ४१,१:३[२]: ४६,८:४७,१:२:६[२]: १०:११: कौ १, १४०†; जै १, १५, ६†: शौ २०, ९१, ११†: –शिषा ऋ १०,८१,१: मा ६, १०: १७, १७†; का ६,२,५: १८,२,२†; तै १,३,८,१;५,४, १¶: ६,१०,५¶:४,६,२,१†:६, ३,७,४: मै १, २,१५: ४,२:६: २,१०,२†;३,९,६[२]: काठ ३,५; ९,१¶;१८,१†: २६,८[२]¶:३२, २; क २,१२: ८,४¶: २८, २†; ४१,६[२]¶;शौ१४,२,९; पै१५,२, ५; १६,७१,८; १८,७,१०;१९, २३, ३; –¶शिषाम् मै ३,३,८, काठ ८,८; २१,८;३२,४; क ७; २; –शिषि तै ३, ४,५,१;४,३, ३, २; मै २,७,२०[५]; काठ ३८, १२; ३९,७; शौ ५,२४,१-१७; पै १५, ७, १-१०: ८, १-९; ९, १-४: –शिषे तै १, ४, ९, ६¶: –शीः ऋ १०,१२८,३; खि ६,३, २: तै १,५,९,७;६,३,२; ¶१०, ४[२];५[२]; ७, १, २; २, ३, १, २: ¶६,९,७;१०,१[२]: ३, २, ७,२: ४, ७, १४, १†; मै १, ४, १[e]; ४[२]: ५[e]: २, २,१: ३, १, ७; ९; ३,८:४,१;७,९;८,२: ९; ९, ३: ७[२]:८[२]: ४,३, ८¶; काठ ५, ३: ६[२]; ७,५¶; ११, ६; १९, ६¶; २२,१०¶; २४,८¶:२५,७[२]¶; ३०, ७¶: ३२, ३: ४०, १०†; ¶क ५,४: ३०,४: ३५,४; ३८, १: ३९, ५[२]; शौ ५, ३, ५†; पै ५,४, ५†: १६, ८७, ८; –शीर्भ्यः काठ २६, १¶; क ४०, ४¶.

आशी॒र्-प(द>)दा[f]– -दया तै ६,२,९,४.

आ√शिक्ष आ√शक् द्र.

आ॒शित–, °तिम॒न्–, ?आशिन्– √अश् भोजने (परि.) द्र.

†आ॒*शिन॒[g]– -नेभ्यः ऋ १, २७, १३; काठ १७,१३.

[a]) गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्, इत्वं (पावा ६,४,३४) च ।

[b]) पाभे. कृते पृ ६२७ k टि. द्र. ।

[c]) सपा. मै ३, १६,५ आशि॒रः इति पाभे. ।

[d]) सपा. मै १, ४,२; ५, ११ आपश्रौ ४, १६, ४; ६ माश्रौ १,६,२,१५ पाठाभावः ।

[e]) सत्या॒शीः इति पाठे? सत्या॒ । आशी॒ः इति द्वि-पदः शोधः द्र. (तु. सप्र. तै १, ६, ३, २, मै १,४,१ पपा. च) ।

[f]) विप. (ऋच्-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[g]) विप. [देव- (वृद्ध- वें. प्रभृ. ⌊यु॒वन्– इत्यस्य प्रतियोगित्वश्रवणात्⌋)] । व्यु.? पपा. नावग्रहः । आ√शॄ ⌊हिंसायाम्⌋ कर्तरि *आ-शी॒र्ण– (=जीर्ण)>नैप्र. आशी॒न्– इति च आशि॒न्– इति चेति विमृश्यम् (तु. OV. ऋ ३,१, ६; ४,३३,३: १०, ३९, ४ प्रभृ. यु॒वन्– इत्यस्य वैपरीत्येन स॒न–, स॒नय– इत्येतयोः श्रुत्या आ॒ सु॒नेभ्यः इति पाठः

?आशिम्[a] पै ८,१८,१.
??आशिर्[b]– -शिरः मै ३,१६,५[b].
२आ-शिर्[c]– -शिरम् ऋ १,१३४,[६[2]; ८,६,१९]; ३,५३,१४; ८,२,१०; ११; ३१,२; ६९,६; ९, ६४,१४; ७०,१; ७५,५; ८६,२१; १०,४९, १०; ६७,६; तै ३,२,८,५; ६,१, ६, ५¶; ¶मै ३,७,७; ४,६,८; १४, ५†; काठ २३, १०¶; क ३७,१¶; †कौ १,१८७; ५६०; २,१७३; १९२; ७७३; ८४१; †जै १, २०,३; ५७,९; ३, १६, ११; १७,१३; ४, २१, ९; १०; †शौ २०, २२, ६; ९१, ६; ९२, ३; –शिरा ऋ ८,३१,५; तै ३,२,८, ४[d]; मै १, ९, २; काठ ९, १०; २९,५¶; ९; क ४५,६¶; –शीः[e] तै ३,२,८,५; मै ४, १२,३; काठ ५,२; शौ २,२९,३; पै १९,१७, १२.

आशीर्-दा[f]– -दा[d] मा ८,५; का ८, २, १; –दाः मा १८, ५६; का २०,३,६; तै ५, ६,८,६; मै १, ४,१; २,१२,३; क २९,६[g].
आशीर्-दा(य्>)या[h]– -या[d] तै ३, २,८,४.
आशीर्-मत्[i]– -मतः मै ४,७,१¶.
आशीर्-वत्[i]– -वन्तः ऋ १, २३, १; खि ५, ७,४,११; काठ २७, ७; –वान् ऋ ८, ९१, ७; काठ ५,४; १८,१८; क २९,६; †कौ १,३५०; २,७५२; जै १,३६,९†.
आ-शिष्ट– आ√शास् द्र.
आशिष्ठ– आशु- द्र.
आ-शिस्– आ√शास् द्र.
आ√शी[j], आ(आ-अ)शयत् ऋ १, ३२,१०; ५२,६; ८,६,१६; तै ३, ४,२,२; काठ १३, ११; १२; पै १३, ६, १०†; आशयेत् मै ३, ६,७¶.
आशये[k] ऋ १,१४०,७; १४१, २; शौ ५,१७,१२; ९, ३, २१; १२,४,१९; पै १७,१३,७; १७; ८; †आशये ऋ ८,४१,७; १०, १६२,[१;२]; शौ २०,९६,११, १२; पै १६,४०,८$; १९,२५, १२; १३; आ(शये) ऋ १,१४१, २; आशयाम्[k] शौ ५, २५, ९; पै ५,१२,१; ६[2]; १३,२,१७.
आशायि पै ५, १२, ६; आ-(आ-अ)शयिष्ठाः ऋ १०, १२४,१.
आ-शयान– -नम् ऋ १,१२१,११; २,११,९; ४, १७,[७; १९,३][l]; ५,३०,६.
आशिन[m]– -नेभ्यः मै २,९,४‡.
आशीयस्– आशु- द्र.
आ-शीर्त– आ√श्र, शॄ (संमिश्रणे द्र.)
आशीर्-पदा– आ√शास् द्र.
आशीविष[n]– -षः शौ १२,८,७.

स्यादिति कल्पयमान उक्तमेवाभिप्रायं नेदीय इव स्पर्शुकः [तु. मै. काठ. च °सि° °सी°, आसी° इति मूको.]; वैतु. सा. प्रभृ. √अश् [व्याप्तौ] इत्यतोऽर्थवैशिष्ट्येन व्युत्पादुकाः) । =सपा. आपश्रौ २४, १३, ३ । मै २, ९,४ तु °शी° इति पाभे. ।

a) पाठे ? आ-शिस्– > -शिषम् इति शोधः ।

b) पाठः अर्थश्च?। सपा. तै ४,७,१५,३ आशिषः इति पाभे.

c) नाप. ([सोम-मिश्रणयोग्य-] पयस्- इति वें. सा. प्रभृ., दधि- इति सा. [तै.] द्र. प्रभृ.)। व्यु.? तै. पपा. नावग्रहः। यनि. उप. < √श्रा वा √श्रि वेति या [६, ८], < √श्री इति पा [६, १,३६] प्रभृ. । < इअ + शिर्– (√शॄ [हिंसायाम्]) इति भा. [तै ३,२,८,४] ।

d) सपा. आशिषा [शौ.] <> °शिरा <> °शीर्दा < > °शीर्दाया इति पाभे. ।

e) तु. भा. K.; वैतु. सा. W. B. < आ-शिस्– इति ।

f) विप. (दम्पती-, यज्ञ-) । उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. सा. ऋ १०,२७,१; वैतु. सा. [का.] उ. म. MW. Gri. पूप. =आ-शिस्– इति)।

g) सपा. काठ १८,१८ पाठाभावः ।

h) विप. (दम्पती-)। उस. उप. √दा (दाने) + कर्तरि णः प्र. (पा ३, १, १३९) प्रकृतिस्वरश्च (तु. प्रकृतं स्थलं यत्र पूर्वम् आशिरा दम्प° इति श्रूयते अनन्तरं च सहजानि···°रम् अदात् इति, भा. सा. K.; वैतु. भा. उप. < √दय् [दाने] इति, L ४४७, MVG ८१ टि. पूप. =आ-शिस्– इति [तु. शौ १४,२, ९], WAG ३,५९b °या– > [भाप.] > -यया > या इत्यधिकं प्रतिपन्न इति)।

i) मतुपः पाक्षिको वकाराभावः उसं. (पा ८,२, १५)।

j) धा. श्वा. अदा. च द्र.। पृ ७२७ n टि. दिशा सकर्मकत्वं द्र. ।

k) °शेते, °शेताम् (प्रपु१) नेप्र. यथाक्रमं °शे ए, °शे आम् > यनि. (तु. पा ७,१,४१) ।

l) वैतु. GW. MW. प्रति···आश° इति ।

m) तु. टि. आ-शिन्– ।

n) नाप. (सर्प-)। व्यु. ?। =*आशु-विष– इतीव WAG. [२, २४b]?, *आशी– (=दशन-) + विष– (बस.) इतीव कोषान्तराश्रयः MW. स्वरतश्चिन्त्यः ।

आशु[a]– -शवः १, ५, ७; ११८, ४; १३५,[६; ९, ६२, १; ६७, ७]; १४०,४; २,३१,२; ५,६,१; ८, १,१५;१९,६;४६, २३; ४९, ८; ७४, १४;९,१३,६;१७,[१;२३, १][b]; २२,१;६३,४;२६; ६४,४; १६; ६९,६;७; ८३,२;८६,१;२; १०, ७८, ५; ९४,१;८;११९,३: खि ३,१,८; मा १५, ४१†: का १६, ५,२३†; तै ४, २, ९,५‡[c]; मं २,७, १७‡[c]; १३, ७†; काठ २२, ५‡[c]; ३९,१४†; १कौ १, २५‡[c]; ३५६‡[d]; ४२५; ४८२; २, १८०: २२६; ३८४; ५४१; ७२०;७३३‡[c]; १०५१;१०८७; जै १, ३, ५‡[c], ३७, ५‡[d]; ४१, ७; ५०, ६; ३,१७,१;२०,१०; ३१,४;४२,८;५९, १२; ४,२१, ७; शौ ३,९,५; २०, ६९, ५†; पै २०,४०,२; –शवं ऋ १,४,७; मा १६,३१; का १७, ४, ५; तै ४, ५, ५, २; मै २, ९, ५; काठ १७, १४; क २७, ४; शौ १०, ६, ११-१७; २०, ६८, ७†; पै १६,४३,३-९; –शु ऋ १,८४, १८; खि ५,२०,३; खिसा २९, ७; शौ २०,१३५,८; पै २०,३६, २; –शुः ऋ ४,११,४;२२,८;७, १८, ९; ६६,१४;९,३९.१;५६, [(१७,१; ३७,१) १]; ६४, २०; १०,१०३,१; मा ११,४४; १४, २३; १७,३३†; २२,२२[e]; २९, ३;९; का १२, ४,७; १५,७,१; १८,४,१†; २४, ८,२[e]; ३१,१, ३; ९; तै ४,१,४,२;३;३,८,१; ६,४,१†; ¶५,१,११, १; ३: ३,३,१; ७,५,१८,१[e]; मं २,७, ४; ८,४;१०,४†; ३, १२, ६[e]; १६,२[२]; काठ १६, ४; १७, ४; १८, ५†; २०, १२; १३;२६, ११‡[f]; ४५, १४[e]: ४६, २[२]; क २६, ३; २८, ५†; ३१, १४; १५; †कौ २, २४८; ११९९; जै ३,२१,१३†; शौ २, १४,६: १३,२,३१; १९,१३,२†; पै २, ४,३; ७,४,२†; १०,१,६; १८, २३,८; –शुभिः ऋ १, ३७,१४; २,१६,३;३४,३; ३८,३;५,५५, १;६१,११[d]; ८,५,७;१३, ११: ४९,७;६५, १; ९, १५,१; १०, ४९,७; खि ३,१, ७; काठ २२, १५; कौ २, ६१६†; जै ३,५०, ४†; पै १, १०७, ५[g]; –शुम् ऋ १, ४, ७; ६०,५; ९१, २०; ११७,[९; ७,७१,५];१३५,[(१, १२९,२) ५]; २, ३३,३; ३, ९, ८; ४,१,३[f]; ७,४; ११; ३८, २; ३९,१;४३, २; ५, ४४, १[h]; ८, ९९,७; ९, ६२,१८; १०, १०७, १०;१५६,१; १७८, १; खि १, ३,२;८,१; १२,२: ४, ५, २१[i]; ५,५,४[c]: †मा ७,१२[h]:३४,२१: †का ७,६, १[h]: ३३,१,१५: †तै १,४,९,१[h]; †मै १,३,११[h]; ४, १४,१; काठ ७,१२[j]; १६†:३८, १२[j]; क ३,३†: †कौ १,२८३: ३३२: २,८७७: †जै १,३०,१; ३५,१; †शौ ७, ९०,१:१३,२, २$; २०,६८,७:१०५,३: पै १, १०७, ५; १८, २०, ६: –शुषु ऋ ८, ३४, १८: –†शू ऋ ३, ३५, ४; शौ २०, ८६, १; –शून् ऋ ४, २९, ४[k]; ६,६०, १२; १०,६८,२: तै ४, ७,१५, ४, ५: मं ३, १६, ५[२]: काठ २२, १५[२]; कौ २, ५०१†; जं ३, ५७,१३†; शौ ४, २७,१; २०, १६, २†; पं ४, ३५, १; –¶शू नाम् तै १, ८, १०, १; काठ १५,५; –शोः ऋ ४,३८,९.

आशिष्ठ[l]– -¶ष्ठम् काठ २०, ३; क

[a]) वप्रा.। विप. (अश्व-, इन्द्र-,सोम- प्रभृ.) इति, नाप. (अश्व-[ऋ ९,८६,१] प्रभृ.)। व्यु.? <√अश् (व्याप्तौ) इति पाउ.। या ९,२६ प्रभृ. =शु–(द्रुतमित्यर्थे) द्र.। –शु इति द्वि१ सत् वा. क्रिवि.।

[b]) सपा. कौ २, ५४६ जै ३, ४३, २ इन्दवः इति पामे.।

[c]) सपा. ऋ ६, १६, ४३ मा १३, ३६ मन्युवे इति पामे.।

[d]) सपा. °शवः<>°शुभिः इति पामे.।

[e]) सपा. °शुः (माश १३, १, ९,५ तैब्रा ३, ८,१३,२ च)<>°शुम् (शांश्रौ ८,१८,१ च) इति पामे.।

[f]) सपा. °शुः<>°शुम् इति पामे.।

[g]) सपा. शौ १०,८,१४ विशिष्टः पामे.।

[h]) आशुं जयन्तम् (माश ४,२,१,९ च) इत्यस्य स्थाने सपा. काठ ४,३ या संजयन्तम् इति पामे.।

[i]) °स्वाशुम् इत्यस्य स्थाने सपा. खिसा २९, २१ °स्वा तु इति पामे.।

[j]) सपा. आपश्रौ ५, ९, ८ (तु. BC.) आशुम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. C., सपा. हिश्रौ ३,३,२६ माश्रौ १,५,२,१७ च)।

[k]) तु. सस्थ. टि. उप√धा>ϕउप-धान–>-नः।

[l]) विप.। आतिशायनिके इष्ठनि प्र. नित्स्वरः।

३१,५; -श्वाः ऋ २,२४, १३.
¶आशीयस्[a]- -यः मै १, ११,९; काठ १४, १०; -सी(? शी)यान्[b] पै १९,३४,१२[३].
आशु-कृत्[c]- -कृत् खि ४, ५,३१.
आशु(मू >)क्-*ग[d]- -गः शौ ६, १४,३.
आशु-पत्वन्[e]- -त्वा ऋ ४, २६,४; खि ५,२०,३; शौ २०,१३५,८[f].
आशु-मत्[g]- -मत् शौ ६, १०५, १-३; पै १९,२३, १०; २०, ५४,७.
†आशु-या[h] ऋ ४,४,२; ६,४६,१४, मा १३,१०; का १४, १, १०; ते १, २,१४,१[1]; मै २, ७, १५; काठ १६, १५; क २५, ६.
आशु-रथ[i]- -थाय मा १६, ३४; का १७,५,३; तै ४,५, ६, २; मै २,९,६;काठ १७,१४; क २७,४.
आशु-षेण[j]- -णाय मा १६, ३४; का १७,५,३; तै ४,५, ६,२; मै २, ९,६; काठ १७,१४; क २७,४.
आशु-हेमन्[k]- -०मन् तै १, ७,७, २; २, ४, ८,१[l]; मै १, ११,१; ६; काठ ११, ९[m]; १३, १४; १४, ६; -मभिः ऋ १,११६,२; -†मा ऋ २,१,५;३१,६;३५,१; ७,४७, २; मै ४, १२, ४; काठ १२,१५.
आशु-हेषस्[m]- -षमा ऋ ८,१०,२.
आश्व(शु-अ)पस्[n]-
आश्वपस्-तर[n]- -रेभ्यः ऋ १०, ७६,५[o].
आश्व(शु-अ)श्व[p]- -श्वाः ऋ ५,५८,१.
आश्वश्व-तम- -माः ऋ ५, ४१,४.
?‡आश्वश्विय[q]- -यम्[r] तै १, ८, २२,४.
?†आश्वश्व्य[q]- -श्व्यम्[r] ऋ ५, ६, ⌊१०;८,६,२४; ३१,१८⌋; मै ४, ११,२; काठ ११,१२.
आ√शुच्,>शुशुक्ष, †आ···शुशुग्धि ऋ १,९७,१; शौ ४,३३,१; पै ४,२९,१.
†आ···अशोचि[s] ऋ ७, ८, १; कौ १,७०.
†आ-शुशुक्षणि[t]- -णिः ऋ २,१,१; खि २,१, १; मा ११, २७; का १२,२,१६; तै ४,१,२,५; मै २,

[a]) विप. । अतिशयने ईयसुनि प्र. नित्स्वरः ।
[b]) द्विधा आसीयानोऽधि इति सकृच्च आसीयमान (म्) इति पाठे ? आशीयान् (उ>)व् अधि मनसः, आशीयान् (उ>)व् अधि चक्षुषः, आशीयान् सुवर्चा भूत्वा, इत्येवं प्रथमा त्रि-पादी शोध्या द्र. ।
[c]) विप. (जन-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
[d]) विप. (शिशुक- ⌊तु. सा.; वैतु. W.MW. नाप. इति ?⌋) । उस. डाऽन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
[e]) विप. (आदित्य-, श्येन-) । उस. वनिबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
[f]) °शु° इति शंपा. स्वरतो विमृश्यः ।
[g]) मतुबु उदात्तः (पा ६,१,१७६) । वा. क्रिवि. ।
[h]) वा. क्रिवि. इति कृत्वा तृ. याजादेशश्च चित्स्वरश्च (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. भा. ⌊पक्षे⌋ द्वि. अर्थे याज आदेश इति, भा. सा. ⌊का.⌋ उ. म. प्रकृतं रूपं =विप. इति, सा. ⌊ऋ.⌋ च तदेव नाप. ⌊=रश्मि-⌋ इति कृत्वा प्र३ ⌊=°याः⌋ इतीव ?) ।
[i]) विप. (रुद्र-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
[j]) उप.<सेना- इति यद्र. । शिष्टं *i* टि. द्र. ।
[k]) विप. (अग्नि-, अपां नपात्-, अश्व-) । उस. उप. √हि+कर्तरि मनिन् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।
[l]) सपा. मै २,४,७ नराशंस इति पाभे. ।
[m]) विप. (अश्विन्-) । बस. उप. भाप. सद् आद्युदात्तम् उसं. (पा ६,२,११९) ।
[n]) विप. (ग्रावन्-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. १अपस्- यद्र. । तरबन्ते स्वरेऽविशेषः ।
[o]) पृ ६९८ *h* टि. द्र. ।
[p]) विप. (मरुत्-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
[q]) भाप. । व्यु. ? आश्व (शु-*अ) श्वन्- (उस. उप.प्रकृतिस्वरम्)+भावे यथाक्रमं घन्>इयः प्र. च यप् प्र. ५ उसं. (पा ५, १, १२६) । *अश्वन्- इति √(*भ⌊व⌋>) अश् (वशीकरणे ⌊=स्वाम्ये⌋)+कर्तरि वनिपि स्वाम्यर्थे व्युत्पन्नं सद् विप. वा नाप. वा द्र. (तु. पृ ४९० *j*, *k* टि. च ⌊ यत्र यनि. शोधः ⌋ ; वैतु. अन्ये उप. <अश्व- ⌊ =हय- ⌋ इति कृत्वाऽप्राकरणिकमिव ब्रुवाणाः) ।
[r]) सपा. °श्वियम् <> °श्व्यम् इति पाभे. ।
[s]) सपा. जै १,७,८ अशोचि इति पाभे. ।
[t]) विप. (अग्नि-) । व्यु.? पपा.⌊ऋ. वर्जयित्वा⌋ नावग्रहः । सन्नन्तात् सतः प्रकृताद् धा. अनिः प्र. उसं. (पाउ २,१०२) प्रकृतिस्वरश्चेति विमृश्यम् (तु. या. ⌊पक्षे⌋ दे. सा. प्रभृ. च; वैतु. या. ⌊पक्षे⌋ =आशु- +शुच्- +क्षणि- ⌊<√क्षण् √⌋ वा + सनि- ⌊< √सन् ⌋ वा, म. ⌊पक्षे⌋ < आ√शुष् इति च ?) ।

७,२; काठ १६,२.
?आशुभि[a] खि ४,५,२.
?आशुमवन्ति[b] काठ २३,३[3]¶.
आ-शुशुक्षणि- आ √शुच् द्र.
आ √*शुष्(=श[शं]स् स्तुतौ ?).
†आ-शुषाण[c]- -णः ऋ ५, ३६, ४; -णाः ऋ १,१४७,१; २,१९,७; ४,१,१३; २,१४;१६[d]; मा १९, ६१[d]; का २१,४,१९[d]; तै २,६, १२,४[d]; -णासः ऋ ४,२४, ४; ७,९३,८.
आ √शृ, शॄ,श्री (संमिश्रणे),>शिर्
आश्रगामि तै ७,३,११,२[e]; काठ ४३,१.
आ···श्रीणन्ति ऋ ९, ७१, ४; ‡आश्रीणीषे मै २, १३, ५[f]; कौ २, ३७४[f]; जै ३, ३०, १७[f]; आ(श्रीणीषे) मै ४, १२, ४‡; †आ···अश्रीणीत ऋ १०,६१, ३; मा ७,१७; का ७,७,२.

आ-शीर्त- -र्तः ऋ ८, २,९; जै ४, १६,१०†.
आ √ शृ , श्रु (श्रवणे),>श्रवि, श्रावि
†आ···श्रुधि[g] ऋ १, १३१, ६; शौ २०, ७२, ३; आ···श्रुधि >धी[h] ऋ ६, २१,१०.
†आशृण्वे[i] ऋ ९, ९७, १३; कौ २,१५६; जै ३, १५, ४; आशृण्वन्ति ऋ १, १९०, १; आ··· शृणवत्[j] शौ १३, १,३; पै १८, १५, ३:[e] †आ···शृणोतु ऋ ५, ४६,[८;७,३४, २२]; मै ४,१३, १०; शौ ७,५१,२; आ[k]···शृणुहि ऋ १, १३९, ७; आ···शृणुहि[l] ऋ १०,७५,५; आ···शृणु पै ९, ४, १२: आशृणुतम् ऋ ७, ६७, [१०; ६९, ८]; आ···शृणुत शौ ५, १३,५; पै ८,२,५; आशृणोत शौ ६, ५०, ३; १८, ३, १९; २०, १२७, ७[m]; पै १९,२०,७;

आ[k]···शृणोत ऋ ३, ३३, ९; आ···शृणवाम>मा ऋ ३,३३, १०; आ···अशृण्वन्[n] शौ १९, ५२,३; पै १,३०,३; आ(श्रा-श्र)-शृणोः ऋ १०,९५,११.
आ···शुश्राव ऋ ५, ५३, २; आ···अश्रोत्[o] ऋ १,३९,६.
¶आश्रावयति तै ३, ३, ७, २; ५,४,७,७; मै ३,८,१;९,७; ४, ५,६; काठ २५, १; क ३८, ४; शौ ९, ११,१$; पै १६, ११६, २$; †आश्रावयति ऋ ५, ८२, ९; मै ४, ५, ६$; १२, ६; काठ १०, १२; आश्रावय मा १९, २४; का २१, २, १३; तै १,६, ११,१;२[2];३;४; २,५,११,८¶; ३, ३, ७,२;३; मै १, ४, ११[k]; काठ ३१, १३¶: †आ···श्रवय-तम्[p] ऋ ७, ६२,५: मा २१,९; का २३, १, ९; तै १,८,२२,३;

[a]) पाठः? असुभिः इति शोधः विमृश्यः। (तु मपा. खिसा २९,२ शौ १०,१,२)।
[b]) पाठः? प्र(=पुरस्)+*आ-शुच्- (=आ [प्राप्त्यर्थे] + शुच्- [=ताप-] >बस.) >प्रास. *प्रा (प्र-आ) शुच्- (= पुरस्तात् ताप-ग्राहिन्-) >*प्राशुग् √भू >*प्राशुग्-भवत्- (शत्रन्तम्)>-वन्ति>(नैप्र.) यनि. इति मतमनु शोधः द्र. (तु. सस्थ. टि. ?अनाशुमवन्ति [परि.])।
[c]) विप. (यज्ञ-व्यापृत- ऋत्विगादि-)। पपा. नावग्रहः। गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. आ √शस् [*स्तुतौ] >आ-शसान- यद्र.; वैतु. सा. [पक्षे] द. [ऋ ४,१,१३], NW. GG. यनि. धा. शोषणे वृत्तिरिति, PW. GW. प्रभृ. नैप्र. <√श्वस् इति, वें. सा. द. [ऋ ५, ३६, ४] यनि. <√अश् [व्याप्तौ] इति च, सा. [पक्षे] द. [ऋ १, १४७ ,१] यनि. <आशु + √सन् इति च ?)।
[d]) सपा. शौ॰१८,३,२१ आशशानाः इति पाभे.।
[e]) भा. <√श्रि इति, पक्षान्तरे धात्वन्तरं वा किमपीति।
[f]) सपा. ऋ ५,६,९ श्रीणीषे इति पाभे.।
[g]) तु. वें. सा.; वैतु. GW. ग. अभावः।
[h]) तु. द.; वैतु. सा. आ···हुवतः इति, GW. आ··· हुवानः इति च।
[i]) कर्मणि प्रयोगः। प्रपु१ तकारस्य लोपः द्र.।
[j]) सपा. तैब्रा २, ५, २, ३ आ···अशृणोत् इति पाभे.।
[k]) आ+उ इति नि. समाहारः द्र.।
[l]) तु. या [९,२६] स्क. GG. ORN.; वैतु. वें. सा. GW. चार्थे स्वाम्र. आ इति, Haskel (JAOS ११, ६०) सुषोमया इति तृ. युक्तः कप्र. इति।
[m]) तु. RW., सपा. शांश्रौ १२,१७,१; वैतु. शंपा., खि ५,१०,१ आसुनोत इति पाभे.।
[n]) सपा. तैब्रा ३,१५,२ प्र···अशृण्वन् इति पाभे.।
[o]) छन्दस्तः GW. अश्रवत् इति, ORN. अशृणोत् इति च। PW. आ √श्रु =आ √स्रु इति।
[p]) वृद्ध्यभावः उसं. (पा ७,३,११५)।

मै ४, ११, २; काठ ४, १६; ¶आश्रावयेत् तै ३,१,२,३; काठ २७,६[२]; क ४२,६[२]; ¶आश्रावयेत् तै ३,१,२,४; मै ३,८,१; ४,५,६. आनुश्रवत् मै ३,९,७¶; आ··· अनुश्रवुः ऋ १०,९४,१२.

आ-श्रृण्वत्- -ण्वते ऋ ४, ३,३; -ण्वन्तम् शौ ६, १४२,२.

आश्रृण्वती- -ती शौ ५,२०,५; पै ९,२४,५; -तीः ऋ ५,४५,१०.

आ-श्रावयत्- -यन्तः ऋ १, १३९, ३; शौ ५,१३,५; पै ८,२,५.

¶आ-श्राव्य तै २, २,११,२[२]; ६,९, ३; मै ३,९,७[२a]; ४,५,६[२].

आ-श्राव्य- -व्यम् तै ३,१,२,४¶.

*आ-श्रुत्-

आश्रुत्-कर्ण[b]- -र्ण ऋ १,१०,९.

आ-श्रुत- -तम् ऋ १, १८४,२ø![c]; तै ७,३,११,२; काठ ४३,१.

आश्रुत-तर- -रम् तै २, ५, ११,१¶.

आ-श्रुति- -तिः मा ३७,१२; का ३७,२,२; मै ४,९,३.

?आश्रुतः[d] मै ३, १०,१.

आ√शो>शा, शिशा, आशिशीहि ऋ ८, २१, ८; †आ···शिशीहि ऋ ७,१६,६; जै ४,२९,६; †आ···आशिशीत[e] ऋ ६,१६, ४२; तै ३,५,११,५; मै ४,१०, ३; काठ १५,१२.

आशोकेय- अशोका- द्र.

आ√श्चुत्>श्चोति, आश्चोतयेयुः ¶मै २,१,८; २,४.

आश्य- √अश् (भोजने) द्र.

आ√श्रवस्य(<श्रवस्-), आ···श्रवस्यात् ऋ ५,३७,३.

आ√श्रि, आ···श्रयेताम् ऋ ७,२, ६; आश्रयस्व मै ४,९,१[f]; आश्रयन् शौ ११,१२,१०.

आ-श्रित- -तम् खि ४,५,३६[g].

आ√श्रि(=श्लि)ष्,†आ-श्रिषत् ऋ १, १६२, ११; मा २५, ३४; का २७,१३,३; तै ४,६,८,४; मै ३, १६,१; काठ ४६,५.

आ-श्रेष[h]- -षम् शौ ८,६,२.

आ-श्रे(पु>)षा[i]- -षाः[j] तै ४. ४, १०,१.

आ√श्री आ√श्रृ (संमिश्रणे) द्र.

आ√श्रु आ√श्रृ (श्रवणे) द्र.

?आश्रुमयति[k] मै ३,१०,३¶[l].

आ√श्रुष् (श्रवणे), आ···श्रोषन्तु ऋ १,८६,५.

आ√श्लिष्, आश्लिष्येत् मै २,२, ५¶.

आशिश्लेष का २,५,२[m].

आ-श्ले(षु>)षा[i]- -षाः[j] मै २, १३, २०[n]; काठ ३९, १३; शौ १९, ७,२.

आश्वघ्न- √अश् (व्याप्तौ) द्र.

आश्वत्थ- अश्वत्थ- द्र.

आश्वपस्-, आश्वपस्तर-, आशु- द्र.

आश्वमेध-, आश्ववार-, °वाल- √अश् (व्याप्तौ) द्र.

आश्वश्व-, आश्वश्विय-, आश्वश्व्य- आशु- द्र.

?आश्वानम्[o] जै २,१,९.

१आश्विन-, २आश्विन-, १आश्विनी[p]- √अश् (व्याप्तौ) द्र.

---

a) °व्योऽपश्रे° इति पाठे? °व्य, उपश्रे° इति शोधः द्र. यदनु च पृ २७९ ¶अपश्रेष्यति इति निर्देशोऽपि शोधार्हः।

b) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

c) तु. सस्थ. टि. ?मुष्टानरा।

d) पाठे? अ-श्रुतः इति शोधः द्र.।

e) आदरार्था द्विरुक्तिः (वैतु. संपा. प्रथमे श्रवणे भा सा. GW. यनि. आ ग. इति, पक्षान्तरे भा. अध्यर्थे कप्र. इति, सा. च <आ√शी इति वा <आ√श्वै इति वा; द्वितीये श्रवणे भा. समुच्चयार्थीयं स्याम. इति, सा. पादपूरण इति, GW. स्योने इति सस. युक्तः कप्र. इति)।

f) सपा. तैब्रा ४,२,६; ५,३,५ आपश्रौ १५,३,७ श्राय इति पाभे.।

g) सपा. खिसा २९,३७ °ता इति पाभे.।

h) नाप. (रोगविशेष-)। गस. प्रकृतिस्वरः। उप. कर्तर् अच् प्र. वृषादित्वस्य उसं. (पा ६,१,२०३)।

i) नाप. (नक्षत्र-विशेष-)। गस. घञन्ते थादिस्वरः। धा. वृत्तिः?, भा. तैब्रा १,५,१,२ दाहे वृत्तिरिति।

j) सपा. °श्रेषाः <> °श्लेषाः इति पाभे.।

k) धा. तदर्थश्च! आ√श्रोण् (तु. या ४,३)>आश्रोणयति इति विमृश्यम्।

l) सप्र. तै ६,३,१०,६ पाठाभावः।

m) =सपा. तैब्रा ३,७,६,२१ काश्रौ ३, ७,१९ आपश्रौ ३,१०,१। माश्रौ १,३,५,१३ तु धारयिष्यति इति पाभे.।

n) अ° इति पपा.? यनि. शोधः (तु. शौ. पपा.)।

o) पाठे? अश्वानाम् इति संभाव्येत।

p) पृ ४९४ यनि. संख्या-निर्देशः द्र.।

?२आश्वि (न्>)नी[a]- -†नीः ऋ ९, ८६, ४; कौ २, २३६; जै ३, २१,१.

?आष[b]- -षम् शौ ८,८,१८; पै १६, ३०,६.

?आपोहृदं[c] पै १,९९,४.

आष्ट, आष्ट √अश्, अभ्य(भि√अ)श् (व्याप्तौ) द्र.

?आष्टात्[d] मै ४,९,१२.

आष्टादंष्ट्र[e]- अष्टादंष्ट्र-(परि.) द्र.

?आष्टे[f] शौ २०,१३४,५.

आष्ट्र अभ्य(भि√अ)श्(व्याप्तौ) द्र.

आ(ष्ट्र>)ष्ट्री[g]- -‡ष्ट्री[h] शौ ६, २७, ३; पै १९, १३, १५; -ष्ट्र्याम् ऋ १०,१६५,३.

√आस्(उपवेशने), आस्ते[i] ऋ ७,५५, ६; ¶तै २,५,१,६; ३,२,९,६; ¶मै १,४,८; ४,६,६; काठ ९,१६[2]¶; शौ ४,५.५†; ३४, ३; आस्ते ऋ १०,७१,११; १०७,१०; १३९, २; खि ३, १८, २; मा १७, ५९†; का १८,५,१०†; तै ४,२, ९,६; ६,३,३; ५, ४,६,५†; †मै २,१०,५; ३,३,८; ४, १, ३¶; ¶काठ ९,१६; १८,३†; २३,५[2]; २८,१[2]; ¶क २८,३†; ३६,२[2]; ४४, १[2]; शौ १०,८,३१; पै ४, १,७‡[j]; ६,५†; १४,३; ६,२२,३; आसाते ऋ २, ४१, ५[k], ¶तै १, ५,९,५; आसते[l] ऋ १, ११. ६; १६८, ३; ७,३२, २; ९,१५,⌊२; २५,४⌋; ११३, ११[l]; १०, १७, ४; ६३, १; खि ५, १५, ३; मा २३,१६†; का २५,४,५†; तै ३, ५,४,१[2]; २; ३¶; ¶७,२,१,१[2]; ६,२; ९, ३; ३, ३,१; ४,१; ५, २; ६-९, १; १०, ५; ८, १, १; २,१,२; ३,२; ४; ६; ४,१; ५,१[2]; २; ४; ६, १; ३; ७,१; ३;५, १, ५; मै १,४,३[l]; कौ २,१०२६†; जै ४,२६,५†; शौ ११,१०,३२[m], १८, २, ४८; ५५†; २०,१२९, १; पै ६, १७,६†; आसते ऋ १, ४८,६; १०५,११; २,१३,४; ९, १०, ७[n]; १०, २१, ३; २५, २; ६५,७; ९४,९; १३०,१; खि ५, १७,२; ¶तै ३,१,९,४; ५,४,३, ४,२, ९,६$; ५,६, ४,४; ७,२, ९, ३; ४, १०, १; मै २,४, २¶; ¶काठ ५, ६[3]; १२,१२; २२,९; ३२,६[7]; ३३,२[3]; ३४,५[1]; ७[4]; ८[2]; क ३५, ३¶; शौ ५,१९,३; १०, ४,११; ८,९; ११,१०,१०; २०, १३४, २; पै ५,२६,८[2]; ८,१२, ७; १९,६; ९,१८,९, १६.१६,१; ८५,९; १०; १०१,५; १७, १४, ६; १९,१९,१२; आसाथे[i] ऋ ५,

a) नाप. (धारा-संतति-)। व्यु.? पपा. नावग्रहः। √अश् (*संताने)+कर्तरि क्विनिः प्र. उसं. (पाउ ४, ५३) ञित्-स्वरश्चेति विमृश्यम् (तु. ऋ ९, ८६, १ इत्यत्र पर्यायभूतम् १आशु- इति प्राति. ⌊अत्र च क्वचिदन्यत्र ऋ ९, ८३, २ प्रमृ. च नेदं प्राति. विप.⌋; वैतु. वे. गा. अन्ये च विप. इति कृत्वा √अश् ⌊व्याप्तौ⌋+विनिः प्र. > अश्विन- > यनि. इति व्युत्पादयन्तोऽश्विन्याः स्वरानुपपत्तेः ⌊GRV. ऋ ९, ६८, ५ इत्यतः संकेत-ग्राहे प्रयत्नोऽप्यकिञ्चित्करः द्र.⌋)।

b) पाठे? √उष (दाहे) > (भाप.) ओष- इति संभाव्येत (तु. मृको. ⌊W.⌋ पै. च; वैतु. CA. आस्-इति?)।

c) पाठे? आ (क्षेत्रपत्यम् इति द्वि. युक्तः कप्र.) सौहृद- (भाप.<सु-हृद्-)>-दम् इति द्वि-पदः शोधः (तु. सस्थ. टि. पश्यत्- > -श्यतः, भूयस्-, √अस् ⌊भुवि⌋ > स्यात्)।

d) पाठः? (तु. सस्थ. टि. √अश् ⌊व्याप्तौ⌋ > ?आष्टात्, संस्कर्तुः टि. आप्ता इति पपा., सपा. तैआ ४,२०,२ अस्ता इति पामे. च)।

e) पृ ६३ अष्टा-दंष्ट्र- > आष्टा°-इत्यत्र विषये यदुक्तं भवति, तत्र पुनः शोधार्थं विमर्शः परि. प्राक्रयमाणः द्र.।

f) पाठः?। उष्णे इति RW. पाठः।

g) नाप. [पाकशाला-(तु. माग्र २,१७,१, वें. ?), चुल्ली- (सा. GW. W. B. प्रमृ.), अग्रयाणी-(पक्षान्तरे वें.? सा. MW. Mac. वृदे ८,६८)]। व्यु.? पपा. नावग्रहः। = भोजनालय-(तु. Eng. *host* '*bread*', *hostel*) इति कृत्वा √अश् (भोजने)+ष्ट्रन् प्र. वृद्धिश्च (पाउ ४, १६०)। ततः स्त्री. ङीष् प्र. (पा ४,१,४१) प्र. स्वरश्चेति विमृश्यम् (पृ ६३ √अज् इत्यतः व्यु. इति कृत्वा यदुक्तं भवति तत्र शोधः द्र.)।

h) सम१ पूर्वसवर्णः (तु, शौच १,७४)। सपा. °ष्ट्र्याम् इति ऋ. पामे.।

i) लसा. निघाते धा. स्वरः।

j) सपा. ऋ १०,१२१,७ विशिष्टः पामे.।

k) सपा. कौ २,२६१ आशाते इति पामे.। यत्तु AM. आसते इत्यभिप्रैति तद्विमृश्यम् (तु. पपा.)।

l) सपा. तैब्रा २,४,६,५ विशिष्टः पामे.।

m) सपा. पै १६,८८,३ समाहिताः इति पामे.।

n) सपा. कौ २,४७५ आशत (पृ ४८१ n) इति पामे.।

६२,५; आसाथे ऋ १,१८२,३; †आसते[a] ऋ ६, ४७, १९; १०, ३८, ५; आससे ऋ ८, ८०, ५; आसाते[b] शौ १८, ३, ७०; आसातै शौ १,१४, ३; पै १, १५, १; ३; आस्ताम्[b] काठ ४, १६; शौ ४, १६, ७; आस्ताम् ऋ ८, ५९, २![c]; शौ १, १४,१: पै ५, ३२, ८; आसताम् पै ९, ४, ६; आस्व मै २, १, ३¶; आध्वम्[d] मा १७,६५; का १८, ६, १: तै ४,६, ५,१; मै २, १०, ६: काठ १८,४; क २८, ४: शौ ४, १४, २: पै ३,३८,२: ¶आसामहै[b] तै ७,५,२,१; काठ ३३, १: आस्त[c] काठ ३०,१¶: क ४६, ४¶; शौ १०,१०,१२;१७: पै १६,१०८, २;६; आसत[e] तै ४, ७,१३,३[f]: मै २,१२,४; ¶आसत तै १, ६, ११,३;२,३,३,१;७,१,४,१: ५, १,१;२,१; मै १,१०,१३;२, १, ४;४,२,१२; ५,९; काठ १०, २; ६;१८,१८;२६,७:३३,१[2]; ३६, ७; क २९,६;४१,५; पै २, ५१, १$; आसीत[b] तै २,६, ९, २¶; ¶आसीत तै २, ५, १, ६; काठ २३,६;२७,४;२८,१;८[2];३०,२; ३२,४; क ३६, ३, ४२, ४; ४४, १;८[2]: ४६,५; ¶आसीरन् तै ७, ३,१०,५;४,३,१;७,३.

आसन[g]– -नम् खि ५, १०, ७[h]; शौ २०,१२७, ८; –ने पै १९,४७, १३.

आमान[i]– -नः ऋ ६,१०,६ ; –नेभिः ऋ ६,५१,१२.

आसित– -तम् पै १,९७,३: –ताय तै ७,१,१९,२; काठ ४१,१०.

आसिष्यत्[j]– -ष्यते तै ७, १, १९, २: काठ ४१,१०.

आसीन,ना[b]– -नः ऋ २,४३,३:१०, २७, १३: खिमा ४,६: ¶तै २, ५,११,१: ३,२,९,६;७[2]: ५,१, १०,५: ६,२,४,४:३,१,४: ¶मै १,८,५:१०,९: ¶काठ १९,११; २८,१: ३४,१७[2]; ३६, ४; ¶क ३१,१: ४४,१; शौ ९,१२,१९; पै १६,११८,१-६: –नम् ऋ ८, १००,५: पै ९, २५, १२; १०, ११,३; –ना मै १, १०, १७¶; –नाः ऋ ३,३१,१२;९,७८,३[k]; ¶तै ५,१,१०,५; ७, ५, ८, ४; मै १, ८,५¶; ¶काठ १९, ११; ३४, ५; क ३१, १¶; शौ २, १४, ४; १२,१,२८: २, ३०[l]: पै ५, १, ४: १७,३,९:३२,१०; –नान् मै ३, ३,९¶: –नाम् शौ १८, ४, ४०[m]: पै ९, ११, १३: –नाय मा २२, ७: का २४,३,२: तै ७, १,१९,२: मै ३, १२, ३: काठ ४१,१०: शौ ११, २, १५: ३, ७: पै १६, २१, ८:१०५,५: –†नासः ऋ १०, १५, ७: मा १९, ६३: का २१, ४, १३: शौ १८, ३, ४३: –नेभ्यः मा १६, २३: का १७,३,२: तै ४, ५,३, २: मै २, ९, ४: काठ १७, १३: क २७, ३ : –नेषु ऋ ६, ४७, १९.

आ(आ√आ)स् (उपवेशने), आस्ताम्[n] ऋ ३,४,[११; ७,२,११].

आ(आ√अ)स् (वधा.), ¶आस्यते[o] मै १, ४, ८[p]: आस्येत्[o] काठ ३१,

[a]) लेटि प्रपु१ रूपम् । [b]) लसा. निघाते धा. स्वरः ।

[c]) पाठे? अ-दाभ्यम् इति शोधः स्यादिति कृत्वा रापो दाभ्यम् >°प आभ्यम् >°प आसृजम् >°प आस्त (>स्ता)म् इति वावि. लैवि. च संकरः स्यात्? (तु. टि. सपा. खि १,६,२ इदुम्–> ?आभ्याम्) ।

[d]) सकारलोपः (पा ८,२,२३) ।

[e]) आडागम उदात्तः ।

[f]) सपा. मा १५,४९ का १६,६,१ आयन् इति पाभे. ।

[g]) अधिकरणे ल्युटि लित्-स्वरः ।

[h]) °न° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

[i]) कानजन्ते चित्स्वरः ।

[j]) लृटः शतरि विक. स्वरः ।

[k]) तु. सस्थ. टि. अन्तर् ।

[l]) सपा. ऋ १०,१८,२ विशिष्टः पाभे. ।

[m]) सपा. हिगृ २,१०,६ मासी (मि-इ) माम् इति पाभे. ।

[n]) पाठः? संपा. क्वचिदाद्युदात्तः (तु. M. [भाष्यरहिते संस्करणे] PW. मात. पूमं.), क्वचिद् निहतश्चोपलभ्यते (तु. M. [सभाष्ये संस्करणे] GW.) । पपा. तु स्वरतो द्वैधेनोपलभ्यमानोऽपि न क्वचिदपि आ । आस्ताम् इत्येवं पदद्वये-नोपलभ्यते । एवं स्थिते यनि. साध्विति विमृश्यम् । उपसर्गाऽभावे निघाताऽभावस्य, सोपसर्गत्वे पपा. द्वैपद्येन विभागाऽभावस्य च नितरामनुपपत्तेः (तु. सा. अध्यास्ताम् इत्युपसृष्टं क्रिप. पर्यायीकुर्वाणः आ =अधि इति कृत्वा च यनि. समर्थक इव) । एवं स्थित एव सकर्मकस्य सतः प्रकृतस्य धा. आधारः कर्मसंज्ञत्वेन उसं. (पा १,४,४६) इति विशेषश्च वा. संगतः द्र. (वैतु. NW. अनुपसृष्टस्य सकर्मकत्वं विवक्षुः) । [o]) धा. क्षेपणे वृत्तिः ।

[p]) सपा. तैब्रा ३,३,९,११ आस्यति इति पाभे. ।

१२; ३२, ६: आ(ग्रा-अ)स्यस्व[a] तै २,५,९,६; आ(ग्रा-अ)स्यध्वम्[a] ऋ १०,३०,२.

†आस[b]– ?आसः[c] ऋ ७, ९९, ⌊७; १००, ७⌋: तै २, २, १२, ४; काठ ६, १०; कौ २,९७७; जै ४,२३,८; आसा ऋ १,७६,४; १२९,५:१४०,२:१५२,६: १६८,२: २,१,१४: ४,५,१०; ५,१७,२;५;२३,१:६,३,४;११, २:१६,⌊९: ७,१६,९⌋:३२,१:८, ६,२०:१९,२४: १०,१,७:२०, ३:४०,६:६७,१०[d]: ११५,३: तै ६,३,१४,७: शौ २०,९१,१०[d]: ?आसाम्[d] मै ४,१२,१‡.

?आस-पात्र[e]– -त्रम् तै २,५,९,३.

†१आस[f]– -सात् ऋ १,२७,३:४,२०,१; मा २०,४८; का २२,५,२; कौ २,९८६; जै ४,२४,७.

२आस[g]– -सः शौ ९,१३,१०; पै १६,७४,१०.

आ-सं√गृभ्, †आ··संगृभाय ऋ ८,८१,१; कौ १,१६७;२,७८; जै १,१८,३; ३,८,४.

आ√सच्, ¶आसचति मै १,१०,२०[h]: आसचेते ऋ १,१३६,३: आसचन्ति काठ ३६,१४¶; आ···सचसे ऋ ४,११,६[i]: आसचेथे[j] ऋ २,३९,२: आ[k]···सचत>ता ऋ १०, ७५,५; आ···सचेय ऋ ८,१९,२८[l].

आ√सज्, ञ्ज्, आसजसि पै ३,८,५[m]; आसजामि ऋ १,१९१,१०; शौ १४,२,४८[n]; आसजामः[o] पै २०,१७,७; आसजामसि[o] शौ ७,१२०,१; आसजन्तु शौ ५,२१,१०; ११,१२,३; आ(ग्रा-अ)सजत् ऋ १०,१२४,७.

आ-सक्त– -क्ताः पै १८,२५,९.

†आ-सक्ति[p]– -क्तिः ऋ १०,८५,२८; शौ १४,१,२६; पै १८,३,५.

आ-सङ्ग[q]– -ङ्गः ऋ ८,१,⌊(५,२७,१)३३⌋: मै ३,१,९; -ङ्गस्य ऋ ८,१,३२.

---

a) तु. पपा. GW.; वैतु. ORN. <आ√सो इति। धा. धारणे वृत्तिः उसं. (तु. भृ. स्थलं यत्र √दद्>ददत् इति, काश्रौ ३,२,१७ आदाय इति च धारणेऽर्थे ज्ञापकं द्र.)।

b) नाप. (मुख-।आसया यद्र.⌋)। व्यु. ? पपा. नावग्रहः। <√*अस्=अश् (भोजने) इति विमृश्यम् (वैतु. PW. प्रमृ.<आ√अस् ⌊क्षेपणे⌋ इति।

c) पाठे? आसे (च१) इति शोधः द्र. (तु. सस्थ. टि. आ; वैतु. पपा. वे. सा. GW. प्रमृ. पं१ इति, भा.आस– ⌊<√अस् क्षेपणे⌋> -सः इति कृत्वा =हविस्- इति, सा. ⌊तै.⌋=यजमान- इति च।

d) सपा. °सा<>°साम् इति पाभे.।

e) नाप. (अग्नि- ⌊रूपक-विधया⌋)। व्यु.? पपा. नावग्रहः। सा. (माश १, ४,२,१३) PW. Egg. K. प्रमृ. मध्यमपदलोपी कस. इति कृत्वा उभयप्रकृतिस्वरः। भा. सा. (तै.) षस., पूप. =अयस्- इति। आस्, पात्रम्, जुहूः इति त्रीणि पदानि मन्वा हविषो भक्षणाद् आधानात् स्थानान्तरप्रापणाच्च यथाक्रमम् अग्निः संकेत्येतेति विमर्शसहं भवति।

f) भाप. (अन्तिक- ⌊तु. निघ २, १६⌋)। व्यु.? *अभ्याश (*स)– इत्यस्य (उपलभ्यमाने वैदिके वाङ्मयेऽनुपलब्धिभाजोऽपि तात्कालिकभाषायामनुमितव्यवहारस्य सतः) नैप्र. विपरिणामः स्यात्? एतदीये निगमद्वयेऽपि पादपूर्तिनिमित्तं कर्तुं युक्तश्च अ आसात् इति त्र्यक्षरो व्यूहोऽप्यत्रापरं लिङ्गं स्यात् (वैतु. WAG ३, १६१ c मुख-पर्यायतया कल्प्यमानेन आस-(?) इत्यनेन संमेलुकः ?)।

g) नाप.। व्यु. अर्थश्च ?। मूत्र-साहचर्याद् = मल- इति विमृश्यम् (वैतु. अन्ये =पांसु-, भस्मन्- वेति)।

h) °ञ्च° इति पाठः? (तु. सपा. आसचन्ति इति, तैत्रा १,६,१०,५ आसजन्ति इति, संस्कर्तुः टि. च)।

i) 'यं देवश्चिदामचसे, स दोषा(=बाहुना) शिवः (=पराक्रमी) भवति' इति वा. द्र. (वैतु. सा. आ इति ग. अनुजानानोऽपि भिन्नमेव वा. समर्थुकः, GW. च वा. भिन्ने सति आ इत्यस्योपयोगमदर्शुकः)। j) वैतु. GW. ग. अभावः।

k) तु. या ⌊९,२६⌋ स्क. सा. GG.ORN.; वैतु. वें. ग. अभावः इति. GW. चार्थे स्वाम्र. इति।

l) तु. सा.; वैतु. GW. जोषम् इति द्वि. युक्तः कप्र. आ इति। m) सपा. शौ १९,५६,५ मदसि इति पाभे.।

n) तु. सस्थ. टि. अधि। =सपा. कौसू ७९, २२। शौ १४,२,४९ तु सादयामि इति, पै १८, ११,८ आसूजामि इति, पै १८,११,९ च विशिष्टः पाभे.।

o) सपा. °जामः<>°जामसि इति पाभे.।

p) गस. प्रकृतिस्वरः। उप. स्त्री. भावे क्तिन् प्र. उदात्तः उसं. (पा ३, ३,९७)।

q) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। गस. भज-ते कुलम् उसं. (पा ७,३,५३)। थादि-स्वरः (तु. टि. प्रायोगि-)।

¶आ-सज्य काठ ८,१०; क ७,६.

आ√सद्[a], >सीद्, मादि, आ··· सदथः ऋ ५, ६७, ⌊२ (९, ६४, २०)⌋; †आ···सदतु ऋ ७,९७, ४; काठ १७,१८; आ···सदताम् ऋ ७,४२,५; ‡आ···सदन्ताम्[b] शौ ५, १२, ८; २७, ९; आ··· सदन्तु ऋ ८,२७,६; १०,११०, ८[b]; १४२, ६; खि ५, ७, १,५; मा २, ५[c]; २७, १९†[b]; २९, ३३†[b]; का २, १, ७[c]; २९, २, ९†[b]; ३१,४,९†[b]; तै ४, १, ८, २†[b]; मै ४, १३, ३†[b]; काठ १५, १३[d]; १६, २०†[b]; १८, १७†[b]; पै ९, १, ९†[b]; आ··· आ···सदन्तु[e] ऋ ३, ४, ⌊८; ७, २, ८⌋[b]; †आ(सदन्तु) मै २, १२,६; क २९,५; आ···सदतम् ऋ ७,९१,४; आ···सदत ऋ ७, ५७,२; आ···सदन ऋ ७,५९,६. आसीदति मै ४,५,४¶; आ··· सीदति ऋ ९, ६४, ⌊(५, ६७,२) २०⌋; †आसीदन्ति ऋ १०,८५, ३२; शौ १४,२,११; पै १८,८, २; †आ···सीदसि ऋ ९,१०७, ४; कौ १, ५११; २, २५; जै १,५३,१; ३, ३,४; आसीदाति[f] ऋ ९, ९७, ४; आ···सीदत् पै १३, २, ९; ‡आसीदतु[f] कौ १,५३५; जै १, ५५, ३; आ··· सीदतु शौ १८, ४, १६-२४; आ···सीदतु ऋ १०, ३६, ५; आ···सीदताम् ऋ १,१८८,६; खि ५,७,१,७; मै ४,१३,२; काठ १५, १३; आ···आ···सीदताम् ऋ १, १४२,⌊(५, ५,६; ८,८७, ४; ९, ३३, ५; १०२, ७; १०, ५९,८)७⌋; †आ···सीदन्तु ऋ २, ४१,२१; ५,२६, ९; मै ३,८,७; आ···सीदन्तु ऋ १, २६,⌊(९, ६४, २९)४⌋; १०, ७०, ११; आसीद ऋ ३,२९,१०[g]; मा २, ६[h]; ४, ३०[i]; ३६; १०, २६[ij]; १४,१;१७,७३; का ४, १०,१[i]; ७; ११,८,१[ij]; १५, १,१; १८, ६, ९; तै १, २, ८, १[i]; १०,१, ३,४,२[i]; ८,१६,१[ij]; ४, ३, ४, १;६,५, ३; ६, १,११,२[i]; ३,२, ४;५, ८, ५; मै १,२,६[ij]; १३[i]; २,६,१२[ij]; ७,१६[ij];८,१; १०, ६; ३, ७, ८[i]; ९,१[i]; ४, ४,६[ij]; काठ १५,८[ij]; १७,१, १८, ४; ३८,४[ij]; क २५,१०; २८,४; शौ १२,३,३३; पै १, ५१, ४; १७, ३९,३; †आ···सीद ऋ २,२३, १[k]; ३, ४१,३;५३,⌊३; ६, २३, ७⌋; तै २, ३,१४,३[k]; काठ १०, १३[k]; २६, ११; शौ २०,२३,३; †आ···सीद[l] ऋ १०, १४, ४; तै २, ६,१२,६; मै ४, १४, १६; †आसीदतम् ऋ १०,१३,२; शौ १८,३,३८[m]; आ···सीदतम् ऋ १, ४७, ⌊८(९२,३);८, ८७, २; ४(८, ४, १४; १०, ४०, १३)⌋; आसीदत ऋ १०,७०,८; †आ··· सीदत ऋ १,८५,६; शौ २०,१३, २; †आ(श्रा-श्र)सीदत् ऋ ८,४२, १; मा ४,३०; का ४,१०,१; तै १, २,८,१; मै १,२,६;३,७,८; काठ २,६; क १,१९; पै १९,५२,११. आसद्मि ऋ ३, ३०, १८; काठ ८, १७†.

आससद्यात् शौ ६,२९,३; पै १९, २७,१२.

आससाद ऋ ८, २९, २; आ-ससाद शौ ६, २८, ३; १२, ३, १३; पै ४, ३९, ३[n]; ६, २२,५; १७, ३७, ३; १९, २७, १३‡[o];

a) उपसृष्टः धा. पृ ७२७ *n* टि. दिशा सकर्मकः द्र. ।

b) सपा. °दन्ताम् <> °दन्तु (तैब्रा ३,६, ३,४ या ८, १३ च) इति पाभे. ।

c) सपा. काठ १,११ क १,११ विशिष्टः पाभे. ।

d) =सपा. तैब्रा ३,६,२,१ । मै ४,१३,२ तु आ···स्वदन्तु इति पाभे. ।

e) आदरार्था द्विरुक्तिः (वैतु. प्रथमे श्रवणे वें. अनन्वायुक इव, सा. आ ⌊गच्छन्तु⌋ क्रिउ. इति ।

f) सपा. °दाति <> °दतु इति पाभे. ।

g) पाभे. कृते पृ ६९६ *d* टि. द्र. ।

h) =सपा. माश १,३,४,१४[y] आपश्रौ २, ११,६ । का २, १,८[y] तै १, १,११, २[x] तैब्रा ३, ७, ६, १० आपश्रौ २,१०,३ तु सीद इति पाभे. ।

i) =सपा. माश ३,३,४,१ आपश्रौ १०, २७,१० माश्रौ २, १, ४,२१;२,४,३५ । काठ २, ६;७; ३, १; २४, ६; २६,२ तु सीद इति पाभे. ।

j) पाभे. कृते पृ ७०९ *m* टि. द्र. ।

k) तु. वें. सा. भा. PW.; वैतु. GW. ϕआ-शृण्वत्- >-ण्वन् इति ।

l) सपा. शौ १८,१,६० आ···रोह इति पाभे. ।

m) तु. RW. ; वैतु. शंपा. सात. °ताम् इति पाठः ।

n) सपा. शौ ४,२४,२ आरुरोज इति पाभे. ।

o) सपा. ऋ १०,१४,१ विशिष्टः पाभे. ।

आ··ससाद ऋ १,६७,४;७,४,५; शौ ५,१, २[a]; आ···आ···ससाद ऋ ७,६,६[b]; आ··सेदुथुः ऋ ७, ७०,१; आ-सदत् ऋ ३, १३,१ आ(आ-अ)सदत् ऋ ३, ६२, १५; ९,१, ⌊२[c](६५, ६)⌋; १६,४; १९,३[d]; ६२,⌊४[e]; (८२,१[e])⌋;३०;१०७,५; खि ५, २२, ६[f]; मा ११, ४०[g]; ४८: २६, २६†; २८ ,४: का १२,४, ३[g];१२; ३०,१,४; तै ४, १,४, ४; ५,१.५,१०; मै २,७,४[g];५; काठ ७,१८;१६,४[2g]; १९,५: क ३०,३: कौ १,४७३‡; ५६२‡[e]; २, २६†; ४०†[c]: ३५८‡[e]: ६६६‡[e]; जै १,४९,७‡[c]; ५७, ७‡[e]; ३,३,५†;३,५, २†[c]; ३०, १‡[e];५५, ७‡[e]: शौ २०, ४९, ३[h]; पै १९, २०, १६; आ···असदत् ऋ ९, ९७, ४५; †आ-(आ-अ)सदन् ऋ १०, ४३, ४: शौ २०, १७, ४; पै १९, ४५, १५; आ(आ-अ)सदन्[i] ऋ ८, २८, १[j]; आ(आ-अ) सदः ऋ ५, २१,⌊(३,६२, १३)⌋४[2](९, ८,३; ६४, २२)⌋; ९, १७, ८; ६२,७; १०, ९१,४; मा १२, १७; ३८; ५९; का १३, १,१८; ३,९; ४, १५; तै ४,१,४,१[g];९,३;२,१,५; ३,३; ५,१; मै २,७,८;१०;११; काठ १६,८; १०;११: १९,१२; क २५,१;२;३१,२;कौ२,३२९†; ३५०‡[d];†जै३,२७,५;२९,७‡[d]; ४,२१, ६; आ (आ-अ)सदः[j] ऋ ७,११,२:†आ··सदः ऋ३,२४, ⌊३; ८,१७, १⌋: ९,२,२; १०६, ⌊(६५,१४)७⌋: मै २,१३,९: कौ १, १९१: ५७१; २,१६: ३८८: ६७६: जै १,२०,७:५८,६:३,२, ७:३१,८: ५६,४; शौ २०,३,१: ३८,१: ४७,७; आ··असदः शौ १८,४,५२.

आ··असादि[k] ऋ ५, ४३, ७: आ···सादि[k] मै ४,९,३‡.

आसादयते[l] मै ३, ७, ८¶; आसादयति तै १,६,९,४¶; आसादयति ¶ तै २,२,५,७;११,१;६, ४,४;५,१,५,४[m];२, २,२;६,१, ११, २; ¶मै ३,८,७;४,१,१३; ¶काठ २४,६;३१,१०; ¶क ३७, ७; ४७, १०; शौ ९, ७, ३; पै १६, ११२, ९; ¶आसादयन्ति मै ३,८,७[2]; १०, ५: काठ २५, ८; क ४०, १; आसादयामि शौ १८,४,६७; †आसादयात् ऋ ८, ४४,३: मा २२,१७; का २४,४, १०; काठ २,१५; आसादय,> या ऋ १, ४५, ९;३, ५७,५; मा १, २८; आ··सादय ऋ १०, ३५, १०; आसादयन्[l] तै ६,१, ११,१¶; ¶आसादयेत् तै १,६, १०, ३[2]; मै ४, १, १३: काठ ३१, १०; क ४७, १०: आसादयेयुः मै २,१,८¶.

आ-सदन[n]– -नम् पै २,२३,४.

†आ-सदम्[o] ऋ ३, ६२, ⌊१३ (५, २१, ४) ९, ८, ३; ६४, २२⌋; ४, ९, १; ८,१, ८[e]: ९, ३,⌊१; ३०, ४⌋[e];२५, ⌊६: ५०, ४⌋; ६२,१६; ७१,१; ६: ८२,⌊(६२, ४[e])१⌋; १०१, १४; १५: तै १, ३,४, २; काठ ४०, १८:†कौ १, २३;४७२:२,४२६;५३०;५५८; ६०६,७३७;७३८:†जै १,३, ३; ४९,६; ३,३३,१: ४१,६;४४,४;

a) सपा. पै ६, २, २ त्रिनि···ससाद इति पाभे.।

b) द्विर्वचनमादरार्थम् (वैतु. प्रथमे श्रवणे वें. सा. मौनिनाविव, GW. ORN. वरम् इत्यनया ⌊ वस्तुतः उपस्थ– इत्येतद्युक्त्या विप. सत्या ⌋ द्वि. युक्तः कप्र. इति)।

c) तु. सस्थ. टि. अभि ।

d) सपा. °दत्<>°दः इति पाभे.।

e) सपा. °सदत्<>°सदम् (आपश्रौ १६,२०,१४ च) इति पाभे.।

f) सपा. शौ २०, १३६, ५ ?अ-सरत्–>–रन् इति पाभे.। पृ ५३०° q टि. अपि द्र.।

g) सपा. °दत् (माश ६, ४, ३, ६ च) <> °दः इति पाभे.।

h) तु. RW.; आसुरन् इति शंपा. पाभे.।

i) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८, १, ७१) !

j) मपा. तां २४,१,९ आसत इति पाभे.।

k) सपा. °असादि<>°सादि<> तैआ ४, ५, २ °असादीत् इति पाभे.।

l) सपा. °दयते<>°दयन् इति पाभे.।

m) सपा. मै ३, १,६ आदधाति इति, काठ १९,५ क ३०,३ दधाति इति च पाभे.।

n) आसा° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

o) गस. णमुलन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

४९, ४; ४. १०, ६; २६, २; ३.
आ-सदे[a] ऋ १, १३, ⌊७; ८,६५,६; १०,१८८,१⌋; ३,४१,९; ५,२६, ८;४६,५; ८,६०,१; तै १,१,२, १; मै ४,१,२; काठ १, २; ३१, १; ३९, १५†; क १,२; ४७,१; कौ २, ९०२†; जै ४, २५, ४†; †शौ २०,२३,९;१०३,२.
आ-सद्य,>द्या ऋ १, १०९, ५; २, ३६,२; ६, ५२,⌊१३; ६८, ११: १०, १७, ८⌋; मा २, १८: १२, ३९:३३,५३†; का २,४,६:१३, ३,१०; ३२,४, १०†; तै १, १, १३,३:२,४,१४,५†; ४,२,३,३; मै २,७, १०; ४, १२, १†; काठ १६,१०: क २५,१; शौ ७,६०, २†: १८,१,४२†;३.२०;४,४६; २०,६७,४†; पै २०,६,६†.
आ-सन्न,न्ना– -न्नः मा ८,५५[b], ५६; का ९, ७, ३[b]; काठ ३४,१६¶: -न्नम् मा २८,२१; का ३०, २, १०; तै २,४, ३,३¶; मै ४. १, २¶; -न्ना काठ ३४, १५[२]¶; -न्नाः शौ२०,१३४,१[c];-न्नानाम् शौ ९,७, ४; पै १६,११२,१०; -¶न्नानि मै १, ५, १२; काठ ९, १२; -न्नाय ¶तै ६, २,१, ७;३,५,२.
आसन्न-कर्मन्– -र्मणि काठ ३४, १५¶.
आ-साद[d]**–** -दः शौ १५,३,८.
आ-सादित– -तः तै ४, ४,९,१[२b].
¶आ-साद्य तै २, ६,५,१: ६, २,१, ७; मै २, १, ८: ४,५, ३; काठ १०,७.
आ-साद्यमान– -न काठ ३४, १४[२b].
¶आ-सा(द्य>)द्या[e]**–** -द्याः मै ४, १, १३: काठ ३१.१०.
?**आ-सीद**[f]**–** -दम् पै ९,२५,१२.
ϕ**आ-सीदत्–** -†दन ऋ ६, १६, ⌊३५; ९, ३२,४: ६४, ११⌋: ९, ६१, ⌊२१; ६५, १९⌋: कौ २, १६७: ३३०;७४७: जै ३,१६, ३;२२,२;२७,६.
आ√सन्,>सिषास, †आ···सन्वन्तु?[g] ऋ ८, ५३, ४; जै ४, १८, ८; आ···सनुहि शौ १४,२,७०: पै १८,१३,१०.
आसिषासत् खि ३,३,२.
आसन्[h]**–** -सन् ऋ ३, २६,७;५,१८,४; ६,७,१; ८,९६,३: १०, ७३,३; ८७,२;९८,२; ३; मा ७, २४†; १२, ६४[l]; १८,६६†; १९, ८८; ३३,८†; का ७, १०,१†;१३,५, ३[l]; २१,६,९; ३२,१,८†; तै १, ४,१३,१†; ३,३,८,२; ४,२,५, ३;५, ५,९, २[j]; ३¶; मै १, ३, १५†; ¶६, ५; ९[२]; ८, ६¶; ११,२‡[k]; २,२,१; ३,११,९;४, १२,५†, काठ४, ५†; ८,१३¶; १६, १२; ३७, १३; ३८, ३; क ३,५†; ८, १¶; २५,३; †कौ १, ६७; ३४१‡[l]; २, ४९०; ३, ३,१२; जै १,७,५†; ३५,१०‡[l]; २, २, ७†; ३, ३८,४; शौ ८, ३, २†: १८, ३, ११; १९, ६०, १[j]; पै ५,१६,२;१६,६,२†; -†स्नि ऋ १,७५,१; ४,४०,४[k]; ५, ६, ९; ८,१२,१३;३९,३;९,६९,२; १०,५३,११; मा ९,१४[k]; १५, ४३; का १०, ३,७[k];१६,५,२५, तै १, ७,८, ३[k]; २, २, १२, ७: ४,४, ४, ६; मै २,१३, ५$: ३, १०, १; काठ १३, १४[k]: १६. २१: कौ २, ३३२‡[m]; ३७४; ७२१; ३, ४, १$; जै २, २,९: ३, २८, ४‡[m]; ३०,१७; ५९,

[a]) गस. केनन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[b]) सपा. °सन्नः<>°सादितः<>°साद्यमानः इति पाभे. ।

[c]) तु. RW; वैतु. शंपा. अरालाक् इति । सपा. खि ५, १७,१ अरालाः इति पाभे. ।

[d]) नाप. (आसन-) । गस. अधिकरणे घञन्ते थादिस्वरः । [e]) विप. (प्रोक्षणी-)। गस. यदन्ते यना. स्वरः ।

[f]) पाठः? विप. इति कृत्वा गस. उप. कर्तरि शः प्र. उसं. (पा ३,१,१३७)। तु. सस्थ. टि. ?चरन्तिम् ।

[g]) पाठे? सस्थ. विश्व–> -श्वे इत्यत्र शोधः वा. च द्र. ।

[h]) नाप. (मुख-)। व्यु.? पपा. नावग्रहः।<१आस्य– इति पा ६,१,६३, <आ (आ√अ) स (क्षेपणे) इति PW. प्रभृ. । <√*अस् = अश् (भोजने) ज्ञात तु विमृश्यम् (तु. टि. आस–) ।

[i]) सपा. °सन्<>°सनि इति पाभे. ।

[j]) =सपा. तैआ १०, ७२ गोत्रा २, १, ३ आपश्रौ ३, २०, २; १६, २१, १४ वैताश्रौ ३, १४ कौसू ६६,१ बौध २, १०,५१ । माश्रौ ५, २,१५,२० पागृ १, ३,२५ तु आस्ये इति पाभे. ।

[k]) सपा. °सन् <>°सनि (माश ५,१,५,१९ या २, २८ च) इति पाभे. ।

[l]) सपा. आसन् एषाम् (कौ. जै.)<> आसन्निषून् (या १४,२५ च) इति पाभे. ।

[m]) सपा. ऋ १०, ९१,५ आस्ये इति पाभे. ।

१३; $शौ ६,८४,१[a]; १०,१०,
२८; $पै १,४०,१; ३; १६,
१०९,८; १९,५,११[a]; –स्निः
ऋ १,३४,[१०;४,४५,३]; १६६,
११; ९,९९,३; १०,७६,७; ९४,
२; काठ ३५,१४; क ४८,१३;
कौ २,९८२†; जै ४,१०,४;
२४,३†; शौ ६,४९,२; पै १९,
३१,१५; –स्नः[b] ऋ १,११६,
१४; ११७,१६; ८,६७,१४; शौ
१०,१०,२०; पै १६,१०८,
१०; १९,२०,१५[c]; –स्ना[b] ऋ
५,७३,६; शौ ६,५६,३; ७,७७,
३; पै १९,९,१४; २०,१२,१;
–स्ने[b] ऋ २,३९,६; शौ ६,१२,
३; पै १९,४,६.
†आसन्नि(न्-इ)षु[d]– -षून्[e] ऋ १,८४,
१६; तै ४,२,११,३; मै ३,१६,
४; काठ ४५,२१; शौ १८,१,६.
आसन्य[f]– -न्यात् तै ३,१,७,१¶.
आसन्-वत्[g]– -वत् शौ ६,१२,२; पै
१९,४,५.
आसन– √आस् द्र.
आसन्दी[h]– -न्दी मा १९,१६; ८६;
का २१,२,५; ६,७; तै ५,६,९,
१¶; मै ३,११,९; काठ ३८,३;
–¶न्दीम् तै ७,५,८,५; काठ
२४,७[2]; ३४,५; क ३७,८[2];
$शौ १५,३,२; ३; ९; –न्द्याम्
मा ८,५६; का ९,७,३; ¶काठ
१९,११[2]; ३४,१४; १७; ¶क
३१,१[2]; शौ १४,२,६५; पै १८,
१३,४.
आसन्दी-सद्– -सद् मै ३,२,१¶.
आ √सप् > ˚पि, आ...सीषपन्त[i]
ऋ ७,४३,४.
?आसम्[j] पै ७,३,२.
?आसमङ्क्षि पै १७,३५,७[k].
आसया[l] ऋ १,२०,१; १२७,८[m].
आ-सव–, आ-सवितृ– आ √सू
(प्रेरणे) द्र.
आ-सस्राण– आ √सृ द्र.
आ √सह्
φ†आ(साह्म्)[n]– (-ह्वान्) ऋ ९,
१०५,६; कौ २,९६३.
आ-साद–, आ-सादित–, आ-साद्य,
आ-साद्य-, आ-साद्यमान-
आ √सद् द्र.
आसान– √आस् द्र.
आ-सार– आ √सृ द्र.
?आ-सावे[o]– -वे ऋ ८,१०३,१०.
?आसावितुम्[p] खि ३,१५,१३.
आ √सि (बन्धने), आसिषाय ऋ १०,
२८,१०.
आ √सिच्, > ˚ञ्च्, आसिञ्चति तै
७,५,६,१¶; आसिञ्चन्ति शौ
४,२७,२[q]; आ...सिञ्चन्ति खि
३,५,३; आ...सिञ्चन्ति[r] शौ
२०,४८,१; पै १८,२२,१०;
†आ...सिञ्चे ऋ १,३०,१; कौ
१,२१४; जै १,२३,१; आ-
सिञ्चामि पै १६,७०,१०;
†आ...सिञ्चामि ऋ ८,१७,५;

a) पाभे. कृते पृ ७३१ i टि. द्र.।
b) उदात्तनिवृत्तिस्वरेण वि. स्वरः (पा ६,१,१६१)।
c) आस्नः इति पाठे? यनि. शोधः द्र.।
d) विप.(गो-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
e) पाभे. कृते पृ ७३१ l टि. द्र.।
f) तात्रभविकः यत् प्र. तित्स्वरश्च।
g) तु. टि. अक्षण्वत्–।
h) नाप. (आसन-)। व्यु.? आ √*सन्द् (=√सद्) + अधिकरणे प्र. इति कृत्वा ˚सन्दि–> ˚न्दी– (पावा ४,१,४५) इति विमृश्यम् (तु. पपा. आ-स˚ इत्येवमवग्रहः, WW [२,४८३] च; वैतु. पाका. [८,२,१२] आसन–> यनि. इतीत्र [पक्षे], WW. [पक्षे] < आसन– + √सद् इतीव संसृष्टिरिति च?)।
i) तु. वें. सा. द.; वैतु. PW. प्रभृ. ग. अभावः।
j) पाठे? आ-स्याम् इति द्वि-पदः शोधः। आ इत्यस्य कृण्महे इत्यनेन संबन्धः यद्र.।
k) पाठे? समङ्क्षि इति शोधः (तु. सस्थ. टि. अमृत–> -तैः [परि.])।
l) वागर्थस्य सतः आस्–इत्यस्य पर्यायभूतस्य तृ१ अयाचि प्र. रूपं द्र. (तु. ऋ ६,३२,१)। यद्वा आसया इति पृथक् प्राति. (=आस्–) इति विमृश्यम्।
m) वा. कृते तु. सस्थ. आ √धा > आ (दधति); वैतु. सा. प्रभृ. अन्तिकार्थे आसात् (निघ २,१६) इत्यनेन सम्मेलुकाः वा. प्रति पर्यनुयोज्याः?।
n) तु. टि. φअप-साह्वस्–।
o) गस. उप. √सू (प्रेरणे) अधिकरणे घञ् प्र. थादिस्वरश्चेति कृत्वा क्रतु-पर्यायः स्यात् (वैतु. पपा. [˚व सं१] अनु वें. सा. GW. प्रभृ. कर्तरि कृदिति, ORN.=ऋषिविशेष- इति व्यप. इति च?)। आसावे आ अतिथिम् इत्येवं पपा. शोध्यः द्र. (तु. छन्दः)।
p) तु. सस्थ. टि. अस्मद्–> मा।
q) सपा. पै ४,३५,२ सिञ्चन्तु इति पाभे.।
r) तु. RW. BKA.; वैतु. शंपा. ˚सिञ्चन्तीः? इति, WI. अभि˚ इति च विन्त्यम् (तु. सस्थ. टि. अभि)।

शौ २०, ४, २; †आ···सिञ्चात् ऋ ८, ९, ७; शौ २०, १४०,२; आसिञ्चाः ऋ १०, ३०, ५; आ-सिञ्चतु ऋ १०,१८४,१; शौ ५, २५,५†; पै ३, १४,७; १३, २, ३; आ···सिञ्चन्तु ऋ ८, ५३,३; जै ४, १८, ७†; †आसिञ्चस्व ऋ ३,४७,१; मा ७, ३८; का २८, ८,१; तै १, ४, १९, १; मै १, ३, २२; काठ ४, ८; क ३, ६; पै ५, १२, ५$; आ···सिञ्चस्व खि ५,७,४,१६; आसिञ्च शौ ९, ५, ५; १२,३,४५; पै १६, ९७, ४; १७, ४०,५; आ···सिञ्च ऋ ८, २, २२; १०,१०१,१०; शौ ७, ७७,६; पै २०,११,१०; †आ··· सिञ्च ऋ ८, २४,१६; ३२,२४; कौ १, ३८५; २,१०३४; जै १, ४३, ५; शौ २०, ६४, ४; आ-(सिञ्च) पै १९,२८,८!ᵃ; †आ··· सिञ्चत,>ता ऋ २, १४, १; ८, २४,१३;७२,१३; मा ३३, २१; का ३२,२,४; कौ १, ३८६; २, ८३०; ८५९; जै १, ४३, ६; आसिञ्चन् शौ ६, १००, २; पै १९,१३,५.

आ(आ-अ)सिचत्ᵇ तै ३, २, ८, ४; †आ···असिचन् ऋ १०,२९, ७; शौ २०,७६,७.

आ-सिक्त,क्ता- -क्तम् शौ ४, ७, १; पै १,९३,३; ५,८,८;८,१०,१ᶜ; ९, १०, ७; -क्ताः शौ १२, ३, २५; पै १७,३८,६.

†आ-सिच्ᵈ- -सिचम् ऋ २, ३७, [१; ७,१६,११]; मै २,१३, ८; कौ १, ५५; २,८६३; जै १, ६, १; ४, २१,१.

आ-सिच्य मै २,६,६¶.

आ-सिञ्चत्- -ञ्चन् पै २०,८,२.

आसिञ्चन्ती- -न्तीः ऋ ५, ८५,६.

†आ-सेचनᵉ- -नानि ऋ १, १६२, १३; मा २५,३६; का २७,१३, ५; तै ४,६,९,१; मै ३, १६,१; काठ ४६,४.

आसित- √आस् द्र.

आ√सिव् > सीव्

¶आ-सीवन- -नम् काठ २३, २; क ३५,८.

आसिष्यत्- √आस् द्र.

आ-सिस्विदान- आ√स्विद् द्र.

?आ-सीद-, °सीदत्- आ√सद् द्र.

आसीन- √आस् द्र.

?आसीयमानः, आसीयानोऽधिᶠ पै १९,३४,१२.

?आसीस्तिहितᵍ पै ४,१४,१.

आ√सु (अभिपवे), †आसोत >ताʰ ऋ ९, १०८, ७; कौ १, ५८०; २, ६६८; जै १, ५९, ३; ३, २०,४.

†आसुनोति ऋ १०, ४२,५; शौ २०, ८९, ५; आ···सुन्वन्तु?ⁱ खि ३, ५,४; आ···सुनोतनʰ ऋ १०,७६,४.

आसुपुवुःʲ मै ३, ११, ३; काठ ३८,८.

आ-सुत,ता- -तः ऋ १,१३७, ३ϕᵏ; ३, ४४, १ϕ; मा १९,५; का २१, १,५; मै ३, ११, ७ʲ; काठ ३७, १८: -ता मा १९, १४; का २१, २,३.

†आ-सुतिᵐ- -तिः ऋ ८, १, २६; कौ २, ७४३: -तिम् ऋ १, १०४,७; २, १,१४; ७, ९७, ७ⁿ; मै ४, १४, ४; काठ १७, १८; -$तेः शौ ३, ७,६.

ϕआ-सुन्वत्- -न्वते ऋ १, २०,७ᵒ; -न्वन् पै ६, २१,३!ᵖ.

ᵃ) पाठः? (तु. सस्थ. टि. इन्द्रः)।

ᵇ) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१)।

ᶜ) °क्ताम् इति पाठे? यनि. शोधः।

ᵈ) नाप. (आहुति-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

ᵉ) नाप. (पात्र-)। गस. करणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

ᶠ) तु. सस्थ. टि. आशु->आशीयस्->°यान्।

ᵍ) पाठे? यस्मिन् इति जागतः पादः प्रकरणात् इषु-संबोधन इति विभाव्य आ असि निहित(:)इदं ततः इति शोधः स्यात्।

ʰ) मपुर यथाक्रमं त>तप्- तनबादेशौ (पा ७,१, ४५)। ⁱ) पाठः? (तु.टि.आ √सन् > आ···सन्वन्तु?)

ʲ) सपा. मा २०,६३ तैब्रा २, ६, १२,४ च सर्वत्राऽनु-पसृष्टः सुपुवुः इति पाठः (तु. मै. पपा.)।

ᵏ) वैतु. सा. आ-पीति- इति कृत्वोत्तरेण नमस्यन् द्वैस्वर्या-नुपपत्त्या पर्यनुयोज्यः।

ˡ) °तः इति स्वरे? यनि. शोधः।

ᵐ) गस. उप. क्तिन् प्र. उदात्तः उसं. (पा ३, ३,९६) प्रकृतिस्वरश्च।

ⁿ) धा. प्रेरणे वृत्तिरिति PW. GW. प्रभृ.।

ᵒ) वैतु. वें. आ···धत्तन इति, स्क. सा. आ (वृत्तानि) क्रिउ. इति, GW. अवधारणार्थे स्वाम. आ इति।

ᵖ) पाठः? °पद्वदासु इति मूको.! पर्वतात् (सत्व->) सत्वम् इति द्वि-पदः शोधः (तु. सस्थ. टि. ?पद्वद्, शौ [१९,४८,३] ?पर्वतायासत्वम् इति च)।

φ१आ-सुवान[a]– -नः[b] ऋ ९, १०७, १०.
φआ-स्वान[a]– -‡नः[b] कौ १,५१३; २,१०३९: जै १,५३,३.
?आसुतेय[c]– -यम् पै ३, २२,३.
आ √सू (प्रेरणे), आसुवति मै १, ५,७¶: आ···सुवति ऋ ६,७१, ४; आसुवन्ति ऋ ४, ५४, ६; आ···सुवामसि शौ ७, ५५,६[d]; आसुवताम् शौ ४, २५,५: आसुवताम् पै ४, ३४, ५: †आसुव,>वा ऋ ३. ५४,११:५६, ६[२]: ५.८२,५: ९.६६.१९: १०, ३५, ७: मा १९. ३८: ३०. ३: ३५.१६: का ८,१२,१: २१,३, ९: २९.५,१: ३४,१,३: ३५,४, १४: तै १, ३, १४,८;४,२९,१; ५,५,२; ६,६,२: मै १, ३, ३१; ५, १; काठ ४, ११: ३७, ९$: क ३,९: कौ २,८१४:८६८; ३, ५,१; जै २,६,२: ४, ३,९:१२, ६: $शौ २, २९,२: ७, १५,३; पै १५, ५, २$;१९,१७, ११$; २०,३,१;१८,२$: ४८,२; ५०, ६$: आसुवध्वम् मै १. ७,१;५; काठ ८,१४; ९, ३: क ८,२; ६; आ(आ-अ)सुवत् ऋ १,११०,३; आसुवन् खि ५, ५,४[e].
†आ-साविषत् ऋ ७,४५,३;१०, ९९,७; मै ४,१४,६: पै १९,१, ३ : आ···साविषत् ऋ १०, १००,३.
आ-सव[f]– -वम् मा २२, १३; १४; का २४,४,५:६.
आ-सवितृ– -त्रे मै ३,१२,५.
φ२आ-सुवान[g] -नः ऋ ७, ३८,२.
आ-सू(त>)ता– -ताः पै १५,११,३.
?आसुरम्[h] शौ २०, १३५, १०.
आ √सृ,†आ (आ-अ)सरत्[i] ऋ ९,३, ८: कौ २,६१३; जै ३, ५०,१.
आ-सस्राण– -णासः ऋ ६, ३७,३.
*आ-सार–
आसारै(र-ए) षिन्[j]– -षी पै ५, ७,३.
आ √सृज्, आसृजामि पै १८,११,८[k]; आसृज ऋ १,२८, [९; ९, १६, ३;५१,१][l]; पै २०,४२,८; आ···सृजत>ता ऋ ९, ६२, २१; †आ···सृजत>ता ऋ १,९,२; शौ २०, ७१,८; आ···असृजः[m] ऋ ६,१७,१२.
†आ···ससृज्रिरे ऋ८,६९,५; कौ २,८४०; शौ २०, २२,५;९२,२; आ···आ···असृक्षत ऋ५,५२,६[n].
आ···सृज्यते ऋ ९, ७१, १: आ · सृज्यते ऋ ९,८४,३.
आ-सृ(ष्ट>)ष्टा– -ष्टाम् पै २०,५०, १;२[२].
आ-सृष्टि– -ष्टिम् पै १९,२५, ७; ८.
आसृष्टि-भेषज– -जम् पै १९, २५,६;७.
आ-सेचन– आ √सिच् द्र.
?आसो:[o] पै १५, १२,३.
आ-स्कद्य आ √स्कन्द् द्र.
आ √स्कन्द्, आ···अस्कान् तै ३, १,८,३.

[a]) विप. (सोम-)। गस. उप. कर्मणि शानच् प्र. प्रकृतिस्वरश्च (तु. विव.; वैतु. वे. मा. भ. आ [पवमे] किउ. इति, GW. आ··· विशत् इति च ? [तु. सस्थ. टि. √विश्> विशत्])। [b]) सपा. °सुवानः<>°स्वानः इति पाभे.।
[c]) पाठः? √अश् (भोजने) > *आशु– (भाप.) + (स्वार्थे) धेयः प्र. उसं. (पावा ५, ४, ३६) इति कृत्वा *आशु(=श)-धेय– (=भोजन-)>-यम् इति शोधः (तु. नभा. नाशता [=भोजन-])।
[d]) सपा. तै १, ३,१४,४ आयति इति, पै २०,१३,२ आयातु इति च पाभे.।
[e]) सपा. शांश्रौ ८,१८,१ आसुवम् इति पाभे.।
[f]) विप. (सवितृ-)। गस. कर्तरि अजन्ते थादि-स्वरः।
[g]) गस. कर्तरि शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
[h]) पाठः? (तु. सस्थ. टि. आ)।
[i]) अत्र च नान्तरीये पूर्वे मन्त्रे च वि (नैप्र.<अभि) इति कप्र. विक्रियमाणः द्र.। पपा. वि इति सस्वरपदपार्थक्यमत्र लिङ्गं द्र. (वैतु. कौ. वि-आ° इति पपा.)। 'रजांसि तिरः (=द्विधाकारम्, मध्यतस्तानि कर्तयन्) आसरत् (=रजोमध्यतः प्रासरत्) दिवं वि (=अभिलक्ष्य)' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. वि, वैतु. वें. सा. आक्षिप्तेन प्रतिना लक्षणार्थं ध्वनयन्तस्तदनुगाः PW. GW. प्रभृ. च व्यासरत् इति योगं मन्वानाः वा. प्रति प्रकृते च मन्त्रे सप्तमे च समानं पर्यनुयोज्याः)।
[j]) वावि.। व्यु. पाभे. च कृते पृ ७१९ *f,g,h* टि. द्र.।
[k]) पाभे. कृते पृ ७२८ *n* टि. द्र.।
[l]) पाभे. कृते पृ ६५७ *g* टि. द्र.।
[m]) वैतु. GW. ग. अभावः।
[n]) तु. GW; वैतु. सा. उभयत्र श्रवणे किउ. आ इति।
[o]) पाठः? बस. पूर्वेण पदेन योगे सति *स्तनयित्नु-रास–>-सः इति शोध इति कृत्वा घोषः इत्यस्य विप. इति वा *स्तनयित्नु-रास्–>-रासोः (प२) इति शोध इति कृत्वा इन्द्राग्न्योः विप. इति वा विमृश्यम्।

आ-स्कद्य पै १९,९,१२.

१आ-स्कन्द[a]– -न्दः पै १९, ३२, ११.

२आ-स्कन्द[b]– -न्दः तै ४, ३, ३,२; मै २, ७, २०; काठ ३९, ७; –न्दाय[c] मा ३०, १८: का ३४, ३,५.

आ-स्कुन्दम्[d] मा २३,५५; ५६; का २५,१०,३;४.

आ√स्कभ्, आ···स्कभ्नाति ऋ १०, ६,३.

आ√स्कु, आस्कुनोति शौ १२, ४,६; पै १७,१६,५.

आस्क, स्क्रा[e]– -स्क्राः ऋ १, १८६, २;७, ४३, ५; खि ५, ५, ७; मै ४, १४, ११†; –स्के ऋ ३, ६,४.

आ√स्तम्भ्,आ(?[f]उन् [स्तभ्नीनाम्])पै २०,४७,२.

?आस्ति[g] पै २०,५२,३.

आस्तीक[h]– -कः खि २,१,७.

आस्तीक-वचन[i]– -नम् खि २, १, ५;६.

आस्तीक-विमोचन– -नम् खि ५,७, ४,६.

आ√स्तु

आ-स्तव[j]–

आस्तव्य[k]– -व्यः[l] मै १,२, १२; काठ २,१३; क २,७.

आ-स्ताव[m]– -वः तै ३,२,८,१.

आ√स्तुभ्, आस्तोभति कौ १,४८५: २,४६४: जै १, ४६,९; ३,३८, २२.

आ√स्तृ, आस्तृणोति पै १६, १००, १२.

आस्तृणामि मै १, २,११: काठ[n] २,१२;३,३:२५,१०:२६,५:क[n] २,६;१०:४०,३;४१,३.

आ-स्तरण[o]– -णम् शौ १५,३,७.

आ-स्तृ(त>)ता– -ता[p] मा १३, १६: का १४, २, १; मै २, ७, १५: काठ १६, १६[q]; क २५,६.

?आस्तृतत्[r] पै ५,८,३.

आस्तेयी– √अ१ (क्षेपणे) परि. द्र.

?आस्थम् पै २०,५८,२.

आ√स्था,>तिष्ठ,स्थापि,†आतिष्ठति ऋ१,९६,२;७:१०, २३,३; कौ २,२९५: जै ३,२४,११; शौ११, ७,११$[t]; २०,७३,४; †आ··· तिष्ठसि ऋ १,५१,१२:२,२३,३; काठ २६, ११: आ···तिष्ठत् ऋ १, ११८, ५: ४.१, १७; आ··· तिष्ठन ऋ ५, ७३.[(८,८,१०) ५]: †आ···तिष्ठाथः ऋ ८, ९. ८; शौ २०,१४०,३: आतिष्ठनु पै १६, १५४, १[s]: आतिष्ठ ऋ १, ८४, ३; १०२, ५: १७७, २: ३; ३,४४,१:६,३१,५: १०, १०३, ५; †मा ८, ३३ : १७ , ३७: †का८, ९, १: १८. ४,५; ते १, ४, ३७, १†: ८,१३, १[s]: २[t]; ४, ६, ४, २†: मै २, ६, १०[u†]; १० ४†: काठ १५, ७[u]: १८, ५†; ३७, ९[?]:†:३९,२: क २८, ५†; †कौ २, ३७९ ; १२०३;

a) विप. (कृमि-) । गम. उप. कर्तरि कृत् द्र. ।

b) नाप. (कलिसंज्ञक-पाश-) । गम. अधिकरणे घञन्ते थादि-स्वरः (तु. मा.) ।

c) सपा. तैब्रा ३,४,१६,१ कुलये इति पाभे. ।

d) गस. णमुलन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

e) विप. (देव-, द्यावापृथिवी- प्रभृ.) । व्यु.? पपा. नावग्रहः । <आ√क्रन्द् वा आ√स्कन्द् वा आ√क्रम् वेति वें. सा., <आ-स्-√कृ इति PW. GW. प्रभृ., <आ√सच् इति GG. । AVM ऋ [७,४३,५] स्थले छन्दस्तः असक्राः इति प्रस्तावुकः ।

f) पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको. अभिर [?ह] न [?भो] इति) ।

g) पाठे? आ (आ√अ)स [°आनासे] >यनि. क्रिप. इति संभाव्येत ।

h) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु.? पपा. नावग्रहः ।

i) षस. अन्तोदात्तः । °कु° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

j) गम. उप. अधिकरणे घः प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

k) विप. (भिषग्य-) । अर्हार्थे यत् प्र. तित्स्वरश्च ।

l) सपा. मा ५, ३२ तै १, ३, ३,१ शाश्री ६, १२, ७ आपश्री ११,१४,१० पवमानः इति पाभे. ।

m) नाप. (बहिष्पवमानदेश-) । उप. घञ् प्र. इति विशेषः । शिष्टं j टि. द्र. ।

n) सपा. मै १, २, ११; १४ काठ २,११ माश्री १,८, २,९ अवस्तृणामि इति पाभे. ।

o) नाप. । गस. करणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

p) सपा. तै ४,२,९,१ अस्तृता इति पाभे. ।

q) पृ ५४१ १अ-स्तृत, ता–>–ता इत्यत्र यनि. शोधः ।

r) पाठे? √अस् (क्षेपणे) > आस्यत इति वा आस्यत् इति वा शोधः (तु. सपा. शौ ४, ६, ४ आस्यत् इति) ।

s) सपा. °ष्ठति<>°ष्ठतु इति पाभे. ।

t) पाभे. कुते पृ ६९६ f टि. द्र. ।

जै ३,३०,२२†; शौ २.१३,४[a]; ४,८,२; १४,१, ४७[b]: १९,१३, ५†; पै ४,२,२; ७,४, ५†: १५, ५.७;१२,९;†आ·· तिष्ठ,>ष्ठा ऋ ८, ६९,१६:१०, २९,८; शौ २०,७६,८;९२,१३; आ····तिष्ठ ऋ ३,३५,१[c];५. १,११; आतिष्ठतम् ऋ १,१८३,३: आतिष्ठत[d] मा ८,१९[e]; का ९,३,५[e]; तै १, ४,४४,३[e];३,५,६, ३[f]; मै १,३, ३८[e]; काठ ४,१२[e]; क ३,१०[e]; पै २०, १२, २[e]: आ-तिष्ठत् खि १,३, २[g]; काठ ३०, १¶; क ४६,४¶; आ···अतिष्ठत् ऋ १, ११६, १७; आ···अतिष्ठत् ऋ ८,८,L(५, ७३. ५) १०]; आ-(आ-अ)तिष्ठन् ऋ ४,३३,७. आ···स्थाथः ऋ ४, ४६,L४; ८, ५.२८].

†आतस्थौ ऋ ३,७,२;८,५२,७; खि ३, ४, ७; मा ८,३: का ८, १.२; तै १,४,२२,१: मै १, ३, २६; काठ ४, १०; क ३, ८; †आ···तस्थौ ऋ १, ६४,९: ३, ३८,४; ६,६६,६; मा ३३, २२; का ३२, २, ५: काठ ३७, ९; शौ ४,८,३; पै ४,२,३; आ··· तस्थौ ऋ ५, ५६, ८; ९,८४,२; आतस्थतुः मै ४,१२, ६; शौ ७, ११५,२; पै २०,१४,९; आ··· तस्थतुः ऋ ३,१४,३; ‡आतस्थुः तै ४, २, ६, ४[h] : मै २, ७, १३[h]; काठ १६, १३[h]; क २५, ४[h]: शौ ९, १४, ११[i]; १४[i]: आतस्थुः ऋ १, ११२, २: १६४,L१३[i] (१४)]: खि ५, ५,७; पै १६, १५१, ३; आ··· तस्थुः ऋ १,१६४,११:२.२४,७; शौ ९,१४,१३; पै १६,१७,१: †आ···तस्थुः[j] ऋ १, ७२, ९; ८५,७; ५, ६०,२; १०, १३, १; मा ११. ५; का १२, १, ५; तै ४,१, १,२: ११, ३; मै २,७,१; काठ १५.११; आ ··तस्थुः ऋ ८, २२, १; †आतस्थिम(>मा) ऋ १०,१३६,३; पै ५, ३८, ३; आ(आ-अ)स्थात् ऋ १, ३५, ४; ७,७८,४; मा २,८[k]; का २, २, ३[k]; मै ४,१४,६†; आ(आ-अ)-स्थात् शौ १३, २, २८; ३३; पै १८, २३, ५; ९; आ-स्थात् तै १, १, २, २[l]; आस्थात् काठ ३९,१; पै १४,१,२०; १९,२३, ९[?]; †आ···अस्थात् ऋ ३, ५, ३; ७; १४,१;६१,६; ९,८७,४; कौ १, ५३१; जै १, ५४,७; †आ···अस्थात् ऋ २, ३५, ९; ३,३९,३; तै २, ५, १२, १; मै ४,१२,४; †आ···अस्थुः ऋ १, ११५,३; १२३,१; ६, ४४, २०; मै ४, १०,२; †आ···अस्थुः ऋ ८, ९४,१; कौ १, ३४९; जै १, ३६, ८; आस्थाम् पै २, ८६, १-६.

‡आ···स्थापयाति शौ ७,४०,१[m]; आस्थापयन्ति ऋ १०,१०२,१०; †आ···स्थापयसे[n] ऋ १०,१२०, ७; पै ६, १, ७; आस्थापयध्वम् ऋ १०, १०१,११[o]; ‡आस्थापयत[n] शौ ५, २,६; २०, १०७, ९[p]; आ(आ-अ)स्थापयन्त ऋ १, १६७,६:१०,५६,६; †आ-तिष्ठिपत् ऋ १, १६२, २०; मा २५, ४३; तै ४, ६, ९, ४; काठ ४६, ५.

---

[a]) =सपा. आपमं १,५,१;६,११;२,२,२ शांगृ १,१३, १२ मागृ १,२२,८ हिगृ १ ,४,१;१९,८ कौसू ५४,८। मंत्रा १, २,१ आगृ १, ७,७ पागृ १,७,१ गोगृ २,२,४ आरोह इति, मागृ १, १०, १६ तु आतिष्ठतम् इति च पाभे.। [b]) पाभे. क्लो पृ ६९६ *h* टि. द्र.।

[c]) तु. वें. सा.; वैतु. GW. रथे इति सप्त. युक्तः कप्र. आ इति।

[d]) पृ २५५ सस्थ. अन्वा√स्था>°तिष्ठत इत्यत्र यनि. शोधः। अनु इति तृ. अर्थे कप्र. द्र.।

[e]) =सपा. माश ४, ४,४, ११। शौ ७,१०२,४ तु आरोहत इति पाभे.।

[f]) तु. सस्थ. टि. अनु।

[g]) सपा. खिसा ३७,२ अतिष्ठत् इति पाभे.।

[h]) सपा. ऋ १०,९७,१२ विशिष्टः पाभे.।

[i]) सपा. आतस्थुः<>आतस्थुः<>हु तस्थुः मा ३१,१९ इति पाभे.।

[j]) सपा. तैब्रा २,५,८,१० आ···चक्रुः इति पाभे.।

[k]) =सपा. माश १, ४,५,३। मै १,१०, २ तु अस्थात् इति, काठ ९,५ अस्थाः इति, आपश्रौ ८,१२,४ स्थात्? इति च पाभे.।

[l]) सपा. मै १,१,२ काठ १,२ क १,२ स्थात् इति पाभे.। [m]) सपा. ऋ १,१६४,५२ विशिष्टः पाभे.।

[n]) सपा. °पयसे<>°पयत इति पाभे.।

[o]) आ-अस्था° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१, वें. सा. ORN.; वैतु. पपा. अनुसरन् GW. चिन्त्यः)।

[p]) वैतु.BW.(२०,१०७,१०)आ···स्थापयसे इति।

†आ-तस्थिवस्[a]- -वांसः ऋ ५,४७, २; -वांसम् ऋ १, ११६, ५; -वांसा ऋ २, १२, ८; शौ २०, ३४,८; पै १३,७,८.

आ-तिष्ठत्- -छन्तः शौ ५, १, ४; पै ६, २, ४; -†छन्तम् ऋ ३, ३८, ४; मा ३३,२२; का ३२, २,५; काठ ३७,९; शौ ४,८,३; पै ४, २,३.

आ-स्था- -स्थाः पै १६,७१,९.

†आ-स्थातृ- -ता ऋ ६, ४७, २६; मा २९,५२; का ३१, २, ९; तै ४, ६,६,५; मै ३, १६, ३; काठ ४६,१; शौ ६,१२५,१; पै १५, ११,८;१२,४.

आ-स्थान- -नम् शौ १, २३,३;३२,३; पै १, १६, २;२३,२; -नात् मा ११, २१;३८[b]. का १२, २,१०; ४,१[b]; तै ४, १,२,४; मै २, ७, २;४[b]; ३,१,५[2b]; ४,६,६[२c]; ¶; काठ १६,२;४[b]; १९,५; क ३०, ३; पै ४,१४, ८; -नात्ऽ-नात् काठ २१,१०; -ने शौ ६, ७७, १; ७,१०१,१; पै २०,३३,८.

आ-स्थित- -तम् मा ६,१५; का ६, ३,४; तै १, ३, ९, १; मै १, २, १६; ३, १०, १; काठ ३, ६; क २,१३; शौ ४,१७,८; ६,१४,१; पै २,२६,५; १९,१३,७.

आ√स्ना

आ-स्नान- -ने शौ १४, २, ६५; पै १८,१३,४.

आ√स्फिर्, आस्फिर पै १९, ३८, ७[d].

आस्माक- अस्मद्- द्र.

?आस्य[c] पै १६, ५२,३.

१आस्य- √अस् (क्षेपणे) अयास्य- टि. (परि.), द्र.

२आस्यं[f]- -स्यम् ऋ २, १,१३; १३, ८;¶ तै २, ५, ६, ३; ६, ८, ६; ¶मै १, ६, ९[g]; ८,६;४, २, २; ३; काठ ६, ७¶; क ४, ६¶; शौ ६, ५६, ३; १३९, २;४; ७, ७३, ४; ५; १०, ७, ३३; पै ५, २०, ५; १३, १०, १०; १३, १; २, १६, ५३,३; १३९,३[g]; १७, १०, ८; २९, १०; १९, ९, १४; ३२, १२; ३६, ११; -स्यात् ऋ १०, ३९,१३; तै ६, १, ९, १¶; काठ ३७, १४¶; पै ४, ७, १‡[h]; -स्यानि शौ ४, ३९, १०[i]; पै २०, ४३,६; -स्याय शौ ११,२, ६[j]; पै १६, १०४, ६; -स्ये ऋ १, ३८,१४;१६२,८; ४,४९,१; ५,१२,१; ७, १५, १; १०२, ३; १०,९१,५[k]; १५; मा ११, ७७; २०,७९†; २१,५०; २५,३१†; का १२, ७,१२; २२, ७, १३†; २३, ६, ३; २७, १२,८†; तै २, ५,६,३¶; ३,३,११,१†; ४, १, १०,२;६,८,३†; मै २,७,७; ३, ११,८†; ५; १६, १†; ४, १२, १†; काठ १६, ७; ३७, १४¶; ३८,९†; ४६,४†; शौ ७, ५८, ८; पै २,७७,३;४,१७,२; -स्येन ऋ १, ६१,३; मा २, ११; २५, १[l]; का २, ३,५; २७,१ १[l]; तै २,३,८,३;५, ७,१२,१[l]; मै ३, १५,९[l]; काठ ५३, २[l]; शौ ७, ५८,८; २०, ३५,३†; पै ४,१७, २;९,२१,१-१२; १६,५५-५७, ५; २०,३३,३[3].

आस्य-तस् (:)[m] शौ ६, ७६, २;९, १३,३; पै १६, ७४,४; १९,१५, १३.

¶आस्य-द्घ्न[n]- -घ्नः काठ २३, ४; क ३६,१; -घ्नम् मै ३,६,८.

आस्ये-ज- -जम् पै ९,११,८.

a) गस. क्वस्वन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

b) =सपा. माश ६,४,३,२। तै ४,१,२,४ तु स्थानात् इति पाभे.।

c) =एकतरत्र सपा. आपश्रौ १२,१६,८। काठ २८,१ क ४४,१ तु विशिष्टः पाभे.।

d) सपा. शौ ३,२४,५ समावह इति पाभे.।

e) पाठे? २आस्यं->-स्यम् इति पद-शोधो वा, यस्ते वेद नरो (मांस->) मांस्य->-स्यम् (विप. [=मांसल-]) इति पाद-शोधो वा?।

f) नाप. (मुख-)। व्यु.? पपा. नावग्रहः। < √अस् =√अश् (भोजने) + अधिकरणे ण्यत् प्र. इति विमृश्यम् (वैतु. या [१,९]<√अस् (क्षेपणे) इति वा< आ√स्यन्द् इति वा)। ?३आस्य- इत्यत्रत्यं टि. अपि द्र.।

g) सपा. शौ ९,७,३ विशिष्टः पाभे.।

h) सपा. ऋ १०,१६३,१ छुबुकात् इति पाभे.।

i) आ॰ इति पपा. स्वरः?

j) सपा. काय ११५:३ घ्राणाय इति पाभे.।

k) पाभे. कृते पृ ७३१ m टि. द्र.।

l) सपा. मा २५, ७ का २७, ७, १ बस्तिना इति पाभे.।

m) पं. अर्थे तसिः प्र. तत्-स्वरश्च।

n) पाप्र. दघ्नच् प्र. (पा ५, २, ३७) चित्-स्वरश्च।

?३आस्य[a]- -स्यम् शौ ७, ७०,२.

आ√स्यन्द्, आस्यन्देते पै १, ५२, १-४; †आ(*स्यन्दन्ते) ऋ ९, ६८,१; कौ १,५६३; जै १,५७, ८; †आ···असिष्यदत्[b] ऋ ९, २७,६; कौ २,६४०; जै ३, ५१,७.

आ-स्यन्दमा(न>)ना[c]- -नाः शौ ३,१२,३![d]; पै ३,२०,३.

आ√स्रु, आस्रवति शौ ५,१९,८; पै ९,१९,४.

आसुस्रोत शौ २, २९, ७; पै १, १३,४.

आ-स्राव[e]- -वम् शौ १, २, ४; -वस्य शौ २,३, ३-५; पै १, ८, ३; १९, ३०, ९; २०, ४३, ४; ५४,३.

आस्राव-भेषज[f]- -जम् शौ ६, ४४,२; पै २०, ३३,८;५४,३.

आ√स्वद्, ¶आ···स्वदन्तु मै ४, १३,२[g].

आ-स्वान- आ√सु (अभिषवे) द्र.

आ√स्विद्

आ-सिष्विदान[h]- -ना ऋ १०,१०६, १०.

आ√स्वृ, आ···अस्वाः[i] ऋ १०, १४८,५.

√आह्[j], आह[k] ऋ२,२८,१०;४,२५, ⌊४(६,५२,५;७,१०४,२४;१०, ५९, ८; ६) ५,३७, १⌋; ७,४१, २; १०४, १५; १६^{२}; ९, ७०, ९ १०, ४९, ७; मा ३४,३५†; का ३३,२, ३†; ¶तै १,७,६,२;५, १,५,८; ३,६, ३; ६, ३,१०,१; ११,४;५,१०,३; ¶मै १,४,७^{२}; ८;५,५^{२};८,१; ३,१,३^{२}; ४; ६-८;२,३^{३}; ३,६^{२}; ६,६^{२}; ९^{२};१०; ७,४;६^{४},७; ८^{२}:८,२^{३}:५,१०;९, १:३; ४^{३}:५:७^{२}: ८; १०,१^{२}; ७; ४,१.१;३: ७;९: ११;१२;१३^{२}; ५, ३^{२}; ४^{२}; ७: ८,२: १४,९†; काठ ११, १०; ३०. १०; ३१, १०; शौ ३,१६,२†;८,४,१५†; १६^{२}†; ९, ७, २: १२, ४, १७; १५, ११, ३-६; ८;१०; †पै ४, ३१, २; १६, १०, ५: ६^{२}; आह ऋ ४,३३,५^{३}; ५,४४,१४; १५; ७, १८,४; ८,१,३४; १००, ३; १०, २७,१८; ¶तै १,५, ४,१; २^{३};३^{२};४;७,१^{४};२^{३};४^{२};५^{२}; ६^{४}; ८,१^{४};२^{३};४^{२};५^{४}; ६,८,४; १०, १^{४};२;६^{२}; ११,५^{३}-७^{३}; ७,१,२; ४; ५^{३}; ६^{२}; ३,४^{४}; ४,१^{२}; २; ३; ४^{२};५^{३};६^{२};५,१;२;३^{२};४;६,१^{३}; ३^{२};४^{३};५^{२}; ६^{२}; ७; २,३,१,२^{२}; ३; ११,२; ३^{४};४^{३}; ५^{२}; १३,३^{२}; ४,९,४; १०,३^{२};५,७,३; ८,१^{३}; ४;६^{२};७;९,१^{७}; २^{६};३^{४}; ४^{३};५^{३}; ६^{४};६,४,१^{३}; ५,६;७,१; २^{३};३^{४}; ४^{६}; ५^{४}; ६^{२}; ८,१^{२}; २^{२}; ९, १; ३^{४};५^{३}; ६^{२}; ७^{४};८^{३};१०,२: ३^{२}; ३,१,१,२; ३; ४^{६};५, १; २; ७, २: ८,२;१०,३^{२}; २,१,१; ४,३; ७,३; ९, १^{२}; २^{२};३;४; ३,२,१; ४,१^{२}; २^{३}; ३; ५,३^{५}:४^{३}:५^{२}; ८, ६^{६}; ४,१,१^{३}; २^{२}; ३; ३,५^{३};६^{४}; ७^{४};८,६; ५, २,२^{४}; ३^{३};४^{४}; ५^{४}; ४,३; ९,२^{४};३; ४,२,८, १^{३}; ५, १,१,४^{२}; २,१, २^{२}; ३^{२}; ४^{२}; ५; ६^{३}:३,२^{३}:३^{४};४, १^{२};४^{४};५^{२}; ५, १^{२}; २^{२}; ४^{४}; ६^{४}; ७^{४}: ८^{२}; ९^{३}; १०^{३}; ६,१; ३^{४}; ७,१^{२}: २^{४}; ३^{२}; ४^{२};८, ५; ६^{४}; ९, ३; १०,४,५; २,१,१;३;४^{४}; ५^{२};२,१^{२};२;३^{२}; ६;४,१;२; ४; ७,१; ८, ३^{२}; ६; ९,५; १०,७; ३,२,१; ४,१; २; १०,१;११,२^{२}; ३^{५};४,२,४; ४, १;२; ५^{३}; ५,१; ३^{२}; ६, १; २^{४}; ३^{२}:५^{३};६^{४}:७,१^{४}; २^{३};५^{२}: ८,२; ३^{२};४^{३};५^{२}; ९,४; १०,१; ५,३, २;६,१^{२};३^{४};७,५;९,३; ६,२,६;

a) =२आस्य- आहोस्विदन्यदिदं प्राति. इति संदेहः। 'यदिदं हविः पितॄणाम् आस्यं (=मुखं) यन् (=प्राप्नुवद् ⌊भवतीति शेषः⌋)' इति वा. कृत्वा प्रथमः कल्पः स्यात् (तु. Henry; वैतु. सा. √अस् ⌊क्षेपणे⌋ इत्यतः, ?w. √अश् ⌊भोजने⌋+ण्यत् प्र. इतीव, R. तदनु W. च आज्य- इति शोधं प्रस्तावुकौ)।

b) वैतु. मा. प्रथमे स्थले चार्थे स्वाश्र. आ इति, द्वितीये क्रिउ. इति, GW. इन्द्रम् इति द्वि. युक्तः कप्र. इति च।

c) विप. (धेनु-)। गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

d) °स्य° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. ऋ ९,६८,१ RW. च; वैतु. शंपा. मात. च)।

e) नाप. (रोगविशेष-)। गस. णान्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

f) षस. अन्तोदात्तः।

g) पाभे. कृते पृ ७२९ *d* टि. द्र.।

h) गस. कानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

i) तु. वें. सा. GW.; वैतु. PW. MW. ग. अभाव इति।

j) आ√ख्या (क्शा) इत्यनेन धा. नैप्र. संबन्धः संकेतितचरः सन् यद्र. (तु. WW १४४; वैतु. पा ३,४,८४ √ब्रू इत्यस्य आदेशमात्रमिति वादः, √अह् इत्यर्वाचः)। मौस्थि. प्रकृतस्य धा. च आ√ख्या इत्यस्य च समानं √भाष् इत्यनेन संबन्धः द्र.।

k) प्रपु१ णलि ञित्स्वरः।

३,२;३^{२}; ८,१; ६^{२}; ७,२,५; ४, १^{२};६,२;८,२^{२}; ३^{२}; ९,२; ६,१, १,३; ९^{४}; २,२^{४}; ३^{२};४^{२}; ५,६^{२}; ३,१;२; ७^{२}: ४, २^{४}; ३; ४^{२}; ५: ६^{२}; ७^{२};८^{२}; ९^{२}; ७,१; २^{२}; ३^{२}; ४^{४};५^{५};६^{२};७^{४};८^{२}; ८,१;२^{४};३^{२}; ४;५;९,२; ३^{२}; १०,३^{२}; ४^{२};५; ११,१^{४}; २^{२}; ३^{५};४^{५}; ५^{४}; ६; २, १,२^{२};३^{२};२,२;३^{५}: ४^{४},५^{२}; ६^{२}: ७; ७, २^{४}; ३^{२}; ४;८,६; ९, १; ३^{२}; ४^{२}: १०, १^{४}; २^{२}; ४^{२}: ५^{२}; ७^{२}; ११,१;२; ३,१,२; २,२^{५}; ४^{२}; ५^{४}; ६: ३, १^{२};२^{२}; ३^{२}: ४, १-३ ; ५; ५, २^{२}: ३^{२}: ४^{२} : ६, १^{४}: २^{४}; ३^{२};४^{२}; ७, १: ४^{२}: ५; ८,२^{२}; ३: ४^{२}: ९,१^{२};२;३; ४^{२}; ५^{२};६; १०,३; ११,२^{२};३: ४,१, १; २^{२}: ३^{५}: ४^{२}: २,४-६; ३,१^{२}: ३^{४}; ४^{४};४,२^{२}; ३^{२}: ४: ५,१:३^{४}; ५^{४};६,२:३^{२}; ७,३^{२};१०,५; ११, १;२; ५,१, ३^{२}; २,१^{२}: ३, २^{२}: ३^{२};४; ६,५:७,३^{५}; ८,३^{२};४^{४};६; ६,१,२^{२}; ३^{४}; ४^{५}; ५;२,२^{२}: ३; ३,२^{२}; ४^{४}; ५^{२}: ७,१, ७,१^{२}: ४: २,७,५; ५, १०,१; ¶मै १, ४, ५^{२}; ६;७; १०^{२};५, ३^{२}: ८; ९^{२}; १४; ६,२^{२}; ५; ८,२; १०,१९; २,२,२;४,४; ३,१,१^{२}; ३^{४};४^{२}; ५^{२};७;२,१^{२}:३;८; ३,८;९^{२}; ६, २^{२};४; ६; ९^{२}: ७,४; ६; ८; ८, २; ६; ८^{२}; ९,२;३; ७; १०,१^{२}; २-५;७^{२};४,१, ३;९;१३;३,४;४, ५;६^{४}; ५,२^{४}; ३;५;७^{२};६,२; ८, २;४;७; ¶काठ ११,१०;१९,२; ७;१२; २३,१;५^{२}; २४,४; २५,

५;७; २६,१०^{२}; २७,१; २८,२; ४;३०, ९; ३१, १०; ३२,२-४; ७^{२};३४,१८;३९, १^{२}; ¶क २९, ८^{२};३०,५;३१, २;३४,१; ३५, ७;३६,२;३७,५;३९,२;५; ४१, ८^{२}; ४२,१; ४४,२;४; ४६, ८; ४७, १०; †कौ २, ११७६; ११७७; शौ ३,४,५; ८,५, ५^{२}; ११,३,२८;२९; ४,१-१८; १६, ९,२^{२}; १८,२,३७;१९,२४,८^{२}; ४४,८: पै १, ५५,२: २, २४, ५^{२}; ३,१,५: १५, ३,८: ६,५^{२}; १६,२७,५^{२}; ५६,१-१८;५८,४; ११२,६: १७,१७,७: १८, २९, ३^{२}; आहुः ऋ १, ११८,⌊३; ३, ५८, ३⌋: १६२, १२; १६३, ३: ४;४,३१,७, १०,५४,२;८२,२; १२१, ४: खि ५, १२, २^{a}; मा ६,२२;१५,४९;१७,२६†; २५, १२†; ३५ †; †२९, १४; १५; ४०,१०;१३; का ६,५,३; १६, ६,१; १८,३,२†; २७,१०,३†; १३,४; †३१,३, ३;४; ४०, १, १०;१३; तै ४.१,८,५†, †६,२, १;७,२^{२}; ९,१; ७,१३,३: ६,३, ४,८¶: ¶मै १,८,६;८;९;२,४, ५; ५,८; १०,३†: १२,४$;१३, १३^{२}$; २३†; ३,१,४;६,६: ९, ७;१०,५;१६,१†: ४,६,३; काठ ४०,१; कौ १,२६१; जै १,३८, २; शौ ३, ११,५; ७; २१, ४^{२}: ४,२,५; ५,१७,४;९,२,५; १४, २१‡^{b}; १०,७, १९^{२}; १०, २३; ११,८,७; १२,३,४;४,५२;१३, २,३६; पै ४,१,६†: आहुः ऋ १,

२४, १२; ७४, ५; १०४, ९; १६३,४; १६४,१२^{२}; १५; १६; १९^{२};२२^{b};२५;४६^{२}: २,१२,५; ३,४,⌊७;७,८⌋; ४,२३, ३; ३८, ९;४३,२; ५,११,६;३०,२;५३, ३;७३,९; ६,४४,⌊१० (८,८०, ३)⌋;५२,३; ७,२६,४;३३, १३; ८६,३; ८,१९,२९; ९,११४,१; १०, १०,१२; २०,७; ३१,११; ३४,४; ३९,३; ४२, ३; ७१,५: ९५, १८: १०७, ६; ११२, ९; ११४. ९; १२४, ९; मा १५, २८†; २९,१५†; ४०,१०;१३; का १६, ५, ९†; ३१, ३, ४†; ४०,१,१०: १३; ¶तै १,५, २, ४; ९,६^{२}; ७; ६,७,२: ३: ८.१: ९,३; ७,१,६; २,१,१,१; ५,२; ४: २,४,७; ८; १०,२; ३,१,४; ४,३,२; ३;११,१;५,१,६;६,१, ७; ९,४; ३,१,७,३; १०,२; २, ८,२;३,७,३;४,१०,५; ४,४,४, ३†; ६,७,२†;५,१, २,५; २,५, ३; ६,५;७,५;८,१; ४,३,२; ४; ४,४;१०;५^{२}; १२,३;५,१,३;२, १;२^{२};°३; ३,१;९,४;१०,५; ७; ६,६,२; ८,४;९,३: ७, ४,४‡^{c}; ६,१,१,१; २,१:५^{२};६,३: ११, ६;२,.१, ७;२,६; ३,१;८,६; ३, २, ६; ५, २; ८, १; ४,५,२;५ २, ३^{२}; ३, ४; ९,२; ६,८,२;३; ७,१,१,२^{२};३^{२}; ४,३^{२};५,४;६^{४}; ७^{२};६,५;१०,३; २,१०,२;३,१, २; ३,१; ४,१०,२; ११,४;१८, २^{२d}; ५,३,१; ५, १; ७,१^{४};१५, २;३: ¶मै १, ४, ८; ५, १२^{२};

a) आ॒° इति पाठः ? (तु. सपा. शौ २०,१२८,२)

b) सपा. आहुः<>आहुः इति पाभे. ।

c) सपा. ऋ १०,८२,२ विशिष्टः पाभे. ।

d) सपा. ऋ १, १६४, ३५ मा २३,६२ का २५,१०, १० शौ ९,१०,१४ माश १३, ५,२,२१ आश्रौ १०,९,३ लाश्रौ ९, १०,१४ विशिष्टः पाभे. ।

६,३-६; १०-१२; ७,२²; ३; ८, १-३;४²; ७²;९²; १०,१०;१७; ११, ६; २,१,३; ११; २,६; ३, ६²;८$; ४,१¹;२; ३²;४; ५;५, १;२;३²; ४;५;७⁴; ९;१०; १३, ७†; ३, १,३; २,६²; ७²;८; ३, ३¹;४,३; ५²;६⁹; ७-१०; ६,१; ५;६; ८;७,२;३³;८, ४;९,१:२; १०, १; ४²; ४,१, ३: २, १;२; ९⁴; १४;३,२;५²; ९;१०; ४,३; ८; ५,२$; ६,४; ६;७,६; ८,५; ¶काठ ६,५:७,५:८. १५;९,१²; २²; ३; १५: १०,७; ११,४: ६; १०; १२,३: ६;८;१०³; १३,३; १४, ६²: १८,१†;१८$;२०,८; २१,४; २२,२²; ४;७⁴;८⁴; २३, ८; १०²; २४, १; २; ८-१०; २५,४; २६,१;२:७; २७,२; ४: २८,१;२;२९,१; ८; ३०,७;९²; ३१,२: ३२.४; ३३,२²; ३; ८²; ५²;७⁴; ८⁴; ३४,१³;२;४;६;८²; ९; १७; ३५, १६²ᵃ;३६,५;३९, १४†; ४०,३²;६³†; ४४,७‡ᵇ; ¶क५,४;८,३;४;५²;६;२८,२†; २९,६$; ३१,१०;१९; ३५,१³; २³; ३६,५; ३७,१²; २;३; ३८, २;३; ३९,१; ४०,४;५; ४१,२; ५; ४२,२;४; ४४,१;२; ४५,२; ४७,२:४८,१४²; कौ २,२५८†; जै ३,२२, ५†; शौ १, २५, १; २,२,३; ३५,२; ४,११,११; ५, २८,६;८,९,७;१६;१७;९,१,२; ४, ७-९; ५, ७²; †१४, १२²; १५;१६; १९²;१५, ३†;२८²†; १०,७, २५; ८, २३; ३३; १०, २६; ११, ६,१२; १५; १२, २, ५३; ४,१०; ३३; ३६; १८,१, १४†; १९,२७,३: ३०,३²:५३, ३†; †२०,८,२; ३४,५; ८९,३; १२८,२$: पै १,७, ३: ३२, १: ५३,२:६१,२;५;८८,१;९५, ३: १०२,३; २,५७,२⁴;५९,४:७२, ३;४; ३,४,५ᶜ; १२,४²: २५,७; ४,१०, ४: ५. २९,७: ७,५, ९; १९. १: ३, ६; ४²: ९, १५, ४; २१. ८; १०,७,३; ११,५, २², ५;७: १२,२,३;७,८; १३,५,२: २१: ७, ५†; ११, २१²: १५, १३,६; १६, १८,७; १९, ६:७: २२, २; ५: २४, ७-९; ३२, ३; ५२,३; †६७,२²;५;६;९²;११; ६८,३†; ७६,४;९७,७²; १०२, १०: १०९,३; ६; १७,८, १०²; ९,६; १६,१०; १९,३; ६; २०, १२; २९, १०; ३५, ३; ३६,४; १८,२४, ३; १९,२४,१९: ५०, १४;२०,३८,८.

आ √हन्,>जङ्घन्, आहते तै ३,१, ४, ३; आहन्तिᵈ मा २३, २२; का २५,६,२; †आ···हन्ति ऋᵉ ७,१०४,१२;१३; शौ ८,४,१२; १३: पै १६, १०, २; ३; आघ्नते शौ १९, ३२, २; पै १२, ४, २; आघ्नन्ति तै ७,५,९,३¶: आ··· जहि शौ १९,५०,१: पै १४,४, ११.

आजघान पै १९,९,१२; †आ··· जघान ऋ १,३२,७; पै १३, ६, ७; आहनिष्यामः मै ४,२,३²¶. †आजङ्घन्ति ऋ ६, ७५,१३; मा २९,५०; का ३१ २.११; तै ४, ६,६,५; मै ३, १६,३: काठ ४६, १; पै १५,११,५.

आ-घा(न>ट>)टाᶠ– -टाः शौ ४, ३७,५; पै १३,४,८.

आ-घाटिᵍ– -टिभिः ऋ १०,१४६,२

आ-घ्ना(न>)ना– -नाः शौ ११, ११,१४; १२,१०, २: पै १६, १४५,१०.

आ-हत,ता– -तः ऋ १०, ८५,१२; शौ १४,१,१२; पै १५. ६, १०, १८,२,१†; –तम् तै ७, ४,१९, ३ᵈ; मै ३,१३,१; काठ ४४,८ᵈ; शौ १,११,४; पै १५. २३,२ᵖʰ; –ता पै २०, ५५, १: –ताः शौ १०,८,४‡ⁱ; पै १५, १८,२;५, १६, १०१, ७‡ⁱ; –तेन पै १५; ६, १०; –¶तौ काठ २०, ६; क ३१,८.

आ-हननʲ– -नम् शौ १२, ९,१; पै १६, १४५,१; –नाभ्याम्ᵏ शौ २०,१३३,१; –ने शौ १२,१०, १; पै १६,१४५,९.

ᵃ) सक्तू आदुः इति पाठे? यनि. शोधः √अद् इत्यस्य वा आ√दा इत्यस्य वा नितरामनन्वयात् (तु. क ४८,१४ तत्संस्कर्तुः टि.)। ᵇ) पामे. कृते पृ ७३९ *d* टि. द्र.।

ᶜ) सपा. शौ ३,१३,५ आसन् इति पामे.।

ᵈ) सपा. आहन्ति (माश १३,२,९,६ च)<>आ-हत->-तम् (तैब्रा ३,९,७,३ च) इति पामे.।

ᵉ) पृ ५२७ *j* टि. द्र.।

ᶠ) भाप. (झल्लरी-, शिञ्जिनी-, काण्डवीणा-)। गस. कर्मणि घञ् प्र. अन्तस्य टत्वं च उसं. (पावा ३, २,१९) थादि-स्वरः (तु.गा.; वैतु. PW. प्रमृ. <आ√घट् इति)।

ᵍ) =आ-घाटा-। उप. इण् प्र. उसं. (पावा ३,३,१०८) प्रकृतिस्वरश्चेति विशेषः। ʰ) पद-विभागो विमृश्यः।

ⁱ) सपा. ऋ १,१६४,४८ या ४,२७ विशिष्टः पामे.।

ʲ) भाप.। ᵏ) नाप. (।दुन्दुभिहननसाधन-। यष्टि-।)।

आहननीय– -याय मै २, ९,७[a].

आहनन्य[b]– -न्याय[a] मा १६, ३५; का १७,५,४; तै ४, ५, ७, १; काठ १७,१४; क २७,४.

†आ-हनस्[c]– °नः ऋ १०, १०,६; ८; शौ १८,१,७;९; –नसः ऋ ९, ७५, ५; –नसम् ऋ १०, १२५, २; शौ ४, ३०, ६; –नाः ऋ २,१३,१; ५,४२,१३.

¶आहनस्-य[d]– -यात् मै १, ६, ४.

आ-हन्तुम् पै १७, १४,९.

१आ-हर्तृ–, २आ-हर्तृ– आ√हृ द्र.

?आहलकं सुवर्तकः[e] खि ५, १५, १२; शौ २०,१३१,९.

?आहलगिति[f] मा २३, २२[g]; २३[g]; का २५, ६, २[g]; ३[g]; मै ३,१३. १[g].

?आहलमिति[f] तै ७, ४,१९,३[g]; काठ ४४,८[g].

आ-हव– आ√ह्वे द्र.

आ-हवन- -°नीय– आ√हु द्र.

आहाः, आ-हार्य– आ√हृ द्र.

आ-हाव– आ√ह्वे द्र.

आ √हि, आहिन्विरे[h] ऋ ९, ७४,८.

आ-हित– आ√धा द्र.

आ√हु, आजुहोति ऋ ७, १, २३; शौ ९,४,९:१८; आजुहोति ऋ १०, ९१,४; पै ३, ३९,४; १६, २४,९;२५,८; आजुहोमि पै १६, ७२, ८; आ···जुहुमः ऋ ५, ७२, १; आजुहोत,>ता ऋ ३,९,८;५९,५;५,२८,६: मा ७, १५[i]; का ७, ६, ४[i]; ७, ५[i]: मै १, ३,१२[२i]; काठ ४, ४[३i]; २७, ७[२i]: क ३, ३[२i]; कौ १, ६३; जै १,७,१; †आ···जुहोतन ऋ ८, ४४, १: मा ३, १; १२, ३०; का ३, १,१;१३, ३,१; तै ४,२, ३,१; मै २,७,१०; काठ ७,१२:१६,१०; क ६,२; आ··· जुहवाम ऋ १, ११०, ६: आ-(आ-अ)जुहवुः ऋ १०, ८८, ७; आ(आ-अ) जुहवुः[j] ऋ १०,८८, ९; आजुहुयाम ऋ ७, १, १७. आहूयते ऋ १, ३६, ६; जै ४, १९, ८†; †आ···हूयते[k] ऋ ५, ६, ⌊५ (६, १६, ४७)⌋; तै ४, ४, ४, ६; काठ ३९, १४; कौ २, ३७३: जै ३, ३०, १६.

आ-जुह्वत्– -ह्वत् कौ १, ८२[l]; जै १,९,२.

आ-जुह्वान– पृ ६३४ द्र.

आ-हवन– -नानि ऋ ७, १, १७; ८,५.

¶आहवनीय[m]– -०य काठ७,१३; –यः तै १, ६, ७,१; २, ६,५,५; ३,१,३,२: ५,७,४, २; ६,१,८, ५: २,११, ८:३,१, ३:४,२, ५; मै १,४, १०; १०, ७: ३, ३,२; ७,७:९,१[२]: ४,५,५: ७,२; काठ ६, ८; ८, ६:७:२०, २; २१,४; २५, ८: २६, १: २[?]; २७, ६; ३२,७: ३६,१: क ४, ७;६,१[२];

---

a) प्र. भेदेन =आहनन्य–। मपा. °नीयाय<> °नन्याय इति पाभे.।

b) विप. (रुद्र-)। मन्त्वर्थीयः यत् प्र. उसं. (पा ४, ४, १२८) तित्स्वरश्च।

c) विप. (सोम-, इन्द्र-, यम-, यमी-)। गम. असि- प्रत्ययान्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। प्रकृतस्य धा. अर्थः? (तु. या ⌊४, १५⌋, दे. प्रमृ. वेंग. आलोचनम्)।

d) भावे. यप् प्र. उसं. (पा ५,१,१२५)।

e) आहलकुश् शवर्तकः इति खि. मुद्रिते पाठे, अहल कुशवर्तक इति शौ. मुद्रिते पाठे च संदिग्धे यनि. शोधः संभाव्यते। पृ ५८५ अ-हल–>–०ल इत्यत्र टि. यनि. शोधः।

f) पाठः? *आहुलकम् *पृति वञ्चति इत्येवं मूलतो बद्धः सन्नयं पादश् छन्दोव्यपेक्षया प्रकृते आहुलगिति वञ्चति इत्येवमन्यत्र च आहुलमिति वञ्चति इत्येवं नैप्र. विपरिणतः स्यात्। *आ-हुलक–इति च पौनःपुन्येऽर्थे आ√वृत्>*आ-व्र(>भ)र्तक–इत्यत्र नैप्र. विपरिणामः स्यान् वा. क्रिवि. चेति विमृश्यम्।

g) सपा. °लगिति (माश १३,२,९,६ च)<>°लमिति (तैब्रा ३,९,७,३ च) इति पाभे.।

h) निष्पत्त्यर्थे पा ३,४,११७ द्र.।

i) =सपा. माश ४,२,१,२७ माश्रौ २,४,१,२४। तैब्रा १,१,१,५ आपश्रौ १२,२३, ८: १३,४,२ तु आजुहोमि इति पाभे.।

j) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८, १, ७१)।

k) तु. द. GW.; वैतु. सा. अनुपसृष्टो योग इति।

l) तु. वित्र. भ.; वैतु मा. क्रिप. (नेति प्रपु १ इति)।

m) विप. (अग्नि-), नाप. (अग्नि-विशेष-)। छ>ईयः प्र. तत्-स्वरश्च।

७,२;४:२१, ४;१९: ४०, १;४; ५^{3}; ४२, ६; $शौ ९, ७, १३; १५, ६. १४; $पै १२,७,१३: १६, ११३, ६; –यम् तै १,५, ८, ३: २, ४, १२, १; ५, २,१; ३, २,४,१; ६, २,६,२: ३,१०, ३; ५,१, ४; मै १,५, १४^{2}: ६, ११;१०,१९;३,६,८;८,४:७;९, ७;४,१,१०;६,५^{2}: काठ ७, ११; ८,४^{3};७^{2}; २०, २; २५,८; २७, १०; ३०,९;३१,८;३६, १३: क ६,१;९^{3}; ७,४^{2};३१,४: ४०, १: ४७, ८: –यस्य तै ७,१,६,६;५, ८,१: काठ ३७,६: $गौ १५,६, १५: –यात् तै ३, १,३,२; ६,२, ६,४;३,४,४; मै १,४,८: ३, ३, ८;८,४;१०, ४;४, १,१३; काठ २५,३:३१,१२; ३२,६; क ३८, ६; –याय मै १,५, १४; –ये तै २,२,५,६;११,१;६,५,५;६, १, ८,५:२,११,४;३,२,१;४, २,५: मै २,३,९;३,७,७; ४, १,१२^{2}; काठ १३,१०; २१, ४; २६, २^{2}; ३१, ९; क ३१, १९; ४०, ५^{3}; ४७,९; $शौ ८,१०,४; $पै १६, १३३,३; –येन तै ६, ३, ४,५; मै १,५,१४;३,९,१; काठ २६, २; क ४०,५.

आ-हुत,ता– -०त ऋ ३,२४,[३; ८, (१७,१)१९,२५;७५,३];५,११, ३;२८,५;७,१५,७;८,४३, १३; मा १७, ५०[a]. का १८, ५,१[a]; तै †२,५,८, ६;६,११, १; ४,६, ३, १[a]; मै २,१०, ४[a];४, ११, ६†; काठ ७,१७†; क २८,३[a]; कौ १,२६; †जै १,३,६; शौ ६, ५,१[a]; १२,२,१८; पै १७, ३१, ७; –ताः ऋ १,३६,८; २,७,४; ५;८,२;६,१६,३४;७,१,१६;८, १९,१९;२२:२३;२५,१९; ४३, २२;४४,२१;१०३,९;१०, १६, ५: ६९, १; २:११८, ३; ४; मा १५, ३८†; १८, ५७; ३३,९†; का १६,५,२०†; २०,३,७;३२, १,९†; †तै १,३, १४,५;८;५, ५,३;४,३,१३,१;४,९,१$: †मै १,५, १; २,१२,३$: ४,१०,१; १२,५: काठ २, १४†: ४, १४; १८,३[a]:१८:३१,१५:३९,१५†: ४०,१४†;क ६,२†;२९,६;†कौ १, ४; १११; २, २२९: ७४६; ९०९; †जै १, १, ४: १२,५: ३,२०,१३;२२, १;५६,१६; ४, १२,१२;१४: शौ ११, १२, ५; १८, २, १०: पै १९, ३, १३[a]; ३५,५: –तम् ऋ १,९४,[३; २, १,१३]; ९६,३; २, १,१४; ३२, ६; ३,२८,३;५; ५२, ६; ५, ८, ६; ७; ७, ८, १; ८, ४३, १०; १०, ३६, ६: ५७, २; ८८, १; खि ४, ९, ७; मा ३४, १०†; का ३३, १, ४†; तै ३, १,११, ४†; ४, २,४, ३‡[b]; मै १, ६, १†; २, ७,११‡[b]; ४, १२,६†; †काठ ७, १२; १३, १६; १६, ११‡[b]; †क ६, २; २५, २‡[b]; †कौ १, ७०; २, ४१६; †जै १, ७,८; ३, २२,६; शौ ७, २१,२; ४८, १†;७०,१;७७,४; १३,१, ६०†; पै ३, १८,३; ६,१४, ५; १२,१,४†; ३,८; १३, १४,११; १७, २५,३; २०, १०,१२;११, ८; –तस्य ऋ ७,३,५; –ता शौ ६,१३३, २; पै ५, ३३,२; १६, ७३, ३; –†ताः ऋ १०, ९१, १४; मा २०, ७८; का २२, ७, १२; मै ३, ११, ४; काठ ३८, ९; –तानि ऋ १०,९८,१०.

१आ-हुति– -तयः मा २०,१२: का २१,७,१३; ¶तै २,६, ६,६:३, १,९,२; ४,८,३; ५,७,१-३:५, ४, १०,१-३: ५,३,२: ३; ६,३, १,४;४,१०,४; ¶मै १,४, १२; १३^{2}; ५,८$; ८,४; १०, १३^{2}; १७^{2};११,८:३,४,२-४;८,१०^{2}; ११, ८$; ४, ८, ८; ¶काठ ६, १;१४,८:२१,१२; २२,१; २६, १; ३; २७, ८; ३६, ७^{2}: ११^{2}; ३८,४$; ¶क ३, १२; ४०, ४; –तिः ऋ १, १०५,५; १०,२१, २; ५२, २; ¶तै २, ४,९,२: ३, ५,७,३;५,१,१,३;३, ४; ४,९, ४;१०,३; ७,४,१; ६,२, ७,१; ¶मै १, ४, १२^{3}; १३^{4};५, ८![c]; ८,१^{2}; २^{3};५^{3}; ६^{2}; १०,१२; २, ५,५; ३, १,१; ३,९;६,४; ८,६; ९,५;४,१, ७; ¶काठ ६,१^{2};२; ५^{2}; ८^{4}; ८, ११; १२, १; १८, १९: २४,४; २५,५;६^{3};८; २७, १;३१,५![d];३२,२;३५,१९;३७, १२;¶क ३,१२^{2}; ४,१; ४^{2};७^{4}; ७,८; २९,७; ३७,५; ३९,२;३; ४^{2};४०,१; ४२,१; ४७,५; ४८, १७; कौ १, ३६८†; जै १,३८, ९†; शौ १०, ५, ४३; ११,१२,

[a]) सपा. °त (आपश्रौ ६,२४,८ च) <> °तः इति पामे. ।

[b]) सपा. ऋ ३,२२,४ अजुह्रः इति पामे. ।

[c]) °हुतिः इति पाठः? (तु. मूको.)।

[d]) °तेः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. मै ४,१,७ क ४७,६ तैब्रा ३,२,६,४)।

५;१५; १५,१७,१०; पै १,६३, २; १६, १२२, ९; –तिभिः मा २०,१२; का २१,७,१३; मै १, ४, ६¶; ५,८; ३, ११, ८; काठ २६, १¶; २७, ८¶; ३८,४; क ४०, ४¶; –¶तिभ्य काठ ६, २; क ४,१; –तिम् ऋ १, ३१, ५; ९३, ३;१३५,८; २, ३७,६; ३,२८,६; ६,१,९;२,५; ७,६६, १९; ८, १९,१८;२३,२१; ¶तै १,८, १, १$;२,५,४,३; ३,४, १०,३[2]; ५,५, ३$[a]; ५,१,३,१; ४;४,३,१; ५,४[2]; १०,३; ७,३, ३; ६,१,८,३; २,३,२[2];९,२;४, ५,६; ¶मै १, ४, १४; ८, ५[3]; ३,१, १; ९; ४, ५, ९; ८, २: १०,४; ४,५,२[3]; ५: ७,७; १३, ६†; १४, १८†; ¶काठ ६, २[2]; ८[2]$;१२,१:१८,२०†; १९,३[2]; १०$; २२, २; २४,४; २७, १; ६[2]; २९, ३: ३०,४; ¶क ४,१; ७[2]; ३०, १[2];८; ३७,५; ४२,१: ६[2]; ४६,७; शौ ६, ८३, ४; ७, ७३,१[b]; १०, ८, ३५; ११,१२, १४;२६; १५,१४,७; १९,४,१; पै १८, २६, ३; १९, ५, १०; –तिम्ऽ-तिम् मै ४, ४, ९¶; –तिषु मै १, ४, १०[2];¶; काठ ३२,७[2],¶; –ती ऋ ८, १९,५; मा २१,५२; का २३, ६,५; ¶तै १,५,२,३[2]; ४,४; मै १,८,४¶; ३,११,५; ¶काठ ६,५;३५,१९; ¶क ४, ४; ४८, १७; –तीः मा १०,१९; का २१, २,८; ¶तै २, ३, ९,३; ४,६,२[2]; ६,६,६[2]; ३, १,९,३; ४,८,३; ५,७,२; ५,४, ३,४;९,३; ५,९,२[2];१०,३[2]; ५; ७,२,५; ५,३; ६,४; ६,२,१,५; ३,१,४;४,१०,३; ¶मै १,४,८; १२;१०,१७; ३,१,४; ६,८;८, ६;१०,४;४,२,१०;७,४; ¶काठ १२,२$[c]; २०,५; २३,५; २७, १:२;६;३५,४$[c]; ३६,१२;३७, १६;¶क ३१,७;३६,२: ४२,१; २: ६; ४८, ५$: –¶तीनाम् तै २,६,९,१; ५,४,१०,३; $७,८, २: ३; ६,६,३,२; मै १,४,११; १२[10];१३:१०,१६: ३,१,१:३, १०[2]: ४,४:५: ४, ६, ३: काठ २२, १:२: २४,६; ३६,१०: क ३७, ७; –¶तीभिः तै २, ६,९, ४;५,१,१,२; –तेः शौ ३, २२, ४; –¶त्या तै २, ४,९,३; ३, ३, ८,१;५, १, १, २:४, ३,२; ५, १; ७, ४, १; ६, १, २, १; ४, ३, ३: मै १, ६,१३[2]: ८,५; १०,८: ३,३,९; ४,५; ७,६; ९, ५[2]; ४, ७, ७[2]; काठ ६, १; ६; ११, १०[2]; १८, १९[4]; २१, ७: २२, २; २३,२; २५,५: २७,१; ३६, २; ३९, १५; क ३, १२; ४,५: २९, ७[4]; ३५, ८; ३९,२; ४२,१: $शौ ११,१२,१२:१५. १४, ८; –¶त्याः मै १, ८, १; ३, ९,५; ४, ५,२; काठ ६, २[4]: १८,१९[3]$; २७,७[2]; क ४, १[4]; २९, ७[3]$; शौ १२, १,१३$; पै १७, २,४$; –¶त्याम् काठ ६, २; ३५,१९; क ४,१; ४८, १७; –त्यै मै ३, ४, ९[3]¶; –¶त्योः तै ५, १,३,४; काठ ६, ५;७; क ४,४;६.

आहुति-भाग[d]– -गाः तै ५, ५, ९,३¶.

आहुति-भाज्[e]– -भाजः मै १, ६, २ ; ७[2]¶; ¶३, ६, ६; ९, ४.

†आहु(ति>)ती-वृध्[f]– -वृधम् ऋ ९,६७,२९; शौ ७. ३३,१; पै २०,३०,५.

आहुती (ति-इ) एका[g]– -काः तै ३,४,१०,१¶.

आ√हु, आ-हुवध्यै, आ-हुवान–, आ√हू, आ-हू–, आ-हूत– आ√ह्वे द्र.

आ-हूर्य– आ√ह्वृ द्र.

आ√हृ, ¶आहरति तै १, ७,३,१;२: ६,५,१०,३; ७,१,८,२; मै ३, ४,५;९,३; काठ २४, ४; ¶आ-हरति तै ५,१,४,२[2]:८,१: ६,३, ३,३: मै ३, ४, ५: ४, ४, १०: काठ ८,१३: २०, ८: २२, २[2]: क ८, १ : ३१, १० : ३७, ५ ; ¶आ···हरति तै ५, २, १, ४ ; काठ १९,११; २८,२[h]; क ३१, १:४४,२; आहरन्ति तै २,५,४, ३¶; मै २,३,२; शौ ९, ६, ६; ९-१२ ; ¶आहरन्ति मै १, १०, १७[2];२,६,३;३,१०,४; ४,३,४;

---

a) सपा. °तिम् <> °तीः इति पामे. ।

b) सपा. तैब्रा २,४,२,२ आहुतिः इति पामे. ।

c) तु. सस्थ. टि. अन्तरा ।

d) विप. (रुद्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

e) विप. (अग्नि-, देवता-, ऋतु-) । उस. ण्व्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

f) पूप. सांहितिको दीर्घः उसं. (पा ६,३,११६) ।

g) नाप. । मध्यमपदलोपी कस. अन्तोदात्तः ।

h) °ग्रेग > णा [ण-आ] इति यनि. शोधः द्र. (तु. क ४४, २, तत्-संस्कर्तुः टि.) ।

काठ १,२$[a]; १५,२;३१,१[2];$:
३६,१२: क १,२$[a]:४७,१[2];$;
$ पै १६. १११,६;७; १०-१२;
१९, १२, १[b]; ¶आ···हरन्ति
काठ २८,२; २९. ९: क ४४,२:
आहरसि पै १, ८५,३: आहरामि
ऋ १०,१६१,२: खि २,९.५[2]:
शौ २, २६,५; ३,११.२†: २०,
९६,७†: पै १,६२,२:२,१२,५:
५,३०,१: ६,१५,२[2]:८.७,१०:
२०,१३,१: आ···हरामि शौ ८.
२,२: पै २. ३१. १: १६. ३,२:
आहरात पै १०. ३. ३[2]: आ···
हरन्तु शौ १४, १, ३९: पै १७.
३९.१[c]: १८, ४,८: आहर ¶तै
६,१,६,१[2]:२,४,३: ¶मै ३, ७,
३:८;८,३; ¶काठ २३,१०:२५.
२: ३४,२: ¶क ३७.१: ३८,५:
शौ १२,३,३१[e]: १४. २. २१[d]:
पै १०,३,२: १२. ३, १३: १६.
९०,५[e]; १८, ९. २: †आ(?हर)
ऋ ८, ६०, ११: कौ १.४३: जै
१.४,९; आहरत ¶मै ३. ७, ३:
आहराणि शौ ३ १५. २[f]: आ-
हराणि खि ५,१०, ३: शौ २०.
१२७,९; आहरामहै ¶तै ७,१,
६. २; ¶अ(आ-अ)हरत तै २,
४,१२,१:५,२,१:७: ३,५,७,१:
६. २,४,३: ७, १.५.१: ८.१:२:
१०, १-३; २. २, १: ३,१:४,१;
५,२;९,१;३,६,१;८,१; १०,४;
५; ४,१,१; ७,१; मै १,६,१२;
११,५: २,२,४;४,१; ३, ३,१:
७,३;८,३[2];४,१,१: काठ १०,
११; ११,२; १३,३;१४,५;२१,
२: २३,१०[3]; २४,६;८; २५,२;
२६,१: २९,९: ३०,१०:३४,७;
३७,११[3]; क ३१, १७: ३५,३;
३७,१[3];७: ३८, १; ५: ४०, ४;
४६.८: पै १९,३०,८:३३,११[g]:
आ(आ-अ)हरत[h] तै ६,१.६,३:
४: २, १, ४: आ·· अहरत् शौ
१०, १०,११: आ·· अहरत् शौ
१०, १०, १२: ¶आ(आ-अ)हर-
ताम् तै ७, १. ४. १: काठ १०,
११ : ¶आ(आ-अ)हरन्त तै ७,
१,६,२: ¶आ(आ-अ)हरन् तै ६,
१,१०,५;३,१.२: ७. १,१०,१:
२,१,२;६,१;३,४,१:४,२,१;५,
१;६,१; मै १,११,५: ३,७,७[3];
८,१०: काठ ७.९:१४,५;२३,७;
२४,१;६: क ३६,४: ३७,२; ७:
$ पै ५, २८,९: आहरम् पै ११,
७,४: ¶आहरेत् तै २.३,१, ३[i]:
५,२,५,६; ६,२,३,२: मे २, ४,
५; ३,१,९[2]; काठ ८,१२[4]: २०.
४; २६,३;२९.९; क ७,७[4];३१,
६; ४१, १; ¶आहरेयुः मै १,६,
११[2];१२:८,७;२,२,१[i];३; ३,२;
५,७; काठ ११,६[i]; आहरिष्यति[j]
मै ४,५,६.
¶आहरिष्यावः तै २, ४, १२,३;
मै २, ४, ३ ; काठ ३७, ११ ;
आहार्षीत् मै १,६,१२¶: आ···
अहार्षीत्[k] शौ १३,१,५; आहाः
तै ३, २, ५, ४; शौ ७, ५५, ३:
१३,१,४; पै १८, १५, ४; २०,
१०, ६; आ··अहाः[k] पै १८,
१५,५: आ···अहृथाः पै ५.१८,
६; आहार्षम् ऋ १०, १६१,३[l];
५: शौ २, २६,५; ३, ११,३‡[l]:
४‡[l]; ८,१,२०†; १९, ६४, १:
२०, ९६, ८‡[l]; ९‡[l]; १०†: पै
१, ६२,३†;४†; २,१२,५[3]; ३,
१०,४; १६, २,९; १९,७, ६[m]:
†आ···अहार्षम्[n] ऋ १०,१७३,
१: मा १२,११; का १३,१,१२:
तै ४,२,१,४; ५,२,१,४; मै २,
७,८: ३,२,१; काठ १६,८:१९,
११; ३५,७; क ४८, ९; शौ ६,
८७,१: पै ८, १०,८$; १९, ६,
५; आ(अहार्षम्) पै २, १२, ५:
‡आ···अहारिषम्[n] क ३१, १.
¶आह्रियते तै १,७,३,२;३[2]; ६,
१,७,७;४,४,१; मै २,४,५; ४,
५,३:८,७[o]; ¶आह्रियते मै २,४,
४; ३,९,१[2];४,५,३; काठ २४,
६; २६,२; ३६,१२; क ३७,७;
४०,५; आहार्षि पै ६,१५,३.
आ-हरयत् खि ३,१५,४?.

a) सपा. तै १,१,२,१ आवहन्ति इति पाभे. ।
b) सपा. शौ ६,११,१ आभरामसि इति पाभे. ।
c) सपा. °हरन्तु<>°हर इति पाभे. ।
d) सपा. आपमं १,८,१ आभर इति पाभे. ।
e) सपा. शौ ११,१,१५ आभर इति पाभे. ।
f) सपा. पै १९,४९,४ आवहानि इति पाभे. ।
g) सपा. शौ ६,११३,१ आनशे इति पाभे. ।
h) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१)।
i) सपा. °हरेत्<>°हरेयुः इति पाभे. ।
j) नो परमा ह रिष्यति इति Sch. पाठे? (तु. सात. अंशतः) नोऽपरम् आह° इति शोधः द्र. ।
k) सपा. °हार्षीत्<>°हाः इति पाभे. ।
l) सपा. ऋ १०,१६१,४ या १४,३६ पुनर् दुः इति पाभे. । m) पाभे. कृते ६७३ n टि. द्र. ।
n) सपा. °हार्षम्<>°हारिषम् इति पाभे. ।
o) °ह्रिय° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.)।

¶१आ-हर्तृ- -र्ता[a] तै ६,२,४,२;३.
¶२आ-हर्तृ- -र्ता[a] मै ३,८,३[2]; -र्तुः मै २,४,४.
३आ-हर्तृ- -र्ता[a] काठ २५,२[2]; क ३८,५[2].
आ-हार्य[i]- -र्यम् शौ ९,१,२३; -र्याणि शौ ९,७,१; पै १६,११२,५: -र्ये मै ३,६,९; काठ २३,५.
१आ-हृत,ता- -तः पै २,२४,३?; -ताः खि २,९,५: शौ २,२६,५; (-ताः) खि २,९,५[c]ϕ: शौ २,२६,५[c]ϕ: -¶तानि काठ २५,५; क ३९,२: -¶ते मै ३,६,९: काठ २३,५.
आहृत-यज्ञक्रतु[b]- -तुः शौ ९,७,१०; पै १६,११३,५.
२आ-हृत[c]- -तः मै ३,४,६¶.
¶आ-हृत्य तै १,५,७,४;९,६:५,१,९,४; ६,५,१०,३; मै ३,१,९: ४,२,१०;१३; काठ ७,४; १९,१०; ३४,३; क ५,३; ३०,८.
आ-हृत्य[d]- -त्यः मै २,४,५¶.
¶आ-ह्रियमाण,णा- -णम् तै ६,१,६,५;११,५; मै १,६,११; ३,७,३;८; -णस्य मै ४,१,२: काठ ३१,१; क ४७,१; -णाम् तै १,७,१,१; -णायाम् तै ३,१,५,२.
आ√हृष्, आ...हर्षते ऋ९,७०,५[e].
आहेय- १अहि- द्र.
आ√हु
आ-हुत्- -हुतः पै १९,२,२[f].
आ√ह्वृ>,हुर् (बधा.), आजुहूर्थाः ऋ ७,१,१९[g].
आ-हूर्य[h]- -र्यः ऋ १,६९,२.
आ√ह्वे>हु,हू, आ...हवन्ते ऋ८,३४,४: आ...हवामहे ऋ १,२३,⌊७(८,७६,६)⌋; १०,६४,८: मा ४,५; का ४,२,३: तै १,७,१३,४.
आ...हूमहे ऋ ५,३५,३[i].
†आहुवे ऋ १,१११,४; ५,५६,९; ६,६०,४[j]; ७,१६,⌊१; ८,(१९,४)४४,१३⌋; ८,१०२,४; ९,५,९; मा १५,३२; का १६,५,१४; तै ३,१,११,८; ४,४,४,४; ७,३,११,१; मै २,१३,८; ४,११,२; काठ ३९,१५; ४०,१४; ४३,१$; कौ १,१८; ४५; २,९९; २०३[l]; १०६२; जै १,२,८:५,१; ३,१०,१: १८,१; †आ...हुवे ऋ १,११९,१; ७,५६,१०[k]: ८,१०२,६: खि ३,१३,१: तै २,१,११,२: ३,१,११,८; मै ४,११,२[2]; काठ ८,१७; ४०,१४: †आ...हुवे ऋ १,७६,४; ८,१,१०: २२,१४[l]; ६५,३: कौ १,२९५: जै १,३१,३: †आहुवामहे ऋ ५,५६,८;१०,५७,३[m]: का ३,७,३[m]; तै १,८,५,२[m]; मै १,१०,३[m]: काठ[m] ९,६;३६,१३[n]; क८,९[m]: पै १९,२४,१०[m]: आहुवेम मै४,१०,६; काठ २,१५; शौ ७,९०,१‡[o]; आ...हुवेम शौ ७,४१,२[p]; पै २०,९,५.

---

a) सपा. आ°<>°र्ता<>°र्ता इति पाभे. ।
b) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
c) गस. उप. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७) ।
d) गस. उप. क्यप् प्र. उसं. (पा ३,१,१०९) प्रकृतिस्वरश्च ।
e) तु. सा.; वैतु. GW. आ...हितः इति ।
f) सपा. शौ ६,४,२ अभि-हुतः इति पाभे. ।
g) तु. PW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. आ चार्थे स्वाम्र. इति, GW. वने इति सप्त. युक्तः कप्र. इति ।
h) विप. (अग्नि-) । प्रकृतस्य धा. अर्थः? गस. उप. क्यप् प्र. उसं. (पा ३,१,१०९) । प्रकृतिस्वरः (तु. स्क. PW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. द. <आ√ह्वे इति, ORN. आ√गुर्> आ-गूर्य- इति च?) ।
i) तु. वें. सा. प्रमृ.; वैतु. GW. अनुपसृष्टमिव निर्देशुकः (तु. सपा. ऋ १,१०,१०) ।
j) ता । हुवे इति पपा.? ता आहुवे इति शोधः (तु. GW.) । छन्दस्तः ता = तौ (तु. ORN.) ।
k) 'मरुतां प्रियाणि नामानि आहुवे, यत् (=येन हेतुना) ते तृपत् (यथा स्यात् तथा) वावशानाः (भवन्ति)' इति वा. द्र. (तु. सा.; वैतु. भा. ⌊तै २,१,११,२⌋ आ ⌊गच्छत⌋ क्रिउ. इति, ORN. आ√वृष् इति च ⌊तु. ऋ ३,३२,२: १०,११६,१⌋, GW.MV.K. आ...तृपन् इति योजुकाः) ।
l) वैतु. वें. सा. अश्विनौ इति सं२ (?) इतीव कृत्वा आ (वहतम्) क्रिउ. इति, GW. स्वाम्र. आ इति च ।
m) =सपा. °हुवामहे (ऐब्रा ३,११ आश्रौ २,७,८ शांश्रौ ३,१७,३ लाश्रौ ५,२,११ आपश्रौ १,१०,५ च) <> °हुवामहि (वैताश्रौ २०,९ च) <> °ह्वामहे (माश २,६,१,३९ काश्रौ ५,९,२२ कौसू ८९,१ च) इति पाभे. ।
n) अन्वाहुवा° इति SI. चिन्त्यः (तु. Sch. सात. न्वहुवा°?) ।
o) सपा. ऋ १०,१७८,१ कौ १,३३२ या १०,२८ हुवेम इति पाभे. ।
p) तु. सा.; वैतु. WI. अनुपसृष्टो योग इति ।

आह्वयति ऋ १०,१४६,४; काठ ३६,९; आह्वयन्ति ऋ १०,१६०, २; मै १,१०,१६¶; शौ२०,९६, २†: आ (ह्वये) ऋ ५, ५६, १[a]; ¶आह्वयन् मै २,१,११;४,२,१[२]. ‡आह्वामहे[b] मा ३,५३.

आ·· अजोहवुः ऋ ७,९४,१०[c]. †आ·· जुह्वे ऋ १, ३२, ६; पै १३,६,६.

†आ···अहूषत ऋ १, १४, २; ८, ८,[(७, २४, ४;८; ८,८,१) १८; ८७, ३:]; पै ६, १७, १०; आ···अह्वत ऋ ८,८,९; आ··· अह्वत तै १,६,११, २¶; आ··· अह्वन्त ऋ ४,६,९; आ···अह्वे खि १,१०,३[d];आ···आ···अह्वे[e] ऋ ८,२२,१.

आ···जोहवीति ऋ ७, ५६, १८;

आ-जोहुवान- -नाः ऋ १०,१७८२.

आ-हव[f]- -वम् ऋ १, १५५, ६; २, २३, ११; -वे ऋ १०,१५०,५; पै ६, ९,९; -वेषु ऋ ६, ४७, १; शौ १८,१,४८†.

†आ-हाव[g]- -वः ऋ १०,११२, ६; -वम् ऋ ६, ७, २; काठ ३८, १४‡[h]; कौ २, ४९२; जै ३, ३८, ६; -वाः ऋ १, ३४, ८; वान्[h] ऋ १०, १०१, ५; तै ४, २,५,५.

२आ-हुति[i]-

†आ-हुवध्यै[j] ऋ १, १२२, ५∅; ५, ४१, ३∅[k]; ६, ६०,१३; मा ३, १३; का ३,३,३; तै १,१, १४, १;५,५,१; ७,२; मै १, ५,१;५, ६: काठ ६,९;७.४; क ४,८.

∅आ-हुवान- -नः ऋ ७, ७,३.

आ-हू[l]- -हुवः ऋ ८, ३२,१९.

¶आ-हूत- -ते काठ २८, १[२]; क ४४,१[२].

आ-ह्वयमान- -नान् ऋ १०,४८,६.

इ

१इ कौ २,११०‡[m].

२इ इदम्->इतम् प्रभृ. द्र.

√इ(वधा.) †अयते ऋ १, १२७, ३[२]; कौ २, ११६५[२]; अयति[n] शौ १३,१,५८; पै २०,२७,२; †अ-यामि[n] ऋ १,१५३,२;३,१४,२; अयत्[n] ऋ७,२०,७; अयत् शौ ४, ३,६; पै ६,९,५?[o];१३,१४,६?[p]; १७, २९, ७[३]; अयात्[n] शौ १२, ११,३; †अयन्[n] ऋ ७,६१, ४; ६३,४[q]; १०,१२,४[r]; काठ १०, १३[q]; †अयन् ऋ ४,२,१६; मा १९,६९; का २१,४,१९; तै २, ६, १२, ४; शौ १८, ३, २१; अयाम[n] ऋ ८,९२,११; ¶अयाम तै ७,४,९,१; मै १.९,४; काठ ९,११.

गुति ऋ १, ७१, ९: १०३, ६; १४०,५[s]; ४,२२,१: ५०,८; ५, २८,१;८२,८;७,१,२३: ९,९८, ३.१०,७५,३; खि ४,११,४; मा १७,५७; ३४, १: का १८,५,८; ३३, १, १; तै २. २,१,४¶;४, ७,१; ४,६,३,३; ५, १,१,२[२]¶, ४,६,५; ६, ६, ६,२¶; ¶मै १, ४,११[२];७,५; ८, ९; ९,५; ११, ८[२]; २, १,१०;२,२[२]:३,५;१०;

a)तु.मा.। इह अग्ने(यद्र.)इति पाठे? अग्ने इति शोधः द्र.मरु-द्विषये तस्याप्राकरणिकत्वात्। b) पाभे. पृ७४५ m टि. द्र.।

c) तु. सा.; वैतु. GW. स्वाम्र. आ इति।

d) आ+उ इति निपातसमाहारः द्र.।

e) द्विरुक्तिरादरार्था (वैतु. वें. सा. एकः ग. द्वितीयोऽन-न्वित इव?, GW. एकः ग. द्वितीयः स्वाम्र. इतीव च)।

f) नाप. (युद्ध-)। गस. उप. अधिकरणे अप् प्र. (पा ३,३,७३)। थादि-स्वरः।

g) नाप.(निपान-)। गस. उप. अधिकरणे अप् प्र. वृद्धिश्च (पा ३, ३,७४ [वैतु. GW. MW. <आ√हु इति?])। थादि-स्वरः। h) सपा. °वम्<>°वान् इति पाभे.।

i) °हुति- इत्यस्य स्वरसंक्रान्ति-निमित्तकं यनि. ह्रस्वत्वं द्र. (तु.WAG १,८३ a)।

j) गस. उप. तुमर्थे कध्यै प्र.। प्रकृति-स्वरः।

k) उपु. लिङर्थशेषः (तु. GW.; वैतु. सा. साक्षात् तिङ्वल्लक्षणं ब्रुवाणो निघाताभावं प्रति पर्यनुयोज्यः)।

l) भाप.। गस. क्विबन्तम् उप.प्रकृतिस्वरम् (तु.PW.GW., सस्थ.टि. अनु च; वैतु.वें. सा. आ-हुव->-वः(प्र१)इति!)।

m) नि.। पाठः? (तु. सपा. ऋ ९,४८,४ जै ३, १७, १० कौ. पपा. इद् इति, S. ई इति च पाभे.)।

n) पित्त्वान्निघाते धा. स्वरः।

o) पाठे? √अस् (भुवि)>असत् इति शोधः (तु. तैब्रा २,४,७,३)।

p) पाठे? √धा>अदधात् इति शोधः इति कृत्वा यनि. वावि. स्यात्।

q) सपा. तैब्रा २,८,७,३ आपश्रौ१६,१२,१ आयन् इति पाभे.। r) सपा. शौ १८,१,३१ आयन् इति पाभे.।

s) वैतु. वें. सा. प्राऽभि···एति इति, GW. प्राऽभिमर्मृशत् इति च (तु. सस्थ. टि. अभि, प्र√मृश्>∅प्र-मर्मृशत्- इति)।

५$; १३, २३‡[a]; ३,१,१;३,७;
६,१[२b]; ७,७;८,४; १०; ४, ४,
१०[३];८,५; ९[२]; काठ ११, १३;
१८, ३; २२, १३[२]; ३५, १३[c];
४०,१;शौ ४,२४,१;९,४, ११;
१३, ७; ११, २, २२; १२, ३,
४८; १९, ८, १; एति ऋ १,
२३, ११; २४, १०; १०१, ७;
११३,१०: १२४, ७; १४०, ८;
१५२, ३; १६२, ४; १६४, १४;
३८; २, ४,७; ४०,५; ३, ६, १;
२७, ७; ६२,१३; ४,५१,३: ५,
३७, ३; ४७,१; ५८,४; ६,४७,
१७;७,३,४;६;४,८;३९,१;८०,
२; ८,१२,१०:८०,७;९,३३,४;
३९,⌊३[d], ४४,३[d]; ६१,८[d](९९,
८)⌋; ७०,६: ७१, २: ९७, १३[e];
१०,३,१; २०,४-६; ३४,६:८५,
६; १९[f]; १०२,४; १०७, ५[२];
११७,८[g]; १६८,१; खि ३,२२,
२: †मा २५, २७; ३१, १७$;
३३, ९०; का २७, १२, ४†:
३५,२,१; ¶तै १,३,४,२†: ५,
२,३; ९,५[२]:७[२]; ६,१०,२;७,६,
१;७; २,२,१,४; २,१;३,३; ५,
५: ३,२,१: ११,५: ४, १४,१†:
५,२,४; ७,५; ८,७; ३,१,२,४:
२,१,२;३: २,२$; ९,६[२]; ३,८,
४;५,४,३:४; ४,६,८,२†;५,१,

१,३; ५,७; २,३,४;७; ३,५,४;
७,१;९,२[२]; ४,२,४;७,१;२; ५,
१,४[३];५,४;६,२,२; ३,१; ७,६,
५;६; ८,३; ६,२,६,३; ३,१,६;
२,३; ८,२; ९,४;४,६,४; ५,३,
४; ७,१,२,१[२];४,१;३; ७,१;४;
२,९, २; ३; ¶मै १, ३, ३७$;
४,७[३];८;५,५;१०;६,९[२];८,५[२]:
९;९,५[४]; ६;१०,८;११,७[२]; ८[२];
२,१, १०;७,११$; ३,१,१[२]:३,
३[२];५,२;६,१:८,२;८[२l];५;९,१;
६;१०, १; १६, १†; ४,१,१३;
१४; २,१-३;३,१[२]$; ४, ४[२]:६;
१०[२];६,४;६; ८,२$; ९, १९$:
१२, २†; †१४, १; ३; ¶काठ
४, ९$; ७, ६:७;९; ८,१०; ९,
१३[३]:१६; १०,२: ४: ५: १२†:
११,८; १४, ७:८[४]: १८, १९[२];
१९, ५;८[३]; ११; २०, १;५: ६;
२१,२[३];३;६; १०[२]; १४†; २२,
६[३]; ७[h];१०;१३[२]: २४, ६; ८;
१०; २५, ५; ७[२]:८: २६, १[२];
२;९; २७, ४; २८, १[२]; २; ४[२];
२९, १;३; ४: ३०,२; ३२,३[२];
६: ३३, ६: ३४, ७; ८[२]: १७:
३५, १६; ३६, १२: ३७, १४:
३८, १४$[i]; ३९, २[२]$: ४६,
४†; ¶क ३,७$: ५, ५; ७, ६:
२८, ३$; २९,७[२]: ३०,३: ३१,

१;३;७;८; १७[३];१८; २१; ३४,
१[४]; ३५, १;४; ३७, ७; ३८,१;
३९,२; ५[२]; ४०,१; ४[२],५: ४१,
७;४२,४; ४४,१;२;४[२]; ४५,१;
२;४; ५; ४६, ५; ४७, १; ४८,
१३$; १४; †कौ १, ४७१; २,
२१९: २५१;४३२;८२७;८९६;
†जै १,४९,५; ३, २०,१; २१,
१६; ३३, ७; ४,१३,९: २६,८;
शौ १,१२,१[j]: ४,१९,६;५,१७,
९[j];१४; ६, २०,१: ८,५,२[j]:९,
२१; †९,१४,१४;१५,१६;२३:
११,७,६[२]: १३,४,१-९; १४,१,
७†; १८, ४, १३[k]; १५: ३७:
पै १,७०,२:१०७,१[२]†: २,२२,
६;३१,४: ४, १,५‡[a]: १५, ७[l];
५, २,१:२२,१:२५,६: ९, २१,
२: १०, ६, १०; १३, १०, ६:
१४,४; १२[२]; १६[३]; १४, २, ३:
१६,२५,१;४६-४७,१-१०:४८,
१-४; ६७, ४†; †६९, ७; १२;
९०, ७; ८[m]: ९१, १०[n]: १०३,
६: १०६, २: ११४,५: १२५,५;
१५०, ८; १५१, २; १५२. ९:
१५३,[a] ६[२]: १७, २९, १४: १५:
४०,७: १८, ३, ३†: १९, १८,
६: २५,५; २९,२;३९,१[o]: ४४,
३: ४६. ३: २०, ३८, २: इ॒तः
ऋ १०,६४,१४: मैं ४, ६,३[३]¶:

[a]) सपा. ऋ १०,१२१,६ विभाति इति पाभे. ।
[b]) सकृत् हो (हि-ए) ति इति पाठे स्वरः ? ।
[c]) तु. सस्थ. टि. अपि । [d]) तु. सस्थ. टि. आ ।
[e]) सपा. कौ २, १५६ जै ३, १५,४ एषि (तु. पृ ७४८ *h* टि.) इति पाभे ।
[f]) सपा. शौ १४,१,२४ एषि (तु. पृ ७४८ *j* टि.) इति पाभे. ।
[g]) सपा. शौ १३,३,२५ चक्रे इति पाभे. ।
[h]) उपेत्यैति (वैतु. मुद्रितः पाठः °त्स्येति यत्र यनि. शोधः ⌊तु. सपा. क ३५,१⌋) इति पाठस्य स्थाने सपा. तै ५,६.८,४ उपेयात् इति पाभे. ।
[i]) सपा. मै २,७,१२ आपश्रौ १६,१८,६ याति इति पाभे.
[j]) यथाक्रमं सपा. पै १, १७,१; ९, १६,७; १६,२७,२ एतु इति पाभे. । [k]) तु. सस्थ. टि. अभि ।
[l]) सपा. शौ ४,१२,६ विशिष्टः पाभे. ।
[m]) सपा. शौ ११. १,१७ एतु (तु. पृ ७५० *c* टि.) इति पाभे. ।
[n]) सपा. शौ ११,१,३० विद्धि इति पाभे. ।
[o]) सपा. शौ १,१,१ परियन्ति इति पाभे. ।

शौ ३, ३१, ४[a]; इतः ऋ १०, ८५,११[b]; ¶मै १, ४,७;५,१४; ८,४;३,७,३; काठ ३७,१४[२]¶[c]; यु॒न्ति ऋ १,१००,३;१२२,१३; ४,४७,२; ५,६,१; ८,२,१८;५, ३९; ७९, ५; १०, १८, ५; ८५, २३ ; खि २, १५, १ ; मा १५, ४१†; का १६, ५, २३†; ¶तै २, ४, १४, १$; ३, १, १०, ३; ११, ३; ६,६,१,३; ७, ४, ११, ३; ५, ६, ३; ९, ४; मै १, २, १५; २, १३,७†; ¶३, १, ३[२]; ३,९;८,२[२]; ४, २,१[२]¶;७,४;८, ८; १०[३]: १२, २; काठ ८, १७; †कौ १, ४२५; २, ७१; ९७९; १०८७; †जै १,४१,७; ३,७,९; ४,२३,१०: शौ १, १७, १; ४, ३,१; ५,२१,८; ६,७,१;९८,३: ७, ४१, १; ८,६,१४;१०,५;९; ११;१३; १०, २,६;७,५;९, ४; १२, २, २५†; ३,२५; १३, १, ३५; ३,१७; १४,१,३४†; १८, ४, २; ३; ७; २०, १८, ३† ; पै १८, ४, ३†; यन्ति ऋ १ , ५, ५; २३, १६; २, २८, ४; ३०, २; ३, ३१, १४[d]; ५, १०, ५;२१,२;४४,⌊१४; १५⌋; ५१, ७;५३, ६[e]; ७, ४९, १; ८, ९३, २२; ९,९७,३४[२]; १०, ८२, ३; मा १७, २७†; का १८, ३,३†;

¶तै २,४,८, १†[e]; ३,५, १०, ३[२]; ४, ३, ११, २$; ६,२,२†; ५ २,४,२; ६, २,४,१;३,१,१; २; ७,२,१,१;२[३]; २,३[२]; ८,५; ३, १, १; ३, १; ५, ३[३]; ७, ३[३]; ४; ९, ३[३]; १०, १; ४,१,२; ३[२]; २,३;४[२]; ५[२]; ३,६[२]; ४, २; ३[३]; ६,१;३; ९,१[२]; १०,२; ११, १; ३[२];४;५,१,५[३];६[३]; २,२;४,१[२]; ६, ४[२]; ७, ४; ९, ४; ¶मै २, १०, ३†; १३, १०$; ३, १,३; २,८; ३,८[३]; ८, ७; ९, १; १०, ३; ११, १$[f]; ४, ६, ८: ७, ९; १४, १४$; ¶काठ १८, १†; १९, २[३]; १४; २०, ५; ९; २१, ८[३]; २४,९;१०; २५,८; २६,२; ३०,५[२]: ३१,१५; ३३, १[२]; ३[२]; ४[२]; ७[२]: ८[२]; ३४,१[७];२;५; ३९, १०$;१४†; ¶क २८,२†;२९, ८[३]; ३१, ७; ११; ३८, २; ३ ; ४०, १; ५; †कौ १, ५२५[२]; २, २०९[२]; १११९$; ११७६ ; ११७७; †जै १,५४,३[२];३,१९, ४[२]; शौ १,४,१†: २,१,३†; ८, २,२४;८,१२; ९, ५, २९; १०, ७,५; १३,१,१३; २०,६९,३†: पै १, ३६,१-३; २, ४०,४;७९, ३; ५,२२,६; १२,७,३[२];१४,१, १९; १५,२२,९; १६,५,४;३०, २;४८,५;५९, ७; ७८, २; ८०,

६; ८१, ८; १३३,३; ५-७; १७, ७, ७[२]; ३८, ६; १९, २,७;१२, १५;२२,१४; २०, १४,९; ४८, ९; †ए॒षि[g] ऋ १, १२३, १० ; ८,९१,२; ९,५०,२; १०,८, ४; ८६,२१; खि ४,५,१६[२]; कौ २, ५५६; जै ३, ४४, २; शौ १३, २, ५$; २०, १२६, २१; एषि ऋ १, १६२,२१; ३,६१,६; ७, ३७,४; ९, ९६,२३; ९७, १४[२]; १०, १४२, ४; †मा २३, १६; २५, ४४; का २५,४,५†; तै ४, ६, ९, ४†; मै १,२,१५†; काठ ४६, ५† ; कौ २, १५६‡[h]; १५७[२]†; जै ३,१५, ४‡[h];५[२]†; शौ ४,१९,२; ३; ६,९८,३[i]; ७, ८६, २†; १३, २,१२: १४, १, २४‡[j]; १७,१,१७; पै ४, २६, २†; ५, २५, २; १४, ३, २१; १५,२२,६; १८, २०,९;३२,१; ए॒मि[g] ऋ ७,८९,२; १०,३४,५; शौ १९, ४, २; पै १९, २४, ७; एमि ऋ ८,४८,१०[k]; १००, १; १०, ८६, १९;१२४,२[२];३; खि १,१०,१; मै ४, ९,९;११,२†; काठ ९, १९† : शौ ४, २८, ३ ; ५, १, ७ ; १९, ४, २ ; २०, १२६, १९† ; पै ४, ३७, ५; इ॒मः मै १, ६, १२¶; ए॒तु शौ ६, ७५, ३‡[l]; एतु ऋ ४, ३२,

a) तु. सा. W. B. प्रभृ.; वैतु. WI. <इदुम्- इति ।

b) सपा. शौ १४,१,११ पै१८,१,११ ऐताम् इति पाभे.।

c) वैतु. SI. इदुम्–>इतस्(>:) इति ।

d) तु. सस्थ. टि. आ ।

e) तु. सस्थ. टि. अनु । सपा. मै २, ४, ७ काठ ११, ९ यन्तु इति पाभे. ।

f) सपा. मा २०, ४० का २,२,४,५ काठ ३८,६ तैब्रा २,६,८,२ यन्तु इति पाभे. ।

g) प्र. पित्त्वाभिघाते धा. स्वरः ।

h) पाभे. कृते पृ ७४७ *e* टि. द्र. ।

i) सपा. तै २,४,१४,२ मै ४,१२,२ काठ ८,१७ एधि इति पाभे. । j) पाभे. कृते पृ ७४७ *f* टि. द्र. ।

k) एम्यायुः इति पाठस्य स्थाने सपा. तै २,२,१२,३ अच्छ···एमि इति पाभे. ।

l) सपा. एतु (तैब्रा ३, ३, ११, ३ च)<> इहि इति पाभे.

१८; ७,१८,३; १०४,१०; १०, १७,५; ६२,११; ८७,११; १५; १०३,८; १५२,२; खि २, ११, १[a]; मा ५, ३७; ७, ४४; १७, ४०†; का ५,९,३;९,२,४; १८, ४,८†; तै १,३,४,१;४, ४६,३; ३,१,४,२[b];१०,२; ४,६,४,३†; ५, ७, २, २[c]; मै १, ३,३७; २, १०,४†; ४,१४, १६†; काठ ४, ९; ६,१०;१८, ५†; २२, १०[c]; ३८,१३[c];३९,२[c]; क ३,७;२८, ५†; ३५, ४[c]; कौ २, १२०६†; शौ १,२१,१†; २७,२;४; २,७, ५[d];३४,१[b];३,१,६;४,१,२[e];३, २;५;५,१४,१३;२२,४; ७,१०, २;११३,१;८,३,११†;१४†;४, १०†;७,१५; १०,१,१; २;१९; ४,२५;११,१,१७[f]; १२,१,४०; १४,१,५९;१८,३,७२; ४, ५७; १९,१३,९†; पै १,१७, १[g]; २, २२,३; ४०,२; ७१, ५; ८७,२; ८८,४†; ३,६, ६;१३,६[h]; ५,७, ३; ६,१०,३;७,४,९†;११†;८, ११,२;१५,१३; १९,५;९, १६,

७[g]; १०, ६, ३; १२, ३, ६; ६, १३‡[i];१४,३,२१; १६,†७, १; ४;९,१०†; १३,५;१७,३; २७, २[g];३५,१;३६,९; ७३,५;१५०, ६;९; १७, ३६,७; १८,१, ७‡[j]; ६,७; १९, २, १०[2]; ३१, ५; ७; ३६,१५;३८,८;३९,४;४९,१[k]; ५३,२; २०,२०,१;२८,६; २९, २‡[l]; †युन्तु ऋ ७, १०४,५; शौ ८, ४, ५; पै १६, ९, ४; यन्तु ऋ ८,१००,१२; १०,६६, १०; ८७, १५; १०३,८; १२८, ६; मा १७, ४०†; ६९; २०, ४०[m]; का १८,४,८†;६,५:२२, ४, ५[m]; तै ४, ६,४, ३†; ५,२; ७,१४, ३†; मै २,४, ७‡[n]; ७, १२[c]; १०, ४†; ६: काठ ११, ९‡[n]; १८, ४; ५†; ३०, ८[b]; ३८,६[m];३९,२; ४०, १०†; क २८, ४; ५†; कौ २, १२०६†; शौ २, २४, १-८; ३,१९,६; ४, १४,५;३७,३; ५, ३, २†; २०, ३;७; ८,३,१४†;८,१३[2]; ९,२, ४; १०, ३,९; ११,२,११; ११,

१९; १२,३, ४९[?o]; १३,१,३२; १९, १३, ९†; पै १,५६,३; २, ३१,५; ३८,५; ४२,१-८;७९,३; ९१, १-५; ३, ३२, २; ३८, ३; ४, १२, ७‡[p]; ५,४, २†; ७,३, ५; ४, ९†;८, ७; ९,२४,४; ८; १०, ४, ९; १०, २; १३,४, ३; १४,१,७; १५, २२,५; १६, ७, ८†; ३०, ३[2]; ६३, ८; ७२, ४; १०५, १; १३६,४; १५२, १०: १७, १५,१; ३२, ४‡[q]; ४०,९; १८, १६,३[r]; १८, २; ५[s]; १९, ४, १५[t]; ४१, ९: २०, ९, ६[u]; १७,४[d]; इहि ऋ ८, ३२, २२[v]; शौ १९, ४९,७[w]; इहि ऋ १०, १५५, २; मै १, २, १५[v]: ६, १०¶; शौ २, २५, ४; १०, १, १६[x]: २८:१२, ३,१: पै ३,३१, ६-८; ४, १४, १; ५, ९, ४†; ६, ८, ६†;१३,१,३;२०, ४१, ५; इतम् ऋ ८, १०१, ८; इत, >ता ऋ १०, ३०, ३; १०८, ११: मा २,२१: ८,२१: का २, ५.४; ९.३, ७: तै १,१, १३.३;

[a]) सपा. खिसा १०,१ ऐतु इति पाभे. ।

[b]) सपा. एतु<>यन्तु (माश्रौ १,८,३,३ च) पाभे. ।

[c]) =सपा. आपश्रौ १६,२९,१ । मै २,७,१२ तु यन्तु इति पाभे. ।

[d]) सपा. एतु<>यन्तु इति पाभे. ।

[e]) =सपा. गोब्रा २,२,६ । ऐब्रा १,१९ आश्रौ ४,६,३ शांश्रौ ५,९,६; १८,१,२ तु एति इति पाभे. ।

[f]) पाभे. कृते पृ ७४७ *m* टि. द्र. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ७४७ *j* टि. द्र. ।

[h]) सपा. शौ ७,६७,१ ऐतु इति पाभे. ।

[i]) विनीतम् एतु इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ४,५७,८ विकृषन्तु इति पाभे. ।

[j]) सपा. ऋ १०,८५,६ एति इति पाभे. ।

[k]) सपा. शौ ३,१५,१ विशिष्टः पाभे. ।

[l]) सपा. ऋ ८,४०,६ विशिष्टः पाभे. ।

[m]) पाभे. कृते पृ ७४८ *f* टि. द्र. ।

[n]) पाभे. कृते पृ ७४८ *e* टि. द्र. ।

[o]) पाठे? अपे(प√इ)>*अपयन्तु इति शोधः प्रकरणतश् छन्दस्तश्च ।

[p]) सपा. ऋ १०,८४,७ विशिष्टः पाभे. ।

[q]) सपा. ऋ १०,१८,५ यन्ति इति पाभे. ।

[r]) सपा. शौ १३,१,१३ यन्ति इति पाभे. ।

[s]) सपा. शौ १३,१,३५ यन्ति इति पाभे. ।

[t]) सपा. शौ १,१७,१ यन्ति इति पाभे. ।

[u]) सपा. शौ ७,४१,१ यन्ति इति पाभे. ।

[v]) पाभे. कृते पृ ७४८ *l* टि. द्र. ।

[w]) तु. पपा. सा. W.; वैतु. RW. रात्रि हि इति द्विपदः पाठः । [x]) तु. सस्थ. टि. अति (परि.) ।

४,४३,२[a]:४४,३; ४,२,६,१‡[b]:
६,६,२,३: मै १,१,१३: ३,३८;
२,७,१३‡[b]: ४,१,१४: काठ १,
१२; ४,१२: १६,१३‡[b]; क १,
१२; ३,१०; २५, ४‡[b]; शौ ७,
१०२,७: ८,७,१६; पै ३, ३१,
१-५: १६, १३,६; २०, ३४,८;
एत शौ ११, १, १८[c]: ऐत् ऋ
१०,११३,१; ¶तै २,३.१०,१;
११.२: ¶मै १,६,१०:१३[२d];२,
३.४;५: शौ १०,८,३९: ऐत् ¶तै
१,५, ९.४: ५,२.१,२: ५,८,१:
६,१,२,४: ७.३, ५,१: ४,४,१:
मै १, ८, १[२]¶: १०, ३: ¶काठ
९,१६:२३,४:२५,६[२]:क ८,९[e];
३६, १¶: ३९, ३[२]¶: ऐताम्
तै ७.१,४,१¶; ऐताम् ¶तै २,
५.८,५:११,४:८; ७, १, ४, १;
¶मै ४, ३, ४; ६, ४: ¶काठ
९, १६: १३, ३: शौ १४, १,
११‡[f]; पै १८,१,११‡[f]: आयन्
ऋ २, २४,६; ३,३३, ७; १०,
६९, ९: १२१, ७[g]: १५७, ४:
मा १५, ४९: १७, १८: २७,
२५†[g], का १६, ६, १: १८, १,
१४: २९.४, ३†[g]; तै ४,१,८,
६†[g]:६,१,४: मै २,१०,१:१३,
२३†[g]: काठ ४०, १†[g]: शौ ३,
२२, ३: ५, २८, ८; १८, १,
३१‡[h]: †२०, ६३,२: १२४,५;
आयन् ऋ १, ३३,६; १६३, ९;
६, ७,४;२७,६: ७, ५, ३; ५६,
१२; ९, ९४, ४: १०, २८, ८;
७१, ३ ; ९८, ९: १११, १० ;
खि ५,५,६; मा १३, ५१; १७,
५६[i]: २९, २०†: का १४,५,५:
१८,५,७[i]: ३१,३,९†: ¶तै १,
५,४, ४[२]: ६,१०,२;७,१,३: २,
१,२,१;४,४, १; २; ६, ३, २;
$४,२,१०,४; ६, १, ४; ३, ३:
७, ४†: ५, २,३,४;३,५,३; ४;
७, १; ९, १: ५, ५, ४:७,८,३;
६,२,५,४;६,२;३,२,१; ४, ७[२];
१०,२;५, ३, १[२]; ७, १, ४, १,
२,१,१; ३,१,२: ४,४,१;६,१[२];
¶मै १,४,७: ६,९:७,५; ९, ४;
५[२];६:८;२,२,४[२];५,३;७,१७$;
१०, ५$; ३, १, १०; २, ३-५;
९; ३,८$; ४,२: ६, २; ८, ४[२];
९,४; ६; १०, २; ४, १, ९; ३,
१$; ६,४:८;७, ५;६;८,३;१४,
१८†; ¶काठ ७, १५;९,३:११;
१४[४]; १६; १३,४; १४,७; १६,
१७ $; १७ , १७$: १९, ९;
२०, १; २१, २[२]; २२, ७; १३:
२३,८[२]; २४,७;८;१०; २५,२[२];
६; २६,४[२];६:७; २८, ४[२]: २९,
६:९; ३०, २; ३१, ७; ३४, ७;
३६, १०; ३७, १४; ४६, ३†;
¶क ६,५[j]; ८,६;२५,८$; २८,
१$; ३१,३;१७[२]; ३५, १; ३६,
५; ३७,८; ३८,१;३;५[२];३९,४;
४१,२[२];४;५; ४४, ४[२]; ४५, ७;
४६, ५; ४७, ७; कौ २,४९१†;
जै २,१,५; ३, ३८,५†; शौ ४,
१४,१;१०,८,३‡[j]; पै १,१०१,
२; २, ५९,६;७३,९, ३, ३८,१;
४,११,४, ५,६,३: १३, ५,१९;
१३, ४; १६, १०१, ६‡[j]; ऐ:
काठ ११,७; शौ १०,१०, १०;
पै १६,१०७,१०; ऐतम् ऋ
१०,१३, २; शौ १८,३,३८†[k];
ऐत ऋ १०,१८, २; ऐत ऋ ४,
३५, ३; ऐतन ऋ १, ११०,३[l];
ऐतन ऋ १. १६१, ६; आयम्
ऋ १,१२५,३; १०, १०८,१०;
आयम् ऋ १०, ५१, ४; ६ :
¶इयात्[m] मै ३, १, १: ३, ३;
¶इयात् तै २,५,७,४; ३, १,२,
३;४: ५,५,१,३;४; ६, १,७,७;
४, ६, ४: ¶काठ ८,३;१९,८[२];
२१,१०;२६,९;२८,१[२]; ¶क ६,
८; ४१, ७; ¶इयुः काठ ६, ५;
३४, १; क ४, ४: इय्(ीया)म्[n]
खि १,२,११: ¶इयाम् तै २,२,
३,२;३,४,२;११,१; इयाव तै ७,
१,४,१¶; ¶इयाम तै ७,४,६,१;

a) सपा. काठ ४,९ क ३,७ यती इति पाभे. ।
b) सपा. ऋ १०,९७,४ विशिष्टः पाभे. ।
c) सपा. पै १६, ९०, ८ एति इति पाभे. ।
d) सकृत् ऐत् इति स्वररहितः पाठः ? ।
e) सपा. शौ ७, ३, १ काठ ९, ६ प्रत्युदैत् इति पाभे. । f) पाभे. कृते पृ ७४८ *b* टि. द्र. ।
g) =सपा. तैब्रा १, २३, ८ । शौ ४,२, ६ तु आवन् इति पाभे. ।
h) सपा. ऋ १०,१२,४ अयन् इति पाभे. ।
i) सपा. काठ १८,३ अयान् इति पाभे. ।
j) सपा. ऋ ८,१०१,१४ माश २,५,१,४ ऐब्रा २,१,१ ईयुः इति पाभे. ।
k) °तम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पूर्वं स्थलं WI. च) ।
l) तु. स्क. वें.; वैतु. सा. <आ√इ इति ।
m) यासुदात्तः ।
n) लिङि उपु१ सति पाठे? यनि. शोधः स्यात् (तु. संस्कर्तुः टि., सस्थ. टि. हित्वा च) ।

काठ २५,६; क ३९,४.

इनोति[a] ऋ ८, ३९, ५; इन्विरे ऋ ५,६,६; इनोषि[a] ऋ ४,१०, ७; †इनोषि[b] ऋ १०, १२०, ७; पै ६, १, ७; इनु[a] ऋ ९, २९,४.

‡इनीमसि[c] कौ १,१७६; जै १, १९, २.

इयाय ऋ १०, ७३, १०[२]; शौ १०, ७, ३१[d]; †ईयुः ऋ १, ११३, ११; ७, १८, ९; १०, १५,१[e];२; मा १९, ४९[e]; ६८; का २१, ४, १[e]; १७; तै १, ४, ३३, १, २ ६, १२, ४[२e]; मै ४, ७, ४¶;१०,६[२]†[e]; शौ १८, १, ४४[e]; ४६; २, ५५‡[f]; ईयुः ऋ १, २४,१०;३३,४;१६४,८; ८, १०१,१४[g]; १०, १०७, ८; मा ३४,५५; का ३३, २, १८; शौ ९, १४, ८†; पै १६, ६६, ८†; १०३, ११; इयथ शौ ८, १, १०; इयथ ऋ ८, १, ७; कौ १, २७१†; †जै १,२८,९; ४,१०, ५; पै १६,१,१०.

अयसे[h] ऋ १, ५७, ३; शौ २०, १५,३†.

आयिन्[i]– -यिनम् तै २, ४, ७, १; ९,१; काठ ११,१३.

इत– -तम् पै १३,९,६[j].

¶इता(त-अ)सु[k]– -सुः तै २,१, १,४; २,७;९,३; २,४,३; १०, ५;३, ११,२; ६,६, ७,२; ७,२, ४,३;७,५.

१इति[l]– -तिः तै ४,७,५,२[m].

इत्या[n]– -त्या ऋ १,१६७,५; मा १२, ६२; १८,१५[m]; का १३, ५,१; १९,५,३[m]; तै ४,२,५,४; मै २, ७,१२; ११, ५[m]; काठ १६,१२; १८,१०[m]; क २५,३;२८,१०[m]; पै ५,२७,६; -त्याः ऋ ७, ३६, ३;-त्याम् मा १२,६२; का १३, ५,१; तै ४, २, ५, ४; मै २,७, १२; काठ १६, १२; क २५, ३; पै ५,२७,६.

इत्यै[o] ऋ १,११३,६;१२४,१.

इत्वर[p]– -रम् ऋ १०,८८,४.

इत्वा का २, ५, ४[q]; ९, ३, ७[q]; तै ७,५,३,२¶; काठ ९,१२¶.

इन्वान[r]– -नः मै ७,९,११‡[s].

इयध्यै[t] ऋ ६,२०,८.

इयान,ना[u]– -नः ऋ १, ३०, १४[v]; २, २०,८; ५,३५, ३; ७, १७, ७; २९, १; ३८,[६; ५२, ३]; ६८, ३; ८, ५०, [(४९, ४)५]; ९६, १३[w]; ९,९२,६; १०,२०, [१०; ९९,१२]; ११; खि ३,२, ५;काठ २८,४†[w]; क ४४,४†[w]; †शौ २०, १२२,२[v]; १२७,७[w]; -†ना ऋ ७, ९१,२; ९५, ८; मै ४, १४, ७[x]; -नाः ऋ ७, २५, ५;५२,३; १०,४७,७; १०८,१; मा १०,१९[y]; का ११, ६, ४[y]; तै १, ८, १८, २[y]; मै ४, १४, ८†[x]; -नासः ऋ ५,२२,३; १०, ६७,८; शौ २०,९१,८†.

‡इयानो[z] ऋ २, ३४,१४.

a) विक. स्वरः ।
b) सपा. शौ २०,१०७,९ इन्वत इति पाभे. ।
c) सपा. ऋ १०,१३४,७ मिनीमसि इति पाभे. ।
d) सपा. पै १७,१०,२ जगाम इति पाभे. ।
e) सपा. बौपि २, ९,१२ इयाय इति पाभे. ।
f) सपा. ऋ १०,१७,४ ययुः इति पाभे. ।
g) पाभे. कृते पृ ७५० *j* टि. द्र. ।
h) तुमर्थीयः असेन् प्र. (पा ३,४,९) नित्-स्वरश्च ।
i) णिनिः प्र. तत्-स्वरश्च (वैतु. PW. <ए (आ√इ) इति) । j) सपा. शौ ५,२९,५ विहृतम् इति पाभे. ।
k) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
l) भावे क्तिन् प्र. नित्स्वरश्च ।
m) सपा. °तिः<>°त्या इति पाभे. ।
n) भावे क्यप् प्र. उदात्तः (पा ३,३,९९) ।
o) तुमर्थे कृत्यै प्र. उसं. (पा ३,४,१०) प्र. स्वरश्च ।
p) विप. । क्वरप् प्र. उदात्तः उसं. (पा ३,२,१६३) ।
q) सपा. मा २,२१; ८,२१ तै १,१,१३,३; ४,४४,३; ६,६,२,६ मै १,१,१३; ३,३८; ४,१,१४ काठ १,१२; ४,१२ क १,१२;३,१० शौ ७,१०२,७ माश १,९,२,२८; ४,४,४,१३ तैब्रा ३,३,९,१२ माश्रौ १,१,१,१२ विस्वा इति पाभे. । r) शानचि चित्स्वरः ।
s) सपा. ऋ १०,१३९,५ तैआ ४,११,८;५,९,१० हिन्वानः इति पाभे. ।
t) तुमर्थीयः कध्यै प्र. (पा ३,४,९) नित्स्वरश्च ।
u) कानजन्ते अभ्यास-दीर्घाऽभावः उसं. (पा ७,४,६९) । चित्स्वरः । v) सपा. इयानः<>ईयानः इति पाभे. ।
w) सपा. इयानः (तैआ १,६,३ च)<>ईयानः इति पाभे. । x) सपा. णत्वं द्र. ।
y) =सपा. माश ५,४,२,५ । मै २,६,११ काठ १५,७ तु न वाणीः इति विशिष्टः पाभे. ।
z) =इयानाः उ>नैप्र. यनि. इति मतम् (तु. पृ ६२७ *m* टि.) ।

इहि

इही (हि-इडा>) इ[a]- -इम् काठ ३४,६¶.

‡ईयान- -नः कौ १, ३२३[b]: २, ४३५[c]: जै १, ३४,१[b]: ३, ३३, १०[c].

ईयिवस्[d]-

ईयुषी- -षीणाम् ऋ १. ११३, १५;१२४,२.

एतवे ऋ १, ४६, ११: ११२,८: ५, ४४,११: ८,६९,१७: १०, ३९, ८: शौ ६. २३, २: २०. ९२, १४†: पै १९. ४,११.

†एतवै[e] ऋ ४,५८,९;१०,१०८. ६: मा १७. ९७: का १९. १, १०; काठ ४०,७: पै ८,१३,९.

एतव्य- -व्यम् काठ ३३,५¶.

एतृ- -ता काठ ३७,१४¶.

एतोस् (>:) ऋ २, १५. ५:३८.३: पै १६, ७३,३.

एम[f]- -मः[g] मा १८, १५: तै ४, ७, ५,२: काठ १८,१०: क २८,१०.

एमन्[h]- -म ऋ १, ५८, ⌊४; ४,७, ९⌋;६,३,४; मै २,११,५[g]; -मन् मा १३, १७;५३: का १४,२,२; ६,१; तै ४, ३, १, १; मै २,७, १८; काठ १६, १८: क २५, ९; -मभिः ऋ ५,५९,२;

१एव[i]- -वः मा १५,४:५; का १६, १,४;८; तै ४,३, १२,२;३; ५, ३, ५, ४; मै २. ८, ७[2]; काठ १७,६[2]; क२६,५[2]; -वाः ऋ ५. ४१, ५; १३; तै ४, ४, ७,२: मै २,१३,१२; काठ २२,५: -वान् ऋ ६,५१,२: पै १५,१२, ११[j]: -वासः ऋ १,१६६,४: -वेन ऋ १, १२८, ३: काठ ३९, १५†; -†वैः ऋ १, ६२,८:६८,२;७१, २: ९५,६; १००, २: ११: १८; ११७,१४; १५८,३: १८१,६:३, ३३,५:५४,९;५८,४; ४,२,१२: ३३,१;५६,१;५,४१,५:७,६,६: ६२,२; १०४,७:९: ८,१८,१३; ६८,४; ९७,३; १०३,१३; १०, ६,६; ८,७; ६७,११; ७३,२; तै १, ८,१०,२$[k]; ३,१,११,५; मै ४,१२,५;१४,७; काठ ११,१३; कौ १, ३६४; जै १, ३८, ३; शौ ८, ४, ७; ९: २०,९१,११; पै ८, १४,६; १६, ९,७;९.

एव-या[l]- -याः ऋ १, १५६,१; ५,४१,१६.

†एवया-मरुत्[m]- -रुत् ऋ ५, ८७,१-९; कौ १, ४६२; जै १, ४८,८.

एव-यावन्[n]- -०वः ऋ १, ९०, ५: -०वः ऋ ७, १००, २: -वभिः ऋ १०,९२,९; -व्नः ऋ २,३४, ११.

एवयावरी[o]- -री ऋ ६,४८,१२.

¶एष्यत्[p]- -ष्यता मै ३, ९, २; -ष्यते[q] काठ २१, ८; -ष्यन् तै २,२,१,४:६,४:३,११,५.

यत्- यतः ऋ १, १६९, १[r]: ५, ५३, १६: ६, ४६,१४; ७, ६१, ३; १०, १११, ७; मा ११, ३;

---

[a]) नाप. (साम-विशेष-)। बस. (तु. अध्यर्धेड- प्रभृ.)।

[b]) पाभे. कृते पृ ७५१ v टि. द्र.।

[c]) पाभे. कृते पृ ७५१ w टि. द्र.।

[d]) क्वसुः प्र. इडागमश्च (पा ३,२,१०९)। प्र. स्वरः।

[e]) तवै प्र. आद्यन्तस्वरश्च (पा ६,१,२००)।

[f]) भावे. मन् प्र. उसं. (पाउ १,१४०) नित्स्वरश्च।

[g]) सपा. °मः<>°म<> का १९, ५,३ यामः इति पाभे.।

[h]) पूर्वात् प्राति. मनिन् प्र. इतिमात्रं विशेषः।

[i]) विप. (अश्व-, काम-), भाप., नाप. च। वन् प्र. (पाउ १,१५२)। नित्स्वरः।

[j]) पाठः? (तु. सस्थ. टि. ?अनुप्रास्य)।

[k]) =सपा. तैब्रा १,७,४,३। मै २,६,१२ काठ १५, ८ तु पाठाऽभावः।

[l]) विप. (⌊विष्णु-,मरुत्-⌋=एव-यावन्-)। उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। प्रथमे स्थले प्र१ द्र. (तु. पपा. प्रभृ.)। अत्र वै. उप. यनि. अनु वदन्नपि पूप. =एव इति विसंवादुकः, सा. पूप.=(√अव् ⌊रक्षणे⌋>) भाप. उप. च √यु (मिश्रणे) कर्तरि कृत् इतीव प्रतिपन्नः?। द्वितीये स्थले द्वि३ द्र. (तु. GW. L ४५१; वैतु. पपा. °या इति, तच्च याजन्तं तृ१ इति सा.)।

[m]) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। वा. क्रिवि. इति कृत्वा यनि. रुपम् न. द्वि१ द्र. (वैतु. सा. =ऋषेर्नामेति कृत्वा पुं. प्र१ इति?, BS. यनि. =°या ⌊तृ१> क्रिवि.⌋, मरुत् इति द्वे पदे इति च?)।

[n]) =एव-या-। विप. (विष्णु-, मरुत्-)। उप. वनिबन्तम् इति विशेषः।

[o]) स्त्री. ङीप् प्र. रेफान्तादेशश्च (पा ४,१,७)।

[p]) भविष्यति शत्रन्ते विक. स्वरः।

[q]) सपा. एष्यते<>यते इति पाभे.।

[r]) तु. GW.; वैतु. सा. युद्- + तसिः प्र. इति? तथात्वे हि असि इति क्रिप. न निहन्येत।

का १२, १, ३; तै ४, १, १, १; ६, ३, २, १¶; मै ३, ६, १¶; काठ १५,११[a]; २२, १३¶; शौ १८, ४,५६; ¶यताम् तै ५, २, ३,४;३,२,२; ६, २, ४, १[b]; ७, ३,१,१; काठ २०, ११; क ३१, १३: यते ऋ १, ४१, ४; १८८, २; ५, २७,४; ८, २७, २०; ९, ६९,३:७४,३; ७७,५; १०, ७८, २; मा २२, ८[c]; का २४,३,४[c]; तै २, २,५,५¶;५,४,६, १¶[d]; ७, ४, २२, १: मै ३, १२, ३[c]; काठ ४१, ४[c]; ४५, १: यन् ऋ १,१८३,२[e]; ४,२४,९;५,३१, ७; ६, ३, ७; ९, ३,४; ९३,२[e]; १०,१२,१; ८८, १२; ९९, ३; ११७,७: १२४, २: का १०, ५, ८[f]; तै ७, ५,२,२¶; काठ ३३, १; †कौ २, ६०८;७६९[g]: जै ३, ४९, ७†; शौ १८, १, २९†: यन्तः ऋ १, १४०, १३[h]; ६, २९, १; ७, ७४, ५; ८, ४५, ⌊११;६१, ४⌋; ९८, ७[i]; १०, १२३, ४; मा १७, ६८; का १८, ६,४; ¶तै ३, १, ९, ५[२]; ४, ६, ५, २$; ५, ४, २,३; ३, २; ७, १$; ६, १,१, २; ३,३; ¶काठ २१, २;६; २३, ४; २८, ३; ¶क ३१, १७;२१; ३६, १; ४४,३; शौ ४, १४,४; ५,७, ४; २०, १००,१†[1]; पै ३, ३८, ४; १९,२८,६; यन्तम् ऋ १,१०५, १८; ५,५४,६; ६,१,३; मा ६, २०; का ६,४,५; तै १,३,१०, १; ¶६, ३,११, २; ५,१,४; मै १,२,१७; ३,१,३¶; ४,६,५¶; १३,६†; काठ ३, ७:१८,२०†; १९, २¶; २७, १०¶; क २, १४; २९, ८¶; शौ ६,१२२,४; १८, २, ९; पै २, ६०, १; यन्ता ऋ १, १३१, ३; १८३, ५; शौ †२०, ७२,२; ७५, १; यन्तौ ऋ १, १३९, ४; तै ६, ४, १०, ३[२]¶: मै ४, ६, ३[२]¶, काठ २७,८[२]¶.

यती[j]– -ती ऋ ५, ४५, ७; ५९, २; ७,७६,३:९५.२; मै ४,१४, ७†, काठ ४,९[j]; क ३,७[k], शौ ६,६०,२; पै १४, ३, १३; १४; २४; २५; १९,१४,५; –तीः ऋ ५, ५३,५; ८,६,⌊(४) ३४; १३, ८; ९, २४,२⌋;९१,४; तै ५, ६, १, ३; मै २, १३, १; काठ ३९, २; कौ २, ३१२†; जं ३, २५, ८†; शौ ३,१३,२; ५, २१, ९; ६,८५,३; १४,२,५२; पै ३, ४, २; ४,२६,३†; १८,१२,१;१९, १८, ९; –तीनाम् ऋ १, १५८, ६; –तीषु ऋ ४,३८,७.

ई[l]

ई√कृ

ई-कार– -राय काठ ४१,१०[m].

ई-कृत– -ताय काठ ४१,१०[m].

१इक्षु[o]– -क्षवः मा २५, १[२]; का २७, १, २[२]; तै ७, ३,१६,१[२]; मै ३, १५,१[२]; काठ ४३,६[२].

२इक्षु[p]– -क्षुणा शौ १, ३४,५; पै २, ९,३.

¶ऐक्षव[q]– -वौ काठ २४, ८[२]; क ३८,१[२].

ऐक्षवी– -वी तै ६,२,१,५[२].

¶इक्षु-काण्ड[r]– -ण्डम् मै ४, २, ९: –ण्डे मै ३,७,९.

¶इक्षु-शला(क)का[r]– -कया मै १, १०, १७.

a) वैतु. SI. पूर्वेण स्वङ् इत्यनेन समस्तमिति ।
b) वैतु. भा. पक्षान्तरे <√यत इति ।
c) सपा. तै ७,१,१३,१ आयते इति पाभे. ।
d) पाभे. कृते पृ ७५२ q टि. द्र. । e) तु.सस्थ.टि. अभि ।
f) यन् तुर्ये तुर्यम् (काश ६,२,३,७ च) इत्यस्य स्थाने सप्र. मा ९, ३० माश ५, २, २,१३ यन्तुर्यन्त्रिये इति पाभे. । g) यत इति S. ? ।
h) गव्यं युव्यं यन्तो दीर्घाहा इति छन्दस्तो द्व्यक्षरेण न्यूने पादे गविश्रम् युविश्रम् इति वा, यन्तो इत्यस्य स्थाने यातयन्तो वेति ?ORN., युविश्रम् दीर्घा अहा इति वा ?AM२९५(वैतु. M. म्यन्तः इति, L ५१० यामि ⌊प्र३⌋ इति च प्रस्तावुकौ) ।
i) सपा. कौ १,४०६;२,६० म्मन्तः इति पाभे. ।
j) स्त्री. कीबुदात्तः (पा ६,१,१७३) ।
k) पाभे. कृते पृ ७५० u टि. द्र. ।
l) शब्दानुकृतिमात्रं सत् = ई, हिं (यद्र.) । गतित्वम् उसं. (पा १,४,७४) ।
m) सपा. मा २२, ७ मै ३, १२,३ माश १३, १,३,५ काश्रौ २०, ३, ३ हिंकाराय इति, तै ७,१, १९, १ तैब्रा ३,८,८,१ आपश्रौ २०,६,३ ईंकाराय इति च पाभे. ।
n) सपा. मा २२,७ मै ३,१२,३ माश १३,१,३,५ हिंकृताय इति, तै ७,१,१९,१ तैब्रा ३,८,८,१ आपश्रौ २०,६,३ ईंकृताय इति च पाभे. । o) नाप. (अक्षि-लोमन्-) । व्यु. ? ।
p) नाप. (इक्षु-दण्ड-) । व्यु. ? <√इष् (इच्छायाम्) इति पाउ ३,१५७ ।
q) विप. (उदयाव-) । विकारेऽर्थे अण् प्र. (पा ४, ३, १३६) प्र. स्वरश्च । r) षस. अन्तोदात्तः ।

इक्ष्वाक[a]- -कः शौ १९, ३९,९; पै ७,१०,९.

इक्ष्वाकु[b]- -कुः ऋ १०,६०,४.

√**इङ्ग् > इङ्गि, †इङ्गयन्ति** ऋ १, १६४,४५; शौ ९,१५,२७[c].

√**इच्छ्,इष्** (इच्छायाम्), **इच्छते**[d] तै ६, ३, ६, १¶; ९,३; **इच्छते** मै १, ८,२¶; काठ ६, २¶; क ४, १¶; शौ ११,७,१७; पै ३,२८,४; १६, १५४,७; ¶**इच्छति**[d] तै ५, १,२,६; मै २, ३, १[२]; ३,३,४; ६, ६; **इच्छति** ऋ १,८०,२;६, ५७,२; ९,४७,४;११२,१;२;४; तै २,४, १०, १¶; ¶मै २, ३, १[२]; ३,३,४;७,५[२]; ¶काठ ११, १०[२];१९,३; क ३०,१¶; पै ८, १२, ६; ९, १९, ७; **इच्छतः** शौ ८,६,४; पै १६,७९,४; **इच्छन्ते** ¶तै २,५,६,६; ६.५,९,४; काठ २८,९¶[e]; शौ १०,८,५; पै १६, १०१,४; †**इच्छन्ति**[d] ऋ ३,३०, १; ५७, ३; ८, २, १८; मा ३४, १८; का ३३, १, १२; तै १,६, ७,३¶; ¶मै ३, ४,७; ८,३; कौ २,७१†; जै ३,७,९†; शौ २०, १८, ३†; **इच्छन्ति** ऋ ८, ७२, ३[१]; १०, १७७, १; ¶मै २,२, १३;३,८,३;¶काठ ९,१२; २५, २[२]; ¶क ३८,५[२]; ४४,९[e]; पै २, ६२,५;१७,१२,५;१९,३०,१२; †**इच्छसे** ऋ ८,२१, १३; कौ १, ३९९; २, ७३९; जै १, ४५,१; शौ २०, ११४, १; **इच्छसि** खि ४,५,३२;५,१५,१; शौ १०,१, २० ; २०, १२९, ४; १४[g] ; पै १६, ३६, १०; १९, १६, १५; †**इच्छामि** ऋ ६, २८, ५; काठ १३, १६ ; शौ ४ , २१, ५; **इच्छामि** ऋ ३, ३८, १: **इच्छात्** ऋ १०,२७,९; ९५,१२; शौ ६, १३३, १; **इच्छन्त** ऋ १, ६८, ४: **इच्छ** शौ १०,१,७; पै १६, ३५,७; **इच्छताम्** शौ ८,६,४; पै १६,७९,४; **इच्छतु** ऋ ७,१०२, १; मा ३५,२; का ३५,४,२; मै ४, १२, ५†; काठ २०, १५†; शौ ६, २०, १; ?**इच्छन्तु**[h] पै १, ५३, ३; **इच्छस्व** ऋ १०, १०, १०; शौ १८,१, ११†; पै १३, १, ३: †**इच्छ>च्छा** ऋ १०, १०,१४; शौ १८, १,१६; **इच्छ** ऋ ६,४७,१०:५३,६;१०, ८५, २१:२२; खि ४,९,१; मा ११, १९; १२,६२[२]; का १२, २, ८; १३,५, १[२]; तै ४,१,२,३; २,५, ४[२]; मै २,७,२;१२[२]; ¶३,४,६; ९,५; काठ १६,२;१२[२]; १९,३; २३, ४¶;२५, ७¶; क २५,३[२]; ३०,१; ३६, १¶; ३९,५¶; शौ ५,२२,६;७;१४,२,३३†; पै ५, २७,६[२];१८,१०,३†; १९,३,२; २०, ८, ४; ३८,१; **इच्छध्वम्** तै ७, १, ५, २¶; †**इच्छत** ऋ ७, १०४, १८; शौ ८, ४, १८; **इच्छत** ऋ ८, ७०, १३; शौ ४, १५, १५; पै ५,१५,२; ¶**इच्छामहै** काठ ८, १०; क ७, ६; ¶**ऐच्छत** तै २,४,१२,१;५,२,१; मै २, ४, १; **ऐच्छत्** ¶मै ३, १, ४; ५: शौ ११, ७, १५; पै १६, १५४,५; ¶**ऐच्छत्** तै २,६, ७, १; मै १, ९, ३; १०, १०[२]; २, २, ७; ४, ३; ३, ३,६: काठ ९,११; १९,३; ३६,५[२]; क ३०, १: पै १६, १५४, ५$; ¶**ऐच्छेताम्** तै २, ५, २, ३. ¶**ऐच्छन्त** तै ६,३, १,३; ७,२, १०, १; मै १,११,५:२,१,११;३,८,५: काठ १४, ५; ¶**ऐच्छन्** काठ ९, १२; ¶**ऐच्छन्** तै २,१,२, २;४: ४,१; ८,१:२,१०,१; ३,२,२;५,३,६; ६,६,१:६,२,४,२: ८,४; मै १, ६,१२;३,७, १: ८, ३[२]; ८[२];४, ३,४;६,२; काठ ६,५; ९,११[२]; ११, ५: २८, २;क ४, ४; ४४, २; पै ८, १५, १३[१]; **ऐच्छः** ऋ १०,१०८, ५; **ऐच्छाम** ऋ १०, ५१, ३; ५३, १; शौ ८, ५,११; पै १६, २८, १ ; **इच्छेत** शौ १२, ४, १३ ; पै १७, १७, ३;

[a]) =इक्ष्वाकु-। व्यप. इति च व्यु. मत्वर्थः कन् प्र. इति च ततो विशेषौ द्र. (वैतु. RW. °कु-> -कोः [५१] इति वदन्तौ वा. चाऽऽदि-स्वरं चोपेक्षमाणौ, शंपा. ऐ° इति शोधः इति च) ।

[b]) सामान्यं नाप. सत् =ईश्वर- (तु. सा.; वैतु. PW. प्रमृ. व्यप. इति)। व्यु.? √*इक्ष् (ऐश्वर्ये)>भाप. *इक्ष्व- (>°क्ष्वा)+मत्वर्थः कः प्र. स्यात् । [c]) ई° इति पपा. ।

[d]) प्र. फित्वा[त्]निघाते च लसा. निघाते च यथायथं तुदा.विक. स्वरः । [e]) सपा. इच्छन्ते<>इच्छन्ति इति पाभे. ।

[f]) तु. सस्थ. टि. अन्तुह् ।

[g]) RW. किमिच्छसि इत्यस्य पाठस्य स्थाने शंपा. सात. निमिच्छसि इति, खि ५,१५,४ निनित्ससि इति च पाभे. ।

[h]) पाठे? °न्तः इति शोधः (तु. सपा. शौ १९, १४, १ [तु. तै ५, ७,४,३ पुष्यन्तः इति स-कक्षः पाठः]) ।

[i]) पाठे? ने(न,इ)च्छन् [शत्रन्तम् इति] द्विपदः शोधः (एतदनु वैप १,४७६ e टि. शोधः द्र.)।

इच्छेत् ऋ १०,११७,४; पै १९,
१४,४[२a]: इच्छेयुः ¶मै ३, ४,७;
६,६.

ऐषीत् ¶मै ३,१,४;५.

इच्छत्– -च्छत् पै २०, ३८, १;
–च्छतः पै ८, १५, ८; –च्छताम्
पै २,२५,२; –च्छन् ऋ १, ८४,
१४: १०९,१; १२५,३: ३,५४,
२;५, ३०,१;२:७: ३१,१२, ७,
९८,१; १०,५,५: ८,७: ४६,३;
६७,८: ७९,३: १६५, १: मै २,
१३,६: काठ ३९, १२†: कौ २,
२६४†: जै ३, २२, ११†; शौ
६, २७,१†, ६०,१[a]: ७, १०८,
१:१९, ५६, ३:† २०, ४१, २;
८७, १: ९१,४; पै ६,८, ६: ८,
१५,१३: १९,१३,१३†: २०,३,
५: –च्छन्तः ऋ १,७२,२;११०,
२; १६१, १४: १०, ४६,२; तै
५,२,३,१¶; ¶काठ ७,१०;२०,
१: २४, ७: २५, २; ¶क ५,९;
३१,३: ३७, ८:३८,५: शौ १९,
४१,१[b]: पै ६,१०,३.

इच्छन्ती– -न्ती ऋ ५, ३७, ३;
१०,१०८,१;२; शौ ७, ७७,८;
९,१५, ५‡[c]; ११,११,८: १४.
२,१९; पै १६, ६८,५‡[c]; १८,
८,१०;२०,११,२‡[c]; –न्तीः ऋ
१,२५,१६;पै ७,१३, १२; १५,
१९,१२.

इच्छमान,ना– -नः ऋ १,१२६, १;
१७९,६; ३, १८, ३; ६, ६, १;
५८,३; ७,९३,४; १०,३४,१०;
६७,६;८१,१:१०२,४; मा १७,
१७†; का १८,२,२†; ¶तै १,
५,१,४; ४,६,२ १†; ५, ४, ९,
१; ७, ४, २; †मै १, ८, १[२]¶;
२,१०,२;४,१३,७;१४,५:१६;
काठ ४, १५†: ६, ७[२]¶; १०,
३¶:१८,१†; क ४, ६[२]¶; २८,
२†: शौ ३, १५, ३†; ५; ६;
१९, ७, १: २०, ९१, ६†;
पै १५, २, ५† ; १९, ४९, ३ ;
–नम् ऋ ४, १८,१०: –ना काठ
२७, ९¶: पै ५, ३४, ९; –नाः
ऋ १, ११०, ५: ३, ३३, ७; ४,
४१,९; ७,९३,३: १०,४५,११;
मा १२,२८†: का १३,२,११†;
तै ४, २,२,४†; मै १, ८, १¶;
२,७,९: ४, ११,१†; काठ १६,
९† ; २६, १¶ : क ४०, ४¶,
–¶नानि काठ १८,१९; क २९,
७; –नासः ऋ ३, २,६; –नौ तै
४,७,१५,४; मै ३, १६,५; काठ
२२,१५.

इप्यमाण– -णः पै ५, ४०, १ ; ६,
२२,९; १६,७१,६.

१एष–

एषै (प-एष्>) षी[d]– -ष्यां ऋ
१०,१०२,११.

¶एष्टव्य,व्या– -व्यः काठ २८, ४ ;
क ४४,४; –व्या काठ १३, १२;
२५,२; क ३८,५.

इट[e]– -टः शौ ६,१४,३; पै १९, १३,
९; –टस्य शौ ९,३,१८; पै १६,
४०,९.

इटत्[f]– -टतः[f] ऋ १०,१७१,१.

इठिमिका[g]– काठपुष्पि १-१८.

√इड्,ळ् (वधा.)[h]

इड्,ळ्[i]– इडः ऋ १,१२८,१[j]; २,
१०,१; ३,४,३; ५,४२,१४; ६,
१,२;५८, ४; ७, ४७, १[j]; १०,
१७,९;७०,१;९१, १ ;१९१, १;
खि ५, ७, १, १ ; ४ ; मा १५,
३०†; २१,२९;२८,१; का १६,
५,११†; २३,४,१; ३०, १, १;
तै २, ६, ११, ४†; ४,४,४,४†;
मै २,१३,७†; ३,११,२;४,१३,

a) सपा. इच्छेत्<>इच्छत्–> -च्छन् इति पाभे. ।

b) सपा. तै ५, ७, ४, ३ तैआ ३, ११, ९ पश्यन्तः इति पाभे. ।

c) सपा. ऋ १,१६४,२७ ϕअभीच्छन्ती–>-न्ती इति पाभे. ।

d) विप. स्त्री. (रथी-)। उस. एषं यथेच्छम् एषति याति इति कृत्वा अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । यनि. रूपं तृ१ (तु. सा. ORN.; वैतु. सा. पूप. <√इष् ⌊गतौ⌋ उप. <√इष् ⌊इच्छायाम्⌋ इति, PW. WAG. ⌊तु. ORN.⌋ यनि. रूपम् एषैष्यं–>न. द्वि३ इति?)।

e) व्यु. अर्थश्च? सा. √इ>इत– इति, PW. W. प्रभृ. =नड- इति ।

f) व्यप. [इट– (मूक्तर्षि-विशेष- ⌊ तु. वैप २,४ ऐटत– इति, ORN. च⌋)]। व्यु.? √*इट् (स्तुतौ)+अतिः प्र. उसं. पाउ २,८५) प्र. स्वरश्चेति विमृश्यम् । यनि. रूपं प१ द्र. (तु. सस्थ. टि. सुतावतः; वैतु. PW. इटत्-⌊गत्यर्थाच् छत्रन्तम्⌋ इति, सा. इट– ⌊व्यप.⌋ इत्यतः GW. इट– ⌊=नड-⌋ इत्यतश्च तासिं प्र. मन्वानौ स्वरतश्चिन्त्यौ)।

g) नाप. (ग्रन्थ-खण्ड-विशेष-)।

h) =√ईड् (स्तुतौ) इति MVG १८५, =√इष् (इच्छायाम्) इति भा. ⌊तै ३, ५,६,२⌋।

i) =इट्–। कर्मणि क्विप् प्र. धा. स्वरः॰। ऋ. का. ॰ळ्– इति ।

j) वैतु. GW. द्वि३ इति ।

२;६†;१४,१६†; काठ २,१५†; १५, १३ ; १८, २०† ; कौ १, ६३; जै १, ७, १; शौ ६, ६३, ४†; १८,१,४३†; ४,४७; पै ९, २१, १०; १९, ७, १†; इडः मै ४,१०,३; काठ २०, १५^{२}; इडा ऋ १, १२८,७; ३, २४,२;२७, १०; मा २१, ३२; का २३, ४, ४; मै ३,११,२.

१इडा,ळा[a]— -डया ऋ ३, ५३, १;५४,२०;५९, ३[b]; ५, ४, ४; १०, ६४,११; खि ५, ७, ३, ७; मा १२,७४[c]; का १३, ५,१३[c]; मै ३, ४, ४[c]; ४, १३, ८; काठ १९, १३; २२, ५[c]; २३, ११†; कौ १, ३३८†; जै १, ३५, ७†; शौ ३,१०,११; ६,६२,३; पै १, १०५,३;१०६,६; ५,१,५; १९, ३०,७; —डा ऋ १, १३,[९; ५, ५,८]; १४२,९; २,१,११;३,८; ३१,४; ३,४,[८; ७,२,८];७,५; ५५,१३; ४,५०,८; ५,४१,१९; ७,१६,८; ८, ३१,४; ९, ५, ८; १०, ३६, ५; ७०, ८; ११०, ८; खि ३,११,१; ५, ७, ३, ७; ६, ३,४^{२}; मा २०, ४३; ६३; २१, १९;३७;५४; २७, १९; २८,८; १८; २९, ८;३३†; का २२, ४, ८; ६, ९; २३, २,८;४,९;६,७; २९,२,९; ३०,१,८;२,७; ३१, १,८;४, ९†; ¶तै १, ७,१,१^{२}; २^{२};३;४;२,४; २, ३, १०, २$; ६,८,१; ३,३,२,१$; ४, १, ८, २†; ५,१,११,३;६,४,१; ७,१, १;६,३,११,४;४,९,३; ¶मै १, ४,५;५,३$;१०^{२}$;६,१३; १०, १५; २,३,४$;१२,६$; ३, ४, ४;७,६; $११,१-३;५;११;१६, २$; ४, २,२;३^{३}; ४;६; ११$; ६,१;१३,३†;५^{४}$;७†; ८; १०; काठ ८,४^{२}¶;११,७; १६,२०†; १८,१७; १९,१३; ¶२२,६; ८; २४,४¶; २७,५^{६}¶; ३२,२^{२}¶; ३६,९¶; ३८,६;८;१०; ४६,२; ¶क ६, ९^{२}; २९, ५$: ३४, १; ३५,२; ३७,५; ४२,५^{६}: शौ ५, १२,८†:२७,९; ७,२८,१; ११, ९,१८: १५,६,२०; पै ६, १९, २: ९, १, ९; २१, १०: २५,९; १३, ५,२१; १६,८३,८;८७,८; २०,१२,६; —डाः तै १,५,६,३; मै १,५,३; १०^{२};¶; ४,२,४¶; काठ ७,१;८^{२};¶; क५,१; कौ १, ४५५[d]; जै १,४७,७[d]; —डानाम् ऋ ९,१०८,१३; †कौ १, ५८२; २,४४६; †जै १,५९,५; ३,३४, ४; पै ५, १६, ५; १३, ५, २०; —डाभिः ऋ १,४८,१६;१८६,१; ५,५३,२; ७, ३,७; ६५,[४(३, ६२,१६;८,५,७)];८,३२,९; मा १९,२९;२०,५८;२१,१४; २८, ३;२६; †३३,३४;४७; का २१, २, १८; २२, ६, ४; २३, २,३; ३०, १, ३; ३, ३; †३२, ३,५; ४, ४; तै ५, ६, ४, १[e]; मै ३, ११, ३¶; ११; ४, १४, १२†; काठ ३४, ६¶; ३८, ८; १०; —डाम् ऋ १, ३१, ११; ४०; ४:३,१,[२३; ५-७, ११; १५,७; २२,५; २३,५]; ६,१०,७; ५२, १६; ७,४४,२; ६४,२;१०२,३; ९, ६२, ३; मा १२, ५१†; का १३,४,७†; ¶तै १,७,१,२; ३; ४^{४};२,१;४; २,६,७,३; ४,२,४, ३†; ६,३,११,४; ४,९,३:४:७, ३, ११, २^{२}$;¶मै १,४,५;१०, १५^{२}; २,४,२;७,११†;४,२,२; ३;७^{२};६,१^{२}; ११, १†;१२,३†; १३, ५; ¶काठ १२, १२; १६, ११†, १८, २१$; ३२, २; ३४, ६; ३६, ९ ; ४३. १^{२}$; क २५, २†; †कौ १, ७६: २, १८२; †जै १, ८,४; ३,१७, ३; शौ १८,४,३०; पै ९,२१,१०^{२}; —डायाः ऋ ३, २३, ४; २९,३[e]; ४; १०,१,६;९१,४: मा ४,२२; †३४, १४[e]; १५; का ४, ७, २; †३३,१,८[e];९; तै १,२,५,१;३, ५,११,१†; ६,१,८,२; मै १,२, ४;४,५†; †६,२; ७;२,४,२¶; ३,७,६; ४,२, ३^{२}¶: १०, ४†; ११,१†; काठ २,५; १२,१२¶; १५,१२†; २२,८¶;२४,४;३२, २¶;३९,६; क १,१२;३५,२¶; ३७, ५; शौ ३,१०,६[f]; १५,६, २१; पै १,१०५,२;९,२१,१०^{४};

a) नाप. (अन्न-, वाग्देवी-विशेष-, अघ्न्या-, हविस्- प्रभृ.) । स्त्री. टापि स्वरेऽविशेषः। ऋ. का. °ळा— इति।

b) =सपा. तैब्रा २, ८,७,५ आपश्रौ ४, ११,६। मै ४, १०,२ तु इंडया इति पामे.।

c) =सपा. इडया (माश ७, २,३,८ च) <> इडाभिः <> मै २,१२,३ इंडया इति पामे.।

d) सपा. ऐब्रा ५,२,२ इडाम् इति पामे.।

e) नाप. (अधराऽरणी-)। √=इन्ध् इति कृत्वा धा. दीप्तौ वृत्तिः द्र.।

f) =सपा. मंब्रा २, २,१४ आश्रौ २, २, १७ आपश्रौ ६,५,७ माश्रौ १,६,१,१५। तैब्रा ३, ११, १२ हिगृ २, १७,२ तु इडायै इति पामे.।

१९,५१,१७;¶-डायाम् ¶तै १, ७, १, ४[२]; ४, ३; मै १,४,५¶; -डायै ¶तै १, ७,१,२; ५,७,१, १;६,१,८,२; मै ४,२,४; -डासु ऋ ५, ६२,५; ६; -०डे ऋ १, १८८,८; मा ३, २७; ८, ४३; ३८,२; का ३,३, १९; ९,६,२; ३८, १,२; तै १, ६,२,१; ७,१, ६,८; मै ४,२,५[२];६;९,७.

१ऐड[a]- -डेन[b] मा १५, ७; का १६,२,४.

¶ऐडी[c]- -डीः मै १,५,१०; काठ ७,८.

ऐड-बृ<>बृदु[d]- -द्वाः मा १६,६०; का १७, ८, १८; तै ४,५,११,१.

ऐड<>ल-मृड, दु[d]- -डाः मै २,९, ९: -द्वाः काठ १७, १६.

२ऐड[e]- -डम् मा १३, ५७[f]; का १४, ७,८[f]; तै ४, ३, २, १[g]; मै २, ७, १९[f]; काठ १६,१९[f];३४,६[२]¶; क २५, ९[f]; -डात् मा १३, ५७[h]; का १४, ७, ८[h]; तै ४, ३, २, १[i]; मै २, ७, १९[h]; काठ १६, १९[h]; क २५,९[h].

इड,डा-प्रजस्[j]- -जसः तै १, ५,६, १; मै १, ५,३; १०; काठ ७,१;८; क ५,१.

¶इडा-त्व- -त्वम् मै ४, २,३[२].

¶इडा(डा-अ)न्त[k]- -न्तम् मै ३,७,९; काठ २४,८; क ३८,१.

इडा-प (ति>)त्नी- -त्नी पै १४,३,१७.

†इडा<>ळा-वत्- -वन्तः ऋ १०, ९४, १०; -†वान् ऋ ४,२, ५; तै १,६,६, ४; ३,१, ११,१; मै १,४,३; ८; काठ ५, ६;३२,६.

इडावती- -ती काठ २, १०‡[l]; -तीम् ऋ ९,९७,१७.

¶इडो(डा-उ)पहूत[m]- -तम् मै ३,९,५.

इड[n]- -डः मा २, ३[o]; का २,१, ४[३]; तै १, १, ११,१: २[३]; ३,५, ६, ३[p]; मै १, १, १२[३]; काठ १, ११[३]; १५,१३; क १,११[२].

इडित- -तेभिः खि २, १४,६.

१इडा- √इड् द्र.

२इड(ड>)डा,ळा[q]-

३ऐड,ळ[r]- -०ड ऋ १०, ९५,१८; -डः मै १,६,१२¶.

इत- √इ(वधा.) द्र.

इत-ऊति-, इतः-प्रदान- इदम्- द्र.

इतर,रा[s]- -रः ऋ १०,१६,९; १८,१; मा ३५, ७†; १९; का ३५, ४, ६†: ५८; ¶मै १, ५, १२; ९, ८: २,१,१०; ३,७,८;९; ¶काठ

---

a) स्वार्थे वा समूहे वा तस्येदमीयाऽर्थे वा अण् प्र.तत्स्वरश्च।

b) सपा. तै ३, ५,२,४; ४, ४, १,२ काठ १७,७;३७, १७तां १,१०,२ गोब्रा २,२,१३ वैताश्रौ २५,१० रेवदसि इति, मै २,८,८ रेवता इति च पाभे.।

c) =इड,डा-प्रजस्-। नाप. स्त्री. (प्रजा-)।

d) विप. (रुद्र-)। पपा. नावग्रहः। उस. उप. कर्तरि कः प्र. थादि-स्वरश्च। उप. भूयांश्च पाभे. द्र.। स च यथा मा. ⌊पपा.⌋ बृ° इति, बृ° ⌊निसा. का. तै.⌋ इति, मै. °मृड- इति, काठ. °मृदु- इति। पूप. °ल- इति मै.। क २७,६ ईल-मृड- इति यद्र.।

e) नाप.(साम-विशेष-)। अण् प्र.(पा४,२,६१)। तत्स्वरः।

f) =सपा. माश ८,१,२,५। तै ४,३,२,२ तु स्वारम् इति पाभे.।

g) सपा. मा १३,५५ का १४,७,४ मै २, ७,१९ काठ १६,१९ माश ८,१,१,८ स्वारम् इति पाभे.।

h) =सपा. माश ८,१,२,५। तै ४,३,२,२ तु स्वारात् इति पाभे.।

i) सपा. मा १३,५५ का १४,७,४ मै २, ७,१९ काठ १६,१९ माश ८,१,१,८ स्वारात् इति पाभे.।

j) नाप. (मानवी-प्रजा- ⌊=ऐडी-⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् [पा ६, २,४२ (तु. भा सा., K. ⌊नु.टि.⌋; वैतु. भा. ⌊पक्षान्तरे⌋ अन्यथा व्युत्पादुकः)]। उप. कर्तरि कृत्। काठ ७,१ पूप. ह्रस्वाभावः (तु. पा ६,३,६३; वैतु. यत्तु र. शोध्यमित्याह तच्चिन्त्यम्)।

k) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

l) सपा. आ ७,९९,३ इरा° इति पाभे.।

m) तृस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)।

n) धा. अर्थः?। कर्तरि कः प्र. तत्स्वरश्च।

o) वैतु. उ. च१ इति?।

p) तु. K.; वैतु. भा. (द्वि३) मा. इड->इडः (प्र३) इति, C. Henry च इडे (च१) इति।

q) व्यप.। व्यु.?।

r) व्यप. (पुरूरवस्- ⌊=ऐळ- यद्र.⌋)। अपत्यार्थीयः अण् प्र. तत्स्वरश्च।

s) सना.। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। इ- ⌊=इदम्-⌋ इत्यतः सना. इति PW. GW. प्रभृ.।

९,१५:१५,९$: २७,२;३; ३५, १८; ¶क ४२, २: ३; ४८,१६; †शौ १२, २,८: २१; †पै १७, ३०, ९:३२,१: –रम् ऋ १०, १६, १०;¶तै ६,१,९,१; २; ३, १०,५[२];¶मै १,४,११[२];६,१२; २, २,५; ५,२: ४,५, ९; ¶काठ १३, ५[२]; ३१, १५[२]; शौ ११, १०,३१:१२,२,७†; पै १६,८८, २; १७,३०,७†: –¶रयोः काठ ६,६: ११,१: क ४,५; –¶रस्मै काठ २४,४; क ३७,५: –¶रस्य काठ ११, २; २६,२: क ४०,५; –¶रा काठ ६,७;२७,१?[a]; २९, १०[b]; क ४, ६; ४२,१?[a];४६,३; –राः ऋ ६, १६, १६; मा २६, १३†; तै ७,२,५, ३¶; ¶मै १, १०, १७; २, ४. ६; ५,७; ४, २, ६[२]; १२, १†: ¶काठ २, १४†: २३,६: २४,७: २७, ८[२]; क ३७,८¶: †कौ १,७; २,५५; †जै १,१,७; ३.६. १; शौ ११, १,१२; पै १६, ९०,३:–¶राणि मै ३,१,९;२,७:५,१: काठ २७, ८: –रान् तै ६,६,४,२¶; ¶मै ३.३,१०;४,७,४; ¶काठ २७,२; २८,१[२];८;३४,९; ¶क ४२, २; ४४,८;शौ ३,११,५;७;पै १,६१, २;५; –राभिः ¶मै ३,६, १०; ४,२, ६[२]; शौ १८,२, ९; –रासु मै २,२,७¶; शौ ३,१०,४[c];८, ९,११[c]; –¶रे मै १,६, ९; ८, ७; ३,२,७;३,१०; ४,५,५[२];७[३]; ६,६[२]; ८,९: काठ ११, २; २१, १०; २७,१०: ३४,५; ३७,१४: –¶रेण काठ १२,७; २६,७[२]: क ४१,५[२]; –¶रेभ्यः तै ३,५,२,१; मै ४, ८, ९: काठ १२, ६: ३७, १७[२]; –¶रेषाम् तै ६, ५, ११, ३; मै ३, १०, ४; काठ १४,९; –¶रेषु मै ३, ४, ४: काठ २१, १२; –¶रैः मै ३, ३, १०, काठ २०, ५: २१, १०; क ३१, ७; –¶रौ काठ ६, ६[१]; ११, १; २९, ७; ८: क ४,५[४]; ४५,८.

इतर-जन[d]– -नाः शौ ८, १४, ९: १२; ९,१२,१७: ११, ११,१६: पै १६, १३९, १५: –०नाः शौ ११, १२,१; –नान् शौ ८, १४, ९; –नानाम् मा २४, ३६ : का २६, ८, १; तै ५, ५, १९, १[e]: मै ३,१४,१७; काठ ४७, ९[e].

इतर-था[f] मै ४,८,७¶.

इतस्(:) इदम्- द्र.

?इताजय[g] पै १४,४,१६.

१इति- √इ(बधा.) द्र.

२इति- इदम्- द्र.

इतिहास[h]– -सः शौ १५, ६, ११ ; –सस्य शौ १५,६,१२.

?इतेव् पै १७,२९,२.

इत्थ, इत्थम्, इत्था इदम्- द्र.

इत्या–, इत्थै, इत्वर–, इत्वा √इ (बधा.) द्र.

इद्[i] ऋ १, १, ४: ६: ४, २: ५; ⌊६: ८, ४७, ५⌋: ७,१;२;९.५: १०: १०,६:⌊७: ३, ४०,६⌋: १५,५[j]: १६, ८: १७, ६ : २१, १ ; २२, १४ : २४ , १२ : २५-२६, ६ : २७,३;२८, ⌊१-४⌋: ६: ३०, २: ३२,१५: ३३, २; ३४, २; ३६, १:६; २०:४०, २: ६[२]; ४१, ८; ४६, १२: ४७.⌊८ (९२, ३): ८, ४, १४(८७, २: ४)⌋: ५१, ४: ८: ⌊१३; ८,१००,६; १०, ३९, ४⌋: १४: ५२, ११; ५३, ३; ७; ५४, ९; ५५, ४; ५; ५९,१; २;

---

a) इतराहुतिः (=इतरा आहुतिः इति SI.) इति पाठे? इतः, आहु° इति शोधः द्र. (तु. सप्र. काठ २५, ५ क ३९,२)।

b) इतरायाम् (तु. SI) इति पाठे? इतरा, याम् इति द्वि-पदः शोधः (तु. क ४६,३ तत्-संस्कर्तुः टि. च)।

c) आस्वितरासु इति पाठस्य स्थाने सपा. तै ४,३,११, १ आपमं २, २०,३० शांगृ ३, १२,३ अन्तर् अस्याम् इति पाभे.।

d) कस. अन्तोदात्तः।

e) सपा. मा २४, ४० मै ३, १४, २१ रक्षसाम् इति पाभे.।

f) प्रकारवचने थाल् प्र. लित्स्वरश्च।

g) पाठः? (तु. सपा. शौ १९, ५०, ६ भोजय इति पाभे.)।

h) नाप. (इति-वृत्त-)। व्यु.? इतिह। आस इति पपा.। तत इतिह इति समाहृतमिव अव्य. पूप. इति, आस [=√अस(भुवि)>लिटि प्र१ (तु. दु. स्क. ⌊या २,१०⌋) इति वा √'आस>आस- (तु. अभा.)] इति वा उप. चेति कृत्वा स. इति भूयो विमृश्यम्।

i) अवधारणे पादपूरणे च नि., स च इदम्- इत्यनेन सव्युत्पत्तिक इत्यर्वाञ्चः (तु. j टि. पाभे., कुद् इति किम्- इति प्रभृ.)।

j) इद् हि इति पाठस्य स्थाने सपा. कौ १,२२९ इदम् इति पाभे.।

६१, १-४; [५ (९, ६६, १६)];
६-१५; ६४, ८; ६७, ४; ६८,२;
७१,३;७२,३;६;७४,५;७७,१[a];
७९, ११; ८०, १; ७; ८१-८२,
१; ८३. १; ६; ८४,२;७;८५,८;
८७,५;८९,१;९; ९२, ३; १०४,
५; १०५, २; १०६, ५; ११४,
३;४;८[b]; ९;११५, [४ (७, ६०,
३)];११६,६[२]; १०; २५; ११७,
१९;१२०,२;१२३,४:८: १२४-
१२५,६; १२८,६[२]; १२९, ११;
१३१,५;१३२,५;६[२]; १३३, ७;
१३४,६;१४०,१३;१४१, ४-६;
१४४,३;१४५,२;३; १४७, [३;
४,४,१३]; १४८, २; १४९, १;
१५०, ३; १५२, ४; १५४, ३;
१५५, २; ४[२];५;१५६,२;१६१,
१;४[२];१६२,३;२१;१६३, ७:९:
१६४,८; १५[c]; २२[d]: २३; ३२;
३७; ३९-४७; १६५, १०; १२;
१६८, [९; १०,१५७,५];१७०,
३; १७१, २; १७९, ३[२]; १८५,
[८; ५, ८५,७]; १८७, ८-१० :
१९०, ५; २, २, २: ११, ३[२];
[११; १०, २२, १५];१५:१६[२];
१७; १३,१०;१४,१;२३,२; ५;
१३;२४,५;९;११;१२; २५, १;
५;२६, १[४]; ३;२८, ९; २९, ४;
३४,१४; ३५, ८; १०; ३७, २;
३९,१; ४१,४;१९; ३, १, १४;
२,१५; ४,[७;७,८];[१०; ७,२,
१०];५, २; ६; ८, १०; ९, [९;
१०,५२,६]; १८,५;२६,८;२९,
१५;३०, ५; १२; ३१, ५; ११;
१५; ३२,४;७;३८, ३; ७; ४२,
८; ४३,-१; ५३, ४[३]; [१३ (१,
२३,६)]; ५४, ८;५५, ३; ४,
१, १; ८; १८[२]; २,४;५;१०;
१६; ३,१२;१३;४,७[२]; ५,३;७;
७,७; ९[२]; ८, ४;९, ६;१२, ५;
१६,१;१६;२०;१७,५; १९, १;
२१,२; २२, ५: १०; २३, १०;
२४,३;४; ५[४]; ६: २५, ६; २९,
३;३०,३; ५;८;३२; ३१,७: ८;
३२, ८: २०; ३३, [२ (९, ९७,
५)];३५,८;३७,६; ३९,५: ४०,
[१(३९,१)]; १; ४१, ७; ४४,
४:५०, ७; ८; ५१, ९; ५४, २;
५६, ३; ५, २,४;११:३,७;१२:
१२, २: १६, ४; १७,५;२५,२;
२८,२;२९, १३; ३०, ४; ६; ८;
३१,७; ३२,३; [५(३, ३२,४)]:
३४, ४; ५: ३५,[६; ८,६,३७]:
३६,३:३९.५: ५३, ९; ५५, ६;
७;५६,२; ५८, ५; ७: ५९, ५:
६०, ४; ६१, ८; ७३,९;७७,४:
७९,९:१०;८१,१;३:५; ८५,४:
७:८६,३; ६, १, ५; ९: १२; ३,
५;७,६;९,३:१४,२: १५,१;११;
१८, ४ : १९-२०, १३ : २१ ,
३; २२.१: २३, १: १०[२]; २८,
२[२];३;५; २९, ६: ३०, १[२]: ४;
३३,[२: ७, ५६, २३]; ३४, ३:
४२,३;४:४४,५[२]: १०; ४५, ६;
१७;४६,१; ४७, १५; २२; ५०,
६; ९; ५१, ८; ५२, १४;६६,३;
६;६८,५;७०,४:७२,४;७५, ३;
७, १,१४-१६; २, ३; ३, ५; ४,
२; ८: ८, ५; ११,[२ (१०,७०,
३)]; १६, ११ ; १८, ४: ६; ९;
१४: २४;१९, ८: २०, ७; २२,
६; ७: २३, २; [६ (९,,९७, ४)];
२५, ४: २८, १; [५: २९, ५;
३०,५]: २९,४; ३१,२-३२,८[२];
९; १२: १४[e]: १६ ; १८-२१;
३३,३;५;६[२]; ७:९:४०,३: ४१,
५:५८,३:७२,४:७६,३:४; ८१,
२:८२, ४: ८५, ४; ८६, ३: ६:
९१,[३(४, ३४,९)];९४, १२;
९६,१:३:९८, १; २; ५: १००,
६;१०२,३:१०४, १२: २१; ८,
१,१: ७: १४; १७: ३०; २, ४;
१३[२],१७;२५: ३१: ३३: ३, ५:
८:१६: २४;४, ९[२][f]; ५,३८;३९;
६, १०-१२; १८: २१;२२;३०;
४४: ९,[३:९; १०, २];१०;१२,
८:१०-१२:१७:२४:[२५-२७]:
[(३, ६) २८-३०(९, ८६,३०:
१०, ९६, ५)]: १३, ९: ११;
१५:[१७(९, १७,७:६३,२०)]:
[१८(९२, २१: ९, ६१, १४)];
२०:२६:१४, १: १२: १६, ५:
६: १८,१४: १९, १९, ६: १४;
[१७:४३,३०]: १८[२]: २९: ३५:
२०,१३; १७; २१, २: ७: १३:
१४: १७: १८[२]: २२, १४: २३,

a) तु. वें. सा. प्रभृ.; वैतु. MV ४६, १०१ पाठः ? इति कृत्वा इष्-कृणोति इति शोधुकः (वैतु. उत्तरे मन्त्रे आ-कृणुध्वम् इति समान-प्रयोगं क्रिप. ORN. च) ।

b) =सपा. श्वे ४,२२ मंब्रा २,१,८ । ऋ १,३६,२ तै ३, ४, ११,३; ४, ५, १०, ३ मै ४, १२, ६ काठ २३, १२ तैआ १०,५३ तु विशिष्टः पाभे. ।

c) इद् यमाः (शौ ९, १४, १६ या १४, १९ च) इति पाठस्य स्थाने सपा. तैआ १. ३. १ उद्यमाः इति पाभे. ।

d) सपा. शौ ९,१४,२१ युत् इति पाभे. ।

e) सपा. कौ १,२८० हि इति पाभे. ।

f) सकृत् सपा. कौ १,२७७ युत् इति पाभे. ।

८; १३: २४, १६;१९;२६,१७; २८,४:३०,१: ३१. १[२]; २;१२; ⌊१५[२]-१८[२]⌋: ३२. १७[२]; ३३, ⌊१०: ९.६४, २⌋: १८; ३५, ७; ३६,⌊७: ३७,७⌋; ३७, ४; ४०, १: २: ४२, १: ४३, ३: २९; ४४, १५: ४५, २: ३:१०;१९; ३०: ३१: ३३ ; ३९ : ४६, १२; २९; ४७, ४: ६: ५१, ४; ७[२]; ८[२] : ९ : ५३, ५ : ८; ५४, ६; ५५,⌊(१,८०,८)१⌋; ५: ५६, ४; ५७,३:६०,५;१०:१५:१६;६१, ४:११:१२:६२, १२:६६,४[२];६; १३: १५[२]; ६७, ८;६८,७; ६९, ११:१३: १४; ७०,१४: ७१,२; ७२,११: ७४,१०;१५;७५,१४; ७६,८:९: ७७,३;५;७;१०;७८, ७:९:१०: ७९,१; ५[२];८०,३;६; ९; ८२,⌊७-९⌋; ८३,१; ६; ९०, ५:९२,३:५;३२:३३; ९३,१;५; १८; ९६. १७; १९[२];९७, १; ७: ९९. ३: १००, १; ९, १,५; ⌊१०:१०६,३⌋:११. ६[२]; २१,३; ४२, ८: ४७, २; ४८, ४; ५९, ४; ७०, ३: ७३, ७:३: ७७, २; ८३. १: ९५, ३ ; ९६, १५; ९८, ७:११२, ४: १०,२,३;४, ७:५,६; ७,३;८,९; १३,५;१४, १६;१६, ७: ११; १७,१०:१४; २०,६: ८: २३,३; ⌊(५,७८,८) ४⌋, २७, २-५; ८: १०; १८ ; २०;⌊२१(३१,८)⌋;२८, १;२९, १; ३०, ६; ३१,६;३२, ३[२];४[२]; ८: ९; ३३,८;३४, ५;७;८;१३; ३५, ८; ३९, ३: ४२, ९; ४३,

२; ३[२]; ४८, ५[२]: ९: ५०, ५; ५१, ४;५३,११:५४, २;५;५५, ६; ६१,२: ११: १३: ६२, ५[२]; ६३, १६; ६८, २: ७३, ९;७५, ४[२]; ७६, ३; ८१, ४: ८२, ⌊१ (१४९, २)⌋; १; ६; ८५, ४;६; १६;३४: ८६,३; १४:१६; १७; ८८,८[२];११[२];१७;८९,७; १०[२]; १३;९१,३;६;८[३];९;९२,३:९३, १५;९४,१०;१३[२];९७, ५; ९९, ६;१००,१;८; ११:१०१, ३;७; १०६. १: १०८, ८: १०९, ३; १११, ९[२], ११२, ६: ११४, ८; ११५,१;५:६;११६,८:११७,१; ३; ५-७; ११९, १०; १२०, १; १२१, ३; १२२, ७: १२४, ६: १२७, ३; १३२, १: १३६, ३; १३७, ६: १३९, ५; १४१, ४; १४५, ३; १४६, ५; १४७, २ ; ४;१५३,२; १५९, २;१६०, ३ ; १६८, ४ ; १७२, ३: १९१, १; खि १,२,१;४,४:५,७; ३,३,४; ७[२];८[२];९; ५,५;८: ६,६; ७,१: ५;८, ४; ४, ६,५: ५,७,३, ८[२]; ११,१[२]: १५, १४: १९,१; २०, २[२]; २१-२२,१: ७,६,१; खिमा ३,४;८; †मा २,१७$;३. ३४[२]; ४,२; ३०: ५,१४: ७,९; २५$; ८, २[२]; ३५; ५३[२]; ११, ४; ६: १२$; ३१$; ५४$; १२,३२$; ६८;७९; १५,३०: १६,४;१६[a]; १७,२०; २५[२]; ३०;३२$: १९, ६५;६९;८८$;२०,५४; २३,३; १३$; १६;२८$; २५,११;१४; २२;२६;४४;२७,२३;३७; २८,

१९$;२९,१८;२०;४०; ३३,७, २४;३७;४१; ५४;८०; ८२;८६: ९७; ३४,८$;३८; ३५,४; ३७, २: †का २,४, ५$; ३,३, २६[२]: ४,१,३;१०,१; ५,५,१;७,४,१: १०, ३$; ८,१,१[२]; १०,१; ९, ६,५[२]; १२,१,४; ६; २,१$; ३, ४$; ५, ५$; १३,३,३$: ५,७: ६,५: १६, ५, ११; १७, १, ४; १६[a]: १८,२,५;३,१[a]: ६; ८$: २१,४,१५: १९:६, ९: २२, ५, ८: २५, २, १; ४, २$; ५; ६, ८$; २७,१०,२;११,१:९; १२, ३: २९,३,१; ५,६; ३०,२,८$: ३१,२, ५: ३,७; ९; ३२, १,७: २,७; ३,८; १२;४,११; ६,११: १३;३३,१,३$; ३५,४,४: ३७, १,२: †तै १,१, १३, २$; १४, ४: २,८,१; १३,१; १४,३[२]; ५: ४,५,१: २२,१[२]; ३८,१; ५,६, ४[२]$: ९,६[२]¶; ६,६,४;७,३¶: १२, २: ७, १३,१; ८, ४, १$: २२,४[२]; २,२,१२,४$; ५; ८[२]: ३,७, ४¶; १४, ३; ४, १४, २, ३:६,११,३; ४;१२,४: ३,१,८, २$; ११, १; ४; २, ८, ६[३]; ३, ११, ३$; ४, १,१, १; २; ४$; ३,२$;५,२$; ८,४; १०, १‡[b]; ११, १; २, ३, १$; ५, ६[२];$; ६,२;९,६‡[c]; ४,४,४;१२, ५$; ५,१, २$; ६,२,३[२];$; ४[२]; ५; ६, १; ७,३; ४; ८,१; ९,४; ७, १५, ६$; ¶५, २,२,२; १०,३; ४,२,२; ५,२,१$; $६,१, ३[२]; ४; ६,२,७, ४¶; ७,१, ५, ५¶;

---

a) पाभे. कृती पृ ७५९ b टि. द्र. ।

b) सपा. ऋ ८,१०२,२१ विशिष्टः पाभे. ।

c) सम् इद् इत्यस्य स्थाने सपा. ऋ ४,५८, ६ सम्यक् इति पाभे. । एतदनु सपा. काठ १६, १६ सरित् इति पाठे? सम् इद् इति द्विपदः शोधः द्र. ।

५, १६, १; †मै १, २,१; ६;९;
१५; ३,७; १५;२६^{२}; ३४; ३९:
४, ३^{२}; ११¶; ५, ५^{२}; ६, १$;
८, ९¶; ११, ४; २, २, ६$;
४,२¶; ५,९¶;७,१; २$; ३$;
५$; १०$; १२$; १३; १६$;
१७‡[a]; ९, २; १०, २; ३^{६}; $^{२};
१३, १^{४};$^{३};६^{२};७-९; १६^{६}$;३,
१,३¶; २,२$:८¶; ६,२; ९$;
७,८: ८,३; ११,९: १०$: १६,
१:३; ४$:५$; ४,१,१४: ४,६;
८, १$; ९, १: ११$: १२$;
१०,१: २^{२}:३; ११,१^{२};२^{८}; ३^{२};
५^{३}; ६; १२,२:३^{२}: ४^{२};५^{२}; ६$;
१३,४$:६^{३}: ८^{२}$: १४,२^{२}; ७;
९; १०^{२}: १२$; १३:१४^{२}; १५.
१६:१७$‡[b]:१८^{२}: काठ १,१२;
†२,१;६:१०: १४^{२}: १५^{२}: †४,
२:१०^{२}: ११: ५,२;४;६†; ६,३;
११^{३}†: †७, २^{२}: ४^{२}; ५; †८,
१६^{४}: १७: ९,५: १८^{२}†; १०,
१२†: †११, १२^{८}: १३: १२,
१२¶: १५^{२}†: १३, १६^{२}; †^{२};
१४, २†; १५, ११^{२}†; १६,
१; ३; ५; १०; १२^{२}; †; १३†;
१६‡[a]: २१; १७, ११; १८†;
१८, १^{२};†: २^{४}†; २०^{२}†; १९,
१¶: ४¶; १२:१३^{२}; २०, ९¶:
२१, १४†; २२,१३¶:१४:१५;
¶२३,५: ६;८^{२}: २४,८¶;२५,
७¶; २६, ११†; २९, २: ३०,
१; ३२, ६^{२}†; ७¶; ३४, १९;

३५, १†; ३^{३}; १३; १८; ३८,
३; ५; ७†; १२; ३९, २^{२}; ९^{२};
११†; १२^{३}†; १३†; ४०, ८^{२}†;
११^{४};†^{३}; ४५,१३†; ४६,१; ३^{२};
४; ५; क १, १२; १३†; १९†;
२,४†: †३, २; ८^{२};९; ४,२;५,
३^{२}†; ४¶; ८,८; २५, १; ३^{२};†:
४†;२७,१;२८,२^{६},†^{४};२९,८¶:
३०, २¶; ३१, २; ११¶; ३६,
५^{२}¶; ३८.१¶: ३९,५¶[c]; ४५,
३^{२};४६,४; ४८,२†;४;१३:१६;
†कौ १,२०;४२:४६; ५५; ५९;
६४; ७९; ११४; १२०; १२२.
१२३;१२५;१३८:१४०: १५२;
१६२; १९५: १९८; २२४$;
२३४; २३८; २४२; २४६‡[d];
२४८;२४९:२५४:२६०; २६३:
२६७;२७०;२७१: २७७:२८२:
२८५^{२}; २८८$: ३००^{२}; ३१०;
३३१;३६२‡[e];३७२^{२}$: ३८५:
३८७:३८९;३९९, ४१०:४११;
४१२; ४१६^{२}; ‡[f]; ५०७‡[g];
५४४: ५५२; ५६५; २, ४६;
५९: ६५: ६७;७०; ७४: १०२:
११०; १३२: १४६; १४७;
१५९; २१७: २१८: २२५:
२६०; ३३४: ३५२; ३८०:
४३८; ५०३‡[h]; ६६९; ६७९:
६८६:६८९; ६९०:६९१;७१०:
७१३; ७३९· ७४०; ७६१:
७७५; ७९२; ७९३$; ७९६^{२};
८००;८३३;८५०;८५१; ८५२;

८६३;८९५;९२४; ९३७; ९५३;
९५९;९६८;९७५;९८६;१००७;
१०३१; १०३४; १०६८‡[d];
११०७; ११११; ११३३;
११४६; ११४७; ११५०;
११५४^{२}; ११७४; ११८४; ३,
$१,६; ९;२,३: ३,९; ४,२^{३}$;
†जै १,२,१०;४,८;५, २;६, १:
५;७,२;८,७;१२, ८;१३, ६:८;
९; १४,१; १५, ४;६; १६-१७,
८;२१,२;५;२४,२$; २५,२:६:
१०;२६,६: ७;२७,२;८;२८,१:
५;८;९;२६, १०; ३०,३^{२}: ६$:
३१,८^{२};३२,८;३४,९;३८,५‡[e];
३९,३^{२}$:४०,२-४;८^{२};‡[f]; ४३,
५;७;९;४५,१;५२,११‡[g]; ५५.
१०;५६,४;५७,१२; २,२,४; ३,
३^{२}$; ५,३$;८: ३,६,५$;७,३;
५;८:१२; १०,४; १३,८;१४,७;
८;१५,७;१७,१०; १९,१२;१३;
२०,९; २२,७; २८, ६; २९,९:
२३;३३,१४;३९,२‡[h];५५,१०;
५६, ७; १५; १८; ५८, ७:१०;
५९,५; ४,२,३;४,१०; ५, ५:८,
६;८;१०,१;४$; ५;११,४:१२,
३-५; १४,२; १६, ५;१७, ५-७,
१९,१:४, २०,३;२१, १;२३,४;
७:२४,७; शो १, २,४;१७,२:३;
३४,२[1];४: २, २,४; २७,१:३०,
२; ३,७,५†; ८, ४; १३, ५^{२};६;
१५,८;१६,५†;१७,२†; ३;१८,
४†;२०,६†; ४,२,५‡[j], १७,८;

a) पाभे. कृते पृ ७६० c टि. द्र. ।

b) तु. टि. ?नेम्न ऋणा° ।

c) °यानि'''इति च्युतान्त्याक्षरे मूको. संस्कर्तुः इव इत्यनेन पूर्तिश्चिन्त्याऽनौचित्यात् (तु. सपा. काठ २५, ७) ।

d) सपा. ऋ ३,४५,१ जै १,२६,४ विम् इति पाभे. ।

e) सपा. ऋ ८,६९,८ शौ २०,९२,५ नु इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १,८२,१ आत् इति पाभे. ।

g) इद् वृषायसे इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ९, ४७,१ उद् वृषायते इति पाभे. ।

h) सपा. ऋ ९,८६,१७ ईम् इति पाभे. ।

i) सपा. शौ ३, २५,५; ६,९,२ विशिष्टः पाभे. ।

j) सपा. ऋ १०,१२१,४ सह इति पाभे. ।

२१,२[२]†; ३†;२४,१[a];२७, ६; २८, ४; ३७, १२; ५,१,६†;२, १†;१३,१०;११; १४,९; १७, ३;८;६,२२,१†; २६,३;५०,१; ५१,२†;३;५५, २; ५७,१;६३, २: ४†; ८४, ३; ९१,३†; १०१ १: ११९, १; १२०, १; १२१, २; १२२,२; १३४, ३; ७,१९, २[२];२१,२; २२,१; ३७,१;३९. ४[२b];५२, ६†; ५९, २; ९३,१; ८. ४, १२†; २१†; ५, १२ ; १६: ९, २, १९-२४; ४, २१ : ५, ६; ६, २; १४,८†; १६†[c]; १५ , १ †; १०†; १५†; १८: २१‡[d]; २२; १०, ४, १: ६, ७-१०;१४-१७; १०, २४; ११,१, ६;३४;१०,७;१२, २,३६;३,९; ४७;४,१८;२१;४८;१३,१,१२: १४, १, ५†; ७†; १६†;२९†; ३०: ३२; ५७; २,४१; १७, १, ६-१९;२४;१८,२,६†;३७;५०; ५१;५८;३, २१†; १९, २६,१; ३२, ७;३४, ९;४५. ३; ५०,६; ५५, ६;५९,३†; †२०,६,६;७, १;१०,२;१२,२;६;१४, २;१६, २;१७,२;३[२];१८, २;२१,३;७; २४, ८; २५,१;६; २७, १;२९, २; ३५, १-१५; ३६,१; ३७,८;

३८,४;५;४७,४;५;५५,२: ५६, १;५७,२;५८,१; ५९,२;३;६२, २;६३,३;४;६४,४;६५, १;६७, १;७;६८,२;५;६;७०,७;८;७१, ११;१६; ७३, १;४–६;७५, ३; ७६,१;८२,१; २;८५,१;८७,१; २;५;८९, ९;९२, ८; १०;११; ९३, ५; ९६,३;९८, १; ९९,२; १०७, ४; ११०, ३; १११, २; ११२ २; ११४, १: २: ११५, १-३,११६, २; ११८.३; १२३, १ ; १२४, ६ : १२६, ३ ; १४; १६ : १७ ; १२७ . ११[२]$: १२९ , १२$[e]; १३१, २१$[f]; $१३५,४;१३६,१$;१३७,११; १३९, ३; १४०, ४; ५;१४३, ४; ९; पै १,७,४: १८, ४; ९५, २; १०७, ३: २, १७, ३; २२, १†; २६, ५; ३९, २; ६; ४१, २†; ५२, २; ७१, १; ७७, १; ९०,३;३,२,७;४,५[२];६;२९,४; ५;३४, ७†;४,१४, ४;२८,५†; ३१,५†; ३५, ६;३७,४;४०,४; ५,१,१[२]; १८,९†; १९,८, ३३, ६;३८, ३†; ४०,२;६,१,१†;३, ३†; १०, २;९; १६,८-१०;७, १२,३[२];†;‡[g];५;९,१,६;४,१०; ७,१५[२];१०,५;१०;१२,६; १५,

३†;१६,६; १०,१,९;६,९; ११, २, ११; ३,९; ५,७; ६,४; ६†; १२,४,७: १३,४,१२; ६, १५†; १४,२, ६; ४, १६[२]; १५, ४,३; १५,८; १६,१०, २†; ११,१†; १५,१-४;२८,२;६;२९,४; ४२, ७;८; ४३,१-४; ८;९; ६६,८†; †६७, ५; ११; ६८,१†; ६९,१: ६†;८;११‡[d];१३†;७६,७; ७७, ८; ७८, १-६; ८५,१०; ८९,६; ९२,४;९७,५;१०९,४;१११,२; १७,१७,९; १८,१; २०,८;२९, १४;१५;३६, ९;४०,८?[h]; १८, †१,५;७; २, ५†; ३,८†; ४,१; ६,५;११,३; १६,२;२७,१;३१, १-८;३२,१-३; १९,४,१३;१६: ७,१†; ९-१०,३; ११,३[२]: १३, १०;१८,९†;१९,३: २२,१०†; ४३,६†; ४६,१३; ४७,३†:६†; १८; ५१,१२; २०,१,४; ३,७[२]; १०; ५, २[२]; २३, २; ३३, ६; ६०,८.

?इदंशाका पै १९.३८,१३.

?इदत्–

?इदद् (<न.)-वसु[i]– -सुः शौ १३, ९,३.

इदम्[j]–

३अ,आ[k]– अया[l] ऋ १, ८७, ४![m];

---

[a]) मपा. तै ४,७,१५,१ विशिष्टः पाभे. ।

[b]) सकृन् मपा. शौ ७,३८,१ विशिष्टः पाभे. ।

[c]) पाभे. कृते पृ ७५९ c टि. द्र. ।

[d]) गौरित् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १,१६४,४१ गौरी इति पाभे. । [e]) मपा. खि ५,१५,३ इत्थ इति पाभे. ।

[f]) तु. RW.; वैतु. शंपा. इत्याम् इति ? ।

[g]) सपा. ऋ १०,१४५,३ सा इति पाभे. ।

[h]) तु. सस्थ. टि. अस्मद्–>मम (परि.) ।

[i]) विप. (इन्द्र-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. सस्थ. आ√यच्छ्, यम्>१आ-यत्–>आयद्-वसु– इति) । पाठे? इध्यत्– (<√इध् ⌊दीप्तौ⌋)>इध्यद्-वसु– इति शोधः (वैतु. PW. प्रमृ. पूप.<इदम्- इति, वाच. इन्दत्– इति, W. वृध्यत्–इति शोधुकः) ।

[j]) सना. क्वचिद् वा. देशकालान्यतरसामीप्यवचनं क्रिवि. च (तु. WAG ३, २४३c; वैतु. निघ १, १२ जल-इति)। व्यु.? <√इन्द् इति पाउ (४,१५७), <*इमत्– इति Meillet ⌊WAG. द्र.⌋ ।

[k]) पा ७,२,१०२;११३ ।

[l]) याञ् आदेशः (पा ७,१,३९) चित्-स्वरश्च ।

[m]) पृ ३९६ b टि. द्र. । स्क. वें. यनि. एवाहतुः ।

१२८, २; १४३, ६; १६६, १३; २, ६, २;२४,१; ३, १२, २; ४, ४, १५; ५, ४५, ११[२]; ६, १७, १५; २२,६.७१,६; ८, १, १८; १३,८;२३,७:९३,१७: ९, ४७, १:५३,२: ६१, १; ६३, ७; ६५, १२†;९७,५२:१०६,१४;१११, १: मा ८, ६†; का ८, ३, १†: †तै १, २, १४,६; ४, २३, १: ७,१२,२$: २,२,१२,२: मैं १, १०,३;११,४: †४,११, ५:१२, २: काठ ६,११†: ९,६: १४,३; ३३, ४: ३६, १३; ४५, १२: क ८,९; †कौ १, ५२;१८८:४५८; ४६३; ४९३:४९५:५०७; ५४१; २, २०; १२२ : १५५: ४५४; ५६०; ५६६ : ९४० : १०६५; †जै १, ५, ८: २०, ४: ४७, ९; ४८, ९; ५१,७;९;५२,११;५५, ११; ३, २,११; ५, ४; १५, ३: ३४,१२; ४५,२; ४,१,१; ७,२; २८, ५; शौ ७, ३, १; १९, १२, १ †: †२०,३६,६;६३,३; १२४,६; पै २०, २, १; अयोः[a] ऋ १, १८५, १; ६, २५, ६; अस्मात्[a] ऋ १,१७१, ४;१८२, ८; ३, ५३,१९; १०, ९८, १२; मा २, २५;३०; ११, २१; ३३, ६०; ३५.२२: का २, ६, ४; ७, २; १२, २,१०: ३२,५,६; ३५, ४,२१; ¶तै १, ५,४,४; ८, ३; ९,४; ६,६,१$; ७,६,१; २, १, ४,६;६,३,५; ४, १, २,४$; ५, ४, १०, ३; ६,१,१,१$; ५; २, २, ६; ३, ९, ४; ७, ४, २, ५; ¶मै १,११,८[२]; २,५,३;७,२$; ३, ६,१[२];८[२];८,२[२], ४, ४,३$; ८, १०; ११, २†; ¶काठ २, १५†; ४, १३‡[b]; २२, १३[२]; २३,१; क ३५, ७; शौ ८,१,४; ७,५;९,२,१७:१८; १२,८,११; १८, २, २८; ४, ४९; अस्मात् ऋ २, २३,५; ४, १७, १०; ५, ३२, ३; ८, २७ १८; ९६, ६; १०, ११७, ४; मा २७, ९[c]; का २९,१,९[c]; ¶तै २,१,२,१; ८;३,५; १०,१;३: २, २-३, २; ७,४: ३,७,१;४,१,४[२], ४,१;२; ५,११,७; ३, १, १, २[२]; ३; ४, १,७,४$[c]; ५,१,८,६[३]; $[c]; २, १,१; ५;४,४; ९,४[d]; ५, ८, १; ७,४,४; ९, २[२]; १०, १; ६,१, २,४;४,२,२;५, १, ४, ¶मैं १, ४,५;५,११;६,७; ८,१[२]; २, १, १०; २, ४[२]; ३, २[३]; ५: ५, ९; १२,५$[c]: ३,४,६[२];$[c];१०; ६, २; ८, ४; ४, १, ९; १३; २, १; ३;४; १४,३,१;८[२]; ४, २[२];४[२]: १४, १२†; ¶काट ६,१;४; ७, ६; ७[२]; १०: ८, १२; ९, १६[२]: १०,४;५;११[२]; ११,५[४];८; १२, २[२];५; १३, ३; ४; ७; १४, ८[२]: १६,२$;१८,१६$[c]; १९, १०; ११: २०,८; २२, १[२];$[c]; २३, ८;९: २४, ९; २५, ५; २६, ६; २७, १; ६[२]; २९, ९[२]; ३०, ५; ३१, ७;१०; ३२,३;५;६: ३६, १२; ३७, १;१६; ¶क ३, १२; ४,३: ५, ५; ८; ९; ७, ७; २९, ४$[c]; ३०,८; ३१,१; १०;३५, ७; ३६, ५; ६; ३८, २; ३९, २; ४१, ४; ४२, १; ४७, ७; १०; जैं ४, ११, ३†; पैं १, २९, ४; ४६, २; ४; ५९, १; ६६, ३; २, २४, १-५; ४९-५०, १-५; ५५, १; ३,४,२; ५, ८, १२; १२,७, ९[२]; १५, ११,३; १६,१,४;१२, ५; ३८, ७; ५२, १; ७८, ६; ७; १४८, १० ; १४९, ११ ; १८, ७, ७; २०, १८, ६ : अस्मिन्[a] ऋ १,१३, [३-७];३०, ६; ५१, १५; ५४, १; १००, ६; १०१, ९: १०९, ५; ११४, १: १३२, १[२]; १८५, ७; २, ६, ८; १८, [७; ७,२३,५;२९,२];३०, ६; ३५,[(१,७२,४)१४];३,२९, १६:३०,[२२;३१,२२;३२,१७: ३४-३६,११; ३८,१०; ३९, ९: ४३,८;४९,५;५०,५: १०,८९, १८; १०४, ११];३५,[६; १०, १४,५]; ६०, ६: ४,१४, [(१, १८४,२)४]; १६,२; २०, १०: ३३,११; ३४,११; ३५, १;५०, १०; ५८,२; ५,७५, ८; ६,५०, ९; ५२,[१३; ६८,११;१०,१७, ८];१६ ;१७; ५९, [७; ८, ७५, १२[e]]; ७, ३२, २६;६९,५:९२, ५; ९५, ४; ८,२, ३; २२, १८: ४४,१३; ७६, ७; १०, १९, ३; ३८, १;४३,२;४४,५;९;७०,७; ७५,९;८५,२७;९८,६;१०२,१; १२८,२; ८;१३०,२[f];१३२, ५;

---

a) वि. स्वरः (पा ६,१,१७१)।

b) सपा. ऋ १,२४,९ क ३,११ अस्मत् इति पाभे.।

c) =सपा. तैआ १०,४८। शौ ७,५३,१ तु अस्मत् इति पाभे.।

d) सपा. मै ३,२,७ अस्मै इति पाभे.।

e) =सपा. ऐब्रा ७,७ माश १२,४,४,३ आश्रौ ३.१३,१२ शांश्रौ ३,५,४। कौ २,१००० तु अग्ने इति पाभे.।

f) सपा. शौ १०,७,४३ विशिष्टः पाभे.।

१४५, ४;१४९,५; खि २,६,७; ९,२;४,६,२;९,४;५,६,६;७;७, १,५:६; खिसा ३, १; मा १,१; २,१८; ३, २१[४]; ५,२८;३३;८, २०†; ११,१३; ६९; १२, ५४; १५,५४: ५९; १६, ४८†; ५५; १७,१३; ७३; ८४; ९०†; १८, ६१:१९, ४६;५८;२२,२[a]; २६, २३†; २७, २८†; २८, ५; ३३, ५३†; का १,१, ३; २,४,६; ५, ३; ६, ९[३]; ३,३, १२[४]; ५,७,४; ९,३,६†: १२,२,२: ७,४: १३, ३,१†: ४,१०: १६,६,६; ७,२; १७,८,२†:९; १८,१,१३: ६,९; ७,५:१९,१,४†:२०,४,४; २१, ३,१७;४,९; २४,१,२[a]: २९,३, ९†; ३०, १, ५; ३२, ४, १०†; ¶तै १, $१, १, १; १३, ३; ४, ४४,२†:५,६,१[४]$: ८,३; ६.५, १$; १२,४$[b]; ७, ६,३;†१२, ३;४; ८, १२, २$; २,१, ४,३; ४, १४, ५†; ५, ५,४. ८,१-३: ११, १; ६, १, २; २,४; ६, ४: ९,५$:११,३†[c]: १२,६†, $३, १,९,२; २,४, १; ५,६[२]:३,११, ५;४, ५,१[३]; ५,३,१[२]; ६,३; ४, १,२,१;९,२; २,१,४‡[d];३,२†; ४,४; ३,३,२[३]; ५,१०,१†;११, १; ६,१,४; ५,३;६; ७,१३, ४; १४,१†; ३†; ५,२,१,४; ६; ५, १,५[२];६; ६,३,३; ७,७,२$; ६, १, ५,५; ८,५; २,२, ६; ३,५[२];

३,५,१; ९,४; ४,२,५; ६,८,३; ७,३, ४,१[२]; ५,१[२];२[२]; १०,१; ४;४,११,१;५,७,४†; १८,१$; ¶मै १,१, १$; ३,१२$; ३८†; ५,२[२]$; ५; ९[४]; $[२];६, २†;६; १२: ७,५[३]: ८,१; ६:९; १०,५; ११,८; २,५, ३; ९; $७,२; ७; २०[२]: ८ , १$; ९,१$: ९[२];†; $: $१०, १; ६; ११, १$; ३, १, ५; १०[३]: ६, १; ७,८; १० ; ८,१; २: ९: ९, ४: ११, १०$; १२, १$[a]: ४,१,१$:८:११:२, १: १०[२]$: ३,१:४; ४.१०[२]:८, १०; १०, ६$; ११, ६†[c]; १२, १†: ६$:†१३, २[२]; ८:९: १४, १$; २†: ७[२]†; १०†; १४†: १६†; काठ १, १: ४, १२†;७, १[२];१७†[c]:१३,१६:१७,१६[२]†: १८,४;१३‡[e];२१,१८[२];†; ३०, ६·१०; ३७,९; ३८,१२[२]; ४५, १४; †कौ १,२५९;३२६;३२९; ३४०‡[f]; २, ८६; ६९९; ८०६; ९५१; १०६२; †जै १, २७,७; ३४,७;३५,९‡[f]; ३,८,१२;५७, ३; ४, ३०,६; शौ १,९,१; ११, १ ; १५ , २; २०, १ ; ३०, १; ३५, ३; २, २६, १; ३,१४, ३; १८, ३†; ४,४, ४; ८; १६, ३; २२,३[g];५,३,८; २४, १[२]-१७[२]; २६,२;३;७-११; २८,४;६,४७, २; ८५,१; ११७, ३;७, ४४,१; ४९,१;६०,२†; १०२,१†;८,५,

२१;७, ११; ९,१,६;४, २३;५, २;७;११;१४,१७‡[h];१०,३,५; १९;२०; २३;२४; ४,८;१२,२, १३: १३,१,४१‡[h];५,८;१४,१, २१†; २,४८; ४९; १५,१२,७; ११; १८,१,४२†;५९†; ३,२०; ६७†; ४,४६; १९, २७,१०; ४, ५:†२०, ११,११; १२, ५; १३, १:१७,२; ४५, ३; ७७,२: ७९, १; ९४,५:९; पै १८, २, १०†; २०,३३,९†; अस्मिन् ऋ १, ६, ९;७२, १०;७३,४;१८९,८: २, १६,२,३,३८,७;५७,३: ४,२३, ५; ४१, ४; ४५. १; ६, १९, ५; ३८,३; ७,२१,१: ८७,५; ८,२, ३९: १७,१३;४४,१; ९,२१,५; ९४,१; १०, ९५, ७; १२४,४; खि १,३,६;५,७, ३,३; ४,१६; मा ३,१†;९,७,१२,३०†;का ३, १,१†;१०,२,४;१३,३,१†;¶तै १,५,८,५;६,७,३;७,३,४;६,६; ७,२$;२,१,१,४: २,४: ५;६[२]; ८:९[२]; ३,२; ४,१[२];२, ६,३; ७, २;६; ८,१[२]; ९,४;१०,२; २,१, ३[२];४: ३,२; ३:४; ४,२:३[४]: ५, ३[४]; ६-७,२;८, २: ३;५;६: ९, ४; १०,१[२]; ३,२, १; २:३[२]: ६; ७; ३,१: २[३]; ३; ४;५, ३; ७,१; २; ८,१; २[२]; ११, ३[३]; ४[३]; ५[२]; १३,२[२]; ४,६,२; ५,३, ४;५: ३, २,९,४; ३,३, २$; ४,१$[i]; ४, ३,४; ८,७; ९,६[२]; ४, १,२,१$;

a) सपा. तै ४, १, २, १; ७, १, ११, १ काठ ४,१;२ तब्रा ३,८,३,४ विशिष्टः पाभे. ।

b) सपा. शौ १९,४२,४ विशिष्टः पाभे. ।

c) पाभे. कृते॰पृ ७६३ e टि. द्र. ।

d) सपा. ऋ १०,१७३,१ विशिष्टः पाभे. ।

e) सपा. ऋ १०,३५,१३ अस्मे इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०,१०,१ शौ १८,१,१ अधि इति पाभे. ।

g) सपा. तैब्रा २,४,७,७ अस्मै इति पाभे. ।

h) सपा. ऋ १,१६४,१७ अन्तर् इति पाभे. ।

i) अस्मिन् उग्राः (आपश्रौ १२,८,३ च) इति पाठस्य स्थाने सपा. मै १,३,३६ समुग्राः इति, काठ ३०,६ सीमुग्राः इति च पाभे. ।

५,१,३,३;४,४; ५,७;२,१,४$;
५; २, ३²; ५; १०,६; ३,४, २;
१०,३;४; १२,३; ४,१,३;८,३;
५,३,३;६,१; ८,१³; ७,४,४;९,
४;६,२,१०,३;३,४,१;३; ७,१,
२०,१$;२,४,३²; १०,१; ५,६,
२; ¶मै १, ६, १$;३;८;९³;८,
४⁴;१०,१०;११,१$;२,१,२;४;
५⁴;२,२³;१२;३,२;५⁴; ६; ९³;
८,१⁵;२;३²; ६²; ५,१²;८; ६²;
१०⁴;७,१०$;९,२$;१०,२‡[a];
३,१,६³;२,८²;३, ४:४,५;६,१;
९; ९, ७; ८⁴;४,१,७: २,१:३,
१०⁴;४,६³; ८²; ९: ५,८:६,६³;
७,८;८,१$;९, ६$; ¶काठ ७,
८;७²$;८²;१२†; ८,१;९;१३;
९,३²;१०, १; २²;८; १०; ११,
१⁴;३;४³;६;८⁴;१२,३: ९:१०⁴;
११²; १२²: १३, ३; ४;७; ८²;
१४$; १४, ६;९³: १५, १३²$;
$१६, १:७;१०; १२:१९: १७,
१७$; १८† : $१८, ६; १८;
१९,३;४⁴;५³: १०$;१२;१३$;
२०,२²;८²: ११;२१,३²;९;११;
२२,२;६;२३,८;९²;२४,९;२५,
५:७;८; १०; २६, ९;२७,१;२;
१०; २८, ३; ४; ३०, १$: ५;
९$; ३१, ५; ६; १४³$;३२,५;
३३,३²;५;७†;३४,८; ३५,१७;
२०; ३७, १²; १६²; ३८, २$;
३९,७²$; †४०,७; १०²; ४१,
११$; ¶क १,१$:३,१०†; ५,
१²$; ३; ६,२†; ६;७,५;८,१;
६²;$२५,३:९;२७,६²$;$२८,
१;४;६;२९,६$;३०,१;२⁴; ३²;
८$;३१,२;४²;१०²; १३;१८²;
३४, १ ; ३६, ५; ६²; ३८, २;
३९,२;५;४०,३·४१, ७;४२,१;
२;४४,३;४;$४६,४; ८;४७,५:
६;४८,१५;१८: †कौ १, ३१३:
५३९:२, ७७; †जै १, १०,९$;
३३,१: ५५, ८;३, ८,३: शौ ५,
१९, ३: ९, १, ६: १०, २,११:
१२⁵-१४²; १७²: १९:३,१७;८,
२८:११,१०,१६;१७;३२; १२,
३,३: १३, ४,१३: १९, ४६,५:
†२०,५,७: ७०, ५; पै १, १४,
१:१९,१:८३,३: २,१२,१:१३,
५;२४,१:३,२१,२;२८,४;४,३,
४;२३,४²; ५, †४,३:७:३१,४;
३२,३; ६,२२,१३:२४:२५²;७,
१,७:६,३: ८, १०,३;१३, २†;
१५.८:१८,९;९,२,२;३:७-११:
२१, ८; १०,७, १०: १२,७,२;
१२:१४,१,१४;२, १६: १५,७,
१²-१०²:८, १²-९²: ९, १²-४²;
१६,१५,८;२६, ४‡[b]; २७,१०;
२८, १०: ३२, ७: ४५, ३;४९,
१०[c];५०, २; ५४, १३:६०, ३;
४²:५², ७²;८²: ६१,६: ६३, ५;
६४,७;८: ६५,१: ३:६७, ७‡[d];
८६,६:७;८८,३: ९७, ७; १०१,
४;१०३,१:६;१५३,१:१५५,३;
१७,२९,३.१३-१६:३१,३;३६,
३; १८, ११,८:९: १८,६; १९,
१‡[d]: १९,,६,१:१६,५:२२, ५²;
६²: ३५,१: ६०, ६[e]; ६३, ११:
४८,७:४९,६: २०,५,३:६†:७;
८:१२,६[f]: २७,२[g]: ३६,२;४३,
१०:५६,८: ५७, ५: !अस्मै[h] ऋ
५,३९.५:६,२३,५;३४,८:५:८,
४३, २[i]: ¶मै ३, ३, ६: ८:१०;
अस्मै ऋ १, ५७, ३: ६१,१ ४;
⌊५(९, ९६, १६)⌋: ६: ८; १२;
१५:२,३५,५:१२:५,४५.३: ६,
१,१०:६३,२:८,४१,१;९६,१²;
१०, १८, ९[j]; ८०, ९: ९७, ७;
मा ६,३३; ७, २१²:१२, ८१†;
१८,८४²[k];२०,,२[l]: का ६.८,४,
७,८,४²:११,९,१[m]:१३.६,७†;
२०,२, ७²[k]: ३१,१, २[l]: तै १,
१,७,१²: २²:४,१,२·५.१०.२;
६,२,१:३,४,७.३· ४,२.६,४†:
५‡[n]:·४,१२, ३:५,१,११, १[l];

a) सपा. अस्मिन् <> अस्मै इति पाभे. ।

b) सपा. ऋ ६,२८,८ विशिष्टः पाभे. ।

c) सपा. शौ ६, ११७,१ अस्मि इति पाभे. ।

d) पाभे. कृते पृ ७६४ *h* टि. द्र. ।

e) सपा. शौ ६, १२४, ३ अस्मत् इति पाभे. ।

f) सपा. शौ ७,२८,१ अस्मान् इति पाभे. ।

g) सपा. शौ १३, १,५८ तस्मिन् इति पाभे. ।

h) सामान्यतः पा ६,१,१७१ अनु अस्मै इत्यस्य रूपस्या-ऽन्वादेशे च पा २,४,३२ अनु अस्मै इत्यस्य रूपस्य प्रसिद्धेः यनि. कथं स्वर इति भूयो विमृश्यम् । यत्तु MGS ⌊१०८ टि.⌋ पादादावयं स्वर इतीवाह, तन्न, मै. स्थलेषु अपादादावपि तद्दर्शनात् । तस्माद् वि. स्वरस्य विकल्पो वा उसं. (पा ६, १, १७१ ⌊तु. ?अस्य, ?आभिः, WG ५०३ *b*⌋), इदमर्थीयमपरं प्राति. वाऽऽस्थेयमिति दिक् ।

i) =सपा. काठ१०, १२ । तै१,३,१४,५ तु तस्मै इति पाभे. ।

j) सपा. अस्मै <> अस्मै इति पाभे. ।

k) सकृत् सपा. तै ३,४,७,३ उरु इति पाभे. ।

l) सपा. मै ३,१६,२ देवैः इति पाभे. ।

m) सपा. मा १०,३० अस्मे इति पाभे. ।

n) सपा. ऋ १०,९७,१९;२१ अस्यै इति पाभे. ।

७,४,३[a]: ¶६,१, २,३;६,१;८,
५;४,२,५; ७,५, २४,१[३]; मै १,
१,८:२,११;१४; ३,३:४,१;६,
२;७; २,३,४; ५:७. ६[४]: १३†;
१२,२[2b]:¶ ३.३,१: ८,१०: ४,
८,८¶.९,९[२]; १२,३†; १३,६†:
१४,१७[२]: काठ ४,१४; ७, १४;
८, १६†; ११, ७¶: १६, १३†:
१८. १४[२]; २०†: ३६, १५[४]:
४१ .१[२]: शौ १, ३०,३: ४: २,
२९.१: २[२]; ५: ३.८,४: १७,५;
२८,३: ४.२२,२: ४:३१,३; ५,
३,३: ४.७;२६,९: ३०,१२; ६,
४०,२: ५४,२[२]: ८०,२; ७,८३,
२: १०२,३: ८,२,६: ८:५,१०;
७, ६: २३; २४; २७: १०, ५,
७-१४; १२,२,४५:१४,१,३३[२],
२,२४; ३१; १८, १,५५†[c]: ४,
३४; १९, ३०,२; ३८, २: ५५,
१[d]; †२०, १५.३:३५,१-६;८:
१२: १५: †अस्मै-अस्मै ऋ ६,
४२, ४; कौ २, ७९३: अस्मै ऋ
१,३२,२;१३: ५३,१०: ५४,७;
६७,४;६९,५;७०.२: ३;७१,५;
७६,३; ७७,१:९१, २०; १०४,
७,११४,११;११६,८; १२५,२;
१२७, ४; १४७, ४; १४९, ५;
१६१, ११; १६२,१६: १६६,३;
१७३,४;६; १७८,२: २,१२,५;
१३;१३,१०; १४,६;७; ९;१६,
४;१७,१;६; १८,२;१९,५;२६,
४[२]; २७,१५[२]; ३०, २; ३५, २;
१०; ३,१,१०; ९,८९; १०,५२,
६];१३,१;३१, ११; १२;५२,८;
५६,४; ४,४,६: ७:१८,७; २४,
६;२५,५; २७,३; ५,२,३; ३२,
१०;३३,१; ३४,३; ३६,६: ४७,
६; ६४,२; ६.१०,२: १७, ११;
१८,१३: २०,६: २४,८;३२,१;
३४,३; ५: ४०,२; ४२,१; ४४,
१४; ५४, ४;७, ११,२: १९,२:
३४,३;४;११; १४; ४५,२;६३,
५; ८,१. ८: २,४१: ८,१६: ९,
[१ (१,४८,१५)]: १४, २;२३,
२१; २७, १८: ३१, २; ६२,१;
१००,९;१०३,६;९,११,१;७०,
१; ७२,३;९१,३:१०,७,४;१०,
९;१४,९;११;१८,११;१२:२९,
७:८;३१,४:११: ४०,९:४२,१;
५;६; ७३,६: ९:७९,२;५: ८२,
४[e]: ८९.३; ९१, १२;१३; ९६,
६: ९८,७; ९९,१२; १०२,१०:
११७, ३; १३३, १; १३६, ७;
१६०, ३[२]; ४; खि ५,७,२,११;
४, ९-११; १३-१५;२१,२; मा
८,५;११,७५[d];१२,४५‡[c];१७,
२८†; १८,६०[f]; २१,६१: २५,
३९; †३३, ७; ६२; ३४, २१†;
३५, १†; का ८, २, १; १२,७,
१०[d]; १३, ४,१‡[c]; १८,३,४†;
२०,४,३[f];२३,६,१४; २७,१४,
१; †३२, १, ७; ५, ८; ३३, १,
१५†; ३५, ४, २†: ¶तै १,२,
१४,३[२]†; ४, ४०,१[२]‡[g]; ५,४,
२; ७,१; ६,११,४: ५[२]; ७,१३,
५†; २,१,१,२[२];३;५;६[३]; २,१;
६; ८; ३,२; ३[२],४;५; ४,२; ३;
८[२]; ५,१; ३; ४;६;७; ६,१; २;
३[२];४[२]; ७,३-७; ८,२-४;५[३];९,
१-३; १०,१; ३; २,१,१; २;५;
२,४;४,४; ५,२;४;६; ७[३];६,४;
५;७,१[२]; २;३;५;८,१; ४[२]: ९:
३:४[२]; १०,३[२]; ५[२]; ११,१[२];२;
३; ४[२]:३,१,२[२]; २,२; ३;८: ९;
३,५: ४,२[२]:५,१[२]; ६,२; ८-९,
२:१०,३$: ११,३; १३,३[२]: ४,
४,२:३[२]; ६,१;९,१:१०, १;३[२]:
१२,४:५;७[३]; ५,३,३[२];४[२]:४,१;
४:५,२; ४; ६,६:७,५; ८,२:९,
३:६: १०,१[२];२;३[३]; ४[२];११,६;
७; ६,२,४: ३,६:५,४: ९,६;३,
१,९,५;२,६,२: ३[२]:४,३,३;६[२]:
८,१[२]; २[३];६; ९,१[२];२[३]; ४:५[२]:
५,९. ३; ४,१, १०,१$[d]; २,४,
१†: ६,२, २†; ९,२†: ५,१,३,
३[२];४, ५[२]:८,६; ९,४[२];५; १०,
१[४]: २,२,१;३,५; ५,५;६,२-४:
८,७: ९,१:४[२]: १०,१;२; ६;३,
१,१;४[२]; २,४;५; ४,१;७;७,१;
४. १-२, ३; ६,१;७,६; ७[२]; ८,
१;२; ६;९,२; ३[२];११,४[२];५,४,
२;६,३; १०,७; ६,२,२; ५;६[३];
३,२:३; ४,१:७,४,२; ५,१[२];६,
३;५;६; ७,२$[f]; १०,२; ३; ६,
१,२,४; ३,४; ४,१; ८,२;९,३;
२,३,५[२]; ६,३;११, २;३,४,५;
५,४;६,२[२]; ७,३; ११,५; ४,१,
२[३];२,२:४; ४,३; ५,४;५,४,१;
६, ४; ७, २; ८, ३; ४; ६, ३,

a) सपा. शौ १९,४१,१ पै १,५३,३ अस्मै इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ ७६५ *k* टि. द्र. ।

c) पाभे. कृते पृ ७६५ *j* टि. द्र. ।

d) सपा. अस्मै (माश ६,६,३,८ च) <>अस्मै<> शौ १९,५५,६ अग्ने<> शौ ३,१५,८ जातवेदः इति पाभे. ।

e) पाभे. कृते पृ ७६५ *a* टि. द्र. ।

f) =सपा. माश ९,५,१,४७ तैब्रा ३,७,१३,४। माश्रौ २,५,५,२१ तु अस्मात् इति पाभे. ।

g) सकृत् सपा. ऋ १,२२,१५ विशिष्टः पाभे., अन्यत्र नः इति च पाभे. ।

२; ४, ५; ५, २[२]; ३; ६, २; ८, ४[२]; ११, ३; ४[२]; ७, २, ४, २; ¶मै १, ४,५;६; ८[३];५,५;७;६, ३[३];५[३];९[७];१०; ११[३]; ८,४; ६[२]; ८;९[२];९,५; ६; १०, १६[२]; २०; ११, ८[३]; २,१,१[५]; २[२]; ३[४]; ४[७], ७[५]; ८[२]: ९[२]; १०[२]; २, ४[२], ५; ७[३]; ८; ९[२]; ११; १२; १३[४]; ३, १[२]; ४$; ५[५];६[६]; ४, ३[७]: ५; ८: ५,१[७];२[७];३; ४[३];५[४]; ७[१]; ८[५]; ११[१]; ७, ७$[a];११$;१३,१†; ३,१,५;९[२]; १०[२]; २,३‡[b]; ५[२]; ७[२c]; ३,१;३[२]; ६;९[२]; १०[३]; ४, २[२]; ३[२]; ७[३];९[३];६,६;७;८[२]; ७, १:२;७;८;९[२]; १०; ८,४[२]:१०: ९,३;४[३];५;१०,१;१६,१; ४,१, ५;८[२];९-११;१३;१४;२,१; २[४]; ३[२];७[६];८[२];१०[२];११;३,३[२];५[३]; ६[२];७[६];८; ४,४;६[३];८[२];९;५,३: ६,५[२];७[२];७,३[२];६[२]; ९[३];८,७$; ११,५[२]†;१२,४†; †१३,४; ९[२]; †१४, १; १३; ¶काठ $१, ७[५]; ८;३,१०$; ६,२;४[२];६[२];११[२]†; ७,६; ११[३]; १२$: ८,१;७;८[४]; ९-११; ९,१२; १४[५];१७[५];१०, १[२]; २[२]; ३[३]; ४; ६;७;८; ११[३]; १२†[d];११,१[४]:२[४];३; ४;५[३];७; ८[६];१०[४]; १२,१[२]; २;३[५];५;८[४]; १३[२];१५†; १३,१; ३;४;५[२];६; ७[४];८[३]; १२[२]; १४,८; १५, ६$; १६, ७$[a]; ११‡[b]; २१$; १८,

१†; १४[२]$[e]; १९,३; १०;[७]$[a]; १२; १३; २०, ३; ४[२]; ६; ९; १५‡[f];२१,३; ४[२];६; ७;८[३];९[४]; १२[४]; २२,६; ११; २३,४; २४, ४-६; ८; १०[३]; २५,२;३; १०[२]; २६, २;४; ५[२];७[५]; ८[२]; २७,४; १०[२]; २८,१[२]; २[२]; ८; २९,७[२]; ९; ३०,१[२];२; ८$; ३१,२; ३[३]; ६-९;१२: १३;१५[३]; ३२,४[२];५; ६[५];३३,६;३४ २[२],३५,१६-१८; ३६, १०; १४; १५$; ३७, ७; ९[२]$: ११; १४[२]; ४०. १३$[g]; ४६, २$[h]; ५†: ¶क $१, ७[१]; ८; २.१७$; ४,१;३[२];५[२];५,४[1]; ५;६,३$:६;७,३[४];४-६;८; २५, २‡[b]: ४†;२८,२†; २९,३[२]$[e]; ३०.१: ८[६]$; ३१,२; ५;६[२]: ८; ११;१६: १८[२];१९;२१; ३४,१; ३५,५: ३६.१; ३७, ६;७; ३८, १;३[३];५;६: ४०,१:३[२]:५; ४१, २:३[२]:५[१]: ६[२]; ४२,४; ४४,२[२]; ८:४५. ८; ४६, ४[२];५: ४७, २; ३[२]:८;९:११: ४८,१४-१६; †कौ १,४४;३२२[२]: ‡[j]; ३३१; ३५२; ५६० : २, १ : ११३ ; ७७३ ; ७९०; ९३३; ११२६; ११५१; ११८५: †जै १, ४, १०: ३३, १०[२];‡[j]: ३४, ९: ३७,१: ५७, ९;३, १, ३: ११, ९; ४,१, ४: १०-११,६; शौ २,५,६†;२८,५; २९,५[२]; ३,३,२; ४, ६,३: २२,

१;५,१,९;१४,४;१७,१७; १९, १५: ६, ७८,१;१२३,२[k];१२८, १;७, १५, ३[२]; १९, २; ८, २, ५;१०;११, ९; ९, ५, २४-२६; १०,२, १५[२]; ५,५०: ६,६-११; १३: १५: ११,२,८; १८; २२; १२, ८,१८; १९;३५[२n]: १८,१, १०†: ५५†; २, १२†: १९[२]‡[l]; ३७: ३, ५०†: ५१†; १९, ५१, १[m]:५२,३; †२०,२१.१०;२७, २;३१, १; ३४,५: १८: ३७,२; ७६,७:८;८९, १:५: ६: ९५ २, ९६.३[२]: ४; १३५,१२$: १३९; १[n]: पै १, १३,२[२]; १८,८; १८, ८:१९.३[o]:२७,८:३०,३;४३,३; ५३.२:३[m];८५,३; २,२८,१-५; ६५. ३: ७३, १[२]; ७८, २; ८०, १-३: ३. ९,१-६: २१,१;३; ४; २३,८: २७ १: ३२,१: ४,५,६; ७: २७, २; ५,६,१: १०; ८,२: २९,२: ३१,२: ३८, ७†; ६.२, ९;७.३: ७,१०.२: ३:८[p]; ८,७, १०: ९,१२: ९,२. ११; १४,२; १६,२: ८: १८.९[u]; २१, ४: ६; ९-१२; १०,४,१: ३: ११,५,४; ६:८: १२,७.९: १३.२.१: †६. २:१३;†७,५:१४: ९.१३; १०, ८;११.२०; १५.१,७: ५.२[२]:३; १८,८; २०,४; १६,३,५; ६;९; १०:१४,३; ६†: २२,९;४२,६; ८: ४३,१-४:६; ६०.६; ९७,६;

a) पाभे. पृ७६६ *d* टि. द्र.। b) पाभे. पृ७६५ *j* टि. द्र.।

c) सकृत् सपा. तै ५,२,९,४ अस्मात् इति पाभे.।

d) पाभे. पृ७६५ *i* टि. द्र.। e) पाभे. पृ ७६५ *k* टि. द्र.।

f) सपा. ऋ ७,१०१,५ अस्मे इति पाभे.।

g) पाभे. कृते पृ ७६६ *f* टि. द्र.।

h) पाभे. कृते पृ ७६५ *l* टि. द्र.।

i) सोऽस्मै इत्यस्य स्थाने सपा. काठ ७,४ तस्मै इति पाभे.।

j) सकृत् सपा. ऋ ६,३२,१ आसा इति पाभे.।

k) सपा. पै १७,१९,५ अस्य इति पाभे.।

l) पाभे. पृ ७६६ *g* टि. द्र.। m) पाभे. पृ७६६ *a* टि. द्र.।

n) अ° इति पपा. शोधाहः (तु. पपा. ऋ ८,९,१)।

o) सपा. मै१,४,३मा इति, तै३,५,४,२ काठ५,६ शौ१,९,३ एनम् इति च पाभे.। p) सपा. शौ १९,३९,२ यस्मै इति पाभे.।

q) सपा. शौ ५,१९,३ अस्मिन् इति पाभे.।

९८, १: १००, २; १०४-१०५, ८; १०६, २: १२६, ४; १२८, १-९: १३२, ११; १५०, ३; १५१, १; १७, १७, ८; ९: २४, २; १८, ४, २^{2}: ९, ६; १०, १; २५, ९; १९, १२, ८: १६, ९; १४†; १६; १७, १०: ११^{2}: २४, ३†: १६; ३२, १६: ३६, १८; २०, ३, १^{2}: ७; ३१, ८: ३४, ३: ३६, १०; ४०, १; ४७, १०[a]; ?अ॒स्य[b] ऋ ४, १५, ५: ५, १७, ⌊२: ८२, २⌋; ६४, ३: ६, ४०, २; ८, ३१, ४; ९, ५३, ३: ६१, ⌊२९[c]; ६६, १४⌋; ६९, १; ७३, ४[d]: ८९, ३: १०, ८, ३; खि १, ५, १०: ७, २: १२, ७; कौ १, २२३‡[e]: २, १०६६†; जै १, २४, १‡[e]: ४, ७, ३†; अस्य॒ ऋ १, ४, ८; १२, ⌊१: ८, १९, ३⌋; २२, ⌊१; २३, २; ४, ४९, ५; ५, ७१, ३: ६, ५९, १०: ८, ७६, ६⌋; २६, ५; ३३, १: ५२, १२: ५७, ५; ६०, २; ६१, ७: ९-११: १३: १४; ८६, ४; ५: ९२, ⌊६; १८३, ६: १८४, ६; ७, ७३, १⌋: १०२, १: २; १०५, ⌊१-१८⌋: ११६, २५: १२१, ४; १२२, ८; १३१, ४-६; १४३, २: ३^{2}: १४५, २; १४७, २; १५३, ४; १६४, १: ७; ३२: १६८, ६; १९०, ३; ४; २, ४, ४; ११, २०: १५, १; १६, ७, १९, १; २; २३, ⌊१९; २४, १६ (३५, १५)⌋; २७, ५; ३२, १; ३३, ९; ३५, ६; ३, १२, १; ३५, ६; ५०, ⌊२; ७, २९, १⌋; ५१, ⌊१०; ८, १, २६⌋: ४, १, ६; ⌊ ११; १७, १४⌋: ४, ११; ५, ८; ११; १२^{2}; १५; १७, ९: १९; ३६, ९; ४५, १; ५, १२, ३; १६, ३; १७, ३: ४; २२, ४: २९, ३: ७; ३८, ४: ४३, ३; ४४, ८: ५४, १०: ६३, २; ६, २९, ५: ३७, २: ४४, १४; ४७, १, ४८, ९; ५९, ५: ६२, १: ६९, १; ७; ७०, २: ७, ४, ३: ७, ६: ३०, १: ३१, ४; ३२, २२: ३८, २: ८: ३९, ३: ४०, ५; ६०, ७: ८७, ६: ९४, १: १००, ५: ८, १, २६: ३, ८; १२: ५, १४[f]: १३, ⌊४: १५, ५⌋: १७, ⌊११ (६४, १२)⌋: १९, २: २४, ८: २६, ८; ११: ३७, ३; ४६, १६, ६३, ९; ९२, ⌊६: ९, २३, ७⌋: ९५, २; १०२, ८; ९, १, ⌊१०: १०६, ३⌋; ५४, १: ८५, ३: ८: ८९, ३: ९७, १; ९८, ५; ८: १०२, ५: १०८, २; १०, ३, ४: ६; ८, ७: १०, ५; ६: २७, ⌊७: १८७, ५⌋: ३१, ५: ६$^{?}$: ४६, ७; ६१, १८: ६४, १३: ९२, १२: ९९, ६; ११: ११०, ११. १११, ३; ११६, २: १२१, ३: १२९, ६; १५९, ६: १६०, १: १६८, २; १८८, २: १८९, २: खि ३, २२, ९; खिमा ३, २; मा †३, ७; १६; ४, ९: १०: ६, ११; ७, ३१†; ९, १८†; १०, २०†; १२, ४२; ७३; १७, १४; २१, ११†; २२, २२; २३, ३†; ५०: ५९: ६०; २५, ११†, २६, २३†; २७, ३५; २९, ३६†; ३३, १; २९†; ९७; ३४, ५८†; ३५, १; का †३, १, ७; ३, ६: ४, ४, १; ४; ६, २, ७; ७, १३, १; १०, ३, ११†; १३, ३, १३: ५, १२; १८, १, १४: २३, १, १२†: २४, ८, २; २५, २, १†; ९, ६; १०, ७; ८: २७, १०, २†; २९, ५, ४†: ३१, ४, १२†: †३२, १, १: २, १२; ३३, २, २१†; ३५, ४, १; तै १, २, २, २: १४, ५†: ३, ८, २: †४, ७, १: १५, १: †५, ३, १: ५, १: ७, १: १०, ३$: ६, २, १: ३, २: १०, २: ७, १, २: ६, २¶: ८, २†, २, २, १२, ५†; ३, १४, ६: †४, १४, २: ३; ६, ७, १¶: ३, २, १०, १ ; ११, २¶: ३, ११, ५: ४, १, ८, ४†: २, ३, ४†, ५, २: ४, १२, ५[?]: ६, १, ४; ७, १२, २†: १४, ४: ५, ७, ४, ४: ७, १, ६, १¶: ५, १३, १: १६, १†: १८, १: मै १, १, ४; २, १५: ३, १७†; ४, १$^{?}$: †५, १: ५[?]: ६: ६, १†: ७¶; ८, ६; १०, २: ११, २†: २, १, ८¶: ७, १०: १२^{2}: १०, १: †१३, ९: २३; ३, २, २; ४; ४, ४¶; ६, २: ४¶; ९, ७¶: १२, ६; १७† ; †४, ९, १$; १०, १ ; २; ११, ५; १२, १^{2}; २; ५, ६$: १३, ५; १४, १०; १२; काठ ४, ७†; १४^{2}; १६†, †६, ९-११; ७, १३†; ८, १७†; १२, १४; १३,

a) पाभे. कृते पृ ७६६ c टि. द्र. ।

b) स्वरादयर्थं पृ ७६५ h टि. द्र. ।

c) सपा. कौ २, १२४ जै ३, १३, ५ युस्य इति पाभे. ।

d) =सपा. आपश्री १६, १८, ७ । शौ ५, ६, ३ काठ ३८, १४ तु तुस्य इति पाभे. ।

e) अस्य॒ इति स्वरः? (तु. पपा.) । सपा. ऋ ८, ३२, २१ इमम् इति पाभे. ।

f) =सपा. ऐब्रा १, २२ आश्री ४, ७, ४ । ऋ १, ४६, १५ मा ३४, २८ ऐब्रा १, २२; ४, ११ आश्री ४, ७, ४; ६, ५, २४ तु उभा इति पाभे. ।

g) सकृत् =सपा. तै १, ५, १०, ३ (वैतु. मै. पपा. अस्य इति) ।

१६; †१६, १०; २०; ३८, १२; ४०, १†; ४५,१४; †कौ १,३; ४१; ११२ : १३२ ; १५९; १६५ ; २३३ , ४१७ ; ५२६ ; २, १९: ३०; ४३; ४६ ; ७५; ८७; १०५; १४०;२३१; २६६; २९७ ; ३०३$; ५८९ ; ७२७; ७४३ ; ७४९ : ७६३ : ९२४ ; ९७३; ९७६: १०३८: ३,५,५; †जै १, १, ३: ४, ७; १२, ६; १४, ८; १७, ५; १८, १: २५, १ ; ४० , ९ ; ५४ . ४ ; ३ , २, १०; ४, १; ६. १०$: ८, १;९, १$; ११, १: १४,१: २०, १५; २२,१३; २४, १३; ४८,६: ५९, २: ५; १९: ४, ४,१०: ११, २; १८,६; १९,९^{२}: २३,६: २९,४: शौ १, ९, २: ३२,२: २, ५, २; ४, २,१†;४,६:२२,२: २८, १; ६; ५, १२, ११†; २३, २: २७, १०; २९,२-४: ६, २८,३: ३१, २†; ३४, ५†;४८,१;३:५२,३; ५४,१; ६८, ३[a]; ७३, १;१०१, २; ७, ९४, २‡[b]: १००, १; ९, १ १५‡[b]; १४, १†; ५†; १५, १०†; १०,५,४७‡[b]:८,९; ११, ६,२३;२४; १३, ३,२४; †१८, १, ५; ७: ४८$: ४, ८९ ; १९, ४९,५; †२० , ५, ५; १५,५; १८, ४ ; ३५, ७ ; ९-११ ; १३; १४ ; ४८, ५ : ६१, २; ६८, ८; ७२,३;७५,२; ३; ९६, १; ९९, २; १०१,१; १२१, १; पै १६, ३३,५; अस्य,>स्या ऋ१,६,२; ७,७;८,८; १०; २२, १७; २३,

२४[b]; २७, ८; ३०, ३; ३२, ६; ७; ३३, ११; १३; ३५, ७; ४०, ⌊८; ६,६६,८⌋; ५०,३: ५२,⌊५; १४⌋;१०; ५५,१; ६१, ८; ६२, ६; ६८,५;७१,३; ६; ८०,⌊१०; ८,६३,३⌋;८४,⌊११; ८,६९,३⌋; १२^{२}; ९४, १;५; ९५,३; १०३, १;५;११०, ६; ११४, ४; ११५, ५; ११९, २; ५; १२७, ५^{२}; ६; १२८, ५; १३८, १^{२}: १४०, ३; ५; १४१, २: ४; ८; १४४, १^{२}; १४६,१;२;१४८,२: ⌊४; ७, ३, २⌋; १५२, ३[c]: १५४, ५;१५५, ३;⌊४; १०, २३,५⌋: ५^{२}; १५६, २-४ ; १५८ . ५; १६० , ३ ; १६२, ८^{२}; १६३. २;९^{२}; १२; १६४ , १; ७: १८ ; १७६ , ४: १९१, ⌊१०-१३⌋: २, ३, ११^{२}; ४, ४: ५. ४; ५; ११, ९; १०; १२, १३; १३ , १० ; १४, १; २ ; १० ; १५, १ ; १७, १; ३; १८,८,२०,८: २२, २: ३५, २; ८; ११^{२};३६,५: ३८, २; ५; ७; ३, १, ७: ९; ११, ३; १३, ५; २९ , ३ ; ३० , १२ : ३२ , ४ ; १५; ३४, ६:७: ३६, ५^{२}: ३८, ५; ७ : ४२ , २ : ४८ , २ ; ५०, ११ ; ५१ , ४ : ⌊५ (६, ४४, ११)⌋; ५५, १८-२० ; ५६, ७; ४, १,७;९;१०; ६, ५; ७, १०; ९,६: १६, १: ५: १७,६: ११; १२; १८, ⌊४; ६, १८, १२ ⌋; २३, २^{३}; ३^{२} ; ४; ५; २५, ५; ७; २७, ४; २९, ३; ३०, १३; ३८, ८; ४०, ३; ५०, २; ५४,

४ ; ५८ , ३^{२}; ५ , २, १; १०; १९, ५ ; २९ , ⌊ ३; ३०, ११⌋; ३^{२} ; ६; ११; ३०, २; ९^{२}; १०; ३२, ⌊(३, ३२, ४) ५⌋; ५^{२}; ९^{२};३३,८; ३४, ४; ७; ३७, ३; ४५, १; ४७, ४; ४८, ४^{२}; ५३, १६: ५४,७;६०,६; ६२,७;७७, ४: ६, ३,४;१२,५;१८,५; १९, ४; २२, ३, २४,७;२७,१^{४}; २^{४}; २८,२;३०,१; २: ३५, १: ३६, २;३७,४;३८, २; ४४, ५; १३: ४५, ⌊३; ८, १२,२१⌋; ३; ४७, १८^{२};५४,३;६३,१;६५,५; ८^{२}; ७,३,५:११,४;१६,⌊३; ८, २३, ४⌋; २०, ६: ३२, १२; ३४, ७; १७: ३६. ५; ४०, १; ४५, २^{२}; ८२,३;६;८६, १; ८८, २; ९०, २;९८,२;५;१००,३; ४; १०४, ११; ८, १, ३४;२,२१;३,४;८; १०;१३; ४, ८; ६, ४; ५; १३; १२,७; २४: ३२; १३, ८; २९; १९,१४; ३२, १५; ४०,६; ४८, १२;४९,२;५०,२;५१, ५. ६०, १३;६६,८-१०;६९,१७;७२,१: २;६: ७५,७: ८२, ⌊७-९⌋; ९२, ५: ९४,४: ६: ९५, ६; ९७, १: ९९,४:१०३,९: ९, ६, ७;७,१: ७:८:८,१: १४,३;२९, १; ३०, १:४७,२:३:७०,३; ७१, २; ५; ⌊(१,९५,८)८⌋; ७८,१; ८३,२^{२}: ३:४;८५, १२; ८६, १४; १५^{३}: ८८,१; ८९,६;९२, २; ९६, १; २;२२;९७,५४; ९९, ३; १०२, ३;१०८, १२; १०९, १५; १०, १, ३^{२}; १०, ⌊(१, ६९, ७) ५⌋;

---

[a]) =सपा. तैब्रा २, ७, १७, २ आपमं २, १, ३ आगृ १,१७,१० पागृ २,१,१० हिगृ २,६,१०। शांगृ १,२८, १५ तु अद्य इति, मागृ १,२१,६ च विशिष्टः पाभे.।

[b]) सपा. अस्य<>अस्य इति पाभे. ।

[c]) सपा. अस्य<>अस्याः इति पाभे. ।

१२,५; ८:१३,५; १६, १; २०,
६;९;२३,२;३;६;२७,१०; २०;
२४;२९,५; ३४, ४; ६; ४२,६;
४३, ७; ४८,९:५५,२; ६१, १;
३; १३; २४^{२}: ६२, ११;६९,२;
१० ; ७३, ९ ; १० ; ७५,⌊(८,
१०१,११)९⌋;७६,३;७. ७९,१;
८६,४; ५;८८, २;८९, ६; ९०,
३^{२}: ४^{a}: ६:११;१२^{२}; १५; ९१,
१३;९२,३^{२}; ७: ८; ९६, ३; ७;
९९.२:९^{२}; १०२, ६; ७: १११,
७;११३,१:२; ११४, ७: १२३,
७; १२४,७;८: १२५, ७; १२९,
७;१३२, ३;१३५, ७: १३८, २;
१४२, ५; १४७, ४; १४९, ३ ;
१६०,४;१६८.१;४;१७८,⌊(४,
३८, १०) ३⌋ ; खि १, ११,४;
३,१-२, २;३,५;२२,१;४,५,४;
६^{२};३४;८,८^{b};१०,२;५,३,३;५,
११^{११};७,३,८;४, ११; २२, २^{c};
९; मा ५, १५†; ६,११;७,१७;
८,४०†;९,१५†;१२,५५†;१३,
३;१५, ६०; ६२†:१६,८;१०^{२}:
१७,७४;८८^{२}†;९१^{२}†; १८,६०;
१९,३५^{d};८१^{२}; ८८^{२}; २३, ६†;
२७^{e}; ५७; ५८; २५, ३१^{२}; २७,
११; १५-१७; २८, १९; †२९,
१३; २०^{२}; २३; ४२ ; ४५^{२};
†३१, ३^{३}; ४^{a}; १० ; ११ ,
१४ ; १५ ; ३२, ९; †३३, ३८;
८३; ९७; ३४, १४†; ४०, ५^{२};
का ५,५,२†; ६,२,७; ७,७,२†;
८,१५,१†;१०,३,८†; १३, ४,
११†;१४, १,३;७,१०; १५,३,
५;६,२;९,४;१६, ७,३;५; १७,
१,८; १०^{२}; १८, ६,१०; †१९,
१,२^{२};५^{२}: २०, ४,३;२१,३,४^{d};
६, २^{२}; ९^{२}; २५, ३,२†; ६,७^{e};
१०,५; ६:२७, १२,८^{२}; २९,२,
१;५-७;३०, २,८; †३१,२, ७;
३, २;९^{२}; १२; †३२, ३,९; ६,
१४; ३३, १,८†; †३५,१,३^{३};
४^{a}:१०:११^{२}: १४;१५:३, ६$;
४०, १, ५^{२}; ¶तै १, २,५,१$;
१३, १†; १४, ७†; ३, १,१$;
८, २: ५, १, १; २; ४^{२}: २, २;
४; ५: ३, १‡^{f}: ७, ३: ४^{२};
८, ४; ५; ६,७, ४^{२}; ८, १^{२};२;
३^{२}; ४; ७, १, ६: ३, १; ३; ४;
४, ६^{२}: ६, ५; ७:७, ८, ३†; ८,
३, १‡^{g}; २,१,१,१;२,७;४,४;
५^{२};६; २,२,३; ४;५^{२}; ४,८^{२}$;
५, १; ६; ७, ३^{२};८, १;९,४;५;
१०, ४; ३, १,२;४; ७,४^{२};११,
१;२;४,३, ३;५, २,१; ४,२:५,
१;३;६;६,३;७, ५;८, ५;९, २;
४;११,९;६,३,२;५,५^{३}; ७,६$;
११,२†;३,१,१, २^{२};३^{२}; २,३^{२};
४^{२};३,१,७, २;३;१०,३^{२}; २,१,
२; २,३;६,२^{२};३;८,५^{२}$;९,५;
६;३, ४,२;७,२;९,२$;४,१,१;
३,३; ६, २;८, २;३^{२}; ४;५;६^{३};
९, ३; १०, २; ३; ५: ५, ७,१;
२^{२};३^{२}; ४, १,$८,१^{२}: २^{२}; २,
४, ४†; ८, २$; ३, ११, ४^{२}$;
४, ३, ३†: ४, ५†; ५,१, ३$;
४^{२}$; ६, ५, ४$; †६, २; ३^{२};
†७,१;४^{२};५;८,३^{२}†;५,१,१,१;
२,१:५^{२};६;४,३; ५,२^{२};३-५;६,
१^{२};८, १; २;६; ९,३^{२}: ५; १०,
५:२,१,२;६,३:१०,७:३, १,१;
३,१:४,६^{३};७;५,३;८, ३; ९,१;
१०,२;११,२;३;४,१,१; ४,२^{२};
३-५:५,१^{२}:४; ७,५^{२}:८, १;२^{३},
९-१०,१: २: ५,१,७: ३,२,३^{२};
४, २: ४^{२}; ६,२†; ८,२:१०,६;
६,२,१;४;३,१:६,४;८,२;५;९,
२:३^{४};१०,१^{२};७,२,१;३,३^{२};४;
२:७,१$;९,१:१०,२:३^{४}; ६,१,
१,४;३,४;४,७;७,८:९, १; ३^{२};
१०,५^{४};११,६^{२}: २,२,२:४; ५^{३};
७;५,३-५;६,४^{२}; ३,१,६;२, ३;
७,४^{२};९,१;३$;१०,३:४;६;४,
२,१;४;५,६;७;६,४^{२}:९,३;१०,
२;५;५, ६, २;५;९,२;६, १,३;
४,३^{४}:६,२;९,१;१०,२^{२};११,४;
७,१,६,२-४;५^{३}:७,२^{२}:८, १;२,
५,४;७,५; १०,४^{२}; ४,२०,१†;
५,८,१; १५,१; २५,२; ¶मै १,
२,२^{२}$; ९†; १६^{२}$^{h};†३,३२;

a) =सपा. तैआ ३, १२,२ । शौ १९, ६,२ तु विशिष्टः पाभे. । b) सपा. खिमा ३१,९ अस्मै इति पाभे. ।
c) सपा. अस्य <> अस्याः इति पाभे. ।
d) =सपा. ऐब्रा ७,३३; ८, २० माश १२,८,१,५ तैब्रा १,४,२,३; २,६,३,२ आश्रौ ३,९,५ आपश्रौ १९,३,४ । काठ १७,१९ तु अच इति पाभे. ।
e) =सपा. अस्य (लाश्रौ ९, १०, ४ च) <>अस्याः <>अस्यै (माश १३,२,९,४ तैब्रा ३,९,७,१ आश्रौ १०,८,१२;१३ शांश्रौ १६, ४,२ लाश्रौ ९,१०,३ वैताश्रौ ३६,३१ च) इति पाभे. ।
f) तु. भा. K.; वैतु. भा. ⌊पक्षे⌋, सा. <√अस (क्षेपणे) इति चिन्त्यं वह इति क्रियानिघातानुपपत्तेः । सपा. ऋ १०,१८९,३ विशिष्टः पाभे. ।
g) सपा. ऋ १,१७३,१२ युस्य इति पाभे. ।
h) =सपा. माश्रौ १, ८,४,४;५ । काठ ३,६ तु युष्मद्- >ते इति पाभे. ।

३३;४,६$; ७[२];८;९;१०[२];११[२];
१२[६];१३[२]; १४; ५,८[२]; ९[५],१२;
६, २[२]†; ४[२];५[४]; ६;७[३]; ८[२];९;
१०;११[२]; १२;७,२;८,२;३;४[२];
५[३];६;७[४];८[२];९[५]; ९,३[२];४[६]:५[४];
६; ७; ८[४]; १०, ७[२]: १५; १६[२];
१७[५]; २०[६]; ११, २†: २,१,२[२];
३[२];५[४];६[६];७[४];९;१०[२];२, १;५;
८: ९[३]: ११; ३, १[२]: ३:५[२]; ७[३];
८[२];$[a]; ४,१[२];३; ५,२[४]; ५[२];८:
१०$; ७, ३†; १५$: †८, १;
१४; ९,२[२]$; १०, ६[२]$; १२,
६[४]$:३,१,१[२]; ३[२];९[६];२,२[२];३[२]:
४;५[३];६[२]:७[६];८†; ९: ३,१; २[२];
५: ७[२]-१०[२]; ४,१; २[२]; ३; ४[८];
५[२];६[२];७;५,१[२]; ६,१; २[२];३[४];
५[४]; ६[२];७[६]:८-१०; ७,२;४[३];७[६];
८[२];९[२]; ८,१[२]:२[२];४[२];५;६[३];७;
९;१०[२]; ९,१;२[२];३[२];४[३];५;६[२];
७$;८[२]; १०, १[१२]; $[२b];३[४];४[२];
५[२];६;११,७[२]$[a];९[४]$:१६,१[२]†;
३[२];४[२];४,१,२[२];४[२];६:१०;११;
१२[३];†;१३[३]:१४[४];२,१[६]:२[२];७[३];
८[२]:९[२]; १०[३]; १२[६]; १४[७]; ३,१;
२[२];४[२]:७[३];८[४];४,५;६:८[३]; १०[३];
५,१;४: ५[६]; ६[६]; ७;९:६, ३;४[४];
५;६[२];८;९;७,२;४; ६[३]; ८;८,२;
३[२];४[२];५;६;८:९[३];९,१४$;११,
६†; †१२,१[२]; ३:४[३];१३, ४[७]$;
८$; †१४, २; ४, ५[२]; १२; १३;
१४$; ¶काठ २, १०†; ३,६[२]$;
†४, ११[२]; १३;१६; ५, ४$; ६,
१; ३[२]; ४[२]; ५; ६[३]; ७[३]; ८[४];
७, ४[६]; †; ५[३]; †; ६-८; ९[३];

१०[२]; ११; १५[२]; १७†;८, २[२];
३[२]; ४[६]; ५[२]; ६[४]; ७[२];८[२]; ९[७];
११[२]; १२[५]; १३[२]; १४[२]$;
१७[२]†; ९, ३[२]$;५$;१२[६]; १३;
१५; १६; १०,१[२]; ३;४[२]; ५;७:
१३$; ११,१;५[४]; १२,१[२]; २[२];
३-६;७[४];१०[४];१३;१४†;१५[२]†:
१३,३; ४; ५[६]; ६; ९$; १४[२]†:
१५†;१४,६, १६,१२$; १५$;
१९†;२१[६]$;१७,१०†: ११[२]$;
१७$; १८[२]†; १८,४$; १७[४]$;
१९;१९,१;२[२];५-९;१०[२];११[२];
१२†;१३$;२०,२[२];$;६[२]: ८[२];
१०; १३; १४†; २१, १[३]; २[२]:
३[४];†;४;५; ६[२]:७[८];८; १०;११;
२२,१[२]; २[२];४; ६; ७[४];८[२];१०:
१४[२]$: २३,१[५]; २;४;५;७:९[२];
२४,२[२];५[२]-७[२];८;९[५];१०; २५,
२;५[२];६[४];७;९:१०;२६,१:४-७:
८[२]; ९[३]; १०; २७,१[४];२;३[२];४[२];
५;६;८[२]; ९; २८,१[२]; २;३[२];४;
५[६]; ६;२९,२; ३[२];५;८; ९;३०,
२[२];३;७[२],९:१०;३१,१[२];३;४[२];
६;८[३];९:१०[२];११[२]; १२:१४[२]$;
१५[६];$[२]; ३२,१; २[२]; ३;४[३]; ५;
६;७[२];३४.१:३:९[२]; ११[२]; १७[२]:
१८; ३५, १$: ५$: १७; १९[२]:
३६,८;१०[२]: ११[५];१४[२]; ३७,१;
९‡[d]; ११:१२: १४; १६[४]; ३८,
२$[a]:३[४]$: १३[२];†;$[२e]; १४$;
३९, १०[२]$; १२†; १५†; ४०,
६$; ७[२]†;११; १३$; ४४,९$;
४५,९[२]$; १३†; †४६,१[२]; ३[२];
४[२]; ¶क २,४†: १३[२]$; ३,५†;

९[२]†;१२;४,२[२]; ३[२]; ५[३];६[३];७[४];
८†,५,२[६];†;४[३];†;५;८[३];९[२];६,
१[४];४†;५[२];७[२];८;९[६];७,१[२];२[३];
३;४[२]; ५[६];७[५];८[२]; ८,१[२];२[२]$;
६[२]$;८$;२५,१†;३$;६$;९†;
२६, ९†; २७, १[३]$; $२८, १;
४; २९,५[६]$; ७;८[३]; ३०, ३-६;
८[२]; ३१,१[२]: २†;४[२];$;६;८[२];
१०[२]; १२[२]; १५;१६[३];१७;१८[२]:
†;१९;२०;२१[२];३४,१;३५,१[२];
२[२];७[५];८;३६,१;४; ३७,३;६[२]:
७[२];८[२]; ३८,१;२[६];३;५; ३९,२;
३[२];४[२];५: ४०,२-४; ४१, २-५;
६[२]: ७[२]:८; ४२, १[४];२; ३[२]:४[२]:
५;६; ४४,१; २;३[२]; ४; ५[६]; ६;
४५,३;४[२];६;४६,५[२];६;८;४७,
१[२]: ३:४[२]: ६;८[३]; ९;१०[२]; ११:
४८, २$; ६$; १५; १७[२]; †कौ
१,६६;१३७;१६२;१७४;१८२;
२२२; २२४$; २५४; ३२१$:
३३१; ५३३; २, १६२; २२६[२]:
२२७;२२९;२३५;३५६;३५७[२];
३६५;४१४; ४५६: ४७८;४८४;
४८५; ५२८;५७०; ६७०;७२२;
७७५;८१९;८२१;८३८: ९२४;
९५६: ९५८: ९८२: १००१;
१००३;१०१९,१०४२;१११५;
११३५: ११३७; ११९७; ३,१,
२‡[f]: २,२;४,४[g]: ५[२]; ६:११$;
५,८; †जै १,७,४; १५,३; १७,
८;१८,१०;१९,८; २३, ९; २४,
२$; २७, २; ३३, ९$; ३४,९;
५५,१; २,१,१‡[f]; ३,७;८[२]; ९:
४,२;९$; ५,१०; ६,४; ३,१५,

[a]) पाभे. कृते पृ ७७० *d* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ७७० *h* टि. द्र. ।

[d]) =सपा. तैब्रा २, ७,८,१ । ऋ ३, ३८, ४ तु वृष्णः इति पाभे. ।

[e]) सकृत् सपा. आपश्रौ १६,१६,१ अस्मत् इति पाभे. ।

[f]) सपा. ऋ ७,२७,३ मै ४,१४,१४ शौ १९,५,१ तैब्रा २,८,५,८ अस्ति इति पाभे. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ७७० *a* टि. द्र. ।

१०; २०, १०[२]; ११; १३; १९; २९, १३; १४[२];३०,७; ३२, ४; ३४,१४;३६,३; ९;१०; ४१,४; ४६,५;५५,११;५७,९; **४**,४,२; ६, ३; ८,२;४; १०; २०, २;७; २४-२५, ३; शौ **१**, २, १; १२; २;३;**२**,१,२;९,३; ३२,२;५; **३**, ७,२;११,६; **४**,१,१;३:६;२,१, ११,४[२]; ५;८;१२;१४,८[२]; १६, ४;५; २१,२†; २२,१: ३; २४, १[a];३०,७†:३४,१[३]:**५**,६,१; ८, ३;४;१३,३: १७,१२: १४-१६; १८; १८,६[२]: २२, ५[२]; २३, ९; १२: २७,१:५: ७: २९,५; १०; १२: १५; ३०, १३;**६**,३, २;६, २;१४,२;२०,१; ७६,३; १३८, १;१३८,२;३;**७**,१५,४; १६,१; २१,३; २७,४†; ४७,१;४९,२; ५८,५;५९,२[३];†;‡[२b];७३,१;२[२]; ९५,२; १००,१;३; **८**,४,११†; १०,५; ९;११; १३, १२, २; ८; १५,४; **९**,१,२३; ४,४;७; १६; ५,२३;२४†;१४,१;५,१८; **१०**, २,५[२];८;१५[२]; २६;३,१६:४,७; ५,५०; ७,१[४];२; ३;९:८,७; ८; १२;१३;१८; २४;९,४; **११**,२, २८;३,७[२]; ८;२२; ६,२२; २५: १०, ३१; **१२**, ३, ४५;४, ३; १३; २७[२]; ३८; ९,४; ५;११, ७[२]-९[२];१०;**१३**,२,१;१४;१८†; ३२;३८;४५;३,१४; २४†; **१५**, १,७; ३,११;५, ३; १६; १२,६;

७;१०;११; १३;१४; १५, ३-९; १६, १-७; १७, १-७; १८, २[२]; ३[२]; **१८**, †१, ५; ३३; ३६; २, ४†;३, ७१;४, ३४; ४४; †**१९**, ६,२; ३[३]; ५;६[२]; १०;१५; ३२, २;५३, २; †**२०**, ८, ३; ९,४; ११,६; ७; १३,३; १७, ७; २४, २; २६, ५; ३०,३: ३१,२: ३४, १४: ३५, ८; ३६, ३;४७, ११; १५: ४९,७; ५१,२: ४; ५५,२; ५८,२;५९,३;६०,४:६; ६७,६; ६९,१०:७०,१३:७१,४;६:७३, ४;६:७६,५:७७,१:५;८७,२;५; ८८,२; ८९,६; ९२,१४; ९६,४; ९७, २: ३: ९९,२; १०४, २; १०७,१;२:१०९,२:३[२]: १२३, २; १२६, ४: ५; १३६, ११$: पै **१**.१७,२:३: १९, २; २१,५: २३, २; २४,४: ३३,२†[c]: ४४, ४; ४६,१;२;६: ४९,३;५०,३[२]; ६१, ३: ६८, ३ ; ४; ७०, २[२]; †१०७, १; ३: **२**, ६, २; ७, ३; १०,५; १४,३;३८, २; ३९, ५; ५२,३;६१,१; ८७, ५; **३**,८,५; २१,१-३; २५, २[२]; ४; ८; १०; १२; १३: २७, ५; २८, ३ ; ४; ३६,४[२]; ३७, १; **४**,१,३†;१८, ६ ; †१९, १-६ : २४, ४; ३७, १; ५, १, १ ; २, २; ३; ५; ९, ८;२७,८;३२,२; ३; ५; ९; ३३, ४;३७, २; **६**, ११, १; १५, ६; २२, १[३]; २४; **७**, २,२;६;६,९;

७,२; १८,३; ८,२,१;१३,३[२]†; १४,३†; १५, ११; **९**, १,१;४; ६;७; †५,२; ३[३]; ५;६[२];८;१३; ७, ८; ८, ७; १४, ३; १७, ८[२]; १९,६; **१०**, १, ४; **११**, ५, १; ७, ५; **१२**, †१,१;६;२, २;४, २: **१३**,१,७[२];५,१३[२];१५;†६, ६; ७; ७,१४†; ९,३[२]; ४-६; ९, १३-१५; १०,४[२]; १४, ६; **१४**, २,११:१५[२];३, २५; **१५**, २,३; ४; †१०,५;८[२]; १२,३;९; **१६**, १०, १†: १५, ७: २३, २-५; २४,५: ८;२५,६;५३, १२; ५९, ५[२];६; ९;६०,६[२], ६४,६; †६६, १[२]:७[२].६७,८†: ६९,१†; ७१, ४; ८८, २; ९९,१;२;८; १००, १, २: ५-११: १२[२]; १०१, २; ३[२]; ५; ८; १०२, २; १०३, १; १०६,८; १३२, ११; १३३, ३; ५-७; १३४, १; ४; १३५, १०; १३६,४; १४५,४; ५; १५०, १; १५१,२; **१७**,७,१[४]; २-४; १०; १६, ३; १८, ७[२]; १९, ५[d]; ८; २९, ९[३]; १०; ११[४]; १२ ; १७; ४०,५; **१८**, २०, ५‡[e]; २१,८; २२,३†; २३,१०; २४, ६; २५, ५; ७† ; २७, ७[२]; ३२, १४†; **१९**,१,१५; २,८; ७,६; ८, ४; ५[२f];१०, ९; ११, २[g]; १२,१०; १३,८; ११; १५, १४; १७,१४; २१, ४; १४‡[h]; २६,११[२]; १५; २७, १ ; २[२]; १३†; २८, ११[i];

a) शुश्वद्रिदस्य इति पाठस्य स्थाने सपा. तै **४**,७,१५,१[२] मै **३**,१६,५[२] काठ **२२**, १५[२] तैत्रा **३**, ९,१६,४ आपश्रौ **२०**,२३,४ **प्रथमस्य** इति पाभे. ।

b) **उभे अस्य** इत्यस्य स्थाने सपा. ऋ **१०**,१३, ५[२] पै **२०**,३०,३ **उभयस्य** इति, अन्यत्र पै. ?**उभस्य** इति च पाभे. ।

c) पाभे. कृते पृ ७६९ *b* टि. द्र. ।

d) सपा. शौ **१२**,४,३५ **अस्मै** इति पाभे. ।

e) सपा. ऋ ८,४४,१७ विशिष्टः पाभे. ।

f) सपा. शौ **६**, ५४,२ **अस्मे** इति पाभे. ।

g) सपा. शौ ५,४,७ मै **अस्मे** इति पाभे. ।

h) सपा. ऋ **१०**,१९,१ **अस्मे** इति पाभे. ।

i) सपा. आपश्रौ **६**,२३,१ **अस्याः** इति पाभे. ।

३२,१३; ३६,१८; ४८,८; ५४, २; **२०**,३,३;४; ५, ४; १३, ६; १८,२; २२,७; २५,६; ३८,६[२]; ४०, ४; ५६-५७, ७; ६०, ७; **अस्याः** ऋ **१**, ८७,४; १२१,६; १४; १३१, ६; १३८,४; १६४, ३७; **३**, ८,१;१५,२; **४**, १,५; ३,४;४, ३; २३, ५; ४१, ५; **५**, ३,[८; **१०**,१२२,७]; ४१, १७; ४५,८; **६**,१,१; **७**, ३६,८; **८**, ४६,२१; ६६,१४; **९**, ७५, २; **१०**, २९,२;११०,४; †मा **१२**, १५$; **१३**, ११; **२१**, ४; **२९**, २९; †का **१३**, १, १३$; **१४**, १,११; **२३**, १,४; **३१**, ४, ५; तै **१**, २, १४, १†; **२**,५,१२, ३†; **३**, २,९, ६¶; **४**, १,९,३; २,१,४; ५, ३;३,११, ३;¶**५**,१, ७,१; ९,६$; २, ३, १[२]; ३; ५, ३; ७, ४; १०, ३: ६, ४, २; ¶मै **१**, ४, १४[a]; ६,३[i]; ८,३; १०,१२;२०;**२**,४,४;५;५,२;७, ८$;१५†; १३, १०$; **३**, १,४; ८;२,१$;३[२]; ४;६;८; ७, १;७; ८,५[२];९[२];९,२;**४**,१,६;७; १०[३]; २,३[२];९[२];३, ८[२];४, ९[२]; ५,५[२]; ९[2b];८,९; १०,४†; †१३,१;३; ६; १४, १७†; काठ **९**, १६¶; †**१६**, १५; २०; **१८**, २०†; **२०**; ९¶; **२१**, ६¶; **३७**, ११; **४०**, ११†; कौ **२**, ५१†; **३**, ३, १०; जै **२**, २, २; **३**, ५, १०†; शौ **५**,१२,४†; २५, १०[c]-१३[c]; **६**, ६०, २; **७**, ९, १[d]; १३, ३; १०८, १; ८,६, ९; १५;९,१५, १५;†**१२**,३,४०;**१३**,१,४८;२, २५;६८; ६९;†**२०**,७२,३;७६, २; **अस्याः** ऋ **१**, ३२, ९; ४८, ३;८;९२,५; ११३, २;१२४, ८; **३**,५७,१; **४**, ३०, ११; ३३, ४; ४२, ८[e]; ९[e]; **५**,४६,१; **६**, ७५, ११; **७**, ७८,१, **८**,१००, १०; **१०**, ८५, १०; २८: ३९; ८६, ११; १०२,२; १०९, ३; १४५, ४ ; खि **२**, ११, १[f], ५,७, ४, १०; २२, १[२]; मा **११**, २१; **२३**, २८[२]; **२९**, ४८†; का **१२**, २, १०: **२५**, ६, ८[२] : **३१**, २, ८†: ¶तै **१**, ७, २, ३;१३, १†; **२**, ५, १, ६; ६,४, २; **४**, १,२, ४$; ६, ६, ४†; **५**, १, ५, १; २,३,२;**६**,१,७,६[२];८,१; २,४, ५; **७**, ४,१९,२$[g], ¶मै **१**, ४, ८[३];२,४,२[२]; ७,२$; $१३,१०; १२; **३**, २,३[२]; ७, ५[५];६[४]; ८,३; ५; १३, १[h]; १६, ३†[h]; **४**, १, १०;२,१[३];३[३];७[३];५,९;¶काठ८, २[२]; १५[i];१७†; **१०**, ११;**११**, १०; **१२**, १२[२]; **१३**,१२[५]; **१५**, १२†;$**१६**, २;८; **१९**, ७;१०; **२०**, १[६];२[२];३[२];४;५; **२२**, ६[२]; **२३**,६;८;**२४**,१[२];३[२];६;**२५**,४[४]; ५[२];६[२];१०[२]; **२६**,१[२];५[२]; **२७**, २[३]; **३१**, १; ४; ५[३]; ८[३]; **३२**, ४; **३४**, २[२]; १९†; **३७**, ६; १६[२]; **३८**, १३$; **३९**, १०$; **४४**,८$; **४६**, १†; ¶क **६**,७[२]; **२५**, ६†; **३०**, ५: ८; **३१**, ३[६]; ४[२];५[२];६;७;११; २१: **३४**,१[२]; **३६**,३;५; **३७**,२[३]; ४[३];७; **३९**, १[४];२[२]; ३;४; **४०**,३[२];४[२]; **४१**, ३[२]: **४२**,२[२]: **४७**,१: ४:५[२];८[३], †कौ **२**, ११००: जै **१**,१४,१; ५,१७,३†;१७; १९,५[२];७,२१, ५;८,६,५; ९, १०[३]: ९,१,२: ३; ६:७; १५, २३‡[j]: **१०**,१०, ५; २३; २४; ३१; **१२**, ४, ५-९; १५ : १८[२]; २७; २८: **१४**, १, १०†:२६†;५७:२,२†; **१८**,४, ३२: **२०**,१२६,११†;१३६,१[२]; २[k]:पै**१**,६५,४;**२**,६७,२;७८,३; **४**, १०,७;५,१२,७;२७,७;३१, ९;३७,२[२];३[२]; **६**,९,६: **८**,१०, १-५; १२, ८: १६, ७: १८, ५; **९**,११,१४; १५,३†; **११**,१, ८; २,५; ५,२: **१३**,२. १०-१४:५, ८:१२:१८;२३; २६[२]; २७;२८; ६.९†;**१४**,३,१२:२०; **१५**,११, २†; **१६**, १८,१०[३]; ३२,२: ३; ६; ७: ५२, ४; †६९, ६, १२, ७१.५:९; ८०,२: ८१,५; १०७, ५: १०९: ३;४; ११०, १; **१७**, १६, ५-९;१७, ५: ९[२]; १८,७;

a) **अस्याम्** इति सात. शोधार्हम् (तु. Sch. टि., सपा. आपश्रौ ५,२४,४ **अस्यै** इति च पाभे.)।

b) सकृद् **अस्याः** इति पाठः? ।

c) सपा. **अस्याः** (माग़ृ २,१८,४ च) <> **अस्याम्** (आपमं १,१२, ६ च) इति पाभे.।

d) **इमम् अस्याः** इति पाठस्य स्थाने तै १,२,३,३ आश्रौ ४,४,२ शाश्रौ ५,६,२ माश्रौ २,१,३,१५ **ईम् अवस्य** (<अव √सो) इति पाभे.।

e) च. अर्थे षष्ठी द्र.।

f) सपा. खिसा १०,१ **अस्यै** इति पाभे.।

g) पाभे. कृते पृ ७७० e टि. द्र.।

h) अ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पपा. तै. ऋ. च)।

i) पाठे? **स्यः** (यद्र.) इति शोधः (तु. सपा. मै १,७,२, क ८,३ तन्-संस्कर्तुः टि. च)।

j) पाभे. पृ ७६९ c टि. द्र.। k) पाभे. पृ ७७० c टि. द्र.।

८; १९,१०[a]: ३९,१०; १८,१, १०†:३,५†: ५,७;६,५:७,२†; ९,६: ११,२[b]; १३,८; ९; १९, १४,५; १९,६: २२, १३; ३७, ९: २०,३,२;५: ४, ३; ४७, ९; ५०,४; ६०, ११: अस्याम् ऋ २,३,४; ६, २६,८: ७, १९, ७; २०, ८: खि ४,१३,३[c]: मा ५, ९:१८,६७; का २,६,९;५,३,२; २०,४,९; ¶तै १,२, १२, १$; ५,४,२: ६, १२, ५†: ८, १२, २$: २, २, १, ५²: ६, १: ३, २, ४: ५²; ४, ६, १; ६,५, ६; ३, ४, ३, ३; ५, १³$: $४, २, ३, ३: ३, ३, २³: ११, १[d]; ५, २, ३, ३: ५, १, ६²: ४, १; ६, ४, ४: ६, १, ५, ३; २, ४, ४: १०, ४; ३, ४, २: ४, १, ४: ७, १,४, ३: ३, १,३; ५,४, २; मै ¶१, २,८$; ४, १४; ५, ५²: १०: ६, ९: १०, ८; २०²: ११, ९: २, १, १; २; २, ७²; ३,५²; ४, ३²; ५, २³: ४: १०: ७, २०²[e]$: ३, १, ८, ७, १: २²; ८,५: ६:४, १, २; ५:१०: १३³; ३,१,५,९; ८,५; १०²:१२,२†;१३,९; काठ २,९; ८, २²¶; ११,८³¶: १२,१३¶; १४, १०¶; ३८, १२³; शौ ३, २६,१-६;५,२४, १²-१७⁶; १९, ४७,२; २०, ३७, ७†; अस्याम् ऋ ३,५७,२; १०,८५,४५; मा

१२, १५; ३९; का १३,१,१६; ३, १०; तै ४, १,९,३†[e]; ३,१, ५; ४,५,१;२²; ¶५, २, ८, १; ३,२,२; ७,४: मै १,११,१; २, ७,८;१०; ३,६,७¶; ¶काठ ७, ४; ८,१०;९,१७²: १०,८; ११, २⁴; १३, १;७; $१६,८; १०; १९,२²;२०,६: २१,७;९; २२, ९;२३,८²; २५,४;६$;८; २६, १; २; २८,४; ३०,४;५²; ३१, २;८: ३२,१: ३४,१:२;५:३६, १३²;१४; $३९,३: ७²;$४०, ३;५; ¶क २, ३$: ५,३:६,७²: ७,६;२५,१$: २९,८²: ३१,८; ३५, ३; ३९, १: ३$: ४०, १; ४; ५: ४४,४; ४६, ७; ४७,२; ८; शौ ३,१०,४:८,९,११:१०, १०,३: ३३: १२,७,२: ३: १४, २,१४: पै ३,११,१-६; ५,३७, ५; ६; ६, ६,८; १०,८; २०,२; १३,२,४; ५, २८; १४, ४,३[f]; १५,७, १⁴-१०⁴: ८, १⁴-९⁴; ९, १⁴-४⁴; १६, १९, १; १०७, ३: ११०,३; १४२,२: १७,२९, ५; ११; १८, ८, ५: १९, १८, ५; २३, ४; २०, ५७, ९; १०; अस्यै ऋ १, १२७,११; १४८, २; २,२२,७;३३,५; ७, १,१९; ९, ५७, ३०; १०, ९७, L१९; २१][g]; खि ४, १३, १; मा २, २५; ९, ४०; १०, १८; †१२, ९३; ९४; का २, ६,४; ११, ३,

२; ६, २; †१३, ६, १९; २०; ¶तै $१, ६, ६, १²; ७, ६,२; २, ५, १, २; ३; ५; ३,४,८,५; ५,२,३,१; ६,४,७,३²; ¶मै १, ८,३; ३, ३, ४; ४,१,२;११:९, ९$; शौ २, ३६, १; ६,६०,१; ३; ११,१,३;११; १२, ३,११; १४, १, ३१; ५९; २, ९: १३; २१; २७-२९; ७३; ७४; १५, १३, १३; अस्यै ऋ १०, ८५, ३३: खि १, ३, ४: २, ११, २; मा २३, २६[h]; का २५, ६, ६[h]; ¶तै १, ७,२,१; २²;३²: २,५, १,३:६, ७,१: ४; ५, १, ५,१²; ६, १,६,३: ७,८; ८,३; २,७,१; २; ६,४,६: ७, ५,१,२; ¶मै १, १०, २०; ३, ७,६; ४, १,७;२, ७²[i]; ¶काठ २३, १०; २४,३²; ६; १०; ३१, ५; १३²; ३२, ४; ३६, १४²; ¶क ३७, १; ४²: ७: ३८,३; ३९,२: शौ २, ३६, ८; ३,२५,६; ४, ५, ६‡[j]; ६, ७८, ३:८१,३; ८,६,२; १४, १,३९; पै २, ६६-६७, ३ : ७९, ४: ५, १, १; ११, ४; ३७, ६; ७; ६, २२, १४;१६; १८: २०; ७, ६, ४; १६, ७९, ३; ९०, २; १७, ३७, १; १८, ३, १०; ४,८; ६, ७; ७, १०; ८, ४; ९, २; ८†; ९; १४, ३; ४; ७; १९, १४; ६; १६, ११; १७,३; ४०, ३१, ४१, १३[k]; ४७, ९; ५०, ७; ८;

---

a) सपा. शौ १२,४,४० स्यात् इति पाभे.।
b) सपा. शौ १४,२,४१ वस्त्रम् इति पाभे.।
c) पाभे. कृते पृ ७७३ c टि. द्र.।
d) पाभे. कृते पृ ७५८ c टि. द्र.।
e) तु. सस्थ. टि॰ अन्तर् (>:)।
f) पाठः? (तु. सपा. शौ १९, ४९, ३ स्याम् इति पाभे.)।
g) सपा. तै ४,२,६,५ अस्मै इति पाभे.।
h) पाभे. कृते पृ ७७० e टि. द्र.।
i) पाठे? अस्मै इति शोधः (तु. अत्रैव तथाप्रयोगः)।
j) सपा. ऋ ७,५५,५ सर्वे इति पाभे.।
k) सपा. शौ २,३६,६ विशिष्ट पाभे.।

२०, १९, ३; २०, ३[a]; ५; ६; २४,५; ५०,३; ?आभिः[b] ऋ ६, २५, २^{२}; ८, २३, ⌊२३ (४३, ११)⌋; मै ४, १४, १२^{२}; आभिः ऋ ४, १०, ४; १७, १८; ५, ३८,५; ८३, १; ६,१८,१;२२, १; २४, ६[c]; ४९, १०;५२, १; ६३, ६; १०, ४९,३; खि ५,४, २; तै २,४,१०,३¶, ४, ४, ४, ७†; ¶मै १, ५, ९; २, ४, ८; १३, ८†; ४,५, ७^{२}; १०, २†; काठ ११, १०¶; कौ ४, २; जै २, ७, १; शौ २०, ३६, १†: आभिः ऋ ५,३२,१०; ६, २२, ११; ७, ९१, ६; तै ३, ४, ९, ७¶; ¶मै १,५,९; ३, १०, १: ४, ८, ५: ¶काठ ७, ८; १०, ६ ; शौ २, २, ३ ; २०, ३६, ११†; पै १, ७, ३; ६, ३, ८; आभ्युः ऋ २, ३२, २ ; तै १, ६, ६, १; ७, ६,२; ¶मै १,१०, १०; २, ३,५^{२}; ४, ३,४; ४,४; ९; शौ ३, ३, ३; आभ्यः ऋ ६, ३०,३;१०,१७,१०; मा ४,२†; का ४, १, ३† ; तै १, २, १, १†; ७, २,४, १¶ ; मै १, २, १†;६, २^{२};¶; †;१०,७¶; ४, ५, २^{२}¶; ¶काठ २, १† ; १२, ११; ३६ , ५^{२} ; क १, १३†; शौ ६, ५१,२†; १४१ , १ ; १०, ६ , १४; १७; पै २, ६६, १; ७४, ३ ; ६, ३, ३† ; १६, ४३, ८; १९, २२, ७; ४३, ६†; ?आभ्याम्[b] मै ४, ८,१; आभ्याम् ऋ २, ४०,⌊२ (६, ७२,४)⌋; ¶तै १, ८, २२, ५†; २, ५,२, ६; ३, १, ७, २; ५, १,४, ३; २, ८,६; ५,४,२; ७,२,१,२; २,३; ३,५,३; ७,३; ९,३; ४,१,२; २, ४;४,३; ¶मै १,८,६; २,२,२^{२}; ३,१,५^{३}; ८, २^{२};१०,७; ४, १,३;३,२; ४,४; ६,३; ८, १; ९१, २†; काठ ८, १७†; २१, ५¶; आभ्याम् ऋ ४, ३२, २२; तै ३, ५,१, ४¶; ¶मं २, ५,९; ३, १,३; ९, ५; ४, ७, ४ ; ¶काठ ११ , ४^{२}; १४, ७; २०, ६ ; २४, ७;९; २६, ७; २७, ८; २८, ९; ३०, १^{२}; ¶क ३१, ८; २०; ३७, ८; ३८, २; ४१, ५; ४४, ९: ४६, ४^{२}; पै २, ८१, ३ ; आसाम् ऋ १, १२४, ९; १०, ९२,१४; मा १६, ४७; का १७, ८, १०; तै ७, ५, ८, ३¶; ¶मै १, ११,८; २,२,२^{२}; ५,६; ९,९$: ३,८,६; ४,७,८; काठ ११,५¶;१७,१६; २४, ५¶; आसाम् ऋ १, ६८, ४; ८८,६[d];१३३,३; २, ३०,१; ३,३१,२०; ३४, ५;५६,४; ४, ५१,६; ५८,५; ५,४४, ९;११; ४५, ८; ६,२८,३; ७,३४,१०: ८,७०, १२;९,८७,३; १०,२२, १२; ६८,७; ७५,४; १०३, ८[e]: १११,८^{२}; १०;१३९,४; ६; खि ५,११,३^{२}; †मा १७, ४०; ९३; †का १८, ४,८; १९, १,७; ¶तै २,५, १,५; ८,४; †४, २,९, ६; ६,४,३; ५, २, १०, ५^{२}; ६^{२};६, १,४$; २,५; ६, ४,३,४;६,१,२; ७, $४, ११, १; २ ; ५, ९, १; २; ¶मं १,५, ९; ६,३; २,१३, १$: ३, ६,३; ९^{२}; ७, ८; ४,१, १२: १३: २, ७^{२} ; १२; १४; ९, ११^{२} : †; $; ¶काठ ७, ७^{२}: २०,९; २३,६ ; २४, ५; ३१, ९; १० ; ३५, ३$; ४०, ७†; ४४, ८^{२}$; ¶क २७, ६$; २८, ५†[e]; ३१, ११; ३७, ६^{२}; ४७, ९ ; १० ; ४८, ४$, †कौ २, २९ : १२०६ ; जै ३, ३, ८† ; शौ १ , ३२, २ : २, २, ३†; १४, ६ ; ३, १३, ६ ; ४, २१,३: ७, ७८,२^{२}; ८, ७,१२^{२}; १२, ४, ४५; २०, ११ , ५†: १६, ७†; १२७, १३[२f]; पै १, ७,३; २३,२; २,४,३; ३, ४, ६; ५,३४, ६; ६,३,९; ८, १३,५†; १०,१,६: १५, ५,६; १ ., ३[g]; २३,७: १६, १३,२^{२}: १७, १४, ६; १५,६; २०,३; ५; १९, २६, ३^{२}: २०, २८, ८; आसु ऋ १, १७३, ८: ४, ३७, १; ६, ५, ३; २८,८:४४,१८; ७, ६७,६: ८८, ७[h]; १०, ८६,११: १४४,३; ते १, ७, १३, १†; काठ ८, १७†; शौ ३,१०,४[i]; ७, ११६,१;८,९, ११[i]; २०, १२६,११†; आसु ऋ १,९५,५; ३, ५५,९: ४,३८, ६;

a) सपा. शौ ७,१२०,३ अस्मभ्यम् इति पाभे. ।

b) स्वरादयर्थं पृ ७६५ *h* टि. द्र. ।

c) सपा. कौ १,६८ गिरः इति पाभे. ।

d) LR. वृथा-आला इति, ORN. वृथासहाम् इति च प्रस्तावुकौ विमृश्यौ ।

e) सपा. आसाम् <>एषाम् इति पाभे. ।

f) तु. RW.; वैतु. शंपा.सात. च सकृत् आसाम्? इति ।

g) विशेषः पृ १५२ *f* टि. द्र. ।

h) वा.? (तु. सस्थ. टि. ? स्वा, √क्षि (निवासे) > क्षियत्– > –यन्तः) ।

i) तु. सस्थ. टि. इतरासु ।

६,६१, १३; ७२,४; ८, ४१,७;
८; ९, ८६,४३[a]; ९९, ७; १०,
२७,८;४९, १०[२];६१,२०; ९५,
८;९: १०४, ९; ¶मै १,२,१$;
१०,१०;३, ७,४;१०,७[३]; ४,३,
५; ५, ४[२]: १४, ८†, काठ ३६,
५¶: शौ १८, ३, १८†[a]: पै ७,
३, १: ८, १४, ५†: २०, ९,९:
एभिः[b] ऋ १, ५३, ४[२]; १६६,
१४:३,५०,१; ४, ३,१५:१०,३;
१६, १९: १७,११: ६,१६,१६;
१९,१३;२५,१; ७,१,८:९:२८,
४;६२,२; ८,४६,२६: १०, ९३,
१; †मा १५, ४६: २६, १३;
का १६, ५, २८†: तै ४, ४, ४,
७†: ¶६, १, १, ७: ४, ५, ७;
६, २: मै २, १२,४[c]; †४,१०,
२: १२, १: काठ २,१४†; †कौ
१,७: २, ५५: ११२९: †जै १,
१,७;३,६,१; शौ २०,२१,४[२]†;
एभिः ऋ ३, ६,९: ७, ३३, ३[२];
१०, ३४, ५; ५५, ७: काठ २०,
१४†: २२, ७¶; २६,४¶; ¶क
३५, १: ४१,२; कौ २,११३४†;
शौ २०,१३,४†: पै १,७०, ४;
१०१,१:३; १६,९२,६; एभ्यः[b]
ऋ १, ६९, ४; ६, १९, १२; मा
१३, ३४[d]: का १४,३,८[d]; ¶तै
२,६,१,३: ४: ४,२;५,२;३; ३,
५,२,२:५, १,२,६;५,६; ८,२;
२,८,४;९,१: ४,३,४;९,४; ६,
२,३,२;३[२]; १०,२; ३,३,३; ४,
१; ४,४,२; ६, ३,१; ¶मै १,४,
७[२]$;५,११;६,६[२]; ८,६; ८[d]$;
२,१,१०;२,८;५,३[२]; ९; ३, १,
२;३[२]; ५; २, १[४]; ३, ४; ५; ६,
६;९[२];८,१;[३]४;७; ९;९,७;१०,
६;४,१,१; १०[३];१२;४, ५;५-६,
६[२]; ८, ५; काठ ७, १३[२d]; ३७,
१६¶; शौ ८, ८, २४; एभ्यः ऋ
१,१३१, ५; १३२,४; १४६, ४;
५;३,५३,१६;४,५४,५; ६,४६,
९; ६१,३; ६८,४; १०,३४, ८;
६४,२;१०७,८; ११४,१०; ¶तै
१,५,९,३; २,२,११,२;५,६,३;
३,१,९,५; २,८,२$;४;३,७,२;
६,२,४,३; ४,७,२: ७, ४,१,१;
३,६: ¶मै २, १,९;२,१०; ३,७,
७;९,४; ४, ८,५: ¶काठ ८,५[२];
९,१९†; १०,११: ११,६; १३,
३[२]; १९,१:३:५: २०,८: २१,
७;१२; २४,१;१०[४]; २५,२;४;
२६, ५; १०[२]; २७,२; २८,७[२];
२९,१; ३०,४[२];३१,७;८; ३२,
५[२]; ३४,९; ३७, १२;१४, १७;
¶क ७, १[२]; २९,८; ३०,१; ३;
३१, १०; ३७, २; ३८,३[३]; ५[२];
३९,१; ४१,३;८[२]; ४२,२;४४,
७[२];४५,२; ४६,७[२];४७,८; कौ
१, २६६†; जै १, २८,४†; शौ
२, ३५,४; ३,२७,१-६; ६,९३,
२;१०,६,१६;९,७; ११,१,२६;
३२;†२०,७५,३; ८३,१; पै ७,
९,७: ८, १८, १; १६, ४३, ७;
८८,४; ५;९१,६;९२,२; १००,
१३; १३६, ५; १९, १४, १४;
एषाम्[b] ऋ १, १६५,⌊१३ (४,
२३, ४)⌋; १०, १८, ५; ८५,
२; खि ५, ९, २; मा १२,
६४; १६, ४७; का १३, ५,
३; १७, ८, १; ¶तै २, ३, ६,
२; ४, ११, ५; ३, ३, ६, १;
$४, २, ५, ३; ५,१०, १[२]; ५,
१, ६,४; २,९,१;५,१,७; ६,८,
६;७, ६,२; ६, २,८,३; १०,४;
३,४,३; ७, १,५,४;५; ३,३,१;
४, ५, ४; ¶मै २, २, १$: ८;
९,९$; ३, १,३: २-३,९; ४,१;
२;८,१; ५;९[२]; ९,१; ३[२];४; ४,
१,८; ३,७; ११, ३†; काठ ९,
१८†; १७,१६: ३७,११¶: शौ
१,२९,६; ३,१९,२;५[४]; ६,८४,
१;११२,१; २; ७,१३,३; १२,
२, २५†; १४,१,२†; १९,२८,
४;२०,१२७,५[e]; पै १८, १, २;
एषाम् ऋ १ २४,७; ३७,३; ९;
१३; १५; ३८,८; १२; ४१,३;
४८,४; ५४,९;६१,१५; ६४,४:
६८, १;८४, १६;८५,३;८७,३:
९४,१२;९७,३;१२७,७; १३४,
⌊६; ४,४७,२;५,५१, ६ (८,६,
९)⌋;१५२,२;१६४, ४४; १६५,
१०;१६७,२;७,१६८,३; १६९,
६; १८५,८; १८६,९[२]; २,१५,
८; २७,८; ३,१३,३; ३१,३;९;
१०; ३९, ४[२]; ५४,५;४,१,१४;
२,४; २७,१; ३३,९; ५,१०,३:
१६,४; २९,१; ३२,४; ४२,९;
५२, १५; ५३,१; ११; ५६,५;
५८,१; ७; ५९,२; ७; ६०,५;
६१, ३; १४; ६६,३; ८७, ⌊२;
८,२०, १४⌋; ६,२५,३;५; ५१,

---

a) सपा. कौ १, ५६४; २, ९६४ जै १, ५७, ११; ४, २०,८ अप्सु इति पाभे. ।

b) वि. स्वरः (पा ६,१,१७१) ।

c) सपा. शौ ११,१,३६ एतैः इति पाभे. ।

d) =सपा. आश्री ३,१२,२२ । तै २, २,४,८ मै १, ६, १ तैब्रा १, ४, ४,८ तु स्यात् इति, कौसू १३३, ६ आभ्यः इति च पाभे. ।

e) पाठः ? एषाम् इति RW. ।

२;८; ६६,२; ७५,१३; ७,२,२;
७,४;१८,११; १३;२१,४; ३३,
८; ३४,१९; ३९,२; ५; ५६,२;
६०, १०; ८३,४; ७; १०३,५^{२};
६;८ ,७,⌊१५; १८,१⌋;२८;१८,
१;२; २०,११;१४; २८, ४; ५;
३४,३; ३९,२; ४१, ७; ४५,२;
४६,१८; ६९,१८; ८३,७; ९३,
३३;९,५२,⌊४; ६४, २७ (१०,
१३४, २)⌋; ७३,३; ७; ९१,४;
१०, १८,४; २७, २३; २८,३;
३४,५;८; ४३,४; ५६,४^{२}; ६१,
२३; ७१,१^{२};२; १०:७४,२; ३;
७५,२; ७७, १; ८७,४; ८८,८;
९३,५;९;१३;१४;९४,६;१०७,
१; १२८,६; १२९, ५; १३१,२;
१७४,५; १९१, ३; खि १, ८,
३; २,९, ४; ५,२,२; १५,१७^{२};
खिमा २९,४४^{२}; मा १०,३२†;
११,८२; १५, १५-१९; १६,६;
६४-६६; १९, ६†; २३, ३८†;
२९, २७†; ५०†; †३३, २४;
४४ ; ४७ ; ७४; ३५, १५† ;
२०; का ११,१०, २†; १२,७,
१७; १६,४, २; ४; ६; ८;१०;
१७,१,६; ८,१८^{२}; २१, १,५†;
२५,७,६; †३१, २, ११; ४,३;
†३२,२,७; ४,१; ४;६,५; ३५,
४,१६†; १९; तै १,८,२१,१†;
२, १, ११, ५†; २,२,५¶; ३,
१४,५†; ५,१,४; ¶५,५;३,१,
३,२; ९,२; ५^{२}¶; ११,५†; २,
२,३; ८, २^{२}[a]; ३,९, २[b]; ४,१,
१०,३†;२,११, ३†;३,१३,७†;
५,१,३; १०,१[c]; ६,४,५‡[d]; ६,
५†; ७, १४, ३†;५,¶१, १,४,
१०,२; २, ११, २†; ७,२, ४;
¶७,२,१,४; ३,२,२; ४, ५,३;
५,५,१^{३};२; १०,१^{२}; ¶मै १,६,
८^{२};९,८;१०,१३; १५;१९;११,
४†;२,१,११; २,६†; ३,२;८†;
५,२; ४^{२}; ७, ७$; ८, १०^{२}$;
$९,२;९^{३}; १०,४‡[e]; ३,१,२^{२};
२,४^{२};३, ३; ६,१०; ७,४^{२}, १०;
८,६;१०;९,१;१०,२; †१६, ३;
४; ४,६, ४; ९^{२}; ७, ६; ८,९;
११,२†; ३;१२, ५†; १३,३†;
†१४,५; ११; १३; १४; ¶काठ
८,१;४;९,१५^{२};१७; १८†;१०,
७; १०^{२}; ११,१; १२†; १३†;
१२,४^{२};९†; १३,१^{२};६^{४};१५$;
१४, ३†; $१६,७; १२;$१७,
९^{५}; ११; १६^{४}; १८,५‡[e];१९,
१०$;२०,७;२१,९; २२,५^{६}$;
२४,४;९; २५,२;६^{२};७;९; २६,
३; ५; २८, ४; २९, १; ७^{२}; ८;
३०-३१,६;३३,८; ३४,२^{२};४^{२};
५^{२};९;१३; ३५,५$; ३६,७;९;
३७,१२^{४}; १८†;४०,१०†; ४५,
२१†; ४६, १†; ¶क ६, ६;९;
२५, ३$; २६, ८^{२}$; $२७,१;
६^{६}; ३०,८$; ३१, ९; ३७, ५;
३८, २; ५; ३९,४; ५; ४०, २;
४१, १; ३; ४४, ४; ४५, २;
८^{२};- ४८, ६$; †कौ १, १३५;
३४१^{२}‡[f]; २, ६८९; ९७९;
११४२; ११५८; १२१४$; †जै
१,१५,१; ३५, १०^{२}‡[f]; २, ४,
१‡[g];४,१७,५;२३,१०; शौ १,
७,७;८,४^{२};९,४; २,२६,२;३०
४;३५,४; ३,१,२; ४‡[h];२,४^{३};
६; १९,८; ४, १६,१; २३,३†;
२४,२^{२}; ३६,४; ५, ३,२†;२३,
११;६,४७,२; ६४,२†; ६६,१;
३^{२};१०४,१; ७, ११३,१; ८,३,
६†; ४, ३‡[i]; ८,६; २०^{२}; ९,
१५,२६†; १०,१,१७;८,५; ८;
२८^{२}; ३६^{२}[j]; ११, ८, ९ ; ११,
१३^{२}‡[d];२३;१२,१६^{२};२१;१२,
२, २३†, ४६; ३,१६; १४, २,
२७; १५,१७, १०; १८,१,६†;
३,६२; १९,१३, ९‡[e]; ३१,४;
४५, ५; ५३, ४;† २०, १७,४;
३५, १५; ९२, १५; १२५, २;
१२७, ५$; $१३२, ८;९; पै १
११,५†; १९,४; ५३,५; ७२,१;
८८,४; ९९, ३; १०१,४; १०६,
३; २,१२,२; १४,३; ५८,६; ३,
५,४^{२}, ६; ६,४; १९,२^{२};५^{४}; ४,
४,७; २९,३; ४०,३; ५, ४,२†;
१५, ७; ६,२२,२; ७, ४,९^{२}‡[e];
८,९, ९^{२}; १८, ४; १९, २; ९^{२};
९,४, ११^{४}; १२^{२}; ६,५; १२,१;

[a]) सकृत् सपा. मै २,३,८ शौ २,३५,३ एषः इति पाभे.।
[b]) सपा. शौ ९,४,५ शरीरम् इति, मै २,५,१० काठ १३,९ आसीत् इति च पाभे. ।
[c]) सपा. मा १६,४७ मै २,९,९ नः इति पाभे. ।
[d]) =सपा. तैब्रा ३, ७,६,२३ आपश्रौ ३, १४,३ । ऋ ६,७५,१६ मा १७,४५ का १८, ४,१३ कौ २, १२१३ शौ ३, १९, ८; ८, ८,१९; ११, ११, २०; १२, १९ तु अमीषाम् इति पाभे. ।
[e]) पाभे. कृते पृ ७७५ *e* टि. द्र. ।
[f]) पाभे. कृते पृ ७३१ *l* टि. द्र. ।
[g]) सपा. ऋ १०,९०,६ अस्य इति पाभे. ।
[h]) सपा. ऋ ३,३०,६ अस्तु इति पाभे. ।
[i]) सपा. ऋ ७,१०४,३ अतः इति पाभे.।
[j]) सपा. जैउब्रा १,११,२,८ एकः इति पाभे. ।

१८, ४; १०,३,४; १२,९; १२, १,१२†;२,४; १३,२,७;३,१२; १०,११; ११,४;१४,३; १४,२, ९; १५, ४, ५; ११, ५†; १३, ९; १६, ६, ५†; ९, ३‡[a]; ३०, १०[२]; ३६, ७; ५१, ६[b]; ७६,९;१०१,४; १०३,५[३]; १७, †३२, ३ ; ४; ३४, ७; ३७, ६ ; १८, १४, ७; २६, २; ४[३]; १९, २, ६ ; ५, ११; ६, १३[c]; १४; ७,४[२]:†;‡[d]; ११, १०; १३[२]; २१, १२; १३[२]: २३, ६; ३६, १५: ४१, ७; ८;४३, ११; ४९, १४; २०, १, ६[e]; ९, २; १३, १०[f]; १८, १; २१, ५; ५०, २; एषु ऋ १, ९,३; ३,२,१०;४१, ४:५,२३,४;७,१,२२;३४, १८; ¶तै २,१, ३,१;६,१, ३: २,६; ३, ४, ३,६;५,४, ३;५,१,९,६; २,३,६;३,३, ४;६,३[२]; ५,५,३; ६, २, ७,३;७,२,४,२;३, ६,२; ४,३,५;५,२;११,१; ¶मै १,६, ७; १३; ११, ५; ३,२, ७;३,३; ९$; ८,१; शौ १४,२,९; †२०, २३,४;७१, ९;ण्पु ऋ १, ६१, १६;७७,५;३,३०,१६; ४, ३२, ⌊१२;५,७९,६⌋;५,७,९;६, ६६, ६;८, ६८,१८;१०, २७,६;९३, १०;१४७,३; खि ३, १५, २८; ५,२,३;¶तै २, ३,२,१; ७, ५, १०,१; मै¶२,२,२; १२[२];४,२; ५,३; ८; ३, ८, ५; ¶काठ १०, ८[२]; ११, ३;४; १३,४[२];१४,५; १९,११;२०,१;१३;२२,४;२५, ६;२६,६;२९,३;७[२]; ८;३०, ४; ३१, २; ६;३२, ६;३३, ३; ८[२]; ¶क ३१,१;३: ३९, ३; ४१,४; ४५,४;८[२];४६,७;४७,२; ६; शौ ६, ३५, ३; ६७,३;१०,३,२५; २०,३५,१६†; पै १, १००, २; ६, २२,१८;१६,६५, ४;१८,७, १०:१९,६,१५:२०,७,५.

अन्,ना[g]– -नया ऋ ९,६५, १२; २७; ¶तै १.६.८, २: २,४,४, १;२;७,१,५,५;¶मै १, ४,१०; ८,३; ११, ६;३,१, ८;२,६[३];४, ५,५[६], ८,१, ¶काठ ६,३;७,६, ८, २[२]; १०, ११[२];१४,६;२०, ६[२]; २५,४[२];२६,१०;२७, २[२]; ३०,१;३२, ७; ¶क ४,२;५,५; ६,७[२];३१, ८[२];३९,१[२];२;४१, ८;४२, १; २[२]; ४६,४; कौ २, १५५†; जै ३, १५,३†; शौ ४, १८,५;६,१३३, ३; १०, १, ४; ५, १५-२१; ११, १२,१२;२१; पै ५,२४,६;३३,३; १६,३५,४; –¶नयोः तै २,१,४,७; ८;५,८, २;६,२,१;३,६[२];३,४,१,३[२];३, २;५,१,५, ८; ९;३,२,१; ४,५; ४,६,४; ७,२,१, २;२,३; ३,५, ३; ७, ३;९, ३;४,१,३;२,४;४, ३; मै २,५,४[२];३,१,१; ५[२];६; २, ३; ८, २; १०, १; ४,१,७; काठ ८, २;४[२]; १३, ५;७;१०[२]; १९,५[३]; २४, ९; २५, १०; २६, १; ५; २८, १०; ३०,१; ३१,५; ३४, ८; ३७, १६[२]; क ६, ७; ९[२]; ७, ६[h]; ३०,३;३८,२;४०, ३; ४; ४१, ३; ४५, १;४६,४; ४७,५; –नेन ऋ १, ९३, १०; ३, १७, २;८, ४४, २; खि ३, १६,७;५,७,५,१२; मा २३,७[i]; का २५,३,३[i]; ¶मै १,८,१[२];२, १,२;२,४[२]; ५,६; ३,८,३;९,४; १०,२; १२,१८$[i]; ४,५, ४[२]; ७[२]$; ७, ५; ८, १ : १३, ९ ; ¶काठ ८, २;१०;१०,३:३०,१; ¶क ६, ७;७,६;३७, ८:४६,४; शौ १, १६, ३;३,१९.२;५,२८, २;६, ६५,२; ८,५,३[४]: १०, ५, १५[२]-२१[२]; १८,४, ५०; पै १, १०, २; २,४०,२;३;७,२,९;८, ७; ११, ५, ४; १३, ९,३;१५, १२,८: १६, २७, ३[४]: १०३,६; १९,११,९.

अयम्[j] ऋ १, १६, ७ ; २० , १ ; २४ , १२ ; ३० , ४ ; ४५, १०; ४७, ⌊१; २, ४१, ४⌋; ५०, १३; ९४, १२; १०४, ९,१०८, २ ; ६ ; ११० , १ ; १२०, ११; १२१,⌊१३(५,३१,११)⌋;१२८, १; १३०, १;१३५,⌊२(७, ९०, १) ८,८२,५⌋; ३;१३६,⌊४(९,

a) अथैषाम् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ७,१०४, ३ यथा इति पाभे. ।

b) सपा. शौ ६,१२२,२ एव इति पाभे. ।

c) सपा. शौ ६,६७,१ सर्वतः इति पाभे. ।

d) सपा. ऋ १०,१९१,३ वः इति पाभे. ।

e) सपा. शौ ७,८,१ एनान् इति पाभे. ।

f) सपा. शौ ७, ५८, ४ वक्रा इति पाभे. ।

g) पा ७, २,११२ ।

h) सपा. काठ ८,१० एनयोः इति पाभे. ।

i) सपा. तै ७, ४,२०,१ काठ ४४,९ तैब्रा ३, ९,४,४ एतेन इति पाभे. ।

j) एततर इति कृत्वा या ⌊३,१६⌋ <आ√इ इति (तु. WAG ⌊३, २४८ c⌋ अय्-अम् इति मन्वानो नेदीय इव स्पर्शुकः) । पा. ७,२,१११;१०८ ।

१०४, ३)⌋;१३७, ३;१४९, ५;
१६०,४; १६१, १४;१६४,२९;
३५[३a]; १७७ , ४[३]; १८१ , १;
१८३, ⌊४;८,५७,४⌋; २,५, ⌊८;
८,४४, २८⌋;१८,४; ६;३८, २;
४१, ⌊२ (४, ४७,१) ८, १०१,
९⌋;१४;३, ८,११; १६,१;२२,
१;२९,९;१०; ३५, ६; ४४,१;
५३, २०; ५९,४: ६२,२;४,३,
२;७,१; १३,⌊५; १४, ५⌋;१५,
४;१७,९[२]; १०[२]; १४;१८, १;
३४,३;४६,६;४९,२;५,३, १२;
३०,३; ३१,१२;४०,⌊२;८,१३,
३२⌋;६४, १४;१५; ५१,४;५८,
३;६, ३, ३; ९,४[२]; १२,१;३९,
२;३; ४[३]; ४१, ४;४३, ⌊१-४⌋;
४४, २२[२];⌊२३(१०, ५४,६)⌋;
२३[२]; २४[२]; ४७, १[४]; २ ; ३[३],
४[२]; ५[२]; ४८, २; ६८,९; ७,१,
१६;४,४;८, २; ४;२४,५; २९,
⌊१; ९,८८,१⌋; ३२,१७;३६,९;
४०, ४: ५५, ५;६८, ४;७४,१;
८६. ३;८; ९५, ६; ८,२,२८;३,
४; ५, १८; ९, ४[२]; ६;१८;१३,
३०; ⌊३१ (३३, ११)⌋; १७, ७;
११; १२:२२, ८;२५, १६;३२,
२०; ३३, ७; १३; ४४, १६;
४८,१०; ५१, ९; ६४,१०;११;
६७, ८;७५,४; ७६, २;४; ७९,
१; ८५, ३; ८८, ४; ९४, ४;
१००,१;४; १०२,८;९; ९,३९,
४; ४४, ३; ५४, २[२]; ३; ६२,

१०;६७,११;१२; ६८, ९; ७७,
४; ८६, १३; २१[३]; १०१,⌊(८,
३१,११)७⌋;१०२,४; १०५,३[२];
१०६,२; १०,६,१;१६, ९;१७,
१३; २५, १०[२]; ११[२]; २६, २;
२७, १८; २१;३२, ९;३४,१३;
३९, ५; ५१, ९;५२, ३;५३,१;
६०, ७[३]; १२[४]; ६१, १६; १९;
६२, ४; ८;६९,७; १२; ७७,४;
८३,६;८६,३;९; १८; १९;९९,
९; १०[२]; १०८ , ७; १२३, १;
१२४,६; १२६, ३[?b]; १३५, ७;
१३७,५;१४२,१; १४४,१; २[२];
६; १५९,१[c]; १७३,४;१७६,३;
४;१८९,१: खि १, ४,५; ७,१;
१०,१; २,११, १;३, ३,९;१६,
२: ७;४, ५,१०;५,७,२, ११[२];
४,१५[२]; १५,३; †मा ३,६;१२;
१४;१५;३९$;४०$;५,२८$[d],
३७[४]$[e];४३;७,९;१६; ४४[४]$[e];
$८,२८[२]; ४६; $९,५;६; १०,
८$;२०‡[f];११,४८$; १२,३४;
४७; ५२; १३, १४; $५४-५६;
१५,१०$;$१५-१९; २०; २१;
२६; ५१$; ५२$: ५४ $;५६;
१७, २४$; ५२‡[g]; १८, ६१$;
$२१,५९;६१; २३,६२[३a]; २६,
२$;२३; २७, १४$: २९; ४४;
$२८,२३; ४६;३३,६:२१:३३:
४७;५८;७३;८२;८३;८५;९७[२]:
$३५,१९; २२; †का ३,१, ६:
३,२; ४;५; ४,३$; ५,९,३[४]$[e];

१०,५; ७, ४,१; ७,१; ८, २१,
१$;९,२,४[४]$[e];५, १[२]$;$१०,
२, १; २; ११, ४, ४$; १२,४,
१२$; १३,३, ५; ४,३;८; १४,
१, १४; $७, १;३;५;१६,$३,
३; ६; ९; १२; १५; $४,१;३;
५;७;९; ५,१;२; ७; $६, २;४;
६;८; १८,२,९$;५,३‡[g]; २०,
४,४$;२३,६,१२;१४;२५,१०,
१०[३a]; २८,१,३$,२९,२, ४$;
३,७; ५,१२; $३०, २,१२;४,
१२;३२,१,६;२-५,४;६,४;१३;
१४;$३५,४,१८;२१: तै १,३,
४,१[४e];५,१;१४,४;४,५,१†;८,
१†;४६,३[?e]; †५, ३,१; ५,१[२];
२;७,२[२]; ९,४¶: १०,२[२]$;७,
५,२¶;७,१; २;८,९,२; १२,२:
३;१५,१;१६,२;¶२,१, २, ३;
७,२;२,१२, ३†;३, ६, २[२]; ४,
१,१;७,२$; १२, ३; ५, ७, २:
१२,४†;६,७,५$;८,५[२]; ९,७;
११,१†; ३,१,४,२; ९,३;३,८,
२;५;११,१†;४,१०,४†;५,११,
१†;४,१,४,४; ८,१;†२,२,२;
४,२;३; ३,२,१[२];२:४, २,३:३,
१[३];२[२];४,१[२]†;६,२,६;३,१‡[g];
७, १३, ३; ४: ५[२];¶५, १,५,
१०$:९,३,३;१०,३; ४[२];७; ६,
८,२: $७,४,३;४; ¶६, १, ४,
२; ३$; २, ४, २[२]; ५, ५, ३;
११, १: ¶७, ४,२,५;५, ७,४;
मै १, २, १४† ; ३, ७†; ९[३];

---

a) =सपा. लाश्रौ ९, १०, १४ । तै ७, ४, १८, २ काठ ४४,७ तु एव इति पाभे. ।

b) पाठः वा. च ? GW. यन् (प्रपु३<√इ ⌊तु. ऋ ३, ४,५⌋) इति च, LR. अयन् (<√इ) इति च, ORN. (यद्->) ये (तु. तत्रैव ते इति) इति च प्रस्तावुकाः ।

c) सपा. अयम्<>इदम् इति पाभे. ।

d) सपा. का ५,७,४ अस्मिन् इति पाभे. ।

e) =सपा. माश ३,६,३,१२;४,३,४,१३ तैब्रा २,४,६, १२ आश्रौ८,१४,४ । आश्रौ २,११,८ तु अहम् इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०,१२१,१० का ११,६,५ पाठाभावः ।

g) =सपा. तैब्रा २,४,२,९ आपश्रौ १४,२७,७ । ऋ १०,१७३,३ काठ ३५,७ तु तस्मै इति पाभे. ।

१०†; ३७[४a]; ¶४, ९; १३; ५, १[३]†: २: ५[५]; †[३]: ¶[२]; ६[२]†; ९; ११¶:¶६,१[३]; †[२]:२[३]$;५[२];६[२]; ७; १२[२]; १०, १३[२]¶: २, ३, ५¶: ४, १¶; ३¶; ७; ५,३¶; ६¶: १०[b]; ६, ९[२]; ११; १२; ७,३[२];†;५;१०†:११[२]†; १५†; १९[३]; ८, ९[५]; १०[५]; १०, २: ४‡[c]; १२,४[४]:†:६;†१३,५: ७; ९:¶३,२,३:३,७: ४,३:६,३;८; ९$:१०;७,८:९; ८,१,३[२]: ६[८]; ९,३:८; ४. २, १०[b]: ११[८]: ३, ४[२]¶:४,३[२]:५: ६; ५,२: ४[२]¶; ¶६,१:६[३]:७,४¶; ८,८¶: १०, ४[२]†:११,२[२]†:४:६†; १२, ४; १३, ५: ९[३]: †१४, ७: १२[२]; १३$;१५; काठ २,४†, ३,२†; ४, २†: ३†: ९[४a]; ¶६, ४[२]: ७: ९[३]†. १०[४]$[a]: ७, १: ४[२]†; ५[२]†: ७; १२[२]; १३†; १४[२]; १७; ¶८, १; २; ४[४]; १०; ९, ११[२]†: ¶१०, ६[२]:७; ¶११, ३; ६:७[६]$; ९$; ¶१२, ४:१०;¶१३,२;५; १५,७[२]; ८[२]; १२[२]†;†१६,४;१०;११[२]; १५; १९[३]$; १७,८[५]; ९[५]; १८,२†; ३‡[c],१७; १८[४];†;¶१९, ११; १३[२]; २०,१†; ९[३]; २१, ५¶; ¶२२, ७; १०[२]; १२; २३, ५; ६†; ८¶; २४, ७¶; ¶२५,१; २[२]; २६, ३†; १०[२]¶; ¶२७, २; ३; ¶२८, ९; १०; ३०,

१०¶; ३१, १४; ३२, ६¶; ¶३३, ३; ७[२]; ३४, १९[२]; †; ३५, ३[२]; ४; ५; ७; ८†; ३६, ७[२]¶; ३७, ९[२]; ३८, १२: †३९, १२: १४; क १, १६†; २, ९†; ३, २†; ३†, ७[४a]; ¶४,३[२];६: ८[३]†; ५, १; ३[२]†; ४[२]†; ६, २[२];४[३];†; ७¶; ९[४]¶; ७, २†: ६¶: †२५, १; २[२]; ६; ९[३]$;२६,७[५];८[५];२८,२†;३‡[c]; २९, ५: ६[२]: †; ३१, १¶. ३†; ११[३]: २०¶: ¶३५, १; ४[२]: ५: ३६,२: ३†:३७,८¶;¶३८, ४: ५[२]:४१, १†; ८[२]¶; ¶४२, २; ३: ४४, ९¶; ४५, १¶; ४६, ८¶: ४८, १†; ४[२], ५; ६; ९; †कौ १,२७; ६०: १०१: १५९; १७४:१८३:२९७:३०४: ३०६; ३९२:४०२‡[d]: ४५८$; ४५९; ५०८; ५४६; २,४५; ५४; ७५; ७६;१०३;१०६[२]; १०७; १६८; १७३[३];२५०;२६०;२९७;२९८; ४५०[२]; ७२६; ८२१; ८८२; ९४९: ९५८; ९५९: १०४६; ११२६:११३५;११७६;११७७; ११९५$; ३, २,६$; ४,१२$; ५,४;†जै १,३,७; ६,६; ११,५; १२,९[३]$:१७,५; १८,१०; १९, ९;२४, १०‡[e]; ३१,५; ३२,२; ४;४४,२; ४५, ४‡[d]; ४८,२$; ३;५२, १२; ५६, २; २,१,८$; ६,३; ३,५,१३$; ८,१; २;१०,

५;११,२[२]; ३;१६,६; ११[३];२१, १५; २२,७; २४,१३; १४;३४, ८[३];५९,४;१८;४,४,२: ११,२[२]; ३[२]; १६,३; १९,१; २०,७; शौ १,७,४; ८, २; १०,१;२;२२,२; २,४, ३[३]; ६; ९,२; ३: २८, १; २९,२; ३[१]; ३६,७; ३,२,२; ४, ५[२];६; ५,१; ८.३; १०,८; १३, ७; १४, ६; २०, १†; ४,५,६; †१३,४;६[४]; २२,२;३[२]; ४;३२, ६†; ३८, ७[२]; ५, ९,७: २२,२; २६, १२: २७, ४; २८,९; २९, ६-९;१२; १३;३०,११:१७; ६, ५,३‡[c]; १६,३;२०,३;३१,१†; ४३,१[२]: २;४४,१; ६०,१; ६८, १:३;७२,१;७४,१[k]:७८,१;७९, १: ८१, १; ८५-८६, १; ८७, ३‡[c];८८,१†;१०२,१;१११,१; ११२, १; १२०, १[h]; १२१, २; १३०,१; १३४, १: ७, २३, १; ३१,१; ३४,१; ५५,५; ६; ५८, ४:६४,१;७७,४; ८,१,१; १८[२]; २,५:८; ५,१:२; ४: १६; ८,८; १७;९,४,२१[२];१५,७†; १४[३]†[i]; १०, १,८;१५;३,१;३;४[२]:५;६; ८[j];१०;११;४,१५;६,२;४;२२-२८;३१[२];३२; ११,१,२†: १५; २,१; १२,५; १२, २,८†; ४३; ३, १४; १३, १, १६[३]; ३,१५; १४, १, ३३; १५, १०, ७; १५, ३; ६; १८, ३[२]; १७, १, २४†; १८,१, ४८[४]†; ३,४; १४; १५;

a) पाभे. कृते पृ ७७९ *e* टि. द्र. ।

b) उतायम् इति पाटस्य स्थाने सपा. तै ३,३,९,२ अथो (यद्र.) इति पाभे. c) पाभे. कृते पृ ७७९ *g* टि. द्र. ।

d) सपा. ऋ ८,२१,३ आश्रौ ७,८,२ इमे इति पाभे. ।

e) सपा. ऋ १,९,२ आ ईम् इति द्विपदः पाभे. ।

f) सपा. तै ३, २,८,५ मै ४, १२, ३ काठ ५, २; ३२, २ काश्रौ १०,५,३ अहुम् इति पाभे. ।

g) सपा. शौ १०,३,११ राजा इति, तैश्रा ६,९,२ इदुम् इति च पाभे. । h) सपा. तै १, ८,५, ३ मै १, १०,४ तैब्रा ३,७,१२,४ तैआ २,६,२ आश्रौ २,७,११ अग्निः इति पाभे. । i) पाभे. कृते पृ ७७९ *a* टि. द्र. ।

j) सपा. अयुम्<>इदुम् इति पाभे. ।

५३‡^{a}; ४,१५; ३७; १९, २७, १०; ३१, १० ; १४; ३२, ९; १०; ३३, १; ३४, ४; ३६, ५; ३९, २-४ ; ५४, ५; †२०, ५, १; ५; ६;८, २;४५, १;४८,४; ५३,१; ५७,११;१०४,२;१२६, ३; ९; १८; १९; १२९, ११$; १३६,१०$; १३९,४^{२};१४०,१; १४२,३; पै १, ९,१;२;१२, १: १८,३;२७,३; ५३, १; ४; ५८, ४:६१,४;१०६,१; २, १०, ४; ५;११,३^{३};२१,६;२९,३-५:४०, १^{२};५; ४१,१†; ५२,१;३: ५९, ७; ७४, ३^{२}; ७९, १: ८१, २; ३, १, ५^{२}; ६; ५, २: २१, २^{२}; ३: ४; २७, १ ; ५ ; ३४, १†; ४०,५; ४, ३, ४^{२}; ४, ४: १०: ५, ९; १४, १: ३ ; ४: ३२, ६: ५, १२, १; १३, ७: १८, ५†; ७^{b}†; २०, २; २६, ४, ३३, ४: ३९, ३†; ४०, ७; ६, ९, १^{२}; २: ४; १२, ५; ६; १८, १: ७, १०, २-४; ८, १२, १०; ९, १, ३; २, १२; ३, १: १४, १; ७; २२, ३-२५; २५, १^{२}; १०, ५, १०; १४; ७, १०; ११, ३, ४; ५, १३; ७, ११; १२, १, १२†; २,१५; ३,४^{२}; १४; ४,९; १०; ५, १ : १३, १,२ ; ९, ७ ; ८; १५-१७; १४,३,२३^{२}; १५, ५, २; १२, ८; २२, १०; १६, १,

१; २, ७^{२}; ३, ५; ९; १६, ५; २६,१^{२}; २७,१; २; ४; २८, ६; २९-३०, ८; ३५, ८; ३६, ५; ४२,२; ४; ४४, ५-९; ४६-४७, १-१०;४८, १-५; ५१, ८; ६३, १; ६^{३}; ६: १०^{२}; ६४, १: ६८, ७†; ६९, ४^{३}†; ७२, ६: ८९, २†; ९०, ५; १०५, १: १३८, ५^{३}: १४७, १-८: १४८, १-१०; १४९, १-८: १७, ३०,९†:३४, ४: ३७,४: १८,४,२: १६, ६^{२}; २५, ३^{b}: १९,३, १५‡^{c}: ५,९; ६,१: ७‡^{c}: ९†:१०:१०,१०^{d}; १२,७^{e}: १२; १४, १: ४: १५, ४: १६, ९: १६: १७: १७, १: ११-१४: १८,६: २१,१२: २७, १४: ३१, ८: ३३, ७: ८ : ३६, ११: ३७, १४:४०,६:१५: ४५, ११†: ५३, २: २०, १, ३: ४, १०: ७-८,६: ११, ८: १२, ५; ९†: १०†; १३, २: १०: २६, १; ३३, २: ७: ३४, ४ ; ४४, ३; ४९, ४: ५०, ५: ५६,४:७^{३}; ६१,२;७.

इतम् (>:) ऋ १, ६,१०:९८, १; ११९, ८^{f}: १३०, ५^{f}: १७९,४; ३,४२,३; ६, २४,१०: ३८, १; ४७,३०;७,५०,२; ३:८,१८,८; ३९,२;९९,७^{f}; ९,६३,१०:७४, ३; ८१,२; ९७, ५४: १००,१^{g}; १०, १७, ३: ६४,१४:८५,२५;

२६; १३५, ४;१४२, ७; १५५, २; १६२,१; ⌊३-५⌋: खि ४, ५. ३२; ७,६,१; खिमा २९, ७; मा २, ८: ३, ६०; १२, १०५:१३, ३४; १९, २†^{h}: २६, ७†: २९, ५६†:३५, १: ४०,२: का २,२, ३; ३, ३, १३:८, ५:१३, ७,४; १४, ३, ८:२१,१,२†^{i}: २८,७, १†:३५,४,१; ४०, १.२: तै १, १,१२,१: ३,११,१;५, ६,१;८, २:११,३†: २,२,४,८; ४, १०, २¶;६,३,२¶: ३,३,६,२^{२}¶;५, ५,३:७,१¶: ४,१,४,३:२,७,१; ६,६,७†: ५,१.१,४¶: २,५,६: ५.२,१¶: ¶६. १,३,६^{२}:६,१^{२}; ५,६,१:७,५,७,४^{२}¶: ¶मै १,१, १३$:२,१८$:५,२$:५^{३};९^{२}$; ११:६,१$:४^{२}; ५;६; १२;७,५; ८, १; २;३^{२}; ४;८$:११,७;२, १,८; ४, १^{२};८: ५,७;७, १४$; ३.१, १०: २. ५$:३,४^{३};४.८; ६, ७; ९:७,८:१०^{२b}; ९,१; ३; ७;१०,१^{२};३:५:११,७†^{a}: १६, ३†;४,१,१४:२,७^{२}:३,१;२:४; ७: ५, ३:९^{२}:६,८^{२}:७, ३;८,२; ९;११,१†; ¶काठ १,१२$:३, ८$: ४, १६†: ६,१; ४:७,१$; ७$:१३$:१५:८,११:९,३:११, ६;१०;१३,४^{२}: १६, १४$:१९, ९: २०, ४$: २१, ६: २२, ७, १३, २३, ४^{२}: ५: १०^{२}: २४,६;

^{a}) सपा. ऋ १०,१६,८ तैआ ६,१,४ एषः इति पाभे. ।

^{b}) सपा. शौ १३,२,४३ अन्यत् इति पाभे. ।

^{c}) पाभे. कृते पृ ७७९ *g* टि. द्र. ।

^{d}) अयम् अह्वत् इत्यस्य स्थाने सपा. शौ ६,७३, ३ जोहवीतु इति पाभे. ।

^{e}) सपा. शौ ६,९७,१ अहम् इति पाभे. ।

^{f}) यनि. पपा. अनु समादतम् । वस्तुतः विप. इति कृत्वा इत-ऊति–> –तीः इति समस्तं पदमेव श्रुति-स्वारस्यं दर्शयेत् (तु. GW. GG. ORN.; वैतु. स्क. वें. सा. वा. अन्यथाव्याख्यानेन वृथानिपीडुकाः) ।

^{g}) इतः>इतो विश्वत इति सपा. छान्दसः संधिः (तु. पपा.⌊ऋ. मा. कौ. मै. च⌋, शुप्रा ३, ४६, ORN. ; वैतु. WAG ⌊१,३४२⌋ इतः>उ इति) ।

^{h}) सपा. तै ६,२,२,१ विशिष्टः पाभे. ।

२५, ५; ७: १०: २६, २; ५;९;
२९,७[२];३१,१४[२]$; ३३,२;६[२];
७[२]; ३७[a] ,१८†[b]; ३९,१५‡[c],
४६,१†; ¶क १,१२$;२,१५$;
३,१२; ४, ३: ५,१$; ६,५: ७,
८;८,६:२५.५$: ३१,६$; २१;
३५,१; ३६,१[२]; ३७,१[२];७:३९,
२:५: ४०,३; ५; ४१, ३;७; †क्रौ
१ , ९२$; २८३[d]: ५१२[h]; २,
४५६; ६६३[h]; †जै १, १०,२$,
३०,१[d]: ५३,२[h]; २, ४,७$: ३,
३४,१४;५५,४[h]; शौ १, २०,३;
२३, ०: ३: २, १८, ४;५;६:३,
११,६: ४. ३, १;६, २; १४,९;
१७, २: २५, ४[e];३७,११;५,४,
१: ३: २२, १: ३१,१०;६,१४,
३; २३, २; २५, १-३; ८३, ३;
९५,१; १२६,२†: ७,२७,५‡[f];
६७,१: ८८,२; १००, ३;११९,
२;१२०,१[२]:२; ३;८, १,१८;२,
८;६, ७; ११: १४;२३; २५;८,
२४[२]; ९, ६; १०, १, १४; १७;
२०; २४; ३०;११,२, १२:१४;
२७; ७,११:१०,७;१२,९; १४:
१२, १, ४९: २, ३; ३; १३,१,
३९[२]; २, १३;१४, १,१७; १८;
२०; २, १९: ३३; ३६; १८,१,
६१; २,२७; ५१; ५४; ३, ३८;
१९, ३४, ३; ३९, ६; ४४, ७;
†२०,२४, ३;७०, ६;९६,११;
१३; १६; १०५, ३; पै १,१६,
३; २१,४;५; ४६,५; ५९,३;५;
६०,१;२, ४,२;३;८,१;६४,१,
६७,१;५; ४, १०, १†;१३,७;
१४, ५; २४,१-५;३४,६;५,१,
४;५; ८, १ ; १० , १; २१, ३;
२३ , २ ; ७ : ६ , १४ , १-९;
१५ , ३; ७ , ३ , २ ; ४ ; ५;
१०, ६; †११, २;६: ८, १६,
१-३: ५; ९, ३, ६; १०, १, ६;
७:११,३, ३: ७,४; १३, १,१;
११; ४, ११; १६: १५, ३, ७;
११, १०†: १५, ७; २०, १०[२];
२२,४; २३,३: ४;१३: १६, २,
७;३,९;१८,६: ३१,५[२]: ३६,४;
७;८;१०;३७,४: ३८,२:७९,८;
८०,१;६;८१,६;८५,१०;१०५,
२: १५४, १; १७,५,७; १२,२:
४;५;१३,१;२; ९;१४,२: ३;५;
७[२];८;१५,६; २८,१;३०,२; ३;
१८, २, ७‡[k]: ८†; ९† ; ८,
१०; १०, ६; १८, ९[२]; २१, ७;
१९, २, ३[h]; ४, ११ ; ८, १५;
११, १; १३, ९: १६, ७; २३,
४; ६; १३; †२५, १२;१३;२७,
११‡[i]; ३२, ४; १२ ; ३४, ४;
३७, १०; १४; ३८,१६; ३९,७;
४१,१६; १७; ४२,१: ५२,१५;
२०, १४, ९[j]; १५,५[k]; १७, ६;
७[२]; ८; १८,५; २०, ३; २२,१;
२७,९; ३७,२; ४२, १; ४७,७;
५०,५; ५१,८; ५४,२; ५८, ८.

¶इतःऽइतः तै ६,५,८,१; मै ४, १, ३; काठ ३१, २; क ४७,२; पै ७,८,५.

इत–ऊति[l]– -ति ऋ १, १५१, ९;७,६८,६; १०, ६१,२; –तिः ऋ १,१४६,२;९, ७४, ३; –ती ऋ १०,३१,७.

¶इतः–प्रदान[m]– -नम् तै १,७, ३,४;३,२,९,७; –नात् मै १,६, १३;७,५.

इति[n] ऋ १, १०९, ३; ११७,१८;
१२२,१२; १३८, ३; १६१, ५,
८; ९[२]; १६२, १२; १६४, १५;
१९१,१[२]; २, १२, ५[२]; ३०, ७;
४, १,१; २५,[४; ५,३७,१ (६,
५२,५; ७,१०४,२४; १०, ५९,
४;६)]; ३३, ५[२]; ३५,३; ५, २,
१२; ७,१०; २७, ४; ४१, १७;
५२,११; ५३, ३; ६१, ८; १८;
६,५४, १;२; ५६,१;६२,७; ७,
४१, २; १०४, १५; १६[२]; ८,
३०,२; ३२, १५; ७७, १; ९२,
२; ९३,५; १००, ३; ९, ६, २;
३९,१; ६३,९; १०१,५; ११४,
१; १०,१७,१; २४,५; २७, ३;
३३,१; ३४, ६; ६१, १२; २६;
७३, १०; ९५, १८; ९७, ४;
१०९, ३; ११५, ८; ९[२]; ११९,

a) वैतु. SI. परीतः इति?। b) पृ ७८१ *g* टि. द्र.।
c) सपा. ऋ १,१२८,३ रेतः इति पाभे.।
d) पृ ७८१ *f* टि. द्र.।
e) तु. सस्थ. टि. अप√सिध् >अप···सेधनम्।
f) सपा. ऋ १,२२,१८ अतः इति पाभे.।
g) सपा. ऋ ७,५९,१२ मृत्योः इति पाभे.।
h) सपा. शौ ६,४,३ या इति पाभे.।
i) सपा. ऋ १०,१६५,४ पुतत् इति पाभे.।
j) इतो यन्ति इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ ७,११५, २ अजयन् इति पाभे.।
k) सपा. शौ ४,१७,५ अस्मत् इति पाभे.।
l) विप. (वयस्-, वर्पस्-, रेतस्- प्रभृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ; उप. भाप. यद्र.।
m) विप.(अन्न-)। बस.पूप. प्रकृतिस्वरम्। शिष्टं पृ११२*a*टि.द्र.
n) अव्य.। प्रकारवचने तिन् प्र. उसं. (पा ५, ३, २४) नित्स्वरश्च (वैतु. अभा. शक. √इ+क्विप् प्र. इति)।

⌊१-१३⌋;१[३]; १२०,४[a]; १३०, १; १४६, ४; खि २, १३, १; २; ४,२,११; ५, ७,२,११; ४, ७; मा ४, २४[४]; ६, २२[२]; ११, ५९; १२, ६४; ७८†; १९, २४[२];२०,१८[२]; २१, ६१; २३, २२-२४; २५, ३५; ३२, ३[२]; ३४, ३५†; ४०, १०; १३; का ४,८,१[४]; ६,५,३[२]; १२, ५,१०; १३,५,३;६,४†; २१, २, १३[२]: २२,१,४[२]; २३,६,१४; २५,६, २-४; २७, १३, ४; २९, ४, १; ३३,२,३†; ३५,३, ३, ४: ४०, १, १०; १३; ¶तै १, ३, ११, १$; ५,१,१; २[४]; २,४[३]; ४,१; ¶मै १, २, १८$; ४, ५[१३]; ६: ७[१]; ८[३]; ४, ४, २[२b]; ¶काठ ३, ८$; ६, १[३]; ४[२]: ५: ६; ¶क २, १५$: ३,१२[२]; ४,३[२]; ४;५; †कौ १,९४‡[c];३६१$; २, ६४; २२३; २४८; ५६८; ५९५‡[d]; †जै १,१०,४‡[c];३८, २$; ३, ७,२;२०,७;२१, १३; ४८,११‡[d]; ४,८,८;२८,७; शौ १,३,१-९;७,४; ३,१३,४; १६, २†;३१,५†; ४,१७,२; २०,६; ५, १७,३†; ४; १८,७; १९,९; २३,१; ६, ८१,३; ८२,२; ८४, १[२];१२८,१;१३०,२[२]; ७,७८, १;८८,२[२];११४,६;८,४,१५†; १६[२]†;९,१८; १०,१;११,२;४; १३,१;५;९;१३; १४,१;५; ९; १३;१५,२;९,१,२४;४,१२;७, १;२; १४, १६; १०,१,७; १५; २,५; १७; १०, २३; ११,१,७; २,२८; ३,२४[३]; २६-२९; ४,१-१८; ८,७; १०,२२[२]; ३२;१२, ४,१;६;४२[२];४८;४९;५२;१०, ४; १३,८, २: ५; ६: ९,१-३; १५,१,४; ८:३,१; २;१०,३;४; ११,२; ३;५;६; ८;१०: १२,२; १३, १३; १७,१०; १८,१,४९: २,२२;४८[२];४,७; १९, ३४,६; ४४, ९[२]; २०, ३४,५[२]†: ११२, २†;१२८,२;४;१२९,१३; १५; १६; १३०, १७; १८; १३२,५; १३५,१-३;१३६,६[e];७[e]; १३७, ५†; पै ३,४,४; २५,१२; ४,४, ४; ९,१; १५, ६; २१,७[२]; ३१, २†:५,२१,२;२३,२;२९,१; ६, १,४†; ७,१, ८![f]; ८, १८,७; ८[३], ९,३,९-१३; १५,३†; १७, ६: २१, १-७;८[२]; ९-१२; २२, २०: २५,६: ११,३,६: ६, ४†; १०‡[g]; १२,७,७-९; १३,४,६; ५,२:९;७,५[२]†; १५,३,९[२];१३, ६;१५,७;२३,२[३]; १६, †१०,५; ६[२]; १९, ८; २५, २; ३४, ९; ३५,७; ५४, १०[३]; ५५-५६, १-१८; ५८, ४; ५९-६०, ५; ६७, ५†; ८७, २[२]; ८८, ३: ८९,७; १००,५-११; १०६, ८; १०९, ३: ११२, ५; ६; ११९, १-३; १२४, १-११; १२६, १-३; १३३, १; ८; ९; १३५, १-९; १४५, १२; १७, १६, १: ५; २०, २; ८; १२; २८, १; २; ५; २९, ४; ६-८;१०; १८,२७, ८; १९, ५,११[२]; १६, १६;१७, ३;२३, ७[२]; २०, २५,९[२]; २७, ९; ३०. १३; ३१, २; ३२, ५[२]; ३४,१६; ३६,२;५६,२;६०, ५; ६१,७;९

इत्थु[i] खि ५, १५, ३[j]; १७, १४; शौ २०, १३४, १-६; पै २, ८, ५![k].

?इत्थु*-फल[l]- -लस्य शौ २०, १३६,९.

इत्थम्[m] ऋ ८,७०,१४: ¶तै २,६, ६, १: ८, ५; ६, २,८,४; ३, ४, ४[२]; ¶मै १, २, २$: ४, ७; ५, १२; ८, ५; २,५, १[२]; ३,२, १; ४; ७, ५[६]; ९, २[२]: ४[२]: १०, १; ४,२. १३[२]; ३, ३[२]; ७, ३;

a) सपा. शौ ५,२,४ यदि इति पाभे. ।

b) एकतरत्र स्वाहेसि इति अपमुद्रितस्य शोधः द्र. ।

c) ब्रह्मेति इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ २,५,३ ब्रह्माणि इति पाभे. । d) सपा. ऋ ८,८४,२ अध इति पाभे. ।

e) शंपा. सात. एवति इति पाठे? एवेति इति शोधः (तु.RW.)। सपा. खि ५,२२,७ मे इति, शांश्री १२,२४,७ मम इति च पाभे. ।

f) पाठे? (तु. मूको. इदि?) √इ>इहि इति शोधः (तु. सपा. शौ ५,१४,१० गच्छ इति)।

g) सपा. ऋ १०,९७,७ विशिष्टः पाभे. ।

h) सपा. इति<>इयम् इति पाभे. ।

i) अव्य. । इदम्>इत् ⌊पा ५, ३, ४⌋ + थः प्र. उसं. (पा ५, ३,२४) प्र. स्वरश्च ।

j) सपा. शौ २०, १२९, १२ RW. इछक्ना? (=इद्, शक्ना) इति, शंपा. सात. इच्छकम् इति च पाभे. ।

k) पाठे? अथ इति शोधः (तु. सपा. शौ ४,३,४)।

l) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । इत्थम्, फल॰ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. खि. इदक्-फल-)।

m) =इत्थु- । थमुः प्र. (पा ५, ३, २४) इत्येव ततो विशेषः ।

¶काठ२,२$;१२,१३^{२};२२,१३; २४.३^{४};२६,५^{२};१०^{२}:२९,१;७; ¶क १,१४$: ३७,४^{४}; ४१,३^{२}; ८^{२}: ४५, २: कौ १, ३०५: जै १,३२, ३: शौ ३, १३, ७; ६, १३५. १: ८, ९, २२[a]; पै २, ४०. ५;१३.१४,१५^{२};१६,१९. १०; ¶इत्थम्ऽइत्थम् काठ ३०, २: क ४६,५.

† इत्था[b] ऋ १, २,६: २४,४: ३६, ⌊७: ८,६९,१७⌋: ३९.१:७:८०, १ ; ८४, १०: १५; ९२, १७: १२०, २: १२१, १; १३२, ८; १३९, २: १६१, १; १५४, ५; १५५, २: १५९, १; १६५, ३; १७३, ६; २. ११,११:३५,११: ३,९,५:२७, ६: ३२, १६; ४२, ३: ४. १०,७: १६, ३: २४, ६: २९,४;४१,३: ५, १७, १: २०, ४:२२,६; ३३,१: २; ६१, १५: ६७,१:८८,१: ६,१६,१६; १८, ५: ३२,५:३३,⌊५;६८,८⌋: ४७, २०;८९, ११: ५९, २: ६२, ३: ६७,११: ७, ५६, १५: ९४, ५: ८, २, ४०: ७, ७०: १३, २६: २५,१६; २८,३: ३३,⌊१०(९, ६४, २)⌋; ८५, ६: १०१,१; ९, ८३, ४; १०, १, ३; २८, १०; ४४,७: ६१,१:९५, ११; १०२, १०: १०५, ११^{२};१५२, १; खि ४, ९, ७$; मा २६, १३; ३३, २७;८७; का ३२,२,१०; तै २, २,१२,२; मै २,१३,६; ४,१०, १; ११,३; १२,१^{२};२; १४,१४; काठ २,१४; ९, १८: १०, १२: १२, १४; ३९, १२; ४०, १४; कौ १, ७ : १४७: २६३; ४०९: ४१० ; २, ५५ : १५१ ; २६५; ३५५: १०८६: जै १,१,७;१६, ३; २८,१; ४०,१: २: ३,६,१; १४, ११: २२, १२: २९, १२: ४,२०,३: शौ १,२०,४: ४, १, ६: २०, २८, ३: ४१, ३: ७७, ३ : ९२ १८ : ९४, ७: १०९, १: पै २, ८८, १: ५, २, ५$; ३६,९$.

† इत्था-धी[c]– -धिये ऋ ४, ११, ३: ९, ६१, २: काठ २१, १४: कौ २, ५६१: जै ३, ४५, ३: -धीः ऋ २,२०,२.

इदम्[d] ऋ १, ⌊१३, ७; ८, ६५, ६; १०,१८८,१⌋: १६,⌊५; २१, ४; ६, ६०,९⌋: २२, १७; २३, ⌊२२;१०,९,८⌋; २६, ⌊१०;९१, १०; १०, १५०, २⌋: ५१,१५; ५३, २; ३;७; ७९,२; ९३, २; ९८, १; १०२, ⌊(८१, ५) ८⌋; १०३, १; ५; १०८, २; ११३, १: १३: ११८, ६ : १८०, ११; १५८, ३:१६१, ८^{२}: ११: १३^{२}; १६४,३७; १८२,१; १८५,११; २,३, ४ : ८: ५, ५: १२, १४; २८, १;३२, १; ३३, १०; ३७, २; ३८, ९; ४१, ⌊१३; ६, ५२, ७ (८,७३,१०)⌋; ३, ४, ⌊८; ७, २,८⌋: २४, ⌊३; ८, १७, १(८, १९,२५; ७५,३)⌋; २९,१; ३१, ९; ५१, १०; ५३, ⌊३: ६,२३, ७;१२⌋: ५४,३; ४, ५,५; ६;९; ११; १८, ६; ४९,१; ५१,१;५, ११,५;२२,४; २६,९;३०, १२; ४२, १३: ४७, ५;७; ५४, १५; ७६,४^{२}; ८१, ५; ८३, ९; ६,९, ४:६; २८, ८^{e}; ४४, १६; ४७, १०; ५४, १: ६०, ४; ६७, ८; ६८, ११; ७५, १५; ७,८, ६: २४, ३; ३५, १४; ३६, ५;५५, ६ : ५८, ६ ; ५९, ९ ; ८९, ५: ९१ , ४; ५; ९८, ६; १०१, ५:८,१, ३: २, १; ४,१२: १७, १:१८, १: ३७,१; ३८, ⌊३;६५, ८⌋: ४०, ४. ४६, २८: ५७, १: ५८,२^{२}: ६१, १; ७३,११: ७६, ४; ८४,५;९१,५: ९,२२, ५;६: ८६, २८: १०, १४ , १५: १५, २: १७,१;१८,८;२७,२२: २८, ८; ३०, १५: ३९, १: ४०,१०: ४८,७[f]: ५६,१; ५८, १०; ६०, ७; ६१,१: १९; ६८, १२; ६९, ३: ४^{२}: ७०, ८; ८५, १७; ८६, १२;८७, ८;८८, १५; १७;९०, २;९५,१६,९६, १३; ९७, १४: २१; १०७, ८; १० : १०८, १; ३: ११०, ८ ; ११२, ६; ११४, ४; ११६, ७; १२४, ६^{२}; १२५, ५; १२९, ३ ; १३५, ७; १३६, १: १४२, ७ ; १४९, ३; १५१, २; १५८, ४; १५९, ⌊४; १७४, ४⌋ ; १६०, २ ; १६३, ⌊५; ६⌋; १६५, १; १६७, १; १७०, ३; १७३, ४ ; खि १, ४, २ ; ७; १०; ११, १; २, ३, १ ; ९, ५;

a) सपा. इत्थम् <> इदम् इति पाभे. ।

b) =इत्थ-। था प्र. उसं.(पा५,३,२४)इत्येव ततो विशेषः।

c) विप. (मर्त्य-, दिवोदास-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. यद्र. (वैतु. GW. ⌊ऋ २,२०,२ इत्यत्र, अन्यत्र च पक्षे⌋ °त्था-माधी– इति) ।

d) इ->इद्>इद्-अम् इति WAG ३, २४८ c ।
पृ ७६२ j टि. अपि द्र. ।

e) सपा. इदम्<>इदु इति पाभे. ।

१२, १; १३, १^{२}[a]; २; ३, १८,
१^{२}; ४, ६, १; १०, १: १०^{२}, १;
११,१:१२;१३^{२};५,५, २^{२}-११^{२};
७, १, ७: ९; ८, १: २०, ४^{२};
२२, ८: खिसा ३, ८; ३३, ११;
१२; २४-२६; मा १, ५; १३[b];
१५; २२^{२}: २, ६^{३}: १०: २८;
३, ४५: ४, १;५, ११: १५†:
२२: २३^{३}: २६;३९; ६,१: १६^{३}:
१७†; ७, ३४†: ८,१७: १८;९,
५: ११, ६८: ६९; १२,६५:८८:
९४;१३,३९: ५७: १७, ७:१८,
३०: ३८-४३; ५७; १९, ४७†:
४८[c]; ६८†:७२-७९: २०, २३:
२६,७†: २७, १९:२२; २९,९:
३३†;३१,२†: ३२,८;१६: ३४,
४:५०: ४०, १: १५: का १, ३,
१;५, ४:८, २^{२}: २, १, ८^{३}; २,
९:३,३: ५. ६, १०^{२}; ३, ५, २;
४,१, १:५, ४,२: ५, २†;६,१:
२^{४}:७,१:९, ६; ६,१,१: ३, ६^{२}:
५, ५†: ७, १६, १†: ९, ३,३:
४; १०, २,१: ५,२[d]: १२, ७,
३; ४; १३, ५, ४: †६, १४;
२०; १४, ४, २; ७, ७; १८,
१, ८; २०, १, १: २, १-६;
३,७; २१, ३, १८†; १९[c]: ४,
१७†: ५, १: २^{२}: ३:४; ५^{२}:
२२, १, ८; २८, ७, १†: २९,
२, ९: १२: ३१, १, ९;४,
९†; ३३, २,१३; ३५, १,२†;
३,५;१२: ४०,१,१;१७: तै १,
१,४,२^{२}; ५,२; १२,१: २,३,३:
४,१; ५,१^{२}: १३,१†;३, १-२,
१^{२}; ४,२^{२}; ९,२^{२}:४,४४,१;२;
५, ¶१,१: २; ७,६: ११, ३†:
६,६,१: १२,३: ७, ६,२: ७, १:
१०,१;१३,२†: ८,१,१:२,¶१,
१,४: ४,४: ३, १,५: ४,३,१¶:
८, २^{३}[e]: ¶१२,३^{२} :४: ६; ७:५,
२, ६¶;७, ४^{२}: ११, ८¶: ६,७,
६^{२}¶:८,३^{२}¶:९,५^{२}:६:८; १२,
४†: ३,१,१,४: ४, १¶: ९, २,
५¶;११,५†:२,३,१:३: १०,२:
३,७,१¶:९,१:११,१†:२;४:४,
७,१^{२}: ३^{२}:८, ६:११,६†:५, ५,
२[e]:४,१,८,२ †:३;९,२^{२}; २,४,
१‡[f]: ५,३[g]; †६, ३: ५: ९,६:
३,२,२:११,२^{२}:१३,३†:४,१२,
१^{२}:२^{२}.३^{२}: ६,१, ३†: २,२‡[h]:
३‡[i]; ७,१५,१:५: ¶५, १,११,
४§:२. १०,४: ३,४,७^{२}; ६,४,
२;७,५,३:६,१,३,१¶;६^{२}:७,१:
८,४:१०,४: २,२,१¶: ७,१¶;
१०,२:११,१: ३,२,५:६: ¶४,
८:९:९,२: ४,२,१: ५,४¶: ६,
२¶: ८,३^{२}¶: ९,१¶: ¶५, १,
१^{२}: ६,२: ¶७,१,५,१: ५;१०,
१; २,८,७; मै १,१,५^{२}; २,४;
७;९†;१०^{२};१३; १६^{२}; ३८:४,
२;७¶; १२¶; ¶५,५; ८;¶६,
३:५^{४};७;८;१०; ११; १२^{२}:¶८,
६^{२}; ७^{३};९: ९, ४; ५^{३}¶: ६¶;
¶१०,५;१५^{३}; १८; ११,४; २,
१,९: ११¶; २,१:५^{२}; ९^{२}¶;३,
४:५¶:६¶; ८†: ¶४,१:३^{२};४;
७^{२}§:¶८^{२}:¶५,२:१०:६,१^{२}:३:
७,७^{२}: ११: १६†: १७;१९: ८,
१[j]:९,२[k]: १०,१†: १२,२ : ३:
६^{२}: १३,७†;९†: १०^{२}[l]:३,¶१,
७; ९: ¶२,२; ३§; ९:१०: ३,
१¶:५^{२}:¶:८;९¶:४, ५^{२}¶:६,
६^{२}:८: ९:७,१:६^{२}; ९^{२};१०; ८,
३^{२}:५:७:८^{२}:¶;१०^{२};९,१: ४^{२};
१०,१^{२}:२: ११,६^{२}: १०[e]; १६,
४^{२}: ५^{२}: ४,१,२¶; ५^{२}: १२†:
¶२,२; ३^{२}; ९§: २३^{२}; ३,१^{२}:
४^{२}¶:१०¶:४,६^{२};५,५^{२}: ८;६,
२^{२};¶; ३^{२}:¶^{२}: ५^{२}¶: ६:७^{२}¶:
७,७^{२}¶: ९: ¶८, १;७; १०:९,
१^{२}:४†:†१०,५: ६:† ११.१:४:
६: १२, १^{२}:३: ४†; ५†: ६^{२}:†:
†१३,२^{२}: ३:५§: ९^{७}:१४,१:३:
५†: ६; ७^{२};†:‡[m]; १४†:१८†:
काठ १,४^{२}: ५: १२; २,४: ५^{३}:
१०†;११^{२}:१२^{२};१४†:३,१:३^{२}:
६^{२}: ४, १२^{२}; १६^{२}†: ५, २:५:

a) सकृत् सपा. खिसा १४,१ तम् इति पाभे. ।

b) सपा. का १,४,४ एतत् इति पाभे. ।

c) =सपा. माश १२,८,१,२२ तैब्रा २,६,३,५ शांश्रौ ४,१३,१ काश्रौ १९,३,२६ आपश्रौ ४, १४,१; १९, ८, १२ माश्रौ ५, २, ११, ३१ मागृ १, ११, २३ । आपश्रौ ६,११,५ तु आग्नेयम् इति पाभे. ।

d) सपा. मा ९,२५ नु इति पाभे. ।

e) सपा. मै १,३,२६ अदः इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०,१४,९ विशिष्टः पाभे. ।

g) सपा. मा १२,६५ मै २, ७,१२ माश ७, २,११,५ तम् इति, शौ ६, ६३,१ तत् इति च पाभे. ।

h) सपा. इदम्<>इमा इति पाभे. ।

i) इदम् विश्वं भुवनमधि श्रितम् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,८२,६ विश्वानि भुवनानि तस्थुः इति पाभे. ।

j) सपा. इदम्<>इमा (माश ८, २,१,५ च) इति पाभे. । k) सपा. मा १६, ८ अहम् इति पाभे. ।

l) सकृत् पाभे. कृते पृ ७८४ a टि. द्र. ।

m) सपा. इदम्<>इयम् इति पाभे. ।

¶६,१;३;५-७;७,२;१०¶;१२;
१३[३]; ¶८,२[२]; ९[५]; १०[२]; ११;
१६$; १७†; ¶९,१;९$;१२[४];
१४[३]; १९$; ¶१०,३; ७;१०;
¶११, १[२]; २;४[२]; ६[२]; ९[३]$[a];
१३†;¶१२, ३[५];५[२]; ७[२]; १०;
१३,९; १०; १४; १५: १४,२;
१५,१[२]; २; १३[२];१६,७[२]; १२;
१३[२]†: १६ ; १९; २०†; †१७,
१७;१९;१८,१[२]‡[b];१४[६];१७[२];
१८; ¶१९, ५; १२; २०, ९;
१५†: २१,७; १३†: २२,९¶;
१४[१]; १५[२]: २३,४¶;६; ८¶;
१९†;२४,४: ५[२]:¶; ६¶; ७¶;
¶२५,६[२];७;८[२]; ९[४];$[३];१०$:
२६,२;५;१०¶; २७,१¶;४¶;
५[२]; १०[२]¶; ¶२८,७; ९; १०;
¶२९, १;६; ८$;१०[२]; ३०,६;
३१,१¶;३[२];११;१४;३२,१[२]¶;
५; ३४, १७¶; १८[२];१९; ३५,
३-५; ७[२]†; १२; १७†; ¶३६,
१[२]; ९[२]; १३; १५[४]$; ३७, ९;
११[४];¶[३]; १४¶,१५;१६; ३८,
१[६];२[२c];†;१२[४]; ३९,१०[२];४६,
२[२]; क १, ४[२]:१२; १६[२d];१७;
१८; २,३;४†; ५[६]; ६;८; १०;
१३[२]; ३,१०[३]; १२¶; ¶४, २;
४-६; ५, २; ९¶;६,२[२]; ७[२]¶;
¶७,५[५];६[२];८; ८,४¶;७[e];१२;
२५, ३; ४†; ९; २८,१; २‡[f];
२९,२;३[६];५[२];६;३०,३¶; ३१,
२¶;११;३५,३¶; ३६,१¶; ३;
५¶; ३७,५; ६[२];¶; ७¶;८¶;
¶३९, ३;५; ४०,१[२]¶; २[४];¶;
३; ५; ४१, ३; ८¶; ४२,१¶;
४¶;५[२]; ४४,७¶; ¶४५,१; २;
७;४६,३[२]¶; ४७,१¶;३[२];११;
४८,१; ४-६; ९[२]†; १२; १५†;
† कौ १,६५:१२४;१६५; १९१;
२२२;२२९‡[g]: २९०;३३३‡[h];
२,१६; ८४: ८७: २०३; ३४३;
४२५;५८३:८०५;९००; ९६७;
१०१९;१०५९[1]: १०९९; ३,१,
३$;४,५; †जै १,७,३;१३,१०;
१८,१; २०,७;२३,९:२४,५‡[g];
३०,८; ३५,२‡[h]; २, १,५$;३,
८;४,८$: ३, २,७;८,१०;९,१;
१८, १०: २८, १५; ३२, १४;
४७,९; ४.३,१: ८,१०; १८,४;
शौ १,७, ३;५;८, १[२]; १६, ३[२];
२३,१; २४,२[२];३;४; २९,५‡[i];
३०, २; ३१-३२,१; २, १, १;
३, ३; ५; १२, २[२];३[२]; १३, ३,
२६, ५;३०,१; ३६, ७; ३,४,५;
८,२: १३, ७[२]: १५, ४; १९,१;
२३,१: २४,४: २९,७; ८; ३१,
५†; ४, ४, २; ५, ५† ; ६, ८;
७, १; २; ८, १; ९, ७; १२,१;
१६,१; ४; २३,७;२६, ७; २७,
६; २८,१;३०,३†; ३६, ८;३८,
३;५,८,२; १२, ८†; ३६, १२;
२७,९; १२; २८,६; २९, १;६,
१३,२; ३; २७, १†;२९,२;३[२];
३३, १; ४४, १; ४७, ३ ; ५१,
३†; ५३-५४, १; ५७, १[२];६८,
३; ७७, १; ८३, ४; ८८, १†;
८९,१;९०, १[k]; ९४,३;९७,१;
१००, २; १०४, २; १०६,२†;
११६, ३;११७, १[l]; २[l]; १२२,
५; १२८, १; १३१, २[२]; १३६,
३; ७, १, २; १२, १ ; १८, ४;
१९, १[a];२१, ६; २६, २; २७,
४†: ३६, १: ३९, १; ६०, २†;
६६,१; २;७०,२[२]; ७८, २;७९,
२; ८२, १; ९४, ३; ११४ , १;
५[२]; ८, २, २५: ३,८†; ८,१६;
९,२२; १०, १[२];९,१, १७; २,
८; ३, ५; ५, २०; ३८; ७, १[२];
१५,१५†;१०,१,९;२,२२-२५;
४,७[२]; १०;५,१५-२१:३६[२];६,
१३;७,३५; ८,२;५;६; ९, २७;
१०, ११; २६;३४; ११,१,११;
२७[२]; २८[२]; २, १०[२]; ३०; ३,
२४;६,१;८;१८; ७, १४;८, ५;
९;११;१९; २०: १०, १६;३२;
१२, १,३; ५३: २, १; ३, ४४;
४५; १०, ४; १३, १, १[२]: २०;
२३; ५४;५५[२]: २,४४;४५; ३,
१५; ४,१२; ५,७;१४, १,३८;
४५;४६†; ५६;२,९;१९; ४६†;
७४; १६, १, ४;७, ८; ८, ४[२]–
२९[२];३३[२];१८,१,४६†;५२‡[m];
५३†; २,२†; ५०;५१; ३,२†;

[a]) पाभे. कृते पृ ७८५ *e* टि. द्र. ।
[b]) पाभे. कृते पृ ७८५ *h*, *i* टि. द्र. ।
[c]) पाभे. कृते पृ ७८५ *c* टि. द्र. ।
[d]) सकृत् सपा. काठ २,४ तत् इति पाभे. ।
[e]) सपा. काठ ९,४ एतत् इति पाभे. ।
[f]) पाभे. कृते पृ ७८५ *i* टि. द्र. ।
[g]) पाभे. कृते पृ ७५८ *j* टि. द्र. ।
[h]) सपा. ऋ ६, ४७,११ विशिष्टः पाभे. ।
[i]) सपा. शौ ६, ३६, २ विश्वा इति पाभे. ।
[j]) पाभे. कृते पृ ७७९ *c* टि. द्र. ।
[k]) सपा. इदम्<>इमाम् इति पाभे. ।
[l]) सपा. तै ३, ३, ८,२ मै ४, १४,१७ तैआ २, ३, ८ एतत् इति पाभे. ।
[m]) सपा. इदम्<>इमम् इति पाभे. ।

७†;६४; ४,३५; ३७;४४; ५१; ५२;५६; १९,६;४†;९,१[a]; ४; †११,४;६; १४, १;२४,६;२७, ११-१३‡[b]; ३७, १; ४४, ७; ८;४८,३^{२}; ५२,५; ५६,२; ४[c]; †२०, ३,१;१६,१२;२१,२; ३; ७;३२,३; ३४, १५;३८,१;४७, ७; ६७, ७: ८५,३;८७,६; ९६, २: ११३, १;१२६, १२; १२७, १$; १३१, १०^{२}; १३५, ९^{३}$; पै १,८ ,३:१०,२^{२}; ११,४;१४, २:२२,१:२३,१; २४,४; २६, २^{२};३; ५: ३०, ५ ; ६; ३३, ३; ३७, ४: ५; ४०, ४;४८,२;५४, २; ५५, १: ५८,३: ४; ६०, २; ४; ६१,१;९३,३;९४,४: २, १, १; ५, २^{२}; ३^{२}; ६, १; १२, ५; १७,१;२१,६; २३,२: २९, १^{२}; २^{२};६^{२}; ३० , ३†; ५;४०,१;५, ४१,४†;५२,१;३;५७, १; ५९, ४; ७२, १; २; ७३, १;४; ७८, १; ८१, १; २; ८४, १^{२}-११^{२}; ३, ७, १; ८, ४; १९, १; २५, १; ३४, ९[d]; ४०, ५; ४, २,१; ३, ६; ४, ३ ; ५; ८^{२}: ५, ३; ६, ५†; ९, २ ; ४^{२}; ११, ६ ; १४, १; १८, ७: २६, ५† : ३३, ६; ७; ३५, ६: ३६, ७; ३७, १; ५, ८,७; ८;११, २^{३}; १३, ४; २०, २^{२}; ६:२६, २; ३१,३; ४; ७;

३४, ४; ३७, ४; ३८, १† ; ६, १४,६; २१,३^{२}; ७, ५,१०;१८, २;८, ३, १३; ९,४;८;११;१२, ९;१८,८;९,१,९; १२; २, १२, ५,४†; ९ , ५; १०, ११ ; २१, १२;२३, २१; १०,१, ११^{३}: ४, १^{२}; ३^{२}; ११^{४}; १२ ; ६, ४; ९; ८, १-३‡[b] : ९, १; १०, ४; ५; ११, ७, ५^{३}; १२, ६, ५†; १३, ५,४; ७, १५†: ८, १४†; १६; ९, २; १३, ७†;१४,३;९; ११: १४; १४, १,१५: ३, २३; १५, १, २-८; ३,७; ८: ६,३: ९,६^{२}; १३, ५ ; ९ : १४, ४; ५; १९, १-१२;२०, ७†; २३, १०;१२; १३; १६, ५ , ५; ६, ८†: १५, ७^{२}; १० ; १८ , ७[e]; १९ , १०; २१, १; ७; २२,८;३०, ७;३५, ९ ; ४३, ६ ; ४८, ५; ४९, ९; १०;५४,१०; ५६, १-१८; ६१, १;३ ; ४: ७^{३}; ९^{२}; ६३, ५:९[f]; ६९, ६†: ७०, ७; ८६, ६; ८८, ३; ९०, २; ९१, ७^{२}; ८^{२}; ९६, २; ३ : १००. २: १०१, १; ४: ९;१०२,२: १०४, १०^{२}; १०६, १०;१०८,१:१०९,६:११०, ४; ११२, ५: १२९, १-१०; १३३, १^{२}; १३८,८: १४५, १२;१५४, ३;१७, १,४: ६, १:१०,७;२५, १; २७, ४: २८, ७: २९, १६;

१७^{२}; ३०,१; ३९,७[g]; ४०, ४; ५; १८,४,७; ५,२;३†; ६, १; ४; ७-८,१०; ११, १[h]; १४, ४; १५,१^{२}; १६,१०; १७, ३; २०, ३; ४^{२}; २५, १०; २८, ४; १९, ४,४; ५,२: ३; १०; ८,४; १०, ३^{२}; १२, ७; १३,५: १३†; १५, १२[i]; १६, १: १२[j]; १३[j]; १७, १४; २०, ६[k]; ८; २१, ६; ९; ११: २३,९; २६, २; १४; १५; २७, १२^{२}; २८, १ ; २९, १२; १४; ३०,१३; ३१, १;३३, ४†; ३५,१; ३७,७; ३९, १२^{२}; ४०, १३; ४३, ५†; १२; ४८, १३; ४९,२; १३; ५०, १२; २०, १, ४; ७; २,६; ७; ३, ८; ४, ४; ६,६†; ७, ३; ६; ८, २; ३; ९; १२,२; १४,५^{२}; १५,२; २१,७; १०; २२, ४ ; २४, १० ; ३०, ४‡[b]; ७;३३, ३; ६;४२,८;४९, ६; ५०, २;५५-५६,३;५७-५८, ७: इदम्ऽइदम् ऋ ७, ५९, १; ८.२१,९; मै २, १२,४; कौ १, ४००†; जै १, ४५,२†; शा ९, ५,२३;२४;†२०,१४,३;६२,३: पै १६, १००,१; २;११९, १-३: इदाइम् शौ ९, ७, १; पै १६, ११२,५![l]

¶इदं-मधु[m]- -धुम्[n] तै ७, ५, १०,१.

---

[a]) सपा. आगृ २,४,१४ पागृ ३, ३,६ मागृ २, ८,६ गौध २०,११ विशिष्टः पाभे. ।

[b]) सपा. इदम्<>इमम् इति पाभे. ।

[c]) RW. तम् इति पाठः ।

[d]) सपा. शौ ३, २०, ८ नु इति पाभे. ।

[e]) सपा. इदम्<>इमे इति पाभे. ।

[f]) पाभे. कृते पृ ७८० j टि. द्र. ।

[g]) सपा. शौ १२,३,३७ एतत् इति पाभे. ।

[h]) इदं मन्यमानौ इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ १४, २,४२ अनुमन्यमानौ इति पाभे. ।

[i]) सपा. शौ ६,७६,१ एनम् इति पाभे. ।

[j]) सपा. शौ ६,८०,१ यत् इति पाभे. ।

[k]) सपा. इदम्<>इमान् इति पाभे. ।

[l]) इदाम् इति पाठे? यनि. शोधः द्र. ।

[m]) नाप. (मन्त्र-विशेष-)। इदम् मधु (तु. ऐआ ५, १,१ तां ५, ६, ११ काश्रौ १३, ३, २१) > बस.? पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[n]) सपा. °धुम्<>°धुरम् इति पाभे. ।

¶इदं-मधुर- -रम्[a] काठ ३४, ५.

†इदा[b] ऋ ४, १०, ५[२]; ३३,११; ३४,१: ४; ६,२१,५: ६५,४[२]:५; ८,२२,११;१३; २७,११[२]: ६६. ७;९९,१: कौ १, २७२; ३०२; २, १६३; १०४१: जै १, २८, १०; ३१, १०; ३,१५,११: शौ २०,९७,१.

इदा-तन[c]- -नाः खि ५, ७, ४, ११.

इदानीम्[d] ऋ १,३५,७:४,५४, १;५,७६,३:७,४१,४:१०, ८७, ६: खि १,५,९: मा ३४, ३७†: ¶मै १, ६,८;३,७,१०; ८, ६[२]; ¶काठ १३,४:२७,६:३४,१८†: क ४२, ६¶; कौ २, ११०४†; †शौ ३,१६,४: ८,३,५; †पै ४, ३१,४:१६,६,६.

इम,मा- -मम् ऋ १,५,९; १०,९: १२,[१२: ८,४३,१६]; १३,[८: १४२, ८;१८८, ७]; १४,[११; २६,१];१६,५; [९(८,६४,६)]; २२,१३;२५,१९;२६,[१०;१०, १५०,२];२७,४; [e]३१, १६;८४, [४;८,६, ३६];९१, १०:९३,१; ९४,१;९५,२;४;१०२,९;११८, [३: ३,५८,३]; १३५, ५;१३९, ११[e]; १६४, ३: १७९, ५; २, ४, [२;१०,४६,२]; २७,२;३५, २:४१,[१३:६,५२, ७; ८,७३, १०]:२०:३,१,२२;४,२;५;१२, २;१६,[२:७,१८,२५]; १७,२; २१,१:३०,[२०: ५०, ४];३२, १:३४,५: ३५,२: ६:८; ४२,७; ५४,१:१०:४, १४,१:२०,२;३; २८,१०: ३४,१; ६:४४,४;५८, १०:५, २,१२: ४, ५;५,२: [७: ९,५,८]:४०,७:६५,६: ७१,[१: ८,८,१७]:७४,[१०: ८,७३,५], ६,९,४;१०,६:१५,१: १७;३९, ३: ५२,१२: १३: ५६,५: ६८, १०: ७, ११,५: ४२,५: ५१,१: ८,२,११: ७,९[२]: ८,१२:१२,४; ५;१७,[१:१०,२४,१]:२३,१९: ३२,२९[f]: ४३, १६; [२२; १०, २६, ९]:२४:४५, १८; ४६,२७: ५८,१; ६६,८; ७६,१; ८५, २: ८६,३;९१,२:९,१,९: १०,१४, ४:१५,६[g]:१६,८;१०;१४:१७, ११:१८,४: १३:४४,९; ४६,३; ७५,५: ८६,४: ९२,२; ९७, २; १०२,९: १०३,६:१२३-१२४. १; १२८,७; १३०,६; १६१,३; ४; १६७,२; ४; १७३, ३[h]: खि २,९,३: १४,६: ३,१०,२; १४, १;१८,२; ४,२, १३; ३,१; ७[२], ७; ९,६; ५, ५, २-११; ६,६; ७, १,४; ८; ३, ७; ११; ४,८ ; १५, १३ ; खिमा २६, २१; ३२, १; मा १, १२; २, १३[२]; २१; ६,६; २५ ; ३० ; ३४; †७, १६; १९; ३४; ८, २१ ; ३२† ; ६१ ; ९, २३ ; ४०[२]; १०, १८[२]; ११, ८; १२, ४५‡[i] ; ७६† ; १३, ५† ; ३९†; ४७-५० ; १५, ५५ ; १७, ६; ३८†; ५१; ८६; ८७, ९८†; १८,६२ ; ६३ ; १९, १०, ३४; ६२†; २०,४९†; २१, १†; २६, २३†; २७, १७; ३३, ५३†; ३५, १५; ३८,११[२] ; १७‡[j] का १, ४, २; २,३,११[२]; ५, ४ ; ६,१,७; ८, १; ५; †७, ७-८,१; १६,१ ; ९,३, ७; ५,५†; १०, १,१[k]: ५,१; ११, ३, २[२]; ६, २[२]; ९,२; १२, १,८; १३,४,१‡[l]; ६, २†; १४,१, ५†; ३,६†; ५,१-४ ; १६, ६,७; १८, १,७; ४,६†; ५,२; ७,७; १९,१, १; ११†; २०, ४,५; ६ ; २१,१, ९; ३, ३ ; ४, १२†; २२,५,३†; २३, १, १† ; २९,२,७; ३२,४, १०†; ३५,४, १६; ३८, २, ५[२]; ४, १‡[k]; तै १, १, ५,१ ; १०, २‡[l]; १३,३; ३, ६, २;१३, १;

a) पाभे. क्रने पृ ७८७ *n* टि. द्र. ।

b) अव्य. । कालेऽर्थे दा प्र. (पा ५,३,२०) तत्स्वरश्च ।

c) विप. (मद-) ट्यु> अनः प्र. तुट् आगमश्च (पा ४,३,२३) ।

d) अव्य. । कालेऽर्थे दानीम् प्र. (पा ५,३,१८) तत्स्वरश्च ।

e) पाभे. क्रने पृ ७८७ *b* टि. द्र. ।

f) पाभे. पृ ७६८ *e* टि. द्र. ।

g) पाभे. क्रने पृ ७८६ *m* टि. द्र. ।

h) सपा. शौ ६, ८७,३ एतम् इति पाभे. ।

i) सपा. ऋ १०, १४,१९ एतम् इति पाभे. ।

j) =सपा. तैआ ४, ३,१ आपश्रौ १५, ४, ४ । ऋ ३, ५९, ७ आश्रौ ३, १२, ९ तु यः इति, तै ४, १, ६, २ इमाम् इति, मै ४, ९, १ माश्रौ ४, १, २३ इमान् इति च पाभे. ।

k) सपा. मा ९,१; ११,७; ३०,१ तै १, ७,७,१; ४, १,१,२ मै १,११,१;६ काठ १३, १४; १४,६; १५,११ माश ५, १,१, १४; १६; ६, ३, १,१९ मंत्रा १, १, १ यज्ञपतिम् इति पाभे. ।

l) इमं विष्यामि इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,८५, २४ प्र त्वा मुञ्चामि इति पाभे. ।

१४,५†; ४,१,१^{२}; ८,१†; १०,
१†; ४४,३; ५,३, २^{२};४,३; ४¶;
७,१^{२}¶; ¶९,३; ४^{३}; १०, २; ४;
६,३,३^{२}; ७,१,५^{२}; ६,२^{२}¶; १०,
१; ८, १, १; १०, २; २, १, २,
३¶; ४,६¶; ११, ६^{२}†; ३,१,४;
१०, ३; ११,५; १३, १^{२}; १४,
२†; ४, १, १¶; ८,२; १४, ५†;
५,७,२¶; १२, १†; ६,७, ४; ८,
३¶; १०,१¶; १२,६†; ३,१,४,
१¶; ८,३†; ३,¶६,१; २; ८, १;
१०,२†; ५,४,२; ६, १; ११,३†;
४,१,१,३; ८,२; ११, ४†; २, ४,
१‡[a]; ५,३; ६,१†; ८, ३†; †९,
३; ५; १०,१; २^{२}; ११, ३†; ४,
१२,४; ६,१, २; ३,१; ४,२†; ५,
६; ७, १३,४; १४,३†; ४; ५, २,
१, ७¶; ५, १०, ६; ६, ५, २¶:
¶८,२; ३;७,४,३; ४;७, २; ३^{३};
८, २; ३; ¶६,१,२,३^{२}; ३,२,५:
४,७,१; ५,११,१; ¶७, १,५, ३;
२,४, २; ३, ४, २; १०,३; ४; ५,
७,४; मै १,१, ८; १३; २,१४;
३, १; ३^{२}; १०†; १३†; ३८; ४,
७¶; ५, १†; ५[b]; १२¶; ६,७¶;
१३^{१८}¶; ७, १^{४}; ८,९; ९, ८¶;
१०,१३¶; ११,४; ५¶; २,३,१^{५};
४; ५,२¶; ३¶; १०†; ६, ६¶;
७,१; ३†; ११; १३†; १६†;
१७^{४}; १०,१; ४^{२}; †; ११,१; १२,
४; ६^{२}; १३, ९†; ३,२, ३; ४,
६¶; ६,१¶; ८,६¶; ¶९, १; ५;
११, ७^{२}; १६, ४; ४, १, १०¶;

१४; ¶४, ३^{२}; ६^{२}; ९^{२}; १०^{२};
५, २¶; ७, ४¶; ८,१¶; ७^{३};
९; १०¶; ९, ६; ९^{२}; ११;
†१०, १^{२}; $; २; ४; †११, १;
६; १२,१^{२}†; ४†; ६; १३,२^{२};
५^{२}; †; ८; १४,६; १३; १४†;
१६†; १७†; १८†; काठ १,११;
१२; †२, १४; १५; ३, ३; ९;
१०^{२}; ४, ३†: ५†: १२; १६^{२}†:
५,६; ¶८,४^{३}; ८^{२}: ९^{३}; १२; १०,
६¶; ११ २; ६¶; ७-९; ११^{२};
१२†; १३^{२}: †; १२, १५†^{२};
१३,४¶; ९^{२}†; १४,२; ५^{२}¶:
८; १५, ५¶; ११; १३^{२}; १६,
११‡[a]; १३†; १५†; १६†;
१७^{४}; २१†; १७,१७; १८,३:
५†; ६; १७^{२}; १८; १९,१३^{२}:
२१, १३†; २२, ३¶; १४^{२};
¶२३, २; ८; ¶२६, १; २^{४}:
६^{२}; $:¶२७, २-४; २८, १०¶;
२९, ७^{२}¶; ३१, १०; ३३, ७¶;
३४, ६¶; ७¶; ११^{४}; ३५, २-४:
५^{२}; ६; ७†; ८†; ९; ३६, ७¶;
१२¶; १५^{४}; ३७, ९^{३}; ३८, २;
३९, ३†; ४०, ६; ७†; १०^{२}; †;
११†; १३^{५}; क १,११; १२; २,१०;
१६; १७^{२}; ३,३†; ४†; १०; ६,
९^{३}¶, ¶७,३; ५^{३}; ७: २५,२‡[a]:
४†; ८^{३}; २८, १; ३; ५†; ६; २९,
५^{२}; ६; ३६,५¶: ¶४०,४; ५^{४}: ४१,
४^{२}; ¶; ¶४२, २-४; ४४, ९¶;
¶४५,१; ८; ४७, १०; ४८,१^{२};
३-५; ६^{२}; ७; ९†; १०; †कौ १,

२८; ६६$; १९०$; १९१;
३४४; २, १६; २०; २९९;
४१४; ६५१; ८४७; ९३५;
९६७; १०४२; १२०४; ३, १,
६$; †जै १, ३, ८; ७, ४; २०,
६$: ७: ३६,३: २,५,३$: ३,२,७;
११; २४,१५; ३२, ४; ४६, ३;
४,४, ९; ११, १०; १८, ५; २१,
१०; जौ १,८, २; ९, १-४; १०,
१:१५,१:२:३०,१^{३}: २,६,२: ९,
१; १३, १; २; २६, २; २८, १:
३^{२}; ५: ३५, ५; ३,३,४; ६; २१,
८[c]; ४, १३, ४‡[d]; २२, १^{२}; २:
२७,१:३४,८: ३८,५: ५,३,११:
४,६; ५,४:२७,८: २८, ४^{३}; ३०,
१४; ६, ५, २; ३०,१; ३५, २:
५४, २; ६३. ३; ८४ ४; ९१, ९:
९५,३; ९७,३†; १११,१; १३८,
१; ७, २, १; ५, ५; ९, १^{e}; २१,
५^{२}; २९, १; ५५, ४; ६०, १†;
७७, ९†; ७९, २; ८३, २†: ८७,
१; १०२, ८; १२१, २; ८. १,६:
१८; २, ५; ७; ८; १०; २०·५,
१२; १३; २०; २१; ७, २; ५;
७: १९; २२; ९, २,७; ५. १७:
११, १३; १४. ३; १०, २. २०^{२};
२१^{२}; ३, १२; ६, १७; २९; ११,
१, ४; १६; १८; ११, २६: १२
२,४; ७†; २३†; ४३; ४७; ३,
४; ३२; ३७; १४, १, ३२: ३३;
२, ८[f]; १३; १८; २३; २५;
४०‡[g]; ७०†; ७३; १७,१,११;
१८,१,६०†; २,५‡[h]; २७; †३,

a) पाभे. कृते पृ ७८८ *i* टि. द्र.।

b) इमाम् इति पाठे? यनि. शोधः प्रकरणतः द्र.।

c) सपा. माश २,१,६ अमुम् इति पाभे.।

d) सपा. इमम्<>इह इति पाभे.।

e) पाभे. कृते पृ ७७३ *d* टि. द्र.।

f) सपा. आपमं १,६,११ सुगम् इति पाभे.।

g) सपा. ऋ १०,८५,४३ मंब्रा १,२,१८ आपमं १,११,५ पाठाभावः।

h) सपा. इमम्<>ईम् इति पाभे.।

५२; ५३; ६०; ४, २८†:
४०; ५४; १९, १, १; २³; ३;
१३, ६; २४,१-४; २८,१;३०,
१;४२, ३; ४६, २; ५४, ५;
५८, ५; ६;†२०, ३, १;११,
५;१३, ३:२४,७:३८,१; ४७,
७; ६९,७; ९४,९;९७,२;१२६,
४; १४३, ४; पै १,११, १‡[a];
१२,४; १४,१³; १९,१; ३;३१,
१;५१, ४;५३, १; ४;६६, ३,
६८,२;६९, ३;२,५,७; १०,१;
१२, २; १९, १-५; २९,२-५;
३१, ३;४९-५०, १-५;५९, २²;
७४,६; ३, १२, ८;२१,१²; ३;
३८,१०; ४,३, १; १४, ४;२२,
६, २३,२; २६,२†: ३५,१:५,१,
५; ४, १०; ६, ८;१४, ८;१६,
१²; ८;१७, ६; १८,५‡[b]; २१,
२; ३१, ४; ४०, २; ३; ६,
४, ७;९, ६;७, ३, १[c]; ४, ६†;
१८,२?[d]; ८,१३,१०†; †१४,२;
४; १८, ५; ९, १, ७; ८; १४,
४;२२, २८; १०,४,६;११, २,
१;५, ६; ६, २†; १२, १, १†;
२, १५; १३, ५,१८; ११, १;
१९;१४, १, १४; २, २; १५,१,
९;५, १; ३; ७-१०; ६, १; ८;
१६, १; २:१८, ५; २२, १; ९;
१६, १, ६; २, ७; ३, ५;७;९;
१०;४, १०;१२, २; ५;७;१३,
८;१८, १;१७,४;२७, ६; २८,

२;३;९; १०; ४२,६; ७[e]; ८;
४३,१-८; ९²; ४४,५-७; ६१, ६;
६४,२;६६,३†; ७२, २; ७६, ६;
९०, ८; ९७, ३; ९८, ८; १७,
३०, ४; ७†; ३२, ३†; ३४, ४;
८;३६, ४;३९, २;५[f]; ७; १८,
४,१; २;६, ४[g]; ६‡[h]; ७, ९; ८,
४;८‡[i]; ९, ३;५;१३,१०;१४,
३;१७,१; ३१, ६; १९, ३, १४;
९, ५;१२, ९†;१८, ७;२२, ४;
३८,१३;४१,१०;४३, १३;१४;
१५³; ४४, ३; ४६, १[j]; २;५५,
११-१४; २०, ३, २; ४, ३; ६,
५†; ७, ८;९, ३; १२, ७†;२२,
६; ३१, ८; ३२, १[k]; ३४, २;
७; ४६, ४; ४७, ५; ५६, ८:
–मस्य[l] ऋ ८,१३,२१; –मा ऋ
१,१०३,४;१२२, ६; १६३,५²;
१६४, ९;६; १६५, ४; १४;
१७१, ४; २, १२,४; २४,१०;
४१, १८;३, १, [२०; ३०,२];
१४,७; २१,१; ४१,३; ५५, १९;
५८, ४;४, ३८, १०; ५, ७३,
[(८,६२,४)१०]; ८२,९; ६,१६,
५; ४०,[४;७,२९.२]; ५२, ११:
७,१, १८[m]; २२, ३; ४; ७; २९,
३; ५९, ५; ६२, ५; ७०, ६;[७;
७१, ६]; ९५, ५;१०४,६;८, ८,
१७;९, १४; ३८, ५; ४४, ८;
५१, ४; ९०, ३; ९६, ६; ९,
६२,[(३१,३)२७]; ८६, [३०(८,

३, ६; १२, २८; ३०; १०,
५६,५)]; ३७; ९६, ७; ११०,
[(२, १७, ४) ९]; १०, १५, ४;
३२, ८; ६६, १२; ८१, १; ५;
८२, ७[n]; ११२, ७; ११६, ८;
१२०, ८; १४८, ४; १५७, १;
१७०, ४; खि ३,३, ४; †मा
$९, २४; २५; १४, २$[o]; १७,
१७; २१; ३१; १९, ५५; २१,
९; २५, ४६; २९, १६²; ३३,
७८; ३४, १९; ५८; †का $१०,
५, २; ३; १५,१, २$[o]; १८, २,
२; ६; ३, ७; २१, ४,५; २३, १,
९; २७, १५,१; ३१, ३,५²; ३२,
६,९; ३३, १,१३; २, २१; †तै
१,५,११,४;७, १०,१²$;८,२२,
३; २,६,१२,२; ४, ३, १३,६[m];
६,२,१; ५; ७, २²; म १,११,४;
†२, १०, २²; ३; ३, १६, २; ४,
१०,१†[m];५²; †[m];‡[p];६†;११,
२; ३²†; †१२,४; ६; १३,५†;
१४, १४ ; काठ २, १५†[m]; ४,
१६²†; ९, १८²†; १०, १२†;
१२,१५†; १४, २²; १६,२१†;
१७,१;†१८,१; २; १९,१४†[m];
२१,१४†; २३,१२; २६,११†;
३५,८†[m];४०,६²†; क २,११;
२५, १०; २८,२²†;४८,३†[m];
† कौ १, ४५२; २, १२७;
२०९; २९५; ३०७; ४६०,
८४६; ११४८; †जै १,४७, ६;

a) सपा. ऋ १०,१७४,१ अस्मान् इति पाभे. ।
b) पाभे. कृते पृ ७८९ d टि. द्र. ।
c) सपा. शौ ५,२३,१ इति इति पाभे. ।
d) पाठः? । सपा. शौ ५,८,२ इमे इति पाभे. ।
e) सपा. शौ १०,६,७ यम् इति पाभे. ।
f) सपा. शौ १२,३,३४ एतम् इति पाभे. ।
g) सपा. इमम्<>इमान् इति पाभे. ।
h) पाभे. कृते पृ ७८८ l टि. द्र. ।
i) सपा. ऋ १०, ८५, ४४ स्योना इति पाभे. ।
j) सपा. मा १३,१६ मै २,७,१५ पृथिवीम् इति पाभे.।
k) सपा. शौ ७,८४,१ नः इति पाभे. । l) इदः लोपाभावः उसं. (पा ७,२,११३) । m) सपा. इमा+उ द्र. ।
n) पाभे. कृते पृ ७८५ h टि. द्र. । o) पाभे. कृते पृ ७८५ j टि. द्र. ।
p) सपा. ऋ ७,५९,१० विशिष्टः पाभे. ।

३, १३, ३; २३, १०; २४, ११;
२५, ३; ३४, १८; ५८, २; शौ
३, २०, ८; ५, २, ८†; २२, ८,
७, १२, १; ८, ४, ६†; †९, १४,
२; ७; ११, २, ११; १३, ३,
१८; १७, १, १६; १८, १, ५१†;
१९, १३, १; ५३, २; ३; †२०,
२३, ३; ३४, ४; ६३, १; ७३,
१; १०७, ११; ११७, ३; १२४,
४; १३०, १$; १४१, ४; पै १,
६६, २; ३, ३४, ९; ६, १, ८†; ७,
४, १; ९, २२, २५; १०, ६, १०;
१३, १, ६; १३; ७, ४†; १६, ९,
६†; †६६, २; ६; १०५, १; १८,
३१, ८; १९ ५०, १४; २०, ३२,
६; ~माः ऋ १, १०, १२; १६,
२; २४, ६; २६, ⌊५; २, ६, १⌋;
३६, ११; ४५, ५; ८०, ४; ९१,
२२; ९६, २; ११४, १[a]; १२७,
२; १३१, ४[२]; १९०, ४; २, ११,
१; २७, १; ३९, ७; ३, ३४, ५;
३८, २; ५; ३९, ७; ४०, ८; ४३,
२; ५७, ४; ६२, १; ४, ३, २;
३४, ५; ४१, ९; ६, २१, १; २८,
५; ४५, ⌊२५ (८, ९२, १२)⌋;
४७, ३१; ७, १८, ३; ४५, ४;
४६, १; ६१, ५; ८, ३, ३; ६, ७;
१९; ७, १९; १३, २९; ५७, ४;
९६, ⌊७; १०, ५२, ५⌋; ९, ३४,
६; ८६, २८; २९; १०, ७, २;
१७, ५; १८, ७; ३०, १४; ४३,
८; ९१, १२; ९७, ११; १०८,
५; १२१, ४[b]; १५९, ६; खि १,
४, ५; ११, ८; ३, ११, २; ५,
११, ३; २२, ९; मा ४, १; ५,
२९†; ६, २३; १२, ८५†; १६,
४८†; १७, २; १९, ४४; ५५;
२५, १२†[b]; २९, ५७; ३३, ८१;
९७; †३४, २२; ५४; का ४, १,
२; ५, ७, ५†; ६, ६, १; १३, ६,
८†; १४, २, १३; १७, ८, २†;
१८, १, २; २१, ३, १५; २७,
१०, ३†[b]; ३२, ६, १२†; †३३;
१, १६; २, १७; तै १, ३, १, २†;
१२, १; ६, ४, २?[c]; ७, ४, ३?[c];
¶२, १, १, २; ४, २, १; १०,
३; ३, १, ४, १; ४, १, ८,
५†[b]; २, ६, २†; ४, ११, ३; ४;
६, ६, ७†; ७, १, १; ¶५, ४,
२, ४; ७, ३, २; ६, २, २,
१¶; ३, ५, १¶; ४, २, ४; ३,
४¶; ७, ५, २, २¶; ¶मै १, २,
११†; ३, १$; ४, ९; १५; ५,
८; १०; ११: ६, ३$; ९;
७, २[३]; ८, ४; १०, ५; ६; ९[२];
२, १, ६; ११: १२[२]; २, १[३];
२[१]; ५; ३, २; ५: ४, ३; ८;
५, १; ६[२]; १३†; १७$;
८, १४[२]$; ९, ९†; ३, २, ९:
३, ४$; ८; ६, ३; ७, १[६]; ४; ८,
१; ५; ९; ९, ५[२]; १०, ४[४]; १६,
३†; ४, ३, २-४; ४, ३; ४[२]; ५; ६;
९; ५, १$; ६; ७; ६, ६; ९; ७,
१[४]; ४; ८[२]; १०, १$; ६†; †१२,
१; ३; †१४, १; ३; १६; ¶काठ
२, १२†; ३, ९$; ६, ७[२]; ७, ४;
९[२]; ११; ८, १; ६[२]; १५[३]; १०,
१०; ११, १[२]; ४[४]; ६; १०;
१२†; १२, ५; १३[३]; †१३, १५;
१६; १४, ४[२]; १६, १३†; १७,
१०$; १६†; १९, ९; २१, ६$;
१४†; २३, ८; २४, ४; ५; १०;
२५, ४[२]; ६[२]; १०; २६, २[३];
२७, १; ४; २८, १; २; ७; २९,
४; ९; ३०, १; ८$; ३१, ८;
३३, १; ३४, १[२]; ३५, ५$;
३६, १; ३; ३८, २$; ३९, १५†;
४६, १†; ¶क २, १६$; ४,
६; ५, ३; ६, ६; ७, २[२]; ८, ३[३];
२५, ८†; २६, ९$; २७, ६†;
३५, १; ३७, ५; ६; ३८, ३;
३९, १[२]; ८[२]; ४०, ३; ५[३]; ४२,
१; ८; ४४, १; २; ७; ४५,
५; ४६, ४; ४७, ८; ४८, ६$;
†कौ १, १४६; १८७; २०१;
२५०; ३०४; ३२४; २, १०३;
९५७; ११६४; ३, ३, ३; ४,
१२$; †जै १, १६, २; २०, ३;
२१, ८; २६, ८; ३२, २; ३४, २;
२, १, ३; ८$; ३, १०, ५; ४, २०,
६; शौ १, १७, ३; २, १०, ४;
३, ३, ३; ४, २; १२, ९; २४, ३;
४, २, ५†[b]; २०, २; २१, ५†; ५,
१३, ९; २८, १०; ६, २१, १;
८५, ३; ९८, २[e]; १२२, ५; ७
१०, २†; २०, १; ३६, २; ८, ७,
१३; ९, ७, २३; ४, ६; १०, १,
११; ६, ९; ८, ३७; ३८; १०, ४;
११, १, १४; १७; २७; ६, १९;
१२, १, ४२; २, ३१†; ३, ३०;
१४, २, ५२; १५, १५, ७; ९;
१६, ७; १८, ३, ५७; ४, ३९;
१९, ८, ६; ३२, ४; ४५, ४; ५३,
५; ७; †२०, ६, ८; ११, ५; १७,
८; ७५, २[२]; १०४, १; १३६,
११$; पै १, ३८, १; ४०, ३;
८९, १; २, ३३, ४; ५९, ८; ६४,
१; ७४, ३; ३, १, २; ३२, १; ४,

a) सपा. इमाः<>इमाम् इति पाभे. ।
b) सपा. मै २,१३,२३ काठ ४०,१ विशिष्टः पाभे. ।
d) तु. सस्थ. टि. एमा अम्म° ।
e) सपा. मै ४,१२,२ काठ ८,१७ उता इति पाभे. ।

१४, ४; १७, ६‡[a]; ५, १५, ३, ३०, ६; ६, २२, १५; ८,२,८; ६, २; १२, ११; ९, १२, १२; २५,१; ११, ६,७†; १२, २, २; ३; ७; ६, १२; १५, ४, ४; १६, १३, ३; २२, ९; ३६, १; ४१, ३; ४२, ८; ९०, ४; ७; १०७, ४; १३८,८; १४९,९; १७, ४, ११; ११, ४; ३३, १†; ३८, ९; १८, १२,१; २५,१०; १९,४,१२; ६, ३; १२, १४; २२, ११[b]; १५; २३, ७; ३१,४; ३२, ७; ३८, ९; ३९, १३; ४०, २; ४८,११; २०, २१,४; ३०,६; ५६, ९; ६०, ११: –मान ऋ ४,३,१५; ५, ५०, २: ५३,३; ९, ९७,१७; १०,६०,९; १५५,५; १६६,३; मा ३५, १७; १८†; का १०, ६, १[c]; ३५,४, १५; १७†; ¶तै १,६,३,१$; ७, ५,४, ६,२[२]; २, १,३,१[२]; ४,८; ३,६,१[२]; २[२]; ४, १२, २[२]: ५,२, २[२]. ७,२.११,६:३, १.९,६:३,६, २; ८,३,६; ५, ८,३; ५.२,१,१[२]; ३, ९, २, १० १; २; ११, २[२]; ४,३,३; ७,१[२]; ५, ५-६,३; ७,५, ७; ६, ३; ६, २,३,४; ६,२,२; ७, २,४,१; ३, २,१; ५, २; ७,३; ९, २; ४,१,२; ४,२; ¶मै १,$२,१; १०; ४,९; ५,८; ११; १४[२]$; ६,६-८; १२:७,२; ३: ११,१०$; २, १, २; १०[२]; २,२; ८; १३[२]; ४,८; ५,३[२]; ३, १,६[२]; २, ३; ६; ७; ९; ४, १; ६, २; ८, १[२]; ४[२]; ७[३]; ९, १; ३; ४; ७[२]; १०, १. ४, १, ३[३]; १२; २, २; ३; ३,७[२]; ४, ५[२]; ५, ५; ७, ३[२]; ९, १‡[d]: ¶काठ २, १$; $७, ३; ११: ८, ८[२]; १२; १५; ९,१; १०,७; १०[२]; १२,४; १३,३[२]; १२; १४, ४; १९, ६; ११[२]; २०, ६; १०: २२, ८; २३, ३; २४, १०[२]; २५, २; ८[२]; २६, २[२]; ६[२]; २७, ७: २९; ७[२]; ३०, ५; ३१, २[२]; ३; ९: ११; ३२, ६; ३३, ४; ३४, १०: ¶क १, १३$; ५, २$; ६, १$: ७,३[२]; ७, ८, ३; ४, ३०, ४; ३१, १[२]; ८; १२, ३५, २; ३८, ३[२]: ५; ४०, १[२]; ५[२]; ४१,४[२]; ४५, ८; ४७, २[२]; ३; ९; ११; शौ ६, १७,२, २८,२†; ५०,२[e]; ७४,३: ८४,२; ११,१,११; १२,२, ३२: ५५; १४,१,५६[f], २,२६; १८,२, २१; ३, ६२; ४,५०; पै ३, २७, ५; ६, ३, २, १०, ३; २२, ११: १५; १०, १, १३†; १७, ३३, ३; ३५, ४; ७; १९, ४, ८†: १५, ६; २०, ५६, २; –मानि ऋ १,९३,११; १२५,६; ३, ६०,६: ७, ६१, ६; ८२, ५; ८, ५५, १: ९१,५; १०, ८२, ४; खि १, ६, १; मा १७,२८†; का १८, ३, ४†; तै ४, ६, २, २†; ¶मै २, ४,१; ५, ७; १०, ३†; ४, ६,३: ८, १; १२, ६$; ¶काठ १२, १०; १३, ८; १८, १†; २१, २: २३, ३[२]; २९,१; ३०, १[२]; ३१, ७; ¶क २८,२†; ३१,१७; ४५, २; ४६,४[२]; ४७,७; शौ ७, ७०, २; १०, ४, ७; १३,१,१४; १९, ९,५; पै ४, २६, ५†; १६, १५, ७; १८, १६, ४; –माम् ऋ १, ३१, १६; ४०, ६; ८८,४; १०२, १; १२९,१; १३०,⌊६ (५,२, ११; २९, १५)⌋; २,६, १[२]; २४, १; ३, १८, ३: ३२, ⌊८; ३४, ८⌋:३६, १; ५४, १७; ५५,⌊(१, ७३, ३) २१⌋: ४, ५, २: ४३, १; ५७, ५[२अ]; ५, ५४, १; ८५, ५; ६; ६, ४७, २८; ७, १५, ६: २२,३; ३६, २; ४१,३; ७०,⌊७; ७१, ६; ७३, ३⌋; ९३, ६; ८, ५, ⌊३०; ८,६⌋;६,⌊३२; १२, ३१⌋: ४३; ७, ९; ३८, ६; ४२, ३; ९१, ६: ९,९६,३; ९७, १३; १०, ६७, १; ८५, ३३; ४१[h]; ४५; ८८, ३: ८९,१६; ९१, १३; ११९, ८; ९: १२१,१; १४५,१; खि २, ११, २; ३,१६, ४; ४,५, ३५[i]; ५, ५, २-११; ७, १, ४; ९, ३; मा २, १८; ९, २४; १३, ४†; २२, २: २३, १†; २५, १०†; २६, २: २९,५४†; ३३,२९†; ३४,३६†; का २,४, ६; १०, ५, ३; १४, १, ४†; २४,१,२; २५, १, १†; २७, १०, १†; २८, १, २; ३२, २, १२†; ¶तै $१, १, १३, ३; २, २, २; ५, ११, ५; ७, १०, १; २, ६,५,६; ७, २; ९,६; ३, २,९,६; ३, ५,४; ४, १, २,१$; ६,२‡[g];

a) सपा. ऋ १,१९१,१४ त्रिः इति पामे. ।

b) सपा. शौ ६,२२,२ शिवाः इति पामे. ।

c) सपा. मा ९, ३१ पाठाभावः ।

d) पामे. क्रते पृ ७८८ j टि. द्र. ।

e) पामे. क्रते पृ ७८७ k टि. द्र. ।

f) पामे. क्रते पृ ७९० g टि. द्र. ।

g) सकृत् सपा. इमाम् (तैश्रा ६,६,२ आश्रौ २,२०,४ शांश्रौ ३,१८,४ या९,४१ च) <> इदु (वैताश्रौ ९,२७ च) इति पामे. । h) सपा. हिगृ१,२०,२ त्वाम् इति पामे. ।

i) सपा. खिसा २९,३६ असि इति पामे. ।

८,४†; २, ८, २†; १०, ३; ५,१, २; १०, १‡[a]; ६, ६, ६†; ७, $१५,४; ५; ५,१,२,१$; २, ४, २; ५, २; ४; ८, १; १०, ३; ३, ११, १; ५,२,४^{2}; ५; ६, ४, ४; ८,५^{2}; ६,१,३,२†; ७, ६; २, ३, १; ४,४^{3}; ८,२^{2}; ४,७,३; ५,८,३; ७,१, ५,१; ११, १$; ३, १, ४^{2}; ५, ९, ३^{2}; ¶मै १, १,१३$; २, २†; ४, १०; १३; ५,५^{2}; ६, ३^{3}; ८, ३; ७; १०, १३^{2}; $११, ४; १०; २. १, २; २, १३; ५, ९; ७, १२$; १५†; १३. २३†; ३, १, ५; ६, १ ; ७, १^{2}; ८, १; ३^{2}; ७: ८; ९, ४^{2}; ५^{2}; १०,१^{2}; १२, १$; १६†; १६, ३†; ५^{2}$; ४, १, १०^{2}; १३; २, ३; ५$; ३, ४; ८^{2}; ७, ९; ८,३; १०, २†; १२, ४†; १३, २$; १४, ३†; ७$; ¶काठ १, ९^{2}$; २, ३^{2}; $; †; ६, ३; ६; ७; ७, १०; ८, २^{2}; ४; १२, १५†; १४, ४; १५, १३; १६,१५†; १९, ११; २०, २; ६; २२, ९; १५^{2}$; २५,१^{2}; ६; ७; २६,२:२७, २; ३१, ८^{3}; ३२,७; ३३, २; ३६, ७; १४; ४०, १†;

४१, २$; ४५, ११†; ४६, १†; ¶क १, ९^{2}$; १५^{2}; †;$; ४, २; ५; ६; ५,९; ६, ७^{2}; ९; २५, ६†; ३१, १; ४; ८; ३५, ३; ३८, ४^{2}; ३९, ३; ५; ४०, ५; ४२, २; ४७, ८^{3}; †कौ २, १५६; २७९; †जै ३,१५,४; २३,१०; शौ १, १८, २; २, ३६,१; ३, १२, ४; ७^{2}[b]; ८[c]; †१५ , ३; ४; १६, ३†; १७,७†; १८, १†; ६, १२५,३†; १३३, १; ८, २, १; ६, ९; १६; ११, २; ९,३, १५; १०,२, १८; ६, १२; ८,३६; ११. १,५; ९; ७, ९; १२, १४; २६; १४, १, ३५; ३६; ५३; ५४; ५५; ५९; २, ४†; २८†; ५३-५८; १५, १३, १३^{3}; १८, २, ३८-४४; ४, ५; †२०, ११,८; ९१, १; ११७, ३; १२७, ६$; पै १, १५, ३; ३४, १-४; ५१, ४; ८५, ३; ९२, १; २,२०,१; २१, १[d]; ६२,१; ६७, २; ६८, ६; ७९, २; ३, २०, ४; २९, २; †४,१, १; २६, ६; ३१, ३; ५,२८,९; ३३, १; ३७,५; ७, ३, ९[e]; ६, २; ५; ६; ११, ९: १२, १०†; १५,४; ८. ३,४; ७,

१०; १२, ९; ९, ६, १; २२, १; १०, ३,३; १५-१६,१-१०; ११, १, १०; २, ६; ५,१; १२, २, ५; १३, ५,२; ५; १५, ११,७†; १६, ३, १; २९, २; ४०, ५; ४३, ५; ६०, १०; ६१. ७; ९; १०; ७९, ९; ८०, ७; ९०, २; १३३, ८; १५३,८; १८,४, ४;५; ५, १०; ६, २; ३; ७; ७, ४†; ९, ८†; १२, २-६; २६, ३[f]; ४; १९, ९, ५[g]; १८, २[h]; ३१, १; ४१, ११; १४; १७; ५२,२; ४६,१; ५७,७; २०,२३,५; ३७,१; ६१,२-४[i]; ५; —मे ऋ १, २,१; ४; ३,४; ५,⌊५; ८, ९३, २२⌋; १६,⌊६ (९, ४६, ३)⌋; २३, १; ५७, ४; ८०, ११; १०२,५; १०९, ७; १३५, ६; ९; १३७, १^{3}; २; १३९, ६; १६४, १२; ३९[i]; १५८, ४; १८३, ⌊४; ३, ५८,५⌋; ३, ३०, ५; ३६, ३; ४०,⌊४; ४२,५⌋; ४३,१; ५३, ७: ⌊१२; ८, ६, १७; ९, १८, ५⌋: २४; ४, १४, ४; ५६, ३; ७३, १२; ३२, ९; ७६,४; ७९,५; ८२, ८; ६,१७, ४; २१,१०; २३,८^{2}; ४६,५; ५४,२; ६०,७; ७५,४; ७,

---

[a]) पाभे. कृते पृ ७९१ *a* टि. द्र. ।

[b]) सपा. आपमं २,१५,४^{2} आगृ २,८,१६^{2} पागृ ३,४, ४^{2} मागृ २,११,१२^{2} हिगृ १,२७,४^{2} त्वा इति, शांगृ ३, २,९^{2} एनम् इति च पाभे. ।

[c]) पाठे ?इमाम् >ष्मान् इति, चतुर्थे पादे च ?एनाम्> ष्मान् इति शोधौ द्र. (तु. सपा. पै ⌊१७,३५,७⌋ चतुर्थे पादे 'स्थिराः प्रभृ. पुंसि प्र३ श्रुतानि सन्तीहापि विनिगमकानि भवन्ति त्रीण्यपि पदानि । प्रकृते मन्त्रे कुम्भम् एतम् इति अनन्तरे मन्त्रे इमा आपः इति च श्रुतिद्वयमपि इमान् पातृन् इत्यत्र प्रस्तावे लिङ्गान्तरं द्र.) । अन्यथ श्राव्यमाणमिष्टापूर्त-कारितरक्षणं कुम्भगतरसं पातृणामेव सुवचं स्यात् । श्रूयमाणो नारी- इति शब्दः शालायाः पर्यायो न स्त्रियाः (सस्थ. टि. नारी- द्र.) इति कृत्वा 'हे नारि (शाले), अमृतेन घृतस्य धारां पूर्णं कुम्भं (प्रति) प्रभर' इति पूर्वार्धे, तत्पानप्रवृत्तान् अप्यमृतेन समङ्ग्धि इत्युत्तरार्धे च वा. द्र. (वैतु. सा. इमां पात्रीम् ''एनाम् इति) ।

[d]) इदमाम् इति पाठे ? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ २, ३६,१) ।

[e]) पाठे ? एनसः इति शोधः (तु. सपा. काठ ३८, ५) ।

[f]) सपा. शौ १०,८,३५ अपाम् इति पाभे. ।

[g]) इमम् इति पाठो विमृश्यः (तु. एनाम् इति मूको.) ।

[h]) पाभे. कृते पृ ७८६ *k* टि. द्र. ।

[i]) सपा. शौ ९,१५,१८ अमी इति पाभे. ।

१, १०; ३२,[२(१०, ५०,७)]; ४; ५६, १९[३]; २०; ५७, ३; ६०, ५[२]; ६; ७; ७२,३; ८७,२; ९०, ३; ९७, ५; ८, १, ३; २, १०; ३,१८; ५, ३९; ९, ८; १४[२]; १०, ६; २१,३; ४०, ७; ४३, १; २९; ४५,१६; ४६, ३२; ४७, ४; ४८, ५; ७४,६; ९३,२२; २५[a]; ९, ६६,६; ७४,२; ८६,३९; ९६, ४; ९७, ५४; १०६, १; ११०, ९; १०, १८, ३; २५, २; ४३, ३; ६१,१९; ७१,९; ९५,१८; ११०, ९; ११२, ४; १२१, ४; १३०,१; २; १४२,८; १५५, ५; १६०, १; १६६,२; १७३,४; खि १, ८,२; २,१३,३; ५, ७,४,९; १०; ११; १९, १; मा ७, ८†; ९, १९; १३, २५; १४, ६; १५; १६; २७; १५, ५७; २०,८७†; २१, ४२; २५, १२†; २७, ३; २४†; †२९, ३४; ४१; ३३, ५६; ३५, १८†; का ७, ३, २†; १०, ३, १२; १४,२,११; १५, १, ५; ४, ३[२]; ८, ५; १६, ७, १; २२, ८, ८†; २३, ५, २; २७, १०, ३†; २९, १,३; ३, २†; †३१, २, ४; ४,१०; ३२,५,२; ३५,४,१७†; ¶तै १, ४,४,१†; २, १, ३, १; ४,८[२]; ३,६,२[२]; ४, १०, ३; ११, ५[२]; ५, ७, २; ११, ६; ६, २, ६; ४, २; ५, ३; ३, १, ९, ४; ५; २, २,३; ३,६, २[२]; ४,३, १; २; ४, १, ७, १$; ८, ४†; ६, ६, २†;

५, १,५-६,४; ८, २; ९, ६; १०, ३; २,३,६; ७,३; ४; ८, ४; ३, ३, ४; ९, २[२]; ४, ३, ३; ४; ९, ४; १२,२; ५, १, ७; ४, १-३;५, ३; ६, ४, १; ७, ६, २[२]; ३; १०, २; ६,१,१,७; ३,१; ५, ४; २, ३, ४; ३,३,३; ११, ३; ४, ५, ७; ५, ६, १; ६,२,२; ३, १; ८, ३; ४[३]; ७, १, १, ६; २, ४, १; २; ३, ३, १; ५, १; १९, ५; ४, ५, २; ८, ३; ¶मै १, ३,६†; ४, ९; ६, ७; ८; १२[३]; १३[२]; ७, ९; १०, ३$; ९; १५-१७; ११, ९[२]; २, २, १३; ३,५[२]; ५, ४[२]; ९, २$; १०; १२, ५$; १३,२३[२];†;‡[b]; ३,१ ५[२]; ७; ९; २, ३[३]; ७; ९; ३, ३-५: ४, ३[२]; ६; ७[२]; ६, ३; ९[३]; ७, १०; ८, १; ७[४]; ८[११]; ९[२]; ९, ३; ४; ७; १०, १; ४; ५; ११, ४$; १६, ३†; ४, १, १; ३; ५; ७; ८[२]; ९[२]; १०; ३, ३; ४, २; ६; ७; ५, ५[३]; ६, १; ३[२]; ६; ७[३]; ७, ३; ८, १; ४; ५; १३, ३†; १४, १$; २†; ७†; १२$; १८[३]†; ¶काठ ४, २†; ६,२; ७; ७, ९; ८, २; ८[२]; ९[२]; १०-१२; १५; ९, १; १०, ७[२]; १०; ११, १०; १२, ४[२]; ६; १३; १३, ३; ५[२]; ७[३]; १२[३]; १५$; १६, २०†; १७, १०[२]$; ११$; १८†; १८, १६$; १९, ३; ४[४]; ५; ६; ११[२]; २०,१; ५[२]; ६; ८; १३; २१, ३; ६; ७; ९; १२[२]; २२, ४; ६-८;

११[२]; २३,७; ८; २४,१०; २५, १; ४; ६; ८; ९; २६, २[२]; ४; २७,५; २९,१; ३; ७; ३१, २[२]; ३; ५; ६[२]; ७; ३२,६; ३३, ८[२]; ३४, ७; ९; १३; ३५, ७†; ३६, ३[२]; ९; १०; १२; ३७, ११[२]; १६; १७; ४०,१[२];†;‡[c]; ४६, १†; ¶क ३, २†; ४,१; ६; ५, ८; ६,७; ७, ३[२]; ५[२]; ६-८; ८, ३; ४; २६,९$[२]; २७, १$; २९, ४$; ३०, १; २[४]; ४; ३१, १[२]; ३; ७[२]; ८; १०; १८; २१; ३४, १; ३५,२; ५[२]; ३६,४; ५, ३८,१[d]; ३; ४; ३९, १; ४; ४०; १; २; ५; ४१,२; ४२, ५; ४५,२; ४; ४७,२[२]; ३; ५; ६; ४८, ९†; †कौ १, १३६; २१२; २९३, २९४$; ३७३; ५६६; २, ४४; ३०५; ३४१; ४५६; ४९६; ८४६; १०२६; †जै १, १५,२; २२, ९$; ३१, १; २$; ३८, ४; ५८, १; ३, १६, ५; २५, १; २८,१३; ३४, १४; ३८, १०$; ५८, २; ५९, ३; ४, २१, ९; २६, ५; शौ २, ६, ३; ३, १, २; ३१, ४; ४, २४, १[e]; ३८, ६; ५, ८,२; १२, ९†; २०,७; ६, ८, ३; २८,२[२];†; ‡[f];५८,१;८८, १†;१२६,३; ७,६२,२; ८४, २; ८,५,३; ८, १६; २४; ९,७[g]; ९, १४, १२†; १०, ४, ११; ६, ३१; ७, ३५; ४४†; ८, २; ३१; ९, १२; ११,१, १८; २, ९; ७,

a) सुता इमे इति पाठस्य स्थाने सपा. कौ १,२१३ जै १,२२,१० सुतासः इति पाभे. ।

b) सपा. ऋ १०,१२१,६ विशिष्टः पाभे. ।

c) य इमे द्यावापृथिवी इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०, १२१,६ यं क्रन्दसी अवसा इति पाभे. ।

d) सपा. काठ २४,८ एते इति पाभे. ।

e) सपा. तै ४, ७, १५,१ मै ३,१६,५ उप इति, काठ २२, १५ इह इति च पाभे. ।

f) =सपा. कौसू ४६,८ । ऋ १०,१५५,५ मा ३५,१८ का ३५,४,१७ तु पाठाभावः । g) पाभे. पृ ७८७ e द्र ।

८; ११; १२, १, १५; २, २१; २२†; १३, ३, १; ४, १०; ६, ६; १४,२,५९; १५,१५,८; १८, ३, ६१; १९, १५, ५; ३१, ११; †२०, ६,४; १५,४; १७,३; २४, ५; ६९,३; ८०,१; ८४,१८५,३; ९६, १; १३५,४$; १४०, ३; १४१, ४^{2}; पै १,६५, २; १०३, ४; २, ६४, १; ३, २६, २; ३३, ३; ४, १, ५‡[a]; ११, ५; १८, ७; ३९, १; ५, २१,३; ३२, २; ६, २२, १०; ११^{2}; १२; ८, ९, २^{3}; १०; ९, २४, ८; १०, १, १३†; ४, २^{3}; ५, ११; १४, २, ९; १५, १०, ४†; १२, १; २१, ५; १६, १६, १; ३०, ७; ४४, ८; ६७, २†; ६९, ८†[b]; ९०, ६; ८; १०१, १; १०४, ९; ११०, १; १३७, २; १५३, ९; १५४, १; १७, २, ६; ३२,१‡[c]; २†; ३३, २; १९, १५,२[d]; १६, १; –मौ ऋ २, ४०, २^{2}; १०, १३७,२; मा १८,५२; का २०, ३,२; ¶तै १,८,२२, ५^{2}†; २, ५, ८, १; २^{3}; ६, २, १; ४; ६, ४; ११, ४†; ४, ७, १३, १$; ५, १, ५, ८; ३,२,१; ४,५; ४, ६, ४; ६, ४, ९,१; ७,५, २, १; ¶मै १, ५, ११; १०, १३; २, ५, ४^{2}; १२, ३$; ३, १, ७^{2}; ८, ६; ४, २, ५$; ५, ६; ६, ३; ७; ११, २^{2}†; १२, ६^{2}$; १४, १$; ¶काठ ८, १७†; ११, १२$; १८, १५$; २३, ८; †२७, २; ३; ८; ३३, ६; ३६, ७; क २९, ४; ¶३६, ५; ¶४२, २, ३; कौ २,१००५^{2}†; जै ४, १७,१०^{2}†; शौ ४,१३,२†; ६, ७८, २; १०, २,६; १४, २,६४; १८, २, ५६; पै २, ३१, १; ३, ३८, ६; ५, १८, ३†; ६, २२, २४; २५; १६, ५९,७; १८, १३, ३; १९, १६, १०.

†इम-था[e] ऋ ५, ४४, १; मा ७, १२; का ७, ६,१; तै १, ४, ९, १; मै १, ३,११; काठ ४,३; क ३,३.

इयत्[f]– -यत् ऋ ८, २१, १७; मा ४,१६; १०, २५; का ४, ५, ९; ११, ७,५; तै १, २,३,२; ८,१५, २; ५,२,८,७¶; ६, १, ४,७; मै १,२,३; २, ६, १२; ३,६,९; ४, ४,६; काठ २, ४; १५, ८; १९, १¶; २३, ६; २६,४¶; क १, १६; २९,८¶; ४१,२¶; –यति ¶तै, ५,४,३,३; ४^{2}; ६, २,४,५; ४,११,३^{2}; –¶यद्भ्यः काठ २१, ४; ९; क ३१, १९; –¶यन्तम् तै २, ६,५,२; मै २, १, २[g]; ३, ५; –¶यान् मै २, १,२; ५; ३, ५; ४,३,७^{2}; –यान्तम्[h] काठ ३७, १६¶; –यान्ति[i] ऋ ६,२३,४.

इयती– -ती मा ३७, ५: का ३७,१,५; मै ४, ९, १; काठ ७, १२: –¶तीम् तै २, ६, ४, २: ५,१,६,४: –त्यै ऋ ७, ४२, ४.

इयत्त[j]–

†इयत्त-कु[k]– -कः ऋ १, १९१,१५; पै ४,१७,५.

इयत्तिका[l]– -का ऋ १, १९१,११; शौ २०,१३०,२०[m]; पै ४,१९,१†.

इयम्[n] ऋ १, ४८, ७; ५७, ५; ६३, ६; १२४, ११; १२५, ५; १४२, ४; १६४, २७; ३३:३५: १६५,[१५; १६६ १५; १६७, ११; १६८, १०]: १८३ २; [४ (८,५७,४)]: १८५,८; १८६,११:

---

a) पाभे. पृ७९४ c टि.द्र. । b) पाभे. पृ ७९३ i टि. द्र.।

c) सपा. ऋ १०,१८,१ विशिष्टः पाभे. ।

d) सपा. शौ ६, ९४,१ अमी इति पाभे. ।

e) अव्य.। इवार्थे थाल् प्र. (पा ५,३,१११) लित्स्वरश्च (वैतु. सा. [तै.] था प्र. इति प्रतिपन्नः यनि. स्वरस्या-ऽनुपपत्तेश्चिन्त्यः)।

f) विप. (वसु-, असुर- प्रभृ.)। पाप्र. (यथाक्रमं ५,२, ४०; ६, ३, ९०; १, १६१) वतुपो घ>इयः इत्यादेशे, इदमश्च ईशादेशे तल्लोप उदात्तनिवृत्तिस्वरः। इ- इत्यतः परिमाणे प्र. इत्यर्वाञ्चः।

g) इं° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.)।

h) व्यु.? *इयद्वन्तम् इत्यस्य स्वार्थिकस्य मतुबन्तस्य नैप्र. विपरिणाम इति मतं द्र.। अग्रस्वरे पाठे? यनि. शोधः द्र.।

i) व्यु.? छान्दसो दीर्घ इतीव कृत्वा °य° इति पपा. तमनु सा.PW.GW. प्रभृ. च । प्रकृते सवन-विशेषणत्वेन विस्तारगुणस्य समुपयोगविशेषदर्शनात् √एध् [वृद्धौ]> (भाप.) एध- > *एध-मत्-> *एधमन्ति> *इयद्-मन्ति>नैप्र.यनि. इत्यपि विमर्शसहं द्र.।

j) विप.। मत्वर्थीयः तप् प्र. उसं. (पावा ५,२,१२२)।

k) विप. (कुसुम्भक-)। अल्पार्थे कः प्र. तत्स्वरश्च।

l) विप. (शकुन्तिका-)।

m) तु. RW.; सपा. खि ५,१५,१० इयं यका इति, शंपा. उयं यका? इति च पाभे.।

n) पा ७, २, १०८;११०। इ-[पुं.]>ई->इय्-अम्

३,३९,२; ६२,७; ४,४, ८; ४३, ⌊७; ४४, ७⌋;५, ११,५; ३७, ३; ५४,९;५७,१; ६,२३,८; २७,८; ३८, २[२];५९,६; ६१,१[a]; २;६७, २; ७५,३; ७,२४,२; ६०, ⌊१२; ६१ , ७⌋; ६६ , ८[२]; ७० , ७[२]; ⌊७ ; ७१, ६⌋; ८४, ⌊५; ८५, ५⌋: ९४, १ ; ९७, ९; ९९, ६; १०४, ६;८,१,२६[b]: १२,⌊१०; ८०,७⌋; १३,४;४०,४; ६३, ८; ६७,१५; ७४,७; ७५,१३;१०१, १३;१०,४,६;७; ३१,५; ३५,४; ३९,६; ६०,९; ६१,१९; ७४,३; ८५,२५: ३३:१०९,३;१२९,६; ७: १३५,७: खि२,११,१; २; ३, २२,२;४,१३,२; मा ४,१३; ५, ६; ४०; ९,२२; १३, ५८; १८, २८; २३, ६२; २९, ४०†; ३३, ९३†; ३४,४८†; का ४, ५, ५; ५,२,४; ९,७; १०,४,५; १४,७, ९; १९,९,२; २५,१०,१०: ३१, २,५†; ३३,२, ११†; तै १, १, २,१;५,२; २,४,१; ११,२; १४, ४†; ३,४, ३; ६,८,१¶;७,¶२, ३;४;८,४;¶२,३,१,५;६, १;३, १, २[२]; ४,२, १[३]; ३,१; ६, १[२]; ¶५, २,५[२]; ६,५,६; ७,२; ११, ३†; ¶३, १,७,२:२,८,३$; ९, ६[२];३,५,४;८,३; ४,३,२,३;११, १; ५;६,६,२†; ¶५,१,२,५; ४, ३; ५,८;७,१; २,५,२; ७,३; ८, १;१०,२-४;५,१,६;४,१[२]; १०, २;७; ६,४,३; ४[२]; ६,४; ८,५[२]; ९,३; १०,२; ७,२,[illegible];५, ३; ९,

३[२];¶६, १,५,३; ६,१; ७, १$; ६; २,४,४[२];५;७,१; ११,४; ३, ११,३; ४,७, ३; ५, ६,२; ८,३; ¶७,१,४,३;६,१[२]; ५[२];२,१,२; २,३; ४,२;३,१,३[२]; ५,२;३;६, १; ७,२; ३;९,२; ३;४,१,१;२; २,४; ३,१[३];५;४,२: ३; ११,१; १९,३$[c];५,१,३;४,२;२०,१$; मै १,१,२; २,४; ७;१३;¶४,९; १०; १३[२]; ¶५, ५[२], १०-१२; ¶६ ,३[३]; ९:¶८,५;७[२]; ९,७¶; ¶१०, १३[६]: २०[१]; ¶११,३$; ६: ९: ¶२, १, १; २; ८; ११: २, २; ४; ३, २[२]$;५; ४, ४;५; ५, २[३]; ५; ७: १०; ७, १२; १९: १३,७† :१०[२]$; ¶३, १, १[२];३: ६: ८: ९: २,१; ४; ६[७]; ८[३];९; ३, ३: ५:६, ५[२]; ८; ७, १[२];२;३; ६[२]$; ७;८,३[४];५;६[२]; ९[२]; ९, १$;२;१०,४;१६, ३†; ¶४, १, २[३]$; ३;५-७;१०;११; १३: २, २[२]; ३; ९[२];३, १[३]; २; ८[२]; ४,४; ६; ७;९; ५,५[४];८;६, ४; ७, ९; ८, ५; ९[२]; १०[३]; ९, १०$; †११,३;५; ६;१२, १[२]†; १४, ७†; ¶काठ १, २$; $२, ५; ८ ; ३, १$; ४, १६[२]† ; ६, ३; ११†;७, २$; ४[२]$; ९;११; ८, २[५]; ६[२]; १०; ९, १५; १७; १८†; १०, ७-९; १०[२]; ११,४; ८[२]; १२, २; ७; १३[२]; १३, १; ॰१५[२];†; $; १४, ६ ; १०; १६, १९$; १८, १२$; १९;१९,१; २; ४; ५; ७; २०, ३; ५; ६[५];

९[३]; $; २१, ५; १३†; २२,४; ९[४]; २३, ४; ८[५]; १०; २४, १; ३; ४[२]; ५$; ६; १०; २५, ६[२]; ७; ९[२];२६, १;१०;२७, २[२];३; २९, १०; ३०,४; ५; ३१,१[२]$; २[२]; ४;५; ८; ९; १३[३]; ३२, १; ७; ३३, २; ३४, १[२]; २[१]; ८;९; ३५, ३$; ३६, ७;१४[२]; १५[४]$; ३७, ६; ३९, १०[२]$; ४४,८$[b]; ४५,१७$; ४६, १†; ¶क $१, २; १७;$२,२;८;४,२; ५,२$; ३[२]$;८;६, १; ७[५]; ७, २[२]; ६; $२५,८[d]; ९; २९,१$; ७; ८[२]; ३०, २; ३; ५; ३१, ५: ७; ८[५]; ११[३]$; २०; ३५, ३[४]; ३६, १; ३७, १;२;४; ५[३]; ६$; ७; ३८, ३; ३९, ३-५; ४०, २[२];४; ४१, ८; ४२ , २[२]; ३ ; ४६ , ३: ७; ४७, १[२]$; २[२]; ४ ; ५ ; ८; ९; ४८, ४$; †कौ १ , २८१; २, २६६; ४१८[२]; ७४३; †जै १, २९, ९; ३, २२, १३; ३२,८[२]; शौ १, ३४, १; २, ८, २; २५, २; ३०,५; ३६, ३; ४; ३, १०, ४; ४, १, २;४, ३१[?e]; १६, ३; ३७, ६; ३८, ६; ५,२५,२;२६, ६; ३०, १६; ६, १७, १-४; ६०, २; १०९ , १; ७, ३९, ५; ५८, १;२; ७७, ८†; ८, ४, ६†; ९,११;१०,१; ११,२; ९, २, १५; ४, ८;५,२०; ६, १७; १५, ५; १२†; १४†; १०, २, २४; ५,४३; ८,२६; ११, १,१; ६; ८; ११; ३, ११; ७, ४;११,

इति WAG ३,२४८*c* MWA. । ऋ १,१८६,११;७,६६, ८ प्रमृ.पादादौ छन्दस्तः →ईम् इति AM ⌊१०१⌋ प्रभृ. ⌊WAG. द्र.⌋ । [a]) पाभे. कृते पृ ७८५ *m* टि .द्र. । [b]) छन्दस्तः पादो विमर्शार्हः ।

[c]) =सपा. तैआ ३,९,७,३ । मा २३,२२ मै ३, १३,१ माश १३,२,९,६;५,२,४ तु असकौ इति पाभे. । [d]) पाठे ? इमम् इति शोधः (तु. काठ १६,१७[c], OKP ३⌊टि.⌋) । [e]) पाठे ? इदम् इति शोधः द्र. ।

४; १२,४;६;१२, २,२७;३,९; ११;१४,१, १८†;५२[a];२,१३; १४;२०; २८†; ६०; ६३; ७४; १५,१०,६;१७,१;१८, ३,१;४, ५०; १९, ९, ३; †२०, १५,५; १४३, ७: पै १, ६३, २; ९२, २; १०४, ४ ; २, ९, १; १७, २; २१, १;२,४; ५२,२[२]; ७९, ५; ३, ९ , १-५; २९, ६; ४, ५,४: १४, ४;५, २, १;३०, ५?[b]; ३२, ३: ३४, १; ८, २, ११;११, ११;९,२, ६: १४,६; १३, २,१ ; ४, ९; १०;५,१६; १०, १०; १५, १०, ३†; १६, ९, ६†; १९, १; २४, ७; ६१, ३; ६८, ५†; †६९, २;४; ७७, ५; ८९, १; ६; ८;९०, २: ९१, ३[c]; ९९, ६; १०३ , ३; ११२, ४; १३२, ९;१३३,१;८; १५३, ४; १७, ३६, ९; १८, २, ८†; ५, ९:८,४;५; ९,१; ८†; १३, २;१४,४;१९,†४,७-९; १४,५; २०,११,२†;१३,७;८; –या३म् शौ १२,४, ४२; पै १७, २०,२;

इह,>हा[d] ऋ १,१,⌊२; ४, ८,२⌋; १२, ⌊३; १०; १५,४⌋;१३, ३; १०;१४,९;१२; १६,२; २१,१; ⌊(१६, ५)४⌋;२२,⌊१;५,७५,७; ७८, १⌋;९; १०;१२; २४,११; २८,५; ३४,११; ३५,१;६; ३६, ⌊२; (६)⌋१०; ३७,३; ३८, १५; ४२,७-९;४४,७;४५,१;९; ७४, ६; ७६,२;४; ८९,⌊७(१०, ३५, १३)⌋; ९२, १४; १८; ९४, १६;१०६, ४; ११०,१; ११३, ⌊७ (१२३, १३)⌋; १२; १२१, ८; १३४, १; १३५, ५; ६; १४२, ⌊४; ५, ५, ३⌋;१६१, ३; १६४, ७; १८; ४९; १७७, ४; १८१,२;१८३,६;१८४,६;१८५, ११; १८६,६; १८८, ६; १९१, ७;२,३३,१५; ३५,१३; ३६,⌊४ (५, २६,१; ६, ९६,२; ८,१०२, १६)⌋:३७,५; ४१,४; २१; ४२, २:३, २,५; ३,५;७,९; ८,१;९, २. १२,३; १४,७; १९,५; २०, ५;२५,१;२;४:२८,४; २९,१६: ३०,९:३२,१; ३५,३: ३७,⌊११; ४०,(८)९⌋,४१,८;४२, ४:४७, ⌊५;६,१९, ११⌋;५०,२; ५१,७: ८:५२, ५; ५८,⌊५:१०, १२९,६ (११४,२)⌋; ५७,५; ६०, ६; ७; ४, २,⌊२(१, ५८, ८;६,५०, ९)⌋; ४,९: ५,१४; ७,१; १४,४; १६, १: २१,१; २; ३१,११: ३५,१: २: ३६,९[२]; ⌊९:१०, १८३, १⌋; ४६,५: ७[२]; ५६,१: ५,१, ⌊११: (४,४)⌋:२,७:५,९; ४०,७: ५६. ७,६०,१;७३,⌊२:८,२२,३⌋;७४, ६; ७६,१;२; ६,९,२; १६, २४: १९,४; २८,१;४७,२; १९: ४९, ⌊१(५१,१०)१०,१५,५⌋:५४,९: ५८, १: ५९,⌊(५,४५,४) ३⌋;९; ७४, ४; ७, १,८; ९:११,१: ३; ५; १७,२; ३२,१; ३५, ६: ४१, ५:४२, ५;४९, ⌊१-४⌋: ५०, १; ५६, ९; ५९,६; ८,२, २७;५,१; ३३; ८,⌊४; (८)⌋; ९; १३,⌊२७; ३२, २९; ९३, २४⌋; २६, ९; ३०, ४: ३४, २; ४; ११; ३५, ३; ⌊४-६⌋;३९, ९: ४४, ३; ९; २३;४५,१७,२४; ४७,१२;६२, ४; ६६,७;६९,११; ७२,५:७३, १०; ९९,१; १००,४: ७; १०२, १०; ९, ४९, २; ६२, १५; ६७,२१; ८५,१: १०, १,६: ७; २,१: ३,७;९,२; १०,६:८; ११, ⌊९;१२,९⌋; १४,५: १२: १५,३: ७: ११; १३[?]; १६,९: १८,६[e]; ९:१९,३[?];२२,२;३८,५:५२,१; ५८,⌊१-१२⌋; ५९, ६; ६१, १९; ६३,२; ६९,३:७०,२; ३;८१,६; ८४,५: ८५, २७: ८२: ८७, ८; ९८,४:९८,१२; १००,१; १०१, ३: ९: १२: १०४,२; ३; १०६, ११:१०८,८:११०,८:९ ;११४, ७: ११९,९[२]; १२८,५:१३०,५; १३७, ५[f]: १४१, १:४: १५१, ५: १६०, १ : २: १६५, २: १६७, २: १६९, २ : १७३, २[१]: १७८, १: १८०, १: १८३, १: खि १,७, ३:९, २: २, ६,४; ९:९,२: ४,३,१[g]:५,५: ३२: ८, ३[h]: ९, ५: ५,१, २: ५,२[?]: ३[१]; ४[?]-११[२]: ७, ३,७: ४, ६: ११, २[१]: १७,१-४: २२, ११: मा २, १३:३३;३, १५†; २१:४३: ५, ४: †७, ९: ३५: ३६; ८, २०†; ५१[४];९,२८:११,५१†:७२: १२,

a) ममेयमस्तु इति पाठस्य स्थाने सपा. खि ३, १७,१ आपमं १, ८,९ शांगृ १, १७, ३ पागृ १, ८,१९ ध्रुवैधि इति पाभे. ।

b) पृ (आ√इ)>आ-अयसि इत्यत्रत्यं टि. द्र. ।

c) सपा. शौ ११,१,२३ एषा इति पाभे. ।

d) अव्य. । सप्तम्यर्थे हः प्र. (पा ५,३,११) तत्स्वरश्च ।

e) =सपा. तैआ ६,१०,१ । शौ १२,२,२४ तु तान् वः ? इति पाभे. ।

f) पाभे. कृते पृ ७८९ *d* टि. द्र. ।

g) सपा. खिसा २८,१ अस्म ? इति पाभे. ।

h) सपा. खिसा ३१, ३ इमाम् इति पाभे. ।

 इदम्->

१७; ५९; ६८†; १४,१; २;३[२];
४[२]; ५; ७[५]; १५,३; २६†;१७,
९;२२†;६६;७८; १८,३२; ४४;
४९†;५६; १९,३४; ३५; ५६†;
५७;५९; ६३;६७[२]†; २०, ४७;
५५; २१, २†; १६[a]; १७; १९;
२१;२२,१७†; १९[५]; २५, २०†;
२६,२;४; २०†; २७,४; ५; ७;
३३: २८, २८; २९; ३१; ३३;
२९, ६;९;३३†; ३४†; ३१,४†:
३३, ६†: ८६: †२४,३८; ४१:
४७; ३५,१९; ३६, १५†: ३८,
५;१०:१३; ४०,२; का २,३,८:
११:५,७;७,६; ३, २,५[२];३,५†;
१३; ४,६; ५,१,४; †७, ४, १;
१७-१८,१; ८, २०, १†: ९,३,
६†; ६,३[५]; १०,५,४†; १२, ५,
२†:७,७;१३,१,१८; ४,१५:५,
७†; १५,१,१;२; ३[२]:४[२]; ५:२,
१;१६,१,२:५,७†; १८,१,१०;
२,८†; ६,२; १४; २०,१,३; २,
७;१२†;३,६; २१,३,३;४; †४,
६-८;१३; १८[२]; २२,५,१†; ६,
१; २३,१,२†;२,५[a];६:८: १०;
२४,४, १०†; ८, २[५]; २७,११,
७†; २८, १,३; ३,१; २९,१,४:
५; ७;३,६; ३०,३,५; ६;८;१०;
३१,१,६; ९; †४, ९; १०; ३२,
१,६†; †३३, २,४;१०; ३५,१,
४†;४,१८; ३६,१,१५; ३८,१,

५†; २, ४; ७; ४०,१,२; तै १,
१,२,१;२,१,२; १४,४†; ३,१४,
८†; ४,५,१†; ७,१†; १७-१८,
१†; ४४,२†; ५,३,२;४,३;†५,
१;३;६,१;७,२†:८,२;१८, ३[२];
६,१,१;३,३; ८,३;७,१. ५;१०,
२†; २,१,११,६†; २,१२, ८†;
३,१,२; ४,७,२; ६,९,८; †१२,
२; ३[२]; ६;३,१, †११,१: २;२,
११,३†: ३,८, २; ४¶: ४,५,१;
७,२: ३; ११,४†;५, १,१;२;६,
१;४,१, ५,१†; ७,२[२];३;९,३[२];
११,३†; २,१,५: ५,१; ५†; ६;
५‡[b]; ४,१[२]: २[३];३[२]; १३, ४†;
४,१२,२[c]; ६,१,३†; २,६†: ५,
१: ७, १२, १: १४, २†: ¶५,
१, ११,३;४; ५,४,३; १०,४;६,
१, ४†: ८, ६$; ७, २, ४$:४,
३$: ५,३;४;५[२]: ६[२]:¶६,२,७,
४; ६,१, ४: ७,१,१२,१[४]; १८,
२[५]; ४, १७, १†; २[४];१९, ४†:
मै १, †३,७; १९; २१; ३८; ४,
१[५d]; १२¶; †५,१[२]; ५; ६; ६,
१[२]; २; ३[२]¶; ८,९; १०,३; ११,
४[२]†; ७¶; २, २, १; २¶; ६[२];
१३¶; ३, ८;४,७; ७, ३†; ५†:
७; ८; ११; १२†; १५; १६; ८,
१[५]; ७; ९,१[e]; १०, २†; ६; १२,
१[२]; ३; ५[३]; १३,५†; ३, ४, ७;
८†; ¶६, २; ७; ७, १०¶; ८,

३[२]¶; ७†; ९, ३¶; ११, ३; ७[२];
११; १२, ४[४]; १६, २[२]; ४, १,
२[२];¶; २, १०; ११[४];५, ६¶;
६, २;¶७, २; ७; ८, २¶; ९,
९[२]; १२; २७†; †१०, १; ३;
६[३]; †११, २[२]; ४†; ५; †१२,१;
३[२]; ६; †१३, १; ३[२]; ८$; ९$;
१०; †१४,३:६$; ७[२];९$:११;
१३$; १६: १७[२];$; काठ १, २;
२, १; १५†[३]; ३,८; †४,२:८[२];
१२;१४$; १५; १६; ५,३: †६,
३[२]¶;९;११; ७,४[२];†; ¶;५†;
१२[२];†; १३: ८, १४; ९, ३¶;
६[२]; १२¶; १०, १२[२]: ११, ६;
९; १२, १५†; १३, १५; १६;
१४, २[२]†; ७¶: १५,१२†;१६,
४†;८: ११, १२†; २०[२]†: १७,
१[८]; ६ ; १९[२]; १८, २† : ४;
१३[२]; ‡[f]; १६[३]: २१† ; १९
१३$: १४†; २१,१३†; १४[५];
२२, १५[g]; २५, ७[५]; २६, ६¶;
¶२८,४[२]:७: २९, २¶; ३१,१;
१४; ३५, १†: ३[५]; †[२];४; ७[३]†;
३७,९[३]: १०; १५;३८,२[२]; ७†;
८;१०[४a] ; १३ ; ३९,३[२]; १३†;
४०,१०[३];†;‡[h]:११†; ४१, ३[४];
४४, ६[५];†; ४६, २[२]; क १, २;
२,१५; †३,२;६[२]; १०;४,२[२]¶;
८†; ५, ३[२];†;¶; ४†; ६, २;
३; ८, २;६¶: ९[२]; २५,२;३†;

---

a) =सपा. तैब्रा २, ६, १८, २ । मै ३, ११, ११ तु पाठाभावः ।

b) सपा. ऋ १०, ९७,२१ सुर्वाः इति पाभे. ।

c) =सपा. आश्रौ ४, १२, २ । मै ३, १६, ४ तु अधि इति पाभे. ।

d) सपा. काठ ५, ४; ३२, ४ आपश्रौ ४, १३, ८ पाठाभावः ।

पा. आपमं २,१८,१० हिगृ २, ८, २ सह इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०, ३५,१३ विशिष्टः पाभे. ।

g) पाभे. कृते पृ ७९४ e टि. द्र. ।

h) मेहु (=मा+इहु) इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०, १२८, ४ विशिष्टः पाभे., शौ ८, १, ७ त्वेहु इति, शौ ११, १, ३३ पक्वम् इति, मंब्रा १, १, १९ आपमं १, ४, १० हिगृ १, १९, ७ पक्वात् इति च पाभे. ।

१०[९]; २६, ५; २८, २†; २९,
२[२]; ‡[a]; ४[३]; ३९, ५[५]; ४१,४¶;
¶४४, ४[२]; ७; ४५, ३¶; ४७,
१; ४८,४[४]; †; ५;९[३]†;†कौ १,
५३; ७५; ९६; १३५; २१९;
२७२; २८४; ३०२; ३३२;
३४५‡[b]; ४५०$; ५६१; २,
२१;८३; १४२; १६३; २६०;
५२२‡[b]; ६९९; ७८६: ९३९;
१००८; १०२५; १०४१;
१०८२; १०८५; ११०२;
११०३; ११५९; ११८८; ३,४,
४; १२$; †जै १, ५, ९; ८,३;
१०,५;१५,१; २३,६; २८, १०;
३०, २; ३१, १०; ३५, १; ३६,
४‡[b]; ४७, ४$; १०; २, १,
८$;३,७; ३, २, १२; ८,९;१४,
३; १५, ११; २२, ७; ४०,
१८‡[b]; ५७, ३; ४, १२, १०:
१९, ६; २६, ४; २९, १०;
शौ १, १,३;५,२†;७,७; ८, १:
९,३[c]; १०,४; १५, २[३]; ३१, ३;
२,५,१;४; ६,४;१२,१; २६, १;
३, ३,१; ६; ४,१; ७; ८,४; ११,
६; १२, १;२; १३, ७; १४, ४[२];
५; ६; १६, ५†; १७, २; ७‡[d];
२०,२†; ६[२];†; ‡[e]; २४, ३;५;
७;२८,३[f]; ४[३]; ३१,९; ४, २१;
१†; २५,५; ३१,५†;३८,१; २,
४;६[२]; ७[२]; ५, ३, ४‡[g]; ६†;६;
५-७; ८,१;११,१; †१२,८;९;
२०,११; २५, ७; २६, १; ४;५;
२८, ३; ३०, १; ६;११;१७; ६,
११, ३; २७, ३†; ३२, ३; ४०,
१;५५, १; ५८, १; ६२-६३, ३;
७३,१[२]; ३; ७४, ३; ८७, २[३]†;
८८, ३; ९७, २; ९८, १; ११४,
२;११७,२; १२१,३; ७, २,१[२];
४,१;५,५[२]; १०,३†; ११, १†;
१३, ४[२]; ४१,२;५२, ३†; ५४,
१; ५५,२;५;६२,५: ७; ६९, १;
७७,२;७८,४: ८३, १; २; ८७,
३:८९,१; ९०, १†; १०२, १†;
११६,१[२]; ८,१, १[२];३[४]; ७‡[h];
१८;२,६: ७; ३, ८†; ७, ६; ७;
१०;९,२,८;४,६;२३‡[h]: †१४,
५: १८: १०, १,२०; ४,९; ११,
१, १; ८; १०: १०, ३३ : १२,
९: १२, २, ८†: २१: ३, १२[२];
१३: ४३ : १३, १, २ : ४ : ५[२];
१०:१७-१९:३९; १४,१,२१†;
२२†: ३२[२]; २,१५; १८‡[i];१९:
२४; २५; २९; ३१; ३२; ३७[j];
३९; ६३; ७१[k]; ७४; १८,
†१, ७; ९; २५; ३९‡[l]; ४५;
५९[२]; ‡[m]; २,१३†; २१; २४;
२९; ३७[२]; ५७; ५९†; ३, १;
१४; २५-३५; ४३-४५†; ६१;
७३; ४, १२: १३; १६[२]-२४[२];
३८[२]; ६६; ८७[२]: १९, ६, २†;
९;१४[३]; १०, ६†: ४८, ४; ४९,
३; ५२, ४[n]; ५६, ६[२]: ७२, १;
†२०, ६,९;२०,४:२२, ३; २३.
८; २४,४; २५, ७: ३३, १: २:
५७,७;६७, ५: ७७, १: ९२, ८;
९६, १; २; ९७, १ : १०१, ३;
१२७, १२[३]$: १२९, ११$;
$१३४, १-६; १३७, २;
पैं १, ९,४;१३,३[o]:१८,४[२]: १९,
३:२२,३;२४,४; २७,२: ३०,४:
४३,२; ३; ४५, ४: ४६,५: ५०,
४: ५१, १; ५३,१: ६०,४: ६१,
४: ६६,१; ८४, १-१०: ९९,४;
१०९,२:३; २, १२,१: १३,१[p];
२[३]:३;२२, १†: ३८, १-३: ४०.
१-५; ५९, १: ६६, ३ : ४ :
६७,२:३:७३,२: ७४, १‡[q]: ३,
१.१; ४; ७;८,६[२]: १०.४: १३,

---

a) पाभे. कृते पृ ७९८ *f* टि. द्र. ।

b) **म इह नास्ति** इत्यस्य स्थाने सपा. ऋ ५, ३९,१ **मेहनाऽस्ति** इति पाभे. ।

c) सपा. तै ३,५,४,२ मै १,४,३ काठ ५,६ **उत** इति पाभे. ।

d) पाभे. कृते पृ ७९२ *g* टि. द्र. ।

e) **उभाविहु** इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०, १४१, ४ **बृहस्पतिम्** इति पाभे. । f) सपा. हिगृ १,२४,५ पाठाभावः ।

g) पाभे. कृते पृ ७९८ *h* टि. द्र. ।

h) पाभे. कृते पृ ७८४ *e* टि. द्र. ।

i) सपा. ऋ १०,८५,४४ पाठाभावः ।

j) तु. टि. √कृ> कृण्वाथाम् ।

k) सपा. तै ४, ४,७,२; ५, ३, ११,३ काठ ३५. १८ माश १४, ९, ४, १९ तैब्रा ३, ७, १, ९ बृउ ६. ४,१९ आपश्रौ ९, २,३ आगृ १, ७, ६ शांगृ १, १३.४ पागृ १, ६, ३ हिगृ १. २०, २ **गृहि** इति, ऐब्रा ८.२७ **गृह** इति, मागृ १,१०,१५ **एव** इति च पाभे. ।

l) सपा. ऋ १०, ३१,९ विशिष्टः पाभे. ।

m) सपा. ऋ १०, १४, ५ पाठाभावः ।

n) सपा. तैब्रा ३,१५,२ **अभि** इति पाभे. ।

o) **चरेह** (=चर,इह) इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ २, २९,६ **सुवर्चाः** इति पाभे. ।

p) सपा. शौ ३, १४,२ **मयि** इति पाभे. ।

q) सपा. ऋ ६,११,४ विशिष्टः पाभे. ।

६;१८,४; २०,१;२; २२,२; ३; २६, ५: ३३,४; ५[२]; ३४, ३†; ७[२]:†: ‡[a]; ४, ३, २: ३; ६;४, ६-८; १२,५†; १६,४; ३१,५†; ३२,३; ५, ४, ४‡[b]: ६†; ९; ६, ८;११,२: १५,२; २०, २; २१, ४:५:८;३०, ६;७[२]: ३१,३: ३२, २[c]; ३७, ६ ; ६, ६, ९[२]: †११, ७-९: १२,८; २१,४: ७, ६, २; ३:१०‡[d]: १८,१; ८,६,९; ११, ३;६[२]: ९; ११; १५,१[२]: २;६[२]: १८,७[२]: ९, २,१: ४.५:५,,२†: ७,५: ९,६:१०,९: १३.१; १४, १; ७: २४,११: २५, १४; १०, ४,१०: ९, १०†: ११, ५, १०; १२: १२, १,१६†: ६,४: १२[२]; १३.२,६: ९: ८,६†: १४, ११; १४: १५; १५, १, ६; २३,१२; १६, १,१[२]: ३[४]; ७: २,७: ३,६: ७:६,८†: १२,७: १०: १४, २: १५,९:२६.४‡[e]; ३६,१०;४९, २:५०,१;५१,३: ६६,७†: ७०, ९:७६,७;८९,१: ४:१०; १०६, ७:१७,१३,३: १४.१: २९, ५; ३०, ९†: ३२,१; ३७, २[२]: ३; ४०, ३; १८, २,१०†: ३,१†; ४,१[२];८,६; १०;९,५;६;९;१०, १; ७; १०; १३,३; १४,१; ४; १५,२; ४: ५[२]; १०; १६,७-९; १८,९;१९,१,१२;१३; ६,६[३]†; ९,२[२f]; १०,९[२];१०; १२,३;८; १३; १५,५, २१, ४; ९; १०[४]; २२,१४;२३,४;८: २७,११‡[g]; ३०,५; ७;८; ३३, १५: ३५,३; ३६,७; ३८,७[२];९: ३९,६; ४५, ९†; ४९,४[h]: ५०,९: ५१,६†; ९; २०, १, १०: ९, ५: ८‡[i]; ९[२]; १०, ५: ११, ६ : १४, ८: १७, १० : १९, ८ ; ९ ; २२, १[२]; ९[?]; १०[४]; २३, १ : २६, ८; ९; २८, ३; ३०, २†: ३१, ८;९; ३३,९†; ४८,७: ४९, २: ३ ; ४‡[j]: ५७, ५; ६०, ९-११; ६१,७; १०: ११; †इहऽइह ऋ १, १८१,४; ३,६०,१;४,[४३-४४,७]; ५,३०,१०: ४७,५; ७, ५९,११; १०, १३१,२; खि १, २, १०; मा १०, ३२; १९, ६: २३, ३८$; का ११, १०, २; २१,१, ५; २५, ७, ६$: तै १, ८,२१,१; ५,२, ११, २; मै १, ११,४; २,३,८; ४,१०,३; काठ १२[k],९;१४,३[k];२०,१५[k]; ३७, १८[k]; शौ २०,१२५,२; १४३, ७.

इहो[l] ऋ ९, ६५,५, खि ५, ११,२: काठ ३५, ३; क ४८,४; कौ २, १३६†; जै ३,१३,१२†; शौ ३,१४,४; २०, १२७,१२; पै २,१३, २[२].

इहु-क्रतु[m]– -तुः शौ १८,४,३८[n].

इहु-चित्त[m]– -त्तः शौ १८, ४, ३८[n].

इहु-भोजन[m]– -नौ शौ १८, ४ ४९.

इहेह-मातृ[o]– -तरा ऋ ६,५९,२.

ई-दृक्ष[p]– -क्षासः मा १७, ८४; का १८, ७, ५; तै ४, ६, ५, ६; काठ १८,६; क २८, ६.

ई-दृश्[q]– -दृक् मै ३, ८, ६¶; शौ ४, २७, ६ ; पै ४, ३५, ६ ; –दृङ् मा १७,८१; का १८, ७, २; तै १,८,१२,२; २,५,१,१¶: ४,६, ५,५; मै २, ११, १; काठ १८,६; क २८,६;–†दृशे[r] ऋ १, १७,[१;४,५७,१;६,६०,५];६, ४५, ५; मा ३३, ६१; का ३२, ५, ७; तै १, १, १४, ३; २, ५,

a) पाभे. कृते पृ ७९९ *e* टि. द्र. ।

b) पाभे. कृते पृ ७९८ *i* टि. द्र. ।

c) सपा. शौ ४,१६,४ दिवः इति पाभे. ।

d) सपा. ऋ ७,५४,१ विशिष्टः पाभे. ।

e) पाभे. कृते पृ ७८४ *e* टि. द्र. ।

f) सकृत् सपा. शौ ६,५५,१ ये इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ १०,१६५,४ एषः इति पाभे. ।

h) सपा. शौ ३,१५,२ ये इति पाभे. ।

i) रयिष्ठां सादयेह इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १, १६४,५२ अवसे जोहवीमि इति पाभे. ।

j) सपा. ऋ २,३८,६ अमा इति पाभे. ।

k) वैतु. SI. वीप्साऽभावः इति मन्वानः ।

l) इह+उ इति समाहारः (तु. पृ ९७ *c* टि.) ।

m) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

n) वैतु. सा. द्वे पदे इति कृत्वा व्याचक्षाणः स्वरतश्चिन्त्यः ।

o) विप. (इन्द्राग्नि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. =जननी- यद्र. ।

p) =ई-दृश्- । विप. (मरुत्-) । उप. क्सन् प्र. (पावा ३,२,६०) इति विशेषः । पूप. इदम्–>ई (पा ६,३,९०) ।

q) =ई-दृक्ष- । उस. उप. √दृश्+क्विन् प्र. (पा ३, २,६०) प्रकृतिस्वरश्च ।

r) तु. GW. K.; वैतु. स्क. द्वि१?, . वें. सस१ वा तृ१. वेति ?, भा. सा. उ. म. W. =ईदृश–> सस१ इति ? ।

१२, २; मै ४, ११, १; काठ ४,१५²;१२,१४; कौ २, २०४; जै ३,१८,११; $शौ ३, १, २; ७, ११४, १; ७; पै ३, ६, २$; $४,९,२;६; १४,३,१३$; २०, १४,८.

इ॑द्रुक-फल[a]- -लस्य खि ५,२२, ५.

ई-दृश[b]- -¶शात् काठ २३, १०[c]: क ३७, १: -शाय तै ७, ३, १७,१; काठ ४३,७.

इदा, इदानीम् इदम्- द्र.

?इदा-वत्सर[d]- -रः मा २७, ४५, का २९, ६, १: मै ४, ९, १८: काठ ४०, ६; -राः पै १७, २९, १५: -राय मा ३०, १५: का ३४,३, २; काठ १३, १५[e]: शौ ६, ५५, ३[e]; पै १७, २१, ८: १९, ९,१[e];५१,१: -रे काठ ३९, ६: -रेण तै ५,५,७,३¶.

इदावत्सरी(य>)या[f]- -या काठ १३,१५.

?इदियज्ञान् पै ६,१४,५.

?इदुः पै १, ९५,२;२,२५,१.

?इदु-वत्सर[g]- -राय तै ५,७,२,४[e]: -रेण तै ५, ५,७,४¶.

?इदूर्षत्[h] पै २०,१३,७[i].

?इदो पै २,२५,१.

?इद्-वत्सर[j]- -रः मा २७, ४५: का २९, ६,१: -राय मा ३०, १५: का ३४,३,२.

इद्ध- √इध्, न्ध् द्र.

√इध्,न्ध्, ¶इन्द्धे, इन्धे तै २,१, ३, ५:२,८,६: ५,४,५: ६, ६,११,४: मै २,५, ८: ४, ७, ६: इन्धते[k] ऋ ६,१६, ४८: १०, ६९,१: कौ १, ८५‡[l]: जै १, ९, ५‡[l]: शौ ४,२३,१[m]: ८,१,११: †इन्धते[n] ऋ ४,८,५: ५,७,२: ८,४३,२७: तै २,१,११,३: मै ४,१२,४: काठ १२,१५: इन्धते ऋ १, ४४, ८: ६,२,३; मै १, ८, ६¶: काठ ६, ७¶: क ४, ६¶: शौ १२, १, २०: १३, १,४०: पै ४, ३३,१: १६,२,१:१७,३,१:१८,१८,१०: इन्धे मा २०, २४: का २२, २, १: ‡इन्धे[o] कौ १, १९: जै १, २, ९; इनधते[p] ऋ ४, १२, १; इन्धाम्[q] शौ १२, २, ७; पै १७, ३०,७; ऐन्ध तै २, ५, ९, १¶: ऐन्ध तै २, २, ८, ५¶; ¶ऐन्धत तै २. ५, ९, १¶: ‡इन्धीत[r] कौ १, ८२: जै १,९, २: ¶इन्धीय तै २. ४. १२, ८: मै २,४, ३: इन्धीमहि शौ १८, १,५६‡[s]:५७.

ई॑धे ऋ १, ३६, ११: †ईधे ऋ ६,१६,१४: १०,४५,३: मा ११, ३३: १२, २०: का १२, ३, ६: १३,२,३: तै ३, ५, ११, ८: ४, १,३,२:२, २,१: मै २, ७,३:९: काठ १६, ३: ९; ईधिरे ऋ ५, २५, २: ईधे[o] ऋ ८, १०२, २२[t]: इन्धिषीय तै १, ५, ८, ५:७,६,५.

†इध्यते ऋ ८, ६, ३०: काठ २, १४: कौ १, २०: ८९‡[u]: जै १,२, १०:९,९‡[u]: इध्यते ऋ ३, १,२१:इध्यसे ऋ ५,२१, २,

a) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । °द्रुक फ° इति पाठः? यनि. शोधः द्र. (पृ ७८३ *l* टि. अपि द्र.)।

b) =ई-दृश्- । उप. कञ् प्र. इत्येव ततो विशेषः ।

c) वैतु. SI. द्विरे इति?।

d) प्रास. निरुदकादित्वम् उसं. (पा ६,२,१८४) इति मतम् । उ. PW. प्रभृ. पूप.=इदम्->इदा इति ।

e) सपा. इदाव° (माश्रौ १,६,४,२१ पागृ ३,२,२, कौसू ४२,१७ च)<>इदुव°<>मंब्रा २,१,१२ इद्व° इति पाभे. ।

f) छ>ईयः प्र. (पा ५,१,९१)।

g) प्रास. उप. अप्रधाने सत्यन्तोदात्तः (पा ६, २, १८९)।

h) पाठे.? इद् धूर्षत् इति शोधः ।

i) सपा. शौ ७,५८,१ अनीनशत् इति पाभे. ।

j) उ. PW. प्रभृ. पूप. इद् [यद्.] इति । शिष्टं *d* टि. द्र. ।

k) लसा. निघातस्य प्रतिषेधे प्र. स्वरः (पाम ६,१,१६१)।

l) सपा. ऋ ५, १८,१ रुण्वति इति पाभे. ।

m) सपा. तै ४,७,१५,१ मै ३,१६,५ काठ २२, १५ समिन्धते इति पाभे. ।

n) लस्य श्नच् उसं. (पा ३,४,७८) चित्स्वरश्च ।

o) सपा. इन्धे<>ईधे इति पाभे. ।

p) लेटि प्रपु१ श्नोऽल्लोपाभावः उसं. (पा ६, ४,१११)। लसा. निघाति विक. स्वरः ।

q) सपा. ऋ १०,१६,१० इन्वात् इति पाभे. ।

r) सपा. ऋ ५,२१,४ ईडीत इति पाभे. ।

s) सपा. ऋ १०,१६,१२ मा १९, ७० माश २,६, १,२२ आश्रौ २,१९,६ निधीमहि इति, तै २,६,१२,१ मै १,१०,१;४,१०, ६ काठ २१,१४: ३६,१२ तैब्रा २, ६,१६,१ आपश्रौ ८,१४,१८ माश्रौ ५,१,४,११ हवामहे इति च पाभे. ।

t) तु. GW. Gri.; वैतु. सा. प्रपु१ इति।

u) सपा. ऋ ८,७४,४ गृणते इति पाभे. ।

इध्यसे ऋ १, ३१, १३; १०, ६९,८.

इद्ध- -द्धः ऋ १, ९५,९;११२,१७; ५,१,६; १०, ४५, ४; खि ४,५, ११; †मा १२,६:२१;३३; †का १३, १, ७; २-३, ४; †तै १,३, १४, २[२]; ४,२, १,२; २,२; †मै २. ७, ८; ४, ११, १; †काठ २,१५; १६, ८-१०; शौ ३, ८, ३; १९, ६४, ४; पै १, १८, ३; ८, १४, ९†; -द्धम् ऋ १, ६६, ५:७३, ४: -द्धासः ऋ ८, ४३, ५; -†द्धे ऋ २,१५.४; ६,६०, ११; कौ २, ५००; जै ३, ५७, १२.

†इद्धा(द्ध-अ)ग्नि[a]- -ग्नयः ऋ १, ८३, ४; ८, २७, ७; शौ २०, २५,४.

†इधान[b]- -नः ऋ १, ७९,५;२,२, ८;४,१२,२;६,१०,२; ११-१२, ६;१०,४५,५;मा १२,२२;१५, ३६; का १३, २, ५; १६, ५, १८; तै ४, २, २,३; ४,४,५; मै २, ७, ९; १३, ८; काठ १६, ९; ३९, १५; कौ २, ९१२; जै ४,१५,५; -नाः ऋ ६, ६६, २; ७,३,३; मै ४, १४, ११; कौ २, ५७१; जै ३,४६,६.

इध्म[c]- -ध्मः ऋ ८, ४५, २; १०, ९०,६; †मा ३१,१४;३३,२४; †का ३२,२,७;३५,१,१४; ¶तै १,५, १०४$, ८,९,३;२,१,५, ७; ७, ७; ८,३;३,४,८,३;४:४, ७, ८,१$[d];¶मै १,४,११;८,६; ७; १०, ७; २,१,६[३]; ¶काठ ६, ५;६;११,४;५;२१,१०; ३६,२; ¶क ४, ४; ५; कौ २, ६८९†; †जै २, ४, १; ४, १७,५; शौ १९,६,१०†; पै९,५,८†;-ध्मम् ऋ १, ९४,४; ४,२, ६; १२,२; १०, ६१, ९; ¶मै १, ४, ११; ३,१०,१; ¶काठ ६,५: ११,६; १९, १०; ¶क ४, ४; ३०, ८; कौ २,४१५†; जै ३, ३२, ५†; शौ १०, ६,३५; १२,२, ५४; पै १२,१, ३†; १६, ८५,८; १७, ३५,२; -¶ध्मस्य तै २,२,१०, ५; मै १, ४, ११[२]; काठ ११, ५; १५,५; -¶ध्मे तै २, २,८, २; ३, १, ५; ५,२,५,६; मै २, २,१:५;३,२,५; काठ १०,१०[२]; ११, ६; २१, १२; क ३१, ५; -ध्मेन ऋ ३, १८,३; काठ २९, ९¶; शौ ३, १५, ३†; ५, ८, १; १९, ६४, २; पै ७, १८, १.

इध्म-भृति[e]- -तिः ऋ ६, २०, १३.

¶इध्मा-बर्हिस्[f]- -र्हिः[g] तै २, ६,५,१; मै ४, ८,१[३];३; -र्हिषी काठ २५, ५; क ३९,२.

इध्यमान- -नः ऋ ५, ३, ८; काठ १, १२[h]; १८,१६; ३१, ११[h]; क १,१२[h]; २९,४; ४७,११[h].

१इन्धान[i]- -†नः ऋ १, १४३, ७; २, २५,१; ८, १९, ३१; १०२, २२[j]; १०,४५,१; मा १२.१८; का १३, २,१; तै १, ३,१४,५; ४,२,२,१; मै २,७,९: ४, १४, १०: कौ २, ११७३; -नाः ऋ १०,३,४; १२८,१: मा ३,१८; १५,४९; का ३, ३, ८; १६, ६, १; तै १, ५,५,४; ७,५:६,२,१; ४.७,१३,३; १४,१†: मै १,४, १[२];†;५,२;८; २, १२, ४; काठ ४.१४[२];†; ६,९; शौ ५, ३,१†; १९, ५५, ३:४; -नासः ऋ ८, २३,११.

‡२इन्धान[h]- -नः[j] कौ १, १९; जै १,२,९.

३इन्धान[k]- -नः काठ १६, ९†; -नाः काठ ७, ६[३]; १८, १८; ३५, २; ४०, १०[२]†; क ४, ८; ५,५[३]; २९,६; ४८,३: पै ५, ४, १†; १९, ४४,२२;२३.

†इध[l]- -धः ऋ १,१५८,४; -धस्य ऋ १०, ८६,१८; शौ २०,१२६, १८.

---

a) विप. (अग्नि-, अस्मद्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

b) लमा. निघाताऽभावे शानजन्ते चित्स्वरः।

c) नाप.(यज्ञियेन्धन-)।मक् प्र.(पाउ१,१४५) तत्स्वरश्च।

d) सपा. मा १८,२१ मै २,११,५ विशिष्टः पाभे.।

e) विप. (दभीति-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. सा. षस. इति)।

f) द्वस. पूप. दीर्घः (पा ६,३,१३७)। उभ. प्रकृतिस्वरः द्वसं. (पा ६,२,१४०)। g) एकवद्भावो वैकल्पिकः (पा २,४,१२; वैतु. पा २,४,१४)।

h) सपा. मा २,१७ मै ४,१,१४ माश १,८, ३,२२ गुह्यमानः इति, तै १,१,१३,२ तैब्रा ३,३,९,६ माश्री १, ३,४,२६ वीयमाणः इति च पाभे.।

i) लसा. निघाताऽभावे शानजन्ते (पाम ६, १, १६१) चित्स्वरं बाधित्वा पाक्षिक आद्युदात्तः (पा ६,१,२१५)।

j) सपा. इन्धानः<>इन्धानः इति पाभे.।

k) स्वरविवेको दुश्शक इति कृत्वा पृथक् निर्देशः।

l) नाप. (इध्म-)। निपातनात् घञ् प्र. (पा ६,४,२९) ञित्स्वरश्च।

एधस्[a]- -धः मा २०, २३; ३८, २५; का २२, १,७; ३८,५, ७; तै १, ४, ४५, ३; ६, ६, ३, ५; मै १,३,३९; १०,१३; ४, ८,५; काठ ४,१३; ९,७; २९,३; ३६, ७;१४; ३८, ५; क ३, ११; ८, १०; शौ ७,९४,४; १२, ३, २; पै १७, ३६,२.

एधस[b]- -सम् पै २०, ४०,१०.

?इधि[c] पै २,२५,१.

†इन[d]- -नः ऋ १.५३, २; १८९, १; १६४, ⌊२१[e] (२, २७,४)⌋; २, २०,२; ७, २०, ५; ३६, २; ८, २,३५;३३,५; १०, ३, १; २६, ७[२]; ४४, ४; ५०, २; ११५, २; कौ २, ८९६; जै ४, १३, ९; शौ २०, २१,२; ९४,४; पै १६, ६७, १२; -नस्य ऋ १, १४९, १; १५५, ४; ९, ७७, ४; १०, २३, ६; -ना?[f] ऋ ३, ३८, २; -नासः ऋ ५, ५४,८.

†इन-तम- -मः ऋ ३, ४९, २; -मम् ऋ १०, १२०,६; शौ ५, २, ७; २०, १०७, १०; पै ६, १,६.

इनक्षत्, इनक्षत्-, इनक्षसि √नक्ष् द्र.

?इनिष्टः पै ५, ६,३.

इन्दु[g]- -न्दवः ऋ १, २, ४; १४, ४; ९१, ⌊१; ८, ९२, २२⌋; १६, ⌊६; ९,४६,३⌋; ४६, ८; ९; ८४, ५; १३४, ⌊२, (२,११,११)⌋; १३७, २; १३९, ६; ३, ४०, ४; ५; ४, ४७, २; ५०, १०; ६, ४१, १; ७,३१,९; ८, १, १५; ३, ६; ४, ४; ६, २१; ३८; १३, १६; २१,३[h]; ४५,१४; ४८, ५; ४९, ३; ५०, ३; ४; ५१, १०; ५३, ⌊३(९३,६; ९, ६५, २२)⌋; ९२, २४; ९, ६, ४; ७, १; १०, ४; १२, १; १३, ⌊५; ६५, २४⌋; ७;१६,५; १७,२; २१,१;३;२४, ⌊१;६७,१; १०१,८ (६५,२६)⌋; ४६, २; ६२, ⌊(१, १३५, ६)१; ६७,७⌋; ६३, ६; २५; २६; ६४, १६;⌊१७; ६६,१२⌋; ६८,१;७७, ३; ७९,१; २; ८५,१; ७;८६,१; २; १०१,८; १०; १०६,१; खि ३,१, ३;२, ३;४; ३,१०; ५,३; मा ७,८†; ८, ४२; ३३,५६; का ७,३, २†; ९, ६,१; ३२,५, २; तै १, ४, ४, १†; ५, ७,८, १; ७, १, ६, ६¶; मै १, ३, ६†; २,७,१५; ३, ४,७; काठ ४,२†; ३९, ३; ४०, ५; क ३, २†; †कौ १, १९७; ४८५; ५८८: ५५५;५६१;५६३; ५६६; २,९; ४८; १६९;१८०; ३०१; ३११; ४५१;४७२;४७८; ५१५;५४२; ५८३; ५४६; ९३८; ९६०; ९७९;१०१०; १०१२; १०४९; १०५१; १०७२; †जै १, २१, ४; ५०, ९; ५३, ६; ५७, २;८; १०; ५८,१; ३,१, ११; १६,५; ७;१७,१; २४,१७; २५,७,३४, ९;३५,७;३६,३. ४०,११; ४२, ७; ९; ४३, २: ५३, ८; ५९,३; ४,१८,७; १९,२; २१,८; २३, ५;१०; शौ ६, २,२;†२०,६,४; ५; १३, १; ११८,४; ११९, २; पै १९,१, ६; -†०न्द्वः ऋ ९, २१, ५; १०६,९; कौ २, ६७८; जै ३,५६,६; शौ ७, ११४,६§[i];

---

[a]) =एध-। करणे असुन् प्र. (पाउ ४,१८९) नित्स्वरश्च (तु. WI.; वैतु. PW. <एध- इति)।

[b]) विप. (वर्चस्-)। असच् प्र. (पाउ ३,११७)।

[c]) पाठे.? इद् हि इति द्वि-पदः शोधः।

[d]) नाप. (ईश्वर- ⌊तु. निघ २,२२ या २,११;११,२१; वैतु. GW. प्रभृ. विप.⌋)। व्यु.? √इ (*ऐश्वर्ये ⌊दे. संभजन इति⌋) + नक् प्र. (पाउ ३, २) तत्स्वरश्च। 'सनित ऐश्वर्येण सनितमनेनैश्वर्यम्' इति वचनात् या ⌊३, ११⌋ इ- (<√इ ⌊*ऐश्वर्ये⌋) + न- (<√सन्) इतीव?। स्क. दे. समितः इति पाभे. अनु <सम् √इ ⌊*संभजने⌋ इति?, PW, GW. WW. ⌊१,१⌋ प्रभृ. <√इ वा <√इन्व् वेति च।

[e]) =सपा. या ३, १२। शौ ९, ९,२२ तु एना इति पाभे.।

[f]) रूपम्? तच्च =°नान् (तु. वें. प्रभृ.; वैतु. R. ⌊ZDMG ४८, ६८४⌋ =इनम् इति, Foy ⌊KZ ३४, २२४-५⌋ =इन ⌊सं१⌋ इति, ORN. जनिमा इत्येतत्-समानाधिकरणं सत् =न. द्वि३ इति, Henry क्रिप. सत् =इनु इति)।

[g]) नाप. (सोम-बिन्दु-, सोम- ⌊ऋ ९, १२, ५ प्रभृ.⌋, विप्रुष्-, उदक- ⌊निघ १, १२⌋)। व्यु.? <√उन्द् इति पाउ १,१२ या ⌊१०, ४१⌋ दे. च, <√इन्द् इति (पक्षे) दे. (तु. WW ⌊१,१६६⌋ वर्धनार्थ इति), <√इन्ध् इति या. दे. (पक्षे) च, <बिन्दु- <भिन्दु- इति PW MW. प्रभृ.।

[h]) सपा. इन्दवः (आश्रौ ७,८,२ च) <>इन्दवे इति पाभे.।

[i]) सपा. इन्दवः <>इन्दो इति पाभे.।

–‡न्दवे ऋ १, १२९, ६[a]; ८, ६९,१[b]; ९, ११, १; १०, १३, २: मा ३३, ६२; का ३२, ५, ८; कौ १, ३६०[b]; ४०२‡[c]; २, १; ११३; जै १, ३८, १[b]; ४५, ४‡[c]; ३, १, ३; ११, ९; शौ १८, ३, ३९: –न्दुः ऋ १, १२१, ६; १७५, १; २,२२, [१-३][d]; ६, ३९, ३; ४४, २१: २२; ८,४८, १२; ९, ५, ९;१२, ५: [६; ३५, ४]; २७, ४: [६; ६६, २८]: ३०, [२; १०७, २६]; ३४, [१:६७,४]; ३७,६:, ३८,५; ४३,५;६५, [(८, १०२, ९)४]: ६२, १५: ६३, ९; ६४, १०: ६६, २३; २८; ६७, ८; ६८,९; ७२,४; ७६,२; ७७,४; ८४[(१, ५६, ४) २]; ४; ८५, ४; ८६, १६; २६; ८७, २; ९१, २;९३, ३;९६,[९; ११०, १०] २३; ९७, [(४, ३३, २) ५]; १०;[(८, ४८, २) ११]; १२; २४;४०[e]; ४१; ४५; ५६; ९८, २; ३; ९; १०१, २;५, १०५, २;१०७,३; १०९,९: १३;२२; ११०,११;१०, २६,३;१४४,१; मा ८,३०;१८,५३;१९,९५; का ९,५,३; २०,३,३;२१, ६,१६; तै ३,३,१०,२; ४,१,२[२]; ४,७, १३,१;६,५,८,३¶; मै २,१२, ३: ३, ११,९; ४,९, ११; काठ १३,९; १८,१५; ३५,११: ३८, ३: क २९, ४; ४८, ११; †कौ १,४३१; ४५७[d]; ४८१; ४८९; ५३५‡[f]; ५४०; ५४२; ५५७; २, २८; ४८; २२३; ३६९-७१; ४४९; ५०२; ५५०: ५५१; ५६८;५७९;५९०;६०५;६२७; ६३९; ६४०; ६४७; ६६५: ६७४; ७७०; ७८२; ८३६-३८[d]; †जै १, ४२,५; ४८, १[d]: ५०,५; ५१, ३†: ५५, ३‡[f]: ७; ९:५७,८; ३, ३,७;५,७: २०,७; ३०, १२-१४; ३८, ७: ३९, १; ४३,६; ७: ४७,५; ४८,५; ४९, २: ५१, ५; ७; ५२, ९; ५३,५; ५५, ६;५६,२;५९,५;४,१७,२; २८, ७: शौ १८, ३, ५४; ४, ६०†; †२०, ९५,१[d];१३७, ५: –न्दुना ऋ १०, १४४, ६; काठ ४०,५; पै १,९६,२; –‡न्दुभिः ऋ १,२३,१५;३०,१;५३,४[२];६, १६, १६; ४२,२; ३; ८,६,२७; ७, १४; १२, १६-१८; मा २६, १३; मै ४,१२,१; काठ २,१४; कौ १, ७; २१४; ३८४;२,५५; ७९१; ७९२; जै १, १,७; २३, १; ४३, ४; ३,६, १; ४,९,१०; १०,१: ३२; शौ २०, २१, ४[२]; १११,१-३: –न्दुम् ऋ १,१३५, ५;३,३५,६;५,१८,२;६,४०,२; ८, २४, १३; ९, ९, ५; ११,६; २६,२; ३३,[२; ३८,२;४३, २; ६५, ८]; ४५, ५;५३, [(२६,६) ४; ६३,१७]; ६०, १;६१, १३; ६२,२९; ६५, १:८८, १;९४,२; ९७,२२; ५७; १०९, १२: २०; १०, ९९, ८; ११५, ३: खिमा ३३.११: मा १३,४३[k];१९,३४; २०, ४६; ५७: २६, २३†: का १४, ४, ६[k]; २१,३,३; २२, ८, ११; ६, ३; तै ४,२,१०,२[k]; मै २,७,१७[g];३, ११,१; ३; ७: ४, ९,११‡[h]; काठ ३५,११;३८,२; ६:८; क ४८,११;†कौ १, ३८६; ४८७; ५३७; २, ११२; १२१; २५३; २५४; ६२५;६८४;६८५; ७९६;८२१;८५९; १०६७: †जै १,४३,६;५१,१; ५५,५;३,११, ८; २१, १८ ; १९ ; ४६, १०; ५२,५; ५६, ११; १३; ४,४,२; ७,४; २७,६: –न्दून् ऋ ६,४७, १४; –न्दो ऋ ८, ४८, २; ९, १,५, ४,१०; ६,२; ८,७;११,९;

a) अत्र शब्दार्थ-विवेकः द्र.। एकश्च भव्यः (<*भगव्यः [<भगवत्-]) इन्दुः (=इन्द्रः), एकश्च हव्यः (=होतव्यः [इन्दुः =सोमः]) इति। प्रथमस्तावद् उपमेयभूतो मन्त्र-देवतात्वं भजत उपमानभूतस्याऽपरस्य च नैघण्टुकं वृत्तं द्र. (वैतु. अन्येऽपरं सोमपरमेव देवतात्वं भाजयन्तः)। प्रथम इन्द्र-पर्यायभूतः शब्दः व्युत्पत्तिदृशा इन्द्र- <>*इन्दुर-> इन्दु- इतीव नैप्र. विपरिणतः द्र.।

b) प्राति. रूपं च? इन्द्रे चेदभिप्रायः (तु. वें. सा.), तर्हि बस. =*इन्दु-म-> नैप्र. *इन्दव->-वाय (च१) >-*वै>यनि. इति विमृश्यम्।

c) पाभे. कृते पृ ८०३ h टि. द्र.।

d) सपा. तैब्रा २, ५,८,१० इन्दुम् इति पाभे.।

e) =सपा. तैआ १०, १, १५ मना १,१५ या १४,१६। कौ १,५२९;२,६०३ तु अद्रिः इति पाभे.।

f) देव इन्दुः इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ९, ९७,४ देवयुर्नः इति पाभे.।

g) सपा. इन्दुम् (माश ७, ५, २,१९ च)<> इन्द्रम् इति पाभे.।

h) सपा. इन्दुः<>इन्द्रः (तैब्रा ४,११,८ च) इति पाभे.।

२३, ⌊(८, ९५, ९) ६⌋; २४, ५; २६,⌊६ (५३,४;६३,१७)⌋; ३०, ⌊५;४५,१;५०,५;६४,१२⌋;३१, ⌊६;६६,१४⌋; ३५, ⌊२; ५२,३⌋; ४३,⌊४;६४,२५;९८,१⌋;६;४८, ⌊२ (१, ९७,११)⌋; ५५,२; ५९, ४; ६३,२८;३०; ६४,१३: ६५, ⌊१४;१०,६,७⌋;६७,५;६९,१०; ८१, ३; ८५,८; ८६, १८; २३; २४; ९०, ६; ९३, ४; ९७, २९; ९८, ४; १०४-१०५, ५; का ८, ६, १[a]: तै २, ४, ५, १; मै ४, ७,४; †कौ १, ५०५; ५४९; २, ९९१; ३१४; ३२६: ४०६; ५०४; ५३४; ५८८: ६७६; ७९९: ९६२: †जै १, ५२,९; ५६, ७: ३,१३,९: १७, १२; २५, १०: २७, २; ३१, २६; ३९, ३: ४८, ४; ५६, ४: -०न्दो ऋ १, ४३, ८:९१, १; १७६, ⌊१;९,२,१⌋;५;४,२८,२: ३; ७, ५४, २[b]; ८, ४८,४[c]:८; १३[d];१५;९१,⌊३: ९, १०६,४⌋; ९,२,२;७[e];९; १०; १२,९;१३, ४; २९,६; ३१, २; ४०, ३: ४; ६; ⌊६;५७,४; ६४, २६; १००, २⌋;४१, ⌊४: ६१, ३, (४२,६)⌋; ४४,⌊१;६६,१३⌋; ५१, ३; ५२, ४;६४,२७(१०, १३४,२)⌋;५; ५४,४;५६,४;६१,१; २६; २८; २९: ६२, ७; ९[f]; ७०; ६४, ३: ⌊२२ (१०८, १; १५)⌋; ६५, ५: ⌊(८,६,२३) १३⌋;१७:६६, १६: ६७, ६: ७०, १०; ७२,९; ७९, ५:८२,५; ८५,३; ८६, २२:२८; ३७:३९;४१; ४७:४८; ९०, ५[?]; ९१, ४: ९३,५: ९५, ५: ९६,८: २१: ९७, १६; १७: १९: २१; २८:३३: ⌊(७४, ९) ४४⌋: ५२: ५५: ९९, ८: १०५, ४: ६: १०७, १९: ११२,⌊१-४: ११३, १-११: ११४,१-४⌋:१०,२५,९: खि ३, १२, १-३: खिमा २०, २:५: ६: †मा १९, ५२: ५४[d]; का २१,४,२: ४[d]: तै १,४, २७, १[a]: †२, ६, १२,१:२[d]; ६,५, ८,३: मै १, ३, २९[a]: ४, १०, ६[२]†[d]: काठ ४, ११[a]: २१, १४[२]†[g]; २८,८; ३५, ६†; ११; क ४४, ८; ४८, ७†; ११: †कौ १, ४७२; ४७९: ४९५; ५०९; ५१६;५४१; ५६७;५७१; ५७४; २, १२८; १२९; १३३; १३६; १८५; २४५;२७२; २७६;३०५; ३०७;३२९; ३८७;३८८; ३९५; ३९६:४२६;४५४; ५४०: ५५३; ५६०: ५६२; ५६४: ५७६; ५८६‡[g]; ९६१: ९६३: १११४; †जै १, ४९, ६: ५०,३: ५१,९: ५२,१३· ५३, ६: ५५,११: ५८, २:६; ९; ३,१२,४:५: १२:१७, ६: २१, १०: २३, ४: ८; २५, १: ३: २७,५; ३१, ७: ८: १५; १६: ३३,१: ३४,१२: ४१,१०: ४२, ६; ४३, ९; ४५, १: २;४; ४७,२:४८,२‡[g]: ४,७.८; पै १, ३९,१: २,३९,५;४,९,१[h]: २६, ४†: -†न्दोः ऋ ८, ९२, ४: ९, ११४, १: मा ८, ९९[a]: कौ १, १४५: जै १, १६,१.

इन्दु-विभ्रस्[i]– -भ्राः मै ४,१२,२.

इन्द्र[j]– -०न्द्र ऋ १, ३, ४-६: ५, ६:

a) सपा. इन्दो <> इन्दो <> इन्दोः (माश ४.४,२, १२ च) इति पाभे.।

b) वास्तोष्पतिरिन्दुशब्देनात्र व्यवह्रियते ।

c) = सपा. गोब्रा २, ३,६ आश्रौ ५, ६,२६ माश्रौ २, ४,१,४५ वैताश्रौ १९,१८ । ऐ ७,३३ शांश्रौ ७, ५.१५ तु पाठाभावः ।

d) =सपा. तां ९,९,१२ वैताश्रौ २४,१ । ऋ १०,१६८, ४ तु वाताय इति, ऋ ४,४८,१२ सोमाय इति, तै ३,३, ११,५ मै ४,१२,६ काठ १३,१६ आश्रौ १,१०,८ शांश्रौ ९,२८,३ या ११,३३ देवि इति, मै ४,१४,१ देव इति, मै ४,१२,१ काठ ३५,१२ माश्रौ २,८,४ एना इति, तैब्रा ३,१,१,३ सोम इति च पाभे. ।

e) सपा. इन्दो <> इन्द्र इति पाभे. ।

f) सपा. कौ २,३३१ सोम इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ ९,६३,२३ प्रियः इति पाभे. ।

h) पामे. क्रुते पृ ८०३ i टि. द्र. ।

i) विप. (वान-) । अर्थः ? =सोम-वाहक- इति कृत्वा उस. उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पपा. इ इति ?) । उप. √ *विह (= √वह्) + कर्तरि क्वसुः प्र. ।

j) नाप. (⌊परमैश्वर्ययुक्त-, शचीवत्-, उग्र- प्रभृ.⌋ देवता-विशेष-) । व्यु.? < √इन्द् इति या १०,८ पाउ २, २८ PW. GW. प्रभृ. च । भूयसीश्चान्याः व्यु. यास्क आह, तद्यथा– <इरा- + √दॄ (विदारणे) वा √दा (दाने) वा √धा वा √दारि वा √धृ > धारि वा : <इन्दु- + √द्रु वा √रम् वा ; < √इन्ध् (तु. माश ६,१,१,२ वानि ४,१२) वा ; <इदम्- + √कृ (आग्रायणमते) वा √दृश् (औपमन्यवमते ⌊तु. ऐआ २, ४, ३⌋) वा :, <इन्- + √दृ > दारि (भये) वा द्रु > द्रावि वा

७,४:८,३:४: ९,१;६; ८; १०, ⌊४ (१०, १४१, ६)⌋; ⌊७; ३, ४०,६ (८, ६४, १)⌋; ९: १५, १; १६, १: ४०, १: ५१, १२: ५२, ८: ६१, १६; ८०, ३: ७; १४; ८४, १९:१०४, ७:१२९, ३; १३२, ४:१४२, १३: १६५, ५;७; १७०, ५, २, १३, ⌊१३: १४, १२⌋: १६, ६:१८,६: २१, ६; ३, ३०, १; १५, ३१, २०: ३२,१; ३४,⌊(१, ५९, ५) २⌋: ३५, ⌊१:७, २३, ४⌋. १०:२६, ⌊२:४३,७⌋:३:९:१०:३७,१-३: ६ : ७: ⌊८ (८, ७६, ७)⌋: ९: ⌊११;४०, (८) ९⌋: ३९,१:४०, १-३ : ⌊४ : ४२, ५⌋: ४१, ८: ४३, २; ⌊३ (७, २९, २)⌋. ७: ४४,२: ४५, ४;४६,१; ४७, ⌊३ (३, ५१, ८)⌋; ५१,७; ५२, १: ४;५३, २: ५; २१: ६०, ५-७: ४, २९, १: ३०, ८: ३१, १२: ३२,७: ९: १२; ⌊१३: ८, ६५, ७ (४३, २३)⌋; ३७, ८; ४१, ११;५, २९, १५:३०, ३: ३१, ५; १०; ३५, १:/३८, ५; ३९, २; ४३,५: ४६,२: ६, १९, ७: ⌊९; ३५, २⌋: २५,३; ५;७[२]; ८: ⌊९ (१, १७७, ५: १०, ८९, १७)⌋: २७, ३; ३०,४:५: ३७, १; ४०,१; ३; ४; ४१,१; ४४, १०; १८; २०; ४५, ⌊१० (८, २४, १८)⌋; ⌊२५: ८, ९५, १ (९, १२, २; १००, ७)⌋; ४६, ५; ९: ११: ४७, ७; ६०, ३;७, २२,९; २४,५;३२, २४; २६; ३६, ८; १०८, २४; ८, १, १३; २,३: ११:१६;२९; ३,७: १२:४,२: ⌊२; (५२,१)⌋, ६,२६: ४१: १२,⌊५: ३२,१२; ६१, ५: १०, १३४, ३⌋: १३, ⌊१२[a]: ६८, १⌋: २६; १४, ४; ११; १४: १५, ३ : १७, ⌊१ ; १०, २४, १⌋.९; २१, २; १६; २४, ४;९; १७: ३२, १९; ३३, २: ३६,⌊७:३७,७⌋: ३७,⌊१-६⌋; ४५, १३, ४६, १९: ४९, ५:९: १०: ५२,२; ५३, ५; ६१, ४; ५, १६;१७; ६२,⌊(५,७३,१०) ४⌋; ६३,५; ६४,३; ६५, ३; ५: ६६, ८: ११; १३: ६८, १०; ७६, ११; ७८, १;८०, ४;७; ८१, ६; ८: ८२, ६; ९०, ३; ९२, १६; ९५, २; ⌊३: ९८, ६⌋: ५,८; ९; ९७, ६; ९८, ५; ९, १६, ५: १०, २४, ३;६०, ५; ६४, १२: ९८, ४: १००, १: १०४, ३;६; ९; ११२, १; ११६, २; १२८, ८; १३१, ५[b]; १३४, ४; १६०, १; २: १७१, १; १८०, १; ३; खि ३,१,५; ९;१०; ४,२; १४, १;५, ४, २: †मा ६, ३७; ७, ३५; ८, ३९$; ९, ११$[c]; १०, ३४; १७,५१$; १८, ६८; २०, २९$;७४;७७; ८७-८९; $२६, ४;५;३३,२५;४८;३४,१८;५६; ३८, ६$; †का ६, ८, ८; ७, १७, १; ८, १४, १$; १०, ३, ३$[c];११, १०, ४; १८, ५,२$; २०, ५, १ ; २२, २, ६$; ७, ८$; ११; ८, ८-१० ; २८, ३, १$; ३२, २, ८; ४,५;३३, १, १२, २, १९; ३८, १, ६$, †तै १, ४, १८, १ ; ६, १२,१; २: ४; ६; ७, १३,१: ३[२]; २,५, १२,५; ३,३, १०, १$: ४,११, ४[२]; ४,४, $१२, १: २; ६, ३, १$; ७, १४,३; ७,५,७,४; †मै १, ३, १९; ११, ३$[c]; २, १०, ४$; १३, ६; ९; $३, ११, ४; ५; १६, ४; ४,३, ४¶; ७,३$; ९,१;७$; ११,४;१२,१;२[३];३[४]; ६:१३,७;१४,१४[२?d];१८; †काठ ४,८; १५; ६, १०; ८,१६[४]; ९, १८[२]; १९[२]; १०,१३; १४,१$[c]; १८, ३$; †कौ १, ११६; १५७; १८०;१९१;१९५; २१०; २४७; २५३;२५६; २५९;२६६; २८२; ३०९; ३२७$; ३४६; ३८१‡[e]; ४१२; ४१३: २, १६; ६९; ८६; ९६‡[e]; २१५; २३३; ३०२$, ३०३$; ३३९: ४९६-९८; ५२३: ५८२[२]; ५९८; ५९९; ७०६;७५३:७५४; ८०६; ८०८;

आ√दृ>दरि वा (तु. दे. निघ ५, ४) । <*इन्दु-र– इति (तु. पृ ८०४ *b* टि. MWA. च) । छन्दस्तः क्वचित इन्दर– इत्यपि द्र. (तु. AM. GW. ORN. प्रभृ.) ।

[a]) सपा. इन्द्र<>इन्द्रम् इति पाभे. ।

[b]) तु. पपा. सा. GR., GBV. ⌊पक्षे टि. द्र.⌋ Gri.; वैतु. वें. R ⌊ZDMG ४८, १०७⌋ GBV. इन्द्रम् इति कृत्वोत्तरेण संधिमिच्छन्तः आवधुः (°न्तुः इति शोधार्थं सस्थ. टि. परि. द्र.) इत्यत्र निघाताऽभावं प्रति पर्यनुयोज्याः ।

[c]) सपा. इन्द्र (माश ५,१,५,९ च)<>इन्द्रः (तैब्रा १,३,६,३ च) इति पाभे. ।

[d]) सकृत् °न्द्रः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. ऋ ३, ४६,१) ।

[e]) सपा. इन्द्र<>इन्द्रः इति पाभे. ।

१२३; १२९; १०३५; १०४२; १०७३; ११२०$; ३, १,१; २, ४;४,२$;† जै १,१३,२;१७,३; १९,६; २०,७; २१, २; २२,७; २६, ५; २७,१; ४; ७; २८,४; २९,१०; ३२,७; ३४,५$; ३६, ५; ४०,४; ५; ४३, १‡[a]; २,४, १०; ५,९; ७,१$; ३, २,७;$६, ९;१०; ७,७; ८,१२; ९,१०‡[a]; १९,१०;२०,१७; ३३,१७; ३८, १०-१२;४०, २०; ४७,८²;४८, १४; १५; ४, २१, १०;२७, ९; ३०,६; शौ २,५,१; २: ३,१,५; २,३; ४,२२,२; ५,३,८†;८,२; ५: ९; ६,५,२; ४०, ३; ७,३२, १†; ८९, २†; ११५, ३; ८,४, २४†; ५.१७; ६, १३; ११, १, ३०; १४, १,६२; १८,३, ६७†; १९,१३,१; ७०,१; †२०,१,१; ३,१;५,३; ६,१-४; ६;९; ७,४; ११,२; १८, १;१९,१-२; ६;७; २०,१;२;४;२३,८; २४,५;२५, ७; २७, ४; २९, १; ४; ३३,२; ३५,१६;३८,१; ४२,२; ४७,७; ५२,२; ५७,४;५; ७; १५; ६१, ६; ६२,१०; ६४,२;३; ५; ६९, ४; ७०, १०; १९; २०; ७१,७; १२; १४; ७९-८०, १; ८३, १; ८४, १-३; ९३, ३; ९६, १; २; ९७,२; ९९,१; ११६,१; ११८, १; १२०, २²; १२५,५; १२७, १३$; १२८, १४; पै १९, ६, ६‡[b]; -०म्ने(न्द्रऽ-इ)न्द्र शौ ३, ४,६; पै ३,१,६; -०म्द्र ऋ१,४, ९;५,७;१०; ६,५;८,१;९; ९,४; ५;७;१०,३;११;११,२;७; १५,

५; १६,[४; ३,४२, १ (५, ७१, ३)]; ६; २८, [१-४]; २९, १-७;३२,४; १२;१४; ३३,३-५; ७; ९²; [१४; १७४,५]; ५१,४; १३;१५;५२,६;७;१०;११;१५; ५३,२; ३; ५;७; १०; ११; ५४, ८:११; ५५,३; ७;८;५६,५; ६; ५७,४-६; ६२,४; ५; १२; १३; ६३, १-९; ८०,४; [८ (८, ५५, १)]; ११;१३; ८१,३:[५(७,३२, २३)];९;८२,[१-५];८३,१:८४, १;[४; ८,६,३६];६;१००, १७: १०१,९:१०:१०२,२;३: [४(६, ४४, १८)]; ५:[८; ८, २१,१३; १०, १३३.२]; १०; १०३,३;७: ८:१०४,[१:७,२४,१]:६;[८(७, ४६, ४)]:११०, ९; १२१, ११; १२: [१३ (५, ३१,११)]: १४: १२९,१: २;[९; ४,३१,१२; ८, ९७,६(१०,९३,११)]: १०;११: १३०,१:२: ४:५;७; १०: १३१, ३²: [४ (१७४, २: ६, २०, १०)];४;६;७;१३३,५:६:१३९, ६: १६५, ३: १६७, १; १६९, १-६: ८: १७०, २: १७१, ६; १७३, १२; १३; १७४, १-८: [९: ६, २०,१२]; १०:१७५,२: [६;१७६,६]: १७७, २³: ४:[५: ६,२५,९; १०, ८९,१७]: १७८, १;५;२,११, १-४: ६: ७: [११: १०, २२, १५]; १२-१८: [२१: १५,१०; १६-२०,९]: १२,[१५ (८, ४८, १४)]; १३, ११; १५, १०;१६,३;४;९;१७,८⁴;९;१८, ४; ५; ७; ९; १९, ७-९; २०,१; २;९; २२,४; २७, १४; ३०,४;

५; ३६,१; ३, ३०,५-७; ८²; ९; १०; १७-१९; ३१, १७; ३२,२; ३;५;६; ९;१०; १२; १६; ३५, ८; ६-८; ९²; ३६, ३; १०; ३७, १०; ३९, ७; ४०,५; ४१,४;[७; ७,३१,४; १०, १३३,६]; [९;८, १७, २]; ४२, २; ७-९; ४३, ६; ४४,[१; ८,१३,१३]; ४५, १: ५; ४६, ५; ४७, १; [२ (५२, ७)]; ४;५१,६; [८(३,४७,३)]; १२; ५२,२; ५;८: ५३,६: १८: २२: २४; ५५, २२ : ४, १६, १९; [२१: १७, २१; १९—२४, ११ (५६, ४)]: १७, ६ : ७: १८²; १९, १-३; [५:८२, ७]; ६; २०, ३: [४ (७,९१,६)]: १०:२१,९; २२,५; ७; १०: २८,४: २९,५: ३०,१: ३-६;९; १२; १४: १८; २२; [२३; ८, ३,२०; ३२, ३]; ३१,६: १३; १४: ३२,४;६: [८; ८, (१४, ४) ३२, ७]: [११: ८, ९९, २]; १४; १५: २०: ३४- ३५, ७: ५०, ११: ५.२९,१:९; १४;३०,४;८; ३१,२: ८:३२,५: २:१२: २३,२-४: [५:७.३०,८]; ६: ७: ३५,[२: ६,८६.७: ८,६, २४]:३:४: [५: १०,१७१,३];७; ८:३६,४:३८,१;२: ३९,१; ४०, १; ६: ४२,४: ६, १७, १-५: ७; ८; ११: १२; १४³: १८, ३: ९; १०[c]; ११: १५:१९,३:८; १०; २०,१:२;४; १०, ११: १३;२१, ४: ६; ८; १२; २२,४: ९: १०; २३,१²; २²; ६-८; २४, ३: ४; ६[d]; १०; २५,१; २: २६,१: २; ४-८; २७,४;६: २८,८: ३०,३:

a) पाभे. कृते पृ ८०६ *f* टि. द्र. ।

b) सपा. इन्द्र <> इन्द्रः इति पाभे. ।

c) उत्तरेण समस्तमिच्छन् PW. अप्रसक्तंतर्क एव (तु. ORN.) । d) मपा. कौ १,६८ जै १,७,६ अग्ने इति पाभे. ।

३१, १-३: ३३, १-४: ⌊५: ६८,
८⌋; ३४, १: ३५,२: ४: ३६,४;
३९, ३: ४०, २: ३: ५: ४१,२:
४:५; ४३, ⌊१-४⌋: ४४, ⌊१-३⌋:
⌊११ (३,५१,५)⌋: १७:४५,१२:
१३; ⌊१७;८,८०, २⌋: ३०:४६,
१: २: १०: १३; ४७,६; ८: ९:
१४: २०: २२; ३१:६०,२[२]: ३:
७,१८, १: ३; १८:२०: १९,२:
१०;११:२०,४:७;८: ⌊१०:२१,
१०⌋;२१,३: ५:६:८:९: २२,१:
२:८: २३,२: ४: ५: २४,२: ४:
⌊६:२५, ६⌋:२५, ⌊१;९,८८,१⌋:
२:४: २७, २:५: २८,१-४: २९,
१: ३: ४: ३०,३; ४; ३१,३: ७:
३२, ११: १४: १६; १८: २२:
२३:३७,४;⌊५: ८,९७,१५⌋: ६:
९८,२-४: ६: ९९, ६: १०४, ८:
१९: २२: ८, १,३:६: २३: २४:
२८:२,१०: ⌊१५(७, ३२,२२)⌋:
३, १: १०-१२; १४; १७-१९;
४,⌊१: ६५,१⌋: ४: ५; ९: ६,९:
१२: १४: १६-२० : २२; ⌊२३
(९, ६५, १३)⌋: २४; ⌊२५: ४५,
३३⌋; ३१; ⌊३२: १२,३१⌋: ३९:
१२,१;१६: २५: २९: ३३: १३,
४;५; १३: २२:२७: ⌊३१ (३३,
११)⌋; १४, १: ३, ⌊६ (९, ६५,
९)⌋: १०: १३:१५: १५,८: १०:
१२: १६, १२; १७, ३;७: ११:
२१,२;४;⌊५ (७, ३२,२२)⌋;७;

१२: १५: २४,२५: ३२,७:२०;
⌊२२ (१०, ४३, ६)⌋: ३३, १३:
३६, ⌊१-६⌋: ४०, ९: ४५, १०:
१६: १९:३१: ३२:४१: ४६,१:
⌊८:९२,१७(९, ६१,१९)⌋;४९,
३: ६:५०, ७:५१, ⌊१(५२,१)⌋;
⌊६: ६१. १४⌋:७:५२, १; ४:८:
५३. १: ५४,१: २: ५: ८: ६१,
३: ७: ९: १३: ६२,३:५: ७:८:
१०: ६३. ११:६४, ⌊(१७, ११)
१२⌋:६५,४:८:६६. ५: १२:७०,
५:९: १०: ७६,७-१०: ७७, ७:
७८,४: १०: ८०,१: ३:८२, ⌊३:
१०,८६,१५⌋: ५:७:८३,७; ८८,
३: ५: ८९, ⌊२:९८, ३⌋: ९०,३:
⌊(२३,३०)५⌋:६:९१,५:७[a]:९२,
९:१०: ⌊१४:२२⌋: १७:२३:२४;
२६: २९: ३१-३३: ९३, ४: ६:
१०: ⌊(२५) २७⌋: ३०: ९५,२:
९६,४: ५:७; ९;१६: १७; ९७,
१-४: ⌊७[२]⌋:⌊८[२]⌋: १४: ९८, ⌊२:
१०,१५३,५⌋:४: ७:१०:९९,१:
५:६:१००, १:६: ९, ९,५: ७२,
⌊४: ८६, १३⌋: ५: ८५,२: ८७,
४: ८: ९७, ४६: १०, १९, ६:
२२,७: ९: ११-१३: २३, ६;७:।
२८, ३: ७[b]: २९,३-६: ३२, २:
३३, ३: ३८, १-३: ५: ४२, ३;
४; ७; ४७,१: ३-५; ८; ५०,३:
४; ५४, १; २:५: ५७, १: ५९,
१०; ६१, १५: २२: ६३, १४[c],

७३,३: ४;८; ७४,४; ८५, २५:
४५: ८६, २; ४; १५; १८;२२;
८९, ८:९; १२; १४; १५;१७;
९३, ११:९६,५; १२;१३;१०२,
३; १२: १०३,५[d];१०४,१: २;
४; ५;८: १११,१०;११२,२-४;
५[२]; ६-८ : ११६, १; ३; ६-८;
१३१,१;१३३,३:४;७:१३४,१:
१३८,१;१४८,१;२;४;५;१५२,
३-५:१५३,२-४;१६०,५:१६४,
४: १६७, १:१६९,३: १७९,२;
३; १८०, २, खि १. ८, ७: २.
१४, ६: ३,१, ३: ६: २,७: ३,
१:६: ७; ४,१; ४;८: ५,१; ५:
६,१: २: ५; ८: ९, १: १४,१:
२२, ९: ४, ६, ४[e]. ७,७: ११,
१३: ५, ४,१०: ७,४,१७; ११,
३[२]: १४,१: ३: २१,१: २: †मा
३,३४;४६; ५१; ५२: ७,२२$:
३७: ३८: ८,२: १५: ३४: ३९:
४४; १०, २२; १७,३७[e]: १८,
६९[२]: ७०: ७१; १९, ७१; २०,
५३: २१, ५७$; २६,२३: २७,
३५-३८: २९,५७: ३३,१८:२७:
२८: ३५: ४७; ६३ ; ६५-६७:
९५: ३८, २६$: †का ३, २,
६$: ३, २६: ५, ३; ७, १: २;
७,९, १$: २०,१; ८,१, १; ८,
१:१४,१; १८,१; ९,३,१; ११,
७,२: १८,४,५[e]; २०,५,२[२]; ३;
४:२१,४,२१;२२,५,७; २३,६,

[a]) =मपा. जैमि १,२२१ आपमं १, १,९। माग्र १,८, ११ तु इन्द्रः इति पाभे.।

[b]) तु. पपा. वें. सा. GRV. प्रभृ.; वैंतु. पाठः? इति कृत्वा इन्द्र-देव->इन्द्रदेवाः ⌊सं३⌋ इति LR. (तु. B. JAOS ३१, ६६), इन्द्रदेवाः ⌊प्र३⌋ इति ORN., इन्द्रम् इति Pischel (JAOS ३१, १३७)?। इन्द्र-देवताको वसुकार्षश्चाऽयं मन्त्र इत्यत्रैव यथासंप्रदायं श्रुति-स्वारस्य-दर्शनादनपेक्षिता एते शोधा इति कृत्वा माम्>त्वाम्, वधीम्>वधीर्, वम्>वर् इति शोधत्रिकं तु स्यात्।

[c]) त्रिप. (रथ-) इति कृत्वा बस. विधयोत्तरेण सानसिम् इत्यनेन समस्तमिति विमृश्यम्।

[d]) सपा. काठ १८,५ विशिष्टः पाभे.।

[e]) सपा. आपमं २,८,८ हिग्र १,११,१ विशिष्टः पाभे.।

१०$; २८, ८,१; २९,५,४-७;
३२,२,१;१०;११;३,६;४,४;५,
९;११-१३; ३८,६,१$; †तै १,
४, १२, १$; १९, १; २२, १;
३०, १; ३९, १; ४२, १; ४४,
१; ४६, १; ५,६,४; १०, ३‡[a];
६,१२, ३$; ४; ५[२];$;७, १३[२];
८,३,१; ५,१;२; २,४,१४,१$;
३[४]; ५,१२, ५; ३,१, १०, २$;
$२,६,१;८,५; १०, २: ४,११,
३; ४; $५,८,१; ९,२; ४,६,४,
२[b]; ६,७; ७,४,१५,१; १७,१;
†मै १,३,१४$; २२;२३; २६;
३८;९,१[२]$; १०,२; ३[२]; २,२,
६;७,१२[२]$;१०,४[b];१३,९[६]:३,
१६, ३; ४, ११, ३[२०];४[२]; १२,
२[२]$; ३[११];$[२]; ६; १३,७; १४,
५[४];८[४]; १२; १३[२];‡[d];१४:१८;
†काठ ४, ५$; ८; १०; ११$;
१२; १५[२]; ५,२$;६, १०[२]; ७,
२;८,१६[६]$;१७[४];$[२]; ९,४;६[२];
८[२]$: १८; १०,१२[२]; १२,१५;
१३,९$; १७, १८[२]; १९; २१,
१३[२]; २२, १४[२]$; २३, १२[२];
२६,११; ३२,२$; ३३,७; ३५,
८$: ३८,७[२]; ९[२]$; ३९, १२[६];
४०, १०[२]; ४४, ४; ६; ४६,१;
†क ३, ४$; ६[२];८; १०; ८,७;
९[२]; ११[२]$; २८,३$;५[b]: †कौ
१, १२०; १२२; १२६; १२८;
१२९;१३२:१३६,१५९: १६२;
१६७;१७३; १८१;१८७;१९३;
१९७; २०३; २०५; २०७;
२०९$; २११; २१२; २१३‡[e];

२१५; २२९; २३०; २३१$;
२३३;२३४;२३९;२४०; २४५,
२४६;२४८;२५८;२६०[२];२६२;
२६४; २७०, २७४; २७७-८०;
२९२; २९४$: २९६; २९८$;
३००-३०२; ३१०-३१२;
३१४-१७; ३२४; ३२६;
३३६$; ३४४; ३४५; ३४७;
३४८; ३५१; ३६६;३७३;३७९;
३८४; ३९१-९४; ३९८; ३९९;
४०५-७; ४१४-१६; ४२४[२];
४४४$;४५३$; ४५५$; ४५९;
४६६; ५३१; २, १७; १८,
३०; ३१: ५९; ६०; ६८; ७५;
७८: ८९; १४८; १५९: १६०;
१६३; १७५; १७८; २०२;
२१२: २३४; २७७: २७८;
२९९; ३००; ३३८: ३५४;
३७६-३७८; ३९३‡[f]; ४२२,
४४०; ५१९; ५२२; ५८१:
५९७; ६७१;६७२;६९६;७३९;
७४१: ७६१; ७६२; ७७१;
७८३; ८२१: ८५२: ९३१:
९८७; ९८८; ९९४: ९९६:
१०१०-१२; १०३२: १०६८:
१०७२:११४६:११५२:११५३:
११५६:११५७:११८४:११८६:
१२०३[b]: १२१४$: १२१५$:
१२१७; १२१८: १२२३: $३.
४, ९: ११: ४, १०$: †जै १,
१३,६:८: १४,२: ४:५:८: १५.
२; १७, ५; ८: १८, ३; ९;
१९,७; २०, ३:९: २१,४: १०;
२२,२; ४;६$: ८;९$; १०‡[e];

२३, २; २४, ५; ६; ९$;२५,
१;२; ७; २६, ३;४; ६;२७, २;
८[२]; १०; २८, २; ८; २९, २;
५-८; ३०, १०; ३१, २$; ४;
६$; ८-१०; ३२, ८-१०; ३३,
२-५; ३४, २; ४; ३५, ५$;
३६, ३:४: ६;७; १०;३८, ७;
३९, ४; १०; ४०, ६-८; ४१,
६[२]; ४३,४;४४, १-४; ८;४५,
१; ७-९: ४६, ८$; ४७, ७$;
८$: ४८, ३; ६; ५४, ७; $२,
४, ३; ४[२]: ९; ७,४;३, २, ७;
९; ४, १; २; ६, ५; ६; ७, ६;
८, १; ४; ९, २; १४, ९: १५,
७;८; ११: १२; १६,१३: १६;
१८,९;१९,७; २०,१८; २३,९;
११: २४, १५; १६; २८, १०;
११; २९, ११; ३०, १९-२१;
३१,१३‡[f]; ३२,१२; ३३, १५;
३४,२३$; ४०,१५;१८;४७,७;
४८, १३; ५५, १२: १३; ५६,
२३; ४, १,५; ६,४, २;६, १;
८,१: ७; ९: ९, १०; १२, ५:
२१, ९; २७, ३; ७; शौ १,०,
३: १९,१: †२१, २-४; २, ५,
४[२]; १२, ३:२७, ७†; २९, ३;
३,१,३: ४†: ३. ६: ४, ४, ४:
२२,१: ३: ५,८, ७: ९[२]: २३.
२: २८, ४: ६, ४५, ३†; ६६,
१;३: ८२, ३; ९८, २;३; ९९,
१: १२६,३†: †७, १३, ३$[g]:
५२, ४: ७५, २; ७६, १;
८१, २; ८९, ३; १०२, २:
१२२, १: ८, †४, ८:१९:२२;

a) सपा. ऋ १०,१७,१४ सहु इति पाभे.।

b) पाभे. कृते पृ ८०८ e टि. द्र.।

c) सकृत् °न्द्रः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. ऋ १, १६५,७)।

d) सपा. ऋ १,१६९,८ देव इति पाभे.।

e) सपा. इन्द्र<>इन्द्रम् इति पाभे.।

f) पाभे. कृते पृ ८०५ e टि. द्र.। •

g) सपा. आपमं २,६,१२ अग्ने इति पाभे.।

५,१५;८,७;९, २१;९,४,२३†;
११, ११, २३; **१३**, १, ५९†;
८,१;२; **१४**, १, १८†; ४१†[a];
२, ६४; **१७**, १, ९; १०;११^{३};
१२;१३^{४};१४; **१९**, ८,६; १३,
५†[b]; १५, १†; २; ४†; ४२,
३; ५५, ६; †**२०**, ३, २; ३;
५, १; ५; ६, ५; ८, १; ९, ४:
१२, २; ४; ५; १४, २; १५,
४-६; १८, ४; २०, ३; २१,२;
३; ५: ७; १०: ११; २३,१:४;
७: ९: २४, १: २; ७-९, २५,
१; २७, १: ३: ६; २८,४:२९,
३;५:३०, ५; ३२, २; ३; ३३,
१;३: ३४, १८; ३६,४;९:१०:
३७, २: ६; १०; ११: ३८, २:
३; ४२,३;४३, २; ४६,३; ४७,
८; ९; ४९, ७; ५०, २; ५५,२;
३; ५६, ३; ६; ५७, ६; ६०,२;
५; ६२, २; ६;७: ६३, ७; ६४,
१; ६८, ९; ६९, ५: ८; ७०,
१; १७; ७१,५; १०; ११;१३:
७२, २^{२}; ३; ७३,२; ७४,१-७;
७५, १^{२}; २^{२}; ७६, ३-६; ८१-
८२, १; ८३, ३; ८५, ३; ८६,
१; ८७, २-४; ६; ८९, ३; ४;
७; ९२, २०; ९३, ५-८; ९५,
३; ४; ९६, ५; ९८,१;२;१००,
१; १०५,१;२;१०६, २;१०८,
१; १११,१;११२,१; ३;११४,
१; ११५, ३; ११७,१;२;१२०,
१; १२१, १; २; १२५, १;
१२६, २; ४; १५; १८; २२;
१२७, १३$; $१२८, १२;
१४; १६; $१३५, ११; १२;
१३७, १०; ११; पै **१**, २०, १;
४; ५१,३; ६६, ४; ७७, १; २;

२,५,२; ७,१-३;५;१६, ५; २५,
१; ५९, २; ७४, ६; †८८, २;
३; ५: **३**, ५, ३; ६, ३-५; २१,
१-३; २७,१; ३१,२; †३५, १;
४; ३६, २†; ३; ४; ५†; ६‡[c];
४,५,७; †२६,५; ७; ५,४,७†;
१३; २६,३; **६**,९,६; **७**, २, २;
४,५†; १८,२^{२}; ६;८^{२}; ८, ११,
६; १८,१; ९,४,१२; १०, १२;
११, ५, ६; **१३**, †६, ४; १२;
१४; ७,१६; १०,११: ११,२१;
१४,३,२२; **१५**,१,३: १२,१†;
२२,९; २३, १२; १३: **१६**, ८,
१०; ९, ८†; १०, १०†; †११,
२;४: १९,९; २६, ४†; २८,५;
७: २९,६; ८०,५; **१७**, १३,४;
१५,२; २५, २†; **१८**, २, ८†;
१३,३; १८,१; ३१, ४: ५; ६^{३};
७; **१९**, ३, १४; ११, ८; १०;
१३; १२, १४; १५; १३, १;
१६, ८†: १७,६; १२; २१, ७;
३६,६†; ४१, ८; ४२, ५; ५०,
१४: ५१,७†; **२०**, ९, १; १९,
३; २१, ४; २४, ६; २८, ९;
३१,७†; ३३, १०†; –न्द्रः
ऋ **१**, २, ५; ६; ५, ९; ७,
⌊२^{२} (८, ३३, ४)⌋;३; ९; ८,५;
१०,२; ६; ११,४; १६,८; १७,
५;१८,४; ⌊५; **४**,३७, ६⌋; २३,
२४; ३०,१६; ३२,५; ९; १३;
१५; ३३, १०-१३;४०,⌊(३६,
४)५; **७**, ८२, १०; ८३, १०;
१०,६५,१⌋;५१,९; ११; १४^{२};
५२,⌊२(८,१२, २६)⌋;५; ५४,
१०; ५५,⌊२; ८,१२,१२⌋;६१,
९;१०;१५; ८०,५; ६;१०;८१,
१; ६; ८३,६; ८४, ७-९; १३;

८५,९;८९,६; ९०,४; ९;१००,
⌊१-१५⌋;⌊१९;१०२,११⌋;१०१,
२;४;५; १०२,६; ९[c]; १०७,२;
३;११०,७; १२५,२; १२९, ८;
१३०, ३; ४; ८; १३२, २; ३;
१३३, ७; १३५, ४; ७;⌊७; **४**,
४९, ३; ८, ६९, ७⌋;१६१, ६;
१६२, ⌊१; ५, ४१, २⌋; १६३,
२; ९; १६४, १९; १६५, १०;
१६६, १२; १७३, ४; ६; ९;
१०;१७७,⌊१,**४**,१७,५⌋;१७८,
२^{२}; ३; ४; १८६, ६: **२**, १,३;
११,९; २०; १२, १-१४; १४,
२;६;१५, १; ⌊२-९⌋;१९, १-६;
२०, ३; ५-७;२१,४; ३०,३;८;
३१,३;३८,९;४०,⌊२ (**६**,७२,
४)⌋;४१,१०-१२; **३**,४,६: २२,
१; २५, ४; ३०, ३; ११; १४;
३१, ४; ११; १५; ३३,६; ३४,
१; ३-५; ७;९; १०; ३६,५; ६;
८;३९, ४-६; ४३,४; ४४,३;५;
४५,२; ४६,३; ४८, ४; ५०,१;
५१,३; ५३, ९; १७; ५४, १५;
५७, १; २; **४**,१६,५; १०-१२;
१९; २०; १८, ३;८; ११; १९,
४;७; ८;२०,१; ६;२१,१; १०;
२२,१; २३,३; २४,२; ७; २५,
३;६;७;२७,५;२८,१-३;५;२९,
३; ३०,१६; १७;२०; ३१;३४,
१;४२, ३; ५; ४३,३, ४७,⌊२;
५, ५१, ६ (८, ३२, २३)⌋;
३; ५०, १०; ५४, ६; ५५,१०;
५७, ७; ५८, ४; ५, २, ⌊८;
१०, ३२, ६⌋; ३, १; २९, ३;
⌊३; ३०, ११⌋; ४; ७; ३०,६;
९; १०; ३१,१;३; १२; ३२,३;
६;⌊७; **७**, १०४, १६⌋; ३४,१;

a) पामे. पृ ८०८ *a* टि. द्र. । b) पामे. पृ ८०८ *d* टि. द्र. । c) सपा. इन्द्र<>इन्द्रः इति पामे. ।

८;३६,१;३७,४;४०,४; ४२,५; ४९, ३;५१,१४; ६,१७,९;१८, १;८;१९, १; २०,३; ५;८;२१, ४; २२,७;२३,⌊३; ४४,१५⌋:९; १०[२];२४,५; २७,१;२; ५;२८, २; ५; २९,६; ३०, १; ३२, ५; ३४,२; ५;३७,२; ४: ५[२]; ३९, २; ४४, १२; ⌊१४; ७,२३, ३⌋; ४५,१;२;४७,२;११[a];⌊१२;१०, १३१,६⌋; ⌊१३ (७,५८,६: १०, ७७,६) १०,१३१,७⌋: १६-१८; ५१,११; ५२,६; ११: ५६, ⌊२; ८, १७, ८⌋; ५७,४; ६९,८; ७, १८,४;५;९; ११;१३: १६;१७; २०, १;२; ⌊३: १०,२९,८⌋:४; २१, १; ४;७;२६,३;८: २७,३; ४; ३२, १०:१२; ३३,२: ३:५: ३४,४;⌊२५;५६, २५(१०,६६, ९)⌋;३५,६: ४०,२;४७, २: ४; ४८,३; ४९, १; ५१,३: ८४,२; ९३,८; ९७,⌊१०:९८,१०⌋:९८, १; १०४, २१; २५; ८,२, ४[२]: ⌊३२;१६,७⌋;३४;३,६[२];८; २१; ४,११; ६,१; ५; ११; १२, ९; १३,१; १४,७; १६, ५; ६; ७[२], ⌊११; ६९, १४⌋; १४;२१, १७; २५, १४; २७,६; ८; ⌊(१२,५) ३२, १२ (६१, ५; १०, १३४, ३)⌋;१८; २८; ३३,५; ९; १७; ३४, १६; ४०,⌊(६,४१)५⌋;४५, ⌊१-३⌋;७; ९;२६;५२,१०; ६१, १;१५; ६२,९; ६३ ३; ४; ६६, ः; ४; १०; ६७,८; ११;७०,७; ७२, ८; ७६, २: ३; ७७, ४-६; १०; ७८, ५; ८९,२: ९०, १[b]: ९२, ⌊(१५,१) २ (५)⌋; ३: ४; ९३,३;८; ३२:३४; ९४,६;९६, १२: १३: १५; १००,३: ७: ९, १, ⌊१०: १०६,३⌋:५,७;९;११: ६, २; १९, २; २३,७; ६३, ९: ८८, ४; ९५, ५; १०८, १४: १०९, २: ११३, १; १०, ८,९: १९,२;२२,१: २: २३,⌊(८,८६, १३)२⌋;३:४.२९.१:३०,४:३२, १; ३६, ५: ३७, ६; ४२, ⌊११: ४३,११; ४८,११⌋: ४३,३; ४८, २:५: ४९,११; ५०,२; ६५,१; ६६, ३; ६७,६; ⌊१२:१११,४⌋: ७३,५:६; १०: ७४,६; ८३,२[c]: ८४, ५.८६.⌊१-२३⌋:८९,२: ३: ७. ⌊१०(१०, १११,५)⌋: १०[७]: ११;९०,१३[d]; ९२, ४; ६; ९३, ९; ९४,९: १००, ४; ५: ११; १०२, १; ७; १०३, १. ३; ७: ८: ११; १३: १०४,१०: १०५. ३:४[२]: १०८,३: १०: १११, ३: ५; ११३, २; ५; ७; ९; ११६, ४; १३८,३; १३९,३; ४[e]; ६[f]; १४४,६; १५२,२; १५७, १-३; १५९, ⌊४; १७४, ४⌋; १६०, ३; १६१, ३; १६६, २; १७३, २; ३; ५; ६; १७४, १; खि १,२,१८; २,६[२], २०; १०, ५; १३,३: ३, ४, १०; १०, ५; १६,७; २१,२; ४,५,२७: २९[g]: ६, ६: ८, १; ५, १, १; २, २[२]: ४,५: ५,२[२]; ३[२]; ११[११]; ६, २; ५; ७,४ ,१[२]-३[२]; १२;१५; ११, १:७,७,५; मा १,१३;२,८:९[h]; १०; २२[i]: ५, ७; ७,२५:३२†: ३९† ; ४०† : ८, ३७ ; ५५ : ५६; ९,३३: ३९; १०, ९: २८: ११. ६० ; १२, ४७† : ६६† ; ९८; १४, २०; २९; १५, ११: १७, ३३: ३५† ; ३९† : ४०†; ४३†: ४६†: ४८‡[j];६३; ९२†: १८, १६[६]; १७[६]:१८[६];७६; १९, ३५: ८५; २०, २६: ३६: ३९: ४६:४७†; ४८†; ४९†; ५०†[a]: ५१† ; ५२† : ६०: ६५: ८० : ९०; २१, ३४: ४२:४५[k]: ५५: ५८; ६० ; २३, ४८: २५, १९: २४:४६[२]†: २६,१०; २८,११[l]; १९: †२९, १३: २०; ३२, १५:

[a]) =सपा. मउ २०,३ । तै १,४,४१,१ तैब्रा १०,१, ११ मउ २०,११ तु विशिष्टः पाभे. ।

[b]) सपा. इन्द्रः<>इन्द्रम् इति पाभे. ।

[c]) सपा. तैब्रा २,४,१,११ भगः इति पाभे. ।

[d]) =सपा. तैब्रा ३,१२, ६ । मा ३१, १२ तु विशिष्टः पाभे. ।

[e]) =सपा. तैब्रा ४,११,७ । मै ४,९,११ तु रुद्रः इति पाभे. ।

[f]) पाभे. कृते ८०४ *h* टि. द्र. ।

[g]) सपा. खिसा २९,२९ सोमम् इति पाभे. ।

[h]) सपा. इन्द्रः (माश १, ८,५,४ च)<>इन्द्राय (आपश्रौ ८,१२,४ च) इति पाभे. ।

[i]) =सपा. माश १,९,२,३१। शौ ७, १०३,१ तु देवैः इति, तैब्रा ३, ७, ५, १० आपश्रौ ४,१२,३ इन्द्रेण इति च पाभे. ।

[j]) सपा. ऋ ६,७५,१७ विशिष्टः पाभे. ।

[k]) सपा. मा २१, ४४ सरस्वती इति, काठ १८, २१ बृहस्पतिः इति च पाभे. ।

[l]) =सपा. तैब्रा २,६,७,६ । मै ४, १०,३;१३,५ काठ १५,१३ तैब्रा ३,६,२,२ तु अग्ने इति पाभे. ।

†३३, २४; २६; ९५; ९७; ३४, ५७†; ३५, १३; ३६, ८; ९†; ३९.६; का १,४,३; २, २, ३: ५[a]; ९; ५, ५[b]; ३, २, ७[४]; ५, २,६; ७, १०, ३; १४, १†; २१-२२,१†; ८, ११,२: ९, ७, २; ४; १०,६,३; ११, ३,१; ४, ६; ८,४; १२, ५, ११; १३ ४, ३†; ५,५†; ६,२४: १५, ५, ६; ९, २; १६, ३, ४; †१८, ४, १; ३: ७: ८; ११; १४: १६‡[c]; ५, १४$; १९, १, ६†; ६, १[२]-३[१]; २०,५,९; २१,३,४; ६,६; २२, २.३: ४,१;४;११;५,१-३;४†[d]; ५†; ६†; ६,६; ११; ८,१;११; २३, ४,६; ५,२; ३[e];६,८; ११; १३; २५, ९,४: २७, ११, ६†: १२, १; १५, १[३]†; २८, ९, १; ३०,१,११[f]; २,८; †३१, ३,२; ९; †३२,२,७; ९; १०, ३५,४, १२; ३६, १,८; ९†; ३९,४,१: तै १, १,५, १; १२-१३, १; २, ११, १; ४, २०-२१, १†; ४१, १; ६,३, २; ४, २; ३; ९, २¶; ११, ६¶; ७.६, ३¶; ८,१¶[g]; ११, २; †१३, २; ४; ५; ८, १०,२; १२,२; १३,१; १६, १; २२,५†; २,१,४,५[२]¶; ५,१¶;

११,२;३; ¶२,४,४; ८,५; ११, ५[२]; १२,४$; ¶३, २,५; ८; ३, १; ४,२; ६,२[३]; ७, १; १३, १; २; १४, ५[२]†; ¶४,२,२;५,१$; १२,१-३; ४[२]; ५[२]; ७$; १४[२]†; ¶५,१,१; २, १; २[२]; ३; ६; ३, १: ६:७; ४,३;५,२; ३,१,६,२; ३: ९,२; २,५,४[h]; ८,६: †११, २: ३; ३,१,१;२; २,१; ७,३¶; ११,१†: ४,४,१¶; ५,१; ५,५, २: ४, १, ६,१:†२,४, २;५,५; ३,३,१: ७,२; १०,२; ४,२, १: ९,१: १०,२[२]; ३; ६,३,४; †४, १[२]. ३[१]; ४; ५‡[c]: †७, १; ४, ८,१†; ७,६; १[८]; २[१२]; १२, १; ¶५,२,६,१; ३,४,२; ४, १, १, ५,३; ८,३[२]; ५,१०,१: $६, १, १: ३[२]; ६, ३†; ७, १, ३; २, ३$: ¶६,१,१,५: ७; ३,४;६[२]; ११,१; ६$; २, २, १; ५$; ४, २; ४; ७, ५; ४,२,२; ६,१; २; ७,३; १०, २; ५, १, १, ५, १; २; ३; ९,१; ३; ११,३; ६,६,१; ८,३; ११,२; ६; ¶७, १,१,४; ५[२]; ६, १; ७†;२,५,२: १०,२[२]: ३,६,१:७,१;१०,४; ५,१५, ३; ¶मै १, $१, ४; १३[२]; २, ७$; †३, २४; २५; ३२; $४, १;

५; $५, ३[1];४; ६, २[२];†: $[1];३; ५; ९[२]; १०; १२; ७,१$;८,६; ९, २$; ३;६;८; १०,५[३]; १२; १३[२]; १४[२]; १६[३]; ११, १०[३]$; २, १,३[३]; ४[३];९; २, ५[२]:$: ६; ८[३]; ९[२]; १०[४]; ११[२]: १३[३]: ३, ७[२]; ८$;४,१[२];२[२];३[४]; ४†:६[४]; ५,३[३];४;५[२];१०;६,६:८-१०$; १२$; ७, ६$; ११†; १२†; २०$; $८,३;६;९; १०, ४†; ११,५[२]$; १२,२$: १३,१[३]$; ६[४]†; १४$; २०$; २१$: ३, ३-४,१; ६,३[२]; ८[४]; ७, ६; ८[३]; १०[२]; ८,३[३];†; ८; ९, १:३:४[२]; ५; १०, ५; ६[३];$: $११, १[४]; २[१]; ३[२]; ४[२]; ५[२]: ७: ९; १६, १†; ४$; ४, १,१$:१०; १२; १४[२]; $; २, ४: ६: ९; १०[३];$[२]: ११$; २३:३,१[२]; २[२]; ३[२]; ४[३]; ९[२]; ४,२$; ३[३]:$;५[२]; ७[२]; ९; ५,७; ८; ९[३]: ६, ३; ५: ८[२]; ७,३[३]; ४[३]; ६[२]: ८[२]: ९: ८, १[४]: १०;९, २७[३];†[२j]; $[k]; १०, ५†; ११, २[२]†; ३[२]†; १२, २[४];†; $[३]; ३[८]; †[(1)]; $[२]: ४[२]†; ५[२]†:६[२]†; १४,५[४]†; ७[२१]$;‡[m]; १२[१]; †[२]; $[४]; १३[२४]; †[३]: $[११]; १४[२]†; १७[२]$; १८; काठ १,

---

[a]) पाभे. कृते पृ ८११ *h* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ८११ *i* टि. द्र. ।

[c]) पाभे. कृते पृ ८११ *j* टि. द्र. ।

[d]) पाभे. कृते पृ ८११ *a* टि. द्र. ।

[e]) पाभे. कृते पृ ८११ *k* टि. द्र. ।

[f]) पाभे. कृते पृ ८११ *l* टि. द्र. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ८०६ *c* टि. द्र. ।

[h]) सपा. माश १४, ९, ४, ५ बृउ ६,४,५ तेजः इति, तैआ १,३०,१ मंब्रा १,६,३३ आगृ ३,६,८ मागृ १,३,१ हिगृ १,१७,४ आयुः इति, माश्रौ १, ३, ४, २३ अग्निः इति च पाभे. ।

[i]) मपा. तै ४, २,८,१ विशिष्टः पाभे. ।

[j]) मक्तृ पाभे. कृते पृ ८११ *a* टि. द्र. ।

[k]) मपा. तै २, ४, १४,१ शाश्रौ ५, ८, ४ राजा इति पाभे. ।

[l]) पाभे. कृते पृ ८११ *a,c* टि. द्र. ।

[m]) सपा. ऋ ३,५९,१ तै ३, ४, ११,५ काठ २३,१२; ३५,१९ तैआ ३,७,२,४ आपश्रौ ९, २,६ माश्रौ ३,२, ८ या १०,२२ मित्रः इति, शौ ४, ११, १ कौसू ६६, १२ अनड्वान् इति, शौ १०, ७, ३५ स्कम्भः इति च पाभे. ।

११; १२[२]; २,८; ३,९; †४,
८[२]; ११; १३; ५,२; ३; ७,२;
४¶; १०¶: १४†; ¶८, १;
४; ५; १४$[a]; १६[३]†; १७†[३];
९, १०; ११¶; १४¶; १९†;
¶१०, २[२]; ८[४]; ९[५]; १०[२]; ११[२];
१२[२]$[b]; १३†; ¶११, १[२]; २[२];
३[२]; ¶१२, ३[३]; ५[२]; ७[२]: १०[२];
१२[२]; १४[२]†; ¶१३ ३[२]; ४[२];
५[३]; ७[२]; १५[२]; †;$[२]; १६[२]†:
१४,४[२]¶; १५, ५¶; ६; ७[२]; ८;
१६,५; ११†; १२: १७,३; ५;
८: १८[३]†[c]; १९: १८,३: ५[२]†;
१०[१८]; २१; २०, ४¶; ¶२१,
१:८;११; २२, ८¶: ¶२३,१[२];
२; ४[२]; ११[२]†; ¶२४,३; ६;७:
९[२]; ¶२५,२[२];४[२]; ¶२६,४;८;
¶२७, १: ३[३];८; १०: ¶२८,
३[८]; ४†; ९[२];¶२९,१[३]; $; ७[४]:
९; १०; ¶३०, १[२]; ५; ६$;
¶३१, ८[२];९; ३२,१[२]¶: २;३:
५¶; ३३,४¶; ¶३४,१[२]: ३;४:
१५[३]; १६; ३५, १†, ३; ७[३]†:
२०[२]; ¶३६, ७; ८[२]; ९;१०[२];
३७,२¶; ८¶; ९[३]; १०;११[४]$;
१३;१४[२]†; ३८,२;३;६[३]; ७[२]†;
८. ३९,१[d]; २[२]. ४; ७; १२[४]†;
१३; ४०, ६[३]; ७†; ९; †४६,३;
४; ¶क $१, ११; १२; २,२$;
†३, ६[२]; ९; ५, २$; ३; ९; ६,
६;९;७,१;४†; ८,२$;२५,२†;
३$; $२६,२; ४;७; २८, ३$;
५[४]†; १०[१८]$: ३१,३†; ६;३५,
२; ७[२]; ८; ३६, १[२]; ३७,४; ७;
८; ३८, २[२]; ५[२]; ३९,१[२]; ४१,
२;६;४२,१; ३[३]; ४४,३[२]; ४†;
१[२]; ४५, ७[२];$; ८[२];४६,२; ३;
४[२]; ४७,८[२]; ९; ४८,२†; ४$;
९[३]†; १८[२]; †कौ १, ५१‡[e];
१२७; १३१; १३३; १४५;
१४८; १६६; १७९; १८२;
१९६[२]$; १९९;२००: २२६$;
२६८:२७५; २८९;२९०:३०८:
३१३; ३२३; ३३३: ३३७$;
३५९; ३८९: ४११: ४३८$:
४४५$; ४५२: ४५६$; २,४६:
६४: ६५; १४७[२]: १४९: २६३:
२७५‡[f]: ३०४$: ३५१: ३५२:
४४७: ४६०-६२: ५६८: ५७३:
५८३; ६००: ६५७: ६८८-९३;
६९५; ७१९; ८०२: ८५१:
८६७‡[e]: ९२४: ९३८[२]; ९७९;
९८०; ९९०; १००३; १०२८:
१०४८: १०६९: १११८$:
११३७: ११४१: ११८१[२]$:
११९९: १२०१: १२०५:
१२०६: १२०९: १२१२:
१२२१$;१२२५;३,१,२:२,३[५]:
४, ५$: †जै १,५,७‡[e]; १४,३:
७:९: १६,१: ४; १८,२: १९,५:
८: २१,३[२]:६: ७;२४,४$: २५:
८‡[g]; २८,६: २९,३: ३०,७:८:
३२,६: ३३-३४,१;३५,२: ६$;
३७, ८; ४०, ३; ४३, ९: ४६,
२$; ९$; ४७, ६; १०$: ४८,
१![h]; २, १,१; ३, ५; ४, ६$;
५,८[२]; ७, २$; ३,६,११$: ७,
२: ३; १४, ८[२]; २२,१०; २३,
७‡[i]; २९,८; ९; ३४, ५: १८-
२०; २२$; ४६, ११: ४७, ९;
४८,१६;५४,१०; ५६,१८-२०;
२२; ५९,११; ४,२,५; ४, १०;
५,४; ८,४; ११,३: ४: १२, ४;
१६, ५[२]: १७,४-६; २१, ५‡[e]:
२३, ५[२]; १०; २४, १: २६,७;
२८,७: शौ १, ७, ३: ४: ७:९,
१: १६, २; २१, १†: २६, २:
२९,१†; २,५,३; १४,४[२]: २७,
३-५:२९,७: ३,१,६:३,३:८,२;
११, ३†: ४‡[l]; १२, ४: १३,
२:३:१४,२: १५, ६[j]: १७,४†;
२२, २: २७, २: ४, ३.५: ५,
७: ११,२: ३;७: १९,८: †२१,
२:५: २३,५;३२,२†[k]: ५,८,८;
१८,५:६; १४:२१, ८:११:२३,
१: २४, ११: २५,४:६: २६,३:
११: २९,१०; ३१,१२: ६,३०,
१: ३३,३: ३९,३: ४०,२: ४७,
२: ५८,१-३: ६५, ३: ६६,२,
६७, १: २: ७५,१; २:†८७,२[l]:
३: ८८, २†: ९४, ३, ९७-९८,
१;१०३,२: ३: १०४,३: १११,
४[a]:१२२,५: १३८,२:१४१,१:
७, २५, १: ४५,१†: ५३,१†;
८६, ६[m]:९१, १†[n]: ९४, २†;
९६-९७, १†: ९९, १: ११५,

a) पाभे. पृ ८१२ *h* टि. द्र.। b) सकृत् पाभे. कृते पृ ८१२ *k* टि. द्र.। c) सकृत् पाभे. कृते पृ ८११ *a* टि. द्र.।
d) पाभे. कृते पृ ८१२ *i* टि. द्र.।
e) सपा. ऋ ८,१०३,२ अच्छा इति पाभे.।
f) सपा. इन्द्रः<>इन्द्रम् इति पाभे.।
g) पाठः? (तु. सपा. ऋ ८, ६१,७ इन्द्र इति पाभे.)।
h) पाठे? इन्द्रम् इति शोधः (तु. सपा. ऋ २,२२,१-३)।
i) त इन्द्रो अग्निः इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,१६१,४ मा १४,३६ इन्द्राग्नी इति पाभे.।
j) सपा. आपमं २,२२,४ हिगृ १,१५,१ सोमः इति पाभे.।
k) पाभे. पृ ८११ *c* टि. द्र.। l) RW. WI. इन्द्र इति।
m) पाभे. पृ ८१२ *k* टि. द्र.। n) पाभे. पृ ८११ *h* टि. द्र.

१; ८, १, १५; †४,१६; २१; २५; ५. ३: ५[a]: १०: १४;१८: २१; २२: ८,१: १८: २३: ११, ५: १४, २: ९. १,१५: २,१३: १७; १८: ४,११: २१; १२,१: २०; १४,१९†; **१०**,३,११; ४, १०; १२: १६-१८; ५,४७: ६. ७;८,४२†:१०,९: **११**,१,२७: ७,७: १६: १९: ८, २३: ९,१: १०,८: ९; ११, २०: २५: १२, ११: १६: २७: **१२**. १, १०: १८: ४०: २. ५४: ३,२४: **१३**, १,२७: ५१:३, १३: ८,१: **१४**. १, ३७†: २,४२: **१५**, १०,६: १४,३: **१७**,१,१८; **१८**,३,१२: २५:४,१५:**१९**,५,१†: ६,७†[b]: ९.६†: १२; १०, ६†; †१३,२: ४; ७: ९: ११: १५,३: १७,८: १९,९: २०,३: २८, ८[a]:२६,४: २७,१; ९: २८, ३: ३४,८: ९: ४३,६[e]:४५,७:४६,२: ३; †**२०**, २,३: ५.२: ७,३: ११,१: ३-५; ७;९: १०: १२, ३: ७: १३,१: १७, ३: ११: १२: २०. ५-७: २५, ६; २८, ५ ३४, १-१७: ३५,९; १०; १५; ३६, ७: ३८, ५[२]: ६: ३९,२: ४१,१; ४६, २: ४७,२; ५[२]: ६: ५३, ३: ५६,१: ५७, ८-१०: १३: ५९, ३; ६१, १[२];२:४-६;६७,१: ६९,७; ७०, ८[२];९; १५; ७१,१; ७३,४: ५: ७६, १; ८; ७७.५; ८७, १: ७; ८९, ११: ९१,६; १२; ९२,४; ८;११; ९४,१; ११: ९६,३; ८;

९‡[c]; ९९, २: १०४, ३; १०७, २: ११३, १: ११५, २; ११८, ४[२]: १२४,४[२]:५;१२५, ६; ७; १२६, १-२३: १२७, ११$; १२८, १४$: १३७,७; ९: १३: १३८, १: ५ १, १०-११, १: १३,४: १९,१; २१,५: २५, १: २७,३: ४: ३३,२;३४, ४; ३९. १: ४३,२: ४७,४: ५६.१: ६०, १: ६२,३: ६७,२: ६८,३: ७१, १: ३: ७२, २: ८६,२: ८९,३. १०१. ३: १०२, ४: १०८. ३: **२**. ७. ४: १३,१: १५, ५: १६, २: ३[२]; २२,५†: २४, ५: ३१, १[२]:२: ५१, २: ५२. ४, ६५,३: ६६, ५: ७४, ३: ७५,२: ८०,२: ४: ८६,२: ८८,४†; ९०,५; **३**, १, ८†: ४,२: ३: ६,६: १३, ३: १८, २; २४,२: २५,३;५: १२; १३: २७, ४-६; ३२,५; ३५,२: ३†: ३६,१: ३†; **४**,३,४;५;४, ३;४;७: ६, ७; ८,२: ११,३: ४: १२.५†:२०,३:२२, १[२?d]; २३, २:५: ३२, २: ३३, ५; **५**,१,४; ४, ११†: १२, ८: १७,५: २५, ८: २६,७: २८, ७; **६**,५,८: ७, ८:९, २; १८,२: **७**,२, १: †४, २:४.७;९;११: ६,६; ८,४;१२, ८; १३, १-१२: १४,८; १६,८; १८, ९: ८,१०,१२; ११,२; ९; १३, ४†; १७,९: १८,५; **९**,२, ३: ९; ४,१; ६,३; ४; ८;८,२; ९,४; १२,१२; १७,७-९; २१, ११; २२, २४; २६; **१०**, ३,६;

७,१; ९:११,१-१०; १२, १-५; १५,२; **११**,२, १; २; ३,८; ९; ५,१२; **१२**,३, ७; ६,२; ५; ७, ६;**१३**,२,५;१६;३,७; ८;११†; ५,५; †६, ५: ९; १३; १५: ७, १-११†: १२: १३-१६†; १७; १८: ८,६†; ९,९; ११,३; १३, ३: १४, ९: **१४**, १,१; २: १३; **१५**,१,४: ४, ७; ५, ४[e]; ६, ५: ७,९: ११, १†; १२, २†: १८, ४: **१६**, २, ५: ८, ७‡[f]; ११†; १०,६†: †११,१; ५; १५,१०: १६,२: ६;८: २५,१; २७,३;५; १०: २८,४: १०: ११; २९, १; ५: ७: ३०,६; ३१, ४: ३३,५; ४२,७: ६८, २; ६७, ९†: ७०, ८; ७२,९; ७३, ५[२]; ७७,३: ६; ७, ८२, १; ८५,७: ८: ९१,७; १०७, ९; १३५, ४; १३९, १; २१; १५३, ७; १५४, ६ : ९: **१७**,२,१: ९: ४,८; १३,३:१५, ३: २३,४; २७,१; २८,३: २९, १७[२]; ३५, २; ३८,४; **१८**, ४, ६†; ११,१; १७,७; १९,११†; ३०,२; **१९**,१,८; ४,२; ६,४†; ७†; ८†; १३; १४; ८, ८; १०, ६: ७;११,९: १२; १२,७; १३; १५,७: ९; १८, १०-१२; १३[g]; २१, ३; ९; १५†; २२, ५-७; १४; २३, १; ७; १४†; १५; २४,४; २८, ३; ५; ८?[h]; ३१, ८; ३४, १४; १५; ३७, ११; ४१,१; ५; ६; ४३, ८; ९; ११; ४८, १३; १७; ४९, ३; १२;

[a]) पाभे. कृते पृ ८१२ *i* टि. द्र. ।
[b]) पाभे. पृ ८११ *d* टि.द्र. । [c]) पाभे. पृ ८१३*i*टि.द्र. ।
[d]) मकृन् इन्द्रा इति पाठे? यनि. शोधः ।
[e]) तु. सस्थ. टि. मा √धा > मादधातु ।
[f]) सपा. ऋ **१०**,८७,२३ शौ ८,३,२३ विशिष्टः पाभे. ।
[g]) सपा. शौ **६**,१०३,१ मित्रः इति पाभे. ।
[h]) पाठे? इन्द्र मरुत्वस् त्वाम् ऋतास्, त्वम् आ मा, (षिग्र) तामिः इत्येवमुत्तरार्धः शोध्यः द्र. ।

५१, १५; २०, ६, १;१५,३†;
१८,४†; २०, ३; २१, ५; २४,
४; ८; २८, १; ४; २९, ६; ७;
४३, ४; ५०, १; ९; ५१, ९;
५४, ५; ५५, ९; ५६,१०; ६१,
९; –न्द्रम् ऋ १, ४,४; ५, [१;
८,९२,१]; [२; ८,४५,२९]; ६,
१०; ७, १^{३}; ५^{२}; १०; ९, ९;
११,१; [८; ८,७६,१]; १६, २;
[३^{३}: ३,४२,४: ८, ३, ५^{३};१७,
१५; ९२,५; ९७, ११; ९, १२,
२(१०, २१,६)]; २३, [७; ८,
७६,६]; ३०,१; [७; ८,२१,९]:
३२,७;३३,१;२; ८; ५१, १; २;
५२, [१; १६८, १]; ३: ४; ९;
५४,२; ५५,१; ५६,[४(९,८४,
२)]; ८०,१२, १५; ८४,२;१७;
८७,५; १०१, ६; ७; १०२, १;
१०४,२: १०६,१; ६; १११,४:
११९,१०; १२९, ४; ७: १३१,
१: २^{२}: १३६,[(१, १२,७) ६];
१४२,[४; ५,५,३]; १६४, ४६;
१७३,५:७; ११; १७६, [१; ९,
२,१]; २, ३,३;११,११;१४,३;
४: [१०; ६,२३, ९]; ११; १६,
१; ७; २०,४; २२,[१-३][a]; ३,
१२,३; ३०,[२२; ३१,२२;३२,
१७; ३४-३६,११;३८,१०;३९,
९;४३,८;४८-५०,५; १०, ८९,
१८; १०४, ११]; ३२, [७; ६,
१९, २ (४९, १०)]; १३-१५;
३४, ८; ३५, २; ३७, [५; ८,
१२, २२; ९, ६१, २२]; ३९,
१; ४०, ७; ४१, ५; ४२, ३;
४६,४;४७,[५; ६, १९, ११];
४९,१; ५०, ३; ५१, १; २; ९;
५३,१२; ४, २, १७; १६, १५;
१६; १७, ८; [१६; १०, १३१,
३]; १८,५; १०; २०, ५; २१,
४; ५; २४, १; १०; २५, ८^{५};
३२, १७; ३५, १; ३९, ४; ५:
४१,८;९; ४२, ८; ५, २९, २;
६; १२; ३०, १; २; १३: ३१,
४; ३२,११; ३९,४; ६, ४, ७;
१७, ८: १३: १९, ४; २०, ९:
२१,२; ९; २२, १; ३; ५; २४,
७; २८,५: २९, १; ४; ३४, ३:
३६, ३; ३७, ३; ३८, २: ३^{२},
४^{२}; ४२, २: ४४,४; ४६, [३;
८,५१,५]: ४७, १: ११^{४}; ४८,
१४; ५०,६; ५७,६[b]: ६०, १२;
६१, ५; ७, १०, ४; १८; १९;
२४; २१, ७; २३, १; [६; ९,,
९७, ४]; २४, २; २६,१;२: ५:
२७,१; २८,[५;२९,५; ३०,५]:
३१, [१२: ८, १२, २२]: ३२,
२०;३३,२: ३७,७; ३९,५:४१,
१; ४८,१; ८३,६; ८४,[५:८५,
५]:८५,३;९३,७; ९७,३:१०४,
२०: ८,१,१;१०; १५: २,३७;
३,५: १६; ४, १४: ६, ३; १५:
३४; [(२, ८, ५)३५; ९५, ६]:
४४^{२}; ७, २४: ३१: १२, २०;
१३,३; १६^{२}; १७;१४, ५; १२:
१५, [१; ९२,(२) ५]; [१३: ९,
१११, ३]; १६, १; ९ ; २४,
[१९; ८१,४; ९५,७]; २२; ३२,
[(१, ४, १०: ५, ४) १३]; ४०,
२; ४६,६; १२; १४; ४८, १०;
४९,[१; ६९, ४]; ५१, ३; ५२,
[६; ६१,१०]; १०;५४,२: ६१,
८;१०; ११; ६२, १२; ६४, ८;
६६, १; ६८, ६; [(३. ४२, ८)
७]: ७०, २; ३: ८: ७४, १०;
७६, [५; ८८, १]; ८८, १;
९२, २०: ९३, ७: २३; २५[c];
२६; ९५,६; ९६, ५: ९७, १०;
१३; ९९, ८; ९, ६,[४:२४,२];
७,७; १७, २; २४, २: २५, ५;
२७, [६: ६६, २८]; ४०, २[d];
४६, ३: ६३, ५; ६: २२ ; ६६,
२९: ६७, ७; ६९, ९; ७५, ५;
८०,[५: ८४, ३]; ८५, ७: ८६,
२; ४१: ९०, १; ५^{२}: ९६, २१;
९७,५: ६: ३६; ४९; १०६, १;
८: १०८, १४; ११०, ८; १०,
६,५[e]: २३, १; ३५,[१० (६३,
९)]: ३६, १; ३८, [(८, २२,३)
४]: ४२, १; २: ८; ४३, १: ४;
७; ४७, ७: ४८, ६ : ४९, २;
६३, ९; ७०, ११: ७३. १: २:
११:७४,५: ७६,१: ८६.१:८९,
१; ५; ९२ . ९४, ४ . ९६, ६:
९९, १२ ; १०१ . १२ : १०३,
६; १०४, ७: १११. १: १२०,
९ : १२४. ४ : ९ : १२६. ५;
१३१, ४: १४१, ५: १४३, १;
खि ३, १. १; ३, ३: ५: ४, ६:
१०; ६,२; ४,३,१: ५,४,७: ७,
४,१-३; ९-१२:५,१; ५:१४,४;
५; १५, ९[f]; २२, ११. मा १,
१३;७,३६†: ८,३५†: ४६; ९,

[a]) सपा. तैब्रा २,५,८,१० इन्द्रुम् इति पामे.। एतदनु पृ ८०४ *d* इन्द्रः इत्येवं शोधः कर्तव्यः।

[b]) सपा. आपमं १,६,१४;८,८ इन्द्र इति पामे.।

[c]) पामे. कृते पृ ८०९ *e* टि. द्र.।

[d]) पामे. कृते पृ ८१३ *f* टि. द्र.।

[e]) उसु–>–सुाम् (यद्र.) इत्यनेनैकवाक्यत्वेन संबन्धात् सूर्ये तात्पर्यं द्र.।

[f]) सपा. शौ २०, १३०,१६ देवम् इति पामे.।

११; १२[२];२७†; १०,१; ३३†:
११, १४†: १२,५६†: १३,२५;
१४,६: १५;१६; २७; १५,५७;
६१†; १७, २४; ३८†: ६१†,
८६[२]; १९, ३२: ३३:१४: २०,
४०-४३;५०[४]†;५४†: ६१:६२:
६८;६९;७३;७६; २१,२९:३२:
३६; ३८; ४०-४२: ४५[a]: ५१:
५३:५८: २५,३: २६.११†:२८.
१-७: ९: ११†[b]:१२[c]: १३-२२:
२४; २५: २६[d]; २७-३५: ३६:
३७[e]: ४५ : †३३ , १३ : २९ :
६४; ३४, ३४:३९.९: का १,४,
३: ७,१८,१†: ८,१०,१†:२१.
१; १०, ३,३:५,७†: ११, २,१:
१०, ३†: १२, २, ३†: १३,४,
१२†; १४,२,११: ७,१०: १५,
१.५: ३,५: ४,३[२]: ८,५: ९,४:
१६, ७,१; ४†; १८, २, ९: ४,
६†: ५,१२†; ७,७[२]; २१,३,१:
२;६,१५: २२, ४,५-८: †५,४:
८; ६,७, ८; ७, २; ३; ७: १०:
२३, ४,१; ४; ८: १०: १२: ५,
१;२;३[a];६,४:६;११: २७,३,१;
३० , १, १-४; ९; ११[b]: २,
१[c];२-११; ३,१;२: ३[d]: ४-११;
४,१; २[e];३-११; †३२,१, १३;
२,१२: ५,१०: ३९,७,१; मं १,
१, ५,१: †४, १७, १: ३८, १;
४६, १; ६,९, २¶; †१२, १[२];

२[१]: ३;५[१]; ६: ७,८,१: ४: १०;
२†: १३, १†; ४: ८, ११, १;
¶२,१,३,२[२]: ५[२]: ५,१: ४; ५:
६,२; ११, १[२]†: २,७, १[२]: २[२];
४[२];५[२]; ८,१-३: ४[२]: ५;६;११.
१-३: ६[२]: १२,३[२]†; ३,२,७;४,
३: ६, १[२]: १४, १[२]†: ४, २,१:
५,२,७: ३,१:७:४,४: ३,१,११,
४[२]†: २. ३,१: ५, २,१¶: ४[f];
४,१. २, १†: ३, ११, ३: १३.
८[२]†: ४,१,२[f]: ११, २: ६, २,
६:३,४†: ४.२†: ५,६[२];७,१४,
४:१५,२: ५,१,२,२†;३,६,२[f]:
४,६. ५†; ८, ३¶: ७. १४, १:
१८,१: ¶६, १,३,७: ७, ६: २,
२,५; ४. ६, १: ७,३; ¶७, २,
१०,२: ५,५, १[२]: ७,३: १५,३;
मै १, १,४:३,२०†:२१†:३४†;
५,४: ¶९, १[२]$: ३[२]: ४[२]; ५[२];
६[२]: १०, १६¶: ११, ३; ४[२]:†;
५[२]¶: २, ¶१, ११; १२: २,
६[४]¶ : ¶४. १-३; ५, ३¶; ६,
८:७,२†; ८,८[f]: १२[२]: १०,२;
४†: ५† : ११, १[२]: १३, ६[४]†:
३. ३, ७¶: ८†; १०: ४, १¶;
३; ६, ८¶: ७,७¶; ८,४; ११,
१[२]: २[२]: ३[२]; ४[६]; †; ५[g]; ७[२];
९; १५, ३: १६, ५; ४, ३,४¶;
५, ४¶; ८, १¶; ९, २७[४]†;
१०, ५†;६[२]: †११, २: ४; १२,

२†; ३[८]†; ५;६; १४,५[२]†; ७[६];
८†; १२[२]; १८†; काठ १, ११;
४, ८[२]†; ११†; ७, २; १०¶;
८, १६[६]†; १७[२]; †; ९, ८[२]:
११[४]¶: १४[८]¶; १९[३]†; ¶१०,
५;९[२]; १०: ११, ३¶; ¶१२,
३[२];१०:१२; †१३, १०¶; १५;
१६: १४, १[२];२†; ५¶; ७[२].¶:
१५, ६; १६, १†; १७[h]; २१:
२; १७, ७[f]; १०[३]; १८[४]; १९[२];
†: १८, २†; ३†; ५†: ६;२१†;
१९, २†; ¶२१, ८: १०; ११;
१४[३];†: $[२]; २२, १५,२३,१¶:
२७,३†: ३३, ७¶: ३४, ४[२]¶:
३५, १८¶: ३६, ९¶; १५[२]:†:
¶३७, ८; ९†; १७[२]: $[f]; ३८,
२[१]; ३: ६[४]; ७[२]†; ८[२] ; ९[३];†;
१०; १२[४]: ४० ५: १०; ५३,
४;८; क १, ११; ३, ६[२]†: ९†:
५,२:९¶; ८,११[२];२६,६[f]; ९[२];
†२८,२;३;५:६[२]$: २९,२:८†;
३५,७¶; ४२, ३¶; ४८,१६¶;
†कौ १, ११९ ; १२१; १३०[२];
१४४;१५१: १५५; १६३:१६४;
१६८: १७५ ; १९०$; १९८[३];
२१४; २३५-३८; २४२; २४३;
२४९[४]; २६५; २६९‡[i]; २८६;
२९५[j]; ३१८ , ३१९; ३२९;
३३०; ३३३[४]; ३३४; ३३५;
३४३; ३५०; ३५४?‡[k]; ३५७;

[a]) सपा. मा २१, ४४ सुरस्वतीम् इति, काठ १८, २१ बृहस्पतिम् इति पाभे. ।

[b])=सपा. तैब्रा २,६,७,६ । मं ४, १३,५ काठ १५, १३ तैब्रा ३, ६,२,२ आश्री ३, ४,३ शांश्री ५, १८,२ माश्री ५,२,८,२७ तु अग्निम् इति पाभे. ।

[c]) =सपा. तैब्रा २,६,१०,१ । मै ४, १३,८ काठ १९, १३ तैब्रा ३,६,१३,१ तु विशिष्टः पाभे. ।

[d]) सपा. तैब्रा २, ६, १७,२ इन्द्रियम् इति पाभे. ।

[e]) सपा. तैब्रा २, ६,२०,१ देवम् इति पाभे. ।

[f]) =सपा. वैताश्री २५,१३ । मा १५,७ तु तेजः इति पाभे. ।

[g]) सपा. इन्द्रम् <> इन्द्रे (तैब्रा २, ६,१४,१;२ च) इति पाभे. । [h]) पाभे. कृते पृ ८०४ *g* टि. द्र. ।

[i]) पाभे. कृतं पृ ८११ *b* टि. द्र. ।

[j]) वैतु. S. इन्द्र इति ।

[k]) पाठः ? तु. टि. इन्द्र (ऋ ८,१३,१२;६८,१) ।

३७०; ३७४-७७; ३८२; ३८७; ४००; ४३९; ४५७[a]; ४६०; ४८३; ४९४; ५३६; ५६६; **२**, २१: ३५; ३७; ४४; ६३: ७३: ९०; ९१; ९३; ९८ ; १४६[3]; १६१;१७७: २११:२१७;२३५; २८०: २८२: २८४; ३१२: ३८०;३८७:४४७: ४८४;५०१: ५०५: ५४७: ५७२: ५८५: ६०२;६४०:६५८: ६७७:७१०: ७१३: ७५२: ७७६: ७९१. ८३६[a]-३८[a]: ८३९ : ८४२‡[b]: ८४४: ९३२: ९३७: ९४१: ९७०;९८९:१००८‡[c]: १०२८: ११२१?‡[d]:११४५; १२०४: **४**,७$: †जै **१**, १३,५. ७: १४, ६[२]: १५, १०: १६,७: १७, १: ९: १०; १८,४: १९, १: २०. ६$: २१,५[६]: २३,१: २५,३-६: १०: २६, १: ७[४]: २८,३: ७‡[b]: ३०,४: ३१,३: ३३,६: ७; ३४, ७:८:३५, ३[४]:३:४: ३६, २: ९: ३७,३?‡[e]:६:३९,१:५-८:४३, २; ७: ४५, २: ४६, ३: ४८,४: ५०,७: ५१, ८: ५५,४: ५८,१: **२**,७,३$: **३**,२, १२: ४,६: ८: ७,१: ११: ९,४: ५: ७$: १२: १४, ७[६]: १५, ९; १६,५: १५: १९,६; १२: २०,१९: २३,१२: १४;१६: २५,८: ३०,२३; ३१, ७; ३४,५; ३६,९: ३९,४; ४३. ३; ४४,६; ४८,१: ५१,७; ५४, ११; ५६,५; ५७, १३: ५८,१; ७; १०; ५९,३; **४**,१,२; ५,२, ११,१; १७,७;१८, ९‡[f]; २१, ८; २२,५;२३,४[g]; २६,७: २९, ९: शौ **३**,३,२: १०, १२; १५, १; १६, १†: २०,७†; २१,८: **४**,२१,५†; २२,५; २४,७; **५**, २, ९†; ३, ११; **६**, ३८, १-४: ३९, २ : ५४, १ : ९७, ३† : **७**, ३९,२: ४८. ३: ९१, १[४]†; १०३,१:११५,२[h]: ८,४,२०†; **९**, ४, ९: १५. २८†; **१०**,७. ३०[h]: १०, १०: **११**, ८,१;**१२**, १,३७: २,४७: **१५**,१०,४: ५: ११: **१७**,१,१-५: **१८**,१,४८†: ३, २२: **१९**, १३, ६: १५. २: १८, ८: २४, २[1]: ७ : †**२०**, ६, ७: ८,३: ९,१; १०: २:११,८: ११: १२,१: ६: १४,३: १७,१: ४: ७:१९,५:२२,४:२३,५.२४, ३. ४;२६,१:२७,५:२९,२:३१, १:३६, १:३:५:३८,४[३]: ३९,१: ४४. १: ४७,१:४[६]:४९,४:५१, १: ५४, १: २. ५५. १: ५९,२: ६१,४: ६२,३: ८: ६५,१: ६६, १:६८,४:११: १२:७०,६: ७[२]; ११[२]: १६: ७१. १५: ७२,१[२]: ८५, १: ८९. १: २:८: ९२, १: १७:१८: ९३,४:९५.१[a]:१०५. ५: १०७, १२: ११०. २: ११८. ३[६]:१२५,३: ४:१२६,१: १२८. १५: १६: १३७,२: १२: १३८, ३: पै **१**, ५१, १: २: ९६, २; १०६,४: **२**. १८,१-५: ३१,२: ३; ५१,२; ५७,२; ६६,२: ७४, २: ५; **३**,९,२; १२,८; १९,४; २१,५; २७, २; ३;३४,५; ३५, २; **४**,२७,१; †२८,१;६; ३१, १†:३९,७;५,४,९;१०:११[६]†; ३९,५†: **६**,१, ९†: **७**,४, ६†; १७, ८; १९, ६: **९**,६, ३: २१, ११. २५, ११: **१२**, ७,६; **१३**, ६, ७†: १४,५: **१४**,१,९: **१५**, ५.९; ६, ४†· १३,१: **१६**,१०, ९†: २४, ९; १०७, १०: **१७**, ४,७; १०,१: ३४,८; **१८**,३०, १-३: **१९**, ८, ४; १०, ८; १२. ९†: २३,८; ४९, १: ५०,१५: **२०**, १०,१३; १४, ७[j]: ८: ९; २४. ६: ३०,७: ३४,९; ३५,१: ३९,३: ५२.८†: **–न्द्रम्ऽ-न्द्रम्** ऋ ८, १२, [१९ (२७, १३)]: **–न्द्रस्य** ऋ **१**,४,[६:८,४७, ५]; ६.८; ७,७: ११.३: १८,[६: ९. ९८,६: १००,१]; २२,१९: ३२. [१:२, २१,३]:५७, २: ६२, ३: ८४, ११: १०१, ३: १०३. ५: १६७, १०: १७६, ५: **२**.८, ६; १८ . ३ : **३**. ३०, [१३: ३२, ८; ३४, ६]: ३२, ४: ३३, ७: ३७, [४(५९, ६)]: ४०. ३: **४**, १७,४: १८,७; २५, १: २:३३, ९: ३७,४: **५**.३२,९; **६**,२४,८: ३८,२: ४४,१६: ४७,२७: २८: ३०: ५५, ५: ५७, ५: ६०.११: **७**,६.१: १८,१४;४७, [३ (७६, ५)]: ५५, [३:४];९८, [(५,३१,

[a]) पाभे. कृते पृ ८१५ *a* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ८१६ *a* टि. द्र. ।

[c]) सपा. ऋ ८, २,२७ **श्रुतम्** इति पाभे. ।

[d]) पाभे. कृते पृ ८१६ *c* टि. द्र. ।

[e]) पाभे. पृ ८१६ *k* टि.द्र. । [f]) पाभे. पृ ८११ *b* टि.द्र.।

[g]) सपा. तैब्रा **२**, ४,५,७ **इन्द्रा** इति पाभे. ।

[h]) पाठे? **इन्द्र** इति संभाव्येत (तु. शौ **१०**, ७, २९ **स्कम्भ** इति, ? W. Gri. च) ।

[i]) सपा. **शौ १९**,२४,३ **सोमम्** इति. हिरि **१**,४,८[3] **इन्द्र** इति च पाभे. । [j]) सपा. शौ**७**,११५,१ **इन्द्रः** इति पाभे. ।

६) ५⌋; १०४, १३ ; ८, २,७; १२, ११; ३१, १; ३२,१; ४८, ⌊२;९,९७,११⌋;५०,२;५५,⌊(१, ८०, ८)१⌋;६२,⌊१;६;७;९;१०; १२⌋ १; ६६ , ९; ९२, ⌊२५; ९, २४,५⌋:९६, ३[३]; ९९,३:१००, १२;९,८, १; ⌊३; ६०,४⌋:१३, १; १५, ⌊१; ६१, २५⌋;५६, २; ६०,⌊३; ८६,१९⌋;६१,१४;६४, १५; ६५, १४; ६६, १५; ७०, ⌊९: ९,१०८. १६⌋:१०;७२, २; ७: ७३, २: ७६, २: ३; ७७,१; ८०,३: ८१,१; ८४, ४: ८५,३; ५: ८६,९: १६; २०; २२; २३; ९६ , २ ; ५ ; ९७, १३ ; २५; ९३; १०१,६: १६; १०९, १४; १८; १०, २५, ९; १०; ५०,१; ५२, ५; ६२, १; ९४,९; १००, ६; १०३, ९: १०८, २; १११, ८; ११३,६; ८;११४,९; १३०, ५: १३८,५; १५५,४; १७८, २; १७९,१; खि १, ४,९: ३,२,२; ७,१; १७[२], ४; ४,८, ७; ५, ७, १,५; ४,१-३; २२,१२; मा १, ४[a]; २४: २,३; ४,१०;२७; ५, २८; ३०[२]; ६, ४†;८, ५०: ९, ५; ८; १०[२]; ४०: १०,८; १७; १८; २१; २३; २५; २८; ३१; १३, १४; ३३†; १४,२४; १७, ८१†; १९, ३[२]; ७२-८०; ९१; ९३; २०,३;४५; २१,३१;८६[२]; ८७[२]; २३, ७; २४, ३२; २५, ४[२b]; ५[b]; ८; २८,६; २९,५३; ५४†; ५६†; ३२,१३†; †३३,

२३; ४१; ३ ७, ६; १२; का १, २,४[a]; ९,१; २,१,४; ३,६; ७; ३,९,५; ४,४,३; ९,३; ५,७,४; ६[२], ६,१,५†; ८,२२,४ ; १०, २,१;५; ३,१[२]; ५,८; ११,४,४; ६.१; ७,१;३; ५;८,५;१०,१†; १४, १, १४;३, ७†; १५,८,१; १८, ४, ९†; २१, १, ३[२]†; ५, १: २[१]; ३; ४; ५[२]; ६, १: १२, १४; ७,२; २२,४,१०: २३,४, ३:५, ४[२]: ५[२]; २५, ३,३; २६, ७, २: २७, ४, १[२b]; ५, १[b];८, १: ३०, १, ६:†३२,२, ६; ३, १२; ३५, ३, १०†; ३७, १,६; २,२; तै १,१,२,२: ९,१; ११, १: २,२,२; ७,१; ३,१,२[३]; ६, २†; ६,२,४; ४,१;११,६;१२, २:७, ७,१; १०,३; ८, १४, २: १५,१;२; १६,२; १८, २; २१, १, २, १, ६, ३¶; ३, ७, २¶; १०, १; ११, ३; ५,३,२¶; ३, २,३,२;३,३,३;७;५,१; ७,३¶; ४,३, ९, १; ८, ११,२; †६,४, ३ ; ६, ६[२] ; ७; ७, १५, १ ; ५, ३, ४,२; ६, ३,३; ४¶; ७, ३, १; १६, १; २१, १[b]; ६, १, ३,७; ११, १[२]; २,१०, ७[२]; ३, ४, ७¶; ५, ९, २[२]¶; ६, ११, ४¶; ७, ४, १५, १†; २०, १; ५, ७, ३¶; मै १, १, २; १०; १२ ; २, २ ; ६; ९ ; ११[२] ; १४[२];†; ३,३६; ६,१· २;५;९, २; १०,१[c]; २, ¶२, ९[२]; १०; ३,४; ७¶; ८;४,३¶; ६,३; ०;

११[३]; १२; ७, १५; ८,५; १०, ४†; १३, १३; ३, ¶६, ७; ८; ७,८; ९, ३; ४¶; १०, ६[२];¶; ११, १; २; ६[८]; ७[२]; ८; ९[१]; १२, १८; १४, १३; १५, ४[b]; ५[२b]; ७; १६, ३[३]†; ५; ४, १, २[२];¶; २, ९¶:४, ३; ५[२], ६; ७, ३; ४¶; ९, १; ३;११?‡[d]; १२, २;३†; ४†; १३, २;१४, १३[२]†; काठ १, २[२]; ३[a]: ९; ११; १२; २, ३; ६; १२[२]: ३, ३† ; ४, ११[e]; ५. १[२]; ५: ८, ४; १६; ९, १०; ¶१०.८;९[६]; १०; ११, ३[३]¶; ७; ८¶: १२, ९†; १४,२;८: १५,२;७[३]; ८[२]; १३; १६, १५; १६†; १७, ४; १८, ५†: २१[२]: २१, १; २२, ५:१५;२३,४[३]¶; २४,६: २५, १०[२]; २६, ६¶: ¶२८, २; ९; ¶२९, १[२]; १०; ३०, ६; ३१, १[४]¶;२[a];८;३२,१[२];५;३३,७¶; ३५,१०; ३६,१¶; ३७, १४¶; ३८, १[८]; ३[३]; ४;६; १४[२]; ३९, १; ४०, ३; ९; ४४, ४†; ४६, १[३]†;५३,६;११[b]: क १,२[२]:३[a]; ९;११; १५; १९: २,६[२]; १०†; ३, ९[e]; ६,९: २५, ६; २६, ३; २८, ५†; ३६, १[३]¶; ३७, ७; ४०, ३[२]; ४१, ४¶: ¶४४, २; ९; ४५,२[२]; ¶; ४६,३¶: ४७, १[४]¶; २[a]; ८; ४८, १२; †कौ १ , ७८ ; ११८ ; १७१ ; २६७; ५१० ; ५२७ ; ५५० ; ५५६; ५५७; ५५९ ; २,१५६;

[a]) सपा. इन्द्रस्य (माश १, ७, १, १९ च) <> इन्द्राय (तैब्रा ३, २, ३,१० आपश्रौ १, १३, १४ माश्रौ १,१,३,२४ च) इति पामे. ।

[b]) सपा. इन्द्रस्य<> इन्द्राण्याः इति पामे. ।

[c]) सपा. काठ ९,५ विशिष्टः पामे. ।

[d]) वा. ?(तु. सपा. ऋ १०,१३९,४ इन्द्रः इति पामे.) ।

[e]) सपा. इन्द्रस्य<>इन्द्राय (माश ४,४, ३, ७ च) इति, तै १,४,२८,१ च विशिष्टः पामे. ।

१७१ ; १७२ ; १७९ ; १९३ ;
२२४ ; २९३ ; ३१४ ; ३५६ ;
३७० ; ४०० ; ४०२ ; ४१२ ;
४२८; ४३० ; ४३७ ; ४४९;
४६३; ४७९ ; ४८० ; ६१६ ;
६६९ ; ६७० ; ६८० ; ६८६ ;
१०२१ ; १२०७ ; १२१९$;
$३, १,३; ३, ११: †जै १, ८,
६; १३, ४; १८, ७: २८ , ५;
५२, १४: ५४,९; ५६, ८: ५७,
३; ४; ६: २, ३,१: ४, ८$;३,
१५, ४; १६, ९:१०; १७;१७,
१४: २०,८; २४,९: २५,१०;
२९, १३; ३०, १३ ; ३९, १:
४०, ८: ४१, ४$: ६: ४२, ३;
४४, ५: ९; ४७,५: ६;५०, ४:
५५, १० ; ११ : ५६, ८: १५:
५७, १२: ४, ९, २: १६, ८;
शौ २,३,६:५,५†: ३१, १: ३,
१९, ४: ४, २२, ४: २४, १:
३७,८; ९; ५, ६, ४; ११-१४:
८, ४: ६, ३३, १: २; ५१,१;
८२, १; ८५, २: ८६, १: ९२,
१; ९९ , २ : ३ ; †१२५, २:
३; १२६, २†; ७, २७, ६†:
५४, २ ; ७५, १†; ११६, १:
८, ४, १३†; ९, २३ ; ९, २,
६; ४, ७; ८; १०, ४, १ : ५,
१[५]-६[५]; ८; १२, ४, ५१: १६,
१, ९ ; †१८, ४, ५८ ; ६० ;
१९, १३, १०†; ३०, ३; ३५,
१ ; ४६, ४: †२०, ११ , ६;
१५, २ ; १९ , ४; ४०, २ ;
५१, ४; ५८, १ : २; ६८, ६ ;
७०, ४ ; १३; ८७ , ५; ९७,
३; १०९, २ ; १३७, १ ; ६ ;
पै २, १५,१; ३६, ३;४ ; ६८,

२; ३, १९, ३;२१, ४; ३९,६:
४, २३,६; ३९,१; ५, २८, ३:
३८, ५‡[a] ; ६, ११, ६[४]; १२,
१-४; ७,४, १: १०†; ११, ७:
,८, ५; ८,७,११:९,२१,११[५];
१०,१०,३-५; ११, ४, १;१३,
४, १३; ६,१†: ९.११,१०,२:
११, २१; १४, १: १५, †११,
६;७: १०: १८, २: १६, १०,
३†: १५, १: २०,२: २४, ७:
८: ७६, ५: १२८, ५[२]: १२७,
१[३]-५[३]: १२८,२:१७. २०,११:
२४,९; २८,७: २९, १७: १९,
६, २:१०: १३,२: ३: १५. १:
१७, ४: १९, १२: २०, १७:
२३, ८: २६, १०: २८, १: २:
२९, ५:३४,१०:४३,४; २०,९,
९:२९,२‡[b]:५३,१०: –०न्द्राइ
काठ३०,१[३]; क४६,४[३]:–¶न्द्राः
काठ ३५. १६ : क ४८, १४ ;
–०न्द्राः पं ३, २३,२: –न्द्रात् ऋ
१,३३,६:१७१, ४: २, १६, २:
५, ३०, ५: ८, १५. ११: ७६,
१२; ९, ६९, ६: १०, ९२. ८:
खि ५, ७, ४, १६: मं ३, ६,
१¶: ¶काठ ६,८:१२,५: क४,
७¶; †कौ २ , ३४० : ७२० :
†जै ३, २८, १२: ५९, १२: शौ
११, १०, ९: २०, ४२ , १†:
पै ५,११,२: ११,१, १३: १६,
८५,८; –न्द्राय ऋ १, ४,[१०:
५, ४ (८, ३२, १३)]; ८,१०:
९, २; [१०;१०,९६,२: १३३,
१]; १०, [५; ५, ३९, ५]:१३,
१२; २०, २; २८, ६: ८;५३,
१; ५५, ५; ६१, १: २: ४: ५:
८; ८०, [९:८,६९,९]: ८४,५:

१३१, १[३];१४२,५; १२; १५६,
५: १६५ , ११; २ , १४ , [१ ;
१०, ३०, १५];५; ८: ९: २०,
८: २१, १;२: ३०, १; ३,३०;
[२०: ५०,४]; ३१, १३; ३६ ,
२ ; [७ (६, १९, ५) १०, ३०,
१३]: ५१,५; ५३ , ३[२] : [१३;
८,२८,१]: ४,१६,२०: २८,६:
७: २५, [८: ५; ३७,१(६,५२,
५: ७,१०४, २४: १०, ४९,८:
६)]:३३,१०; ५,५,११:२९,८:
३२,१०:३३,१: ३७,५; ४१,८;
[७: ९,३३,३;३४, २:६५,२०]:
६, २३,५[२]: २८,१;३४,५:४१,
३: ४४, ६: १३: ७, ३१, १:
११: ३२, ८:[८: ९, ३०, ६:
४१,२]: ८५,१:९२,२:९७, १:
९:८,१,१९: २, २३: ४, १३:
१२,१४: २८,१३: ३३, ४:४५,
[२१: ८९,१]: ५२,९: ६९, ६:
[१०,९, १,९: ४, ४: २४, ३]:
८९, ३: ९१, १:[३: ९, १०६,
४]: ९२,१९: ९६, १:१०:९८
१ : १००, ३: ९, १, [१ (२९,
८: ३०,२; ६७,१३) १००,५].
६, [७: ६२, १४: १०६, २:
१०७, १७]: ११, [८. ९८,
१०: १०८, १५] : १२, [१:
६३,१९: ६७, १६]:१३,८:१६,
[३: ५१,१]: २१,१:२३,६:२६,
[६ : ५३, ४; ६३, १७]: २७,
२; ३०, [५: ४५, १: ५०, ५;
६४,१२]:३२,[२: ३८,२: ४३,
२: ६५, ८]: ३४, ४; ३७, ६:
३९ , ५ : ४५ , २ ; ४६ , ६ :
५६ , ४ : ६१ , १२ : ६२, ८;
१५: २९: ६३,१२: ९९,८]; ३:

a) सपा. ऋ १०,१३६,५ वातस्य इति पाभे. ।

b) सपा. इन्द्रस्य<>इन्द्रेण इति पाभे. ।

१०; १५: ६४, २२; ६६, ७; ६७, २; ८; १६; ६९, १०; ७४, ⌊९; ९७, ४४⌋; ७६, ⌊५: (९६, २०) ९७, ३२⌋; ७८,२; ८०,२; ८४,१; ८५,१, ४;६;८६,३५; ८९,७: ९६, ८; ९; ९७, १४:१००,६: १०१,४: ५;१०६,५; १०८,१: १०९, १: १९;२०:२२; ११०, ११;११२, ⌊१-४ : ११३, १-११ : ११४, १-४⌋; १०, २७, २२: २९, ७: ३०, ७; ५४, ६ ; ६७, १;.७६, ८; ८९,४: ९४,१: ४; ९६, ६; ९८, ११: १२०, ८: खि ३, ४, ९: १२, १-३; ५, ७,४. ९-११; १५[२]:१७. खिसा २०, २; ५;६: मा १,१: ४, १९; २०; ५, ७[२]; २२: ६, ३०;३२[३]; ७. १५;२२, २३:३५[२]-३८[२]: ८. ११[a]; ३३[२]-३५[२]; ३९[२]; ४४[२]-४६[२], ४७: ९, २[२]; ३[२]: ४[२]: ११: १०, ५; ३१; ३२; १२, ७२;१९, १; ६; १२; १५; १८: २०, ३०†: ३१: ३३[२]: ४४; ५६-५९: ६३; ६७; ७५; ८०; २१, ३० : ३२-३४; ३७;३९;४०;५४-५६:५९[२],६०: २२, ६; २७; २४,१; ४०; २६, ४[२]; ५[२] : १७† : २५†; २७, २२; २८, ५;७;९; ३३[२]; ४६[२]; २९, ६०; ३३, ९६† : ३८, ४; ८[३]; का १. १,२. ४, ६, ८; ५; ५, २, ५[२]; ६, १; ६, ८, १; ३[२]; ७, ६,४; ७,५; ९,१; २[२]; १७-१८, १[२]; २०, १[२] ; ८, ७,

१[a]; ८-१०, १[२]; १४, १[२]; १८-२१,१[२];२२, १; १०, १,२[२];३[४]; ४; ५[४];३, ३; ११, ४,२;१०,२: १३,५,११; २१,१,१; ५;२, १; ४;७: २२, २,७†;८;३, २[२];४, ९: ६, २-५;९;७, १;९; ८, १; २३,४, २; ४-६; ९; ११; १२; ६, ७-९; १२[२]; १३; २४, २,१; १३. १; २६, १,३: ८,५; २८, ३, १[२]: ८-९, १[२]: २९,२, १२; ३०, १, ५:७: ९:२, १२[२]: ४, १२[२]: ३१, ५,१; ३८,१, ४:२, २[२]: तै १, १,३, १: २, ४, २[२]: ११, १[२]: ३,१-२,२: ४,१, १[६]: १२,१[२]; १७-१९, १[२]: २८, १; ३०, १[२]: ३७-४२, १[२]. ७, ८, १; १२,२[२]: ६; १३, ५†: ¶८, ७,१: ९, २[२]; १०, १; १३, ३: २१,१$: ¶२,१,३,.१;२; ४[२]: ५. २,४,४: ७,१;२[२];३[७]; ४;५[२]: ८,१-३; ४[२]; ११, २: ६[२];१२, ४$: ३,२,८: ६,१; २[२]: ७, २[३]; ३[२]:४,२, २[२]: ३[४]; ४[७]:५, ५,२: ६, ३, ३: ३, १, १०, १‡[b]: २[२]; २,१,३; ४,२;८, ५:¶९,२: ४; ४, ४,१; ५,२, ४; ४,२: ४, १, ८, ३; २,५, ६; ४,१,२; ५, ३, ६, २ ; ५, ११, १ ; ६, १७, १[३]: ६, १,७, ६; ७[२]; २, २, ५; ४,४, १[३]; ७, ३¶; १०, २[२]¶; ५,१,३[७]¶; ¶७,१, ६,३; १४, १$; ५,७, २; ३; १४,१; २२, १; मै १,१,१;३[c]; २,३;४[७];७[२]; १०; ११[२]; ३, ३[४]: १२; १४[२];

१९[२]-२३[२]; ३०[a]; ३२[२]; ३४[२]; ३६[२]; ४, ३; १४[२]¶; १०. १[२]; २; १६¶;११, ३[३];४[१] :७; १०; ¶२, १,८; १२; २,६; ८[५];९[८]; १०[७]; ११[५]; १२[२]: १३[२]: $३, ७[१]; ८[३]: ५,६$; ८[४] ; ९[२]: ६, ६[३]: ११$; ७, १४$; १६†;८, ८$; १२, ६$; ३, ६, १०; ७, ६[२];¶;१०; ८,८¶; ११. १:२[६]; ३[२]; ४[२]; ५[२a]; ७; १२. २: ७: १३, २;१४,२१: १५,१०: ११; ४,१, ३[2c]. २, ९: ३,९[२]¶; ५, ४[२]: ७¶; ८¶; ६, ३[७]¶: ५[३]; ९,७[२]:८;९[2e];११,३†: १२,४†; १४, १२; काठ २, ५[२]: ८[२]; ११; १२; ३, १०[२]; ४. ३: ४; ५[७]: ६[५]; ८[८]; ११[४]: ५. ६; ९, ५: १८†: ¶१०, ८[१२]; ९[८]; १०[७]: ११; ११,३¶.१२,३¶: ५[१]¶: ९[४]; ¶१३, २$: ३[२]: ४; ५; १४, १[२];३[७]: १५,२; ४[२]¶: ५¶; ७. १६,१२: १७.७: १८, १७; १९, १३[२]: २१, १४‡[f]: २४,३[२],२५,९[२];¶: १०: ¶२७, ७;१०; ३०,५[२];६; ३१,१;११; ३३, ७[२]¶: ३५, ८: १८¶; ३६,९¶: १५[४]; ३७, १७;१८[२]; ३८, ५; ६; ९[२]; ४५. १०:१९; ४७,१; ४९, ७[३]; ५१, २; क १, १७[२]; २,२[२]; ५:६; १७[२]; ३,३; ४[१२];६[८]: ९[४]; ८,८; २५,३;२६, ६; २९,५; ३७,४[३]; ४०,२[२];¶; ३; ¶४७, १; ११; ४८, १६¶; †कौ १, १५६; १५८; २५७;

a) पाभे. क्रूने पृ ८१८ e टि. द्र. ।
b) सपा. ऋ १०,१७,१२ विशिष्टः पाभे. ।
c) पाभे. क्रूनेषु ८१८ a टि. द्र. ।
d) सकृत् सपा. मा २१, ४८ तैब्रा २, ६, १४, १ इन्द्रे इति पाभे. ।
e) सकृत् पाभे. क्रूने इन्द्र-वत्- > -वत् (यद्र.) इत्यत्रत्यं टि. द्र. ।
f) सपा. ऋ १०,१०१,४ माश ७,२,७,४ देवेषु इति पाभे. ।

२५८; २८५; २८९[a]; २९३;
३३९;३६३;३८६;३८८; ३९०;
४२७; ४४६$; ४६८; ४७२;
४८९;४९९;५२०;५४७; ५६१;
५६७; ५७८; २,२३; ३९; ४२;
४५; ६६; ७२; ११६; १२१;
१५७;२२२;२२३; २५२;२५३;
३०१:३१३;३३०;३४५; ३६६;
३७५;४००;४२६;५४४; ५४६;
५७५;५७७;६२५; ६३७; ६४७;
६८१;७१७;७९८;८४१; ८५९;
१०२७; १०२९; १०६७;
११४४; ११५१; ११६०;
११७५$; ३,१,७: †जै १,१७,
२;४: २४,१०: २७,५; ६; ३०,
३; ७; ३१, १: ३५,८; ३८, ६:
४२, १; ४३, ६; ८; १०; ४६,
१०$: ४९, २; ६: ५१-५२, ३;
५३,१२; ५६,५: ५७,१०; ५८,
२; ५९,१: २,५,४: ३,३,२: ५,
१; ७,४; १०; १२, ३; १५, ५;
१६,४;२०,६; ७;२१,१७; १८;
२४,१७: २५, ९; २७, ६; २९,
२; ३०,९; १८; ३१, २०; ३३,
१; ४२,१०; ४३,२; ४७,१; ३:
५१,३; ५२-५३,५; ५६,९:५९,
१; ४; ९: ४,१,४; ४,९: ७,४;
१७,१; २३,२; २६, ६; २७,६;
२९,८; शौ १, ९, ३; ४, २१,
१†;५,२,८†;२७,१२;६,२,१;
३†; ८,९,२४; ९, ४, ३: ५,२;
१२,१,३८; ३,५६; १८,१,३७;
३,५४; १९, ४३,६; †२०,२१,
१; २२,६; ३०,२; ३१,१; ३५,
१;२; ४; ५;८; ६०, ६; ६२,५;
६८, १०; ६९, २; ७१, ६; ८;
१६; ७६, ७; ९१, १: ९२, ३;
६;७; ९५,२; १०७,११; ११०,
१; ११९,१: १३७,४;५; पै १,
१९,३;३५,४; ४,१८,७; †२६,
१;४; ५, ३५,८[२]; ६,१,८†: ९,
४; १०; ८, ११, ८; ९,१,१२;
२५, १४; १६, २०,१; २४, ३;
१००,३; १२४, ५; १७,४,९†:
४१, ६: १९, १, ४: ५†; २०,
३६, २; ५७, १०, –न्द्रे ऋ १,
४,५;३०,१३:८०,१६:१३२,५:
१६६,११; २, १४, ८; २१, ५:
३, ५४, १७: ४,२५,५: ६,२४,
१; ३४,१:४: ७,२०,६: २५,५:
३२,२: १३:३३,४; ४२,५:९४,
४: ८,३,६: ⌊६:(१२, २८-३०:
९,८६, ३०: १०, ५६,५)⌋:१३,
१६; ५४,७:६३,६: ७:७२,१५:
९,११,६; ९६, १२: ९७, १०;
४१: १०,४२,६; ९२,७:९६,३:
खि ३,६,७: मा २०, ६४: ६६:
७०; २१, २३-२८: ३५[b]: ३७;
४८[c]: ४९[d]: ५०[d] : ५२[d]: २८,
३५-४५; का २२, ६, १०: १२;
७, ४: २३, ३, १-६; ४,७[b]; ९:
६, १[c]: २[d]: ३[d]: ५[d]: ३०, ४,
१-११: †तै १, ७, १३, ५: २,
२, १२, ८: ४, १४,४: मै २, ४,
१¶; ३, ११,३[२]: ४: १२[६]: ४,
६,८¶; १२,४†; १४,७[३]; काठ
८, १७†: १२, १०¶: ३८, ८;
९; ११[६]; †कौ १, १५३; ५४०;
५४२; २, १५०; ३६९: ४३४;
६०५; ७९६; ८३२; ९३८[२];
१०२६: †जै १, १६, ९: ५५,७:
९; ३, १४,१०; ३०,१२: ३३,
९: ४९, २: ४,२३,५[२]: २६, ५:
शौ १, ३५, ३: १०, ७, २९:
३०[२e]; †२०, ३०, ३: ५९, ४;
६८,५:८९,६: ११८,४[२]: १२२,
१; पै १, ८३, ३: १७, ९, १०:
१०, १[३]: –न्द्रेण ऋ १, ६, ७;
१४, १०: २०,५; २३, ९: ५३,
४: ८४,१०: १०१,११: २,१८,
८: २३,१८: ३,४⌊११: ५,११,
२: ७, २, ११: १०, १५, १०:
(७०,११)⌋: ६०,४:४,३४,११[f];
५,५१, १०; ६, ४४, २२: ४७,
२९: ७,१८, १५: ३२, ६: ४८,
२: ८, ९, १२: १४,९: ३५, १:
४०,६[g]: ७६, ४: ९१,४:९६,६;
९,११,९: ६१,८: ८७,९:१०३,
५: १०, ६२, ७:१०३, २:१०८,
४: खि ५, ७,१, ७: मा १०,
३०: १७, ३४†: १९,२६: २०,
३५: २१, १८: २८, २१: २९,
५५†: ३३, १०†: का ११, ९,
१: १८, ४, २†:२१,२,१५: २२,
३, ४: २३,२,७: ३०, २, १०:
३१, २, १२†: तै १, ७, ८, ४:
२, ३, १०,२: ३,१,८,२: ५,३,
१: २: †४,४,४,३: ६,४,१: ६,
६: ५, ५, ८, २¶: ७,३,११,२:
१४,१; मै १, ३, १२: ११, ३:
२, ३, ४; ८, ११: १०, ४†: ३,
११,२[h]: ११: १६,३†: ४,६,३:

a) तु. भ.; वैतु. सं. स्थाने चतुर्थी इति सा. विव. S. ।
b) सपा. इन्द्रे (तैब्रा २, ६, ११,५ च) <>इन्द्रेण इति पाभे. । c) पाभे. कृते पृ ८२० *d* टि. द्र. ।
d) पाभे. कृते पृ ८१६ *g* टि. द्र. ।
e) सपा. शौ १०,७,२९[३] स्कम्भे इति पाभे. ।
f) सपा. मा २, २२ माश १, ९,२,३१ तैब्रा ३. ७.५ १० आपश्रौ ४,१२,३ आदित्यैः इति पाभे. ।
g) पाभे. कृते पृ ८१९ *b* टि. द्र. ।

१३,२: १४, १४†; काठ ४, ४; ११,७; १४,१;७: १५,१३:१८, ५†; २२, ५; २३, ११†: ३५, १५¶: ३६, १५; ३८, ९: १०; ३९, १४†: ४०, ११†: ४३, १: ४६, १†: क २८, ५†: †कौ १, ४०९: २, ३००: २५९: ३५५: ४३२; ७९९; १२००: †जै १, ४०,१: ३, १८,७: २२,६: २९, १२;३३,७: शौ २, २९, ८: ३, ५,४: ६, २: २१,३: ५, १४,७: २०, १२: २१, ११: ६, ६५,३: १०४, २: १२६, १†: १२९,१: ७, ४२, १: ९५, २†: ९८,१[a]: १०३,१: ९,३,३: १०, ४, १२: ९,१: ११, १२, ९; १२,४,५०: १३, १, ३: १८, ३,४८†: १९, १३, ३†: ३१, ७: †२०,२१,८: २८, ३: ३९, ४: ४०, १: ७०, ३; १०९, १: १८१, २: पै १, १३,१: २,२५,५: ३,३,२: १२, ३: १३,४: ४,२६,३†: ३०, २: ५,१७,२: ६,९,३: ८:७,८,३†: १८, ४; १९,१: ७: ९,२८,१२: १०,५,७; १२,३,२; १५,४,७: ११, ९†; १६, १६, २: ३९,३: ५२, ४: १३६,१: १७,२०,१०: १८,१५,३: १९,११, १४: २१, ५:३२,१;३[b]: ३६,१५;८१,१०: ४९, १३: २०, १०, १: १४,६: २९, ५: ३४, ९†: ५२, ८: ५९, ५: –ॱन्द्रौ मा १०,

१६‡[c]; का ११, ५, ७‡[c].

इन्द्राणी[d]– -†ॱणि ऋ १०, ८६,१२; तै १, ७, १३,२: काठ ८, १७: शौ २०, १२६, १२: पै १९, ३६,१$; –णी ऋ ५, ४६, ८: खि ३, १७[२],४: तै २, २,८, १¶: मै २, २, ५¶; ३, ८, ४; ४, १, २¶; १२,१[२]: १३, १०†: काठ १, १०; ८, १७[२]: †:१०, १०¶: ३१, १¶: क ४७, १¶; शौ १,२७,४; ६, १३२, ३: ७, ५१,२†: ९, १२,८: १४,२,३१: १५, ६,२०: पै ५, ११,५; ६,६, ४: १०, १६,३: ११, १, २: ७, १०: १८,१०,१: १९, २०,१५: १६: ३१, ७: २०, ३५, १: २: –णीम् ऋ १, २२,१२: २, ३२, ८; १०,८६,११; तै १, ७,१३, १†: २,२,८,१¶: ५,७,१६,१: काठ ८,१७†: ५३, ६: शौ २०, १२६,११†: पै ९, १०,९: ११, १,६; २०,१०,१०†: –ण्याः तै ५,७,२२,१[e]; मै १, १, २[f]; ३, १५, ५; ४,१, २[f]: काठ १, २[f]: ३१, १[f]: ५३, १२[e]: क १, २[f]: ४७, १[f]; शौ १५, ६, २१; पै २०, ३४, १०[g]: –ण्यै मा २५, ४; ३८, ३[h]; का १, १०, २[f]; २७,४,१; ३८,१,३[h]; तै १, १, २,२[h]; २,२, ८,१¶; ५, ५,२०, १; ६,१८,१; १९,१: मै २, २, ५¶; काठ १०, १०[२]¶; ४७, १०; ४९,८;९.

ऐन्द्र[i]– -न्द्रः मा ६, २०[२]; २९, ५८; का ६, ४,४[२]; ३१,६,१; तै १,३,१०,१[२]; ¶२, १,३,३; ५, ६: ३,२,७; ३,२; ४,६,२; १३, १; ¶३, १,८,२; ३,७,३; ५,५, २२,१; ६, ३, ११, २[३]¶; मै १, २, १७[३]; १०, १६¶; ११, ९¶: ¶२, १,४;९; २,६; १३:३,६[२]: ४, २[२]: ६; ५,५; ८:११[३]; ६,५: १३[२]; ¶३, ६, १$: ७,८; ९,५[२]; ¶४, ३,१;७: ८[३]: ४,५; ७;५,४: ६,८: ७,३[४]:८[२]: ¶काठ ३,७[२]$: ९,५$: १०, ९:१०; ११,१[२]:२: ४: १२,१: १०: १२: १३,३:४: १२: १४, ९[२]: १५,९[२]: २४,६; २७,३: १०: २९, ७[२]:९[२]; १०[२]; ३१, ११: ३४,१:१६; ३५,१८; ३६, १०: ४८, १$: ¶क २, १४[२]$: ८, ८: ३७, ७; ४२,३: ४५,८[२]: ४६,२: ३[२]: ४७, ११; ४८,१६: शौ ५, २०, २: ९,४, २२; पै ९,२४,२: १६, २६, २: –न्द्रम् मा ५,३०; ३३; १९,८: १५:१८;२६: का ५,७,६: २१, १,७, २,४; ७; १५: ¶तै १,३, १, २$: ८,१,२[२]: ४,२; ७,१; ९,१; १७,१; १९, १; २१,२[२]; २,१,४,४; ५; ६[२];५,१; ५; ६, २;२,७,१; ८,५; ६;११, १[२];३; ३,३,१;२:४,२;३;५,३,१;२;७; ४, १;५, ६,५,१[२]; ६,२,¶१०,

[a]) पाभे. कृते पृ ८२१ *f* टि. द्र. ।

[b]) सपा. शौ ६,१२९,२ वर्चसा इति पाभे. ।

[c]) सपा. ऋ ५, ६२, ८ विशिष्टः पाभे. ।

[d]) स्त्री. ङीष् प्र. आनुगागमः (पा ४, १, ४९) प्र. स्वरश्च ।

[e]) पाभे. कृते पृ ८१८ *b* टि. द्र. ।

[f]) सपा. ॰ण्याः <> ॰ण्यै इति पाभे. ।

[g]) सपा. शौ १४, १, ४२ पत्युः इति पाभे. ।

[h]) =सपा. माश १४, २,१,८ । मै ४,९,७ तैआ ४,८, २: ५,७,२ आपश्रौ १५, ९, ५ माश्रौ ४,३,५ तु अदित्यै इति पाभे. ।

[i]) वित. (चरु-, प्राण-, उदान- प्रभृ.)। अण् प्र. (पा ४, २,२४) तत्-स्वरश्च ।

५²;७; ६, ५,२; ३²; ८,३; ७, ९,५,७; ५,७,२;३; ¶मै १, २, ११$;१०,७;२,१,९⁴; २,११²; ३;६;९; ४,२; ६; ५,३-५; ११; ६, ३; ३, ९,३; ४; ८,१०;१०, २;४,३,१; ४,५;९; ५,९; ६,५; ¶काठ २, १२; ८, १; ३; १०, १०;११²; ११, १²;२²; १२,५; १०;१२; १३,३; ४⁴;५³;७;१५, २$; २२, ३²; २५, १०³; २६, १; २८, ३; २९, ७²; ३३, ७²; ३४,१;१६; ३६,२;३७,८; १८; ३९,५; ¶क २, ६$; ६, ६; ८; ४०, ३³; ४; ४४, ३; ४५, ८²; –¶न्द्रस्य तै २, २,११,२; ३²; ६,६,५,३²; मै २, १,९²; काठ १०,११; ११, १²; –न्द्राः ¶तै २,२, ७, १; ५, ५,१,१²; २१, १$; ¶मै १,५,११;२,३,६; ५, ३; ३,१०,२; $१३,१५ᵃ; १६ᵃ; ४, २,९, ७,३; ¶काठ १३, ७; १४,६; १९,८³; २९, १०; ३७, ११$; शौ ५, ८, २; पै १९, ४८, ४; –¶न्द्राणि मै ४,६, ५; काठ ३४, १६; –¶न्द्रात् काठ ८, ३; क ६, ८; –न्द्रान् मै २, ५, १०²¶; –¶न्द्रे तै २,३, ३,२; काठ ११, २; –¶न्द्रेण तै २,१,४,४-७; ६, ६,५,२; ८,१; ३; मै २, ५,३³;५;४,६,१; काठ १२,५;१२;१३,४⁴;५²; –¶न्द्री काठ २९, १०; क ४६,३.

ऐन्द्री– -न्द्रियः तै ७, ५, ८,२¶; –न्द्रिया ¶तै ३, १, ६, १; ५, ५,७,१; –न्द्री तै १, ६, २, २; १०, ६²; ¶मै २, ४,१; २; ५, ४; ४,३, ४, ¶काठ ४, १४$; ११, १; १२, १२²; २०, ५; ३१, १५$; क ३१, ७¶; –न्द्रीः काठ १९, ८¶; –न्द्रीभ्याम् मै १, ५, ११¶; –न्द्रीम् तै १, ६, ६, २; १०, ६¶; ७, ६, ३; ¶२, १, २, ४; ५²; ५,४; ¶मै २, १,९; ५,४; ३, ८, १०; ¶काठ १०, ११; १३, ४; –न्द्रीषु ¶तै ७,२,५, ५; ६; –¶न्द्र्या मै २,१,९; ३, २, ४; ४, ४,५; ६, ५$; काठ १०, ११; २६,१; क ४०,४.

इन्द्र-ऋष(भ>)भा[b]– -भा मै ४, १४,११; शौ १२,१,६; पै १७, १,६.

इन्द्र-गु(प्त>)प्ता[c]– -प्ताम् शौ १२, १,११; पै १७,२,२.

इन्द्र-गोपा[d]– -पाः ऋ ८,४६,३२.

इन्द्र-ग्रह[e]– -०ह काठ ३५, १०; क ४८,१२.

इन्द्र-घोष[e]– -षः[f] मा ५,११; का ५, ४, १; तै १, २, १२,२; ६, २, ७,४²; –षाः[f] मै १, २, ८,३. ८,५; काठ २,९; क २,३.

इन्द्र-ज– -जस्य पै ११, ७,८.

इन्द्र-जा[g]– -जाः शौ ४, ३, ७; पै २, २, ४; ८,६; १७, १४,९; १९, ५२,१६.

इन्द्र-जाल[e]– -लेन शौ ८, ८, ८; पै १६,२९,८.

इन्द्र-जूत[h]– -तः ऋ ३, ३३,११; –तम् ऋ १, ११८,[९(१०,३९, १०)]; शौ ६,३९,१;२; पै १९, ८,७;९;१०,८.

इन्द्र-ज्येष्ठ[i]– -ष्ठाः ऋ ६, ५१,[१५; ८, ८३, ९]; ८, ६३, १२; मा ३३,५०†; का ३२,४,७†; तै ५, ५,९,५¶; शौ ३,१९,६;७,८४, २; पै १, ५६, ३;१०३,४; ११, २,२; २०, २८, ८; –०ष्ठाः ऋ १, २३,[८; २,४१,१५]; –ष्ठान् ऋ ४,५४,५; १०,७०,४; –ष्ठासः ऋ ७,११,५; १०,६६,१; –ष्ठेभ्यः तै ३, ५, ८, १; मै १, ३, ३५; काठ २९,५; क ४५,६.

इन्द्र-तनू[j]– नूः तै ५,४,१,१¶.

इन्द्र-तम– -०मा ऋ १, १८५,२; ७, ७९, ३; –मे मा ३८, १६; का ३८,३,२; मै ४,९,९.

इन्द्र-तुरीय[k]– -यम् मै ४, ३, ४¶.

इन्द्र-त्वोत[l]– -ताः ऋ १, १३२, [१(८,४०,७)]; ८, १९,१६.

---

a) =सपा. आपश्रौ २०, १४, १२। मा २४, १७ का २६,४,२ तु माहेन्द्राः इति पाभे.।

b) विप. (भूमि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। Sch. इ···भा इति शोधार्हः (तु. पपा. इन्द्रवृषभा-, शौ. च)।

c) विप. (भूमि-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

d) विप. (जन-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। यद्वा उप. गोपु- इति। e) षस. अन्तोदात्तः।

f) सपा. ॰षः (माश ३, ५,२,४ आपश्रौ ७, ५,१ च) <> ॰षाः (तैब्रा १, २०,१ माश्रौ १, ७, ३, २९ च) इति पाभे.। g) उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

h) विप. (राष्ट्र-, ग्राम-, अश्व- प्रभृ.)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। i) विप. (देव-, मरुद्गण-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

j) नाप. (इष्टका-विशेष-)। षस. अन्तोदात्तः।

k) नाप. (हविर्-विशेष- [तु. तैब्रा १, ७, १, ३])। कस. अन्तोदात्तः।

l) विप. (स्तोतृ-)। व्यु.? इन्द्रत्वा-ऊत- इति पपा. (तु.

इन्द्र-द(त>)त्ता[a]- -त्तया पै ११,२,१२.

इन्द्र-द्वि(ष्->)ष्टा[b]- -ष्टाम् ऋ ९, ७३,५.

इन्द्र-धनुस्- -नुः शौ १५, १, ६: पै १८,२७,६.

इन्द्र-नामन्[c]- -मा पै १०,३,६.

इन्द्र-नासत्यौ[d]- -०त्या ऋ ८, २६, ८.

इन्द्र-नुत्त[e]- -त्ताः पै १९, ४१,९.

इन्द्र-प(ति>)त्नी[f]- -†त्नी ऋ १०,८६,९;१०; शौ २०,१२६, ९; १०: -त्नीः मा २८, ८: का ३०,१,८.

इन्द्र-पा-

†इन्द्रपा-तम[g]- -मः ऋ ९,९९, ३: कौ २,९८२: जै ४, २४, ३.

†इन्द्र-पान[h]- -नः ऋ ९, ९६,[३ (९७,२७)]; १३: कौ १, ५३२: जै १,५४,८; -नम् ऋ ६, ४४, १६; ७, ४७, १; १०, ३०, ९; खि ५, ७, ५, १०: -नाः ऋ १, ५४,९.

इन्द्र-पीत[i]- -तः काठ २९, २; क ४५, ३: -†तम् ऋ ९, ८, ९; कौ २, ५३५: जै ३, ४२, १: -तस्य मा ३८,२८: का ३८,७, १: तै ३, २,५,२[२]: ३:५[j]: काठ ३५,११; क ४८,११.

*इन्द्र-पु(त्र->)त्रा[k]- -०त्रे शौ ३, १०,१३.

इन्द्र-प्रसूत[l]- -ताः ऋ १०, ६६, २.

इन्द्र-प्रमृ(ष्>)ष्टा- -ष्टाः पै ६,३, १२.

इन्द्र-बृहस्पति[m]- -ती कौ ३, ३, १०[n]: जै २,२,२[n].

इन्द्र-भ्रातृ- } इन्द्र-मातृ- } -तरम् पै ४, २२,१.

इन्द्र-मादन[o]- -नासः ऋ ७,९२,४.

इन्द्र-मेदिन्[p]- -दिनौ शौ ११, ११, १८; -दिभ्याम् शौ ११, ११,४; -दी शौ ५,२०,८; पै९,२४,७.

√इन्द्रय, इन्द्रयन्ते ऋ ४, २४,४.

इन्द्रयु[q]- -युः ऋ ९, २,९[r]; ६, ९;५४,४.

इन्द्र-योग- -गैः शौ १०, ५, ३: पै १६,१२७,१-५.

इन्द्र-राशि- -शिः पै १२, ३, १; ३; ५; ६; ९:१२:१६: -शिम् पै १२, ३, १[s]; २:१०: -शौ पै १२, ३,११.

सा. ORN. च) इन्द्र- + (युष्मद्->) त्वा (कस.) इति पृप. मत्वा तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति वदन्तौ युष्मदं-शप्राप्तस्वरस्याऽभावं प्रति पर्यनुयोज्यौ । इन्द्र (सं१ +) ([युष्मद्>] त्वा [तृ१] + ऊत- [तृस.]) इति कृत्वा तस. उसं. (पा २, १, ७२) इतीवाऽभिप्रयन्तः PW. GW. प्रभृ. (तु. ऋ २, ११, ६, WAG २, २३०) अन्तोदात्तस्याऽभावं प्रति पर्यनुयोज्याः । द्वितीये (आग्नेये) स्थले इन्द्रस्य स्तोतव्यदेवतात्वाऽभावादप्यु-भयोरनयोः कल्पयोरसांगत्यं द्र. । इन्द्र- + (तवस्- [भाप.] + [√धा>] *ध- [भाप.] > (पस.) *तवो ध- > [नैप्र.]) *त्वोत- इति वस. (= इन्द्रत्वोत-वत-) पूप. प्रकृतिस्वरम् इति विमृश्यम् । द्वितीये (आग्नेये) स्थले 'हे अग्ने ! प्रसिद्धेन्द्रशक्तिमन्तोऽपि सन्तो वयं त्वामुपास्महे' इत्यर्थादग्नेः पूर्वाद्धोक्तदेवतान्तरेभ्य इवेन्द्रा-दपि महिमवत्तरत्वमुक्तम् । उभयोरपि स्थलयोः "*तवो° >°त्वो°" इति वावि. छन्दो (ऽनुष्टुब्जगत्यन्यतर-) मानाऽनुकूलितश्च द्र. ? ।

[a]) विप. (वीरुध्-) । तृस. ।

[b]) विप. (त्वच्-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[c]) विप. (अमित्र-) । बस. ।

[d]) 'इन्द्रसहचरितौ नासत्यौ' इति कृत्वा मध्यमपदलोपी कस. अन्तोदात्तः ।

[e]) विप. (अमित्र-) । तृस. ।

[f]) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[g]) विप. (मद- [सोम-]) । उस. उप. कर्मणि विच् प्र. उसं. (पा ३,२,७४) प्रकृतिस्वरश्च ।

[h]) विप. (ऊर्मि-, चमस-) । उस. उप. √पा (पाने) + कर्मणि करणे वा ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

[i]) विप. (सोम-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[j]) सपा. तां १,६,४ विशिष्टः पाभे. ।

[k]) विप. (एकाष्टका-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[l]) विप. (देव-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. <प्र√सू (प्रेरणे) ।

[m]) द्वस. अन्तोदात्तः । पूप. आनङः उभयप्रकृतिस्वरस्य चाऽभावः उसं. (पा ६, ३, २६:२,१४१ ।

[n]) सपा. पागृ २, ६,२१ मागृ १,९,२७,BC. [कौ] च °न्द्रा.बृ° इति पाभे. ।

[o]) विप. । उस. कर्तरि ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[p]) विप. (अर्बुदि-न्यर्बुदि- [देव-विशेष-]) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[q]) आचारे क्यजन्तात् नाधा. उः प्र. तत्स्वरश्च ।

[r]) सपा. इन्द्रयुः <> इन्द्रियम् इति पाभे. ।

[s]) °शिर् इति पाठे ? यनि. शोधः ।

इन्द्र-वज्र- -ज्रेण मै २, १,९[2]; ¶; ४, ७,९[2];¶.

इन्द्र-वत्- -वत् मा ३८, ४[3a]; का ३८,१,४[3a]; -वता[b] काठ ६, ८; क ४, ७; -वन्तः ऋ १, १०५, १९; १३६,७; ४, ३३, [३(३५, ५)]; ३४,६; ५,५७,१; १०,३५, १;१२८, २[c]; तै १, ६, ४, २[d]; मै १,४,१[d]; ४, ९,२;१२, ४†; काठ ५, ३[d]; १२, १४†; ४०, १०†; शौ ५, ३,३†; पै ५, ४, ३†; १३, ५, १७; -वन्तम् खि १, ५, ८; काठ ४०, ६; -वन्ता ऋ १, ११६, २१; -वान् मै १, १, १३[e]; ४, १, १४; काठ १, १२[e]; ३१, ११[e]; क १, १२[e]; ४७, ११[e] [°द्रा-व° यद्र.].

इन्द्रवती- -त्या मा ३, १०[2b]; का ३, २,३; ४[b]; काठ ६, ८; क ४,७ [°द्रा-व° यद्र.].

इन्द्र-वरुण[f]-

ऐन्द्रवारुण[g]- -णः मै २,३,१¶.

ऐन्द्रवारुणी- -णी मै २,३, १¶.

इन्द्र-वात-

इन्द्रवात-त(म→)मा[h]- -माः ऋ १०, ६,६.

इन्द्र-वायु[i]- -युभ्याम् मा ७,८; का ७,३,२; तै १, ४,४,१; मै १,३, ६; काठ ४, २[2]; २७, ३; क ३, -[2]; ४२,३; -युवोः तै ३,१,६, २; -यू ऋ १, १४, [३ (६, १६,२४)१०,१४१,४]; २३, २; ३; १३९, १; ७, ९०, [७; ९१, ७]; १०, ६५,९; खि ५, ७, ४, ६[2]; †मा ३३, ८५; ८६; का ३२, ७, २†; तै १, १, ७, २; ५,१०,४; मै १, १,८; ११,४†; २,२,६; ४, १, ८; काठ १, ७; १०,१२†; १४,२†; ३१,६[2];¶; कौ १, ४६१†; जै १, ४८,७†; शौ ३,२०,६†; पै ३, ३४,७†; -†०यू ऋ १, २, ४; १३५,५; २, ४१, ३; ४, ४६, ३-७; ४७, ४; ७, ९०, ५; ६;९१, २; ४-६; मा ७,८;३३,५६$; का ७,३,२; ३२,५,२$; तै १, ४,४,१; मै १, ३,६; काठ ४,२; क ३,२; -०यू तै ३,२,१०,२; ६,६,८,३¶.

ऐन्द्रवायव[j]- -वः मा १८, १९; का १९, ७, १; तै ४, ७, ७, १; ¶६,४,७,१;३; ८,३;९,४; ¶७, २,७,१;८,१[2];२;३; ४[2]; ५[2]; ६; ७; मै २, ११, ५; ¶४, ५, ८; ९[3];६,१;$८,७-९; ¶काठ १८, ११$; २७, ३[3]; ५; २८, १०; ३०, २[3]; ३; ¶क २८, ११$; ४२,३[3]; ५; ४५,१; ४६, ५[2];६; -¶वम् तै ३, १,९,३; ६, ८,९. ८; मै ४, ८,९; काठ २७, ३[2]; २८, १०; क ४२, ३[2]; ४५, १; -¶वस्य तै ७, २,८,६; ७; काठ २७,५; क ४२,५; -वाः[k] तै ५, ३,१३, १; काठ ४९, ३; -वात् तै ७, २, ८,५¶; -वे मै ४, ६, २¶; -वेग मै ४,६,१¶.

¶ऐन्द्रवायवा (व-अ)ग्र[l]- -ग्राः तै ६, ४,७, १[2]; काठ ३०, २[2]; क ४६,५[2]; -ग्रान् तै ७, २, ७, १[2]; मै ४, ८,९; काठ ३०, ३[2]; क ४६, ६[2]; -ग्रेभ्यः मै ४, ८, ९.

†इन्द्र-वाह[m]- -वाहः ऋ १०,४४, ३; शौ २०, ९४, ३; -वाहा ऋ १, १११, १; ८,९८, ९; कौ २ ६२; जै ३ ६, ८; शौ २० १००, ३, -वाहौ ऋ ४, ३५, [(३३,३)५]; काठ २३, ११.

a) =सपा. माश १४, २,१,१४ काश्रौ २६,५,६ । मै ४, ९,९ तु इन्द्राय वट् इति, तैआ ४,९,३; ५, ८,२ आपश्रौ १५,१०,११ इन्द्रावट् इति, माश्रौ ४,३,२६ इन्द्राय वषट इति च पाभे. ।

b) सपा. °वता<>°वत्या (माश २. ३,१,३८ च) इति पाभे. ।

c) सपा. इन्द्र°<>इन्द्रा° इति पाभे. ।

d) सपा. इन्द्र° (तां १,३,८;५,१२;१५;६,३ च)<>इन्द्रिया° (आपश्रौ १२,१७,८ वैताश्रौ १७,८ च) इति पाभे.।

e) सपा. इन्द्र<>इन्द्रा° (तैब्रा ३, ३, ७, ८ च) इति पाभे. ।

f) द्वस. पूप. आनङ्भावः उसं. (पा ६, ३, २६) उभ. प्रकृतिस्वरश्च ।

g) विप. । अण् प्र. (पा ४, २.२४), उभयपदवृद्धिः. तत्स्वरश्च ।

h) विप. (ऊति-) । तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप.< √वन् यद्र. ।

i) द्वस. पूप. आनङ्भावः (पावा ६, ३,२६) उभयपद-प्रकृतिस्वरस्य च निषेधे (पा ६,२,१४२) अन्तोदात्तः ।

j) विप.(ग्रह-, प्राण-)। अण् प्र. (पा ४,२,२४) तत्स्वरश्च।

k) सपा. मा २४.२ का २६,१,४ बार्हस्पत्याः इति पाभे. ।

l) विप. (ग्रह-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

m) विप. (रथ-, हरि-)। उस. णिव-अन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम् ।

इन्द्र-शत्रु[a]– -त्रुः ऋ १,३२,६;१०; तै २,४,१२,१¶; ५, २,१[२]; मै २,४,३; †पै १३,६,६:१०.

इन्द्र-सव[b]– -खम् खि २, ४, १.

इन्द्र-सखि[c]– -खा ऋ ७, ३४, २४: शौ ४,५,२; २२, ६; ७; पै ३, २१, ६; ४, ६, २.

इन्द्र-संश्रा[d]– -धया शौ ११,१२,९.

¶इन्द्र-सव[e]– -वः तै ७, ५, १५, ३; मै ३, ४, ३; काठ १४, ८: ३७,८.

इन्द्र-सारथि[f]– -थिः ऋ ४, ४६,[२; ४८,२].

इन्द्र-सेना[c]– -ना ऋ १०,१०२,२.

इन्द्र-स्तोम[c]– -मः तै ७,४,३,३¶.

इन्द्र-स-त्वन्[g]– -त्वनम् ऋ ४, ३७, ५.

†इन्द्र-हव[c]– -वान् ऋ ९, ९६, १; कौ १, ५३३; जै १, ५५, १.

इन्द्र-हूति[h]– -तिम् ऋ ६, ३८, १.

†इन्द्रा[i] ऋ ४,४१,२;३; ६;५,४५. [४; ६, ५७, १; ५९. ३]; ६, ६०, १; तै ४, ७, ११, १; मै ४, १०, ५; १२, ६; काठ ४, १५, २३, ११; कौ १, २०२; जै १, २१, ९; –०इन्द्रा ऋ ४, ४१, १; ४; ५; ६, ६८, ५.

इन्द्रा-कुत्स[j]– -०त्सा ऋ ५,३१,९.

इन्द्रा (न्द्र-अ) ग्नि[k]– -ग्निभ्याम् ऋ १, १०९, ३; ५,८६,६; ८,४०,५; १२;१०,११६,९;१२८, ९; खि ५,७,४, १७; मा ७,२३; ३१[२]; २२, ५; २४, २२; ३४, ४६†; का ७, ९, २; १३, १[२]; २४, १, ४; २६, ५, २; ३३, २, ९†; तै १, ४, १५, १[२]; ४, ४, ५,१;७, १८, ८†; ५,३, २,१¶; ६,२१, १[२]; ७, १, १२, १; मै १, ३, १७[२]; ३,१२, १; १४,३; ४, ६, ५; १३, ८[२१]; काठ ४, ६[२]; ७[२]; ३४, १¶; ४०, ७; १०†; ४१, ३;५०,१[२]; क ३, ४[२]:५[२]; शौ ५, ३, १०†; पै ५, ४, १४†: १५, २२, २; १७, ७१, ५; –ग्नियोः तै १,३,१२, १; ६, २, ८; ४, १; ११, ६; ६, ४. २,६; –ग्नी ऋ १,२१,१;३;[३;५,८६, २; ६,६०, १४]; [४ (१६,५; ६, ६०, ९)]; १२९, ९; ३, १२, [४(८,३८, २)]; ५,४६,३; ८६, [४; ६, (४४, ५) ६०, ५]; ६, ६०, ४; ७, ३५, १; ९३, ३; ९८,१०; ८, ४०, ३; ४; ७; १०, ६५, २; १२५, १; १६१,४[m]; खि २, १३, ६; ३, १५, ८, खिसा ३२,१; मा २, १५; १२, ५४; १५, ५९; १७, ६४; २१, २०; †२३, ४९; ६१; ३६,११†; का २, ४, १; १३,४, १०; १६, ७, २; १८, ५,१५; २३, २, ९; †३२, ४, ६; ५, ७; ३६, १, ११†; तै १,१,१३,१; ६,४, २; ¶२,१, ५,६; २,१.१[४]; २; ३[२]; ४; ३, ३. ३, ३; ४. २, ४, ४; ४, १०, २; ६,३,४;५. ७,१५, १; ६, ५, ४, १[२]¶; ¶मै १,१, १३$; ५,६;१०,७; १०[४]; १६[२]; २, १, १[०]; ३; ८, १$; १३, २०$; ३, २, ८[२]$; ९[२]; ३,८[२]; ९, १; ११, ११$; ४, ३. १; ७, ८[२]; ११, १†; $१३. ५[२];७[२n]; ९; १४, १७$; काठ १. १२; ४, १५[२]†; ७, ५[२]¶; ९, १७[१३]¶; १६, १९; १८, ३; २०, ११¶; २१. ३[२]; ¶; ८[२]; ¶; २८, २¶; ¶२९. ९[२]; १०[२]; ३१, १८; ३२,१¶; ३४, १[४]¶; ३५, १०; ¶३६, २; ५[२]; १०[२]; ३७, १५; ३८, १०; ३९,१३; ४०, ९; ५३, ५; क ५, ४¶; २५, ९; २८, ३; ३१, १३¶; १८[२]; ¶; ४४,२¶:¶४६,२; ३; ४८, १२; †कौ २,२०३; २०४; १०५२; †जै ३, १८,१०; ११;

a) विप. (वृत्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

b) विप. (तादर्थ्ये-)। तस. समासान्तष्टच् प्र. चित-स्वरश्च । इ॰ इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

c) विप. (वरुण-, क्षत्रिय-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

d) तस. अन्तोदात्तः । उप. भाप. <सं√धा यद्र. ।

e) नाप. । षस. अन्तोदात्तः । उप. यद्र. ।

f) विप. (वायु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) म> वतुपि सुडागमश्च (तु. पा ६,१,१५७)।

h) षस. पूपे. प्रकृतिस्वरम् (पा ६, २, ४२)।

i) अग्नि–, पूषन्–, वरुण– इत्येतैर्यथायथं द्वस. यद्र. । इह व्यवहिते प्रयोगे तु परस्परापेक्षया प्रत्येकं द्विवचने एक-शेषः द्र. (तु. पावा १,२,६४, सा. [ऋ ५,४५,४ प्रमृ.])।

j) द्वस. पूप. आनङादेशः उभ. प्रकृतिस्वरं च (पा ६,३,२६;२,१४१)।

k) द्वस. उभ. प्रकृतिस्वरे निषिद्धे (पा ६, २, १४२) अन्तोदात्तः । l) इन्द्राग्नि॰ इति द्विस्वर्ये ? यनि. शोधः ।

m) पाभे. कृते पृ ८१३ i टि. द्र. ।

n) =सपा. तैब्रा ३, ६, ११,१; २ माश्री ५, २,८,३७ । मा २१, ४३[२] का २३,५,३[२] काश्री १९,६,२३ तु अश्विनौ इति, काठ १८,२१[२] अश्विना इति च पाभे. ।

४, २३,१; शौ १, ३५, ४;३, ३, ५;४,३०, १†;५, ७,६;६, १०४, ३; १३२, ४;८, १, २; १६; २, २१; ९,२, ९ᵃ; ३, १९; १०, १, २१; ११, १०, ५;१४, १, ५४;१९, १०,१†; १३,२;२०,१;२७, १५; पै १, ६२, १; ४; ८३, ४; ८६, २; १०८, १;२, ७४, ७; ३, ३७, १;५, ४, ८‡ᵇ;११, ३;३७,३; ७, ९, ८;८, १५, ९;९,११,१; १०, ८, ५; १२, ९; १३, ३: १३,७,११;१३, ३,१६;८,१†; १५, १५, ६; २२, १†; १६, १,२; २, ६; ५, १; ३७, १; ५२,१; ७६,८; ८५, ५; १७, २८, ५;१८, ६, २; १९, ४९, १२, ५५, १५-१८; २०, २४, ७; २८, ७; ५५, ८; –०ग्नी ऋ १, २१, L५(७, १०४, १)]; L६; ७, ९४, ८]ᶜ: १०९,१; २; ४; ३, १२, १: २; ५-९: ५, २७,६; ८६, १; ६, ५९, १; २; ५-१०;६०, ७;८: L ९; ८, ३८, ७-९]: १५; ७, ९३,१; ४; ९४, १-३; ७: ९; ८, ३८,L१-३]: L४-६]:४०, १: मा ७,३१†; १३, २३; १४, ११; १८,४७;३३,९३†: का ७, १३, १†;१४,२,८: १५,४,१; २०,२,१०; तै १,१,१४,१³†; २, १,२ᵈ; ४, १५, १†: ४, २, ९, ४; ११, १†; ३,६, १; १२, ८†;५, ३, २,१²¶; ७, ६, ३: मै १, ३,१७†; २, ७, १६: ८, ३;३, २,९; †४,१०,४:५;११, १⁵; काठ †४, ७, १५⁶; २३, ११†;३५,५²; †कौ १,२८१;२, १९;२०; २६६-६८: ३४१-४३; ४२३-२५: ९२५-२८; १०४३-४५; १०५३; १०५८; †जै १, २९,९;३,२,१०: ११; २२,१३-१५; २८,१३-१५:३२,१३-१५; ४,२,६-८; २२,८-१०: शौ १३, १, ३१: –०ग्नी ऋ १, १०८, १-३; L४; ७, ९३, ६]: ५; ७-१३: १०९,५-८: ६,५९, ४: ६०,१३:१०, १६१,१; खि ६, ३,४: मा ३, १३†: का ३, ३, ३†: †ते १, १,१४,१:५,५,१: ७,२:४, २, ११ १: ५,५,६, २¶: †मै १, ५, १: ५; ६: ४, १०,४: १३,५:१४, ८: काठ २, २ᵈ: ४, १५†; ६, ९†: †७, ४: ५; १३, १५²†; १६, १६; १७, ३: १९: २०, ११; २१, १३†: क १,१४; ३,५†;४,८†: †५, ३; ४; २६, २: ३१, १३: ४८, ६²; शौ ३, ११, १†: ९, १,१२: २०, ९६, ६†: पै १६, ३३, २: १७, २६,३: १८, १७, १०: १९, १८,१६: –ग्न्योः ऋ ८, ३८,L१० (९४, ८)]: ४०, ८: मा २, १५: ६, २४: २५, ५; का २, ४,१: ६, ६,२: २७, ५, १; मै १,३,१: ३, १५, ५; ४, १३, ७²; काठ ३,९: ५,१: ७, ५: ८, ३¶: ३२, १; ३४, १५¶; क २, १६;५, ४¶; ६, ८¶; शौ ९,१, १२;१६,८,२७; पै १५, १२, ३; १६, ३३, ४; १९, १०,१२.

ऐन्द्राग्नᵉ– -ग्नः मा १८, २०; २९, ५८; का १९, ७, २; ३३, ६, १; तै ४, ७, ७, २; ५, ५, २२, १; ६, २२, १; ६, ५, ४, १¶; मै ¶१, ५, ७: १०, १⁵; १०; १६; ११, ९; २,६, १; ११, ५: ३,९,५¶; ¶४, ३, १; ६, १: ७, ८²; ¶काठ ९, ४;५; १०²: १३, ५; १४, ९: १५, १²$: १८,११$; २८, २, २९, ९²;१०²;३४,१²;१८²;१६:३६, ५: १०; ४८, १$; ५०, २$; ¶क ८, ७; ८; २८,११$; ४४, २; ४६, २; ३; –ग्नम् ¶ते १, ८,१, २; ३,१; ४, २; ७, १;२, १, ५, ५; २, १,१²; २²;३-५; ६, ५,८,१: ¶मै १, ८, १०$; १०, ७: २,१, १⁶; ३²; ५, ५; ६, २: ३, ६, १०: ४, ३,१:९: ६,८: ¶काठ ९,१७: १२, ७: १३, ५: २८, २; ३४, १; ३६, २:३८,१८$; क ४४,२¶; शौ ८, ५, १९; ११, ९, ६: ५ १६, २८, ८: ८३, ६: २०,२८, ९: –ग्नाः मा २४, ४: ८: १५;१७; का २६, १, ८; २,३; ३, ५; ४, २: मै ३, १३, ५; ९; १३;१५; –¶ग्नानि मै ३,९, ५; काठ १४, ९: –ग्नेन तै ६,६,५,२¶.

¶ऐन्द्राग्नीᶠ– -ग्नी तै ५.५

ᵃ) काम L सं१] इत्यनेन संबद्धः ॰ग्नी L प्र२] = L सं२] इति B. (तु. मपुर क्रिप., B. टि. च; वैतु. W. इन्द्रेण इत्येवं शोधुकः ?)। ᵇ) सपा. ऋ १०,१२८,७ विशिष्टः पाभे.। ᶜ) =सपा. मंब्रा १, ५, १२ आपमं १, ८, ५। शौ १९, १६,२;२७,१५ तु अश्विनौ इति पाभे.। ᵈ) सपा. मै १,२,२ सूर्याग्नी इति पाभे.। ᵉ) विप. (ग्रह-, पशु- प्रभृ.)। अण् प्र. (पा ४,२,२४) तत्-स्वरश्च। ᶠ) स्त्री. ङीष् उदात्तनिवृत्तिस्वरेणोदात्तः।

६,२; —न्या मै १, ५, ७; काठ ७, ५; क ५,४.

इन्द्रा-निर्ऋति–

ऐन्द्रानैर्ऋत– -तम् काठ १३, ५[२]¶.

इन्द्रा(न्द्र-अ)नुवचन– काठपुग्रि ४७.

†इन्द्रा-पर्वत[a]– -०ता ऋ ३, ५३, १; काठ २३,११: कौ १,३३८: जै १, ३५, ७: —०ता ऋ १, १२२,३: १३२, ६: मा ८,५३: का ९,६,५: तै २,१,११,१.

†१इन्द्रा-पूषन्[a]– -षणा ऋ ७,३५, १; शौ १९, १०,१: पै १३, ८, १.

२इन्द्रा-पूषन्[b]– -षणा मा ३६,११; का ३६,१,११: —†ष्णोः ऋ १, १६२,२: मा २५,२५: का २७, १२, २: तै ४, ६, ८, १; मै ३, १६,१.

३इन्द्रा-पूषन्[c]– -०षणा शौ ६, ३, १; पै १९, १, १४: —ष्णोः काठ ४६,४†.

ऐन्द्रापौष्ण[d]– -¶ष्णः मै २,६,४; काठ १५, ३; —ष्णम् तै १, ८, ८,१¶; —ष्णाः तै ५,६,१४,१[e].

इन्द्रा-बृहस्पति[a]– -तिभ्याम् मा ७, २३; का ७,९,२ ; मै ४, ६, ५; काठ ४,६[२]; क ३,४; —ती ऋ ४, ४९,[५(६, ६८,६;७,८४,४)]; मा २५, ६[f]; का २७, ६, १[f]; तै ५,७,१५, १[f]; काठ ५३, ५[f]; पै १, ४०, १; —०†ती ऋ ४, ४९,१-४; ६; तै ३, ३,११,१[२]; मै ४, १२, १[२]; काठ १०, १३; २३,११.

ऐन्द्राबार्हस्पत्य[g]– -¶त्यम् तै २, ४, १३, १; मै २,१,१२; २,३; काठ १२, ४: ३४, १६ ; —त्याः मा २४, ७: का २६, २, २; तै ५, ६, १२, १; १४, १; मै ३, १३,८; काठ ४९,२, ४ ; —त्येन मै २,१,१२[२]¶.

इन्द्रा(न्द्र-अ)भिरक्षित– -तम् पै १, ११२, ३.

इन्द्रा-मरुत्[a]– -०रुतः ऋ २, २९, ३.

¶ऐन्द्रामारुत[d]– -तम् मै २,५, ८; काठ १३,३.

इन्द्रा-वत्[h]– -वतः ऋ ४, २७, ४[i]; १०, १०१, १; —वन्तः तै ४, ७, १४, १‡[i]; —वान् तै १, १, १२, १. [ॱन्द्र-व॰ यद्र.]

इन्द्रावती– -तीम् तै ५, ७, ४, ३; पै १,५३,१. [ॱन्द्र-व॰ यद्र.]

इन्द्रा-वरुण[a]– -णयोः ऋ १, १७, १; तै २, ५,१२,२†; काठ १२, १४†; २३, ११; —†णा ऋ ६, ६८, ३; ७, ३५, १: ८२, २; मा ३६,११; का ३६,१,११; मै ४, १२,४; शौ १९,१०,१; पै १३, ८,१; —†०णा ऋ १, १७,३[k]; ७[k]; ९[k]; ६,६८,१०:११;७,८२, १[l]; ३५; ७; ८३,३;४; ८,५९, १;[(१, ८५, २)२]: ६:७; $खि १, ६, १; २; ६;७: तै २, ५, १२, २[l]; मै ४, १२, ४[l]; शौ ७, ६०, १; २; पै २०, ६,५;६; —०णा ऋ ३, ६२, १-३; ४, ४१,१: ४२,[(१, १५३, १)९; ७, ८४, १]; १०[m]: ६, ६८, ४; ७;८; ७, ८२,८;९:८३,१:२;७; ९; ८४,[४ (१, १५९, ५; ४, ३४,१०;४९,४; ६,६८,६)]; ८, ५९,३-५; खि १, ६,३-५: तै २, ३, १३,१[३];३; †काठ १२, १४; २३, ११ ; —णाभ्याम् मा ७, २३; का ७,९, २: मै ४, ६, ५; काठ ४, ६[२] ; क ३, ४: —णौ ऋ ६, ६८, १; मै ३, १५,६[n]; —०णौ ऋ ७, ८३, ५; —०णौ ऋ ६, ६८,[६(१, १५९,५; ४, ३४, १०; ४९, ४) ७, ८४,४]; ७, ८३,८;८५,२: तै २, ३,१३, १; ३.

a) द्रष्ट. उभ. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,१४१)।

b) व्यु. पृ ८२६ *k* टि. द्र.।

c) स्वराऽभावात् पृथक् निर्देशः द्र.।

d) व्यु. पृ ८२५ *g* टि. द्र.।

e) सपा. काठ ४९,४ पौष्णाः इति पाभे.।

f) सपा. मै ३,१५,६ मित्रावरुणौ इति पाभे.।

g) तद्धितः ण्यः प्र. (पा ४,१,८५) तन्-स्वरश्च।

h) विप. (देव-,यज्ञ-)।

i) नाप. (इन्द्ररक्षितदेश-, इन्द्रलोक-, सोमोत्पत्ति-देश- [तु. हिम-वत्-])। पं१ रूपम् (तु. सा. PG [१, २११] GRV. ORN.; वैतु. R. GW. Web. LR. प्रभृ. नानाविध-कल्पनाजातं तस्य च यथायथं विमर्शः ORN. अन्वेष्यः।

j) पाभे. कृते पृ ८२५ *c* टि. द्र.।

k) संपा. छन्दस्तः ०रुण इति (तु. पपा.)।

l) =सपा. मोब्रा २,४,१५ शाश्रौ ९, २,४;१४,३५,२। मै ४,१४,६ तैब्रा २,८,४,५ तु विष्णूव॰ इति पाभे.।

m) सपा. मा ७, १० का ७,४,२ माश ४, १,४,१० आपश्रौ १२,१४,१२ मित्राव॰ इति पाभे.।

n) सपा. मा २५,६ का २७,९,१ मित्राव॰ इति पाभे.।

ऐन्द्रावरुण[a]- -णम् काठ ३४,१६¶[b]; -णाः तै ५,६,१४,१; काठ ४९,४.

¶ऐन्द्रावरुणी- -णी काठ १२,१; -णीम् तै २,३,१३,२.

इन्द्रा-विष्णु[c]- -ष्णुभ्याम् मा ७,२३; का ७,९,२; मै ४,६,५; काठ ४,६[२]; क ३,४[२]; -ष्णू ऋ ४,२,४; ६,६९,२; ८,१०,२: १०,६६,⌊(६५,१)४⌋; तै ५,७,१५,१; काठ ५३,५; -†॰ष्णू ऋ १,१५५,२: ४,५५,४; ६,६९,१; ३-७; ७,९९,५; तै ३,२,११,२; ३; मै ४,१२,५[२]: काठ १२,१४.

ऐन्द्रावैष्णव[d]- -¶वः मै २,६,४; काठ १५,३; -¶वम् तै १,८,८,१; २,४,१२,७, मै २,४,४; काठ १२,३[२]: ३४,१६; -वाः मा २४,७: का २६,२,२; तै ५,६,१४,१; १६,१; मै ३,१३,८; काठ ४९,४; ७.

इन्द्रा-सूर्य[e]-

ऐन्द्रासूर[e]- -राः तै ५,६,१०,१[f].

ऐन्द्रासौर- -राः काठ ४९,१०[f].

†इन्द्रा-सोम[c]- -मा ऋ ७,३५,१; मा ३६,११; का ३६,१,११; शौ १९,१०,१; पै १३,८,१; -॰मा ऋ २,३०,६; ६,७२,१[k]; २; ⌊(२,४०,२)४⌋; ५; ७,१०४,१-६; ⌊७(१०,८६,५)⌋; खि २,१६,१; काठ २३,११[२]; शौ ८,४,१-७; पै १६,९,१-७; -॰मौ ऋ ६,७२,३.

इन्द्रासोमीय[h]- -यम् तै १,८,८,१¶.

इन्द्रिय[i]- -†यः ऋ ८,३,२०; ९,४७,३; ८६,१०; कौ २,३८१; जै ३,३१,१; -यम् ऋ १,५५,४; ५७,३; ८४,१; ८५,२; १०३,१; १११,२; २,१६,३; ४,२४,५[j]; ३०,२३; ६,२७,३: ४; ८,३,१३; १२,८; १५,७; ५२,७; ५९,५; ९३,२७; ९,२३,५; ३०,२; ४८,५; ९२,१; १०,३६,८; ६५,१०; ११३,१; ३; १२४,८; खि १,६,५: ३,४,७; ६,३,१; मा २,१०; ८,३†; ९,२२; १९,५; १७; ७२[२]-७५[२]; ७६[२]; ७७[२]-७९[२]; २०,७; ५५; ५६; ६७; ७०; ७१-७३; ७५; ८०; २१,१२-२२; २९; ३२; ३४; ३६; ३७[k]; ३८; ३९[k]; ४०[२l]; ४८-५८; २८,७; १०; २४-४५; ३८,२७; का २,२,९; ८,१,२†; १०,४,४; २१,१,५: २,६; ५,१[२]; २[६]; ३[३]; ४[२]; ५[४]; ७,६; २२,६,१; २; ७,१; ४-७; ९; ८,१; २३,२,१-११; ४,१: ४; ६; ८; ९[k]; १०; ११[k]; १२[२l]; ६,१-७; १०; ११; ३०,१: ७; १०; ३-४,१-११; ३८,६,२; ¶तै १,†४,२२,१: ३९,१: ६,३,२$; ७,३; ४; १२,४$; २,१,२,६[२]; ३,२; ४,३-७: ५,५[२]; ६[२]; ६,३: २,१,२[२]-५[२]; ३,१; ५,३; ७,१: २; ८,२; ३; ५; ६; ९,४[२]: ५; ३,२,६; ७[२]: ३,७[२]; ७,१[२]; २; ४: ११,३; १३,२; ४,२,२; ४: ३,१; २[२]; ३: ११,२; १२,४; ५; ७$; ५,३,२[८], ४; ५; ५,३: १०,१[२]; ४[२]: ३,१,७-८,३[२]: २,४,२: ९,२: ३[२]; ४; ३,१,२$; ४,३,८: ५,१,२,२: ३,५[२]: ४,५: ३,८,२[२]: ४,५,१[२]; ७,६; ८,३: ११,३[२]: ४; ५,६,१: ६,३,३: ४[२]; ७,६,४[२]: ६,१,४,७; २,१०,६;

a) अणि प्र. (पा ४,२,२४) उप. वृद्ध्यभावः तत्-स्वरश्च।

b) ॰वारु॰ इति पाठे? (तु. सात.) यनि. शोधः (तु. काठ ४९,४ अप्राय ३,३ च)।

c) व्यु. पृ ८२८ a टि.द्र.। d) व्यु. पृ ८२५ g टि.द्र.।

e) अण् प्र., उप. वृद्ध्यभावो यलोपश्च उसं. (पा ७,३,२३ पावा ६,४,१४९) तत्स्वरश्च।

f) सपा. ॰सूराः<>॰सौराः इति पाभे.।

g) सपा. तै १,८,२२,१; २,५,१२,१ मै ४,११,३ काठ ४,१६; ११,१३ शौ ७,३०,१ तैब्रा ३,११,९,९। शांश्रौ २,४,३ आपश्रौ १९,१३,४ वैताश्रौ ८,१ कौसू ३२,३; ५९,१९ अग्नाविष्णू इति पाभे.।

h) छ>ईयः प्र. उसं. (पा ४,२,३२) तन्-स्वरश्च।

i) विप. (मद-, रस-, सोम- प्रभृ.). नाप. (बल-, शक्तिमत्कर्मन्-, शरीराङ्ग-)। घच्>इयः प्र. (पा ५,२,९३) चित्स्वरश्च (वैतु. नारायणतीर्थः ⌊सांका २६⌋ <इन्- ⌊=विषय-⌋+√हु इति)।

j) छन्दस्तोऽर्थतश्च इन्द्रम् इति पाठः साधीयान् स्यात् (तु. सा.?, R. ⌊ZDMG ४८,११४⌋)।

k) सपा. मा २१,३३ का २३,४,५ तैब्रा २,६,११,४ भेषजम् इति पाभे.।

l) सपा. ॰यम् (तैब्रा २,६,११,९ च) <> ॰यैः इति पाभे.।

३,३,६: ५,१, २: ८, ४: ६, ५, १[२]; २[२]: ८,१[३]: ११. १[२]: ७,१. ८,२[३]; १०,४; २,१-३,२: ५,५: ६,३; ७,४: ३,२, १: ७, १: २: ४,३,३: ५,८,१[२]; २[२]: ¶मै १, ३, २६†; ४, १$, ५[३]:$: १०[२]: ६,९; १२: ११, ९; २, १, ४[३]: २,५[२];$; ८[४]: ९: १०: १२: ३, ३; ४,१[४]; ३[२]$: ६[२]: ५,२: ३[२]: ४[२]; ५[६]: ७[२]: ८: ३,१,९: ८,१[२]: ८: ६, ७[२]: १०,६[२]:$११,२[a]: ३[२]: ८[७b]: ५: ६[१७]: ७: ८: ११[११]: ४, १, ६: १२: १४: २, १०; ३, ८[२]: ९[२]; ४, ३-५: ७: ९: ६,१[२]; ७,३[२]: ४: ७: ८[२]: ९: ९, १३$: ¶काठ ४, १०†: ५,२[२]$; ९, १४; १०, २[२]: ८[४]: ९; १०[३]; ११, १[२]: १२, ६: १३, १[२]: ४[६]; ५[२]; १४, ६: १०: १९, ३; ४[२]; २०,५[२]:८[२]: २१,८: २५, २[२]; २६,१; २७ २;३; २८, ८: २९,१[२];५;७[२];९[२]: ३०,३: ३१, ४; १५[२]: ३२, १[२]: २[४]:$[२]. ५[२]: ७[२]; ३४, २[२]: १८[२];$; ३६,१: $३७, १५: १८; $३८,१[१७]:४: ८[२]; ९[७b]: १०[११]; ¶क ३, ८†: ३०,१; २[२]:३१, ७[२]: १०: ३८, ५[२]; ४०,४; ४२,२; ३; ४४, ८; ४५,२[२]; ६; ८[४]; ४६,६; ४७,४; †कौ १,३४७; २, १८९: ३७८; ३९६‡[c]; ९९५; †जै १,३६, ६: ३. १७, ११: ३०, २१; ३१, १६‡[c]: शौ ३, २२,५; ५,९,८: ६,१३३,४: ७, ६९, १; १२, ६, १; १५, १०,१०; १९, ४२,४; †२०,१५,३; ५०,१: १०६, १; पै १,८३,३[?d]: ३, १३, ६: १८, ६: ५, १४,७; ३३, १०: ६, ५, ८; ११,१३:१९,८; ७, ५,३; ९, २०,१०: १०, २,१: ८,४, १०; १०,४: ५; १३, १४, १४; १५, २१, ७: १६, २६, १: १८१, १: १९, २१,५; ४८,१८: २०, २२: १०; -¶यस्य तै २, २, १, ४, ३, १,८,३: २,४,२: ७,३,६,२: ४: ५,९,३; मै १,९,८[२] ; २, २, ८; ३, १,४: १०: २, २; ३, ६; ८, ८ ; ४, ४, ४; ९[२]: काठ ९, १२[१४]: २९,१; क ४५, २; -या पं ९, २१, ११; -†याः ऋ ९, १०७,२५: कौ १,५२२; जै १, ५३, १० ; पै २, ५७, ३!; -याणाम् गं १९,५०,६; -याणि ऋ ३, ३७, ९; ५, ३१, ३ : मा १९, १२; ९२; २०, ५८; २१, ५५: ५६; २८, ९; का २१, २, १; ६,१३; २२,६,४; २३,६,८: ९: ३०,१,९; †तै १, ६, १२, १: २, ५,१२,५; ७, ४, ५,३¶; ¶मै २,३, ५; ४, १; ५, ३; १०[२]: ३,१०,६† ; $११, ३; ५[२]; ९: ४, ७, ६; ८; १२, २†: काठ ८, १[२]¶; १६†: १२, ५[३]¶ ; ३८, ३; क ६,६[२]¶; शौ १, ३५, ३; १९,९,५; †२०, २०,२; ५७,५; पै १६, ७३, ४; -याय ऋ १, १०४,६; ६,२५,८; ९,७०,[५; ८६,३]; ८९,६; १०, ११६, १; मा ९, ४० ; १०, १८; २३[e]; १९,३४[f]; का ११, ७,३[e]; २१, ३,३[f]; †तै १,६,१२,१; ७,१३, १; मै १, ९,१; २, ३, ४[g]; ३, ११, ७[f]; ४, ४, ३¶; १२, २†; काठ ८,१६†; ९, ८; २६, १¶; ३८,२[f];४०,३[g]; क ८,११; ४०, ४¶; शौ १९,३७,२: पै १,५४; ३: -ये मा ३, ४५; २०, १७, का ३,५,२; २२,१,४; ¶तै १, ५,२,२: ७,६: ८,३, १$: २, ३, २,१; ११,५: ४, ११, २: ३, २, ६, ३; ३, ४, ३; ६, ६, १०,२; ७,२,१,४; ६,३; ५, ९,२; ¶मै १, १०,२$; ११, ९: ३, ४, १; ४,३,८: ४,७; काठ ९, ४; १४, १०¶; २१, ११¶: ३८, ५; क ८, ७ ; -येण ऋ १, १६५, ८; मा ७,२०; १०, १७; २१; २०, ३: का ७, ८,३: ११, ६, १; ७, १; २१,७,२; ¶तै $१,४,१०, १: ११, १; ६,२,३; १०, ६; ८, १४,२; १५, १; २,१, ३, २; २, १, ३[२]; ४[२] ; ८, २; ११, ४; ३,२,४; ५; ६[२]: ७; १३,२;५,३,

a) पाभे. कृते पृ ८२९ *k* टि. द्र. ।
b) सपा. °यम् (तैब्रा २,६,१३, २ च) <>°यैः इति पाभे. । c) पाभे. कृते पृ ८२४ *r* टि. द्र. ।
d) इन्द्र इवेन्द्रियमपीरुन्धोऽस्मिन् इतीव शुद्धः पाद-पाठः स्यात् (तु. परि. टि. ?अवीरुधसो; वैतु. शौ १, ३५,३ आनुष्टुभपादद्वयात्मकः पाभे.) ।
e) =सपा. माश ५,४,३,१८ । तै १,८,१५,२ काठ १५, ८ तु बलाय इति, मै २,६,१२;४,४,६ ओजसे इति च पाभे. ।
f) =सपा. माश १२,८,१,३ तैब्रा २,६,३,१ शांश्रौ १५, १५,१३ वैताश्रौ ३०,१२ । लाश्रौ ५, ४,१५ तु इन्द्रियेण इति पाभे. ।
g) सपा. तैब्रा २,५,७,२ आश्रौ १,१२,२ वीर्याय इति पाभे. ।

१; ५, १ ३, ५^{२}; ५, ७, १; २; ६,१,४,७; ३,४, ४^{३};५; ७, २, ७, ३; ४^{२}; ¶मै १, $३, १३; २७; ९,६; २,१,४; ९; २, १०; १२; १३^{२}; ४,१^{४};५,२^{२}; ४: ५^{३}; ८^{४}: ९^{२}; ११^{३}; ६,११^{२}$; ३, २, ४^{२}: ७;१०,६; ११,८$; ४, २, १०: ३, १^{२}; ७^{२}; ४, ५^{२}$; ९; ५, ८; ७, ४; ११, ३†: ¶काठ $४, ५: १४; ५, ५$; ९, १४: १७; १८†: १०,२;८^{२}:९: ११, १^{२}; १३, ४: ५^{३}; $१५, ७: ८; १९, ३; २५, २^{२}; २७, ३; २८, ५: ३०, ३^{३}; ३१, १५$: ३२, ५$: ३४,३: ३८, ४$; ¶क ३, ४^{२}$; ६, १; ३०, १:३८. ५^{२}; ४२, ३ ; ४४, ५; ४६, ६^{२}: शौ ६,१२४,१: १६,१,९; १९,३३, २; ४२, ४[a]: ४५,७; पै २. ६२, ३: १०, १०, ३-५; १२, ५, २: १९,४०,४; ५; ५०, ६: –येभिः ऋ ४, ३५,९; –येभ्यः मा ७,३; का ७,१-२,२; तै १,४,२-३,१: ६,४,५,४; मै १, ३,४; काठ ४, १^{२};२७,१;२ ; क ३,१^{२}: ४२,१; २: –यैः ऋ १,१०७,२; मा २०, ६१;६९[b]; का २२,६,७; ७,३[b]; ¶मै २,३,७^{२}; ९; ४,१; ३,१०, ६; $११, २[c]; ३; ४, ४,५; काठ १२, ५^{२}¶; ३८,८; शौ १९,२७, १: पै १०, ७, १.

¶इन्द्रिय-काम[d]– -मः तै २, १, ६,२; ३,७,१; ५, १०, १; काठ १३,४; –मस्य तै २. ५,१०,४; ६, ७,१०,३; ३,३, ६; ४,३, २; ३, ४,१.

इन्द्रिय-वत्– -¶वते मै २, २, ८: ९; काठ १०, ८^{२}: १०^{४}: –वान मै ४, ७, ४¶; शौ १५, १०,१०.

इन्द्रियवती– -तीम् मै ४,५, ८¶.

इन्द्रि(य>)या-वत– -०वः![e] तै ६,५,८,३: –वत् मा १९, ९५: का २१, ६,१६: मै ३, ११, ९: काठ ३७,९[f]; ३८,३; –वतः मा ८, ९; का ८, ६, १ ; तै १, ४, २७,१: मै १, ३,२९; ४, ७, ४: काठ ४,११: ५,१; २८,८: ३२, १: ३५,११: ३९, १; क ३, ९; ४४,८; ४८,११: –¶वते तै २, २,७,१: ३^{२}: ४, २, २^{२}: ३: ४: –वन्तः तै ३, २,७,२[g]; –वन्तम् तै २, २, ७,१¶; –वान् मा ६, २७; का ६,७,४; तै १,२,३,३; ३, १३, २; ७, ७, २[h]; ३, १, १०,२: मै १, २,३; ३, १: काठ २,४: ३,९: ५, १[i]: ५: ३२,१[i]; ५: ३५,३:८; क १,१६: २.१६; ४८,४: ९: पै १०,१०.३.

¶इन्द्रियावती– -ती तै २, ४,२,१; काठ १०, १०.

इन्द्रि (य>) या-विन्[j]– -वी तै १, ६, २, ४^{२१}; ११. ६^{२}: ७^{२१}; ¶२, १,६,३; २,५, ४: ¶६, २, १०,६: ३,३,६; पै १२,७,६.

इन्द्रे(न्द्र-उ)षित,ता[k]– -तः ऋ १०, ८.८: –ताः ऋ ५,३१,५; तै १, ६,१२,६†: मै ४.१२,२†; काठ ८.१६†: शौ ७, ७३,२; पै १९, २७, २: –ताम् ऋ २. ११, ८; –ते ऋ ३, ३३,२.

इन्द्रो(न्द्र-ऊ)त[l]– -ते ऋ ८. ६८, १५:१७.

इन्द्रो(न्द्र-उ)त्तम[m]– -मानि मै ३, ४,१¶.

?इन्द्रकेश– -शम् खि १,२,१४.

?इन्द्रस्त्रसरपूतः[n] जै २. ४.४.

[a]) पाभे. क्रूने पृ ७६४ *b* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. पृ ८३० *b* टि. द्र. ।

[c]) पाभे. पृ ८२९ *l* टि. द्र. ।

[d]) विप. । गमासर्विषये पृ १० *g* टि. द्र. ।

[e]) पाठे? °यावतः इति संभाव्येत (तु. सपा. तै १. ४ २७,१ मै ४,७,४ काठ २८,८ Web.I.IS १३.९७ च)।

[f]) =सपा. तैब्रा २, ७,१५,३ तैआ १,७,१ । शौ १३, ३,१० तु यत् संहितम् इति पाभे. ।

[g]) पाभे. क्रूते पृ ८२५ *c* टि. द्र. ।

[h]) =सपा. तैब्रा २, ७,१६,१ तां १, ७, ५ आपमं २, ११,१७ पागृ ३,१४,६ । मागृ १,१३,४ तु वाजिनीवान् इति पाभे. ।

[i]) सपा. °यावान् <> °यात्री<> माश्रौ १. ४, २,६ °यवान् इति पाभे. ।

[j]) विप. । मत्वर्थीयः विनिः प्र. (पावा ५, २, १२२) तत्-स्वरस्च ।

[k]) तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. <√इष् (गतौ) ।

[l]) व्यप. (⌊ अतिथिग्व-पुत्र-⌋ राज-विशेष-) । तृस. उप. √अव् + कर्मणि क्तः प्र. । संज्ञाविषयत्वादन्तोदात्तः (पा ६,२,१४६) ।

[m]) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[n]) पाठे? इन्द्रस तत्र सार-भुक्तः इति शोधः ('हे इन्द्र भुङ् असः भुङ् असः ⌊ तु. पूर्वार्धः⌋ इति सानुरोधम्) इन्द्रः तत्र सार-भुक्तः (=बलवद् भोजितः)' इति वा. द्र. ।

?**इन्द्रामित्राः** पै ९,६,३.
?**इन्द्रारोढा**[a] पै २०,५३,७.
√**इन्ध्** √इध् द्र.
इन्धन्वन्[b]– -न्वभिः ऋ २,३४,५.
१**इन्धान**–, २इन्धान–, ३इन्धान √इध्, न्ध् द्र.
√**इन्व्**, इन्वति ऋ १,५५,४: १२८, ५; ६,५,१; इन्वति ऋ १,१८, ७; २,५,२: ४,५३,५; ७,८४, २; ८,१५,११; ५२[(५१,६) ६ (६१,१४)]: खि ३,४,६: इन्वतः ऋ १,१०,[८ (१७६, १)]; १४१,४: इन्वसि ऋ ५, २८,२: ८,१३,३२: †इन्वसि ऋ १,१४,१०: १४१,१०: १७६,[(१०,८) १]; ९,१०७, २१; कौ १,५१७: २,४२९; जै १,५३,७; ३,३३,४; पै १२, १,१०; इन्वथ शौ ४,२७,३; पै ४,३५,३: इन्वात् ऋ १०, १६,१०[c]: †इन्वतु ऋ १, १६२,[६; १२]: १०,१८८,३; मा २५,२९; ३५: का २७,१२, ६: १३,४; तै ४,६,८,३: ९,१: मै ३,१६,१[२]: काठ ४६,४;५: ‡इन्वत[d] शौ ५,२,६: २०, १०७,९.
†**इन्वन्**– -न्वन् ऋ ५,३०,७; ९, ९७,१०: कौ १,५४०: २,३६९; जै १,५५,७: ३,३०,१२; –न्वन्तः ऋ ३,४,५.
इन्वित– -तम् तै ३,१,४,४.
इन्व(क>)का[e]– -काः[f] काठ ३९,१३.
इन्व(ग>)गा[e]– -गाः[f] मै २,१३, २०[g].
इन्वान– √इ(बधा.) द्र.
?**इन्वे**[h] पै २०,४९,७.
†**इभ**[i]– -भः[j] ऋ ९,५७,३; कौ २, १११३; जै ४,७,७; –भम्[k] ऋ ६,२०,८; –भाय[l] ऋ १,८४, १७: –भेन[m] ऋ ४,४,१; मा १३,९: का १४,१,९; तै १,२, १४,१; मै २,७,१५; काठ १६, १५: क २५,६.
इभ्य[n]– -भ्यान् ऋ १,६५,७.

a) पाठे? **इन्द्रः अग्निर् आरोढा** इति त्रिपदः शोध इति कृत्वा **अग्निर् वह्निर् अग्निर् इन्द्रोऽग्निरारोढा प्रजापतिः। प्रजायताम् अग्निः स्योनः** इति गायत्री सुपठा स्यात् ?।

b) विप. ([मेघरूप-] धेनु-)। व्यु. ? √**इन्ध्** >**इन्धन**– >°**न्धन्**–+**वनिप्** प्र. इतीव वें. सा. प्रमृ. (=[वैद्युत-] दीप्ति-युक्त- [तु. WAG ३,१४२ *b* Gri. च])। पाठः? इति कृत्वा ?*नि-धन्वन्– (वस.) इत्यस्य वावि. इतीव (तु. ORN. ?)।

c) पाभे. क्रुते पृ ८०१ *q* टि. द्र.।

d) सपा. ऋ १०,१२०,७ **इनोषि** इति पाभे.।

e) नाप. (मृगशीर्षनक्षत्र-संघात-)। व्यु. ? <√**इन्व** इति भा. (तैब्रा १,५,१,१)।

f) सपा. °**काः** <> °**गाः** <> तै ४,४,१०,१ **मृगशीर्षम्** इति पाभे.। g) **इल्वगा** इति पपा.?।

h) पाठे? **दिव– >दिवि** इति शोधः (तु. पृ ६३० *o* टि. अपि)। i) व्यु. अर्थश्च? उत्तरेषु टि. यथायथं द्र.।

j) वें. सा. S. विप. (राजन्- [सोम-]) इति कृत्वा नैप्र. <**इत-भय**– इति, PW. GW. प्रमृ. नाप. (अनुजीविन्-, परिजन-) इत्यभिप्रयन्तो व्यु. विषये मौनिन इति, BS. GRV. =हस्तिन्-(=बलिन्-)] इति (तु. *m,n* टि.)। विप. (राजन्- =*स्तोतृ- [शब्द-युक्त-]) इति कृत्वा नैप्र. <√**वृध्** >√**इद्** (*शब्दे) इति तु मतम्। यत्तु PW. GW. °**भे** (सप्त१) इति प्रकल्पयेताम् तदुपेक्ष्यम् (तु. Gri. टि.)।

k) व्यप. (असुर-विशेष-) इति सा. GRV., PG १, १६ (भृ.) **स्मदिभ**– (ऋ १०,४९,४) इत्यस्य संक्षिप्तं रूपमित्याधिकम्। PW. ?GW. प्रमृ. *j* टि. द्र.। विप. ? =हिंसक- इति कृत्वा √**दभ् >दिभ– >** यनि. इति मतम्। l) नाप. (हस्तिन्-) इति स्क. वें. सा., PW. ?GW. प्रमृ. *j* टि. अन्वेष्याः। =ऋद्धि- इति कृत्वा नैप्र. <√***इद्** (परमैश्वर्ये) इति मतम्।

m) अनवगतम्। नाप. (गण-, परिजन- ? इति यावत्) इति कृत्वा <**इरा-भृत**– इति या (६,१२), PW. प्रमृ. *j* टि. द्र.। =हस्तिन्- इति कृत्वा या. (पक्षे), वें. भा. सा. उ. म. प्रमृ. <**इत-भय**– इति। उ. (पक्षे) =बल- इति (तु. BSG २६)। <√**इ** (*ऐश्वर्ये [तु. **इन**–] इति विमृश्यम्।

n) व्यु. अर्थश्च ? <**इभ**- इति कृत्वा वें. सा. नाप. =**शत्रु**- इति, सा.(पक्षे) GRV. =धनिन-, शक्तिमत्-, ईश्वर- **इति** (तु.शं.छांउ १,१०,१ पाका ८,२,९ BSG २६ MWA.), स्क. =हस्त्यारोह- इति, PW. GW. प्रमृ. विप. =**अनुचर**-संबन्धिन- इति, GRV. टि. (ऋ ९,५७,३) **इभ– >इभ्य–** =वश-वर्तिन्- इति। नाप. (*बाल-)। '(यथा) **राजा** (=*नापित-) **इभ्यान्** (बालान्) **अत्ति** (वपति [तु. उत्तरार्धे **दाति रोमा** इति, सप्र. ऋ १०,१४२,४ च] एवम् **अग्निः**) **वनानि अत्ति**' इति वा. कृत्वा यनि. प्राति. नैप्र. < √**वृध्** > √***इद्** (आच्छादने) + **मवप्** प्र. इति मतम्।

इम्[a] मै ४,९,२२[६].
इम,मा– इदम्– द्र.
?इमंक्षी पै ८,७,८.
इम-था इदम्– द्र.
?इमधि[b] पै १६, ३४,७.
?इमातरौ[c] पै १,११२,१.
√इयक्ष, इयक्षत्–, इयक्षमाण–, इयक्षु– √यज् द्र.
इयत्– इदम्– द्र.
इयध्यै √इ द्र.
?इयनू[d] खि ५,१५,९[२]:१०: शौ २०, १३०,१७[२]:१८.
इयम् इदम्– द्र.
इयान,ना– √इ द्र.
इयान्तम्, इयान्ति इदम्– द्र.
√इर(वधा.)[e]
१इर्–
इरा[f]– -रया पै १०, ४, १: ८: १३, ९, ६; १४, ३, ५[२]; -रा ऋ ५, ८३,४; खि ५, १५,९: मै ४,१२, ५†; शौ ३, २९, ६: ५, १३, १; ९, १२, १२; १५, २, १९![g]; २०, १३०, १६: पै १६, ४८, ३;१३९,१३; -राः[h] तै १, ५, ६, ३; -राम् खि ५,२१, ३; ¶तै २, ६,७, २; ७,५, ९, १[२]: शौ ४, ११, १०; १९, ३१, ३: २०, १३५ १३; पै ३, २५,११; ५, १५, ६; ३१, २; १०, ५, ३: १२,६,१०; -राया: पै ६,८,६: -रायै मा ३०,११: का ३४,२,३.
ऐर[i]– -रम् तै २,६,७,२.
इरं-मद्[j]– -मदः[h] मै १,५,३: १०[२]; काठ ७,१; ८, क ५,१.
इरं-मद[k]– -दम् मा ११,७६: का १२,७,११; तै ४,१,१०,२: मै २, ७, ७; काठ १६,७.
इरा-क्षी(र>)रा[l]– -रा शौ १०,१०,६; पै १६,१०७,६.
१इरा-वत्– -वन् ऋ ७, ४०, ५:६७,[१०, ६९, ८]; -वन्तः शौ ७,६२, ६; पै ३,२६,३.
इरावती[m]– -०ति शौ ८, ११, ४;१३, ९; पै १६, १३३, ९;१३५,२: -†ती[n] ऋ ७,९९,३: मा ५,१६; का ५, ५, ३; तै १, २, १३, २; मै १,२, ९; क २, ४; -तीः ऋ ५, ६९,२; खि १, १२,१ ; मै १, २, ३[o]; -तीम् ऋ ५,६३,६.
२इरा-वत्[p]–
ऐरावत[q]– -तः शौ ८,१४.१५; पै १६, १३५, ८,
इर्य[r]– -र्यः ऋ ७, १३, ३; ८, ४१,४; †तै १, ५, ११,२; ७,१, २०,१: †काठ ४१,११; शौ ३, ८. ४; १२, ३, ११ ; पै १,१८, ४, १७, ३७, १; -र्यम् ऋ ५, ५८,४; ६,५४,८; -र्यौ ऋ १०, १०६,४.
*इरज्[s]–
√इरज्य[t], इरज्यति ऋ १,७,९: शौ २०, ७०,१५†; इरज्यति ऋ ८, ४१, ९; इरज्यसि ऋ १०, ७५, २; इरज्यसि ऋ १, ५५, ३; ८, ३९,१०; इरज्यथः ऋ १,१५१, ६; †इरज्यन्त[u] ऋ ७, २३, २, शौ २०,१२.२.
†इरज्यत्[u]– -ज्यन् ऋ १०,

[a]) व्यु. अर्थश्च ? [b]) पाठे ? इमम् अधि इति शोधः । [c]) पाठे ? इमो(मा-उ)त्तरौ इति शोधः । [d]) पाठे ? इदम्–>इयम् इति शोधः (तु. RW.) । [e]) धा. प्रेरणे, ऐश्वर्ये, दीप्तौ प्रभृ. वृत्तिः (=√इड् ,ळ्) । [f]) नाप. =१इडा– यद्र. । <इर्- <इष्- इति WAG १,२८५a; २८८b । [g]) °रा इति स्वरे ? यनि. शोधः (तु. केचन मूको. W.; वैतु. शंपा. तस्य टि., RW. च द्र.) । [h]) सपा. °राः । मदः<>°मदः इति पाभे. । [i]) =१ऐड– टि. द्र. (वैतु. भा. तत्रभवार्थे इति) । [j]) विप. (गो- प्रभृ.) । उस. प्रकृतिस्वरः । इरया माद्यतीति कृत्वा उप. कर्तरि खविः प्र. उसं. (पा ३,२,६२) । पूप. ह्रस्वः मुमागमश्च (पा ६,३,६६; ६७) । [k]) विप. (अग्नि-) । व्यु. ? उप. खश् प्र. (पा ३,२,३७) टि. j इत्यतो विशेषः । *इध्म-वृष्–>नैप्र. यनि. मतम् । [l]) विप. (वशा-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[m]) विप. (रोदसी-,धेनु-,वाच्-) । शौ ८,११,४;१३,९ तु नाप. (गो-) इति । [n]) सपा. काठ २,९० इडा° इति पाभे. । [o]) =सपा. आपश्रौ १०,१७,११ । विध ४८, १० तु अयक्ष्माः इति पाभे. । [p]) व्यप. (सर्पविशेष–) । [q]) व्यप. । अपत्यार्थीयः अण् प्र. तत्-स्वरश्च । [r]) विप. (गोप-, पूषन्-, राजन्-) । यदन्ते यना. स्वरः (वैतु. वें. मा. [ऋ.] <√इर्<√ईर् इतीव, भा. सा. [तै.], मा. [ऋ १०,१०६,४]<इरा– इति) । [s]) भाप., वप्रा. । व्यु. ? <√भ्राज् >भ्राज्–>नैप्र. *भिराज्–>यनि. इति कृत्वा मूलभूतः √भ्राज् अपि बधा. इति मतम् । PW.GW.WAG [१,६३] <√*रज् (√ऋज्) इति BDG [२,३,२२,३] MWA. <√ऋज् इति । [t]) यगन्तस्य नाधा. ऐश्वर्ये, परिचर्यायां (निघ २,२१:३,५). दीप्तौ च वृत्तिरिति भा. सा. प्रभृ., ईर्ष्यायाम् इति चापि सा. (ऋ १०,१४०,४) ? । [u]) तसा. निघाते धा. स्वरः ।

१४०, ४; मा १२, १०९; का १३,७,८; तै ४,२, ७, २; मै २, ७,१४; काठ १६,१४; क २५,५; कौ २, ११६९; –ज्यन्तम् ऋ ८, ४६,१६; –ज्यन्ता ऋ ६,६०,१; तै ४, २, ११, १; मै ४, १०, ५; काठ ४,१५.

इरज्यु[a]– -०ज्यवः ऋ १०, ९३, ३.

***इरध्**[b]–

√इरध[c], इरधन्त ऋ १, १२९, २.

इरध्यै[d] ऋ १,१३४,२.

***इरस्**[e]–

√इरस्य[f], इरस्यति ऋ १०,१७४, २[g]; इरस्यति मै ३, १, ३¶; †इरस्यसि ऋ १०,८६,३; शौ २०, १२६,३; इरस्यः ऋ ७,४०,६.

इरस्या[h]– -स्या ऋ ५, ४०, ७.

इरिण[i]– -णम् ऋ १, १८६, ९; ८,४, ३; ८७,४; तै २,५,१,३¶; मै ३, ८,४¶; †कौ १,२५२;२,१०७१; जै १,२६,१०†; –णा शौ ४,१५, १२; पै ५,७,११; –णे ऋ ८,८७, १; १०,३४, १; ९; ¶ तै २, ५, १,३; ३, ४, ८, ५: ५, २,४,३; ¶ मै २, ६, १; ३; ३, २,४; ४, ३,१; ¶ काठ ९, १६; १३, ५[2]; १५,१:२; २०,२; क ३१,४¶.

इरिण्य[j]– -ण्याय मा १६, ४३; का १७,७,२; तै ४,५,९,१; मै २,९, ८; काठ १७,१५; क २७,५.

?**इरी**[k] ऋ ५,८७,३.

इर्य– √इर् द्र.

√**इल्**(उपरमे)[l], >इलि, इलयति मै ३,४,६[2]; शौ १०, ७,३७; पै १७, १०,८; इलयन्ति शौ १०, ७, ३७: †इलयत>ता ऋ १, १९१, ६; शौ १,१७,४; पै १९, ४,१४.

इला[m]–

इला(ला-अ)न्द,न्दा[n]– -न्दम् तै ७, ५, ९, १¶; -न्दाः मै ४, २, ७[2]¶; -न्दायै मै ४, २, १; -०न्दे मै ४,२,१; -न्देन तै ७, ५,९,१¶.

इलीबिश[o]– -शस्य ऋ १,३३,१२.

इव[p] ऋ १, १, ९; ३, ८; ४, १; ७, ८; ८, ७; १०, १; २२, २० : २३, ११; २५, १७; २७, १२; २८, २; ४; ५; ७; २९, १; ३०, ४; ३१, १५; ३२, २; ५, ६; ११; ३४, १; ४[2]; ७; ३६, १६; ३७, ३; ८; ३८, ८; १४; ३९, ५; ४१, २; ४३, ५[2]; ४४, १२; ४८, ५; ५२, ५[2]; ५३, १; ५७, ६; २; ४; ५९, १; ४; ६०, १; ६१, २; ४; ५; ६३, ५; ६४, २; ३; ८[2]; ६५,४; ६६, ३ : ४ ; ६७, १; ५ : ७०, ६[2] ; ७३, १-३ ; ८ ; ७९, १ ;

---

a) विप. (देव-)। उः प्र. (पा ३,२,१७०) तन्-स्वरश्च।

b) नैप्र. <√*आध् (अर्थतः =√आज् तु. टि. =*इरज् –) इति मतम्, मा. GW. प्रभृ. √राध् इत्यस्य वृत्तमिति ⌊नैप्र. √राध् <√*आध् इति द्र.⌋; BDG ⌊२, ३,२२,३⌋ WAG ⌊१,६३a⌋ MWA. <√ऋध् इति, WAG ⌊१,५२ d⌋ <√रध् इति, GG. <√ऋ इति।

c) क्विबन्तः नाधा.। =√इरज्य(ध्य ⌊तु. निघ ३,५ मृको. पाभे.⌋)।   d) नैप्र. <इर⌊अ⌋ध्यै (तु. सा. WAG ⌊१, २४१a⌋ प्रभृ.; वैतु. सा. पक्षे =√ईर् + अध्यै इत्यपि)।

e) नैप्र. *अध् (=√रध् <*अम् = √रध् ⌊ हिंसायाम् ⌋) >*अल्म् >*√अल्>*अश >√*अस >√*भिरस >यनि. इति मतम्। <√इर् (<√ऋ ⌊ हिंसायाम्, क्रोधे⌋) इति मा. WAG १,२२a WW १,५०। f) व्यु. कृते √इरज्य द्र.। g) मपा. शौ १, २९,२ दुरस्यति इति पाभे.।

h) स्त्री. भावे अः प्र. (पा ३, ३, १०२) तन-स्वरश्च (वैतु. मा. =अन्नेच्छा-?)।

i) नाप. वप्रा.। व्यु.? <√ऋ इति (पाउ २,५४)?।

j) विप. (रुद्र-)। तद्धितः यत् प्र. तित्स्वरश्च।

k) =ईश्वर-, ऊर्जस्वल-। व्यु.? <इरिन्–(<√इर् <√ऋ) इति PW. GW. WW १,१३६ MWA. प्रभृ.। √इर् + कर्तरि (तु. पाउ ३, १५६) कीन् प्र. इति कृत्वा इरी– > -रीः > संपा. विसर्गलोप इत्यपि विमृश्यम्।

l) =√ली इति SBW. (WAG १,५२d)?। मौस्थि. तु √ली <√*इली (=प्रकृतः धा.) इति?।

m) नाप. (=१इडा–) <√इल्(ळ्)=√इड् यद्र.।

n) विप. नाप. च। पपा. नावग्रहः। वस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. अंशतः भा.; वैतु. PW. प्रभृ. उस. इतीव कृत्वा °ला- + द- ⌊<√दा⌋ इति? पूप. वि. अलुक्)।   o) व्यप. (असुर-विशेष-)। व्यु.? या (६,१९) सा. =इला-बिल-शय– इति।

p) अव्य.। व्यु.? पूर्वेण समस्तम् (तु. पावा ⌊२, १,४⌋ ऋ. मा. शौ. प्रभृ. पपा. च; वैतु. तै. पपा. यत्र इव पदत्वेन पृथग् निर्दिश्यते)। यावद्वेदं का. मं. क. जै. पै. स्थलानि संनिवेशितानि। यत्र तत्र स्थलेषु बाह्वृचमूलकतासूचकं † चिह्नं, ब्राह्मणभागीयतासूचकं च ¶ इति चिह्नमप्यू आसञ्जनाय दुश्शकमिवाऽजनीति। व्यु? इ–(तु. इद्) + व इति WAG ⌊१, ५३c; २४८ a⌋ MVG ⌊८५ b⌋ MWA. WW ⌊१, १००⌋ प्रभृ.।

८२, १; ८३, २; ८४, ८; ८५, ५; ८^{२}; ८७, १-३; ९१, ३; १३; ९२, १; ४^{२}; १०; ९४, १; ७; १०; ९५, ७; ९७, ७; ८^{a}; ९९, १; १००, २; १०३, १; ६; ७; १०४, ५; ९; १०५, ८; १८; ११०, ५; ६; ११३, ६; १८; ११४, ९; ११६, १^{२}; १०; ११; १३; १५; १७ : २३-२५; ११७, १२: १८: ११९, १०; १२२, १; २; ५; १२३, १०; ११; १२४, ३: ४; ७^{४}; ८^{२}; १२५, २: १२६, ५-७; १२७, २-४; १२८, १; १२९, ६ : १३०, १^{२}; २: ३: ४^{३}: ५^{३}; ६; ९^{२}; १३४, ३; १३५, ९; १३९, ३: ४; १४०, १^{२}; ६; १०; १४१, ६; ८; ११; १४३, ५^{२}: १४४, ६; ७; १४५, २: १५०, १, १५१, ५; १५५, १; १५८, २: १६१, ८; १६२, १७; १६३, ४; १०; ११ : १६४, ३७; १६५, २; १६६, १^{२}; ३: ५: ६; ९; ११; १२; १६७, ३-५; १६८, ५-७; १६९, ४; ५; १७३, ४; ६; १७५, १; ६: १७६, ३; ६; १८०, ४; ८; १८१, ९; १८२, ७; १८३, ५; १८४, ३^{२}; १८५, १; १८६, ४; ५; १८७, ४; ५: १९०, ३; १९१, ५; १४; २, २, २; ३; ३, ६; ४, १; ४; ६; ५, ३; ६, ६, ७; ७, ३; ८, १; १०, १; १२, ४; ५; १४, २; ६: १५, ३; १६, १; १७, ७; २३, २; १३; २४, १२; १४; २५, ३^{२}; २७, ५; १६; २८, ५; ६; २९, १; ५^{२}; ३०, ४; ३१, ६; ३३, ६; ३४,

३; ६; १५; ३५, ५; १३ ; ३६, ३; ३९, १^{४}-३^{४}; ४^{७}; ५^{४}: ६^{४}; ७^{३}; ४१, १६; ४२, १: ४३, १: २^{३}; ३, १, १४; ५, ८. ६, १०: ७, ४; ८, ९: १०; ९, ५: १४, ३; १५, २; १८, १^{२}: २०, ४: २९, २: १५; ३०, ४; १९: ३२, ६: १४: १५; ३३, १^{२}: २: ३: १०^{२}: ३६, ६; ८; ३८, १: ८: ४५, १: ३^{३}: ४; ४९, ३; ४: ५२, ३: ५३, १०: ५४, १४: ५५, ८: १५: ५७, ६: ६१, ३; ४; ७: ६२. ८; ७, १, ३; ६; ८; २, ११: १८: ३, २; ३; ४, १; ५, ८: ६, २^{२}: ७, ३: ८, ८: १३, ४: १५, २: १६, २: १५: १७, १३: १८, ५: ६: १९, ५: २०, ३: ६: २८, १: ३०, २: १५: ३१. ५: १३: १५: ३२, १६; २३: ३३, १: ३: ६; ३४, ५; ३५, ८: ३८, ३^{२}: ८. १०: ३९, ५: ४०, ३: ४१, ५^{२}: ७; ९^{२}: ४२, ३: ५१, २: ५२, L(६, ३०, २१) २]: ५७. २^{२}: ५८, ६-९: ५, १, १^{२}; ४; १२: ७, ५: ८; ९, ५: ११. ५: १३, ६ : १५, ४ : २५. ७: ८: ९; २७, ५; ६; २९, १५: ३०, ८; ३१, १; ३२, १०: ३६, ४: ४१, ३: ७; ४३, ३: ४५, २: ४८, ४^{२} : ५०, ४ ; ५१, १५ : ५२, ६; ५३, ५; ७; १६: ५४, ६^{२}: ५५, ३: ४; ५६, ३^{२}; ५; ५७, ४^{२}; ५८, ५^{२}; ७; ५९, ३^{३}; ५^{२}: ६०, १; ३; ४; ६१, १०; १२: १७; ६२, ५; ७; ६४, १; ६६. २; ६७, ३; ७३, १०; ७४. ९: ७८, १; २^{३}; ३-५; ८०, ४-६:

८३, ३; ८५, १ : ५; ८: ८६ १: ५: ६, १, ३: २, ७; ८: ३, ५: ४, ४: ५, २; ६, ५; ८, १; ३: ५; १०, २; १२, २; ४: १३, २: १६, ३८; ३९; १९, ३: २०, ९; २४, ४; २९, ५: ३३, ३: ३४, ४: ४४, १२; ४५. ३२; ४६, ४; १३: १४: ४७, ७: १५: ४८, १४: १८: ४९. १२: ५२, ६: ५७, ५: ६; ५९. ३ : ६१, २: ६: ९: १३; ६४, ३: ६६, १०: ६७, १: ३: ६ ; ७१, ५ : ७५, १ ; ३ ; ४^{२}: १४: १७: ७, २, ६: ३, ४: ९: ६, १: १८, २: ६; २२: २४, ५^{२}: २६, ३, २९, ४; ३२, २०; २२: ३३, ५: ६: ८^{२}; ३४, ५^{२}: ३७, ६: ३९ १: २: ४१, ६^{२}: ५४. २; ५५, २: ५६, ८: ५९, १२: ६०. ३: ६३, १: ६७, ७; ६९, ६; ७३, ३: ७४, ६; ७६. ३^{२}: ७९, २: ९४, १; ९५, १; ९७, २ : १०३, ५^{२}; १०४, २: ६^{२}: ८: १७; २१; २२; ८ १, १३^{२}: १७: २६: ३३ ; २, १९: २०: ३. ४: १५; १६^{२}: २१; ४. ५: ६: १६: ५. १; २१: ६, १: ४: ५: १०: २०: ३५; ७, १४: १६: १२. ३: ५: १२: २५; ३३: १४, १०: १७. ७: १९. १४: २३: २०, १९: २०: २१. १४: १८: २२, ४: १५ ; २३, ११ ; २४, ६ ; २४. २५, ७ ; २६, १३; १५ : २७. ११; ३३, २; ६; ३४. १७: ३५. ५; ७^{२}: ८^{३}; ९^{२}; १९-२१: ३९, ७ ; ४०, ६ : ४१, १: ४: ६: ८; ४३, ३; ५; १७; ४४. २५: ४५, ३८; ४७, ८; ११: ४८,

---

a) छन्दस्तः व इति पाठः (तु. GW.)।

२: ४^{२}; ६: ७^{२};४९, १: २^{२}: ४;
६: ८; ५०, १: ३; ६२, ६; ९:
६५, ३; ६७, १४;१८;६९,११;
१२; ७१, १५: ७३, ४: ११;
१७; ७४, १३: ७५, १: ८:७७,
३; ८२, ८; ८४, १: २: ८७, १;
४; ९०, ६^{२}: ९१, ३^{२}:९२,२२;
३०: ९३, ३: ९४, ६: ७; ९५,
१; ९६, ८; १९: ९८, ७: ९९,
३: १०१, १३;१०२, ६:८;१५:
१०३, ३: ९, २, ९: ३, १; ४:
६, ५; ७, ५: १०, १:२^{२}: १७,
१: २; १८. ५;२०, ५; २२, १:
२^{२}; ३२, ५; ३३, १; ३७, ५:
४१, ३: ६: ४३, १; ४६, १:२;
४७, ५; ५०, १; ५४, २: ५७,
३; ६१, १४;६२, १५; १६:६४,
७; १०; ६७, १७; ६९. १: २:
६; ७: ९: ७०, ५: ६; ७१, २;
९; ७६, ३; ५; ७७, १; ८०,५:
८२, १; ४; ८६, १: १६; ८८,
३^{२}; ९०, ६: ९२, २; ६; ९४,
१; ९५, ३; ५: ९६, १५; १६;
२०; २४: ९७, १; ७; १३;१६;
१७; २५: ४७;१००, ४;१०४,
५; १०५, [(१०४, २) २]; ५;
१०७, ८; २०; १०८, ५; ६;
१६; ११२, ३; १०, ४, १-३;
६; ७, ५; ९, २; १०, ७^{२}; ८;
१३^{२}; १४; ११, ५; १३, १; २;
१८, १४; २१, ३;२२, ३; २३,
५; २५, ३: ४^{२};२९, ५; ३१,५;
३३, २; ३; ३४, १; ३; ५; ८;
३९, ६; ४०, २;३^{२}; ४; ९;४२,
१^{२}; ४३, २; ७; ४५, ४; ४८,
३; ४९, ४; ६; ५१, ६; ५६, २;

५९, १: ६०, ३-५; ६१,
२५; ६२, ८; ९^{२}; ६४, ६; ११;
१२; ६५, ४; ६६, १४; ६७,३;
५; ६; ६८, १: २^{२}: ३; ४^{२};५^{२};
७: १०; ६९, २: ५; ६; ८;७१,
२; ४, ७; ७२, २; ६; ७३,२;७;
११; ७५, ३; ४; ७;७९, ६;८४,
२: ५; १३; ८६, ७^{२}; ९: ८९,
२-४: ७; १२; ९१, २; ४^{२};
५: १३; १५^{२}; ९३, ६; १२:
१३; ९४, ६^{२}; १०; १३^{२}: ९५,
२^{२}; ९६, ९: ९७, ३;६; ८;१०;
१२; १०१,९;११; १०२,११^{२};
१०६, १^{२}; २^{४}; ३^{४}; ४ : ५^{४};
६^{२}: ७^{२}: ८^{२}; ९^{४}; १०^{४}; १०७,
१०^{२}; १११, १०; ११६, ६:
९^{२}: ११७, ५; ११९, २-४ :
१२७, ७; ८: १३१, ५; १३३,
५: १३४, १; ५^{२}; १३८, ४;
१३९,३; १४२, २^{२};४^{२}; १४३,
६; १४५, ६^{२}; १४६, १^{२}; ३^{२};
१४९, १; ४^{४}; ५; १५६, १;
१५९, ५; १६६, २; ३; ५^{२};
१७३, २^{२}; १७६, ४;१७८,२^{२};
३; खि २,१४, ६; ४, ११,
१३[a]; ५, २, १[b]; १६, ६[c];
२२, ३^{२}; खिसा २६, २०;
मा ३, ५^{२};२४; ६०^{२}; ६,५; ७,
४०; ९, ८; १५; ११, ५; ५१;
७५; १२,६; २१; ३३; ३५;६१;
६६; ७७; ८०; ८२; ८४; ८६,
१३,९; ३७; १४, ३; १५, २४^{२};
२५; १७, ४८; ९४-९७; २०,
२०^{२}; ५३; ७७†; ७९^{२}; २१,
४६^{३}; २३, २३; २५; २६^{२};
२७^{२}; २८; २५, ४०; २६, १२;

२७,३५; २९, १५;२२;३८;४०;
४१^{२}; ३३, ४; ४१; ४४: ८३;
३४,५;६^{२}; ३९^{२}; ३५,१३; ३६,
१५; ४०,९;१२; का ३,१,५^{२};
३,१६; ८, ४; ५; ६, १, ६; ७,
२२,१; १०,२,५; ३,८; १२,१,
५; ५,२;७,१०; १३, १, ७: २,
४; ३, ४; ६; ४,१७: ५, ५: ६,
३; ६; ८; १० ; १२ : १४. १,
९;३, ११; १५,१,३: १६, ५,
५^{२}; ६; १८, ४, १६ ; १९. १,
७-१० ; २२, १, ५^{२}; ५,७:७,
११†; १३^{२}; २३, ५, ४^{३}: २५,
६.३; ५; ६^{२}; ७^{२}; ८; २९,५,४:
३१, २, २; ४; ५; ३, ४^{२}; ११;
३२,१,४; ३,१२; ४,१: ६,१४;
३५, ४,१२; ३६, १, १५: ४०,
१,९; १२: तै १, १,१४,२:३^{२};
४; २, १४, १: ३, ६, २; १४,
२-४; ७; ४, २०, १; ५. ६, ७:
९, ४;१०,१; ११,४;६, ७, ४^{२};
१२,३^{२}; ७,१,४; ५,२; ६,४; ८,
३; ८,४,१; ६, २; १४, १; १५,
१; २,१,१,५; ३,१; ४,७; ५,६;
६, ५^{२}; ७, २-७; १० , २ : २;
२, २; ४, ६; ८, ३ ; ४; ३, ६,
३; १०,३; ४,९,४; १०.२; ११,
५; १४ , २ ; ५, ९, ३ ; ११,
५-७ ; १२, ४; ६, १,४^{४}; २,१,
४,३;५, २-६; ६, ५; ९,१; ११,
१; २;४†; ३, १,१, ३; ११,४-
६; ८^{२}; २, २, १ ; ९, ५-७; ३,
८, १; ४¶; ४, १, ४^{२} : ५^{३};
९, १^{२}; २; ४; ६; ११, ३^{२}: ६;
५, ११, १; ४, १, १, २; ५
१;१०, १; ११,३ ; २, १-३,२;

---

[a]) सपा. खिसा ३३,१६ एव इति पाभे. ।
[b]) परि···इव इति पाठस्य स्थाने सपा. खिसा ३६,५ मूको. च परि···पप्तु इति पाभे. ।
[c]) पाठः? तु. सस्थ. टि. मव√अंश्>अव···अंशात् ।

५,२;४; ५; ६, १; २;९, ४;५; ३, ४, १; १३, ७[२]; ४, ४, २[३]; ६, ४, ५; ६, १[२]; २[२]; ५;७, २; ४[२]; ९,३; ५, १, २, ३; ५, १; ८,५; ९,१; २, १, ६; ४, २; ३,२,१[२]; ४,२, १[२]; ६, ४[२]; ७, ५: ९,२; १२, २[२]; ५, १, ३: ४, ४: ६,१,४: ६,१, १, १, ६[२]; २, ८: ४,५[२]; ६;६,४; ७,८; ११,६: २, २, ४; ७: ४, १; ५, २[२]: ३: १०,१; ३; ११,२: ३, १, १: ४, १[२]: ५,२[२]; ६, १: ८, २[२]: ९,३: ४; ११,६¶; ४,८,१; ५, ९, ३: ११,१[२]: ६,५,१[२]; १०,१; ७,१, ६,६;२०,१; २,१,३; ७,२; ४[२]: ३,७,१; ४,११, २; १९, २[२]; ४: ५,७,४; मैं १, ११, २: ३, १०, १¶;४, २,१: ११,३¶: काठ १, १०[२]; ३, ३; ४, ८; ११; १५[४]: १६[२]; ६, २; ७; ७, १: ३: ८[२]; ९¶; १७[२]: ८, २; ३[२]; ५[२]; ९[७]: १२; १३[२]: १६: ९, ५[२]; ७; १२; १६; १८†; १९[३]; १०,२[२]; ५; ६: १०; ११, १;३: ५[२]: ६[२]; ७;८; १०[३]; १३[२]; १२, २[१३]; ४[६]; ८; १०: ११[२]: १३[२]: १५; १३, १[६]; २[२]; ३[३]; ४[२]; ५[२]: ६[२]; ७[४]; १०; १४-१६; १५,७: ११; १२; १६, ४; ७-९; ११: १२; १३[२]; १५; २१[२]: १७, १; १०[२]; १८; १९[३]; १८,२०;२१[३]; १९,१०; २०, १; ११; २१, ३[२]; ४; ८[२];१४; २२,१;५; ६[२];१३[३]; २३, १[२]; ३[३]; १०; ११; १२[३]; २४, ६[२]; ८; २५, २;५; ६[५]; ७[३]; ९[३]; १०[२]; २६, १[३]; २; ३; ६[२];

९[२]; २७,८; ९[२]; २८,२; ८; ९[२]; १०; २९, १-३; ८[६]: ९[२]; ३०, ३[२]; ४[२]; ५; १०; ३१, ३;५; ९: १४[२]; १५; ३२,२; ३३,३;४:७: ८; ३४, २[२]; ३: ३५, ३[२]: ७[२]: १२; १४[२]; १६; १७; ३६, १[२]; ४[२]: ५;१०: १५; ३७,१; २;६[२]: ९: १२: १४; ३८, ५[३]: ७: ९[२]: १२: १३[२]; ३९,९[२]; १२: १४[२]: १५: ४०, ५;६†;७[२]: ८[२]; १४[२]: ४१,११; ४४,८[२]: ४६,१[२]: ३[२]: ५: क ५, ८¶; ६. ७¶: ४८, १२†; १३: कौ १,५:६६: ७३[२]: ७५; ७८: ७९: ८६: ९४: ९७: १३५ : १३७ : १५२ : १६० : १८२;१८३:१९७:२१९; २२७: २३३;२३५; २४६; २५१:२६७: ३४९ : ३७९; ३९६ : ४०६: ४१६ ; ४३७ : ४५९[२] : ४७८; ५१५: ५२८ : ५२६ : ५३९ : ५४४ : ५५७: ५६२ : ५८५: ६०२: ६०९: २. ३० : ६० : १०६ : ११२ : १५६ : १६१ : १६२; १७६ : २१५: २४४ : २४७: २६६ : २७३ ; ३०८: ३२२: ३३२[२]:‡[a]: ३४७:३९६: ४१४; ४३७ : ४४० : ४४९ : ४६६ ; ४६९; ४७० : ४८२: ५०२,५८०. ५९४: ५९५:६०८: ६४६ : ६५७ : ६६६ : ६६९ : ६८६:६९३:७१२: ७१३: ७२०: ७२१ : ७४० : ७४३ : ७६२[२] : ८०२ : ८५० : ८६६ : ८७७ : ९२२ : ९५८ : ९६२ : ९७२; १००१ : १००६ ; १०१५: १०२२: १०५६ ; १०५७ ;

१०७०[२]: १०७६ ; ११०५ ; १११३:११६२; ११६४:११६५; ११७५ ; ११८८ : १२१६ ; १२२१; जै १, १,५;७,४: ८,३; ६: ७: ९, ६: १०, ४: ११, १; १५,१; ३: १६,८: १७,६: १९, ९: २१,४: २३,६: २४,७: २५, १: ३: २६,४: ९: २८, ५: ३६, ८: ३९. १०: ४४, ६: ४८, ३: ५०.२: ५३,५: ५४, २: ४: ५५, ८· १०: ५७,४: ७: ५९. ८: २, १,४: २. ३: ३, ४, १: ११. २: १२, १: १५. ४: ९: १०[२]: १६, १४: १९,१०: २१,९: १२:२२, १३;२३,५:२५, ४;२६. ८:२८, ४[२]:‡[a]: २९,४: ३१, १६: ३२, ४: ३३,१२: १५: ३४. ७: ३५, १:४;५: ३६,७: ३९,१: ४०.२: ४७,६: ४८,१०: ११:४९.४:७; ५३, ४: ५४, २: ३: १०: ५५, ७: १०; ५६,१५: २०: ५८. ९: १०:५९.१२: १३: ४. २, ५: ६, ७: ७,७: ८,२: ९,३:६: १२.२: १७,१: २०, ७: २१.४: २८. २: गौ १.१,२:३,७:८: ५.२: ८.१: ११.४[२]: १४.१[२]:४;१७.१:२७, २: ३: ३२. २: ३: ३४.४:३५, ३: २.१,४: ७. १;१२.२:६‡[b]: १४. ६: २५, ४: २७, ५: २८, १: ५: ३०, ३: ३१. १: ३२.५; ३, ५, ६: ६, ४: ७: ७, ३: ९, २: ४[२]: ५: ११, ५: ८, १४, ४: ५: १५, ८: १६, ६[२]: १८, ६[२]: २३, २: २४, ३: २९. ६[२]: ३०.६: ७: ४, ४,३;६: ७:५,७: ७, ४[२]; ५[२]: ९, ४: १२, ७:१६;

a) =सपा. तां १३, २, ३ । ऋ १०, ९१, ५ तु न इति पाभे. ।

b) =मपा. कौसू. ४७,५ । ऋ ६, ५२, २ तु वा इति पाभे. ।

१; ५; ७; १८, २; १९. १: २:
३; २०, ३; ७; २२, ४: २७.१:
३०, ८; ३१, २; ५; ३३, ७;
३६, ६[२]; ९[२]; १०; ३७. ११[३]:
५, १, १: ५, ३; ८, ४: १३,३:
६[२]; १४, ३[२]: ५; ६; १०[३]; ११[२]:
१२; १३[३]; १८, ३; ४: ६: १५:
१९, १; ८; २०. १; २[२]: ३:
१०; ११: २२. २: ३: ७: २३.
८; १२: २५, १: २६, ५: २९.
१२; १३: ३०,९;**६**. ६, ३:१२.
१[२]; १४, २;३: १५. २: ३:१८,
३: २०, १[२]: २१. २: २२, ३[२]:
२५, १-३; ३०, ३: ३७, १:
२[२]; ३; ४२, १[२]: २: ४९, १:
२: ५०, २;५४,१; ६७, २;६९.
३; ७१, २;८०, २; ८३, १:८७,
२[२];८९,२;९२,३; १०१,२:३[२]·
१०२,२:११५,२;३[२]; १३५,१;
२:३;१३७,२;३: १४२, २[२]:**७**,
१४, २; २७, ७; ३९, ५: ४७:
१[२]: ५२, ३; ६†[a]:९[२]: ५५,५:
५८, ४; ६१, १; ६४, १: ७३,
३; ७८, २: ९५, १; १००, १:
२[३]; ११८, ४: १२०, २: ४:
१२२, १; **८**, २, ४; १२; ४,२;
६[२]: ८; १७; २१; २२; ५. ७:
८; ११[२]; ६, ८; ११; १७; १९:
२४ ; २६ ; ७, १५[२]: २७; ८.
३;४; **९**, २, ६; १२; ३, २:
१७[२]; २१; २४; ४, २: ११;
१०, १, १;३;८. १४; १५:१७:
१९; २५; २६; ३०; ३२; ३,
११; ४,३;४; १९;२१[२];७, २१;
४३; ८,१४;२५; ३४; ८१;८२;

११. २,८;१३: २२;६,१०:२६;
९,४: ६: १०,३२: **१२**, १,१८:
५७: २, ५०: ३. ११: २१:२३:
२७: २९: ३३: ३७:**१३**,१,३८;
२. १३; ४६[२]: **१४**, १, ५३: २,
१५: ३१: ३२: ३७: ८४: ६४:
१८, १. ८[२]: ९: १५[२]: १६: २.
५१: ३. २३: २५-३५: ३९: ४.
६०: ६६: २८, २: ३[२]: ४:३३.
५: ३८, ३: ४: ३५. २: ३८,२:
३९. ४[२]: ४५, १: ४: ४६. २:
४९. २: ६: ५०. ३: ५५.१: ६:
५७. ४[२]:५: **२०**, ५, १: ७. ३:
८. ३: १०. १: २[२].१३. ३:१५.
१: २: ४: १६, १:२[२]: ४[२]:५[२]:
७: १०: १७, २: ७: २१. १:
२५. २: ३१, ४: ३४. ४:५:३५.
२; ४:५. ४५. १; ५१. १: २:
३: ५२, २: ५७, १: १५: ५८.
१: ५९. २[२]; ६०. ३: ६३. ५:
९: ६६, ३: ६८, १: ७०, १४:
७१, ३: ७४, १; ७६, ५: ७७.
२: ८९, १[२]: ९†[a]:९१. ३: ५:
६: ९; ९२, ९: १००.१:१०४.
२: १०७, १;२: ११५.१:११६,
१[२]: १२१, १: १२५, ५:१२६,
७[२]; ९; १२७, ४: १३३, ६[b]:
१३६. २[c]: ३[२]:१६[d], १३८,१:
पै **१**,५,५[२]; ६,३: १२. १: १५.
१: ४; २१,२; ३८, २; ४९,२[२]:
५५,४: ६१,२;३; **२**,१,३[२];४[२]:
४,३: ५, २; ६: ६, ४: १३, २;
१५,१; १६,३: ५८,४; ७१,५[२];
८७,३: **३**,२,३; ३,५;७: ७, ३;
५[२]; ६; २१,४; २९,६; ३९, ५;

४,४.८; ५,४; ८; ६,७; १२,२;
५; १३,५; २१,३; २९,७; ३१,
६[२]; ३५,१; ५, ३, ७[२]; १९,६;
८; २४, २; २५, १-३: २६, ३;
३०,६; ३२, ८; ३३, ७-९; ४०,
४; **६**, ४, ५; **७**, १, ४; ८[३]; ९;
१२; १०,४[२]; १८, ५; **८**,२,१;
४[२]: ३, ११: ६, ३: ६; २०, ४;
९, २,४; १३, ९; १७, ३; १०:
१८, १; १९, ४: २४, १: २[२];
४; १०: **१०**, १,६: २,१०[३]: ९,
९[२]: **११**, ३,३: ४, २: ७, १०;
१२, १,१: ५, ५: ६, १२: **१३**,
१,४:९: २,२: ३,८†; ४, १६[२];
६,२: ७,४;५: ९,१५:१६: ११,
२: ३[२]; ४; **१४**, ४, २; ६; १३;
१५,४,१; ४; ५,३; **१६**, ३, ४;
४,२: ९,२:६[२]:८; १०, ७, ११,
१: २: १३,५[२]: १४,६: १५, ३;
४: १६, ९: १७, १[२]. २१, १०;
२३,६: २४,२; २५,१: २७, ७;
८: २८,१[२]: २९,३: ३५, १; ३;
८: ३६,४; ५;७:९; ३७, ५; ६;
३८, ४; ३९, २: ४०, ७[२]: ८;
४१,२; **१६**, ४९, ५;६[२];७६, ५;
७७, २: ७९,७; ८०, १: ४; ८;
१०[e]; ८१,७; ८२,४; ६; १०१,
१०; १०४, ८; १०५,३; १०६,
२: **१७**, २,९;५,३; ६,६; ९,२;
१०,९; १२,६; १४,४;६; ८;९;
३४,११[२]; ३७,१; २; ३८,१;२;
७;८; ३९,३;७; **१८**,२,७†;५,
१०; ६,१; ८,६; १०,१; २; ७;
११,४; १३,३; १८,८; २१, ७;
२५,६[२]†; **१९**, १, ८; २, ९†;

[a]) सपा. ऋ **१०**,४३,५ शौ २०,१७,५ या ५, २२ न् इति, ऋ **१०**,४२,९ युत् इति च पामे.।

[b]) इ° इति शंपा. स्वरः ग्रोधाहः (तु. RW.)।

[c]) एव इति शंपा.।

[d]) इम इति शंपा. सात. च।

[e]) पाठे? अभ्रं वात इवाजतु इति छन्दस्तः पादविन्यासः द्र.।

१५; ४, ४[२]; १५; ५, ४; ५; ६; ६, ६†; १४; ७, ९; १५: ८,४; १०[२]; ११ ; ९, ११; १०, १२; १२, १०[२]: १२: १३, ९[२a]; ११; १२[२]; १४, २ ; १५, ११ : १६, १४†; १८,५; १९,१०: २०,७; ११; १३; २१,१; ८; २२,१२[२]; १३; २३,९; २४, ५; २६, ११; १२: २७,४; २९,६;८;३०,१२: ३१,५; ११; १४; १५: ३२, ९; १०: ३४,१;२;१३†: ३६,३:७; ९: ३७,१; ३; ४; ९; १०; ३८, ८; ९; १०; ४५,९†; ४७,१;८: १४[२]†; १५†; ४८,२: ५०,१५; ५२, ५; २०, ८,६; १३, ४; ५; १०;१७,१; २[२]; ३; ५: ८: १८, २: ३†; १९,७; २१,५; ८:२३, १; २४, २[२]: ३ ; १०: २६, १; २८, ४: २९, १†: ४: ८: ३०, २†; ३६,१;३७,३;५:४०,३; ५; ४६,१०;४७,१०: ४८, १;४९, ९[३];५१,३†; ५२, ५; ८†: ५५. १०; ५६,३: १०[४]; ५९,४: ५-९.

√इषु (इच्छायाम्) √इच्छ् द्र.

√इष् (वधा.)[b]>एषति पै ३,४०,१: एषतु[c] खि ५, २, ३![d]: शौ ६, ६७, ३; पै १९, ६,१५.

इष्यति[e] ऋ १,३४,१०; इष्यति ऋ ९,३०,⌊१; (६४,२५)⌋; १०, ११,६; शौ १८,१,२३; †इष्यसि ऋ ९, ६४,९; ⌊(३०, १) २५⌋; कौ २, ३१०: जै ३, २५, ६: †इष्यामि[e] ऋ ८, ९६, १४: शौ २०,१३७,८, †इष्य तै ६,४,३, ३: मै ४. ५, २ : इष्यन ऋ १, १५, ९; मा २६,२२.

†इषे[e] ऋ ४, २३, ६[f]; ६, २२, ५: ८, ४६, १७: १०, २०, ७ ; शौ २०, ३६, ५: इषन्त ऋ १, १३४,५: इषेम ऋ ८,४४,⌊(४३, ११) २७ (१०, ९१,१४)⌋.

इष्णामि[g] ऋ १,६३, २: इष्णामि शौ ८, ८,१४;१५: पै १६, ३०, ४:५: इषाण[h] मा ३१,२२: का ३५, २, ६ : इष्णन[i] कौ २, १०९‡[j].

ईषुः ऋ ३. १, २: जै ३, ५८, १‡[j]: ईषुः ऋ १ , ११२, १६.

इष्यते पै १९,३७,१०.

[k]इषण–

√इषण[k], इषणत् ऋ४,१७,१४: इषणन्त ऋ १,१३४,५[l]: ४,२३, ९; इषणः ऋ ४,१६,९;२२,१०.

√इषणि, †इषणयन्त[m] ऋ १०, ६७,८; शौ २०, ९१,८.

√इषण्य[n], इषण्यति ऋ ८,२२, ४; इषण्यन्ति ऋ ५, ६, ६; इषण्यसि ऋ १०,९९,१: इषण्यत ऋ ५, ५२, १४.

इषण्यत्– -ण्यन् ऋ ३. ६१, ७. ९,९६,८.

इषण्या[o]– -ण्यया ऋ ८, ६०, ⌊(१,४)१८⌋.

इषध्यै[p] ऋ ७, ४३,१.

इषित,ता– -तः ऋ १, ३,५: ३, ३, २;४, ३: ३२,४;१६; ३३, ११, ६०, ५; ६,५, ६:११,१:७,३९, १: ९,३७,६:७७,२; १०, ११, ४[५]: ८८, ३ ; ९१, ७; ९८, १०; ११०, ३,९:१६५. १:२: खि ५, ५. २, ११: ४, १५: मा १२, १०३: २०, ८८†: २१, ६१; †२९, २८: ३४: का १३, ७,३; २२,८,९†: २३, ६.१४: †३१, ४,४: १०: तै ४,२,७,१: मै २; ७.१४: ४, ११,४†: १३.३[२]†; ९: १४, १५ : काठ १६. १४:

[a]) सकृत् सपा. शौ ६, १४,३ यथा इति पाभे.।

[b]) गतौ, प्रेरणे, बले प्रभृ. धा. वृत्तिः।

[c]) भ्वा. पित्त्वान्निघाते, दिवा. विक. नित्त्वाच्चधा. स्वरं यथायथं द्र.।

[d]) ए° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ.)।

[e]) तुदा. लटि उपु१ ; वैतु. पृ ४०४ b टि. यत्रत्यम् अरम्-इष्–> -इषे इति नेष्टं भवति, स्तवामहे इत्यस्य पादादित्वे दुःसंपादे सति स्वरस्य दुर्घटत्वात् च योगस्य चाऽप्रसिद्धत्वात्। [f]) पृ ५९९ x टि. द्र.।

[g]) पित्त्वान्निघाते विक. स्वरः।

[h]) सपा. तैआ ३, १३, २[३] मनिषाण<मैं(<म<मे) इ° इति वावि. एव द्र.।

[i]) उदात्तनिवृत्तिस्वरेणोदात्तः।

[j]) सपा. ऋ (९, ९७,३९) उष्णन्<>इष्णन्<> ईषुः इति च पाभे.। सप्र. ऋ १,६२,२ अविन्दन् इत्यपि द्र.।

[k]) भाप. ल्युडन्तात् नाधा. क्विबन्तः।

[l]) वैतु. मा. श-श्नमोर्युगपन्निपातेन शुद्धस्यैव सतः √इष् इत्यस्यैतद् रूपम् इति?।

[m]) वैतु. वें. सा. <√इष (इच्छायाम्) इति।

[n]) कण्ड्वादि-यगन्तः धा. (वैतु. PW. GW. <इषणि–)।

[o]) स्त्री. भावे अः प्र. (पा ३,३,१०२) तत्स्वरश्च।

[p]) तुमर्थीयः कध्यै प्र. (पा ३,४,९) तत्स्वरश्च।

[q]) सपा. शौ १८,१,२१ इषिरः इति पाभे.।

२०²†; १९, १३: क २५, ५: †कौ २, ३३३;४९७;६४७; †जै ३, २८, ५; ३८,११:५३,५: शौ ५, १२, ३†: ९: ६, २७, १†; २: १०, ८, ३५:१२,२,९; १८. ४, १: २०, ८४,२†; पै २, २४ २: ५, २०, ८: १५, २. ६;१७. ३०, ८: १८,२६, ३:†१९,१३. १३: १४: –तम् ऋ २. ३८. ५; ८, १, ३१: ¶तै ६, ३, ८, २: ४, ३, ३: शौ ६. ११६, २: १९. ५३. ५: ९: पै २. २४. १: १२,२,५:९: १६,४९,८: –†ता ऋ ३. १२, १;७.३३. १३;१०, १०८, २: मा ७. ३१: का ७. १३, १: तै १. ४, १५,१: मै १. ३, १७; काठ ४, ७: क ३, ५: कौ २,१९: जै ३.२.१०: $पै ५. २६,९²:९,२५,५: –ताः ऋ १. १८२,६;३,४२. ३:६२,१२: शौ १०, ८, २३: २०. २४. ३†: –ताम् पै ६,१०. ४: १०,६,४: –तासः ऋ ६,४९.१०.

इषित-त्व-ता[a]– -ता[b] ऋ १०. १३२,२.

इष्णत्– -ष्णत् ऋ १०, ६१. ५: –ष्णन ऋ १, १८१,६: २, २०. ५: ३, १७, ३: ९, १७, ५. मा ३१, २२[c]; का ३५, २, ६[c]; शौ ११,७,१: पै १६, १५३,१.

†इष्णान– -नः ऋ १. ६१, १३ : शौ २०, ३५,१३.

इष्म[d]–

†इष्मिन्[e]– -ष्मिणः ऋ १, ८७, ६:५,८७,[५:७,५६,११]; तै २. १,११,२: ४. २. ११,२: मै ४, ११.२: काठ ८. १७: –ष्मिणम् ऋ ५,५२,१६.

इष्यत्– -ष्यत् पै ५, २६, २[f]: –†ष्यन ऋ १,६१.१२:९.९५, ५: मै ४, १२.३: काठ ८. १६: शौ २०. ३५.१२.

२ इष्य[g]– -ष्यः ऋ ६. ७३,३; –ष्यस्य ऋ २. ३४,[११: ७,६०,५]: ८, २०,३.

इष्य[h]– -ष्यः शौ १२.२,३९: पै १७, ३३,९: –ष्याः शौ १२. ४,१६: पै १७,१७,६.

इष्[i]– इषः ऋ १. ३,१: ९,८:२७, ७. ३०,३: ३६,११: ४८,१५: ८६, ५: १२१,१५; १३०,३²: १६५, १२: १६७,१: १६९, ३: १८६, ३: १८८, ७: २. ६, ५; ३, १. २२: २,[१० (५, ४,३: ६, १. ८)]: ३,७:१२,५: २२,४: ३०, १८: ५३. १; ५४. [२२: ५, ४, २ (६,१९,३)]; ५८, ८;५९,९; ६२,१४; ५, ६,८; ७९, [८; ८, ५,९; ९,६२,२४]; ६, १, [१२; (६, ७४, २) ९, ८७, ९,]; १७, ३: ३५,४; ३९,१; ५; ५२,१६; ६०, १२: ७, ५९, [२; ८, २७, १६]; ९९,६; ८, ५, १०: २०: २१: ३१: ७,१९: २२,९: २३, २९: २५,६; ९,३,१०; १३,[४; ४२,६]: १५,७: २३,३: ३९,२; ८०, [४: ६१, ३]: ४९, १: ६६, ४; ७२, ९; ७४, २: ९७, २५: १०८,२; १०, २,६:५, ४; १७, ८; १३४, ३ : १४०, ३[j]: १४३, ६: मा ६, २९†: ७, २; ४: †१२, ५०; १०८[j]: २१, ४७. का ६,७,७†; ७, १-२, १: †१३, ४,६; ७, ७[j]: २३, ५,५: तै १, ३,१३,२†; ४, २, १; ३, १[?]: ३,४,११,१†; †४, २, ४, ३: ७,३[j]: ६, ४,५, ४: †मै १, ३, १: ४$: ५$: २. ७, ११; १४[j]: ४. ११, १: ३: १२, ६; १३, ६: ७$; काठ ४, १[?]: ९, १८†[k]: १८, १‡[l]: २३, ११†; †कौ १, ३३८: २, ४३; २४९: ४१३ : ४०१ : ५४० ; ५६२; ६१५: ६१८ : ७६५; ७८५;

a) भाप. । युगपत् त्व-तलौ प्र. लित्-स्वरश्च ।

b) नृ१ सत् वा. किवि. ।

c) सपा. तैआ ३,१३,२ इष्टम् इति, काठ ५ इष्णाम्? इति च पाभे. ।

d) मक् प्र. (पाउ १,१४५) तत्स्वरश्च ।

e) विप. (मरुत्-, रुद्र-)। मत्वर्थीयः इनिः प्र. तत्स्वरश्च ।

f) पाठे? इष्य त्वम् इति पृथक् पदे संभाव्येते (तु. टि. ?रात्यात्) ।

g) विप. (देव-°, विष्णु-) । कर्तर्य् अच् प्र. चित्स्वरश्चेति PW. GW. प्रभृ., धा. प्रार्थने वृत्तिरिति कृत्वा कर्मणि प्र. इति वें. सा. (वेंतु. तावेव ऋ ६,७३,३ <एतद्– इति मन्वानौ ?) ।

h) ण्यत् प्र. तित्स्वरश्च ।

i) वप्रा. । नाप. (अन्न-, रस-, आह्लाद-, समृद्धि-, स्तुति- प्रभृ.) । व्यु.? <√इष् (गतौ) इति दे. (२, ७) GW. प्रभृ., <√इष् (इच्छायाम्) इति दे. (पक्षे) ।

j) =सपा. माश ७,३,१,३१ । काठ १६, १४ तु विश्वे इति पाभे. ।

k) गुषः (तु. ऋ १, १६५,१२ पपा. आ । इ° इति) =एषः (प्र१ <एतद्–) इत्येवं संकेतयमानः SI. चिन्त्यः ।

l) सपा. इषः<>इषा इति पाभे. ।

१२५; १०५३; ११६८[a]: †जै १,३५,७; ५९,२; ३, २१, १४; ३१,३३; ३३,१७; ४२,६: ४५, ४; ५०,३; १०; ५७, १३: ५९, २: ४, २२, ८: †शौ १८, १, ४२; ४,४६$; २०, ८, १: ७१, १४: †इषुः ऋ १, १६३, ७; १७८,४: ३,३०,११[b]; ४, ३९, ४: ४०,२[b]; ५५,४: ५, ७, ३[c]: १०; ६८, ५: ६, २४,९:६३,७: ८,२३,३; २५,५: २६,३[c]: १७: ९, १४,७: ९८,५: मा २९, १८; का ३१, ३, ७; तै २. १,११,३; ४,६,७,३; मै ४, १२, ४: काठ ८,१७; १८,२०: †कौ २,५८९; ८१७; †जै ३, ४८,६: ५७, ७: इषः[d] खि ५, ७,२, १०: ८, ८: काठ ३, ९†; १३, १५†: १६, ११†; १८,२१: २३.१२†:२७. १^{२}:¶; २^{२};¶; ४६, ३†: क २, १६†; ३, १^{२}; २५, २†; ४२, १^{२}: ¶; २^{२};¶; ०इषः ऋ ९, १०८, ९; †कौ १, ५७९: २, ३६१: जै ३, ३०,४†: इषम् ऋ १, १२,[११; ९, ६१, ६]: ४६, ६;४७[८; ९२,३ (८, ४, १४: ९७, २: ४)]: ६३, ८: ९६, ८: १११, २; ११७, २१; १४०, १३; १६८, २; २, १९, ८;२२, ४; ३४, ७; ८: ४, १६, [२१; १७, २१; १९-२८, ११; ५६, ४]; ३२, ७, ४०, २; ५३, ७; ५, ६, [१-१०; ९, २०, ४]; ७,१; ३८,२; ४१,१८: ७०, २; ७६,४; ८६,६; ६, १४,१; ४७, ९; ४८,१३; ५०, १२; ६२, ४; ६३,८; ६५,३; ७,५,८; ७, [७; ८, ७]; २४,[६; २५,६]; ३६,२; ४२, ६; ४८, ४: ६६,९:७०,३: ७७,५; ९६,[६; ९,८,९]: ८,१, १०: ६, [२३: ९, ६५,१३]: ७, [१: ६९,१]:[३: १३, २५: ५४, ७: ९,६१, १५]: ८, १५: ३५, [४-६]: ४३,१५, ७०, ७: ७२, १६: ९३. २८: १००, ११: ९, ४१, [(४२,६: ६१,३)४]: ६३, २: ६५,२१: ६६, १९: ८६,१८: ३५: ९४, ५; १०१, ११: १०, ११, ७: २०, [१०: ९९, १२]: ४०,४: ४८, ८: ६१, ४: १२२, ६: १४०, ५: १६५, ५: खि ३, ६,७: ५, ७, ३, ५: मा १, १६: ३, ४९: ९, ४: १२, ५७: ५८: १०५: ११०†: †१५,२९: ४१-४३: १७,१[e] : १९, ३८†; २०, ५८: २८, १६: ३५, १६†: का १,५,५: ३, ६,१: ८, १२,१†: १०,१,५: १३,४,१३: १४: ७, ४: ९†: †१६,५,१०: २३-२५: १८,१,१[e]: २१,३, ९†: २२,६, ४: २९,५,१†: ३०, २,५: ३५, ४, १४†: तै १, ३, १४, ८†: ४,२९, १†: ५. ५. २†: ६, ४. ३; ६, २†: ७,१२,२: ८, ४, १: †२,२,१२,७: ६,११,४: ३, १, ११,२†; २,७,२: ८,५: ४, २, ५, १^{२}: ७, १: ४, ४, ३†: ६^{२}†; ७†; ६, १, १[e]: ५. २. ५, ६^{२}; ४, ४, १[e]; ¶७, ५, ९, १: २^{२}; मै १,१,६: ३,३१†;४,१; ६^{२}¶: ५,१†; ६,२;७: १०,२; ११,४: २, ७, ११^{२}: १४^{२}†: १०, १[e]: १३,५; ७^{२}†: ३, २,५; ११, ३: ४, १, १¶: ६: १०, २†; ११, १†: १२,३: १३,८: काठ २,२: १४†: १५†: ४, ११†: ५, २^{२}: ३: ७,१२:१४: ९,५^{२}: ६: १२, १४†: १३, १६^{२}: १४, ३: १६, ११^{२}: १४^{२}:†: १९,१३: १४†: २०,४^{२}: १४†: ३०,१०¶: ३४, ९¶: ३८, ८: १२: †३९, १३: १४^{२}: क १,१४: ३,९†: ६, ३: ८.८: २५,१^{२}: ५^{२}:†: ३१, ६^{२}: ४६.८¶: †कौ १,१७३: २६८: २९५: ३६०: ४१९: ४२५: ४५५$: ४६६: २,१३९: २४५: ३२१: ३३६: ३४६: ३७२-७४: ४१९: ४५३: ५०४: ५३५: ६८७: ८१४: ८६८:१०८७-८९: ११०७: ११४०: ३, ५, १$: †जै १,१८,९: २८. ६: ३१, ३: ३८, १: ४१. १: ७: ४७, ७$: ४८,६: २,९६, २: ३, १३, १५: २१.१०: २६, ७: २८, ८: २९. ३: ३०, १५-१७. ३२, ९: ३४, ११: ३९, ३: ४२, १: ४६, २: ५६,१४: ४, ३. ९; १२, ६: शौ ३,१०,७: ४, ३९,२: ४: ६: ८: ५, २०,११: ६, २८,१†: ९, १, २०: ५,२४: १८, १, २४†: ४, ४: ८८†: १९,४०,४†: पै १, १०६.५: ५, १५, २: २८. ३:

a) पाभे. कृते पृ ८४० j टि. द्र.।

b) रूपम्? २इषु– इत्यस्य प्र१? (तु. सा. [वैतु. ऋ ४, ४०, २ यत्र पक्षे =ष१ इत्यपि]; वैतु. GW. L ४९४ =द्वि३ इति)।

c) द्वि३ अपि वि. स्वरः उसं. (पा ६,१,१७१ [तु. उष्–, द्विष्–, शास्–> यथाक्रमम् उषः, द्विषः, शासः इति)।

d) स्वरा॑ऽभावात् पृथक् निर्देशः।

e) सपा. काठ १७,१७ विशिष्टः पाभे.।

३१,८; ७,८,८: १५,१: ८,१५, ३; ९, २४,११; १२, ६, १४†; १५, २, ८: १६, ३३, १०; १९, १३, १६†: २६, १: ४३, ९†; २०, ३, १०; ४, ५; ४८, २†; इषा ऋ १,३०,१७; ५३, ४; ५; ८८, १; ११२, १८; ११७, १; १०; १२९, ७; १६५, ⌊१५: १६६, १५, १६७, ११: १६८, १०⌋; १८५,९; ६, २०,६; ६८, ५: ६९,१: ७, ६४, ३: ६८, ९: ८, ५, ३४: ३६: २०, २; २२. १२: ८२,३: ९२,१०; १०,८२, २[a]: खि ५,७, १,८; मा ४, १: ११. ७५: १२, ९; ४० ; १७, २६†[a]; ३४, ४८†; का ४,१,१: १२,७,१०; १३,१,१०; ३,११: १८,३,२†[a]: ३३,२,११†; तै १, २,३,३: ५, ३. ३: ३. १, १, ४; २.११,१†; ३,९,१; ४,१, १०, १; २,१, ३: ३. ४; ६, २, १†; मै १, ७, १ ; ४ ; २, २, ६† : ७, ७; १०, ३†[a]; ३, ८,५¶![b]; ४,११, ३†; १२, ५†;१३,२[c]; काठ २,४; ८,१४; ९,१; १८†; १०, १२†: १२, १४†; १६,७; ८; क १, १६; ८, २; ४; २८, २†[a]; †कौ १, २१५; २, ११८२$: जै १, २३, २†; शौ ३, १५, ८; ७, ८५, १[d]; १९, ५५, १; २; †२०, २१, ४; ५; पै १,४१,४; १०२, २; २, ६६, ३ ; २०, ४७, १० ; ४८, १ ; इषाम् ऋ १, १६८, ५; १८१, १; ३,२३,२; ६, ४७, ९: ६०, १३: ७,६९,१; ८,४६,२; ७१, १३: मा ३, १३; का ३, ३, ३; †तै १, १, १४, १: ५, ५, १२; †मै १,५, १ ; ४, १४, १० ; काठ ६, ९†: क ४, ८† : इषि काठ ३९, ६ : इषे ऋ १, ५४, ११: ७१, ८[e]; १२०, ९: १२१, १४; १८०,२; ६, १७,१४; ६८, १: ७, २०,⌊१०; २१, १०⌋; ८, २०, ८; ९३, ३४; ९, ६४, १३; ६५, ३; १०, ४८, ९; ५०, ३; खि ५,४,२; मा १, १; २२; ५, ७[f]: ७,२१; ३०; १३,३५; १४, २२; ३३, ११†; ३८, १४; का १,१,१; ८,२; ५,२,७†; ७, ८, ४: १२,१: १४, ३, ९; १५, ६, २: ३२,१,११†; ३८, २, ८; तै १,१,१,१; २,११,१; ३, ७, १; २; १४,६†; ४, ३,७,२; ६, २, २,६; ३,६, १: ९, ३; मै १, १, १; २, ७: १५; १६; ८, ८: १०-११, ३; २,८,३; ११,६; ३, ८, २; ९,६[2];¶; १०,१[2]: ४,१,१; ९,९[2]; †१४,१५; १८; काठ १, १; ५; १०; २,८; ३,४;६; १७, ३; २४, ९; ३०, १०; ३१, ४; ३४,१८[2]¶; ३८, ७†; क १,१; ५: १०; २, २; ११; १३; २६, २; ३८, २ ; ४६, ८; ४७, ४; †कौ १,१९९; ५०५; २, ११९; २५६; $४,१; २; †जै १, २१, ६; ५२,९; २, ७, १$; ३, १७, १२: २१, २१; शौ ७, ७७, १: पै २०,११,७.

१इष[g]– -षम् ऋ ५, ३८, २.

√इषि[h]

इषयन्त ऋ १,७७,⌊४; ७, ८७, ३⌋; २, २, ११; इषयेम ऋ १, १८५,९.

†१इषयत्– -यन् ऋ ६, १, २: ९,८४,३;१०,९१,१; मै ४,१३, ६; काठ १८, २० ; –यन्तः ऋ ५,४९,४; ६, १६,२७; –यन्तम् ऋ ६,१,८; १८,५; मै ४, १३, ६; काठ १८, २† ; –यन्ता ऋ ८,५,५; –यन्तौ ऋ ८,२६,३.

इषयन्ती– -न्ती ऋ ४,५६,४; तै ४,४,१२,५; काठ २२,१४; पै १५,२,३; –न्तीः ऋ ३,३३,१२.

इषयुध्यै[i] ऋ १, १८३,⌊३(१८४, ५)६,४९,५⌋; ६,६४,४.

२इषु– -०ष तै ३, २, ६,१[j]; –षः मा

---

a) पाभे. इन्ने पृ ८४० *l* टि. द्र. ।

b) पाठे? भीष्–> भीषा इति शोधः (तु. सपा. मै ३,१,२) ।

c) =सपा. तैब्रा ३,६,२,२ । काठ १५,१३ तु विशिष्टः पाभे. ।

d) सपा. तै ३, ५,१,१ तैब्रा ३, १,१,१२ आपश्रौ ७, ५,१ माश्रौ ६,२,३,८ विशिष्टः पाभे. ।

e) तु. स्क.वें.सा.GW.; वैतु.ORN.OV. तुमर्थीयम् इति ।

f) वैतु. म. (पक्षे) पूर्वेण प्र इत्यनेन समस्तं वदन् द्वैस्वर्यं प्रति चोद्यः ।

g) नाप. =इष्– (तु. सा. GRV. GG.; वैतु. PW. GW. प्रमृ. इष्– इति) ।

h) णिजन्तः नाधा. ।

i) तुमर्थीयः अध्यै प्र. तत्-स्वरश्च ।

j) विप. (पृषतीनां ग्रह-) । व्यु. ? <इष्–+ मत्वर्थीयः प्र. इति भा. K., <√इष् (इच्छायाम्) + कर्मणि प्र. इति कृत्वा विप. (विष्णु-) इति सा. । सपा. तैब्रा ३,७,७,११ माश्रा १,२,६ आपश्रौ १०,२२,१२ आपमं १,३,७ पागृ १, ८,१ आपगृ ४, १५ मागृ १, ११,१८ हिगृ १, २१,१ गोगृ २, २,१० द्राग्र १, ३,२६ इषे इति पाभे. ।

१४, १६[a]; का १५, ४, ३[a]; तै १, ४, १४, १[a]; ४, ४, ११, १[a]; मै २, ८, १२[a]; ४, ६,६[b]; काठ[a] १७,१०; ३५,९; क[a] २६, ९; ४८, १०; –†षम्[b] ऋ १, ⌊१६५-१६६, १५; १६७, ११; १६८, १०; १६९, ८; १७१,६; १७३, १३; १७४, १०; १७५-१७६, ६; १७७-१७८, ५; १८०, १०; १८१, ९; १८२, ८; १८३-१८४, ६; १८५-१८६, ११; १८९-१९०, ८⌋; मा ३४, ४८; का ३३, २, ११; मै ४, ११, ३; १४, ७; १३; काठ ९, १८; –षस्य[b] मै ४, ६, ६; –षा ऋ १०, १०६, ५[c]; –षाय खि ५, ८, ३[d]; मा २२, ३१[a]; का २४, १८, १[a]; मै[a] १, ३, १६; ३, १२, १३; काठ ४, ७[a]; क ३, ५[a]; शौ २०, १२७, ३[d].

इष्-वत्[e]– -वान् ऋ १, १२९, ६.

३इष्–

√इषय[f],

२इषयत्– -यते ऋ ६, १६, २५.

इषयु[g]– -युः ऋ १, १२०, ५.

√इषण, *इषण–, इषणि √इष् (वधा.) द्र.

?इषणि[h] ऋ २, २, ९.

√इषण्य, इषण्यत्–, इषण्या–, इषण्यै √इष् (वधा.) द्र.

१इषयत्– १इष– द्र.

इषयध्यै १इष– द्र.

इषव्य– १इषु– द्र.

*इषस्–

इषः-स्तुत्[i]– -स्तुतः ऋ ५, ५०, ५.

?इषा[j] मा २, १८; का २, ४, ६; मै १, १, १३; ४, १, १४; काठ १, १२.

?इषाः[k] तै १, १, १३, २.

√इषि १इष– द्र.

इषि– -†षयः[l] ऋ ९, ७९, १[m]; कौ १, ५५५; जै १, ५७, २; –षये[n] ऋ ६, ५२, १५; काठ १३, १५†. –षिः[n] पै १९, २१, ६.

इषित, ता– √इष् (वधा.) द्र.

इषिध्[o]– -षिधः ऋ ६, ६३, ७.

---

[a]) नाप. (आश्विनमास-)। व्यु. ? < इष– + मत्वर्थे अः प्र. (पावा ४, ४, १२८)।

[b]) नाप. =इष् इति वें. सा. प्रभृ.। विप. [ऊर्जिन-, ध्रुव-, सोम- (आदित्य- इति ? C. आपश्रौ १३, १६, ८ ⌊वैश्रौ १६, १९⌋)] इति GW. प्रभृ.।

[c]) विप.। प्र२ रूपम् (तु. GW. ORN.; वैतु. वें. सा. इष्– > ⌊तृ१⌋ इति)।

[d]) व्यप.? (तु. शंपा. शांश्रौ १२, १४, ३; वैतु. RW. ऋषि– > –षये इति पाभे.)। व्यु. ?।

[e]) विप. (इन्दु- ⌊=अन्नवत्-, कामवत्- इति या १०, ४१ वें., =एषणावत्- इति सा.; =शक्तिमत्- इति GW.⌋)।

[f]) √इष् (*पूजायाम्) > इष– ⌊भाप.⌋ > क्यजन्तः नाधा.। अ > ई न भवति (पा ७, ४, ३५ ⌊वैतु. PW. GW. < इषु– इति⌋)।

[g]) विप. (अन्नकाम-)। उः प्र. तत्-स्वरश्च।

[h]) स्वरूपम् ? विप.। यनि. सा. द. MW इषन्– (< √इष् इच्छायाम्, MW गतौ) > सप्त१ इति, वें. प्र१ इति, PW. GW. ORN. L ३८१ °षणि– > तृ१ इति (तु. सुषुक्ति) MVG ⌊५८८ C⌋ WAG ⌊१, २४१⌋ तुमर्थीयम् इति, इषू– + षणि– (< √सन्) नैप्र. यनि. द्वि१ ⌊न.⌋ सत् वा. क्रिवि. इति विमृश्यम्।

[i]) विप. (अस्मद्-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

प्रप. नाप. =ईश- < √इष् (*ऐश्वर्ये) इति मतम्, PW. इष–इति, GW. WAG ⌊१, २८७ C⌋ MW इष्– > इषः (प१) अलुग् इति च। [j]) पाठः ? स च k टि. द्र.।

[k]) पाठः ? ०भागास (तविष– >) तविषाः > *स्न इषाः > स्थेषाः इत्येवं वाति. प्रतीतिः शोधस्य सावसरत्वात् (तु.सपा. क ⌊१, १२⌋ कौसू ⌊६, ९⌋ तविषाः इति ⌊तु. तत्रत्यं टि.⌋; वैतु. तै. पपा. स्थ इषाः इति, मा.पपा. स्थ इषा इति च द्वे पदे इति, तदनु द्वितीयं पदं यनि. < √इष् ⌊इच्छायाम्⌋ इति भा. मा. ⌊तै.⌋, इष्– ⌊यद्र.⌋ इत्यस्य तृ१ इति उ. म.)।

[l]) विप. (अग्नि-)। व्यु. ? सा. ⌊कौ.⌋ भ. =अन्नमिच्छन्– इति, BS. भाप. =इच्छा- इति च। < √इष् (*हिंसायाम्) इति मतम्। [m]) इषः इति पाठे ? यनि. शोधः (तु. सपा. कौ. जै.; वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. ऋ. पाठम् अनु इष्– > इषः ⌊प१⌋ इति)।

[n]) स्त्री. नाप. [स्फूर्ति–, जीवन- (तु. GW. GG; वैतु. सा. प्रभृ. नाप. ⌊< √इष् इच्छायाम्⌋ इतीव)]।

[o]) भाप.। व्यु. ? इ (< *इष् < निष् ⌊< निस्⌋) + (√सिध् >) षिध्– इति कृत्वा उस. उप. प्रकृतिस्वरम् इति विमृश्यम् (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. विप. ⌊इष्– > इषः द्वि३⌋ इति कृत्वा √इष् ⌊इच्छायाम्⌋ > कर्मणि क्रुद् इति)।

इषिर्,रा[a]– -०र ऋ १,१२९,१: –रः ऋ ३, ५, ४; ५, ४१, १२; ६, २९, ⌊३ (१०, १२३, ७)⌋; ७, ३५,४;९७,७; मा १८, ४१: का २०, २,४; तै ३, ४,७,२: मै २, १२, २; ३, ११, १०: ४, १४, ४†; १२:१७,१८†;१८,१४; क २९,३: शौ ६, ६२, १; १८,१, २१‡[b]:१९,१०,४†; पै १०,९, ५;१३,८,४†; १०,३०,८: –रम् ऋ ३,२,१४;५, ३७, २;६८,४: ९,९६,१५: खि ६,३,२; कौ २, ८१६†: जै ३, ५७,६†; शौ ५, १,९: पै ६,२,९: –†रस्य ऋ ८, ९८,९: कौ २, ६२: जै ३,६,८; शौ २०,१००,३: –रा ऋ ५, ७५, ५; शौ १९,४९, १: पै १४, ४, १; –राः ऋ ३,५६,८: १०,६८, ३;९४,५; काठ ३५,१४; क ४८, १३; †शौ ६, ४९,३: २०, १६, ३; पै ४, ८, १–१३; १९, ३१, १६†; –०राः ऋ २, २९, १: –†राम् ऋ १, १६८, ⌊९: १०, १५७,५⌋; ३,३०,९;५,३७,३;९, ८४,४;१०,९८,३; शौ २०,६३, ३;१२४, ६: –राय ऋ १,१२८, ५; ८, ४६, २९; पै ७, २०, ४; –रासः ऋ ९, ७३, ७; –†रेण ऋ ८, ४८, ७; काठ १७, १९; –रेभिः ऋ ३, ६०,७; १०,७३, ५; –रैः ऋ ६,६२,३.

इषी(क>)का[c]– -¶कया[d] काठ २३, १: क ३५, ७; –¶काम् शौ ७, ५८,४; १२,२,५४: १७,३५,२; २०,१३,१०.

ऐषीक[e]– -कैः काठ ३६, ८¶.

इषीका-दन्त[f]– -०न्त पै १,४४,२.

१इषु[g]– काठपुष्पि २५; –षवः ऋ २, २४,८; ६,७५,११; १०, १०३, ११: खिसा १५, १०; मा १३, ७: १६,९; १०; ६४-६६; १७, ४३†; २९,४८†: का १४,१,७; १७,१,९: १०; ८, १८[२]; १८, ४,११†: ३१,२,८†: तै ४, २, ८,३: ५,१,३; ४; ११,२: ६,४, ३†:६,४†; ५, ५,१०,३¶: ४[२]: ५: मै २, ९,१५;९,२[२]: ९[२]; १०, ८†: ३, १६, ३†; काठ १७, ११[२];१६[३]:१८,५†:४६,१†; क २५,६; २७,१[२]; ६[२]; २८, ५†; कौ २,१२०९†; शौ २, ३, ६; ३, २६, १-६; २७, १-४;५[h];६; ८,८, २०: ११,११,१; १७,१, २८: १९,१३,११†; पै २, ३६, १[२]; २[२]; ३; ५६, १-५; ३,११, १-६:२४,१-६;७,४,११†; १३, १२,९; १४, २, १३; १५; १५, ११,२†;३; १६,३०,१०: १८, ३२,११: १९,२२,३; २०,२७, ४; –षवे मा १६, १: का १७, १, १; तै ४,५,१,१; मै २, ९, २; काठ १७, ११; क २७, १; पै ११,२,५; १४,२,४; –षुः ऋ ८, ७७,७; ९,६९,१: १०, ९५, ३; खि ५,९, ३[1]; तै ४, ५, १, १; ५,५,९,१¶[i]; ६,५,५, २¶; मै २,१३,१२; ¶३,८,१[२]; २[२]; काठ १७,११; २५, १[२]¶; ४०, ३: ¶क २७, १; ३८, ४[२]; शौ ३,२५,१; ३; ५, १८,१५[२]; ७, ५४,२; ११,२,१२; १९,५५,२: पै ७,१३,८; ९,१८,१[२]: २५,५; १४, २, ७; १६, १०५.२; १९, १५, १: २०, ४१, १० : –षुणा खि ४,७,३; –षुभिः पै १०, ४, २; १४, ३, ९; –षुभ्यः शौ ३, २७,१-६; पै ३,२४,१-६: –षुम् ऋ १, ३९, १०; ६४, १०; मा १६, ३; का १७, १, ३; तै ४, ५,१, १; ६, २, ३, १¶; मै २, ९, २; ३, ८, १[३]¶; ४, ४,५¶; काठ १७, ११; २५. १[३]¶; क २७,१; ३८, ४[३]¶; शौ १,१३, ४; ३,२५,२; ६, ५७,१; ९०,१; ८, ८, २०; ११, १२, १६; १२, ४, १७; १९, ३४,३; २०,१२७, ६[1]; पै ९,४,७;११, ३,३; १४,२, ५; १६, ३०, १०; १७, १७, ७; १९, ३,६; १०, ३; १८, २; –षूः ऋ १०, ८७,४; शौ ८, ३,

a) विप. (इन्द्र-, केतु-, ऊर्जापति- प्रभृ.)। व्यु.? √इष् इति पाउ १,५१। –रम् इति क्वचित् वा. क्रिवि. द्र.।

b) सपा. ऋ १०,११,४ इषितः इति पाभे.।

c) नाप. (काशतृण- ⌊नभा. काना⌋)। √इष् (अर्थः?) +ईकक् प्र. (वैतु. पाउ ४, २१ <√ईष् इति) इति मतं भवति।

d) सपा. इषी°<>ईषी° इति पाभे.।

e) विप. (वातरथ-)। तद्धितः अण् प्र.।

f) विप. (सर्प-)। बस.।

g) नाप. पुं. स्त्री. च (वाण-)। √इष् ⌊अर्थः?⌋ + कुन् प्र. (तु. पाउ १,१३)। नित्स्वरः। <√ईष् इत्यपि (पक्षे) पाउ. द्र.।

h) सपा. इषवः<>इषुमतीभ्यः इति पाभे.।

i) पाठः? –षुम् इति साधीयान् भवेत्। सपा. °षुः (शांश्री १२,१४,५ सात. ⌊शौ⌋ च)<>इषुम् इति पाभे.।

j) तु. सा. K.; वैतु. भा. =इच्छा- इति।

६†; ११,८,९; पै १५, १३, ९; १६, ६, ५†; –षून् खि ३,१६, ८; –०षो शौ ४,६, ६ ; पै ५, ८, ५; –षोः ¶मै ३,८,१; २; –ष्वा खि ४,५, ३१;७^{2},३[a]; तै ५,७,३,१^{2}¶; शौ ५,५,४;१०, १,२७; पै २, २०,२; ६,४, ३; १६, ३७,८; २०,४२,२; –ष्वाः ऋ १०, १८, १४; काठ २५, १¶; क ३८, ४¶; शौ ५, १४, १२; पै ७,१,४; ११,२,४; १३; –ष्वै ऋ ६,७५,१५.

इषव्य[b]– -व्यः मा २२,२२; का२४, ८, १; तै ७, ५, १८, १; मै ३, १२,६; काठ ४५,१४.

१इषु(क>)का[c]– -का शौ १,३,९.

इषु-कार[d]– -रम् मा ३०, ७; का ३४,१,७.

इषु-कृत्– -कृता ऋ १, १८४, ३?[e]; –कृद्भ्यः मा १६, ४६; का १७, ७,५; तै ४, ५, ४, २; मै २,९, ८; काठ १७, १३; क २७, ३.

इषु-धि[f]– -धिः ऋ ६, ७५, ५; मा १६, १२; २९, ४२†; का १७, १,११; ३१,२,७†; तै ४, ५,१, ४; ६, ६, २†; मै २, ९,२; ३, १६, ३†; काठ १७, ११; ४६, १†; क २७, १; पै ११, २, ३; १४,२,१६; १५,१०,५†; –धिम् खि २, १०, १, शौ ३, २३, २; –धियम् पै ५, १०,६?[g]; –धीन् ऋ १,३३,३; –धेः ऋ १०,९५, ३; पै ५, १२, ३; –धौ शौ ४, १०,६; पै ४,२५,२;५,२९,४.

इषुधि-मत्[h]– -मते मा १६, २१; ३६; का १७, २, ५; ५,५; तै ४, ५,३,१; ७,१; मै २,९,३; ७; काठ १७,१२; १४; क २७, २;४.

इषु-पावन्– -वानः पै ५,१०,७.

†इषु-बल[i]– -लाः ऋ ६, ७५, ९; मा २९, ४६; तै ४,६, ६, ३; मै ३, १६, ३; काठ ४६, १; पै १५,१०,९.

इषु-भृत– -भृताम् शौ ४, २८, २; पै ४,३७,२.

इषु-मत्– -मते मा १६, २९; का १७,४, ३; तै ४,५,५,१; मै २, ९,५; काठ १७,१४; क २७,४; शौ १२,३,५५[j];५६[j]; ५७; ६०[k]; पै १७,४१,५; ७; ८[l]; –मद्भ्यः मा १६,२२[m]; का १७, ३, १[m]; तै ४, ५, ३, १; मै २, ९, ४; काठ १७,१३; क २७,३; पै १७,४१, ६[j]; ९[j]; –मन्तः ऋ ५, ५७, २[n]; –मन्तम् शौ ४, २४, ५; –मान् ऋ २, ४२,२.

इषुमती– -तीभ्यः शौ १२, ३, ५९[o]; पै १७, ४१,१०[k]; –तीम् पै ५,१०,१०; –त्यै शौ १२, ३, ५८[l].

¶इषु-मात्र[p]– -त्रम् मै २, ४, ३^{4}; काठ १२, ३^{2}; –¶त्रम्ऽ-त्रम् तै २,४,१२,२;५,२,२.

इषु-वत्– -वन्तम् पै ४, ३९,५.

†इषु-हस्त[q]– -स्तेन ऋ १०, १०३,२;

[a]) उष्टा इति पाठे? (तु. पै. मूको.) यनि. शोधः (तु. शौ ५,५,४ पै ६,४,३)।

[b]) विप. (राजन्य-)। तत्रमाधवीयः यत् प्र. (पा ४, ४,९८) तित्स्वरश्च।

[c]) अज्ञातार्थे कः प्र. (पा ५,३,७०) तत्-स्वरश्च।

[d]) नाप.। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[e]) पाठः?। श्रिये पू (?भू) प (त) श्विषु (?षू) कृतेव देवाः इति द्विपदः पाद-शोधः इति कृत्वा प्रकृतं रूपं =निः >षू (√कृ> कर्तरि) °कृत्–> यनि. प्र२ इति विमृश्यम् (तु. ऋ १०, १४३,६ सं ''भूषतम् इति सकर्मकं क्रिप., ऋ १०,६६,८ यज्ञ-निष्कृत्– इति वैश्वदेवं विप., PW. BW. =इष्कृता + इव इति मन्यमानौ श्रुतिस्वरसं नेदीय इव स्पर्शुकौ; वैतु. GRV., ORN. ⌊ऋ १०, ९५,३ मा १६, ४६ तुलया⌋, PG १, १७ NW. यनि. =इषु-कृता ⌊प्र२⌋ इति, GW. MVG १८६ =इषु-कृते ⌊च१⌋ इति, वें. सा. इषु- + कृत्–> कस. इतीव टीकमानौ स्वरतः पर्यनुयोज्यौ)। एवं स्थिते हि 'हे नामन्या युवां निष् (=इष्-) कृतौ देवाविव सन्तौ मर्यांया वहतं श्रिये भूषनम्' इति वा. द्र.।

[f]) नाप. (तूणीर-)। उस. उप. √धा + अधिकरणे किः प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[g]) पाठे? °धि यम् इति द्वि-पदः शोधः?।

[h]) विप. (रुद्र-)। मतुबुदात्तः (पा ६,१,१७६)।

[i]) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) सपा. °मते<>°मद्भ्यः इति पाभे.।

[k]) सपा. °मते<>°मतीभ्यः इति पाभे.।

[l]) सपा. °मते<>°मत्यै इति पाभे.।

[m]) °मु° इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. तै. प्रमृ.)।

[n]) सपा. पागृ २,१७,१३ विशिष्टः पाभे.।

[o]) पाभे. कृते पृ ८४४ *h* टि. द्र.।

[p]) व्यु. कृते पृ ४०३ *a* टि. द्र.। द्वि१ सत् वा. क्रिवि. द्र.।

[q]) विप. (इन्द्र- प्रमृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

मा १७,३४: का १८,४,२; तै ४, ६,४,१; मै २,१०,४:काठ १८,५: क २८,५: कौ २,१२००; शौ १९, १३, ३; पै ७, ४, ३; –स्तैः ऋ १०,१०३, ३: मा १७, ३५: का १८,४,३: तै ४,६, ४, १: मै २. १०, ४: काठ १८, ५: क २८, ५: कौ २,१२०१: शौ १९,१३, ४; पै ७,४,४.

√इषूय

इषूयत्[a]– -यते ऋ १,१२८,४.

इष्व(षु-अ)ग्र[b]– -ग्राणि शौ ११,१०, १६: –¶ग्रेण तै ५,२,३,१: काठ २०,१: क ३१,३.

इष्वा(षु-आ)युध[c]– -धे शौ ५,३१, ७.

इष्वा(षु-आ)स[d]– -सः शौ १५,५, २:५;७:९:११; १३: १५; –सम् शौ १५, ५, १: ४: ६: ८; १०: १२:१४.

?२इषु[e]– -पूनि शौ २०,१३०,१[f].

१इषुका– १इषु– द्र.

२इषुका[g]– -०के पै १९,२९,७.

इषु-कार–, कृत्- १इषु– द्र.

*इषुध[h]–

√इषुध्य[i], †इषुध्यति ऋ ५,५०,१: मा ४, ८:११,६७: २२,२१: का ४,३,२: १२,७,२: २४, ७,४: तै १,२,२,१[j]: ४, १,९,१[j]:६,१,२, ६[j]: मै १, २,२: २, ७,७: ३, ६, ५; काठ २,२;१६,७: क १,१४: †इषुध्यसि ऋ ८, ६९, २; कौ २,८६२; जै ४,२५,२.

इषुध्यत्– -ध्यते ऋ १, १२८, ६.

इषुध्या[k]– -ध्या ऋ १,१२२,१.

इषुध्यु– -ध्यवः ऋ ५,४१,६.

इषु-धि– प्रभृ. १इषु- द्र.

?इषूदिहावम्, पै १९, ३,२.

?इषे[l] ऋ ६, १३,२.

इ(स्>)ष् √कृ (*पूरणे)[m], इष्कर्त> र्ता[n] ऋ ८,२०,[२६(१,१०)].

इष्कृणुध्वम् ऋ १०, ५३, ७; १०१,२.

इष्करम्[o] ऋ १०,४८,८.

१इष्-कर्तृ[p]– -र्ता[q] ऋ ८, १,[१२ (२०,२६)].

†२इष्-कर्तृ– -तारम् ऋ ८, ९९,

a) क्यजन्तान नाधा. लमा. निघातेधा. स्वरः । इषु इति पपा. ।

b) षस. अन्तोदात्तः । c) समाहारे द्वस. अन्तोदात्तः ।

d) नाप. । (इषु-धर-) उप. उप. √अस् (क्षेपणे)+ अण् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

e) पाठः? । सति पाठस्य साधुत्वे यनि. निश्चेय-रस्य-पदार्थ-विशेष-वाचकं सत् १इषु– इत्यत इतरत् द्र. । एवं स्थिते च धा. अर्थः व्यु. च ? ।

f) इष्णुनि इति• मूको. पामे. । RW. ZA. दुग्धानि इति शोधुकौ (तु. सस्थ *अयं बहुलिमा>अपावहटिमा इत्यपि तदीयः शोधः द्र.) ।

g) सति पाठस्य साधुत्वे व्यु. ? ।

h) व्यु.? √इष् (इच्छायाम्)>यनि. भाप. (तु. √श्रु >श्रुरुध- √पृक्ष>पृक्षुध-, प्रभृ. इति PG [१, १९१] MWA.) ।

i) वप्रा. । याच्याकर्मणः भाप. नाधा. द्र. (तु. निघ [३,१९] वें. [ऋ ८, ६९,२] मा. [का ४,३, २] उ. म. [मा ४,८] PW. प्रभृ.; वैतु. पाधा. [क्रमह्वा.] शरधारणे इति, भा. [तै १,२,२,१] GW. <इषु-धि– इति) ।

j) -ष्यसि इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ ५, ५०, १ प्रभृ.)। k) स्त्री. अः प्र. (पा ३,३,१०२) तत्-स्वरश्च ।

l) धा. अर्थः व्यु. च ? । ए (आ √इ [=√इर्]) > आ···इषे इति (लटि मपु१ प्र. स्वरः हि इत्यस्य योगाद-निघातश्चेति विमृश्यम् ; वैतु. सा. GRV. लोडर्थतया प्रकृतं रूपं टीकमानौ ?, द्र. [तु. Gri.] √इष् [गतौ] > इषे [के- प्रत्ययान्तम्] अव्य. इतीव ? [एवं स्थिते खलु सस्थ. क्षयसि इति क्रिप. निघातो दुरुपपादः द्र.]) । छन्दस्तस्तावत् प्रकृतं रूपं पाप्र. =√*ई > ईषे इतीव द्र. (तु. LR. [धा. लकारं च प्रति संदिहानः], AVM. च) । नैप्र. तु √इष् >*इषे >*ईषे > यनि. इति मतम् द्र. । .

m) इस् =निस् [पाम ६, १,९] इति क्त्वा प्रादिषु उसं. षत्वं च (पा १,४,५८;८,३,४१) । पूप. इष्– इत्यस्य रूपमिति GRV. [टि.ऋ ५,८९,६] MWA. च ।

n) लोटि मपु३ तबादेशः (वैतु. सपा. ऋ ८,१,१२ यत्रे-तद् रूपद् १इष्कर्तृ–> –र्ता इति कृद्-वृत्तम्) ।

o) प्रपु१ (तु. GW. GRV. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. कर्मर्थे इष्कर–>–रम् कृद्-वृत्तमिति, एवं स्थिते हि पूप. प्रकृति-स्वरं प्रति पर्यनुयोज्यौ)।

p) गस. तृजन्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः ।

q) =सपा. काश्री २५, ५, ३० । मै ४, ९,१२ कौ १, ३२४ शौ १४, २, ४७ तैआ ४, २०, २ तां ९, १०,१ तु निष्कर्ता इति, आपमं १, ७,१ निष्कृता ? इति च पामे. ।

८; १०, १४०, ५[a]; मा १२, ११०[a]; का १३, ७, ९[a]; मै २, ७,१४[a]; कौ २,११७०[a].

इषु-कृत- -तासः ऋ ७, ७६,२.

इष्कृता(त-आ)हाव[b]- -वम्[c] ऋ १०,१०१,६.

†इषु-कृति[d]- -तिः[e] ऋ १०, ९७,९; मा १२,८३; का १३, ६,९.

इष्ट,ष्टा[f]- -ष्टः मा १८, ५६; ५७; २१,५८; का २०, ३,६;७; २३, ६, ११; तै ५, ६,८,६; मै १, ४, १: ५; २, १२,३[2]; ११,५; काठ ५,४; १८,१८[2]; ३२,४;४०,१३; क २९, ६[2]; -ष्टम् ऋ १, १६२, १५; मा १८,५७; २५,३७: का २०,३,७; २७, १३,६; तै ४, ६, ९,२†; ५, ७, ७, २; ६, ६,६,१; मै १, ४, ११[3]: ¶[2]; ८,६¶: २, १,३[2]¶;१२,३; ३, १६,१†: ४, १३,९†; काठ ४, १४;१२,७¶: १८,१८; ३१, १५[2]¶; ४६,५†: क २९, ६; शौ ९, ५,१३; ८,१; ११,९,९; १२, ६,४; १०,१०; १९, ७२, १; पै ९, २१,१-१२; १६, ८२, ९; ९८, ३; ११३, ७; १४१, ४; १४६, ६; १९,३५,३; ५२,२; -ष्टस्य ऋ १०, ११,२[k]; मा १८, ५६; का २०, ३, ६; तै ३, २,६,१: ५, ६,८ ३; मै १, ३, २; काठ ५,४; २५, ७[?]; ३२, ४; क ३९, ६[?]; शौ १८. १,१९†[h]: -‡ष्टा[i] काठ ४०, १०; शौ ५, ३,४; पै ५, ४, ४; -ष्टाः ऋ ८, ९३, २३; तै १, ५,१०,२; २,६, ९, ३; ४¶: मै १, ६, २[j]; ७[2j]: ७, १: कौ १, १५१†: जै १, १६, ७†; -ष्टात् पै १९, ५२, ११‡[k]; -†ष्टानि ऋ १, १६४, १५; १०,८२,२[l]; मा १७,२६[l]; का १८, ३,२[l]; तै ४, ६, २,१[l]: मै २,१०, ३[l]; क २८, २[l], शौ ९, १४, १६; पै १६, ६७, ५. -¶ष्टाय तै १, ६, ८,१[2]. मै ४, १, ४[2]; -ष्टे शौ ७, १५, ४[m]; -ष्टेन तै ३,२,८,४; ७,३,११,१; काठ ४३, १; -ष्टेभ्यः काठ ३२, ४; -ष्टेषु तै २, ६, १, ७¶; -ष्टैः ऋ ४, ५५,६: -‡ष्टौ पै१, १०९,३[n].

इष्ट-यजुस्[o]- -जुषः मा ८, १२; का ८,७,२; तै १, ४,२८,१; ३,२, ५, ४; ७; मै १, ३, ३०: काठ ४, ११; क ३,९.

इष्ट-यामन्[p]- -मा ऋ ९,८८,३.

इष्ट-रश्मि[q]- -श्मिः ऋ १. १२२, १३.

इष्ट-व्र(त>)ता[r]- -ताः ऋ ३, ५९,९.

*इष्टानर[s]- -रा ऋ १,१८४,२.

इ(ष्ट>)ष्टा-पू र्त[t]- -र्तम् काठ ४०, १३[u]: शौ २,१२,४; ३, १२,८; ६,१२३,२[u]; १८, २,५७; पै २, ५,४; -र्तस्य शौ ३,२९,१: -र्ते मा १५, ५४; १८, ६०[u]: ६१: का १६, ६, ६; २०,४,३[u]: ४; तै ४, ७, १३, ५; ५,७, ७, २[u];

a) =सपा. माश ७,३,१,३३। तै ४,२,७,३ काठ १६, १४ तु निष्क° इति पाभे.।

b) विप. (अव्रत-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

c) सपा. तै ४, २, ५, ५ आपश्रौ १६,१८,२ निष्कृ इतिपाभे.। d) गस. क्तिन्नन्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः।

e) सपा. तै ४, २, ६, २ मै २. ७,१३ काठ १६, १३ निष्कृ° इति पाभे.।

f) व्यु.?। <√इषु (इच्छायाम्) वा √इषु (गतौ) वा √यज् वेति प्रायोवादो निर्णेष्यमाणः वैश. द्र.।

g) वें. GW. प्रभृ. √इषु (इच्छायाम्) इति, मा.> √यज् इति।

h) मा.<√इषु (इच्छायाम्) पक्षे<√यज् इत्यपि।

i) सपा. ऋ १०,१२८,४ तै ४,७,१४,२ हव्या इति पाभे.।

j) =सपा. आपश्रौ ५, १८,१। काठ ७,१४ तु गृत्ताः इति पाभे.।

k) सपा. ऋ ८,४२,१ इष्टतानि इति पाभे.।

l) सपा. काठ १८,१ महानि इति पाभे.।

m) वा. पाठः? (तु. सपा. पै २०, ३, ३ इष्टये इति, आश्रौ ५,१८,२ शांश्रौ ८,३,४ इष्टयः इति च पाभे.)।

n) सपा. इष्टौ<> इष्टयः इति पाभे.।

o) विप. (भक्ष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

p) विप. (सोम-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. <√या, पूप. च <√इषु (इच्छायाम्)।

q) व्यप. (राज-विशेष-) इति वें. सा. PG ३,३३, विप. इति PW. GW.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

r) विप. (इषु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

s) तु. सस्थ. टि. ?गृष्टा नरा।

t) तु. तै. पपा.; वैतु. ऋ. मा. शौ. पपा. नावग्रह इति। समाहारे द्वस. अन्तोदात्तः एकवद्भावश्च उसं. (पा २, ४,४)।

u) सपा. °र्तम्<>°र्ते (माश ९,५,१,४७ तैब्रा ३,७, १३,४ माश्रौ २,५,५,२१ च) इति पाभे.।

मै २, १२, ४: काठ १८, १८; क २९,६: –ष्टैन ऋ १०, १४,८: तै ३, ३, ८, ५^{२}¶: काठ ३१, १५¶; शौ १८, ३,५८†.

¶इष्टापूर्तिन्– -र्ती तै १, ७.३. ३; काठ ८.१३: क ८.१.

इ(ष्ट>)ष्टा-वत्– -वन्तः शौ १८, ३,२०.

इष्टा(ष्ट-अ)श्व[a]– -श्वः ऋ १,१२२, १३.

इष्टाहोत्रीय[b]– -यम् मै ४.९,११.

¶इष्टिन– -ष्टी तै १. ७,३,३: काठ ८,१३: क ८,१.

इष्ट(क>)का[c]– -¶का तै ५, २,८,१: ३,७,४: मै २,७.१६^{२}$[d]:३,२, ७; काठ २०, १: २१. ६: २२. ८^{२}: ३९. ३^{२}$: क ३१, ३:२१: ३५.२^{३}: –का: मा १७,२^{२}:३५. ८: का १८. १. २: ३: ३५ ४, ७: तै ¶३. ४, १०, २^{२}: ४, ४, ११, ३: ४^{२}: ¶५, ३,५,२: ४^{२}: ११, १: ४, २,३: ४: ५, ६, ७: १०, ५: ६, ७, ५: ६, ३: ७.३: ९, २: ७,१,२: ३^{२}: २, १:३:६, ६; १०, ७: मै ¶१, ५,१०^{२}; १३: ६, ९: ८, ६; २, ८, १४^{३}; ¶३, २, २^{२}:३; ५^{२};६:७^{२}: ८^{२}; १०^{३}: ३, १^{२}: ३: ४^{३};$: ¶काठ ६,७^{२}:७,७:८:८,१: १७,१०^{३}$; २०,१;६:८:१२: २१, २^{३}: ३;५; ६^{२}: २२.८: ¶क ४. ६^{२}; ६,६; २६. ९^{२}$: ३१, ३:८: १०:१४; १७^{२}: १८: २०: २१: ३५, २; –०काः मै २.१३,१६: –कानाम् मा १३. ३१: का १४. ३. ५: ¶तै ५.५,६,३^{२}:७.८.३: मै २. ७,१६: काठ ३९. ३: –¶काभिः तै ५. ६, ६, ३: ९,३: मै ३,२, ८: काठ २१, २: क ३१, १७: –काम् मा १४, ११: का १५, ४, १: तै ३, ४, १०, २¶: ४, ३,६,१: ¶५,२,८.२^{२}:३,७,३^{२}: ५, २, ४. ५: ७, २: ६, ८ ४: मै १,६,९^{२}¶; २, ८, ३: ३, २, ९. ¶काठ ७,८:८,१:१७,३$: २०, १: ६: ११$: २१. ३:२२, ९: ¶क ६, ६: २६. ७$: ३१, ८:१८: ३५, ३: –¶काम्ऽ-काम् काठ २२,८: क ३५,२: –कायाः ¶तै ५, २, ७. २: ३: –कायाम् ¶ तै ५, ४, ३, ३: ५, ९, ४; –कासु मै ३,२,४¶; –¶के काठ २२. ७; क ३५, १; –०के तै ५, ३, ५, २¶: –०के मा १३, २१: का १४, २, ६: तै ४, २, ९, २: मै २. ७,१५; १३,१६^{४}; काठ १६,१६; २९,९^{२}.

ऐष्टक[e]– -कान् तै ५, २, १०, १¶.

¶इष्टक-चित्[f]– -चित् तै १, ५.८, २: काठ २०.७: क ३१,९.

इष्टनि[g]– -निः ऋ १,१२७,६^{२}.

?इष्टया[h] पै १९.२,५.

इष्टर्ग,र्गा[i]– -र्गः तै ३, १, ७, १^{२}; –र्गाः पै ६,८,८१.

?इष्टायावेन[j] पै १७.२३,४.

१इष्टि[k]– -ष्टयः ऋ १,१४५,१:६,७४, १[l]: मै ४. ११,२†; –†ष्टये ऋ १, ३०. १२: ५७, २: ११२,१; २: ११३, ५: ६: १२९, ४: ५, ४४, ४: ७२,⌊३: ७८,३:८,३८, ४⌋:७४,३: ६, ७०, ४; ७, ९२, ३: ९, ९७, ४२: १०, ३६, ६: ४९, ९: ७०, ११; ९२, १३; ११५, ४; मा २७, २७: ३३$;

---

[a]) समासादिकं पृ ८४७ q टि. द्र. ।

[b]) नाप. (साम-विशेष-)। इष्टा होत्राः (ऋ ८,९३,२३) इत्यनुकरणात मत्वर्थीयश् छ> ईयः प्र. (पा ५, २,५९) तत्स्वरश्च । [c]) नाप. । व्यु.? इष्ट– (<√यज्)+ क-(=सुख-) >यनि. इति (माश ६, १, २, २३ ⌊तु. MWA. यत्र मतान्तराण्यपि द्र.⌋), <√इष् इति पाउ ३,१४८ इति । [d]) °काः इति पपा. ।

[e]) समूहे अर्थे अण् प्र. (पा ४,२,३७) तत्स्वरश्च ।

[f]) विप.(अग्नि-) । उस. कर्मणि क्विबन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम् । पूप. ह्रस्वः उसं. (पा ६, ३,६५) ।

[g]) विप. (अग्नि- ⌊ यष्टव्य-, एषणीय-, अन्नप्रद- ⌋) । व्यु.? <√यज् इति सा. ORN. Barth. ⌊KZ ४१, ३३२⌋ MWA. Gri., <√इष (गतौ) इति वें., √इष् (इच्छायाम्) इति द., PW. GW. <निस √स्तन्> निष्टनि– इति । इष्– + √तन् + कर्तरि प्र. इति कृत्वा यनि. इति मतम् ।

[h]) पाठे? *ऋष्टि-हन्– > -घ्ना इति शोधः? ।

[i]) विप. (अध्वर्यु-)। व्यु.? इष्ट–(<√इष् ⌊इच्छायाम्⌋)+ √ऋ (हिंसायाम्) इति कृत्वा =कामविनाशक- इतीव सा., पूप. =इष्ट–(<√यज्) इति कृत्वा =यागेन निमित्तेनार्तिप्रयोजक- इति भा., =हिंसक- इति कृत्वा =*इष्वर्ग– <*इषु-वर्ग– इति PW.? ।

[j]) पाठे? रिष्टा (ष्ट-आ)यु– > रिष्टायव–(भाप. ताद्धितम्) > –वेन (तृ१) इति शोधः ।

[k]) भाप. च नाप. च । क्तिन् प्र. उदात्तः (पा ३,३,९६)। शिष्टम् इष्ट– इत्यत्र द्र. । [l]) पामे. इष्टे पृ ८४७ m टि.द्र. ।

का २९,३,४; ६$; तै २, २,१२, ८; मै ४, ६, २$; १०, ६: कौ २, ६०४ : जै ३, ४९, ३ : शौ ७, ४, १$; २०,१५,२: पै २०, १,१०$: –†ष्टिः ऋ ४,४,७: तै १,२,१४,३: मै ४, ११,५: काठ ६, ११: –ष्टिभिः ऋ २, १, ९: १८,१: –ष्टिषु ऋ १०,१४७,२: –ष्टीः ऋ ७,९३,८: –ष्टेः ऋ १, १२५, ३: –†ष्टौ ऋ १, ६२,३: १६८,३: २, २८,७:४,६,७: ६, ११, ३ : १०, ४४, ९ : मै ४, १४,९: शौ २०,९४,९.

२इष्टि[a]– -ष्टयः शौ ११,९,१५: –¶ष्टिः तै २, ४, २, ४: ५, ५, ३: ४: मै २, १,७:८: १०[c]: ११: २,४: ३,२:४, २, ५$: काठ १०, ७: ११, ३: १० : –ष्टिम् ऋ १, १६६, १४[b]: ¶तै २,२. ५, ३: ३,३,१:२: ८,१[e]: ११, १:४,३, २:३: ५, ४, २[e]: मै २,१,३¶; ¶काठ १०, ५[c] : ११, १० ; –ष्ट्या ऋ १०, १६९, २ : ¶तै २,४,१-२,३:४:३,३: ७, ४,१७, १†: ५,१५,३: मै ३, ४, ५¶: ¶काठ १०,२: ११, ५: –ष्ट्याम् तै २,४,११,१¶.

३इष्टि[d]– -ष्टयः काठ ११,१२†: पै १६, ८३,९: –ष्टये काठ १०, १२†: पै २०, ३, ३[e]: –¶ष्टिः काठ ९, १५: १०,१:१०. ११,१: १२,५: –ष्टिभ्यः काठ ५,४: –¶ष्टिम् काठ ६,६: ११,२: क ४,५: –०ष्टे ऋ १,१४३,[८: ६,८,७]: –ष्टौ पै ६, ७,८[f]: –¶ष्ट्या काठ ८,१०,११. १:४: २२, ७: ३७,४: क ६, ६.

इष्ट्वा √यज् द्र.

इष्यात्–, इष्यान्–, इष्य–, इष्मिन्–, इष्यन– √इष् (क्रया.) द्र.

इष्यमाण– √इच्छ् द्र.

?इष्वाशनी:[g] मै ४,२,२¶.

इष्वास– १इषु– द्र.

इह, इह-क्रतु–, इह-चित्त–, इह-भोजन– इदम्– द्र.

?इह माम्[h] मै ३, ८,३¶.

?इहव[i] पै ६,२,१.

?इहासौनूनां[j] पै ८, ११, ७.

इहि, इहीड– √इ द्र.

?इहुत् पै २०.५०,४.

इहेह-मातृ– इदम्– द्र.

?इहोपंपृणु सम्पंपृण[k] पै १९,२१,९.

ई

ई[l] ऋ १, १०३, १ : १४०, २ : ३, ३३, ८: ९, ४५, ५: ६३, [१७: १०७, १७]: ७१, ५: ७२, ६: १०२, ६. १०४, [२(१०५,२)]: तै ४.१,८,२[m]: कौ २, २८२[n]: ५०८[o]: जै ३. ४०,४.

ईम्[p] ऋ १, ४.७:९,२: ३६,७: ३८.

[a]) नाप. (याग-)। √यज्+क्तिन प्र. निस्स्वरश्च।

[b]) तु. GW. GRV. ORN. प्रभृ.: वैतु. वे < √इष् (इच्छायाम्) इति, सा. < √इष (गतौ) इति। अभि। इष्टिम् इति पृथक् पदद्वयमिति पपा. (तम् अनु तु. सा. ORN. च : वैतु. वे., भा. [पक्षान्तरे], GG. अभीष्टिम् इति पदमेकमेव)। [c]) तु. सस्थ. टि. अन्तरा।

[d]) =१इष्टि–। स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः द्र.।

[e]) पामे. कृते पृ ८४७ m टि. द्र.।

[f]) पाठे? विष्ठाः इति शोधः (तु. शौ ५.१.८)।

[g]) पाठे? इत् तथा आश-नी–> -नीः इति त्रिपदः शोधः (तु. [अंशतः] मूको.)। एवं स्थिते *आश-नी– इति व्यप. (ऋषि-विशेष-) इति विमृश्यम्।

[h]) पाठे? इमाम् इति शोधः (तु. तत्रैव पूर्वस्यां पङ्क्तौ तद् वै देवा इमामविन्दन्त इति (पृ५७२ माम् इति नेष्टः)।

[i]) पूर्वार्धसाम्यापेक्षया त्रिष्टुभा भाव्यमिति कृत्वा अदब्धासुद् भ्राज-सा इहाऽहेव इति वा पादः स्यात् अन्त्यपादसाम्यापेक्षया (तु. शौ ५, १,१) बृहतीपाठेन भाव्यमिति कृत्वा …भ्राजसेहेव इति वा पाठः स्यात्। प्रथमे मध्य-प्रतिस्त्रोते चाऽऽशानिवृत्तात्त्यत्र विवेकः। अथ प्रथमे भ्राज-सा– इति प्राति. सवान. उत्तरे च भ्राजस्–> नृ१ इत्येषोऽप्यपरो विवेकः द्र.।

[j]) पाठे? इह आ सौनूनम् इति त्रि-पदः शोधः स्यात्।

[k]) पाठे? इहो(इ-उ)पपृग संपृण इति शोधः संभाव्येत।

[l]) अवधारणार्थे नि. (=ईम् [तु. m, n टि. पामे., p टि च])। पपा. ईम् इति (संहितायां म-लोप इति सा. [ऋ १. १०३,१])। ई-<इ-(>इद, इदम्, इयम् प्रभृ.) स्वरहीन इति (तु. GW. WAG [१. २४८a] MVG [८५b] MWA. प्रभृ.)।

[m]) सपा. ई<>ईम् इति पामे.। स ई इति पाठस्य स्थाने सपा. काठ १८.१७ स्तनी इति, शौ ५.२७,६ तरी इति च पामे.।

[n]) सपा. ई<>ईम् इति, ऋ. च द्वितीये स्थले ईम्<>उ (कौ.) इति पामे. (वैतु. यदी [यद्, ई] इत्यस्य स्थाने कौ. पपा. यदि इति)। [o]) ईम् इति S.।

[p]) अवधारणार्थे नि. इति। ई>ईम् इति द्वि१ सत् वा. क्रिवि. इत्यवामः।

११; ५१,२; ५२, ६; ५४, १०; ६५, २; ३: ६७, २; ४; ७१, ४; [४;१४८,१]; ५; ७९, ३: ८१, १ : ८५, ११ : ८७. ५; ११६, १२; १२२, ९; १२७. ७; १०: १२९, ७; ८; १३४, २: १४१, १: ३[२]: १४४, २-५; १४५, ४: ५: १४८, ५: १५१, ३; १५५, ३; १५८, ५; १६२, १२; १६४, ७: १०: १६[a]: ३२[२]: १६७. ५; ७: ८[२]: १७१,२: १८६,६: ७[२]; ८: २, ५. ३: १२, ५: १३, २; १४,[१०: ६, २३, ९]: १५, ५; १६, २: २२,१; २; २६,४: ३०, २: ३५, १: १३[२]: **३**,९,४:३०, १६; ३५,३; ३६, ६: **४**, ७, ५: ८,५; ९, १: १७, ४: १४: १७: २१, ७[२]; २७, २: ४: ४१, ९: ५,१,३; ४: २,५: ७, ५: ९, ५: २९,२; ३०,१०: ११: ३२, ५; ७; ३४.२;७; ८: ३७,३: ३८,२; ४४, १२: ४७, ८: ५: ५४, ४: ६१,११; ७४,४: **६**, ३, ६[२]. ९, ३: १७, २ : २०, ९ ; ४२, ७; ४७, १५; ५०,४. ५३, [५-७]; ६२,९: **७**,१,१८; २०, ३; २१, १; २६, २; ३२, १७: ४०. ३: ५६, १: २१; ६०, ३; ६६, १४: ६८,७; ८८,१; १०३,३; **८**, १, १७; २,६; १७; १७, [११;६४, १२]; १९, २; ३२, ११; ३३,

७: ४५, ३९; ४७, १; ४९, ४; ५०, २; ३ : ७४, १५ : ७७, २; ७९, २: ६[२]; ८३, ५; ९७, ११[2b]: १००, ३: **९**, १, ७ : ८: ७, ५: ३२, [२(३८, २)]: ३ : ३४, ५ : ६२, ६; ७४, ७; ७७, १: ७८, ३; ८१, १: ८६, १७: ८८, २[२]; ८९, २[२]: ४; ५[२]: ९२, २ : ९७, २२ : १०७, १३: ११०,६: **१०**, १, ४; १०, ६: ११, ३: १६, १: २७, ११[२]; ३०, ६: ३१,४: ८:३२,८; ४०, १४: ४४. ३; ४५, ४: ६१, ८: ६७,५:७: ६९,१;७१.६: ७४,६: ७६, ३: ९४, ३; ९५, ७; १८: १०१. १०: १०६,१: १२४,८[२]: १२५. ४: १३३,[४: १३४, २]: खि **२**, १४,१: **३**, १, ४; २. २: ३: **४**. ५,३३[c]: **५**. ५. २[२]: ११: ७. १, ५: ३, २: **८**: १५, १७: २०,३; मा †**१२**. ६: २१: ३३: **२३**,५५[e]: **२५**, ३५ ; **२७**,१५[d] : **३३**,६०: का †**१३**, १, ७; २-३, ४: **२५**, १०, ३[e]: **२७**, १३, ४: **२९**,२.५[d]; **३२**, ५,६; तै **१**, २, ३,३[e]: ३,१४,२†: ४,४६, २†; ६,१२,४‡[f]: **३**, ३, ३,३†; †**४**, २,१-२,२: ३, १३,६ ;६,९,१: **६**,४,३,४¶; †मै **२**,७,८: १२, ६$[d]; १३, ५; **३**, १६,१; †**४**, ४, २$;१०, १;१२. ३‡[f]; ४[२]:

५; १३,२$; ८[२]; १४,१०; १५; †काठ **९**, १९; **१२**. १५[२]; **१३**, १६: **१५**, १३$: **१६**, ८-१०; **१९**, १३[२]$: **३५**, २: ३[२]; **४०**, १४: **४६**,५; क **२९**. ५[d]; **४८**, ४[२]†: †कौ **१**. ९४ : १५९: २९७[g]: ३१३ : ४३३ ; ४५७; ५२०: ५३७: **२**,७०:७५;११८: १२० ; १२१ : ३६० ; ४४२: ४८२; ७९१ : ८२२[२] : ८३६: ८३८: ८४५: १०३८: १०४६: १०९८; †जै **१**, १०,४: १७.५: ३१,५: ३३. १: ४२, ७: ४८, १: ५३,१२: ५५.५: ५७,३: **३**. ७, ८: ८, १: १२, ५$: ३०, ३[h]: ३६, ७: ५८, ३: **४**, ४, ३[२]; ८: १६, ७; १९. ८[२]: १०: २७, ५: ६: २९,४: †शौ **४**. ३०,४: **९**, १४, ५ : १० : १५[a] : १५, १०[२] : **१८**, १ , ७ : २० : २, ४$; **२०**,५,५: १८,२: ३४, ५: ५१,४; ५३, १: ५४. २[2b]: ५६; १: ५७, ११: ६८, ७. ७१, ८; ९१, ५: ७: ९२. १४: ९४, ३, ९५, १: १३५, ८$; पै **९**, ४, ११: १२ : **१३**, ७, ५† : **१५**, २३ , १० : †**१६**, ६६, १० ; ६७, ६ : ६९, १[२] : **२०**, १८, ३†.

√ई (बधा.)[i], ईमहे[j] ऋ **१**, ६, १०; १३६,४[२]; **५**, ५३, १३; **७**, १६,

[a]) पाभे. कृते पृ ६१४ *y* टि. द्र. ।
[b]) पाभे. कृते पृ ८४९ *n* टि. द्र. ।
[c]) **जीवयुस्व ईम्** इति पाठस्य स्थाने मपा. खिमा २९, ३४ **जीवयस्वरीन्**? इति पाभे. ।
[d]) पाभे. कृते पृ ८४९ *m* टि. द्र. ।
[e]) पाभे. कृते पृ ७७३ *d* टि. द्र. ।
[f]) मपा. ऋ **१०**,१५२,४ विशिष्टः पाभे. ।
[g]) **ई** इति S. ।
[h]) **ईत्** इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मपा. ऋ **९**, ६२, ६ कौ **२**,३६०) ।
[i]) धा. गतौ (ऋ **१**, ३०, १८ प्रमृ.), याच्ञायाम् (ऋ **१**, ६, १० : ३, ३७, ३ प्रमृ. निघ **३**, १९) च वृत्तिः द्र. ।
[j]) अनुदात्तेत्वात् लमा. निघाते धा. स्वरः ।

⌊(५,२६,२)४⌋; ५४,१[a]; ९४,९; ८,१३,५; २३:१८,⌊३; १२६,७⌋; १०, ३६, १०: तै ३, ४, १०, ११†[a]: काठ ४, १५†: कौ १,४३७; जै १,४६,१; शौ २०, ७०,६†; ‡ईमहे[b] मै १, ५,१३[a]; कौ १, ४०६[c]: २,६०[c]; जै १, ४५,८[c]; ३,६,६[c]: **ईमहे** ऋ १, १०,६: ४०, १; ४२, १०: ४३, ८; १०५, १५; १०६, ८: ५; १३८,३: २, ३२,२: ३८, ११: ३,२,१३-१५: २६, ६: २७, ८: ३७, ३; ६: ४२, ⌊६: ८, (४५, १३) ७५, १६: ९८, ११⌋: ६२, ११: ४, ३२,१७: ५, ५,६:२४, ४: २६, ⌊२(७, १६, ४)⌋: ६३, २: ८२, ३: ६, १, ७: १५, ⌊७: ८ ४४, १०⌋: २२, ३; ५३, ९: ५४, ⌊८: ८, २६, २२: ४६, ६: ५३, १⌋: ५५, २: ७, ७⌊७: ८, ७⌋: ८१, ४: ८, ५, २७; १२, १-३; १३, २४; १८, २०: २२, १३; २४,२६; ३३,⌊३: ८८,२⌋; ४३. १२; ३१: ३३: ४६, ६: ४९, ९: ६०,२: ६८, १०: ७१, १३: ९०, ६; ९९, २: ९, २, ८: ४८,१: ६६, २०: ७४, १; १०, ३५,२; ⌊३-१२⌋: ६१, २४: ६५, १०; ६६, १३: १६७, २: खि ३, १, ९: ५, १; †मा ३, २६; १५, ४८; २५, ४८; २६, ६$; ९: ३४, ५६; †का ३, ३, १८; १६, ५, ३०: २४, ४, ९$; २७,१५,१: २८,४-५,१$: १०, १; २९,५,३: ३३, २,१९; †तै १, ५,६,३:११,१$; २, ५,८,६: ६,११,४: ३,१,११,३‡[d]; ४,४, ४,८: ७, १५,१$: मै †१,५,१: ३: २,७,१६: ३, १६,५: †४,९, १: १०, १‡[d]: ११,१$: १२,१: ३: ५$: १३,६: १४, १२: काठ ४,१६: ७,१†: १०,१३†: १८, २०†: २२,१५: ३९,, ३: क ५, १†: †कौ १, ३९४; २, ३६: १६४: १८६: २१६: ३९४: ४५९: ५२०: ७६२; ८६९: ८७२: ९०३: ९१७: १०५८$: †जै १, ४४,४: ३, ४, ७: १५, १२; १७,७‡[e]: १९, ११: ३१, १४; ३४,१७: ४०, १६: ४, ४, १: १२, ८: १५, १०: २५, ५: २७,९: शौ ४, २३, १: ६, ३६, १: १८, ४,६१‡[f]: †२०, ९,२: १९,३: ६: २४, ६: ३६,३: ४९, ५: ५२,३: ५७, १६: ६३, ७-९: १०३,३: १०८,२: पै ४, †२८, ४: ५: ३३,१: ५, ३९, ४†: ७, ६,१०†: १९,४,१.

ईयते[g] ऋ १, ३०,१८;१४४,२; १०, ९६, ७; शौ १२, १, ५१; २०, ३१,२†; **ईयते** ऋ १,४८, ५; १४१, ८; १४५, १[२]; १६१, १: १९०, ४: २, १३, ३; ४, १४, ⌊(१, ११३,१४) ३⌋; ३१, १४: ४५,६; ६, २१,१; ३९,४; ४७, १८; ५८, २;५९,५[h]; ७, ३२,५; ८२, ५; ९, ५, ४; १५, ५: ६५, १६: १०,४६,६;१६८, २; खि ४,९,३: मै ४,१४,१६†; ¶काठ २१, १२; ३४,९: †कौ २, १८३: ६२०; †जै ३,१७,४; ५०,७; शौ ४,३४,४: १९,५३, २: ५४, ५: पै १, १०७, २: ५, ३२, ९: ६, २२,४; १२, २, २; १५: १७, ५,९: **ईयन्ते**[g] ऋ ५, ५५, १: **ईयन्ते** शौ ११, १०, २६: पै १६, ८७,६: **ईयसे**[g] ऋ १, १३३,६: २,३७,३; ५,३,८; १०, ७५, ६: १३७, ३: मा ४, ३२: का ४, १०,३; तै १,२,४, १: मै १,२,५: काठ २,६: कौ २, ३०७‡[i]: शौ ४,१३,३†. **ईयसे** ऋ ९, ११०, १[j]: काठ ३८, १४†[j]: क १, १९: शौ ५, ६, ४†[j]: पै ५, १८,४†[j].

ईयते मा २१, ५५: का २३, ६, ८: मै ३, ११,५.

a) त्वेमहे (आपमं २,१५,१८ पागृ ३,४,७ कौसू ४३. १३ च) <>त्वेमहे इति पाठस्य स्थाने मंत्रा २, ६.१ ते महे? इति पाभे.।

b) लमा. निघातस्य पर्युदासः उसं. (पाम ६. १, १६१)।

c) काम ईमहे इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ८, ९८, ७ शौ २०, १००, १ कामान् महः इति पाभे.।

d) सपा. ऋ ७,९६,५ विशिष्टः पाभे.।

e) एमहि इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ ९, ४८,१ कौ २,१८६)।

f) सपा. ऋ १,८२,२ विशिष्टः पाभे.।

g) इयनि नित्स्वरः।

h) तु. सस्थ. टि. आ।

i) पाठे स्वरः? निघातप्रसक्तेर्दुर्वारत्वात्। सपा. ऋ ९, ८६,३७ वी(वि-ई)यसे इति पाभे.।

j) सपा. ईयसे (ऐब्रा ८, ११ आपश्री १६,१८,७ च) <>ईरसे इति पाभे.।

ईंति[a]– -ईतयः[b] कौ २. ३३२: जै ३,२८,४.

ईर्य[c]–

ईय-चक्षस्[d]– -०क्षसा ऋ ५, ६६,६.

ईयमान,ना– -नः ऋ १०,१६८,३[e]: शौ १५. १,१: पै १, १०७, ८; १८, २७, १: -नम् ऋ ५, ३०, १; शौ ११, २. १७: पै १६, १०५, ७: -नाः ऋ ५, ८७, २; मै २, ६, ११[f]: काठ १५. ७[f]: पै १६,७३ ५.

***ई**[g]

ई √कृ

ई-कार[h]– -राय तै ७,१.१९, १[i].

ई-कृत– ताय तै ७,१.१९,१[j].

√**ईक्ष्**, ईक्षम्ये पै १७. १८,१: ईक्षे शौ १२,१,५८: पै १७. ६. ५: ईक्षध्वम् मा ५, ३४: ऐक्षत शौ १३, ३. ६: ¶ऐक्षत मै १. ६, १२: ३, ७, ८: ईक्षेत काठ २८, ६: क ४४. ६.

ईक्षमाण,णा– -¶णः तै १. ७. १,२: मै ४. ६, ९; काठ २८, ६. क ४४, ६: शौ ९. १२,२३§; -णा शौ १२, ७. ९: पै १६. १४२, ७: -णाय मा २२, ८: का २४, ३,६; -णेन मै ४, ६,९¶; -णौ पै १६, १३९,२४.

ईक्षा– -क्षायाः पै २०, १८, ४.

ईक्षित– -ताय मा २२,८: का २४, ३,६: मै ३. १२,३.

ईक्षेण्य[k]– -ण्यासः ऋ ९, ७७,३.

√**ईङ्ख्**>**ङ्खि**, †**ईङ्खयन्ति** ऋ १, १९, ७: पै ६,१७. ७; ईङ्खय ऋ ९.३५.[२:५२,३]: ५२, ३[p].

†**ईङ्खय(त्>)न्ती**– -न्तीः ऋ १०. १५३, १: कौ १.१७५: जै १,१९,१: शौ २०.९३,४.

ईङ्खित– -तम् ऋ १०,१४३,५.

√**ईज्**[l], ईजते मै ४.५.६¶.

ईजान– √यज द्र.

√**ईड्,ळ्**>**ईडि**, **ईळि**, **ईट्टे**[m] ऋ १, १८०. २ . ५. १२. ७ : ७,९३, ४, ८. १०३. १३; ¶मै १.५ ११; २.१. ८; ४. ८; ४. १३, ७†; काठ ४. १५†; ईट्टे ऋ १, ८४. १८; १३४,५; ४,२५, १: ३; ७,२४,५:९१,२; १०,१०४, १०: ¶मै १,५,९;११: २,५,७: ४.२,३८[n]: ¶काठ ७, ४:६: ३७, १०: क ५, ३¶; ईडे[o] पै ६,२, ७. †ईडते ऋ १, १४, ५; ३६, १[p]: ३,६,३: ५,१४,[३; ७,९४, ५]:६,२,२: ८,७४,६; १२; १०, ३०,[(१, ५८, ७) ४]; खि ५, २०,४: तै ४,३, १३, ८; ६, १, ८, ७¶; मै ४, १०, १; कौ २, १५१; जै ३, १४. ११: शौ, १४, १, ३७; †**ईडते** ऋ १, १५ [७; ५,२१,३; ६, १६,७]:१२८. [८; ३,१०.२:५,१,७; ६,१४,२; (७,१६,१)]: ३,१३,२:२७,१४: ५,८,३; ९,१; १४,२; ६. ७०,४: ७,८,१; १०, ५; ११, [२: १०, ७०,३]; ६५,४;८,२३,२५: ४३. २०; ६०,१६:१०, २१,[(८,११, १)६]: ८०, ६: ८३, २; १२२, ४: का १६, ५, १२; तै ३, ३. ११,२: मै ४,१२,३ : काठ १९, १४: ३९., १४: कौ १, ७०: २. ८८९: जै १, ७,८; ४, १३. ४: शौ ४, ३२, ७: २०, १०२, २: १३५. ९$[q]: पै ४. ३२,२§:१६. ७२. ४§, १८, ४,३; ईडे ऋ १, ११२, १: ३. १.१५[r]: २७. २: ५. ६०. १; ६९. ३: ८, १९,२१: मा ७, ३: का ७, १. ३: †मै ४. ११. २ : १४. ११: काठ ४०, १४†: शौ ७, ५२, ३†; ईळे ऋ १, १, १: ४४, ४; ३,२७, १२: ५५,१२: ४, ३, ९[r]; ३३,१; ६, १६,४. ८, ३१, १४; ४३,[२४:

a) तिः प्र. उसं. (पाउ ४,१८०) तत्स्वरश्च ।

b) सपा. ऋ १०,९१,५ केतवः इति पाभे. ।

c) कर्तरि शः प्र. उसं. (पा ३,१.१३८) तत्स्वरश्च ।

d) विप. (मित्रावरुण-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

e) सपा. गोब्रा १,२,८ हीयमाणः इति पाभे. ।

f) सपा. मा १०,१९ माश ५,४,२,५ रीयमाणाः इति, तै १,८,१४,२ संचरन्तीः इति च पाभे. ।

g) विशेषः पृ ७५३ *l* टि. द्र. ।

h) गस. भावे घञन्ते थादि-स्वरः ।

i) पाभे. पृ७५३ *m* टि. द्र. । j) पाभे. पृ७५३ *n* टि. द्र. ।

k) विप. (इन्दु-) । केन्यः प्र. तत्स्वरश्च ।

l) धा. गतौ वृत्तिः (तु. √भज्, √एज् इति) ।

m) <√यज् वा <√इष (इच्छायाम्) वेति WAG १,४०८ । स्वरार्थं पृ ८५० *k* टि. द्र. ।

n) पाठे? ई इति शोधः द्र. पादादित्वात् स्वरोपपत्तेः ।

o) लेटि प्रपु१ त-लोपे रूपम् ।

p) सीम्˙˙ईडते इति पाठस्य स्थाने सपा. कौ १,५९ सम्˙˙इन्धते इति पाभे. ।

q) °स्वेडते (°=त्वा, ई°) इति RW. पाठस्य स्थाने शंपा. मात. °स्वेनु त प्रभृ. पाभे. । r) तु. सस्थ. टि. आ ।

८८, ६]; १०, २०, २; ३५, १०; ८५,२१ª: मा १३, ४३; का १४, ८,६: तै १,८,२२,३†; ४,२,१०, २: ३, १३, ३†; मै २,१३,७†; १७:४,१०,५†; काठ ११,१२†; १६,१७; †कौ २. ८९३: ३, ३, ४; †जै २, १, १०: ४, १, ८; १३, ८: शौ ४, २३, ३: ५,१,८: १४, २, १९; पै ४, ३३, ८; ९, १,४ᵇ: १८,८,१०:१०,३†: १९, १,१०: १२; २०,७,५; ३०,२†: ४०, ७: †ईळामहे ऋ १०, ८५, २२: शौ १४, २, ३३: ईळिन्व >ष्वाᶜ ऋ ८, २३, १: कौ १, ९३: १०३†: जै १,१०,३; ११, ७†; †ईळिन्व ऋ ६, ६०, १०; ८, ४३, २२; ७१, १४: कौ १, ८९:२,४९९: जै १,५,५:३,५७, ११: ४,१४,८: शौ २०, १०३, १; ईडेथामᵈ मै १, ३, ३: ४, ५, ८: ईडत ऋ १, ९६, ३: ईळामहै ऋ १०, ५३, २: तै २.५,९,६: एट्ट मै ४, २,३: एट्ट ऋ ३, ४८, ३: मै ४, २, ३ᵉ¶: काठ ६.१ᵉ¶: क३,१२ᵉ¶: ईडीत ऋ ५,१७,१; २१,४;६,१६,४६. ईडेᵉ ऋ ४,३,३. ईडयेथाम् क २, १७ᵈ.

ईळ्ᶠ– ईळा ऋ ८,३९,१.

ईडान,ना– -नः मा २७, १४; का २९, २, ४: तै ४, १, ८, १; मै २,१२, ६; काठ १८, १७ᵍ; क २९, ५; शौ ५, २७, ४ᵇ: –नया ऋ ८, १०२, २: –ना ऋ ५, २८, १: –नाः ऋ १०, ६६, १४: –नाय ऋ २.६,६.

ईडित,ता– -तः ऋ १,१३,४:१३९, ७: १४२, ४; २, ३, ३: ७,७,३: १०, १५, १२: ६९, ४:८४,४ʰ: खि ३, १६,७; ४, ५, ११: ५,७, १.४: मा २,३ⁱ: १९,६६†:२०, ३८: २१, ३२; का २, १, ४ⁱ: २१, ४, १६†: २२, ४, ३: २३, ४, ४: तै १, १, ११, १; २ⁱ: २, ६, १२, ५†: मै १, १, १२ⁱ: ३, ११, १: २: ४, १३, ७†; काठ १, ११ⁱ: १५, १३: ३५, २ⁱ: ३८.६ⁱ: क १, ११ⁱ: ४८.३ⁱ: कौ २, ७००†: जै ३, ५७,४†: शौ १८, ३, ४२†; पै ४, १२, ४†: –तम् मा २८,३: २६: का ३०, १, ३: ३,३: काठ १, ११: २२, १५ʲ: –ता ऋ ५, ५, ७: १०, ७८, ४; मै १, ३, १: काठ ३, ९: क २, १६; –ताः तै ३,५,६, ३ᵏ: –ते मै १, ३,३ˡ: ४, ५,४ˡ; क २.१७ˡ.

ईडितव्य– -व्यैः काठ ३९, २ᵉ: क ४८.३ᵉ

ईडितृᵐ– -ता शौ ४,३१,४‡ⁿ.

ईडेन्यⁿ– -न्यः ऋ १, ७९,[५: १०, ११८, ३]: १४६, ५: ३, २७, १३: ५, १, ९:७, ९,४:९,५,३: मा १५, ३६: का १६, ५, १८; तै ४, ४, ४, ५: मै २, १३, ८· काठ ३९, १५: कौ २, ८८८: ९१२: जै ४, १३, ३: १५, ५: शौ २०, १०२, १: –न्यम् ऋ ५, १४,५: ७, २, ३: १०, ४६, ९: मा २८, २६: का ३०, ३, ३: –न्याः तै २, ५: ९, ३¶: –न्यान् तै २, ५, ९, ६.

ईड्यᵒ– -०ड्य काठ १८, २०†ᵖ. –ड्यः ऋ १, १,२: १२,३: ७५,

ª) सपा. आपमं १,१०,२ ईट्टे! इति पाभे. ।

ᵇ) सपा. ईळे<>ईडानः इति पाभे. ।

ᶜ) इडागमः (पा ७,२,७८)। स्वरार्थे पृ ८५०k टि. द्र.।

ᵈ) =सपा. माश्रौ २. ३,३,९ । मा ६,३५ का ६,८,६ तै १,४,१,२ काठ ३,१०, माश ३,९,४,१८ तु वीडयेथाम् इति, क २,१७ ईडयेथाम् इति च पाभे. ।

ᵉ) लिटि प्रपु१ रूपम् । प्र. स्वरः ।

ᶠ) =स्तुति- । भावे क्विप् प्र. तत्स्वरश्च ।

ᵍ) °ना इति पाठे? यनि. शोधः । (तु. सपा. क.) ।

ʰ) सपा. ईडितः (तु. सा. W. एकतरः मूको. च) <>ईडितृ->–ता इति पाभे. ।

ⁱ) इ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. मा २०, ३८ प्रमृ.) ।

ʲ) सपा. तै ४, ७,१५,४ मै ३, १६,५ वीडितम् इति, शौ ४,२७,७ विदितम् इति च पाभे. ।

ᵏ) °तः इति भा. ! ।

ˡ) =सपा. माश्रौ २. ३,३,९। मा ६. ३५ का ६, ८,६ माश ३, ९,४,१८ वीड्वी इति, तै १. ४,१.२ तु वीडू इति, काठ ३. १० वीते इति च पाभे. ।

ᵐ) विप. (मन्यु-) । तृजन्ते चित्-स्वरः ।

ⁿ) विप. (अग्नि-, सोम-) । केन्यः प्र. (पा ३, ४, १४) तत्स्वरश्च ।

ᵒ) विप. । कर्मणि ण्यति प्र. आद्युदात्तः (पा ६,१,२१४)।

ᵖ) सपा. ऋ ३, १७,४ मै ४, १३,५ तैब्रा ३, ६,९,१ ईड्यम् इति पाभे. (मुद्रणगते वा. सत्यपि बिन्दुच्युतेः ऋ. पाठमेवाशङ्कामह इति) ।

[४: ९,६६,१]: १८८, ३: २,१, ४: ३, २,२: ५,९: २७,[४ (२, ७, ४) ७. १५, १०]: २९, २: ४, ७.[१: ८, ६०, ३]: २४, २: ५, २२, १ : ६, १, २ : ? , ७: १३,१;८,११,[१(१०,२१,६)]: १०: ३४,८: १०,१००,९:११०. ३: खि ५,५, १०: मा ३, १५†: ४, १६†: १५, २६†: १७,५५: २१, १४: २९, ३: २८†: ३३, ६†: का ३, ३,५†:४,५,८†:१६, ५, ७†: १८, ५, ६: २३, २,३: ३१, १, ३ : ४, ४†: ३२, १, ३†: तै †१, १,१४, ८: ?,३,२: ५, ५ ,१: ४, ६, ३, ?: ५, १, ११, १¶: ६, १, ४, ७†: मै †१, २, ३: ५, १: ५[?]: ¶: २, १०, ५: ३, ३, ८: ११, ११: १३, ?: ४, ११, ५: †१३, ३: ६: काठ २, ४: १४†: ६, ९†: ७,१३: १६,२०†: १८,३:?०†: ३८, १०: ३९, १३†: ४६, ?: क १, १६†; ४, ८†: २८, ३: †कौ १, ७९: २, १४?: ८८६: †जै १,८, ७: ३, १४, ३: ४, १३, १: २८, ८: शौ २, ?, १: ५, १२, ३†: ६, ९८, १:११०, १†: ८, ३, ?६†: १९, ५९, १†: २०, १०१, ३†: पै १, ७, १: १६, ८, ४†: १९,१?, १३: ४७, ४†: २०, ५४, १०†: –ध्यम् ऋ ३, ५, ६: ९,८:१७, ४[a]: २९, ७: ४, ७, २: ६,१५, २: ८: ४९, २: ८, २३, २०: ४४, ७: ७४, ५: १०, ३०, ८: मा २८, २६: का ३०, ३,३: मै ४, १३, ५†[a]: कौ २,९१८†: जै ४, १६, १†: शौ १७, १,१–५: पै १३, ५, २०: १८,३०, १-३: –ध्यस्य ऋ १०,३,४: –ध्याः ऋ १,१४, ८: मै १,५,११¶: काठ ८, १३[?]¶: क ८,१[?]¶: –ध्यान् ऋ १०, ५३, २: काठ ८,१३¶: क ८,१¶: –ध्याय ऋ ३, ५४, १.

ईति– √ई द्र.

ई-दृक्ष–, ई-दृश–, ई-दृश– इदम्- द्र.

ईध्र[b]–

ईध्रिय[c]– -याय तै ४,५,७,२[d]

ईध्रय[c]– -ध्रयाय का १७, ६,२[d].

ईप्सत्–, ईप्समान– √आप् द्र.

ईम् ई द्र.

ईयुँ–, ईय-चक्षस्–, ईयमान– √ई द्र.

ईयान्–, ईयिवस्–, ईयुषी– √इ द्र.

√ईर्[f], >ईरि, ‡ईरमे[g] कौ १,४२८; २,७१४: जै १, ४?, ?: ३,५९, ६: †ईरत ऋ ४, ४, ६: तै १, २,१४, ३: मै ४, ११, ५: काठ ६,११. ईर्ते ऋ ९,९१,३: तै ¶५, १,५, १: ३, १, ३; ईरते ऋ १, ५२, १: १०, ९९, ४: कौ १,३७७†; जै १,३९,८†: शौ १९, ८,६[h]; ईरते ऋ १, १४०, ५: ५, ६३, ४: ८, ४३, [(३, १५)१ (९, ६७,१७)]:९,६९, ६[i]: काठ २६, १¶: कौ २, ७?०†[i]: जै ३, ५९, १२†[i]: शौ १९, ३८, ?; पै २०, २१, ४: ईरताम् ऋ ४, ८,७. ईरयति मै ४, ४, १¶: ईरयन्ति ऋ ५, ?०, ?: ईरय,>या ऋ ८, ९६,११: ९,९६, ८: पै १५, २०,३[j]: ऐरयत,>ता ऋ ८, १९,२४: तै १,७,१?,२[k]: मै १, १०,३[k]. काठ९,६[k]: ऐरयत काठ १४,३: ४५, १?: शौ ७,३, १[k]; पै २०, २, १[l]: ऐरयत ऋ २, १७, १: ८, ६, १३ : ७४, ३; तै २, ३ , १०, ? . कौ २, ९१६†, जै ४, १५,९†, ऐरयत खि ५,५,११ : मै २, ३,४: काठ ११, ७ क ८, ९: ऐरयन्त ऋ १०, १३९,३: तै २, ४,५,?:३, १, ९, ?: ७, ४, १७, १†: काठ ३०, ६: ४४, ६†: शौ २, १, ५: ६, ४७, ३: पै २, ६, ३; ४, ?७, १: १९, ५१, ७†: ऐरयन मा १, २८: का १, ९, ६: तै १,

[a]) पाभे ईते पृ ८५३ *p* टि. द्र.।

[b]) भाप. (दीप्ति-) । व्यु. ? < √इन्ध इति पाउ २,२६।

[c]) विप. (रुद्र-)। मत्वर्थीयः घ > इयः प्र. उसं. (पा ४,४,१२८) तत्स्वरस्च ।

[d]) सपा. ईध्रियाय <> ईध्रयाय <> वीध्रियाय <> वीध्रयाय इति पाभे. ।

[e]) यत् प्र. यना. स्वरश्चेतिमात्रं पूर्वाद् विशेषः ।

[f]) धा. प्रेरणे, दीप्तौ प्रभृ. वृत्तिरिति । = √इर् < √ऋ इति WAG १,२२८c [g]) पाभे. ऋते पृ ८५१ *j* टि. द्र. ।

[h]) सा. प्रपु१ मन्वानश्चिन्त्यः ।

[i]) तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. परि···ईरते इति ।

[j]) सपा. ऋ २,३३,४ उद्···अर्पय इति पाभे. ।

[k]) सपा. ऐरयत <> ऐरयत इति पाभे. ।

[l]) °यन्त इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको., सपा. काठ १४,३ च)।

१, ९, ३: मै १,१,१०; काठ १, ९: क १, ९; पै ५, १३, ३; †ऐरय: ऋ २, १७, ३: ८, ८९, ⌊(१, ७, ३) ७ (९, १०७, ७)⌋; तै १, ६, १२, २: काठ ८, १६; कौ २, ७८१: शौ ७, ५७, २: ऐरयेथाम् ऋ १, १५७, ५. ⌊तु. √ईल्⌋.

ईर- -र: पै १३,५,५.

ईरयन- -यन ऋ ९, ६२, ⌊(३५, २)२६⌋: ७३,२: ८७,१८: ५६; १०,६५,२: †कौ २,१२६:१५७: ५७९: †जै ३, १३, २: १५,५; ८७, ५: शौ ४, १५,११[a]: पै ५, ७, १०: -यन्त: मै ४,५,६¶.

ईरयन्ती- -न्ती ऋ १, ११३, १२: ३,६१,२:७,७९,५.

ईरयध्यै[b] ऋ ४,२,१

ईरा[c]- -रया[d] मै २, ७, १२: पै २, २२,८.

१ईर्म[e]- -†र्मा[f] ऋ ४.२७, ⌊(२६, ७) २⌋:५,६२,२: ७३,३:८,२२, ८: १०, ८८,६: मै ४, १४,१०: शौ २०,९४,६.

†ईर्मा(र्म-अ)न्त[g]- -न्तास: ऋ १, १६३, १०: मा २९,११; का ३१,३, १०: तै ४,६,७,४: काठ ४६,३.

ईर्य-

ईर्य-ता- -तायै मा ३०, ८; का ३४,१,८.

√ईर्त्स्य √ऋध् द्र.

२ईर्म[h]- -र्माभ्याम् शौ १०, १०, २१: पै १६.१०९.१: -र्मौ मै ४, २, १३¶.

√ईर्ष्य्

ईर्ष्य(त्)न्ती- -न्ती: तै २, ३, ५, १¶.

ईर्ष्या- -र्ष्या मै ३,३,१¶: पै १९, ३६, ६‡[i]: -र्ष्याम् शौ ६, १८, ३:७, ४७,१:७८,३: पै १९, ७, १५: -र्ष्याया: शौ ६,१८,१:७, ४६,१: पै १९, ७,१४: २० १३, २. [तु. *इर्ग्स- इरस्या- यद्र.]

ईर्ष्यु:- -र्ष्यो: शौ ६,१८,२: पै १९, ७,१६.

√ईल्>ईलि, ¶ईलयन्ति तै ६, ४, २,६: मै ४, ७,१ ⌊तु. √ईर्⌋.

ईल-मृड[j]- -डा: क २७, ६.

†ईवत्[k]- -वत् ऋ ५,४९, ५; ८, ४६, २१: -वत: ऋ ४, १५, ५; ४३, ३:७, २३, १; ५६, १८; कौ १, ३३०; जै १, ३४, ८: शौ २०, १२, १; -वते ऋ ४, ४, ६; ६, ७३,२: तै १, २, १४, ३; मै ४, ११, ५; काठ ४, १६; ६, ११; शौ २०, ९०, २.

√ईश्, ईशे[l] ऋ ५, ८७, ३ ; ईशे मै ४, ८,१ ¶[m]: ईशे[n] ऋ ३,१६, १[२]: ४, २१, ४: ६, १८, ११: ७, ४, ६[२]: ३७, ७: १०१, २ : ८,२५, २०[२]: ६८, ७: ७१, २; ⌊(१, ५, २: २४, ३) १३ (१०, ९,५)⌋: ९, ७४, ३: १०, ६,३[१]; १२१, ३: १८५, २: खि ५, ४, ८: †मा ३,३२:२०,३२$:२३, ३ : २५, ११ : †का ३,३, २४: २२, ३, १$: २५, २, १: २७, १०, २: तै ३, १, ४,१¶; ४,१, ८, ४†: ६,२,१,१¶: ७,५,१६, १†: मै १, ५, ४†: ९, ५:¶[o]: २,१३, २३†: ३,१२,१७†: ४, १४, १: †काठ ४, १६; ७, २; ४०, १: कौ १, ६०[२]†: ३, ४, ११: ४, ६: जै १, ६, ६[२]†: २,

---

[a]) सा. आ इत्यनेन व्यवहितेन संयोजुकश्चिन्त्य: (तु. पृ ६१२ c[2] टि.)।

[b]) तुमर्थीय: अध्यै प्र. तत्स्वरश्च।   [c]) =इरा-।

[d]) ॰रयान: इति पाठे? यनि. शोध: (तु. BC.)।

[e]) =प्रेरक-। मक् प्र. उसं. (पाउ १,१४५) तत्स्वरश्च।

[f]) नृ१ डाजादेश:। वा. किवि. =इह इति या ⌊५,२५⌋ स्क. PW. PG ⌊१,२१२⌋, =क्षिप्रम् इति MVG ⌊६४३b⌋ ORN. (वैतु. वें. सा. अन्यथा व्याचक्षाणौ चिन्त्यौ)।

[g]) विप. (सूर्याऽश्व- ⌊समीरितान्त- =विरलान्त- इति या ४,१३ सा. प्रभृ., पक्षान्तरे या. पृथ्वन्त- इति⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[h]) नाप. (बाहु- इति या ५,२५ ⌊तु. WAG १,२२ d BDG २,१,१७४⌋)। व्यु.? <√ईर् इति या.।

[i]) सपा. ऋ १०, १६४, ४ अभिद्रोहम् इति, शौ ६, ४५,३ मृषा इति च पाभे.।

[j]) पाठ:? पाभे. (तु. पृ ७५७ d टि.) अनु पूप. <√ईड्, ल इति।

[k]) विप. (अग्नि-, जन- प्रभृ.)। ई-(<इदम्-)+ मतुप् प्र. इत्यर्वाचां संप्रदाय: (तु. कीवत्- प्रभृ.), प्राञ्चस्तु पूर्वभाग: ई-(√ई ⌊गतौ⌋)।

[l]) अनुदात्तेत्त्वात् लसा. निघाते धा. स्वर:।

[m]) सपा. ईशे<> ईशे इति पाभे.।

[n]) प्रपु१ त-लोप: (पा ७, १,४१)। शिष्टम् l टि. द्र.।

[o]) तु. पा ८, १, ६५: वैतु. एक: मूको. सात. च स्वररहित: पाठ:।

४, ९: ७, २: शौ २, ३४, १: ४, २, १†: ११, ५ᶜ: ६, २८, ३†: ११, ६, २३: २४: १३, ३, २४†: ईशे ऋ १, ७१, ९: १००, ७; १२७, ७: ३, १६, १: ५१, ४: ४, १२, ३; ५५, ८; ६, ५१, ८; ७, ११, ४: ७५, ५: १०, ८६, [१६ᶜ: १७ᶜ]: ८९, १०: खिमा ३, ८; ¶मै २, १, ६, ३; ८, ५: ४, ९, १; ३, ३, ११, २६; ५, २, १, ५: ६, ५, ७, २: ¶मै १, ५, ९, ३, ८ᶜ: ३, ७, ९: ¶काठ ७, १३†, ९, १३: ११, ४: ५, ६ᶜ: १०; १९, १२; २३, ६: २४, ८: २५, १; ३०, १ᵃ, ८६; ४१, १३†; ¶क ५, २†: ३१, २: ३८, १; ४: ४६, ४ᵃ: कौ १, ३०†; जै १, ६, ३†: शौ ६, ८६, २ᶜ: ८, २, २३ᶜ: ११, २, २७: २०, १२६, १६ᶜ, १७ᶜ: पै २, ५२, २: ३, २५, ४: ३२, २: ४, १, ३†: १६, ५, ३: २३, ३: ४: १०६, ५, १०, ६, ११ᶜ; २७, १३†, २०, २, ७: ईशाते ¶मै २, ५, ४: ४, ३, ७: ५, २ᶜ: ¶काठ ११, १०: १३, ७: ८: पै ५, २२, ४: ईशाते शौ ५, २१, ७: ईशते ऋ ७, ६६, ३: ८, ४७, ४: ¶तै २, ४, १०, २: ३, १, ९, ६: ३, ४, १: ¶मै १, ४, ६; ४, १, १४, ३, ९, ¶काठ ७, १०; ८, ११: ११, २: ८: १०ᶜ: १३, २: ३०, ४; ३७, १४: ¶क ५, ९; ७, ८: ४६, ७: कौ २, ७०३†: जै ३, ४६, ९†: ईशिरेᵇ ऋ १०, ६३, ८; †ईशिषेᶜ ऋ १, ९१, २३: २, २४, १: ३६, १: ४, ३२, ७: ६, ४१, ३: ८, ४४, १८: मा ३४, २३: का ३३, १, १७: मै ४, ८, १¶ᵈ, काठ ४०, १४: कौ २, ८८३; ईशिषेᶜ ऋ १, १७०, [५: ८, ७१, ८]: २, १, ६: ७: १०: १३, ६: १६, ६; ४, ५२, ३: ५, ८१, ५: ८, ३७, ५: ६४, ३: ८२, [७-९]: १०, ४४, ५: खि १, १, २: ५, ५: मा १७, ७१: का १८, ६, ७: तै १, ३, १४, १†: ३, ३, ८, ३: ४, ६, ५, ३: मै १, ५, १४: काठ ७, ३: १८, ४: क २८, ४: †कौ १, १३२: २, ७०३, १००७: †जै १, १४, ८: ३, ८, १: शौ २, २८, ३: ६, ७९, ३, †२०, ९३, ३: ९४, ५: पै १, १२, ४: ८, ३, २: १९, १३, १९: ईशेᵉ ऋ ४, २०, ८; ६, १९, १०: ईशाथे शौ ४, २८, १-६: ईशाथे ऋ ७, [९७-९८, १०]: †शौ २०, १७, १२: ८७, ७ पै ४, ३७, १, ईशिध्वे शौ ४, २७, ६, पै ४, ३५, ६: ईशे ऋ २, २८, ६, ३, १८, ३: मै ४, ८, १¶, शौ ३, १५, ३† : ईशे ऋ १, १६५, १०: मै ४, ११, ३†: काठ ९, १८†: ३०, १¶: क ४६, ४¶; ईश्महे शौ ४, ३८, ५: †ईशतेᶠ ऋ १०, ८३, ३: शौ २०, १७, ३: ईशतᶠ खि ५, ११, ३: शौ २०, १२७, १३ᵍ : ईशान, >ताᶠ ऋ १, २३, [९: २, २३, १०: ७, ९४, ७: १०, २५, ७]; ३६, १६; २, ७, २: ४२, [३: ६, २८, ७]: ६, ७१, [३: ७५, १०]: ८, ४८, १४; ९, ८५, ८: १०, ३६, २: मा १, १: २९, ४७†: †३३, ६९: ८४: का १, १, २: †३२, ५, १५: ६, १५: तै १, १, १, १: ४, २४, १†: ४, ३, ३, ४†: मै १, १, १: ३, ७०†: ३, १६, ३†, ४, १, १: काठ १, १: ४, १०†: ३०, १०: ३५, ५: ४६, १†: क १, १: ३, ८†: ४६, ८: ४८, ३: शौ ४, २१, ७†: ७, ३९, १: १९, ४७, ६ᵃ: पै ६, २०, ६ᵃ: १५, १०, १०†: ईशानेᶠ पै २, २०, ३: ¶ईशानं काठ २५, १: क ३८, ४: ईशानामᵍ पै १, ७७, ३: ¶ईशै काठ २५, १: क ३८, ४: गेशाᶠ मै १, ६, ८¶: †ईशान ऋ ४, १५, ५: ८, २३, १५: कौ १, १०४: जै १, ११, ८: †ईशीय ऋ ७, ३२, १८: ८, १४, १, १० ३३, ८: कौ १, १२२: ३१०: २, ११४६: ११८४: जै १, १३, ८: ३२, ८: शौ २०, २७, १: ८२, १.

ईशिर ऋ ५, ५८, १: १०, ५६, ४: ¶ईशिध्यते काठ २५, १: क ३८, ४.

ईश[j]– ईशा मा ४०, १; का ४०, १, १.

१ई(शा>)शाᵏ– -शा शौ ११, १०.

ᵃ) पामे. कृते पृ ८५५ m टि. द्र. ।

ᵇ) लोटि प्रपु३ अस्य इरे आदेशः (तु. शृण्विरे, हिन्विरे प्रमृ.) । ᶜ) सार्वधातुकस्य इडागमः (पा ७, २, ७७) ।

ᵈ) तु. सात., वैतु. ष्व इति Sch. ? ।

ᵉ) मपु१ इड्-अभावः उसं. (पा ७, २, ७७ [तु. वैतु. सा. प्रभृ.: वैतु. सा. प्रथमे स्थले <√ईश् इति]) ।

ᶠ) लोटि प्रपु१ रूपम् । ᵍ) शंपा. सात. स्वरहीनः पाठः ।

ʰ) लोटि प्रपु३ रूपम् । ⁱ) लङि त-लोपे प्रपु१ रूपम् ।

ʲ) नाप. । कर्तरि क्विबन्ते धा. स्वरः ।

ᵏ) विप. (जाया-) । कर्तरि अच् प्र. चित्स्वरश्च ।

१७; पै १६,८६,७.

२ईशा– -शाम् शौ ११, ११,२५[२]: १२, २: १५,१,५; पै १८, २७, ५: –शायाः[a] मै ३, ११, ५: –शायै[a] मा २१, ५७: का २३, ६,१०.

१ईशान, ना[b]– -नः ऋ १, ५,[१० (१०,१५२,५)]; ७,[८: ८४,७]: ६१,६: १२;१५:७९,[४: ७,१५, ११]:१७५, ४: २,२४, १५: ४, १६,११: ७,१,१६: ८,६,[४१: ४०,५]:१७,९[c]:९,६१,६:१०१, ५: १०, ७३,८: ९०,२[d]: खिमा ३,५: मा १५,३५†: १६. ५३: ३१,२४[d]: का १६.५.१७†:१७, ८,७: ३५. १,२†[d]: तै २, ४,५, १; ८, २: ३,३,११,२: ५,५,२: ४, ४, ४, ५†:५,१०,५: मै १, ३, २६:२,९,९: १३, ८†: †४, १२, १: ३: काठ ८,१६†: १३, १६: १७, १६: २१, १४: †कौ १,९९: ३८९: २, १३९: २२३, ६९१: ९११: ९७२: ३,४, ६[d]: †जै १, ११,३: ४३,९ २,३,९[d]: ३,१३, १५: २०, ७: ५६, १८: ४, १५, ४: शौ ३, १५,१: ६,२, ३; ७,१८-१९,१: ९,२,३: ११, ९,१६: ११,४: १५,१,५: ५,२: ५:७; ९: ११: १३: १५[२]: १४, १९: †२०, ५, ३: ३५,६: १२; १५; ६३, ४; ६९, ८: ७०, १४: १३७, ५; पै १, ३९, ४; –नम् ऋ १, ५,[२: २४, ३ (८, ७१, १३; १०,९,५)]:११,[८:८,७६, १]: ८९,५: ६, ५४,[८: ८, २६, २२;४६,६: ५३,१]: ५५,२:७,६, ४:९१,८: ३२,२२[२]:८, १,२०: ३२, १४: ६८, ६: ६१, ४: खि ३, ५, १: मा २५, १८†: २७, ३५[२]†: ३९, ८: का २७, ११, ५†: २९, ५, ४[२]†: ३०, ६, १: †तै २,४,१४, २; ३: ३.५,११, ३: †मै २, १३,९[२]; ४.१०,३: काठ ४०, ५: †कौ १, २३३[२]: ३०७: २.३०[२]: ९१: ६०२: †जै १, २५, १[२]: ३२,५: ३, ४, १[२]: ९, ५: शौ १५. ५. १४: †२०. ६८, १२. १२१. १[२]: पै १,९६, ३: –ना ऋ १, ११३,७: ते ४, ४, १२, ५[२]: मै ३. १६, ४[२]: –नाः ऋ १०, ९. ५: मै ४, ९, २७†: जै ४, २९, १†: शौ १, ५, ४†: ४,२७,४: ५: ११,११, २६: –नात् ऋ २,३३,९:–नाम् शौ ४, १७, १: –नाय मा २४, २८: का २६, ६, ३: मै ३. १४, १०: –नासः ऋ ७, ८३, ५.

२†ईशान्,ना[e]– -नः ऋ १,८७,४: १३०, ९: ९, ८६, ३७: कौ २, ३०७: जै ३, २५, ३: –नम् ऋ ७, ९, [७: ८,७]: ९,६२, २९: –नयोः ऋ ७, ९०, ५: –ना ऋ ५,७१, [२: ७, ९४, २; ९,१९, २]:७, ८२, ४: कौ २, २६७; ३५१; जै ३,२२, १४; २९, ८; ४, १८, ४: –नाम् खि २, ६[f], २३§: –नाय ऋ ७, ९०, २; मै ४,१४, २: –नासः ऋ १, ७३, ९:१२२, १३: १२९, २: १४१, ३: ७,१,१७: ९०,६: १०, ६३, [१७:६४,१७].

३ईशान,ना[f]– -नः काठ ११,९:३९, १५†: क २७, ६: पै १,४१,२: ९३, २![g]: २,३६,५:१४,१,१३: १६,१६,३: ८३,६: १३९, २०: १८, २७,५: १९, १, ५: ४८, १७: ४९, १: २०,७,३: ४७,३: –नम् काठ १५, १२†: ३९, १०[२]:†[२]: –ना काठ २२, १४[२]: पै ११, १, ५, १५, २, ३: ४: –नाः पै ४, ३५,४: ५: ७, १८, ४†[c]: ८,११,७:८![h]: १४,१,८: –नाम् पै ५, २३, १: –ने पै १, ९१, ४: –नेन पै ४, ३०, ९: १५,१७,३: –नौ पै ५,२२,८.

†ईशान-कृत्[i]– -कृत् ऋ १,२१, ११: २, १७,४: ६, १८, ३: ८, ५२,[५: ३५, ५]: ९०, २, खि ३,४,५: कौ २,८४३: जै ४: १८, १०; शौ २०, ३५, ११: १०४,४: –कृतः ऋ १,६४,५.

ईश्वर,रा[j]– -रः खिमा ३३,१८![k]: ¶तै १,५,२,२:२,१,२,६:२,४,

[a]) सपा. °याः<>°यै(मै. पपा. च) इति पाभे.।

[b]) विप. च नाप. च। शानजन्ते लसा. निघाते धा. स्वरः।

[c]) सपा. ईशानः<>ईशानाः इति पाभे.।

[d]) सपा. ईशानः(तैआ ३,१२,१ श्वे ३,१५ च)<>ईश्वरः इति पाभे.। [e]) विप.। चानशन्ते चित्स्वरः।

[f]) स्वराङ्काऽभावात् पृथङ् निर्देशः द्र.।

[g]) पाठे ? वा. द्वि१ आकाङ्क्षितत्वाद् °नम् इति शोधः (°नस्> °नव्> °नो इति वावि. द्र. [तु. सस्थ. टि. ?कामपराजिताम्]) ।

[h]) °नः इति पाठे ? यनि. शोधः द्र.।

[i]) विप. (इन्द्र-, मरुत्-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) विप. च नाप. च। वरच् प्र. (पा ३, २, १७५) चित्स्वरश्च।

[k]) ई° इति स्वरे ? यनि. शोधः द्र.।

७:१०,२:५:६,५,६:७,१: ३,१, ३,१·८,३:४,३.४:५,१,५,६:२, १.२:८,२:७:४,४,३:१२,३: ७, ६,८: ६,२.५,५: ¶मैं २.४, ५: ३,१,६:२,२: ८,७:८:६.२:७,८: ८,७:९,३: ४: ४, १. ९: ७, ६: ¶काठ ७, ६: ११, २: ५[२]: २२. ११[२]: २६,१:२: २७, १०: ३०. १:९: ३१, ७: ३२. ५: ३४. २: ३७. १४: ¶क ३५,५[२]: ४०,४: ५: ४६.४: गौ ११. ६.१: १०: १९, ६,४‡[a]: ५३.८: पै ९, ५, ४‡[a]: १२,२,८:१६,२१.१:१०: -¶रम् नै १,७,६,६: ३, १. १, ३. काठ ६.३: ९,१६: क ४,२: -रया खि ४, ८, ८[b]: -¶रा नै २.१,१,१: ६.६,४,६: मैं २. ३, १: ५,१[२]: काठ २३,९: २६,२: क ३६,६:४०,५· -राः ¶नै ३, १, ८, २: २, ४. ५: ८, ९. ७: ¶मैं ३,८,२: ९,३: ४.८,१: ८, २: १०: ¶काठ ७,७:८: २८.४: ३०. ५: क ४४, ४¶: शौ ७, १०७,१: पै २०,३९.८: -¶राणि मैं ३,६,६; ४, ३, ६: काठ १२, ५:८: २४,४: क ३७, ५: -¶री नै २,६,७,१: मैं ३,२,३.

ईश्वरी[c]- -रीम् खि २, ६,९.

ऐश्वर्य[d]- -र्ये मैं ३, ९,१[२]¶.

ऐश्वरी- -रीम् खि २.६[२],२३.

?ईशाते पै १९, ५, १२.

ईश्-, १-२ईशा-, १ईशान-, २ईशान-, ३ईशान-, ईश्वर-, √ईश् द्र.

?ईश्वे पै १९,३८,११.

√ईष् (गतिहिंसयोः), >ईषि, ईषते ऋ १,१२४.६: ईषते ऋ १,८४, १७: १४१.८: ५, ३४,४[२]: ८३, २: ८. ८५. ३७: पै ७, ८, ७: ईषन्ते ऋ ६,६६. ४: ऐषन्त ऋ १,१२६,५.

ईषे[e] ऋ १०,८९,३: ईषिरे[f] शौ ५, १९,३[g]:१९,२२.२: पै९,१८,९.

ईषत्- -षतः[h] नै १. १.११,१: काठ १.११.

ईषमाण- -णः ऋ १, १७१. ४: मैं १, १.१२[h]: शौ २०, १२७, २: -णाः ऋ ४,५८,६: ८. ९६, ७: खि ५, ८, २: मा १७. ९४†: का १९, १.७†: ¶काठ २३, ८; २८, २: ३: ६: ४०, ७†: ¶क ३६, ५; ४४, २: ३: ६: कौ १, ३२४†: जै १, ३४, २†; शौ २०,१२७,२†; पै ८, १३, ६†.

ईषय(त>)न्ती- -न्तीम् मैं ३,१६,८.

ई(प>)पा[i]- -षा ऋ ३,५३, १७; ८,५,२९: शौ ८,८,२३: पै १६, ३१,४: ५३,१६[j]; -षाम् मैं २, १, ११: ७, १२: काठ १०, ५: -षे शौ ११,३,९[j].

ईषा-युग[k]- -गोभ्यः शौ २,८, ४.

ईर्षा(क>)का- -कया मैं ३, ६, ३¶[l].

उ

उ, ऊ[m] ऋ १, २४,[८; ७. ४४, ५]; २६,[५:४५,५: २, ६,१];२७,४; २८,[१-४]; ३०, २:४:३२, १५: ३४. ६: ३५. ६: ३६, १३; ३७, १०: ४६, १०[२]; ११: ५०, १: ५२, ८: ५३, १: ६१, १-४:[५ (९, ९६, ६)]:६-८:११-१५:६२, ६: ७७, २: ७८, २-४; ८०, ७; ८२. ६: ९१, १८: ९२,१: ९३, [६: ७, ९९, ४]; १०५,२;१०८, ४: ११०, १[२]: ११२.[१-२३]; ११३, २: ४: ५: ११; ११६, १७: १२३. ८: १२४,[५: १०, ११०. ४]; १३८. ४: १३९,४; १४०, ४: ११: १४३, ७;१४४, ४: १५६,१-३; १६१, १; १६२, २१;१६४,५:१६:१९[२]:२६:२८: ४८: १६८. १: १७३. ५:१७८, ५;१७९,१:२: १८१, १; १८४, [२(४, १४, ४)]: १९१,[५: ७, ७८,३]; २, २. ५: ३,११: ५,३: ८, ३: ९, २: १८, २; २०, ४: २४, ६: ११[२]: २९. ३: ३०, ६: ३३, ९: ३५, ३: १०: १५;३७, २[२]: ३८,[१: ६,७१. १: ४: ७, ३८, १]; ४१. ७: ३, १, ३; २, ९[२]: ४,[१०: ७, २. १०]: ५, २: ३: ९; ८, ४: २०, २: २४, ४: २९, ८; ३१, ७; ११; ३२,

a) पाभे. कृते पृ ८५७ *d* टि. द्र.।

b) भृयान मूको. पाभे. (तु. संस्कर्तुः टि.)।

c) स्त्री. ङीन् प्र. उसं. (पा ४,१,७३) निस्वरश्च।

d) भावे ष्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च। e) लिटि प्रपु१ रूपं द्र.।

f) चित्स्वरः। g) तु. पपा. शंपा.; वैनु. RW. मात. स्वर-रहितः पाठः। h) सपा. ईषतः <> ईषमाणः इति पाभे.।

i) नाप. (रथावयव-विशेष-)। करणे कः प्र. यद्वा अः प्र. (पा ३,३,१०३) तस्स्वरश्च।

j) सपा. ईषा <> ईषे इति पाभे.।

k) द्वस. अन्तोदात्तः। उप. यद्र.।

l) पाभे. कृते ८४४ *d* टि. द्र.। m) विनिग्रहार्थीयः, अवधारणार्थीयः पदपूरणश्च नि. अनुदात्तः (या [१, ५] प्रभृ.)। ऊँ इति प्रगृह्यतया पपा. निर्देशः (पा १,१,१८)। क्वचित् संहितायां दीर्घः (पा ६, ३,१३६)।

१५; ३६, १; ३७, ११: ३८,२:
४६, ५²: ५१, ४: ५३, ४:२१²:
५४, ७; ५७, ४:६२, १: २: ४,
२, ४: ३, २: ५, ३: ९: ११:६,
३: ११: ७, ९: ८,४:९,६: १७,
१७: १८, ७: २०, ४: २१, ४:
९²: २२, ७: २३, १०: ३४, ४:
३६, २: ३८,२:३९, १: ५:४०,
१: ४३, १: २: ६: ५१, १: २²:
५५, ४: ५८, ९: ५, १, ६: २,
१०: ४, ११: १७, ३: २९, २:
१३: ३०, १५: ३१,[४: ८,९६,
५]: ३४, ४: ३९, ५: ४२, ११:
४४, ८: १४: १५: ४८, १:
५५, ७: ५८, १: ७३, ४: ८:९:
७४, ९: १०: ८३, १०²: ८५.
५: ६: ६, १, १०: ७, ६: ९, ६:
१०, २: १५, १: [१२: ७, ४,
९]:१७: १९:१६,१४-१६: २१,
१;१०:२२,२: २३,३: ७:२४,५:
९: २५, १: २७, १²: ७: २९,
१: ३८, १: ४०, २:४४,४:१४:
४५, ६:१०: १३: [२५: ८,९२,
१२]: २८: ५१, १:३: १०:५३,
१: ५४, २: ६४, १²: ७१, ५:
६: ७३, २: ७, ४, ८: ८,२: ३:
१७, ६: १८, ३: १७: २०, २:
५; २१, २: २३, १: २९, [(२,
१८,७: ७, २३, ५) २]: ३०,२:
३३, ५: ३५,२²: ३: ७²: ८:९²:
११; १२:३८, २: ४२,[३:६१,
६]: ४४, २: ६०, ९: ६३, १:
६६, १४: ६७, ५: ६८, ४:७२,
३:७३,२:७४,१: ७६,१:२: ८१,
[(८, १०१, १३) १]: ८४, २:
८५, २; ८६, ८: ८८, २: ९३,
६: ९५, ६: ९६, १: ९७, ३:
१०१, ३²:१०४, १३: २०:२१:
८, २, १३;१७: ३,३:१४²:१५:
२०: ७, ६:७: १७²: १९:[२२:
५२, १०]: २२: ९, १६: १५,
[२: ९२,(२) ५]: ४: १७, ७:
२०,१९: २१, १: ९: २२,१३:
२३, ५: ७: १३: १६: २४, १:
१६: २६:२५,१९: २६, १:२७.
१२: ३०, ३: ४०, ३: ४१, १.
[२: ४३, २४: ४४, ६]: ४५.
१६: २८: ३३: ४६, २७: ४७.
७: ४८, ३: ६१, ५: १२: ६२.
१२: ६३, ५: ८: ६४, ६: ८:९:
६५, ५, ६६, ७: ९: १०², १३:
६९, १४: ७०,९²: ७५, ७: ८०,
१०: ८१,८:८२,३: ८४,५: ९०.
६:९२, ४: ५: ७: ९३,१५ ९५.
६: ९६,६: १००,३: १०३,१०:
९, २, ८: ३,१०: १५,[८, ६१.
७]: १७,७:२१,७: ३८,१: ४५.
४: २०: ६६, ८: ८६, २१: ९२.
५: ९७,३: १०१, ८: १०७, ८:
१०८, ११: ११०, १; ११२,१:
१०, १, ४: २, ३:१०, ६,११:
१२: १४²: १३, २: १४, २:
१५, १३: १६, ४: ११: १३:
१७, २: २१, २: २५, ४: २७,
५: ६: ७²: १०: २९, ४: ३०,७:
१५: ३१, ४: ७:८१, ४]: ३२,
८: ३५, १: ३८, ५: ३९, १:
४०, ११: ४१, १: ४८, ७:
५२,३: ५४, [(६, २७, ३) ३]:
५६, १: ६१, २४: २७: ६५,
१०: ६९, २: ७१, ७²: ८:११:
७२, ४: ७६, २: ८५, ४७:८६,
३: १३: ८८, ६: १०: १८:९२,
१४: ९४, [(५०, ७) ८]: ९५,
१४:१५:१८: १०२,१०:१०३,
११;१०४,१०:१०६,१: १०७,
६: ११४, ४: ११७, १: १२४,
५: १२५, [६: १८२,३]: १२६,
३²:६;१२७,३²:१३०,२: १३२,
३: १३३, १: १३७, ६: १४२,
३:१४९, ३: १५०,३: १६०,२:
५: १६१ ४: १६७,१: ३:१७३,
२:३:१७६,३:१७८,१:१८०,३:
मि १.३,५:६: ११,४, २९,१:
३,१०², ९: ४,५ १६: ६, १³:
२: ६: ९,५: ११,४: ५,४,५:९,
२, २०, १: २: २१, ३: आ १.
२८, ४,१; ७, ४१†: ८,६†:९:
२३†: ४१†, ३१: †११,
३३, ३४: ३५:४१: ४२:६४§:
१२, ३१: ३५: ५८: ११३†:
१३,१: १७, २०²†: ४३†: ५३:
८७, ८८†: ९७†:१८, ५२;५८:
†१९, ३५: ६७: २०, २३²:
८१†: २१, ५: २३, ९²: १३†.
३९: ४४ᵇ: ४५²; २५, ४४,
२६, १३†: २९, ५:२९†: ३२
१: ४: †३३, ३१: ८१: ९७².
३४,१:११:५०: ४०,५²,९:१२,
का ४ १, २: ८, ३, १†: ६,२:
१६, १†: ९, २, १†: ४, १:
†१२, ३, ६: ८: ४, ४: ५: ६,
५§: १३, ३, २, ६: ४, १४:७,
१२†: १४,१, १: १८,२, ५²†:
४, ११†: ५, ४: ७, ५: †१९,
१, २:१०: २०, ३, २: ४, १:
†२१, ४, १५:१८: २२, १,८²:
८, २†: २३, १, ५: २५,३,६²:
४, ५†: ८,१: ६ᵇ:९, १²: ३१,
१, ५: ४, ५†: †३२, ३, २:६,
१२:३३,१, ७: ५: २, १३:३५,

a) उ माम् इति पाठस्य स्थाने मपा. खिसा २७,१ इमाम् इति पाभे. ।

b) मपा. शां १,१२.४ पाठाऽभावः ।

३, १; ४: ४०, १, ५[२]: ९;१२;
नै १, १, ४, १: †१४, २; ४;
†२, ८, २:१४,७; ३, १४,१†;
†४, २३, १; ३३, १; ४३, १:
४५-४६, १; ¶५, १, १;११,५:
६, ३, १: ७, ३¶; †१२, ४;६:
७, १३, ५†; ८, १०, २: २,२,
†१२, १; २:८; ३, ७,४¶; ८,
२†: १४, २†; ४, १४, ४†:
†५, १२, १[२]: २; ६,९, ५:११,
२†: ३, १, ४, ४: ५, २: ११,
८†: २, ५, ४†: ८, २: ११, १:
३, ३, ३†: ११, ३: ५,५, १;
१०, १‡[a] : †११, १; २ ; ३[२]:
४: ४, १, †३, २; ३[२]: †४, १;
२: १०, ३: २, ३, १: २; ५,१:
७, ४†: ८, १: ३, ३, १[२]: २[३] :
११, २: ४, १२,४;६, २, ५[२]†:
३, १: ४, ४†; ५, ६: ९, ४†:
७, १३, १:५, १, ४, ४[२]† : ५,
३[२]†; ११, २¶: २,२, १: १०,
३¶: १२, १: २[h]; ¶३, ४, ७:
८, ३: १२, २: ४, २, २¶: ६,
१: ¶६, २, २[२]: ३[२]: ६: ६, १,
११, ४†: ६¶: ७, १, १८, २:
४, १७, २: १८, १; ५, २,१¶;
मै १, १, ५; ३, २६: ३५†;
३७†: ३९†; ४, ५[२]: १४¶;५,
३; ७¶: ६, २; ७, २¶: १०,
९¶;२, ४, ३¶; ४†; ५,५¶;७,
३[२]†, ४[२]†; १०[२]; ११; १४† ;
१५: २०[२];८,६;१०,२[२]†; ४‡[a];
५; ११, १; १२, ३; १३, १[२];
†[२]; ५†; १०[२];१३; ३, १,१¶;
५†; २, २; ३¶; ९;३, ८: ४,
७[२];¶;¶६,४; ७:१०;७,३¶;८,
६[२]¶; ११, १०; १२,१९; १६,
२; ४: ४, १, ५; ५, ८¶; ७,
२¶; ८, १: †९, ११[२]; १२[३];
†१०, १$: २: ३[२]: ४[२]: †११,
१: ६: †१२, १: २[२]; ३[४]; ४[२];
$: †१३ १: ३; ६: †१४, ४;
७: ११: १३[२]$:१५: १६: १८;
†काठ २, १$: १४: १५: ४,९;
१३: १६[२]: ७, १७[२]: ८, १६[२]:
९, १२¶: १९[२]:१०, १२[२]: $;
१३: ११, १: १३$: १२, १५:
१३, १५$: १६:१५, १२[२]:१६,
३[२]: ४[२]: १०[२]$: ११$:१४:२०:
१८, २[२]: ३$: ५: ६$: १५$;
२०: १९, ४[२]: ५[२]: १२$: १४;
२०, १४: २१ ८$: १४[२]: २२,
१४$:२५, ७¶:२६,१०¶: ३०,
१[२]:¶:$;४[२]$; ५[२]:$; ८$; ९$:
३१,२¶; ३२, २¶: ३३,१[२]¶:
४[२]¶:८[२];¶;$: ३४,५[२]¶: ३५,
३: ७[२]:१७:३६,१२¶: ३७,१¶:
५;३८,५$:१४:$३९,१:३:१०:
४०,३$;५$:७:४१,९$: $४४,
६: ७; ४६,२$: ५: ५०, ६[२]$[b]:
क १,१३; †३, ७;११: २५,१[२]:
२;५†: २८, २[२]†; ३: ५†; ६:
२९, ४: †३०, २[२]; ३[२]:३१,२:
३९, ५¶: ४१,८¶; ४४,३¶[c];
४६, ४[२]: ¶; ४७, २¶: †४८,
९[२];१५; †कौ १, ७: २८; ३१;
४७;५७:६५:९४; ११४; १३६;
१४५;१४६:१५७;१७०; १७७:
१८३; २०१: २०४; २२१ ,
२२४;२५०;२५१; २५३;२७२;
३०३; ३०४; ३०५[२]$[d]; ३३०;
३३२; ३५७;३८२; ३८३;३८५;
३९०: ४००; ४०८; ४२८;
४३९: ५१५; ५८१; २, ५५,
५८: ६९: ७०; ९८‡[e]; १०१;
१०३: १६९: १७३; २३०;
२३५: २८२‡[f]; ३४७; ३९४:
४३१; ६१५;६२३;६२४;७१२:
७१४: ७५१; ७६२; ७६४$;
८४७:८९३:९००:९२९;९४९:
९५७; ९९२; १०२८; १०३४:
१०४१:११००:११०५;११५१;
११५४ ; ११७६ : ११७७ :
१२०९; ३, ३,२: ६: ४, ५$:
†जै १, १, ७;३,८: ११: ६, ३:
७, ३:१०, ४: १२, ८; १५,२:
१६, १: २; १७, ३: १८, ६:९:
१९, ३$; २१, ८: २२, १;२४,
२$:२६,८;९; २७,१: २८,१०:
३२,२: ३[२]$[d]; ३४, ८: ३५,१:
३७,६: ४२,२:४३,२;३,५;१०:
४५,२;१०;४६.३: ५३,५: ५९,
४: २, १, २: ७, २$; ३,६, १:
४: ७, ७: ८: ९, १२‡[e]: १०,
५: १६, ७: ११: २०, १४; १९:
२३, १४‡[f]: २९, ४; ३१ , १४:
३३, ६: ५०, ३: ५१, १: ५२,
४; ५८, ९; ५९, ६; ४, १, ४:
१०: ११, १०; १३, ८; १४,४:
२०, ६: २४,९: २६,७; २७,१:
शौ १, ६, ४[२]; ११, १; १४, ३;
२४, ४; २, २, ३; ३, ३;४; ५;
९, २: १३, २; ३; २६, ३;३०,
२: ३, ४, ६; ७, ५†; ११, ४;
२१, ४; २३, ५; ४, ३, ४; ६;

a) सपा. ऋ १०,१२०,३ पाठाऽभावः ।
b) पामे. कृतें पृ ८५९ *b* टि. द्र. ।
c) सपा. काठ २८,३ पाठाऽभावः ।
d) सक्रन पृ ६३७ *b* टि. द्र. ।
e) तुमु हवे इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ८, १३, ३ तमह्वे इति पामे. । f) पामे. कृते पृ ८४९ *n* टि. द्र. ।

४, २; १२, ३; १६, ९: ३०, ५†; ३६, १०; ३९, ९: ५, १, ५: ४, ६: ६, ४; ११, ११:१२, ४†; १३, २;३: १४,२: ६;२२, ९: १६, १, २: ११, ३: २१, १; २६, २; ३; ५६, ३[२]: ५७, १: ७४, १: ८५, १: ८७,२†: ९१, ३†: १२४, २: ३; १३३, १[२]: १३६, २: ७, ५, ७; ६, २; २१, ६: ३२, १[२]†: ५८, ८: ७३, २: ७७, ३[a]: ७†; ७८, ३: ८९, २†:९०, १†: १०८, १: ८, २, १३: †४, १३: २०: २१: ५, ५: ९ : ६, ३: ९, १० : १६ : १७: २३: २५: ९, १, ६: ७: ४, ४; ७: ५, ७; ८, ९: १४,६†: १५†; १९[२]: †१५, ४: ६: १०, २, २: ३: ७: १३ : ३, ५: ४, १८: ७, ३८: ८, ४: १६ : २८: १०, १३ : १४: १५: ११, १,११:६, २०; १०, १: १२, १, १२: २, ३[२]: ३, ३: २६: ४७: १३, २, १६†: २५: ४, ५[२]: ७, १३: १४, १, ४०[२]; १५, १०, ६: ७: १६, ९, २: १८, †१, ७: १२: १४: १६[२]: ३७: ५०: २, ८†: २६ : ३० : ३३† : ५० : ५१: ३, ६†; ७: २०†: ३८†: ७१: ७३: ४, ११; ४४: १९, २,१[२]: ९, ९[२]: †१०, २[२]: ३ : ७: ८: ९[२]; †११, १; २: २४, ४: ५: ६:८: ३४. ६; ५३, ९: †२०, ५, १: ८, ३: १०, १; १२, १: १४, १:३: १८, १: २: २०, ४: २१, १: ३५, १-८ ; ११-१५: ३६, २: ४५, १; ४७, १३:५०, २[२]: ५७, ७; ५९,१: ६१,१;४: ६२, १: ३: ८: ६४,४: ६७,७[२]: ७६, ४: ९०, २ : ९२, ११: ९५, २: ९६, २:५: ९; ९७,१:३: १०४, १; ११८, १: १२६, ३: १३: १२८, ३§[b]: §१३५, ६ : ७: १४२, १: पै १, ७, ३: ८, १: ३: २६, ५: ३८, १:५०,४:६२, ४: ७०, ३: ७७, १: २, २, ४: ८,४: १०,४:२३,२:२४,५: ३९, ४: ३, १,६: २, ७:१२, ४:१४, ५: २३, २: २४, १-६: ३३, ३: ४.५.३· १०!: १५, १: ५[२]: ७: १६, १: ५, १, ३: ४, ११‡[c]: १८, ९†: २१, ७: ३१,४: ३३, १[२]: ३९, ६†: ६. २, ५: ७, ८: २०, ४: ७,१,२:१२:१९,१: ८, २, २: ७, ४: ८, ३: ७[२]:८:१३. ९†: ०, ११, ५: ८: ९: १२,५: २२, ११!: २६: २५, ११: १०, १, २: ११,१, १२:३,६:५,९[२]: १२,२,९:१३, १. १४: २, १६: ६. १५† : †८, २[२] : ३ : ७[२]: ८: ९[२]: ११ : १२: १५. ६, १: २:३[२]:५: १६. ४, ३: †१०, ३: ९: ११,१†: १८, १०: १९, ६: ७;२०, २; ३; २१,४; २२, १०; २३,२;२४,५;८; २७, ५;९;३२, ६; ७; ५९, २ ; ३; ८; ६०, ७; ६३,३:५; ६६,५†; †६७, ६;९[२]; †६८, ४: ६: ७२. ६: ८५, १; ८९, ८; ९०, २:९२, ७;९७,७; १०१, २: ७: १०२, २; १०३, ५: १०८,३-५: ७, २,३: १३, १:१४, १०:२८,१: ३०,३;३६, ३: ३८, ५: ४०, ८[२]; १८. ४, ९: १०,२[d]: २२, १†; २३, २: २६, १: २९, ३: १९, १, २: २, ३: ६, १: १०, ३: १२,३: १५, ४: १८,९†: १९, २:२७, २: ३०, १: ९: ३९, ११:४०, ५: ४७, ३†: ७: २०,१,८: ३, ५: ८. ४: १०, ६:११, १†:३†: १२, १: १५, ९:१७, ४:४३,४: ४८, ३†; ५१. ६†: ९: ५४,३: ५६,१:६१,६.

उक्त- √वच् द्र.

?उत्कसीदम्[e] पै ९,२२,१९.

उक्ति-. उक्त्वा, उक्थ-, उक्थिन्-.

उक्थ्य- √वच् द्र.

?उक्थ्यमना[f] खि १,९,१.

√**उक्ष्**[g], >**उक्षि,उक्षन्ते** ऋ २. ३४, ३:५. ५९, १: **उक्षन्ति** ऋ १, १६६. ३: **उक्षन्** ऋ ४, १. १०: **उक्षन्त** पै १९, ३१, ९: **उक्षतु** मै ४. १४,११: शौ १२,१,७:९: पै ५. ६.५: ८. २०,१[२]: १७. १,

---

a) मपा. आश्री ४,७,४:५, १०,२३ **ईम्** इति पाभे. ।

b) **उ तत्** (शाश्री १२, २०, २ च) इति पाठस्य स्थाने RW. BC. **उद्वुक्** इति पाभे. ।

c) मपा. ऋ ६,४७,११ पाठाऽभावः ।

d) सपा. शौ १४, २, ३२ पाठाऽभावः ।

e) पाठे? **यत् कुसीदं वि मेऽयमत्** (>द्र), **विमेयं धनकाम्यया** इति त्रि-शोधोऽर्धर्चः द्र. (**यत्कु°** >**यक्कु°**> **यदुक्क°** इति वावि. स्यात) ।

f) पाठे? **उक्थ्यम् अनः** इति शोधः (नु. परि. सस्थ. टि. **अनस्-** ⌊नैप्र. < **अन्धस्-** (प्रकृते **अनः पिबन्** > **अना पि°** इत्यपि नैप्र. अपरो विपरिणामः द्र.)⌋) ।

g) मेचने, वृद्धौ (या १२,९ ⌊तु. √**वक्ष्**, Eng. √wax प्रभृ., MWA. **उग्र-**) वृत्तिः द्र. । **उक्षति** (मेचने), **उक्षति** (वृद्धौ) इति MWA. विवेकः ! ।

७;८: उक्षताम् पै ८,२०,१: २: उक्षन्तु शौ ३, १२,४: उक्षन्तु शौ १८, २, २२: पै ३, २०,४: ७.६,६; उक्षेथाम् ऋ ७. ६४, ४: †उक्षतम् ऋ १. १५७, २: ५, ६३.५: ८.५,[६(३,६२,१६: ७,६५,४):]: कौ २. ११०९: †उक्षत>ता ऋ १,८७,२[a]: तै ४,३,१३,८[a]: †औक्षत ऋ १०. ५५.७: कौ २,११३४: †औक्षन ऋ ३, ९, [९: १०. ५२, ६]: मा ३३,७: का ३२.१.७.

औक्षीः ऋ १०,२७,७.

उक्षयन्त ऋ ६.१७,४.

उक्षत्– -क्षतः पै १६, १०६, ९†[b]: -†क्षन्तम्[c] ऋ १, ११४,७: मा १६. १५: का १७. १. १५: तै ४,५,१०. २: पै १६. १०६, ९.

१उक्षन्[d]– -†क्षणः ऋ १, ६४. २: १०५. १०: १३५.९[२]: १६८ २: ३.७,७: ५. २७. ५: ५२,३: ६. १६,४७: ८.१.३३:५५,२: १०. ८६. १३: ९१. [(८. ४३. ११: ४४,२७) १४]: खि ३. ७. २: मा २०. ७८: का २२. ७, १२: मै ३,११, ४: काठ ३८. ९: शौ ४,२४,४$: २०, १२६, १३: पै ४,३९,४$: -क्षणम् ऋ ९,.८५, [१०: ९५, ४]: ८३, ४३: १०, १२२,४: †कौ १,५६४:२,९६४: †जै १,५७,११: ४. २०,८: शौ ३, ११. ८: १८ ३, १८†: पै १. ६१, २: -क्षभिः ऋ १. १३९. १०[२]:२.७,५:६,६४.५: ७.७९. १: -क्षा ऋ १. १४६, २: ३,७, ६ : ४. ५६, १[e]: ५, ४७. ३: ९, ६९. ४. ७१.९: ८३,३: ८९.३: १०. ३१. ८: मा १४. ९: १७, ६०†. १८, २४: २१, २०: का १५. ३,३: १८,५. ११†: १९, ८.४:२३,२.९: तै २,१.७,७¶: ४, ३, ५.१: ६, ३.४†: ७.१०, १: मै २, ५, ७[२]¶: ८, २: १०, ५†: ११, ६: ३,११,११: ४.२, १४[२]¶: १४. ७†[e]: काठ ¶१३, ६: ८: १७, २: १८, ३†: १२: २१. ८†: ३८. १०: क २६,१: २८. ३†: २९.१: †कौ २,२२७: ७२२ : ३, २, २: †जै २, ५, १०. ३, २०.११: ५९,१४; ४, १९. ९: पै ५, १५. ५: ६, ६,३: -क्षाणः मा २४,१३: का २६.३, ३: मै ३.१३, १८: -क्षाणम् ऋ १.१६४,४३: मा २८. ३२: का ३०, ३.९: ¶तै २, १, ४,४: ५: काठ १३. ८¶: शौ ९, १५, २५†: -क्ष्णः ऋ ८,७,२६: १०, २८, ११: ८६, १४: ¶मै २,१, ८ : ५, ७[२]: ¶काठ १०, ११: १३, ८: शौ २०, १२६, १४†:

√उक्षण्य[f]

उक्षण्यत्– -ण्यन्तः ऋ ८, २६.९.

उक्षण्यु[g]– -ण्युः ऋ ८. २३. १६.

¶उक्ष-त्व– -त्वम् मै २. ५. ४: ७[२]: काठ १३,८.

¶१उक्ष-वश[h]– -शम् तै २, १, ७,६.

२उक्ष-वशा[i]– -शाः तै २, १, ७, २: -शौ तै २,१,४,४.

†उक्षा(क्ष-अ)न्न[j]– -न्नाय ऋ ८. ४३, [११ (४४,२७: १०, ९१, १४)]: तै १, ३, १४, ७, मै २, १३, १३: ४, ११, ४: काठ ७, १६: ४०. ५: शौ ३, २१, ६; २०.१,३: पै ३,१२,६.

उक्षमाण,णा– -णः ऋ ५, ४२, १४[k]: -णम् ऋ २.२,४;९,९९, ५: -णा शौ ३,१२,१: पै ३,२०, १: -णाः ऋ ४, ४२, ४; ५,

[a]) तु. सस्थ. टि. आ ।

[b]) सपा. उक्षतः<>उक्षितम् (तैआ १०, ५२ मना २.५२ माश्रौ ३, १.२८ च)<>वक्ष्यतः इति पाभे. ।

[c]) =सपा. तैआ १०. ५२ मना २, ५२ माश्रौ ३,१,२८ । शौ ११,२,२९ तु वृहन्तम् इति पाभे. ।

[d]) नाप. (वृषभ-)। कनिः प्र. उसं. (पाउ १, १५९) तत्स्वरश्च (तु. Goth. *Ochse*. प्रमृ.[WW १,२४८द.]) ।

[e]) स्वन्नोक्षा (शांत्रा २३, ३ च) इति पाठस्य स्थाने नैब्रा २,८,४,७ नृवन्नयोऽक्षा इति पाभे. लैवि. इति कृत्वा नादरणीयः ।

[f]) उक्षन्– =धनादिसेक्तृ- इति कृत्वा इच्छार्थे क्यच् प्र. इति ? वें. सा., =वृषभ- इति कृत्वा आचारार्थे प्र. इति PW.GW. प्रमृ., =२उक्षन्– [यद्र.] इत्यन इति GRV. ORN. ।

[g]) विप. (ऋषि-)। उः प्र. तत्स्वरश्च ।

[h]) वशायुक्त उक्षा इति कृत्वा कस. अन्तोदात्तः । राजदन्तादित्वम् उसं. । उप. वश– [पुं.] इति ।

[i]) कस. पूर्वनिपातत्वम् उसं. (पा २,४,२७) अन्तोदात्तश्च । उप. वशा– यद्र. ।

[j]) विप. (अग्नि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[k]) वैतु. GW. प्र इत्यनेन योग इति ।

[५७-५८,८]; –णे ऋ ४,५६,२.
उक्षित,ता– -तः ऋ १, ३६, १९; २,२१,३; ५,८,७; ९,७२,७: कौ १, ५४; जै १,५, १०: ४,८,५; –तम् ऋ १,११४,७ᵃ; २,१६, १: मा १६, १५ᵃ: का १७, १, १५ᵃ; तै ४,५, १०, २ᵃ: –ता खि ४, ७², ८ᵇ: शौ ५, ५, ८; पै ६, ४, ८: –ताः ऋ ५, ५५, ३: –तासः ऋ १, ८५, [२ (८, ५९,२)]; –ते ऋ २,३,६.
१उक्षारᶜ– -रः मै २,६,२¶:–र्योः मै २,७,१२.
उक्षद्ᵈ– -क्षारा ऋ १०, १०६, २: –क्षारौ तै ५, ६, २१, १ᵉ: काठ १५,२.
√उक्षण्य. उक्षण्यत्–, उक्षण्यु–, उक्षन्–, १उक्षन– √उक्ष् द्र.
२उक्षन्–>उक्षण्यᶠ–
उक्षण्यायनᵍ– -ने ऋ ८,२५,२२.
उक्षमाण– √उक्ष् द्र.
१उखᵸ–
उख-च्छिद्ⁱ– -च्छिन् ऋ ४,१९,९.
२उख,खाʲ– -खम् शौ ११, ३,१८; पै १६, ५३, ७; –खा ऋ १, १६२,१५: ३,५३,२२: मा १२, ६१. २५,३७: का १३, ४, १७: २७,१३,६: तै ४, २, ५, २; ६, ९, २†: ¶५, १,६, ३:७,१: ३: ९.२: २,९,१: ५.३,१: ६,६,२: ९,२: मै १, ६, १२¶; २, ७, ११: १६: ¶३, १,७: ८ᵏ:२,७; १६, १†: काठ १६, ११: १९, ६¶: २०, ७²¶: ¶२२, ७:१०: ३९, ३: ४६, ५†: क २५, २: ३०, ४¶: ३१,३: ९ᵏ¶: ३४, १: ¶३५, १:४: शौ १२, ३, २३ᵏ: –खाः पै १७,३८,२ᵏ: –खाभ्याम् मै ४, १, ३¶: –खाम् मा ११, ५६, ५७: ५९: ६४: का १२,५, ७.८: १०:६,५: तै १,६,९,३¶: ४,१,५,३²:४: ६.२: ९,२:¶५, १,६,४§: ९,३: २,१,३, ९, १: ५,२, ७, ६, ६, २: ९,१: २: मै २, ७,५²; ६²; ३,१,८; ४, ७¶; काठ १६, ५²; ६: ¶१९, ६; ७: २०, ६¶; २२, ७¶; क ३०, ४:५: ३१, ८¶: ३५, १¶; पै १९, ४४, २: –खायाः ऋ १, १६२, १३: मा १२, १६ˡ: २५, ३६†: का १३, १, १७ˡ: २७, १३, ५†: तै ४, ६, ९, १†; मै ३, ७, ७¶: १६, १†: काठ ४६, ४: –¶खायाम् तै ५,२,४,१:९, २: ५,३, १: ६, ९, १: मै १,६, १२: २, ७,८§ˡ: काठ ८, १०; १६, ८§ˡ: १९, ११: २०, १: ८: क ७, ६: ३१,१: १०: पै ५, १३,५§: –खायै तै ४,१,९,३ˡ; ७, १, ५ˡ: ५, १,९,४¶: –¶खे मै ४,१,३ᵏ: काठ ३१,२ᵏ: क४७, २ᵏ: –०खे मा ११,६१ˡ: का१२, ६,२ˡ: तै ४,१,६,२ˡ: मै २, ७, ६ˡᵐ: ३, १, ८ˡ: काठ १६,६ˡ.
उख्यⁿ– -¶ख्यः तै ५, ६, ९,१; ७, ५, १ᵏ: मै ३,२,३:४,७: काठ२२,

ᵃ) पाभे. क्रुने पृ ८६२ *b* टि. द्र.।
ᵇ) उक्षत इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ.)।
ᶜ) नाप. (वोढ्-)। आरक् प्र. तुड्–आगमश्च उसं. (पाउ ३,१३४)तत्स्वरश्च। धा. क–लोपः (पा ८,२,२९)।
ᵈ) नाप. (अनड्वाह- [प्रासङ्गस्य वोढ्-])। तृचि प्र. चित्स्वरः (वैतु. सा. [ऋ.] < √वश् [कान्तौ] इति)।
ᵉ) सपा. काठ ५०,१ ओष्टारौ इति पाभे.।
ᶠ) व्यप.। अपत्यार्थीयो यः प्र. उसं. (पा ४,१,१५१) तत्स्वरश्च।
ᵍ) व्यप. [वरुनामक-नृपविशेष-? (तु. सा. , स्क. [या ५,१५ प्रभृ.])] । गोत्रापत्ये फ>आयनः प्र. उसं. (पा ४, १, ९९) तत्स्वरश्च (वैतु. सा. यथाऽन्तात् फक् प्र. इति मन्वान आदिवृद्ध्यभावं प्रति चोद्यः)।
ʰ) नाप. (ऊरुभाग-विशेष-[तु. लाश्री ८,८,३० तद्भाष्य-कारश्च, MWA.])। व्यु. ? < √उख् (गतौ) इति मतम्।
ⁱ) नाप. (श्रोण- [तु. नप्र. ऋ २,१५,७; ४, ३०,१९; ८,७९,२])। उखे छिद्यत इति कृत्वा उस. कर्मणि क्विप् प्र. (तु. हृदया-विध्–)। उप. प्रकृति-स्वरम् (तु. NW.; वैतु. वे. सा. PW. प्रभृ. पूप. = २उख– इति. उप. कर्तरि प्र. इति च. BW. GR. =पात्रवद् भङ्गुर- इति च)।
ʲ) नाप. (पाकस्थाली-विशेष-)। व्यु. ?। माश ६,७,१, २३ [तु. पावा ३,३,१२५] <उत्(<द्) √खन इति। < √उख् (पाके) इति तु मतम्।
ᵏ) सपा. उखा <> उखाः इति पाभे.।
ˡ) सपा. उखायाः <> उखायाम् <> उखायै इति पाभे.।
ᵐ) सपा. मा ११,५८:६५ तै ४, १, ५, ४; ६,३ काठ १६,५;६ माश ६,५,२,६;४,१७ पाठाभावः।
ⁿ) विप. (अग्नि-)। तत्रभवीयः यत् प्र. (पा ४, ३,५४) यना. स्वरश्च।

१०: क ३५,४: –च्यम् मा १७, ६५: का १८, ६, १: तै ४, ६,५,१[a]: ¶५, ५, १, ६: २, ५: ७: ६,५,१: २: ९, ३; ७, २, ३: मै २, १,११¶; १०,६[a]: ¶काठ ८,१०;१०,५; १८,४$[a],२१,३: २२, ३[2]: ७: १०[2]: क ७, ६¶; २८,४[a]: ¶३५, १:४[2]: –च्यस्य मा १४,१: का १५,१,१: तै ४, ३,४,१: मै २, ८,१: काठ १७, १: क २५, १०: –च्यान ? शौ ४, १४, २[a]: –¶च्ये काठ २२, १२[2]: क ३५,५[2].

?उगणा[b] कौ १,३३६: जै १, ३५, ५.

उग(ण>)णा[c]– -णाः मा ११, ७७: का १२, ७,१२: तै ४, १, १०, २: मै २, ७, ७: काठ १६, ७: पै १, ४२ १: –णाभ्यः मा १६, २४: का १७, ३, ३: तै ४, ५,४,१: मै २, ९, ४: काठ १७, १३: क २७,३.

उग्र, ग्रा–, उग्र-जित्– प्रभृ. √*उज (बधा.) द्र.

? उग्रा ग्रसते[d] शौ १९, ३४,८.

√उच (सेवने)

उचित– -ताः पै १७,१४,८[e].

उचथ–, १,२उचथ्य– √वच् द्र.

? उचिद्यवौ[f] पै १७,३१,४.

उच्च[g]*– –च्चा ऋ १,२४, १०:२८,७: ३३, ७: ११६, २२: १२३, २: २, २,१०: ३०,५: ४०, ४: ९, ६१,१०: १०, १०३, ५: १०७, २: १८३, २: मा २६, १६†: तै २,३,१४,६[h]: मै ४,१४,१†: काठ १०,[h]१३: †कौ १, ४६७: २,२२: †जै १,४९,१: ३, ३,१; शौ १३,२,३६: पै ५,२,३: १८, २४,३:१९,२८,७: –च्चैः[i] ऋ ५, ३२,६: खि ४,६,२: ¶तै ५,४, ७,७; ६, १, ४, ३; ५, ११, ३; ¶मै ३,६,५[2]; ८,९; ४, २, ७; ६, ४: ८, ७[2]; ¶काठ २१, १०; २३, २: ५: २५, १०; २७, ३; २९, २: ३२, १; ¶क ३६, २; ४०,३: ४२,३: ४५, ३: शौ ४, १,३[h]: पै ५,१४,७: ७,१३,१२; १५,१९,११: २०, ३७,७.

†उच्चा-चक्र[j]– -क्रम् ऋ ८, ७२, १०: कौ २,९५४.

उच्चा-बुध्न[j]– -ध्नम् ऋ १, ११६, ९.

उच्चा(च्च-अ)वच[k]– -चान् तै ७, ४, ३,६.

उच्चैर्-घोष,षा[l]– -षः शौ ५, २०, १: पै ९, २४, १: –षा शौ ९: १, ८: पै १६, ३२, ८: –¶षाय मा १६, १९: का १७, २, ३;

---

a) पाठे? (तु. सा. अक्षान्) उख्यम् इति शोधः स्यात् (तु. सपा. मा १७,६५ प्रमृ. टि.? ऋक्षां च)।

b) विप. (मर्त-)। व्यु.? उ-गणा इति पपा.। यनि. <उ (<उद्) –गणन्- इति ?BS., उ(<उरु-)-गणम्–> –णाः (कर्तरि प्र.) इति विव. S., =उगणा–>–णाः (तु. c टि.) इति ? मा. भ.; <*ओगण– (>पाली ओयण- [=कृग-]) इति PG[२,१९२] ORN.। ओगन– (भाप. <√*उग [हिंसायाम्] तु. उग्र–) > *ओगन-वत्–> -वान् इत्यस्य नैप्र. वर्णलोपे यनि. वावि. इति मतम्। एवं स्थिते 'यो मर्तः (आत्मानम्) उगणा (=उग्रः अहम् इति) मन्यमानः वनुष्यन् (=हिंसा-हेतुना) नः अभिदासति (=अभिधावति)' इति वा. द्र.।

c) विप. च नाप. च (सेना-)। व्यु.? पपा. नावग्रहः (वैतु. ?उग° [यत्र पपा. अवग्रहः])। नैप्र. <सु-गण– इति पाम ६, १, ९, <उद्+गण– इति उ. म. K.। <*ओयण– इति (तु. *b* टि.) द्र.। नैप्र. <उरु (>उ उ>ऊउ) -गण– इति तु मतम्।

d) पाठे? >उग्राय सते इति शोधः (तु. सपा. पै. १९, ३, ८ W. च; वैतु. पपा. मा. च उ (ग्रा–>-) ग्राः, ग्रसते इति, RW.? W. च उग्र (सं१) इति, अग्रतः इति [प्र ४० *f* टि. यथायथं शोधः])।

e) °तः इति पाठे? यनि. शोधः।

f) पाठे? उ(√छिद् > छिद्– > √छिद्य > छिद्यु– >) च्छिद्यवः इति द्वि-पदः शोधः?। सपा. शौ १२,२, १४ अनीनशन् इति पाभे.।

g) विप. व्यु.? पपा. नावग्रहः। <उद् √चि इति या ४, २४। पाउ ५,१२ च। <उद्+अच्– (उप. <√ अच्) इति वा, <उद् √चर् > उच्-चर– > उच्च– > नैप्र. यनि. इति वा विमृश्यम्। वा. क्रिवि. द्र.।

h) सपा. उच्चा <> उच्चैः इति पाभे.।

i) तु. वैप ३, १७३४।

j) विप. (२श्रवत-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

k) विप. (स्तोम-)। पपा. नावग्रहः। कस. (पा २, १,७२) अन्तोदात्तः।

l) विप. (दुन्दुभि-, गो-, रुद्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. तु. अलुक्।

तै ४,५,२,२; मै २, ९, ३; काठ १७,१२; क २७,२.
उच्चैश्-श्लोक- -कः पै ५,१४,१.
उच्चैः-श्रवस्[a]- -वसम्[b] खि ५, १४,५.
औच्चैःश्रवस[c]- -सम् खि ५,१४, ४; शौ २०, १२८, १५[d].
उ(द् >)च् √चर्, उच्चरन्ति पै ७,१३, १२; १५,१९,११; २३,१३; १९, २०, १४: ३३, १५; † उद्… चरन्ति ऋ ७, ३. ३ : कौ २, ५७१: जै ३, ४६, ६: उच्चरसि ऋ १०, ३७,५: ‡ उच्चरत्[e] मा ३६, २४: मै ४, ९, २०: † उच्चरातः ऋ ८,४०,८[f]: १०, ६८, १० : शौ २०, १६, १० ; √उच्चर,> रा ऋ ८,२५,२१[g]; मै २, ९, ९ ; काठ १७, १६[2]; क २७, ६[2]: उदचरत शौ १०, १०,१९; पै १६,१०८,९.
उच्-चरत्- -†रत्[e] ऋ ७,६६, १६[h]: खि ६, ३, ३; का ३६, १, २४: –रन् शौ ११,६,२१[i]; –†रन्तम् ऋ ४, २५, L४ (५,३७, १): ६,५२, ५; ७,१०४, २४; १०, ५९,४; ६]: शौ ६,६२,३:८,४, २४: पै १६,११,४: १९,२,४$; ३०,७.
उच्-चार्[j]- -रम् तै २,३,१२,२.
उ(द् >)च् √चरण्य(< चरण-), उच्चरण्यत्[k] मा ८, २४; का ९, ४ २; मै १, ३.३९; ४, १०,१; काठ ४, १३[1]:१६[1]: उच्चरण्यात्[k] शौ ७,३०, २: पै २०, ७, २: उच्चरण्येत्[k] तै १, ४, ४५, २:८, २२, १: क ३, ११.
उ(द् >)च् √च्यु, > च्यावि, उच्चिच्युवुः पै २०,३०,१[m].
उच्च्यावयतात् मै ४,१३,४: काठ १६,२१.
√उच्छ्[n], उच्छति ऋ ७, ७५, ५: उच्छात् ऋ १, ४८, ३: उच्छन् ऋ ७,९०, ४: †उच्छन्तु ऋ १, १२४, ९: ७. ४१, L ७: ८०, ३]: मा ३४,४०: शौ ३,१६,७: पै ४.३१,७: उच्छ > च्छा ऋ ६, ६५,६: उच्छ ऋ १, ११३, १७: १२४, L१० (४, ५१, ३)]: ७, ७६, ६: ७७, ४: औच्छत् ऋ ५, ३०,१४. औच्छः ऋ १०,५५,४.
†उच्छ(त् >)न्ती- -न्ती ऋ १, ९२,६; १२४, १:५,७९,१०:६, ६५, १: ७, ७६, ७: ८१,१[o]:४: १०, ३५,३: कौ १, ३०३[o]: २, १०१[o]; जै १, ३२, १[o]:३,१०, ३[o]; –न्तीः ऋ ४, ३९, L१ (४०,१)]; ५१,२; L३ (१,१२४, १०)]; –न्तीम् ऋ १, ७१, १; –न्त्याम् ऋ १,१८४, १; ५, ६४,७.
उ(द् >)च् √छं(< शं)स्, उच्छंस ऋ ५,५२,८.
उ(द् >)च् √छा (< शा)स्, उच्छशाधि ऋ ७,१,L२०: २५].
उ(द् >)च् √छिद्, उद्…छिन्धि शौ ७, ११८,१; पै २०, १६,१.
उच्-छिन्न- -न्नाः पै १६, ८२,८[p].
उ(द् >)च् √छि. छिं(< शि, शिं)ष्, उच्छिंषति तै ५, ५,५,२; मै १, ८,५[2]: ३, ६,५: ८,७; काठ २५, ३: ८[2]; २९, ८: क ३८, ६;४०, १[2]: उद्…शिंषति काठ ३१,१: क ४७, १; ¶ उच्छिंषेत् मै ३,६, ५: ८, ४: उच्छिंषेत् ¶ मै ३,८, ४:९,२; ¶उच्छिंषेत् काठ ८,८[q]; ११, १; २९, ८: ३१, १: क ४७,१[q].
उच्छिनष्टि क ७, ३¶[q].
?उच्छिषातै[r] शौ २. ३१, ३ : पै २. १५,३.
¶ उदशिषत् मै ४, २, ७;

a) व्यप. (अश्व-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उ° इति स्वरे? यनि. शोधः ।
b) सपा. शौ २०, १२८, १६ विशिष्टः पाभे. (तु. पृ ६६ f टि.) । c) अपत्यार्थे अण् प्र. तत्स्वरश्च ।
d) औच्चैःश्रवसम् इति शंपा. स्वरः शोधार्हः।
e) सपा. उच्च° (तैआ ४, ४२,५ आपमं २, ५, १२ मागृ १,२२,११ हिगृ १,७,१० च) <> उच्च्य° (गोगृ ३,८,५ च) इति पाभे. L विमर्शः स्वभा. ९३-८ द्र.]। शौ १९,६७,१ तु पाठाऽभावः ।
f) तु. सस्थ. टि. उप । g) तु. सस्थ. टि. अभि ।
h) तु. वें. GW.; वैतु. सा. क्विप. इति ।
i) सपा. पै १६, २३,१ उत्पतन् इति पाभे. ।
j) विप. (आदित्य-)। गस. उप. कर्तरि णः प्र. उसं. (पा ३,१,१४०) प्रकृतिस्वरश्च ।
k) परस्परं पाभे. भवन्ति । पृ ६३० f टि. अपि द्र. ।
l) प्रति…उच्च° इति SI. चिन्त्यः ।
m) सपा. शौ ७,११२,१ असिस्रसन् इति पाभे. ।
n) √वश् (कान्तौ) √वस् (दीप्तौ) इत्येताभ्यां यनि. साजात्यं द्र. । o) सपा. तैब्रा ३,१,३,२ व्यु° इति पाभे. ।
p) सपा. शौ ११,९,८ उत्सन्नाः इति पाभे. ।
q) सपा. उच्छिंषेत् <> उच्छिनष्टि इति पाभे. ।
r) स्वरः? । W. उच्छव्यातै इति शोधुकः ।

†उच्छिषः ऋ ६, ७५, १६[a]; खि ४, ५, १२; ३४; मा १७, ४५[a]; का १८, ४, १३[a]; तै ४, ६, ४, ५[a]; कौ २, १२१३[a]: $शौ ६, १२७, १;१०, १,१७; ३१; पै १, ५६, ४[a]; ९०, १$; $१६,३६,७;३८,३; ?उच्छिषम् पै ५,१०, १०; १७,१५,२.

उच्छिष्यते मै ३, २, ७¶; ¶उच्छिष्यते मै ४,४, ५; ७,२; ¶उच्छिष्यते काठ २५,३[२];क ३८, ६[२]; ¶उदुशिष्यत मै ४, २, १; काठ ११,२; २५,७; क ३९, ५; उदशिष्यन्त काठ ३७, १४¶: ¶उच्छिष्येत[b] तै ५, ७,३,४; ६, २,७,५.

उच्छेषि शौ ११,११, १३‡[a]; पै १०, १२, ९; १३, ३,१४; १०, ११.

उच्-छिष्ट- -ष्टः काठ २८, ६[२]¶; क ४४, ६[२]¶; शौ ११,९,१५;१६; पै १६,८३,५;६; -ष्टम् ¶मै १, ६, १२[४]; २, १, १२; ¶काठ ७, १५; ११, ६; क ६,५¶; शौ ९, १०,९; पै १६,११५,४; -ष्टस्य पै १९, २२, ५; ६; -ष्टात् काठ २८,६¶; क ४४,६¶; शौ ११, ९,११;२३-२७; पै १६, ८३,१; ८४, ३-८; -ष्टाय तै ७, ३,२०, १; काठ ४३,१०; -ष्टे मै १,६, १२¶; शौ ११, ३,२१; ९, १[३]; २[२]; ३[२];४;५[२]; ६-१०; १२; १३; १४[२];१७-२२; पै १६, ८२, १[३]; २[२];३[२];४;५[२]; ६-१०; ८३, २-४;७-१०; ८४,१;२; -¶ष्टेन काठ ७, १५; क ६, ५.

उच्छिष्ट-भाग[c]- -गाः मै १, ६, १२[d]¶.

उच्-छिष्य काठ ६, ३[e]; क ४,२.

¶उच्-छिष्य[f]- -ष्यः मै ३,९,२.

¶उच्-छेषण[g]- -णम् तै ६, ५, ६, १. -णात् तै ६,५,६,१;३[२].

¶उच्छेषण-भाग- -गाः[d] काठ७, १५[h];२८,६; क ६,५;४४,६.

उ(द्>)च् √छु(<शु)च् (दीप्तौ), >शोचि, उच्छोचस्व ऋ ४, २, [२० (८, ४८, ६)]; †उद्... शोच>चा ऋ ६,१६, ४५[i]; कौ २,७३५.

उच्-छोचन[j]- -नौ शौ ७,१००,१: पै १९, २६,११.

उच्छोचन-प्रशोचन[k]- -नौ शौ ७, १००,१.

उच्-छोचयत्- -यन् शौ ५, २२,२; पै १९, १२,१२[l].

उ(द्>)च्-छु(<शु)ष्म[m]- -ष्मः तै १,६,२,२; -ष्माः पै १, १११, २‡[n].

उ(द्>)च् √छ्र(<श्र)थ्, †उद्...श्रथाय ऋ १,२४, १५; मा १२, १२; का १३, १, १३; तै १,५,११,३;४,२,१,३; मै १, २, १८; ४, १४, १७; काठ ३, ८; १६, ८;४०,११; क २,१५; कौ ३,१,४; जै २,५,१; शौ ७, ८८,३;१८,४,६९; †उद्(श्रथाय) तै २,५,१२, १;४, २,११,२;५, २,१,३; मै २,७,८; ३,२,१;४, १०,४; १४, ३; काठ १९,११; २१,१३; क ३१,१.

उच्-छ्रयमाण- उच् √छ्रि द्र.

उ(द्>)च् √छ्रि(<श्रि), >छ्रापि, उच्छ्रयते क ४०, ३¶[o]; ¶उच्छ्रयति मै २, २, ११; ४, ७, ९; उच्छ्रयन्ति पै १७, १४, २; उच्छ्रयातै शौ १२, ३, १५; पै १७, ३७, ५; उच्छ्रयन्तु काठ ३५,७;क ४८, ९; उच्छ्रयस्व ऋ ३, ८, २; ३; मा ४, १०†; का ४, ४, ४†; †मै १, २, ११; ४, १३, १[२]; काठ १५, १२[२]†; शौ

---

a) सपा. उच्छिषः (तैब्रा ३, ७,६,२४ आपश्रौ ३, १४, ३ च) <> उच्छेषि <> शौ ३,१९,८;८,८,१९;११, ११,२०;१२,१९ मोचि इति पामे. ।

b) धा. आदिरुदात्तः उसं. (पा ६,१,१९५) ।

c) विप. (आदित्य-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

d) सपा. उच्छिष्ट° <> उच्छेषण° इति पामे. ।

e) °ष्येत नोद° इति पाठे? यनि. तेनोद° इति च शोधः (तु. क ४,२ संस्कर्तुः टि.) ।

f) गस. उप. प्रकृतिस्वरम् । उप. कृत्यः यक् प्र. उसं. (पा ३,१,१२३) [वैतु. पाम. प्रभृ. क्यप् प्र. इति]) ।

g) नाप. ([हुतावशिष्ट-] ब्रह्मौदन-) । गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

h) तच्छेष° इति सात.? ।

i) वैतु. PW. GW. उद् इति पृथक् पदमिति ।

j) विप. (गृध्र-) । गस. उप. कर्तरि ल्युः प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

k) द्वस. अन्तोदात्तः ।

l) सपा. शौ ६, २०,३ अभिशोचयिष्णुः इति पामे. ।

m) विप. (अग्नि-) । मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

n) वा.? । सपा. ऋ १,१९१,४ शौ ६,५२,२ अदृष्टाः इति पामे. ।

o) सपा. काठ २५,१० श्रयते इति पामे. ।

३,१२,२; ६,१४२,१; २; पै ३, २०,२; उच्छ्रयताम् मा २३,२७; का २५,६,७; तै ७, ४, १९, २; काठ ४४,८.

उद्···श्रयेन् ऋ ७, ६२, १; ७६,१.

उच्छ्रियेताम् पै ५,१४,१.

उच्छ्रापय मा २३,२६: का २५, ६,६: मै ३,१३,१.

ϕउच्-छ्रयमा(ण>)णा[a]– -णाः मा २९,५; का ३१, १,५: तै ५, १, ११, २: मै ३ , १६, २: काठ ४६, २.

उच्-छ्रित– -तः पै १७, १४, १०: –तम् शौ १३,४,३.

?उच्छ्रेयः[b] शौ १९, १४, १: पै २०, २१,१०.

उ(द्>)च्-छ्ल(<श्ल) ङ्ख[c]– -ङ्खौ शौ १०,२,१[d].

उ(द्>)च्√छ्वस(<श्व) ऊच्, †उच्छ्वञ्चस्व ऋ १०,१८,११[e]: १४२,६: शौ १८,३,५०.

†उच्-छ्वञ्चमा(न>)ना– -ना ऋ १०,१८,१२: शौ १८, ३,५१.

उ(द्>)च्√छ्वस(<श्व) स्,> छ्वासि, उद्···श्वासयन्ति काठ ३३,७¶.

उच्-छ्वसत्– -सन्तः पै १९,९,११.

†उच्-छ्वास[f]– -से ऋ ९, ८६,४३; कौ १, ५६४; २, ९६४: जै १, १७,११: ४,२०,८; शौ १८, ३, १८.

उच्यमान– √वच् द्र.

√*उज्[g] (वधा.)

उग्र,ग्रा[h]– -०ग्र ऋ ८, २४,७;४६, २०: –०ग्र ऋ १, ३३, ⌊५: ६, ४१, ३⌋: १२९,⌊(७,४) ५⌋: ३, ४६,२; ४, २, ⌊१८?[i] (७, ६०, ३: ८, २५,७)⌋:२०,७: २४,४; ५,३२, २: ६, १७,१: १०;२३, ८: २५, १: ३७, १: ५३,८: ७, २२,८: २५,१;४: २८,२: ८,६, ⌊१८: ३३, १०⌋: १८: ३७, २; १०,११३,३: तै १, ७,१३,२†: मै ४, १२, ३†: काठ ८, १६†: कौ १, २३१: २६३†: जै १, २४, ९: २८, १†: ४,२०, ३†: शौ १, १०,२: ८: ११, २,१०; २१: २०, ७३,२†: पै १, ९,४: ७, ११,९: १५, १५,१: २०,९: १६,१०४,१०: १०५,३: १०६, १;–ग्रः ऋ १,७,४:५१,११,५५, ३;१००, १२; १२७,११; १३०, ७;१५२,२; १६५,६; १०;१७१, ५: १७९, ६; २, २३, १२; ३३, ९; ३,३०,३;३६,५; ४८, ४; ४, १६, २०;२०,१;६; २२,२; २३, ७: ५, ३२, ८: ७३, ७; ६, १६, ३९: १८,६; २२, ३; ७, २०,१; ३४, १०; ३८, ६; ४०, ३; ५६, २३: ८२,५: ८,१,२७; ३,⌊१७; ४९, ७ (५०, ७)⌋; २१,२; २९, ५: ३२,⌊२; ९, १०९, २२⌋;३३, ९: ५२,५: ⌊५:६५,५⌋: १०,२९, ३: ४२, ७: ७३, १; ९७, १२: १०३, ५: १०९, १[j]; ११३, ६: १२०,१: खि ३, १,७: २,७: ४, ५: मा ८, ४६: १२,८६†: १७ २८: ३७†: २०, ४८†: †३३, ६४: ८०: ३९, ७: का ८, २१, १: १३,६, १२†: १८,२,९: ४, ५†: २२,५,२†: †३२,५, १०; ६,११: ३९, ५,१: तै १, ६, २, १[k]: १०, १[k]: २,३, ९,१; ४,७, १:६,११,४†:३,३, ९,२; ४,४, १[k]:४,२,६,४†: ६,२,६: ४,२†: मै १, ३, २०†: ४,१४¶: २,३, २[k]: ५,१०; ७, १३†: १०,२;

[a]) विप. (द्वार्-)। गस. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। 'आतैर् उच्छ्र[c]' इति वा. द्र. (वैतु. मा. K. वि··· उच्छ्र° इति, उ. म. उदातैर् इति द्विस्वरोयोग इति च)।

[b]) पाठः पपा. ⌊उत्-श्रे° इति⌋ च ?। उद्। श्रेयः इति शोधः द्र. (तु. सा. WI.:) इति प्रथमः कल्पः, एवं स्थिते उद् इति आगाम् इत्यनेन युक्तः यद्र.। सपा. आपश्रौ ⌊६,२९,१⌋ आपमं ⌊२,१५,१⌋ इदं श्रेयः इति पाठमनु इदुम् उ श्रेयः इत्यत्रत्यः पाठः संभाव्येतेति द्वितीयः कल्पः (तु. पै. मूको. ···इश्रेया इति, W.)।

[c]) नाप. (पुरुषाङ्ग-विशेष-)। प्रास. निरुदकादित्वादन्तोदात्तः(पा ६,२,१८४)। 'छ्लल°' इति PW. RW. प्रमृ.।

[d]) सपा. पै १६,५९,१ ?ोष्ठिकमंको इति पाभे.।

[e]) तु.टि. वैप. २,२५१। [f]) भावे घञन्ते थादि-स्वरः।

[g]) पाधा. उसं., तस्य च हिंसाया वृद्धौ प्रमृ. वृत्तिः द्र.।

[h]) विप. च नाप. च। रक् प्र. उसं. (पाउ २, १३) तत्स्वरश्चेति विमृश्यम् (तु. टि. ओजस्–, वज्र–)। °मृवज्र°(ऋ २,३३,३)=°मृउग्र (पै १५,२०,२)इत्यतः √*वज् = √*उज् इत्यपि संकेतग्रहः सुलभः द्र.।

[i]) पाठः ? अस्यत्(तु. ऋ ७,६,३) इति क्रिप. अनुरोधात् °ग्रः इति शोधः द्र. (तु. सपा. शौ १८, ३, २३ OV ⌊३२३ टि.⌋; वैतु. वें. सा. ?GRV. प्रमृ. यनि. स १ इति, LR. जनिमन् इत्यस्य विप. इति कृत्वा –ग्रा इति।

[j]) सपा. उग्रः<>उग्रम् इति पाभे.।

[k]) सकृत् सपा. तै १,६,२,१;१०,१ पाठाऽभावः।

४†; १३, ६[2]†;‡[a]; ४, १, १¶;
९, १७; ११, ३[2]†; १४, ५†;
१२; १३†; †काठ ४, ८; १६;
९, १८[2]; १२, २[2]$; १६, १३;
१७,१८; १८, २; ५; ३७, ९$;
३९. १२[2]; ४०, ९$; †क ३,
६; २५, ४; २८,२; ५; †कौ १,
३०१; २, ५९; १४८; ५७४‡[a];
८३३; १०४८; १०५७;१२०३;
३,२,४; †जै १, ३१, ९; २,५,
९; ३,६,५; १४,९; ४६,१२‡[a];
५४, ३; ४, ५,५: शौ २, २९,
४: ३, ४,२;३; ४; ७; १२,६[b];
४,८,२: ९, ४†; १९,८; ५, २,
१†; ८, ९; १९, ६; ६, १६,१;
८,५,२; ९, २,३; ७; १४; १०,
२, ९; ११, १,१५: १२,७,१०;
१३,३,१९; १५, ५,९; १८, ३,
२३‡[c]; १९, १३,५†; ७[d]; ३२,
१; ३४,७: ९; ५२, २; ६५. १,
†२०,१४,२; ५३,३; ५७, १३;
६२,२; ७०, १०; ७६, ३; ८९,
७; १०७,४; पै १,१३,१; ३०,
२; ३,१,२; ३; ७;९,३; ३९,४;
४, २, २; ५,२६,४; ६,१, १†;
९, १; १२; ७, ४,५†; ७‡[e];
५,६; ९; ७,१; १८, ८; ८, ३,
११†; ९, ९, १; २; ११, ३,७;
९; १२,४,१;६,११; ७,८; १३,
३,१; ८; १०; १३,६†; १४, २,
२; १३,९; २२, १०; १६, २७,

२; ६०, १; ७६,३; ६; ७७,४;
९०,५; १४३,१; १५०,४; १९,
१, १३; ५,७; २०,२२,३; ४२,
१; —प्रमू ऋ १, ८४,९; १०२,
१०; ११६,१२;११८,९; १२९,
१०; २, ३३, ११; ३, २६,५;
३०-३१,⌊२२;३२,१७;३४-३६,
११ ; ३८, १० ; ३९, ९ ; ४३,
८; ४८-५०, ५: १०, ८९, १८:
१०४,११⌋; ३६,४; ४६,४;४७,
⌊५; ६,१९, ११⌋; ४,३८,१; ५,
३०, २; ३१,८: ३५,६; ६,१७,
१३; १८,१: ४; १९,६; २६,१:
३८, ५; ४६, ६; ४७,१५; ५१,
८; ७, ३३, २; ४१, २; ५६,७;
८,१,२१: २०,३; ४९,⌊६: ५०,
६⌋; ६१, १२; ६८, ६; ७०, ४:
९७,१०; १३; ९,६१,१०; ६२,
२९: ९७,२१: १०,२८,७: ४४,
३; ४७, ३; ८४, ३; १०३,.९;
१२५-१२६, ५; १२८, ९: खि
१,११,५; ३,१-२,६; १०[2], १:
२२, ३; ५, १५, १६; मा ५,
८[2]; ७, ३६†; १७. ४१†; २२.
२६;२६,१६†; †३४,३५; ४६;
३९, ८; ९ ; का ५, २, ८[2]: ७,
१८,१†; १८,४, ९†; २४, १२,
१; †३३,२,३; ९; ३९,६-७,१;
तै १, २, ११,२; ४, १७, १†;
२,४, ७,१; †४,४,१२,३$; ५,
१०, ४; ६,४,३: ७,१४,४; ७,

४, १४, १; ५,११,१; २; मै १,
३, २१†; २,१०, ४†; ३, १६,
४; ४, १४, ८[2];‡[f]; ११; काठ
२,८[2]; ४,८†; ८,१४; ११,१३;
१८, ५†: २१, १४†; २२,१४;
३८, १४; ४०,१०†; ४४, ३;
४५, २[2]; क २,३[2]: ३, ६†; ८,
२; २८, ५†; †कौ १, ३२९:
३५३$; ३७०; ४६०; ४६७:
२, २२; २८०; ५०६; ६९२:
१२०७; †जै १, ३४, ७: ३७,
२$; ३९,१; ४८,४; ४९,१: २,
२,६$: ३,३,१; २३, १२; ३९,
५; ५६, १९; शौ ३,५,४; १६,
२†;४,१३,५‡[g]: २७,७[h]: ३०,
३†;३१,३†;३६,८; ५,३,१०†:
१७, १‡[i]: ६, ५७, २† ; ९७,
३‡[j]; ९९, १: ८, ५, १९; १०,
४, ३: ४; ६, ६-१०: १२,१,१:
१५, ५, ८; १८,१, ४०†; १९,
१३,६‡[j]; १०†; ३३,४; †२०,
११, ११; ५४-५५, १: ६३, ६;
८०,२; ९२,१९; ९४,३: १३२,
६$; पै २, ८, ३; ३, ९, १-६;
१०,४; १३,४; १९,५: ३४, २;
३६,२†; ४, ११,१: ३-५; १२,
३†; १९, ५; ३१,२†;३५, ७;
५,४, १४†; ३९,५; ७, ४,६‡[j];
१०†; ९, १५, १‡[i]; १०, ४,३;
११; १२; १२, ५,४; १४, १,१;
१५,१,६; १६, १५, २-४; २८,

a) सपा. ऋ ८,९३,९ ऋभ्वः इति पाभे. ।

b) =सपा. आपमं २, १५,५ । मागृ २, ११, १४ तु अभ्मे इति पाभे. । c) तु. टि. उग्र (ऋ ४,२,१८) ।

d) सपा. मा १७,३९ का १८,४,७ तै ४,६,४,२ मै २, १०,४ काठ १८,५ क २८,५ कौ २, १२०५ वीरः इति पाभे. ।

e) सपा. ऋ १०,१०३,७ वीरः इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०, ४७,२ पाठाऽभावः ।

g) सपा. ऋ १०, १३७,४ भद्रम् इति पाभे. ।

h) सपा. तै ४, ७,१५,४ मै ३, १६,५ काठ २२, १५ जिष्णु इति पाभे. । i) पाभे. कृते पृ ८६७ j टि. द्र. ।

j) सपा. ऋ १०,१०३,६ मा १७, ३८ का १८, ४,६ तै ४, ६, ४,२ मै २,१०,४ काठ १८,५ क २८,५ कौ २, १२०४ विरिष्टः पाभे. ।

८; ४२,६-८; ४३,१; २;१७,१, १; १९, १२,९‡[a]; १३,१; ४७, १०;२०,३२,८[b];—ग्रम्ऽग्रम् ऋ ६,४७,१६; —ग्रस्य ऋ २, २३, ११; ३, ४६, १; ५,२०,२; ६, १८,४;८,४,७; १०,३४,८; खि ५, ११, १; मै ४, १४, १८†; क्री २, ९५५†; जै ४, २०, १†; शौ १, १०,१; ६, ७३, १; २०, १२७, ११; पै १,९,१;८,२,४; १९, १०, ९; —ग्रा ऋ १ २१, ४: ५, ६३, ३; ६,६०, ५; १०, १०६,४:१२१,५: १५९, २: खि १,५,७; ४,११, १२; †मा ३२, ६; ३३, ६१; †का २९, ८, १: ३३, ५,७: तै ४,१, ८,५†: ८, ११,२; १२,१; मै २,१३,२३†; ३,१६,४; ४,९,१२: १४,१२†· काठ ४,१५†: २२,५:१४: ४०, १†; क्री २,२०४†: जै ३, १८, ११†; शौ २, २५,१: ८, ८, ९: ९, १, ३; १०: १९, १५, ८‡[c]: पै २,४१,२†; ५२, ५: ३, ३५, ४‡[c]: ४,१,४†: १३,१: २७,१: ६,८,३: ९,१४,६[d]: १५, १, ३; १२,८?[e]; १६, २९, ९: ३२, २: १०; पै २०,१४,७[f]; —०ग्रा ऋ १,१५७,६: ४, ४१,४: ६, ६२,

३; ७२, ५; १०, १०६, ९; खि १,११,७; तै ४, ७, १५, २; मै ३, १६, ५; काठ २२, १५; —ग्राः ऋ १, १९, ४; २३, १०; ·३४, ५; ६, ६६, ६; ११; ७, ३४, ३: ५६,६: ५७,१; ८,४५, ⌊४; ७७,१⌋; १०,९४,६: १०३, १३[g]; मा १७, ४६†[g]: का १८, ४, १४†[g]; तै ३, ३, ३, २[h]; ४, १[h]; काठ ३०, ६[h]: †क्री १, २१६: २, १२१२[g];† जै १,२३, ३; शौ ३,१,२[i]: १९, ७†[g]; ५, २१,११; ६, ७४, ३[j]; ८, ७,४; १०: १३, १,३; पै १-२, ५६,१: ३,६,२: ५,११,५; ६, १७,५†; १०,४,८: १२,७,८[2]: १५, १२, ६: १६, १२,४: १०: १८, १५, ३: १९,.१५,६:२३,१३: —०ग्राः ऋ १, १६६,६: ८: ५, ५७, ३: ६०, २: —ग्राणाम् ऋ ९, ६६, १६ : पै ४, ११, २ : ३९, ३[k]; —ग्रात् ऋ ८,४५,३५: —ग्रान् ऋ ६, ६६,५. —†ग्राभिः ऋ १, ७, ⌊४: १२९, ५⌋: मै २, १३, ६: काठ ३९, १२: क्री २,१४८: ३, २,४: जै २. ५, ९: ३. १४, ९: शौ २०, ७०, १० : —ग्राम् ऋ १०, १०४, ३: तै १, ८,१३,१[l]:

मै २,६,१०[l]; काठ १५, ७[l]: शौ †२०,२५,७; ३३, २; पै ९, ६, ११; —ग्राय ऋ १, ३७, ७; ७, २८,५; ८, ३२, २७; ९६, १०; १०, ११६,५; मा १६, ४०; का १७,६,४; तै ४, ५,८,१; मै २, ९,७; काठ १७, १५; क २७,५; शौ ७, ११४, १; पै ४, ९, २; ११, ३,८: १५, २०, ४: —ग्रायै पै ५,१,१: —†ग्रासः ऋ ८,२०, १२; १०, ४८,३: शौ २०,९४, ३; —ग्रे पै ४,१,७‡[m]: १५,१२, ७?: —०ग्रे खि ४,५,३३[n]: खिसा २९,३४: पै ४, १३,७: २०, ६; १९, ४१, १७: —ग्रेग ऋ ८, १, २१: शौ ५. १३, ३: २३, २: पै ७,२,२: ८,२,१. ७,६: १२, ३, २: १५, १७.१: —ग्रेभिः ऋ १, १३३, ६ : १७१. ५ : ८, ४९, ⌊७(३,१७:५०,७)⌋: —ग्रेभ्यः ऋ ९, ६६, १७: —ग्रेषु ऋ २, ११, १७: १०,१५१,३: —ग्रैः शौ ५. १३, १: —ग्रौ शौ ४,२८,३;४'', ८. ६, २०: ११, २, १४: पै ४, ३७,४;५: ५, २२, ८: ७,९,८[p]: १५,१२,६: १६, ८१.१: १०५, ४: —०ग्रौ शौ ४. २८, ६: ७: पै ४.३७,६:७.

[a]) पाभे. कृते पृ ८६८ *j* टि. द्र. ।

[b]) सपा. शौ ७,६५,१ उक्थैः इति पाभे. ।

[c]) सपा. ऋ ६, ४७,८ तैब्रा २, ७, १३, ४ या ७, ६ ऋष्वा इति पाभे. ।

[d]) सपा. शौ ५, ३०,१६ बद्धा इति पाभे. ।

[e]) पाठे? उग्रः इति शोधः संभाव्येत ।

[f]) सपा. उग्रा<>उभ्रा इति पाभे. ।

[g]) सपा. तै ४,६,४,४ स्थिराः इति पाभे. ।

[h]) पाभे. कृते पृ ७६४ *i* टि. द्र. ।

[i]) सं३ इति व्याचक्षाणः मा. चिन्त्यस्तथाहि यनि. स्वराऽनुपपत्तेः ।

[j]) सपा. तै २,१,११,३ रुद्राः इति पाभे. ।

[k]) सपा. उग्राणाम्<>उग्रीणाम् इति पाभे. ।

[l]) =सपा. तैब्रा १,७,७,२ । मा १०,११ का ११,५,२ माश ५,४.१,४ तु दक्षिणाम् इति पाभे. ।

[m]) सपा. ऋ १०,१२१,७ विशिष्टः पाभे. ।

[n]) उग्रे इति पाठे? यनि. शोधः द्र. (तु. खिसा) ।

[o]) पृ ३९ अग्रे इत्यत्र यनि. शोधः (तु. सपा. पै ४, ३७,४) ।

[p]) सपा. उग्रौ<>उभ्रौ इति पाभे. ।

उग्री[a]– -ग्रीणाम्[b] शौ ४, २४,२.

उग्र-जित्[c]– -जितौ[d] शौ ६, ११८,१: पै १६,५०,३.

उग्र-धन्वन्[e]– -न्वा ऋ १०, १०३, ३[f]; मा १७, ३५[f]; का १८,४,३[f]; क २८, ५[f]; कौ २, १२०१[f]; शौ ८, ६, १८$;१९, १३,४[f]; पै १६,८०,९$.

उग्र-पु(त्र->)त्रा[g]– ०त्रे ऋ ८,६७,११.

उग्र-बाहु[h]– -हवः ऋ ८, २०, १२: शौ ३,१९,७: पै ३,१९,६; –हुः ऋ ८. ६१, १० ; शौ ४, २४,२; पै ४, ३९, ३: –०हो पै १५,२०,२‡[i].

उग्र-म्-प(श्य>)श्या[j]– -श्या मै ४, १४,१७?[k]; श्याः शौ ७, ११४,६: पै ४,९,१: –श्ये शौ ६, ११८, १[l]: पै १६,५०, ३: –०श्ये शौ ६,११८,२; पै १६, ५०,४.

उग्र-वीर[m]– -रम् तै ४, ४,१२, २; मै ३,१६,४: काठ २२,१४; पै १५,१,४.

उ(ग्र>)ग्रा-देव[n]– -वम् ऋ १, ३६,१८.

उग्रा(ग्र-आ)युध[o]– -धाः खि २, १४,११; शौ ३, १९, ७: पै ३, १९,६.

उग्रौ(ग्र-औ)षधि– -०धे पै १, ९८,१.

उग्रय– -ग्रयम् खि ३,१०[?],१७[p].

*उग्रर्[q]– -ग्रः तै २, ४,७,१: मै २, ४,७?: काठ ११,९?.

ओजस्[r]– -जः ऋ १, ३३, ⌊१२; ७,९१,४⌋: ३९. १०; १०३, ३; १२१,१०;१६०, ५;१६५, १०; २, १७, २: २९, २; ३६,५: ३, ३६, ६: ३२,३:९; ३६, ४;४७, ३: ५३, १९; ६२,५;४, ७,१०; १७. ३: १९, ८;४१, ४:५,३१, ७; १३; ३२, १०; ३३, ६;५७, ६; ६, १८, १५;१९, ६;२६,७; ३६, २; ४६, ७; ४७, २७;३०; ७, ५६,७; ८२, २; ६: ८,६,५; ४०,⌊६ (१०, २२, ८)⌋; ५०, ८; ९६,३;१७;९८,१०;९,९७, ४१; १०, ८, ९; ४४, ४; ५४, १; ८३,१: ४[a]; ८४,२;९५,११; ११६, ६; १७०, ३: १८०, ३; खि १, २, ७; ९:३,२,८: ४.६, ७; १२, २; मा ५. ५: १०,१५; १४,२३;२५:१५,३:१८,३:१९, ९[2]: २१,३८:५६:२८,५;†२९, ५३: ५६: ३४. ५१; ३६, १[?]; ३७,६; १२: का ५,२, २; ११, ५, ६: १५, ७, २: ८, ४; १६, १, २; १९, २, ३: २१, १,८[?]: २३, ४, १०; ६, ९: ३०, १, ५: ३३,२,१८: ३६,१,१[2]:३७, १, ६: २, २; तै १, २, १०, २; ५, ७, २¶: ६, १२, ४[2]: ८,

a) स्त्री. वैकांत्पकः ङीष् प्र. उसं. (पा ४, १,६५)।

b) पाभे. क्रने पृ ८६९ *k* टि. द्र.।

c) विप. (अप्सरस-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

d) प्र२ द्र. (वैतु. सा. मं२ इति)। सपा. मै ४, १४, ७१ तैब्रा ३,७, १२, ३ तैआ २,४,१ विशिष्टः पाभे.।

e) विप. (इन्द्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

f) सपा. उग्रध°<>ऊर्ध्वध° इति पाभे.।

g) विप. (रश्मादिति-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

h) विप. (मरुत-, नृ-, इन्द्र- प्रभृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

i) सपा. ऋ २,३३,३ वज्रबाहो इति पाभे.।

j) विप. च व्यप. च। उस. उप. √पश+म्पश प्र. मुमागमः प्रकृतिस्वरश्च।

k) उग्रं पश्यात्, उग्रं पश्येत् इति द्विविधे पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ ६,११८,१ पै १६, ५०, ३ तैआ २, ४,१ °श्ये इति बचनमात्रे भेदः, तैब्रा ३, ७, १२,३ दूरेपश्या इति पाभे. च)।

l) वैतु. सा. सं२ इति व्याचक्षाणः स्वरदोषादुपेक्ष्यः।

m) विप. (ओजस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

n) व्यप. (राज-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. दीर्घः (पा ६,३,१३७)।

o) विप. (देव-, नृ-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

p) सपा. खिसा १८, ६ बृदे ६, १४१ उग्रेण इति पाभे.।

q) विप.। व्यु.? यत्तु तैप्रा ८, ११ आवृत् इति पदं परतः उग्र->ग्र१ विसर्गस्य रेफादेशोऽन्वशासि तच्चिन्त्यम्। म. काठ. °ग्र° इति पाठः शोधार्हः।

r) नाप. (बल-,ऊर्जस्- प्रभृ.)। धा. अर्थः?। असुन् प्र. (पाउ ४,१९२) नित्स्वरश्च (वैतु. <√उब्ज् इति पक्षयतः या ⌊६,८⌋ अप्याअंबे स्यात ⌊तु. पाधा.⌋?; <√उष् इति ⌊पाउभो २, १, ३२६⌋)। प्रकृतः धा. =√*वज् (वृद्धौ) इति PW. GW. MWA. प्रभृ.।

s) सपा. मै ४,१२,३ विशिष्टः पाभे.।

११, १; २,¶३,१, ५; ११, ४;
४, ¶३, १[२];२[२]; ३; ५, २; ७,
१;९,१; ३, १, १, २¶;३[२]; ३,
१,२[३];४,८,२[३]¶; ५,२,३; ४,३,
८-९,१;१२,१;४,१,२; १२, १;
२[२]; ३;†६, ६, ६;७;७, १, २;
१५,४;¶५, ३,२,४[२]; ३,२[३];४;
४,२[४];३;५,१[२]; ६,१;५,८,१;९,
२$; ६,१,२$[a]; $७,४,३;१८,
१;¶६,२,२,३$;४;५,४, १;६,
५,२; ¶७,१,४,२[२]; ३,५, ३[२];
६, २;७,१;२; ३[२];८,२;९, ३[२];
४, १, २;२, ३;६,२; मै १, २,
७; ३, ३२†; ४, १४¶; १०,
१०[२]¶; २,१,१[७]¶;३[२]¶; ११;
३, ४[२b];४,४¶; ६, ७;८, ४;५;
७; ११-१२, २; १३, १[a]; ¶३,
२,४;६[२],७[२];८;९[२];१०[३]; ३, २[२],
८; १०[२]; ४,६[२]; $११, २: ५;
१६, ३: ४[४]; ५$; ¶४, ३, १[२]:
४, १[२]; ७, ३[२]$; ६; ८[३]:
९; ९, १$; †११-१२, ३; ४;
काठ १, ७; २, ८; ४, ११†;
५, २; ८, १[३]¶; १६[२]†; ९,
१७[९]¶; १८†; ¶१०, ७[३]; १०;
११, ३[४]¶; ७[b]; ८[b]; ९; १२,
४[२]¶; १५, ६; १७, ४[२]; ६; ७;
१८, ७;¶२०, ७[३]; ११[४];१२[२];
१२[३]; $; ¶२१, १[४]; २[२]; ३;८;

१०[२];२२,१४[७c];१५;२३,३[२]¶;
२५, ५¶; २८,३¶; ¶२९, ७;
९[३];३१, ६;३२, १[२]¶;२;¶३४,
१;९[२]; ३६, ५[२]¶; १५[३b]; ३७,
:¶; ८[४]¶; १७; ४०, ३[२]; ४६,
१[२]†; ५३, ८; क १,७;२ २;३,
९†; ६, ६[३]¶; २६, ३[२]; ५; ६;
२८, ७; ¶३१, ९[२];१३[४]; १४[२];
१५[२]; १७[२]; १८; ३९,२¶,४४,
३¶; ४५, ८¶; ४६,२[२]¶;४७,
६; ४८, ११[d]; †कौ १, १८२:
२६२; ४०५; ५४२; २, ५१९;
६०५: ८०५: १००३; ३, ४,
११$; †जै १, १९, ८; २७,
१०; ४५, ७;५५, ९: २,४,९$;
३,४०, १५; ४९, २;४,३,१;८,
४: शौ १,१२,१;३५, २: ३;२,
१७, १[२]: ३, ५, १; १९,२; ४,
२४, ५: ३१,२†: †३२, १; ४;
६, १२५, २†;३‡[e];१२६, २†;
७, ५७, १; ८९, २†;९५, १†;
९, १, १७; ४, ८: १०, ३,१२;
५, १-६: ११, ९,१८;१०, २०:
१२, ६, १: १८, ४, ५३: १९,
३३, ४, ३४, ५; ३७,१: २:४१,
१: ४२, ४: ५२, २; ६०, २:
†२०, ६७, ६: ९४, ४: १०७,
२; १०८, १; १३७, ११; पै १,
१७, १: ३०, २; ५३, ३: ५४,

२; ३, ७७, १; ८३, ३; २,७३,
१; ३, १३, १; १९, २; २७,१;
३१, ३;४, १२, २†; †३२,१:
४; ३९, ५; ९,२०,८; १०-११,
३, ५ ; १२, ७ , ६[२]; १४, १,
१९; ३, २२; १५,१, २; ४; ५;
७; ५, २; †११, ६:१०: १६,
२४, ७; ३३, ७: ४७, ७: ६४,
१;८३,८;८६, १०; १००, १३:
१२७, १-५; १४१,१: १९,१२,
८; १७, ११[f]; २९, २: ४८,१४;
२०, २९, १†: ५७, १: –जसः
ऋ १, ५२, १२: १०२, ८: ५,
३२,९;८,१२,२४;१०,७३,१०:
१५३,२: मै ४,७,६¶; †कौ १,
१२०; २, २२३‡[g]; ११९५‡[h];
जै १, १३, ६†. शौ १९, ४५,
३; २०, ९३, ५†; पै ५, २२,२:
१५, ४, ३: –जसा ऋ १, ७,८:
९, १: ११, [८: ८,७६,१]:१९,
४: [(७) ८]: ३९, ८ : ५३ , ७:
५५, २: ५; ६: ५६, ६:८०, १[i];
२; ११; ८५, ४: १०: १०२,१.
१२७, ३; ४[२]: १३०, ४: ७[२]:
९: १३२, ५: १७५, ४: १८७,
१: १८८ ,[४: ९, ५,४]:२,१७,
५: २२, २-४ : २४, २: ४: २५,
३: ४; ३, ४५,५: ५१, १०: ४,
३२, ३; ५, १२,९; १४: ५५,२:

) =सपा. ऐब्रा ८,६ । शौ १६,१,१३ तु पाठाऽभावः ।

) =सपा. तैब्रा २, ५, १ शांगृ १, २७, ७ । तै २, ३, १०, ३ शौ २, २८, ५ तैब्रा २,७,७,५ आपमं २,४,२ तु रेतः इति पाभे. ।

c) एकतरत्र सपा. तै ४, ४,१२,३ मै ३,१६, ४ पाठाऽभावः । अन्यत्र च बृहत्साम इत्यादि-मन्त्रस्योत्तरार्द्धे वर्तमानस्याऽस्य पदस्य स्थाने सपा. तै ४, ४,१२,२ आश्रौ ४,१२,२ मध्यम् इति पाभे. ।

d) सपा. काठ ३५,११ पाठाऽभावः ।

e) =सपा. गोब्रा १, २,११ वैताश्रौ ६,८ । ऋ ६, ४७, २८ मा २९, ५४ तै ४,६,६,६ मै ३,१६,३ काठ ४६, १ तु वज्रः इति पाभे. ।

f) सपा. शौ २, २९,२ अस्मै इति पाभे. ।

g) सपा. ओजसः<>ओजसा इति पाभे. ।

h) सपा. ओजसः (तां ६,१०,१८ च) <>ओजसा इति पाभे. ।

i) सपा. खि ५,४,३[२];४ कौ ४, ३[२]; ४[०] जै २,७,१[२];२ ऐआ ४,१,१[३] अम्भसे इति पाभे. ।

५६,४; ५९,७; ८१,३[a]; ८४,३;
७, ५८, २: ८२, ३; ८,४,५;६,
१:१५:२६;⌊४१;४०, ५⌋; ७,८;
१२,४;२७: १७,⌊९; ९, १०१,
५⌋[b]; ३२, १४: ३३, ७;८: ३६.
३; ४०, ⌊१० (११)⌋; ५१, ८:
६२, २; ८;⌊९; १०,१५३, ४⌋;
१०: ८८, ५; ९२, ६; ९३,२३:
९७, ११; १४; ९९, ३; ९, २,
७; ५,३: १५,: २९, १[c]: ३४,
१: ३५,२: ३९,३: ५३,२: ६४,
१८: ६५.१०:⌊१४: १०६, ७⌋:
१०८, ६; १०, ४९, ७: ६५,२:
४:७;७५,१; ९६, १०; ९९, ६:
१०३, ६: ११३, २: ६: १५३,
३-५: खि ३,३,८;२१,१: ४,५,
४: ५, ५,२[2]: मा ७, ४०†; ८,
३९† : ५९: १०,३०; ११,६†[a]:
१३, १४, १७, ३८†; ४७; २१,
२५; ३३,२५†:४१†; ९२: ३४,
७†; †का ७, २२,१; ८,१४,१;
९, ७, ८$; $११, ६, १[d]; ९.२:
१२, १, ६[a], १४, १, १४: १८,
४, ६: १५$, २३, ३, ३$: ३२,
२, ८: १०; ३, १२: ३३, १, २;
तै १, †४, २०,१: ३०, १: ८,
१४, २[d]; २, ३, १,५¶; १४, ६;
३, ४,८, २¶; ४, ६,४, २†; ५,
३. २, १¶; ७, १, २, १¶; मै
१,३, २४†: २,१, १[c]¶; ३[3]¶,
६, ३; ७, १५: ८, ८; १०, ४†;
३, २-३, ८¶ ; ११, १२; ¶४,
३, १[3]; ४, १[f]; ९[2]: ७, ३$; ८:
१२, ५† ; १४ , ६$: काठ ४.
८†;९,१७[c]¶: १०, १२†; १५,
२;१६,१५; १८,५†; ¶२१, ३;
८;२५,५[2]¶:२८,३¶; २९,९¶:
३४,७¶: ३६,१५: ३७. ८[4]¶;
३८, ११ ;४०. ८†: क ३, ६†:
२५,६:२८,५†:३१.१८¶;३९,
२[2]¶: ४३,३¶: †कौ १. १५१:
१६५: १८०: २४३‡[e]: २६७:
२९७: ३१२. ३७२$[f]: ३९१:
४१०[g]: ४६६: ४६९: ५७१:
५८५: २, ८७: १५३: २५१:
२८२; ३३८: ३९३: ५०५‡[e]:
५८४‡[h]: ६०२: ६२१ : ६५७:
६६९;६७६: ८३७:८३८:९७२:
१०४६:१०४७:१०६५:११६५:
१२०४: १२१०: †जं १,१६,
७: १८, १: १९,६: २६, १‡[e]:
२८, ५: ३१,५: ३२,१०: ३९,
३$[f]:४०, २[g]: ४४,३: ४८, ६:
४९, ३: ५८, ६: ५९, ८;
३,९,१: १५,१: २०, ७[b]: २१,
१६: २३, १४; २८. १०; ३१,
१३: ३८,१$; ३९,४‡[e]:४०,२:
४७, १०‡[h]: ५०, ८: ५४-५५,
१०:५६,४;४,६,१:७,२: शौ ३,
१-२,६: ६,९७,३†: ७, २६,१:
८,८,१२: १३: १०,३, १३: ६,
१; ११, १२, १३: १९, १३,६;
३३,३: ३४,५; †२०,५,३[b];२१,
७: ३१, ५; ४२, ३; ५३, १; २;
५४, २: ५७,११: १२; ५८, १;
७०, १४; ७१, ७; ९३, ६-८;
१३७, ५[b]: १३८,१; पै १, ५१,
२; ६०,१: ३, ५-६,६; ३६,३†;
५,२, ८; २७, २[2]; †६, १६,१;
१७,५:७; ७, ४,६†:१८,४†:५;
११,३,५: १२,५,३;१६,३०,२;
३; ४२,१; ४४,७; ६४,३; १९,
१२, ९†: ३५,४; ४१, ६: ४८,
१४: २०, ५, २[f] : १४, १०;
–¶जसि तै ७, ३, ६,२: ८, २;
४, १,२: २, ४: ६, २; मै २,८,
४:१३,१८$;३,२,४: काठ १२,
४: –जसे ऋ १,५७,५;८, १२,
⌊(७,३१,१२)२२⌋: २३;६१,२[h];
७५, १०; मा ७, २८: ३६: ८,
३९[i]: १०, २३[j]: का ७, १९,
१: ८, १४, १[i]: ९,१,३: ११,
७,३[j]: तै १, ६,१,२:८,१५,२[j];
२,६,११,२†: ३,३,१,२: ४,३,
७,२; मै १, ६, २; २,६, १२[k];
३,११,८: ४, ४,६[k]; ११, ६†;
काठ ७, १३: १७† ; १५, ८[j] :
३६, १५[i]: क ६, ३, †कौ १,
११; २, ९९८: जै १, २, १†;
शौ ८,५, २०; १०, ६, ६; ७[i];
८-१०; ११,१२,११; १९, २६,
३; ३७,३; ४५, ६-१०; ४६, १;
†२०, १५,५; ११३, २[h]; पै १,

a) मपा. तै ४, १, १, २ मै २, ७, १ काठ १५, ११ अर्चतः इति पाभे. । b) पाभे. कृने पृ ८७१ *g* टि. द्र. ।
c) पाभे. कृने पृ ८७१ *h* टि. द्र. ।
d) मपा. मा १०, १७ मै २, ६, ११: ४,४,५ काठ १५, ७ पाठाऽभावः ।
e) धृष्णुमोजसा इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ८,७०,३ धृष्ण्वोजसम् इति पाभे. ।
f) सपा. शौ ७,२२,१ वचसा इति पाभे. ।
g) पाभे. कृने पृ ८७१ *i* टि. द्र. ।
h) सपा. ओजसा<> ओजसे इति पाभे. ।
i) सपा. ओजसे(माश ४,५,४,१० च) <>ओजस्वते इति पाभे. ।
j) =सपा. माश ५,४, ३, १७। मै २,६१२;४,४,६ तु बलाय इति पाभे. । k) पाभे. कृने पृ ८३० *e* टि. द्र. ।

५४, ४; २, ८६, १-६; ४, २३, १; १३, ३, १; १५, ४, ६-१०; २२,८; १६,२८, ९;४२,६; ७[२]; ८; ४३, १; २; —जांसि ऋ १, ८०,१५; शौ ६, ७, ३; पै १९, ३, १२; —जोभिः ऋ ७,५६,६; तै ४,७,१५,६[a]; मै ३, १६, ५[a]; काठ २२,१५[a].

ओजसीन[b]— -ना[c] तै ४, ४,१२, १[d]; —ने मै ३,१६,४[d].

¶**ओजस्-काम**[e]— -मस्य तै ३, ४,८,२; —माः काठ ३४,९.

ओजस्-कार[f]— -०र मै ४,७,३[g].

ओजस्य,स्या[h]— -स्या मै २, ३, १[२]; १३, २१[i]; काठ ११, ११[२]; —स्ये काठ २२,१४[j]; पै १५,१,३.

ओजस्-वत्— -वत् मै ४, १२, २[k]; काठ ८, १७[k]; ३६, १५[२]; —वते तै १,४, ३०,१[२l]; मै १, ३, ३२[२l]; काठ ४, ११[२l]; ३६, १५; क ३, ९[२l]; —०वन् का ८,१४,१[g]; —वन्तम् ऋ ८,७६, ५; तै ३, ३, १, १[m]; मै ४,७, ३[m]; काठ ३६, १५; —वान् का ८,१४,१[२m]; मै ४,७,३[m]; काठ ४,१४; ५,१; ३२, १; ३६,१५, शौ ८, ५, ४; १६[n]; पै १, ७६, १:१६,२७,४.

ओजस्वती[o]— -तीः मा १०, ३[२p]; का ११,२,३[२p]; तै ५,३,४, ६¶; काठ २१,१¶; क ३१,१६¶.

ओजस्-विन्— -वि मै ४, ३, ८[q]; —०विन् तै ३, ३, १, १[g]; —वी तै ३,३,१,१[m]; ४,८,२¶; ५, ३, ४, ६[२]¶; पै १२, ७, ६; —वीनि मै ४,३,८[२].

ओजस्विनी— -नी तै ५, ५, १०,१¶[1]; —नीः मै २, ६,७[p]; काठ १५,६[p]; ३९,१.

ओ(जस्>)जो-दा[r]— -दाः ऋ ८,३,२४; मै २,१३,२३‡[s]; काठ ४०,१‡[s]; पै४,१,२‡[s]; —दाभ्याम् तै ५,६, २१,१; काठ ५०, १; —दाम् मै २,१३,१८;४,७,३.

ओजोदा-तम— -मः ऋ ८, ९२,१७.

ओ(जस्>) जो-भृत्[t]— -०भृतः मै ४,२,११; —¶भृतौ तै ५,३, २,१;६,५,४,१; मै ३, २,९.

ओ (जस्>)जो-विद्[u]— -वित् तै ३,३,१,२.

२**ओजस्**[v]—

✓**ओजाय**[w]

†**ओजायमान**— -नः ऋ १,

---

[a]) सपा. शौ ४,२६,१ योजनानि इति पाभे.।

[b]) विप. (अहन्-)। मत्वर्थे ख>ईनः प्र. (पा ४, ४, १३०) तत्स्वरश्च।

[c]) छन्दोदृशा सप्त१ =°ने इति (तु. मै., काठ २२, १४ ओजस्यै इति पाभे.; वैतु. सा. =°नः ⌊प्र१⌋ इति?, K. °ना⌊स्त्री. प्र१⌋ इति च?)।

[d]) सपा. आश्रौ ४,१२,२ ओजसीनाम् इति पाभे.।

[e]) विप.(यजमान-)। स. स्वरस्य च कृते पृ १० *g* टि. द्र.।

[f]) विप. (इन्द्र-)। उस. अणन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[g]) सपा. °जस्कार<>°जस्वन्<>°जस्विन् (शांश्रौ १०,३,१० आपश्रौ १३,८,९ च) <>°जिष्ठ(माश ४, ५,४,१२ काश्रौ १२,३,६ च) इति पाभे.।

[h]) विप. (अहन्-, तनू-)। मत्वर्थीयः यत् प्र. (पा ४, ४,१३०) तित्स्वरश्च।

[i]) सपा. °स्यां<>°स्विनी (आपमं २,१७,१५ च) इति पाभे.।

[j]) छन्दस्तः =°सीये (तु. सपा. तै. °सीना(=ने) इति, मै. °सीने इति च पाभे. यद्र.। [k]) पाभे. पृ ६९० *g* टि. द्र.।

[l]) पाभे. कृते पृ ८७२ *i* टि. द्र.।

[m]) सपा. °जस्वन्तम् (आश्रौ ६,३,२२ वैताश्रौ २५,१४ च)<>°जस्वान्<>°जस्वी (शांश्रौ १०, ३,१० च) <>°जिष्ठः (माश ४,५,४,१२ च) इति पाभे.।

[n]) सपा. पै १६,२८,६ सहस्वान् इति पाभे.।

[o]) विप. (२अप्- >आप्-), नाप. (इष्टका-विशेष- ⌊तै. काठ. क.⌋)।

[p]) सपा. °स्वतीः (माश ५,३,४,८ च)<>°स्विनीः इति पाभे.।

[q]) °वी इति पाठे? यनि. शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.)।

[r]) विप. (इन्द्राग्नि- प्रभृ.)। उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[s]) सपा. ऋ १०,१२१,२ मा २५,१३ का २७, १०,४ तै ४, १,८,४; ७, ५,१७,१ शौ ४, २,१; १३, ३, २४ आत्मदाः इति पाभे.।

[t]) विप. (अश्व-, इन्द्राग्नि-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[u]) विप. (इन्द्र-)। उस. उप. ✓विद् (लाभे)+क्विप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[v]) कर्तरि असिः प्र. तत्स्वरश्च(तु. अपस्-)।

[w]) क्यङन्तः नांधा. (पा ३, १, ११ ⌊वैतु. GW. <ओज्- =१ओजस्-⌋)।

१४०,६; –नम् ऋ २,१२,११; ३,३२,११; शौ २०, ३४, ११; पै १३,७,११.

ओजिष्ठ,ष्ठा[a]– -०ष्ठ ऋ १,१२९, १०; –०ष्ठ मा ८, ३९[b]; –ष्ठः ऋ ६,३३,१; ८,९३,८; ९,६६, १६; ६७,१; १०१,९; १०,७३, १; मा ८, ३९[c]; २८, १; ३३, ६४†; का ३०, १, १; ३२, ५, १०†; मै १,३,२०†;२,५,१¶; १३,६†; ३,७, ६¶; ¶काठ ४, ८†; ७,१०; ११,३; २४, ३;४; २५,१[२]; २९,१२†; ¶क ३,६†; ५,९; ३७,४; ५; ३८,४[२]; †कौ २,१७०; ५७३; ६७३; †जै ३, १६,८; ४६, ११; ५६, १; †शौ २०, ४७,२; १३७,१३; –†ष्ठम् ऋ ३,२१,५; ४,४१,४; ५,१०, १; ६,१९,६; ४६,५; ८,४,१०; ३४, १६; ९७, १०; तै ६.२,२, ३¶; मै ४, १३, ५; काठ १६, २१; कौ १,८१;३७०; २,२८०; ३,१,१; जै १,९,१; ३९,१; २, ४, १०; ३, २३, १२; शौ २०, ५४, १; ८०, १; –ष्ठया ऋ १, १६९, ४; –ष्ठाय मा ५, ५; का ५,२,१; तै १, २, १०,२; ६,२, २,३; मै १, २, ७; काठ २, ८; क २, २; –†ष्ठेन ऋ १,३३,११; मै ४,१४,१२; –†ष्ठेभिः ऋ ४, २०, १; मा २०, ४८; का २२, ५, २; –¶ष्ठौ काठ २४, ४; क ३७,५.

ओजीयस्[d]– -यः ऋ २, ३३, १०; १०, १२०, ४[e]; मै ४, ६, ८[२]¶;९,४†; काठ २९,८[२]¶; शौ ५,२,४[e]†; ७,५, ४; २०,१०७, ७†; पै ६, १, ४†; –यसः शौ १०,३,७; पै १६,६३,७; –यान् ऋ ६,२०,३;९,६६,१७.

¶ओजीयसी– -सी मै ४, ६,८; काठ २९, ८; –सीः काठ २९,८[२]; –सीम् मै ४,६,८; काठ २९,८.

†ओज्मन्[f]– -ज्मानम् ऋ ६, ४७, २७; मा २९, ५३; तै ४, ६,६, ६; मै ३, १६, ३; काठ ४६, १; शौ ४, १९, ८$; ६, १२५, २; १९, ३४, ९$; पै ५, २५, ८$; ११, ३, ९$; १५, ११, ६;२०,३७,४.

उ(द्>)ज्√जन्,>जा, †उज्जायताम् ऋ १०, ४३, ९; शौ २०, १७, ९; उदुजायन्त ऋ ४, १८, १; १०,५५,७; कौ २,११३४†. उद्···जजान ऋ ३, १, १२; उद्···जज्ञिषे पै १, ९३, १; उद्···जनिषीष्ट ऋ ७, ८, ६; उद्···अजनिष्ट ऋ ५, ३१, ३[g]; †उद्···अजनि ऋ १, ७४, ३; तै ३, ५, ११, ४; मै ४, १०, ३; काठ ८, १६; कौ २, ७३२.

उज्-जात– -तम् पै १९, ४१,५.

उ(द्>)ज्√जि, >जापि[h], ¶उज्जयति तै १,७,४,२; मै १,११,६; ७; २,१,१०; ५, ३[२]; ३, ४, ३; ८, ४; ७: ४, ४, ५[२]; काठ १३, ३; १४, ७[२]; २५, २; क ३८, ५; ¶उज्जयन्ति काठ १४, ७;८; उज्जयामि काठ १,१२; ३१,११; उज्जयत् पै २, ८१, ३; उज्जयात् काठ १२,७¶; उदजयत् मा ९, ३१[३]-३३[३]; ३४[२]: का १०, ६, १[३]-३[३]; ४[२]; तै १, ७. ११, १[७]; २[४]; ५. ३, २,३¶; ¶मै १,११, ५; ७[२]; १०[१०]$; २, १,१०; ५, ३[२]; ९; ३,४,३[२]: ८,४;७; ४,३, २;४,५; ¶उदजयत् मै १,११,५: ४, ३, २; काठ १२, ७[२]; १३, ३; १४,४[१६]$; ५[२]:७[२];३१,१२; २५, २; ३१, ८; क ३८,५; ४७,८; उदजयताम् मा ९, ३१; का १०,६,१; तै १, ७,११,१; मै १, ११, १०: काठ १४, ४; उदजयन् मा ९, ३२;३३; ३४[३]; का १०, ६,२; ३; ४[३]: तै १, ७, ४,२¶; ११, १; २[४]; मै १,११, १०[९]; ४, १, १०¶; काठ १४, ४[८]; ¶उदजयन् तै ५,७,२, ५; मै २, ५, ३; उज्जयेत् मै ४, ३, २¶.

उज्जिगाय पै १,१०२,२; उद्··· जिगाय तै ३,५,१,१; शौ ७,८५, १; ¶उज्जेष्यति मै ४, ३, २; काठ १२, ७; ¶उज्जेष्यथ मै ४,

---

[a]) विप. (इन्द्र-, सोम- प्रभृ.)। अतिशायने इष्ठन् प्र. नित्स्वरश्च। पाप्र. तु <ओजस्वत्- इति।

[b]) पामे. कृते पृ ८७३ *g* टि. द्र.।

[c]) पामे. कृते पृ ८७३ *m* टि. द्र.।

[d]) विप. (इन्द्र-, वध-, चत्र- प्रभृ.)। ईयसुन् प्र.। शेषं *a* टि. द्र.।

[e]) 'ओजीयः स्थिरम् (क्रिवि.) यथा स्यात् तथा (आत्मानम्) आतनुष्व' इति वा. द्र. (वैतु. GW. W. [शौं] सं१ इति)।

[f]) नाप.। मनिः प्र. उसं. (पाउ ४,१५२) तत्स्वरश्च।

[g]) तु. सस्थ. टि. आ।

[h]) णौ आत्वम् (पा. ६,१,४८)।

३,२; काठ १२, ७; उदुजैषुः मै १,११, ७[२]¶; उजेषम् मा २, १५[२a]; ९,३१[४b]-३३[४b]; ३४[४b]; का २,४,१[२a]; १०,६, १[४b]-३[४b]; ४[४b]; तै १,६, ४, १[५]: २[३]; ७, ४,२.

¶ उज्जापयति काठ १४,७; ३४, ५[२].

¶उज्-जित- -तम् मै २, ५,९: ३, ८,४.

उज्-जिति- -तयः काठ १४, ७¶; -तिः मै १, ११, ७¶; -तिम् मा २, १५[२]; का २, ४, १[२]; तै १, ६,४, १[५]; २[३]; ७, ४, २[३]¶: ¶ मै २, १, १०: ५, ३: ३, ८, ७; ४, ४,५; -¶तीः मै १,११, ५: काठ १४, ५; ७; -¶त्यै मै १, ११, ६: ७; ९; ४, ३, २[२]; काठ १४,६;७[२]:१०; २१,१२.

१उज्-जे(षं>)षा[c]- -०षे[d] शौ ४, १७,१.

२*उज्-जेष[e]-
उज्जेषिन्[f]- -षी[g] मा १७, ८५: का १८,७,६.

उज्-जिहान- २उद्धा(द्र √हा [गतौ]) द्र.

उ(द्>)ज् √ज्वल्, ¶ उज्ज्वलति काठ ८, ९[३]: क ७, ५[३]; उदज्वलत् तै २,६,९,४¶.

उत,>ता[h] ऋ १, १,२;४,५; ६;१०, ६; ११, ८; १७, ६;२०,६;२३, १९;[२२; १०,९,८]; २४, ८, २५,१५; २८,६; ३१,१८; ३२, ४; १३; ३४, १; ५[३]; ३६,[(२) ६]; १५; १७; ३९, २; ४१,[६; ८,८४,३]; ४५,१; ४७, ६; ५१, ३; [५२, (५) १४]: ५३, ८: ६७,५; ७४,३; ९:७६,[४; १०, २, २]:७९, ६[२]; ८०, १५; ८१, १[१]: ८२, ५; ८४; १७; ८५, ५; ८६,३: ९०,५; ७; ९१,५; ९४, ५; ६: ८; ११: [१६: ९५,११; ९६, ९; ९८, ३; १०० , १९: १०२, ११: १०३ , ८: १०५ , १९ ; १०६ . ७ ; १०७ , ३ : १०८. १३ : १०९, ८; ११० , ९: १११,५; ११२, २५: ११३. २०; ११४, ११; ११५, ६; ९, ९७, ५८]: १०१,११; १०६, ३: १०८,३: ५; ९; १०; १०९, १: २; ११२,१५; ११४,२:७[३];१०; ११६, १०; २५ : ११७, १९: ११९, ९; १२२, ४: ६: १२७, [९: १७५, ५]; १२९, ३;१३७, २ : १३९, ८[२] : १४०, १२[२] ; १४१,१२; १४७, ५; १५१, २: ९; १५३ ४; १५४, ४; १५९, २; १६१, ३ ; १६२, ५ ; ६ ; १०; २२; १६३, १; ४; १६४, २६; १६७, ८; १७०,१; १७१, ३; १८०, ९; १८१, ८; १८३, ४; १८६, ५-८; १८९, ४; ६; १९१, ३; २, ७, ?: ३; ९, ६[२]; १०, २; ११, ६: १२, ५; १३, ८; १६,६; २३, ७; २४, १; २; १३; २७,३; ८: ११: १४: २८, ८[२]: ३०, ७; ९; ३१,३-५; ६[२]; ३५,११; ३६, २; ३७, ४[२]; ३, ८,६[२]; ५, ४: ६,२; ७, ५; १३, ६; १६, ४; १९, ३: २९, १६: २५,१; ३०, ५; ११[२]; ३२, [८; ३४, ८]; १२ : १३ ; ३४, २ ; ९[२]: ३५, ३: ३६, ३; ३७, २; ३८,२: ३; ४१,७: ४७,३; ५१, ५: ५४, ७; १९ ; ५६, ३ ; ५; ५९ [१: ६,५१,८]; ४,२,४; ३, १५: ९, ३; ४[२]; १२,५; १५,८; १७,८: १०[२]; १३; १८, ४:११: २०,८: २१,३: ९: २४,७; २५, ८:२६,५; २७,२; ३०,४;६-८: १२-१८; २२: २३; ३१, ७: ८: ३३,११: ३४,२: ३; ३८,२: ५- ९: ३९,१; ४०, ३: ४[१]: ४२,४; ४५,३: ४८,५: ५०,९; ५२,३[२];

---

a) तु. सस्थ. टि. अनु ।

b) सपा. तै १, ७,११,१ मै १. ११,१० काठ १४, ४ पाठाऽभावः ।

c) विप. ([अपामार्ग-] ओषधि-)। गस. उप. कर्तरि सः प्र. उसं. (पाउ ३,६२) प्रकृतिस्वरश्च (तु. W. प्रमृ.; वैतु. सा. तुमर्थे से प्र. इति, तथा सति स्वरः?)।

d) सपा. पै ५,२३,१ विजेषे इति पाभे. ।

e) उप. भावे. प्र. इति पूर्वाद् विशेषः (तु. यस्था. वि √जि > २*वि-जेष-)।

f) व्यप. (मरुद्देव-विशेष-)। मतुबर्थीयः इनिः प्र. तत्स्वरश्च ।

g) सपा. आपश्रौ १७, १६, १८ ऊर्जिषी इति पाभे. ।

h) अव्य. (पा १,४,३७)। व्यु.?। चार्थे अप्यर्थे विकल्पार्थे च अन्तोदात्तो नि. (फि ८२)। <उ इति MWA. ।

i) पाभे. पृ ४४५ b टि. द्र. ।

j) =सपा. या २, २८। मा ९,१४ का १०,३,७ तै १, ७,८,३ मै १, ११, २ काठ १३, १४ माश ५, १,५,१९ तु एषः इति पाभे. ।

५५,५; ५,१,६; १०; २,१०;५,
९;६,⌊१०; ८,६,२४;३१,१८⌋;
७,३;९;९,३;४; ७; २४,१;२९,
३; ३०,२; ३१,१३; ३३,७; ८;
९;१०;३४,३; ४१,३; ११;४२,
५; ८; १२; ⌊१८; ४३, १७;
७६, ५;७७, ५⌋; ४३, ९[२]; ४६,
२; ४[७]; ५[२]; ६; ८; ४७, ७;
५२, ८; ९[२]; ५३, ८; ५५, २;
७; ५६, ७; ५८, १; ५९, ५;
६०,६; ६१, ५; ६; ८; ९;१८;
६२, ३; ६९, १; ४; ७०, ३;
७५,४; ७६, ३; ७७, २; ७९,
⌊८;८, ५, ९; ९,६२,२४⌋; ८१,
१;४[४];५[३];८३,२[२]; १०; ८५,४;
⌊८; **१**०,१३९, ५⌋; **६**,१, ⌊१०;
७, ६३, ५⌋;१५,११[२];१३; १६,
८; ४७; १७,३; १८,७; १९,१;
८; २१,५[२]; १२;२३, १०; २५,
३; ७; ⌊९;**१**०,८९,१७⌋;२८,१;
३३, ५; ३८, ४; ४०, १; ४४,
१३; ४५,⌊३; ८,१२,२१; ४०,
९⌋; ५; ४७, १[२]; ७; १९; २९:
४८, २; ४[२]; १७; १९; ५०, ३;
⌊(**१**, ५८, ८; **४**,२,२)९⌋; १०;
१३; १४;५२,१; १३; ५३,⌊१०;
९, २, १०⌋; १०; ५४, ६; ५६,
२; ३; ६०, १; ६१, ३;⌊७; **७**,
९५, ४⌋;१०; ६२, ८;११; ६३,
९; ६४, ४;६७,६; ६८,७;**७**,२,
६;५,४; १२,२; ३;१५,३; १७,
१; २[२]; १९, ५; २०,९; २५,३;
२६, ४; ३१, २; ७; ३३, १०-
१२; ३४, १८; २३; ३५,⌊१४;
१०, ५३, ५⌋;३६,७;९; ३८,५;
४०,३; ४१,१;४[४]; ४९,२[२];५४,
३; ५६,११; ५७,६; ५८,१; २;
४;६४,२; ६६,⌊६; ८,१२,१४⌋;
६८, ६-८; ७२, २; ७४, ६[२];
८२, ८; ८६, २; ९०, ३, ९७,
⌊१०; ९८, ७⌋; ९८, २[२];१०४,
२२[२]; २४; ८, १,६;३१; २,३३;
४२;५, ९;२१;२६; ६,२२;२३;
३२;३३;३९;७,१२;२४,९,१०;
११[२]; १२,७; १३,२३;१४,११;
१५, ७; १८, ७: ८; ११[२]; ⌊१६
(३१, १०)⌋: १९, १९; ३७;
२०, १५; १६; २१, ८; २३,
२; २४, ४;२५,१०; १४; २६,
१०; १८; ३०, ४; ३२, ८; ९;
२०[२]: ३५, १३; १४; १६-१८;
४३, १२; १३; १७; ४४, २२;
४५,६: १७; १८;३३; ३४; ४६,
१०; २८; ४७,५; १२; ४८,१;
५; ८: १४; १५; ५२,८; ५३,७;
५४,६; ५७,३: ६०,९; ६१, २;
१५; ६६, १०; १४; ६७, १०;
६९,८; ७०,५; ७१,१; ७५, २;
७८, ३; ४; ८०, १०; ८३,
९; ८६, ४;८८,४; ८९, ५[a]; ६;
९२, २८; ९४,४; ९७, १०; **९**,
१,⌊४; ६,३;५१,५;६३,१२⌋;९;
४,⌊३; **१**०, २५, १⌋; १३, ४;
२२, ५; ६; ३२, ६; ४५, ३;
५५, ३; ६१,८;६३,९;६८, ७;
७९, ३[२]; ८२,३[b]; ८७,९; ८९,
६; ९३,३; ९६,३; ५; ९७,१३;
२४; ५३; १०७, २०[२]; **१**०,
४,⌊७; ७,७⌋;७,७[२];१०,५; १६,
६;८;१७,२;१८,१;२०,९; २२,
९;⌊१५; १४८,४⌋; २५, ३; २७,
२४;२८,१;३१,२;४;११[२]; ३२,
७; ३३,८; ३४, २;३९,९; ४०,
५;४२,९;⌊११[२];४३,११[२]; ४४,
११[२]⌋; ४३, ३; ५; ४८, ८; ५३,
४; ७[२]; ११; ५५, ३; ६[२]; ५६,
४;६०,३; ६१,९; १४;१५; २३;
६२,१०; ६३,२; ६४,१०; ६६,
११; ६७, ३; ६९, ४; ५; १०;
१२; ७१,४[२]; ५; ७३, ३; १०;
७५,८; ७८,६; ८१, ३[२];५; ६;
८२, २; ८३,६; ८५,१०: ८६,
९;१४; ८७, ३; ६;७; २०;८८,
२;३; १४[२]; १५: ८९,४; ९०,
२; ९१, ११; ९२,१२; ९३,५:
६; ७; १०; ९५,५; ७; ९६,१०;
९७,२; १६[c]; ९९,९; १०२,७;
१०४, १०; १०७,७; १०८,५;
१०९,६[d]; ११०, २; १११, ९;
११६, ८; ११७,१[२]; ३; १२१,
१; १२४,१; १२५, १; २; ५;
७; १३१, ३; १३६, ५; १३७,
१[२]; १४१, २; १४२,३[२]; १४६,
३[२]; १४८,३; ४; ५; १५८, ३;
१५९,३; १६१, १; १८६, २[३];
खि **१**, ४, ४; **२**,८,२; ११, ४;
३, ४, ८; ५, ७; ६,६; **४**,९,३;
११,३; ५,३,२; २० ३[२]; **७**,६-
७, १; †मा **३**, २५; ५, १४;
१९[२]$; **७**, ३९; **८**, २०; २३;
२५$; **९**,६; १५; २२$; **११**,
४; ६३$; ७७$; ७८$; **१२**,
७६; ९०[e]; १३, ४;२८; ४५$;
५२; **१५**, ३७[२]; ३८; ३९; ४८;
५०$; **१६**,१[e]; ६; ७; १०;१४;

a) सपा. उत<>उतो इति पाभे.।
b) उतास्सरन् इति पाठस्य स्थाने सपा. कौ २,६६७ उद्यास्सरन् इति पाभे.।
c) =सपा. लाश्री २,२,१। आपश्री ७,२१,६ तु अपि इति पाभे.।
d) सपा. शौ ५,१७,१० अवृतुः इति पाभे.।
e) =सपा. माश ९,१,१,१४। नी ४ तु अस्तु इति पाभे.।

१५[२]†; १७, १९[२]; २१ ; २२;
२६; ६९$; १८, ३४$; ७७;
१९, ४७; २०, १९$; २३, १;
५०$; २५,१०; २८;२९; ३३;
४५; ४७; २७, २४; ४३; ४४;
२९,१२; २६;५५; ३१,२; ३३,
४२; ४८; ५३; ३४, ३$; ३०;
३४; ३७[४]; ५३; ३५, ७; ३७,
२; ३८, १७‡[a]; †का ३, ३,
१७; ५, ५, १; ७[२]$; ६, ५, ५;
७, २१, १; ८, २०,१; ९,३,६;
४,१; ३$; १०,२,३; ३,८; ४,
८$; १२, १, ४; ६,४$; $७,
१२; १३; १३,६,२;१६[b]; १४,
१,४; ३,२; ४,८$; ५,६; १६,
५,१९[२]; २०; २१; ३०; ६,२$;
१७, १, १$[c]; ६$; ७$; १०$;
१४$; १५[३]; १८,२,४[२]; ६; ८;
३,२; ६,५$;२०,१,५$;५,१०;
२१,३,१८; २२, १, ४$; २५,
१,१; ९,६$; २७,१०,१; १२,
५$; ६; १३,२; १५,२; २९,३,
२;५, १२; ३१, २, १२; ३,१;
४;४,२; ३२,३,१३; ४,५; १०;
३३,१,२४; २,१६; ३५, १, २;
४,६; ३७,१,२; ३८, ४, १‡[a];
†तै १, १, १४, १; २, १३, १;
२[२]$; ३$; १४,७;३,१४,२; ६;

४,२१,१; ४४,२; ४५, १; २$;
५,६,३; ६,२,२$; ३, २‡[d]; ७,
७,२; ८,३; १०, २; १३, ४$;
८,५,३$; २२,४; २,१,१,४¶;
२,७¶; ९,३¶; ११, ३; ५[२];२,
¶४,३; ४; १०,४¶; १२,७;३,
११, २¶; ४, १, १¶; २, ३¶;
१०,३¶; १४,१$; ३; ५; ६,९,
५$; ११,१; ३,१, ¶४, २; ४;
११,२; २, ८, ५$; ११,३; ३,
९,१$; ११,१[२]; २$;४,१०,१;
११,३;५;६;५, १,१$; ४,२$[e];
११,४;४,१,१,१; ६,३[२];‡[a];$;
८, ४; १०, २[२]$; २,६, १[२];‡[f];
८,१; २;९,३; १०,४$; ११,१;
३, १३, १; २[२]; ४,४, ५[२]; ८;
$१२,४; ५;५, $१,१[c]: २; ३[२];
४[२]; १०,२[४]; ३; ६,१,५[२]: २,१:
४[२];५; ५,२$; ६,६; ७,१: २:
८,२[२]; ४: ९, ४: $७, १२, २;
१३,३; ५,३, १०,२¶; ४, १२,
२[२]¶; ६, १, ४$; ७, २, ४$[g];
४,३; ¶६,१,६,६; ८,१: २,४,
१; ९, ३; ४,३,४[२]; ६, ३, ४$;
७, ¶२, ४, ३; ७, ५; ३, ११,
३$; मै १, २,९[३];†; १५; ३,
२५†; ३८†;३९[४];†;‡[d];४, ३[e];
८¶; १२[२]¶; ५,३†; ८¶;९¶;

६, २[२];†;‡[h]; ¶८, २[२]; ४; ९;
१०,३; †११, १; २; ४; २,३,
८†; ४,२¶; ५,१०[i]; ७,६;७[२];
१३[३];†; ‡[f]; १५†; १६†; १७;
९,२[ee];१०,२[४]†; ३†; ६; १२,
१; ४; १३, १; ८[२]†; ९†; १०;
११†; १३; २२; २३†; ३, ६,
६¶; ८, ७[२];†; १०, ३¶; १२,
१६†; १६,१[३]†; ३†;४[२]: ४,१,
९: २, १¶; १०[i]; ५, ७; ९,
१[२]; †;‡[a]; ११†; १२[२]: †१०,
१; ३: ५[३];†११,१[२]; २[२]; ४; ६;
१२,१†:२[j];३[२];†;४[२]†[k]:५[२]†;
६[२]†;†१३,३:४$;६;९$: १०[२];
†१४,२[४]; ३; ४; ७[४];$[३]: १२[२];
१४[२]; १५[२]; $; १७[३]$; काठ १,
१२; २, १०[३]; †; १४†; १५[६]†;
४, ८†;१२†;१३[२]:†,‡[d]: १५†;
५, २[२]; ६[e], ७, १†: ५¶: ८†;
१६[२]†: १७†; ८, १६†: १७[२j];
९,६; १३¶: १०, १३[२]†: ११,
१२[२]†; १२, १३; १४[२]†: १५†;
१३,९[२];१०; १४[२]†; †१५,११;
१२: १६, ६; ७[२]; १३[२]: †: ‡[l];
१५†; १७: २०†: २१; १७,
११[ee]; १८[२]†: १९†; १८, १[l];
२[३]†: ४: १३, १८; २०†: २१,
१३[३]†: २२, १४[२]; २३. १२[३]†;

[a]) =सपा. तैआ ४, ३, १ । ऋ ३, ५९, ७ तु अभि इति पाभे. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ८७६ *c* टि. द्र. ।

[c]) पाभे. कृते पृ ८७६ *e* टि. द्र. ।

[d]) उतु यज्ञाः इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १,९८,३ मघवानः इति पाभे. ।

[e]) पाभे. कृते पृ ७९९ *c* टि. द्र. ।

[f]) सपा. ऋ १०,९७,३ विशिष्टः पाभे. ।

[g]) उतुः नः (मंब्रा २, १, ११ शांगृ ४,१८,१ पागृ ३, २,२ च) इति पाठस्य स्थाने शौ ६, ५५,२ तु शिशिरः इति, काठ १३,१५:३५,९ आपश्रौ १४,२८,४ माश्रौ १, ६, ४,२१ आगृ २,४,१४ मागृ २,८,६ विशिष्टः पाभे. च ।

[h]) हरिणोतु इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १, १६३. १ मा २९,१२ तै ४,२. ८, १; ६,७,१ काठ ३९,१ वैताश्रौ ६,१० हरिणस्य इति पाभे. ।

[i]) पाभे. कृते पृ ७८० *b* टि. द्र. ।

[j]) सकृत् पाभे. कृते पृ ७९१ *d* टि. द्र. ।

[k]) पाभे. कृते पृ ४४५ *b* टि. द्र. ।

[l]) °मो नु इति पाठे? °मोतु इति शोधः (तु. ऋ १०, ८२,२ या १०,२६) ।

२४, १¶; २५, ८; २९, ८¶; ३०,८^{३}; ३१,१४; ३४, १३^{४}¶; ३५,३;५^{२};६†; १९†; ३६,१५: ३७,९; ३८, २†; ५; †३९, १: ३; १२; १५^{३}; ४०, १†; ३; ५; ६†;९; ११^{२};†;१२; ४३,१; ४५, ११†; †४६, १; ४^{३}; क १,१२; २,४^{३};†; ३,६†; १०†; ११^{३};†;‡[a]; ५,१†; ४¶;८,१०: २५,४^{२};†;‡[b]:६†,८; २७,१^{४}[c]; २८, २^{३}†; ४; २९,,२: ६: ३७, २¶; ४०, १; ४८,४: ६^{२}: ७†: १७†: †कौ १, ६: ३६; ९६: १०२: १११; १७२$; १७४: १८६: २३२;२७८;२९२: ३३५: ३३९;३६२; ३७०;४२२;४४८: ५२७; २,५४;६७; १५६: १७४: २१२:२७३;२८०; २९३:३२७; ३३७; ३९५: ३९९; ४१३: ४३२:४५५;४५७:५४०; ५६८: ५८४; ५९६; ६०२; ६५५: ६५६;७०३:७३१;७३२: ७७०: ७८०: ८११; ८९८: ९०९; ९१३^{२}; ९४३^{२}: ९९५: १०७७^{२}; ११०४; ११३३^{२}; ११३५; ११९१^{३}; ३, १, ५; ४, ६: १०; †जै १,१,६; ४,२; १०,५; ११, ६: १२, ५; १८,८$: १०: २०, २; २९,८; ३०,१०; ३५,४: ८: ३८, ५; ३९,१; ४१,४; ४७,२;

५४,९; २,२,५;३,५; ९;४,५$; ५,२; ६, १[d]; ३,५, १३; ७,५; १५,४; १६, १२: १९, ७; २३, ५;१२; २४,९: २७,३; २८,९; ३१,१५; १९; ३३;३३,७; ३४, १३: १५; ४२,६: ४६, ९; ४७, १०; ४८, १२: ५४,५: ६; ५६, १६; ५८,१०: ४,३, ६: ४, ९; ७,८: ११,१:३^{२}: १४,१$; १५, ६^{२};१९,४:२८, ७; ३०, ५^{३}; शौ १,४,४†;८,३, ९,१:२:४^{२}:११, २: १२,३: १५,२: १७,२: १८, ४: १९, ३‡[e]; २२, ३: २८, ४; ३०,१^{२}: ४: ३१,४: ३५,३: २, १,३‡[f]: ९,३; ४:१२,१:२८,३; २९, ३; ३२ ४[g]: ३४,१: ३, ५, ५:६,८; ७,७: १०,९;११,१†: १३,६;१४,४; ५: †१६, १; ४^{४}; १९.४;२०,३†; ८:२१;३: २८, २: ३०, ३; ४,२,७†: ८; ३, २; ४,५^{२}; ६,३; ५: ६; ७,६; ८,५: ९,३^{२}: ६; १०,३; ११,१; १३, १^{२}†; १४,५: १५, ७; ९; १६, ३^{३}; ४: १९,३; २०,४:८^{२}: २१, १†; २२,५[h]; २५,५; २८,२;५; २९, ५; ६; †३०, १; ३; ६ ; ७; ३२,६†; ३७,५; ५,१, ७^{२}; ८;७,८; १२, २†; १३,१: १७, ८; १८,९; १०; २१,११; २२, १३; २३, ७; ८; ११[i]; ३०,१२;

३१, ५; ६, ३,१; ३; १८,१; २; २०, १; २१, ३; २७, ३‡[j]; ३८, १; ४१,१; ५९, २; ६०, १; ३; ६१, १; २;३; ७१, १; ३; ९२, २[j];९३, २;९५, ३; ९६, २†[k]; ९८,३; १०९,१; ११३,२;११९, १;१२०,१; १२६,१†;१४१,३; ७, ५, ५^{२}; १२, १; २७, ८^{२}; ३६, २; ३; ३९, ३; ५१, २†; ५२, ५; ६†; ५३, १^{२}†; ५८, ६ : ७७, ७†: ७८, २; ८५, १: १००, ३; १०२, १: ११६, १; ११७,२†[k]:८,३,३†;५^{२}; †;‡[l]: ७^{२}: †; ‡[m]; १९†: २०‡[n] ; ४, २२; २४ : ५, ६^{२} ; ६, १ ; ५; ६: १७: २१: ७, १: २७; २८; ८,१४: ९,२४; ९, १,२;२,१४; २४; ३, १; ५, १५; १५,४;१०, १, २७^{२}: ३,१३:१४;१५;४, ५; ७, १९: ३२: ८, १२; १७;२३; २५; २७;२८^{४};१०,१;३४; ११, १, १८; ३४:२,४: १५: २९^{२}†; ६, ७; १६; ७, ४; ८, १; ३;८; १७:२१;११,१५;२१;२४; १२, १, ३; २५; २८: ३२; २, १७; ३,११; १२; १६;२७^{३}; ४,१८; ५०;१३,१, १५; ३८; २,२६^{२}†; ३, ७; १४, १, १०†; २८‡[o]; ४४^{२}‡[p];२, ४८;६९;१७,१,१२; २९; १८, †१, ५; ४८^{२}; २,

[a]) पाभे. कृते पृ ८७७ *d* टि. द्र. । [b]) पृ ८७७ *f* टि.द्र.।
[c]) पाभे. कृते पृ ८७६ *e* टि. द्र. ।
[d]) पाभे. कृते पृ ८७६ *a* टि. द्र. ।
[e]) सपा. ऋ ६,७५,१९ शौ ३,३,६ युश्च इति पाभे. ।
[f]) सपा. ऋ १०, ८२,३ विशिष्टः पाभे. ।
[g]) सपा. तैब्रा ४,३६,१ आपमं २,१६,१३ अपि इति पाभे. । [h]) सपा. तैब्रा २,४,७,८ अथो इति पाभे. ।
[i]) सपा. ऋ १०,१६५,३ माश २,१७,१ नः इति पाभे. ।
[j]) सपा. मा ९,९ का १०, २,६ माश ५, १, ४, १० विशिष्टः पाभे. । [k]) पाभे. कृते पृ ८७६ *c* टि. द्र. ।
[l]) सपा. ऋ १०, ८७,६ यत्र, यद्वा इति पाभे. ।
[m]) सपा. ऋ १०,८७,७ विशिष्टः पाभे. ।
[n]) सपा. ऋ १०,८७,२१ विशिष्टः पाभे. ।
[o]) सपा. ऋ १०, ८५,३५ तु इति पाभे. ।
[p]) एकतरत्र सपा. ऋ १०,८५, ४६ मंब्रा १,२,२० आपमं १, ६, ६ अधि इति, अन्यत्र च विशिष्टः पाभे. ।

३३†;४९; †३, ५३; ५५; १९, १,२; ६,४†; †११, ४; ६; १५, ३; २२, २१;२३, ३०; ३२,४; ३५, ४; ४४, ६;४८,४; ५०,५; ५३, ५; ५६, ४;६२,१[2]; †२०, ८, १; ११, २;८;९[2]; १७,३;५; ११[2]; १२; १९, २; २१,८;२३, ७; २९, १;३१,५; ३४, ५;३७, ५; ५४, १; ५६, १‡[a]; ६०,१; ६७, २[2]; ४; ६८, ५;६; ८१,१; ८७, २[2]; ७; ८९, ९;११[2];९१, ३; ९२, ५; २०; ९४, ११;९६, ६;१०६, १; ११३, २;१२५,३; १२६,९;१४;१२७,५[2]$; १३५, ८[2]$;१४०,५; १४१,१[2];१४३, ९; पै १, ५, २; १२, ४: १४, १[2]: ४: १७, ३; १९, १[2]; २; ४; २२, ४[2]; २४, १;४; २८,३; ३२, ५;४२, १; २:४८, २:४९, ४;५३, २; ६२,१; ७८, १:८३, ३;८६,१;४;९०,३;९१, २;९३, १; ९६, २;१००,१; १०१,१[2]; ३; १०२,१[b];२; १०३,२;१०९, ४; २, १, ५; ५, १; १०, ३;५; १२, ३; १४, ३; १८, १; २३, २; २८, २[2]; ३०, ५[2]; ३२, ३; ५[2];३४,४;५;३६,३;३९,२;४१, ३†; ५५,३[2];४; ७०,४;५; ७३, २; ७४, ६; ७६, ३[2]; ८०, १; ३, २, ६; ३, ३; ८: ४, ६; ८, ४; १२, ३; १३, ८[2]; १७, ४; १९, ३; २१, ४;५; २३,३; ६[2];

२५, १; २७, ५; ३२, २; ५;६; ३४,४;९;३५,३†; ३८, ३;४०, ४; ४, १, १†; ८; २, ६; ८,९; १०; ६, ४[b]; ७, १‡[c]; ४; १०, ५; ११, १; १६, ५; १८, १; ३; २०, ४; २५, ५; †२८, ३: ७; †३१, १; ४[1]; ३२, ६†; ३४,५;३७, २: ३; ३८, ४;५,३, ३; ७,६: ८, २: ४; ५;९,६;७[2]; ११,५;१३,३;१६,५[2]: १७, १; १८,१[2]: १९,३;२०,५; २२, १; ३-५: २५, १[2]; ३[2]: २७,७;२८, ५; ९: २९, ५-७;३०, ७[2]:३२, ३[2]: ३६,१:३८,५†; ४०, ४;५; ६, २, ६; ७:८,२: १४, ८;१६, ३‡[d]: २१, ४: २२, ११: ७,१, ४: २, ८: ९: ३, ५:८, ८:९,५; ११,३:८,२,२:३, २[3]: ६:६,८[2]: ७, २:३; ७:९: ९, ८-१०: ११, ८: १२, ६: १८, ११†: १५,१: ३-७: १३; ९, ३, ६: ४, २: ९; ५,४†:६,५:७†:१०:७,४; १४: ९, ६: १०, ५[2]: १३, ४:१४,२, १५,९†: १६, ६:७;१८, २: ५: २३, ४: १०, १, ५[?]; ३, ३: ४: १०: ११, २,२: ४, ४;५,२:१४: ६, २†: ३‡[e]: १२, †१,५: ६: ८; ११: १६: २, ५:४, ४; १३, ५, ८; २५: †६,४: १३:७,५†: †८, १४: १६: ९, ६:७;१०,४: ५; १४, १; १४, १, १८: २,९: १०[2]; १५: ३, १८;१९: ४,१५;

१५, १, १०; २, ४;३, ६;†११, १[2]; ३$; ९; १२, ७; १३, १;८; १४, २; ९;११;१५, ५; १८,९; २२, ८; १६, ६, ३†; ६[3]; †; ‡[2f]; ७[2]; †; ‡[g]; ७, ९†; ८, ११[2]†; †११, २[2]; ४; १२, १; ६; १४,६; ७; १५, ५; २१, ८; २७, ६[3]; ९: ३०, ४: ३२, ३; ३७, ८[2]; ५०, २;६; ९: ५१,२; ६८,३-५;६८,४†; ७०,८: ७१, ४[2]; ७७,४; ८; ७८, १: ७९, १; ५:६;८०,८;८१,३;८९,५: ९०, ८; ९२, ४; ९६,३;१०२,३;४[2]; १०: १०३,२: ८:५[4]: १०८, ४; १०५, ५; १०६, ९[3]†; १०७, १; १०९, ३: ११०, ८: १५१, ६; १५३, १; ४; १७, १, ३:३, ६; ९: ४, २: ८, १०: १०, ३: ७[h]: ११, ३; १७, ९: २०, १०; २३, ३†: २८, ५; ३१, ८: ३५, ३[1]; ३७, १; २:६:३८, ७[3]: १८, १, १०†: ३, ७‡[i]; ५, १[2]‡[k]: ११, ८; १३,९; १६, ५: १८, ८; २३,३[2]†: २६, १: ३१, ७: ३२, १२: १९, १.१६: ७, १०; ८, १६: ७,१६: ९, ७: १०, १: १४; १२, ५†: १०; १५: १३, १५‡[g]: १४, ६–९: ११[2]: १४: १७, १२: २०,५: २१, ७[2];२२, ८:२७, ९: २८,१३: ३०,२;३१, १[2]; ३३, ३; १२: ३४,१६; ३६, ३: ३८,१५[2]; ४०,२; १३; ४१,

---

[a]) पाभे. कृते पृ ४४५ *b* टि. द्र. ।

[b]) उत श° इति पाठस्य स्थाने यथाक्रमं सपा. शौ ७, ८५,४;४,५,४ आतिश° इति पाभे. ।

[c]) सपा. ऋ १०,१६३,१ शौ २,३३,१ अ॒थि इति पाभे. ।

[d]) सपा. ऋ १, १६७,३ उ॒प इति पाभे. ।

[e]) सपा. ऋ १०, ९७,३ विषिद्धः पाभे. ।

[f]) पाभे. कृते पृ ८७८ *l* टि. द्र. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ८७८ *m* टि. द्र. ।

[h]) सपा. उ॒त<>उ॒भे इति पाभे. ।

[i]) सपा. शौ १२, ३,५३ अ॒पि इति पाभे. ।

[j]) पाभे. कृते पृ ८७८ *o* टि. द्र. ।

[k]) पाभे. कृते पृ ८७८ *p* टि. द्र. ।

१४; ४३, १५: ४५, ६†: ४६, ८³†: ४७, ७: ९²; ४८,१८:५२, ५: ५५,११-१४: २०, २, ७: ६, ८²: ११, ११: १४, १: ४: १८, ६: ७;८²:९:१०; २४,९; ३०,६; ३३, ९†: ३६, ९; ५५, ७: ५६, ४: ५७, ८: ६१, ६; उतऽउत पै १४, २, ४.

उतो[a] ऋ १, २३, १५: ११६, १४: १३१, ६: १३४, ६: १५३, ४: १६२, ⌊६: १२⌋: २, ११, ५: १८, २: ३. ७, ६: १०: ५४.४: ४. ९, ४:३८. १: ५, ६,९: २५, ८: ३८, ४; ५५, ४: ६, ४७, १: ७.१, ८;९. २९,४; ५३, ३; ८, ६, ३१: १३, ९: २८: ⌊३१: (३३, ११)⌋: २१, ८; २५, २३; २६, ११ : ३३, १७; ४०,⌊१०: ११⌋: ७२, ६: ९३, ५: ९४, ६: ९, ५७, ४: ६४,⌊२६(६०,२)⌋; ९९, ४: १०, ७१, ४: ७३, ९: ११७, १: २: १४६, ३; १६८, १: खि ४, २, २; ५, ७,८,१८: २०, ३: मा १५, ४३†: १६, १: २५, २९; का १६.५, २५†: १७, १, १: †२७, १२,६: १३, ४: †तै २,२,१२,७; ४, ४, ४, ६; ५, १, १$: ६, ८, २: ९, १: मै २, ७, १६†;९, २; १३,५†: ३, १६, १²†: काठ १२, १३¶; १७,११; †४६, ४;५: क २७,१; †कौ १,३३१;२,३७४; ७७९‡[b]; ९८३; १११४; ११३७: ३, २, ७;४,९$; †जै १,३४,९; २,४, ३$; ३, ३०, १७; ४,८,८;२४, ४; २८, ३; शौ ४, १६, ३;१९, १³: १०, ७, २१; ८, २९; १८, १, ४८†: १९, ३५, ५: ४७,३; २०, ७२, ३†:११२,२†:१३५, ८; पै २, ३८,४: ५, २५,१:३२, ३: ९²: ६, २०, ३: ११,४, ५: १४, २, १०: १५, १, ३: १५, ४?[c]: १७, ९, २: १८,१०[d]: १९, ३६,३[e]: २०,४७,५'.

उत- √वे द्र.

?उतत पै १९,३२,१५.

?उतपदः पै १९,४८,२.

?उत या भवद्रया पै १९. ८०, १३.

?उत स्या नः पै १९,४७,७.

?उता खा त मन्यु रु जं न्युत पै ५, १०,५.

?उतानाम् पै ८,९,११.

?उतैर पै २, २,२.

उ(द्>)त्√कस्, उत्कसन्तु शौ ११, ११,२१.

उत्-कूल[f]- -लम् शौ १९, २५,१.

उत्कूल-निकूल[g]- -लेभ्यः मा ३०, १४; का ३४,३,१.

उ(द्>)त्√कृ(करणे), उत्कृषे मै २, ७,१२; उत्(कृषे) मै ३, ६, ८; उत्कृधि काठ २, ३; २३, ४; क १,१५; ३६,१.

उद्···कृण्वत पै ६,७ ६; उद्···कृणोतु पै १०,३,२.

उद्···कुरु पै ५,३४,६.

उद्···चक्रिरे पै ४,२१,६.

¶ उत्क्रियते मै १,५,१३.

उ(द्>)त्√कृत् (वेष्टने), उत्कृणत्ति ऋ १०,१३०,२[h].

उ(द्>)त्√कृत् (छेदने)

उत्-कर्तम् काठ १०,६¶.

उ(द्>)त्√कृष्, उद्···कृषति तै ४,२,५,६[i].

उ(द्>)त् √कॄ, >किर्, उत्किरामि मा ५, २३[j]: उत्···किरामि मा ५,२३; का ५,६,२.

¶ उत्-कर[k]- -रः मै ४. १, १३; काठ ३१,१२; -रे मै ४,१,१३; काठ २१,७; ३१,१२.

उ(द्>)त् √क्लृप् > कल्पि, उदकल्पयन् शौ १२, ४, ४१; पै १७, २०,१.

उ(द्>)त्√क्रम्, >क्राम्, क्रमि, ¶उत्क्रामति मै ३, २, १; काठ २७, २; ३; क ४२, २; ३; ¶ उत्क्रामन्ति मै १, ११, ६; काठ ३४, १२; उत्क्राम मा ११, २१; का १२,२,१०; तै ४,१,२, ४;५,१,३,१; मै २,७,२; ३,१, ४²: काठ १६,२;१९,३; क ३०, १; शौ ८,१,४;९,५,६; पै १६, १,४; ९७,५; उदक्रामत् ¶मै १,

---

a) उत+उ इति समाहारः (तु. पृ ९७ c टि.)।

b) पाभे. कृते पृ ८७६ a टि. द्र.।

c) पाठे ? इदुम्->इ-तस् (>:) इति शोधः।

d) सपा. शौ १२, ४, ३० अथो इति पाभे.।

e) सपा. शौ ७, ७८, २ इदुम् इति पाभे.।

f) अस. उत्तरपदाऽऽद्युदात्तः (पा ६,२,१२१)। उ° इति स्वरे ? यनि. शोधः (तु. टि. अनु-कूल-, BW. WI.; वैतु. BW. W. °ल- इति)। 'लमु°' इति समस्तमिति सा. चिन्त्यः।

g) द्वस. अन्तोदात्तः (वैतु. MW. विप.)।

h) सपा. उत्कृणत्ति<>उद्गृणत्ति इति पाभे.।

i) सपा. उद्···कृषति<>उद्···वपति<>उद्···वपतु इति पाभे.।

j) सपा. उत्किरामि<>उद्वपामि इति पाभे.।

k) नाप. (⌊उत्कीर्ण-⌋मृचय-)। गस. अथवा आदि-स्वरः।

६, १०; ३, ६, ३[a]; ४, १, १०; ¶काठ ८, ९; ३१, ८; ¶क ७, ५; ४७, ८; शौ ८, १०, २; ४; ६; ८; १०; १२; ११, १; १२, १; ३; ५; ७: १३-१४, १; ५; ९; १३; १९, १९, १-९; ११; पै ८, १७, १-९; ११; १३, ५, २३; १६, १३३, २-८; १३४, १-४; १३५, १-८; १७, २८, २; ¶ उद्क्रामन् मै १, ९, ८; काठ २३, १[a]; क ३५, ७[a]: शौ १९, १९, १०; पै ८, १७, १०: उद्···अक्रमन् शौ ४, ३, १: पै २,८,१.

उद्क्रमीत् मा ११, २२: का १२, २,११; तै ४, १. २,४;५, १,३,१; मै २, ७, २; ३, १, ४: काठ १६,२; १९,,३; क ३०, १.

¶ उत्क्रमयति तै ५, १, ३. १: काठ १९,३; क ३०, १.

उत्-क्रंस्यत्– -स्यते तै ७, १, १९, ३: काठ ४१,१०.

उत्-क्रम– -मः, माय मा १५, ९: का १६, २,७.

उत्-क्रमण– -णम् मा ७, २६: का ७,११,१.

¶ उत्-क्रम्य तै १, ७, ६, ७; मै ३, ८, ५[२]; ७.

उत्-क्रान्त– -न्ताय तै ७, १,१९,३; काठ ४१,१०.

उत्-क्रान्ति– -न्तिः मा १५, ९; का १६,२,७; –न्तिम् मै २, ८, ८; –न्त्या मै २, ८, ८; –न्त्यै मा १५,९; का १६,२,७: मै २, ८,८; ३,१,४¶.

उत्-क्रामत्– -मते तै ७, १, १९,३; काठ ४१,१०: –¶मन् मै ३,२,१

उत्क्रामन्ती– -न्ती मै ३, ८, २.

उ(द्>)त् √*क्रुद्(शब्दे)[b]

उत्-क्रोद[c]– -दम् तै ७,५,९,२[२]¶.

¶ उत्-क्रोदिन्[d]– -दिनः मै २,५,९.

¶उ(द्>)त् √क्ष्विद्, उत्क्ष्वेदेत् मै ३,२,२;८,७.

उत्-क्ष्वेदत्– -दन् मै ३.२,२.

उ(द्>)त् √खिद्, उत्खिदति तै ६, ३, ९, ४¶; उत्खिदति तै ६, ३. ९,३: शौ ११,६,२१: उत्खिदति पै १६,२३.१: उत्खिदन्ति मै ३. १०,२¶: उत्खिदतात् मै ४,१३, ४: काठ १६,२१ ;¶ उद्खिदत तै २, १.१, ४; ५, १: उत्खिदेत् शौ ११. ६, २१: पै १६,२३,१.

उत्-खिदत्– -दन शौ ४, ११, १०: पै ३,२५,११.

उत्खिदन्ती– -न्ती शौ १२.७,८.

उ(द्>)त् √तक्ष्, †उत्तक्षतम् ऋ ७, १०४,४: शौ८,४,४: पै१६,९,५.

?उत् तद् अश्मिदावती पै १९, ३५,१३.

उ(द्>)त् √तन्, †उद्···अतत ऋ १, ३७,१०; कौ १,२२१; जै १, २३, ८.

?उत्तनुप्व[e] पै १३,३,५.

उत्-तत– -तम् शौ २, ७,३;७,९५, ३; पै २०,२९,३.

१उत्-तान, ना[f]– -नः ऋ ४, ⌊१३-१४, ५⌋: तै ३, ४, ८,६¶; ¶मै १, १०, ७; ३, ६, ९[२]; ¶काठ २३,५[२]; –नम्[g] ¶तै ५, ५, ३, २[२]; ३: –†नयोः ऋ १, १६४, ३३; शौ ९, १५, १२; पै १६, ६९,२: –ना खि ४, १३, २‡[h]: पै १६, ४७,१०; –नाः मै ४,१, १२¶: शौ १२, १, ३४: पै ७, १३, ५: १७, ४, ५: –ना३: तै ५, ५, ३, २: –नानि मै २, ३, ७¶[i]: –†नाम् ऋ ५, १, ३: १०, २७ ⌊१३: १४२, ५⌋: कौ २, १०९८; –नायाः मा ११, ३९: का १२, ४, २; मै २, ७, ४: काठ १६, ४; –†नायाम् ऋ १,१६४,१४: २,१०,३: ३, २९, ३: मा ३४, १४: का ३३, १, ८; काठ २०, ६¶: क ३१, ८¶: शौ ९,१४,१४;२०,१३३, ४$[j]: पै १६, ६७, ४: –नायै खि ५,१६,४[j]: तै ४, १, ४, १; –नेन तै ६, ४, ५,६¶; –¶नेषु[i] तै २,३,६,२;७,३: काठ १२,५.

उत्तान-पद्[k]– -पदः ऋ १०,

[a]) सपा. उत्क्रामत<>उत्क्रामन्<>तै ६,१,१,७ ?अपोदक्रामत इति (तु. पृ ३०६ i टि.) च पाभे.।

[b]) पाधा. उसं. (तु. भा. सा. K.; वैतु. PW. प्रभृ. =√कूर्द् इति)। [c]) नाप. (⌊हर्षनिमित्त-⌋ उच्चध्वनि-)। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।

[d]) विप. (असुर-)। गस. णिन्यन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[e]) उत्तनुष्व इति पाठः? यनि. शोधः द्र.।

[f]) विप. (सूर्य-, यजमान-, चमू- प्रभृ.)। गस. उप. णः प्र. (पावा ३, १, १४०) प्रकृतिस्वरश्च।

[g]) द्वि१ सत् वा. क्रिवि. द्र.।

[h]) =सपा. माश्रौ २,१८,४। आश्रौ ३,२७,९ कौ २,८२९ शौ ५,२५,२; ६, १७,१ शांश्रौ ५, १४, १२ तु भूतानाम् इति, आपमं १,१२,४ तिष्ठन्ती इति च पाभे.।

[i]) सपा. °नानि<>°नेषु इति पाभे.।

[j]) सपा. °नायाम्<>°नायै इति पाभे.।

[k]) नाप. (⌊परिणामोन्मुखा-⌋ प्रकृति- ⌊तु. कठउ २, ३, १

७२,३[a];४.

उत्तान-प(र्ण>)र्णा[b]– -र्णाम् पै ७, १२, ७; –र्णे ऋ १०, १४५, २; शौ ३, १८, २†.

उत्तान-शीवरी[c]– -रीः शौ ३, २१,१०; पै ७,११,१.

†**उत्तान-हस्त**[d]– -स्तः ऋ ६, १६, ⌊४६ (३, १४,५;१०, ७९, २)⌋; ६३, ३; –स्ताः ऋ ३, १४, ५; १०,७९, २; मा १८, ७५; का २०,५,८.

उत्तब्धि, **उत्तभित**– उत्त(द्√स्त)भ् द्र.

उत्त(द्-त)म,मा[e]– -मः ऋ ३, ५,१०; ९, ८५, ३; १०८, ⌊(८६, ३५) १६⌋;१०, १५९, ३; ⌊४; १७४, ४⌋;१६६,५; खि ४, १२,२:५, १०,२[f]; मा १८,६७; का २०, ४,९;तै¶२,१,५,१; ४,६,७; ३, २,१०,२; ५, ५,१; ४, ७,१३, ५;¶५, ५, ७, ५; ¶६, ३,१०, ५;५, २,१; ८,१; ¶मै २,२,८; ५, १; ३,९, ८;४,५,८[2]:$; ६, ८; ¶काठ ४, १६$;६,७; १२, १३; १४,९[2]; २१,४; २२,१०$; २६, ९; १०; २८, १; ३१, १४[v]$[g]; ३४, १; ¶क ४, ६; ३१, १९; ३५,४$; ४१, ७;८; जै २,२,२; शौ ३, ५,२[h]; ५,४, ९[2]; ६, १५,२;३[2i]; ८,५, ११; १९, ३९, ४; २०, १२७,८[i]; पै १,३१,३[2]; २,४१, ३†: ७८,३; ४,३९,६; ५,२९,८; ७, १०, ४; १६, २८, १; १९,५,१४;१५†; १६ ; २५, ११† : २०, ९, १; २ ; १६, ४: २१. ५ ; ७ ; २८, २;४; ३ ९,१: –मम् ऋ १,२४, १५; २५, २१; ५०,१०: १५६, ४; १६३, ७: २, १, १२ : २३, १०; ४, ३१, १५; ३६, ⌊८; ९, (२९,६) ६३, २९: ६७, ३[j]⌋; ५४, २; ५, २५, ५; ५९,३; ९, ७२, ५; ६; ५१, २: ६७, ⌊२८; १०७, १; १०, ७५, १; १७०, ३: खि १, ५,३; ३,१६,७; मा ९. ३; १०[v] ; ११, २२[j] : १२, १२† ; १८, ५१[j]; १९, २†; २०,२१†; २७, १०†; २८,३०; २९, १८† ; ३३, ५४† ; ३५, १४†; ३८,२४†; का १०, १,४; ३, १[v]; १२, २,११[k]; १३, १, १३†; २०, ३, १[k]; २१,१,२†; २२, १,६†; २९,१,१०†; ३०, ३, ७; ३१, ३,७; ३२,४,११†; ३५, ४, १३†; ३८, ५, ७†; तै १,५,११,३†; ७,१२,२; २, ५, १२,१: ३,४, ९, ४¶; †४, १, ७,४; २,१,३; ५, ३$[l]; ११,२; ६,७,३; ५, १, ८, ६[2];†;¶; २, १,३†; ४, १२, ३¶; ६, ५, २, १¶: ¶७, २, २, ३; ५, ८, ५; मै १, २,१८†; ४, ३[m]; ११¶; ८,४¶; ११, ४; ९¶; †२,७,८; १२,५; ¶३,२,१†; ३,२; ७,१; १०,३[2]; ११, ७†; ¶४, ३, ५; ८,५; १०;५,८; ६,६[2]; ७; ७,४; ९, २७†; १०, ४†; ११, १†; १४, ३†; १७; ¶काठ २, १५†; ३, ८†; ५, ४$[m]; ६, ४[2]; ७; १०,३; १२,४;८; १४,३$;१०; १६, ८†; १८, १६†; १९, २; १०; ११† ; २०, १[n] ; ११[2] ; २१,३[2]; १३[2]†; २२,१; २६,४; २८, १; २; ३३, ३[o];८[2]; ३७,

ऊर्ध्व-मूल' 'अश्वत्थ- इति, HL. Gri.; वैतु. ORN. योगासन-विशेषाऽनुष्ठानात् =तापस- इति⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =पाद- इति।

[a]) पं१ इति (वैतु. वें. सा. प्र३ इति)।

[b]) विप. (ओषधि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[c]) विप. (२अप्-)। उस. उप. √शी+क्वनिप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च। स्त्री. ङीपि °न्– > °र्– (पा ४,१,७)। यद्वा क्वरप् प्र. उसं. (पा ३, २, १६३), तदन्ताच्च ङीप् प्र. (पा ४,१,१५) इति।

[d]) विप. (अस्मद्-, मर्त-, युवयु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[e]) विप. (अग्नि-, शृङ्ग- प्रभृ.)। पूप. =उद्गत– इति कृत्वा ततम् तमप् प्र. अन्तोदात्तश्च (पा ६, १, १६० ⌊तु. पृ २८० *g* टि.⌋)।

[f]) अकरत् तमः ⌊खि.⌋ अकरोत्तमः ⌊शंपा.⌋ इति पाठयोः ? अकः। उत्तमः इति शोधः द्र. (तु. शांश्री १२, १७,२, RW. च)। [g]) एकतरत्र सपा. शौ ४, २२,६ तैब्रा २, ४, ७,८ कौसू ६, १० उत्तरः इति पाभे.।

[h]) सपा. उत्तमः<>उत्तरः इति पाभे.।

[i]) सपा. °मः<>°मम् इति पाभे.।

[j]) पाभे. कृते पृ ६७२ *k* टि. द्र.।

[k]) =सपा. माश ६,३,३,१४। तै ४, १,२,४;७,१३,१ मै २,७,२;१२,३ काठ १६,२ तु उत्तमे इति, खि ४,९,४ अस्मिन् इति च पाभे.। [l]) सपा. °मम्<>°मे इति पाभे.।

[m]) सपा. तैब्रा ३, ७, ५,११ आपश्री ३,९,१० अजरम् इति पाभे.। [n]) सपा. तै ५,२,३,७ तृतीयम् इति पाभे.।

[o]) सपा. तै ७, ४, ११,१ तृतीयम् इति पाभे.।

१८†; ३८,५†; ४०,११†; ४६, ३†; क २,१५†; ४,३[2];६; २९, ४†; ८; ३०, ८; ३१, १†; ३; १३[2];१८[2]; ४१,२; ४४,२; †कौ १,५१२; २,५७७;६६३; ८०५; ३,१,४; †जै १, ५३,२; २, ५, १; ३, ४७,३; ५५, ४; ४,३,१; शौ १, ९, २; ४;२,३, २: ८,१; ३, ७, ४; ४,१४,६; ९; २२,५; ५,१३,२; ६,६३,३: ८४,४; ७, ५५, ७[2];†; ‡[a]; ८८, ३†: ११, १,४;३०;३७; १२,३,४५; १८, ३, ६४; ४, ६९†; पै १, ८, २; ८३, ४; २, १०, ३: ७२,५; ३, २१,५; २८,५; ३८,५; ४, २४, ६;५,६,९†; ८,२,२: १५,१७, ८; १६,९१, १०; ९२, ७; ९९, ३; १७, ४०, ५; १८, १७, १; १९, ५, १६[b]; ३४, ७; २०, १०, ३†; २१, ५; ३३, ८; –¶मया तै ५,१,९,१; २,१,५; २,२; मै २,२,८; काठ १०,१०; २१,८; –¶मस्य तै ६, ३, १०, ४; मै ३, १०,३[2]; –मा ऋ ३, ५६, ८; १०, ९७, १८ : २३: †मा १२, ९२;१०१; †का १३, ६, १८; २५; तै ४, २, ६, ५†: ¶५, १,९,१; ३,२,३: ¶६, ६, ११,६; ¶७, १, ७, ४; ¶मै १, ११,९; २,४,२; ३,३,१; ४, २, ११; ४,१०[3]; ¶काठ ७, ९;१२, १२[2]; १४,९; १९,१०; २६, ९; २९, ४; ¶क ३०, ८; ४१, ७; ४५,५; शौ ६, १५, १†[c]; २१, १; पै १,३८,१; २,३८,४; १९, ५,१४†[d]; –¶माः तै २, ६, ३, २; ५, ४,३,५; ७, ५, ८, ५; मै १,७,५; ३, १,१०;३,२; ४, २, ४; ८; ३,१;६,८: काठ ७, १५: १९, ९; २१, ६; क ६, ५; ३१, २१; $शौ ६,१२१,१; ७, ८८, ४: $पै १६, ५१, २; –†मानि ऋ १. ९१,१८; ५. २८, ३; मा १२, ११३: ३३, १२: का १३, ७,१२: ३२,१,१२: तै ४, २,७, ४; मै २, ७, १४: ४, ११, १: काठ २,१५; १६, १४: ३७, ५: क २५, ५: कौ ३, ३, २: जै २, १, २; शौ ५, ४, ८$; ७, ७७, १०: पै १,३१,२$: २०, ८, ७; –माम् मा ३२,१६; का ३५,३, १२: ¶तै २, २, ६,५; ४,२,३; ८; ५,७,१;२: ५, १, ८, ६: ३, २,३;५,३[2]: ७, ३: ¶मै १, १०, ९: २,२,८: ३,२,१०[2]: ३, १[3]; ७,१; १०, ४: ४, ७, ५: ¶काठ १०, १०[3]: १९, १०: २०, ११: २१, २[2]: क ३०. ८; ३१, १२; १७[2]: शौ ९,५,२९: १५. ६,७; १८, ३, ६४: पै २०, ४७, ३: –मायाः पै ३,१५,५: ४, ३०,७: –¶मायाम् तै ५. ३ ५. ३: ५, ४, २; मै ३, २, ६; ८, २; काठ २०,६; २१,४; क ३१, ८; १९; –मे ऋ १, ३१, ७; २, ४१, ५; ५, ६०,६; ८, ५१, ४; ९, ६१, २९; खि ३,३,४; मा १२, ६३[e]; का १३,५,२[e]; तै ३, ५, १,१[f]; ४, १,२,४[g]; ७, १३, १[g]; ¶५, १, १०, २; ३, ७, ३; ७, ५, ३. १[2]¶; मै २, ७,२[g]; १२[e]; १२, ३[g]; काठ ८, ५[h]; १६,२[g];१२[e]; १८,१५; २१,९; ३३, ५[i]; ३४, १[2]¶ : क ७, १[h] ; २५, ३[e]; २९, ४; †कौ २, १२९: २६१[i]; जै ३, १३,५: २२, ८: शौ ११, ६, ११; १८; १२, १, ८: पै १, १९,४; १६, २२,१;८; १७, १, ९: १९, ११, ५[e]; –मेन मा ६. ३०: १५,७; का ६, ८, १; १६. २,४; तै १, ४,१,१: ३, ५. ४, २; ६, ५, २, ३¶: मै १, ४, ३: काठ ३, १०: ५,६: १८, १९¶; ३४, १¶: क २, १७; २९.७¶: शौ १, ९, ३; –†मेभिः ऋ २, ६०, ३: मै ४, १३, ७: काठ ४, १५; –मेभ्यः शौ १९, २२,१२, –¶मौ तै ५,३,७,३[2]: ६, ५,३; १; मै १, ६,९.

उत्तम-पद–

¶उत्तमपदिन्– -दी काठ २०, ७: २६,६: क ३१,९; ४१,४.

उत्तम-श्लोक[j]– -कः तै ५, ७, ४,३;

---

a) सपा. उत्तमम्<>उत्तरम् इति पाभे.।

b) पाभे. कृते पृ ८८२ *i* टि. द्र.।

c) सपा°मो = °मा + उ इति साधुतरं प्रतिभायात् (तु. इहैव सूक्ते द्वितीये मं. मा इति, सपा. ऋ १०,९७,२३ इति च; वैतु. पपा. सा. W. WI. VV ३,३६७ °मः इति)।

d) °मः इति पाठे? छन्दस्तः यनि. शोधः (तु. *c* टि.)।

e) पाभे. कृते पृ ८८२ *l* टि. द्र.।

f) = सपा. तैब्रा ३,१,१,१२ आपश्रौ ७,५,१ माश्रौ ६,२,३,७। शौ ७,८५,१ तु विशिष्टः पाभे.।

g) पाभे. कृते पृ ८८२ *k* टि. द्र.।

h) सपा. उत्तमे<>उत्तरस्मिन् इति पाभे.।

i) °मा इति S. पाठः?।

j) विप. (इदम्– ⌊यजमान⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. भा. सा. K.; वैतु. PW. BW. MW. नाप. इति)।

पै १,५३,१.
¶उत्तमा(म-अ)र्धं[a]- -र्धे मै ३, ८, ९[२]; काठ ३३,८[२].
?उत्तमत् पै २०,२१,५.
?उत्तमाञ्जनिम्, °नीन्[b] शौ २०, १३५,२.
उत्तमाय्य[c]- -य्यम् ऋ ९, २२, ६.
उत्त(द्√स्त)भ्, म्भ्, उत्तभ्नामि पै २०, ४७,१[२]; उद्...स्तभ्नामि[d] ऋ १०,१८,१३; शौ १८,३,५२; उद् (स्तभ्नामि) पै २०, ४७, १; उत्तभ्नातु मै १, २,६[२]; ९; ३, ७, ८; ८, ७; काठ २, ७; १०; क २, १; ४; पै २०, ४७, २; उत्तभान मा १७, ७२; का १८, ६, ८; तै ४, ६,५,३; मै १, २, १४; २, १०,६; ३, ९, ३; काठ १८, ४; क २८, ४; उद्... स्तभान[e] मा ५,२७; का ५, ७, २; तै १, ३,१,२; ६, १; ६, २, १०, ४; ३, ४, ३; काठ २,१२; २५, १०; क २, ६; ४०, ३; उद्...अस्तभ्नात् ऋ ६, ४७, ५; खि ५, ५, ११; उदस्तभ्नाः ऋ ७,९९,२; १०, ५५,१; †उद्... अस्तभ्नाः ऋ १०, १५३, ३; शौ २०, ९३,६.
उदस्तम्भीत् ऋ ३, ५,१०.
¶उत्-तडिघ- -ध्यै तै ६, ६,४,६; मै ३,३,१.
†उत्-तभि(त>)ता- -ता ऋ १०, ८५,१[२]; खि ३, १६, ९; शौ १४, १, १[२]; पै १, ११२, २$; १८, १,१[२].
उत्-तम्भन[f]- -नम् मा ४, ३६; का ४,१०,७.
१उत्त(द्-त)र, रा[g]- -रः ऋ ४, १८, ९; ३०, १[h]; ८, १४, १५; ९, १०७,१८; १०, ८५,४०[i]; ८६, ⌊१-२३⌋; १०२, १०; मा २३, ५२; का २५, ९,८; ¶तै १,८, २०,१[j]; २, ५,९, १; ६, ५, ३; ३,४,९,५; ५, ३,४,४; ४, १०, ३; ६,४,४; ७,६,६; ६, २,४,५; ६, १[२]; १०,७; ३,३,५[२]; ७, ५, १,३[४]; ¶मै १, ४, १५; ३, ८, ४[४]; ९, १[२]; ¶काठ ८, १७[२]; २२, ९; २५, ५;१०; २६, १०; ३३, ६; ३४, ८[४]; ¶क ३५, ३; ३९, २; ४०, ३; ४१, ८; शौ ४, २२,६[k]; ५, २८, १०; ११, १०, १८; १२, १, ५४; †२०, २९, ५; १२६, १-२३; पै २, ५९,८; ३, १३,२[l]; २१, ६; ४, २३, ७; १०, २, १; २; ३, ४; १६,८६,८; १७, ६,२; १९,३०, ३; ४१, २; ३; -¶रःऽ-रः तै २, ३,६,२; ४,११,५; मै २, २, ८[२]; ४,५[२]; काठ १०, १०[४]; १२, ४[२]; -रम् ऋ १,५०,१०[m]; ९५, ⌊८ (९, ७१, ८)⌋; १५४, १; २, २३,८; ६,१६,१७; ९,१०७, २; १०, ८४, ६; †मा ५, १८; २०, २१; २५, ५$; २७, १०; ३५,१४; ३८, २४; †का ५, ५, ६; २२,१,६; २७, ५,१$; २९, १,१०; ३५, ४, १३; ३८, ५,७; ¶तै १,२,१३,३†; २,४,११,४; ५,७,४; ६,४,३[२]; ५,३[२]; ४, १,

a) नाप.। कस. अन्तोदात्तः।
b) पाठे? उत्तराञ्जनीम् इति RW. BC. (तु. टि. वैप४)।
c) विप. (रजस्- ⌊= द्युलोक- इति सा. GRV. प्रभृ.⌋)। व्यु.? पपा. नावग्रहः। उत्तम- > √उत्तम ⌊नाधा.⌋ + आय्यः प्र. (तु. पाउ ३, ९६) तत्स्वरश्च (तु. वें. सा. = उत्तमीकृत- इति संकेतयन्तौ)। PW. प्रभृ. < √उत्तमाय इति, GW. नाप. = उत्तम-रजस्- इति।
d) = सपा. शांश्रौ ४,१५,८ आगृ ४, ५,१० कौसू ८६, ८। तैआ ६,७,१ तु उद्...तभ्नोमि इति पाभे.।
e) सपा. काठ २,९ क २,३ स्कभान इति, मा १,१८;५, १३; १५, ६४ का १, ६,३; ५,४,४; १६,७,६ तै १,१,७, १; २,१२,३; ४, ४,३,३ मै १, १, ८; २,८; २, ७,१५; ८, १४; ३, ८, ५; ४, १,८ काठ १, ६; ७; ३१, ५; ६; ४०, ५ क १, ६ माश १, २,१, ११; ३, ५, २, १४; ८, ७,३, १८ तैब्रा ३, २,७,२ जैमि १, ३९ माश्रौ १, २,३,४ दृंह इति च पाभे.।
f) नाप. (काष्ठ-विशेष-)। गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
g) विप. (युग-, ज्योतिस्- प्रभृ.), नाप. (ऋ ८,४१,९), सना. च। पूप. = उद्गत- इति कृत्वा ततस् तरप् प्र.।
h) सपा. °रः (आश्रौ ६, ४,१० शांश्रौ १८,१३,२ च) <> °रम् इति पाभे.।
i) = सपा. आपमं १,३,१ पागृ १, ४,१६ हिगृ १,२०, २। शौ १४,२,३ तु विशिष्टः पाभे.।
j) सपा. मै २, ६,१३ सव्युः इति, काठ १५,९ इतरः इति च पाभे.।
k) पाभे. कृते पृ ८८२ *g* टि. द्र.।
l) पाभे. कृते पृ ८८२ *h* टि. द्र.।
m) पाभे. कृते पृ ८८३ *a* टि. द्र.।

७, ४†; ५, १, १०,५; ३, १२, २; ४,८,३; ६,१०, १^{2}; ६, २, ४, ५^{2}; १०,७; ७,१,४,२^{2}; ३^{2}; ¶मै १,२,९†; १०,७; २, १२, ५†; ३, ४, ८^{2}; ८,३;६; ७^{2};†; १०,५; १५,५$; ४, ३,७^{2}; ५, १; ३; ९, १८$; २७†: ¶काठ २, १०†: १३, ३: १८, १६†; २०,१४†; २१, ११; २२, १†; ४^{2}; २५,५;८;१०; २८, १^{2}; ७; ३०,२^{2}: ३६,१; ३८, ५†: ¶क २,४†: २९, ८†: ३९, २: ४०, १:३; ४४,७; ४६,५^{2}; †कौ १, २०३‡[a]: २, ५६: ६६४: †जै १,२१,१०‡[a]; ३, ६,२; ५५,५; शौ २, २७, ७; ४, १४,८; ३१, ६†; ६,५४,१;२: ७, २७, १†: १०, ६,३१;७,३: ११: ११, ७, ६; १२, ३, १०: १८, ४, ५१: पै २, १६, ५: ४, १०, ५: १२, ६†; ५,६,९†: ८, ९,१२: १४. ८†; १६,४५,१: ९९,१; १७, ७,३;८,२:३६,१०; १९,३,१३: ८,४;५;३६,७; †२०,६,९;१०, ३ ; –रम्ऽ-रम् मै ३, ३, २¶ ; –¶रया तै २, ५,५, ३^{4}; ४:५, १,२,६; १०,४; मै १,८,५; ३, १, ४^{2}; काठ १९, ३^{2}: क ३०, १^{2}; –¶रयोः काठ ८,१०; ३३, ६; क ७, ६; –†रस्मात् ऋ १०,[४२-४४,११];९८,५; तै ३, ३, ११, १; काठ १०, १३; शौ ७,५३, १; २०,१७, ११; ८९, ११; ९४, ११; पै १५, ११,१; १६, ८, ११; –रस्मिन् ऋ १०,

९८,६; मा १५, ५४; १७,७३; १८, ६१; का १६,६,६; १८,६, ९; २०, ४, ४; तै ४, ६, ५, ३; ७, १३, ४; ५,७,७,२; ७,१,४, ३¶; मै १,६,४[b]; ६^{2}¶; २,१०, ६; काठ १८,४;१८; २०,१०¶: २८, १¶; क २८, ४; २९,, ६; ३१,१२¶; शौ १,९,१: ११,२, २५: पै ११, ५, ४: १६, १०६, ६: –¶रस्मै काठ २८, ७: ३५, १७;१८^{2}; क ४४, ७: ४८,१५; १६^{2}; –¶रस्य मै ३,८,७:१०,३: काठ २१, ६: २५, ८^{2}: क ३१, २१;४०,१^{2}: –रस्याम् तै २,६, ७, ५: ५, ३, १, ५¶: ६,४,९, ५¶: मै ४, १३, ५: काठ ३४, १५¶: शौ ४, १४, ८: –रा ऋ १, ३२,९: ३,३३,८: ७,९५,४: ८, २०,६: ३३, १८: १०, १०, १० : २८ , ६ : १४५ , ३^{2} : ¶तै २, ६.७,६: ५,२,७,४: ३, ७,४:¶मै १,४,१२: ८,५^{2}:१०. १३: ४,३,५^{2}: १४, ७†: ¶काठ १२,८^{2}; २०,५: ३५,१९: ३६, ७: ¶क ३१, ७: ४८, १७: शौ ३,१८,४^{2}†: ६,१६, ४; १०,२, २४;२५:१८,१,११†: पै४,१०, ३: ६,८, २: ७,१२,३^{2}†; १३, ६, ९†: १६, ६१,३: १९, ३९, १०; –राः ¶तै ५, ३, ७,२: ४, ३, ४; ७,४,५,४; ¶मै १,६,९; ४, २, ७; काठ ३९, १३^{2}¶; शौ १९,७, ४[c]; पै १, ९८, ४?; –राणि ऋ ८, ४१,९; १०, ६७, १०; तै १,२,१,१[d]; ६,२, १०,

७^{2}¶ ; मै ४, १२, १† ; काठ २५, १०^{2}¶; क ४०, ३^{2}¶; शौ २०, ९१, १०†; –रात् ऋ ४, २६,६; ५, ६०,७; –रान् ऋ १, ११३,१३: मै १,२,१[d];३,६,२[d]; काठ २, १[d]; क १, १३[d]; –¶राभिः तै १, ५, ७, ३; –†राभ्यः ऋ १०, १८५, ३ : शौ ३, १८, ४; पै ७. १२, ३: –राभ्याम् मै ४. ६, ८¶: –राम् ऋ १,५०,११: ¶तै ५.२, ७,४; ३,७, ३^{2}; ¶मै १,८,५: ३,३, १; ४, २, ९^{2};$; ¶काठ ६,८: २०,५; २३,५. २६,२[c]: ३६,७; ¶क ४,७;३१.७;३६,२: ४०,५: शौ ६, ११८, ३: ८, २, १५: पै १६, ४, ५: ५०, ५: ६१, ४; -राम्ऽ-राम् ऋ ४. ५७. ७: मा ३८,२८: का ३८, ६, २: तै ४, ३,११,५; मै २. १३, १०: काठ ३९,१०†: शौ ३.१०,११: १७, ८†: १२. १, ३३: पै १, १०४, १: २, २२, ५†: १७, ४. ३†: –रासाम् तै २, ६, ९. १¶: –¶रासु मै १ ६, ९: काठ ८, १: क ६, ६: –रे ऋ १. ७. ७: ६, १९,१३: १०. ७२. १:१०३. ११: मा १७, ४३†: का १८, ४,११†: ¶तै ३, ४. ९, ७: ४. ६,४. ४†; ५. ३,१, ५^{2}: ६,६, ११,६; ७,१,४,२; ३^{2}: ¶मै १, ४,८: ६,८; ११, ९; २,१०,४†; ३.२,९^{2}; ४,१,१३;६,६; ८:७, ६^{2}; ¶काठ ८.८^{2}:१२,११:१४, १०; १८,५†; २८,१;२: २९,१:

a) °तमम् इति पपा.?। पामे. कृते पृ ८८४ *h* टि. द्र.।

b) पामे. कृते पृ ८८३ *h* टि. द्र.।

c) तु. W.; वैतु. RW. उत्तरे इति।

d) सपा. °राणि (आपश्रौ १०,५,१० च) <> °रान् (माश्रौ २,१,१,२५ च) इति पामे.। e) °रम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४०,५ तत्-संस्कर्तुः टि. च)।

३१, १२; ३२, ६; ३९, १३$; ¶क ७, ३[२] : २८, ५†; ४४-४५, २: कौ २, १२०१†; †शौ १९,१३, ११: २०,७०, १३; पै २,५६,५;६६,१; ७,४,११†;८, १९, ६; -०रे ऋ १०, १४५, ३: शौ ३,१८,४†; -रेण[a] खि ४, ९,३![b]; मा २५,२; का २७,२,१; ¶तै ५, १,४,४; ७,१२,१$; ६, ३,१,६; ५,३,४[२]; ७,१,४,१;६, ६; ¶मै १, ९, ६[२]; ३, १, ५[२]; १५, २$; ४, ३, २: काठ १९, ४¶:५३,२: क ३०,२: शौ १०, ८,४१: पै १,१९,२; ३: -रेभ्यः शौ ६,१३४,२; -¶रेषाम् तै ६, ३, १०,४: काठ २०, ११: ३४, ६[२]: क ३१, १३: -¶रेषु तै ३, ३,६,२[२]; -रैः तै ७,५, १,४¶; -रौ शौ १०, २, २: पै १६, ५९,२.

उत्तरतस्(>:)[c] खि २, २, १; ४; ४, ५, २४; मा २, ३: ५, ११; ३७, १२; का २,१,४; ५,४,१; ३७,२,२; तै १, १, ११,२; २, १२,२: ¶५,२,१०,२; ४;३,२, ४[२]; ३,२[२]; ३;५[२];४,२; ३;४[२]; ५:६; ५,१[३]; ७,४;१२,२; ५,९, ४; ६, ४,३; ७, १, २; ३, १$; ९, ४; ६, २, ७,५; ५,२,२[२]; मै १,१, १२; ६, ६; ¶३,२,६; ८; १०[४]; ३, २; ४,७;६,१; १०,२; ४,९,३; ५; शौ ४,४०,४; १८, ४,९; पै १६,१२३,४; १२६,३; २०,४६,८;९.

¶उत्तरत-उपचार[d]- -रः तै ५, ३,७,४.

उत्तरतो (तस्-अ) भिप्रयायिन्[e]- -यी[f] तै ५,३,२,४; ३,२: ४,३; ५,२.

उत्तर-स्व- -स्वे शौ ३,८,३.

उत्तर-द्रु[g]- -द्रौ शौ ६, ४९, २[h]; पै १९,३१,१५.

¶उत्तर-बर्हिस्[g]- -र्हिः तै ६, २, ४, ५[२],३,१०,२; मै ३, १०,२.

उत्तरम्[i] मै १, ६,४;८[२]; ¶;२,१०, ४; ३, ३, ८; शौ ६, ५, १[j]; ¶०रम्ऽ०रम् मै ३, ४, ८; ८,२.

¶उत्तर-लक्ष्मन्[k]- -क्ष्माणम् तै ५, २, ८, ३; ४; काठ २०, ६[२]; क ३१, ८[२].

¶उत्तर-वयस[l]- -यसे काठ २०, ६; क ३१,८.

¶उत्तर-वेदि[g]- -दिः तै ५, २, ५, ६; ६,२,७,१; ४; ८,१; ११,४; ४,१०,३;५,९,४; मै ३, २, ५; ४,५; ८, ५[२m]; ४,२,२;५,९;६, ३; काठ २०, ४; २१,४[२]; २२, २; २५, ६[०]; २७,७; ८; २८,९; क ३१, ६; १९; ३९, ३[५]; ४[२]; ४४,९; -दिम् तै ५, २, ५, ६; ६, २, ७, १; ५; मै १, १०, ७; १३; ३,२, ५[६]; ८,३; काठ २०, ४;५;२१,४;२५,६[२];२७,८;३६, २;७; क ३१, ६;७; ३९,३; ४; -द्या मै ३, ८, ३; काठ २५, ६; क ३९, ३; -द्याः मा १९, १६$; का २१, २, ५$; तै ६, २,७,५; मै ३,८, ३; काठ २५, ६; ३४,१५[२]; क ३९,३; -द्याम् तै ५, २,५,६; ६,५, ९,४; काठ २०, ४; २८, ९; ३४, १४; क ३१, ६; ४४, ९; -द्यै तै ६, २, ७,५.

¶उत्तरवेदि-स्व- -स्वम् मै ३,८, ३; काठ २५,६; क ३९, ३.

¶उत्तरवेदि-मत्- -मान् मै ३,४, ५.

उत्तर-शेवधि- -धिम् पै १६, ९६,७.

उत्तर-सद्[n]- -सदः[o] का ११, १,२; तै १, ८, ७, १, -सद्भ्यः का ११,१,१[p].

उत्तर-हनु[g]- -नुः शौ ९,१२, २; पै १६, १३९,२.

a) क्वचित् णुनबन्तं सत् वा. क्रिवि. द्र. ।
b) ०रणे इति पाठे ? यनि. शोधः ।
c) अव्य. । स्वार्थिकः अतसुच् प्र. (पा ५, ३, २८) चित्स्वरश्च ।
d) विप. (अग्नि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
e) विप. (यजमान-) । उस. उप. प्रकृतिस्वरम् ।
f) सप्र. ०त्तरतोऽभि०<>०त्तरादभि० इति पाभे. ।
g) नाप. । कस. अन्तोदात्तः । उप. यद्र. ।
h) पृ ३१३ ं टि. द्र.। CA. ०र। द्रौ ··· सादयः इति शोधो विमृश्यः ।
i) अमुः प्र. (पा ५, ४, १२) तत्-स्वरश्च । वा. क्रिवि. (तु. पृ ४५१ f टि.) ।
j) सपा. ०रम्<>०तराम् इति पाभे. ।
k) विप. (इष्टका-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. यद्र. ।
l) कस. समासान्तष् टच् प्र. (पा ५, ४, १०३) चित्-स्वरश्च । m) एकतरत्र ०दि इति पाठे ? यनि. शोधः ।
n) विप. (देव-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
o) सपा. ०रसु०<>०रासु०<>०रात्सु० इति च पाभे. ।
p) सपा. ०रस०<>०रास० (माश ५,२,४,५ च) इति पाभे. ।

¶उत्तरा॑[a] काठ २७,६; क ४२,६.
उत्तरा-द्रु॑[b]- -द्रौ जै ४,१०,४.
उत्तरा-सद्[c]- -सदः मा ९,३६[d]; -सद्भ्यः मा ९,३५[e].
उत्तरात्[f] ऋ ६,१९,९; ८,६१,१६; मा १३,५७; १५,१८; का १४, ७,७; १६,४,७; तै ४,३, २,२; ४,३,२; ¶५,२,१०,४; ५,७,३; १०,४; मै १,२,८; २, ७,१९;८,१०;३,८,४¶; ४,११, ४†; काठ २,९;६,४¶; ९,१९†; १६,१९; १७,९; ¶२०,९[g];†; १०; ११[3]; १२[3]; १३[3]; ¶२१, १[6]; २[3]; ५; ¶२२,८; ९; ११; २३,८¶; ¶२५,५;८; २७,१¶; ३७,१०[g]; क २,३;४,३¶; २५, ९; २६,८; ¶३१,११[g]; †; १२; १३[3]; १४[3]; १५[2]; १६[2]; १७[3]; २०; ¶३५,२;३; ¶३९, २; ¶४०,१; ¶४२,१; शौ ६, ४०,३[h]; ८,३,२०‡[i]; ५,१७; १०,९,८; ११,२,४;८,१८; १२,१,३२; ३,२४; १८,४,११; १९,१५,५; १६,१; २७,१४; ४८,४; पै १,३६,३; ५२,४; ७१,२; २,३२,१; ५६,४; ३, ३५,५; ६,२१,४; ८,११,८; १०,८,४; १३,३,१५; १५,१४, ८;१९,५; १६,२८,७;१०४,४; १३६,८; १७,४,२;३८,४; १९, ११,८;३०,२;३७,११;४१,१४.
उत्तरात्-तात्[j] ऋ १०,२७, १५;३६,१४[k].
उत्तरान्-सद्[l]- -सदः मै २,६, ३[d]; काठ १५,२[d]; पै २,५३, ४; -सदे पै २,५४,४; -सद्भ्याम् मै २,६,३: काठ १५,२.
उत्तराद्-अभिप्रयायिन्[m]- -यी[m] काठ २०,११-१३; २१,१; २: क ३१,१३-१५; १७.
¶उत्तराद्-आयतन[n]- -नाः काठ २०,९: २९,५: क ३१,११: ३९,२.
उत्तराद्-वात[o]- -तः तै ४,३,३, २: मै २,७,२०; काठ ३९,७.
उत्तराम्[p] मा १७,५०[q]; का १८, ५,१[q]; तै ४,६,३,१[q]: ५,४,६, १[q]: काठ १८,३[q]: २९,८; क २८,३[q].
¶उत्तरा(र-अ)र्ध॑- -र्धम् काठ २५, ८; क ४०,१; ४१,३; -र्धात् तै २,६,६,५; -र्धे तै २,६,२, १; ६,५,२,३;६,७,१; मै १,४, १२; ३,३,४; काठ २५,४; १०[2];२६,५[2];३७,१६: क ३९, १:४०,३[2]: ४१,३.
उत्तरार्ध-पूर्वार्ध[r]- -र्धे मै १,४, १२¶.
¶उत्तरार्ध्य[s]- -र्ध्यः काठ २५,७; क ३९,५; -र्ध्यम् तै २,५,११, ६: ६,६,४,२: काठ २५,७[3]; क ३९,५[3].
उत्तरे-द्युस्(:)[t] तै ५,२,१,७.
उत्तरो(र-उ)त्तरः- -रः पै ९,२५,८.
२ उत्त(द्-न)र[u]- -रः शौ ३,५,५:१९, ४६,७; पै ३,१३,५: -रेभ्यः शौ १९,२२,१३.
¶उत्तर-व(त>)ती[v]- -ती मै ३, ३,२; ४,८.
उत्तरा-वत्[w]- -वत् मै ३,८,४¶: शौ १२,३,१०: ४७: पै १७, ३६,१०: ४०,८: -वन्तम् शौ ४,२२,५: १०,८,२२: पै ३, २१,५: १६,१०२,९.

---

a) आप् प्र. (पा ५,३,३८) चित्स्वरश्च ।
b) तु. पृ ८८६ *g* टि. ।
c) विप. (देव-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
d) पाभे. पृ ८८६ *o* टि. द्र. । e) पाभे. पृ ८८६ *p* टि. द्र. ।
f) अव्य. । आतिः प्र. (पा ५,३,३४) तत्-स्वरस्च ।
g) सपा. माश्र २,१५,१ उत्तरतः इति पाभे. ।
h) न उत्तरात् इति पाठस्य स्थाने सपा. का ३,२,६ उदक् कृधि इति विशिष्टः पाभे. ।
i) उतोत्तरात् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,८७, २१ उदक्तात् इति, पै १६,७,१० उदक्तस(>:) इति च पाभे. । एतदनु पृ ८७८ *n* टि. शोधः कर्तव्यः ।
j) तु. टि. अधरात्तात् ।
k) छन्दस्तः उत्तरात् इति AVM. ORN. ।
l) विप. (देव-, मित्रावरुण-, सोम-) । शिष्टं *c* टि. द्र. ।
m) पृ ३४९ अभिप्र° इति प्रा.त. यनि. शोधः । पाभे. कृते पृ ८८६ *f* टि. द्र. ।
n) विप. (पशु-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
o) विप. (वात-) । उस. उप. √वा + कर्तरि क्तः प्र. थादि-स्वरश्च । p) आम् प्र. तत्स्वरश्च ।
q) पाभे. कृते पृ ८८६ *j* टि. द्र. ।
r) द्वस. पूप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,३७) ।
s) यत् प्र. तित्-स्वरश्च । t) पृ २५० *d,e,f* टि. द्र. ।
u) विप. । तरबन्तम् अन्तोदात्तम् उसं. (पा ६,१ १६०) । RW. W. च उत्त° इति ।
v) व्यप. (चिति-विशेष-) । मतुपः स्वराभावः (पा ६,१, १७६;१८२) । w) विप. । पूर्वत्र दीर्घः (तु. पपा.) ।

¶ उत्तरा-वती- -ती तै ५, ४, ८,५.
?**उत्तरस्त्योः** पै ६,२२,२२.
?**उत्तराशवः** पै ३, ७,६[a].
?**उत्तरे सस्त्रोत्याः** पै २०, २०, ४![b].
उत्-तस्थिवस्- उत्था द्र.
१ **उत्तान-** उत √तन् द्र.
¶२ **उत्तान**[c]- -नस्य काठ९,१२; -नाय मै १. ९.४[2]; काठ ९,९:११.
उत्-तिष्ठत्- उत्था द्र.
उ(द्>)त् √तु (वृद्धौ). उत्तवीति[d] ऋ १०,५९.१.
उ(द्>)त्√तुद्, उत्तुदतु शौ ३, २५.१: उत्तुद[e] खि ३, १६,१.
उत्-तुद[f]- -दः शौ ३, २५,१.
उ(द्>)त् √तृद्, > तितृत्स, ¶उदतृणत् मै १,९,३; काठ ९. ११[2]: १३, ३.
उत्-तितृत्सत्- -त्सन् काठ १३,३¶.
उ(द्>)त् √तॄ, >तर्, तिर्, उत्तरामि पै ३, २६,१; †उत्तरेम ऋ १०, ५३,८[g]; मा ३५, १०; का ३५,४,९: शौ १२, २, २६: २७; पै १७,३२,६;७. उत्तिरामि काठ ३८, १३; †उद्···तिरामसि ऋ ३, ३७, १०; शौ २०, २०, ३; ५७, ६; उत्तिर ऋ १, ११, ७; उद्···अतिरत् खि ५, ५, ११; उद्···अतिरम् मा ११,८२; का १२,७,१७; तै ४, १,१०,३; ५, १, १०, २; मै २, ७, ७; काठ १६, ७; १९, १०; क ३०, ८; उद् (अतिरम्) मा ११,८२; का १२,७,१७: तै ४. १, १०,३[2h]; ५,१,१०,२: मै २, ७,७: काठ १६,७;१९,१०; क ३०,८.
उत्-तरण[i]- -णाय मा १६, ४२: का १७, ७, १; तै ४, ५, ८, २; मै २, ९, ८: काठ १७, १५: क २७,५.
उत्-तरत्- -रन् पै ८.२०.१.
उत्-तिर[j]- -रः शौ १९, ३२, १; पै १२,४,१.
उत्-तिरत्- -रन् कौ २. १०५९: शौ ६,३६,२; पै १९, ४, २.
उत्था (उद् √स्था), > तिष्ट, स्थापि, ¶उत्तिष्ठति तै ५, १, ५, ३; ६, १,११,२; ७,४,८,३; काठ ३४, ९[2]; उद्[k](*तिष्ठति) ऋ ४, ६,३; उद्···तिष्ठतः पै १, ९०, २; †उत्तिष्ठन्ति तै २,५,१,४; ६,३, ३,३; ७, ३,५,३;७,४;९,२; ३; ४,२,५;४,३;८,३[2]; उत्तिष्ठसि ऋ १०, ११८, २; उत्तिष्ठामि खि ६,३,२; उत्तिष्ठात् पै १६,१०८, ४: उत्तिष्ठन् पै २०, ३३, २; ¶उत्तिष्ठान् तै २, ५, १, ४; उत्तिष्ठः पै ४, ५,१०: उत्तिष्ठ ऋ १,४०,१; ५,५६,५: खि ३,१६, १: ४,५, ३२; ५, ११, १; मा ३४, ५६†; का ३३, २,१९†; तै ४, १,६,३[l]; ५, १,७,४[l]; मै २, ७,६[l]: ३,१,८[l]; †४, ९,१; १२, १: काठ १०. १३†; १६, ६[l]; १९, ७[l]: क ३०,५[l]; शौ ४,१२, ६; १४, ९; १०, १, २० ; ११, १,१४; ११, ५; ६; १२,५; १४, २,१९[2]: ३३‡[m]; १८,३,८; १९, ६३. १; २०, १२७, ११; पै १, ६०,४: २,७८, ४;५: ४,४, ६: १५,७: ५,३४, ६; १६,३६,१०: ९०,४: ९९, ३: १८, ८, १०[2]; १९, ३५, १३ ; २०, २८, २ ; उद्···तिष्ठ ऋ ४,४, ४; ७,३८,

a) पाठे? उद् । आशवः इति द्विपदः शोधः (तु. मपा. शौ ३,९,५)। b) पृ ६१४ r टि. द्र.।
c) व्यप. (आङ्गिरस-विशेष-) । व्यु. ? ।
d) नैप्र. <उ(द्>)त्√स्तु इति कृत्वा उदः स्तौतेः पूर्वसवर्णः उसं. (पा ८, ४, ६१) । '(स्तोत्रे स्तुते सति ⌊=पूर्वार्धं⌋ अध (अधुना) च्यवानः (जीर्णियुक्तः ⌊व्यु. यद्र.⌋ स्तोता) अर्थम् (आत्मनः कामस्य विषयभूतम्) उत्तवीति (उच्चैः⌊स्पष्टं⌋ कथयति), इति वा. द्र. (तु. पृ ६८६ f टि.)।
e) °त्तु° इति स्वरे? यनि. शोधः ।
f) व्यप. (देव-विशेष- ⌊=काम- सा. प्रमृ.; वैतु. ZA. भाप. इति⌋) । गस. काऽन्ते थादि-स्वरः ।
g) तु. सस्थ. टि. अभि ।
h) सकृत् उद् इत्यस्य स्थाने मा ११,८२ का १२, ७, १७ अथो इति पाभे. ।
i) विप. (रुद्र-)। गस. उप. अन्तर्भावितण्यन्तात् कर्तरि ल्युः प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।
j) विप. (दर्भ-)। गस. काऽन्ते थादि-स्वरः (तु. शंपा. W. प्रभृ.; वैतु. सा. RW. उत्तर- इति)।
k) तु. GRV. OV. प्रभृ.; वैतु. सा. उद्(नत-)इति किउ. पक्षे च उत्कृष्ट- इत्यर्थे स्वाम्र. इति ।
l) =सपा. तैआ ४, ३, २; ५, ३,७ माश्री ६, १, २, २० । मा ११, ६४ का १२, ६,५ माश ६, ५, ४, १३ तु उत्थाय इति पाभे. ।
m) सपा. उत्तिष्ठ (माश १४,९,४,१८ बृ ६,४,१९ च) <> उदीर्ष्व (शाश्री १६, १३, १३ आपमं १,१०,१ च) इति पाभे. ।

२;८,२३,५; मा ११,४१†;६४[a]; १३,१२†; २७,२; का १२, ४, ४†; ६,५[a]; १४,१,१२†; २९, १, २; तै १,२,१४, २†; ३,२, ४, ४; ४, १,४,१†; ७,१; ५,१, ५,३†; मै २,†७,४; १५; १२, ५; ३, १, ५†: ४,९, १२; काठ †१६,४; १५; १८,१६; १९,५†; क २५, ६†; २९, ४; ३०, ३†; शौ २, ६, २; पै ३, ३३,२; उद् (तिष्ठ) पै १९,३५,१३; उत्तिष्ठतम् शौ ११,११,३; उत्तिष्ठत,>ता ऋ १०,५३,८[b]; १७९,१; मा ३५, १०†[b]; का ३५,४,९†[b], शौ ७, ७५, १†; ११,११,२; २६; १२, १; १२, २, २७‡[b]; पै ८, १५, ९?[c]; १७,१३,३; ३२,७‡[b]; २०, २८, ३; ¶उत्तिष्ठाम तै ७, ३, १, ४; ५, २,१[२]; काठ ३३,१[२]; उदतिष्ठत् ऋ २,१५,७; ४,१८, ८; १०, १११,२; ¶तै २,१,८, २; ४,४,१; २; ३,५,७,३; ¶मै १, ६, ५; १३; ३, १, ९; काठ २३, ४[२]¶; क ३६, १[२]¶; शौ ११, ७,५; १५, २,१; ९; १५; २१; पै १६, १५३,५; उदतिष्ठताम् शौ १५,१०,३; ¶उदतिष्ठन् तै २,२,८,२; ७,५,१, १[३]; काठ ३४, ९; उदतिष्ठः ऋ ५,११,३. उद्···तस्थौ ऋ १, ३३, १४; उदस्थात् ऋ १,१२३,१; १६४, १७; ४, १८, ५; ७, ७७, २; १०, १०३, ९; खि ५, ९, ३; मा १७, ४१†; का १८, ४,९†; तै ४,६, ४,३†; मै २, ७, १२; १०, ४†; काठ १८, ५†; ३८, १४; ३९,१; क २८,५†; कौ २, १२०७†; शौ ९, १४, १७†; १३,१, ४१; १९, १३, १०†; पै २,२२,६; ७,४, १०†; १४, १, २०; १६,६७,७‡; १८,१९,१†; १९, ५२, ११: उद्···अस्थात् ऋ ८,२७,१२; †उद्···अस्थात् ऋ २, ३८ ⌊१; ६,७१, (१) ४ (७, ३८,१)⌋: ४; ७,१६,⌊३(८, २३,४)⌋; तै ४, ४, ४, ५; काठ ३९, १५: ?उत्थात्[d] खि २,११, ३; उदस्थुः मै ३, ८, २¶; शौ १,१६,१; पै १,१०,३; उद्··· अस्थुः ऋ ६, ६४, १; †उद्··· अस्थुः ऋ १,१२३,६;५,७६,१; ७, ६०,⌊(४,४५,२)४⌋; ९,५३, १; मै ४, १२,४; कौ २,१०६४; ११०२; जै ४, ७, १; उद् (अस्थुः) ऋ १, १२३, ६; ७, १६, ३: तै ४, ४, ४, ५: काठ ३९, १५; उदस्थुः शौ ७, ५४, २; उदस्थाम्[e] मा ४, २८; का २,७,५; ४,९,५: तै १,२, ८,१; मै १, २, ६; काठ २, ६; क १, १९; उद् (अस्थाम्) मा ४, २८; का ४,९,५; उद् (अस्थाम्)[२] का २, ७,५; शौ ३, ३१, १०; उद् (अस्थाम्)[३] तै १,२,८,१; मै १, २, ६; काठ २, ६; क १, १९; उदस्थाम शौ ३, ३१,११[e].

उत्थापयामसि शौ १०, १, २९; पै १६, ३८, १; उत्थापय शौ १२, ३, ३०; पै १७, ३८, ९; उद्···स्थापयतु पै २, ७८, २. उद्···अतिष्ठिपत् ऋ ९, ८६, ४०; उदतिष्ठिपम् शौ ७,१००,२.

उत्-तस्थिवस्– -वांसः शौ ६,९३, १; पै १९,१४,१३.

उत्-तिष्ठत्– -¶ष्ठतः तै ७, ४, ८, ३ : मै ४, ८, ५ ; –ष्ठते तै ७, १,१९,३: काठ ४१,१०; –†ष्ठन् ऋ ७, ३३, १; ८,७६, १०; मा ८, ३९; का ८, १४, १; तै १, ४, ३०,१; ७, ५,२,२¶; कौ २, ३३८; जै ३,२८, १०; शौ २०, ४२,३; पै १९,४९, ७८; –ष्ठन्तः काठ ३३,१¶.

उत्तिष्ठन्ती– -न्ती पै २०, ३५, ३; –न्तीः काठ ३३,१¶: –न्त्याम् मै २, २,५¶.

उत्-थातृ[f]– -तुः शौ ९, ४, १४: पै १६, २५,४.

उत्-थान– -नम् तै ७, २,१,४[३]¶.

उत्-थाय मा ११, ६४[g]; का १२, ६, ५[g]; काठ १०, ६¶; शौ १९, ३१, १२; पै ८, १५, १३; १०, ५,१२; १६,१२६,१-३.

[a]) उदु तिष्ठ (माश ६, ५,४,१३ च) इति पाठस्य स्थाने तै ४, १,६,३;५,१, ७,४ मै २,७,६ काठ १६,६; १९,७ ऊर्ध्वा तिष्ठ इति, तैआ ४,३,३;५, ३,७ ऊर्ध्वः तिष्ठ इति च पामे. ।

[b]) सपा. उत्तिष्ठत (माश १३,८,४,३ तैआ ६,३,२ च) <>उत्तिष्ठता (कौसू ७१,२४; ८६,२७ च)<> शौ १२,२,२६ वीरयध्वम् इति पामे. ।

[c]) °ष्ठत् इति पाठे? यनि. शोधः द्र. ।

[d]) उत्थात् इति पाठः? सु-शोध्यः द्र. ।

[e]) सपा. उदस्थाम् (तैआ ४,४२,५ आश्रौ १, ३, २३ आपमं २,५,११ पागृ ३, २, १४ च) <>उदस्थाम इति पामे. ।

[f]) नाप. । पपा. नावग्रहः (तु. शौच ४,६२) ।

[g]) पामे. कृते पृ ८८८ l टि. द्र. ।

उत्-थास्यत्– -स्यते तै ७, १, १९, ३; काठ ४१,१०; –स्यन्तम् पै ७,११,२‡[a].

उत्-थित,ता[b]– -तः तै ७, २, ९, ३¶; ¶काठ ३४, ८; १४; शौ ६, ४३, २; ९, १२, १९; –तम् ऋ १०, १४९,२; शौ ३, १५,४; पै १९, ४९,२; –ता शौ ६,४४,३; –ताः मै २, २, ५¶; –ताय मा २२, ८; का २४, ३, ४; तै ७, १,१९,३; मै ३, १२, ३; काठ ४१, १०; –¶तायाम् काठ १०, १०[२].

¶उ(द्>)त्√पच्, उत्पच्यन्ते काठ २३,४; क ३६,१.

उ(द्>)त्√पत् (गतौ), >पाति, †उत्पतन्ति ऋ १, १६४,४७; खि ७, ५, १; तै ३, १, ११, ४; मै ४, १२, ५; काठ ११, ९;१३; शौ ६,२२,१; ९,१५,२२$;१३, ३,९; पै ९,३,७$; १६.६९,१३; १७, १२, १०?[c]; १९, २२, १०; उत्पतासि पै ५, १४, ७; उत्पतन्तु पै ५, ७,२; ?उत्पत खि ५,१५,८[d]; ¶उदपतत् तै ६,१, ६,२[२];३; मै ३,७, ३[२]; ७; काठ २३,१०[४];२४, ६; क ३७,१[४];७. उद्...पेततुः शौ ७, १००, १[e]; †उदपसत् ऋ १, १९१,९; पै ५, ३,१; †उदपसन् ऋ १, ९२, २; कौ २,११०६; उद्...अपसन् ऋ १, १२४, L१२; ६, ६४, ६]; ६, ६४, २; उदपसाम खि ३, १९,१.

उत्पातयति ऋ १,४८,५; उत्पातयासि शौ १२, ३,५३; पै १७, ४१,३; उत्पातयाथ शौ ४,१५, ५; उत्पातयन्तु पै ५, ७, ४; उत्पातयस्व खि ४,५,२९[f]; उत्पातय पै ५,१०,८.

उत्-पतत्– -तन् ऋ २, ४३, ३; खिमा ४, ६; पै १६, २३, १[g]; –तन्तम् शौ १९, ६५, १; पै १६, १५०,४.

उत्-पतिष्यत्– -ष्यन् तै ७. ५, ८, ५¶; शौ १८,४,१४.

¶ उत्-पत्य[h] काठ १०,७.

उत्-पातिन्– -ती मै ३, २,७¶.

उ(द्)त्√पद्, >पादि, उत्पादयसि पै ५,२१,६.

उत्-पन्न– -न्ने खिसा २६, १८; शौ २०, १३०,१३[i].

उ(द्>)त्√पश्

ϕउत्-पश्यत्[j]– -श्यन्तः[k] ऋ १,५०, १०; मा २०, २१; २७, १०; ३५,१८; ३८,२४; का २२, १, ६; २९, १, १०; ३५, ४, १३; ३८,५,७; तै ४,१,७,४; ५, १, ८,६; मै २, १२,५; ४,९, २७; काठ १८, १६; २२,१; ३८, ५; क २९, ४; पै ५, ६, ९; २०, १०,३; (-श्यन्तः) मै ३,४,६.

उ(द्>)त्√पा (पाने), >पिब, उत्पिबन्ति मै ४, १, १०; काठ ३१,८; क ४७,८.

उ(द्>)त्√पा[l], उत्पिपीते तै ३, २,१०,२; मै ४,५,८.

उत्-पिपान– -नः शौ ५,२०,७; पै९, २४,८;२०,९,१; –नम् शौ १३, १,३१; पै१८,१७,१०;२०,९,३.

उत्पात[m]– -ताः शौ १९, ९,७.

उत्-पारण– उत् √पॄ द्र.

उ(द्>)त्√पू, ¶उत्पुनाति मै ४, १,६;९;१२; काठ ३१,४; ३७, २; क ४७, ४; ¶उत्पुनन्ति मै ४, १,३; काठ २९, १; ३१, २; क ४५, २; ४७, २; उत्पुनामि मा १,१२; ३१[२]; १०,६; का १, ४,१; १०,३[२]; ११,४,२; तै १, ८, १२, १[n]; शौ १२, १,३०; पै १७, ३,११; उत्पुनातु तै १, १, ५,१; १०, ३; मै १, १, ६; ९; ४,१,६; ९;१२; काठ १,५;३१, ४; पै २०,४३,५.

उद्...पविषम् पै १९,३८,८?.

¶उत्-पूत– -तम् मै १, ४, १३; –ते मै १,१०,१२; काठ ३६,६.

a) सपा. ऋ १०,१६२,३ विशिष्टः पाभे. ।

b) तै. पपा. °त्-स्थि° इति । c) °पन्ति इति पाठे? यनि. शोधः । d) पाठः? (तु. टि. उत्पन्न–> -न्ने) ।

e) सपा उद्...पेततुः<>उद्...ऐताम् इति पाभे. ।

f) सपा. खिसा २९,२९ उत्पादयसि इति पाभे. ।

g) पाभे. पृ ८६५ i टि. द्र. ।

h) उत्पाति–> -त्या इति पाठे? यनि. शोधः ।

i) तु. RW.; वैतु. शंपा. उत्पन्न (सं१) इति? खि ५, १५,८ उत्पत इति चानन्विताविव पाठौ ।

j) तु. वैप. ३,१०३१ C ।

k) सपा. शौ ७,५५,७ ϕउदुरोहन्तः इति पाभे. ।

l) जुहो. धा. व्युत्थाने अभिद्रोहे च वृत्तिः उसं. ।

m) °त– इत्यपि मूको. पाठः । नाप. (महाभूतविकार-भूकम्पादि-) । व्यु.?। °त्-पा° इति पपा. । <उद्√पत् इति शक. प्रभृ. । उद्-वृत्–(>°वत्-)+आत–(भाप.)>नैप्र. यनि. बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति तु मतम् ।

n) =सपा. तैब्रा १,७,६,३ आपश्रौ १८,२३,२१ । मै २, ६,८;४,४,२ काठ १५,६ तु पुनामि इति पाभे.

उत्पूत-शुष्म[a]– -ष्मम् तै १,६,१,१[b].

उ(द्>)त् √पृण्, उत्पृणत्, उद् (पृणत्) पै ८,११,९; उत्पृणात् पै ८,१८,८[2]; उत्पृण पै ८,११,१०; ?उत्पृणाम् पै ८,१८,७.

¶उ(द्>)त्-पृष्टि[c]– -ष्टिः मै ४,२,१४; –ष्टिम् काठ १३,३.

उ(द्>)त् √पृ,>पारि, †उत्पुपूर्याः ऋ ५,६,९; मा १५,४३; का १६,५,२५; तै २,२,१२,७; ४,४,४,६; मै २,१३,५; कौ २,३७४; जै ३,३०,१७.

उद्…पारयन्ति ऋ १,१८२,६; उत्पारयामसि शौ ८,१,१८; पै १६,२,७.

उद्…अपीपरन् शौ ८,१,१७; पै १६,२,१०; उद्…अपीपरम् शौ ८,१,१९; २,९; पै १६,२-३,८.

उत्-पारण[d]– -णस्य शौ ५,३०,१२; पै ९,१४,२.

उ(द्>)त्-प्र √हि, उद्…प्रहिण्मः पै २०,१७,१०[e].

उ(द्>)त् √प्रु >प्रावि, उत्प्रावयन्तु पै ३,२३,२.

उ(द्>)त् √प्रुष्

उत्-प्रुष्[f]– -प्रुषः का २,५,३[g].

¶उ(द्>)त् √प्लु, उत्प्लवते मै ४,८,५; उद्…प्लवन्ते मै १,१०,१३; काठ ३६,७.

?उत्प्ता पै १७,२५,२.

?उ त्व दा यी श मि द्ध ता विदुर्यो नाविवर्दपरीयि पै १९,४७,७.

उत्स– प्रभृ. √उद्, न्द् द्र.

उ(द्>)त् √सञ्ज्

उत्-सक्त–

?उत्सक्त-पत्नी पै १,१००,२[h].

?उत्सक्त-भेषज– -जम् पै २०,३३,५.

¶उत्-सङ्ग[i]– -ङ्गे मै १,६,१२; ४,३,१; काठ १२,३.

उत्-सक्थि(न्>)नी[j]– -नीम् पै २०,१८,८.

उत्-स(क्थ>)क्थी[k]– -क्थ्या[l]: मा २३,२१; का २५,६,१.

उ(द्>)त् √सद्, >सीद, सादि, उत्सीदति मै १,७,२[m]; ३[2m]; ४; ३,२,२; काठ ८,१५; ९,१[3]; ३; १०,४; क ८,३; ४[2]; ६; उद्…सीदेत् तै ३,४,१०,५¶.

उत्सदन् ऋ ८,६३,२.

¶उत्सादयते मै १,७,४; ५[2]; काठ ९,२[2]; ३; क ८,५[2]; ६; उत्सादयति काठ १०,४¶; उत्सादयेत मै १,६,५¶.

उत्-सन्न[n]– -न्नाः शौ ११,९,८.

¶उत्सन्न-यज्ञ[o]– -ज्ञः तै ५,३,१,१; ४,१२,३; ७,८,१; मै १,११,६[3]; ३,२,९; ४,३,३[2]; ४,७[2]; काठ १४,६; २०,१०; क ३१,१२.

उत्-साद[p]– -दम्[q] मा २५,१; का २७,१,१; मै ३,१५,१; –देन[q] तै ५,७,११,१; काठ ५३,१; –देभ्यः मा ३०,१०; का ३४,२,२.

उत्साद-तम्(>:) खि५,७,२,६; मा २१,४३-४५; का २३,५,३[3]; मै ४,१३,७; काठ १८,२१.

उत्-सादयिष्यत्– -ष्यन् काठ १०,४¶.

¶उत्-साद्य मै १,७,२.

उत्-साध्यमान– -नः काठ १०,४¶.

¶उत्-सीदत्– -दन् मै १,७,२; ३[2]; ४; ३,२,२; काठ ८,१५; ९,१[3]; ३; क ८,३; ४[3]; ६.

उत्सीदन[r]– काठपुष्पि ९.

उत्-सर्ग–, उत्-सर्गम्, उत्-सर्जम् उत् √सृज् द्र.

उत्-सव– उत् √सू (प्रेरणे) द्र.

---

a) विप. (हविस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

b) सपा. उत्पूत°<>उत्पीत° इति पाभे.।

c) विप. (वृषभ- ⌊उन्नत-ककुद्-⌋)। मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. RI. उत्-पृष्टि-, उद्-भृष्टि-)। d) गस. भावे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

e) सपा. शौ ७,१२०,३ निर्…प्रहिण्मः इति पाभे.।

f) नाप.। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

g) =सपा. काश्रौ ३,८,१ कौसू ६,१। तैब्रा ३,७,६,२१ आपश्रौ ३,१०,१ माश्रौ १,३,५,१३ तु अवप्रुषः इति पाभे.। h) तु. पृ ७०३ *d* टि.।

i) नाप.। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।

j) विप.। विनुण् प्र. उसं. (पा ३,२,१४२)।

k) विप. (स्त्री-)। मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

l) सपा. तै ७,४,१९,१ काठ ४४,८ उत्, सक्थ्योः इति द्विपदः पाभे.।

m) पृ ३७६ अभ्युत्सी° इत्यत्र अभि (कप्र. ⌊तु. सपा. काठ ८,१५⌋) इति च यनि. चेति द्विपदः शोधः।

n) °न्न– इति स्वरभेदः वैप २ यद्र.।

o) कस. अन्तोदात्तः।

p) नाप. (अश्वाङ्ग-विशेष–)। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।

q) सपा. °दम्<>°देन इति पाभे.।

r) उत्-सीदत्–> -दन् इत्यतो मत्वर्थीयः अच् प्र.।

उ (द्>) त्√सि (बन्धने), उत्सिनाति ऋ १,१२५,२.
उत्-सित- -तः शौ ६, ११२, ३; -ताः शौ ६,११२, २; पै १९, २१,१३.
उ(द्>)त्√सिच्, ञ्च्, उत्सिञ्चन्ति मा २०, २८; का २२,२,५; उद् ···सिञ्चसे ऋ १०, १०५,१०; †उद्··· सिञ्चध्वम् ऋ ७,१६, ११; मै २,१३,८; कौ १,५५;२, ८६३; जै १, ६,१;४,२१,१.
उत्सिक्त पै ५,९,८.
उ(द्>)त्√सिध्, उत्सेध पै १२, ६,१०.
उत्-सिसृप्सत्- उत्√सृप् द्र.
उत्-सीदत्-, °न- उत्√सद् द्र.
उ(>द्)त्√सु (प्रेरणे), ¶उत्सुवति काठ १९,५; क ३०, ३.
†उत्-सव[a]- -वे ऋ १,१०२,१; मा ३३, २९; का ३२.२,१२; -वेषु ऋ १,१००,८.
उ (द्>) त् √सृ, उद्···सरिष्यथ शौ ३,९,५; पै ३,७, ६[b]; उत्सरिष्यामि पै २०,१३,५.
उ(द्>)त्√सृज्, उत्सर्जति तै ५, २, २, ३¶; उत्सर्जेत् तै ६, २,९,१¶.
उत्सृजते मै ४,२, १०¶; काठ २५, २¶; क ३८, ५¶; कौ २, १०५९; शौ ६,३६,२; पै १९,४, २; †उद्···सृजते ऋ ५, ३४, ८; ७, ८१, २[c]; कौ २,१०२[c]; जै ३, १०, ४[c]; ¶उत्सृजति तै ५, १, ५, ३; २, ५, ३;४[3d]; ९, ५[d]; ७, १, ७, ४[2]; मै १, १०,१८[2]; ३,१, ५[2]; काठ ११, ८; ¶उत्सृजति तै ५, १, ८, ३; ६, ६, ६, १; मै २, ३, ५; काठ ११,८; २४,५; ¶उत्सृजति काठ १९,८; २९, ३[2]; ३०, १; ३६, १२[2]; क ३०, ६; ३७, ६; ४६, ४; ¶उत्सृजन्ति तै ७,५, ६,१[i], मै ३, १, १०; २, ४; ४, ८, ३; ¶उत्सृजन्ति तै ७,५,६, २[2]-४[2]; मै ३,५,४; उत्सृजे खि २, ६[2], २०[e]; मै २, ३, ४[f]; ५[f]; पै १, ६४, ४[f]; उत्सृजामि काठ ११, ७[f]; ८[f]; उत्सृजत् पै २०,५५,२; उत्सृजतु तै २,३,१०, २[2f]; ३[g]; उत्सृज मै ४,८, १; उत्सृजत>ता शौ १२, ३, ४६; पै १७, ४०, ६; †उद्···असृजत ऋ १०, ६७, ८; शौ २०, ९१, ८; ¶उदसृजत् तै ६, ६, ६, १; मै ४, ८, १; काठ ३०, १[h]; क ४६, ४; उद्···असृजत् ऋ ३, ३१,११;६,३२,२; ¶उदसृजन्त काठ २५,२; क ३८,५; †उदसृजः ऋ २,२३, १८; काठ ४०, ११; उद्···असृजः ऋ ६ १७, ६[i];
¶उत्सृजेत मै १, ६, १२[4]; १०,८[2]; उत्सृजेत् मै ४,२,१०; ¶उत्सृजेत् तै ५,१,८,३; २, ५, ३; ७, १, ७, ४; मै ४, १, २; ¶उत्सृजेत् काठ १३, ३[2]; २०, ३; ३६, ३[2]; क ३१, ५; उत्सृजेयुः तै ७,५,७,२[2]¶; उत्सृजेयुः तै ७, ५, ६-७,२¶; ¶उत्सृजेयुः काठ ३३,५;७[4].
उद्···ससृजे ऋ ३,३९,४.
उत्-सर्ग- -र्गैः मै ३,२,७¶.
¶उत्-सर्गम्[j] तै ६, १,९,४;५.
¶उत्-सर्जम्[j] मै ३,७,४.
¶उत्-सृजमान- -नः मै ४, २, १०.
उत्-सृज्य मै २,५,९¶.
¶उत्-सृज्य,ज्या[k]- -ज्यम् तै ७, ५, ७,१[2]; मै ४,२, १४; काठ ३३, ७[4]; -ज्या३म्[l] तै ७, ५,७, १[2]; काठ ३३, ७[2]; -ज्ये तै ७, ५, ७,१.
¶उत्-सृष्ट- -ष्टः मै ४,२,३.
उत्-सृष्टि- -ष्ट्याम् पै २, ३६, ३; -¶ष्ट्यै तै ५, २, ७, ३; ८,१; ३,२,२; ७,४;८,२; मै ३, २,६; काठ २०, ६; ११; २१,३; २२, ७; क ३१, ८; १३; १८; ३५,१.
उत्√सृप्,> सिसृप्स, ¶उत्सर्पति काठ २२,६; क ३४,१.

---

a) गस. भावे अबन्ते थादि-स्वरः।
b) तु. मस्थ. टि. ?उत्तराशवः।
c) सपा. तैंब्रा ३,१,३,२ उद्···सचते इति पाभे.।
d) तु. मस्थ. टि. अनु।
e) सपा. खिसा ११,२१ अश्विना इति पाभे.। अश्नुते, उच्यते, अस्तु मे प्रभृ. मूको. पाभे. द्र.।
f) सपा. उत्सृजे<>उत्सृजामि<>उत्सृजतु<>उद्धरे<>उद्धरामि इति पाभे.।
g) सपा. उत्सृजतु<>उद्धयतु इति पाभे.।
h) उद्वासृ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४६, ४ तत्संस्कर्तुः टि. च)।
i) तु. सा. PW.; वैतु. GW. अनुपसृष्टं योगं ब्रुवाणाः।
j) गस. णमुलन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। उप. कुर्वं विभाषया उत्तं. (पा ७,३,५३)। परस्परं पाभे. द्र.।
k) गस. क्यबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
l) प्लुतिरुदात्ता (पा ८,२,९७)।

उत्सृपत् शौ ६,१३४,२; पै ५,३३,५.

†उत्-सिसृप्सत्- -प्सतः ऋ ८,१४,१४; शौ २०,२९,४.

उ(द्>)त्√स्तु, उत्तुष्टुम पै १९,१७,९[a].

उ(द्>)त्√स्ना

उत्-स्नाय ऋ २,१५,५.

उ(द्>)त्√स्पृश्, उद्…अस्पृशन् शौ ५,१९,१; पै ९,१८,७.

उद् शौ ३,२४,४?[b]; पै २, २३, २?[c]; २०,४, ९?; १२, २[d]; १९,१?; ५४,६?.

√उद्,न्द्, उनत्ति[e] ऋ ५,८५,४; उन्दते शौ ५,१९,१४; उन्दन्ति तै ५,६,१,१; मै २, १३,१; उन्दन्तु का ३,९,३; तै १,२,१,१; काठ २,१; क १. १३; शौ ६, ६८, १; २; पै १९,१७,१५.

उत्स[f]- -त्सः ऋ १,१५४,५;५,८५,८; ८,६१, ⌊६; ९,१०७,४⌋; ९,८९,६;१०,३०,८; मा १९,८७; का २१,६,८; मै ३, ११,९; ४, १२, १†; काठ ३८, ३; †कौ १,५११;२,२५;९३०; †जै १,५३,१; ३,३,४; शौ ६,१०६,१; २०,११८, २†; पै ९,२३, १९; १९,३३, ५; -त्सम् ऋ १, ६४, ⌊६(८,७२,६)⌋; ८५, ११;१२१, ८; २,१६,७; २४,४; ३,२६,९; ५,३२,१; ५२, १२; ५४,८; ६, ४४, २४; ७, ५७,१; ८,७,१०; १६; ९,९७.४४; ११०,५; १०, ३०, ९; ४५, ⌊२;८४,५⌋;१०१, ११; १४३, ६; खि २, १२, १; मा १२,१९†;१३,४९;१७,८७; का १३,२,२†; १४, ५,३; १९, १, १; तै ३,१,१०,३; ११,७†; ४,२,२,१†; १०,२; ५,५,१०, ६; मै २, ७, ९; १७; काठ ९, १९†; १६,९†; १७; ४०,६; क २५,८; †कौ १,३१५; २,८५७; जै १,३३, ३†; शौ ३,२४,४?[g]; ४,२७,२; ३१,५†; १७,१,१५; १८,४,३५; ३६; पै ४,१२,५†; ३५,२; ५,४०,४; ८; १४,१,७; १८, ३२, १; -त्सस्य ऋ १०, ५,१; -त्साः ऋ ५, ५७,१; शौ ४,१५,७;९; पै ५,७,६; -त्सान् ऋ ५, ३२, २; -त्सासः शौ १, १५,३; पै १,२४,३; -त्से पै २, २३, ५; -त्सेभ्यः पै १५, २३, १३; १९,२४,१५; -त्सेषु पै १, ९१,२; -त्सौ मा १३, ३५; का १४,३,९; मै १,८,८[?]; ¶.

उत्स-ध्रि[h]- -ध्रिम् ऋ १,८८,४.

उ(त्स्य>)त्स्या[i]- -त्स्याः शौ १९,२,१; पै ८,८,७.

उद[j]- †उदा ऋ ५, ४१, १४; ८,९८,७; कौ १,४०६; २, ६०; जै १,४५,८; ३,६,६; शौ २०, १००,१.

१ उद्र[k]- -द्रः मा २४, ३७; का २६,८,२; तै ५,५,२०,१; २१,१; मै ३, १४, १८; काठ ४७, १०;११.

a) सपा. शौ ६,१०८,५ वेशयामहे इति पाभे.।

b) पाठः? (यथा+उ>) यथोउत्सः >उद् उत्सः इति विकारः ⌊तु. g टि.⌋ इति मतम् [तु. सपा. पै ५, ३०, ८ यथा इति पाठः ⌊तत्रापि ?यथारूपः>यथा कूपः इति शोधः स्यात् (तु. मना २, ६७)⌋; वैतु. सा. उद् ⌊भवति⌋ इति, LR. उद् ⌊अचामि⌋ इति, Weber, Gri. उद् ⌊अच⌋ इति च किउ. ⌊W. टि. द्र.⌋]।

c) वा.? स्त्राअ. स्यादिति।

d) स्त्राअ. (तु. पृ ७३६ e टि. यत्र सपा. एतदभावः)।

e) प्र. पित्त्वाभिघाते विक. स्वरः।

f) नाप. (स्रोतस्-, निर्झर- ⌊मेघ-, गो- इत्यौपचारिकौ- द्र.⌋)। सन् प्र. (पाउ ३,६८) नित्स्वरश्च (तु. पपा. नावग्रहः, या ⌊१०,९⌋, दे. ⌊निघ ३, २३⌋, वैं. भा. सौ. GW. प्रभृ. च; वैतु. या. दे. प्रभृ. पक्षान्तरे <उत् √सद् इति वा <उत् √सृ इति वा <उत् √स्यन्द् इति वा, सा. ⌊ऋ १,६४,६⌋ <उत् √सु ⌊प्रसवे⌋ इति, ⌊ऋ १,१२१,८⌋ <उत् √सु इति, ⌊ऋ २,२४, ४⌋ <उत् √सिच् इति च)। विशेषः वेश. यद्र.।

g) यथो उत्सः शतधारः, सहस्रधारो अक्षितः इत्येवं मूलतः सतोऽर्धर्चस्य स्थानेऽधुना पठ्यमानः पाठः भ्रेष एव द्र.। भ्रेषश्चैवं परिणतः संभाव्यते 'यथो उत्सः>(*यद्दो >*यो> *यु>) *उ उत्सः>उद् उत्सः>उदुत्स शतधा(रः>)र सहस्रधारो अक्षितः > धारवक्षितः > °धारमक्षितः' इति। सहस्रधारम् इत्यस्य प्रभावेण चान्यत्र सर्वत्र न. परिणामः ?।

h) नाप. (कूप-)। उस. उप. √धा + किः प्र. प्रकृति-स्वरश्च।

i) विप. (रअप्-)। यत् प्र. (पा ४,४,११०) तित्-स्वरस्च।

j). नाप. (उदक-)। क्विपि धा. स्वरो यथावस्थः।

k) नाप. (कर्कट- ⌊जलचर-विशेष- ?⌋)। मत्वर्थे रः प्र. तत्स्वरश्च (तु. WW १,२५२)।

उदँ[a]–

उद-कुम्भ[b]– -म्भान् तै ७, ५, १०,१¶.

उद-क्षी(र>)रा[c]– -राः पै १९, ३०,८.

†उद-ग्राभ[d]– -भस्य ऋ ९, ९७, १५; कौ २, १५८; जै ३, १५,६.

उद-तन्तु– -न्तुः पै १९,२८,७!.

१ उद-धि[e]– -धिः मा ३८,२२; का ३८, ५, ५: तै ५,५,९,१¶; –धिम् मा १८,५५; का २०,३, ५; तै २, ४, ८, १; ३,५,५,२; ४,७,१३,२; मै २, ४,७[1]; १२, ३; काठ ११, ९[1]; १८, १५¶; क २९,४; शौ ४, १५, ६; ११; पै ३, ३१,१-८; ५, ७, ३; १०; –†धीन् ऋ ३, ४५, ३; कौ २, १०७०; –०धे तै ५,५,९,१¶; –धेः शौ १, ३, ८; पै १९, २०, १३; २०, ४०,३.

उद-पात्र[b]– -त्रम् तै ६, ४, ९, २¶.

उद-पुर,रा[f]– -रम्[g] तै ४,४,५, १; –रा[g] मै २, ८, १४; काठ ३९,३.

उद-पू[h]– -पूः शौ १८, ३,३७.

उद-प्रुत्[i]– -प्रुतः ऋ ४, ४५, ४; ७, ४२, १; ९, १०६, ८; १०, ६८,१; तै ३, १,११,७; ४,११, ३†; मै ४, १२, ६†; काठ २३, १२†; ३५,९; क ४८, १०; कौ २,६७७†; जै ३, ५६, ५†; शौ ६, २२, ३[j]; १८, २, २२; २०, १६,१†; –†प्रुतम् ऋ ५, ७४, ४; ९, १०८, ७; कौ १, ५८०; २, ७४४; जै १, ५९, ३; ३, २०,४.

उद-प्लुत– -प्लुतः पै १९, २२,१२[j].

उद-प्लुत[k]– -तम् शौ १०, ४, ३; ४; पै १६, १५,३;४.

उद-मेघ[l]– -घे ऋ १, ११६, ३.

उद-वाह[m]– -हाः शौ १८, २, २२; –†हासः ऋ ५, ५८, ३; मै ४, ११, २; १४, ११; –†हेन ऋ १, ३८,९; तै २, ४, ८, १; मै २,४,७; काठ ११, ९.

उद्-व्रज[n]– -जे ऋ ६, ४७, २१.

उद-शराव[b]– -वम् मै ४, २,३¶.

उद-हा(र>)री[o]– -र्यैः मा १६, ७; का १७, १, ७; तै ४, ५,१;३; मै २, ९,२; काठ १७, ११; क २७, १; पै १४, २,१०; –र्यैम् शौ १०, ८, १४; पै १६, १०१,१०.

उदक[p]– -कम् ऋ १,१६१,८; १०; १६४,७; ४०; ५१; १९१, १४; ९, ६७, ३२; १०, १०२, १०; खि ३, १०[2], १६; २०; तै १, ६,१०,५¶; ५, ६, १, ३; ¶मै २,२,३; ३,६; १३,१$; ३,१०, ७; काठ २२, ६¶; ३९, २;

---

[a]) =उद्-। कर्तरि कः प्र. (पा ३, १, १३५) तत्स्वरश्च (वैतु. पा ६,३,५७ प्रभृ. पूप. <उदक– इति)।

[b]) षस. वा मध्यमपदलोपिनि कस. वा अन्तोदात्तः।

[c]) नाप. (ओषधि-विशेष-)। बस.।

[d]) नाप. (वृत्र-)। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। –भस्य इत्यत्र कर्मणि ष. द्र. (तु. ऋ १,१६५,६)।

[e]) विप. (निधि- ⌊मा ३८,२२⌋, समुद्र- ⌊शौ १,३,८⌋, अग्नि- ⌊तै ५, ५,९,१⌋), नाप. (समुद्र-, मेघ-)। उस. उप. √धा+किः प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[f]) नाप. (जलाशय-)। उस. उप. कर्मणि क्विप् प्र. ततः समासान्तः अः प्र. तत्स्वरश्च।

[g]) सपा. °रम् <> °रा इति पाभे.।

[h]) विप. (अग्नि-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। उप. <√पू इति (तु. PW. W. प्रभृ.; वैतु. सा. पुर्– <√पृ इति)।

[i]) विप. (मरुत्-, धेनु-, द्रप्स- प्रभृ.)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) सपा. °प्रुतः <> °प्लुतः इति पाभे.

[k]) विप. (दारु-)। उस. क्तान्ते थादि-स्वरः।

[l]) नाप. (समुद्र- ⌊स्क. वें. प्रभृ.⌋, उदौघ- GRV. Bergaigne, ⌊KZ ३५,४८६⌋, वर्ष-धारासंपात- ⌊PW. प्रभृ.⌋)। षस. अन्तोदात्तः। उप. =समूह- (तु. रजोमेघ- प्रभृ.; वैतु. वें. स्क. प्रभृ. उस. कृदुत्तरपदप्रकृतिरिति)।

[m]) विप. (मरुत्-, पर्जन्य-)। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[n]) व्यप. (स्थान-विशेष- इति सा., नद-विशेष- इति स्क.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. ऋ ४, ३०,१४;१५ प्रभृ.)। यत्तु सा. उस. इत्याह तद् भावार्थ-प्रदर्शनमात्रमिति।

[o]) नाप.। उस. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[p]) =उद्-, उदँ-। वुन् प्र. (पाउ २,३९) नित्स्वरश्च (तु. या ⌊२,२४⌋; वैतु. शौ ३, १३, ४ <उद् √अन् ⌊प्राणने⌋ इति, दे. ⌊निघ १,१२⌋ <उद् √अन् इति वा उद् √अञ्च् इति वा)। विशेषः वैश. यद्र.।

क ३४, १¶; कौ २,६४९†; शौ ३,१३,४; ५,१४,१३; १९, ८; ६,१००,२; १३९,४; ७, ७७, ११†; ९,५,५; ६,४;९,९; १०; १०, ८; १४, ५†; १५, २०†; १०, ८,१४; १२, ३, ३०; १५, ११,२; ४; १३,१३; पै २, ७१, ५; ३,४,४; ४,१७,६†; ८,१०, ८; १६, १०; ९, ७, १२; १९, ४; १०, २, ३; १३, ५, २३; १५,२३,९[2]; १६,६६,७†; ६९, ५०; ९७,४; १०१, १०; १११, ४; ११२, ८; ११४, ५; ११५, ४; १२५, ५; १७, १२,५; ३८, ९; १९, १३, ५; १८, ५; २६, १३; ३०, १०; ४२, ३; ४७, १४; २०, ११, ४†; २१, ८; –कस्य शौ १,१५,४; पै १,२४, २; ५, २०, २; ६, ३, ५; १५, २३,९; –कात् ऋ १०,१६६,५[?]; काठ २२, ६¶; क ३४, १¶; –काय मा २२, २५; का २४, ११,१; –के खि ७,१,१; मै ४, ३, ३[2]¶; काठ २५, ३[2]¶; क ३८,६[2]¶; शौ ४,१६,३; पै ४, १६, ६; ५, ३२, ३; ९, ७, ६; –केन मै २, १, ८¶; काठ ६, ३[3]¶; क ४, २[3]¶; शौ ४, ३४, ६; ७; ६,६८,१; पै ६, २२, ६; ७; १९, १७,१३; –केषु शौ ९, २,६; पै १६,७६,५.

उदक-त्व– -त्वम् पै ६,३,५.

¶उदक-मिश्र– -श्रेण काठ ६, ३; क ४,२.

?उदुका(क-आ)त्मन्[a]– -त्मानः शौ ८, ७, ९; पै १६, १२, ९.

उदुन्[b]– -दन् ऋ १, १०४, ३; –दनि ऋ १, ११६, २४; १०, ६८, ८; शौ २०, १६, ८†; –†दभिः ऋ १, ८५, ५; १०४, ४; २, १३, ५; ८, ९८,७; १०, ७८, ५; कौ १, ४०६; २, ६०; जै १,४५,८; ३,६, ६; शौ २०, १००, १;१३४, १$[c]; –द्नः[d] ऋ १,११२,१२; ७,६५,४; ८,१९, १४[e]; ३२, २५; १०, ६८,५[h]; १०२,४; तै २,४,८,१[f];२[g]; ३, ५, ५, २[g]; ४,७,१३, २[f]; मै १, ३,२६[g];४,१४,१२†; काठ ११, ९[f,g];१८,१५[f]; शौ ७, १९,१[g]; २०,१६,५†[h]; पै २०,७,३;२२, ८; –द्ना[d] ऋ ४,२०, ६;५,४५, १०; ८५, ६; ८, १००,९; १०, ६८, ४[i]; शौ ३, १२, ४; ७, ४७,१; २०,१६,४†[i]; पै ३,२०, ४; ७, ६, ६?[j]; १९, १५, ११[k]; २०, १३,५.

√उदन्य[l]

उदन्यत्– -न्यन् ऋ १०, ९९, ८.

उदन्यु,न्यू– -न्यवः ऋ ५, ५४, २; –न्यवे ऋ ५, ५७, १; –न्युवः ऋ ९,८६,२७.

†उद(न्य>)न्या[m]– -न्याः ऋ २,७,३; काठ ३५, १२; क ४८, १२.

उदन्य-जु[n]– -जा ऋ १०, १०६,६.

उदन्-वत्[o]– -¶वत् मै ४, १, ३; काठ ३१, २; क ४७, २; –†वता ऋ ५,८३,७; तै ३, १, ११,६; काठ ११,१३; –¶वन्तः मै ३, ८, ८; काठ २५, ९; क ४०, २.

उदन्वती– -ती शौ १८, २,४८; –तीः ऋ ७, ५०,४; शौ १९, ९,१.

उदनि[p]–

उदनि-मत्– -मान् ऋ ५, ४२, १४.

---

[a]) विप. (ओषधि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। स्वरे? °दका° इति शोधः स्यात्। <उदुन्-आ° इत्यस्यैव प्राचीनतरो विकारो वा भवेदिति WAG २,२३ *a*।

[b]) =उद्–, उदुं–। कनिः प्र. उसं. (पाउ २,१०७)। तत्स्वरश्च (वैतु. पाप्र. ⌊पा ६,१,६३⌋ <उदकु– इति)।

[c]) RW. उदुभिर्यथा इत्यस्य स्थाने शंपा उदभर्त्संथ इति, खि ५,१७,१ शांश्रौ १२,२३,१ उदभर्त्संत इति च पाभे.।

[d]) उदात्तनिवृत्तिस्वरेण वि. स्वरः। [e]) द्वि३ (तु. सा. ORN., वैतु. LR. पं१, GW. =उद्ना ⌊तृ१⌋ इति)।

[f]) सपा. मा १८,५५ का २०,३,५ मै २,४,७;१२,३ अपः इति पाभे.।

[g]) वैतु. RW. BC. ऊध्नन्–> -ध्नः इति पाभे.।

[h]) PW. RW. उह्नन्–> -ह्नः? इति पाभे.।

[i]) PW. RW. उह्नन्–> -ह्ना? इति पाभे।

[j]) उक्षा इति पाठे? यनि. शोधः।

[k]) सपा. शौ २,७,१ आपः इति पाभे.।

[l]) क्यजन्तः नाधा. (पा ७,४,३४)।

[m]) विप. (धारा-)। इदमर्थे यत् प्र. तित्-स्वरश्च।

[n]) विप. (अश्विन्-)। उस. डाऽन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[o]) विप. (प्राण-, रथ-, हव्य-)। व्यु. कृते अक्षण्-वत्– टि. द्र. (वैतु. पा ८,२,१३ <उदकु– इति)।

[p]) =उदुन्-। कनिप् प्र. उसं. (पाउ २,१०७) चित्स्वरश्च।

२उद्र[a]–

†उद्रिन्– -द्रिणम् ऋ २, २४, ४: ८,७, १०; ९, ७४, ७; १०, १०१, ५[b]: ६[b]; तै ४, २,५,५[2]; काठ ३८, १४; –द्री ऋ ८, ⌊४९-५०, ६⌋; खि ३, १-२, ६.

उन्दत्– -न्दन्[c] ऋ २,३,२: मै ३, ११,१; काठ ३८,६.

उन्दती– -न्तीः तै२,४,७,२; मै २,४,७; काठ २,१:११,९;–तीः तै ३,१,१,३.

ओद्मन्[d]– -द्मन् मा १३, ५३: का १४,६,१; तै ४.३,१, १; मै २, ७,१६[e]: १८;८, १४: काठ १६, १८; क २५,९.

उद(द्√अ)ञ्(व्याप्तौ), †उदानंश ऋ ८.२४, १७; कौ २, १०३५: शौ २०,६४,५.

?उदकुलायाः[f] पै ८,२,७.

उदक्-तस् (>:), उदक्-तात् उद(द्√अ)च्,ञ्च् द्र.

?उदगायो शिवायोः पै ५,१४,५.

?उदग्रकाशिन पै १९,५२,१५.

¶उदङ्क[k]– -ङ्कः तै ७,४,५,४;५,४,२.

उद(द्√अ)च्,ञ्च्, उदचति शौ १०, ८, २९; उदचति तै ७, ५, ६, १¶; उदचति पै १६, १०२, १; उदचामि शौ १४, १, ३८; †उदच>चा ऋ ५,८३, ८; शौ ४,१५,१६; पै ५,७,१४.

उदच्यते पै १६,१०२,१.

उद्-अ(क>)का[h]– -काः[i] मा १०, १९; का ११, ६, ४; मै २, ६, ११; ४,४,५; काठ १५,७.

उद(द्-अ)च्,ञ्च्[j]– -दङ्,ङ् ऋ ३, ५३,११;८,४,⌊१; ६५,१⌋; २८, ३; खि ५, १२, ३; १७, १-४; मा ६, ३६: का ३,२,३[k]; ६,८, ७; तै १,४,१, २; ६,४, ४, ३; मै १,३,४;४,५,७: काठ ३,१०; १५, १[l]; ३७, १०[k]; ३९,१; क २, १७; †कौ १, २७९; २, ५८१: †जै १, २९, ५; ३,४७, ७; शौ २०, १२०, १†; १२८, ३?[m]:१३४,१-६;पै१६,११८,४; –¶दङ् तै ५, ४, ३,३; ७, १०, १: मै १, ८, ५[2]; १०, ७; १८; २,२,१; ६,१[l]; ३, ३, ४; १०; ९, ५[2]; ४, ३, १ ; काठ ६, ७; २१,१०; २६,३[2]; २८,२; ३५, १८; ३६, १२; क ४, ६; ४१, १[2]; ४४, २: ४८, १६: शौ ५, ४, ८; ९,१२,२१; पै १,३१,२; १६,१२६,३;१३९,२२; –दञ्चः ऋ १०,८६,२२; ¶मै १, ९,८; २,६,१; ३,८,१०; ४,३, १; ८, ५; ¶काठ १५,१; २१,२; २९, ३[3]; ¶क ३१,१७; ४५,४[3]; शौ २०, १२६, २२†; पै १३, १४, १५: –दञ्चम् ऋ २, १५, ६; ¶तै ३, १, ३, २; ६, ६, ५, ४; ¶काठ २६, ३;७; ¶क ४१, १; ५; पै १६, १२१,४; –दीचः ऋ १०, १३१,१; तै ५, २,५,३¶; काठ २०,३¶; क ३१, ५¶; शौ २०, १२५, १†; पै १९, १६, ८†; –¶ची मै ३, ८, ७; काठ २५,८; क ४०,१.

उदीची– -ची मा १४, १३; १५,१३; का १५,४,३; १६, ३, १०: तै ४, ३, ३, २; ६, २; ४, २,२; ¶५,३,४,४; ५, १०, २; ६,४,४; मै १,५,४; २, ७,२०; ८,३; ९; १३, २१; काठ ७, २; १७,३;८; २०, ११; २१, १¶; २२,९¶; ३९,७; क ५,२; २६, २;७; ३१, १३; ३५, ३¶; शौ ३, २७,४; १२, ३, १०; पै २, ४९, ४; ५६, ४; ३, २४, ४; १७, ३६, १०; –चीः मा १६, ६४-६६; का १७, ८, १८[3]; तै

a) नाप. =उदन–। रक् प्र. (पाउ २,१३) तत्स्वरश्च।

b) वैतु. सा. <उद्-द्राव– (<उद् √द्रु) इति।

c) हव्यमुन्दन् (तैब्रा २,६, ८,४ च) इत्यस्य स्थाने सपा. मा २०,४६ का २२,४,११ मोदमानाः इति विशिष्टः पाभे.

d) नाप. (आप्लाव-, ओघ-)। मनिन् प्र. (पाउ ४, १४५) नित्स्वरश्च (वैतु. ⌊पा ६,४, २९⌋ मन् प्र.)। तु. माश ७,५,२,४७ यत्र अपाम् ओ° =ओषधि- इति)।

e) सपा. मा १५,६३ माश ८, ७, ३,१३ तां ६,४, ३ जैमि १,७० हृदये इति पाभे.।

f) पाठे? उदकुलायाः इति शोधः (तु. सपा. शौ ५, १३,८)।

g) व्यप. (ऋषि-विशेष- ⌊तु. पाग २,४, ६९⌋)। व्यु.?।

h) निष्ठायाम् इड्-अभावः [पा ७,२, १५ (तु. मा. मै. ⌊पपा.⌋ सा. उ. म. Egg.; वैतु. का. मै. ⌊पाठः⌋ उदक्ता इति, सा. पक्षे (माश.) उदक् ताः इति च्छेदः)]।

i) सपा. °दक्ताः (माश ५, ४,२,५ काश ७, ३,२,५ च) <> °दीचीः (तैब्रा १, ७,८,५ च) इति पाभे.।

j) गस. किन्नन्ते ग. प्रकृतिस्वरः (पा ६,२,५२)।

k) पाभे. इते पृ ८८७ h टि. द्र.।

l) सपा. °दङ्<>°दङ् इति पाभे.।

m) तु. RW.BC. च; वैतु. शंपा. सात. शांश्री १२, २०,२ उ, तत् इति द्विपदः पाभे.।

१, ८, १४, २[a]; ४, ५, ११, २; ५, २, १०, ५¶; मै २, ९, ९[३]; ४, ५,४¶; ८,३¶; ९, ५; १४, ११; ¶काठ १७, १६[३]$; २०, ९; २५, ३; २६, १; ¶क २७, ६[३]$; ३१, ११; ३८, ६; ४०, ४?[b]; शौ १२, १, ३१; २,४१; पै १७, ४,१; ३४,२; १९, ४०, २?[c]; –चीम् मा १०, १३; का ११,५,४; तै १,८,१३,१; ¶६, १, १, १; ५, २; मै २, ६, १०; ४,१,१०[२]¶; काठ १५,७; २३, ८¶; ३१, ८[२]¶; ¶क ३६, ५; ४७,८[२]; शौ १५, २, २१; १४, ७; पै २, ८६, ४; १६, ९८, १०; –च्या तै ५, ५,८, ३¶; मै १, ४, २; २, ८, ११; काठ ५, ५; २२, ५; –च्याः शौ ४, ४०, ४; ५, १०, ४; ६, ९८, ३[d]; ९, ३, २८; १५, ४, १०; १२; ५, ८; ९; १८, ३, २८; १९, १७-१८, ७; पै २, ६९, ४; ४, ३०, ४; ६, १३, १; ७, १६-१७, ७; १६, ४१, ८; –च्याम् तै १, ६, ५, २; २, ४, १४, १[d]; मै ४, १२, २[d]; काठ ८,१७[d]; शौ ३,२६,४; १५, २, २४; १८,३,३३; पै ३, ११, ४; १६, ९९, १; १९, १२, १५[d]; –च्यै मा २२,२४; का २४,१०, १; तै ७, १,१५,१; मै ३, १२, ८: काठ ४१,६;५१,४; शौ १२, ३,५८; पै ६, १३,७; १६, ९३, ४; १७,४१,८.

‡उदक्-तस्(>:) शौ८,३,१९[e]; ४, १९[f]; पै १६, ७, ९[e]; १०[g]; १०,१०[f].

उदक्-तात्[h] ऋ ७, ७२, ⌊५; ७३, ५⌋; १०४, ⌊१९[f]; १०, ८७, २१[g]⌋; १०, ८७, २०[e].

उदीचीन[i]– -नः पै २०, ३७, ४; –¶नम्[j] मै १,८,४; ४, १,१०; काठ ६, ४, २५, २; २९, ८; ३१,८; क ४, ३; ३८, ५; ४७, ८; पै १६, १२२, ४$; –नान् मै ४, १३, ४; काठ १६, २१; –नैः शौ १२, २,२९; पै १७, ३२,९.

उदीचीन-पाद[k]– -दम् मै ३, ९,७¶.

उदीचीना(न-अ)पनत[l]– -नम् मै ३,८,४¶.

उदीच्य[m]– -च्यम् शौ ४, ७,२; पै २,१,१.

उद्-अञ्चन[n]– -नः ऋ ५, ४४, १३.

उद(द्√अ)ज्, ¶उद्जते[o] मै १, १०, १६; ४, ३,१?[p]; २; ६, ८; †उद्···अजते ऋ १, ९५, ७; पै ८, १४, ७; १५, १२, ५; उद्जन्तु शौ १४, १, ३९[q]; पै १८, ४, ८; उदाजत मै ४, २, ४[२]¶; शौ १२, ४,२४; पै १७, १८, ४; उदाजत ऋ १, ११२, १२; मै ४, २, ११[२]; उद्··· आजत ऋ ३, ६४, ५; †उदाजत् ऋ ४,५०,५; तै २, ३, १४, ४; मै ४, १२, १; काठ १०, १३; शौ २०, ८८, ५; †उदाजत् ऋ २, १२, ३; १४, ३; २४, १४; मै ४, १४, ५[२]; १०; शौ २०, ३४,३; पै १३, ७, ३; †उद्··· आजत् ऋ २,२४,३; ८, १४,८; १०, ६८, ७; कौ २, ९९१;

a) पाभे. कृते पृ ८९६ *i* टि. द्र. ।

b) पाठे? °चीम् इति शोधः (तु. C.⌊ZDMG७२,१७⌋, OKP. ⌊२६⌋) ।

c) उदीचाः इति पाठे? यनि. शोधः ।

d) सपा. उदीच्याः<>उदीच्याम् इति पाभे. ।

e) सपा. उदक्तस्(>:)<>उदक्तात् इति पाभे. ।

f) सपा. उदक्तस् (>:)<> उदक्तात् इति पाभे. ।

g) पाभे. कृते पृ ८८७ *i* टि. द्र. ।

h) स्वार्थे तातिप् प्र. वा तातिन् प्र. वा उसं. (पा ५, ३,२७) । पूर्वत्र प्र. पित्त्वाभिघाते स्वरेऽभेदः, अपरत्र नित्-स्वरश्च ।

i) विप. (पथिन्-, पद्- प्रभृ.) । ख>ईनः प्र. (पा ५, ४,८) तत्-स्वरश्च ।

j) द्वि१ सत् वा. किवि. ।

k) विप. (मेध-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

l) विप. (देवयजन-) । कस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६, २,४६) ।

m) विप. (विष-) । तत्रभवीयो यत् प्र. तित्स्वरश्च ।

n) विप. (सुतंभर-) । गस. कर्तरि ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

o) सपा. काठ २८,३ क ४४,३ निरजते इति पाभे., तै ६,५,५,४ च पाठाऽभावः ।

p) उदजयत् इति पाठे? यनि. शोधः (तु.सप्र. पूर्वापरम्) ।

q) सपा. आपमं १, १, ७ उदचन्तु इति पाभे., तमनु ?W. इति ।

शौ २०, १६,७; २८,२;३९,३; उदाजन्त मै ४,२,४¶; उदाजन्त मै ४, २, ११; उदाजन् ऋ १०, ६२, २; पै ९, १९, ६; उद्··· आजन् ऋ ४,१,१३; उदाजः ऋ १०,१३८,२.

¶उद्-आज[a]- -जम् मै १, १०, १६; ४, ३,१; २; ६, ८.

?उदजनि[b] मै ४,२,५.

उद्-अञ्चन- उद(द्√अ)च्,ञ्च् द्र.

उद(द्-अ)ञ्जि[c]- -ञ्जिम्[d] तै ७,४,१९, १; काठ ४४,८.

उद्-तन्तु- √उद्, न्द् द्र.

?उददनी पै ५,१०,५.

१ उद्-धि- √उद्, न्द् द्र.

२†उद्-धि[e]- -धिम्[f] ऋ ७,९४, १२; -धेः[g] ऋ १०, ६७,५; मै ४,१२, ५; काठ ९,१९; शौ २०, ९१,५.

उद(द्√अ)न्, उदनन्ति तै ७, ५, ६,२¶.

उदानिषुः तै ५, ६, १,३; मै २, १३. १; काठ ३९, २; शौ ३, १३,४; पै ३,४,४.

उद्-आन[h]- -नः मा ६, २०; २२, ३३; का ६, ४, ४; २४, २०, १; -नम् तै ७,५,६,२¶; -नाय मा १, २०[1]; ७,६[1]; २७[1]; १३, १९; १४,१२; १५,६४, का १, ७,४[1]; ७,२,२[1]; ९,१, १[1]; १४, २, ४; १५, ४, २; १६, ७, ६; तै ४, २,९,१; ३,६,१; ४,३,३; मै २,७,१६[3]; ८,१४[3]; ३, १२, ९; काठ ३९, ३; ४०, ३; ५; ५१,५.

उदान-रूप- -पे[k] काठ ५, ५; ८,१३; क ८,१.

उदान-व्यान[l]- -नौ[k] का २,३, ८; तै १,६,३,३.

उदन्-, उदनि- √उद्, न्द् द्र.

उद(द्-अ)न्त[m]- -न्तम् मै १,८,१०.

√उदन्य, उदन्य-जु- प्रभृ. √उद्, न्द् द्र.

उद(द्√अ)य्

उद्-अय्य मै ४,५,९¶.

उद्-अय-, उद्-अयत्-, उद्-अयन-, उदयनीय- उदि(द्√इ) द्र.

उदर[n]- -रम् ऋ १,४२, ९; ८,१,२३; २,१; ७८,७; १०,८६, २३; खि २,१२, २; मा १९,८६;२०,८; का २१,६-७,७; ¶तै २,४, १२, ६;६,८,७;६,२,१०,६; ११,४[2]; ७,५,२५,२; ¶मै २, ४, ४; ३, ६,७;८,८;९[4]; ११,८;९; ४,५, ९; काठ ४,१६; १२,३¶; २३, ४![o]; २५, १०[2]¶; २६, १[2]¶; २८, १[2]¶; ३८, ३; ४; ¶क ३६, १; ४०,३[2]; ४[2]; ४४,१[2];

[a]) गस. भावे घञन्ते थाथि-स्वरः। उप. कुत्वाऽभावः (पा ७,३,६०)।

[b]) पाठे? सर्वस्यापि यजुषः शोधः द्र.। 'स्योनाः स्थाऽनेनxxxx।xx उपदम्भिष(न्) (द्)धृषिःxxx।x उदचन्न् इव स्रुचा' (तु.सपा. ⌊मै ४,२,८ आपश्रौ ४,१०,८; १३,७,१३ भाश्रौ ४,१५,३ यत्र यथापेक्षः शोधः⌋)।

[c]) नाप. (उपस्थ- ⌊तु. भा.⌋)। प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,२ ⌊वैतु. सा. मध्यमपदलोपी कस. इति⌋)।

[d]) सपा. मा २३,३१ का २५,६,१ विशिष्टः पाभे.।

[e]) अत्र पूप. (भाप.) ?=*उद्- <√*उद् (=√बध् ⌊बन्धने, *बाधायां च⌋) इति मतम् (वैतु. =उद- ⌊जल-⌋ इतीवाऽन्येऽभिमन्यमानाः)। उप. √धा+यथाकर्म कर्तरि चाधिकरणे च किः प्र. तस्वरश्च।

[f]) विप. (दुःशंस-मर्त्य-)। वैतु. वें. सा. नाप. (कुम्भ-) इति लुप्तोपमत्वेन व्याचक्षाणाविति, GW. =मेघ- ⌊=उद-ग्राम-⌋ इति, GRV. =बल- (g टि. द्र.) इति।

[g]) नाप. (बन्धागार- ⌊तु.GRV. टि.; वैतु. वें. सा. प्रभृ. बलासुर- ⌊=मेघरूप-⌋ इति, GW. =मेघ- इति⌋)। अन्यत् f टि. द्र.।

[h]) नाप.। गस. उप. कर्तरि णः प्र. उसं. (पावा ३,१,१४०) तस्वरश्च।

[i]) =सपा. माश १, २, १,१९;२१; ४,१,२,२४ काश्रौ ९,६,५ बौध ३,८,११। तै १,१,६,१;४,३,१;३,५,८,१; ९,२; ४, ४, १,३; ७,५,१३,१ मै १,१,७;३,५;३५ काठ १,६; ४,१;१७,७;२७,२;३१,५; ३७, १७;४५, ९ तां १, १०, ६; ५,६, १४ ऐआ ५,१,४' आपश्रौ १, २१,६;१२, ७,७ माश्रौ १, २, २, २६; २, ३, ४,३० वैताश्रौ २६, १; लाश्रौ ४,१,८ बौध ३,८,४ तु अपानाय इति पाभे.।

[j]) =सपा. माश ४,५, ६, १। तै ३, २, ३, १ आपश्रौ १२,१८,१० तु अपानाय इति पाभे.।

[k]) 'नरूपे (गोब्रा २, १, ७ माश्रौ १, ४, २, १२ वैताश्रौ ३, २० लाश्रौ ४, ११, २१ च) <> °नव्यानौ (काश्रौ ३,४,२७ च) इति पाभे.। [l]) द्वस. अन्तोदात्तः।

[m]) विप.(पयस्-)। मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[n]) नाप. (जठर-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <उद् √ऋ इति पाउ (५,१९), <उद् √वृ वा उद् √ऋ वेति अभा., <उद् √अद् इति GW.।

[o]) उदा° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३६,१ तत्संस्कर्तुः टि. च)।

†कौ१,१२४;२,८४; †जै१,१३, १०; ३,८,१०; शौ ४, १६, ७; ३४,१; ९,३,१५;१२,१६; १०, ७,३२; १०, २२; ११, ७, २५; १५, १, ७; २०, १२६, २३†; पै ५, ३२, ८; ६, २२, १; १६, ४०,६; ९६, ८; ९९, ६; १०९, २; १३७,७; १३९, १४; १५५, ५; १७,१०,३; १८,२७,७; १९, ४०, ९; –†रस्य ऋ १, १६२, १०; मा २५, ३३; का २७, १३, २; तै ४, ६, ८, ४; मै ३, १६, १; काठ ४६, ४; –रात् शौ २,३३,४‡[a];९,१३, ९;११; १२; १०, १०, २१; २०, ९६, २०‡[a]; पै ४, ७, ८; १६, ७५, १;२; १०९, १; –राय शौ ११, २,६; पै १६, १०४, ६; –रे ऋ १,३०,३; ८,९१,५; मा ४,१२; का ४,५,४; मै १, २, ३; ४,५, ९¶; काठ १२, ३¶; शौ ११, ७,३; पै ४,२६, ५†; १३,१३, ४; १६,१४८,७;१५३,२; –रेण मा २५, ८; का २७, ८, २; तै २,६,८,७; ५,७, १६,१; मै ३, १५, ७; काठ ५३, ६; शौ ११, ४, ११[२]; पै १६, ५५-५७, १२; –रेषु ऋ १, २५, १५[b].

उदर-दार[c]- –रः शौ ११,४,११.

उदर्य[d]- –र्येण मा २५,८; का २७, ८,२; तै ५, ७, १६, १; मै ३, १५,७; काठ ५३,६.

उद्-अरण- उद(द्√ऋ) द्र.

उद्-अर्क- उद (द्√ऋ)च् द्र.

उद(द्√अ)व, †उदव,>वा ऋ १, १०२,४; ४,३२,४; ५,५,९; ७, ४१,३; मा ३४, ३६; तै ३, १, ११,२; शौ ३,१६,३; ७,५२,४; पै ३, ३६ ,५; ४,३१,३; उदवत >ता ऋ २, ३१, २[e]; उदावत् ऋ १०,१०२,७.

उद्-अवत्- -वता ऋ ६, १८, ९; –वन्तौ शौ ७,१००,२.

उद(द्-अ)व√सो,>सा, उदवस्यति[f] शौ९,११,६; उदवस्यतु[f] पै १६, ११६,१०.

उदव-सान-

¶उदवसानीय[g]- -यः मै ४,८, ६; –यम् तै ३,५,४,३; काठ २९, ४; क ४५,५.

उद्-वाह, उद्-व्रज- √उद्,न्द् द्र.

उद(द्√अ)श्(व्याप्तौ), उदशेम ऋ १, २४,५.

उदश्याः ऋ ५, ४२, १५; †उद्···अश्याम् ऋ ३,५४,२१; काठ १३,१५.

†उदश्नुवन्ति ऋ ७, २२, ८; शौ २०, ७३, २; उदश्नवत् ऋ ५,५९,४.

उद्-शराव- √उद्,न्द् द्र.

उद(द्√अ) स् (क्षेपणे), उदस्यन्ति पै १९,३०,८.

¶उद्-अस्य मै १, १०, २०; काठ ३६,१४[h].

उद्-हारी- √उद्,न्द् द्र.

उदा (द्-आ) √कृ (करणे), उदाकुरुत शौ १२,४,४१; पै १७,२०,१.

†उद्···आकः ऋ १०, ६७, ४; शौ २०, ९१, ४.

उदा-कृ(त्य>)त्या- -त्या तै ७, १, ५,६¶.

उदा(द्-आ)√गम्, उद्···आगन् शौ १३,१,२[i];२,९[i]; पै १८,१५, २;२१,३.

उदा(द्-आ)√गा,उद्···आगात् काठ ७, १२; उदागाम् शौ १४, २, ४४; पै १८, ११, ४; उद्··· आगाम्[j] शौ १९, १४, १; पै २०,२१,१०,

?उदाङ्कः पै १६,१५,३[k].

उदा(द्-आ)√चक्ष, ¶उदाचष्टे मै २, ३,५;३,७,७.

उदा (द्-आ)√चर्, †उदाचरत् ऋ ७, ५५, ७ ; शौ ४, ५, १ ; पै ४, ६,१.

उद्-आज- उद्√अज् द्र.

उदा(द्-आ)√जन्, उद्···आ (आ-अ[l])जनिष्ट ऋ ५, ३१,३.

उदा(द्-आ)√दा(दाने)

उदा-दाय मा १,२८; का १, ९, ६; तै १, १, ९, ३; मै १, १, १०; काठ १,९; क १, ९.

उद्-आन- उद(द्√अ)न् द्र.

a) सपा. ऋ १०,१६३,३ हृदयात् इति पाभे. ।

b) =शरीर- इत्यर्थ औपचारिक इति GRV. ।

c) नाप. (अतिसाराख्यरोग- [तु. सा.])। उस. अण्-न्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

d) नाप. । यत् प्र. (पा ४,३,५५) तित्स्वरश्च ।

e) तु. सस्थ. टि. अभि ।

f) सपा. °स्यति<>°स्यतु इति पाभे. ।

g) नाप. (इष्टि-विशेष-) । छ>ईय; प्र. तत्स्वरश्च ।

h) उद्···प्रतिलभन्ते इति Sl. ।

i) वैतु. WI. उद् पृथग् इति ।

j) तु. सस्थ. टि. ? उच्छ्रेयः । सपा. आपमं २,१५,१ आगन्म इति पाभे. ।

k) पाठः? । सपा. शौ १०,४,४ अरंघुषः इति पाभे. ।

l) आ-अ° इति पपा. शोधार्हः (तु. पा ८,१,७१) ।

उदा(द्-आ)√नी, ¶उदानयन्ति काठ २६, २; क ४०, ५; ¶उद्… आनयन्ति तै ३, १,३, १; ६,३, २,३; उदानय तै ६,५,८,६ª.
¶उदानीयते तै ६,३,८,३.
?उदाभिषिक्ताःᵇ काठ ३७, ९; पै ४, ३,५.
उदा(द्-आ)√भृ, उदाभरत् पै ६,७, २; ३; ७; उदाभरन् पै ९, ११, १३.
उदा-भृत्य पै ९, ११,१४.
उदा (द्-आ) √यच्छ (यमने), उदायच्छाति पै ९, १४, ५ᶜ; उदायच्छतु शौ ५,३०,१५ᶜ.
उदा-युत्- उदे (द्-आ√इ) द्र.
उद्-आय्य- उदि(द्√इ) द्र.
?उदार,राᵈ- -†रः॰ ऋ १०, ४५,५; मा १२, २२; का १३, २, ५; तै ४, २,२,३; मै २, ७, ९; ४. ११, २; काठ २, १५; १६, ९; -राः॰ शौ ११, ११, १६; -ऽराः॰ शौ ११,१२,१; पै १०, १४, १०; -राणाम्॰ शौ ११, ११,६; -रान् शौ ६,११३, २ᵍ; ११॰, ११, १; १५; २२; २४; पै १९, ३३, १२ᵍ; -राम्ʰ खि २, ६, ५; -रे॰ शौ ४, ११, ३; पै ३, २५,५.
उदारथिʲ- -†थिःᵏ ऋ १,१८७,१०; काठ ४०, ८; पै ६, १६, १०; -थिम् शौ ४,७,३‡ᵏ.
उदा(द्-आ)√रुह्, उदारोह पै १६, १,८.
उद्…आरुहत् काठ १८, १६; क २९,४; उदारुहन् कौ १,९२; जै १,१०,२; शौ १८,१, ६१?ˡ; उद्…आरुहम्ᵐ,(उद्)आरुहम् मा १७, ६७: का १८, ६, ३; तै ४,६,५,१; ५,४,७,१; मै २, १०, ६; ३, ३, ९: काठ १८, ४; २१,९; क २८,४.
φउदा-रोह(त्>)न्ती- -न्ती पै ४, १०,५.
उदा(द्-आ)√वृत्, उद्…आवीवृताम शौ १४, २, ३६ⁿ; पै १८, १०,६.
¶**उदा-वर्त**॰- -र्तः तै ६, ४, १, १; मै ३, १०,६.
उदा(द्-आ)√सृ, ‡उदासरन्ᵖ कौ २, ६६७; जै ३, ५५, ८.
?उद्आहुः पै २, ८१, ३.
उदा (द्-आ) √हृ, उदाहरन्ति काठ १०, ११¶.
¶उदाह्रियते तै ६, २,९,४.
उदा-हृत,ता- -तम् पै २, १, २ᵏ; ३, १६, ६; १२, ३, ११; -ता खिमा २६,१७.

ª) =सपा. माश ३, ८,२, १; ४,४, २,१७ काश्रौ १०, ६, २० आपश्रौ १२, ५,२; १३, १४, ११; १४,१, ७। माश्रौ २, ३,२,९ तु अभ्युदानय इति पाभे.।

ᵇ) पाठे? उत्ता(त्-अ)भिषिक्ताः इति शोधः (तु. सपा. ऐब्रा ५,१,१ तैब्रा २,७,८,२ K.; वैतु. सा. BC. उदा। अभि॰ इति)।

ᶜ) सपा. ॰च्छाति <> ॰च्छतु इति पाभे.।

ᵈ) बप्रा.। व्यु.?, ॰त्-आ॰ इति पपा.।

ᵉ) विप. (अग्नि-) इति कृत्वा पपा. अनु वें. सा. PW.GW. प्रभृ <उद्√ऋ इति, उ. म. <उद्-आ√रा इति। वर्-(=उरु-, बहु-)+(√धृ>धारि> ⌊कर्तरि⌋) धार्- >*वर-धार्- (उम.)> नैप्र. यनि. इति तु मतम्।

ᶠ) नाप. (गुह्ययोनि-विशेष-)। व्यु.? (√वृ ⌊आवरणे⌋ >भाप.) वर्- इति e टि. विशेषः द्र. (तु. सस्थ. अन्तर्हित- इति विप., तत्कर्मवत् मत् प्रदर्शय इति किप. च, W.B. प्रभृ.; वैतु. सा. =उत्पात- इति)।

ᵍ) नाप.। अर्थः? मेघात्मना परिणतधूम- इति मा., कुहा- यद्वा वाष्प- इति PW. W.B. प्रभृ., दीप्ति-, उल्बण-ज्वाला- इति आ. सा. (तैब्रा २, २, ९, २)। शिष्टं e टि. द्र.। ʰ) विप. (श्री-)। शिष्टं e टि. द्र.।

ⁱ) नाप. (अन्धकार- ⌊PW. ?W. प्रभृ. g टि. द्र.⌋)। व्यु.?। सा. उद्। आरे इति पदद्वयमाह?।

ʲ) विप. (कम्भ-)। व्यु. अर्थश्च?, पपा. नावग्रहः। गम. उद्√ऋ+णथिच् प्र. चित्स्वरश्च (तु. पाउ ४, ८८ यत्र उदरथि- =समुद्र-) इति मतम्। प्राचामर्वाचां संमता विविधा अर्थाः संकेत्यन्तेऽत्र तद्यथा, ऊर्ध्वगमनसाधन-, (इन्द्रियाणाम्) उद्दीपयितृ-, हर्षयितृ- इति सा. ⌊ऋ.⌋ B., वाष्परूपेण उद्गन्तृ- इति PW. ?W. प्रभृ., उदा (=उदन्-) +रथि- इति कृत्वा =इतस्ततः प्रविचलत्-, तरङ्गित- इति GW., अवगन्तव्य- इति वें, उद्रिक्तार्तिजनक- इति सा. ⌊शौ.⌋?।

ᵏ) सपा. ॰थिः <> ॰थिम्, <> उदाहृतम् इति पाभे।

ˡ) उदा॰ (तु. पपा. उद्, आ, अ॰) इति स्वरे? यनि. शोधः द्र. (तु. पा ८,१,७०, कौ. RW. च)।

ᵐ) पाभे. कृते पृ ६९७ k टि. द्र.।

ⁿ) वैतु. WI. पृथक् उद् इति, W. अपार्थक आ इति च।

ᵒ) नाप. (रोग-विशेष-)। गस. कर्तरि अजन्ते आदि-स्वरः।

ᵖ) पाभे. कृते पृ ८७६ b टि. द्र.।

उदि(द्√इ), ¶उद्यते मै ३, ९, ५; काठ २५, ५; २७, १; क ३९,२; ४२,१; उद्यत् पै १९, ४०, १४[a]; †उद्यत् ऋ ७, १०४,३; शौ ८, ४, ३; पै १६, ९,३; उद्यत् पै ५, ६, २; १९, १५, १२[b]; उद्यताम् शौ १, २२, १[c]; पै १, २८, १; उद्यतु पै १२, २,११; ¶उदायत तै ५, २,६,५; काठ २६,८; क ४१,६. उदेति ऋ १, १५७, १; ७, ६०, २[d]; ६३, ३; ४; १०, ३५, ८; ३७, २; ¶तै ६, ५, ४, २; ७,५,१,२; मै ३, ६, २¶; काठ १०,१३†; कौ २,११०८†; शौ १९, ५४,१; उदेति ¶तै २, ५, ५,२[d];४[d]; ¶मै २, ५,११; ३, ४,९[2]; शौ १०,८,१६; १३, ४, ७; उदेति ¶काठ ९, १५; २३, ८; ९[2]; ३२, २; ३७, १; ¶क ३६,६[2]; पै १२,६,८;१६,१०२, ५; १७, २५, ५†; उद्...एति ऋ १, १९१,८; ४, १३, १; ७, ६१, १; ६३, १; २; ६६, १४; शौ ५, २३, ६†; ६, ५२, १; उद्...एति ऋ १, १६४, ५१; उद्...एति पै १९, ७, ५†; उदितः का ११,५,७‡[e]; ¶उद्यन्ति तै २,६,१०,४; ३,५,१०, ३; ६, ५,८,१; मै ४, ४, १०; ७,४; काठ २३, ९[3]; २८, ८[2]; २९,३; ३०,२; क ३६,६[2];४४, ८[2]; ४५, ४; ४६, ५; उद्...यन्ति शौ ८,९,६; पै १६, १८, ६; †उदेषि ऋ १, ५०, ५; कौ ३,५,१०; जै ४,२,२; शौ १३, २, २०; २०, ४७, १७; पै १८, २२, ५; †उद्...एषि ऋ ८, ९३,१; कौ १,१२५; २, ८००; ३,५,१२‡[f]; जै १, १४,१; ४, २, ३; शौ २०, ७, १; उदिथः मा १०, १६‡[e]; उदेतु ऋ ७, ३५,८; शौ ५, १३,३; ३०,११; ६,७६,१[b]; १९,१०,८†; पै ८, २,१; ९, १४, १; १३, ८, ८†; उद्...एतु तै ४, ६,४, ४‡[g]; शौ ३, १९, ६‡[g]; ८,२, ८; पै १, ५६, २‡[g]; १६, ३, ९; †उद्...यन्तु ऋ १०, १०३, १०[g]; १०८,११; मा १७,४२[g]; का १८,४,१०[g]; कौ २,१२०८[g]; उदिहि ऋ १०,३७,९; मा ११, ६९; का १२,७,४; तै ४,१,९, २; मै २, ७, ७; काठ १६, ७; १९, १०; क ३०,८; शौ ३,४, १; १७,१,६[2]; ७[2]; पै ३, १,१; १८, ३१, १[2]; २[2]; उदित पै २, ४०,१[i]; उदैत् ऋ १०,१०,४[h]; मा ३१, ४[h]; का ३५, १, ४[h]; ¶तै २, १,४, ५[c]; ३,३, १[2]; मै २, ५, ३[2]¶; काठ २४, १[3]¶; क ३७, २[3]¶; कौ ३, ४, ४†[h]; जै २, ३, ७†[h]; उदैताम् शौ ८, ९, १; पै १६,१८, १; उद्... ऐताम् पै १९, २६, ११[i]; उदायन् ऋ ३, ३१, ४[j]; १०, २७, १५; २३; तै ¶२, १, ४, ५; ५, १[c]; मै ७, ५, ३¶; उदायन् तै ¶५, ७,२, २[k]; ३[k]; मै २,७,१२[k]; शौ ११,१,३७[k]; उदायन् काठ १३, ४¶; २२, १०[k]; ३८,१३[k]; क ३५,४[k]; पै ३, १८, ४[k]; १६, ९२, ७[k]; उदियात् मै २,५,११¶. उदियाय ऋ ७,३३,१३; उदीयुः ऋ २,२४,६.

उद्-अय[l]- -ये ऋ ८, ४१, २. पै १९, ३६, १३.

उद्-अयत्- -यन् पै १७,२९,३.

उद्-अयन- -नम् ¶तै १,६, ११, २[2]; ७, ५, १,३; मै ¶३.१, ३;८,१०; शौ ५, ३०,७; पै ४, २१, ४; २२, ३; ९. १३, ७; -नात् ऋ १, ४८,७; -ने मै ३, ७,२¶.

¶उदयनीय,या[m]- -यः तै ६, १,५,१; ७,५;७,३,३,१; मै ३,

a) पाभे. कृते पृ ७४९ c टि. द्र. ।
b) सपा. उद्यत्<>उदेतु इति पाभे.।
c) तु. सस्थ. टि. अनु ।
d) तु. सस्थ. टि. अभि ।
e) सपा. उदितः<>उदिथः<>उदिति-> -ता, -तौ इति पाभे.।
f) सपा. ऋ १,५०,७ शौ १३, २,२२; २०, ४७, १९ या १२,२३ वि...एषि इति पाभे.।
g) सपा. उद्...एतु<>उद्...यन्तु इति पाभे.।
h) =सपा. तैआ ३, १२, २। शौ १९,६,२ तु अरोहत् इति पाभे.।
i) पाभे. कृते पृ ८९० e टि. द्र.।
j) तु. सा.; वैतु. वें. PW. GW. प्रत्युदा° इति द्वैस्वर्यमुशन्तश्चिन्त्याः । तम् इति द्वि. युक्तस्यैव प्रतेः स्वारसिकत्वात् ।
k) सपा. पै १९, ४०,१४ ?उपायन् इति पाभे.।
l) गस. भावे अजन्ते थादि-स्वरः ।
m) नाप. (इष्टि-विशेष-)। छ>ईयः प्र. तत्स्वरश्च ।

७, २[२]; ५; काठ ३४, ६; –यम् तै ६, १,५,४;५[२]; मै ३, ७, १; २[२]; काठ २३, ८[२];९[४]; २४, ३; ३४,१६; क ३६, ५[२]; ६[४]; ३७, ४; –यस्य तै ६, १, ५, ५[२]; काठ २३, ९[२]; क ३६, ६[२]; –ये तै ३,५,१०,२; मै ३, ७,१;२[२]; ५; काठ २३, ९; ३०, २; ३४, ६; क ३६,६; ४६,५.

उद्-आय्य[a]– -य्यम् शौ १०, १,७; पै १६,३५,७.

१उद्-इत,ता– -तः ऋ १०, १२१, ६[b]; खि ६,३,१; मा ३२,७†[b]; का २९,४,२†[b]; पै १३, १३,३; –ता ऋ ८,१०३,११; –ताय तै ७,२,२०,१; काठ ४२,१०; शौ १७, १, २२; पै १८, ३२, ६; –ते ऋ ३, १५,२;५, ५४,१०; ७, ६३, [५; ६५, १; ६६, ७]; ६६,[४;८,२७,(१९)२१]; १२; ८, १, २९; १३, १३; मा ३३, २०†; का ३२, २,३†; काठ ८, ३[५]¶; क ६,८[५]¶; †कौ २,४१७; ७०१, †जै ३, ३२, ७;४६, ७; शौ ४, २५,३; पै २, २३, २; ८०, १?[c]; ४, ३४, ३; –¶तेन काठ ८,३[२]; क ६, ८[२]; –तेषु तै ६,१,४,४¶.

उद्-इति– -तयः शौ १०, २, १०; पै १६, ६०, २; –†ता ऋ १, १०८, १२; ११५, ६; ५, ६२, ८[d]; ६९,[३; ७६,३]; ६,५१,१; ७, ६,७; ४१, ४[e]; ७६, ३; ८, ७२, १७; मा ३३, ४२†; ३४, ३७[e]; का ३२, ३, १३; मै ४, १४, ४; कौ २, ११०४; –तिः काठ ३९,६; –तिम् ऋ ६, १५, ११; –तेः पै २,८१,३; –तौ तै १, ८, १२, ३‡[d]; ४, १, ८, ५‡[b]; मै २, ६, ९‡[d]; काठ १५, ७‡[d]; शौ ३, १६, ४‡[e];७, ५, ३; पै ४.३१.४‡[e].

उद्-इत्य शौ १८,२,४७.

¶ उद्-एतुम् काठ ८,५; क ७,१.

¶ उद्-एतोस्(>:) मै १,६,१०; ४,२,१; ५, २[४]; ३; काठ ८, ३; क ६, ८.

उद्-एष्यत्– -ष्यते तै ७, २, २०, १; काठ ४२,१०.

उद्-यत्– -†यत् ऋ ७, ८१, २; कौ २, १०२; जै ३, १०, ४; –यतः[f] तै ४, २, ९,४[g]; ५, ७, ६, ३[g]; –यता[f] ¶तै १, ८,४, १; २; पै १९, १७, ९[h]; ३५, १५?[i]; –यति[f] ऋ ८,२७, [(७, ६६, ४) १९ (२१)]; मै ३, ६, १०¶; काठ ३७,१; पै १२, ७, २; –यते[f] तै ७, २, २०, १; काठ ४२, १०; शौ १७, १,२२; पै १८,३२,६; –यत्सु मै १, ६, १०¶; –यन् ऋ १, ५०, ११; १२४,१; १६३, १; ७, ६०, १; १०, ८८, ६; खि १, १, २; मा २९,१२†; का ३१,३,१†; ¶तै २, ६, ६, ३; ४, २, ८,१†; ६, ७,१†; ५,४,६,६; ६, २, १,६; मै १, ६, २†; ३, ३, ८; ४, १,१३[२]¶;१२,४†; ¶काठ ११, ५; २१,८; ३१,१०; ३९, १†; क ४७, १०¶; शौ २, ३२, १; ७,१४,१;२; ९, २,१५;५, ३५; १०,४; १३, २२; १२, १, १५; १३, १, ३२; २,१०; २८; ३४; ३,१३; १७,१, ३०; १९, २८, ४; २०, १०७, १३‡[j]; पै २, १४,१; ३, १७, ५; ४, १६, १; ८; ८, २०, ७; १०, १०, २†; १३,११,४; १६,७५, १२; ७७, ५; ११५,२; १५१,५; १५२,६; ९; १०; १७,२,६; १८, १८,२; २१, ४; २३, ५; २५, १; ३२, १३; १९, ४७, ९; ५१, २; –यन्तः तै ७,१,८,२¶; –यन्तम् ऋ १०,३७,७; खि १, १,३;५, ६; शौ ६, ७६,२; ९, ५, ३५; पै १६,१००,९; १९, १५,१३.

उद्यती– -ती काठ ३९,६; –तीम् पै १६, १००, ९; –तीम्ऽ-तीम् शौ ९,५,३५.

उदि(द्√इ)ङ्ग्,>ङ्गि, †उदिङ्ग्य ऋ ४,५७,४; शौ ३,१७,६; पै १२, ६,३; १९, ५१, १३; उदिङ्ग्यात् पै ३,१४,७.

---

[a]) गस. उप. कर्मणि ण्यत् प्र. तित्स्वरश्च। BW. WI. LR. प्रभृ. उदाय्यम् इति

[b]) सपा. उदितः <>उदिति–> -तौ<> मै २, १३,३ काठ ४०,१ पै ४, १,५ विततः इति पाभे.।

[c]) पाठे? उदानम् इति शोधः संभाव्येत ।

[d]) पाभे. कृते पृ.१०१ e टि. द्र. ।

[e]) सपा. °ता (तैब्रा २, ८,९,८ आपमं १, १४,४ च) <> °तौ इति पाभे. ।

[f]) वि. स्वरः ।

[g]) सपा. मा १३, २२; १८, ४६ का १४, २,७; २०, २,९ मै २,७,१६ काठ १६, १६ तु पाठाऽभावः ।

[h]) सपा. शौ ६, १०८,५ रश्मिभिः इति पाभे. ।

[i]) °ता° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

[j]) सपा. ऋ १, ११५,१ विशिष्टः पाभे. ।

१उद्-इत- उदि(द्√इ) द्र.

२उदित- √वद् द्र.

उद्-इति-, उद्-इत्य उदि(द्√इ) द्र.

उदित्वा √वद् द्र.

उदि(द्√*इ)नक्ष्[a]

ϕउद्-इनक्षत्[b]- -†क्षन् ऋ १०,४५, ७; मा १२, २४; का १३, २, ७; तै ४, २, २,२; मै २, ७, ९; काठ १६, ९; -क्षन्तम् ऋ १०, ८,९.

उदी (द्√ई), उदीहि पै ८,१२,६[c].

उदी (द्√ई)क्ष्, ¶उदीक्षते काठ २६, ५[२]; क ४१,३[२]; उदीक्षन्ते पै १५, १९,६.

?उदीची[d] मै ४,९,१८.

उदीची-, उदीचीन-, उदीच्य- उद(द्√अ)ञ्, ञ्च् द्र.

उदी(द्√ई)र्, >°रि †उदीरते ऋ ५, २५,७; ८३,३;९,३३,४;५०,२; मा २६,१२; तै १,१,१४,४; कौ १, ८६; ४७१; २,२१९; ५५६; जै १, ९, ६; ४९,५; ३, २०,१; ४४, २; ४, २८, २; उदीरते ऋ १, ८१, ३; २,१७,१; †कौ १, ४१४; २, ३५४; †जै १, ४०, ६; ३,२९,११; शौ १,२०, २[e]; ६, ९९, २[e]; २०, ५६, ३†; उदीरते काठ ३९, १४†; पै ४, ५, ९; १९, ९, ११; १३, २; †उद्...ईरते ऋ ४,४५,⌊२ (७, ६०, ४)⌋; ८,३,⌊१५[f]; (४३, १; ९, ६७, १७)⌋; ७, ७; १७; ४४, ४; १७; ९,५०, १; १०, ९७, ८; मा १२, ८२; का १३, ६, ८; तै १,३, १४, ८; ५,५,३; ४, २, ६, ३; मै १,५,१; २,७, १३; काठ १६, १३; ४०, १४; क २५, ४; कौ १, २५१; २, ५५५; ७१२; ८८४; ८९१; जै १, २६, ९; ३, ४४, १; ५८, ९;४, १२, १३; १३, ६: शौ १३, २, १$; २०,१०,१;५९,१; पै ११, ६, ८; १८,२०,५; †उद् (ईरते) तै १, ४, ४६, ३: २, ४,१४,४; मै ४,१०, १; २;१२,४; काठ २, १४; १९, १४ ; उद् (ईरते)[२] ऋ ८,७, १७; उद्-उद्...ईरते मै १, ३, ३९‡[f]; उदीरत् ऋ ४,२, ७: †उदीरताम् ऋ १,१२३, ६; १०, १५, १; मा १९, ४९: का २१, ४, १; तै २,६, १२,३: मै ४,१०,६: शौ ३,१९,६$; १८, १,४४; पै १, ५६, ३$: १२, ६. १[g]; †उद् (ईरताम्)[२] ऋ १०, १५, १;मा १९,४९; का २१,४, १; तै २,६,१२,३; मै ४,१०,६; शौ१८,१,४४; †उदीर्ध्वं ऋ १०, १८, ८; ८५, ⌊२१; २२[h]⌋; शौ १८, ३, २[i]; पै १८, १०, ३[h]; उदीराथाम् ऋ ८,७३,१; उदीर्ध्वम् ऋ १,११३, १६; पै १०, १४, १० ; उद्...ऐरतम्, उद् (ऐरतम्) ऋ १, ११८⌊(११२, ५) ६⌋ : †उद्...ऐरत ऋ ७, ३३, १: कौ १,३३०: जै १,३४, ८: शौ २०,१२, १.

¶उदीरयति तै २, ४, १०, २; काठ ११,१०: उदीरयन्ति ऋ १, १६८, ८: †उदीरयथ>था[j] ऋ ५,५५,५; तै २,४,८,२: उद्... ईरयत् ऋ ८,७९, ६: उदीरयन्त ऋ ८,७,३; उदीरयन्तु काठ ३५, ७!²ᵏ; क ४८, ९[२]: †उदीरय ऋ १,४८,२: ५, ४२, ३: १०,११, ६; शौ १८, १, २३: उद्... ईरयतम् ऋ १०,३९,२: ‡उदीरयत,>ता[j] मै २, ४, ७: काठ ११, ९: ३०, ४[२]; क ४६ ९[२]; शौ ४, १५, ५: पै ५, ७,४; उदैरयतम् ऋ १०, ३९, ९: उद्... ऐरयतम् ऋ १, ११७, २४; उद्...ऐरयतम् ऋ १, ११२, ⌊५(११८,६)⌋.

a) धा. स्वरूपम् ? < √नश् ⌊= √नक्ष् यद्र.⌋ इति PW. GW. प्रभृ., < √अश् (व्याप्तौ) इति MWA.। *इन्वक्ष्- (< √इन्द् ⌊ऐश्वर्ये लाभवत्त्वे⌋ +⌊भावे⌋ अक्षुन् प्र. उसं. ⌊पाउ ३, ८१⌋) > नैप्र. *इनक्ष्- > नाधा. इतीव सन् √नश् (प्राप्तौ) इत्यस्य सगोत्रः पर्याय इति मतम्।

b) तु. ऋ १०,३,५;८,९ GRV. GG.; वैतु. वें. सा. ⌊का.⌋ उ. म. उद्...इयर्ति इति, PW. प्रभृ. उद् स्वाश्र. इति च। c) उदेहि इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

d) सपा. तैब्रा ३, १०, ४, १ तैआ ४, १९ उद् इति पाभे.। क्रियोपयुक्तेष्वन्येषूपसर्गेषु सत्सु यनि. पाठे ! उदिहि इति शोधः संभाव्येत (तु. भा. सा.)।

e) =सपा. तां १, ३,३। आश्रौ ५, ३,२२ तु उदीरति इति पाभे.। f) सपा. उद्°<> उद्-उद्° इति पाभे.।

g) °रतम् इति पाठे? यनि. शोधः।

h) पाभे. कृते पृ ८८८ m टि. द्र.।

i) तु. सस्थ. टि. अभि।

j) सपा. °यथा <> °यत <> °यता इति पाभे.।

k) सकृत् °द्वीर्पय° इति पाठे? यनि॰ शोधः (तु. सपा. क. BC. च)।

ǿउद्-ईरयत्[a]- -यति ऋ ९,७२,१. उदीरयन्ती- -न्ती ऋ १,११३, ८; -न्तीम् ऋ ८,१०१,१६.
उद्-ईराण- -णाः ऋ ४, ३९, ⌊५; ७, ४४,२⌋; शौ १२, १, २८; पै १७,३,९; १९, १७,९[b].
?उदीलरी पै २०,४४,३.
?उदीशायत्[c] पै १७,१८,१.
उदी(द्√ई)ष्, उदीषति काठ ३६,७¶; उदीषतु शौ ११, ११, २१: ¶उदैषत् मै १, ६, ३[2]: १०, १२.
उद्-ईषित- -तः ऋ १०, ११९, १२.
उदु(द्√उ)क्ष्, उदौक्षत काठ १३,८¶.
उदु(द्√उ)द्, उद्···उदन्तु, उद् (उदन्तु) खि ३,१६,२.
उदु(द्√उ)ब्ज्, उदुब्ज शौ ११,१,७: उदौब्जत् तै ६, ५,९,१¶.
१उदुम्बर[d]- -रः खि ५,२२,१०; ¶तै २,१,१,६; ५,४,४;५,१,१०,१; २, ७, ४; ८,७;४,६,१;७,३;९, २; ६,१,४,१;२,१०, ३; ६; ६, १०,१; ७,४,१२,१$; ¶मै १, ६,५;८,१[2];११,८; ३,१, २; ९; २, ६; ७; ४, ३; ८,९[2];४,४,२; ६; ¶काठ ६,१;८,२; १२,१३; १९, १०[2]; २०, ५; ७; २१, ९; १२; २५, १०[4]; ४४, १$; ¶क ३,१२; ६, ७; ३०, ८; ३१, ७; ९; ४०, ३[4]; शौ २०, १३६, १५; -रस्य पै १५, २३, ३; ४; -रेण तै ७,३, १४,१; काठ ४३, ४.
¶?उदुम्बरी- -री क ४०, ३?[e]; -र्याम् काठ २५, १०?[e].
औदुम्बर[f]- -रः ¶तै २,१,१,६; ३,४,८,४; ६,१,४,१; मै २, ५, १¶; काठ १२,१३[2]¶; शौ १९, ३१, २;६;७; १०;११;१३;१४; पै १०, ५,२;६;७; १०;११;१३; १४; -रम् ¶तै २,५, ४,३; ५, २, ८, ७; मै ३, २, ७¶; काठ २०,७¶; क ३१,९¶; शौ १९, ३१,४; पै १०,५, ४; -रस्य शौ १९, ३१, ३; पै १०, ५, ३; -¶राणि काठ ८, २; क ६, ७; -रेण ¶तै ५,४,९,२;६,६,१०, १; ¶मै १, ११, ८; ३,४,३;४, ४,२; काठ २१,१२¶; शौ १९, ३१,१; पै १०,५,१.
¶औदुम्बरी- -री तै ५, १, १०,२;२,७,३; ६,२,१०, ३; मै १, २; ९; ८,९[3]; काठ २०, ५; २५, १०[2]; २६, ५; २९, ३; क ३१, ७; ४०,३[2]; ४१, ३; ४५, ४; -रीः तै ५, ४, ६, १; काठ २१,८; -रीम् तै ५,१, १०, १; २,७,३;४[2];४,७,३[2]; ६, २,१०, ४; ६; मै १,६,५; ३,१,९;२,६; काठ १९, १०[2]; २०,५[2];२१,९; २५,१०[6]; २६, ५; क ३०, ८[2]; ३१,७[2];४०,३[6]; ४१,३; -र्याम् तै ६,२,१०,५.
‡२उदुम्बर[g]- -रौ[h] पै १०,९, १०; १९,५२,९.
१उदुम्बल[i]- -लम् शौ ८,६,१७; पै १६,८०,८.
२†उदुम्बल[j]- -लौ[h] ऋ १०, १४, १२; शौ १८, २,१३.
उदु(द्√उ)ष्, उदोषतु शौ १२, ११, ११; ¶उदौषत् मै २, १, ११; ४,१,१.
उदोषिष्टम् मै १, १,१३[k].
उद्-उह्य- उद्√वह् द्र.

---

a) विप. (कलश-)। गस. शत्रन्तम् (तु. ऋ ९,१२, ५; ६; ९७, ३२; ३४ GW. GRV. Old. ⌊ZDMG ६०, ७२९⌋; वैतु. वें. सा. क्विप. इति)।

b) सपा. शौ ६, १०८,५ वचसा इति पाभे.।

c) पाठे? उदीरयत् इति शोधः संभाव्येत।

d) नाप. (वृक्ष-विशेष-,तत्-फल- वा)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <उदुम्भर- (<उद् √भृ) नैप्र. इति माश ७,५,१,२२; <√उन्द् इति पाउभो २, ३, ७४; <उद्√अम्ब् इति अभा. ⌊पक्षे⌋; <उद्+उम्बर- इति वाच. शक.।

e) पाठः? प्रजापतेर् वा एतदुदरं यत् सदः। प्राजापत्य उद्गातोदुम्बरः। यद् औदुम्बरीमाश्रयते ⌊क. उच्छ्रयते⌋ इत्येवं शोधितं सन्तं पाठम् अनु औदुम्बरी- > -रीम् ⌊द्वि १⌋ इति काठ. क. च समानः शोधः द्र. (तु. तयोः मूको., सप्र. तै ६, २,१०,५ मै ३, ८, ९ च)।

f) विप. (स्रुव-, इध्म-, यूप- प्रभृ.)। अवयवे विकारे वा अण् प्र. (पा ४, ३,१४०) ञित्स्वरश्च।

g) तु. टि. उदुम्बल-।

h) सापं. °म्बरौ <> °म्बलौ (आश्रौ ६,१०, २० च) <> उलुम्बलौ (तैआ ६,३,२ च) इति पाभे.।

i) विप.?(रक्षस्-)। सा. व्यप. (रक्षो-विशेष-) इति।

j) विप. [यम-दूत-(यम-श्वन्- ⌊=अहोरात्र-⌋ तु. शौ ८, १,९ काठ ३७,१४ शांब्रा २,९)]। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <उरु-+बल- ⌊बस.⌋ इति सा.।

k) =सपा. माश १,५, १,२५। तै १, १,१२,१ काठ १, १२ क १, १२ तु संतासम् इति पाभे.।

उदू(द्√ऊ)र्णु, उदूर्णोति काठ २३, २¶.

उदू(द्√ऊ)ह् (वहने), ¶उदूहति काठ ३०, २[a]; क ४६, ५; उदूहामि काठ २७,५; २८,१[b]; क ४२,५; उदूह शौ ११, १,९; पै १६,८९, ९; ¶उदूहेत काठ २६, १; क ४०, ४; ¶उदूहेत् तै ६, ३, ४, ६; मै ३, २,६; ९,४; काठ २०, ६;२६, ६; २७, ५; २८, १; क ३१, ८; ४१,४; ४२, ५.

उदृ(द्√ऋ), च्छ्, > अर्पि, उद्···ऋच्छतु काठ ३७, १५; शौ ५, १४, ११[c]; पै ७, १,९; उद्(ऋच्छतु) काठ ३७,१५[४]. उदियर्ति ऋ १, ११३, १७; ३, ८,५ ; ४, ४५, १ ; ६, ४७, ३; ९, ८४, ४; ८६, ४१; १०, ७५, ३; १२३, २; मै ४, १३, ११†; उद्···इयर्ति ऋ ६, ४४, १२; †उदियर्षि ऋ १०, १४०, २;मा १२,१०७; का १३,७,६; तै ४,२,७,३; मै २,७,१४; काठ १६ , १४ ; क २५, ५; कौ २, ११६७; उदियुर्षि ऋ १०,३७,४. +उदारिथ>था ऋ २, ९, ३; मा १७, ७५; का १८, ६, ११; तै ४, ६, ५, ४; मै २, १०, ६; काठ १८, ४; क २८,४, उद्··· अर्त ऋ ४, १, १७; †उदारत् ऋ ४,५८,१; मा १७,८९; का १९, १,३; मै १,६,२; काठ ४०, ७; पै ८, १३, १; उदरन्त ऋ १०, ७३,२; उदरम् ऋ ४,१५,७. उद्···अर्पय ऋ २.३३,४.

उद्-अरण– -¶णम् मै १, ९, ७; काठ ९, १५[३]; –णे खि ५,५,७.

उदृ(द्√ऋ)च्, उदानृचुः शौ १२, १,३९[d]; पै १७, ४,१०.

उद्-अर्क[e]– -र्के ऋ १,११३,१८.

उद्-ऋच[f]– -ऋचः मा ४, ९; १०: का ४,४,१;४: तै १, २, २, २; ३; मै १, २, २; ३, ६,६¶; ४, ६,५¶; काठ २,२; ३[२]; २३,३; क १,१४;१५[२]; -ऋचम् खि ५, ७,४,१६; का ५, २, ६[g]; तै ३, ४,३, ६¶; ४,४,९,१; ७, ५,१, ३¶; मै १,२,७;३, ६, २[h]; काठ २,८[i]; –ऋचि[j] ऋ १, ५३, ११: १०,७७,७; शौ ६, ४८, १-३[h]; २०,२१,११†.

उदृ(द्√ऋ)पृ

उद्-ऋपत्– -षन् ऋ १०, १५५,२: पै ५,९,४; ६,८,६.

उदे(द्-आ√इ), उदेति खि ४, ११, ४![k]: मा ३४, १![k]; का ३३, १, १![k]; तै ५, २, २, ५¶; उद्···एति ऋ ६,५१,१; उदायन्ति काठ ३४, ७¶; †उद्··· आ[l]···एमि ऋ १०, १७, १०: मा ४, २: का ४, १, ३; तै १, २, १,१: मै १, २, १; ३,६, २; काठ २, १; क १, १३; शौ ६, १५,३: ५-९:१२-१५ पाठाऽभावः ।

---

[a]) तु. सस्थ. टि. अभि ।

[b]) सपा. मै ४, ६,६ आपश्रौ १२, १६, ८ च्यावयामि इति पाभे. ।

[c]) वैतु PW. WI. प्रभृ. अनुपसृष्टं योगं मन्यमानाः ।

[d]) उ···चुः इति RW.? (तु. पपा. सात. च) ।

[e]) भाप. (=उद्भव- इति स्क. GW., = उद्गान-, उत्कीर्तन- इति BL. GRV. ORN. प्रभृ. ⌊तु. शौ १२, १,३९⌋; वैतु. वें. सा. =समाप्ति-, अन्त- इति) । गस. घञन्ते थादि-स्वरः ।

[f]) =समाप्ति- । प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६, २, १८४ ⌊तु. उ. म. प्रभृ.; वैतु. भा. अर्थतः संवदमानोऽपि कृद्वृत्तिरिति⌋) । [g]) सपा. मा ५,७ पाठाऽभावः ।

[h]) =सपा. शांश्रौ ६,८,१० । शौ ६,४८,१-३ तु उष्णिह् इति पाभे., तै ३, २,१,११; ७,५, १९,१;२ काठ ४५, १५ माश १२, ३, ४, ३-५ तां १, ३, ८; ५, १२, १५ गोब्रा १, ५, १२-१४ काश्रौ १३, १, ११, माश्रौ २,३,६, ८; ४, ४, १७; ५, १,१, २२ आपमं २, २१,८ पागृ ३,

[i]) स्वस्त्योदृचम् इति पाठे? °स्त्युदृ° इति शोधः (तु. मूको., मै.) । [j]) वा. किवि. द्र. ।

[k]) एवं किल सर्वे पपा. प्रभृ. अभिमन्यमानाश्चिन्त्याः स्युः । आङोपसृष्टस्य गत्यर्थस्य धातोरागमनमात्रे प्रसिद्धेस्तस्य चार्थस्य प्रकृतेऽनुपयोगात् (तु. सपा. काशि १३४:७ उदेति इति पाभे.),द्वितीये पादे अत्रैव गमनार्थम् एति इति क्रिप., तृतीये च पादे दूरं-गमम् इति क्रिप. याभ्यां खलु ज्ञाप्येत प्रथमे पादेऽपि गमनार्थकमेव क्रिप. स्यान्न त्वागमनार्थकमिति । द्वितीये पादे श्रूयमाणं तथा इति पदमपि जागर्तिकालिकमनसो गमन-क्रियायाः कंचिद् अपरमपि विशेषं परामृशेद् यस्य नाम विशेषस्य सुप्तिकालिकमनसो गमनक्रियायामपि सद्भावो विज्ञापयितुमिष्टो भवति । एवं स्थिते √*वृष् (जवे)> नैप्र. उद्– (भाप.) > उदा (तृ१) इति च एति इति क्रिप. चाऽत्र पृथगेव पदे स्यातामिति विमृश्यम् ।

[l]) तु. वें. सा. (शौ.) W.; वैतु. PW. GW. प्रभृ. चार्थे स्वाप्र. आ इति, सा.(ऋ.) उ.म. पूतः इत्यनेन युक्त इति च ।

५१,२; पै ६,३, ३ ; १९,४३, ६; ?उदेताम् पै १५, १२, ९; उदेहि तै ३,५,६, २; ¶७,१,६, २-४; काठ ७,१२;२४,१[३]; ३८, १२; क ३७, २[३]; शौ ५, ३०, ११; ११,१,२१; १३,१, १: पै १,१००,१; ८, १२, ६: १८,४: ९,१४,१; १०,६,१२; १६,९१, २; १८, १५, १; उदेत[a] मै १, ३, ३९: काठ ४, १३: २९, ३: कौ ३,४,१२: जै २, १, ८; शौ ११, ८, १८; पै १५, १४, ८; ¶उदैत तै ७,१,६,२-४.

उदा-यत्- -यते शौ १७, १,२२: पै १८,३२,६; -यन् पै ५, ३, १[२].

उदे(दा-इ)त्य काठ ३५, १६¶: क ४८,१४¶; शौ १२, ४, ४१; पै १७,२०,१.

उदे(द्√ए)ज्, उदेजतु शौ ४, ४, २: पै ४,५, ३; २२, २; उद्(एजतु) शौ ४,४,२[३]; पै ४, ५,३[३].

उद्-एतुम्. °तोस्(:) उदि(द्√इ) द्र.

?उदेनमदतासुत पै १,४३,१.

उद्-एष्यत्- उदि(द्√इ) द्र.

उदो(द्-ओ)जस[b]- -जसः ऋ ५, ५४, ३; -†जसम् ऋ १०, ९७, ७; मा १२, ८१; का १३, ६,७; तै ४, २,६,४; मै २, ७, १३; काठ १६,१३; क २५, ४; पै ११, ६, १०; -जाः पै १९, ३०,३.

उद्√गम्, †उद्···गन्वहि[c] ऋ ८, ६९, [(१, १३५, ७)७]; शौ २०, ९२,४.

उद्···गमः, उद्(गमः) पै १९, ३८,८.

उद्√गा, †उद्गात् ऋ १, ५०, १३; ११५,१; मा ७, ४२; १३, ४६; का ८, १७,१; ९, २,२: १४, ४, ९; तै १,४,४३,१; २, ३,८, २: ४,१४,४; ६, ५,४,२; मै १, ३, ३७; ४,१४,४: १४[२]$; काठ ४, ९; २२, ५: ६; ८; क ३,७; ३४,१: कौ ३,५,३: जै १, १२, १०$: २, ४, ६: शौ २,९, २$; १३,२, ३५; १७, १, २४; २०, १०७, १४; पै २,१०,४$; १६, १५०,२$;१८,२४,२; †उद्··· अगात् ऋ १०, १५९, १[d]: शौ १,२९, ५[d]; पै १, ११,४[d]; ९७, २: २, ३५,१: ४१,१[d]; ७,२,७; १९, २९,८: †उद् (अगात्) ऋ १०, १५९, १; शौ १, २९, ५; पै १,११,४; २,४१,१; उद् ··· गात् ऋ ५, ४५, १; उद्गाताम् शौ २,८,१; ६,१२१, ३; पै १, ९९, २; ३, २, ४; १६, ५१,३; †उद्गाः ऋ ८, ९३, ४[e]; मा ३३, ३५: का ३२, ३, ६; कौ १, १२६; जै १, १४, २; ४,८, ७; शौ २०, ११२, १; उद्··· गेषम्, उद्(गेषम्) तै ३,२,४,४.

उद्√गुर्

उद्-गुरमाण- -णाय मा १६, ४६[f]; का १७,७,५[f].

उद्√गृथ्(<√ग्रथ्), ‡[g]उद्गृणत्ति शौ १०, ७, ४३[h].

उद्√गृभ्, गृह्, ग्रभ्, ग्रह्,>

आभि, उद्···गृभाय ऋ ५,८३, १०; ¶उद्गृभ्णन् मै ३, ६,५. ¶उद्गृह्णाति तै ६, २,८,३; ६, १, २: ¶उद्गृह्णाति तै ५, ४, ६,६; मै ३, ३, ८[२]; उद्गृह्णाति काठ २१, ८¶; ¶उद्गृह्णन्ति काठ २४, ७[२]; क ३७, ८[२]; ¶उद्गृह्णात् मै १, ६, ६[२]; ¶उद्गृह्णीयात् मै १, ६, ६; काठ ८,१२[२]; क ७,७[२].

उद्ग्रभीत्[i] मा १७, ६३ का १८,५,१४; तै १, १, १३, १;६, ४, २; ४,६,३,४; ५, ४, ६, ६; उद्···अग्रभीत् शौ ८, १, २; १७; पै १६, १,२; २,१०; उद् (अग्रभीत्) शौ ८,१, २; पै १६, १, २; उद् (अग्रभीत्) शौ ८, १,१७[२]; पै १६,२,१०[२]; ¶उद्-ग्रहीत मै १, ६, ४; ८; ४,३,१; उद्(अग्रभिष्टाम्),उद्(अग्रभिषुः) शौ ८, १, २; पै १६, १, २; उद्ग्रभम् शौ ४, २०, ८; पै ८, ६,८.

---

a) उदे° इति काठ, उदेतः इति मात. (मै.) च पाठौ ? शोधार्हौ भवतः ।

b) विप. (मरुत्-, युष्मद्-, ओषधि-)। मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

c) तु. वें. सा.; वैतु. PW. GW. अनुपसृष्टो योग इति मन्वानौ ।

d) =सपा. आबमं १,१६,१ । तैब्रा २,७,१६,४ आपश्रौ १२, २८,३० तु उद्···एतु इति पाभे. ।

e) तु. सस्थ. टि. अभि ।

f) सपा. तै ४, ५, ९, २ मै २, ९, ८ काठ १७, १५ क २७,५ अपगुर° इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ १०,१३०,२ उत्कृणत्ति इति पाभे. ।

h) तु. W.; वैतु. R. [ZDMG ४८, ११०] °कृ° इति शोधोन्मुखः ।

i) सपा. °ग्रभीत् <> °जिग्रभत् <> °जीगृभम् <> °जीग्रभम् इति पाभे. ।

उदजिग्रभत्[a] मै १, १,१३; ३, ३, ८; उदजीगृभम्[a] काठ १८, ३; २१,८; क २८, ३; उदजीग्रभम् काठ १, १२[a].

उद्-गृहीत- -¶तस्य काठ २८, ६; क ४४, ६; -ताय मा २२, २६; का २४, १२, १; तै ७,५,११,२; काठ ४५, २.

उद्-गृह्णत्- -ह्णते मा २२, २६; का २४,१२,१; तै ७,५,११, २; काठ ४५, २; -ह्णन् शौ ९, १०, ७.

¶उद्-गृह्य मै ४, ३,१;६,९.

उद्-ग्रभण-

¶औद्ग्रभण[b]- -णम्[c] मै ३,६, ४[2]; ५[2]; काठ २३, २[2]; -णस्य मै ३, ६, ५[d].

औद्ग्रभण-त्व- -त्वम्[e] मै ३, ६,५¶.

उद्-ग्रहण-

¶औद्ग्रहण[b]- -णम्[c] क ३५, ८[5]; -णस्य तै ६,१,२,४[d].

औद्ग्रहण-त्व- -त्वम् तै ६, १,२,४[e].

उद्-ग्रहीतोस(>:) क ३५, ५¶[f].

उद्-ग्रहीष्यत्- -ष्यते तै ७,५,११, २; काठ ४५, २.

उद्-ग्राभ- -भः तै ५, ४, ६, ६¶; मै १, १,१३[g]; ३,३, ८[3g];¶[2]; काठ १,१२[g];१८,३[g];२१,८[2]¶; क २८, ३[g]; -भम्[g] मा १७, ६४; का १८, ५, १५; तै १,१, १३,१;६,४,२;४,६,३,४; -भेण मा १७, ६३; का १८,५, १४; तै १,१,१३,१; ६, ४, २; ४,६, ३,४;५,४,६,६; मै १, १, १३; ३,३,८; काठ १, १२[h]; १८,३; २१,८[h]; क २८,३.

उद्√गै,>गा, उद्गायति ¶तै ७, ५, ८, २[2]; ४; ¶काठ ९, १५; ३४, ५; शौ ९, १०,२; ५;७; ८; पै १६,११५,१-४; †उद्... अगायत् ऋ १०, ६७, ३; तै ३, ४, ११, ३; मै ४, १२, ६; काठ २३, १२; शौ २०, ९१, ३; ¶उद्गायेत् काठ ९,१४[2];१५.

उद्-गातृ[i]- -¶०तः काठ ७,६; ८; क ५,५; -ता ऋ २, ४३, २; तै ३,३,२,१; ६, ५,८,६¶;¶७,५, ८,४; ५; ¶मै १,९, १$; ५;३, ८, ९[2]; ४, ४, ८; ५, ४[2]; ६,४; ¶काठ ९, ९$; १२; १५; २५, १०; २६, १; २७, ९; २८, ५; ३४, ५; ३५, १६; ¶क ८, १२; ४०, ३; ४; ४४, ५; ४८, १४; पै १६, ९६, ४; -तारः काठ ९, १५¶; -तुः मै ४, ४; ८¶; -¶तृभ्यः तै ३, ३, २, १, ६, ६, ७, १; काठ २९, २; क ४५, ३; -तृणाम् तै ३, २, ९; ५¶; -¶तॄन् तै ६, ४,११, ३, काठ २७,९; -¶त्रा तै ६,५,८, ६; काठ २६, १; क ४०, ४; -¶त्रे[d] तै १, ८, १८, १; ६,३, १,५; ७, १,७, २; काठ २८, ५; ३५,१६; क ४४, ५;४८,१४.

उद्-गीथ[j]- -थः तै ३,२,९,५¶; शौ ११, ९,५; १५,३,८; पै १६,८२, ५; -थाः तै ३, २, ९, ५¶; -थेन मै २, १३,४.

उद्√ग्रथ्, न्थ्

उद्-ग्रथ्य काठ ९, १६[2]¶.

उद्-घ्नत्- उद्(द्√हन्)न् द्र.

¶उद्√दंह्, उद्दंहन्ति काठ २७, १; क ४२, १; उद्देहत् काठ ८, १२; क ७,७.

उद्दालक[k]-

औद्दालकि[l]- -किः तै ७, २,२,१¶.

उद्√दिश्, ¶उद्दिशति मै १,८,५[2]; ३,८, ५; काठ ६, ५; ¶उद्दिशेत् काठ ६,७; क ४,६.

उद्-दिश्[m]- -दिशः मा ६,१९; का ६,४,४; तै १, ३,१०,२; मै १, २,१७; काठ ३, ७; क २,१४.

उद्-देश- -शान् पै १९, ४१,३.

¶उद्√दिह्, उद्दिहन्ति मै ४,५,९.

उद्√दीप्,>दीपि, उद्...दीप्यते मै ४,२,१¶; उद्दीप्यत मै १, ६, ५¶.

उद्दीपयामसि तै १, ५, ३-४, २; मै १,७,१; काठ ८, १४; क ८, २; शौ १२, २, ५; पै १७, ३०, ५.

---

[a]) पाभे. कृते पृ ९०६ *i* टि. द्र. ।

[b]) नाप. (हविर्विशेष-)। तस्येदमीयः अण् प्र. तत्स्वरश्च: ।

[c]) सपा. °भणम् <> °हणम् इति पाभे. ।

[d]) सपा. °भणस्य <> °हणस्य इति पाभे. ।

[e]) सपा. °भण° <> °हण° इति पाभे. ।

[f]) सपा. काठ २२,११ ग्रहीतोस (>:) इति पाभे. ।

[g]) सपा. °भः <> °भम् इति पाभे. ।

[h]) अत्र स्थलद्वये णत्वाऽभावश्छान्दसः द्र. ।

[i]) नाप. (ऋत्विग्-विशेष-)। गस. तृजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[j]) नाप. । गस.उप. थक् प्र.(पाउ २,१०) थादि-स्वरश्च ।

[k]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?। वैप ३,१८३ *c* द्र. ।

[l]) व्यप. । तस्यापत्यीयः इञ् प्र. ञित्स्वरश्च ।

[m]) व्युत्पत्यादिकं पृ ६४८ *e* टि. द्र. ।

उददीदिपन् काठ ८, १४; क ८,२.

¶उद्-दीप्ति- -प्त्यै काठ २९, ३; क ४५,४.

उद्√दृंह्, उद्दृंह मा १७, ७२; का १८, ६,८; तै ४, ६, ५, ३; मै २, १०, ६; काठ १८, ४: क २८,४.

उद्√द्युत्, उद्...अद्यौत् ऋ ३, ५,९.

उद्√द्रु, ¶उद्द्रवति काठ ८, १२; क ५, ९[a]: ७,७; उद्द्रवतः काठ २७,८¶; उद्द्रवन्ति काठ १४, ६¶: ¶उद्द्रवत् मै १, ८, २; काठ ६, १;३; क ३, १२; ४, २; उद्द्रवेत् मै १, ८,८¶.

उद्-द्राव- -वाय मा २२, ८; का २४, ३, ४; तै ७, १, १३,१; मै ३,१२,३; काठ ४१,४.

उद्-द्रुत[b]- -ताय मा २२, ८; का २४, ३,४; तै ७,१, १३, १; मै ३,१२,३; काठ ४१, ४.

¶उद्-द्रुत्य काठ ६,६;९, १४; २५, ७; २७,८[2]; क ४,५;३९,५.

उद्ध(द्√ह)न्, ¶उद्धन्ति तै २, ६, ४, २[2]; ५,२,३,२; ६, २,४,५[2]: ६, ४, १; मै १, १०, १७; काठ २५, ४[2]; ३१, ८; ३६, १२; क ३९, १[2]; ४७, ८; उद्घ्नन्ति मै ३, २,३[2]¶; उद्...घ्नन्ति मै ३, २, ३¶; उद्घनः पै ४, १४, २; †उद्...हन्तु ऋ ३, ३३, १३; शौ १४, २, १६; पै १८, ८, ७; उद्...हतम् ऋ १, १८४, २; उद्हन् ऋ १०, १०२, ७; उद्ध-न्यात् तै २, २,१०,५¶.

उज्जिघ्नन्ते ऋ १, ६४,११.

¶उद्-घ्नत्- -घ्नन्तः मै ३, २,३;८, ५; ४, १, १०; काठ २५, ५; क ३९,२[2c].

उद्-धत- -तम् ¶मै ४, ६, ३; ९; पै ५, ३६,९.

¶उद्-धत्य मै १, ६, ३; काठ १५, १[d]; १९,२: क २९, ८.

¶उद्-ध(त्य>)त्या- -त्या मै १, १०, १७; काठ ३६, १२.

उद्-धन्तुम् मै ४,८,१¶.

उद्-धरत्- उद्धृ(द्√धृ<>हृ) द्र.

उद्-धर्षिन्- उद्√धृ(<हृ)ष् द्र.

उद्√धा, उद्...धेहि ऋ ३,१८,४; तै ७ ४,१९,१[e]; काठ ४४, ८[e]; पै ६, ११,१३; उद् (धेहि) शौ ४, ४, ४; ५, ९, ८[f]; पै ६,११, १३[4]; †उद्दधातन ऋ १०,१०१, १२; खि ५, २२, ११; शौ २०, १३७, २; उद्...अदधुः पै ९, ११,१४.

उद्-धि[f]- -धिः शौ ८, ८, २२; पै १६,३१,१.

उद्-धित,ता- -तम् ऋ ८,५१, २, खि ३,३,२; -ता शौ ९, ३, ६; १९, ४२, २; पै १६, ३९, ६; -ताः शौ १८,२,३४.

उद्धा(द्√हा [गतौ]), उज्जिहीते ऋ १, १०५,१८; उद्...जिहते ऋ ९, ५,५; †उद्...जिहते[g] ऋ५,८३, ४; मै ४,१२,५; उज्जिहीध्वे[g] शौ ८, ७, २१; पै १६, १३, ११; उद् (जिहीताम्) ऋ १०,१४२, ६; उज्जिहताम् मा ११, ३८; का १२,४, १; तै ४, १, ३, ४; मै २,७,४; ३,१,५[2]; काठ १६, ४;१९,५; क ३०,३; पै २०,२४, ३; उद्...जिहताम् ऋ १०,३५, ६;१४२,६; उद्...जिहताम् खि ५,७,१,६; मै ४,१३,२; उद्... जिहताम् काठ १५, १३; उद्... (जिहताम्) ऋ १०, १४२,६. †उद्हासत ऋ १,९,४; कौ १, २०५; जै १, २२, २; शौ २०, ७१,१०.

उज्-जिहान- -†नाः ऋ ५, १, १[h]; मा १५,२४; का १६, ५, ५; तै ४,४, ४,२; मै २,१३,७; कौ १, ७३;२,१०९६; जै १, ८,१: शौ १३, २, ४६; पै १८, २५, ६; -नाय तै ७,१,१९,३; काठ ४१, १०.

उद्-धार- उद्√धृ द्र..

उद्√धी>दीधी, उद्...अदीधयुः ऋ ७,३३,५.

उद्√धू, उद्...धूनोति ऋ १०, २३, [(५,७८, ८)४]; शौ २०, ७३, ५†.

उद्धृ(√धृ<>√हृ), >धारि <>हारि, उद्धरते तै ६,५,५,

---

a) सपा. काठ ७, १० विशिष्टः पाभे.।

b) गस. कर्तरि क्तान्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः (तु. भा.; वैतु. म. बस. इति)।

c) सकृत् सपा. काठ २५,५ अवमृशन्तः इति पाभे.।

d) =सपा. आपश्रौ १८,८,१३। मै २, ६,१ तु उद्धुज्य °इति पाभे.। SI. उद्धृ° इति (तु. आपश्रौ. मूको.)।

e) सपा. मा २३, २१ का २५, ६,१ अव...धेहि इति पाभे.।

f) नाप.। गस. उप. √धा + अधिकरणे किः प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

g) सपा. °जिहते<>°जिहीध्वे इति पाभे.।

h) वैतु. सा. ϕओजिहान->यनि. इति।

३¶;¶उद्धरति तै ३,४,८,७; मै १,८,७; ३,७,५; ४,४,३[२]; ८,२; काठ ११, ८; २४,५; ३७, १६; ¶उद्धरति मै २, ३,५; काठ ८, १२; ११, ८; उद्धरति काठ ६, ६¶; ¶क ४,५;७,७; ३७,६; पै १६,१२१, ५; ¶उद्धरन्ति मै १, ६,५; उद्···हरन्ति तै ६,५,१०, ३[२]¶; उद्धरथ>था पै ५,१८, १‡[a];उद्धरे मै २,३,४[b]; पै ९,७, १३; उद्धरामि ¶काठ ११,७[b];८; पै १६,५, ३[c]; उद्धरात् पै ४, ४०,५; ¶उद्(धरतु) काठ ३७, १६[२]; उद्धर शौ ४,१४,७,९,७, २;१२,३, ३६; पै १६,९८,१०: ११२,६; १७, ३९. ६; उद्धरै तै ६,३,१०,६¶; ¶उद्हरत तै ६, ३,१०, ६: ५, ५,३; मै १, १०, १६; ४,६,८; काठ २८,३; ३६, १०; क ४४, ३; ¶उद्हरत् मै ४,३, १; काठ ८, २; क ६, ७: ¶उद्हरन्त काठ ८, १०; क ७, ६; ¶उद्धरेत् मै १,८,७; काठ ६, ६; क ४,५; शौ २०,१३६,१६[d]. उद् ··हार्मि पै १९,३५,१२. उज्जभार ऋ १०,५,५; तै २, ३, १४, ६; काठ १०, १३; शौ ४, १,३; पै ५, २, ३: उज्जहरुः शौ ३,९,६; उद्···अहार्षम् शौ ८, २,१५;७,२८; पै १६,४,५;१४, ७; उद् (अहार्षम्)पै १६,१४,७.

¶उद्ध्रियते तै २,२,४,७[e]; काठ ८, १०; क ७, ६; उद्ध्रियेत तै २,२,४,८¶[e].

उद्धारय पै १,४६,४.

†उद्-धरत्- -रन् ऋ १०, ६८,४; शौ २०, १६,४.

उद्धरन्ती- -न्ती पै १६, ८९,९.

¶उद्-धार्- -रः मै १,१०,१६; ४, ३,१; २: ६,८; काठ १२, ७[२]; ३६, १०; पै १,८७, २$; –रम् तै ६,३, १०, ६[२]; ५,५, ३[२]; मै १,१०,१६; ४, ३,१; ६,८; काठ २८,३; ३६,१०; क ४४, ३.

१उद्-धृत,ता- -¶तः तै २, २, ४, ७: मै १, ५, ७: –तम् मै ४, ४,३¶: पै ५, १७, ७; –ता शौ १२, ८,७: –¶तेन काठ ८, १०: क ७,६; –तेषु शौ १५, १२, १.

२उद्-धृ(त>)ता[f]- -ताम् मै ३, ६, ५¶.

उद्-धृत्य मै १, ८, ८¶: ¶काठ ६, ६[३]: ३५,१७: ¶क ४,५[१]: ४८, १५: शौ १९, ६८, १: पै १९, ३५,२.

उद्-ध्रियमा(ण>)णा- -णा शौ १२,८,७.

उद्√धृ(<√हृ)ष्,>°र्षि, उदुद् ···हर्षसे ऋ ४,२१,९: मै ४,१२, ३†; ‡उद्धर्षन्ताम्[g] शौ ३,१९, ६: पै १,५६,२[१]; उद् (हर्षन्ताम्) पै १,५६,२‡[h].

उद्धर्षयन्ति ऋ ५, २७, ५; †उद्धर्षय ऋ १०, १०३,१०[g]; मा १७,४२[g]; का १८,४, १०[g]; तै ४,६,४,४[g]; कौ २, १२०८[g]; शौ ५,२०,८$; पै ९,२४, ६$; †उद्(हर्षय)[g,h,i] ऋ १०, १०३,१०[२]: मा १७, ४२[२]: का १८,४,१०[२]; तै ४, ६, ४, ४[२]; कौ २,१२०८[२].

उद्-धर्षिन्[j]- -र्षिणम् शौ ८,६, १७; पै १६, ८०,८.

उद्√ध्वे(<√ह्वे), उदह्वयत् शौ १०, १०, २२; पै १६, १०९, २.

उदह्वम् शौ १८, २,२३.

¶उद्√बध्>बीभत्स[k], उद्बीभत्सत मै ३, ६, ९; काठ २३,५: उद्बीभत्सन्त मै ४,५,८.

उद्√बन्ध

उद्-बन्धुक[l]- -कः तै २, ५, १, ७¶.

?उद्बल- -लाय पै १४,३,१८.

उद्-बर्हिस्[m]- -र्हिः मै २,२,३¶.

उद्√बुध्, उद्बुध्यस्व मा १५,५४; १८,६१; का १६, ६. ६: २०, ४, ४: तै ४, ७, १३, ५: मै २, १२,४: काठ १८, १८: क २९, ६; उद्बुध्यध्वम् ऋ १०, १०१, १.

उद्···अबुध्रन् ऋ ७,७२,३.

उद्√बृह् (हिंसायाम्)

---

a) सपा. उद्धरथा<>उद्धयथा इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ ८९२ f टि. द्र. ।

c) सपा. उद्धरामि<>उद्धरामि इति पाभे. ।

d) अद्ध° इति RW. पाठे ? यनि. शोधः ।

e) तु. सस्थ. टि. अभि ।

f) थादि-स्वरस्य प्रतिप्रसव इति पूर्वाद् विशेषः ।

g) सपा. उद्धर्षन्ताम्<>उद्(हर्षय)<>उद्धर्षय इति पाभे. ।

h) सपा. उद्(हर्षन्ताम्)<>उद्(हर्षय) इति पाभे. ।

i) तु. वें. सा. (तै.) म. Gri. प्रभृ.: वैतु. सा. (ऋ.) सकृत् यन्तु इति अध्याहारुकः ।

j) वैतु. सा. उप. <√धृष् इति ।

k) तु. पा ३,१,६; वैतु. MW. √बाध्>बीभत्स इति ।

l) विप. (पुत्र-)। गस. उकञन्तम् उँप. प्रकृतिस्वरम् ।

m) विप. (प्रस्तर-)। बस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१८४)।

उद्-बृषमा(न>)ना[a]- -नायाम् काठ ३४,१५¶.

उद्-भरन्ती- उद् √भृ द्र.

उद् √भर्त्स्, उदभर्त्सत खि ५, १७, १[b].

उद्गार[c]-

औद्गारि[d]- -रिम् मै १,४,१२¶.

?उद्भित्[e] तै ४, ३, १२, १[f]; शौ ५, २०,११[g]; पै २०,८,८[h].

उद् √भिद्, >भेदि, उद्भिदेयम् पै १,७२, १; उद्…भिदेयम् शौ ९,२,२; पै १६,७६,२.

†उद्…भिनदत्, उद् (भिनदत्) ऋ १०,४५, १०; मा १२, २७; का १३, २, १०; तै ४, २, २, ४; मै २, ७, ९; काठ १६, ९; उदभिनत् मै १,६,१२¶.

उद्…बिभेद[i] मै ३,८,४; काठ ८,१७; पै २०,३५,१.

उद्भेदयति मै ४,४,६¶.

उद्-भिद्[j]- -भित्, ऋ ८, ७९, १; -†भिदः ऋ १, ८९, १; १३९, ६[2];५,५९,६; १०,११६,९; मा २५,१४; का २७, ११, १; काठ २६, ११†; -भिदम् ऋ १, १०२,९; मा २८,२५; का ३०, ३, २; पै ३, ३६, ६†; -भिदा ऋ १०,७६,१.

१औद्भिद[k]- -दम् खि ४,६, १; मा ३४,५०; का ३३, २, १३.

२औद्भिद[l]- -दम्[m] काठ १८, ९; क २८,९.

औद्भिद्य[n]- -द्यम्[m] मा १८, ९; का १९,४,१; तै ४,७,४,१.

उद्-भिन्दत्- -न्दताम् पै ६,९,५.

उद्भिन्दती- -तीम् शौ ४, ३८,१.

उद्-भिन्न- -न्नम् मै ४, ४, ६[o]; शौ १०,५, ३६; १६, ८,१-२७: ९, १; पै १८,२९,१.

उद्-भेतृ-

औद्भेत्र[p]- -त्रम् मै २, ११, ४[m].

?१उद्-भु[q]- -भु शौ ९, २, १६[f]; -भौ[f] मा १५, १; का १६, १, १; मै २,८, ७; काठ १७, ६; क २६,५.

उद् √भू, >भावि, ¶उद्…भवति काठ ६,७; क ४, ६; उद्भवन्ति पै ६,३,९; उद्भव पै ३,१०,१.

¶उद्…भूयासम् मै १, ८, ४; काठ ६, ७; क ४, ६; उद्…अभूत् खि ५,७,४, १६; उद्…भूत् पै १९,३७,१०?.

¶उदभावयत् काठ ६, ७; क ४,६.

२उद्-भु[r]- -भवः मै १,८,४; काठ ६,७[2]; क ४,६[2].

उद्भ्वी[s]- -द्भ्वीः[t] शौ १८,४, २६; ४३.

a) णत्वाऽभावः उसं. (पा ८,४,२)।

b) पाभे. कृते पृ ८९५ c टि. द्र.।

c) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?।

d) तु. टि. औद्दालकि-।

e) विप. (अस्मद्-)। व्यु.?। पपा. °द्-भि° इति। सा. विप. (अग्नि-) <उद् √भिद् इति, K. =विजयिन्- इति। PW. प्रभृ. वार्चयमाः। नैप्र. पूप. उत्- =वृत्- (< √वृ ⌊आच्छादने⌋) इति, उप. < √भृ (धारणे) इति मतम् (तु. ?१उद्-भु-)।

f) सप्त१ प्र. लोपः द्र. (पा ७, १, ३९)। सपा. मा १५,१ का १६,१,१ मै २,८,७ काठ १७, ६ क २६, ५ उद्भौ (वैतु. K. उद्भरि इति?) इति, शौ ९, २, १६ उद्भु इति, पै १६,७७,१ ?उद्भृत् इति च पाभे.।

g) सपा. पै ९, २४, ११ ?उद्भृत् इति पाभे.। विप. (दुन्दुभि-) इति कृत्वा नैप्र. उप. < √भिद् (*शब्दे) इति विशेषः। शिष्टं e टि. अनुसंधेयम्।

h) उदभृत् इति मूको.।

i) सपा. तैब्रा २,४,२,७ उद्…जिगाय इति पाभे.।

j) विप.(सोम- प्रभृ.)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

k) प्रागदीव्यतीये अर्थे अञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

l) भावे अञ् प्र. उसं. (पा ५, १,१२९)।

m) सपा. औद्भिदम् <> औद्भिद्यम् <> औद्भेत्रम् इति पाभे.।

n) भावे ष्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

o) सपा. आपश्रौ १८, १९,५ औद्भिद्यम् इति पाभे.।

p) भावे अण् प्र. उसं. (पा ५,१,१२९) ञित्स्वरश्च।

q) विप. (शर्मन्-)। व्यु.?। PW. W. B. =बलवत् इति कृत्वा =२ उद्-भु- इति। नैप्र. पूप. उत्- =वृत् (< √वृ ⌊आच्छादने⌋) इति, उप. < √भू = √भृ ⌊धारणे⌋ इति मतम्।

r) नाप. (⌊अधिश्रितस्य पयसः⌋ उत्क्वथन-, यद्वा उत्फेन- इति)। गस. प्रकृतिस्वरः। उप. डुः प्र. उसं. [पा ३, २, १८० (तु. PW., C. ⌊आपश्रौ ६,६,८⌋ प्रभृ.)]।

s) विप. (धाना-)। स्त्री. ङीष् प्र. तत्स्वरश्च।

t) सपा. शौ १८, ३, ६९ विभ्वीः इति पाभे.। सा. अभ्वीः (=महत्यः) इत्याह।

¶उद्-भूति- -तिः काठ ६, ७; क ४, ६.

उद्√भृ<>हृ, उद्···भरते ऋ ८, १९,२३; उद्भरन्ति शौ २,३,४; पै १,८,४; उद्भरे शौ ६,१०२, ३; पै ३,१५, १-६; ६,७, ४-६; उद्भरामि शौ ८, २, २३[a]; पै १९, ३५, ३?[b]; उद्···भरामसि शौ ८, १, ३; पै १६, १, ३; उद्भरन पै २०,५४,२; उद्भरः, उद्[४] (भरः) पै २०, ३९, ३; उद्···भरम् पै ३, १५,५; उद् (भरताम्) शौ ८, १, १६; पै १६, २,६; उद्···भरन्तु शौ ८, १, १६, पै १६, २, ६; उद्··· भरन्तु मा १२, ३१: १७, ५३; का १३, ३,२;१८, ५, ४; तै ४, २,३,१;६,३,२;५,२,२,२,४,६, २; मै २,७,१०;३,२,२[c];३,८[c]; काठ १६,१०;१८,३; उद्... भरन्तु काठ १९,१२; २१,८; क २५, १: ३१,२; उद् (भरन्तु) मै २,१०,५; क २८, ३; उद्भर पै २०,५७,२; उद्···भर ऋ १, २८, ९; उद्···भरतम् पै ९,८, ८; उदुभराम शौ १९, ७२,१.

†उद्···बिभर्ति[d] ऋ ७, ३४,७; मै ४,९,१४.

उद्···भर्षत्[e] ऋ ६,३८,१.

उद्-भर (त्>)न्ती- -न्ती शौ ११,१,९.

उद्-भृत,ता- -तम् ऋ ३, २१, ५; ६,४७,२७[f]; खि ५, ७,२,६; मा २१, ४३-४५; २९, ५३†[f]; का २३, ५, ३[३]; तै ४, ६, ६,६†[f]; मै ४, १३, ५†; ७; काठ १६, २१†; १८, २१; ४६,१†[f]; शौ २,३,५[k]; ६, १२५,२†[f]; ७,४६, १; पै १, ८, ३; १९, ३०, १३; २०, ३६, ८; -ता शौ १, २४, ४[g].

?उद्भृत्[h] पै ९, २४,११[i]; १६, ७७, १[j].

उद्-भेत्तृ- उद्√भिद् द्र.

उद्√भ्यस्

उद्-भ्यस[k]- -साः शौ ११, ११, १७.

?उद्यगम् पै १९, ३७, १३:१४: ४१, १५.

उद्√यच्छ्, यम् (बधा.),>यंयम्, ¶उद्यच्छते तै ५, १, १०, ४: ५: २, २. २; ४, ६, २; मै ३, १, ९: २, १:४. १. २: काठ ८, १२: ¶उद्यच्छते तै ५, २, २, २: ४, ६, २; काठ ८, १२; ¶उद्यच्छेत काठ १९, १०:१२[३]; २०, ३; २१, ८[३]; २८, ३; ३१, १; क ७, ७[२]; ३०, ८: ३१,२[३],५;४७,१: ¶उद्यच्छति तै ६, ३,४, ६;४,५,६; क ४४, ३; ¶उद्···यच्छति तै ६, ५, ५,२; काठ २३, २[l]; क ३५, ८; ¶उद्यच्छन्ते मै ३, २,४; ४,५, ८; ७,१; काठ २७, ३; क ४२, ३; उद्यच्छे तै १, १, २, २; मै १, १,२; ६, २; ४, १, २; काठ १, २;७, १३; ३१,१; क १,२; ६,३; ४७,१: उद्यच्छध्वम् ऋ ७, ४३,२; शौ १४,१,५९; पै १८,६, ७; ¶उद्यच्छामहै काठ २८, ७[२]; क ४४, ७[२]: ¶उद्यच्छत काठ १२, ३[२]; २७, १०[२]; ३७, २; ¶उद्यच्छन् तै २, ४,१२,३-५; ६, १, २, ४: ५; ५, १, १[२]; २; मै २, १, ३: २, १०; ४, ३[३]: ३, ९, ४: ४, ६, ५; ¶उद्यच्छत् तै ६, १, २, ४; मै ३, ९, ४: उद्यच्छत् काठ ३६, ८¶: ¶उद्यच्छन्त मै ४, ५,८; ७,१: काठ २८, ७: क ४४, ७; ¶उद्यच्छन् तै ६, १,२, ५: ५, ७,२[२]: मै १, १०,१४.

उद्···यंसते ऋ १, १४३,७.

उद्···ययाम ऋ ७, ३८,⌊(२, ३८,१:६,७१,१;४)१⌋: †उद्··· येमिरे ऋ १, १०, १: तै १, ६, १२,३; कौ १,३४२: २,६९४; जै १, ३६, १: ३, ५६, २१;

उद्···अयंस्त ऋ ⌊(२, ३८, १) ६,७१,१(४;७,३८,१)⌋; ८,२५,

a) पाभे. कृते पृ ९०९ c टि. द्र.।

b) पाठः? (तु. सपा. शौ १९, ७२, १ उदभराम इति पाभे., सस्थ. अवदध्मः इति च)।

c) °रन्त इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पूर्वापरं स्थलम्)।

d) तु. टि. ?नार्त।

e) तु. PW.GW.; वैतु. सा. उद् इति पादपूरण इति।

f) तु. सा. W.; वैतु. स्क. म. PW. GW. परि··· उद्भृतम् इति योगं मन्वानाः परेः पञ्चम्यर्थस्वारस्यं प्रति चोद्याः।

g) सपा. °भृतम्<>°भृता इति पाभे.।

h) तु. टि. ?उद्भित्, ?१उद्भु-। प्रथमे स्थले विप. (दुन्दुभि-), अन्यत्र (शर्मन्-) इति।

i) उद्° इति पाठे? यनि. शोधः। पाभे. कृते पृ ९१० g टि. द्र.।

j) पाभे. कृते पृ ९१० f टि. द्र.।

k) विप. (राक्षस-)। गस. कर्तरि अजन्ते थादि-स्वरः।

l) वैतु. SI. प्रत्युद्···यच्छति इति।

१९; उद्···यमिष्ट ऋ ५, ३२, ७; †उदयान् ऋ ४, ५३,१;१०, १३९, १[a]; मा १७, ५८; का १८,५,९; तै ४, ६, ३, ३; मै २, १०, १; ३, ३, ८; काठ १८,३; क २८, ३; उद्···अयान् ऋ ६, ७१, ५; ?उदयंसम्[b] काठ १४, ३.

†उद्यंयमीति ऋ १,९५,७; पै ८, १४,७;१५,१२,५.

उद्-यत,ता- -तः ऋ ६, ६८, १; ९, ८६, ४६; मा ८, ५८[c];५९[d]; ३९,५; का ९, ७,६[c]; ७[d]; ३९, ३,१; शौ ४,२४,६; ८,८, १२; १२,३,१८; पै ४, ३९, ६; १६, ३०, २; १९,२९,१४; –तम् ऋ १, ८०,[९; ८, ६९,९]; ९,६८, ५; १०३,१[e]; १०, २२,७; ५०, ६; खि ५,२२,६; मै १,८,१०; २,४, ३[3]¶; ३, २, ३¶; ४,६, ५¶; शौ २०, ९२, ६†; १३६, ५[f]; पै १६, १५२,११; –ता ऋ २,३१, ७; ८,७४,३; १०१, ७; मै १, ८, २¶; कौ २, ९१६†; जै ४, १५, ९†; –तात् तै ६, ५, १, १¶; –तानि ऋ १०, ८, २; शौ ५, ११, ९; –¶तायाम् काठ ६,२; क ४,१; –तौ मै ४, ४,३¶.

उद्यत-स्रुच्[g]- -स्रुचे ऋ १, ३१, ५.

उद्-यति- -तिम् ऋ १, १९०, ३; –¶त्यै तै ५, २, ५,३; ६,१,२, ५[2]; ५, ७, २; काठ २८, ७; क ४४, ७.

उद्-यत्य ¶तै ५, १, १०,४; ६,२, ७,४;४,६,१; ¶काठ १०, ११; २६,१०; ¶क ४१, ८; शौ ८, ८,१२; पै १६,३०,२.

¶उद्-यन्तुम् तै २,४, १२,२[h]; ५, २,५,३.

उद्य(द्-य)न्तृ- -न्ता ऋ १,१७८,३.

उद्-यम[i]–

†उद्यमीय(स्>)सी[j]- -सी ऋ १०,८६,६; शौ २०,१२६,६.

¶उद्-यमम् मै १, १०, १४; २,४, ३[h];४, ५,८;७,१; काठ २७, ३; २८, ७; ३६, ८; क ४२, ३; ४४,७.

उद्-यत्- उदि (द्√इ) द्र.

उद्यमान- √वद् द्र.

उद्√यस्

उद्-यास- -साय मा ३९, ११; का ३९, ९, १; तै १, ४, ३५, १; काठ ४५, ६.

उद्√या, उद्याति पै १९, ३६, १०; उद्···यासि ऋ १०, ३७, ३[k]; उद्यातु पै ४, २७,३; उद्··· याहि पै १७,२५, ६‡[k].

उद्-यान- -नम् शौ ८, १, ६; पै १६,१,६.

?उद्या पै १९, ४३, २.

?उद्याम्[l] पै ६, ६, १.

?उद्यासम्[m] मै ४,९,२.

उद्√यु, उद्यौति तै २,६, ५, ५¶; उद्···युवामहे ऋ ६, ५७, ६. उद्युष्महि पै १९,४२, ४?.

¶उद्-याव[n]- -वौ काठ २४,८[3]; क ३८,१[3].

उद्-युत- -तम् शौ ६,१११,२.

उद्√युज्, उद्युजे[o] शौ ६, ७०, २; उद्···युजे मै २,७,१२[p].

---

[a]) तु. वें. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. उ. म. <उद्√या ।

[b]) पाठः?। सपा. ?उदयंसम् <> उद्वयसम् (माश ५, १,२,७ तैब्रा १, ३, ९, २ च) तैआ १, २२, ८ उदयंसन् इति पाभे.।

[c]) सपा. तै ४,४,९,१ आत्तः इति पाभे.।

[d]) सपा. तै ४,४,९,१ अवप्रयुन् इति पाभे.।

[e]) वैतु. GW. प्र···उद्यतम् इति योगः। सपा. कौ १, ५७३ जै १, ५८, ८ ?उद्यते (तु. तत्रत्यं टि.) इति पाभे.।

[f]) यनि. RW. (तु. खि ५, २२,६); शंपा. सात. तु प्रयम् इति पाठः?।

[g]) विप. (यजमान-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[h]) सपा. उद्यन्तुम् <> उद्यमम् इति पाभे.।

[i]) गस. उप. कर्तरि कृत् प्र.।

[j]) विप.। आतिशायनिक ईयसुन् प्र. निस्स्वरश्च। पाप्र. तु <°यन्तृ- इति।

[k]) सपा. °यासि <> °याहि इति पाभे.।

[l]) पाठे? √वद् > उद्यासम् इति शोधः (तु. सपा. शौ १,३४,३ वदामि इति पाभे.)।

[m]) पाठे? (तु. उद्। यासम् इति पपा.?) √वद् > उद्यासम् इति शोधः (तु. सपा. तैआ ४,१,१)।

[n]) नाप. [विधृति-=तृण- (प्रान्तभित्तिरूप- इति BW. [तु. काश्री ८,१,१०])]। गस. उप. कर्मणि घञ् प्र. (पा ३,३,४९)।

[o]) लटि अदा. त-लोपे रूपम् (तु. WSB.)।

[p]) तु. C. [आपश्रौ १६,१८,४]; वैतु. पपा. उद्योजनम् समस्तं पदमिति स्वरविरोधाच्चिन्त्यम्। सपा. आपश्रौ ?उद्···युञ्जे इति पाभे.।

उद्-युक्त- -क्ताय तै ७, ४, २२,१; काठ ४५, १.

उद्-युग[a]- -गम् शौ ५,२२,११.

उद्√युध्, उद्योधन्ति शौ १२, ३, २९; पै १७, ३८, ८.

१-२ उद्र- √उद्, न्द् द्र.

उद्√रज् >रारज्, उद्॰॰रारजीति शौ ६, ७१, २; उद्रारजीमि पै २, २८,३.

?उद्रण्येदम् पै ६,१४,५.

उद्√रिच्, उद्॰॰रिच्यते ऋ ७, ३२,१२; शौ २०,५९,३†.

उद्॰॰रिरिचे, उद्(रिरिचे)[२] ऋ १,१०२,७.

उद्-रिक्त- -क्ताय तै ७, ३, २०,१; काठ ४३,१०.

उद्रिन्- √उद्, न्द् द्र.

उद्√रुच्, †उद्॰॰रोचते ऋ ८,४३, १०; मै १,६, १; काठ ७,१२; क ६,२; उदरोचथाः शौ १३,३, २३.

¶उद्√रुज्, उद्रुजति काठ ३७,१६; उदरुजत् मै ४,७,४; काठ २८, ९; क ४४,९.

¶उद्-रुज्य मै २,२, १; ६,१[b]; ४, ३,१.

उद्√रुह्

ϕउद्-रोहत्- -हन्तः शौ ७, ५५, ७‡[c].

उद्√वच्>वाचि

उद्-वाचन- -नम् शौ ५,८,८.

उद्√वञ्च्

उद्-वञ्चत्- -ञ्चते तै ७, ४, २२, १; काठ ४५,१.

¶१उद्-वत्[d]- -वत् मै ४, ४, १०; काठ ३९,६.

उद्वती[d]- -तीषु मै ४, ४,१०[२].

२उद्-वत्[e]- -वतः ऋ ३,२, १०; ५, ८३,७[f]; ७, ५०,४; ८, ६,२९; १०, १२७, २; १४२, ४; तै ३, २, ४, ४; मै ४, १४, १; ११; काठ ११,१३†; शौ १२, १, २; पै ८,९,११; १७,१,२; –†वता ऋ १, ३५, ३; तै ३, १, ११, ६‡[f]; –वत्सु ऋ १,१६१,११.

?उद्-वत्सर[g]- -रः मै ४, ९, १८[h]; काठ ४०,६; –राय काठ १३,१५; –रे काठ ३९,६.

उद्वत्सरी (य>)या[i]- -या काठ १३, १५.

उद्√वद्, >वादि, ¶उद्वदति मै ३, ६,९;४,१,३; ‡उदवदामि[j] पै १९, ४७,१४;१५; उदवद शौ ५, २०, ११; पै ९, २४, ११; उद्वदत ऋ १०, १६६,५[j].

उद्वादयन्ति मै १, ४, १०¶.

उद्-वदितोस(>:) मै १, ४, १०; काठ ३२,७.

उद्√वध्, †उद्वधीत् ऋ २,४२,२; मा १३, १६; का १४, २, १; तै ४, २, ९,१; मै २, ७, १५; काठ १६,१६; पै १९,४६,१.

१उद्-वन[k]- -नम् खि ३,१५,१०.

२उद्-व(नं>)नां[l]- -नाम् काठ २५, ४;२९,८; क ३९, १.

उद्√वप्(वधा.), उद्वपति मा १२, ७१; का १३, ५, १०: ¶तै ५, १,७,३; ६, २, ११,२; ¶मै ३, १,८;८,८; ¶काठ १९,७;२५,९; ¶क ३०,५;४०,२; उद्॰॰वपति ऋ ८,६६, ४; उद्॰॰वपति काठ १६,१२[m]; क २५,३[m]; उद्वपामि का ५,६,२[४n]; तै १, ३,२,१;६, २,११,१; मै १, २,१०[४n]; काठ २, ११[४n]; २,१, ९; क २. ५[४n]; ४०, २; उद्वपतु मा ११, ६३; का १२, ६,४; तै ४, १, ६, ३; ५, १, ७, ३; मै २, ७,६; ३,१; ८: ४, ९, १; काठ १६, ६;१९, ७; क ३०, ५: उद्॰॰॰वपतु मै २, ७, १२[m]: शौ ३, १७,२ , उदवपन् शौ ६, १०९, ३; पै १९, २७,१०.

उदूपथुः ऋ १ , ११७,५: १२; १०, ३९, ८; उद्॰॰ऊपथुः ऋ १, ११६,११.

उद्√वम्, उदवमीत् तै २,३,२,६¶[o].

[a]) नाप. (रोग-विशेष-)। गस. कर्तरि काऽन्ते थादि-स्वरः। कुल्वम् उसं. (पा ७,३,५३)।

[b]) पाभे. कृते पृ ९०८ *d* टि. द्र.।

[c]) पाभे. कृते पृ ८९० *k* टि. द्र.।

[d]) नाप. (न.साम-विशेष-, स्त्री. ऋग्-विशेष-)।

[e]) नाप. स्त्री.। स्वार्थे वतिः प्र. (पा ५,१,११८) तत्स्वरस्च (वैतु. सा. ⌊ऋ १,३५,३⌋ उप. <√वन् इति)।

[f]) सपा. °वतः<>°वता इति पाभे.।

[g]) स. स्वरस्च पृ ८०१ *d* टि. द्र.।

[h]) सपा. मा २७,४५ का २९.६,१ इद्वत्सरः इति पाभे.।

[i]) विप. (स्वस्ति-)।

[j]) सपा. °वदामि<>°वदत इति पाभे.।

[k]) नाप. (घर्म-रूप-)। शिष्टं पृ २१३ *m* टि. द्र.।

[l]) विप. (⌊उन्नता-⌋ वेदि- ⌊तु. तैआ ६,११,२⌋)। प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१७८ ⌊तु. प्र-वण- ⌋)।

[m]) पाभे. कृते पृ ८८० *i* टि. द्र.।

[n]) पाभे. कृते पृ ८८० *j* टि. द्र.। [o]) सपा. उदवमीत् <>अपतत्<>परावमीत् इति पाभे.।

उद्-वयस्[a]– -यसम्[b] मा ९, ३; का १०, १,४; तै १,७, १२, २; मै १,११,४.
उद्-वरीवृजत्– उद्√वृज् द्र.
उद्-वर्धयत्– उद्√वृध् द्र.
?उद्वलम् पै ७,७,४.
उद्√वस्(निवासे),>वासि, ¶उद्वासयते तै १,५,२,१[2]; २; ५; ४, ३; २, २, ५, ५; ¶उद्वासयति तै २, ६, ३, ५[2]; ६, ४, १, ५; उद्वासयातः शौ १२, ३, ३५[c]; पै १७, ३९, ४; उद्वासय पै ५, १६, ३; ¶उद्वासयेत् तै ६, ४, १,५; मै १, ८, ४: काठ ६,४[3]; क ४,३[3].
उद्-वासयिष्यत्– -ष्यन् तै २, २, ५,५¶.
¶उद्-वासित– -तम् मै १, ८, ३: १०.
उद्-वास्य तै १,५,१,४¶.
उद्-वास्य[d]– -स्यम् मै १,८,४¶.
उद्-वास्यमान– -नम् मै १,८,३¶.
उद्√वह् (प्रापणे), उद्वहति पै १६, ६०, १; उद्···वहति ऋ १०, १०२,२; उद्वहन्ति शौ ४, २७, ४[e]; पै ४,३५,४[e]; १३,१४,४; १४,१,८; †उद्···वहन्ति ऋ १,५०,१; मा ७, ४१; ८,४१; ३३,३१; का ८,१६,१;९,२,१; ३२, ३,२; तै १, २, ८, २; ४, ४३, १; मै १, ३, ३७; काठ ४, ९;३०,५; क ३, ७; कौ १,३१; जै १, ३, ११; ४, १, १०; शौ १३,$१,३६; ४३; २,१६; २०, ४७,१३; पै १८, १८,६$; १९, ३$; २२, १; †उद् (वहन्ति) तै २, २,१२,१;३, ८,२;४,१४,४; ५,१२,१; ३, १, ११, ८; ६,१, ११, ४; मै ४, ९, ११:१२; काठ ९,१९;१०,१३;११,१;१३,१६; २१,१४; उद्···वहन्तु शौ १८, २,२२; ¶उद्वहन् मै १, ६, ४; काठ ८,५[2]; क ७,१[2].
†उदूहथुः ऋ ७, ६९, ७; मै ४, १४, १०; उद्···ऊहथुः ऋ १, १८२,७.
उद्-उह्य शौ १९, २५, १; पै २०, ३८,१[f].
उद्-वह्[g]– -हः शौ १९, २५, १, पै २०, ३८, ७.
उद्-वाहम् पै १६,४२,४[h].
उद्√वा, उद्वाति पै ४, ६, २[i]; उद्वायात् काठ ३५,१७; क ४८, १५.
उद्-वाचन– उद्√वच् द्र.
?उद्वातन– -नम् पै ७, १८,९[j].
¶उद्-वार[k]– -रः तै १, ८,९,२.
उद्√विज्, उद्विजन्ताम् शौ ४, १५,३.
उद्√वृज्>वरीवृज्
†उद्-वरीवृजत्– -जत् ऋ ६,५८,२; मै ४,१४,१६.
उद्√वृत्>वर्ति, उद्वर्तयति पै १६, १२१, १-४; †उदवर्तयः ऋ ८, १४,१३; मा १९, ७१; का २१, ४,२१; कौ १,२११; जै १,२२, ८; शौ २०, २९,३.
उद्√वृध्>वर्धि
उद्-वर्धयत्– -यन् ऋ ९,११४,२.
उद्√वृश्च्, उद्···वृश्चतु पै १९,२, १३.
†उद्√वृष्, उद्वावृषस्व[l], उद् (वावृषस्व) ऋ ८, ६१, ७; कौ १,२४०; २, ९३१; जै १, २५, ८.
उद्-वावृषाण[m]– -णः[l] ऋ ४, २०,७; २९,३.
उद्√वृषाय(<वृष-), उद्वृषायते ऋ ९, ४७,१[n].
उद्√वृह्, उद्वृह ऋ, ३, ३०,१७; उद्वृहः ऋ ६,४८,१७.
उद्-वृह्य तै ६,२,४,३¶.
¶उद्√वे, उद्वयन्ति, उद्वयन् काठ ३३,६.
उद्√वेप्,>वेपि, ¶उद्वेपन्त मै ४, १, ५; काठ ३१, ३; क ४७, ३.
उद्वेपयति शौ ९,१३,६; पै १६, ७४, ६; उद्वेपय शौ ११, ११, १२; १८; १३,३,१-२५.

---

a) विप. (ग्रह-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =अन्न- वा जीवन- वा। b) पाभे. क्रते पृ ९१२ *b* टि. द्र.।
c) तु. WI. यत्र °याथः इति पाठः शोधार्हः [तु. BW.]; वैतु. PW.MW. परि···उद्वासयातः इति।
d) विप. (घर्म-)। गस. यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
e) सपा. कौसू ३,३ उद्वहन्तु इति पाभे.।
f) ?भवो दुह्यत् इति पाठे? भव। उदुह्य इति शोधः (तु. शौ.)।
g) विप. (अश्व-)। गस. कर्तरि अजन्ते थादि-स्वरः।
h) पाभे. क्रते पृ ११४ *g* टि. द्र.।
i) सपा. शौ ४,५,२ अतिवाति इति पाभे.।
j) पाठे? उद्वाचन–>–नम् इति शोधः (तु. शौ ५, ८,८)। k) विप. (पशु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =वाल-। l) °वावृ° इति पपा.।
m) गस. कानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
n) पाभे. क्रते पृ ७६१ *g* टि. द्र.।

उद्-वेपमान– -नाः शौ ५,२१,२.

¶उद् √वै, उद्वायति तै ५,७, ५,१[२]; उद्वायेत् तै २,२,४,७.

उद्-व्युष– -षम् पै ४,६,७[a].

? उन्[b] पै १९,.३१,१५.

? उना पै १७, २३, ४.

? उन्थिदाग्नीत्वरी[c] पै २०,३५,३.

√उन्द्, उन्दत्– √उद् द्र.

उ(द्>)न् √नम्, उन्नमति मै १, ६,५¶.

¶१उन्-नत,ता– -तम् मै ३,८,४[४]; ४, २,१४[२]; –ता मै ४,७,९.

२उन्-नत– -तः मा २४, ७[२]; का २६,२,२[२]; तै ¶२, १,५,१[२];२; ५,६, १४, १; मै ३, १३, ८[२]; –¶तम् तै २,१, ५, १; ६, २, ६,२;३.

¶३उन्-नत[d]– -तः काठ ४९, ४; –तम् काठ २५, २; क ३८, ५.

उ(द्>)न् √नम्भ्>नम्भि, उन्नम्भय[e] तै २,४,८,२; १०,३; ३, ५, ५, २; मै १, ३, २६[f]; काठ ११,९; पै २०,७,३.

उ(द्>)न् √नश् (व्याप्तौ), †उन्नशत् ऋ १, १६४, २२; शौ ९, १४, २१; पै १६, ६७, ११; उन्नशन् ऋ २,२३,८.

उद्···अनष्टाम् ऋ ७,४५,२.

†उदानट् ऋ ८,६, ४८; १०, ८,१; कौ १, ७१; जै १, ७, ९; शौ १८, ३, ६५; †उदानट् ऋ १०, १९,५[२]; शौ ६, ७७, २[२]; पै १९,१६,२[२].

उ(द्>)न् √नी, उन्नयते तै ६, २ ४, १¶; ¶उन्नयति मै १, ८ ४; १०,१९; २,५,११[२]; ४,४, ८; काठ ११, ८; ¶उन्नयति मै २, ३, ५; काठ ११, ८; ¶उन्नयति काठ ६, ४; ३१, ८; ३६, १३; क ४, ३; ४७, ८; †उन्नयन्ति ऋ ३,८,४; मै ४,१३, १; काठ १५, १२; शौ १३, १, २३$[g]; उद्···नयथः ऋ ६, ७२, ⌊२ (१०, ६२, ३)⌋; †उन्नयथ>था[h] ऋ १०,१३७, १; मै ४,१४,२; शौ ४, १३,१; उन्नये[i] तै १,३,१३,२; ६,४,३, ४; मै १, ३,१; ४, ५, २; काठ ३,९; क २, १६; उन्नयाभि मा ६, २८[l]; ११, ८२; का ६, ७, ६[l]; १२,७, १७; तै ४, १, १०, ३; मै २, ७, ७; काठ १६, ७; १९,१०; क ३०,८; शौ ३.१९, ३; पै ३, १९,४; उद्···नयामि शौ १,१०,१; उद्···नयाति शौ ६, ११९,१; १२०, १[j]; १२१, २; उन्नयतु[k] मै २, ३, ४; काठ ११, ७; उन्नयन्तु[g] पै १८, १७, ३; उन्नय मै १, ३,३९; काठ ४, १३[l]; क ३, ११[l]; शौ २,९, १; पै १, ९५, १?[m]; २, १०, १; उद्···नय मा १७, ५०; का १८,५,१; तै ४, ६,३,१; ५, ४, ६, १; मै २, १०, ४; ३, ३, ८; काठ १८,३; क २८, ३; शौ ६, ५,१; पै १९, ३,१३; उन्नयध्वम् ऋ २, १४, ९; उन्नयाम पै ५, १०, १०; उदनयः ऋ २, १३, १२; उन्नयेत तै ६, २, ४,१[२]¶; ¶उन्नयेत् मै १, ८,४[४]; काठ ६, ४[३]; ३५, १६; क ४, ३[३]; ४८, १८.

उन्निनाय शौ १३,२, ४; पै १८, २०, ८; उद्···निनेथ ऋ ६, १८, १३; उन्निन्यथुः ऋ १, ११६, ८; २४; उन्निन्युथुः खि १, १२, २[n]; उन्नेष्यति शौ ७, १०८, १; पै २०, ३, ५; उद्नैषीत् तै १, ६, ११, ३¶; उद्नेषि तै ६,२,४,१¶.

उन्-नय(त्>)न्ती– -न्तीम् शौ ८,७,६; पै १६,१२,६.

उन्-नीत– -तः मा ८, ५८; का ९, ७,६; तै ४,४,९,१[o]; काठ ३४,

a) पाभे. क्रते पृ ७१७ *l* टि. द्र.।

b) पाठः ?। सपा. शौ ६,४९,२ युत् इति पाभे.।

c) पाठे? उत्थिता। अग्नीत् इति शोधः संभाव्येत।

d) स्वराऽभावात् पृथक् निर्देशः।

e) =सपा. आपश्रौ ७,११,१;९,६,७; १०,२३,९;१३, १०,३;१९,२७,७। शौ ७,९९,१ तु प्रनभस्व इति पाभे.।

f) उत्। स्तंभय इति पपा. ?।

g) सपा. °न्ति<>°न्तु इति पाभे.।

h) पाभे. क्रते पृ ९०९ *a* टि. द्र.।

i) सपा. °ये (आपश्रौ १२,५,१० माश्रौ २,३,२,१८ च) <>°यामि (माश ३,९,३,२७ च) इति पाभे.।

j) सपा. काकृ १३३:४ उद्···नेषत् इति पाभे.।

k) पाभे. क्रते पृ ८९२ *g* टि. द्र.।

l) तु. सस्थ. टि. अभि।

m) रुद्र मा ताक्षीस, त्वमसुष्टुतिभ्यो, मा मघवन् त्वा। सहूत्याभिशंसम्। भिषक्तमं त्वा, भिषजां शृणोमि, उन्नयो [=°य,उ] वीरान्, वीरैर्भैषजेभिः इत्येवं शोधपूर्वकः सर्वो निगमः पठनीयः (तु. ऋ २,३३,४)।

n) उ° इति स्वरे ? यनि. शोधः।

o) सपा. °तः<>°यमानः इति पाभे.।

१६; —¶तम् मै १,८,३;१०$; ९,५; काठ ६,३: —ताः ऋ ९, ८१,१.

उन्नीत-शुष्म[a]— -ष्मम्[b] मै १,१, ११; काठ १,१०; क १,१०.

उन्-नीय तै ३,१,२,४; ६,२,४,१; काठ ६,३[२];६; क ४,२[३];५.

उन्-नीयमान— -¶नः काठ ३४, १५;१६[c]; —¶नम् मै १,८,३; १० $; काठ ६,३; क ४,२; —नाः ऋ ३,८,९; —¶ने मै १, ५,७: ८,४: ७; काठ ६,७; क ४,६.

¶ उन्-नेतुम् मै १,१०,१९: काठ ३६,१३.

उन्-नेतृ— -ऽतः मै १,३,३९[d]; काठ ४,१३; क ३,११; —¶तरि तै ६,५,९,४; काठ २८,९; क ४४,९; —¶ता तै ६,५,९,३; ७,१,५,६; मै ४,७,४[२]; काठ २८,९[२]; क ४४,९[२]; —तारम् मै ४,७,४¶; —तॄणाम् मा ६,२; का ६,१,२; —त्रे तै ७, १,५,६¶.

उ(द्>)न्√मज्ज्

उन्-मज्य शौ १०,४,४; पै १६, १५,३.

उ(द्>)न्√मथ्, न्थ्, उदमथ्नात् मै ४,८,१¶.

उ(द्>)न्√मथाय(<मथ-), उन्मथायति खि ५,१५,१६; शौ २०,१३२,४.

उ(द्>)न्√मद्, न्द्, >मदि, मादि, †उद्…मन्दन्तु ऋ ८, ६४,१; खिसा २९,४१; कौ १, १९४; २,७०४; जै १,२१,१[e]; ४,७,९; शौ २०,९३,१.

उन्मादयति तै ३,४,८,४¶; उन्मादयेत् तै ५,५,१,२¶; उन्मादयेत् तै ३,४,८,४¶; ¶उद्… मादयेत् मै ४,४,९; काठ १९,८; उद्…मादयेयुः तै ७,३,१०, ४¶.

उद्…ममन्द ऋ २,३३,६; उदमन्दिषुः ऋ ९,८१,१; उद्… अमन्दिषुः ऋ १,८२,६.

उन्मादयन्ति तै ३,४,८,४¶; उन्मदयामसि पै २०,२२,७; उन्मादय>या, उद्…मादय शौ ६,१३०,४; उद्-(मादयतम्) पै १९,३९,९; उन्मादयत शौ ६,१३०,४; पै १९,३९,९.

उन्-मत्त— -त्तम् मा ३०,८; का ३४,१,८; शौ ६,१११,३; पै ५,१७,१; ३; —त्तस्य पै ५, १७,४.

उन्-मदित— -तम् शौ ६,१११,३; पै ५,१७,१; -†ताः ऋ १०, १३६,३; पै ५,३८,३.

उन्-मादय(त्>)न्ती— -न्तीः पै १३,४,१५.

¶ उन्-मादुक[f]— -कः तै २,५,१,७; मै १,८,२; ३,१,१०[२].

उ(द्>)न्√मा(माने), उद्… मिमीमहे शौ १८,२,४३; उद्-मिमीत तै १,६,९,१¶; †उन्मिमीयात्[g] ऋ १०,१०, ९; शौ १८,१,१०.

उन्-मा[h]— -मया मै १,४,११; काठ ५,४;३२,४; —मा मा १५,६५; का १६,७,७; तै ४,४,११, ३; मै १,४,११¶; २,८, १४; ४,९,४; काठ १७,१०; ३२,४¶; ३४,१४¶; क २६, ९.

उ(द्>)न्√मुच्, ञ्च्, >मोक्ष, †उद्…मुमुग्धि ऋ १,२५,२१, काठ २१,१३.

उन्मुञ्चते मै ३,२,१;४; उन्मुञ्च शौ ६,११२,२; पै १९,२१, १३[२]; उदमुञ्चन् शौ ३,११, ८[i].

उदमुक्थाः शौ २,१०,६[j].

उन्मुच्यते मै ३,७,८¶; उद्… मुच्यते मै १,४,१५¶; उन्मुच्यस्व खि २,११,४[k]; उदमुच्ये शौ १४,१,५७; पै १८,६,५; उदमोचि पै २,३, ५[j].

[a]) तु. टि. उत्पूत-शुष्म-।

[b]) पाभे. कृते पृ ८९१ *b* टि. द्र.।

[c]) पाभे. कृते पृ ९१५ *o* टि. द्र.।

[d]) °तुः इति पपा.?।

[e]) उ° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. उत्तरं स्थलम्)।

[f]) गस. उकञन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[g]) उपसृष्टस्य धा. उद्गमने वृत्तिः (तु. वें. सा. W.WI. MVG. PG [३,१८८] Gri.; वैतु. PW. GW. GRV. HLH. ORN. प्रभृ. <उ(द्)न्√मी [हिंसायाम् =अदर्शने] इति, <उद्>न्√मि [प्रक्षेपणे] इति सा. (शौ.) उद्गी. च)। LR. उन्मिमील्यात् इति शोधं प्रस्तावुकः।

[h]) गस. उप. भावे अङ् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[i]) सपा. पै १,६१,१ इदं मुञ्चतु इति पाभे.।

[j]) सपा. °मुक्थाः<>°मोचि (तैब्रा २,५,६,३ आपमं २,१२,९ च) इति पाभे.।

[k]) सपा. खिसा १०,४ उन्मुच्य इति पाभे.।

उन्-मुक्त- -क्तः तै १,२,९,१.[a]
उन्-मुक्ति- -क्तिः मै ३, ६,७.
¶उन्-मुच्यमान- -नः क ४५, ४.
उन्-मुञ्च(त>)न्ती- -न्तीः शौ ८, ७,१०; पै १६,१२,१०.
उन्-मो(क्ष>)क्षा[b]- -क्षा मै ३,९,७
उन्-मोचन-
उन्मोचन-प्रमोचन[c]- -ने शौ ५, ३०,२-४; पै ९,१३,२-४.
उ(द्>)न्√मृज्, उन्मार्ष्टि मै १, ८,५¶; उन्मृजे ऋ १०,१६७, ४; तै ३, २, ३, १; ३; उद्… मृजे ऋ ५,५२,१७; ¶उन्मृज्यात् मै ४,१,१३;५,५; काठ २७,१; क ४२,१.
उन्ममार्ज शौ ८, ६, १; पै १६, ७९, १; ¶उदमृष्ट मै १, ८, १;
उदमृक्षन्त ऋ १,१२६,४.
उन्-मृजान- -नः शौ १८,३,७३.
उन्-मृज्य मै १,८,१¶.
उन्-मृष्ट- -ष्टाः मै १,८,१.
उ(द्>)न्√मृश्, उद्…मृशस्व, उद् (मृशस्व) ऋ ८,७०,९[२].
उप ऋ १, २, ६[d]; ३, ५[e]; ६[e];४,२[f]; १२,१०[g]; १६,२[h];[४[i]; ३,४२, १[j]]; ५[k]; २१, ४[l]; २३, १७[m]; २५, ४[n]; ३०, ८[o]; ४०, १[p]; ४७, [८[q]; ८, ४. १४[r]]; ४८, ११[s]; ४९, १[t]; ७१, १[u]: ८१, ८[v];८२,६[w]; ८४,२[x], ८७, २[y];

[a]) सपा. उन्मुक्तः (आपश्रौ १०, २९,९ च)<> विचृत्तः (आपश्रौ १०, २९,९; १३ ,२०,१३ माश्रौ १, ७,४,४२; २,१,४,३९;५,४,३४ च)<>प्रमुक्तः<> काठ ४, १३; २९,३ अवहतः इति पाभे. ।

[b]) गस. उप. स्त्री. भावे अः प्र. (पा ३, ३, १०२) प्रकृतिस्वरश्च । [c]) द्वस. अन्तोदात्तः ।

[d]) निष्कृतम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. सा. उप…आयातम् इति) ।

[e]) ब्रह्माणि इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. स्क. उ. म. GW.; वैतु. वें. उप…आयाहि इति, मा. क्रिउ. इति च) ।

[f]) सवना इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. PW. GW. प्रभृ. उप…आगहि इति, सा. समीपार्थे स्वाश्र. इति च)।

[g]) यज्ञं, हविः इति द्वि. अन्वितः कप्र. (तु. स्क. उ. म. GW. K.; वैतु. वें. क्रिउ. इति, भा. [तै १, ३, १४, ८] उप [आवह] इति, सा. स्वाश्र. इति च)।

[h]) धानाः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. पृ ७०६ n टि.; वैतु. वें. सा. GW. प्रभृ. उप…वक्षतः इति योगं मन्वानाः) ।

[i]) सुतम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा.? GW.; वैतु. स्क. उप…आगहि इति) ।

[j]) सोमम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. GW. उप… आगहि इति, सा. स्वाश्र. इति च) ।

[k]) स्तोमम् इति द्वि. अन्वितः कप्र. (तु. GW.; वैतु. स्क. उप…आगहि इति, वें. उप…पिब इति, सा. स्वाश्र. इति च) । [l]) सवनम् इति द्वि. अन्वितः कप्र. ।

[m]) सूर्ये इति सप्त. युक्तः कप्र. ।

[n]) वसतीः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. स्क. सा. PW. GG. प्रभृ.; वैतु. वें. उप [गच्छन्ति] क्रिउ. इति) ।

[o]) हवम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW. GRV. प्रभृ.; वैतु. सा. स्वाश्र. इति, स्क. वें. सा. [शौ.] उप…आ… गमन् इति) ।

[p]) स्वाश्र. मत् वा. क्रिवि. द्र. (तु. म. [मा ३४,५६]; वैतु. स्क. वें. प्रभृ. उपप्रयन्तु इति) ।

[q]) सवना इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. मा.; वैतु. स्क. वें. GW. समीपार्थे स्वाश्र. इति, PW. उप…वहन्तु इति च)।

[r]) अत्र उप…वहन्तु इति योगं वदन् सा. अपि विमृश्यः ।

[s]) अध्वरान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. स्क. GW.; वैतु. स्क. [पक्षे] वें. सा. उप…आवह इति, PW. उप… गृणन्ति इति च) ।

[t]) गृहम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. स्क.; वैतु. वें. मा. PW. GW. उप…वहन्तु इति) ।

[u]) क्रिवि. सत् स्वाश्र. (तु. स्क.; वैतु. वें. मा. GW. प्रभृ. उपप्रजिन्वन् इति) ।

[v]) कामान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. मा. GW. प्रभृ. उप…ससृज्महे इति) । 'हि (=यतः [वयम्]) कामान् उप (=[सोमपानविषयैः] कामैः [लक्षणभूतैः सद्भिः]) त्वा पुरुवसुं (=*बहुभोजिनम्) विद्म (च), ([तत एव पर्याप्तया मात्रया] सुतम्) ससृज्महे (च), (अतस्तस्मिन्) मादयस्व' इति वा. द्र. ।

[w]) स्वाश्र. इति (वैतु. स्क. वें. सा. PW. GW. प्रभृ. उपप्रयाहि इति) ।

[x]) स्तुतीः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. स्क. वें. GW. उ. म.; वैतु. भा. सा. [ऋ.] उप…वहतः इति) ।

[y]) रथेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. [तु. सा. (तै ४,३,१३,८ [ऋ. तु अनन्वायुक इव?]) GW.; वैतु. स्क. स्वाश्र. इति, वें. उप…श्च्योतन्ति इति] ।

९३, ११[a]; १०७, ⌊ २; १०, ३५, १३ ⌋[b]; ११६, १९[c]; ११८, १०[d]; १३०, १[e], १३५, ⌊३[f]; ७, ९२, ५[g]⌋; ५[h]; १३७,

१[i]; १४१, १[j]; १४२, १३[k]; १४५, ५[l]; १६२, ७[2m]; १६३, १२[n]; १३[o]; १७१, २[p]; १७७, ५[q]; १८३, ५[r]; १८७, ३[s]; २,

१८, ८[t]; ३४, १४[u]; ३, ४, ⌊ १०; ७, २, १० ⌋[v]; १२, ७[w]; २७, १२[x]; ३५, २[y]; ४३, १[z]; २[a1]; ५३, ११[b1]; ५५, १[c1]; ५६,

[a]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. सामीप्ये स्वाप्र. इति, वें. उप…यातम् इति, सा. GW. उप…आयातम् इति च)।

[b]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. सा. PW. GW. प्रभृ. उप…आगमन्तु इति, वें. उप…गमन्तु इति च)।

[c]) जह्नावीम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. वें. GW. उप…आ…अयातम् इति, सा. उपं प्रच्यावुक इव)।

[d]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें.?; वैतु. स्क. सा. GW. उप…आ…यातम् इति)।

[e]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें., सा. भ. ⌊कौ १, ४५९⌋ GW. ⌊पक्षे⌋, उप…आ…याहि इति, सा. ⌊ ऋ. ⌋ उप…याहि इति ?, विव. समीपार्थे स्वाप्र. इति च)।

[f]) अध्वरम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. PW. GW. आ…उपयाहि इति)।

[g]) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. PW. GW. उ. ⌊मा २७, २८⌋ आ…उपयाहि इति, म. उपयाहि इति च)।

[h]) अध्वरान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW.; वैतु. वें. ?)।

[i]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. उप…आ…गन्तम् इति, सा., GW. ⌊पक्षे⌋ उप…गन्तम् इति)।

[j]) ईम् इत्यन्वितः कप्र. (तु. वें.; वैतु. सा. उपह्वरते इति)।

[k]) हव्यानि इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप⌊इत्य⌋ क्रिउ. इति)।

[l]) त्वचि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. उप…निधायि इति)।

[m]) सकृत् वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (तु. सा. K. ⌊तै ४, ६, ८, ३⌋, W. WI. ⌊शौ १, २८, १; ६, ३७, १⌋; वैतु. वें. सा. प्रभृ. उपप्रागात् इति)। अन्यत्र आशाः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW. K.; वैतु. वें. सा. प्रभृ. क्रिउ. इति)।

[n]) शासनम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. GW. प्रभृ. उपप्रागात् इति)।

[o]) सधस्थम् इति द्वि. युक्तः कप्र.। शेषं *n* टि. द्र.।

[p]) ईम् इत्यन्वितः कप्र. (वैतु. वें. सा. PW. GW. उप…आयात इति)।

[q]) ब्रह्माणि इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा.; वैतु. वें. आडं च्यावुकः सन् उप…याहि इति, GW. उप…आ…याहि इति च)।

[r]) हुवम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. GW. आ… उपयातम् इति, सा. आ इति कप्र. उपयातम् इति क्रिप. च पृथक् द्वे पदे इति)।

[s]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. PW. GW. प्रभृ. उप…आचर इति)।

[t]) गभस्तौ इति सप्त. युक्तः उपाश्रयार्थे कप्र. उसं. (पा १, ४, ८७ ⌊ वैतु. वें. उप…स्याम इति, सा. समीपार्थे अव्य. इतीव भाषुकः⌋)।

[u]) वरूथम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. पृ ६२७ *m* टि.; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[v]) देवान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. GRV.; वैतु. वें. सा. PW. GW. उप…अव…सृज इति)। एतदनु पृ ४६६ *e* टि. शोधः द्र.।

[w]) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. उपप्रयन्ति इति)।

[x]) द्यवि इति सप्त. युक्तः कप्र. उसं. (पा १, ४, ८७ ⌊तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. समीपार्थे अव्य. इति⌋)।

[y]) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें. सा.? PW. GW.; वैतु. PW. ⌊पक्षे⌋ उप…आवहातः इति)।

[z]) बर्हिः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा.; वैतु. वें. उप ⌊इत्य⌋ क्रिउ. इति)।

[a1]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW. GRV.; वैतु. वें. सा. उप…आयाहि इति)।

[b1]) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (तु. स्क. ⌊या ७, २⌋; वैतु. वें. सा. GW. उपप्रेत इति)।

[c1]) व्रता इति द्वि. युक्तः लक्षणार्थे कप्र.। 'देवानां व्रता उप (=अनु) नु (=खलु) प्रभूषत् (प्रभवत् ⌊तु. ऋ ९, २९, १⌋) अक्षरं (=*भाजनं) विजज्ञे' इति वा. (वैतु. पपा. प्रभृ.

२[a]; ४, १४, १[b]; २१, १[c]; २९, १[d]; २[e]; ३४, ६[f]; ५६, ५[g]; ५, २, ५[h]; ३०, ९[i]; ५३, ३[j]; ७१, ⌊१[k] (८, ८, १७)⌋; ⌊(१, १६, ४; ३, ४२, १) ३[l]⌋; ७८, ⌊१-३⌋[m]; ६, १६, ३७[n]; २१, ११[o]; ४८, १६[p]; ५२, १३[q]; ६०, ९[r]; ६७, २[s]; ७, १४, ३[t]; ३१, ९[u]; ५५, २[v]; ७०, ६[w]; ७१, ४[x]; ७२, २[y]; ९३, ६[z]; ७४, ४[a1]; ८, ३, २१[b1]; ४, १४[2c1]; ५, ⌊७[d1] (४९, ५)⌋;

प्रभूषन्महद्>॰षन् म॰ इत्येवं पद-विभाग इत्यभिमन्यमानाः सन्तः वा. यथावद् अपश्यन्तः। तथाहि, वें. उप √भू इति, सा. उप √नी इति, GRV. उप √स्था इति च क्रिउ. इति, PW.GW. प्रभृ. उप···प्रभूषन् इति च)।

a) ऋतम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. PW.GW. प्रभृ. उप···आगुः इति)।

b) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. वें.; वैतु. सा. उप··· यातम् इति)।

c) नः इति द्वि. (वैतु. सा. प.) युक्तः कप्र. (तु. GRV.; वैतु. वें. सा. PW. GW. प्रभृ. उप···आयातु इति, उ. म. ⌊मा २०,४७⌋ समीपार्थे स्वाप्र. इति च)।

d) सवना इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. मा. Gri.; वैतु. वें. आ···उप···याहि इति)।

e) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र.।

f) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा., GW. (पक्षे) आ···यातन···उप इति)।

g) शुची इति द्वि. युक्तः अधिकार्थे कप्र. (तु. PW. BS ⌊कौ २, १४६⌋; वैतु. सा. S. प्रभृ. क्रिउ. इति, वें. उपप्रशस्तये इति)।

h) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW. GRV. Gri; वैतु. सा. उप···आजाति इति।

i) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (वैतु. मा. प्रभृ. उपप्रैत् इति)।

j) द्युभिः इति तृ. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ८,४०,८, PW. GW.; वैतु. सा. उप···आययुः इति)।

k) अध्वरम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप···आ···गन्तम् इति)।

l) सुतम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप···आगतम् इति)।

m) सुतान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. PW.GW. उप···आ···पततम् इति)।

n) त्वा इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा.; वैतु. GW. GRV. उप···ससृज्महे इति)।

o) वाचम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा.; वैतु. GW. आ···उपयाहि इति)।

p) मा इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. स्क. PW. GW. प्रभृ. आ···उपद्रव इति, सा. उप (द्रव) क्रिउ. इति च)।

q) द्यवि (तु. उ. म. ⌊मा ३३, ५३⌋; वैतु. मा. प्रकरणालभ्ये भूलोके इति) इति सप्त. युक्तः कप्र.।

r) सवनम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. ऋ १, १६, ५, मा. प्रभृ.॰च)।

s) वाम् इति द्वि. युक्तः कप्र.। एवं च 'इयं मनीषा (=स्तुतिः) मद् (=मत्तः गतिमती सती) प्रिया (=प्रियौ) वां (=युवाम्) उप (=द्वयोः समीपे) प्रस्तृणाति (अतः) नः (अस्माकं) बर्हिः अच्छ यन्तम् (<अच्छ √यम् ⌊गतौ⌋)' इति वा. द्र. (वैतु. सा. क्रिउ. इति, PW. GW. प्रभृ. उप···प्रस्तृणीते इति)।

t) देवहूतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. मा. PW.GW. उप···आ···याहि इति, GW.···याहि इत्येवं निहतं क्रिप. इति च)।

u) द्यवि इति सप्त. युक्तः कप्र.।

v) स्रुकेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.; वैतु. सा. समीपार्थे स्वाप्र. इति)।

w) वरम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. उप···प्र··· यातम् इति)।

x) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. GW. उप··· आ···यातम् इति)।

y) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. PW. GW. आ··· उपयातम् इति, सा. नः ⌊१३⌋ इति च उप च्यावुक इति च)।

z) सोमसुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. उप··· आ···यातम् इति, GW. उप···यातम् इति च)।

a1) गृहम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. उप ⌊गच्छन्ति⌋ क्रिउ. इति, सा. अनन्वायुक इति च)।

b1) दिवि इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. PW. प्रभृ. उप···धावमानम् इति)।

c1) यथाक्रमं सवना, अध्वम् इति द्वि. युक्तौ कप्र. (वैतु. वें. सा. PW. GW. प्रभृ. उप···वक्षतः इति उप···वहन्तु इति च)।

d1) स्तोमम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. आ···उप··· यातम् इति)।

३०[a]; ६, ४०[b]; ४२[c]; ७, ११[d]; ८, ६[e]; १४, १२[f]; १७, ४[g]; १८, १४[h]; १५[i]; २०, १८[j]; २२, १२[k]; ३४, १[l]; ४०, ८[m]; ४१, २[n]; ४३, ४[o]; L(५, ७) ४९, ५]p; ५०, ४[q]; ५२, ३[r]; ५४, ३[s]; ७२, १५[t]; ८७, ४[u]; ९०, १[v]; ९१, ५[w]; ९८, ७[x]; ९९, १[y]; १०२, ९[z]; १०३, १४[a1]; ९, १५, ७[b1]; ४९, २[c1]; ९७, ३८[d1]; १०२, २[e1];

a) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप Lगच्छतम्J क्रिउ. इति)।

b) द्यवि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.: वैतु. वें. उप·· अरोरवीत् इति, सा. समीपार्थे स्वाप्र. इति च)।

c) सुतान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW.: वैतु. PW. उप···वहन्तु इति)।

d) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. भा. सा. उपगन्तन इति, PW. GW. प्रभृ. आ···उपगन्तन इति च)।

e) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप · आगतम् इति)।

f) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW.; वैतु. सा. Lपक्षे शौ २०,२९,२J उप···वक्षतः इति)।

g) सुष्टुतीः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

h) अस्मत्रा इति युक्तः कप्र. (वैतु. सा. उप LजायतेJ क्रिउ. इति)।

i) हृत्सु इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

j) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. PW. उपा√वृत् >°ववृLद्Jध्वम् इतीव योजुकौ सन्तौ वा. उत्पीडुकौ)।

k) हवम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. आ इति कप्र., उप···यातम् इति योगश्च)।

l) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. उप··· आ···याहि इति)।

m) द्युभिः इति तृ. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. उप···उच्चरातः इति)।

n) उदये इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. स्वाप्र. इति)।

o) द्यवि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. PW. GW. प्रभृ.)।

p) तु. पृ ६८२ *m* टि.।

q) त्वा इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. GW. उप···दधिरे इति)। r) धर्मभिः इति तृ. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.)।

s) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. सा. उप···आ···गन्तन इति)। t) तु. टि. (ऋ ७,५५,२)।

u) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. GW. उप···गन्तम् इति)। प्रकरणतः ता (ता आ इति च्छेदः Lवैतु. पपा.J) गन्तम् > ता आ···गन्तम् इत्यन्वयः द्र.।

v) ब्रह्माणि, सवनानि इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. GW. उप···आ···भूषतु इति, सा. विव. भ. BS. सपा. कौ १,२६९ उप(भूष) क्रिउ. इति च)।

w) उदरे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. समीपार्थे स्वाप्र. इति)।

x) कामान् इति द्वि. युक्तः तृतीयार्थे कप्र. (पा १, ४, ८५; वैतु. वें. सा. PW. GW. प्रभृ. उप··· ससृज्महे इति, GRV. Gri. त्वा इति युक्तः कप्र. इति, विव. भ. Lकौ १,४०६J उप···ईमहे इति च)। इव(यथा) उदा (जलेन Lयुक्ताः तद्वाहिनः सन्तःJ) यन्तः (गच्छन्तः Lमनुष्याःJ इतरान् पार्श्ववर्तिनः) उदभिः (संसृजेयुः Lतद्वत् J) हि (यतः L वयम् पूरयितव्यैः आत्मीयैः कामैर्युक्ताः सन्तःJ) त्वा ?महः (पाठे? ईमहे इति शोधः Lतु. कौ १, ४०६J), (त्वामपि Lत्वत्स्तुतिपरैः सद्भिःJ कामैः) ससृज्महे (युक्तं कृतवन्तश्च), (अत एव हेतोः) वार्णे (ऋ. Lकौ २, ६१ च इत्येतेनJ) सीदन्तः (कौ १, ४०६ इत्येतेन) उत्तरेण मं. संबन्धः द्र.। कामे इति पपा. ? कामान् इति तच्छोधः यद्र.।

y) स्वसरम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. GW. भ. उप·· ··आगहि इति, विव.Lकौ १,३०२J समीपार्थे स्वाप्र. इति च)।

z) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. GW. आ··· उप···गमत् इति)।

a1) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. क्रिउ. इति)।

b1) द्रोणेषु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. MW. उप···मृजन्ति इति)।

c1) गृहम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. उप···आगमन् इति)।

d1) सूरे इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW. BS. ORN. PG L३,१९४J; वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

e1) पाण्योः इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. PW. उप···अभक इति)।

१०, २९, ३[a]; ३१, १[b]; ३२, २[c]; ६०, ४[d]; ७०, १०[e]; ७२, ८[f]; ९[f]; ७३, ५[g]; ८५, १५[h]; ८६, २०[i]; ९४, ५[j]; ९८, ९[k]; १२[l]; १०४, ६[m]; १०६, ११[n]; १६७, २[o]; † खि १, ३, ३[h]; ३, १, ५[p]; २, ४[q]; ४, ३[r]; ६, ३[s]; ४,९, ५[t]; मा २, १९[u]; ६, १२[v]; २४†[w]; ८, ३५†[x]; १५, ५२[y]; १७, ६[2z]; ९†[t]; १८, ७२[a1]; †२०,८८[b1]; ८९[b1]; २५,३०[2]†[c1]; २७,२८†[d1]; † २९,२३[e1]; २४[e1]; †३३, २[f1]; ५३[g1]; ३४, ५६†[h1]; ३५, २०[i1]; का २, ६, २[u]; ६, ३, १[2v]; ‡[j1], ६,३†[w]; ८, १०, १†[x]; १६, ६, ४[y]; १८, १, ७[2z]; १०†[t]; २०, ५,५[a1]; †२२,८, ९[b1]; १०[b1]; २७, १२, ७[2]†[c1]; २९, ३, ९†[d1]; †३१, ३, १२[e1]; १३[e1]; † ३२, १, २[f1]; ४, १०[g1]; ३३, २, १९† [h1]; ३५, ४, १९[i1]; तै १, १, १३, २[k1]; ३, १४, ८†[t]; ४, ३८, १†[x]; ५, ५, ३†[t]; ११, ४†[l1]; २, २, १, ३[m1]; ३, १,

[a]) मा इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. क्रिउ. इति)।

[b]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. PW. GW. आ···उपवेतु इति)।

[c]) अध्वरान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. तथा मत्वापि उप···वहन्ति ⌊तु. PW.⌋ इति)।

[d]) व्रते इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. PW. GW. GG.; वैतु. वें. सा. उप···एधते इति)।

[e]) स्वाप्र. (=उपरि ⌊देवलोक-⌋)। 'देवानां पाथः (=हविः) रशनया नियूय (=नियम्य) उप (=देवलोकं) वक्षि (=प्रापय)' इति वा. द्र. (तु. GW.; वैतु. वें. सा. उपवक्षि इति)।

[f]) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (वैतु. वें. सा. प्रभृ. उपप्रेत् इति)।

[g]) दस्युम् इति द्वि. युक्तः अधिकार्थे कप्र. (तु. पृ ६६९ *g* टि.; वैतु. वें. सा. GW. उप···आ-⌊आ-अ⌋ गात् इति)।

[h]) सूर्याम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. पूर्वैः मं. यत्रैतदभावः, वें.; वैतु. सा. क्रिउ. इति, GW. उप···अयातम् इति)।

[i]) गृहान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. GW. GG. Gri.; वैतु. वें. उप···एहि इति, सा. आर्ष पृथक् क्रिउ. मत्वा उप···इहि इति)।

[j]) द्यवि इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. सा. GW.; वैतु. वें. उपकुर्वन्ति? इति)।

[k]) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सा. आ···उपयाहि इति)।

[l]) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. उप···सृज इति)।

[m]) ब्रह्माणि इति द्वि. युक्तः कप्र.। शिष्टं पृ ९१७ *e* टि. द्र.।

[n]) मन्मम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. वें. सा. आ··· उपयातम् इति)।

[o]) सुतान् इति द्वि. युक्तः कप्र.।

[p]) = ऋ ८, ४९, ५। [q]) = ऋ ८, ५०, ४।

[r]) = ऋ ८,५२,३। [s]) = ऋ ८,४५,३।

[t]) = ऋ १,१२, १०।

[u]) उपचयार्थे अव्य. (तु. उ. म. प्रभृ.)

[v]) कुल्याः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. उ. PW.; वैतु. म. उप···प्रेहि इति)। =सपा. माश ३, ८,२,३। तै १, ३, ८,२;६,३,८,४ मै १, २,१६; ३,१०,१ काठ ३,६; ९,४ तु अनु इति पाभे.।

[w]) = ऋ १,२३,१७। [x]) = ऋ १,८४,२।

[y]) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (वैतु. उ. म. उप प्रयाहि इति)।

[z]) यथाक्रमं ज्मन्, वेतसे इति सप्त. युक्तौ कप्र. (तु. सस्थ. टि. आ; वैतु. उ. म. उप···अवतर इति)।

[a1]) सुष्टुतीः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.⌊शौ ६, ३५,१⌋; वैतु. सा. ⌊शौ.⌋ उप ⌊यातु⌋ क्रिउ. इति, उ. म. उप ⌊श्रोतुम्⌋ क्रिउ. इति)।

[b1]) यथाक्रमम् = ऋ १,३,५;६। [c1]) = ऋ १,१६२, ७।

[d1]) = ऋ ७,९२,५। [e1]) यथाक्रमम् = ऋ १,१६३, १२;१३। [f1]) = ऋ ८,४३,४।

[g1]) = ऋ ६,५२,१३। [h1]) = ऋ १,४०,१।

[i1]) तान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. उ. म. PW. प्रभृ. उप···स्रवन्तु इति)।

[j1]) सपा. ऋ ३, १२, ७ मा ६, १२ कौ २, ९२७; १०४४ अनु इति पाभे.।

[k1]) पाथः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. K. ⌊टि.⌋; वैतु. भा. सा. उप समितम् इति)। [l1]) = ऋ ८,७,११।

[m1]) वा. क्रिवि. सत् स्वाप्र. (तु. पपा.; वैतु. सा. PW. प्रभृ. उपप्रयाति इति)।

२[a]; ४, १२, १¶[b]; १४, ५†[c]; ५,२,१¶[b]; ११,६[d]; ४, ३,१३, ८†[e]; ६, १, १[f]; २[f]; ३†[g]; ४, ४‡[h]; †७, ४[i]; ५[j]; ८, ३[२]†[k]; ७,१३,४[l]; १५, १[२m]; ५, ५,९, १[२]¶[n]; ७, ४,४[o]; ६,१,९,५¶[p]; ६¶[q]; ३, ८, २[r]; ५, ८, ६[३s]; मै १, ३, ३४†[t]; ५, १†[g]; २, १०, १[२f]; १२, ४[l]; १३, १२¶; ३,६, ९[u]; १६, १[२]†[k]; ५[२m]; ४, ६, ९†[v]; ९, १†[w]; १०, २[x]; ४†[y]; ११, २[२]†[z]; ४†[g];१२,१[२a1];†[w];१४,२†[b1]; काठ २, १५†[c1]; ४, ११†[t]; ७,४[३]¶; ८,४[२d1]; ८[२e1];१७†[y]; १०, १३†[w]; ११, ६[a]; १६, २१[r]; १७, १७[२f]; १८, १८[l]; १९, १४†[g]; २२, १५[२m]; ३१, १४[f1]; ३५, ४[g1]; ४०, ८†[h1]; †४६, ३[२i1j]; ४[२k]; क ३,९†[t]; ५, ३[३]¶; ६, ९[२d1];७, ३[२e1]; २८,१[२f]; २९, ६[l]; ३७, ८[i1]; ४८,५[g1]; †कौ १,२२७‡[j1]; २६९[k1]; ३०२[l1]; ३४८[m1]; ४०६[n1];४४४$[o1]; ४५९[p1]; २, ६०[n1]; ९५[q1]; १६३[l1]; २९८[r1] ३४३[s1]; ३६४[t1]; ३८०[t]; ४६५$[o1]; ४९७[u1]; ४९८[u1] ६१८[v1]; ७०८[w1]; ७८६[x1]; ८३२[y1]; ८४२[k1]; ९२७[z1];

[a]) तु. पृ ९१७ *p* टि., K. च; वैतु. भा. सा. उपप्रेत इति । =सपा. आपश्रौ १९,२०,१० । मै २,२,१ माश्रौ ५, १,९,११ तु पाठाऽभावः ।

[b]) आहवनीयम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. K.; वैतु. भा. सा. क्रिउ. इति) ।

[c]) =ऋ ६,५२,१३ । [d]) उपर्यर्थे स्वाश्र. ।

[e]) =ऋ १,८७,२ । [f]) =मा १७,६[२] ।

[g]) =ऋ १,१२,१० ।

[h]) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. (तु. सपा. ऋ १०,१०३,१३ यत्रैतदभावः) ।

[i]) =ऋ १,१६३,१२ । [j]) =ऋ १, १६३,१३ ।

[k]) =ऋ १, १६२,७[२] । [l]) =मा १५, ५२ ।

[m]) यथाक्रमं माम्, हवम् इति द्वि. युक्तौ कप्र. (तु. K.; वैतु. सा., SI. [काठ २२, १५] उपगन्ता इति) । उपगन्ता इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ ४, २४,१ गृति इति पाभे. ।

[n]) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. (वैतु. भा. सा. उपजीवन्तः इति) ।

[o]) मा इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. भा. K. उप॰॰॰इत इति, मा. समीपार्थे स्वाश्र. इति) ।

[p]) सर्वासु इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. K.; वैतु. भा. PW.MW. उपनिगृह्णाति इति) ।

[q]) स्वाश्र. (तु. पपा.; वैतु. भा. प्रभृ. उपसमूहति इति) ।

[r]) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. ।

[s]) स्वाश्र. (तु. भा. K.; वैतु. PW. MW. उपप्रवर्तयति इति) ।

[t]) =ऋ १,६४,२ ।

[u]) देवताभिः इति तृ. युक्तः कप्र. (वैतु. MW. उपप्रतिगृह्णाति इति) ।

[v]) =ऋ १०,७२,८ । [w]) =ऋ १, ४०,१ ।

[x]) सुष्टुतिम् इति द्वि. युक्तः कप्र. ।

[y]) =ऋ ८, ७,११ ।

[z]) =ऋ ६,१६,३७;१०,९८,१२ ।

[a1]) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. द्र. ।

[b1]) =ऋ ७,९२,५ ।

[c1]) =ऋ १०,९८,१२ ।

[d1]) देवान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. SI. ग. इति) ।

[e1]) एकतरत्र तम् इति अन्यत्र ऊनम् इति च द्वि. युक्तौ कप्र. (वैतु. SI. यथाक्रमम् उप प्रजायते, °यन्ते इति योगौ) ।

[f1]) यज्ञे इति सप्त. युक्तः कप्र. (वैतु. SI. उप॰॰॰अस्तु इति) ।

[g1]) सूर्ये इति सप्त. युक्तः कप्र. । [h1]) =ऋ १,१८७,३ ।

[i1]) देवताः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सपा. काठ २४, ७ अभि इति पाभे. ।

[j1]) सुतम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (वैतु. सपा. ऋ ८,२,१९ आ॰॰॰प्रयाहि इति पाभे., सा. भ. उप॰॰॰आयाहि इति, विव. समीपार्थे स्वाश्र. इति च) । [k1]) =ऋ ८,९०,१ ।

[l1]) =ऋ ८,९९,१ । [m1]) =ऋ ८,३४,१ ।

[n1]) =ऋ ८,९८,७ । [o1]) प्रश्ने इति सप्त. युक्तः कप्र. ।

[p1]) =ऋ १,१३०,१ । [q1]) =ऋ १,३०,८ ।

[r1]) =ऋ ८,१०२,९ । [s1]) =ऋ ९,६०,९ ।

[t1]) ऋ ९,१०२,२ । [u1]) =ऋ १,३,५;६ ।

[v1]) =ऋ ९,१५,७ । [w1]) =ऋ ९,९७,३८ ।

[x1]) गृहान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. ऋ ९,४९,२) ।

[y1]) =ऋ ७,५५,२ ।

[z1]) =ऋ ३,१२,७ ।

१४६[a]; १०४४[b]; १०५५[c]; ११५७[d]; †जै १, २४, ७‡[e]; २८, ७[f]; ३१, १०[g]; ३६, ७[h]; ४५, ८[i]; ४६, ८$[j]; ४८, ३[k]; ३,६,६[l]; ९, ८[l]; १५, ११[g]; २४, १४[m]; २८, १५[n]; ३०, ८[o]; २३[p]; ३४, २३$[j]; ३८, ११[q]; १२[q]; ५०, १०[r]; ५४, १[s]; ५८,५[t]; ४,२, ८[u]; १८, ५[v]; ९[f]; २२, १०[u]; २९, १०[w]; शौ १, ४, २†[x]; ७, ५[y]; २८, १[z]; ३, ४,५[a1]; १०, १[b1]; १२, १[c1]; ९[d1]; ४, ११, ११[e1], २४,१[f1]; ३१, १‡[g1]; ६, ३५, १[h1]; २[i1]; ३७, १[j1]; ४९, ३†[k1]; ७, ७९,२[l1]; ९,३,२३[d1]; १०,४, १४[m1]; १३, १, १४[f1]; १४,१, १५†[n1]; १८, २,४‡[o1]; २१[p1]; ५३[q1]; ६०[r1]; ३, १[s1]; ५२[t1]; ४,४०[u1]; १९,४, ३[v1]; ५२; ४[w1]; †२०,४,१[x1]; २६,२[l]; २९, २[y1]; ५६, ५[z1]; ७६, ३[a2]; ८४, २[q]; ३[q]; १००, १[l]; १०४, ३[f]; १२६, २०[b2]; पै १,१०५, ३[b1];

a) =ऋ ४,५६,५ । b) =ऋ ३, १२, ७ ।
c) =ऋ ६,१६,३७ । d) =ऋ ८,३४,१ ।
e) =कौ १,२२७ । f) =ऋ ८,९०,१ ।
g) =ऋ ८,९९,१ । h) =ऋ ८,३४,१ ।
i) =ऋ ८,९८,७ । j) =कौ १,४४४ ।
k) =ऋ १,१३०,१ । l) =ऋ १, ३०,८ ।
m) =ऋ ८,१०२,९ । n) =ऋ ६,६०,९ ।
o) =ऋ ९,१०२,२ । p) =ऋ १, ८४,२ ।
q) =ऋ १,३,५;६ । r) =ऋ ९, १५,७ ।
s) =ऋ ६,१६,३७ । t) =ऋ ९, ९७,३८ ।
u) =ऋ ३,१२,७ । v) =ऋ ५, ७१,१ ।
w) =कौ २,७८६ । x) =ऋ १, २३,१७ ।

y) इदम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. WI. ; वैतु. सा. W. उप···आयन्तु इत्यनुगमुकौ सन्तौ प्राधान्येनाऽऽका-ङ्क्षितं सन्तं लक्षणार्थं समासे गुणतां निनीषू) ।

z) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. प्रभृ. उपप्रागात् इति)। सपा. काठ ३८,१२ आपश्रौ १६, ६,७ परि इति पाभे. । a1) शौ १,७,५ टि. स-न्यायता द्र.।

b1) गृहान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. ⌊पक्षान्तरे टि.⌋ WI.; वैतु. सा. W. क्रिउ. इति) ।

c1) त्वा इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सस्थ. टि. अभि, W. WI.; वैतु. सा. PW. MW. उप संचरेम इति)। सपा. पै ३,२०,१ अभि इति, हिगृ १, २७,२ अनु इति च पाभे. ।

d1) गृहान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. PW. प्रभृ. उपप्रसीदामि इति) ।

e1) तत्र इति सप्त. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. उप ⌊गतम्⌋ क्रिउ. इति) ।

f1) मा इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. पृ १२२ *m* टि. W. WI.) । g1) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. (तु. सपा. ऋ १०,८४,१ अभि इति पाभे. ⌊तत्रत्यं टि. द्र.⌋; वैतु. सा. उपप्रयन्तु इति) ।

h1) सुष्टुतीः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W.WI.; वैतु. सा. क्रिउ. इति) ।

i1) यज्ञम् इति द्वि. युक्तः कप्र. । शिष्टं *h*1 टि. गद्र. ।

j1) वा. क्रिवि. सत् स्वाश्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. प्रभृ. उपप्रागात् इति) ।

k1) =ऋ १०,९४,५ ।

l1) मा इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. उप···गृत इति) । m1) सानुषु इति सप्त. युक्तः कप्र. ।

n1) =ऋ १०, ८५,१५ ।

o1) पितॄन् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. समीपार्थे अव्य. इति) । पितॄँरुप इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०, १६,१ पितृभ्यः इति पाभे. ।

p1) गृहान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI ; वैतु. सा. उप··· गृहि इति) ।

q1) उपक्षितेन नः इत्यनेन युक्तः कप्र. ।

r1) जीवलोकम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. सा. W. WI. वैतु. PW. उप···गृहि इति) ।

s1) त्वा इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. PW. उप···निरचते इति) ।

t1) यथाक्रमं ग्राम्, वेतसम् इति द्वि. युक्तौ कप्र. ।

u1) पितॄन् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु.सा. समीपेऽर्थे स्वाश्र. इति)। सपा. हिगृ २,१०,६ विशिष्टः पाभे.।

v1) नः इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. PW. उपागहि इति) ।

w1) माम् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. W. WI.; वैतु. सा. उप···ऐतु इति) । x1) =ऋ ८, १७, ४ ।

y1) =ऋ ८,१४,१२ ।

z1) =ऋ १, ८१, ८ । a2) =ऋ १०, २९,३ ।

b2) =ऋ १०, ८६,२० ।

३,३७,१?; ४,४,५[a]; १२, १‡[b]; २६, ५†[c]; ३९, १[d]; ७,३, २[e]; १०,६,४[f]; ९[f]; १२, ३, १५†[g]; १६, १६, ४[h]; १७, २२, १२?; १८, २, १४†[i]; १६, ४[j]; १९,९, ५[k]; १०, १३[l]; ३१,१६†[m]; २०, ४६,१[n].

उपो(प+उ) मै ४, १४, ९[o]; कौ १, ११६‡[p]; जै १, २१, ३‡[p]; शौ[q] १३, ७,१६; १७.

उप√ऋष्, उप(प√ऋ)र्षु(हिंसायाम्), उपऋषन्ति[r] पै १६, ७५, ४-६[s]; उपर्षन्ति[t] शौ ९, १३,१४-१६[s].

उप-कक्ष[u]– -क्षासः ऋ १०,७१,७.

¶**उप √कम् >कामि**, उपाकामयत काठ ८,९[2v]; क ७, १[w]: ५[3].

उप √कृ (करणे)

उप-कार–

उपकारा(र-अ)र्थ– -र्थम् खि ७, ७,९.

उप √कृ (*स्तुतौ), †उप···अकर्म[x] ऋ ८, २१, २; कौ २, ५९; जै ३, ६, ५; शौ २०, १४,२; ६२,२.

उप √कृ,किर्

¶उप-कीर्य मै १,६,३[11].

उप √क्लृप्

उप-क्लृप्त–

उपक्लृप्त-तम– -मः मै ३,४,३¶.

¶**उपकेतु**[y]– -तुः काठ १३, १[z].

¶**उपकेरु**[y]– -रुः मै २,५,१[z].

उप √क्रम्, †उपक्रमस्व ऋ ८, १, ⌊४; ८१, ७⌋; शौ २०, ८५, ४; ¶उपाक्रमत काठ ६, २?[a1]; क ४,१.

उपक्वस[b1]– -॰स शौ ६,५०,२; पै १९, २०,६[b1]; –सान् पै १९,३२,११.

उप √क्षर्, †उपक्षरन्ति ऋ १, १२५, ४; तै १,८,२२, ४; मै ४, ११, २; काठ ११,५;१२; ४०,१३$; उप···क्षरन्ति ऋ ५, ६२,४.

उप √क्षि (निवासे), ?उपक्षयन्ति मै ४, १४, १४‡[c1]; उपक्षयेम शौ १९, १५,४‡[d1].

†उपक्षेति ऋ २, २७,१३[c1]; ३, ५५,⌊(१, ७३, ३)२१⌋; तै २,१, ११,४; उपक्षेति ऋ १, ७३, ⌊३ (३,५५,२१)⌋.

†उपक्षियन्ति ऋ १०, १२५,४; शौ ४, ३०, ४; उपक्षियेम पै ३, ३५,४‡[d1].

उप-क्षित्[e1]– -क्षितः ऋ ८, १९,३३.

†उप-क्षियत्– -यन्तः ऋ ३, ५९, ३[f1]; मै ४,१०,२[f1].

उप-क्षेतु[g1]– -तारः ऋ ३, १,१६.

?उपक्षेदाभि पै ५, ३४,७.

उप √ख्या

उप-ख्यातृ– -त्रे काठ २६,१२.

उप √गच्छ्, गम्, उपगच्छति मै ४, २, ७¶; उपगच्छति मै २, ५,

---

a) =शौ १,७,५। b) =शौ ४,३१,१। c) =ऋ ८,९१, ५। d) =शौ ४,२४,१। e) अस्मान् इति द्वि. युक्तः कप्र. (तु. मस्थ. टि. ?चामाद्)। f) मा इति द्वि. युक्तः कप्र.। g) =ऋ १, १८७,३। h) =शौ १०, ४,१४। i) =ऋ १०,८५,१५। j) =शौ १३, १, १४। k) =शौ ६, ३५, २। l) =शौ ७,७९,२। m) =ऋ १०,९४,५। n) इमाम् इति द्वि. युक्तः कप्र.। o) नः इति द्वि. युक्तः कप्र.। p) तु. टि. आ (ऋ १०, १०५, ४), ?उपानसः टि. च। q) अप्यर्थं स्त्राअ. इति W.। r) प्रकृतिभावः (पा ६,१,१२८)। s) सपा. उपऋष°<>उपर्ष° इति पाभे.। t) वृद्ध्यभावः उसं. (पा ६, १,९१ ⌊तु. शौच ३,४७⌋)। u) विप. (हृद्-)। तस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१९४)। v) सकृत् वैतु. SI. अभ्युपा॰ इति (तु.सस्थ. टि. अभि)।

w) सपा. उपाका°<>अकाम इति पाभे.। x) तु. मस्थ. टि. कुर्मन्–> -र्मन्(?); वैतु. PW.GW. प्रभृ. उप···चकाम इति, वें. मा. किउ. इति। y) व्यप. (पुरुष-विशेष-)। व्यु. ?। z) सपा. °केतुः <> °केरुः इति पाभे.। a1) °क्रा° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क. तत्-संस्कर्तुः टि. च; वैतु. SI. <उपा√क्रम् इति ?)। b1) नाप. (⌊कृषिध्वंसक-⌋कीट-विशेष-)। व्यु.?। °प-क्व° इति पपा., उपाक्वसः इति च पै. मूको. पाठः। c1) पाठे? उपक्षेति इति शोधः (तु. सपा. ऋ २,२७, १३)। पृ १०९ अदृब्धाः इत्यस्य स्थाने अदृब्धः इति शोधः। d1) सपा. °क्षयेम<>°क्षियेम (सा.⌊शौ.⌋ च)<> °स्थेयाम (तैब्रा २,७,१३,४ च) इति पाभे.। e1) विप. (अग्नि-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। f1) सपा. तैब्रा २,८,७,५ °क्ष्य° इति पाभे.। g1) नाप. (यजमान-)। गस. तृजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

२¶; उपगच्छतः पै ३,२५,११[a]; उपगच्छन्ति ऋ १०, ११७,१; उपगच्छन्ति तै ५ १,, ३, १¶; ‡उपो(प+उ)···गच्छन्ति पै २०, ५१, १[b]; उपगच्छसि पै २०, ४३,२; उप···गच्छथः ऋ १, १५१, ७; उपगच्छथ ऋ ६,१२, ८; उपगच्छतम् ऋ १, ४७,⌊३; ४, ४६, ५⌋; उपगच्छत पै १९, ७,८[c]; उपगच्छेत् मै ४, २,७¶; उपगच्छेम काठ ३८,१४[d].
उप···गमतः ऋ ७,७३,४; उप ···गमेयम् ऋ १,१५८,३.
उप(गन्) शौ १९, ३१, ७; पै १०,५,७[e]; उप···अग्मन् ऋ ४, ४१, ९; उप···अग्मन् ऋ ९, ९२, २; †उप···अगन्म ऋ ६, १६,३८;९,६७,२९; मै ४,११, २; काठ ४०,१४; कौ २, १०५६; जै ३, ५४, २; शौ ७, ३३,१; पै २०,३०,५.
†उप-गन्तवै[f] ऋ १०, १६०, ५; शौ २०,९६,५.
†उप-जग्मिवस्- -ग्मुषः ऋ १,५३, ९; शौ २०, २१, ९; -ग्मुषे ऋ १०,११७,२.
उप√गा, उपागात् खि २, ६, १७[g]; काठ २२, ७¶[h]; क ३५, १¶[h]; †उपगात् ऋ १, १६४, ८; शौ ९, १४,४; पै ८, ६, ९$; १६, ६६,४; उप···गात् ऋ १, ३८, ५; उप··अगुः शौ २, ५, २[i]; उपगुः शौ ५,८, ३; १९,१५,२; पै ३,३५,२;७,१८,३; २०,२४, ६; †उपो(प+उ)···गुः[j] ऋ ७, ९३, ३; मै ४,११,१; उपागाः[k] मा ५,३९; का ५,९,५; तै १,३, ४, २; ६,३, २, ४; काठ ३,१; २६,२; क २,८; ४०,५; उपगाः शौ ५, १९, ९; ८, २, १; १९, २७,८[l]; पै १०,७,८; १६,३,१; १९,३९,६; उपागाम् मा५,४२; का ५,१०,२; तै १, ३,५,१; ६, ३,३,१; मै १, २,७[m];१४;३,९, २; काठ २,८[m]; ३,२;२६,३[n]; क २,९; उपगेषम्[m] मा ५,५[o]; का ५,२,३; तै १,२,१०,२; क२,२.
उप-गातृ- उप√गै द्र.
उप√गु>जोगू, ϕउपो(प+उ)-जोगुवान[p]- -नः ऋ १, ६१,१४; शौ २०,३५,१४†.
¶उप√गुः(>गू)ह्, उपगूहति मै ४, १, १; काठ ३०,१०; क४६, ८; उपगूहेत् काठ ३०,१०; क४६,८.
उप√गृह्, ग्रभ्, ¶उपगृह्णाति तै ६, ४, ११, ४; मै ४, १, ७; उपगृह्णाति[q] मै ३, ९, ६¶; ¶उपगृह्णाति काठ २५, ५; २६, ८; २७,९; क ३९,२; ४१, ६; उपगृह्णातु[r] मै १, १, ७; ४, १, ७; ¶उपागृह्णात् तै २, १,७, १; २; ५,१,२; मै १, ८, २; २, ५,७; ४,२, १२; काठ ६, ३; १३, ८; २९,८[s]; क ४, २; ¶उपागृह्णीताम् तै २,१, ७, १; काठ १३, ८; ¶उपागृह्णन् तै २, १, ७,१; काठ १३,८.
उप··अग्रभीत् शौ ७,११५, ३; पै २०,१२,४.
उप-गेय- उप√गै द्र.
उप√गै, > गा, उपगायन्ति तै ७, ५, ८, ३¶; उपगायन्तु शौ ४,

a) सपा. शौ ४,११,१० अभिग° इति पाभे. ।
b) सपा. °गच्छन्ति<>°नक्षन्त<>°नक्षन्तु इति पाभे.।
c) सपा. शौ ६,२४,१ समह संगमः इति विशिष्टः पाभे. ।
d) सपा. शौ ८,५,१९ विशिष्टः पाभे. ।
e) तु. सा. Gri.; वैतु. W. कप्र. उप इति ।
f) गस. उप. तवै प्र. उभ. प्रकृतिस्वरश्च ।
g) सपा. काठल १६ उपगात् इति पाभे. ।
h) वैतु. SI.<उपा√गा। सपा. °पागात्<>°पेयात् इति पाभे. । i) सपा. °अगुः<>°अस्थुः (आश्रौ ६, ३,१ शांश्रौ ९, ५,२ च) इति पाभे. ।
j) सपा. तैब्रा ३,६,१२,१ उपो···गूः इति पाभे. ।
k) सपा. उपागाः (माश ३, ६,३,१९ आपश्रौ ११,१८,२ च)<> उपावृतः इति पाभे. ।
l) उदगाःइति पाठे? यनि. शोधः (तु. पै. ⌊अनन्तरं स्थलम्⌋ RW. W. च)।
m) सपा. उपागाम्<>उपगेषम् (माश ३, ४,२,१४ गोब्रा २,२,३ आश्रौ ४,५,३ शांश्रौ ५,८,२ वैताश्रौ १३, १८ लाश्रौ ५,६,६ शांगृ १,६,५ च) इति पाभे. ।
n) वैतु. SI. <उपा√गा इति ।
o) <उप√गै इति म. चिन्त्यः ।
p) गम. शानजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. वें. सा.; वैतु. सा. ⌊शौ.⌋ PW. GW. चाऽनुपसृष्टवादिनः)।
q) उपगृह्णाति इति स्वरे? यनि. शोधः यद्योगीयस्य स्वरस्य दुर्वारत्वात् ।
r) सपा. उपगृ°(माश्रौ१,२,२,३२ च)<>प्रतिगृभ्णातु (माश १,१,४,२३; २,१,१९,२१ च)<>प्रतिगृह्णातु (तैब्रा ३,२,५,११; ६,४ आपश्रौ १,२०,११;२१,७ च) इति पाभे. । s) सपा. क ४५,५ उपायत् इति पाभे.।

१५,४; पै ५,७,५; उपगायत ऋ ८,३२,१७; †उप···गायत> ता ऋ ९, ११,१; मा ३३, ६२; का ३२,५,८; कौ २, १; ११३; जै ३,१,३; ११,९; उपगायेत्, उपगायेत् तै ६, ३, १, ५¶; ¶उपगायेत्, उपगायेयुः काठ २६,१; क ४०,४.

उपगासिषत् ऋ ८,८१,५.

उप-गातृ– -तारः तै ३,३,२,१.

¶उप-गेय– -यम् काठ २६,१: क ४०,४.

उप√ग्रथ्, उपग्रथ्नामि तै ६, १, १०, ४[a].

उप√घ्रा,>जिघ्र,घ्रापि, ¶उपजिघ्रति काठ ८,५; क ७,१; उपजिघ्रति शौ १२,४,५; पै १७, १६, ६; उप···जिघ्रताम् खि५,७,४,१६. ¶उपघ्रापयति तै ५, २,८,१:३, २, १; ७,४; काठ २०, ६: ११: २१, ३: क ३१, ८: १३: १८: ३५,२[b].

उप-घ्राप्य मै ३,२,६¶[c].

उप-घ्रायम् मै २,१,३¶.

उप√चर्, ¶उपचरति तै ५,६,६,१; मै ३,३,६; ४,७; ८,१०; ४, ६, ५[2]; काठ २३, २; क ३५, ८; ¶उपचरति तै ३, १, ६, १[2]; ५, ७, ६, १; मै ३, ४, ७; उपचरन्ति काठ २०, ९¶; उपचरन्ति तै ५,४,४, ५¶; ¶उपचरन्ति काठ ८, ४[2]; २१,७; ३१, ११: क ६, ९[2]; ३१, ११; ४७, ११; उप···चर ऋ ७, ४६, २; उपाचरत् पै ९,८,८: उपाश्चरत्[d] मै ४, २,९[3]¶.

उप-चर्य– -र्यः तै ५,७,६,१¶.

उप√चर्व्, उप···चर्वति[e] काठ ३५, १४[f]; क ४८,१३.

?उपचान्यम्[g] मै ३, ४,७.

?उपचामे पै १७,२८,५.

उप√चि (चयने), उपचिनोति मै ३, ४, ७¶; ¶उपचिनोति मै ३,४,७; ४,१,१३; उपचिन्वन्ति तै १,१,७, २; ५,१०,३; मै १, १,८; ४,१,८; काठ १,७; ३१,६.

उप-चाय्य–

उपचाय्य-पृड[h]– -डम् काठ ११,१.

उप-चित्[i]– -चिताम् मा १२,९७; का १३, ६,२१.

उप-चिति– -तिम् पै १, ५३,१[j].

उपचीक,का[k]– -काः पै १, ८,४[l]; ६, ७,६; –०काः पै ९,१०,७[l]; १९, १३,५; –कान् पै १९, ३२,११.

उप√च्यु

उप-च्यव[m]– -वम् ऋ १,२८,३.

उप-जाग्मवस्– उप√गच्छ्, गम् द्र.

उप√जन् >जा, उपजायते ऋ १, २५,८.

उप-(ज>)जा[n]– -जा शौ ११,१, १९; पै १६,९०,१०.

उप-जायमा(न>)ना– -नाः पै १९, २२,१४.

उप√जि, उपाजयन् पै १६, १५४, ९[o].

उप-जित्य पै १६,३,७[p].

?उपजितहि[q] पै १९, १,१०.

उपजिह्वा[r]– -ह्वया पै १९,२०,८.

†उपजिह्विका[s]– -का ऋ ८, १०२,

---

a) =मपा. आपश्रौ १०,२६,१४ । माश्रौ २,१,४,१४ तु उपकृणत्मि इति पाभे. ।

b) सपा. काठ २२,८ अवघ्रा° इति पाभे. ।

c) °घ्राय्य इति पाठे? (तु. सात.) यनि. शोधः ।

d) मध्ये म>श-कारोपजनः द्र. ।

e) मपा. उप···चर्वति<>सम्···ऋण्वसि<>सम्···अच्यते<>सम्···अच्युसे इति पाभे. ।

f) निरुपम्रुष्टवादी SI. चिन्त्यः ।

g) पाठे? उपचाय्यम् इति शोधः संभाव्येत (तु. सपा. तै ५, ४,११,३ परिचाय्यम् इति)।

h) विप. (हिरण्य-)। उस. उप. √पृड् + कर्तरि कः प्र. ।

i) नाप. (रोग-विशेष-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

j) सपा. तै ५, ७,४,३ अपचितीम् इति पाभे. ।

k) नाप. (कीट-विशेष- ⌊पार्ली. उपचिका-, नभा. दीमक⌋)। व्यु.?। तु. टि. उपजिह्विका– । <उप√चि इत्यपि विमृश्यम् ।

l) सपा. °चीकाः <> °जीकाः इति पाभे. ।

m) गस. भावे अबन्ते थादि-स्वरः ।

n) गस. डाऽन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

o) सपा. शौ ११,७,१९ अपाघ्नत इति पाभे. ।

p) सपा. शौ ८, २,७ अपसिध्य इति पाभे. ।

q) पाठे? उप√हन् >उपजहि इति शोधः सुविवेचः।

r) =उपचीका–, उपजिह्विका– ।

s) =उपचीका– । व्यु.?। पपा. प्रभृ. उपं इति पूप. इतीव प्रतिपन्नाः?, या. (३, २०) <उप√घ्रा इति । उपचीका– (पै.), °जीका– (शौ.), °धीका– (माश १४, १,५, ८ प्रभृ.) इति च नैप्र. यनि. विपरिणामा एव सुवचाः यद्र. ।

२१; खि ५,१५,५; मा ११,७४; का १२,७,९; तै ४,१,१०,१; मै २, ७, ७; काठ १६, ७; क ३०, ८; शौ २०,१२९,२०$[a].

उपजी(क>)का[b]– -काः शौ २, ३, ४[c]; –०काः[c] शौ ६,१०० २[d].

उप√जीव्, उपजीवति ऋ १, १६४, ४२; शौ ३,२९,४; ५; १८, ४, ३२; उपजीवति मै १, ६, ९¶, ¶उपजीवति काठ ८, १; ३४,९; क ६, ६; उपजीवन: तै ७, १, १,६¶; उपजीवन्ति ¶तै ३, २, ९,७[2]; ३,६,२; ५,१,९, १: ५, २,३; ६,९,२; ६, १, २, ७: २, १०,३;७;५,३,६;३; ¶मै ४,१, ३;१०,१३;१४; काठ ३१,१०¶: शौ ८, १३-१४,४: ८;१२: १६; ९,१, २०; १०, १०, ३४; उपजीवन्ति ऋ १, १९०,५: तै १, ७,३,४¶; ¶मै १, ६,५;७,५; १०, ६; ४,१,१४;५,५[3];९; शौ १०, ६,३२; उपजीवन्ति ¶काठ ८,१; ११, ४; २१,९; २५, ४[2]; ३१, २; ८; ३६,१; ¶क ६, ६; ३९,१[2]; ४७,२;८;१०; पै १४, ३,२४; १५, १५,८!; १६, ३३, १०;११०,४;१३५,१-८; ¶उपजीवामः तै २, १, ९, २; ५, ४, ७, ३; मै ३,१,९; उपजीवान् तै ५, ५, २, ३¶; उप‥जीवान् शौ १२, ३, ३४[e]; उपजीवाथ मै ४, ५, ९¶; पै १, ५३, ४; उपजीवन्तु पै ५, ४०, ४; ७; १६, ४४, ९; उपजीवत पै ८,१९,४; उपजीवेम शौ ८,११,२, पै १६, १३३,८.

उपजीविष्यन्ति मै १, ६,१३¶; उपजीव्यासम् शौ १९, ६९, २: पै १९, ५४, १२; उपाजीविष्म तै ७,३,५,१¶.

उप-जीवन–

¶उपजीवनीय,या– -यः तै ३, १,९, ३; काठ ३१, २; १०; क ४७, २; १०; $शौ ८, १३-१४, ४; ८; १२; १६; $पै १६, १३५, १-८; –यम् मै ४, ३, ८[?]; –याः तै २, ३,१३,३: –ये तै ३, १,९,३.

उप-जी(व्>)व्रा[f]– -वाः शौ १९, ६९,२: पै १९, ५४,१२[g].

उप√जुष्, उपो(प+उ)‥जुजुषुः ऋ ८,२३,९.

ϕउप-जुषाण[h]– -णः[i] मा २०, ३८; का २२, ४, ३; मै ३, ११, १; काठ ३८, ६.

ϕउप-जागुवान– उप√गु द्र.

उप√ज्ञा>जा, उपजानते शौ ४, ३६,८.

उप-ज्मन्[j]– -ज्मन् कौ १,३३७; जै १, ३५,६.

उप√ज्रि (गतौ), उपज्रयति ऋ ९, ७१,५.

उप√तप्,>तापि, तीतप्, उपतप्यन्ते पै १०, १२, ११; उपतप्यामहे शौ ७, ६३,२; उपतप्यामहे शौ ७, ६३, १[k]. ¶उपतप्स्यति काठ २२, १३. उपतीतपन्त[l] पै १९, ११,६[m]. उपतीतपासि[l] शौ ६, ३२, १[n];

उप-तर्पणी– उप√तृप् द्र.

उप√तस्, उपातसत् खि ५, २२,१; मा २३,२८; का २५. ६,८; शौ २०,१३६,१.

उप-तिष्ठत्–, °ष्ठमान– उप√स्था द्र.

उप-तृण्य[o]– -०ण्य शौ ५,१३,५; पै ८, २,५.

¶उप√तृद्, उपतृणत्ति तै ६, ३, ९, ३: उपतृन्द्यात् मै ३, १०, १;

a) °ह्लिका इति शंपा. पाठः शोध्यः।

b) =उपजिह्लिका–। <उप√दी (क्षये) <> √जी (<√ज्या) इत्यपि विमृश्यम् (तु. √द्युत् <> √ज्युत्)। c) पाभे. कृते पृ १२६ *l* टि. द्र.।

d) °जी° इति RW. ?।

e) सपा. उप‥जीवान् <> उप‥सीदान् इति पाभे.।

f) विप. (२अप्-)। गस. कर्तरि अजन्ते थादि-स्वरः।

g) वः इति पाठे? (तु. BKA. र.) यनि. शोधः (तु. मूको., सपा. शौ.)।

h) तु. उ. म.; वैतु. PW. प्रभृ. अन्यथाऽन्वायुका इति।

i) =सपा. तैब्रा २, ६,८,२। तैब्रा २,८,२,१ तु °णाः इति पाभे.।

j) भाग.। उप [मंनहितं] ज्मन् इति कृत्वा प्राम. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. परि-ज्मन्-)। उप. <√ गम् इति BSG [३०] BW., <√भज् इति विव.। 'यम् (इन्द्रम्)अपाम्‥ज्मन् [सप्र =उपगमने, आगमने, प्राप्तौ (वर्षाकाले=वृष्ट्यर्थम् [तु. भ. विव.; वैतु. BW. =मार्गे])] हवन्ते' इति वा. द्र.।

k) सपा. उपतप्यामहे <> उपप्रेक्षामहे इति पाभे.।

l) सपा. °पन्त <> °पासि इति पाभे.।

m) पाठः? (तु. शौ. पाभे., °तीतपन्था इति मूको. च)।

n) °पाति इति W. शोध-प्रस्तावः। o) नाप. (सर्प-विशेष- [तु. PW.])। तृण्यमुपगत इति कृत्वा प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१९४)। उप. तृण-+समूहार्थे यत् प्र.।

उपतृन्द्यात् तै ६,३,९,३[c]; मै ३, १०,१[c].

उप√तृप्

उप-तर्प(ण>)णी[a]- -णीम् पै ४, १३,३.

?उपत्रिक- -कम् पै १, १०७,६;

?उपत्वचाम् पै २०,५९,१.

उप√दद्

उप-दद्य शौ १०, ८, १८; १३, २, ३८;३,१४.

उप-दद्यमान- -ने ऋ ६,४९,१३.

उप-दधत्-, °धान- उप√धा द्र.

?उपदम्भिषः[b] मै ४,२,५;८.

उप√दस्,>दासि, उपदस्यति ऋ १०, ११७, १; ¶काठ २३, ४; ३५, १६[c]; शौ ३, २९,२;६[c]; १२, ४, २; उपदस्यति ऋ ८, ४३, ३३; काठ ३५, १६[c]¶, †उपदस्यति काठ २७ ९¶; ¶क ३६,१;४८,१४[d]; पै १७,१६,२; उपदस्यन्ति ऋ १, ६२, १२; १३५, ८; ५, ५४,७; ५५,५; तै २,४, ८, २; मै २, ४, ७; काठ ११, ९; ३०, ४; क ४६, ७; पै १६,७०,७$; ¶उपदस्येत् तै ६, ५, १०, १; २[c]; काठ २७, ९[c]; उप...दस्येत्, उप...दस्येयुः मै ४,८,९¶.

उपददास मै ४, ६, ६¶; उप-दसत् ऋ १, १३९,५; तै १,६, ३,३[d];७,१,६[d]; मै १,४,१२[d]; काठ ५, २[d]; कौ १, २८७†; जै १, ३०,५†; शौ ५, ३०,१५; पै ९, १४,५;१६,७०,७.

उपदासयति काठ ९, १६¶; शौ १२, ७, १६; पै १६, १४३, ७; उपदासय शौ १२,१०,६[e].

¶उप-दासु(क>)का[f]- -का तै ६, ३, १, ६; ७,३,३,२;४,५,३.

उप√दा, †उप...ददाति ऋ ६, २८,२; शौ ४,२१,२.

उप...ददौ शौ १९, ३४,८[g].

उप-दा[h]- -दाम् मा ३०, ९; का ३४,२,१.

?उपदानभगवः[i] शौ १९, ३४,८.

उप√दाश्>दाशि, उपदाशय>या पै २०,४३,८.

उप√दिश्

उप-देशन- -नात् काठ ९,१६¶.

उपदेशन-वत्- -वान् काठ ९, १६¶.

उप-देश्य- -श्यम् शौ ११,१०,२३; पै १६,८७,३.

¶उप-दिशा[j]- -शाः[k] काठ ११,१०; १४,४.

उप√दीप्>दीपि, उपदीपयति काठ १०,११¶.

उप√दृश्, उप...दर्शथः ऋ ८,२६, ४.

उपो(प+उ)...अदर्शि ऋ १, १२४, ४; उपो(प+उ)अदृश्रन् ऋ ७,६७,२.

†उप-दृश्[l]- -दृक् ऋ ८,१०२,१५; ९, ५४,२; कौ २, १०६; ९२२; जै ३,११,२; ४,६,७.

उप-द्रष्टृ- -ष्टा तै ३, ३, ८, ५¶; ¶मै १, ९,७; ४, ६,९[c]; ¶काठ ९, १६; २४, २; २८, ६; ¶क ३७,३; ४४, ६; शौ ११, ५, ५; पै १६, ५८, ३; ५; १२६, १-३; १५०,२; -ष्टारः मै ३, ७,४[c]¶; पै ८, १५, ३; -¶ष्टारम् तै ३, ३, ८, ५; ७, ५,८,१; मै १, ९, ७; १०, १९; काठ ३६, १३; -ष्टुः मै १, ९, ७¶; -ष्टे काठ २६,१२¶.

उपद्रष्टी-

उपद्रष्टिका[m]- -का मै ३, २,४¶.

औपद्रष्ट्र्य[n]- -ष्ट्र्याय मा ३०,१३; का ३४, २,५.

उपद्रष्टृ-मत्- -मति काठ ९, १६¶.

उप√द्रु, †उप...द्रवन्तु ऋ ४, १६,

---

a) विप. (पृश्निपर्णी-)। गस.। उप. कर्तरि कृत् द्र.।

b) पाठः? (तु. टि. ?उदुजनि)।

c) तु. मस्थ. टि. अनु।

d) =सपा. तैब्रा ३, ७,५,७ आपश्रौ ४, १०,९। गोब्रा २, १,७ वैताश्रौ ३,२० तु उपदसः इति पाभे.।

e) सपा. पै १६,१४६,२ अतिदासय इति पाभे.।

f) विप. (वाच्-)। गस. उकञन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

g) सपा. उप...ददौ<>उप...दधौ इति पाभे.।

h) विप.। गस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

i) पाठे? उपधा नोऽभवः इति शोधः (एतदनु पृ ५०० f टि. यनि. शोधः सुकल्पः)।

j) मध्यमपदलोपिनि कस. अन्तोदात्तः।

k) सपा. तै २, ४, ९,२ अवान्तरदिशाः इति, मै १, ११, १० अकुशलीः इति च पाभे.। उप-दिशः इति BC.।

l) विप.। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

m) स्वार्थे कपि ह्रस्वप्रतिप्रसवः अन्त्यात्पूर्वस्योदात्तश्च उसं. (यथाक्रमं पा ७, ४, १४; ६, २, १७४ [तु. प्रद्वात्रिका-])।

n) कर्मणि ष्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

१; शौ २०, ७७, १; उपद्रव शौ ७,७७,६; १८, २, २३; पै २०, ११,१०.

उप··अदुद्रोत् ऋ २, ३०, ३.

उपदोद्राव तै १,५,१,४¶.

उप √धम्, ध्मा, उप···धमति ऋ ५,९,५; उप···धमति, उपाधमत् मै १,६,८¶.

उप-ध्मा(न>)नी[a]– -नी शौ ८, ८,२; पै १६, २९,२.

उप √धा, ¶ उपधत्ते तै ३,४, १०, १; २; ५, २, ७, ३ : ८, १; ३,२,१; ७,४; ५, २, ५; ४, १; ४; ६,९,३[२]; ७,२,३; मै १, ९, ४[२]; ३, २, ६; ७[२b]; ८[b]; ९[२]; काठ ९. १२[६]; ¶ उपधत्ते मै ३, २,४; ७;३,२;४,९[२]; काठ २०, ९; उपधत्ते काठ ६,७; ७,७[c]; ८; २०, ५: ६[४]; ८; ११[२]; १३; २१,२[६]; ३[२];४[२]; २२,२; क ४, ६; ३१,७;८[४]: १०; ११; १३[२]; १७[४]: १८[२];१९[२]; ¶ उप···धत्ते तै १, ५, ८,२; ¶ उपदधाति तै १,६,९,३; २, २,५,४; ५, ११, ६; ५,२,३,८; ५[२]; ६; ४, ३[२d]; ४;६,५[२]: ७,१; २[२]; ३[३]: ४[२]; ८, १;३;६[२]; ७[३]; ९,१-५: १०,१[२]; २[२]; ३; ४[२]; ५; ६[२]; ३, १, १[२]; २[२]; ३; ४; ५[३]; २, १[२]; ३[२]: ४; ५[२]; ३, १; ३-५; ४, १: ३; ४; ७; ५,१; २; ३[३]; ५; ७, २[२]-४[२]; ८,१[२]; २[४]; ३[२]; ९, २[२]; १०,१; २[२];३;४; ११, २; ३; ४, १, २; ३[२]; ४[२]; २,१[४]; १०,४; ११, ३; ४[२]; ५,३,३; ५,१;३; ८, ३; ६, २,५[२]; ६; ३,१; ६,२; ४; ८,५; ६; ७,२,१; २; ५; ३, २: ४,४; ६,२; ९,४[२]; १०, २; ६, ३, ७, ३: मै १, ८,६; ११,८; २,३,७; ५,८; ३, २, ३[३?c]; ६[२]; ७[३]; ८[२]: ९[२]; ३, १[२]; २[२]; ३[३]; ४, २; ५: ७[२]; १०; ५, १: २: ४, १, ७; ८[३]; ३, ८: काठ १०, ११; २०, ९[२]; २१, ५; १२; ¶ उपदधाति तै ५,२,३,५; ७, ५: ८, २; ५[३]; ९,१; ५; ६; १०, ३: ७: ३, १, ३[२]; २,२; ३,१: ५, २: ८; ५[३]; ७, १[२]; २; ४: ८, १: ३: ९, १; १०, १-४; ४, १, १: २: २, १: ११,३; ५,३,३: ४,१: ५, १-४: ६, २, १: ४[२]; ५: ८, ४: ९, २: ७,३, १; ६, २: ३: ८, ३; १०, १: २; मै ३,२,६[४]; ८: ३,२;४, ५: ७[२]: १०[२]: ५,१[२]: २: ४, १, ७; ८[२]: काठ २०, ९[२]: ¶ उपदधाति काठ ११,१, १२,२:१३, ३; १०: २०, १[२]: २[२]: ३: ५[१२]; ६[४]: ७[६d]; ८[२]:१०[१२f];११[६]:१२[३]: १३; २१, १[२]: २[६]: ३[५]: ४[२]: २२,२[२]: ७; ११[३]: ३१, ५[२];६[२]. क ३१, ३[२]; ४[३]: ५: ७[१२]: ८[३]: ९[२]; १०[३]; ११[२]: १२[१२f]; १३[५]; १४[३]; १५[२]: १६; १७[२]; १८[५]; १९; २०; ३५, १: ४७, ५[२]:६[३]: उपदधे काठ ३८, १२[२]; उपदधामि मा १,१७;१८[३]; ५,२५; का १, ६, २; ३[२]; ४; ३, २, १; २; ५, ६, ५; तै १,३,२,२; ४, ४, ५, १; ¶५, ५, ८, २[२]; ३[३]; मै १,२,११; २, ८, ११[f]; १३, २; काठ २,११; २२,५[f]; २५, ९; ३९, २; क २, ५: ४०, २; उपदधानि मै ३, २, ८¶; उपदधातु काठ ३८, १३; उपधत्स्व शौ १४, २, ३९[g]; पै १८,१०, १०[g]: उपधेहि ऋ १०, ८७, ३: शौ ८, ३, ३†; ११, १, २३; पै १६, ६,३†; उप···धत्तम् खिमा ३२, १; ¶ उपाधत्त तै ५, २, १०, ३: ३, १०, ४: ४, १, १: ११,३; ५,२, ४; ७, ५, ३; ४[२]; ५; मै १,६,९; ९,४[२]: ३,३,१[२]: काठ ८, १; ९, १२[६]; २०, ९; क ६, ६ : ३१, ११; ३५, ३ : ¶ उपादधात् तै ५, ६, ८, ३[२]: ४; काठ २०, ९: २२, ९[२]; ३०, १![h]; क ३५, ३[२]; ४६, ४: ¶ उपादधत तै ५,२,३,४:८,३: ३,२,२: ३,१;४,७: ५, ४: ११, १: ४,१,२: ५, ५,४: मै ३, २, ७[२]: काठ २०, ६: १३; क ३१, ८: १५; उपादधुः मै ४,८,७¶: ¶ उपदधीत मै ३, २,७; ४, ५; काठ २२, ६ : क ३४, १: उप- उप···दधीत ऋ ८, ७४, ९; ¶ उपदध्यात् तै ५,२,८,४[२]; ९,

a) विप. (पूति-रज्जु-) । गस. कर्तरि ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । स्त्री. ङीपि स्वरेऽभेदः ।

b) उपाधत्ते (प्रथमे स्थले सकृत्) इति पाठे? यनि. शोधः ।

c) पृ १७७ अप √धा>अपधत्ते इत्यत्र यनि. शोधः (तु. क ५,५ संस्कर्तुः शोधः) ।

d) सकृत् तु. सस्थ. टि. अभि ।

e) सकृत् °दधा° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

f) सकृत् सपा. उपदधाति<>उपाधात् इति पाभे. ।

g) सपा. आपमं १,११,७ उपबर्हस्व इति पाभे. ।

h) तु. सस्थ. टि. अभि । उपाधात् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४६,४ तत्-संस्कर्तुः टि. च) ।

२^{२}; ४^{२}; ३,१,४^{२}; ७, ३; ५, ४, २^{२}; ७, २; ७, १, २; १०, ३^{२}; मैं ३, २, ७^{२}; ३, २^{२}; काठ २०, ९; ¶ उपदध्यात् तै ५, २,९,६; ३,१,३; ७,३; ९-१०,१; ४, १. ४;६,८,५; मै ३, २,६^{२}:८;३,१: २; काठ २०,९¶: ¶उपदध्यात् काठ २०, ५^{२}:६^{४}: ७^{२}: ८:१०^{२}: २१,४; २२,२:८:१०^{२}: क ३१, ७^{२}: ८^{४}: ९: १०^{२}: ११^{२}: १२^{२}: १९^{२}: ३५, २^{२}: ४^{२}: ५: उपदध्याताम् तै ५,२,८,२¶.

उपदधे मैं ३,३, २¶, उपदधौ मैं ३,२, ७: काठ २०,८: क ३१, १० : उप···दधौ पै ११,३, ८[a]: ¶ उपाधात् मैं ३, २, ९[b]: काठ १४, ८: † उप··· अधाम् ऋ १०, १४५, ६ : शौ ३,१८,६.

¶ उपधीयते तै ५, ७, ८, २; मैं ३, ५,१: ¶ उपधीयते तै ५, ६, २, ६ : मैं ३, २, ६ : ८, ६ : उपधीयते क ३१, १५ : ¶ उपधीयेते मैं ३,२,६: ¶उपधीयन्ते मैं १, ५,१०^{२}: १३: ३, २, ९: ३, ३ : काठ २१, १२ : ¶ उपधीयन्ते तै ५,२,८,५: ३, २, ५; ४,६; ७; ५,२; ७,१; ८, ३: ९, १; ११,२; ४,२,३; ६, २, २^{२}: ३^{२}; ४; मैं ३,२, ३;७; ८^{४}; ९^{३}; १०;३,१^{२}; ३^{२}; ५, १; २; काठ २०,९^{२}; उपधीयन्ते काठ ७, ७; २०,८; ११; २१, २^{२}; ४; २२, २;६^{२}; ११^{३}; क ३१, १०;११^{३}; १३; १७^{२}; १९; ३४, १^{२}; ३५, ५^{२}; ¶ उपधीयान्तै तै ५,२,१०, ३; ४,२,२.

¶ उप-दधत्– -धत् तै ५, ३, ७, २; ४,२,३.

ϕ उप-दधान– -नः ऋ ४,२९,४[c].

उप-धान[d]– -ने शौ १४, २, ६५; पै १८, १३, ४.

¶उप-धाय तै ५,२,१०,६: ३,१,२; ३:४^{२}:५,४,३:४:५,२: ३^{२}:७,६, २^{२}; काठ ६, ७:२०,१:८:१०^{२}: २१,३: २२,२^{३}: क ४, ६; ३१, ३: १०; १२^{२}: १८.

उप-धास्यत्– -स्यन् तै ५,७,१,३¶.

उप-धि[e]– -धिः शौ ६, ७०, ३ : –¶धिभ्याम् काठ २५, ८: क ४०, १: –धी ऋ २,३९,४.

¶ उप-धीयमा(न>)ना– -ना तै ५,२,८,१.

¶ उप-धेय,या– -यः मैं ३, २, ७ : –यम् तै ५,२,९,६; –या तै ५, ३, ७, ४; –याः मैं १, ५, १०: काठ ७,७; –ये मैं ३, २,६.

¶ उप-हित,ता– -तानि मैं ३, ३, २^{२}: ४, ६; –तासु तै ५,३,१०, २: –तौ पै १८,१,११‡[f].

¶ उप-हिति– -त्यै तै २, २,११,४.

उप√धाव् (गतौ), ¶उपधावति तै २, १,१,१-६;२,२;४-६; ३,२^{२}; ३; ४; ५^{२}: ४, १; ७; ८; ५, १; ३; ५-७; ६, १^{२}; २; ३^{२}-४^{२}: ५: ७, २-५; ६^{२}; ७; ८,१;३:४^{२}: ५;९, १; २; ४; १०,१-३; २,१, २^{२}; ३^{२}; ४; ५; २,१; २^{२};३,१^{२}-४^{२}; ४,१^{२}; २;४-६: ७,१:२^{२}; ३;४^{२}; ५^{२}; ८,१^{२}; २; ३: ४^{२}: ५;६; ९, ३^{२}; १०,१; ११,१: ३:४; ३,१, १;२: २,१: ३;७: ३,३^{२}; ४;५; ४,१-४; ५,३: ६-९,२: १२, १; ४,४,२; ३;९,१; १०,१; २; ३, ४, ३,३: ४: काठ १०, २^{२}: ५^{३}; ७: ११, ६^{२}: १०^{३}: १२, १३^{३}, ३५,१७: ¶उपधावति तै ६, ५, १०,२^{२}: मै ४,८,९:¶उपधावति काठ ९,१७; १०,१; ३: ४; ६^{८}; ८^{३};९^{४}:११: ११,१:२^{३}:१२,१^{६}: १३,१: ३; ४; ५^{३}: ६^{३}: ७^{१}; ८^{३}; २७,९: ३०,४: ३४,२: क ४६, ७: ४८.१५: उपधावन्ति मै ४, ५, ८^{२}¶: ¶उपधावन्ति मै ४,६, २: ८, ९: उपधावन्ति पै १६, १०३, १०: ¶उपाधावन् तै २, २,८,५:६: ११,५: ३,२,६;४-५, २: ७,१: ५,२-३, २: ६, ५: ३, ४,४,१; ६,६, ११,२: ७, २,५, २: ३,६-७,१; १०,४;५: मै १, ६,१२, २,१,१: २,७: ३,३, ६: ४,७, ३; काठ ११,६: §पै १७, २८, ४^{१}: २९, ६: ¶उपाधावन् तै २,१,४,४: २, ३,२,१; ३,३, ७,१, ६,१,५,१:४,६,१: मै १, ५,८:८,४; २,२,२; ४,८;५, ३: ३,३,१;४;४,६,२.

उप-धीत– उप√धे द्र.

उप√धूप्, उपाधूप्णुवन् तै ६, ४, ७, १¶.

उप√धे>धा, धापि, †उपधापयेते ऋ १, ९५, १; मा ३३, ५; का

a) पाभे. पृ ९२८ *g* टि. द्र.। b) पाभे. पृ ९२९ *f* टि. द्र.। c) 'सहस्राणि शतानि (=अत्यधिकसंख्यान्) आशून (अश्वान्) त्मनि (=आत्मीयायाम् ⌊वेंतु. वें. प्रभृ. *त्मनः आशून् इतीव संबन्धचिकीर्षवः⌋) धुरि (⌊लक्षणया⌋ =रथे) ϕउप' 'दधानः' इति वा. द्र. (तु. GW.)। d) नाप.। गस. अधिकरणे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। e) नाप.(रथचक्र-भागविशेष-)। गस. उप. किः प्र. प्रकृतिस्वरश्च। f) सपा. ऋ १०,८५,११ अभिहितौ इति पाभे.।

३२,१,५; पै ८,१४,१.
¶उप-धीत- -तः मै ३, ६, ७; -ते काठ २३,६.
उप-धेय- उप√धा द्र.
?उपधो पै २,२०,२.
उप-ध्मानी- उप√ध्मा द्र.
उप√ध्वंस्
उप-ध्वस्त[a]- -स्तः ¶तै १,८,९,२; १७,१; २,१,६,३; -स्तम् तै २,१,६,३¶; -स्ताः मा २४,१४; का २६,३,४; मै ३,१३,१२; १३;१५;१६.
उप√नम्, ¶उपनमति तै ६,१,६,२; मै १,४,११[2]; ४,८,१०; उपनमति तै ३,४,९,८;५; ¶उपनमति काठ १०,९; २३,१०; ३१,१५[2]; क ३७,१; ¶उप··· नमति तै २,१,३,४; ५; ५,६[2]; ८,३; १०,१; २,३,१; ७,५; ९,३;३,२,४; ३,३; ४,११,४; ३,३,७,३; ४,९,४;५[2]; ५,४,१०,३; ६,२,६,१; ३,३,५; मै १,५,१२; उप···नमति मै ४,२,९¶; ¶उप···नमति काठ ८,७; ९,१४; १०,९; २५,३; ३२,१[2];६, क ७,४; ३८,६; ¶उपनमन्ति तै ३,४,९,४;५; उपनमात् मै ३,८,१०¶; उप··· नमतु मा २६,२; का २८,१,३; ¶उपानमत् तै १,५,४,१; २,१,९,१[2];५,२,६,४; ¶उपानमन् तै ७,१,८,२; काठ १०,११[2], ¶उपनमेत् तै २,३,२,४; मै २,२,९; ¶उपनमेत् तै २,१,३,४;५; ८,३;९,१; २,३,१;७,५; मै १,९,७; ¶उपनमेत् काठ १०,९; २५,२;३; क ३८,५; ६; ¶उप···नमेत् तै ६,२,६,१;३,३,५.
उप···नंस्यन्ति काठ १०,११[2].
¶उप-नत- -तः तै ६,३,३,५[2]; काठ २६,३[2b]; क ४१,१[2]; -तम् काठ २६,६; क ४१,४; -तेन काठ २६,६.
उप-नति- -तिः मा २०,१३; का २१,७,१४; मै ३,११,८, काठ ३८,४.
उप√नश (व्याप्तौ) >नक्ष्, उपो(प+उ)···नक्षन्त ऋ ८,१०३,१[c]; ‡उपो(प+उ)···नक्षन्तु[c] कौ १,४७;२,८६५; जै १,५,३;४,२१,३; †उप···नक्षस्व ऋ ८,५४,७; खि ३,६,७.
उप√नह्, ¶उपनह्यति तै ५,१,५,२; ६,१,९,६; ७; मै ३,७,४; काठ ११,१०; ¶उपनह्यति मै २,४,८; ३,७,४; उपनह्यामि तै २,४,७,२; ९,४; मै २,४,७;८; काठ ११,९;१०.
¶उप-नद्ध- -द्धः तै ४,४,९,१$; ५,१,५,३; ९;६,१; ६,१,११,१;६; ७,५,६,२; मै ३,१,६; ७,८; काठ १९,५; ३४,१४; क ३०,३; -द्धस्य तै ६,६,९,२.
उप-नह्य मै २,२,१¶.
उप-नाह[d]- -हः तै ३,३,९,१; मै २,५,१०; काठ १३,९; शौ ९,४,५; पै १६,२४,४.
उ(प>)पा-नह्[e]- -नहम् काठ २१,७¶; -¶नहौ तै ५,४,४,४;६,६,१; मै २,६,१२$; ४,४,६; काठ १५,९; २१,७¶; पै ७,१५,८; १९,३७,४;२०,५२,५.
१उप-नाय-,२उप-नाय- उप√नी द्र.
उप-नि√धा
¶उपनि-धाय तै ६,४,९,३;५,१०,३.
उप-नि√पद्
उपनि-पद्यमान- -नम् ऋ १,१५२,४.
उप-नि√म (स्ज>) ज्ज्, ¶उपन्यमज्जत् काठ ८,२; क ६,७.
¶उप-नि√युज्, उपनियुङ्क्ते काठ २९,९[2]; क ४६,२[2]; उपन्ययुङ्क्त काठ २९,९.
उप-नि√ष(<स)द्, उपनिषदेयम् काठ १,१०.
उपनिषेदुः[f] शौ १९,४१,१; पै १,५३,३.
उपनि-षद्[g]- -षन् खि १,३,७.
उप-नि (स्>) ष्√क्रम्>क्राम्, उपनिष्क्रामति मै ४,६,९¶[h].
उप√नी, उप···नयतु ऋ २,३,१०; उपो(प+उ)नयस्व ऋ ३,३५,३; उपनयत मै ४,१३,४; काठ १६,२१; उपानयन् तै ६,६,४,४¶; उप-नयमान- -नः शौ ११,७,३;

a) गस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)।
b) तु. सस्थ. टि. अभि।
c) पाभे. कृते पृ ९२५ b टि. द्र.।
d) नाप.। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।
e) नाप. (पाद-त्राण-)। गस. कर्मणि क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. दीर्घः। तै. पपा. नावग्रहः।
f) सपा. उपनिषेदुः<>उपसेदुः (तैआ ३,११,९ च) इति पाभे.।
g) नाप. (देवता-विशेष-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम् (तु. खि. अनुक्रमणी तत्-संस्कर्तुः टि. च)।
h) उपनि° इति Sch. पाठे? यनि. शोधः (तु सात.)।

पै १६,१५३,२.
१उप-नाय[a]– -यम् ऋ ९,९१,४.
२उप-नाय[b]– -येन पै ५,२८,९.
उप-नीत,ता– -तम् ऋ १, १२१, ९; –तस्य पै २०,२९,८; –ता ऋ १०,१०९,४.
उप√नृत्, उपनृत्यति खि ५, १५, १३[c]; उपनृत्यथः पै १५, १८, ७;९.
? उपनेनेनम् पै ५,२८,८.
? उप नो नरमसि[d] शौ २०, १२७, १४.
उप-पत्[e]– -क्षयोः पै १६, १४७, ६; २०, १९, ४; –क्षाभ्याम् तै ५, ७,१३,१; काठ ५३,३.
उपप(त्त्यं)क्ष्या[f]– -क्ष्याः शौ ७, ८०,२.
उप√पत्, उप[g] (पतन्ति) ऋ १,२५, ४; उप···पतथः[h] ऋ ८, ३५, ७; उप···पतामि ऋ १, ३३,२.
ϕ उप-पतत्– -†तन्तम्[i] ऋ १०, १२३,⌊६ (९, ८५, ११)⌋; कौ १, ३२०; २, ११९६; जै १,३, ८; शौ १८,३,६६.
उप-पसिवस्– -वांसम् ऋ ९, ८५, ⌊११ (१०,१२३,६)⌋.
उप-पति[e]– -तिम् मा ३०, ९; का ३४,२,१.
उप√पद्, उपपद्यते खि ४, २, १४[j]; उपपद्यताम् शौ ४, १८, २; पै ५,२४,२; ¶ उपापद्यत मै ४,८, १; काठ ६,२; क ४,१.
उप-परा√मृश्, उप-उप···परामृश ऋ १,१२६,७.
उप-पर्या(रि-आ)√वृत्, उपपर्यावर्तत काठ १०,५¶
उप√पृच्, ञ्च्>प्रक्ष्, ‡उप··· उपपृञ्चतु पै १६,२६,४[k]; ‡उप (उपपृञ्चतु)[r] पै १६, २६,४[k]; ‡उप···उपपृञ्च शौ ९,४,२३[k]; ‡ उप (उपपृञ्च)[r] शौ ९,४,२३[k]. †उपपृङ्ग्धि ऋ २, २४, १५; मै ४, १२, १; उप···पृञ्चीत ऋ १,४०,८.
†उपो(प+उ)···पृच्यते ऋ ९,१३; ६९,२; कौ २,७२१; जै ३,५९,१३; †उप-उप···पृच्यते ऋ ८,५१, ७; खि ३,३,७; मा ३, ३४; ८, २; का ३,३,२६; ८,१,१; तै १, ४, २२, १; ५, ६, ४; मै १, ३, २६; काठ ४,१०; ७, ४; क ३, ८; ५, ३; कौ १, ३००; जै १, ३१, ८; †उप-उप (पृच्यते) मै १, ५,५; काठ ७, ४; क ५, ३; उप···उपपृच्यताम् ऋ ६,२८, ८[k]; उप (उपपृच्यताम्)[r] ऋ ६, २८, ८[k].
उप-पर्चन– -‡०न[l] शौ ९,४, २३; –†नम्[l] ऋ ६,२८, ८; पै १६, २६,४.
† उप-पृच्[m]– -पृक् ऋ १,३२,⌊५ (१०,८९,१४)⌋; मै ४, १२, ३; पै १३,६,५.
उप-पृञ्च(त>)न्ती– -ती शौ १८, ४,५०
उप-प्रक्ष[n]– -क्षे ऋ ५,४७,६.
उप√पृण्, †उप···पृणध्वम् ऋ ७, १६,११; मै २, १३, ८; कौ १, ५५; २, ८६३; जै १, ६, १;

---

a) नाप. (नेतृ- ⌊तु. वे. सा.; वैतु. ORN. भाप.⌋)। कर्तरि णः प्र. उसं. (पा ३, १,१४२) प्रकृतिस्वरश्च।

b) भाप.। उप. घञन्तम्।

c) वनिष्ठुनोपनृत्यति इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ २०, १३१,१२ वनिष्ठा नाव गृह्यन्ति इति शंपा., वनिष्ठौ नाव गृह्यते इति RW. पाभे.।

d) पाठे? उप नो नरम् ए (आ-इ) मसि इति शोधः (तु. खि ५, ११,४ उप वो नर एमसि इति शुद्धप्रायः सन् यनि. मूःशोधः पाठः; वैतु. RW. उप√नु>नोनु> उपनोनुमसि इति, शंपा. उप नो न रमसि इति च पाठः?)। यनि. अनु पृ १४६ f टि. यदुक्तं तन्न शोध्यं द्र.।

e) प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६, २, १९४)।

f) विप. (अपचित्-)। तात्रभविको यत् प्र. तित्स्वरश्च।

g) तु. वें. सा.?; वैतु. स्क. वसतोः इति द्वि. युक्तः कप्र.।

h) तु. वें. सा. PW.; वैतु. GW. अनुपसृष्टो योग इति।

i) तु. उपपसिवांसम् इति पाभे., वें. प्रमृ. सा. ⌊तैब्रा २, ५, ८, ५⌋; वैतु. सा. (ऋ.) क्रिउ. इति, सा. (शौ.) सुपर्णम् इति द्वि. युक्तः कप्र. उप इति, भ. उप···अभ्य-चक्षत इति।

j) °पु° इति स्वरे? यनि. शोधः।

k) सपा. उप···उपपृञ्चतु, उप (उपपृञ्चतु)[r] <> उप··· उपपृञ्च, उप (उपपृञ्च)[r] <> उप···उपपृच्यताम्, उप (उपपृच्यताम् ⌊तैब्रा २, ८,८,१२ लाश्रौ ३,३,४ च⌋)[r] इति पाभे.।

l) सपा. °र्चन <> °र्चनम् (तैब्रा २, ८,८,१२ लाश्रौ ३, ३,४ च) इति पाभे.।

m) विप. (अहि-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

n) भाप. (संपर्क- ⌊तु. सा. द. Gri.⌋)। गस. प्रकृति-स्वरः। उप. स (कृ) प्र. उपधायाश्च अमागमः उसं. [पाउ ३, ६? (तु. ORN., K. ⌊ऐआ ५,२,२⌋ टि.; वैतु. PW. GW. तुमर्थे से प्र. इति)]।

४,२१,१.

उप-प्र√गा, उप···प्रा(प्र-अ)गुः मा ६,७[a]; का ६,२,१; तै १,३,७,१[b]; ६,३,६,१[b]; मै १,२,१५[b]; ३,९,६[b]; काठ ३,४; २६,७; क २,११; ४१,५.

उप-प्र√च्यु, उपप्राच्यवेताम् ३,७,८¶.

उप-प्र√जन् >°नि ¶उपप्रजनयति मै ४,५,४; काठ २६,१; क ४०,४.

¶ उप-प्रति√गृह्, उपप्रतिगृह्णाति मै २,३,२; ३,१०,१; काठ १२,६.

उप-प्र√तॄ>तारि, उपप्रतारय शौ २,३६,५[c].

उपप्र-तारित– -तः पै २,२१,५[c].

उप-प्र√ब्रू, प्र···उपब्रुवे पै १३,१,१५[d].

¶ उप-प्र√या, उपप्रयाति तै २,२,१,२.

¶उपप्र-यास्यत्– -स्यन् तै २,२,१,३; ६,१.

उप-प्र√वद्, उपप्रवद खि २,१६,१[e]; शौ ४,१५,१४; पै ५,७,१३.

उप-प्र√विश्, उपप्रविशति मै ३,४,७¶.

¶उप-प्र√वृत् >वर्ति, उपप्रवर्तयति मै ३,३,९?[f]; ४,७; ४,५,४; उपप्रवर्तयति मै ४,५,४; उपप्रवर्तयति काठ २६,१; क ४०,४; उपप्रावर्तयत् मै २,४,३; उपप्रावर्तयन् मै ३,३,९; ४,७.

उप-प्र√शुच (दीप्तौ), उप···प्र··· शोचन्त ऋ ८,६,८[g].

¶ उप-प्र√श्रि, उपप्रश्रयति काठ २६,३; क ४१,१.

उप-प्र√सृ, उप···प्रसर्स्रे ऋ २,३५,५

उप-प्र√स्कन्द्

उपप्र-स्कद्य पै ८,१३,१०.

उप-प्र√स्तॄ (आच्छादने), उपप्रास्तृणत मै ४,२,७¶.

उप√प्रु

उप-प्रुत्– -प्रुतम् ऋ ९,७१,२.

उप-प्रे(प्र√इ), ¶उपप्रेतः काठ २८,२; क ४४,२; उपप्रयन्ति शौ १२,४,३१; पै १७,१९,१; ‡प्र···उपयन्ति[h] कौ १,४६१; जै १,४८,७; प्र···उपयन्तु ऋ १,१३९,१[h]; उपप्रेहि मै ४,१२,१[i].

†उपप्र-यत्– -यन् ऋ १,१०३,४; –यन्तः ऋ १,७४,१; ४,३९,[५:७,४४,२]; खि १,१२,८?[j]; मा ३,११; का ३,३,१; तै १,५,५,१; ७,१; मै १,५,१; ५; ६; काठ ६,९; ७,४; ५φ; क ४,८; ५,३; ४φ; कौ २,७२९.

उप-प्रे(प्र√ई)क्ष्, उपप्रेक्षामहे पै १६,१३२,१२; १९,२८,१२[k].

उप-प्रे(प्र√ई)ड्, प्र···उप···ईट्टे ऋ ३,५२,५.

उप-प्रे(प्र√इ)ष् (गतौ), उपप्रेष्यति मै ३,९,७[l]; उपप्रेष्य मै ४,१३,४[m]; ?उपप्रेप[n] खि ५,७,२,१.

उप-प्रे (प्र-आ√ई) ष्, उप···प्र···ष्(आ-ई)षे ऋ ५,४१,७.[o]

उप√प्लु, ¶उपप्लवन्ते मै १,१०,१३; काठ ३६,७.

उप-प्लुत– -तम् पै १९,३६,१८.

¶उप-प्ले(<प्रे[प्र√इ]), उपप्लायत मै १,१०,१४; १६; काठ ३६,८; १०.

उप√फण् >फाणि, उप···अफाणयत् ऋ ८,६९,१३[p]; शौ २०,९२,१०†.

उप√वन्ध, उपबध्यन्ते मै ४,७,८¶.

उप-बद्ध– -द्धान शौ १,७,७; पै ४,४,७.

उप-बर्हण– उप√बृह् (वृद्धौ) द्र.

φउप-बिभ्रत्– उप√भृ द्र.

a) °शोपा° इति निमा. उ. च शोध्यौ।

b) अत्र संहितयोः उप+उ इति निपात-समाहारः द्र।

c) सपा. °तारय<>°तारितः इति पाभे.।

d) सपा. शौ ५,२२,११ तत्, उप° इति द्विपदः पाभे.।

e) उप° इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. शौ ४,१५,१४)। सपा. खिसा १७,१ उपप्लवत इति पाभे.।

f) °प्रा° इति पाठे? (तु. सात.) यनि. शोधः (तु. अपरं स्थलम्)।

g) तु. वें.; वैतु. सा. Gri. उप क्रिउ. इति।

h) सपा. °यन्ति<>°यन्तु इति पाभे.।

i) सपा. उपप्रेहि<>पुनर् एहि (या १०,१८ च) इति पाभे.।

j) °न्तः इति स्वरे? यनि. शोधः।

k) पाभे. क्रमे पृ ९२७ k टि. द्र.।

l) पृ २७९ अपप्रे° इत्यत्र यनि. शोधः द्र.।

m) तु. सपा. माश ३,८,१,११; वैतु. तै ६,३,८,२ काठ १६,२१ उप। प्रेष्य इति द्विपदः पाभे.।

n) पाठः? (तु. सपा. मै. प्रमृ. ऐब्रा २,५ शांश्रौ ५,१६,९ च)।

o) तु. सा. GW.; वैतु. पपा. एषे इति नावग्रहः (तु. ऋ १,१८६,४ यत्र सावग्रहः पाठः)।

p) तु. वें. सा.; वैतु. PW. GW. अनुपसृष्टो योग इति।

उप√बृह् (वृद्धौ)[a], >बर्बृह्, उपबर्बृहत् ऋ ५, ६१,५; †उपबर्बृहि[b] ऋ१०,१०,१०; शौ १८,१,११.

उप-बर्हण[c]– -णम् ऋ १०, ८५, ७; मै १, ६, ४[3]¶: काठ २८, ४¶: क ४४,४¶; शौ ९,५,२९; १४, १,६†; १५,३,७; पै ७, १५, ७: १८, १, ६†; –णे शौ १२, २, १९;२०; पै १७,३१,९:१०.

उपबर्हणी– -णीम् ऋ १,१७४,७

†उपब्द[d]– -ब्दैः ऋ ७,१०४,१७; शौ ८,४,१७: पै १६,१०,७.

उपब्दि[e]– ब्दिः ऋ १,७४,७:१६९,७: ९,८८,५: १०,६१,९: –ब्दिभिः ऋ १०, ९४, ४; १३; –ब्दे शौ २, २४, ६; पै २, ४२,८.

उपब्दि-मत्– -मतः तै ३, १,९,१.

उप√ब्रू, उपब्रूते खि ५, २२, ५: शौ १४, २, ६३; २०, १३६, ७-९; उपब्रूते ऋ १, ४०,⌊२; ६, ६१, ५⌋: उपब्रूते पै १८,१३,२: उपब्रुवंत ऋ १, ७७, ३; १३४, २: ८,६,२७; उपब्रुवे ऋ १०.९१, ११; †उपब्रुवे ऋ १, १७९, ५; १८५, ७: २,२०, ११; ३,२,३; ३७,५; ४,५१, ११; ५, ६५,३; ७,४४,३; ८,२२,१३; २५,२१; ४४,३; ६७,१०; ९८,१२; १०, ३५,७; ६६,७;९७,४; मा १२, ७८; २२, १७; का १३, ६, ४; २४,४,१०; तै ४, २, ६, १; मै २,७,१३;४,११,१;१४,७; काठ २,१५: १६,१३: कौ २, ५२१; जै ३, ४०, १७; शौ ५, २२, ११$; २०, १९,५: १०८,३: पै ११,६,४: †उपब्रुवे ऋ १,१८५, ११: १८८, ८; मै ४, १४, ७; उपब्रुवे क २५, ४†; पै १९, ४, १०‡[f]; २०,७,८; उपब्रवामहे ऋ ५,५१,१२: उपब्रवामहे ऋ १०, ३७, ५; उपो(प+उ)···अब्रवम् ऋ ८, २४, १४: कौ २,८६०; उपब्रुवीत ऋ ५,४९,२.

उप√भिद्, उप···भिनद्मि पै १५, १८,१.

उप√भू, उप···भुवः ऋ १, १३८, ४.

उप[g]···बभूयाः ऋ १०,१८३,२.

उप√भूष, उपभूषतः ऋ ६, ६२,४; उपभूषन्ति ऋ १०, १०४, ७; उपभूषथः ऋ ५, ७५, ८; उपभूष ऋ ८, ९६, १२; †उपभूषतम् ऋ ७, ७४, ३; मा ३३,८८; उपभूषेम ऋ ३,३,९.

उप√भृ (<हृ), उप···भरन्ति पै १६, १३४,४; उपभरस्व शौ ५, २०,४; पै ९, २४,३.

φउप-भ्रिभ्रत्[h]– -भ्रतः ऋ १,१६६,२

उप-भृत्[i]– -भृत् मा २, ६; का २, १,८; तै १,१, ११, २; २,५,९, ५¶; ¶३, ५, ७,२: ३: मै १, १,१२;४,१२¶: ¶४, १, ११; १२[3]; ¶काठ ३१, ९[2]; १३; ¶क ४७,९[2]: शौ १८,४,५; ६; –भृत् तै १, १, १२,१: मै ४, १,१४: काठ १, ११; १२; ३१, ११; क १, ११: १२; ४७,११; –भृतः तै २,६,१,२¶;–¶भृतम् मै ४, १,११;१२[3]:$; काठ ३१, ९;१३: क ४७,९: –¶भृता मै ४, १, १४; काठ ३१, १४; –¶भृति मे ३,८,१; ४,१,१२; काठ ३१,९; क ४७,९.

†१ उपम[j]– -मस्य ऋ ४,४२, ⌊१;२⌋; १०,५,६; शौ ५,१,६[k]; –मात्[l]

---

a) उपसृष्टस्य धा. प्रसारणे वृत्तः।

b) <°बर्बृह-हि इति (वैतु. Pissani ⌊सिभा १, १५६-७⌋ <°बर्भृहि ⌊<√भृ⌋ इति)।

c) नाप. (उपधान-)। गस. ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

d) नाप. (निर्घोष- ⌊=उपब्दि-⌋)। व्यु. ? <उप√वद् इति सा. ⌊शौ २, २४, ६⌋ GW.; <उप√पद् इति सा. ⌊ऋ १, १६९, ७, शौ.⌋ WAG ⌊१,६९⌋ MVG ⌊२५ a⌋ प्रभृ.; <उप√बद् ⌊स्थैर्ये⌋ इति भा. ⌊तै.⌋ सा. ⌊शौ.⌋।

e) =उपब्द–। =वाच्- ⌊तु. निघ १, ११⌋, =सर्प-विशेष- ⌊शौ. पै.⌋। शेषं d टि. द्र.।

f) पाभे. कृते द्र. टि. उपह्वये (ऋ १,२३,१८)।

g) तु. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. समीपार्थे अव्य. इति।

h) तु. PW. GW. MW.; वैतु. वें. उप क्रीडन्ति इति, सा. उप (इत्य) क्रिड. इति च।

i) नाप. (यज्ञपात्र-विशेष-)। गस. कर्तरि कर्मणि वा क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

j) विप.। निरवग्रह-सावग्रह-भेदाद् द्विविधस्य प्राति. विस्तरशो विवेकः व्यु. च पृ २८० g टि. अन्वेष्ये। उभयत्र ऊर्ध्वतम-, उत्तम-, अन्तिक- (निघ २,१६ स्क. वें. सा. प्रभृ.), आगामिन्-, अद्य, इत्यर्थापयन्तः PW. GW. NW. प्रभृ. तमबन्तस्य रूपमाहुः, सा. प्रभृ. उपमानभूत-, प्रशस्त- (ऋ १, ६१,३; ११०,५) इत्यभिप्रयन्तः <उप √मा इति (तु. पृ ४५७ g टि.)।

k) उप° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. W. प्रभृ.)।

l) तु. स्क.; वैतु. सा. °मात्– ?⌊=स्थूणा-⌋ >प्र१ इति।

ऋ ६,६७,६.

२ उप-मु,मा[a]- -मः ऋ ९, ८६, ⌊३५ (१०८, १६)⌋; -†मम् ऋ १, ६१, ३; ११०, ५; ५,३,३;६४, ४; ७, ३०, ३; ४; ३९-४०,⌊७: ६२, ३⌋; ८, ५३, १; ६२, ८[b]; ८०,५; १०, २९,३; खि ३. ५, १; शौ २०, ३५, ३; ७६, ३; -मस्याम् ऋ १, १४५, ५; -म ऋ १, ११३, ⌊१५; १२४, २⌋; ८,२९,९; -मा[c] ऋ १,३१,१५; ८, ६९,१३; शौ २०, ९२, १०; -माः खि ३, २२,१; मा १३, ३; का १४,१,३; तै ४,२,८,२; मै २, ७, १५; काठ १६, १५; ३८, १४; क २५, ६; कौ १, ३२१; जै १, ३३, ९; शौ ४,१, १[d]; ५,६,१; पै ५,२,२;६,११, १; १६, १५०, १; -†मान् ऋ १०, ८, १[e]; -मानाम् ऋ ८, ६१,२; कौ २,५८४; जै ३,४७, १०; शौ २०,११३,२; -†मानि ऋ ८, ९९, २; कौ २, १६४; जै ३, १५, १२; -माम् ऋ ५, ३४,९[f]; ‡कौ १,७१[e]; ३९१[b]; ‡जै १,७,९[e];४४,३[b]; शौ १८, ३,६५‡[e]; -†मासः ऋ ५,५८, ५; मै ४, १४, १८; -मे ऋ ८, ८२,८; -मेभिः ऋ १,३३,२.

उपम-श्रवस्[g]- -०वः ऋ १०, ३३, ७; -वसः ऋ १०,३३,६.

† उपमश्रवस-नम[h]- -मम्[i] ऋ २,२३,१; तै २, ३,१४,३; काठ १०,१३.

उप√मद्, उप···मदेम पै १५, ६, ७[j].

† उप-माद्[k]- -द्म् ऋ ३, ५, ५; कौ ३,१३; जै २,२,८.

उप√मन्त्रि(<मन्त्र-). ¶ उपामन्त्र-यन्त तै २, ४, १, १; ३, ६, ५; ६ १,३,१;२,७,१; ४, १०, १; काठ १०, ७; २५, ६; २९, १; क ३९,३; ४५,२.

उप-मन्त्रिन्[l]- -न्त्रिणः ऋ ९, ११२,४.

उप√मन्थ्. ¶ उपमन्थति मै १,१०, १७[3]; काठ ३६, ११[3]; † उपा-मन्थत् ऋ १०, १३६, ७; पै ५, ३८,७.

¶ उप-मथ्य काठ ३४, १७[2].

उप-मन्थितृ- -तारम् मा ३०, १२; का ३४,२,४.

† उप-मन्यु[m]- -न्युम् ऋ १, १०२,९; पै ३,३६,६.

उप√मा (माने)[n], †उपमास्मि ऋ १, ९२, ७; १४३, २; २, १७, ७; ८, ७१, ९; ९, ७६, ३[o]; जै ३, ४७, ६[o]; उपमास्व ऋ ९, ७२, ९;९३,५; उपमाहि ऋ ४, २२, १०; कौ २, ५८० ‡[o]; उप··· माहि ऋ ७,२६, ⌊(१,१६७,१) ५⌋; १०,२८,१२.

† उपमिमीहि ऋ १, ८४,२०[p]; कौ २, १०७६[p]; † उप··· मिमीहि, उप (मिमीहि) ऋ ७, १९,११; शौ २०, ३७,११.

† उप-माति[q]- -तयः ऋ ४, २३,३; ८, ४०, ९; -तिः ऋ ४, ४३, ४. -तिम् ऋ १०, ६१, २१; -०ते ऋ ८, ६०, ११; कौ १, ४३; जै १,४,९.

उपमाति-कृत्[r]- -कृत खि ५, ५,३.

---

a) व्यु. कृते पृ ९३४ *j* टि. द्र.।

b) सपा. °मम् <> °माम् इति पाभे.।

c) वा. क्रिवि. सत् तृ१ (तु. PW. GW. ORN.)।

d) वैतु. सा. <उप√मा+कर्मणि अङ् प्र. इति।

e) सपा. °मान् <> °माम् (तैआ ६,३,१च)इति पाभे.।

f) द्वि१ सत् वा. क्रिवि. (तु. PW. GW. ORN.)।

g) व्यप. (तु. सा. PW.; वैतु. GW. विप. इति)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।।

h) विप. (कवि- ⌊बृहस्पति-⌋)।

i) सपा. वपू १,५ अतिमेधविग्रहम् इति पाभे.।

j) सपा. उप···मदेम <> उपसंव्ययस्व (आपमं २, २,७ हिगृ १,४,२ च) इति पाभे.।

k) समासादिविषये विशेषः पृ ८६ *b* टि. द्र.

l) नाप. (नर्मसचिव- ⌊तु. वें. सा. GG.; वैतु. PW. GW. प्रमृ. विप. इति⌋)।

m) विप. (कारु-)। प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१९४)। उप. यद्र. (तु. स्क. सा.; वैतु. वें. गस. प्रकृतिस्वरः)।

n) उपमूप्रस्थ धा. दाने गमादने समर्पणे च वृत्तिः द्र.।

o) सपा. °मास्मि <> °माहि इति पाभे.।

p) तु. सस्थ. टि. आ।

q) भाप. (अभ्यर्थना-, स्तुति- ⌊वें. ऋ४,२३,३, सा. ऋ ४,४३,४, PW. GW.⌋, संपादन-, समर्पण-, दान- ⌊सा. ऋ ४, २३,३, GW. GRV. GG. NW.⌋, उपमान- ⌊सा. ऋ १०,६१,२१ प्रमृ.⌋)। व्यु. कृते तु. टि. अभि-माति-, वें. सा. भ. विव. MW.; वैतु. PW. GW. <उप√मन् इति।

r) विप. (इन्द्र-)। °माजि° इति पाठे ? यनि. शोधः (तु. सपा. शांश्रौ ८,१७,१)

उपमाति-व॒नि[a]- -निः ऋ ५,४१,१६.

उप-मास-

उ॒पमास्य[b]- -स्यम् शौ ८,१२,४.

उप √ मि (प्रक्षेपणे), ¶उपमिनोति काठ २५,८; क ४०,१; ¶उपमिन्वन्ति काठ २५,८^{२}: क ४०,१^{२}.

उप-मि॒त्[c]- -मित् ऋ १,५९,१: ४,५,१: -मितः पै ७,६,५: १६,३९,१: -मिताम् शौ ९,३,१.

उप √मुच्, ञ्च, ¶उ॒पमुञ्चते तै ५,४,४,४; ६,६,१: उपमु॒ञ्च॒त तै ५,४,४,४¶; उप···मुञ्चे पै १९,३७,४.

¶उप-मू॒ल[d]- -लम् मै १,१०,१७: काठ ३६,१२.

उप√मृ>मारि, ¶उ॒पमारयति मै ४,५,१:२; ४,८,५.

उ॒प-मृत- -तम् तै ६,२,८,६¶.

उप √म्रुच्

¶उप-म्रु॒च्य मै ४,१,१०: काठ ३१,८; क ४७,८.

उप √ यच्छ्, **यम्** (यमने, ग्रहणे), उ॒पयच्छामि मा ३८,६; का ३८,१,६; मै ४,९,७: उ॒पयच्छ शौ १२,३,१९; पै १७,३७,९; उ॒प···यच्छतम् ऋ ८,३५,२१. उ॒पो (प+उ)···अयामि ऋ ७,९२,१.

उप-या॒म[e]- -¶मः तै ६,५,८,३; मै १,८,७: ४,५,५: काठ २६,१०; २७,२: क ४१,८; ४२,२: -मम् मा २५,२: का २७,२,१: तै ५,७,१२,१: मै ३,१५,२: काठ ५३,२: -माय मै ३,१२,१२: काठ ४०,४.

उपयाम॒-गृहीत- -तः मा ७,४; ८;९; ११; १२; १६; २०; २२; २५;३०^{११}; ३१-३५; ३६^{२}; ३७-४०; ८,१: ७-९; ११: ३३-३५; ३८-४१; ४४-४७; ९,२^{२}; ३; ४: १०,३२;१९,६; ८·२०,३३; २३,२; ४: २६,३-१०: का ७,२,१: ३,२: ४-७,१: ८,२;९,१: १०,२: १२,१^{१२}; १३-२२,१: ८,४-१०,१: १२-२२,१:१०,१,२:३^{२}:४:५^{२}:११,१०,२;२१,१,५; ७: २२,३,२: २५,१-२,२: २८,२-९,१; तै १,४,३,१;४,१^{२}; ५-२५,१; २९-३१,१; ३७-४२,१: ७,१२,१^{३}; २; ३,२,१,३: १०,१^{२}: ५,८,१¶; ९-१०,१; ६,४,६-७,३; ५,३,४: ८,३; ७,५,१६-१७,१; मै १,३,५; ६^{२}; ७; ८; ९^{४}; १०; ११; १३; १४^{२}; १५-२५; २६^{२}; २७-३६; ११,४^{६}; २,३,८^{३}; ३,१२,१६; १७; ४,५,६;६,५^{३}; काठ ४,१; २^{७};३^{२}; ५^{३}; ६^{७}; ७^{१४}; ८^{६};१०^{६}; ११^{६}; १२,९^{३}; १४,३^{७}; २६,१०^{२};२७,२^{२}; २९,५:३०,४^{२}; ५^{१}; ३७,१८^{२}; ४५,११-१३; क ३,१;२^{७}; ३^{२}; ४^{७}; ५^{१५}; ६^{६}; ८^{५}; ९^{६}; ४१,८^{२}; ४२,२^{२}; ४५,६; ४६,७^{३}; -¶ताः मै ४,५,५: काठ २७,२; क ४२,२.

उप √यज्, उ॒पयजति मै ३,१०,४^{४}¶; ¶उपयु॒जति तै ६,४,१,१; मै ३,१०,४;७[f]; उ॒पयजेत् मै ३,१०,४¶: उपयु॒जेत् मै ३,१०,४^{२}¶. उ॒प···यक्षि ऋ १०,७०,९[g].

¶उप-यु॒ज्[h]- -यजः तै ६,४,१,१: मै ३,१०,४^{४};७; काठ २६,९^{२}; क ४१,७^{२}: -यड्भिः तै ६,४,१,१: मै ३,१०,४^{४}.

उप-यु॒ज्य[i] मै ३,९,४¶.

उप-यु॒ज्य- -ज्यम् मै ३,१०,४^{२}¶.

उप-यु॒त्- उपे (प√इ) द्र.

उप √या, उ॒पयाति ऋ ६,६८,१०[j]: ९,७८,[१;८६,७;३२]; शौ ४,३४,३; उपयु॒ाति ऋ ४,४,१०; ७,१,१२; तै १,२,१४,४†;

[a]) त्रिप. । उस. उप. √वन्+इन् प्र. (पा ३,२,२७) प्रकृतिस्वरश्च (वैतु. मा. पूप. =हिंसा-इतीव)।

[b]) नाप. (मासिक-[हविस्-])। तात्रभविकः यन् प्र. उसं. (पा ४,४,११४) नित्स्वरश्च।

[c]) नाप. (आश्रय-, उपघ्न-)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[d]) प्रास. अन्तोदात्तः [पा ६,२,१९४ (वैतु. MW. अस., तथात्वेहि उप. आद्युदात्तत्वस्य [पा ६,२,१२१] दुर्वारत्वात्)]।

[e]) नाप. (यज्ञीयपात्रविशेष-, मन्त्रसंज्ञा-, देवता- [मा २५,२])। गस. घञन्ते थादि-स्वरः।

[f]) उ॒पय॒° इति स्वरे? यनि. शोधः।

[g]) तु. वें. सा.; वैतु. GW. उ॒पप्र॒-विद्व॒स्- > -द्वान् इति।

[h]) नाप.। गस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[i]) उप. संप्रसारण-विकल्पः (पा ६,१,१०६)।

[j]) तु. स्क.; वैतु. वें. सा. प्र॒ति···उ॒पयाति इति, स्क. [पक्षे] प्र॒ति स्व॒सरम् इत्यपि योगं व्याचक्षाण उपेक्ष्यः। सपा. °याति <> °यातु इति पाभे.।

४, ७, १५,२[a]; मै ३, १६, ५[a]; ४, ११, ५†; काठ ६, ११†; उपयाति काठ २२, १५[a]; पै ६, २२, ३; २०,६, ५†[b]; †उप··· याति ऋ ८,४,९; कौ १, २७७; जै १, २९, ७; उप···याति ऋ ८, ४५, ७[c]; उपयासि ऋ १०, ७३,४; †उपयासि ऋ १०,११, ५; शौ १८, १, २२; उपयाथः ऋ १,१८२, २; उपयाथः ऋ १. ३४,९: १८३, १: उपयामि ऋ १०, ८७, १: तै १, २, १४,६†: काठ ३५, १: क ४८,२; शौ ८, ३,१†; १३, २, ३७; १९,३,४: पै १६, ६, १†: उपयान् पै १६, १०३, ६; उपयातु शौ ७, ६०,१‡[b]: १८, २, १०‡[d]: †उपयाहि ऋ ३, २९, [१६;३५,४]: ६०,७;५,४,५:६, ४१,१;८; ७,२८,१: १०,१०८, १: खि ५,७,४,११: मा ८,२०: का ९, ३, ६: तै १, ४, ४४, ०: मै १, ३, ३८: ४. १०, १: काठ २,१५: ४,१२: क ३, १०: शौ ७, ७७, ९: १०२,१: $१२. ३, १९: ५३: १८,४,८$: २०, ८६, १; पै १६, ७१, ११$; $१७,३७,९; ४१,३: २०, ३३, ९: उप···याहि ऋ १, ८२, ५: १३५, १; १७७, ३; †उप··· याहि ऋ ६,३१,५; ८,९३,३१; कौ १, १५०; २,११४०: जै १, १६, ६; †उप(याहि) ऋ ८, ९३, [३१-३३]; कौ १, १५०; २, ११४०-११४२; जै १, १६, ६; †उपयातम् ऋ २, ३९,८: ३,२५,४; ४,४४,४; ७,६९,६: ८,५७,४; खि १, ४, ४: मै ४, १२, ६: शौ २०, १४३, ४; उप···यातम् ऋ १, ११७, १; ८,२६,७;८७,३; खि १, ४, ५; उप···यातम् ऋ ८, २२, ७; उपयात,>ता ऋ ४, ३४, १; ३५,१:८,५७,३:९,९७,२०: शौ २०, १४३, ९; उप···यात ऋ ४,३७,[१ (७,३८, ८)]: उप··· अयुः खि ५, ५, ६: उप··· अयानन ऋ १,१६१,७.

उपयासन ऋ५,४०,[८(१,१७७, १)]: मै ४, १४, १३: शौ २०, १०,७†;†उप···यासन् ऋ ८, १,८[e]: जै ४,१०, ६; †उपो(प+उ)···अयासिषुः ऋ ९, ६१, १३: कौ १, ४८७: २, ११२: ६८५; जै १,५१,१: ३.११, ८; ५६,१३.

उप-यै[1] ऋ ८,४७,१२.

उप-याम– प्रभृ. उप√गच्छ , यम् द्र.

उप√युज्, †उपयुज्महे ऋ १,१६५, ५; मै ४,११,३; काठ ९,१८; उपो(प+उ)[g]···अयुग्ध्वम् ऋ १, ३९,६.

¶उपयुनक्ति मै १, ५, ५[४]; २, १,९; ५,८; काठ ७, ४[२]; क ५, ३[२]; उपयुञ्जाथे ऋ १, १५१,४; उप···युनज्मि ऋ ३, ३५, २[h]; उपायुनक् ऋ १०, १०२,७. उप···युयुजे ऋ ८, ४, ११[i]; उपो(प+उ)···युयुजे कौ १, ३०८‡[i]; जै १,३२,६‡[i]. उपयुज्यन्ते ऋ १,१४०,४.

उप-युक्त– -क्तम् शौ ४, २३, ३: पै ४.३३,४: १९,४१,१०.

उप√युध्

उप-योधिन– -धिनः पै १९, ४०, १०[j]: –धिना पै २, २५, ४.

१ उपर,रा[k]– -रः ऋ १०, २७, २०, शौ ६, ४९, २[l]; –रम् ऋ १, ६२, ५;५, ३१, ११; ६, २१, ११: काठ २६, ६¶; क ४१, ४¶: –रस्य ऋ १, ७९, ३[m]; १०८, ४; ३,२, १८;५,४४, २; १०, ९४, ५[n], तै ३, ९, ४[२]¶; ¶काठ २६, ६[२]; ३५,१४[२]: ¶क ४१,४[२]:४८, १३[२]: शौ ६,४९, ३†: १८,३,२३†;४,४; पै १९. ३१, १५: १६†: –रा ऋ १.

a) सपा. शौ ४,२९,७ अभियाति इति पाभे.।

b) पाभे. कृते पृ ९३६ j टि. द्र.।

c) तु. सा.; वैतु. GW. ग. अभाव इति।

d) सपा. उपयातु (तैआ ६,४,२ च)<>उपवेतु इति पाभे.।

e) तु. वें. GW.; वैतु. सा. PW. MW. उप···आसदम् इति। f) तु. टि. अव√या>अव-यै।

g) तु. वें. PW. GW.; वैतु. सा. समीपार्थे अव्य. इति। h) तु. सस्थ. टि. आ।

i) सपा. उप<>उपो इति पाभे.।

j) ॰धिना इति पाठे? यनि. शोधः।

k) वप्रा. (तु. निघ १,६:१०)। विप. (इन्दु-, रजस्-, रथ-,भूमि- प्रभृ.), नाप. च। व्यु.? <उप√रम् इति या (२,११), <उप इति PW. प्रभृ., <उपरि इति स्क. [ऋ १,६२,५] सा. [ऋ ६,२१,११] च।

l) वैतु. सा. अपरः इति भापमाणः।

m) ॰र<>ल॰ इति कृत्वा PW. GW. नाप. =सोमाभिषवणार्थमधस्तनग्रावन्- इति।

५४, ७[a]: १६७, ३: -राः ऋ १,६२,६[b]; ३, ५६,२; ५, २९, ५; ७, ८७, ५; १०, २७, २३; -¶रात् काठ २६,६: क ४१,४; -रान् ऋ २,४,९; -राय ऋ ७, ८७,४: -†रामः ऋ ९, ७७,३; १०, १५, २: मा १९, ६८: का २१, ४, १७: तै २, ६, १२, ४; मै ४, १०, ६; -रासु ऋ १, १२७, ५: ४, ३७, ३: -†रे ऋ १,१६४,१२; १०, ४४, ७: शौ ९,१४,१२: २०,९४,७: पै १६, ६७, २: -रेण[c] खि ५, ७,३,९: मा ६,२: का ६,१, २: तै १,२, ६,१: मै १, २, १४: ३, ९, ३: ४,१३,८: काठ ३, ३: १९,१३: २६,५: -†रेषु ऋ १, १२८,३; १०, १७५, ३: काठ ३९, १५: जै ४,१०,४.

उपर-नाति[d]- -ति ऋ १,१५१,५[e]: ७,४८,३.

¶ उपर-गंमि(त>)ता[f]- -ताम् तै ६, ६, ४, १; मै ४, ७, ९: काठ २९,८[g].

२*उपर-

¶औपर[h]- -रः तै ६, २, ९, ४; मै ३,८,७.

उप√रम्, उप[i]···रमध्वम् ऋ ३, ३३,५.

उप-रंस्यत्- -स्यते तै ७, १,१९,१; काठ ४१,१०.

उप-रत- -ताय तै ७, १, १९, १: काठ ४१,१०:४५,१.

उप-रव- उप√रु द्र.

उप√रा, उप···रासत् ऋ ६,५०,६[j].

उपरि[k] ऋ १, २४,७: ३४,८; ४,३१, १५: ५,६१, १२: ८, ३३, १९: ४७,२:१०१,९: ९,५४,३: १०, ३४, ९: ७५, ३: १२९, ५: मा १३, ५८: १५, १९: १८, ४८: †३३,७४: ८५: का १४, ७, ९: १६,४,९: २०,२,७: ३२,६,५†: तै ¶२,६, ५,३:४:३,४,७,२:३: ४, ३, ३,३: ४, ३, ३: ¶५, २, १०, ४: ५,७,४: १०,४: मै १, ९,८[३]¶: २,७,१९; ८,१०: १२, ७: ¶३, २, १: ७,९[l]: ४.१, २: मैपुष्पि ३: काठ १, २: ९, १५¶: १६, १९: १७, ९: १८, १४: ¶१९, १०: ११: २०, ९: २३,६¶: ¶२६,१:६[२];२८,१¶; ३१,१: क १,२: २५,९: २६,८; २९,३;३०,८¶: ३१,१¶: ११; ४०, ४¶: ४१, ४[२]¶: ४७, १; कौ २,१०७†; †जै ३,११,३;४, १६,३: शौ ८,९,६: १८,३,२५-३५; पै २,५६,५;६,२२,१९;७, ६,४: १६, १८, ६: ¶उपरिऽउ-परि तै ६, २, ८, ७[२]: मै ३, ८, ३[२]: ४, २, १०: काठ २५, २[२]: २६, १: ७: २८, १: २: ३४, १८: क ३८,५[२]:४०,८: ४१,५: ४४,२.

¶उपरि-नाभि[m]- -भि मै ३,२,१[२].

उपरि-भुत[n]- -भुता[o] मा ७, ३: का ७,१,३.

उपरि-बुध्न[p]- -ध्नान् ऋ १०, ९३,८.

उपरि-मर्त्य[q]- -र्त्यम् ऋ ८,१९,१२.

उपरि-शयन[r]- -नम् शौ ९,६,९: पै १६,१११,११.

उपरि-ष,सद्[s]- -षदः मा ९, ३६: का ११, १,२: तै १, ८, ७, १; मै २, ६, ३: काठ १५,२; -षदे मै २,६,३: काठ १५,२;-षद्भ्यः मा ९,३५: का ११,१,१.

a) स्क. वें. सा. नाप. =मेघ- इति।

b) स्क. वें. सा. नाप. =दिश्- इति।

c) नाप. =यूपस्याग्नेयाधोभाग- (तु. भा. सा. उ. म. या [३,५] स्क. PW. प्रमृ., वैप २,४ च)।

d) व्यु. कृते पृ ४११ *d* टि. द्र.।

e) वैतु. वें. विप. (सूर्य-[=पयस्-]) इति, सा. नाप. (अन्तरिक्ष-) इति च कृत्वा उप.<√तन् इति।

f) विप. (वेदि-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

g) उपरवसं° इति SI.?।

h) व्यप.। अपत्यार्थे अण् प्र. (पा ४, १, ९२) तत्स्वरश्च।

i) तु. वें. सा. प्रमृ.; वैतु. GW. मुहूर्तम् इति द्वि. युक्तः कप्र. इति। j) तु. सा.; वैतु. GW. अनुपसृष्टवादीति।

k) =ऊर्ध्व- इति। अव्य.। व्यु.?।

l) उपर् यूप इति संपा. उकार-लोपः द्र.।

m) अप. अन्तोदात्तः।

n) विप. (भद्र-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

o) =सपा. माश ४,१,१, २६। आपश्रौ १२,११,१० तु ?अपरिप्लुता (तु. टि. वैप ४ यद्र.) इति पाभे.।

p) विप. (वनिन्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

q) विप. (वचस्-)। शिष्टं *p* टि. द्र.।

r) नाप. ([उन्नत-]पर्यङ्क-)। कस. अन्तोदात्तः। उप. नाप. अधिकरणे ल्युडन्तम् (तु. PW. BW. प्रमृ.; वैतु. ?W. प्रावरण- इति)।

s) विप. (देव-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। मा. का. अन्यत्र षत्व-विशिष्टम् (पा ८,३,१०६)।

¶उपरि-षद्य- -द्यम् काठ ३४,५?[a].

उपरि-स्पृश्[b]- -‡स्पृशः[c] शौ ५,३, १०; पै ५,४, १४: -†स्पृशम्[c] ऋ १०,१२८,९; मा ३४, ४६; का ३३, २, ९; तै ४,७,१४,४; काठ ४०,१०.

उपरि-ष्टा(<स्ता)त्[d] ऋ९,९१,४: खि २,२,३; मा ३७,१२: का३७, २, २: ¶तै १,७,४,३: २,२,१, ५^{२}; ११,४: ५,३,५:६,२,६: ३, ४;६,३: ३, ४, १,३: ४: ९, ५: ५,१,८,६: २, १०, ४: ४,७,६: ८,३;५,९,५; ६,३,३; ४,४: ६, २, १, ४: ६: ३,६, ४^{२}: ७,४^{३}: ४,११,४: ५,२,१:४,१: ६,११, ४;७,३,३,२^{२};४,५,३^{२};५,१,६^{२}: ¶मै १,६,६: ७,३:४:१०,११^{२}: २,१,९: २,२^{२}:३-४,२;५,१०^{२}: ३, २, १: ७, २: ८, ६: ८^{२}; ९, २: ४: ८;१०, १: ४, १, ८: ९: १३^{२}; ४,४: ५,१: ७: ६,३^{२}: ८: ९:७,५;८,३: $९,३:५: ¶काठ २,९$: ८,९; ९,१^{२}: १४: १०, ४: ११, १^{३}: ६: १२, १२: १३, १;७; २०,१३: २१,९: २३, ८: २४,१०; २५, ८^{२}; २६,९; २७, ३; २८,२^{२}:६; ८; २९,२^{२}; ७^{२}; ८; ३१,६;१०; ३३,८; ३४,७^{२}; ३६, ६^{२}; ¶क ७, ५: ८, ४^{२}; ३८,३: ४०,१^{२}: ४१,७: ४२,३: ४४,२^{२}: ६;८;४५,३^{२}: ८^{२}; ४७, ६:१०; शौ ४,४०,७: ८,८,१३: पै १५,१९,७; १६,३०,३; १७, २९,१६.

¶उपरिष्टात्-स्वाहाकार[e]- -राः मै ३,१०,१[f].

¶उपरिष्टात्-स्वाहाकृति[e]- -तयः तै ३,१,५,२[f].

¶उपरिष्टाद्-उपयाम[g]- -माः तै ६,५,१०,३.

¶उपरिष्टाद्-वात[h]- -तः मै २, ७,२०[i].

¶उपरिष्टाल्-लक्ष्मन्[j]- -क्ष्मा तै २,६,२,३:४^{२}: -क्ष्माणम् मै ३, २,७^{२}.

?उपरिष्ण्यापर पै ४.२१,६

¶उप√रु, उपारवन्त, उपारवन्त मै ३, ८,८.

¶उप-रव[k]- -वाः तै ४,७,८,१§:६, २,११, १^{२}; ३^{२}; ४^{२}: मै ३, ८, ८^{३}; ४,६, ६; काठ २५, ९^{२}; क ४०,२^{४}; -वाणाम्, -वान् मै ३, ८,८; -वेषु काठ ३४,१५; ३५, १६; क ४८,१४.

उपरव-त्व- -त्वम् मैं ३,८,८¶.

उप√रुच्, उपो(प+उ) रुरुचे ऋ ७, ७७,१[l].

¶उप√रुध्, उपरुणद्धि काठ ८, ६; क ७,२.

उप√रुह्, उप ··अरोहन् पै ३, ३८, १[m].

उप(प√ऋ)र्धे, ¶उपर्ध्नोति काठ २३, ६.

उप(प√ऋ)र्प् उप√ऋप् द्र.

उपल,ला[n]- -ला तै १, ६, ८, ३¶: -लान् मा २५, ८; का २७, ८, २: मै ३,१५,७.

उपल-प्रक्षि(न्>)णी[o]- -णी ऋ ९, ११२,३.

उप√लभ्,>लिप्स, उप···लभै पै ३,२८,२.

उप-लिप्समान- -नाः शौ ६,११८,१

उप-वक्तृ- उप√वच् द्र.

उप√वच्, उपोचिरे शौ ५, ८, ६ ११,१२,१७: पै ८, १८, १: ७:

a) °वो परिषद्य या° इति पाठः? यनि. शोधः (तु. मृको. [°षद्यं जयन्ति], माश ५,२,१,२२, ता ५,५,१ (८,न))।

b) विप. (आदित्य-, रुद्र- प्रमृ.)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

c) सपा. °स्पृशः<>°स्पृशम् इति पाभे.।

d) स्वार्थे स्तातिप् प्र. उसं. (पा ५,३,२७)। पाप्र. तु< ऊर्ध्व- (पा ५,३,३१)।

e) विप. (देव-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

f) सपा. °काराः<>°कृतयः इति पाभे.।

g) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

h) तु. टि. उत्तराद्वात्-।

i) सपा. तै ४, ३, ३, २ काठ ३९, ७ विष्वग्वातः इति पाभे.। j) विप. (इष्टका-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

k) नाप. (गर्त-विशेष-)। गस. उप. अधिकरणे अप् प्र. थादि-स्वरश्च।

l) तु. वे. PW. प्रमृ.; वैतु. सा. गर्भापार्थे स्वाश्र. उपो इति।

m) सपा. शौ ४,१४,१ रुरुहुः इति पाभे.।

n) नाप. पुं. (पाषाण-), स्त्री. (अभिषेषण-शिला-, पेषणी- [वृद्धा इति नभा.])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

o) नाप. (घरट्टोपजीविनी-)। व्यु.?। 'उपलयोः (=घरट्ट-घटकयोः [धान्यस्य]) प्रक्षि(न्>)णी- (=भेदनी-) नना' इति कृत्वा कास. उप. प्रकृतिस्वरमिति, उप.< √प्रक्ष् (<√वक्ष्) इति च मतम्। या ६, ५ [निघ ४, ३] उस. सति उप. <प्र√क्षि वा प्र√क्षिप् वेति. PW. प्रमृ. विप. सति उप. <√प्रक्ष् (<√पृच्) इति।

उप···वोचे ऋ ५,४९,४: उप-वोचन्त ऋ १,१२७,७.

उप-वक्तृ– -क्ता ऋ ४,९,५;६,७१,५:९,९५,५; मै १,९,१[४];४[२]¶; ५¶; काठ ९, ८[३]; ९; ११¶[२]; १२¶; क ८, ११[२]: १२¶.

१उप-वाक[a]– -कः मै १,४,११¶; –†कम् ऋ १,१६४, ८; शौ ९, १४,८; पै १६,६६,८.

उप-वाक्य[b]– -क्यः ऋ १०, ६९, १२.

†उप-वाच्य[c]– -च्य. ऋ १, १३२, २:४,५४,१; काठ ३४,१८.

उप-वत्– -वत् मै १,५,५¶.

उप√वद्, उपवदति शौ १५, २, ३; ११; १७; २३; उप···वदन्ति ऋ ४, ५, ८[d]; ‡उपवद[e] कौ १, ११७;२,९५२; ?उपावद[f] जै १, १३, ३‡; उपावदन् पै १७, २०,९[g].

¶उप-वादिन्– -दी पै ४,३,९.

उप√वध्, उपावधीत् खि ५,२२,२; शौ २०,१३६,२.

उप√वन्द्

उप-वन्द्य– -न्द्यः शौ १८,४,६५[h].

¶उप√वप्, उपवपति तै ५, २, ५, ६; ६, १, ८, ५; ३, १,१; मै १, १०, २०; ३, ७, ७; ४, ७, ४; काठ १३,१०; २०,१[३]; २४, ६; २५, ७[२]; ३६, १४; क ३१, ३; ३७, ७; ३९, ५[२]; उप···वपति मै १,१०,१३[i]; उपवपन्ति मै १, १०, ७; १३; काठ ३६, २; ७; उप···वपन्ति मै १, १०, १३; काठ ३६, ७[२i]; उपवपेत् तै ६, १,८,५; मै ३,७,७[२]; काठ २४, ६[२]; क ३७,७[२].

¶उपो(प-उ)स– -से तै ६,५, २,२; मै ३,९,१;४,६,६[२]; काठ २८,१.

¶उपो(प-उ)प्य– -प्यम् मै ३, ७, ७;१०,७.

उप√वल्ह्[j], उपवल्हामसि[k] मा २३, ५१; का २५,९,७.

¶उप√वस् (निवासे)[l], >वासि,उप-वसति तै ६,४, २,१; २; मै १, ४, १०; ३,३,५; ४, १,३; काठ ११, ८; ३५, १८; उपवसति तै १, ६, ७,३[m];४; उपवसति काठ ३२, ७; क ४८, १६; उपवसन्ति मै १,८,७[२]; ४,५,१[२]; उपवसन्ति मै ४,५,१[२]; उप···वसन्ति तै १, ६,७,३; उप···वसन्ति मै १, ८, ७; उपावसन् मै १, १०, १५; काठ ३६,९; उपवसेत् काठ ३५, १८; उपवसेत् तै १,६,७,३;४; उपवसेत् क ४८,१६.

उपवासयति तै ६, ३, २, ३;४, २, ६[२]; उपवासयति तै ६, ३, २,६; उपवासयेत् तै ६,३,२,३.

¶उप-वसथ[n]– -थे काठ ३४,१५.

उप√वस् (आच्छादने)

उप-वासन– -ने शौ १४,२,४९;६५.

उप√वा

उप-वा[o]– -वाम् शौ १२,१,५१; पै १७,५,९.

२उपवाक,का[p]– -काः मा १९, २२; का २१, २, ११; –काभिः मा २१,३०;३१; का २३,४, २; ३; मै ३, ११, २[२]; -कैः मा १९, ९०; का २१,६,११; मै ३,११, ९; काठ ३८,३.

?उपवान्तु[q] शौ १८,२,२१.

उप-वायत्– उप√वै (शोषणे) द्र.

उप√विद् (लाभे)

उप-विद्[r]– -विदा ऋ ८,२३,३.

[a]) गस. भावे घञन्ते थादि-स्वरः।

[b]) विप. (अग्नि-)। गस. ण्यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[c]) विप. (इन्द्र-, सवितृ-)। उप. आदिरुदात्तः कृत्वा-ऽभावश्च उसं. इति पूर्वाद् विशेषः।

[d]) तु. वें. PW.; वैतु. मा. Gri. उप···हितम् इति, GW. स्काप्र. उप इति च।

[e]) सपा. उपवद<>उपावत इति पाभे.।

[f]) पाठः? [तु. BS २१८ टि.]) । पाभे. e टि. द्र.।

[g]) सपा. शौ १२, ४,४९ पर्यवदन् इति पाभे.।

[h]) PW. WI. उप, वन्द्यः इति पाठः (तु. अंशतः मूको.)।

[i]) सपा. °वपति<>°वपन्ति (एकतरत्र) इति पाभे.।

[j]) सानुरोधे प्रच्छन्ने धा. वृत्तिः द्र.।

[k]) =सपा. शांश्रौ १६, ६, ३। लाश्रौ ९,१०, ११ तु उपबलिहामहे इति पाभे.। आश्रौ १०, ९, २ अप° इति पाठः [तु. BC.] शोधार्हः वैप ४ यद्र.।

[l]) उपसृष्टस्याऽणिजन्तस्य धा. अनशने वृत्तिः द्र.।

[m]) सपा. मै १, ४, १० काठ ३२, ७ नाश्नाति इति पाभे.।

[n]) तु. टि. आ-वसथ–।

[o]) गस. उप. भावे अङ् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

[p]) नाप. (इन्द्रयव-)। व्यु.? । पपा. नावग्रहः। <उप √वा वा उद् √पृ वेति पाउ (३, ४३; ४, १४)।

[q]) पाठे? उप√वह् > उपवहन्तु > नैप्र. यनि. इति मतम् (तु. अनन्तरे सप्र. मन्त्रे उद् √वह इति; वैतु. PW. WI. प्रभृ. < उप√वा इति।

[r]) गस. उप. भावे क्विप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

उप√विध् (परिचरणे), उप···विधन् ऋ १,१४९,१[a].

उप√विवास्, उप···विवासत ऋ ६,१५,६.

उप√विश्, उपो(प+उ)···विशेम ऋ ८,९६,६.

उप-विश्य मै १,५,११¶; शौ १४,२,२३; पै १८,९,३.

उप-विष्ट– -ष्टाय मा २२,७: का २४,३,२; मै ३,१२,३.

१उप-वेश[b]– -शः तै ३,१,७,२: ७,५,५,१; –शाय तै ३,१,७,१; २¶; ७,५,५,१; काठ ३४,४[c]; ३५,१०[२]; क ४८,१२[२].

उप√विष्, उप···विवेष्टि ऋ १०,६१,१२: उपनेविष्टि का २,५,७.

उप-वेष[d]– -षः का २,५,७: मै ४,१,१२[e]¶; काठ ३१,१२[२]¶; –¶षम् मै ४,१,१३; काठ ३१,१२: –षेण तै २,६,५,५¶.

उप-वि√सृज्, उपविसृजेत् मै ३,१०,१¶.

उप√वी (गतौ), उपवेषि ऋ ८,११,४; उपवेतु ऋ ५,११,४: १०,१६,५[c]: उप···वेतु, उप(वेतु) काठ १५,१३.

उप-वी[f]– -वीः[g] तै १,३,७,१: ६,३,१,१.

उप√वृज्, उपावृङ्क्ष पै १७,२८,३.

उप-वृज्य पै ४,१४,६.

उप√वृत्>वर्ति,¶उपवर्तयति मै ४,१,८; काठ ३१,६; क ४७,६.

उप-वृत्र– -त्रम् पै ६,१४,२.

२उपवेश[h]–

¶औपवेशि[i]– -शिः तै ६,१,९,२;४,५,१; मै १,४,१०[j]; ५,९; ३,६,४;६; ७,४; ८,६; १०,५; काठ २६,१०; ३२,७; क ४१,८.

उप√वेष्ट्>वेष्टि

उप-वेष्टयन्– -यन् मै ३,६,८¶.

उप√वे (शोषणे)

उप-वायत– -यन्तम् काठ ३५,१६[२]: क ४८,१४[२].

उप√व्ये,>वी, ¶उपव्ययते तै २,५,११,१; मै १,१०,१८: काठ ३६,१२.

उप-वीत[k]– -तम् तै २,५,११,१¶.

उपवीतिन्[l]– -तिने मा १६,१७: का १७,२,१; तै ४,५,२,१: मै २,९,३: काठ १७,१२: क २७,२.

उप√शक्,>शिक्ष, उपशेकिम शौ ६,११४,३: उपशेकिम शौ ६,११४,२[m]: उपशेकिम पै १६,४९,३.

उपशिक्षन्ति ऋ १,१७३,१०: उपशिक्षामि ऋ १०,९५,१७; उप···शिक्षान् शौ ७,१३,१; पै २०,२०,९; उप···शिक्षाः पै ४,१०,३: †उपशिक्ष>क्षा ऋ १,१९,६:१०,४२,२: कौ २,१११: जै ३,११,७: शौ २०,८९,२: ¶उपाशिक्षत काठ १०,६; उपाशिक्षन शौ ११,१०,१७; पै १६,८६,७. उपशिक्षेत पै २,७४,५[n]: उपशिक्षेम ऋ ३,५२,६: काठ ४०,५: पै १,९६,१.

उप-शाक[o]– -केभिः ऋ १,३३,४.

उप-शिक्षत्– -क्षत ऋ ५,४०,८.

उप-शिक्षा[p]– -क्षायै मा ३०,१०: का ३४,२,२.

उप√शम्>शाम् शमि, उपशाम्यन् पै १७,२८,५.

¶उप···शमयति काठ ७,८[q].

उप-शय– प्रभृ. उप√शी द्र.

उप-शिश्रियाण– उप√श्रि द्र.

उप√शी, ¶उपशये[r] तै ६,३,४,४: काठ २०,६: ९: क ३१,८: ११: उपशेरते काठ २१,२¶; क ३१,१७¶: पै ६,२२,१३: उपशेरे[s] तै ५,२,७,२¶: †उपशेषे ऋ १०,१८,८: शौ १८,३,२: उपशेध्वम् मै २,१३,१६[t]: काठ ३९,९[t]: उपशेध्वम् मै २,१३,१३.

---

[a]) तु. PW. GW.; वैतु. वें. सा. उपभ्रजन्तम् इति ।

[b]) गस. भावे घञन्ते थादि-स्वरः ।

[c]) वैतु. SI. °षा° इति ।

[d]) नाप. (अग्निज्वालक-काष्ठविशेष-)। गस. उप. करणे घञ् प्र. थादि-स्वरश्च । [e]) पाभे. कृते पृ ८३७ *d* टि. द्र.।

[f]) विप. । गस. उप. कर्तरि (तु. सा. प्रभृ.; वैतु. भा. कर्मणि इति) क्विप् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

[g]) पाभे. कृते तु. टि. उपावीः ।

[h]) व्यप. (ऋषि-विशेष-) व्यु. ? ।

[i]) अपत्यार्थीयः इञ् प्र. ञित्स्वरश्च ।

[j]) औ° इति सात. ? यनि. शोधम् ।

[k]) नाप. (यज्ञोपवीत-) । गस. क्तान्ते अनन्तरस्य ग. स्वरः ।

[l]) विप. (रुद्र-) । मत्वर्थीयः इनिः प्र. तत्स्वरश्च ।

[m]) सपा. उपशेकिम<>उपाऽऽरिम इति पाभे.।

[n]) °क्षे इति पाठे? यनि. शोधः ।

[o]) गस. भावे घञन्ते थादि-स्वरः (वैतु. GW. विप. इति)। [p]) गस. उप. स्त्री. भावे अङ् प्र. तत्स्वरश्च ।

[q]) वैतु. SI. ϕउप-जायमान–>-नेभ्यः इति? ।

[r]) प्रपु१ त-लोपः । [s]) प्रपु३ त-लोपः द्र.। [t]

¶उप-शय्[a]– -यः तै ६, ६, ४,४[२]; काठ २९, ८[२]; –यम् काठ २९, ८; –यस्य तै ६,६,४,४; –याः पै ८,७,५$; –येन तै ६,६,४,४. उपशय-त्व– -त्वम् तै ६, ६, ४,४¶.

उप-शीव(र>)री[b]– -री मै २, १३,१६[४]; काठ ३९, ९[२]; –रीः मै २,१३,१६.

उप√शुष्, उपशुष्यां तै ३,१,१०, ३¶.

उप√श्रू,श्रु, उपश्रवत् ऋ ७, ९५, ४[c]; †उपश्रवत्[d] ऋ ६, ४५, २३; कौ २, १०१७; जै ४,९,८; शौ २०, ७८, २; उप···श्रवत् ऋ ६, ५०, ६; †उपश्रुधि[e] ऋ ७, ३२, १; कौ १, २८४; २, १०२५; जै १, ३०, २; उपश्रुधी जै ४, २६, ४‡[e]; उपश्रुत खि ५,८,१[f]; शौ २०,१२७,१. ‡उपश्रुवत् मै ४, १४,७[c]. †उपशृण्वन्ति ऋ १०, ९४, २१; मा १२,९४; का १३, ६, २०; तै ४, २, ६, ५; मै ४,१, ६¶; काठ १६, १३; ३१, ४¶; क ४७, ४¶; †उप···शृणवन् ऋ ४,५८,२; मा १७, ९०; का १९, १, ४; मै १, ६, २; काठ ४०, ७; पै ८,१३,२; उपशृणवः मै २, १, ३; उप···शृणवः ऋ ६,४०,⌊४; ७,२९,२⌋; †उप··· शृण्वन्तु ऋ ६,५२,९; मा ३३, ७७; का ३२, ६, ८; काठ २६, ११; कौ २, ९४५; उप···शृणु ऋ ८, १७, २; मै २, १३, ९; कौ १, २९४$; २, १७; जै १, ३१, २$; ३, २, ८; शौ २०, ३, २; ३८, २; ४७, ८; उपो(प+उ)···शृणुहि>ही ऋ १,८२,१; कौ १,४१६; जै १, ४०,८; उप···शृणुतम् ऋ ६, ६९,⌊४;७⌋; ¶उपाशृणोत् तै ३, ५,७,२; मै ४, १,१; काठ ३०, १०; क ४६, ८; ¶उपाशृण्वन् मै ४,१, ६; ८, १[२]; काठ ३०, १[२]; ३१, ५; क ४६, ८[२]; ४७, ४; उपशृणुयात् मै ४, ५,२[२]¶; शौ १२,४,२७; पै १७,१८,७.

उप-शृण्वत्– -ण्वते काठ २६,१२[g].

उप-श्रुति– -ति ऋ ८,८, ⌊५; ३४, ११⌋[h]; मै ४,१३,९![i]; –तिः शौ १६,२,५; –†तिम् ऋ १, १०, ३; मा ८, ३४; का ८,८,१; कौ २,६९६; जै ३, ५६, २३; –तेः पै २, ४३, १; –त्याः[j] शौ २, १६,२.

उप-श्रुत्य शौ १२, ४, २८; पै १७, १८,८.

उप-श्रोतृ– -†ता ऋ ७, २३, १; तै ३,३, ८, ५¶; कौ १, ३३०; जै १, ३४, ८; शौ २०, १२, १; –तारम् तै ३,३,८,५¶.

उप√शॄ

उप-शी(र्ण>)र्णा– -र्णाः पै २, ८,४[k].

उप√श्रि, †उप···श्रयन्ताम् ऋ १०, १८,१२; शौ १८,३.५१.

†उप-शिश्रियाण– -णाः ऋ ७, ५६,१३; मै ४,१४,१८.

उप-श्रय्[l]– -यः शौ १५,३,८.

उप-श्रित– -तः ऋ ७,८६,८; तै २, ६,९,५[२]; मै ३,६,४[२]; ८; –तम् तै ५,१,४,४¶; –ताः मा १६, ५६; का १७, ८, १०; तै ४, ५, ११,१; मै २, ९, ९; काठ १७ १६; क २७,६.

उप√श्लिष्

¶उपश्लिष्ट– -ष्टः मै १,११,६; काठ १४,६; –ष्टम् मै ३,७,७; ८,५.

उप√श्वस्>श्वासि, †उपश्वासय ऋ ६,४७,२९; मा २९,५५; का ३१.

[a]) नाप. (यूप-)। गस. कर्तरि अजन्ते थादि-स्वरः।

[b]) व्यप.। शिष्टं पृ ८८२ c टि. द्र.।

[c]) सपा. °श्रवत् <> °श्रुवत् इति पाभे.।

[d]) तु. ऋ ६,५०, ६ उप···श्रवत्, सा. PW. GW.; वैतु. उप श्र° इति संपा. यत्र यनि. शोधः।

[e]) सपा. °धि<>°धी इति पाभे.।

[f]) °तन् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ.)।

[g]) =सपा. आपश्रौ २०,१,१७। गोब्रा २,२,१९ वैताश्रौ १८, १२ तु उपश्रोत्रे इति पाभे.।

[h]) 'श्रुतिर् यथा संपन्ना स्यात्तथा' इति कृत्वा वा. क्रिवि. (वैतु. वें. श्रम. इति, सा. °श्रुत्– ⌊बस.⌋>°श्रुति इति, GW. ?ORN. °ती ⌊नृ१⌋ इति)।

[i]) पाठः? । सपा. माश १,९,१,४ आश्रौ १,९,१ शांश्रौ १,१४, ३ उपश्रुती इति, तैब्रा ३, ५, १०, १ उपश्रितः इति च पाभे.।

[j]) °त्या इति पपा.? यनि. शोधः (तु. सपा. पै. °तेः इति, W. टि. च)।

[k]) सपा. शौ ४, ३,६ अपिशीर्णाः इति पाभे.।

[l]) नाप. (आश्रय-)। संपा. पूर्वेण संधिरार्षः। गस. उप. भावे अच् प्र. थादि-स्वरश्च (तु. कौउ २,५ उप-श्री- इति W. च; वैतु. अप-श्रय्–>-यः ⌊तु. पपा. शंपा. RW. प्रमृ.⌋ इति यत्र यनि. शोधः कर्तव्यः)

२,१२; तै ४,६, ६,६; मै ३,१६, ३; काठ ४६,१; शौ ६,१२६,१; पै १५,११,९.

उप-श्वस्[a]- -से शौ ११,१,१२; पै १६,९०,१.

उप-प्लुत्- उप √स्नु द्र.

†१उपस्[b]- -पसि ऋ ५,४३,७; १०, २७,१३; मै ४,९,३.

२*उपस्- २उपस्थ- द्र.

?उपसंxx पै २,६५,३[c].

उप-सं √या, उपसंयान शौ ६,७३,१.

उप-सं √विश्, उपसंविशानि पै २०, २९, ८; उपसंविशस्व पै १, ८६,३.

उपसं-वि[illegible] > [illegible]- -नीः पै २०,५३,५.

उप-सं √व्ये, उपसंव्ययस्व शौ २, १३,३.१९,,२४,५[d].

?उपसंसति[e] पै ९,,२५,१३.

उप-सं √सद्, उपसंसदेम पै १, ९२,३.

उप-सं √क्रम् > क्राम्, ¶ उपसमक्रामत् मै १,५,८.

उप-सं √ग्रह्, ¶उपसंगृह्णीयात् मै ४, १,१३.

उप √सच्, उप···सचन्ते ऋ १,१९०, २. उप···सचन्ते शौ १८,४,४०[f].

उप-सं √चर्, उपसंचरताम्, उपसंचरेम[g] पै १,१०६,२.

उप-सत्त्-, °सत्-त्व- उप √सद् द्र.

?उपसत्याम्[h] पै १,१८,४.

उप √सद्, > सीद्, सादि, उप··· सदेयुः पै ६,२२,१०; उपसदेम शौ ७,७८,८; उप··· सदेम ऋ ६,१,६[i]; ७५,८; मा २०,,८५†; तै ४,६,६,३; मै ४, १३,६†[i]; काठ १,३;१८,२०†[i]; ३१,२; ४६,१†; क ४७,२; शौ ३,१४,६;११,१,३४; पै २,१३, ३; १५,१०,८†; १६,९२,८; १९,,५२,८.

¶उपसीदन्ति तै ७,२,२,३; काठ ६,३; २५,७; क ४,२; ३९,५. उपसीदन्ति मै १,८,३¶; उपसीदन्ति तै ७,५,३,१¶; शौ ९,,१,९; उपसीदन्ति काठ ३३,५¶; पै १६,३८,९; उप-सीदत ऋ १०,६१,९; उप··· सीदन् ऋ १०,९९,८; उपसीदन् ऋ १,७२,५; पै २०, ११,५†; उप···सीदन् ऋ १, ६५,१; उपसीदान् शौ ११, १,२६; ३२; पै १६,९१,६; ९२,२ उप···सीदान् पै १७, ३९,५[i]; उपसीदतु मै ४,९,७; उपसीदन्तु शौ ११,१,२५; पै १६,९१,५; उपसीद शौ १४, २,२४; २५; पै ५,३१,२;१८,

९,५[i]; †उपसीदत ऋ ९,,११, ६; कौ २,७९६; उपसीदाम मै ३,८,१¶; ¶उपासीदत तै ४,२,१३; ¶उपासीदत् तै २, ५,१,२; ३;५; उपासीदन् मै ३, ८,१¶; उपासीदन् तै ६,२,३, ३¶; उपसीदेयुः काठ ३३,५¶. †उपसेदुः ऋ ७,३३,९; १०, ७३,११; १३०,२[k]; तै ५,७,४, ३[l]; काठ ९,१९; कौ १,३१९; जै १,३३,७; पै २०,५२,८; †उपसेदिम, > मा ऋ १,८९, २;५,८,६;८,४९,६; खि ३,१, ६; मा २९,१५. का २७,११, २; S‍ै १,१.१०,२; ३,५,६, १; मै ४,१४,२; पै २,३०,१; १६,७३,१; उपासदत् ऋ ६, ५७,२; तै १,६,११,३¶.

¶उपसाद्यन्ते तै ६,२,३,२;८.

¶ उपसादयति तै ६,४,२, ६,मै ४,१,५; काठ ६.५; ३१, ३; क ४,४;४७,३; उपसादयम् पै १९,,८९,५; ¶उपसादयेन तै १,६,१०,२;३; मै १,८,८; उपसादयत तै ६,४, २,५¶; ¶उपसादयेत् काठ ६, ४;५; क ४,३;४ उपसाद्यते मै ३,९,५¶; उपसाद्यते मै ३,९,५¶.

[a]) नाप. [शूर्प- (तु. कौसू ६१,२९; वैतु. W. धमनी- इति, Gri. विप. [द्रवय-] इति, PW. B. प्रमृ. भाप. इति च)]। व्यु.?।

[b]) =१उपस्थ- (तु. या [६,६] प्रमृ.)। व्यु.?। नैप्र. थ-लोप इतीव स्क. दु. च?। √वप् (*धारणे, *ग्रहणे [तु. √लभ्, पंजा. √नप्, Eng. lap])> १उपस्-> १उपस्थ- इतीव तु प्रक्रमः स्यात्।

[c]) त्रुटितः पाठः? [d]) पाभे. कृते पृ ९३५ j टि. द्र.।

[e]) पाठे? ? उपसंस्थितम् इति शोधः (तु. सस्थ. टि. ?चरन्तिम्)।

[f]) सपा. हिगृ २,१०,६ उत भजन्ते इति पाभे.।

[g]) सपा. मंत्रा १,६,१४ आपमं २,३,१ संचरेमहि इति पाभे.।

[h]) पाठे? उपसंयन्तु इति शोधः (तु. शौ ३,८,४)।

[i]) तु. सस्थ. टि. आ।

[j]) पाभे. कृते पृ ९२७ e टि. द्र.।

[k]) सपा. °सेदुः <> °तस्तम्भुः इति पाभे.।

[l]) पाभे. कृते पृ ९३१ f टि. द्र.।

उप-सत्तृ- -त्ता मा २७, २[a]:४; का २९,१,२[a]; ४; तै ४, १, ७,१[a]; २; मै २, १२, ५[2a]: काठ १८, १६[2a]; क २९,४[2a]: शौ ७,८७, ३: पै ३, ३३, ४: –त्तारः[a] शौ २,६,२: ३, १२, ६: पै ३, ३३, २: २०, २२,३.

उप-सद्[b]- -¶सत्सु मै ३,७,९.४,७, २: काठ २९,२;३४,१३: क ४५, ३; –सदः ¶तै ६,२, ३, ७:३[2]: ४:४,१: ५,१[2]: ७,१, ९, १; २, १०,३: ¶मै ३,७,९[2]:८,१[2];२[2]: ९,१: ¶काठ २४, ८[2];१०; २५, १[2]:२९,२:३४,६;१२: ¶क३८, १[2]; ४[2]: ४५, ३: शौ ६, १४२, ३; ९,१२,६; १५,३, १०; ११; पै ७, ६, ५: ११, २, ७: १६, १३९, ९; –सदम् ऋ २, ६,१: मा ३०,९; का ३४,२,१: तै ६, २,३, ३¶: मै ३,८, १[2]¶; काठ २४, १०[2]¶: ¶क ३८, ३[2];४[2]; –¶सदा तै ६,२,३,२: मै ३,८, १: काठ २४. १०[2]: क ३८,३[2]; –सदाम् मा १९, १४; का २१, २,३; ¶मै ३,७, ९[2]; ८, १;२: ४, ७, २; काठ २४, १०¶; क ३८, ३¶; –सदि काठ ३४, १४[3]¶; –¶सद्भिः तै ५, ५, ७, ५;७,४,९,१; मै ३,८, १[2]; काठ २४, १०[4]; २६,२; ३४,७[2]; क ३८,३[4]:४०,५; –सद्भ्यः मै ३,९, १¶.

उपसत्-त्व- -त्वम् मै ३, ८, १¶.

†उप-सद्य ऋ ३, १४,⌊५ (६,१६, ४६;१०,७९,२)⌋: मा १८,७५; का २०,५,८.

उप-सद्य,द्या[c]- -द्यः ऋ २,२३,१३; ३,५९,५;१०,४७,६: तै २,४, १४,२; ६,४,९,२¶; मै ४,१२, ३;शौ३,४,१;५,३०,११;६,९८, १; पै ३,१,१;९,१४,१:१९,१२, १३; –द्याम् पै ४,१०,१: –द्याय ऋ ७,१५,१; –द्ये पै २०,५६, ७.

¶उप-सद्व- -द्वम् मै १, ८, १०: काठ ६,३:८,७: क ४,२;७,४.

उप-सेदिवस्- -दुषे ऋ ८,४७,१६.

उप-सं√धा, ¶उपसंदधाति मै ३,१, ९; काठ २२,६; क ३४,१.

उप-सं√नम्, उपसंनमन्तु शौ १९, ४१, १?[d]; पै १, ५३,२?[d];३?[d]: ९२, ३[d]; १०, ४,१.

उप-सं√नश् (व्याप्तौ), †उप··· सम्···आनट्[e] ऋ ४,५८, १[f]; मा १७, ८९[f]; का १९, १, ३[f]; मै १, ६, २[f]; काठ ४०, ७[f]; पै ८,१३,१[f].

उप-समि (मू√इ), उपसंयन्तु शौ ३, ८,४[g]; उप[h](समित) शौ ३,८, ४; पै १,१८,४.

¶उप-सं√पद्, >पादि, उपसम्पद्यत मै ४, ३,४.

उपसंपादयति मै १, १०,८.

उप-सं-परा√णी(<र्नी), उपसंपराणयात् शौ १८,४,५०[i].

उप-सं-प्र√या, ?उपसंप्रयात[j] मा १९, ५३: का १६, ६, ५: काठ १८, १८: क २९, ६; ?उपसंप्रयात मै २, १२,४[j].

उप-सर्पत्- उप√सृप् द्र.

उप√सिच्, ञ्च्, उपसिञ्चति तै ६,३,११,४¶; पै १६,११२,८; १२०, ४[2]; उप···सिञ्चति मै ३, ९,६¶; उपसिञ्चतु पै २०,

[a]) सपा. °त्ता <> °त्तारः इति पाभे. ।

[b]) नाप. (ऋ २, ६,१ तै ६,२,३,३ प्रमृ. ⌊वैतु. PW. मा ३०, ९ शौ ९, ७,६; १५, ३, १०;११ विप. इति⌋)। गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[c]) विप. (बृहस्पति-, मित्र-, इन्द्र- प्रमृ.)। गस. उप. क्यप् प्र. उसं. (पावा ३, १, १०९) प्रकृतिस्वरश्च । यत्तु भा. तै ⌊२, ४, १४, २⌋ कर्तरि यत् प्र. इत्याह तद् विमृश्यम् ।

[d]) पाठे? अपि सं° इति द्विपदः शोधः (तु. तै ५, ७, ४,३ तैब्रा ३, ११,९ अपि इत्यस्य स्थाने इव अभि इति ⌊तु. परि. यस्था. टि.⌋)। एवं तावत् लैवि. द्र. । यद्वा ड अपि > वपि > उपि > यस्थि. इति वावि. एव स्यात् ।

[e]) तु. उ. म. GW. ORN.; वैतु. सा. यनि. योगमनुमन्वानोऽपि पादपूरण· उप इति। सपा. तैब्रा १०, १०,२ उपांशुना ⌊तु. SI. काठ.⌋ इत्येवम् ऐकस्वर्येणोपलब्धेः पदस्यैकस्य सुपा.? यनि. शोधः ⌊एतदनु वैप २, २८७ उपांशु- > -शुना इत्यत्राऽपि शोधः द्र. ।

[f]) =सपा. तैब्रा १०, १०,२ मना २, १२, २ आपश्री ५, १७, ४ । आपमं २, ३, २ तु उप···सम्···अश्याम् इति पाभे. ।

[g]) छन्दस्त उपसंनयन्तु इति W. शोधः विमृश्यः ।

[h]) तु. W. Gri.; वैतु. सा. सामीपार्थे स्वाश्र. इति ।

[i]) तु. पा ८, १, ७०, W.; वैतु. पपा. शंपा. RW. सात. °सं° इति ।

[j]) तु. पृ २२० j टि. । सपा. उपसंप्र° <> उपसंप्र° <> अनुसंप्र° इति पाभे. ।

३८, ५; †उपसिञ्चतम् ऋ ४, ५७, ५; शौ ३, १७, ७[a]; उपसिञ्चत शौ ६,५७, २; पै १९, १०,४

उप-सिच्य शौ ९,९,१; ३; ५; ७;९; १०; पै १६,११४, १-५; १२५, १-५.

उप-सेक्तृ- -क्तारम् मा ३०, १२; का ३४,२,४.

उप-सेचन[b]- -नम् शौ ११,३,१३; पै १६,५३,१८; -नाय ऋ १०, ७६,७; -नासः ऋ ७,१०१,४.

उपसेचनी- -नी ऋ १०,२१,२; १०५,१०.

उप-सिष्मियाणा- उप √स्मि द्र.

¶उप √सृ, उपासरत् मै १,४,१३;५, ११;८,९; २,१, १; २; ४;५; ७;८;१०; २,१;३; ४; ५:७; ८;१०;११; ३,१; ६; ४,८; ५,१:३;४;५: ६; ७; ८;११; ४,३,३; काठ ३७,११.

उप-सृत- -तः तै २,१,४,६.

उप √सृज, ¶उपसृजति तै ५,१,३, १;५,१:६,१; मै ३,१,६; ४, १, ९; ¶उपसृजति मै ३, १, ५;७,७; काठ ८,२; ¶उपसृजति काठ १९, ५; ३१, ७; क ६, ७; ३०, ३; उप…सृजतः ऋ ८, ७२, ७; उपसृजन्ति ऋ २, १, ⌊१६;२,१३⌋; उप…सृजथः ऋ १, १८०, ६; उपसृज,>जा ऋ ६, २०, ८[c]; ३६, ४; मा ११, ३८; का १२,४,१; तै ४,१, २, ४; मै २, ७,४; ३,१, ५; काठ १६, ४; १९, ५; क ३०, ३; उप…सृज ऋ १, १८८, ⌊१० (१४२,११)⌋; उप… सृजतम् ऋ ८,३५, २०; उप… सृजत पै ५,३१,१; ¶उपासृजत् काठ ६,५; क ४,४.

उप…ससृजे ऋ ७, १८, ४; उप…अनृक्षि ऋ ८,२१, ११[d]; †उप…असृक्षि ऋ २,३५,१; मै ४,१२,४; काठ १२,१५.

उपसर्जि ऋ ९,६९,१.

उप-सृजत्- -जन् मा ८, ५१; का ९,६,३; पै ११,७,१.

उप-सृज्य मै १,६,३¶.

¶उप-सृष्ट,ष्टा- -ष्टः मै ३, ७,१०; -ष्टा मै १,८,८.

उप √सृप, उपसर्पति पै ८,६,१०[e]; उपसर्पतः[f] कौ २, १००५[g]; जै ४, १७, १०; उपसर्पत् ऋ १०,९९, १२; उपसर्पन्तु शौ ५,११, ६; पै ८,१,६; †उप-सर्प ऋ १०,१८, १०; शौ १८, ३,४९.

उपसृपत् शौ १२,१, ४६; पै १७, ५, ४; उपसृपः शौ ८, ६,३; पै १६,७९,३.

उप-सर्पन्- -र्पतः शौ ७,५८,५.

उप-सृप्त- -प्तः पै २०,४७,२.

उप-सेदिवस्- उप √सद् द्र.

¶उप √स्कन्द्

उप-स्कद्य मै २,४,१.

उप √स्कम्भ्, उप…स्कम्भथुः ऋ ६,७२,२[h].

उप √स्तभ्, म्भ, उपतस्तभुः शौ १०,७,४४‡[i].

¶उप-स्तभ्य काठ २९,७; क ४५, ८.

¶उप-स्तम्भन- -नम् तै ६,६,८,१; मै ४,७,३; काठ २९,७; क ४५, ८.

उप √स्तभाय[j], उपस्तभायत ऋ ४, ५, १, उप…स्तभायत् ऋ ४, ६, २; उप…स्तभायः ऋ ६, १७,७.

ϕउप-स्तभायन- -यन् ऋ ४, २१, ५.

?उपस्तम्भे पै ११,८,१.

उप-स्तरण- उप √स्तृ,स्तॄ द्र.

१उप-स्ति[k]- -†स्तयः[l] ऋ १०, ९७, २३; मा १२, १०१; का १३,

a) °ताम् इति सा. ? ।

b) विप. (कोश- ⌊ऋ ७,१०१,४⌋), भाप. च । गस. उप. कर्तरि भावे च ल्युट् प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

c) स्वरूपम् ? यनि. लोटि मपु१ इतीव कृत्वा °(ज>)जा इति पपा. ORN. च, लङि प्रपु१ इति कृत्वा उपासृजत् इति सा. GW. च, लेटि उपु१ इति कृत्वा °सृजै इति Baunack ⌊KZ ३५, ५२२⌋ ।

d) तु. सस्थ. टि. आ ।

e) सपा. शौ ४, २०,९ अतिसर्पति इति पाभे. ।

f) ताविमा उपसर्पतः इति पाठस्य स्थाने सपा. मै ४,२,५ इमामनुसर्पत इति पाभे. ।

g) तु. सस्थ. टि. अभि ।

h) स्वरस्य कृते तु. Old. ⌊ZDMG ६०, ७४०⌋ ।

i) पाभे. कृते पृ ९४३ k टि. (यत्र यनि. शोधः) द्र. ।

j) √स्तभ्+आयः प्र. उसं. (पा ३,१,२८) ।

k) विप. (⌊गौण-, अधःस्थ-, हीन-, वश्य-⌋ भ्रातृव्य-, वृत्त-, स्तोम-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. भाप. सतः व्यु. ? <√अस् (भुवि), √स्त्यै, √स्था इत्येवं विमतिः द्र. । पपा. नावग्रहः (तु. पृ ३६३ q टि.) ।

l) सपा. उपस्तयः, उपस्तिः <> उपस्तयः, उपस्तिः <> उपस्तयः, उपस्तिः इति पाभे. ।

६, २५; –†स्तिः ऋ १०, ९७, २३[a]; मा १२, १०१[a]; का १३, ६, २५[a]; तै ७, २, ५, ४¶; –स्तिम् तै ७, २, ५, ४[b]¶.
उपस्ति-तर– -रम्[c] तै ६,५,८,२¶.
२उप-स्ति[d]– -स्तयः[a], –स्तिः[a] शौ ६, १५, १‡; –स्तिम् मै ४, १, १२¶[b]; –स्तीन्[e] शौ ३, ५, ६; ७.
३उप-स्ति[f]– -स्तयः[a] पै १९, ५,१४; –स्तिः पै ३, १३, ८; १९, ५, १४†[a]; –स्तिम् काठ ३१,९¶[b]; क ४७,९¶[b]; पै ३,१३,७[e]; ८[e].
उप-स्तिर्, उपस्तिरे, °स्तीर्ण–, °स्तीर्य– उप√स्तृ, स्तॄ द्र.
उप√स्तु, >स्तु, उप···स्तुमः शौ ३, १५,७; उपस्तवन् ऋ ८,८६,२; †उपस्तुहि ऋ १, १२, [७ (१३६,६)]; २२, ६; २, ८, १; ५, ४२, ७; १५; ८, २०, १८; २४, २३; ९९, ८; कौ १, ३२; २,६७०; जै १, ३,१२; ३, ५५, ११; शौ २०, ५८, २; ६६, २; उप···स्तुहि ऋ १,१३६,६. †उपस्तोषाम ऋ ६, ५५, ४; ७,२,२; मा २९, २७; का ३१, ४, ३; मै ४, १३, ३; काठ ३७,४.
उप-स्तुत[g]– -स्तुत ऋ ९,८७,९.

१†उप-स्तुत, ता– -तः ऋ ७, २७, ३[h]; १०, ९६, ५[i]; मै ४, १४, १४[h]; शौ १९,५,१[h]; २०, ३०, ५; पै २०, १८, ४[h]; –तम् ऋ १०,६०,१; तै ४, २, ८, १‡[j]; कौ ३,१, २‡[h]; जै २,१, १‡[h]; –ता ऋ १,१३६,१; ५, ७६,२; †कौ २, ११०३; –ताः ऋ १, ११०, ५; –ते ऋ २, ३२, १; –तौ ऋ १, १८१,७.
२†उप-स्तुत[k]– -तः ऋ १,३६,१०; शौ १९, ३, १; २०,१२,६; २७, ४; –तम् ऋ १, ३६,१७; ११२, १५; ८,५,२५; –तस्य ऋ १०, ११५, ८; –तासः ऋ १०, ११५,९; –ऽतासः ऋ ८,१०३, ८; कौ १, १०७; २, २२८; जै १,१२,१. ३,२०,१२.
†उप-स्तुति– -तिः ऋ १,१५८,४; ७,८३,७; ८, १, १६; १०,६४, ११; –तिम् ऋ १, १४८, २; १९०,३; ४, ५६,५; ८, ४, ६; २७, ११; ६२, १; ७०, १३; ८४,४; कौ २, ८९९; ९४६; जै ४, १४, ३; –तीनाम् ऋ ८, २७, १५; –तौ ऋ १०,१६७, ३.
उप-स्तुत्य खि ५, ७,२,८; मा २१, ४६; का २३, ५, ४; मै ४,१३, ७; काठ १८, २१.
†उप-स्तुत्य,त्या– -त्यम् ऋ १, १३६, २; १६३, १[i]; मा २९, १२[i]; का ३१, ३, १[i]; तै ४,६, ७,१[i]; मै १,६, २[i]; काठ ३९, १[i]; –त्या ऋ ६,६१,१३.
उप√स्तृ, स्तॄ, ¶उपस्तृणाति मै ४, १, ६; ७; उपस्तृणाति तै १, ६, ७, ३¶; उपस्तृणन्ति तै २, ६,३,१¶; †उपस्तृणन्ति ऋ १, १६२, १६; मा २५, ३९; का २७, १४, १; तै ४, ६, ९, २; मै ३, १६, १; काठ ४६,५; शौ ९, ६, ८§; उपस्तृणामि मै ४, ९, २७¶; उपस्तृणान तै २, ६, ३, १¶; उपस्तृणीहि शौ १२, ३, ३७. १४, २, २३; पै १७, ३९,७; १८,९, ३; उपस्तृणीतम् ऋ ८, ७३,३; उप···स्तृणीत पै ५, १६, ३; उपस्तृणीथन[l] शौ १४, २, २२; पै १८, ९, ४; ¶उपस्तृणीयात् मै १, १०,७[2]; काठ ३६, २[2]; उप···स्तृणीयात् तै २, ६,८,४¶.
उपास्तरीः शौ १२, ३, ३८; पै १७,३९,८.
उप-स्तरण– -णम् ऋ ९, ६९, ५; मै ४,९,२७[m]; शौ ५१९, १२; पै १६,५४,५.

a) पाभे. क्रुते पृ ९४५ *k* टि. द्र. ।
b) सपा. उपस्तिम् <> उपस्तिम् <> उपस्तिनम् इति पाभे. ।
c) द्वि १ सत वा. क्रिवि. (वैतु. MW. अव्य. इति)।
d) व्यु.?। अर्थतः =१उपस्ति– यत्र शिष्टं द्र.। अत्र सपा. अवग्रह इति तु विशेषः ।
e) सपा. उपस्तीन् <> उपस्तिम् इति पाभे. ।
f) स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः ।
g) विप. (सोम- [तु. सा.; वैतु. GW. अव्य. इति])। गस. उप. क्विबन्ते षत्वम् उसं. (पा ८,३,९८)। प्रकृतिस्वरः ।
h) सपा. °स्तुतः <> °स्तुतम् इति पाभे. ।
i) उप-स्तुत्– > द्वि ३ रूपमिति मन्वानः GW. चिन्त्यः ।
j) सपा. °स्तुतम् <> °स्तुत्यम् (वैताश्रौ ६, १ च) इति पाभे. ।
k) व्यप. । आशिषि संज्ञायां कः (पा ३, ३, १७४) अन्तोदात्तः उसं. (पा ६, २,१४८) ।
l) त>थनः आदेशः (पा ७,१,४५) ।
m) =सपा. तैआ १,१२,५ माश्रौ ४, ३,४३ । तैआ ४, ४२,५ तु आवपनम् इति पाभे. ।

उप-स्तिर्[a]– -स्तिरम् ऋ ९, ६२, २८; –स्तिरे[b] ऋ २, ३१,५.

उप-स्तिरे[c] ऋ ४, ३३, १; ५,८५, १; ९,७१,१; काठ १२, १५†, शौ १४, २, २१?[d]; पै १८, ९, २?[d].

उप-स्तीर्ण– -र्णम् तै १, ६,७,३¶.

उप-स्तीर्य[e]– -र्यः तै १,६,७,२¶.

उप-स्तृणीषणि[f] ऋ ६, ४४,६.

?उपस्तेपदमोपनि पै १९,३७,२.

१उपस्थ[g]– -स्थः तै ३, ३,११,४; ¶मै ४, ७,९[2]; शौ ७, ७, २[h]; –स्थम् ऋ २,३५,९; ४१, २१; ७, ६, ६; तै २, ५, १२, १†; ६,५,८,५; मै ३,८,७†; ४, ५, ४; १२, ४†; शौ १३, १, ४; पै ४,३,४; १६, ११८, ५; १८, १५, ४; –स्था[i] ऋ १, ३५, ६; १२४, ५; तै ४, ४, १२, ३[j]; मै ३, १६, ४[k]; काठ २२, १४; पै १५, १,७; –स्थात् ऋ १, ९५, ८; ३,३३,१; ६, ६२,६; ७, ९, १; ६३, ३; ८८, ७; १०, १७, १२[l]; १८, १०[m]; १६१, २; मा ७, २६†[l]; का ७, ११, १†[l]; तै ३,१,१०,१†[l]; शौ ३, ११,२†; ७, ५५, ३; १४, २, २५; २०, ९६,७†; पै १,६२,२; ६,३,२; ८, १४, ४†; १८, ९, ६; २०, १०, ६; १२, ८†; –स्थे ऋ १, ३१, ९; ३५, ५; ९५, [५ (२, ३५, ९)]; १०८, ३; ११५, ५; ११७, ५; १४४, २; १४६, १; १८५, २; ५; २, १४, ७; ३, ५, ८; ८, १; २६, ९; २९, १४; ५, १,६; १९, १; ६, ७, ५; ८, [४; १०, ८, १; ४५, ३][n]. ७५, १; ४; ७,५,१; ३४,[२५; ५६, २५ (१०, ६६, ९)]; १०४, ९; ८,६०,४; ८२,२; ९४, २; ९६, १५; ९,२६,१; ७१, ५; ७४,५; ७६,५; ८६,२५; ८९, १; १०९, १३; १०, ५,१; ७,८,७; १५,७; ४६,१[o]; ६९, १०; ७०, ६; ७९,३; ८५,२; ९५, १४; १०१, १०; मा १,११; ११, २१; ५७; १२, १५; २०†[o]; ३९; १९, ६३†; २९, ३८†; ४१†; ३३, ३८†; ३५, ५; का १,३,८; २, ३,४; ५,३; १२, २,१०; ५, ८; १३, १, १६; २ ३†[o]; ३, १०; २१, ४,१३†; †३१, २, २; ४; ३२, ३, ९†; ३५, ४, ४; तै १, १,४,२; ३, १४, १†; ४, ४०, १; ५,३,१; ६,२,२; ५,१; ४, १,२,४; ५,३; ९, ३; २,१,५; ३,३; ३,११,३; ४,१२,५; †६, ६,१; २; ५, १,९,६; मै १, १, ५; २, १३†; ४,८¶; ६, १; २; २, ७,२; ५; ८; १०; १३, १०; ३, २, १; ८, ४; १६, ३[3]†; ४; ४,१,५; १३, ११,१†; १३,१†; †१४, ४; ७; ८; काठ १, ९; २, १५†; ७,१३[3]; ८,६; १७; १५, १२; १६, २; ५; ८; १०; १७, १९†; २२, १४; २८, ८[?]¶

a) गस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। प्रथमे स्थले नाप. स्त्री. इति।

b) भाप. च१। 'स्थातुः (˪यद्र.˩ स्तोतुः) वयः (आयुः ˪प्र१˩) उप° (=ऊर्द्वम् ˪कल्पत इति शेषः˩)' इति वा. द्र. (वैतु. वें. सा. GRV. GW. MW. लटि उपु१ रूपम् इति, PW. केनन्तम् इति च)।

c) गस. केनन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. PW. W. GW. ˪प्रथमे स्थले˩ MW.; वैतु. वें. सा. भाप. इति मत्वा, GG. (प्रथमे स्थलद्वये) नाप. इति च मत्वा °स्तिर्– >च१ रूपमिति)।

d) शंपा. RW. र. प्रभृ. °स्तरे इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पै. ˪BKA. मूको. च उपस्थिरे इति˩, आपमं १,८, १, W. च)। e) गस. प्रकृतिस्वरः। उप. क्यप् प्र. उसं. (पावा ३,१,१०९)।

f) तुमर्थीयः सनिश्च प्र. उसं. [पा ३, ४, ९ (तु. सा. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. ˪पक्षे˩ लोटि उपु१ इत्यपि)]।

g) नाप. (उत्सङ्ग-)। व्यु.?। १उपस्– + स्थ– (<√स्था यद्वा नैप्र. √धा)>बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. GW. WAG ˪१,९८ b˩ MVG ˪३०,४a; ८१,२a˩ प्रभृ.; वैतु. पपा. या ˪७,२६˩ स्क. दु. सा. ˪ऋ १,३१,९˩ <उप√स्था इति)।

h) तु. पपा. मूको. W. WI. तै ३,३,११,४; वैतु. शंपा. सा. °स्थे इति। i) सप्त१ (पा ७, १,३९)।

j) °स्था इति मुद्रितः पाठः पपा. सा. च?।

k) तु. पपा. सात. मूको.: वैतु. Sch. °स्था इति? (तु. पूर्वं टि.)। l) सपा. °स्थात् (माश ४, २, ५,२ गोब्रा २, २, १२ वैताश्री १६, १७ माश्री २, ४, ३, २९ च) <> °स्थे इति पाभे.।

m) =सपा. तैआ ६,७,१। शौ १८, ३,४९ तु पुरस्तात् इति पाभे.। n) सपा. उपस्थे (शांब्रा २१, ३ माश ६,७,४,४ तैआ ६,३,१ या ७, २६ च) <> योनौ (आपमं २,११,२३ च) इति पाभे.।

o) सपा. कौ १, ७७ जै १, ८,५ विवर्ते इति पाभे.।

३१, १२¶: १४[२]; ३२, ६¶; ३५, ८‡[a]; ३९,१०: ४६,१[२]†: क १,९: ६, ४: ७, २: २५, १; ४४,८[२]¶: †कौ १,७१[b]: ४३१: †जै १,७,९[b]; ४२,५: ५,१०, ९: शौ २, २८, १: ४: २९, ४: ८,४,९†; १३, १,३८: १४,१, २†:४७: १८, ३, ४३†:६५†[b]: २०, ३४,१६:१२३,२†: १३७, ९†: पै १,१२,१: ३: २,३०,४: ५,३७,८: ७, ६,३: ८, १४,५†: १३, ७,१७: ९,१०: १५, २,३: †१०,१: ४: १२, १०: १८, १, २†: ५,४: १८, ८: २०, ३, ८: ३५,१.

† उपस्थ-सद्- -सत् ऋ १०,१५६, ५: कौ २,८८१.

उपस्था(स्थ-अ)धिक[c]- -कम् पै १, ५५,२.

२ उपस्थ[d]- -स्थम् मै १, १०, ९: ३, १०,७[e]: ४,८,१: काठ ३६, ३. -स्थे मा १९,९२: का २१, ६, १३: तै ३,११,९: काठ ३८,३.

३ उप-स्थ- उप√स्था द्र.

उप√स्था,>तिष्ठ, स्थापि, ¶उपतिष्ठते तै १,५,८,३: ७,२: ३[८]: ४[२]: ८,३[२]: ९,२: ५: ७, ६, ८: २, १,४,८:३,१२,२: ३,१,१०, ३:२,८,१: ५, १, २, ५: ९, ६; २,१,६:७; २,६[२]: ८, ८, १: ८, १:५,७,४: ८,१[२]; २: मै १, ५, ६[४]; १०: ११[४]: १४[७]; ३, २,१; २[४]; ४[२]: ७: ४,१[f]; ४, १,१४[२]; ३, ८; काठ ७, ४: ¶उपतिष्ठते तै १, ५, ८, ३[२]: ५: ९, २: ३; ५[२]: ६: ७[४]: ५,२,१,६: ५, ८, २: मै १, ५,७[२]: ९: १०: १२[२]: ३,२,२: काठ ७,४: ¶उपतिष्ठते काठ ७, ५[८]:६[३]: ७[३]: ९[२]: १०[२]: ११: ८,६: १९,११: १२[३]: २०, २[२]: ५: २१, ७: ११: २६, ६: ३२, ५: क ५, ३[२]: ४[८]: ५[३]:९[२]: ६, १[३]: ३१, १: २[२]:४[२]: ७:१०: ४१, ४: उपतिष्ठति शौ १२,४, ३५: उपतिष्ठति मा ३०,१८[g]: का ३४, ३, ५[g]: उपतिष्ठति पै १७,१९,५: १९,४०,७: ¶उपतिष्ठेते तै ५,२,७,५: मै ३,२,६: उपतिष्ठतः मै १, ५, ५¶: ४, १४,१२‡[h]: ¶उपतिष्ठन्ते तै १, ७,१,१: २,३,९, ३: ३,४,८,२: ५,७,३: ९,१:५,२, २,६:४,४[२]: ८, ५: ७: ४, २, ४: ६, ५, ९, ४: ६,४, २: मै १,४,५: ५, ७[२]: ६,५: १०,७: १९: २,५,१: ३, २, ७:४,१,६:७;३,६: ६,३, ७, ४: काठ २१, ६: उपतिष्ठन्ते ऋ ३,२२,३: खि २,१५,१: मा१२, ४९†: का १३, ४, ५†: †तै ३, १,११,३: ४,२, ४, २: मै १,६, १०¶: २, ७,११†; ¶३, २,७; ९, ६: ७: ४, १०, १; शौ ७, ४१,१: ८,९,८: उपतिष्ठन्ते काठ ६, ५: १२, ८: १३, १२; १६, ११†;१९,८;१४†;२०,७; २१, ९; २४,६; २६,८: २८,९: ३२, ३:३६,१: क ४, ४:२५,२: ३१, ९: ३७, ७: ४१, ६: ४४,९; पै १६, १८, ८: २०, ९, ६: उपतिष्ठन्ति शौ १३,४,६: १९,५८, ३: २०, १३०,७[i]: पै १, ११०, ३; उपतिष्ठन्ति शौ १७, १,८; उपतिष्ठन्ति पै १२, ७, १[२]: १६, १२७, १-५: १८, ३१, ३: उप···तिष्ठन्ति शौ ९, १२,२६; उप···तिष्ठन्ति ऋ ८,६८,१४: मै ४, २, ९¶: उप···तिष्ठन्ति पै ६, २२, ८: १६, १३९, २७: उपतिष्ठथः ऋ ५,६३,३[h]; उपतिष्ठाते ऋ १, १२८, ११; उपतिष्ठत पै १६,१००,१३: उप··· तिष्ठात् ऋ १०,९५,१७: पै २०, २०, १०: उपतिष्ठन्त ऋ १०, ११७,५; उपतिष्ठन्त ऋ १,१३५, ८: उपतिष्ठताम् शौ १८,२,३७; उपतिष्ठतु शौ १०,१, १०: १९, ४३, ७: पै १६, ३५,१०: उपतिष्ठन्तु शौ १०, ५, ६: १८, ४, ३३: पै १, ४६, ६: ७, १५, ४: २०,९,२: उप···तिष्ठन्तु शौ ४, ३४, ५-७: उपतिष्ठस्व तै ३, २, ५,३[j]; ४, २,२; काठ १३, ११; १२; उपातिष्ठन्त ऋ १, ११, ६;

a) पाभे. क्रन्ते पृ ९४७ *l* टि. द्र.।

b) पाभे. क्रन्ते पृ ९४७ *n* टि. द्र.।

c) विप. (पुत्र-)। मसम.।

d) नाप. (गुद-[मै.], प्रजननेन्द्रिय-)। व्यु.?। २*उपस्- ([=प्रजनन-] <√वप् [तु. टि. १ उपस्-])+स्थ- (<√स्था)>बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

e) पृ २९१ अप॰ इति Sch. पाठे? यनि. शोधः (तु.मात.)।

f) ॰तिष्ठन्ते (प्रपु३) इति Sch. पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. तै ५, ४,८,१)।

g) सपा. तैब्रा ३,४,१६,१ उपतिष्ठते इति पाभे.।

h) सपा. ॰ष्ठतः<>॰ष्ठथः इति पाभे.।

i) सपा. खि ५, १५,७ आयन्ति इति पाभे.।

j) =सपा. काश्रौ ९,१२,४। माश्रौ २,४,१,३५ वैताश्रौ १९,१८ तु ॰तिष्ठ इति पाभे.।

मै ४,२,९[२]¶; जै ३,४८,१८†;
उपा(प-अ)तिष्ठः खि ३,९,१;
शौ १०,१०,९; पैं १६, १०७,
९: उपा(प-अ)तिष्ठे[a] शौ २ १,
४[b]; पैं २, ६,४[b]; उपतिष्ठेत खि
३, १०[२], १६[c];२०; तं १,५ ९,
७¶; ¶मैं १,४,५;५,८[२]: ¶काठ
७,५: ११; २०,८; २२,८; १०;
१२: ३५,१७; ¶क ५, ४: ३५,
२:४; ४८,१५: उप···तिष्ठेत मैं
३, २, २¶: ¶उपतिष्ठेन् मैं ४,
१, १३: ¶उपतिष्ठेरन् तै ६, ५,
९,४[२]: काठ २८, ९[२]; ३६,१: क
४४, ९[२]: उपतिष्ठेयुः मैं १, १०,
७¶.

उप आस्थाः पै १, ८८, ३: †उप-
तस्थुः ऋ १,९५,६: ६, ८,४: पैं
८,१४,६; उप···तस्थुः ऋ ७,६,
६: उपस्थेषुः शौ १६, ४, ७: पैं
१८, २८, ५: उपस्थेषम् मा २,
८: का २, २, ३: मै ४,१,१४[२]:
†उपस्थेयाम ऋ ६, ४७, ८[d]:
७, ९५, ५: ८,२७, २०: मैं ४,
१४, ३: काठ ४, १६: ¶उपा-
स्थित मैं १,५,५[२]: काठ ७, ४[४]:
८[२]; क ५, ३[४]; उप ··अस्थित
ऋ २, ५, ६; उप · अस्थित ऋ
१०, ११९,४; १२७,७; खि ३,
११,१; शौ ७, २८,१[e]; उप···
अस्थित पैं २०, १२,६; †उपा-
स्थात ऋ १, १६२, २१: मा
२५, ४४; तै ४, ६, ९, ४; काठ
४६, ५: उपस्थात् ऋ १, ६८,
१; २, ३, १०; उप···अस्थिरन्
ऋ ८, १०२, १३· तै ४, ७,१५,
३; मैं ३, १६, ५; काठ २२,
१५:४०,१४†; †कौ १,१३:२,
९२०; †जै १, २, ३; ४, ३,४;
६,५; शौ ४, २५,७: पैं ४,३४,
७: उप ··अस्थुः ऋ १,१२६,
३[f]: ४,४१,८; ९; ७, २३,३: मैं
४, १०,५†: कौ २, ३०३[g]: जै
३, ६,१०[g]: शौ २०, १२,३†;
पैं २,७,३[g]: उप···अस्थुः ऋ ७,
८३, ३: उपस्थुः ऋ ७,१८,३.

¶उपस्थीयते काठ ७, ५: क
५,४.

¶उपाधिष्ठिपत काठ ८, १३: क
८,१.

उप-तिष्ठ(त>)न्ती- -न्ती शौं
१२,७,१३; पैं १६,१४३,४.

उप-तिष्ठमान, ना- -नः ऋ १०,
११७, ८; शौ १३, ३, २५†;
-नाम् ऋ ८, १०१, १६; शौ
८, ९,८; पै १६, १८,८.

३उप-स्थ[h]- -स्थाः शौ १२,१,६२.

उप-स्थाय ऋ ३, ४८, ३: मा ३२,
११[b]: का ३५,३,८[b]: काठ ३१,
१५¶: क ६,१¶.

उप-स्थायम्[i] ऋ १,१४५,४[j].

¶उप-स्थायुक[k]- -का: काठ ७, ४;
क ५,३.

उप-स्थाव(र>)रा[l]- -राभ्यः[m] मा
३०,१६: का ३४, ३,३.

उप-स्थित,ता- -तः मैं ३,९, २¶;
-ताः मैं ३, ९, ६¶: -ताय मा
२२, ७, का २४, ३, ३: मैं ३,
१२,३.

¶उप-स्थिति- -त्यै काठ २९,८.

¶उप-स्थेय[n]- -यः तै १,५, ९,६[२];
७: मैं १,५,६[२]: ७[२]: १२: ८,९:
काठ ७,४:६[२]; ८[२]:१०: क ५,३:
५[२]:९: -याः तै १,५,९,६.

उप √*स्पिज् (स्पर्धायाम्)

उप-स्पिजम्[o] ऋ १०,८८,१८.

---

[a]) तु. W. WI.; वैतु. पपा. सा. च उप, आ-तिष्ठ इति।

[b]) सपा. उपातिष्ठे<>उपस्थाय<>प्रजापतिः (तैब्रा १, २३, ९; २, ६,१: १०, १,४ च) <>विश्वकर्मन् इति पाभे.।

[c]) सपा. खिमा १८,१७ ?उपवर्तेत इति पाभे.।

[d]) पाभे. कृते पृ ९२४ *d*[1] टि. द्र.।

[e]) °अस्तृत इति सा. ?।

[f]) तु. वें. सा. GW. प्रभृ. (एतदनु पृ १७७ *f* टि. यनि. शोधः)। [g]) पाभे. कृते पृ ९२५ *i* टि. द्र.।

[h]) नाप. (⌊उपरि निवसत-⌋ प्राणि-वर्ग- ⌊वैतु. PW. विप. इति⌋)। गस. उप. कः प्र. थादि-स्वरश्च (तु. पपा. PW. ? W.; वैतु. LR. B. =१उपस्थ- इति मन्वानौ स्वरविरोधाच्चिन्त्यौ)।

[i]) गस. णमुलन्तम् उप. प्रक्रान्तस्वरम्।

[j]) तु. वें. ORN. MW.; वैतु. उप। स्तायम् इति LR. द्विपदः शोध-प्रस्तावः ! (तु. शौ ४, १६,१)।

[k]) विप. (पशु-)। गस. उकञन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[l]) विप. (२अप्-)। गस. प्रकृतिस्वरः। उप. वरच् प्र. उसं. (पा ३. २,१७६)।

[m]) सपा. तैब्रा ३, ४,१२,१ °रीभ्यः इति पाभे।

[n]) गस. यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[o]) गस. प्रकृतिस्वरः। उप. तुमर्थे कमुल् प्र. उसं. [पा ३,४,१२ (तु. PW.; वैतु. MW. Gri. क्रिवि. इति, वें. सा. PW. ⌊पक्षे⌋ GW. BW. MVG ⌊३०२⌋ °स्पिज्- ⌊भाप.⌋ >यनि. इति, GRV. =छल- इति च)]।

उप √स्पृश्, ¶उपस्पृशति तै ३, ३, ४,३; मै ४,४,३; †उपस्पृशामि ऋ १०, १२५, ७; शौ ४, ३०, ७: उपस्पृशामसि ऋ १०, १३७, ७[a]: उपस्पृशात्[b] शौ १४,२,५१: ?उपस्पृशः[b] पै १८, ११, १०; उपस्पृश ऋ ७, २, १: १०, ८७, २: मै १,२,१; १४:१६; शौ ८, ३, २†: पै १६, ६, २†: उपस्पृशत[c] तै ५,६,१, २: मै २, १३, १: शौ १, ३३, ४: १६,१, १२: पै १, २५, ४; ३३,४: १४,१,५: ¶उपस्पृशेत् मै ३, ९,४:१०,७.

¶उप-स्पृश्य- -श्यः मै ३, ९, ४; -श्यम् तै ६,६,३,५.

उपस्पृश्[d]- -स्पृशः ऋ १०,२२,१३[e]: खि ५, ८,२[f]: शौ २०,१२७,२.

उप √स्मि

उप-सिष्मिया(ण>)णा- -णा ऋ १०, १२३,५.

उप √स्मृ, उपस्मरति मै २,३,३¶. उपसस्मार पै ५, ११,७.

उप √हन्, ¶उपहन्ति मै ३, ६,८;४, १,१३[?]: काठ ११,६; ३१,१२[?]; उपहन्यात् तै २,३,१,५¶. †उपजिघ्नते[g] ऋ ६, ७५,१३; मा २९,५०; का ३१, २,११; तै ४, ६, ६, ५; काठ ४६, १; पै १५, ११, ५; उपजिघ्नतु मै २,७,१२; ३,१६,३‡[g].

¶उपहन्युते तै ७, ३, १,१;२.

¶उप-हत- -ताय तै ७,३, १,१; २.

†उप-हत्नु[h]- -त्नुम् ऋ २,३३,११; तै ४,५,१०,४: शौ १८, १, ४०.

उप-हत्य,>त्या ¶तै ६,३,१०,१: ११,४: ¶मै ३, १०,२: पै १, ४६,६; ७,१५,४; १९,४६,६.

उप-हत्या[i]- -त्याम् शौ ५,४,१०: पै १,३१,४;९०,३.

उप-हव-, १उप-हव्य-, २उप-हव्य- उप √ह्वे द्र.

उप √हस्

†उप-हस्वन्[j]- -स्वानः ऋ ८,४५, २३; कौ २, ८२: जै ३, ८, ८: शौ २०,२२,२.

उप √हिंस्, उप···हिनस्ति[k] काठ ७, ८¶.

उप-हित-, °हिति- उप √धा द्र.

उप-हूत-, °हूय, °हूयमान-, °हूया- उप √ह्वे द्र.

उप √हृ, उपहरते तै ५, २, ६, २¶; उपहरति तै २, ३, २, २¶; शौ ९,७,३;१०,९; उपहरति शौ ९, ७,१०-१२;९,१; ३; ५; ७; ९; १०; उपहरति पै १६, ११२, ९; ११३, ४; ५; ११४, १-५; ११६, ६-८; उपहरन्ति काठ ८, ७¶; क ७, ४¶; शौ ८,१२,८; पै १६, १३४, ४: उप हरन्ति शौ ८, १२, ८; उपाहरन् मै १, ६,१२¶; उपाहरन् पै ४, १३,७: ¶उपहरेत् मै १,४,१३:६,११[?]: १२: ¶उपहरेयुः काठ ६, ६: क ४,५.

उपह्रियते मै १, ८,५¶.

उप-हरमाण- -णः काठ १०,४¶

उप-हृत,ता- -¶तः मै ३, ७, ३. काठ २४, १; क ३७, २; -तम् काठ ११, २¶: -ता शौ १२, ८,८; पै १६,१४४,७.

उप-ह्रियमा(ण>)णा- -णा शौ १२, ८,८.

उप √हृ

†उप-ह्वर[l]- -रे ऋ १,६२,६: ८,६, २८; ९,६; ९६,१८; मा २६, १५: कौ १, १४३: २,८८१; जै १,१५,९: शौ २०,२२,६: ९२, ३:१३७,८; -रेषु ऋ १,८७,२: तै ४,३,१३,७.

a) सपा. शौ ४,१३,७ अभिमृशामसि इति पाभे.।

b) सपा. °शात् <> °शः? (BKA. शौ. अनु शोधुकः) इति पाभे.।

c) =सपा. मैत्रा ८, ६। आपमं १, २,५ तु उपस्पृशन्तु इति पाभे.।

d) नाप. [स्तुतिपकृत्-वस्तु- (तु. GRV.; वैतु. वें. सा. उद्गी. PW. प्रमृ. =स्तुति- इति, PW. प्रमृ. ⌊शौ.⌋ GW. विप.<उप √स्पृश् इति)]। व्यु.?। °प-स्पृ° इति पपा.।

e) *अस्मभ्य (तु. तुभ्य यद्र.) ता (नैप्र. =तत्) ते इन्द्र -सन्तु सत्याः, अहिंसन्तीरुपस्पृशः इति पूर्वार्ध-शोधः।

f) उपस्पृशः इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. शौ.)।

g) सपा. °जिघ्नते (या ९, २० च) <> °जिघ्नतु (पपा. °जिघ्नति) इति पाभे.।

h) विप. (मृग-)। गस. प्रकृतिस्वरः। उप. यद्र. (वैतु. तै. पपा. नावग्रहः ⌊तु. WIS १३,४५⌋)।

i) गस. उप. स्त्री. भावे क्यप् प्र. उसं. (तु. पाम ३,१,१०८) प्रकृतिस्वरश्च।

j) विप. (जन-)। गस. वनिबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

k) वैतु. SI. उपजायमानान् इति।

l) नाप. च भाप. च पुं. न. (अवसर्पिणी-भूमि-, निभृत-स्थान-, सामीप्य-)। गस. उप. अधिकरणे घः प्र. प्रकृतिस्वरश्च।

उप√ह्वे, > हू, उप···हवामहे शौ १९,५८,२; पै १,११०,२.
¶उपह्वयते तै १,७,१,१; ४; २,५,९,४; ६,७,२[४]; ३[५]; ४[२]-६[२]; ८,७; ६,३,११,४[२]; ४,१,४; ९,४[२]; मै १,५,१२[२]; ४,६,१; उपह्वयते मै ४,६,१¶; ¶उपह्वयते काठ २७,५?[a]; ३६,१३; क ४८,१६; उपह्वयति क ४२,५¶; ¶उपह्वयन्ते मै १,१०,१५[२]; १९; २,४,२; उपह्वयन्ते मै ४,२,७¶; ¶उपह्वयन्ते काठ १२,१२; ३६,९; क ४१,७; उप··ह्वयन्ते काठ२६,९¶; उपह्वये ऋ १,१२,३; ७; ८; १०; १२; २१,१, २२,५, १२; २३,१८[b], १६४,२६; १०,३६,७; खि २,६,१:३; ४; ९; मा २२,१०†; १३; का २४,४,२†; ५; †तै १,४,२५,१; २,२,१२,२; ३,१,११,१; †मै ४,१२,२; १३,१०; कौ २,६९९†; जै ३,५७,३†; शौ १,४,३†[b]; ५,१०,८; ६,२३,१†[b]; ७,७७,७†; ९,५,३०; १५,४; पै १६,६८,४†; २०,११,१†; २२,१०; उपह्वयामहे मा ३,४२; का ३,४,६; शौ ५,१०,८; ७,६२,३[c]; पै ८,१८,७; २०,२६,८; उप··· ह्वयताम् मा २,१०; ११; का २,२,७; ८; मै ४,१३,५; शौ १,१,४; १९,५८,२; पै १,११०,२; उप (ह्वयताम्) उप···ह्वयताम्, उप···ह्वयन्ताम्, उप (ह्वयन्ताम्)[२] तै ३,२,४,१; उप··· ह्वयस्व काठ १,१०, पै २,३९,३; ६; २०,३७,७; ४८,८; उप ·· ह्वयेथाम् शौ १२,३,३; ४०; पै १७,३६,३; ३९,१; उपह्वयध्वम् तै ३,२,४,१; उप···ह्वयध्वम् मै १,२,२; काठ १,१०; उपह्वयामहै शौ ८,११,२; पै १६,१३३,८; उपह्वयाम पै ३,२६,४[c]; ¶उपाह्वयत तै २,४,१२,१; ५,२,१; मै २,४,१; उपाह्वयन्त¶मै १,५,१२[२]; काठ ३४,१३[d]; शौ ८,११,३; १३-१४, १:५:९; १३; पै १६,१३३,९; १३५,१-८; ¶उपह्वयेत तै १,७,१,३; ४[२]; काठ ३५,१८; ¶उपह्वयेत तै १,७,१,२; ४; ६,४,९,३; मै ४,२,७; ६,१; उपह्वयेत क ४८,१६.
उप···हुवे तै ७,३,११,२[२]; ३[२]; मै १,४,१:५; काठ ४,१४; ३१,१५; ४३,१[४].
¶उपाह्वथाः तै १,७,२,१[२]; ३[२]; ४; ¶उपाह्वे तै १,७,२,१-४.

उप-हव[e]– -वम् ¶तै १,६,३,१$; २,४,१२,१; ५,२,१; ६,५,९,४; ७,२,५,६; मै २,४,१¶; ४,२,५; काठ ५,२; २८,९¶; ३२,२; क ४४,९¶; -वे तै ३,२,४,१.
१उप-हव्य[f]– -व्यम् शौ ११,९,१५; पै १६,८३,५
२उप-हव्य[f]– -व्यः तै ७,२,५,३.
उप-हूत,ता– -तः मा २,११; ३,४३; ८,१२; २०,३५; ३८,२८; का २,२,८; ३,४,७; ९,२; ८,७,२; २२,३,४; ३८,७,१; तै १,४,१,१; २,६,७,३; ५[२][g]; ३,२,५,३[२]; ५; ७; मै १,३,३९; ४,२,५; ९,१३; १३,५[४][g]; काठ ४,१३; ३९,११; क ३,११; ४८,११; शौ १,१,४; ७,६२,५; ९,११,७[२]-१२[२]; १६,२,३[२]; १९,४०,२[h]; पै १,३,४[२]; ३,२६,५; १६,११७,१[२]-५[२]; २०,५७,३; -तम् तै २,६,७,१; २[२]; ४[i]; ६; मै ४,१३,५[i]; पै १९,५०,१३; -तस्य मा ८,१२; २०,३५; ३८,२८; का ३,९,२[j]; ८,७,२; २२,३,४; ३८,७,१; तै ३,२,५,२,३[२],५; ७; मै १,३,३९; ४,९,१३; काठ ४,१३; ३९,११; क ३,

a) उपहूते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४२,५ °ह्वयति इति पाभे., तत्संस्कर्तुः टि. च)।

b) =सपा. ऐब्रा २,२०। खिसा २१,१ तु आ···हुवे इति, पै १९,४,१० आपश्रौ ४,५,५ उपह्वे इति च पाभे.।

c) सपा. °यामहे <> °याम इति पाभे.।

d) तु. सस्थ. टि. अनु।

e) गस. भावे अबन्ते थादि-स्वरः।

f) नाप. (एकाह-विशेष-)। गस. यदन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम् (तु. तां १८,१,९, PW.; वैतु. भा. <उप-हव– इति, MW. <उप√हु इति)। उप. यना. स्वरः इति कृत्वा आद्युदात्तं तस्य चाभावे स्वरितान्तं चेति विवेकः।

g) एकतरत्र सपा. तैब्रा ३,५,१३,३ °ता इति पाभे.।

h) °ताः इति RW. W. Wl.।

i) =सपा. तैब्रा ३,५,८,२; १३,२ आश्रौ १,७,७ शांश्रौ १,१२,१। माश १,८,१,२७ तु °ता इति पाभे.।

j) =सपा. आश्रौ २,१६,१९ आपश्रौ ८,३,१६ काश्रौ ४,४,२१ लाश्रौ ४,१२,१६। वैताश्रौ ८,१६ तु पाठाऽभावः।

११; ४८, ११; -ता मा २, १०; २९,८; का २, २, ७; ३१, १,८; तै १,७, १,२¶; २,६,७, २; ५,१,११,३¶; मै ३, १६,२; ४, १३,५[३]; ७;१०¶; काठ २७, ५;४६,२; क ४२, ५[२]; -ताः ऋ १०,१५,५; मा ३,४३[३]; ६,३४; १९,५७†; का ३, ४,६[२]; ६, ८, ५; २१, ४, ६†; तै १, ४,१,१; २,६, ७,२; ४; १२, ३†; मै १, ३,३; ४,१०,६†; १३,५[२]; काठ ३, १०; २१, १४†; क २, १७; शौ ६, १२२, ४; ७.६२,४. ५[२]; १८, ३, ४५†; पै २,६०,१; ३, २६, ५[२]; ६; -तानाम् तै २,६, ७,३; -ता३म् तै २, ६, ७,३; -ते २, ६,७,५; मै ४, १३, ५; -ऽते तै १,६,३,१; काठ ५, २; ३२,२; -तौ शौ ६,१४०.३.

उप-हृय तै १,७,१,४[२]¶.

उप-हूयमा(न>)ना- -नायाम् मै १,४,५.

¶ उप-हू (य>)या- -या, -या३ काठ २७,५; क ४२,५.

? उपा पै ३, ३७,१.

१उपां(प-अं)शु[a]- -शु ऋ १०,८३, ७; ¶तै १, ५, २, ३; ३, १, ९,१; ५, ४,७,७; ६, १,४,३;५,८,५; ११, २; ६,७,३; ¶मै १, १०, ५; ३,६,५; ८,२; ४, ६,४[२]; ८, ७; ¶काठ २०, ५[२]; २१, १०; २३, ५; २९, ४; ३२, १; ३५, २०; ¶क ३१, ७[२]; ३६, २; ४५, ५; ४८, १८; शौ ४, ३२, ७†; पै ४,३२,७†.

¶उपांशु-याज[b]- -जम् तै २, ६, ६,४.

२उपां(प-अं)शु[c]- -शुः मा १३,५४; १८,१९; का १४, ७, २; १९, ७, १; तै ४, ३, २, १; ७, ७,१; ¶६, ४, ५,१; ३; ५,८, १[२]; मै २, ७,१९; ११,५; ¶४, ५,५[२];७; ७,४[२]; काठ १६, १९; १८,११; २६, १०[२]¶; ¶२७, १;२[d]; ३; २८,८[२]¶; क २५,९; २८, ११; ४१, ८[२]¶; ¶४२, १-३; ४४, ८[२]¶; -¶शुना काठ २७,१; २८, ८; क ४२,१; ४४, ८; -¶शुम् तै ३, २,२,१; ६, ४,५,७; ५, १०,१; मै ४,५, ५; ६; ६, १; ७, ४; काठ २६, १०[३]; २७,१; क ४१, ८[३]; ४२, १; -शोः मा ९,३८; १३, ५४; का ११,१,४; १४, ७,२; तै २, ३,१०,२; ३,१,६,२; ४, ३, २, १; मै २, ३, ४; ५¶; ७, १९; काठ ११,७; १६, १९; क २५, ९; -¶शौ तै ६, ४, ६, १[२]; मै ४, ५, ५[४]; काठ २६, १०[२]; क ४१, ८[२].

¶ उपांशु-पात्र[e]- -त्रम् मै ४, ८,८; काठ २७, २; २८,१०[२]; क ४२, २; ४५,१[२]; -त्रे तै ३, २,२,१; -त्रेण तै ६, ५,८,१[२]; मै ४, ७, ४[२]; काठ २८, ८[२]; क ४४,८[२].

¶ उपांशु-सवन[f]- -नः तै ६, ४, ४, १; ६,४;५,६,५; मै ३, १०, ५; ४,५,४; ५; ९; ६, ९[२]; ८, ७$; काठ २६,१०[३]; २८,६[२]; क ४१, ८[३]; ४४, ६[२]; -नम् तै ६,४,४, १; काठ २७, २; क ४२, २; -नात् काठ २६, १०; क ४१, ८; -नेन काठ २८, ६; क ४४,६.

¶उपांश्व(शु-अ)ग्र[g]- -ग्राः तै ६, ४,५,१.

¶ उपांश्व(शु-अ)न्तर्याम[h]- -मयोः तै ६, ५, ११, ३; काठ ३४,१५; -मौ तै ६, ४, ६, ४; ८, ३; ५, १०,१; मै ४,५,६[४]; ७[२], ९; ८, ७; काठ २७, १-३; २८, १०; क ४२, १-३; ४५,१.

१† उपाकृ[i]- -कयोः ऋ १, ८१, ४; कौ १,४२३; जै १,४१,५.

उपाकृ-चक्षस्[j]- -क्षसम् ऋ ८, ६, २५.

२ उपा(प-आ)कृ- उपा(प√अ)च्‌ द्र.

[a]) व्यु.?। गस. √अंश् + उः प्र. तत्स्वरश्च (तु. वाच. ?MWA.)। -शु द्वि१ सत् वा. क्रिवि. =[अंशतः]अप्रकाशम् इति। [b]) उस. घञन्ते थादि-स्वरः। उप. कृत्वाऽभावः (पा ७, ३,६२)।

[c]) नाप. (सोमग्रह-विशेष-)। प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६, २,१९४)। उप.यद्र.। [d]) °शु (तु. SI.) पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४२,२)। [e]) कस. अन्तोदात्तः।

[f]) नाप. (ग्रावन्-)। उस. प्रकृतिस्वरः। पूप. =हविस्-। उप. √सु (अभिषवे)+करणेऽधिकरणे वा ल्युट् प्र.।

[g]) विप. (ग्रह-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[h]) नाप. (सोमग्रह-विशेष-)। द्वस. अन्तोदात्तः।

[i]) विप. (हस्त-)। अर्थः व्यु. च?। [j]) विप. (व्रज-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु.टि. अपाक-चक्षस्- यत्रापि विप. एव पूप. न तु २उपाकृ- इत्येतत्-सकक्षभूतम् १अपाकृ- इति; वैतु. वें. सा. PW. GW. PG[२,२८४], WAG[२, २७ a] २उपाकृ- [=उपाके ऋ ४, ११,१; १६,१४] पूप. इति)। यदपि प्रकृतं प्राति. =तनू- इति कृत्वा नाप. इति PG. आहतुस् तन्न विप. इत्यस्यैव सुवचतरत्वात्।

३† उपा(क>)का[a]- -के ऋ १,१४२, ७; ३, ४, ६; १०,११०, ६[b]; मा २९, ३१[b]; का ३१,४, ७[b]; मै ४,१३, ३[b]; काठ १६, २०[b].

४ उपा(क>)का[a]- -‡के[b] शौ ५,१२, ६; २७, ८.

उपा(प-आ)√कृ(करणे),¶उपाकरोति तै ३,१,५,१; ३, २,१; ४,३,४; ६, ४, ३, २; ६,११,६; ¶उपाकरोति तै ३, १, २, ४; ५, १; ¶उपाकरोति काठ २६, ७[२]; क ४१, ५[२]; उप···आकरोति तै ६, ३, ६, १¶; उपाकरोमि पै ४, ४०, १; १९, ५१, ४; उपाकुरु पै १९, २१, १५‡[c]; ¶उपाकुर्यात् तै ३, १,२,४;७, ५,५,१; उपाकुर्यात् तै ३,२,१, २¶; ¶उपाकुर्यात् काठ २६, ७[२]; ३४, ४; क ४१, ५[२]. †उप···आकः[d] ऋ १०, १६९, ४[e]; तै ७, ४, १७, २; पै १९, ५१, ८; उप···आकरम् ऋ १, ११४,[९; १०,१२७,८][f]; काठ १३, १६†.

¶उपाक्रियन्ते काठ ३३, ७.

उपा-कर[g]- -रः पै १७, २८,४.

उपा-कुर्वत्- -र्वन् तै ३, ३,२,१¶.

उपा-कृत- -तम् तै ३,१,४,३; काठ ३०, ८; शौ २, ३४, २; पै ३, ३२, ३; -ताय तै ५, ७,२०,१; ७,४,१६,१; काठ ४४, ५; ५३, १०.

¶ उपा-कृत्य तै ३, १, ५,१; ६, ३, ५,२; मै ३, ९,६.

उपा(प-आ)√गच्छ्, गम्, आ··· उपगच्छतम् ऋ ६, ६०,[१४; ८,७३,१४].

उपागन्तु पै ९, ७,१; †उपागहि ऋ १,९१,[१०; १०, १५०,२]; २, ३२, ५; तै ३, ३, ११, ५; मै ४, ११-१२,६: काठ २, १४; १३,१६; १६,७$; शौ ७, ५०, २; पै १९, २४,८$; २०, १०, ९; उप···आगहि ऋ ८,३२,६; †उप···आगतम् ऋ १,२, ४; ८, २६, ९; मा ७,८; ३३, ५६; का ७, ३, २; ३२,५, २; तै १, ४,४,१; मै १,३,६; काठ ४,२; क ३,२; जै ४, १८, ६; आ··· उपगन्तन ऋ ८,७,२७.

उप···आगन् पै ९, १२,३.

उपा(प-आ)√गा, उपागात् मै १, ६, ८¶; उपा(पा-अ)गुः[h] तै ४, ७, १५, १; मै ३, १६, ५; उप··· आ(आ-अ)गुः[i] ऋ १०,६१,१०; उपागाम् तै ५, ७, २, १; काठ ४०,२.

उपा(प√अ)च्.

२ †उपा(प-आ)कु[j]- -के ऋ १, २७,६?[k]; १७८,३; ४, १०, [५; ७,३,६]; ११,१; १६,१४; २०, ४; ७,४२,३;७३,२; ८, ९६,३; तै ४, ३, १३, १; कौ २,८८८; जै ४,१२,२.

उपा(प-आ)√चक्ष्, उपाचष्टे खि ४, १०[२],४.

उपा(प-आ)√चर्, उपाचरन्ति काठ ३४, ५¶; उपाचरात् पै २, ४१, २[l]‡; उपाचरान् पै १३, १०, १२; उपाचर पै १५, २३, १०; उपाचरत् ऋ १, ४६, १४; उपाचेरत् ऋ १०, १५९, २[l]; †?उप···आ···चेरत् ऋ ४, ४,९[m]; तै १, २, १४,४; मै ४, ११,५; काठ ६, ११.

१उपा(प√अ)ज्, उपाजे शौ ५,११, २; पै ८, १, २; उपाजत ऋ १, १६१,६.

२उपा(प-आ√अ)ज्, †उपाजतु ऋ १०,१९,२[n]; पै १९, २१,१५.

¶उपा(प√अ)ञ्ज्, उपानक्ति तै २,

---

a) विप. (नक्षोपम-) अर्थः व्यु. च ?।

b) सपा. उपाके<>उपाके<>न योनौ <>न योनिः इति पाभे.।

c) सपा. ऋ १०,१९,२ न्याकुरु इति पाभे.।

d) सपा. उप···आकः<>उप···आशुः<>तैब्रा ३, ७,४,१५ आपश्री १,११,१० माश्री १,१,३,७ उप जायमानाः इति पाभे.। e) भाष्ये व्याकुः सा. चिन्त्यः।

f) उप पृथग् इति वदन् सा. चिन्त्यः।

g) उपकार- इति BKA. पाठः?।

h) पाभे. कृते पृ ६२७ b टि. द्र.।

i) आ-अ° इति पपा. यनि. शोधः (पा ८,१,७१)।

j) भाप. (अन्तिक- [निघ २,११]) । व्यु. कृते तु. २अपाक- । -के इति सप्त१ वा. किव. द्र.।

k) पाठे? °कुः इति शोधः (वैतु. पपा. वें. प्रभृ. यनि.)।

l) सपा. °चरात्<>°चेरत् इति पाभे.।

m) पाठे? °रेम इति शोधः स्यात्। *°रेमोपत्मन् >*°रे ओ° (= नैप्र. म् इत्यस्य लोपः) > *°रे उ° > (अर्वाक्तन-मिथ्या-संस्कारतः) °रेदुप° (=यनि.) इति भावः (तु. इह च पूर्वे मन्त्रे चोभयत्रोत्तरार्धे उपु. संगतं वा.; वैतु. सपा. तै. मै. काठ. चापि समानोऽपपाठः। यत्र पपा. प्रभृ. संवादिनः सन्तः समानं चोद्याः स्युः)।

n) वैतु. MW. <उपा(प√अ)ज् इति।

६, ३, ४; **६**,२,९,२; मै **३**, ८, ७[६]: **उपानक्ति** मै **३**, ८, ७[२]; उपानक्ति काठ **२५**,८[५]; क **४०**, १[५]; **उपाञ्जन्ति** मै **३**, ८, ७; काठ **२५**, ८[२]; क **४०**, १[२]; उपाञ्ज्यात् तै **३**,१,३,१; काठ **२५**, ८; क **४०**,१.

उपा(प-आ)**√द्रु**

उपा-द्रुत्य काठ **१२**,१०¶.

उपा(प-आ) **√धा**, ¶उपाधत्ते काठ **७**,८[a];८,१[२]: क **६**,६[३].

उप…आ…धायि[b] ऋ ८, ५०, ३: खि **३**,२,३.

उपा-धाय्य[c] –

उपाधाय्य-पूर्वय[d]– -यम् तै २. २,११,४¶.

उपा-श्रेय– -यः मै **१**,८, २¶[e].

उपा(प-आ)**√धाव्** (गतौ)

उपा-धावत्[f]– -वन् खि २,६,१६.

उपानस्[g]– -सात् शौ २,१४,२; पै २, ४,४.

?**उपानसः**[h] ऋ **१०**,१०५,४.

उपा-नह्– उप√नह् द्र.

उपा(प-आ)**√नी**

उपा-नयत्– -यन् पै **४**,४०,२.

उपा(प-अ)**न्त**[i]– -न्ते तै **६**,६,४, ३¶.

¶**उपा**(प√आ)**प्**, ईप्स, उपाप्नोति तै **१**,६, ९,१; २[२]; **३**, ४, ९,७; **५**, ३, ११, ३[२]; **६**, ६, ११, ५; उपाप्नोति तै **१**,६,९,१[२]; २; मै **२**, ४, ४; उपाप्नोति काठ ८, २: क **६**,७.

उपैप्सन् मै **२**,१,११.

उपा(प-आ)**प्ति**– -प्त्यै काठ **३४**,५[२].

उपे(प-ई)**प्सा**– -प्सायै मै **२**,४,४.

¶**उपा**(प-अ)**भि √ षि** (<सि)**च्**, ऊच्, उपाभिषिच्यते मै **४**,३,५: ८,६.

उपाभिषिच्यते काठ **१२**,८.

उपा (प-आ) **√भूष्**, †उप…आ… भूष[j] ऋ **७**, ९२, १; मा **७**, ७; का **७**, ३,१; तै **१**, ४, ४,१; **३**,४,२,१; मै **१**,३,६: काठ **४**, २;**१३**,११[k]; १२; क **३**,२: आ (उप…भूष) मै **४**,१४,२.

उपा(प-आ)**√भृ**

उपा-भृति[l]– -ति[l] ऋ **१**,१२८,२.

?**उपाम्** पै **१७**,२८,१.

उपा(प√आ) **√मन्त्रि** (<मन्त्र-), उपामन्त्रयेते पै **१७**, २८, ५: उपामन्त्रयतः काठ **२७**, ८¶.

उपा-यत्– २उपे(प-आ√इ) द्र.

उपा(प-अ)**यन**– १उपे(प√इ) द्र.

उपा(प-आ)**√या**, उप…आयाहि ऋ**३**, ४३, १; †उप…आ…आयाहि ऋ **१**, १७७,[१[m] (५,८०,४)]; मै **४**, १४, १८ : काठ **३८**, ७: उपायातम् ऋ **७**, ७१, २: उप…आयातम् ऋ **१**, २,५[n]: **६**, ६७, ३; मै **४**, १४, १०†: उप…आ…यात ऋ **४**, ३४,५.

?†**उपाऽऽयाहि**[o] ऋ ८, ९२, १०; कौ **१**, २१५; जै **१**, २३,२.

---

[a]) **उपधत्ते** इति क्वाचित्कः मूको. ।

[b]) वैतु. GW. अनेर्दर्शी ।

[c]) नाप. ([वस्त्रस्योभयपार्श्वान्तयोः स्थापनीय-] रक्त-सूत्र- [भा. मा.]) । गस. ण्यदन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[d]) विप. [वासस्-(चित्रान्त- [आपश्रौ **१९**, २०, १])] । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. [विप.] **पूर्व**- + **√या** + कः प्र. । [e]) सपा. **उपाश्रेयः** <> **उपाहृत्यः** इति पाभे. ।

[f]) **°पा°** इति स्वरे ? यनि. **शोधः** ।

[g]) नाप. (गृहभाग-विशेष-?) । व्यु.? । पपा. **'प-आ°** इति ।

[h]) स्वरूपमर्थश्च ? । पपा. नावग्रहः । प्रास. **उप**+**अनस्**– +समासान्तष्टच् प्र. (पा ५,४,९४)>**उपानस्**–=आरूढ-रथ- (विप.) इति वें. सा. च, एतदभिप्रायसंवादिन इव च GW. ORN. WAG [२, ८८ *e* ; ११९ *b*] अनन्तरपूर्वेण आथर्वणेन **उपानस्**– इत्यनेन साजात्यमिव पश्यन्तः, **उपा √नस्**>**उपा-नसः** इति कसुन्नन्तम् अव्य. इति स्वर-शोधश्चेति PG [**१**, १९७] । सपा. कौ **१**, १९६ जै **१**,२१,३ **उपो नु सः** (तु. पपा. वित्र.: वैतु. मा. भव. °सस° इति) इति त्रिपदः पाभे. (तु. नस्थ. टि. आ) ।

[i]) प्राम. अन्तोदात्तः (पा **६**,२,१९४) ।

[j]) तु. वें. PW. GW.; वैतु. सा. प्रभृ. समीपे स्वाश्र. **उप** इति, सा. भा. (तै.) पक्षे क्रिउ. इति, भा. (तै **१**,४,४,१) कप्र. इति च **भूष** इति मं१ इति च) ।

[k]) **उपा°** इति पाठे? यनि. **शोधः** ।

[l]) भाप. । वा. क्रिवि. (तु. PW. GW. WAG [२. ५४ *a* ; **३**, ७३ *a*]; वैतु. वें. सा. सप्त. लुगिति, ?ORN. पपा. **°ती** इति **शोधः** इति [पृ. ९४२ *h* टि. द्र.]) ।

[m]) तु. ऋ **३**,४३,१, वें. च: वैतु. सा. GW. **उप** स्वाश्र. इति । सा. च प्रथमम् **आङं** क्रिउ. विधया वाक्यान्तरेण योजुकः ।

[n]) तु. वें.; वैतु. स्क. सा. समीपार्थे स्वाश्र. **उप** इति ।

[o]) पाठे ? (**ऊ** [म > मा- >] -मया >) **ऊमा आयाहि** इति द्विपदः **शोधः** (वैतु. पपा. वें. सा. GW. प्रभृ. यनि. इति) ।

उपा(प-आ)यु- १उपे (प√इ) द्र.

उपा(प√*अ<>ऋ) ऋ, च्छ्,
उपार्च्छति तै १,५,९,६¶.
उपाऽऽरथुः ऋ १०, ४०, ७;
उपाऽऽरिम ऋ १०, १६४, ३; शौ ६, ४५, २†; ९६, ३†; ७, १११, १; पै १६, ४९, २[a]; १९,१२,६†; ३६,५†; २०, ७, ९; उपाऽरतम् ऋ ८, ५, १३; उपाऽराम शौ ११, २, १७; पै १६,१०५,७.

उपा(प-अ)र[b]- -रे ऋ ७, ८६, ६.

उपा(प-आ)√रण, उपारणेः[c] ऋ ८, ३२,२१.

उपा(प-आ)√रुह्
उपा-रुह- -रुहः ऋ ९,६८,२.

¶उपा(प-अ)र्ध- -र्धम् काठ २८,९[d].

?उपार्पताम् पै ८,७,१.

उपा(प-आ)√लभ्, उपालभ्यन्ते काठ २९,९¶.

उपा(प√अ)व, उपावति शौ १, १६,२; उपावति ऋ १०,१४६, २; उपावति पै १, १०, १; ¶उप...अवति मै ३, ९, ६; काठ २६, ७; क ४१, ५; †उपावसि ऋ १०, १४०, २; मा १२, १०७; का १३, ७, ६; तै ४, २, ७, ३; मै २, ७, १४; काठ १६, १४; क २५, ५; कौ २, ११६७; उपावतु पै १, ७२, २; ८, १८, ५;६; उप...अवतु, उप (अवतु) खि ५, ७, १, ४; मै ४, १३, २; †उपावत ऋ ८, ७२, १२[e]; १०, ९७, १४; मा १२, ८८; ३३,१९[e]; ७१[e]; का १३, ६, १४; ३२,२,२[e];६,२[e]; तै ४, २, ६, ३; मै २, ७, १३; काठ १६,१३; क २५,४; पै १, ६५, ४$; १२, १३, ७; १९, ३९,५.
उपाऽऽवतुः ऋ १,१६१,१०.

उपा(प-अ)वी[f]- -वीः[g] मा ६, ७; का ६,२,१; मै १,२,१५; ३,९, ६[h]; काठ ३, ४; २६, ७; क २,११; ४१, ५.

?उपो(प-ऊ)ति[i]- -तिः मै १, ५, ५[?].

उपा(प-अ)व√नम्
उपाव-नत- -तः मै ३,९,२¶.

उपा(प-अ)व√रुह्, उपावरोहन्ति ¶मै ४,४,९;१०; उपावरोहन्ति तै ७, ३,१०, २¶; उपावरोहन्तु मा ६, २६; का ६, ७, २; तै १, ३,१३,१; काठ ३,९; क २,१६; उपावरोह मा ६, २६[j]; का ६,७, २[j]; तै १, ३,१३,१; काठ २, ७; ३, ९[j]; क २, १; १६[j]; उपावारोहन् तै ७, ३,१०,१¶; ¶उपावरोहेत् मै ४, ४,९;१०.

उपा-वर्तमान- उपा√वृत् द्र.

उपा(प-अ)व√सद् >सीद्, उपावसीदतु मै ४, ९, ७[k].

१उ(प>)पा-वसु[l]- -सुः ऋ ९,८४, ३; ८६, ⌊३३ (७८, १; १०६, १२)⌋; -सुम् ऋ ६, ५६,६.

२उ(प>)पा-वसु[m]- -सुः मै १,१, १३.

उपा(प-अ)व√सृज्, उपावसृजन्ति तै १, ७, १, ३¶; उपावसृजति ¶तै १,६,९,३; ६, ४, ११, ३; ¶उपावसृजन् काठ २४, १; क ३७,२; †उपावसृज ऋ १०, ११०, १०; मा २९, ३५; का ३१,४,११; मै ४, १३, ३; काठ १६, २०; शौ ५, १२, १०; उपावसृजाम क ३७,२¶.
उपावस्रक्षत् खि ५, ७, १, ११; २,८; मा २१, ४६; का २३, ५, ४; मै ४, १३,२; ७; काठ १९, १३; १८, २१, उपावास्राक् तै १, ६,११,३¶.
¶उपावसृज्यते काठ २६, १; क ४०, ४.

---

a) पाभे. कृते पृ ९४१ m टि. द्र.।
b) गम. भावे अबन्ते थादि-स्वरः।
c) °णे इति पाठे? यनि. वा उपारणय इति वा शोधः विमृश्यः (तु. सपा. कौ १, २२३ उपेरय इति पाभे.; वैतु. पपा. वें. सा. PW. प्रभृ. बस. इति कृत्वा नाप. इति)।
d) वैतु. SI. उप...गृह्णीयात् इति ।
e) पाभे. कृते पृ ९४० e टि. द्र.।
f) विप.। गस. प्रकृतिस्वरः। उप. कर्तरि ईः प्र. (पाउ ३,१५८ ⌊तु. मै ३, ९,६⌋)।
g) सपा. तै १,३,७,१; ६,३,६,१ उपवीः इति पाभे.।
h) °विः इति पाठे? यनि. शोधः।
i) पाठः? (तु. संस्कर्तुः टि.)।
j) =सपा. माश ३, ९,३,६ आपश्रौ १०,३०,१५। तै १, ३,१३,१ तु अवरोह इति अधिकः पाठः।
k) सपा. तैब्रा ३, ८, २; ५, ७, २ आपश्रौ १५, ९,६ माश्रौ ४, ३,६ °सृजतु इति पाभे.।
l) विप. (स्वस्ति-, सोम-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. दीर्घः (पा ६,३,१३७)।
m) प्रास. अन्तोदात्तः (पा ६, २, १९४)। शिष्टं l टि. द्र.।

ϕउपाव-सृजत्[a]- -जन् ऋ १, १४२, ⌊११ (१८८,१०)⌋.

उपाव-सृष्ट- -ष्टम् मैं १, ८,१०.

उपा(प-अ)व√स्रो, उपावस्यति तै २, ६,९, ६¶.

उपा (प-आ) √वह् (प्रापणे), उपावहत्[b] पै १०,५,१०: उपावहात्[b] शौ १९, ३१, १०[c]: उप…आ…वहासि ऋ १,७४, ६; † उप…आवह ऋ १, २२, ९[d]: मा २६,२०.

उपा(प-अ)व√हृ, ¶ उपावहरति तै ५, १,५,१०; ६,४,३,१: मैं १, ११, ६[२]: ४,४,५:६: काठ १४, ६[२]: १९, ५; क ३०, ३[२]; उपावहरामि का ११, ७, ५[e]: उपावहरेत् तै ६,४,३,१¶.

उपाव-हरत्- -रन् तै ६, ४,३,१¶.

उपाव-हृत- -तः काठ ३४, १५¶.

उपाव-हृत्य मैं ४,५,३¶.

उपाव-ह्रियमाण- -णः मा ८, ५६[f]; का ९, ७, ४[e]; तै ४, ४, ९, १[g].

उपावी- उपाव द्र.

उपा(प-आ)√वृत्, >वर्ति, ¶उपावर्तते तै ५, ४,७,१;९,२[h];६,१, १,१; ६,६; ३,२,५: मैं ३,६,१[२]; ९,१: काठ २२, १३; उपावर्तते मैं ३,९,१¶; ¶उपावर्तते काठ ७, ९[i]:८,१३; २०,२; २१,९; २६, २;३६,१२; क ५,८; ८, १;३१, ४:४०,५; ¶उपावर्तेते मैं ३, ८, ७: काठ २५, ८: क ४०, १; ¶उपावर्तन्ते तै ५, २, ४, ४; मैं १, १०, ९; १९; ३, १०, ४:४, ७, ५; उप…आवर्तन्ते मैं २, २,४[२]¶: उपावर्ते मैं १, २, १३: ३,९,१[j]: उपावर्तेनाम् तै ६, १, ३, १¶; ¶उपावर्तस्व मैं ३, ६, ९: काठ २३, ५: ¶उप…आवर्तस्व तै २,६,६,२: ५,४,९,१: ६,२,८,५: मैं ३,८,५;६; ४,५, ८; उप…आवर्तेथाम् मैं ४, ६, ३: उपावर्तध्वम् पै १, ५३, ४; ¶उपावर्तत तै १, ७, १,३[२]: २, ४,३,१;६,१,६,६; मैं २,१,११; ३,७,३;६,५; काठ ८,९[k]:१३[k]; १०, ७[२k]: २३, ५[k]; २४, १[२k]; २५,६; क ७,५; ८, १; ३७,२[२]; ३९,३; उपावर्तत शौ १९, ५६, ३[l]; उपावर्तेताम् मैं ३, ६,६¶; ¶उपावर्तन्त तै २, ४, ४, १; ३: मैं २,२, ४[४]; ३,६, ९?[m]; काठ २९, ९[k]; ¶उपावर्तेत तै ५, ४,६, ५;९, २; काठ २३, ५[२]; ¶उपावर्तेयाताम् काठ २५, ८; क ४०,१; ¶उप · आवर्तेरन् काठ २९, ९?[n]: ३७,१; ¶उपावर्तेमहि काठ८,१५; क ८,३.

¶उपाववर्ति तै ६, २, ७, ४. उपाववर्त पै ३, ८,३[l]: ¶उपावर्त्स्यति तै २, ४, ३, १; ६, २, ७, १; मैं २, १, ११: ३, ८,५; काठ १०, ७; २५, ६; क ३९, ३: उपावर्त्स्यतः तै ६,१, ३, १¶; ¶उपावर्त्स्यन्ति तै २, ४,४,१; २; उपावर्त्स्यन्ति मैं १, १०, १५¶; उपावर्त्स्यामि मैं ३, ८,६¶; उपा(प-आ) वृतः[o] मै १,२,१३;३,९,१.

¶उपावर्तयति काठ १०, ११; ३४,२.

¶उपा-वर्तमान- -नः काठ २५, ६: क ३९,४; –नान् काठ २३, ३: –नौ काठ २४, ७; २७,४; क ३७,८;४२,४.

उपा-वृत्- -वृतः मा १२, ८; का १३,१,९; तै ४, २,१,३; मैं १, ७,१; काठ १६,८; शौ ६, ७७, ३; पै १, ४१,२; १९, १६,४.

उपा-वृत्य काठ २३,५¶.

---

a) तु. ऋ १, १८८,१०; १०,११०,१०, PW. GW. GRV. MW.; वैतु. वें. सा. उप…यक्षि इति ।

b) सपा. °वहत् <> °वहात् इति पाभे. ।

c) तु. मा. RW.; वैतु. शंपा. सात. उपावहात् ⌊तु. पपा. उप । वहात्?⌋ इति ।

d) तु. स्क. वें. उ. म. GW. ; वैतु. मा. समीपार्थे अव्य. उप इतीव, PW. मौनीनि ।

e) =सपा. तैंत्रा २,७,१५,६ । मा १०,२५ माश ५,४ ३,२७ तु अभ्युपावहरामि इति पाभे. ।

f) सपा. उपावह्रियमाणः <> उपोत्तः इति पाभे. ।

g) सपा. उपावह्रियमाणः <> संभ्रियमाणः इति पाभे. ।

h) तु. मस्थ. टि. अभि ।

i) °त इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ५,८ तत्संस्कर्तुः टि. च) ।

j) °वर्तेते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पूर्वं स्थलम्) ।

k) वैतु. SI. < उप√वृत् इति ।

l) तु. सपा. पै. उपाववर्त इति पाभे. ⌊तु. मूको. केचित्⌋; वैतु. शंपा. RW. सात. उपा° ⌊तु. पपा. उप । अ°⌋ इति ।

m) पाठे? उपावर्तत इति शोधः (तु. काठ २३, ५) ।

n) °मा व° इति व्यवहिते पाठे? °माव° इत्याकारकः शोधः (तु. उत्तरं स्थलम्) ।

o) लुङि मपु१ रूपम् । पाभे. पृ ९२५ k टि. द्र. ।

उपावे (प-अव √इ), उपा॒वैति शौ ९, ११, ५; उपा॒वयन्ति तै ६,५, ११,२¶.

¶**उपा** (प-आ) √व्यध्
उपा-व्याध॒- -धः तै २,२,९, २; ७,२,५,३:४[२].

उपा(प √आ)**श्** (व्याप्तौ), उप॰॰॰आशुः काठ ४४,६‡[a].

¶**उपा**(प-आ) √**श्रृ** (शरणे)
उपा-शार[b]- -रम् काठ २९,,८[२].

१**उपा**(प √आ)**स्** (भुवि), उ॒पस्याम ऋ २,२७,७

२¶**उपा**(प √आ)**स्** (क्षेपणे), उ॒पास्यते तै १,६,१०,१; मै २,१,१; काठ ९,१७: उ॒पास्यति तै ६, ३,८, ३: मै ३, ७, ६: १०, १; उ॒पास्यति मै ३, ९, ७; उपास्यति काठ ८, ५[२]: २९,,७; क ७, १[२]; ४५, ८: उ॒पास्याममि शौ ६, ४२, २§; उपास्यत काठ १३, ३: उ॒पास्येत् मै १,६,५.
उपा॒(प-अ)स्य तै ५,१, ३,२; ६,१, ८,३;२,९,३; मै १, ६, ३[२]; ४: ५;३,३,३; काठ ८, ५; १९, ३: २४,४;२५,८; क ७,१; ३०, १: ३७,५:४०,१.
उपा॒(प-अ)स्य[c]- -स्यः मै १,६,५.

३**उपा** (प √आ) **स्**, उ॒पासे शौ११, ७,९; पै १६, १५३,८; उ॒पासते ऋ ३,२,६;१०,१०९,७; ११४, २; १५१,४; १५३-१५४,१; खि ४,८,९;५,९,२?[d]; मै १,४,८¶; कौ १,१७५†; जै १, १९, १†; शौ ५,१७,११†; १०,१०, २६;३१; ३२; ११,६,११; १२; १८,२,१४†; ४,३६[e]; २०,९३, ४†; १२७,५[f]; उ॒पा॒सते ऋ १, १६२,१२; १०,१२१,२; १५१, २; खि ३, १५, १२; ५,३, ३; मा २५, १३†; ३५; ३२, १४; ४०,९; १२; का २७,१०, ४†; १३,४: ३५, ३, ११; ४०,१,९; १२; तै †४,१, ८,४: ६,९,१; ५,७, २,१; ७,५,१७, १†: †मै २,२,६;१३,२३; ३,१६,१;काठ ४०,१;शौ ४,२,१†;५,१७,१७; ६,६४,१†; १०,६,३१; ७,२१; २४; १३, ३,२४†;पै १,१०४, ३. उपासते काठ ८,१०¶: २०, ७¶:३२ ८; ४०, २:४६,५†: ¶क ७,६; ३१,९: पै ४,१,२†; ८,९,२:९,,१५,१०†; १६,२२, १:२: ४४, ८: १०९, ६: ११०, १:२; १७, ९,२:५: १९,७,२†: उप॰॰॰आसते ऋ १, ३६,[७: ८, ९९, ११]; ९, ८६, ३९: कौ २,३०५†: जै ३, २५,१†: शौ १३,६,६:२०,९२,१४†: उप॰॰॰ आसते मा १७, १३; का १८, १, १३: तै ४, ६, १, ४: मै २, १०, १: काठ १७, १७: उप॰॰॰ आसते क २८, १: उ॒पास्महे तै ¶५, २,९,१;३,२,३; मै १, ४, ८¶; शौ १३, ८,२; ५: ६: ९, १-३; उ॒पास्महे खि २, ६[३], २३: शौ ३, १०, ३; उपास्महे काठ ३२, ४¶: उ॒पासातै शौ १०, ८,२२: पै १६, १०२, ९; उ॒पा-मताम् शौ ११, १२,२: पै १९, ५२,१: २०, ९,८: उ॒पासिष्व खि २, ६,१६: उपाध्वम् पै ९,४,३; उ॒प॰॰॰आध्वम् ऋ ७, ३३, १४; उ॒पाऽऽसत काठ ८, १०¶: क ७,६¶: शौ ११, १०,५[g];६[g]; पै १६, ८५, ५;६; उ॒पासीत मै १, ६, ५¶: उ॒पासीयाताम् मै १, ८, ९¶: ?उपासीयाः[h] पै ५, ८०,८[e].

¶उ॒पा(प-आ)सीन- -नः, -नम् मै १,६,५.

उपा(प-आ) √**सृज्**, उ॒प॰॰॰आ॰॰॰ सृजध्वम् ऋ ६,४८,११[i].

उपा(प-आ) √**स्था**, आ॰॰॰उपतिष्ठन्तु पै २,५५,२.

उपा(प-आ) √**हृ**, ¶उप॰॰॰आहरति काठ ८, ८; क ७, २: उप॰॰॰ आहरामि पै ६,१५,२: उपाहरान् पै १३, १३, १०: उपाहरन् (?त)[j] पै ४,१३,७.

¶ उपा-हृ॒र(त >)न्ती- -न्ती मै ४, २, १४[२]: काठ ८,८[२]: क ७, २[२]: पै १६, ३६,९.

उपा॒-हृत- -तम् शौ १०,१, १९.

---

a) पाभे. कृते पृ ९५३ *d* टि. द्र. ।
b) गस. । उप. भावे घञ् प्र. ।
c) गस. प्रकृतिस्वरः । उप. यत् प्र. उसं. (पावा ३, १, ९७) ।
d) उपा° इति स्वरं? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ २०, १२७, ५) ।
e) सपा. उ॒पासते<> ?उपासीयाः इति पाभे. ।
f) तु. RW.; वैतु. शंपा. मात. शांश्रौ १२, १४, १ ?ह्वासते इति पाभे. ।
g) वैतु. सा. 'उपासते' इति व्याचक्षाणः ।
h) पाठे? उपासीय इति शोधः (तु. मूको.) ।
i) तु. सस्थ. टि. व॒चस्- > व॒चः ?; वैतु. मा. (पक्षे) GW. च उप॰॰॰आ॰॰॰अजध्वम् इति ।
j) पाठे? यनि. शोधः संभाव्येत ।

उपा-हृत्य- -त्यः[a] काठ ६, २: क ४,१.

१उपे (प√इ) उपायति शौ १९, ४९, १०; ५०, ६[b]; पै ८, १९, ९; १४, ४, १०; १६: १६, १२४, १[c]-११[c]; १९, १६, ६; ?उपायसि पै २, ६७,३: †उपो (प+उ)भयामि ऋ ७, ९२,१: मा ७,७; का ७,३,१; तै १, ४, ४,१; ३, ४, २, १: मै १,३, ६; काठ ४, २; क ३, २: उपायः तै २, ३, ५,२¶; ¶उपायत् मै २, १, ३: क ४५,५[d].

उपैति ¶तै १, ५,७,१: ६,७,२; ७,१,६[२]; २,१,१,१;४,६,२:५, ३,५; ५,४: ६,१,६; ५,१,७,३; ९,४; ६,८,२; ७,६,५: ६,१,१, २;३[२]: ४: २,३, ४[२]: ५,१; २[२]: ६,३,१;२; ¶मै १,५,६;११;८, २; ४[३]; १०,११: २,५,९: ३,१, ८:९: ३, २: ४,७[२];८;६, १;२[२]: ३: ७,१०; १०,१;२;४,१,१२[३]; ५, ७: ८,३[३]: ¶काठ २२, १३[२]: ३५, १७; शौ ९, ६,४: ¶उपैति तै ५,७,६,५; ६,२,२,७: ३, ७, ५[२]: ३, १; मै १,८,६; ७: २,१, १०; ४,४; ३,१,१; ४,७; ८,१; २: ९,२; ४, ४,९; ५, ७[२]: काठ ३५,१७[२]; ¶उपैति काठ ८,१०; ११, २[२]; १३, ३: १२: १९, ६: ७; ९; १०; २१, ८; २२,७: २४, ९[२]; १०: २५, १[२]; २; ९; २६,२;३; ३२,१[२]: ३३,२; ३४, ७; ३६, ५; ३७, १७; क ७, ६; ३०,४,५;८; ३५,१;३८,२[२]; ३: ४[२]; ५; ४०,२;५; ४८,१५[३]; पै १,५९,१; ७०,१: १६,१११, ४; १७, २८, १: उप…एति ऋ ७, ३७, ७; १०३,३; १०, ३४, १०; तै ४, ३, १३, ६†: मै १, ८, ७¶: उप…एति ऋ ७, १, ६: †उप (एति) ऋ ७, १, ६; १५, ९; तै ४, ३, १३, ६; काठ ७, ५; उपयन्ति ऋ १, ८३,२: १२५, ४; २,३५,३: ३, ५१,२: ७,१,३: ८,४६,३०: ९, ६९, ४; १०, ३१, ३: मा १७, ७६†; का १८, ६, १२†; तै १, ७,५,३: २,५,१२,२†: ३, ३,८, ५¶: ४, ३, ११, २: ६,५,४†: ६, १, २, ६¶: ¶७, २, २, ३: ४,२,५;३,३-५:५,३[२]: १०-११, १[३]: ५, १,६[२]: ३,१[३]; ४, १;७, ३[२]: ४; ८,१; ¶मै १,१०,१३: २,१०, ६†; १३,१†; १०$: ३, ३, ८: ४, ८, ५: ११, २; काठ १८, ४†; २३, २[२]¶; ३५, ३†: †कौ २, ७२२; ७२५: ३, ३, ६[२];‡[e]: जै २, १, ६[२]:‡[e]; †३, ५९, १४; १६; उपयन्ति ऋ २, २, ११; ¶तै ६,२,४,१: ३, ६,१; ७,२,२,३: ५,५; ३,५,३: ७,४; ९,३; ४,२,५:३,६; ४,३: ९,१; ११,२; ५,१,२[२]: ३;३,२; ९,४; ¶मै १, ४, ५; ८, ३; ७; ३, ६, ५[२]; ४,४,१०; उपयन्ति काठ ११, १२†; २९,३¶; ३१, १५¶; ¶३३, २[e]; ३[e]; ४; ५[e]: ७[e]; ८[e]; ३५, १†; ¶३६,३; ७; १३[२]; १४; ३९,१०; १५†; †क २८, ४: ३५, ८[२]¶: ४८, ४; पै ६,२२,६[f];७[f]; १६, ३०,११[g]: ७१, ३: †उप…यन्ति ऋ ७, १५, ९; तै १,८, २२, ५: मै १, ८, ७¶; शौ २०, २५, २; †उप…यन्ति ऋ ९,९५, ३: कौ १,५४४; जै १,५५,१०: ¶उप-उप…यन्ति मै ४, २, ८; काठ ७, ७: उप…एषि ऋ १, ५३, ७; शौ २० २१, ७†: उपैमि मा १, ५; २०,२४; का १,३,१: २२,२,१: पै १६,५०,५; उपो(प+उ)एमि ऋ ७,८६,३; उपैतु खि २,६,७[h]: पै २०,३२,९: उपो(प+उ)…एतु ऋ ७,८४,३; खि ४, १२,२: मा २९,१०: का ३१,१, १०; तै ५, १, ११, ४¶; मै ३, १६, २: काठ ४६, २: उपयन्तु ऋ ५,६२,४: शौ ४,३४,५[f]:६[f]: ७: ६,३२,३; ८,८, २१[g]; ९,५, १५; पै १,२७,२; †उप…यन्तु ऋ १, १६७, ⌊१ (७, २६, ५)⌋; ८,४४, ५: मा ३,४; का ३, १, ४; मै १, ६, १: काठ ७, १२: कौ २, ८९२; जै ४, १३, ७; उपेहि ऋ १०,१४,१०[i]; खि ५,

---

[a]) ॰पाद्रु॰ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. मै १,८,२ उपाधेयः इति पाभे. ⌊यद्र.⌋)।

[b]) तु. W. टि.; वैतु. पपा. शंपा. सा. उपायसि इति, RW. WI. W. अपायति इति। अन्येऽपि भूयांसः पाभे.।

[c]) उपयति इति पाठे? यनि. शोधः (तु. BKA.)।

[d]) वा.?। सपा. काठ २९,४ उपागृह्णात् इति पाभे.।

[e]) सपा. उपयन्ति<>परितस्थुः इति पाभे.।

[f]) सपा. उपयन्ति<>उपयन्तु इति पाभे.।

[g]) सपा. उपयन्ति<>उपयन्तु इति पाभे.।

[h]) सपा. मागृ २,१३,६ उपयन्तु इति पाभे.।

[i]) सपा. शौ १८, २,११ तैआ ६,३,१ अपीहि इति, तै १,८,५,२ अपीत इति च पाभे.।

४, ११ ; तै ३, ३, ३, १[3a]; मै १,३, ३६[3a]; ३, ६, ६; काठ १, १२[3a]; ३०, ६[3a]; पै ६,१०, ६; उप···इहि ऋ९,९७,३३; मै ४, ९,७; पै २०,४८,७; उपो(प+उ) (*इहि) खि ५, ४, ११; तै १, ५,७, १[2];¶; उपेनम् मै ४,१४, ६; उपेत काठ ३०,८:९; उप··· इत पै १,५३,८; उप (*इत) ऋ ५,३९,४[b]; उपे(प-ए)तन[c] तै ३, १,४,३: ५,२: मै १,२,१५: शौ ३,१४,३[d]; पै १,२४,४; ¶उपा-याम काठ २४,१०; क ३८, ३: उप···अयाम ऋ १, ३३,१; ¶उपैत तै २,३, ५,१; २: ५,६, ८. मै १, ३, ९: काठ १२, ५: ¶उपैताम् मै ४, ४,७; काठ ६, ६: क ४, ५: ¶उपायन् तै २,३, ७,१: ५,६,६,१[2]; ६,२,८,३: मै १, ८, ७; २, ३, ७: ३, ६, १०; !उपायन् पै १९, ४०, १४[e]: ¶उपायन् काठ १२, ५ : २४, १०[4]: २९, ९: ३४. ७; ९[2]; क ३८, ३[2]: उप···आयन् ऋ ४, ३३, L२ (९,९७,५)]: मा १३, ५१[f]; का १४,५, ५[f]: तै ४,२, १०, ४[f]; मै २, ७, १७[f]; काठ १६, १७[f]; क २५, ८[f]; ?उपैम[g] पै १३, २,१८; ¶उपेयात् तै २, ५,५,६; ६, ४; ५, ६, ८,२; ३; ४[3h]; ६,२, ३, ५[2]; मै १,८, ७; काठ ८, १२; ¶उपेयात् तै २, ५, ६, ४; ५, ६, ८, ४[2]; मै ३, ३,२; ४,७ ; ८; ¶उपेयात् काठ २२, ७[2]: क ७, ७; ३५, १[2]: ¶उपेयुः तै ७, ४,५,३; ५,३,१; ¶उपेयुः तै ७, २,२,२: ४,५,३: ¶उपेयुः काठ ३३, ५[2]: ३४, १; उपेयाम् मै ३, ४, ७¶; उपेयाम तै ६, २,८,२¶. †उप···ईयतुः मा ऋ ३, २,९: मै १, ३,३५; उपेयिम शौ १०, १. १०: पै ९, २२, १७: १६, ३५, १०: उपैष्यति मै १, ६, १०¶; उपैष्यामि तै २, ३, ५, १¶.

उप-यत्- -¶यत्सु काठ ८, ८: क ७, ३ , -यन्तः ऋ १०, १०२, ५: तै १,५,१,१¶: ¶मै १,७, २; ४, ४, ९: काठ ८,१५¶; क ८. ३¶: --यन्तम् ऋ २, ३३, १२: ¶तै १, ७,५,३:४.

उपा(प-अ)यन- -ने ऋ २,२८,२.

उपा(प-आ)यु[i]- -यवः तै १, १,१, १; काठ १,१; ३०, १०: क १, १; ४६,८.

उपे(प-इ)ति- -तयः ऋ १०, ६९, १; -तिः ऋ १, ७६, १[j]: -तौ ऋ ३,१८,१.

¶उपे(प-इ)त्य तै ७, २, ५,५, ४, १०,१; काठ ७,९; २२.७: ३९, २[k]; क ३५,१: पै ३,४,४$.

¶उपे(प-इ)त्य,त्या- -त्यम् काठ ३३, ८[2] : -त्या मै ३, ३, १: -त्यानि काठ ३३,५.

φउपे(प-इ)त्वा काठ ७, ४¶.

उपे(प-ई)यिवस्- -युषः ऋ १०, ३९,८.

¶उपै(प-ए)ष्यत्- -ष्यन् तै १, ६, ७,२.

२उपे (प-आ √इ), उप··· आ (आ-अ)यति ऋ ८, २०, २२: उपा (प-आ-अ)यसि[l] शौ १, ३४, २; ३, २५, ५: ६, ९, २: ४२-४३, ३ ; पै १९, ३३, ९: उप···आ(आ-अ)न्[m] ऋ २, ३०, ७.

¶उपा (प-आ)यन्ति तै ६, ६,

a) सपा. मा ८, ५०[2] का ८, २२, ४[2] तै ३, ३. ३,३[2] माश ११,५,९,१२[2] अपीहि इति पाभे. ।

b) तु. सा. अर्थतो नेदीयानिव स्पर्शुकः ; वैतु. GR. ORN. उप (एमि) इति वा, उप (ह्वये L तु. GRV.]) इति वा । तथाहि, 'इन्द्रमुपेत प्रशस्तये (तु. सा. GRV.; वैतु. GW. ORN. L तु. ऋ ६, ४५,३; ८, १२, २१; ४०,९] पूर्वीभिः इत्यन्वितः °स्तिभिः इति शोधः) । स इन्द्रः पूर्वीभिः (वाग्भिः) गिरः (द्वि३ =स्तुतीः L वैतु. सा. Gri. प्र३=स्तोतारः इति]) जुजुषे (प्रपु१=सेवते L वैतु. सा. Gri. प्रपु३ इति, GR. ORN. GRV. उपु१ इति च])' इति वा. द्र. ।

c) तनपि धा. गुणः पररूपं च द्र. ।

d) सपा. मै ४,२,१० आगत इति पाभे. ।

e) पाभे. कृते पृ ९०१ *k* टि. द्र. ।

f) सपा. उप···आयन् (माश ७,५, २,३६ च)<> रुरुहुः इति पाभे. ।

g) पैम इति पाठे ? यनि. शोधः ।

h) सकृत् पाभे. कृते पृ ७४७ *h* टि. द्र. ।

i) नाप. । गस. । उप. उण् प्र. (पाउ १, २) प्रकृतिस्वरश्च ।

j) पाभे. कृते पृ ६१५ *k* टि. द्र. ।

k) सपा. उपेत्य<>यथावशम् इति पाभे. ।

l) सपा. शौ ३,८,६; ६,९४,२ अनुचित्तेभिरेत इति विशिष्टः पाभे. ।

m) आ-अ° इति पपा. यनि. शोधः (पा ८.१.७१) ।

३, ५; काठ ३६, १३; उप ···आयन्ति ऋ ८, ४६, ३०; उपैमि शौ ६, ११८,३; उप··· ए(आ-इ)मः ऋ ८, ९६, ८; †उप···ए(आ-इ)मसि ऋ १, १,७; खि ५,११,४?§[a]; मा ३, २२; का ३, ३, १४; तै १, ५, ६, २; मै १, ५, ३; काठ ७, १; ८; क ५,१; कौ १, १४; जै १, २, ४; †उप (एमसि) काठ २२, १०; क ३५, ४; उपैतु शौ ७, ६८,१; उप··· एतु ऋ ८,१००, ११; शौ १९,५२,४; पै १,३०, ४; आ···उपयन्तु ऋ १०,३१, ५[b]; उप···आ···यन्तु ऋ ५, ४३, १[c]; उप···एहि ऋ १०, ८३, ६[d]; १२४, १; शौ ४, ३२, ६†; पै ४, ३२, ६†; उपे (प-आ-ए)तन शौ ३, १४, ३; ¶ उप··· आ(आ-अ)यानि तै ५, ७, ५, ३; ४[2]; ५[2]; ६[3]; उप··· आ(आ-अ)याम तै ५,७,५,७¶; ¶ उपै(प-आ-ऐ)न् तै ५, ७, ५, ४; ६; मै ४, ८,१; ¶ उपा-(प-आ-आ)यन् तै ५, ७, ५, ७; मै ३,८,१[2].

¶ उपै(प-आ-ए)ष्यसि तै ५, ७, ५, ४; ६; उपैष्यथ तै ५, ७, ५, ७¶.

φउपा-यत्- -यन् ऋ ९, ९७, [५ (४, ३३, २)]; १०, ८८, १९[e].

उपायती- -ती पै ८, १८, १०; -तीम् शौ ३, १०, २; पै १, १०४,२.

३ उपे(प√ई), उप···ईमहे ऋ १०, २४, २; ‡उप···ईमहे[f] कौ १, ४०६; २,६०; जै १,४५,८; ३, ६,६.

उपे(प√ए)ज्, उपेजतु खि ५, २, ३?[g].

उपेति-, उपेत्य, उपेत्य-, φउपेत्वा १उपे (प√इ) द्र.

उपे(प-ई)क्षा- उपा(प√आ)प् द्र.

उपे(प-ई)यिवस्- १उपे(प√इ)द्र.

उपे(प-आ√ई)र्>रि, ?उपेरय> या कौ १,२२३‡[h]; जै १,२४, ११‡[h].

१उपे(प√इ)ष् (गतौ), उपेषतु[i] शौ ६, ६७, ३; पै १९,६,१५; उपेष मै १,२,१४[j]; काठ ३,३[j]; २६, ६; क २,१०[j]; ४१,४.

उपे(प-ए)षत्- -षन्तम् शौ ८, ६, १७[k]; पै १६,८०,८.

उपेषे[l] ऋ १, १२९,८.

२उपे(प-आ√ई)ष्, उप···एषे ऋ १, १८६, [४; ५, ४१,७].

उपैष्यत्- १उपे(प√इ) द्र.

उपो(प√उ)क्ष्, ¶ उपोक्षति[m] तै ६, ३,६,४; काठ २६,८; क ४१,६.

उपो(प-ऊ)ति- उपा(प√अ)व् द्र.

उपो(प-उद्>)त् √क्रम्>क्राम्, ¶ उपोत्क्रामति काठ २२, १३.

उपो(प-उ)त्तम[n]- -मेभ्यः शौ १९, २२,११.

उपोत्था(प-उद्√स्था), ¶उपोदतिष्ठत् काठ २८, ९; क ४४,९; ¶उपोदतिष्ठन् मै ४, ५, ६; काठ २६, १०; क ४१,८.

¶उपोत्-थाय तै ७, १,६,८;५,१५, १; २.

उपोत्-थित- -तः मा ८, ५५; का ९,७,२.

उपो(प√उ)द्, न्द्

उपो(प-उ)त्त- -त्तः तै ४,४,९,१[o].

---

a) पृ ९३२ *d* टि. द्र. । ॰ए॰ इति पाठः? यनि. शोधः ।

b) तु. वें. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. आभिमुख्यार्थे आ स्वाम्र. इति । c) तु. सा. GW.; वैतु. PW. आ इत्यगतिरिति ।

d) तु. वें. सा. GW. GRV.; वैतु. सा. [ऋ.] भाष्ये आ इति च्युत इव, WI. उप कप्र. इति ।

e) तु. PW. GW.; वैतु. सा. उप···दधाति इति ।

f) विशेषः पृ ९२० *x* टि. द्र. ।

g) ॰पे॰ इति स्वरे? यनि. शोधः । सपा. शौ ६,६७,३ पै १९,६,१५ उपेषतु इति, खिसा ३६,७ उपाजतु इति च पाभे.।

h) तु. BS. सात. प्रमृ.; वैतु. S. अध्या. उपैरय इति, सा. आर्ङ् च्युवुक इति, विव. किउ. आड् इति च ।

i) तु. टि. उपेजतु, पृ ८९ *C* टि. च ।

j) पाभे. संकुलः पाठः तत्तच्छाखामूलतः द्र. (तु. संस्कर्तुः टि.) । =सपा. माश्रौ १,८,२, २८ । तै १,३,६,२ आपश्रौ ७,११,९ तु अवगूहामि इति पाभे. ।

k) वैतु. सा. ॰पैष॰ इति कृत्वा 'सर्वत इच्छन्तम्' इति भाषुकः ।

l) के-प्रत्ययान्तं तुमर्थं कृत् अव्य. 'दुर्मतीनां (मध्याद्) या नः उपे॰ सा (=दुर्मतिः) स्वयं रिषयध्यै (स्यात्)' इति वा. (वैतु. सा. यनि. संमतोऽपि सन् 'सा'=जूर्णिर् इति कृत्वा वा. भूय इव विपर्यासुकः; वें., स्क. दु. [या ६, ४] च, GW. प्रभृ. च क्विप. इति कृत्वा प्रपु१ इति?) ।

m) पररूपं द्र. (पा ६,१,९४) ।

n) विप. । प्रास. अन्तोदात्तः उसं. (पा ६,२,१९४) ।

o) पाभे. कृते पृ ९५६ *f* टि. द्र. ।

उपो(प-उ)दक[a]- -कस्य[b] पै १,४४, १;८,२,४: -के मा ३५,६; का ३५,४,५.

¶उपो(प-उ)दय[c]- -यम् काठ ६,५; क ४,४; -ये मै ४,२,३;३,४.

उपोदित[d]-

औपोदिति[e]- -तिम् तै १,७,२,१¶.

उपोदे(प-उद्-आ √इ), उपोदेति शौ ९,११,५.

उपो(प-उ)प्त-, उपोप्य- उप √वप् द्र.

¶ उपो(प-उ)लप[f]- -पाः मै १,७,२: काठ ८,१५; क ८,३[g].

¶उपो(प √उ)प् (दाहे), उपौपति, उपौपेत् तै ३,२,८,४.

उपो(प √ऊ)ह् (गतौ), उपोहते मै ४,८,४¶: ¶उपोहति काठ २६,६[2h]: २९,९; १०; क ४१,४[2]; ४६,२: उपोहध्वे पै १९,३,३.

उपो(प-ऊ)ह- -हः शौ ३,२४,७.

उप्त-, उप्यमान- √वप् (बीज-संताने) द्र.

√उब्ज्[i], उब्जः ऋ ४,१९,५[j]; उब्जन्तु ऋ ६,५२,१; †उब्जतम् ऋ ७,१०४,[१(१,२१,५)]; खि २,१६,१; काठ २३,११; शौ ८,४,१; पै १६,९,१; उब्जतम् ऋ १,२१,[५(७,१०४,१)].

उब्जत्- -ब्जन् ऋ १,५२,२; -ब्जन्तः शौ ८,८,१२; पै १६,३०,३.

√उभ् (वधा.), उभ्नाः ऋ १,६३,४; औभ्नात् ऋ ४,१९,४[k].

उब्ध- -ब्धम् ऋ ४,१,१५.

उभ,भा[l]- -भयोः ऋ १,१२०,१; ६,२५,६; मा १६,९; का १७,१,९; ¶तै १,७,९,१$; २,६,२,३; ४,५,१,३$; ५,८,१,३; ६,१,१,२;८,५[2]; ४,२,६[2]; ६,४,१; ७,३,४,१[2]; ५,२;३; ७,४; ९,३; ४,२,५;३,६; ४,३; ¶मै १,५,५;६,१०; ७,५; २,९,२; ३,६,१[2]; ८,८[2]: ४,२,१०;३,१; ४,१०; ८,१०; ¶काठ ९,३; १३,५; १७,११$; ३०,५; ३४,५; क ८,६¶; २७,१: शौ ७,८०,४; १०,४,१०; १५; १९,२८,३; पै ११,७,४; १४,२,१३; १६,१५,१०; १६,५; १९,२०,१८; २४,३; २०,४४,३; -भस्य पै २०,३०,३‡[m]; -भा ऋ १,२२,[२,२३,२]; ४६,१५[2n]; १११,४; १२०,१२: १२८,५; १४०,३: १४१,४; १८२,४; १८५,९; २,२७,१५; ३,३,११; ४,४,१४; ५,३८,३; ४४,१२; ४६,२; ६८,२; ८६,१; ६,६०,१३[4]; ६९,८; ७,१,१७; ३७,३; ९३,१; ८,५,२९; ३१,८; ६१,१८; ७२,१२, ७७,११; ८६,१[3]; १०१,७; ९,५,७; १०,१८,७; ८५,९; ८६,१४; ८७,३; १०५,२; १२५,१[2],१२८,७[o]: १३१,५; खि ३,१५,८; ५,७,८,१०; मा ३,१३[4]†;५,१९[p]; १०,३४†; २०,५६; ६९;७७†; †३३,१९;८८; ७१; ३४,२८[2]†[n]; का ३,३,३[4]†;५,५,७[o];११,१०,४†;२२,६,२;७,३; ११†; †३२,२,२; ८,५; ६,२;३३,१,२२[2]†[n]; †तै १,१,१८,१[4]; २; २,१४,६; ५,५,१; २[2]; ७,२; ११,१; ७,१३,४$[p]; ३,२,११,२; ४,७,१४,३; ७,१,५,५; ६,७; †मै १,५,१[4]; ५[2];¶; ६; २,४,४; $३,११,३; ८[2]; ४,११,१; ५; १२-१३,५;१४,८;१६; काठ†६,९[5]; ११; ७,८[2];†: ¶[q];५;१२,१८†; १३,१५†; १७,१९†: २३,११†;३८,८;९[2];†:†क ४,८[4];५,३: ४; †कौ १,११७; २,

[a]) विप. [मा. का.], नाप. [पै.]। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[b]) सपा. शौ ५,१३,६ अपोदकस्य इति पाभे.।

[c]) प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[d]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।

[e]) अपत्यार्थीयः इञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

[f]) समासादिकं पृ ९६० n टि. द्र.।

[g]) वैतु. BW. आपोलु°?।

[h]) पृ ३०७ सकृत् अपोहति इत्यत्र यनि. शोधः (तु. सपा. क ४१,४[2] तत्-संस्कर्तुः टि. च)।

[i]) धा. बाधने हिंसायां च वृत्तिः द्र.।

[j]) तु. वें. सा. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. HL. ORN. ? GRV. < उब्ज्- इति।

[k]) तु. पपा. वें. मा. PW.; वैतु. GW. दृढान्यौभ्नात् इति पाठं °दृढा। न्यौ° इत्याकारकं प्रकल्पुक इति।

[l]) मना.। व्यु. ?। < √उभ् इति या (४,४[तु. PW.])।

[m]) पाभे. कृते पृ ७७२ b टि. द्र.। BKA. उभयेऽस्य इति शोध इत्यधिकम्।

[n]) पाभे. कृते पृ ७६८ f टि. द्र.।

[o]) सपा. उभा <> उभा (सं.) इति पाभे.।

[p]) =सपा. माश ३,५,३,२२। तै १,२,१३,२ मै १,२,९ काठ २,१० शौ ७,२७,८ तु विशिष्टः पाभे.।

[q]) सपा. क ५,३ उभौ इति पाभे.।

४३४;८०९; ९५२; †जै १,१३, ३:३, ३८,३; ४,११,५; शौ ३, ४, ८; ४, ३०, १[2]: ५, ३, ९†; २५, ३‡[a]; ७,४५, १†; ११५, १[b]: ८, २,१५;३,३†;६,४:१०, ४,१६; ११, ८, ५; १३,२,१०: ३०: १४,१, ९†; ५४: २, १३; १८, १, ५४†: †२०, १२५,५; १२६, १४; पै १, ४०, १[2]: २, ९,५: ३,१,४: ५,४,८†: २६,६; ८,१०,११: २०,१:२: १५,१३, ५: १६, ४,५; ६, ३†; १६, ६: १८,१,९†: ६,२: ८,४: २१,४: २३, ७: २०, ६, ८; १५, ३†: २९, ६ ; ४७, २: -०भा काठ ४०, १०‡[c]; -भाभ्याम् ऋ ९, ६७, २५: मा १६, १४: १९, ४३†: का १७, १, १४: २१, ३, १४†; तै ४, ५, १, ४; ६, ६, १०, २[2]¶: ¶७, ४, २, ३; ८, ३: मै २, ३, ६¶: ९,२: ¶३, २,१०: ३,३: ११, १०†; ¶काठ १२, १३; १७, ११$: १९,११; २०,१२: ३४,७: ३८, २†; क २७,१: ¶३१, १: १८: शौ ६, १९,३†; ७, ५८, ८; ८, २,२०; ११,२, १६; पै १, ६८, ३; १४, २, १२: १६, ४, १०; १०५,६; १९,७,१३†; २०,५६, ५;६;५८,४; -भे ऋ १,१०,८; ३३, ९; ३५, [९ (१६०, १)];

५४, २: ९५, ५-७; १३३, १; १४१, ११; १४७, १; १८५,४; ९: २,१.१५; २,[४; ९,७०,३]; २७, १५; ४३,१: ३,१,१०; २, २: ३१, १७: ३४, १; ५३, [१२ (८, ६,१७: ९, १८, ५)]; ५४, [१५: ४, १६, ५: ८,२५, १८]; ५५, २०: ४,७,८; १९,१; ४२, ६; ५५,[३; १०,७६, १]; ५,६. ९: ३०,९; ३१,६: ३७,५: ८२, ८; ६, ३०, १; ४६, ५; ४८,६; ५२,१४; ६६,६: ७,२०,४; ३४, २३:६०,२: ८७,३; ९६,२;९९, १:८,६,५:[३८: ७६,११]; २०, ४;२५,२१:३९,१: ५२,७; ६४. [४:१०,१४०,२]:९३,१२; ९८, ५: १०३,७; ९,१८,६: ३२, ४; ७०, २;४: ५: ८१,५: ९७,३८; १०१, ७: १०,१,७; १३,५[2d]; १७, ६; ३०,९; ३९, १२; ६४, १४; ६५, ५: १०१, १०: ११; ११९, ७; १३४, १; १४५, ५; १४७, १: १६६,३; खि २,१३, ३:३, ४, ७: १५,१३; ५,५, ४; मा ८, ३†;११,३०:१२,१०७†: १५,४३†;२०,६०; २८,२९‡[e]; ३२, १६; ३४, २५†; का ८,१, २†; १२,३,३; १३, ७,६†; १६, ५,२५†: २२,६,६; ३०,३,६‡[c]; ३३, १,१९†; ३५, ३, १२; †तै १,४, २२,१; २, २, १२,७; ३,

०, ४$; ३, १,७, २¶; ४,१,३, २$; २,७,३; ४,४,६; ५, ५,४, २¶; ७,५, १, ४¶; †मै १,३, २६;३२; ४,१२¶;६,९[2]¶;१०, १७¶; २, ७, ३$; १२$; १४; १३,५$; ३, २, ६¶; ११, ३$; १६, ३‡[f]; ४, ५,१; २; १२,४; १३,९; १४,५;८;१६; काठ †४, १०; ११; ¶६, १; ५; ९,१९†; ¶११, १; ६; १३†; १३, ५[2]¶; १४, ५¶; १६, ३; १४†; १९, ४;२०,६¶: ३६, १२; क ३,८†; ९†; १२¶; ४, ८¶; २५, ५†; ३०,२[2];३१,८¶: ४८, ११; †कौ १, १८२; ३७१; ३७९; ५४६; २, १६८; ३३९; ३७४; ४४०; ५९८;७०८;७१४; ७७५; ९३४: १००३; ११६७; ३, १, १$; ३, ९: †जै १, १९, ८; ३९, २: १०: ५६,२; २, २,४; ८,१०$; ३, १६, ६; २८, ११; ३०, १७; ३३, १५; ४८, १८; ५८,५: ४, ८, ४; ११, ७: शौ १, १, ३; ‡२, १०, १[f]-८[f]; ३, ४, ५‡[f]; १८,५†; ४,९, १०; ५, १८,५: ३०, २-४; ६, १, ३ ; ५८, १: १३८, २: ७, १०, १†; ५९,२[g]; †[2d]; ‡[2g]; ८, ५,३; ९,४, १०; १०, ७, ३५[h]; ११, ७, १; ८; १२, ३, ५; ६; १९, १५, ५; †२०, ११, १: ४२, २; ६४,

[a]) छन्दस्तः उभाव इति सुपठम् (तु. सस्थ. टि. अश्विना)। सपा. ऋ १०, १८४, २ माश १४, ९, ४, २० मंत्रा १, ४,७ बृउ ६, ४, २० आपमं १, १२, २ मागृ २, १८, २ देवौ इति, हिगृ १, २५, १ उभौ इति च पाभे.।

[b]) सपा. तैंब्रा २, ४,५,७ युवम् इति पाभे.।

[c]) पाभे. कृते पृ,९६१ *o* टि. द्र.।

[d]) सकृत् सपा. उभे<>उभये इति पाभे.।

[e]) सपा. उभे (तैब्रा २, ६, १७, ४ च)<> मही इति पाभे.।

[f]) =सपा. तैंब्रा २,५,६,२;३,७,९,९ आपश्रौ १३,२५,३ आपमं २,१२,६ हिगृ २, ३,१०। ऋ ६, ७५,१० मा २९, ४७ तै ४,६, ६, ४ काठ ४६,१ शौ ८, २,१४ तु विशिष्टः पाभे.।

[g]) पाभे. कृते पृ ७७२ *b* टि. द्र.।

[h]) पाभे. कृते पृ ८७९ *h* टि. द्र.।

२; ७७, ५; ८०, १; १०७, २; पै १,६,३; २७,१; ४०, ३; २, ७२,३; ३, २३, ३; ३५, ५; ६, २२, १९; ८, ३, १०; ९, ११; †१४,५-७; ९, १३, २-४; १७, ७; १३, १०, ८; १४, ३, १०; १५,१२,५†; २१,५; १६, २०, ३; ३०,११; १५३,१;९; १७, ३६,५; ६; १९, १, ३; ३१, ९; ३४,६?[a]; ३९, ४; ९; ४८, १६; २०, ३०, ३†; ४२, १०; –भौ ऋ १,१७९,६; २, २७,१५; ७, १०४,१३; १०,८३,७[b]; १०६, १[b]; १३६, ५; खि ३, २२, ६; मा १०,१६‡[c]; १९, १०; २३, २०[d]; का ११, ५, ७ ‡[c]; २१, १,९; २५, ५, ३[d]; ¶तै २, ४, ४,३, ५,६,२,१; ३,४; ६,२,१, १[२]; २,५; ३,९, ३$; ४, ६, ३; ¶मै १, ४,७; १५[२]; ५,५; ११; ८,६; ७; १०, १४; २, ६,१;६; ३,९,६; ११,७$; ४, ३, १; ७, ७[२]; ८, १०; ¶काठ ७, ९; ८, ३; ४[२]; ९, १६; १३, ३; १५, १; २१,११; २३, ८; २४, ८[२]; २८, २[४]; ३०, ५; ३६, ८; ३७, १८$; ¶क ५, ३; ८; ६, ८; ९[२]; ३८, १[२]; ४४, २[४]; कौ २,

१२१५[e]; शौ ३, २०, ६‡[f]; ४, ३२, ७†; ५, ७, ६; ६, ८९,३; ७,७३,४; ८,८,१३†; ९, ३,९; १०, ४,८; ११, २, १४; ९, ३; १२,११; १२, ४,१७; १३, २, ६; १३; १९,२२,५; पै १,४९, ३; २,३५,५; ५८, ६; ३, १५, ६; ३४,७†; ४, ३२,७; ५,३१, ८; ३८,५; १२,४,५; १३,१३, १; १६, १०,३†;१५,८;३९,९; ७९,४;८२,३;१०५,४;१७,१७, ७; १८, १२,१०;२०,१०; २१, ७; १९,२,११.

उभय[g]– -यः शौ ११, ९, ११; पै १६, ८३, १; १९, ३४, १५; –यम् ऋ १,१९०,७; २, ९, ५; ८,६१,१; १०,२२,१; ६४,१४; ८४, ७; मा ४०, ११; १४; का ४०, १, ११; १४; ¶तै ३, ४, १०, ४; ६, ३,१०, ५; ५,९,८; ७,३,१,४; ९, १[३]; ¶मै १, ५, ७;८.९: ११,८; ३, २,२;५; ४, ३; ६; १०; ६,६; ९,२;४; ७$; ४, २,९; ७,४[२]; ¶काठ २८, ९; २९,२;३;५; ३०,१; ३४, ३;५; ३५,५[h]$; ३७,१; ¶क ४४,९; ४५, ३; ६; ४६, ४; ४८,६$[h]; †कौ १, २९०; २, ५८३; †जै

१,३०,८; ३, ४७,९; †शौ ४, ३१, ७; २०, ११३, १; †पै ४, १२, ७; –¶यस्मात् काठ १०, २; २२, १३; २४, ८; २९, ३; क ३८, १; –यस्य ऋ ४, ५३, ६; ६,१९,१०; ४७,१६; ७, ९, १; ३३, १२; ८२, ४; ८३, ५; ८,१०१,१०; ९, ८१, २; १०, १३, ५[अ]; ¶तै २, १, ९,३; ८, ६,२; ५,२,८,६; ९,३; ४,५,२; ६, १, ८, १; ३, ७,५; ४,१,५; ७,२,२,१; ५, ९, ४; ¶मै १,४, ८$; ११,८; २,१,९; ३, १,२; ४,३; ¶काठ ३२,१[२];४; जै ४, १६, ४†; पै २०, ३०, ३ †[i]; –†या ऋ २,६, ७; ६,१५,१?[j]; कौ २, ९१९?[j]; जै ४, १६,२?[j]; –†याः ऋ २, १२,८; शौ २०, ३४,८†; पै १, ५४, १;१२, ७, ८†: –यान् ऋ १, १८९,७; ४, २,२; ६,२२,२; ¶तै ३,१,५, २: ५,४,५,२; ५,१०,५; ६,२, ७,१; ३; ४,६, २; ३; ¶मै १, ४,१०;४,२,७;८[२]: ¶काठ २१, ७; ३२, १; ७; ३५, १८; ३६, १२; ¶क ४८,१६; शौ १२,२, ४४; ३, ६; १८, ४, ३९; पै ७, ३, ४?[k]; १७, १२. ७; ३४, ५;

a) पाठे? उप इति शोधः।

b) वैतु. GW. उभा इति।

c) सपा. ऋ ५, ६२,८ विशिष्टः पाभे.।

d) सपा. उभौ (माश १३, २, ८, ५ च) <> सह (आपश्रौ २०, १८, २ च) इति पाभे.।

e) सपा. उभौ <> युवम् इति पाभे.।

f) उभाविह इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १, १४,३ मा ३३,४५ का ३२,४,२ बृहस्पतिम् इति, मा ३३,८६ मै १, ११, ४; २, २, ६ काठ १०, १२; १४, २ सुसंदृशा इति च पाभे. (पृ ७९९ e टि. अपि द्र.)।

g) अयवेव अयच् प्र. स चोदात्तः (पा ५, २, ४४)। मात्रच्-प्रत्याहारमाश्रित्य स्त्री. ङीप् प्र. स्याद् इतिमात्रं चित्त्वप्रयोजनम् (तु. पाम १,१,४४)।

h) =सपा. तैब्रा ३, ७, ८, २ आपश्रौ १४, १०, ३। काश्रौ २५,१२,४ तु ?अभयम् (यत्र यनि. शोधः) इति पाभे.। i) पाभे. कृते पृ ७७२ b टि. द्र.।

j) °याँ इति छन्दोनुरोधतः सानुनासिकस्य पाठस्य वा. वता इत्यनेन संबन्धः द्र. (तु. ORN.; वैतु. °यान् इति शोध्यः पपा. सा. GW. च)।

k) °याम् इति पाठे? यनि. शोधः।

३६, ६; २०,२४,८; –यानि ऋ ६,१९,१३; ७, २, २; मा २९, २७†; का ३१, ४, ३ †; मै ४, १३,३; काठ २३,३¶; ३७,४†; शौ ७, ११४, २; पै ४, ९, ३; –याय ऋ १, ३१,७; १०, ३७, ११; पै २०, ६, २; –† यामः ऋ १, ६०, २; २, २, १२; ४, २४, [३ (७,८२,९)]; ६, १,५; ७, १, [२०; २५]; ८३, ६, मै ४, १३, ६; काठ १८, २०; –ये ऋ २,२४,१०; ३,३२,१४; ४,३९,५; ५,५९,७; ७,८२,[९ (४,२४,३)]; १०, ९२, ९; तै १, ६,८,१¶; १२,३†; ¶मै १,८,२; १०,१७३; १८२; २,१, ११; ३,२,३२; ७; ८,५; ९,७; १०, ९२; ४, २, ९२; १३; १२, ३†; ¶काठ ७, ८,८,१३;१३†; २१,७; २६,९; २७,८; ३२,१; ३४, ७; ३६, ११; १२२; ३८, ७†; ¶क ८,१; ४१,७; शौ ७, ८४, २; ८, ११, २; १२, १, ८७; पै १,१०३,४; २, ६०, ४; ५, १५, १; ९, २२, २०; १६, १३३,८; १७, ५, ५; २०, ३०, ३‡a; –येन ¶तै २, ५, २,७३; ६, १,९,२; मै २, ५, २¶; शौ १२,४,१८; पै ४, १७, २; १७, १७, ९; –येभिः ऋ १, १८५, ४; पै ९, १२, ३; –येभ्यः ऋ १, ९१, [२३ (६, ४७, २०)]; खिमा २६,१६; मा ३४, २३†; का ३३,१,१७†; तै६,१,४,३¶; मै ४, ३, १¶; पै २०, २८, ९; –येषाम् ऋ १,२६,९; ¶मै १, १०,१६; ३, ८,४२; ४,२,१३१; काठ ३६, ९¶; –येषु ऋ १, १२२,१४; ४, ४४,६; ¶तै ५, ४,७,२; ६, ८, ५, ४; शौ २०, १४३, ६†; –¶यैः काठ २६, ९२; क ४१, ७२; –यौ पै १६, ३७,२.

उभयी– -यीः तै ७, ५, १, १¶; ¶मै १, ५, ११; १०,१३; २,५,१; ३,८,१; ४,३,२; ४,१; ९;५,१; २२, ६,३; ¶काठ १२, ७; २०, ३; २७,८; २८, १०!b; ३३, १; ३५, १८; ३६,७; ¶क ४५, १; ४८, १६; शौ ८,५, ९; पै १, ३७,१; १६, २७,९; १७, १५, ४; –यीभिः तै ५, १, ४, ५¶; मै २, ७,१५; ३, ४,७; काठ १०, ४¶; ३९, ३; क ३०,२¶; –यीभ्यः तै २,६,९,८¶; –यीम् ¶मै १,११,५;२,२,१;–यीषाम् ¶तै ५,२,५,५; ४,९,२; ७, ३, ४, १; –य्यः तै ७, ५, २, २¶. उभय-तस्(:) ऋ५, ८१, ४; ९, ८६,६; मा ८, ९; का ८, ६, २; ¶तै १, ५, २, ४; ४,४; ६,१०, ३२; ७, ४,२; ३; २,१,२,९; २, ११,४; ३,२,३२; ५,९,५; ३,५, ५, १$; ५,१,३,५; ४, ३; १०, ५; २,८,६; ५,१, ५; ४, २; ६, २,१,३; ४;९,१; ४,१,३; ५,२, १; ७, ३,१०,१; २२; ४, २, २; ११,३; ¶मै १,३,२६$; ५,५२; ११; ७-८,४; १०,११; १७; २, १,४; ६;९; ३,२,३; १०; ४,७; ६, १; ७, २२; ८,७; १०; ४,१, १२२; २, ९४; ११; ३,१२; ७,३; ९; ८, ५; ६; ९; ¶काठ ९, १; १०,२; ११२; ११,१२; ६; १९, ३;११; २०,१२२; २२, ७; १३; २३,३;९;२४,३; २५,५; ६;८२; २६, २; २९, २-४; ७; ८; ३३, ३; ६२; ३४, ७२; ३५,२०; ३६, ६;११; ¶क ८,८; ३०,१; ३१, १;१८२; ३५,१;९; ३६,६; ३७, ४; ३९, २; ३; ४०,१२; ५; ४५, ३;५;८;४८,१८; कौ २,२३७†; जै ३,२१,२†.

¶उभयत-एतc– -तः काठ ३४,१d.

१उभयतएनीf– -नी तै ७,१,५,७¶.

२उभयतएनीe– -नी तै ७, १,६,५¶.

उभयतः-क्ष्णुत्f– -क्ष्णुत् मै ३,१,२; काठ १९,१; क २९,८.

उभयतः-क्ष्णूg– -क्ष्णूः तै ५, १,१,४¶.

¶उभयतः-प्रउगh– -गम् तै ५,४, ११, २; काठ २१,४i; क ३१,१९.

---

a) पामे. क्लते पृ ९६२ *d* टि. द्र.।

b) उभयोः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क४५,१ तत्-संस्कर्तुः टि. च)।

c) विप.। विशेषः पृ २४८ *k* टि. द्र.।

d) यनि. प्रतिपद्यमानोऽपि पूप. पृथगपि प्रदर्शयन् SI. चिन्त्यः।

e) समासादिकं २अन्यत-एनी– टि. द्र.।

f) विप.। समासादिकम् अन्यतः-क्ष्णुत्– टि. द्र.।

g) विप. (अभ्रि-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. क्विप् प्र. धा. च दीर्घः (पावा ३,२,१७८)।

h) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

i) असमस्तमिव संकेतयन् SI. उपेक्ष्यः।

¶उभयतश्-छिद्र[a]- -द्रः, -द्रम् काठ २५,१०[b]; क ४०,३.

उभयतः-शीर्षन्-

१उभयतः (,श [काठ.]) शीर्ष्णी- -र्ष्णी[c] तै १, २, ४, २; ६,१,७,५; मै १, २, ४[d]; ६, ७,५; काठ २,५.

२उभयतः शीर्ष्णी[e]- -र्ष्णी[e] मा ४, १९; का ४,६,३.

३उभयतः (,श [काठ.]) शीर्ष्णी[f]- -र्ष्णी[e] काठ २४, ३[2];¶; क १,१७;३७,४[2];¶.

उभयतः शीर्ष-त्व- -त्वम् मै ३,७,५¶

¶उभयतः-सं श्रायिन्[g]- -यि तै २,३,८,४.

¶उभयतो-ज्योतिस्[h]- -तिषा तै ७,४,११,३; ५, १, ५; काठ ३३,३[b].

¶उभयतो-दत्[i]- -दतः तै २,६,२,२[2]; -दन् मै २,३,३.

¶उभयतो-मुख[j]- -खम् तै ६, ५,३,१; मै ४, ६, ७; -खाः मै ४, ६, ७; काठ २८,२; क ४४, २; -खे काठ २८,२; क ४४,२.

¶उभयतो-युक्त[k]- -क्तम् काठ २७,१०.

¶उभयतो-वीवध[l]- -धम् काठ २७,१०.

¶उभयतो-वैश्वानर[m]- -रः तै ६,५,२,१; मै ४,६, ६[2]; -रम्, -राः काठ २८,१.

उभय-त्र ऋ ३,५३,५.

उभयद्युस्(>:)[n] शौ १, २५,४; ७,१२१,२; ८, १२, ८; पै १६, १३४,४.

उभया[o] ऋ १०, १०८,६.

उभया-दत्[p]- -दन् तै २, २,६,३[2]¶; पै ५,३६,६; -†दतः ऋ १०,९०,१०; मा ३१,८; का ३५, १, ८; काठ १९, ३¶; क ३०, १¶; शौ १९, ६, १२; पै ५,१, ८§; ९,५,१०; -दति शौ ५,३१,३; -दते पै २०, ५८,१; -दद्भ्यः तै ५, १, २, ६¶; -¶दन् मै १, ८,१; काठ १२,६; -दम् ([न] संपा. =न्[]) शौ ५. १९,२[q]; पै ९, १८,८.

१उभ(य>)या-विन्[r]- -†°विन् ऋ १०,८७,३; शौ ८, ३, ३; पै १६, ६,३; -विनम् शौ ५, २५, ९; पै ३,९,२; १३,२,१७.

? उभया-हस्त[s]-

?†उभयाहस्ति[t] ऋ ५, ३९, १; कौ १, ३४५; २, ५२२; जै १, ३६,४; ३, ६०,१८.

?†उभयाहस्त्या[t] ऋ १, ८१,

[a]) विप. (गर्भ-, पुरुष-)। बस.।

[b]) पृ ९६४ *d* टि. द्र.।

[c]) सपा. उभयतःशीर्ष्णी<>उभयतःशीर्ष्णी<>उभयतःशीर्ष्णी इति पाभे.। [d]) °र्ष्णि इति पाठः ?।

[e]) ङीपोऽभावे ङीप् प्र. वा उसं. (पा ४, १, २८) तत्स्वरश्च। [f]) स्वराऽभावात् पृथङ्निर्देशः।

[g]) उग. प्रकृतिस्वरः। उप. सं √श्रि+णिनिः प्र.। वा. क्रिवि.। [h]) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[i]) विप. (पशु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) विप. (ऋतु-, ऋतुपात्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[k]) बस.। यनि. संकेतयमानोऽपि उप अ-युक्तम् इति पृथगपि प्रदर्शयन् SI. चिन्त्यः।

[l]) बस.। वा. क्रिवि. द्र.।

[m]) विप. (ध्रुवग्रह-, प्राण-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[n]) तु. टि. अन्येद्युस् (>:)।

[o]) आजादेशः (पा ७,१,३९) चित्स्वरश्च। वा. क्रिवि.। उभय-वृत्- (=°य-वत् [वतिः प्र.]) > नैप्र. यनि. इति मतं भवति।

[p]) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. भा. पूप. =उभय- > °या इति वदन् यनि. स्वरानुपपत्तेश् चिन्त्यः)। पपा. नावग्रहः [तु. WIS १३, ८८]।

[q]) पाठे ? यनि. शोधः (तु. सपा. पै., WAG [३,१४३ *b*])।

[r]) विप. (पुत्र-, इन्दु-)। मत्वर्थे विनिः प्र. तत्स्वरश्च। पूप. दीर्घः।

[s]) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. स्क. वें. सा. प्रभृ. कस. इति कृत्वा °स्त- इतीव (तु. *t* टि.))। अनन्तरे शब्दे समासान्त इच् प्र. (पा ५,४,१२८) द्र.। तदुत्तरे च समासान्तः ड्या प्र. तत्रैव उसं. इति विशेषः।

[t]) स्वरूपम् ? । वें. प्रभृ. °स्ति, °स्त्या =°स्त- + सुप्स्थानीयः या प्र. इति, GW. °स्ति =°स्तिन्- > -स्ती (पुं. प्र१) इति वा यनि. न. द्वि१ इति वोभयथापि विप. इति च, उत्तरत्र (PW. अनु) °स्त्य- > °स्त्या (न. द्वि ३) इति च विप.। वस्तुतः °स्त्या =°स्ति आ इत्येवं किल पपा. भवति। संभवति तु °स्त्या =°स्त्या आ इत्येवमपि। पाग (५, ४, १२८) प्रसिद्धेः °स्ति आ इत्येव पदे इति सरलः पन्था इति। नेति। अर्थतश्च वा. क्रिवि. इति कृत्वा संबन्धतश्च उत्तरशब्दसामान्यात् तदेव °स्त्या इति न तु °स्ति इतीह

७; मै ४,१२,४; काठ १०,१२; शौ २०,५६,४.

¶उभया-हिरण्य- -ण्यः काठ ८,५; क ७,१.

उभयेद्युस्(:)[a] पै १,३२,४.

?†उभयं-कर[b]- -रम् ऋ ८,१, २; कौ २,७११; जै ३,५८,८; शौ २०,८५,२.

१उभया-विन्- उभय- द्र.

?२उभयाविन्- -†विनम्[c] ऋ ८,१, २; कौ २, ७११; जै ३, ५८,८; शौ २०,८५,२.

?उभ्रि-

उभ्रि-द(न्त>)न्ती[d]- -न्तीम् पै १७,१५,९.

उय (?५[e]) ऋद्दछ (?च्छ[e])न्ति पै १९, ३०,१२.

?उयुम्[f] शौ २०,१३०,२०.

उरण[g]- -णम् ऋ २,१४,४.

?उरन्भ्रे[h] काठ ३५,३[i]; क ४८, ४.

?उरपाम्[j] पै १३,१४,४.

उरस्[k]- -रः ऋ १, १५८, ५; १०, १५५,४[l]; खि २, ११, ३; १२, २[m]; ५, २२,१२; मा २०, ७; का २१, ७, ६; तै ३, १, ४, ३; ¶७, २,७, ४; ४, २, ४; मै ३, ११, ८; ४, २,२¶; काठ २६, ८¶; ३०, ३¶; ३८, ४; ¶क ४१,६; ४६,६; शौ ९, ५, २०; १०,२,४; ११, ११, १४; २०, १३७,१; पै १६, ९९, ६; २०, २९,७; -रसः ¶तै ६, ३, १०, ४; ७,१,१,४; पै २०, ५०, ८; -रसा मा ११, ३१; का १२, ३,४; तै ४,१,३,२; मै २,७,३; काठ १६,३; १९, ४¶; क ३०, २; शौ ११, ४, १०[२]; पै १६, ५५-५७,९; -रसि शौ १०, ३, ११;८,१८; १२, १०, २; १३, २, ३८; ३, १४; १९, ३२, २; पै १२, ४, २; १६, ६४, १; १४५,१०; १४८, २.

उरस्-तस् (:) पै ४,७,२‡[n].

उ(र>)रा[o]- -रा ऋ १०, ९५, ३?[p]; -राम् ऋ ८, ३४, ३; कौ २,११५८†.

†उरा-मथि[q]- -थिः ऋ ८, ६६, ८; कौ २, १०४२; शौ २०,९७,२.

उराण[r]- -णः ऋ ३,१९,⌊२;४,६,३⌋; ४; ७, ८; ६,६३,४; ९, १०९, ९; -णम् ऋ १, १७३, ७;

पदमिति। नेति। तत्रापि पपा. अनु यनि. सतोऽपि पाप्र. आदरात् °स्ति आ इत्येवं द्विपदत्वेन दुग्रहत्वात् (तु. BSG ३१)। एवं स्थिते मौस्थि. °स्त- > °स्त-या इत्येवं किवि. पदं सत् नैप्र. प्रथमं °स्त्या इत्येवं पश्चाच्च स्ति इत्येवं पाप्र. प्रसिद्धिमनु परिणतं स्यादिति च प्रकृतयोरुभयोः स्थलयोः °स्त्या आ इत्येवं पदे स्यातामिति च विमृश्यम्।

[a]) तु. टि. अन्येद्युस्(>:)।

[b]) विप. (इन्द्र-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. खच् प्र. मुमागमश्च। संवननोभयंकरम् (=संवनना। उभयं-करम्) इति सांप्रदायिके पाठे? संवननम् अभ्यंकरम् (<*अभ्यस्मयं- ⌊>अभयं-⌋ करम्) इति शोधः द्र. (तु. सस्थ. टि. ?२उभयाविन्-, ?वि-द्वेपण-)।

[c]) प्रकरणाऽसंबन्धात् पाठे? *पुरु-माया- > *उरु-माया- ⌊कस.⌋ > *उरुमाया-विन्- > नैप्र. *उमाया-विन्- (विप. ⌊इन्द्र-⌋)> -विनम् इति शोधः द्र. (तु. ऋ ६,४७,१८, सस्थ. टि. ?†उभयं-कर्-, ?वि-द्वेपण-)।

[d]) बस.। पूप. अर्थः?। [e]) पाठे? यनि. शोधौ।

[f]) पाठः? इयुम् इति शोधः (तु. सपा. खि ⌊५,१५, १०⌋, RW. उयुं यकां>इयत्तिका इत्येकपदः शोधः तु. पृ ७९५ m टि., सस्थ. टि. युद्->यका च⌋)।

[g]) व्यप. (असुर-विशेष-)। व्यु.?। <√ऊर्णु वा √वृ (आच्छादने) वेति या(५,२१ ⌊तु. GW. द.⌋),<√ऋ इति पाउ ५,१७ ⌊तु. PW.⌋)?।

[h]) पाठे? शोधार्थं तु. सस्थ. टि. ?आचित्ते°।

[i]) °भे इति मुद्रितः पाठः?।

[j]) अस्तनयन्न् उरपां इति पाठे? अस्तं न (यन्तृ->) यन्तुर् अपाम् इति चतुष्पदः शोधः द्र.।

[k]) नाप. (वक्षस्-)। व्यु.?। <√ऋ (गतौ) इति पाउ ४, १९५?, <√उर्व् इति सा.?, <√वृ (आच्छादने) इति PW. GW. प्रमृ.।

[l]) द्वि१ इति GR. प्रमृ., उर्->उरः ⌊पं१⌋ इति वें., ⌊प्र३⌋ इति सा.।

[m]) सपा. खिमा १२,२ नखः इति पाभे.।

[n]) सपा. उरस्तः<>बाहुभ्याम् इति पाभे.।

[o]) नाप. (अवि-)। व्यु.?। =उरण- इति या. ⌊५,२१⌋ इति कृत्वा तदनु<√ऊर्णु वा √वृ (आच्छादने) वा।

[p]) तु. GW.; वैतु. वें. सा. उरु->सप्त१ इति?।

[q]) विप. (वृक-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. इन् प्र. (पा ३,२,२७; वैतु. स्क. ⌊या ५, २१⌋ =उरणवद्-मथि- इत्येवं कस. तात्पर्यवानिव सन् दुष्ट-स्वरः, वें. सा. च पूप. <√ऋ ⌊=गन्तृ- =शत्रु-⌋ इति)।

[r]) अर्थः व्यु.?। <√*उर्- [वधा. (वैतु. सा. =उर्- >नाधा. इति, PW. प्रमृ. =√*वुर्<√वृ ⌊वरणे⌋ इति)]+शानच् प्र. इति मतम्।

–णाः ऋ ७,७३,३.

उरु[a]– -†रवः ऋ २,२७,३, ५,४७,२: ५७, ४; ६, २१, १२; ७५, ९; ८,१६,४; ९, २२, २; मा २९, ४६; तै ४, ६,६,३; मै ३, १६, ३; काठ ४६, १; पै १५,१०,[?]; –रवे ऋ १, १३६, २; –रु[b] ऋ १, ३६,[८; ६०, ११]; ८५, ६; ७; ९१,२२; ९५,९; १०५,१७; ११७,[२१; ७, ५,६; ६०,११]; १२१,१; १५५,[४; ८,६३,९]; १५९,२; २, २७, १४; ३, २२, २; ५४,१९; ४, २५,५;४३, ५; ५२, ५; ७: ५३, २; ५, १,११; ४४,६: ६४, ६; ६५, ४; ६, ३, १; २०,५:४७,४; १४; ५०, ३; ६१,[११(१, ८१,५)]; ६२, १; ६९,५; ७,९०,४;९८,३: ८,१, २३;२५,१६;३६,[१-६]:६३,९: ६७,७; ६८,१२[३]; ७५,११;७९, ३;९,६८,२;८१, ५;९१,६:९४, ५; ९६, १५[c]; १०,२१,८; ६३, १२;८९,२;९२,४; ५; १२४,६; १२७, २; १२८, ५; १४७, ५; १७०,३ ; खि५,५,७;८; मा १, ७;९; ११; २२[२]; ५, ३५; ३८[२]; ४१[२];६,३३; ७,२; ५; ११,१५; १२,४८†;१५,६३;२९,४; ३४, २२†; ३८,५; का १, ३, ३; ६; ८; ८,२[२]; २,६,८[२]; ५, ९, १; ४[२]; १०,१[२]; ६,८,४; ७, १, २; २,२[२]; १२,२,४; १३, ८, ४†; १६,७,६; ३१, १, ४; ३३, १, १६†; ३८,१,५; तै १,१,२,२; ४,२[२]; ८,१[२]; २, २,१[d]; ८, १; १२, २[२]; ३,४,१[२];†; ९, २; ४, १,२; २,१; ३, १[२]: २, ६, ११, ३†; ३, ३, ११, ४;४, ७, ३[e]; ४,१,२,२; ३,१;११,३†; २,४, ३†; ३, ६, १; ७, १४ , १‡[f]; ५, १, ११,२¶; ६, १, २, ३[d]; ११,२; २, ७, ३[२]; ३, २, २[२]†; ९,४; ४,५, ५; ६, २; मैं १, १, २: ८: ५[२]: ९[२]; १२[g]: २, ६; १३[१]:†; १४[२]; १६; ३, ३-५;६; २,७, २; ११†; ८, १४: ३, १, ३; ७, ८;९,१; ७: १०,१; १६, २: ४,१,२;५[३]; ९[२]: १३[g]; ११, ६†; †१४, १ ; ७; १५: काठ १,२;४[२]; ८[२]; २, ६: ३, १[४]:†; २[२]; ६; १०; ४, १[२]; ७, १७†; १३, १५† ; †१६, १ ; ११: १९,२; २४,६; २६,२: २७, १; २; ३१, १ ; ३[२]; ७[२]; ४०, ५; १०†; ४६,२; क १, २;४[३];८[१]; १९: २, ८[१]:†; ९[२]: १३; १७; ३,१[३]; २५, २†; २९, ८: ३७, ७; ४०,५; ४२, १: २; ४७, १; ३[४]; †कौ २, ८०५: ९९९; ३, ३, ३; †जै २,१,३: ४, ३, १; २८,१[३]; शौ २,१०,१[२h]: ४, २, ८; ११,१; ५, ३, ३†; ६, ८०, १; ४९,२; ७, ७, २; २७, ३[२]: १०, ७,३५· ११, २, १०: २७: १२, १,२०; १३, २, ६९; १८, २. ४९; ३, ५९ ; १९, ९, १[j]; †२०, १३, २; ८७, ३; पै २, ५, १[२]; ३, २५, १, ५, ८, ६†; ३२, ३: ८, ९, ११[j]: १४, ९†: १६, १०४,१०. १०६, ७; १७, ३.१: १०,७; १८,१३, ९; १९, १,१२: २०,१७; ३१,१५; ३३, २;२०,३,८;६,७[२]: १०,२; –रुः ऋ २,१३,७:६,१९[१ (७, ६२, १)]:४५,३१[k]; ८.३१.११;१०,

a) विप.(आदित्य-,मरुत्-,पितृ- प्रभृ.) व्यु.?। <√ऊर्णु इति (पाउ १, ३१), < √वृ (आच्छादने) इति PW. GW. प्रभृ.। b) क्वचित् द्वि१ वा. क्रिवि. द्र.।

c) रूपम् ? =यनि. इति पपा., =उरुर् इव इति सा. ORN., =उरुर् व इति GW. >नैप्र.=उरूव इति WAG [१, २८५*a*], MVG [७८ *a*]। 'सोमो दुग्धम् उरु (यथा-स्यात्तथा इव) गातुः (विप. प्र१ [नैप्र. <√गाध्= √गाह्] सन्) तरति' इति वा. इति कृत्वा २गातु– इति च १गातु- (<√गा [गतौ]) इति च भिन्ने प्राति. स्याताम् इति प्रस्तावः ?।

d) सपा. उरु (कौसू ४७, २५ च) <>उरो (माश ३,१,४,१५ च) इति पाभे.।

e) सपा. मा १८,४४ मै २, १२, २ काठ १८, १४ माश ९, ४,१,१६ पाठाऽभावः।

f) उरु गोपम् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,१२८, २ काठ ४०,१० शौ ५,३,३ पै ५, ४,३ उरुलोकम् इति पाभे.।

g) सपा. मा २,२;५ तै १, १,११,१ काठ १,११ माश १,३,३-४,११ नैत्रा ३,३,६,७ कौसू २,१७ पाठाऽभावः।

h) सकृत् तु. टि. *d*।

i) सपा. आगृ १,२,११; २, ४,१४ पागृ ३,३,६ मागृ २,८,६ गौध २०,११ विशिष्टः पाभे.।

j) पाभे. कृते ६८८ *b* टि. द्र.।

k) पृथक्पदत्वे सति (तु. WAG.) वाऽसति (तु. PW. GW.) वा पराङ्गभूतमिव सत् व्यप. स्यान्न वा (तु. सा. ORN.) इति विवादोऽत्र द्र. (तु. सस्थ. टि. २कुक्ष-)।

१०७, १; मा ७, ३९†; का ७, २१,१†; तै १,४, २१, १†: ७, १२,२: मै १, ३, २५†; १०,३: काठ ४,८†; ९,६; १४,३, ३१, १४; ४५,१२; क ३,६†: ८,९: कौ ३. ४, १२; जै २, १, ८: शौ ७, ३, १: ११, १, १९: २, ११: १२, ३, ३८; १३, ९, १: पै १६, ९०, १०: १०५, १: १७, ३९, ८: २०. २, १: –रुणा ऋ ४.२६,५: ६. २४,९: –रुभिः ऋ १०,७, १: –रुम् ऋ १.२४. ८: ५७,६: ९३,[६; ७, ९९. ४]: २. २२,१: ३, ४१,५: ४६, ४: ५,१५, ५: ६, २३, ७; ४७,८: ७,३३, ५; ६०,९; ८४, २. ८,६५,३;६८,१३[3]: ९, ८५, ४: १०.४७,३; १८०,३; मा ८. २३; का ९, ४, १; †तै १, ४, ४५,१:६,१२,४; २,३, १४, २; ६,३,२: †मै १,३, ३९; ४, ८, ५;१४,८; ११$;१८; †काठ ४. १३,१६; ८,१६;२९,३; †क ३, ११; ४५, ४; †कौ १,४५७: २, ८३६; जै १,४८, १†; शौ ६, ३३,३‡[a];७, ८९,२†;९,२,११; १२,१,१; १४,१,५८; १९,१५, ४†; †२०,१५,६; २३,५;९५, १: पै १,७७, १; ३, ३५, ४†; १५,२०, ३†; १६,५०, ६; ७६. १०;१७, १,१; १८,२, ६; १९, २८,३; –†रुगु ऋ १,१५४, २; मा ५,२०; का ५,५, ८; मै १, २, ९; काठ २, १०; क २, ४; शौ ७,२७, ३; पै २०, ६, १०; –रुणि पै ६, १०, ३; –रो मा ४,७[b]; का ४, ३, १[b]; तै १, ३, ८,१; मै १, २, २[2b]; १५ ; ३, ६,४; ९,७; काठ २, २[b]; ३,६; क १, १४[b]; २, १३: –रोः ऋ १,२५,९:३,४६,३:५,३८, १[c]; ६,७५,१८;७,६१,३;९,९६,३; खि ५,७,४,९;१३; मा ४,६;५, १९; ६,११; १७, ४९†; का ४, २,४; ५,५,७; ६,२,७; १८,४, १७†; तै १,२,२,३;४, ४५,२[d]; ४,६,४,५†; ६,१, ४, २; मै १, २,२;९; ३, ३९[d]; ३,६, ८; ४, ९,६; काठ २, ३: १०: ४,१३[d]; ३८,५[d]; क१,१६:२.४;३,११[d]: कौ २, १२२०†; शौ ७, २७, ८; १२३, १†; पै ३,३१, १-८; २०, ६, ८; –रौ ऋ २, २७, १६;३,१,११;६, ८; ५४, ९;५, ४२,[१७;४३,१६]; ५२,७; ७, ३९,३;८,९८, ९; ९,९७, १६; १०, ७०, ६; १३१, १; मा ६, ३३; का ६,८,४; तै १,४,१,२; मै १, ३, ३; काठ ३,१[e]; १०; क २,८[e]; १७; कौ २, ६२†[f]: जै ३,६, ८†; शौ १८, २, २०; †२०, १००, ३. १२५, १; पै १५,२२, ४: १९, २, १२; १६, ८†.

उर्वी[g]– -०र्वि शौ १९, ४७, २; पै ६,२०,२: –†र्वी ऋ १, २४, ९;६१,८;१८५,६; ७:१८९,२; ३,६, १०; ३८, ३; ५६,७: ४, ४२,[३;५६,३]; ६,१०,४; ४७, २०; ६७,५: ६८,[४; १०,९३, १]: ९; ७०, १: ४: ७, १२, १; १८, २४; ३४, २४: ३६, १: ५७, १: ८६,[१ (९, १०१, १५)]: ८. ८०, ८: ९, ७४, ३; १०,१२,३; ८८, १४: मा ३४, ४५; का ३३,२,८; तै १,१, ९, ३$;१४,४;४, ४५,१; मै १,३, ३९; २,१३, ५: ४,१०-११, १: १४, ७[?]:$; काठ ४, १३; १६: १३,१५; ३९, १३; क ३, ११. कौ १, ३७८; २, ६५४; जै १, ३९,९: ३, ५४, ४: शौ $४,२, ४; २६, ३; ११. ७, ८; १६,३, ६$; १८,१, ३२; २०,३५. ८; $पै ४,३६, ६; १३,२,१; १६, ३४,३;१५३,९;१९,‡४,७[h]:८[h]: ९[h]; –०र्वी ऋ १०,१७८,[(४, २३,१०) २]; तै ४,७, १५,६; मै ३,१६, ५[?][i]: काठ २२, १५; –र्वीः ऋ १,८, ७;३,३३,६;६, ४७,३; १०, १४, १६; ७९, ३; काठ ३७, १०; ४०, ११†; शौ ३,२०,९; ४,११,१; ८,९, १६;

---

a) सपा. ऋ २,४१,९ मा २०,८३ का २२,८,४ ऐब्रा ५,२,१ विशिष्टः पाभे., शांश्रौ १८,३,२ पुरु इति च पाभे.।

b) पाभे. कृते पृ. ९६७ *d* टि. द्र.।

c) सपा. उरोः (शांश्रौ १८,१८,७ च)<>विभोः (साब्रा २,५,३ च) इति पाभे.।

d) उरोः आ नः (तैब्रा २,६,६,३ च) इति पाठस्य स्थाने सपा. मा ३, ४८; ८, २७ माश २,५,२,४७;४,४,५, २२;१२,९,२,४ लाश्रौ २,१२,९ पुरुराव्णः इति पाभे.।

e) सपा. शौ ७, १०२, ८ पाठाऽभावः।

f) ०रो इति S.।

g) स्त्री. ङीष् प्र. (पा ४, १,४४) तत्स्वरश्च।

h) सपा. उर्वी<>मही इति पाभे.।

i) ०र्वी इति पाठे? यनि. शोधः। आमन्त्रित आद्युदात्तस्य दुर्वारत्वात् (तु. सपा. तै.)।

९,२,११;१०,७,३५;१३,१,४; ४६;३, १;६; १८,२, ६†; २०, ७१,३†; पै १,१०२,३;२,२३, ५;३,२५, १; ३४, १०;९,२१, ४[२]; १०,४,१;१३,१२,५; १६, १९,६; ७६, १०; १७,१०, ७; १८, १५,४; १९, ६; –०†र्वीः ऋ १०,१२८, ५; तै ४,७,१४, २[a]; काठ ४०, १०; शौ ५, ३, ६; पै ५, ४, ६; –र्वीभिः शौ १२, २, ४८; पै १७, ३५, ५; –र्वीम् ऋ २, ४, ७;३, ३३, ३; ५,६२,५;६६, ३; ६,१७, ७;७, ३८, २; ७७, ८; ९, ७८, ५]; ८५, ८; शौ १८, ३, २२‡[b]; पै ३,२७,३;४,१४, २; –र्व्योः शौ ११, ९, १८; पै १६, ८३, ८; –र्व्योः ऋ १, १४६, २; –र्व्यौ मा २२, २७; का २४, १३, १, मै ३,१२,७.

उर्व्यू(र्वी-ऊ)ति[c]– -तिः ऋ ६,२४,२.

उरु-कृत्– -कृत् पै १९, ४१, ५; –†०कृत् ऋ ८,७५,११; तै २, ६,११,३; मै ४, ११, ६; काठ ७,१७; कौ २,९९९.

१उरु-क्रम[d]– -०म[e] तै ३,२,१०,१; मै १,३, ९; –†मः ऋ १, ९०, ९; ३, ५४, १४; ५, ८७, ४; ८, ७७, १०; मा ३६, ९; का ३६, १, ९; मै ३, ८, ३; जै ४, ११, ४; –†मस्य ऋ १. १५४, ५; मै ४, १२, ६; –मा ऋ ७, ९९,६; –माय तै ५, ६,१६,१; मै २,२,५¶; काठ ४९,६.

२उरु-क्रम[f]– -मे मै १, ३, ९; काठ ४,२[f]; क ३, २[f].

१उरु-क्षय[g]– -†या ऋ १,२,९; कौ २, १९९; जै ३, १८, ६; –याः ऋ १०,११८,९[h]; तै ४,३, १३, ४[i]; –†येषु ऋ १०, ११८, ८[j]; तै २, ५,१२,५[k]; काठ ७, १६.

२उरु-क्षय[l]– -याः[l] शौ ७, ८२,३; पै २०,३१,३.

१उरु-क्षिति[m]– -तीनाम् पै २०. १३, ३[n].

२उरु-क्षिति[o]– -†तिम् ऋ ७,१००, ४; मै ४, १४, ५; –तौ ऋ ९, ८४,१.

उरु-गव्यूति[p]– -†तिः ऋ ९,९०,४; कौ २,७६०; –ती मै ४, १३,९.

१उरु-गाय[q]– -०य ऋ १०, २९,४; मा ८, १[e]; शौ २०, ७६, ४†; –†यः ऋ १, १५४,१; २,१,३; ८,२९,७; ९, ६२, १३; मा ५, १८; का ५, ५,३; तै १,२,१३, ३; मै १, २,९; काठ २, १०; क २,४; शौ २, १२, १§; ७, २७, १; पै २, ५, १§; २०, ६, ९; –यम् ऋ ६, ६५, ६; –†यस्य ऋ १,१५४,६; ३,६,४; ९,९७, ९; मा ६, ३; का ६, १, ३; तै १,३,६, २, मै १, २, १४; काठ ३,३, क २, १०; कौ २, ४६८; जै ३,३५, ३; –या ऋ ४, १४, १; –याय ऋ १, १५४, ३; १५५,[४(८,६३,९)]; ४, ३, ७; ७,१००, १, तै ५, ६, १६, १, काठ ४९,३.

[a]) अन्यत्र ऋ. शौ. पपा. पृथक्कृतः तूपलम्भात् षड्वीः इति तै. पपा.(?)। [b]) सपा. उर्वीम् <> ऊर्व्रम् इति पाभे.।

[c]) विप. (इन्द्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उदात्तयणः परस्याऽनुदात्तस्य स्वरितः (पा ८, २,४)। पूप. पुंवद्भावाऽभावः उसं. (पा ६, ३,३४)। पपा. उर्वि-ऊ० इति ?. PW. प्रभृ. पूप. =उर्विया इति ?।

[d]) विप. (विष्णु-, इन्द्राविष्णु-)। उस. अजन्ते थादि-स्वरः।

[e]) सपा. ˚क्रम (आपश्रौ १२, २१, १२ माश्रौ २, ३, ८, २४ च) <> ˚गाय (माश ४, ३, ५, ८ काश्रौ ९, ९,१९ च) इति पाभे.। [f]) कस. अन्तोदात्तः।

[g]) विप. (मित्रावरुण-, मरुत- [तै.])। बस. उप. प्रकृतिस्वरत्वम् उसं. (पा ६,२,११९)। उप. <√क्षि (निवासे) यद्र.।

[h]) विप. (तु. सा. यजमान- इति, GW. देव- इति; वैतु. GRV. Gri. व्यप. [ऋषि-विशेष-] इति)।

[i]) सपा. उरुक्षयाः <> उरुक्षयाः इति पाभे.।

[j]) विप. (तु. वें. अस्मद्- इति ; वैतु. सा. MW. प्रभृ. इति, PW. उरु क्ष इति)। [टि] h टि. द्रष्टव्या.।

[k]) वैतु. भा. द्वे पदे इति। भाष्यमाणः।

[l]) विप. (मरुत्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[m]) विप. (प्रजा-)। बस.। उप. √<क्षि (निवासे) इति। [n]) सपा. शौ ७, ४६,१ विशिष्टः पाभे.।

[o]) कस. अन्तोदात्तः। उप. <√क्षि (निवासे)।

[p]) विप. (सोम-, द्यावापृथिवी-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[q]) विप. (इन्द्र-, विष्णु-, सोम- प्रभृ.)। उस. उप. √गा (गतौ) + अण् प्र. प्रकृतिस्वरश्च (तु. या [२,७] सा. [पक्षे ऋ ८, २९, ७] उ. म. [पक्षे मा ५,१८] PW. प्रभृ. च; वैतु. भा. [पक्षे तै १, २, १३, ३] सा. <√गै [शब्दे])।

†२उरु-गाय[a]- -यम् ऋ ६, २८, ४: ७, ३५, [१५: १०, ६५, (१४)१५: ६६, १५]; १०९,७; काठ १३, १६: शौ ४, २१, ४; ५,१७,११; १९, ११, ५: पै ९, १५,१०; १३,८,१५.

उरु-गु(ल>)ला[b]- -लायाः शौ ५, १३, ८.

?उरु-ग्राहृ[c]- -हैः शौ ११, ११,१२.

†उरु-चक्र[d]- -क्रे ऋ ९, ८९, ४: जै ४,१९,१०.

उरु-चक्रि[e]- -क्रयः ऋ ५, ६७, [४ : ८, १८, ५]: -क्रिः ऋ २, २६,४.

†१उरु-चक्षस्[f]- -क्षसः ऋ ६, ५१, ९: -क्षसम् ऋ १, २५,५: १६; -क्षसा ऋ ८, १०१, २: -क्षाः ऋ ७,३५,८: ६३,४: काठ १०, १३: शौ १९, १०, ८; पै १३, ८,८.

२उरु-चक्षस्[g]- -क्षसा मा ४, २३; का ४,७,४.

उरु-ज्मन्- -०ज्मन् शौ ६,४,३.

उरु-त्र्यस्[h]- -यसम् ऋ ५, ८, ६: ८,६,२७.

उरु-त्रि[i]- -त्रयः ऋ ८, ७०, ४; कौ २,५०६: जै ३, ३९, ५: शौ २०, ९२, १९: -०यः ऋ ७, ३९,३.

उरु-द्रप्स[j]- -प्सः तै ३,३, १०, २: ४,१,२.

उरु-धा(र>)रा[k]- -रा ऋ ८, ९३, ३:९,६९,१; मा ८,४२: का २, ५, ३: ९, ६, १: तै १,६,५,१; ७,१, ६, ६¶; काठ ३१, १४†: कौ २,८०२†: जै ४,२,५†: शौ २०, ७, ३†; -†राम् ऋ ८,१, १०; कौ १,२९५; जै १,३१,३.

१उरु-प्रथस्[l]- -थाः[m] मा २०, ३९; का २२, ४, ४: मै ३, ११, १; काठ ३८,६.

२उरु-प्रथस्[n]- -थाः मा १,२२: का १,८,२.

उरुया[o] मै २, ७,८‡[p]; ८,२[q]:३,२, १‡[p].

†उरु-युग[r]- -गे ऋ ८, ९८, ९; कौ २,६२: जै ३, ६,८: शौ २०, १००,३.

†उरु-लोक[s]- -कम्[t] ऋ १०,१२८, २: काठ ४०,१०: शौ ५, ३, ३; पै ५, ४,३.

?उरु-वाच्[u]- -वाचः शौ २०,४९,२.

उरु-व्यच्, ञ्च्[v]- -व्यचा ऋ १, १०८,२![w]: -व्यचे शौ ६, ४१,

[a]) नाप. (गोचरभूमि-, पथ-)। उस. उप. √गा (गतौ) + अधिकरणे घञ् प्र. थादि-स्वरश्च ।

[b]) नाप. (अहि-विशेष-[तु. PW.])। बस. उप. प्रकृति-स्वरम् उसं. (पा ६, २, ११९)। उप. =*गुर्द- (<√ गुर्द्+भावे+घञ्) >नैप्र. यनि. (वैतु. W. =गुलिका- इति)।

[c]) पाठः? यनि. विप. (बाहुक-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √ग्रह्+णः प्र. उसं. [पा ३, १, १४१ (तु. W., Gri.; वैतु. सा. PW. WI. ऊ॰ इति पाठं मत्वा कस. उप. भाप. चेति?)। यद्वा कस. इति कृत्वा उप. =ग्राहि-, रोग- इति (तु. MW.)?।

[d]) विप. (रथ-)। बस. अन्तोदात्तः (पावा ६, २, १९९)।

[e]) विप. (वरुणादि-देव-, ब्रह्मणस्पति-)। उस. उप. √कृ+किन् प्र. (पा ३, २,१७१) प्रकृतिस्वरश्च।

[f]) विप. (वरुण-, सूर्य-, मित्रावरुण- प्रभृ.)। बस. उप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,११९)।

[g]) विप. (दक्षिणा-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[h]) विप. (अग्नि-, इन्द्र-)। शिष्टं *f* टि. द्र.।

[i]) उप. √श्रि+भावे क्विः प्र.। शिष्टं *d* टि. द्र.।

[j]) कस. अन्तोदात्तः।

[k]) विप. (धेनु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[l]) विप. (इन्द्र-)। उप. <√प्रथ्। शिष्टं *f* टि. द्र.।

[m]) सपा. तैब्रा २, ६,८,२ उरुव्यचाः इति पाभे.।

[n]) विप. (घर्म-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[o]) तृ१ याजादेशः (पा ७,१,३९) नित्स्वरश्च । वा. क्रिवि.।

[p]) सपा. उरुया <> उर्विया <> उर्व्या (माश ६, ७,२,२ आपमं २, ११,३१ च) इति पाभे.।

[q]) सपा. उरुया<>उर्विया <> उर्व्या (माश ८, २,३,३ च) इति पाभे.।

[r]) विप. (रथ-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[s]) विप. (अन्तरिक्ष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[t]) पाभे. कृते ९६७ *a* टि. द्र.।

[u]) पाठः? (तु. मात., संस्कर्तुः टि. च पाभे.)। RW. घोरं वाचा इति पाभे.।

[v]) उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √व्यञ्च् (व्याप्तौ) +क्विप् प्र.।

[w]) यनि. पपा.। वा.?। विप. (भुवन-) इति सा. प्रभृ.। एवं स्थिते उरु-व्यचस्- इत्यस्य न. प्र१ सत् ॰चो इति

२; -†व्यञ्चम्[a] ऋ ५,१,१२[b]; मा १५,२५; का १६,५,६; मै २,१३,७.

?उर्व्यञ्च[c]- -व्यञ्चम्[a] तै ४,४,४,२.

उरु-व्यचस्[d]- -चसः[e] मा २७,१६; का २९,२,६; तै ४,१,८,२; मै २,१२,६; काठ १८,१७; क २९,५; -†चसम् ऋ ६,३६,३;८,२,५;१०,१८,१०; मै ४,१४,१८; काठ ३८,७; जै ४,१६,६; शौ १८,३,४९; -चसा ऋ १,१६०,२; शौ ५,२७,८[e]; पै ९,१,६[e]; -†चसे ऋ ७,३१,११; कौ २,११४४; जै ४,२९,८; -†व्यचाः ऋ १,१०४,[९ (१०,९६,१३)];३,५०,१; ५,४६,६; १०,१२८,८; तै ४,७,१४,३; काठ ४०,१०; शौ ५,३,८; २०,८,२; पै ५,४,७.

उरुव्यचस्-तम- -मम् ऋ ८,२६,१४.

उरु-व्र(ज>)जा[f]- -०जे ऋ ८,६७,१२[g].

†उरु-शंस[h]- -०स ऋ १,२४,११; मा १८,४९; २१,२; का २०,२,१२; २३,१,२; तै २,१,११,६; मै ३,४,८;४,१४,१७; काठ ४,१६; ४०,११; -०स ऋ १,१३८,३;८,४८,४; -सः ऋ ४,१६,१८; -सस्य ऋ २,२८,३; -सा ऋ ३,६२,१७; कौ २,१४; जै ३,२,५; -साः ऋ २,२७,९; मै ४,१२,१; -साय ऋ १,३१,१४;२,३८,११; काठ १७,१९.

उरु-शर्मन्[i]- -र्मणाम्[j] मै १,३,९; -र्मा[k] मा १०,९; का ११,४,६.

उरु-(सा>)षा[l]- -षाम् ऋ ५,४४,६.

†उ(रु>)रू-णस्[m]- -सौ ऋ १०,१४,१२; शौ १८,२,१३; पै १०,९,१०;१९,५२,९.

उर्वृ(रु-अ)च्[n]-

१उरूची[o]- ०चि ऋ ८,६७,१२; -†ची ऋ १,२,३,३,३१,११;५१,५;४,५६,४;६,११,४; मै ४,१४,१५; शौ ३,३,१; पै २,७४,१; -०ची शौ ४,२६,२; पै ४,३६,२; -चीम् ऋ ७,४५,३; मा २१,५; का २३,१,५; तै १,५,११,५¶; मै ४,१०,१; १४,६†; काठ ३०,४;५; क ४६,७; शौ ७,६,२; पै २०,१,८.

२उरूची[p]- -ची ऋ ७,३५,३; शौ १९,१०,३; पै १३,८,३.

?उर्वृ(रु-अ)च्र[q]- -च्रे ऋ १०,२७,९.

पाठ-शोधः स्यात् ? [तु. WAG ३,१२६ *b*])। वें. यनि. तृ१ इति ?। कस. इति कृत्वा पृथग् इदं प्राति. यनि. चास्य तृ१ इतीव PW. प्रभृ. ?।

[a]) सपा. उरुव्यञ्चम् <> उर्व्यञ्चम् इति पामे.।

[b]) ORN. यनि. रूपे उर्वृ(रु-अ)ञ्च-, उरुव्यञ्च- इत्येतयोः सांकर्यमपि पश्यतः (तु. पामे.)।

[c]) पाठः ? पपा. अनवग्रहाच्छन्दस्तः उरु° इति चतुरक्षरस्य पदस्याऽऽकाङ्क्षितत्वाच्च (तु. अनन्तरपूर्वः सपा. ऋ. प्रभृ. पाठः)। एवं स्थिते यनि. अनन्तरपूर्व एव सन् वावि. विषय इति द्र. (तु. WAG १, ५३ *a*)।

[d]) विप. (द्वार्-, इन्द्र-, भूमि-प्रभृ.)। उप. <√व्यच्। शेषं १ उरु-चक्षस्- टि. द्र.।

[e]) सपा. °चसः <> °चसा इति पामे.।

[f]) विप. (अदिति-)। बस. उप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,१३८ [तु. टि. उरुब्ज-])।

[g]) वैतु. MW. सप्त१ इति।

[h]) विप. (इन्द्र-, वरुण-, सोम- प्रभृ.)। बस. उप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,११९)।

[i]) विप. (दितिपुत्र-, अदिति-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) सपा. पै २०,१,६ महाशर्मणाम् इति, शौ ७,८,१ अव देवानाम् इति च पामे.।

[k]) सपा. उरुशर्मा (मारा ५,३,५,३७ च) <> विश्वरूपा (तैब्रा १,७,६,७ च) इति पामे.।

[l]) विप.। उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[m]) विप. (यमदूत-)। बस. समासान्तः अच् प्र. (पा ५,४,११८) चित्स्वरश्च। पूप. दीर्घः (पा ६,३,१३७)।

[n]) व्यु. कृते पृ २५० *o* टि. द्र.।

[o]) विप. (अदिति-, धेना-, गो- प्रभृ.)। व्यु. कृते पृ २५१ *b* टि. द्र. (वैतु. सा. गौरादित्वाद् ङीषि प्र. स्वर इति, GW. प्रभृ. < उरु-व्यञ्च्- इति च)।

[p]) व्यप. (देवता-विशेष-? [पृथिवी- इति GW.])। शेषं *o* टि. द्र.।

[q]) प्राति. ?। पपा. प्रभृ. यनि.। एवं स्थिते समासस्वरौ ?। उरु [क्रिवि.] अञ्चे [सप्त१] इति पदे स्याताम् इति विमृश्यम्।

†उर्विया[a] ऋ १, ९२, ९[b]; १२; ११३,५; १२४,१; १४१,५; २, ३.५. ३५,८; ३,१,१८; ५,२८, १; ४५,९; ५५,२; ६,६,४; ३०, २;६४,२; ३; ७,१७,१; ८,८६, ५; १०, १०, २; ४५, ८[c]; ६९, २;९२,१२;११०,५; ११३,१०; मा २९,३०; का ३१, ४, ६; मै ४, १३, ३; काठ १६, ८[c]; ९[c]; १०; १७,१$[d]; १९, ११[c]; क २५,१०$[d];३१,१[c]; शौ ५.१२. ५;१८,१,२.

उर्व्या[e] मा १२ १‡[c]; २५‡[c]; १४, ८[d]; का १३. १, १‡[c]; २, ८[c]‡; १५,२.२[d]; तै १,३,१४,५‡[c]; ४, १,१०,४‡[c]; २,२,४‡[c]; ३,४,३[d].

उरुक्[f]- -कः मै १, ५, ४; ११[?]; ¶; -कस्य मै १, ५,४.

उरुण्ड[g]- -ण्डाः शौ ८, ६, १५; पै १६,८०,२.

?उरुधंनात् पै ९,७,१.

उरुब्ज[h]- -ब्जम् ऋ ९,७७,४.

*उरु(स्>)ष्[i]-

√उरुष्य, उरुष्यति ऋ २, २६, ४; ६, १४, ५; †उरुष्यति ऋ १, १५५, २; १०, १७६, ४; तै ३,५,११,१; मै ४.१०,४; काठ १५,१२; उरुष्यथः ऋ १, १५५, २; उरुष्यथः ऋ १, ११९, ६; १०, ४०, ८; उरुष्यत् ऋ ३, ५. ८; उरुष्यत ऋ १०, ८०, ३; उरुष्यात्[j] ऋ ७. १, १५[k]; उरुष्याः ऋ ७. ३, ८; †उरुष्यतु ऋ ८, ४७.९; तै १, ५, ११, ५; उरुष्यताम् ऋ ८, २५,१०; उरुष्यताम् ऋ ७,८५, १; १०, ९३,६; शौ ६,३,३; पै १९, १. १६; उरुष्यन्तु ऋ ८, २५,१०; उरुष्य,>ष्या ऋ १, ५८, ९; ९१,१५;५, २४,३; ८, ७१,७; १०,७, १; मा ३,२६†; ७, ४; का ३,३,१८†; ७,२,१; तै १,४, ३,१; ५,५, ४, ४†; मै १,३,५; ५,३†. काठ ४, १; शौ ६, ४, ३$; †उरुष्य,>ष्या ऋ १,५८,८; ४,२, ६[l];११[m]; काठ ७,१, ४०,५; क ३,१; ५, १; पै १९,,२,३$; †उरुष्यतम् ऋ ४, ४३, ४; [७; ४४, ७]; शौ २०, १४३, ७; उरुष्यतम् ऋ ५, ६५, ६; ८,१०१,४[?]; उरुष्यत,>ता ऋ ५,८७,६; ८,२५, ११; ४७, ८; उरुष्येत् ऋ १, १५२, ६[n]; १५८,४;४,५५,५.

उरुष्या[o]- -ष्या[p] ऋ ६,४४,७.

उरुष्यु- -ष्यवः ऋ ८,४८,५.

उरूक[q]- -कम् मै ४.१३.४; काठ १६, २१.

१,२उरूची-, उरू-णस्- उरु- द्र.

?उर्मन्[r]- -र्म पै २,८१,२.

[a]) =उरुया । इयाजादेशः (पावा ७, १.३९) इति विशेषः ।

[b]) प्रायेण छन्दस्तः =उरुया इति ORN. प्रस्तावः द्र. ।

[c]) पाभे. क्रूते पृ ९७० p टि. द्र. ।

[d]) पाभे. क्रूते पृ ९७० q टि. द्र. ।

[e]) =उरुया । आजादेशः मध्ये यकारोपजनश्च इति नु विशेषः । यद्वा नैप्र. < उर्विया इति ।

[f]) विप. (अग्नि-) । अर्थः व्यु. च ? । सपा. आपश्रौ ६, १९, १ उरुगा- (=उरु-+[√गम् >]ग-> उम. इति c.) इति पाभे. ।

[g]) विप. (रक्षो-विशेष-) । अर्थः व्यु. च ? । अरुण्ड- (=शिरोरहित-) इति सा. पाभे. ।

[h]) विप. (गवां व्रज-) । अर्थः व्यु. च ? । पपा. नावग्रहः । छन्दोनुरोधात् नैप्र. < उरु-व्रज- (तु. ORN. [तु. टि. उरु-व्रज-] ?; वैतु. सा.< उरु-अब्ज- इति, PW.< उरु-उब्ज- इति, WAG. < उरु-भज- इति [तु. ORN.], GW. < उद्-उब्ज- इति [तु. WAG २,३e], ORN. < उरु-पज- इत्यपि ?) ।

[i]) =रक्षा- । व्यु. ? । < उरु- इति PW. प्रभृ. ? ।

[j]) तु. वें. PW. GRV. प्रभृ. (यत्र स इत् अग्निः यः इति श्रुत्यंशं द्विर् आवर्त्य वाक्यान्तरकल्पनया यद्योगीयो निघाताऽभावः सुलभः); वैतु. सा. उरुष्य- > -ष्यात् (पं१) इति ।

[k]) सपा. शांश्रौ ८, २४.१ पाहि इति पाभे. ।

[l]) सपा. तैआ ६,२,१ °ष्यः इति पाभे. ।

[m]) पृथक् वाक्यमाक्षिप्ताऽदितिकर्तृकमिति कृत्वा °ष्य इति पाठ-शोधः स्यादिति यत् PG [१,२९७] आहतुस्तन्न । अदिति- इत्यस्य देवतावच्चादेवतावच्चोभयथा श्रुतेरिह तावद्-देवता-भावोपगमात्तस्य यनि. क्रिप. कर्मभावेऽदोषादिति दिक् (तु. पृ ११७ a च यनि. स्थले ORN. च) ।

[n]) पृथग् वाक्यमिति कृत्वा °ष्येत् इति पाठे शोध इति PG., तद् अनपेक्षितं भवति (तु. m टि.) ।

[o]) स्त्री. भावे अः प्र. (पा ३,३,१०२) तत्स्वरश्च ।

[p]) तृ१ डाजादेशः । वा. क्रिवि. ।

[q]) उलूक- इत्यनेन सन्न्यायता द्र. ।

[r]) प्राति. ? (पृ ४२६ l टि. द्र.) ।

उर्व[a]– -र्वः शौ १६,३,३.

उर्वच्–, ?उर्वञ्र– उरु- द्र.

उर्व(र>)रा[b]– -रा ऋ ८,९१, ६; मं १,४, १३¶; शौ १४, २, १४; पं ४,२६,६†; ५,११,८;१८,८, ५; –राः शौ १०,१०,८; पै १६, १०७, ८: –राणाम् ऋ १०, १४२,३; –राभ्यः पै १९,३२,४, १२; –राम् ऋ ८,९१,५; तं ६, ६, ७, ४¶: मे ४,८,६¶; काठ २९, ४¶; क ४५, ५¶; पं ४, २६, ५†; –रायाम् शौ १०, ६, ३३: पै १६,४५, ३; –रासु ऋ १,१२७,६: ४, ४१,६; ५,३३, ४: ६,२५,४; १०,५०,३.

उर्वरा-जित्[c]– -जिते ऋ २,२१,१.

†उर्वरा-पति– -०ते ऋ ८,२१,३; कौ १,४०२; जै १,४५,४.

उर्वरा-सा[d]– -साम् ऋ ४,३८,१: ६,२०,१.

उर्वर्य[e]– -र्याय मा १६, ३३: का १७,५,२; तं ४,५,६,१: मं २, ९, ६[f]; काठ १७, १४; क २७, ४.

उर्वरी[g]– -री मं १, ६, १; –रीः शौ १०,४,२१: पं २, ८७, १-३; १६,१७,१: –रीणाम् पं २, ८७, ४.

उर्वशी[h]– -शी ऋ ५,४१,१९[?]: १०, ९५,१०; मा ५, २; १५,१९; का ५,१,२: १६,४,९: तं १,३, ७,१; ४,४,३,२;६,३,५,३: मै १,२,७;२,८,१०; ३,९,५[?]: ¶; काठ ३,४:८,१०¶: १७,९: २६,७[?]:¶: क २,११; ७,३¶: २६,८;४१,५[?]:¶; –†शीः ऋ ४,२,१८[i]; शौ १८,३,२३: शीम् ऋ १०,९५,१७:मं १, ६,१२¶: –श्या तं १,२,५,२; काठ २,५: क १,१८: –श्याः[j] ऋ ७,३३,११.

?उर्वापश्छो[k] पै १९,३३,१४.

?उर्वामश्छो[k] पं १९,५२,१६.

उर्वा(रु>)रू[l]– -र्वाः शौ ६,१४, २[m].

†उर्वारु-क[n]– -कम् ऋ ७, ५९, १२; मा ३, ६०[?]; का ३, ८, ४;५: तं १,८,६,२; मं १,१०, ४: काठ ९,,७; क ८,१०; शौ १४,१,१७: पं १८,२,७.

उर्विया उरु– द्र.

?उर्व्य उर क्षतः[o] पं ४,२१,७.

उर्व्यंच उच्–, उर्व्या, उर्व्यूति– उरु- द्र.

उ<>ऊलु[p]– -लः मा २४,३१; का २६,७,१: तं ५,५,१२,१; मं ३,१४,१२: काठ ४७,२; –लम् शौ १२,१,४९; पं १७,५,७: –लात् पं २०, ३७,८.

उलप[q]– -पम् पं ५,३,७: –पस्य ऋ १०,१४२,३: –पाय[r] मं २, ९,८[?]: –पेषु शौ ७,६८,१; पं २०,३२,९.

उलप्य[e]– -प्याय[r] मा १६,४५; का १७,७,४: तं ४,५,९,१. काठ १७,१५[t]: क २७,५.

---

a) अर्थः व्यु. च ?। **चमस्–** इत्येतन्साहचर्यात् = पात्र-विशेष- (तु. पंजा. **फरुआ** ⌊<*भर्वक–⌋: वैतु. PW. प्रभृ. = **उख–** इति कृत्वा पाठं शोधुकाः ?)।

b) नाप. (सस्याढ्य-भूमि-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। **उरु–+वर–** (<√वृ ⌊वरणे⌋)>बस. इति या. (ऋ १ १२७,६)।

c) विप. (इन्द्र-)। उस. **क्विबन्तम्** उप. प्रकृतिस्वरम्।

d) विप. (रयि-, दधिक्रा-)। उस. **विडन्तम्** उप. प्रकृति-स्वरम्। e) विप. (रुद्र-)। तात्रभविके **यति** प्र. तित्स्वरः।

f) °र्वे° इति MW. ?।

g) अर्थः व्यु. च ?। MW. <***उर्वन्–** इति ?।

h) व्यप. (अप्सरो-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। या. (५,१३) **उरु** ⌊क्रिवि.⌋+⌊कर्तरि⌋ **अ्**⌊श- >⌋**शी**-⌊<√**अश्** व्याप्तौ⌋ इति वा **ऊरु–**+उप. पूर्ववत् इति वा **उरु–+वश–** ⌊<√**वश्**⌋ इति कृत्वा बस. इति वा।

i) वें. सा. = प्रजाः इति, GRV. व्यप. औपचारिकः प्रयोग इति (तु. ऋ ५,४१,१९)। PW. प्रभृ. = बलवतीः कामनाः इति।

j) उर्वश्याः (⌊कर्मणि प⌋ = तामभिप्रेत्य मित्रावरुणकर्तृ-कात्) मनसः (=कामात्) इति द्विपदसंपिण्डितमयादानं द्र. (तु. PG ⌊२, १३१⌋. वैतु ORN. पं१ इति)।

k) पाठे ? **उरु अपां च उ** इति चतुष्पदः **शोधः** ?।

l) नाप. (उर्वारुक-)। व्यु. ?। उर्वा° इति पै. पाभे. (यद्र.)। m) अ°, इ°, ई°, ए° इति मूको. पाभे.।

n) स्वार्थे के प्र. ह्रस्वान्तम् (पा ७,४,१३)।

o) पाठे ? **उर्व्या उ(रु) रक्षतः** इति पाद-**शोधः**।

p) नाप. (प्राणि-विशेष-)। व्यु. ?। तै. दीर्घादिः पाठः।

q) नाप. (पल्लव-)। व्यु. ?। < √वल् इति (पाउ ३, १४५)। r) सपा. °पाय<>°प्याय इति पाभे.।

s) पाठः ? (तु. संस्कर्तुः टि.)। = उलप्याय इति कृत्वा तदात्मकः शोधः।

t) °ल्ो° इति SI. पाठे ? यनि. शोधः।

?उलुं आलस्य यो गुलः[a] पै १५, १८, ६.

?उलुंगुलुका[b]– -काभ्यः पै १५, १९, १-१२.

उलुला[c]

उलुला √कृ, उलुलाकुरु पै ५. ३४, २?[d].

उलुला-कृत्– -कृतः पै २,५५,५?[e].

उलुलि[f]– -लयः शौ ३,१९, ६; पै १, ५६,३.

उलूक[g]– -०क पै २०,२७,७;९: ५९, ५-९; ६०, १-५; –कः ऋ १०, १६५,४; मा २४,३८; का २६, ८, ३; तै ५, ५, १८, १; मै ३, १४, १९; काठ ४७, ८; शौ ६, २९, १; पै १९, २७, ११;४८, ३; –काः पै २०,५४, ६; –कान् मा २४, २३: का २६,५, ३; मै ३,१४,४.

उलूकी– -कीम् पै १७, १२, ३[h]?; –क्याः पै १. ५८,१;१९, ५२,१५.

उलूक-यातु[i]– -तुः पै १३,१०,४-५; –†तुम् ऋ ७,१०४,२२; शौ ८, ४,२२; पै १६,११,२.

उलूखल[j]– -०ल ऋ १,२८,६; मै २, ७,१६†; –लम् खि ५,२२, ७; ¶तै १,६,८,३; ५,२, ८, ७;६, ९,२[२]; मै ३,२,७[३]¶; काठ २०, ७¶; क ३१,९¶; शौ ११, ३, ३; १२,३, १३; २०, १३६, ६; पै १२,३,१२; १३; १६,५३, ८; ११२,१;१७, ३७, ३; –लस्य पै १५, १८,३; –ले का २, ५, २; शौ १०. ९, २६; पै ५. १३, ५; १६,१३८,७.

¶औलूखल[k]– –लयोः मै १,४, १०; –लस्य काठ ३२,७; –लाः मै ४, ६, ८; –लाभ्याम्[l] मै १, ४, १०; –लेन[l] काठ ३२, ७; –लौ मै १,४,१०.

उलूखल-कु॑[m]– -०क ऋ १,२८,५.

¶उलूखल-बुध्न[n]– -ध्नः तै७,२,१,३

उलूखल-मुसल[o]– -लानि शौ ९,६, १५.

उलूखल-सुत[p]– -तानाम् ऋ १, २८,[१-४].

उल्क,ल्का[q]– -†ल्काः ऋ ४, ४, २; मा १३, १०: का १४, १, १०; तै १, २,१४,१; मै २, ७, १५; काठ १६, १५: क २५, ६ : शौ १९,९, ९$; –†ल्काम् ऋ १०, ६८,६; शौ २०, १६, ४; –ल्कैः पै ४,२७,७.

[a]) पाठे ? *उरु(मार– >)मारस्य यद् [√*गुर् हिंसायाम् (तु. √गृर् दिवा.) > भाप. *गुरस– > *गुलस– >] गुलः इति पाद-शोधः ? (तु. सस्थ. टि. ?तद्-गच्छन्त्यासुरैः) ।

[b]) व्यप. (अप्सरोवर्ग-विशेष- ?) । व्यु. ? ।

[c]) अव्य. । ऊर्यादिषु उसं. (पाग १,४,६१) । व्यु. ? । उद् √रुद् > *उद्-रुदा– (भाप. इति कृत्वा भिदादिषु उसं. [पा ३,३,१०४]) > नैप्र. यनि. इति विमृश्यम् ।

[d]) ०कुरु इति पाठे ? यनि. शोधः [तु. मूको.] ।

[e]) ०ता– > -ताः इति पाठे ? यनि. शोधः ।

[f]) विप. (घोष-) । व्यु. ? । नैप्र. < *उल्लुलि–[=उद् √लुल् (शब्दे [तु. पाधा. √लुड् चुरा. भाषायाम्]) +इक् प्र. इति कृत्वा गस. उप. प्रकृतिस्वरम् चेति विमृश्यम् (वैतु. मा. < नाधा. √उल्लुलि < उल्लुल् इति शब्दानुकृतिमात्रमिति ?] ।

[g]) नाप. (नक्तञ्चरपक्षि-विशेष-) । व्यु. ? । नैप्र. < *उल्लूक–[=उद् + लूक– (भाप. < √*लुच् [= √*लुच् = √रुच् दीप्तौ]) = उद्गतः पृथग्भूतो लूकात् = सौरप्रकाशाद् इति कृत्वा प्रास. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति मतम् (वैतु. < √वल् [संवरणे] इति पाउ ४, ४१ [तु. पाम ४, २, ४५])] ।

[h]) ०लु० पाठे ? यनि. शोधः ।

[i]) विप. (२रक्षस-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. यद्. । ऋ. स्थले १रक्षस– इत्येतद्वान् चतुर्थः पादः पृथग्वाक्यमिति वा. विशेषोऽपि कश्चिदवधेयः ।

[j]) नाप. (निस्तुषीकरणोपकरण-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । =उरु > [ऊ > लू] + खल–(=कर- < √कृ [तु. माश ७,५,१,२२ या ९,२०]) इति वा, ऊर्ध्व– + ख- (तु. या.) इति वा, ऊर्ज्– + खल- (तु. या.) इति वा ?। उरु– (तु. WAG [१,१९२ d]) + खल– [=खड-(भाप. =भेदन- [तु. पाधा. चुरा.])] इति कृत्वा बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति मतम् ।

[k]) तात्रभविके अणि प्र. तत्-स्वरः ।

[l]) सपा. ०लाभ्याम् <> ०लेन इति पाभे. ।

[m]) स्वार्थे कः प्र. तत्स्वरश्च ।

[n]) विप. (यूप-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

[o]) द्वस. अन्तोदात्तः ।

[p]) विप. (सोम-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. < √सु (अभिषवे) इति ।

[q]) नाप. प्रायेण स्त्री. । व्यु. ?। < √उष् [*दीप्तौ] इति [पाउ २, ४२], < √वर्च् इति GW. [तु. WW १, ३२१)।

?उल्का-निहत[a]– -तम् शौ १९,९, ८.

?उल्का(ल्का-अ)भिहत[b]– -तम् शौ १९,९,९.

?उल्कावती[c] पै १९,३५,१३.

उल्कुषी–

उल्कुषी-मत्[d]– -मान् शौ ५, १७, ४; पै ९, १५,४.

उल्व<>ल्ब[e]– -ल्बः शौ ४, २, ८; पै ४, १, ८; ९; ११, ७, १२; –ल्बम् ऋ १०, ५१,१; मा १०, ८; १९, ७६; का ११, ४, ४; २१, ५,३; तै १, ७,९,१;८,१२, १; ३, ४,१,४¶; ¶६, १,३,२; ५,६,३; मै ¶१, ६,४; ५³;१२; २, ६, ९; ३, ६, ७³¶; ११, ६; ४, ८,३⁵; ¶काठ १२, ८; १५, ७; २३, २; ३; ३८, १$; ¶क ३५, ८,९; पै ५,१२,६; ९,११, ६; १३, ५, २५; १५, ६, ८; –ल्बस्य मै १, ६,४¶; –¶ल्बेन काठ २३, ३; क ३५,९.

¶उल्व्य[f]– -ल्व्याः, -ल्व्यानाम् मै ४, ८,१.

उल्बण[g]– -णम् तै ३,४,३,७¶

उल्मुक[h]– -कम् पै २,५८,२; –¶केन काठ ३१,७; क ४७,७.

उ(द्>)ल् √लभ्

उल्-लब्ध– -ब्धः[i] पै ४, २३, ३; १२,५,२.

उ(द्>)ल्√लुप्

उल्-लुप्त– -प्तः[j] शौ १९, ३३, २; ४६, ६; –प्तम्[j] खि ४, ६,९; शौ ५, २८,१४.

उल्वा(र्वा)रू[k]– -र्वाः पै १९, २,१३ : १३,८.

उवे[l] ऋ १०,८६,७; शौ २०,१२६,७.

उवोचिथ[m] ऋ ७,३७,३.

उशत्– √वश् (वधा.) द्र.

† उशधज्[n]– -धक् ऋ ३, ६,७; ३८, ३; ७, ७, २; मा ३३, १६; का ३२,२,९; शौ २०,११,३.

उशन्[o]– -शना ऋ ५, ३१,८; ८, ७, २६; –शने ऋ ६,२०,११.

उशन[o]– -ने ऋ १,५१,११.

उशना[o]– -ना[p] ऋ १, ५१, १०; ८३, ५ : १२१, १२; १३०, ९; ४, १६, २; २६,१; ५, २९, ९; ३४,२; ८,२३,१७; ९, ८७, ३; ९७,७; १०, २२,६; खि १, ५, ९; ५, १, १; तै २, ५, ८,५¶; † कौ १, ५२४; २, २९; ४६६; † जै १,५४,२; ३, ३,८;३५,१; † शौ २०,२५,५; ७७,२; पै ४, ११, १; २; ३; १८, ७; –नाम्[q] ऋ १०, ४०,७; शौ ४, २९, ६; पै ४,३८,६.

a) यनि. (तु. सा.) पाठः ? (तु. मूको.; वैतु. मूको., पपा. शंपा. सात. च नि ⌊निर्⌋ हतम् इति पृथक् पदं न, RW. °निर्हत– ⌊तु. मूको.⌋ इति शोध इति च)।

b) °ल्काभि° इति द्विपदे पाठे? (तु. पपा. सात. च) यनि. शोधः (तु.पृ ३६७ o टि.,W.च)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

c) पाठ? उल्कौ, अ(नि>)ती (कुरु) इति द्विपदः शोधः?।　d) पूप. अर्थः व्यु. च?। विप. (शश-)।

e) नाप.। व्यु.?। <√वृ (आच्छादने) वा √ऊर्णु वा इति दे. [४,३ (तु. PW. प्रभृ.)], <√उच् इति (पाउ ४, ९५), <√उष् इति वाच.। *उर्– (=गर्भ–) + *व– (<*व्र– भाप. ⌊<√वृ आच्छादने⌋) >बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति मतम्। पै ११; १३; १५ काण्डेषु वकारान्तः पाठः।　f) यति प्र. यना. स्वरः।

g) भाप. (मात्रातिरिक्तत्व- ⌊तु. भा.⌋)। व्यु. ?।

h) नाप.। व्यु.?।<√उष् (दाहे) इति (पाउ ३,८४ ⌊तु. उल्का–⌋)।

i) सपा. उलब्धः <> उल्लुप्तः इति पाभे.।

j) खिसा २७,९ °दुर्लु° (तु. काहि ११०: ६ °हुर्लु°) इति पाठे? यनि. शोधः।

k) नाप.। =उर्वारू– (शौ. पाभे.)। व्यु. ?।

l) स्वरूपम्?। निपात-मात्रमिति वें. मा. GRV. BW. MWA.? च, =उपुं१ <√*उ (=√ह्वे > हू) इतीव PW. GW. MVG ⌊४५१⌋ प्रभृ. (तु. व्यु ⌊वि √उ⌋)। पाठे? उभे इति स्यात्?।　m) अर्थः?। वें. मा. PW.GRV. प्रभृ. <√उच (सेवने)। √वच् लिटि >ववच> उवच >नैप्र. यनि. इति तु मतम्।

n) विप. (अग्नि-, इन्द्र-)। व्यु.?। वें मा PW. GW. प्रभृ. < उश– ⌊क्रिवि.⌋ + √दह् उस. इति. मा. ⌊ऋ ३,६, ७⌋ उश– +दह– (कर्तरि) उप. इति. सा. पक्षान्तरे ⌊शौ.⌋ उ. म. <उश– ⌊=शत्रु-⌋ + √दह् सा. पक्षान्तरे ⌊शौ.⌋ प्र. इति। भ्राजमान-, दहत्- इति मत्वा, √ *उषस्ज् (भ्राजने) + कर्तरि क्विप् प्र. > नैप्र. *उशध्ज्– > यनि. (तु. पपा. नावग्रहः, स-न्यायमिव सद् उशिज्– इति चेति मतम्)।

o) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?। <√ वश इति वें. PW. प्रभृ.।

p) पाप्र. [७, १, ९४ (तु. सा. ⌊शौ.⌋)] <उशनस्– इति। q) वैतु. सा. (शौ.) उशनस्– > द्वि१ आत्वम् इति ▸

उशमान–, उशान– √वश्(बधा) द्र.
उशिज्[a]– -शिक, -ग् ऋ १, ६०, ४; ३, ३,७; ११, २; १०, ४५, ७; मा ५,३२; ८,५०; १२, २४†; २२,१६†; का ५,८,२; ८, २२, ४; १३, २, ७†; २४, ४, ८†; तै १, ३,३,१; ३, ३, ३, २; ५, २,३[b]; ४,१,११,४†;२,२,२†; ४, १,१[b]; ५, ३,६,१; मै १, २,१२;३,३६; २,७,९; ४, १०, १†; काठ २, १३; १६, ९†; १७, ७[b]; १९, १४†; ३०, ६; ३७, १७[b]; क २, ७;२६, ६[b]; –शिग्भिः ऋ १, १८९, ७; ३, ३४, ४; शौ २०, ११, ४†; –शिग्भ्यः ऋ २, ४,५; –शिजः ऋ १, ६०,२; १३१,५;२,२१, ५; ३, २, ९; १५, ३; ६०, १; ४, १, ⌊१५;१६, ६; १०, ४५, ११⌋; ६, ⌊११: ५, ३, ४⌋; ७, १०,२;⌊५; १०,४६,⌋४; ९,४; ९, ८६,३०; १०,४६,२; १०४, ४; मा ६, ७; १२, २८†; का ६, २,१; १३, २, ११†; तै १, ३,७,१; ४,२,२,४†; ५, ६, ८, ६[c]; ६, ३,६,१[2]; मै १, २,१५; ३, ३५†; २, ७, ९; ३, ९, ६[c]; काठ ३,४; १६,९†; २६, ७[2]¶; ४०,६[c]; क २,११; ४१, ५[2]¶; †शौ २०,३३,३; ७५, ३; ७७, ६; –शिजम् ऋ ३, २,४; ३,८; २७, १०; तै ४, २, ७, ३‡[d]; –शिजा[b] मा १५, ६; का १६, २,३; मै २,८,८; –शिजाम् ऋ १, १२८, ५; २, ३१, ६; १०, ९२, १२.

†औशिज[e]– -जः ऋ १, १८, १[f]; ११९,९; १२२,४;५; ६, ४, ६; १०, ९९, ११; मा ३, २८[f]; का ३, ३, २०[f]; तै ५, ६, ५, ३¶; मै १, ५,४[f]; काठ ७, २[f]; २२, ३¶; क ५, ३[f]; कौ १, १३९[f]; २,८१३; जै १, १५,५[f]; ४, ३, ७; –जम् तै १, ५, ६, ४‡[f]; –जस्य ऋ ४, २१, ६; ७; ५, ४१, ५; –जाय ऋ १, ११२, ११.

उशीन(र>)राणी[g]– -ण्याः ऋ १०, ५९,१०.
उशेन्य– √वश् (बधा.) द्र.
√उष्(बधा.)[h], ओषति ऋ १, १३०, ८; ओषः १, १७५, ३; कौ २, ७८४†[i]; ओष शौ १९, २९,७[c]; पै १३,११,१६[j];१६,१४६,१२. उष्णाति पै ९,१६,५[2].
उष(त्>)ती[j]– -ती पै १५, २३, ७; –तीः पै १९,२२,१४.
उषाण[k]– -णः ऋ ४,१६,१४.
उष्ट– -ष्टः पै ३, १६,५.
उष्ण,ष्णा[l]– -ष्णम् ऋ १०, ४, २; –ष्णाः पै १९,४२,१०; –ष्णान् शौ ८, ९,१७; पै १६, १९, ७; –ष्णेन शौ ६, ६८, १; पै १९, १७,१३.
उष्णत्– -ष्णन् ऋ २,४,७.
ओष(न्>)न्ती– -न्ती शौ १२,१०, ८; पै १६, १४६,४; –न्तीम् पै २०, २०,५.
उष[m]– उषः ऋ १, ६९, १;५; ३,६,

[a]) बधा.। विप. (अग्नि-, अङ्गिरस्- प्रभृ.), नाप. (मेधाविन्-, ऋषि-, अग्नि- प्रभृ. ⌊तु. निघ ३, १५, सा. ऋ १,६०,२⌋)। व्यु.?। सा. PW. प्रभृ. < √वश् इति। √*उषज् (दधा. ⌊कान्तौ, स्तुतौ प्रभृ.⌋) > (कर्तरि क्विपि) नैप्र. यनि. इति मतम् (तु. पपा. नावग्रहः, सन्यायं सद् उशधज्– इति च)।

[b]) सपा. उशिक् (ता १,९,९ गोब्रा २,२,१३ शांश्रौ ६, १२,१८ वैताश्रौ २२,४ च) <> उशिजा इति पाभे.।

[c]) अच्छिद्रा उशिजः इति पाठस्य स्थाने सपा. ऐब्रा २,३८ आश्रौ ५,९,१ अच्छिद्रोक्थाः इति पाभे.।

[d]) सपा. ऋ १०, ८०,५ विशिष्टः पाभे.।

[e]) स्वार्थे अण् प्र. (तु. पाग ५, ४, ३८)। BRV ⌊१, ५८-९⌋ =सोम- इति, या ⌊६, १०⌋ स्क. वें. सा. PW. प्रभृ. उशिज्– ⌊=ऋषिमातृ-⌋ + अपत्यार्थे प्र. इति मत्वा व्यप. (कक्षीवत्- ⌊ऋषि-⌋) इति।

[f]) सपा. °जः (माश २,३, ४, ३५ या ६, १० च) <> °जम् (तैब्रा १०, १,११ च) इति पाभे.।

[g]) नाप. (ओषधि-विशेष- ⌊तु. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. =उशीनराख्यदेशविशेष-राज्ञी-⌋)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। स्त्री. ङीप् प्र. आनुगागमश्च उसं. (पा ४, १,३०)।

[h]) ऊर्जाभे दाहे दीप्तौ प्रभृ. धा. वृत्तिः द्र.।

[i]) तुषः इति पपा.?।

[j]) विप. (गो-), नाप. (प्रथमे स्थले)।

[k]) शानचि चित्स्वरः (तु. वें. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. < √वस् ⌊आच्छादने⌋ इति)।

[l]) विप. (व्रज-, मास्-, उदक-)। नक् प्र. (पाउ ३, २) तत्स्वरश्च।

[m]) वें. सा. PW. GW. GRV. प्रभृ. =उषस्- ⌊तु. ऋ ३,१७,३ तै ४,३,११,१⌋ इति, ⌊पचे⌋ GRV. (ऋ ८, ४१,३) बहुवचने =त्रयो लोकाः इति, यद्वा अग्निसूर्ययोरपि

७; ७, १०, १; ८, ४१, ३[a]; शौ १६, ६, ६[2b]; उपःऽउषः ऋ १०, ८,४.
?उषः[c] ऋ १०,९५,४.
?उषणि[d] पै २०, ३८,२.
?उषणोट पै २०, ३८,२.
?उषत् पै १९, ४६,१५.
उषती– ✓उष्(वधा.) द्र.
?उषतीर्ण[e] पै १९, ९,४.
उषमाण– ✓वस् (आच्छादने) द्र.
उषर्-बुध–, उषर्-बुध्र– उपस्- द्र.
उपस्(,स्),प्रास्[f]– -†०पः ऋ १, ४८, ४;९: ११: [१४: ४, ५२, १]; १५; ४९, १ ; ३ ; ५७ , ३; ९२, ७: ८: [१३; ४, ५५, ९: ५, ७९, ६ (९, ७४, ५)]; १४; ११३, [७;१२३,१३]: ९,१२३, ३; [५; ७, ७६,६]; १२४,[१२: ६, ६४, ६]. ३, ६१, १-३: ४, ५२,६; ५,७९,१: ७; ६,६४,२: ५;७,७५,२;८: ७६,३[g]: ७७,५: ६: ७८, १; ८१, ३: ५; ८,४७, १६:१८; १०,१२७,७; मा ३४, ३३; का ३३, २, २: कौ १, ३६७;४२१:२,१०८१: १०८२; १०९०; जै १, ३८, ८; ४१, ३; शौ १६,६,२:२०,१५,३; –०षः ऋ १,३०,२०; ४८,१: २; १२; १६: ४९,२;४; ९२,१५: ११३, १२; १२३, ११: १२४,१०; ४, ५२,३; ५,७९,१०; ६, ६५, ५; ७,७९,४;८१,२: ८,९,१७;१८; १०, ५५, ४: तै ४,३, ११, ५[g]; मै २,१३, १०: काठ ३९,, १०[g]; †कौ २, १०२: १०८३; जै ३, १०, ४†: †शौ २०, १४२, २: ३: –†पद्भिः[h] ऋ १,६, ३: मा २९,,३७: का ३१, २, १: तै ७, ४,२०, १: मै ३, १६, ३: काठ ४४, ९: कौ २, ८२०: जै ३, ५७.१०: शौ २०, २६,६: ४७, १२: ६९, ११; –षसः ऋ १, ३४,३:१०; ४४,१; १०:७९,१: ६. ९०, ७[i]: ९२,१: २: ९४,५: ११३,१७: १८,२०; ११८,११: १२१, ६: १२३, ६: ११: १२: १२४, ९: १३१, ६: १३४, ३[j]: ४: १३७,२: १५१,५: १७९,१: १८०,१: २,२,२: ७:८: १५,६: २०,५:२१,४: २८,९, ३४,१२: ३,५,१;२: ७,१०; १५,२; १७, ३:३०,१३;३१,४; ५५,१; ५८, १;४, १, ५; १३; १७; २, १५; १९;५,१३;१४,१;[४; ४५,२]; १९,८; २३, ५:७; ३९, [१; ३; ४०,१]; १; २;५१,१-३:६-९;५, ३७, १: ४५,१:४९,८: ६२,८[j]; ८१,२; ६,१५,५; २८, १. ३८, ४;३९.३:४४,२३; ५०, ८:५२, ४; ६०, २[z]; ६४,१; ६५,२: ७, ६, ५: १८, २०: ३५, १०:३९. २: ४१,६; ६७,२; ६९,५; ७१, १: ७२,३: ४: ७५, ३; ७६, २: ७८,३: ७९,२; ८८, ४: ९०,४: ८.९६,१:९,१०,५:७१,७; ७५, ३: ८३,३: ८६,१९[k]: २१:९०, ४: १०, ६, ३: २९, २: ३१,७: ३५, १: ५: ६: ३९, १: ४१,१: ७३,६: ८८,१२: १८;१९: ८९, १२: ९२,२: १११,७: १२२,७: १३८, १: खि ३, १८,२; †मा १०, १६[l]; १२, ३; १३, २८[l]: १५,३७: १७, १०:२१,४: २७, ४५§: ३३,४४: ३४. ३९: †का ११, ५, ७[l]: १३, १, ३: १४,२.

गणाना स्यादिति च। नाप. (निवासिन-)। व्यु. ?। < ✓वस् (निवासे) इति मतम्।

[a]) द्वि३। वरुणस्य व्रतानुसारं तिसृभिरपि वेर्नाभिः (=लोकैः) उषां (=तन्निवासिनां) वर्धने तात्पर्यम् इति कृत्वा पृ १८२ *h* इत्यत्र यथावत शोधः द्र.। [b]) षा१ रूपम्।

[c]) स्वरूपम् ?। वें. सा. उषस्–>सं१ इति, PW. प्रभृ. ✓वश् (कान्तौ)>उष–(=कामुक-)>प्र१ इति, ORN. उष–(=उपस्–)>द्वि३ इति?। ✓भुज् >बुभुक्ष> नैप्र. उष– >प्र१ इति मतम् (तु. छन्दस् त्र्यक्षरं पदमाकांक्षमाणम्)।

[d]) पाठः ? =✓उष् >उषन्–> -षणि (सस१) ?।

[e]) पाठे ? उक्थेन इति शोधः (तु. सपा. मा २६,८ तै १, ५, ११,१; वैतु. शौ ६, ३५,२ उक्थेषु इति पाभे.)।

[f]) नाप. स्त्री. (प्रभात-)। व्यु. ?। या २,८ < ✓उच्छ् इति, GW. < ✓वस (दीप्तौ) इति। < वि ✓वस (दीप्तौ) > ✓व्युष् इति मतम्।

[g]) सपा. ता २५, ८,४ षाः इति पाभे. [तु. टि. वैप२. २९७]।

[h]) आदौ प्र. सस्य तः (पावा ७, ४,४८ [तु. स्क. वें. PW. प्रभृ. : वैतु. सा. <उषत्– इति])।

[i]) सपा. उपसः (माश १४,९,३,१२ बृउ ६.३,६ कौसू ९१, १ च)<>उषसा <>उपसि (तैआ १०, १०, २;४९,१ च) इति पाभे.।

[j]) सपा. उपसः (माश ५,४,१,१५ च)<>उपसाम् (तैब्रा १,७,६,८ च) इति पाभे.।

[k]) सपा. उपसः<>उपसाम् इति पाभे.।

२[a]; १६, ५, १९; १८,१, ११;
२३,१.४; २९,६, १$; ३२, ४,
१: †तै १, ५, १०, २$; २,२,
१२, ६; ५, १२, ३; ६,१, १¶;
३,१, ११, ४; २, ११,२; ४.१,
१०,४; ४,४,५; ६,१,२: †मै १,
७, १§; २,६,९[b]: ७, ८; १६[a];
१०,१; १३,८; ३, २,१[२]:¶: ४,
४,३[b];१०, ४; ११.१:१२, २§:
१४, १०; १७: †काठ २, १५;
४, १५[२]: ७, १६: १५, ७[b]:१६,
८: १७, १७:१८: ३४, १९[२]§:
३७,१०§; ३९,१५: क २८,१†:
४८, १[२]; कौ १, ४०† ; ४५८;
२,५२; १७३; २२७: ४७३;
७६०: ९१३; ११०५; ११३०:
३,२,२; †जै १, ४,६;४८, २§:
२,५,१०; ३,५, ११: १६,११:
२०,११:३५,८; ४,११,८; १५,
६; शौ ३,१६,६†: ७. ४, २१,
१†; ७, २३,२; ७७,६: ८७,४;
१०,१,३२; १,३१; ८,३०; १४,
२,३१; ४३;४४; १६,४,६:१७,
१, ३०; १८,१, २७: ३, २४†;
१९, १०, १०†; ४९,६; †२०,
७२,३; ७६,२: पै ४, ३१, ६†:
१२,१,६†; १३, ८,१०†; १४.
४,६; १६, ३८, ४: १७,१०,२:
१८,१०,१; ११,३;४; ३२,१३;
१९,४५,६†; २०,४, १०; ४८,
३†; –०षमः ऋ ४, ५१,४; ५;
११;६,६५,३;७, ७८,५; –षसम्
ऋ १, ४४, ८; ४६,L४; ९,८४,
२⌋; ७१,१; ११३,११;११५,२;
२,१२, ७; ३, २०,१;L५; १०,
१०१,१⌋;३१,१५[c]; ३२,८;४४,
२; ६१,५;६; ४,३,११; १२,२;
३०, ९; ५, १, १;५,६; २८,१;
८०,१; ६, १७, ५; ७२, २; ७,
३३,७; ४४, १; ३; ७५, ६; ७;
७६,४; ७८, ४; ८०,१; ८५,१;
९१,१: ९९, ४; ८, ५, २: १०,
३५, २: ५८, ८; ६४, ३; ६५,
१०: ६७,५; १२७, ३: तै १,४,
३३, १†; मै ¶३, ४, ४; ६,५;
४,२,११; १२¶: ११,१†: १२,
५†; †१४,२;४: काठ ९,१९†;
शौ १०, २, १६; †१३, २, ४६;
†२०,३४,७;९१,५: १०७,१५;
पै १, ८४, ७; १०, ६, २: १३,
७,७†: १६, ६०, ९; –षमा ऋ
१,४४, २, L१४; ५,५१,८ (७,
६६, १०; १०,६५,७)⌋;६२,५:
७३,७; १८३, २; ३,४,६; १४,
३;५,१, ४; ७, ४४,४; ८, ३५,
L१-२१⌋; खि १, ४, ७; मा ३,
१०[d]; का ३, २, ४[d]; तै ४, ३,
११, १; काठ ३९, ३‡[a]; कौ २,
११३१†; जै ४, ११, ९†; शौ
८, ९, १२; १६, ६, ५; पै १६,
१९, २; २०, १८, ३†; –षसाम्
ऋ २, २८,२; ३,६१,७; ४,१३,
१; ५, ७६,१; ६, ४७,५; ७,५,
५;८,१;९,१;३;१०,२; ६३, ३;
६८, ९; ८, १९, ३१; ४३, ५;
१०,१,१; ३१,५; ४५, ५; ७८,
७; ८५,१९; ९१,४; ५; ९५,२;
खि ४,९,४; ५, ५, ८; मा ११,
१७†; १२, १३; २२; २०,३६;
का १२, २, ६; †१३, १, १४;
२,५; २२,४,१; तै १, ८,१२,
३‡[b]; २, ४,१४,१†; ४, १,२,
२; †२, १,४; २,३; ५, १, २,
५; २, १, ५†; मै १, ८, ९;२,
७, ८†; ९; ३, १, ४; २, १†;
११, १; ४, १, २; १२, २† ;
काठ १०, १२† ; १६, २ ; ८†;
९†; १९, ३; ११†; ३८, ६; क
३०,१; ३१, १†; †कौ १, ७०;
५५९ ‡[e]; २, १७१‡[e] ; ३३२:
११०२ ; ११७३ ; †जै १, ७,
८; ५७, ६‡[e]; ३, १६, ९‡[e];
२८, ४ ; शौ ३, ७, ७; ७, ८६,
२†; ८७, ४; ५; १४, १, २४;
१८, १, २७; २८; ४, ५८‡[e];
पै ३, २, ६; १८, ३, ३†,
–षसि ऋ १,१८४,१; २, ८,३;
४,२,८; ७.३,५; ८, २२, १४.
तै ४, २,९, ३‡[a]; –षसे ऋ १,
११३, १; तै ७, २,२०,१; काठ
४२, १०; कौ २, १०९९†; शौ
१९,४८,२; ५०, ७; पै ६, २१,
२; १४, ४,१७; १७, २१, ६;
–षसौ ऋ १,१८८,६; ३, ४,६;
मे २, १३, १०; काठ ३९, १०;
–षाः ऋ १, ४६,१; १४; ४८,
३; ५; ७; L८; ७, ८१,(१) ६⌋;
१३; ६२, ८[f]; ९२,४;६; ११३,
L४-६⌋; ८; १३,L१४; ४, १४,
३⌋; L१५; १२४, २⌋; १२३, २;
७; १२८,१; L७, (५, ८०, ६)⌋;
१५७,१; २, ३४, १२; ३, ६१,

[a]) पाभे. कृने पृ १७७ *i* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. कृने पृ १७७ *j* टि. द्र. ।

[c]) मपा. उपसम् (तैब्रा २,७,१३,३ च)<>उपासम् इति पाभे. ।

[d]) =सपा. माश २,३,१,३८ वैताश्रौ ७,११ । काठ ६, ८ तु अह्ना इति पाभे. ।

[e]) पाभे. कृने पृ १७७ *k* टि. द्र. ।

[f]) PG L१,१८५⌋ उषसा इति पाठुकौ? (तु. ORN.) ।

४; ४,३०,१०; ५२, २; ५; ५, ७५,९; ८०,२; ५; ७,७५,१;५; ७६, १; ७; ७७, ३; ७८, २; ७९, १; ३; ८०,२; ८, ५८, २; ७३,१६; ९, ४१,५; १०, ११, ३; ३५,३; १३४, १; १३८, ५; १७२,४; खि ३, १८, १; ५,७, ४,१८; मा १२,७४; २०, २३; का १३, ५,१३; २२, १, ८; तै ५, ६, ४, १[२]; ७. ५, २५,१¶; मे २,१२,३;१३,१०; ३, ४, ४; ११,१०; काठ २२,५;६¶: ३८, ५; ३२,१०: क ३४, १¶; †कौ १,१७८; ३७९;४५१; २, २८६; ४४०; १०७६; १०७८;११०८; †जै १, १९,४; ३९, १०; ४७, ५; ३, २१, ११; ३३, १५; शौ ४,४,२; ७, ७२,१; ९, १०, १; ११,८,७; १५, २,१३; १६, ६, ५; १८,१,२०†; १९, १२,१†; ४८,२; ५०, ७; पै ४, ५, ३; ६, २१, २; १३, ५, २२; १४, ४, १७; १५, १३,६; १६, ५४, २; ११५, १; १८, ६, १; २५, ५; २०, ३३,१; -†षामः[a] ऋ ७, ४१,⌊७; ८०, ३⌋; मा ३४, ४०; मै ४, १४, ९; कौ २, ११०६; पै ४, ३१,७; -०षामः[a] ऋ १, १२४,१३;६,६५,४; -†षामम्[a] ऋ १,३२,⌊४; ६,३०, ५⌋[b]; मा १५,२४; का १६, ५, ५; तै ४, ४,४,२; मै २, १३,७; ४, १४, १४[b]; कौ १, ७३; २, १०९६; जै १,८,१; पै १३, ६, ४; १८, २५, ६; -षाम्।[a] ऋ ८,२७,२; मा २९, ६: का ३१, १, ६; मै ३,१६,२; काठ ४६,२; -षामौ[a] ऋ १, १८८, ६; मा २१, ५०: का २३, ६,३; मै ३, ११,५.

¶ औष(स>)सी[c]- -सी मै ३, ४,९[२].

†उपर्-बुध्[d]- -बुधः ऋ १,१४,९; ४४, १; ९: ९२, ⌊१८[e] (८,१, २४)⌋; १३२, २; ४,४५,४; ७, ७६,६; कौ १, ४०; २, १०८५; ११३०; जै १, ४,६; ४, ११,८: -बुधम् ऋ ३,२,१४; ४, ६,८; ६,१५,१; ९, ८४,४: -बुधे ऋ १,१२७,१०; -भुत् ऋ १,६५, ५; ६,४,२[f].

उपर्-बुध्[g]- -धः खि ४, ९,४.

उपस्य[h]- -स्याः मा २४, ४; का २६,१,८; मै ३,१३,५.

उपासा[i] ऋ ७, ४२,५.[a]

उपासा-नक्त[j]- -क्ता ऋ १, १२२, २; १८६, ⌊४; ७, २, ६⌋; २, ३,६; ३१, ५; ४, ५५, ३; ५, ४१, ७; १०, ३६, १; ७०, ६; ११०,६; खि ५, ७,१,७; ३,३; मा २०, ४१; २७, १७; २८, १४;३७; २९,३१†; का २२,४, ६; २९,२, ७; ३०,२,३; ४,३; ३१, ४, ७†; तै ४, १, ८, २; मै १, १०,९¶; २, १२, ६; ३, ११,१; ४, १०, ३[२]; †१३, २; ३; ८[२]; काठ १५, १३; १६, २०†; १८,१७; १९,१३; २०, १५[२]; ३६,३¶; ३८,६; क २९, ५; शौ ५, १२,६†; २७, ८; ६, ३,३; पै ९,१,७?[k]; १९,१,१६.

?उपसदस्करताम्[l] पै ३,२७,५.

?उपर्सा[m]- -र्सा पै १३,१२,१२.

उपा[n]- -पाभ्याम् मा २१, ५०; का २३,६,३; मै ३, ११,५; -पाम् ऋ १, १८१, ९; १०, ६८, ९; शौ २०,१६,९†; पै ५, ८०, ३, -पाम्ऽ-पाम्[o] शौ १२, २, ४५; पै १७, ३४, ६; -षे मा २१,

a) उपु°, उष° [सं.] इति पपा. ।

b) पाभे. कृते पृ ९७८ c टि. द्र. ।

c) विप. (व्युष्टि- [=इष्टका-विशेष-])। तात्रभविकः अण् प्र. । स्त्री. ङीपि उदात्तनिवृत्तिस्वरः ।

d) विप. (अग्नि-, देव-, वाच्- प्रभृ.)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

e) नाप.?। =अश्व- इति सा., =देव- इति वें., =यजमान- इति GRV. ?Gri. ।

f) उषर्भुत् भुत् इति पाठस्य स्थाने सपा. मै ४,१४, १५ पर्यंभूत् इति विशिष्टः पाभे. ।

g) विप. (अग्नि-)। उस. काऽन्ते थादि-स्वरः ।

h) विप. (पशु-)। सास्यदेवतीयः यत् प्र. (पा ४,२, ३१) तिन्स्वरश्च ।

i) नक्ता- इत्येतेन संबन्धः। शिष्टं ८२६ i टि. द्र. ।

j) उम. उभ. प्रकृतिस्वरम् । पपा. °उसा- इति नावग्रह इति च । पाप्र. (६,३,३१) पूप. उपुस्->यनि. इति ।

k) उषसा॰ इति पाठे? यनि. शोधः ।

l) पाठे? उप √सद्> °सदस्-> °सदस्-कर-> -राः, ये इति द्विपदः शोधः ।

m) विप. (उपस्या-[तारका-])। व्यु.?। उपुस्->*उपसि(क>)का,की- > नैप्र. यनि. इति मतम् ।

n) उपुस्- इत्यनेन स-न्यायता द्र. ।

o) सपा. तैब्रा १,२,१,२० आपश्रौ ५,१२,३ विशिष्टः पाभे. ।

१७; ३५; २८, ६: का २३, २, ६: ४, ७: ३०,१,६; मै ३,११, २: ११: काठ ३८, १०.

उषित्वा √वस् (निवासे) द्र.

?उषिपाण[a]– -०ण जै ३,२१,१.

उष्– √उष् (वधा.) द्र.

?उष्टा[b] खि ४,७[४],३.

१उष्टार– √उक्ष् द्र.

२उष्टार[c]– -राः पै २०,२४,९.

उष्टृ– √उक्ष् द्र.

उष्ट्र[d]– -ष्ट्रः ऋ १,१३८, २: मा २४, ३९: का २६,८, ४: मै ३, १४, २०; -ष्ट्रम् मा १३, ५०[२e]; का १४, ५, ४[२e]: तै ४, २,१०,३[e]: -ष्ट्राः खि ५, ८, २: शौ २०, १२७,२: -ष्ट्रान् ऋ ८, ६, ४८; ४६,३१: मा २४,२८: का २६, ६,३: मै ३,१४,१०: -ष्ट्रानाम्[f] ऋ ८,५,३७;४६,२२.

उष्ण,ष्णा–,उष्णत्– √उष् (वधा.) द्र.

उष्णन्[g] ऋ ९,९७,३९.

उष्णिह्[h]– -ष्णिक् मा १४, १०: १८: का १५,३,५; ६, २; मै २, १३, १४; ३, ११, ११[i]; शौ १९, २१, १, -ष्णिहः मै ३, ३,२¶; -ष्णिहम् मा २८,२५: का ३०, ३, २; मै १,११,१०: ३,९,८¶; ¶काठ १४, ४; २६, ९: क ४१, ७¶: -ष्णिहा मा २८,३६; का ३०,४,२: -ष्णिहे मा २४,१२: का २६,३,२: मै ३,१३,१७.

१उष्णिहा– -हया ऋ १०, १३०, ४: -हा मा २१, १३[i]; २३, ३३. का २३,२, २[i]; २५,७,१: तै २,४, ११, १[२]¶: ३,१, ६,३: ४,३,५,१: ७, १: ५,२, ११,१; मै २,४, ४¶: ८,२: ३: ३,१२, २१: काठ १२, ४¶: १७,२;३: ३८, १०[i]: ३९, ४:५०, ५: क २६,१:२: -हाः तै ५, ३, ८,२: -हायाः काठ १२,४¶.

औष्णिह[j]– -हाय[k] मा २९, ६०; का ३१,५,१.

¶उष्णिह,हा-ककुभ्[l]– -कुभौ तै २,४, ११, १: मै २, ४, ४[२]; काठ १२,४.

उष्णिहा(हा-अ)क्षर्[m]– -रः शौ १३,१,१५.

२उष्णिहा[n]– -हाः शौ ६,१३४, १[o]: पै ५,३३,४: -हाभिः तै ५, ७, १४, १: काठ ५३, ४; -हाभ्यः ऋ १०, १६३, २; शौ २, ३३, २†; ९,१३,२१; १०, १०,२०: २०, ९६, १८†; पै ४, ७, २†: ९,३,१०: १६, ७५,११: १०८, १०: -हाम् मै ३,८,२¶.

?उष्णीशांत्या[p] पै ७,१५,७.

उष्णीष[q]– -षः मा ३८, ३[r]; का ३८, १,३[r]: मै ४,४,३¶: पै १, ८७, २: -षम् मै ४,९,७[r]; शौ१५,२, ५:१३; १९:२५; पै १३,५,२८: -¶षेण तै ३, ४, १,४: मै २,३, १: काठ १३,१०.

उष्णीषिन्– -षिणे मा १६, २२; का १७,३,१: तै ४,५,३,१: मै २, ९,३; काठ १७,१२; क २७,२.

---

[a]) व्यु. अर्थश्च ? (तु. टि. ऋषि-पाणि–) ।

[b]) पाठः? । अष्ट्रया (<अष्ट्री–) इति संभाव्यते । सपा. खि ४,७,३ इषुणा इति, शौ ५,५,४ इष्वा इति च पाभे. ।

[c]) नाप. (⌊बिल्व-साहचर्यात्⌋ वृक्ष-विशेष-)। व्यु. ? ।

[d]) नाप. (पशु-विशेष- ⌊MK १,१०४ द्र.⌋) । व्यु. ? । <√उश् इति (पाउ ४,१५९), √उक्ष इति PW. प्रभृ. ।

[e]) सपा. उष्ट्रम् (माश ७,५,२, ३५ च)<>मेषम् इति पाभे. । [f]) णत्वाऽभावः उसं. (पा ८,४,१) ।

[g]) पाभे. कृते पृ ८३९ j टि. द्र. । सर्वथाऽपि वा. ? (तु. ORN.) ।

[h]) नाप. स्त्री. (छन्दो-विशेष-) । व्यु. ? <उद् √स्ना इति वा उद् √स्निह् (तु. पा ३, २, ५९) इति वा <उष्णीष– इति वा या ⌊७,१२⌋ ।

[i]) सपा. उष्णिक् (तैब्रा २, ६, १८, १ च)<> उष्णिहा इति पाभे. ।

[j]) अण् प्र. (पा ४, १,८६) बित्स्वरश्च ।

[k]) सपा. तै ७, ५, १४,१ मै ३, १५, १० काठ ४५, १० आतिच्छन्दसाय इति पाभे. ।

[l]) छन्दसोः द्वस. अन्तोदात्तः । उप. यद्र. । तै. काठ. पूप. ह्रस्वः (पा ६,३,६३) ।

[m]) विप. (वषट्कार-) बस. । स्वरः ? ।

[n]) नाप. (ग्रीवा-) । व्यु. ? । < उष्ण–इहा– ? इति Charpentier ⌊KZ ४६, ४०⌋ ।

[o]) तु. WI. प्रभृ.; वैतु. ॰हा इति पपा. ।

[p]) पाठः? उष्णीष– > ॰षि (न >) णी– > -ण्या इति शोधः? ।

[q]) नाप. (शिरोवेष्टन-) । व्यु. ? । <√स्नै इति या ⌊७, १२⌋, उष्ण–+ √ईष् इति अभा., < √वस ⌊आच्छादने⌋ इति अक्षी. ।

[r]) सपा. ॰षः (माश १४, २, १, ८ च) <> ॰षम् (तैआ ४,८,२; ५,७,२ आपश्रौ १५, ९,५ माश्रौ ४,३,५ च) इति पाभे. ।

उष्पल[a]– -लानि शौ १४, १, ६०; पै १८,६,८.

उसृ[b]– -स्रः ऋ ३, ५८, ४[c]; ७, १५, ८[d]; ८,४१,३[e].

उस्राम् (इन्द्र–)[f] ऋ १०,६,५.

उस्र,स्रा[g]– -स्रः ऋ १, ६९, ५; ५, ४९, ३[h]; ६,१२,४[i]; –स्रा ऋ १, ९२, ४; ४, ४५, ५; ६, ६२, १; ७,७४,१;९,५८,२; १०,३५,४; तै १, २, ३, २; †कौ १, ३०४; २, १०३; ४०८;†जै १, ३२,२; ३,१०,५;३१,२८; शौ १२, ३, ३७; पै १७, ३९,७; –०स्रा[j] ऋ २,३९,३; –†स्राः ऋ १, ३, ८; ७१, २; ८७, १[h]; १२२, १४[l]; १५१, ५; २,२३,२; ४,१, १३; २५, २; ६, ३,६; ३९, २; ५२, १५; ७,६९,५; ८,४६,२६; ७५, ८; ९६,८; १०, ३५,८; ६७,४; १३८,२; १६९,१; १७५,२; खि २,८,४; तै २,६, ११,२; ७,४, १७,१; मै ४, ११,६; १४,१०; काठ ७,१७;१३,१५; १७, १८; ४४,६; शौ २०, ९१, ४; पै ६, ३,४; १९,५१,५; –स्राणाम् ऋ ८, ४१, ५, –०स्रौ मा ४, ३३; का४,१०,४; तै १,२, ८, २; ६, १,११,४; काठ २.७; क २,१.

उस्र-यामन्[m]– -मा ऋ ७,७१, ४; –म्ने ऋ ४, ३२,२४.

उस्रिय,या[n]– -यः ऋ ५,५८,६;९, ७०, ६; ७४,३; शौ १, १२, १; ९,४,१; पै १,१७, १; १६,२४, १; –यम् ऋ ८, ४, १६; –या ऋ ४,५,९; –याः ऋ १, ६, ५; ९३,१२; ११२,१२; ३, १,१२; ३१,११; ४,५०,५; ७, ८१, २; ९, ६८,१; १०८, ६; १०, ६७, ८; ६८, ७; मा ३५, २; ३; का ३५, ४,२;३; तै २, ३, १४,४†; मै ४,१२,१†; काठ १०, १३†; †कौ १, ५६३; ५८५; २,१०२; २०२; †जै १, ५७, ८; ५९,८; ३, १०,४; १८, ९, ४०, २; शौ ४,२६,५; १४, १, ३२, †२०, १६,७;७०,१; ८८,५; ९१,८; पै ४,३६,४; १८,४,१; –†याणाम् ऋ १, १२१,४; ४,५,८;५,३०, ४;११;६,३२,२;७,७५,७; १०, ६८, ६; काठ ८, १६; शौ २०, १६,६; –याभिः ऋ १,६२,३;९, ९३,२;९६,१४; कौ २, ७६९†; शौ ३,८,१; ५,२०,३; २१,१; पै १,१८,१;९,२४,१;१७,३७,८[o];

[a]) नाप. । अर्थः व्यु. 'ष्प' इति पाभे. च ! । पाठः ! इति कृत्वा उप-पद– > –दानि इति वर्णलोपविकारो-भयप्रतीकारूपः शोधः ! (तु. सपा. पै. मूको. अ ~ पदानि इति) ।

[b]) नाप. (उषस्-) । <√वस (>√उस) दीप्तौ इति मतम् (तु. GW., MW. ⌊अन्ये स्थलद्वये⌋) ।

[c]) पा१ द्र. (तु. ऋ ७, ६८,९) ।

[d]) द्वि३ द्र. (तु. सस्थ. क्षप्– ⌊यद्र.⌋ > क्षपः, ऋ ७, ८,१;९,३; १०, १,१; ४५,५ च) ।

[e]) द्वि३ द्र. (तु. सस्थ. क्षप्– ⌊यद्र.⌋ > क्षपः) ।

[f]) नैप्र. < *उसृणाम् इति कृत्वा प३ द्र. । वा. उस्राम् इति इन्द्रः इति च पदद्वयं सदप्यर्थतः 'उषसां दीपकः स्वामी वा' इति कृत्वा सूर्ये तात्पर्यात् सामासिकं पदमिवैकवृत्तिकं द्र. (तु. अपां ⌊नपात्-⌋ प्रमृ.: वैतु. वें. सा. उस्रा– इत्यस्य द्वि१ इति, GW. GRV. ORN. उसृ– इत्यस्य सप्त१ इति) ।

[g]) वप्रा. । विप. (अग्नि-, अश्विन्- प्रमृ.), नाप. (उषस्-, धेनु-, वृषन्- प्रमृ.) । <√वस (>√उस) दीप्तौ ।

[h]) नाप. (सूर्य- ⌊तु. सूर–⌋) । प्र१ (वैतु. GW. उसृ– >द्वि३ इति) ।

[i]) विप. (अर्वन्-) । <√ भुज > बुभुक्ष (> √उस) भोजनेच्छायाम् इति मतम् । प्र१ द्र. (वैतु. सा. नाप. इति, GW. उसृ–>प१ इति) । 'बुभुक्षितः अर्वा कृत्वा (घासेन) न (इव) द्रवन्नः (अग्निः) वन्वन् (कामयमानः ⌊भोजनम्⌋) यज्ञैः (तदीय-भोजन-भूतैः) पितेव (पितृ-वत् ⌊पूजापूर्वकम्⌋) ?जारयायि (=जारयायै ⌊भोजयितुं युज्यते⌋)' इति वा ।

[j]) तु. वें. सा. GW. GRV.: वैतु. R. ⌊ZDMG ४८, ४७८⌋, ORN. प्रमृ. प्रभातेऽर्थे उस्राः (स्त्री. द्वि३) इति पाठम् इच्छन्तः ! ।

[k]) =तारागण– इति PG ⌊३,१४८⌋ ।

[l]) <√*वस (=√ वश ⌊इच्छायाम्⌋) इति कृत्वा विप. (देव-) इति ।

[m]) विप. (इन्द्र-, रथ-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । पूप. =उषस्– ।

[n]) वप्रा. । विप. (धेनु-, वृषभ- प्रमृ.), नाप. (धेनु-, रश्मि- प्रमृ.) । स्वार्थे घः>इयः प्र. (तु. पा ४.४,१४१) तत्स्वरश्च ।

[o]) सपा. शौ १२, ३,१८ मा जिहिंसीः इति विशाधः पाभे. ।

—याभ्यः ऋ ६, १७, ६; —याम् पै ६. १०, ७; —यायाः ऋ १, १२१, ⌊५; १०, ६१, ११⌋; १५३, ४; १०, ६१, २६: ८७, १७; शौ ७, ७७, ५; ६: ८, ३, १७†; पै १६,७,७†: २०, ११, ९: १०; —यायाम् ऋ १,१८०, ३; ३,३०,१४; ३९. ६: खि १, ३,१[a]: —†यासु ऋ २, ४०, २; ५, ८५. २; मा ४, ३१; का ४, १०. २: तै १, ८.२२,५: मै ४, ११. २: काठ ८, १७: शौ ७, ७७, ४$: $पै १, ९१.२: २०, ११,८.

उस्रिया-त्व- -त्वम् मै ४, २, १२¶.

१उस्रि[b]- -स्रि[c] ऋ ५,५३,१४[d].

२†उस्रि[e]- -स्रयः ऋ ९, ६५, ⌊१; ६७, ९⌋; कौ २, २५४; जै ३, २१,१९.

उस्रिक्[f]- -कम् ऋ १, १९०,५.

उस्रिय,या- उस- द्र.

? उस्वोदनी पै २०, ५२,१०.

√उह् (बधा.)[g], †ओहते[h] ऋ ५, ४२,१०; ८,५,३९: ४०, ११; ५९,२; १०,६५,१०; खि १,६, २; †ओहते ऋ १, १७६, ४; ५. ५२,१०; ७,१६,११: ८,३, १८: ७, ३१; खि ५. १५, १२$?[i]; मै २, १३, ८; कौ १, ५५; २, ८६३; जै १,६,१; ४, २१,१; शौ २०, ५०,२; १३१, १०$: †ओहसे ऋ १, ३०, ४; ८. ८०, ९; कौ १, १८३; २, ९४९; जै १, १९, ९; शौ २०, ४५,१; औहत् शौ १०, २,१७; पै १६,६०,५.

ओहते[j] ऋ ५, ५२, ११.

ऊहिषे[k] जै ४, २९, ३‡[l];

औहिष्ट ऋ ६,१७,८[m].

१ओहान[n]- -नः ऋ ६, ५२,५.

२ओहान[o]- -नम् ऋ ५,३०,६.

? उहान[p]- -नाः ऋ ८,४०,८.

उहु[q]- -हुवः ऋ ४,४५,४.

?उह्य[r]- -ह्यम् पै १३,५,५.

उह्यमान- √वह् द्र.

ऊ

ऊ उ द्र.

ऊचुषे[s] ऋ १,१०३,४; १०,३३,६.

?ऊडुर[t] पै ४, १,९.

---

a) सपा. खिसा ३७,१ °याः इति पाभे. ।

b) विप. (⌊भद्र-हेतु-⌋ भेषज-) । व्यु. ? । नैप्र. <*भद्रि- इति मतम् । c) द्वि१ द्र. (वैतु. सा. गोदुक्तामित्यर्थाध्ययन विप. प्र१, PW. उस्र- इत्यस्य GW. GRV. उस्- इत्यस्य सप्त१ इति ⌊तु. सप्र. ऋ ५, ५२,३:५३,३;५४,१०⌋) ।

d) पाठे? (√वृष्>) वृष्टद्री-⌊यद्र.⌋>-ष्ट्वीः (=वर्षणशीलाः) शं योर् आपः (द्वि३) उस्रि भेषजम् अश्याम मरुतः सह इत्येवमयं मन्त्रार्धः सु-शोधः द्र. ।

e) नाप. [(अङ्गुलि- ⌊तु. BS. ?GRV.; वैतु. वें. मा. GR. प्रमृ. विप. ⌊रक्षस्-⌋ इति⌋)] । व्यु. ? । <√वस् (दीप्तौ) इति BS. GRV. प्रमृ., <उद् √सृ इति वें. सा. S. । <√*उस (धारणे ⌊=√भृ>भाप. *भरस्->नैप्र. यनि.⌋) इति मतम् ।

f) नाप. (कृपण-) । व्यु. ? । <उद् √नु>स्रावि (स्रवनिवृत्तौ) इति मतम् (तु. सा., या ⌊४,२५⌋ दु.; वैतु. ⌊या.⌋ स्क. उस्रिय- ⌊गो-सदृश-, मूर्ख-⌋ इति, PW. GW. GRV. <उस्र- (=वृषन-)+हस्वार्थे प्र. इति) ।

g) गतौ, प्रशंसने, आशंसायां, प्रवर्धने प्रमृ. धा. वृत्तिः ।

h) भ्वा. लसा. निघाते धा. स्वरः (वैतु. PW. GW., PG ⌊३,५९⌋ NW. प्रमृ. <√ऊह् ⌊आदरे⌋ इति) ।

i) ओ° इति पाठः? यनि. शोधः (तु. शौ २०,१३१,१०) ।

j) प्रपु३ रूपं भवति । k) धा. प्रापणे वृत्तिः ।

l) सपा. ऋ ८, १९,१ ओ(आ-ऊ)हिरे इति पाभे. ।

m) तु. सस्थ. टि. अभि ।

n) विप. (वसुपति- ⌊अग्नि-⌋) । शानजन्ते लसा. निघाते धा. स्वरः ।

o) आनच् प्र. (तु. पाउ २, ८९ प्रमृ.) चित्स्वरश्च । धा. प्रतिरोधे वृत्तिरिति Bergaigne ⌊KZ ३५, ४९३⌋ ।

p) विप. (सिन्धु-) । अर्थः व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√वह् इति वें. मा. । नैप्र. =अव (>उ)+(√हा ⌊गतौ⌋ भाप.>) हान- इति कृत्वा मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरमिति मतम् ।

q) विप. (⌊वोढृ-⌋ हंस-) । √वह् (प्रापणे) + कर्तरि कुः प्र. उसं. (पाउ १, ९१ ⌊तु. वें. सा. द. Hopkins ⌊JAOS १५, २६९⌋ ORN.; वैतु. ?PW. शब्दानुकृतिरिति?, GW. <√ह्वे>हू (शब्दे) इति) ।

r) अर्थः व्यु. च ? ।

s) अर्थः? । √वच् > ऊचि-वस्- > -चुषे ⌊च१⌋ इति स्क. वें. सा., √उच् > यनि. इति GW. GRV. ORN. प्रमृ. । नैप्र. *ऊर्ज-जुष्- > यनि. इति मतम् ।

t) पाठे? तं योन्योर् विभ्रमन्त्योः, पर्यपश्यन् मुहुर् महीः इत्येवं मन्त्रार्धः शोध्यः ? ।

ऊड्द्वम्, ऊढ– ✓वह् द्र.

ऊ(ण>)णी[a]– -ण्यो: ते १,२,६,१[b].

ऊति– ✓अव् द्र.

ऊतीक[c]– -काः,-कान् काठ ३४,३.

ऊधन्[d]– -†धन् ऋ १,१५२,६;१८६, ४;४,७,७;१०,८;७,३६,३; १०, ४५, ३; मा १२,२०; का १३, २,३; तै ४, २, २, १; मै २,७, ९; काठ १६,९; –†धनि ऋ १, ५२, ३; २, ३४, २; ६; ३,२९, १४; ५,३४,३; ९,६९, १; ७१, ४; १०७, २०; १०, १७९, ३; कौ २,२७३; जै ३,२३, ५; शौ ७, ७६, १; –†धभिः ऋ ८,९, १९; ९, ६८, १; १०, १७२,१; कौ १, ४४३: ५६३; जै १,४६, ७; ५७, ८; शौ २०, १४२, ४; –भ्नः ऋ ४, २२,६; पै २,२,३; ९, १०, १; –भ्ना पै २, ३३, १; ३०.

¶ऊधन्य[e]– -न्यम् मै १, १०, ५; काठ ३५,२०; क ४८, १८.

ऊधर्[d]– -धः ऋ १, ६४, ५, ६९, २, २,१४,१०; ३४, १०; ३, १,९; ८, २, १२; ९,९३,३; १०७,५; १०, ५, १; ३१, ११; ७६, ७; १००,११; ¶मै २, १,८; ४,२, २; ४, ३; †कौ २, २६; ७७०; †जै ३,३,५;४,२२,१.

ऊधस्[d]– -धः ऋ १, १४६, २; ३, ४८,३;५५,[१३; १०,२७,१४]; ४,१,१९; ३,[१०; ६, ६६, १]; २३,१; ५, ३२,२; ४४,१३; ७, ५६,४;१०१,१; ८,३१,९; १०, २०, २; ३०, ११; ३२,८; ६१, ९; ७३, ९; खि ४, १२, १; का २,५,३; तै १, ६,,५, १; ६, २, ११,४¶; मै ३,१०,४¶; ¶काठ ७,५; १०,११; २३, ६; २५,९; ३१, १४; ¶क ५,४; ४०, २; कौ १, ३३१†; जै १, ३४,९†; शौ ४,११,४;८,११,५; ९,,१२, १४; १०,७, १९; ९, २२; १०, ७; १२, ४, १८; पै ३, २५, २; १३,५,२५; २६; १६, १०७,७; १३३,१०; १३८,२; १३९,१७; १७, ८, १०; १७, ९; १९, ५१,६‡[f]; –धःसु ऋ १०, ४९, १०; –धांसि पै १९, ५१,१६.

ऊन,ना[g]– -नः तै ¶७, ४, १०-११, २; ¶काठ ८, ११[२]; १२,८;३२, ५; ३३,२; ३, क ७, ८[२]¶; शौ १०, ८,४४; –नम् मा ३, १७; का ३, ३, ८; तै १, ५,५,४; ७, ५[२]; मै १, ५,२; ९[२]¶; ४, १, १४; ७, ८¶; काठ ६, ९; ७, ६[२]¶; ८,८¶; २१, ३¶; २३, १¶; ४०, ५; क ४, ८; ५, ५[२]¶; ७, ३¶; ३५, ७¶; शौ १२, १, ६१; पै १, १०१, ४; १६, १०२, १; १७, ६, १०; –¶नया मै ३, ६,५; काठ २३, २; क ३५,८; –नाः तै ७,४,७, ३¶; –नान् तै ७, ४, ७, ३¶; पै १६,१०२,१; –¶नाम् तै ५, २, ९, १; काठ २०, ७; क ३१, ९; –नेन शौ १०, ८,१५.

ऊना(न-अ)तिरिक्त[h]– -क्तम् मै ३, २,५¶;४,६; –क्तस्य का ५, ८, ५[i]; –¶क्ताः तै ५, १, ८,४; ७, ४, ७,२; काठ २०, ४; २२, १; क ३१,६.

✓ऊनि[j], †ऊनयीः[k] ऋ १,५३,३; शौ २०, २१,३.

ऊब<>वध्य[l]– -ध्यम् ऋ १, १६२, १०; मा १९, ८४; २५, ३३; का २१,६,५; २७, १३,२; तै ४, ६,८,४†; मै ३, ११, ९; १६,१†; काठ ३८, ३; ४६,४†; शौ ९,४,१६;१२,१७; ११, ३, १२; १२,९,१; पै १६, २५,६;

[a]) नाप. स्त्री. (द्यावापृथिवी-?)। व्यु. ?। नैप्र.<*अव-नी– (तु. टि. ओणी-)। [b]) सपा. ऊण्यो: <> ओण्यो: (ऐब्रा १, १९;५,१३ शांब्रा २३,८; २७,२ माश ३,३, २,१२; १३,५,१,११ ष ५,१ आश्रौ ४,६,३:८,१, १८;१२,२३; १०,१०,६ शाश्रौ ५,९,७ च) इति पाभे.।

[c]) नाप.। (पूतीक- [=सोम-])। व्यु. ?। <ऊति-(यद्र.) इतीव सस्थ. संकेतः द्र.। भूतीक– (तु. MW.) > नैप्र. पू° च ऊ° चोभे अपि प्राति. इति मतम्।

[d]) नाप.। ऊधर्–, ऊधस्– अस्यैव रूपान्तरे द्र. (तु. पावा ५,१,२)। व्यु. ?। ऊर्ज्–+(✓धा>भाप.) अन्–(=धान-)>बस. पूप. प्रकृतिस्वरं, नैप्र. मध्यतो वर्णद्वय-लोपश्चेति मतम् (वेतु.<उद् ✓धृ इति मा [ऋ १, ५२,३], <✓उन्द् इति अभा. च?)।

[e]) विप. (पयस्-)। नात्रभविके यति प्र. निस्वरः।

[f]) सपा. ऋ १०,१६९,२ इष्टया इति पाभे.।

[g]) विप.। व्यु. ?। <✓अव् इति (पाउ ३,२) ?।

[h]) कस. अन्तोदात्तः। [i]) =सपा. काश्रौ ८,६,२२। शाश्रौ ६,१२,१० आपश्रौ ११,१४,१० तु पाठाऽभावः।

[j]) नाधा. (वेतु. पाधा. चुरा. इति)।

[k]) लुङि मपु१ (पाका ३, १, ५१)।

[l]) नाप. न. (शरीरनिःसृतान्नपुरीष-)। व्यु. ?। शौ. पै. अन्यत्र वकारमध्यः पाठः।

५४, ५: १३९, १५: १४५, १; १७, २९, ११?[a]: –ध्येन तै ५, ७, २३, १: काठ ५३, १३.

ऊवध्य-गोह[b]– -हम् मैं ४, १३, ४: काठ १६, २१.

ऊम– √अव् द्र.

ऊरु[c]– -रुः ऋ ८,१,३४: मा ७, २९, तै ६, ५,८,६¶: –¶रुणा तै ६, ५,८,६[2]: मैं ४, ५,४[2]: –रुभ्याम् ऋ १०, १६३, ४: मा २५, ६[d]: का २७,६,१[e]: तै ५, ७,१५,१[e]: ७, ३, १६, २; मैं ३, १५, ६[e]: काठ २६,१[2]¶: ४३,६;५३,५[d]: क ४०, ४[2]¶: शौ २,३३,५†: ११, ४, १३[2]: २०, ९६, २१†: पै ४,७,६†; ८,१६,४†: ९, ३, १३: १६,५५,४; ५६-५७,१४; ७५,११: २०, १९, ५†: –रुम् मा ४, २६; का ४, ९,३; तै १, २,७,१: ६, १,११,१:५,८,६¶: मैं १,२,६: ३, ७, ८: ४,५,४[2]: काठ २, ६: २४, ६; क १, १९: ३७,७: शौ १४,२,३९; पै १८, १०,१०: –रुवोः तै ५, ५,९, २[f]; –रू ऋ १०, ८५,३७; ९०, ११; १२[g]; १६२, ४; खि २, १२,२: मा २०,८; †३१, १०; ११[g]; का २१, ७, ७; †३५,१, १०;११[g]; मै ३, ७, ८; ११,८; ४, १, ४; १३, ४[h]; काठ १६, २१[h]: ३८,४; ३९, २[3]: शौ ९, १२,९; १३, ७; १०, २, ३; ९, २१; ११, ४, १३: १०, १४; १४, २,३८†: १९,६,५†: २०, ९६,१४†: पै २,८४,८; ७,११, ४†; ९, ५,५†, १६, ५६, १२: ५९,३; ७४,७: ७९,३: ८६, ५: १३८,१: १३९, १०; १८, १०, ९†: २०, २९, ७: –रौ मा ८, ५५[i]; का ९, ७, ३[i]: तै ६, १, ११, १¶; मैं ३, ७, ८¶: काठ २४, ६¶; ३४, १४[j]: क ३७, ७¶: –र्वोः ऋ ८, ७०, १०; काठ १३, ३[2]¶; शौ १९, ६०, २[f]; पै १६, १४८, ६ ; २०, ३६,७.

ऊरु-स्कम्भ–

ऊरुस्कम्भ-गृहीत[j]– -तः[k] मैं १, १०,१४.

ऊरु-स्तम्भ–

ऊरुस्तम्भ-गृहीत– -तः[l] काठ ३६,८.

ऊर्व(रु-अ)ष्ठीव[m]– -वे[n] मा १८, २३; का १९, ७,५; मैं २, ११, ६; काठ १८, ११: क २८, ११.

ऊर्ज्[n]– ऊर्क् मा ४, १०; १०, २५: १७, १; १८, ९: ५४; का २,३, ८;४,४,२; ११,७,५: १८,१,२; १९, ४, १: २०,३,४: तै १, १, ११,१:२,२,२; ८, १५,२: ¶२, १, १, ६[2]; ५,४, ४[2]: ३, ५, ९, ३[2]¶: ४,७,४,१: १३, २; ¶५, १,९, ५: १०,१;५: २,७,४: ८, ७; ४,४,१: ६,१: ७,३[2]; ९,२[2]; ¶६, १,३,२: ४, १; २,१०,३[2]: ६;११, ३;३,४,१; ५;१०,१;५, ६,४:६,१०,१: ¶७,४,१०-११, २; मैं १, २, २; ६, ३¶ : ११, ८¶; २, ५,१¶;६,१२: १०,१, ११, ४: १२, ३; ¶३, १, २; २,६; ७[2]; ३, ५$, ४, ३; ६, ७; ८,९[2];९-१०,४; ४, ४,२¶; ६[2]; ¶;९,१; काठ २, ३: ५, ५; ८,

a) ऊध्य° इति पाठे? यनि. शोधः ।

b) नाप. । उप. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

c) नाप. (शरीराङ्ग-विशेष-) । व्यु. ? । <√ऊर्णु इति [पाउ १, ३०] ।

d) सपा. मैं ३,१५,६ अल्गाभ्याम् इति पाभे. ।

e) सपा. मा २५, ६ का २७, ६,१ अल्गाभ्याम् इति, तै ५, ७, १५, १ श्रोणीभ्याम् इति, काठ ५३, ५ श्रोणि° इति च पाभे. ।

f) सपा. ऊरुवोः (तैआ १०, ७२ च)<>ऊर्वोः (माश्रौ ५, २,१५,२० वैताश्रौ ३,१४ पागृ १,३, २५ च) इति पाभे. ।

g) सपा. ऊरू (तैआ ३, १२, ६ वाध ४, २ च)<> मुध्यम् इति पाभे. ।

h) °रून्त्वे कु° इत्याकारके व्यवहिते पाठे? ऊरू त्वेकु° इति शोधः (तु. भा. सा. [तैआ ३, ६, ६, ३]: वैतु. मैं. पपा., काठ. मूको. SI. च °रू उत्त्वे कु° इति) ।

i) सपा. तै ४, ४,९,१ विशिष्टः पाभे. ।

j) तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । पूप. षम. ।

k) सपा. उरुस्क°<>ऊरुस्त° इति पाभे. ।

l) द्वस. अन्तोदात्तः पाप्र. (५,४,७७)<ऊर्वष्ठीवत्– । उप. कृते पृ ४०५ l टि. ।

m) पाठः? । तै ४, ७, ९, १ अहोरात्रयोर्वृष्ट्या इति पाभे. । (शाखान्तरेषु) अहोरात्रे ऊ° (यनि.) इति स्थिते नै. पाठो मौलिक इति कृत्वाऽन्यत्र वावि. स्यात् ? ।

n) नाप. स्त्री. । बप्रा. । व्यु. ? ।

२¶; १३; ९,६; १५,८; १८,१;
१५; ¶१९, १०[२]; ११; ¶२०,
५;७[३]; ¶२१,८; ९[२]: १२; २३,
४[२]¶; २५,१०[६]¶; २६, ६[४]¶;
२७,२¶;२८,६¶;३३,३¶:३६,
३¶; ३९,१; क १,१२; १५; ६,
७¶; ८, १; ९, २८,९; २९,,४;
३०,८¶; ¶३१,१; ७;९[२]; ३६,
१[२]¶; ४०, ३[६]¶: ४१, ४[६]¶;
४२,२¶:४४,६¶; ऊर्जः ऋ २,
११,१, मा १८,४१: का २०,२,
४; तै १, ५, ६, १; ८,१२,१[a],
३,४,७,१: मै २,६,८[a]; १२, २;
४, ४, २[a]: काठ १५, ६[a]; १८,
१४;३९,३; क २९,,३; शौ १२,
१,१२: पै १६, ७०,९: ०ऊर्जः
ऋ १, ५८, ८; २,६,२; ५,१७,
५; ६, १६, २५; ८, ७१,३; ९:
८४, ४; १०,२०,१०: ११५.८;
१४०, ३: मा १२, १०८. का
१३,७,७; तै ४,२,७, २, मै २,
७, १४; काठ १६, १४: क २५,
५: कौ २,८९९: ११६८; जै ४,
१४,३: ऊर्जः ऋ १, ९६,३; ३,
२७, १२; ४, ३९, ४: ५, ७,⌊१
(८, १०२, ७)⌋; ६, ४८, २;७,
१६,⌊(३,९, १) १; ८, १९, ४;
४४, १३⌋; १७, ६; ८,६०, २:
१०, ४४, ४; खि ५, ७, ४, ८;
†मा १५, २९: ३२; २७, ४४:
†का १६, ५, १०; १४; २९,५,
१२; तै १,८,१६,२; २,६,११,
४†; ४,४, ४, ४[२]†; मै १,११,
८¶;२, ६,१३; ७, १२[६];†१३,
८;९;¶३,१, २; ४,३;६,५: ८,
९; १०,४; ४,४,७; ९,७[b]; ११,
१†; काठ २, १५†;८, २¶;
१२, १३¶; १५, ८; १६, १२;
३८,१४;†३९,१२;१५;४०, ५;
क ६,७¶;२५, ३; †कौ १, ४५;
२,५४;९९; ९०३; १०६२; †जै
१,५,१;३,५,१३;१०,१;४,२५,
५; शौ ११,१,१५: १८,४, ५३;
५४: १९, ४५, ३ : †२०, ९४,
४;१०३,३; पै २,२२,६;२३,३:
१५,४.३; १६, ७०, २: ९०,५;
१७, २, ३: ऊर्जम ऋ १, ६३,
८: ९२, १७: १५७, ४⌋;११६,
८: ११८, ७: २, ११,१३; १९,
८: २२,४: ४,४०,२; ५,७६,४:
६,४, ४: ६२, ४: ६५, ३: ७०,
६; ७, ४९, ४: ८,८. १६: ३५,
⌊१०-१२⌋;५४,१: ७२,१६:९३,
२८: १००, १०: ११: ९, ६३,
२: ६४, १४: ६६, १९. ८०,
३: ८६, ३५; ९४,५; १०, १५,
७: २०. ⌊१०: ९९,१२⌋;१००.
१०; १०९,७: १६५,५: खि १.
२. ६; ३.६,१: ४,१२,२; ५,७,
३, ५[२]: मा १, १६: २,३४; ३,
४१[६]: ४९: ४, १०; ६,३५[६]: ९,
४: १०,२५; ११,८३: १२.५७:
५८; १०५: १५, ९: १७, १[२]:
६६; †१९,३८; ६३: २०, ५८:
२१, ५८; २८,१६[१]: ३५,१६†:
का १, ५, ५; २.३.८: ७,७: ३,
४,४; ५;६,१;४,४.२: ६,८,६[१];
८,१२,१†: १०, १. ५: ११,७,
५; १२,७,१८; १३,४,१३;१४;
७, ४; १६,२,७; १८,१,१[२]; ६,
२: †२१, ३, ९:४, १३; २२,
६,४; २३, ६, ११; २९, ५,१†;
३०, २,५[६]; ३५,४,१४†; तै १,
१, ५, २; २,२,२; †३, १४, ७;
८;४,१,२[२]; २९,१†;५,५,२†;
६, ६, २†; ७, ३, ४¶; १२,२;
८,४,१: १५,२; ¶२, १, १,६[२]:
५,४,४; ३, १, ११, ८; २,७,१;
२;३[२]; ८,५; ३,८,३: ५,९,३¶;
४,२,३,१; ५,१[२]; ७,१; ३,११,
१; ६,१, १[२]; ५, १: ¶५,१,९,
५; १०, ९: २,२, १$; ५,६[२]$:
७,४; ८,७[२]; ४,४, १[२]$: ६,१;
७,३[२]; ९,२; ७,११, १$; ¶६,
१,३, ३; ४[२]; ४, १[२]; २,५,४;
१०,३[२]; ६; ११,३; ३,४,१; ५;
१०,१; ११,३; ५, ६,४; ६,१०,
१; ¶७, २,४, २; ३, १४, १$:
४, ११, २; ५, २,२; ९,१; २[२];
मै १,१, ६; २,२; ३,३[२]: ३१†;
४, ६[२]¶; ५,१†; ६, २[२]; ५[२]¶;
७;७,४¶; १०,२; ११,४;२,५,
१[२]¶; ६, १२; ७, ११[२]; १२;
१४; १०, १[२]; १३,१०; ¶३,
१,९[२]: २, १; २; ५[२]:$; ७; ३,
५[२]; ९[२]:$; ६,५; ७; ८,९[२]; ९,
४: $११, ३; ५; ४, १, १¶;
५[२]; ¶; ६; १३¶; ¶[illegible], १३[२];
१४: ४, २¶; ६[२];¶: १२, ३:
१३, ८[२]†; काठ २, २; ३;
३, १०[२]; ४, ११†; ५, २[२];
५;६. ८;७, १; ८¶; १२; १३;
१४[२]; ¶८, १; २; १३[२]; $; ९,
१¶: ५[२]; १२, १३[२]¶; १४, ३;
१५. ८; १६, १०; ११[२]: १४,
१७, १७[२]; १८, ४; ¶१९, २;
१०[२]; १२[२];$; १३[२]$; ¶२०,
४[२];$;५;७[२]; २१, ७;८¶;९[२]¶;
२३, ४[२]¶; २५,१०[२]¶; २६,
६¶; २७, २¶; २८,६¶; ३०,
१०¶ ; ३१, १०¶ ; ¶३३, १:

a) सपा. मा १०,७ का ११,४,३ आपः इति पाभे. ।
b) वैतु. पपा. ऊर्जः इति, मात. स्वरहीनंस्व पाठ इति ।

३: ३४, ९[३]¶; ३६, ३¶: ३७, १२¶; ३८, ८; १२; १३; ३९, १०: ४३,४; ५३, १; क १,१४; १५;२,१७[२]; ३, ९†: ४,७; ६, ३[३]: ६¶: ७¶; ८,१[२]: ¶· ४¶; ८:२५,१; २[२];५: २८ १[२]: २९, ८¶; ३०, ८[४]¶; ¶३१, २[२]:§: ६[३];§; ७; ९[२]; ३६, १[३]¶: ४०, ३[४]¶: ४१,४¶: ४२,२¶: ४४, ६¶: ४६, ८¶: ४७, १०¶: कौ †१, १७३: ४६६, †२, १९२: ८१४,८६८:१०८६: ३,५,१: जं †१, १८ ९:६८,६: २,६,२: ३, १७,१३†: †४,३,९:१२,६: शौ २,२९,३:५[२]: ३,१०,७:४, ३९, २;४;६:८:५,१७,११†: ६,२२, २: २८,१†: ४०,२: ७९,२: ७, ६२,१: ८४, ३[२a]; ८,९,१३: ९, १,७: ९; २०; ५, २४: १२, १, २९; २,४६: १८, ३, ४३†: ४, ४;३०;३४: ३६:४०; १९,७,४; पै १, १३, २[३]: ३:४[b]: २७,४; १०३, १; १०६, ५: ३, २६,१; ५,६, १; १०: १५, २; १६, ४; २८,३; ३१, ८; ४०,८; ६,१०, ९; ७, १५, ९; ९, १५, १०†; ११, ५, १४[४]; १४, ३, १: १५, २,८;१६,१९,३;३२,६; ९;३३, १०; ७०,१०; ७१,५; १००,२; ११३,९;१७,३,१०;३४,७;१९, १६, १८; १७, १२; ७२, ११; २६, १; ५२, १; २०, ४८,२†; ऊर्जा ऋ ३,३,७; ४,४०,३; ८, ३६,३;१०,१९,७;२६,९;१०६, १०; खि ५, ७,१, ८१[c]; मा ३, २२; ८, ४२; ९,१५†; १२, ९; ४०; १५,९; १७,५५: ३८,२६; का ३,३, १३: ९,६,१; १०, ३, ८†: १३, १, १०; ३,११; १६, २,७: १८,५, ६: ३८, ६, १; तै १,१, ११,१: ५,३, ३:४,४[२]:¶; ६,२:३[२]; ८,४[२]: ७,८,३†: ¶२, १,१,६: ५,४,४: ३,२,६,२: ५, ९,३¶: ४,२,१,३: २,३,३: ६, ३,२: ¶५, १, १०,५: २,२,५; ८, ७, ८, ९, २: ¶६, १, ३,४: ४,१:२,१०,३:७:३,४,५[२]:६:७, ८,१२,१; मै १,५,२:३[२]: १०[४]; ७, १: ४[३]:¶: ११, २†: २, ५, ३¶: ७, ८: १०; १०, ५: ¶३, ७, १[२]:§: २[२]: ८, ९: ९, ४[४]; १०, ४: ४, १, १३: २, ८[२]:¶: ९, ११: १२: १३, २†[d]; काठ १, ११: ७, १[३];७:८[२]; ८, १३¶; १४; ९, १[२];¶; १३, १४†: १६, ८; १०; १८, ३; १९, ११[२]:¶; १२[२];¶: २१, १२¶: २२,१२: २६,६[२]¶:३१, १०; ४४,१; क १,११; ५, १[३]; ८,१¶;२;४[२]:¶: २५, १; २८, ३; ३१, १[२]; ¶: २[२];¶; ४१, ४[२]¶; ४७,१०; कौ २,११८२; पै १,४१,४; १६, ७२,३;११५, १; १९, २१, १६†; ऊर्जाम् ऋ १, १२८,२; ५, ४१, १२; १०, ७६,१; †०ऊर्जाम् ऋ १,२६,१; ८, १९, ७, २३, १२; ६०,९[e]; मा २७, ४३[e]; कौ १, ३६[e]; २, ८९४[e]; जै १, ४, २[e]; ४, १४, १[e]; पै २०, ४८, ४[e]; ¶ऊर्जि मै १, ६, ३; ३, २, ५; ६[२]; ७; काठ २०,४; ३९,६; क ३१, ६; ऊर्जे ऋ ९, ४९, ४; १०, ९, १; मा १,१;३०; ७,२१;३०; ११, ५०†; १३,३५; १४,२२; १८, २८; ३६, १४†; ३८, १४; का १,१,१; १०,२; ७, ८, ४; १२, १; १२,५,१†; १४,३,९; १५, ६,२: १९,९,२; ३६, १, १४†: ३८,२,८; तै १,१,१,१; ३, २, ८,१: ४, १,५,१†: ५, ६,१,४; ७, ४,१९,४†; मै १, २,१;१६; ८,८;१०-११, ३; २,७,५†: ८, ३: ११,६; ३, १०, १[२]: ४, ९, ९[२]: २७†; काठ १, १; ५; १०; ३,६: १२,१३¶; १६,४†; १७, ३: १८,१२: ३०, १०; ३१,४; ३४,१८[२]¶: ३५,३†; क १, १; ५; १०; २, १३; २६, २; २९, १; ४६, ८: ४७, ४; †कौ २, ७८८; ११८७; जं ४, ३०, २†; शौ १,५,१†; १८,४,८१; १९, ३७,३; पै १,५४,४; १९, ४५, ८†.

ऊर्क्-काम- -मः काठ १२, १३¶.

✓ऊर्जि[f], ¶ऊर्जयति काठ २०,७; २३, ४; २५, १०; २६, ६; क ३१, ९; ३६, १; ४०, ३; ४१, ४; †ऊर्जयन्ति ऋ ९, ८९, ४; जै ४,११,१०.

†ऊर्जयत्- -यन् ऋ २, ३५, ७; काठ ३५,३; क ४८,४.

---

[a]) सपा. तै ३, ५,१,१ विशिष्टः पाभे. ।

[b]) सपा. उर्जम् <>ऊर्जा- >-र्जाम् इति पाभे. ।

[c]) ऊ° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

[d]) =सपा. तैब्रा ३, ६, २,२ । काठ १५, १३ तु विशिष्टः पाभे. ।

[e]) =सपा. कौसू १०८,२ । तैब्रा १०,५,२ तु ऊर्जम् इति पाभे. ।

[f]) नाधा. =पाधा. चुरा. ✓ऊर्ज् इति ।

†ऊर्जयन्ती- -न्तीः ऋ ३, ७,४; ७,६५,२; -न्तीम् ऋ ५, ४१,१८; १०, ९७,७; मा १२, ८१; का १३, ६, ७; तै ४, २, ६,४; मै २, ७, १३; काठ १६, १३; क २५, ४; पै ११,६,१०; -न्त्या खि ३, १०, ५[a]; -न्त्याः ऋ २,१३,८.

ऊर्जयमान,ना- -नम् ऋ १०, ३७,११; पै २०,६,२†; -ने खि ५, ७, ३, ५; मा २८, १६; का ३०, २,५; मै ४, १३, ८; काठ १९,१३.

ऊर्जस्[b]- -र्जः पै १६,७०,९.

ऊर्जस्-वत्- -वन्तः ऋ १०, ५१,९; शौ ७,६२,२; पै ३,२६, २; -वन्तम् ऋ १०,५१,८; मा ६,३०; १७, ८७[c]; का ६,८,१; १९,१, १[c]; तै १, २,७, १; ५, ५,१०,६[c]; ७[c]; काठ २,६; ४०, ६[c]; क १, १९; पै ८,११, २; १९, ५२,३; -वान् का २,३,७; तै १, ६,३,३; ७,३,४; काठ ४, १४;५,५; ८,१३; ३९,१; क ८, १; शौ १९,४६,६; पै ४,२३,३.

ऊर्जस्वती- -ती खि ५, ५,५; मा १, २७; १२,७०; का १,९,५; १३,५,९; तै ४, २,५, ६; मै ४,१३,९; शौ ३, १२,२; १७, ९; ९, ३, १६; पै ३, २०, २; १६, ४०, २; -०र्ती शौ २, २९, ५; पै १, १३,२; -र्तीः ऋ १०, १६९, १; मा १०, १; का ११,२,१; तै १,१,१,१; ८,११, १; १२,१[d]; ४,४,११,४; ७,४, १७,१†; मै २, ६,८[2d]; ८,१४; ३,३,४[2]; ४, ४, -[d]; काठ १५, ६[2d]; १७, १०; ४४, ६†[e]; क २६,९; पै ८,१८,३; १९, ५१, ५†; -तीम् पै १४.३,२; -त्या काठ ७,१३[3]; क ६,३.

ऊर्जस्-विन्- -वी पै १२, ७,५.

१ऊर्ज,र्जा[f]- -[g]र्जः मा ३, २०; का ३,३,१२; तै १, ५, ६,१; ८,१; २¶; मै १, ५, २; ९[2];¶; काठ ६, १; ७[2]; क ५, १; -र्जम् मा ३,२०; का ३,३,१२; तै १, ५, ६,१; ८,१; मै १, ५,२;९; काठ ६, १; क ५, १; -र्जया शौ ४, २५, ४; ५, १, ७; ९, १०, २; १०, ६, २६; पै ४, ३४, ६; -र्जा कौ १, ४५५[h]; जै १,४७, ७; शौ ११,९, १३; १६, २,१; पै ६, १५,१; ५[2]-७[2]; ९[2]; १०, १,१०; १२,७,५[2]; १६,७२,५; ८३,३; -र्जाम् शौ २, २९, ७[i]; ८, १०, ३; ४; ९, ८, ३; पै ६, १५,५[2]; ७[2]; ८[2];९; १६,१३५, ४[2]; -०र्जे शौ ८, ११, ४; १४, १; पै १६, १३३, ९; १३५, ४.

ऊर्ज-भृत्[j]- -भृतम् पै ४, १३, ३.

†ऊर्ज-सनि[k]- -०ने ऋ ६, ४, ४; तै १,३,१४,७.

*ऊर्जा(र्ज-अ)द्[l]- -०र्जादः ऋ १०, ५३,४.

ऊर्जा-व्रत- -व्रत पै १, ९६,१.

ऊर्जा-व्रन्- -व्रा पै ६,२,७[m].

ऊर्जा(र्जा-आ)हुति[n]- -०तयः मा ९, ४; का १०,१,५; -तिः ऋ ८, ३९, ४; -ती खि ५, ७, ३, ५[2]; मा २१, ५२; २८, १६[2]; ३९; का २३,६,५; ३०, २,५[2]; ४,५; मै १, १०, ९¶; ३,११, ५; ४, १०, ३; १३, ८[3]; काठ १९, १३[2]; २०, १५; ३६, २¶.

२ऊर्ज[o]- र्जः मा १४,१६; का १५,४, ३; तै १,४,१४,१; ४,४,११,१; मै २, ८, १२; काठ १७, १०; ३५, ९; क २६, ९; ४८, १०;

---

[a]) मा, ऊर्ज॰ इति पाठस्य स्थाने सपा. खिसा १८,५ मूर्ज॰ इति पाभे. ? । [b]) =ऊर्ज्-। भावे असुनि प्र. नित्स्वरः।
[c]) =सपा. आपश्रौ १७, २३,१० । आपश्रौ १६, १२, ११ माश्रौ ६, २,६,२० तु मधुमन्तम् इति पाभे.।
[d]) सपा. ऊर्जस्वतीः<>सहौजसः (माश ५, ३,४, २८ च) इति पाभे.।
[e]) ॰वन्तीः इति BC.? । [f]) बप्रा. । नाप. । व्यु. ? ।
[g]) वा. तादृशप्रयोग-साहचर्यात् प्र१ द्र.।
[h]) तु. विव.; वैतु. भ. सा. ऊर्ज्->तृ१ इति । सपा. ऐब्रा ५, २,२ वृषम् इति पाभे.।
[i]) पाभे. कृते पृ ९८६ *b* टि. द्र.।
[j]) विप. (पृश्नपर्णी-) । उस. ।
[k]) विप. (अग्नि-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. <√सन्।
[l]) विप. (पञ्चजन-) । उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. PW. पूप. दीर्घान्तमिति)। [m]) पृ ६८४ *p* टि. द्र.।
[n]) विप. (अग्नि-, ग्रह-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । पूप. ह्रस्वाऽभावः उसं. [पा ६, ३, ३४ (वैतु. सा. ऊर्ज्->ऊर्जा ⌊तृ१⌋ इति पूप., उ. म. ⌊मा ९,३⌋ GW. च उस. इति कृत्वा ऊर्ज्- इति पूप. आहुति- इति ⌊कर्तरि निष्पन्नं सत् ⌋ उप. इति ?)] ।
[o]) व्यप. पुं. (कार्तिक-मास-) । व्यु. ? । पाप्र. (४, ४, १२८) < ऊर्ज्- इति ।

-र्जाय मा २२, ३१; का २४, १८,१; मै १, ३, १६; ३, १२, १३; काठ ४,७; क ३,५.

३ ऊर्ज्[a]-

ऊर्जानी[b]- -नी ऋ १,११९,२.

? ऊर्ज उद्[c] पै १९,४१,२.

ऊर्जयत्-, °मान- ऊर्ज्- द्र.

ऊर्जव्य[d]- -व्यस्य ऋ ५,४१,२०.

ऊर्जस्-, ऊर्जस्-वत्-, ऊर्जस्-विन्- ऊर्ज्- द्र.

ऊर्ज्(ज-अ)द्- प्रमृ. १ऊर्ज्- द्र.

√ऊर्जि ऊर्ज्- द्र.

? ऊर्जयामि[e] क १,१२; ४७,११.

१ऊर्णवाभि[f]-

और्णवाभ[g]- -भम् ऋ २,११,१८; ८,३२,२६; ७७,२.

√ऊर्णु[h], ऊर्णोतु शौ १८,४,५९‡[i]; पै २,७८,२. और्णोत् तै २, २,१२, १; और्णोन् शौ ७,१,२; १०,२, १८; पै १६,६०,१०; २०,१,२.

ऊर्ण, र्णा[j]- -र्णाः ऋ ५, ५२, ९, -र्णाम् ऋ ४, २२, २; मै १, १०,१९¶; काठ ३६,१३¶.

ऊर्ण-म्रद्[k]- -दम्[l] मै १, १, १२; ४,१,१३; क १,११.

ऊर्ण-म्रदस्- -दः[l] काठ १,११; -दसम्[l] मा २, २; ५; का २,१,२; ७; -दाः ऋ १०, १८, १०; खि ५, ७, १, ५; मा ४, १०; २१, ३३; ५७; का ४, ४, २; २३, ४,५; ६, १०; तै १,२,२,२; मै १, २, २; ३, ११,२;५. ४,१३,२; काठ २,३; १५,१३; क १,१५; शौ १८,३, ४९†; -दाः ऋ ५, ५, ८.

¶२ऊर्ण-वाभि[m]- -भिः काठ ८, १; क ६,६.

ऊर्णा-म्रदस्[k]- -दसम्[l] तै १, १, ११,१.

ऊर्णा-यु[n]- -युम् मा १३, ५०; का १४, ५,४; तै ४,२,१०,३; मै २, ७, १७; काठ १६, १७; क २५, ८.

१ऊर्णा-वत्- -वन्तम् ऋ ६,१५, १६; तै ३,५,११,२; मै ४,१०, ४; काठ १५,१२.

१ऊर्णावती- -ती ऋ १०, ७५,८.

२ ऊर्णावती[o]- -तीनाम् ऋ ८,५६,३; खि ३,८,३.

ऊर्णा-वाभि[p]- -भयः मै १, ६,९¶.

ऊर्णा-सूत्र[q]- -त्रेण मा १९,८०; का २१, ६, १; मै ३, ११, ९; काठ ३८,३.

ऊर्णा-स्तु(क>)का- -का काठ २५,६, क ३९, ४.

ऊर्दर[r]- -रम् ऋ २,१४,११.

ऊर्ध्व,र्ध्वा[s]- -र्ध्वः ऋ १, २८,१; ३०, ६; ३६,१३[२]; १४; ९५,[५; २,३५,

a) अर्थः व्यु. च ?।

b) नाप. स्त्री. (सूर्ग-[उत्तरे मन्त्रे])। ङीप् प्र. आनुगागमश्च उसं. [पा ४,१,४९ (तु. वें. मा. PW. प्रमृ.; वेतु. स्क. विप. [सूर्या-] इति)]।

c) पाठे? ऊर्ज->ऊर्ज-वत् (द्) इति वा ऊर्जस्->ऊर्जस्-वत् (द्) इति वा शोधः। वा. क्रिवि.।

d) अर्थः ?। व्यप. =राज-विशेष- इति सा. Gri., विप. [<ऊर्ज्-] इति PW. GW. ?GRV.।

e) पाठे? उ (द्) ज् √जि>उज्जयामि इति शोधः (तु. काठ १,१२)। f) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।

g) अपत्यार्थे अण् प्र. तत्स्वरश्च।

h) यनि. पाधा. अदादौ भवति। √*वृ (आच्छादने)> √वूर्> √ऊर् इति तु तावन्मूलतः स्वादौ धा. द्र. (तु. PW. प्रमृ.)। i) सपा. ऊर्णोतु <> ऋण्वति (काश्री २२,६,१६ माश्री १, ५,३,४;८,१९ लाश्री ४, १०,३; ८, ८, ३६ च) इति पाभे.।

j) नाप.। ड(न्) प्र. (पाउ ५,४७) नित्स्वरश्च।

k) विप. (बर्हिस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. भाप. द्र.।

l) सपा. <> °दन्(कौ [२,१७ च)°दः<>°दसम् (माश १, ३,३,११; ४,११ काश्री २, ७, २२; ८, १० च) <> ऊर्णाम्रदसम् (तैब्रा ३,३,६,७ आपश्री २,९,२ च) इति पाभे.।

m) नाप. (तन्तुनाभ-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. <√*वभ् (=√नभ् [पाउ ४,१२६], √मव् [बन्धने] इत्येतयोः स-जातः धा. [तु. WAG २,३९ a])।

n) विप.। मत्वर्थीयः युस् प्र. (पा ५, २, १२३ [वेतु. पाउत्र ५,४७ उप. उप. <√या इति]) तत्स्वरश्च।

o) नाप. (अत्रि-) इति कृत्वा पूर्वतः पृथगिति।

p) तु. टि. २ऊर्ण-वाभि-। q) षस. अन्तोदात्तः।

r) नाप. (आवपन-, कुशूल-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <ऊर्ज्- +(√भृ>*भर-[भाप.]>)*दुर->बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. या [३,२०] गस. वा उस. वेति कृत्वा उप. कर्मणि <√दॄ [विदारणे] इति, पक्षे <उद् √दॄ इति च)।

s) विप. (ग्रावन्-, दिश्-, इन्द्र- प्रमृ.)। व्यु.?। √*ऊर्ध् (नेप्र.=√वृध्)>*ऊर्धु- [भाप.] + मत्वर्थे वः प्र. तन्-

९];१६४,१०;२, २०,६;३०,३;
३८, २; ३, ४,४; ८,१; ४९,४;
४,४,५;६,१; ८;५,१,२; ३: ६,
२४,९; ६३,४; ७,३९, १; ६८,
४; ८,१९,१०;२७,१२; ९,८५,
[१२:१०, १२३,७ (८)];९८,३:
१०, १,१; २०, ५: ७०, १; ७;
९०,४[a]: १००,९: खि ४,९, ३:
मा २, ८;४, १०; ११, ४२[२]†;
१२,१३†; १३,१३†; ३१,४†[a];
३३,९७: ३७, १९: का २,२.३:
४.४,४; ६,७,१[b]; १२,४.५[२]†;
†१३,१,१३;१४; ३५, १,४†[d];
३७,३,५: तै १. १, १२, १: २,
२. ३[c]: १४, २†: ¶२,४,९,२:
१२, १: ५,१२, १†: †४,१,४,
२[२]: २,१,४: ५,१,५,३†: २,१,
५†; ४. १०, २¶: ७,१०,१¶:
६,३, १, ५¶: ७.२, १०, १¶.
¶ मै १,१, १३$: ६. १२: ८,
२; ९.३[२]: १०, २$: २,२, १३:
†७,४[२];८; १५:१३,७†: ३,२,
१†: ६,३: ९,५;४,१,१४$.५,
५[२]:८,४[२]:८[२];९,१२$;१२,४†:
१३, १[२]†: १४, ८†: ¶काठ १.
१२$; २,३$; ६,१: ३: ९,५$:
११[२]; ११.५; १०; १२,३; १५.
१२[४]†; १६, ४[२]; ८; १५: १८,
१९[२];†१९,५:११; २१,४; २५,
५; २६, ७; २७, २; ३; २९,७;
३१,११$; ३७,११[२];¶क $१,
१२; १५; ३,१२;४,२; ८,८$;
२५, ६†; २९, ७[२]; ३०, ३†;
३१, १†; १९; ३९, २; ४१,५:
४२, २: ३: ४७,११$; †कौ १,
५७[२]: २,५९०: ९५१: १०९७:
१०९८; ११९७; ३,४,४[a]: †जै
१, ६, ३[२]: २,३,७[a]: ३, ४८,५:
शौ ४,१२.६: ३५, ३: ७,१०७,
१: ९. १४, १०†: १०,२, २६:
२८;७,४: ८,१९: १०,१९;११,
१,७: ६,२५: ११, २१: १३,१,
११,१५.३,१: १५.३: १९,४६,
२: २०, ४५, ३†: पै ४, ५, ९:
२३,२: ५,१३. ६: ८,१४, ५†.
२०,१: १६, २३,५: ६६,१०†;
८९,७,१०२,६: १०८,९:११८,
७: १५२, ३: १७,७,५. २९,७:
१८,१६,१†; १९, ५४,१: २०,
३९,४: –र्ध्वम्[d] ऋ १. २४, ७;
८५,१०: ८८, ४: ३,८,८: ३१,
१२: ६१,५: ४, ६.[२.१३. २:
१४,२:७,७२,४]: ७,२,७: १०,
३. २; खि ५, १. ५: ३. ७: मा
५,१७: ६. २५[b]: २३.२७: २७,
१८: ३२.२: का २,३,६: ५.५.
४: २५.६,७: २९,२.८: ३५.३,
२: तै १,२. १३,२: ३, १३,१[b]:
¶२,३,२,६: ५, ८, ६: ६,५.५;
३,५.१, ३¶; ४. १. ८,२: ¶६.
१,३,४; ३,४.६; ७;९; मै १.३,
१[b];४,१२¶; ८,५¶;२,२,८¶:
६, ९[e]: १२,६: १३,२२[f]; ¶३,
४,४: ६,३: ७: ८,९: ९,४[२]: ४,
४, ३[g]: ५, ५¶: ९, ६[b]; १०;
१३,१०· ¶काठ $३,३[b]:१०:९,
११: १०,१०: १८,१७$: १९,
११[२]: २१,४:६: २२,१: २३,४;
२५.५: २६,१:६[२]: २७,१: ३९,
१$: ¶क $२.१६[b]. १७: २९,
५$: ३१,१[२] : १९: २१: ३६,
१: ३९.. २: ४०, ४; ४१. ४[२]:
४२,१: कौ २,८९७†: जै ४,१३,
१०†: शौ ५. २७. ९; १०. २,
३: २४: २५: ८,१४: ११.१,९;
१८,३,२९: पै १६, ५९, ३: ९:
६१, ३. ४. ८९,९: १०१, १०,
१९. ४६, ५: –र्ध्वया ऋ १.
१२७, १: मा १५, ४७†: का
१६. ५. २९†: तै ४,४,४. ८†:
५,५.८, ३¶: मै १.४,२: २.८,
११: १३.८†: का, २. ५. २२.
५¶:२६.११†:३९.१५†: †कौ
१,४६५: २.११६३; जै १. ४८,
१०†: शौ २०, ६७. ३†: –र्ध्वा
ऋ १.८८.३![h]: ११९.२. १३४.
१: १७१.३: ३,४,४: ५५, १४;

स्वरश्च [पावा ५,२,१०९ (तु. WAG १,२२८a; वैतु. या [८,१५] <उद् √हृ [ल.], <उद् √श्रि [RN.])]।

[a]) सपा. ऊर्ध्वः <>द्याम् इति पाभे.।

[b]) सपा. ऊर्ध्वः<>ऊर्ध्वम् (माश ३,९,३,५ तैआ ४,७,३ च) इति पाभे.।

[c]) सपा. माश्रौ २,१,२,१६ ऊर्जः इति पाभे.।

[d]) क्वचित् वा. क्रिवि.।

[e]) सपा. आपश्रौ १८,१४,१३ उदञ्चम् इति पाभे.।

[f]) सपा. ऊर्ध्वम् <>स्वर्गम् <>आपश्रौ १७,१३,२ ऋजुम् इति पाभे.।

[g]) ऊर्ध्वम् इति पाठः? यनि. शोधः (तु. सपा. मै २,६,९, BC. च)।

[h]) पाठः? ऊर्ध्वाः (द्वि३) इति शोधः। 'तुविद्युम्नासः (बहुदीप्ति-मन्तः [मेधाविनः] त्वया) मेधा (तृ१) वः तनूषु (उच्चैः स्थितासु) अधि (अन्तः) श्रिये (आश्रयितुम्) कं (खलु) वाशीः (भूषाः [स्त्री. द्वि३]) वना न (वनानि इव) ऊर्ध्वाः (स्त्री. द्वि३) कृणवन्ते' इति वा. द्र. (तु. पपा., [वा. विमतः सन्नप्यत्रांशे] GRV.; वैतु. स्क. वें. सा. मेधा [=°धान्] ऊर्ध्वा [=°र्ध्वान्] इति, MV

६१,३; ५,८०,५; ७,४३,२; ८,
४५, १२; ९, ८८,२; १०, ६१,
२०; १०५, ९; खि ३, २२, ४;
मा ४,२५; २७, ११; का ४,८,
३;२९,२,१; तै १, २,६, १; ३,
४,२,२; ४,१, ६, ३[a]; ८,१; ३,
३, २; ४, ७, १; १२, ४; ५,१,
७,४[a];३,११,१¶;६,४, ४¶; मै
१, २, ५; ५, ४; ८, ५¶; २,४,
४¶;७,६[a]; २०;८,३[b]; ९[b];१२,
६; १३, १८; २१[b]; ३, ७,१¶;
८,९¶;१६,४; ४,२,१४¶; काठ
२, ६; ७, २; १३, ८[2]¶; ११;
१२¶; १६,६[a]; १८, १७; १९,
७[a];२२,९¶;१४;२३,८¶;३३,
४¶; ३९,७; ९; क १, ११; ५,
२; २९,५; ३०, ५[a]; ३५, ३¶;
कौ १, ४६४; २,८२२†; जै १,
४८,५; ४,४, ३†; शौ ३, २७,
६; ५, २७,१; ७, १५,२; पै २,
४९,५, ५६,५; ३,२४,६; ९,१,
१; १४,३,१०; १५,२, २; २०,
४,९; –र्ध्वाः ऋ १, १४०, ८;
१८१,६; ३,५७,४; ५८, २; ७,
७८,१; १०, ९२,१५; मा १६,
६४-६६; २७,११; १७,८,१८[3];
२९, २, १. तै ४, १, ८, १; ५,
११,२; ५, २,१०,५¶;७,२,२;
३¶; ¶७,४,२,३; ३,६; मै १,
९,३¶; २,७, १२; ९,९[2]; १२,
६; ४,२, १४[b]¶; ९,५; काठ ९,
११¶; १७,१६[3]; १८,१७; २१,
४[2]¶; २२, १०; ¶२३, ४; ८;
२९,९¶; ३७,१६¶; ३८, १३;
क २७,६[3]; २९,५; ३१,१९[2]¶;
३५, ४; ३६, १¶; शौ ५, २७,
१;१०,२,११; १२,१,१३; १३,
३, १६; पै १, १०१, ४;४, ५,
९[2]; ९,१,१[2]; १२,७,१[2]; १६,
६०, ३; १७,२,४; १९, ४०,२;
–र्ध्वान् ऋ १,३६, ⌊१४; १७२,
३⌋; तै ३, १, ९, १¶; ¶मै १,
१०,२०; ४,३,७;१३,१†; काठ
१५,१२†[c]; शौ १३,१,५३;५४;
पै १८, २०,२; ३; १९, ४१,३;
–र्ध्वानि तै ७,४,२,३¶; पै २,
३३,३; –र्ध्वाम् ऋ १, १४४,
१;७, ६४,४; १०, २७,१३; मा
१०, १४; २३, २६; का ११,५,
५; २५, ६, ६; तै १,८, १३,२;
५,१,५,३¶; ¶६,१,५,२;३,४,
६[2];७,४,१९,२; मै २, ६, १०,
¶३,१,५;७,१; ९,४; १३,१§;
काठ १५,७;१९,५¶; २६,६¶;
२९, ८¶; ३४, १०¶; ४४,८;
¶क ३०, ३; ४१, ४; शौ १५,
६, ४; १४, १७; पै २, ८६, ६;
१६, ९८,१०; –र्ध्वायाः शौ ४,
४०, ७; ५, १०,६; ९, ३, ३०;
१५, ४, १६; १८; ५,१२; १३;
१९, १७-१८, १०; पै २, ६९,
५; ४,३०,६; ६,१३,३; ७,१६-
१७,१०;१६,४१,१०;–र्ध्वायाम्
तै १, ६, ५,२; शौ ३, २६, ६;
४, १४, ८; १८, ३, ३५, पै ३,
११,६; १६, ९९,२; –र्ध्वायै मा
२२,२४; का २४,१०,१; तै ७,
१, १५, १; मै ३, १२, ८; काठ
४१, ६; ५१, १५; शौ १२, ३,
६०; पै ६, १३, ९; १६,९३,६;
१७, ४१, १०; –र्ध्वासः ऋ ७,
३१,९; १०,११५,९; –¶र्ध्वे तै
२, ६, ६, ३; ६,२, १,६; मै ४,
१,१३; काठ ३१, १०: क ४७,
१०.

¶ऊर्ध्व-कपा(ल>)ला[d]– -ला मै
१, ८,३.

ऊर्ध्व-कृशन[e]– -नम् ऋ १०,१४४,
२.

ऊर्ध्व-गिर्– -गीः पै १६, ११८, ६.

ऊर्ध्व-ग्रावन्[f]– -वाणः ऋ ३, ५४,
१२.

ऊर्ध्व-चित्– -चितः मा १,१८;१२,
४६[g]; का १, ६, ४; १३,४,२[g];
तै ४,२,७,४[g]; क २५,२[g].

¶ऊर्ध्व-ज्ञु[h]– -ज्ञवः मै १, १०, ९;
–ज्ञुः मै १, १०, ९[2]; काठ ३६,
४[2].

ऊर्ध्व-ज्योतिस्[i]– -तिषम् मै २,
१३,१९.

३२,१७३ ORN. प्रभृ. मेध्राः, ऊर्ध्वाः इति पिपठिषवः ⌊तु. ऋ ३,५८,२ तत्रापि मेध्राः इति शोधुकाः⌋; ऋ १, ११९, २; ७, ६४, ४ प्रभृ.)।

[a]) पाभे. कृते पृ ८८९ a टि. द्र.।

[b]) सपा. ऊर्ध्वा<>बृहती (माश ८,३,१, १४;६,१, ९ आपमं २,१७,१८ च) इति पाभे.।

[c]) °र्ध्वाम् इति SI. चिन्त्यः।

[d]) विप. (⌊आर्यकृती-⌋ स्थाली-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[e]) विप. (मद-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. =हिरण्य- इति वें., =सारभूत-भाग- इति PW. GW. प्रभृ.। सा. व्यप. (यामायन- ⌊ऋषि-विशेष-⌋) इति मन्वानश्चिन्त्यः।

[f]) विप. (ऋभु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[g]) सपा. °चितः (माश ७, १, १,१४ तैब्रा ६, ६, २ च)<>°श्रितः इति पाभे.।

[h]) विप. (प्रजापति-, पशु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[i]) विप. (युष्मद्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

¶ऊर्ध्व-त्व- -त्वाय काठ ३१, ११; क ४७,११.

ऊर्ध्व-था[a] ऋ १०,२३,१[b].

ऊर्ध्व-धन्वन्[c]- -†न्वा[d] तै ४, ६, ४,१; मै २,१०,४; काठ १८,५; पै ७,४,४.

ऊर्ध्व-धा[e] कौ १, ३३४‡[b]; जै १, ३५,३‡[b].

ऊर्ध्व-नभस्[f]- -भसः मै ३, १०, १¶; पै ८, १२, ५; १६,१२४, ११[2]: -भसम् मा ६, १६; का ६, ३,७; तै १, ३, ९,२; ६, ३, ९,६; मै १,२,१६; ३, १०, १; काठ ३,६; क २, १३; -भसे पै १६,१२४,११: -भाः तै ६, ३, ९,६¶.

ऊर्ध्व-पृश्नि[g]- -श्निः मा २४, ४; का २६,१,६; तै ५, ६, १२, १; मै ३,१३,५; काठ ४९,२.

ऊर्ध्व-बर्हिस्[h]- -र्हिर्भ्यः[i] मा ३८, १५; का ३८,३,१.

¶ऊर्ध्व-बाहु[j]- -हुः तै ५, २,५,१; मै २,४,३; ३, २,४;९,२[2]; काठ २०,३; क ३१,५; -हुम् मै ४, ४,३[k].

ऊर्ध्व-बुध्न[l]- -ध्नः शौ १०, ८, ९; पै १६,१०१,५.

ऊर्ध्व-महस्[m]- -हसः खि १,१,१[n].

ऊर्ध्व-मायु[o]- -युः शौ ५, २०, ४; पै ९,२४,३.

?ऊर्ध्वरेखा खिगा ३२, १.

ऊर्ध्व-वयस्[p]- -यसे मै २,१३,१७; ३, १२, १४: -याः काठ ३९, ११.

¶ऊर्ध्व*-शकल[q]- -लः काठ २६,३; क ४१,१.

¶ऊर्ध्व-शल्क[q]- -ल्कः मै ३,९,२.

¶ऊर्ध्व-शा(ग्वा >)ग्व- -ग्वः काठ २६,३: क ४१,१.

ऊर्ध्व-शोचिस्[r]- -चिषम् ऋ ६, १५,२.

ऊर्ध्व-श्रित्- -श्रितः मै २,७,११[s]; काठ १६, ११[s]; ३८, १२[s]; ३९, १[t].

ऊर्ध्व-श्चुत्- -श्चुतः पै १२, ७,१[2].

ऊर्ध्व*-स्रान[u]- -नः ऋ १०,९९,७.

ऊर्ध्व-सानु[m]- -नुः ऋ १,१५२,५.

ऊर्ध्व-स्तोभ[m]- -भम् मै ४,८,५¶.

ऊर्ध्व-स्थाणि[v]- -णिम् पै ४, ५,३.

ऊर्ध्व-स्वप्न,प्ना[w]- -प्नाः शौ ६, ४४, १; पै २०, ३३,७; -०प्ने पै १९, २४,५[x].

ऊर्ध्व(र्ध्व-इ)ड[y]- -डम् काठ ३४. ६¶.

ऊर्मि[z]- -†र्मयः ऋ १, ४४,१२; ५२, ७;१६८,२: ४,५८, ६: ६, ४४, ⌊२०: १०, ६८, १⌋;६४, १;७, ९६,५: ८, १०३,११: ९,७, ८; ३३,१: ६१,५: ८१, १: ८६,२; ९५, ३: खि ७, ७, ४; मा १७,

a) थाल् प्र. उसं. (पा ५,३,२३) लित्स्वरश्च ।

b) सपा. °था<>°धा इति पाभे. ।

c) विप. (इन्द्र-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

d) पाभे. कृते पृ ८७० f टि. द्र. ।

e) धाल् प्र. उसं. (पा ५,३,४२) लित्स्वरश्च ।

f) विप. (मारुत-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) विप. (पशु-विशेष-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

h) विप. (पितृ-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

i) =सपा. माश १४,२,२,३५। मै १,१,११ माश्रौ १, २,५,२७ तु विशिष्टः पाभे. ।

j) विप. (पुरुष-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

k) °हुः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. वाश्रौ ३,३, २,४८) । l) विप. (चमस-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

m) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

n) समैक्षिष्योर्ध्वमहसः इति पाठस्य स्थाने सपा. खिसा १,१ शनैश्चिदद्य सूर्येण इति पाभे. ।

o) विप. (दुन्दुभि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

p) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । उप. २वयस्- यद्र. ।

q) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । परस्परं पाभे. द्र. ।

r) विप. (अग्नि-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

s) पाभे. कृते पृ ९९० u टि. द्र. ।

t) =सपा. आपश्रौ १६,३३,१ । मा १०,४ का ११, २, ३ माश ५,३,४,१५ तु राष्ट्र-दाः इति, तै १,८.११,१ मै २,६,७ काठ ३९.१ तैब्रा १,७,५,२ आपश्रौ १८,१३ ६ विशिष्टः पाभे. ।

u) विप. (इन्द्र-) । समासस्वरौ पृ ४३२ h टि. द्र. (तत्र थाथादि-स्वर इत्यस्य स्थाने उप. प्रकृतिस्वरम् इति शोधः द्र.) ।

v) नाप. (पसस्-?) । बस. । उप. अर्थः व्यु. च ? ।

w) विप. (वृक्ष-, शमी-) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

x) सपा. ऊर्ध्वस्वप्ने<>वर्षवृद्धे इति पाभे. ।

y) नाप. (साम-विशेष-) । पृ ७५२ u टि. द्र. ।

z) नाप. (जल-तरङ्ग-) । व्यु. ? । <√ऋ इति (पाउ ४,४४), <√ऊर्णु इति या ⌊५,२३⌋ दे., <√वृ (आच्छादने) इति PW. GW. प्रमृ. । <उद् √भुर् <√भृ इति मतम् ।

१४: का १९, १, ७: तै ३, १, ११,३; ४,११,३; मै ४,१०,१: १२,३: ६; काठ १९, १४; २३, १२;४०,७; कौ १,४७८; ५४४: २,११४; १३८: ४८५:६८०‡[a]: जै १,५०,२: ५५, १०: ३,१२, १:१३,१४; ३६,१०; ५६,८‡[a]: ४,३, ५: शौ ६, ५२, २‡[b];२०, १६, १: पै १, १११, २$; ८, १३, ६;२०,९,७: -†र्मा ऋ ९, १२,३:२१,३: ३९,४; ८५,१०: कौ २, २५०: ५४८: जै ३,२१, १५; ४३, ४: -र्मिः ऋ २, १६, ५: ३, ३३, १३; ४,५८, १;६, ४७, १४: ८, १४, १०; ७५,९; ९,६४,११;७८,२; ८०,५; ८६, ८०: १०८,५: ११०, ११; १०, १४८,५; मा ६,२७: ९,६; १०, १२: १४,५: १७, ८९†; का ६, ७,४;१०.२,२; ११,२,२२; १५, १.५: १९,१,३†; तै १, २, ३, ३:३,१३,२; ७,७,२;८, ११,१; २,६,११,२†; ४,३,४,३; मै १, २,३;३,१;६,२†; ११,१; २,६, ७;८,१;४,४,१¶;११,६†; काठ २,४;३,९; ७,१२; १७†; १३, १४;१५,६; १७,१;३५,३; ४०, ७†; क १-२,१६; २५,१०;४८, ४; कौ १,५८४†: †जै १,५९,७; ३,४०,१: शौ १०, ५,१६; १४, २, १६†; †२०, २८,४;३९,५; पै ८, १३, १†; १६, १२९, २; १८, ८, ७†: -†र्मिभिः ऋ १, ९५, १०: ३,३३, २; ४,५८,७; ६,६१,२: १०, ६४,९; मा १७, ९५: का १९, १, ८; मै ४,१४, ७; काठ ४, १६: ४०, ७; पै ८, १३,७;१४,१०; -†र्मिम् ऋ १, ९५, १०: ३, ४७,१: ४,५७,२: ५८, ११;६, १७, १२; ४१, २; ७, ४७,१;२; ४: ८, ५९,३; ९, ६४,१: ४९,१; ८६, ८; ८८,५; ९६,७; ८: १९; १०,३०,२; ३; ७-९; १२३, २; खि १, ६, ३; मा ७,३८$; १७,९९; का १९, १, १२: २८, ८, १$; तै १,१, १४,३; ४,१९,१; मै १,३,२२; काठ ४, ८; १५; ३०, ४[२]; ४०, ६$[c]; ७; क ३,६; ४६, ७[२]; कौ १,५०९:२,२९५; ५२७; ७८५: जै १,५२,१३; ३,२४,११; ४१, ३; पै ८, १३, ११; १४, १०; -र्मीन् ऋ ४, १९,५; -†र्मैः ऋ ९, ५०,१; कौ २, ५५५; जै ३, ४४, १; -र्मौ ऋ १,२७,६[d],९, १४,१; ७२, ⌊७(८६,८; २१)⌋; ७३, २; काठ ३६, १५[२]; †कौ १,४८६; २,८४८; †जै १,५०, १०; ४, १२, २; -र्म्या ऋ १, १८४,२.

ऊर्मिन्- -र्मिणम् ऋ ९, ९८, ६[a]; -र्मिणा ऋ ९, ६८, ८; ७४, ५; ७६, ३; ८६, १३; २५; १०६, १०; १०७, १५: मै ४, १, ३[e]; काठ १,३[e]: क १,३[e,f]; †कौ १, ५७२;२,२०७, २९०; ५०४‡[g]; ५८०; जै १, ५८,७; ३,१९,२; २४,६; ३९,३‡[g];४७,६.

ऊर्मिणी- -णीः[e] तै १,१,३,१.

१ऊर्म्य,र्म्या[h]- -र्म्याः ऋ २, ४, ३; ८, ९६, १; -र्म्याय मा १६, ३१[i]; का १७,४,५[i]; मै २,९, ५[i]; ८[j]; काठ १७, १४[i]; १५[j]; क २७,४[i]; ५[j]; -र्म्यायाः ऋ ६, १०, ४; ६५,२; -र्म्यासु ऋ ६, ४८,⌊६ (७, ९, २)⌋; -०र्म्ये ऋ ५,६१,१७; १०,१२७,६.

२ऊर्म्य[h]- -र्म्याय तै ४,५,५,२[i].

ऊर्व,र्वा[k]- -०र्वे[l] तै ५, ५, १०, ६[c], -र्वः ऋ ३, ३०, १९[m]; -†र्वम् ऋ १, ७२,८; २,३५,३; ३,३२, १६; ४, २,१७[n]; २८,५; ५०,२; ५,२९,१२;३०,४; ६,१७,१; ७, ९०, ४; १०, ७४, ४; १०८,८;

[a]) सपा. ऊर्म्यः<>ऊर्मिणम् इति पाभे. ।

[b]) सपा. ऋ १,१९१,४ विशिष्टः पाभे. ।

[c]) =सपा. माश्रौ ६,२,६,२० । मा १७,८७ का १९, १,१ तु अर्वन् इति, तै ५,५,१०,६ आपश्रौ १६,१२, ११ ऊर्वे इति च पाभे. । [d]) वैतु. GW. °र्मा इति ।

[e]) सपा. ऊर्मिणा<>ऊर्मिणीः इति पाभे. ।

[f]) °र्मिलाः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मै. काठ. OKP ३ च) । [g]) सपा. ऋ ९,८६,१८ अक्षितम् इति पाभे. ।

[h]) विप. (रुद्र- ⌊मा. प्रभृ.⌋), नाप. (रात्रि- ⌊ऋ.⌋) । अर्हीयर्थे यत् प्र. । स्वरस्य कृते पृ ५५१ *f* टि. द्र. ।

[i]) सपा. ऊर्म्याय<>ऊर्म्याय इति पाभे. ।

[j]) सपा. ऊर्म्याय <> ऊर्व्याय <> ऊर्व्याय इति पाभे. ।

[k]) अर्थः व्यु. च ? । <√ऊर्व् इति भा. सा. च, <√वृ (आच्छादने) इति PW. प्रभृ. VVS. ⌊JORM १९,१०१⌋ च, <उरु- इतीवापि सा. ? (ऋ ८,६६,३ प्रभृ. ⌊तु. PG २,२६९⌋) ।

[l]) प्रकृतं रूपं किप. इति भा. ⌊पक्षे⌋ ? ।

[m]) =सपा. या ६,७ । तैब्रा २,५,४,१ तु उर्वः इति पाभे. ।

[n]) पाभे. कृते पृ ९६९ *b* टि. द्र. ।

खि१,४,७; मा ३३,२८; का३२, २,११; तै २,५, १२, २; मै २, १३,१; काठ ८,१६: १३, १५[a]; ३५,३; कौ १, ३८‡[b]: ३, ३,६; जै १,४,४‡[b]; २,१,६; शौ २०, ८८, २; –र्वस्य ऋ ८, ६६, ३; –र्वा पै १९,२५,७; –†र्वान् ऋ ४,१२,५; ५, ४५,२; ६,१७,६; मै ४, ११, १; काठ २, १५; –†र्वान् ऋ २, १३, ७: ७,१६, ७[b]; मा ३३,१४[b], का ३२, १, १४[b]; –र्वे ऋ ३, १, १४: ७, ७६,५;९,८७,८.

१ऊर्व्य[c]– -र्व्याय का १७,७,४[d].

२ऊर्व्य[c]– -र्व्याय[d] मा १६, ४५: तै ४,५,९,२.

ऊर्वष्ठीव– ऊरु– द्र.

ऊल– उल– द्र.

ऊवध्य– ऊवध्य– द्र.

√ऊष्[e]

ऊष्मन्[f]– -ष्मणः मा ६, १८; का ६,४, २; मै १,२, १७; काठ ३,७; क २,१४; –ष्मणा मा २५, ९; का २७,९, १; मै ३, १५, ८; पै ८,१९,३; –ष्मा पै ४,२४, १; –ष्माणम् मै ४, १३, ४; काठ १६, २१; शौ ६, १८, ३; पै १९,७,१५; –ष्माणि पै १७, २९,११.

†ऊष्मण्य[g]– -ण्या ऋ १,१६२, १३; मा २५, ३६: का २७,१३, ५: तै ४, ६,९,१: मै ३,१६,१; काठ ४६,४.

¶ऊष[h]– -षाः तै ५,२,३,२;३[?]. मै १, ६,३: ११,८; ३,२,३[?]: काठ ८, २[?]; १४, ८: २०, १: क ६,७[?]; ३१,३: –षान् तै ५,२,३,२; ३: मै १.६,३[?]: ३, २,३: काठ २०. १: क ३१,३: –षेभ्यः मै ३. २,३.

¶ऊष-पुट[i]– -टैः मै १. ११. ८[?]: काठ १४,८[?]:

√ऊह्[j]. ऊहे[k] ऋ ५, ३,९?: ऊहे[l] ऋ १,१८१.४?.

?ऊह्याते[m] ऋ १,१२०, ११.

?ऊह्याथे[n] ऋ ४, ५६, ६ ; कौ २. ९४७†.

ऋ

√ऋ[o], ऋच्छ्[p], अर्यात तै ३,२,४,१. †इयर्ति[q] ऋ १,५६,४; २, ४२, १: ४,१७,१२: १३; २१,५; ५, ३६, ४; ९,३०,२; ६८,८; ८८, ५: ९५,२; १०,३०,९; ४५,७[r]; मा १२, २४[r]: का १३, २, ७[r]; तै ४,२, २, २[r]; मै २, ७, ९[r]; काठ १६, ९[r]: †इयर्ति ऋ १, ७,८; १६५, ४; ६, ३७, ४; ९, १४,६; १०, २५,११; मा ३३, ७८: का ३२, ६, ९; मै ४,११, ३: काठ ९, १८; कौ २, ९७२; शौ २०, ७०, १४; इयर्मि[q] ऋ ४,४२, ५; १०, ६५, ३; इयर्मि ऋ १, ११६, १; ८, १३, २६: इयर्त तै ३.१,११,७; शौ ६,२२, ३; पै १९,२२,१२.

---

a) पृ ९६९ *b* टि. द्र. । b) मपा. ऊर्वम्<> ऊर्वान् इति पाभे. । c) स्वरस्य कृते पृ ९५१ *f* टि. द्र. ।

d) पाभे. पृ ९९२ *j* टि. द्र. ।

e) =√उष् धा. दाहे वृत्तिः ।

f) भावे. मनिः प्र. उसं. (पाउ ४,१५१) तत्स्वरश्च ।

g) विप. (⌊ऊष्मनिरोधार्थ-⌋ अपि-धान-) । तद्धिते यति प्र. तित्स्वरः । h) नाप. (क्षार-मृद्-) । व्यु.? । वैप ३, ११८ (*l*) इत्यत्र यः संकेतः सोऽत्र विमर्शसहः स्यात् । <√ऊ <उष इति PW. प्रभृ. ।

i) षस. अन्तोदात्तः ।

j) <√उह् (तु. √गृह्<√गुह् ⌊तु. MWA.⌋) ।

k) धा. अर्थः रूपं च ? (तु. सस्थ. टि. पितृ-, पुत्र-) । प्रपु१ ⌊=वहति⌋ इति सा., GW. GRV. PG ⌊३,७१⌋ प्रभृ. <√ऊह् ⌊आदरे⌋ कर्तरि लिटि रूपमिति ।

l) धा. अर्थः रूपं च ? । या ⌊१२,३⌋ स्क. दु. कर्मणि रूपमित्याहुः । शिष्टं *k* टि. द्र. ।

m) पाठे ? उहू–(<√उह् ⌊*n* टि. द्र.⌋)> √*उहूय >*उहूयाते> नैप्र. उह्याते ⌊कर्तरि लेटि प्रपु१⌋ इति शोधः (तु. *n* टि. सस्थ. ? ममह मा तनूह्याने इति च) । पपा. स्क. वें. सा. <√वह् कर्मणि रूपमिति, PW. GW. उ° इति विशोधः, ORN. <√वह्+यङ्-न्ताद् रूपमिति. PG ⌊१.३⌋ ऊहि– यद्वा ऊहि– इत्यस्य नाधा. रूपमिति ।

n) पाठे? उहू–(<√उह् ⌊*m* टि. द्र.⌋)>√*उहूय >*उहूयाथे>(नैप्र.) यनि. उह्याथे ⌊कर्तरि मपु२⌋ इति शोधः [तु. *m* टि.; वैतु. वें. सा. वहथः इत्यर्थापयन्तौ, ORN. GRV. ऊह्याथे (<√वह् इति, GW. <√ऊह् ⌊आदरे⌋) इत्यत्र यकारोपजन इति] ।

o) बधा. । तु. टि. √*अर्, √*अर्प् प्रभृ. ।

p) √ऋ इत्यस्यैव परिवर्धित-स्वरूपः √*ऋश्च् >नैप्र. यनि. द्र. । q) अभ्यस्त-स्वरः (पा ६. १, १९०) ।

r) पृ ९०३ *b* टि. द्र. ।

‡?अर्णवत्[a] शौ ५, २, ८; २०, १०७,११; ऋणवः[b] ऋ १,१३८, २[c]; ऋणवः ऋ ७,८,३; ऋणोः[b] ऋ १,१७४,२:[९:६.२०,१२].
¶ऋच्छति[b] मै १,५, १२; काठ ९, १६; ¶ऋच्छति तै २.१. १०,२; ६,३. ९,१; ४.१,८; ७, २,७,५; मै ३, १, ८; १०, १[3]; काठ १३,५.६; ३०,३[3]; क ४६, ६[3]; ऋच्छतः काठ २९, ८¶; ऋच्छन्ति[h] ऋ १०, १०२, ६; ¶ऋच्छन्ति तै ५, ५, ३, ३; मै ३, १०, १[c]; ¶ऋच्छात्[h] मै २, १,४; काठ १०,२; ऋच्छात् शौ ५, १०, १-७; पै ५,३३, १; ६, १२, ९-११; १३, १-३; ऋच्छतु ऋ १०, १६८,५[2]; खि ४,५,१; मा १३,४७[2]-४९[c]; ५०[2d]; ५१[2]; १७,१; का १४.५,१[2]-३[2]; ८[2d]; ५[2]; १८,१, १; तै ४, ६, १,१; ५,४,४, २¶; ७, ३, १; मै १, ५, ४[c]; २, ७, १७[2 i]; १०,१; ३, ३, ५, ४, ९,२; काठ ७,२[c]; १६, १७[c]; १७, १७; २१, ७; ३७,१५[c]¶; क ५,२[c]; २५,८[c]; २८, १; ३१, १०; शौ ४, १९, ६; ६, २६,३; १०, १,३; पै ५, २५,६; ७, १, ५; ९,३,८; १६, ३४, ५; ३५, २; ३; ५; १९,२, १४; ३,१; २; ३९,२; ऋच्छन्तु ऋ १०, ८७, १५; शौ ८, ३, १४†; १९, १८, १-१०; पै ७, १७,१-१०; १६,७,४†; ¶आर्छन् तै २,३, ३,१; ५,२; १२,१; ५, ६,५; मै २,१,४; काठ १०, २; १२, ६; १९, १०[2]; २१, ९; क ३०,८[c]; ¶ऋच्छेत् तै ६, १,२, ४; मै ३,१०,७[c]; ४,६, ५[4]; ६; काठ २२, १३[c]; क ३५,६[2]; ऋच्छेयुः तै ५,५,३,२¶; ऋच्छेयम् काठ १३,५¶.

आर[e] शौ ४,२७,६; पै ४, ३५, ६; आरिम >मा पै १७, २३, १; २०, १८, ३; ¶अरिष्यति मै १, ८, १५[c]; †अर्त ऋ ५, २५, ८; जै ४, २८, ३; आरत् मै २, १, ४¶; आरत् ¶तै २,३,५,२; ५,६,५; ¶मै २,१,३; ४; जै २, १, ९; शौ १०, ४, १; पै १६, १५, १; ?आरत् पै १, ८९, ३; अरः तै ४,५,१०,१.

अर्णोम(>:)[f] काठ ९,१६¶.

आरिप्रम्[g]–

आरुर्या[h]– -र्यी ऋ १०,१५५,२.

ऋच्छन्– -च्छन पै ३,८,३.

१ऋत[i]– -तः ऋ ८, ६०,५; ९, ६२,३०; मा १७, ८२; का १८,७, ४; तै ४,६,५,६; मै २,६,६¶; ११,१; काठ १८,६; २१,७¶; क २८,६; कौ १,४२†; जै १,४,८†; २१,३‡[j]; पै १, ५९, ५[2]; –तम् ऋ १, ४१, ४; ६८, २; ७१,३; ७५, ५; १०५, ४; ५; १२; १५; १५१, [४; ८, २५,४]; १५२,३; १६५, १०; १८८, २; २, २८, ४; ३०, १; ३,४,[७[2]; ७,८[2]]; ५४, ३; ५५,३; ५६, २; ४, १, १३; २,१४; १६; १९; ३,९; ५,११; २३,९; १०[2]; ४०, ५; ५६, ६; ७; ५, १२, २[2]; [२; ६]; १५,२; ४५, ७; ५९,१; ६२, १; ६६,५; ६८,१; ४; ७, २१, ५; २३, ४; ३९, १; १०१, ६; ८,२७, १९; २०, ८६,५; ९५, ५; ९७, १५; ९,५६,१; ६६,२४; ६९,३; ७०, ६; ७४,३; ९७,२३; २४; १०७, १५; [१५; १०८, ८]; ११३, ४; १०, १३, ५[k]; ३१, ११; ३४, १२; ३७,१; ६१,१०; ११; ६६, ८; ६७,२; ७८,२; ७९,४; ८७, ११; १३८,१; १७९,३; १९०,१; खि ५, ८, ६; मा ४,३५†; ५,७; १०,२४†; ११,४७[2]; १२,१४†; १८, ६; १९, ६९†; †२३, ३;

---

a) पाठे? ऋणवत् (लोटि प्रपु १) इति शोधः? (तु. मस्थ. कृणवत् इति, क्षयति [लेटि] इति च; वैतु. सपा. ऋ ३, ३१, २१; १०, १२०, ८ अवृणोत् इति पाभे. [तत्रन्ये पादे प्रतिपदं पाभे. अपि द्र.]) । BC. अमवत् इति च?।

b) विप्र. स्वरः।

c) तु. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. √ऋण् इत्यस्य रूपमिति।

d) =सपा. माश ७,५,२,३५[2]। काठ १६,१७ तु मक्रन् पाठाऽभावः।

e) लिटि प्रपु१ रूपं लित्स्वरम्।

f) तोसुनि प्र. नित्स्वरः। ऋतु–>–तोः इति SI. भ्रान्तः।

g) क्वसुः प्र. तत्स्वरश्च।

h) तु. वैं. PW. GW.; वैतु. सा. < आ √रुध् इति।

i) विप. च, भाप. च, नाप. च (सत्य-, यज्ञ-, उदक- प्रभृ.)।

j) सपा. ऋ १०,१०५,४ विशिष्टः पाभे.। पृ ६०७ g टि. पाभे. जै. स्थले वृतः इत्यस्य स्थाने यनि. शोधः।

k) सपा. ऋतम् <> ऋतानि इति पाभे.।

१८; का ४, १०, ६†; ५,२,७; ११,७,४†; १२,४,१०²; १३,१, १५†; १९,४,२; २१,४, १९†; †३२,१,३; २,१; तै १,१,९,३; २,९, १†; ११,१: ८,१५, २†. २,३, ५, १²¶: ६, १२,४†; ३, २,७-८, १; ३,५, १: ३ª. ४,१, ४, ४; २,१,५†: ७, ३, २; ५, १, ५, ८²¶: ¶६, ३, ६,३; ६, १,३; ७,१,१८, २: २०,१²; मै १,२,६†; ७; ¶८,५: ७²: १०, ११²¶; २,२,७²¶: ६,१२†;७, ४²;११,३;१३,२:३,१.६ ¶; ४, ५,२¶; १४, ११; काठ २,७†; ८:१५,८†:१६,४²:८†; १८,९: १९, ५²;¶; ३४, ६¶: ३५,१५: ३६,५²¶; ३७,६;४१, ९; ११²: क २,१†; २; २८, ९; ३०, ३³: कौ १,३६८†: †२,२०७²;४९३: ७०७‡ᵇ; ७४५; ८१६; ८८७; ९४७; ९४८; ४, ६: †जै १, ३८, ९; २, ७, २$: ३, १९, २²; ३८, ७ : ५७, ६ : ५८, ४‡ᵇ: ४, १३, २: २२, २; शौ २,१०,८ᶜ: ७, ७६,१†: ८, ३,११†; ९,५,२१; १५,२३†; १०,७,१; ११; २९; ३०; १०. ३३; ११, ३,१३; ९, १७: १२, १,१; १४, १, ३१; १५, ६, ५: १६, ८, १; ५; ३०; १८, १, ४‡ᵈ; †३,२१: २४; †२०,१२,

४; ९१, २; पै २,३,४ᶜ; ५,१९, ७; ७,६,२; ९, २३, २०; १६, ७, १†; ५३, १७; ६९, १२†; ८३,७; ९९,७; ११०,३: १३९, २; १४१, ४; १७,१,१; ७, १; ८,२ᵉ; ९,१०;१०,१; २५,४†; २९,९²;१८,३,१०; -तम्-ऽतम् खि ५, ७, ४,७. -तस्य ऋ १, १,८: २३,५: ४३,९: ४६, ११; ६५,७²: ६७, ४: ६८, ३²: ७३, ६:७९,३²: ८४, ४: १६: १०५, ६; १२३, ९: १३: १२४, [३; ५,८०,४; १०,६६,१३]: १२८, [२;१०, ३१,२: ७०,२]: १३२, ३; १३६, २. १४१, १: १४२, [७; ५, ५, ६; ९, ३३. ५:१०२, ७: १०, ५९, ८]: १४३. ७; १४४, २: १४७, १: १५६, ३: ५: १६३, ५: १६४, ११: ३७: ४७ᶠ: २, २३, ३; १७: २८, ५: ३४, १३: ३, १, ११: २,८; ५, २; ६, ६; ७, २: १०, [२ (१०, २१, ७) १०,११८,२]; १२,७: २७, ११: ३१, १: ५; ५४, ६; ५५, १२-१४: ६१, ७ : ६२, [१३; ५, २१, ४: ९, ८, ३: ६४,२२]ᵍ; १८: ४, १, १२: २, ३; ३,४: ५, ९: ७, ७: १०, २: २१, ३; २३, ८²: ९: १०: ४२, ४; ४४, ३ : ५१, ८ ; ५७, २: ५,७,३: १२,१: २: ४१,१;४५,

८; ६,१३,२; १६,[३५;९,३२, ४ (६२, ८) ६४, ११]; १७,७; ४४,८; ४८, ५; ४९, १५; ५१, १; ३; ९²: ५५, १; ७, ७, ६; ३६,१;५; ३८,२; ४०, ४; ४३, ४; ४४,५; ५३,२: ६०,५; ६५, ३: ६६, [१२; ८, ८३,३]; ९५, ६: ८. ६,२²: ८; १०; १९; ७, २१;८, २३: १२,३; १३;[१४, ७१. १०]; १५: १९, ३५; २२, ७; ३१, १३: ५२, ९: ५९, ४; ८६, ५; ९५, ५: १००, ४; ५; ९, ७,१: १२, १; १३,[९; ३९, ६(६३,५)]; ३३, [२:६३,१४]; ३४, ५: ४८, ४; ६३, ४; ७१; ६४. [१७: ६६, १२]; ७०; ७८. ५: ७२, ६; ७३, १; ६: ८: ९;७४,४:७५,२;३,७६, ४;७७, १: ८६,[२५(६, ८,४; १०, ८, १: ४५, ३)]: ३२; ३३; ८९, २. ९५.२; ९७,३२; ३४,१०२, १: ८; १०७,४: ११०,४;१११. २: १०. ५,[२,१ - ३,२]; ४;७; ८,३:५. १३,३; ३०. ११: ३५, ८; ४३,९: ६१, १४; १९: ६५, ७: ८: ६८,४: ८०,६: ८५, २४: ८६. १० : ९२, ४: १००, १०; ११०. २: ११; १११,२; १२३, २: ३; १२४, ३; १३३, ६: खि १,६,४: ३, ४,९: १०², ९: ४, १०²,४;५:५,७,२,७; मा २,६ᵇ;

ᵃ) °तुम् इति सात. पाठे? यनि. शोधः ।

ᵇ) सपा. ऋतम् (तां १५, ९,३ च [वैतु. BC. ऋता]) <>ऋता (तु. ORN.; वैतु. GR. L.[४११] ऋतु-> ता [सप्त१] इति) इति पाभे. ।

ᶜ) तु. पपा., तैब्रा २,५,६,३ सा. W. प्रभृ. च: वैतु. WI. ऋतम् इति? ।

ᵈ) सपा. ऋतम् <>ऋता इति पाभे. ।

ᵉ) सपा. ऋतम् <>व्रतम् इति पाभे. ।

ᶠ) =सपा. ऋतस्य (या ७,२४ च)<>कृत्वा<> रात्वी इति पाभे. ।

ᵍ) सपा. ऋ ९,२५,६: ५०,४ कौ १,४७२; २, ४२६; ५५८ अर्कस्य इति, कौ २,५३० देवानाम् इति च पाभे. ।

ʰ) =सपा. माश १,३,४,१६ शाश्रौ ४,८,३ । तै १,१ ११,२ तैब्रा ३,३,६,११ तु पाठाऽभावः

३,२३†;६,८;१२; ७, ४५;१२, १०५[a]; १५,४५†; २१,५; २२, २[२]; २६,६; २९,६;१६†,२६†; ३६†;३२,११;१२;३८,२०; का २,१,९[b];३,३,१५†;६,२,२;३, १; ९,२,५; १३,७,४[d]: १६, ५, २७†;१७,८,३[c]; २३,१,५;२४, १, २[२]: २८ , ४-५, १: ३१, १, ६; ३,५†; †४, २;१२; ३५,३, ८;९: ३८, ५, ३: तै १, १,१४, ३†:३, ४, २†[d]; ८, १: ४,४३, २;५, ६, २†: ११, १: ५¶; ८, १०,१: २, १,११,४†: ३,३,५, १[२]; २[३]; ४[७]¶; ५[३]¶; ५, ६, २; ४,१,२,१[२]: ११, ४†: २,२,२; ७,२[a]: ११, ३†; ३, ११,१: ५: ४,४,७†; ६,७,२†: ५,१,२,१; ११,३¶; ६,३,६,२; ६, १, ३; ७,१,११,१[२]: १८, १; २: २०, १[२]: मै १, १, १२[b]: २,१५: ३, ३७; ५,३†; २, ६, १२: ७, ९, १३, ८†; १०[२]; ३, ९, ७: १२, १[२]; १६, २ : ४† : ४, ८, २[२]; ¶; ९, १० ; १०, १[२] ; †; ३†; ११,१; १२,४†; ५†[e]; १३, २; ५†; ७; १४,१[२]; ७; ९†; १०†; १७; काठ १, ११[b]: ३,५;४,९;

१५†;१६;७,१†;८†;१२; ११, १३†[e]; १५,८: १६, ९†; १४[a]; २०[२]†; १८,२१; २०,१४†;२६, ८[२];¶;११†;२८,४[२];¶;३०,४[२]; †;५; ३१, १०[b]; ३५, ६†;३९, १०[२];४०, ६†;४१,२[२];९;११[२]: ४५,२१†;४६,२, क १,११[b];२, १२:३,७;५,१†; २५,५[a]: ४१, ६[२];¶;४४, ४[२];¶;४६, ७[२]:†; ४७, १०[h]: ४८, ७†: कौ †१, १५२;१८७:३४१;३४४: ५११; ५२५:५५६;५७०: †२, ९:१५: २५ ; ५१; ५२ : ११५: १४४; १९०:२०९;२२०: २३४;२९९; ३३० : ३६३ ; ४७८ ; ५४५: ५४६ : ६५९[२] : ७४७; ८५० : ८५८ : ९२७; ९४२ ; १०२७; १०४४; १०५८$: ११२८: ३, १, ९ : †जै १, १६, ८ ; २०, ३; ३५, १०; ३६, ३: ५३, १; ५४,३; ५७, ३: ५८, ५; ३, १, ११; २,६: ३, ४; ५, १०; ११; १२,२; १४,५; १७,१०; १९, ४; २०, २; १८; २२, २; २४, १५; २७, ६: ३०, ६; ३६, ३; ४३, १; २: ५३, ८; ५४, १२[२]; ४,१,३; २, ८; १२, ३; १९, ८;

२२,१०; २६,६; शौ २, १, ४; ५; ४, ३५, १: ५, १२, २†; ११†; १७, १‡[f]; ६, २२,१†[e]; ३६,१: ११४, १, २; १२२, १; १३४,१; ७, ६, २; ८, ९, १३; १६; २१; ९,३,२२; १४,१३†; †१५, १५; २२[e]; ११, ४, १७; १२,१,६१; १३, ३, ९†[e]; १९: १४, १, १९†: १५, ६,६; १७, १,१६; १८, १, ६†; ३, ४०†: ४, ३: †२०, १६, ४; १७, ९: ६३, ९; ११५, १ ; ११९, १: १२६. १०; १३८,२[२]; १४३,३; पै १,५८,३[g]; १०१,१;४:१०७ ४; २, ६,४; ५; ६०,२; ६,११, ३†: ८, १५,१३[h]; ९,१५,१‡[f]; १३,१४,१७; १६,१९,३: ६;९; ४१, ४; ४९,१;२; ५१,५; ५७, १५; ६७, १†; †६९, ६: १३; १०३, ६; १८, ६, ६†; ३१, ८; १९, १, १२; ४,१; २२,१०†; ४६,४: ५२,१†; २०,१,८;१५, २[h]: –०तस्य ऋ ५, ६३, १; मा ५, ३३; मै ४, १४, १२†; –०तस्य ऋ ७, ६४, २; –†ता ऋ १, ४६, १४; ६७,८; १६१, ९;६, १५,१४; ६७,४[l]; ९,९७,

[a]) सपा. ऋतस्य (माश ७,३,१,२३ च)<>घृतस्य इति पाभे. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ९९५ *h* टि. द्र. ।

[c]) सपा. ऋतस्य <> रुतस्य <> रुद्रस्य इति पाभे. ।

[d]) पाभे. कृते पृ ९९५ *g* टि, द्र. ।

[e]) पाभे. कृते पृ ९९५ *f* टि. द्र ।

[f]) सपा. ऋतस्य<>ऋतेन इति पाभे. ।

[g]) पाठे ? अथैन्व (नु अ)नृतस्य पन्थाम् इति शोधितः पादः द्र. ।

[h]) सपा. ऋतस्य <>देवस्य इति पाभे. ।

[l]) वा. ? '(अदितिस्तौ) रिपवे मर्ताय घोरौ (सन्तौ) प्रनिदीधः (⌊लुङि⌋ स्वोदरे प्रनिधृतवती), यौ पूतबन्धू (सगर्भ्यौ सन्तौ) जायमानौ (एव) वाजिनावश्वौ न (इव) महि (अति) महान्तौ (आस्ताम्), यद् (यदा) अदितिर्गर्भं भरध्यै ऋता (प्राप्तवती)' इति वा. कृत्वा त्रीणि- वाक्यानि स्युस्तेषां च मध्ये तुरीयपादात्मकमेकं प्रधानं मद् निहनतिङ्वद् अप्रधाने च यद्वृत्तवती अपरे द्वे इति ? (वैनु. सा. ⌊तु. ORN. GW.⌋ ऋत–>-ता ⌊=सत्यौ मित्रावरुणौ⌋ इति कृत्वा क्विप. आक्षेपेण पूर्वार्धा- त्मकमेकं वाक्यमुत्तरार्धात्मकं चापरमिति भाषमाणः निदीधः इत्यत्र तिङ्निघातेऽपराद्धः ? ।

३७[a]; १०, १०,४[b]; १०६, ५[c]; तैं ४,३, १३,५; मै ४, १०, १; –ताः ¶तै ५, १, ४,३; २,९,५; ¶काठ १९,५; २०,८; ¶क ३०, ३; ३१, १०; पै १९, २८, ८?[d]; ३; –तात् ऋ १,३६,११;१३९, २:८,१३,२६; १०,७३,५; काठ ३९, १[e]; –†तानाम् ऋ १, १६५, ⌊१३; ४,२३, ४⌋; मैं ४, ११,३; काठ ९,१८; –तानि ऋ १, १७९,२; १०, १२२,६; काठ १२, १४†: शौ ७, १, १; ५९, २‡[f]; पै २०, १, १: –ताय ऋ १, ३४, १०; १२१, ४; १३७, ⌊२:९,१७,८⌋; १५१,३;६:१५३, ३,४,३,८; ७३,१०; ⌊१० (१०, १७८, २)⌋; ५, २०, ४;९, ९७, २३; १०, ८,४;५; तै १,४,१३, १‡[g]; ६, ५,२, १‡[g]; काठ ३९, ६; जैं ४, २१, ६†: –ते ऋ १, १४१,११;१६४, ८[h]; १९०, २; २, २९, ४: ५, ४४, २; ६, ७, १[k]; ६७, ८; ७, १६, ६; १०, ९९, २; †मा ७,२४[g]; ३३, ८[g]; †का ७, १०,१[g]; ३२, १,८[g]; तै ७, १, १८, २; मैं १, ३,१५†[g]; ३,१, ६¶; काठ ४, ५†[i]; ६,७[j]; ३९,६; ४१, ९; क ३, ५†[k]; ४, ६; †कौ १, ६७[g]; २, ४९०[g]; †जैं १,७, ५[g]; ३, ३८, ४[g]; ४, २९, ६; शौ ९, १४, ८†; १२, ५,१; पै २, ६५, १: १६, ६६, ८†; १४०, १; २०, ३३, ७; –तेन,>ना ऋ १,२,⌊८: १५२, १⌋; २३, ५;१३३,१: १८५, ६; २, २७,८; ३,४, ५; ५,३; ३१, ९; २१; ५८, २; ४, ३, ९-१२: २३, ९[२]; ४२, ४; ५,१,७; १२. ३; १५,२; ६२,१; ६३ ७: ६८, ४: ८०, १; ६, ३९, ४; ६८,२: ७, ३४,८; ५६,१२; ७५,१: ८, ८६, ५; ९,८०, १; १०,१२,१, २: ६२, २: ३: ८५, १: १०८, ८: ११ : १०९, १[j]; १२३, ४: १२४,५: १३९,४; मा १९,७२-७९: का २१, ५. १: २[२]; ३: ४: ५[२]; तै १, ८,१०,२: २,१, ११, ५†: ३,१, ९,२; ¶६, ३, ६,३: ६,१,३: मै १,२,६[२]: २, ६,१२; ३, ११, ८; ४,५,२¶: ६,६[२]¶: ९.११; १४,१०†: १४†: १७[२]: १८†: काठ ११, १२†: १५,८: ३०,६; ३५, १५; ३८,१[c]; †कौ २, १४४; १९८; ७४५; ८१६; †जैं ३, १४, ५; १८,५; ५७,६; शौ ३,१२,६[k]; ६,४७,३; ११४, १[l]; २; १०,८,३१; ११,१,२३; १४,१, १†; १७,१, २९, †१८, १,२९; ३०; पै ७, ६,१[m]; १६, ४९, १: ७: ९१, ३; १५०. ६; १५१,१: १८,१,१†: ३२, ११; १२; १९. ४३,१२: २०,२२,३; –तेभ्यः काठ ३९, ६; –†तैः ऋ ९,७०,१; कौ १,५६०;२, ७७३: जैं १,५७,९.

ऋत-चित्[n]– -चित् ऋ १,१४५, ५: ४,१६,१०; ५,३,९; ७.८५. ४: –०चित् ऋ ४, ३,४.

†ऋत-जा[o]– -जाः ऋ ३, ५८, ८: ४, ४०,५: मा १०,२४: १२, १४: का ११, ७,४; १३,१,१५: तै १, ८. १५, २: ४,२,१,५; मै २, ६,१२: काठ १५, ८: १६.८: पै १४, ३, २९?.

ऋत-जात,ता[p]– -०त ऋ १, १४४,⌊७(८, ७४, ७: १०, ६४. ११)⌋: –†०त ऋ १, १८९, ६: ३, २०, २: ६,१३,३; तै ३, २.

[a]) पृ ९९५ *b* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. क्रुते पृ ९९५ *d* टि. द्र. ।

[c]) इह =प्र२ (=अश्विनौ) इति पृ ९९६ *i* टि. विवेकः ।

[d]) पृ ८१४ *h* टि. द्र. ।

[e]) पाठे? °मृतं °मृतात् इति BC. प्रस्तावुकः ।

[f]) पाभे. क्रुते पृ ९९४ *l* टि. द्र. ।

[g]) सपा. °ताय<>°ते (माश ४, २,४, २४ तां ४, ६,२०; १४, २,३ च) इति पाभे. (तु. पृ ६०१ *d* टि.) ।

[h]) =ऋतुकाले इति वें. ।

[i]) ते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सप्र. क ४,६) ।

[j]) पाभे. क्रुते पृ ९९६ *f* टि. द्र. ।

[k]) =सपा. आपमं २,१५,७ । मागृ २. ११.४ नु ऋते इति पाभे. ।

[l]) सपा. पै ४. १४,१७ विशिष्टः पाभे. ।

[m]) सपा. ऋतेन<>तेन इति पाभे. ।

[n]) विप. (अग्नि-, नारी-, होतृ-) । उस. क्विबन्ते प्रकृति-स्वरः । उप. <√चि (ज्ञाने) ।

[o]) विप. (रथ-) । उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[p]) विप. (अग्नि-, मरुत्-, गिर्-) । बस. पूप. प्रकृति-स्वरम् । उप. नाप. (जन्मन्-) इति (वेंतु. स्क. वें. ⌊ऋ १,३६,१९⌋ पंस. इति, स्क. ⌊पक्षान्तरे⌋, भ. ⌊कौ १,५४⌋ सस. इति, सा. ⌊ऋ. कौ.⌋ GW. च तृस. इति, विव. म. ⌊पक्षे⌋ चस. इति च) ।

११, १; मै २, ४, ४; काठ ९, १९, –†तः ऋ १, ३६, १९; ९, १०८,८; कौ १, ५४; २, ७४५; जै १,५,१०; ४,८,५; –तया ऋ १०, १३८, २; –तस्य ऋ ३, ६,१०; –ताः ऋ ३, ५४, १३; ५, ६१, १४; ७, ६६, १३: शौ १८, २, १५‡[a]: –ते शौ ५, १५,१-१२; पै ८,५,१-११.

ऋतुजात-स (स्थ>) स्या[b]– -स्याः ऋ ४,५१,७.

ऋत-जित्[c]– -जित् मा १७,८३; का १८, ७, ३; तै ४, ६, ५, ६; मै २,६,६:११.१: काठ १८, ६; क २८,६.

ऋत-जुर्[d]– -जुरम् ऋ १०, १४३,१.

ऋत-ज्ञा[e]– -†ज्ञाः ऋ १, ७२, ८;४,१९,७[f]; ७,३५,[१५;१०, ६५,१४ (१५: ६६,१५)]; १०, १५,१; ६४,१६: ६५,३; १०४, ४; मा १९, ४९: का २१, ४, १; तै २,६,१२,४: मै ४, १०, ६; शौ ४, २, ६‡[g]; १८, १, ४४; १९, ११, ५; २०, ३३,३; पै १३,८,१५: -ज्ञाः ऋ ५, ५७,[८;५८,८]; -†ज्ञाः ऋ ७, ३८,८; मा ९, १८; २१, ११; का १०, ३, ११: २३, १, १२; तै १, ७,८,२;४, ७, १२,२; मै १,११,२; काठ १३,१४: –ज्ञाम् ऋ ५,४३,६.

ऋत-ज्य[h]– -ज्येन ऋ २,२४,८.

ऋतं-दुघ[i]– -दुघ ऋ ९,११३,४.

ऋत-धामन्[j]– -मा मा ५, ३२: १८,३८: का ५, ८,३: २०, २, १: तै १,३,३,१: ३, ४, ७, १; मै १, २, १२: २, १२, २: काठ २, १३ : १८, १४ : क २, ७: २९,३. .

ऋत-धीति[k]– -तयः ऋ ४,५५, २: ६,५१,१०; –तयः ऋ ५, ५१,२: –तिभिः ऋ ६, ३९,२; –तिम् ऋ १०,४७,६.

ऋत-नि[l]– -निभ्यः ऋ २, २७, १२.

ऋत-पा[m]– -पाः ऋ १, ११३, १२; ६,३,१;७,२०,६; मा १७, ८०; का १८, ७,१; तै १, ८, १३,२; ४,६, ५,५; मै २,६, ६; ११,१; ४,१४,१५†; काठ १८, ६; क २८,६: –पाः तै ३, २, ८,१.

ऋत-पेशस्[n]– -शसे ऋ ५,६६,१

ऋत-प्रजात,ता[o]– -†तः ऋ २, २३, १५; मा २६, ३; का २८, २, १: तै १, ८, २२, ३; मै ४, १४, ४; काठ ४, १६, ४०,११; –तः ऋ १, ६५,५; –ता खि १,३,६; शौ १,११,१; –ताः[p] तै ३, १, ८,२; –ताम् ऋ १०, ६७,१; शौ २०, ९१,१†.

ऋत-प्रवीत[q]– -तम् ऋ १,७०, ८.

ऋतं-प्सु[r]– -प्सू ऋ १,१८०,३.

√ऋतय, †ऋतयन्त ऋ ८, ३,

a) सपा. ऋतुजाताः<>ऋतावानः इति पाभे.।

b) विप. (उषस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

c) नाप. (मरुत्- [तु. अंध १९६ : ५१ प्रमृ.]; वैतु. PW. प्रमृ. विप. इति)।

d) विप. (अत्रि-[तु. सा. GW.])। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. <√जुर् इति।

e) विप. (पितृ-, कवि-, मरुत्- प्रभृ.)। उस. विजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

f) तु. VVS [१३२] <ऋतु॰ इति शोधः स्यादिति ?।

g) सपा. ऋ १०,१२१,७;८ मा २७,२५;२६; का २९, ४,३;४ तै ४,१,८,६ मै २,१३,२३ काठ ४०,१ तैआ १, २३,८ विशिष्टः पाभे.।

h) विप. (धन्वन्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

i) विप. (सोम-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

j) विप. (अग्नि-)। शिष्टं i टि. द्र.।

k) विप. (देव-, बृहस्पति-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

l) =॰नी-। विप. (राजन्-)। उस. उप. √नी+क्विः प्र. उसं. (पावा ३, २,४८) प्रकृतिस्वरश्च (वैतु. GW. WAG [३, ९६] प्रभृ. त्यस्मि प्र. ॰नी->॰नि- इतीव)।

m) विप. (उषस्-, तद्-), नाप. (मरुत्-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √पा (रक्षणे)+विच् प्र.।

n) विप. (वरुण-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

o) विप. (बृहस्पति-, धी-, नारी- प्रभृ.)। समासस्वरौ ऋत-जात- द्र.।

p) सपा. माश्री २,३,३,७ ऋत, प्रजाताः (तु. BC.) इति पाभे. वावि. एव लैवि. अनुप्राणितः।

q) विप. (अग्नि- [तु. सा. GW.])। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. <प्र√व्ये।

r) विप. (अश्विन्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. नैप्र. <प्सु- इति मतम् (वैतु. सा. √प्सा [भक्षणे]. इत्यपि पक्षुकः)।

१४; शौ २०,५०,२.

ऋतया[a]– -या ऋ २११, १२.

ऋतयु– -युः ऋ ८,७०,१०; तै २,२,१२,४.

ऋत-युक्ति[b]– -क्तिम् ऋ १०, ६१,१०.

ऋत-युज्[c]– -युक् ऋ ६, ३९, २; -युग्भिः ऋ ४, ५१, ५; ६, ३९,४; ७,७१,३.

ऋत-वाक[d]– -केन ऋ ९,११३, २.

ऋत-वादिन्– -दिभ्यः मा ५,७: का ५, २, ७; तै १, २,११, १; मै १,२,७; काठ २,८; क २,२.

ऋत-श्री[e]– -श्रीः तै १,१,९,३.

†ऋत-सद्[f]– -सत ऋ ४, ४०, ५; मा १०, २४:१२, १४; का ११, ७,४: १३, १, १५: तै १, ८,१५,२; ३,२,१०,१$;४,२, ४,५; मै १,१,१०[g]; काठ १५, ८;१६,८; ३९, ५$.

ऋत-सदन[h]– -नम् मा ४, ३६[g]: का ४, १०, ७; तै १, १,९,३[g]; मै १, २, ६: काठ २, ७; क २,१.

ऋतसदनी– -नी मा ४,३६; का ४,१०, ७: -नीम् का ४, १०,७[i].

¶ऋत–स-मान[j]– -नानाम् काठ २५,२; क ३८,५.

ऋत-स्रात[k]– -ताः शौ १८,२, १५‡[l].

†ऋत-साप्[m]– -सापः ऋ १, १७९, [२; १०,१५४, ४][c]; ५, ४१,६: ६,२१,११; ५०,२; ७, ५६,१२; १०,६६,८; मै ४,१४, १८.

ऋत-स्तुभ्[n]– -स्तुभम् ऋ १, ११२,२०.

ऋत-स्था– -स्थाः तै ४,४, ११, ४[o]; शौ ४,१,४.

?ऋतै-स्-पैति[p]– -०ते ऋ ८, २६,२१; मा २७,३४: का २९, ३,१०.

†ऋत-स्पृश्[q]– -स्पृशः ऋ ४, ५०,३;५,[६७,(६५, २) ४]; शौ २०, ८८,३; -स्पृशम्[r] ऋ ८,७३, १२; शौ २०, ४२, १; -०स्पृशा ऋ १, २, ८; कौ २, १९८: जै ३,१८,५.

√ऋताय[s]

†ऋतायत्[t]– -यतः ऋ २, १,[२; १०, ९१, १०]; ३२, १: -यते ऋ १, ९०,६; ९१,७; ४, ८,३; ५,२७, ४; ८,७३, १; मा १३,२७: का १४, ३, १; तै ४,

a) स्त्री. भाप. अः प्र. नतस्वरश्च । –या इति नैप्र. =ऋतयैया (=ऋत-यैया) इति कृत्वा तृ१ (वैतु. GW. [पक्षे] ऋत– > तृ१ याजन्तम्) सद्. ना. किंचि. ।

b) विप. (ऋत- [=स्तुति-])। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. सा. GW. GRV.; वैतु. वें., सा. [पक्षे], PW. GW. षस. इति)।

c) विप. (इन्द्र-, अश्व-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्। d) षस. अन्तोदात्त । उप. नाप. यद्र.।

e) नाप. (वेदि-)। उप. दीर्घः। शिष्टं c टि. द्र. (वैतु. K. षस. इति च पक्षे उप. =शोभा- इति च)।

f) विप., नाप. (मै. काठ.) च।

g) सपा. °सत्<>°सदनम् इति पाभे.।

h) विप. [मा ४, ३६], नाप. च।

i) सपा. सकृत् °नम् <>°नीम् इति पाभे.।

j) सस.। उप. बस. (मानेन सहित- इति) स्यात्।

k) विप.। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

l) सपा. °स्राताः <> °सापः इति पाभे.।

m) विप. (मरुत्-)। उस. क्विबन्तम्। उप. <√सप्।

n) विप. (सुभरा- [यद्र.])। उस. क्विबन्तम् (तु. GW. ? GRV.; वैतु. सा. Gri. MW. व्यप. [ऋषि-विशेष-] इति, स्क. वें. नाप. [सत्यस्तुति-] इति कृत्वा कस. इति च)।

o) सपा. ऋतस्थाः<>ऋतुष्ठाः (माश ९, ...,१८ च [BC. ऋतव स्थ]) इति पाभे.।

p) नाप. (वायु-)। पूप. पु१ (तु. समाने स्थले त्वष्टु-र्जामातृ–)। पूप. =√ऋ>भाप. ऋत्– इति वा (=गयो-र्भूयिष्ठगतित्वप्रसिद्धेः), =√ऋध् >भाप. ऋध्–>ऋधस (प१) > नैप्र. यनि. (तु. पपा.) इति वा (तु. उत्तरं मन्त्रे विप. रायः ईशान–)। यद्वा. √ऋ > ऋत्– इत्येव पूप. सति उसं. (पा ६, १,१५७) सुगागमस्य (तु. सा. प्रभृ.) वा नैप्र. ऋतस्य > ऋतस् इति वावि. (तु. GW. प्रभृ.) वा विषय इति भूयानित्र संदेहः। यस. सति सुगागमपत्तादन्यत्र सर्वत्र ष. अलुक् इति तत्त्वम्।

q) विप. (वाच्-, मित्रावरुण- प्रभृ.)। उस. क्विबन्तम्।

r) सपा. ऋतस्पृशम् (ऐआ २,३,६ च)<>ऋता-वृधम् इति पाभे.।

s) क्यजन्तः नाधा.।

t) व्यु. कृते पृ ४५ C टि. द्र.।

२,९, ३;५,२, ८, ६; मै २,७, १६; ४, १०, ६: काठ २, १४: १२,१५;३९, ३: जै ४,१९, ७; पै १९, ४५, ५: –यन् ऋ १, ११७, २२; ५, ४१,१: ७, ८७, १: मै४,१४,१०; काठ १२,१५.

ऋतायन्ती– -न्तीः ऋ ९, ९४,२.

ऋतायि(न>)नी[a]– -नी ऋ १०,५,३.

ऋतायु[b]– -यवः ऋ ५, ८, १;५४,१२; १०,११५,७; ¶ तै १,५,२,१; २,२, ५,५: –०यवः ऋ ८,२३, ९: –†युभिः ऋ ९, ३, ३: ३६,L४; ६४, ५J; कौ २, ३८५; ६१०; जै ३,३१, ५;४९, ६: –युभ्यः तै३,५,८,१;९,२; मै १,३,३५; काठ २९,५;क ४५,६: –युभ्याम् मा ७,१०; का ७,४, २; तै १,४, ५, १; मै १,३, ७; काठ ४, २; क ३, २: –युम् ऋ ८,७९, ६; –योः ऋ १, १६९, ५:७,३४,१७.

ऋ(त>)ता-व्रत– -व्रान पै २०, ४१,६.

ऋ(त>)ता-वन्[c]– -०वः ऋ २.२८,६; ३,१४, २; –०वः ऋ ४,१०,७; ७,१,१९: मै ४,१४, ९†; –वनि ऋ ८, २३, ८; –वा ऋ १,७७, L१; ४,२,१J; २; ५; १२२,९; २,३५, ८; ३,१३,२; २०,४;५३, ८;५४, १२; ४, ६, L५; ७,७,४J; ७,७;३८, ७;४२, ४; ५,१,६; २५, १; ६,१२, १; १५,१३; ६८,५; ७३, १; ७,३, १; ६१,२; ८, ७५, ३; ९, ९६, १३: ९७,४८: ११०, ११; १०, २,२;६, २; ७,४; १६८, ३; मा १८, ५३; का २०, ३, ३; तै १,३, १४,२†;२,६,११,१†;४, ७,१३,१; मै २,१२, ३: †४, ९, ११$; ११,१: १२, ६:१३, १०:१४,१५: †काठ २, १५:७, १७;१८,१५$: ३५, १; क २९, ४: ४८,२†: †कौ १,५३२; २, ५६९: †जै १, ५४,८; ३, ४६, ४; शौ २०,९०,१†: –†वानः ऋ २, २४, ७; २७,४; ३, ५६, ८; ५, ६७,L(६५,२) ४J; ७, ३९, L७;४०,७:६२,३J;६६,१३;७६, ४;८७,३;१०, १५४, ४[d]; तै २, १, ११,५; मै ४, १२,१; काठ ११,१२; –वानम् ऋ ३,२,१३; ४,१,२; ७,३: ८.२३, ९: १०, १४०, ६; मा १२,१११†; २६, ६; का १३,७,१०†; २८,४,१[e]; तै १, ५,११, १; ४,२, ७, ३†; मै २,७,१४†; ४, ११, १; काठ ४,१६;६,१०;७,१६;१६,१४†: क २५. ५†; कौ २, १०५८; ११७१†; शौ ६, ३६,१; पै १९, ८, १; –वाना ऋ ५, ६२, L२ (६७, ४)J; ८, २३, L३०; २५, १ J; ७; ८; –०वाना ऋ १, १३६, ४; १५१, ८; –वानौ ऋ ८, २५, L(१, १५१, ४) ४J; –०वानौ ऋ १, १५१, L४ (८, २५,४)J; –†व्ने ऋ ८, १०३,८; कौ १, १०७; २, २२८; जै १, १२,१; ३,२०,१२.

ऋताव(र्>)री[f]– -०रि शौ ५, १५, १-११: ६, ३०, ३: पै १९, २४,५: –०रि ऋ २, ४१, १८; शौ १०,१०, ९;१६; पै ८, ५, १-११: १६, १०७,९;१०८, ७; –री ऋ १,१६०,१:३,६,१०; ६१,६;४,५२,२:५६,२; ६,६१, ९; ८, २५,३;७३,१६: १०,३६, २;६६,६: तै२,६,७,५; मै३,११, १०; ४,१३,५; कौ २, १०७६†; शौ ६,६२,१; पै२,८१,१;१०,९, ५;१९,३०,४; –०री ऋ ३,५४, ४; –रीः ऋ ३,५६,५;४,१८,६; मै ४,९,१[g]; –०रीः ऋ ३, ३३, ५; –०रीः तै १, १,३,१: मै ४, १,३; काठ १, ३; ३१,२; क १, ३;४७,२: शौ ३, १३,७; पै २, ४०,५; –रीम् ऋ ५,८०, १; मै ४, १४,१२‡?[h].

†ऋ(त>)ता-वसु[i]– -०सो ऋ ८, १०१, ५; कौ १, २५५; जै १,२७,३;

ऋ(त>)ता-वृध्[j]– -वृधः ऋ १,

[a]) विप. स्त्री. (द्यावापृथिवी-)। णिनिः प्र. (पा ३,१, १३४) तत्स्वरश्च ।

[b]) विप. (इदम्-, किम्-, १ब्राह्मण- प्रभृ.) ।

[c]) विप. (वरुण-, अग्नि-, त्वष्टृ- प्रभृ.) । वनिप् प्र. पूप. दीर्घः (पा ६,३, १३७) । [d]) पाभे. पृ ९९८ *a* टि. द्र.

[e]) सपा. का २८,५,१ हवामहे इति पाभे. ।

[f]) स्त्री. ङीप् रेफान्तादेशश्च (पा ४,१,७) ।

[g]) =सपा. तैआ ४,२,३ । मा ३७, ४ का ३७, १, ४ माश १४,१,२,१० तु विशिष्टः पाभे. ।

[h]) सपा. ऋ ५,६३,६ इरावतीम् इति पाभे. । ऋ° इति पाठे? यनि. शोधः ।

[i]) विप. । बस. पूप. दीर्घः (पा ६,३,१३७) ।

[j]) विप. (अग्नि-, अश्विन्-, मित्रावरुण- प्रभृ-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् । पूप. दीर्घः (पा ६,३,११६) ।

१३, ⌊६; १४२, ६⌋; १४, ७; ४४, ⌊(५, ५१, ८)१४; ७, ६६, १०; १०, ६५, ७⌋; ५, ४४,४; ६,१५,१८; ५०,१४; ५२, १०; ७, ६६, १३; ८२, ⌊१०; ८३, १०⌋; ८, ८९, १; ९, ४२, ५; १०२,६; १०,१६,११; ६६, १; १५४,४; खि ५,७,१,६; मा ४, १२; १७, ३[2a]; ७८; १९, ६५†; २०, ३०†; २८, ५; २८; ३४, ५३†; का ४,५,४; १८,१,४[2a]; ६,१४; २१, ४, १५†; २२, २, ७†; ३०, १,५; ३, ५; ३३, २, १६†; तै †२, ४, १४, ५; ६, १२,५; ४, ४,११,४; ५, ५, ४, ३; मै २,८,१४; १०,६; ३, ३, ४[2a]; ४, १०, ३†; १२, १†; १३, २; काठ १३, १५†; १५, १३; १७,१०; २१, १४†; ३९, ३; क २६, ९; कौ १, २५८†; जै १, २७, ६†; २, १, ५; शौ ११,८,१९;२०; १८, २,१५†; पै २, ३७,१; ५, ११, ४; १५, १४,५; –०वृधः मै ४, १०, ६; काठ २१,१४; –†०वृधः ऋ ६, ७५, १०; मा २९, ४७; तै ४, ६,६,४; मै ३,१६,३; काठ ४६, १; पै १५, १०, १०†; –वृधम् कौ २, ३४०‡[b]; जै ३, २८, १२‡[b]; †–वृधा ऋ १, १०६, ३; १५९, ⌊१ (७, ५३, १)⌋; ५, ६५, ⌊२ (६७, ४)⌋; ९, ९, ३; कौ २, २८६; जै ३, २४, ३; पै ४, २८, ३; –†०वृधा ऋ १, ४७, ⌊१; २,४१,६⌋; ⌊३; ५; ३, ६२,१८; ७, ६६, १९; ८, ८७, ५⌋; ६,५९,४; मा ७,९; का ७, ४,१; तै १, ४, ५,१; मै १, ३, ७; काठ ४, २; क ३,२; कौ २, १५; २६०; जै ३, २, ६; २२, ७; –वृधाम् ऋ १०, ६५, ३; –वृधे ऋ ३, २, १; –वृधौ ऋ १, २३, ५; तै १, ८, १२, २; मै २, ६, ९[c]; ४, ४, ३[c]; काठ १५, ७[c]; कौ २, १४४†; जै ३, १४, ५†; –०वृधौ ऋ १, २, ८; कौ २,१९८†; जै ३,१८,५†; शौ ४,२९,१[d]; पै ४,३८,१[d].

ऋ(त>)ता-षाह्[e]– -षाट् मा १८,३८; का २०, २, १; तै ३, ४, ७, १; मै २, १२, २; काठ १८,१४; ३९,११[f]; क २९, ३.

√ऋति

ऋतयत्[g]– -यन् ऋ ५,१२, ३; ४३,७[h].

†ऋते-जा[i]– -जाः ऋ १, ११३, १२; ६,३,१; ७, २०,६; मै ४, १४,१५.

ऋतो(त-उ)द्य[j]– -द्येन पै १८, ३,१०[k]; –द्येषु शौ १४,१,३१[k].

१ऋति[l]– -तिः शौ १२, ७, १४; पै १६, १४३, ५; –त्याः पै १, १२, ३[m].

*ऋति-मत्–

√ऋतीय[n], ऋतीयेते काठ ३४, ५¶; ¶आर्तीयेताम् तै २, ५,११,४.

ऋ(ति>)ती-षह्[o]– -षहः ऋ ८,४५,३५; –†षहम् ऋ ६,१४, ४; ८, ६८,१; ८८,१; मा २६, ११; कौ १, २३६; ३५४; २, ३५; ११२१; जै १, २५, ४;

[a]) सपा. ऋतावृधः (माश ९,१,२,१८ च)<>सकृत्न ऋतुस्पृशः इति पाभे.।

[b]) पाभे. कृते पृ ९९९ r टि. द्र.।

[c]) सपा. ऋतावृधौ<>घृतव्रते (तैब्रा १, ७,६,६ च) <> विश्वशंभुवौ (माश ५,३,५,३६ च) इति पाभे.।

[d]) सपा. तै ४,७,१५,२ मै ३,१६,५ काठ २२, १५ विशिष्टः पाभे.।

[e]) विप. (अग्नि-)। पपा. नावग्रहः। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √साह् (यद्र.)+क्विप् प्र. (वैतु. पाप्र. ⌊३, २, ६३⌋ √सह्+ण्विः प्र. इति) षत्वम् (पा ८, ३,१०९)।

[f]) सपा. ऋताषाट्<>विश्वाषाट् (आपश्रौ १७,६, २ च) इति पाभे.।

[g]) णिजन्तात् नाधा. (तु. पपा., सा. ⌊प्रथमे स्थले⌋, OBN.; वैतु. सा .GW. क्यजन्तात् नाधा. इति?)।

[h]) =सपा. तैआ ४,५,२। मै ४,९,३ तु अमृतः इति पाभे.।

[i]) विप. (उषस्-, अग्नि-प्रभृ.)। समासस्वरौ ऋत-जा– टि. द्र.। पूप. सप्त. अलुक्।

[j]) भाप. (सत्योक्ति-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. भाप. <√वद्।

[k]) सपा. °द्येन<>°द्येषु इति पाभे.।

[l]) = आक्रमण-,विवाद-। स्त्री. भावे क्तिन् प्र. नित्स्वरश्च।

[m]) सपा. शौ २,२८,४ अदितेः इति पाभे.।

[n]) नाधा.। क्यङि मतोर्लुक् उसं. [पावा ६, ४,१५५ (वैतु. पा ३,१,२९ भा. √ऋत् ⌊घृणायाम् पाका.⌋+ईयङ् प्र. इति)]। एतत् टि. अनु वैप १,२५७ q; ३,१९९ p, q च यथावत् शोधः द्र.।

[o]) विप. (इन्द्र-)। समासस्वरौ e टि. द्र.।

३७,३; ३,४,६; शौ २०, ९,१; ४९,४.

ऋ(ति>)ती-षाह्[a]- -षाहम् ऋ १,६५,१५.

२ऋति[b]- -तये[c] मा ३०, १३: का ३४,२,५.

ऋत्य- -त्याय पै ४,२७,७.

ऋत्वा मै १,५, ११¶; काठ ७,९¶; शौ ४, ४०,१-८; ६,१२०, २[d]; १२, ४, ५३; पै १६, ५०, १०; १७,२०,१३.

√ *ऋँह, *ऋह् (बधा.), आनृहुः[e] तै ३, २,८,३[f].

ऋहत्[g]- -हते ऋ १०,२८,९.

?ऋक खंता[h] मै ४,९,२.

ऋक्-त्व-, ऋक्-वत्-, ऋक्वन- √ऋच् (बधा.) द्र.

१ऋक्ष[i]- -क्षः ऋ ५,५६, ३[j]; मा २४ ३६[k]; का २६,८, १[k]; मै ३, १४, १७[k]; -क्षस्य ऋ ८,६८, १५[l]; -क्षाः ऋ १, २४, १०[m]; -क्षात् ऋ ८,२४,२७[n].

आर्क्ष[o]- -र्क्षः[p] ऋ ८, ७४, ४; -र्क्षे ऋ ८,६८,१६;७४,१३.

आर्क्ष्य[q]- -‡र्क्ष्ये[p] कौ १, ८९; जै १,९,९.

ऋक्ष-ग्रीव[r]- -वम् शौ ८, ६, २; पै १६,७९,२.

¶२ऋक्ष,क्षा[s]- -क्षम् तै ६, १, ९, २; २,६,४; मै ३,८,६[2];९[2];९,३[2]; -क्षा तै २, ६,५,१; ७,४,३,१; मै १,६,९; २. ५,२; काठ १२, १३.

¶३ऋक्ष,क्षा[t]- -क्षः काठ २६, ५; ८: क ४१, ३; ६; -क्षम् काठ २५, २[2]; क ३८, ५[2]; -क्षे काठ २५,९; क ४०,२.

¶ऋक्ष-तस् (:) तै ६, १,९,२.

ऋक्ष(च्-स)म- √ऋच् (बधा.) द्र.

ऋक्ष(लँ>)ला[u]- -लाभिः मा २५, ३[v]; का २७, ३,१[v].

ऋक्षाक[w]- -कम् शौ १८, २,३१.

ऋक्षीका[x]- -काभ्यः मा ३०, ८: का ३४, १, ८; -काम् शौ १२, १, ४९; पै १७,५,७.

ऋक्संशित-,ऋक्-सम-,ऋक्-साम-, ऋगुत्तम-, ऋग्मन्-, ऋग्मिन्-, १ऋग्मिय-, २ऋग्मिय-, ३ऋग्मिय-, ऋग्म्य- √ऋच् (बधा.) द्र.

√*ऋघ[y]

ऋ(घ्>)घा[z]-

√ऋघाय[a1], ऋघायन्त ऋ ४, १७,२.

---

[a]) विप. (रयि-)। ऋता-षाह्- टि. द्र.।

[b]) =१ऋति-। अत्र प्र. उदात्तः (पा ३,३,९७) इति विशेषः। [c]) सपा. तैब्रा ३,४,७,१ ऋत्यै इति पाभे.।

[d]) सपा. तैआ २,६,२ इत्वा इति पाभे.। ऋत्वा इति [पदे] अवगृह्णन् मा.?।   [e]) धा. स्तुतौ वृत्तिः।

[f]) सपा. आनृहुः <> आनृधुः <> आनशुः इति पाभे.।   [g]) धा. कृशभावे वृत्तिः। विप. =हस्व- (⌊निघ ३, २ तु. तत्रैव बृहन्तम्⌋)। WAG ⌊१, २१४ a⌋ MVG ⌊५८, १ a⌋<√ऋघ् : √रघ् इति, दे.<√रह्‌ इति √वा √रह् ⌊त्यागे⌋ इति वा, GW.<√रंह् ⌊गतौ⌋ इति च।

[h]) पाठे? (तु. ?आक खं त्वा इति तैआ ४, ४, १ आपश्रौ १५, ६,२ च) ऋक्-सत्व- > -खं त्वा इति द्वि-पदः शोधः (तु. मस्थ. टि. यजुः; वैतु. मं. पपा. ०क-खं, ता इत्यन्यथाऽवगृह्णन्)।

[i]) बप्रा.। व्यु.?।<√ऋ+√त्या इति या ⌊३,२०⌋, √ऋष् इति ⌊पाउ ३, ६७⌋, *ऋ- (=नृ-) + क्ष- (<√क्षण्) इति सा. ⌊ऋ ८, २४, २७⌋?।

[j]) =अग्नि- इति सा.। =पशु-विशेष- इति MW. Gri.।

[k]) =हिंस्रपशु-विशेष-।   [l]) व्यप. (पुरुष-विशेष-)।

[m]) =नक्षत्र-।

[n]) विप. वा नाप. वा?। वा.? (तु. पृ ७०० e टि.)।

[o]) व्यप. (श्रुतर्वन्-)। अपत्यार्थे अण् प्र. तत्स्वरश्च।

[p]) सपा. आर्क्षः <> आर्क्ष्ये ⌊वैतु. पपा. ०क्षे⌋ इति पाभे.।

[q]) =आर्क्ष-। ष्यः प्र. उसं. (पा ४,१,१५२) इति विशेषः।

[r]) व्यप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (वैतु. पा ६, २, ११४ ०ग्री० इतीव)।

[s]) विप., नाप. (अलोमक-) च। व्यु.?।

[t]) बप्रा.। विप. च नाप. च। स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः।

[u]) नाप. (शरीरभाग-विशेष-)। व्यु.? (पृ ५७ g टि. द्र.)।

[v]) सपा. तै ५,७,१३,१ अप्छलाभिः इति, मै ३,१५,६ अत्सराभिः इति, काठ ५३,३ अप्छराभिः इति च पाभे.।

[w]) नाप.। अर्थः व्यु. च?। <*ऋक्षा- =रक्षा (स्त्री-) इति विमृश्यम्?।   [x]) नाप. स्त्री. (रक्षो-विशेष-)। व्यु.?।

[y]) धा. अर्थः?।   [z]) भाप. शिवमन्तम्।

[a1]) नाधा.। पपा. नावग्रहः। क्यच् प्र. उसं. (पा ३,१,१३)।

ऋघायत्- -यतः ऋ २,२५, ३;४,३०,५; ३८,८;१०,११३, ६; -यते ऋ ६,५१,६.
†ऋघायमाण- -णम् ऋ १, १०, ⌊८ (१७६, १ : ८, ४०, १०; ११)⌋; -णाः ऋ १, ६१, ⌊१३ (१०, १) १७६, १[a]⌋; शौ २०, ३५,१३.
ऋघा-वत्[b]- -वत् ऋ १०,२७,३; -वान् ऋ १,१५२,२;३,३०,३.
ऋघा-वन्[c]- -वा ऋ ४,२४,८.
√ऋच् (=√अर्च् ⌊वधा.⌋), आनृचुः ऋ १,१९,४;५,६,८; ८,५१,४; खि ३,३,४; तै ७,३, १, ३[2]¶; †आनृचुः ऋ ८,५१,१०; खि ३, ३,१०; कौ २,९६०; जै ४,१९, २; शौ २०,११९,२, पै ६,१७,५.
ऋच्यते ऋ ८, ३८, १० ; †ऋच्यते[d] कौ २, २१०; जै ३, १९,५; ऋच्यन्ते ऋ ७, ७०,६.
ऋक्वन्[e]- -क्वभिः ऋ १, ८७, ६[f]; १५५,६[g]; ५,५२,१; ६०,८[f];६, ३२,२; ३; ७, १०, ४; ८, ६३, ११; ९७, १२; ९, ६४, १९; १०७, ११; १११,१[2b]; १०, १४, ३; ६४, ४; ११३, ९; तै २, १,११,२; ६, १२, ५; ४, २, ११, २; मै ४, ११, २; १४; १६; काठ ८,१७; कौ १,४६३[2], २, २८१; ९४०[2]; १०४०; जै १,४८,९[2]; ३, २३,१३; ४, १, १[2]; शौ १८,१,४७; २०, ५४, ३; -क्वा ऋ ७, ३७,४[i]; ९,९१, ३; -क्वाणः ऋ १, ८७, ५; ३, १३,५.
¶ऋग्मन्[j]- -ग्माणि मै ३, १,१[k].
ऋग्मिन्[l]- -ग्मिणः ऋ ९, ८६, ४६; -ग्मिभिः, -ग्मी ऋ १, १००, ४.
१ऋग्मिय[m]- -याणि तै ६, ६, २,१¶[n].
२†ऋग्मिय[o]- -यः ऋ ८, २३, ३; ९, ७४,३; -यम् ऋ १, ९, ९; ५१,१[p]; ३,२,४; ६, ८,४; ४५, ७; ८, ३९, १; ४०, १०; ९,६८,६; खि १, १, ४; कौ १, ३७६[p]; शौ २०,७१,१५.
†३ऋग्मिय[q]- -यस्य ऋ १,६२, १; -याय मा ३४,१६; का ३३, १,१०.
ऋग्म्य[r]- -ग्म्यम् जै १, ३९, ७‡[p]; -¶ग्म्याणि[n] मै ४,८,४; काठ २९,३[2]; क ४५, ४[2].
ऋच्[s]- ऋक् खि ३, ३, ४[i]; मा १८,२९; का १९, ९, ४; तै ४,७,९,१; ५,४,८,४; ¶६, १, २, ४[2]; ५-७; ७, ३, १२, १; ¶मै १, ४, १४; $२, ११, ६; १३,१५; ३, १,१;२,५; ६,४[2], ५[2]; ४, ४,९; ८,७[2]; काठ १८, १२; २१, ११¶; ¶२३, २; ३; ३५, ११; ३९, ८; ४३, २; क २९,१; ३५,८¶;४८, ११;१६; शौ ११, ९,५;१४,२,७१; पै ५, ५, ४; १६, ८२,५; ऋक्षु मै ३, ६,५¶; ऋग्भिः ऋ २,३५,१२; खि १,११,१; मा २०, १२; का २१, ७, १२; ¶तै १, ५,४,१; २; ४, ४,८,१$; ६, ५, ६, ३;

a) पाठे? ॰णम् इति शोधः इति BL.? (तु. ORN.)।
b) विप. (इन्द्र-, मन्त्र-, समरण-)। पपा. नावग्रहः।
c) विप. (इन्द्र-)। मत्वर्थीयः वनिप् प्र.(पावा ५, २, १०९)। शिष्टं b टि. द्र.।
d) सपा. ऋच्यते <> पूयते (या १४,१५ च) इति पाभे.।
e) बप्रा.। विप. (मरुत-, विप्र- प्रभृ.), नाप. च। वनिपि प्र. धा. स्वरः।
f) नाप. (भूषण- ⌊तु. रुक्मन्-⌋)।
g) नाप. (पद-, क्रमण-)।
h) नाप. (वर्ण-)।
i) पाठे? ऋभ्वा इति वा विभ्वा इति वा शोधः इति LRV.? (तु. ORN.)।
j) नाप. (स्तोत्र-)। मनिन् प्र. ⌊पाउ ४, १४५⌋ नित्स्वरश्च।
k) सपा. ऋग्माणि <> ऋचः इति पाभे.।
l) =ऋग्मिन्-। मत्वर्थीयः इनिः प्र. (पा ५, २, ११६) तत्स्वरश्च (वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. < √ऋच् इति)।
m) व्यु. कृते पृ ४२ k टि. द्र.।
n) सपा. ऋग्मियाणि <> ऋग्म्याणि इति पाभे.।
o) विप. (इन्द्र-, अग्नि-)। तद्धितः घ > इयः प्र. तत्स्वरश्च (तु. वें.; वैतु. स्क. ⌊ऋ १, ९, ९⌋ ऋच्- + ⌊मयट् >⌋ मि॰ प्र. इति, सा. ऋच्- + ⌊√मा >⌋ मी- > ऋग्मी- इति कल्पोऽयं द्वि१ अमि प्र. एव परतः क्षणमात्रं विचारसहः स्यान्नान्यत्रेति तु स्पष्टं द्र.⌋)।
p) सपा. ऋग्मियम् <> ऋग्म्यम् इति पाभे.।
q) विप. (इन्द्र-)। तद्धितः घच् > इयः प्र. चित्स्वरश्च (तु. सा., अभियु- टि. च; वैतु. सा. ⌊पक्षे⌋ प्रभृ. ऋच्- +⌊मयट् >⌋ मि॰ प्र. इतीव व्याकुर्वाणः स्वरतश्चोद्यः)।
r) विप.। व्यु. कृते अग्रग- टि. द्र.।
s) नाप.। करणे क्विपि प्र. धा. स्वरः?।

१०,१; ७, ३, १, ३; मै ३, २, ५¶; ११,८; ४, ८,८¶; ¶काठ ७, ४; ९, १५; २०,३; ३४, २; ३८, ४$; ३९, ११$; ¶क ५, ३; ३१, ५; शौ १०, १, १२; १२, १, ३८; ४, ४९: पै १६, ३६, २; १७, ४, ९; २०, ९; ऋग्भ्यः तै ७, ५, ११, २; काठ ४५, २; शौ १०, ५, ३०; १३, ७, १०; पै १६, १३१, ६; ऋग्भ्याम् ¶तै ६, २, ९, २; ६, १, १; मै ४, २, ७[२]¶; पै १, ११२,४; ऋचः ऋ १, ३६,११; ५,४४,१४; १५: १०, ९०, ९; ९१, १२; खि ४, ११, ५: मा १८, ६७; २०, १२; ३१, ७†; ३४, ५; का २१, ७, १३; ३५, १, ७†; ¶तै २, ४,१२,७; ५, ८,४; ७, ३. १, ४; ५, १, ६[२]; ४,१[२]; ¶मै १, ५,७:१२: ११, ७; २, १, ५; ४, ३; ३, ७, १; ११, ८$; ¶काठ ११, ५; १०; †कौ २, ११७६; ११७७; शौ ९, ६,१; १०, ५, ३०; ७, १४: २०; १०, १४; ११, ८, १४; ९,२४; १०, २३; १२, ४, २७; २८; १३, ७, १०; १५, ३, ६; ६, ८; १९, ६, १३†; ५४, ३; ऋचः ऋ १, १६४,३९; खि ३, १०[२], १७; तै ३, २, ७, १; ९, ६¶; ६,१,३,१¶; शौ ९, १५, १८†;१९; ऋचः[a] ¶काठ ८,६; ९,१५; १२, ३[२]; १४, ७; १८, १९[b]; १९, १०; २९, २; ३३, ७[३]; ३८,४$; ¶क ७, २; २९, ७[b]; ३०,८; ४५, ३; पै ९, ५, ११†; २१,३; २३,१०; १२,२, १३; १५, १४, १; १६, ६९, ८†; ९; ८४, ६; ८७,३; १०८, ३; १११,१; १३१, ६; १७, ८, ५; ९,१; १८, ७; ८; २९,१३; २०,४८,५; ऋचम् ऋ ७, ६६, ११; मा ३६,१; का ३६, १,१; ¶तै २, ६,२, २[२]; १०, ४; ५, १,१,३; ६, १,४, ४; ५, ३[२];३, ५,३; ¶मै १, ८, ३; १०, १९; २,३,७[४]; ¶काठ ७,९; १२,५[४]; १८,१९; २३, २; २८, ३; २९, ६; ¶क २९. ७; ३५, ८; ४४, ३; ४५,७; कौ १,३६९; जै १, ३८, १०; शौ ७, ५६, १; ५७, १; पै १४, ३, १८; १६, १०३, ९; २०, २५, ३; ५७, १; ऋचा ऋ १, १६४,३९; २, ३, ७; ५, ६, [५; ६, १६, ४७]; २७, ४; ६४,१;४; ८,२७,१;५; ९, ७३, ५; १०, १०५, ८; १६५, ५; मा ११, ८; १८, ६३; का १२, १, ८; २०, ४,६; ¶तै १,५,४, ३;६,१०,४; २,६,२,३; १०,४; ३, १,३,२$;६,१; १०,१$; ३; २,६,३; ४,१,१,३$;४,४, ६†; ५, १,१, ३$; २,८,७; ५,७,२; ६,६,४; ७,३,२, ६,४; ७, २$; ६,१,२,४-७; ९,४[२]; ११,२; ४; ६;२,९,१; ४;३,२,३[२];३, १;४, ३;४, २,५; ११, १; ५, ११,४; १७, ३[२]; ६, १, १; ७, ३ ; ७, ५, २३, २$; मै १, ६, ११¶; २,३,७[४]¶; ७,१; १३, ४; ¶३, १,१$; ४[२];२,८; ६,४[३]; ५[२]; ७, २; ४,६,२; ८,७[२]; ९; १२,१†; ¶काठ १०,१३†; १२,५[४]; १५, ११$; १८,१९$; २२,६[२]; २३, २[३]; २६, ३; २९, २[३]; ३४, २; ३५, १८; १९[३]; ३७, ४; ३९, १४†; ४०. १३$; ४५, २०$; ¶क २९, ७$; ३४, १[२]; ३५, ८[२];४५,३[३]; ४८,१६;१७[३]; †कौ १,४८: २, ३७३; †जै १,५,४; ३, ३०, १६; शौ ६, २८, १†; ९,५,५; १५,१८†; ११,३,१४; पै ५, १३, ४. १४, ३, ९; १६, ५४,८; ६९,८†; १९,१३,१६†; ऋचाम् ऋ १०, ७१, ११; खि ३, १०[२], १९; शौ १०, ८,१०; १५, ६, ९; पै १६, १०२, ४; ¶ऋचि तै २, ४,११,१;५,७,१; ६,५,२,३; मै २,४,४[२]; ऋचे मा १३,३९; का १४, ४,२, तै ४, २,९,६; ४,६,२; १०,१[c]; ७,५, २३, २ ; मै २, ७, १७; १३, २०[2c]; काठ १६, १६; २२,५; ४५,२०;¶ऋचौ तै २,२,१०,२; ७,४,१०-११,२; काठ ३३,२;४.

ऋक्-व[d]– -वः ऋ १०, ३६,५.

†ऋक्-वत्- -वता ऋ ४, ५०, ५; तै २, ३,१४,४; मै ४,१२, १; काठ १०, १३; शौ २०, ८८,५.

ऋक्ष(त्र-स)म[e]– -मम्[f], -माय[f] तै ४,३,३,२.

---

a) स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः। b) पृ १००३ k टि.द्र.

c) सपा. काठ ३९, १३ विशिष्टः पाभे.।

d) विप. (बृहस्पति-)। मत्वर्थीयः वः प्र. (पावा ५,२, १०९) तत्स्वरस्च। °पदत्वभत्वोभयविषयत्वं द्र. (पा १,४, २० [तु. वै. सा.; वैतु. PW. प्रभृ. <√ऋच्])।

e) नाप. (माम-विशेष- [तु. सा. प्रभृ.])। पपा. नावग्रहः। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,११)। उप. =२समान- यद्र.। f) सपा. ऋक्षमम्,

ऋक्-संमित[a]- -तः शौ १०, ५, ३०; पै १६,१३१,६.
ऋक्-सम[b]- -मम्[c], -मात्[c] मा १३,५६; का १४,७,६; मै २,७, १९; काठ १६, १९; क २५,९.
ऋक्-साम[d]- -मयोः मा ४, ९; का ४, ४, १; तै १,२,२,१; ६, १,३,१; मै १,२,२; ३,६,३¶; काठ २,३; ११,१०¶; २३,३; २९, १¶; ३७, २[2]¶; क १, १५; ४५,२¶; -मानि मा १८,४३; का २०, २, ६; तै ३, ४, ७,२; मै २,१२, २?[e]; काठ १८, १४; ३७,१२; क २९, ३, -माभ्याम् ऋ १०,८५, ११; ११४, ६; मा ४,१; का ४, १, १; ¶तै १,२, ३,३; ३, १, १,४[2]; मै ३, १०, ६¶; काठ २,४; ११,१०¶; १९, ४¶; २३,६[2]; ¶; २९,४¶; क १, १६; ३०, २¶; ३६, ३[2]; ¶; ४५, ५¶; शौ १०, १, ११†; पै १७, २९, १६?[f]; १८, १,११†; -¶मे तै ६,१, ३,१[2]; ५, ९,२; ६,७,४; मै १, ८, ८; ३, ४,३; ६,६[4]; १०,६[2]; ४,७-८,४; काठ २३,३[4]; २८,९; २९,१[2]; क ३४, ९; ४५, २[4]; पै १७, २८, ६$.
¶ऋग्-उत्तम[g]- -मानि मै ३,१,१
ऋग्-वेद[h]- -दे खि ४, २, ६[1]; खिसा २६,१७.
ऋचस्[j]- -चसे ऋ ६,३९,५.
ऋचसे[k] ऋ ७,६१,६.
ऋच्यमा (न>) ना- -ना ऋ ६, ३८,२; -ने ऋ ६,४९,३.
ऋच- √ऋच् द्र.
ऋचत्क[l]-
आर्चत्क[m]- -त्कस्य ऋ १,११६,२२[n]
†ऋचीषम[o]- -०म ऋ ६, ४६, ४; ८, ९२, ९; कौ १,२६९‡[p]; २, ८४२‡[p,q]; ९९४; जै १, २८, ७‡[p]; ४,१८,९‡[p]; २७,३; -मः ऋ ८, ३२, २६; ६२,६; ९०,१[p]; १०,२२,२; शौ २०, १०४, ३; -मम् ऋ ८, ६८, ६; -माय ऋ १, ६१,१; शौ २०,३५,१.
?ऋचेप्राः[r] पै ५, २, ६.
√ऋचङ्क, ऋच्छ्र- √ऋ द्र.
ऋच्छ(र>)रा[s]- -राः शौ १०, ९, २३; पै १६,१३८,३.
√ऋज्[t] (वधा.)
ऋजन्- -जन् (?न्)[u] पै १६,४९,५;
†ऋजीति,ती[v]- -तिः ऋ १०, ३१, २; -तिभिः ऋ १०, ७९, ७. -ती[w] ऋ १०, ७५, ७; -०ते[x] ऋ ६,७५, १२[y]; मा २९,४९[y]; तै ४, ६, ६, ४[y]; मै ३,१६,३[y]; पै १,८६,७[y].

ऋक्षमात् <> ऋक्समम्, ऋक्समात् इति पाभे.।
a) पृ ७१९ e टि. द्र.। b) पृ १००४ e टि. द्र.।
c) पृ १००४ f टि. द्र.।
d) द्वस. समासान्तः अच् प्र. (पा ५, ४,७७) चित्स्वरश्च।
e) ०णि इति पाठे? यनि. शोधः।
f) ०मभ्याम् इति पाठे? यनि. शोधः।
g) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
h) नाप.। षस. अन्तोदात्तः।
i) ऋ० इति स्वरे? यनि. शोधः।
j) विप. (स्तोतृ- [तु. सा. Gri.])। असिः प्र. उसं. (पाउ ४, २२२) तत्स्वरश्च (वैतु. PW. GW. तुमर्थीयम् इति)।
k) तुमर्थीयः असे प्र. (पा ३, ४,९) तत्स्वरश्च (तु. वें. सा. PW. GW. प्रमृ.; वैतु. Barth. [IF २,२७८] क्विप्. इति)। l) व्यप. (पुरुष-विशेष-)। व्यु.?।
m) व्यप. (शर-)। अपत्येऽर्थे अण् प्र. तत्स्वरश्च।
n) ०त्-क० इति पपा.।
o) विप. (इन्द्र-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। =ऋच्- (>चा>ची)+सम- इति या [६,२३]?। =*ऋचीष- (तु. ऋजीष-)+म- इतीव GW.?।
p) सपा. ०म <> ०मः इति पाभे.।
q) ०जी० इति S.।
r) पाठः? ऋते-प्ठा- > -ष्ठाः इति शोधः (तु. सपा. शौ ४, १, ४ ऋतस्थाः इति पाभे.)।
s) तु. टि. ऋश्चला-।
t) = √अर्ज्, √ऋञ्ज्। धा. गतौ, हिंसायां प्रमृ. वृत्तिः।
u) पाठः? यनि. शोधः। सपा. शौ ६,११५,२ युदि इति विशिष्टः पाभे.।
v) विप. (आहुति-, रशना- प्रमृ. [तु. उत्तरोत्तरारिण टि.])। पपा. नावग्रहः। कर्तरि क्तिन् प्र., इडागमस्य प्रतिप्रसवः, इटश्च दीर्घः उसं. [पा ३,३,९४; ७,२,९; ३७ (तु. GW.; वैतु. नैप्र. <ऋजु-+√ई इतीव सा. [ऋ १०, ७५, ७]?, नैप्र. =ऋजु- + ईति- > बस. इति म.)]।
w) नाप. (सिन्धु-)। क्तिनो ङीप् उसं. (पावा ४,१,४५)।
x) नाप. (इषु-) इति प्रकरणगम्यं द्र.।
y) सपा. ऋजीते (आपश्रौ २०,१६,१२ च) <> वृजीते <> ज्याके इति पाभे.।

ऋजु[a]– -†जवः ऋ १०, ८५, २३; शौ १४, १, ३४; पै १८, ४,३: -जवे ऋ २, २७, ९ : ६, ७०, ३: खिसा २९, ४८; मा ३७, १०: का ३७, १. १०; तै ७,१, १७, १; मै ४,९,१?[b]: १२,१†: काठ ४१, ८: -जु[c] ऋ २, ३, ७: ४,१, ⌊१७: ६, ५१. २; ७, ६०,२⌋: ५,४६,१: १०, ६७.२; मै ३, ३, १०¶: शौ २०, ९१, २†: -जुः ऋ २,२६,१: ९,९७, ४३: खि ५. २१.१: तै २,५.११, ७¶; ¶मै १, १०,७: ३,९,२[२]: ¶काठ २१,१०: २७,१: ३६,१: क ४२,१¶; -जुना ऋ १, ४१, ५: -जुम् ऋ ९,९७,१८: तै २, ५.११, ७¶; मै ४, १, १४[२]¶: काठ २५, ५[२]¶: क ३९, २[२]¶: पै ५, २१. ६?[d]: -¶जू मै १, १०. ८: काठ २७, १: ३६, ३: क ४२. १: -¶जून मै १. १०, ८: काठ ३६,३.

ऋजीयस्– -यः ऋ ७, १०४, १२: शौ ५. १४. १२[c]: ८,४, १२†; पै ७,१,४[c];१६,१०,२†.

ऋजीयसी– -सी पै १५, २३,१०.

ऋजु-केश– -शः पै ७,८,४.

†ऋजु-क्रतु[e]– -तुः ऋ १, ८१, ७; मै ४, १२,४: काठ १०, १२; शौ २०,५६,४.

ऋजु-ग[f]– -गः शौ १,१२,१.

ऋजु-गा[g]– -गाः तै ३,१,१०,२.

ऋजु-गाथ– -०थ ऋ ५, ४४,५.

†ऋजु-नीति[h]– -ती ऋ १,९०, १; कौ १,२१८: जै १,२३,५.

ऋजु-मुष्क[i]– -ष्काः ऋ ४, ६, ९; -ष्कान् ऋ ४,२,२.

ऋजु-रश्मि[j]– -श्मिः तै ४, ७, १५,२: मै ३,१६,५; काठ २२, १५: शौ ४, २९, ७; पै ४, ३८,७.

ऋजु-वनि[k]– -निः ऋ ५, ४१, १५.

ऋजु-ह(स्त>)स्ता[l]– -स्ता ऋ ५,४१,१५.

√ऋजूय

†ऋजूयत्– -यताम् ऋ १, ८९, २: मा २५, १५; का २७, ११,२; मै ४,१४,२; पै २,३०, १: -यते ऋ १, ११६, २३; ५, १२, ५; १०, १००,३; -यन्तम् ऋ १,१३६,५.

ऋजूयमान– -नः ऋ १०, ८८,९.

ऋजूया[m]– -या ऋ १, १८३,५.

ऋजूयु– -यवः ऋ १,२०,४.

ऋज्व(ज्रु-अ)ञ्च्– -ञ्चः ऋ ४, ६,९.

ऋज्यत्[n]– -ज्यन्तः ऋ ६, ३७, २;३[o].

ऋज्र,ज्रा[p]– -ज्रः ऋ ९, ९७, ९: १०, २०, ९: कौ २, ४६८†; ११९३; जै ३, ३४, ३†; -ज्रम् ऋ ८, २५, २२; -ज्रा ऋ १, १७८, ५: ४, १६, ११; ८, १, ३२; १०, २२,५; -ज्राः ऋ ८, ३४, १७; -ज्रासः ऋ ७, १८, २३; -ज्रे ऋ ६, ६३, ९; -ज्रेभिः ऋ १,११७,१४; -ज्रेषु ऋ ८, ६८, १८: -ज्रौ ऋ ८, ६८,१५.

ऋज्रा(ज्र-अ)श्व[q]– -श्वः ऋ १, १००,१७; ११७,१८; -श्वम् ऋ १,११६, ⌊१६ (११७, १७)⌋; -श्वस्य ऋ १, १००, १६; -श्वे ऋ १,११७,⌊१७(११६,१६)⌋;

---

a) विप. (पन्थ-, मर्त्य-, क्रमण- प्रभृ.)। कुः प्र. (पाउ १,२७) तत्स्वरश्च।

b) ऋ° इति स्वरे ? यनि. शोधः।

c) क्वचित् वा. क्रिवि. द्र.।

d) अर्थतः ?।

e) विप. (इन्द्र-)। बस. उप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६, २,११८; वैतु. °तु- इति MW. ?)।

f) विप.। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √गम्+डः प्र.।

g) विप. (वाच्-)। उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

h) कस. अन्तोदात्तः। उप. < √नी यद्र.।

i) विप.। बस. उप. प्रकृतिस्वरं उसं. (पा ६,२,१३८)।

j) विप. (रथ-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

k) विप. (मातृ-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √वन् +इन् प्र. (पा ३,२,२७)।

l) विप. (मातृ-)। बस. उप. प्रकृतिस्वरम् उसं. (पा ६,२,११९)।

m) स्त्री. अः प्र. (पा ३,३,१०२) तत्स्वरश्च। -या इति पृ ९९९ *a* टि. दिशा वा. क्रिवि. (तु. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. ऋजु- + √या > °या- > -या ⌊= द्वि१⌋ यद्वा ऋजु- > यनि. रू. =तृ१ इत्युभयथापि?)।

n) दिवादौ शत्रन्ते लसा. निघाते नित्-स्वरः।

o) तु. सस्थ. टि. अभि।

p) विप. (अश्व-प्रभृ.)। रक् प्र. (पाउ २,२८) तत्-स्वरश्च।

q) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

खि १,१२,७.

ऋजत्- √ऋज् द्र.

?ऋजा पै १७,२३,१.

ऋजिप्य[a]- -प्यः ऋ ४, २७,४; ३८, ७; -प्यम् ऋ ४, ३८, २; ६, ६७,११; -प्याः ऋ ३,३१,१७; -प्यासः ऋ २,३४,४.

†ऋजिश्वन्[b]- -श्वना ऋ १,५३,८; १०१,१; १०, १३८,३; कौ १, ३८०; जै १, ३९,११; शौ २०, २१,८; -श्वनि ऋ ८,४९,⌊१० (५०, १०)⌋; खि ३, १, १०; -श्वने ऋ ४,१६,१३; ६, २०, ७; -श्वा ऋ ५, २९, ११; १०, ९९,११; -श्वानम् ऋ १,५१,५.

ऋजीति-,ती √ऋज् द्र.

ऋजीनस्[c]- -नसि खि ३,४,२‡[d].

†ऋजीप्यिन्[e]- -०पिन् ऋ ८. ३३, १२; जै ४, २०,५; -पी ऋ ४, २६,६.

ऋजीयस्- √ऋज् द्र.

१ऋजीप[f]-

१†ऋजीषिन्[g]- -षिणः ऋ १,८७, १; २, ३४, १; ८, ३२, १; -षिणम् ऋ १,६४,१२; ६,४२, २; ८, ७६, ५; ८६, ४; कौ २, ७९१; -०षिन् ऋ ३, ३२, १; ३६, १०; ४३, ५; ५०, ३; ६, १७,१०; २०, २; ७, २४,⌊३; ८, ७९,४⌋; ९६, ९; खि ५, ७, ४, ११; -षी ऋ ३, ४६, ३; ४, १६, १; ५; ५, ४०,४[h]; ६, १७,२; १८,२; २४,१; ८,९०, ५; १०, ८९,५; तै २, २, १२, ३; काठ ८, १७; कौ १, २४८; २,७६१; जै १,२६,६; शौ २०, १२,७[h]; ७७,१; ५.

२†ऋजीप[i]- -षम् ऋ १, ३२, ६; पै १३,६,६.

३ऋजीप[j]- -षः मै ४, ८, ५[v]; -षम् खि ५, ७,४, १६; तै ६, १, ६, ८¶; ¶काठ २३. १०; २५, ९; २९, ३[2]; ¶क ३७, १; ४०, २; ४५, ४[v]; -षा शौ ९, ६, १६; पै १६,११२, २; -षे काठ ३४, १६¶; -षेण मा १९, ७२; का २१,५,१; काठ ३८,१.

२ऋजीषिन्[k]- -षि तै ३.२,२,१¶.

ऋजु-, ऋजु-केश- प्रभृ. √ऋज् द्र.

ऋजूनस्[c]- -नसि ऋ ८,५२,२[d].

√ऋजूय, ऋज्यत्-, ऋज्र- प्रभृ. √ऋज् द्र.

√ऋञ्ज् (वधा.)[l], ऋञ्जते[m] ऋ १, १४३,७; ५,४८,५; ‡ऋञ्जसे[n] खि ५, ४, ३[3]; ४: कौ ४, ३[3]: ४; जै २, ७, १[2]; २: †ऋञ्जसे ऋ ४, ८, १[o], ६, १५, १[p]; ४[p]: मै २, १३, ५: काठ १२. १५: कौ १,१२; जै १,२,२: ४, १९,५; ऋञ्जत ऋ ५,८७,५. ऋञ्जते[q] ऋ १, १२२, १३: १४१,६: २, १,८:२,५.

ऋञ्ज-

ऋञ्ज-सान[r]- -नः ऋ १.५८,३; ४,२१,५; -नम् ऋ १.९६, ३.

†ऋञ्जत्- -ञ्जन् ऋ १, ९५. ७;

---

[a]) =ऋजीप्यिन्- । विप. (⌊ऋजुगामिन्- वें. गा.⌋ दधिका-, मरुत्-, श्येन-, मखि- प्रभृ.)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। सा.<ऋजु-+√आप् इति, PW . GW. MWA. प्रभृ. <√ऋज् इति ⌊Zd. *ərəzifya*=श्येन-⌋। √ऋज् (वधा.)>*ऋजस्-⌊भाप.⌋>(प्रकृतवचनेऽर्थे) *ऋजस्मय- >नैप्र. यनि. इति मतम्।

[b]) व्यप. (नृप-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। ऋजु- +√अश् ⌊व्याप्तौ⌋ इति सा.। [c]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?। [d]) सपा. ऋजीनसि<>ऋजूनसि इति पाभे.।

[e]) =ऋजिप्य-। विप. (इन्द्र-, श्येन-)। व्यु.? *ऋज-स्मिन्-> नैप्र. यनि. (शिष्टं *a* टि. दिशा द्र.)।

[f]) भाप. (शक्ति-, राभस्यादि-गुण-विशेष- वा)। अर्थः व्यु. च ?।

[g]) विप. (इन्द्र-, मरुत्-)। मत्वर्थीयः इनिः प्र. तत्-स्वरश्च (तु. PW. प्रभृ. =प्रेरयितृ- इति; वैतु. सा. पक्षे <√ऋज् इति)। [h]) सपा. ऋजीषी (गोब्रा २, ४,२ च)<>प्रदाता इति पाभे.।

[i]) विप. (इन्द्र-)। व्यु. ? =२ऋजीषिन्- <३ऋजीप- इति स्क. L ⌊५४३⌋ MVG⌊२१५⌋; =१ऋजीषिन् इति PW. प्रभृ., <√ऋज् इति गा., ⌊पक्षे⌋ स्क.⌊ऋ१,६,४⌋ च।

[j]) पुं. न. च नाप. (सोम-फल्गु-)। व्यु. ?<√ऋज् =√रिच् इति विमृश्यम्।

[k]) विप. (तृतीय-सवन-)। इनिः प्र. तत्स्वरश्च।

[l]) =√ऋज् ⌊यङ.⌋। धा. गतौ. प्रसाधने प्रभृ. वृत्तिः द्र.। [m]) तुदा. लटि. प्रपु१ रूपम् द्र.।

[n]) पाभे. कृते पृ ८७१ *i* टि. द्र.।

[o]) लटि उपु१(तु. स्क. या ⌊६,२१⌋ मा. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. दु. मपु१ इति?)। तस्यापि मिपू उसं. (पा ३,१,३४)।

[p]) लटि उपु१ (तु. GW. प्रभृ.; वैतु. मा. Barth. ⌊IF २,२८१⌋ मपु१ इति)।

[q]) रुधा. प्रपु३ रूपम् द्र.।

[r]) अर्श-सान- इत्यनेन मन्यायता द्र.।

३,३१,१; ४, ३८, ७: ८; पै ८, १४,७;१५,१२,५.

ऋअती- -ती ऋ १, १७२,२.

ऋञ्जसे[a] ऋ ८,४,१७.

ऋण[b]- -णः ऋ ६, १२, ५: -णम् ऋ २,२४,१३; ४, ३, १३; ८, ३२, १६;४७,१७; शौ ६,४६, ३†; ११८, १[c]; २[d]; ३: ११९, १; २; १९, ४५, १; ५७, १; पै २,३७,३†; ३, ३०,१: १५. ४, १ ; १६, ५०, ३: ४[d] ; ५; ६ : १९,४६,११†; -णा ऋ २,२८, ९; ४, २३,७; ९, ४७, २: १०, १२७,७; मैं ४,१४,९†; -णात् शौ ६,११८,२?[e]; १९, ४५, १; पै १५, ४, १; १६, ५०, ४?[e]; -णानि ऋ २, २७, ४; तै २, १,११,५†; मै ४,१२,१†;१४, १७[२?f]; काठ ११, १२†; पै ३, ३०,२.

ऋण-कान्ति[g]- -तिम् ऋ ८, ६१, १२.

ऋण-चित्[h]- -चित् ऋ २,२३, १७.

†ऋण-च्युत्[i]- -च्युतम् ऋ ६, ६१, १; मै ४,१४,७; काठ ४,१६.

ऋणं-चय[j]- -यस्य ऋ ५, ३०,१२: -ये ऋ ५,३०,१४.

†ऋण-या[k]- -याः ऋ २,२३,[११ (१,८७,४)];१७; ४,२३,७; ९, ११०, १[l]; १०, ८९, ८; काठ ३८, १४[l]; कौ १, ४२८[l]; २, ७१४[l] ; जै १, ४२, २[l]; ३, ५९,६[l].

¶ऋण-यात्[m]- -यात् तै १, ५, २,५[r].

ऋण-यावन्[n]- -वा ऋ १, ८७, [४ (२,२३,११)].

ऋण-रोगा (ग-आ) दि[o]- -दि[p] खि २,६[२],२९.

?ऋण-वत्- -वान् मैं ४,१४,१७[q].

ऋण-वन्[r]- -वा तै ६,३,१०,५¶.

ऋ(ण>)णा-वन्[s]- -वा ऋ १०,

[a]) तुमर्थे असे प्र. तत्स्वरश्च ।

[b]) विप. (तायु-[ऋ ६, १२,५]), नाप. न. । व्यु. ? । √ऋ + क्तः इति (पा८,२,६०) GW. MWA. प्रमृ. च ।

[c]) सपा. ऋणम्<>ऋणानि(तैब्रा ३,७,१२,३ तैआ २,४,१ च) इति पाभे. ।

[d]) सपा. ऋणम्<>ऋणानि (तैआ २,४,१ च [यत्र यनि. शोधम् अनु वैप २, ३०८ ऋणान् इत्यत्र शोधः द्र.]) इति पाभे. ।

[e]) पाठे? च्युतमध्यवकारः ऋणवान् इति शोधः (तु. सपा. पै १६,५०,४ मूको. नृण्वा नो इति, सा. =ऋणिन्- इति च) ।

[f]) सकृत् पूर्वेण समस्त इव पाठः ? (तु. टि. ऋणम् [शौ ६,११८,१]), अन्यत्र तु. टि. नेम्न ऋणा॰, ऋणम् (शौ ६,११८,२) च ।

[g]) विप. (इन्द्र-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् । पूप. =ऋणवत्- । उप. <√कै>का [स्तुतौ] इति वें. सा. PW. प्रमृ., ऋणस्य कातिः कामना यस्येति कृत्वा उप. <√का<√कन् इति GW. PGL [३,१३४] Gri. (तु. ऋणम् आददिः ऋ २,२४,१३) ।

[h]) विप. (ब्रह्मणस्पति-) । उप.<√चि [ज्ञाने] । पूप. =ऋणरूपा स्तुति- ।

[i]) विप. (दिवोदास-) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[j]) व्यप. (नृप-विशेष-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. खच् प्र. उसं. (पा ३,२,३८) मुमागमश्च ।

[k]) विप. (ब्रह्मणस्पति-, इन्द्र-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. √या + विच् प्र. ।

[l]) =सपा. ऐब्रा ८,११ आपश्रौ १६,१८,७ । शौ ५,६, ४ तु अर्णवेन इति विशिष्टः पाभे.? वस्तुतस्तु ॰तरुध्या ऋणवा न इत्येवं मूलतः सतः ऋक्-पादस्य स्थाने ॰त्तुदुध्य॰ इति शौ. पादः लैत्रि. एवेति कृत्वा ऋणवन्->-वा इति पाभे. स्यात् । सोऽपि पुनः ऋण-यावन्- > यावा इत्युभयसाधारणं मौलिकतरं पाठं संकेतयेद् इति भूयो विमृश्यम् ।

[m]) विप. (वरुण-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. √यत्> याति + क्विप् प्र. (तु. भा.; वैतु. [पक्षान्तरे] भा. शत्रन्तम्<√ऋणय इति ?) ।

[n]) विप. (मारुत-गण-) । उस. वनिबन्तं उप. प्रकृतिस्वरम् ।

[o]) समाहारे द्वस. > बस. ।

[p]) सपा. खिसा ११,२८ उत्तरेण समस्त इव पाभे. ।

[q]) तु. सस्थ. टि. नेम्न ऋणा । एतदनु तैब्रा २,४,१ अपि ?ऋणवः इति पाठे? यनि. शोधः (वैप २,३०८ √ऋण्>ऋणवः इति शोधार्हम् [वैतु. भा. सा. क्विप. इति]) ।

[r]) विप. (ब्राह्मण-) । मत्वर्थीयः वनिः प्र. उसं. (पावा ५,२,१०९) तत्स्वरश्च (वैतु. भा. वनिप् प्र. इति) ।

[s]) विप. (कितव-) । पूप. दीर्घ इत्येव पूर्वाद् विशेषः ।

३४, १०; –वानम् ऋ १, १६९,७.

?ऋणक्[a] खि ४,६,९[b].

√ऋण्व्[c] (=√रिण्व्), †ऋण्वति ऋ १,१४४,५[d]; १६८,६; ६,२,६[e], कौ १, ८३[e]; जै १, ९, ३[e]; ऋण्वन्ति ऋ ९, ७, ५; कौ २, ४८२†; जै ३,३६,७†; पै १६, २५,८; ऋण्वथः ऋ १,१५१,५.

ऋण्वत्– -ण्वन् ऋ ७, २,१.

१ऋत– √ऋ द्र.

२ऋत–[f] -ते[f] ऋ १, १८, ७; २.१२, ९;१६,२;४, ३३, ११[g];७, ११, १;८,१,१२;२,३९;२७,१७; ९, ६९,६; १०, ८६,१२; ११२,९; खि ४, ११, ३; ५, १६, २; मा १७, १४†; ३४,३; का १८, १, १४†; तै १,७,१२, २†; ४,६, १,४; ¶मै १,८,२; ५; २,३,१; ४, १; १०, ५; ३, ६,१; ७; ८, ९[२]; ४, ३, ६; ६,८; ७,३; काठ ६, ७?[h]; ८[२]¶; ८, २¶; १७†; १२,७¶; १७, १७; क ¶४, ६; ७[२]; २८, १; †कौ १, २४४; २, ७२०; †जै १, २६,२; ३, ५९, १२; शौ ४, २६, ६; १४, २, ४७†; †२०, ३४, ९; १२६, १२; पै २, ५२, २; ४, ३६,५; १३,७,९†;१८,११,७†.

†ऋते-कर्म्[l]– -र्मम् ऋ १०,५५,७; कौ २, ११३४.

?ऋते-मूल[j]– -¶लम् मै १, १०, १७; काठ ३६,१२.

¶ऋते-यज्ञ[k]– -ज्ञम् मै १, ११, ५; काठ १४,५.

ऋत-चित्– प्रभृ., √ऋतय √ऋ द्र.

१ऋतव्या– २ऋतव्या–, ३ऋतव्या– ऋतु– द्र.

√ऋताय, ऋतायत–, ऋतायिन्–, ऋतायु–, ऋता-वत्– प्रभृ., √ऋति, १ऋति–, २ऋति–, *ऋति-मत्–, √ऋतीय, ऋती-षह्–, ऋती-षाह्– √ऋ द्र.

ऋतु[l]– -तवः ऋ १०, १८, ५; खि ४, ५,२८; मा १४, २९[m]; १७,३; १८, २३; २३, ४०; २६, १४; २७, १; ४५; का १५, ९,२[m]; १८, १,४; १९,७,५; २५,८,२; २९, १, १; ६,१; ¶तै १,५,१, ४;७,३; ६,११,५[२]; ३,४,८,६[२]; $४, १, ७, १;३,१०,१[m]; ११, ४; ५,१,५,१; ७,३; ८,५$; ९, १;१०,३;५;२,५,२; ६,१; १२, १$; ३,१,२[४];४,२,१; २;३,४; ४,२; ६,३; ९,३; ११,४[२]; १२, २; ६, ७,१;२; १०,३; ७, २,५; २५, १$; ६,१, १,८; २,३, ४; ३,३,६; ७,१; ४,५,७; ५,३,२; ३; ५,१; ६, २,१; ३,३; ११,५; ७,१,१०, १;३; २,१,१; ६,१[४]; २;३; १०,१; ३, ८,१; १०, ५; ४,२,२[२]; ३,२; ५-६,२;७,२;३; ११,३;५,१,४; २०,१$;२५,१; ¶मै १, ४, १२; ६,९[२]; ७, ३[४]; ५; ८,२[२];$; ६; १०, ५[२];१७[२]; २०; $२, ८,६[m]; १२, ५;१३, १०; ३,१,१; ५[२]; ९; २,१; ४; ३,४; ५;८; ४, ३[३]; ४[४]; ६[२]; $: ७[२]; ६,४; ७,५; २; ९, ४[२]; ४, १,५; ३,२; ७; ४,९; ६,७[३];८[२]: ७,५; ८,४;८; ९, १८$; ¶काठ ६,७; ८, ८; ९, १[३]; ३[२]; १६[२]; १०. ४; ११, ५; १०; १२, ६[२]; $१७, ५[m]; १०; १८, १६ $; १९; १९,५;७; १०; ११; २०, ३; ४; ६; १०[४]; २१, ३; ५[२]; ६-८; १२[४]; २२,१$; २;६;८[२]; २३,२; ८[२]; २४,४;८; २८,२[३]; १०;२९,३; ३१,३[२]·१५[२]; ३३, ३;८; ३४,७[२];९; १३;$३५, ९; २०[३]; ३६,११[५]:१२; १३; ३७. ११; ३९,१०$;४०,६$; $४५, ५;१७: ५०,६; ¶क ४, ६: ७, २: ८. ४[३]; ६[५]; $२६, ४[m];९;

---

[a]) पाठे? √मृ>मृणत्->-णत् (तु. मूको. मृणक् इति) इति वा √भिद्>भिन्दत्–>-न्दत् (तु. सपा. शौ. पाभे.) इति वा शोधः। यद्वा भि° इत्येव स्यात् मृणत् इति च तस्य वावि. पर्यवस्येत्। [b]) सपा. शौ ५,२८,१४ भिन्धुत इति, शौ १९,३३,२ जुदुन् इति च पाभे.।

[c]) एतदीयानि यनि. रूपाण्यपि <√ऋ इति PW.प्रमृ.।

[d]) तु. सस्थ. टि. आ। [e]) पाभे. कृते पृ ९८८ *i* टि. द्र.।

[f]) विनार्थे अव्य.। व्यु.?। <√ऋ इति PW. GW. प्रमृ. (तु. आर्ति–, निर्ऋति– प्रमृ.; पृ ३९७ *p* टि. च)। वा. सस१ रूपम्। [g]) तु. वें. सा. GRV.; वैतु. GW. १ऋत–>-ते। [h]) ते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४, ६ तत्-संस्कर्तुः टि. च)।

[i]) अस. समासान्तष् टच् प्र. (पा ५,४,१०९) चित-स्वरश्च (तु. वें. ?PW. GRV. GG.; वैतु. सा. GW. BS. S. Gri. पूप. १ऋत– इति)।

[j]) पाठे? अस.। ऋते-मूल– इति शोधः (तु. सस्थ. उप-मूल–)। [k]) अस. अन्तोदात्तः। [l]) बप्रा.। नाप.। व्यु.?। <√ऋ इति (पाउ १,७२) PW.GW. प्रमृ.।

[m]) सपा. ऋतवः (माश ८,४,३,८ च) <>आर्तवः <>आर्तवाः (माश ८,४,३,८ च) इति पाभे.।

२९, ४$: ७; ३०, ३ ; ५; ८;
३१, १; ५; ६; ८; १२^{४}; १८;
२० ; २१ ; ३४, १ ; ३५, २ ;
८; ३७, ५; ३८, १; ४४, २^{३};
४५. १ ; ४ ; ४७, ३^{२}: $४८,
१०; १८^{२}; शौ २, ६, १: ८,८,
२२; ९,१५; १८; १०, ६, १८;
७,५; ११, ३,१७, ८,२२; १०,
५; १२,१, ३६; २, २५†; १३,
१,१८; १५,६,१७; १७, ५: ८;
१८.४,२; पै १, १०२, ३;१०६,
३; ३.३३,१; ९. २१. ६^{२}; २३,
१२: १३, १२, ११: १५, १४,
१०; १६, १९, ५: ८; ३१, २;
४४,२; ८५, ५: ९६, ८;१००,
८; १७,४,६;७,७; ८,९^{a}; २९,
१५; ३२, ४†; १८, १६, ८;
-¶तवे काठ २८,२; क ४४,२;
-तुः ऋ १, १६२,१९; २, १३,
१ ; ५, ४६, ८ ; मा १०, १०;
११^{b}; १२;१३^{b}; २५, ४२;३९,
६; का ११, ५, १; २^{b}; ३; ४^{b};
३९, ४, १; तै ४, ४,१२,३; ६,
९,३†; ७,९,१, ६, ५, ३, ३¶;
मै ¶१, ६,९;७,४^{२}; २,१,४¶;
७, २०^{४b}; ११, ६; ३,४,२^{२};¶;
१६, ४; ४, ६, ७^{३}; १३, १०†;
काठ ७,१५¶;८,१^{३}¶;९,३^{२}¶;
१०, २¶; १८, ११; २२, १८;
२८, २^{३}¶; ३९, ७^{४b}; ४६, ५;
क ¶६,५;६^{३}; ८,६^{२}¶;२८,११;
२९,१; ४४, २^{२}¶; शौ ७,५१,
२†; ९,५,३१-३६; पै १५, १,
९; १६, १९, १० ; -तुः-तुः
¶तै ५, ७, ६,५; ६; -तुना ऋ
१, १५, १-४; ६; ११; १२; २,
३७,६; खि ५, ७,५,१-६; ११;
१२; मा २१, २३-२८; २६,
२१†; का २३, ३, १-६; तै ६,
५,३,२^{३}: ३^{३}¶; ७, १,१८,१^{३c};
२^{२c}; मै ३, ११, १२^{६}; ४, ६,
७^{२}¶; काठ २८, २^{३};¶^{२}; ३८,
११^{६}: क ४४, २^{३};¶^{२}; शौ २०,
२, १-४ ; पै १०, १०, ४ ; ५;
-तुभिः ऋ १, १५,९; १०;८४,
१८; २, ३७,१-३; ३, ४७, ३;
४. ३४,२; ५३, ७; ५, ३२, २;
६,५२,१०; ९. ६६,३; १०, २,
४; ७, ६; १८, ५; खि ३, १६,
६; ५, ७, ५, ७-१०; मा १२,
६१; १४, ७^{५}; १८, ३३; २६,
२२†; का १३,८,१७; १५, २,
१^{५}; २०,१, ४; तै १,१, १४,
४† ; २, ४, १४, ५† ; ४, २,
५,२; ३,४,३; ४,८,१; ७, १२,
२;¶५, १,७, ३; ८, ६; ९, १;
१०,५; २,४, १; २^{३}; ५, २; ४,
३,४; ४,२; ६, ३; ६, १०, १^{२};
¶६, १,१,८;४,५,७; ५,३,२^{२};
३;¶७,२,१,२:६, २; ४, ३, २;
७,२; ५,१५,२^{२}; मै २, ७,११;
८,१^{५}; १२, १; १३, २३; ¶३,
१, ९; २, १; ३^{२}; ४; ३, ८; ४,
७; ८; ९,२; ४,६,७^{२}; १०,२†;
३ † ; ६ ; काठ १३, १५^{२} ; †;
१६; १६, ११; १७, १^{२}; १८,
१३; ¶१९,७;१०^{२};११;¶२०,
१^{२}; ३^{२}; ¶२१,८; १२; ¶२२,
१;४; २८,२¶; ३५, १†; ३९,
११; ४०, १; क २५, २, १०^{२};
२९,२; ¶३०,५;८^{२}; ३१, १¶;
३^{१};¶^{२};५^{२}¶; ३४,१;४४,२¶;
शौ १,३५,४; ३,८,१; ५, २८,
२; १३; ११, १, १६; ४,६; ७,
२०; ९, २०; १२, २,२५†; ३,
३२; १७,१,२९; २०, ६७,७†;
पै १, १८, १; ५४, ५; ८३, ४;
५,१४,८; १६,५; १४, ३, १९;
१६, ७२,२; ८३, १०; ९०, ६;
१५१, ७; १५४,१०; १७, ३२,
४†; १८, ३२, ११; १२; १९,
२२, १५; ३०, ५; -तुभ्यः मा
२२, २८; का २४, १४, १; तै
१, ५, १, ४¶; ५, ७, २, ५¶;
७, १,१५,१; ¶मै १, १०, ५;
३,३,४:५; ९, ४; १२, ७$; ४,
६,७^{३}; ¶काठ ११,१०; २१,३;
६;७; २४,१०^{२}; ३५,२०; ४१,
६$; ¶क ३१, १८; २१; ३८,
३^{२}; ४८,१८; शौ ३,१०,१०;
१९,३७,४; पै १६,९५,३; १७,
२२,२: -तुम् ऋ ७, १०३, ९;
¶तै ५,३,१,३; १०,१; ६, ५,
३,३; ¶मै १,८,७^{४}; ३, ६, ९;
¶काठ ७,१५; २०,१०; २१,३;
२८, २; ¶क ६, ५; ३१, १२;
१८; ४४,२; शौ ८, ९,१७; ९,
५, ३१-३६ ; पै १६, १९, ७;
१००, ५-११ ; -¶तुमऽ-तुम
काठ १९,५; २०, १०; २८, ९;
क ३०, ३; ३१, १२; ४४, ९;
-¶तुपु तै १,५,७,३; ५, १,५,
२; ३,१,२; ४, २, २; ९,३; ५,
८,१; ६,३,३,६; ६,३,४; ७,१,
३,२; १०,४; २,६,३; ३, ८,१;
४,५, २; ६, २; ७,३; ११, ३;
५,१,४; मै ३, १,१; ५; २, ९;
४,३; ६,४; ४, ६,७; ७, ५; ८,

a) सपा. ऋतवः <> यातवः इति पाभे. ।
b) सपा. ऋतुः (माश ५,४,१,४; ६ च) <> ऋतू (माश ५, ४,१,७ च) <> ऋतूनाम् इति पाभे. ।
c) सपा. ऋतुना <> ऋतूनाम् इति पाभे. ।

४; काठ ८,८; ९, १६; ११, ५; १२,६; १८, १९; १९, ५; २०, १०; २१, १२; २२, २;६; २३, २;८; २४, ४; २८, २; २९, ३; ३३, ३; ८; क ७, २; २९, ७; ३०,३; ३१,१२, ३४, १; ३५, ८; ३७, ५; ४४, २; ४५, ४; पै ९,२१,६$; –तू मा १०, १४[a], १३, २५[2]; १४,६[2]; १५[2];१६[2]; २७[2]; १५,५७[2]; का ११,५,५[a]; १४, २, ११[2]; १५, १, ५[2]; ४, ३[4]; ८,५[2]; १६,७,१[2]; तै ४,४, ११,१[5];२; ६,५,३,१¶; ७, ४, ८,१[2]¶; मैं २, ७,२०[a];८,१२[c]; ¶३,६,९;७,१०; ¶४, ९;६,४, ७[2]; काठ १७, १०[c]; २८, २¶; ३५, ९[5]; ३७, १६; ३९, ७[a]; क २६,९[c]; ४४,२¶; ४८,१०[6]; –तून् ऋ १,१५,५; ४९,३;९५, ३;२,३८,४; १०,२,१; ३; ११, १; ८५, १८; खि ३, २२, १०; मा ९, ३२; का १०, ६, २[2b]; ¶तै १,१, १४,४†; ६, ११,५; ७, ११,१$; २,६, ९, १; ४,३, ११, ३$; १३, ४†; ५,१,५,२; ३, १, ३[2]; १०, १; ४, ११,४; ७,२, ५; १७, १$; ६,२, ३,४; ५, ३, २[2]; ५,१; ६,१,५; २,१; ११, ५; ७,१,३,२; १०,१[2]; २, १,२; ६,२; ३, २,१; ४, ३,२; ७, २; ¶मै १, ८, २; ११,१०; २, २, २; १३, १०[2]$; ३, २, ९[3]; ४, १,५; ४, ९; †१०, १; २; १२, २†; ¶काठ २, ६[c]; १५[2]†; १४, ४$; १८, २१†; २०, १०[3]; २२, १; ६; २४, १०; २८, २; ३१, ३; १५; ३३, ८; ३४, ९[2]; १०; ३६, ११; ३९,१०$; ४०, ९$; ५३, ७$; ¶क ३१, १२[1]; ३४, १; ३८,३; ४४,२; ४७,३; कौ †१, २२९; ३६७; २, १०५९; †जै १, २४.५; ३८, ८; शौ ३, १०, ९; ६,३६,२; ६१,२;३; ७,८६, १†;८,९,१०; ११,८,१७; १४, १, २३; १८,१,१८†; १९,५९, ३†; पै १,१०६,२; ८,१४,३†; ९,२१,६; १५,१४,२; १६,१८, १०;१५१,७;१७,२८,४;१८,३, २†; १९, ४,२;१४,९; ४७,६†; –तूनाम् ऋ ५, १२,३; मा २४, ३८; का २६,८,३; तै १, ६, १, २;२,३[4]; ११,५; २,६, १,१¶; ४,३,३,१[3a]; २[2a]; ११, ५; ५, ¶३,१, १; ११,३[2];४, २,१¶; ५,१८,१; ७,२,४; १८.१; ¶६, ५, ३, २; ५,१; ७, २, ६, १¶; मैं ¶१,४, १२; ६,९; ८,२; २, १३, १०; ३, १४, १९; ४, ६, ७¶; काठ ४,१४[4];८,१¶; १९, ६¶; ¶२०,६; १०; २१, ३¶; २८,२¶; ३१,१५; ३४, १३¶; ३९,१०; ४१,९[5d]; ४७,८; ५३, ८; ¶क ६, ६; ३०, ४; ३१, ८; १२; १८; ४४, २; शौ १५, ६,१८; १६, ८, २०; पै ९,२१, ६[5]; १४, ३, २५; १५, ७, ७; –॰तो पै ११, २, ९![e]; –तोः ऋ २, २८, ५; ¶मै १, ६, ९[2]; ७,४; ४,१४,९†; काठ ९, ३¶; क ८, ६¶; –तौ ¶मै १, ६,९; २,१, ४; ४, ६, ७[2]; ¶काठ ८, १[4];१०, २; ¶क ६,६[4]; शौ ११, ६,४; पै २, ७७,१; १६, २१,३.

आर्तव[f]– –वः तै ४, ३, १०,१[g]; –वाः मा १४, २९[g]; का १५, ९,२[g]; ¶तै ७, २,६, २; ३; मैं २, ८, ६[g]; काठ १७, ५[g]; क २६, ४[g]; शौ ५, २८, २; १०, ६, १८; ७, ५; ११,३, १७; ९, २०; १५,६, १७; १७,६; पै ९, २३, १२; १३, १२, ११; १६, ४४,२; ५३,१८; ८३,१०; १७, ७, ७; २९, १५; –वान् शौ ३, १०, ९; ११, ८, १७; पै १५, १४, २; १७, २८, ४; –वानाम् तै ७, २, ६, १¶; शौ १५, ६, १८; १६, ८, २१; –वेभिः खि ३, १६, ६; –वेभ्यः मा २२, २८; का २४,१४,१; मैं ३,१२, ७; शौ ३, १०, १०; १९, ३७, ४; पै १, १०५, ४; १६,९५,४; १७, २२, २; –वेषु तै ७, २,६, ३¶; –वैः शौ ५,२८,१३; पै १, ५४, ५.

आर्तव-त्व– –त्वम् तै ७, २, ६,१¶.

१¶ऋत(व्यं>)व्या[h]– –व्याः तै ५, ३,१,१;२;११,३[2];४,२,१[3].

[a]) पाभे. कृते पृ १०१० *b* टि. द्र. ।

[b]) सकृत् ऋतून् <> दिशः <> पङ्क्तिम् इति पाभे. ।

[c]) =सपा. हिश्रौ ७, २, ४७ । आपश्रौ १०, २५, १ द्रु क (! ऋ [तु. C.]) वून् इति पाभे. ।

[d]) पाभे. कृते पृ १०१० *c* टि. द्र. ।

[e]) पाठे? ऋताव्-ऋतौ [वीप्सायां सप्त१] इति शोधः द्र. ।

[f]) नाप. । तद्धितः अण् प्र. । प्र. स्वरः ।

[g]) पाभे. कृते पृ १००९ *m* टि. द्र. ।

[h]) नाप. (इष्टका-विशेष-) । मन्त्रोपधेयार्थे व्रति प्र: (पा ४, ४,१२५) तित्स्वरः ।

२¶ऋत(व्य>)व्या[a]- -व्याः मै ३, २, ९[२]; ३, ३; -व्याभिः मै ३, ३,३.

३¶ऋत(व्य>)व्या[b]- -व्याः काठ २०,१०[३];२१,३; क ३१, १२[३]; १८; -व्यानाम् काठ २१, ३; क ३१,१८; -व्ये काठ २०, ६; क ३१,८.

¶ऋतव्या-त्व- -त्वम् काठ २१, ३; क ३१,१८.

¶ऋतु-ग्रह[c]- -हाः तै ४,७,७,१$; ६,५,३-४,१; मै ४,६, ७[५]; काठ २८, २[३]; क ४४, २[३]; -हान् तै ६,५,१०. १; -हैः तै ६, ५,३, १; मै ४,६,७;८; काठ २८, २; क ४४,२.

ऋतु-था[d] ऋ १,१६२,१९; १६४, ४४;१७०,५; २, ३,७; ४३,१; ५, ३२, १२; ६,९, ३; १८, ३; ६२,९:८,१३, १९; ४४,८; ९, ९७,१२; १०,२८, ५; ४०, ४; ८५, १६; ९८, ४;११०, १०; १३१, ३ ; खि ५, ७, १, ११; मा २०, ६५; २३, ४०[e]; २५, ४२; २६, १९[f]; २९, ३५†; का २२, ६. ११; २५,८, २[e]; २८, ११, १[f]; ३१, ४, ११†; तै ४, ६,९,३†; मै १,६,२[g]; ३, ११, ३; ४,१२,२[h]; १३,२;३†; काठ १०,१२[e]; १५, १३; १६,२०†; ४६,५†,५०,६; कौ २,३७१†; ११९३; जै ३,३०, १४†; †शौ ५,१२,१०;९,१५,२६; १३, ३, २$; १४,१,१६; २०,१२५,३; पै १८,२,५†.

ऋतु-धा[i] तै २,१, ११, २[h]; ५,२, १२, १[e]; पै १५, ५, ४[j]; १६, १८,७;१९,८?[k].

¶ऋतु-नामन्- -मानि काठ २२, ६; क ३४,१.

ऋतु-पति[l]- -तीन् शौ ३,१०, ९; ११, ८, १७; पै १५, १४, २; -†०ते ऋ १०,२, १; तै ४,३, १३,४; मै ४,१०, १; काठ २, १५;१८,२१.

ऋतु-पा[m]- -पाः ऋ ३,२०,४[n]; ५, १२,३[n];१०,९९,१०;-०पाः ऋ ३,४७,३;-पाभिः ऋ४,३४,७.

¶ऋतु-पात्र[o]- -त्रम् तै ६,५, ३,९; मै ४, ६,७;८;८,८[२]; -त्रे मै ४, ५,९; ६, ७; ८, ७$; काठ २८, २; १०[३]; क ४४, २; ४५, १[१]; -त्रेण तै ६,५, ४,१;५,१[२]; मै ४,६,८; काठ२८,२; क ४४,२.

ऋतु-मत्- -मत् ¶मै ३,७,४;४,६, ८; -मतः मा १९, ६१; का २१, ४,११; मै ४,१०,६; काठ २१, १४, -मताम् काठ ३३, ७¶[p]; -मद्भ्यः काठ ३३. ७[२]¶[p]; -मन्ति मै ४,६,८¶.

ऋतु-मुख[q]- -खे मै १,६,५¶; काठ ८,१¶; क ६,६¶; पै४,४०,५.

¶ऋतु-याजिन्- -जी मै १ , १०, ८[२]; काठ ३६,३[२].

ऋतु-शस्[r](:) ऋ १, १६२, ४ ; १०,२,५; ५५,३;९८, ११; मा १३,४३; २३,५७;५८;२५,२७; २९, १०; का १४, ४, ६; २५, १०,५;६; २७,१२,४; ३१, १, १०; तै ४,२,१०,२; ६, ८,२†; ५,१,११,४¶; मै २,७,१७; ३, १०,७¶;१६,१†; २; काठ १६, १७;४६,२; ४†; शौ ९,५, १३; पै १६,९८,३.

ऋतु-(स्थ>)स्था[s]- -स्थाः[s] मा १७,

a) यप् प्र. उसं. इति विशेषः। शेषं पृ १०११ *h* टि. द्र.।
b) स्वराऽभावात् पृथक्-निर्देशः।
c) नाप. (सोमग्रह-विशेष-)। कस. अन्तोदात्तः।
d) वीप्सायां था प्र. उसं. (पा ५, ४,४३) तत्स्वरश्च।
e) सपा. ऋतुथा <> ऋतुधा इति पाभे.।
f) सपा. तैब्रा ३, ७, १०,३ आपश्रौ ९,१४,१ ऋतुधा ⌊वैप२ च यद्र.⌋ इति पाभे.।
g) सपा. काठ ७, १४; ८, ३; १८,४; ३४, १९ तैब्रा ३,११,५,१ विशिष्टः पाभे.।
h) सपा. °था (आश्रौ २, ११,१२ शांश्रौ ३, ६, २ च) <> °धा (आपमं २,४,४ च) <> हिगृ १,७, ११ इह ते इति पाभे.।
i) =ऋतु-था। धा प्र. इतिमात्रं विशेषः।
j) पृ ६५० *o* टि. द्र.।
k) °थ्याः इति पाठे? यनि. शोधः।
l) नाप.। उस. प्रकृतिस्वरः।उप. यद्र.।
m) विप. (अग्नि-, इन्द्र-)। उस. विजन्तम्।उप. √पा (पाने) द्र.।
n) ऋतु° > ऋत° इति शोध-प्रस्तावः (तु. ORN.)।
o) नाप. (ऋतु-ग्रह-)। मध्यमपदलोपिनि कस. अन्तोदात्तः।
p) विश्व-देव-साहचर्यात् ऋभु° इति शोध-प्रस्तावः (तु. तै ७,५,७,३ काठ १७,४;२१,१)।
q) बस. अन्तोदात्तः।
r) वीप्सायां शस् प्र. (पा ५,४,४३) तत्स्वरश्च।
s) विप. (इष्टका-)। उस. विजन्तम्। उप. पत्वविकल्पः (पा ८, ३,१०६)। [s]) पाभे. इते पृ ९९९ *o* टि. द्र.।

३; का १८,१,४; मै २,८,१४;३,
३, ४[२]; ¶; काठ १७, १०; क
२६,९.
¶ऋतु-स्था[a]- -स्थाः तै ५,७,६,६[२];
-स्थाम् तै ५,७,६,५.
¶ऋतुस्था-यज्ञायज्ञिय[b]-
-येन तै ५, ५,८,१.
ऋतु-स्पृश्[c]- -स्पृशः[d] काठ १७,
१०; क २६,९.
ऋत्वि(तु-इ)ज्[e]- -त्विक्, ऋ २,
५,७; पै २०, ३४,४; -त्विक्षु
¶तै ७, २, १०, १; -त्विग्भिः
काठ ३५, १०; क ४८, १२;
-¶त्विग्भ्यः तै ६,१,४,२; मै ३,
६,८;४,८,२; काठ २३,४;२६,
७;२८,५; क ३६,१;४१,५;४४,
५; पै १,१०५,४$; -त्विजः ऋ
१,६०,३;८,५८,१;९,११४, ३,
१०, २, १; खि ३,१८, २; तै
१, ६, ५, १; ७, ३,२¶; ५, ३;
२,३,११,४[२]¶; ४,३,१३,४†;
५,७,७, ३; ¶६,१, ४,२; २,२,
५; ११,४; ३,६,१; ७,५; ७,३,
११, १; मै १,४, २; ७; ६,२[f];
१०,९¶; २,३,५; ¶३,८,२;४;
९, ६; ८[२]; ४,६, ४¶; १०,१†;
¶काठ २, १५†; ५, ५$; ११,
८[२]; १८, २१†; २५,९; २६,७;
९[२];२७,९; २८,५; ३२,५; ३५,
५[२]$; ३६, ४; ४०, १३$; ४३,
१$; ¶क ४०, २; ४१,५; ७[२];
४४, ५; ४८, ६[२]$; शौ ८, ९,
२१; ९, ७, ६; १०, ९,४; १२,
१,३८; १९, ११, ५‡[g]; ४२,२;
५८,६; पै २, ५७, ३‡[g];१३,८,
१५‡[g];१६,१९,९;९६,४;११६,
१;१३६,४;१७,४,९; -०त्विजः
शौ ६, २, १; पै १९,१,४; २०,
१५; -†त्विजम् ऋ १, १, [१;
५,२६,७]; ४४,११; ४५,७; २,
५, ७; ३,१०, [२; १०, २१, ७
(११८,७)]; ५, २२,२; ७,१६,
६;८, ४४, ६; १०, ७,५; तै ४,
३, १३, ३; मै ४,१०, ५; ११,
१; काठ २,१४[२]; कौ २,८९३;
३,३,४; जै २,१,१०;४,१३,८;
२९,६; -†त्विजा[h] ऋ ८, ३८,
१; कौ २, ४२३; जै ३, ३२,
१३; -०त्विजा ऋ १०, ७०,
७; -त्विजाम् ऋ १०, ११४,
९; ¶तै ३,१, १०,२; २,९,५;
७, १, ५, ६; ३, २,१; ¶मै ४,
६, ३;७,४; ¶काठ २८,९; ३४,
१८; क ४४, ९¶; -‡त्विजौ[h]
काठ ३५,५; क ४८,६.
¶आर्त्विजीन[i]- -नः मै ३, ८,
४; काठ १३,४.
आर्त्विज्य[j]- -ज्या ऋ १, ९४,
६; पै १२, १,५; -¶ज्याय काठ
२८,३; क ४४, ३; -ज्ये मै ४,
२,१¶; -ज्येन शौ ११,३,१४;
पै १६,५४,८.
१ऋत्विय[k]- -यात् तै २, ५, १,
५[२]¶; -याय शौ १२, ३, २९[l];
पै १७, ३८, ८[l]; -ये शौ १४,
२,३७; पै १८,१०,७.
ऋत्विय-व(त>)ती- -ती
मै २,७,१२; पै १२,६,१; १९,
४२, ८; -तीम् पै ६,१०,४.
२ऋत्विय[m]- -†यः ऋ १, १३५,
३; १४३,१; ३, २९,१०; ४१,
२; ५,७५,९; ८, १९, ३१; ९,
७२,४; मा ३,१४; १२, ४८$;
१२,५२; १५,५६; का ३,३,४;
१२,४,१२$; १३, ४. ८; १६,

a) विप. (अग्नि-)। व्यु. कृते पृ १०१२ g टि. द्र.।

b) नाप. (साम-विशेष-)। पपा. नावग्रहः। मध्यमपद-लोपिनि कस. उभ. प्रकृतिस्वरः उसं. (पा ६,२,१४०)। =सपा. आपश्रौ १७,१२,१०। आश्रा २,१९,९ जैश्रा २,८,१-३ तु °ष्ठा···यज्ञी° इति पाभे.।

c) विप. (इष्टका-)। उस.।

d) पाभे. कृते पृ १००१ a टि. द्र.।

e) विप. च नाप. च। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् (तु. या [३,१९] ORN. प्रभृ.; वैतु. या. [पक्षे] < √ऋ इति वा <ऋ्तु- + √ यज् [शाकपूणिमते] इति वा)। f) सपा. ऋत्विजः<>होत्राः (माश ९,२,३,४४ च) इति पाभे.।

g) सपा. ऋत्विजः<> यज्ञियाः इति पाभे.।

h) सपा. °जा<>°जौ इति पाभे.।

i) अर्हत्यर्थे खञ्>ईनः प्र. (पा ५,१,७१) ञित्स्वरश्च।

j) कर्मणि ष्यञ् प्र. (पा ५,१,१२४) ञित्स्वरश्च।

k) नाप. (ऋतौ [=रजसि] प्राप्तं कर्म [=मैथुनम्])। घन्>इयः प्र. उसं. (पा ५,१,१०६; ६,४,१७५) नित्स्वरश्च।

l) 'यथा योषा ऋत्वियाय (पत्या) संभवति तथा' इति वा. द्र. (तु. पै. [मूको.] ऋत्वि (य>) या-वन्- >-वा [प्र१] इति; वैतु. RW. W. ऋत्विया या इति द्विपदः शोधः इति च !)।

m) विप. (भाग-, योनि-, होतृ-)। तदस्यप्राप्तमित्यर्थे घस्>इयः प्र. (पा ५,१,१०६) तत्स्वरश्च।

६, ८; तै १, ५,५,२; ७,२; ३, ४,१०,४; ४, १,४,४$; २, ४, ३; ७,१३,५; ५, १, ५, १०$; मै १,५,१; ५[२]; ६; ६,१; २,७, ५$; काठ २,४; ६,९; ७,४;५: १६, ४$; ११; १८, १८; २३, ६; क १, १६; ४, ८: ५, ३;४; २५,२; २९,६; ३६, ३; कौ १, ४३८$; २, ११९८$; ११७३; जै १,४६,२$; शौ ३, २०, १: २०,२३,२: पै ३, ३४,१; —यम् ऋ २,१,[२: १०,९१,१०]; ८, ४०,११;१०,९१,४;६;१००,२; १७९,१; मा २३,६३; का २५, १०, ११; कौं २, ११७४†; शौ ७,७५,१†; पै ५, ३७, २; १३, २, ९; —याः ऋ १, १९०, २; —यात् पै १०, ४, ४; —यानाम् पै ११, १, १२: —याय ऋ ८, ६३,११.

३ऋत्विय[a]–
ऋत्वि(य>)या-वत्– -वतः ऋ ८,८,१३.
ऋत्वियावती– -ती ऋ ८, १२,[१०; ८०,७].
१ऋत्व्य[b]– -त्व्ये[?c] ऋ १०,१८३,२.
?ऋतुकन्तुनी ऋ त्वि दा प्र मा भ्या सि नी पै ३, ३७,१.
ऋतु-ग्रह– प्रभृ. ऋतु– द्र.
? ऋतुनः पै १९,३०,१२.
ऋतोद्य–, ऋत्य–, ऋत्वा √ऋ द्र.
ऋत्विज्–, १ऋत्विय–, २ऋत्विय– ऋतु– द्र.
२ऋत्व्य[d]– -त्व्यानि पै १९, २५, १४.
√ऋद् (=√अर्द् [यद्र.]), †ऋदन्तु ऋ ७,१०४,२४; शौ ८,४, २४; पै १६,११,४.
†ऋदु-दर[e]– -रः ऋ २,३३, ५; –राः ऋ ३, ५४, १०; –रेण ऋ ८, ४८,१०; तै २, २,१२,३; मै ४, ११,२; काठ ९, १९.
†ऋदू-पृ[f]– -पे ऋ ८,७७,११; जै ४, ११,५.
†ऋदू-वृध्[g]– -वृधा ऋ ८, ७७,११; जै ४,११,५.
ऋद्ध–, ऋद्धि–, ऋद्ध्वा √ऋध् द्र.
√ऋध्, न्धू(वधा.)[h],>आर्धि, ईर्त्स, ऋधाथे ऋ १, १७,९; ऋधत् ऋ ६, २,४[i]; मै ४, १३,९[i]; आर्ध्मे तै २, ६,९,५¶; मै ४, १३,९; ऋध्यात् मै ४,१३,९; †ऋध्याम्[k] ऋ ५, ६०, १; शौ ७, ५२, ३; पै २०,३०,२; †ऋध्याम,>मा ऋ १,३१, ८[l]; २, २८, ५; ४, १०,१; १०,१०६,११; मा १५, ४४; १७, ७७; का १६,५,२६; १८,६,१३; तै ४, ४, ४, ७; मै

a) २ऋत्विय– इत्यनेन सजातं भाप. ।

b) नाप. (काम-)। यति प्र. यना. स्वरः यण च [पा ६,४,१७५ (तु. वें. सा. Gri. GRV.; वैतु. GW. विप. [तनू-] इति)] ।

c) पाठे? ऋत्व्येन इति शोधः (तु. छन्दः, वा. नाध° इति युक्ता हेत्वर्थे तृ. आकांक्षा च)।

d) विप. ([हिंसक-] रक्षस्-)। व्यु. ?।

e) विप. (देव-, रुद्र-, सोम-)। व्यु. अर्थश्च ?। पपा. नावग्रहः। या [६,४] वें. सा. भा. PW. GW. प्रभृ. पूप. <मृदु- इति, GW. GG. =आर्द्र- इति मत्वा <√ऋद् इति; उप. या. वें. GG. NW. प्रभृ. उदर- इति कृत्वा बस. इति, PW. GW. GRV. दुर- [भाप.] <√द [आदरे] इति मत्वा बम. (=दयार्द्रभाव-) इति च।

f) व्यु. अर्थश्च ?। °दु-पृ°- इति पपा. इति कृत्वा सुसंस्कृता (=°तौ) इति पदसंनिधानाच्च या [६, ३३] विप. (बाहु-) इति मत्वा यनि. प्राति. पूप. =[भाप.] अर्दन- (<√अर्द् [हिंसायाम्]) इति वा, =गमन- इति वा [=शब्द- इति वा, =क्रूर- इति वेति काचित्कौ पाठौ], =मर्मन्- इति GRV. GG., उप. पृ-<√पत्[गतौ] इतीव मत्वा =पातिन्- इति। PW. प्रभृ. ऋ(<मृ)दु-पृ-(<√पा [पाने]) >-पौ इतीव?; ?GW. °पृ- [स्त्री.]> -पे इति मत्वा नाप. (मधुमक्षिका- वा तादृश-जीवान्तर-विशेष- वा) इति। नाप. (मधुपटल-) इति कृत्वा यनि. प्राति. नैप्र.<= *ऋदु-प्र- (=मधु-प्र- [=ऋदुना मधुना पूर्यत इति कर्मणि प्र.]) इति, यनि. रूपं च न. प्र२ ([=सुसंस्कृते] शोधिते मधुपटले इव ऋदू-वृधौ [=मधुवृधौ] इन्द्रस्य बाहू इत्यन्वयः) इति मतम्।

g) विप. (बाहु-)। °दु-वृ° इति पपा.। या [६, ३३] पूप. (f टि. दिशा द्र., = मर्मन् चेत्यधिकमत्र) उप. च <√वृध =√व्यध् इतीव कृत्वा =वेधिन्- इति। यनि. प्राति. =मधु-वर्धिन्- (तु. सस्थ. दृण्य- इति, PW.GW. प्रभृ. च) इति विप. कृत्वा उस. छिन्नमिति मतम् (तु. f टि.)।

h) तु. √वृध् : √रध् : √अर्द्।

i) सपा. कौ १,३६५ विशिष्टः पाभे.।

j) =सपा. तैब्रा ३,५,१०,४ शांश्री १,१४,१६। माश १,९,१,१२ आश्री १,९,५ तु ऋधेत् इति पाभे.।

k) =सपा. तैब्रा २,७,१२,४। मै ४,१४,११ तु भक्ष्याम् इति पाभे.।

l) सपा. ऋध्याम<>शकेम इति पाभे.।

१,१०,३; २, १३, ८; ४, १४, ९; कौ १, ४३४; २, ११२७; जै १,४२,८.
ऋध्याते तै ६,५,६,२¶;
¶ऋध्नोति तै १, ५, १, ४; ३, ४,६,१; ५,१,४; ५,२, १०, ५; ४, १०,५^{२}; ५, २,१; ६,६,१०, १; ७,२,१०,१;५,२,२^{२}; मै १, ४,१५; ७,२; ५; ८,७; १०, ५; २,५,१; ३, १,१;५;१०; २,६; ३,२; ४,२; ५^{२}; ६;८; ७, १०; ४, १, २; ४, ७; काठ २०, ९; २१, ५; ऋध्नोति क १,१८,८; ¶तै १,५,४,४; ७,३,२; ५, ४, ११,३; १२, २; ५,१,५; ६; ७, १,३; ४,३; ६,६,६,१; ७,१,८, २; ¶मै १, ६, ७; ७,२; ४; ५; ८,४;२,५,११; ३, १,१, ४; २, १; ८; ६,१^{४}; ८,४; ४,३,१; ८; ४, १०^{३}; ७, ७; ९^{२}; ८,३; १०; ¶काठ ६,५;६; ७,५^{३}; ८,१; ५; १३^{२}; १५; ९,१;३; ११,४; ५; १३, १; ३^{३}; १९, ११; २०, १; २१,१; ३^{२}; ४^{२}; ११; २२, २^{२}; ४;७;८; २३,६;२४,८; २५,३^{३}; २८,४^{३}; २९, १; ३; ६; ७; ८^{४}; ३०,१;९; ३१,६; ३४,९^{३};१०; १३; ¶क ४,४;५; ५,४^{३}; ६,६; ७, १; ८,१^{२};३; ४; ६; ३१, १; ३; ११; १८^{२}; १९^{२}; २०; ३५, १;२; ३८,१; ६^{३};४४,४^{२}; ४५, २; ४; ७; ८; ४६, ४; ४७, ६; ¶ऋध्नुवन्ति तै ७, ३, ५,२; ५, १,२; ¶ऋध्नुवन्ति तै ३,५,१०, २; ७,३, ४,१; ५,२; ४, ५, २; काठ ६,४^{२}; ३०,५^{२};३३,१^{२}; ८^{२}; ३४,९^{७}; १३^{३}; १७; ३७,१७; क ४, ३^{२}; ?अर्ध्नुवन्[a] मै ३, ४, ८¶; ¶ऋध्नवत् तै १, ५,१, २; ५, ५, २, १; मै ४, ५, ९; काठ २२, ७; क ३५, १; ¶ऋध्नवानि काठ ८, १; क ६, ६; ¶आर्ध्नोत् तै ६, ६,१,१; १०,१; ७, १,८, २; २,१०,३: मै १, ७,२: ४,१, २: ¶आर्ध्नोत् तै १, ५,१,३; ५, २, १०,५: ४,१०, ५^{२}; ६,६,६, १; १०,१; ७, २,१०, १: मै १, ६, ७; ८,७: २, ५,११; ४,५,९: ७,७: काठ ६, ६^{२}; ८,१५: २०, ५; ९: २१,४; ३०, १^{२}; ३१,१; ३४, ९: १३^{२}: क ४, ५^{२};८,३: ३१, ७; ११;१९; ४६,४^{२}; ४७, १: शौ ४, ३९, १; ३; ५; ७[b]; ¶आर्ध्नुवन् तै १, ५, ४,४; ७, ३, ५, १; मै ३, १, १०; ३, ९; ¶आर्ध्नुवन् तै १, ५,४,४;५,२, १,६; ५,१,५; २,१; ७,३,४,१; ४,५,२; ५, २,२; मै १, ७, ५^{२}; ३, २,८;४,६; ८; ४,४,७; काठ ८, १३; ९, ३^{२}: २४,८; २६,६: २९, ७; ३३, १; ३४,९; १३^{७}; १७; ३७,१७;क ८, १;६; ३८, १; ४१, ४; ४५, ८: ¶ऋध्नुयात् मै ३,१,१;५;७,१०; ¶ऋध्नुयात् म १,८,४; ३, ६,१^{४}; ४, ७,९^{३}; काठ ९, १[c]; २२, २; २९, ८^{३}; ¶ऋध्नुयुः काठ ६,४; क ४, ३; ¶ऋध्नुयाम् तै ५, ४,११,३; ५, १, ५^{२}; मै २, ५,११; ३, ८,४; काठ २१, ४; ३४, १३; क ८, ४[c]; ३१, १९; ऋध्नुयाम तै ७, ३,४,१¶.
ऋध्ये काठ २३,५¶; ऋधेम शौ १९, ५५, ४: पै १९, ४४, २३.
†ऋगधत् ऋ १, ८४, १६; तै ४ २,११,३: मै ३, १६,४; काठ ४५, २१; कौ १, ३४१; जै १, ३५, १०; शौ १८, १,६.
¶आनर्ध मै ३, ३,२: काठ २१, ४: क ३१, १९: आनृधुः शौ २, ३५, १[d]: पै १, ८८, ३.
ऋध्यासम् तै ३, २, ६, १; मै ४,९,१[e]; ऋध्यासम् मा ८,९[f]; का ८, ६, १[f]: मै १, ३, ३७[g]; ४, १,२; ८,२[g]: काठ १, २; ४, ९[g]: ११^{२}[f]; १४; २८, ४[g]: ३१, १:३५,३: क १,२: ३,७[g];९^{२}[f]: ८,१; ४४, ४[g]; ४७, १; ४८,४, ऋध्यास्म मै ४, १३, ९: शौ ६, ९४, ३.
¶ऋध्यन्ते तै १, ५, २, २; काठ ३१,१५;३४,१७[c]; ऋध्यन्ते काठ ३४, १७¶; आर्ध्यंत, आर्ध्यंत तै ३, ४, ६,१¶; ¶ऋध्येत तै ६, ६, १०,२^{२}: मै २, २, ९; काठ ९, १७.

a) पाठे? ऋध्नवत् (प्रपु१) इति संभाव्येत (तु. सपा. तै ५,५,२,१)। b) सपा. तै ७,५,२३,१ विशिष्टः पाभे.।
c) सपा. ऋध्नुयात्<>ऋध्नुयाम् इति पाभे.।
d) पाभे. कृते पृ १००२ *f* टि. द्र.। धा. स्तुतौ वृत्तिः।
e) एकतरत्र सपा. तैब्रा ४,३,३; ५,३,९ आपश्रौ १,६, २; १५, ४, १२;५, ४; ६, ११; ७,२ सध्यासम् (लैवि. एत्र) इति पाभे.।
f) सपा. ऋध्यासम् (माश ४,४,२,१२ च) <> गृह्णामि<>राध्यासम् इति च पाभे.।
g) सपा. ऋध्यासम् (माश्रौ २, ४, ५, १४ च)<> राध्यासम् (आपश्रौ १३,६, १२ च)<>विदेय<> विदेयम् (माश ४, ३, ४, १९ च) इति पाभे.।

¶अर्धयति मै १,७,२; काठ ८, १५; क ८,३; अर्धयन्ति शौ ७, ८५,४; अर्धयेत् तै ६,६,१०, २[२]¶.

¶ईर्त्सेत् तै ३,४,६,१; मै १,६, ५;९;१०;७,३: ¶ईर्त्सेत् मै १,६, ८; काठ १३,३;२९,७; क ४५,८.

अर्धयत्- -यन् जै ४,१०,४[a].

ऋद्ध- -द्धः तै ४,४,८,१; ६,५,६, २¶; -द्धम् मा १८,११; का १९,३,२: तै ४,७,२,२; ७,५, २,२¶; मै १,७,२[३]¶; २,११, ३; काठ १८,८; ३३,१¶; ३४, १३[४]¶; क २८,८; -द्धाः का २, ५,८[b]; ¶मै १,७,५; ३,१,१०; ४,१,१३; ३,१; ¶काठ ८,१५[३]; ९,३; ¶क ८,३[३];६.

ऋद्धि- -द्धयः खि ४,६,२; -द्धिः मा ८,५२; १८,११; का १९,३,२; तै ¶१,५,२,२: ४,७,२, ०; ¶६,६,१०,२; मै २,११,३; काठ १८,८; ३७,३¶; क २८, ८; -¶द्धिम् तै १,५,१,३;४,४; ३,५,१,४; ५,२, १०,५; ६,६, ६,१;७,१,८,२; ४,५,४; ५,४, २;८,१; मै १,७,२;३; काठ ६, ४;६;८,१५; ९,१;२१,१; ३०, १; क ४,३; ५; ८,३; ४; ३१, ११; ४६,४; -द्धीः मै ३,२, ८¶; -द्धीनाम् मै २,२,९¶; -द्धया तै ७,५,८,१¶; मै ४, ८,१¶; काठ ४४,१[c]; पै ७,३, ११; -द्धयाः ¶तै ५,१,१,२; ३; -¶द्ध्यै तै ५,४,१०,५[२];७, ४,५,४; ९,१;५,४,२;१३,१$; मै १,४,१५; ७,२; २,१,३[२]; ३, १;६; ५,५; ३,२,६; ३,९[२]; ८, ५;७,२; ४,१,२; ३,१; काठ ८, १; १३; १०,९[२]; ११,२; १२, १[४]; १३,२;१०; २०,५;९; २१, ९;२६,७; २९,७; ३१,१[२]; ३७, ३; ४५,९[२]$; क ६,६; ८,१; ३१,७;४१,५;४५,८; ४७,१[२].

ऋद्धि-का(म>)मा[d]- -मा मै ४, १,२¶.

ऋद्धि-परिमित[e]- -तम् तै २,३, ३,१¶.

¶ऋद्ध्वा तै ७,३,५,३;७,४; ९,३; ४,२,५;४,३.

ऋध्नत्-

ऋधत्-रि[f]- -रयः ऋ ८,४६,२३.

ऋधद्-वार[g]- -राय ऋ ६,३,२.

†ऋन्धत्- -न्धन् ऋ १,१७३,११; ३,३१,२; १०,११०,२; मा २९,२६; का ३१,४,२; मै ४, १३,३; काठ १६,२०; शौ ५, १२,२.

१†ऋधक्[h] ऋ ९,६४,३०; कौ २,६; जै ३,१,८.

२ऋधक्[i] ऋ ३,२५,१; ४,१८,४; ३४,९; ६,४०,५; ४९,१०; ७,५७,४; ६१,३; ८,१८,११; १०१,१; १०,४९,७; ७९,२; ९३,८;१०५,८; मा ८,२०[२]‡[j]; ३३,८७†; का ९,३,६[२]‡[j]; तै १,४,४४,२[२]‡[j]; मै १,३, ३८[२]‡[j]; काठ ४,१२[२]‡[j]; क ३,१०[२]‡[j].

ऋधङ्-मन्त्र[k]- -न्त्रः शौ ५,१,१.

√ऋन्ध् √ऋध् द्र.

?ऋपात्[l] पै ५,२०,६.

ऋबीस[m]- -सम् ऋ ५,७८,४; १०, ३९,९; -सात् ऋ १,११७,३; खि १,१२,२; -से ऋ १, ११६,८.

---

a) सपा. शौ ६,४९,२ अर्दयन् इति पाभे.।

b) मा. रुद्धाः इति।

c) सपा. ऋद्धया<>वृद्धया (माश १३,२,७,४ च) इति पाभे.।

d) विप. (इन्द्राणी-)। समागमविषये पृ १० g टि. द्र.।

e) विप. (मन्त्र-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

f) विप. (आशु- ⌊अश्व-⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. भाप. √री ⌊गतौ⌋+क्विः प्र. उसं. [पाउ ४,१३९ (तु. वें. सा. ORN. Gri. प्रभृ.; वैतु. PW. GW. WAG ⌊२,४२ d⌋ °री- इति प्राति. =व्यप. इति कृत्वा उप. =रै- इति यनि. रूपम् च१ इति च?, L ⌊३८२, ४३१⌋ उप. =रै- इति कृत्वा यनि. रूपं च१ इति?⌋)]।

g) विप. (अग्नि-)। बस.। उप. <√वृ ⌊वरणे⌋।

h) अव्य. ⌊=समृद्धि-मत⌋। पपा. नावग्रहः। वा. क्रिवि. (तु. सा.; वैतु. PW. GW. प्रभृ. =पृथक् इति)।

i) अव्य.⌊=पृथक्⌋। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√ऋध् (*भेदने ⌊तु. √अर्ध्⌋)। वा. क्रिवि.। यदा तु =समृद्धिमत् इत्यर्थो विवक्षितः (तु. पक्षान्तरे या ⌊४,२५⌋, सा. च) तदाऽदः =१ ऋधक् (<√ऋध् ⌊वृद्धौ⌋) इत्येव विशेषः।

j) सपा. ऋधक् (माश ४,४,४,१२[२] या ४,२५[२] च) <>भुवम् इति पाभे.।

k) विप. (वरुण-)। बस.।

l) पाठे? लैवि. सति द्वीप- > -पात् (पं१) इति शोधः?।

m) नाप.। अर्थः व्यु. च? (तु. या ६,३५ दे ४,३ प्रभृ.)।

ऋभु[a]- -भवः ऋ १, २०,४; ५१, २; ११०,४-६; १११,१; ३,६०,३; ४, ३३, २; ४[2]; ६-८; ३४, ९; ३६,६; ५,४६,४; ५१,१३; ७, ३५, १२; ५१, ३; ८, ३, [७ (१२,३२)]; ७५,५; १०, ३९, १२; ६६, १०; ८०, ७; खि ५, ५, ६[2]; मा २१, २६; का २३, ३, ४; तै २, ६,११,१†; मै ३, ११,१२; ४, ११, ६†; काठ ७, १७†; ३८,११; †कौ १,२५६; २, ९२३; जै १, २७, ४†; शौ ६,१०८,३; १९,११,१†; २०, ९९, १†; पै ५, १७, ३;१३,८, ११†; -०भवः ऋ १, ११०,१; ८; १११, ३; १६१, [४; १३]; ११; ३, ५४, १२; ६०, २; ४; ४,३३,५; १०; ११; ३४, २-४; ८; १०; ११; ३५, १: ३-६; ९; ३६,१-४; ७-९;३७,६; १०, ६५, १०; काठ २३, ११†; शौ ९, १, १३; पै १६, ३३, ३; -भवम् खि १, २, ९; -भुः ऋ १, ११०, ७[2];१११,५;१२१,२; १६१,६; २, १,१०; ३, ५, ६; ३६,२; ४,३३,३; ३४,१; ५, ७, ७; ६, ३, ८; ७, ४८, २[b]; ९, २१, ६; ८७, ३; १०, २३, २; ९३,७; ८[2];१०५,६; १४४,२[2]; खि ४,५,१०[c]; काठ २३,११†; कौ २,२९†; जै ३, ३, ८†; शौ ४,१२,७; ६, ४८,२[d]; १०, १, ८; पै १६,३५,८; -†भुभिः ऋ ३, ५४,१७; ६०,५;७; ४, ३५, ७; ७, ४८, २; ८,९,१२; काठ २३, ११, शौ २०, १४१, २; -भुभ्यः ऋ ४, ३३,१; मा ३०, १५; का ३४, ३, २; -भुम् ऋ ४,३७,[५; ८,९३,३४]; कौ १, १९९†; जै १,२१,६†; शौ १, २, ३; -भू ऋ १०, १०६, ७; -भूणाम्[e] ऋ ४, ३५,२;५१,६; १०, १७६,१; मा १४, २६; का १५,८,५; तै ४,३,९,२; ५, ३, ४,५; मै २,८,५;४,१४,१५‡[f]; काठ १७,४; २१,१; क २६, ३; ३१,१६; शौ ९,१,१३; पै १६, ३३,३; -भून् ऋ १,१११,४.

¶आर्भव[g]- -वः काठ १५, १०[2]; -वस्य मै १,९,५; ३,३, २; ४,२,४; काठ २२,१०; ३४, ४; क ३५, ४; -वे मे १, ११, ९; काठ १४, १०; -वेण काठ ९,१४.

ऋभु-तम(:) ऋ ४, ३६,५.

ऋभु-मत्[h]- -मत् ऋ १, १११,२; -मतः खि ५, ७, ४, ११; १७; -मताम् तै ७,५,७,३¶; -मते[i] मा ३८, ८; का ३८, २, २; -मन्तम् ऋ ३, ५२,६; -मन्ता ऋ ८, ३५, १५; -मान् ऋ १, ११०,९; ३,६०,६.

ऋभु-ष्ठि(<स्थ)र[j]- -०र ऋ ८, ७७,८.

ऋ(भु>)भू-मत्- -मतः मै ४,९, ९[k]; -मते मै ४, ९,८[l].

†ऋभुक्षन्, क्षा[l]- -क्षणः ऋ १०, ९२, ११; -०क्षणः ऋ ७, ४८, १; -०क्षणः ऋ ४, ३७, ३; [५ (८, ९३, ३४)]; ७;८; ७, ३७, १; २; ८, ७, ९; १२; २०, २; १०, ९३, ७; -क्षणम् ऋ १,

---

a) विप. (इन्द्र-, अग्नि- प्रभृ.), व्यप. (सुधन्वनः पुत्र- [ऋ १,११०,८ प्रभृ.])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। ऋ- (<उरु-वा १ऋत-वा)+भु- (<√भा वा √भू वा) इति या[११,१५] प्रभृ., <√रभ् इति PW. प्रभृ.।

b) पाठः? इति कृत्वा *ऋभू-(विप.)> -भ्वः (प्र३ [तु. सस्थ. विभ्वः]) इत्यस्य मूलतः सतः लैवि. स्यादिति तत्परः शोधश्च?। c) सपा. खिसा २९,१० विभुः इति पाभे.।

d) =सपा. माश १२, ३,४,५। तै ३, २,१,१ तु सुधा इति, तां १, ५,१५ गोत्रा १,५,१४ स्वरः इति, शांश्रौ ६,८,१२ माश्रौ २,५,१,२२ सखा इति च पाभे.।

e) BL. ?GRV. ऋभूणाम् (=ज्वालानाम्) इति पाठं प्रस्तावुकौ।

f) सपा. ऋभूणाम् <> ऋभूणाम् इति पाभे.।

g) विप. (पवमान-)। प्राग्दीव्यतीये अर्थे अण् प्र. (पा ४, १,८६) चित्स्वरश्च।

h) विप. (देव-, युष्मद्-, वयस्- [=अन्न-])। मतुबुदात्तः।

i) सपा. ऋभुमते (माश १४, २,२,९ तैआ ४,९, २, ५, ७,११ च) <> ऋभुमते इति पाभे.।

j) विप. (इन्द्र-)। कस. उपमानं पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६, २, २)।

k) सपा. ऐआ १, २२ तैआ ४, १०, ५; ५, ८, १२ आश्रौ ४,७,४ शांश्रौ ५,१०,३१ मधुमतः इति पाभे.।

l) विप. (इन्द्र-, मरुत्- प्रभृ. [वैतु. नाप. इति PW. प्रभृ.])। अर्थः व्यु.?। ऋभुक्षिन्- इति प्राति. इति पा ७, १, ८५; ८६ [तु. MW.], न तु तदधुना श्रुतिगोचरमिव भवति?। पपा. नावग्रहः। ऋभु-+क्षिन्- [<√क्षि ऐश्वर्ये वा निवासगत्योर्वा] इतीव कृत्वा उस. इति सा. [ऋ १,६३,३], √ऋ+भुक्षिनक् प्र. इति दे [३,३]?।

१११,४; ८,४५,२९; ९३,[३४ (४,३७,५)]; १०, ७४, [५ (१०४, ७)]; कौ १, १९९; जै १,२१,६; –क्षाः ऋ १,६३, ३; १६२,[१; ५, ४१, २]; १६७, १०: १८६,१०; २,३१,६.४, ३३,९; ५,४२,५; ६, ५०,१२; ७,३७,४; ४८,३; ८, ९६, २१; १०, २३,२; ६४, १०: ९३, ८; मा २५, २४: का २७, १२. १: तै ४, ६, ८,१; मै ३, १६, १; काठ ४६,४: –०क्षाः ऋ ४,३४, ५;३७,१.

ऋभु-तस्(ः) प्रभृ. ऋभु- द्र.

ऋभ्व[a]– -भ्वम्[b] ऋ ६. ४९, ९; १०, १२०,६: पै ६,१,६†.

ऋभ्वन्[c]– -भ्वा ऋ १,१००,५: [१२; १०,६९,७]:१२१,९; ६,३४,२; १०, २०,५;९९,५; –‡भ्वाणम्[b] शौ ५,२,७;२०,१०७,१०.

†**ऋभ्वस्**[d]– -भ्वसः ऋ ९, ८६, ५; कौ २,२३८; जै ३, २१,३; –भ्वसम् ऋ १,५६,१;५,५२,८;८,७०,३; कौ १,२४३;२,५०५; जै १,२६, १;३,३९,४; शौ २०, ९२,१८.

ऋश[e]– -शः शौ ४,४,७[f]; ६,१०१,३.

आर्श[g]– -र्शम् शौ ४,४,५[h].

?**ऋश्छं**[i] पै १७,२८,१.

ऋश्य[e]– -श्यः ऋ ८,४,१०: मा २४, ३७; का २६, ८, २; तै ५, ५, ११,१: १६,१: मै ३, १४, १८; ४, २, १२: काठ ४७, १; ६; –श्यस्य पै ४, ५, ६; –श्यान्[j] मा २४,२७; का २६,६,२.

आर्श्य– -र्श्यम् पै ४,५,५[h].

ऋश्य-दु[k]– -दात् ऋ १०, ३९,८.

√**ऋष्** (=√अर्ष् [वधा.]) ऋष्यः खि ४,५,३[1]; ऋष्यात् पै ९,४, ४; ऋष्यताम् पै २,३५,४.

ऋषति शौ ९, ४,१७[m]; ऋषत् पै १६,२५,७[m]; ऋषतु पै १९, २,१५.

ऋषम् मै ४, १,२[n].

ऋषत्– -षतः क १,११[o].

१ऋष्य– -०ष्य जै २, ४,४?[p].

?ऋषदूर्वेवेन्द्रः[q] पै १८,८,५.

ऋषभ[r]– -भः खि ५,५, ५; मा १४, ९;१८,२७; १९,९१; २१,२२[s]; ५६;२४,७; का ४,१०,१[t];१५, ३, ३: १९, ८, ४: २१,६, १२; २३, २,११[s]; ६, ९; २६, २,२; तै ¶१, २, ८, १‡[u]: ८,१, २[s]; ९,१: १७,१;१९,१: ¶२. १,३, २; ४, ५; ३, ७, ८; ४, ३, ५,

[a]) विप. (इन्द्र-)। व्यु.?। √*ऋभ् [अर्थः?]+ कन् प्र. [तु. ऋभ्वन्– प्रभृ. यत्र प्र. एव भेदः] निस्स्वरश्च (वैतु. GW. प्रभृ. <√रभ् इति)।

[b]) सपा. ऋभ्वम् (या ११,२१ च) <> ऋभ्वाणम् इति पाभे.।

[c]) विप. (इन्द्र-)। क्वनिप् प्र. इति ऋभ्व– इत्यतो विशेषः।

[d]) विप. (रथ-, इन्द्र-)। कसुन् प्र. इति ऋभ्व– इत्यतो विशेषः।

[e]) नाप. (मृग-विशेष-) व्यु.?।

[f]) ॰षः इति मा.।

[g]) तद्धितः अण् प्र. तत्स्वरश्च।

[h]) सपा. आर्शम् <> आर्श्यम् इति पाभे. (तु. प्रकृते PW. प्रभृ. तत्पद्दयाः; वैतु. मा. ॰र्षम् इति पाभे.)।

[i]) पाठे? आ√ऋच्छ्>आ···ऋच्छत् इति वा ॰च्छन् इति वा शोधः?।

[j]) सपा. ऋश्यान् <> ऋष्यान् इति पाभे.।

[k]) नाप. (कूप-[निघ. ३,२३]?)। उस. प्रकृतिस्वरः। पूप. प्रकृतं प्राति. एवाऽपरं वा मरूपमिति?, उप. च< √दो (तु. दे.) वा √द्रा (बन्धने) वा (तु. PW. प्रभृ. ?)।

[l]) सपा. खिमा २९,३ मृच्छः इति? शौ १०, १,७ पै १६, ३५,७ इच्छः इति च पाभे.।

[m]) सपा. ऋषति <> ऋषत् <> नुदते इति पाभे.।

[n]) सपा. ऋषम् <> रिषत् <> रिषम् (तैब्रा ३, ७,४,१० आपश्रौ १,३,१४;५,५ माश्रौ १, १,१,३७ च) इति पाभे.।

[o]) पृ ८५८ *h* टि. अयमपि पाभे. समावेश्यः।

[p]) विप. ([स्तुत्य-] इन्द्र-)। =सं१। यद्वा -ष्यः इति शोधः इति कृत्वा प्र१ इति। '(हे) स्तुत्य इन्द्र (अथवा, [हे] इन्द्र स्तुत्यः [सन्] त्वं भुङ् असः इति, (हे) म° (हे) इन्द्र (त्वं) भुङ् (असः) इति' इति पादद्वयेऽपि वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. √अस् [भुवि]>असः [परि.], ?इन्द्रस्वामरपूतः इति च)।

[q]) पाठे? ऋषभस्य रेतः इति शौ १४,२,१४ पाभे. अनु तत्परः शोधः?।

[r]) नाप. (वृषभ-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। < √ऋष् इति (पाउ ३,१२३)।

[s]) सपा. ऋषभः (तैब्रा २,६, १८,४ च) <> वृषभः इति पाभे.। [t]) सपा. ऋषभः <> वृषभः इति पाभे.।

[u]) सपा. ऋषभः <> वृषभः (माश ३,३,४,२ च)

१; ७,१०, १;५, ६, १४, १;७, ३,१¶; मै १, १, १२; २,६‡[a]; २,५,३¶; ६,१;५¶; ६¶;१३[२]; ८, २; ११, ६; ३, ७, ८‡[a]; ११,९; ११[b]¶; १३,८;¶४, २, १४[११];३,१;४,८; ८,१; काठ १, ११;२,६‡[a]; ¶१३,४;७[२]; १५, १;४[२]¶;९[२]¶;१७,२: १८,१२: ३०,१¶;३४,१¶; ३८,३; ४९, ४; क २६,१; २९,१;४६, ४¶; शौ ३,६,४;४,३८,५: ५,२०,२; ९,४,१;३;७;१०,१०,१०; १९, २७,१;३६,५: पै १,५५,१; ३, ३,५;५, १, ६; ६,९, ४; ७,८, ५;८,९, ६;२०, ४; ९, २१, ८; २४, २; १०, ७, १; १३, ५,९; १६,२४, १; ३; ९२, ५: १०७, १०; १७, १२, ६; १९, ३२,९; -भम् ऋ १०,१६६, १: खि १, २,८; मा २१,३८‡[c];४०; ५९; २८, ३४[d]; का २३, ४, १०‡[c]; १२;६,१२; ३०, ३, ११[d]; ¶तै १,८, १८, १;२५, २; २,१,४, ६[२]; ५,७, २,१; १०,१; मै १, १०,१६[२]¶;¶२,५,३[३];५: ६$;

८[३]; ३, ११, २: ¶काठ १२, १२;१३,२; ३[२];४[७];५[३]; ३४,१; ३६,९; शौ ९,२,१; ४,९: १४; १५;१८; १९; पै ५, ३१, ६;६, ९,९;१३, ३,६†: १६, २४, ९: २५, ४: ५; ८; ७६, १; २०,९, ८‡[e]: -भस्य ऋ ६, २८, ८: मा २१,४१[f]: ४५[g]: ४६: ४७[h]: का २३,५,१[f]:३[g]:४:५[h]: तै ५, २,९,४¶: मै ४,२, १०¶; काठ २०, ८¶; ३०, ६[l]: क ३१, १०¶; शौ ४,४, ८;६,३८, ३[j]; ७,११८, २[k]; ९, ४,११: २३†: १४,२,१४: पै १,७१, ४:४,५, ६: ५,१५,५: ६,९-१०,१: १०, ६, १२: १२, १, १०‡[l]: १६, २५,१: २६, ४†: १७, ३४,२[m]: -भाः खि २, १०, ३: ४: मा २४,१३: का २६, ३, ३: मै ३, १३,१८: शौ ३, २३,४[n]: पै ३, १४, ४[n]: ६, १०, ४; -भाणाम् शौ ४,४,४: पै ४,५,७: -¶भान् मै २, ५, १०[२]: काठ १३, ७: -भाय मा २४, ३०: का २६, ६,५: तै ५, ५. ११, १: काठ

४७, १; -भाम्यः ऋ ६, १६, ४७: १०, ९१, १४; मा २०, ७८†; का २२, ७, १२†; मै ३, ११,४†; काठ ३८,९†; शौ ४, २४,४: पै ४, ३९, ४; -भे मै १, २, ३: ३,३, १०; -भेण मा २१, ३२; ६०: का २३, ४, ४; ६,१३: तै ४, ४, ८, १[o]; ६,१, १०, २¶; ७,३, १४, १[o]: मै ३, ७, ७[२]¶; ११,२;४,८,१¶; ¶काठ २४, २[२]: ३०, १: ¶क ३७,३[२]:४६,४: पै ६,९,८:२०, १६, २[k]: -भेन पै ६, ९, ७; -¶भेषु मै १,१०,९: काठ ३६. ४: -भैः मा २१,४२: का २३, ५, २: मै ३, ११, ४; -भौ तै ५. ६. २१, १ : काठ १३. ४: ५०,१.

ऋषभ-चर्म- -र्मे काठ ३७, ३.

ऋषभ-दायिन्- -यिने शौ ९,४,२०; पै १६,२५,१०.

?ऋषयस्य[p] पै १९,४०,१०.

ऋषि[q]- -षयः ऋ १,४८, ⌊१४: ८,८, ६⌋:१६२,७: १६४, १५;४,४२, ८: ५०,१; ७,२२,९: ८,६,१२:

<> ऋ ८,४२,१ काठ ११,१२ ऐब्रा १,३० शांब्रा ९,६ गोब्रा २,४,१५ आश्रौ ३,७,१५: ४,१०,५: ६,१,२ असुरः इति पाभे. ।

a) पाभे. कृते पृ १०१८ *u* टि. द्र. ।

b) पाभे. कृते पृ १०१८ *t* टि. द्र. ।

c) सपा. ऋषभम्<>वृषभम्(तैब्रा २,६,७,२ च)इति पाभे. । d) सपा. तैब्रा २,६,१७,७ वृषभम् इति पाभे. ।

e) सपा. ऋषभम्<>दर्शतम् इति पाभे. ।

f) सपा. ऋषभस्य<>मेषस्य इति पाभे. ।

g) सपा. ऋषभस्य<>छागस्य<>मेषस्य इति पाभे. । h) सपा. ऋषभस्य<>मेषस्य इति पाभे. ।

i) सपा. ऋषभस्य<>वृषभस्य (माश ११,५,९, १० च) इति पाभे. ।

j) सपा. ऋषभस्य<>वृषभस्य (तैब्रा २,७,७,२ च) <>विध ६५,७ ?वृषभराजा इति पाभे. ।

k) सपा. °भस्य<>°भेण इति पाभे. ।

l) सपा. ऋषभस्य<>वृषभस्य इति पाभे. ।

m) सपा. ऋषभस्य<>वृषभस्य इति पाभे. ।

n) =सपा. आपमं १,१३,२ हिगृ १,२५,१ । शांगृ १, १९,१० तु पुरुषाः इति पाभे. ।

o) सपा. ऋषभेण<>वृषभेण इति पाभे. ।

p) पाठे? ऋष्यस्य इति वा ऋश्यस्य इति वा शोधः द्र. ।

q) नाप.। व्यु.?।<✓ऋष् (अर्थः?) इति या (२, ११ ⌊तु. पाउ ४, १२०⌋),<✓रिष् इति माश ६,१,१,१,<✓रस (शब्दे) इति Gray (सिभा १, १०४),<✓दृश इति औपमन्यव- ⌊या. द्र.⌋ भा. ⌊तै १,४,४३,२⌋ ।

९,८६, ४[a]; ९२,२; १०,५४,३; ६२,५; ७३,११; ८०,५;८२,४; ९०,७[b]; ९८,९; १०८,८; ११; ११५,९; १३०, ५-७; १५०,४; खि १,२,९;२,६[२],२८; ३,१०[२], १७; ४,८,१; मा १५,१०-१४; ४९; १७,२८†; ७९; १८,५२; ५८;२५,३०†;२७,१;३१,९†[h]; ३४,४९†; ५५; का १६,३,३; ६;९;१२;१५;६,१; १८,३,४†; ६, १५; २०, ३,२; ४, १; २७, १२, ७†; २९,१, १; †३३, २, १२; १८; ३५, १, ९†[h]; तै १, ५,३,३; ¶२,५, ९,१; ६,३,२; ३, २, ८, १; २; ३,८, ५¶;५, २,१¶; ४, १, ७, १; ८, २,३; ६,२,२†; ५,५; ८, ३†;७, १३, १; २;५,१,५,७¶;३,५,३¶;७, ४,३,५,७¶;७,१; ¶६,३,४,७; ५, ३, १; मै १,६, २; १३[२]¶; २,३,८;८,९[५]; १०,३†; १२,३; ४[२];५;३,¶२, २; ८; १६,१†; ४,१,२[२];¶; २,१३¶;९,२;१२, ५†; काठ ७, १४; ८, ३¶; ९, १९[२]†; १७, ८[५]; १८, ११; ४; १५; १६;१८; १९, १२¶; २१, २¶; ३१, १४; ३४, १९; ३७, १७¶; ३९,१०; ४०, ११; १३; ४६, ४†; क ६,८; २६,७[५];२८, २†; २९,४[२];६; ¶३१,२; १७, †कौ १, ३१९; २, ८५२; †जै १, ३३, ७; ४,१२, ५; शौ २, ६, १; ३५, २; ४; ४, २३, ५; ६, ४१, ३; १०८, ३; ४; १३३,५; ८,५,१०; ९,७;१४[c]; ९, १४,१६†; १०, ७, १४; ८, ९[d]; १०, २६; ११, ४, १-१८; ११,२५; १२,१०; १२,१, ३९; २, २९, १७, १, १४; १८, ३, ६४; १९, ३३,३; ३५, १; ४१, १; †२०, ८८, १; ११५, ३; पै १, २०, २[e]; ५३,३; ८८,१; ४; २, ६६,५; ३, ३३, १; ३८, ६; ४, ८, १-१३; ११, ७; १३, ४; ३३,५; ५,३३,११; ६,१८, ३; ८,९,८; ९,१९,६; १०, ३, ५; ११,८,१; ५, १३; १२, ५, ३; १३, ५, १९; १२, ६; १४, १, ९; १३, १४; १५, ६, ८; १६, १८,७; १९, ४; २७, १०; ६७,५†; ९३,१-१०; ९४,१ ७; ९५, १-९; ९६, ५[२]; १०१, ५; १०३, ११; १०९, ६; १७, ४, १०; ८, ५; ३२, ९; १९, १०, २; २०, ३३, ३; ५२, ८†; -ष्यः ऋ ३, ५३, १०; १०, ६२,४; तै ४,३,११,२[c]; मै २, १३,१०[c]; शौ ८, ९,८; पै १६, १८, ८; -र्ये ऋ ५, ७८, ६; १०, २७, २२; ७३, ७; -षिः ऋ १,३१,१; ६६,२; १०६, ६; १७९, ६; ३, २१, ३; ५३, ९; ४,२६,१; ३६, ६; ५, २९, १; ७५, १; ६,१४,२;१६,१४; ८, ३,१४; ४,२०; ६, ४१; ८[(४)-८]; १५; ९, ७; १०; १६, ७; २३, १६; ५१, २, ७९, १; ९, ३५,४; ६६, २०; ८७, ३; ९६, ६[f]; १०७,७; १०, २६,५; ३३, ४; ८१, १; ९८, ५; खि ३, ३, २; १५, २७; ५,३,५; मा ११, ३३†; १३, ५४-५८; १४, ५; १७,१७†; २६,९†; ३४,१२†; का १२, ३,६†; १४, ७, २; ४; ६; ८; १०; १५,१,५; १८, २, २†; २८,१०,१†; २९, ५,३†; ३३,१,६†; तै १, ६, १२, २; ३, ४, ११, १†[f]; ५, ११, ४†; ४, १, ३,२†; ३,२,१[२]; २[२]; ३; ३, १[३]; २[३]; ४, ३; ६, २, १†; ५, १,४, ४†; १०, ९¶; ६, ६, ३¶; ६, ६, १, ४¶; मै १, ५, १†; ६, १; २, ७, ३†; १९[५]; २०[५]; १०, २†; ४, †१०, १; ३; १२, २; १३, ५†; काठ ८, ५[२]¶;१६; १५,१२†; १६,३†; १९[५]; २१†; १७,१; १८, १†; १९, ४†; १०¶; २३, १२†[f]; २८, ४¶; ३९,७[५]; क ७, १[२]¶; २५,९[५]; १०; २८, २†; ३०, २; ८¶; ४४, ४¶; †कौ १, ४१८; २, २९; २९४[f]; ८६९; १०९३; † जै १, ४०,१०; ३, ३,८; २४, १०[f]; ४, ४,१; १२,८; शौ ११, १०,१४; १८, ३,४१‡[g]; †२०, ५०,२;१४०, २; ५, पै ४, २८,

a) अन्तर्ऋषयः इति पाठस्य स्थाने सपा. कौ २, २३६ अन्तरिक्षात् इति पाभे.! तुरीयपादे ये इति पदश्रुतेस्तु कौ. पाठः शोध्यः द्र. (तु. ORN.)।

b) सपा. ऋषयः (तैआ ३,१२,४ च)<>वसवः इति पाभे.। c) सपा. ऋषयः(प्र३)<>ऋषयः इति पाभे.।

d) सपा. ऋषयः (माश १४,५,२,४;५ बृ २, २,४; ५ या १२,३८ च)<>दुरयः (तैआआ १०,४० च) इति पाभे.। e) पाठः? (तु. सपा. शौ १,१९,२)।

f) सपा. ऋषिः (तैआ १०,१०,१;५०,१ मना २,१२, १;२,४० वपू १,१ विध ४८,६ या १४,१३ च)<> कविः इति पाभे.।

g) सपा. ऋषिः<>ऋषिम् इति पाभे.।

६†; ४०, ४; १६, ८६,४; २०, ४०, ६; -षिणा तै ४, ४,६,२; मैं ४,९,१५;१६; शौ ८, ५, ८; १३, १, ५५; पै १६, २७, ८; १८,२०,४; -षिभिः ऋ १,१, २: २३,२४; १८९,८; ४, २०, ५; ८,३, ४; ७०, १४; ९, ६७, ⌊३१; ३२⌋; ६८, ७; १०, ४५, १२; खि ३, १०, १; ४, २, ६; †मा १२, २९; ३३, ८३; †का १३,२,१२; ३२, ६,१४; मैं २, ७,९;१६; काठ ४, १३†; ३९, ३: †कौ २, ६४८-५०; ९५८; जै ४, २०,७†; शौ ६, १२, २; ७,९४,२†;९, १,१५; १०, ५, ४५; १८, ३, ४७‡[a]; ४८ ‡[b]; २०,१०४, २†; पै १, ३३, ३; ५,२८,३; ९, २३,१; १६, ३३, ५; १९, ४, ५; -षिभ्यः ऋ ८, ५९, ६; १०, १७, १५; खि १, ६,६; ६,३,४; ¶तै ३,३,५,२; ५,२,१; ५,४,२,३; ६, ३,१०, ५; मैं ४, ९, २; काठ ३७, १७[२]¶; शौ १८, २, २†; १९, २२,१४; पै ५,१४,७; १४, ३, २२; १६,७०,२; ९४, ३; १७, २२,४; -षिम् ऋ १, १०, ११; ११७,३; ४; ३,४३,५; ५,५४, ७; १४; ७, ३३, १३; ८८, ४; ९,५४,१; १०,१३,४[c]; ८०,४; १०७, ६; १२५, ५; खि १, ५, ७; १२, ७; मा ३, १६ †; ७, ४६; का ३, ३, ६†: ९, २, ६; तै १, ४,४३,२; ५, ५, १†; २, २,१२,६†; ६, ६, १,४; मैं १, ३,३७; ५, १†; काठ ४, ९; ६, ९†; ८,५¶; क ३, ७;४,८†;७, १¶; कौ २,१०५†; जै ३,११, १†; शौ ४, ३०,३†; -षिषु ऋ १०, ७१, ३; -षी शौ ५, ३०, १०; पै ९, १३, १०; -षीणाम् ऋ १, ८४, ⌊२ (८, १७, ४)⌋; ५, ६५, ६;६६, ५; ६, ३४, १; ४४,१३;७,२८,२; २९,४; ७०, ४; ५;९,६२,१७;१०३,३; १०, २२, १; ८९, १६; १४८,३; खि ५, ७, ४.१५, मा ३,१९;५,४: ८,३५†; का ३,३,१०; ५,१,४; ८,१०,१†; तै १, ३, ७, २; ४, ३८,१†; ५,५,४;७, ३,११, १; मैं १, २, ७;३,३४†; ५, २; ८[२]; ¶;२,९,१; काठ ३,४; ४,११†; ६,९;७,६[२]; ¶; १९,१२¶; ३०, ९¶; ४३,१; क २,११;३, ९†: ४, ८; ५, ५[२]; ¶ : ३१, २¶: †कौ १, ५७७; २, ३८०; †जै १,५८,१२;३,३०, २३; शौ ४, ३९, ९; ६, १३३, २;४; ८, ९, २३;१०, १, १२; १६,२,६; ८, १२; पै ५,३३, २; १०; ८,१५, ६; १३,९,१; १५, २२,३; १६, २०,२; ३६,२; १९,४०,४; ५: २०, ४३, ७; -०षीणाम् मा २१,६१; का २३, ६,१४; मैं ४, १३, ९; काठ १९, १३; -षोन् ऋ १०, १५४, ⌊(४)५⌋; खि ३, १०[२], २०; काठ ९, १२¶; शौ ८,९,२४; ११,१,२६;३५; १८, २, १५†; १८†; पै ९, २०, ७; १५, १४, ४; १६, २०,१; ९१, ६; ९२, ५; १७, २८, ४; -०षे ऋ ५,५९,८[d]; ८,२३, २४;९, ११४,२; १०,३०,१०; ¶तै २, ५,८,३; -०षे ऋ ५,५२, १३; १४; ८, २६,१०; खि ५, ७,२, ११; ४,१५; मा २१, ६१; २८, २३;४६; का २३, ६, १४;३०, २, १२; ४, १२; मैं ४,१३, ९; काठ १९, १३; -षेः ऋ ५,३३, १०; १०, २३, ७; मै १, ४, ११¶ : काठ ३१, १५[२]¶; -षेः५-षेः तै २,५,७,५¶.

आर्षि[e]- -र्षिभ्यः पै १६, ९४, ८.

आर्षेय[f]- -०य खि ५, ७,२, ११; मा २१, ६१; का २३, ६, १४; मैं ४, १३, ९; काठ १९, १३; -यः खि ५, ७, ४, १५; तै ६,६, १,४¶; मै ४,८, २¶: काठ २८, ४[२]¶: क ४४, ४[२]¶: -यम् ऋ ९, ९७, ५१; मा ७, ४६: का ९,२,६; तै १,४,४३, २; २, ५,८, ७¶; ६,६, १, ४: मैं १, ३, ३७; १०, १८¶ : ३, ८,२¶: काठ ४,९; ३६, १२¶; क ३, ७; कौ २, ७७८†; -याः तै ३,४,८,७¶; मै ३, ८, ४¶; शौ ११, १, १६; २५; ३२; पै १६, ९०, ६; ९१, ५; ९२, २;

a) सपा. ऋषिभिः<>पितृभिः (तैब्रा २, ६, १६, २ च) इति पाभे. ।

b) सपा. ऋषिभिः<>पितृभिः इति पाभे. ।

c) पाभे. कृते १०२० g द्र. । d) रूपम् ? यनि. (तु. पपा.; वैतु. PG ⌊१, २८३⌋ ⌊वैतु. GRV. ORN.⌋ =ऋषेः ⌊कर्मणि ष१ इति⌋ इति !) । शेषे ष१ इति कृत्वा रुद्रस्य इत्यस्य विप. सद् *वृष- (=वृषभ-) इत्यस्य पर्याय इति तु विमृश्यम् ? । e) नाप. (आर्षेय-) । अण् प्र. ;

f) विप. (द्रविण- ⌊ऋ.⌋), नाप. (ऋषि-पुत्र-) । अपत्यार्थीयस् तस्येदमीयो वा ढक्>एयः प्र. कित्स्वरश्च ।

–याणाम् शौ १६,८,१३; –यान् शौ ११, १, २६; ३५; पै १६, ९१, ६; ९२,५; १७, २८, ४; –¶याय मै ४,८,३[२]; काठ २८, ४; क ४४,४; –येभ्यः शौ १२, ४,२;१२; पै १६, ७०,२; १७, १६-१७, २; २२, ४; –येषु शौ ११,१,३३; पै १६,९२,३.

†ऋषि-कृत्[a]– -कृत् ऋ १,३१,१६; ९, ९६, १८; कौ २, ५२६; जै ३,४१,२; पै १,५१,४.

¶ऋषि-कृत– -तम् तै ७,५,९,३.

†ऋषि-चोदन[b]– -नः ऋ ८, ५१, ३; खि ३, ३,३.

ऋषि-द्विष्– -द्विषे ऋ १,३९,१०.

ऋषि-प्रभृ(त>)ता– -ता[c] पै १६, ९०,५.

ऋषि-प्रशि(ष्ट>)ष्टा[d]– -ष्टा[c] शौ ११,१,१५.

ऋषि-बन्धु[e]– -न्धवे ऋ ८,१००,६.

†ऋषि-मनस्[f]– -नाः ऋ ९,९६, १८; कौ २,५२६; जै ३,४१,२.

ऋषि-वत् ऋ १०,६६,१४.

†ऋषि-*षाण(<सान्)[g]– -०ण[h] ऋ ९,८६,४; कौ २,२३६[i].

ऋषि-षाह्[j]– -षाट् ऋ ९,७६,४.

ऋषि-ष्टु(<स्तु)त,ता[k]– -तः तै २,५, ९,१;–ता ऋ ७,७५,५; –ताभिः ऋ ८,१३,२५; –ताम् शौ ६, १०८,२; पै १९,१७,८.

ऋषि-स्वर[l]– -रम् ऋ ५,४४,८.

ऋषि-हित[m]– -ता खि १,१०,२.

ऋ(षि>)षी-वत्– -०वः ऋ ८, २,२८.

†ऋपु[n]– -पूणाम् ऋ १,१२७,१०[o]; ५,२५,१; ८,७१,१५; १०,६, १[o]; जै ४,१४,९.

?ऋपेण पै ४, २४, ६.

ऋष्टि[p]– -ष्टयः ऋ १, ६४, ८; ५, ५४,११; ५७,६; ७,५६,१३; ८, २०, ११; २८,५; †मै ४, ११, ४; १४,१८; पै ५,२२,६; –ष्टिः ऋ १, १६७, ३; १६९, ३; –†ष्टिभिः ऋ १, ३७, २; ६४, ८; ८५,४; २, ३६,२; १०,८७, ७; २३[q]; शौ ८,३,७; २०,६७, ४; पै १६, ६,७; –ष्टिषु ऋ १, १६६, ४; –ष्टीः ऋ ५, ५२, ६; शौ ४, ३७,८;९.

†ऋष्टि-मत्[r]– -मद्भिः ऋ १, ८८, १; –मन्तः ऋ ३, ५४,१३; ५, ५७,२; ६०, ३; तै ३, १, ११, ६; मै ४, १२,५.

ऋष्टि-विद्युत्[s]– -द्युतः ऋ ५, ५२, १३; –०द्युतः ऋ १,१६८,५.

ऋष्टि-(षेन>)षेण[t]–

†आर्ष्टिषेण[u]– -णः ऋ १०,९८, ५;८; मै ४, ११, २; काठ २, १५; –णेन ऋ १०, ९८, ६.

?ऋष्णु– -ष्णवः[v] शौ १९, ३५, ५; पै ११,४,५.

१ऋष्य– √ऋष् द्र.

२ऋष्य[w]– -ष्यस्य पै ७, १, १०[?x];

---

[a]) विप. (अग्नि-, सोम-)। उस. क्विबन्तम्।

[b]) विप. (इन्द्र-)। उस. ल्यु-अन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[c]) सपा. °प्रभृता<>°प्रशिष्टा इति पाभे.।

[d]) विप. (पत्नी-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[e]) विप. (शम्भ-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[f]) विप. (सोम-)। शिष्टं e टि. द्र.।

[g]) विप. (सोम-)। व्यु. कृते पृ ४३२ *h* टि. द्र.।

[h]) सपा. जै ३,२१,१ ?उषिषाण इति पाभे.।

[i]) अर्षि° इति S.।

[j]) विप. (सोम-)। समासस्वरौ ऋता-षाह्– टि. द्र.।

[k]) विप. (उपस्-, ऊति-, मेधा- प्रभृ.)। तृस.।

[l]) ऋषीणां स्तोतॄणां स्तोत्राणां वा स्वरः इति कृत्वा षस. अन्तोदात्तः। अस्य यतुनस्य (=वयुनस्य ⌊=लोकस्य⌋) केतुना (=दीपनेन ⌊हेतुभूतेन⌋) यासु (=यशस्वत् ⌊सत्⌋) ते ⌊=सूर्यस्य⌋ नाम ज्यायांसम् ऋषिस्वरं चरति (=स्तुत्यं भवति)' इति वा. द्र. (तु. सस्थ. टि. यतुन्–, यासु–; वैतु. GRV.; सा. GW. Gri. विप. इति)।

[m]) °हि° इति स्वरे ? यनि. शोधः।

[n]) नाप. (देव-, ऋषि- प्रभृ.)। व्यु.?। √ऋष् (गतौ) इति सा., <√ऋष् (!) इति PW. प्रभृ.।

[o]) सपा. मै ४,१४,१५ ऋभूणाम् इति पाभे.।

[p]) नाप. (आयुध-विशेष-)। व्यु.! <√ऋष् (हिंसायां, दीप्तौ प्रभृ.) इति।

[q]) सपा. शौ ८,३,२३ अर्चिभिः इति पाभे.।

[r]) विप. (मरुत्-, रथ-)।

[s]) विप. (मरुत्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[t]) व्यप. (देवापि-पितृ-)।

[u]) अपत्येऽर्थे अण् प्र. (पा ४,१,११२) तत्स्वरश्च।

[v]) पाठः? पै. शंपा. सा. ⌊नाप.= हिंसक-पुरुष- इति⌋ च यनि., मूको. (शौ.) कृष्णु–>-ष्णवः इति, RW. W. कृत्वन्–(=कृत्या-कृत-⌊=कृत्या- इति B.⌋)> -त्वनः इति च। व्यु.?।

[w]) ऋश्य– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

[x]) पाठः? रिश्यस्य इति मूको. प्रायिकम् (तु. सपा. शौ ५,१४,३ अपि)।

–ष्यान् खि ५, ५, ११; मै ३, १४, ९[a]; –ष्यासः पै ९, ६, ७‡[b].

? ऋष्ध्येस्य य व मा र्ष्यें वा क्त्यम् पै ८,१२,२.

ऋष्व,ष्वा[c]– -०†ष्व ऋ ३, ३५, ८; ४,२,२; ५,३३,३; १०,१२, ६; शौ १८,१,३४; –†ष्वः ऋ १, ८१,४;१४६, २; २,२१, ८; ३, ५,५; ७; १०; ४, २०, ६; ९; २३,१;६,१७,७;२९,६: ७,९७, ७:८,४६,१२;५०,L(४९,७)७J; ९३,९[d];१०,१४८,२; मै ४,१४, ४; काठ १७, १८: २१,१३: कौ १,४२३;३,३,१३; जै १,४१,५; २,२,८; शौ ७,१२, १$; २०, ४७,३;१३७, १४; –†ष्वम् ऋ ३, ३२,L७; ६,१९,२;४९,१०J; ४,१९,१; ६,२०,९; २६,४; ७, ७७,६;८६,१;९९,२; ९,८९,४; १०,३६,७; काठ ४,१६; जै ४, १९, १०; –ष्वया ऋ ६, १८, १०; –ष्वस्य ऋ १, २५, ९: –ष्वा ऋ ६, ४७, ८[c]; १०, ७३, ३; –ष्वाः ऋ ५, ५२, ६; १३; ६, २४, ८; खि ५, ७, १, ६; मा २९, ५; का ३१, १, ५; तै ५, १, ११, २; मै ३, १६, २; ४, १३,२; काठ १५,१३; ४६, २; –ष्वात् ऋ ४, २२, ४; ७, ६१,३; –ष्वान् ऋ ६, ६३, ९: –ष्वासः ऋ १,६४,२; –०ष्वे ऋ ६, ६४,४;७,६२,४; –†ष्वेभिः ऋ १,२८,८;८, ३, L१७ (४९, ७) ५०,७J; १०, १०५,६: खि ३,१-२,७; कौ १, ३०१; जै १, ३१,९; –ष्वैः ऋ १०, ७३, ६; –ष्वौ ऋ १,२८,८.

ऋष्व-वीर[f]– -रस्य ऋ १, ५२, १३.

ऋष्वौ(ष्व-ओ)जस्[g]– -जाः ऋ १०, १०५,६.

√*ऋह्, ऋहत्– √*ऋद् द्र.

ए

१ए[h] मै ४,९,२१.

२ए (आ √इ), आ(आ-अ)यति ऋ ८, ५५, १ ; तै १, ३, १४, ४[i]; आ(आ-अ)यति शौ ४, ३, ५; ६,६०,२; ७५,२; ३[j]; १९, ४९, ९: आयति पै १४, ४, ९: १०; १९, १४, ५: २०, ३६, ६ : आ(आ-अ)यसि शौ ६, १३१, ३; पै १, ७२,२; ५, ३०, ५![k]: १३, १, १६ , १९, १५, ९[l]; आयामहे पै ३, ४०, २: आ (आ-अ)यत् तै ४, २, ५, ६ ‡[l]; मै २, ७, १२ ‡[l]; काठ १६, १२‡[l]; पै १६, ७३, ४; आयः पै २०, ५४, २: आ···अयः[m] शौ १९,५०,३; पै १४, ८,१३; आ(आ-अ)य शौ १९. ८, ३; आयन पै १९.५१,१५.

एु(आ-ए)ति ¶ तै १, ८, ३३,२; ५, १, ५, ९[n]: ६, १, ११, ५[n]; ६, १, १; २; ३[?]: शौ १३, २, २५: पै १८,२३,२; एु(आ-ए)ति शौ ९,१,२: एति पै १६,३२.३; आ···एति ऋ ६, ३, ३: आ··· एति ऋ १, ११३,१६: एतः शौ ६, २९, २: पै १६, ५२, २!; १९, २७, ११: २०, २८, ७; आयन्ति खि ५, १५, ७: मै १, १०,१९¶: शौ ६,६६,१:१०३, ३; १२, ८, ११; आयन्ति[o] ऋ २,१३,२: ¶ तै ५, २.४,४: ६, ६, ३, ५; ७, ५,७,४: ¶ मै १, १०,१३: १९[२]: २०; ३, २, ४; काठ ३०, १० ¶: शौ १२, ३, २६: २०, १३०, १५[p]: आयन्ति ¶काठ २३.८: ३३,७[?]:८: ३६,

a) पाभे. पृ १०१८ *j* टि. द्र. ।

b) सपा. ऋष्यासः <> शरासः इति पाभे. ।

c) विप. (द्वार्-, अग्नि-, इन्द्र- प्रभृ.) । व्यु. ! < √ऋष् (?) इति । d) पाभे. पृ ८६८ *a* टि. द्र. ।

e) पाभे. पृ ८६९ *c* टि. द्र. ।

f) विप. (बृहत्- L स्वर्ग-लोक- J) । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) विप. (इन्द्र-) । बस. ।

h) संबोधनार्थो निपातः (तु. सपा. तैआ ४, ४०, १ Lतत्रैव भा. सा. चJ) । व्यु. ? ।

i) सपा. तैआ २,५,१ आयाति इति, कामा १२८ : १ आयातु इति च पाभे. ।

j) सपा. आयति <> आयसि इति पाभे. ।

k) पाठः ? आयति इति वा यथेमां इति वा शोधः स्यात् (तु. सपा. शौ ३, २४, ५) ।

l) पाभे. पृ ६८४ *c* टि. द्र. ।

m) संपा. अयः इत्यत्र °य-आ इति च्छेदः (तु. मूको. पपा., W.; वैतु. शंपा. पपा. अयः इत्येव, सा. च अयस्– > –यः Lपृ ३९२ यनि. सु-शोध्यःJ इति भाषमाणः चिन्त्यः Lक्रिप. एव वा. स्वारस्यात्J) ।

n) तु. सस्थ. टि. अभि ।

o) तु. वें. प्रभृ.; वैतु. GW. परि···आ° इति ।

p) सपा. खि ५,१५,९ आयन् तम् इति द्विपदः पाभे. ।

१३[२]; ¶क ३१,१;४६,८; पै १७, १७,१;४[a];५[a];३८,५; १९, ११, १०; १८, १०; ११; ५३, ११[२]; आ···यन्ति ऋ १, १२३, १२; ९, ९६,२४; खि २, ९,२; मै ३, ३,८¶; शौ ८, ९, ६[b]; आ···यन्ति शौ २,२,३; आ···यन्ति पै १,७,३; ओ(आ+उ)···यन्ति ऋ १,११३,११; तै १,४,३३,१†; आ··· एषि[c] ऋ १,५२,१२; ए(आ-इ)थः ऋ १०,१०६,२; एथ पै १, ५०,१; ए(आ-ए)मि मा ३,४१[d]; का ३, ४, ५[d]; तै १,४,४३,२[e]; ६, ६,१,२[e]; काठ ८,१०¶; क ७,६¶; शौ ७,६२,१[e]; पै ३,२६, १[e]; आ···एमि पै ७,३,१०‡[f]; ए(आ-इ)मसि ऋ १, १६१, ३; मा ३, ४१; का ३, ४, ४; शौ १०,४,६; पै १६, १५,६; २०, २४,७; ए(आ-ए)तु ऋ ८, ३१, [११ (९,१०१,७)]; खि ६, ३, १; शौ १, १५, २; ३, १५, १; ४, १५,६; ३८, ३; ५; ५, ३०, १३[g]; ६,३८,१[g]-४[g]; ५३,२[h]; ७, ६९, १[i]; ९, ४, ७; १०, ४, २२; १२,३,१७; १८, ३, ६२[j]; १९, ३९, १; ५२, ४[k]; पै १, २४, ४; ७१,३?[l]; २, १८, १[g]; ८५,२[२]; ५, ७, ३; ३१, ९; ७, १०,१; ८,१५,९; ९, १४, ३[३]; १०, ६,२; १३, ९, १२[२]; १६, २४,८; आ···एतु ऋ १, १८६, १; २, ३३, १; ५, १२, ६; ६, १९,९; ७, ४, ८; ८, २४, २९; ४६, २१; १०, ५७, ४; ११०, ८; खि २, १०,१[m], २[n]; ४,९, १; †मा ३,५४; २९,३३; ३३, ३४; †का ३, ७,४; ३१, ४, ९; ३२, ३,५; तै १, ८,५,३†; २, ४,५,१; ३, ३, ३-४, ३; मै १, १०, ३; ४, ११, ४; १३, ३†; काठ †९, ६ : १९; १६,२०†; ४०,३; क ८,९†; शौ ३, २३, २; ५; ५,१२,९†; ६, ७९, २; पै १, ३९, २; ३, १४, २; ५; ७,१५,१०; १९, १६,१८; २४, ११†; आ(एतु) ऋ ६, १९,९[२]; मा ३३,४७†; का ३२, ४, ४†; तै २,४,५,१; ३, ३, ३, ३; मै ४, ११, ४[२]†; काठ ९, १९[२]†; शौ ६, ७९, २; पै १, ३९, २; ७१, ३[२]; १९, १६, १८; एताम् पै १०, २, २?; आ···इताम् शौ ७, ५५, ३; आयन्तु ऋ १०, ६४, ९; मा १९, ५८; का २१,४,९; तै १, ५, १०, ३; मै १, २, ३; शौ १, ७, ५[k]; ५, ८,१; ८, ७, ७; १०; ९, २, ७; १२, ३,२०; पै ५, ३७, ६; ६, १७,१०; ७,१८,१; ९, ९, ६[२]; १०, २,८; ४, ६; १६, १२, ७; १०; १४,२; ७६, ६; १७, ३७, १०; १९, ६, ५‡[o]; ४१, ७[p]; २०, ४८,९; आ···यन्तु ऋ १, ८९,१; ५, ५८, ३; ७, ३७, ८; खि ४, १, १; मा २५, १४†; का २७, ११,१†; मै १, ४, १; ७,१; ४, ११,२†; काठ ४,१४; २६,११†; ३१, १५; ३४, १९; शौ २, २६,१; ३५, ५; ५, ११, ९; १९, ५८,५; पै २, १२, १; ५, २०, ८; १६, १८, ६[b]; आ(यन्तु) ऋ ७, ३७, ८; ए(आ-इ)हि ऋ १, ९,१;१०,४; ७६, २; १०४, ९; ३, ३५, ६;

a) सपा. शौ १२, ४, १४: १५ अच्छ(च्छ-आ)यन्ति इति पाभे.।

b) सपा. आ···यन्ति <> आ···यन्तु इति पाभे.।

c) तु. स्क. वें. GW.; वैतु. सा. स्वाश्र. आ इति ।

d) =सपा. आपश्रौ ६,२७,३;१६,१६,४ शांगृ ३,७,२। लाश्रौ ३,३,१ हिगृ १,२९,१ तु एमि इति, आपश्रौ ६,२७,५ आगाम् इति, आश्रौ २,५,१७ आपश्रौ १६,१६,४ आपमं १,८,२ शांगृ ३,५,३ मागृ १,१४,६ हिगृ १,२९,२ प्रपद्ये इति च पाभे.।

e) तु. सस्थ. टि. अभि ।

f) सपा. आ···एमि <> आ···एतु इति पाभे.।

g) पाभे. कृते पृ ६२४ i टि. द्र.।

h) पाभे. कृते पृ ६२४ a टि. द्र.।

i) =सपा. मीश १४, ९, ४,५ तैश्रा १, ३२,१ मंत्रा १, ६, ३३ वृ ६,४,५ शांश्रौ ८, १०,१ वैताश्रौ १८,४ आगृ ३, ६,८ कौसू ९,२; ४५,१७; ५४, २; ५७, ८; ६६, २ गोगृ ३, ३, ३४ हिगृ १, १७, ४ मागृ १,३,१। तैश्रा १,३०,१ तु प्रैतु इति पाभे.।

j) सपा. तैब्रा ३, ७, १४,४ तैआश्रा १०, ४५ आपश्रौ २१,३,१२ हिगृ १,२८,१ आगन् इति, मंब्रा १, १, १५ शांश्रौ ४,१६,५ पागृ १,५,११ आगात् इति च पाभे.।

k) तु. सस्थ. टि. उप ।

l) पाठ? √इ > एतु इति शोधः ।

m) सपा. खिसा ९,१ आ···ऐतु? इति पाभे.।

n) सपा. खिसा ९, २ आ···ऐतु इति पाभे.।

o) सपा. आयन्तु <> वाम्यन्तु इति पाभे.।

p) सपा. शौ ३, १,६ एतु इति पाभे.।

५, १६, ५; ३५, ८; ८३, ६; ६, १६,१६; ५५, १; ८, ४, ८; ⌊१२; १७, ११ (५३, ४); ६४, १०; १२⌋; ६१,७; ६४,४; ६५, ५: १०, १४, ८; १८, ८; ५१, ५; ६०, ७; ८३, ५: ८६, २०[a]; २१; १२४, ५; खि ३, १४, १; ४, ७[२], ४[b]; ९[b]: मा १, १५[२c]; ३, २७[२]; ४, २०; २७; ५, ९[२]; ११, १५[२]: २६, १३†: ३३, २५†; ३८, २[६]: का १, ५, ४[c]: ३, ३, १९[२d]: ४, ६, ५: ९, ३; ५,३,२[३]: १०,४,३; १२,२,४[२]; ३२,२,८†; ३८, १, २[c]: तै १, १, १२, १[२]: २, ४, २: ७, १: १२,१[२]; ३,१३,१[e]: ६, ३, १[e]: ७,१,१: ९, १: ¶२, ४, ९, ३: १२,३; ३, १, ११, ७†: २, ५, १[२]; ४, १०, ५: ४, १, २, २[२]: ४,७,२[f]; ५, १, २, ३: ३, ११, ३[f]; ६, १, ७, ८: ११, १;

मै १, २, ४; ६; ८[२]; ४, १०[२]; ११, ३[२]; ८[२]; २, ४,३¶;७, २[२]; ३, १,३[२];७, ६[२];८; ४,१,१४[२]; २,५[१३g]; ६[७];७[२]:९,७[२]:१८;१२, १†; काठ १, ११[२h];१२[२];२,५; ६;९[२]:१४†; ५,२: ७,१३;१७†: ११, १०[२]¶, १३†: १६, १[२]; १९, २[२]; ¶; २०, १४†: २४, ३;६: ३१,४[c]; १०; ११[२]; ३५, १८[f];क १,११[२h]:१२[२]:१६:१७: १९: २, ३[२]: २९, ८[२]:¶; ३७, ४: ७: ४७, १०: ११[२]; ४८, १६[f]: †कौ १, ७; १५९: १८०: २४०; २,५५: ७५:९३१: ९५६: †जै १,१,७;१७, ५:१९,६:२५, ८: ३,६,१;८, १:४, २०,२: शौ १, १, २[i]: २, ५, ४; १३, ४[j]: ३, ४, ५[h]: ४, ९,१:१५, ११†: ३२, ५†: ३८, ६: ५, ४, १: ५,५[h]: ९[b]; ३०, ७: ६,६८,१[l]: ८, १,८: ९: ११, ४[२]: १३-१४,

१;५;९; १३; ११,१, १३; १२, २,१; १३,१,२०; १८,२,२१[k]; ३,२;५८; १९, ३, १;२; †२०, ५,५; ८,२; ७१,७; १२६, २०; २१; पै १,६,२; ३१, ३;७६,२; ९७,१: २,७,२;३,१,५;४, १४, ४:३२,५; ५,७, १०;२५,३; ६, ४,४[b];९[b]; ८,३,९: ९,२,१२[m]; १३,६[n];७; १०, ६,३;११: १५, २३, ९; १६, १,८;९; ७१, ९: ८९, ७[o]: ९०, ३; १३३, ९[४]; १३५, १-८: १७, ३०,१: १८, १६,१०: १९,८, १४;१५; १७, १३; गुहि-गुहि पै ९, १३, ६[p]; †आ···इहि, आ(इहि)[२] ऋ ८, ५३, ५: खि ३, ५, ५: कौ १, २८२: जै १, २९, १०: *आ···गुधि मा ३६, १७[q]; गुतम् मा ४,३३; का ४, १०,४: तै १,२,८,२: २, ५,२,३;६, १, ११, ४: काठ २, ७; ७, १२[r];

a) तु. GW.; वैतु. वें. सा. वि···गुहि इति विमृश्यौ।

b) तु. सस्थ. टि. अस्मद्- > नः (परि.)।

c) पाभे. क्रुते पृ ६४९ *m* टि. द्र.।

d) सपा. सकृत् गुहि <> गुत इति पाभे.।

e) सपा. मा ६, २६ काठ ३, ९ माश ३, ९, ३, ६ आपश्रौ १०,३०,१५ पाठाऽभावः।

f) पाभे. क्रुते पृ ७९९ *k* टि. द्र.।

g) एकतरत्र कौ २,१००५ जै ४,१७,१० आगहि इति पाभे.; तै १,६,३,२;७,१४ पाठाऽभावः।

h) सपा. मा २, ६ का २,१,८ तै १,१,११,२ मै १, १,११; ४,१,१३ माश १,३,४,१४ तैब्रा ३,३,६,१० आपश्रौ २,९,१५;४,७,२ असि इति पाभे.।

i) पाभे. क्रुते पृ ९३३ *i* टि. द्र.।

j) =सपा. कौसू ५४, ८ शांगृ १,१३,१२ मागृ १, २२,१२। मागृ १,१०,१६ तु एतम् इति, मंब्रा १,२, १ आपमं १,५,१;६,११;२२,२ आगृ १,७,७ हिगृ १, ४,१; १९,८ गोगृ २,२,४ द्रागृ १, ३, १९ इमम् इति च पाभे.

k) तु. मस्थ. टि. उप।

l) =सपा. आपमं २,१,१ आगृ १,१७,६ पागृ २,१, ६। मंब्रा १, ६,२ गोगृ २,९,११ तु गुधि इति, मागृ १,२१,२ इत्? इति च पाभे.।

m) सपा. शौ ५,२६, १२ आयाहि इति पाभे।

n) सपा. शौ ५,३०,६ विशिष्टः पाभे.।

o) सपा. शौ ११,१,७ गुधि इति पाभे.।

p) सपा. शौ ५, ३०,६ इहैधि इति विशिष्टः पाभे.।

q) मा ओं मा शान्तिर् *अयति इत्येतदानुष्टुभपादमितं प्रार्थनात्मकं मन्त्रावसानमिति कृत्वा सा इत्यत्र *आ इति पृथक् पदं प्रश्लिष्टं द्र. (वैतु. पपा. प्रभृ. अन्तथादृशः)। मूलतः *अयति (लेटि प्रपु१ ⌊तु. तैआ ४,४२,५ अस्तु इति⌋) > *एति > एधि इति प्रपु१ इदमित्येवमाभासितत्वात् प्रार्थनार्थसमर्पणस्याऽनीशानः कथंचित् √अस (भुवि) > एधि (मपु१) इत्यनेन रूपेण प्राप्तसंकरः वावि. च द्र. (वैतु. उ. म. < √अस पुरुषव्यत्यय इति)।

r) एतद्- > यनि. इति ब्रुवाणः SI. नितरामुपेक्ष्यः।

२,१: शौ १८,४,४९; पै ९, २, १२[a]; एत, > ता, तो(त+उ) ऋ १, ३३, १; ५, ४५, ५; ६; ८, २४, [१९; ८१,४; ९५, ७]; मा ३,२७[b]; ¶तै २, ५,८,२:६, ६,४; ५,७,४,४[c]; मै १,९,८¶; क १,९[d]; †कौ १,३५०; ३८७; २, ७५२; †जै १, ३६, ९; ४३, ७; ४,१७,७; शौ ३, ८, ६; १३, ७; ३०,५; ६, ९४,२; ११, ८, १८; १२,२,३०‡[e]; १८,४,३७; २०, ६५,१†; पै २, ४०, १; ५; १५, १४,८; १७, ११, ३; ३२, १०‡[e]; १९, १०, १२; १३; †!आ…ए(आ-इ)त > ता[f] ऋ १, ५,१; कौ १, १६४; २, ९०; जै १,१७,१०; ३,९,४; शौ २०, ६८,११; एतन ऋ ५, ८७,८; मा १७,८४; का १८, ७, ५; तै ४,६,५,६; मै २, ११, १; काठ १८,६; क २८,६; शौ ३,१४,४; ५,८,३; पै २,१३,२; ५; ७,१८, ३; आ…अयानि पै १०,१०, १; ऐ(आ-ऐ)त् मै १,६, १३[s]; आ(आ-आ)यन् खि ५, १५,९[g]; काठ ३६, १०[h]; पै ५, ६,३[i]; †आ…आयन् ऋ ९, ९७,२२; कौ १, ५३७; जै १, ५५, ५, ए: शौ ५,२२,११, एतम् तै २, ५, २, ३¶[j]; एयात् ऋ १०, १०१, ३[k]; मा १२, ६८†[k]; का १३, ५, ७†[k]; काठ ८, ७¶; क २५, ३†[k], पै ४, ३९,१[l]; एयाताम् तै २, ५, ११, ९¶; ¶एयुः मै २, ३,२[२]; काठ १२, २[२].
†आ…इयेथ ऋ ४, ९,१; काठ ४०,१८; कौ १, २३; जै १, ३, ३; एयथ शौ १०, १, २४; २८; पै १६, ३७, ४; ९; एष्यामि शौ ७, ६२,७.

†आ(आ-अ)यु[m]- -ये ऋ २, ३८, १०; मै ४, १४, ६.
आ-यत्- -यतः ¶मै ४, १, ११; २,१; शौ ६,८२,१; ७, ३९, १; ६२, २[n]; ३[n]; पै ३, २२, ५[o]; २६,४; २९,२; ३; ५, ३४, ८; ६,६,२;९,४; ८,६, ११[o]; १९, १७,४; ३१, ३[o]; -यताम् ऋ १, १६९,७; खि ४,७[२],११; तै ७, ५, ७, ४¶; काठ ३३, ७¶; -यति मै ३,७,८¶; पै १, ६०, ४; १२,७,२, -यते ऋ २, १३, ४; तै ७,१,१३,१; शौ ११, २, १५; ६,७; पै १६,२१,८; १०५, ५; -†यन् ऋ ९,९७, ५[c]; १०, ८५,१९; ८८, १९[c]; १२४, ४; तै २, ४, १४, १; मै ४, १२, २†; काठ १०, १२; शौ ७,८६, २; १४,१,२८; पै १८, ३, ३†; -यन्तम् ऋ १, १२५, २; मा

---

[a]) सपा. शौ ५,२६,१२ आयातम् इति पाभे. ।

[b]) पाभे. कृते पृ १०२५ d टि. द्र. ।

[c]) तु. सस्थ. टि. उप ।

[d]) =सपा. आपश्रौ २,२,६ । तैब्रा ३,७,७,१३ तु एत्य इति, माश्रौ १,२,४,१९ एतन ? इति च पाभे. । काठ १, ९ पाठाऽभावः ।

[e]) सपा. ऋ १०,१८,२ यद् एत इति, तैआ ६,१०,२ यद् एम इति च पाभे. ।

[f]) तु. स्क. वें. सा. भ.; वेनु. विव. एकः आ पादपूरण इति । यनि.? आ नु आ *इतर् (=इतस्) इत्येतानि पदानि मूलत आमाम्नत्येवमपि संभावयितुं सुलभत्वात् । एवं स्थिते आ…आ…निषीदत (तु. GW. आ…नि°) इति कि. स्यात् । समाने प्रकरणे *इतर् (=इतस्) इत्येतत्-सकक्षस्य सतः इह इत्यस्य श्रुत्यर्थं तु. ऋ १, १७७, ४; ५, २,७ । *इतर् इत्यस्याऽनुदात्तत्वे तु. अतस्, ततस्, यतस् इत्येषां सकक्षवृत्तानां सतां समान-स्वरत्वम् । यथा च यतस्, यतस् इत्युभयथा-धर्मत्वं श्रूयते तथैव प्राक्तमायां भाषायाम् *अतस्, *ततस्, *इतस् इति पदान्यपि श्रूयन्ते स्मेति सुकल्पम् । सान्तत्व-रान्तत्व-विकल्पश्च उपस् (,र्)- प्रभृ. प्रसिद्ध एव भवति । *इतर् निषीदत इत्येतयोर्मौलिकतयाऽभिमतयोः सतोः पदयोर्मध्ये नप्र. °तानि° इत्येवं वर्ण-विकारश्च सुवचः स्याद् इत्येतत् सर्वमुक्तं विचार-कोटिमनुप्रवेश्यम् ।

[g]) सपा. शौ २०,१३०,१५ आयन्ति इति पाभे. ।

[h]) सपा. मै १,१०,१६ ?आसन् इति पाभे. मु-शोध्यः ।

[i]) वा. यनि. श्रुति-शोधः—
माता पिता पितॄन विश्व ?दमूने निष्ठिता वयम् ।
गृहान् आयन् ये सूरयः स्वधाम् अनुचरन्तु ते ॥

[j]) तु. सस्थ. टि. अभि ।

[k]) पाभे. पृ ६८४ c टि. द्र. ।

[l]) सपा. शौ ४,२४,१ एनि इति पाभे. ।

[m]) गस. भावे अजन्ते थादि-स्वरः ।

[n]) सपा. आयतः <> आनतः (आपश्रौ ६,२७,३ लाश्रौ ३,३,१ शांगृ ३,७,२ हिगृ १,२९,१ च) <> मागृ १, १४,५ आगतम् इति पाभे. ।

[o]) सपा. आयतः <> किमीदिनः इति पाभे. ।

११,४७; का १२, ४,११; तै ४, १,४, ४; मै १, ६, १२¶; २, ७,५;३, ७,८; काठ १६,४;१९, ५; क ३०, ३; ३७, ७¶[a]; शौ ७, १४, २; पै १६, १००, ५; –यन्तम्-ऽयन्तम् काठ २१, ३; क ३१,१८.

आयती- –†ती ऋ १,१९१,२; ७,८१,[१; ८, १०१, १३]; ९, ६९, १; १०, १२७, १;३; काठ १३, १६; कौ १, ३०३; २, १०१; जै १, ३२, १; ३,१०, ३; पै ४, १६, ३; –तीः ऋ १०, ३०, १३; मै ४, २, १०¶; शौ ६, १०९, २‡[b]; १९, ५८, ३; पै १,११०,३; ९, ७, १४; १९, २७, ८; –तीनाम् ऋ १, ११३, ८; १२४, [२(१, ११३, १५)]; –†तीम् ऋ ३,६१,६; ५, १,१; मा १५, २४; का १६, ५, ५; तै ४, ४, ४, २; मै २, १३, ७; कौ १, ७३; २, १०९६; जै १, ८, १; शौ १३, २, ४६$; पै $११,५,७;११; १६,१००,५$;

१८, २५,६; –त्याः ऋ ५, ४५, १.

३आ(आ-अ)यन[c]- –नम् ऋ १०, २४,६[d]; पै २,३१,६[e]; १९,१६, ३.

१ए(आ-इ)त,ता- -ता ऋ ३, ३९, ३; –ताम् पै ५, ३१, ४[f]; –†तासः ऋ १, १६५,१; मै ४, ११, ३; काठ ९,१८.

ए(आ-इ)ति- –†त्य[g] ऋ १०,९१, ४[h]; कौ २,३३२; –तौ ऋ १०, १७८, २; –त्या[i] काठ ४०, ६; –त्यै[i] मा २७,४५; का २९, ६, १.

ए(आ-इ)त्य ऋ १०, ६६, १४; ¶तै २, ३,१२,२; ३, १, १०,३.५, २,२,६; ¶मै १, ५, १४[j]; १०, १४;२०; २,१,३; ६,१; ४, ३, १; ¶काठ १३, ५[j]; १९, १२; २८,१०; ¶क ६, १[j]; ३१, २; शौ १,७,४; १०, ६,५;१९, ५८,६; पै ४,४,४; १६,४२,५

ए(आ-ई) यियस्-

एयुषी- –षीणाम् ऋ १,१२४,

४; –षीम् ऋ ८,१०१,१६.

¶ए(आ-ए)तुम् तै २, ५,२,३.

ए(आ-ए)तोस(:) तै १, ५, १०, १; क ५, २[l]; शौ १२, ३,५५-६०; पै १७,४१,५-१०.

३ए(आ√ई),†आ···इयाते ऋ ७,३९, ७; मा ३३, ४४; का ३२,४,१; आ[k]···इये ऋ २, १७, ७; आ···ईमहे ऋ ८, ४५, १४; आ···ईमहे ऋ १, १७, ३[l]; ३, २६,५; ६, ५६,६; ८, २१, ८; मा ४, ५; का ४, २, ३; तै १, २,१,२; मै १,२,२: ४, १४,२; ए(आ-ई)मसि शौ १०,४,६. आ···ईयमे[m] ऋ ४,२,३.

एक,का[n]- -कः ऋ १, ७, [९; १७६, २]; ३२, १२; ३३, ४;५२,१४; ६१, १५; ६८,१; ७१, ९; ८४, ७; १००, ७; १४३, ४; १४५, ३; १५४, ३; ४; १६१, ९[२]; १०[३]; १६२,१९; १६४, २;१०; ४४[४]; १६५, ३; २, ·३, ३[२]; ६; २९, ५; ३, १, १०; ३, ११; ३०, ४: ५; ११; ३१, ४;

[a]) सपा. काठ २४,६ आयान्तम् इति पाभे.।

[b]) सपा. ऋ १०, ९७,१७ मा १२,९१ तै ४, २,६, ५ मै २, ७,१३ काठ १६, १३ क २५,४ पै १२, १३,८ अवपतन्तीः इति, का १३, ६, १७ अवयतीः इति च पाभे.।

[c]) गस. भावे ल्युडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

[d]) पुनरायनम् इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ १, ३४, ३ निक्रमणम् इति पाभे.।

[e]) °णम् इति पाठे? यनि. शोधः।

[f]) पृ ३४४ j टि. द्र.।

[g]) सपा. एतयः (तां १३,२,३ च)<> केतवः इति पाभे.। °व+ए°>°वे° इति संधिः द्र. (तु. पा ६,१,९५; वैतु. ORN. °व इ° इत्येवमुच्चारुकः)।

[h]) पपा. नावग्रहः।

[i]) सपा. एत्या<>एत्यै इति पाभे.।

[j]) सपा. काठ ७,२ विशष्टः पाभे.।

[k]) वैतु. वें. चार्थे, सा. अवधारणार्थे आ इति, GW. प्रभृ. सदसः इति पं. युक्तः कप्र. इति च।

[l]) 'रायं ता वाम् आ°' इति वा. द्र. (तु. ऋ ७, ३९, १ मा ४,५)।

[m]) वैतु. वें. आ···विशः (<√विश्) इति; सा. विश्–>विशः इति, स्वाम्र. आ इति पृथक् कुर्वाणः ईयसे इतिमात्रं किप. इति च; GW. अन्तरीयसे इति कृत्वा आ द्वि. युक्तः कप्र. इति। यनि. अनु पृ २३२ शोधः द्र.।

[n]) =संख्या-, सना. च। व्यु.?। <√इ इति या ३, १० पाउ ३, ४३। <इ : ए(तु. इदम्–, एतद्– प्रभृ.) इति WAG [३,१०४ b; २५९ c] WW १,१०१ प्रभृ.।

४६, ⌊२; ६, ३६, ४⌋; ५१, ४;
५५, ६; ५६,२; ४, १७, ५; ९;
१९; ३०, ५; ३२, ७; ५, ३०,
४; ३२, ३; ९; ६२, २; ८१,१;
५; ६, १८,२; ३; २२, १: ३०,
१;३१,१;३४,२;४५, १६· २०;
५९, ५; ७, १९, १; २३, ५:
२६, ३: ४; ९८, ६; १०३, ६[४];
१०४,३: ८, १,२७; २,४; ३१:
६, ⌊४१ (४०, ५)⌋: १३, ९;
१४,१;१५,⌊३(९५,९)⌋: ११;
१६, ८: १७,१५: २४,१९:२५,
१६: २९, १-३; ६;७: ३६, ⌊७;
३७,७⌋; ३७, ४: ३९, १०; ५८,
२[२]; ६२, २: ७७, ७; ९०, ५:
९६, १९: १०, ५, १: ३२, ५:
४८,७: ५१, १: ८१, ३ ; ८२,
३; ८४, ४, ९१, ३; १०४, ९:
११४, ४; १२१, १; ३[a]: ७[b]:
८ : १३८, ६ ; १५४, १ : खि
३, १८, १[२]: †मा ५, १४: ११,
४; १२, ११७$; १३, ४; १७,
१९; २७$; २३, १; ३[a]: २५,
१०; ११[a]; ४२ $: २७, २५[b];
२६; ३३,२७; ३७,२; †का ५,
५,१; १२,१, ४; १३,७,१६$;
१४, १, ४; १८, २, ४: ३, ३;
२५,१,१; २,१[a]; २७, १०, १:
२[a]; २९,४,३[b];४: ३२, २,१०;
३७, १, २; तै १, २, १३, १†;
५, ११, १†; ८,६,१: २, १,१,
४¶: ६,३,५¶; ३, २,२,२; ३,
८,२[३]; †४, १,१, १; ८, ३;४[a];
६[२b]; २, ८, २; ६, २, २; ४;

९, ३; ५, २,८,२[२]¶; ६,१, ३;
¶६,२,५,१:३, ७,५; ४, ८-९,
३; ५,१, ४[२]; ६, २[२]; ६, ४, ३;
¶७, १,१०,१;२,१०,३[२]; ४,५,
२[२]; ५,८,५; १६,१†[a]; ¶मै १,
२, ९†; ५, ८: ६, ८; ९; १२;
८, ४: ६[३]; ७[३]: ९, ३; ५[४]: ७[२];
१०, १$; २, ३, ३: ७, १५†;
†१०,२: ३: १३, १$; १०$[c]:
२३†: २. २, ८: ४, ३: ६, ५:
८, १; ९, ४: ८ : १२, १६ †:
४, २, १: ३: ५, ७; ६, ५[२]: ७,
७: ९, १†; ११, ३†: १२, ६†:
१४, ५†: १०†: १२$: ¶काठ
२, १०†: ६, ६[३]: ७, ७: ८, १;
१६†: १७†; ९, १३[२]; १५[२];
१८†: १२,६; १५,११†: १६,
१५†; †१८, १; २; २५, ६;
२७, ५, १०: २९,८: ३३, ८[२]:
३४, १३[२]: ३६, १४; ३७, ७:
३८,१२$:३९,२$; ४०,१[२]†[b]:
४५, ११ †; १३ †[a]; ४६, ५;
¶क २,४†, ४,५[३]; ६,६; २५,
६†; २८, २[२]†; ३९, ४; ४२,
५; †कौ १, १२२; २४८;
३७२[२]$:३८७:३८९: २, ६९१;
७६१ : १०६०$: ११८४;
†जै १, १३, ८; २६, ६; ३९,
३[२]$; ४३ , ७: ९ ; ३, ५६,
१८; ४, ५,१; ११, २: १६,५;
१७, ७; शौ २, १, ३† ; २,
१;२; ३, १३,४; ४, †२, २[a];
७;१०, ६; १७, ८; ३१, ४†;
३७, ११[२]; ६, ३६, ३; ७, २२,

१[d]; ८, ४, ३†; ८, १२; ९,
२६[२]; †९, १४, २; १० ; १५,
२६; १०, २, १४; ८, ५[२]; २८;
३६[२]: १०, २४[२]: १३, २, ३;
२६†,३,१८†;४, १२[२]: ५,७[२];
१८, ४,११: †२०, १२,५: २७,
१; ३५,१५; ३६,१; ३७,१;६१,
६;६२,१०; ६३,४: ६५,१:७०,
१५: ८७, ६: पै १, ७, १: ९२,
१; १०७, ३: २,६, ५: २६, ५;
३,४,४; १०,१[२]; ४,१,१†;१२,
४†: २५, २: १३, ४, १६[२]: ५,
१०[२]: ६, १२†; १४, १२: १६;
१४,१,१८; १६,९,३†:२०,४[२];
३०, २: ६०,८; †६६, २: १०;
७२,९: १०: ७३,१: १०१,४[२];
१०३, ५: १०९, ४[२]: १७, १५,
६; १८,२०,७:२१,६[c]: २३,२†;
२६,४[३]; १९, ४,३: २०,३८,९;
—कःऽ-कः[f] ऋ ३, २९, १५:५,
६१ १; —कम् ऋ १, ९३, ४;
९५, ३[२]; ९६, ५: ११५, ३: ५;
११७, १८: १३१, २: १६१, २;
१६४,६; ४६;४८: १६५,६; ३,
१,६;५४, ८; ५५, ⌊१-२२: १०,
५५,४⌋; ४, ७, ९: १९,१: ३५,
⌊२; ३६, ४⌋; ५८, ४[३]: ५, ३२,
११; ६२, १; ८५, ६: ६, ९,५;
१७, ८; ७, १८, ११ : १७;
३३, १०; ८, २०, १३ ; ५८,
२; १००, ५; १०१, ६; ९, ९,
४; २१,३; ९७, ५५: १०,१४,
१६ ; २७, १६; ४८, ७; ५६,
१[२]; ८०,२;८२, २; ६;८५,१५;

a) सपा. मै २,१३,२३;३,१२,१७ काठ ४, १६;४०, १ विशिष्टः पाभे. । b) पाठः? । यनि. अतिरिक्तमिव भवति (तु. सपा. मै २,१३,२३ यनि. हीनः पाठः, ORN. च)। c) सपा. एकः<>शिवः इति पाभे. ।

d) सपा. एकः<>एषः इति पाभे. । e) सपा. शौ १३, २,१२ एषि इति पाभे. । f) वीप्सायां बहुव्रीहिवद्भावो वैकल्पिकः ड्सं. (पा ८, १,३ ⌊तु. एकैक— ⌋)।

१६; १०९, ५; ११४,५; १२९,
२;३;१३८,६; १४२,५; खि १,
२,१४; ४,११,४; १३;५,३,२[२];
मा १२,२; †१७,२६; ३०;७०;
९२[३]; ३४,१; ४०, ४: का १३,
१,२; †१८,३,२;६; ६,६: १९,
१, ६[३]†; ३३, १, १; ४०,१,४;
¶तै १, ८,६, १; २,३, १२,२;
६,१,४[२]; ३,५: ३, २, ६, १$;
४,३,७, ४,१, १०,४†; ३,११,
४$: †६,२,१;३; ५,२: ७,१२,
३†:५.३,१, ३;१०,१: ६,१,६,
४;२,३,५[२]; ४,३;५,१: २;५,१,
४;७,२,१,४[३]: ¶मै १,१०,११;
२०; २,४,४: ७,८†; १०,३[२]†:
१३,१०$; ३, २,१[२]†;८: ६,५:
६; ९.८: ४,१,२; ८:५, ३[२]: ६,
५: ११, ३[२]:†;‡[a]: ¶काठ ८,१;
९,१८†: ११,२:१६,८†; †१८,
१[२];४: २०,८; १०: २३, २: ३;
२७, १०[२]: ३१,१: ६; ३२,७[२];
३३, ५; ३४,१८; ३५, १७[२]†:
३६,६;१४; ३७,७[२]: ३९,१०$:
†४०, ७[३]: ११; ¶क २८,२[२]†:
३१, १०; १२; ३५,८: ९: ४७,
१; ६: ४८,१५†; कौ १, ६५†[२]:
३,१, ६; जै १,७,३[२]†;२,५,३:
शौ १, १२, १;५,११, ६; १७,
५†; २८,६[३]; ७, २२, १: ८,८,
१२[३]; ९,३[२]; १५;२६; †९,१४,
७;१५,२८; १०,७,९; २५;२६;
८, ४; ११; २५[२]; ११, २, २२;
६,२१; १२, ३, ३९[b]; १३, १,
४५: ३,१७; †१४,१, १४: १६;
१५,१,३; १७,१०; १८,२,६†;

३,७[२]†; ४, ६४; १९, ४५, ५[३];
२०, ७२, १†; पै १, १७, १;
१०१,२; २, ५९,४[३]; ५,१३,४;
७,५,९; ८,१,६; १३,४[३]†;१४,
३[२]†; ९, १५, ५†; १३,५,१०;
१५,४, ५[३]; १६, १८. ३[२]; १९,
५: २०,४; २३,१; ३०,२; ६६,
६†, ९९, ३: १०१. ७†: १०२,
३; १०३, २; १०६, २; १११,
१; १७,७. १०: ९, ६; ७; १९,
६[c];१८,†२,३:५:१९,५;२६,१;
२७,३; २०, ५,२:–कम्ऽ-कम्[d]
ऋ १, २०, ७; ८,७०,१४; खि
१, २, १३[e], तै १,६, ८,२¶;
¶मै १, ४, १०; ६, ८: क २९,
७¶[f]: –कया ऋ ८, २९. ८;
६०,९: ७७,४; १०,६७, ४; मा
१४. २८: २७, ३३; ४३†: का
१५,९,१: २९,,३,६: ¶तै २,५,
११,४; ३,४, १०,४: ४,३,१०,
१$: ५,२, ४,४: ४,१०,२: ६,
१, २, १: ७, ४, १०-११, २[२];
मै १,१०,१७¶; २,१, ७¶;८,
६: ३,२,८¶: १०;६,५¶:४,६,
२: ¶काठ १०, १; १७. ५$:
२०,२: १०:१२$: २३,२: २७,
५$: ३३, २[२]; ३[२]: ३६,११: क
२६, ४; ३१, ४¶: १२¶: १४:
३५, ८¶; ४२,५: †कौ १,३६:
२,८९४: †जै १,४, २: ४, १४,
१; शौ ७, ४, १; १७, १, १७;
२०, ९१, ४†; पै १३, ५, २३;
१८, ३२,१; २०, १, १०; ४८,
४†; –कयाऽ-कया[d] ¶तै ६,१,
९, ४; ५; –¶कस्मात् तै ५,१,

९,१;६,१,२,७; काठ १२,६¶;
–कस्मिन् ऋ ७,६७,८; ८,४५,
३४; तै ६, ६, ४, २¶: मै ३,
६,५[२]¶; शौ १२, ३, ३६; १८,
१,१७; पै ३,१५,२; ८, १५,७;
१७. ३९, ६; –कस्मै मा २२,
३४; का २४, २०,२; तै ७, २,
११-१२,१: मै ३,१, १¶: १२,
१५: काठ ४२, १; २: –कस्य
ऋ १, १६४, ४४; १६५, १०;
२, १३,३; [९ (८, ३,१२)]: ६,
४५,५: ९,,१०,७; १०, १०, ३;
मा २०, १७: का २२, १, ४;
तै १,८,३,१: ७,५,३, १¶: मै
१,१०, २[२]: ४, ७, ९[२]¶: ११,
३†: काठ ९,, ४: १८†: ३३,
५¶: ३८, ५: क ८,७: कौ २,
४७५†: जै ३, ३६, १: †शौ
९,१५, २६. १८, १, ३; पै १,
९७,४: ५, ३८, ८; १३,५,१०;
–कस्याः ऋ १. ११६, २१: मै
१. ८, ६¶; –कस्याम् तै ७.
१, ६, १¶: काठ ३९, ६:
–कस्यै तै ७. ४, ७. ३¶:
–का ऋ १. ३५, ६: ३. ७. २:
५६, २: ७.९५.२: ८. ५८, २:
खि ३. १८, १[२]: ५. १५. १:
मा १७. २: १८. २४: का १८.
१,२: १९,८,१; तै ४. ३. ११.
१[२]: २; ५[४]: ४. ११.३; ७, ११,
१: ५.४,८,५[२]; ६. ६, ४.३¶;
७, १, ७, ३[२]; ४. ८. २¶: ¶मै
१,४, १२[३]: ६, ८; ८. ४: १०,
१७: २०: ११, ६: २, ३, ९[२];
८,१४$: ११. ६$: १३.१०[७]$;

a) सपा. एकम् <>एतान् इति पाभे. ।
b) सपा. एकम्<>एतम् इति पाभे. ।
c) सपा. एकम्<>लोकम् इति पाभे. ।
d) तु. टि. –कःऽ-कः ।
e) °कमक° इति पाठे? यनि. शोधः ।
f) सपा. एकम्ऽएकम् <>एकैकेन इति पाभे. ।

३,२,६[३]; ४,२[४];$[३]; ६,४[३a]; ५; ८,२; ४, १,७[२]; ¶३, २[४]; ५[२]; ४,४[३]¶;८,५¶;१४,७†; ¶काठ ६, ५; १२, ७[४]; ९; ११[२]; १४,७; १७,१०$; १८, १२$; २१, ११[३]$; २२, ८[३]; २५, १; २७,५; २९, ८; ३१, ५[२]; ३६, १३; ३७,१४; ३९,१०[८]$; ¶क ४,४; २६,९$; २९, १$; ३५, २[३]; ३८, ४; ४२, ५; ४७, ५[२]; शौ ५, १५,१; ६, ८३, २[३]; ७, ४४,१; ८,९,१३[३]; ९, ५, १०; २०, १२९, ३; पै १, २१, ३[३]; ८,५,१; १३, ५,१८; १६, १९, ३[३]; १७, १०; २०, १, ४; —काऽ-का[b] ऋ १, १२३, ८; —काः मै २, ६, ८[c]; ४, ४, २; काठ १५,६[c]; ३४, ८¶; शौ ७, ४४, १[२]; पै १७,१४, २[२]; ८[d]; २०, १, ४[२]; —कानाम् पै १, १११, ३; —काम् ऋ ३, २, ९; ७, ४; ८, ७२, ७; १०, ५, ६; तै १, ६, १०, ५[२]¶; २, ५, ५, ३;११,४; ४, ३, ११, ५; ६,६, ४, ३¶; ७, १, ५, ७¶; ७, ३[२]; ¶मै १,३,३५†; ६, १२; १०, १८[२]; २, १,७; १३, १०$; ३, १, १; ८, १[४]; ¶काठ १०, १; ११,१०; २१,२; ३१, १; ३६, १२[२]; ३९, १०$; ¶क ३१, १७; ४७, १; शौ ५, १, ६†; १५,१३,१; पै १३, ५, २; १६, १०३, ९; १९, ३४,१; —के ऋ ८, २९, १०; १०, ११४, १०; १५४, १; खि ७, ६,१[२]; मै ४, ९, ११[२]; १२[३]; शौ ६, १२२, २[२]; १०, ७, २७; ४२; ८, ३६; १०, ३२[१]; १८, २, १४†; १९, ५६,२; २०, १३२,१४[e]; पै ३, ८,२; १३,१४,१५[३]; १६, ५१, ६[२]; ११०, २[२]; १७, ९, ८; —केन ऋ २, १३, ११; ३, १२, ६; मा २३,५०; का २५,९,६; तै १,१,१४,१†; ¶५, ३,१,२; ५,१,१; ¶मै १, ८, ३; २, २, ८; ४, १[३]; ३, १,१०; ४, १०, ५†; ¶काठ ४,१५†; १०,१०; १२, १०[३]; १९, ८; २१, ४[२]; क ३१, १९[२]¶; †कौ २, ९२६; १०५४; जै ४, २२,९†, शौ ५, ११, ६; ११, १०, ३३[३]; १९, ४५,५; पै ८, १,६; १५, ४, ५; —केनऽ-केन[b] शौ १०, ८, ३०; —केभ्यः ऋ १०, १५४, १; शौ १८,२,१४†.

एक-क्रतु[f]— -तुः[g] पै १६, २०, ३;४.

एक-ऋषि[f]— -षिः शौ ८, ९, २५; २६; पै ९, २१, १[४]; १६, २०, ३; ४; १७,८,५[h]; —षिम् पै ९, २१,१[२]; —षेः पै ९, २१,१[४].

१ एक-क[i]— -कम्[j] शौ २०, १३२, १.

२ एक-कु[k]— -कम् ऋ १०, ५९, ९; खि ५, १५,१५[j].

¶ एक-कपाल[l]— -लः तै २, २, ९, ७; ६,३,६; ७, ५,१४,१; मै १, १०,१[०]; ७[३]; २, ६, २; काठ ९, ४[२]; ५; १०,१; १५,१[२];$;२$; २९, ३; ३६, १[३]; ३७, २; ४५, १०$; क ८, ७[२]. ८; —लम् तै १, ८, १-३, १; ४, २; ७, १; २,२, ९, ७; ३, १२,२; ४,१०, २; ६,३,६; मै १, ८, ९; २,१, ७; २, ७; ११; ४, ८; ६, १; ३, १५, १०$; काठ १०, १; ११, २; १०; १२, ७; —लाः मै १, १०,२०; ४, ८, ५; काठ १२,१; ३६, १४; —लान् तै १, ८,६,१; मै २, ३, १; —लानाम् काठ १२, १[३].

एक-काम— -माय पै १,४३,३.

एक-चक्र[m]— -क्रम् ऋ १,१६४, २; शौ ९, १४, २†; १०, ८, ७[n];

---

a) मक्तृत् एका इति स्वरे? यनि. शोधः।

b) तु. टि. —कःऽ-कः।

c) सपा. एकाः<>एताः (माश ५, ३,५,१९ तैब्रा १,७,६,४ आपश्रौ १८,१३,२१ च) इति पाभे.।

d) °कः इति पाठे? यनि. शोधः।

e) पाठः?। एकम् इति RW.।

f) कस. अन्तोदात्तः। पाक्षिकः प्रकृतिभावः (पा ६, १, १२८)।

g) सपा. °क्रतुः<>°तुः (वैतु. RW. °कऋ°) इति पाभे.।

h) सपा. °ऋषिः<>°र्षिः इति पाभे.।

i) विप. (अलाबुक-)। स्वार्थे कन् प्र. नित्स्वरश्च।

j) सपा. एककम्<>एककुम् इति पाभे.।

k) विप. (भेषज-, अलाबुक-)। नस्थ. द्वकु—, त्रिकु— इत्येतयोः साहचर्यात् स्वार्थे कः प्र. उसं. (पा ५, ३, ५२) तत्स्वरश्च :

l) विप. (पुरोडाश-)। तद्धितार्थे द्विस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६, २,२९)।

m) विप. (रथ-, ज्येष्ठब्रह्मन्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

n) सपा. शौ ११,६,२२ अष्टाच° इति पाभे.।

१३,३,१८†; पै १६, ६६,२†; १०१, २; –क्रेण मैं २,७, १२; काठ ३८,१४?[a]; पै २,२२,६.

एक-चत्वारिंशत– -शता पै १६, ७१,११?[b]; –शते काठ ४२, २.

¶एक-चि(ति>)ती-क[c]– -कम् तै ५, २, ३, ७; काठ २०, १; क ३१,३.

एक-चित्त– -त्ताः पै १९,१०,१२.

एक-ज[d]– -†०ज ऋ १०, ८४, ३: शौ ४, ३१, ३; पै ४, १२, ३; –जः शौ १०, ८, ५[२]; पै १६, १०१,४[२]; –जम् ऋ १, १६४, १५; शौ ६, ९९, १; ९, १४, १६†; पै १६, ६७, ५†; १९, १२,१: –जानाम् खि ५,५,३.

एक-त[e]– -¶तः मैं ४, १,९: काठ ३१, ७; क ४७, ७: –ताय मा १,२३: का १,८,४: तै १,१,८, १; काठ १, ८: क १,८.

एक-त(य>)यी[f]– -यीषु मैं २, २,१¶.

एक-तेज(न>)ना[g]– -नाम् शौ ६, ५७,१; पै १९,१०,३.

एक-त्रिंशत्[h]– -शत् मा १८, २४[२]; का १९, ८,१[२]; तै ४,७,११,१; –शता मा १४,३०; का १५,९, ४; तै ४,३,१०,३; मैं २, ८,६; काठ १७, ५; क २६, ४: –शते काठ ४२,२.

एकत्रिंश[i]– -शः मा १४,२३; का१५,७,२; तै ५,३,३,५¶; मैं २, ८, ४; काठ १७, ४; २०, १३[२];¶; क २६, ३; –शेन मैं ३,९,२¶.

एकत्रिंशद्-अरत्नि[j]– -त्निः मैं ३, ९,२¶.

एक-त्व- -त्वम् मा ४०, ७; का ४०, १,७.

एक-देवता–

¶ एकदेवत्य,त्या[k]– -त्यः तै ३, ४, १, १: –त्याम् काठ २६, ८: क ४१, ६.

एक-द्यू[l]– -द्यूः ऋ ८,८०,१०.

एक-धन–

एकधन-वि्द्[m]– -विदे मा ५,७; का ५, २,५; तै १, २, ११, १; मैं १,२,७; काठ २,८?[n]; क २, २?[n].

एक-धा[o] ¶ तै २, १,२,९;३,२,२[२]; ११,४; ५, २,१,६; ३,७; ४,४; ३, १, ३; १०,१; ¶मैं १,८, ४; ७; १०, २०; २, ३,९; ५, ११; ३. १, १०[२]: २, ८: ८, ८[२]; ९, ८?[p]; ४, १, ९: २, ३[२]: ३, ८; ४, ९; ५, ८: ८, ५; १३, ४$; ¶काठ ६,६: १०, १: ११,४;८; १२, १; ९;११: १४,६:९; १६, २१. २०,२;१०; २१,१२; २५, २:९[२]: २६,८; २९, ३;६; ३१, ७;३६,१४: ३७, १[४]; ¶क ४, ५: ३१, ४: १२; ३८,५; ४०, २[२]; ४१, ६ : ४५, ७: शौ ५, १७,८; ८,९,२६; १०, १०, ५; पै ९, १६, ६ : १६, २०, ४ ; १०७, ५.

एक-धेनु[q]– -नुभिः ऋ ७,३८,५.

¶एक-नवति– -त्यै काठ ४२, २.

¶एक-नामन्– -मानः काठ २७,

---

a) एत° इति पाठः? यनि. शोधः (तु. पूर्वापरं स्थलं, SI. च)। b) °शतः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

c) विप. (अग्नि-)। बस.। समासान्ते कपि दीर्घः (पा ६,३,१२७)।

d) विप. (मन्यु-, इन्द्र- प्रभृ.)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. <√जन् द्र.।

e) व्यप. (दैवत-व्यक्ति-विशेष- [तु. द्वित–, त्रित–])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। भा. तद्धितवृत्तमजन्तं प्राति., L. [पा ४,६] एक–+तस् प्र. इति। एक–+त–(<√तन् +डः प्र. [पा ३,२, १०१]) इति मतम्।

f) विप. (विश्-)। तयबन्तात् स्त्री. ङीप् प्र.।

g) विप. (इषु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

h) द्वस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,३५)।

i) पूरणे अर्थे डट् प्र. तत्स्वरश्च।

j) विप. (यूप-)। शिष्टं पृ १०३० l टि. द्र.।

k) विप. (पशु-, ऋच्-)। तादर्थ्ये यति प्र. (पा ५,४, २४) तित्स्वरः।

l) व्यप. ([गौधम-] ऋषि-विशेष-)। उस. उप. √दिव् +क्विप् प्र. (पा ३. २, १७८) प्रकृतिस्वरश्च।

m) विप. (इन्द्र-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √विद् [लाभे]+क्विप् प्र. (वैतु. उ. म. [पक्षे] √विद् [ज्ञाने] इति ?)।

n) मुद्रिते पाठे °विदे इत्यस्याऽन्तिमो भागस्त्रुटित इति संभाव्यते (तु. मा. तै. प्रभृ.)।

o) क्रियाभ्यावृत्तौ धा प्र. उसं. (पा ५, ३, ४२)।

p) ए° इति स्वरे? यनि. शोधः (तु. सात.)।

q) नाप. (देव-पत्नी- [तु. ऋ १,२२,१०])। एकं समानं धेनुरक्षकत्वमासां ताभिर् इति कृत्वा बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (तु. ORN. NW.; वैतु. सा. प्रभृ. कस. इति स्वरतश्चोद्याः)। उप. भाप.।

५; क ४२,५.

¶एक-नाराशंस– -सा (॑सः)[a] काठ २९,१: क ४५,२: –साः(॑सः)[a] मै ३.१०,५.

एक-नीड[b]– -डम्[c] खि ४, १०. १: १०[२],१?[d]; मा ३२,८: का ३५, ३,५: पै २,६,१.

एक-नेमि[b]– -मि शौ १०, ८, ७: ११, ६, २२: पै १६, २३, २: १०१, २: –मिम् खि १ २, १२?[e].

एक-पञ्चाशत्– -शतम् मै ४. ४, ३¶: –शते काठ ४२.२.

एक-प(ति>)त्नी[b]– -त्नीः शौ १०, ८,३९.

एक-पद्[b,f]– -पदः शौ १३. २.२७: पै ९,२०,१: १८, २३,४.

एकपदी[g]– -दी ऋ १. १६४, ४१: तै ३, ३, १०, २[h]; †शौ ९, १५. २१: १३,१, ४२: †पै १६. ६९, ११: १८, १९, २;

–दीम्[h] मा ८,३०; का ९,५,३.

एक-पर्[i]– -रस्य ऋ १०, ३४,२.

एक-पात्र[j]– -त्रः पै ५, १४, २: –¶त्राः तै ६, ४, ९, ३[२]: काठ २७,५; क ४२,५.

१एक-पाद्[k]– -पात् ऋ १०, ११७, ८: †शौ १३.२,२७;३,२५: पै ९, २०,१: १८. २३, ४†: –पादम् काठ १३,९;१०.

२एक-पाद्(अज-)[k]– -पात् ऋ २, ३१. ६; ६,५०, १४ : ७. ३५, १३: १०, ६४,४: ६५,१३: ६६, ११: खिमा २९ ८?[l]; मा ५, ३३: ३४, ५३†: का ५. ८, ३: ३३, २, १६†: तै १, ३, ३, १; ४,४, १०,३: मै १, २, १२: ६, २†: २, १३,२०: काठ २ १३; ३९,१३: क २,७; शौ १९, ११, ३†: पै १३,८,१३†: १८, १५, ६[m]: –०पात् (–०ज) काठ ७, १३.

एक-पाद(अज-)[b]– -दः (-जः) शौ १३,१,६[m].

एक-पु(त्र>)त्रा[b]– -त्रा मै १,५,८.

एक-मु(ख>)खा[b]– -खाः शौ ९, ४,९; पै ६,१०,१;१६,२४,९.

एकं-मूर्धन्[b]– -र्धा पै १८,२६,१.

एकमूर्ध्नी[n]– -र्ध्नीः[o] शौ ८, ९, १५; पै १६, १९, ५.

एकम्-एका[p] ऋ ५, ५२,१७.

¶एक-यूप[q]– -पम् तै ५, ५, ७, १; –पे मै ३. ४. ८; काठ २२, ७; क ३५, १.

एक-राज्[r]– -राट्,ड् ऋ ८, ३७, ३: शौ ३,४,१; पै ३,१,१.

एक-राज[s]– -जः मै ४,१४,१३[२].

एक-राजन्–

एकराज्ञी– -०ज्ञि पै ७, १२, २: –ज्ञीम् पै ७,१२,१.

एक-रात्र[t]– -त्रः तै ७, २, २, ३¶; शौ ११, ९, १०; पै १६, ८२, १०; –त्रेण पै १६,७१,१०.

a) पाठे ? नाराशंसपङ्क्तिर्यज्ञः इति विशेषणमिति कृत्वा यनि. शोधः (तु. ऐब्रा २,२४ समान-स्थले द्वि-नाराशंसा [॑सः])। b) विप. । बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

c) सपा. एकनीडम् <> एकरूपम् इति पाभे. ।

d) ॰नडम् इति पाठे ? यनि. शोधः ।

e) ॰मिम् इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

f) उप. पद्– =पाद्– । पाप्र. (५,४,१४०; ६, ४, १३०) तु ॰पाद–>॰पात्–>॰पद्– इति कृत्वा वैरूप्यार्थं पृथङ् निर्देशः । g) स्त्री. नित्यं ङीप् (पा ५,४,१३९)।

h) सपा. ॰दी <> ॰दीम् (माश ४,५, १०,२ च) इति पाभे. ।

i) विप. (२अक्ष– [=द्यूत-साधन-])। एकश्चासौ पर इति कृत्वा कस. अन्तोदात्तः (वेंतु. वें. सा. PW. GW. प्रभृ. बस. इति)। उप. =इष्ट- । (वेंतु. GRV. MR. NW. प्रभृ. अधिक-वाचकम् उप. इति कृत्वा तृस. इति स्वरतश्चोद्याः)।

j) विप. (ओदन-, प्राण-)। बस. ।

k) विप. । शिष्टं f टि. द्र. ।

l) ॰पा॰ इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

m) सपा. ॰पाद् (तैब्रा २, ५,२,३ च) <> ॰पादः इति पाभे. ।

n) स्त्री. ङीपि प्र. (पा ४, १,२९) उपधालोपः ।

o) सपा. एकम्॰ <> समानम्॰ (पाग् ३, ३, ५ च) इति पाभे. ।

p) क्रिवि. । वीप्सायामभ्यास आम्रेडितनिघातश्च (पा ८, १,३)। =एकम्-एकम् इति कृत्वा ॰कं श॰>॰का श॰ इति नैप्र. सांहितिकी वैस्वर्यापत्तिः स्यात् ? ।

q) कस. अन्तोदात्तः ।

r) विप. (इन्द्र-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम् ।

s) कस. समासान्तष् टच् प्र. (पा ५, ४, ९१) चित्स्वरश्च ।

t) नाप. (यज्ञ–)। तद्धितार्थे द्विस. समासान्तः अच् प्र. (पा ५, ४,८७) चित्स्वरश्च ।

एक-रूप,पा[a]- -पः शौ १६,३,२१; पै ९,१२,२; १७,३८,१; -पम् काठ २७, ८¶; शौ २, १, १[b]; पै ९,१२,१; -पस्य ¶मै ४.२, १४; -पाः ऋ १०, १६९,२; तै ३,१,४,२; ७,४,१७,१†; मै ३, ३, ९[2]¶; ¶काठ १४, ९; ३०, ८; ४४, ६†; शौ २, ३४, ४; पै ३,३२,६; १९,५१,६†.

एक(क-ऋ)र्चि[c]- -र्चेभ्यः शौ १९, २३,२०.

एक(क-ऋ)तु[d]- -तुः[e] शौ ८, ९, २५; २६.

एक(क-ऋ)र्षि[f]- -र्षिः काठ ४०, ११; शौ १०, ७, १४[f]; -र्षे का ४०,१,१६.

एक-ला(म>)मा[g]-

एकलामिका[h]- -काम् पै ७,१२, १; -के पै ७,१२,२.

¶एक-लोक[i]- -काः मै १, १०, १८; काठ ३६,११;१२.

?एक-वा(य>)या[j]- -याम् शौ २, १४,१; पै २,४,१.

एक-विंशति- -तिः मा १८, २४[2]; का १९, ८,१[2]; तै ४,७,११,१; ¶५,१, ८,१; १०, ३; २, ३,६; ¶मै २,३,३;३,२,३; ४,२,१०; ६, ३$; ¶काठ ११, १; १२, ६; १९,११; २०,१; ५;८; ३३, ८; ३४,९; ¶क ३१, १; ३; ७; १०; -¶तिम् तै २, ५,१०,२; ५,१,८,५; मै ३, ४, ४; ५: ४, २, १०[2]; ८, ७; काठ २०, ८; २१,१२; २५,१०; क ३१,१०; ४०,३; -त्या मा १४, ३०; का १५,९,३; तै ४, ३, १०,२; ५, १,८,१¶; ६,१, १,८¶; मै २, ८,६; ३, ६,३¶; काठ १७, ५; २३, १¶; क २६,४; ३५, ७¶; पै १६, ७१, ११[2]. -¶त्याः मै ३, ८, ३; काठ २५, २; क ३८, ५; -त्यै काठ ४२,२.

एकविंश[k]- -शः मा १०, १३; १३, ५७; १४, २३; २८; १५, १३; का ११,५,४; १४. ७, ८; १५, ७, १; ८,२; १६, ३, ११; तै १, ८,१३,२; २, ५,१०,२¶; ४, ३.२-३, २; ८-९, १; ४, २, २; ¶५, १,८,१;५[2]; १०,४;२, ३,६; ३, ३, २[2]; ४, २[2];$; ४, १२, २; ¶६, १,१,८; २, १०, ६; ३, ३, ६; ¶७, १,१,६; २, १, ३; २-३, २; ५, ३[2]; ६; ३, १०, ५[2]; ४,३, ३; ४; मै २,३, ३¶; ६, १०; ७, १९; २०; ८, ४; ५; ९; ¶३, २, ३; १०; ४, ४; ५; ६, ३; ¶४, ४, १०[2]; ७,६[2]; ¶काठ १२,६[2].१५,७$; १०[3];१६,१९$; $१७, ४[2]; ८; २०, १; ८; २१, १२; २३, १[2]; २५, १०; २६, ४; २८, ३; ३३, ६[2]; ८; ३४, ९; ३९, ७$; ¶क २५,९$;$२६, ३[2]; ७; ३१, ३;१०; ३५, ७[2]; ४०, ३; ४१, ७; ४४, ३; शौ ८, ९, २०; -¶शम् तै ५, ४,१२,१; ६, ६,११,४; ७, १, १, ५; ३, २; ५, ८, ३; मै १, ९,४; ४, ४, १०[3]; काठ ६, ७; ९, ११; १५, १०; ३३, ४; क ४,६; -¶शस्य तै ५, २, ३,६, काठ २०, १; ३३, ६; क ३१, ३; -शाः तै ७,४,७,२¶; -शात् मा १३, ५७; का १४, ७, ८; तै ४. ३, २, २; मै २, ७, १९; काठ १६, १९; क २५, ९; -शाभ्याम् मा २२, ६०; का ३१. ५, १; तै ७. ५, १४, १; मै ३. १५.१०; काठ ४५, १०; -शाय तै ७, १, २, १¶; काठ ५१. ४; -शे मा २१, २६; का २३,३,४; मै ३. ११. १२; काठ ¶३३, ४[2]; ६[2]; ३८. ११; -¶शेन मै ३, ९,२; काठ २६, ४; ३३. ६; ३६, १५$; क ४१, २; -शौ तै ७. ४, ३,५¶; काठ ३९,२[2].

[a]) विप. (विश्व-, पशु- प्रभृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[b]) पाभे. कृते पृ १०३२ c टि. द्र.।

[c]) विप.। बस. समासान्तः अः प्र. (पा ५,४, ७४)।

[d]) तु. टि. एक-ऋतु-।

[e]) पाभे. कृते पृ १०३० g टि. द्र.।

[f]) पाभे. कृते पृ १०३० h टि. द्र.।

[g]) विप. (⌊ओषधि-विशेष-⌋ पाटा-)। नैप्र. उप. ला° > का° इति।

[h]) स्वार्थे कः प्र. उसं. (पा ५,४,२८)।

[i]) विप. (पितृ-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[j]) कस. अन्तोदात्तः। उप. ? । नैप्र. √बाध् > कर्तरि यति प्र. (तु. पा ३, ४, ६८)=*बाध्य- इति ? (वैतु. सा. प्रभृ. उप. भाप. < √वद् इति कृत्वा बस. इति स्वरतश्चोद्याः)।

[k]) विप., नाप. (स्तोम-विशेष-) च। पूरणे अर्थे डट् प्र. (पा ५,२,४८) वा तदस्य परिमाणमित्यर्थे डः प्र. (पा., पावा ५,१,५८) वा। उभयथा प्र. स्वरः।

¶ एकविंश-व(त् >)ती[a]- -ती काठ २०, १२; –तीम् मै ३, २,१०[२]; काठ २०, १२;१३; क ३१, १४[२];१५.

एकविंश-वर्तनि[b]- -निः[c] तै ४, ३,३,२; मै २,७. २०; काठ ३९,७.

¶ एकविंशति-कपाल[d]- -लः मै ४,३,९; काठ ३७, ४;५; –लम् मै २,१,९.

एकविंशति-छदि[e]- -दि तै ६, २,१०,६¶.

एकविंशति-धा(मन् >) म्नी[f]- -म्नी मै ४,७,६¶.

¶ एकविंशति-निर्बाध[g]- -धः तै ५,१,१०,३; मै ३, २,१; काठ ११, १[३]; १९, ११; २०, ५; क ३१, १; ७.

¶ एकविंशति-रात्र[h]- -त्रः तै ७, ३,१०,५; –त्रम् तै ७, ३, १०, ४; ५[३].

एकविंशति-वि(धा >)ध[i]- -धः मै ३, २,३¶.

¶एकविंशत्य(ति-अ)रत्नि[j]- -त्निः मै ३, ९, २; काठ २६, ४; क ४१,२; –रत्निम् तै ६, ३,३,६.

†एक-वीर[k]- -रः ऋ १०, १०३,१; मा १७,३३; का १८, ४, १; तै ४, ६,४,१; मै २, १०, ४; काठ १८, ५; क २८, ५; कौ २, ११९९; शौ १९, १३, २; २०, ३४,१७$; पै ७, ४,२; १३, ७, १८$; १६,१५१,७$.

एक-वृत्[l]- -वृत् मै ४, २, १३ ¶; काठ २०, १¶[m]; क ३१,३¶[m]; शौ ८, ९, २५; २६; १३, ४, १२; ५, ७; पै १६, २०, ३; ४; –वृतः शौ १३, ४, १३; ५, ८; –वृतम् शौ १३,५, २-८; ६, १; ३; –वृता तै ५, २,३,७¶[m].

एक-वृष[n]- -षः शौ ४, २२, ६; ७; ५, १६,१; ६, ८६, १-३; पै ३, २१, ६; ८, ४, १; १३, ३, ९; १९, ६, १०-१२; –षम् शौ ४, २२,१;५[o]; पै ३, २१,१;५[o].

एक-व्रत,ता[p]- -¶तः मै ३, ७,१०; ८,२; काठ २५,१; क ३८,४ ; –ता खि ३, १५, १?[q]; –ताः तै ६,२,५,३¶; मै २,१३,२२; काठ ४०, १२; पै १०, ४, ६; २०, २१, १; –ताम् पै ७, १२, १; –०ने पै ७,१२, २; –तेन मै ३,६,१०¶.

एक-व्रात्य[r]- -त्यः शौ १५, १, ६; पै १८,२७,६.

एक-शत- -तम् ऋ १०, १३०, १; काठ ३८,१३[३]; शौ ३,९,६; ५, १८, १२; ७, १२०, ३; ८, २, २७; ११,८,१६; १९, ४६, ५; पै ३, ७,१; १७,१; ४, २३, ४; ९,१९,५, १५,१४,९; १६, ५, ८; १९, २३, ४-६; २०, १७, १०; १९, १०; –ताय मा २२, ३४; का २४,२०,२; मै ३,१२, १५.

एक-शफ,फा[s]- -फम् मा १३, ४८; का १४, ५,२; तै ४, २,१०,२; मै २, ७, १७; ८, ६[t]; काठ १६, १७; क २५, ८; –फाः मा १४, ३०[t]; का १५, ९, ३[t]; तै ४,३,१०,२[t]; ६, ५, १०, १¶; काठ १७, ५[t]; ३५, १५¶; क २६,४[t]; –फाम् पै ६, १५, ८?[u]; –फे शौ ५,३१,३.

एक-शराव- -वम् पै ९,२१,१.

एक-शितिपाद्[v]- -पात् मा २९,५८; का ३१,६,१; तै ¶२, १,२, १; २,५,५,२४,१; मै २,५, ६[२]¶;

a) विप. (इष्टका-)। b) विप. (स्तोम-)। बस.।

c) सपा. मा १०, १२; १४,२४ का ११, ५,३;१५,८, २ तै १,८,१३,१; ४, ३,९,१; ५, ३,४,१ मै २, ६,१०; ८,५ काठ १५, ७; १७,४ माश ४, ५,१,५; ८, ४,२,५ विशिष्टः पाभे.। d) व्यु. एक-कपाल- टि. द्र.।

e) विप. (अवट-)। बस.। f) तु. टि. एकमूर्ध्नी-।

g) विप.। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. नाप. यद्र.।

h) तु. टि. एक-रात्र-।

i) विप. (गार्हपत्य-)। बस.।

j) तु. टि. एकात्रिंशद्-अरत्नि-।

k) नाप. (इन्द्र-)। कस. अन्तोदात्तः।

l) नाप. (वैतु. MW. विप. इति)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. <√वृत् द्र.।

m) सपा. °वृत्<>°वृना इति पाभे.।

n) व्यु. अष्ट-वृष- टि. द्र.।

o) सपा. तैब्रा २,४,७,८ °षभम् इति पाभे.।

p) विप. (देव-, पाटा- प्रभृ.)। बस.।

q) ता° इति स्वरे? यनि. शोधः।

r) कप. अन्तोदात्तः। उप. यद्र.।

s) विप. (पशु-)। बस.।

t) सपा. °फम्<>°फाः (माश ८,४,३,१३ च) इति पाभे.। u) पे° इति पाठे? यनि. शोधः।

v) विप.। बस.। उप. °शिति-पाद्- इति द्विपदः कस. (वैतु. पाम २,१,१ पाका ६,२,८१ बस., एक-शिति-

काठ १३,२[2]¶;४८,३; –¶पादम् तै २,१,२,१; काठ १३,२.

एक-शीर्षन्[a]– -र्षाणः शौ १३,४,६.

एक-शु(ङ्ग→)ङ्गा[b]– -ङ्गाः शौ ८,७,४; पै १६,१२,४.

एक-श्नुष्टि[c]– -ष्टीन् शौ ३, ३०, ७; पै ५,१९,८.

एक-षष्टि– -ष्ट्यै काठ ४२,२.

एक-सङ्ग– -ङ्गम्[d] पै १५,१२,८.

एक-सप्तति– -त्यै काठ ४२, २.

एक-(स्थ→) स्था[e]– -स्थाम् पै ७, १२,१; –०स्थे पै ७,१२,२.

‡एक-स्थूण[f]– -णे पै ४,१,७.

¶एक-(स्फ्य>)स्फ्या[g]– -स्फ्यया![h] मै १, १०, १३; –स्फ्याम् काठ ३६,७.

एकस्मान्–न-पञ्चाशत्[i]–

¶एकस्मान्नपञ्चाश[i]– -शः तै ७, ४, ७, ३; –शम् तै ७, ४, ७, १[2];३.

¶१एक-हायन[k]– -नः मै २, १, २; काठ २४, १; क ३७, २; –नाः तै ६,१,६,७.

¶एकहायनी– -नी तै ७, १, ६,२; काठ २४,१[2]; क ३७,२[2]; –नीम् तै ६,१, ६, ५; –न्या तै ६, १,६,७; ७,१, ६, २[2]; मै ३, ७,४; काठ २४, १; क ३७, २.

२एक-हायन[l]– -नान् तै ६,६,३,१.

ऐकहायन[m]– -नान् पै ९, २२, ४[n]; १६, १३०, १[n].

एका(किन्[o]– -किनम् काठ २८,१¶; –किना शौ १९,५६,१, पै ३,८, १; –की मा २३,९; १०; ४५; ४६; का २५,३,६; ७; ९,१; २; तै ७, ४, १८, १[2]; मै ३, १२, १९[2]; काठ २८, १[2]¶; ४४,७[2].

१एका(क-अ)क्षर[p]– -रम् शौ ५, २८,८; पै २,५९,६.

२एका(क-अ)क्षर, रा[q]– -¶रया मै १, ११, १०[2]; काठ १४, ४[2]; –¶रा काठ २८, ३; क ४४, ३, –राम् मै १, ११, १०; काठ १४,४¶; –राय मै १,११,१०[r]; –रेण मा ९, ३१; का १०,६,१; तै १,७,११,१.

ए(क>)का-दशन्[s]– -श ऋ १, १३९,११[2]; मा ७,१९[3]†, १८, २४[2];२०,११; का ७, ८, १[3]†; १९,८,१[2]; २१,७,११, ¶तै १, ४,१०,१[3]†; ३,४, ९, ७; ५,२, ३; ४,७,११, १$; ५,४,१०,४; ६,२२, १$; ६,३,७,५; १०, ३; ११,६;४,५,१; ११,१$; मै १, ३, १३[3]†; ११, १०; ¶३,३,२; ४,४-६; ८;९,८[2]; १०,३[2]; ४[2]; ११, ८$; ¶४, १,८; ३,८;५,५; ६,४[4];¶; ७,९; ¶काठ ४, ५[3]†, २१,१[2]; २२, २;७;१०; २३,२; २६, ९[4];१०[2]; २७,९$; ३१,६; ३४,७; ३७,७[2];१७; ३८, ४$; ५०, २$; ¶क ३, ४†; ३५,१; ४; ८; ४१, ७[4]; ८[2]; शौ १९, २७,११-१३;४७,५; पै ६,२०, ५; १०,८, १-३†, –शभिः[t] मा १४,२९; का १५, ९, २; तै ४, ३,१०, १; ७,५,७, ३¶; मै २, ८, ६; ३, ७, ७¶; काठ १७,५; ३३, ७¶; क २६, ४; –शभ्यः[t] तै ७,२,११-१२,१; १०,१; काठ ४२, २; –¶शसु काठ ८ ३; क ६,८.

इति द्विपदः द्विस. पूप. इति च युक्तारोह्यादित्वादाद्युदात्तश्चेति ?)।

[a]) विप. (वत्स-)। बस.।

[b]) विप. (ओपधि-)। बस.।

[c]) विप.। बस.।

[d]) द्वि१ वा. क्रिवि.।

[e]) विप. (पाटा-)। उस.।

[f]) बस.। सपा. ऋ १०,१२१,७;९ मै २,१३,२३ काठ ४०,१ शौ ४,२,६ विशिष्टः पाभे.।

[g]) नाप. (रेखा-)। एकः स्फ्यः (=तदाघातः) यस्यामिति कृत्वा बस.।

[h]) एकस्याम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. काठ., आपश्रौ ८,५,२० च)।

[i]) पंस. (तु. भा. ⌊पक्षे⌋)। पूप. हेतौ पं. उसं. (पा २, ३,२४)। पाप्र. ⌊६, ३, ७६⌋ तु तृस. इति कृत्वा पूप. अस्मा(क् इत्यागमः उसं. स्यात (तु. भा. ⌊पक्षे⌋) ?। उभ. प्रकृतिस्वरः उसं. (पा ६,२,१४०)।

[j]) विप. (यज्ञ-)। तदस्य परिमाणमित्यर्थे डः प्र.।

[k]) विप. (गो-, मनुष्य-)। शिष्टं एक-कपाल– टि. द्र.।

[l]) नाप. (एकहायनपरिमित-काल-)। शेषं k टि. द्र.।

[m]) स्वार्थे अण् प्र. (पा ५, ४,३८)।

[n]) सपा. ऐकहायनात्<>त्रैहायणात् इति पाभे.।

[o]) विप.। असहाये अर्थे आकिनिच् प्र. (पा ५,३,५२) चित्स्वरश्च।

[p]) कस. अन्तोदात्तः।

[q]) विप. (वाच्-, छन्दस्- प्रभृ.)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[r]) °रया इति Sch. पाठे? यनि. शोधः।

[s]) द्वस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। पूप. आत्वम् (तु. पासि ६, ३, ४६)।

[t]) उपोत्तमम् उदात्तम् (पा ६,१,१८०)।

एकादश[a]- -शः ¶तै ६,३,७,५; १०,३; ११,६; ६,४,६; ¶मै ३, ७,७; ९,३^{२}; ८^{३}; १०,३; ¶काठ २६, ४^{२}; २८, ३^{३}; २९,९; ¶क ४१, २^{२}; ४४, ३^{३}; गौ ५, १६, ११; –शम् ऋ १०, ८५, ४५; तै ५, २,१,६¶; काठ १९, १२¶; क ३१, २¶; –शाः खि ५,५,७[b]; काठ ३५, ६; क ४८, ७; –†शान् ऋ ८, ३९, ९; तै ३, २, ११, ३; –शासः ऋ ८, ५७,[२,९,९२,४]; खि १,४,३; तै १,४,११,१; –शे मा ३९,६; का ३९, ४,१; –¶शेन तै ७,३, २,२; काठ ३४, १०; –†शैः ऋ १,३४,११; ८, ३५,३; मा ३४, ४७; का ३३, २,१०.

एकादशी[c]- -शी मा २४,४; ५; का २६, ४-५, १; तै ५, ७, २१-२२, १; मै ३, १५, ४, ५; काठ ५३, ११; १२; –शीम् मै १, ८, २¶; –श्या पै ९, २०, ११^{२}.

एकादश-कपाल[d]- -लः मा २९, ६०; का ३१,५, १; ¶तै २,२, ५,३;९,१;६; ५,६,५, १; ७,५, १४,१;२२,१; ¶मै २,२-३,६; ६, १^{२}\$; ४^{२}; ५; १३^{२}\$; ३,१, १०;६,१; १०,२;४,३, १^{२};८^{२}; ¶काठ ९, ५; १५, १^{२}, ३; ४^{३}, ५;९^{२};२२,३;३७,२;\$४५,१०; १९; ¶क ८,८; –¶लम् तै १,५, २,५;८,१, १;२^{२};३,१; ४,२;८, १; ४;९,१; २; १०, १; १७,१; १९,१;२१,२; २,२, १, १^{२};२^{२}; ३-५; ४,४; ७, १; २^{२}; ३; ४^{२}; ५^{२}, ८,१-३; ४^{२};५;६; ९, १;२; ६;११,१; ३;६^{२}; ३,२,८; ३,१-४;४,२;३;६,२;११,१;४, २,२; ३;५,१,३;४, २;३, ५,१,४; ५, ५,१,४^{२}; ६,५,१;७,५,७, २;३; मै १,४, १४; ६, ८; २, १, १^{८}; ३^{४}; ४^{३}; ७^{४};८;९^{३};२,६;८^{२};९^{८}; १०^{७};११^{५};१२^{२};३, ५,४,६; ६, २;६^{२};३,६,१; \$१५, १०; ११; ४,३, ९^{२}; काठ ८,१०;९,१७^{६}; १०,१^{४}; ?;८^{१}, ९^{८}, १०^{६};११^{२}; ११, १-३;८; १९, ९; २२, ३; १३^{२}; ३३, ७^{२}; क ७,६; –लाः मै ४,३,१¶; –लान् तै ७,५,६, ४¶. –लेन काठ १०,२^{२}¶.

एकादश छदि[e]- -दि तै ६, २, १०,६¶.

¶एकादश-रात्र[f]- -त्रः तै ७,२, ६ ३; -त्रम् तै ७,२,६,१;२.

एकादश(श-ऋ)र्च[g]- -र्चेभ्यः शौ १९,२३,८.

एकादश-शराव- -वम् पै ९, २१,११.

एकादशा(श-अ)क्षर, रा[h]- -¶रया[1] मै १, ११,१०^{२}; काठ १४,४^{२}; –¶रा तै २,२,९,६;३, ४,९,७;५, ६,५,१; ६, १,२,७; २,१०,६;३,३,६;४,५, १; मै ३, ४,४;५;१०,२;४,३,८; काठ ८, ३;१९,१२; २१,१२; २२,२;३; क ६,८; ३१, २; –¶राम् तै ७, ३,२,२; मै १, ११, १०; काठ १४, ४; ३४, १०; –राय मै १, ११, १०; –रेण[1] मा ९, ३३; का १०,६,३; तै १,७,११,२.

¶एकादशा(श-अ)रत्नि[j]- -त्निः मै ३, ९, २; काठ २६, ४; क ४१, २; –त्निम् तै ६, ३, ३,६;

¶एकादशा(श-अहन् >)ह[k]- -हः काठ ३४, ७.

¶एकादशि(न् >)नी[l]- काठ- पुष्पि ३४; –नी तै ५,५, ७, १; ६,६,४,६;५,१; मै ३,४,८; ४, ७, ९; ८, १; काठ २९, १०^{२}; ३०,१; ३४, १; क ४६, ३^{२};४; –नीः काठ ३४, १; –नीभिः काठ ३४, १^{२}; –नीम् तै ५, ५, ७,१; ६, ६, ४,५; ५,१; मै ३, ४,८; ४, ७, ८^{२}; काठ २२, ७^{२}; २९,८;९^{२}; ३४,१; क ३५, १^{२}; –न्या काठ २९, ८; क ४६, ३; –न्याः मै ३, १०,५; काठ २९, १०; –न्याम् मै ३, १०, १; काठ २९,८.

[a]) विप. (आत्मन-, स्तन- प्रभृ.)। स्वार्थे पूरणे अर्थे च डट् प्र. तत्स्वरश्च।

[b]) सपा. शांश्रौ ८,२१,१ एकादशासः इति पाभे.।

[c]) विप. (आहुति-, मांसध्-, रात्रि-)। स्त्री. ङीब्-उदात्तनिवृत्तिस्वरः।

[d]) विप. (चरु-, पुरोडाश-)। व्यु. एक-कपाल- टि. द्र.।

[e]) विप. (सदस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[f]) तु. टि. एक-रात्र-।

[g]) तु. टि. एकर्च-।

[h]) विप. (छन्दस्-, त्रिष्टुभ्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[1]) शकृत् सपा. °रया <> °रेण इति पाभे.।

[j]) तु. टि. एकत्रिंशद्-अरत्नि-।

[k]) नाप. (याग-विशेष-)। तस. समासान्तष् टच् प्र.।

[l]) नाप. (एकादशयूप-संहति-)। तदस्यपरिमाण-मित्यर्थे डिनिः प्र. (पावा ५,१,५८) तत्स्वरश्च।

एकादशिनी-काम- -माः काठ ३४,१¶.

?एका(क-अ)नृच[a]- -चेभ्यः शौ १९, २३,२२.

एका(त>)न-न-चत्वारिंशत्[b]- -शते तै ७, २, ११-१२,१;१४, १; काठ ४२, १[c];२[c].

एका(त>)न-न-त्रिंशत्[b]- -शत् काठ ३४,१७¶.

एका(त>)न-न-विंशति[b]- -त्यै तै ७,२,११-१२, १; १४, १; काठ ४२,१[c];२[c].

एका(त>)न-न-शत[b]- -ताय तै ७,२,११-१२,१; १४, १; मै ३, १२. १५[d]; काठ ४२, १[c];२[c].

एका(त>)न-न-षष्टि[b]- -ष्ट्यै तै ७,२,११-१२, १; १४,१; काठ ४२,१[c];२[c].

एका(त>)न-ना(न-अ)शीति[b]- -त्यै तै ७, २, ११-१२, १; १४, १; काठ ४२,१[c];२[c].

एका(क-आ)यु[f]- -युः ऋ १, ३१, ५.

एका(क-अ)शीति- -त्यै काठ ४२, २.

एका(क-अ)ष्टका[g]- -का तै ४, ३, ११,३; ५, ७, २,२¶; ७,४, ८, १¶; शौ ३, १०, १२; पै १, १०६,४; -काम् तै ७,४,८,२¶; -कायाः मै४,२,८¶;-¶कायाम् तै ३,३,८,४; ५,७, २, २;७,४, ८,१[2];२; मै २,५,९[2]. ४,२, ३; काठ १३,३; -कायै पै १,१०५, १[h];१०६,२; -०के शौ ३,१०. ५[h]; -०के शौ ३,१०, ८; पै १, १०६,१.

एका(क-अ)ह[i]- -हम् मै ३, ८, १[2]; -हे मै १,६,९.

एके(क-ईषा>)ष[j]- -षम् ऋ १०, १३५, ३; काठ १९, १२¶; क ३१,२¶.

¶एकै(क-ए)क,का[k]- -कः काठ ६, ५; क ४,४; -कम् तै ५, १, १, २; ४, ५, ५; मै ४,२, ९; काठ २५,६;२९,३;३४,१७; क ३९, ८; ४५, ४; पै १८, २६, २$; -कया तै ७,५,८,४; मै १,१०, ८; काठ २१, ८; २४,५;३६,२; क ३७, ६; शौ ३, २८, १$; -कस्याः मै ३, ७, ४; -काम् मै ३, ७, ४; काठ ३४, १७; -केन काठ १८, १९[l].

एको(क-ऊ)न-विंशति[m]- -तिः शौ १९, २३,१६.

¶एको(क-उ)द्रन[n]- -नम्,-नात्,-ने तै ६, २,६,२.

¶एको(क-उ)द्मुक[o]- -कम् मै १, १०,२०[1]; २,६,१; ३; ४, ३,१; काठ १५, १; ३६, १४[2]; -केन मै ३, ७,८.

?एकत्न्यं स्वदग्ववती[p] पै १५, १८, १०.

?एक-वृत्- -वृत् मै ४, २,१३.

?एकाल्क[q] पै १, ८३,३.

?एकायसो[r] पै १, ७,२.

?एकोदेनः[s] पै ३,३९,६.

?एक्षां[t] पै ३,३८,२.

√एज्,>एजि, एजति ऋ ५, ७८, ८; ८,६,२९; १०, ३७, २; मा

[a]) अर्थः? सा. =अर्थर्व- [आथर्वण- ऋक्प्रभेद-] इति।

[b]) तु. टि. एकस्मान्नपञ्चाशत्-।

[c]) एकोन° इति BC.।

[d]) एकान्नशताय इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको., मात. च)। सपा. मा २२,३४ विशिष्टः पाभे.।

[e]) एकोना° इति BC.।

[f]) विप. (अग्नि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. २आयु- यद्र.।

[g]) नाप. (माघ्याः पौर्णमास्या उपरिष्टाद् अष्टमी- इति, पितृदेवत्यकर्माधिष्ठातृ-देव- इति च)। कस. अन्तोदात्तः।

[h]) सपा. °कायै <> °के इति पाभे.।

[i]) तु. टि. एकादशाह-। चित्स्वर इति विशेषः।

[j]) विप. (रथ-, अनस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[k]) वीप्सायां द्वित्वम्। यन. अतिदेशः (पा ८,१,९)।

[l]) पाभे. कृत पृ १०२९ f टि. द्र.।

[m]) कस. अन्तोदात्तः। पूप. तृन.।

[n]) विप. (देवयजन-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

[o]) नाप.। कस. अन्तोदात्तः।

[p]) पाठे? एका ह्य् आसां दृष्मवती इति शोधः?।

[q]) पाठे? एको(क-उ)त्कर्ष(या-ए)क-कामाय अस्मै कामाय ह्व(?ह्)यसे इत्यर्थर्च-शोधः।

[r]) पाठे? एको य एष उ इति चतुष्पदः शोधः? (तु. एक एव इति द्विपदः सपा. शौ २,२,२ पाभे.)।

[s]) पाठे? एकौदन->-नः इति वा एको नः इति वा शोधः?।

[t]) पाठे? (तु. BKA. मिश्रां) अग्निभिः इति बहुत्वश्रुतेर् उख्य->-ख्यान् इति शोधः (तु. टि. पृ ८६४ a)।

८, २८[२]; का ९, ५, १[२]; तै ४, ७, १५, १; मै ३, १६, ५; काठ २२, १३![a]; शौ ७, २१, ६; ८, ९, ८; १०, ८, ११; १२, १, ४६; १९, ४७, २; एजति ऋ १, १०, २; ५, ५९, २; मा ४०, ५[२]; का ४०, १, ५[२]; काठ २२, १५[b]; कौ २, ६९५†; जै ३, ५६, २२†; पै १, ९१, ३; ६, २०, २; १६, १८, ८; १०२, २; १०३, ६; १७, ५, ४; २५, ५†; १९, ३०, १५; २०, ४, ४; २१, ९†; एजतः खि ५, २२, १; मा २३, २८; का २५, ६, ८; शौ २०, १३६, १[c]; एजथ>था ऋ ८, २०, ४, शौ ६, २२, २; पै १९, २२, ११; एजाति[d] शौ ६, २२, ३; पै १९, २२, १२; †एजान ऋ ६, २५, ७; काठ १७, १८; एजतु मा ८, २८; का ९, ५, १; एजतु ऋ ५, ७८, ७; मा २३, २७; का २५, ६, ७; पै २०, २१, ९†; एजातु पै ६, ३, १; एज पै १३, २, ९; ऐजन् ऋ १, ६३, १.

एजत्– -जत् ऋ १, १६४, ३०; ३, ५४, ८; ४, १७, १०; १९, ६; १०, ८८, १५[e]; मा १९, ४७†[e]; का २१, ३, १८†[e]; मै २, ३, ८†[e]; ४, १४, ११; १२†; काठ ३८, २†; जै ४, ११, ३†; शौ ९, १५, ८†; १९; १०, ८, ६; १२, १, ३; ४; १३, २, ३१; पै १, ४०, ४; १४, १, १५; १५, २०, ७‡[f]; १६, ६८, ९†; ६९, ९; १०१, ९; १०४, १०; १७, १, ३; ६; १८, २३, ८; –जत्ऽ–जत् शौ ४, ५, ४; पै ४, ६, ४; –जने पै ११, १, ९.

एजत्-क[g]– -काः शौ ५, २३, ७.

एजथु[h]– -थुः शौ १२, १, १८; पै १७, २, ९.

एजमान– -नः पै २०, ४७, ५.

एजयत्– -यन् काठ ११, ६¶; ३५, १४[i]; क ४८, १३[i].

ए(आ-इ)ज्या– आ√यज् द्र.

ए(ण>)णी[j]– -णी मा २४, ३६; का २६, ८, १; तै ५, ५, १५, १; मै ३, १४, १७; काठ ४७, ५; शौ ५, १४, ११; पै ७, १, ९.

१एत– १ए(आ√इ) द्र.

२एत[k]– -तम् तै ७, १, ६, ५¶; –ताः ऋ १, १६६, १०[l]; १६९, ६; ५, ५४, ५; १०, ७७, २; मा २४, ८; १५; १७; १९; का २६, २, ३; ३, ५; ४, २; ४; मै ३, १३, ९; १३; १५; –†तान्[m] ऋ १, १६५, ५[n]; काठ ९, १८; –तानाम् ऋ १, १६९, ७.

१एनी[o]– -नी ऋ १, १४४, ६; १०, १२, ३; ७५, ७; खि ५, १५, ५; शौ ६, ८३, २; १८, १, ३२†; २०, १३०, ११; पै १, २१, ३; –नीः ऋ ५, ८५, ६; १०, २०, २; ८७, ७; शौ ८, ३, ७†; १८, ४, ३३; ३४; पै १६, ६, ७†; –नीम् ऋ ५, ३३, ६; १०, ३, २; कौ २, ८९७†; जै ४, १३, १०†.

२एनी[p]– -न्यः ऋ ५, ५३, ७; ८, ६९, १०; शौ २०, ९२, ७†.

†एत-ग्व[q]– -ग्वा ऋ ७, ७०, २; ८,

---

a) ᵒजता इति पाठः? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

b) सपा. शौ ४, २३, ७ विशिष्टः पाभे.।

c) ᵒतः इति शंपा.।

d) सपा. एजाति<>क्रोशाति इति पाभे.।

e) सपा. एजत् (माश १२, ८, १, २१; १४, ९, १, ४ तैब्रा २, ६, ३, ५ बृउ ६, २, २ च)<>भुवनम् (तैब्रा १, ४, २, ३ आपश्रौ १९, ३, ५ च) इति पाभे.।

f) सपा. ऋ २, ३३, १० अभ्वम् इति पाभे.।

g) नाप. (क्रिमि-विशेष-)। अज्ञाते कः प्र. (पा ५, ३, ७३) तत्स्वरश्च।

h) भावे अथुः प्र. उसं. (पा ३, ३, ८९) तत्स्वरश्च।

i) =सपा. आपश्रौ १४, २९, ३। शौ ६, ४९, २ तु अर्दयन् इति पाभे.।

j) =२एनी-। नाप. व्यु.?। स्त्री. ङीष् प्र. (पा ४, १, ६३) तत्स्वरश्च। नैप्र. < *अह(ण>)णी- < हरि(ण>)णी- इति विमृश्यम् (तु. MWA.)।

k) विप., नाप. (अश्व-)। व्यु.?। यनि. नैप्र. < हरित–? (तु. टि. एण– < हरिण–)। यद्वा क्वचित् क्वचिद् गत्यर्थमहिम्न्येव तात्पर्यदर्शनात् तत्र तत्र =१एत– इत्यपि विचारसहं द्र.? (तु. पाउ ३, ८६ < √इ [गतौ] इति)। एवं स्थिते १, २, ३ एत– इति त्रेधाऽपि विभागः संभाव्येत।

l) =शुक्लवर्णा- माला- इति सा., =शबलित-मृगचर्मन्- इति GRV. MVH. प्रभृ.।

m) पाभे. कृते पृ १०२९ a टि. द्र.।

n) वैतु. वें. =शत्रु- इति, सा. गन्तु- (=गन्तृ-) इति।

o) नाप. (एणी-)। स्त्री. ङीप् प्र. (पा ४, १, ३९)।

p) =१एनी–। ङीष् प्र. उसं. इति विशेषस्तत्स्वरश्च।

q) विप. (अश्व-, अश्विन्-, हरि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. भाप. < √गम्।

७०,७; कौ १,२६८; जै १,२८, ६; -त्त्वाः ऋ १, ११५, ३ ; मै ४,१०,२.

?एतत्[a] पै २०,५३,९[४].

"एतद्[b]–

५अ–

अ-तस्[c] (:) ऋ १, ६, ९; २२, १६, १८; २३, १२; २५, ⌊११; ८, ६, २९⌋; ४७,⌊७; ८,८, १४ (१,१३७,२;५,७९,८;८,१०१, २)⌋; ५३, ३; १०१, ८; १०८, ⌊७-१२⌋; १४७,५; १६५,५; २, २४,७;३,३६,६:४,२,१२; १६, ५;१८,१; २;२६,५;२७,३;५०, ३: ५, ३०,५: ३४, ४;५०,३[२d]; ६०,६; ६२,८: ६,५,३; ४०,५: ७,१०४, ३;८,५,२७; ८, ⌊(१, ४७,२)११:१४⌋;९,१०: १०,१: २०,१८: ४९, ७: ९२,१०;९७, ४:९, ४८,३: ८६,१५: ९५, १: १०,१,४: १२,३; १४, ९: ४६, ६; ८५,२१[e]; ९०,३,१०८,१०, १२०, ७: १४९,⌊(८२,१) २[१]⌋; खि ३,१,७: १६,२; ४,५, १६[f]; ५,५, ७; मा १, २५; २६[२]; ५, ४३; १२, ४५†; ३१, ३†:३४, ४३†: का १,९,३; ४[२]; ५.१०, ५; १३,४,१; ३३,२, ६†; ३५, १,३†; तै १,१, ९, १; २[२]; २, ५,८, ६¶; ३,२,४, ४; ५,१०, १‡[g]; ४,२,४,१†; ४, १२, १[२]; ¶५, १, ४, ३; ९,४; ४,१०,२; ५,९,५; ६,५,६,२¶; मै १, १, २; १०[३]; ३, १३; २७; ४, ५; ११¶; ६,६¶; ८, १¶; ९,५¶; १०, २०¶; ¶२,१, १०; २,६; ५,३; ७,११$; ¶३, १, ५: २, ३†;८; ४,४:६,७; ७,२; ८,४[३]; ५[२]; ७:१०, ३; १६,४$; ४,१, २;१०;१४[२]¶;४,५[२]¶; ५,५¶: ९,१: ११, ३†: ¶काठ १,९[३]$; ८, १०: ९, १२; १८†; ११,२; ३:५: १२, ३: १६, ११†: १९, १०[२]: २०, १†; २२, १: ११: १४$: २४, ४: ६ : २५, २[२]; २६, २: ६: २७, २[२]: ४: ३६, १३:३७,१७,¶क १,९[३]$: ७,६; २५,२†: ३०,८[२]: ३१,३†;३५, ५: ३७,५: ७; ३८, ५[२]: ४०,५: ४१, ४: ४२, २[२]: ४; †कौ १, २१५: २६४; ५३०: २, १८८: १०२०:१०२४: †जै १,२३,२: २८,२: ५४,६: ३,१७,९: ४,९, १: शौ ५,२,६†: २२, ११: ६, १११,१;८,१,४: ९,५,६: १५, १०, ३-५: †१८,१, ३२ : ५५: †२०, २१, ३: ७०, ५; ७७,५. ८८, ३; १०७, ९: १४०, ५: पै १,५९, ५; ८६, १; २; ८७, २; ३; ३,१,२[h]; ४,५, १०; १३,३; २४, ४; ५, १७, २; ६; ३४,५; ६,१, ७†; १५, ८; २२, १६?; ८,८, ५; ९, ११, १०; १३, १, १५; १६, १,४; ९७,५; १०३, २; १८,१०,३†[g]; १९,१८,१४; ४१, ११; ४८,११; २०, ८,२[२]; १७, १०; २८,२; ३२,५[i]; ३८, ९;५३,९;११.

अतोधि तै ७, ३, १, ३?[j].

अत्र,>त्रा[k] ऋ १, ३३, १५; ४१,४; ४८, ४; ५२, ११; १५; ६७, २; ८४, १५; ११८, ५; ११९, ७; १२३, ३; १२४,१; १३५, ८; १५१, ५; १५४, ६; १६२,४. १६३,५;७; १६४, १; ६; ११: २१: ३३[२]; १६५, ११; १३;१७३,१२; १७९,३; १८२, ३: १८७,७: २,१, १५; १५,९; १८, ३; ३०, २; ३५, ६; ३,१, ६:७: २३,१; ३८.३:६; ३९,३; ५५, २: ५७,२: ४,१, ..; १९, १:२२,७: २६,⌊५(२७,२)⌋; ७; ३०, ७: ४१, ६: ५४.१: ३; ५, २९,९: ३०,७:१०: ३१,७:१०; ४१, ६: १७: ४४, ९: ४५, ७; ६१.११; ६३,१: ६,१७,८:२०, ४:२४.५: ६३,५: ७,४,४: १८;

---

a) पाठे? यथाक्रमम् आ√यत् >आ-यत्त->-त्तम्, -त्तः[३] इति शोधः (तु. सपा. शौ १९,५१,१ १अ-युत-> -तम्, -तः इति पाभे.) ।

b) सना. । व्यु.? । <√इ इति (पाउ १,१३३) । अ : इ : ए (तु. इदम्-, एक-, एव प्रमृ.) इत्यर्वाञ्चः ।

c) अव्य. । तसिल् प्र. अशादेशः (पा ५, ३, ५;७) लित्स्वरश्च ।

d) वैतु. सा. <इदम्-+(सप्तम्यर्थे) तसिः प्र. इति ।

e) सपा. शौ १४,२,३३ इतः इति पाभे. ।

f) सपा. खिमा २९,१६ इतः इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ १०,१२०,३ कौ २,८३५ जै ४,५, ७ शौ ५.२,३; २०,१०७,६ ऐआ १, ३,४; ५,१,६ अद्गुः इति पाभे. । h) सपा. अतः<>तत्रः इति पाभे. ।

i) सपा. शौ ७,८८,२ इतः इति पाभे. ।

j) यनि. पत्रा.? (तु. भा. सा. किंत्रि. इति) अतः, अधि इति द्विपदः शोधः (तु. तै ७,२, १०, २ ततोऽधि इति) । अधि इति च पं. अर्थे कप्र. ।

k) अव्य. । सप्त. अर्थे त्रल् प्र. लित्स्वरश्च ।

३; १२; १९: ३०, ३; ३९, ३: ४०, ६; ५७, ५; ६५, [४ (७०, ५)]; ८५, २; १०३, २; ८, १५, १२; ३१, १८; ३४, ३: ४५, २६[a]: ९, १४, ४: ७३, ९: ९७, ५२[b]; १०, १, ३; ११, ८; १२, ४: ६; ८: १६, १३: १७, ९: १८, ९: १२: १३[c]: २७, ६: ९: १०[२]: ३१, ११: ४२, ४; ५१, ४: ५३, ८: ६४, १६: ७१, २; ८: ७२, ६: ७: ७३, १: ३: ९१, ९: ९२, १५: ९३, १५: १०२, ७; १११, ६: ११३, ३: ६: १३४, ७: १३५, १: १६६, ३: खि २, १०, १; ४, ११, ७: खिमा ३१, ११[d]: मा २, ३१: ३, ४६†: ५, १७: ६, ३†: ११, ४७: १२, ४५; १८, ५९: १९, ३५: २३, ४९: ५१: ५२: ५७: २५, २७: २९, १६: १८; ३३, ६४†: ३५, १०†; ३७, १८: का २, २, ६; ७, ३: ३, ५, ३†: ५, ५, ५; ६, १, ३†: १२, ४, ११: १३, ४, १; २०, ४, ७: २१, ३, ४: २५, ९, ५: ७: ८: १०, ५; २७, १७, ४: †३१, ३, ५; ७: ३२, ५, १०†; ३५, ४, ९†; ३७, ३, ५: तै १, ७, १३, ७: ३, २, १: ६, ७†: ४, ४४, १: ८, ५, १; २२, ४†; ¶२, ६, ३, १: ९, १; ३, २, ५, ५: ४, १, ४, ४: ११, ७†; २, ४, १: †६, ७, २; ३; ८, २; ५, ७, ७, १; ¶६, २, ९, ३; ४,

९-१०, १; ७, १, ६, १¶: मै १, १, १०[२]: १३¶; २, ३: १४†; ३, २०†; ४, ८[२]: ¶: ५, १०¶; ७, १[e]: ८, ९[e]: ९, ५¶: १०, १; ३; १३¶; १८[२]¶: १९[२]; २, १, ४¶; ३, १¶; ८: ५, ५¶; ७, ५: ११; १३, ६†: ¶३, १, ४: २, ५; ४, ४; ६, ५: ७; ७, २: ७; १०; ८, ५[२]; १०: ९, ७[२]; १०, १[२]; ३; ११, ७$: १६, १†: ¶४, १, १०: ३, ६: ४, १०: ५, १; ५: ८; ८, ४: ५; १०, ३†: †११, २; ३[२]: †१४, १२[२]: १५; काठ २, ११: ३, ३†: ४, ८†; ७, ७¶: ८, ५¶: ९, ४¶: ६[२]; ¶: १२¶; १६¶; १८[२]†: ११, १२†: १२, ८¶: १६, ४: ११; १७, ११[२]: १८, १९¶; १९, १¶: ५; ७¶: २०, ११[२]¶; ¶२१, ३: ६; १२; २५, ६[२]¶: ९[२]: ¶: ¶२७, २; ३[२]: ¶२८, ३: ७: ३४, १८†; १९[e]: ¶३६, ७[२]; १२; १३[२]; ¶३७, ४; ५: ११; ३८, २: १२; १४: ३९, १२†; ४०, ५; ६†; ८†; ४६, ३†; क २, ५; १०†; ३, ६†: ७, १¶; ८, ७†; ९[२]; ¶: २५, २; ¶२९, ७: ८: ३०, ३; ५¶; ¶३१, १२[f]; १३[२]; १८; २१, ३९, ४[२]¶; ४०, २[२]; ¶: ¶४२, २; ३[२]: ¶४४, ३: ७; †कौ १, १४७; २, २६५; ११५८; †जै १, १६, ३; ३, २२, १२; शौ ३, २३,

२; ४, ७, ७; ५, १, ३; ५; ६, २; ८, ९[२]; ६, ३७, २; ५३, ३; १०४, २; १२३, २[g]; ८, १, ९; ९, ४, २४; †१४, १; ७; १३; २२; १५, १२[२]†; ११, १, ३३; १२, २, १; १०; १८; २६: २७; ३, १७; ४५; ४८; ५५-६०; १४, १, ५८; १७, १, ८; १८, १, १३; २६†; ३१†; ३४†; ३६†; ३९‡[h]; ४३†; २, ३०; ५९†: ३, ६†; ५१†; ७३; ४, ७; ३३; ४७; ४९; ८६[२]; १९, ७, ३†; २०, ४१, ३†; ८९, ४: पै १, ४७, २; ६६, १: ३, १, ८‡[i]; ४, १४, ३: ५, १, २; ५: २८, १: ३१, ४; ३२, ७; ४०, ४; ६, २, ३; ११, २; १६, ७†; ७, १८, ८; ८, १५, ३; १८, २; १३, १०, ३; ८; १६, २६, ३; †६६, १: ६: †६७, १; १२; ६९, २[२]†; ९२, ३: १०१, ५; १७, ३०, १; ८[j]; १०; ३१, ७: ३२, ६†; ७; ३४, ६; ३७, ७; ४०, ५: ७; ४१, ५-१०; १८, २, ६: ३१, ३; १९, ६, ४‡[i]; २०, ४; २३, १४‡[i]; २५, ४; ४०, ६; ९: ४१, ५, ४७, २; ४९, १३; ५०, ८; १०; ११; २०, ७, ७[३]; १०, २: १७, २; २२, ३[k]; २६, ८; ४०, ६; ४७, २; ६१, २; ३; ४[२]; ५; ७; ¶अत्रऽअत्र तै ५, ६, ३, १; मै २, ३, १; काठ १२, १; ६[२]; २३, २; ५; २९, ४; क ३५, ८; ३६, २; ४५, ५.

[a]) सपा. अत्र<>तत्र इति पाभे. ।

[b]) सपा. अत्र<>यस्य इति पाभे. ।

[c]) सपा. अत्र (तैंश्रा ६, ७, १ च)<>तत्र इति पाभे. ।

[d]) अत्र इति स्वरः? यनि. शोधः ।

[e]) =सपा. आश्रौ ३, १४, १० । मा ८, ६१ तै १, ५, १०, ४ शांश्रौ १३, १२, १३ तु पाठाऽभावः ।

[f]) सपा. काठ २०, १० पाठाऽभावः ।

[g]) सपा. मा १८, ६० का २०, ४, ३ तै ५, ७, ७, १ काठ ४०, १३ माश ९, ५, १, ४७ तैब्रा ३, ७, १३, ३ माश्रौ २, ५, ५, २१ अस्य इति पाभे. ।

[h]) सपा. अत्र<>यत्र इति पाभे. ।

[i]) सपा. ऋ १०, १७३, ६ अथो इति पाभे. ।

[j]) सपा. शौ १२, २, ९२ अस्तु इति पाभे. ।

[k]) सपा. अत्र<>गृह्णाणाम् इति पाभे. ।

२एत,ता- -तम् ऋ १, १२२,१२; १८२, ५; २, १४, [२; ३७,१]; ३; ४१,१४; ३, ३५, ९; ५, २, २; ११; ५८, ३; ६१, १७; ६, ४१, [३(१, ३३, ५)]; ४; १२, ५६, १४; ६४, ४; ८७, ५; ९, १५, [७; ४६, ६]; [८; ६१,७]; ३८, [२ (३२,२ ; ४३, २; ६५, ८)]; ३; १०८, ११; १०, १४, ९; १८,४; ८; ३४,४; ३९,१४; ४८, ४; ५१, ४; ६; ९३, ११; १२; १०८, ८; खि ३, २२, २; ४,११,९; ५,७,२,८;१५,६;[a]; खिमा ३३,११; मा २,१२;१७, ८,३७; ११,४७; १२,६३; ६५; १५, ५३; १८, ५९; ६०; २२, १९; २३, ७; १७[२]; ३१, १८; ३५, १५†; का २, ३,१; ४, ५; ८,११,२; १२, ४,११; १३, ५, २; ४; १६, ६,५; २०,४,२;३; २४, ६, २; २५, ३, ३; ४, ६[२]; ३५, २,२;४.१६†; ¶तै १,१, १३, २$; ५, ४, १[२]; ८, ३; ५; ७ ३, २; ३; २, १, १, १; ५; २-३, १; ५, १; ३; १०, २; २, १, १; ६.५; ८,५; ६; १०, १[२]; ५; ३,१,१; ५; २,२; ३; ६; ७; ४, २-४; ५, २; ३; ६, १; १२, १[२]; ४,४,१; ३; १३, १; ५, २, ३; ३, १[२]; ५, १; ४; ५; ८, १; ६; ९, १[३]; २; ६, ८, ५; ३, १, १, १; ४, ४$[b]; ९, ६[२]; २, २, २; ३,९, १$; ४, ३, १; ८, ४;

९, ३-५;$४,१,८,४;२,५,३$; ३,१३,६†; ७,१३,३; ५; ५,१, २, ८; ६; ५, ४; ७; ९; ६, ३; २,१,३; २,६; ८,२; ३,१०,२[२]; ४,२.२; ५,१, ३; २, ५; ६, २, ५; ५,३[२]; ६-७,३; ९,३; ७, ३, १$; ५,१; ६,६; ७,१$: ६, १, ४,७; ९, ४: २,८,३; ३,१०,६; ४,९,१; २; ५, ५,१; ३; ६, ५; ८,२: ६.१०,१; ११,२[२]; ७.१, ४,१; ८,१; १०, १[२]; २[२]; १२, १$; २,१-८,१; ५,१; २; ६,१; ९-१०, १; ३,८-८, १; १०, ८; ५; ४, १-२, १; ६-७, १; २०, १$: ¶मै १,२,२$[c]; ८,६; ८; ५,५; ६,५[२]; ६: ८[२]: ११; ७,२; ५; ८,६; ९; ९,४[२]; ५;१०,१४; १५[२]; १६[४]; १९: ११, ५[२]: २, १,२; ३[२]; ८; ११; २,१; ८;५, २, ३[२]; ४; ५[२]; ८; ९[२]; $७,५; १२ ; १२. ८$; १३, २२$; ३. १, ३; ४, ५[२]: ६$.२,१,७[२]; ३,१, ४; ५; ८; ९[२]$: १०[२];४. ४[२]; ७[२]; ८[२]; ५, ४; ६, ६; ७, ८[२]; ९; ८, ३; ४; ९,१; २; ३[२]. ४; ७[२]; १०, १[२]; ५: $१२, ४; १८; ४,१,२; १२; १४$, २,९. १३; ३, १[२]; ६; ७; ९[२]; १०;४, १; ६-१०; ५, ४; ६[२], ८; ६, ३[२]; ८; ७, ४ ; ६[२]: ७[७]; ८, ९: १०,५†; ६$; ११,२†; १३,७; १४, ५†; ¶का० १, १२$; ६, ५[२];७; ७,१२$; ८, १[२]; १०[२];

१३[२]; १५; ९, ३[२]; १२; १६[२]; १७[२]; १०, ३; ५; ९[३]; ११, ५; ६; १२, ५; ६[३]; ७[२]; १३; १३, १[२]; २; ३[२], ५[२]; ६[२]; ७; १५$; १४,५[२]; ७; $१६,४;१२; १८, १८$; १९,१;२[२]; ३; ४$; ५$; ८; २०, ७; २१,५-७; १२; १३; २२, १; ३[२]; ४; ७; ९[३]; ११[२]; २३, १; ७: २४, ६[२]; ८ : २६, २[२]; ३; ५; ६[२]: १०; २७, ३[३]; ४[२]; ९; १०: २८, १:३.८[२];९[२]; २९,६[२];७[२]; ३०,४[२]: ९; ३१,९; ३२,४; ३४, ७[४]; ३६,२:८:९[२]; १०[२]; ३७, १[२]: ४: १५?; $४०; १२; १३[२१], ४१,३$: ४४, ९$; ४५,४[२]$: ¶क १,१२$: ४,४[२]; ६. ६,६[२]; ७,१[१]: ३[२]: ८, १[२];३; ६ : २५, ३$: २९, ६$: ८[२]; ३०, १;२$: ३$. ३१, ९:२०; ३५, १[२]; ३[२]: ५[२]: ७: ३६, ४: ३७,७[४१]: ३८,१ :४०,५[२]; ४१, १: ३ ; ४[२]: ८: ४२, ३[२]: ४[२]; ४४, १; ३: ८[२]: ?: ४५, ७[२]; ८[२]: ४६, ७[२]: ४७, ९: †कौ १, ५८१: २, ८३१: ६१८: ६२३. ६२५. ६२९; †जै १, ५९, ४: ३, ३३, ६: ५०, १०: ५१, १; ५२, ५: ६: शौ १. ३०, २: २, २९, ६[२]: ३,१२, ८: ४, १, २; १४,७; ६,८७,३‡[h]: १२२, १; ३: १२३, १; ८,१,१०: ९, ४, ८; २४: ५,१; ६; १२; ३७;३८; १०,६,३५; ९,१; ११, १, २९;

a) ए° इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

b) सपा. एतम् (आपश्रौ ७, १७,५ च) <> एतान् इति पाभे. ।

c) एतं ग्रन्थिम् (आपश्रौ १०,१०,३; १३,७,१६ च) इति पाठस्य स्थाने शौ ३,७,२ गुम्फितम् इति पाभे. ।

d) सपा. एतम् <> एनम् इति पाभे. ।

e) सपा. एतम् <> एतत् इति पाभे. ।

f) सपा. सकृत् एतम् <> एतत् इति पाभे. ।

g) सपा. एतम् <> एव इति पाभे. ।

h) पाभे. कृते पृ ७८८ *h* टि. द्र. ।

४,१-१८; १२, २, २३†; ३,७; १९; ३४; ३८; ४४; ४६; ५३; ५५-६०; १३, ५,२-८; ६,१;३; १८,१,५५†; ३,२†; १३; २०, १३०,५; पं १, १३, ४?[a]; २९, १; २, ३, ३; ३७, २; ५, २,१; ४०,६; ८,१२,७; ९,८,२; १०, ३,२; ३; १२, १२; १२, ३, १; ७,१; १४, ३,८; १५, १२, ९; १६, १, १०; ६, ८‡[b]; २४, ७: २६,३: ४५,४; ५१,७; ९१, ९: ९७,१; ९८,१०; ९९,४; १०२-१०३, १०; १३६, १; १७ ३२, ३†; ३६, ७; ३९, ८; ९[c]; ४०, ४; ६; ४१, ३; ५-१०; १८, २५, ८†; १९, ६, ७‡[d]; २४, ४[e]: २०, १०, ५[२f]; ३८, ५; -तया ऋ ८,२६, १९; ¶तै १, ५,७,६[२]; ६, ११, ६; २,२, ९, २; ११,६[२]; ३,५,३, ७,१:२;४; ४,१,३: ४; २,३: ३,२;३: ११, ३[२]; ९,८,५; ६; ६,२,६; ३, ८, ३,८; ५,१, ५, ५; २,१,२[२]; ३: ४,६,५; ७, १[४]; २-५; ७, २,२: ६, १, २, ५-७; ७,५, १५, ३[३]: ¶मै १,४,१४: ५,५: ६[२]; ११[२]; ८, २[२]; ६[२]; १०,१८; ११, ९[२]; २,१,३; ४[२]; ५; ७; २,२[२]; ६[२]; ३,७;४,१: ६[२];८[२]; ३,१,९[२]; २, ६[२];८; १०[२]; ३,२;६,५; ८,५[२]; ८.१०,३;४; ४,८,६: ¶काठ ६, १; ७,४; ५[२]; ६; ९; १०,१; २; ७[२]; १०[३]; ११,१[४]: २[३]; ३; ४[३]; ५[२]; ८;१०; १२,२[३]; ५[२];६; ९; १०[४]; १३,१२[२]; १४,९; १९,३;

१०; ११[४]; २०, ६[२]; ७; १०; २१, ८; ९[२]; २२, १; २५, ६; २७, १; ९; २८, ७; ३२, १; ३६, १३; ¶क ३, १२: ५,३. ४[६];५:८,६; ३०,१;८; ३१,१[५]: ८[३];९;१२; ३९,४; ४२.१: ४४, ७; -¶तयोः त १,६,७,२: २, २,४,६; मं १, ४, १५; ३.२,१; ४,६, ३; काठ १३, ७; २५, ९: २७,५.३०,९[२]; ३३,७; क ४०, २: ४२, ५; -तस्मात् ¶तै १. ७,४,५; २,१,१,३; २,१,२; ४; ६,१, ८,३; ३.३.४: १३,२; ६. ८,७; ५.५.९.३: ¶मै १,६,७: ८,५;४,३,६: ¶काठ ८,४[२]:१२; १०,११; १२,८:१३; १३.१:६: ७;१२;२०.५;८;२३,२: २६,१: २८.१०; ३४,२; ¶क ६.९[२]:७, ७: ३१,७: १०; ३५.८: ४२.१: ४५.१; शौ ११, ५,३; -तस्मिन् ¶तै २,१,५. २; ८,४: २,६,१; ३,२,५, ६[२]§; ५.७,४,२: ६.५, ७.३:६,११,६: ७,१,१,६[४]; ¶मै १, ५, ११: २, ५,३: ४,८,१०: ¶काठ ८,३;११.१; १३.३:२४, ९: २६,८; १०: २७.१: २८,१; ३६,५: ¶क ६,८, ३८.२: ४१, ६:८[२g].४२.१; ४४,२; पै १२,७, २: -¶तस्मै तै २, १, ४, ८; १०,३: ५,७, ४, ४§: मै १,६, ५; ८,९; २,१,२[२]: ३,५;५,११; ४, ४,६:८:८, २; काठ १०,३: ७; १३.१२: २३,६.१०;२४,६; २५,२[२]; ३३,२; क ३७, १; ७; ३८,५[२]: -तस्य मा ६, २; का

६,१, २; ¶तै १, ५, २, १; २; ४,३; ७,६,७; २,१,१,२; २,७; ४,७; ५,५; ६; १०,१; २,१,१; २,५; ५,२; ५; ९,७; १०,४;३, ४,४[२]; ११,१; १३,१;५, ५, १; ५;१०,४; ३, २,६,२[२]; ३[२]; ३, ४,२; ४, १,१; ८, ३; ९, ३;४; १०,२; ५,३,१,१; १०, ३; ४, १०,३; ७,८, १; ६,३,२,४; ६, ७,४; ७,२,४,३[२]; ७,२; ५; ३, १, ४; ¶मै १, ४,६; ८; ५, ५; १४;६,४;५; ८,७; ८[२];९[२]; १०, १२; १३; ११,६; २,१,१; ३[२]; ५; ६; १०; २,१३[२]; ३,१; ९[२]; ५,१[२]; २; ४;५[२]; ६[३]:८; ११;३, १,३: ४[२]: ५;२,९; ३,३[२]; ४,३; ६, ६; ७[४]; ९; ८,१; ९,२[२]; ३; ६; ४,१,२; ७;३,५:६[३]; ७[२]; ४, ४;५,८[२]: ७,२: ९; ८,६[२];८; ९; ¶काठ ६,६;७;७,८; ८,४[२]:१२; १३[२]; ९, १७; १०, ५; ९: ११, ४;५: १२,१; ३;५; ६:८[३]; ११; १३,१[२]; ३; ५; ६; ७[२]: १४,६; १९,५[२]; २०, १०; २१,९; १२; २२,६: २३, २; ५; ६[२]; २४,६; ८: २६,३; ४; ६; ८; २८,१;३; ८; २९,४; ३०, ३[२]; ३१,१; २; ५; ३२,४;५; ३४,९; ३५,१७; १८[२]; ३६,६;७; १३; ३७,१६; ¶क ४,५; ६, ९[२];७,७; ८,१[२]; ३०,३[२]; ३१,१२; ३४,१; ३५, ८; ३६,२; ३७,७; ३८,१; ३९, ५; ४१,१; २;४; ६; ४४,१; ३; ८; ४५,५; ४६,६[२]; ४७,१; २; ५, ४८, १५; १६[२]; शौ ७,४७,

a) वा. ?। सपा. शौ २,२९,७ सा ते इति पाभे.।
b) सपा. एतम्<>एनम् इति पाभे.। c) पाभे. पृ १०३९ b टि. द्र.।
d) पाभे. पृ ७८८ h टि. द्र.।
e) सपा. शौ ६, ३०,१ इमम् इति पाभे.।
f) सपा. एतम्<>एनम् इति पाभे.।
g) सपा. सकृत् एतस्मिन् <> तस्मिन् इति पाभे.

१; ९,७,११; १९,५२,५; पै १, ३०,५; १६, ५४,९; ११३,४; १९,२९,१२;४६,१३; २०,४९, ६; –तस्याः ¶तै ३,४,३,७; मै १,५,४^{५}; ११,१०^{८}; २, ५,४¶; ¶३,१,५; ३,९; ६,५; ¶काठ ७,२^{६}$; १३,४^{२}; ५; २१,९; २३,४, २४,३^{२}; २५, ६; २७,८; ३७,१५$; क ५,२^{६}; ¶३७,४^{२}; ३९,३; शौ १९,१७-१८,२; ४; ६;८; पै ७,१६-१७,२; ४; ६; ८; –तस्याम् ऋ १०,१०९,४; ¶तै २,१,९,४;४,११,१; ७,१, ६,१;४,८,१; ¶मै १,६,९; ३,२,९; ४,५,७; ¶काठ ६, ५; ८,४; १३,३; ३६,१४; ¶क ४,४;६,९; शौं ५,१७,६†; पै ९,१५,६†; १२,७,३; ७![a]; –तस्यै ¶तै १,५,७,५; २,१,५, ३; –ना ऋ १,६९,⌊४(१०, १०,५)⌋; ७०,३;७३,⌊१०; ४, २,२०⌋; २,३१,७; ३,१,२०; ४३,४; ४,३,१६; ५,२९,१४; ७,३-४,⌊१०(६०,६)⌋; ३६, ४; ८,४५,३९; ७७,९; १०, ५०,५;६; ७२,२; ९५,२; १५; १३८,६; मा ८,४३; का ९,६,२; मै ४,२,१३¶;१४,१५†; काठ १५,८‡[b]; २२,१¶; पै १९,१६, १०[c]; –नाः ऋ १,२५,१८; ९२,१;१६५,८; २,११,३; ४, १८,६^{२}; ५८,५; ७,७८,३; ९३,८; १०,१९,३; १११, ९^{२};१६९,४; खि २,१३,१[d]; ५,१५,१; मा १०,७[e]; २८; १७,२; ९३†; २३,१७^{२}; २९, ५; का ११,४,३[e];८,३;१८, १,३; १९,१,७†; २५,८,६^{२}; ३१,१,५; ¶तै १,१,११, २$[f]; ५,८,१^{२};२; ६,८,१^{२}; १०,२; ३;४^{२};५;८, १२,१$[e]; २,१,२,४^{२}; ५;३,५,२;७,२;४; ४,६,२^{२}; १०,२; ५,७,५; ३, २,४,३;४,९,१; २;३^{२};४;५^{२}; ५,१,६,३; ८,३;४^{२}; ६;११,२; २,२,६; १०,२;३; ३,२,२;४; ३,१;४,७^{२};५,२^{२};४^{२};७,१;२^{२}; ८,३;९,१; २^{२}; १०,४;११,१; २; ४,१,१;२; २,१;२^{२};३; ३, ५; ११,३; ५,५,१;४;९,२; १०,३^{२};५; ६,२,२^{२};३^{२};४^{३};४, २; ७,२,३; ५^{४}; ३,२;४,४;५, ३;६,२;४; १०,२; ६,१,४,८^{२}; ३,६,१;८,२,६; १०,५^{२}; ५,९, २;६,१,३;७,२,४,१;५,३;१०, ३; ३,५,३;७,२^{२}; ४;९,१^{२}; ४,३,१^{२};२;४,६^{२};४,१^{२};२;३; ५,१;४;७,३^{२};१०,२†; ¶मै १,$३,१;४[g];४,६;७^{२}; १०;१३;५,८^{२}-१०^{२};११;६, ३;७;७,५^{२};८,३;५;९;१०, १०^{२};११,८; २,१,५;११;३, ७;५,४;६;७^{२}; ३,१,५;६;८; ९; २,३-५; ७^{२}; ८^{१०};९^{१};१०^{५}; ३,१^{२};२;३^{३};४^{४};९;४,२-५, ६^{५};९^{२};५,१^{२};२^{२};६,२; ३;१०;८,१;५^{२};१०;९, ६^{४};१०,४^{२};१६,२$;४,१, १;१२^{२};१३;२,३;६^{४};७^{२}; ९;८,१^{३};२^{३};९^{२};५,१^{४};२^{२}; ४^{२};९;६,९^{२};७,४^{२};८,६; ११,३†; ¶काठ ३,९$;६,५; ७,४;६;७^{४};८^{४};९^{२};८,४;६^{२}; ९;१२;१५;९,२^{४};१४;१५; १८†;१०,६;११,२;३;८^{२}; १०^{३};१२,२;१३,२;१४,८; १९,१०;२०,१^{५};२;५;८^{२}; ९^{३};१०^{२};११^{८};१२;२१,२^{१४}; ३^{७};४^{३};६^{२};११;२२,१^{६};२^{५}; ६^{१};७;११;१३^{२};२३,६^{३}; ८^{२};२४,१०;२५,१[h]?; ७^{२}; १०;२६,१;५,६;७;९^{३};२७,४; २८,३;४?[i]; २९,१;२;९;३०, ४;१०;३१,१५;३२,५^{२};७; ३४,७^{६};१७;१८;३६,११^{२}; ३७,११^{२};१६^{२};४०,७†;४४, ६†;४६,२$; ¶क २,१६$; ४,४;५,३;५;८;६,९;७,२^{२}; ५;७;८,३;५^{२};३०,८;३१, ३^{२},४;७;१०^{२};११^{४};१२^{२}; १३^{९};१४;१७^{१४};१८^{७};१९^{२}; २१^{३};३४,१^{११};३५,१;५; ६;३८,३;४;३९,५^{२};४०,३; ४;४१,३-५;७^{३};४२,४; ४४,३^{२};४५,२;३;४६,

a) °स्यान् इति पाठे? यनि. शोधः।

b) सपा. एता <> एतानि इति पाभे.।

c) सपा. एता<>स्थ्या इति पाभे.। d) उत्तरेण सन्धिरार्षः (तु. संस्कर्तुः टि.)। सपा. खिसा १४,१ एते इति पाभे.। e) पाभे. क्रुते पृ १०३० C टि. द्र.।

f) सपा. एताः (तैब्रा ३,३,९,११ आपश्रौ २,१०,४ च)<>ध्रुवाः (माश १,३,४,१६ शांश्रौ ४,८,३ काश्रौ २,८,१९ माश्रौ १,२,६,३० च) इति पाभे.।

g) सपा. एताः<>ताः<>सर्वतः (माश ३,९,४,२१ च) इति पाभे.।

h) पाठे? एताम् इति शोधः (तु. सपा. क ३८,४)।

i) पाठः? (तु. सपा. क ४४,४ एताम् इति पाभे.)।

७; ८: कौ २, ११०५†; शौ ४. ११. ११; ३४, ५-७; ५, २१,१२; २९,१४; ७,१२०,४; ९,५,१५; ११, १,१५; १८, ४, ३३; १९,६४,४; २०, १२९,१; पै १,३८,३; ३,२५,७; ३७,१[४]; ६, २२, ६;७; ८, १३, ५†; ९, २१,४; १२, ७,१[०];२;३[२]-१४[२]; १३, ५,१५; १५, २०, ६; १६, ७१, ३; १०, ५; ९८, ५; १९, १८, १६;३६,१६; ५०, १[a]-३[a]; ५१, ८†; २०, १, ४; १९, ७; २८,७; —तान ऋ १,३३,७;५३, ९; ६३,३; १६९,१;४, २, १२; १८,७,५, ५३, २;१०, ८८,६; खि ग २०,,४८[h]; मा २१,८६; ३०,२२; का २३,५,४; ३४,८, ४; ¶तै १,५,८,६[c]; २, २, २, ५; ८,११ ६; ३, ४,८,१; ६,१; २; ५,२,१; १० २; ६, २, ८, ६; ५,५, २; ११, ८, ६, ४, १; ८,३; ८; ७, १, ८ २; ९, १[२]; ४, ११, १; मै १, २, १५[c]; ८, १८¶; ८, २¶;१०, १९¶; ¶११,६[d]; ७; ¶२, ५, १०[२]; ११[२]; ¶३,२,१[२]; ३; ६, २; ८, ८; ९,५; १०, १ ¶४, ७, ३[२]; ७[२]; ¶काठ ९, १६; १०, ६,७[२]; १०; १३, १३; १४, ६ ; १८, २१§; २१,७; २२,१; २३, ५; २६,१; २८, १०; २९, १; ७[२]; ३०, ८[२]; §[c]; ९§; ३३, २; ३; ३४,६; ३६,१३; ३७, १२;१६; १७; ¶क ४०, ४; ४५, १; २; ८[३]; ४८, १८; शौ १, १९, ३; ५, २२,११; ६, ११९,२; १३, १,५३; २०, २१, ९†; पै १४, ३, २०; १६, ५०, ८; ७३, ४; ९१,९; १८,२०,२; १९,२,४[१०];

—तानि ऋ १, ९३, ५; ११७, [१०; २, ३९, ८]; २५;६, ७४, ३; ७, ५६, ४; ८, २, ३४; ९, ७८, ५; १०, २२, ९; ७३, ८; ९८, १० : ११ ; १२१ , १०[f]; खि ७, २,,४; ३, ३; †मा १०, २०; २३,६५; †का ११, ६, ५; २५, १०,१३; २९,, ४, ४; ¶तै १, २,१, १§; ६, ८, ३; ९, ४; †८,१४,२; २२,५; २, २,८,३; ३,१४,२†; ४,६,२; ५, ६, १[२]; ३,२,५,६†, ९,१[२]; २[२]; ३;४; ३,९,२[२]; ५,१,१,२; ६, २; ४, १, ३[२]; ५ १,७; ६,१; ६, २,४; ३,१; ६, २,१,५; ३, २, १; ४, १०, २; ६, १, १ ; ७, १, ६, ८§; २, १,१;५,१५,१[२]; २;३; ¶मै १, ४, ११; ५, ६; ७, २; ८ ५; ६[२]; ८; ९,८; १०,५[४]; ८; १०;१२; १६; २,२,८[२]; ९[२];४, ४; ८; ५,१; ६,१२†,३,१,१[२]; ८; ९[२]; २,६; ९ ४,१[२]; २;३; ६, ४[२]; ७,९; ८,१०; १०,३; ४,२, ११; १२[२], ३, ३[२]; ६; ८[२]; १०; ४,५[२]; १०; ६, २; ७,८; ८,४[३]; १०,१†; ११,२[२]†; १४,१८§; ¶काठ ४,१६†; ६,५; ७,७; ८, ८[३]; ९[२]; १५; १०,१८[२]; ११,२; ८[२]; १०[४]; १२†; १२,४; ५[२]; ६; ८;१३,१०[२];१२,१८,१९[२]; १९, १; १०; २०,८;११;२१, ११[२]; १२; २२,६; २३,२[७]; २४,४;८; २५,५;१०; २७,५;२८,१; २९, १[३];३[२],७; ३०,९; ३१,१२;३२, ६; ३३, ४[२]; ६[२]; ३४, ६[३]; १२; ३५, २०[५]; ३६, २; ५; ७; १०; ३८, १; १६; ¶क ४,६;७, ३[२]; ५[२]; ८,३; २९,७[२]; ८; ३०, ८; ३१,१०; १३; ३४,१; ३५, ८[७]; ३७,५; ३८,१; ३९, २; ४०,३, ४२,५,४४,१; ४५,२[३];४[२]; ४८, १८[२]; शौ ५, २२, ८; ७, ४३, २†; ८४,४; ८५,३†, १९,८,१; पै १, १०१,३; ९,२१, ३; १३, १,६; १३; २०, ३१, १०†;

—ताभिः ¶तै १,६,१०,२[२]; ३[२]; ५, १,८,४,२,१०, ४[२]; ३,९,१; २; १०-११, २; ४,१, ३; ५,५, ३[२];७,६,२,३[२]; ¶मै १,५,६;७, २[३]; ८,५; १०, १४; १७; २,३, ७[२]; ३,१, ९[२]; २, ३; ९[३]; १०[४]; ३,४[२], ४,६; ७[२]; ६,३; ९; १०; ८,२; ९,६; १०,४[३]; ४, १,१०; १४;२,६[२];४,५;७,४; ¶काठ ७, ९[२],८,१५[२]; १९,, ६[३];१०[२]; २०, १०[३]; १२[२]; २१,३; ९; २२, ६[३]; ११, १२; २३,६; २५,६[२]; ३१, ८;३६,८;११;३७,११[२]; ¶क ८, ३[३]; ३०,४[३],८[२]; ३१,१२[२];१४[४]; १८; ३४, १[३]; ३५, ५; ३९,४[२]; ४७, ८; शौ १२, ४, ४९; पै ८,२,२; १७,२०,९;

—¶ताभ्यः तै ५, ३,७,२; ४,२,३; ५,५,१; मै १, १०, ५; २,५,६; काठ ६, २;७,९; ११; १२,९; २१,२;६; २२,६;२५,२०;३७,१६; क ४,

[a]) सपा. शौ ७,११२,१ विशिष्टः पाभे. ।
[b]) एु° इति स्वरे? यनि. शोधः । [c]) सकृत् पाभे. पृ १०४१ *b* टि. द्र. । अन्यत्र तै ३,१,४,४ विशिष्टः पाभे. ।
[d]) एतत् इति पाठे? (तु. सात.) यनि. शोधः (तु. सपा. काठ १४,६) । [e]) एता इति पाठे? यनि. शोधः ।
[f]) पाभे. कृते पृ १०४३ *b* टि. द्र. ।

१;५,८; ३१,१७; २१; ३४,१;
४८,१८; -¶ताभ्याम् तै ३,
१,५,१; मै ४,१,३; काठ १३,
३[२a];२०,५[a]; क ३१,७; -ताम्
ऋ १,१६४,२६; ३,२९,१;
४,३३,६; ५,३,७; ७,१००,३;
४; १०,१३,३; १५,१४[b]; १६,
७;१८,१०; १३; ८८,६; खि ७,
७,९; मा ११,६४; १९,६०†[b];
का १२,६,५; २१,४,१०†[b];
¶तै १,५,७,६; ८,४; ६,११,
३; ७,३,४; ६,१; ४[२]; २,१,२,
३; ४,१[२]; ८,१[२]; ९,१[२]; ४; २,
४,३;५,१; ३; ८,३; ११,१; २;
३,२,१[२]; ४,५; ३,१; २; ५,८,
१[२]; ९,३; ११,१; १३,२; ४,३,
२,३; ५,४,१; २; ९,५;६,७,३;
९,६; ७,१०,३; ३,१,१,४; ८,
३; २,४,२; ४,३,७; §४,१ ६,
२[२];९ २[२]; ५,१,१,४; ७,१,९,
३,२,२,२; ३; २,१; ३,५,५; ८,
१[२]; ४,५,४; १०,५; ७,२-३,२;
५,३-५; ६,१,१,३; २,२,६; ३,
३,३; ८,८; ४,५,२; ६,४,५; ५,
१; ७,१,५,२;५; ४,३,१; ५,४;
८,१; ५,४२; ¶मै १,४,१३;
६,९; १०,१३[२]; २०[२]; ११,९;
२,५२;४;७,६§; ३,१,६;८[२]§;
२,४[२]; ७[२]; ३,१;२[२]; ९[२];४,५[२];
७; ५,१; ६,९; ७,६; ८,१; ४[२];
५; ९,४; १०,१; ५[२]; ४,१,१३;
३,८; ५,८;९; ७,८[२]; ८,१;१४,
५[२]†; ¶काठ ६,५; ७,५; ६[७]:८;
८,१;१३; ९,२[२];१५; १०,१;५;

११; ११,२[२]; १२,८; १३; १३,
४;६;७; १२[४]; १४,९; १६,६$;
१९,६[२]; ७[४]; $११; २०,२; ६[४];
१३[२];२१,२;४;९[२]; २२,६; २४,
४;२५,१[२];६; १०; २६,७; २७,
३; ५; २८,३; २९,९[२]; १०[२];
३२,२; ¶क ४,४; ५,४; ५[७];
६,६;८,१;५[२]; ३०,४[२]; ५[२]; $;
३१,१; ४,८[४]; १५; १७; १९;
३४,१; ३७,५; ३८,४[२]; ३९,४;
४०,२; ४१,५; ४२,३; ५; ४४,
२;४[८]; ४६,३[२]; ॥ २,२५,७;
५,११,२; १८,१; ७,४७,१,
७७,७†; ९,५,४; १५,४; ११,
१,२४; २,२६; १२,२,४८; ३,
२१;४,२४; १४,१,३१; १७,१,
८†; १८,२,५; ३,४९; ५२;
१९,४,१; ४,५६,४[d]; पै १,१३,
४;३,८,४; ५,१६,४; ८,१,२;
१६,५,७,९,१७ १ २१,१-१२;
१९,५,१२[२]; १३; १३,५,३[२];
१६,६८,४†; ९१,४; ९७,३;
१०६,२; १७,१३,७,१७,५[०];
१८,२[f]; १८,४;२०,१०[f]; ३८,
१; १८,३,१०;३१,३; १९,२४,
९; २० ३,६[२]; ११,१†; ४७,७;
९; -¶ताभ्याम् तै ५,२,१०,५;
६,२,५; ७,५,७; ७,२,४,१; मै
१,४,१०; ३,१,५; ४,१,८; ९;
२,६; १०; काठ २०,९; २१,१;
२४,५; ३१,६; ७; ३२,७; ३७,
१६; क ३१,११; १६; ३७,६;
पै १२,७,४$; -तासु तै ५,
३,१०,२¶; काठ २७,८¶; शौ

५,१३,२; -ते ऋ १,५४,९;
८१,९; १०५,११; १२२,१३;
१३५,६; १४४,६; १६५,१;
१२; १९१,[५(७,७८,३)]; २,
२८,४; ३,५४,८; ४,५८,६; ५,
१२,५[२]; ३०,६; ४६,४[b]; ५९,
८; ६०,५; ७,७,६; १८,१५;
१९,१०; २५,५; ७१,३; ९९,
३; १०३,९; १०४,२०; ८,१,
३०; ४३,५; ९,८,१,२१,१;
४; ७; २२,१;२; [३;१०१,१२];
४;५;४६,[३(१,१६,६)];६२,१;
२२;६३,४;१४; ६९,९; ८७,५;
८८,६; ९७, ३०; १०,१०,८;
२८,१२; ७१,९; ७६,८; ९४,
१-३.९५,१; १२०,३; १८१,३;
खि २,१,७[h]; मा ४,२७; ५,
१६†; १७,९४†; का ४,९,४;
५,५,३†; १९,१,७†; ¶तै १,
२,७,१§; १३,२†; ५,२,३[२];
६,७,१; ७,१,२; ३,१; २;४,३;
२,१,९,३; २,७,५; ३,५,२; ९,
३,११,५ ४,६ २ ५,६,१; ५[२];
६,९,२[२],६,२,१; ७,५[२]; ९,३;
३,१,७,१,२,१,१;२;३ ६ १;४,
४,१;८,३,४[२];५,५,२;१०,१[२]†;
२,४ १,६,३; ३,५,२; ४,१२,
२; ५,९,१; ६,२,१; ७,२,
१,३,३; ६,१,५,२; १०,५[२];२,
२,६; ४,१; ८,६; ११,३; ३,१,
१,४; ५;५,३; ११,२; ४,९,३;
४;१०,३; ५,४,१; ५,३;६,४[२];
६,८,३[२]; ४; ७,१,१,६;२,१,२;
६,१; ७,२; ८,५; ९,१; ३[२]; ३,

[a]) एताभ्यः इति SI. चिन्त्यः ।

[b]) सपा. शौ १८,३,५९ नोऽग्र इति विशिष्टः पाभे.(तु. पृ ५६४ *g* टि.)। [c]) पाभे. पृ १०४३ *h* टि. द्र. ।

[d]) पाठः? (तु. RW. °तम् इति)।

[e]) सपा. एताम् <> एनान् इति पाभे. ।

[f]) सपा. एताम् <> एनाम् इति पाभे. ।

[g]) सपा. एताम् <> नित्यवत्साम् इति पाभे. ।

[h]) ऋते इति LR. शोधः?। [i]) ए° इति स्वरे? यनि. शोधः।

५, ३[२]; ७,३; ४; ९, २; ३[२]; ४, १,३; २,४;५; ३,५:६[२]; ४,३[२]; ८,१[२]; ९,१; ५,१, २;५; २-३, २;६,३;७,१; ९,४[२]; ¶मै १,२, ५$;९†;४,६[२]:१४;५,८;९;१३; ६,९;११; १२[२]; ७,४;८,१; २[३]; ६[२]; ८; ९,५;७; १०,५: ९;१३; १९; २०; ११, ६; ९[३]; २,१,८: ९;२,५;७;९; १३[२]: ३,१[२]; २[२]; ५[३]; ४,४: ८;५,७: ९: ३,२,१[३]: ५[३];६[४];७; ४,१;३:६,४: ९;१०: ७, ४[२]; ७; ८, २: ५[२]; ७[२]; ८[c]; १०[४]; ९, ४[३];$: ५:६: १०, १[४]; ४, १,३;१४[२]: २, १: ३; ६; ८: १२[६];३,३; ६[२]-८[२]: ९[४]; ४,१;२: ६;९[२];५,५[३];६[४]: ७;६,१[७];३;४: ६[२]:७[३];८[२]; ७, २; ३[७]; ६; ८,२; १०[२]; ११, ३[२]† ; काठ २, ६; १०†;७,६[२]; ८,२[३]; ७;९,१;२: १५[३]; १७; १८[२]†; १०, ७; ९; १०[२]:११[२]; ११,४; ८; १२,१: १३: १३,१[२]: ६; ७[२]; १४, ६[२]: ९[३]; १९,५[२];८[२]; ११; १२; २०, २; ६[२]: ८[२];१०; २१,२[५];९;१०; १२[२]; २३, २; ६ ; २४, ६[४]; ८[a]; ९; २५, १; ६[२]; ७[२] ; ८[२] ; ९[३]; २६, १[३]; ३; ७; २७, २; ७-९ ; २८, २[४]; ४[३]; ६;९[२];१०[३]; २९, २; ४; ७[१ b]; ९[२]; ३०, ३; ५[६b]; ३१,२[२]; ५; १४$; ३३, ४[४];५; ७[२]; ८[३]; ३४, २[३];३;५; ७[३]; ८[४]; ११; ३५,१६;२०; ३६,४;१३[२]; १४; ३७, १०; ४०, ७†; ¶क

१,१९$; २,४; ६, ७[४०]; ७, ४; ८,४;५; ३०,३[२]; ६; ३१,१; ४; ८[२]; १०[२]; १२; १७[५]; ३५, ८; ३६, ३[?d]; ३७,७[४]; ३८, २; ४; ३९,४[२]; ५[२]; ४०, १[३]; २[३]; ४[३]; ४१,१;५; ४२, २; ४४,२[४];४[३]; ६;९[२]; ४५, १[३]; ३;५;८[७]; ४६, ६; ४७, २[२];५; ४८, १४; १८: कौ १, ९२; †२, १८०; ४११; ५२८; ८३५: जै १, १०, २: †३, १७, १; ३१, ३१; ४१,४; †४,५,७; शौ २, ३६, ७;५,१, ४: २,३†; ७,५६,१: १०४, १; ८,४,२०†; ९, ७, ६: १३, ४, १३; १८, १, ९†; ६१; †२०, ३७, १०; ५६, ६: १०७, ६: पै १,८५,२: २,२१,६; ५,१२,४; ६, १, ३†; २-४; ८, १३, ६†; ९, २१,२; ६; ७; ९; १२; १५, २१,८; १६, १०,९†; ११६,१; १७,२९,३[१]; ९; १९, ४६, १५: –तेन ऋ १, ३१, १८; १७३, १३; ५, ८३, ६; का ३, ८, ६[e]: ¶तै $१, ३, ९, १ : ६, ३,१; २, ३,११,२[३]: ४[३]; $१३, १[२]; ३[२]: ४,३, ३; ५, २, २; ५, ६; ९, ४; ६; ३, १, १०, ३; ११,७†; ३,८,४; ५; ५, १, ४, १[२]; २, १, ६[२]; ३, १; ४[२]; ६, १; ३,१२,१[२]; ५, ९, ४; ५; ६, ८,६; ७,८,३; ६, १, २,५; ६[३], २,१,२[२]; ३[२]; २, ५; ४, ३, १[३]; ५,७,३[३]; ७, १,१,२; ४; ५, २;

२,१,३; ८,६; १०,१; २; ३,१, १[२]; ४, ११, २;२०, १$; ¶मै १,२,१६$; ५,७; ९; १०; १२; ६,८; ७,३; १०, ६; १५[२]; १७; ११,५[३]; २,१, १;३;५[२]; ७; ८[२]; १० ; ११[२]; १२[२]; २, १[२]; ४[४]; ७; १०; $३,१; ३[४]; ४, ५[३]; ५, १[२]; ३; ६; ११[२]; ३, १,३[२];९[२]; २, १; २[३]; ५; ६; ३, ७[१] ; ९[३]; ४,२[३]; ३[२]; ४[३]; ७; १०; ७,८[२]; १०[२]; ८, ६; १०; ९, १; ४; ५; १०,१[२];$; ४; ४, १,५; ६; २, ८: १३[३]; ३, २[३]; ४[३]; ७; ९; ४, २; ७-१०; ५, ३; ७; ६, २[२]; ५; ७; ७, २; ७[६]; ८, ३; ५[२]; ८[१]; ¶काठ १,५$; ३, ६$; ७, ६; ८,४;११;१३; ९,१२[६]; १०, २; ११, १३†; १२, ३[४];५; ६[२]; ७[४]; १३; १३,१[३];३;४; ७; १२; १४,५[२]; १८,१९: १९,२[२];१०; १२[६]; २०, १[३]; ५; २१, १०[५]; २२, १०; २३, ५; ८; २४, ७[f]; ८[२]; ९; २८,१;४; ३०,९; ३१, ३; ९; ३२, ६; ३३, १; ३; ६; ३६, १; ९[२];१०; ३७, १;४;६; ७[२]; ८[२]; ३८, १२$; ४४, ९$; ¶क १,५$; २,१३$; ५,५; ६, १[३g]; ९; ७, ८; ८, १; २९, ७; ८[२]; ३०, ८; ३१, २[६]; ३[३]; ७; ३५,४; ३६,५; ३८,१[२];२; ४४, ४; ४७,३;९; शौ ४,१५,११†; ५, ६, ५-७; पै ५, ७, १०; ६, ११,७-९; १९, १९,१२[h]; १३[i];

a) पाभे. कृते पू ७१४ *d* टि. द्र. ।

b) सकृत् एते न इति पाठस्य स्थाने एतेन इति मन्वानः ३१. चिन्त्यः ।

c) सकृत् सपा. काठ ८,२ ऊषाः इति पाभे. ।

d) पाठे ? एतिभृति शोधः (तु. C.) ।

e) सपा. मा ३,६१ विशिष्टः पाभे. ।

f) सपा. क ३७,८ अनेन इति पाभे. ।

g) सपा. काठ ७,११ विशिष्टः पाभे. ।

h) सपा. एतेन< >तेना इति पाभे. ।

i) सपा. एतेन<>तेना इति पाभे. ।

–तेभिः ऋ ५, ५२, १०; तै ३, ५, ५, १; –तेभ्यः ऋ १०, १७, ३; तै ६,१,१०,५[2]¶; ¶मै १, ६,१२; २,२,७; ४,८; ३, ७,७; १०; ८, १०; ४,४,२[2]; क ३७, ७¶[a]; शौ १८, २, ५४†; –तेषाम् ¶तै २, ३,५,२; ५,६, ५; ५, ४,९,४; ५, ५,१; ७, ५, ६,४; ¶मै २,५,१; ४, ३,८;७, ३;९[2];८,९; ¶काठ ९, १५;१४, ९; २२, १०; २५, ७; २८, ९; २९, १;७; ३७, १७; ¶क ३९, ४; ५; ४४, ९: ४५, २: कौ २, १२१०; पै ६, २२, २; –¶तेषु मै ४, २,१;११[2]; काठ १३, १; –तैः ¶तै १, ७,४,४; ५,५,७,४; ¶मै १, ७,५[2]:८,६; ९,८[2]; २, २, २; ८; ९; ३, ७[3]; ४,८; ३, २, १[2]; ४, १; ९, ८; १०, ५; ६[2]; ४, २, १[2]: १०: ११[2];४, ५; १०; ¶काठ ७, ७; ११[2]; ८, ६ : ९, ३[2]: १०, ७; १२, ५[2]; १३,७[3]; १९, ८:११; २०, ८: २५, ६[4]; ९: २६, २: २८,२; २९, ७[3]; ३०,९[4]: ३३, ३;४;६[2];३७,१२[b]; ¶क ८,६[2]; ३०, ६; ३१, १; १०; ३९, ४[4]; ४०,२; ५: ४४, २?[c]; ४५, ८[2]; शौ ११, १, ३६; १२, ३, २९; पै १७, ३८, ८; –तौ ऋ १०, २७,२०; ८५,१८; खि ३, २२, १०; ¶तै २, १, ४,४; २,६,१; २; ५,६,२; ४; ६, २,१; ४; ३,

५,१,२; ३; ५, २,४,१; ६, २, १,७; ३, ५, ३; ९, ६; १०, १; ११,३; ६; ४,५,३; ६,४; ८,३; १०, १; ५,४,१; ७, ५, २५,२; ¶मै १,५,५;६,४; ५; ९;१२[3]; ८, २; ८; ९, ४[2]; १०, १२; २, १,७; ३,६; ५,३[2]; ३, १-२,३; ४,२[2]; ४; ७, ८[2]; ९,५; ४, २, १४[2]; ३, ७[3]; ८; ४, ५; ५, ६[2]; ७;६,२;३[3]; ५:८:७ १;४: ७;८, १;४[3]; ९: १२,२†: ¶काठ ७, ११; ८, १; १०[2]; ९,११[2];१६; १०, १[2]; ११, १०; १२, १३: १३,३; ४[2];५; ८: २०,१; २२, १; २३, ९; २४,६;८; २६, १; २७, १: २[2]; ३:४; ६: ८[3]; १०; २८,१;२: २९,५: ३०, ९; ३१, १०: ३४.८; ३६,६[3]; ३७,१४[2]; ¶क ६, १; ६; ७, ६[2]; ३६, ६; ३७,७: ३८,१; ४०,४; ४२,१; २[2]; ३:४: ६; ४४, २; ४५, ६: ४७, १०: शौ ७, ८६, १†;८, २, १८[2]; ९,४, १२: ११, १, ९; १२,२,३२; १३,१,४६; २, ११†: १४, १, २३: पै १६, ४, ८; २५,२:८९,९: १७, २८, ७; ३३, ३: १८, ३. २†: १९. ६: २१,५†: १९,५२,९.

एतद्[d]– –तत् ऋ १, ८८,५;१००, १७ ; १५२, २ ; १६२, २१ : १६४, ४; ५१; २, १४, १०; ३, ३३,८ ; ३६, ९;५९, ५;४, १८, २; ३०, ८; ११; ३५,९; ५८, २; ६,२७, ४; ३४, ४; ५; ७,१००, ६; १०१, १; ८, ५४, १; ९३, १३; १०, १०, २; ३; ११; १२;२८, ५;१०; ११; ३२, ७; ८५, ३४[3]; ९५, १८; १०७, ८; १०८, ८; १३२, ५; १६१, १; १६५,४[2]; खि २,१२, २[e]; ३, ६,१; १०[2],१९[2f];१५, १४; ४, ६,७; खिमा १८, २१[g], मा २, ३२; ३, ६१; ४, १७; ५, ३९; ७, ४८;८,६१; १२, ३५; १७, ९०†; १९, ११; १४;३१; २३, ८[2]; १६†; ५१; ५२;२५, ४४†; ३४, ५१; ३८, २१; का १, ४,४[g]; २, ३,१०; ७, ४;४, ६,१; ५, ९,५; ६, १,३‡[h]; ९, २, ९; १३,३,६; १९, १, ४†; २१, १, १०; २,३;२०;२५,३, ५[2]; ४. ५†; ९, ७;८; ३३, २, १४; ३८, ५,४; ¶तै १, ३,४, २$: ४, ४३,२$; ५,१,४; ७, ५: ६[3]; ८, ५[2]: १०,४$; ६,७, १;२; ११,२[2]; ७,१,४;५, ,,२[3]; ६.१;४;५[2]:१३,३†; ८,५,१[2]$; २,१,३, ३-५;५,५; ६,२[2].३;८, २:५; २,९,४; १२, ५†: ३. १. ५; २.५: ८:९,३. ११, २: ३: ४, ३, १: ६,१: ९, १: १०,३: ११, १: ५: ५, २, ७[2]; ३, ३[2]: ४: ५. ६[2]: ६,३;८,६; ११, ७; ८; ६,१,४: ६: ३, २;५; ६;४, ४; ५,२: ६;६,४; ५; ८, २:९, २$; ४$;५; ७; ८;१०, १; ३;

a) सपा. एतेभ्यः<>तेभ्यः इति पाभे. ।

b) सकृत् एते इति SI.? ।

c) एते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. काठ २८, २ OK. ३ [टि.]) ।

d) द्वि१ सत् क्वचित् वा. क्रिवि. इव प्रयुक्तं द्र. ।

e) ए॰ इति स्वरे? यनि. शोधः ।

f) सकृत् सपा. खिसा १८,२० एव इति पाभे. ।

g) सपा. मा १,१३ इदम् इति पाभे. ।

h) सपा. एतत्<>तत् (माश ३, ७,१,१५ वा २, ७ च) इति पाभे. ।

३, १,१,३; ४;३,१; २;५,२;७,
३;१०,३; २,५, ५^{२}$; ७, १$;
३, २, १^{२}; ४,१^{२}: २^{२}; ७, २;
८,१;२$; ३;६^{३}$; ४, १,१;२;
३,५; ८,५; ९, ७; ५, ७,३; ९,
१;१०,३; ४,२,३,२$; ३,११,
३$; ६,९,४†, ५, १, १,१,२,
१^{२}; २;५;६; ३,४; ४,२; ५,१;
६,३; ७-८,१; ४: ९,५: १०,२;
५; २,१, ६; २,१: ३:३, १;२^{२};
४,२; ३: ६,१^{२}. ५:८, ५; ६;९,
१^{२}: २: ३: ५; ३,४,६^{२}: ५, ५;
७, १; १०, १:३: ११. २: ३^{२}:
४,४,२; ४;५, २: ६,३; ७, ४:
८,२; ४^{२}; ५^{२}; ९,४: ५, ४, ४:
९,४; ६, २,१; ५^{२};३-४,३; ६,
१-४; ८,४; ६: १०, १; २; ७,
१,२^{२}; ४,२: ५,३; ६, १,१,४;
५; २, ३; ३,२^{२}; ४,७,९;६,३;
७; ७, १: ४; ७: ८; ८, १; २;
९-१०,३; ११,२^{२}: ४; २,१,४:
२,३;४^{२}; ४,१: ५,१; २; ५: ६,
१; २^{२}: ३^{३}: ४^{२}: ८,६: ९, ३^{२};
४; १०, ३-५: ७, ११, १; ३;
३, १,१;२,२: ४^{३}; ५: ४,१;२;
५; ८^{२}; ५,२^{२}: ४;७, ३^{२}; ८,२;
४; ९, ४^{२}; ५; १०, ४; ११,१:
२; ६^{२}; ४,२,६^{२}; ३-४,४; ५,
१,४;२, १;२; ५,२; ११, ३^{२};
६, १,२$; ५;३,४; ७-८, १;९,
२^{२}; ११,६; ७,१,५, ७; ६,१^{२}:
२, ५,५; ७,३; ४^{२}; ८,१;३;४;
६^{२}; ७; ३,१, ३; २, २; ३,१;
६,२;८,१; ४,१, २: २, ३^{२};६,
२; ८,१; २; १०, १^{३}; ११, २;

२०, १^{२}$; ५, १,१; ३; २,१;
२^{२}; ५,२^{२}; ६,३; ४^{२}; ¶मै १,
$२, १३;१५: ३,३७$; ४,५^{२}:
६; ७^{२}-९^{२}; १०^{४}: १२; ५, ६;
८-१०; ११^{४};१२^{२}; १३;६,२†;
३^{४}; ४^{३}; ५^{२}; ६^{२}; ९^{५}; ११;
७, ३; ४^{२}: ८,१^{४}; २^{१}; ३^{७};४^{२};
५^{५}; ६^{५}: ७^{२}; ९^{२}; ९, ४$:५^{४};
६: ७^{५}: ८; १०, ५;६^{२}: ७^{२};८^{६};
९^{४};१०^{३}; ११^{२}: १३^{२}:१४:१६^{२};
१७^{८}; १९: २०: ११, ७; ८^{२}:
९; २, १,३; ४^{२}: ५^{२}; ८: ९^{२};
११:२,१^{४}:२:३^{२}: ४^{२}:५:८-१०:
३,१: २^{४}: ५^{२}: ६: ७^{२}: ४, २^{२}:
४^{२}; ५; ८: ५, १ ; २: ४^{२}: ५:
६^{२}: ७^{२}: ११: ७, १०$. १३,
१३^{५}$: ३,१,१^{७}: २^{२}: ३^{२}: ४^{३};
५^{४}; ६; ७^{२}; ८^{७}:९^{६}; २,१^{३}; २^{५};
३^{४}; ४^{२}; ५^{११}; ६^{२}: ७^{७}; ८^{६};९^{३};
१०^{७}; ३, १^{२}; २^{२}: ३^{२}: ४^{८};५^{४};
६^{१} ; ७^{२}: ८^{२}; ९^{६}: १०^{८}; ४, १;
२^{५}: ३^{२}; ४^{२}: ५^{५}: ६^{२}: ७^{२}; ८;
६, १^{२}: २^{६}: ३^{२}: ४^{४}; ५^{६}; ६^{५};
७^{४}; १०^{२}; ७,१: २^{४}: ३:४^{३}:५^{३};
६^{२}: ७^{५}: ८^{१८}: ९^{२}; ८,१: २^{३};
३^{३}; ४^{१२}; ५^{२}; ६^{१} ; ७^{४}; ८^{४};९^{६}.
१०^{६}; ९, १^{७}; ३^{२}: ४^{२}, ५^{२};६^{२};
७^{८}: ८^{८}; १०,१^{१०}: २^{७}: ३^{६};४^{४};
६;७^{४}; १२,१९^{२}$.४,१,१^{२}; २;
३^{४}$; ५^{२};८;९^{२};१०^{३}:$; १२^{८};
१३^{५}; १४^{२}; २,१^{२}: ३^{२}; $;४^{२}:
६^{६}; ७^{७};८^{२}; ९;१०; ११^{२};१२^{३};
१३; १४; ३, १^{५}: २^{३}; ३^{२}: ४^{३};
५;६^{२}; ७^{२};८^{५};९^{३}; १०^{२};४,१^{७};
२^{४}; ३^{२}; ४^{४}; ५^{२}: ६^{७}; ७^{२}:९^{५}:

१०^{३}; ५, १^{५}; २^{९}: ३^{७}; ४^{५}-६^{५};
७^{४}; ८^{२};६, १^{४};२^{२}; ३^{६}; ४^{६}; ५^{४};
६^{७}; ७^{४}: ८^{२}; ९^{५};७,१^{३};२^{७}; ३^{३};
४^{३};५^{२}: ६;७^{२};८^{४}; ९^{४}; ८,२^{३}$;
३^{४};४^{२};५^{६};६^{३},७^{२};८^{१५};९^{३};१०^{५};
९, १०^{२}$:१०, ११†;१४, १७^{२};
¶काठ ३, १$; ४,९$: ६, २^{२};
४^{२};५;७^{१२}: ८^{४}:१०†;७,५^{५}; ६^{३};
७^{२}:८^{२}: ९^{२}; ११^{२}; १४^{३}$; १५;
८,१^{२}:२:३:४^{२}; ५^{२b}: ६;७: ८^{३};
९^{२}:१०^{२}; १३.९,१: २;३^{२};४$;
६^{२}$: ९$: १२^{१३}: १५^{२}; १६^{३}:
१०,१^{२}:३^{२};४:५^{४}: ७:११^{५};११,
१^{२}: २^{२}: ४: ६; १०^{२}: ११^{२}$;
१२,१: २^{२}: ३: ४; ६^{२}: ७^{३}:८:
१२^{५}: १३, १-४; ७: ८: १०^{२};
१४, ६^{२}: १०; १६,१०$: १७,
१९^{३}$: १८,१९^{४}: १९, ४^{३}; ६:
१०^{२}:११;१२^{२}: २०,१^{२};२^{२}:३^{३};
४;५^{२}: ६^{२}: ७^{२}: ८^{४}: १०:१२^{३};
२१, २^{२}: ३^{२}: ६^{२} : ७^{३}-९^{२} ;
१०^{२} : ११^{२} : २२, १: २: ६^{४};
७^{२}; ८^{२}: १०^{२}: १२; १३^{२}, २३,
१^{२}:२^{२};५^{२}:६^{२}; ८^{२};९^{२};१०; २४,
१^{२}: ४^{४}; ६^{२c}; ८-१०; २५, २^{६};
३^{२};५^{२d}: ६^{२}; ७^{२}: ८: ९^{४}: १०^{३};
२६,१ : २^{४}:$: ७;८;९^{२}; १०^{२};
२७,१^{२}:५^{२};६; ८^{२}: ९;१०; २८,
१^{२};२: ४^{४}:६; ९^{३}; १०^{२};२९,१^{२};
२^{२};३^{२};५;६:७^{२}; ३०, १; २;३^{३};
४;५^{६};७^{२};९^{३}; १०^{२}; ३१, १^{२};२;
३;६^{२};९^{२}; १०^{४}: ११; १२;१५^{२};
३२, १;२^{४}; ३^{२}; ४^{३};५^{२}; ६^{३}; ७^{३};
३३, १^{३}; २; ३^{२}; ४; ५; ८^{४};
३४,२^{२};३; ४^{२}; १२^{४};१७^{२}; १८;

a) सकृद् एतद्-अनुकृतिम् इति Sch. पाठः?। शोधार्थं तु. सस्थ. टि. √कृ> कृति-> -तिम् इति ।

b) सकृत् पाभे. कृते पृ १०४१ e टि. द्र. ।
c) सकृत् पाभे. कृते पृ १०४१ f टि. द्र. ।
d) सपा. सकृत् एतत् <> एषः इति पाभे.

३५, १६; २०; ३६, १[३]: २;३[२];
५[३];७[३];८;१०; ११[६]: १३[२];१४;
३७,१[३];२[३];७[२]; ११[७]; १६[२];१७;
३८,१४$;३९,१०$; ४०,३[४]$;
५$;७†; १०†; ४४,९[२]$; ४६,
५†; ¶क २, ८$; ३, ७$; ४,
१[२];३[३]; ४; ६[११];७[४]; ५,४[७]: ५[३];
८;९; ६,३[२]$: ५[२a]; ६[८]; ७;८;
९[३]; ७,१[२]; २;३[२];४: ५;६[२]; ८;
८,१; ४;५; ६[२];९[२]; १२$; २५,
१$;२९,७[४]; ३०,२[३];४;८; ३१,
१; २[३]; ३[२]: ४[२]: ५[३]:६; ७[४];८[२];
९[७]:१०[४]; १२;१४, १७[२]; १८[२];
२१[२]: ३४,१[४]: ३५,१[२]: २[३]:४[२];
५;७[४b]:८[३]: ३६,६[२]; ३७,१;२[२];
५[४]; ७; ८[c]: ३८,१-३: ५[६]: ६[२];
३९, २[२]; ४[२]; ५[९d]; ४०,१: २[४];
३[३]:४[६]:५[८]:$; ४१,२[e]:५:६,७[२];
८[२]: ४२,१[३]; ५[३];६; ४४,१[२];२;
४[४]:६; ९[३]; ४५,१[२]: २[२]: ३[४],४;
६;७;८[२]: ४६,४; ५:६[३];७; ८[२]:
४७, १[२]; ३: ६: ९[२]; १०[४]. ११;
४८, १४; १८; †कौ २, ९७५:
३,२,१; †जै २, ५,६: ४, २३,
७; शौ १,३५,२: २,१३,२: ३,
११,१†; २१,१-७: २२,१;२९,
७; ४,७, ७; ११,८; ५,३,५‡[f];
६, २; १०, १-७: १९, १०: ६,
२९,१†; ३२,१; ११३,१;११८,
२; १२३,५; ८, १, १०: ९,५,
११;७,१;८,९;१२,२५;१४,४†;
१०,१,२८; ८,२४; ११,१,३१;
५,१; ७, २३; १२, ३, ८; ३०;
३७; ४८; ४, १४; १५; ४८;
१३, २,१३; ३,१-२५; १४, १,
१४; २९[२]†; २, २१; ४१; ६९;
१५, १७, ८; १६, १, ८; १८,
†१, २; ३; १२; १३; २, ३७[२]:
५७[२]; ३, ३९‡[g]; ७३; ४, ३१;
६४; ७५-७७: १९,२४,४; ३३,
४; ५०,६; २०, ९६, ६†; पै १,
३०,६: ८३, २: २,२८,४; ३९.
३;४; ५२,२;४; ७३,३; ३,१२,
१-७; १८, १: २५,१०; ४,११,
७[२]; ५,४, ५‡[g]; ११, ३: १५,
१;१६, ४: २०, ४: २८, ४; ६,
११,२: १२, ९-११: १३,१-३;
८,१,१०; ७, ३: ४; ११; १३,
२†: १६,८; ९[२]; ९,११,८;१२;
१९,३; ११,५,१: १२,३, १३:
५, ४; १५, ६,१; १६, १, १०:
१८,३:३७,९; ५०,१: ५१,१०;
६६, ४†; ७०,९: ७१, २: ९३,
१: ९७,८: १३९,२६: १५१,४;
१५५,४; १७,१७,४: ५;२०,८:
२३,१‡[h]; २७,४;२८,७:३६,८;
३८,९;१८,३, ८[२]†: ९.२: ११,
२; १३, ९: २१, ७; १९,३,३:
११.६; २५, ६; ७: २७, ११†:
३३,११; ३९, ३६: ४०, ३: ४;
४६, १५; ४८,३†; ४९,८; ५०,
१०; ५१, १[i]; २[2i]; २०, २९,
२‡[j]; ३७, ९; ५४, ९[२]; ५५,६;
–¶नत्ऽ-तत् मै ३, ८,५[२]; काठ
२०, १२[३]; क ३१,१४[३] ⌊एनद्–
यद्र.⌋.

एतत्-सोमपीथ[k]-- -था. तै ७,५,
६,४¶.

एतद्-देवता–

¶एतद्देवत्य,त्या[l]– -त्यः मै
१,४, ६; –त्याः मै २,३,५; ३,
८, ५; ४,३, ४; ४, ४;९; काठ
११,८[३]; २३,९; २५,६; क ३६,
६: ३९, ४; –त्यानि काठ २९,
१०; क ४६,३.

¶एतद्-रूप[m]– -पाः काठ ११,
२;२४,५: क ३७, ६.

¶एतर्हि[n] तै २, ५,८,६;६,५,६;
९,१[२];४: ३,१,१,२: ५,१,३,४;
५,५: ८; ४,३, १[२]; ५,३,१; ५,
४,७,४,२; ६, १,११,१; २; ३,
११,२; ५,९,३: ६, ५,१: ६,२;
७,२,७,५; ५,६, ४; मै १,६,७;
१०;८,४:९,७: ३,१,५: ६[२]; ८;
२,१; ३,६: ६,४: ९: ७,८[३]; ९:
१०; ८,१०: ९,१:७[२]: १०,१[२];
३: ४,१,१: ४,८: ५,३[२]: ४[२];६,
४:७,२. काठ १९, २; ५[३]; १२;
२०,५; २१,६[२]: २४,६[२]: ७; ८;
२५,१: २६,२[१]; ६:७; २७,१[२];

---

a) सकृत् सपा. काठ ७,१५ विशिष्टः पाभे. ।
b) सपा. एतत्<>सकृत् एनम् इति पाभे. ।
c) सपा. एतत्<>तत् इति पाभे. ।
d) सपा. एतत्<>एनत् इति पाभे. ।
e) सपा. एतत्<>तत् इति पाभे. ।
f) सपा. एतत्<>पूर्वे इति पाभे. ।
g) सपा. एतत् <>पुत्राः (माश ६,३,११, ७ श्वे २, ५ च) इति पाभे. ।
h) सपा. ऋ १,२३,२२ इदम् इति पाभे. ।
i) सपा. कौसू ४२, १७ एनत् इति पाभे. ।
j) सपा. एतत्<>तत् इति पाभे. ।
k) विप. (यजमान-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
l) विप. (प्राण-, दिश्-, अहन्- प्रभृ.)। तादर्थ्ये यति प्र. (पा ५,४,२४) तित्स्वरः ।
m) विप. (पशु-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
n) अव्य.। र्हिल् प्र. (पा ५,३,२१) लित्स्वरश्च (वैतु. पाप्र. ⌊५, ३,४;१६⌋ <एत-< इदम्– इति)।

२; २८, ४[२]; २९,२; ३०,१; ३, ९:१०; ३२,१[२]; ३६,३;७; ३७, १६; क ३०,३[६]; ३१,२;७;२१[२]; ३६,६; ३७, ७[४]; ८; ३८,१; ४; ४०,५[३]; ४१,४; ५; ४२,१[२]; २; ४४, ४[२]; ४५,३: ४६,४, ६; ८.

ए(त>)ता-दृक्ष[a]- -क्षासः मा १७,८४; का १८, ७, ५; तै ४, ६, ५, ६; मै २, ११, १; काठ १८,६; क २८,६.

ए(त>)ता-दृश्[b]- -दृक्,ग् ऋ ८, १०२, १९; १०, २७, २४; -दृङ् तै १,८, १३, २: ४,६,५, ५; मै २,११,१.

ए(त>)ता-वत्[c]- -वत् ऋ ५, ७९,१०; ७, ३२, १८; ५७, ३; ८, ५,२७; १०,३१,८; मा १९, ३१; का २१, २, २०; ¶तै ३, ३,५,४; ५,१०,१; ५, १,१,४; २, ५,१[२]; ७, ३,२, २; ४,११, ४; ५,५,२; ¶मै १, ६, ३[२]; २, ३,५; ३,१,२; ७;२, ३;८;३.३; ४, ८; ६, ९; ४, २, १: ¶काठ ११, ८; १२,१०; १९, १; ६[२]; २०, ३, २२,४;६; २५,७; २६, ४; २७,४: ९; २८, ६: ३३, ३; ३४, ४; १०; ३७, १२[३]; ¶क २९,८; ३०, ४[२]; ३१, ५: ३४, १; ३९,५; ४१,२: ४२,४;४४, ६; †कौ १, ३१०; २, ११४६; जै १, ३२, ८†; शौ ४, ११,८; २०, ८२, १†; पै ३, २५, १०; -¶वत्ऽ-वत् काठ २५, ९; क ४०,२; -वतः ऋ ८, ७,१५; ४९,[९; ५०, ९]; खि ३, १-२, ९; तै २, ६,४,१;३; ७, १, २, १[३]; शौ ५, ११,७; पै ८, १, ७; -वता ऋ १०, १३२, ४; तै २, ६,१०,२¶; मै ४,१,७¶; ¶काठ २७, ७; ३१, ४; क ४७, ४¶; -¶वति मै १, ८,४; काठ २३, ४; क ३६, १?[d]; -वन्तः मा १६, ६३; का १७, ८,१७; ¶तै २, १,१,५; ३, ९, ३;६, १, ३; ३, ३,५,५; ५,२,३; ४,५,११, २$; ५, १, १०, ४; २, ५,३; ९,४; ५,२,३; ६, ३, १;७, ३, १०, ५; ५, ८,५; मै १,८,९¶; २, ९,९:४,६,४¶; ¶काठ १३, १; १४,९: १७, १६$; २०, ३; ८; २८,१०[२]; क २७,६; ¶३१, ५: १०; ४५, १[२]¶; -वन्तम ऋ ७, १००,१; काठ २५,३¶; क ३८, ६¶; -¶वन्ति तै २,३, ७,३: ७, १, २,१; मै ४, ५,३; काठ १२, ६; २१, ११.२३, २; २५,९; २६,७; ३०,२: ३२.४; ३३, ४; क ३५,८; ४०,२;४१, ५; ४६,५; -वान ऋ १०,९०, ३[e]; मा ३१, ३[e]†; का ३५,१, ३†[e]; ¶तै १, ७, ५, २; ५, ४, १०, २; ¶मै १, ९,८; ११,८; २, १,२;५; ३, ५; ३, १,२;७: २, ३; ४; ७; ६, १०; १०, १; ४, ३,७[२]; ६, ३;५; ९; ¶काठ ७,१५; ९, १५[२]; १०, ४; ११, ५; १३, १०; १४,८; २२, १; २७,७; १०; २८, १; ३७,१६[२]; ¶क ६,५; ४४,१.

एतावती- -ती ऋ १०, १२५,८; ¶तै २, ६, ४, १;३; ¶मै ३, ६,८[२];७,४; ८,५?[f];६[२]; ४, ७, ९; ¶काठ २०, ७; २५, ४-६: २७, ७; २८, १; २९,८; ३७,१६; ¶क ३१,९;३९,१;२; ४; शौ ४, ३०,८†; -¶तीः तै २, ३,१३,३; ३, ५,९,२; ६,४, ३,१; ११,२; ५, ७,३; ९, २; मै १,६, ७; ७,३; ५; ३,३,९; काठ ८, ३;९,१;२३,२; २६,९; क ६, ८;८,४; ३५,८; ४१,७.

¶एतावच्-छ(<श)स(ः) मै १,९,८;४,१,८; काठ ३१,६; क ४७,६.

¶एतावद्-ग्रा[g] तै ६, २, ९,४.

³एप,पा- -पः ऋ १, ५६, १; १३९, ७; १६२,३; १६५,[१५; १६६, १५; १६७, ११; १६८, १०]; १७१, २; १७३, १३; १८४,५: २, ४,२; १२,५; १४, १;२;३६,५; ३, ३१, १६; ४२, ८; ४८,[४; ७, १०१,३]; ५१, ९; ४, २, ५; १५, ९; २५, ६; ३५, ४; ४५, १; ५, ३१, १०; ३६, ४; ४२, १५; १६; ५०,५; ६१, १९; ६, ४१, ३; ७३, ३; ७, २०, ९; २४, ५; ६०, २; ६३, ३; ६४,[५; ६५,५]; ६७,

a) व्यु. पृ ८०० p टि. द्र. । पूप. आत्वम् (पाग्रा ६, ३,९१) ।

b) विप. नाप. च । समासस्वरौ पृ ८०० q टि. द्र. ।

c) विप. (काम-, लोक-, ज्योतिस्- प्रमृ.) । परिमाणे वतुप् प्र. (पा ५, २,३९) पूप. आत्वम ।

d) °वती इति पाठ? यनि. शोधः ।

e) सपा. एतावान् (तैआ ३,१२,१ च)<>तावान् (छां ३,१२,६ च)<>तावन्तः इति पाभे. ।

f) पाठ? एतावत् इति शोधः (तु. संस्कर्तुः टि.) ।

g) विधार्थे धा प्र. (पा ५,३,४२) तत्स्वरश्च ।

७; ६८, ९; १००, ३;४; ८, १,
३२ ; २, ३१ ; ३४ ; १६, ६ ;
२४, ३० ; २९, ६ ; ६६, १५;
१०३, १२; ९, ३, १-८ ; ⌊९;
४२, २⌋ ; १० ; १५, १;२;⌊३;
२७, ३⌋ ; ४-६ ; २७ , १ ; २;
४-६; २८, १-६; ३८, १; ४-६;
६२, ११; १३; ६६, २९; ६७,
२० ; ७७, १; ८४ , ४; ८७,
४; ७: ९६, १५; ९७,४६; ४७;
५६ ; १०८ , ५; ११० , ११;
१०, १६,८[a]; ७१,५; ८६, २१;
१३९, २; १४६, ४[२]; १६०, ४;
१६५, ४; १६८, ४; खि १, ७,
५; ११,१; ३, १५, २०; ५, ७,
२, ११; ४, १५; ८, ३; मा २,
१७; ३,५७[२]; ४,२४[२]; ५, ३९;
६,६; ७,८; १०-१२; १७; २१;
२२; २५; ३१-४०; ८,१;५;८;
२२ ; २६[२]; ३३-३५; ३८-४१;
४४-४६; ९, २[२]; ३; ४; १४‡[b];
३५; ४०; १०,१८; १७, ५९†;
१९, ६-८; २०, ३३; २१, ६१;
२३,२;४; १३; २५,२६†; २६,
३-१०; ३२,३[२];४[c]; ३४,४८†;
का २,४,५: ३,८,१[२]: ४,८,१[३];
५,९,५; ६, १, ७; ७, ३-४, २;
५,१; ६,२; ७, ३; ८,४; ९, १;
१०, २; १३-१८, १; २०-२२,
१; ८, १, ३; ५, १; ८-१०, १;
१२-२१, १; ९, ३, ८; ४, ४[२];
१०,१, २; ३[२]; ४;५; ३,७‡[b];
११, १,१; ३,३[२]; ६, ३[२]; १८,
५,१०†; २१, १,५-७; २२, ३,
२; २३, ६, १४; २५, १-२, २;
४,२; २७, १२,३; २८,२-९,१;

२९,४,१; ३३,२,११†; ३५,३,
३; ४[२c]; तै १, १, १३, २;३,४,
२; ७,२; ४, २-१३,१; १५-२२,
१; २६,१; २९-३१,१;३७-४२,
१; ४४-४५, ३; ¶५, २,१[२]; ५;
७,१;३;४[३]; ५; ८,३; ९, २; ५;
६,६,४†; ८, ४¶; ९,२¶;१०,
१¶; ¶११,१;३:४; ¶७, १,२;
६; २,४; ३,२; ४,३; ४; ५, ३;
६, १; २; ७; ८, ३‡[b]; $१२,
१[३]; २[२]: ८,१, १: ६,१;२: १०,
१;१२,२; ¶२,१,२,२; ४, ७[२]:
८; ५, २; ४; ६, १; ३; ५[२]; ७,
२-७; ८,३;४: १०,२[२]; २,१,३;
२,१[२]: ५[२]; ४,६: ८: ५, ४; ५:
६,३[२]; ८,३; १०, ४: ३, २, ४:
६; ७: ३, ४: १३,२: ४, २,३[२];
९,३: ११, २; ३[२]: ४[२]: ६: १३,
१[२]: ५, १, ३; ४. ५. ५: ६: ६,
१-३: ७,१:५: ८,१[४]: ९,१[२]-३[२]:
६,३,१: ६,६: ¶३, १, १, ४[२];
२, १[२]$: ३, १: ५, १: ९, ४$:
११,१: २,३,३[२]; ४[२]; ७,३;१०,
१$: ३.४,२: ८,४: ९,१$: २[२]:
४,१,३: ३,५; १०, ५: ५,५, २:
९, १[४]: १०, १$: †४, ६,३,३:
८,१; ¶५,१,१,२: २,३: ४:६:
३,२[२]: ५. ४-६: ७[२]: ८[२]: ९: ९.
३: ४[२]; १०, ३: २,१,२. २, ३:
५[२]; ८,१-३: ५[२]: १०,१: ३.१,
१; २; ४,६; ५, ३: १०, २; ३:
११, ३; १२, १: ४, ३, १[२]: ४,
३[२]; ४; ५,३;६,२:५$; ६:७,५;
१०,१; ३[२]; ४; ५: १२, २; ३:
५,१,१; २; ३,२[२]: ४,४; ५, १;
७, १[२]; २[२]; ४[२]; ८, ३; १०, ७;

६,२,५; ६; ३,१; ३; ४; ६, १;
८, १[२]; ९, १[२]; २[२]; ७, १, ३;
२,२; ३,३; ४; ४, २[२]; ५,१-३;
६,१; ४; ५[२]; ६; ८,१-३; ९,४;
१०,२[२]; ¶६,१,१,३;५;३, १[३];
२[२]; ४, ६: ७; ७,३; ८ ; ८, २;
५: ११,१; ४; ५[४]; ६: २, १,२;
२,७; ५,३; ५[२]; ९,१; २; ३,२,
२; ४[२]; ५; ३,४[३]; ५; ४, ७; ५,
१; ६, १; ४[२]; ८, १[२]; ९, ३$;
४: १०, ५; ११, १[२]; ४; ४, १,
४; ४,२;४; ५,१; ३; ४; ७, ३;
८, १: ३; ९,२: ११,२[२];$, ३;
४[२]: ५,१,३$: ६,४: ५[२];७,१[३];
३[२];$: ८, १[२]: ६: १०, १; २[२];
६,१,४: ५: २,२$; ३, ४$; ५,
१: ७, ४: ९, २: ७, १, १, १;
१०,३: २,१,४: ५, १[२]: ३: ७,
१-३: ८,५: ९,३[२]: १०,१[२]: २:
३[२]; ३,३,१: ४,३,४: ७,३: ८,
१: ५,७,१; १५, १[२]: २; मै १,
२,७: १३: ३, ६-११; १३-१५:
१७-२५: २८: ३१ ३४: ३८:
¶४, ३[२]: †; $: ५[२]: ६: ८[२]:
९-१०: ¶५,५[२]:६[२]: ७[२]:९: १०:
११[३]: १२[२]: १४: ¶६, १$:३[६]:
४[२]: ५: ६[२]: ७[२]: ९: १०[२]-१२[२]:
¶७,२:३: ४[२]: ५[२]: ¶८, ३:४[२]:
५[२]: ६[२]; ७[३]: ८: ९[२]. ¶९, ५;
६[२]: ७; ८: ¶१०, ४[२]$: ६[२];
७; ८ : ९[२]; १२[२]: १३[२]; १४:
१६[७]: १७[३]; २०[२] ; $[२]; ¶११,
२‡[b]; ४[६]$: ५[२]; ६[२]; ७: ८[२];
¶२, १, १; २[५]: ३[५]; ४[२];१०[४]:
१२[२] ; २, १; ५: ७: ९[२]; १०[३];
११[२];१३[३]; ३, १[५]: ३[२];५[२]; ६;

a) पाभे. कृते पृ ७८१ *a* टि. द्र. ।
b) पाभे. कृते पृ ८७५ *j* टि. द्र. ।
c) =सपा. तैआ १०,१,३ श्वे २,१६ । आशि ५,१ तु एकः इति पाभे. ।

८^{५a};९^{२}; ४,१^{५};२; ५^{३}; ८; ५,
१^{२}; २^{३}; ३^{४};४^{५}; ५^{९}; ६^{२}; ७^{३};
९; १०\$; ११^{३}; \$६,९; ११;
१२; १०, ५\$; ३. १, १; ३^{५};
५^{६}; ६^{५}; ८; ९^{३}; १०^{६}; २, १^{५};
२^{२}; ३; ४^{२}; ५^{२}; ६^{७}; ७^{४}; ८^{२};
९: १०^{२}; ३,१; २; ४; ५; ६^{३};
८^{५}: ९^{२}; १०^{३}; ४,१; २;३^{७};५;
६; ७^{३}; ८: ५, १^{३}; ४.५;६,१^{३}:
२^{२}; ३:४^{२}; ६^{३}; ७^{८}; ८^{२}; ७.१;
२^{२}: ४: ६:७^{२}: ८^{१२}: ९^{३}; १०^{२};
८,१^{२}: २^{३}: ४^{२}: ७^{२}: ८:९;१०^{४}:
९, १^{८}: २^{२}:३^{९}: ४^{३}: \$: ६^{४}:\$;
७: ८^{२}: १०, १^{३}; २:४; \$१२,
१६; १७: १६,१†: ¶४.१,१^{२};
३^{२}: ४; ५:९;१२: १३^{२}: १४\$;
२,१-३: ७.९:१०: ३, १^{६}: २^{७};
३-५: ६^{२}, ७^{२}: ८:९^{३}: १०^{२}; ४,
१^{२}:३^{२}: ५^{३}:६^{५}:७^{४}: ८:९^{७}:१०^{५};
५, २^{२}: ३^{२}; ४^{४}:५^{२}: \$.६^{२}: ७:
९:६,१: ३^{२},४:५^{४}: ६^{६}; ८^{२};९^{४}:
\$: ७,१^{२}; २^{२};३:४^{४}; ७^{२}:८:९^{३};
८,२^{६}:५^{२}:८^{२}.९^{२},१०.९,१९\$:
११, ३†: १३ ९\$. १४, ५^{२}†:
¶काठ १,१२\$:\$३,१४; \$४,
२^{६}: ३^{२}:५^{२}; ६^{७}: ७^{२}: ८^{६}: १०^{२};
११^{४}: १२; १३:१६†; ५, ६†:
६,१ : ३^{२}; ४:५: ६^{२}:८^{२}: ७,४^{२};
७^{४}; ९^{२}; १०:११^{२}, १२\$: १५^{३}:
८,१^{४}; ४^{७};५^{२}: ८^{२}: १०^{२}: ११^{२};
१२^{४}; १३^{४} : १५: ९, १^{२}; २^{२};
३: ७^{२}\$:१४^{३}; १७: १८†: १०,
१;३^{३};४^{२}; ५^{३}:६^{२}:८^{२}:९^{२};१०^{२};
११,१^{२}; ४^{३}; ५^{४}: ६; ८^{२}: १०^{६};

१२,१^{६};३^{२},४;६^{२}; ७^{५};८^{२}; ९^{२}\$;
१०^{४};११^{२}; १२; १३^{२}; १३, १^{२};
२^{२}; ३^{४};४:५^{४};६^{५}; ७^{२}; ८^{४};९\$;
१०^{२};१४‡^{h}; १४,३^{७}\$; ५^{२};६;
८^{४}; १५,७\$; ८^{२}\$; १०; १७,
१९\$; १८,३†; १९, १: २^{६};३;
४^{२}; ५^{८}; ८^{२}; १०^{३}; ११; १२^{२};
१३\$:२०,२:५; ७^{५};८-१०:२१;
६^{२}; ७^{४}; ८^{४}:†; १०;१२^{३}; २२,
२:८;९^{२}·१०: ११^{३}; १२^{२}:१३^{२};
२३,१:३: ५^{२}; ६^{२}:७: ८^{४}; २४,
२:४^{२}; ५:६^{६}: ७^{७}: ८^{३}:९^{२}; २५,
१; २^{५},३^{२}: ७: ८^{२}:९; २६,१^{२};
२^{७}:\$;३^{६};५:६^{५};७^{२}:८^{४}:२७,१^{४};
२;३^{४a}: ४^{३}: ९^{२}; १०^{५}: २८,१^{४};
२^{२}: ४: ६^{७}: ७^{२}: ८:९^{२}, २९,२:
३^{४}:\$: ५^{२}: ३०,१:२^{४}:३^{२}: ४\$:
५^{२}\$· ७^{२}:९: १०^{२}: ३१,२: ३^{२};
७:९: १०: १२: १५^{३}: ३२, १:
२^{२}: ३^{२}; ४^{४}:५: ६^{२}:†: ७: ३३,
४^{२}; ६^{७}: ७^{२१}: ३४,३^{२}: ६;७^{२};
८^{२}: ९: ११;१७: ३५,१०^{२},१८;
३६,१^{२}: ३; ४^{२}:६: ७^{३},८: १०^{३};
११^{२}:१२: १४^{६}:\$ ^{२}: ३७,१^{२}:२;
३:४^{२}-६^{२}: ७: ११^{२}: १२^{६}: १४^{४};
१६^{२}: १७: १८^{३}\$: ४०, ११†;
४६, ४†: ¶क १, १२\$: \$२,
८; ११: \$३, २^{६}: ३^{२}: ४^{८}; ५^{३};
६^{६}: ८^{२}: ९^{४}: १०:११;१२¶:४,
२^{२}: ३; ४: ५^{२}-७^{२}: ५,३^{२}: ९^{२a};
६,२\$: ५^{२}: ६^{५१};९^{७}; ७,१^{२}; २;
३:६^{२}; ७^{४};८^{३}:८,१^{४}:३; ४^{२}; ५^{२};
६;१०^{२}\$: २८, ३†; २९, ८^{६};
३०,१; २^{२};३^{६}; ८^{३}; ३१,१;२^{३};

४;७;९^{५}; १०; ११^{२};१२; २१^{२};
३५,२; ३^{२}; ४;५^{२}; ७; ३६, ४;
५; ३७,३;५^{२}; ६; ७^{६};८^{७}; ३८,
१^{३};२^{२}; ४;५^{५}; ६^{२}; ३९,२^{g}; ५;
४०,१^{२}; २;४^{२}; ५^{७};\$; ४१,१^{१};
३; ४^{५}; ५^{२};६^{४}; ४२,१^{४};२; ३^{३};
४^{३}; ४४,१; २^{२}; ४; ६^{७};७^{२}; ८;
९^{३}: ४५,३;६^{२}; ४६,४; ५^{४};६^{३};
७\$; ८^{२}; ४७,२: ३^{२}; ९; १०;
४८, १५^{२}: १६: †कौ १, ११०;
४३८\$; ५३१; ५५६: ५८४;
२, १०८; १०९; ६०६-६१७;
६१९-६२२: ६२४; ६२६-६२८;
६३०-६४१; १११८\$; †जै १,
१२,४; ४६,२\$: ५४,७: ५७,३;
५९, ७: ३,११,४; ५; ४०, १.
४९, ४-१०: ५०, १-९; ५१,
२-१०: ५२, १-४: ७-९; शौ
२, १, ४^{२}: २९, ४ : ३५, ३^{a};
३६,४: ४, १, ६; ११, ८; ३४,
५; ६, ८४,२;१४०,२: ७, ५७,
१; १०२,६: ८, १, १०; ९, ४,
५; ५, ९ : २१ : ३१-३६ ; ७,
८-१०; १२: ८, १-७; १०, ८,
२४; ९,२; ११,४, १-१८; १२,
२, २१‡^{h}: ३, ४५; १३, ४, ८;
१२: ५,७: १४, २, २४^{२}; ६८;
१६,१,८: १८, २,३७^{२}: ३,७०;
१९,५३,२; †२०, २४, ८; ३४,
५; ६७,६; ९०,३:९६,४; १२६,
२१; १२७, ३\$; पै १, ६२, १;
६४, २; ८८, १; २,६,४^{२}; २१,
४; ३,२५,५^{i}; १०; १२; ५,२,
५; ४०,५; ६; ६, २२,५; २२;

a) पृ ७७७ *a* टि. द्र. ।
b) पाभे. कृते पृ ८७५ *j* टि. द्र. ।
c) सकृत् पाठः? । सपा. क ४२,३ एव इति पाभे. ।
d) सकृत् एषा इति निर्दिशन S'. चिन्त्यः ।
e) सकृत् सपा. काठ ७,१० सः इति पाभे. ।
f) सकृत् सपा. काठ ८,१ अयम् इति पाभे. ।
g) पाभे. पृ १०४८ *d* टि. द्र. । h) सपा. एष्वः<> स्वः इति पाभे. । i) सपा. एष्वः<>जातः इति पाभे. ।

९,२१,१; ५; ११; २५,५; १०; १२, २,२; ७,४; १३, ७, ५†; ९,१; १२, १-१३; १४, २, ३; १५,२२,३; १६,१,१०; २४,४; ५८,१; ९९,८; ११३,२; ३; ५; ७-१०; १३६,२; १५१,४; १७, २९,२; ३; ११; १६; ३२,१‡[a]; ४०, ५; १८, ९, ५; ६; १३,८; १९,४६,१३; १५; २०, ५, २[b]; २३,२-४; २६, ५; ३४, ६; ४३, ७; ५३, ११; -पा ऋ १, ४८,७; ८८,६;११३,[७; १२४, ३]; ६; ४, ३,९; ५, ८०, २-६; ६, ६५,१; ७, ७५, ४; ७६, ७; ८०,[२(३,५३, १६)]; ९५, १; ८, २७, १८; ९, ८७, ८; १०, ११,८; १४,२; १८,१०;३१,६; ३४,२; ८५,२१; २९; १०९,३; मा २,१४; ४,१७; ५, ६; ४०; ९, १२^{२}; ११, ६४; ३२,३; का २,३,९; ४,६,१; ५,२,४; ९,७; १०,३,४; १२, ६, ५; ¶ते १, २,११,१$; ३,४, ३$; ५,१,४; ७,४; ६; ९, ६; ६,११,२; ७,१, १; ३,१; २, १,५,२; ४; ७; ७, ७; ९,२; ४; २,२,३; ४; ४, ५; ९,७; ३, ४,४^{२}; ४, २, ४; १०, ३; ११,१; ५, १, ६; ५, ४; ५; ६,२; ९,६^{२}; ६, २,६; ५, १; ६, ५; ३,१,२,२; ३; ३, ७, ३; ४, १, ४^{२}; ३,२; ७; ८^{२}; $४, १, ६, २; ९,२; ५, १,१,२; ६, २; ७,४; ९,२; २, १, ५; २-४, २; ५,३; ८,३;७; १०,१; ३,२,१^{२}; ४,६; ७; ७, ४; ८, ३; १२, १; ४,२,१^{३}; ३,२; ३; ७,३; ८,१^{२}; ३; १२, १; ५, १,७; ३,१^{२}; ६, ३; ७,५; ६,२,५; ६,४^{२}; ७, १, १; २,२^{२}; ३, २^{२}; ४; ४, १; ४; ६,५; ८,२; ६,१,१,२; २,५-७; ४, १; ७, २; ४; ५^{२}; ७; ९, ४; २,३,५^{२}; ७, ३; १०, १; ५; ३, १,५; ८,३; ४, ७, १; ६, ४, २; ६; ५,१; ७,१; ९,२; ७, १, ५, ५; ६; २, ९, २; ३, ३, १; ४, ५, ४; ८, १; ५, ४, २; ९, २; ¶मै १, $२, ७; १३; ४, ८^{२}; ५,६;९; १०^{२}; ६, ३^{२}; ८, १-४; ६^{२}; ८;९,८; १०, ३$,६; १०; ११; १३^{२}; १५; १८-२०; ११, ६; ९^{२}. २, १, ३;७; १०; ११; २, ३; १०; ३, ४;९;४, २^{२}; ५, १^{२}; ४^{२}; ५; ७; ७, ६$; ३, १, १; ७^{२}; ८^{२}; $; ९^{२}; १०; २,१; ४^{२}; ५,६^{४}; ७^{२}; ८^{२};९; ३, २^{२}; ३^{२}; ६; ८; ९^{२}; ४, १^{२}; २^{२};४^{२}; ५; ६; ७^{२}; ८^{२}; ६, १^{६}; २; ५^{४}; ८, ९; ७,१;४;५^{२}; ६^{२}; ७;१०; ८,२^{२}; ३^{२}; ८;७; ९^{२}; ९, १$; ३; ५; ६; ७^{२}; ८; १०, १^{२}; ५; ४, १, २,६; २, १^{२}; ३^{२}; १३; ३, ८; ४, ६; ८^{२}; ५, १; २; ५; ७; ६, ४^{२};९; ७,२; ७; ८; ९^{२}; ८,६; ९; ९, १०^{२}$; †१४, ७; १५;१६; ¶काठ २, ८$;३,१$; ६,१^{२}; ४;५;७; ८^{२}; ७, ४^{६};६^{२}; ७^{२};८;९^{२}; १५; ८, ४;५;८;९^{२}; १२^{२}; ९,१५; १०, १; ३;६-९; १०^{२}; ११,१;३; १०; १२,१;४; ५; ८; ९; ११; १२^{२}; १३, ४^{४}; ६^{२}; १०; १२^{२}; १४, १$; ७^{२}; $; ९^{२}; १०; १६, ६$; १९,५; ६^{३}; ७^{३}; ९; २०,१^{२}; २;६^{३};७^{२}; ११^{५}; १२^{२}; २१,१^{२};३^{४}; ४; ६-९; १०^{२}; ११^{५}; २२, २;६^{२}; ८; १०; २३,२;४^{२}; ५;९;२४, ३^{७}; ४^{२}; ५^{२}; ६^{४०}; २५,८;१०; २६, १^{४};४;७;९; २७, ८; २८,३,४^{३}; २९, २;१०^{२}; ३०,७^{२};९; ३१, १;४; १५; ३२,४; ३४,८;३५, १७; ३६, ५^{२}; ७;९; १०; १३; ३७,३;७;१४; ¶क $२, २;८; ३, १२^{३};४,३; ४;६;७^{३}; ५,३^{६}; ५; ६,५; ९; ७, १.२; ५^{५}; ७^{२}; ३०,३; ४^{२}; ५^{२}; ३१,४;८^{३};९^{२}; १३^{५}; १४^{२}; १६; १८^{४}; १९; २१; ३४, १^{२}; ३५, २; ४; ८; ३६,१^{२};६;३७,४^{७}; ५^{३};६^{२}; ७^{४}; ४०, १;३; ४^{६}; ४१, २; ५; ७; ४४.३; ४^{२}; ४५, ३; ४६, ३^{२}; ४७, १; ४; ४८, १५; शौ १, १४, २;३; २. २९,७; ३, २८, १; २; ५, ११, १०; १७, ३†; ४; १८, ३; १०, ८.३०^{२}.९,२; ११, १,२३;२८; १२, ३, २२; ५१; ४,१०; ३९;४२;७,१;१३, १ २७; १४,१,२५†; †१८,१, २३, ५० ; ३, ४९ ; १९, ५५, २; पै १, १३, ३; ४; ६.७.३; ९. १५,३†. १७,१०; २१, ८; १०. १४, ३. ३; १५, १५, ८; १६, ९१, ८; १३६, २; १७, १६, १०; १९,९; २०, २;२८, ५; २९,८; ३८,३;४१,१; १८, ३, ४†; १०, ३†; १७,७; २०, ४१,१०; ४८,७.

†एषो (षा + उ) ऋ १, ४६, १; कौ १, १७८; २,१०७८; जै १,

[a]) पाभे. कृते पृ १०५२ *h* टि. द्र. ।
[b]) पाभे. कृते पृ १०२८ *d* टि. द्र. ।
[c]) सकृत् एषः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३७,७) ।

१९,४.

¶एतदु[a]- -दुः तै २, ६, ९,४; -दुम् तै २, ६,९,५.

?एतरी[b] ऋ ५,४१,⌊१०:६,१२,४⌋.

एतर्हि एतद्- द्र.

एतवे, एतवै, एतव्य- √इ (बधा.) द्र.

१एतश[c]- -†शः ऋ १,१२१,⌊१३;५, ३१,११⌋; १६८,५; २, १९,५; ५, ८१,३; ७, ६६,१४; ९,१६, १; ६४, १९; १०८,२; १०,५३, ९; मा ११,६; का १२, १, ६; तै ४, १, १,२; ५,६,४,१¶; मै २, ७, १; कौ १, २६८‡[d]; २, ४३; जै १, २८,६‡[d]; ३, ५९, २; -†शम् ऋ १, ५४, ६; ६१, १५; ४,१७, १४; ३०, ६; ८,१, ११; ६, ३८; ५०,⌊(४९,९)९⌋; ९, ६३,८; खि ३,१,९; कौ २, ५६७; जै ४, २८, ६; शौ २०, ३५, १५; -†शस्य ऋ ६, १५, ५; मा १७, १०; का १८, १, ११; तै ४, ६,१,२; मै २,१०, १; काठ १७,१७; -शा ऋ ८, ७०, ७[d]; -शे ऋ ५, २९, ५; -शेन मा १२,७४; का १३,५, १३; तै १, ६,४,३; ५,६,४,१; मै २, १२,३; ३,४, ४; -शेभिः खि ५, ७, ४,१८; मा ४, ३२; का ४,१०,३: तै १, २, ४, १; मै १, २,५.

२एतश[e]- -शः ऋ ७, ६३, २[f]; -शेभिः ऋ ७,६२,२; १०,३७, ३;४९,७.

३एतश[g]- -शः काठ १५,११†; २२, ६¶; क ३४, १¶; -शस्य क २८, १†; -शेन काठ ५, ३; २२, ५; -शेभिः काठ २, ६; क १,१९![h]; पै १७, २५, ६†.

एता-दृक्ष- प्रभृ. एतद्- द्र.

ए(आ-इ)ति- २ए(आ√इ) द्र.

एतृ-, एतोस्(:) √इ(बधा.) द्र.

ए(आ-इ)त्य २ए(आ√इ) द्र.

?एदम्[i] खि २,१२,१.

*एदिधिषुस्[j]-

एदिधिषुः-पति[k]- -तिम्[l] मा ३०, ९; का ३४, २,१.

√एध्(वृद्धौ),>एधि, एधते ऋ ८, ७४,४; १०, ६,१; ६०, ४[m]; मै ४, १४, १५†; एधते ऋ १, ४१, ⌊२ (५, ५२, ४; ६७, ३) ८, २७, १६; १०, ६३, १३⌋; २, २५,५: ८, ४६, ५; ८४, ९; खि ५,१०,४; मा ८,५; का ८,२, १; तै ३, २, ८, ४; शौ २०, १२७, १०[n]; †एधन्ते ऋ १०, ८५, २८; शौ १४, १, २६; पै १८, ३, ५; एधताम्[o] मा २३, २६; का २५,६,६; तै ७,४,१९, २; मै ३, १२, १; काठ ४४, ८;

---

a) व्यप. (असुर-विशेष-)। व्यु.?। एतद् उ इत्यनेन पाठेनास्य व्यप. श्रुतिसाम्यमात्रमुपजीव्य प्रवर्तितोऽर्थ-वादः द्र.।

b) प्राति. अर्थः व्यु. च?। =प्र१ रूपम् [(तु. ध्मातरी ⌊L ४२१,४२६⌋), GW. प्रभृ. √इ>ए(तृ->) त्री->वावि. विधया यनि. (तु. पृ ४४३ *e* टि.), NW. पुं.⌊=जांघिक-⌋ इति व्यु. च?; वैतु. सा. एतृ->-तरि> °री ⌊तु. पपा.⌋ इति कृत्वा सप्त१ इति]।

c) विप. (ब्रह्मणस्पति-, रथ- प्रभृ.), नाप. (सूर्याश्व- ⌊तै १,६,४,३⌋), व्यप. (ऋषि-विशेष- ⌊ऋ ८,५०,९⌋) च। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√इ (बधा.) इति (पाउ ३, १४९), दे.(१,१४⌊पक्षे⌋) २एत-+शः प्र. तद्धित इति। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्, उप. भाप.<√*शा ⌊गतिदीप्त्योः⌋ इति मतम्। d) सपा. °शः<>°शा इति पाभे.।

e) =१एतश-। व्यु.?। षस. अन्तोदात्तः इति वा उस. प्रकृतिस्वर इति वेति कृत्वा उप. शु-(<√श्रि) इति विवेकः स्यात्? यद्वा २एत-+शः (मत्वर्थः) प्र. उसं. (पा ५,२,१००) स्यात् (तु. दे १,१४)। अथवा *अर्य-तश- (बस., उप. भाप. <√*तश् ⌊बधा.⌋) > १एतश- इति, Gri *अर्य-तश- (उग., उप. कर्तरि कृत्)>नैप्र. २एतश- इति स्यात् (तु. १अर्वश-, २अर्वश- ⌊तत्रत्ये टि. च⌋)। f) १एतश-> यनि. इति GW. ⌊पक्षे⌋?।

g) स्वराङ्कनाऽभावात् पृथङ् निर्देशः।

h) °शो° इति पाठ? यनि. शोधः (तु. काठ.)।

i) पाठ? एतद्->-तम् इति शोधः (तु. खिसा १२,१)।

j) नाप.=अग्रे-दिधिषु- (तु. पृ ४२ *d* टि., परि. च)। -ध्या अग्रेदि° इति पाठ नैप्र. >आगेदि°>आएदि° >एदि° इति वावि. यनि. द्र.। सन्नन्ताद् उसिः प्र. उसं. (पा ३,२,१६८) तत्स्वरश्च।

k) नाप.। षस. अन्तोदात्तः। यद्वा °धिषु->-धिषोः-प° इति षस. ष. अलुकि ह्रस्वे च यनि. इति।

l) सपा. तैब्रा ३,४,४,१ दिधिषूपतिम् इति पाभे.।

m) तु. सस्थ. टि. उप। n) एधति इति शंपा.।

o) =सपा. माश १३,२,९,४ तैब्रा ३, ९,७,१। शाश्रौ १६,४,२ तु एजति इति, आश्रौ १०, ८, १२ लाश्रौ ९, १०,३ एजतु इति, वैताश्रौ ३६,३१ एधतु इति च पाभे.।

एधन्ताम् पै १८,१३,२; एधस्व शौ १८,२,२५[a].

एधिषीय[b] शौ ७, ९४, ४; एधिषीमहि[b] मा २०, २३; ३८, २५; का २२, १,७; ३८, ५,७: तै १, ४,४५, ३; ६, ६, ३, ५; मै १,३,३९; १०,१३; ४,८,५; काठ ४,१३;९,७;२९,३;३६,७; १४; ३८,५; क ३,११;८,१०.

एधयन्ति पै १९,१३,११[c].

¶एधत्– -धन्तम् काठ २९,३.

एधतु[d]– -तुः शौ ११, ९, २२; पै १६, ८४, २; –तुम् ऋ ८, ८६, ३; ¶मै १, १०, १३[e]; ४, ८, ५?[e], ¶काठ ३६, ७; १४: शौ ९, २,११; पै १६,७६,१०.

एधमान– -नाः पै २०,५६,८.

एधमान-द्विष्[f]– -द्विट् ऋ ६, ४७,१६.

ए(आ √इ)धू, न्धू, आ···इधते ऋ ७, १,८; †आ···इन्धते ऋ ८, ४५, १; मा ७,३२; का ७,१४, १; काठ १३,१५; कौ १,१३३; २,६८८; जै १,१४,९;४,१७,४.

आ[g]···इनधते ऋ ४,२,७.

एधे ऋ ७, ३६, १; †आ··· इधीमहि ऋ ५,६,४; तै ४, ४, ४,६; मै २, १३,७;४, १२, ५; काठ ९,६; ३९, १४; कौ १, ४१९; २,३७२; जै १, ४१, १; ३,३०,१५; शौ १८,४,८८.

एध–, एधस्–, एधस– √इध्, न्ध् द्र.

एधि √अप्(भुवि) द्र.

?एधि ⌊*आ···एधि⌋ २ए(आ √इ)द्र.

एन ⌊अ– <⌋ इदम्– (परि.) द्र.।

*एनद्[h]–

१एन,ना– -†ना[i] ऋ १, ३०, ३; १०५, १९; १६४,५; १७; १८; ४३: १७१, १; २, ६,२; ९, ६; ३४, १४; ३, ३३, ४; ४, ३६, ७: ५, १९,३; ५३,१२; ७३,४; ६, २०, १०; ४४, ⌊१७ (१०, ११२,१)⌋; ७, १६,१: ७१, ४; ९३,७; ८,५,३९; २१, ६; ९६, ८; ९,६१.⌊११(१०,१९१,१)⌋; ९७, ५२: ५३; १०, १४, २;४; २३, ७: २७, ⌊२१; ३१, ८⌋: ८२, ⌊५; १२५, ८⌋; ८५, २७[j]; ११२, ६; १४४, ५[२]; १४८,३; मा १५, ३२; १७, २९; २६, १८; का १६,५, १४; १८,३,५; ते २,३,१,३$; ६,१२,६; ४,३, १३, २; ४,४,४; ६,१,५; २,२; मै १, ६,२; २, १,९$; २,१$; १०,३; १३, ८; ४, १०,५;११, ४; १२, १$[k]; ४; ५;१३, ८$; १४, १६[२]; काठ ११, ६$; १२, १४; १८, १; २३, ११; ३७, ९$; कौ १,४५; ५४१; २,२४; ९९; ४५४; ४५५; ३, १,८; जै १, ५,१; ५५,११; २, ५,५; ३, ३, ३; १०, १; ३४, १२; १३; शौ ४, ८,७$[l]; ३०,८; ५, ११, ५[२]$; ६[२]$; ९,९,६: १७; १८; २२‡[m]. १०,२५; १२,३,३३$; १३, १,४१: १४, १,२१[j]; १८, १, ५०; ६०: पै १८, २, १०[m]; –†नाम् ऋ ८, ६, १९: कौ १, १८७[n]: जै १,२०,३.

२एन,ना– -नम् ऋ १, ९,२; २४, १३, ३२, ३: ८०, ९; १२; ९४, २; ९६, ६: १२३, १; १६२, ३;

a) सपा. तैआ ६, ७,२ एधामम्? इति पाभे.।

b) सपा. °षीय<>°षीमहि (माश १२, ९, २, १० तैब्रा १,६,५,६ जैब्रा १२७ जैमि २,६८ आश्रौ ३,६,२६ आपश्रौ ७,२७,१६; ८,८,१८;१८,१०;१३,२२,६ माश्रौ १,७,४,४६ लाश्रौ २,१२,१२ आपमं २, ६,३ शांगृ २, १०,३ मागृ १,१,१६ च) इति पाभे.।

c) सपा. एधयन्ति<> वाजयन्ति इति पाभे.।

d) भाप. (वृद्धि-)। अनुत्र प्र. (पाउ १,७७) चित्स्वरश्च।

e) °धि° इति पाठ? यनि. शोधः।

f) विप. (इन्द्र-)। उभ. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

g) तु. GW.; वैतु. वें. सा. समुच्चयार्थीयं स्वाश्र. आ इति।

h) सना.। एतद्– इत्यस्य रूपान्तरमिति कृत्वा मौलिकं प्राति. द्र. (वैतु. पाप्र. ⌊२, ४,३४⌋ अन्वादेशविषयमात्र इदम्-एतदोर् आदेशः स चाऽनुदात्तः ⌊वैतु. एनाम्, *i* टि. च⌋)। <इ– : ए– (तु. इदम्–, इतस् ⌊:⌋: एतद्– एक–, एव प्रभृ.) इत्यर्थानः।

i) न. बहु. (तु. पदानि ⌊ऋ १, १६४, ५⌋), तृ१ (तु. प्रथमा ⌊ऋ३,३३,४⌋ त्रिशूलिना ⌊तै २, ३.१, ३⌋ हविषा ⌊मै ४, १२, १⌋ प्रभृ. अनन्वादेशे रूपम् (वैतु. पाप्र. यत्रान्वादेशी तत्र एन एनाऽऽदेशः ⌊वैतु. *h* टि. द्र.⌋), तृ१ डाजन्तं ⌊°ना⌋ सद् वा. क्रिवि. (<एन<इदम्– इति च) द्र.।

j) =सपा. आपमं १,९,४ या ३,२१। आपमं १, १, १० तु अथा इति, शौ १४,१,४० शमु इति च पाभे.।

k) सपा. तै ३,२,११,५ देवि इति पाभे.।

l) तु. पपा. W. B.; वैतु. सा. =आपः (प्र३) इति कृत्वा विभक्तेर् आज्-आदेश इति। m) पाभे. कृते पृ ८०३ *e* टि. द्र.। n) =एनाः (द्वि३) इति विव.?।

७; १६३,२[२a]; २,१२, ५: २२,
⌊१-३⌋; ३, २,७;९,५: ३२,१३;
३६,४; ५९,२; ४, २, ९; १७,
५; २३,३; २४,१०; ३८,५; ९;
५७, ३; ५,१२,३; ६,२४,१०;
३८,२;४;४२,२;५६,१;७,१,६;
⌊२८-३०,५⌋;३३,१४; १०३,२;
८,१,१७;१९[b]; २,३७; २३,९:
६६,७;८०,४;९,३४,६: १०९,
२०;१०,१४,११:१६,१[२];२;४;
१८,११;२८,२; ३२,८; ३४,४;
४४,३;४५,१;८;४८,९; ७१,५;
७३,१०;८७,५;८;११;१५;८८,
११;९५,१४;१०२,५;१३०,२[c]:
१६१,१[२];२; ⌊३(४)⌋; १६८,२:
खि ३,१५,३;१६,१;५,५,२; ७,
३,८; मा२,१५[२];४,१;५,४२;६,
१५:१०,८[३a];†१२,१; १८;२५;
६३$[a]; १६,६:७; १७,५०;५१;
२३,२७;२५,२६: ३०†;२७,२;
८[३]; २९,१३[२]†[a]; ३२, २; ३३,
६०: ७५†; का २,४,१[२]; ४,१,
२; ५,१०,४; ६, ३,५; ११,४,
५[३d]; १३, १,१†; †२, १;८;५,
२[e]; १७, १, ६: ७: १८,५, १;
२; २५, ६, ७; २७, १२,३; ७;
२९, १,२; ८[३]: ३१, ३, २[२]†[a];
३२, ५, ६: ६, ६†: ३५, ३,२;
तै १, २,१,१[२f];३,२,१;५,१[२f];
८,१;९,२[३f]:† १४,५;६;¶५,१,
६[४]; २,५;४,१[२]; २[२];३; ७,२;३;
८,२[२]: ५: ९,४: ६; ७[२];६,२,२;

८,४¶; ¶१०,१; २; ¶७,१,२;
४,४;५,२;३; ६,५-७; ¶२,१,१,
१[२];२,२;४;९:३,४; ५[२];४,७;८;
५,५;६;७[२];६,१;५;७,७[३];८,३[३];
४;५;९,३;१०,१;३; २,२,१-४;
५[२];३,१[२];२;३;४,१[२]; २;४;५;५,
१[३];२[२];३;६;६,३;७,४;५[२];८,२;
५[२];६;९,१[३];२;३; १०,४;११,५;
६; ३, १,१-५; २,४: ३,३[२]; ५;
४,१;२; ३[४];४[२]; ५,२;३[४]; ९,३;
११,१: २[२]; ४; ५: १२,१: २[२];
१३, २[२];३[२]; ४,१.४;९,४: ११,
३[३];४; १३,१[२]; ५,२,४[४]; ६; ३,
४; ४,३; ५[२]; ६,५[३];१०,१; २;
६,२,२; ४;५[२]; ४,२[२];३; ४;५,
२[२];३[२]; ९,२[२];७; ¶३,१,१,४;
२-३,२;५,१; ७,२[२]:३[२];८,२;२,
३,३[२]: ४[२]; ४,५;९,१;७; ३,७,
३; ८,३;४; ४,१,२[२]; ३; ३,३;
८,२;५[२];७; ९,३[२]; ४; ५[२]; ६;
७[२]; १०,३[२]; ४; ५[२]: ११, ५†;
५,४, २$[g]; ४; ७,३: ९,१;२[२]:
३: ४,१,४,४; ७, १; ३[२]; ४:
१०,४†;२,†२,१; ४; ३,२; ३,
१३,६†;४,१२,२: ५,१,३[२]: ६,
३, १[२]; ७,१[२]†[a]; †८,२; ३;७,
१३, ५; ¶५, १,१, २[२]; २,२:
४; ६[२]; ३, ५[२]; ४,१; ३; ४[३];
५,३-५; ६[२]; ९;१०[४]; ६,२[२];३;
९,१[२];५; १०,४[२];५[४]; २,१,४[२];
५[२];६; २,२[५];३;४: ६[२]; ३,१;४,
२-४; ५,१[२]; २; ७,३;४; ८,४;

५;६[२]; ७; १०,७; ३,७,२[२]; ८,
२; ३[२]; ९,१; १०,३[२]; १२,२[२];
४,१,३; २,३; ४[२];३,१; ४[३]; ५;
४,१[२]; ६,१$; २[३];३;७,५;६;८,
१;९,४; १०,१[२]; ३;४[२]; १२,१;
५,१,३;२,२;३;३,२[२]; ३; ४,४;
५,३; ६,१[४];२; ७,१[२]; ४: ५;८,
२;९,४; ५;१०, ७; ६,२.६; ३,
१[२]; २[३]; ३[२]; ७, ३: ८,१; ६;९,
१;२;१०,१;७,१,१;३; ४,१;२;
५,१; ७; ६,१;७,१$; ८-९, ३;
१०, १; २६, १[३]$; ¶६, १,१,
४;७[३]; ८[४]; ९[३]: २,१; ५; ६; ७;
३,२: ४,३[२]: ६;७;६,६: ७[३]; ७,
१;२; ८,४;५; ९,३[२];४[२]; ५;७;
१०,१: २[४];११, २[२]; ३; ६; २,
५,५: ६,१[२]; २:४: ७,५: ८,६;
१०,२; ३,१,१:२,१; ३;४[२]; ६;
३,१[२]; २[४f]; ३[२]: ५[२]: ४,१;७,५;
८,१;३: $९,१[२f];३;१०,१;११,
३;५; २[३]; ४[४]:५[२]: ६;५,३[२]; ४[३];
६,३;४:४,१,५: २,६: ३,१;४,
२; ३[२]; ८: ५, २;३[२];४: ६;७[२];
११,२; ५,२,१: ७, १; ३,८,३;
९, २; ४[३]: ११,४: ६, १,१[२];२;
४;२, २[२]: ३,३[२]; ४; ५[३]: ४,२;
९,१; २; ११,३[२]; ४; ¶७,१,६,
६;८[२]; ७,१[४]; २;४[२]; १०,३; २,
५,३; ७,१-३; ४[२];५;८, १[३];२[२];
३[३]; ४[३];५; ५.१५,१; २;२५,२;
¶मै १,$२,१[३f];१४[३f];१६[३f];४,
८;९; ११;१३; ५,५;६[२]; ७[४];८[६];

---

a) सकृत एणम् इति संहितापाठः । b) एणम् इति संहितापाठः । c) सपा. एनम् <> एनत् इति पाभे. । d) सकृत् =सपा. माश ५,३,५,३० । तैब्रा १,७,६,८ तु मा इति पाभे., तै १,८,१२,३[२] मै २,६,९;४,४,३ काठ १५,७ आपश्रौ १८,१४,१३ विशिष्टः पाभे. च । e) सपा. शौ ६,६२,३ इमम् इति पाभे. ।

f) =सपा. मंब्रा १,६,५ आपश्रौ ७,२,४;१८,१२;१०,५,८;१० माश्रौ १,८,१,६;४,७; २,१,१,२२ आगृ १,१७,८ शांगृ १, २८,१२ मागृ १,२१,४ हिगृ १,९,१३;२,६,७ गोगृ २,९,१४ कौसू ४४,३० या १,१५। सकृत् मा ४,१;५,४२;६,१५ माश ३,१,२,७; ६,४,१०; ८,२,१२ तु पाठाऽभावः । g) पाभे. पृ ७६७ o टि. द्र. ।

 °एनद्->

१०[३]; ११; १२; ६,३[७]; ४[४]; ५[४]; ६[५];७[४];८[१]; ९[४];१०[२]; ११;१२[३]; ७,२; ३[२]; ४[२]; ५;८,१[२]; २[३]; ४; ५[१३]; ७[४]; ८[१]; ९[११]; ९, ५[२]; ६; ७[२];१०,५;७[६]; १४[३]; १८; २०[३]; ११,५[३],६[५]; ७;८; २, १,१[३];२[७]; ३[८];४[२]; ६[३];८[२]; ९[४];१०[२]; ११; १२;२,१[९];२[२]; ३[३];४[४]; ५;१०[२]; ११[५]; १३[२]; ३,१[८];३[९]; ५[६];७[२]; ९[५];४,२[२]; ३;५; ५,१[४]; २; ४[४]; ५[५];६[९];७[२]; ८[२];९[६]; १०[२];११[५]; ६,९$[a];७,५†; ८†;९†;१२$[b]; ९, २[१]$: १०, ४[२]$; $१२, ४; ५[४]; ३,१, २; ३[२];४[१]; ५[१२]; ६[२]; ७;९[४];१०;२,१[५];२[३],३[२];५[१]-७[३]; ८;३,१; २[२]; ४[६];५; ६; ८[३]; $; ९;४,१; ३; ५[४]; ६[३]; ७; ८;५, २;५;६, १[२]; २[३]$[c];३[४];४[७];५[२]-७[२];९[४];७,३;४[४]; ६;७;८[१] ; १०; ८,४[५];५;९[२]; ९,१[४]; २[३]; ३[२]$[c]; ३[६]; ४; ५;६[११];७;१०,१[३]; $[२c]; २;३; ४[२]; १६,१[२]†;४$; ४,१, १; २; ४;९[२]; १०[२]; १३[४]; १४; २,१[८]; ३[२]; ४; ७[२]; ८;९[२]; १०; ३,१[९]; २;४[२];५[२]; ६;७[८];८[४]; ९[३]; १०[५]; ४,२[६]; ३[१४]; $[a]; ४[५]; ५[५]; ६[६];७; ९[३]; १०[२]; ५,१;३[२]; ४[४]; ५[२]; ६[२]; ७[४]; ८[२];९; ६,२[२]; ३[२];

५[२];६; ९[२];७,४; ५;६[३]; ७; ९[२]; ८,१; २[३]; ३[२]; ५[२]; ६[४]; ९;१०, २†; ११, १†; $१३, ४[d]; ८; १४,१३$; १४†; १७$; ¶काठ २, १[२]$[c] ; $३, २[२c]; ६[२c];५, ६$[e] ; ६, १[२] ; २-४ ; ६[३]; ८; ७, ४[३] ; ५[८]; ६[५]; ७[३]; ८[३]; ९[४]; १५[३]; ८, १[८]; २[४]; ३[८]; ४[३]; ५[६]; ६; ७[४]; ८[४]; ९[२]; ११-१३; १५; ९, १[२]; ३[२]; १४[२] ;१६[३]; १७[४]; १०, १[४]; ४[९]; ५; ६[८]; ७[२]; ९[५]; १०[२]; ११[२] ; ११, १; ३[२]; ४[७]; ५[४]; ६[५]; ८[७]; १२, १[२] ; ३,४[२]; ५[३]; ६[८]; ८[४]; १०[२]: ११[३]; १२[२]; १३[२]; १३,१[२]: २[९];३[२]: ४[२]; ५[३]: ६[४];७[३];८;१०[५]; १४,५[३],६[३]:७[२]: ८; १६,८;९[२]†;१०$[f]; १२$[h]; २१$[d]; १७,११[३]$; $१८, ३[२]: १६[४]; १९, २[२]:३[२]: ४[२]: ५[११]:८: ९[२]; १०[५]; ११[९]; १२[२]; १३ $: २०, १-३ : ५[५]-७[५]; ११ : २१, २[२]; ३[८]; ४[२]; ५[३]; ६[६]: ७[८]; ८[५]: ९[७]; १०[२]; १२; २२, १; २[२];४: ६;८[३],१०;१३,१४$; २३,१[१g]; २[२];३;४[२];५; ६[२]; ९[२];१२; २४, १;२[५k];५[२];६[६];७ : २५, २[५];३[२]; ४[२];५;७;८[२]; १०; २६, १[२];२[१७]; ३[१९]; $[२c] ; ४ : ५[११], ६[५]; ७[३];

८[९]; ९[५]; १०; २७, १[८];२[२]; ३, ४[४]; ५; ६; २८,१[३]; ३[३]; ४[६];५[२]; ६;९[३]; २९,३[७];४; ६[४]; ७;८;९[२]; ३०,२;३[५];९[६];३१,२[२]:३; ५;८[२]; १०[२];११[३];१२; १४$; ३२,१[४]; ३[३]; ४[३];६; ३३,२[२]; ६; ३४,२[३]; ४:७:१७;३५,१६[२]; १७[३]; १८[२]; ३६,१[६]; ८[३];९; १०; १४[२]; ३७, १[२]:३;४; ११[८];१२; १४[७];१६[७]; ४०,६[२]†;‡[h];४६,४[२]†; ¶क १, १३[२]$[c]; $२, ९[२c]; १३[२c]; ३, १२[२]; ४,१;३:५[३];७: ५,३[२];४[८]; ५[५];८[२]; ६,५[३];६[८];७[४];८[८]:९[३];७, १[६]; २:३[४]; ४[४]; ५[२];७; ८: ८,१; ३;४; ६[२]: २५,३$[b]; २७,१[२]$; २८, ३[२]$: २९,४[२]$; ८[२]; ३०, १[२i]; २[५]. ३[९]; ८[५]; ३१, १ ; २[५]; ३-५; ७[२]: ८[६j] ९[५]: १३; १७[२k]; १८[८]: १९[३]: २०[२]: २१[५]; ३४,१; ३५,२[३]: ४[२l]: ७[२]; ८[२]; ३६, १; २:३[२]: ३७,२; ३[५]: ६[२];७[६]; ८[६]; ३८, ५[५]: ६[५]; ३९,१[२]: २[२]; ५; ४०,१[२]: २[m]; ३:४[२]:५[१७]; ४१, १[२];$[२b];२; ३[११]:४[६]: ५[३]; ६[११n]; ७[५]:८; ४२, १[८]; २[२]: ३:४[४];५: ६: ४३, १; ३[३]: ४[१]:५[२]: ६: ९[३]; ४५, ४: ५: ७[५]; ८: ४६, ५: ६[५]; ४७, २: ३: ५:८[२]: १०[२]; ११[६]:

[a]) सपा. मा १०,८ माश ५,३, ५, ३० पाठाऽभावः, तै १,८,१२,३ तैब्रा १,७,६,८ मा इति पाभे.।

[b]) पाभे. कृते पृ १०५६ *e* टि. द्र.।

[c]) पाभे. कृते पृ १०५६ *f* टि. द्र.।

[d]) सपा. (तैब्रा ३,६,६,१ तैआ २, ६,१२ आश्रौ ३, ३,१ च)<>त्वा (माश ३,२,४, २०; ७,४,५ मंब्रा २,२,९) इति पाभे.।

[e]) पाभे. कृते पृ ७६७ *o* टि. द्र.।

[f]) °ता **स्वैनम्** इति पाठस्य स्थाने सपा. मा १२,३५ °**ताप्स्वैनत्** इति, मै २,७,१० °ता **स्वैनत्** इति, क २५,१ °ता **स्योनम्** इति च पाभे.।

[g]) पाभे. कृते पृ १०४९ *b* टि. द्र.।

[h]) सपा. ऋ १,१६३,२ संहितायाम् **एणम्** इति पाभे.।

[i]) सकृत् **°णम्** इति मुपा. शोधार्हः (तु. सपा. काठ १९,३)।

[j]) सकृत् सपा. काठ २०,६ **अस्य** इति पाभे.।

[k]) सकृत् सपा. काठ २१,२ **अस्य** इति पाभे.।

[l]) सकृत् सपा. काठ २२,१० **अस्य** इति पाभे.।

[m]) सपा. काठ २५,९ **भ्रातृव्यम्** इति पाभे.।

[n]) सकृत् सपा. **एनम्** <>**एव** इति पाभे.।

४८, १४[२]; १५[३]; १६[२]; १७[a]; †कौ १,२७२; ४५७;२, ७९१; ८३६-३८; १०४१; †जै १,२४, १०; २८, १०; ४८, १; शौ १, ९, ३[b]; १२,३;३०, २;३५, २; २,५,७†; ९,१[२]; २८,१;२; ३, ११, १[२]†:२†; ३[२]†:‡[c];४ ‡[d]; ४,९, ५[२]; ११,४; १६,७;५,२, १‡[e]: १८, ५[२f]; ९: ६, ५,१[२]: ७५,१; ७६,१; ४; ११०, २[२]; ११२, १; १२३, २[g]; १३३, ३; ७, १५, ४; १७, १[३]; ३६, १; ५५, ४[२h]: ५८, ५; ८, १, २[३]; †३, ४[२]; ‡[i]; ८, ११[j]; १४;५, १३;९, १, २४, २, १३[k]; १९; ३,१०; ४,१८; ५,४[२]; ५: २३; २४; १२, २६; १०, ३, १६;५, ३६. ८,२३; ११, १, १६;२४, ३०[l]: ३, २८[२]: २९[२]: ४, १[४]- १८[४]: ५,७: ७,२: १२, ३, ३८; ३६; ३८:४२; ४३[२];४,१९:४८; ९, ७; ११, ११: १२; १३, ३, ११: १५. २, ८;२८; ४, ३; ६; ९; १२; १५; १८; ५, २[२]; ५[२]; ७[२]; ९[२]; ११[२]: १३[२]; १५[२]: ७,

३[२]; ५[५]; १०, २; ८; १०; ११, २-११; १२,२; १३, १२[२];१३; १६,७,१[६];२: ३;११;८ ४-२९; ३३; १८, २, ४[२]†; ५†; ८†; १२†; ५०†; ५१; ३४ ; ५०†; ७१; ४, ११[२]; ६६; १९, १,३; २४, २;३; २६, १;३६, २;३८, १;७२,१; †२०, ३४, ५; ७१, ८; ९४, ३; ९५, १; ९६, ६[२]; ७; ८[२]: ९ ; ९७, १ ; १०७, ४; १४३, ८: पै १, १२, १[२m]; ४;१७,३; १९,४: ४८, १; ४९, ३; ६२, १;२; ३[२];४; ६९, ३[२]; ७०, २; ३; ७१, २[n]: ७६, २[२]; ८३,२: ८८,१;१०७,२; २,१०, १; १९, ५: २७, २: ८५,३; ३, १,५;८,२: २५,२; ३३,२; ३९, २: ४, २४, ७[२]; ५, १३,२;१६, ५; ३२,१०[२]: ३३, ३; ६, २२, १६: ७, १८,६; ८[२o]; ८, ३,५; १२; १५,१३; १९,७; ९,१,५; १२,४; १७,७; २१, १-७; ८[२]; ९-१२; १०, ९,१; १२, १,२†; ३,३: ८:७, ८:१०; ११: १३[२]; १३, ६, ३†; ७, ५†: ९, १०;

१०,८; १४, ३,४;४,११; १५, १,६; ५,९; १०; १६, १,२[१];४; ७; ६, ४[२]; †; ‡[i]; †७, १; ४; २५,८; २८,३; ३४, १०; ३९, १०; ४६-४७, १-१०; ४८, १-५;५५, १-१८; ५६,१[२]-१८[१]; ५७, १८[३]; ५८,४; ६२,१; ६४, ६; ७७, ८; ८९, ४[p]; ९०, ६; ९१,४; १०; ९७,३; ४; १२१, ५;१२४, १[२]-११[२];१२६,१[२]-३[२]; ४; १३९,२७; १४५, ७;१५१, ४; १७, १७,८; २०,८;२४,२[०]; ३[२]; २९, ८[२]; ३९, ५[२q]; ६; ८;४०,२; ३; १९, २, ११; ३, १३[२];८, ९;१०,८; ११,५[r];१५, ७; १५; १६,४[s]; २१, १२;२४, १; ३५, ३; ४३, १४; ४४, ३; ५४,१; २०, ३,३; ६,३[३]; ७,७[१]; १२, ४;२७, ४; ६०, ७[२]; ६१, ६; -नया तै ६, १, ७, ७¶; -नयोः खि ५, ७,४,६; ¶तै ३, २, ७,३; ३, ८,१; ५,१,३: ५, ५,४,३; ६, १, ३,२; मै २,१३, २१[५]; ¶३, २,३; ८, ७; ¶काठ ८, १०; २५, ८; ३०, ९[२]; क

---

[a]) सपा. एनम् <> एनत् (तैब्रा ३, ७, २, ४ च) इति पाभे. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ७६७ *o* टि. द्र. ।

[c]) सपा. ऋ १०,१६१,३ इमम् इति पाभे. ।

[d]) सपा. ऋ १०,१६१,४ इमम् इति पाभे. ।

[e]) सपा. ऋ १०,१२०,१ मा ३३,८० कौ २, ८३३ शौ २०, १०७,४ ऐब्रा ५,१,६ आपश्रौ २१, २२, ३ या १४, २४ पाठाऽभावः ।

[f]) सपा. एनम् <> एनाम इति पाभे. ।

[g]) पाभे. कृते पृ १०४१ *d* टि. द्र. ।

[h]) पाभे कृते पृ १०४२ *f* टि. द्र. ।

[i]) सपा. एनम् <> वृक्णम् इति पाभे. ।

[j]) पाभे. कृते पृ १०४२ *b* टि. द्र. ।

[k]) इतोऽग्रे पाठः खण्डितः द्र. । आमुष्यायणम् ···· °नामुम् इत्येवं तत्पूर्तिः द्र. (तु. सपा. पै १६,७७,३) । सपा. पै. अमुम् इति पाभे. इति विशेषः ।

[l]) =एनान् इति सा. ।

[m]) सकृत् सपा. शौ २, २८, १ इमम् इति पाभे. ।

[n]) पाठे? एनद् (विषम्) इति शोधः (तु. सस्थ. टि. ?पुरएता) ।

[o]) सपा. एनम् <> एनान् इति पाभे. ।

[p]) सपा. शौ ११,१,४ इमम् इति पाभे. ।

[q]) सकृत् सपा. शौ १२,३,३४ विशिष्टः पाभे. ।

[r]) सपा. शौ ६,६३,३ इमम् इति पाभे. ।

[s]) सपा. शौ ६,७७,३ नः इति पाभे. ।

४०, १¶; शौ ७. ४५, १‡[a]; –†ना[b] खि ५, ७,३,१०; काठ १३,१५, १०,१३; २१, १३†; ३५, १२; ३९, १५†; क २८, २†; ४८, १२; पै ४, २, ४; ८, १, ५; ६; १६, ६६, ५†; ६७, ७; ८; १७, ३९, ३; १८, १९, १†; २०, ३५, २; –नाः ऋ ८, ९७, १४; ९, ९७, २९; १०, १९, २[४c]; ८[d]; ३०, १४; १०८,५; खि ५, ७, ३,२[२]; ¶तै १, ५,८, २; ६, ७, १; ८, २; २, ४,९, ३[२]; ५,७,५; ११, ३; ५, २, १०, ३; ३, ८,३; ४, २, २; ४; ६, २,२; ३; ४[३]; ६, १,२,३; ४,८; ४,२,५;६; ३,३[२]; ४; ६,१, २; ३; ¶मै १, ४,१०; ५, ९; १०; ८, १; १०, १०; ११; १८; २, ४, ८[२]; ५, १; ३, ३, ४[३]; १०, ८; ७[४]; ४, १, १[७]; ९: १२; २, १; १०[४]; ११; ३, ५; ४, २[३]; ५, १[४]; २[२]; ४[२]; ८, ३[२]; १३, ८[२]$; ¶काठ ७, ७;९; १०, ६; ११, ५; १०; १२, ८; १३, २[२]; ८; १९, १३[२]$; २१, ३; ६; २६, १; ७; २८, १[२]; ४[५e]; ७;८; ३०, १०[f]; ३१, २[२];४;९[२];१०; ३२, १;७; ३६, २; ५; ६[३]; ¶क ३१, १८; ४०, ४; ४१, ५; ४४, १[२]; ४[५]; ७; ८; ४६,८[६]; ४७,२[२]; ४;९[२]; १०; शौ ५,२९,१४; ६, १४१, १; ७, १२०,४; पै १५, १८,४; १९, २१, १५[४]†[c]; २२,७; २०, १९,७; –नान् ऋ १,१६१,५[२]; ५,५२,६; ७,१०३,३; १०,६१, २३; ८७,१८; ९३,२; ११०,३; मा २९,२८†; ३५,२०; का ३१, ४, ४†; ३५, ४, १९; ¶तै १, ६,१०,१[२]; ५[२]; २, २, ११, ३; ४,११,४; ५, ७,१; ११, ५; ६, ९,१; ३, ४,८, ४[२]; ५,३,१[३]$; ५, २,५,४[२]; ३, १,२; ४, ५,३; ५,५,२[२]; ९, २; १०, ३; ५; ६; ६, २,७,२[४]; ३,६,१; २; ७, २; ६,८,४; ७,३,१०,२; ५, ९, ३; ¶मै १, ५,८;११;१२[२];१४[२]$; ९, ८; १०, ११[२]; ११, ६[२]; ७; २,१,१[२]; ८; ९; २, १०; ३, २; ५,३; ८; ९; ३, १,१०;३,६;९; ६,१०; ७,७[२]; ८,१[२]; ६[२]; ९,६; ४, १,१[२]; ५[२]; ६[३]; ७[४]; १०; २, १[२]; ८; ९; ३, ६[३]; १३, ३†; १४, १५†; ¶काठ ७, ३$; ८; ८,११; ९, १७; १०, ७; ११[४]; ११, १; २[२]; ६[२]; १२, ३; ८[२]; १३, ५[२]; १२[२]; १४,६[३],७; १६, २०†; २०,३; २१, ४; २४, ४; ६; १०; २५,६[२];९[३१]; २६, १[२]; ७; २८,२[g]; ४; ७; २९,७; ३०, ७[२]; १०[२]; ३१, ४[२]; ११; ३४, ४; १८; ३६,९;१३[२]; ३७,१२[२]; १८[३]; ¶क ५,२$; ७, ८; ३१, ५; १९; ३७,५;७; ३८,३; ३९, ३[४]; ४; ४०, २[२]; ४[२]; ४१, ५; ४४,२; ४; ७; ४५,८; ४६,८[२]; ४७, ४[२]; ११; कौ २, १२१४[२]; शौ २, २५,४; ५; ३, ६,५; ८[२]; ४,३४,३; ४ ४०, १-८; ५,३, १०‡[h]; ८,९[i]; १२, ३†; २१, १; ६, १०४,३; ७,८, १[j]; ८,३, १६†[k]; ८, ३;४; १०; ११;२१; ९. २,५; १०; १६; १०, ३, २; ११, १,२०; २५; १२, ३. ३०; ४,१५[l]; १३, १,२९;३२; पै १, ८७,१[l]; ३,३,६; ८[२],५, ३,७; ६, २२, ३; ४; १३; ७. ८. २; १०, १२, ९; १३, ३. ९[२]; १२, १-१३; १६, ७, ८†[k]; २९, ३; १०; ३०,१; ११;३७,१[m]; ६३. २[n]; ७१,११; ७६,४; ९; ७७,

a) सपा. एनयोः <> एनोः (ऐब्रा ६, १५ च) <> एव वाम् इति पाभे.।

b) न. बहुवचने वा, तृ१ वा, डाजन्तम् तृ१ वा. क्रिवि. इति वा (तु. पृ १०५५ *i* टि.)।

c) संहितापाठे सकृत् एणाः इति।

d) सपा. तै ३,३,१०,१ आपमं २,२२,७ पुनः इति, काठ १३,९ त्वा इति च पाभे.।

e) सकृत् एनान् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४४,४)।

f) एनम् इति पाठे? (तु. SI.) यनि. शोधः (तु. सपा. क ४०,२[३])।

g) एनाम् इति SI. चिन्त्यः (तु. सपा. क ४४,२)।

h) सपा. ऋ १०,१२८,९ तान् इति पाभे.।

i) पाभे. कृते पृ १०५८ *o* टि. द्र.।

j) वा.? मत्वा W. एनाः इति संभाव्येत्।

k) संहितापाठे एणान् इति (तु. शौच ३, ८०; वैतु. ऋ १०,८७,१८ यनि. एव)।

l) पाभे. कृते पृ १०४५ *e* टि. द्र.।

m) सपा. शौ १०, १,२१ अस्मान् इति पाभे.।

n) एनाम् (तु. मूको.) इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ १०,३,२ एणान् ⌊पपा. यनि.⌋ इति)।

१; ९१, १ ; ५; १३१, १-१०; १५२, १०; १७, ३८, ९; १८, १७,९; १८,२[५]; १९,२,६; ४९, १२[a]; २०, २७, ६[२]; ६०, ९; –¶नानि तै २, २,२,३; मै १, ९,५; २,१,११; ३,२,७[२]; ४,१, ३; ६; ८; ३, ३; ६, २; ५; काठ १०,५; ३१, ४; ६; क ४७, ४; –नाम् ऋ १, १६४, २६; १०, ७१,४; खि ४, ९, १; मा १२, १५; २३, २६; का १३,१, १६; २५,६,६; ¶तै १,६,११,२[२];३; २,६,५,१;७,४; ३,४, १,१; ३, १[२]; ८-६; $४,१,९,३; २,१,५; ३, ११,१[b]; ५,१,६,४[२]; ७,२[४]; ३[३];४; ९,३;३, २, १; ४,७; ५, ३,१;४,४;७,३,३; ४; ६,१, ७, ३-६;२,७,४;१०,२;४[२]; ५;११, ४[२];६,४,६; ७,१,६,७[२]; ८; ७, ३; ४, १९, २$; ¶मै १,५, ९; ६,३; ८,२; ८; १०, ११; २,१, १;८;२,५[२];७,८$;१३, १०$[b]; ३,१,६;७[४];८[४]; २, ३;४;७;४,७; ७,५[२];६[४];७; ९;८,५[५]; ६;८; ९[३]; ९,६[१];१०,१; १३,१$; ४,१,२; ३;९;१२;२,२;१०; ३,४; ¶काठ १०,१०[४]; १२,९; १३,६; १०; १२[३]; १६,८$; १९,१; ६[६]; ७[८];

१०; २१,३; २४,३[c]; ४[२]; २५, ४[२]; ५[३]; ६[४]; ९[४d]; १०[e]; २६, ८; २८,४[f]; ३१,२[२];८; ३२,२; ३[२]; ३५, १८; ३६, ५; ३९, १०$; ४४, ८$; ¶क २९, ८; ३०, ४[५]; ५[८]; ८: ३७,४[e]; ५[२]; ३९,१[२]; २[३]; ३[४]; ४०,२[२]; ३[६]; ४१,६; ४४,४; ४७,२[२];८; ४८, १६; शौ ३, १२, ८![g]; २५, ६; २८,२; ५,३१,१०; ७. ७७,७†; ८,९.९; ९.१५,४; १०,१,१;२; १०,३२; ११,१,७;२१[२];२२[h]; १२,४,१;११[२];१७; २२[i]; २५; ५०[j]; १४, २, ३७; १८, ३ ३[j]; १९, ४, २; पै १, १०४, ४![k]; २,७९, १; ३, ३९,४; ५, ३१, ९;६.२२,१७; ७,६,४; १५,१०; ९, १६,३; १७, ७[l]; १०, १,९; १०,२; १२, ६, २; १३,५,१४; २७; १४,३.३; ५;६; २०; १६, १८,९;३५,१;६८,४†; ९०,९[३]; ९१.२[२]; ११०,२; १७, १६, १; १७,१[२];७; १८,५; १८,१०,७; १९, २४,७; २०,११,११†; १३, ६;२३,५; –नं ऋ १, १४६, २; १०, ८२, १; मा १७,२५†; का १८, ३, १†; तै ४, ६, २, ४†; ¶६, २, ९, १[३]; ३; ३,९,६; मै

२,१०,३†; ¶४,१ ६[२];१३;१४; ¶काठ १२,४; १३,५; १८,२†; २५,५;८[५];९[५]?[m];३१,४;¶क२८, २†; ३९,२; ४०,१[५]; २[४]; ४७, ४; शौ ५,२, ९‡[n]; २०, १०७, १२‡[n]; –नेन ¶तै २,४,१,४; ५, १,५, ५; ३,११,३; ६,२,१, ५; ¶मै १,४,१२; ५,९; ११; ६,७;३,२,५; १०,१; ¶काठ ७, ९;१०,७; क ५, ८¶; शौ ९,९, २;४;६;८;१२,२,३७; पै १२,७, ३;९; १५,२२,९; १६, ११४,१-४;१७,३३,७; १९,३९,४; ४९, ७; –†नोः ऋ १,१३६,१;५;६, ६९,८[o]; ७, १०३, ४; तै ३,२, ११, २[o]; ७,१, ६,७[o]; मै २,४, ४[o]; काठ १२, १४[o]; –¶नौ तै १,५,९,५;२,२,४,७; ५,४,१[२]; ६,४; ३,३, ८,१: ५.१,३; ४;५, २,४,१; ७,३,२,६, ४,१०, २[२]; मै १,४,१५; ५, ५; ८,८; ९,५; १०, १८[p]; ११,७; २,१,५; २, ५;९; ३ ९,६; ४,७,७; काठ ७, ४;८,४[२]; १३,३[३]; १४,७; २०, १[३];२४,५; २६,७[३]; २७,४; ८; २९,५; ३६, १२[p]; क ५,३; ६, ९[२]; ३१,३[२]; ३७,६; ४१,५[२]; ४२, ४; ४५, ६; $शौ ७,१००,

a) विशेषः पृ ६४९ *g* टि. द्र. ।

b) सपा. शौ ३, १०,४ विशिष्टः पाभे. ।

c) सकृत् °नम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३७, ४[e]) ।

d) सकृत् एनान् इति, सकृच् च एनम् इति पाठे? (तु. SI.) यनि. शोधः (तु. सपा. क ४०,२[४]) ।

e) सकृत् °नम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४०, ३[६]) ।

f) °नान् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४४,४)।

g) पाठे? एनान् इति शोधः (तु. सस्थ. टि. इदम्-> इमाम् ?) ।

h) सा. एनान् इति।

i) पाभे. कृते पृ १०४५ *f* टि. द्र. ।

j) तद् एनाम् इति पाठस्य स्थाने सपा. तैआ ६, १२,१ अरिष्टयै इति पाभे. ।

k) °नाम् इति स्वरः? यनि. शोधः (तु. सपा. तै ४,३,११,१ मै २,१३,१०)!

l) पाभे. कृते पृ १०५८ *f* टि. द्र. ।

m) द्विर् एनम् इति पाठे? (तु. SI.) यनि. शोधः (तु. क ४०,२[४];) ।

n) सपा. ऋ १०,१२०,९ पाठाऽभावः ।

o) पाभे. कृते पृ १०५९ *a* टि. द्र. ।

p) सपा. तैआ १,६,९,२ पाठाऽभावः ।

२;१४,२,६४.

एनद्- -नत्,द् खि ४, ६, ५[२a]; ५, ७, १, ५; मा १२, ३५; ४०,४; का १३,३,६;४०,१,४; ¶तै १, ७,३,४; २,३,२,४[३]; ५[३];४,११, ३;६,३,५;६;५,२; ८,२; ६; ५, १,३,४; ४,२; ८,१; २[२]; २,४, २;६,५; ९,२;३; ६,१,६,५; २, २,७; ३,१,२; ७,५,५,२; ¶मै १,४,१३; ७,५; ८,४[२]; ९:९,५; २,१,२;३,५; ७,१०$; ३,१,५; २,२; ७,१०;८,६; ९[२]: १०;९, ३[२]; ७; १०,१; ४,१,२[९]; ३[३];४; ५[३];६[४]; ७;१२[३]; १३[२]; १४; २, १३;५,७;८,९[२]; १३[२]$; ¶काठ ६, ४; ८; ८,१५: १३,८: १५, १३$: २०,८[५]; २५. ७[३b]; ८[२]; ३१, १[५]; २[३];३[६]; ४[४]: ७[३]; ९; १०; ३५, १९[c];३७, ११[२]; ¶क ४, ३; ७;८,३; ३१,१०[५]; ३९, ५[२];४०,१[२];४६,८; ४७,१[१];२[३]; ३[६]: ४[३]; ९; १०; शौ ६, ११३, १; ११७, २[२]; ८,९,३; १०,७, ४३[२]‡[1]; १६,६,४; १९,२६,१; पै २,२, २; १६,४२,१;५०,१; १९, ३३, ११; २०, २५, ५.

?एनश्चिपङ्क्तिका[e] शौ २०, १३०, ११[f].

एनस्[g]- -नः ऋ १, २४, ९; १२५, ७; १८९,१; २, १२, १०; २८, ७; ३,७,१०; ५,३,७; ६, ५१, [७; ७, ५२,२]; ८; ७४, ३; ७, १८,१८; ५८,५; ८६, ३; १०, ३६,९; ३७,१२; ७९,६; १२८, ४; १३२, ५; खि ३, २०, १; मा ३, ४५; ४८; ५, ३६†; ७, ४३†; ८, १३; २७; २०, १७; १८; ४०, १६†; का ३, ५, २; ५; ५, ९,२†: ९, २,३†; ४,४; १२, १, ४[२]; ४०, १, १८†; तै १,१,१४,३†; ४,४३,१†; ४५, १†; २; ८, ३,१[h]; २२, ५[२]†; ३,२,८,२; ४, ७, १४, २†; ६, ६, ३, १¶; मै १, २, १३†; ३, ३९[२]:†; १०,२; १०[२]¶; २, ३, ८; ३, ९, १¶: ४, १, ९¶: ३,९¶: ११,२†; १४,९†: १७; †काठ ३, १: ४,१३[२]$; ६,१०; ९,४$; ११, १२: ३०, ३: ३१, ७¶: ३६, ५[२]¶: ३८, ५[२h]$; ४०,१०, क २,८†: ३,११[२];†; ८, ७: ४६, ६†; ४७, ७¶; शौ २,३५,३; ५,३,४†:६,९७,२†: ११३, १; ११५, २: ११६, २: ३; ११९, ३: ७,४३,१†: २†: १०,३,८: ५,२४: १२, २,११; १६, १, ११; २०, ३४, १०†: पै १, २७, ३: ६५, १: ७०, ३: ८८, १;१०९,१; ४; २, २४,३; ३०,५; ५, ४,४†; ९, २२, ५; २६; १०, ४,४; १३, ७, १०†; १६,४९,५; ८;९; ५०, ७; ६३, ९; १३०,२; १७, ३१, १; १९, ३३, ११; -नसः ऋ ४, १२,५; ७,२०,१; ८९,५; ८, १८, १२; ४७,८; ६७, १७; १०, ६३, ८; खि २,६,१८; ३,२०,१; मा ६, १७; ८, १३[५]: २०, १४-१६; २०; का २२, १,१-३;५; तै १, ८,५,३; ३, १,४,३; २, ५, ७[३]; ८,३; ४,११,६†; ४, ७,१५,४[1]; ५[i1]; मै १,१०,३: ३,११,१०[४]; १६,५[४1]; ४,११,१†; १२, ६†; १४,१७[२]; काठ २, १५†; ९,६; १७,१८†:२२,१५[४1], २३,१२†; २९, ३¶: ३८, ५[४]; क ८,१०; शौ २. १०, ८: ५. ३०, ४; ६, ५१,३†; ८४, २: ११५, ३; ७, ६६, २: ८२,३[j]: १२,२,१२;४, ९: १४, २,४४; ५९-६२; पै २, २६,१:२: ५, ११, ३: १७, ३[२]: १८,६; ९, १३,४: २२,१: २८; १६, ४९,६: ५०, ९: १३०, १; १७, १६. ९: २०, १०[k]: ३१, २: १८, ११, ४: १२, ७-१०; १३, १: १९, १२, ६: ४३, ५†: २०, १५, ४[l]: ७: -नसःऽ-नसः

a) सकृत् सपा. खिगा २७, ५ एनम् इति पाभे.।

b) पाभे. कृते पृ १०४९ *d* टि. द्र.।

c) पाभे. कृते पृ १०५८ *a* टि. द्र.।

d) सकृत् पाभे. कृते पृ १०५६ *c* टि. द्र.। अन्यत्र च विशिष्टः पाभे.।

e) पाठे? एनश् चित् पङ्क्तिकः इति त्रि-पदः शोधः द्र.। एन- =२एत- यद्र.। पङ्क्तिकः इत्यत्र च मत्वर्थे कः प्र. उसं. (पा ५, २, ११५)।

f) सपा. खि ५,१५,८ पिनुटि पर्तिका इति, RW. एनी हरिक्निका इति च पाभे.।

g) भाप. (सदाचार-व्यतिक्रम-)। व्यु. ?। <√इ इति या ११,२४ पाउ ४,१९८. <√इन् इति GW. W. प्रभृ.।

h) सपा. °नः (तैब्रा २, ६, ६,२ च) <>°नांसि (तैब्रा २,६,६,१ च) इति पाभे.।

i) सपा. शौ ४,२३,२९ अंहसः इति पाभे.।

j) सपा. तै ४,३,१३,४ अंहसः इति पाभे.।

k) सपा. शौ १२,४,५० आगसः इति पाभे.।

l) सपा. शौ ७, ६६,१ अंहसः इति पाभे.।

मा ८, १३; -नसा ऋ १०, १३२, ४: तै २, ६, १०, २¶: ३, २, ८, १; ६, ३, १०, १¶; मै २,३,८; शौ २,३५,२; पै १, ८८,१: -नांसि ऋ १, २४,१४; ४,१२,४: मा २०, १५[a]; १६[a]; का २२, १,२[a];३[a]; †तै १, ५, ११, ३: ४, ७, १५, ७; मै ३, ११, १०[2a]; १६, ५†; †४,१०, ४; १४, १७: काठ २, १५†: ३८,५[a];४०,११†: शौ ६,११५, १[a]: पै ६,३,१२: १६,४९,४[a].

एनस्यं[b]- -स्यः शौ ६, ११५, २: पै १६, ४९, ५; -स्यम् शौ ८, ७, ३: पै १६,१२,३.

एनस्-वत्- -वन्तः ऋ ७, ८८, ६; -वन्तम् ऋ ८,१८,१२.

एनो-मुच्[c]- -मुग्भ्यः तै ७,५,२२,१[?]; मै ३,१५,११[?]: काठ ४५,१९[?].

‡?एनांमुखेन[d] मै ४,१२,४.

?एन्यम्[e] पै १६,२८,९.

ए(आ√इ)न्व्[f], †आ॰॰॰इन्वति[g] ऋ ९,२०,२; कौ २, ३१९; जै ३, २६,५.

एम-, एमन्- √इ (बधा.) द्र.

?एमम् पै १९,३३,१४; ५२,१६.

?एमा अग्मन्नाशिषः[h] तै १,६,४,२.

?एमु(,मू[i])षु[j]- -¶षः काठ २५, २; क ३८, ५; -†षम् ऋ ८, ७७, १०; मै ३,८,३.

एयिवस्-, एयुषी- २ए(आ√इ) द्र.

ए(आ√ई)र्,>°रि. †एरिरे ऋ १, ६, ४[k]; १४३, ४; कौ २, २०१; जै ३, १८,८; शौ २०, ४०, ३; ६९,१२; †एरिरे ऋ ३, ११,९; २९, १५; ६०, ३; ६, ५, २: तै १,३,१४,३; काठ ७,१६.

एरयेथे ऋ १०, १०६, १०; †एरयामहे ऋ ७,९४,४; कौ २, १५०[l]; जै ३,१४,१०; एरयामः शौ ५, २९, ५; एरयन्त पै १९, १४, ७[m]; एरयन्ताम् शौ ५,१, ३; ६, ६१, १[m]; पै ६, २, ३; एरयस्व ऋ ७, ५, ८; १०, ८५, ३७[n]; शौ १४, २, ३८†[n]; १७, १, ११; पै १८, १०, ९†[n]; ३१, ६; एरय,>या ऋ ९, १०२,३[o]; १०,१२२,२; खि ४, ९,६; ५,७,३,११; मा १४, ८; का १५,२,३; तै १, १,१३,२[p]; ४,३,४,३: मै २,८,२; काठ १, १२[p]; १७, १: १९, १३; ३१, ११[p]; क १, १२[p]; २५, १०; ४७, ११[p]; एरयेथाम् शौ ५, १,४: पै ६, २,४; एरयध्वम् ऋ ४, ३८, २; एरयाम ऋ १०, १११,१; ऐरयत् मै ४, १२, ५; कौ २,३६५‡[o]; जै ३,३०,७‡[o]; आ॰॰॰ऐरयतम् ऋ ७, ८२, ३; ऐरयन्त[m] काठ ४०,९[q].

[a]) पाभे कृते पृ १०६१ *h* टि. द्र. ।

[b]) विप. (यद्दम- प्रभृ.) तस्येदमीयः यत् प्र. ।

[c]) विप. (मरुत्-, विश्वेदेव-)। उस. क्विबन्तम् ।

[d]) पाठे? एनाङ्गूषेण इति शोधः (तु. सपा. ऋ १, १०५,१९ पपा. च)।

[e]) पाठे? मेध्य->-ध्यम् इति वा √इ (बधा.) >१एव->एव्य->-व्यम् इति वा शोधः ?। सपा. शौ ८,५,२० मेथिम् इति पाभे. ।

[f]) उपसृष्टस्य धा. आधाने वृत्तिः द्र. ।

[g]) तु. सा. प्रभृ.; वैतु. GG. जरितृभ्यः इति युक्तः कप्र. आ इति ।

[h]) पाठे?(तु. आपश्रौ ४,१२,५) आ मे(मा इ)मा(:) अग्मन्ना(न आ)शिषः इति शोधितः पादः द्र. (तु. छन्दः; वैतु. अन्ये मौनिन इव) । ?आमाशिषः इत्यपि यद्र. ।

[i]) काठ. क. दीर्घमध्या श्रुतिः द्र. (तु. माश १४, १, २, ११) ।

[j]) नाप. [वराह- (= सूकर- वा, मेघ- वा ⌊सा. पक्षे विप.⌋)]। व्यु.?। क्विप्? <√यच्छ्(दाने) इति वें., एमिवस्- (<√अम् ⌊गतौ⌋) >°वांसम् >°मुषम् इति GW. प्रभृ. स्वरतश्चोद्याः । =*रे- (<√रा) + मुष- (=रा-मुष-)इति कृत्वा उस. थादि-स्वरः (तु. सा., काठ ⌊२५, २⌋ उद्धरणे =वाम-मुष- इति) इति वा, आ-मुष- (<आ√मुष्) =आ-मुख-(पृ ६७७ *i* टि. द्र.) इति कृत्वा>नैप्र. यनि. वेति मतम् । (तु. सा., स्क. ⌊या ५, ४⌋)

[k]) अह-योगे तिङोऽनिघातः [पा ८, १,३९ (तु. पपा. सा.; वैतु. GW., ?ORN., MVG ⌊पृ ३६० टि. ४⌋ ए(आ-ई)रिरे इति)] ।

[l]) ऐ° इति S. ।

[m]) सपा. एरयन्त<>एरयन्ताम् (कौसू. १३३,२ च) <>ऐरयन्त इति पाभे. ।

[n]) =सपा. आपमं १,११,६ हिगृ १,२०,२। पागृ १,६,१६ तु एरय इति पाभे. ।

[o]) सपा. एरया<>ऐरयत् इति पाभे. ।

[p]) पाभे. कृते पृ ७०५ *j* टि. द्र. ।

[q]) <√ईर् इति SI.

ϕए(आ-ई)र्‌यत्[a]– -यन् शौ ४,१५, ११.

?एरया संसृजेम[b] पं १३,९,६.

एरु[c]– -रुम् शौ ६, २२, ३; पै १९, २२,१२.

?एर्त्सीमानः[d] शौ ६,११८,२.

ए(आ√ई)ळ्[e], आ (ईळीत) ऋ ५, १७,१.

१एव– √इ (वधा.)द्र.

२एव,वा,वो⌊व+उ⌋[f] ऋ १,१,३;८,८-१०;५१,६;६१,९;१०;१६;६२, १२; ७६, ५; ७७,५;९५,⌊११; ९६, ९⌋; १०८, १३;११३, १; १२४, ६; १४०, ७; १६१, २; १६४, १३; १६५, १२; १७३, ८; १७८,४;१९०,⌊८; ६, ५०, १५;७,२३,६⌋; २,२,९; १२,१; १३,८; १९,७; ८; २८,४; ३०, ४; ३३,१५; ३, ९,३; १७, २; ३६, ३: ४, ५,७; १२,⌊६;१०, १२६,८⌋:१६,२०:१७,२०:१९, १;२०,६;२१,१०; २८,५; ३०, १[g]; ३३,६; ५०,६;८; ५१, ९; ५४,५[२];५,२,७;६,१०; २५,९; २७,३;३२,१२; ३३,७; ४८,६; ७८,७[h];८;८६,६;६,३,२; ४,१; १७,३;१३;१९,२; २१,६; २३, १०;२५,⌊९; १०,८९,१७⌋;२९, ६[२]; ३८,५; ४८,१७; ५४,१;२; ७,१८,२;२४,⌊६;२५,६⌋; २६, ४;५; ३१,⌊१२(८, १२, २२)⌋; ३३, ३: ४१, ५: ४२, ६; ४३, ५: ८, २,३१: ९, ⌊३; ९:१०, २⌋: १०: २४, १६: २३: ३३, १८; ३८,⌊९;४२, ६⌋;४०,१२: ४२, २; ४७, ⌊(१५)१७⌋; ५३, ८; ५४,२:५८,२[२]: ६०,७: ९२, २८[२]: २९, ९, ६,९; ६७, ३०: ६८, १०: ९७, ३६ (१०. ४५, १२)⌋: ५९.५:८२,५;९०,६:९१, ६:९६,१२:९७ १५: २१:⌊(९६, ३)२७⌋;१०९, ३;१०,७,६:१०, १३: १६,९: १८,५: ९: १९,३: ⌊२०:१०,९९,१२⌋; २७,५:२८, ६; ३०,६; ४४,४; ६;७[२]; ४९, ११; ५१, ४; ६०, ⌊ ८; ९ ⌋; ६३, ⌊१७; ६४; १७⌋; ६४,१६; ८२,३; ८३,२; ८५, ४२; ९०, २; ९४, १२; ९५, १६; १००, १०;१०७,५;६;१०८,९; १०९, ३;११३,४; ११५,७; १२०,९[२]; १२४,१; १२५,५; ८; १४४,६; १४५, ४; १४९, ५; १५४,१; १६१, २: १६६, ३; १७३, २; खि १, ३, २[i]; ७; ५, ११; २, १,७; १०,७; १२, ३: १३, १; २: १४, ७: ३,५,८; ६,२;१०[२], १९[j]; ११, १: १५, १७; २८; १७[२], ३: १८, १[३]; ४, ४, ३; ५,६: २२:२७[२]: ३०-३३: ३६[k]; ४,५, ३९[l]: ९,७: ११,४: ५, ४,२: १०[?]:११: ७,२,६; ३,७; ४ ६: ८:१७: १८: १५,३; १६, ४:५: २०,५: २२,७[२]: ७,७,७; खिमा १८,२१: २९,७:९; ३३, २५: मा २,२८: ३,२१; ८,२८;

[a]) वैतु. गा. व्याप्तौ स्वाम्र. आ इति, PW. प्रभृ. समुद्रात् इति युक्तः कप. इति ।

[b]) यनि. मूको. पाठे इरया इति मुद्रिते पाठे च संदिग्धे एरयाम इति शोधः (तु. सपा. शौ ५,२९,५ एरयामः इति पाभे.: वैतु. पृ ८३३ यतः इरया इति परिहर्तव्यम्)।

[c]) नाप. । व्यु. ? । सपा. तै ३,१, ११,८ पेरुम् इति पाभे. ।

[d]) पाठः ? । पपा. नावग्रहः । सा. ए-(आ-ई) प्समानः इति पाठं मत्वा 'अभित इच्छन्' इति, W. WI. यनि. <आ√ऋध् इति च । एर्त्सीमानः =यथा ऋणमावर्तयितुमिच्छन् ⌊तु. सपा. मै ४, १४, १७ ईप्समानः,पै १६, ५०, ४ यद् यच्छमानः इति, तैआ २,४,१ इप्समानः इति च पाभे.⌋ इति मतम् ।

[e]) तु. OV; वैतु. सा. आ ⌊ह्वयति⌋ क्रिउ. इति, GW. ग. अभाव इति च ।

[f]) एतेन प्रकारेणेत्यर्थे चाऽवधारणार्थे च अव्य. । व्यु. ? । अन्तोदात्तः (फि ८२) । प्रथमे तावदर्थे (क्रम. न.) *एतद्-वृत्त–> –त्तम्(क्रिवि. ⌊३१)> नैत. *एताव-(ताद्दम्>*एवाम् >(अन्यतः) एवम् इति (अन्यतश्च) एवाँ>एवा>एव इति च वाति. वैविध्यं यथोपलम्भं रूपाणां प्रातिफलितं द्र. । अर्थतस्त्वयं रूपाणामिदानीमपि वर्गद्वयेन पार्थक्यमप्रापित एव द्र. । <√इ इति ⌊पाउ १, १५२⌋ (MW: <इ– : ए– ⌊तु. इदम्–; एतद्– प्रभृ.⌋ इति PW. GW. MWA. प्रभृ. च ।

[g]) सपा. एवा<>एवम् इति पाभे. ।

[h]) =सपा. माश १४,९,४,२२ बृ ६,४,२२ । आपमं २, ११,१६ हिगृ २.३,१ तु एवम् इति पाभे. ।

[i]) सपा. खिसा ३७,२ माम् इति पाभे. ।

[j]) च एव इति पाठस्य स्थाने सपा. खिमा १८,२० मन्त्रम् इति पाभे. ।

[k]) सपा. खिसा २९,३७ इव इति पाभे. ।

[l]) सकृत् सपा. खिसा २९,३९ एवम् इति पाभे. ।

१३,२०; १४, ३०; १७, २७†; २०,५४†;२१,४३;२७,४; ३१, २†;१८[a]; ३२,१[२];४;५;३४,१; ३८†; ३५, १९; ३६,१७; ३८, १३; ४०,२; ६;७; १०;१३: का २, ६, १०[२]; ३,३,१३; ९,५,१; १४, २, १५; १५,९,४; १८,३, ३†;२२,५,८†; २३,५,३; २९, १,४; ३३,१,१; ३५,१,२†; २, २[a]; ३, १[२]; ४;४, १८: ३६,१, १७; ३८,२,७; ४०,१,२: ६;७; १०;१३; ¶ तै १,५,१,४[६];२,१[२]; २[२]; ३[४]:४[३]; ५[३]; ४,१[३];२[४]; ३[२]; ४[४]; ६,१$; ७,१[२]: २[५];३[५]; ४[३]; ५[४];८,१[२]; २[४];३[३];४[२]:५[६];९,१[४]; २-७; ६,७,१;२; ४[२]; ८,१: २[४]: ४[४]; ९,३; ४; १०, १[३]; २[३]: ३[५]; ४[२];६[२]; ११,२[२]; ३; ५[३]-७[३]; ७, १,१-३;४[२];५[२];६[४]:२,४[२];३,१[५], २[२];३; ४[४]; ४, १[३]; २[२]: ३[२]; ४[२]; ५[२];६[२]; ५,१; २[२];३[२]; ४[४];६,१[२]; २;३[४]; ४[४]; ५[३]; ६[३]; ७;१३,२†: ८,६,१$; ९,३; २२,२†; २,१, १,१[६];२[४];३[३];४[२]; ५[२];६[६]; २,२[२]; ४[३]; ५[५]; ६[५]; ७[२]; ८[३],९[३]; ३,१: २[५];३[४]; ४[३];५[४]; ४,१[४]; २[५]; ३[२]-६[२]; ७[४];८; ५,१[२]: २[३];३[३];४;५[५]; ६[४];७[५];६,१[५];२[५];३[४];४[५]; ५[३];७, २[४];३[४]; ४[२]; ५[४]; ६[६];७[७]: ८,१[४]; २[३];३[४]; ४[५]; ५[६]; ९,१[५]; २[४];३[३]; ४[२]; १०, १[३]; २[३]; ३[२]; ११, ३; २,१,२[४]; ३[४];४[३]; ५[३];२,१[२];२[४]; ३[२]-५[२]; ३, १[४]; २[४]; ३[६] ; ४[५]; ४, १[५]; २[५]; ३[७] ; ४[४]; ५[५]; ६; ७; ८[४]; ५, १[४]; २[३];३[५]; ४[३];५[२]; ६[३]; ६, १[२]; २[२];३; ४[२]; ५[३]; ७, १[५];२[६];३[६];४[४];५[४];८,१[५];२[३];३[३];

४[४];५[३]; ६[३]; ९,१[३]; २[३];३[४]; ४[३]; ५[२]; ६[३]; ७[३]; १०, १[४]; २[२];३[३]; ४[२]; ५[३]; ११,१[५]; २[३]; ३[५]; ४[४]; ५[३]; ६:३,१,१[४]; २[४];३[२];४[२];५[५]; २, १[४];२[३],३[५]; ४[४]; ५[५]; ६; ७[४]; ८[३];९[३];३,१;२[३];३[५]; ४[२]; ५[६];४, १[४]; २[२]; ३[५];४[३];५,१;२[२];३[६];६, २[४];७,१;२[११]; ३[८]; ४[३];८,१;२[६]; ९,२[४]; ३[३]; ११,१; २[४]; ३[५];४[६]: ५[५]; १२,१[२];२[५]; १३, २[२]; ३[७]; ४,१,२;३[२];४[३]:२,२[३]; ४[४];३,३; ४,२[२]; ३[३];६,१[३]: २[२];९,१[४];२[२]; ३[५]; ४;१०,१[४];२; ३[७]: ११, १[३]; २;३[७];४[३]; ५[२]; ६[३]; १२, १;६[२]; १३,१[३]; १४, २†: ५, १, १;४; ६; २,४;६;७[२]; ३,१; २;५[२];७; ४, १;२[२]; ३[२]: ५[२]; ५,१[३]; २[२]; ३[५];४;५[५];६, १[३]-३[३]: ४; ५; ७, १[७];२[३]; ३[२]: ४;५[४];८, १;३;४[२]; ५; ६[३]; ७[२]; ९ ,४[३]; ५[३]; ६[२]; १०,१[३]-३[३];४[२];११, १[२];२[३];३[३]; ५[३]; ६[५]; ७[२]; ८[२]; ६,१,१[७]; २[६]; ३[६];५;६[२]; ७[२];२, १;२;३[२];४[३]; ५[४];६[४];३,१;२;५;६[२];४,१[२];२[४]; ३[४]; ४;५, १[२];२[४]; ३[३]; ४[२];५[३]; ६[३];६, २[२];३[२]; ४-६; ७,१; २[४]; ३[३]-५[३]; ६[२];८, १[२];२[३]; ३;४;६; ७; ९,१[४];२[५]; ३;४[२];५[३]-७[३];८[२]; १०,१[२]; २;३[४];४; ३, १, १,१; ३; ४[२]; २,१; २[२]; ३[३], ४[२]; ३, १; २[४];५,१[२]; २[३]; ६, १;७, १; २[३];३[४];८,२; ३;९,१[३]: ३[२];१०, ३[४];११,१†; २, १,३; २,१;३, ३[२]; ४[२];४,२[३]; ५;६,२; ३[५];७, ३;८,४;९, १[२];२;३[३]; ४[३]; ५[४]; ६[४]; ७[२]; ३, २, १; ४,१[२]; २[२]; ३[४]; ५,२; ३[५]; ४[२]; ५[३]; ६, १[३];

२; ७,३[२]; ८,१;२;४[३];६[३]; ४,१, १[२]; २[३]; ३[२]; ४[३]; ३,१[२]; २; ३[४]; ४[४]; ५[३];६[३];७[५]; ८[५]; ४, १; ६, १;२;८,१[४]; २[४];३[२];४[३]-६[३]; ७[४]; ९,१[५]; २[६]; ३[५];४[२]; ५[४];६[३];७[२]; १०,१; २[४]; ३[६]; ५[२]; ५, १, ३; ४[४]; २,१[४]; ३[२]; ४[३]; ५;४, ४[३]; ५,२[२];७,१;२;३[६],९,१[३];२[३];३[४]; १०,१;२[३]:३[२]; $४, १,७,२;२, ९,२; ३,११,१; †१३, ३;५;६, २,२†; ७,१५,७: ५, १,१,१[३]; २[३]; ३[४]; ४; २,१[२];२[३]; ३[२]; ४; ५[३]; ६[३];३, २; ३[२]; ४; ५[३]; ४, १[३]; २[४]; ३; ४[४]: ५[५]; ५,१[२]-३[२]; ४; ५;६[२];७; ९;१०[३];६,१[४];२[२]; ३[२]; ४[३]; ७, १[२]; २[४]; ३[३]; ४[२]; ८, १[२]; २[३]; ३[२]; ४[२]; ५[४]; ६[४]; ९,१[२]; २;३[३]; ४[४];५[४]; ६[३]; १०, १[३];२[२];३[२]; ४[४]; ५[५]; २, १, १[२]; २[२]; ३[३]; ४[३]; ५[५]; ६[३]:७[२];२,१[२]; २[६]; ३[३]; ४[२]; ५[३]: ६[२]; ३,१;२[५]; ३[२]-५[२]; ६[३]; ७[२]; ४,१; २[४]-४[४]; ५,१[२];२[२];४[४];५[२]; ६[३];६, १[२];२; ३[४];४[३];५[५];७,१;२;३[२]; ४[३]; ५[३]; ८,१[३]; २[४]; ४[३]; ५[२];६[२]; ७[५]; ९, १[३]; २[३]; ३[२]; ४[५];५[३]; ६[२]; १०, १[३]; २[२]; ३;४[५]; ५;६[३]; ७[३]; ३, १, १[२]; २[३]; ३[२]; ४[४];५[२];२,१[२]-४[२];५;३,१[३]; ३[२];४[३]; ५[२]; ४,१[२]; २[२];३[३];४:५[२];६[४];७[४]; ५,१[४]; २[२]; ३;४[३];५[२]; ६,१;२[३]; ३[३]; ७,१[२]; २[५];३;४[४];८,१[४];२[३]; ३[३]; ९,१[३]; २[५]; १०, १[२]; २[३]-४[३]; ११, १; २[४];३[३]; १२,१[२]; २[२]; ४,१, १[२]; २[३]; ३[५]; ४;२,२[२]; ३[३]; ४[३];३,१; २; ३[३] ; ४[४]; ५; ४,१[३]; २[३]; ३[२]; ४[३];५[३]; ५,१; २[४];३[३]; ४;५[४]; ६,

[a]) =सपा. श्वे ३,८; ६,१५। तैआ ३,१२,७;१३,१ तु एवम् इति पाभे.।

१[२]-४[३];५[४]; ६[३]; ७, १[४]; २[३]; ३[२];
४[२]; ५[३]; ६[२]; ७[५];८,१[२]; २[३];३[४];
४[३];५[२]; ६[४]; ९,१[३];२[२]; ३[५]; ४[३];
१०,१;२[३];४[२];५[२]; ११,१[४]; २[४];
३[३]; ४[४]; १२, १-३; ५,१, २-४;
५[२];६[४]; ७[२]; २,१; २[२]-६[२];७;३,
१;२; ३[४]; ४,२[२]; ४[२]; ५,१; २[२];
३[३];४; ६,१[५]; २; ३[५];७,२[२]; ५;
८, १[४]; २[२]; ३;९, १-४; १०,३;
५[२];६; ७[२]; ६,२, १[२]; २;३; ४[२];
६[३]; ३,१[३];२; ३[५]; ४[२];४,१;२[२];
४;५[२];५,१[२]; २[५];३[२]; ६,१; २[२];
३[३]; ४[४]; ७,३; ८,१; २[३]; ३[४],४;
६[२]; ९,१[२];२[२]; ३[६]; १०,१[३];२;
३[३]; ७,१, १; २; ३[२]; २,१; २[३];
३;५[३]; ३,१; २[२];३[४];४[२]; ४,१[२];
२; ३; ४[२];५,१[२]; २[३];३; ७[२]; ६,
१; ३;४; ५[३]; ६[२]; ८,२; ३[४]; ९,
२; ३[२]; ४[३]; १०,१; २[२]; ३[२]; ६,
१,१,१; २[२];३[४]; ४[३]; ५[२];६; ७[२];
८[५]; ९[४]; २,१[४]; २;३; ४[२];५;६;
७[२];३,१; २[४];३[२]; ४[३];६[२]; ६-८;
४,१[३];३[३]; ४[४];५; ६[२];७[२]; ८[३];९;
५,१; २[४]; ३[२]; ६, ४-६; ७[३]; ७,
१; २ ; ३[३]; ४; ५[२]; ६[३]; ७[२];८[२];
८,१[३];२;३[२];४[४];५[४]; ९,१[४]; २[४];
३[५]; ४[२]; ५[२]; ६[५]; ७[३]; १०, १[४];
२[५]; ३[२]; ४[२]; ११,१;२[३];४; ५[२];
६[३]; २,१,१[३];२[२]; ३[५];४;५[२]-७[२];
२,२; ३[२];४; ५[५]; ६[२]; ७[३]; ३,१;
२;३[२]; ४[४]; ५[२];४,१[२]; ३; ४;५[४];
५,१; २[२];३[२];४; ५[३];६,२[२]; ३[३];
४[३]; ७,२[२]; ३[४]; ४[२]; ५[३]; ८,३[३];
५[२]; ६; ९,१[३]; २[२]; ३[२]; ४; १०,
२[३];३[२]; ४[३]-६[३];७[२]; ११,२[३]; ३[२];
४[२]; ३,१,१[२]; २[२]; ४; २,१[२]; २;
३;४[३]; ५;६; ३,१; २; ३[३]; ४[२];
५[२]; ६[५]; ४,१[३]-३[३]; ४[२];५[४]; ६[३];
७[२],९; ५,१; २[२]; ३[२];४[४];६, २[४];
३;४[४]; ७,२[२]; ३[४]; ४[३];५[४]; ८,१;
२; ३[२]; ४[३]; ९,१[२]; २[२]; ३; ४[३];
५[२];६[२]; १०,१[३]; २[२];३[२]; ४;५[२];
११,१[३]; २;३[४]; ४[३];५[४]; ६[२]; ४,
१,१[२], २[४];३[४]; ४[३];५; २,१; २[३];
३[२]; ४[२]; ५[३]; ६[५]; ३, १[४]; २[३];
३[४];४[२]:४,१; २[३]; ३[२];४[२]; ५,१[३];
२[२];३; ४; ५[३];६[५]; ७[३];६,१; २[२]-
४[२];७,१[२]; २[३];३; ८,१[२];२; ३[२];
९,१-४; ५[२]; १०,१; २[२]; ४; ६;
११,१[२]; २; ३[६]; ४[६]; ५, १, २[३];
३;५[३]; २,१-३;३,१; २[३];३; ४[२];
४,१[२]; २[२]; ५,१[२]; २[२];३[४]; ६,१;
२; ३[२]; ४[३];५[३]; ७,१; २; ३[५];८,
१; ३[३];४[२]; ६[२]; ९,२[२]; ३[२]; ४[४];
१०,२[२];३[२];११,१[२];४; ६,१,१[३];
२[२];३; ४; ५[३]; २,१[३]; २[४];३; ३,
१[४]; २[२]; ३[५]; ४[४]; ५[४]; ४,१; २[३];
३[२] ; ४[३] ; ५; ६[२]; ५, १[२] ; २[४];
३[२]; ४[२]; ६,१[२]; २[३]; ७, १[४]; २[३];
३[२];४[३]; ८,१; ३; ९,१; २; १०,
१[२]; २[५]; ११,१; ३[४]; ४[२];५[२];६[३];
७,१,१,२; ६; २,१[३]; ३, ३; ४,
१;२[२];३[३]; ५,३;४;६;७;६,२-६;
७[२]; ८; ७, १[३]; २-४; ८,२[४]; ९,
१[३]; १०, १; ३[२]; ४[५]; २,१,१[२];
२[७]; ३[२]; ४[४]; २,१[२]; २[२]; ३[२];३,
१[३];२[४]; ४,१; २[३];३[३]; ५,१[२]-४[२];
५[४];६[२]; ६,२[४]; ३[४];७,१[२]-४[२];५[४];
८, १[३]; २[४]-४[४]; ५[३]; ६[३]; ७[२]; ९,
१-३; १०,३; ३,१,१; २; ३[२];४;
२,२;३,१; २[२];४,१; २[४]; ५,२[३];
३[९]; ६,१; २[४];७,१; २[२];३[५];४[२];
८,१[३];२[२]; ९,१;२[४]; ३[४]; १०,१;
२[२]; ३[३]; ४[२];५[४];४,१,२[५]; ३[४];२,
१;२[२]; ३;४[५]; ५[३]; ३,१; २[३];३[४];
४[४]; ५[३]; ६[२]; ४,१[२]; २[३]; ३[१];५,
१[२];२[३]-४[३]; ६,१; २[५];३[२]; ७,१;
२[६]; ३[३];८,१;२[३];९,१[२];१०, १[३];
२;११,१[४];२;३[३]; ४; १८,२‡[a];
५,१,२; ३[२], ४[४]; ५[४]; ६[३]; २,१;
४, १[३]; २[४]; ५, १[३],२[५]; ६, २[२];
३[२] ; ४[४]; ७, १; २ ; ३[३], ४[२];
८, १[३]; २[५]; ३[३]; ४[१] ; ५[६]; ९,
१[२]; २[३]; ३[५]; ४; १०, १[४]; १५,
१[२]; २[४]; ¶मै १,२, १३†; ४,
५[३]; ६[७]; ७[८]; ८[११]; ९[५]; १०[५];
११[४]; १२[७]; १३[११]; १४[४]; १५[३];
५,५[१८]; ६[१३]; ७[४];८[६]; ९[१२];१०[८];
११[१७]; १२[४]; १३[४]; १४[५]; ६,
३[१२]:$; ४[१४]; ५[७]; ६[९];७[११]; ८[१४];
९[५]; १०; ११[२]; १२[८]; १३[६];७,
२[१२];३[५]; ४[६]; ५[४];८,१[९]; २[४]; ३[४];
४[१५]; ५[१२],६[८]; ७[१४]; ८[१८];९[१७];$;
९,३[४]; ४;५[५]; ६[४];७[३]; ८[१५]; १०,
५[४],६[५]; ७[९];८[५]; ९[१५];१०[२];११[९];
१२[९] ; १३[२]; १४[२]; १५[३]; १६[५];
१७[८]; १८[५]; १९[१०]; २०[१७]; ११,
६[१२]; ७[१८]; ८[८]; ९[११]; २,१, १[१] ;
२[१८];३[१९];४[८];५[११]; ६[५];७[१५]; ८[९];
९[५]; १०[११]; ११[५]; १२[३]; २,१[१] ;
२[७]; ३[४]; ४[३]; ५[७]; ६[२];७[१] ; ८[३];
९[४];१०[७]; ११[७]; १२[५]; १३[८]; ३,
१[१४]; २[४]; ३[५]; ५[१५];६[७]; ७[४]; ९[७];
४,१[६];२[५]; ३[६];४[५]; ५[२];६[२]; ८[५];
५,१[१४];२[१] ;३[१५];४[११]; ५[१५]; ६[१२];
७[१४]; ८[१२]; ९[१४]; १०[४]; ११[१३]; ७,
१५$, ८, ६$; १०, ३†; १२,
५$; १३,८; १०; ३,१,१[५]; २[४];
३[७]; ४[५]; ५[१८]; ६[११]; ७[९]; ८[११];
९[१४]; १०[७]; २, १[१५]; २[१०]; ३[१५],
४[१२]; ५[१] ; ६[१३]; ७[१२]; ८[८]; ९[६];

a) पामे. कृते पू ७७९ *a* टि. द्र. ।

१०[४]:३,१[६];२[७];३[१];४[१२]:५.६[७] ७[७];८[१२];९[७];१०[७];४,१[५]:२[११] ३[९१];४[१३]; ५[७]; ६[१८]: ७[१५]: ८[८]. १०[५];५.१: २[३]:५; ६,१[१८]: २[१७] ३[११]:४[७]:५[४]. ६[२]: ७[८]. ८[१२].९[१२]. १०,७,१[१३].२[२];३[२]:४[१] ;५[५].६[१] ७[१८]; ८[१२];९[७]; १०[६]; ८,१[४]: २ ३[३];४[११];५[१७];६[७];७[१८]: ८[८]: ९[१] : १०[५];९,१[१]; २[८];३[१५]: ४[२]: ५[१४]. ६[२२]:७[३]; ८[५]; १०,१[२] : २[२].३[१]. ४[१३]; ५[२], ६[६]; ७[१] ; १६.५† ४. १,१[११]; २[१२];३[९]; ४[६]; ५[११]. ६[२] : ७[७]: ८[८]; ९[६]; १०[९]; १२[८]: $: १३[६]: १४[८]; २, १[६]: २[५]; ३[२]:४. ६;७[१] ; ८[६]; ९[४].$; १०[११]; ११ : १२:१३[२];१४;३,१[१२];$:२[७]:३[२]: ४[११]:५[७];६[३];७[१८]; ८[१४]; ९[६]:१०[२]; ४,२[१] ; ३[११];४[८];५[११]; ६[१७]; ७[१३]: ८[६];९[८]; १०[८]; ५,१[१२]; २[१६]; ३[२]: ४[६], ५[१५]; ६[३];७[६]:८[८]; ९[२];६,१[३]: २[६]; ३[५]; ४[१२]; ५[६]: ६[११]; ७; ८[७]: ९[३]; ७,२[५]; ३[२]; ४[३]:५[४]:६[५]; ७[७]; ८[१] ; ९[१३]; ८,१[२]; २[४]; ३[१] ; ४[२]; ५[१६]; ६[२]; ७[२]; ८[१] ; ९[८]; १०; ९, ९$;२७$[a];१०,४†; †११, २; ३; १२, १$; २$[a]; ३[२]†; ५†; ६$; $१३, ४: ७; ८; १४, ४†; १२†; १३$; १७$; ¶काठ २, १५†; ६,१[५];२[२];३[५]; ४[११b]; ५[८]; ६[१२]; ७[६]; ८[१३]; ७, ४[१४]; ५[१४]; ६[१६]: ७[७]; ८[१] ; ९[१५];

१०[३], ११[१] ; १३$; १५[११]; ८, १[१४]; २[१०]; ३[९]; ४[१२]; ५[१२]; ६[२]; ७[८]: ८[१८]: ९[१] ; १०[८]; ११[४]; १२[१] ; १३[६];१४$ १५[६]; १६[२]†; १ †: ९, १[४]; २[५]; ३[७]: ११[६]; १२[३] १३[२];१४[१६]: १५[११]; १६[१] : १७[१२]; १८†; १०, १[१७]; २[९]; ३[१] : ४[१३]; ५[८]; ६[१३]; ७[१४]: ८[११]; ९[१३]. १०[२१]; ११[१४];१२$[a]; ११, १[२३]; २[२६]. ३[१४]; ४[१७]; ५[१७]; ६[१६]; ८[२०]: १०[२] : १२ १[२५]: २[६]; ३[२]: ४[७]: ५[९]: ६[१] . ७[८]:८[१३]; ९[३]; १०[५]; ११[८]; १२[९]: १३[१३]; १३, १[१७]: २[१२]; ३[१८]: ४[१२]; ५[१५]; ६[१४]; ७[२४]: ८[६] ; १०[१०]: १२[२३] : १३; १६†: १४,५[४]; ६[१४]: ७[१३]:८[१०c]; ९[११].१०[२]; १६,१६$ १७,५$; १८†: १९†; १८,१६†; १९[११]; १९, १[२]; २[७]; ३[१४]; ४[१७d]; ५[२] : ६[१२]; ७[१४]; ८[७];९[६];१०[२२]; ११[२] ; १२[१७]; १३ $; २०, १[१७]; २[१] ; ३[१२]: ४[१२]; ५[२१]; ६[२०]; ७[१२];८[१३], ९[१] ; १०[१२]; ११[९]; १२[७]; १३[१७]; २१, १[१] ; २[१०]: ३[१९]; ४[१३]; ५[१५]; ६[१८]: ७[२] ; ८[२४]; ९[२३]; १०[११]; ११[२१]; १२[१६]; २२,१[५]; २[१] ;३[५]; ४[२]; ६[१४e]; ७[६]: ८[१४१]; ९[२]; १०[७]; ११[२]; १२[५]; १३[१४]; २३, १[२२]; २[२१]; ३[८]; ४[१२]; ५[१६]; ६[१] ; ७[२]; ८[१२]; ९[१६]; १०[२]; २४, १; २[११]; ३[१२]; ४[१८]: ५[१७]: ६[१२]: ७[१] ;८[१];

९[६]; १०[६]; २५, १[७]; २[१] ; ३[९]; ४[१३]; ५[२२g]; ६[१८]; ७[११h]; ८[२२]; ९[१९]; १०[२४]; २६,१[१०]; २[२६];३[१३]; ४[६]: ५[२३]; ६[१२]; ७[१८]; ८[१५i];९[७]; १०[१३]; २७,१[२३]; २[१३]; ३[६]; ४[११]; ५[१३j]; ६[४]; ७[८]; ८[८]; ९[१३]; १०[८]; २८, १[२ k]; २[९]; ३[१] ;४[२०]; ५[११]; ६[१] ; ७[५]; ८[७];९[११]; १०[१६]; २९, १[९]; २[११]; ३[२६];४[६]; ५; ६[११];७[१२]; ८[१७]; ९[१७]; १०[१२]; ३०, १[६];२[१०]; ३[११]; ४[३]; ५[७]; ७[१२]; ९[१५]; १०[१३]; ३१, १[१३]; २[१८]; ३[१५]; ४[१५]; ५[७]; ६[२१]; ७[१३]; ८[१५]; ९[१३]; १०[१६]; ११[१७]; १२[५]; १५[१२]; ३२, १[१९]; २[१४]; ३[१५]; ४[१२l]; ५[१७]; ६[२१];७[७]; ३३, १[२]; २[८]; ३[७]; ४[६]; ६[२]; ७[९]; ८[१८]; ३४,१[१४]; २[९], ३[२]; ४[८];५[९]; ६[२]; ७[४]; ८[८]; ९[१५]; १०; ११; १२[६]; १३[८]; १७[४]; १८[५]; ३५; ७†; १६[१४]; १७[९]; १८[१३]; १९[६], २०[७]; ३६, १[१२]; २[१] ; ३[१२]; ४[५]; ५[६]; ६[१३]; ७[१] ; ८[२]; ९[७]; १०[९]; ११[७]; १२[४]; १३[१२]; १४[२] ; ३७, १[९]; २[४]; ३[६]; ४; ५; ६[२]; ७[८]; ८[५]; १०; ११[११]; १२[१२]; १४[११]; १६[१८]; १७[१९]; ३९, १०$; ४४, ७‡[m]; ¶क ३, १२[३]; ४, १[२]; २[११]; ३[१०]; ४[८]; ५[१९]; ६[९]; ७[१३]; ५, ३[१३]; ४[१४]; ५[१३]; ८[६]; ९[३]; ६, १[११]; ५[१२]; ६[१४]; ७[१६]; ८[८]; ९[१६]; ७. १[१]; २[६]; ३[१४]; ४[१७]; ५[१] ;

a) सपा. एव<>तेन (शांश्रौ ५,८,४ च) इति पाभे. ।
b) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४,३) । c) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः ।
d) सपा. सकृत् एव<>एवम् इति पाभे. ।
e) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३४,१) । f) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३५,२) । g) सकृत् यनि. शब्दस्य समावेशः द्र. (तु. क ३९, २ संस्कर्तुः टि.) ।
h) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ३९,५) । i) सकृत् पाभे. कृते पृ १०५७ *n* टि. द्र. ।
j) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. क ४२,५) । k) सकृत् एवम् इति पाठे? यनि. शोधः ।
l) सकृत् सपा. मै १, ४,८ एषा इति पाभे. ।
m) पाभे. कृते पृ ७७९ *a* टि. द्र. ।

६[८]; ७[१]; ८[४]; ८,१[९]; २$; ३[६]; ४[९]; ५[३]; ६[७]; २६,४$; २९,४$; ७[११]; ८[१०]; ३०,१[१४]; २[१६]; ३[१७], ४[१३]; ५[१३]; ६[२]; ७; ८[२२]; ३१,१[२२]; २[१७]; ३[१५]; ४[९]; ५[१२]; ६[११]; ७[१३]; ८[१७], ९[११]; १०[१३]; ११[९]; १२[१३]; १३[११]; १४[७]; १५[५]; १६[२]; १७[१५]; १८[१९]; १९[१२]; २०[१५]; २१[१६]; ३४, १[२०८]; ३५. १[६]; २[१५]; ३[२]; ४[७]; ५[३]; ६; ७[२२]; ८[२]; ९[२]; ३६,१[१२]; २[६]; ३[२]; ४[४]; ५[३]; ६[१३]: ३७,१[९]; २; ३[११]; ४[१२]; ५[१७]; ६[१७]; ७[१६]. ८[११]; ३८,१[१५]; २[६]; ३[५]; ४[७]; ५[१]; ६[९]; ३९, १[११]; २[२२]; ३[११]; ४[१]; ५[११]; ४०,१[११]; २[१८]; ३[१४]: ४[१]; ५[१६]; ४१, १[१३]; २[६]; ३[२३]; ४[१२]; ५[१८]; ६[१८]; ७[८b]; ८[१३]; ४२, १[२३]; २[११]; ३[७]; ४[११]; ५[१३]; ६[४]; ४४,१[९]; २[९]; ३[१]; ४[२]; ५[११]; ६[१०]; ७[५]; ८[७]; ९[१]; ४५, १[१६]; २[१]; ३[११]; ४[१]; ५[१]; ६; ७[११]; ८[१२]; ४६, २[५]; ३[११]. ४[६]; ५[१]; ६[११]; ७[३]: ८[१४]; ४७, १[१२]; २[१८]; ३[१५]; ४[१४]: ५[६]; ६[१५]; ७; ८[१५]; ९[११]; १०[१६]; ११[२२]; ४८, ९†; १४[१४]; १५[९]; १६[११]; १७[६]; १८[६]; कौ †१, २३२[३]; ३८५; †२, १५८; १७४[३]; १७५; २११; ७१८; १०३४; १०९९; ११४५; ३, १, ९; ४, ५†. ४, ३; १०[६c]; †जै १, ४३,५; ४८, ३‡[d]; २,

५[१]; ३, ८; $७, १; ४ : ३. १५, ६ ; १६, १२[१]; १३; १९, ६ ; ५९, १० ; ४, १०, ४ $[e]: २८, ४; २९, ९; गो १. १, २; ३[२], २, ४; ३, ६; ७-९ ११, ६; १३,३; १५,२. ३१, ४. २. १ ३ †; २, १; २; ४, १. ९, ५[२]; १०, २-८; १५, १-६ २८, १; ३०, १; ३६, ४; ३. ६. ३; ६; ८,३; १०,४; ११, २†. ६; १२, १, २; १४, ८[२]; ५[२]. १६, ५†; १८,३† २४,४; २५,६; ३१,९; ४, २३,२; ३०, ३†: ८†: ३२, २; ३९, १: ३: ५:७: ५,२,९[२]†; ६,३‡[f]: ८,३; ९; १७, ३†; ८; ९; १८, ४; ११: १९, ११; २१, ४-६; २५,२: ३०,१: ६,८, १-३: १७, १-४; १८ , २ ; २९ , ३ : ४६, ३†; ५८, २ ; ७०, १-३ : ७१, १ ; ७२, १, ७३, ३; ७४, ३; ८४, ३: ८५, ३: ८७, २†: ८९,२; ९७,१: १०२,१: १०५, १-३; ११७,२: १२२,२: १२८, २; ३; १३८, ५: १३९, ४: ५: १४१, ३; ७, १४, १ २८, १: ५२,१: ५: ६२, ७: ६९,१: ८३, १: ८७,३; ९३,१; ११५,२; ८. १, १८; २, ७; ९, ११; १०,१; ११,२; ७; ९; १३,३:७; १४,३: ७; ११; १५: १५. ३; ४: ९,१,

११-१३; १६; १७; २४; २,७; ८; ५,२२; २४; ३१; ३२[२]-३६[२]; ६, ५[२]; ६-१५; १७; ७,२; ८, ९; ११, १-६; १४, ११†; १०, १, १३; २०; ३२; २,१३-१५; १७-२५; ६, ३३; ७, ४-७; १०-१६; १८-२०; २२; ३९ ; ८, ११; १६; १७; २८; ३०: ४४[g]; १०, २६; ११, १, २०; ३, ११; ३० ; ३१; ४, १-१८ ; ६ , १९ ; २९ ; १०, २; ६; १२,२, १०; १८; २५†; ३९; ४९. ३, २०; २६; ४, १; १५; १६; १८: ३४; ११,८; १३, १,१७-१९; ४, ५; १२; ५,७; ६, ४; १४,१, २२†; ४३; १५,१, १; ६; ८; ३, ११ ; १०, ४-६; ११, ४-६; ८; १०; १३,२: ४; ६; ८; १०[२]; १८: १७, ९; १०; १६, ७, ४; १७, १, २०; २१; १८, १, १५†, †२, १४; १६; १७: ५९ : ८, ३८; ५५[h]: १९, २,५ ६,८†; ७,४: ९,२: ३[२].४[२]; ५[१]; १४: ३१,९: ३४,८: ५०,४: ५३, ४[२]; ५७, १†: †२०,८,१; १२, ६; ३४, १; ३५, ९: १०; १६ , ६०, १[३]: २: ४-६ : ६४, ४; ६६, २; ७१, ४-६: ८८, ६: ९४, ४; ६; ७[२]; ९६, ७: १०७, १२[२]; १३३, ५$: १३५,१०$[i]; $१३६. २[j]; ६[k]; ७[२k]. १३९,३;

a) सकृत् सपा. काठ २२,६ वै इति पाभे. ।

b) सकृत् सपा. काठ २६,९ वै इति पाभे. ।

c) सकृत् एवां इति पाठे? यनि. शोधः ।

d) सपा. ऋ १, १३०, १ कौ १, ४५९ इव इति पाभे. ।

e) सपा. शौ ६,४९,२ उह इति पाभे. ।

f) एव्...सुमस्वरन् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ९, ७३,४ काठ ३८,१४ आपश्रौ १६,१८,७ अव्...सुमस्वरन् इति पाभे (तु. पृ ४६६ b टि.). ।

g) पाभे. कृते पृ १०६४ a टि. द्र. ।

h) सपा. तैआ ६,६,२ एवम् इति पाभे. ।

i) तु. RW.; वैतु. शंपा. सात. एव इति ? ।

j) एव इति पाठे? [तु. शंपा. सात. च] इव इति शोधः (तु. सपा. खि ५, २२, २ शांश्रौ १२, २४, ३. RW. च) ।

k) पृ ७८३ e टि. दिशा शोधितः पाठः द्र. ।

१४०, ४;५; पै १,७,१; १२,१; १३,३[a]; १८,३; २२,४;४०,१; २; ४; ४७, २; ६०,४; ६२, २; ६६,१;६८,१; ८९,१; १००,३; १०२-१०४, ४ ; २, ३, ४; ९, २; १०, २^२; ११, १; १३, २; १७,१^२; २०,५; ३२,४; ३३,३; ३५,३; ३७,३†; ४०,३?[b]; ७१, २; ७७, ४; ७८, १-३: ७९, ३; ८१,४: ८९,५; ३,३,३; ४;१३, ६; २०, १; २; २२,५[c]; ३०,१; ३३,४; ४०,५; ४,१६, ६; २०, ६; ३१,५†; ३२,२; ३३,३; ५, १२,७; १७,३; ४; २५,१^२;२९, ४; ३०, ४; ५;७; ३२, ६; ३५, १-११; ३९,८†; ४०, ६; ६, १, ९^२†;३, ९;५,१^२-१३^२;६-७,८; १२, २५; ७,७,२; १८, ३; ८; १९,७;८,३,२; ६,५;७; ९;११; ८,११; ९, १२; ११, ११; १४, ११†; १८ १०; २०,१०^४;९,४, १;५; ७;५,४†; १०,५; १३,१, १५,३†;१६,६; ७;१७,४; १८, ४;६; २१,१^४,-७^४;८^३; ९^४-१२^४; २२,२६; २७; २५,२; ३; १४; १६; १७; १०, ४,५; ७; ५,९; १२, २, ४^२; ३,५; ७,१^२; २-४- १२; १३,१, १६; २,१; ७,१†; १४, ४; १४,४,१४; १६, २-३, ७; १९,१; २२,८[d];२३,१; २९, ४[e]; ३३, १-३; ७; ८; ३४, ८; ३६, ३; १०; ३८, ४; ४५, ३; ४९, १०; ५०,१; ५८, ५; ६४, ३-५;७-१०; ६५,१-४; ६७,३†; ७०,७;७३,५; ७६, ६; ७; ८५, २;६; ९१,१; ९७,७; १००, ५- ११; १०२, ३; ५; १०३,१; २; ६; ८; १०९,६ ; १११, ५-१४; ११२, ४; ६^२; ७; ८; ११३,४; ११६,४; ६-९;१०^२; ११९, १^२- ३^२; १२४, १-११; १२६, ४^२; १३३,१;८;११; १५१, ३; १७, ७,५-८; ८, १-७;९; १०; ९,१; ३;१०,१०; १६, १; १७,५; ६; ९;२७, ४^२; २८, १; २;७; २९, १;५;९-११;१३; ३०,९†; १०; ३१, ७; ३२, ४†;-३३-३४, ९; ३७,१०;३८,५; १८,३, १†;४, १०;१६,७-९; २६-२७,१; ३२, ४; ५; १९, २, १४; १५^२; †४, ७-९; ५,१३; १६; ६, ३;६^२; †; ‡[f]; ७, १६; ९, २; ७;८; १०, ७[g];१२, १[h];७; १४,१;१५, ६; १९,४;९;२०, १२;२१,१; २२, ८;२३,३; १०-१३; २६, ३; ८; ९;१४; १५; २७,१४; ३०, ५; ३१, ३; ३२,३[i]; ३४,६;३७, ५; ६; ३८, ७^३; ४०, ५; ४१, १७; ४२,३; ११; १२;४४, ११-१५; ४६,११†; ४८, १; ४९,४; ५०, ८; ५१, १०; ११; ५२,४; ५५, ११-१४; २०, ७, ७^३; १२-१३, ६;१४, १; १५,३‡[j]; २१, ९†; २६, ३; ९;२७,८; ३१, ९;३७, ८;४०,२;८†;९; ४६,६; ५०,५; ५२,१३;५४,७;८; ५७,८; ५८, ७;६१,२-४;८;१०.

?†**एवथा**[k] ऋ८,२४,१५;कौ२,८६१.

एवम्[l] ऋ१०, १५१, ३; खि१, २, ६; ३,१६,३;४,५,३[m];३६; ३८; १३,२; ५,७,२,८;४,५;७; १३; १४; खिसा २९, ३०; मा १७, ८६; २१, ४४-४६; ३१, २१; ४०, २; का १८, ७, ७;२३,५, ३^२;४;३५,२,५; ४०,१,२; ¶तै १, ५, १, ३; ४; ७, ३; ८, ३; ५; ९, २; ३ ; ५; ६, ९, १^२; २-४ ; ७, १ ; ३ ; ८, २; ३ ; १०,५; ११,१-३; ४^२;५;७, २, २;३;४^२; ३, २;३^२;४;४,६; २, ३, ५, २;६,२^२; ९, ३;४, १-२, ४; ६, १; ९, ३; ११, १;४;५; १२,७; ५,२,३;५; ७; ४,१; ६, १^२; २^२; ३^२; ४; ५;६^२;७, ५;८,

a) पाभे. कृते पृ १०४१ *g* टि. द्र. ।

b) ॰नेवे इति पाठे? ॰नै(न-ए)व इति शोधः ।

c) सपा. शौ ४,२०,५ अथो इति पाभे. ।

d) सपा. एव<>सर्वे इति पाभे. ।

e) सपा. शौ ८,८,३ इव इति पाभे. ।

f) सपा. ऋ १०,१७३,२ इव इति पाभे. ।

g) सपा. शौ ६,५८,२ वयम् इति पाभे. ।

h) सपा. एवा<>वै इति पाभे. ।

i) सपा. एवा<>तेन इति पाभे. ।

j) पाभे. कृते पृ १८५९ *a* टि. द्र. ।

k) अर्थः व्यु. च? । वैं. सा. BSG ⌊३८⌋ च √इ ⌊गतौ वाऽवने वा⌋ > १एव- > एवथ -> यनि. ⌊तृ१⌋ इतीव, GW. Gri. MW. च २एव ⌊=एवम्⌋ + ⌊प्रकारवचने⌋ थाल् प्र. इति । √पृष् ⌊समृद्धौ⌋ > ⌊भावे⌋ *पृष्- + √वृध् ⌊वृद्धौ⌋ > ⌊भावे⌋ *वृध्- (षस.) > -वृधा (तृ१) > यनि. इति मतम् (तु. सस्थ. रै- > राया (तृ१) इति भन्दना- > -ना (तृ१) इति च ।

l) व्यु. कृते पृ १०६३ *f* टि. द्र. ।

m) सपा. खिसा २९,३ एव इति पाभे. ।

२[२];५; ११, ३; ४; ९;६,१, ४[२];
७;२, १;४[२];५; ६; ३, ४; ६,५;
७, ४; **२**,१,२,१-३;९,३; ४;६;
२,१,२;२,३;४,३;७,३;९,५;६;
३,७,२;३[२];८,५; ४,१,४; ३,६;
४,६,५, ६$; **५**,१,३,३[२]; ५,३;
४;६,३;१०,१;२,२,४;३,६; ७;
७,१;८, ५; १०, ३; ५[३];६[२]; ३,
४, ७;५, २; ६, ३; ८, ३; ९,
१;१०,१;३;११, ३; १२, २;४,
१,३; २,२;३-४, १; १०,२;४[२];
५,१,७;२,१; ७;४,२; ४; ७,४;
८,३;१०,६;७;६, २, २[२]; ३;४;
६;३, ४; ४,२[२]; ४;५-६,३;१०,
१;७,४,३;५,१; ७;६,५; ६[२];९,
४;**६**, १, २,१;४,८[२]; ६,६[२]; ७,
५;८;८, ३;१०,३;११,१; ४;५;
२,३,१;७, ५; ११,४; ३, १,२;
२,६; ६,१; ८,३; १०,४;४,४,
२-४;५, २;७, ३; ८, २[२]; ९,२;
१०, १;५; ११, १; ३; ५, ११,
३[२]; ६,१,४; ४, २;७, ४; ८,३;
४; ९, १[२]; २;१०, १; ११, २;
७,१,१,३; ६;३, ३; ४,१;५,२;
६,२-४; ७; ७,२;३;८,१; २;९,
१[२]; १०, १; २[२]; ३[२]; २,१,१[२];
२,१; ३; ३, १; ४,२;५,१;२[२];
३;६,२;८,७; ९,२; ३; १०, १;
३,३-४, १; ५, २;६-९,१; १०,
५;४, १,१; २,१[२]; २;३, २;४;
६;४, १; ५,१[२];२; ४; ६-७, १;
३;५, १,२; ३;२,२;६,२;८, ५;
९, २; १५, ३[२]; $२३, १; २;
¶मै **१**,४,५[३]; ७[२]; १०[२]; १२[२];
१३; ५,७; ८; ९[३];११; १३; ६,
३[७]; ४[२]; ५[५]; ६[४]; ७[५]; ९[४]; १०;
१९[२];१३[२]; ७,२; ५;८,१[३]; २[२];
५[२]; ६[४]; ७[७];९,३[३]; ४[५]; ५[७]; ७;
८[३]; १०, ५[२]; १५; ११,५[३]; **२**,
१,८; २,८[२];९; १३;३,१; ५;६;
९;४,२[२];४;५[२];८; ५,४[३]; ६;९[३];
११,१$; **३**,१,१; ५; ७; २,१;
८;३,२[२];३; ४;९[४]; ४,१;२; ५[३];
६;७[२]; ८[३]; ९[२];६,२[२];४; ६[३]; ७;
१०;७,१; ३[२]; ८[२]; १०[२];८,१[२];
२[२];३; ४[२];५; १०[३]; ९,१; २;४;
५[२];१०,१[२];२-६; **४**,१,१[२]; २[४];
३[३]:४[२];६-८;९[२]; १०[२]; ११;१२;
१३[३]; २,१[१३]; २[५]; ३[४]; ४[४]; ७[२];
८[२]: ९[३]; १०[२]; १२:१३[८]; ३,१;
१०:५,३;५;६[२]:८; ९;६,१;२[२];
४: ५[३];६[३];$: ८; ७, ३: ६; ७[३];
८:८,६[३]:९[२]:१०[५],९,५[३]$: १३,
७$; ¶काठ **६**,१[२];२[२]; ५[२]; ६[२];
७[३]; ८[३]: **७**,४[२]-६[३]; ७; ९; १०[३];
११;८,३[४]: ४[२]:६[३]; ७[५];१०;११;
१३;१५:९,३:१२[२]: १३[७]; १५:
१६; **१०**,२; ४[२];७; १०[२]; ११;
११,२;५[२]; ६[२];१०: **१२**,१[२];२[३];
३[२]; ४;५; ७; १२[२]; १३[२]; **१३**,
३[२]: ४;६; ७;१०; १२; **१४**,५[४];
$**१८** ६:२१[५]: **१९**,५: १०;११;
१२[२]; **२०**, १[२]; ६[३]; ७; ८; ९[८];
११[३];१२; १३: **२१**,१[६]; २[४];३[४];
४[२];६:८:९[२]; **२२**,२[४]:३:६[६]:७[४];
८;९;१३[२]; **२३**,३[२]; ६[२];७[२]: ८;
९[४]; **२४**, १; ६; ७ ; ९[२]; १०[३];
२५,१;३;५:६[५];७[३];९[३]; **२६**,१[२];
२;६[२]; ७:१०[४]; **२७**,१[२];३[२];५[४];
८[२];१०; **२८**,१[२];२; ३;७; १०;
२९,१[२]; २;४[३]; ५[२]; ६; ८; ९[२];
१०; **३०**, २[२]; ५[५]; ७; ९; १०[३];
३१, १[२];२[२]; ३[४];४; ८[३];९;१०[२];
१२;१३;१५[२]; **३२**, १[३];२[२];३[३];
४; ६; ७[२]; **३३**,१[a]; २; ३[a];५;
६[३]; **३४**, ६; ७[३]; ८[४]; ९[५]; १० ;
११; १३[४]; १७[७]; १८; **३५**,२०;
३७,१४[२]; १७[२]; **४२**,४$; **४५**,
२०[८]$; ¶क ३,१२[२]; **४**,१[२]; ४;
५[२];६[२];७[३];**५**,३[३];४[३]; ५,९[२]; **६**,
१;८[४]; ९[२]; **७**,२[३]; ४[६]; ६; **८**,१;
३;६; **२८**,६$: **३०**,२[b];३; **३१**,
१; २[२]; ३[२]: ८[२]; ९; १०; ११[७]:
१३[३]: १४; १५[२]: १६[६]; १७[४]:
१८[४]; १९[२]: २१; **३४**, १[७]; **३५**,
१[३]; २:३; ९: **३६**,४[२]; ६[४]; **३७**,
२; ६: ७: ८: **३८**,२[२];३[३]; ४-६;
३९,२;३[३]; ४[२]:५[३]: **४०**,२[३];४[२];
५;**४१**,४[२];५; ८[३]: **४२**,१[२]-३[२];
५: **४४**,२: ३;७; **४५**,१; २[२];३:
५[३];६[२];७; **४६**,३;५[२]; ८[३]; **४७**,
१[२]; २[२]; ३[४]; ४: ८[३]; ९; १०[२];
४८, १८ : कौ **१**, २०३‡[c]; जै
१, २१, १०‡[c]; शौ **८**, १०,३:
५:७;९;११; १३;११,१०; १२,
२:४: ६;८: १३-१४,४; ८:१२;
१६; १५,१: ४: ९,१,२३; २४:
७,७:९,१: ३:५:७; ९;१०;१०,
३:५:७: १०;११, १४; १२,२६;
१०, १०, २७; ३२; **११**, ४,१-
१८; ५,२; ५; **१२**,४,२२; २३;
९, ८; १२, ८: **१३**, ३, १-२५;
१५,२,३;८: ११;१४; १७;२०;
२३; २८; ३, ११; ४,३; ६; ९:
१२; १५; १८; ५,३; १६;६,३;
६;९;१२; १५; १८; २१; २३;
२६; ७, ३; ५; ८-९,३; १०,१;
११, १; ७; ९; ११; १२,१; ४;

a) तु. SI.; वैतु. SBW. उत्तरेण विदुः इति पदेन सम्स्तमिति ।

b) पाभे. कृते पृ १०६६ *d* टि. द्र. ।

c) पाभे. कृते पृ १०६३ *g* टि. द्र. ।

७;११; १३,१;३; ५;७; ९;१४; १४,२;४; ६;८; १०; १२; १४; १६; १८; २०; २२; २४; पै २, ४०,५; ४,१५,६; ७; ५,३०,३; ९, २१, १²-१२³; १०,२, ४?a; १२, ७, १-१४; १३, १४, १७; १६, ३४,१०; ५४,९; ५७,१८: ५८,२; ३; ५;८९,५b; १००,२: ४; १०९,७; ९; ११०,२;११४, ५; ११५, १-४; ११७, १-५: ११९, १³-३³, १२५, ५; १२६, ४; १३३, २-७; १३४, १-४; १३५, १-८; १०; १३९, २०: २७; १४५, ८; १७, १८. २;३; २७,४; २८,७; २९,१-३; ५; ७; ९-१७.

¶एवं-रू(प>)पाc– -पाः तै ३, ५,७,३.

¶एवं-विद्d– -वित् काठ २७,६: क ४२, ६: –विदम् काठ २६,९; क ४१,७.

एव-या–, एवया-मरुत्–, एव-यावन्–, एवयावरी– √इ (वधा.)द्र.

?एवारेe ऋ ८,४५,३८.

?एवावदस्यf ऋ ५,४४,१०.

¶एवावg– -षः h, -वस्य मै ४, ८,१.

ए(आ√इ)ष् (इच्छायाम्)

१ए(आ-इ)ष्टिi– -ष्टौ ऋ ६, २१,८.

ए(आ√ई)ष्, ए(आ-ई)षते ऋ १, १४९, [१; १०, ९३, ६]; ५, ६७,५²; ६, ४२, ३; ८,७८, ९; कौ २, ७९२†; आ…ईषते ऋ १, ३९,८; ए(आ-ई)षति ऋ ९, ७१, ६ ; ए(आ-ई)षे ऋ ५, ४९, १ ; ए(आ-ई)षन्त ऋ ८, ९६,३.

१ए(आ-ई)ष्j– एषे ऋ ५, ४१, ५k;[८l(४२,१६)];६६,[३;८१, ४m]; १०, ४८,९n.

a) इवम् इति पाठे? यनि. शोधः द्र.।

b) सपा. शौ ११,१,५ इमाम् इति पाभे.।

c) विप. (स्रुच्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

d) उप. <√विद् (ज्ञाने) यद्र.।

e) स्वरूपम् अर्थः व्यु. च?। पपा. नावग्रहः। एव-अरे इति PW. अवग्रहः। √इ [गतौ] > [कर्तरि] *एवन्–> एवा [प्र१], अरे(=अयि भो) इति द्वे पदे इति तु मतम्। 'अरे वृषभ (इन्द्र, त्वम्) एवा (गतियुक्तः [सन्]) निवता (अप्रकाशेन [यद्र. नि-वत्- इति]) चरन् श्वघ्नी-इव (=व्याध इव) असिन्वन् (=*अप्रकाशमानः [एव] यद्र.) भूरि (=मुहुः) सुते (=सोमपाने [त्वल-लब्ध्य-भूते]) आवयः (=प्राप्त-तत्सेवनो भवसि)' इति वा. (वैतु. वें. सा. च एवार– [व्यप. =यजमान-विशेष-?] इति, ORN. PW. GW. WAG [२, ९२ b] प्रभृ. २एव [=पर्याप्त्यर्थे नि.] +[√ऋ गतौ>] अर– [=१अर-] >*एवार– [=विप. सुत– इत्यनेन समानाधिकरणं सद् विविधं व्याख्यातम्] इति, LR. उप. =२आर– [=समीप-] इति, ORN. OV. २एव+अरे [अव्य.] इति पदे इति च वदन्तः वा. व्यर्थं पीडुकाः?)।

f) पाठः?। पपा. एवा-वदस्य इति, स्वरश्चानु सा. *वद्– इति प्राति. व्यप. [ऋषि-विशेष-] इति, GW. GRV. विप. ([सत्यवचस्-] यजत- [व्यप.]) इति, वाच. एवा(व-आ)वद्– इति, LR. आ ईम् वावदस्य इति शोध इति। *ए(व>)वा-वत् (<१एव– [तूर्णम् इत्यर्थे क्रिवि. वा व्राज– इत्येतदुक्तं विप. वा?]) अस्य (देवस्य) इति द्विपदः शोध इति मतम्।

g) नाप. (हिंस्रप्राणि-विशेष-)। व्यु.?। नैप्र. यवाष– >(अ)य°> यनि. इति। मौलिकस्थित्यां √यभ् <√जभ् (हिंसायाम्) इति विमृश्यम्।

h) सपा. एवाषः<>यवाषः इति पाभे.।

i) गस. भावे अनन्तरस्य ग. स्वरः (तु. सा. GRV.; वैतु. सा. [पक्षे] आ√यज इति)।

j) गस. भावे क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

k) 'रायः (ष१ कर्तरि [=वक्तारं प्रति]) धनस्याऽऽगमनाय [मम वक्तुः] धीः (स्तुतिः) दधीत (?दध्यते इति शोधः [तु. छन्दः] =स्वयमेवोच्चारणवती भवति [=कर्म-कर्तरि लटि])' इति वा. द्र. (वैतु. वें. सा. तुमर्थीयम् अव्य. इति, PW. GW. प्रभृ. एष– [<√इष् इच्छायाम्] >-षे [सप्त१] इति)।

l) 'धिषणा (=मया वक्त्रा क्रियमाणा स्तुतिः) रायः (धनस्यागमनाय) वः (सर्वान् देवान्) अभि-अर्चे (?अर्चते इति शोधः)' इति वा. रराणः (?रराणा) इति शोध-पूर्वकं धिषणा– इत्यस्य विप. च द्र.।

m) 'ना (=नद् [क्रिवि.]) वां (युवयोः) रथानाम् (=अस्माकं पार्श्वे आगमनार्थम्) एषां गव्यूतिं (=वेग-भरं [व्यु. यद्र.]) स्तोमैर्मनामहे (=स्तुमः)' इति वा. द्र.।

n) 'गवाम् एषे (=गावो युष्मान् प्रत्यागच्छन्त्वित्येतदर्थं मया सह, यद्वा शेषे पादत्रये वर्णितेन सता मम सख्या) (=सख्यानि) यूयं वृणुत' इति वा. द्र. (वैतु. वें. सा. [पक्षे] एष– [<√इष् इच्छायाम्] >-षे [सप्त१] इति)।

ए(आ-ई)षत्[a]– -षन् ऋ १०, ८९, १४.

✓*एष् (भोजने)

२एष्– एषे[c] ऋ १, १८०,४.

१ एष– ✓इच्छ्,इष् द्र.

२ एष– ✓इष् (बधा.) द्र.

३ एष– एतद्- द्र.

४ एष[d]– -षः ऋ ९, ६६,१८.

?एषनाभ्यर्कदीवृकाश्वेधेनुंकाम्[e] पै २, ७०,३.

एषैषी– ✓इच्छ्, इष् द्र.

ए(आ-इ)ष्ट,ष्टा– आ ✓यज् द्र.

एषण्य, ण्या– ✓इच्छ्,इष् द्र.

?एष्टा नरा[f] ऋ १,१८४,२.

१एष्टि– ए(आ ✓इ)ष् (इच्छायाम्) द्र.

२एष्टि[g]– -ष्टयः मा १८,४३; का २०, २,६; मै २, १२, २; काठ १८, १४; क २९, ३.

एष्टृ– ✓इच्छ्, इष् (परि.) द्र.

एष्य– ✓इष् (बधा.) द्र.

एष्यत्– ✓इ(बधा.) द्र.

ए (आ ✓ई)ह्

ए (आ-ईह>) हा[h]– -हाः शौ १२, ३,३३; पै १७,३९,३.

?एह[i] पै २०,२७,९.

एहि-माय[j]– -यामः ऋ १, ३,९; मै ४,१०,३†.

ऐ[k] मै ४, ९,२१.

ऐः २ए(आ ✓इ) द्र.

ऐकहायन– एक- द्र.

ऐक्षव–, ऐक्षवी– २इक्षु- द्र.

१-२ ऐड– ✓इड्,ळ् (बधा.) द्र.

३ऐड– २इडा- द्र.

ऐड-वृ<>वृद्–, ऐड<>ल-मृड,द्– ✓इड्, ळ् (बधा.) द्र.

?ऐणे[l] पै १९,२,१०.

ऐत ✓इ (बधा.) द्र.

ऐतुम्, ऐतोस्(:) २ए(आ ✓इ)द्र.

?ऐधेव[m] ऋ १,१६६,१.

---

[a]) विप. (रक्षस्-)। गस. शत्रन्तम् (तु. पपा. सा. PW.; वैतु. GW. MW. < ✓एष् इति)। [b]) पाधा. उसं.।

[c]) भाप. च१ रूपम्। 'अश्विनौ घर्मं तथाऽवृणीतां (स्ववशेऽनयतां) यथा क्षोदः (तीरं नद्याः) अपो (वृणीते)। अत्रये (अदनाय ⌊भाप.⌋) एषे (भोजनाय =सम्यक् सेवनाय) तौ तथाऽकुरुताम्' इति वा. द्र. [वैतु. वें. सा. < ✓इष् ⌊इच्छायाम्⌋ इति, GW. एष–? (तु. PW. ए°) ⌊< ✓इष् इच्छायाम्⌋ > -षे ⌊सप्त१⌋ इति]।

[d]) विप. (सोम-)। बस. उप. भाप. < ✓इष् (गतौ) वा < ✓ईष् इति वा (वैतु. पपा. आ। इषः इति द्विपदच्छेदः, तदनुरोधेन वें. सा. च इष्- > इषः ⌊द्वि३⌋ इति च यथाक्रमम् आ ⌊पवसे⌋, आ ⌊धेहि⌋ इति च, ORN. आ ⌊वह यद्वा भर⌋ इति उप. द्वि३ इति च)।

[e]) पाठे? एषणाभिर् अर्क-दीभिर्, वृकोऽश्वं धेनुं गाम् इव इति शोधितोऽर्धर्चः द्र. (तु. सस्थ. टि. ?विद्युताम्)।

[f]) विप. (अश्विन्-)। पपा. एष्टा। नरा इति द्वे पदे इति कृत्वा वें. सा. प्र२(< ✓इष् ⌊इच्छायाम्⌋) इति, GRV. ORN. एष्टा =आ-इष्ट–(< ✓यज्) इति, नरा (सं२) इति च। आ, *इष्टानर– (नंप्र. < *इष्टन्धर–) > –०रा (सं२) इति मतम्, आ ··· श्रुतम् इति ⌊यद्र.⌋ क्रिप. च।

[g]) विप. (अप्सरस्-)। अर्थः व्यु. च?। आ-इष्टि- इति पपा., < आ ✓इष् ⌊इच्छायाम्⌋ इतीव माश ९,४,१, १२ PW. प्रभृ. च, < आ ✓यज् इति उ. म. च। ✓*एष् ⌊शब्दे⌋ > ⌊भावे⌋ *एष– > *एष- + धि– > बस. ⌊=शब्दवती-⌋ > नैप्र. यनि. इति मतम्।

[h]) पपा. नावग्रहः। विप.। गस. अजन्ते थादि-स्वरः। स्त्री द्वि३ रूपम् (वैतु. W. प्रभृ. < ✓ईह् इति, WL. पुं. प्र३ रूपम् इति)।

[i]) पाठे? अपार्थत्वात् परिहारात्मकः शोधः द्र.।

[j]) विप. (देव-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। पूप.? =आ ✓इ ⌊गतौ⌋ > लोटि मपु१ ⌊तु. इहीड– प्रभृ.⌋ इति वा, =१अहि– (तु. अहि-माय– ⌊ऋ ६, ५२,१५; १०,६३, ४⌋) इति वा ⌊तु. PW.⌋, एहि मा यासीः इत्यनुकृतिपरं प्राति. इत्यपि पक्षः ⌊तु. स्क. वें. सा.⌋।

[k]) १ए इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

[l]) पाठे? आयन– (<अयन-) > -ने (सप्त१ =यज्ञ-कर्मणि) इति शोधः।

[m]) प्राति. व्यु.?। ऐधा-इव इति पपा. ⌊तु. तत्रैव युधा–इव⌋। =*ऐध– (< आ ✓एध्)? भाप. > –धा ⌊तृ१⌋ इति वें.; =समृद्धि- इति मत्वा °ध(म्) –इव इतीव BW.; एधस्–(< ✓इन्ध्) > ऐध– (=तेजस्-) > –धा इति न. प्र३ इति सा.; =अग्नि-, अग्नेर्ज्वाला- ⌊=उल्का- इति MV.⌋ इति मन्वानाः ऐध्– इति वा ऐध– इति वा ऐधा– इति वा (< आ ✓इध्) > –धा (तृ१) इति PW. GW. GRV. ORN. प्रभृ. यथा-यथं द्र.; ORN. (पक्षे) ऐ (इदमर्थीयम् ⌊तु. ऐषमस्⌋) + धा- प्र. इति; Bollensen °धे। व इतीव।

ऐन्द्र–, **ऐन्द्रवायव–**, **°वायवाग्र–**, **°वारुण– ऐन्द्राग्न–**, **°नैर्ऋत–**, **°पौष्ण–**, **°बार्हस्पत्य–**, **°मारुत–**, **°वरुण–**, **°वैष्णव–**, **°सूर–**, **°सौर–**, **ऐन्द्री–** इन्द्र- द्र.

?ऐन्द्रोवोन्[a] पै २०, २१,२.

?ऐमंन्तुम्[b] पै २०.५३,९.

ऐर–, **ऐरावत–** √इर् (बधा.) द्र.

१ऐलब[c]**–** -बः शौ ६, १६,३: पै १९, ५,९.

२ऐलब[d]**–** -बम् शौ १२,१०, १-३: पै १६,१४५,९;१०.

ऐलब-कार[e]– -रेभ्यः शौ ११, २, ३०; पै १६,१०६,१०.

ऐश्वरी–, **ऐश्वर्य–** √ईश द्र.

ऐषन्त √इष् (गतिहिंसयोः) द्र.

?ऐषाणाः पै २०, २७,३.

ऐषीक– इषीका- द्र.

ऐष्टक– इष्टका- द्र.

ओक[f]**–**

†**ओक्य**[g]**–** -क्यः ऋ ९, ८६, ४५; कौ २, ९३६; जै ४, २०, ९; -क्यम् ऋ १, १३२, ५; ८,४९, ३;७२,१४; १०, ४४,९; खि ३, १, ३; कौ २, ८३१; शौ २०, ९४, ४; -क्या ऋ ८, २५,१७; -क्ये ऋ १,९१, १३; ३,४२,८; शौ २०,२४,८.

ओकस्[h]**–** -कः ऋ १, ६६, २; १०४, ५; १७३,११; २,१९,१;३,५८, ६; ४, १६,१५;५,३०,१;७६,४; ६,४१,१: ७,४,८: २५,४; ३२, ४;५६,२४;८,३३,२; १०,११२, ४; ११७,४; मै २,५,३¶; †कौ १,२९३: २, २१५: †जै १,३१, १: ३,१९,१०; शौ ५, २२, ५[२]; १८,३,८; †२०,५२,२;५७,१५; पै १३, १, ७[२]: -कसः ऋ १, ३०,[९; ८, ६९, १८]; ७,५,६; काठ ३७, १३; कौ २, ९४†; जै ३,९, ९†: शौ ३, २, २; ६, ७५,१; †२०, २६,३; ९२,१५; पै १,६०,१; २; ३,५,१; ५,१७, ४; १९, १५,७; ३९, ७; -कसि ऋ ४,५०,८;५,३३,४; -कांसि ऋ १,४०,५;२,३८,५; मा ३४, ५७†; का ३३,२,२०†; मै १, ६, २†; काठ ७,१४†; क ७, ४†; कौ २,११८०; जै ३,१,२.

ओकिवस्[i]**–** -वांसा ऋ ६, ५९,३.

ओ(आ-उ)क्त– आ √वच् द्र.

ओ(आ √उ)क्षन्, †आ···उक्षतम् ऋ ३, ६२,⌊१६; ७,६५,४[j]; (८, ५, ६)⌋; ७,६२, ५; मा २१, ८; ९; का २३,१,८; ९; तै १, ८, २२, ३[२]; मै ४, ११, २[२]; १४, १२; काठ ४, १६[२]; कौ १,२२०; २, १३; जै १,२३,७; ३,२,४; †आ (उक्षतम्) तै २, ५,१२,३; काठ १२,१४;२६,११.

ओ-गण– अव √गण् द्र.

ओचिषे[k] ऋ ८,८२,२.

१ओजस्–, **२ओजस्–**, **ओजसीन–**, **ओजस्य,स्या–**, **ओजस्वत्–**, **ओजस्विन्–**, **ओजायमान–**, **ओजिष्ठ–**, **ओजीयस्–**, **ओजो-दा–**, **ओजो-भृत्–**, **ओजो-विद्–**, **ओज्मन्–** √*उज्(बधा.) द्र.

---

[a]) पाठे? ए(आ-इ)न्द्रो भवन् इत्यर्थतम् त्रि-पदः शोधः द्र.। छन्दस्तस्तु भवत्–>भवन्>ब(>व)वन् °वोन् इति वावि. क्रम इति दिक्।

[b]) पाठे? वावि. लैवि. वेति कृत्वा (*ऐत्तम्>आ-यत्तम्>) आ-यत्तम् इति शोधः (तु.सपा. शौ १९,५१,१ अ-युतम् इति पाभे.)।

[c]) नाप.। अर्थः व्यु. च?। =रोग-(तु. कौसू ३०,१ सा. च; वैतु. PW. प्रभृ. =शब्द- इति?) इति कृत्वा तुदा. √इल् ⌊स्वप्नक्षेपणयोः⌋>*एल- (भाप.)+मतुबर्थे वः >बः प्र.।

[d]) नाप.। व्यु. अर्थश्च?। =भयानक-शब्द- इति विमृश्यम् (तु. सा. प्रभृ.)।

[e]) विप. (रुद्र-, श्वन्-)। गस. अण्णन्तम् उप. प्रकृति-स्वरम्।

[f]) नाप. (गृह-)। व्यु.?। <√उच् इति पा ७,३,६४ PW. प्रभृ. च। नैप्र. <आ √*वक् (=√वस् ⌊निवासे⌋) इति मतम्।

[g]) विप. (सोम- ⌊ऋ ९,८६,४५ प्रभृ.⌋), नाप. (गृह-)। तस्मिन्हितीयश्च स्वार्थिकश्च यत् प्र. (तु. पाका ५,४,२५)। तित्स्वरेण यना. स्वरस्य अपवादः उसं. [पा ६, १,२१३ (तु. सा.; वैतु. सा. ⌊ऋ १, ९१,१३⌋ <√उच्+ण्यत् प्र. इति)]। [h]) ओक- इत्यनेन गन्यायता द्र.।

[i]) विप. (इन्द्राग्नि-)। व्यु. अर्थश्च?। <√उच् इति सा. GW., <आ √उच् इति ?WAG ⌊३,१४२⌋। आ √वस् (दीप्तौ)>आ+ऊषि(>कि)वस्- ,इति तु मतम्। [j]) वैतु. सा. आ (गच्छतम्) क्रिउ. इति।

[k]) अर्थः?। वैं. सा. GW. GRV. प्रभृ. ऊचिषे ⌊मपु१⌋ इति पठन्तः <√उच् (प्रीतिसेवनयोः) इति। आ √वच् (लिटि ⌊मपु१⌋) नैप्र. <आ-ववच्>आ-उवच्>ओच्> यनि. इति मतम्।

ओणि[a]– -णिम् ऋ १, ६१, १४; शौ २०,३५,१४†.

ओणी[b]– -ण्योः ऋ ९, १६, १; ६५, ११; १०१,१८: खि ३,२२,४[c]; मा ४, २५[c]; का ४, ८, ३[c]: मै १,२,५[c]; काठ २,६[c]; क१,१९[c]; कौ १, ८६४[c] : २, १५४† ; ७३७†: जै १, ८८,५[c]; ३,१५, २†; ४,२६,२†: शौ ७,१५,१[c]: पै २०,४,८[c].

ओ(आ-उ) **त**–, ओतवे,ओतवै, ओतु– आ √वे द्र.

ओ(आ-उ)**त्सूर्य**[d]– -र्यम् शौ ४,५,७; पै ४,६,७.

†**ओद**(त>)**ती**[e]– -ती ऋ १, ४८, ६[f]: –तीनाम् ऋ ८,६९, २: कौ २,८६२: जै ४,२५,२.

ओदन[g]– -०न शौ ११,१, ३२: पै ३, ३८,६: ७:५, १३,२: १६, ७१, २: ३: ७२,१: ४: ६:७;९: १०: ७३,१: ९२,३: ९६,२: ३: –नः मै १, १०, १[h]: ¶काठ ७,१५[२]; ८, १३[२]; ९, ५: ¶क ६, ५[२]; ८, १[२]: ८: शौ १०, १०, २५: ११, ३, ३०;३१:४,१-१८;५,१; १२,३,५: पै ५,१३,३: ४; १४, २; ८; ४०,७; ८,१९,२;९,२२, ३-२३: १६, ५५, १-१८: ५७, १[२]-१८[२]; ५८, १: ७१, ७; ७२, ४; १०९, ५; १७,३६,५: १९, ४०,१५: –नम् ऋ ८, ६९,१४: ७७, ६: १०: खि ५, २२, ९?[i]: ¶मै १, ४, १३: ६, ११; १२[२]: १०, १५[४]: २, १,१२:३,८,३†: १०,२: ४,२,७: ¶काठ ७,१५; ८, १३[२]: ११, ६: २८,५: ३५, १८: ३६, ९[४]: ३७,१[२]: ¶क ६, ५; ८, १[२]: ४४,५; ४८,१६: जै ४,११,८†: शौ ४,१४,७: ३४, ३;४: ८:३५,१: ११,१,२३; २, २६: २७: ३०: ३१; १२, ३,४: १२: २७: १८, २, ३०: ४,४२: २०, ९२, ११†: १३६, ११[j]: १२[k]: १३[l]: पै १, ८९, ३[l]: ४, ४०, ५: ५,१०,३; १४,४: ३१, २: ४०,३: ६,२२,३:४;९: १३: ८, १९,६; ९,२२,२: २८; १६, ५५, १[२]-१८[२]: ५७, १[२]-१८[२]: ७१,१;६; ११; ७२, ७; ९१,३; ९६, ४; ५; १२६, ४; १७,३६, ४; ३७, २; ३८, ७; –नस्य शौ ४,३४,१; ११, १,१७; २४; ३, १;११; २२;२३; १२,३,५१; पै ६, २२, १; ९,२२,१; २२; १६, ५३, १; ५४, १; ६; ९; ९०,७; ९१, ४; ९६, ८; १७, १२, ५; ४१, १: –नाद् शौ ११, ३, २७; –नात् शौ ११, ५, ३; –नान् शौ ९,५,३७; पै ३, ३८, ११[२]; १६, ९८, ९[२]: –नानाम् शौ ९, ५, १९: पै १६, ९९,५; –नाय शौ १२, ३, ३२; पै ८, १९,१: १७,३९,२: –ने पै १३, ९, ७; १९,३०, १: –नेन मै १, ८, ३¶: काठ ३५, १५¶; शौ ४,३५,१-६; ११,३,१९; पै १६, ५४, १२; –नेभिः पै २०, ३४, ४: –नेभ्यः पै ३, ४०,३.

¶**ओदन-पचन**[m]– नः मै १,४,१०; काठ ६, ८: ८, ६; ७; क ४,७; ६,१[२]; ७, २: ४: –नम् काठ ८, ४[२]: क ६, १; ९[२]: –नान् मै १,

[a]) भाप. । व्यु. ? । < √अव् इति कृत्वा नैप्र. =*अवनि- इति विमृश्यम् (तु. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. मा. < √ओण् ⌊अपनयने⌋ इति ?) ।

[b]) नाप. [(द्यावापृथिवी-, मातापितृ- ⌊तु. निघ ३,३० प्रभृ.; वैतु. GW. =पवित्र-, मातृस्तन-, NW. =बाहु-⌋)] । व्यु. ? । < √अव् इति कृत्वा नैप्र. =*अव (नि->)नी– ⌊कर्तरि कृत⌋ इति विमृश्यम् (वैतु. दे. < √ओण् इति) ।

[c]) पाभे. कृते पृ ९८३ *b* टि. द्र. ।

[d]) अस. अन्तोदात्तः । वा. क्रिवि. । पाभे. कृते पृ ६०७ *o* टि. द्र. ।

[e]) विप. [उषस्-, धेनु- (प्रेरयन्ती- ⌊वें.⌋, उन्दती-, उपसर्या- ⌊GRV.⌋, तु.वें. PW. प्रभृ.; वैतु. निघ ⌊१,८⌋, वें. ⌊द्वितीये स्थले⌋, सा. MW. उभयत्र नाप. ⌊उषस्-⌋ इति)] । व्यु. ? । < √उद् इति सर्वसंमतम् । √वद् > *वावद– (त>)ती इत्यस्य वाव. इति मतम् ।

[f]) 'या (उषाः) समनं विसृजति (या च) अर्थिनः नतः (= प्राणिमात्रस्य) पदं (= लक्ष्यभूतं व्यापारसंरंभम्) ओ° (=वावदती, सम्यक् निर्दिशन्ती) विवेति (=व्युच्छति, दीप्यते) (तस्याः, तादृशः) ते (हे उषः)' इत्युत्तरार्धेऽन्वयः द्र. ।

[g]) नाप. । व्यु. ? । < √उन्द् इति पाउ २,७६ प्रभृ. । < उदकु– + √दा (दाने) इति ⌊पक्षे⌋ दे. ⌊निघ १,१०⌋, < √ऊर्द् इति ⌊पक्षान्तरे⌋ अभा. च ।

[h]) सपा. **ओदनः** <> **चरुम्** इति पाभे. ।

[i]) **ओ**° इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

[j]) तु. RW.; वैतु. शंपा. सात. **औदनम्** इति ।

[k]) सात. पाठाऽभावः ।

[l]) **मो**° इति पाठे ? यनि. शोधः ।

[m]) नाप. (अग्नि-विशेष-) । व्यु. कृते पृ २५५ *h* टि. द्र. ।

१०,१७; काठ ३६,१२; -ने मै ४,१,१२; काठ ८,७; क ७,४.
ओदन-लोक- -कः पै १६,१२६,४.
¶**ओदन-सव**[a]- -वः काठ ३७,१.
?**ओदाकाम्** पै १७,१२,९.
ओद्मि आ√वद् द्र.
ओद्मन्- √उद्,न्द् द्र.
ओन- -नैः मै ४,९,१२[b].
?**ओप** पै १९,३७,२.
ओपश[c]- -शः ऋ १०, ८५, ८; शौ १४,१,८†; पै ८,८,५; १८,१,८; -शम ऋ १,१७३,६; ८,१४,५;९,७१,१; †कौ १,१२१; २,९८९; जै १,१३,७†; शौ ९,३,८; २०,२७,५†; पै ५,३४,३; १६,३९,८†; -शेन पै १,६४,४?[d];८,८,५.
ओपशिन- -शिनम् शौ ६,१३८,१;२; पै १,६८,२;३.
ओ(आ-उ)प्य, °प्यमान- आ√वप् द्र.
√**ओम्**, **ओम्**°-, **ओम-**, १**ओमन्-**, २**ओमन्-**, **ओमात्रा-**, **ओम्या-** √अव् द्र.
ओरिमिका- काठपुष्पि ३२-४०.
ओ(आ√ऊ)र्णु, ¶**ओर्णुते** काठ १२,४; २३,३[f]; क ३५,९[f]; ओ-(आ-ऊ)र्णुत ऋ २,१४,३.
?**ओव्** पै १२,३,७.
?**ओश्छिनंकौ**[g] पै १६,५१,१.
ओष √उष् (वधा.) द्र.
१**ओषम्**[h]- -षम् ऋ १०,११९,१०; शौ २,३६,१;७,७७,६[i]; १२,३,३१; पै २,२१,१; १२,३,१३; १७,४,४[j]; १९,१,१०; २०,११,१०.
२*ओष[k]-
ओष-जा(त>)ता- -ता पै १५,१,९.
*ओष-वत्-
ओषिष्ठ-
ओषिष्ठ-दावन्[l]- -व्ने तै १,६,१२,३.
ओषिष्ठ-हन्[m]- -हनम् तै १,४,३६,१[n].
ओषत्- √उष् (वधा.) द्र.
ओषधि,धी[o]- -धयः ऋ १०, १७, १४; ९७,१७[p];२२; खि २,१३, ६; ३, २०, १; मा १, २१[q]; ६, २२; ११, ३८; †१२, ९१[p]; ९६; १३, २५[r]; १४, ६[r]; १५[r]; १६[r]; २७[r]; १५, ५७[r]; १८, १४; ३८; २०, १९; २२, २२; ३५, १२; ३६, १७; २३; ३८, २३; का १, ८, १[q]; ६, ५, ४;

a) पाग. । उप <√सु (अभिषवे) द्र. ।
b) पाठः? । सपा. तैआ ४,२०,२ मा रजोऽनैः इति पाभे. ।
c) नाप. । व्यु.? । आ+उप+शी-(<√शी+डः प्र.) इति कृत्वा गस. उप. प्रकृतिस्वरमिति सा., <अव√पश् इति PW. GW. । उभयथैव वदन् दोलायमानश्च MW. अन्यतरस्मिन् कल्पे आङ्मनिर्देशुकश्चन्त्यः ।
d) पाठे? कुरीरेगौ (ग,ओ)पशन इति द्वि-पदः शोधः? । सस्थ. सं नृहने>संनहन->-ने इत्यपरः शोधश्च द्र. ।
e) यनि. पाप्र. द्र. । मौस्थि. आ+उँ? (तु. टि. अह,) इति । f) C. (ZDMG ⌊७२,१५⌋) प्रोर्णुते इति पाठः ।
g) छन्दस्तोऽपि उच्छ्रुङ्क्ष्णौ इति शोधोऽभेद्यमानः द्र. । पाभे. पृ ८६७ *d* टि. द्र. ।
h) भाप. । =क्षिप्रम् इति कृत्वा द्वि१ वा. क्रिवि. इति PW. प्रमृ. । व्यु.? । <√उष् (वधा.) इति संभाव्येत ।
i) ऊषम् इति सा. संमतः पाठः? ।
j) सपा. ओषम् <> क्षिप्रम् इति पाभे. ।
k) भाप. (आभोग-, विस्तार-) । व्यु.? । ओघ- इत्यस्य रूपान्तरमिति मतम् ।
l) विप. [आदित्य- (बहुतम-दायिन्- ⌊तु. सपा. मै ४, १२, ३ काठ ८, १६ यत्र भूयिष्ठ-दावन्- इति, शौ १९, ४२, ३ यत्र ?सुत्रावन्- (=*सुतरां-दावन्-) इति च पाभे.⌋)] । उस. प्रकृतिस्वरः ।
m) विप.? (देव- ?) । उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
n) सपा. **ओषिष्ठहनम्** (तैआ ३, २१, १ च) <> **वसिष्ठहनुः** (?) इति पाभे. ।
o) नाप. स्त्री. । व्यु.? । कौ. पपा. एव °ष-धि- इत्यवग्रहः । √उष् ⌊दाहे⌋>ओष-+धि>धी- (<√धे⌊पाने⌋) इति माश ३, २, ४, ५, या ९, २७ प्रमृ., दोष° > ओष°- इति वेत्यपि या. ⌊पक्षे⌋, √उष् ⌊पाके⌋ > ओष-+धि(<√धा⌊धारणे⌋) इत्यपि सा. ⌊ऋ ६, ४९, १४⌋ प्रमृ. च, √अव्>अवस्-+√धा⌊धारणे⌋ इति BDG ⌊२, १,४१२⌋ । अप>अव>ओ+(√क्षण् ⌊हिंसायाम्⌋>) क्षति->क्षधि->षधि-> मध्यमपदलोपिनि बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् इति तु विमृश्यम् ।
p) सपा. शौ ६,१०९,२ विशिष्टः पाभे.; काठ १६,१३ अन्तेभ्यः इति च पाभे. ।
q) =सपा. माश १,२,२,२ तैब्रा ३,२,८,१ । शाश्रौ २,८,१० तु विशिष्टः पाभे. ।
r) सपा. °धयः (माश ८,७,१,६ च)<>°धीः (तैब्रा १,२,१,१८ च) इति पाभे. ।

१२,४,१; †१३, ६, १७[a]: २३; १४, २, ११[b]; १५, १, ५[b]; ४, ३[२b]: ८, ५[b]; १६, ७,१[b]: १९, ५, २; २०, २, १; २२, १, ४; २४,८,३: ३५, ४,११; ३६, १, १७: २३: ३८, ५,६: तै १, १, ८,१[c]; १३, १: ४, ४५, २: ५, १०, २†: ६,५,२: ७, २, ३¶; ¶२, १,२,३[२]: ५,३[२]: ४: ९,२: ३,१३,३: ५,३,२: ३: ६, ४,२; ¶३,१,८,२: ३, ६,२[२]: ३[२]: ४, ३, ३: ७, १$: ४, १, २, ४: २,६,१‡[d]: २‡[d]: ३[२]: ‡[d]: ५[२]: †[a]: ‡[d]: ७, ५, १: ¶५, १, ३, १: ५, ४; १०[२]: २, ५, ५[२]; ७, १; ४,९,१; ५,४,१; ६, १०,२: ¶६, १, ३, ७[२]: २,४, ५[२]: ६, ३; ३, ४, ३ : ५, ११, १: २: ¶७,१,१,३: ३,४,१: ४ ८, ३: ५,१,६: १७-१८,१$: २०,१$: २५,१: मै १, १, ९[c]; २, १८, ४,२; ८¶: ६,२[b]; ३¶: ७,२¶: ¶८, २: ३; ४; ७;९: १०,७¶: २, ¶१, ५; ६: ¶५, १[२]: २[२]: ४[२]: ५: ७,८ : १३[४]: ‡[३d]: †[a]: ८, १२[२e]; ११, ५: ६; १२, २: ¶३, १,५[२]:६: ८: २,५; ३, ३: ६,३; ७;८: ७, ४[३]; ८[३]: ८, ४[३]: ९; ९,३[२]; ४; १०,४; १२, ६$; ४,१,९[२c];¶; १३¶: २, १०¶; ३,२[२]¶; ४, २¶; ९, २७; १४,

६[२]†; काठ १,८[c]; ३,८: ५, ५; ¶६,२;६; ७, १४[b]; ¶८, १०; ११; १५; ११, ५¶;७; १२,७; १३; १३,४¶; १६,४: १३[२]‡[d]; १७,१०[२]; १८, १०; १४; १९, ५[४]:¶[४]; २०, ३[२]¶; २२, ४¶; ¶२३,१;४;८[२]; २४,६[२]¶: २५, २[४]¶: ४:५;१०[४]:¶२६, ३[४];५[२]: ¶;६[४]¶;७[४]:२७,४¶; २९,९¶: ३१, ७[२c];¶: ३२, ६[२]¶; ३४, १५¶: ३५, ४†; ११; १५¶: १८[२]¶: ३८,५: ४५, १३: १४: १७: क १, ८[c] : २, १५: ¶४, १: ५: ६, ३[b]: ¶७, ६: ८: ८, ३¶: २५,४[२]‡[d]: २६,९[२]; २८, १०: २९,३: ३०, ३[२]:¶[२]: ३१, ५[२]¶: ३५,७¶; ३६, १¶: ३७, ७[२]¶:३८,५[४]¶:¶३९,१:२:४०, ३[४]¶: ¶४१, १[४]: ३[२]; ४[४]; ५[४]: ४२, ४¶: ४८,५†:११:१६[२]¶: शौ २, ३, ६[c]; ३, २३, ६: २४, १†; ४, १५, २[f]: १६: ६, ९६, १‡[d]: ८,१,१७; २,१५: ७, ३: ९; १६; ९, १२,१५; ११,६,६; १६: १७; ७,१४: २०: ९, २१; १२,१, २३; १४,२,७: १५, ६, २: १८,१,१७: ३,५६†:१९,९, १४: ३४,७: ४४, ६: पै १,८९, १; १००,१: २, २२,३: ७६,१: ४,२०,४: ५,७,२: १४: १५,६: ३०, १†: ८,९, ४;९, २१, ८;

२३,१३; ११, २ ११; ३,७; ६, १‡[d];९‡[d];११‡[d];१२,६,५; ७, १;१३,२,७;१३,८†;९‡[d]; १५, ३,६; १६, २. १०; १२, ३; ९; २१, ६; २२,७; ५३,५; ८४,१; १०३, ९; १३९,१८; १५४, ३; १०;१७,३,४; २९,११: १८,७, ८; १९, १२,४‡[d],२०,१३,१†; —ओधयः ‡मा[g] ११, ४७: ४८; ‡का[g] १२, ४, ११; १२; तै ४, १,४,४[२]‡[g];५,१,५,९[२]‡[g]: मै २, ७, ५[२]‡[g]; १३‡[h]; ३, १, ६‡[g]: पै १३, १३, ७‡[h]: —०धयः मै १, १, १०; २, २[i]: काठ २, २[i]: १६, ४[२]‡[g]; १९, ५‡[i]: क १, १४[i]; ३०, ३‡[g]: पै १०, १४, ५: १३, १३, ६‡[j]; १६, १३, ६: १९, ३९, ६[२] : —धिः ऋ १, १६६, ५, शौ ४,४,३:६, ५९, २, ७,३९,५: १९, ३२,१; पै २,७९,५; ३,२९,६: ४,५,४; ५,२०, ७: ८, २,११: ९,९, ३: ५: १६, ४[k]: १२,४,१. १३,४. १०; १९, १४, ११: ३८, ८: —¶धिभिः तै ५, ३, ११, १: काठ २५, २: क ७,८: ३८, ५. —¶धिभ्यः काठ ८,२:११,१०[२]: १३, ४; २६, ६[२]: ८[२]: ३१, ४: ३४,३: क ४, १: ४१, ४[२]: ६[२]: ४७, ४: —धिम् ऋ १०,८५,३: १४५, १: शौ ३,१८,१†; ४,४,

[a]) पाभे. कृत पृ १०७४ *p* टि. द्र. ।
[b]) पाभे. कृते पृ १०७४ *r* टि. द्र. ।
[c]) पाभे. कृते पृ १०७४ *q* टि. द्र. ।
[d]) सपा. °धयः<>°धीः इति पाभे. ।
[e]) सपा. °धयः<>°धीः (माश्रौ १,२,४,१८ च) इति पाभे. ।
[f]) सपा. ओषधयः<>वीरुधः इति पाभे. ।
[g]) सपा. °धयः (माश ६,४,४,१६;१७ च)<>°धीः इति पाभे. ।
[h]) सपा. ऋ १०, ९७,१४ मा १२, ८८ का १३,६,१४ तै ४,२,६,३ काठ १६.१३ तैब्रा ३,११, ३,१ कौस् ३३,८ विशिष्टः पाभे. ।
[i]) सपा. °धयः<>°धीः इति पाभे. ।
[j]) सपा. °धयः<>°धीः इति पाभे. ।
[k]) पाठे? °धीः इति शोधः (तु. पृ ३५७ *e* टि.) ।

१; १४,१,३†; पै १,८५,३; ३,
२९,२; ७,१२,१०†; ८ ७,१०;
९,६,१;१०; ११; १३,१३,१०;
१८,१,३†; –¶धिषु काठ २५,
६; १०; ३१,१;३४, ५; ३९,५;
क ४,१[a]; ६,३$; ३९,४:४०,३;
४७, १: –धीः ऋ १, ९०, ६;
९१, २२; ९८, २; १०३, ५;
१६३,७; ३, ३४, १०: ५१, ५;
५४,२१; ५५, २२; ४, ३३, ७;
५७, ३; ५, ४१,⌊८; ४२,१६⌋;
४१,११; ४३,१३; ६२,३; ८३,
४;५; १०: ६, २१, ९; ३९, ५;
४९, १४; ७, ४, ५; ३४, २३;
⌊२५; ५६, २५; १०, ६६, ९⌋;
३५,५; १०१, ५; ८, २७, २;
४३, ७; ९; ५९, २; १०, ५८,
७; ६५,११; ६६, १०; ८८, २;
१०; ८९,१३: ९१, ५; ६; ९७,
९[b], ८[b]; ७; १०[b]; ११[b]; ⌊१८[b];
१९[b]⌋: १६९, १; खि १, ६, २;
३,१५,११; ४,७,३; मा ६,२२;
२८,८,२५; †१२, ३६: ६९$;
७५; ८०; ८१: ८४[b]; ८५; ९२;
९३; १३, २७†; १४, ८; १५,
७; १८, ७३; २०, १९; २९,
१८†; ३४, २२†; का ६,५,३;
७, ६; ९, ४, ३; †१३, ३, ७;
५, ८$: ६, ६; ७; १०[b]: ११;
१८; १९; १४, ३,१†; १५, २,
३; १६,२,४; २०, ५, ६; २२,
१,४; ३१,३,७†; ३३,१, १६†;
तै १,४,४५,२; ५,९,१¶; ११,
१†; ७,१३,१†; २, १,५,३¶;

३, १,११,८; ५, २,४; ५,२¶;
४, †२, ३, ३; ६,२; ४; ९, ३;
११,३; ४,१,२; ११, १[c]; ६, ७,
३†; ¶५, १, ३,१; २,५,५; ३,
६, १; ७, २, ५; ६, ६, ३, ४;
७, २,१०, २¶; ३, १४, १; ४,
३,१¶: १७,१†; मै १, २, २;
१४; ३,३९; ४,४;७,२¶; ¶८,
४[२]; ५; ९; ¶१०, ५; ९; ११,
४; २, ७, १० †; १२; १३[२]†;
१६†; ८, २;८; १३,११†;१३;
३, ¶१, ५; ६[२]; ६, ८[२];¶; ९,
३[२]; १०, ७¶; ४, ¶१,२; ९[२];
¶२, २[२]; ३; ७; ५, ५¶; ११,
१†; १२, ५†; †१४,१; ५: ६;
११$; काठ ३,३; ४,१३;१६†;
५, ६; ¶६, ५; ६; ८, १५¶;
१३,१५[२];†[२]; १६†; १६,१०†:
१३[२]:†[२]; १७, १;७; १९, ५¶;
२०,५¶: १५†; २५,७; ¶२६,
५[२]; $; ६[२]; ९; ¶३१, १; ४;
७: ३४,३¶; ३५,१७¶; ¶३६,
१-३; ३७, १२[२]¶; १७; ३८,
५; ३९,३†: ४०,३†; ९; ४३,
४; ४४, ६†; ४६, ३ †: क २,
१०; ३,११; ¶४,४;५;८,३¶;
२५, १†; ४[२]†; १०; २६, ६;
३०, ३¶; ३१, ७¶; ३९, ५;
¶४१, ३[२];$;४[२]; ७; ¶४७,१;
४; ४८, १५¶; †कौ १, ३३२;
११७८; ३,३,३; † जै २,१,३;
३,२८,४; शौ ३, १७, ५; २१,
१; २६, ५; ४, १७,२; २३, ६;
६,२२,२; २३, ३[d]; ७, ९२,१;

८,२,२२; ७, १; ४; १०; १३;
१७; १९; २४; २५; ८, १४;
९, २३; ११,७; ९; ९, ४,१३;
१०,१,११; ५, ३२; ११, ६,३;
४; ८,१; ११,२४; १२, १, २;
३, ३१; ५०; १३, १, २; ७,
१५; १५,१४,११; १९, ९, १;
१०,५†; †२०, ११,१०;१४३,
८; पै १,४०,३; ८४,९; २,३८,
५; ८३,२; ३, १२,१; १४, ६;
२३,४; ४, ३३,६; ४०, ७; ५,
७,४; २३,२; ६, १८,७; ९,४,
५; २५, १; †११, ६, ७; १०;
१३, ८,५†; १२, ७; १५, १३,
१; १५, ६; १६, ४, ४; ५, २;
१२,१; ४; ५: १०; १३, १; ३;
८: ९; ११ †; १४, २; ३; ५;
२०,२; २१,३; ४; २२,६; २५,
३; ३०, ८; ३६, १; १३१, ८;
१३३,११; १७, १,२; ३९-४०,
१; १८, १५, २; १९, १, १२;
४, १२; १८,६; २२, ११: २८,
९; ३१,२[e]; ३३,१५; ४५,६†;
५१,५†; २०, १०, ४; ३२, ६;
४०, १; ९; –†०धीः ऋ १०,
९७,३[f]; ८; मा १२,७७[f]; ७८;
का १३,६,३[f]; ४; तै ४, २, ६,
१; मै २,७,१३; काठ १३,१६;
१६,१३; पै ११, ६,४; –०धीः
ऋ १०,९७, १२[g]; मा १२,८६;
का १३,६,१२; तै १, २,१,२[h];
क २५,४†; शौ ८, ७,५; २१;
–धीनाम् ऋ १, १६४,⌊५२; ३,
१,१३⌋; १८७,८; ७,१०१,१;२;

a) सपा. °धिषु<>°धीषु इति पाभे. ।
b) पाभे. कृते पृ १०७५ *d* टि. द्र. ।
c) पाभे. कृते पृ १०७४ *r* टि. द्र. ।
d) पाभे. कृते पृ १०७५ *e* टि. द्र. ।
e) सपा. °धीः<>°धे इति पाभे. ।
f) पाभे. कृते पृ १०७५ *g* टि. द्र. ।
g) पाभे. कृते पृ १०७५ *j* टि. द्र. ।
h) पाभे. कृते पृ १०७५ *i* टि. द्र. ।

१०२,२; १०,५१,८; ८७,१८; ९७, ८; मा १२, ३७; ८२†; १६,१९; १७,३२; १८,५४; का १३, ३, ८; ६, ८†; १७, २,३; १८, ३, ८; २०,३,४; तै १,१, १०, २; ३; २,८, १; ३,१०,२; ८, ११, १; ¶२, १, ९,२[२];३[२]; ४, १०,३; ३, १,११,३†;३,५, १;३¶;४, ५,१[a]; ४,२,३,३;६, ३†;४,१२,४; ५,२,२: ६,२,३; ७,१३,२; ५,७,२१,१; ¶६,१, १,३:९.१:३,४,६: ९,५: मै १, १,१०[b]; २,१;६;१७; ११,८¶; २,४,८[२]¶; ५.४¶: १०[c]; ६,७; ७, १०; १३†: ९-१०, ३; १२, ३; ३, १, ५¶; ¶२,५; ६[२]; ६, २[२]:७,४¶; ¶९,३:४;८:¶१०, १[२]; ३; ११,६: १६, ४; ¶४,१, २[२];३; ६; १०[२];$[b]; २,३;३,२; १०[२]: ४,१[२]: ७, ३$; ९,१०$; काठ २,१; ६; ३,७; ११,१०¶: १२, ७¶; १३, ४¶; ९[c]; १४, ८¶;१५,६;१६,१०;१३†;१७, १२; १८,१;१५; १९,५¶;१४; ¶२०, ३[२]; ७[२]; २२, १४; २३, १[२]¶:२४, २¶; २६,६¶; ३०, १०[२]¶; ¶३१, १; २ ; ८; ३७, १[२]¶; ३९,१:४०,८†;५३,११; क १,१३; १९; २,१४: २५,१; ४†; २७-२८, २; २९, ४; ३०,

३¶; ¶३१, ५[२]; ९; ३५, ७¶; ३७,३¶; ४१, ४¶; ४५,६¶[d]; ४६, ८[२]¶; ¶४७,१; २; ८; शौ ३,५,१; ३१,१०; ४,४,४; १५, १०; १७,८;१९,३; २२,४; २७, ३; ३७,६; ५, २५, ७; ६, १५, १‡[e]; ३; ९५, ३; ७, ४०, १†; ८,३, १६†; ५, ११‡[e]; ७,२५; ९, ४,५[c]; १०,४,२१; १२, १, १७; ५७; १४, २,७०[f]; १५,६, ३; १९, ३१, ५; ३२,१०: ३९, ४‡[e]; पै १, ८७, १; २, २३,१: २६,५; ३२,३: ३,१३,१: २१, ४; ४,५,३;५; ७; ३५,३; ५,७, ८; २५,३; ३०,७;६, १६, ९†; ७,७,१: १०,४: ९,२५,१; १०, ५,५; ११,१,१०: ६, ८†: १२, ४,१०:१३,२,६: १४,१०: १५, २,२; ८, ६: १६, २: २२. १०: १६, ७, ८†; १३, ५: १४, ४: १७,१; २४, ४: २८,१, १७.२, ८; ६,६; ३५, ७: १८,१३,१०; १९,५,१४‡[e]: १६;५२, ३;२०. ९,८†; ३९, ५: –धीभिः ऋ ३, ५, ८[d]: ५,८,७; ६, ५२, ६: ७, ८, २; ९, ११२,२: १०,३०,५: मा १, २१[h]; ६, २८; १५, ७: १८, ३५: का १, ८,१[h]. ६, ७, ६. १६,२. ४: २०,१,६: तै २, ३, १०,३: ३,३,८, ३¶: ५. ६.

१[f]; ४,७,१२, ३; ६,६,३,४¶: ¶७,४,३,१[२];५: मै १,१,९[h];२, १२, १; ४, १,९[h]; ९, २७; काठ १, ८[h]; ८, ११¶; ११,७; १८, १३; ३१,७[h]; ३७,९; क १,८[h]; ७, ८¶; २९, ७: शौ २,१०,२: ४,१५,२; १२,३,२८; १५,१४ १२; १९,१९,५; २७, २; पै २, ३, २: ७५, ३: ४,३,६: ५.२६, ६;३५,५[२]; ७,१४,५; ८,१७,५: १०, ७, २; १६, १४,७‡[i]: २०, २५, १; –धीभ्यः ऋ २. १. १: ७, ५०,३: ९,११,३;५९,२: मा ६,२; ९; ७,२१; ११,२७†:१२, ७२: १७,१: २२, २८; २९; का ६,१,२; २,३: ७,८,४: १२. २, १६†: १३. ५, ११: १८. १,१: २४, १५-१६. १: तै १,२.२,३: ३,६.१. ८,१: ९.२: ११,१: ५. १,४¶: ८,१३.३: ¶२. १.५.३: ४,९,३[२]: ५, ३,३: ३,१,८,२¶: ९. ३, २.३.१†; ३,६,३[२]¶: ५. २,४:८,१: ४,१,२,५†; ५.१,३; ४,१,२:३,१,१;६.१,३,७:३.४, २:६,४[२]: ७,१.११,१:३.१९.१: मै १,२.१५: १८: ३.३५ ७-८. २¶:२,५ ४¶;७.२†:१४ ८.८: १०,१: ३,९,४¶: ६[२]: १०. ७: १२,७:१०:¶४.१.७:५,५. काठ ३,५; ८;८,१५¶; १५,३: १६,

[a]) सपा. ओषधीनाम् (शांश्री ४,१०,१ पागृ १,५,१० च)<>वनस्पतीनाम् (माश ५,३,३,११ च)<> वीरुधाम् (तैब्रा ३, ११, ४,१ वैताश्रौ ८,७; १३ च) इति पाभे.।

[b]) सपा. °धीनाम्<>°ध्याः (माश १,२,४,१६ तैब्रा ३,२,९,३ च) इति पाभे.।

[c]) सपा. °धीनाम्<>°धीषु इति पाभे.।

[d]) सपा. काठ २९, ५ पाठाऽभावः।

[e]) सपा. °धीनाम्<>°धे इति पाभे.।

[f]) सपा. °धीनाम् (माश्रौ २,१,२,७ मागृ १, ११,६ च)<>°धीभिः इति पाभे.।

[g]) °धीषु इति GW. चिन्त्यः।

[h]) =सपा. माश १,२,२,२ माश्रौ १,२,३,१३। मा ६. २८ तै १,१,८,१ माश ३,९,३,२९ तैब्रा ३,२,८,१ शांश्रौ ८,९,२ आपश्रौ १,२४,५ तु अद्भिः इति पाभे.।

[i]) सपा. ऋ १०,९७,१६ विशिष्टः पाभे.।

२†; १२; १७, ७; १७; २६,८; ३०,५[४]; ३५, ७; ३७,१७; ४१, २; ४३,९; क २, १२; १५; ८, ३¶; २५, ३; २६, ६; २८, १; ४१, ६; ४८, ९; कौ २,३†; जै ३,१, ५†; शौ ६, २०, २; १०, ५, ३२; १२,३, ५९; १९,३,१; पै ३, ३१, १-८; १५, १७, ५; १६, ९५,२; १३१,८; १७,२१, ७; २४,८; १९, १२, ११; २७, ५;२०,८,३; २०,१; -धीम् शौ ८,२,६; ७, ६; पै ४,५,१; १६, ३,६; १७, १३, १०; १९, ३९, ११; -धीपु ऋ १, ५९, [३; ९१,४]; १०८,११; २,४,४; ३, २२,२; ५,८३,१; ६,३,७; १२, ३; ७,५६, २२; ६१,३; ७०,३; ४;८,९,५; ९,८४,३; १०,१,२; १६,३[a];५१,३; ७३,९;१८३,३; मा ९,२३;११,४३†;१२,४८†; १८,३६; १९,३३; का १०, ५, १;१२,४,६†; १३,४,४†; २०, १,७; २१, ३, २; तै १,७,१०, १; २,३,१३,१;१४, १†; ३,१, ४, १†[a]; ३, ९, १[b];¶५, २,४; ५, २; ४, १,४, २†; २,४,२†; ७,२[c]; ७, १२, २; ५,१,५,४†; ५, ९, ३; ¶६,२,८,४; ३,९,५; ७,१, १, २†; मै १, ६, २[२];८, २¶; १०, ७¶; ११, ४; ७¶; २, ३, १; ५, १०†[a]; ७, ४†; ११†; १४[c];१२,१; ¶३,१,५[२];

८; ४,३;८, ५;१०,७; ११,७$; ¶४, १, २; २, ३; ३,२; ४,७; १०, १†; १४, १५†; काठ ६, २¶[a]; ७,१३;१४;८,१७†;११, ११; १२,७¶; १३, ९†[a];१५†; १४, २; ७¶; †१६, ४; ११; १८,१३; १९, ५†; ३०, ८†[a]; ३१, १४; ३३, ७¶; ३५, १२; ३७,१७¶; ३८,२;४०,५; क ६, ३; २५, २†; २९, २; ३०,३†; ४८,१२; कौ १, ३३१†; जै १, ३४,९†; शौ १,३०,३; २,३२, ५; ४,२७,२; ६,५८,२; १०,४, २२; १२,१,१९; १८, २, ७†[a]; १९, ३, २; †२०, १३९, ५; पै १, १४, ३; ७०,२; ७९,१;९१, १;२,१५,५;७६,६; ४, ३५, २; ८,१०,१; १६,१७, २; १७, २, १०; १९, ९,३[e]; १०,७; २०, ४,२; -०धे मा ४, १; ५, ४२; ६, १५; का ४,१,२; ५,१०,४; ६, ३, ५; तै १, २,१, १; ३,५, १;९,२;६,३,३,२; ९,१; मै १, २, १; १४; १६; ३,६,२; ९,३; १०, १; काठ ३, २; -०धे ऋ १, १८७, १०; १०, ९७, २३[f]; मा १२, ९८-१००; १०१†; का१३,६,२४;२५†;१४,२,१३; काठ २,१; ३, ६; २६, ३; ४०, ८†; क १,१३; २,९; १३; ४१, १; शौ १,२३,१; ३; २४,३; २, २७,१-६; ३०,४; ३६,८; ४,६,

८; ७,६; १२, ५; १७, १; १९, २;४;२०,२;६[g];३७,१;१०; ५, १४,१;२; १५,१-११; ६,१२७, १; १३६,१; १३७,३; १३८,१; ८,६,९; १०; १९,३२, ३; ३४, ९; पै १, १६, १; २६, ३; ३८, ४; ६५,३; ६७,१; ६८,२; ९०, १; २,१,५; १६,१; १७,४;३२, २; ५८, ४; ३,१७,१; २; २२, २; ३; ६; २९, १; ४,५, २; ६; १५,४; २०,६; ५,१,७; ८; ८, ७; २३, १; २४,४; २५, २; ६, ८, १; ३; १६, १०†; ७, १,१; २; ८,५,१-११; ६,२; ५; ७,१; २;९; १८,११; ९,७,७; ११,३, ९; १२, ४, ३; १३,४,१; १४; १५, १५, १; ७; १६, २; १६, ७९,९; १०; १९, ४०, १; ४१, १७; ४८, १४-१६; ५०, ७-९; २०, २४,५; -ध्या शौ ४,१८, ५; १०, १, ४; पै ५,२४,६; ९, ३,९-१३; १६, ३५,४; -ध्याः[h] मा १,२५; का १,९,२; तै १,१, ९,१; काठ १,९;३१,८; क १,९; ४७,८; -ध्याम् पै २०, ५७, ९; १०.

औषध[i]- -धम् मै ३, ७,४¶; पै १,१००,२?[j]; २,७१,२?[j].

ओषधि-ज[k]- -जाः शौ १०,४,२३; पै १६,१७,५.

ओषधी-म(त् >)ती- -तीः शौ १९, १७-१८,६; पै ७,१६-१७,६.

a) =सपा. तैआ ६,१,४;७,३;९,२ माश्री १,८,३,३ । शौ २,३४,५ तु दिवं गच्छ इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ १०७७ *c* टि. द्र. ।

c) सपा. ओषधीषु <> तनूषु इति पाभे. ।

d) पाभे. कृते पृ १०७६ *a* टि. द्र. ।

e) सपा. ओषधीषु <> प्रजायाम् इति पाभे. ।

f) पाभे. पृ १०७७ *e* टि. द्र. ।

g) पाभे. पृ १०७६ *e* टि. द्र. ।

h) पाभे. पृ १०७७ *b* टि. द्र. ।

i) स्वार्थे अण् प्र. (पा ५,४,३७) तत्स्वरश्च ।

j) ओ° इति पाठे? यनि. शोधः ।

k) विप. (सर्प-) । उस. डाऽन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

ओषधी-संशित[a]– -तः शौ १०,५, ३२; पै १६,१३१.८.

ओषिष्ठ–, ओषिष्ठ-दावन्–, ओषिष्ठ-हन्– २ओष- द्र.

?ओषुचम्[b] जै २,१,६.

ओष्टृ[c]– -ष्टारो काठ ५०,१[d].

ओष्ठ[e]– -ष्ठः पै ६, १४, १; –ष्ठयोः पै १६, १४७,२; –ष्ठाभ्याम् तै ७, ३,१६,१; काठ २५, ९¶; ४३, ६; क ४०, २¶; –ष्ठेन मा २५, २; का २७,२,१; तै ५, ७,१२, १; मै ३, १५, २; –ष्ठौ ऋ २, ३९,६; खि २,१२,३; शौ १०, ९,१४; पै २,९०,२.

ओष्ठा(ष्ठ-अ)पिधा(न>)ना[f]– -नया पै ७,९,१०.

?ओस्राम् पै २,४०,३.

?ओस्स्यो[g] पै ६, २२,२४.

√ओह्, ओहते[h] ऋ ७,६६,१२.

†ओह[i]– -हम् ऋ १, ६१, १[j]; शौ २०,३५,१; –हेन ऋ १,१८०, ५[j]; –हैः ऋ ४,१०,१[k]; मा १५, ४४; १७,७७; का १६, ५,२६; १८,६,१३; तै ४, ४, ४, ७; मै १, १०, ३; २, १३, ८; कौ १, ४३४[l]; २, ११२७; जै १, ४२,८.

ओह-ब्रह्मन्[m]– -ह्माणः ऋ १०, ७१,८.

ओह*सान[n]– -नम् ऋ ६,१७,९.

ओहनुः आ√वह् द्र.

ओहस्[o]– -हसा ऋ ६,६७,९.

१ ओहान–, २ ओहान– √उह् (बधा.) द्र.

ओहिपे[p] ऋ ८,५,३.

औक्ष[q]– -क्षः शौ २, ३६, ७; पै २, २१,६.

औक्ष-गन्धि[r]– -न्धिः शौ ४, ३७, ३; पै १३, ४,३.

औक्षत्, औक्षन् प्रभृ. √उक्ष् द्र.

औचथ्य– √वच् द्र.

औच्चैःश्रवस– उच्च– द्र.

औच्छः, औच्छत् √उच्छ् द्र.

औदुम्बर– १उदुम्बर– द्र.

औद्ग्रभण–, औद्ग्रहण– उद् √गृभ्, गृह् द्र.

औद्दालकि– उद्दालक– द्र.

औद्भारि– उद्भार– द्र.

१औद्भिद–, २औद्भिद–, औद्भिद्य–, औद्भेत्र– उद् √भिद् द्र.

औपद्रष्ट्र्य– उप √दृश् द्र.

औपर– २*उपर– द्र.

औपवेशि– २उपवेश– द्र.

¶औपावि[s]– -विः मै १,४,५.

औपोदिति– उपोदित– द्र.

औभ्नात् √उभ् द्र.

और्णवाभ– १ऊर्णवाभि– द्र.

a) विप (विष्णु-क्रम-)। तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

b) पाठः? । सपा. ऋ २,३५,३ कौ ३,३,६ ऊ, शुचिम् इति पाभे.। c) नाप. (उप्टृ-)। व्यु.?।

d) पाभे. कृते पृ ८६३ *e* टि. द्र.।

e) नाप. (अङ्ग-विशेष-)। व्यु.?। <√उष् ⌊दाहे⌋ इति ⌊पाउ २, ४⌋; PW. GW. नैप्र. <अव-ष्ठ-<अव+स्थ– ⌊<√स्था⌋ इति। f) विप. (जिह्वा-)। बस.।

g) विप. (दम्पती-)। पाठे? अ-वश्य–> –श्यौ (प्र२ ⌊=अन्योन्यकामनारहितौ⌋) इति शोधः।

h) =√उह् ⌊प्रापणे⌋। यनि. प्रपु३ रूपम् द्र.। लगा. निघातार्थम् अदा. ङित्त्वम् उसं. (पा ६,१,१८६)।

i) बप्रा. स्थलेषु यथायथं संकेताः द्र.।

j) विप. [स्तोम- (तु. वें. सा. MW; वैतु.? PW. नाप. =भक्ति-, ORN. =स्तुति-, GW. =दान- ⌊वहन-साधन-⌋) इति]। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√वह् इति वें. सा., <आ√वह् इति MW., <√ऊह् (प्रापणे) इति GW., <√ऊह् (विचारणे, आदरे) इति? PW.। आ√वृध् >*आ-वर्धक–>नैप्र. इति मतम्।

k) भाप. (तु. वें. सा.; वैतु. MW. नाप. ⌊=वहन-साधन-⌋ इति)। शिष्टं *j* टि. द्र.। मस्थ. आ···ववृतीय इति पाठे? °धीय (<आ√वृध्) इति शोधः (पृ ७१४ *h* टि. द्र.)।

l) वैतु. BS. नाप. =स्तुति- <आ√वह् इति।

m) विप. (तु. सा.: वैतु. GW. नाप.)। बस.।

n) विप. (१अहि-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. भाप. <√सन् (तु. टि. अर्श-सान–: वैतु. पपा. नावग्रहः सा. प्रभृ. PW. वैतु. पृ. ३४७ *k* टि.)।

o) धा.?। भावे असुन् प्र. नित्स्वरश्च।

p) व्यु.?। <√उह् ⌊प्रापणे⌋ लेटि उपु१ रूपमिति वें. सा., √<ऊह् (शंगने, आदरे) इति PW. प्रभृ.। पूजायां तिङ्स्वरनिषेधः (पा ८,१,३९)।

q) नाप. (सुगन्धयुत-ओषधि-विशेष- ⌊तु. कौसू ३४, १४, सा. च⌋)। व्यु.?। <√उक्ष् ?W., <उक्षन्– इति इति PW.।

r) व्यप. (अप्सरो-विशेष- ⌊तु. W. MW.: वैतु. सा. ओषधि-विशेष-⌋)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्। उप. समासान्ते प्र. गन्ध–>गन्धि– (पा ५, ४,१३७) इति।

s) व्यप. [ऋषि-विशेष- ⌊=उपावि– (तु. ऐब्रा १,२५) जानश्रुतेय-⌋। व्यु.?। अपत्येऽर्थे इञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

और्णोत्, और्णोत् √ऊर द्र.

और्व[a]– -र्वाय तै ७,१,८

*और्व-भृगु[b]–

†और्वभृगु-वत् ऋ , १०२, ४; तै ३,१,११,८ । ४,११, २; काठ ४०,१४; कौ १,१८; जै १,२,८.

और्व-वत् खि ४,९,२.

औलान[c]– -नम् ऋ १०,९८,११.

औलूखल– उलूखल– द्र.

औशान[d]– -नम् ऋ १०,३०,९.

औशिज– उशिज्– द्र.

औषसी– उषस्– द्र.

औष्णिह– उष्णिह्– द्र.

औहत्, औहिष्ट √उह् (बधा.) द्र.

क

१क[e]– काय मा २०,४; २२,२०; का २१,७,३; २४,७,१; तै ३,२, ३,२; ७,३,१५,१; मै ३,१२, ५; काठ ३७,१३; ३८,४; ४३,५.

१काय[f]– -¶यः तै ७,५,१४,१; मै १,१०,१; १०[3]; काठ ९,४; ३६,५[2]; ४५,१०; क ८,७; -यम् ¶तै १,८,३,१; मै ३,१५, १०; -याः मा २४,१५; का २६,३,५; मै ३,१३,३.

२क[g]– कम् पै १६,४६,४; केषु पै १६,६१,९?[h].

३क[i]– >कम्

¶क(म् >)न्-ख– -खाय मै १, १०,१०; ३,३,६; काठ ३६,५.

४क,का– किम्– द्र.

कंस[j]– -सः पै १२,७,१३; -सम् पै १८,६,९; -साः शौ १०,१०, ५; पै १६,१०७,५.

कः नि √कृ द्र.

ककजा[k]

ककजा √कृ

ककजा-कृ(त >)ता– -ता शौ ११,१२,२५.

ककर[l]– -रान् मा २४,२०; का २६, ४,५; मै ३,१४,१; काठ ५०,४.

?ककर्दवे[m] ऋ १०,१०२,६.

ककाटिका[n]– -काम् शौ १०,२,८; पै १६,५९,६.

?ककुः[o] पै १९,३१,१४.

ककुठ[p]– -ठः मै ३,१४,१३[q].

<उपाव– इति PW. प्रभृ.। औपावृर्ज्जानःश्रुतेह इति सात. मुपा. चिन्त्यः।

[a]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?। <ऊर्व– इति सा. प्रभृ.।

[b]) द्वस. अन्तोदात्तः।

[c]) अर्थः व्यु. च ?। सा. व्यप. ⌊=शान्तनव-⌋ इति कृत्वा =कुरु– इत्यस्य गोत्रापत्य- (=*कौरवायण– > नैप्र. यनि. इतीव ⌊तु. MK. =उल– इत्यस्य गोत्रापत्य- इति⌋ ?)। नाप. =देवप्रसादन-यज्ञात्मकोपायन- (तु. ऋ ७,११,५ PW. GW. च) इति कृत्वा आ √वृ (वरणे) > नाप. आवृत– (स्) + (√धा >)ध– तस. =*आव- [illegible] > [illegible] यनि. इति विमृश्यम्।

[d]) [illegible] ⌊[illegible]-⌋)। व्यु. ?। < √[illegible] इति [illegible] PW. MW.।

[illegible] ?। आ ⌊१०,२२⌋ [illegible] ⌋ वेति [illegible] इति [illegible]

[h]) पाठे ? ख– > खेषु इति शोधः (तु. उत्तरो मन्त्रः)।

[i]) =सुख-। व्यु.?।

[j]) नाप. पुं. (कांस्य-पात्र-)। व्यु. ?। < √कम् इति (पाउ ३,६२ पाम १,१,६१; ४,१,१)।

[k]) हिंसायां डाजन्तम् अव्य.। शब्दानुकरणमिति Garbe ⌊KZ २३,४९५⌋। व्यु. ?। प्राभा. ककच–, नभा. किरच इत्येताभ्यां समूलत्वे सति < √कृ (हिंसायाम्) इति मतम् (वैतु. सा. बस., पूप. < √कक् ⌊लौल्ये⌋ इति वा =कुत्सार्थे अव्य. इति वेति, उप. < √अन् इति च ?)।

[l]) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु. ?।

[m]) स्वरूपम् ?। °र्दु– > च१ इति कृत्वा वें. =संग्राम- इति, सा. =हिंसन- इति, GW. < √कर्द् ⌊कुत्सिते शब्दे⌋ इति च। *कक– ⌊=चक्र–⌋ + द्रुव- ⌊भाप.⌋ > बस. *कक-द्रुव- ⌊=रथ-⌋ > चावि. > यनि. ⌊सप्त१⌋ इति मतम् (तु. ⌊तात्पर्यतः⌋ GRV. ORN. ?MWA. प्रभृ.)।

[n]) नाप. (=[illegible]टिका- ⌊पश्चाद्भव-शिरोभाग-⌋)। व्यु. ?। [illegible] > [illegible]– > यनि. इति मतम्।

[o]) [illegible] ?। [illegible] शौ ६,९९,१ कपिः इति पाभे.।

[p]) [illegible] ([illegible])। व्यु. ?। [illegible]– इति पाठस्य [illegible]

?कुकुत्सल[a]– -लम् शौ १८,४,६६.

ककुद्[b]– -कुत् ऋ ८,४४, १६; †मा ३, १२; १३, १४; १५, २०; †का ३,३, २; १४,१,१४; १६, ५,१; तै †१, ५, ५, १; ७, १; २, ४, ११,१¶; ३,१,६,३; ४, ३,५,१[c];१२,२[c];४,४,१¶; ५, २, ११, १[d]; ७, २, ५, ३[३]¶;मै †१,५,१;५;७,४; ४, २,१४[२]¶; †काठ ६,९; ७,४;९,२; †क ४, ८; ५, ३; ८, ५; †कौ १, २७; २, ८८२; †जै १,३, ७; शौ ६, ८६,३;९, ४,८; १२,५; १०,९, १९; पै ६, ९, १; १६, २४, ७; १३७, ९; १३९, ८; १८, १६, ५[e]; १९,६,१२; –कुदि शौ ३, ४, २; ७, ८०, ३; पै ३, १, २; १९,४०,७.

ककुद्-मत्– -मान् ऋ १०, ८, २; १०२,७; खि १,५, १०; तै १, ७,७,२[f]; काठ १३,१४[f].

ककुन्-मत्– -मान्[f] मा ९, ६; का १०,२,२.

कुकुद[g]– -दात् शौ १०, १०, १९; पै १६,१०८,९.

ककुन्ध[h]– -न्धाः पै १६,८०,१[i].

ककुभ्[j]– -कुप् मा १४, ९[c]; १५, ४[c]; २१, २१; २३, ३३[d]; का १५,३, ३[c]; १६,१, ५[c]; २३,२, १०; २५, ७, १[d]; मै १, ११, ७¶; २,८,२[c];७[c]; ३,११,११; १२,२१[d]; काठ १२, ४¶; १४, ८¶; १७,२[c];६[c],३८,१०; ५०, ५[d]; क २६, १[c]; ५[c]; शौ १३, १,१५[c]; –कुब्भिः मै २,५,१०; –कुभः ऋ १,३५, ८;४,१९,४; ८, २०, २१; ४१, ४; मा ३४, २४†; का ३३, १, १८†: ¶मै १, ११, ७; ३, ३, २; ¶काठ १२,४;१४,८[k]; कौ १, ४०४†; जै १,४५,६†: –कुभम् ऋ ७, ९९, २; मा २८,३३; का ३०,३, १०; ¶मै ३,९,८;४,५,३; काठ २६,९¶; क ४१,७¶; –कुभा मा २८,४४; का ३०, ४, १०; –कुभाम् ऋ ५, ४४, २; खि ४,९, ५; –कुभि तै ३, ३, ९, २; –कुभे मा २४,१३; का २६, ३,३; मै ३,१३,१८.

ककुभ्-वत्– वान् मै १,११,१[f].

ककुभ[l]– -भम् मा ८, ४९[m]; मै १, ३, ३६[m]; काठ ३०, ६[m]; -भाः शौ ८, ६, १०; पै १६, ७९, १०; –भाय मा १६,२०; का १७, २, ४; तै ४,५,३, १; मै २, ९, ३; काठ १७, १२; क २७,२.

ककुम्भ–

ककुम्भा(म्भ-अ)द्[n]– -म्भात् पै १९, ३२,११.

ककुह,हा[o]– -हः ऋ १,१८१,५; ३, ५४,१४: ५, ७३, ७;७५,४; ८, ६, ४८; ९, ६७, ८; काठ ३४, १६¶; –हम् ऋ ८, ४५, १४; का ८,२२,३[m]; तै ३,३,३,२[m]; ४, २[२]¶; –हाः ऋ १,१८४,३; –हान् ऋ २, ३४, ११; –हासः ऋ १,४६,३; ४, ४४,२, कौ २, १०८०; शौ २०, १४३, २;

a) प्राति. ?। पपा. नावग्रहः। सा. CA. ककुत्-स्थल– इति। कु–वत्सल– (=प्रेमहीन-) इति प्राति. मत्वा तत्परः शोधः ?।

b) नाप. (छन्दस्-, उन्नत-देश-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। ककुद्– : ककुभ्– इति WAG (१, १५६ *b*; २७७ *a* ⌊तु. पाभे.⌋)।

c) सपा. ककुत् <> ककुप् (माश ८,२,४,७;५,२,४ च) इति पाभे.।

d) सपा. ककुत् <> ककुप् इति पाभे.।

e) सपा. ककुत् <> ककुप् इति पाभे.।

f) सपा. ककुद्मान् <> ककुन्मान् <> ककुभ्वान् इति पाभे.। g) ककुद्– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

h) नाप. (पिशाच-विशेष-)। व्यु. ?।

i) सपा. ककु° <> कुकु° (सा. कुकु°) इति पाभे.।

j) नाप. (छन्दस्- प्रभृ.)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <√कुज् वा √उब्ज् वेनि या ⌊७,१२⌋, <√कुभ् इति दे. ⌊१,६⌋?, <३क– +√स्कुभ् इति मा. ⌊ऋ ३. ५४,१४⌋।

k) °कुभ–> यनि. इति मन्वानः SI. चिन्त्यः (तु. सपा. आपश्रौ १८,७,९ यत्र ककुद्–> -कुदः इति पाभे.)।

l) विप. (रूप-, रुद्र-), नाप. (कीट-विशेष- ⌊शौ. पै.⌋)। व्यु. ?। ककुभ– : ककुह– इति WAG (१, २१७ *b*; २१८, MVG ५८, २*b* ⌊तु. √ग्रभ् : √ग्रह प्रभृ.⌋)। नैप्र. <*ककुद्-भ– इति मतम्।

m) सपा. °भम् (माश ११,५,९,१० च) <> °हम् (आपश्रौ १२,८,३ च) इति पाभे.।

n) विप. (कृमि-)। उस.। पूप. व्यु. अर्थश्च ?।

o) विप. च नाप. (अश्वि-वाहन-) च। नैप्र. <ककुभ– इति (तु. *l* टि.; वैतु. वें. सा. ⌊ऋ १,१८१,५;३,५४,१४⌋ ककुह्– प्राति. इतीव ?)।

–हासु तै ३,३,३,१.

ककूरभ[a]– -भाः पै १६,८०,१.

कक्कट[b]– -टः मा २४,३२[c]; का २६,७,२[c]; काठ ४७,५[d].

कक्ष[e]– -क्षः ऋ ६,४५,३१[f]: मै १,८,२¶; काठ ६,२¶: क ४,१¶; -क्षम् तै ३,३,८,४¶; -क्षाः पै १३,१२,८; -क्षाणाम् मा १६,१९; का १७,२,३; तै ४,५,२,२; मै २,९,३; काठ १७,१२: क २७,२; -क्षात् ऋ १०,२८,४; -क्षे शौ ६,१२७,२; पै १,९०,२; -क्षेषु मा १६,७९; का १२,७,१४; तै ४,१,१०,३; मै २,७,७; काठ १६,७; पै १,४२,३; -क्षौ पै ५,३२,३[g].

१कक्ष्य[h]– -०क्ष्य मै २,१३,१२[i]; काठ ४०,३; -क्ष्याय मा १६,३४; का १७,५,३; तै ४,५,६,१; मै २,९,६; काठ १७,१४; क २७,४.

२कक्ष्य, क्ष्या[j]– -क्ष्यः ऋ ५,४४,११; -क्ष्या ऋ ७,१०४,६; १०,१०,१३; शौ ८,४,६; १८,१,१५; पै १६,९,६; -क्ष्याभिः ऋ १०,१०१,१०; -क्ष्ये ऋ १,१७३,६.

†कक्ष्य-प्रा[k]– -प्रा ऋ १,१०,३; मा ८,३४; का ८,८,१; कौ २,६९६; जै ३,५६,२३; -प्राम् ऋ ८,३,२२.

कक्षी-वत्[l]– -वतः ऋ १०,२५,१०; -वता ऋ १,[(११६,७) ११७,६(७)]; -वते ऋ १,५१,१३; ११६,[७;११७,(६)७]; ९,७४,८; -वन्तः ऋ १,१२६,४; -†वन्तम् ऋ १,१८,१; ११२,११; १०,६१,१६; १४३,१: मा ३,२८; का ३,३,२०; तै १,५,६,४; मै १,५,४; काठ ७,२; क ५,२; कौ १,१३९; २,८१३; जै १,१५,५; ४,३,७; शौ ४,२९,५$; पै ४,३८,४$; -वान् ऋ १,१२६,२; ३; ४,२६,१; ८,९,१०; खि ३,१५,३२[l][m]; ५,१,३; तै ५,६,५,३¶; काठ २२,३¶; शौ १८,३,१५; २०,१४०,५†; पै १९,१९,७; २०,४६,५;

कङ्कु[n]– -ङ्कः मा २४,३१; का २६,७,१; मै ३,१४,१२; पै १७,१४,२[o]; -ङ्काः कौ २,१२१४; पै १७,२२,१४.

¶कङ्क-चित्[p]– -चितम् तै ५,४,११,१; काठ २१,४; क ३१,१९.

कङ्क-पर्वन्[q]– -र्वणः शौ ७,५८,१[r].

कुङ्कत,ता[s]– -तः ऋ १,१९१,१[t]; शौ १४,२,६८[t]; -ते[u] पै १५,१८,९[v].

a) =कुकू° यद्र. । b) नाप. (प्राणि-विशेष-) । व्यु.? ।

c) पाभे. कृते पृ १०८० *q* टि. द्र. ।

d) सपा. कक्कटः <> कक्कटः इति पाभे. ।

e) नाप. । व्यु.? । < √गाह् वा √ख्या (=क्षा) वा √कष् (तु. पाउ ३,६२) बेनि या [२,२] स्क., < कश्-स इति WAG (१, ११६ *b* [तु. पंजा. कच्छ प्रभृ.]), < √कच् इति GW. [पक्षे] ।

f) पाठः? इति कृत्वा *उरु-कक्ष- (व्यप.) इत्येकपदपरः शोधः इति PW. GW., पदद्वये सत्यप्यर्थेन ऐकपद्यमिति WAG [२, २८८] । विमर्शस्तु वैग. द्र. ।

g) पाठे? कुक्षि- > -क्षौ [सप्त१] इति शोधः (तु. शौ [४,१६,३] कुक्षि- > -क्षी [सप्त१] इति पाभे. [यद्वयपि भूयोविमर्शः यद्र.]) ।

h) विप. (अग्नि-, रुद्र-) । नन्नित् यनि प्र. यना. स्वरः । i) °क्ष्य इति मात.? ।

j) विप. नाप. च । पाप्र. यना. स्वरस्य पाक्षिकोऽपवादः उसं. (पा०६,१,१८५) । कक्ष- > कक्षिक- > वैप्र. कक्षिअ > यनि. इति तु मतम् (तु. या [२,२]; वैतु. या [३,९] < √ख्या इति) ।

k) विप. (हरि-, रोहित-) । उग. विजन्तम् (तु. या [५,१५] स्क.; वैतु. मा. [ऋ १,१०,३] उप. कः प्र. इति?) ।

l) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु.? । < कक्ष्या- इतीव (पा ८,२,१२ पाम ६,१,३७)? ।

m) कु° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

n) नाप. (पक्षि-विशेष-) । व्यु.? ।

o) पाठः? कङ्कीर् एकाः पृषतीर् एकाः इति पाद-शोधः ।

p) व्यु. कृते पृ ८४८ *f* टि. द्र. ।

q) नाप. (दंशक-विशेष-) । बस. ।

r) सपा. कङ्क° <> ?गङ्ग° इति पाभे. ।

s) नाप. पुं. । व्यु.? । < √तक् (> कत्) इतीव मा.? । t) सपा. कुङ्कतः (कौसू ७६.५ RW. च) <> कण्टकः (शंपा. सात. पाभे.) <> कङ्कतः इति पाभे. । u) स्त्री. प्र२ ।

v) पाठे.? ये कङ्कते *वीरणका- > -के इति पाद-शोधः? ।

कङ्कत-द(त्>)न्ती[a]— -न्त्या पै ५, ९,१.

कङ्कद[b]— -दः पै १८,१३,८[c].

कुङ्कुष[d]— -षेभ्यः शौ ९, १३, २; -शे(?षे)भ्यः[e] पै १६,७४,२.

?‡कचा[f] पै १५, २०,३.

कुट[g]— -टः तै ५, ३,१२,२.

कटु[h]—

कटु-क[i]— -कम् ऋ १०, ८५, ३४; शौ १४, १, २९†; पै ७, १९; ३; १८, ३,८†.

√कण् (बधा.)[j]

कुण[k]— -णः शौ १०, ९, २६; पै १६,१३८,७; -णाः शौ ११,३, ५; पै १६, ५३,१०.

*कणूक[l]—

√कणूकय

कणूकय(त>)न्ती[m]— -न्तीः ऋ १०, १३२,७.

कुण्ट(क>)की[n]—

कण्टकी-का(र>)री— -रीम् मा ३०,८; का ३४, १,८.

कण्ठ[o]— -ण्ठः पै १७, २९,१०; -ण्ठे पै १६, १४७,४.

कण्ठ-लग्न— -ग्नम् पै १६,१४९,९.

कुण्ठ्य[p]— -ण्ठ्यम् मा ३९, ९; का ३९, ७,१.

√ कण्डू (*खर्जनात्मक-भेदने)

कण्डू—

√कण्डूय[q], ¶ कण्डूयते तै ६, १,३,८; मै ३,६,८[s]; काठ २३, ४; क ३६, १; ¶कण्डूयन्ते मै ३, ६,८; काठ २३, ४; क ३६, १; ¶कण्डूयेत तै ६, १, ३, ८; मै ३, ६, ८; काठ २३, ४[२]; क ३६,१[२].

कण्डूयमान— -नाय तै ७,१, १९,३; काठ ४१,१०.

कण्डूयित— -ताय तै ७, १, १९,३; काठ ४१, १०.

कण्डूयिष्यत्— -ष्यते तै ७, १,१९,३; काठ ४१,१०.

कुण्व,ण्वा[r]— -ण्व पै १, ८६, ३; -ण्वः ऋ १, ३६,१०; ११:१८, ४; १३९, ९; मा १७, ७४; का १८, ६, १०; तै ४, ६, ५, ४; ५,४,७,५¶; मै २, १०, ६; ३, ३,९¶; काठ १८, ४; २१,९¶; क २८,४; शौ ४,३७,१;७,१६, १; १८, ३,१५; पै ९, १०, ६; ११,२,६; १३,४,१; २०,३,४; -ण्वम् ऋ १, ३९, ९; ४७, ५; ११२,५; ८, ५,२५;७,१८; ८, २०, १०, ३१, ११; १५०, ५; शौ २,२५,३; ४, २९, ५; पै ४, १३,४; ६; ३८, ८; ७, ११,६; -ण्वस्य ऋ १, ४५, ५; ८, ८, [४; ८]; ३४, १; †कौ १, ३४८; २,११५७; †जै १, ३६, ७; शौ ६,५२,३; पै ४, १३, २[s]; १९, ७, ६; -ण्वा[t] पै ८, २, ८?[u]; १०,१,८; -ण्वाः[v] ऋ १, १४, २; ४९, ५; ८, २,१६; ३, १६; ६, ३; ८; २१; ३४; ४३; ३४, ४; †मै १, ३, ३९; काठ १३, १२; †कौ १, १५७; २, ६९; ६५८; ७१३; †जै १, १७, ३; ३, ७, ७; ५४, ११; ५८, १०; †शौ २०, १०,२; १८,१,२३,२;

a) नाप. स्त्री. (आयुध-विशेष-?)। वस.।

b) =कुङ्कत—। c) पाभे. कृते पृ १०८२ / टि. द्र.।

d) नाप. (शरीरावयव-विशेष-)। व्यु.?।

e) पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ. मूको. °खे° इति. षे>खे इत्याकारकं वावि. संकेतुकः पाठश्च)।

f) पाठे? गच्छा (=आ' 'गच्छ) इति शोधः?। सपा. ऋ २,३३,३ पूर्षि इति पाभे.।

g) नाप. पुं.। व्यु.?। <√कर्त् <√कृत् (वेष्टने) इति PW. WAG [१, १४६] प्रभृ.। < √कट् (आच्छादने) इति विमृश्यम्।

h) विप.। व्यु.?।

i) विप. (वाधूय- [=अन्न-])। स्वार्थे कन् प्र. निरस्वरश्च।

j) =√कन् (*अल्पीभावे)>कनीयस्— प्रभृ. यद्र.

k) नाप. पुं.। धा. भङ्गे (तत्फलेऽणूभावे च [तु. या ६,३०]) वृत्तिः। अप् प्र. उसं. (पा ३,३,१९ शक. कर्तरि अच् प्र. इति ?])।

l) व्यु. अर्थश्च। <√कण् इति MW.।

m) विप. (तद्- [प्रजा-])। अर्थः?। =दुःखिता-, परिदेवयन्ती-, निरुत्साहा- इति GW. BW. GRV. Gri., =आक्रोश-रूपं शब्दात्मककर्त्री- इति गा. MW.।

n) नाप.। व्यु.?। √कृत् (छेदने) >कृर्तक— इत्यस्य वावि. इति मतम्।

o) नाप. पुं.। व्यु.?। <√कण् इति (पाउ १,१०३)।

p) तात्रभविके यति प्र. यना. स्वरः। q) नाधा. यगन्तः।

r) बप्रा.। विप. च नाप. च व्यप. च। पुं., स्त्री. न. च। व्यु.?। <√कण् (बधा.) इति विमृश्यम्।

s) सपा. कण्वस्य<>दुर्णाम्नाम् इति पाभे.।

t) स्त्री. प्र१ द्र.।

u) सपा. कण्वा<>कर्णा इति पाभे.।

v) गोत्रापत्यार्थस्य प्र. बहु. लुक् उसं. (पा २,४,६५)।

१३८,३; पै १, ८६,१; २; ४, १३,३; ५; ५, ९,३?[a]; ६, १७, १०†; १९, ३६,१५; १६; २०, ५२, ७; -†०ण्वाः ऋ १, ३७, १; ८, ३२,१; तै ४, ३,१३,७; मै ४, १०, ५; काठ २१, १३; -ण्वान्[b] शौ २, २५, ४; ५; -ण्वानाम्[b] ऋ १, ४७, १०; ८, ८,३; -ण्वाय ऋ १, ३६, १७; ३९,७; ११७, ८; ११८, ७; ८, ५, २३; -ण्वाम् पैं ४, १३, ७; -†ण्वासः[b] ऋ १, १४,५; ४४, ८; ४७, २; ४; ८, २, ३८; ४, २; ५, ४; ६, ३१; ७, ३२; कौ २,५८२; जै ३,४७,८; शौ २०, १२०,२; -०ण्वासः[c] ऋ १,४६, ९; -ण्वे ऋ १, ३६,८;१९; ८. ४९,⌊१०; ५०,१०⌋; खि ३, १, १०; २, १०; †कौ १, ५४; †जै १,५,१०; ४, ८,५; पै ५, ९, ५; -ण्वेन शौ ४, १९, २; पैं ५, २५, २; १३, १०, ४; -†ण्वेभिः[b] ऋ ८, ३३, ३; कौ २, २१६; जैं ३, १९, ११; शौ २०, ५२,३; ५७,१६; -†ण्वेषु[b] ऋ १,३७,१४; ८,४,३;९,१४; ४९, ५; खि ३, १, ५; कौ १, २५२; २,१०७१; जै १, २६, १०; शौ २०,१४१,४.

काण्व[d]- -ण्वः पै ८,१५, २; -ण्वम् ऋ ८, २, ४०; खि २, १३,४; -†ण्वस्य ऋ ८, १, ८; ४, २०; ७,१९; ९,⌊३; ९,१०, २⌋; जै ४, १०, ६; शौ २०, १३९,३;१४०,४.

काण्वायनं[e]- -०नाः ऋ ८,५५, ४; खि ३,७,४[f].

¶कण्व-कश्यप[g]- -पेभ्यः काठ २८, ४; क ४४,४.

कण्व-जम्भ(न>)नी- -नी शौ २, २५,१; पैं ४,१३,१.

कुण्व-तम- -मः ऋ १, ४८, ४; १०,११५,५.

कुण्व-मत्- -मन्तमं ऋ ८,२,२२.

¶कण्व-रथन्तर[h]- -रम् काठ ३७, ६.

कण्व-वत् ऋ ८,६,११; ५२,८; खि ३, ४, ८; †कौ २, ८५१; †जैं ४,१२,४; शौ २, ३२, ३[i]; ५, २३,१०[i]; २०,११५,२†; पै २, १४,५.

कुण्व-सखि- -खा ऋ १०,११५,५.

कुण्व-होतृ- -ता ऋ ५,४१, ४.

कण्विन्- -ण्विनः पै १९, २८,१०.

कत[j]-

काल्य[k]-

काल्याय (न>)नी[l]- -०नि खिमा २६, २३.

कतम-, कतर- किम्- द्र.

?कतामुम्[m] पैं १६, ७७,३.

कुति- किम्- द्र.

कत्कट[n]- -टः तै ५, ५,१५,१[o].

कत्पय[p]- -यम् ऋ ५, ३२,६.

कथम्, कथा, कद्-, १कुदा, २कदा किम्- द्र.

?कदाधियः[q] खिसा २९,४८.

कद्रीची- किम्- द्र.

कद्रु[r]- -द्रुम् तैं २,१,४,२¶.

कद्रु[s]- -द्रुवः ऋ ८, ४५, २६; कौ १, १३१†; जैं १, १४, ७†; -¶द्रूः तै ६, १, ६, १[3]; २; मै ३, ७, ३[2]; काठ २३, १०[4]¶; क ३७, १[4].

काद्रवेय[t]- -यः तै १,५,४,१.

कद्र्यच्,ञ्च्- किम्- द्र.

---

[a]) पाठे? मा सहा असन्ति अभि, इतः कण्वाः परो नुदः। माया धना नाग-गता, याश्चेह गृहिणीः पुरः इति मन्त्र-शोध-पूर्वकः यनि. पद-शोधः द्र.।

[b]) विशेषः पू १०८३ v टि. द्र.।

[c]) पाठः वा. च?। कु° ⌊प्र ३⌋ इति मतम्? (तु. BL. ⌊२,४६४⌋, ORN. मंदिहान इव)।

[d]) अपत्यार्थे अण् प्र. (पा ४,१,११४) तत्स्वरश्च।

[e]) अपत्यार्थे फक्>आयनः प्र. उसं. (पा ४, १, ९९)। कित्स्वरः। [f]) क° इति पाठे? यनि. शोधः।

[g]) बहुवचनान्तानां द्वस.। [h]) नाप. (साम-विशेष-)।

[i]) सपा. तैआ ४,३६,१ कुण्वेन इति पाभे.।

[j]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?।

[k]) गोत्रापत्यीयः यञ् प्र.।

[l]) व्यप. (देवी-विशेष-)। स्त्री. ष्फ>आयनः प्र.।

[m]) पाठे? गत- + असु->⌊वस.⌋गतासु-> -सुम् इति शोधः द्र.। [n]) ककुठ- इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

[o]) पाभे. कृते पू १०८२ d टि. द्र.।

[p]) विप. (वृत्र-)। अर्थः व्यु. च?। पपा. नावग्रहः। -कुम् (=मुख-) >कुत् + पयस्->⌊स्वरानुपपत्तावपि⌋ वस. इतीव या ⌊६,३⌋ प्रभृ., =किम्->कुद्-+(√प्यै >)?*पय- >उस. इतीव PW. प्रभृ.। ="कुतुप-य- >⌊नैप्र.⌋ यनि. इति मतम् ⌊एवं स्थिते छन्दसोऽपि साधूभावः⌋)। [q]) पाठः स्वरश्च?। कदा (=कुद्-)-धी-> -धियः (=कुमतयः) इति कृत्वा वस. इति संभाव्येत।

[r]) विप. (⌊पक्वबदरवर्ण-, प्राजापत्य-⌋ पशु-)। व्यु.।

[s]) नाप. व्यप.। व्यु.?। [t]) अपत्यार्थे ढक्>एयः प्र.।

?*कुध[a]

कध-प्रि(यँ>)या[b]- -०ये ऋ १, ३०,२०.

कध-प्री[c]- -०प्रियः ऋ १, ३८, ⌊१;८,७,३१⌋.

?कध्वस्य[d] पै १९, ५२, १५.

√कन् (बधा.), चाकन्तु[e] ऋ १,१२२, १४; चाकनत् ऋ १०, ९१,१२; चाकनन् ऋ ८, ३१, १; १०, १४७,४; †चाकन्[f] ऋ १, ३३, ⌊१४; १७४,५⌋; २,११,३; १०, २९,१; ९५,४; १४८,१[g];४; शौ २०,७६,१; चाकन् ऋ १,१४८, २; १०, १३२, ४; चाकनन्त ऋ ५, ३१, १३[२]; चकनन्त ऋ १, १६९,४; चाकनः ऋ १,५१,१२; ८,५२,४; ६२, ४; खि ३,४,४; चाकन ऋ १, ५१,८;१२०,१०; चाकनाम ऋ २,११,१३; चाकन्यात् ऋ १०, ३१,४.

कानिषः ऋ ३, २८, ५; अकानिषम् ऋ ४,२४,९.

*कन[h]-

१¶कनिष्ठ,ष्ठा- -ष्ठः मै ३,१,३; काठ १९, २; क २९, ८; -ष्ठम् तै ५, १,५,५; काठ ३१, १४$; -ष्ठा तै ६, १,६, ४; ४, ११, ४; काठ २३,१०; क ३७, १; -ष्ठाः काठ १९, ५; २०, ८; क ३०, ३; ३१, १०.

कनिष्ठ-तम्(:) मै २, १,९¶.

कनि(ष्ठ-क>)ष्ठिका[i]- -का शौ १, १७, २; पै १९, ४,१६.

कनीयस्- -यः ऋ ४, २४, ९[२]; ¶तै ५,७,१०,२;३; ¶मै १,८, ४[२]; ३,३,२; ४,८;६,२; ७,१०; ८,२; ४, १, १२; ¶काठ ८,८; २२,१३;२४,९;३१,९; ¶क ७, २; ३८, २; ४७, ९; शौ ३, १५,५;१२, ४,६; पै १७,१६,५; -यः-ऽ-यः मै ३,६,२¶;-यसः ऋ ७, २०,७; ३२,२४; ८६,६; मै ¶१,८,४; ¶३, ३,२; ४,८; ४, १४,१७; कौ १, ३०९†; जै १, ३२,७†; पै २,३०,५; २०,३८, ८; ९; -यसा ¶तै ६, २,५,२; ६, ११, ५[२]; -यसे[j] मै २,९,६; -¶यांसः तै ५,१,४,३;२,९,५; ३, ११,१; मै ३, ४, ६; ४, २, १४; काठ १०, १०; २७, ९; -¶यांसम् तै ५, ६,८,२; ७,२, ५, ५; मै १, ८, ४; ३, ३, २[२]; ४,८; काठ २२, ७[२]; क ३५, १[२]; -¶यांस्मि तै ६, ६, ११, ५; मै ४, ७, ५; -यान् ऋ ४,३३,५; ¶तै ७, २, ७,१; ५, ४,१; ¶मै १, १०, १३[२]; २,४, २; ¶काठ १२, १२; ३०, ३; ३६,७; क ४६,६¶; -नीयोभिः मै ४, ७,५[२]¶.

¶कनीयसी- -सीः मै ३,४,६; -सीम् मै १, ८, ४; ३, ३, २; ४,८.

कनक्कक[k]- -कम् शौ १०, ४, २२[l]; पै १६,१७,२?[m].

?कनदान्…कनदेय[n] पै १९, ४८,८.

क(न>)ना[o]- -नायाः ऋ १०. ६१, ५⌊१०;११⌋;२१.

---

a) कथा इत्यस्य पर्यायभूतं *कुधा > हृगितान्तं सद् आद्युदात्तम् अव्य. स्यात्? (तु. टि. अध, अधा)।

b) विप. [उषस्- (=कथं-प्रिया- ⌊यस्याः प्रीतिरति-दुःसाधा⌋, वैतु. BW. =सदा-प्रिया-)]। तस. अन्तोदात्तः (तु. ORN. ?; वैतु. वें. पूप. √कथ्>कथ- (⌊भाप.⌋=कथन-) इति, सा. कथा- (=स्तुति-) इति, स्क. *क-भ्र- ⌊=आदित्य-⌋ इति ?)।

c) विप. (मरुत्-)। उस. (तु. टि. *अध-प्रिय-; वैतु. वें. तृस. पूप. कथ- इति, सा. उस. पूप. कथा-(=स्तुति-) इति, स्क. बस. इति कृत्वा *क-भ्र- ⌊=मेघ-, आदित्य-च⌋ इति, MV. कुध प्रियः इति द्वे पदे इति ?)।

d) पाठे? वध्वा (:) वृकस्य इति द्विपदः शोधः ?।

e) तु. सस्थ. टि. φ आ-जग्मिवस्- > -मुषी-।

f) वैतु. या ⌊६,२८⌋ शन्नन्तम् <√चाय् इति वा <√कम् इति वा, सा. ⌊ऋ १,३३,१४⌋ <√चक् इत्यपि।

g) सपा. चाकन् <> कोना इति पाभे.।

h) विप.। व्यु. ?। <√कन् (*अल्पीभावे) इति विमृश्यम्। पाप्र ⌊५, ३,६४⌋ <अल्प- इति।

i) विप. (धमनी-)। स्वार्थिके केऽणो ह्रस्व इत्त्वञ्च प्र. स्वरश्च।

j) सपा. कुनीयसे <> कनिष्ठाय इति पाभे.।

k) विप. (विष- ⌊वैतु. PW. प्रभृ. नाप.⌋)। व्यु. ?। <√कन् इति B. (तु. CA. ?)। <√*क्क इति मतम् (तु. पै. टि.)।

l) अप्रा ३, २,१६ अनु कनिक्रत्- > -क्रतम् इति पाभे. (तु. पै. मूको.)।

m) पाठः? शौ. भिन्नः पाठः संभाव्येत (तु. कनिक्रद्- > -दम् इति मूको.)।

n) पाठे? स्कन्धान् अस्य प्रस्कन्दासि, स्कन्धे यत् स्कन्दयामि(?सि) तत् इति शोधः द्र.।

o) नाप. (कन्या-)। व्यु.?। <√कन् (कान्तौ आह्लादने वा ⌊तु. √ चन्⌋) इति मतम् (तु. पंजा. चन्न, Eng. *child* ⌊बाल-⌋ इति)।

कनानक[a]- -काभ्याम् तै ५,७,१२,१[b].

१*कनि[c]-

१कनीन[d]- -†नः ऋ १,११७,१८; ३,४८,१; ८,६९,१४; १०,९९,१०; शौ २०,९२,११; -नाः खि ५,५,६.

२कनि-

कनी[e]- -†नीनाम् ऋ १,६६,४; ११६,१०; १५२,४; १६३,८; २,१५,७; ५,३,२; खि १,५,७$; मा २९,१९; का ३१,३,८; तै ४,६,७,३; काठ ४६,३.

१*कन्य[f]-

कन्य-(न>)ना[g]- -ना खि ४,७,४[h]; -नाम् ऋ ८,३५,५.

कन्य-(ल>)ला[i]- -ला[h] खि ४,७[2],५, शौ ५,५,३; पै ६,४,५; -लाः शौ १४,२,५२; पै १८,१२,१.

२क(न्य>)न्या[j]- -न्यया पै ७,१३,१०; १५,१९,९; -न्या[k] ऋ १,१२३,१०; १६१,५; ३,३३,१०; ६,४९,७; ८,९१,१; ९,५६,३; १०,१०७,१०; खि ५,१३,३[l]; ४[l]; †तै ३,१,११,८; ४,१,११,२; मै ४,१४,३†; काठ १७,१८†; शौ १,१४,२; ६,२२,३; १०,४,२४; ११,७,१८; १४,२,२२; शौ २०,१२८,८;९; पै १,१५,२; ८७,१; ४,२६,१†; १६,१७,६; १५४,८; १८,९,४; १९,२२,१२; -†न्याः ऋ ४,५८,९; मा १७,९७; का १९,१,१०; काठ ४०,७; पै ८,१३,९; -न्यानाम् शौ २,३०,४; पै २,१७,४; -न्यायाम् शौ १०,३,२०; १२,१,२५; पै १६,६५,१; १७,३,६; -न्यासु ऋ ९,६७,[१०-१२]; पै २,३४,१.

कनिष्कन् √स्कन्द् द्र.

१कनिष्ठ- १*कन- द्र.

२कनिष्ठ[m]- -ष्ठः ऋ ४,३३,५; मै १,८,४¶; काठ ६,४¶; क ४,३¶; शौ १०,८,२८; पै १,८६,१; ४,१६,५; १६,१०३,५; -ष्ठाय[n] मा १६,३२; का १७,५,१; तै ४,५,६,१; काठ १७,१४; क २७,४.

***कनीत**[o]-

कानीत[p]- -तस्य ऋ ८,४६,२४; -ते ऋ ८,४६,२१.

२कनीन[q]-

१कनीन-क,का[r]- -कः ऋ १०,४०,९; -का ऋ ४,३२,२३[s].

२कनीनक,का[t]- -कः मा ४,३[u]; -कम् मा ४,३२[v]; -का[u] का

a) नाप. (अक्षि-तारक- [=२कनीनक,का-, कनीनिका-])। व्यु. ?। <अक्ष- (=नेत्र) + *नानक- (=तारक-) इति तस. स्वरतो भूयो विमृश्यम् ।

b) सपा. कनानका<>कनीनका°<>कनीनिका° इति पाभे. । c) भाप. <√ कन् (कान्तौ)। यनि. प्राति. पृ ५३१ n टि. २*किन- इत्येवं संकेतितम् ।

d) विप. (इन्द्र-, जार- प्रभृ.)। ईनः प्र. उसं. (पा ५,२,११४) तत्स्वरश्च (वैतु. स्क. कन- (कर्तरि कृत्) + स्व >ईनः (स्वार्थिकः) इति, सा. √कन् + ईनः प्र. औणादिकः, [पक्षे] च <२कनिष्ठ- इति)।

e) नाप. (कन्या-)। व्यु. कना- टि. द्र. ।

f) भाप. । तद्धितः यः प्र. उसं. (पा ५,१,१२६)।

g) =कन्यला-। नाप.। मत्वर्थे तद्धितः नप् प्र. उसं. (पावा ५,२,१००)। h) सपा. °ना <> °ला इति पाभे. ।

i) =कन्यना-। लप् प्र. उसं. (पा५,२,९७) इत्येव विशेषः।

j) नाप. (कन्या-)। स्वार्थे अप् प्र. इवर्णलोपाऽभावश्च उसं. [पा ५,४,३८; ६,४,१४८ (वैतु. या [४,१५] √ कन् इत्यस्य √कम् इत्यस्य वा कृदुवृत्तमिति वा, <क + [√ नी >] ने [य>] या- इति वा)] ।

k) =*कनियन्- इत्यस्य प्र१ इतीव प्रतिपादुकः BDG [२,२२४a] विमृश्यः । l) स्वरे? यनि. शोधः ।

m) विप. (युवतम- [तु. पा ५,३,६४])। १कनिष्ठ- (=अल्पतम-) इत्यतः यनि. स्वरविवेकः (तु. फि [२२])। व्यु. ?। कनिषु तिष्ठते स्वं भावं प्रकाशयति (=प्रकाशयितुं समर्थः) इति कृत्वा २कनि- + (√स्था>) स्थ-> [उस.] यनि. इति विमृश्यम् । पाप्र. <युवन्- इति ।

n) पाभे. कृते पृ १०८५ j टि. द्र. ।

o) व्यप. (पृथुश्रवसः पितृ-)। व्यु. ? ।

p) व्यप. (पृथुश्रवस्-)। अपत्यार्थे अण् प्र. (वैतु. सा. [पक्षे कन्या- >] =कानीन- इतीव?)।

q) नाप. (युवन्-, कन्या- [तु. या ४,१५])। व्यु. ? ।

r) स्वार्थिकः कः प्र. तत्स्वरश्च । s) °कैव इति संपा. °के। व इति R. [ZDMG ४८, ६८३] । t) नाप. (कनानक-)। इह उप. =*नीनक- इति विशेषः ।

u) सपा. °नकः<>°नका<>°निका इति पाभे. ।

v) सपा. °नकम् (माश ३,३,४,८ च) <> °नकाम् <> °निकाम् इति पाभे. ।

४,२,१; –काभ्याम्[a] मा २५,१; २; का २७, १,२; २,१; –काम् का ४, १०,३[b].

कनीनि(क>)का[c]– -का तै १, २,१, २[d]; ६,१,१,५¶; मै १,२,१;३, ६, ३¶; ४, ६,३¶; काठ २, १; २७,८¶; क १,१३; शौ ४, २०, ३; पै ८, ३,८; ६,३; –काभ्याम्[a] मै ३, ५, १; २; काठ ५३, २; –काम् तै १, २,४,१[b]; ६,१,७, ३[b]; मै १,२,५[b]; काठ २,६[b]; क १, १९[b]; पै ३, ९,४; –के ¶तै ७, २, ९,१; २[३].

कन्त्व– ३क- द्र.

?कं ने च दु न्दं का पै १३,५,१३.

कपट–

√*कपठ्य

कपट्यु[e]– -ठ्यवः पै २,५८,४.

?कपना[f] ऋ ५, ५४,६.

कपर्द[g]–

कपर्दिन्[h]– -र्दिनः ऋ ७,८३,८; मा १६,१०; ५९; का १७, १,१०; ८,१३; तै ४, ५, १, ४; ११,१; मै २, ९, २; ९, ९; काठ १७, ११; १६; क २७,१; ६; –र्दिनम् ऋ १,११४,५; ६,५५,२; –र्दिने ऋ १,११४,१; ९,६७,११; मा १६, २९; ४३[1]; ४८†; का १७,४,३; ७,२[1]; ८, २†; तै ४, ५, ५, १; ९,१[1]; १०,१†; मै २,९,५; ९†; काठ १७, १३; १५[1]; १६†; क २७, ३; ५[1]; ६†; –र्दी ऋ १०, १०२,८.

कपाल[i]– -लम् तै २, ६,३, ५¶; ¶मै १,४,१३[२]; ४, १, ८; काठ ३१, ६¶; क ४७, ६¶; शौ १०, २, ८; पै १६, ५९, ६; –लानि तै १,१,७, २; ५, १०, ३; ¶६,८, ३:९,३; २, ६, ३,४¶; मै १,१, ८; २,३, ७¶; ४, १, ८; ९[२]¶; काठ १,७; १०,१०¶; १२,४¶; ३०,१[२]¶; ३१,६[२];¶; ७[२]¶; ¶क ४६, ४[२]; ४७, ७[२]; शौ ९, १३, २२; पै ३,१७,५; १६,५५,१२; –ले का २,५,२; पै ९, १०, ३; १३,१४,१७; –¶लेषु तै २,३, ६,२;७,३; काठ १२,५; –¶लैः तै २, २, ९, ७[२]; ५, १, ६,२; ९,३; मै १, १०, २०; २, १, ७; ३, ३; ४, ८, ५; काठ १०, १[२]; १२,१; १९,५; ७; २९,३; ३६,१४; क ३०, ३;५.

कपि[k]– -पिः ऋ १०, ८६, ५[1]; काठ ३५, १८; क ४८, १३; जै ४, १०,३; २४,८; शौ ३,९,४; ४, ३७, ११; ६,४९,१; २०,१२६, ५†; पै ३,७,५; १३,४,१६.

¶कापेय[m]– -याः काठ १३, १२; २९,१०; क ४६,३.

कपिञ्जल[n]– -०ल खि २,२,१; पै २०, ४६, ७-१०; –लः मा २४,३८; २६, ८,३; तै २, ५,१, २¶;५, ५, १६, १; मै २, ४,१¶; ३, १४,१९; काठ १२, १०¶; ४७, ३; –लान् मा २४,२०; २५,३; का २६,४,५; २७,३,१; तै ५,७, १३,१; मै ३, १४, १; १५, ६; काठ ५०,४; ५३,३.

कपिल[o]– -लः खि २, १, ७; –लम्

a) पाभे. क्रते पृ १०८६ *b* टि. द्र. ।

b) पाभे. क्रते पृ १०८६ *v* टि. द्र. ।

c) =कनीनक– । इह उप. *नीनिक– इति विशेषः ।

d) पाभे. क्रते पृ १०८६ *u* टि. द्र. ।

e) नाप. । उः प्र. । एवं स्थिते **वि द्यौर्वि पृथिव्यतत (<√तन्), व्ययांस् त्वत् कपठ्यवः । व्या ओषधे परिस्पृश्य, अग्निरिवि तं दहेह** इत्येवं शोध-पूर्वकं सपठेय-मनुष्टुब् द्र. ।

f) स्वरूपम् ? । =*कपन- [=कम्पन– (<√कम्प्)] इत्यतः नाप. पुं. क्रिमिपर्यायभूतस्य (विप. वा सतः [तु. पक्षे सा.]) प्र ३ (=ना:) इतीव या [६, ४] प्रभृ.; PW. GW. प्रभृ. °ना- [स्त्री.]> -ना (प्र१) इति (तु. ऋ १०, ६८, १०) । √*कप् (आच्छादने)> *कपन– इत्यस्य (न. वस्त्रपर्यायस्य च सतः) द्वि३ इति तु विमृश्यम् (तु. पपा.) ।

g) नाप. । व्यु. ? ।

h) नाप. । तद्धित इन् प्र. तत्स्वरश्च ।

i) सपा. कपर्दिने <> शिखण्डिने इति पाभे. ।

j) नाप. । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√कम्प् इति (पाउ १,११८ [तु. पक्षे अभा.]), <क– (=शिरस्-) + √पालि इति अभा. ?, कपोल– इत्यनेन समूलतेति WW [१, ३४६] ? ।

k) व्यप. नाप. च । व्यु ? । <√कम्प् इति (पाउ ४, १४४), WW [१, ३७९] <√कुप् इति ।

l) प्रकरणतः = वृषाकपि– ।

m) अपत्यार्थे ढक् > एयः प्र. ।

n) नाप. (पक्षि-विशेष-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <कपि– + √जॄ वा √जु वा, <क (=कु [अव्य.]) + पिङ्गल– इति या, क- (=कमनीयशब्द-)+ √पिञ्ज् इति वा या [३, १८] ।

o) विप. व्यप. (मुनि- [खि.]) । व्यु. ? । <√कम् इति (पाउ १,५५), <कपि– इति ?PW. प्रभृ. ।

ऋ १०,२७,१६.

कपिल-ज(ट>)टी[a]- -टीम् खि ७, ७,६.

¶कपिवन[b]- -नः मै १, ४, ५; काठ ३२,२.

†?कुपृथ[c]- -पृथ् ऋ १०, ८६, [१६; १७], १०१, १२?[d]; खि ५,२२, ११; शौ २०, १२६, १६; १७; १३७,२.

?†कपृथ[e]- -थम् ऋ १०,१०१,१२; खि ५, २२, ११: शौ २०, १३७,२.

कपोत[f]- -०त पै १९,१३,१७; -तः ऋ १,३०,४;१०,१६५,१-४; मा २४, ३८; का २६, ८, ३: तै ५,५, १८, १: मै ३, १४, १९: काठ ४७, ८; †कौ १, १८३; २, ९४९; जै १,१९,९†; †शौ ६, २७, १;२; ३; २९,१; २०, ४५,१; †पै १९, १३, १३-१५; २७, ११; ४८, ३; -†तम् ऋ १०, १६५, ५; शौ ६, २८, १; पै १९, १३, १६; -तान् मा २४, २३; का २६,५,३; मै ३, १४, ४; -ताय खि ५,२१,२[g]; शौ २०,१३५,१२.

कपोतो(त-उ)लूक[h]- -काभ्याम् शौ ६, २९, २[i]; -कौ पै १९, २७, १२[i].

कपोल[j]- -लौ खि २,१२,३.

१कफोड[k]- -डौ शौ १०, २ ४: पै १६,५९,४.

२कफोड[l]-

काफोडि- -डिः क ३९,५[m].

कब(,व)न्ध[n]- -न्धम् ऋ ५, ८५,३; ८,७, १०: ९, ७४,७; शौ ९, ४,३; १०, २,३: पै १६,२४,३; ५९, ३; -न्धस्य पै १९, २०, १०.

कवन्धिन्- -न्धिनः ऋ ५,५४,८.

कब्रु,ब्रू- -?ब्रू[o] शौ ११, ३, ६: -ब्रू (?ब्रूः)[p] पै २०,५६,९.

√कम्,> कामि, काम्यते ऋ ६, ७५,६; मा २९, ४३†; का ३१, २,१०†; ¶तै १, ५, ९,५; २, ५, ५,६; ४, ६, ६, २†; ७, १, १, २; ४, ५, १; ¶मै ३, २, १०[२];३,४; ४, ६[२]; १६,३†: ४, १, ७: ¶काठ १२, १३[२]; २३, २[२]; ३; कामयते मै ४,५,७¶; ¶काठ ६,४; ७, ९; १२, १३; २४,१; २५,७[२]; ३१,१५: ४६, १†; ¶क ४, ३; ३५, ८[२]: ३७, २; ३९,५[२]; पै ३,२८, ४; १५, १०,६†: कामयन्ते शौ ४, २४, ५: कामयन्ते ऋ ५, ४४, १४; १५; तै ६, १, ६,६¶; †कौ २, ११७६; ११७७; पै ४, ३९, ५; ५, २१, ४: ¶कामयन्ति काठ ३४,८: †कामये ऋ १०, १२५, ५; खि २,१०,७: ३, १५, ११; शौ ४, ३०, ३; तै २,३,९,१; २; मै २, ३, २[४]: ¶काठ १२,

a) नाप. (देवी-विशेष-)। बस.।

b) व्यप. (भौवायन-)। व्यु.?। <कपि-+√वन् उस. इति विमृश्यम्।

c) नाप. (शेप-)। प्राति. व्यु. च?। पपा. नावग्रहः। <३कु-+√पृ इति सा.?, <४कु-+√पृथ् इति PW. GW. WAG [२,३४] प्रभृ.।

d) कुपृथ्नरः इति पाठे? कुपृत् नरः इति द्वि-पदः पपा. अपि?। *कु-[=शब्द-]+पृथ->उस. (=कवि-) +नृ->*कपृन्नृ- (तस.)> सं३ (तु. e टि.) इति विमृश्यम्।

e) स्वरूपम्?। वें. =स्त्री-प्रजनन- इति। सा. (विप. ? [इन्द्र-]) इति कृत्वा PW. GW. GRV. प्रभृ. [नाप.] च =कुपृथ- इत्यतोऽविवेचुका इति (तु. ककुद्-: °कुद्-; ककुभ्-: °कुभ्-)। नैप्र. =*कवि-ध्र- (=काव्य-) उप. इति कृत्वा 'हे कपृन्नरः [=कवि-पुंगवाः]! कपृथं (वाग्भरं) उद्-दधातन' इति वा. इति मतम्।

f) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√कब् इति (पाउ १, ६२)। ४कु-+पोत- इतीव ?MW.।

g) कु° इति स्वरे? यनि. शोधः।

h) द्वस. अन्तोदात्तः।

i) सपा. °काभ्याम्<>°कौ इति पाभे.।

j) नाप. (वदनैकदेश-विशेष-)। व्यु.? (तु. टि. कपाल-)। नैप्र. <*गण्ड-पोल- इति विमृश्यम्।

k) नाप. (शरीरावयव-विशेष-)। व्यु.?।

l) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?।

m) सपा. काफोडिः<>काहोडिः इति पाभे.।

n) नाप. (मेघ-, उदक- [निघ १,१२] प्रभृ.)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <कवन- (=उदक- [निघ १,४])+√धा वा ३क-+√बन्ध् वेति या [१०,४]। ऋ. वकारविशिष्टः पाठः।

o) पाठे? *का-मरुत्- (=मन्द-वायु-) >-रुतः इति शोधः (तु. टि. रुमुत्; वैतु. सा. नाप. [प्राणि-विशेष-] इति?)।

p) पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

२^{३}; ‡[a]कौ १, ८; २, ५१६; ‡[a]जै १, १, ८; ३, ४०, १२; शौ ६,४५,१; पै १, ४३,१; ३, ३७,१; ६,६, ५-७; ८,११,११; १९, ३६,४; ३८, २; २०, ४६, ४; ५८, ४; ६१, १; कामयामहे शौ १२, १, ४०; १९, ३२, ८; पै १, १००, ३; २, ७८, १: ८, १२, १०; १२, ४, ८: १७, ४, ८; १९, ३८, ३; कामयातै काठ ३१, १४: कामयासे ऋ १०, १२४,५; कामयाध्वे ऋ २, १४, ८; कामयन्ताम् तै २, ३, ८,१: ९, २; मै २, ३, २^{४}; काठ १२, २^{३}¶: कामयन्तु पै २, ६२, २: कामय पै १७, २९,४९: कामय-कामय पै १९,२९,६: ¶अकाम-यत मै १, ६,७; ३,२,१०^{२}: ३, ४ ; ¶अकामयत तै २, १,१,४: ३, १,१,१^{३}: ५, ५,२,५; ७,१, १,४; १०,१: २^{२}; २, २, १: ३, १; ५,१; ९,१; ३, ८,१: ४, १, १; ३, १: ७,१; ५, ८, ३: ¶मै १, ९,३; १०, ५^{२}; १४: २, ५, ११^{३}; ३, १०,६: ४, २, १; ३: काठ ८, ५[b] : ९, ११ ; १६^{२} : १३,५;१३^{३}: २०, ११; २९,९: ३४, ७^{२}; ८ ; ९ : १३ : ३५, २०^{२} : ३६, ८ ; ३७, १ : क ३१, १३; ४८,१८^{२}: ¶अकाम-येताम् तै ७, १, ४,१: अकाम-यन्त मै १,१०,१३¶; ¶अकाम-यन्त तै ६, २, ८, १^{२}; २^{३}; ७, २, ६,१; ३,४,१; ९,१; ४, २, १ ; ६, १ ; मै १, १०, १७: ३, ८, ५^{३}; ४, २,१: काठ २५, ६^{६}; २६, ६; ३४, ९^{२}; ३६, ७; ११; क ३९, ४^{२}; ४१, ४; ¶कामयेत तै १, ६, १०,४; ५; ७, १,३; ४; २, १,२,३; ६, १; २,३,२; ४,१^{२}; २; ४; ५: ८,३; १०, ५; ११, २; ३; ३, २, ४; ३, ५; ४,१: २; ६, १; ११, १; ४,१३,१; ५,७,४; १०,१; ११, ७; ३, १, ३, २; ४, ३, ३: ४: ८,५: ५,१,१,१· २; ३^{२}; ४,५; ९,४; २,१,४; ६, ३;४; ८, ४^{२}; ९, १-४: ३, १, ४^{२}: ६, ५, ४; ५; ८ , १ ; २ : ११ , १ : २ ; ३; ५, १, ५^{२}; ७, १०, २: ३^{२}; ६,१,९, २^{२}: २,३,५^{२}: ६,१; ४; ३, ३, ४^{२}: ५; ६, ६^{२}; ५: ६^{२}; ११, ५^{२}: ६, ५, ५: ६: ६, ४^{२}: ५,१,४: ५^{२}; ६,४,२: ३^{२}; ५,३: ४; ७, २, ७, १ : ९, १; मै १, ६, १२^{२}: १६; १५: ५, १२: ६, ४: ८^{२}: ९^{२}: ११^{२}; ८, ३: ४^{२}: २, १,२: ६: ९^{२}: १०^{२}: ११: २, ३: ५: ९^{२}: १०: १२: ३, २^{२}; ५. ७: ११^{२}; ३, १,१^{३}:३:५:९^{४}; २. ५: ७^{२} : ३, ७: १०^{२}: ४, ७: ६,१^{२}: ७, १०^{२}: ८, ४^{४}: ९^{२}: ९, ४^{२}; ४, ५. ५^{२}: ७: ६. २^{३}; ३: ५^{३}: ८^{२} : ९^{२}: ७. ९^{२}: ८, ६: ९: काठ १०, ७ : ११^{२} : ११, ३ : कामयेत ¶काठ ६. ४: ७.९: ८, १^{२}; ९, १;१७; १०, ३: ६^{२}: ८; ९; ११,२;४^{२}; १२. २^{२};१३, ४; ५^{२}; १३ ; १८. १९^{२}; १९, ४; १०; ११; २०, ४^{२}: ८^{२}: १०^{२}; २१,४^{२}: १०^{४}: २२, १२^{२}: २५, २^{२}; ३; ५^{२}: १०^{२}; २६, ४; ६^{२}: ९; २७, १^{२}; ४; ५^{२}; ६; १०^{३}; २८,१^{४}; ६; २९,३;६; ८^{६}; ३०, ३; ३१, ५; १२; ३२, ६; ३७, १४; ¶क ४, ३; ६, ६^{२}; ८, ४; २९, ७^{३}; ३०, २; ८; ३१, १; ६^{२}; १०^{२}; १२^{२}; १९^{२}; ३५, ५; ३८,५^{२}; ६: ३९, २^{२}; ४०, ३^{२}; ४१, २; ४^{२}; ७; ४२, १^{२}; ४; ५^{२}; ६; ४४,६: ४५,४;७; ४६, ६; ४७,५; पै १६, ११९,१-३. कमितारः काठ ३६, ९¶; अची-कमत खि ५,७,४,१६.

क़ाम[c]– -ॖम मा ७, ४८^{२}; का ९, २,९^{२}; मै १, ९, ४; ¶काठ ९, ९;१२: क ८,१२; शौ ३,२९,७; पै १, ३०, ६: –ॖम शौ ९, २, ३^{२}: ४^{२}:५; १०; १६-२५; १९, ५२,१: २:५; पै १, ३०, १; २; ५: ३,२७,१; १६, ७६,३^{२}; ४; ८: ९: ७७, १ : ६-८; ७८ , १-६: ७; २०, ४९, ६; –मः ऋ १,१७९,४: २,३८,६: ३. ३०, १९: ५४, २; ४, ४३, [७: ४४, ७]: ५. ४२,१५: ६१, १८; ७, २०,९: ९७,४: ८, ७८, ९: ९, ९७,[(१,११०. २) ४६]: १०, १०. ७; १२९, ४: खि २, १०, ७: ३, १५, १८: मा ७, ४८^{२}; १२. ११७: १८, ८ ; २६. २; का ९,२,९^{२}; १३.७, १६; १९, ३,४: २८, १,३; तै ¶२,२,३, १^{२}:३,३,३^{२}: ३, ४,३,५¶: ७, ३: ४,१,३,१; ¶ मै १,२,३$; ९,४^{६}; २,१,२;११,३$; ३, १, १०^{२}: ३,१०^{२}; ४, २,३^{२}; ४,६; ८, १; ८; ¶काठ ९, ९^{४}; १२^{६};

a) त्वां कामये इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ८,११,७ मा १२,११५ का १२,७,१४ त्वांकामया इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ १२४ *u*' टि. द्र. ।

c) घञि प्र. आद्युदात्तः (पा ६,१,२०३) ।

१७,१८; १८, ८; १९, ९; ३७, १६; क ८,१२[४]; २८,८; कौ २, १०६०; शौ ३,२५,२; २६, २; २९,७[४]; ६, ३६, ३; ९, २, ७, ११; १९; ११, ३, ३; १८, १, ८†; १९, ४, ४; ५२, १†: ४; २०, १४३, ७†; पै १, ३०, १; ४; ६[४];२,५६,३;३,११,३;४०, २;५; ९,२५,२; ५;११: १२,७, १२[२]; १३,३,१२; १६, ४८,४: ५३, ८: ७६, ६: १०; ७७, ८; ११२, ७; १९, ४, ३; २४, ९; ४२,७; २०, ३६, ६; ४९, ४†: –मम् ऋ १,१६,[९; ८,६४,६]; ३०, १५; ५३,३; ५४, ९; ५७, ५; ८५, ११; १४३, ६: १७८, १; २,२०,४; ३, १४, ५: ३०, [२०: ५०,४]; ४९, १; ५०, १; ४,२३,५; ५, ३२, १२; ७४,५; ६, ५,७; ४५, २१; ७, ३२, ७; ३९,६; ६२,३: ८,२, ३९;१९, १८; २४, ६; ७९, ५: ९९, ४; ९, ८,१; १०, २९, ५; ३४, ६; ४२,६; ४३, २: ५४,५; ६१,६; ६६, १४; ९६, ७; १०६, ११; खि १, ८, ३; २, ६, १०[a]; १०,७; मा १२,७२; †१८,७४: ७५; ३९, ४[a]; का १३,५, ११; †२०, ५, ७; ८ ; ३९, २, २[a]; तै १,२,६,१[b]; ३,१४,३†;¶२, १, २, ४; २, ३, १; ३, ६, २;

५,१, ५[३]; ६; ४, ५; ६, ८, १[२]; ४, २,५, ६; ५, ४, ९, ३¶; ७, १९,१; ¶७,१,१,२; ५, २, १; ¶मैं १, ६, ७[३]; २, १, २[२]; ४; ५, ६; ७;७,१४$:१३, १३; ३, २,५$; ३,४;५,५:७,४[२]; ८,५[५]; ११,१०$; ४, २,३[३]; ७; ५,७[२]; ७,४; काठ ७, ५[५]: ९; १०, ३; १२, १३ ; १३, १: १६, १२; १९, ९;°२२, ८[२]; २३, २[५]; ५; २४, ५[२] : २६ , १०[२]; २७, १: ३३, १: ३८, ५ ; ४०, ३ ; ५३,९ : ¶क ५. ४[२]; २५, ३$; ३०, ७: ३५ , २[२] ; ८[२] ; ३७, ६[२]: ४१, ८[२]: ४२ , १; कौ १, ४४१[c]; †२,४३६;५२८; ६७०; १०२६: जै १, ४६, ५[c]: †३, ३३, ११ ; ४१, ४ : ५५, ११: ४, २६, ५†: शौ ३, २१,४; ४, ३९,२;४; ६:८; ९, १,९[d];२,१; २:२४: १३, १,५[e]; †२०, १५, ५; १७,२: २१,३: ३१,२; ५८, २; ७६, ५; ८९, ६: १२२, ३; पै १,३७,४;५: ३, १२, ४; ८, १८, ४; १२, ७,१२; १६, ३२, ९:७६,१; २; ७८, १-३; ११२, ७;१८,१५,५: –मम्ऽ-मम् मैं ४, २,३; काठ २८,९¶; क४४,९¶; शौ १८, ४,५; पै१४,३,५; १६, १३३, १२; –मस्य ऋ १, ८६, ८; ९, ११३, ११; खि २, १०,

६; काठ ३७,१३; कौ २,९४४†; शौ ३,२५,१; ३; ६, १३९, ५; ९, २, ६; पै ९, २५, १०; १६, ७६, ५ ; –मा: ऋ ३, ५५, ३; ४,१६,१५; ९, ११३, १०;११; १०, २५, २ ; ४०, १२[f]; ६४, २; ११६, ८[g]; मा १२, ४४†[g]; का २, ५,३†[g]; १२, ७,१९†[g]; १३, ३, १५†[g]; ३५, ४, १९[h]; तै १, ६,१२,३†[g]; †[g]२, १,४, ३ ; ४, २, २ : ३, ५ ; ४, २, ३,४†[g]: ¶५, १, ८, २; ४, ८,१; ७, १, २, १¶; मै ४, ६, ८¶; १२, ३†[g]; काठ ८,१६†[g]; १३, ८: ११†[g]; १९, ८; ३०, ८†[g]; ३४, १; ३५, १७[२]; ३८, १२†[g]; ¶क ३०,६; ४८,१५[२]; शौ ११,९,१३; १२, ३,३६;४, १९; १४, २,५†[f]; १९,४२,३; पै १३,५,४; १६, ८३, ३; १७, १७, ८; ३९, ६; १८, ७, ५†[f]; –मात् शौ ९, १३, ८; पै १६, ७४, ८; –मान् ऋ १, ८१, ८; ५,४२,१०; ८, ९८, ७; खि २, ६, १७; ३, १०, २; मा २०, १२; २३; ६०; का २१,७,१३; २२,१,८; ६,६; ¶तै १, ५,९, ३; ३, ३,५, २[२]; ५, १, ८, २; ४,८,१; ६, २,७,१; ८, १; ७, १,२, १; ५, ३,२; ¶मै ३, ३, ९[२]; ४, २; ६, ४; ११, ८[३]$;

---

a) =सपा. माश १४,३,२, १९ काश्रौ २६,७, ४९ । तैब्रा २,४,६,६ तु चित्तम् इति पाभे. ।

b) सपा. कामम्<>सोमम् इति पाभे. ।

c) सपा. ऐआ ५,२,२ सोमः इति पाभे. ।

d) सपा. लाश्रौ ३,५,१५ इषम् इति पाभे. ।

e) सपा. तैब्रा २,५,२,२ राष्ट्रम् इति पाभे. ।

f) सपा. आपमं १,७,११ कामान् इति पाभे. ।

g) =सपा. माश ६, ६,४,१२ काश्रौ ३, ७,१९ माश्रौ १,८,४,३६ शांगृ ३,१३,३ मागृ २,४,५;९,४ कौसू ६, १;४५,११;१४;८४,१ । मंब्रा २,३,१८ तु कामात् इति, आपमं २,२०,२८ हिगृ २,११,१;१५,७ कामैः इति, आगृ २,४,१३ सर्वाः इति च पाभे. ।

h) सन्तु कामाः इति पाठस्य स्थाने सपा. मा ३५, २० संनमन्ताम् इति पाभे. ।

४,६,८; काठ १०, २; ६; १२, १; १३; १३, १; ८; १९, ८[२]; २५, ६[३]; ३३, ५; ३५, १७[२]; ३८, ४; ८; ¶क ३०, ६[२]; ३९, ३;४[२];४८,१५[२]; कौ २,६५१†; शौ ३, १०, १३; २९, २: १२, ४, ३५; ३६; †२०, ५६, ५; १००, १; पै १७, १९, ५: ६: २०,२९,८; –माय ऋ ८, ४३, १८; १०, ९६, ७; ९७, १८; खि ७, ७,३; मा ७,४८: †१२, ९२: ११६; २४, ३९: ३०, ५; का ९,२,९; १३, ७,१५†; १५, ६,१८†: २६,८,४: ३४, १, ५; तै १, ३, १४, ३†; ६, १, ३[a]: ¶२,१,२,३[२]; २, ३,१:३,४,२, १;३,४¶;९,७¶; ५, ५,२१,१; ७,५,१३.१: ¶मै १,९, ४[२]$[a]: २, १, २: ४[२]: ५, २[३]: ७[२]: ३,१,१०: ४, ४; १४, २०: ४, ८,९: काठ ९,९;१२: १०,११: ११, ५; १२, १३[५]: १३, ११; १२[२]; १९, ९: २२,१:८[२]: ३३, १; ३५, १७; ३७, १५: १६; ४५,९[२]; ४७,११: ¶क ८, १२: ३०, ७; ३५, २[२]: ४८, १५†: शौ ३, ८,४;२९,७; ५, ३,३‡[b]; १२, ४, २६; २०, ३१, २†:

पै १, ३०,६; ४३,३; ४, ४, ६; १७, १८, ६; –मायऽ-माय तै २, ४,११,२¶; मै २, ५, २¶; –मासः ऋ ८, २१, ६; –मे ऋ ३,४८,२; १०,१२८,२[b]; तै ४, ७,१४,१†[b]: काठ ९,१२; ४०, १०†[b]: कौ १, ३१८‡?[c]; ४०६‡?[d];२,६०‡?[d]: जै १,३३, ६‡[c]:४५,८‡?[d]: ३,६,६‡?[d]; पै ३, २८,२: ५, ८,३†[b];१६,७२, ८: –मेन ऋ ६, ६९,८: ५८,३: ४; ७,१६,१०: मा ३४, ४२†: का ३३, २,५†: तै १, १, १४, २: ¶२,२,३,१:३,३,३:¶७,५, १, १: २, १: मै ४. २, ३[२]¶; १४, १६[२]†: काठ ९,९[a]:१२[२a]: क ८, १२[a]: शौ ३, २९, ७[a]: ५, ११,२: ६, ९, १: १३९, २: ४:११,९,१३: १९,५२,१:३:४; पै १, ३०,१; ३:४: ६: २, ३३, ३: ९०,२: ६, ६,२: ८, १, २: ९, २५,१६; १६, ८३, ३: २०, ६०, ८: ६१, २-४, ५; ६; ८[२]: –मेभ्यः ¶तै २, ४, ११,२: ७, ५,३,२: काठ १०, २: ६; १२, ३[२]: १३[३]: १३, १: ८: १९, ८; ३२, ५: ३३, ५: क ३०, ६¶; –मैः खि ३,१५,२९: ¶मै४,२,

१;३;१२; काठ८,११; क७,८¶.

†क्राम-कात्ति[e]– -तयः ऋ ८, ९२,१४; तै १, ४,४६,१.

क्राम-ज्येष्ठ[f]– -ष्ठाः शौ ९, २,८; पै १६,७६,७.

काम-दुघ,घा[g]– -घः काठ २८, ९¶; ¶क ४४,९: शौ ८,९,२; पै १६,१८,२; –घा तै ५, ७,२, २¶; शौ ४, ३४,८; ९, ५, १०; ११, १,२८; १२, १, ६१; पै १६, २२, ९; १४,३,१: ३; १६,९१, ८; ९७,१०: १७, ६,१०; –घाः मा १७, ३: का १८, १, ४: तै ४, ६, ११,४: ५,४,२,४¶; ६, ५,९, २[२]¶; मै १,८,६¶; २, ८, १४: ३, २, ५¶; ३, ४[२]; ४, ७,४¶: काठ १७, १०: २१,६; क २६,९: शौ ९, ५, २५: १८, ४, ३३; पै १६, १३३, १२[h]; –घाम् मै १, ६,४¶; –०घे मा १२, ७२; का १३, ५, ११: तै ४,२,५,६: मै २, ७,१४: ३,२, ५; काठ १६, १२; क २५, ३.

काम-प्र्रण[i]– -णम् मा ३, २७: १२,४६[२]; का ३, ३, १९: १३, ४,२[२]: तै ४,२,४,१[२]; मै २, ७, ११[२]: काठ१६,११[२]; क २५,२[२].

१काम-प्र[j]– -प्रः शौ ११, ९, ८:

[a]) सपा. क्रामाय<>क्रामेन (तैब्रा २, २,५,६ तैआ ३,१०,२;४ तां १,८, १७ आश्रौ ५, १३, १५ आपश्रौ १४,११, २ च) इति पाभे.।

[b]) सपा. क्रामाय<>क्रामे इति पाभे.।

[c]) च, क्रामे (तु. पपा. सा. भ.) इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ७, २७,१ ?चकानः इति पाभे. [यत्र यनि. शोधः (तु. टि. √कै ⌊कान्तौ⌋ >?चकानु-> -नः)]।

[d]) यनि. पपा. सा. भ.; –म (=द्वि२) इति (पक्षे) सा., –मः (=द्वि१) इति विव.। पाठे? क्रामान् इति शोधः (तु. पृ ९२० *x* टि.)।

[e]) नाप. (स्तोतृ- ⌊तु. GRV: वैतु. PW. प्रमृ. विप. इति⌋)। शिष्टं पृ १००८ *g* टि. द्र.। इह वैतु. भा. मध्यमपदलोपी कस. इतीव विशेषः।

[f]) विप. (देव-)। बस.।

[g]) विप.। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √दुह् + कप् प्र.।

[h]) °धुगाः इति पाठे? यनि. शोधः।

[i]) भाप. न. (कामपूरक-प्रसाद-)। उस. (वैतु. उ. बस. इति मन्वानः स्वरतश्चिन्त्यः)।

[j]) विप. (मनस्-, यज्ञ-)। उग. (तु. ऋ १०, १०६, ११)।

पै १६, ८२, ८; -प्राः पै १७, २९, १६; -प्रेण ऋ १,१५८,२.

२काम-प्र[a]- -प्रेण शौ १०, ९, ४; पै १६, १३६, ४.

काम-प्राच्याय(?व)न[b]- -नम् (?ना) पै १४,३,१५.

¶काम-प्रीत- -ताः काठ ३५, १७: क ४८,१५.

†काम-मू(त>)ता[c]- -ता ऋ १०,१०,११; शौ १८, १,१२.

काम-रथ- -थः पै ९,२५,१३.

¶काम(म-ऋ)र्त[d]- -र्तम् काठ २३,२; क ३५,८.

काम-शय्या(य्या-अ)र्थ[e]- -र्थे खि ३, १६,३.

काम-श(ल्य>)ल्या[f]- -ल्याम् शौ ३,२५,२.

काम-संजन(न>)नी[g]- -नी खि ३,१५,१८.

कामना- -ना खि ५,२२,६.

कामयमान- -¶नः मै १, ६,७; -नाः शौ १९, ५२, ५; पै १, ३०,५; २०, ४९,६.

कामित- -तम् खिमा २६,२३.

कामिन्- -मिनः ऋ ५, ५३, १६; ६, १६,८; ७, ५९, ३; कौ १, २४१†; जै १, २५,९†; पै २, ७९,३[२]; -मिनम् ऋ ५, ६१,७; -मिना शौ २, ३०, २; पै २, १७, ३; -मी ऋ २, १४, १; पै ३,३९,६.

कामिनी- -नी शौ १, ३४, ५; २,३०,१; ६,८,१;२; ३; पै २, ९, २; १७, १; -नीः शौ ३,८, ४; पै १,१८,४.

¶कामु(क>)का[h]- -का तै ६, १, ६,६;४,४,३; मै ४, ५,७.

काम्य,म्या[i]- -म्यः ऋ १०, २१, ५; -†म्यम् ऋ १, १८,[६; ९, ९८, ६; १००, १]; २, २२, ३; ३८,११; ४१, १४; ३, ५८, १; ५, १९, ४; ८,५०,१; ६६, ६; ९,७२,२; ८५,४; ९७,२१; १०,७६,६; $खि ३, २,१; ४, ८,७; ५, १२, ३; मा ३२,१३; का ३५,३,१०; काठ १७, १९; कौ १. १७१; ५५०; २, ६८०; ८३७; जै १, १८, ७; ५६, ८; ३, ५६, ८; २०, ५१,३; १२८, ३$; -†म्या ऋ १, ६, २; ८, १०; ५,६१,१६; १०, २१, ६; मा २३,६; का २५,३,२; तै ७, ४, २०, १; मै ३, १६, ३; काठ ४४, ९; कौ २, ८१९; जै ३, ५७, ९; शौ २०, २६, ५; ४७, ११; ६०,६; ६९, १०; ७१, ६; -म्याः ऋ ३,३१,१७; -०म्याः[j] मा ३,२७; -म्यानि ऋ १०,९५, १०; -म्यायै मै ४,२,१; -०म्ये मा ८,४३; का ३, ३, १९[j]; ९, ६, २; मै ४,२,१¶; -†म्यैः ऋ १, ६, ८; शौ २०, ४०, २; ७०,४.

चकमान- -नः ऋ ५, ३६,१; -नम् खि १, ५,११; -ना खि १, ७, ३[k]; -नाय ऋ १०, ११७, २; शौ १९,५२,३; पै १, ३०,३.

कम्[l] ऋ १, ३९, ७; ८७, ६; ८८, २; ३[२]; १०२, २; १०९, ३; १२३, ११; १२४,६; १८२, ५; ७; २, १३,१२; ४, ३०,६; ५,८३,१०; ६,९,५; २९, [३; १०,१२३,७]; ७, ५७, ३; ८७, ५; ८८, ३; ८, ३१,९; ३६,[१-६]; ३९,३;६१, १८; ८२, ५; ९४, २; ९५, ३; ९,८, ५; ४५, १; ३; ६२, २०; ७०, ६; १०६, ८; १०, ५, ५; १३, ४[२]; ६०, ८; ७६, ७; ८८, १; १०; १८; १६१, १; खि ३, २२,९†; ५, १५,३[२m]; तै १,१, १०,१; २,१, २[n]; ८, ६,१; २, १, ११, २†; ३, ३,७, २¶; ४, २,११,२†; ¶५, ५,२,१;२[३]; ३; ६,१,१,९¶[n]; ¶मै १, २,१$;७,

[a]) उप. उप. आप. थादि-स्वरश्चेति ।

[b]) विप. (शनौदना-)। उप. उप. प्रा(प्र-आ)√च्यु> च्यावि+युच् प्र.। पाठे? यनि. शोधौ द्र.।

[c]) विप. (यमी-)। तृस.। उप. अर्थः व्यु. च ?। <√मीव् (*प्रेरणे) इति PW. प्रमृ., <√मूर्च्छ् इति वें. सा. ?। √मुह्> मुग्ध-> *मूग्ध- > [नैप्र.] यनि. इति मतम्।

[d]) तृस.। उप.<√ऋ [पीडायाम्] द्र.।

[e]) चस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,४४)।

[f]) विप. (इषु-)। बस.।

[g]) विप.। उस.।

[h]) उकञ् प्र. (पा ३,२,१५४) ञित्स्वरश्च।

[i]) विप.। णिङन्तात् यति प्र. यना. स्वरः।

[j]) सपा. काम्याः<>काम्ये इति पाभे.।

[k]) ॰नः इति पाठे? यनि. शोधः।

[l]) अव्य. (तु. या [१,९])। व्यु.?। यनि. नु, सु, हि इत्येतेषामन्यनमेन समुदितमिव द्र. (तु. निघ [३,१२]; वैतु. पपा. पृथक् पदमिति)। [m]) पाभे. पृ ७८३ j टि. द्र.।

[n]) सपा. यस्यै कम् इति पाठस्य स्थाने सपा. मा ४,४ का ४,२,२ माश ३,१,३,२३ यत्कामः इति पाभे.।

५³;९,५⁷;१०,१०;२,६,१२‡[a];
३,३,६²;६,३; ४,५,३;११,२†;
१४,१†; †कौ २,५३२; ६७७;
८०९; ८५८‡[b]; ११९७; जै ३,
४१,८; ५६,५; ४, १०, ९; शौ
२,१,५[c]; ३,११,१; ४,९,१;५,
११, २; ६, ६१, १[d]; ८४, १[e];
११०,१; ८,२, २५; ९, ३, ६;
१०, ६, ७;१४, १, ४२;५३;२,
३०; १८,३, ४१; १९, ४६, १.

कम् ऋ १,४७,१०; ७२, ८; ९८,१;
१५४,१; १९१, ६; २, १८, ३;
२८, ८; ३७, ५; ३, ५३,२; ६,
५१, १४; ७, ३३, ३³; ५९, ५;
८, ११, १०; ४८, २४; ६६,९;
९, ४९, ४; १०,५०,५²; १००,
५; १५७, १; †मा ५,१८; २५,
४६; २६,७; †का ५, ५,६; २७,
१५,१; २८,७,१; मै १,२,९†;
२,४,७‡[f]; १३, १; ३, ८, ७†;
†४, ११, १; १४, ५; काठ १,
१०; २,१[g]; १०†; ४,१६†; ७,
५¶; १७†; ८,१७; ९,१३⁷¶;
१६,१२[e]; १८,१†; २१, ७³¶;
२२,७³¶;२३.१[g];२५,८†;२६,
१¶; ३६,५; क १,१३[g];२,४†;
५,४¶; २५,३[e]; ३५,१²¶; ७;
४०, १†; ४¶; †कौ १,४५२:
२,४६०: ७८८; †जै १,४७,६;
३, ३४, १८; शौ १, १७, ४†;
३,१३, ३; ७,२७, १†; †२०,
६३, १; ९७, ३; १२४, ४; पै
१, ६२, १: २,६, ५; ३, ४, ३:
४, २३, १: ५, ३०,३; ६, ६,४;
५: ७,५, १; २; ७; ११, ४; ८,
१, २; ९, २२, २०³; २८; ११,
२, ११; १२, ३, ७; १४,३,१८;
१५, २१, ७; १६,५,५; ३९, ६;
४२,६;७:४३,१;४; १८,५,१०;
९,१०: १९, ४, १४†:५,११[e];
१४, ७; २६, ९; २९,१३; २०,
६,९†;३४,१०; ३८,८!;५०,९.

?कमद्यू[h]– -युवम् ऋ १०,६५,१२.

१कमल[i]– -लाय तै ७, ३, १८, १; काठ ४३,८.

२कमल[j]– -ले पै १९, २५,४.

३कमल[k]– -लम् शौ ८, ६,९; पै १६, ७९, ९.

४कमल[l]–

कमला(ल-आ)सन–(स्थ>)
स्था[m]– -स्थाम् खि २,६³,२९.

कम्बल[n]– -ले शौ १४,२,६९; पै १८, १३,५;३.

?कम्बुन्युद्ध(त>)ता[o]– -ताः मै ४, २,९¶.

कम्बूक[p]– -कान् शौ ११, १, २९; पै १६,९१,९.

***कय्य**[q]–

कया (य-आ)द्[r]– -यादः[s] कौ १, ८०‡; जै १, ८,८‡.

---

a) यस्मै कम् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०,१२१,१० यत्कामाः इति पाभे. ।

b) सपा. ऋ ९,११०,४ आ इति पाभे. ।

c) दृशे कम् इति पाठस्य स्थाने सपा. मा ३२,१२ का ३५,३,१० तैआ १०,१,४ मना १,४ विचृत्य इति पाभे. ।

d) सपा. कम्<>तत् इति पाभे. ।

e) सपा. मा १२,६४ तै ४,२,५,३ मै २,२,१ माश ७,२,१,११ पाठाऽभावः । f) सपा. कम्<>याताम् इति पाभे. । g) पाभे. पृ १०९२ *n* टि. द्र. ।

h) व्यप. (नारी-विशेष-) । व्यु. ?। °म-द्यु° इतीव पपा. । √कम्>कम- (= काम-)+(√दिव्>) द्यू->उस. इति वें. सा. प्रभृ., =कमत्– (=कामयमान-) +दिव्–>बस.? इतीव GW. । कमत्–+(√यु>यु–>) यू– (=कामयमाना बध्नाति) इति तु विमृश्यम् । i) विप. (अश्व-) । व्यु. ? । भा. गा. =कमल-वर्ण-, K.=रक्तपीत-वर्ण- ।

j) नाप. । अर्थः व्यु. च ? । मूको. °ळ–इतीव । k) नाप. (भग- ⌊तु. सा. =गर्भद्वार-; वैतु. CA. =रेतस्-⌋) । व्यु. ?।

l) नाप. (सरो-रुह-) । व्यु. ?। √कम्+अलच् ⌊तु. पाउ १,१०४⌋, अभा. ⌊पक्षे⌋ क– (=जल-) + <√अल् ⌊कर्तरि कृत⌋ इति कृत्वा उस. ।

m) विप. (लक्ष्मी-) । उस. । पूप. कम. ।

n) नाप. (ऊर्णावस्त्र-विशेष-) । व्यु. ?। <√कम् इति(पाउ १,१०७)?। o) -द्धस्ताः इति पाठे? कम्बु–>-म्बुनि (सप्त१), उद् √ हन् > उद्ध(त>)ता– (विप.)> -ताः– (गावः) इति द्विपदः शोधः? । यद्वा= कम्बुवद् नि-उद्धत- (=नीचैश्चोच्चैश्च गत-) इति कृत्वा कम. अन्तोदात्तश् च द्र. ?। पपा. कण्डूति–उद्धताः इति म एव च पाठ आदर्तव्य इति सूर्यकान्तः (मिभा १,१७३)।

p) नाप. (फलीकरण-)। व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । *कुद्– ⌊=धान्यकण-⌋ + (√वृ ⌊आच्छादने⌋>)*वूरक– >⌊उस.⌋ *कर्वूरक–> नैप्र. यनि. इति मतम् ।

q) नाप. न. । क्रव्य– इत्यस्य वावि. (तु. सा. विव. भ.; वैतु. PW. =२काय– इति) । व्यु. तेनैव गतार्थो द्र. ।

r) नाप. (राक्षस-) । उस. ।

s) सपा. कयादः <> क्रव्यादः इति पाभे. ।

१क़ुर-, २कर्- √कृ द्र.
¶करञ्ज[a]- -ञ्जम् ऋ १, ५३,८; शौ २०,२१,८.
करञ्ज-ह्[b]- -हे ऋ १०,४८,८.
१करण-, २करण- √कृ द्र.
करम्भ[c]- -म्भः ऋ १, १८७, १०: मा १९, २१: का २१, २, १०: तै ६, ५,११, ४¶; मै ३, १०, ५¶: १०, ६[d]; काठ ४०, ८ †: पै ४,१९,४; ६,१६,१०†; २०, १२, १०; -म्भम् ऋ ३,५२,७; ६, ५७,२; खि ५, ७, ४, १-३: काठ २९. १[d]; ३४. ११ ¶: क ४५,२; शौ ४,७,३; ६, १६,१; पै २, १, २; १९,५,७; -म्भस्य मा १९, २२: का २१, २, ११: -म्भात् तै ३, १, १०, २: काठ ३५,८; -म्भेण मा ३, ४४; का ३,५,१; तै १, ८, ३, १; मै १, १०, २; काठ ९, ४; क ८, ७; शौ ४,७,२; पै २,१,१.
करम्भा(भ-आ)द्- -म्भात् ऋ ६, ५६,१.
करम्भिन्- -म्भिणम् ऋ ३, ५२, [१; ८, ८०, २]; मा २०,२९; का २२,२,६; कौ १,२१०†; जै १, २२,७†; पै ४,२६,२†.
करस्- √कृ द्र.
करस्न[e]- -स्नम् ऋ १,१६१,१२; -स्ना ऋ ३,१८,५; ६,१९,३.
कराट[f]- -टाय मै २,९,१;
करिक्रत्-,करितृ-,करिष्ठ-,करिष्य-, करिष्यत्- √कृ द्र.
?करिष्वांस[g] पै १२,७,११.
¶करीर[h]- -राणाम् काठ ११, १०; -राणि तै २, ४, ९, २[३]; मै १, १०, १२[२]; १३[२]; २,४,८; काठ ११,१०[४]; ३६,७[३].
¶कारी(र>)री[i]- -री काठ ११,१०; -र्या मै २, ४,८[२].
करीष[j]-
करीष-ज- -ज (?जा[k]) म् पै ६, १४, १.
करीषिन्-
करीषिणी- -णीः शौ ३, १४, ३[l]; पै २, १३, ५; -णीम् खि २,६,१,९; शौ १९,३१,३.
?करीषिणम्[m] पै ५,१६,८.
करुण[n]- -णम् तै १, ६,४,४[o]; -णस्य ऋ १, १००, ७; -णे शौ १२, ३,४७; पै १७,४०,८.
करुणा[p]-
करुणा(णा-आ)कर- -०र खि ७, २, १.
करुम[q]- -माः शौ ८,६, १०; पै १६, ७९,१०.
करूकर[r]- -रम् शौ ११,११,८.

a) व्यप. (असुर-विशेष-)। व्यु.?।

b) नाप. [संग्राम-विशेष- (तु. वें. ?GRV. Gri. ; वैतु. PW. GW. प्रभृ. विप.)] । उस. उप. √हन्+अधिकरणे डः प्र. प्रकृतिस्वरश्च ।

c) नाप. (दधि-सक्तु-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः । <√कृ इति (पाउ ४, ८३)।

d) सपा. °म्भः<>°म्भम् (ऐब्रा २, २४ च) इति पाभे.।

e) नाप. (बाहु- [निघ २,४])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। कर्- (भाप. =कर्मन्-)+स्न-(<√स्ना)> उस. इति या [६, १७] प्रभृ.। एवं स्थिते स्वरः?। पक्षे सा. [ऋ ३,१८,५] *स्न- इति भाप. मत्वा बस. पूप. स्वरं साधुकः ।

f) व्यप. (गणपति-)। व्यु.?। < २कर्- इति विमृश्यम्। °ट- इति सात. स्वरः?।

g) पाठे? *करि- [=घट-, घटि- (तु. नभा. कलि =धूम्रपानीयपात्र-)]> -रिषु (मस३), आ-भृ (त>) ता- >-ताः (प्र३) इति द्वि-पदः शोधः?। विप. (२अप्-)।

h) नाप. (वृक्ष-विशेष-, तत्-फल-)। व्यु.?। <√कॄ इति (पाउ ४, ३०)।

i) नाप. (इष्टि-विशेष-)। तस्येदमर्थीयः अण् प्र.।

j) नाप. (=पुरीष- [तु. पाभे.])। व्यु.?। <√कॄ इति (पाउ ४, २६)?।

k) पाठे? यनि. शोधः (तु. छन्दस्तोऽपि साधुतरः करीषाजम् इति मूको.)।

l) सपा. कौसू ८९, १२ करीषिणः इति, मै ४,२,१० पुरीषिणीः इति, आपश्रौ ७, १७, १ वयोवृधः इति च पाभे.।

m) पाठे? √कृ > (लुङि [उपु१]) अकारिषम् इति शोधः ।

n) वप्रा.। भाप.?। व्यु.? =कर्मन्- [<√कृ] इति वें. सा. PW. प्रभृ., कर्तरि प्र. इति भा.।

o) सपा. आश्रौ १,११,१ शांश्रौ १,१५,१२ करणम् इति पाभे.।

p) =दया-। व्यु. वैप ३, २२२ *o* टि. द्र.।

q) नाप.। (रक्षो-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। सा. खरूम- [=भयंकराकृति-] इति पाठः? ।

r) नाप.। अर्थः व्यु.?। =*करु- इत्यस्य शब्दस्य कृतिरितीव सा.?। पपा. नावग्रहः। <√*कृ (आच्छादने) इति कृत्वा =केश- इति विमृश्यम्।

करूरभ[a]- -भाः पै १६,८०,१[b].

करूळतिन्[c]- -ती ऋ ४, ३०,२४.

कर्कटः[d]- -टः पै २०,४२,९.

कर्कटश[e]- -?०श[f] पै ४,२१,२.

कर्कन्धु[g]- -न्धु मा १९,९१; का २१, ६, १२; मै ३, ११, ९; काठ १२,१०¶; ३८,३; -न्धुः मै २, ४,१¶; -न्धुभिः मा २१, ३२; का २३, ४, ४; मै ३, ११, २; -न्धुम् ऋ १,११२, ६; -न्धूनि मा १९, २३; का २१, २, १२.

कर्कन्धु-रोहित[h]- -तः मा २४, २; का २६, १, ३; तै ५,६,११,१; मै ३,१३,३; काठ ४९,१.

¶कर्कन्धु-सक्तु- -क्तुभिः[i] मै २,३, ९; काठ १२, १०.

कर्कन्धु-(क>)का[j]- -का खि ५, २२,३.

कर्कन्धू-(क>)का[k]- -का शौ २०, १३६,३?[l].

कर्करि[m]- -रिः ऋ २,४३,३; खिमा ४, ६; -रिम् खि ५, १५, १७; शौ २०, १३२, ८; -र्यः शौ ४, ३७,५; पै १३,४,८.

कर्करि-क- -कः खि ५,१५, १६; शौ २०,१३२,३.

¶कर्करि-(कर्ण>)र्णी[n]- -र्णीः, -र्ण्यः मै ४,२,९.

क(र्कि>)र्की[o]- -र्की शौ ४, ३८, ६; -र्कीम् शौ ४, ३८,६;७.

कर्कोट[p]- -टस्य पै १, ४८,१.

कर्कोट-क[q]- -कः खि २,१४,८.

?कर्क्यायोनिं[r] पै ६,१०,२.

१कर्ण[s]- -र्णः मै ३, १, ३[t]¶; ¶काठ १९,२[t]; क २९,८[t]¶; शौ १५, १८,३[t]; पै २०,५०,६; -र्णम् ऋ ६,७५, ३; मा २९,४०; का ३१, २,५; तै ४, ६, ६,१; ७, १, ६, ८¶; मै ३,१६, ३; काठ ४६, १; पै १५, १०, ३; -र्णयोः मा २१, ५१; का २३, ६, ४; तै ५, ५, ९, २; मै ३, ११, ५; शौ ६, १४१, २, १९, ६०, १; पै ९,३,९; १९,२२,९; -र्णा ऋ ४, २३, ८; २९,३; ६, ९,६; ३८,२; ८,७२,१२[t]; १०, १०६,९; मा २४,३;३३,१९†;

a) नाप. (हिंस्रकृमि-विशेष-)। व्यु. अर्थश्च?।

b) सपा. करूरभाः<>कुकूरभाः [कुकूरवाः इति गा.] इति पाभे.।

c) विप. [[भग्न-दन्त-] देव- (=पूषन्- [तु. तै २,६,८,५ माश १,७,४,७ या ६,३१])]। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। √कृत्(छेदने) >*कु(रु>) रू- (=खण्डित-)+ *दतिन्- (=दन्त-)>बस. इति मतम् (तु. [अर्थ-मात्रे] वें. सा., [प्राति. स्वरूपमात्रे च] PW.GW. प्रभृ.: वैतु. दे. [४,३] °ती- इति प्राति.)।

d) नाप. (विषधरजन्तु-भेद-)। व्यु.?। <√कृ [हिंसायाम्] इति विमृश्यम्।

e) नाप. (ओषधि-भेद-?)। व्यु.?।

f) पाठः?। °शः इति मूको.।

g) नाप. (वनस्पति-विशेष-, तत्फल-)। व्यु.?। <कर्क- + √धा इति (पाउ १,९३)।

h) विप. (पशु-)। तस. पूप. उपमानवाचीति कृत्वा प्रकृतिस्वरः (पा ६,२,२)। उप. वर्णवाचकम्।

i) नाप.। तस. अन्तोदात्तः।

j) ह्रस्वार्थे कन् प्र. (पा ५, ३,८५) नित्स्वरश्च।

k) इह °न्धू इति विशेषः (तु. पाग ५,२,२४)।

l) कुर्कधूका इति सात. पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको., WI.)।

m) नाप. (वाद्य-भेद- [तु. सा. प्रभृ.])। व्यु.?। √कृ [शब्दे]>√ *चर्क्>यनि. इति विमृश्यम् (वैतु. पाउ [४,१३९] √कृ इत्यतः शुद्धादिव सत इति?)।

n) विप. (गो-)। बस. उप. आद्युदात्तः (पा ६,२ ११३)। स्त्री. ङीष् प्र. तत्स्वरश्च।

o) विप. (वत्सा-)। व्यु.?। =अप्रस्यन्ती- इति कृत्वा √कृ>*कर्क् [शब्दे]>यनि. इति विमृश्यम् (वैतु. < √कृ इति [पाउ ३, ४०])।

p) नाप. (विषधरजन्तु-विशेष- [तु. पंजा. कनखजूरा इति कंकोल इति च])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। √*कर्क् (हिंसायाम्)>कर्क-(=शल्क-)+भर-(भाप.)>बस. =*कर्कभर->नैप्र. यनि. इति विमृश्यम् (तु. शौ ७, ५८,५ शर्कोट- इति पाभे.)?।

q) नाप. (सर्प-विशेष-)। स्वार्थिकः कः प्र.।

r) पाठे? (कर्की->) कर्क्यो [प्र३] योनिं इति च द्विपदः शोधः। योनिम् इति द्वि. युक्तः अभि कप्र. द्र.।

s) नाप. (श्रोत्र- [तु. टि. पृ ५०१i,५०२a])। व्यु.?। <√कृ इति (पाउ ३,१०), <√कृत् (छेदने) इति या [१,९] WW [२,५७४] च, <√ऋ इति आग्रायणः [या १,९]। <√कृ [शब्दे] इति तु मतम्।

t) =(अश्वस्य) कर्णस्थानीया- पार्श्वमुष्टि- इति सा. PW. प्रभृ.।

७१; का ३२, २, २†; ६, २; †कौ १,११७; २, ९५२; जै १, १३, ३†; –¶र्णाः मै ३, ३, ९; काठ २१, ९[a]: –र्णाभ्याम् ऋ १०, १६३, १[b]; मा १९, ९१: २५, २: का २१, ६, १२: २७, २,२; तै ७, ३, १६, १[c]: मै ३. ११,९; १५,१; काठ १२,१०¶; ३८, ३; शौ २, ३३, १†; ९. ४,१७: १३.२; २०,९६,१७†[b]: पै ४,७,१†: १६, २५, ७; ७४. २: १९,४३, १; –¶र्णाय मै ३. १.३: काठ १९,२: क २९.८: –र्णे ऋ ५,३१,९; ८, ९७, १२: १०,८६,४; मै ३, १,३: ४. २, १०¶; कौ २, २८१†: जै ३. २३, १३†; †शौ २०, ५४, ३; १२६, ४: पै २०, ५०, १; –†र्णेभिः ऋ १, ८९,८; खि ६, ३, ४; मा २५, २१; का २७, ११.८: मै ४, १४, २: काठ ३५, १; क ४८, २; कौ २, १२२४; –र्णेपु पै २०, ५०, १०; –र्णैः ऋ १, १८४, २; २, ३४,३[d]; –र्णौ ऋ २, ३९,६; खि २,१२,३; मा २५, २; का २७, २,२; मै २,५,१¶; ३, १५, १; ¶काठ १३,१; २६, १; क ४०, ४¶; शौ १०,२,६;९,१३; १२, ४,६;७,११: १६,२,४[2]: पै १०, ९,३;१६,५९,७;१३७,३;१४३, २; १७, १६,५: २९,१२.

२कर्ण्,र्णा[e]– -र्णः मा २४, ४०[f]; का २६,८,५[f]; ¶मै २, २, ४; ३, ९, ५[g]; १४, २१[f]; –र्णा शौ ५,१३,९‡[h]; –र्णाः मा २४, ३; का २६, १, ५; तै ५, ६,१५,१; मै ३, १३,४; ४. २, ९¶; काठ ४९,५.

१कुर्ण-क[i]– -कौ खि ५, १६, ३: शौ २०,१३३,३.

२कुर्ण-क[j]–

¶कुर्णक,का-व(त् >)ती[k]– -ती तै १,५,७,६; ५, ४, ७,३; मै ३, ३, ९: काठ २१, ९; –तीम् मै ३,३,९: काठ २१,९.

कर्ण-गृही(त>)ता[l]– -तया मै ३, ७, ६; –¶ता तै ६, १, ७, ६; काठ २४,३; क ३७, ४.

कर्ण-गृह्य,>ह्या ऋ ८, ७०, १५; काठ २३,१०¶: क ३७,१¶.

कर्ण-तुस् (:) शौ ९,१३,३.

कर्ण-दघ्न्– -घ्नम् मै १,६,६[3]¶.

कुर्ण-योनि[m]– -नयः ऋ २, २४,८.

कुर्ण-वत्– -वते काठ ४५, ३[n]; –वन्तः ऋ १०,७१,७.

कर्णवती– -तीम् खि ४,५,२.

कर्ण-शूल[o]– -लम् शौ ९, १३, १; २; पै ७,१५,४?[p]; १६, ७४,१.

कर्ण शोभन[q]– -ना ऋ ८, ७८,३.

क(र्ण>)र्णा-दश्– -दशः पै १७, १२,३.

कर्णिन्– -र्णिने तै ७, ५,१२,१[n].

कर्णिनी– -नी शौ १०, १, २; –नीम् पै १६,३५,२.

कुर्ण्य– -र्ण्यः शौ ६,१२७,३.

३कर्ण्[r]– -र्णाः, –र्णान् तै १,८,९,३¶

१-२ कर्त्– √कृत् (छेदने) द्र.

कुर्तवे, >कुर्तवै, कर्तव्य– √कृ द्र.

?कर्तारस्वम्[s] पै २,६४,४.

कुर्तुम्, १कुर्तृ–, २कर्तृ– कुर्तौ (:) कुर्त्र–, कुर्त्वे– √कृ द्र.

---

[a]) र्णाः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मै ३,३,९)।

[b]) =सपा. आपमं १,१७,१ । पागृ ३,६,२ तु श्रोत्राभ्याम् इति पाभे.।

[c]) सपा. कुर्णाभ्याम्<>श्रोत्राभ्याम् इति पाभे.।

[d]) अर्थः? । (नदस्य) कृत्तप्रदेश इति वें. सा.। =३कर्ण्– इति PW., =पक्ष- इति PG ⌊१, १८९⌋।

[e]) विप. (गर्दभ-,पशु-,श्वाविध्-)। मत्वर्थीयः अच् प्र. चित्स्वरश्च।

[f]) सपा. कर्णः<>चतुरक्षः इति पाभे.।

[g]) =कृत्तकर्ण- । Sch. सात. वाकर्णः (=वा, अकर्णः) इति पाठे? यनि. शोधः द्र. (तु. टि. २अ-कर्ण्– ⌊परि.⌋ यत्र यनि. शोधः सुकल्पः)।

[h]) व्यु. अर्थश्च?। कर्णा<>?कण्वा (तु. पृ १०८३ u टि.) श्वावित् इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १,१९१,१६ शांगृ ४,५,८ कुषुम्भकः इति विशिष्टः पाभे.।

[i]) स्वार्थिकः कन् प्र. नित्स्वरश्च।

[j]) इवार्थे कन् प्र. पूर्वाद् विशेषः।

[k]) विप.(सूर्मी-⌊अन्तस्सुषिरवती-⌋)। तै °का व° इति पाठः।

[l]) विप. (सोम-क्रयणी-) । सस. अन्तोदात्तः उसं. (पा ६,२,१४७)। [m]) विप. (इषु-)। बस.।

[n]) सपा. कर्णवते<>कर्णिने इति पाभे.।

[o]) नाप. (रोग-विशेष-)। षस. अन्तोदात्तः।

[p]) °र्शी° इति पाठे? यनि. शोधः।

[q]) विप.। उस.। उप. कर्तरि कृत्।

[r]) विप. (नगडुल-)। अर्थः व्यु. च?। =तुष-युक्त- इति कृत्वा <√कृ ⌊*संवरणे⌋ इति मतम् (वैतु. भा. सा. K. <√कृ ⌊छेदने⌋ इतीव)।

[s]) पाठे? कर्तृ–>-र्तारं स्वम् इति द्वि-पदः शोधः।

?कर्दने[a] पै १९,५१,१०.

१कर्दम[b]- -¶मः काठ २५, ७; क ३९,५; –मम् पै १, ५८, २; –मस्य पै १, ५८, १; –माः पै १९,५२,१५.

२कर्दम[c]- -०म खि २, ६, ११; –मः खि २, ६[२], २८; –मेन खि २, ६,११;१७.

कुर्मन्–, कर्मार–, कुर्वर– √कृ द्र.

कर्शोफ[d]- -फस्य शौ ३,९,१[e].

कर्षभ[f]- -भस्य पै ३, ७,२[e].

कर्षि- √कृप् द्र.

कुर्हि किम्- द्र.

?कलम[g]- -मम् पै ९,८,३.

कलविङ्क[h]- -ङ्कः मा २४, ३१[i]; का २६,७,१[i]; तै २, ५,१,२¶; मै २,४,१¶; ३, १४,१२[i]; काठ १२,१०¶; –ङ्कान् मा २४,२०; का २६, ४, ५; मै ३, १४, १; काठ ५०, ४.

कलुश[j]- -श ऋ १०,३२, ९?[k]; –शः ऋ ३,३२,१५; ६,६९,६; तै ३, २, ४, १; ¶६,५,७,२; १०, १; २[२]; ७, ५, ५, २¶; काठ ३४, ४¶; शौ ९, १,६;४, १५; २०, ८,३†; पै ३, २०,६[1]; १६, २५, ४; ३२,७; –शम् ऋ १, ११७, १२; ४,२७,५; ९,६२,१९;७४, ८;८६,११; ९७,४; ३३; १०६, ⌊(६५,१४) ७⌋; मा ८,४२; का ९,६,१; तै ७,१, ६, ६¶; काठ ३५, १६¶; क ४८, १४¶; पै १६, २४, ६: †कौ १, ४८९; ५३५; ५७१; २, ३८२; ६७६; †जै १,५१,३; ५५, ३; ५८, ६; ३, ३१,२; ५६,४; शौ ९,४,२; १८, ४, ३०: –शस्य ऋ १०, १६७,१; –शा ऋ ६, ६९, २; –शाः ऋ ९, ६५, ⌊१४ (१०६, ७)⌋; –शात् ¶तै ६, ५,७, २[२]; १०, १; –शान् ऋ ९, ६०, ⌊३; ८६, १९⌋;७५, ३: ८१,२: ८८, ६: ९२,६; ९६,२२; १०६,१२; १०, १६७, ३: †कौ १, ५५९; २, ५२; १७१; २९२; †जै १, ५७, ६; ३, ५,११; १६,९; २४, ८; शौ १८, ४,५८†; –शानाम् ऋ ४, ३२, १९; –शे ऋ ६, ४७,६;९,६३,३; १३; ६७,१५; ७२, १; ८५, ५; ७; ८६, १६; २२; ९३, २; ९६,९; १४; २४; ९७,२२; †कौ १, ५३७; ५५७; २, ५०२; ७६९: †जै १, ५५,५; ५७,४; ३, ३९,१; †शौ ७,८१, २;१८, ४,६०; पै २०, ३१;७†; –शेषु ऋ ९, ८, ६; १२, ५; १७, ⌊४ (४२,४), ६७, १४⌋; १८, ७; ६८, ⌊९; ८६, ९; ९६, २३⌋; ८४, ४; ८६,६; ⌊(३८,४: ५७,३)३५⌋;४७; †कौ २,२३७; ५३३; ५५०; †जै ३, २१, २; ४१, ९; ४३, ६; पै १९,३०,९; –शैः[l] शौ ३, १२, ७[m]; –¶शौ मै ४,५,९;८,७.

कला[n]- -¶लया तै ६, १, १०,१; मै ३,७,७; –लाः शौ१९.५७,२ :

---

[a]) पाठे? यनि. =कर्दन- (भाप.<√कर्द् ⌊अर्थः ?⌋) >सप्त१ (वैतु. कर्दु-⌊भाप.⌋>-र्दवे इति मूको.)।

[b]) नाप. (पङ्क-)। व्यु.? । <√कर्द् (मले?) इति [पाउ ४,४८ (तु. नभा. गर्द ⌊=धूलि⌋, गंद ⌊=मल⌋)]।

[c]) व्यप. (श्री-पुत्र-)। व्यु.?।

[d]) नाप.[रोग-विशेष- (वैतु. PW. प्रमृ. =रक्षो-विशेष-, ?B. =ओषधि-विशेष- ⌊तु. शौ ३, २३,६; ८, ७,२⌋)]। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। √कृश्>कृश–+शफ– इति वा कर–+शफ– इति वा मत्वा बस. इतीव सा., <√कृश इतीव WIS ⌊१७.२१५⌋ प्रमृ.? । <√कृष् इति विमृश्यम्। [e]) सपा. कर्शोफस्य<>कर्षभस्य इति पाभे.।

[f]) कर्शोफ- इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

[g]) प्राति.? =कद(,र वा ल वा)म्ब- इति कृत्वा विप. (मधु-) इति विमृश्यम्।

[h]) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

[i]) सपा. कलविङ्कः<>कुम्भीनसः<>कौम्भीनसः इति पाभे.।

[j]) नाप. (पात्र-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <कला- +⌊√शी>⌋ *श- > बस. इतीव या ⌊११,१२⌋। *कल- (=जल-⌊निघ १,१२⌋)+(आधारार्थे) शल् प्र. उसं. (पा ५,२,१००) लित्स्वरश्चेति विमृश्यम्।

[k]) पाठे? उत्तरेण पदेन समस्य (*कलशा√कृ>) °श(?शा)क्रियाम इति किप.। 'कुरुश्रवण! ⌊तव⌋ ददतः मघानि ⌊=त्वया दत्तानि सन्ति⌋ कलशेष्विवात्मसु क्रियाम ⌊=बिभृयाम⌋' इति वा.। एवं स्थिते कलश- इत्यतः धारणार्थे डाच् प्र. उसं. [पा ५,४,५७ (वैतु. पपा. प्रमृ. कलश ⌊सं१⌋ इति क्रि° इति च)]।

[l]) सपा. °शाः<>°शैः (आगृ २,८,१६ शांगृ ३, २,९ पागृ ३,४,४ हिगृ १, २७,४ च)<>आपमं २, १५,४ °शीः इति, मागृ २,११,१२ °शम् इति पाभे.।

[m]) °शीः इति सा.। [n]) नाप. (अवयव-, षोडशांश-)। व्यु.?।<√कॄ ⌊विक्षेपे⌋ इति या ⌊११,१२⌋, <√कल्

पै ३,३०,२; –लाम् ऋ ८,४७, १७: शौ ६, ४६, ३†;१९,५७, १†; पै २, ३७, ३†; ३,३०,१; १९,४६,११†.

¶कला-शस(:) काठ २४, ६[२]: क ३७,७[२].

१कलि[a]– -लिः पै १, ४९, ३: –लिम् शौ ७,११४,१; पै १,४९,४.

२कलि[b]– -ऽलयः ऋ ८, ६६, १५; –लिम् ऋ १, ११२, १५: –लेः ऋ १०,३९,८.

३कलि[c]– -लिभिः शौ १०, १०, १३; पै १६,१०८,४.

?कलिति पै ४,२४,६.

?कलिलान्ता[d] पै १७,१५,६.

कल्मलि[e]– -लिः शौ १५, २,५: १३; १९.

*कल्मलीक[f]–

कल्मलीकिन्– -किनम् ऋ २, ३३, ८.

कल्मष[g]– -षम् काठ १९, १¶[h]; पै १९, २६,१५.

कल्माष[i]– -षः मा २९, ५८;५९; का ३१, ६,१; ७,१; तै ५, ५, २२, १; २४, १; ६, २२, १; मै ४, ७,८¶; काठ ८, १२¶;४८,१; ३;५०,२: क ७,७¶; –षम् क २९,८¶[h]: पै ९,३,६; –षाः मा २४, ७; का २६, २, २; मै ३, १३,८; –षाणि मै ३, १,२¶[h].

कल्माषी[j]– -षी तै ५,१,१,४¶; मै ४, २, ४; काठ १९, १¶; क २९,८¶; –षीम् काठ १९,१¶; क २९,८¶.

कल्माष-ग्रीव[k]– -वः तै ५,५,१०,२; मै २, १३,२१; शौ ३, २७,५[l]; पै ३, २४, ५[l]; –वाय[l] शौ १२,३,५९; पै १७,४१,९.

कल्माष-पुच्छ– -च्छम् पै ८, ७,९.

?कल्मुर्षी[m]– -षीः पै १६, १४७,७.

१कल्याण[n]– -ऽण ऋ १,३१,९; –णः पै ६,९,७; –¶णम् मै २,३, ९; काठ १२, १०; –णे पै ४, १०,८.

कल्याणी[o]– -ऽणि शौ ६, १०७, ३ ४;१३९,३; पै ४, २२, ६; १९, ४४,१०; –णी खि ५, १३, ३; ४; ¶ तै ७, १,५,७;६,६;४,८,

---

इति अभा., कुण– इत्यनेन साजात्यमिति WAG [१, १७२ c] प्रमृ.। *कुर्– (भाप. <√कॄ [विक्षेपे]) + मत्वर्थे लः प्र. उसं. (पा ५,२,९७)> कल– > नैप्र. यनि. इति विमृश्यम्।

a) नाप. (द्यूतपाश-विशेष-)। व्यु.?। <√कॄ (विक्षेपे) इति या [११,१२]?।

b) व्यप. (ऋषि-विशेष- [तु. स्क. सा. प्रमृ.])। व्यु.?।

c) नाप. (गन्धर्वसहचरित-देवगणविशेष-)। व्यु.?।

d) पाठे? कलिल–>-लम् +(√धा>) ध–> कलिल (न्ध>) न्धा–> –न्धाः (स्त्री.प्र३) इति शोधः?। एवं स्थिते विप. (रक्षीका-)?।

e) नाप.। अर्थः व्यु. च?। चन्द्र-पर्याय इति कृत्वा घर्म- [दीप्ति-] >नैप्र. १कल्म– + (√राज् [दीप्तौ] >कर्तरि के प्र.) राज–> (उस. थादि-स्वरे) कल्म-राज–>नैप्र. (°राय–>°रि>)°लि– इति मतम् (तु. उत्तरं प्राति.; वैतु. CA. वज्र-पर्याय- इति)।

f) भाप.। १कल्म– (दीप्ति- [तु. पूर्वं प्राति.<√कल् इति पाउभो २,२,२०]) + (√राध् [संसिद्धौ] >भावे ण्वुच् प्र. अस्त्रियामपि उसं. [पा ३,३,१११]) राधक–>(षस.) कल्म-राधक– > नैप्र. °रायक–>°रीक–>°लीक– इति मतम् (वैतु. सा. [ऋ २,३३,८] दे. [१,१७] च कल्यति [अपगमयति] मलम् इति विपर्यस्तपदक्रमाविव?, Hopkins [AJP ४,१७२] -कल्मलि– इत्यनेन संभेदुक इव च?)।

g) =कल्माष-। व्यु.?। <कर्मन्– इति PW. प्रमृ.?।

h) सपा. कल्मषम् <> कल्माषम् <> कल्माषाणि <> कृष्णम् इति पाभे.।

i) =कल्मष-। व्यु.?। √कल् (मालिन्ये)> २कल्म– (=कालिमन्- इति वा कालावयव- इति वा [तु. कर्बुर–, कर्बुर–, पंजा. कल्फ [केशकृष्णतापादक-वर्णविशेष-]) +मत्वर्थे षल् प्र. उसं. (पा ५,२,१००) परतः (पक्षे) दीर्घश्च उसं. (पा ६,३,१३७) इति विमृश्यम्।

j) स्त्री. ङीष् (पा ४,१,४०) प्र.।

k) नाप. (सर्प-भेद-)। बस.।

l) सपा. °वः<>°वाय इति पाभे.।

m) पाठे? कल्कुषी– इति शोधः?। एवं स्थिते नाप. (अग्र-हस्त- [तु. वैप २])।

n) विप. (अग्नि- प्रमृ.), भाप. (मै. काठ.)। व्यु.?। <√कम् इति या [२,३], <कल्य– इति GW., <√कल् इति [पाउभो २,२,१२८], <कल्य– +आ√नी वा √अण् वेति अभा.। कल्य–(<√कल् [दीप्तौ] + भावे यत् प्र.) + (मत्वर्थे) आनः प्र. उसं. (पा ५, २,११४) तत्स्वरश्चेति विमृश्यम्।

o) स्त्री. ङीष् प्र. (पा ४,१,४१) तत्स्वरश्च।

३; शौ ५, १७,१२;१८; १०,८; २६; २०, १२८,८?[a]; ९; पै २, ६४, १; ७०, १?[b]; १२, ६, ६; १३, ५, १६; १६, १०३, ३; –णीः ऋ ३, ५३, ६[c]; पै २०, २०, ६; –णीभिः ऋ १०, ३०, ५; –णीम् मा २६,२; का २८, १, २; –ण्यः ऋ ४, ५८, ८; मा १७,९६†; का १९, १, ९†; मै ४, २, ३[d]; काठ ४०, ७†; पै ८,१३,८†; –ण्यै शौ ६, १०७, ३; पै १९,४४,९.

२कल्याण[e]–

कल्याण-तम– -मम् का ४०,१,१६.

कल्वल[f]– -लम् पै १९, २६,१२.

कवच[g]– -चे पै ५, २९, ४.

कवच-पाश[h]– -शैः शौ ११, १२, २२.

कवचिन्– -चिनः काठ ३७, ११¶; –चिने मा १६, ३५; का १७, ५,४; तै ४, ५, ६,२; मै २, ९, ६; काठ १७, १४; क २७, ४; –ची शौ ११, १२,२२.

कवत्नु[i]– -त्नवे ऋ ७,३२,९.

कवन्ध– कबन्ध– द्र.

कवष[j]– -वषः[k] मा २९, ५; का ३१, १,५; तै ५, १,११,२¶; मै ३, १६, २; –वषा[l] मै ४, १३, ४; काठ १६, २१.

१कवष[m]–

कवषी– -ष्यः खि ५, ७, १,६; मा २०, ४०; ६०; २१, ३४; का २२, ४,५; ६, ६; २३,४,६; मै ३, ११, १; २; ३; ४, १३, २†; काठ १५, १३; ३८,६;८.

२कवष[n]– -षम् ऋ ७, १८,१२.

कु(व>)वा-तिर्यञ्च्[o]– -र्यङ् तै १, ५,९,७¶.

?कवारि[p]– -रिभ्यः ऋ १०, १०७,३.

---

a) पाठे? अ-कल्याणी इति शोधः (तु. RW.)। पृ ७ j टि. उपेक्ष्यम्।

b) पाठे? ण्यः (प्र३) इति शोधः। कल्याण्या L?ण्यो] यतः स्मृतं L?ताः] इति पाद-शोधश्च द्र.।

c) प्र१ वा प्र३ वेति?। जाया (प्र१) इत्यस्य विप. इति मत्वा १कल्याण– (भाप.) + (मत्वर्थे) ईः प्र. (पावा ५, २, १०९) इति तात्पर्याऽभेदे सत्यपि २कल्याणी– > -णीः इतीव यनि. भिन्नस्य सतः प्राति. (सुलोपप्राप्त्यभाववत्) प्र१ (तु. सा. प्रभृ.; वैतु. L. L३७६] प्रभृ. ङीषन्तात् सोरलोप इति) इत्येका कोटिः। जाया सु° =°यास्* सु° इति कृत्वा प्र३ सतो जायाः इत्यस्य विप. सत् यनि. रू. प्र३ सुस्थितमिति द्वितीया कोटिरपि विमृश्या (तु. शौ ३,४,३; १४,२,३५ प्रभृ. यत्रैकस्यापि सतो बहुभिर् जायाभी रमणं श्रूयते)।

d) सपा. आगृ २, १०,८ शोभनाः प्रियाः इति पाभे.।

e) विप.। =१कल्याण-। इह आनप् प्र. उसं. (पा ५, २,११४) इति ततो भेदः। आद्युदात्तसिद्धौ प्रक्रियान्तरार्थं तु. फि. ४२।

f) विप. (तृण-)। व्यु.?। =शुष्क- इति कृत्वा √क्र (=√घृ Lदीप्तौ])> Lभाप.] *कल्व– L=घर्म-]+ Lमत्वर्थे] लः प्र. इति विमृश्यम्।

g) नाप. (वर्मन्-)। व्यु.?।

h) षस. वा मध्यमपदलोपिनि कस. वाऽन्तोदात्तः।

i) विप. (Lप्रमादिन्-] यजमान- Lवैतु. सा. भाप.])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√कु, कू इति PW. GW. GRV. प्रभृ., कु (=कुत्सित-कर्मन्-) + आ √तन् कर्तरि कृद् इति कृत्वा उस. कवात्नु– >कव° इतीव वें., <कव(<कु) +√अन्>भाप. इति सा.। खर्व–> Lनैप्र] कव– +त्नु–(<√तन्)>उस. (=कवमल्पं Lयथा स्यात्तथा] तनुते L=प्रवर्तते]) इति विमृश्यम् (तु. स्वप्न– Lतु. ऋ ८.२, १८], अत्रैव तरणि– इति विपरीतार्थं प्राति. च)।

j) विप. (Lकवाटवर्ती-] द्वार्-, ऊरु-)। व्यु.?। <√कुष इति उ., <√कु (शब्दे) इति म. [तु. PW. प्रभृ. (वैतु. गतार्थमिति दु. Lया ५,११])]। २कवष– इतीव सा., भा. म. च (पक्षे)। ख– (=भेद-, अन्तर-) + √*वप् Lआच्छादने] >*वप्– >(उस.) *ख-वप्– >(नैप.) यनि. इति विमृश्यम्।

k) सपा. काठ ४६,२ कवयः इति पाभे. लौकि. सन् यनि. शोध्यः द्र. (वैतु. WIS L१३,९७] कवषी–> -ष्यः इति शोधः?)।

l) तु. यस्य प्र-शास– इतिः वैतु. दु. Lया ५. ११] PW. प्रभृ. कव(ष>)षा–> यनि. इति?।

m) कवग– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

n) व्यप. (पुरुष-विशेष- Lतु. सा. प्रभृ.])। व्यु.?।

o) विप. (उपस्थातृ-)। तस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा २,२,१८)। पूप. ईषदर्थे कु>क (व>) वा द्र.।

p) विप.। व्यु.?। कु>कव Lक्रिवि.]+ अरि– L<√ऋ] >उस. इतीव सा. (तु. °व-अ° इति पपा.)। उप. √*वृ(=√भृ Lभरणे]) > (कर्तरि) *वारि– इति कृत्वा कव-वारि–>(नैप्र.) यनि. इति तु विमृश्यम्।

कवासख[a]– -खः ऋ ५,३४,३.

कवि[b]– -वयः ऋ १, ३१, १; १०३, १; १४६, ४; १५९, [४; १०, १७७, १]; १६३, १२; १६४, ५; २, २४, ७; ३, ८, ४; ३४, ७; ५१, ७; ५४, १०; ४, २, १२; ३६, ७; ५, ४५, ४; ५२, १३; ७७, १; ७,५३,१; ७६,४; ८६,३; ८७,३; ९, ७२,६; ७३, ७; ९७, २९; ५७: १०, ५,[२; १७७, २]; ६; ८८,१३; १०१,४; ११४,२; ५;६; १२४,९; १२९, ४; १५४, ५; खि १,८,२; ११, २; खिसा ३३, ११; †मा ७, ३५; १२, ६७; १९,८०$; २९, २३; ३४, १२; †का ७,१७,१; १३, ५, ६; २१, ६, १$; ३१, ३, १२; ३३, १,६; तै १,१,२, १; ४,१८,१†; २,५,९,२¶; ४, २, ५, ५†; ३,११,३;६,७,५†; मै १,१, २; १०[c]; ३, १९†; २, ७,१२†; १६; १३,१०; ३,११, ९; ४,१,२¶; १२,६†; १३, १; काठ १,२;९[c];४,८†;१५,१२†; १६,१२†;२१,१४†; ३१,१[२]¶; ३८,३; ३९,,२; ३; १०; ४०,६; ४६,२[d];३†; क १,२; ३, ६†; २५, ३†; ४७, १¶; कौ ३, ४, ९; शौ ३, १७,१†; ५, १,६†; ८, ९, १७; ९, २, ५;४,८;१४, ६†; १३, १, २३; ४०; १८,१, १७; २,१८†; १९,५३,१; २०, ११, ७†; पै १,८६,१; ९२, २; २,२२,२†;५,२८,३; ६,२,६†; १२, २, १; १३, ५, १८; २४; १४,१,१३; १५, १२,१०; १६, १९,७; २४,७; ६६, ५; ७६,४; १८,१७,३; १८, १०; १९,५०, १५; –ॱवयः ऋ ५,५७,[८;५८, ८]; ७,५९,११[e]; मै ४,१०,३†; –०वयः ऋ १,१८५,१; ३,५४, १७; ५,५८,३; ६, ४९,६; ११; १०, ५३, १०; ८८,१८; मै ४, ११,२†; शौ ४, २७, ३; १८, ३,१९; पै ४,३५,३; –वये ऋ ४, २,२०; ३, १६; २५, २; ५, १, १२;१५,१;६,१५,११; २०, ४; १०,४९,३; मा १५, २५†; का १६,५,६†; तै ४, ४,४,२†; मै २,१३,७†; काठ ७,१२;३५,१; क ४८,२; १२; शौ १९, ३, ४; पै १९, ४८, ३; –विः ऋ १. ११,४; १२,[६; ७, १५, २; ८, १०२, १]; ३१, २; ७१, [१०; ७,१८,२]; ७६,५; ७९,५; ९१, १४;९५,४; ८; १४९,३; १५१, ७; १६४, १६; १७४,७; १८८, १;२, २३, १७[f]; ३,२,७; ३,४; ११; २३, १; २९, १२; ५४,६; ४,१५,३; १६, ३; ११; २६,१; ५३,२; ५, १, ६; ५,२; ११,३; ३१, १०; ४४,७; ४५, ९; ८१, २; ६,७,[७; ९, ८५,९]; ३२,३; ४९, ४; ७,४,४; ९, ३; १६,८; ८, ८, ११; ३९,१; ९; ४१,५; ४४,१२; २१; ६०, ३; ५; ७५, ४; ९१,१; ९,७,४; ९, १; १२, ४;[८; ४४, २]; १४,१; १८, २; २०,१; २५,३; २७, १; ४७,४; ५९,३; ६२,१४; ३०; ६४,३०[g]; ६८,५; ७१, ७; ७४,२; ७८,२; ८२,२; ८४,५; ८६,२०; [(१४, ५)२६ (१०७, २६)]; ९२, २; ९४,३;९६,१७; ९७,२; १०७, ७; १८; १०९, १३; १०, २०, ४;६४,[४; ९२,१२]; १६; ८७, २१; ९१, ३; १००, ६; ११०, १;१२४,७; खि ४,९,२; ६; ५, ७,३,११; मा ५,३२;११,२५†; १२,३†; †१५, २१; ३६; २३, ३९;२९,२५†; †३३,५५; ७५; ४०, ८; †का ५, ८, २$; १२, २,१४; १३, १, ३; १६, ५, २; १८; २५,८,१$; ३१,४,१; ३२, ५, १; ६, ६; ४०, १, ८$; †तै १.३,३,१$; १४,१; ८; ४,४६, ३ : ५, ५, ३ ; ११, १ ; २, ६,

a) विप. [मघवन्- (=धनवत्-[तु. या ६,१९, मा. प्रमृ.]; वैतु. LR. ?Gri = इन्द्र- इति ?])] । व्यु.? । *क(व>) वा– (=कुत्सितपुरुष-) + (समासान्ते टचि) सख– > पस. इतीव मा. (तु. ॰व-स॰ इति पपा.; वैतु. या. वस.?, LR. Gri.? पस. पूप =कवि– इति) । √कृप् [कृपण-भावे] > भाप. *कृपस– > नैप्र. *कुवस्– > *कवा– इति पूप. इति कृत्वा तु यनि. कृपणत्वबन्धोः पर्याय इति मतम् ।

b) विप., नाप. च । व्यु.? । <√कु [शब्दे, ज्ञाने, दर्शने वा] इति [पाउ ४, १३९ (तु. या [१२, १३], दे. [३,१५] प्रमृ.)] ।

c) सपा. मा १, २८ का १,९,६ तै १,१,९,३ माश १,२,५,१९ तैब्रा ३,२,९,१४ विशिष्टः पाभे. ।

d) विशेषः १०९९ *k* टि. द्र. ।

e) सपा. कुवयः<>मरुतः इति पाभे. ।

f) पाठः? इति कृत्वा **कविम्** इति शोध इति ORN. ? ।

g) सपा. **कविः**<>**कवे** (लाश्रौ ७,१२,६ च) इति पाभे. ।

११, १; ३, २, ११, ३; ४,११, १; ५,५,३$; ११,५; ४, १, २, ५;१०,४; ४,४,१; ५;५,२,१२, १; †मै १, १, ९; २, १२$; ५, १; २, ७, ८; १३‡[a]; १५; १३, ८; ३,२,१; ४,१०, १; २; ३$; ६; ११, १; १२, ६‡[b]; १३, ३; ४; †काठ २, १३$; १४; १५; १५, १२; १६, २; ८; १५;२०; २१; १९, ३; १३$; २३, १२; ३४, १९; ३८, १२; ३९, १५; ४०,१४; ५०,६$; †क २,७$; २५,६; ३०,१; ३१,१; †कौ १, ३०; ४२; ९०$; ३५९; ४३१; ४७६; ४८६; २, १०९; १७२; १९४;२७०; २८५;३१८;४४४; ४८१; ५२५[२]; ५४९; ५५४‡[c]; ६००;६३६;६६८;७५०; ९१२; १०६१; ११२४; †जै १, ३, १०; ४, ८; ९, १०$; ३७, ८; ४२,५; ४९, १०; ५०, १०; ३, ११, ५; १६, १०; १८,१; २३, २; २८,१; २६,४; ३४,२; ३६, ६; ४१,१[२]; ४२,५; ४३,१०‡[c]; ४८, १६; ५१,२; ५५,९;४,१२, १२; १५, ५; २८, ८; शौ ४,१, ७; ५,१, ४; ५; १२, १†; १३, १; ८, ३, २०†; ९,१४, १५†; १३, १, ११; १८,३, ६३; २०, ७७, ३†; पै १,५४,१; ४,८,१-१३; ५, २, ७; ६, २,४; ५; ७; १०,१; †८, १४,४; ८; १६,७, १०; ६७,६; १०२,१; १८,१६, १‡[d]; १९,३८, १६; ४८, १९; २०, २६, ९; –†विना ऋ ६,

४९, १०; ९, ३७, ६; कौ २, ६४७; जै ३, ५३, ५; –विभिः ऋ १, ७६, ५; ३,१, [५; ३१, १६]; ८,९; ६, ३२,३; ९, ७४, ९; १०८, १२; शौ ४, २६, ३; ९, ३, १९; १८, ३, ४७‡[e]; पै ४,३६,६; १५, १२, ११[२]; १६, ४१,१; –विम् ऋ १, १२, [७, (१३६, ६)]; ११४, ४; ११६, १४; १२८,८; २.२३,१; ३, २, [१०;५,४,३; ६, १,८]; १९, १; २९, ५; ४, २, १२; १६,९; ५, १४,५; ६, ७, १; १५, ७; २६, ३; ४९,४; ७,६,२; ८,४४,२६; ८४, २; १०२, ५; १७; ९,६३, २०; ७२,६; ८६,२५; १०२,६; १०, ८८, १४; ९९, ९; खि ३, २२.८; †मा ४,२५$; ७, २४; २८, ३४$; ३३, ८; ५५; †का ४, ८, ३$; ७, १०, १; ३०, ३,११$; ३२, १, ८; ५, १; †तै १,४, १३,१; २,३, १४, ३; ३, १,११, ८; †मै १, ३, १५; ४, १०, ६; ११, २; १३,६; †काठ ४, ५; १०,१३; १८, २०; ४०, ११;१४; क १,१९;३,५†; †कौ १, ३२; ६७; २, ४९०; ५९५; ९१७; †जै १, ३, १२; ७, ५; ३,३८,४; ४८,११; ४,१५,१०; –वी ऋ १,२,९;१३,[८.१४२, ८; १८८, ७]; ८, ८, २३; ४०, ३; १०, ४०,६; खि ५, ७,१,८; मा २८,७;३०; का ३०,१,७;३, ७; मै ४,१३,२; काठ १५,१३; कौ २,१९९†; जै ३, १८, ६†;

–०वी ऋ ८, ८, २; –०वी ऋ १, ११७, २३; ८, ८, ५; –वीन् ऋ १, १६४, ६; ३, ३८, १; शौ ९, १४, ७†; पै १६, ६६, ६†; –†वीनाम् ऋ २, २३,१; ३,१,२; ३८,२; ५६,५; ५,४२,३; ६,१८, १४; ३२, २; ९, ६४, १०; ६७, १३; ९६,६; १८; ९७, ३२; १०, २२, १०; ११२,९; तै २,३, १४,३; ३,१, ९, २$;४,११,१; मै ४,९,६$; १२, ३; ६; काठ ८, १६ ; १०, १३; २३,१२; ३०,६$; कौ १, ४५८; ४८१; २, २९४; ५२६; जै १, ४८, २;५०, ५; ३, २४, १०; ४१, २$; शौ ६, ४७, ३; ७,२३,१;१४,१,५३$; $पै १८, ५, १०; १९, ४३, १२; २०,४, १०; –०वे ऋ १,१३,२; १३०, ९; १७५, ४; २, १, १३; ६,७; ३, २८, ४; ४२, ६; ५२,६. ५, २१, ३; २६, ३; ६, १६, ३०; ५३, [५; ७]; ८, ४४,२०; ४५, १४; १०२, १८; ९, २५, [६; ५०,४]; ६२,२७; ६४,२४;६६, ३; १०; ८६, १३; २९; १००, ५;१०,१४०.१; मा २.४; १२, १०६; का २. १, ५; १३, ७,५; तै १.१, ११, २; ४,२.७,२; मै १.१, १२, २,७,१४; †काठ १, ११;१६.१४; क २५.५†; कौ २, ६‡[f]; ७; १२७; ४२८; ५५८; ६९८; ८७३; ११६६; जै ३, १, ८‡[f]; ९;१३, ३; ३३. ३; ३५, १०; ४४,४; ५३,६; ५७,२;४,

a) सपा. कविः <> भिषक् इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ १०२० *f* टि. द्र. ।

c) सपा. कविः <> पदा इति पाभे. ।

d) सपा. ऋ ९,८५,१२ विशिष्टः पाभे. ।

e) सपा. कविभिः <> कव्यैः (तैब्रा २,६,१६,२ च) इति पाभे. ।

f) पाभे. कृते पृ ११०० *g* टि. द्र. ।

६, १०; शौ १२, १, ६३; २०, २४, ६; पै १९,३४,१; –वेः ऋ २, २८,१; ६, ३९, १; ९, १०, ८;१०,५,३; कौ २,४७६.

१काव्य[a]– -व्यः ऋ १०,१४४, २; काठ ३५, ६‡?[b]; –†व्यम् ऋ ५,३९,५; ९,६, ८[b]; ९७,७; १०,५५,५; मै २, ८, ७; ४, ९, १२; कौ १, ३२५; ५२४; २, ४६६; ११३२; जै १, ३४, ३; ५६, २; ३,३५,१; शौ ९, १५, ९; १०,८, ३२$; –व्ययोः मा ३३,७२; का ३२,६,३; –†व्या ऋ १,७२,१; २, ५, ३; ४,११, ३; ५, ५९, ४; ६६, ४; ८,३९, ७; ४१,५; ६; ९,७,४; २३,⌊१; ६२, २५; ६३,२५; ६६,१⌋;५७, २; ९४, ३; १०७, २३; १०, २१, ५; तै २, २, १२, १; ३, १४, १$; ३, ३, ३, ३; मै २, १३,५; काठ २१,१४; †कौ १, ९४; २, १२५; ४८१; १०४९; १११२; †जै १,१०, ४; ३,१३, १; ३६,६; ४, ७, ६; –†व्यानि ऋ १, ९६, १; ३,१, १७; १८; ४, ३, १६; मै ४, १०, ६; –†व्येन ऋ ३, १, ८; ३६, ५; ४, ३५, ४; ८, ७९, १; ९,७०, २; ८४, ५; ८७, ३; ९६, १७; १०, २९,६; ८७, २१; ९१, ३; कौ २,२९;५२५;७७४; जै ३,३, ८; ४१,१; शौ $५, १,५; ११, २; ३; ८, ३, २०; २०, ७६, ६; –व्येभिः ऋ ७,६६,१७; –व्येषु ऋ ९, ९२, ३; –†व्यैः ऋ ५, ३,५; १०,१३१, ५[c]; मा[c] १०, ३४; २०,७७; का[c] ११,१०,४; २२,७,११; मै ३, ११, ४[c]; शौ २०,१२५,५[c].

२काव्य[d]– -व्यः ऋ १, ८३, ५; १२१,१२; ८,८,११; २३, १७; ¶तै २, ५, ८,५; शौ ४, १,६; २०, २५, ५†; –व्यम् मा १५, ४; का १६, १,५; तै ४,३,१२, २; शौ ४, २९, ६; पै ४, ३८, ६; –व्यस्य ऋ १, ११७, १२; –व्याय ऋ ६, २०, ११; –व्ये ऋ १,५१,११.

३काव्य[e]– -व्यः पै ४, ११, १;२;५,२,५; –व्यम् काठ १७, ६$; क २६,५$; ४८, ७†[b]; पै १६, ६८, ८†; –व्येन पै ६, २,५$;$८,१,२;३; १६,७,१०; –†व्यैः[c] काठ १७, १९;३८,९; ४०,१०.

कवि-क्रतु[f]– -†तुः ऋ १, १, ५; ६, १६,२३; ९, ९,१; २५,५; ६२, १३; कौ १, ४७६; २, २८५; जै १,४९,१०; ३,२४,१; –तुम् ऋ ३, २,४; २७, १२; ५, ११, ४; ८, ४४, ७; खि ३, २२, ४; मा ४,२५; का ४, ८, ३; तै १, २, ६, १; ४, २,७,३‡[g]; मै १, २, ५; काठ २, ६; क १, ९९; कौ १,४६४; जै १,४८,५; शौ ७, १५,१; पै २०,४,८; –तू खि ३, २२, ६; –०तो ऋ ३,१४,७.

?†कवि-च्छद[h]– -च्छदा ऋ ३, १२, ३; कौ २, २१; जै ३,२,१२.

कवि-तम– -मः ऋ ३, १४, १; ७, ९, १; पै ४, ८, १-१३; –†मम् ऋ ५, ४२, ३; ६, १८, १४; मै ४,१२,३; काठ ८, १६; –मस्य ऋ ५,८५,६.

कवि-तर– -रः ऋ ७, ८६, ७; शौ ५,११,४; पै ८, १,४.

कवि-त्व– -त्वा[i] ऋ १०, १२४,७.

कवि-त्वन[j]– -ना[i] ऋ ८, ४०,३.

कवि-प्रशस्त[k]– -स्तः ऋ ५,१,८.

कवि-वृध[l]– -धः ऋ ८,६३,४.

कवि-शस्त[m]– -स्तः ऋ १,१५२,२;

[a]) त्रिप. ⌊ऋ १०,१४४,२⌋, भाप. ⌊ऋ १, ७२,१ प्रभृ.⌋। स्वार्थे भावकर्मणोश्च ष्यञ् प्र. उसं. (पा, पावा ५,१,१२४) ञित्-स्वरश्च। √कु + कर्तरि कर्मणि भावे वा ण्यत् प्र. आद्युदात्तश्च उसं. (पा ३, १,१२६; ६,१, २१४) इत्यपि पाग्र. मार्गान्तरं द्र.।

[b]) सपा. °व्यः<>°व्यम् इति पाभे.। ऋ. पाठमनु काठ. स्थले काव्या इति शोधो विमृश्यः।

[c]) =सपा. माश ५,५,४,२६। तैब्रा १,४,२,१ आपश्रौ १९,२,१९ तु कर्मणा इति पाभे.।

[d]) विप., भाप., व्यप. ⌊उशनस्-⌋)। स्वार्थे भावे च यः प्र. उसं. (पा ५,४,२५) इत्येव a टि. विशेषः

[e]) स्वराङ्कनाऽभावात् पृथङ् निर्देशः।

[f]) विप. (अग्नि-, सवितृ-)। वस.।

[g]) सपा. ऋ १०, १४०,५ विशिष्टः पाभे.।

[h]) विप. (इन्द्राग्नि-)। उस. (तु. वैं. सा. PW. प्रभृ.)। उप. < √छद् > छदि (पा ६, ४, ९७)। धा. अर्थः वैश. द्र.।

[i]) वा तृ१।

[j]) भावे त्वनच् प्र. उसं. (पा ५, १,११९) चित्स्वरश्च।

[k]) विप. (अग्नि-)। तृस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)।

[l]) विप. (इन्द्र-)। उस.। उप. <√वृध्।

[m]) विप. (अग्नि-, मन्त्र-, वपुस्-)। शिष्टं k टि. द्र.

३,२१,४; २९,७; तै २, ५, ९, २; मै ४, १३, ५†; काठ १६, २१†; –†स्ताः ऋ ६,५०,१४; १०, १४, ४; मा ३४, ५३; का ३३, २, १६; तै २, ६, १२, ६; मै १, ६, २; ४, १४, १६; शौ १८, १, ६०; –स्तानि शौ ५, १,९; पै ६, २,९.

√कव्ीय

†कव्ीयत्– -यन्[a] ऋ ९, ९४, १[b]; काठ ४१, ११[h].

कव्ीयमान– -नः[c] ऋ १, १६४, १८; शौ ९,१४,१८†.

कुव्ीयस्[d]– -‡यान[a] कौ १, ५३९; जै १,५५,८.

√कव्य[e]

कव्यत्– -व्यन् तै ७, १, २०, १‡[a].

?कव्ीम्[f] का ५३,१०.

कव्य,व्या[g]– -व्यः मै १, २,१२; काठ २, १३; क २, ७; –?व्या[h] मा २२, २; का २४,१,२; तै ४,१, २,१; ७, १,११,१; मै ३, १२, १; –व्यैः ऋ ९, ९१, २;१०, १४,३; १५, ९[i]; तै २,६, १२, ५†; †मै ४, १०,६[i]; १४,१६; शौ १८,१,४७†.

†कव्य-ता[j]– -ता ऋ १, ९६, २; मै ४,१०,६; काठ २१, १४.

कव्य-वाहन[k]– -०न मा १९, ६४‡[l]; ६६[m]; का २१, ४, १४‡[l]; तै २, ६, १२, ५‡[n]; –नः मा १९, ६५‡[n]; का २१, ४,१५‡[n], तै २, ५,८,६¶; मै १,२,१२[o]; काठ २, १३[o]; २१, १४‡[n]; क २, ७[o]; –¶नम् मै १,१०,१८; काठ ३६, १३; –नाय मा २, २९; का २, ७,१; काठ ९,६¶; क ८,९¶; शौ १८, ४,७१.

¶कव्यवाहनी– -न्या मै १,१०, १८; काठ ३६,१३.

√कश्[p]

१कुशा[q]– -शया ऋ १, १५७, ४; १६२, १७; १६८, ४;५, ८३, ३: मा २५, ४०; तै ४,

[a]) सपा. कव्ीयन् <> कुव्ीयान्<>कव्युन् इति पाभे.।

[b]) सस्थ. पशुवर्धनाय > पशुर् वर्धनाय इति द्वि-पदः शोध्र द्र.। 'यथा वर्धनाय ⌊=संतानवृद्ध्यर्थं मैथुनाय⌋ मन्म ⌊=मन्मनि =भावोत्पत्तौ⌋ पशुः कव्ीयन् ⌊गन्⌋ व्रजं ⌊प्रति धावति, एवं खलु सोमः⌋ अपो वृणानः ⌊द्रोणकलशं प्रति⌋ पवते' इति वा. ⌊वैतु. गा. मन्म इति व्रजम् इत्यस्य विप. इति ?⌋।

[c]) सपा. कव्ीयमानः<>गुह्यमानः इति पाभे.।

[d]) यनि. तु. विव. PW. च; वैतु. सा. भ. ऋ. पाभे. पाठुकादिव।

[e]) =√कव्ीय। इकारलोपः (पा ७, ४ ३९) इह विशेषः।

[f]) पाठः?। सपा. तै ५, ७, २०,१ छव्ीम् इति पाभे., मा २५, ९ पाठाऽभावः।

[g]) विप. (नहुष्य-), नाप. च। व्यु. ?। <√कु कृद्वृत्तमिति वा, कवि- स्वार्थे च तादर्थ्ये च यः प्र. उसं. (पा ५,४,२५) तत्स्वरश्चेति वा (तु. पाभे. *i*,*k* टि.), नैप्र. <√कु< >√*क्रु ⌊बधा.⌋ इत्यपि वा द्र. (तु. कव्यवाहन-, कव्याद्- इत्येतयोः स्थाने ऋ ⌊१०. १५,९⌋ क्रव्य° इति पाभे.।)

[h]) विप. (रशना-)। '⌊या⌋ सा नः···आबभूव' (वैतु. भा. सा. प्रभृ. अगृभ्णन् ⌊क्विप.⌋ इत्यस्य कर्तृपदमिति कृत्वा कव्य-> –व्याः इति वा कवि->-वयः> यनि. इति वेति ?) इत्युत्तरार्धेन वा. संबन्धः यनि. च स्त्री. प्र१ इति।

[i]) पाभे. क्रने पृ ११०१ *c* टि. द्र.।

[j]) भाप. (कवित्व-⌊तु. स्क.वे.PW.प्रभृ.⌋)। –ता इति तृ१ (=कव्यतया ⌊तु. नग्नता-> –ता, पुरुषता->–ता⌋)। यत्तु ना. गम्यस्योक्थादिपदस्य विप. इति कृत्वा √कु (शब्दे) >कव्य-> नाधा. √*कव्यि + क्विप् प्र. >*कव्_ी- इति प्रान. आह तान्नन्त्यम्।

[k]) विप. (अग्नि-)। उस. प्रकृतिस्वरः। उप. √वह + ल्युट् प्र. (पा ३,२,६५)।

[l]) सपा. कव्यवाहन<>वाजसातम (आश्रौ १०. २. १८ च) इति पाभे.।

[m]) सपा. कव्यवाहन<>जातवेदः (तैब्रा २. ६,१६,२ आश्रौ २,१९,२९ च) इति पाभे.।

[n]) सपा. कव्यवाहन (तैब्रा २, ६,१६,२ आपश्रौ १९, ३,११ च) <>कव्यवाहनः <> क्रव्यवाहनः (आश्रौ २, १९, २९ च) इति पाभे.।

[o]) =सपा. तां १, ४, १४ आपश्रौ ११.१५,१। शांश्रौ ६, १२,९ तु हव्यसूदनः इति पाभे.।

[p]) धा. गतिशासनयोः वृत्तिः (तु. पामाधा. √कंस् इत्यत्र)।

[q]) नाप. (अजनी-, प्रणोदनी-)। स्त्री. घञ् प्र. उसं. (पा ३,३,१२१) नित्स्वरश्च (वैतु. पामीधा. दे. ⌊निघ १,

६, ९, २†; काठ ४६, ५†; पै १६,३३,१०; -†शा ऋ १,२२, ३; ८, ३३, ११; मा ७, ११; का ७, ५, १; तै १, ४, ६, १; मै १, ३, ८; काठ ४, २; क ३, २; जै ४, २०,४; शौ ९,१, २१$; पै $१६,३४,१;२; -शाः ऋ १,३७,३; खि ५, १५,११[a]; कौ १, १३५†; जै १, १५,१†; -शाम् शौ ९, १, ५; पै १६, ३२, ५; १७, १५, ७; -शायाः शौ ९,१,२२.

कुशा-वत्- -वन्ता ऋ ८,२५,२४.

कुशावती- -ती ऋ ८,६८,१८.

२कुश[b]- -शः मा २४,३८; का २६,८, ३; तै ५, ५, १७, १[c]; १८, १; मै ३,१४,१९; काठ ४७,७[c];८; -शान् मा २४, २६; का २६, ६,१; मै ३,१४,७.

?३कश[d]-

कश-प्लुक्[e]- -कौ ऋ ८,३३,१९.

¶कशारि[f]- -रिः काठ २५, ६; क ३९,३.

कशिपु[g]- -पुने शौ ६, १३८,५; पै १, ६८,१; ५, ३२,१०.

कशिपू(पु-उ)पबर्हण[h]- -णम् शौ ९, ६,१०[i]; -णानि पै १६, १११,१०[i].

कशी(क>)का[j]- -का ऋ १,१२६, ६; -कायाः पै ८,१२,६.

कशु[k]- -शुः ऋ ८,५,३७.

कशोक[l]- -काः शौ ५,२,४‡[m]; २०, १०७,७‡[m].

कशो-जू[n]- -जुवम् ऋ १,११२,१४.

कश्मश[o]- -शम् शौ ५,२१,१.

?कश्यदे[p] पै ७,११,८.

कश्यप[q]- -०प ऋ ९,११४,२; -०प काठ ३७,९; शौ ८, ९,७; १३, ३,१०; पै ४,३,१; १६,१८,७; -पः खि ५,३,२;५; मा २४,३७; का २६,८,२; तै ५, ५, १७,१; ६,१,१; मै २, १३,१; ३, १४, १८; काठ ४७, ७; शौ ४, ३७, १; ८,५,१४[२]; १८,३,१५; १९, ५३,१०; पै १,२५,१; २, २८, ४; ४,११,४;४०,२-७; ५,२८, ४; ६, ७, १; ७,५,१; १०, ३, ३; ११, ५, १३; १२, २, १०; १३, ४,१; १४, १, २; ३, २३; १६, २८, ४[२]; १९, २३, १५; ३१,९; ४०, १५; -पम् शौ ४, २९,३; पै ४,३८,३; -पस्य खि ५,३,६; मा ३, ६२; का ३, ९, ४[२]; मै ४, २,९¶; कौ १, ९०; ३६१; जै १, ९, १०; ३८, २; शौ १, १४, ४; २, ३३, ७; ४, २०, ७[r]; ५, २८, ७; १७, १, २७; २८; २०, ९६, २३‡[s]; पै १, १५,४; ७१, ४; ८५, १; २, ५९,५; ६४,१; ७३,४;५; ७४, ५; ८, ६, ६; १८, ३२, १०; -पा मै ४,१३,४; काठ १६,२१; -पाः शौ १३, १, २३; पै १८,

---

११] च अच् प्र. इति, या [९, १९] अश्वाजन्यर्थे < √काश् वा √कृष् वा, वागर्थे च < √कुश् वा, स्व- + √शी वेति ?)।

a) सपा. शौ २०,१३१,५ अश्वाः इति पाभे.।

b) ककुट- इत्यनेन स-न्यायता- द्र.।

c) पाभे. कृते पृ १०८० q टि. द्र.।

d) नाप. (स्त्रिया अङ्ग-विशेष- ?)। व्यु. ?।

e) द्वस. अन्तोदात्तः (वैतु. ORN. ?कश-प्लु- > °कु- > -कौ इतीव [तु. सस्थ. पाद-कु-])।

f) नाप. (उत्तरवेदि-)। व्यु. ?।

g) नाप. न. (कट-भेद-)। व्यु. ?।

h) समाहारे द्वस. अन्तोदात्तः।

i) सपा. °णम् <> °णानि इति पाभे.।

j) नाप. स्त्री. (नकुली- [सा. PW.])। व्यु. ?। < √कश् इति (पाउ ४, २४)।

k) व्यप. (चैद्यनृप-विशेष-)। व्यु. ?।

l) नाप. (१रक्षस्- [तु. पाभे.])। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

m) सपा. कशोकाः <> यातुधानाः इति पाभे.।

n) विप. (दिवोदास- वा [तु. सा. PW. प्रभृ.]) व्यप. वा (तु. GW. GRV.)?। व्यु. ?। क(शम्>) शो-जुवम् इतीव पपा.। एवं स्थिते पूप =उदक- (तु. [निघ १,१२] इति सा., =कशा- (तु. स्क., GW. च [यथाक्रमं वाच्-, प्रतोद- इति]))। सर्वथापि उप. < √जू इति कृत्वा उस. द्र. [तु. नभो-जू-])।

o) भाप. (कश्मल- [तु. W.])। व्यु. ?।

p) प्राति. ?। नमस्- इत्येतेन योगात् च. साहचर्य-भूयस्त्वाच्च *कश्य-दा- > -दे [च१] इतीव कृत्वा उस.। पूप. <*कश्य- (भाप. [=कष्ट-] < √*कश् [हिंसायाम्]) इति विमृश्यम् (तु. सस्थ. निर्ऋति-साहचर्यमपि)।

q) नाप. (कच्छप-), व्यप. (ऋ ९, ११४, २ प्रभृ.)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। नैप्र. <*पश्यक- इति [तु. तैआ १, ८,८]।

r) B. पश्यक- इति श्लेषमभिप्रायुकः।

s) सपा. ऋ १०, १६३,६ विशिष्टः पाभे.।

१७,३; -पेन पै ७,५,८.

काश्यप[a]- -पः पै ८, १५,१; -पेन खिसा २६,१७.

कुष्कष[b]- -षाः पै १९, २९, ४[2]; -षासः शौ ५,२३,७; पै ७,२,८.

?कष्कूलम्[c] पै १०,२,१०.

कसर्णीर,ल[d]- -रः तै १, ५, ४, १; -लम् शौ १०, ४, ५; १७[e]; पै १६,१६,७.

कुसाम्बु[f]- -म्बु शौ १८,४,३७.

?कसीभिः[g] शौ २०,३४,१२.

?कस्त्योश्वनायुतम्[h] पै १,५,५.

?कस्ये[i] शौ १८,३,१७.

?क स्ये कु त स्या न्या स्र का लो हि त म् पै १३,१४,१४.

कहावल[j]- -लम् पै १६,७५,१.

कहोड[k]-

काहोडि[l]- -डिः[m] काठ २५, ७¶.

कैंह्य[n]- -०ह्य मै २, १३, १२; काठ ४०,३.

१का[o]- -का पै १६,४६,१.

२का- किम्- द्र.

?कांस्य् अुस्मिताम्[p] खि २, ६,४.

काःकालिक[q]- -कात् खि २, १४,५.

काकंबीर[r]- -रम् ऋ ६,४८,१७.

†काकुद्[s]- -कुत् ऋ ६, ४१, २[t]; -कुदः ऋ १, ८, ७[u]; शौ २०, ७१,३[u]; -कुदम्[t] ऋ ८, ६९, १२; मै ४, ७, ८; शौ २०, ९२,९.

[a]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)।

[b]) नाप. (कृमि-विशेष-)। व्यु. ?।

[c]) पाठः ?। कूल- > -लम् इत्युत्तरांशस्तावत् पृथक् पदं द्र.। ?कष् =?कः =आपः इत्येवं च पूर्वांशः संभाव्येत (तु. सस्थ. टि. ?प्रदह्य कष्)।

[d]) नाप. (सर्प-भेद-)। व्यु. ?।

[e]) सपा. अप्रा ३, ४,१ कसञ्जीलम् इति पाभे.।

[f]) नाप. (चिता- ?)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। √कु (*हिंसायाम्) > *कु- (=शव-) + √साम्ब् (*दाहे) > भाप. *साम्बु-(=दाह-)> बस. इति विमृश्यम्।

[g]) पाठे ? शची- > -चीभिः इति शोधः इति कृत्वा वावि. द्र. (तु. सपा. पै १३, ७,१२)।

[h]) पाठे ? वस्ति- > -स्त्योः (श्) चना (न-आ)-युत- > -तम् इति शोधः ?। सपा. शौ १, ११, ४ मज्जुस्वाहतम् इति, पागृ १,१६,२ कस्मिंश्चनायत(न)म् इति, आपमं २,११,१९ बद्धमसि मज्जसु इति च पाभे.।

[i]) पाठे ? कस्य- > -स्यैः इति शोधः ? (वैतु. कीकस- > *कीकस्य- > ⌊नैप्र.⌋ कस्य- ⌊=चिता-⌋ > -स्ये ⌊सप्त१⌋ इतीव सा., कंस- > *कंस्य- > कस्य- ⌊=पात्र-भेद-⌋ इतीव च w. ?)।

[j]) नाप. (विष्टम्भितोदरमल- ?)। व्यु. ?। *कह- (=मल) > कहा + बल- (< √बल् ⌊*अवरोधे⌋) > बस. इति विमृश्यम् (तु. सपा. शौ. ९, १३, ११ कुहाबाह- ⌊यथास्थानं टि. द्र.⌋ इति पाभे.)।

[k]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।

[l]) तस्यापत्यीय इञ् प्र. द्र.।

[m]) पाभे. कृते पृ १०८८ *m* टि. द्र.।

[n]) विप. (अग्नि-)। व्यु. ?। नैप्र. < गुह्य- (तु. सपा. तै ५. ५, ९, १ माश्रौ ६, १, ८, १३ गह्य ⌊सं१⌋ इति पाभे.; वैतु. भा. ⌊तै.⌋ गृह्य < गृह्य- ⌊< √गृह्⌋ इति वा गाह्य < गाह्य- ⌊< √गाह्⌋ इति वा)।

[o]) =पृथिवी- इति कृत्वा क्षा- (निघ १, १) इत्यस्य वावि. द्र.।

[p]) यनि. पाठे (तु. खिसा ११. ८ कां सोस्मिताम्) संदिग्धे कांस्यो(स्य-उ)स्मिताम् (कांस्यस्य-ऽोस्मितं यस्याः) इति शोधः (तु. वैप ३, २१२ o टि.) इति कृत्वा विप. (लक्ष्मी-)।

[q]) व्यप. (सर्प-विशेष-)। व्यु. ?। कालिक- यद्र.।

[r]) नाप. (वृक्ष-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। < काक- + √भृ इति सा.। पूप. स्क. भाप. (< √कक्)।

[s]) वप्रा.। अर्थः व्यु. च ?।

[t]) नाप. स्त्री. (मुख-विवर-)। व्यु. ?। प्राति. निर्देशे तु. सा. PW. प्रभृ.; वैतु. =तालु- (निघ ⌊१. ११⌋ =वाग्-) इति कृत्वा या (५, २६ ⌊ऋ ८, ६९, १२⌋) *कोकुवा-(=जिह्वा)> (नैप्र.) काकु- + √धा > ध्र- > द्- > -द्- इति प्राति. (तु. स्क., वें. च ⌊ऋ १, ८, ७⌋), पाम. (१, १, १) काकु- > *काक्- (=जिह्वा-) + (√वद् >) *उद्- यद्वा काकु- + (√नुद् >) *नुद- > *द- (तु. कैयट- प्रभृ.) > *द- इति, दे. (निघ.) √कक् + उत् प्र. > ककुत्- इति, ORN. (ऋ १,८,७) काकुध्- इति प्राति. इतीव ?। नैप्र. < मुख- + (आ√ *खुद् [खनने] > कर्मणि कृत्) आ-खुद्- (=खा-) > पस. इति मतम्।

[u]) नाप.। अर्थः व्यु. च ?। वें. स्क. =काकुद- > -दः (प्र१ ⌊अर्थतः द्वि१ इति), सा. आपः इति समानाधिकरण्ये

¶काच[a]– -चौ काठ २०,६: क३१,८.
†काचित्-कर[b]– -रम् ऋ १०, ८६, १३; शौ २०,१२६,१.
काजव[c]– -वम् मै २,१,४¶.
काट[d]– -टम् शौ १२,४,३: पै १७.१६, ३; –टाय मै ३, १२,१२[e]: –टे ऋ १, १०६,६: पै ४,२८,६†.
१काट्य– -ट्याय मा १६.३७[f]:४४: का १७, ६, १[f]: ७, ३: मै २,९, ८; काठ १७.१५[२f]; क २७.५[२f].
२कट्य– -ट्याय तै ४.५. ७, १[f]: ९,१.
?काटाक्ष[g]– -क्षाय काठ ४०,८[c].
काण,णा[h]– -¶णः तै २,५,१,७: मै ३,९,५: –णया शौ १२, ४, ३: पै १७, १६, ३; –णे ऋ १०, १५५,१.
काणुक[i]– -का[j] ऋ ८,७७, ४.
काण्ड[k]– पुंनि तै. मै. शौ. पै. –ण्डम् शौ १२,३, ४५; पै १७, ४०, ५; –ण्डात्ऽ-ण्डात् मा १३,२०: का १४, २, ५: तै ४, २, ९, २; ५, २, ८, ३; मै २, ७, १५: ३,२,६[२]:¶: काठ १६, १६;२०,६: क ३१,८; –ण्डानि पै ८,८,७; –¶ण्डाभ्याम् मै २, ६, १: ४. ३, १: काठ १५, १; –ण्डे पै ४,२२,२; –ण्डेऽ-ण्डे ¶तै ६,१, ७, ८,३: २,१०,१; ३, ५, ८: –ण्डेनऽ-ण्डेन तै ५, २,८,३¶: –ण्डेभ्यः तै ७,३,१९, १; –ण्डैः शौ १२, ३, ४२: पै १७,४०,२.
काण्ड-वीणा[l]– -णाः काठ ३४, ५¶.
काण्डिन्– -ण्डिनः पै २,५२,२.
काण्डिनी– -नीः शौ ८, ७, ४; पै १६,१२,४.
काण्व–, कण्वायन– कण्व- द्र.
कात्य–, कात्यायनी– कत- द्र.
काद्रवेय– कद्रू- द्र.
?कान पै १५,२३,१.
कानीत– *कनीत- द्र.
कानीन[m]– -नः खि ४, ७[२], ८; शौ ५,५,८: पै ६,४,८.
?कान्दाविष[n]– -षम् शौ १०, ४,२२; पै १६, १७,२.
कापा[o]– -पया ऋ १०, ४०,३.

मदु यानि. विप. वाक्यान्तरं प्रयोजयन्, GW. पं१ इति। =पर्वत-कुल्या– इति कृत्वा *का– (=पर्वत-) + (आ √*खुद [खनने] >) आ-खुद– (=खा-, कुल्या-) > [पस.] *काखुद– > नैप्र. यनि. इति मतम्। 'यथा पर्वत-नद्या ऊर्ध्वं आपः पिन्वन्ते तथा यस्य इन्द्रस्य सोमपानमः कुक्षिः पिन्वते' इति वा.।

[a]) नाप. (धातु-विशेष-)। < √कच् इति विमृश्यम् (तु. वैप३)।

[b]) विप. (हविस्-)। अर्थः व्यु. च ?। ३क– +आ-चित– (भाप. < आ √चि) > [पस.] काऽऽचित– + √कृ > उस. इति या [१२,९], < ४कु– (नि. द्र३) इति PW. GW. GRV. प्रभृ. (तु. किञ्चित्कर- [पाम १,२,२७]) ?।

[c]) विप. (कर्म-विशेष-)। व्यु. ?।

[d]) नाप. (गर्त-, कूप-)। व्यु. ?। सा. [तै ४, ५, ७, ११] कूप-पर्याय इति कृत्वा (कु >) क– + √अट इति ?। √कृत (छेदने) > कर्त– > नैप्र. यनि. इति मतम् (तु PW. प्रभृ.)।

[e]) सपा. काटाय <> काटाक्षाय इति पाभे.।

[f]) सपा. काट्याय [काठक. सकृत] <> काट्याय <> भिद्याय इति पाभे.। [g]) पाठः ? =काटे आक्षरणमिति कृत्वा काटा (ट-आ)क्षर– इति शोधः ?।

[h]) विप. ([एक-चक्षुस्-] पुत्र-, वशा-, सोमक्रयणी-)। व्यु. ?। या [६,३०] < √कण [अणुभावे] इति ?, WAG [१,१७२] < √कृ (हिंसायाम्) इति। एकेन चक्षुषा पश्यतीत्यर्थे एक-ईक्षण– इत्यस्य प्राति. वावि. इति विमृश्यम्।

[i]) विप (सोम-सरस्-)। व्यु. ?। कान्तक– इत्यस्य वा कृतक– इत्यस्य वा कान्तक– इत्यस्य वा वावि. इति या (५,११[पक्षे इन्द्र– इत्यनेन समानाधिकरणं सत् =कान्त– वा कणघात– वा कणहन– वा कान्तिहत– वेत्यपि]) ?।

[j]) न. द्वि३ रूपम् (वैतु. या. पक्षे =प्र१ इतीव)।

[k]) नाप.। बहुप्रस्थाना गती व्यु. वैश. द्र.।

[l]) नाप. (वाद्य-विशेष-)।

[m]) विप. [?सिलाची– पुं. ([=शिलाजित्–] शौ.) <> ?घृताची– [पै.] पाभे. यद्र.]। व्यु. ?। < कान– (=प्रस्तर-) इति मतम् (तु. सिभा १,२११: वैतु. PW. प्रभृ. कान– < कन्या– इति कृत्वा विप. सिलाची– स्त्री. इति भ्रान्त्या ०ना– इति शोधुकामयन्तो विमृश्याः।

[n]) विप. [विप- (तु. ग स्थ. पै. मूको. कनिक्रन्द– इति सविपर्यं विप. [तु. टि. ?कनिक्रक–]; वैतु. PW. प्रभृ. नाप. [विष-भेद-])]। व्यु ?। ०न्दा-वि० इति पपा. ?।

[o]) नाप. स्त्री. (तु. सा. Gri. =वन्दिनो वाणी-, ? GW. =शर्कोट-; वैतु. GRV. भाप. =कम्पन- [तु. ऋ १,३७, ८])। अर्थः व्यु. च ?। < कपि– इति वै.।

कापेय- कपि- द्र.

काफोडि- २कफोड- द्र.

काबव[a]- -वम् शौ ३,९,३;५;पै३,७,४; ६; -वस्य शौ ३,९,४;पै ३,७,५.

?काबेर-कु[b]- -कः शौ ८, १४, ११; पै १६,१३५,६.

?काभुर्गा पै २०, ४२,९.

काम- √कम् द्र.

?कामदः[c] पै १, ३०, ४.

?कामपराजिताम्[d] पै १,९३,२.

?काम-सरथं[e] शौ ९,२,९.

काम्पील[f]-

काम्पील-वासि- (न् >) नी[g]- -०नि[h] तै ७, ४, १९, १; काठ ४४, ८; -नीम्[h] मा २३, १८; का २५,५,१; मै ३,१२,२०.

?काम्य[i]- -म्यः शौ १९, ३,९.

१काय- १क-द्र.

२काय[j]- -यम् शौ १९,५७,४; पै ३, ३०,४.

कायमान- √कै (कान्तौ) द्र.

कार[k]- -रः ऋ १०, ५३, ११[l] -रम् ऋ १, ११२,१;१३१,५; ४,१, १४; ५, २९,८;९,१४,१[m]; शौ २०,७५,३[l]; -रे ऋ १, १४१, १०; ४, ४९, ३; ८, २१, १२.

कारव- √कृ द्र.

काराधुनी[n] ऋ १,१८०,८.

कारि-, कारिन्- √कृ द्र.

कारीरी- करीर- द्र.

कारु- √कृ द्र.

कारोतर[o]- -रः मा १९,१६; का २१, २, ५; -रात् ऋ १, ११६, ७; -रेण मा १९, ८२; का २१, ६, ३; मै ३,११,९; काठ ३८, ३[p].

?कार्तव्याभंस पै १९,४२,१६.

कार्त्तिकेय- कृत्तिका- द्र.

?कार्द[q] शौ २०, १३६,१४.

कार्पाण- कृपाण- द्र.

कार्मार-,कार्य- √कृ द्र.

कार्शान- √कृश् द्र.

कार्षि-,कार्षीवण-,कार्षीवल-√कृष् द्र.

?कार्ष्ण-, ०र्ष्णी- १कृष्ण- द्र.

२,३कार्ष्ण-, ०र्ष्णी- २कृष्ण- द्र.

कार्ष्मन्- √कृष् द्र.

¶कार्ष्मर्य[r]- -र्यः तै ५,२, ७,८; काठ २०,५; क ३१,७; -र्यम् तै ६,२, १,५; -र्येण मै ३,२,६; काठ २०, ५;२४,८; क ३१,७;३८,१.

¶कार्ष्मर्य-मय- -याः तै ६, २,१, ३; मै ३,७,९; काठ २४, ८; क ३८,१; -यान् तै ६,२,१,५.

¶कार्ष्मर्यमयी- -यी तै ५,२,७, ३; मै ३,१०,१; काठ २०,५;मै ३,

---

a) नाप. (रोग-भेद- वा रक्षो-विशेष- वा?)। व्यु.?।

b) व्यप. (रजत-नाभि-)। पाठे? कौबेरक- इति शोधः (तु. कुबेर- शौ ८,१४,१० इत्यस्य श्रुतिं, रजत-नाभि- इत्यस्य विशेष्यस्य पदस्य सतो धनर्द्धिसूचकत्वं च [तु. w.]) इति कृत्वा कुबेर- > *कौबेर- > ०र-क- इति व्यु. क्रमः द्र.। यद्वा <कुबेर- (=कुबेर-)।

c) पाठे? अदः इति शोधः(तु. छन्दः, सपा.शौ१९,५२,४ च)।

d) पाठे? जीवलं नघ-घारकं, जयत्कम् अपराजितम्। उतामृतत्वस्येशानं राजन् कुष्ठा (ष्ठ ! श्रा) वदामसि इति मन्त्र-शोधः द्र.।

e) पाठे? काम-सराऽथ इति शोधः। *काम-सर- इत्यत्र उस. =१काम-प्र- इत्यस्य पर्याय इति। उप. √सृ (*पूर्तौ)। सस्थ. ?पादयाथः >०तः इत्यपि शोधः द्र. (वैतु. पृ ८२७a टि. मतान्तरम्)।

f) व्यप. (देश-विशेष-)। व्यु. ?।

g) व्यप. (देवी-विशेष-)। उस.।

h) सपा. ०नि (तैब्रा ३,९,६,३ आपश्रौ २०,१८,३ च) <> ०नीम् इति पाभे.।

i) व्यप. [ऋषि-विशेष- (=काव्य- [उशनस्-]?)]। पाठः? (तु. सस्थ. टि. कुष्ठ-)।

j) नाप. (शरीर-)। वैप३ यद्र.।

k) नाप.। व्यु. अर्थश्च?। =स्तोत्र- इति सा.[ऋ१,१४१, १०] PW.GW. प्रभृ.; =विजय- इति PG [१,११९-२०]; =जयघोष- इति NW. प्रभृ.; =स्पृध- इति सा. [ऋ ८, २१,१२] PG. NW.; =युद्ध-घोष- इति सा. [ऋ १, १३१,५]; =प्रतियोधाजित-धन- इति PG. प्रभृ.। विस्तरस्तु वेश. द्र.।

l) -रे इति GRV. शोधः।

m) सपा. कारम् <> कारुम् इति पाभे.।

n) नाप.। अर्थः व्यु. च?। *काराधुनिर् इव >नैप्र. यनि.। कारा- [=शब्द-] + आधुनि- [=आधून-यितृ-] इति वा, कार- (=होत्रादि-) + आधुनि- इति वा कृत्वा उस. इतीव सा.?; कारा- (=शङ्ख-) + धुनि- (=ध्मातृ-) इति कृत्वा व्यप. (ऋषि-विशेष-) इतीव वें.?। √ध्वन् (शब्दे) > धुनि- इति वा आ √ध्वन् > आ-धुनि- इति वा भाप. उप. इति कृत्वा पूप. सह बस. इति मतम्।

o) नाप.। अर्थः व्यु. च?। =कूप- इति निघ [३,२३], =दशा-पवित्र- इति कृत्वा <कारो(रा-उ) त्तर- इति PW. प्रभृ. च ?। वृषाश्वशफमय-सुरापात्राभिधानमिति कृत्वा *कारा-पात्र- >नैप्र. यनि. इति, पूप. कारा-(सुरा-) < √कड् (मदे) इति च मतम्।

p) करो० इति पाठे? यनि. शोधः।

q) पाठः?। कार्द भस्मा कु धावति इत्यस्य पाठस्य स्थाने RW. कार्यं कृत्वा प्रधावति इति पाभे.।

r) नाप. (वृक्ष-विशेष- [काश्मरि,री-]) । व्यु. ?।

५; क ३१,७; –यीः काठ २०,५; –यीम् तै ५, २,७,३;४[२]; मै ३, २,६[२]; काठ २०,५[a]; क ३१,७.

१काल[b]– -लः काठ ६, ८[२]¶; क ४, ७[२]¶; शौ १३, २,३९;१९,५३, १;२[२];५[२];६;८;९; १०[२];५४,३-५; पै १२, २, १; २[२]; ५[२]; ६; ८; ९; १०; १३; १४; १८, २४,७; –लम् शौ १९, ५३, ३; पै १२, २, ३; –लात् शौ १९, ५३,१०[२];५४,१[२]; ३[२]; पै १२, २,१०[२]; ११[२]; १३[२]; –ले ऋ १०, ४२,९[c]; खि ४, २, १४[d]; ¶तै २, २, ९, ७; ५, ५,१,७[२]; ¶मै १, ११,६; ३, ६, ७; काठ १४,६¶; शौ ७,५२,६†[c]; १९, ५३,३;५[e];६[२]-८[२];५४,१;२;४[२]; ५; २०,८९,९†[c]; पै १२,२, ३; ६[२];८[२];१२;१४[२]; १५; –लेन शौ १९,५३,७; ५४,१; २[२]; पै १२, २, ५[e]; ७;११[२];१२[२].

२काल[f]–

काल–(क>)का[g]– -का मा २४, ३५; का २६, ७, ५; तै ५, ५, १५, १; मै ३, १४, १६; काठ ४७,५.

कालिकु[h]– -०क खि २, १४, ९[i]; –कः खि २,१४,४[i];५.

कालिक-दूर्तु[j]– -तस्य खि २, १४,५.

?कालंस्याकीश्चरकधि पै ५, ३४,८.

काल-काञ्जु[k]– -आः मै १, ६, ९¶[l]; काठ ८, १¶[l]; क ६, ६¶[l]; शौ ६, ८०, २; पै १९, १६,१४.

१काव्य–,२काव्य–,३काव्य– कवि–द्र.

√काश् >काशि, काशयत् पै ४, २२,७![m].

?काशान[n]– -नाय पै १, ४५, ४.

†१काशि[o]– -शिः ऋ ३,३०, ५; –शिना ऋ ७, १०४,८;८,७८, १०; शौ ८,४,८; पै १६,९,८.

२काशि[p]– -शिभ्यः पै १३,१,१२.

काश्यप– कश्यप– द्र.

काष्ठ[q]– -ष्ठस्य पै १,५८,१.

काष्ठा[r]– -ष्ठा ऋ ८, ८०, ८; –†ष्ठा ऋ १,३७,१०; ५९,६; ६३, ५; ४, ५८, ७; मा १७, ९५; का १९,१,८; काठ ४०, ७; कौ १, २२१; जै १,२३,८; पै ८,१३, ७; –ष्ठानाम् ऋ १, ३२, १०; पै १३, ६,१०†; –ष्ठाम् ऋ ७, ९३,३; ९, २१,७; मा ९, १३; का १०,३,६; तै १,¶६,९,२[४]; ३; ७, ८, २; मै १, ११, २; ४, ११,१†; काठ १३, १४; –ष्ठायाः ऋ १०, १०२, ९; –†ष्ठासु ऋ १, १४६, ५; ६, ४६, १; मा २७, ३७; का २९, ५, ६; तै २, ४, १४, ३; मै २, १३, ९; काठ ३९, १२[२]; कौ १, २३४; २, १५९; जै १, २५, २; ३, १५, ७; शौ २०, ९८,१.

√कास्

कास[s]– कासः शौ १, १२, ३[t]; पै १,१७,३.

कास,सा[s]– -सम् शौ ५, २२, ११;

a) ॰यीः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. क.)।

b) नाप. (समय-)। व्यु.?। <√कल् > कालि ⌊गतौ⌋ इति या ⌊२,२५⌋।

c) सपा. काले<> देवने ⌊या ५,२२ च⌋ इति पाभे.।

d) का॰ इति स्वरे? यनि. शोधः।

e) सपा. ॰ले<> ॰लेन इति पाभे.।

f) नाप. (कृष्णवर्ण-वन-)। व्यु.?।

g) नाप. (पक्षि-विशेष-)। पपा. नावग्रहः। स्वार्थे कन् प्र. (पा ५,४,३३) नित्स्वरश्च।

h) व्यप. (सर्प-विशेष-)। स्वार्थे ठक् प्र. उसं. (पा ५,४,३४) कित्स्वरश्च। i) ॰लि॰ इति मुद्रितः पाठः?।

j) पस. अन्तोदात्तः। ॰लि॰ इति स्वरः?।

k) नाप. (असुर-भेद-)। व्यु.?। <२काल- इति MW.?।

l) सपा. तैब्रा १,१,२,४ ॰कञ्जाः इति पाभे.।

m) पाठे? दिवः इति पद-पूर्ति-रूपः शोधः द्र.?।

n) पाठे? काशन- (⌊=ज्वरात्मक-दीप्ति-कारक-⌋ विप.) > काशनाय इति शोधः (तु. मूको.)।

o) नाप. (मुष्टि- ⌊या ६, १⌋)। कर्तरि इः प्र. तत्स्वरश्च।

p) नाप. (देश-विशेष-)। व्यु.?।

q) नाप. (इन्धन-)। व्यु.?। <√काश् इति (पाउ २, २)।

r) नाप. (दिश्- ⌊निघ १, ६⌋ २अप्- प्रभृ.)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। (√क्रम्>) *क्रा-+ (√स्था>) स्था-> *क्रास्था-> यनि. इतीव या ⌊२, १५⌋?। तु. गाष्ठा- यद्र.।

s) नाप. (श्लेष्म-रोग-)।

t) पै१ रूपम् (तु. W. प्रभृ.; वैतु. सा. कासु-> प्र१ इति?)।

पै ५,२१,६; –सा[a] शौ ५, २२, १०; पै १३,१,१०; –०से[b] शौ ६,१०५, १-३; पै २०,५४,७.
कासिका[c]– -कया शौ ५, २२, १२; पै १३, १,११; –का शौ ११,२,२२; पै १६,१०६,२.
?कासाम्येत्यत्य पै २०, २३,५.
काहाबाह[d]– -हम् शौ ९, १३,११[e].
काहोडि– कहोड– द्र.
√कि, चिकेतु तै ३, ३, ११,५[f]; अचिकेत् मै ३, ८, ३¶; अचिकेत् ऋ १०, ५१, ३; काठ ८,१०¶; क ७,६¶;¶अचिकयुः मै १, १०, १५; ४, ५, ६; काठ ८,१०; ३६, ९; क ७,६.
चिकित्नु[g]– -०त्नू[h] तै ४,४,१२,३.
किंय्– किम्– द्र.
किंशि(,शी) ल[i]– -०ल तै ५,५,९, १; मै २,१३, १२; काठ ४०, ३; –लः तै ५, ५, ९, २¶; –लाय मा १६, ४३; का १७, ७, २; तै ४, ५,९,१; मै २, ९, ८; काठ १७,१५; क २७,५.
?किकर्[j]– -करः जै ३, ४४, ७†[k].
किकिदीवि[l]– -विः तै ५, ६, २२, १; काठ ५०, २; –†विना[m] ऋ१०, ९७,१३; मा १२,८७; का १३, ६, १३; तै ४, २, ६, ४; काठ १६, १३; क २५, ४; पै ११, ३७, १५; –‡व्यां[m] मै २, ७, १३; पै ११,२,१४.
किकिरा[n]
किकिरा √कृ, किकिराकृणु ऋ ६, ५३,७;८.
किक्कृपं[o]– -पाः पै ५,१५,९.
किक्किटा[p]
किक्किटा √कृ
¶किक्किटा-कार्– -रात् काठ १३,१२; –रेण तै ३, ४,३,५.
¶किक्किटा-कारम् तै ३, ४, ३, ५[q]; काठ १३,१२.
किक्किटा (*कृत्य) तै ३, ४, २, १[q]; काठ १३,११[q];१२[q].
किं-कर्– प्रभृ. किम्– द्र.
√कित् (ज्ञाने) >चिकित्स, †चिकेतति[q] ऋ १, ४३, ३; ८२, ४; ८,२६,१४; १०, ३८,३; १४७, ८; कौ १,४२४; जै १, ४१, ६; चिकेतति ऋ ५,७३,६; ६, ५९, ५;८, १, ३१; चिकेतत्[q] ऋ १, ३५, ६; ६९, ५; ५, ३६,१; ६, ९, ३; ६२, ९, चिकेत[r] ऋ ९, १०२,४[s]; १०, २६, २; †चिकेतन्ति[q] ऋ १, १३१, ६; शौ २०,

---

a) छन्दस्तः =°सया इति कृत्वा स्त्री. तृ१ द्र. (वैतु. PW. W. प्रभृ. कास्–>तृ१ इति)।
b) तु. RW.; वैतु. शंपा. सात. –०से इति।
c) कुत्सितार्थे कनि प्र. नित्स्वरः।
d) नाप. (विष्टम्भित-पुरीषादिमल- ?)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। *काह– (=मल-) > काहा– + *बाह– (=बाध-) > बस. इति विमृश्यम् (तु. सस्थ. बर्हिर्विल-निर्द्रवणश्रुतेः, पूर्वमन्त्रे च आस-मूत्रयोः महश्रुतेः ⌊आस– इत्यत्र यस्था. टि. द्र.⌋)।
e) पाभे. कृते पृ ११०५ *j* टि. द्र.।
f) सपा. चिकेतु <> जुषेत <> शृणोतु (आश्रौ १,१०,८ च)<>शांश्रौ ९,२८,३ कृणोतु इति पाभे.।
g) विप. (मित्रावरुण-)। क्नुः प्र. लिड्वद्भावश्च उसं. (पाउ ३,३०)। प्र. स्वरः।
h) पाभे. कृते पृ १११० *b* टि. द्र.।
i) विप. (रुद्र-),नाप. (अग्नि-विशेष-)। दीर्घमध्या श्रुतिः काठ. द्र.। अर्थः व्यु. च ?। पपा. नावग्रहः। किम्– (कुत्सितार्थे ⌊उ. वितर्के⌋)+ शिला– इतीत्र सा. उ. म. PW., किम्– + शील– इति भा. ?। कृषि– > नैप्र. *किंशि–>तद्धित इति तु साहचर्यप्रकरणाभ्यां विमृश्यम् ?।
j) नाप.। व्यु. अर्थश्च ?। कि– (भाप. < √कॄ हिंसायाम्)+√कृ उस. इति विमृश्यम् (तु. *k* टि. पाभे.)।
k) सपा. ऋ ९,६१,२४ आमुरः इति पाभे.।
l) विप. (चाष- ⌊पक्षि-विशेष-⌋; वैतु. वें. सा. PW. प्रभृ. नाप. इति)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <किकि– (=शब्दानुकृति-)+ √दिव् उस. इति पाउ ४, ५६, अभा. च।
m) सपा. °विना<>°व्यां इति पाभे.।
n) भाप. [दौर्बल्य- (तु. नभा. किरकिरी ⌊विप. किरकिरा =दुर्बल-⌋ MWA. च)]। व्यु. ?। डाच् प्र. उसं. (पा ५, ४,५७)। नैप्र. < *किरकिरा (< *किर– < √कॄ ⌊हिंसायाम्⌋ तु. PW. प्रभृ.: वैतु. मा. किकिर्– इति प्राति. विप. ⌊हृदय-⌋ इति, द्वितीये स्थले हृदयम् इत्येकवचनेन विशेष्यत्वाऽसंगतेः)।
o) नाप. (कीट- ? ⌊तु. कृमि- साहचर्यम्⌋)। व्यु. ?।
p) डाजन्तम् अव्य.। किट (=ग्राम्यपश्वनुरञ्जनेऽव्यक्त-ध्वनि-) >किट्-किटा (नैप्र.) > यनि. इति मतम् (तु. जैमि ⌊२, १४⌋ किट्किटाकारैः)।
q) अभ्यस्तस्वरः। r) प्रपु१ रूपम्।
s) पाभे. कृते पृ ६१४ *x* टि. द्र.।

७२, ३; †चिकेतथः ऋ ८, ९, ४; शौ २०,१३९,४; चिकिद्धि ऋ ५, २२, ४; †चिकिद्धि ऋ २, ४३,३:४,४,११; १२,२; खिसा ४, ६; तै १, २. १४, ४; मै ४, ११, ५; काठ ६, ११; चिकित्तम्[a] मै ३,१६,४?[b].

चिकेत ऋ १, ६७, ४; ५, ३३, १; ६५, १; १०, ५५,६; कौ २, ११३३†; शौ ५. १, २[c]; ७,२, १; ५, ५; चिकेत ऋ १, ३५,७; १००, १६; १६४,४८; २,४,६; १४, १०; ५, २७,१; ७,५६,४; ८,३९,५;१०,५१,४;[५९,(२) ३]; ७९, ४; शौ ९, १, ६[d]; ७; १०, २, २; ७; ८,४; २०, १८, २†; पै १६, ३२,७; ६९,१२†; १०१, ७†; २०, १,३; चिकितुः ऋ ३,५३,२४; †चिकेत[e] ऋ८, २,१७; कौ २,७०; जै ३,७,८. †चिकिते ऋ ७, २३, २; शौ २०,१२,२; चिकित्ने ऋ १, ५१, ७; २,४,५; ३,५३,२३; ४,२३, २; चिकित्रे ऋ १०, ३, ४; ९१, ५[f]; काठ १६, १६; कौ १, २९४;२,३३२†[f]; जै १,३१,२.

चिकित्सते मै ३, ७, ५¶; काठ ११,८¶; पै ७, ७, २; ४; १०, १२, ८; ¶चिकित्सन्ति मै २, ३, ५; काठ ११, ८; चिकित्से पै ८, १, १[g]; चिकित्सात् शौ ९,२,३; पै १६, ७६,३; चिकित्सतु शौ ६. ६८, २[h]; चिकित्सतु शौ ६, १४१, १; १०, ६, ५; पै १६, ४२. ५; १९,२२,७; ¶चिकित्सतम् मै ४, ८, १; चिकित्सत तै ३, २, ८,४[i]; काठ १०, १०¶; चिकित्सेत् मै १, ६, ११; अचिकित्सीः शौ ५,११,१[g].

†चेकिते ऋ १,५३,३; ११९,३; २,३४,१०; शौ २०,२१,३.

केत– -तः ऋ १.२४,१२, तै १,५, ३,३; मै १, ७, १; ७,५; ९,१; काठ ८,१४; ९,३; ८; ११¶; क ८.२;६;११¶; –तम् ऋ १,३३, १; २, ३८,५; ४, २६,[२; १०, ६,७].७,१८,२५;९,२१,६;१०, ९५,५; मा ९,१; ११, ७; ३०, १; का १०, १, १; १२, १, ७; २४,१, १; तै १,७,७,१; ४,१, १,३; मै १, ११, १; काठ १३, १४;१५,११; –†तस्य ऋ १०, १३६, ६; पै ५, ३८, ६; –ताः ऋ १, ५५, ७; –तान् ऋ १, १४६, ३; –ताय तै ४, ४,६,२; मै २, ८, १३; काठ २२, ५; –तेन ऋ ८, ६०, १८; –तेभिः ऋ ३,६०,७; –तैः पै १,९२,२;

केत-पा– -पाः का १०, १, १[j]; पै १, १५,३[k].•

केत-पू– -पूः मा ९, १[j]; ११, ७;३०,१;का १२,१,७; ३४, १, १; तै १, ७,७,१[j]; ४, १,१,३[j]; मै १, ११, १[j]; काठ १३, १४; १५, ११?[l].

केत-वेदस्[m]– -दाः ऋ १,१०४, ३.

केत-साप्[n]– -सापः ऋ ५,३८,३.

केतु[o]– -†तवः ऋ १, २४, ७; ५०, १; ३; १९१, [४; (५, ६६,४)]; ७, ७८, १; ८,१२, ७; ४३, ५; ९,७०,३; ८६, ५; ६; १०,७८, ७; ९१, ५[p]; १११, ७; मा ७, ४१; ८, ४०; ४१; ३३, ३१; का ८,१५,१; १६,१; ९, २.१; ३२,३.२; तै १,२,८,२; ४,४३, १; मै १, ३, ३३; ३७; ४, १४, १४$; काठ ४,९;११; ३०, ५;

a) °त्तम् इति Sch. पाठे? मित्रावरुणा सदा (दा ऋ)हा चिकित्ताम् ××× ? यच्छतम् (> °ताम्) इति शोधितोऽर्धर्चः द्र. (तु. सस्थ. टि. शरद्– > -रदा, अहन्– > -हा [पारि.] च; वैतु. पपा. चिकितम् इति)।

b) सपा. चिकित्तम् <> ?चिकित्नू <> ?जिगत्नू <> चिकित्वम् आश्रौ ४,१२,२ इति पाभे.।

c) सपा. चिकेत <> जिगाय इति पाभे.।

d) सपा. चिकेत <> जानाति इति पाभे.।

e) उपु१ रूपम्।

f) सपा. चिकित्रे <> चिकित्वः इति पाभे.।

g) सपा. चिकित्से <> अचिकित्सीः इति पाभे.।

h) सपा. माश्रौ १,२१,३ धारयतु इति पाभे.।

i) सपा. चिकित्सत (आपश्रौ १३,१०,१० च) <> श्रद्''दधातन इति पाभे.।

j) सपा. केतपाः <> केतपूः (माश ५, १,१,१६; ६, ३,१,१९ मंब्रा १,१,१ च) इति पाभे.।

k) सपा. केतपाः <> कुलपाः इति पाभे.।

l) °पः इति पाठे? यनि. शोधः।

m) विप. (इन्द्र-)। बस.। n) विप. (शुष्म-)। उस. उप. √सप् + ण्विः प्र. उसं. (पा ३, २,६२)। वा. तु न स्पष्टः (तु. सस्थ. टि. मेहुना)।

o) बप्रा.। उः प्र. उसं. (पाउ १, १०) तत्स्वरश्च।

p) पाभे. कृते पृ १०२७ g टि. द्र.।

क ३,७;९; कौ १,३१;२,२३७, २३८; ७७५; ३, ५, ८; जं १, ३, ११; ३, २१, २; ३: ४, १, १०; शौ ११,१२,७$; १३, २, १$; १६; १८; २०, ४७, १३: १५; पै १८,२०,५‡[a]: २२, १; ३; १९, ७, ७; –†तवे ऋ १, १६६, १; १०, ३७, १: मा ४, ३५: का ४,१०,६; तै १, २,९, १: मै १, २, ६; काठ २, ७: क २, १: पै १७, २५, ८: –तुः ऋ १, २७,१२; ९६, ६: १०३, १: ११३, १९: १२८, ११; १२७, ६: ३, १,१७, १०, ८: ११, ३: ५५,२; ६१,३: ५, ११, ३: ७, ६३,२; ६७,२; ७६,२; ९, ८६, ७; १०,४५,६[b]: ८५, १९: ८९, १२; ९२,१: ९६, ८:१५६,५; १५९, २: मा १२, २३†[b]: का १३, २,६†[b]: तै २,४,१४,१†: ३, २,५,१: ४, २,२, २[b]†: मै ४, १२, २†: १४, १४: †काठ १०,१२: †कौ २,८८१;१०१५: जै ४, ९, ६†; शौ ७, १२, १: ८६,२†; १०, ८, १३; ११, ६, २२; १३, २,३४; १४, १, २४: २०, ३०, ४†; १०७, १३ ‡[c]; पै २, ४१, २†; १६, २३, २, १०१, २; १८, ३,३†: २४, १: २५, १; –तुना ऋ १, ३, १२; ३६,१४; १८७,६; ५, ४४, ८; ६०, ८; ६६, [(१,१९१,४) ४]; ६, ७, ६; १०, ८, १: ३७, ९: मा २०, ८६†; ३७,२१[२]; ३८, १६[२]; का २२, ८,७†; ३७, ३, ७[२]; ३८, ३, २[२]; मै २, १०, १‡[d]; ४, ९,८[२]; १३, १†; काठ १५, १२†; १७, १७‡[d]; ४०, ८†: कौ १, ७१†; जै १, ७, ९†; शौ १३, २, ९: ३१: १८, ३, ६५†; पै ६, १६, ६†; १८, २१,३; २३, ८; १९, २९, १०; –तुभिः काठ ७, १२; ३७, ९: क ६, २: शौ ११, १२, १; २: १३, ३,२३: पै ४, ३, ३; –तुम् ऋ १, ६,३: ६०,१,७१,२;९२, १: ११३,१५: १२४,५: ३, २, १४: ३,३: ८, ८; २९, ५: ३४, ४; ४, ७, ४: १४, [(६,२:१३, २) २ (७, ७२,४)]: ५, ७, ४: ११,[२: १०, १२२,४]: ३४,९; ६,२,३; ७, २: ५: ३९,३: ४९, २; ७, ५,५; ६, २, ९, १: ३०, ३: ३४, ६: ८, ४४, १०; ९६, ४: ९,६४,८: १०,१,५: २, ६; ८८, १२: १२२, ४; १३९, २: मा १४,१:१७,५९†:२९,,३७†: का १५, १, १: १८, ५, १०†: ३१,२,१†: तै ४, ३, ११, १[e]: २: ४,१: ४,४,३†; ६, ३, ४†; ७, ४, २०, १†: मं २, ८, १: १०,५: १३, १०: ३, १६, ३†: ४,१,२: काठ १७, १; १८, ३: ३५,१४†: ३९,१०;१४†; ४४, ९†; क २५, १०; २८, ३†; ४८,१३†; †कौ २,२५९;३०९: ४९२; ८२०; ११०५; †जै ३, २२, ६; २५, ५; ३८, ६; ५७, १०; शौ १०,२,१२; †२०,११, ४; २६, ६; ४७, १२; ६९, ११; पै १६, ३८,४;६०,४;१०३,७†; –तू ऋ २, ११, ६; –तून् कौ ३,७; जं २,२,६; शौ ६, १०३, ३;१०,१,३२; पै १९, १८,१०.

केतु-मत्– -मत् ऋ ६, ४७, ३१: मा २९,,५७†; तै ४,६,६, ७†: मै ३.१६,३†: काठ ४६,१†; शौ ६, १२६, ३; पै १५, १२, १; १९, २३,१०; ११: –मद्भिः मैं २,९,१: –मन्तः शौ ३, १९, ६; १३, १, २४; पै १, ५६, ३; १८, १७, ४; –मन्तम् ऋ ८, ५८,३; ख्रि १, ४,१; –मान् खि १, १२, ५: शौ १३, २,२८: पै १८, २३,५.

केतुमती– -मती[e] मै २. १३. १०: काठ ३९, १०: शौ ८, ९, १२: पै १६, १९,२.

†**चिकित्**[f]– -कित् ऋ ८, ५१, ३: ९७, १४: १०२, २: १०. ३,१; खि ३. ३. ३: कौ २, ८९६: जै ४. १३,९.

†**चिकितान्**– -०न ऋ ५, ६६, १: –नः ऋ ३, १८, २: काठ ३५, १४: क ४८, १३.

चिकिति[g]– -‡तिः[h] खि ३, ८, ५; काठ ३९, १५: कौ १, ४४७; जै १,४७,१.

चिकितु[i]– -तुः[h] ऋ ८, ५६, ५:

[a]) सपा. केतवः <> शुचयः इति पाभे. ।

[b]) =सपा. आपमं २, ११, २६ । मै २, ७, ९ काठ १६,९ तु विशिष्टः पाभे. ।

[c]) सपा. ऋ १, ११५,१ विशिष्टः पाभे. ।

[d]) सपा. केतुना <> भानुना इति पाभे. ।

[e]) सपा. केतुं कृण्वाने <> केतुमती इति पाभे. ।

[f]) यङ्लुगन्तात् क्विपि प्र. धा. स्वरः ।

[g]) विर. (अग्नि-)। किन् प्र. (पा३,२,१७१) नित्स्वरश्च ।

[h]) सपा. चिकितिः <> चिकितुः इति पाभे. ।

[i]) =चिकिति– । कुः प्र. उसं. इति ततो विशेषः ।

-त्वा[a] शौ ७,५४,२‡[b]; पै १९, १५,१‡[b].
चिकित्वन्[c]- -त्वना ऋ ८,६०,१८.
चिकित्वस्- -†तुषः ऋ १, ७३, ८; १६४,६; ७,८६,३; शौ ९,१४, ७; पै १६,६६,६; -तुषा ऋ ५, ६१, १३; -तुषे ऋ ४, १६, २; ५,४१,११; ६, ४१, ४; ६६,१; ७, १०४, १२; ८, १०१, १५; तै ३, ३,११,५; मै ४, १२, ६; काठ १३,१६; शौ ८, ४, १२†; १४, २, ४१; २०, ७७, २†; पै १६, १०, २†; १८, ११, २; २०,५, ४[d]; -त्वः खि ५, ४, ५[e]; कौ ४, ५; जै २, ७,२; -०त्वः ऋ १,७०,३; २, ६, ८; ३, १७,५; २५, १; २९, १६[f]; ५, २,७; ३, ७; ९; १२, २; ६, ५,३;१०,४,४; जै ३, २८,४‡[g]; -‡०त्वन्[h] शौ ७, १०२, १[i]; पै २०, ३३,९[i]; -त्वांसः ऋ ७, ६०, ७; -त्वांसम् ऋ ४, ७, ५; -त्वान् ऋ १, २५,[११; ८, ६, २९]; ६८, ३; ७०, १; ७१, ५; ७; ७२, ४; ७७, ५; १२५, १; १४५,१; १६९, १; ३, ७,३;९; १७,२; २९, ३; ८; ४४, २; ४, ३, ८; ५, १२; ८, ४; १२, १; २९,२; ५, २,५; ६,५२,[१२; ८,४४,९]; १०,१२,२; ५३,१; ९८, २; ५; ९९, १; ११०, १; मा ७, १५; ११, ३५†; २९, २५†; ३४,१४†; का ७, ६, ४; ७,५; १२, ३,८†; ३१, ४,१†; ३३,१,८†; तै ३, १, ७, १¶; ५,११,२†; ४,१,३,३†; मै १, ३,१२; ३९; २,७,३†; ४, १३, ३†; काठ ४, ४; १२, १५†; †१६,३;२०; ३०, ८; क ३, ३; शौ ५, १२, १†; १३, २, ३२; ४२; १८, १, ३०†; २,३७; पै ३,३२,१; १४,१,१; १८, २३, १०.
चिकितुषी- -षी ऋ १०,१२५, ३; शौ ४,३०,२†;७,४९,२[d].
चिकित्विस्[i]- -त्वि(द्>)त् ऋ ४, ५२,४.
†**चिकित्विन्-मनस्**[j]- -नसम् ऋ ५, २२, ३; ८, ९५, ५; कौ २, २३४; जै ३,२०,१८.
चिकित्स(त्>)न्ती- -न्ती ऋ १, १२३, १.
चिकित्सु- -त्सवः शौ १०, १, १; पै १६,३५,१.
†**चेकितत्**- -तत् ऋ ९, १११,३; कौ २,९४१; जै ४,१,२.
चेकितान,ना- -०न ऋ २, ३३, १५; -नः ऋ ३, ५,१; २९, ७; ४, १४,२; ६, ३६, ३; मा १५, ५१[k]; का १६,६,३[k]; तै ४, ७, १३, ३[k]; मै २, १२, ४[k]; काठ १८, १८[k]; क २९, ६[k]; -नम् ऋ १०, १८३, १; तै ५, ७, २, १; काठ ४०, २; -ना ऋ १, ११३,१५; ४,१४,३.
कितव[l]- -०व ऋ १०,३४,१३; -वः ऋ १०, ३४, ६; मा ३०, २२; का ३४,४,४; -वम् ऋ २,२९, ५; १०, ३४, ११; मा ३०, ८; १८; का ३४,१,८; ३,५; मै ४, १२, ६†; शौ ७,११४, ३[m]; पै १९,९,८[m]; -वस्य ऋ १०,३४ ३; ७; १०; -वाः पै ८, ९,१०; -वान्[m] शौ ७,५२,१; पै ४,९, ५; -†वासः ऋ ५, ८५, ८ तै ३, ४,११,६; मै ४, १४, ३; काठ २३, १२; -वे पै १९, ४८,७.

a) तृ१ आच् आदेशः (तु. PW. प्रमृ.; वैतु. मा. <चिकित्वन्- इति)।
b) सं चिकित्वा इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ १०, ३०, ६ काठ १३,१६ संचिकित्रे इति पाभे.।
c) विप. (केतु-)। क्वनिः प्र. उसं. (पाउ ४,११४)।
d) सपा. °तुषे <> °तुषी इति पाभे.।
e) °त्वः इति स्वरे? यनि. शोधः।
f) सपा. °कित्वः <> °कित्वन् <> अग्ने इति पाभे.।
g) पाभे. कृते पृ १११० g टि. द्र.।
h) रुत्वविकल्पः उसं. (पा ८,३,१)।
i) विप. =चिकित्वस्- सत् यनि. रूपं न. द्वि१ वा. किवि. (तु. PW. GW. प्रमृ.; वैतु. वें. मा. विप. इतीव कृत्वा वा. योजयन्तौ ?)। 'हे उषः! त्वां यावयद्-द्वेषसं चिकित्वित् चिकित्वांसो यथाऽभूम तथा स्तोमैः प्रत्यभुत्स्महि' इति वा. लिटः क्विसुः प्र. उसं. (पा ३,२, १०७), सकारस्य दकारश्च उसं. (पा ८,२,७२)।
j) विप. (देव-, धी-)। बस.।
k) सपा. °नः (माश ८, ६, ३, २० च)<>बृबु-बृष्णः इति पाभे.।
l) नाप. (द्यूत-क्रीडिन्-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <किं तव इति या [५,२२], <कित- (<√कि)+√वै इति अभा.।
m) सपा. °वम् <> °वान् इति पाभे.।

?कित्याः[a] पै ५,९,२.

किंत्व[b]- -त्वः मा २०, २८[2]; का २२, २,५[2].

किम्[c]-

४कु, का- -कः[d] ऋ १, २४,१;३०, २०;३५,७;३७,६;१३;४०,७[2]; ५४,५; ६५,३; ७५,३[3]; ७६,१: ८०,१५;८१,[५(७,३२,२३)]; ८४, १६; १७[5]; १८[2]; ९५,४; १०५, ४; ११६, ३; १२०, १; १२५, ७; १५२, ३; १५८, २; १६१, १३; १६४, ४[2]; १८[8]; ४८; १६५, २; १३; १६८, ५; १७०,१; १७३, ११; १८२,३; ७; १८५, १; २, १६,३; ३, ३०, १; ५४,५:[५;१०, १२९, ६ (११४, २)]; ४, १३,[५;१४, ५]; १८,१२[3]; २३,२[4]; २४,१०; २५, १[2]; २[5];३[2];४१,१;४३,१; २;४; ४४,३; ५५, १[2]; ५, ३०, १; ३२,९: ४१,१; ४२,६; ५३, १[2]: २; ५९, ४[3]; ६१,१४; ६७, ५;७४, २; ७[3]; ६,२१,४[2]; २२, ४; ४७, १; १५[3]; १९; ५९,५; ७, ३२, १४; ८,१,२०; ३,१४; ७,[२०; ६४,७]; ३१: १८,१३; ३३,७; ४५, ३७[2]; ६०,७; ६४, २;७; ८;९; ६६,[१३ (१, ८४, १९)]; ९६, ९; १००, ३; १०, १०,६[3]; १२,५;२७,११;२९,३; ३१, [७; ८१,४]; ४०, १; २; १४; ५१, २; ५४,[(६, २७, ३) ३]; ६२,९; ६३,६[2]; ६४,१;८५, ३[1];८८, १७; ९२,८; ९५, १२; १०२, १०; १०८, ५;११४, ७; ९[3]; १२९, ६[3], १३५,५[3];१५५, ५; खि ४,५,११; १४; ५, १५, ६[3]; १७[2]; ६, ३, ४; ७, ७, ९: खिमा २९, ११: मा १, ६; २,२३:७,२९[2]:४८: १७,२०†; २०,४;२३,९[2]:१८;३९[4]: ४५[2]; ५५[2]: ५९[5]; २७, ४०†; ३४, १८†; ३५, १८†; ३६, ५†; ४०, ७[2]; का १, ३,२; २,५, ६; ९,१,४[2]; २,९·१८,२,५†;२१, ७,३; २५,३, ६[2]: ५. १; ८,१[6]; ९,१[2]; १०,३[2]; ७[6]; २९,५,९†; ३३, १, १२†; ३५, ४, १७†; ३६, १, ५†; ४०,१,७[2]; तै १, ५,९,६¶; १०, ३; ६,६,३; ८, ४[2];¶: ७,६, ६[2]:¶२, १,५,२: ५, २, ६; ९, २: ६, ७, १; ३, २, ३, २[2]; †४, २, ११, ३: ४, १२, ५: ६, २, ५: ५, २, १२, १[4]:४,१२,३¶; ¶६, १, १, १; १०, ३; २, ३, १; ४, २[2]; ३, २, ६: ५, ३, १, ७, ४, १८, १[2]; १९, १; २[2];३[2]: ५,१३,१; ¶मै १, ४, ११; ६,८; ९, ४$; १०, २$; १०: ११, ६;२. १, ३; १०, २†; १३, ९†; १०[4]$: ३,१,२; २, ९; ४, ५;६: ८, १; ३[2]; $; $१२, १९[2]; २०; १६, ४†; †४, ३, ६;४,५; ९, २७; १०, ४; ११, ३[2]; १२, १[3]; १४, १०; काठ २, १५[2]: ९, ९; १२; १८[2]; १२, ८; १४,६; १८, २; १९,८: २०, १०; २२, २: २४,२: २५, २[2]; ४; २६,४; ३०, १; ३१, १५; ३६,५; ३७, २;३;११[3]; १३[2];१४; १५; ३८, ४[2];३९, १२;१४; ४४,७[2]; ८[4]; ४५, ९[2];२१; ५०,६[4]; ¶क ८, १२$, २८, २†, ३१,१२; ३८, ५[2]:३९, १: ४१,२; ४६,४; †कौ १,१४२: १९०$: २८०; २९७; ३०५$: ३०७; ३४१; २, ३३; ७०५; ८८५[2]; १०३२; १०४६; †जै १, १५, ८; २०, ६$; २९, ६:२१,५: ३२, ३$; ५;३५,१०; ३, ४, ४; ४,७, १०; १२,१५[3]; २७, ७; शौ ३, १९, ८‡[g]: २९, ७: ४,५,२; २५, २: २८,५; ५, १९,१०; ६, २८, २†; [illegible] ८,१; ७३, ३;८०, ३;१०८,१; १०९, १; ८, ८, १९‡[g]; ९, १०[5h], २५[2]; ९, १, ६[2]: ११, ४; १४, ४[2]†; १८†[e]; १५, २३†; १०, २, १-४; ५[2]; ६: ७; ११; १२[4]; १३[3]: १४[3]; १०[4]†; ४, १८;७, २३: ८,४; ११ ६,२५; १०, १; १२; १४; १६ : ११, २०‡[2];१२,१९‡[g]; १२ ,१,१८;

a) पाठे? कृत्या- > -त्याः (द्वि३) इति शोधः।

b) अर्थः व्यु. च ?। पपा. नावग्रहः। किं त्वम् >नैप्र. यनि. इति उ. म. PW. प्रभृ. ?।

c) प्रश्नार्थे वा क्षेपे वा सना.। व्यु. ?। < √कं इति (पाउ ४,१५८)।

d) यनि. रूपं क्वचित् क्वचित् कैश्चित् सुख-प्रजापत्यन्य-तरपरतया नाप. इष्यते। एतद्विमर्शः वैश. द्र.।

e) कुः इह इति पाठस्य स्थाने सपा. पै १६, ६७, ८ गुह्या इति पाभे.।

f) सपा. कुश्चन (या ११, ४ च) <>पार्थिवः इति पाभे.।

g) सपा. कुः<>कुम् (तैब्रा ३,७,६,२४ आपश्रौ ३. १४,३ च)<>किम् इति पाभे.।

h) सपा. सकृत् कुः<>कुति इति पाभे.।

२३-२५; ४, ७; १४, १, ५६; †१८, १. ६; ७³; ३३; ४८; १९, २२, २५; २३,३०; †२०, ३६, ४: ५०, २; ५३, १; ५७, ११; ७६,३; ९३, २: १२४, २; $१३०, १-४: $१३२, ८: ९; १४३, ३; पै १, ३०,६:४,३४, २; ४०,१: ५, ३२,५: ६,३,१⁵; १२, ७; ८,९, १; १४, ४†, ९, १९, ३ ; १०, १, १३†: १२, ९; १३,५, २३: २५⁴: १०,११; १४,६³;८³;१०³;१४; १६,१६, ८; १८, १०⁵: २०,३³: २३,५: ३०, ९: ३२, ६³;७³: ५९,१-४; ५³; ७-८; ६०, ३; ४⁵; ५⁴;६⁴; ७³;८⁵: ६१,७⁴: ९⁴: ६६,४³†: ६९, १२†: ८५,१. ८६, १: ४; ६; १०१,७†: ११६,५; १७,३, ४-६; ९,४; १६, ८; १८, ६,४; २६, २³; १९, ४०, ७; ४९, ८: ५०, ८; २०, १, ६: ३,५⁶; ६; कम्ᵃ ऋ १, ३०, २०: ३२,१४; ३९,१³; ८१,३³;८७,६: ८८,२; ११३, ८: १२९,३: १०⁵; १३२, ४; १६४,१७; १८२,७: ४,४३, २; ५, २, २ᵃ: ७४,३³; ६,९,५; २१, ४; ७५, १६ᵇ: ८,१९,१५; ३५; ६४, ९²: ७५. ७: ९, ७०, ६; १०४,[६: १०५, ६]; ११०, ५; १०, १३,४¹⁰ ५२,३;८२,५; ८६,२२;९९,१:११४,९; १६१, १; खि ५, १५ ७; मा ८, ६०; †१७,२९;४५ᶜ; काठ९,७,९;१८, ३,५†;४,१३†ᵇ; तै १,५,९ ६¶;

२,६,११,२†; ४,६,२, ३†; ४, ५†ᵇ; ५, ५,४, २; ३¶; मै १, ४, ५; ८, १¶: ४: २, १०, ३; ३,४, ३¶: ४, ११, ६†; काठ २९, १५†; क २८, २†; †कौ १, ११३: ४१४²; २, ३५४²; ८५७; ९६३; १२१३ᵇ; †जै १, १२. ७: ४०, ६²; ३,२९, ११²; ४, ३०, २; शौ ६, २०, १: ९, १४, १७†: ११, १०, ५: ११: १३,१,४१: १५,१०,३: †२०, ५६, ३²; ९६, ६; १२६, २२; १३०, ६§: पै १, ५६,४: १३, ६, १४†: १६,६२,७†: ८५,५: ८६, २: १८,१९, १†: †कया ऋ १, १६५, १²; ३,५५,[१३; १०,२७,१४]: ४,१३,[५: १४, ५]: २०,९: ३१,१²: ४३,३; ४; ५,१२,३: ७,८, ३: ८, ८४, ४: ९३,१९: [(५,६,१-१०;९,२०, ४; ८,७७, ८)१९]: १०,२९,४; ६४, ४: खि ६,३, ४; मा २७, ३९²: ३६, ४²; ७²: का २९, ५,८⁵: ३६,१,४⁵; ७²: तै ४,२, ११,२²; ४, १२, ५; मै २,१३, ९²: ३,१६,४; ४,९,२७²; १०, ४;११,३²; काठ ९, १८²; २१, १३²; ३९, १२²; ४५, २१; कौ १, १६९²: २, ३२²; ८९९; ९३६²; जै १,१८,५²;३,४,३²; ४,१४,३; शौ २०,७६,४;१२४, १²; कस्मात् ¶तै २, ६, ३, १; ३, ३, ६, २: ७,३·५,५, ६,२; ७,२,५; ९, २;३; ६, १, ६, ४;

७, १; २, १,३; ४, ५, ७; ९,३; १०, ६: ११, ४; ७,२, ९,१; ४, १०,१; ¶मै १, ४,११²; ५,७²; ७,३²; ४; ८,१; ७; ९,७; ४,७, ६; काठ९, १;२;१५;२३,१०²; २७,९; २८, १; ३३,२; ३४,८; १७; ¶क ८, ४; ५: ३७, १²; ४४, १ ; शौ ८, ९, १ ; १०, २, २ ; ९ ; ७, २³ ; पै १३, १४, १४: १६, १८, १; ५९,२; १७,७, ४³; कस्मिन् ऋ १, ७५, ३: ४,१६, १७: ५,७४,२; १०, २२, १: ¶काठ ८, १; २९, ९; क ६,६¶: †कौ २,८८५: जै ४, १२,१५†; शौ १०, ७, १³; ३⁴; ११,१०,१०;१२,४,१४;पै १६, ८५,९;१०; १७, ७,१³; २; ३⁸; १७, ४: कस्मै ऋ १, ८४, १८; १२०,८;५, ५३, २; १२; १०, १२१,[१-९]ᵈ; मा १, ६; २, १३; ७, ४८; ११, ३९ᵉ; १२, १०२;१३,४†; २०,४: २२,२०: †२३, १; ३; †२५, १०-१३; †२७, २५; २६ : ३२, ६†; ७; का १,३,२; २,५, ६; ९, २, ९: १२, ४, २ᵉ; १३, ७, १†; १४, १, ४† ; २१, ७, ३; २४, ७, १ ; †२५, १, १ ; २, १ ; †२७, १०, १-४ ; †२९, ४, १-३ ; ४² ; तै २,१, २, ३¶; ३,२,३,२; ३, ७, २¶; †४, १, ८ , ४³ ; ५³; ६² ; २,७, १;८ , २; ¶५, ५, २ , १; २³; ३; ६,३,१, ६¶: ७,३,१५,१;†५,

ᵃ) सपा. कम् <> तम् इति पाभे. ।

ᵇ) पाभे. कृते १११३ g टि. द्र. ।

ᶜ) सपा. कुम् <> किम् इति पाभे. ।

ᵈ) तद्- इत्यस्य रूपान्तरस्य सतः कद्- इत्यस्येदं रूपमिति मतम् (तु. पाभे. तस्मै इति [तु. e टि.], उ. म. [मा ७, ४८]; वैतु. PW. प्रभृ.) ।

ᵉ) सपा. कस्मै (माश ६,४,३,४ च) <> तस्मै इति पाभे. ।

१६,१; १७, १; मै १,८,१¶; ७[३];९,४;२,७,४[a]; १४†;१५†; १३, २३[७]†; ३, १,५[२a];९,५¶; १२, ५; १६†; १७†; काठ ४, १६†; ६, ६[३], ७,५;१७‡[b]; ९, ९;१२;†१६,१४; १५; २२,७[३]; ३७,१३;३८,४; ४०,१[७]†; ४३, ५; †४५,११;१३; ¶क ४, ५[२]; ५, ४; ८, १२$; †२५, ५; ६; ३५, १[२]; शौ ३, २९, ७; †४, २,१-८; १२, ४, ७; पै १, ३०, ६; ८७, ३; †४, १, १-६; १७, १६, ८; कस्य ऋ १, २४, १; ३९,१; ४२,४; १६५,२; १६९, ५; ४, ३, १३; २३,१; २५, ३; ४३,१; ५, ३८,४; ७०,४; ७४, ३; ६,९,२; ७, ९४, ८; ८,६४, ८; ८४,५; ७; ९३,२०; ९,२९, ५; ७९, २; १०, ४०, ३[२]; ६१, २१; १२९,१; मा ७, २९; २३, ४७; ४०,१; का ९, १, ४; २५, ९,३; ४०,१,१; ¶तै १, ६, ७, १[२]; ¶मै १, ४, ५[२];१०, १५[४]; ४, ११, ३†; ¶काठ ९, १८†; ३१, १५[२]; ३६, ९[४]; †कौ १, ३४; २, ९००; †जै १, ३, १४; ४, १४, ४; पै १, ५९, ४; १३, १४, ४; १६, ५५, १-१६; १८; **कस्याः** मा २, ५; का २, १, ६; तै १,१,११, २; ३, १, ७,१; मै १, १,१२; काठ १, ११; क १, ११; शौ १२, ४,४३; पै १७, २०, ३; **कस्याम्** तै ५, ४, ३, ४[२]¶; पै १६,५५, १७; ¶**कस्यै** काठ २२,८; क ३५, २; **का** ऋ १, ७६, १[२]; ७७,१; १२०, १; २, २४, ५; ४२, १; ३, ५४,५; ४,५,१३; २०,९[c];२१, ९; २४, १; ४३,४; ७, २९,३; ८,५८,१; १०,१०८,१[२];३;१३०, ३; खि ३,१८,२; मा २३, ११[३]; ५३[३]; ५५[२]; का २५, ३, ८[३]; १०,१[३]; ३[२]; तै ७, ४,८, २¶; मै ३, ३, ३[५]¶; १२, १९[३]; ४, १२, ३†; काठ २१, १३†; २२, ४¶; ३९, १४[२]†;४४,७[३]; कौ १, ३६८‡[d]; जै १, ३८, ९‡[d]; पै १६,१०६, ७; १४९, ७; २०, २३, ५; **काः** ऋ ४,२३,३; ७, ६०,९; शौ ५, १३, ९; ८, ९, २५; ११,६,१७; पै १,४७,२; ८,२,८; १६, २०, ३; २२,७; **कानि** ऋ १,१०५, ७; ८, १०२, २०[२]; मा ११, ७३[२]†; २३, ५१; का १२, ७, ८[२]†; २५, ९, ७; तै ४,१,१०, १†; ५, १, १०, १¶; मै १,२, १०; २,७,७†; १०; ३,१,९[२]†; ४, १४, १७[e]; †काठ १६, ७[२]; १९, १०[२]; क ३०, ८[२]†; शौ १९, ९, १३; ६४, ३†; **काम्** ऋ ७,८,३; मा १,३; का १, २, ३; ¶तै १, ७,२,१; ५,६, ८,४; मै १,१,३[३];४,१,२; काठ २२,७¶; क ३५, १¶; पै २,३१,४; **कासु** ऋ १, १२९, २; ४; ६, २१,४; ८,३१, १५; तै १,८, २२, ४†; मै ४,११,२†; काठ ११, १२†; कौ १, २३१; जै १, २४, ९; **के** ऋ १, ८७,१; ९४,९; ११०, २; ३,४५,१; ५, २,५; १२,४[४]; ५२,१२; ६१, १; ६, ५२, १५; ६७, १०; ७, ५६, १; १०३,८; ८, ४५,[४[२];७७,१[२]]; ९,११०, ६; १०, ११, ७; २०, ८; ५०, ३[२]; ५८, ३; ९०, १०; खि २, ८,३; १४,१; १०; मा १३, ६; २०, ५३†, ३१, ८†; ४०, ३; का १४, १, ६; २२, ५, ७†; ३५, १,८†; ४०, १, ३; तै ४, २,८, ३†; मै २, ७, १५†; ३, १०,५¶; ¶काठ १०,७[३]; १३, १५†; १६, १५; २०, १५; क २५, ६; †कौ १, २१६[२]; २४६; ४३३; २, ८४५; १०६८; †जै १, २३, ३[२]; २६, ४; ४२, ७; ३, ५८, ३; शौ ४, २२, ६; ५, २३,५; ६, ५०, ३; ७, १३, २; १२२, १†; १०, ७, ३८; ११, १०,१[२]; १९, ६,१२; पै ३,२१, ६; ६, १४,७; ७, -, ५; ९, ५, १०†; १२, १, ९†; १६, ८५, १[२]; १०; १७, १०, ९; १९, २१,१६†; २२,१; **केन** ऋ १, ७६,१; ८७, २; १६५, २; १०, १५, ६; खि ७, ७, ९; मा १९, ६२†; का २१, ४, १२†; ¶तै २, ६,५,१; ३, ४,८,५; ४, ३, १३, ७†; ५, ७,५, ४;६;७; ७, ४,१०,२; ५,१, ५; ¶मै १, ९, ५; ४,१,१२;५,२[२]; ८,१[२]; ११, ३†; ¶काठ ७, ६; ८; ९, १२; १८†; ३३,२; ३९,१४†; ¶क

---

[a]) पाभे. कृते पृ १११४ e टि. द्र. । [b]) सपा. कुस्मै <>तस्मै इति पाभे. । [c]) पपा. अनु मुहु (=मुहुस्), का (=कानि), चित् इत्येवं त्रिपदी द्र. (तु. पपा. वें. सा. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. ORN. LR. PG [३,१८] BC. प्रभृ. मुहुका चित् इति पदद्वयम् [तु. सपा. ऋ ४,१६,१७ मुहुके, ऋ ४,१७,१२ मुहुकैः इति च])। [d]) सपा. का<>क इति पाभे. । [e]) सपा. तै १,८,५,३ तैब्रा ३, ७,१२,१;६ तैआ २,६,२ पाठाऽभावः ।

५,५; शौ ५, ११, २[१]: १०, २ १[६]: १६[४]; १८[४]; १९[४]; २०[४]; २२[४]; २४[१]; १८, १, ५२†: पै ८, १, २[६]; १६.५९,१[६]: ६०, ९[६]; १०[४]; ६१,१[४]; २[४]; ३[१]; ५[४]; केन (न-उ) ऋ ८,६६,९: शौ २०, ९७,३†: केभिः ऋ ८,१०३,१३: केषु मा २३,५१: का २५,९,७; पै १६. ६१,९; कौ ऋ १०, ९०,११[a], काठ १३, ३¶.

कतम,मा- -मः ऋ ४, ४३, १[२]: २[२]: ६, २१, ४; १०, ५१, २: ६४, १[२]: मा ७, २९: २०, ४; का ९,१,४: २१,७,२; मै ४.८, १¶; काठ ३०, १¶; ३७.१३: १४; क ४६, ४¶; शौ ८,८ ६: ९,१; २५; १०, २, ८; ७,४-७. १०-१६; १८ २०; २२: ३९: ८,१३; ११,६.२२, पै ९, २५, १७; १६, १८,१; २०,३: ५९,६; ७६,९; १७, ७, ५-८; ८, १-७; ९; १०; ९, १: ३; १०, १०, १९, २, ६; -†मत ऋ १०, ८१, २; १२८, ४: १६८, ३; मा १७, १८; का १८, २, ३: तै ४, ६,२,४; ७,१४,२: मै २, १०, २; काठ १८,२; ४०, १०: क २८,२; शौ ५ ३, ४; ९, २, १०§, पै §१, १०१,४; १०७, ४; ५.४,४; १७, ७, २; -मस्मै मा २२. २० ; का २४, ७, १; तै ७, ३,१५,१: मै ३, १२, ५; काठ ३७, १३; ४३, ५; -मस्य ऋ १, २४, १; १०, ४०, १४; ६४,१; पै १५,२३,१: -मस्याः शौ ८, ९, १; पै १६, १८, १; -मा ऋ ४,५१ ६: शौ १०, ८, १०; १२,४,४५: पै १६,१०२, ४: १७, २०, ३: ५; -मानि पै १३, १४, १०; -माम् ऋ १, ३५ ७: -मामु ऋ १०,४०,१४; -मे तै २, ६, ९,३¶: शौ १०, २,४; ८, ३५: पै १६, ५९, ४; १८, २६, ३: -मेन पै १३, १४,४.

कतर्,रा- -†रः ऋ ६, ६९, ८: १०, २७, ११; ८८, १७; तै ३,२,११,२; ७, १,६,७: मै २, ४. ८: शौ ७, ४५, १: पै २०, १५, ३: -रत् खि ५. १०, ३; काठ १२, १४; शौ २०, १२७, ९; -रा ऋ १, १८५,१[१]; -रेण शौ ८,९,१; पै १६,१८,१.

कति[b]- -ति ऋ ९, ७२, १; १०, ८६, २० ; ८८, १८[४], मा २३, ५७[४]; का २५, १०, ५[४]: मै २, १३, १०[१c]: ३, १०, ५¶; शौ १०, २, ४[४]; १२, ४, ४३; २०, १२६, २०†; पै १३, १४,७;८; १२; १६, ५९, ४[४]: १७,२०,३; -¶तिभ्यः काठ २८, ३; क ४४,३.

कतिथ[c]- -थः ऋ १०,६१,१८.

कति-धा ऋ १, ३१, २; १०, ९०, ११; मा २३, ५७; ३१, १०†; का २५.१०,५; ३५, १, १०†; मै २, १३, १०; शौ ८, ९,१०[२d]; १९,६,५†; पै ९, ५, ५†; १६, १८,१०.

कतिपय[e]-

¶कतिपय-थ- -थम् काठ २०,१: क ३१,३.

कति-म[f]- -मे पै ५.२१,४.

कथम् ऋ ५, ६१,२: १०, १०८,१; खि ५,१५,१७; १८[g]; ¶मै १, ६, ६: ३,९,५; ४,६,८; ¶काठ ९,१६:२८,३:३०,२: ¶क ४४, ३: ४६,५: शौ ५, ११, १[२]; ७, ८१.१: ८, ९, १९[२]; २०[४]; १०, ७, ३७[२]: २०, १३२, १०; पै १७,१०,८[२]: १९, ४०,८.

कथा ऋ १, ४१, ७ ५४,१; ७७,१; १२०, १: १६७, १: १८५, १; ४, ३, ५[३]: ७; ८[२]; ५, १ ; १३, [५: १४,५]; २३,१; ३[३]; ४; ५[२]: ५, ४१,११: १६; ५३, २; ६१, २; ८, ७०, १३: ८६, २; १०, २८, ५; ६४, १; ४ ; ८१, २; १४६, १: †मा १७,१८; †का १८, २, ३; ¶तै २, ५, ८, ४; ६,१,७[२]: ३,३: ३, १, ९,४; ६, २, १, ४; ३, १. ६; मै १, ४, १२¶; २,१०,२†; ¶काठ १०, ७; १८, २†: २२, ६; क २८, २†; ३४, १¶; शौ ८, १,१६; पै ८,१,१[२]; १६, २,६.

कथो (था-उ) ऋ ५,२९,१३.

कद्[h]- कत् ऋ १. ३८, [१; ८,७, ३१]; २; ४३,१; ७४, ७; १०५,

a) सपा. कौ (तैआ ३, १२, ५[२] च) <> किम् इति पाभे. । b) डतिः प्र. (पा ५, २,४१) तत्स्वरश्च ।
c) मक्ल. पाभे. पृ १११३ *h* टि. द्र., अन्यत्र सपा. कति <> कतिधा इति पाभे. ।
d) मक्ल तु. टि. *c* ।
e) तयपोऽयजादेशे पुडागमः उसं. (पा ५,२,४२;४४)।
f) पूरणार्थकस्य प्र. मडू-आगमः उसं. (पा ५, २, ४८; ५०)। g) सपा. कथम् <> कुह इति पाभे. ।
h) एतद्-, तद्-, यद्- इत्येतत्सकक्षं सना. (तु. टि. कस्मै, PW.प्रमृ. WW [१,५१९],RN [भू ६१] च;

५²; ६²; १२१, १; १६१, १; १८१,१; १८५,८; २, २७,१४; ३, ५८, ४; ४, ३, ५³-७³; ५, १२; १३; १२, ४; २३,२²;५²; ५, ४१, ११; ४८, १; ८२, २; ६,१५, १; ४६,८; ४७, ३;७१, ५; ८,३,१३; १४²; ४,१८;२१, १; ३३, ७; ६६,९; १०²; ६७, ५; ८४,५; ९३, ४; ९४, ७; ८; १०, १०,४; ६; १२,५; २९,३; ४²; ९३, ४; ९९, १; मा ३३, ३५†; का ३२,३,६†; तै ४, ७, १५,६†; †मै ३,१६,५; ४,११, ४³; †काठ २,१५; ७,१६³: ८. ५¶[a]: क ७,१¶; †कौ १,१२३; २२४; २९७: ३६८²; ४०८; २, ५८;९००; १०४६; †जै १, १४,२; २४,२; ३१,५; ३८,९²; ४५, १०; ३, ६, ४; ४, ८, ७; १४,४; †शौ १८, १,४;७; ३३; २०, १४, १; ५०, १; २²; ५३, १; ५७, ११; ६२, १: ७६, ३; ४²; ९७,३; ११२,१.

कद् अर्थ[b]- -र्था ऋ १०,२२,६.

*कद्-म्रि-> कद्रि-> कद्र्यं-(द्रि-अ)च्-

कद्रीचो- -ची ऋ,१, १६४, १७; शौ ९,१४,१७†; १३, १, ४१; पै १६,६७,७†; १८, १९, ११†.

†१कदा[d] ऋ १, ८४,२०;१०५,३; १३९, ५²; ६, ५४, ९[e]; १०, ४८,५; १५२,१[f]; खि ३, १५, १७; मा ३४,४१†; का ३३,२, ४†; कौ १,२८७²†; २८८: २, १०७४†; जै १, ३०,५²†.

२कदा ऋ १,२५,५; ३४, ९: ८४, ८²; १५०,२; ३,५३,४; ४,३, ४²; ५,१३: ७, २: २३, ६; ५, ३,९²; ६, २१,३;-३५, १⁴; ३²; ७, ८, ३; २९, ३; ३७,⌊५: ८, ९७, १५⌋; ६; ८६, २²; १०४, ७; ८, ३,१४; ५, २२; ७, ३०; १३,२२²; ३३,२; ४०, २: ५१, ७; ५२,७; ८६, १५; १०, ९५, १२; १०५, १: खि ३, ३, ७; ४, ७; ५,११,४; मा ३, ३४†; †८, २;३: ३३, २७²; का ३, ३, २६†: †८,१,१;२; ३२ २,१०²: †तै १, ४,२२,१²; ५,६, ४: ८, ४; मै १, ३, २६²: ५, ४²†; ११; काठ ४,१०²†; †कौ १, २२८:३००:४१६‡[g]; २, २१५: ६९३²; †जै १, २४, ८; ३०, ६; ३१, ८; ४०, ८‡[h]: ३, १९, १०: ५६, २०²; शौ १, २०, ४‡[i]: ४, ३४,३[h]; ६, १३०,३: ७,१०,३‡[e]; ८,४, ७; १०,७ ३७: ११,६,२१; †२०, ५०,२; ५२,२: ५७,१५; ६३,५²,१२७. १४.

३कदा †काठ ७, २: ९²; †क ३, ८²; ५, २; पै २,९,३; ८८,१†; ०,९,६; २५,१६²; १६, ९, ७; २०, ८६,३; ६१,८².

२कुय[i]- -यस्य[i] ऋ १, २७, ८; १२९, ५; ८. २५, १५; कौ २, ७६६†.

¶कयाशुभीय[j]- -यम् तै ७,५,५, २; मै २. १,८: काठ १०, ११: ३४, ४.

कुर्हि ऋ ५, ७४, ⌊१०; ८, ७३,५⌋; ६, ३५,२; ३: ८. ७३, ५; १०, ८९. १४: काठ ७. १०¶: क ५,९¶.

किम्- किम्[k] ऋ १, २३, ⌊२४; १०, ९,८⌋; ११८, ⌊३; ३, ५८, ३⌋; १२२,१३: १६१, १³; १०; १६४, ६: ३९; १६५, ३; १७०, २; ३: १८२, ३²;१९१, ७: २, १६, २: २९, ३²: ३, ५३,१४; ५८, ३: ४ ², ८: १२:१४;१८,४;६; ७: २१,९²; २३, ६: ३०,७: ५. २. ३; ३०, ९; ३२, १२: ८३, ⌊९ (८, ४९, ७: ५०, ७)⌋: ६,९,६²: २०,८: २२, ८: २७, १²: ४४,⌊१०: ८, ८०, ३⌋:४७, १०: ५२, ३² ७. ५५. ⌊३-४⌋; ८३,२; ८६,२: ४; ८९, ५; १००, ६; १०४, १४;

वैतु.सा.<कुदा इति (कालविशिष्टेऽर्थे व्यु. इयमप्याद्रियेत)। पाप्र. तु अदङ् प्र. उसं. (पा ७, १,२५ ⌊तु. अन्यद्-⌋)।

[a]) कः ⌊चित्⌋ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. क ७,१ तत्संस्कर्तुः टि. च)। [b]) विप. (इन्द्राग्नि-)। बस.।

[c]) तु. टि. अस्मद्-म्रि-> अस्मद्रि->°द्र्यच्-।

[d]) कालेऽर्थे दाळ् प्र. पक्षे उसं. (पा ५, ३, १५) लित्स्वरश्च। [e]) सपा. कुदा <> कदा इति पाभे.।

[f]) सपा. कुदा<>कदा इति पाभे.।

[g]) सपा. कदा <> यदा इति पाभे.

[h]) सपा. कदा <> कुतः इति पाभे.।

[i]) इयः प्र. उसं. (पा ५. ३. ७१। तु. PW. GW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. प्रमृ. कुस्य इत्यत्र यकारोपजनः, BS. कु-य- इति⌋)। [j]) विप. (सूक्-वा सामन्- वा)। कुया शुभा (मन्त्रप्रतीकम्) + मत्वर्थे छ >ईयः प्र. (पा ५,२, ५९)तत्स्वरश्च। [k]) कि- ⌊मना.⌋ इत्यस्य न. द्वि१ सद् वा. किवि. इति PW. प्रमृ.।

८,८, ८; २१,६; ४८, ३[२]; ७३, ११;८०,५;६;९,६९,६; ११४, ४; १०, ७, ६; १०, ११[२]; १२, ५; ३१, [७; ८१, ४]: ३८, ५; ४२, ३; ४८, ७[२]; ५९, ८-१०; ७९, ६; ८१,२;४; ८६,३; ८[२]; ९०,११; ९५,२; ११: ९७,१०; १०८,१; ११२, ९; १२९. १[२]; २; १३०, ३[६]; खि २, १३. ३; ३,१०[=], १; ७; ४,५,१२: ३२; ३४: ११, ३; ५,७,४,१६: १५. १;७,२,४; मा १२,८४†: १६, ४७; १७,१४;१८†:२०†: २९; २३,९[२];११,४५[२];४७[३];५१;५३: ३१,१०[३];†: ‡[२a]: ३२,५; ३३, २७†; ३४, ३; ४०, १; का ६, ५, ५†[b]; १३, ६, १०†:१७,८, १; १८,१,१४;२,३†;५†: २५, ३, ६[२]; ९, १[२]; ३[३]; ७; १०, १; ३२, २, १०†; ३५, १, १०[३]; †,‡[२a];४०, १, १; ¶तै १, ३, २, १$; ५,९,१; ६,७,३; २,२, ४,७; १०, २; १२,५†; ४,१२, ६-७; ६,२,२: ५,५; ८, ६[२], ७; १०,१: २, २, ५, ४[२]†; ३,७,३; ४,११,६; ४,२,६,३†; ५, १०, १$: ६,१, ४$; २, ४[२]†; ५†; ५,३,१,१[२]: ५, ५,२: ७,८,१[२]; ६,३,५, १: ५, ११, ४: ६,९,२; ७,२,९,३; ३,१,३[२];२,१[७]; २[२]; ४,१८, १[६]$;५, १,२; ¶मै १, ४,५:५,८; ६,१०[२]; १२[२]; १३[३]; ७,२; ८,७; २, १, ५; २,७; ३, २;४,३[२];५,३; ७,१२†; ९,१$; १०, १$; २[२]†; ३,१,९; २, ८; ३,१; ३[४]; ६, ४[२]; ६; ७, ३; ६; ८,२;३; ६[२]; १०, ४;५; १२, १९[२]$; ४, १,२;५; , १४; २, ७; ९; १३[२]; ३,९; ४, ६; ५, ७[२]; ६,४[४]; ८,१[२];¶; १०,१†; ११, ३†; १२, ३[३]; ६†; १४, १७[२०]; ¶काठ २, ११; ६, ६[२]; ७, १२$; ८, १५; ९, १८;१०, १[२]; ६[२]; ११,४;५: १३,३; १६, १३†; $१७, १६: १७; १८, २[२]†;२१,२[३];४; २२,४;८; २३, १२†; २४, ९[२]; २५, २ ; ७[२]; ९$; २६, ७;१०: २८, ८; २९, १; ८; ३०, १[२]; $[२]; ३१, १ ; ३; ३२, २; ३४, ३; ८; १०[१२]; ३७, ४ ; ५; १२; ३८, १२$, ४४, ७[३]$; ¶क २, ५$; ४, ५[२]; ८, ३; २५, ४†; $२७, १, ६; २८, १$; २[२]†;३१, १७[२];१९. ३५, २; ३८, २[२]; ५; ३९, ५[२]; ४०, २$; ४१, ५; ८; ४४, ८; ४५,२; ४६, ४[३];$[२]; ४७, १;३; †कौ २, ७२०; ९७५; †जै ३, ५९, १२ ; ४, २३, ७; शौ ४, २६, ६; ५,११,५[२]; १३,७; ६, ४५,१; ५१, ३†; ५७, ३; ७१, १; ७,५८,६; ८; ७३,१; १११, १; ८,४,१४†; ९,२५; ९, १४, ७†; १५,१८†; १०,१,२०; ५, २२; २३; ७,३७; ८, १६; ११, ३,२४; ६, ४; ११,१३‡[d]; १३, १, ५५; ३, २३; १४, २, १९; १५,३,१; १८,१,१२[२]†; ३३†; २, २४; ३२; ३, ४१‡[d]; १९,६ ५[३];†; ‡[२a]; ४८,३[३]; †२०,३६, ४;८९,३; १२६, ३; ८[२]; १२९, ४;१४; पै १, ४४, २; ४८, २; ६०, ४: १०९, ४; २, ३१, ४; ३, २, २; ४, १६, ४†; २२,२; ३६, ५; ३७, ३; ५, ९, ८; १५, ५;२२,३; ६,२१,३[३], ८, १,५[२]; २,६; ३,४; १२,६;७; १८,१०: ९, ५,५[३];†; ‡[२a]; ६,२; २२,४; १२; १६;२३,११,६,११†; १२, ३,११;६,११; १३, ३,१४; १३, ५; १४, १[४]; २[२]; ३; ११; १६, १०,४†; २०,३; २१,४;२३,१; २; ३६,१०; ५४,१०; ६६, ६†; ६९,८†; १०१,२; १०२,२; ५; १३०,१; ३; १४९,२; १७,१०, ८; १४,१;२; १०; २९,६; १८, ८,१०; २०, ४; २५, १०; १९, १०, ५†; २३, ४; २७,१; ३३, १४; ३६, ४; ४३. ५†; ५२,९; २०,७,९;१४,१;३८,१;५५,३[२].

✓*किंय

किंयु[e]— -युः ऋ ३,३३,४.

किं-कर[f]— -राः शौ ८, ८, २२; पै १६,३१,२.

¶किं-काम— -मौ काठ ३०,१[३]; क ४६,४[३].

किं-देवता—

¶किंदेवत्य,त्या[g]— -त्यम् तै २,५, २,७; ३, ७; —त्या तै ५,७,३,२.

¶किं-पवित्र[h]— -त्रः तै ६, ४, ५,३.

---

a) पाभे. कृते पृ १११६ *a* टि. द्र.

b) सपा. मा ६,२२ पाठाऽभावः।

c) स्वररहिते पाठे? यनि. शोधः।

d) पाभे. कृते पृ १११३ *g* टि. द्र.

e) विप. (विप्र-)। व्यु. पृ ५५४ *b* टि. द्र.।

f) नाप. (भृत्य-)। उस.।

g) विप. (पौर्णमास-, सांनाय्य-, वसोर्धारा-)। तादर्थ्ये यत् प्र. (पा ५,४,२४)। h) विप. (उपांशु-ग्रह-)। बस.।

किं-पूरुष[a]- -षम् मा ३०, १६; का ३४,३,३.

किं-मय[b]- -यः ऋ ४,३५,४.

कियत्[c]- -यत् ऋ ४, १७, १२[2]; १०, २७, ८; ¶तै ६, २, ४, ४; ¶मै ३,९,७[2]; शौ १०,७,८;९; पै १७,७,९; १०; -यता मै ३, ९,५[2]¶; शौ १०, ७,८;९[2]; पै १७, ७, ९; १०[2]; -¶यताम् मैं २, ३, २; -यति काठ २२, १३¶; -यते ऋ ४,५,६.

कियती- -ती ऋ १०,२७,१२; -तीः ¶काठ ३७, १; ४; शौ ८, ७, १३; पै १६,१३,३.

किस्(:)[d] ऋ १०,५२,३.

की-दृश्[e]- -दृङ् ऋ १०,१०८,३.

की-दृश- -शाय तै ७, ३, १७, १; काठ ४३,७.

की-वत्[f]- -वतः ऋ ३, ३०,१७.

कु[g]- कु[h] कौ १,३०५; जै १,३२,३.

कुतस्(:) ऋ १, १३६,१;१६४, १८; १६५, १; ३; १७९,४; २, २३, [५; ८,१९, ६]; ७,१, २; ८९,७; १०,३९,११;१२९,६[2]; १६८, ३; मा ३३, २७†; का ३२,२,१०†; ¶तै २,२,९,२;७, २,५, ३;४[2]; ५,३,१; मै ३,१, ९¶; †४,११,३[2];१२.१[2]; काठ ८,१२¶; ९,१८[2]†; ३३, ५¶; ३९, १५†; क ७, ७¶; कौ २, ७२४†; जै ३, ५९, १७†; शौ ८,९,१; ४; ९,१४, १८†; १०, २,१०[2]; १४[2]; ८,४४; ११,१०, ८[5]; १२[4]; पै १, १०७, ४; ४. १७, १; २; ६, २२, ८[1]; १६, १८, १; ४; ६०, ७[2]; ६७,८†; ८५,७[5];८६,१[4].

†कुत्र,>त्रा ऋ ५, ७, २; ६, ३, ३; ७,६९, २; तं २,१, ११, ३; मं ४, १२, ४; १४, १०.

कु-नख[j]-

कुनखिन्- -खिना शौ ७, ६७,३; पं ९, २२, ८; -¶खिनि मं ४, १, ९; काठ ३१, ७; क ४७, ७; -¶खो तं २, ५, १, ७; मं ४, १, ९; १०; काठ ३१.७;८; क ४७,७;८.

¶कु-मनस्[k]- -नाः मै ४,२,१३.

१कु-यव[l]- -वम्[m] मा १८,१०; का १९, ४, ३; मं २, ११, ४; काठ १८,९; क २८,९.

कुह,>हा[n] ऋ १, २४, १०; ४६,९; ११७,१२; १८४,१; २, १२,५; ५,७४, २[2]; ६, २१, ४; ८, ७३, ४[3]; १०, २२, १; ४०, १; २[4]; १२९, १; खि ५, १५, ६[o]; ७; शौ २०, ३४, ५; १३०, ५[p]; ६[r]; १३२,१५[q]; पै १३,७, ५†.

कुह-चिद्

†कुहचिद्-विद्[r]- -विदे ऋ ७,३२, १९; कौ २, ११४०; शौ २०,८२,२.

कुहया[s] ऋ ८,२४,३०.

कुहया-कृति[t]- -०ते ऋ ८,२४,३०.

क[u] ऋ १,३४, ९[v]; ३५,७; ३८, २[v]; ३[v]; १०५,४; ५[w]; १६१,४; १२; १३८, ४; १७; १६५, ६;

a) नाप. । कस. अन्तोदात्तः ।

b) विप. (चमस-) । अवयवे मयट् प्र. तत्स्वरश्च ।

c) विप. । परिमाणे वतुप् > इयतुप् प्र. (पा ५,२,४०) ।

d) प्रश्नार्थे अव्य. प्रकृतस्य प्राति. रूपम् (तु. नकिस् प्रमृ., वें. सा. PW. प्रभृ.; वैतु. या [६, ३५] स्क., दे. [४,३] <√कृ [कर्तरि] इति) ।

e) समासस्वरौ पृ ८०० q टि. द्र. । पूप. किम्->की- ।

f) =कियत्- । वतुपः वस्य घत्वे विकल्पः उसं. ।

g) प्रश्नार्थे (=किं) कुत्सार्थे चास्य वृत्तिः द्र. ।

h) तु. सप्र. ऋ ५,७४,१ BS. Gri. S.; वैतु. सा. विव. भ. कु- (=पृथिवी-) + √स्था > उस. इति मन्वानाः प्रकरणविरोधात् पपा. विरोधाच्च चिन्त्याः ।

i) पाभे. कृते पृ १११७ h टि. द्र. ।

j) तस. प्रकृतिस्वरः । k) बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

l) नाप. । पपा. नावग्रहः ।

m) सपा. कुयवम् <> कुयवाः इति पाभे. ।

n) ह(त) प्र. उसं. (पा ५.३,१३) ।

o) कुहम् (तु. शंपा. कुहम्) इति पाठे? यनि. शोधः (तु. RW.) ।

p) कुहाकम् इति शंपा. ।

q) कुहनत् इति शंपा. । पाभे. कुते पृ १११६ g टि. द्र. ।

r) उप. । उप. <√विद् (सत्तायाम्) ।

s) तृ. याच् आदेशः । वा. किवि. ।

t) विप. (उपमृ-) । बस. (तु. PW.GW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. °ता- इति प्राति. पाठुकौ, पूप. कुहया- इति क्यजन्तात् भाप. इति च) ।

u) अत् प्र. (पा ५, ३,१२) नित्स्वरश्च । नेप. कुह> कुअ> यनि. इति RN. (भू २८-९) ।

v) एकतरत्र उ इत्यनेन समुदितं द्र. ।

w) पाभे. कृते पृ १११५ d टि. द्र. ।

१६८, ६[२]; २, ३३,७; ३,३०,३; ६२, १[२]; ४, ५१,६; ५, ३०,१; ६१,२; ६, १६,१७; ६३,१; ७, ८८,५; ८,१,७[२]; ७,[२०; ६४, ७]; १००, १०; १०, ३४, १०; ४०, १४; ५१, २; ८५, १५[२]; ८६, २२; १११, ८[३]; १६८, ३; खि ३, १७[२], २; ५, ७,४, १६; १५,२; ¶तै २, ६,५,५. ३, १, २,२; ५,७,४,२; ६, ६, ७, ३[२]; ७,१, ४, ३; ¶मै १, ६,१२; ९, ३; ३,४,५; ८,४; ९, ७[२]; †४, ११, ३; १४, ९; ¶काठ ९,१६; १८†; ११,६; २०, १४†; २५, ३; ३०, ९; क ३८, ६¶; †कौ १, १४२; २७१[२]; २, ५६; †जै १, १५, ८; २८, ९[२]; ३, ६,२; ४, १०, ५[२]; शौ †९, १४,४; १७; १०, २, २; ७,१[२]; ४[२]; ५[२]; ६; ८,७; ३९; ४१; १३,१,४१; १४,१, १४[२]†; १५,११, २; ३; २०, १२६, २२†; १२९, ६; पै १, १०७, ४; १३,१४,३[३]; ११; १२; १४; १५, २०, ५†; १६, ५९, २; †६६,४; ६७, ७; १७, ७,१[२]; २[२]; ५[२]; ६; ७[२]; १८,२, ३[२]†; १९,१.

कू(<कु)-

कू-चिद्[a] ऋ ९, ८७, ८; १०, ४,५; ९३,११.

कूचिद्-अर्थ-

कूचिदर्थिन्- -र्थिनम् ऋ ४,७,६;

कू-यव- -वाः तै ४,७,४,२[b].

?किमा पै १७,१३,५.

किमीदिन्[c]- -दिनः शौ १, ७, ३; २८, १; २; ४, २०, ५[d]; ८, ४, २३‡[e]; ६,२१; २५; १२,१,५०; पै १,६५,२; ३, २२, ६; ४, ४, ३; १८, ३; ४; २५, ८; ८, ६, ८[f]; १६,८१,३; ६; १७, ५, ८; -०दिनः शौ २, २४, १-४; पै २, ४२, १-८; -दिनम् शौ १, ७,१; ४, २०, ८[f]; ८, ३, २५; पै ४,४,१; ८,६,७; १६, ८, ६; -दिना ऋ ७,१०४,२३[e]; १०, ८७,२४; पै १६,८,८; -दिनाम् पै १६, ११, ३‡[e]; -†दिने ऋ ७, १०४, २; काठ २३, ११; शौ ८, ४, २; पै १६, ९,२; -दी शौ ४,२८,७; पै ४, ३७,७.

किमीदिनी- -०नीः शौ २, २४, ५-८; पै २,९१,१-५.

किं-पूरुष-, क्रियत्- किम्- द्र.

?क्रियात्या[g] ऋ १, ११३, १०; २, ३०,१.

कियाम्बु[h]- -म्बु[i] ऋ १०, १६, १३.

†किये-धा[j]- -धाः ऋ १, ६१, ६; १२; मै ४, १२, ३; काठ ८, १६; शौ २०, ३५,६; १२.

किरण[k]- -णः ऋ १०,२७,५; -णम् ऋ ४, ३८, ६; ५, ५९, ४; -णा ऋ १०, १०६, ४; -णाः ऋ १, ६३, १; -णौ खि ५, १६, १[l]; २; शौ २०, १३३, १;२.

किरात[m]- -तम् मा ३०, १६; का ३४,३,३.

a) नि. समाहारः। आद्युदात्तः।

b) पाभे. कृते पृ १११९ *m* टि. द्र.।

c) नाप. (रक्षो-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <किम्-+इदानीम् इति वा किम्-+इदम्-इति वेति या [६,११] दे. [निघ ४,३] प्रभृ.। किम्-+(√पीड्>) पीडिन्-> [उम.] > नैप्र. यनि. इति विमृश्यम्।

d) पाभे कृते पृ १०२६ *o* टि. द्र.।

e) सपा. ०दिनः <> ०दिना <> ०दिनाम् इति पाभे.। f) सपा. ०दिनः<>०दिनम् इति पाभे.।

g) कियति आ इति पपा.। तदनु सा. प्रभृ. काले इति पदमाक्षिपेयुः। किंकालप्रभृतिकप्रारम्भपरः प्रश्नः प्रकरणयोग्य इति कृत्वा *कदा-प्रभृति अह >(*कु [ध>]आ >] या अ अ ति" आ >) *कियाति" आ>यनि. इति प्रकारकः नैप्र. वावि. क्रमः स्यादिति विमृश्यम्? (तु. पंजा. कदति", कदोंति" [कदा-प्रभृति])

h) विप. (पाक-दूर्वा- [वैतु. सा. प्रभृ. नाप. इति?])। वा. किवि.। छन्दस्तस्तु कियाम्बुर् अत्र रोहतु इति पादशोधः स्यादिति कृत्वा मूलतः यनि. स्त्री. प्र१ सत् विप. एव द्र.। व्यु.?। क्रियत्-+अम्बु-> बस. इतीव सा. भा. प्रभृ. वदन्तः स्वरतश्चिन्त्याः?।

i) सपा. कियाम्बु<>क्याम्बूः (तैआ ६,४,१ च) इति पाभे.।

j) विप. (इन्द्र-)। अर्थः व्यु. च?। या [६, २०] क्रियत्- इति वा <√क्रम् इतीव वा [तु. सा. प्रभृ.], GW. कि- >किये [च१] इति पूप. इति। प्रकरणानुरोधात् पूप. <√कॄ (हिंसायाम्) इति विमृश्यम्।

k) नाप.। व्यु.?। <√कॄ (विक्षेपे) इति (पाउ २,८१)। l) ण्णौ इति स्वरे? यनि. शोधः।

m) नाप. ([मृगया-जीविन्-, गिरि-चर-] उपवर्ण-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√कॄ (हिंसायाम्) इति वा

१ कैरा(त>)ती[a]-
कैरातिका[b]- -का शौ १०, ४, १४; पै १६,१६,४.
किरिक[c]- -केभ्यः[d] मा १६, ४६; का १७,७,५; तै ४, ५, ९, २; काठ १७,१६; क २७,६.
किर्मिर[e]- -रम्[f] मा ३०, २१; का ३४,४,३.
†किल,>ला[g] ऋ १, ३२,४; २, १२, १५; ६, ४७, १[2]; ७, ३३, ४; १०,१०,१३; ९४, १०; ९७,५; १११, ३; ८; १५९,[४; १७४, ४]; मा १२, ७९; ३५, ४; का १३,६, ५; ३५, ४, ४; तै ४, २,६, २; मै २, ७,१३; काठ १६, १३; क २५, ४; शौ १, ३४, ४$; ४, ७, ३$; १८, १, १५; ४८[2]; २०, ३४, १८; ३२, १, २$; ४१, ४; ५, २१, २$; ११,६,६; १३,६,४;७,१६; १९, ४७,१३$.
१किलास[h]- -०स पै १,२६, ४[1]; ९, ३, ६; -सः पै १६, १२५, १; -सम् शौ १, २३,१;२; २४,२; पै १,१६,२; २६,२; ९,३,३-५; ७-१३; २०, ३८,५; -सस्य शौ १,२३,४; पै ९, ३, ३; -सेन पै ९,२२,१३.
किलास-नाशन[j]- -नम् शौ १, २४, २; पै १,२६,२.
किलास-भेषज[k]- -जम् शौ १,२४, २; पै १,२६,२; ९,३,५.
२किलास[l]- -सम् मा ३०, २१; का ३४,४,३.
किलासी[m]- -स्यः ऋ ५,५३,१.
¶किलास-त्व- -त्वात मै २, १,५.
?किलासंभावात्[n] काठ ३३,४¶.
?किलासि[o] पै २,५८,१.
किल्बि<>ल्विष[p]- -षम् खि ३, १०[2], ४; मा ३५,११; का ३५, ४, १०; शौ ५, १९, ५; १२, ३,४८; पै २, ८१, १; ८, १५, ८; १६, १४९, ९; १७,४०,७; २०, २२, ९; -षाणि शौ ६, ११८, १; २[q]; पै १, ६५, १; ८, १५, १;२; ६; १६, ५०, ३; ४[q]; -षात् ऋ ५, ३४, ४; -षानि मै ४, १४,१७[2;r]; -षे पै ८, १५, ४; १०; ११; १३; -षेभ्यः पै ९, २२,१.
किल्बिष-कृत- -कृतः पै ७,३,६.
किल्बिष-स्पृत्[s]- -स्पृत् ऋ १०, ७१,१०.
किल्बि(ष्य>)ष्या[t]- -ष्य(ष्या)म्[u] पै ८, १५,३.
किशोर[v]- -राः शौ १२, ४, ७; पै १७,१६,७.

<गिर्- (=गिरि-) इति वा (तु. मभा. चिलाद-, चिलाति- [स्त्री], WAG [१,१२१] प्रमृ. च)।

[a]) अपत्यार्थे अण् प्र. तत-स्वरश्च ।

[b]) ह्रस्वार्थे कः प्र., तत्र रः, कडणो ह्रस्वश्च ।

[c]) विप. (रुद्र-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <√कृ इति सा., <√कृ इति माश [९,१,१,२३], उ. म. ?।

[d]) सपा. किरि° (माश ९, १,१,२२;२३ च) <> गिरि° (माश्री १,१,७,१ च) इति पाभे ।

[e]) विप.([त्रिभिन्न-वर्ण-]पुरुष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

[f]) सपा. किर्मिरम् <> मिर्मिरम् (तैब्रा ३,४,१७, १ च) इति पाभे. ।		[g]) अव्य.। व्यु. ?।

[h]) नाप. (श्वेतकुष्ठ-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः। <√किल् (श्वैत्ये) इति विमृश्यम्।

[i]) °सम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको. °सु [=°स उ], W. [शौ १,२४,३] च)।

[j]) उस. । उप. <√नश् (अदर्शने)।

[k]) षस. अन्तोदात्तः ।

[l]) विप. (किलास-वत्-)। शिष्टं h टि. द्र. । उभयत्र बस. विग्रहमात्रे विशेषः, तत्र 'किलायाः श्वैत्यस्य संप्राप्त्यर्थतः' इति, इह च'·· यस्य' इति विवेकः ।

[m]) प्रकरणतः नाप. (मरुद्वाहनभूत-किलासलक्ष्म-पृषती-) । ङीप् प्र. (पा ४, १, ४०) ।

[n]) पाठे? किलास-संभवाद् इति शोधः (तु. मूको., BW. °भं-भ° इति कृत्वा यनि. एव कथमपि सामर्थ्यं कः ? वैतु. पाका ६,१,८३ ? किलासीन् इति विकृत उद्धारः) । पृ ५३० m टि. एतदनु शोधः ।

[o]) पाठे? इति कृत्वा पृ ५१० अमि इत्यपाकृतं द्र. ।

[p]) भाप. (स्खलित-, पाप-) । व्यु. ?। पपा. नावग्रहः । <√किल् इति (पाउ १,५०) ।

[q]) वा. । ? मौस्थि. √किल्बिष(<किल्बिष-)> किल्बिषाणि > [लोटि उपु१] इत्येवं सतः किल्बिष-शब्दस्य-सामान्याद् यनि. स्वर-भ्रंशः? ।

[r]) सकृत् q टि. द्र. ।		[s]) विप. (सोम-) । उस. ।

[t]) विप. (इषु-) । किल्बिषाय संपद्यते इत्यर्थे यत् प्र. उसं. (पा ५,१,१००) ।

[u]) पाठे? यनि. शोधः द्र. । तस्मिन्निषं संनयाम किल्बि-ष्याम् इति पादश्चेह त्रैष्टुभः सु-शोधः द्र. ।

[v]) नाप. (अश्व-शावक-) । व्यु. ? ः पपा. नावग्रहः ।

?किष्ठयन्धानामवीर् पै १९,४८,२.

?किष्वद्[a] पै १६,५४,७.

किस्(:) किम्- द्र.

कीकट[b]- -टेषु ऋ ३,५३,१४.

कीकस,सा[c]- -सा मा २५,६; का २७,६,१; तै ५,७,१७,१; मै ३,१५,६; काठ ५३,७; -साः शौ ७,८०,३; ९,१२,५; १३,१४; ११,१०,१५; पै १५,१८,९; १६,७५,४; ८६,४; १३९,८; १९,४०,७; -साभ्यः ऋ १०,१६३,२; तै ७,३,१६,१; काठ ४३,६; शौ २,३३,२†; २०,९६,१८†; पै ४,७,२†; ९,३,१०; -सासु पै १६,१४७,५.

कीकसा(स-अ)स्त[d]- -स्तः पै १,८७,२.

कीज[e]- -जः ऋ ८,६६,३.

कीट[f]- -टेभ्यः शौ ९,४,१६; पै १६,२५,६.

¶**कीटा(ट-अ-)वपन्न**- -न्नेन काठ ३५,१८; १९; क ४८,१६; १७.

की-दृश्-, **की-दृश**- किम्- द्र.

कीनार[g]- -रा ऋ १०,१०६,१०.

कीनाश,शा[h]- -शः मै २,७,१२†[i]; शौ ४,११,१०; पै २,२२,३; ३,२५,११; १२,३,१०; ६,१३; -शम् मा ३०,११; का ३४,२,३; पै १२,३,११; -शस्य पै १२,३,९; -शा पै ८,११,५; -शाः ऋ ४,५७,८[i]; मा १२,६९†[i]; का १३,५,८†[i]; तै ४,२,५,६†[i]; काठ १३,१५; १६,१२†[i]; क २५,३†[i]; शौ ३,१७,५†[i]; ६,३०,१; पै ९,८,२; १९,२४,४; -शाम् पै १९, ३५,८.

†**कीरि**[j]- -रयः ऋ ७,१००,४; मै ४,१४,५; -रये ऋ ६,२३,[३ (४४,१५)]; ७,९७,१०; शौ २०,१७,१२; ८७,७; -रिः ऋ ६,३७,१; ७,२१,८; ८,१०३,१३; -रिणा ऋ १,१००,९[k]; -रिम् ऋ १०,६७,११; शौ २०,९१,११; -रेः ऋ १,३१,१३; २,१२,६; १०,८१,२; शौ २०,३४,६; पै १३,७,६.

कीरि-चोदन[l]- -नम् ऋ ६,४५,१९.

१?**कीरिन्**[m]- -रिणा ऋ ५,४,१०; ४०,८; तै १,४,४६,१.

२**कीरिन्**[n]- -रिणः ऋ ५,५२,१२.

कीर्तयत्-, **कीर्तयितव्य**-, **कीर्ति**-, °**र्तैन्य**- √कॄ (स्तुतौ) द्र.

कीर्त्वा √कॄ (विक्षेपे) द्र.

---

[a]) पाठे? के (गना. [परिप्रश्नः]) स्विद् (अव्य.) इति द्वि-पदः शोधः?।

[b]) नाप. [अनार्य-कर्मन्- इति या. कदर्य- इति वा? (वैनु. या [६, ३२] द्र. [४,३] देश-विशेष- इति, PW. प्रमृ. जातिविशेष- इति)]। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। (किम्->)*की- + (कृत्- [भाप. =कर्मन्- वा दक्षिणा-दानादिक्रिया- वा] >नैप्र.) *कट्->बस. इति या.।

[c]) नाप. (अस्थि-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

[d]) विप. (क्रिमि-)। बस.।

[e]) व्यु. अर्थश्च?। वें. सा. किम्- + जु-[भाप.] >बस. इति कृत्वा विप. (इन्द्र- [अद्भुत-]), PW. GW. प्रमृ. नाप. इति कृत्वा =यन्त्र-विशेष- इति। नाप. सद् उपमानभूतं किंचिदिति प्रकरणानुरोधः।

[f]) नाप. (क्रिमि-)। व्यु.?।

[g]) नाप. (कृषक- [तु. वें. दु. स्क. या ४,७], ?PW. ?GW. प्रमृ.; वैनु. सा. =किन्नर- इति])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

[h]) नाप. (कृषक-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√क्लिश् इति (पाउ ५,५६), <किम्- + √नश् (अदर्शने) इति अभा.।

[i]) सपा. -शः<>°शाः (माश ७,२,२,९ च) इति पाभे।

[j]) नाप. पुं (कवि-)। √*कीर् (<√कॄ [*शब्दे, कीर्तने] इति PW. GW. प्रमृ. (तु. WW [१, ३५३]; वैनु. भा. <√कीर्त् इति)।

[k]) 'सः [इन्द्रः] कीरिणा [स्तोतृकर्तृक-स्तुतिनिमित्तेन] धनानि ददाति [तस्मै दानशीलो भवतीति शेषः]' इति वा। (वैनु. यनि. रूपम् [अर्थतः] °रये इतीव स्क. [तु. GW. °रिणे इति शोध इति च])।

[l]) विप. (इन्द्र-)। उस.। उप. <√चुद्।

[m]) विप. (नमस्-, हृद्-)। व्यु.?। <√*कीर् (=√कील् [बन्धने]) कर्मणि वा कर्तरि वा प्र. (वैनु. PW. प्रमृ. यनि. प्राति. <√कृ, कॄ [*शब्दे] इति; भा. =कीर्ति- इति कृत्वा, सा. =स्तुति- यद्वा =विक्षिप्त- इति कृत्वा यनि. रूपं <कीरि- इति?)।

[n]) विप. (मरुत्-)। विक्षेपकाः सन्त उत्समानर्तित-वन्तः इति वा. कृत्वा <√*कीर् (<√कॄ [विक्षेपे]) द्र. (वैनु. सा. PW. प्रमृ. यनि. <कीरि- इति)।

की(र्श>)र्शा[a]- -र्शा तै ५,५,२०,१[b].
की(र्ष>)र्षा- -र्षा काठ ४७,१०[b].
?कीलाः पै ११, ७,१.
कीलाल[c]- -लः मा ३, ४३[d]; का ३, ४, ७[d]; शौ ७, ६२, ५[d]; पै ३, २६,५; ८,२०,२: -लम् मा २, ३४; २०, ६५; का २,७,७; २२, ६, ११; मै ३, ११, ३; शौ ४, ११,१०; पै ३, २५,११;५,३१, २; ८, ११,२: -लाय मा ३०, ११; का ३४, २, ३; -ले शौ ६,६९,१; पै २,३५, २; ८,१०, ४; -लेन शौ ४,२६,६; २७,५; १०, ६, २५; पै १६, ४४, ६; -लैः पै ४,३५-३६,५.
†कीलाल-पा[e]- -पे ऋ १०, ९१, ⌊(८, ४३,११:४४, २७) १४⌋: मा २०, ७८; का २२, ७, १२; मै ३, ११,४; काठ ३८, ९.
कीलाल-पेशस्[f]- -०शसः मै २, ७, १२.
कीलालो (ल-ऊधन>)ध्नी[g]- -ध्नी शौ १२,१,५९; पै १७, ६,७.
की-वत्- किम्- द्र.
कीश्मील[h]- -०ल पै १९,३२,६: -लम् पै १९, ३२,८;५:७.
कीस्त[i]- -स्तासः ऋ १, १२७, ७: ६,६७,⌊१०(७, ७२,४)⌋.
कु- किम्- द्र.
कुकुन्ध[j]- -न्धाः शौ ८,६,११[k].
कुकूनना[l]- -ननाम्[m] मा ८, ४८; का ८, २२,२.
कुकूरभ[n]- -भाः शौ ८,६,११.
कुक्कुट[o]- -टः[p] मा १, १६: का १, ५,५.
कुक्षि[q]- -क्षयः ऋ ३, ३६, ८; -क्षये ऋ ७,९२,२४; कौ २,१०१२†; -क्षा ऋ ९, ८०, ३; १०९,१८; कौ २, ५१२†; जै ३,४०,८†; पै १७, १३, २; -क्षिः ऋ १,८, ७: शौ ७, ११६, १; ९, १२, ५२: २०, ७१, ३†; पै १६, १३९,१३;२०,९,९; -क्षिभ्याम् मा २५, ८: का २७, ८, २: मै ३,१५,७: शौ २, ३३, ४: २०, ९६, २०‡[r]; -क्षी ऋ २, ११, ११; १०, २८, २; ८६,१४; खि ५,७,४,१०; मै ४,२,२¶;५,९; ८, ७: काठ ४०, ३: शौ २, ५, ४: ४, १६,३[s]; ९,५, २०; १०, ९,१७: २०,१२६, १४†; पै २, ७,२: १३,१४,१७; १६, १३७, ७: -क्ष्योः ऋ ३, ५१, १२; ८, १७, ५: कौ २, ८९: जै ३,

a) =कीर्षा-। नाप. (शकुनि-भेद-)। व्यु.?। < √*कृश < √*कृष् (शब्दे ⌊तु. Eng. *screech*⌋) इति विमृश्यम्। b) सपा. °र्शा<>°र्षा इति पाभे.।
c) वप्रा.। नाप.पुं.न. च (अन्न-, रस- ⌊तु. निघ २,७⌋)। व्यु.?। <(√कील्>)कील- + अल-(<√अल्) इति सा. उ. म., <कीला- (=जठर-ज्वाला-?) +(√ला>)ल- इतीव पक्षे दे. ?।
d) =सपा. आपश्रौ ६,२७,३ शांगृ ३,३,१ हिगृ १, २१,१। लाश्रौ ३,३,१ तु रसः इति पाभे.।
e) विप. (अग्नि-)। उस.। उप. <√पा (पाने)।
f) विप. (बाहु-)। बस. (वैतु. BW. MW. की° इतीव स्वरः?)। g) विप. (पृथिवी-)। बस.।
h) नाप. (रोग-विशेष-)। व्यु.?।
i) नाप. [कवि-(तु. निघ ३,१५, वें. प्रभृ. च)]। व्यु.?। सा. प्रभृ. =*कीर्त- (<√कीर्त्) ⌊नैप्र.⌋ इतीव ?। √कृ (शब्दे)>*किर्-(=गिर्-)+√स्था>(कर्तरि) स्थ->उस. *किर्ष्ठ->⌊नैप्र.⌋ यनि. इति विमृश्यम्।
j) कुकुन्ध- इत्यनेन स-न्यायता- द्र.।
k) पाभे. कृते पृ १०८१ i टि. द्र.।
l) विप. (२अप्-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। √कृ (शब्दे) > कुकू-? + नम- (<√नम्) > कम. इवेति उ. म., =शब्दवती- इति PW. प्रभृ.।
m) सपा. कुकूननानाम् (माश ११, ५, ९, ८ च) <> कृतनानाम् <> कोननासु <> पूतनानाम् इति पाभे.।
n) =कुकूरभ-। नाप. (पिशाच-भेद-)। व्यु.?। *कुकू (=शब्दानुकृति-)+(रव->) ⌊नैप्र.⌋ *रभ-> बस. इतीव सा.।
o) नाप.। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। कु (=क)> *कुक्कु + (√भट्>*भट्->) *ट-> उस. इतीव उ.। *कुऽकुर्> *कुक्क (=शब्दानुकृति-)+(√तन् >*त->नैप्र.)*ट- >उग. इति विमृश्यम्।
p) सपा. कुक्कुटः (माश १,१,४,१८ काश्रौ २,४,१५ च)<>कुटरुः (आपश्रौ १.२०,२ माश्रौ १,२,२,१७ च) इति पाभे.।
q) नाप. (जठर-)। व्यु.?। <√कुष् ? इति (पाउ ३, १५५)।
r) सपा. कुक्षिभ्याम्<>मतस्नाभ्याम् इति पाभे.।
s) सप१ (तु. उत्तरे पादेऽल्पोदके निलयस्य श्रुतिः ⌊यस्य वरुणस्योभौ समुद्रौ कुक्षिगताविव भवतः, स एव

९,२; शौ २०,४,२.

कुक्षिल्[a]– -लाः शौ ८, ६, १०; पै १६,७९,१०.

†कुचर्[b]– -रः ऋ १,१५४,⌊२; १०, १८०,२⌋; मा ५,२०; १८,७१: का ५, ५, ८; २०, ५,४; तै १, ६,१२,४; मै १,२, ९; ४, १२, ३; काठ २,१०: ८, १६: क २, ४; कौ २, १२२३; शौ ७,२७, २; ८९, ३; पै १,७७,२§; २०, ६,१०.

कुट[c]– -टस्य ऋ १,४६,४.

कुट्रु[d]– -रुः मा २४, ३९; का २६, ८,४; तै ५,५,१७,१; मै १, १, ६[e]; ३, १४, २०; ४,१, ६[e]. काठ ४७,७; –रून् मा २४,२३; का २६. ५,३; मै ३, १४,४.

१कुणप[f]– -पम् मै ४,९,१९; शौ ११, १२,४; –पे शौ ११, ११, १०; १२, ८.

२कुणप– -पम् तै ७,२,१०,२.

†कुणारु[g]– -रुम् ऋ ३, ३०, ८ ; मा १८,६९; का २०,५,२.

कुणि[h]–

¶कौणेय[i]– -यः तै २, ३. ८,१ काठ २७,२; क ४२, २; –यम् काठ ११,१[j].

कुणड[k]–

†कुण्ड-पाय्य[l]– -य्यः ऋ ८, १७, १३; कौ २. ७७; जै ३. ८, ३: शौ २०,५,७.

कुण्डृणाची[m]– -ची मा २४,३७; का २६, ८, २; तै ५,५, १६,१; मै ३,१४,१८; काठ ४७, ६; –च्या ऋ १,२९,६; शौ २०, ७४,६†.

?कुण्ड्याग्रीय[n]– -यम् मै १, ६, १०¶.

कुतस् :), कुत्र किम्- द्र.

कुतूहल[o]– -लम् पै १७,१४,३?.

कुत्स[p]– -त्सः ऋ १, १०६,६; ४,१६, १०; १०,४०,६; पै ४,२८,६†; –त्सम् ऋ १, ३३,⌊१४; १७४, ५ (४,१६, १२)⌋; ५१,६; ५३, १०;११२,९; २३; १७५,४; ४, २६,१; ५, ३१, ८; ६,१८,१३;

स्वयं स्वल्पेऽप्यस्मिन्नुदके निलयं गत इत्यहो तस्येव महिमा⌋; वैतु. सा. W. प्रभृ. यानि. प्र२ इति ?)।

[a]) नाप. (पिशाच-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। इलच् प्र. (पावा ५,२,११७) चित्स्वरश्च।

[b]) विप. (मृग- ⌊विष्णु-, इन्द्र-⌋)। व्यु ?। पपा. नावग्रहः। या ⌊१,२०⌋ मृगदेवतोभयपक्षाभ्यामर्थश्लेषं प्रयुयोजयिषुः कु (अव्य. =कुकर्मन्-)+(√चर् >कर्तरि) *चर्– > उस. इति वा, कु ⌊प्रश्नार्थीयम्⌋ + *अ-चर– (नञ्समासः)>⌊नैप्र.⌋ यनि. इति वेति; सा. कु-(=पृथिवी-) इत्यपि, GW. *कुच– ⌊=कुंचित-सटा-⌋+⌊मत्वर्थे⌋ रः प्र. इतीवापि पक्ष इति ?। (√कुच ⌊तारशब्दे वा प्रतिष्टम्भे वा ?⌋) >⌊भाप.⌋ *कुच–+रः प्र. इति विमृश्यम्।

[c]) व्यु. अर्थश्च ?। भाप. <कृत– (<√कृ) इति या ⌊५,२४⌋ वें. सा. प्रभृ., <√ कुट् (कौटिल्ये) इति स्क. ⌊पक्षे⌋; नाप. =गृह- ?BW. MW. WAG (१, ११;१४६ *a* ⌊तु. कुटि–, कुल– प्रभृ.⌋); व्यप. इति GW.। नाप. (मृग-) इति कृत्वा <√*कुट् [मदे (तु. पंजा. गुट ⌊विप. =मत्त-⌋)] इति मतम्। उत्तरेण मं. युष्मकमिति कृत्वा कुट-पितृत्वेन सोमः स्तुतः द्र. (वैतु. या. प्रभृ. कुट-चर्षणित्वेनाऽऽदित्य इति ?)।

[d]) =कुक्कुट–। नाप.। व्यु. ?। <√कुट् (*शब्दे) इति विमृश्यम्। [e]) पामे. कृते पृ ११२३ *p* टि. द्र.।

[f]) नाप. (शव-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <√क्वण् ...ि (पाउ ३,१४३)।

[g]) विप. (वृत्र-)। अर्थः व्यु. च ?। पपा. नावग्रहः। कर्तरि <√*कुण् (=√क्वण् ⌊शब्दे⌋) इतीव या ⌊६, १⌋ स्क. वें. सा. प्रभृ.। *कुण–(=कीर्ण-⌊<√कृ हिंसायाम्⌋) +*आरु– (=बाहु-) >बस. इति कृत्वा =छिन्नबाहु- इति PW. प्रभृ. (तु. BDG ⌊१,५०४⌋)।

[h]) व्यप.। व्यु. ?।

[i]) व्यप. (राजन-)। अपत्यार्थे ढक्>एयः प्र. (पा ४, १, १२२) कित्स्वरश्च। [j]) को॰ इति पाठः? यनि. शोधः।

[k]) नाप. (पात्र-विशेष-)। व्यु. ?। <√कुण्ड् इति अभा.। <√कृ इति WAG ⌊१,१९⌋।

[l]) विप. [(कुण्ड-पेय-) प्र-णपात्- (=यन्धुरूप-सोम- ⌊तु. ORN.; वैतु. सा. पा ३,१,१३० प्रभृ. नाप. =क्रतु-विशेष- इति, PW. GW. WAG ⌊१, १५१⌋ व्यप. इति च⌋)]। उस। उप. <√पा (पाने) + कर्मणि ⌊वैतु. पा. अधिकरणे प्र.⌋ यत् प्र. युग्-आगमश्च।

[m]) नाप. (पक्षि-विशेष- ⌊वें. GRV.⌋, गृहगोधा- ⌊स्क. भा.⌋, वनचरी- ⌊उ. म⌋, वात्या- ⌊पक्षे स्क.⌋; वैतु. सा. भाप. =कुटिल-गात-)। व्यु. ?। <√कुण्ड् (दाहे) इति सा. ?।

[n]) व्यु. अर्थश्च ?। भाप. <कुण्ड्या(ण्ड्य-अ)प्र– इति BW.। [o]) वा. किवि. द्र.।

[p]) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?। <√कृत् (छेदने)

७, १९, २; ८, १, ११; ५३,२; १०, ४९, ३; शौ ४, २९, ५; †२०, २१, १०; ३७, २; पै ४, ३८,४; –त्सस्य ऋ २, १४, ७; –त्साः[a] ऋ ७, २५, ५; पै ८, १५,२[b]; –त्सात् ऋ १०, ३८, ५; –त्साय ऋ १,६३.३; १२१, ९; २,१९,६;४,१६,⌊(१,१७४, ५)१२⌋; ३०,४; ५, २९, १०; ६, २०, ५; २६,३; ८,२४,२५; १०, ४९, ४; ९९, ९; १३८,१; –त्सेन ऋ ४, १६, ११; ५,२९, ९; ६, ३१, ३; १०,२९,२; शौ २०,७६,२.

कुत्स-पुत्र– -त्रम् ऋ १०,१०५,११.

कुत्स-वत्स– -त्सम् ऋ १०, १०५, ११.

कुत्स्य[c]– -त्स्येन ऋ ४,१६, ⌊(१, १७४,५)१२⌋.

कुथ[d]– -थाः शौ २०,१३१,५?[e].

कु-नख–, कुनखिन्– किम्- द्र.

?कुनन्नमा[f] ऋ १०, १३६, ७ : पै ५,३८,७†.

¶कुन्ति[g]– -न्तयः[h] काठ २६, ९; क ४१,७.

√कुप्>कोपि, कोपयथ ऋ ५, ५७, ३; †कोपयत् ऋ १०, ४४, ८; शौ २०,९४,८; कोपयः ऋ १, ५४,४.

कुपय[i]– -यम् ऋ १, १४०,३.

?कुपायु[j]– -यवः शौ २०,१३०,८[k].

कुबेर[l]– -रः शौ ८, १४, १०; पै १६, १३५,६.

कुब्ज[m]– -ब्जम् मा ३०, १०; का ३४, २,२.

कुब्जि[n]– -ब्जिः मै १ ८,८¶.

कुभन्यु[o]– -न्यवः ऋ ५,५२,१२.

कुभा[p]– -भया ऋ १०, ७५, ६; –भा ऋ ५,५३,९.

?कुभायु[q]– -यवः खि ५,१५,७.

?कु(,कु)भिः[r] खि ५, १५,७, शौ २०, १३०,७.

इति वा ?√कु इति वा या ⌊३, ११⌋, <√ चुद् इति WAG ⌊१,१२५*b*⌋ MVG ⌊३७*b*⌋ ।

[a]) बहु. <कौत्स-। [b])उत्तरेण समस्त इव पाठः शोधार्हः।

[c]) नाप. । यथा कुत्साय तथा इति कृत्वा तद्धितः प्र. (तु. वें. GRV. ?ORN.; वैतु. दे. सा. =वज्र- ⌊तु. निघ २,२० या ३, ११⌋ इति कृत्वा स्वार्थीयः प्र. इति, कुत्सेन इति ?PW. प्रभृ.) ।

[d]) नाप. (आस्तरण-भेद-?) । व्यु. ? ।

[e]) तु. शंपा. सात. च; वैतु. RW. ?कुथ्य–>–थ्या (न. प्र३) इति ? ।

[f]) प्राति. अर्थः व्यु. च?। पपा. नावग्रहः । कु (कुत्सित-) +(√नम्>नंनम्>) *नंनम– >(उस.) स्त्री. *कु-नंन (म>)मा– =माध्यमिका वागितीव वें. सा.। पूप.(अव्य.)=दुर्, उप. च कर्मणि कृत् प्र. इति कृत्वा *कु-नंनम– (न. =दुर्गम-वस्तुमात्र- इति)> यनि. रूपं ⌊द्वि३⌋ इति PW. GW. MST ⌊४, ३१८⌋। अस्मन् कल्पे वायुकर्तृकमुपमन्थनपेषणक्रियाद्वयमिति वा. विशेषः द्र. ।

[g]) नाप. (क्षत्रियजाति-भेद-)। व्यु. ? ।

[h]) बहु. <कौन्त– ।

[i]) विप. (अग्नि-)। अर्थः व्यु. च ?। <√कुप् इति वें. PW. प्रभृ. । <√गुप् इति सा. ।

[j]) प्राति. अर्थः व्यु. च ? ।

[k]) पाठः? (तु. मूको.), RW. यनि., सपा. खि ५,१५,७ कुभायवः इति पाभे. च; वैतु. शंपा. सात. कुपायकुः इति ?।

[l]) व्यप. (वैश्रवण- ⌊धनाधिष्ठातृ-देव-⌋)। व्यु. ? । <√कुम्ब् इति (पाउ १,५८) ।

[m]) नाप. (कुञ्चितपृष्ठ-) । व्यु. ? । <√कुज् (कौटिल्ये) वा √उब्ज् (न्यग्भावे) वेति या ⌊७, १२⌋ स्क., कु (अव्य.)+ √उब्ज् इति PW. WAG ⌊१, ३९⌋, <√कुभ् (कौटिल्ये ⌊तु. पाधा. √कुच् ,Eng. *curve*⌋) >⌊भाप.⌋ *कुभ्–+[√*जा (= √*या<धा,>] कर्तरि *ज– > उस. कुब्-ज– इति विमृश्यम् (तु. नभा. कुबड़ा, कुब्बा) ।

[n]) नाप. (गर्त-, प्रवण-)। व्यु ? । √*कुभ् (=√स्कुम्भ् ⌊आप्रवणे⌋) > ⌊भाप.⌋ *कुभ्– +(√*जा ⌊=√धा⌋) >*जि– > ⌊ उस. ⌋ कुब्-जि– इति विमृश्यम् (तु. Eng. *scoop* ⌊खनने⌋, पंजा. √खुभ् ⌊प्रंसने⌋) । कुब्जि– इति पाभे. ⌊तु. मूको.⌋ ।

[o]) विप. (मरुत्-) । अर्थः व्यु. च ? । √*कुभ् (उन्दने) >*कुभन्– (जल-) > नाधा. √*कुभन्य>यनि. इतीव सा. (तु. Gri.), *कुभन्– (=कुम्भ-?)>यनि. (तु. उदन्यु–) इतीव LW., कु (अव्य.)+√*भन् (शब्दे) > (भाप. उस.) *कु-भन्– >√ *कुभन्य > यनि. इतीव MM. (तु. NW.) ।

[p]) व्यप. (नदी-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः । कु ⌊अव्य.⌋+(√भा) > ⌊भाप.⌋ भा–>बस. इतीव सा.?।

[q]) प्राति. अर्थः व्यु. च ? । पाभे. कुते *k* टि. द्र. ।

[r]) पाठः ?। कु° इति शंपा. । RW. कुशिम् इति शोधुकः ।

¶कुभ्र[a]- -भ्रः मै २,५,३.

कु-मनस्- किम्- द्र.

कुमार[b]- -०रः ऋ १०,१३५,३:४: -रः ऋ २,३३,१२: ४,१५,L७ (८) ९]: ५,७८,९: १०,७९,३; खि ५,७,३,२: मै ३,७,५: ४,१३,८†; काठ १९,११¶: १२: क ३१,१¶: शौ ३,१२,३; ७:४,३७,११: १०,८,२७: पै १,१००,३: २,२६,३: ३,२०,३: ६; ५,१२,६: ७,६,७: १३,४,१६: १६,१०३,४: १९,४२,८: -रम् ऋ ४,१५,१०; ५,२,१:२: १०,१३५,५: मा २,३३; का २,७,६: शौ १,११,५: पै ५,१२,७: ३७,८: †१८,२५,७: ८: -रस्य शौ ५,२३,२: पै ७,२,२: -राः ऋ ६,७५,१७: मा १७,४८†: का १८,४,१३†: तै २,३,९,१: ४,६,४,५†: काठ १२,२¶; कौ २,१२१९†; शौ १२,४,८; पै ९,१५,८; १७,१६,८: १९,१०,१४; -रात् ऋ ४,१५,L(७)८ (९)]; -रान् पै ५,२१,५; ६,१४,७[c];१७,१५,३; -राय मै २,९,१; -¶रे मै १,१०,१०: काठ ३६,५: -रेण मा २८,१३; का ३०,२,२; -रेषु पै २,२६,३.

कुमारी- -०रि खि ५,१६,१[२]-६[२]: शौ २०,१३३,१[२]-६[२]; -री खिसा २९,४४[d]: मै २,१३,१६[e]; शौ १०,८,२७;२०,१३६,१६: पै १६,१०३,४; -रीः पै ५,२१,५: १७,१५,१; -रीम् शौ २,३६,१[f]; -र्यैम् शौ १४,१,६३: पै १८,६,११; -र्याः मै ४,२,१३¶; -मार्याम् पै २,२१,१[f].

कुमारिका- -का शौ १०,४,१४; २०,१३६,१४: पै १६,१६,४.

कुमारी-दा[g]- -दाः काठ ३९,९[d].

कुमारी-पुत्र- -त्रम् मा ३०,६; का ३४,१,६.

†कुमार-कृ[h]- -कः ऋ ८,३०,L१; ६९,१५]; शौ २०,९२,१२.

कुमार-देष्ण[i]- -ष्णाः ऋ १०,३४,७.

कुमार-वत्- -वान् पै २०,४५,३.

¶?कुमारवत्याश्वदक्षिणाः[j] मै ४,२,६.

कुमार-शत्रु- -त्रवः पै २०,५८,६; -त्रवे पै २०,५८,५.

कुमारिन्- -रिणा ऋ ८,३१,८.

*कुमुद[k]- -दम् शौ ४,३४,५: पै ६,२२,८.

कुमुद्-वत्[l]- -वते मै ४,९,८.

कुम्ब[m]- -म्बम् शौ ६,१३८,३; पै १,६८,४.

कुम्भ[n]- -म्भः मा १९,८७; का २१,६,८; मै ३,११,९; काठ ३८,

a) नाप. (Lककुद्मत्-] ग्रपभ-)। <√कुभ् इति (तु. सप्र. तै २,१,५,१ २उन्नत- इति यनि. एतार्थे, BW. WAG L१,१०९])।

b) नाप. (संतति-)। व्यप. (ऋषि-विशेष-Lऋ १०,१३५,३;४])। व्यु.?। <√कम् (कान्तौ) इति (पाउ. ३,१३८), <कु + (√मृ Lमरणे>]) मार- उग. इतीव पक्षे अभा. प्रभृ.।

c) °वां इति पाठे? यनि. शोधः।

d) कु° इति स्वरे? यनि. शोधः।

e) मपा. कुमारी (माश्रौ ६,२,३,४ च)<>कुमारीदाः (आपश्रौ १७,५,१६ च) इति पाभे.।

f) सपा. °रीम्<>°र्याम् इति पाभे.।

g) विप. (इष्टका-)। उस.।

h) कः प्र. (पा ५,३,७६) तत्स्वरश्च।

i) विप. (अक्ष-)। अर्थः व्यु. च?। उपमाने बस. (तु. वें. GRV. MR प्रभृ.; वंतु. सा. उस. इतीव?)। पूप. =हर्म्य- इति वें., =प्रजा- इति मा., क्षणभंगुरवस्तु- इति PW. GW.; उप. भाप. <√दा (दाने) इति (तु. स्कम्भ-देष्ण-; वंतु. सा. कर्तरि प्र. इति)। कुमार- (=वैभववृद्धि-) इति पूप. कृत्वा उप. भाप. <√दी Lक्षये] इति विमृश्यम्।

j) पाठे? कुमारवती->-तीः (द्वि३ L=गर्भिणीः सतीः]) आश्व (शु-अ) दक्षि(ण>)णा->-णाः (द्वि३ L=आशु-दोहन-रहिताः]) इति शोधः।

k) नाप. (कुसुम-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

l) तु. ककुद्-, ककुद- प्रभृ.। पाप्र. (४,२,८७) मतुपि प्र. अभस्यापि टेर्लोपः (तु. पाका ६,४,१४३)।

m) नाप. (स्त्रीशिरश्छादन-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√कुम्ब् (आच्छादने) इति विमृश्यम्।

n) नाप. (घट-, घटाकृत्यङ्गविशेष-)। व्यु.?। <√*कुम्भ् (धारणे) इति पाउना ४,३६, <√कै (शब्दे) इति पाउभो २,२,२३८, <कु-(=भूमि-)+√उम्भ् (पूरणे) इति अभा., <√*कुम्भ् (आप्रवणे L=स्नाताभ्यन्तरत्वे]) इति विमृश्यम् (तु. पंजा. कुप्पा, Eng. *cup*)।

३; शौ ३,१२,७[a]; १९,५३,३; पै १२, २, ३; –म्भम् ऋ १०, ८९,७; ¶मै २,१,८[२]; ३,३,५; शौ ३, १२, ८; ११, १, १४; पै २,१४,४[b]; ४, ४०, ३; १६, ९०,४; १७,३५, ७; –¶म्भाः तै ५,६, २, ३; मै ३, ४, १०; –म्भात् मै ४, ५, १¶; –म्भान् ऋ १, ११६,[७; ११७,६(७)]; शौ ४,३४,७; १८, ३, ६८; ४, २५; –म्भे ऋ ७, ३३, १३; शौ १,६,४[c]; पै ५, १०, २; –म्भेन शौ १०, ८, १४; पै १६, १०१, १०; –म्भेभिः शौ १९, २, २९; पै ८,८,८; –म्भेषु पै १९,३०,९.

कुम्भी– -म्भी मा १९, १६; ८७; का २१,२,५; ६,८, मै ३, ११, ९; काठ ३८, ३; शौ ११, ३, ११; १४; १२, ३, २३[d]; पै ५, १३, ४; १६, ५४, १; ८; ११२, ४; १२०, ७; –म्भीः तै ५, ६,२,३¶; पै १७, ३८, २[d]; –म्भीभ्याम् मा १९, २७; का २१,२,१६; –म्भीम् शौ ९, ५, ५; १२, २,५१; पै १४, ३, ९; १७, ३५, १; २०, ३७, १०[२]; –म्भ्यः मै ३, ४, १०¶; शौ ९, ६, १७; –म्भ्या तै ३, २,८, ४; ५; पै १२,३,१३.

कुम्भी-नस[e]– -सः तै ५, ५, १४,१[f].

कौम्भीनस–[e] -सः काठ ४७,४[f].

कुम्भी-पाक– -कम् निगा २९, ३०.

कुम्भ-मुष्क[g]– -ष्काः शौ ८,६,१५; पै १६,८०,२; –ष्कान् शौ ११, ११,१७; पै १७,१२,८.

कुम्भि(न>)नी– -नीः ऋ १, १९१,१४[h]; काठ ३४, ५¶; पै ४,१७,६†.

कुम्भे (म्भ-ऽ) ष्टका[i]– -काः मै ३, ४,१०[३]¶.

कुम्भ्य– -म्भ्यानाम् तै ६,४,२,२¶.

कुम्भी(क>)का[j]– -काः शौ १६,६,८.

१कु-यव– किम्– द्र.

†२कुयव[k]– -वम् ऋ १, १०३, ८; २, १९,६; ४, १६,१२; ६, ३१,३; ७, १९, २; शौ २०, ३७, २; –वस्य ऋ १, १०४,३.

?कुय-वाच्[l]– -वाचम् ऋ १,१७४,७.

कुरीर[m]– -रम् ऋ १०, ८५, ८[n]; शौ ६,१३८,३; १४, १, ८†; पै १, ६८, ४; ५, ३४, ३; १८, १, ८†; –रेण पै १, ६४,४[o].

कुरीरिन्– -रिणम् शौ ६, १३८, २; पै १, ६८,३; –रिणि शौ ५,३१, २[p].

कुरु[q]– -रवः[r] मै ४, २, ६¶; –०रवः[r] का ११, ३,३; ६, ३; –रूणाम्[r] मै ४, २,६¶.

कौरव[s]– -वे खि ५, ८, १[t]; शौ २० १२७,१[u].

[a]) =सपा. आगृ २,८,१६। पागृ ३,४,४ मागृ २,११, १२ हिगृ १, २७, ४ मांगृ ३, २,९, तु कुम्भ्याः इति, आपमं २,१५,४ कुम्भाः इति च पाभे. ।

[b]) सपा. कुम्भम्<>कुयम्भम्<> कुम्भः मंत्रा २, ७,३ इति पाभे. ।

[c]) सपा. कुम्भे<>कुम्भेभिः इति पाभे. ।

[d]) सपा. कुम्भी<>कुम्भीः इति पाभे. ।

[e]) नाप. (सर्प-भेद-)। बस. उप. =नस्– इति कृत्वा समासान्तोऽप् प्र. उसं. (पा ५,४,११८)।

[f]) पाभे. कुने पृ १०९७ *i* टि. द्र. ।

[g]) विप. (रक्षःप्रभृति-)। उपमाने बस. ।

[h]) विप. [कुल-जनि– (तु. सपा. पै. [४,१७,६] यत्र श्रूयमाणः कूपात् कुलजनीरिव इति पञ्चमः पादो मौलिक इव संभाव्यते)]।

[i]) नाप. (इष्टका-विशेष-)। मध्यमपदलोपी कस.।

[j]) नाप. (राक्षस-भेद-)। व्यु.?।

[k]) विप. (शुष्णासुर-), व्यप. (शुष्णासुर- वाऽसुरान्तर- वा?)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। कु (अव्य.) +(✓यु [मिश्रणे]>) भाप. *युव–>वस. इतीव सा. ।

[l]) विप. वा व्यप. वा?। पपा. नावग्रहः। कुय-वाच्– इति यग. नत्वा व्यप. इति वें. सा. PW. प्रभृ.। ऋ ५, २९, १०; ३२,८ मृध्र-वाच्– इति साहचर्यलिङ्गाद् विप. इति स्यात्। पूप. = कु [अव्य. तु. गोब्रा २,३,१२]।

[m]) नाप. (वप्रा.)। व्यु.? पपा. नावग्रहः।

[n]) =कुम्ब-। <✓ कुर [छादने] विमृश्यम् [तु. पंजा. चुन्नी (=चुनीर–: [तु. अप. ४])]।

[o]) -रीरित्य इति पाठः? यनि. शोधः (तु. पृ १०७४ *d* टि.)।

[p]) =(शकुनि-विशेष-)। ✓<*कुर् (शब्दे) इति?।

[q]) व्यप. (क्षत्रियकुल-विशेष-, तदीयजनपद-विशेष- च) व्यु.?। <✓कृ इति (पाउ १,२४)?।

[r]) बहु. <कौरव्य–।

[s]) नाप.। तत्रजातीयः अण् प्र. (पाग ४, २,१३३) तत्स्वरश्च।

[t]) -रु° इति स्वरश्लेषः।

[u]) कौरमे (तु. शंपा. RW. शांश्रौ १२,१४,१ च) इति पाठः? यनि. शोधः (तु. खि.)। °व (शं१) इति Gri.?।

कौरव्य[a]- -व्यः खि ५, १०,२; शौ २०, १२७,८.
¶कुरु-क्षेत्र[b]- -त्रे मै २,१, ४: ४, ५,९.
कुरु-पञ्चाल[c]- -लेषु काठ १०, ६.
कुरु-श्रवण[d]- -ण ऋ १०,३२,९: -वणम् ऋ १०,३३,४.
कुरुंग[e]- -गस्य ऋ ८, ४,१९.
कुरु-पिशङ्गि(ल>)ला[f]- -ला मा २३, ५५; ५६: का २५. १०, ३; ४.
?कुरूटि(न>)नी[g]- -नी शौ १०,१, १५: पै १६, ३६,५.
?कुरूटुनी[h]- -नीः पै १७,१५,१.

कुरूरु[i]- -रवः शौ ९,२, २२: पै १६, ७८,६; -रुम् शौ २,३१,२[j].
कुर्कुर[k]- -रौ शौ ७,१००,२.
कुर्मल[l]- -लात् पै ११,२,४.
कुर्वत्-,कुर्वाण- √कृ (बधा.) द्र.
१कुल[m]- -लम् पै ७, १९,३; -ले खि २, ६, ११[n]; १२[n]; खिसा २९, ४४.
¶कुल-गोप[o]- -पः तै ६,२, ५,५.
कुल-ज(नि>)नी- -नी[p]: पै ४, १७,६.
†१कुल-पा[q]- -पाः ऋ १०. १७९, २; शौ ७,७५,२.
२कुल-पा[r]- -पाः शौ १,१४,३[s].

कुली(न>)ना- -ना पै १७, १५, १.
२कुल[t]- -लम् पै ९,११,७.
कुलङ्ग[u]- -ङ्गः मै ३, १४, १३[v]; -ङ्गान् मै ३, १४,९[w].
?कुलशलांभिषम् पै ६,२२,१६.
?कुलापयानि[x] पै १९,२,१३.
कुलाय[y]- -¶यः काठ २२, ९[2]; क ३५,३[2]; -यम् खि ५,१५,१६; ¶तै ५, ६,४,३;५; मै १,२,८; ३, ४, ७[2]¶; ¶४, २, १०[z]; ३, ४; काठ २,९:२२,९¶;२३,२¶, २५,६[2]; क २, ३; ¶३५, ३;८; ३९,४[2]; शौ ९,३,२०; १४, १,

---

[a]) ण्यञ् प्र. उसं. (पा ४,१,१७२) ञित्स्वरश्च ।
[b]) नाप. (स्थान-विशेष- । पस. ।
[c]) नाप. (जनपद-विशेष-) । द्वस. ।
[d]) व्यप. (नृप-विशेष-) । उस. । उप. कर्तरि कृत ।
[e]) व्यप. (नृप-विशेष- [या ६, २२]) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः ।
[f]) विप. (स्वा-विधृ- स्त्री.)? । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । कस. पूप. =गुरु- इति विमृश्यम् (तु. Gri. ; वैतु. उ. म. पूप. <√कृ इति ।
[g]) विप. (वाहिनी-) । अर्थः व्यु. च ? । पाठः ? । *किरीट- > *किरीटि(न >)नी- इति PW. प्रमृ. शोधः, *कुरूट- = *कुरु(,र)ल- (=भ्रमरालक-) > यनि. (= भ्रमरालकवती- [=घोटिका- तु. हेमचन्द्रकृत-शेषनाममाला]) इति CA. ? । *घोट-कूटिनी- इत्यस्य वा घोटऽऽवर्तिनी- इत्यस्य वा नैप्र. वात्रि. इति तु विमृश्यम् (तु. पूर्वे मन्त्रे गर्द ी-? इति) । यद्वा कृत्या- इत्यस्यैव विप. इति कृत्वा *कूट-कूटिनी->नैप्र. वात्रि. द्र. ? ।
[h]) विप. (घेनुरूप-पिशाची-?)। अर्थः व्यु. च ?। *कूटो-) (ट-ऊ) धन्- (बस.)>स्त्री. °श्नी- >कूडुधुनी- > यनि. (वात्रि.) इति विमृश्यम् ।
[i]) नाप. (क्रिमि-विशेष-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√कॄ (*हिंसायाम्) इति विमृश्यम् ।
[j]) तु. शंपा. RW. प्रमृ.; वैतु. सा. कुरीरम् इति, केचित मूको. कुरूरम् इति ।

[k]) नाप. (कुक्कुर-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । *कुर् (=शब्दानुकृति) + √*कुर् (=√कृ)>(कर्तरि) *कुर- >उस. इति विमृश्यम् । [l]) कुल्मल- इत्यत्रत्यं टि. द्र. ।
[m]) नाप. (वंश-) । व्यु. ? । <√कुष् इति या [६,२२], <√कृ इति WAG (१, १४३c [तु. कुट- प्रमृ.]) ।
[n]) °ले इति स्वरे ? यनि. शोधः ।
[o]) विप. (अग्नि) । उस. । उप. <√गुप् इति ।
[p]) नाप. (कुल-स्त्री-) । वा. प्र३ । सपा. ऋ १,११९, १४ एतत्-पदवतः पञ्चमस्य पादस्य त्रुटेः पाठः ? इति कृत्वा तत्पूर्तिपरः शोधो विमृश्यः (तु. पृ ११२७ h टि.) ।
[q]) नाप. पुं. (कुल-मुख्य-) । उस. ।
[r]) नाप. स्त्री. (कन्या-भेद-) । वा. प्र१: वैतु. सा. °पा- < °प- इति ।
[s]) पाभे. कृते पृ १११० k टि. द्र. ।
[t]) नाप. (वल्कल- ?) । व्यु. ? । <√कुल् (*संवरणे) इति विमृश्यम् । [u]) नाप. (कुरङ्ग-) । व्यु. ? ।
[v]) सपा. कुलङ्गः<>कुलुङ्गः इति पाभे. ।
[w]) सपा. कुलङ्गान <>कुलुङ्गान् (तु. मै. पपा.) इति पाभे. ।
[x]) पाठे ? कुला (=कुलानि) भयानि इति द्वि-पदः शोधः ।
[y]) नाप. (नीड-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√कुल् इति (पाउभो २,३,८) ।
[z]) =सपा. आपश्रौ ७,१७,१ । तैब्रा ३,७,४,४; ५ आपश्रौ ४,१,१० तु गृहपतिम् इति पाभे. ।

५७; २०,१२७,८[a]; १३२, ५[b]; पै २,२३,४; ३,१५,४; ६,७,५; १६,४०,१०; ५२, ४; १८, ६, ५;२०,२२,४;५७,५; –ये मै ४, २,१०¶; शौ ९,३,२०: पै १६, ४०,१०.

√*कुलायि[c]

कुलायुयत्– -यत् ऋ ७, ५०, १.

कुलायिन्– -यिनम् ऋ ६, १५, १६; तै १, ६, ४, ४; ७, ४, ६; ३,५,११,२†; मै १, ४, ३: ४, १०,४†; काठ ५,४; १५,१२†: क १,१२; –यी तै ४, २,९,६.

कुलायिनी– -नी मा १४, २; का १५, १,२; तै ४, ३, ४, १; मै २, ८, १; काठ १७, १ : क २५, १०; –नीः मै २, ७, १५; ८, १४; ¶३, ३, ४[२]; ४, ७: काठ ३९, ३ : –नीम् पै २०, १९,८.

कुलाल[d]– -लेभ्यः मा १६, २७; का १७,४,१: तै ४, ५,४,२; मै २, ९, ५: काठ १७, १३: क २७,३.

कौलाल[e]– -लम् मा ३०, ७; का ३४,१,७.

¶कुलाल-कृत– -तम् मै १, ८, ३.

कुलिश[f]– -शः ऋ ३, २, १; –शेन, >ना ऋ १,३२, ५; मै ४,१२, ३†; शौ २, १२, ३; पै २, ५, २; १३, ६,५†.

कुलिशी[g]– -शी ऋ १,१०४,४[h].

कुलीकय[i]– -यः[j] तै ५, ५,१३,१.

कुली(क>)का[k]– -काः[l] मा २४,२४; का २६,५,४.

कौलीक[m]– -कान् मा २४,२४; का २६,५,४; मै ३,१४,५.

कुलीन– १कुल– द्र.

कुलीपय[i]– -यः[j] मा २४, ३५; का २६,७,५; –यान् मा २४,२१[n]; का २६,५,१[n].

कुलुङ्ग[o]– -ङ्गः[p] मा २४, ३२; का २६, ७, २; तै ५, ५, ११, १; काठ ४७, १; –ङ्गान्[q] मा २४, २७; का २६,६,२.

कुलुञ्च[r]– -ञ्चानाम् मा १६, २२; का १७,३, १; तै ४, ५, ३, १; मै २, ९, ३; काठ १७, १२: क २७,२.

कुल्फ[s]– -ल्फौ ऋ ७, ५०,२.

कुल्फ-दघ्न– -घ्नम् मै १, ६, ६¶: –घ्ने मै १,२,१०.

कुल्मल[t]– -लम् मै ३, ८, १; २[u]; शौ २,३०,३;५,१८,८; पै २, १७, ५; ९, १८, ३; –लात् शौ ४, ६,५; पै ५,८,४.

---

[a]) सपा. खि ५,१०,२ अराय्युम् इति पाभे.। कुलायन् इति शंपा. सात. पाठः?। [b]) कु° इति शंपा. सात.?।

[c]) णिजन्तः नाधा.।

[d]) नाप. (कुम्भ-कार-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। कपाल–+वृत्त– ⌊=वृत्ति-⌋>बस. *कपाल-वृत्त–>नैप्र. यनि. इति मतम् (वैतु. पाउ १,११८<√कुल् इति)?।

[e]) स्वार्थिकः अण् प्र. (पावा ५,४,३६; वैतु. म. अपत्याऽर्थे प्र. इति)।

[f]) नाप. (कुठार-, वज्र- ⌊निघ २,२०⌋)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। कूल–+√शद् इति या ⌊६, १७⌋, <√कुल् इति ⌊पाउभो २,३,१४६⌋, कुलिन्–+√शो इति अभा., कु+√लि–(=रि)श इति PW. GW. प्रभृ.।<√कॄ ⌊हिंसायाम्⌋ इति तु विमृश्यम्।

[g]) विप. (⌊प्रकरण- सामर्थ्यात्⌋ नदी-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। ३कुल्या– इत्येतत्- सव्युत्पत्तिकमिति GW.।

[h]) नदीनामिह विशेष्यमाणानां तुरीये पादे बहुषु श्रूयमाणत्वात् तृतीयपादगतानि त्रीण्यपि विप. प्रत्येकं बहुषु श्रूयेरन्निति कृत्वा पाठः? सन् शोध्यार्हः।

[i]) नाप. (बहु-पाद्-मत्स्य-विशेष- ⌊तु. भा.⌋)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

[j]) सपा. कुलीकयः<>कुलीपयः<>पुलीकयः<>पुलीरयः इति पाभे.।

[k]) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

[l]) सपा. कुलीकाः<>पुल्नीकाः इति पाभे.।

[m]) स्वार्थे अण् प्र. उसं. (तु. कौलाल-)।

[n]) सपा. कुलीपयान्<>पुलीकयान् इति पाभे.।

[o]) कुलङ्ग– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

[p]) पाभे. कृते पृ ११२८ v टि. द्र.।

[q]) पाभे. कृते पृ ११२८ w टि. द्र.।

[r]) नाप. (चौर- ⌊तु. K.⌋?)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। कु (अव्य. वा नाप. वा?)+(√लुञ्च्>) लुञ्च–> उस. इतीव उ. म. PW. प्रभृ.?। √*ग्लुञ्च् (स्तेयकरणे) >*ग्लुञ्च–> ⌊नैप्र.⌋ यनि. इति तु विमृश्यम्।

[s]) नाप. (गुल्फ-)। व्यु. ?। <√कल् इति (पाउ ५, २६)। <√*कुल्फ् (⌊=√गुम्फ्⌋ ग्रन्थे) इति विमृश्यम्।

[t]) नाप. [शल्ययोगकर-शरभाग- (तु. W ⌊शौ २, ३०,३⌋ MW.; वैतु. सा. =कु-मल-इति कृत्वा शरीरावयव-विशेष-)]। व्यु. ?। <√कुष् इति (पाउ ४, १८८)।

कुलिम्[a]- -लिमम् तै २,४,५,२.

१कुल्य[b]- -ल्याय मा १६, ३७[c]; का १७, ६, १; काठ १७, १५: क २७,५.

२कु(ल्य>)ल्या[d]- -ल्याः ऋ ३,४५, ३:५, ८३, ८; १०,४३,७: मा ६, १०; ३५, २०; का ६, ३,१: ३५, ४, १९; कौ २, १०७०†: शौ २०, १७, ७†; -ल्याम् तै १, ३,८,२: ६,३,८,४; मै १, २, १६; ३,१०,१; काठ ९,४: -ल्यायाः शौ ५,१९,३.

३कु(ल्य>)ल्या[e]- -ल्या शौ ११, ३, १३[f]; १८,३,७२:४,५७.

४कु(ल्य>)ल्या[f]- -ल्या पै ८, १९, ५: १६, ५३, १०; -ल्याः काठ ४०,१३: पै १, २९,३ ; ६,२२, ६: ७; १९, १८, ६; -ल्याभ्यः काठ ४४,२[g]; -ल्याम् काठ ३, ६; क २, १३; ८, ७; -ल्यायाः पै ९,१८,९.

कुवय[h]- -यः मै ३,१४,२०[i].

कुवयि- -यिः काठ ४७,७[i].

कुवल[j]- -लम् मा १९, २२; का २१, २,११: मै ३, ४, १०; काठ १२,१०¶; -लैः[k] मा १९,८९; २१, २९; का २१,६,१०; २३, ४, १: मै ३, ११, २; ९: काठ ३८,३.

¶कुवल-सक्तु- -क्तुभिः मै २, ३, ९: काठ १२,१०.

†कुविद्[l] ऋ १, ३३,१: १४३,६[3]; २, ५,५:१६,७;३५,१:२;३,४२,२; ८;४३,५[4]; ४,५१,४:५, ३,१०; ३६, ३; ६, २३,९; ४२, ४; ७, १५, ४; ५८,५; ९१,१; ८,२६, १०; ७५, ११; ८०,३; ९१,४[6]; ९६, १०-१२; १०३, ९; ९, १९, ५; १०, ६४, १२; १३: ११९, [१-१३]; १३१, २: मा १०, ३२; १९, ६; २३, ३८$; का ११, १०, ३; २१, १, ५; २५,७,६$; तै १, ८,२१,१; २, ६, ११, ३; ३, १, ३, २; ५,२, ११, २; मै १, ११,४: २,३,८; ३,११, ७; १२, २१; ४, ८, ९; ११, ६; १२, ४; १४, २ ; काठ ७, १७; १२, ९; १५[2]: १४, ३; ३७, १८; ४०, १४: ५०,५; कौ २, ३२९: ७९३ ; ९९९: जै ३, २०, १३; शौ २, ३, २$: २०, २४, २: ४ : १२५, २ : पै ४, २६,३[5].

†कुवित्-स[m]- -सस्य ऋ ६,४५,२४; कौ २,१०१८; जै ४, ९, ९; शौ २०,७८,३.

?कुवीर- -रम् खि ४, ५,८०[n].

कुशर[o]-

?कुशश(र-आ)स[p]- -रासः ऋ १, १९१,३.

---

a) नाप. (मेघ-)। व्यु.?। √कुल्+मि(क्) प्र. उसं. (पाउ ४,४५) इति विमृश्यम्।

b) विप. (रुद्र-)। व्यु.?। <२कुल्या- इति उ. म., [पक्षे] म. <कुल- (=देह-) इति।

c) सपा. कुल्याय<>सूद्याय इति पाभे.।

d) नाप. स्त्री. (अल्पासरित्- [तु. निघ १, १३])। व्यु.?। <कुल- (=कूल-)+(तत्रभवीयः) यः प्र. (तु. भा. [तै ७, ४,१३,१]; वैतु. <१कुल- इति अभा., <√कुल् इति [पाउभो २, ३,४])।

e) =२कुल्या-। स्वरितत्व-प्रयोजकः यत् प्र. इति ततो विशेषः (वैतु. WI [अग्निमे स्थलद्वये], PW. RW. च सर्वत्र -ल्या इति। f) स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः।

g) सपा. कुल्याभ्यः<>कूल्याभ्यः इति पाभे.।

h) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु.?।

i) सपा. कुवयः<>कुवयिः<>कवयिः इति पाभे.।

j) नाप. (बदर-भेद-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। कु (अव्य.)+बदर->[तस.] कु-बदर-> [नैप्र.] यनि. इति विमृश्यम् (तु. वैप २ कल- इति, वैप ३ कोल- इति च)।

k) सपा. तैब्रा २,६,४,४;११,१ कर्लैः इति पाभे.।

l) अव्य.। अर्थः व्यु. च?। पपा. नावग्रहः। निघ [३, १] =बहु-पर्याय इति। कु (क्षेपे)+इद् इति PW.।

m) व्यप. (वल्लासुर-?)। व्यु.?। पपा. यनि.। बस.। उप. √मन्>भाप. (तु. द.; वैतु. सा. √सो [अन्त-कर्मणि]>[कर्तरि] *स- इति कृत्वा उस. इति, PW. MGS [१८९ b] प्रभृ. तद्->स- इति कृत्वा तस. इतीव च?)। n) सपा. खिसा २९, ४२ कुबेर->-०र [मं१] इति पाभे.।

o) नाप. (कुन्दर-तृण-?)। व्यु.?। कु (अव्य.)+शर->तस. इतीव मा. प्रभृ.?।

p) विप. ([प्रकरणसामर्थ्यात्] विषधर-)। बस.। उप. भाप. >√आस् इति (वैतु. सा. प्रभृ.? कु-शर- इत्यस्यैव प्राति. प्र३ इति)। छन्दस्तः यनि. सावग्रहं सत् पञ्चाक्षरं पदं श्रुत्यपेक्षितं द्र. [वैतु. ORN. (Henry [MSL ९, २३८]) *कुश-शरासः इत्याकारकं स्वरतोऽर्थतश्चानुपपन्नं मन्तं शोधमनुमोदुक इव?]।

*कुशिक[a]- -कः खि ४,२,१४[b]; -कस्य ऋ ३, ३३, ५; -०काः[c] ऋ ३, ५३, १०; ११; -कासः[c] ऋ ३, २६, १; २९, १५; ३०, [२०; ५०, ४];४२, ९; शौ २०, २४, ९†; -केभिः[c] ऋ ३, २६, ३; ५३,९.

१कौशिक[d]- -कः पै ८,१५,१; -कस्य खि ३,१७[z],५.

?कुशिकाभ्यवर[e]- -राणाम् खि ३, १५,३०.

कु(श>)शी[f]- -शीभिः मै ४,५,७.

*कुशूल[g]-

कुशूलि(ल्य>)ल्या[h]- -लिय-(ल्या)म् पै १७,१४,३.

कुश्रि[i]-

¶कौश्रेय[j]- -यः मै ३,२,७: काठ २०,८; २१,९; क ३१,१०.

?कुषवाजगार[k] ऋ ४,१८,८.

कुषीतक[l]- -कः तै ५,५,१३,१: काठ ४७,३.

कुषुम्भ[m]- -म्भम् शौ २,३२,६[n].

†कुषुम्भ-कु[o]- -कः ऋ १, १९१, १५:१६[p]; पै ४,१७,५.

?कुष्टनामांसि[q] पै १७,१४,५.

कु(ष्ट>)ष्टा[r]- -ष्टया तै ३,७,७[s].

१कुष्ठ[t]- -०ष्ठ शौ ५, ४, १: -०ष्ठ शौ ५,४, ६;९; १९, ३९,२;९[u]; पै १, ३१,१;३; ९३,१;२; ७, १०, २;५[v]; ६-८; १९, ८,१४; १५; -ष्ठः शौ ५, ४, १०; १९, ३९, १;५[v];६[२v,w]-८[२v,w]; पै १,३१, ४; ९३, ४; ७, १०, १; ६-८; १९, ११, १[w]; -ष्ठम् शौ ५, ४, ३[w];४[w];५;६,९५,१[w];२[w]; पै १, ९३,३; १९, ८,१३; -ष्ठस्य शौ ५,४,८; ६,१०२,३; पै १, ३१, २; २,७७,२; १९,१४,३; -ष्ठाः शौ १९,५७,२[x]; पै ३,३०,२.

२कुष्ठ[y]- -ष्ठाभ्याम् मा २५, ६: का २७, ६,१; तै ५,७,१५,१[z]: मै ३,१५,३;६[a1].

कु(ष्ठ-क>)ष्ठिका- -काः शौ ९, ४, १३: १२, १०; १०, ९,२३; पै ३, २५, १२; १६, २५, ६; १३८, ३; १३९, ११; -काभिः तै ५, ७, १३, १: काठ ५३,३.

३कुष्ठ[b1]- -ष्ठः पै ९, २५, ३: -ष्ठम् पै

a) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।

b) कु° इति स्वरे? यनि. शोधः।

c) बहु. <१कौशिक-।

d) व्यप.। अपत्यार्थे अण् प्र.।

e) पाठे? कुशिक-प्रवर- इति शोधः?।

f) नाप. (कोश-[=आवरण-])। व्यु.?। (कोश-> *कोशक->स्त्री.) *कोशिका->[नैप्र.] *कोशी-> यनि. इति मतम्।

g) =कुसूल- यद्र.।

h) नाप. स्त्री. (राक्षसी-भेद-)। ततो जातीयम् तद्धितः (तु. सस्थ. खलाजातास् त्रिषूक्यः इति पाठः)।

i) व्यप. (सोम-दक्ष- [ऋषि-विशेष-])। व्यु. ?।

j) अपत्यार्थे ढक्>एयः प्र. (पा ४, १, १२२) कित्स्वरश्च।

k) पाठे? (कुक्षि->सप्त१) कुक्षाव् आ-जगार इति शोधः (वैतु. पपा. कुषवा जगार इति ?)। युवतिः (=इन्द्र-माता [अदितिः]) उभयोः परासनाऽऽगरणक्रिययोः कर्त्री द्र. [तु. वें. कुष° =विप. इति; वैतु. अन्ये राक्षसी-विशेषं वा [तु. सा.] नदी-विशेषं वा [तु. PW. GRV. प्रभृ.] गरण-क्रियायाः कर्त्रीमभिमानुकाः?)।

l) नाप. (समुद्रकाक- [भा. सा.])। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।

m) नाप. (कुम्भाकारक-प्राण्यङ्ग-विशेष-?)। व्यु.?।

n) पाभे. कुनै पृ ११२७ b टि. द्र.।

o) शेषे कः प्र. [पा ५,३,७४: वैतु. सा. =नकुल- इति कृत्वा <कु- (पृथिवी-)+(√*सुम्भ् [विलेखने]>) *सुम्भक- इति वा <कु (अव्य.)+*सुम्भक- इतीव वा ?]।

p) पाभे. कुनै पृ १०९६ h टि. द्र.।

q) पाठे? *कु-ष्ट (न>) ना- (विप.)> -नाः (प्र३) *मां(स>)स- > मांसि (द्वि३) इति द्वि-पदः शोधः।

r) नाप. (अवयव-, द्वादशांश-)। व्यु. ?।

s) सपा. आपश्रौ १०, २५, ६ कुष्ठया (PW. प्रभृ. मै. स्थलेऽपि) इति पाभे.।

t) नाप. (ओषधि-विशेष-)। व्यु. ?। √कुष् [*भेषज्ये] इति (पाउ २, २)।

u) गंप (तु. पपा. सा.: वैतु. W. RW. WI. कुष्ठ-काम्यः इत्येकं पदमिति ?)।

v) सपा. कुष्ठ<>कुष्ठः इति पाभे.।

w) सपा. कुष्ठः<>कुष्ठम् इति पाभे.।

x) वैतु. सा. =त्वग्रोग- इति।

y) नाप. (अङ्ग-विशेष-)। व्यु. ?। <√कुष् इति उ. म.।

z) सपा. कुष्ठाभ्याम् <> गृष्ठाभ्याम् इति पाभे.।

a1) कुष्ठा° इति स्वरे? यनि. शोधः। सपा. कुष्ठाभ्याम् <> स्थूराभ्याम् इति पाभे.।

b1) व्यु. अर्थश्च ?।

९,२५,४;१७.

?कुष्ठी[a] पै ६,८,९.

?¶कुसय-सर्पिस्[b]– -र्पिषा काठ २१,६; क ३१,२१.

कुसित[c]–

¶कुसितायी[d]– -यी[e] मै २,१,११[२]; -य्याः मै ३,२,६.

कौसित[f]– -तः मै २,१,११¶[g].

कुसिद[c]–

कुसिदायी– -यी काठ १०,५[२]¶[e].

कौसिद[f]– -दम् काठ १०,५¶[g].

कुसिन्ध[h]– -न्धम् शौ १०, २, ३; पै १६, ५९, ३; -न्धे शौ १०, २, ५: पै १६,५९,५.

कुसीद[i]– -दम् तै ३,३,८,१[j]; ३; ४[j]; ७,३,११,१; मै ४, १४, १७[j]; काठ ४३,१.

कुसुम[k]– -माय पै ७,११,८.

¶कुसुरुबिन्द[l]– -न्दः तै ७,२,२,१.

कुसूल[m]– -लाः शौ ८,६,१०: पै १६, ७९,१०.

?कुस्त[n]– -स्ते शौ २०, १२९, १४[o];

¶कुस्ता[p]– -स्ता,-स्तायाः मै ४,२,३.

कुस्त्या[q]– -स्याभिः पै १९, ३३,१३.

कुह किम्- द्र.

कुहू[r]– -हाभ्याम् तै ५,७,१३,१[s].

कुह-चिद्, कुहचिद्-विद्– किम्- द्र.

?कुहम् पै १७,१३,४.

कुहया, कुहया-कृति– किम्- द्र.

कुहू[t]– -हूः खिसा ३,२; तै ३,३,११, ५;४,९,६[२]¶; मै ४,३,५[२]¶;१२, ६;१३,१०; काठ १२,८[२]¶;१३, १६; शौ ७, ४९, २; पै २०,५, ८; -हूम् खिसा ३, १; तै ३, ३,११,५; मै ४, १२, ६; १३,

---

a) पाठे ?(√कुष् ⌊ *हिंसायाम् ⌋ कर्तरि > *कुष्टि– (नाप. ⌊ ओषधि-विशेष- ⌋) > -ष्टिः(स्त्री. प्र१) > नैप्र. यनि. कुष्ठिः इति शोधः ।

b) पाठः ? । ?अकुसयसर्पिषा इति शुद्धः पद-विभागः द्र. । ?अकुसय– इति पूप. च नञ्पूर्वः तस. द्र. । तत्रापि ?कुसय– इत्य् अपाकजन्य-वाचकं सत् विप. इति च (√*कस ⌊ =√कथ् ⌋ पाके) > *कास्य– > यनि. वावि. इति च शोध-परं मतम् (वैतु. PW. कुम्भ-सर्पिषा इति शोध इति ?) ।

c) अर्थः व्यु. च ? । > √*कुस् ⌊हिंसायाम् ⌋ इति मतम् ।

d) व्यप. (काचिद्राक्षसी-) । कुसित*– + (√तन् > ताय् > भावेऽसुनि प्र.) तायस्– > ⌊ बस. ⌋ *कुसित-तायस्– > ⌊ नैप्र. ⌋ यनि. इति च संज्ञात्वेन स्त्री. न पुंयोगादिति च मतम् (वैतु. पा ४, १, ३७ कुसित– ⌊=पुंसि राक्षस-विशेष-⌋ > स्त्री. इति, Reuter ⌊KZ ३२, २९७⌋ कुसिति– > स्त्री. इति, WAG ⌊२,३४ b⌋ कुसित– ⌊<कु-सृत-⌋ > स्त्री. इति च ⌊ १,१०० b⌋ कुसीद–, कुसूल– इत्येताभ्यां वा व्यु. किञ्चित साम्यं स्यादिति च ?) ।

e) सपा. कुसितायी <> कुसिदायी इति पाभे. ।

f) विप. (ह्रद) । तस्येदमीयः अण् प्र. ।

g) सपा. कौसितः <> कौसिदम् इति पाभे. ।

h) नाप. । अर्थः व्यु. च ? । =कायमध्यभाग इति कृत्वा *कुक्षि– (=कुक्षि-) + बन्ध– > बस. *कुक्षि-बन्ध– > ⌊नैप्र.⌋ यनि. इति मतम् ।

i) नाप., भाप. च [वृद्धि-, (प्रकरणतः* अभिवृद्धि- इत्यपि ⌊ वैतु. भा. सा. =वृद्धिपर्याय इत्येव, PW. K. च वृद्ध्यर्थे नाप. च मन्दार्थे विप. चेतीव ?⌋)] । व्यु. ? । <कु(अव्य.)+√सद् इतीव तै. पाठात् संकेतो भवेत् (तु. PW. WAG ⌊१, २०३ b⌋) <√कुस् इति (पाउ ४,१०६) ।

j) =सपा. तैआ २,३,१ मंत्रा २, ३, २० आपश्रौ १३, २४,१५ माश्रौ २,५,५,१८ गोगृ ४,४,२६ । शौ ६,११७ १ गोब्रा २,४,८ वैताश्रौ २४,१५ कौसू ६७,१९; १३३, १ तु अपमित्यम् इति, तैब्रा ३,७,९,८ आपश्रौ १३, २२, ५ अपामित्यानि इति च पाभे. ।

k) व्यप. । व्यु. ? । <√कुस इति (पाउ ४,१०६) ।

l) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः ।

m) नाप. । कुसूलाकृति-पिशाच- इति सा. । क्रिमि-विशेष- इति मतम् । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√कुस् इति (पाउ ४,९०) ।

n) पाठः ? १कुल– > -ले इति RW. शोधः ? । अर्थः व्यु.च ? । =कुक्षि– इति कृत्वा < √*कुस (=√कुष् ⌊निष्कोषणे⌋) इति विमृश्यम् ।

o) सपा. कुस्ते <> भूम्ने इति पाभे. ।

p) व्यप. (राक्षसी-विशेष- ⌊ =कुसितायी–⌋) । व्यु. ? । <√*कुस ⌊ हिंसायाम् ⌋ इति मतम् ।

q) भाप. (हिंसा-?) । व्यु. ? । √*कुस (हिंसायाम्)> भावे *कुस्त– > *कुस्तक– > *कुस्तिका– > नैप्र. यनि. इति मतम् ।

r) नाप. (कूर्पर- ⌊हस्तयोर्मध्यसंधि- इति भा.⌋) । व्यु. ? ।

s) सपा. कुहाभ्याम् <> गुहाभ्याम् इति पाभे. ।

t) नाप. (⌊नष्ट-चन्द्रा-⌋ अमावस्या-) । व्यु.? । < √गुह्

१०; काठ १३,१६; शौ ७,४९,१; पै २०, ५,३; –¶ह्ना तै ३,४,९,१;२; –ह्नै तै १,८,८,१; ५, ६,१८,१; मै २, ६,४; काठ १५,३;४९,८.

कुह्ना[a] पै १९,२२,१२[b].

कु- किम्- द्र.

कुचक्र[c]– -क्रेण ऋ १०,१०२,११.

कु-चिद्, कुचिदर्थिन्– किम्- द्र.

√कूज्

कूजत्– -जते मा २२, ७; का २४, ३, ३; मै ३, १२, ३: –जन्तौ शौ ७,१००,२.

१कूट[d]– -टम् ऋ १०,१०२,४; मै २, २, ४; शौ ८.८, १६: पै १६,

२कूट,टा[e]– -टः मै ३,९,५¶; –टया शौ १२,४, ३; पै १७, १६, ३; –¶टा तै १,८,९,१; काठ १५, ४$: २४,१: क ३७,२.

३कूट[f]–

कूट-ग्राह– -हः पै १२,६,१०.

√कूड्[g]>°डि, कूलयातः ऋ ८,२६, १०.

कूत(न>)ना[h]– -नानाम्[i] काठ ३०,६.

कूदी[j]– -द्यम् शौ ५, १९,१२.

कूप[k]– -पाः पै १६, ७०, ७; –पात् पै ४, १७,६[1]; –पे ऋ १, १०५, शौ ५,३१,८.

कूप्य, प्या– -प्याः काठ २, १; क १,१३: –प्यानाम् मै ४,४,१¶; –¶प्याभिः काठ २२, १३[2]; क ३५,६[2]: –प्याभ्यः मा २२,२५; का २४,११,१; तै ७,४,१३,१; काठ ४४,२; –प्याय मा १६,३८; का १७,६,२; तै ४,५,७,२; मै २,९,६; काठ १७,१५; क २७,५.

¶कूबर[m]– -रम् मै २, १,११: काठ १०,५.

कू-यव– किम्- द्र.

?कूरमाणो पै १९,३६,१७.

¶कूर्च[n]– -र्चेषु काठ ३४,५; –र्चौ तै ७,५,८,५.

कूर्म[o]– -र्मः मा २४, ३४; का २६,७,४; ¶तै ५,२,८,४; ५[2]; ६; ७,८,२; मै ३,२, ७[2]¶; १४,१५; काठ २०, ७¶; क ३१, ९¶; –¶र्मम् तै २, ६, ३,३;५,२,८,५[3]; काठ २०, ७[2]: क ३१,९[2]; –र्मान् मा २५. ३; का २७, ३, १; तै ५,७, १३,१; मै ३, १५, ३; काठ ५३, ३; –र्मेभ्यः शौ ९,४,१६; पै १६,२५,६.

कूल[p]– -लात् ऋ ८,४७,११[q]: पै १, ४६,५.

कूल-(ज>)जा– -जाः पै १५, १५,५.

कूलिन्– -लिनम् पै १. ४७,४.

कूल्य[r]– -ल्याय मा १६, ४२; का १७, ७, १; तै ४,५,८,२; मै २, ९,८; काठ १७, १५: क २७,५.

?कूल्वजमावृता[s] शौ १२,७,१;१०,७.

(तु. MW.) इति वा कं+ √भू (तु. ⌊या २,२⌋ स्क.) √ह्वे >हु इति वा √हु (दानादनयोः) इति वा ⌊या ११, ३२⌋, <√कुह इति (पाउभो २, १, १२५) अभा. शक. । *गूढ-मस्– ⌊=तिरोहित-चन्द्र-⌋ कस. >गूढमस्वती–>नैप्र. यनि. इति मतम् ।

[a]) नाप. (धूलि- । व्यु. ? ।

[b]) सपा. कुह्ना<>ग्लहा<>गर्दा इति पाभे. ।

[c]) नाप. । =कूप- इति वें. BW. ORN. MW.,=मेघ- (कु>कू- ⌊=पृथिवी-⌋)+चक्र- इति सा. ? =स्त्रीस्तन- ⌊=कुच-क-⌋ इति GW. । व्यु. ? ।

[d]) नाप. (शृङ्ग- ⌊ऋ.⌋, जाल- ⌊मै. शौ.⌋)। व्यु. ? । <√कुट् इति ?GW., <√कूट् इति अभा. ।

[e]) नाप. (भग्न-शृङ्ग- ⌊वृषभ-⌋) । शिष्टं *d* टि. द्र. ।

[f]) नाप. (सीराङ्ग-) । व्यु. ? । [g]) अर्थः ? ।

[h]) कुकूनना– इत्यनेन स-न्यायता द्र. ।

[i]) पाभे. कूते पृ ११२३ *m* टि. द्र.

[j]) नाप. । अर्थः व्यु. च ? ।

[k]) नाप. । व्यु. ? । कु (=कुत्सित-) + √पा (पाने) इति वा <√कुप् इति वा या ⌊३,१९⌋ दे. ⌊३, २३⌋, <√कु इति (पाउ ३, २७), कु (–ईषत्) +२अप्–>षस. इति अभा ।

[l]) तु. सस्थ. टि. कुलजनी– -नीः ।

[m]) नाप. (युगंधर-) । व्यु. ? । <√कू (शब्दे) ।

[n]) नाप. (⌊दर्भमय-⌋ आसन-कट-)। व्यु. ? । <√कृ इति (पाउभो २,२,७३), <√कुर् इति अभा. प्रभृ. ।

[o]) नाप. (कच्छप-) । व्यु. ? ।<√कृ इति माश ७,५, १,५; कु (=कुत्सित-) + ऊर्मि– (=वेग-)>बस. इति को. ।

[p]) नाप. । अर्थः व्यु. च ? । √रुज् >जुर् >यनि. इति या ⌊६,१⌋ ।

[q]) इह शिखरार्थे कूट– पर्याय इति मतम् ।

[r]) इह<कूल– (तीर-पर्यायः) द्र.। तत्रभवीयः यत् प्र. यना. स्वरश्च ।

[s]) पाठेः ? (आ√वृ ⌊आच्छादने⌋ >) आ-वृ(त>)-ता–>-ता इति द्वितीयं पदमिति निर्विवादम् । यत्तु

कूल्या[a]– -ल्याभ्यः तै ७,४,१३,१[b].
?कूवर[c]– -रस्य काठ ४७,३.
कूश्म[d]– -श्मान्[e] मा२५,७: का २७,७, १; तै ५,७,२३,१: काठ५३,१३.
?कूष्ठः[f] ऋ ५,७४,१.
कूष्म[d]– -ष्मान् मै ३,१५,९[e].
√कृ[g], >कारि, चिकीर्ष, करिकृ, चर्कृ. कुरते ऋ ७,८८,१: †करते ऋ ४,१६,१: ४४,३: ५,४२,१०: शौ २०,७७,१: १४३,३: करति ऋ १,४३,६:२,३५,१[h]: ६,१०, [१(३,६,६) ७,१७,(३)४]:१०, १८, [(१४,१४)६[i]]: ९९,१२: खि५,५,१: मै ४,१२,४†[h]: काठ ३९,१४†: शौ १९,१५,५: पै ३, ३५,५: कुरतः मा २१, ४३: का २३,५,३; मै ४,१३,७; करतः ऋ ८,१८,८: १०, ४०, २: खि ५, ७, २, ६: ४, ६-८: १८: काठ १८,२१: करन्ति ऋ १०, ४८, ७: कुरमे ऋ ३, ४३, ५: करमे ऋ १०, २९, ४: शौ २०, ७६, ४†; कुरसि ऋ १०, १६, २: शौ १८, २, ४†: करसि ऋ ६, ३५,१; करथः ऋ १, १३६, ४; ६, ५०, ३: कुरामहे ऋ १०, ५९,२; करामहे ऋ ८, २२, [३: १०, ३८, ४]; ३९,५: खि १,३, २: मा ९,५:१८, ३०: का १०, २,१: का २०, १, १: तै १,७, ७,१: मै १, ११, १: काठ १३, १४; शौ ७,७,२: पै २०, १,७; कुरत् ऋ १, ४३, २: १७४, ७: २,५, ८: ३, ५३, [(१, २३, ६) १३]; ४, १७, २०: २९, ३: ७, ९७, ८: ८,९१,४[२]; ९,६३,११: १०९, ९: १०, ७४, ६: खि ५, ७,१, ८: मा ३, ५८[२]; ७, २५: २१,४४;४५;४६: का ३,८,२[२]; ७,१०,३: २३, ५,३[२];४: तै १, ८,६,२[३]: †३, २,८,६: ४,११, २: मै १, १०, ४[३]: †४, १२, ६: १३, २: ७: काठ ९,७[२]: शौ ४, २२, ५; ६,५९, २: ७, ९९, १†; करत् ऋ १, २५,१२; ८९, ३: २,४१,१२; ३,६२, १४: ४, ३९,६: ५,३१,११;४४,८: ४६, ४: ५६, ७: ६, ४८, [१५ (७, ३२,२५)]; १५;५२,५; ७,१०२, ३; ८,२, २०; १८, ७[j]; ९; ६६, ४; १०, ६३,६; ६४, १; १७३, ६; १८२,[१[k]; २;३]; खि ५,७, २, ८; ४,५; १४; २२, १३; मा २१,२२; २३,३२†; २५,१६†; ४६‡[l]; का २३, २, ११; २५, ६,१२†; २७,११,३†; १५,१‡[l]; †तै १,५,११,४; ७,४,१९,४; मै १,५,१†; ३, ११, ११; काठ ६, ९†; ७,१३; १५, १३; १८, २१[६]; २३, १२†; ३५, ७†: ३६,१५; ३७,९:३८,१०; क ४, ८†; ८,१०[२]; ४८,९†; †कौ १, १०२[j]; ३५८; २, ४६२‡[l]: जै १, ३७, ७†; २,१,९[२]; ३,३४, २०‡[l]: शौ ४, ८, ६; ६,१०३, १: ७,३१, १; १९,३१,१: ३४, २; १०: ३५,५: ४५,३: ४६,७; †२०, २०,७; ५७, १०: १३७, ३; पै १, ५०, ३: २, ३०, २†: ३६, ५; ८९, ४: ३, १, ८†: २१,५: ४, २, ७; २३, ७; २६, ३[४]†; ८,५,१-११‡[m]; ९, ४,१:

कूल्वजम् इति प्रथममन्त्रस्य पदमिति पपा. प्रभृ., तच् चिन्त्यम् ?। अत्र हि *कूर-वध्मन्–[वस.] > -ध्मा (प्र१ सत विप. [कुल्या-]) इति शोधः। *कूर– (=क्रूर-) इति, वध्मन्– (भाप. <√वध [हिंसायाम्]) इति च द्र. (वैतु. LR. पपा. अनु कूल्वजम् इति पाठः इति कूल्वा =कु +उल्व– +√जन् इतीव ?)। [a]) = ४कुल्या-। नाप.।

[b]) पाभे. कूले पृ ११३० g टि. द्र.।

[c]) पाठे ? कूवार–>कूपार– (=अकूपार-) इति शोध इति BW. Sch. (तु. सपा. मा २४,३५ का २६, ७,५ तै ५,५,१३,१ मै ३,१४,१६ अकूपा॰ इति पाभे.)।

[d]) नाप.। अर्थः व्यु. च ?।

[e]) सपा. कूश्मान् <>कूष्मान् इति पाभे.।

[f]) पाठे? कुह>कु, स्थः इति द्वि-पदः शोधः (तु. सपा. कौ १,३०५ कु स्थः इति च ऋ ८,७३,४ कुह स्थः इति च द्वि-पदः पाठः, ORN.; वैतु. अनवग्रहात मा. कु- [=पृथिवी-]+√स्था>उग. इति वदन् स्वरतश्चिन्त्यः)।

[g]) वधा.। करणे स्तुतौ हिंसायाम् प्रभृ. धा. वृत्तिः।

[h]) सपा. करति (आपश्रौ १६,७,४ च)<>करोति इति पाभे.।

[i]) सपा. करते<>नयतु<> तैआ ६,१०,१ करतु इति पाभे.। [j]) सपा. करत् <>करात् इति पाभे.।

[k]) सपा. करत्<>धत्तम् (तैब्रा २,८,४,६ च) इति पाभे.।

[l]) =सपा. आपश्रौ २१, २२,१। ऋ १०,१५७,३ शौ २०,६३,२;१२४,५ तैआ १,२७,१ तु विशिष्टः पाभे.।

[m]) सपा. करत् <> करः <>कृणोतु <> चकार <>अकरत् <>तैआ ४, २, ५; ५, २, १३ आपश्रौ १५, २,२;६ करोतु इति पाभे.।

१०,५,१; ११,३,२; १०; ४,५; १५,४, ३; १८, २, ८‡[a]; १९, ६,४†; १४,११;१८, १३; २३, १४†; २०, २४, १; ५८, ३; करात् जै १, ११, ६‡[b]; †कुरन् ऋ १, १८६, २; मै ४,१४,११; करन् ऋ ५,३०,९; १०,९५,१; खि ५, ७,४, १३; †कुरः ऋ १, ८२,१; १२९, १; ६, १८, १४; २२, १०; ८,८०,९; ८४, ६; मै ४, १२, ३; काठ ८,१६; कौ १, ४१६; २,९०१; जै १, ४०, ८; ४, १४, ५; शौ २०, ३६, १०; करः ऋ ३, ४१,[६: ६,४५,२७]; काठ ९,८; क ८, ११; शौ ४, २०,७; ५, १५, १-११‡[c]; २०, २३,६†; पै ८,६,६; ९,७,१५[f]; १९,३७,८; २०,४७,५; करासि पै ३, ३६, ६‡[d]; कराः पै १०, २, १०; कराथः पै १, ८३, ४: कराथ पै ५, ४, ६‡[e]; १६, ३: करम् ऋ १०,४८,९; ८५,२५[a]; शौ १, ३, १-५; १४,१,१८†[a]; पै २, ८९, ५; †कुरताम् ऋ १, २३,[(३,५३,१३) ६]: मा ३३, ४६; का ३२, ४, ३; कौ २, १४५; जै ३, १४, ६; करताम् ऋ ४, ५५, ३; करतम् ऋ ७, ६५, २; कुराणि ऋ १०,५२,५; कराणि ऋ ७, ८६, ७; †कुराम ऋ ७, ५७,[४; १०, १५, ६]; मा १९, ६२; का २१, ८, १२: शौ १८,१,५२; कर>रा ऋ ४, ३३,५[g].

कृवे ऋ ८,३,[(४,३०,२३)२०; ३२, ३]; कृषे ऋ १०, ४९, ७: ५०, ५[g]; ६[g]; कृधि शौ १३, २, ३; पै १८, २०,७; कृथुः ऋ ५,७४,५; कृथः ऋ १०, ३९,८: †कृत्व, >त्वा ऋ १, १०, ९; ६, १८, १५; ७, २२,४; मै ४, १२, ३; काठ ८, १६: कौ २ ११८८; कृत्व ऋ १,५४,९[h]: २, २३, १४: ३, ५२,५; १०, ४४, ४; शौ २०,९४,४†: कृधि.> ध्री ऋ १, १०, ११; ३६,[१४; (१७२, ३)]; २,९,५[i]; १७, ७; ८: ३,१५,३: १८,५: ४,१२,४: ६, ४७,१०; ५१, १३: ७, १६, ३;८,२६,२५: ५३,६: ६७,१२: ९६,८; ९७, ८: ९,२३,३: ६१, २८: ६४, १; ९७, २७: १०८, ६[l]; १०, ४२,[(२, ३४,६) ७]: ९३, ९; खि ३, ५, ३: १६, ४: तै ४, ७, १५, ७†; †मै ३,१६, ५: ४,१३, १: १४,५; †कौ १, १०५; ४७९; २, १२८; †जै १, ११, ९; ५०, ३; ३, १३,४; ४, २९,६; शौ २०, ८९, ७; कृधि, >धी ऋ १, १४, ७; ४२, ६; ९४,९;१०२,[(६,४४,१८)४]: १०६, ५; ११४, २; १२७,११; १३८,२[2]; २,२,७: २३, ७: ३०, १०: ४१,१६: ३,१, १९: ४,२; ४,१, ३[2]; ३१, १५; ५, १८,५; ५१, १४; ६,५,६; २३,७: ४६, ६: ७, २५,५;२७,५: ३२,[(६, ४८, २५) २५]; ४२, ५: ७७, [४;९, ६८,५]; ८,१९,१२;३२, ९: ३६, ६: ६०, १४: ६१,१३[j]; ६८, १२; ७५, २; ११: ८०,४-६: ९१, ६: ९३, १०: ९,४,[१-१०]: ६८,१४: ११३,[८-११]: १०,२२,१५: ३८,२: ८५,४५[k]: ११२, १०: १३३,[४: १३४, २ (१५२,४)]; १४७, ५: १५१, २:३: १६६,१: १६७,१: १७१, ४. १८६, २; खि २, २, ०. ३, १२, १-३: ४, ५, १९. २४; खिगा ३,४: २०. २: ५:६: २९, ७: ४४: मा ४, १०: १४[l]: ५.

a) सपा. करत् (आपमं १,४,५;५,७ च)<>करम् इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ ११३४ *j* टि. द्र. ।

c) पाभे. कृते पृ ११३४ *m* टि. द्र. ।

d) सपा. करासि<>कृणोतु इति पाभे. ।

e) सपा. कराथ<>कृणोत इति पाभे. ।

f) =कराम (तु. अत्रैव कृणवाम, ऋ २, ११, ६ स्तव इति स्तवाम इति च, पपा. GW.; वैतु. ORN. मपु१ इति)।

g) तु. पपा. वें. सा. GW. GRV. प्रमृ.; वैतु. या [५,२५] प्रमृ. आकृषे इति, Barth [IF २,२८०] तुमर्थीय इति ।

h) सपा. कृत्व<>कृणुत्व इति पाभे. ।

i) कृधि इति GW.? ।

j) सपा. कृधि (ऐब्रा ५, २७;७,३ तैब्रा ३,७,८,१;२; ११, ४ तैआ १०, १, ९ तां १५. ४, ३ आश्री ३, ११,१ शांश्री ३,२०,२ आपश्री ३,१२,१ माश्री ३, २,१ च) <>कुरु (शांश्री १३,२,२ च) इति पाभे. ।

k) =सपा. आपमं १, ४, ६ । मंब्रा १, २,१९ हिगृ १, २०,२ तु कुरु इति पाभे. ।

l) सपा. कृधि (माश ३, २, २, २२ च) <>ददः इति पाभे. ।

३८; ४१; ६, ३०; ३३; ७, २: १३,२२; १६,५३; १७,६; ५०: १८, ४६; ४८; ३४, ८; का २, ६,८; ३,२,६[२a]: ४, ४,३;५,६[b]; ५, ९, ४; १०, १: ६, ८,१; ४; ७, १, १; १४, २,७; १७,८,७; १८,१,७; ५,१; २०,२,९: ११; ३३,१,३; तै १, ३,४,१: १३, १[c]; ४,१,१; २: २,१; ३,१; ६, १२,४†: २, २, १२, ६†; ३,९, १:२;१०,३[d];११,५[d]; †६,११, १: ३: ३, ३,११, ४: ४, २,९, ४· ५,१०,२†: ५: ६, १,२: ३, १[e]; ५, ७, ६,३: ४: ६,३,२,२: ४,५,४; मै १, २,२; ३[b]; १३, १४[२]; ३, ३[२]: ४: २,३,२[४]: ४[d]; ७, १६; ९,९; १०,१: ८: ३,६, ८;९,३¶; १६,४; ४,११,६[२]†; १२, २; ३†; १४, १५†; काठ १, १२[f]: २, ४[b]; १५; ३,१-३, १०[२]: ४, १[२]; ७,१७[२];†: ११, ७[d]; ८[d]; १२, २[२]. १३ ,१६ : १५, १२; १६, १६: १७, १७: १८,३[२e]; २६,५; ११[२]: २७,१; २; ३१, १२[f]; ३६,१५[d]; ३७, १०[२a] ; ४०, ११; क १, १२[f]; १६[b]; २, ८-१०; १७[२]; ३, १[२]; २८,१; ३[२]; ४१,३; ४२,१; २: ४७, ११: †कौ १, २७४[g]; २, १९२: ३९७-४०६; ४४२; ६७१[g]: ९९९; ११९१; ३, ४, ११$; †जै १, २९, २[g]; २, ४, ९$; ३, १७, १३$: ३१, १७- २६;५५, १२[g]; ४, ६, ४; २८, १: ३०, ५: शौ १, २, २; १३, २: २४,३: २६, ४; ३४, १; २, २७,७;३,१८,२‡[h]: ५, ४,६‡[i]; ९: ८,६: ६, ५, १; २[e];४०,३; ६७, ३: ७४, ३[j]; ९५, ३‡[i]; १०६, २; १२८, ३[k]; १३६, २; १३८, १; २[२]; १३९, ३: १४१, २[l]; ७,२१, २: २७,३: ५२,४†; ८६, ३; ८, ५, १७; ११, १२, १७: १७, १,७; १८,२,९; १९, ८,६;१५,१†[g];३२,६; २०,३२, १†; ८०, २: पै १,२६,३: ३३, २; ६७,२; ६८, २; ३[२]; ७९,१; ८६, ६; २, ९, १; १६,५; ५९, ५; ३,१८,३; ३५,१†; ३६,५†; ४,५,३; २६, ६†; २८, ५†; ५, १, ३; १०,५, ६, २२, १५; ७, १८, ७; ८, ७, ३;४; ११; १०, १,२; १२,१,९†; ४,६; ६,१०; १८, ३१, २; १९, ३; ४; १४[२]; ६, १५; ११,८; १८, १४; २१, ९; २२, ९; २६, ४[२]; ३२, १७; ३३, ४: ३४, १६; ३६, ७; १७; ४०,१; ४१, १३[m]; ४६,८;४७, ८; ५०, ५; २०, ३, १०; ६,७; २१,४; २८,५; ४८,३; ४७, ६; ५८ , २; ४; कृतम् ऋ १, ११२, २४; ५, ६४, ६; ७,८४, ३[२]; ८, ८, १३; १७; १०,४०, १३[n]; मा ३४, २९†: का ३३, १,२३†: कृतम् ऋ १, १७, ७; १८२, ४; ७, २, ७; ६७,५; ८, १८, १६: १०, २४, ६; ३९,२: १४३,५; शौ १९, १६, १; २७, १४; ४४, १; पै १०,८,४; १३, ३, १५: १५,३,१; १६, ५१,९; कर्तम्[o] शौ ११, २, २; पै १६, १०४, २: ‡कर्तम्[p] का १३,

[a]) सकृत् पाभे. कृते पृ ८८७ *h* टि. (यत्र काठ. स्थल-मपि समावेश्यम्) द्र. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ११३५ *l* टि. द्र. ।

[c]) = सपा. तैआ ४, ७,३ । मा ६, २५ का ६, ७, १ मै १, ३,१; ४, ९, ६ काठ ३, ९ माश ३, ९, ३,५ तु पाठाऽभावः ।

[d]) सपा. कृधि (तैब्रा २,७,७,५ तैआ २,५,१ आपश्रौ १९,२४,८; २२,२६,७ आपमं २,४,२ शांगृ १, २७,७ हिगृ १,४,११ च) <> नय इति पाभे. ।

[e]) सपा. कृधि <> नय (माश ९, २, २, ७ च) इति पाभे. ।

[f]) सपा. कृधि <> कृणु (माश १,९,२,२० तैब्रा १, २,१, २५; ३, ३, ९, ९ च) <> पच <> तैब्रा ३, ७,४,५ आपश्रौ ४,२,१ करत इति पाभे. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ११३५ *j* टि. द्र. ।

[h]) सपा. कृधि (आपमं १, १५,२ च) <> कृणुते <> कुरु इति पाभे. ।

[i]) सपा. कृधि <> कृत (माश ७, २, ४, २७ च) इति पाभे. ।

[j]) सपा. कृधि <> कृणु इति पाभे. ।

[k]) सपा. कृधि <> कृणु इति पाभे. ।

[l]) सपा. मंब्रा १,८,७ कृतम् इति पाभे. ।

[m]) सपा. कृधि <> कृणु इति पाभे. ।

[n]) सपा. कृतम् (आपमं १, ६, १२ च) <> सुगम् इति पाभे. ।

[o]) तमः पित्त्वम् उसं. (पा ७, १, ४५) ।

[p]) सपा. कर्तम् <> कर्तन <> अस्तम् इति पाभे. ।

५, ८; शौ ३,१७,५; कृध्वम् ऋ ७, ३४, १५; †कृत ऋ ९, ६९, ५; १०,९७,२[a]; मा १२, ७६[a]; का १३, ६, २[a]; तै ४,२,६,१[a]; मै २,७, १३[a]; काठ १६, १३[a]; क २५, ४[a]; पै ११, ६, २[a]; कृर्त[b], >र्ता ऋ १, ९०, ५; २, ३४, ⌊६(१०, ४२, ७)⌋; ६, ५१, १५; कर्त ऋ १, ८६, ९; १०; १७२, ⌊(१, ३६, १४) ३⌋; २,२९,१; १०, ६३,७; शौ २०, १३१, २; कृर्तन[c] ऋ २, १४, ९; कर्तन ऋ १,१४२,१२;१६६, १; ७, ४८, ४; १०, ५३, १०; १७५, २; मा १२, ६९[d]; मै २, ७,१२[d]; पै १३,५,१०.

†कृणुते[e] ऋ २, २५,⌊१-५⌋; ४, १७,१०; ५,६१,७;८३,३; १०, २७,२४; ११७, २; मै ४, १४, १०; १२; जै ४, ११, ३; कृणुते ऋ १,९५,⌊८; ९, ७१,८⌋; १०; ११३, १५; ११५, ५; ३, ३०, १२; ४, ७, ११; १७,१०; २४, ६;२५,६; ५३,३; ५,२,९; ८३, ३; ८,४,६; ६२, ६; ९, ७१,१; २;७४,७;७६,१[f];८८,५[f]; ९५, १; ९७, ९; १०३, २; १०, ४०, २[g]; ४२, ४; १०७, ७; ११७, ३; १६५, ३; खि ४, ६, ७[h]; मा ३३, ३८†; ३४,५१[h]; का ३२,३,९†; ३३, २, १४[h]; तै १, २,१४,७†; ४, ७, १३, ३[h]; मै ४,१४,४†; काठ २,१५;७, १६†; कौ १,५३०†; २, ४६८; जै १, ५४, ६†; ३, ३५,३; शौ १,३५,२; ५,१,२[i]; ६,२७,३†; ८,३,२४†; ९, ४,१९;११, ७, ३; १०; १५; १२, ४,६[j]; ३०[j]; १३, २, २८;४२[k]; †२०, ८९, ४; १२३,२; पै १, ६९, २; ६, २, २[l]; ८३,२; ७, १२, १०‡[l]; १५,५; †८, १४, ८; १०; १४, ३, १३; २४; १६,८, ३†; २५, ९; ११२,५; ६; १५३, २; १०; १५४, ५; १७, १८, १०; १८, २३ ५; १९, १३, १५†; ४१, १२;४९, ८; कृणोति ऋ १,५५, ५; ७७,१; ४, २०, ९; २४, ६; ५०, ९; ६, ४७, १५; ६०,१०; ६४, १; ७, १८, १८; १०२,२; ८,३२,११; १०,८७, ८[m]; ९७, २२; १६५,४; मा १२, ९६; का १३,६, २३†; कौ २,४९९†; जै ३,५७,११†; शौ २,३६,३[n]; ६, २९, १†; ८,३,८†[m]; ६,९; ९, १३,४[o]; कृणोति ऋ १, १८, ८; ४८,⌊८; ७, ८१, १ (२)⌋; ९२, ६; १०५, १५; ४, १७,१३; ५, ३१,१[o]; ७५, ४; ६, ७५,२[p];५; ७, ८१, १; ९, ३, ५; ९५, २; १०, १७, १; ३४,८; ४८, १०, ११७, ७; १६०, ३; †मा २९, ३९[p]; ४२; †का ३१, ३,३[p]; ७; †तै ४,६,६,१[p]; २; †काठ २१, १३; ४६, १[p]; †कौ १, ३०३; २,१०१; ६०९; †जै १,३२,१; ३, १०, ३; ४९,८; शौ ९,१०, १;४, ६;८; १२,४,२५; १८,१, ५३†; ३, १०; २०, ९६, ३†; पै २,३२,४; ८, १५, १०; १६, ७९,९; १७, १६, ५[j]; १९,१२, १२[q]; २७, ११; ४८,३; कृणुतः मै २,७,७; ३,१, ९; कृणुतः ऋ ८, ३१, ९; ?कृण्वतः पै १९, २०, १७; कृण्वते कौ १, ३६९; जै १, ३८, १०; शौ ८, ५, ७; †कृण्वते ऋ १, १४०, ७;१६१, ५; ६,७५, ७; ९, १० [illegible], ८; मा २९, ४४; तै ४, ६, ६,३; मै ३, १६, ३; काठ ४६, १; कौ १, ३५६‡[r]; २, १६९; जै १,

a) पाभे. कृते पृ ११३६ *i* टि. द्र. ।

b) तब् आदेशः, पित्त्रिघाते धा. स्वरश्च ।

c) तनप् इत्येव विशेषः । शेषं *b* टि. द्र. ।

d) पाभे. कृते पृ. ११३६ *p* टि. द्र. ।

e) सति शिष्टस्वरस्य विकरणेऽप्यप्रवृत्तेः विक. स्वरस्याऽभावे प्र. स्वरः (पाम ६,१,१५८) ।

f) सपा. कृणुते<>कृणुषे इति पाभे. ।

g) तु. सस्थ. टि. आ ।

h) सपा. कृणुते<>कृणुताम् (माश ८,६,३,२० च) <>कृणुष्व इति पाभे. ।

i) तु. W.; वैतु. शंपा. सात. RW. कृणुषे इति ।

j) सपा. कृणुते<>कृणोति इति पाभे. ।

k) सपा. कृणुते<>कृणुषे इति पाभे. ।

l) पाभे. कृते पृ ११३६ *h* टि. द्र. ।

m) सपा. कृणोति<>कृणोषि इति पाभे. ।

n) सपा. कृणोति<>कृणोतु इति पाभे. ।

o) सपा. कृणोति<>कृणोतु इति पाभे. ।

p) सपा. कृणोति (या ९, १७ च) <>कृणोतु इति पाभे. ।

q) सपा. कृणोति<>कृणोषि इति पाभे. ।

r) सपा. कृण्वते<>दधिरे इति पाभे. ।

३७,५‡[a]; ३,१६,७; पै १५,१०, ७: १६, २७,७$; २०,२५,३$; **कृण्वते** ऋ ८, ७२,१५[b]: कौ २, ८३२[c]; **कृण्वन्ति** खि ४, ११,२; मा ३४,२; तै ५,६,१,१: मैं २, १३, १; शौ १, ३३, ३: पैं १, २५, ३; **कृण्वन्ति** ऋ १,३८,७; ९; ४७, २; १२३, ६; ३, ५३, १४; ७,३३,७: ९,३१,१: तै १, १, ९,३; २, ४, ८, १: मैं २,४, ७†; ४,२,११: काठ ११, ९; पैं २, २२, ३; ५७, ५: १४, १,४; १९, ४, १२[c]; **कृणुवे** शौ ३, ६, ६; ८, २, १६; **कृणुषे** ऋ १, १२३,१०;११; ६,६४,२; ‡कौ[d] १, ५५८; २, ५७८: ‡जै[d] १, ५७, ५; ३, ४७, ४; शौ १९, ४९,४; पै १४, ४,४; १६, ४,६; १८,२४,५: २५,२[e]; **कृणोषि** ऋ १,३१,७[f]; ७४, ४; ५,३,२; ६, १३,५; ४५, ६; ७,८१,४; ९०, २;८,२१,१४; ६२, ५; †मै ४, १४, २: कौ २,७४०†; शौ ५, २२,२; ६, २०, ३[g]; ३०,२; ७, ५८, ४; १३,७,१५; २०,११४, २†; पै १३,१,२; १६,६, ८‡[h]; १९, २४, ६; २०, १३, १०; **कृणुथः** ऋ १०, ३९,११; १४३, १: **कृणुथः** ऋ १, १८२, ३; खि १,५, ७; **कृणुथ** ऋ ८,६७,१७; **कृणुथ** ऋ ३, ५३, १०: ६,२८, ६[i]: शौ ४, २१, ६[i]†: ६, २२, २[j]; **कृण्वे** शौ ५, ८,८; ११, १, २८;३१; **कृण्वे** ऋ ७,३६,२; शौ ७,१०५,१[j]; ९,३,१५: पै १,३७, ५[j]: ४,२०,५; ७,३,८; १८, ९: ९, २५,११; १६, ४०, ६: ९१, ८; ९२,१; २०, ३५,४; ५२,५; **कृणोमि** ऋ १, १६२, १९; ४, ४२, ५: मा २५, ४२; तै ४, ६,९,३†; शौ २, ३६,२; ३,९, २[k]; २३,५[l]; ४,१८,१; ६, ९,२; १११, २; ३; ११९, १[m]; ८,२, ५; ११: ६,३; १२,२,३२; १४, १,५८‡[n]; **कृणोमि** ऋ १, ११६, १२; ३, ३१, १९: ७, २२, ७; ९९, [७; १००, ७][f]; १०, ३४, १२; १२५, ५; ६; तै २,२,१२, ४†[f]; ३,१,४,४[o]; मैं १,३,३८[p]; ४, ११, १[q]: काठ ४, १३[r]; ६,१०†[f]: ४६,५†: क ३, ११[r]; कौ २,९७७†[f]: जै ४, २३,८†[f]; शौ १,२५,४: ३०, ४; २,२, ४; ३, १ : १०[s], १-८: ३, ८, ६[t]; ३०, १; ५; ७; †४. ३०, ३;५: ५,१,५: २८, ११: ३०, ५; ८[u]; ६, २०, ३; ९३. २; ९४,२[t]; ७, ३६, ३[?]: ८, १, ६; २,१३;१९; ७,५; २२; ९, २, १९-२४; १४, २, ३४; १९, ३०, ४; २०,७३,

a) पाभे. कृते पृ ११३७ r टि द्र. ।

b) तु. वें. मा. MG. [६६० टि. ४] Gri.; वैतु. PW. GW. च१ इति ।

c) सपा. कृण्वन्ति<>कृण्वन्तु इति पाभे. ।

d) पाभे. कृते पृ ११३७ f टि. द्र. ।

e) पाभे. कृते पृ ११३७ k टि. द्र. ।

f) तु. मस्थ. टि. आ ।

g) पाभे. कृते पृ ११३७ q टि. द्र. ।

h) पाभे. कृते पृ ११३७ m टि. द्र. ।

i) सपा. कृणुथ <>कृणुत इति पाभे. ।

j) ब्रह्माहमन्तरं कृण्वे इति पाठस्य स्थाने सपा. ऋ ६, ७५,१९ कौ २,१२२२ शौ १,१९,४ आपश्रौ १४,२६,१ ब्रह्म वर्म ममान्तरम् इति पाभे. ।

k) सपा. कृणोमि<>क्षिणोमि इति पाभे. ।

l) सपा. आपमं १,१३,१ हिगृ १,२५,१ करोमि इति पाभे. । m) सपा. कृणोमि <>बभूव (तैब्रा २, ४, १;७,१ बौध ३,७,१०;१६ च) <> तैब्रा ३,७,१२, २ चकार इति पाभे. ।

n) सपा. कृणोमि (आपमं १, ५,१७ च)<>करोमि (तैब्रा ३, ३,१०,२ आपमं १, ५,१६ च) <>दधामि <> काश्रौ ३,८,२ माश्रौ १, ३,५,१७ मागृ १,११, २० दधातु इति पाभे. ।

o) =सपा. आपश्रौ ७,१७,७ । आपश्रौ ७,१७,६ तु करोमि इति पाभे. ।

p) सपा. कृणोमि<>अकर्म (माश ४, ४,४,१० या १२,४२ च)<> काठ ४,१२ अस्तु<> काश्रौ २,२, १२ आपश्रौ ३,१९,३ कौसू १३७,११ सन्तु इति पाभे. ।

q) सपा. शौ ६, ७१, ३ अस्तु इति पाभे. ।

r) सपा. भक्षं कृणोमि<>भक्षयामि इति पाभे. ।

s) सपा. तैब्रा २,५,६,१ आपमं २, १२,६ हिगृ २,३, १० करोमि इति पाभे. ।

t) सपा. मंब्रा १, २, २१ मागृ १, १०,१३; २२, १० दधातु इति, आगृ १, २१,७ शांगृ २, ४,१ पागृ १, ८,८; २, २,१६ दधामि इति, हिगृ १, ५,११ अस्तु इति च पाभे. ।

u) सपा. मंब्रा २,६,१८ भविष्यमि इति पाभे. ।

१†; पै १, ७, ४; ८,१; १४,४; ५८,२;४; १११,३; २,२,१; ३, १; २१, ३; ५९, ९; ७८,४; ५; १०,३; ३, १४, ५; ५, १६, ४; १९,१; ८; २४,१; २७,६; ३४, ४; ५: ६,२,५; ८,८; ७, ५, ५; ८, २०, ३; ९, १०, १२; ११, १२; १३, ५; ११,१,४; १२,३, १४; १३, ५,८; ११, २२; १५, ९,६; १६,१,६; ३,२; ५: ८,१; ३:९; १४, १; ५०, ६; ७७, ८: ७८, १-६; ७९, ३; १८, २, ६; १०,४;५; १९,५,१०; १०,१३; १४,१४; २३,२; ३०,१०; ३२, १; ४३, ७; २०, १२, २[a]; १५, ९; २२, ८: ४६, ५; ५६, ४. कृण्वः पै ६,२२, १४; १६; १८; कृणुमहे काठ ३५, १२; क ४८, १२; कृण्महे ऋ ७,१६,४; १०, ८४,४[b]; शौ १९, ६८, १; पै १, ८६,७; ४,१२,४†[b]; १३,१२,२; १५,२२,९; १९, ३५,२: कृणुमः शौ ६,५,३; ७, ८१, १[c]; कृण्मः खि ४,४,३; काठ ४०,१०[d]: शौ १, १२, ३; ३,३०, ४: ५,७,२; ८, २,१६;२१; ९,३,१२[e]; ११, २,३[f]; ४[g]; १४,१,६३; २,३५; पै १, ३२, ४; ४,१०,२; ५,४, १०; ११,२; १९, ४; ७,९,१; २;१९,३;४; १३,३,६†;७;१३; १५,२३,११; १६, ४,६; १०८, ३; ४; १८,६,११; १०,५: १९, ३, ५; १५: ३८, १; २०, १५, १०; कृण्मसि शौ १९, ५२, ५: कृण्मसि शौ ४,३१,४‡[b];५,२८, १३; ८, २, १०; पै १, ३०, ५; ५४,५: ८५,३; ७,८,६; ११,२, ८; १६, ३, १०; ४० ४[e]; २०, ४९, ६; कृण्वते[h] ऋ ४, २, ८; ९; ८,४७, १५[i]; कृणवत ऋ ४, १२,१; ७,२६,३;६४,४;८८,६; ८,६२,९; १०, ४५,९;७०,१०; मा १२, २६†; का १३, २,९†; तै ४, २, २, ३†: मै २, ७, ९; शौ २,९,५;५,८,७: कृणवत ऋ ४, १८, ४; ७, ८४, २; ९६,३; ८, ४८, ३; १०, ७,६; तै ३,२, ५, ४†; काठ १६, ९†; शौ २, ३५, १[j]; ३, १, १; २, १; ५,२, ८‡[k]: ६, १११, १; ११६, २; १२,३,१०: १९, २७,१०; ३३, ५; २०, १०७, ११†; पै ३,५, १; ६, १; ५,१७,६; १०,७,१०; १७, ३६, १०; १९, २२, ४; कृणवात् शौ २०, १३२, ५[l]; पै १६, ५९, ५; कृण्वत् पै १६, ४९, ८; कृण्वैते ऋ ६, २५, ४; कृणवन्ते ऋ १,८८, ३; कृणवन्त ऋ १,१७८,२[m]; ७,३७,७; १०, ७४, २; †कृणवन् ऋ ७, ६३, ४; १०, १०, १०; काठ १०, १३; शौ १८, १, ११; कृणवन् ऋ ४, ५१,१; ५, २,३; कृणवन् खि ४, ६, ९; ५, ५,२; पै १६, १०५, ४; †कृणवसे ऋ ६, १६, १७; काठ २०, १४; कौ २, ५६; जै ३, ६, २; कृणवथ[n] का २०, ४, ३: कृणवाथ[n] मा १८, ६०; †कृणवः ऋ १, ५४, ५, ५,४, ११: २९, १३; १४; ६; ३५, ३; १०, १६, १; तै १,४, ४६, १; शौ १८, २, ५; कृणवः ऋ ८,१००,१; काठ १०,१२†; शौ ५, १, ८; पै ३,६,५; ६, २, ८: कृणुताम् ऋ २, ५, ७; कृणुताम् मा १५, ५१[o]; का १६, ६,३[o]; मै २, १२,४[o]; काठ १८, १८[o]: क २९, ६[o]; शौ ७, ६४, १[p]; पै ४. १४, ६; १७.१३,६; २०,८,६[o]: कृणोतु मा २१,४७[p]; का २३. ५, ५[p]: मै ४, १३,७[p];

a) पाभे. कृते पृ ११३८ *p* टि. द्र.।

b) सपा. कृण्महे<>कृण्मसि इति पाभे.।

c) सपा. कृणुमः<>कुर्याम् इति पाभे.।

d) सपा. कृण्मः<>कुर्मः (तैब्रा २, ४, ३, ३ च) <>कुल्मः<>अभूः इति पाभे.।

e) सपा. कृण्मः<>कृण्मसि इति पाभे.।

f) रुद्र, कृण्मः इति पाठस्य स्थाने सपा. काय ११४: ६ उग्रकर्म इति विशिष्टः पाभे.।

g) सपा. काय ११४ : ७ कूर्मः इति पाभे.।

h) लेटि प्रपु१ शप्-श्नू विकरणौ लसा. निघाते विक. स्वरश्च।

i) तु. GRV. Gri.; वैतु. वें. सा. च१ इति?।

j) सपा. कृणवत्<>कृणोतु इति पाभे.।

k) सपा. कृणवत् <> विवक्ति इति पाभे.।

l) सपा. कृणवात् (शांश्रौ १२,१८,१ च)<>करवाम् इति पाभे.।

m) स्त्रग्रोः (=अहोरात्रयोः) बहुत्वापेक्षया क्विप. बहुवचने इति (तु. ?ORN.; वैतु. सा. द्विवचनस्य स्थाने बहुवचनमिति)।

n) सपा. कृणवथ<>कृणवाथ (माश ९, ५,१,४७ च) <>कृणुत<>कृणुतात् (तैब्रा ३, ७, १३, ४ माश्रौ २,५,५,२१ च) इति पाभे.।

o) पाभे. कृते पृ ११३७ *h* टि. द्र.।

p) =सपा. तैब्रा ३,५,७,६;६,१३,४;१२,२ आश्रौ १,

काठ १८, २१[a]; शौ ६, ८३,१; ८. ६,१८; ९,२,७; १०,४४,३; कृणोतु ऋ १, ८४, ३; १०२, ९[b]:१६२,[२२: ४,३९, ३]: ६, ४७.[१२: १०, १३१,६][c]; ७५, १८[d]; ८. ४५,९:९७,१३; १०, १६, ६: ३५, २; [४२-४४, ११]; खि १, ३, ६; ५, ७, २. १०: मा ५, ३७: ७, ४४†; ८.३६†: ११. ५५[e]: ५७[f]: १७, ६९†[d]:२०,५१†[c]:२३.४३:२५, ६१:४५; का ५,९,३: ८,९,१†: ९.,२,४: १२. ५. ६[e]: ८[f]; १८, ४, १७†[d]: २२, ५, ५†[c]; २५, ८,५; तै १, ३,४,१:४.३७,१†: ४४. १:४६,३:७, १३,४[c]†: २, १,११,२[g]; ३, २,८,३[h]: ३,११, १†: ४,६,९,४†: ५,२, १२,२: मै १.३,३७: २.३,८[h]: ७, ५[२e]: १६: ३, ११, १०[i]; १६, ३‡[j]. ४,९,१‡[k]: १२,२[g];५†[c]: १४. ११: १२; काठ ४. ९: ६, १०; ७, १६: ८, १६†[c]: १०, १२[g];

१३†; ३१,१४[l]; ३७,९†; ४६, ५†; ५०, ६; क ३, ७; ४८, ४; †कौ १,४६०;२,३७९;१२२०[d]: †जै १, ४८, ४: ३, ३०, २२; शौ १, ११, १; ३,१५,४; ४,४, ३; ६, ४०,१; २[२]; ५३,३; ५८, १[२]; ७१,१; २: ७२,१: ७३, ३: ७८,३[m]:१०४,३;१०६, ३[n]: ७, ३३-३४, १[m]; ५३, १†, ९१, १‡[o]: ९६,१†[c]:१२३,१†[d]: ८. ८. २: ४: ९, १५, २४: १०,६, ३१: ९, २६; ११.१,६: १२,१, १: २१; २२; ४१: ४३: १४,१, ४७: ४९[२]: २, १२: ३९: ७५: १८,३,१२: ५२‡[p]: ५५†: ६१; १९., ३१, १४; २०, १७, ११: ५५.१:८९,११: ९४,११:१२५, ६†[c]; पै १, २१, २: २७,१: ४: ५८.३: ८८,३: २.२१,२[q]: २८, १: ३; ४: ७५, १-३: ३. २७, ४: ६; ४. ५, ४: १०, १: २१, ५[२]: ४०, २: ५, ४. ९: १७, ३: २८. ४: ५: ७-९: ३७, ५: ६,

१८,१-९; १९, १-९: ७,३,११; १४, १-९: ११: ८.२,११; १८, २; १०, ५. १४: ६, १: १२,३, १२; १३, ३. ५; ५, २: ३[२]; ९, १७; १५, ३. ३ : ५, ४[२r]; १०, २‡[j] : ११ . १† : १२, २‡[s]; १६, ५. ७:८. ११†: २९,२: ३, ४५. १; ५२,५: ७४. ३[२]: ७६: ६: ८०, ९: ८९, ६: १००, ३: १३८, ७: १७, १, १: ३: ३, २: ३:४,१०: ५,१: २: १८,५; १८, ५,४; ५[२]: ८,३: १०,१०: १४, ५: १९, ८, ३; १०, ६[२]: १०; १४; १६, ११: २४, १९: २७, १४: २९, ११: ४६, ५: ४९,२; १२ : ५१ , ४ : ५२ , ६ ; १२- १४: २०, १२. ५: १४,१: ३४, १; ३६, १: ३७. १०: कृणुताम् तै ३, ३, ३. ३: शौ २, २८,२: ४: ३, ३, ४; पै १, १२, २:३; २, ७४,४: ८१, ४: ५, ३७, ३; ८, १२,१: १२,६,४: १९,४३, ७; कृण्वताम् पै १९, ४१, ९:

६,५। गुत्रा २,३८ नु करति इति पाभे., माश १,७,३,१५ पाठाऽभावश्च।

[a]) पाभे. कृते पृ ११३९ *p* टि. द्र.।

[b]) पाभे. कृते पृ ११३५ *d* टि. द्र.।

[c]) सपा. तैब्रा ३,१,१,५ कृणुताम् इति पाभे.।

[d]) सपा. तै ४,६,८,५ अस्तु इति पाभे.।

[e]) सपा. कृणोतु (माश ६,५,१,९ च) <> करोतु इति पाभे.।

[f]) सपा. कृणोतु (माश ६,५,१,११ च) <> करोतु इति पाभे.।

[g]) =सपा. आश्रौ २,११,१२ शांश्रौ ३,६,२ आपमं २, ८,८। हिग १,७,११ नु दधातु इति पाभे.।

[h]) पाभे. कृते पृ ११३९ *j* टि. द्र.।

[i]) सपा. कृणोतु<>करोतु (माश १२, ८, १,२२ तैब्रा २,६,३,५ शांश्रौ ४,१३,१ आपश्रौ ६,११,५ च) इति पाभे.।

[j]) पाभे. कृते पृ ११३७ *p* टि. द्र.।

[k]) पाभे. कृते पृ ११३८ *m* टि. द्र.।

[l]) =सपा. माश्रौ १,२,८,४। तैब्रा ३,७,६,१३ आपश्रौ २,११,१० नु करोतु इति पाभे.।

[m]) सपा. कृणोतु (जैमि १,३६२ आपमं १,८.१० कौसू ४२, १७ च) <> कृणोत <> करोतु <> तैआ २. १८, १ बौध २, १, ३४; ४, २, ११ करोत, आपश्रौ १४,१८,१ दधातु इति पाभे.।

[n]) सपा. खिमा ३०,१ ददातु इति पाभे.।

[o]) सपा. कृणोतु <> धातु <> वेतु इति पाभे.।

[p]) सपा. कृणोतु <> मिनोतु (तैआ ६,७,१ च) इति पाभे.।

[q]) पाभे. कृते पृ ११३७ *n* टि. द्र.।

[r]) मकृत पृ ६५० *o* टि. द्र.।

[s]) पाभे. कृते पृ ११३७ *o* टि. द्र.।

कृण्वन्तु ऋ ३,३७,२; मै ४, ९, २७; शौ २,१३,४;२०,१९,२†; **कृण्वन्तु** ऋ १, १६२,१०;१७०, ४; ३,८, ८; १०, १३७, ६; मा ११,५८[4a]; २३,४२[b]; २५,३३; का १२,५,९[4a];२५,८,४[b]; २७, १३,२; तै ३,३, ८, २; ४,१,५, ३[c]; ४[a]; ६,८,४†; ५,२, १२, १; मै २, ७,६[4a]; ३, १,७;१२, २१;१६,१; काठ ४६, ८†; ५०, ६; शौ ३, ९,३; ६,२३,२; ३[c]; ९१, ३†; पै २, ६६,५; ७५,४; ५; ४,१०, ३; ५, १८, ९†; ७, १४,१०; १६, ७३,५; ७६,७[d]; †**कृणुत्र** ऋ १, १०,[७;८,६४, ११]; ४, ४,१; खिसा २०,४१$; मा १३, ९: का १४, १, ९; तै १, २, १४, १; मै २, ७, १५; ४, ११,५; काठ ६, ११; १०, ५; १६, १५; कौ १, १९४; २, ७०४; जै १, २१, १; ४,७,९; शौ २०, ९३,१; **कृणुत्व** ऋ २, २६,[२; ८, १९, २०]; २; ४,४,५, ७,२५,४; १०, १०, १४, ८५, २०[e]; १४२, ७; खि १,४,६; ३,१६,५; †मा १३, १३; १५, ३९; †का १४, १, १३; १६, ५, २१; तै १, २, १४, २†; मै २, ७,१५†; १२, ४; काठ १६, १५†; क २५, ६†; कौ २,९१०†; जै ३, ५६, १७†; शौ ३, ४,४‡[f]; ४, २०, ५; ७, ३५, १[g]; ३७,१; १०,१, १६; १२, ४, २९; १४, २,५०; १८, १, १६†; ३,८; १९, ४५, ५; पै १, ७६,१; २,४०,२; ७२, ५; ४,२७, २; ८, ६, ११; १२, ३, १२; १३, ३, ८; १४,३, ६; १५, ८,५; २२, ५; १६,३६, ६-१७,१८, ९; १८, १३, ७; १९, ३७, ६[i]; **कृणु** ऋ १, ३०, १२; ४२, ७; ३,२९, १२;६, २, १०; ५३,[७; ८]; ९, ८५, ४; १०, ८५, ४५[h]; मा २, २०[i]; का २, ५,१[i]; तै १, १,१३,३[i]; शौ २, १९, ५[j]; २०, ५; २१, ५; २२, ५; २७,१-६; ३६, ६[2h]; ३, ५, ६; ७;२२,३;४,२२,१;५,६,१०; २९, २;३;१३;६,९९,३[l];१०८, ४[m]; १२१, ४[n]; १२९, २; ३; १४०, १; ७, १३, ३[o]; १२, १, २३; २४; १४, १, ६१‡[p]; १९, ३१, १३; ३२,८;४७, ८;५०, १; ६२,१[2p]; पै २,१६,१; ३२, ५[q]; ३, १३, ७;८; २१, १; ५, ३५, १२; ६, ९, ६; ११, १२; २०,८; ७,९, ७; १२,५; ८, ७, १;२; १०,५,१३; १२,४,८; ५, ५; १३, ४, १४; ९, ३;४; १६; १४,२,५; ४,११; १५, १६, १; २; १६, ३४,४[r]; ५१,४; १७,३, ४;५;४,२; १८, ६, १०‡[e]; १९, १५, ६[q]; २४,१७[r]; ३२,३;४१, १३; ४४, १६; ४८, १७, ५३, ७-९;५४, ३[r];४; ५; ५५, १;२; २०,४४,२; †**कृणुहि** ऋ १,१८, १; १६५, ९; ४, २, २०; ६, १७,३;२५,३; ४४,१८; ८,४८, ६; मा ३, २८; ३३, ७९; का ३,३, २०; ३२, ६, १०; तै १, ५, ८, ८; मै १, ५, ४; ४, ११, ३; काठ ७, २; ९;९, १८; कौ १, १३९; ४५५$; जै १, १५, ५; ४७, ७$; शौ २०, ८, १; **कृणुहि** ऋ १, १३, २; ३१, ८; ३, ६,[६ (६, १०, १) ७, १७, ३ (४)]; ३०, ६; ३१, २०; ४७, २; ४, ४,१४; २२,९;

[a]) सपा. कृण्वन्तु (माश ६,५,२,३-६ च) <>कुर्वन्तु इति पाभे.।

[b]) सपा. कृण्वन्तु<>शमयन्तु इति पाभे.।

[c]) पाभे. कृते पृ ११३८ *c* टि. द्र.।

[d]) सपा. कृण्वन्तु<>कृण्वन्तः इति पाभे.।

[e]) सपा. कृणुत्व (मंब्रा १,३,११ आपमं १,६,४ मागृ १,१३,६ या १२,८ च)<>कृणु इति पाभे.।

[f]) पाभे. कृते पृ ११३५ *h* टि. द्र.।

[g]) पाभे. कृते पृ ११३७ *h* टि. द्र.।

[h]) सपा. मंब्रा १, २,१९ कृधि इति, आपमं १, ४,६ हिगृ १, २०,२ कुरु इति च पाभे.।

[i]) पाभे. कृते पृ ११३६ *f* टि. द्र.।

[j]) अनेजमं कृणु इति पाठस्य स्थाने सपा. मै १, ५, २ आपश्रौ ६,२१,१ प्रतितितितिरिध इति, काठ ६, ९ प्रतिनित्यरिध इति च पाभे.।

[k]) पाभे. कृते पृ ११३६ *m* टि. द्र.।

[l]) सपा. कृणु<>कृणुतम् इति पाभे.।

[m]) सपा. कृणु<>कुरु इति पाभे.।

[n]) सपा. काकृ १३२ : १० कृधि इति पाभे.।

[o]) सपा. आपमं २,६,१२ कुरु इति पाभे.।

[p]) सपा. कृणु<>कुरु (आपमं २,८,४ हिगृ १,१०,६ च) इति पाभे.।

[q]) पाभे. कृते पृ ११३६ *j* टि. द्र.।

[r]) पाभे. कृते पृ ११३६ *k* टि. द्र.।

५, ४२, ९; ४३, ५; ६,४४, ९; ४८,४; ५३, [(१,१३,२) १०]; ७,२५, २; ८,६१, १६; ९,९१, ५; ९४,५; १०, ५१, ५; ११०, २; १३१,२[a]; मा ७,३७†; १०, ३२†[a]; १३,४१; १९,६†[a]; २३, ३८†[a]; २७, २२; २९, २६†; का ७,२०,१†; ११, १०, ०†[a]; १४,४,४; २१, १,५†[a]; २५,७, ६†[a]; २९, २,१२; ३१, ४,२†; तै १, २, ३, ३; १४, ६†; ४, ४२,१†; ५,६, ४†; ४,१,८,३; २,१०,१; मै १,२, २३†; २,७, १७;१२,६;४,११†,१;५†;१३, ३†; १४, १२; काठ ६, ११†; ७, ९¶; १६, १७; २०†; १८, १७; क ५,२†;२९,५. †कौ २, ३९८; ८१३; ९४३ : †जै ३, ५७,२; ४,३, ७; शौ ३,१, ४†; ४,२२,३; ५,११, ११‡[b]; १२, २†;२७, १२; ७,९,१; ११,१, ३१;२०,१२५,२†; पै ३,६, ४; ७१,२;८,१,११;९,१,१२; १६, ९२,१; १८,१६,१०[e]; १९,५३, १-३; २०, ३, २; कृणुतात् ऋ २, ३०, ५; कृण्वाथाम् शौ १४, २, ३७; कृणुतम् ऋ १, ९३,

१२; ८, ७३, ७; मा २७,१८[d], का २९, २, ८[d]; तै ४,१,८,२[d], मै २, ७, १२[2]; १२, ६[d]; काठ १८,१७[d]; शौ ६,५४,२; १४१, ३; कृणुतम् ऋ १, १८२, ३; २, ३०,६; १०, ३६,६; ३९,२; खि १, ५, ९[e];१२, ७; ३, १६,७[f]; तै १, १, १२, १; मै १, १,१३; काठ १,१२; १७,१९; २२,१५; ३१, ११; क १, १२; २९, ५; ४७, ११; शौ ३,२५,६; ६,५०, १; पै २, २२, ४; ८७, ५; ३, १८, ५‡[g]; ९, १, ८[d]; १२, ६, १३; १५,१२,९;१९,८,५; १३, ३[h]; २०, ५; २२, ८; २०, २२, ४; २५, ७; कृणोतम् तै ४, ७, १५,६; मै ३,१६,५; †कृणुध्वम् ऋ ७, ३२, ८; ९; कौ १,२८५; जै १, ३०, ३; कृणुध्वम् ऋ ७, ३,१; ३९, ३; ८, ७२, १; १०, ३४,१४; ६४,७; ७४,५, १०१, २[3]; ७; ८[2]; मा १२, ३५; १५, ५३; का १३,३,६; १६,६,५; तै ४,२,३,२; ७, १३, ४; ५,७,७, २; मै २, ७,१०; १२,४; काठ ७, १६†; १६, १०; १८, १८; ३५, १†; ३८, १३[2]†; क २५,

१; २९, ६; ४८, २†; कौ २, ५६९†; जै ३, ४६, ४†; शौ १९, ५८,४[2]†; पै १, ११०,४[2]; कृणुत ऋ ५, ४९, ५; शौ ११, १, २‡[i]; कृणुत ऋ ५, ५७, ७; ८, १८,११;८०,१०[b]; १०,३१, ८:१०;४८,९; ६७,११; ७८,८; मा ४, ११[j]; का ४, ५, १[3j]; तै १,८,२१,१‡[a]; ३, १,११, ८[k]; ५,२,११,२‡[a];७,२,४; ६,१,४, ४[j]; मै १, ११,४‡[a]; २,३,८‡[a]; काठ १, ९; २, ४[j]; १२, ९‡[a]; १३, १५; १४, ३‡[a]; २३, ५[j]; ३७, १८‡[a]; क १, ९;१६[j]; कौ ३, १,६; जै २, ५,३†; शौ १, ३०,३; २, १३, २; २३, ५; ६, ५५,३; १२३, २[l]; १२, २,३४, १८, ४, ३७; १९, २४, ४; २०, ९१,११†; पै १, १४, ३; २,२, ५?[m]; ४, ३०, १-९; ५,१५, ५, १८, १; ११, २, ५; १५, ६,१, १६, ८९, २†; १७,३३,५; १९, ९,१; २२,११[k]; ४८, १९; २०, ३३,२; ५५, ३; कृणुतान् तै ५, १,७, २[l]; मै ४, १३, ४[2]; काठ १६, २१[3n]; ४०, १३[l]; कृणोत ऋ ३, २९, ९[l]; कृणोत ऋ १,

a) मपा. कृणुहि (माश ५,५,४,२४ च) <>कृणुत (तैब्रा २,६,१,३ च) इति पाभे.।

b) मपा. कृणुहि<>कृणुत इति पाभे.।

c) मपा. कृणुहि<>अकरः इति पाभे.।

d) मपा. कृणुतम् <> कृणुतम् <> गृणत इति पाभे.।

e) °त इति पाठः? यनि. शोधः द्र. (तु. संस्कर्तुः टि.)।

f) कृणु, तम् इति पाठः? यनि. शोधः।

g) मपा. ऋ १०, १८४, २ शौ ३, २२,४;५,२५,३; पै ८,१०,११; आधत्ताम् इति पाभे.।

h) पाभे. कृते पृ ११४१ *l* टि. द्र.।

i) मपा. कृणुत<>कृणोत इति पाभे.।

j) मपा. कृणुत (माश ३, २, २, ७ काश्रौ ७,४,१५ आपश्रौ १०,१२,४ च)<>चरत (माश्रौ २,१,२,२ च) इति पाभे.।

k) पाभे. कृते पृ ११३८ *i* टि. द्र.।

l) पाभे. कृते पृ ११३९ *n* टि. द्र.।

m) °णुताम् इति पाठः? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

n) मपा. कृणुतात् (ऐब्रा २, ६ तैब्रा ३, ६, ६, १ आश्रौ ३, ३, १ शांश्रौ ५, १७, ३ च) <>निवत्तात् इति पाभे.।

१६२, १८; ७,३४,१२; ८,३२, १७; १०,१२८, ५[a]; †तै ४,६, ९,३; ७, १४,२; काठ ३५, ३[b]; ४०, १०; ४६, ५†; शौ ५, ३, ६†; पै ५, २८, २; †कृणोतन ऋ ८, १८, १८; कौ १. ३९५; जै १, ४४, ५: कृणोतन ऋ १, १३, १२; १६१,२; ४,१५,१०; †कृणवै ऋ १,१६५,१०; मै ४, ११,३: काठ ९, १८; कृणवै ऋ १०,१०८,९; कृणवावहै ऋ १०, ९५,१; कृणवाव ऋ ३, ५३, ३; कृणव>वा° ऋ १०.९५, २; कृणवामहै ऋ ८, ६१, ११; †कृणवाम ऋ १,९४,४;१६५, ७; ५, ४५, ६; ८, ६२,४; १०, २,२; १६५, १; मै ४, ११, ३; काठ ९, १८; कौ २, ४१५; जै ३, ३२, ५; शौ ६, २७, १; पै १९, १३, १३; कृणवाम ऋ २, २९, ३; ३, ३५, ५; ४, ३३,५; शौ १२,३,४९; पै १२.१, ३†: १७, ४०, ९; १९, ४०, १३: अकृणोत् ऋ २, १७,६[d];५,४२, १३: ६. ४७,४; ९,९२,५: १०, ३०, ७; ४३,८[d]; १०४,१०: मै ४, १४, १३; शौ १०, ७, ९; १९, ४,१; २०,१७,८; अकृणोत् ऋ २,१७,५; ३,३०, १०; ३४, ३;६,८,३; ४४,२३; ७,१८,५[c]; ११; ३३,५; १०, ६८, ६; ८८, ४; मा २,८; ३३,२६†; का २, २, ३; ३२,२,९†; तै १,१,१२,

१; मै १, १, १३; ४, १, १४[२]; काठ १, १२; क १, १२; †शौ २०, ११, ३; १६, ६; पै ६, ७, ८; ७, ५, २; १६, ६०,९; १७, ७, १०; कृणोत् पै ४, २७, २; †अकृण्वत ऋ १, ३६, ५: ५२, ९; १३२, ३; ७, ४७, १: १०, ४४, ६; ४८, ६; जै ४, १९,३: शौ २०, ९४, ६; अकृण्वत ऋ ३, ११,[४; ७, १६,१२]; १०, १३,४[e]; ७७,२; ९२,२; कौ २. ८६४†, जै ४, २१, ७†; शौ ८,५,१४; पै ९, ८,१; १९,,२४, १६; कृण्वत ऋ १, ७२,[५; ४, २४,३]; १००, ७; अकृण्वन् ऋ १,७२,१०; ४,१,१०; १३, ३: शौ १, २५, १; ४, २३, ६: ७,८४,१; ११,१,२४; अकृण्वन् ऋ १, ३१, ११[२]; २, ४०, [१; १७, ४]; ४, ३३, ७; १०, ४६, ४: ८८,१०; १२; तै १.८,२२, ५†; †मै १,३, ३५‡[f]; ४,११, २:१३,५; †काठ ८, १७: १८, २१; शौ १०, २,२; पै १, ३२, १:४,३३,६;१६,५९,२;९१,४: २०,३२,१; कृण्वन् पै १,१०८, ४: १६, १०५, ४; अकृणोः ऋ २, १३, [२-४]; ८, ९१, ७[g]; १०,१३५,३; १३८,६: शौ १४, १, ४५†[g]; अकृणोः ऋ २, १३, ५: १७,३; ४,१९,६: २८, ४;६,१,१; १०,११२,८; १८०, ३; खि ५, २१,२[h]; मा ८,४६:

१७, २४; का ८, २१, १; १८, २,९; तै १, ६, १२, ४†; ४,६, ७, ६; मै २,१०,२; ४,१३,६†; काठ ८,१६†: १८,२; २०†; क २८,२†; शौ ७, ८९,२†; २०, १३५, १२[h]; पै १, ७७, १; ३, २७, २; ४, २६,७†: अकृणुतम् ऋ ६, ६९,५: अकृणुतम् ऋ १, ११६, १०; १४; १०, ३९, ८: अकृणुध्वम् ऋ ४. ३५, ९; अकृणुत ऋ १,११०. ३; अकृणोतन ऋ १, ११०, ८: १६१, ७; ११: कृणवम् ऋ १०.४९.१: कृण्वीत ऋ ८.२३,१९.

¶कुरुते तै ६, ६,८. ४: ७.१.६, ४,५. ८, ५: मै ३, ८, ३[२]; ४, २, ९[२]; कुरुते ¶तै १,५,८,२[२]: ६,१०,१[२];२[२]: ४; ७,१, ६; ५, ३; २,३,१,२; १२,२; ५.७,५[२]; ११,१; ६,१,७: २,२: ३.३,४, ३: ४,३,७; ५,१,२,४: १०, ४; ३,७, १: ९,२: ११.२: ४,१,४; ७, ४: ६, ६, ७. ७,६ ७. ६,१, ९, ३: ५,३,३; ११,४: ६,४,२: ९, २; ७,२,५.४: ¶मै १.५,९: २, २, १०: ३.४,५: ४,१,५;७: २,९;८,३[२]: काठ ७, ११: १०, ८; ९; ११, ५: १२. ८[२]: १३; १९.२: २१. ६:७: २२,२: २३. २:३; २४,३: ५;६; ७[२]; २६,२: ७;२७. १: २: २८, ५; ९; २९. ८[२]: ३१,३; ३२, २[२]:४;६;३४, १८; ३७, १२[२]: ¶क २९, ८;

[a]) पाभे. कृते पृ ११३५ *e* टि. द्र. ।

[b]) पाभे. कृते पृ ११४० *m* टि. द्र. ।

[c]) उपु१ इति GW. Gri. Egg (माश ११, ५, १७), सा. उपु२ इति । [d]) तु. सस्थ टि. आ ।

[e]) सपा. अकृण्वत<> अतनुत इति पाभे. ।

[f]) मपा. अकृण्वन्<>अपुनन् इति पाभे. ।

[g]) =सपा. जैमि १,२२१ । आपमं १.१,९ तु अकरत् इति पाभे. ।

[h]) °णोः इति पाठे? (तु. सपा. शौ २०, १३५, १२. [शंपा. सात.] अ° इति) यनि. शोधः (तु. RW.) ।

३५,८; ९; ३७, ४: ६: ७; ८[२];
४०, ४; ५: ४१, ५: ४२,१: २:
४४, ५: ९: ४७, ३; शौ ९, ७,
१;२; १५,११,५: करोति खिसा
२९, ४३: मा २२, ८: का २४.
३,६; ¶तै २.२,५,५; ६, ४, ४:
३. ५. ४,४: ४.२,६,५†: ५,४.
६, १: ६.१,१,१: ७,४: १०,१:
११, २: २, १,१: ९, २: ६. २.
१[a]: ३. १: ७. १. १९. ३§:
¶मै १, ६. ४: १०: १०, ७:
१३[२]: ११, ९: २. १. ४: ३.७.
९[२]: ८, ४: ६: ७: ९. ७: ४.
१,२: ९: १२: २, १: ३. २: ९:
५, ४: ६, २: ३; ७. ८: ९[२]:
करोति ¶तै १, ५. २, ३: ७,
२[२]: ३: ८,५:९,५: ६,८, २:७,
६,५: २, १, १. २: ३,३: ४,३:
६, १; २, २,४: ४, १: २: ४:
५: ५, ५: ७: ७, ३: ८, १: ४:
१०,२: ३: ११,२:५: ३. १,२:
३,५:४,२: ११.३: ५: १३,३:
५,५,१: ५; ६: ८,१:१०, १:६.
२, २: ३, ६: ४, ३: ४: ५,
१;२, ३:९,८: १०, २: ३, १.
३, २;९,३: २, २, १.४. ३, ६.
९, १: २; ३[२]: ४: ५; ६: ५,
९, २; ५, १, ५. १; ६, ४:
२, १, ५[२]; २, २;३, १, १:
४: ८, २; ३; १२, १: ४, १,
४; २, ३; ३, ३ ; ५, १ ; ६,
१; ७. ७: ५, ५. १; २: ६,
३; ७, २;३: ४: ६,९, १: ७,
२,१; ३, ३: ६,१,१, १;३, ७:
४,६; ५,५; ७,२; ३; ५; ६; ८;
८,५; ९,४; २,१,२[२]; ३: ४,५;
९,१; १०, ३; ४; ७: ३, ४,१;

६,४: ७, ५; ८,१[३]; ३[२]: ४: ९,
४: ४,१,३: २,६: ३, १: ८,२:
९, ३: ५, २, १: ७, ३: ९, ४:
६, ३,२:५,१: ७,१,६,७:८ :४,
५. १: ¶मै १, ४, १२;५, ६;
७, ३; ४: ८, १: ४:५: ८[२]:९:
१०, ७: ११: १३; ११,७: २,
१,३: ४: ८; ९: १०: २,२: ३:
५;७; ३,२;५: ५,१:४:८:१०:
३, १, २;३: ७: २, २: ७: ३.
८: १०; ५, २: ६, ४: ६: ८,
४: ६; ९[२]: ९. ३[२]: ८. १०,
३: ४: ७; ४,१. २: ३: ५:
६: ७[२]; ८: ९: १०: १२:
१३: २,९: ३, ४: ५: ६: ७:
८: ४,१; ९: ५,२:६,२: ७,
४: काठ ६, ४; ५;६: ८: ७,४:
५:८, २[३]: ७; ८: १२: १३: ९,
१: १४[२]: १६: १०, १: ३:४,
६;८:१०;११: ११, १[२]: २:
४[२]: ५; ६: ८: १०[२]: १२, ४;
५: ८[२]: १५‡[b]; १३, १: ४:
७: १०[३]: १२: १४ ५:६:७:९,
१८,१९[२]: १९,६: ७: ८:२०,
१: ६: ७; ८: १० : २१, ८:
१०[३]:११; २२, १२[२]:२३,१:३:
६: २४, ३: ६-८: २५, ३;
५[३]: ७: ८: ९: १०: २६, १:
२: ३: ४: ५; ६: ७;८: २७,
१[२]; २: ३: ४[२]: ५: ६: २८,
१[२]; ३-५: ७-१०; २९, २; ३[२];
४: ८; १०; ३०, १[२]: ७;९[२];
१०: ३१,१;२:३;४: ५;६[२];
७; ८[२]: ९: १०: १२[२]: ३२,
३;४; ६[२]: ३५, १६: ३६, १[३]:
५[२];७[३];१३: ३७.१;३;११;१६;
१७[२]; ४१, १०; ¶क ४,३;४[२]:

५:७; ५, ३[२]: ४: ६, ७[२]; ७, ३;
४;७; ८, १; ४; २९, ७[२]; ३०,
४: ५; ३१,३: ७-९;१०[२];१२;
३५,५;७; ३७,४;७;८;३८, १;
६; ३९,२:५: ४०,१; २: ३;
४[२]: ५; ४१,१: २: ३:४: ५[२];
६: ४२, १[२]; २; ३: ४[२]; ५:
६[२]: ४४, १ : ३ : ५: ७-९;
४५, १; ३; ५: ४६ , ३ : ४;
८[२]: ४७, १[३]: २; ३[३]; ४;
५: ८[२]; ९; १०: ४८, १४,
शौ १२, ९, ७: पै १६, १२०;
२: १२३,१: २: ३[२]: ४: १४५,
७: १९, ४०, ९: ¶कुरुतः तै
२. ५,३, ४ : मै ४, ६ . ७;
कुर्वते तै ७,५.९,२¶; काठ ३८,
१४: शौ ७,५६, १: ८, ६, ११;
१४: कुर्वते ¶तै ७, ५, ८, ५;
९, २; शौ १२, १०, १; ३: पै
१६,८०, १: ६: १४५, ९: ११;
¶कुर्वन्ति तै २,५, ५, ६: ५,१,
२, २: ७, २,१,४[२]: ३,३,२: ५,
७, २: ३; मै २, १,१०: ३, १:
७: कुर्वन्ति ¶तै ७, २, ५, ५,
३,३,२: ४, २,३; ¶मै १, १०,
१७; २, ६, १: ६: ३,१, १०:
६,१; ४,१,३: ३,१; ४,६; काठ
६,४: १५, १: २: ५: १९, ६:
१२: २०,६: २२, १३: २५,५:
९:१०: २६,५; २७,२[२];४: ३१,
१२; ३३, ६; ७[३]; ३४, ३; ७¶:
३६, १२: १४: ¶क ४,३; ३०,
४; ३१,२; ८: ३९, २[२]; ४०,२:
३: ४१, ३; ४२, २[२]; ४ ; ४७,
११: शौ ८, १२, ६; करोषि कौ
१,३२७; जै १, ३४,५; करोषि
मै ४, ८, १¶; कुर्वे शौ ६,

[a]) तु. सस्थ. टि. अपि ।

[b]) पाभे. कृते पृ ११३४ *h* टि. द्र. ।

१३५, १: १२, ४,६; पै ५,३३, ७; १७, १६,५; करोमि खि २, १०,२; मै ४, २, ९; काठ ३८, १२: करोमि तै १, १,१०,२‡[a]; ३,२,१: २,३,१०,३[b]; ३, १,४ ४[c]; ५, ६, २‡[a]; मै १, ८,११; १०,४: २०; ४, ¶२,१२; १३: ९, २७: काठ ९, ७; ३६, १४; क ८,१०; कुर्मः ऋ १०,५१,७; मा १७, ५२; का १८, ५,३; तै ४. ६, ३, १; मै २, १०,४; ४, १४,१५†: कुर्मः खि ४, ३,१[d]; तै ४, ७, १४,४[d]; ६,३,८,९¶; मै १,६, १०¶: काठ १८, ३; क २८, ३: कुल्मः खिमा २८, १[d]; करवत् तै २, ६,१०, २¶; करवात शौ १०, २, ५: करवः मै १,६, १०¶: करवः शौ १३, १, ५६; ५७: पै २०, २७, ५: करवाम् खि ५, १५,१६[e]; करोतु खि २, ६[२], १९[f]: तै १, ८, ५,२; करोतु मा १९,४८[g]; २८, २२; का २१, ३, १९[g]; ३०, २, ११: तै १, ४,४१, १‡[h]; ६, ६, ८; ३, २, ७, २: ४,१,५, २[i]: ३[j]; काठ १३, १५[k]; १६,५[२।l]; ३८, २[g]; पै १६, ५०, १: कुर्वताम् शौ १९, ७,४; कुर्वन्तु काठ १६, ५[४l]; १९, ६; क ३०, ४; कुरु ऋ १०, १४५, २[m]: खि ४, २, १०[२]. ६, १०[२n]; ८, ९[o]; खिमा २७,११: मा १६,३;२६, १; ३२, १४[o]; ३६, २२[२]‡[p], का १७, १, ३; २८, १,२; ३५, ३, ११[o]; ३६, १, २२[२]‡[p]; तै २, ६, १०, १; ३, ३,१, २[२q]: २[r]; ४,५,१,२: ६,३, १, २¶: ७, ४, १६, १: मै २, ९, २; ४, ७, ३[२r]: ९, ५: काठ १७, ११;१६; ४४, ५; क २७, १; ६: शौ ११, ११, १; १५: २२; २४; १४, २, २०; पै ५.३४,५.६,२२,१७; ८,६,१०: १२, ९; १०, १,४; १८, ९, १: १९, ३५, १३; ४७,९[२]; ¶कुरुध्वम् तै ६,३,१,३; कुरुत मै ४, २, ९; काठ २३, ५¶; कुर्वाणि पै १९, ३८, २; ¶करवाम काठ ७, १०: क ५, ९; ¶अकुरुत मै १,९, ३: २, ४,२; ¶अकुरुत तै ६, ५, ११, ४; काठ २०, ३; २५, ७; क ३१, ५: ३९, ५; अकरोत् ¶तै २, २, ८,५; ३,४, ३; ¶मै २, २,४;४,३; ३,८,२; काठ १०, ११; ११, ३; १९, ६; २४, ७; क ३०, ४; ३७, ८; शौ १०,२, १६; ¶अकुरुताम् मै ४, २, १३; अकुर्वत ¶तै १, ७, ३, ३; २, ५, ४, १; ३,२,२,२; ४, ६, १; ५, ३, ३, १; ६,४,६, १;११,१;६,९,१; ¶मै १,९,८; २,५,३; शौ ६,१२८,१; ¶अकुर्वत खि ५,३,३$[s]: तै १, ५,९, ३;७,३,३; २, ५,४,१; ३,२,२, २[२]; ३[४]; ४, ६,१; ५,१,१०,४; ३, ३, १; ६,२, १, ६; ४,६,१; ११, १; ६, ९, १; मै १, ९,८; २. ५, ३; ३, ६,१०; ४, ६,८; काठ ९, १५[२]; २०, ६[२]; १३[२]; २३,७[२]; २४,८; २६,१०[२]: २७, ९[२]; २९,१[२]; ३०, ७[३]; ३१,९[२]; ३७, १२[२]: १४; क ३१, ८[२]; १५[२]; ३६, ४[२]; ३८,१; ४१,८[२]; ४५,२[२];४७,९[२];अकुर्वन् ¶तै २, ४, १, १; ¶काठ ७.१०; १०, ७; १२,७[२]; २९,२: ¶क ५,९; ४५, ३; शौ १५, ४, २; ५; ८; ११; १४; १७: अकुर्वन् ¶तै २,

[a]) पाभे. कृते पृ ११३८ *n* टि. द्र. ।

[b]) =सपा. पागृ १, १६, ६ आपमं २, १४, ५-९। काठ ११,७ तु अस्तु इति, मै २,३,४;५ एधि इति च पाभे. ।

[c]) सपा. काठ ३०,८ अस्तु इति पाभे. ।

[d]) पाभे. कृते पृ ११३९ *d* टि. द्र. ।

[e]) पाभे. कृते पृ ११३९ *l* टि. द्र. ।

[f]) पाभे. कृते पृ ११४० *m* टि. द्र. ।

[g]) पाभे. कृते पृ ११४० *i* टि. द्र ।

[h]) सपा. करोतु (तैआ १०, १, ११ मना १,११ च) <> धातु इति पाभे. ।

[i]) पाभे. कृते पृ ११४० *e* टि. द्र. ।

[j]) पाभे. कृते पृ ११४० *f* टि. द्र. ।

[k]) सपा. तैब्रा २,४, ८,७ मंब्रा २,१, १५ आपश्रौ ६, ३२,१० माश्रौ १,६,४, २६ पागृ ३,१,४ कृणोतु इति पाभे. । [l]) पाभे. कृते पृ ११४१ *a* टि. द्र. ।

[m]) पाभे. कृते पृ ११३६ *h* टि. द्र. ।

[n]) पाभे. कृते पृ ११४१ *p* टि. द्र. ।

[o]) पाभे. कृते पृ ११४१ *m* टि. द्र. ।

[p]) पाभे. कृते पृ ११३५ *j* टि. द्र. ।

[q]) सपा. कुरु (आश्रौ ६, ३, २२ वैताश्रौ २५,१४ च) <> भूयासम् (माश ४, ५, ४, १२ शांश्रौ १०,३,१० च) इति पाभे. । [r]) सपा. कुरु <> भूयासम् (माश ४,५,४,१२ शांश्रौ १०, ४,१२ च) इति पाभे. ।

[s]) सपा. खिसा ३६, १० अकुर्वतम् इति पाभे. ।

५, ३, ४[२]; ५, १, ७, २; ¶मै २, ५, ९: शौ १५, ५, १; ४; ६; ८; १०; १२; १४; कुरुथाः शौ ५, २२, ११; ¶कुर्वीत तै १, ७, १, ६; मै ४, २, ९[२]; ¶कुर्वीत तै ३, १, ७, ३[२]; ५, ५, १, ५[२]; ६, २, १, ५; ७, १, ६, ४; मै ४, २, ९[५]; काठ ६, ३; ११, १; १२, २; २६, १; ३७, ११[२], १२; क ४०, ४; कुर्यात् खिमा २९, ४३; ¶तै ५, ४, ७, ७; ५, १, ३[२]; ७, ५, १; ६, १, ५, ५; १०, १; ¶मै १, ६, १०; २, १, ७; १०, ३, ६, ५; ६; ९, ४; ४, २, १३; ७, ९; ८, ७; ¶कुर्यात् तै २, २, ९, २; १०, २; ३, ३, ५; ५, ५, २; ३[२]; ६, ८, ४; १०, २; ३, १, ३, २; ४, ३, ८; १०, ४, ५, १, १, ३[२]; ६, ४; ८, ३; ४, ३, ४; ५, १, १; ७, ८, ३; ६, २, ३, ३; ४; ४, ९, ३; ७, २, ७, ४; ५, ५, १; मै १, ५, १२; ६, ४; ८; ७, ३; ४[२]; १०, ७; ११; २, २, १३[२]; ३, १, १[२]; २, २; ५; ७; ४, ६[२]; ६, १[६]; ५; ६; ९, ४; ४, १, ७; १०; २, ९; १५; ३, ५; ६; ५, ३; ६, ४; ८[२]; ७, ४; ९; ८, ७; काठ ६, ७; ८, १०; ११; ९, १; २[२]; १०, १; ४; ५; ११, २; ३; १२, ४; ५; ६; ८[३]; १३, १०; १८, १९[२]; १९, १[२]; ५[२]; ६[६]; ७; ८[४]; ११; २०, ५; ६; २१, ६; १०[२]; २२, १[२]; ७; १३; २३, १-४; ९; २४, ५; १०[२]; २५, १[४]; ४; ७; १०[६]; २६, ४; ५; ६[४]; ७; २७, २; ५; ६; २८, १;

२९, ४; ८[७]; ३१, २; ८; ३४, ४; ३६, १२; क ४, २; ६; ७, ६; ८; ८, ४; ५[२]; २९, ७[२]; ८[५]; ३०, ३[२]; ४[८]; ५; ३१, १; ८; २१; ३५, १; ७; ८; ३६, १; ६; ३७, ६; ३८, ३[२]; ४[४]; ३९, १[२]; ५; ४०, ३[६]; ४१, २; ३; ४[४]; ५; ४२, २; ५; ६; ४५, ५; ४७, २; ८; §ऐ ७, ९, १०, १६, ११९, १-३; कुर्वीरन् काठ ३४, २¶; ¶कुर्युः तै ७, ३, ३, २; मै २, १, ८; ३, ७, २; काठ १०, ११; ¶कुर्युः तै ७, ५, ५, २; मै १, ४, ८; काठ ३४, ४; ७; ३५, १८; क ४८, १६; ¶कुर्याः मै ३, ९, ४; ¶कुर्याम् मै ४, ६, २; ३; ¶कुर्याम् मै २, १, ९; ४, ६, २; काठ १०, ११; २७, ६; क ४२, ६; पै १९, ४०, ८[a].

चक्रे ऋ १, २५, ⌊१५; १०, २२, २⌋[b]; २, ४०, ४; ४, ४, ४; ४१, २; ५, ३०, ९; ६, ४, ४; ८, ४१, ६; १०; १०, १०५, ७; मा १३, १२†; का १४, १, १२†; †तै १, २, १४, २; ३, १४, ७; †मै २, ७, १५; ४, ११, ३; १४, १; काठ ९, १८; १६, १५†; क २५, ६†; शौ ४, १७, १; ५, ८, ८; ९, १४, ११; १०, ७, ३२-३४; ३६; १२, १, १०; १९, २०, ३;

चक्रे ऋ १, ३३, १०; २, १०, २; ३, ५, ६; २७, ९; ४८, ३; ⌊४; ७, १०१, ३⌋; ५, ८०, ३; ७, ६, ५; ८७, ५; ९, ७०, १; ७३, १; १०, ९०, ८[c]; १२३, ८; मा १०, ७; ३१, ६†; का ११, ४, ३;

३५, १, ६†, तै १, ८, १२, १; मै २, ६, ८; काठ १५, ६; †को १, ५६०; २, ७७३; ८२९; ११९८; †जै ४, २६, १०; शौ १, २४, १; २; २, २७, ३; ८, ९, २; ९, ३, ११; १३, १, ११; ३, २५‡[d]; १९, ६, १४†; पै १, २६, १; २; १०८, ३; २, १६, २; ५, २३, १; ७, १८, ९; १६, १८, २; ४०, ३; १७, २, १; १०, ३-६; २०, ६१, ७; चकार ऋ १, २४, ८; ३२, १; ८०, १; १६४, ३२; २, २४, ५; ३, ३१, २; ४, १६, १६; ६, २१, ४; ७३, २; ७, ६, ४; ५; २६, ३; ८७, १; ९८ ⌊(५, ३१, ६) ५⌋; ८, ७०, ३; ९६, २; १०, ८६, ३; खि १, १२, ७?; ४, ५, ५; मा ८, १३; २३; १२, ६५; १८, ३४; का ९, ४, १; १३, ५, ४; २०, १, ४; ५; तै १, ४, ४५, १†; ८, १, १; ६, ६, ३, २†; †मै १, ३, ३९; २, १२, १$; ३, ८, ३; ४, ८, ५; १४, १३; †काठ ४, १३; १६; ९, १९; १२, १५; २९, ३; †को १, २४३; ४१०; २, ५०५; ३, ३, ११; †जै १, २६, १; ४०, २; २, ३, १; ३, ३९, ४; शौ २, ५, ५†; ९, ५; ३, २४, २; ४, १८, ६[२]; ५, ८, ७; १४, ६; ९; ३१, ११[२]; ७, ११४, ५; ९, १५, ७; १०†; १०, १, २८; ८, २६; १३, १, ५२; १९, २०, २; †२०, ८७, ५; ९०, २; ९२, १८; १२६, ३; पै १, १०८, २; चकार ऋ १, ११६, १६; ११९,

[a]) पाभे. कृते पृ ११३९ c टि. द्र. । [b]) तु. गस्थ. टि. आ । पृ ६१६ आ…चक्रे इत्यत्र यनि. शोधः । [c]) सपा. काठपु ८ चक्रिरे इति पाभे. । [d]) सपा. ऋ १०,११७,८ पृति इति पाभे. ।

⌊१०-१३⌋[a]; २,१५,⌊२-९⌋; ३, ३४,७; ४,१६,४; ५,३२,⌊७(७, १०४, १६)⌋; ४५, ७; ६, २१, ३;२७,१; २; ३९, ३;७, ६, ३; १८,१७;८८,४;१००,४; ८,२, ३४; ९, ९७, ४१; १०, ६८, १०; †तै २, ३, १४, ५[२]: ¶मै ३, १,३; ४,६,२;६;१४,५[२]†; †क ३, ११: ४५, ४; †कौ १, ५४२; २, ६०५; †जै १, ५५, ९; ३, ४९, २; शौ ४, ६, १[b]; ६, ६५, ३; ९, ३, ३; †२०,११,७; १६,१०; ७७, ४; पै २,१०, २[२], २८, ४; ४९, १-५; ७१, १; ५, ८,८: २४, ५[२]; ३०, २; ७, १, ५: १२; ८,१२, ५; ९, ९, ४: १०, ७; २२, ३: १३,६,१†; १६,३५,२:५; ३७, ७;९;३९,३;६९, १†; १०३,३: १८,२०, १;१९, ११,९; चक्राते ऋ ३,५४, ६; ५५,११: ८,२६, १३; २९, ९; पै २०, ५५, ९; चक्रतुः खि ३,१५,८; चक्रतुः ऋ १, १५९, २; मा ८,३७; का ८, ११,२; पै ८,१२, ५?: १९,२८, ५; ?चाक्रतुः पै १२,३,१; चक्रिरे ऋ १,४०,५; ८५,१; ९,७८,४: १०,१५१,३; १५४,२; मा ३४, ५७†; का ३३,२, २०†; मै १, ६, २†; २, ७, १५[c]; काठ ७, १४†; १६, १५[c]; कौ २. ११८०†; शौ ४,७,७; ५,६,२; ८,६; ११, १२, १७; १८, २, १६†; चक्रिरे ऋ १, ३६,⌊८;७,

६०, ११⌋; ८५, २: ७; १०; २, १,१३; ५,८, ६;५८,७; ६०,४; ७,६०, ११; ८,१९,१८: तै ४, १,११, ३†; क ७,४†: २५,६; जै ३,१,२; पै ६,११, २; ७,३, ४;१८, ७[२]; ९, ५,१२†: †चक्रुः ऋ १,७१, २; ७३, ७: ४, ३३, ⌊३(३५,५)⌋;६:⌊८. ३६,२⌋:१०; ३४, ⌊९(७, ९१, ३)⌋: ६, ७१, ११;७,६३,५: ९,९६,११; १०, ३९,१२: १६९,२; मा १९,५३; का २१,४,३: तै २, ६, १२,१; ७,४,१७,१; मै ४,१०,६: काठ २१,१८†; शौ ४. १७,८[२]:१८, ५; ५, ३१, १[३]: २[२]-५[२]: ६[२]; ७[२];८;९: ६, ११६, १: १४१, ३: १०, १, ८; १४, २, ६५; १९, ३५, १: ३: चक्रुः ऋ १, ६७, ५: ६८, ३: ४, १६, ३:७, १८, ६; १०; ९१.⌊(४, ३८,९) ३⌋:१०,१३०,२: मा२७,२३†: का २९, ३, १†; मै ४, १८, २†; काठ ४४, ६†: शौ १०. ७, ४४†; ११, ११, २५; २०, ७७. ३†; पै २. १५, ५[d]: ६४, १; ७१,४[२] : ७३. ५: ४, १७, ४: ५, २३, ६[२] : २४, ६, ६, ७, ९: ११, २,८;४, १:२; १६, ३५,४: ३६,८:४९.७: १७,२२, ६;८;१०; १८,१३,४; १९,२२, ८;२८,६: ५१, ६†; †चकृम ऋ १,५२,१२;४,३५,७; ६,२३,६: ८, ६३, ८: ७७, ७; ९,८८, १: कौ २, ८२१: जै ४, ४, २; शौ

१८, २, २०$; †चकृमे ऋ १, ५२, १४; ११३, ९; ५,३०, ४; १०, ८, ६; मा १३, १५; १५, २३; का १४, १, १५; १६, ५, ८; तै ४,४,४,१; मै २,७, १५; काठ ८, १६; १६, १५; पै १९, ५२, २$; †चकृथं ऋ १,६९,४; ११३, ९;१३१,५; २, १३,११; ४,३०,८;३२,११;५, २९,⌊१३; ३१, ६⌋; ३३, ४; ८, १००, ६; १०,५८,४; १०८, ९:११२, ५; ११६,३; शौ २०,७५,३; चकर्थ ऋ १, ५९, ⌊५; ७, ९८, ३⌋; १६५,७: ३,१, १; ३०,१७;५, ३१, २; १०,७३,७; ८; ७९,६; †मै ४, ११, २; ३: १४, १३; †काठ २,१५; ९,१८; २३,११; शौ ६,१००,३[b]; २७,८७, ३†; पै १,९३,४; १९,१३,६; चक्राथे ऋ १, १०८,३; ‡चक्राथे[e] मै २, ६,९: काठ १५,७; †चकृथुः ऋ १,९२,१७;१०८, ५;१६४,१९; ४, ५७, ५;६,५९,१; ७,८२,५; कौ २, १०८६; शौ ३, १७, ७; ९. १८, १९; †चकृथुः ऋ १, ९३, ⌊६; ७,९९, ४⌋: ११६, ९; २२[f]; ११७,१३;१७; ⌊२१ (७, ५, ६)⌋: ११८, ६; १५९, २; १८२,५;६,७२,१; १०, ३९,७; ९: तै २, ३,१४,२; मै ४,१४, १८; काठ ४, १६; पै १६, ६७, ९; †चक्र ऋ १,८९, ९; १६५, ११; मा २५,२२: का २७,११, ९; मै ४, ११, ३; १४, २; काठ

a) पाभे. कृते पृ ११३४ *m* टि. द्र. ।

b) सपा. चकार<>चकर्थ इति पाभे. ।

c) सुदांसि चक्रिरे इति पाठस्य स्थाने सपा. खि २, १४, ९ सदस्कृतम् इति पाभे. ।

d) सपा. शौ २,३१.५ आविविशुः इति पाभे. ।

e) सपा. चक्राथे<>चक्षाथे<>चक्षाथाम् (माश ५,४,१, १५ च) इति पाभे. ।

f) तु. सस्थ टि. आ ।

९,१८;३५,१; चक्र ऋ ७, ५६, २३: पै २०, ४६, ५: चकर् मै ४,१४,१७; †चकर ऋ १,१६५, ८; मै ४, ११, ३: काठ ९, १८; चकृम, >मा ऋ १, ३१, १८; १७९, [५; १८५, ८; ५, ८५, ७,७,९३,७]; २,५, ८:२७,१४; ४,२,१४;३, २;१२, ४:५४,३: ७,३१, २: ८६,५: ८,४६, २५: १०, १०, ४: ३७, १२: ७०,८; खि ३,२०, १: मा ३,४५: १९, ५५;२०,१४-१७; का ३,५, २; २२,१, १-४; तै १,८,३, १;५, ३; †४, १, ११, १:७, १५, ६; मै १,२,१०:१०,२[२]:२, ७,१०; ३, ११, १०[३]; १६, ५†: ४, १०, ३;१४, २†; १७; काठ २, १५†;९,४[२]; ६: ३८, ५[४]: †कौ २, ६७: जै ३, ७, ५†: शौ ६, ११४, १; ११५, १; ११८, १: ७,१११, १: १०, ३,८; १२,२, ४०; १८, १, ४†; पै १६, ४९, १: चकृम, >मा ऋ १, ७६, ३: १०१, [८: ९]: १६२, ७: ३,७१,४; ३,१,२: ५२, ५: ५८, २;१०, १५,४: १००, ७: †मा १९,५५;२५,३०: †का २१, ४, ५; २७, १२,७; †तै २,६,१२, २: ४, ६, ८, ३: †मै ३,१६, १; ४, १०,६ :†काठ २१, १४; ४६, ४; क ८, ७[२]; १० : शौ १८,१: ५१†; पै ६, ३, १२;९, २२,५; १०,९,४; १६, ४९, ४; ५०,३;६३,९; १७,३४,१;२०, ४,२:९; करिष्यति ऋ १,१६४, ३९; काठ १०, ६; क २७, १; शौ ९,१५, १८†; १०, ६,२; पै १६, ४२, २; ६९, ८†; करिष्यतः पै १९, ५२,९: करिष्यसि ऋ १,१, ६; पै ८,२, ६[a]: करिष्याः[b] ऋ ४, ३०, १२३(८, ३, २०:३२,३)]: करिष्यथः मा ११, ६८; का १२, ७, ३: तै ४, १, ९,२; मै २, ७,७; काठ १६, ७: पै १५, २१,१; करिष्यथ ऋ १, १६१, २; करिष्यथ शौ ५, १३, ७[a]: पै ९, ६, २: ¶कर्ये मै ४, २, ९: करिष्यामि ¶तै ५,५,२, ४; ६, ५, ९,१; मै २, २,१¶; काठ ११, ६¶: शौ ५, ८, २; पै ७, १८,२; ¶कर्ष्यामि मै ४, ७, १३: क्रियासम् तै १, ६, ४,४; मै ४, २, ९: काठ ३९, ५; पै २०, ५३, २: क्रियाम ऋ १०, ३२, ९[?c]: क्रियास्म ऋ ६, २३, ६: पै २०, ३६, ६: अकृत ऋ ५, ३४, ८: तै ३,१,४,३†; ५, २: अकृत ऋ १, १२४, ४; १८१,१; ३,२६, ८:८,४६,२४; तै ६,४,५,४¶; ७,५, १९, १[३], ¶मै १,५,९;१०[२]; ११[२]; २,१, २;५;३,२; ३, ३,४[३];७,१;४,१, १२; १४; ५, ५;७;१३,९; काठ ३७,१६[२]¶; ४५, १५[३]; †अकारीत्[d] ऋ ४, ३९, ३: काठ ७, १६; अकरत् शौ १,२४, २; ९, २,११; पै १,२६,२: ४,१३,१; १९,१-६‡[e]:५,१,१; १६, ७६, १०;१९,२४, १८[f]; २०,३३,३; अकः[g] ऋ २, १२, ४; ५,८३, १०: ७,७७, १; ८,७३, १६; तै ४, १, २, ४: ¶मै ३,२,८;६, ६:९:४,६,८; शौ १,८,१; २०, ३४, ४†: पै १३, ७, ४: अकः ऋ १,२४,८[h]: ३३, १५: १२३, ७: ३,५९, ९:४, १८,५:५,२९, १०:८०,६:७,७६, १; १०, ५३, ३[?]: खि ४,९, ४:५,१०,२[i]; मा ८,२३[j]; ११,२२: १७,६३;३८ ५†: का ९, ४, १: १२, २,११; १८,५,१४:३८,१,५†: तै १,१, १३,१:३,१४,२[२]†:४, ४५,१†; ५,२,३¶:६,४,२: ¶२,४,९,२; ५,७, १:६,१,६: ४,३: ¶३,१, १०,१: ४, १०,३: ४, ६,३, ४; ¶५,१,७,४: २,१, ४:८,७:१०, ७§;¶६, १, ७, ६: ४, ८, १: ¶मै १, १, १३§; ३, ३९†;४, ८[२]; १०: ५, ६;७: ६, ६[२]; ७[२]: ८, ४: ९: ९, ५; ७: १०, ७: ११, ७: २, १, २[२];३[२]; १०[२]:२, ३: १२:१३: ३, ३;७; ४,५: ५,२; ७,२§: ३, १,३;४; ५[२]; ६:९[२]: २,१-३: ८;३,१;८; ६, २[२]: ५; ७,५: ६[२]: ८[४]; ८, २; ५: ९, १[२]: २[२]; ¶; ३; ४:

a) सपा. करिष्यसि<>करिष्यथ इति पाभे.।

b) लेडर्थे लृटि आडागमः।

c) विशेषः पृ १०९७ *k* टि. द्र.।

d) धा. स्तुतौ वृत्तिः (तु. तात्पर्यतः सा., PW. GW. WAG [१,१२३] प्रमृ.)।

e) पाभे. कृते पृ ११३४ *m* टि. द्र.।

f) सपा. अकरत्<>अकरः इति पाभे.।

g) प्रपु१, मपु१ च यथायथं द्र.।

h) °तवेऽकः इत्यत्र °तवे कः इति मौलिकः पाठ इति ORN.।

i) शोधस्य कृते पृ ८८२ *f* टि. द्र.।

j) कः इति म. पदच्छेदश् चिन्त्यः।

६[३]; ७; १०, १[५]; २; ४; ४, १, १०; ३, ५; १०; ४, २[३]; ४; ६; ५,२; ५; ६, ८: ७, ४[३]: ५; ८; ८,५; ११, १[२];काठ १, १२; २, १५[२]†: ४, १३†; ७, १६†;८, ८¶; ११; ९,१३¶; १३, १¶; १६, २[a]; १८, ३; २५, १०¶; २६, ५¶; २७, ४¶;३१, २¶; ३७, १७¶; ¶क ३,११†;७,८: २८,३$;४०, ३;४१, ३;४२,४: ४७,२: शौ २, २५,१; ७, ३१, १: १०, ६,१९;३०: ११, २,६; २०, १२७,८[b]; पै ४, ४,८; ५, ३, १: २ ; ८, २, ७: ७, ७; ८, ३; ११, ७,३; १६, २१, ६; ४४, १; ४५, १; १९, ३२,१०; कः[c] ऋ १, ७१,५: ५, २९, ५; ६, २३, ५: कः ऋ १,६१,११; ६३, ⌊७; ४, २१, १०⌋; १६२, २०; १६४, ४९: १७४, ७ : १८६, ५; २, १८, ४: ३, ५, ७; ३१, ६ ; ४, १८, १ ; २८, १: ५, २९, ४: ६,२०, ५:२६, ५ : ४४,⌊(१, १०२, ४) १८⌋; ७, २१,⌊(२, ११, २) ३⌋: २२, ६: ४३,३; ७५,८: ८,४५, ३१; ९,९२,५; १०, १०, ५; खि ४, १०[२], ५; मा २५, ४३ ; ३३, ५९†; का ३२, ५, ५†; तै १, ३,७,२[d]; ४, ६,९, ४†; मै १, ९, १; ४; †४, ११, २;१४,३; †काठ ९,१९; २७,९; ४६, ५: कौ २, ११५०†; †शौ ७,११, १; १८, १, ५; $१९, ३२, ९; २०, ३५, ११; अक्राताम् मैं ४, १३, ९; अकर्ताम् शौ ६, १४१,२; पै १९, २२, ९; अक्र-ताम् खि १, १२, ६‡[e]: †अक्रत ऋ ८, ६,३; २३, ⌊(५, २१, ३) १८⌋: १०, १,३;३४,५; ७१,२: कौ २, ६५८; जै ३, ५४, ११: शौ २०, १३८,३; अक्रत ऋ १, २०, ४ ; ६४, ५; ९२, १; ५, ७१, ⌊३ (२३,३; ८, २३,१८)⌋; ७,१०३,८; ८, ६५, ⌊१२; १०, ६२, ७⌋; ९, २१, ७; १०, ६६, १४: ९४, ५: ९४ : १५५, ५; मा ३५,१८†; का ३५,४,१७†: मैं १, १० ,२०¶; ४, १३, ९: काठ ३५, १४; ३६ , १४¶; क ४८, १३; कौ २, ११०५†: शौ ३, १०, ५[f]; ५, ३, १०‡[g]; †६,२८,२;४९,३: पै १, १०५, १[f]: २, ३३, ४; १०, १, १३†, १९,२५, ८: ३१, १६†: ३६,१: अक्रन् ऋ १, ९२,२; ४,३३,२: मा ३,४७; १२,४५; का ३, ५, ४; १३, ४, १; तै १, ८, ३, १; ४, २, ४, १†; मैं १, १०, २; २, ७, ११; ३, २, ३; ¶८, २; ५ ; १०, १¶: ४, १, १०¶; काठ ९, ४; †कौ २, ११०६; अक्रन् ऋ १,३३,१५; ६१, १६; २, ३९,⌊(१, ११७. २५) ८⌋; ३, ३०,⌊२०; ५०,४⌋: ५, ३०, १२; ६, २८. १: ४४. ८: १०, १४, ९: १२८, ९[h]: मा ३४, ४६†[h]; का ३३, २, ९†[h]: तै २, ५,३,४¶: ४, ७, १४, ४†[g]; ¶मैं ३, २. ३; काठ १६, ११: ३२, ७¶ ; ४०, १०†[h]: क ८, ७. २५, २: शौ २. २९, ७; ३, ४, ७; ४, २१. १† : १८, १, ५५†: ३, २२‡[h]; २०. ३५, १६†: पै १,१३,४; ३. १,७:५, ४, १४† ; २१. ३: २९. १-७: १२, ६,६: क्रन् शौ ८. ६, २५: १४, १, ३२[i]: १९, २०, ४; पै १६,८१,६: १८. ४,१: अकृथाः ऋ ५. ३०. ८ : अकरः शौ ६, १२८, ४[j]: १२. ३, ३८: अकरः शौ १३, १, २०[k] : २०. १२८, १३: पै १७,३९,८: अकर्त ऋ१, २०, ६[l]; मैं ४, २, ८[४m]; अकर्त

ᵃ) अर्वा, अकः इति पदद्वयस्य स्थाने अर्वाकः इत्येकं पदं मन्वानः SI. चिन्त्यः ।

ᵇ) शोधस्य कृते पृ ८८२ *f* टि. द्र. ।

ᶜ) पृ ११४८ *y* टि. द्र. ।

ᵈ) सपा. कः <> कर्म (तैब्रा २, ७, १५, १ च) <> यूयुपाम <> आश्रौ ८,१४, ४ मोमुहत इति पाभे. ।

ᵉ) सपा. अक्रताम् <> अपिन्वतम् इति पाभे. ।

ᶠ) घोषम् अक्रत (आपमं २, २०, ३४ हिगृ २,१४, ४ च) इति पाठस्य स्थाने मपा. मंब्रा २, २,१३ संप्रवदन्ति इति, मागृ २,८,४० घोषम् अकुर्वत इति च पाभे. ।

ᵍ) सपा. अक्रत <> अक्रन् इति पाभे. ।

ʰ) सपा. अक्रन् <> अग्मन् इति पाभे. ।

ⁱ) तु. WI.: वैतु. शंपा. मात. RW. क्रन् इति स्वरो-ऽनुपपन्नः (तु. सपा. शौ १९, २०,४) ।

ʲ) पाभे. कृते पृ ११४८ *f* टि. द्र. ।

ᵏ) पाभे. कृते पृ ११४२ *c* टि. द्र. ।

ˡ) मपु३ (तु. नं. स्क. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. प्रपु३ इति) ।

ᵐ) सपा. कौसू ९२, २५;२८ कार्ष्ट इति पाभे. ।

ऋ ४, ३५,⌊(३३,३)५[२]⌋: तै २, ४,१,२¶; ४, ३, ११, ३: काठ १०,७¶; २३, ११[२]†: ३९,१०: †अक्रि ऋ १०, १५९,⌊४; १७४, ४⌋: पै २, ४१, ४: †अकारिषम्[a] ऋ ४,३९,६: खि ५, २२, १३; मा २३, ३२; का २५, ६, १२: तै १, ५,११,४; ७, ४, १९, ४: मै १,३,९$[b]; ५,१:६: ३,१३,१: ४, ११, १: काठ ६, ९: ७, ८: ४४,८: क ४, ८: ५, ३: कौ १, ३५८; जै १, ३७,७: शौ ७, ८, १$[b]; २०, १३७, ३: अकार्षम् पै २०, १, ६[b]: अकरम् ऋ ८, ८०, १: १०, ४९, ६: शौ ६, ११५,२; अकरम् ऋ १,११४,९; १०,४९,५: ८५,१७: १२४, ४: १२७, ८; १६७, ४: खि ४, ६, ३; मा १६, ८: का १७, १, ८: तै १, ८,६,१; ४, ५, १, ३; मै २,९,२; काठ १७, ११: क २७, १; शौ १,३२,४: २, २, ५: ५, ७,९; १०: २८, ७[c]: ६, १०४, २: १२८,३[२]: ८,२,८: ११, २, १६[d]; ३०; १२, १, ७६: १४, २,४६†; पै १, ७, ५: २३, ८; २९,३; ३७,१: ६८,४[३]: ९९,३: ४, १७, ४[३]; १४, २, ११;१२: १५, १९, १-१२: १६, ३, ८: ४९,५; १०५, ६[d]: १०६, १०; १७,३,७; १८,११,६: १९,४९, १३; २०, २९, ४; ५६, ५; ६: ५७,९;१०; ५८,१; ४; †अकर्म ऋ ३, १४, ७; ४, २, १९; ५, २९, १५; ६, १५, १९; मै ४, १४, १५; शौ १८, ३, २४; अकर्म ऋ ४, १६, ⌊२० (१०, ३९, १४)⌋; ८, २, ३; १०, ३९, १४; ६८, १२; मा ८, १८[e]; का ९, ३, ४[e]; तै १, ४, ४४,२[e]; ४५,३[f]; कौ २, ८६†: जै ३,८,१२†: शौ ७,१०२,४[e]: २०, १६, १२†; पै ४, १८, ६; ५,१६,३; कर्म ऋ १, १७३,४[g]; ६,५१,⌊७; ७,५२, २⌋: ७, ६०, ८; शौ ४, ३९,९[h].

क्रियते खि ४, ११, ३; ¶तै १, ६,१०,३: २,५,३,५: ३, ४, १, ४; ३,७: ५,१,२,१: २, २, ४; १०,१; ३,१,१: ४, १२, ३; ५, ४, ४; ६,४; ७,२,२: ५, ३: ८, १; ६,१,५,४; २, १, १; ७; ३, ८,२: ४,२,६; ३, ३: ९, ५: ५, १०, ३; ७, ४.५,४: ५, १, २[२]; ४, २; ¶मै १, ४, ८; ११; ७, ३[२]; ४[२]: ११, ६: २, १, ७: २, १२; ३, ९[२]: ५, ८; ३, १, ४; २, ९; ६, ५; ७, २; ५: ९; ४, ६, ४[२]; शौ ३, २९, ३: ८, २, २५: १९, ५८, ६: क्रियते ऋ ९, ७०, ८; १०, ११२, ९; मा ३४, ३; ¶तै २, २,१०, २; ५,३,६; ६, ६; ६, १, ५; ६, ४; १०, ३; ३, १, १०, ३; ५, १, २, २; ७, ४; २, ८, ५; ४, १०,२; ५, ३, १: ६,२,१,२-४; ७; ५, १; ५,७,३; ¶मै १, ४, १०; १५: ५,११;१३[२]; ६, १०; ७, २: ४: १०, ९: २, १, ३;४; १२[२]; ३,९; ३, १,१:२; ४; ७[२]; ८: २,४: ६: ४,४:५; ६, ६: ८; ७,४; ७[२];९[२]: ८,८: ९, ५[२]: ६; ४,१,१२: ३, २: ५, १[२]; ४; ६, ४[३]: ७, २; ८, ९: ¶काठ ७, ५; १५[२]; ८,८: १०; १५; ९, १[२]; ७[२]; ३: ११, १; १२, ७: ११[२]; १८,१९: १९,१:३;७; १०;१२; २०, ५:७: १०; २१, ३; ६; ८; २२, १: १०; २३,४[२]; २४, ५[१]; ८: २५,६; २८,८: २९,२[२];३[२]; ८: ३०, १; ९ ; ३१, ३: १२; ३२,४[२];७;३४,६[२];१६; ३६,४; ९:११;१२: ३७, १[२];४; ५;११; ¶क ५, ४: ६, ५[२]; ७,३; ६; ८, ३:४[२]:५[२];६: २९, ७;८; ३०,१; ५;८; ३१, २;७: ९; १२[२]; १८; २१; ३५, ४; ३६, १[२]; ३८,१; ३९,३: ४४,८; ४५,३[२]; ४६,४; ४७,३: शौ १८,२,१‡[i]; ३,६४: पै १६, ५, ५; ¶क्रियेत मै ४, ८, ४; काठ २७, २; क ४२,२; क्रियन्ते ऋ ३, ४१,३[k]; ८,९०. ३; ¶तै ३, ३,९, २[२]; ¶मै १,

---

a) विशेषः पृ ११४८ *d* टि. द्र. ।

b) सपा. अकारिषम् <> अकार्षम् (वैतु. मा. ⌊शौ.⌋ < √कृ ⌊विक्षेपे⌋) इति पाभे. ।

c) सपा जैउ ४, ३,१,१ अकृणोः इति पाभे. ।

d) =सपा. नी २,७ । मा १६, १४ तै ४, ५, १,४ मै २,९,२ काठ १७,११ तु विशिष्टः पाभे. ।

e) पाभे. कृते पृ ११३८ *p* टि. द्र. ।

f) सपा. अकर्म <> अभार्षम् <> बिभृत माश (४, ४,५,२१ च) इति पाभे. ।

g) तु सस्थ. टि. ?अप- ।

h) पाभे. कृते पृ ११४९ *d* टि. द्र. ।

i) सपा. क्रियते <> क्रीयते इति पाभे. ।

j) सपा. क्रियेत <> जुहुता इति पाभे. ।

k) सपा. तैब्रा २,४,६,२ भ्रिया ते इति विशिष्टः पाभे.

७, ३; काठ २६, ११†[a]; शौ २०, २३, ३†[a]; ¶क्रियन्ते तै ५, १,८,४;६; काठ ९, १; १३, १०;१९,८;२१,८;२२,१[२]; २६, ९[२]; २९,२; ८[२]; ३३,६[४]; क ८, ४;४१, ७[२]; ४५, ३; ¶क्रियेत तै ६, २, ५, १; काठ १२, ११; ३७, १६: †अकारि ऋ १, २०, १;५७,३; ६३, ९; १८७,६; ४, ६, ११: १६, ⌊२१; १७, २१; १९-२४, ११: ५६, ४⌋; ६,६३, ३; शौ २०, १५, ३: †अकारि ऋ १, १०४, ⌊१; ७, २४, १⌋; १८४,५;३,४,४; ४,३४, ३: ७, ६०,⌊१२;६१, ७⌋; ९७,९; काठ ४०, ८; कौ १, ३१४: जै १, ३३,२; पै ६, १६,६.

अचक्रत् ऋ ४, १८, १२; अचक्रिरन् ऋ ८,६, २०: चकरम् ऋ ४,४२,६.

चिकीर्षति खि ४, ५, ३८[b]; ३९[b]; शौ ५,८,३:१२, ४, १९; पै ७, १८, ३: १७, १७, ८; ¶अचिकीर्षत् मै २,४,३.

चक्रियाः ऋ ८,४५,१८.

करिक्रति शौ ४, १८, ३; पै ७, १३,६; १२; करिक्रतु पै ५,२४, ३; †चर्कर्मि[c] ऋ ४, ३९, २; काठ ७, १६; चर्कृषत् ऋ १, १७६,⌊(२३, १५) २⌋; ८,२०, १९; चर्कृषत् ऋ १, २३,⌊१५ (१७६, २)⌋; कौ १, १९६[d]; जै १, २१, ३[d]; चर्कृतात् ऋ १, १०४, ५[e]: चर्कृधि[f] खि ५,११, १[g]; शौ २०,१२७,११: †चर्किरन्[h] ऋ १,१३१,५; ८,५५,५; १०, ९२, ३; खि ३,७, ५, शौ २०, ५७, ३; चर्किराम[i] ऋ ४, ३९,१; ४०,१; चर्कृषे[j] ऋ १०, २२,१[d]: चर्कृषे[j] ऋ १०,७४,१.

१कर[k]– -रा ऋ १,११६,१३.

†करिष्ठ– -ष्ठः ऋ ७, ९७, ७; मै ४,१४,४; काठ १७, १८.

२कर[l]– -रेण ऋ १०, ६७,६: मै ४, १४, ५†; शौ १२, २, २, २०,९१, ६†: पै १७, ३०, २; –रैः खि २, ६[३], २९: –रौ खि २,१२,२.

१करण[m]– -०ण पै ३, ३०, ३[n]: –णः शौ ६,४६, २; १६, ५,१; ४-८; १९, ५७, ३[n,o]; पै १७, २८, १; ४-११; –णम् ऋ ५, ३१, ७; ६, १८, १३; ८, १५, ११: पै १९, ३७,३; –णानि ऋ २,१५,१: ४,१९, १०; ५, ३१, ⌊६ (७, ९८, ५)⌋; –णेन पै १०, ६,१२.

२करण[p]– -णा ऋ १,११९,७.

करस्[q]– -रांसि ऋ ४, १९, १०.

करिक्रत्[r]– -क्रत् ऋ १,१३१, ३; ३, ५८, ९; तै ६,४, १०, २¶: काठ २४,७¶; क ३७,८¶: †शौ २०, ७२, २; ७५, १; –क्रतः ऋ १,१४०,५; –क्रतम् शौ १०, ४,१३: पै १६,१६,३.

करिक्रती– -ती: पै १५,१९, ६: ११.

†करिण्य[s]– -ण्या ऋ १, १६५, ९: मा ३३, ७९: का ३२, ६, १०;

[a]) पाभे. कृते पृ ११५० *k* टि. द्र. ।

[b]) °कृा: इति स्वरे? यनि. शोधः ।

[c]) तु. टि. अकारीत्; वैतु. वें. ⌊पक्षे⌋<√कृ(विक्षेपे) इति ।

[d]) सपा. चर्कृषत् (तु. Foy ⌊KZ ३४, २३९⌋; वैतु. BS. शत्रन्तम्<√कृष इति) <> चर्कृषे इति पाभे. ।

[e]) धा. स्तवने वृत्तिः (तु. GW.GRV. प्रमृ.; वैतु. सा. क्रान्तस्य करणे वृत्तिरिति) । [f]) धा. स्तुतौ वृत्तिः ।

[g]) °तिः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ.) ।

[h]) तु. टि. अकारीत्; वैतु. वें. सा. <√कृ ⌊विक्षेपे⌋ इति ।

[i]) तु. टि. अकारीत्; वैतु. वें. १मे स्थले धा. करणे वृत्तिरिति, द्वितीये च स्थले<√कृ ⌊विक्षेपे⌋ इति ।

[j]) प्रपु१ रूपम् (तु. Oldenberg ⌊ZDMG ५५,३११⌋; वैतु. सा.?, PG ⌊१, १२८⌋ प्रमृ. <√कृष् इति)

[k]) विप. (⌊आश्चर्यकर्म-कर्तृ-⌋ नासत्य- ⌊वैतु. GRV. नाप. =हस्त-⌋) । कर्तरि अजन्तः (तु. वें. सा. PW. GW. प्रमृ.; वैतु. स्क. क(र>)रा– ⌊=स्तुतीनां कर्त्री-⌋ पक्षे च ⌊=छिन्नकरा-⌋ विप. ⌊वध्रिमती-⌋> °रा ⌊प्र१⌋ इति मन्वानः ।

[l]) नाप. (पाणि-) । शेषं *k* टि. द्र. ।

[m]) नाप. । भावे करणे वा ल्युट् प्र. लित्स्वरश्च ।

[n]) सपा. करण <> करणः इति पाभे. ।

[o]) तु. पूर्वाणि स्थलानि, RW. च; वैतु. शंपा. मात. कर युः इति पाठः ! । [p]) विप. (अश्विन्-) । कर्तरि युच् > अनः प्र. चित्स्वरश्च ।

[q]) भावे असुन् प्र. नित्स्वरश्च । [r]) अभ्यस्तस्वरः ।

[s]) नाप. (कर्तव्य-कर्मन्-) । कर्मणि इण्यच् प्र. उसं. (पाउ ४, १७९ ⌊तु. ऋ ४, ३०,२३. वें. सा. GG.: वैतु. उ. म. प्रपु१, PW. GW. ?ORN. °ण्याः इत्येवं शोधपूर्वकं मपु१ इति⌋) ।

मै ४,११,३: काठ ९,१८.

करिष्यत्– -ष्यतः ऋ २, २४,१४; ४.३१,९;८,६२,३; मा ११, ३. का १२, १, ३: तै ४, १, १, १: मै २,७, १;४, १४, १०†: काठ १५, ११: –ष्यन् ऋ ६, २६, ।३; ७.१९,८]: ७, २०,१: ९, ११३,१: मै १,१०,१८¶: काठ १७, १८†: ३६, १२¶: शौ २०. ३७,८†: पै २, २८, २.

कर्तवे ऋ १, ८५, ९: २, २२, १; ९,८६, २०[a]: १०,७४,६; काठ ३५,१८[b]: क ४८,१६[b]: †कौ १, ४५७: २,८३६: जै १,४८,१†: शौ १३, २, १२: २०, ९५,१†; पै १,८, २१, ६. १९, १७. २०[c]; ५१, १४.

कर्तवे[d] ¶मै १, ५,१३;६, ५: १०: ७,२;२,१,१०;३,९,४: पै १३, २,१८.

¶कर्तव्य, व्या– -व्यम् तै १, ५,२, ४[2]: काठ ३३, ४: –व्या काठ ३४, ४: –व्याः काठ २८, १०: ३३, ४[2]; क ४५, १: –व्यानि काठ २६,७: २९,५; क ४१,५: ४५,६.

कर्तुम् ¶मै ४,३,८: ¶काठ ७,१०; ¶क ५,९: शौ ४, १८,६:५,३१, ११.

†१कर्तृ– -र्ता ऋ २,३४,६; ४,१७, १७; ६,२३,३;४; ७,२०,२: ८, ९६, १९; –र्तारम् ऋ ८, १६, १०; शौ २०,४६,१.

२कर्तृ– -र्तरि>री[e] ऋ १,१३९,७; –र्ता ऋ १, १००, ६; ३, ३१, २; ४, १७, ४; मै ४,१४, १४: जै १, १२, १०: शौ २, १२,५: ५,२९,१: पै २,५,५; १३,९,२: २०,५३,२:–तारम् खि ४,५,१: ४; मा २९,९: का ३१,१,९: तै ५, १, ११,४¶: मै ३,१६, २: काठ ३०,८: ४६,२: जै ४,५,३: शौ ४,१९,६:५,१४,११:१०,१, ३: २५: पै ५,२५, ६; ७, १,९: ९, ३, ८; १६, ३५,३: ३७, ५: १९,२, १४; ३,१; ३९,२: –र्तुः खि ४, ५, ६: १६: काठ १३, ३¶; –†र्तृभिः ऋ १, ५५,८:६, १९,⌊१;७,६२, १]: मा ७, ३९; का ७,२१, १: तै १,४, २१,१; मै १, ३, २३: काठ ४, ८: क ३, ६; –र्तॄन् खि ४,५, ३०; शौ १०,१,१४;१७; पै १६,३६, ४: ७; –र्त्रे शौ १०,१,३०: पै १६, ३८,२.

†कर्तोस् (:)[f] ऋ १, ११५, ४: २, ३८, ४; मा ३३, ३७: का ३२, ३, ८; तै २, ६, ७, १[2]¶;

मै ४,१०,२; शौ २०, १२३,१.

कर्त्र[g]– -र्त्रम् शौ १०,१, १९: ३२; पै १६, ३६,९;३८,४.

कर्त्व[h]– -र्त्वः ऋ १, १६१, ३[2]; –†र्त्वम् ऋ १, १०, २;२३,१८; २.२४, ३; १०,६१, ६; कौ २, ३५५; जै ३, ५६, २२; शौ १, ४, ३; –र्त्वा ऋ १, ७५, ⌊११ (८, ६, २९)]: १६१, ३[2]; ८. १०१, ७: ९, ४७, २: १०, ११३, ७; खि ४, ५, ३६[i]; –र्त्वानि ऋ २, ३०,१०;४,१८, २; ८, ६३, ⌊(१,७५, ११) ६]; –र्त्वेन ऋ १०,४८,३.

कर्मन्[j]– -र्म ऋ १, ३१, ८: ६२, ६ : १४८, २: १७३, ९: २, २२, १: ३, ३०, ⌊१३; ३२, ८: ३४, ६]; ३३, ७; ६, ३७, २: खि ३,१५, २९:४,११, ३: मा ३,४७[2]: १८, १५; २०, ७; ३४,३;४०,२[k]; का २, ६,१०[l]; ३,५,४[2]; १९,५, ३; २१,७,६: ४०,१,२[k]; तै १,१,९,३;६,४, ४:८,३,१[2]; ३,४,६,१¶; ४,७, ५,२; ¶५,१,२,२: ४; ¶६,२, १, ५; ३, ८,२:४, ३,३; मै १, १०, २[2]; २, ११,५: ३, ११,८; ¶४, १, २; ८, १०: ११, १†; काठ ९, ४[2]; १८, १०; १९.

---

a) सपा. कर्तवे<>वर्धयन् इति पाभे. ।

b) सपा. माग १,१०,१५ कर्तवै, माश १४, ९,४,१९ बृउ ६, ४,२० वित्तये, तैंआ ३, ७,१,९ आपश्रौ ९,२,३ आपमं १,३,१४ हिगृ १, २०,२ वेत्तवै इति च पाभे. ।

c) सपा. कर्तवे<>धातवे इति पाभे. ।

d) तवै प्र. आद्यन्तयोश्चोदात्तत्वम् (पा ६,१,२००)।

e) सस्थ१ संपा. दीर्घः (तु. वें. मा. GW. GRV. ORN. प्रभृ.: वैतु. NW. कर्तरी–>-री ⌊प्र१] इति)।

f) वैतु. दे. ⌊२, १] कर्तु–>प१ इति ।

g) भावे ष्ट्रन् प्र. (पाउ ४, १५९) नित्स्वरश्च ।

h) कृत्यार्थीयस् त्वन् प्र. (पा ३, ४,१४) नित्स्वरश्च ।

i) सपा. खिसा २९,३७ गत्वा इति पाभे. ।

j) भावे मनिन् प्र. नित्स्वरश्च ।

k) =सपा. ई २। माश १४, ७,२, २८ तैआ ३,१२, ९, ८ बृउ ४, ४, २३ बौध २, ६, ३० तु कर्मणा इति पाभे. ।

l) =सपा. काश्रौ ३, ८, २५; १५, ६, १०। माश १, ९,३, २१; २,३,४,४१; ५,४,२,८ तु पाठाऽभावः ।

२; २०,७¶;३०,१०¶; ¶३१, १; ३: ३६, १०¶; ३८, ४; ३९, ५; ¶क ८, ७²$; २८, १०$; २९, ८; ३१, ९; ४६, ८; ४७, १; ३; †कौ १, ४५७; २, ८३६; जै १,४८,१†: शौ ६, २३, ३: ११,९,१७; १०, २;६: †२०,९१,६;९५,१; पै १०,६, १; १६,८३, ७;८५, २; ६;१९, ४, १२; –र्मणः ऋ १, ११, ४; १०,५५,७; मै ३,२, ४¶; †कौ १, ३५९; २, ६००: ११३४; †जै १,३७,८; ३,४८, १६; शौ ११, १०, ६; पै १६, ८५, ६; –र्मणा ऋ ३,१२,६; ६, ६९,१; ७, ३२,१३, ८, ३१,[१७;७०, ३]; ३९, ५; ९, ९७, ३३; १०, ५६,६; खि ४,११, १०;५,५,६; तै †१, १,१४,१; ८,२२,४; ३, २,११, १†; ४,६, १²¶; ७, १, १८,१; †मै ४, १०, ५; ११,२; १२,५; †काठ ४,१५;११,१२; १२,१४; २३, ११; ४१, ९⁶$; †कौ १,२४३; २, ५०५; ९२६; १०५४; †जै १,२६, १;३, ३९, ४; ४,२२, ९; शौ १०, ५,१५-२१; †२०, ५९, ४; ९२,१८; –र्मणाम् पै १५,७,९; –र्मणि मै २,७, २०⁶; शौ ५, २४,१-१७; पै १५,७,१-१०; ८, १-९;९,१-४; –र्मणिऽ-र्मणि ऋ १, १०१, ४; पै २०,५७, ७; –र्मणे ऋ १, ५५,३; मा १,१;६;१३; ३०,७; का १,१,१; १,२;४,४; ३४, १, ७; तै १,१, १, १; ३,१;४, १; ५,१; मै १,१, १; ३; ४: ३,६; ४,१,१;३; काठ १, १;४: ३०, १०; ३१, ३; ३९,५; क १, १; ४;४६,८;४७,३; शौ १९,३७, २; पै १, ५४, ३; –र्मन ऋ १, ११२, २; १२१, ११; ८, २१, २¹ᵃ; तै ३,४,५,१:४,३,३,२: मै १,३,३६; कौ२,५९८†ᵃ; जै३,६, ५?†ᵃ: शौ१२,३,४७; †२०,१४, २¹ᵃ; ६२, २¹ᵃ: पै १७,४०,८: –र्मनऽ-र्मन ऋ १,१०२,६;१०, २८, ७; शौ ४, २३, ३: पै ३, ३६,३⁶†;४,३३,४: –र्मभिः ऋ ३,३६, १; ९,८६, ३; मा २३, ३७; का २५, ७, ५; तै ५, २, ११,१; मै ३,१२,२१; काठ५०, ५: –†र्मस् ऋ ८,३८,१, १०, १३१, ४; मा १०, ३३: $२०, ७४; ७६: का ११, १०, ३: $२२, ७,८;१०; मै ३, ११,४: काठ १७, १९: ३८, ९: कौ २, ४२३; जै ३, ३२, १३: शौ २०, १२५,४; –र्मा ऋ २, २८, १४ᵇ; मै ४, १४,१०†; –र्माणि ऋ १,२२,१९; ६१,१३;८,३६, [७;३७,७];९,८८, ४: ९६,११; १०,५४,४:५५,८; खि ३, १५, २८;४,११, २:१०; मा ६,४†: १३, ३३†: १९, ५३†; ३४, २: ४०, २; †का ६, १,५; १४,३, ७; २१,४, ३; ४०, १,२$; †तै १,३,६,२;२,६,१२,१; ७,५,४, १¶; †मै १, २,१४;१०,१६¶; ३,९,३;४,१०, ६; †काठ ३,३; १६,१६; २१, १४; २६,५:३०, ५¶; ३८, १४$; †क २, १०; ४१,३; कौ १,३६९;२,१०२१†; जै १, ३८, १०; ४, ९, २†; शौ ४, ७,७; ५, ६, २; ७, २७, ६†; ५६, १; १०,२, १८; १९, ६८, १: २०, ३५, १३†; पै ६, ११, २: १६, ६०, १०; १७, २९, १५: १९, ३५, २: २०. २५,३.

कर्म-कृत्– -ऽकृत् शौ २,२७,६; पै २,१६,४; –कृतः मा ३,४७; का ३.५, ४; तै १,८, ३, १; मै १,१०,२; काठ ९,४; क ८,७.

कर्म-कृत्यᶜ– -त्याय शौ ४, २४, ६; पै ४,३९,६.

कर्मण्य, ण्याᵈ– -ण्यः ऋ ३, ४, [९:७,२,९]; तै १, २, १३,१; ३,१,११,२†; ६,२,१, ५¶; मै १,२,९;४.१३,१०†: काठ २४, ८¶; क ३८ ,१¶; –†ण्यम् ऋ १, ९१, २०; मा ३४, २१; का ३३. १. १५; मै ४. १४, १: पै ११,१,४$: –ण्याः का २,५,८: शौ ६, २३,२: पै १९, ४, ११; –ण्याम् मा ११, ५५; का १२, ५,६; तै ४,१, ५, २: मै २. ७, ५: काठ १६,५.

¶कर्मण्य-त्व– -त्वम् काठ २४,८ ; क ३८, १.

कर्म-निष्ठाᵉ– -ष्ठाम् ऋ १०, ८०,१.

कर्म-फल– -लेषु खि ४,२,१२.

ᵃ) पाठः? उप त्वऽकर्मे [मं इ] न्द्रो [न्त्र ऊ] तुये इति पादादौ चत्वारि शुद्धानि पदानि द्र.। एवं स्थिते <उप √कृ (*स्तुतौ) लुङि उप्र३ उप···अकर्म यद्र. (तु. तत्रत्यं टि.; वैतु. पपा. प्रभृ. यनि. पठन्तः?)।

ᵇ) °र्म इति पपा.।

ᶜ) उस. उप. √कृ + भावे क्यप् प्र.।

ᵈ) तत्रसाधवीयाद्यर्थे यत् प्र. तित्-स्वरश्च।

ᵉ) तस.। उप. भाप. <निस् + √स्था (तु. पपा.)।

कर्मार[a]– -रः ऋ १०, ७२, २; –रम्[b] मा ३०,७; का ३४, १, ५, –राः शौ ३.५,६: पै ३.१३, ७;–रेभ्यः मा १६,२७: का १७, ४,१; तै ४,५, ४ ,२: मै २,९, ५; काठ १७,१३: क २७,३.

कार्मार[c]– -रः ऋ ९,११२,२.

कुर्वर[d]– -रम् ऋ ६, २४, ५: शौ १०, ४, १९: पै १६, १६, ९: –र्वरा[e] ऋ १०,१२०, ७: पै ६, १, ७†· –राणि तै १, ७, १२, २: मै १, १०, ३: काठ ९, ६; १४,३: ३३, ४: ३६,१३: ४५, १२: क ८, ९: शौ ५,२, ६‡[e]: ७, ३, १: २०, १०७, ९‡[e]: पै २०,२,१:–रेभिः खि १,५,७.

कारि[f]– -रिम् मा ३०, ६: २०: का ३४,१,६:४,२.

कारिन्[g]– -रिणः ऋ ३,५४, १४:८, २१, १२: ९,१६, ५: –†रिणन् ऋ ८, २, २९: ६६, १: कौ १, २३७: २, ३७: जै १, २५, ५: ३,४,८: –रिणाम् ऋ ९,१०,२; कौ २, ४७०; जै ३, ३५, ५: –रिणे ऋ ९, ९७, ३८: कौ २, ७०८; जै ३,५८,५.

†कारु[h]– -रवः ऋ १, ११, ६; २, ४३, १: ६, ४५, [३३; ८, ९४, ३]; ४६, १: ७, ७२, [(६, ६७, १०) ४]: ८२, ४: ८, ३, १८; ४६, [३: ५४, १ (९९, ८)]; ९२,१९: ३३: ९, १०, ६: १७, ६: २९, २: ९२, ५: १०, ९२, ७: खि ३,६,१$; मा २७, ३७: का २९ ५, ६; तै २, ४,१४,३: मै २,१३,९· ४, १४, ३; काठ ३९, १२; कौ १, १५८: २३४; २, ७२: १५९; ७७४: ११९६: जै १,१७,४: २५,२: २,४, ३[i]; ३,७,१०: १५,७: ३५, ९: ४८, १८: ४, १०, १०: शौ ७, ७७, १$: २०, ९८, १: ११०, १: पै २०,११, ६[j]: ७: –रवः ऋ ३, ६,१: –रवे ऋ १, ३१, ९: ५३, ६: २,२,९: ३४,७: ३, ३३, ९; १०, ६१,२३: शौ २०, २१, ६: –रुः ऋ १, ८३,६: १६५, १४: ७,६८,९: ९,११२,३: १०,७५, १: मै ४, ११, ३: काठ ९,१८; शौ २०, २५, ६: –रुम् ऋ १, ३१,[८ (९, ६९,१०; १०, ६७, १२)]; १०२, ९; खि ५, ११, १$; मै ४, ११, १; कौ १, ४८६‡[k]; जै १, ५०, १०‡[k]; शौ २०,१२७,११$; पै ३, ३६, ६: –रू ऋ ७, २,७; १०,११०, ७; खि १,३,१$; मा २९, ३२; का ३१, ४, ८; मै ४, १३, ३; काठ १६, २०; शौ ५, १२, ७: –रून् ऋ ४,१६,३: ५, ३३, ७; शौ २०,७७,३; –॰रो ऋ ३, ३३,८; १०; –रोः ऋ १,१४८, २; १६५, [१५: १६६, १५; १६७, ११: १६८, १०]; १७७, ५: १७८,३: १८४,४; ३, ३९, ७; ६, २१,१: मा ३४, ४८; का ३३,२,११: मै ४, ११, ३; काठ ९,१८.

कारुव[l]– -वः ऋ १०, ६१,१२.

¶कारु-द्वेषिन्– -षिणः मै १,८, ७; काठ २३,२: क ३५,८.

कारु-धायस्[m]– -॰यः ऋ ६, २१,८:–याः ऋ ३,३२,१०;६, २४, २: ४४, १२:[(२३, ३) १५].

[a]) नाप. (निष्किन्-, लोहकार- प्रभृ.)। आरः प्र. उसं. (पा ५,२,३५; वैतु. [पाउभो २,३,८२] <√कृ+म्+ आरन् प्र. इति)। प्र. स्वरः।

[b]) सपा. तैब्रा ३, ४,३,१ कार्मारम् इति पाभे.।

[c]) स्वार्थिकः अण् प्र. तत्स्वरश्च।

[d]) भाप. (कर्मन्-)। √कृ + वरन् प्र. उसं. (पाउ २,१२१) नित्स्वरश्च।

[e]) सपा. कुर्वरा <> कुर्वराणि इति पाभे.।

[f]) नाप. [उपहासकर्तृ-(तु. द. Gri.?BW. [तात्पर्यमात्रे]; वैतु. PW. BW. MW. विप. ?)]। कर्तरि प्र.। धा. उहासे वृत्तिः (वैतु. PW. MW. स्तुतौ)।

[g]) विप. च नाप. च। व्यु. अर्थश्च ?। =कर्मकर-, भृतक- इति वें. सा., =स्तुवत्-, स्तोतृ- इति PW. GW. प्रभृ., =यातयोद्धृ- इति भ. त्रिव., =विजायन्- इति PG [१, १२१] प्रभृ.। विस्तरस्तु वेश. द्र.। धा. करणे वा संस्तवने वा वृत्तिः। GW. प्रभृ. <कार्- इति।

[h]) नाप. (स्तोतृ- [निघ ३, १६])। यनि. धा. वा √कॄ संस्तवने (तु. कीरि-) इत्यतो वा उण् प्र. (पाउ १,१) तत्स्वरश्च (तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. PG [१,१५०] धा. करणे वृत्तिः)।

[i]) सपा. कौ ३, ४,९ कवयः इति पाभे.।

[j]) सपा. कारवः <> वेधसः इति पाभे.।

[k]) पाभे. कृते पृ ११०७ *m* टि. द्र.।

[l]) नाप. (कारु-)। धा. स्तुतौ वृत्तिः। स्वार्थे अप् प्र. उसं. (पा ५, ४,३८ [तु. वैं. ?सा. GW.])।

[m]) समासस्वरो पृ ४१० *g* टि. द्र.।

¶कार्यं,र्यां— -र्यः तै ३, ५, २, १; ४, ४; ५,५,१,६; ६, २, ६, ४; मै १,७,४[२]; ८, ६; १०, ७; २, २,६; ३,६; ३, २, ३[२]; ३, ३[२]; ६, १[२]; ८, ४; ९, २[२०]; ३; ४· १०,२; ४, १,९; २,१४; ७,६[४]; ८, १; ६; काठ ९, ३[२]; ११, १; ४[२]; १२, २; २३, ४; २४, ८; २९,४; ३६,१; क ८, ६[२]; ३६, १; ३८,१; ४५, ५; पै ११, २, २$; —र्यम् तै १, ७, १, ६; २, २, ४, ७; ६, १, ५, ३-५; ३, ४, ८; ४,९,२; मै १, ७, २; ८,२; २,३,६; ३,२,७; ३, ३[२]; ७,९; ८,४;८:९; ९,४[२]; ४, १, ३; ३, २; काठ ८, १५[२]; ११, २[२]; १२,७; २३,३; ३७, ११[a]; क ८, ३[२]; ३५,९; $र्यस्य शौ ३, २४, ५; पै ५, ३०,५; —र्या तै ७, ५,५,१; मै १, ८, १; ४; २, ४, २[२(b)]; ३, १, २; ७[७]; ८; २,३; ८,३,९; ४, १, १; ७, ६; काठ ६, ५; १९, ८; क ४, ४; —र्याः तै ६, ६,८,३; मै १, ७, ३[२]; १०, १२; १८; ३, १, २; ४, ६; ७, २[२]; ८, २; ४, २, ९; ३,२:७, ९[२]; काठ ९,१[२];२९,८; ३६, ६; १३; क ८, ४[२]; —र्याः३ तै ५, ५, १, ३; —र्याणि मै १, १०, १२[२]; काठ ३६, ६[२]; —र्यै तै ६, २, ६, ४; मै १, ८, ४; काठ ८,८[२];३६,७; क ७,३[२].

कुर्वत्– -र्वन् पै १६,४७,९; —र्वतः तै १,६, ३, ३, ७,१, ६; मै १, ४, १२¶; काठ ५,२; —र्वते मा २२,८; का २४,३, ६; मै ३,२, ३; —र्वन् खि ५, १०, २[c]; मा २८, २२; ४०, २; का ३०, २, ११; ४०,१,२; ¶काठ ११, ६; ३०,१;३१,८; ¶क ४६,४,४७, ८; शौ ९,५,३२. —र्वन्तः मे ३, २,२, १¶; —र्वन्तम् शौ ९,, ५, ३२.

कुर्वती– -तीम्-तीः शौ ९, ५, ३२.

कुर्वाण,णा– णः[d] काठ ५, २; ३२, २; —णाः ¶मै १, ९,८; २, ५, ३; ४, ८, १०; काठ ३०, ५¶; शौ १२,१०, २; पै १६, १४५, १०.

कृण्वत्– -ण्वन् शौ ५, २८, १४; —†ण्वतः ऋ ८,२६, [७; ३७, ७], १०३, ३; कौ २, ८६६; जै ४, २१, ४; पै २०, ५१, ३; —ण्वते ऋ २, ३०, १; —ण्वद्-स्याम् पै ३, ४०, ३; —ण्वन् ऋ १,६,३;५५, ६; ७०, ४; १०५, १७; ४, १४, [(१,९२, ४) २]; ७,१०१,१; ८,१४,८, ९६,२१; ९,६४, ८;७८, ५;८८, २; ८६, २६,९०,४; ९६,१;३; २२;९७, १०;१४;१६; १०,८,२; १२,१; १०२, ८; १११, ३; १६८, १; मा ११,१५;२९,३७†; का १२, २,४;३१,२,१†; तै ४,१, २,२; ७,१३, ५[e]; ७,४, २०, १†; मै २,७,२;१३,२२[f]; ३, १,३;१६, ३; ४, १४,९;१४; काठ १६,१; ४४, ९†; क २९,, ८; †कौ १, ५३३; ५४०; २, १५७; ३०९; ३६९; ७६०[g]; ८२०, ९९१; †जै १, १२, १०$; ५५, १,७; ३,१५,५;२५,५;३०, १२; ५७, १०; शौ ५, १,७,६,७२,१;१२, १,५१; १८,१,२९†; १९, ३३, २. †२०, २६,६; २८, २; ३९, ३,४७,१२,६९, ११; १२७,८[e]; पै १,१०७,१; ५,१२, ३; ६,२, ६[h]; १२, ५,२; १७,५,९; १९, २७, १४; —ण्वन्तः ऋ १, ८८, ४; ११७, [२५(२, ३९, ८)]; ७,१, १७.३७,४; १०३, ८;९, ६२, २; ३; ६३, ५; शौ २,१२, ४[e]; †कौ २, १८१; १८२; जै ३ १७,२; ३; शौ ३,१०,५; ९, २,८[i]; १४,२,५९;१८, २, २२; २९;४,१२;१३; पै १, १०५,१; १८,१२,८, —†ण्वन्तम् ऋ २, २८, ७, ५,२८,२;८,३२,१०; मै ४,१४, ९; कौ १, २१७; जै १, २३,४; —ण्वन्ता काठ १८,१८[e]; क २९,६[e]; —ण्वन्तौ पै १८, १२,१०.

[a]) तु. सस्थ. टि. अपि।

[b]) पाठे? केया इति शोधः (तु. सप्र. काठ १२,११; C. [आपश्रौ १९, २,३] टि. च)।

[c]) सपा. कुर्वन् <> कृण्वन् इति पाभे.।

[d]) सपा. कुर्वाणः <> कृण्वानः (काश्रौ १०, ५, ३ आपश्रौ ११, १२,३ च) इति पाभे.।

[e]) सपा. कृण्वन् <> कृण्वन्तः <> कृण्वन्ता <> कृण्वाना (माश ८, ६,३,२२ च) इति पाभे.।

[f]) सपा. कृण्वन् <> विकृण्वन् <> आपश्रौ १७, १३,२ विकुर्वन् इति पाभे.।

[g]) ऋण्वन् इति पपा.?।

[h]) ण्वम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. शौ ५, १,७)।

[i]) पाभे. कृते पृ ११४१ d टि. द्र.।

कृण्वती- -ती ऋ १, ९२, ⌊४ (४, १४, २)⌋; ५,८०, २; शौ १४, २, ६०; पै १८, १२, ७; -तीः शौ १४, २, ६१; पै १८, १२,९.

कृण्वन्ती- -न्तीः पै १३,८,१५.

कृण्वान-ना- -नः ऋ ३,५२, ८; ४, ३८, ६;५,४,६; ८, ४३, ७; ९, १४, ⌊५; ८६,२६; १०७, २६⌋; १०,७३, ७; ११३, १; तै ३,२, ८,५[a]; मै १, २, १०[a]; २, १३, २२;४,१२,३[a]; काठ ४०,१२[b]; शौ २,२९, ३[a]; पै १, ११, ७; १०, ६,१;११,५,८; १६,१५१, २;१८, २४,५; १९, १७, १२; -ना मा १५,५३[cd]; २९,४; का १६,६,५[c]; ३१,१,४; तै ५, १,११,२¶; मै ३,१६,२; काठ ४६,२; पै १, ९७, २; ५,१,८; १३, ५, १६; -नाः ऋ ३, ५८, ६; ५, ३, ⌊८; १०, १२२, ७⌋; १०,१०९, ६;१२४, ७; खि ४, ८, ८; मै २,७, ९; शौ १, १३, ४;५,८,६; ११,१२,१७; पै ९, १५,९†;१९,३,६; -नाम् शौ ४,३८,१; -नासः ऋ १,७२,⌊९; ३,३१,९⌋; -ने ऋ १०,६१, ६; खि ५,७,१, ७; तै ४, ३, ११, १[e]; मै ४, १३,२†; काठ १५, १३.

कृत, ता[f]- -०त ऋ ६, ५८, ३[g]; -तः ऋ १, ५४, ३ ; १०५, १६ (२, २२,४)⌋; १४१, ८; ६,४९, ८; ७, ६२, ⌊(६,१९,१) १⌋; ८, ९३, ८; ९, ३, २; १०, ९०, १२;१७६, ४; †मा ३१, ११; ३४,४२; †का ३३,२, ५; ३५, १, ११; †तै १, १, १४, २; ३,५,११,१; मै १, ४,३[h],[i]; २, १३, ६†; ४, १०,४†;१४, १६‡[j]; काठ ५, ४[i]; १५, १२†; १६, १२‡[j]; ३४, १९[i]; ३९, १२; क २५, ३‡[j]; †कौ २, ५७३; ११११; †जै ३,४६, ११; ४९, ५; शौ ४,६,७; ५,२०,८; ६,१५, ३; ९,३,२; †२०, ४७, ७; १३७, १३; पै १, ४७, १; ३, १६, ५; ४,१४, ८; ५,८,६; ७,५,४; ९,४८, ६; ११,१,३;२, ७; १३, ५, १३[k]; १६,३९, ७; ६३, १; २०, ४७, ५[२]; ४९, ५; -तम् ऋ १, २४,९; ३४,८; ८५, ६; ११७, ८; १३२,१[२]; २,२२, ⌊(१,१०५,१६) ४⌋; ३,७, १०; २९, १; ४, १०, ७; ५,६०,१; ७३, ४; ६, १८, १३; ५१, ८; ५८, ४; ६०, ४; ७४,३; ८,४, ३[l]; ७; ९, ५; १९, १०; ४५, ३२; ५७,३; ९,७१,६; ९७,५८; १०, ४२, ९; ४३,५; १०२, २; १३५,६; खि १,४,४; २,१४,९[m]; ३,१०[२],२; ८[n]; १५, १८; ३१; ४,७,१-३; मा १३,८; १९, ७[o]; १८; ३१; ४०, १५; का १४, १, ८; २१, १,६[o]; २, ७; ३०; ४०, १,१७[२]; तै १, ४, ४५,१†; ८, २२,५[२]; †; ‡[p]; ४,२,८,३; ३,३, १; ५,२, १०,७; ६,४,९, ३¶; मै १,३,३९†; ४,११[q]; २,३,८[o]; ६,२०; ४,६,४¶; ११,२†; १४, ११; १६; काठ ४, १२†; १४[q]; ११,१२†; ३५, ५[r]; ३७, १८[o]; ३९,७; क ३,११†; ४८,६; †कौ १,२५२; ४६६; २, २०३; ९५५; १०७१; ३, १,५; †जै १, २६,

a) पाभे. कृते पृ ११५५ d टि द्र. ।

b) °णः इति पाठः? यनि. शोधः द्र. ।

c) पाभे. कृते पृ ११५५ e टि. द्र. । d) °नाः इति निसा. ? । e) पाभे. कृते पृ ११११ e टि. द्र. ।

f) विप., नाप. (युग-विशेष-, अय-) । g) सपा. कृत<>कृतः (तैब्रा २,५,५,५ च) इति पाभे. ।

h) °क्तः इति पाठः? यनि. शोधः (तु. मै. पपा.) ।

i) =सपा. आश्रौ १,११,१३ शांश्रौ ३,१९,३ कौसू ५, १३;९७, ४ । तैब्रा २, ४, १,९ आपश्रौ ३,११,२ आपमं १, ४,१६ हिगृ १,३,६ तु हितः इति, आपश्रौ ३,११,२ आपमं १,५,१८ हिगृ १,२६,१२ घृतः इति च पाभे. ।

j) सपा. कृतः <> कृते (माश ७,२,२,५ च) इति पाभे. । k) विशेषस्य कृते पृ ६४७ f टि. द्र.

l) अपा कृतम् इति पाठः? अपां कर्तम् इति शोधः । यनि. =(√कृत् ⌊छेदने⌋ >) कर्त- इत्यस्य वावि. इति मतम् (वेनु. वें. सा. <√कृ इति कृत्वा २अप्- > तृ१ तदन्वय इति) । m) पाभे. कृते पृ ११४७ c टि. द्र. ।

n) विशेषः पृ ६७ e टि. द्र. ।

o) सपा. कृतम् (ऐब्रा ८, ८ माश १२, ७, ३,१४ तैब्रा २, ६, १,४ आश्रौ ३, ९,४ आपश्रौ १९, ७,३ च) <>चकृपे<> तैब्रा १,४,२,२ आपश्रौ १९, ३,४ चितम् इति पाभे. । p) सपा. ऋ ६,७४,२ विशिष्टः पाभे. ।

q) सपा. ऐब्रा ७, २४ तैब्रा ३, ७, ५, ४ आपश्रौ ४. ९,६ हुतम् इति पाभे. ।

r) =सपा. तैब्रा ३,७,८,३ आपश्रौ १४,३०,३ । काश्रौ २५, १२,५ तु क्रतुम् इति पाभे. शोधार्हः ।

१०; ४८, ६; २,५,२; ३,१८, १०; ४, २०,१; शौ ३,९,२;४, २६, ७;३८, ३;५,५, ४; ९,८; ६, ९,३; ११, १; ७२, २; ९७, २†; ७, †४३, १; २, ५२, २; ३†; ५; ६†[a]; ८; ९, २, १६; १०,१,३२;१३,७,१२; १४,२, ६२; ६५; १९, ९, १२;७२, १; †२०,१३, २;१७, ५; ८९,९[a]; १३९, ५; १४३, ९, पै १,३७, ४;८९, १;४; १०९, १; २,७१, २; ७७,२; ३; ९०, ४; ३,७,३, ४, १८, ७; ३६, ६,५,१८, ६; ३४,१; ६, ४, ३; ११, १३; ७, ८, ९; ८, १६, ९; १८,९;९,,८, ३;२३,१;१३,१२,१; १६, ३८, ४; ७७,१; १८,१३, १;४; १९, ९, ७; ९; १२, १; २२,२; २५, १; २७, १३; ३५,१;३; ३७,३; ४७, १३ ; ४८, १०-१२; २०, ३०, २; ३६, २; –तस्य ऋ ७, ११, ४; मा २०, ३५; का २२, ३,४; शौ १,२३,४; ३,२४, ५; ७,५२,९; पै १,१६,४; ४९,२; ५,३०,५; २०, ५५,१; –ता ऋ १,२८, २; ३,१,[२०; ३०, २]; ६,६१,१३; ८,१०, ३; ७७, ९; १०१,१३;१०,९७,५; मा ११, ६९; १२, ७९†; ३४, १९†; ३५,४†; का १२,७,४; १३,६, ५†; ३३,१,१३†; ३५,४, ४†; तै १,१,२,१; ४,१,९,२; २, ६, २†; मै १,१,२; २,७,७; १३†; ३,१,९; ४,१,२[२]¶; काठ १,२; १६,७;१३†; ३१, १[२];¶; ३५, १०; क १,२; २५,४†; ४७,१[२]; ¶; ४८, १२; शौ ५, १४, ७; १०,१,३;८,२६; पै १,६४, ३[b]; ७,१,४; ८;९,६, १०;११; ११, २, १२; ६, ६†; १६, ३५, ३; १०३,३; १७,२९,८‡; १९,२९, ७; –ताः ऋ ३, ३५, ७; १०, ९०, १५; मा ३१, १५†; का ३५, १, १५†; जै २, ४, २†; शौ ४, ६, ७; १९, ६, १५†; पै ९,५,१३†; १३,३, ३; १७,१५, ४; १९,१८,६; –तान् ऋ १०, ६३,८; मै ४,१४,१७[c]; पै १७, १३,१‡; –तान् ऋ १, १६१,४; १०,५३,६; तै ३,४,२,२; †काठ १३, ११; १२; –तानि ऋ १, २४,१४; २५,[११; ८,६३, ६]; १००, ९[d]; ११७, ४; १२८, ७; २,११,६; १२, ४;२१,[(१,२२, १) ३]; ३, ३८, ९; ५, ३०, ३; ४२,६; ७,६,१; १८, १४; ६१, ६; ९८, [(५, ३१, ६) ५]; ८, ३२, १; ९, ४७, २; १०, ३४, ६; ११२, ८; तै १, ५,११,३†; मै १,१०,१६¶;†४,१०,४;१४, १७; काठ ३६,१०¶;४०,११†; कौ १, ७८†; जै १,८, ६†; शौ ४, ३८, १-३; †२०, ३४, ४; ८७, ५; पै १३,७,४†;१५,१२, ११; –ताम् पै १६,३५,२; –ताय मा २२, ८; ३०, १८; का २४, ३,६; ३४, ३, ५; मै ३,१२, ३; –†तै ऋ ५,१७,१; ७, ५७, ५; १०,९६,९; १०१,३[e]; मा १२, ६८[e]; का १३, ५, ७[e]; तै ४, २, ५, ५[e]; मै २, ७, १२[e]; शौ ३, १७, २[e]; २०, ३१, ४; पै २,२२,१[e]; १२,६,४§; –तेन ऋ १०,८८,३; शौ ६,१२४, १; पै ४,९,५;१९,४०,४;५; –तेभिः ऋ ८,१६,६; १०, १११,१

कृत-द्वि(ष्>)ष्टा[f]– -ष्टा शौ ७, ११८,१.

कृत-ध्वज[g]– -ध्वजः ऋ ७,८३,२

कृत-पुण्य[h]– -ण्यानाम् खि २, ६१, २२.

कृत-ब्रह्मन्[i]– -ह्मा ऋ २ २५, १; ६, २०,३; ७, ७०,६; मै ४, १४,१०†.

कृत-मत– -मत पै१०,४,३;११.

¶कृत-यजुस्[j]– -जुः तै १,५,२, ४; मै १, ६, ?; काठ ८,१५; क ८,३

कृत-वीर्य[j]– -र्यः शौ १७, १, २७[k]; –र्याय पै ३,२२,४.

कृत-व्यध(न>)नी[l]– -०नि शौ ५,१४,९; पै २,७१,१.

कृत-स्थ(ल>)ला[m]– -ला[n] तै४,

a) सपा. शौ ४,१६,५ अक्षान् इति पाभे. ।

b) पाठे? कृथाः इति शोधः ।

c) =सपा. तैआ २,३,१ । तैब्रा ३,७,१२,२ तु ऋतात् इति पाभे. । d) नाप. =जय- इति PG [१, २२१] ।

e) पाभे. कृते पृ ११५६ j टि. द्र. ।

f) विप. (तृष्टिका-) । बस. ।

g) विप. (नृ-) । बस. ।

h) कृ° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

i) विप.(इन्द्र- प्रमृ.) । j) विप. (यजमान-) । बस. ।

k) सपा. कृतवी° <> ऋतुवी° इति पाभे. ।

l) नाप. (ओषधि-विशेष-) । बस. । m) व्यप. ([दिग्-उपदिष्टप-] अप्सरो-विशेष-) । व्यु. ? । बस. ।

n) सपा. कृतस्थला <> ऋतुस्थला (माश ८, ६, १, १६ च) इति पाभे. ।

४,३, १; मैं २, ८, १०; काठ‖ १७,९: क २६,८.

कृता(त-अ)कृत[a]– -तम् शौ १९. ९,२.

कृता(त-आ)गस्[b]– -गस्: शौ १२,१०,१४:११,४.

कृता(त-अ)न्त[c]– -न्तम् मैं ४,८, ३¶.

१कृति– -तिः पै २०, ५३, २: –तिम् मैं ३,७,८![d]: काठ[e] १९, १२:२७,१: क[e] ३१,२:४२,१.

कृतु–

*कृत्विय– -‡यः जै १, ५७, ५[f]; ३,५,७[g].

कृत्व्य[h]– -†त्व्यः ऋ ६, २, ८: ९, ७६, [१[f], ७७,५]; ८४, ५: १०१, २[g]; कौ १, ५५८[f]; २, ४८[g]; ५७८; जै ३, ४७, ४: –त्व्यम् ऋ १०, ४९, ७; १४४, २; –त्व्याः ऋ ९, ४६, १; –त्व्यान् ऋ १,१२१,७; –त्व्यानाम् ऋ ८, २५, २३; –त्व्ये ऋ १, ५४, ६; ८, ५, २६; ८,२१: ५०,[(४९,९) ९]: खि ३, १,९.

·-त्नवे ऋ २,१३,१०: –त्नुः ऋ १,९२,१०;८,७९,१;–†त्नुम् ऋ ८,१६,३; जै ४, २२,७; शौ २०,४४,३: –†०त्नो ऋ ६,१८, १५; मैं ४,१२,३; काठ ८, १६.

कृत्य– -त्य पै ५,१३, ९!; –त्यैः पै १६,८०,१.

कृत्या[j]– -त्या ऋ १०, ८५, २८; २९: खि ४, ५.१३[k]: मैं ३, ८, ८; शौ ४, ९, ५: ५, १४, ५: ११:१२[l]; १३; १२, ७,१;९,१: १०,७;†१४,१,२५: २६: पै २, ६४,१:७१,५: ५,२८, ९: ७,१, ९; ८,३,५: १६,१४२,१:१४५, १; १४६, ३: †१८, ३, ४: ५: १९,३९, २: ३!: –त्याः खि ४, ५,२३: शौ ४, १८,५: ५, १४, ५: ८, ५, २: ५-७; ९[२]: १०, १,४: ६, ३०: १४,२,४९; १९, ९, ९;.पै १,४७, ३: २,३८, ५: ६४,१[२]; ५,२८,६; २५,७; १६, २७,२;५-७:९[२]: ३५,४-६; ३८, २; १८,११, ९: –त्यानाम् खि ४,५, ३०: –त्याभिः शौ ८, ५, १५: पै १६,२८,५: –त्याम् खि ४, ५, १: ५[m]; मा ५,२३: ३५, ११: का ५, ६,२; ३५, ४,१०; मैं ४, १४, १७[n]; काठ ३७, १२[२]¶; शौ ४, १७, ४;१८, २; ४;५,९,८[o];१४,३;४;६;८;३१, १-७; ८[p]; १०, १, १८; ३, ४; १४,२, ६५; १९,४५, १; पै २, ३८, ४; ७१, ३;४; ५, २३, ६; २४,२;४; ७,१,३; ७;१०; १२; ७,३;१०,१२,२;१५,४,१; १६, ३६,८;६३,४; १८,१३,४; १९, ३९,५;६; –त्याः पै १, ५८,१; –०त्ये खिा २९, ८; शौ ५, १४, १०; ११, १२, ६; –०त्ये खि ४, ५, ३[p]; ५-७,१२: १५; २१; २५: ३२; शौ १०, १, ७; १५:१७:२०;२१;२५;२६: २९; ३१: पै २,३८, ३: ७, १,४[l];६; ८; ११; १६,३५, ७;३६, ५,७: १०:३७,५,६:१०;३८,३.

कृत्या-कृत्[q]– -कृत् शौ ४, २८, ६; पै ४,३७, ६; –कृतः शौ ४, १७, ४: १९, १;१०,१,६; १९; ३१[२]; १९, ३४, २; ४५, १; पै १,४७,३:२,७१, ४; ५,२३, ६; २५,१: ७, ३,६; ११,३,२;१५

a) कस. (पा २,१,६०) अन्तोदात्तः।

b) विप.। बस.। उप. यद्र.।

c) कस. अन्तोदात्तः।

d) एतद्-अनुकृतिम् इति sch., एतद् अनुकृतिम् इति सात. च पाठे? एतत् अनु कृतिम् इति पृथक्-पद-त्रिकः शोधोऽत्र द्र. (तु. ऐब्रा १, २७;२,३७)। अनु प्रकृते कप्र. इति द्र. (तु. मा. [ऐब्रा २, ३७], पृ १०४८ *a* टि. च)। e) तु. *d* टि., मस्थ. टि. २अनु (परि.) च।

f) सपा. कृत्वियः <> कृत्व्यः इति पाभे.।

g) सपा. कृत्वियः <> कृत्व्यः इति पाभे.।

h) विप. (अत्य-, मद- प्रमृ.)। तत्रमाधवीयः यत् प्र. (तु. अभ्रिय–, अभ्रय–, २ऋत्विय–, १ऋत्व्य–)।

i) विप. (इन्द्र-, सोम- प्रमृ.)। कर्तरि क्नुः प्र. (पाउ ३, ३०) तत्स्वरश्च (तु. स्क. वें. मा. PW. प्रमृ; वैतु. वें. मा. [ऋ १,९२,१०] <√कृत् [छिदने] इति)।

j) भाप. (क्रिया- [शौ ५, ९, ८ प्रमृ.]), अभिचार-कर्तन- [शौ ४, ९, ५ प्रमृ.], नाप. (राक्षसी विशेष-इत्यौपचारिकम्)। क्यप् प्र. उदात्तः (पा ३, ३, १००)।

k) पाठे? कृत्ये इति शोधः।

l) सपा. कृत्या <> कृत्ये इति पाभे.।

m) सपा. खिमा २९,५ कृत्ये इति पाभे.।

n) सपा. कामा १२७:८ कृत्यानि इति पाभे.।

o) सपा. पै ६, ११,१३ पाठाऽभावः।

p) सपा. खिमा २९,३ शौ १०,१,७ विशिष्टः पाभे.।

q) विप. (यातुधान-)। उस.।

४,१;१६,३५,६;३६,९; –कृतम् शौ ५, १४, १[a]; २; ४; ५;१०; १२; १३; ३१, १२; १०,१,५; पै १,४७,४; ७६,२-४; २,३८, २;३; ५; ७१, २१[h];५; ५, २५, ७; ७, १, ४; ६-८; १६, ३८, ३; –कृता शौ १०, १, २; २४; ३२; पै १६, ३७, ४; ३८, ४; –कृताम् पै १६, ३५, २; ३८, ३[b]; –कृते शौ ५; १४, ३-५; ८; १०,१, २३; पै २, ३०, ४; ३८,४; ७१,३; ७, १,१[d]; ३; ७; १६,३५,५;३७,३.

कृत्या-दूषण[c]– -णः शौ १९, ३४, ४; पै ३,५७,४;११,३,४; –णम् शौ १०, १, ९; पै १६, ३५,९.

कृत्या-दूषणी– -णीः शौ ८, ७,१०; पै १६,१२,१०.

कृत्या-दूषि[d]– -षिः शौ २, ४, ६; पै ७,५, ४; ६; ९; –षिम् पै ७,५,५[e].

कृत्रिम.मा[f]– -मः शौ १४, २,६८; पै १८, १३, ८; –मम् शौ १९, ३४, ३ पै ११, ३, ३; –मा ऋ १,५५,६;८,६७, २०; –†माणि ऋ २,१५, ८; ७,२१, ३; मै २, ३, १४,५; मै ४,१४,५; –¶मे काठ २५,३; क ३८,६.

कृत्वन्[e]– -त्वने ऋ ८, २४, २५; १०, १४४, ३; –†त्वसु ऋ ९, ६५,२३[f]; कौ २, ५१४; जै ३, ४०,१०; –त्वानम् पै १९,३६,९.

कृत्वरी– -रीः शौ ४, १८, १; पै ५,२४,१.

कृत्वस्(:)[g] ऋ ३, १८, ४; ५४, १; ¶तै ६, १,१,६;९,५[२]; २,१,३; २, २; ८, ३; ४,४, १;२;५,१[२]; २; ३; ५, ३, ३[२]; ३; ७,५, ३, १; ¶मै १,१०,१८; ३, १, १, ७,४, ८,१; १०, ३[h]; ४,१,१०; ५,५[२];७; ¶काठ १८, १९; २४, ५;८,२६,१०[२]; २९,३; ३३,५; ३६, १३; ४०, ९; ¶क २९, ७; ३७,६;३८,१; ४१, ८[६];४५, ४; शौ ११,२,९;१२,२,२९; पै १६, १०४,९;१७,३२,९,२०,३३,३.

कृत्वा[i] खि ३, १६, ४; मा ३, ४७; ११, ५५; १२, १७; ५९; का ३, ५,४; १२,५,६; १३, १, १८; ४, १५; ¶तै १, ५, ४,१; ८,३,१$; २,४, १२, १;५, २, १; ६, १२, ५‡[j]; ३, १, ११, ४‡[j]; ४, १०, २[२];४, १, ५, २; ९,३;२,१,५;५,१; ५,१, ८, १; २, ६,५; ५, २,४; ५;७, २,१[k]; ६,१, ३, १; ४, ६; ९; ६, ५[२]; ५,२,४; ७,४, २; ४; ७, १; ३; ३, २, १; २; ७,५[२];५, ८,२;३; ६,७,२; ७,१,६, २-४; ३,११, १$;५,८, १; ¶मै १, ६,३;७; ९, ३; ४; ६[७]; ७; १०, २$; १९;२०; २,१,९;२,१; ५;३,१; ६,३; ७, ५; ८; ११; ३,४,७[२]; ७,९;८, २; ३; १०;९, १[२];१०, ५; ४, ३, ४[२]; ५, २; ७, ४; ८, १; ¶काठ ३, १०[l]; ९, ४; ११[३]; १४; १०, १; ३; ४; ८; ११,६; १२,१; ३[२]; ६; ८; १३, ७; १६,५; ८;११; १९,९; २१, २;९;२३,२[२]; २४,१;५;७;२६, १; २[२], २८,८; २९, १०; ३१, ४; ३४, २[२]; ९[२]; ३६,१३;१४; ३७, ११; क ८, ७; २५, २$; ३१, १७; ३५,८[२]; ३७, २[२]; ६; ८; ४०,४; ५[२]; ४४,८; ४६,३; ४७,८; शौ ३,३,६; २५, २;६; ५, ७, २ १८, २; ७, ५,१७, १०‡[m]; २२,४; ६, १०३,३;८, ६,२३[n];९,२;१०,१,९-९,५;६; २५; ११, ७, ९; १०,११;१८;

a) सपा. °तम् (W. °तः) <> °ते इति पाभे.।

b) कृत्येन कृतम् इति पाठे? प्रकरणतः यनि. शोधः विमृश्यः।

c) विप.। उस.।

d) विप.। तेर्नान्नर्वर्तीयौ क्वि-मपौ प्र. (पा ३,३,८८; ४,२०)।

e) विप. (कुत्स-, श्येन- प्रभृ.)। कर्तरि क्वनिप् प्र.।

f) वैं. सा. [पक्षे] GRV. PG [२,२०९] प्रभृ. व्यप. (देश-विशेष-) इति ?।

g) व्यु.?। वीप्सायां क्वसिप् प्र. उसं. (पाउ ४, ११४; वैतु. वैप २,३६२ टि., सा. [ऋ ३,१८,४] तदस्यास्तीत्यर्थे मतुप् प्र. इति)। न. द्वि१ नद् वा. क्रिवि. द्र.।

h) °त्वः इति स्वरे ? यनि. शोधः (तु. पपा.)।

i) सपा. कृत्वा (मंत्रा २, ३, १७ आपश्रौ १, १०, १४ च) <> कृत्वी इति पाभे.।

j) पाभे. कृत्व पृ ९९५ f टि. द्र.।

k) =सपा. पागृ ३, २, ७। मंत्रा २, २, १८ तु कुरु इति पाभे.।

l) सपा. कृत्वा <> धत्त <> नयत (माश ३,९,४, १६ च) इति पाभे.।

m) सपा. कृत्वा <> कृत्वी इति पाभे.।

n) सपा. मंत्रा १, १, १४ आपमं १, ४,११ हिगृ १, १९,७ उन्मुच्य इति पाभे.।

२९²; १२,२,४;४३;५४;४,२०; १३, १, ४७; ५२²; ३, १; १५, १४, १; ३; ५; ७; ९;११; १३; १५; १७; १९; २१; २३; १८, २,३३‡[a]; ३,४२‡[b]; १९,८, ६; ३०,१; २०, १३६, १४[c]; पै २, १,२;२६, ३, ४,४,१०; ५,२४, २;३;३२, ९;७,१५, ७;९, १५, १०†; १३,११, १९; १६, १८, २; ३५, ९; ८१,७; ८६, २;८; ८७,१०²; ११८, ५; १३६, ६; ७;१३८, ६; १५३,८; १७,१७, १०;३०,४;३४, ८;३५, २;१८, १९,७; २०,१²; १९,१८, १०; ३२,१८;२०,२१,४.

कृत्वाय[d] मा ११, ५९; का १२, ५,१०; तै ४,१,५, ८;५,१,६, ४; मै २, ७, ६; काठ १६,५; १९,६; क ३०,४; पै १३,१,५.

कृत्वी[e] ऋ १, १६१, ३[f]; १०, ९५, १२[b]; १७,२[a]; १०९, ७[g]; १५९, [४ : १७४, ८][h]; खि ५, ७,२, ८; मा १९, ३६†[b]; २१, ४६; का २१, ८, १६†[b]; २३, ५,४; मै ४,१३,७; काठ १८,२१.

काण,णा[i]— -णस्य ऋ १, १३२, २; –†णा ऋ १,५८,३[j]; १३९, १[k]; ५,७,८[k]; १०,२[j]; ९, ८६,१९[j,l]; १०२, १[j,m]; १०, ६१, १[j]; कौ १,४६१[k,n]; जै १,४८,७[k]; –णाः ऋ १, १३४,२²; १०,९२, ६; –णाय ऋ १०,१३२, २; –णासः ऋ १,१३४,२.

क्रियमाण,णा— -णम् ऋ ६,५२,२; ७,३५, १४; ¶तै ६, ४, २, ६; ९,५; शौ २, १२, ६†; ५,२९, १; १९,११, ८†; पै २,५, ६†; १३,८,१४†; ९,२; –णम्ऽ-णम् मै ३, ७,२; –णम्य ऋ १०, ५५,७; तै ५,३,१,१¶; कौ २, ११३४†; –णस्यऽ-णस्य मै ४, ७, १; –णा ऋ ५, २९, १५; –णायाः शौ ३,७,६; –णायाम् काठ ३४, १८; –¶णे तै ३, ४, ३, ५; ५,१,३, ४; २,७, ५; ६,१, ७, ३; ८,३;२,१०,१;३, ५,४.

चकृवस्— -वान् ऋ ५, २९, १८, १०,१३८, ३; तै ३,२,८, २; मै २, ३, ८; शौ २,३५, ३; पै १, ८८, १; –वांसः ऋ १, १६१, [४ (१३)]; ५,४३, ३; –वांसम् ऋ ६,१७,१३; –कुषः तै ६, ४, ८, २¶; –†कुषम्[o] ऋ १०, १३७,१; मै ४, १४, २; शौ ४, १३,१; –कुषे ऋ ७,८७,७; शौ ४,१८, ४; पै ५,२४, ४; ७,१, १०; १९,३९,५.

†चक्राण— -णः ऋ १, ७२, १; ८, १४, ५; ९, ४४, ४; तै २, २, १२,२; कौ १, १२१; २,९८९; जै १, १३, ७; शौ २०,२७, ५; –णाः ऋ ८,७,२३; –णासः ऋ १, ३३,८; –णौ ऋ ४,४१,१०.

†चक्रि[p]— -क्रये ऋ १,९, २; जै १, २४,१०; शौ २०,७१, ८; – क्रिः ऋ ३, १६, ४²; ७, २०, १; ९, ७७, [(७६, १) ५]; ८८, ४; काठ १७,१८; –क्रिम् ऋ १,९, २; जै १,२४,१०; शौ २०,७१, ८.

चर्कृति[q]— -तिः ऋ ५, ७४, ९; ६, ४८,२१.

चर्कृत्य[r]— -त्यः ऋ १०,५०, २; शौ ६, ९८, १; पै १९, १२, १३; –†त्यम् ऋ १, ६४, १४; ११९, १०; ४,३८,२; ८, २४,२३; १०, ३९, [(१, ११८,९) १०]; ४७,

a) सपा. कृत्वा <> कृत्वी (या १२,१० च) इति पाभे.। b) पाभे. कृते पृ ११५९ i टि. द्र.।

c) भस्मा इति शंपा. ?।

d) क्त्वो यग्-आगमः [पा ७,१,४७]।

e) क्त्वः ईकारान्तादेशः [पा ७, १, ४९]।

f) तु. वें. द. प्रभृ.; वैतु. मा. दे. [२, १] कृतु-[=कर्मन्-]>तृ१ रूपम् ?।

g) पाभे. कृते पृ ११५९ m टि. द्र.।

h) वैतु. वें. सा. कर्मवान्, कर्मकर्ता इति ?।

i) विप. (अग्नि-, सोम-, मित्र-, मरुत्- प्रभृ.)। ज्ञानचि प्र. [तु. या ४, १९] नित्स्वरः, धा. च करणे वृत्तिः।

j) =णाः इति सा. GW. MVG [३७२ a २], PW. BW. प्रभृ. यनि. किवि. इति, GW. [पक्षे] <काणन्- इति।

k) विप. स्त्री. (वाच्-, मातृ-)।

l) सपा. काणा <> प्राणः <> प्राणा इति पाभे.।

m) सपा. काणा <> प्राणा (तां १३,५,३; १४,११,३ च) इति पाभे.।

n) काण इति S. ?।

o) भत्वाऽभावे संप्रसारणम् उसं. (पा ६, ४, १३१)।

p) विप. (अग्नि-, इन्द्र- प्रभृ.)। क्रिन् प्र. (पावा ३,२, १७१) नित्स्वरश्च।

q) धा. स्तुतौ वृत्तिः। भावे क्तिन् प्र. उदात्तः उसं.।

r) विप. (अश्व-, इन्द्र-, भाग- प्रभृ.)। धा. स्तुतौ वृत्तिः। कृत्यः क्यप् प्र.।

२; मै ४,१४, ८; शौ २०, ६६, २; –†न्यानि ऋ ८, १०३, ३; कौ २, ८६६; जै ४, २१, ४; पै २०,५१,३.

चर्कृषे[a] ऋ १०,१०५,४[b].

†कृकदा(शु>)शू[c]– -शुम् ऋ १, २९,७: शौ २०,७४,७.

कृकलास[d]– -सः[e] मा २४, ४०; का २६,८, ५; तै ५,५, १९, १; मै ३,१४,२१.

कृकवाकु[f]– -कुः मा २४, ३५; का २६, ७,५; तै ५,५, १८,१; मै ३,१४,१५; काठ ४७,८; –कुम् खि ५, २२, ८; शौ २०, १३६, १०[g]; –कौ शौ ५,३१,२.

कृकाट[h]– -टम् शौ ९,१२, १; पै १६, १३९,१.

कृकिलास[i]– -सः काठ ४७,९[e].

कृच्छ्र,च्छ्रा[j]– -०च्छ्र पै १४, २, ६[k]; –च्छ्रा ऋ १०,५२,४; –¶च्छ्रात् मै २, ३, २; काठ २५, २[2]; क ३८, ५[2]; पै ९, १४, १$[l]; –च्छ्राभिः पै १,७०,१; –¶च्छ्रे काठ २५, २[2]; क ३८, ५[2]; –च्छ्रेभ्यः[m] मै २, ९, ४; काठ १७,१३; क २७,३.

कृच्छ्र-पति[n]– -तिभ्यः[o] मै २,९,४; काठ १७,१३; क २७,३.

¶कृच्छ्र-शस् (:) काठ २५, २; क ३८,५.

√कृच्छ्राय, ¶कृच्छ्रायेत काठ २४, ६; क ३७,७.

†कृच्छ्रे-श्रित[p]– -श्रितः ऋ ६, ७५, ९; मा २९, ४६; तै ४,६,६,३; मै ३, १६, ३; काठ ४६, १; पै १५,१०,९.

कृणवत्, कृणवन् √कृ द्र.

?कृणाम् पै ९,२२,९.

कृण्वत्–, कृण्वान, ना– √कृ द्र.

√कृत् (छेदने), >कर्ति, कृन्तति ¶तै ६, १, ८, ४; २, १०, २; वृन्त शौ १९,२८, ८[4]; पै १३, ११, ७[4]; १६, १४६, ११; २०, २२,७.

चाकृतु[q]: पै १२, ३,१; चकर्तिथ ऋ १, ५७, ६; शौ २०, १५,६; कृत्स्यामि पै १९, ३६, ११; अकृत् पै १७,२१,४.

अचीकृतः पै १३,१३,१.

कर्त[r]– -र्तः मै ३,८,४¶; –र्तम् ऋ १,१२१, १३; ९,७३,९; तै ६, २, ६, १¶; शौ ४, १२, ७; –†र्तात् ऋ २,२९, ६; मा ३३, ५१; का ३२, ४, ८; मै ४,१२, ६; –र्ते ऋ ९,७३,८.

२कृति[s]– -तिः ऋ १,१६८, ३.

कृत्त– -त्तम् पै १४,२,८.

कृत्ति[t]– -त्तिः ऋ ८,९०,६; कौ २, ७६२†; –त्तिम् मा १६, ५१; का १७,८,५; तै ४, ५,१०, ४; मै २, ९, ९; काठ १७, १६; क २७,६, –त्तीः शौ ८,६,११.

कृत्ति-वासस्[u]– -सा मा ३.६१; का ३,८,६; तै १, ८,६,२; मै १, १०,४;२०; काठ ९,७; क ८,१०.

†कृन्तत्र[v]– -त्रम्[w] ऋ १०,८६,२०;

---

a) धा. स्तुतौ वृत्तिः। तुमर्थीयः सेन् प्र. नित्स्वरश्च (तु. foy LKZ ३४,२२३-२३४;२३८⌋; वैतु. वें. सा. PG⌊१, १९७⌋<√कृष् इति)। b) पाभे. कृते पृ ११५१ *d* टि.द्र.।

c) नाप.। अर्थः व्यु. ?। =कृकलास- इति स्क. वें., =हिंसक- इति सा., =दुष्टात्मन्- इति GW. प्रमृ.। <कृक-(<√कृ ⌊हिंसायाम्⌋)+√दाश् > उस. इति सा.।

d) नाप. (प्राणि-विशेष-)। व्यु. ?। <कृक- (=गल-) +√लस् इति अभा.। °शा- इति PW.।

e) सपा. कृकलासः <> कृकिलासः इति पाभे.।

f) नाप. (ताम्रचूड-)। व्यु. ?। <कृक–+वाकु– (<√वच्+उण् प्र.) इति (पाउ १,६)।

g) °वाकम् ? इति शंपा.।

h) नाप. (ग्रीवा-पृष्ठदेश- ⌊नभा. गाटा⌋)। व्यु. ?।

i) कृकलास– इत्यनेन सन्न्यायता द्र.।

j) भाप. च विप. च। व्यु. ?। <√कृत् (छेदने) इति (पाउ २,२१), <√कृश् इति PW. GW. प्रमृ.।

k) सपा. कृच्छ्र <> गिरिश इति पाभे.।

l) सपा. कृच्छ्रात् <> कृणात् इति पाभे.।

m) सपा. कृच्छ्रेभ्यः <> गृत्सेभ्यः इति पाभे.।

n) विप. (रुद्र-)। षस.।

o) सपा. कृच्छ्र° <> गृत्स° इति पाभे.।

p) विप. (पतृ-)। उस. क्विबन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।

q) चाकृतुः इति पाठः? यनि. शोधः।

r) नाप. (गर्त-)। कर्मणि अच् प्र. उसं. (पावा ३, ३, ५८) चित्स्वरश्च (तु. वें. स्क. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. <√कृ इति)।

s) नाप. पुं. वा स्त्री. वा (खड्ग-)। करणे क्तिः प्र. उसं. (पाउ ४, १२०)। t) नाप. स्त्री. (चर्म-विशेष-)।

u) विप. (रुद्र-)। बस.। v) अर्थः ?। कत्रश् प्र. उसं. (पाउ ३, १०९) तत्-स्वरश्च।

w) नाप.। =अरण्य- इति सा., =पर्वत-रन्ध्र-, पर्वत-प्रपात- इति BW. PG ⌊२, ४०⌋ GRV. प्रमृ.।

शौ २०, १२६, २०; –न्नात्[a] ऋ १०,२७,२३.

✓कृत् (वेष्टने), कृणत्ति तै २,५, १,७¶; अकृन्तन् शौ १४, १, ४५: अकृन्तन् मै १,९,४; काठ ९,९; क ८,१२; पै १५,५,५; १८,५,२.

कृन्त(त्>)ती– -ती शौ १, २७, २[b]; पै १९,३१,५.

कृत– ✓कृ द्र.

कृतद्वसु[c]– -सू ऋ ८,३१,९:

?कृतवा, ?कृतवे पै २०,३७,३.

?कृता इव[d] ऋ २,३५,५.

१कृति– ✓कृ द्र.

२कृति– ✓कृत् (छेदने) द्र.

कृतु– ✓कृ द्र.

कृत्त–, कृत्ति– ✓कृत् (छेदने) द्र.

कृत्तिका[e]– -काः तै ४,४, १०,१:५, ३,९,१¶; मै १, ६, ९[3]¶; २, १३, २०; काठ ८, १[4]¶; ३९, १३; क ६,६[2]¶; शौ १९, १२, ३; १९,७,२; पै १५,५, ५; १६,१३९,५; १९,३८,१३; –¶कासु मै १, ६, ९; काठ ८, १[2]; क ६,६[3].

कार्त्तिकेय[f]– -याय मै २,९,१.

कृत्नु–, कृत्य–, कृत्या–, कृत्रिम–, कृत्वन्–, कृत्वरी–, कृत्वस्, कृत्वा, कृत्वाय, कृत्विय–, कृत्वी, कृत्व्य– ✓कृ द्र.

?कृत्-संवीत[g]– -ताय[h] काठ १७, १२; क २७, २.

कृत्स्न[i]–

कृत्स्न-वीत[j]– -ताय[h] तै ४,५,२,२; मै २,९,३.

कृत्स्न-हृदय[k]– -येन[l] मा ३९,८; का ३९,६,१.

कृत्स्ना(स्न-आ)यत[m]– -ताय[h] का १७,२,४.

कृत्स्नायतता[n]– -तया[n] मा १६, २०[h].

कृदर[o]– -रम् मा २९,१: तै ५,१, ११,१; मै ३,१६,१: काठ ४६,२.

कृधु[p]– -धु[q] मा २३,२८[r]: का २५,

---

a) भाप. वा नाप. वा। =छेदन-, विच्छेद- इति मा. स्क. [या २, २२] GW. Gri., =रन्ध्र- इति BW., =कन्दर- इति GRV., =अन्तरिक्ष- इति या.।

b) वैतु. सा. <✓कृत् (छेदने) इति।

c) विप. ([धन-विभाजयितृ-] दम्पति-)। बस.। पूप.?। पपा. [कृतत्-व॰] अनु वें. सा. GRV. ORN. ✓कृ> कृत–> नैप्र. तकारोपजने = कृतत्– इति [तु. शतद्वसु– प्रभृ.], ?PW. WAG [२,५५ b] प्रभृ. कृतत्– <✓कृत (वेष्टने>विभाजने) इति, GW. <✓कृत (छेदने> उद्घाटने) इति।

d) पाठे? धूर्तासु इव > धूर्तास्विव > [नैप्र.] यनि. इति कृत्वा तत्परः शोधः। *धूर्ता– इति च विप. [२अप्–] द्र.। व्यु.?। नैप्र. < *प्र-घृता– इति वा < धृत-धा– (तु. विश्व-धा–) इति वेति मतम्। उत्प्रेक्षालङ्कारः द्र.। तथा हि, वैद्युतरूपेणाग्निः पर्जन्यगतास्वप्सु धृतवतीष्विव सतीषु प्रोद्दीप्तिं लभमान एवोपप्रसरति (वैतु. कृताः इव इति पपा. अनु =जनयित्री- इति वें., =मातुःस्तन- इति GG., =गम्भीरगर्त-, कन्दर- इति PW. GW., =[क्षतयोनि-] कन्या- इति ORN. इति मन्वानानां वा.?)।

e) नाप. स्त्री. (नक्षत्र-विशेष-)। व्यु.?। <✓कृत (छेदने) इति (पाउ ३, १४७)।

f) व्यप.। नाद्विनः ढक्>एयः प्र.।

g) विप. (रुद्र-)। व्यु. पूप. च ?।

h) सपा. कृत्संवीताय <> कृत्स्नवीताय <> कृत्स्नायतया <> कृत्स्नायतताय इति पाभे.।

i) =समग्र-। विप.। व्यु.?। <✓कृत (छेदने) इति (पाउ ३,१०)। j) विप. (रुद्र-)। कस. अन्तोदात्तः (वैतु. सा. बस. इति)। उप. <✓व्ये।

k) कस. उत्तरपदाद्युदात्तः उसं. (पा ६,२,१२३)।

l) सपा. कृत्स्नहृदयेन <> स्थूलहृदयेन (तैआ ३, २१,१ च) इति पाभे.। m) विप. (रुद्र-)। कस. (तु. j टि., उ.: वैतु. सा. म. बस. इति स्वरानुपपत्तेः)।

n) °यतना– > –यततया इति पाठस्य मतः वाचि. मध्यमतकारलोपः द्र. (तु. उ. म. द. PW. प्रभृ.)।

o) नाप. (आवपन-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <कृत-दर- इति या [३,२०], <कृत्स्न– + ✓दृ(विदारणे) इति (पाउ ५,४१)। <✓गृ (निगरणे) इति मतम्।

p) विप.। =ह्रस्व- इति निघ [३,२] या [६,३]। व्यु.?। <कृतु- < ✓कृत [छेदने] इति या. प्रभृ., < ✓*स्कर्ध इति WAG [१, २३० b] WW [२, ५९०] प्रभृ.। विशेषस्तु उत्तरयोः टि. द्र.। q) नाप. न. (योनि-)। व्यु.?। (✓कृत [छेदने]>भाप.) *कृर्त– (=छेद-)+(✓भू>कर्तरि) *भ्र–>कास. *कर्त-भ्र– >नैप्र. यनि. इति मतम् (तु. गर्भ–; वैतु. प्राञ्चोऽर्वाञ्चश्च विप. इति)। r) सपा. कृधु (शांश्री १२,२४,२ च) <> पृथु <> लाश्री ९,१०,५ अणु इति पाभे.।

६,८[a]; मै ४,१,१४¶; शौ २०, १३६,१[a]; -धुना[b] ऋ ४,५,१४.
कृधु-कुर्ण[c]- -र्णः ऋ १०,२७,५.
कृधुकर्णी- -र्णी शौ ११,११,७; १२,७.
¶क्रधिष्ठ,ष्ठा[d]- -ष्ठम् काठ २५, ७; क ३९, ५; -ष्ठाः काठ २५, १०; क ४०,३.
¶क्रधीयस्[d]- -यः काठ २५, ८[2]; क ४०,१[2]; -यांसौ काठ २९,८.
कृन्तती- √कृत् (वेष्टने) द्र.
कृन्तत्र- √कृत् (छेदने) द्र.
√कृप्[e], > कृपि, अकृपेताम्[f] ऋ ८, ७६, ११; अकृपन्त ऋ ९, ८५, ११; १०,२४,५; १२३,४; कृपन्त ऋ ९, ९९, ४; कौ २, ९८३†; अकृप्रन् ऋ ४,२, १८; शौ १८,३,२३†,
चकृपे[g] काठ १७, १९; अक्रपिष्ट ऋ ७,२०,९.
अकृपयत् ऋ १०,६८, १०; शौ २०,१६,१०†.
चकृपन्त ऋ ४,१,१४.
कृप्[h]- कृपा ऋ १,१२७,१;१२८, २;६,२,६; १५,५; ७,३, ९; ८, २३, ५; ८; ९,६४,२८; खि ३, २२, ४; मा ४,२५; १५,४७†; १७,१०†; का ४,८,३; १६,५, २९†;१८,१,५१†; तै १, २,६, १; †४,१,४,१; ४,४, ८; ६,१, २; मै १,२, ५; †२,७, ४;१०, १;१३, ८; †काठ २,६$; १६, ४; १७,१७; २६,११; ३९,१५; क १, १९; २८, १†; †कौ १, ८३;४६४$;४६५;२,४;११६३; †जै १,९, ३;४८,५$;१०;३,१, ६; शौ ७,१५,२[1];१८,४,५९†; २०, ६७, ३†; पै २०,४,९.
१कृप्[i]-
कृप्-नील[k]- -ळम् ऋ १०,२०,२.
√कृपय[l]
१कृपयत्- -यतः ऋ ८,४६, १६.
१कृपण[m]- -णम्[n] पै १९, ४१, ५; -णे ऋ १०, ९९,९.
√कृपण[o], कृपणन्त ऋ १०, ७४,३.
कृपण-काशिन्[p]- -शी तै ३, ४, ७,३.
√कृपण्य, कृपण्यति ऋ ८, ३९,४.
२कृप(णा>)णा[q]- -णाः शौ ११, १०,२८; पै १६, ८७,९.
कृपमाण- -णम् ऋ १, ११६, १८; ११९,८; -णस्य[r] शौ ५,१९,१३.
२कृपयत्- -यन् ऋ १०,९८,७[s].
†२कृप[t]- -पम् ऋ ८,३,१२; -पे ऋ ८, ४, २; कौ २, ५८२; जै ३, ४७,८; शौ २०,१२०,२.
?कृपम् खि ३, १५,२६.
कृपाण[u]-
?कार्पाण[v]- -णे ऋ १०,२२,१०.
कृपीट[w]- -टम् ऋ १०,२८,८.

---

a) पाभे. पृ ११६२ r टि. द्र.। b) विप. (वचस्-) इति।
c) विप.। बस. उत्तरपदादिस्वरः (पा ६,२,११३)।
d) ऋकारस्य रेफादेशः (पा ६, ४,१६१)।
e) दयायां दैन्ये सामर्थ्ये इच्छायां प्रभृ. धा. वृत्तिः द्र.।
f) सपा. अकृपेताम् <> अददेताम् इति पाभे.।
g) पाभे. कृते पृ ११५६ o टि. द्र.।
h) दीप्त्यर्थे धा. वृत्तिरिति PW. प्रभृ.।
i) शंपा. सात. RW. WI. कृपात् इति ?।
j) =कृप्-। घञर्थे कः प्र. (तु. GW.; वैतु. PW. प्रभृ. कृप्-> यनि. इति)।
k) विप. (अग्नि-)। बस. इति कृत्वा =कल्पितस्थान-, कर्माधार- इति वें. सा. ?GRV., =तेजोनिवास- इत्यर्वाचः।
l) क्यजन्तः नाधा. (तु. पपा. GW.; वैतु. PW. प्रभृ. ण्यन्त इति)।
m) भाप.। धा. दैन्ये कार्पण्ये वा वृत्तिः (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. धा. स्तवने वृत्तिरिति)। क्युन्>अनः प्र. उसं. (पाउ २,८१)। n) वा. किवि. द्र.।
o) धा. याच्ञायां वृत्तिः (वैतु. वे. सा. [पक्षे] दाने)।
p) विप. (कामाख्य-गन्धर्व-)। उस.।
q) विप. ([अश्रु-रूपा-] २अप्-)। क्युन्। इति १कृपण- इत्यतो विशेषः। r) धा. दैन्ये वृत्तिः।
s) धा. दयायां वृत्तिः (तु. या [२,१२] प्रभृ.; वैतु. वें. दीप्तौ वृत्तिरिति)।
t) व्यप. (राजर्षि-विशेष-)। व्यु. ?।
u) नाप. (खड्ग-)। व्यु. ? < √कृप् इति पावा ८,२,१८।
v) पाठः ?। यनि. अनुसरन्तः वें. सा. GW. विप ([कृपाणेन निर्वृत्त-] वृत्रहत्य-) इति, कार्पण- > -णे इति ?ORN. ?GRV. (तु. सपा. ऋ १०, ९९, ९ कृपणे इति)।
w) नाप.। =तृण-,गुल्म- इति ?PW. PG [१, १८०], =इन्धन- इति GW. ?GRV. NW., (वैतु. वें. सा. =उदक- [तु. निघ १,१२])। व्यु. ?। < √ कृप् इति पावा ८, २, १८ प्रभृ.।

?कृप्राप्कू पै १,४६,५.

कृमि[a]– -मिः मा २४,३०[b]; मै ३,१४, ११; काठ ४७, १; पै १९, ३२, ११; २०, ४३, ८; –०मे पै १, ८७,१.

कृमुक[c]– -कम् काठ १९,१०[2]¶[d].

कृवि[e]– -†विम्[f] कौ १, २१८; २, ८३८.

√कृश्, > कर्शि, चकृशं शौ १२,३. १६[g].

कर्शयते मै ३,६,६¶.

कृश[h]– -श खि १, ५, १; ११; पै १७, २८, ३; –शम् ऋ ६, २८, ६; ८,७५,८; १०, ४०, ८; खि १,५, ७; तै २,६, ११, २†; मै ४,११, ६†; काठ ७,१७†; शौ ४,२१,६†; ६, १०१,२; पै १९, १३, ११; –†शस्य ऋ २, १२, ६; ८, ५९, ३; १०,३९, ३; शौ २०, ३४, ६; पै १३, ७, ६; –शाय ऋ १०, ११७, ३; –शे ऋ ८,५४,२; खि ३,६,२.

कृश-गु[i]– -गुः शौ ४.१५,६; पै ५,७,३[j].

कृशित– -तम् शौ २०,१३६,१२[k]; १६[l].

कृशन[m]– -नः शौ ४,१०,१;३; पै ४, २५,१;५; –नम् शौ ४,१०, ७; पै ४, २५, ७; –नेभिः ऋ १०, ६८, ११; शौ २०, १६. ११†; –नैः ऋ १, ३५. ४; मै ४,१४, ६†.

कार्शन[n]– -नः शौ ४,१०.७[o]; पै ४,२५,७.

कृश(न>)ना-वत्[p]– -वतः ऋ १, १२६,४.

कृशनिन्[p]– -निनः ऋ ७. १८, २३.

कृशानु[q]– -नुः ऋ ४, २७, ३; मा ५, ३२[r]; का ५.८,४[r]; तै १, ३,३, १[r]; मै १,२,१२[r], काठ २,१३[r]; क २, ७[r]; –नुम् ऋ १, ११२, २१; १०,६४,८; –०नो मा ४, २७; का ४.९,४; तै १,२,७,१; मै १, २, ५; काठ २, ६; क १, १९; –नोः ऋ १, १५५,२; ९, ७७,२.

√कृप्, > कर्षि, कर्षथः ऋ ८, २२, ६; कर्षत् ऋ १०,२८,१०; ११; †कर्षं ऋ ५. ८३, ७; तै ३, १, ११,६; काठ ११,१३; कृर्षेत् शौ १५,१३,१२[s].

कृषते शौ १२,२,३६; कृपति मै ३,२, ४¶; ¶कृषति तै ५, २, ५ १. ५; मै ३, २, ४[s]; काठ २०.३; क ३१.५; कृपतु ऋ ४, ५७, ४; शौ ३,१७, ६; कृषस्व ऋ १०, ३४.१३.

चकृ(र्ष>)र्षा पै १७. ३७, ६[s]; अकृक्षन् काठ २६, ११¶; पै १३, ७,१२; अचकृपुः काठ १३, १५[t]; अचर्कृषुः शौ ६,३०,१[s]; ९१, १; पै १९, ८. १; २[s]; १९, १८,७; २४, ४.

कृष्यते मै ३,१,५¶.

अचीकृषम् ऋ १०,११९,११.

---

a) =क्रिमि-। नाप.। व्यु.?। < √क्रम् इति (पाउ ४,१२१)। b) सपा. कृमिः <> क्रिमिः इति पाभे.।

c) नाप. [वृक्ष-विशेष-(तु. सा. [माश])]। व्यु. ?।

d) सपा. कृमुकम् <> क्रमुकम् (माश ६, ६,२,११ कौसू २८, २ च) <> क्रमुकम् (तैब्रा १, ५. ७, ३ आपश्रौ १४, २४,५; १६,९,६ च) इति पाभे.।

e) व्यु. अर्थश्च क्रिवि- टि. द्र.।

f) सपा. कृविम् <> क्रिविम् इति पाभे.।

g) सपा. चकृशं <> चकर्षा इति पाभे.।

h) कर्तरि कः प्र. (तु. पाम ८,२,५५; वैतु. पा. [तत्रैव सूत्रे] < कृशित- इति)।

i) नाप. [कृशक- (तु. पृ ७१९ g टि. द्र.; वैतु. सा. विप. [सूर्य-])]। बस.। उप. =गो- (=इन्द्रिय-; वैतु. सा. =रश्मि, PW. प्रमृ. =पशु-विशेष-)।

j) कृषगुः इति पाठे? यनि. शोधः द्र.।

k) तु. RW.; वैतु. कुसुम् इति शंपा. सात.।

l) तु. RW.; वैतु. वसन्तम् इति शंपा. सात.।

m) विप. (शङ्ख- [शौ. पै.]),-नाप. (सुवर्ण- [निघ १, २, वै. प्रमृ.], मुक्ता- [PW. GW. प्रमृ.])। व्यु.?। < √कृश् (*दीप्तौ)।

n) विप. (शंखमणि-)। तस्येदमीयः अण् प्र.।

o) वैतु. RW. प्रमृ. कर्शनः इति।

p) विप. (अन्य-)।

q) नाप. (सोमरक्षक-विशेष-, अग्नि-विशेष-)। व्यु. ?। कृश-अ इति तै. पपा.। < √कृश् इति भा. (तु. पाउ ४,२)। < √कृश् = √कृष् इति PW. प्रमृ.।

r) =सपा. तां १, ४,२ आपश्रौ ११,१४,१०। शांश्रौ ६,१२,३ तु कृशानो इति पाभे.।

s) सपा. अचकृपुः <> अचर्कृपुः (तैब्रा २, ४, ८, ७ आपश्रौ ६, ३०, २० माश्रौ १, ६, ४, २४ पाग़ ३,१ ६ च) <> मंत्रा २,१,१६ अचर्कृषि? इति पाभे.।

कर्षि[a]– -र्षिः[b] क २,१६.
कार्षि[a]– -र्षिः[b] मा ६, २८; का ६, ७,६; तै १,३,१३,२; ६,४, ३, ४; मै १, ३, १[c]; ४,५, २[c]; काठ ३,९[c].
†कार्ष्मन्[d]– -र्ष्म ऋ १, ११६,१७; -र्ष्मन् ऋ ९, ३६, १; ७४, ८; कौ १,४९०; जै १,५१,८.
कृप[e]–
√कृपाय
कृपायु[f]– -यवः पै ९, १०, ११.
कृपत्– -पन ऋ १०,११७,७.
कृपमाण– -णः तै ३,४,३,३¶.
कृषि[g]– -षयः पै ६, १८, ७; -षिः मा १४, १९; १८,९; का १५, ५,५; १९,४, १; तै ४,३,७,१, ७,४,१; ७,३,१२,१; मै २, ८, ३;११,४,५;१३,१४;४,२,२¶; काठ १७,३; १८,९; ४३,२; क २६,२, २८,९; पै १९, ५२,५; -षिम् ऋ १०,३४, १३; मै १, २,२;३,६,८¶; काठ २,३[h]; १३, १२[2]¶; शौ ३, १२,४; ८,१३, ११; १२; १०,५, ३४; ६, १२; पै ३,२०,४; ७,६,६;१२,६, २; ६;१२;१३,१०,७; १५, २२,७; २३, २; १६,४३, ५; १३१,९; १३५,२[2]; १७,३३, ७[i]; -षीः[h] मा ४,१०; का ४,४, ३; -ष्या शौ ११,४, १०; -ष्याः शौ २, ४,५; ८, २, १९; १०, ५, ३४; १२,२,३७[i]; पै २,११,५; १६, ४,९; १३१, ९; -ष्याम् पै ५, २९,७; १६, १४९,५; २०,५५, १०; -ष्यै मा ९,२२; १४,२१; का १०, ४,५; १५,६,१; तै १, २,२,३; ६,१, ३,७; ७,१, ११, १; मै २,८,३; काठ २,३; १७, ३; २३, ४; ४१,२; क १, १५; २६,२;३६,१.
कृषि-संशित[j]– -तः शौ १०, ५; ३४; पै १६,१३१,९.
कृ(षि>)षी-वन्[k]–
कार्षीवण[l]– -णाः शौ ६, ११६,१; पै १६,४९,७.
कृ(षि>)षी-वल्[m]–
कार्षीवल[n]–
कार्षीवल-प्रगाण[o]– -णेन पै ६, ९, ७.
¶कृष्ट– -ष्टम् तै ५, २, ५, २[2]; ३; काठ २०, ३[2]; २३, ४; क ३१, ५[2]; ३६,१; -ष्टे तै ५,२,५,५[2]; मै ३, २, ५[2]; काठ २०, ३[2]; क ३१, ५[2]; शौ १०,६, ३३$; पै १६,४५,३$.
कृष्ट-पच्य,च्या[p]– -च्यम्[q] तै ४, ७,५,१; काठ १८, १०; क २८, १०; -च्याः[q] मा १८,१४; का १९,५,२; मै २,११,५.
कृष्ट-राधि[r]– -धिः शौ ८, १३, १२.
कृष्टि[s]– -ष्टयः ऋ १,४, ६; ३६, १९;५२,११;३,४९,१; ४,३०, ?,५,१९,३;७,३१,९;८,५,३८; ६,४;७४,१०;९५,१०;१०३,३; ०, ६९,७; ८६, ३७; १०, ५०, ५; ६०, ४; ११९,६; तै २, ६, ११,२†; मै ४,११,६†; काठ ७, १७†; †कौ १, ११; ५४;१३७; २,३०७; ८६६; ९९८; १००१; † जै १, २,१; ५,१०. ?१, ३;

a) विप. (आज्य-)। कर्मणि इञ् प्र. । उपधावृद्धिः पाक्षिकी उसं. (पा ७, २,११६)।
b) सपा. कर्षिः <> कार्षिः इति पाभे. ।
c) उत्तरेण संभिरापः (तु. मैं. पपा.; वैतु. MW. <कार्षिन्- इति)।
d) नाप. (⌊आजिधावनस्यावधिभूत-लक्ष्य-⌋ का(,गा)-ष्ठा-)। मनिन् प्र. (तु. वें. सा. PW. प्रमृ.; वैतु. स्क. भाप. =शुभाशुभ-कर्मन्- इति)।
e) =कृपि-। घञर्थे कः प्र. ।
f) विप. (अनडुह्-)।
g) भाप. । किः प्र. (पाउ ४,१२०) तत्स्वरश्च ।
h) सपा. कृषिम् <> कृषीः (माश ३,२,१,३० च) इति पाभे. । i) सपा. कृषिम् <> कृष्याः इति पाभे. ।
j) तृस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।
k) =कृषी-वल-। वनिप् प्र. (पावा ५, २,१०९ ⌊तु. W.; वैतु. मा. उप. <√वन् इति⌋)।
l) नाप. । स्वार्थिकः अञ् प्र. (पा ४,१,८३; वैतु. मा. तस्येदमीयः प्र. इति, PW. MW. का⌊र्षि->⌋र्षी° इति)। m) नाप. (कृषक-)। वलच् प्र. (पा ५, २, ११२) चित्स्वरश्च ।
n) विप. । शिष्टं / टि. द्र. ।
o) विप. (वृषभ- ⌊तु. तैब्रा २,४,७,२⌋)। बस. ।
p) विप. (ओषधि- प्रभृ.)। उस.प्रकृतिस्वरः। उप. √पच् + कर्मकर्तरि क्यप् प्र. अन्तोदात्तः (पा., पावा ३,१,११४)।
q) सपा. °च्यम् <> °च्याः इति पाभे. ।
r) विप. (मनुष्य-)। बस. । उप. भाप. ।
s) नाप. (मनुष्य- ⌊निघ २, ३⌋)। संज्ञायां क्तिच् प्र. चित्स्वरः ।

३,२५,३; ४,८, २; ५; २१,४; शौ ३, २४, ३; १२, १, ३; ४; ४२; †२०, ६८, ६; १०७, १; पै ५,३०,६; १७,१,५; ४, ११; १९, ३८, ९; २०, ५१, ३†; –ष्टिभिः ऋ १, १००, १०; –†ष्टिषु ऋ १,७४,२; १०२, ७; २,२,१०; ३, ५३,१६; ६, ४६, [७ (८, ६, २४)]; ८, ९२, १८; कौ १, २६२; २, ७३०; जै १, २७, १०; –†ष्टीः ऋ १, ७, ८; १६०, ५; १८९, ३; ३,४३, ७; ५९, १; ४,१७, ६; ७; २१, २; ३८, [१०; १०, १७८, ३]; ६, १८,३; ३१,१; ७,१९, १; ८५, ३; ८,२४, १९; ६२, २; खिसा ३,८; तै १, ५, ११, ४; ३, ४, ११, ५; मै ४, १४, ३ : काठ २३, १२; ३५, १९; ३७, ९$; क ४८, १७; कौ १, ३८७; २, ९७२; जै १, ४३, ७; ४, १७, ७; शौ २०,३७,१;६५,१; ७०, १४; –†ष्टीनाम् ऋ १, ५९, [५ (३,३४, २)]; १७७, [१; ४, १७, ५]; ५, १, ६; ६, १८, २; ४५,१६; ७,५,५; ६,१; २६,५; ८,१३,९;३२,१९;६८,७; तै १, ३, १४, २; मै ४,११, १; १४, १८; काठ २, १५; ८,१७; ३८, ७; कौ १, ७८; जै १, ८, ६; पै १५, ६, २$; –ष्टेः ऋ ४, ४२, [१; २].

कृष्टि-प्रा[a]– -प्रः ऋ ४, ३८,९.

कृष्टि-हन्[b]– -हा ऋ ९,७१,२.

कृष्ट्यो*(ष्टि-ओ)जस्[c]– -॰जसा ऋ ७,८२,९.

¶कृष्ट्वा काठ २०, ३; क ३१, ५.

१कृष्ण,ष्णा[d]– -ष्णः ऋ १, ७९, २; ४,१७,१४[e]; ८, ९६, १३; १०, १६,६;२०,९; मा २४,१; ४०; २९, ५८;५९; का २६, १, २; ८, ५; ३१,६,१; ७,१; तै ¶२, १,२, १;२; ८, ५; ८,९,४; ३, १, ११, ५†; ५, ५, २४, १[२]; ७,१,२[४]¶; मै २,५, ६¶; ३, १३,२;१४,१९;२१;४,२,१[३]¶; १२,५†; काठ ११, १३†; १३, २[३];५; ७[२]; २८, ४†; ४८, ३[२]; क ४४, ४†; कौ १, ३२३†; जै १,३४,१†; शौ ७,६६, १; २[f]; ८, ६, ५; १२, ३, १३; १८,३, ५५†; २०, १३७,७†; पै १६, ७९,५;१७,३७,३;१९,२६,१५; ४०,१[g]; २०, १५, १०; २४,२; ४०,६; –ष्णम् ऋ १, ५८, [४; ४,७,९]; ७३, ७;९२,५; ११५, ५;१४०,५;१६४,४७[h]; ३,५५, ११; ६, ९,१; ७,३, २; ८,९६, १४; १०, १२७, ७; मा १५, ६२†; ३०,२१; ३३, ३८†; का १६, ७,५†; ३२, ३, ९†; ३४, ४,३, ¶तै १, ८,१,१; २,१,२, १; ८, ५;९, २;३;४, ९,१; ४, ४,३, ३†;५,१,१,४;२, ३, ३; ४,२;७,१, ३;५, १; ६, १, ३, १;२; ¶मै २,१,२[२]; ६;५,६[४]; ७[२]; ६, १; ८,१४†; ३, ६, ६[५]; ४, ३, १; १२,५†[h]; १४, ४†; काठ १०, ६; ११, ५;९†[h];१०; १३†[h]; १३, १; २[३];१७, १०†; २३, ३¶; क २६, ९†; कौ २, ५७०†; जै ३,४६, ५†; शौ ६, २२, १†[h]; ९,१५,२२†[h]; ११, २,१८;१२,१,५२; १३,३,९†[h]; †२०,१२३,२; १३७, ८; पै ३, २८,२; १६, ६९, १३†; १०५, ८;१७, ५, १०; १९,२२, १०; –ष्णया ऋ ८,७२,१८; तै ६,१, ६, ७¶; –ष्णा ऋ १, ३५, ४; ११३,२;४,३, ९; १६, १३; ६, ६०, १०; ८, ४३, ६; ९, ६६, [२४; १०, ८९, २]; १०, २१, ३;६१, ४; ¶तै १,८,९,१; २, १,२,२;९,२; ५,७,५, १; ¶मै २,५, २; ३,६, ८; ४, २, ४;५, ७;१४,६†; ¶काठ ७,१६†;१२, १३; २७, २; क ४२, २¶; †कौ २,४९९; ११००; †जै ३, ५७,११;४,२२, २; शौ ६,८३, ७; ७,७८,१; १२,२,५३; पै १, २१, ३; १७, ३५, ३; १९,२६, १३;३६, २; –ष्णाः ऋ ६,४७,

[a]) विप. (दधिक्रा-)। उस.। उप. √प्रा+विच् प्र.।

[b]) नाप. (तु. GRV.; वैतु. GW. MW. प्रभृ. विप. इति)। उस.।

[c]) विप. (इन्द्रावरुण- [वैतु. GW. मित्राव°])। बस. (तु. PW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. पूप. भाप. इति)।

[d]) विप. (वर्णविशेष-, तद्वत्-)। व्यु. ?। <√कृष् इति (पाउ ३,४)।•

[e]) PG [२, १७०] कृष्णे इति ?।

[f]) सपा. कृष्णः शकुनिः <> कृष्णशकुनिः इति पाभे.।

[g]) कृष्णाः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)।

[h]) कृष्णं नियानम् (आश्रौ २, १३,७ वैताश्रौ ९,५ माश्रौ ५, २,६,१० या ७,२४ च) इति पाठस्य स्थाने सपा. तै ३, १, ११,४ आपश्रौ १९, २७,१ असितवर्णाः इति पाभे.।

२१; मा २४, १०; १५; १८³; का २६,२,५;३,५;४,३²; तै २, ३,१,४¶; ५,२,४,२¶; ६, ११, १; मै १,९,३¶; ¶२, १,६;२, १²; ३,२, ४¶; १३, ११; १३; १९†;४,५,१¶; ¶काठ९,११; ११, ६²; २०, ७²;४९,१$; क ३१,४²¶; शौ ५,२३,५;८,७,१; ११,२,२; १८,४, ३४; पै ७,२, ५; १६,१२, १; १०४, ७; १९, २०,१०; ३१,१३; २०, ५५,६; —ष्णात् ऋ १, १२३,१; ९; शौ ५,३०, ११ⁿ; पै १९, ७६, १३; —ष्णान् ऋ ३,३१, २१; ८,४१, १०; मा २४, ११; का २६, ३, १; तै २,३, १, ३¶, काठ ११, ६¶; पै २०,२५, ७²; —¶ष्णानाम् तै १,८, ९, १; १०,१; मै २,१,६; काठ १०,६²; ११,५²; ६; १५, ४; —ष्णाम् ऋ १, ११३,१४;१३०, ८; ९,४१, १; १०, ३, २; खि ४,२, ३; तै २, १,९, १²¶; †कौ १,४९१; २, २४२;८९७; †जै १,५१,५; ३, २१, ७; ४, १३, १०; शौ १२, १, ११;३, ५४; पै १७, २, २; ४१, ४ ; २०, ५९, ४ : ५-९; —ष्णाय ऋ १०, ३१, ११; मा २५, १; का २७, १, २; तै ७, ३, १८, १; मै ३, १५, २; काठ ४३,८; —ष्णायाः मै ३,३,९¶; काठ २१,९¶; शौ १३,३, २६; —¶ष्णायै तै ५,४,९,३; —ष्णासः ऋ १, १४१, ८; —†ष्णासु ऋ १,६२,९;३,१५,३; ८,९३,१३; कौ ३, २, १; जै २, ५, ६; —ष्णे ऋ ३,३१,[१७,४,४८,३]; तै ५, ३,१,४¶; ६,२१,१;७,८,१९, २; काठ २०, १०¶; २२,७¶; ४४, ८; ५०, १; ¶क ३१, १२; ३५, १; शौ १,२३, १; पै १६,१४९,१०; —ष्णे पै १,१६, १; —†ष्णेन ऋ १,३५, २ᵇ; ९; मा ३३, ४३ᵇ; ३४, २५; ३१ᵇ; का ३२, ३,१४ᵇ; ३३, १, १९; २५ᵇ; मै ४, १२, ६ᵇ; १४, ६; —ष्णेभिः ऋ १, ६२,८; —ष्णेषु काठ ४०,४; —ष्णौ शौ ५,२३, ४; पै ७,२,४.

कृष्णी[c]— -ष्णीः ऋ ७,७१,१.

१कार्ष्ण[d]—

१कार्ष्णी[e]— -र्ष्ण्याः शौ २०, १३०,४.

कृष्ण-कर्ण[f]— -र्णः शौ ५,१७,१५.

कृष्णकर्णी[g]— -र्णीम् मै २,५, ७;

कृष्ण-केश[h]— -शेषु खि ३,१५,१६.

†कृष्ण-ग(र्भ>)र्भा[i]— -र्भाः ऋ १, १०१, १; कौ १,३८०; जै १, ३९,११.

कृष्ण-ग्रीव[j]— -वः मा २४, १ᵏ; ४; २९,५८; का २६,१,१ᵏ;८; ३१, ६, १; तै २, १, २, ८¶; ५,५, २२,१; मै ३, १३, २ᵏ; ५; काठ ४८, १; —¶वम् तै २,१,२,७²; ८; ९²; ४, ६²; मै २, ५, ११⁴; काठ १३, १३²; —वाः मा २४, ६; ९; १४; का २६, २, १; ४; ३,४; मै ३, १३, ७; १०; १२; १३,१५;१६, —¶वान् मै २,५, ११; काठ १३,१३; —वौᵏ तै ५, ५,२३,१; काठ ४८,२.

¶कृष्णग्रीवी— -वीम् तै २, १, २,४;५.

कृष्ण-जंहस्[l]— -हसः ऋ १, १४१, ७.

कृष्ण-त(म>)मा— -मा पै १९, २६,१३.

कृष्ण-तर— -रम् पै १९, ४०,१.

¶कृष्ण-तूष[m]— -षम् तै १, ८,१,१; २,४,९,१.

?कृष्ण-द्रु— -द्रुम् शौ ९, १२, ४; पै १६,१३९,४.

कृष्ण-पवि[n]— -विः ऋ ७,८,२.

कृष्ण-प्रुत[o]— -प्रुतौ ऋ १,१४०,३.

कृष्ण-फ(ल>)ला— -ला पै २०, ५६,९

कृष्ण-याम[n]— -मम् ऋ ६, ६,१.

a) पाभे. कृते पृ ११६१ l टि. द्र. ।

b) सपा. कृष्णेन <> मर्त्येन इति पाभे. ।

c) नाप. (रात्रि-) । ङीष् प्र. उसं. (पा ४,१,४१) ।

d) स्वार्थे अण् प्र. उसं. (पा ४, १, ८६) ।

e) नाप. ([कृष्णवर्णा-] गो-) ।

f) विप. । बस. उत्तरपदादिस्वरः (पा ६,२,११२) ।

g) विप. (वशा-) । स्त्री. ङीष् प्र. (पा ४,१,५५) ।

h) बस. । कृ° इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

i) नाप. स्त्री. । बस. । अर्थः ? । =२अप्- इति स्क. विव. PW. GW. प्रमृ.: =विश्-, प्रजा- इति BS. LR. GRV. Gri. प्रमृ.: =पुर्- इति ORN.: =कृष्णासुर-भार्या- इति वें. मा. भ.: =कृष्णासुरसेना- इति स्क. [पक्षे] ।

j) विप. (छाग-, पशु- प्रमृ.) । बस. ।

k) सपा. °ग्रीवः <> °ग्रीवौ इति पाभे. ।

l) विप. (अग्नि-) । बस. । उप. =वर्त्मन्- यद्र. ।

m) विप. (वासस्- [=वस्त्र-]) । बस. । उप. यद्र. ।

n) विप. (अग्नि-) । बस. ।

o) विप. (अग्नेर्मातृ- [=अरणि-]) १ उस. ।

कृष्ण-योनि[a]- -नीः ऋ २,२०,७.
¶कृष्णल[b]- -लम् तै २, ३, २, ३; -लानि तै २,३,२,२; मै २, २, २[२]; काठ ११,४.
कृष्ण-ललाम,मा[c]- -¶मम् मै २, ५,६[२]; काठ १३,५[२]; ७[२]; -माः तै ५, ६, १७, १; २०, १; काठ ४९,६;१०.
कृष्ण-वर्ण,र्णा- -०र्णा खि ७,७,४; -०र्णे खिमा २९,४६.
कृष्ण-वर्तनि[d]- -निम् ऋ ८, २३, १९; -०ने शौ १,२८,२.
कृष्ण-वर्त्मन्- -र्त्मनि पै ५, २०, ३; -र्त्मनी पै १९, २३, १३; -र्त्मने पै ६,८, ६!;
¶कृष्ण-वा(ल>)ला[e]- -ला मै ३, ७, ४; काठ २४,१; क ३७, २.
कृष्ण-व्यथि[f]- -थिः ऋ २,४,६.
कृष्ण-शकुन[g]- -नः तै ३,२,६,२.
कृष्ण-शकुनि[g]- -नि.[h] पै २०, १५, ६; ७; -नेः शौ १९, ५७, ३; पै ३,३०,४.
¶कृष्ण-श(फ>)फा[i]- -फा मै ३, ७, ४; काठ २४,१; क ३७,२.
¶कृष्ण-शब(ल>)ली[i]- -ली, -लीम् मै २,५,७.
¶कृष्ण-शीर्षन[c]- -र्षा मै ४, ७,८.
कृष्ण-सीत[k]- -तासः ऋ १,१४०,४
कृष्णा(ष्णा-अक्ष>)क्षी[l]- -क्षी मै ३,७,४.
कृष्णा(ष्णा-अ)ञ्जि[c]- -ञ्जिः मा २४, ४; का २६,१,८; मै ३,१३,५.
कृष्णा(ष्णा-अ)ध्वन्[l]- -ध्वा ऋ २, ४,६; ६,१०,४.
कृष्णै(ष्णा-ए)त[m]- -ताः तै ५, ६, १८,१; काठ ४९, ८; -ताय तै ७,३,१७,१; काठ ४३, ७.
२कृष्ण[n]- -ष्णः मा २,१;२४,३०;३६; का २, १, १; २६, ६, ५;८, १; तै १,१, ११, १; ५,२,६, ५¶; ५,११,१;१५,१; १९,१;६, १, ३,१¶; मै १,१,११;३,१,४¶; २, ५¶; १४, ११; १७;४, १, १३[२]¶; काठ १, ११; ८, ५¶; २३,३[२]¶; ३१,१०[२]¶; ४७,१; ५; ९; क १, ११; ७,१¶; ४७, १०[२]¶; -¶ष्णम् काठ २३,३[२]; -ष्णस्य ऋ ८,८५,४; -†ष्णाः ऋ १०, ९४, ५; काठ ३५,१४; क ४८,१३; शौ ६,४९,३.
२कार्ष्ण-
२कार्ष्णी[o]- -¶र्ष्णी तै ५,४, ४,४; ६,६,१.
३कार्ष्ण[p]- -र्ष्णम् शौ ११,५, ६; पै १६,१५३,६.
¶कृष्ण-विषाणा- -णया तै ६, १, ३, ८; -णा तै ६, १, ३, ७[२]; ८; -णाम् तै ६, १,३,७;८[२].
¶कृष्णा(ष्णा-अ)जिन- -नम् तै १,६,८, ३; २,४, १०,३; ५,१, ४, २; ३[२]; ६,३;१०, ५[२];४,४, ४;६,६,१; ६,१, ३, २; ११,४; मै ३,१, ५; ६, ७; ४,१, ६;७; काठ ११, १०[२]; १९, ४[३]; २१, ७; २३,२;३[२]; २४, ६; ३७,२, क ३०,२[२]; ३५, ८; ३७,७; शौ ९,६,१७$; पै १६, ११२,४$; -नस्य तै ५,१,६,२; ६, १, ३, १;२; मै ३, १,५; ६,६[२]; काठ २१,७; -नात् मै ३, ६,६; -ने तै २,४, ९, २; मै २,२, १; ३, ४,३; काठ ११, १०[२]; २३, ३; ३७,२; -नेन तै ५, १, ४, २[२]; ६,१,३, २; मै ३, १, ५; काठ १९,४;२३,३[४]; क ३०, २.
३कृष्ण[q]- -०ष्ण खि ७, ३,१; -ष्णः ऋ ८, ८५, ३; -ष्णाय खि ७ ३,२.
कृष्णिय[r]- -याय ऋ १,११६, २३ ११७[(११६,७) ७].
?कृष्यात् पै ६, ९,१०.

a) विप. (दार्वी-)। बस.।
b) नाप. (गुञ्जाफल-, तत्परिमाण-विशेष-)। व्यु ?। पपा. नावग्रहः। यद्वा मत्वर्थे लच् प्र. उसं. (पा ५,२,९७)।
c) विप. (पशु-)। बस.।
d) समासस्वरो कृष्णजंहम- टि. द्र.।
e) विप (अनुस्तरणी-)। बस.।
f) विप. (अग्नि-)। बस.। उप. =वर्त्मन्- (तु. वें. PW. GW. GVR. प्रमृ.; वेंतु. सा. =कण्टकादि-, R. [ZDMG ४८,१०७] व्यथि- [=अश्व-] इति पाठुकः)।
g) नाप. (काक-)। कस.। अन्तोदात्तः।
h) पाभे. कृते पृ ११६६ f टि. द्र.।
i) विप. (गो-)। बस.।
j) विप. (गो-)। कस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
k) विप. ([अग्नि-] आशु-)। बस.।
l) विप. (अग्नि-)। बस.।
m) विप.। कस. अन्तोदात्तः।
n) नाप. (मृग-)। १कृष्ण- इत्यनेन सन्यायता द्र.।
o) विप. ([मृगचर्म-निर्मिता-] उपानह्-)। विकारावयवयोः अण् प्र. (पा ४,३,१५४) ञित्स्वरश्च।
p) नाप. (मृगचर्मन्-)। शिष्टं o टि. द्र.।
q) व्यप. (विष्णु- वा ऋषि-विशेष-वा)। व्यु. ?।
r) व्यप. (कृष्णर्षि-पुत्र-)। अपत्यार्थे घच् प्र. उसं (पा ४, १,११४) चित्स्वरश्च।

√कॄ>किर् (स्तुतौ)

कीर्ति[a]– -र्तिः खि २,६, ७[b]; तै ७, ४,८, ३¶; ¶मै ४,१,११; २, १; शौ १२,६,३; १३,५,१; ६, १; १५, २, ८[२]; १४[२]; २०[२]; २८[२]; २०,४८,३[c]; पै १६,१४१, ३; –र्तिम् ऋ १०, ५४, १; खि २,६, ७; शौ ५, २०, ९; ९, ८, ५; १०, ३, १७-२५; १९, ६३,१; ७१,१; पै ९,२८,९; १६, ६४,८-१०; ६५,१-८; १८, २३, १[c]; –र्त्या शौ १०,६,२७.

√कीर्ति, ¶कीर्तयति[d] तै ६, १,७,८; मै ३,६, ७; काठ २३, ६; कीर्तयाः[d] शौ ७, ३८, १; ३९, ४; पै ३, २९, ५; १९,,३७, ६; कीर्तय:[d] पै १९,, ५४, १; ¶कीर्तयेत्[d] मै २, २,१२; काठ १०,८; १९,,१०; २३,६; क३०,८. कीर्तयिष्यन्ति खि ४,२,८.

¶कीर्तयत्– -यन् काठ ३४,२

¶कीर्तयितव्य– -व्यम् मै ३, १,९; ६,७; काठ २३,२.

कीर्तेन्य[e]– -न्यम् ऋ १, १०३,४; ११६,६.

√कॄ(विक्षेपे)>किर्, किरते ऋ ४,३८, ७; काठ २८, ४¶; क ४४,४¶; ?किरः पै १९,३८,७; †अकिरत् ऋ १,३२, १३; पै १३, ६,१३. ¶कीर्त्वा काठ २८,४; क ४४,४.

√क्लृप्,>कल्पि, चाक्लृप्, चीक्लृप्, ¶कल्पते तै ३, ४, ८,३; ५,२, १०, ५; ६,२, ५[२]; मै २,१,९; ३,३,३?[f]; ७,१; कल्पते ¶तै १, ६,८,२; ३; ३, ४,८,३[g]. ६,१,५, ३[g]; ७, २, ४, १[g]; ४, ३, ६; मै १, ११,३[10h]; ८[2]; ३, ४, २[2h]; ¶काठ २०,९; २३,८[2g]; २८,१[g]; २९,, १०[g]; ३०, ३[2]; ३७, १२; ¶क ३१,११; १६; ४४,१[g]; ४६, ३[g]; ६[2g]; शौ ५.१९,१५. ८, ९. २०; १०,९,४; २०,१२८,१२[1]; पै ८,१९,८; ९,,१६,२; १४,३, १४; १६,१३३,४; ¶कल्पन्ते तै १,६,११, ५; २, ७. ११. ३; ७, २,४,१; मै ३,७, ९; ¶कल्पन्ते तै १,६.११, ५; ७, २, ७, १[२]; मै ३,४, ७[२]; ७, १[g]; ४, १,५; काठ २८, ३; ३१, ३[२]; ३२, २; क ४४,३; ४७,३[२]; §पै ९,, २१, ४; ६; ९-१२; कल्पसे पै १४, ३,२७; ¶कल्पताम् तै २, ६, ८, ३; कल्पताम् मा ९,, २१[6h]; १८,२९[12h]; १९,,४५; ४६; २२, २२; ३३[16h]; २७,४५; का १०, ४, २[6h]; १९,९,३[17h]; २१,३, १६; १७; २४,८,३; २०, १[16h]; तै १, ७,९,१[h]; २[8h]; ४,७,१०, २[10h]; ७,५, १८,१; मै ३,११, १०[2]; १२, ६; काठ ३ ६; १४, १[10h]; ८[h]; १८, १२[10h]; २१, ११[h]; ३८,२[2]; ४५,१४; क २, १३; २९,, १[2]; शौ ६, ८८, ३; कल्पेताम् मा १३,२५; १४, ६; १५; १६; २७; १५,५७; का १४, २, ११; १५, १,५; ४,३[2]; ८,५; १६,७, १; तै ४,४, ११, १; मै १, ६, २; २,८, १२[2]; ३, ३,३; काठ ७, १४; कल्पेताम् तै ४,७, ९, १. मै २,११, ६; ४, ९,१८[j]; काठ १७,१०[2]; १८,११; क ६,३; २६,९[2]; २८,११; पै ३, २३, ४; कल्पन्ताम् मा १३, २५[2]; १४,६[2]; १५[2]; १६[2]; २७[2]; १५, ५७[2]; ३५,९[2]; का १४,२, ११[2]; १५, १,५[2]; ४,३[2]; ८,५[2]; १६,७,१[2]; ३५,४,८[2]; तै ४,४, ११, १[2]; मै १, ६, २[2]; २, ८, १२[2], काठ ७, १४[2], कल्पन्ताम् मा १०,२८; १८,१-१५; १६[k]- १८[k],१९; २०[l]; २१-२७; २९[2]; २७, ४५[l]; का ११,८,३; १९,, २,१-८; ३,१-८; ४, १-४; ५, १[m]; २; ३; ६,१[k]-३[k]; ७,१; २[l];

---

[a]) भावे क्तिन् प्र. अन्तोदात्तः (पा ३,३,९७)।

[b]) सपा. माग़ २,१३,६ त्यागाः? इति पाभे.।

[c]) सपा. कीर्तिः <> कीर्तिम् इति पाभे.।

[d]) तु. WAG l(१,२२a) प्रभृ.; वैतु. पाप्र. <√कृत् इति। [e]) कर्मणि केन्यः प्र. (पा ३,४,१४) तत्स्वरश्च।

[f]) पाठे? कल्पेते इति शोधो विमृश्यः।

[g]) तु. सस्थ. टि. अनु।

[h]) सपा. कल्पते (माश्रौ ६,२,५,२६ च) <> कल्पताम् (माश ५, २, १,४[४]; ९, ३, ३, १२[२] आपश्रौ १८, ५, १३ च) इति पाभे.।

[i]) शंपा. सात. कुल्प° इति. गपा. खि ५, १४, १ वञ्चते इति, शांश्रौ १२, १५, १; ५ पच्यते इति च पाभे.।

[j]) सपा. कल्पेताम् (तैब्रा ३, ७, ५,८ च) <> कल्पन्ताम् (माश ८, १, ४, ८ तैआ ४, १९, १ च) इति पाभे.।

[k]) सपा. तै ४, ७,६,१;२ मै २,११,५ काठ १८, १० पाठाऽभावः। [l]) सपा. तै ४,७,७,१;२ म २,११,५ काठ १८, ११ पाठाऽभावः।

[m]) सपा. मा १८, १३ तै ४, ७, ५, १ मै २, ११,५ काठ १८,१० पाठाऽभावः।

३-५; ८, १-४; २९,६, १[६a]; तै ४,७,५,२; ९,१; मै २, ११,५; ६[२]: काठ ३,९; ५,२; १७,१०[४]; १८, ११; २८, १; ३२,२: ४०, ६[७a]: क ६, ३[२]; २६, ९[४]; २८, ११: ४४,१; पै ३,२३,४[२]: १३, ९,१५: कल्पस्व ऋ १,१७०,२: मा ५, १०; का ५. ३, २: काठ २,९: २५,६; ३९. १: क २,३: ३०,३: कल्पेथाम् मा १२, ५७; अकल्पत ¶तै ७,२,४,१: ¶मै ३.३,१;७,१:४,५, ८; शौ १३, १,४६:५३: पै १८,१९,६.२०, ७: ¶अकल्पेताम् तै ७,१,५,७: ¶अकल्पेताम् तै ७. १, ५, ५: अकल्पन्त शौ ११. ३, ३१: ¶अकल्पन्त काठ ८,१: क ६,६; पै १३,५, २०; ¶कल्पेत तै ३, ४, ८, ३; मै २, १, ९: काठ ३०, ३; क ४६, ६; ¶कल्पेरन तै २, २, ११. ३: काठ १०, ११; ¶कल्पेरन् तै ७,२,७,१.

चाक्लृपे शौ ७,९२,१: पै ७.६, ९[b]; १३, ५, १८: २०, ३२, ६; चाक्लृपुः शौ ९, १५, १९; पै १६,६९,९.

चाक्लृप्रे ऋ १०, १३०, ६; चाक्लृप्रे ऋ १०,१३०,५.

¶कल्पयते मै ३, १०, ७; क ३१, १२; ¶कल्पयति मै ३,८, ६;४,५,८; ¶कल्पयति तै २,२, ११,३;३, ४, ८, ३;९, ३;५,३, १, २; ६, ३, ४, ४[३]: ७,२, ४, १;२; ७,१; मै १, ११, ९; २, २,९[२]; ३,८,९; ४,१,१२;८,६; काठ ७, ८; १०, ८; ११; १४, ९; २०, १०[३]; २१, ३: २३,८; २५, ६[२]; २६, ५[२]; २९, २; ५; ३०,२; ३१, ११; क ३१,१२[२]; १८; ३९,३[२]; ४१,३[२]; ४५, ६; ४६,६:४७,११: कल्पयन्ति त्रि ४.५, १; शौ ९,६, ७: १०, १, १: कल्पयन्ति ऋ १०, ११८, ५; ¶काठ ३३. ८: ३४,१: शौ ९,६,७: १८.४, २: पै १६,३५, १: १११. ८[२]: कल्पयसि शौ ४, २३,७; पै ४,३३,३: ५,२२, ७: कल्पयामि शौ १८.४,५२: १९, २७. ४: पै १०, ७, ४: कल्पयामः क २, ११: कल्पयामसि पै ११, २, ७; †कल्पयाति ऋ १०,२, ४: तै १,१, १४, ४: मै ४.१०, २: कल्पयाति ऋ १०, २,३:५२,४: मा १८.३३; १९, ३०‡[c]. का २०,१, ४; २१, ४, १०‡[c]: तै १,१.१४,४†: ४,७, १२, २: मै २, १२, १; ४,१०, २†: काठ २,१५:१८,१३; ३५, ९: क २९,२: शौ ७,१०९, १; १८, ३,४९‡[c]: १९,४९,३†; पै २०,३, ६; कल्पयान् शौ ३, ४, ६: पै ३,१,६;४.१५,५;९,१२, १२; कल्पयतु ऋ १०, १८४, १; शौ ५, २५, ५†: पै १३, ७, ३: कल्पयेताम् पै ८, १८, ६: कल्पयन्ताम् शौ ७, ६९,१; पै ३,१३, ६; कल्पयन्तु शौ ९,५, १३; पै १६, ९८, ३; कल्पयस्व ऋ १०,१०, १२;१५, १४[c]: मा २३, १५; का २५,४, ४; शौ १८, १, १३†; कल्पय ऋ १०, १८,५; काठ २,६[२]; शौ ६,२४,४; ९,५,४, ११,१, ३६; १२, २, २५† ; पै १, २६, ५; १६,९२,६;९७,३: १७,३२, ४: †कल्पयावहै ऋ १०, ८६, २१; शौ २०, १२६, २१: अकल्पयत् ऋ १०, १९०. ३: ¶काठ ७,५: ८,१३: २६,१: ¶क ८,१; ४०, ४: शौ १०, २, १५[२]: १३, १, ५३; १४, १, ५५: पै ९, ११,१; १६,६०,६[२];८८,४: १८, ६, ३; २०,२: अकल्पयन्त शौ १८,४, ७: अकल्पयन् मै ३, ६,१¶; शौ ९, ४, १४: अकल्पयन् ऋ १०, ९०, १४: त्रि ५, १२, १; मा ३१,१३†: का ३५.१,१३†; काठ २८,२¶; क ४४, २¶: शौ १९,६,८†; २०,१२८,१; पै ४, ४०, ६: अकल्पयथाः शौ १२, १, ५५[d]: पै १७, ६, ३: कल्पयम् पै १९, २५,९;१०.

¶अचीक्लृपत् मै ३, ४, २: ७, १: अचीक्लृपत ¶मै १,५,६: ३, २, ९; ४,३, ६; शौ ६,११, ३[e]: पै १९, १२, ३; १५, ९[f]; ४२,८;९; २०,२६.९.

†चीक्लृपाति[g] ऋ १०, १५७, शौ २०,६३,१:१२४,४.२;

a) पाभे. कृत्ते पृ ११६९ j टि. द्र. ।

b) ह्रस्वादिः पाठो भवति ।

c) सपा. कल्पयाति <> कल्पयस्व इति पाभे. ।

d) सपा. अकल्पयथाः <> अजयः (आपश्रौ ५, ९, ११ माश्रौ १, ५, २,६५ च) इति पाभे. ।

e) सपा. शांगृ १, १९,९ अकल्पयत् इति पाभे. ।

f) सपा. अचीक्लृपत् <> नुदतु इति पाभे. ।

g) सपा. चीक्लृपाति <> सीषधाति <> सीषधातु (नैश्रा १, २७, १ आपश्रौ २१, २२, १ च) इति पाभे. ।

‡चाक्लृपत्[a] शौ ६, ३५, ३; पै १९, ९, ६.

कुल्प[b]- -ल्पम् शौ ८, ९,१०[c]; पै ४,९, २[d]; ५, २८,८; १६,१८, १०; -ल्पान् तै ५, ४, ८, ५¶: -ल्पेन[e] पै ९, १६,४; -ल्पेषु ऋ ९,९,७; खि ५,१३,१;२-६; शौ २०,१२८,६-११.

कल्प-ज- -जम् पै २, ६६,४.

कुल्पत्- -ल्पत्?[f] शौ ११,७, २६; पै १६,१५५,६.

?कल्पतः पै १३,५,९.

कुल्पन[g]- -ना[h] काठ ३५, ५; क ४८,६.

कुल्पमान,ना- -नः खि ५, ७,२,१; मा १३, ४३; का १४, ४, ६; तै ४, २, १०,२; ¶५, ७,६, ५; ६; मै २, ७, १७; ४, १३, ४: काठ १६,१७,२१: शौ ३, ८,१; १३,२,३३; ४३: १८,४,१३; पै १, १८,१; १६,७२,४:१८,२३, ९; २५, ३; -नम् खि २, ११, ५[i]; तै ६,१, ५, ३¶; पै १४, ३, १३; १६, ७१, १०; -नाः तै ३, ४, ८, ३¶; ४, ४, ११, २[j]; -नान् तै ७, २, ४, १¶; -नाम् काठ २३,८[2]¶.

कल्पयत्- -यन्तः ऋ ८, ५८, १; १०,११४,६; खि ३,१८,२; शौ ८,९,१४[k]: ९,१५,१९; पै १३, ५, २; १६, १९, ४: ६९, ९; -न्ती मा ५,१७: का ५,५,४; तै १,२,१३,२: ६,२,९,३.

¶कुल्पयिनुम् मै ४, ६, ८: काठ २८, २; क ४४, २.

¶कल्पयितृ- -तारौ मै ३,२,९.

कल्पयित्वा मै १, ८,१५¶: ¶काठ १२, ८; २८, २[2]: क ४४, २[2]¶: शौ १३, १,५२:५४: पै १८,२०,१;३.

कल्पिन- -नम् मा ३०, १८: का ३४,३,५.

क्लृप्त,प्ता- -प्तः शौ १०,१०,२३: पै ५,१२,६: ४०, ६;७;९,२४, १२[l]; १३, ५, २८: १६.१०९, ३ -प्ताम् मा १८,११: का १९, ३,२; तै ४,७,२,२; मै २.११, ३: काठ १८, ८; ३०, ३¶; क २८,८; ४६,६¶: पै ५,१६, ५; -प्ता ¶काठ ७,५;२९,१०:३७, १२; ¶क ५,४;४६,३: पै १६, ५२, ४; -प्ताः तै ४,३,११, ४: ७,४,३,६[2]¶; ५,२०,१: मै १. ४.१२¶; २,१३,१०: काठ ३९, १०; ४५, १७; शौ ८, ९, १५; पै १६,१९, ५; -¶प्ताम् मै ३, ७,१.

क्लृप्ति- -¶प्तयः मै ३, ३,१; -प्तिः मा १८, ११; का १९,३, २; तै ४,७,२,२; ५,६,२, ५¶; मै २, ११,३: ३,४,२¶: काठ १८, ८; २१, ११¶; क २८,८; -¶प्तिम् तै ५,२, १०, ५;६, २,५: ७,२, ७,१: काठ २०, ९: २८, २; क ३१, ११. १६; ४४,२: -¶प्त्यै तै ५, ३,१,१; ४,२, १:८,५:६, ८,६: ६, १,५, ३; मै ३, २,९; ३,१; ४,१: ७,१; ८,९; १०,१; ४, ६, ३; काठ २०, १०: २१, ११: २३, ८[2]; २५,१०: २७,१; ४:२८,२[2]; क ४०,३:४२,१;४; ४४, २[2].

चाक्लृपान- -नः काठ १३, १५[m]: १६[m]: ३९, ३[n];४०,१[m].

?के इदमां कुमार्यां मा[o] पै २. २१, १.

केत-, केतु- प्रभृ. √कित द्र.

?के परिणो नमरि पारिग। पै १९, ३४,१६.

†क्रेपि[p]- -पयः ऋ १०. ४४. ६: शौ २०,९४,६.

---

a) सपा. चाक्लृपत् <> गंस्या <> आश्रौ ८,११,४ चाकनत् <> शांश्रौ १०, ९,१७ जीजनत् इति पाभे. ।

b) भाप., नाप. (मन्त्र-विशेष- [तै.]) । घञन्ते ञित्स्वरः । c) सपा. कुल्पम् <> रूपम् इति पाभे. ।

d) सपा. शौ ७,११४,१ कुलिम् [W. कल्यम्] इति पाभे. । e) ॰ल्पे न इति पाठे? यनि. शोधः ।

f) पाठे? ॰ल्पन् इति शोधः (तु. W. MG [३२५ टि. ७]) । g) कर्तरि ल्युः प्र. लित्स्वरश्च ।

h) कुल्पना युवम् इति पाठस्य स्थाने तत्रा ३,७,८,३ आपश्रौ १४, ३०,२ चेतनस्य च इति पाभे. ।

i) ॰ल्प॰ इति स्वरे? यनि. शोधः । j) तु. सस्थ. टि. अभि ।

k) सपा. कल्पयन्तः <> भवन्ती इति पाभे. ।

l) सपा. क्लृप्तः <> गुप्तः इति पाभे. ।

m) सपा. चाक्लृपानः <> संविदानः <> हिश्रौ १५, ७,२२ चाकृपाणः <> आपश्रौ १४,२८,४ ?चाकुपानः इति पाभे. ।

n) सपा. चाक्लृपानः <> संविदानः <> आपश्रौ १६,२६,६;१२ ?चाकुपानः इति पाभे. ।

o) पाठे? गमेदिमां कुमारीं नो भगेन इति पाद-शोधः (तु. सस्थ. टि. ?स्कन्दलोके, सपा. शौ [२,३६,१] सह इति च) ।

p) विप. (जन-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <क-पूय-

केवट[a]— -टे ऋ ६,५४,७.
केवर्त[b]— -र्तम्[c] मा ३०, १६: का ३४,३,३.
केवल[d]— -लः ऋ १, ७, [१०: १३, १०]: ४, २५, ७, ७, ९८, ५: †तै १, ६,१२,१:३,१,११, १: मै २,५,६: ४,६,६¶: ११,४†: १३,१०†: काठ ८,१७†:१३,२: कौ २, ९००†: शौ ७, ३८, १: ३९,४:†२०, ३९, १: ५०,१६: ८७,५: पै १,३४,१:३, २९, ५: १७, १४, १०[e]: —लम् ऋ १, ५७, ६; ४, २५, ७: १०, ९६, १३:१४५,२: तै १,५,१, २¶: २,६, १,७¶:४,७, १५, १: मै ३,१३,५: ४,६,३¶: काठ २२, १५: शौ ३,१८,२†: ४,२३,७: १०, ७,३६: ८,१: ११, २, १०· १५: †२०, ९५, ६: ३२, ३, पै ४,३३, ७:७,१२, १०[f]: १६, ७३, ५: १५३, १०: १५४, ५· १७,१०,६: १९,२९, १०: २०, ३०, ७[g]: —ला[h] ऋ ४, २५,६: ८,५२,३: १०,१३८,६: खि ३, ८,३; ४,९, ७; —लान ऋ १०. ५१, ८; —लानि १०, ५४, ५: —ले ऋ १०, ५१, ९: —लौ शौ ९,४,१२: पै १६,२५,२.
केवली[i]— -ली शौ ३, २५, ४;८,९, २४:१९,४,२: पै १६, २०, १: १९, २४, ७: —†लीः[j] ऋ १०, १७३,६: तै ३, २, ८, ६: ६; काठ ३५,७: क ४८,९: शौ ७,९९,१: पै ३,१, ८: १९, ६,४:३३,१४.
कैवल्य— -ल्यम् पै ६,९,९.
केवला(ल-अ)घ[k]— -घः ऋ १०, ११७,६.
केवला(ल-आ)दिन— -दी ऋ १०, ११७,६.
केश[l]— -शः शौ ६, १३६, ३: पै १, ६७, ३· ४: —शम् पै १०, ३५, १०:४०,१: —शयोः पै ५, ३४, ३: —शाः मा १९, ९२, २०,५: का २१,६, १३: ७, ४: ¶तै ७, ५,२५,१: मै ¶१, ४,८:८, १: ३, ११, ८: ९, ४, १, ९¶: काठ ३२,६¶:३८,३:४: शौ ६, ९, १: १३७, २: ३: १५, २,५: १३:१९,२५:१९,३०, १: पै २, ५२,२, ९०,२: १०,९, ३: १६, ५३, ५: २०, २५, ६: —शान काठ ३४,११¶; शौ ५,१९, ३; ११, १०,११; १२: १४,१,५५; १९,३२,२: पै २,५२, ३;४; ५, ३४,२१: ९, १८,९: १२,४, ३; १६,८६, १:२: १८,६,३: १९, २४, ६: २०, २५, ७[l]: २६,९[2]: ४३, ८: —शेन पै ५, ३८, ८; —शेभ्यः तै ७, ३, १६, १: काठ ४३,६: शौ ६,३०, ३:१३६,१: पै १,६७, १.१९,२४, ५: —शेषु शौ १,१८,३: पै १,५, ४: १६, १४७,१: २०, १८,१: —शैः मा २५, ३. का २७, ३,१: तै २, ६,३, ५¶: ५,७,१४, १: मै ३, १५, ३: ४, १, ९¶: काठ ३१, ७¶: ५३,४· क ४७,७¶.
केश-दृंहण[m]— -णम् पै १,३८ ,४.
केशदृंहणी— -णीः शौ ६, २१, ३: पै १,३८,३.
केश-नख— -खे खिसा २९,४३.
१केश-व[n]— -वम् पै ८,१४,५: —वाः शौ ८,६,२३: पै १६,८१,५.
केश-वन — -वन्ता ऋ १०,१०५,५.
केश-वपन—
¶केशवपनीय[o]— -यस्य मै ४, ४,१०: काठ १५,१०.

[=दुष्कृत्य-, पापकर्मन-] इति या [५, २५] वे. मा. प्रभृ., PW. GW. प्रभृ. < √केप् (कम्पने [तु. √गेप्])इति ।
a) नाप. (कूप- [निघ ३, २३], गर्त- [GW. प्रभृ.]) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः ।
b) नाप. (धीवर-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । < के (जले) + √वृत् इति अभा. प्रभृ. ।
c) सपा. तेब्रा ३,४,१२,१ कैवर्तम् इति पाभे. ।
d) विप. । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । < √केव इति (पाउभो २, ३,९७) ।
e) ॰लाचारः इति मूको. यनि. वा ॰लम् इति वा मौस्थि. स्यात् ? । f) सपा. ऋ १०, १४५, १ विशिष्टः पाभे. ।
g) सपा. केवलम् <> परि इति पाभे. ।
h) न. बहु. रूपम् (तु. GW. ORN.; वैतु. वें. [ऋ ४, २५, ६] ॰लम् इति, गा. R. [ZDMG ४८, ६८२] ॰लाम् इति च पदं विभाजुकाः?) ।
i) स्त्री. ङीप् प्र. (पा ४,१,३०) ।
j) सपा. केवलीः <> अमपग्नाः (माश ४,२,४,२३ च) इति पाभे. । k) विप. । बस. ।
l) नाप. (कच-, रश्मि-) । व्यु. ? । < √क्लिश् इति (पाउ ५,३३) । < √किश् (प्रादुर्भावे) इति मतम् ।
m) विप. (ओषधि-विशेष-) । काम. उप. करणे ल्युट् प्र. ।
n) विप. (रश्मि-) । मत्वर्थीयः वः प्र. ।
o) नाप. (क्रतु-विशेष-) । तदस्यप्रयोजनमित्यर्थे छ> ईयः प्र. उसं. (पा ५, १, ११९) ।

केश-व॒र्धन[a]– -नम् पै १,३८,४.
केशव॒र्धनी– -नीः शौ ६, २१, ३; पै १, ३८, ३: –नीम् शौ ६,१३७,१.
¶केश-वाप॒[b]– -पाय सं ४,४,४.
केश-श्मश्रु॒[c]– -श्रु तै ६, १,१,२²¶; मै ३,६,२¶; काठ २२,१३¶; शौ ८,२,१७, पै १६,४,७.
के॒शिन्[d]– -०शिन पै २०, २७, ७; –शिनः ऋ १,१६४,४४;८, १, २४; काठ ३७, २¶; क ४६, ५¶. †कौ १,२४५: २, ७४१; जै १,२६,३†: शौ ९,१५,२६: ११, २,१८: १४,२,५९: पै २, ५२,१. १६,१०५,८; १८, १२, ८: –¶शिनम् ? २, ६, २, ३: मे १,४,१२.६,५: –†शिना ऋ १, १०, ३: ८२, ६; ३, ६, ६: ४१,[९: ८,१७,२]; ८,१४,१२: १०, १०५, २: मा ८, ३४: का ८,८, १: मे २, १३, ९: कौ २, १७; ६९६: जै ३, २, ८: ५६, २३: शौ २०,३,२:२३,९: २९, २: ३८, २०४७, ८: पै २, २५, ३६: –†शिभिः ऋ १, १६, ४: ८,९७, ४: कौ १, २६४: जै १, २८,२; –शी ऋ १०,१०२, ६; १३६,१^२:६;७; तै २,६,२,३¶; ३,२,२,२; ¶मे १,४, १२; ६, ५: शौ ८,६, ५: पै ५, ३८, १२:१६,१९,५.
केशि॒नी[e]– -नी खि ५, १५, ५: –नीः ऋ १,१४०,८; १५१, ६; शौ १२,१०,२: पै १५,१८, १०.१६,१४५,१०: –नीभ्यः शौ ११.२, ३१: पै १६,१०६,११: –नीम् खि ४. २. ११: पै १७, १२ ३.
¶केशिन[f]– -नम् काठ २६, ९: क ४१, ७.
के॒श्य[g]– -श्यम् शौ १४. २, ६८: पै १८,१३,८.
१केश-व्र– केश– द्र.
२के॒शव[h] -०व खि ७,३,१: –वाय मै २,९,१.
के॒सर[i]– -राणि मा १९,९१: का २१, ६,१२: मै ३,११,९: काठ३८,३.
के॒सर-पा(श>)शा[j]– -शा मै २, ६,५.
के॒सर-प्राव(न्ध>)न्धा[k]– -न्धायाः शौ ५,१८,११: पै ९,१८,६.
√कै (कान्तौ)
†क्ना॒यमान– -नः[l] ऋ ३, ९, २; कौ १,५३; जै १,५,९.
चकान,ना– -नः ऋ ३,५, २; ५,३, १०:२७, ३: ६,३६, ५: ७,२७, १![m], १०, ६४, १६;१२३, ८; १४८,३: खि १,७, ५: तै १,६, १२,१![m]†: मै ४,१२,३![m]†: कौ २,३०२:११९८†: जै ३,६, ९; शौ २,५, १. पै २, ७, १: –ना ऋ ६,६८, ३. –नाः ऋ २,३१, ७: ४,१६,१५: ६,२९,१: १०, ७७,८.
?कैकान्य एकस्याः पै १९,४८,९.
?कैकाम्रा पै १९,४८,९.
?कैरण्डा पै ९,८,६.
१कैरात– किरात– द्र.
२कैरात[n]– -०त शौ ५,१३, ५: पै ८, २,५.
कैलास[o]–
कैलास-शिखर– -रे खिसा ३३, १४.
कैशिन– केश– द्र.
को॒क[p]– -कः शौ ५, २३, ४: पै ७,२, ४[q]: –कम् शौ ८,६, . पै १६, ७९,२: –काः पै १९,२९,५.
कोक-मुख[r]– -खः पै ६,१४,१.

a) विप. (ओषधि-विशेष-)। कास. ।
b) नाप. (नापित-)। उस. ।
c) समाहार द्वस. अन्तोदात्तः ।
d) विप. (हरि-, सारथि- प्रभृ.), नाप. च ।
e) विप. (एनी-, अप्सु- प्रभृ.), नाप. (राक्षसी- [शौ ११, २,३१ प्रभृ.], देवी-विशेष- [खि ४,२,११]) ।
f) व्यप. (अषाढ-)। अपत्ये अणि प्र. प्रकृतिभावः (पा ६, ४,१६५) । g) यत् प्र. यना. स्वरश्च ।
h) व्यप. (विष्णु-)। व्यु. ? ।
i) नाप. ([भ्रुवोः] लोमन्-)। व्यु. ? ।पपा. नावग्रहः ।
j) विप. (अभिधानी-)। बस. ।
k) व्यप. स्त्री. । बस. (तु. PW. W. B. प्रभृ.)। उप. भाप. । <प्र √बन्ध् । आर्षो दीर्घश्च (तु. शौच ४,९६) इति ।
l) =सपा. या ४,१४। माश्रौ ३.८.१ तु कामयमानः इति पाभे. ।
m) शोधस्य कृते पृ १०९१ c टि. द्र. ।
n) नाप. (सर्प- भेद-)। व्यु. ? ।
o) नाप. (हिमालयैकप्रदेश-)। व्यु. ? ।
p) नाप. (कोकिल- [तु. W.]) । व्यु. ?। <√कु [शब्दे] इति [पाउभो २,२,४]। <√कुक् इति शाक. प्रभृ. ।
q) कोकाः इति मूको. ? (तु. W. [शौ.])।
r) नाप. (गर्दभ-विशेष-)। बस. ।

†कोक-यातु[a]– -तुम् ऋ ७, १०४, २२; शौ ८, ४, २२: पै १६, ११,२.
कोतना[b]– -नासु तै ३,३,३,१[c].
?कोन[d]– -†ना[e] कौ १, ३१६: जै १, ३३,४.
कोम्य[f]– -म्या ऋ १,१७१,३[g].
?कोविदस्यः पै १५,२३,१.
कोश[h]– -शः ऋ १,११२,११: २,१६, ५; ६, ५४, ३: १०, ८५, ७: तै १, ७, १२, १: मै १, ११, ४; काठ ४,१६: १४,३: शौ ४,१६, ७†: ९, ३, २०: १०, २, ३१: ११,२,११: १४,१, ६†: पै ५, ३२,८:१६, ४०, १०: ६२, ३: १०५,१:१८,१,६†: –†शम् ऋ १,१३५,२: ३,३२,१५: ४,१७ १६: २०,[६: १०,४२, ६]:५, ५३,६; ५९,८; ८३, ८[i]: ८,७२, ८; ९, १२, ६: २३,[४: ३६,२ (१०७,१४)]: ६६,[११: १०७, १२]: ७६, [५: ९६, २० (९७, ३०)] ८६, १; ३: ७: ८७, १: १०३,३; १०७, २६: १०८, ९; १०,४२,२: $खि १,४, ८; ३, ११,२: तै २,४, ८, १; मै २,४, ७; काठ ११, ९: कौ १,५१४; ५२३ ; ५७७ ; ५७९; २, ८: २७ ; ११७: ३६१: ५५१ : जै १, ५३, ४: ५४, १: ५८, १२; ५९,२: ३,१,१०: ३,६;१२, ४; ३०, ४: ४३,७: ५३, ७: शौ ४, १५, १६: १८, ४, ३०$[j]; २०, ८, ३: ८९, २: –शाः ऋ १, ८७,२: तै ४,३, १३,, ८†: शौ १३, ४, १०: –शात् शौ १९, ७२, १: पै १९,,३५, ३: –शान् ऋ ६, ४७, २३: ९, ८६, २०; काठ १३,१०¶: कौ २, १७२†: जै ३, १६, १०†: शौ १०, ७, १०: पै १७, ८, १: –शासः ऋ ७,१०१,४, ८,२,८: ९,८८, ६; जै ४, १६, ९†: –शे ऋ ८, २०,[८;२२,९]: ९,७५,३; ७७, १: १०, १००, १०: †कौ १, ५५६; २, ५२: †जै १,५७, ३: ३, ५, ११; शौ ९,३,२०; १०, २,३२; पै ४, १४,७; १६,४०, १०:६२,४; –शेन ऋ १,१३०, २; –शेभ्यः पै २०,२९,४.
कोश-का(र >)री[k]– -रीम् मा ३०,१४; का ३४,३.१.
?कोश(,ष) -धाव(न>)नी[l]– -नीः खि ५,७, १, ६: मै ४, १३,२; काठ १५,१३.
कोश-बिल– -ले[m] शौ २०, १३३, २.
कोशयी[n]– -यीः ऋ ६, ४७,२२.
कोशि(न>)नी– -†नीः[o] मै २, ७,१३; काठ १६,१३.
कोशे-च(र>)रा– -राम् पै १०, १,७.
१कोप[p]– -पम् पै ५, ७,१४‡[l].
२कोप[q]–
¶कौप्य– -प्यः काठ २२, ६ : क ३४,१: –प्यम् काठ २२, ७; क ३५,१.
कौणेय– कुणि– द्र.
¶कौन्तु[r]– -न्ते मै ४,२,६.

a) नाप. (हिंस्रप्राणि-विशेष-)। वग. । पूप. =चक्रवाक- इति सा., =वृक- इति GG. ।
b) =कुकूनना-, कूनना- । ड़ह भा. < √कित् इति ।
c) पाभे. कूने पृ ११२३ m टि. द्र. ।
d) प्राति. व्यु. अर्थश्च? ।
e) स्वरूपम्? । प्र१ (=कामयमानः) रूपमिति सा. भ., द्वि३ (=कुत्सितान ऊनांश्च) इति विव. S., तृ१(=वैदग्ध्येन) इति LR.।पाभे. कूने पृ १०८५ g टि. द्र. ।
f) विप. ([कमनीय-] वन-)। व्यु.?। < √कम् इति वें. सा., √कु (दर्शने) > कोम- > यनि. इति GW. ।
g) ओम्या इति LR. शोधः? ।
h) नाप. (कोप-, मेघ- [निघ १, १२]) । व्यु.? । < √कुश्,ष् इति या [५,२६] PW. प्रमृ., < √कु इति (पाउभो २,३,१४०)।
i) सपा. कोशम् <> कोषम् इति पाभे. ।
j) सपा. तैब्रा ३,७,४,१६ आपश्रौ १,१३,१ माश्रौ १, १,३,२३ उत्सम् इति पाभे. ।
k) नाप. । उग. अण्णन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।
l) विप. (दुरु-)। °व्यो को° इति पाठे? °व्युः, अ-कोश° इति शोधः (तु. मैं. पपा., सपा. तैब्रा ३, ६, २, २ अकोप° इति पाभे., BW. च)। °ष° इति खि. काठ. पाठः।
m) तु. RW. । शंपा. सात. शौ २०,१३५,२ °बि इति? ।
n) नाप. । व्यु.? । पपा. नावग्रहः । कोश-म(य [स्वार्थिकः मयट् प्र. तस्य च पित्त्वं द्र.]>)यी– > नैप्र. यनि. इति विमृश्यम् (तु. GW.)।
o) सपा. कोशिनीः <> पुष्पिणीः इति पाभे. ।
p) =कोश- । नाप. । व्यु. ? ।
q) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु. ? ।
r) नाप. (देश-विशेष-) । व्यु. ? ।

कौमार[a]– -रः शौ १२,३,४७. पै १७, ४०,८.
कौम्भीनस– कुम्भ– द्र.
कौरयाण[b]– -णः ऋ ८,३,२१.
कौरव–, कौरव्य– कुरु– द्र.
कौलक[c]–
¶कौलका(क-आ)वति[d]– -ती मै २, १,३.
कौलाल– कुलाल– द्र.
कौलितर[e]– -रम् ऋ ४, ३०, १४.
कौलीक– कुलीका– द्र.
१कौशिक– कुशिक– द्र.
२कौशिक[f]– -०क ऋ १,१०, ११; –०का[g] मै ४,५,७¶.
कौशिकस्व– -स्वम् मै ४, ५, ७¶.
कौश्रेय– कुश्रि– द्र.
?कौष्ठ[h] काठ ३८,१२.
कौप्य– २कोप– द्र.
कौसित– कुसित– द्र.
कौसिद– कुसिद– द्र.
क्नदि[i]–
क्न(दि>)दी-वत्[j]– -वतः शौ ७, ९५, ३; पै २०, २९, ३.
क्या(म्बु>)म्बू[k]– -म्बूः शौ १८,३, ६‡[l].
?क्रकुम् पै १७,१२,३.
?क्रकोष्याम् पै ९,१०,९.
√क्रक्ष[m]
†क्रक्षमाण– -णम्[n] ऋ ८,७६,११; शौ २०,४२,२.
क्रतु[o]– -तवः ऋ १,५५,८; ८९,१; ७, ८८,१[p]; ८, ९६, ३, १०, ६४, २; मा २५,१४†; का २७,११,

a) विप. (पुत्र-)। अर्थः व्यु. च ?। प्रयार्थे *काम-भार– (=*काम-भृति– [वग.]) > नैप्र. यनि. इति विमृश्यम् (तु. मस्थ. टि. २श्लोक– इति; वैतु. PW. प्रमृ. कौमार– [पा ४, २, १३] इत्यन्तोदात्तेन सता प्राप्ति. अभेदं पश्यन्तः, १श्लोक– इत्यस्य विप. इति च ब्रुवाणाः)।

b) व्यप.(पाकस्थामन-)। व्यु. ?। <कुरयाण– ([=कुल-यान-] वग.) इति या [५,१५] प्रमृ.।

c) व्यप. (ऋषि-विशेष)। कुल– (नगर-विशेष-) +वुञ् >अकः प्र. (पा ४,२,१२७) इति।

d) ऋष्योः द्वस. अन्तोदात्तः। उप. <आवत्-इति ?MW.।

e) व्यप. (शम्बर-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। <कुलितर-इति सा. GRV.। <कौलि- (=कुलीन-[<१कुल-]) इति वें.।

f) विप. (इन्द्र-)। अर्थः व्यु. च ?। =१कौशिक– इति सा., [पक्षे] वें. PW. प्रमृ. च (तु. ऋगनुक्रमणी यस्था.)। <कुशी– इति स्क., [पक्षे] वें. च (तु. मै ४,५,७)। स्तुत्यर्थे नैप्र.<(*अङ्कोप->)*आङ्कोपिक– =आङ्गूर्य– इति तु मतम्।

g) यनि. रूप आमन्त्रितायुदात्तत्वं च प्लुतोदात्तत्वं चोभयं द्र. (पा ६,१,१९८;८,२,८४)।

h) विप. ([दिव्य-] जगत्-)। व्यु. अर्थश्च ?। पाठे? गविष्ठय– (=रश्मि-युक्त-)>–ष्ठस्य इति शोध इति मतम्(तु. छन्दः; वैतु. सा. [तैआ.] कौष्ठ्य–>–ष्ठ्यः इति मन्वानः तदर्हतीत्यर्थे प्र. इति)। =सपा. चाश्र ३८,१५। तैआ ६,५,२ आपश्रौ १६,६,४ माश्रौ ६,१,२,२६ हिश्रौ ११,१,६९ तु कौष्ठ्य इति पाभे.। यनि. दिशा सर्वत्र शोधोऽपेक्षितः।

i) भाप.। व्यु. ?। <√क्न(=√क्र)द् (आह्वाने) इति सा., उत्तेजने इति GW.। PW. BW. प्रमृ. क्रुदि– इति पाठं मन्वानाः <√क्रुद् (=√क्लिद्) इति।

j) विप. (शेप-)।

k) =कियाम्बु-। कियाº =क्याº इति वावि. एव क्रमान्तरं तु द्र.।

l) पाभे. क्रते पृ ११२० i टि. द्र.।

m) धा. वृत्तिः ?। हिंसायामिति वें. सा., <√क्र [<क्रुश इति मत्वा गर्जने संरम्भणे चेति PW. GW. GRV. प्रमृ.।

n) सपा. क्रक्षमाणम् <>स्पर्धमानम् इति पाभे.।

o) भाप. च नाप. च। =कर्मन्- [तु. निघ. २,१. या २, २८], =यज्ञ- (=अग्निष्टोमादि- [तु. भा. मै १,७,९,१]), =ऊर्जस्-, वीर्य-; =कर्मक्षमता-, पाटव-; =प्रज्ञा- [या २,२८]; =प्रबोध-, प्रेरणा-; =संकल्प- (तु. उ. म. [मा ४,३१ प्रमृ.]), निश्चय-प्रमृ.। विस्तरस्तु PW. GW. प्रमृ., PG [१, १६३,२०६ प्रमृ.] Venkateswaren [मिभा १,१८९] Rönnow [Monde Orientale २६-२७] द्र.। व्यु. ?। <√कृ+क्रतुः प्र. [पाउ १,७६] तत्स्वरश्च (तु. WW १,३५४ प्रमृ.)।

p) √क्र (वहने) इति कृत्वा कर्तरि प्र. (पृ ४३१a टि. तत्र च २क्रतु– इत्यत्र संख्यानिर्देशस्य शोधः)।

१†; तै ४,३,११,२: मै २,१३, १०: काठ २६,११†; ३९, १०; –तवे ऋ १०, २७, १६: मा ९, २०; १८,२८:२२,३२; का १०, ४,१: १९, ९, १; २४, १९, १: मै १,११,३: काठ १४, १; –तुः ऋ १, १७, ५: ६६, ३: ६७,१: ७७,३:९१,५: १२७,⌊९; १७५, ५⌋; ३, ११,६:५२, ४: ४,२१, २: ५, ३५, १: ७, ३१, ५; ९, १०७, ३: १०, १०४, १०; खि ५, ८,६: मा ९,२२; १४, २३: १८, १: ३८, २७†[a]: का १०, ४, ४: १५, ७, २: १९, ७, १:३८, ६,२†[a]; तै १,७, ९,१: २,५, २,४¶: ४,३, ८, १: १३, १†;७, १, १; ११,२; ५, ३,३, ५[२]:¶: मै १,४,१४[२]:¶: १५¶: २,८,४:११,२: १३,१०: ४,९, १३†[a]:१०,१†: काठ २, १४†: ५, २†[a]: १७,४; १८, ७: १२: २०, १३: क २६, ३; २८, ७: कौ †२,६६५: ९०८:४,६: †जै २,७,२;३,५५,६: ४,१५,२: शौ ८,९, २२; २०,१८,५†. पै ४, ११, ५[b]; १३,५,२८; १९,४८, १८; २०, ४४,४; –तुना ऋ १, १४१,९; २, ५,४; १२, १:१३, ११; २२,३: ३,५४,६: ७, ९०, ५; ८, ५७, १; ९, ७१, ९: १०, ८,७: ३१,२: ९१,३; खि १,४, २; तै १, ७,१३,२†; मै २, ६, ११[c]; ४, ८,५[c]; १२, ३†; काठ

८, १६†: १५, ७[c]; ३८, १३; कौ २, ८३७†; शौ १३,२, १०; २०, ३४, १†: पै १३, ७, १†; १८,२१,४; –तुभिः ऋ १,९१, २;१००,१४; १३२, ५; ५,३२, ५: ३३, ८: ६, ७, ४; ८, ६३, १: ९, ९७, ⌊(१, ६८, ५) ३०⌋; १०,८७, १: ९५, ९: १०५, ६; तै १, २, १४, ६†: मै ४, ९, १२:,१४, १†: †कौ १, ३५५; २, ४९१: †जै १, ३७, ४; ३, ३८, ५: शौ ८, ३, १†: १३, ३, २३: पै ४, ११,६: १६, ६, १†: –†तुम् ऋ १, २,८:१९, २: ४२, ७-९: ६४, १३; ६८, २: ⌊५ (९, ९७, ३०)⌋: ८०, १५: १२३, ८; १३: १५१, २; १५६, ४: २, १६, २; ४, ३०, ६: ३, १, ⌊५ (३१, १६)⌋: ४५, ३: ४,१०, १; २०,⌊३: ५, ३१, ११⌋: ४०, ४: ४२, ⌊१; २⌋: ५, ३१,११; ८५, २; ६,९,५; १६, ८:३६,२: ७, ३,⌊१०; ४, १०; ६०,६⌋; ५, ६;११,४: ३२,२६; ६०, ६: ८, ७, २४; १२,⌊११; ५३, ६⌋: १३, १: १५,७[a]; ३३, १७; ४२, ३: ६२,७: १०: ६३, ५;७०,१३: ९, ४,⌊३: १०,२५, १⌋; ८६, ४३; १०, ११, ३; ४; ३०,१२; ३६,१०; ३७, ५;४८, ३; ५६, ४; ६४, ७; १२०, ३; १४०, ⌊४ (५)⌋; १५९, २; खि ३, ५,६$; मा ४, ३१; ९, १४;

१२, १०९; १५,४४; १७, ७७; का ४,१०, २: १०, ३, ७; १३, ७,८; १६,५, २६; १८,६, १३: तै १, २, २, २$: ८, २; ७, ८, ३: ३, ५,१०,१;४,४, ४,७; ६, १,११, ३[२]: ७, ५, ७, ४; मै १, २,२; ६: १०,३: ११, २$: २, २, ६[d]; ७, १४:१६$: १३, ८: काठ २,३: ६: ४, ९: १३, १४: १६, १४: ३३, ७: ३९,,१:३$: क १, १५: १९: २५, ५; कौ १, २५९: ३८१: ४०२: ४३८: ५६४: २, ९६: १९८: ३९९: ८०६: ८३५: ९६४: ९९५[d]: १०७०: ११२७: ११६९; ३, ४, ११$: जै १, २७, ७: ४१, ४: ४२,८: ४३,१: ५७, ११: २,४, ९$: ३, ९, १०: १८, ५; ३१, १९; ४,५, ७: २०,८: ३०, ६, शौ ५, २, ३: १८, १, २०, ३,१८:६७: २०, ७९, १:१०६ १[a]; १०७, ६: पै २, ४१, २ ६,१,३: १७,२: १९,५१,११$ –तून ऋ ९,,७२, ५: मा १९, ४०; का २१,३,११: मै ३, ११ १०; काठ ३८, २: –तूनाम् ऋ ४,३१,५; पै ४, ११,१: –०तं मा ४०, १५; का ४०,१, १७ –†तोः ऋ ४,१०, २: मा १९, ४५; का १६,५, २७; तै ४. ४, ७; मै २, १३,८; काठ २ १४; कौ २, ११२८: –तौ १०, ९५, ३; शौ १,३४, २;

[a]) सपा. दुक्षः···क्रतुः (माश १४, ३, १, ३१ तैब्रा ३,७,९,४ तैआ ४,२१,१ शांश्रौ ७,१६,८ च)<> धम्नः···क्रतुः (आश्रौ ५,१३,६ च) दक्षक्रतू (आश्रौ ४, ३, १२ आगृ ३,६, ७ हिगृ १, १६, २ च) इति पाभे. ।

[b]) कर्तुः इति पाठे? यनि. शोधः (तु. टि. ? अतःकर्तु ⌊परि. ⌋) ।

[c]) सपा. क्रतुना<>वीर्येण इति पाभे. ।

[d]) सपा. क्रतुम्<>चेतः<> तैब्रा २,४,४,५ के इति पाभे. ।

२५, ५; ६,९, २; पै २,१०, ३; ३,२९, ४; –त्वः ऋ ७, ८९,३; ८,७८, ७; –त्वा ऋ १,३९, १; ६५,५;६९,१; ७३, २; ८१, ४; १२८,४[२]; ५; १३८, ३[२]; १४१, ६; १४३,२; १४५,२; १६५,७; १९०,३; ३,२,३;६, ५; ९, ६; ४, १,१; ५,७;१२,१;२१,१०; २८, ३; ३३, ९; ५, १०, ⌊२ (१८, २)⌋; १७,४; २९, ५; ७; ८७,२; ६,२, ८; ५,३; १२, ४; १६, २६; १७, ६;४८, ४; ६८, ९: ७,४,५:२१,६; २८,२; ६१, २; ६२, ⌊(६, १९, १) १⌋; ७६, १: ८,१९, २९; ३३,६; ६१,४; ६६, ४; १०; ८८,४;९७, १०[a]; १०२, ८: ९, ४, ⌊५; ६⌋; १६, २;४;८६, १३; १०२, ८; १०, २९,७;६१, १; ८३, ५; ८४,६; १४४, ६[२]; खि ३,१६, २[२]; ५, ६, ३; मा १९, ४०; ३३, ७२; का २१, ३, ११; ३२, ६, ३; तै ४,४,८,१: ७,४,१५,१†; मै ३, ११, १०; ४, ११, ३[b]; काठ ९, १८†; २६, ११†; ३८,२; ३९, ११; ४४, ४†; †कौ १, ४२३; २, २९७[c]; ४०१; ४०२; †जै १,४१,५; ३,२४,१३; ३१,२१; २२; †शौ ४, ३१, ६; ३२, ५; २०,५४,१[a]; ७६, ७; पै ४,१२, ६†; ३२,५; –त्वे ऋ १,१११, २; १३५,१; ४,३७, २; ५,४३, ५; ६,४०,२; ७,२५,४; ९,३६, ३; १००, ५;१०९,२;१०[d];१०, ५७, ४; खिगा ३, ४: मा ३, ५४†; ३४,८; ३८,२८; का ३, ७,४†; ३३,१, ३: ३८,७, १; तै १,८,५,३†; ३,२,५,२; ३,११, ४; मै १, १०, ३; ३, ११, १०; १६,४; काठ ९,,६†: क ८,९†; कौ १, ३७०‡[a]; २, २८०‡[a]; ७१९†; जै १,३९,१‡[a]; ३,२३, १२‡[a]; ५९,११†; †शौ ६,१९, २; १८, २, २३; †पै १९, ७, १२;२४,११.

¶क्रतु-जित्[e]– -जित् काठ ११, १; –जितम् तै २,३,८,१.

क्रतु-पा[f]– -पाभ्याम् तै ३, २, १०, १[३].

†क्रतु-प्रा[g]– -प्राः ऋ ४, ३९, २[h]; १०,१००,१२; काठ ७,१६.

†क्रतु-मत्– -मन् ऋ २, २२, १५; मा २६, ३; का २८. २, १; तै १, ८,२२,२; मै ४,१४. ४; काठ ४, १६; ४०, ११: –मता ऋ १०, ५९, १; –मन्ता ऋ १, १८३, २; –मान् ऋ १, ६२, १२; ४, ४१, १; ९, १०, ६; १०,११३,१.

†क्रतु-विद्[i]– -वित् ऋ ९, ४४, ६; ६३, २४; ८६, ४८; १०,२,५; कौ १, ४९२; २, ५८७; जै १, ५१,६; ३, ४८, ३; –विदम् ऋ ३,४०,२; शौ २०, ६, २; ७,४; –विदा ऋ २,३९,२.

†क्रतुवित्-तम– -मः ऋ ९, १०८,१; कौ १,५७८; २, ४२; जै १,५९,१: ३,१६,४;५९,१.

क्रतु-वीर्य– -र्यैः पै १८,३२,१०[j].

क्रतु-स्थला[k]– -ला[l] मा १५,१५: का १६,४,१.

क्रतु-स्पृश[m]– -स्पृक् मै ४. ७,२; काठ २९,२; क ४५,३.

क्र(तु>)तू-दक्ष[n]– -क्षाभ्याम् मा ७, २७; का ९,१,२.

√क्रतूय, क्रतूयन्ति ऋ ४,२४, ४; १०,६४,२.

क्रत्वा-मघ[o]– -घासः[p] ऋ ५,३३,९;

√क्रद्, न्द्, > क्रन्दि, कनिक्रद्, क्रन्दति ऋ १,१०० १३; क्रन्दत् ऋ १०, ४४, ८; ९५, १३; शौ २०, ९४, ८†: अक्रन्दत् ऋ १०,४५,४; खि ५,२२,६: †मा १२,६; २१: ३३: †का १३,

a) सपा. क्रत्वा <> क्रत्वे इति पाभे.।

b) कृत्वा (तु. सात.) इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. ऋ १,१६५,७ काठ ९,१८)।

c) कृत्वा इति S.?।

d) सपा. क्रत्वे <> महे (तां १५, ५,५ च) इति पाभे.।

e) व्यप. (ऋषि-विशेष-)।

f) विप.। उस.। उप. <√पा (रक्षणे)।

g) उस.। उप. <√प्रा।

h) तु. वें. सा. PW. प्रमृ.; वैतु. ORN. °प्रः इति।

i) विप. (सोम-, अग्नि-)। उस.।

j) पाभे. कृते पृ ११५७ *k* टि. द्र.।

k) व्यु. पृ ११५७ *m* टि. द्र.।

l) पाभे. कृते पृ ११५७ *n* टि. द्र.।

m) विप.। उस.।

n) द्वस. उभ. प्रकृतिस्वरः (पा ६,२,१४१)।

o) विप. (अश्व-)। बस.।पूप. तृ. अलुक्।

p) तु. वें. सा. GW. ORN. प्रमृ.; वैतु. PW. °घस्य इति शोधः?।

१, ७; २-३, ४; †तै १, ३, १४, २; ४, २, १-२, २; ५, २, १,२¶;२,३; मै २, †७,८-१०; ३, २, २; ४, १०, २†; †काठ १६, ८-१०; १९, ११; १२; २५,७¶; क २५,१†;३१, १†; २; ३९,५¶; शौ २०,१३६,५[a]; †अक्रन्दः ऋ १,१६३, १; मा २९,१२; का ३१,३,१; तै ४,२, ८,१;६,७,१; मै १, ६, २; काठ ३९,१;४०,६;४६,३.

अक्रान्[b] ऋ ९, ६४, ९[c]; ९७, ४०[d]; कौ १,५२९[d]; २,६०३[d]; †जै १, ५४, ५[d]; ३, ४९, १[d]; अक्रान्[b] ऋ ९, ६९,३; क्रदः ऋ ९,९७,२८.

अक्रन्दयत् शौ ८, ९,२; पै १६, १८,२; अक्रन्दयः ऋ १,५४,१.

चक्रदत् ऋ ८, ७, २६; अचिक्रदत् ऋ ४, २४, ८[e]; ७,३६, ३; ८,४६, ३१; ९, २, ⌊६ (१०१, १६)⌋; ९६, २४; मा ३८, २२; का ३८, ५, ५; †कौ १, ४९७; २,३९२; †जै १,५२,१; ३,३१, १२; शौ ३, ३,१‡[f]; अचिक्रदत् ऋ १, ५८, ⌊२; ९,८६, ९⌋; ७, २०,९; ९,१८,७[e]; २७,४;६७, ४;१०,९६,१०; कौ १,५५९‡[g]; २, १७१‡[g]; ४३०‡[h]; ६३९†; जै १, ५७, ६‡[g]; ३,१६, ९‡[g]; ३३, ५‡[h]; ५१, ५†; ५५, ७†; शौ १८, ४, ५८‡[g]; २०, ३१, ५†; पै २, ७४, १‡[g]; चिक्रदत् ऋ ८,५१,४; खि ३,३,४; अचिक्रदन् ऋ ८,१००,५; अचिक्रदः ऋ ९,२२,७.

कनिक्रन्ति[i] ऋ ९, ४३,५; †कौ १, ५३०[e]; २, ११९४; जै १, ५४, ६†[e]; कनिक्रदति पै ५, २, ८; कनिक्रदः पै ११, ७, ५; अकनिक्रदत् पै ११,७,१२.

कनिक्रद्[j]- -क्रत् ऋ ९,६३,२०.

कनिक्रद्[k]- -दम् मा १३, ४८; का १४, ५, २; तै ४,२,१०, २; मै २, ७, १७; काठ १६, १७; क २५,८.

कनिक्रदत्[l]- -दत् ऋ १, १२८,३[२]; १५२,५; २,४२, १;२; ४, ५०, ५; ५,८३,१:९; ९,३, ⌊७: १३, ८⌋; ५, १; २५, २: २८, ४; ३०, २;३३,४;६३,⌊२९;६७,३⌋; ६७,१४; ७६,⌊५; ९६,२०; ९७, ३२⌋: ७७,५; ८५,५; ८६, २२; ३३; ९६, २१; ९७,१३; १०१, ⌊(२,६) १६⌋;१०६,६:१०;१०, १,२; मा ११,४३†; ४६; ३३, ९०†;३६, १०; का १२,४,६†; ९; ३६, १, १०; तै २, ३, १४, ४†; ६; ४,१,४, २; ३[२]; ५, १, ५, ४†; ६; †मै २,७, ४[२]; ३, १,५; ४, १२, १; †काठ १०, १३; १६, ४[२]; १९, ५[२]; ३९, १५[२]; क ३०, ३[२]†; †कौ १, ४७१; ५७२; २, २१९; २७१; २९०; ५४४; ६१२; ६३३; ६४३; ६७५; †जै १, ४९, ५; ५८,७; ३,२०,१; २३, ३;२४, ६; ४२, १०; ४९,१०; ५२, १; ५३, १; ५६, ३; शौ २,३०,५; २०,८८, ५†; पै १,५५, २; २, १७, २; ८, २०, ५; ११, १, ९†; १५,२२, ६: -दतः ऋ २, ११,९: पै २०, ५६, ३; -दतम् पै ४,२०,६.

क्रदित- -तम् मै ३,२,२¶.

क्रन्द[m]- -न्दः शौ ११, २, २२; पै १६, १०६,२; -न्दाय शौ ११, २, ३: ६, २; पै १६, २१, २; १०४,३; -न्दे काठ ३६,१५[n]; -न्देन पै ११, ७,९:१२.

१क्रन्दत्- -न्दत् ऋ १,३६, ८; १७३, ३; -¶न्दता काठ १९, १२; क ३१, २; -न्दते मा २२,७; का २४, ३, १; तै ७,१, १९, १; मै ३,१२,३; काठ ४१, १०; -न्दन् ऋ ३, २६, ३; ९, ३८, ⌊(३७,२) ६⌋; ४२,४;९६, २२; ९७, ३३, †कौ २, ११०, ३१०‡[c]; ६२८; †जै ३, ११,६; ३, २५,६‡[c]; ५२,८.

a) तु. खि ५,२२,६; वैतु. शंपा. सात. अक्रदत् इति, RW. क्रन्दत् इति ?।

b) तु. ORN.; वैतु. वें. मा. Gri. < √क्रम् इति।

c) सपा. अक्रान् <> क्रन्दन् इति पाभे.।

d) =सपा. तां १५,१,१ या १४,६। तैआ १०,१,१५ तु आक्रान् इति पाभे.। e) तु. सस्थ. टि. आ।

f) सपा. अचिक्रदत् <> अदिद्युतत् इति पाभे.।

g) सपा. अचिक्रदत् <> अवीवशत् इति पाभे.।

h) सपा. ऋ ९, १०७,२२ अववक्रदः इति पाभे.।

i) यङ्लुकि अभ्यासस्य निगागम आद्युदात्तश्च (यथाक्रमं पा ७,४,६५;६,१,१८९)। j) कुनिक्रदत्- > नैप्र. यनि. इति। k) विप. (पशु-) ⌊अजन्ते चित्-स्वरः।

l) शत्रन्तं प्राति. (तु. सा. प्रमृ.; वैतु. पाका. पासि. प्रमृ. ⌊पा ७, ४,६५⌋ लुकि रूपम् इति)।

m) भावे घञ् प्र. ञित्-स्वरश्च। n) सपा. क्रन्दे <> वाजे <> तैब्रा २,७,७,१ क्रन्दे इति पाभे.।

२क्रन्दत्–
क्रन्दद्-इष्टि[a]– -ष्टये ऋ १०, १००,२.
क्रन्दनु[b]– -नुः ऋ ७,४२,१.
†क्रन्दस्[c]– -न्दसि ऋ १०, ३, १[d]; –न्दसी ऋ २, १२, ८;६, २५,४; १०, १२१,६; मा ३२, ७; का २९,४,२; तै ४,१,८,५; शौ ४, २, ३; २०, ३४, ८; पै १३, ७, ८.
चक्रन्[e]– -क्रन् ऋ १०, ९५, १२; १३.
क्रदित– √क्रद्, न्द् द्र.
क्रधिष्ठ–, क्रधीयस्– कृधु- द्र.।
क्रन् √कृ, नि √कृ द्र.
क्रन्द्–, १क्रन्दत्– √क्रद्, न्द् द्र.
√क्रम्, > क्राम्, चङ्क्रम्, क्रमते ¶तै १,७,५,४; ६,२; ५, २,१, १; २; ७; क्रमते तै ५, ४, ७, १¶; शौ ७, १५, ४[f]; क्रामति क ३१, १०¶; क्रमे शौ १९, १७, १-१०; पै ७, १६,१-१०; क्रमताम्[g] मा १,९; का १, ३, ६; क्रमस्व शौ ४,४,७;६,१०१, ३; पै १९, १३, १२; क्रमध्वम् मा १७, ६५; का १८, ६,१; तै ४, ६,५,१; ५, ४,७, १; मै २, १०, ६; ३,३,९; काठ १८, ४; २१, ९; क २८,४; शौ ४, १४, २; पै ३, ३८, २; अक्रमत् शौ ४, ११, ७[3]; पै १७, २९, २-४; क्रमेत तै १, ७, ६, २¶.
चक्राम ऋ ८, २१, २[h]; कौ २, ५९†; जै ३, ६,५; †शौ २०, १४,२; ६२,२; पै २०, ३८,४?; चक्रमाथे ऋ ६, ६९, ५; क्रंमते ऋ १, १२१, १[i]; क्रमिष्ट ऋ १, १५५,[४ (८, ६३, ९)]; क्रमिष्ट ऋ ८, ६३, [(१, ५५, ४) ९]; अक्रंस्त मा २, २५[3]; अक्रमीत् मै ४, ४,५¶; जै २,२, ६; शौ ३, ७,२[1]; अक्रमुः ऋ १०. ९७, १०; अक्रमिषम् ऋ १०, ९५, २; क्रमिषम्[j] मै १, २,३; काठ २, ४[k]; क १, १६.
क्रम्यन्ते तै १, ७,६,२¶.
चक्रम्येत मै ३. ३,४¶[l].
चङ्क्रमत ऋ ८.५५,४; खि ३, ७,४?[m].
क्रम[n]– -मः मा १२.५[5]; का १३. १,६[4]; तै १, ६, ५,२[4];७, ५,४; ७, २; ८,१०,२; १५,१; ४, २, १,१[3]; २; ५, २, १,१; मै १,१, ५; २, ६,११;७, ८[4]; ४, १.५; १४; ४,५; काठ १. ४; १५, ८; १६,८[4]; ३१, ३; क १,४; ४७, ३; शौ १०, ५,२५-३५; पै १६, १३१, १-१०; –माः मै ३, २, १¶; –मान् मै ३, २,१¶; शौ ८,९, १०[o]; पै १६, १८,१०[o]; –मेण तै ३, ५, ३, १; –मैः तै ५,७,२४,१; मै ३, २, १¶; काठ ४५,१६; पै १६. १५०, ८.
क्रमण– -णाय ऋ ६, ७०, ३; –णे ऋ १,१५५,५.
क्रममाण– -णाय मै १,४,१४¶.
क्रान्त– -न्तम् मा १०, १९; का ११,६,४; तै १, ७, ७, २; ८, १०, २; १५, १, शौ १०, ७, ३८; पै १७, १०,९.
चक्रमाण, णा– -णम् पै १५, १२, १०; –णा ऋ ६, ६२,२; –णाः ऋ १०,१२३,३.
चङ्क्रमित– -ताय तै ७, १,१९,३; काठ ४१,१०.
चङ्क्रमित्वा पै ५, ३६,९.
चङ्क्रमिष्यत्– -ष्यते तै ७,१,१९, ३; काठ ४१, १०.
चङ्क्रम्यमाण– -णाय तै ७,१,१९, ३; काठ ४१, १०.
?क्रमीम्[p] पै ५, ३१, ६; २०, ५९, ३.

a) समास-स्वरो पृ ४१८ *i* टि. द्र.।
b) भावे अनुच् प्र. उसं. (पाउ ३, ५२) चित्स्वरश्च।
c) भावाद्यर्थे असुन् प्र. (पाउ ४, १८९) नित्स्वरश्च।
d) तु. GW. Gri.; वैतु. वें. सा. मपु१ रूपमिति।
e) तु. वें. सा. GRV. प्रभृ.; वैतु. अन्ये केचन < √कृ [करणे वा शब्दे वा दैन्ये वा] इति [तु ORN.]।
f) सपा. आश्रौ ५, १८,२ शांश्रौ ८, ३, ४ रमते इति पाभे.। g) =सपा. माश १,१, २,१३। आपश्रौ १, १७,८ तु अक्रंस्त इति पाभे.।
h) विशेषः पृ ९२४ *x* टि. द्र.।
i) तु. मस्थ. टि. अनु।
j) सपा. क्रमिषम् <> अवक्रमिषम् (परि.) इति पाभे.।
k) पृ ४४८ अवक्रमिषम् इत्यपमुद्रिते यनि. शोधः द्र.।
l) अभ्यासे नुगभावः उसं. (पा ७, ४,८५)।
m) °क्ष° इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको., पूर्वं स्थलं च)।
n) भावे घञ् प्र. ञित्स्वरश्च।
o) सपा. क्रमान् <> दोहान् इति पाभे.।
p) पाठे? 'क्रमम् इत्' इति द्वि-पैदः शोधः।

क्रमुक[a]- -कम्[b] क ३०,८[२]¶.
क्रय- √क्री द्र.
?क्रयी[c] तै १, ८, १४,२[d].
क्रय्य- √क्री द्र.
?क्रर्णया पै १७, २४,९.
क्रवण[e]- -णस्य ऋ ५,४४,९.
क्रवि[f]- -वि का ११,६,६[d].
क्रविष्णु[g]- -†ष्णुः ऋ १०,८७,५; शौ ८,३, ४; पै १६, ६, ४; -०ष्णो पै २,३०,४.
क्रविस्[h]- -विः शौ ८, ६,२३; पै १६, ८१, ५; -†विषः ऋ १, १६२, ९; १०; मा २५, ३२; ३३; का २७,१३,१;२; तै ४, ६,८,३;४; मै ३, १६, १[२]; काठ ४६, ४[२]; पै १३, १०, ५S; -†विषा ऋ १०, ८७,१६; शौ ८,३,१५; पै १६, ७,६.
१क्रव्य[i]- -व्यम् मै ३, १०, १¶.
क्रव्य-वाहन[j]- -नः ऋ १०, १६, ११[k].
क्रव्या(व्य-अ)द्[l]- -व्यात् ऋ १०, १६,१०;८७,५; ¶मै १, ६, ७[२]; ४, १,८; काठ ३१,६¶; क ४७, ६¶; शौ ३, २१,९; २८,२; ५, २९,८;९;१५; ८,१,१२;३,४†; १२, २, ४; ७†; ३५-३८; ४३; ५०;५२;५३; ३,४३; ९,३; ११, ११; पै ३,१२,९;७,१८, ६;१०, ११,५; १३, ९,१०; १०, ५;६; १६, २,२; ६,४†; १४५,३;१७, २१,१; ३०, ४; ७†; ३३, ६-८; ३४,४;१०;११;३५,३; ४०, ३; -व्यादः ऋ १०, ८७,२; १९[m]; खि २,११,५; काठ ३७,१४[२]¶; शौ २,२५,५;४,३६,३; ५, २९, ११†[m];८, २,१२;†३,२;१८[m]; ११, १२, ३; पै १, ४२,४; २, ३२,३; ३,३१,४; ७, ३,३; ४[n]; ११,३;४;१९, २; १६, ४,२;६, २†; ७,५†[m]; ८१,८; -व्यादम् ऋ १०,१६,९; १६२,२; मा १, १७; ३५, १९; का १, ६, १; ३५, ४,१८; तै १, १,७, १; मै १, १,८; ४, ८¶; काठ १, ७; क १,७; शौ ३, २१,८-१०; ५, २९,१०; ३१,९; ८, २, ९; ६, ६; १२, २, ८†; ९; १०; १५; १६; ३९; ४२; ४३; २०, ९६, १२†; पै ३,१२,८; ९; ७,११, १; १३,१०,३; १६, ३,८;१९, ६; १७, ३०,८; ९†;१०; ३१, ५; ६; ३३,९; ३४, ३; ४; १९, ३०, ११; -व्यादा शौ ११, १२, १८; १२, २, ३४; ५१; १३, १, २९; पै १७, २४, २; ३३, ५; ३५, १; १८, १७, ९; -†व्यादे ऋ ७, १०४, २; काठ २३, ११; शौ ८, ४,२; पै १६, ९, २.
२क्रव्य[o]- -व्याः तै ५, ५,१०,४¶; पै २,५६,२.
?क्रव्यादेतृण पै २,३०,८.
क्राण,णा- √कृ द्र.
क्रान्त- √कम् द्र.
क्रिमि[p]- -मयः शौ २, ३१,५;३२,१; ५;५, २३, ५; १२; पै २,१४, १; ५[q]; १२, ५; ५,१५,९; ६, ८,८; ७, २,५; -०मयः शौ २,

[a]) कृमुक- इत्यनेन मन्यायता द्र.।
[b]) पामे. कृते पृ ११६४ *d* टि. द्र.।
[c]) नाप. (रुद्र-)। प्राति. व्यु. च ?। पपा. <क्रयि इति, क्रयि- (न. < √क्री + कर्तरि इः प्र.)> -यि>यीति. (तु. तैप्रा ३,१३) इति भा. PW. प्रभृ., <क्रयिन्- इति MW.। विशेषः वैश. द्र.।
[d]) क्रयी परम् (तैब्रा १,७,८,६ आपश्रौ १८,१३,२२ च) इति पाठस्य स्थाने मपा. मा १०,२० काठ १५, ६ माश ५,४,२,१० क्रिवि पु° इति, का ११,६,६ क्रवि पु° इति, मै २,६,८; ४,४,२ गिरिपु° इति च पामे.।
[e]) व्यु. अर्थश्च ?। < √क्रु इति ?। =स्तोतृ- इति सा., =शमितृ- इति ORN., =भयावह- इति ?GW., LR. ?GRV. व्यप. इति ?।
[f]) व्यु. ?। =कृपण- इति सा.।
[g]) =क्रव्याद्-। विप.। व्यु. ?। < √ क्रु (हिंसायाम्) इति पाप्र., <क्रवि- यद्वा क्रविस्- इति PW. GW.।
[h]) नाप. (आममांस-)। व्यु. ?। √क्रु (हिंसायाम्) +इसिः प्र. उसं. (पाउ २,१०८) तत्स्वरश्चेति विमृश्यम् (तु. WW[१,८७८])
[i]) नाप.। =क्रविस्- इति कृत्वा √क्रु (हिंसायाम्)+ यः प्र. (तु. पाउ ४, १०९) इति विमृश्यम्।
[j]) समासादिकं पृ ११०३ *k* टि. द्र.।
[k]) पामे. कृते पृ ११०३ *n* टि. द्र.।
[l]) विप. (अग्नि-), नाप. (ऋ १०, ८७, २; १९ प्रभृ.) च। उस. विडन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम्।
[m]) पामे. कृते पृ १०९३ *8* टि. द्र.।
[n]) °असः इति पाठे? यनि. शोधः।
[o]) विप. ([क्रूर-, आममांसाशिन्-] गन्धर्व-)। व्यु.?
[p]) कृमि- इत्यनेन मन्यायता द्र.। [q]) सर्वे ?
क्रिमयः हताः<>सं पिनष्म्यहं क्रिमीन् इति पामे.

३२, ३[a]; ५, २३, १०[a]; –मिः का २६, ६, ५[b]; तै ५, ५, ११, १[b]; शौ २,३२,४; ५, २३, ७; ११; ११,११,१०; १२,१,४६; पै २, १४,२[c]; ७,२,६; ८; १७. ५,४; –मिम् शौ २, ३२,२; ५, २३,१;३;९; पै ७, २,१-३; २०, ५५, ३; –मीणाम् शौ २, ३१, ३;५; ३२,४; ५, २३, ८; ११; १३; पै २, १४-१५, ३; ५, ३, ५; ७; ८; ७,२,१०; –मीन् शौ २, ३१,१;२;४[c]; ३२, १; ३[c]; ५, २३,२;५;६;१०; पै २,१४, १; १५, १; २;४[c]; ७, २,५;७; ९, ६,१२; –०मे पै २,१४,५[a]; –मेः शौ २, ३१, १; पै २, १५,१.

क्रिमी- -मीणाम् शौ ५, २३, १३; पै ७,२,१०.

?क्रिमीत् पै ८,१६,८.

क्रियमाण- √कृ द्र.

क्रिवि[d]- -वि[e] मा १०,२०; काठ १५,६; –विः ऋ ५, ४४, ४[f]; ८,८७,१; ९,९, ६[f]; –विम् ऋ १, ३०,१[g]; २, १७, ६[h]; २२, २[g];८,२०,२४[i]; २२,१२[i]; ५१, ८; खि ३,३,८; †जै १,२३,१[g].

क्रिविस्-

क्रिविर्-द(त्>)ती[j]- -ती ऋ १, १६६,६.

√क्री, ¶क्रीणाति तै ३,१,२,१;७,१, ६,२; मै ३, ७, ७; क्रीणाति ऋ ४,२४,१०; ¶तै १, ८, १८,१; ३, १,२,२; ६, १,६,७[c]; ७, ७; ९, ३[c]; १०, १[c]; २[c]; ¶मै २, ४,२;३, ७,६;७[c]; ¶काठ १२, ११[c]; २०, ८[c]; २४, १[c]; २[c]; ३; ६[c]; ¶क ३१,१०[c];३७, ७[c]; ३[c]; ४; ७[c]; क्रीणन्ति तै १, ८,१८,१¶; क्रीणामि मा ४,२६; का ४,९,१; तै १, २, ७, १[c][k]; ६,१,१०, ३¶; मै १, २, ५; काठ २, ६[c][k];२४, ६[c][k]; क १, १९[c][k]; ३७, ७[c][k]; पै २०, ४,६; क्रीणानि तै ६, १,१०,१[c]¶; मै ३,७,७[c][k]; ¶अक्रीणन् तै ६, १, १०, ३; ११, १; काठ २४, १; क ३७, २; ¶क्रीणियात् तै ६, १,६,७;१०,४; मै ३,७,४[c]; ६; ७; ¶क्रीणीयात् तै ७,१, ६, २; काठ २४,१[c];२; क ३७,२[c];३[c]. क्रेष्यामः काठ २,६; २४, ३; क ३७, ४.

¶क्रीयते मै ३, ७, ४[c]; ९; ४, १, ९; १३; काठ २४, ६[c]; क ३७,६[m];७[c]; क्रीयसे मा४,२६[k]; का ४,९,२[k]; काठ २,६[k]; २४,

[a]) सपा. क्रिमयः<>क्रिमे (तैआ ४,३६,१ आपश्रौ १५,१९,५ च)<> मंत्रा २,७,१ गोगृ ४,९,१९ क्रिमिः इति पाभे.।

[b]) पाभे. कृते पृ ११६४ *b* टि. द्र.।

[c]) पाभे. कृते पृ ११८० *q* टि. द्र.।

[d]) नाप. (कूप- [निघ ३,२३, वें. सा. प्रभृ.], जलाशय-इत्यर्थाद्यः, अवट-, आहाव- [स्क. सा. ऋ १,३०,१]; वैतु. सा. [कौ] =कृषि-)। व्यु.?। <√कृ ([=√क्रि नेवि. तु. निघ. मृको. केचिन्] करणे) इति (पाउ ४,५६) दे., <√कृत् (छेदने) इति मा., <√क्रिव् (हिंसाकरणयोः) इति उ. म.।

[e]) पाभे. कृते पृ ११८० *d* टि. द्र.।

[f]) =[जलाधाररूप-] सोम- इति (तु. वें. सा. [अन्तिमे स्थले], GW. ORN. प्रभृ.)।

[g]) पाभे. कृते पृ ११६४ *f* टि. द्र.।

[h]) वैतु. सा. व्यप. [असुर-विशेष-] इति।

[i]) अर्थः?। =कूप- इति वें. सा., व्यप. =क्षत्रियजाति-विशेष- इति PW. GW. NW. प्रभृ.।

[j]) विप. (दिद्युत्- [मरुतां हेति-])। °विः द° इति पपा.। उप. दत्- [=दन्त-] इति। बस. पूप.?। =विकर्तन-समर्थ- इति [या ६,३०] प्रभृ., =विक्षेप-शील- इति मा.?, =क्रूर-, रौद्र- इति GW., उपमाने बस. इति कृत्वा =ककच- इति वें., =अग्नेर्ज्वाला- इति GRV.NW. (तु. क्रिवि- मा. [पक्षे] ऋ ५,४४,४, मा. [=रुद्र-] इति च), =अश्व- (अश्वदन्तवच्छ्वेतदन्ता- इति व्याचक्षाणः) इति ORN.।

[k]) सपा. सकृत् क्रीणामि (आपश्रौ १०,२५,४ च) <>क्रीणानि (माश्रौ २,१,४,८ च) इति, अन्यत्र क्रीणामि<>क्रीयसे (माश ३,३,३,८ च)<>क्रीयस्व इति च पाभे.।

[l]) मकृत मूलतोऽन्तोदात्तं किप. कृतशोधोत्साहेन संपादकेनाऽनायासेनेव निःस्वरीक्रियमाणतया श्रेषतां नीतमिति चिन्त्यम् (तु. तदीयं टि. १५)। वस्तुतस्त्व् अकाणादीनामुत्तरवर्तिनां पदानां मिथ्यापाठमूलेयमशुद्धिः। तेषां हि पदानां पूर्वो नञात्मको भागः पूर्वरूपैकादेशतां गतोऽत एव चासौ किप. निहतस्यान्ते स्वरं पुनः प्रतिष्ठापयति। अत इह क्रीयते इति मृको. पाठ एव साधुरिति।

[m]) पाभे. कृते पृ ११५० *i* टि. द्र.।

६[a]; क १, १९[a]; ३७, ७[a]; पै २०,४,७; क्रीयस्व मै १,२,५[a].

क्रय[b]– -यः तै ७, ४, ८, २¶; –यस्य मा १९, १३; का २१, २,२; –यात् ¶तै ३, १, २, १; ६, १,३,३[2]; –याय मा ८,५४; का ९,७,२; –ये मै ३, ७,४¶.

क्रय-विक्रय[c]– -यात् खि ३.१०[2], ३.

¶**क्रय्य**[d]– -य्यः मै ३. ७. ४[20]; –य्यस्य मै ३,७,७.

क्रीणत्– -णन्तः मै ३, १,४¶.

१क्रीत, ता– -तः मा ८, ५५; का ९, ७,२; तै ४,४,९,१; ¶६, १,६, ५; १०, ५; ११,१;६; ७, १,६,३¶; ¶मै ३, ७,३;८; ९; काठ १२. ९; २४, १¶; २६, ३[2]¶; ३४, १४¶; क ३७,२¶; –¶तम् मै ३. ७,८[3]; काठ २४, ८; ३४, ३; क ३८, १; –तस्य मा १९, १५; का २१, १. ४; –ना मै १, १०, ११¶, काठ ३६, ५¶; पै १९, ५०, ९; –ताय मै ३,७,९¶; –¶ते तै ६, १, ३,३; ४, २; मै ३,६,३;७.

¶**क्रीतव्य**[f]– -व्यः काठ ३४,३.

क्रीत्वा शौ ३, १५, २; पै ५, २१, २; १९, ४९,४.

क्रीयमाण, णा– –णः तै ४, ४, ९, १[g]; –णाम् पै १९,३,१.

¶**क्रेतव्य**– -व्यः काठ २४, ३; क ३७, ४.

√**क्रीड्,ळ्,क्रीडि**, क्रीडति ऋ ९, ६६, २९; १०,३४, ८; क्रीडतः मा २३, २५; का २५,६, ५; क्रीडन्ति ऋ १,१६६,२[h];८,१३, ८; †क्रीडथ ऋ ५,६०,३; तै ३, १,११,५; मै ४,१२,५.

†**क्रीड**[i]– -डम् ऋ १, ३७, [१;५]; तै ४,३,१३,६; मै ४.१०.५; काठ २१,१३; –डाः ऋ १,१६६,२.

क्रीडत्– -¶डतः मै १, १०,१६; काठ ३६, १०; –†डन् ऋ ५, १९,५; ९,८०,३; ८६,२६; ४४; ९६, २१; १०८,५; ११०, १०; १०. ७९, ६; कौ १. ५८४; २. ९६५; जै १,५९,७; ३, ४०,१; ४,२०,१०; –†डन्तः ऋ ४. ४, ९; ९,२१,३; तै १, २, १४,४; मै ४, ११, ५; काठ ६. ११; –†डन्तम् ऋ ९,६, [५; ४५,५; १०६, ११]; ९७. ९; कौ २, २९१; ४६८, ५०३‡[j]; जै ३, २४, ७; ३५, ३; ३९, २‡[j]; –†डन्तौ ऋ १०, ८५,१८;४२; खि ३, २२,१०; मै ४, १२,२; शौ ७,८६,१; १३, २,११; १४, १, २२; २३; पै १८, ३, १; २; २१,५.

क्रीडन्ती– -न्तीः तै ३, ३,९,१; शौ ९,४,२४; पै १६,२६,३.

क्रीडा[k]– -डा मा १८, ५; का १९, ३,१; तै ४,७,२,२; मै २, ११, ३; काठ १८,८; क २८,८.

क्रीडि[l]– -डयः ऋ १, ८७,३; १०, ७८,६; ९४, १४; ९५,९; तै ४. ३,१३,७†; मै १,१०,१६[6]¶; ४, ११, २†; काठ ३६, १०[3]¶; –¶डीन् मै १, १०,१६; काठ ३६,१०.

क्रीडिन्– -डिभ्यः मा २४. १६; का २६,४,१; तै १, ८,४,२¶; मै १,१०,१; ३, १३, १४; काठ ९, ५¶; क ८, ८¶; –डी मा १७,८५; का १८,७,६.

†**क्रीडु,ळु**[m]– -डुः ऋ ९, २०, ७; कौ २, ३२४; जै ३, २६, १०.

क्रीडु-मत्[n]– -मद्भिः ऋ १०,३,५

¶**२क्रीत**[o]– -तः मै ४,२,६[2].

क्रीतव्य-, क्रीत्वा, क्रीयमाण- √क्री द्र.

√**क्रुञ्च्**

क्रुञ्च[p]– क्रुङ् मा १९,७३; का २१ ५,२; मै ३,११,६; काठ ३८,

a) पाभे. पृ ११८१ *k* टि. द्र.।

b) भावे अच् प्र. (पा ३,३,५६) चित्स्वरश्च।

c) क्र° इति पाठो नादरणीयः।

d) विप. (सोम-)।

e) एकतरत्र ॰व्याक्रय्या इति पाठे? यनि. शोधः (तु. तै ६,१,६,७)।

f) प्र. कित्वम् उसं.।

g) सपा. क्रीयमाणः<>पण्यमानः इति पाभे.।

h) तु. सस्थ. टि. उप।

i) विप. ([मारुत-] शर्धम्-, मरुत्-)। कर्तरि अजन्ते चित्स्वरः।

j) सपा. क्रीडन्तम् <> मनीषाः इति पाभे.।

k) भावे स्त्री. अः प्र. तत्स्वरश्च।

l) विप. (मरुत्-, ग्रावन्- प्रभृ.)। कर्तरि इः प्र. उसं. (पाउ ४,१४०) तत्स्वरश्च।

m) विप. (सोम-)। उः प्र. उसं. (पा ३,२,१६८) तत्स्वरश्च।

n) विप. (भानु-)। मतुप्स्वरः। ॰पूप. भाप. इति।

o) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु.?। सकृत् क्री° इति स्वरे? यनि. शोधः।

p) धा. अर्थः?। नाप. (पक्षि-विशेष-)। क्विन् प्र. (पा ३ २,५९)। धा. स्वरः।

क्रुञ्च[a]- -ञ्चः[b] मा २४, ३१; का २६, ७,१; -ञ्चान् मा २४,२२; का २६,५,२; मै ३,१४,३; -ञ्चौ[c] मा २५,६; का २७,६,१; मै ३, १५,६.

१ क्रौञ्च[d]- -ञ्चः[b]: तै ५,५, १२. १; मै ३,१४,१२; काठ ४७,२.

२ क्रौञ्च[e]- -ञ्चम् तै २,५,११, १¶.

√क्रुध्, >क्रोधि, क्रुध्यति शौ ४, ३६,१०; क्रुध्यस्व[f] खिसा २९, ४७.

क्रुधः शौ ११, २, १९; २०; पै १६,१०५,९;१०.

क्रोधयन्ति शौ ४,३६,९.

अक्रुध्यत् ऋ ५, ३४, ७; †चुक्रुधम् ऋ ८, १,२०; कौ १, ३०७; जै १, ३२, ५; चुक्रुधाम ऋ २, ३३, ४; १०,१४२,३.

क्रुद्ध, द्धा- -द्धः ऋ १०, ४३, ८; खि ४,५,१९; तै १, ५,३,२;४, २¶; ५,५,७,४¶; मै १,७,१; काठ ८,१४; क ८, २; शौ १०, १०,१०; ११; १२, ८,९; १३, ३, ६; २०, १७, ८†; पै १६, १०७,१०; १०८,१; १४४, ८; -द्धम् ऋ ५, १५,३; -द्धस्य शौ १३,३,१-२५; -द्धा शौ १२,४, ३७; पै १७,१९, ७; -द्धाः काठ १०, ११¶; शौ १२,२, ५; पै १७,३०,५; -द्धौ पै १०,११,५.

क्रुध्मि[g]- -ध्मी[h] ऋ ७,५६,८.

क्रोध[i]- -धः खि २, ६[2], २२; शौ ९,१२,१३; पै १६, १३९, १६; -धम् शौ ४,३८,४; पै ५, १९, ७; -धाय मा ३०,° १४; का ३४,३,१.

क्रुमु[j]- -मुः ऋ ५, ५३, ९; -मुम् ऋ १०,७५,६.

¶क्रुमुक[k]- -कः मै ३, १,९: -कम्[l] तै ५,१,९,५[2]; मै ३,१,९.

?क्रुर्धि पै १५,१५,९.

√क्रुश्, क्रोशन्ति पै १७, १२, ९: क्रोशाति तै ३, १, ११, ८[m]; क्रोशतु शौ ११, ११, ७;१२,७: पै २०, ५०,६.

अक्रुक्षन् ऋ १०,१४६,४.

१क्रोश[i]- -शाय मा ३०, १९; का ३४, ४,१.

¶२क्रोश[n]- -शस्य तै ७, ५,८,१: -शेन तै ७,५,८,१[2].

¶क्रोश-त्व- -त्वम् तै ७,५,८,१.

क्रोशत्- -शन्तः ऋ १०,९४,४.

क्रोशन[o]- -नासः ऋ १०,२७,१८.

क्रोष्टु[p]- -ष्टा ऋ १०,२८, ४; मा २४,३२; का २६,७, २; मै ३, १४, १३; -ष्टारः शौ ११, २, ११; पै १६, १०५,१; -ष्ट्रे शौ ११,२,२; पै १६,१०४,२.

√क्रूड्, > क्रूडि, क्रूडयति, अक्रूडयत् काठ ६, ३; क ४, २; क्रूडयेत् काठ ६,७; क ४,६.

¶क्रूड्यमान- -नम् काठ ६,३; क ४,२.

क्रूर,रा[q]- -रः तै ६,१,७,७; २,३,२; ५,२; काठ २५,७; क ३९, ५; -रम् मा ६, १५; का ६,३,४; ¶तै १,३,९,१$; ७,३,१;२,६, ८,३;५,२: ३,४,८,५; ५,१,५, १; ६, १,७,८; २,७, ५; १०, ३:३, ४, १;९,४; ४,८,१[2]; २; ६,२,१; ¶मै १,२,१६$;८,२; ३,२,३;८,२;५; ८;९, ५; १०, २$;४,१,९[2];१०; २,९[3]; ५,४; ८, ५: ¶काठ ७, ११; ९, १६; २५. ५[r];९; १०; २६, ., २७, ४;३१,७[2]; १२:३५,१४$; ¶क २, १३$[r]: ८,९$[s]: ३९, २[2];

a) =क्रुञ्च्-। कः प्र. वृषादित्वादाद्युदात्तश्चेति ततो विशेषः

b) सपा. क्रुञ्चः<>क्रौञ्चः इति पाभे.।

c) प्राति. अर्थश्च?। d) =क्रुञ्च-। स्वार्थे कः प्र.।

e) नाप. (साम-विशेष-)। तस्येदमीयः अण् प्र.।

f) °ध्य° इति स्वरे? यनि. शोधः।

g) विप. (मनस्-)। कर्तरि मिन् प्र. उसं. (पाउ ४, ४५) नित्स्वरश्च। h) शेर्लोपः द्र. (तु. त्रि->त्री, शुचि->-ची प्रभृ.)। i) भावे घञि प्र. ञित्स्वरः।

j) व्यप. (नदी-विशेष- [तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. वें?, सा. विप. इति])। व्यु.?। <√क्रम् इति सा.।

k) क्रुमुक- इत्यनेन स-न्यायता द्र.।

l) पाभे. क्रते पृ ११६४ *d* टि. द्र.

m) पाभे. क्रते पृ १०३८ *d* टि. द्र.।

n) नाप. (साम-भेद-)। उञ्छादित्वम् उसं. (पा ६, १, १०७) इति विशेषः। शिष्टं *i* टि. द्र.।

o) विप.। युच्>अनः प्र. (पा ३,२,१५१) चित्स्वरश्च।

p) नाप. (शृगाल-)। तृजन्ते चित्स्वरः।

q) विप. (आसन्-, प्रैष-), नाप. च। व्यु.?। <√क्रू (<√कृत् [छेदने]) इति (पाउ २,२१)। <√क्रु,क्रू (हिंसायाम्) वा <√कृ (हिंसायाम्) वेति विमृश्यम्।

r) सपा. क्रूरम्<>क्रूरतरम् इति पाभे.।

s) सपा. क्रूरम्<>क्रूराय<>घोराय (तैब्रा १,३, १०,८ मंब्रा २,३,९ आश्रौ २,७,७ शांश्रौ ४,५,१ गोगृ ४,३,१९ द्राग्र ३,५,२६ च)<>भामाय इति पाभे.।

४०,२; ३; ४१, ३: ४२,४; ४७, ७[२]; ११; ४८, १३§: जै ४, १०,३; शौ ५, १९, ५; ६, ४९,१; १८, ४, ८३; १९, ९. १४; ५६,५; पै ३, ८, ५; १०, ४,५; १९, ३१, १४: –रया पै १७,२८,५![a]; –रस्य मा १,२८; का १,९,६; तै १, १, ९,३: मै १,१, १०: काठ १,९: २५, ५: क १, ९; ३९, २: पै ५,१०,३: –¶रा तै ६, २,५,२: मै १, ८, ६[२]; काठ १०, ३: –राः मै १, ८,५¶; –राणि काठ ६, ७¶: क ४,६¶; शौ १२,७,३: –राम् खि ४,५,१; –राय काठ ९,६[b]: –¶रे तै ४,२,५,३[c]; मै ४, २, १२[२]; –¶रेण तै ३, ४, ८, ५: काठ ७, ११; ९, १६: –रैः शौ १६,७,२; पै १७,२४,३.

¶क्रूर-कृत्– -कृताम् काठ ३४,२.

¶क्रूर-तम– -मः मै ३,८,१: –मम् काठ ६,२; क ४,१.

क्रूर-तर– -रम् काठ ३,६[d].

क्रेतव्य– √क्री द्र.

क्रोड[e]– -डः मा २५,८; का २७,८,१: तै ५,७,१६,१; मै ३,१५,७; काठ ५३,६; शौ ९,४,१५;१२, ५; पै १६, २५,४;१३९,६;–डौ शौ १०,९,२५; पै १६,१३८,६.

क्रोध– √क्रुध् द्र.

?क्रो म श्र यो व दं न पै ५,१५,२.

१क्रोश–, २क्रोश–, क्रोशत्–, क्रोशन्–, क्रोष्टु– √क्रुश् द्र.

१-२क्रौञ्च– √कुञ्च् द्र.

√क्लथ्

क्लथत्– -थन् मा ३९,५[f].

?क्लन्तता पै १९,५२,१५.

√क्लु(=क)न्द्

क्लु(न्द्>)न्दा[g]– -न्दाः शौ २, २, ५; पै १,७,५.

√क्लिद्,न्द्

क्लिन्न– -न्नः, –न्नम् पै १६, १२४, ४; ५.

क्लिब[h]– क्लिबे मा ४०,१५.

√क्लीब<>व

क्लीब<>व[i]– -०ब शौ ६,१३८, ३: पै १,६८,४; –बः मा ३०, २२ ; का ३४, ४, ४ ; ¶तै २, ३,३,४; ५,१, ७; मै २,४,२¶; काठ १२,११¶: –बम् मा ३०, ५; का ३४,१,५; शौ ६, १३८, १-३ ; पै १, ६८, २-४ ; २०, २९, ४; –बाः शौ ८, ६, ११; पै १६, ८०,१; –¶बात् मै २, ४,२; काठ १२,११.

¶क्लैब्य[j]– -ब्यात् तै २, ३, ३,४[२].

क्लीब<>व-रूप[k]– -पान् शौ ८,६,७; पै १६,७९,८[l].

√क्लु(=क्रु)श् (आह्वाने)

क्लोश[m]– -शम् ऋ ६, ४६,१४.

क्लोमन्[n]– -म पै २,८४, ६; –मन् पै २०,५०,१;१०; –मभिः मा २५, ८: का २७,८,२; –मभ्यः पै ८, ८,३[o]; –मसु पै १६, १४७, ४; –मा शौ १०, ९, १५; पै १६, १३७,५; –मानम् मा १९, ८५; का २१, ६, ६; मै ३, ११, ९; काठ ३८, ३; –म्नः ¶मै ३, १०, २; ४, ७, ४; काठ २८, ९¶: क ४४, ९![p]; शौ २, ३३, ३: ९, १३,१२; २०, ९६,१९; पै ४,७,३; १६,७५,२; –म्ना तै ५, ७,१६,१: मै ३, १५, ७; काठ ५३,६.

क्व किम्– द्र.

√क्वथ्, क्वथति काठ ११,१¶.

क्वथत्– -थन् का ३९,३,१[f].

---

a) अत्र °चाक्रू° इत्येवं पठित्वा °चा(च-अ)क्रू° इति विश्लेषो द्र.।

b) पाभे. क्रूते पृ ११८३ s टि. द्र.।

c) सपा. क्रूरे (आपश्री १६,१५,९ च)<>घोरे (माश्री ५,१,८,१३ वैताश्री ३८,१ कौसू ५२,३ च)<>घोरे (माश ७,२,१,११ च) इति पाभे.।

d) पाभे. क्रूते पृ ११८३ r टि. द्र.।

e) नाप. (वक्षस्-)। व्यु.। <√क्रुड् (घनत्वे?) इति उ. म. प्रमृ. (तु. Zd. *khraoždra*)।

f) सपा. क्लथत्<>क्वथत् इति पाभे.।

g) विप. (अप्सरा-)। कर्तरि अजन्ते चित्स्वरः।

h) नाप. (ᒪक्लम-ᒧ लोक-)। व्यु.?। <√क्लिब् ᒪ= √क्लप् ᒧ इति उ. म. प्रमृ.। क्ली° इति BC. चिन्त्यः।

i) नाप.। कर्तरि अजन्ते चित्स्वरः। पै. वाऽन्तः पाठः।

j) भावे ष्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

k) विप. (रक्षस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

l) तु. मूको.; वैतु. ब° इति मुद्रितः पाठः।

m) भाप. (तु. GW. GRV. प्रमृ.; वैतु. सा. धा. भये वृत्तिः)।

n) नाप. (फुफुस-)। व्यु.?। <√क्लुम् इति (पाउभो २,१,२८५), <√क्लु इति अभा.।

o) °मदभ्यः इति पाठे? यनि. शोधः संभाव्येत।

p) क्लोम्णः इति पाठे? यनि. शोधः।

क्वयि[a]– -यिः मा २४,३९; का २६, ८,४; तै ५,५,१७,१[b].

क्वल[c]– -लैः तै २,५,३,५¶.

?**क्षष्णीलम्**[d] पै १६, १५,५.

✓**क्शा**[e], **अक्शत्**[f] मै १, ८, ९: ३, १, ४.

?**क्ष** पै ८, १०,४.

✓**क्षण्**, **क्षणिष्ठाः** शौ १०, १,१६[g].

क्षत्तृ– ✓क्षद् द्र.

क्षत्र[h]– -त्रम् ऋ १, २४, ६; ४०, ८; ५४,८; ११;१३६, १;३; १५७, २; ६;१६०, ५: १६२, २२; ३, ३८, ५; ४, १७,१: २१, १; ५, २७,६; ३४,९; ६२, ६;६४, ६; ६६,२; ६७,१; ६८, ३; ६, ८, ६;२५, ८;५०, ३;६७,५: ६;७, १८,२५; ३४,११; ६६, ११;८, २५,८; ३५, १७; १०,१८०,३; खि ५,५, २-६; ७[२]; ८-११,७, ७, ५; मा ५, २७; ६, ३; १०, ४[२l]. ११; ११, ८१; १४, ९; २४; २९; १८, ३८-४३; १९, ५;७५: २०,७;२५; ४७†; ७२; २१, २८; २५, ४५; २७, ४[j]; २८, ३४; ४५; ३२, १६; ३८, १४[k]; का ५, ७,४; ६, १, ४; ११,२, ४[२l]; ५,२; १२,७, १६; १५, ३,१; ८, १: ९,२; १६,२, ७[l]; २०,२,१-६; २१, १,५; ५, २; ७,६; २२, २,२; ५, १†;७, ६; २३, ३, ६; २९, १,४[j]; ३०, ३-४,११; ३५,३,१२; ३८, ७, ८[k]; तै १, ३,१,२;६,२;५,११, २†; ६, †१२, २: ४: ७, १३, १†; ८,१३,१: २, ५,१२,५†; ६,२,५¶; ३,३,५,१;३¶;४,७, १[२]: ३[२]; ४, १, ७,२[l]; १०, ३; ३,३, १; ५,१; ९,१:१०, २;४, १२, १; २[२]; ३[२]; ६, ९, ४†; ¶५, १, १०, ३:२, ४, १[२]; ३, ४,२; ७,४, ३[m]; मै १, २,११; १४; ६, १; १०, १३¶; २, १, ९¶:२, ३¶;६, ८: १०;७, ७[४]; २०: ८,२; ५; ६; १२, २[२]; ५[j]; १३, २: १०[n]: ३,१,९[२],¶[२]: २, ३[२]¶: ३,१०[२]¶;८,९;९,३;११, ४; ६-८; १२; १६, ४[६]; ¶४, २,६[२]; ३,८;९[४];४,२[२]; $;१०[४]; ५,८[२]; ६,८[४]; ७,८[२]; ८,३; $९, ३;९[k]; †११,१;४; १२,२[२]; †; $; १४, १८†; काठ २, १२;३, ३; ४,१६†; ५,२; ६,१०†; ८, १६[२]†,१७;१०, ११[२]¶; ¶११, १[२]; ६[४]; ¶१३, ३; १२; १५, ६;७; १६,७; १७,२;४; ५;१९; १८, १४[६]; १६[j]; १९, १०[२]¶; २०, १[२]¶; ¶२१, १०[२]; १२; २२,१३¶; १४[६]; २५, १०;२६, ५; ११†; २७, ४¶; ¶२८, १; २[२]; ५;¶२९,८[२];९[२]; १०[२]; ३२, १¶; २; ३४, ७[२]¶; ३५, ११; ३६,७¶; १५; ३७,११[२]¶;१८; ३८.१;४;७†; ९;११; ३९, ५[२]; १०[n], ४०, ९[o]‡; ४६, ५†; क २, ६; १०; २६, १;३; ४; २९, ३[६]; ४[j]; ¶३०, ८[२]; ३१, ३[२]; ४०,३; ४१,३;४२,४¶; ¶४४, २[२]; ५; ४६, ३[५]¶; ४८, ११; †कौ २, ४९५; ८१५; ११०९;

a) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु.?।

b) पाभे. कृत पृ ११३० *i* टि. द्र.।

c) नाप. (बदरफल- ⌊तु. कुवल-⌋)। व्यु.?।

d) पाठः?। सपा. शौ १०,४,५ **कम्पर्णीलम्** इति पाभे.।

e) पृ ११६ *g* टि. द्र.।

f) सपा. **अक्शत्** (माश्रौ ३, ३,६; ६, १,१,१५ च) <> **अख्यत्** (माश ६, ३, ३,६ तैब्रा १, २, १, २३ आपश्रौ ९, १, ११; ७, ६; ९, १; १६, २, ८ च) इति पाभे.। तु. सस्थ. टि. अनु।

g) **क्षमिष्ठाः** इति ?W. शोधः विमृश्यः। सपा. पै १६, ३६,६ **घानिष्ठाः?** इति पाभे.।

h) नाप. न. (बल-, ओजस्-, आधिपत्य-, राजन्य-प्रभृ.)। व्यु.?। माश ⌊१४, ८, १४, ४⌋ <क्षत्-(<✓क्षण् ⌊हिंसायाम्⌋)+✓त्रै इति, दे.⌊२,१०⌋ प्रभृ. <क्षत-+✓त्रै इति, PW.WAG ⌊१,५⌋ प्रभृ. <✓क्षद् ⌊हिंसायाम्⌋ इति। <✓क्षद् [रक्षणे (तु. पाउ ४,१६७ वृत्तिः), संवृतौ (⌊सौत्रः धा.⌋ तु. पाउ २,९४ वृत्तिः), ऐश्वर्ये] इति मतम्।

i) सपा. **क्षत्रम्** (माश ५, ३, ४, २८ च) <> **वर्चः** इति पाभे.। j) सपा. **क्षत्रम्** <> **क्षत्रेण** इति पाभे.।

k) =सपा. माश १४,२,२,३०। तैआ ४,१०,२ आपश्रौ १५,११,२ तु **क्षत्राणि** इति पाभे.।

l) सपा. **क्षत्रम्** (माश ८,५,३,८ काश्रौ ११, ११,११ च) <> **वेपश्रीम्** इति पाभे.।

m) सपा. **क्षत्रम्** (तैआ ३, ११,९ च) <> **राष्ट्रम्** इति पाभे.।

n) सपा. **क्षत्रम्** <> **व्रतम्** (आपमं २, २०,३२ च) इति पाभे.।

o) सपा. **क्षत्रम्** <> **गर्भम्** (माश १४,९,४,२० मंब्रा १,४,६ बृउ ६, ४,२० मागृ २, १८,२ हिगृ १,२५,१ आपमं १, १२,१ च) इति पाभे.।

†जै ३, ३८,९: ५७, ५; शौ २, १५,४; ३, ५,२; १९,१; ५; ५, १,८;१८,४; ६, ५४,१;२: ९७-९८,२;७, ८९,२†; ९, १२, ९: १०, २,२२; २३; ३, १२; ११, ९, १८; १०, २०; १२, ६, २; १५, १०,३-५; ७; ११; १६,१, १३[a]; पै १, ३३,४; ७७,१: २, ७३,१: ३,१९, १; ५, ३३, ४: ५,४, १२: ६,२-३,७: ५,७;९, १७, ३: २०, १०: १०, ३, ५: ४,१०: १४,१,१२;१९: १५,१, ३; ५-८; १६,४८,२: ६१, १: ८३, ८: ८६, १०; १३९, १०: १४१,२; १९,८,४: ५; १२,८[२]: १४; २२,४; –त्रस्य ऋ ५,४४, १०; मा १०, ८[४]; २६[२]: २०, १[५]; ३८,१९; का ११,८,४[४]:८, १[५]: २१, ७,१[२]: ३८, ५, २; तै १, ६,१, २: ७,९, १[२]: ८, १२, ७[२]; १६, १[२]: ३, ३, १, १;९, २: मै २, ५,१०: ६, ९[२]: ४, ३,८[२]¶:४, ७[२]¶; ३[२]; ५[२]¶: ७, ३, ९, ६: १०; काठ ¶१०, ७; ११; १३, ११; १२; १५, ७[३]; २९,८[२]¶;३४,५[२]¶;३८,८[२];शौ १९, ३०, ४: पै १३, ११,२२; –त्रा ऋ १०, ६०, ५; –त्राणाम् मा १०,१७; का ११, ६, १; तै १.८, १४, २; काठ ४०,९; शौ ४,२२,२; पै ३,२१, ३; –त्राणि ऋ ४,४,८[b]; ८, १९, ३३; ३७, ((३६,७)७); तै १, २,१४,४†[b]; मै ४,११,५†[b]; काठ ६, ११†[b]; १९, १०¶; क ३०, ८¶; शौ ७,८३,२†[b]; पै १५, १,७; २०, ३१,८; –त्रात् ¶काठ २९,१०[२]: २९, ८[२]: –त्राय ऋ १, ११३, ६; ३,३८,३: ७,२१,७: २८,३: ३०, १: ८.२२,७: ३७,६; १०, १८, ५[c]; मा ७, २१: ९, ४०: १०,१८; १८,४४: ३०,५; ३८, १४; का ७. ८, ४; ११, ३. २: ६,२;१६,२,७[d]; २०,२,७: ३४, १,५: ३८,२,८; तै १,८,१०,२: १२, २; २, २,११, २¶: ३,३, १०,१: ४,७,३: ७, ५. २३, २: मै २. १, ९¶: ६, ६¶;९: १२, २; ३, ३, १०; ४, ७, ८; ९,९: ¶काठ १०, ११[२]: ११,१; १३, ३: १५, ५; १८,१४; २१,१०[२]; २९,९[२]: १०; ३६,१५[२e]; ३९, ५: ४०,९; ४५,२०; क २९,३; ४६, ३¶: शौ १५,१०,२; १९, २४, २[१]; पै ३, ३१, १-८; १३, ३,१: १५, ५, ९; –त्रे मा २०, १०: का २१, ७,९; तै ३, ४, ५, १[e]; ४,३,३,२[k]; मै २,३,३: ३,११,८; ¶४, ४, १०; ५, ८; काठ १७,१९; ३८,४;९२[k];३९, ५;७[k]; ४०,९; शौ १९,२४,२[h]; पै १५,५,९[b]; –त्रेण मा २७,५; का २९, १, ५; तै ४, १, ७, २, ४,८,१; ¶५,१,१०,३; ६, १०, १ ; ७, ५, २३, २; मै २,१२, ५; ¶३, १, ९; ३,१०[४]; ४, ८; ४,९, १; ¶काठ ११, १; १८, १६, १९,१०; २१,१०[२]; २२, ४;२९,१०; ४५,२०$; क २९, ४; ३०, ८¶; ४६, ३¶; शौ २, ६,४; ७, ८७, २‡[c]; ३[1];१२,३, ५१: १८,२, ६०‡[c]; पै ३, ३३, ४: १५, १२ , ८ : १७, ४१, १: २०, ३२, ३: –त्र्यः काठ ३९, ५.

क्षत्र-पति– -तिः मा १०, १७; का ११,६,१, तै १,८,१४,२.

क्षत्र-भृत्[j]– -भृत् मा २७, ७; का २९, १, ७: तै ४. १, ७, ३; ४, १२,२: मै २, १२. ५; ३, १६, ४; काठ १८,१६[२]; २२, १४; क २९, ४[२]: शौ ७, ८९, १; पै ३, ३३, ७; १५, १, ४; –भृतः काठ ३९, १: पै १३, १४, ७; –०भृतः तै २, ४, ७, २: मै २, ४,७; ४, २, ११; काठ ११, ९.

क्षत्रभृत्-तम– -मः काठ ४०, ९:

क्षत्र-योग– -गैः शौ १०, ५, २; १६,१२७,२.

¶क्षत्र-वत्– -वत् काठ १९,१०; ३०,८.

क्षत्र-वनि[k]– -नि मा १, १७;१८[l]

a) सपा. क्षत्रम् <> ब्रलम् (ऐब्रा ८, ६ च) इति पाभे.।

b) सपा. क्षत्राणि (कौसू १३७,३० च) <> राष्ट्राणि इति पाभे.।

c) सपा. क्षत्राय <> क्षत्रेण इति पाभे.।

d) सपा. मा १५,९ पाठाऽभावः।

e) सकृत् सपा. बैश्रा २,७,७,७ वीर्याय इति पाभे.।

f) सपा. हिगृ १,४,८ पोषाय इति पाभे.।

g) =सपा. शांश्री ४,१०,३ आपश्री १६,१, ३ पागृ १, ५,१०। शौ ५,२४,१-१७ तु पाठाऽभावः।

h) सपा. हिगृ १,४,८ पोषे इति पाभे.।

i) पाभे. कृते पृ ११८५ j टि. द्र.।

j) विप. (अग्नि-), नाप. (जल- [तै. मै. काठ.])। उस.

k) विप.। उप.। उप. नकारः प्रकृत्या द्र.(तु. शुप्रा. ३,९०

५,२७[a]; ६,३[b]; का १,६,२;३[f]; ५,७,३[a];६,१,४[b]; –निः मा ५, १२; का ५,४,३; –निम् तै १,३, १,२[a];६,२[b]; ६,२,१०,५;३,४, ५; मै १,२,११;१४;३,८,९;९, ३; काठ २,१२; ३,३; २५,१०, २६,५; क २,६;४०,३;४१,३.

क्षत्र-व॒र्धन[c]– -नम् शौ १०,६, २९.

क्षत्र-श्री[d]– -श्रियम् ऋ १, २५, ५; –श्रीः ऋ ६,२६,८.

क्षत्रि॒य,या[e]– -यः मै ३, ७, ५¶; ¶काठ १०,११; २४, ३: ¶क ३७,४; शौ ६,७६,४;७,१०८, १; १२,९,८; पै ९,१६,३; १६, १४५, ८; १९, १५, १५; २०, ३,५; –यम् ऋ ७, १०४, १३; काठ ११,१¶; शौ ४, २२, १[f]; ८, ४, १३†; पै २, ७२, ३; ४; ३, २१, १[f];५, ५, ५; १६,१०, ३†; –यस्य ऋ ४,१२,३; ४२, १; ५, ६९, १; १०,१०९,३; मै २,७, ७; ३, १, ९¶; ३,१०¶; शौ ५,१७,३†; १२,५,५; ६,५; पै ९, १५, ३†; १६, १४०, ५; १४१, ५; १४५,६; –या ऋ ८, २५, ८; मा ४, १९; का ४, ६, ३; तै १, २, ४, २; ६,१,७,५[२]; मै १,२,४; ३, ७,५¶; काठ २, ५; २४,३[२]; क १,१७; ३७,४[२]; –०या ऋ ७,६४,२; –याः ऋ १०,६६,८; –¶यान् काठ १०, ११;१३,३; –†यान् ऋ ८,६७, १; तै २,१,११,५; मै ४,१२,१; –याय मा १०,४[२]; का ११,२, ४[२]; तै १,८,१२,१[२]; मै २,६,८[२]; ४,४, २[२]¶; काठ १२, १२¶; १५, ६[२]; –येण शौ ६, ७६, ३; १२,९,६; पै १९,१५,१४

?क्षत्रियः पै १५,१८,१.

✓क्षद्[g], क्ष॒द्से ऋ १, २५, १७; क्ष॒दामहे शौ १०, ६, ५; पै १६, ४२,५.

चक्ष॒दे ऋ १०,७९,७.

क्षत्तृ॒[h]– -त्ता[i] ऋ ६, १३, २; मै ४, १०, १†; शौ ५, १७, १४; –त्तारम्[j] मा ३०,१३; का ३४, २, ५; शौ ९, ११, १; पै १६, ११६, २; –त्तारौ[i] शौ ३, २४, ८; –त्तुः[k] तै १,८,९,२¶; ¶मै २, ६, ५; ४,३,८; काठ १५,४; –त्तृभ्यः[l] मा १६,२६; का १७, ३,५; तै ४, ५, ४, २; मै २, ९, ४; काठ १७,१३; क २७,३.

क्ष॒द्मन्[m]– -द्म ऋ १,१३०,४; १०, १०६,७.

चक्षद्दा॒न– -नः ऋ १, ११७, १८; –नम् ऋ १, ११६, ⌊१६[n] (११७,१७)⌋.

✓क्षप[o]

क्ष॒प्[p]– क्षपः ऋ १, ४४, ८[q]; ६४, ८[r]; ११६, ४; २,२,२[q]; ६,५२, १५; ७,१५,८; ८, ४१,३; १०, ७७,२; †क्षपुः ऋ १, ७०, ४[s]; ७९,६[t]; ४,१६,१९; ८,१९,३१; २६, ३; मा १५,३७[t]; का १६, ५, १९[t]; तै ४,४, ४, ५[t]; मै २,

a) सपा. °नि<>°निम् इति पाभे. ।

b) सपा. °नि<>°निम् इति पाभे. ।

c) विप. (मणि-) । उस. । d) विप. (वरुण-) । उस. ।

e) नाप. । मत्वर्थे स्वार्थे अपत्यार्थे च घ>इयः प्र. तत्स्वरश्च ।

f) =सपा. कौसू १४,२४; १७,२८ । तैब्रा २,४,७,७ तु क्षत्रियाणाम् इति पाभे. ।

g) हिंसायां विभाजने दाने च धा. वृत्ति. द्र. ।

h) वप्रा. । नाप. । धा. अर्थः ? । ऐश्वर्यं इति विमृश्यम् (तु. टि. क्षत्र–) । कर्तरि तृच् प्र. (पावा ३,२,१३५) ।

i) =दातृ- (सा. ⌊ऋ.⌋), विभागकल्पक- ⌊GW. GRV. प्रभृ.⌋, सारथि-, अभिमतकार्यसंपादक- (सा. W. ⌊शौ.⌋) ।

j) =प्रतीहार- (उ. म. PW. प्रभृ.) ।

k) =अन्तःपुराध्यक्ष- यद्वा मन्त्रिन्- ⌊भा. सा.⌋ ।

l) =रथाधिष्ठातृ- ⌊उ. म.⌋, =सारथि- ⌊Gri.⌋, =प्रतीहार- ⌊K.⌋ ।

m) नाप. (⌊शकलीभाव-साधन-⌋ परशु- ⌊वे.⌋, क्षुरिका- ⌊PW. प्रभृ.⌋; वैतु. सा. द. ⌊निघ १,१२;२ ०⌋=उदक-, अन्न- इति) । करणे मनिन् प्र. निःस्वरश्च ।

n) वैतु. द्र. ⌊या ५, २१⌋ चक्षत् ⌊क्रिप.⌋, दानम् इति द्वेपद्यम् । o) अर्थे धा. व्रातः ।

p) नाप. स्त्री. (रात्रि-) । क्विबन्तम् (तु. WW ⌊१, ५२४⌋, WAG ⌊१,११६ c⌋ प्रभृ.) ।

q) =द्वि३ (तु. L. ⌊४८२⌋; वैतु. वे. स्क. सा. GW. WAG ⌊३,७ c⌋ =प्र१, सा.<क्षपा- इति) ।

r) द्वि३ इति मत्वा =तमस्- ⌊तु. PW. GW. प्रभृ.⌋, =रात्रि- ⌊तु. GRV.⌋; वैतु. वे. =उदक-, सा. प्र३ =क्षपयितृ- इति ।

s) द्वि३ इति (तु. ORN. NW.; वैतु. सा. GW. प्रभृ. प्र३ इति) ।

t) वैतु. वें. सा. क्रिप. इति, उ. म. अजन्तात् प्राति. प्र१ इति च ।

१३, ८[a]; काठ १३,१५; ३९, १५[a]: कौ २,९१३[a];११७३; जै ४,१५, ६[a]: पै ६,३,४: †क्षपा ऋ ९,९९, २[b]; कौ २,९८१[b]; जै ४, २४, २; क्षपाम् ऋ ३, ४९,४[c].

क्षपमाण- -णः कौ १, ३०५[d]: जै १,३२,३.

क्षपा[e]- -पाभिः ऋ ४,५३,७.

?क्षपम्[f] पै २०,४६,२.

१क्षपा-वत्[g]- -वान् ऋ ३,५५,१७: ७,१०,५:८,७१,२.

२क्षपा-वत्[g]- -वान् ऋ १, ७०, ३: १०, २९, १: शौ २०, ७६, १†.

√क्षम्, क्षमते, अक्षमत काठ १०,७¶. क्षमिष्ये काठ १०,७¶. चक्षमीथाः पै १५,२०,४.

क्षम्[h]- †क्षमि[i] ऋ १, २५, १८; ३,८,७; ४,३०,१२;७, २७,३[j]; ८,४३,६: ४५,३२;६०,७; १०, १०, १[k]: ६५, ११; मै ४,१४, १४[j]; काठ ७, १६; शौ १८,१, १[k];१९,५,१[j]; पै २०,१८,४[j].

क्षममाण- -णम् ऋ १०,१०४,६.

क्षमा[l]- -मा[m] ऋ १, १०३, १:५, ५२, ३; ८,२०, २६: १०, ५९, ८; ९[2]; १०; कौ ३, १, २‡[j]: जै २,१, १‡[j]: शौ ६, ५७,३[n]: पै १६, ४६, १; १९, १०, ५: -माम् खि २, ६[?],२५: शौ १२, १,२९: पै १७,३,१०.

क्षमा-चर्[o]- -राः मा १६,५७; का १७,८,११: तै४,५,११,१; मै२, ९,९; काठ १७,१६; क २७,६

क्षम्य[p]- -म्यस्य ऋ २,१४,११: ७,४६,२.

†क्षाम्[q]- क्षामः[r] ऋ ८,७०,४; शौ २०,९२,१९.

†क्षामन्[s]- -म ऋ २, ३९, ७[t]; ४, १९, ४; ६,५,२[t]; ५१, ११; १०,१०६,१०[t]; तै १, ३, १४, ३; काठ ७, १६; -मणि ऋ ९, ८५, ११; -मन् ऋ ६, १५, ५[u]; मा १७,१०[u]; का १८,१, ११[u]; तै ४,६, १, २[u]: मै २, १०, १[u]; क २८,१[u]; पै ५,२, ६$[v];-मा[w] ऋ ४,२,१६; १०, ४५,४:१०६,१; मा१२,६[x];२१; ३२: १९,६९; का १३,१, ७;२, ४:३, ४. २१, ४,१९; तै १,३ १४,२:२,६,१२, ४; ४,२,१,२; २, २; मै २,७,८; काठ १६,८; १०;१७,१७‡[u], शौ १८,३,२१.

---

a) पृ ११८७ t टि.द्र.। b) नृ१ इति (वैतु. वें. सा. गम१, [पक्षे] सा. पं१ इति च)।

c) प३ इति (तु. वें. GW.; वैतु. सा. क्षपा-> द्वि१ इति)। d) वैतु. BI. सा. क्षय° इति।

e) नाप. स्त्री. (रात्रि- [निघ १,७])। अजन्ते नित्स्वरः।

f) पाठः? क्षवम् इति शोधः (तु. सपा. शौ १९,८,५)।

g) विप. (अग्नि-, इन्द्र-)। व्यु. अर्थश्च ?। क्षपा- [वस.] भाप. =प्राचुर्यरक्षणस्थिति- इति, क्षपा- [तस.] भाप. =रक्षण- इति च विवेको विमृश्यः (वैतु. वें. स्क. सा. यथायथम् =क्षपण- इति, =रात्रि- इति, [पक्षे] स्क. [ऋ १,७०,३] =स्तुति- इति च)। क्ष- (=क्षा-)+पावन्- इति च क्ष-पावन्- इति च (उप. <√पा रक्षणे) =[पृथिवीपति-] नियन्तृ- इत्यभिप्रयन्तोऽर्थाः। सपा. ऋ [१,७०,३] क्षपा°=क्षपा° ऋ ७,१०,५]।

h) नाप. (पृथिवी-)। कर्तरि क्विप् प्र.।

i) वैतु. सा. <क्षमा- इति?। j) सपा. क्षमि (तैब्रा २,८,५,८ च) <> क्षमा इति पाभे.। k) सपा. क्षमि <> क्षये इति पाभे.। l) विप. स्त्री. (भूमि- [शौ.]), नाप. (भूमि- [खि.])। कर्तरि अच् प्र.।

m) सस१ इति (तु. तत्रैव दिवि, पाभे., वें. स्क. सा. च; वैतु. अर्वाञ्चः नृ१ इति)।

n) सस१ [=भूतले] इति (तु. GW. प्रमृ.; वैतु. सा. क्षमा- >प्र१ [=क्षान्ति-] इति)। o) विप. (रुद्र-)। उस.।

p) विप. ([पार्थिव-] वसु-, जन्मन्-)। तत्रभवीयः यत् प्र. यना. स्वरश्च।

q) नाप. (पृथिवी-)। क्विपि प्र. दीर्घः (पा ६,४,१५)।

r) सपा. क्षामः <> क्षामीः <> ?क्षामः इति पाभे.।

s) =क्षाम्-। कनिनि प्र. उपधादीर्घः उसं. [पा ६,४,१५ (तु. वें. उ. म. [अर्थमात्रे] PW. GW. प्रमृ.; वैतु. भा. [तै १,३,१४,२] सा. [ऋ ४, २,१६;१०,१०६,१०] विप. वा नाप. [पाप- वा तमस्- वा] वेति कृत्वा √क्षै >क्षा +कर्मणि मनिन् प्र. इति)]।

t) क्षामेव=क्षामऽइव इति पपा.। °माऽइव इति वें. सा. ORN., °मन्ऽइव इति R. ([ZDMG ४८,६८२] मध्यमे स्थले)। काठ. क्षाम् एव इत्येवमवगृह्णानः SI. नितरां चिन्त्यः।

u) सपा. क्षामन् <> क्षामा इति पाभे.।

v) सपा. क्षामन् <> क्षेमम् इति पाभे.।

w) क्षाम इति पपा.।

x) वैतु. उ. म.<क्षामा- इति?।

†क्षामा[a] ऋ १०, १२,१; शौ १८, १,२९.

क्षामि[b]– -मीः[c] कौ २,५०६‡[d].

?क्षामैः जै ३,३९,५‡[d].

१क्षय- √क्षि द्र.

२,३ क्षय– √क्षि (निवासे) द्र.

४क्षय– √क्षि (ऐश्वर्ये) द्र.

१क्षयण– २क्षयण– √क्षि (निवासे) द्र.

१क्षयत्–,२क्षयत्– √क्षि (ऐश्वर्ये) द्र.

√क्षर्, क्षरति ऋ १, १६४, ४२; ५, ५९, २; ८,१३, ४; क्षरन्ति ऋ ८, ४९, ६; खि ३,१, ६; काठ ३६,१५; शौ ४,३५, ५; १२,१, ९; क्षरन्ति ऋ १,७२,१०; ९०, ६; ८, ५०, ४; १०, १३, ५; खि ३, ७, ४. मा १३, २७†; का १४,३,१†; तै ४,२,९, ३†; मै २, ७, १६†; काठ ३९, ३†; शौ ७,१९, २; ५९,२†; ११,२, २४; पै १६,१०३,४; १७,१,७; ३,११[e]; १९,४५,५†; २०, ३, ७; †क्षरसि ऋ १, २७, ६; कौ २, ८४८; जै ४, १२, २; क्षरामसि पै ६, ३, १; क्षरत् ऋ ९, १०९,८; शौ ५,१, ३; क्षरत् ऋ ९,८६,२०[f]; पै ६, २, ३; क्षरन् ऋ १, ११६, ९; क्षरन्तु ऋ ९, ८६, ३७; कौ २,१०७†; जै ३, २५, ३†; शौ १२, १, ३०[e]; पै १६, ४, ४; क्षर, >रा ऋ ९, ६,२[g]; ३५, ३[g]; अक्षरन् ऋ १, ११२,११; मै २,५,७¶; अक्षरत् ऋ ९, २८, २; ६३,३; ¶मै १, ६, १२; ४, २, १३; †कौ २, ६३१; जै ३, ५१, ९†; अक्षरन् ऋ १, ३३, ११; ८४, ४[g]; १८८, ५; ९, ८, १[g]; १७,२[g]; २१, ३[g]; ६३, [(३३, २)१४]; १५; ७८,३[g], ९८, ११; १०१, ४; मै २, ५, ६¶; ४, १४, १२†; †कौ १,३४४;५४७; २, २२२; २९९; ५२८[g]; †जै १, ३६,२; ५६,५; ३, २०, ६; २४, १५; ४१, ४[g]; शौ २०,१३७,४†. †अक्षाः ऋ ९, ८९, १[h]; ९७, ४५[g]; ९८, २[g]; १०७, ९[i]; १०९,१७; ११०, १०; १०,८९, ६[j]; कौ २, ३४८[j]; ५११; जै ३,२९,५[j]; ४०,७.

क्षरत्– -?रन्[i] कौ २, १७२; जै ३,१६, १०; -रन्तः ऋ २, ११, १; ९,४६,१.

क्षरन्ती– -न्ती ऋ १,१८१, ७; -न्तीः ऋ ७, ३४, २; -न्तीम् ऋ ४,१९,६.

क्षरध्यै ऋ १,६३,८.

क्षव– √क्षु द्र.

√क्षा (√=क्शा)[k] अक्षन् ऋ १०, ११,७[l].

†क्षा[m]– क्षाः ऋ १,१३३,६;४,१७, १; २२, ४; २८,५; १०, २, ६; २२, १४; ३१,५[n]; मै ४,११,४; काठ ६,१०; कौ ३,३, ५‡[o]; जै २,१,७‡[o]; क्षाम् ऋ १,६७, ३; ९५,१०;९६,७;१५८,८; १७४, ७; १८३,२; १८९, ३[p]; २,२०, ७;३, ३२,११; ६,६,४; १७,७; १८, १३; २२,८; ७, १८, १६; ९,७१,९; १०, ३१, ९; ७४,२; मै ४,१४, ३; शौ ५,१, ५?$[q]; १८,१, ३९; १९,४९,८$; २०, ३६, ८; पै ८, १४, १०; क्षासु ऋ १, १२७, [१०; ५, ६४,२]; क्षे[r] ऋ ४,३, ६; मै ५, ११, ४; काठ ७,१६.

[a]) द्यावा इत्यनेन द्वग. यद्र.। व्यवहिते प्रयोगे तु द्विवचने एकशेषः द्र.। [b]) =क्षाम्–। इञ् प्र. उसं. (पाउ४,१२५)। [c]) °मिः इति पपा. S. च। [d]) पाभे. कृते पृ ११८८ i टि. द्र.। [e]) सपा. क्षरन्ति<>क्षरन्तु इति पाभे.। [f]) सपा. क्षरत्<>क्षरन् इति पाभे.। [g]) तु. सस्थ. टि. अभि। [h]) तु. वें. सा.; वैतु. GW. प्र···अक्षाः इति। [i]) तु. पपा. प्रभृ.; वैतु. या [५,३] सकृत्<√क्षि (निवासे) इति, शाकपूणिश्चोभयत्रेति। [j]) वैतु. केचनाऽऽचार्याः<√अश (व्याप्तौ) इति। [k]) धा. प्रकथने वृत्तिः द्र.। [l]) सपा. अक्षन्<>अख्यन् इति पाभे.। एतदनु पृ ४८१ j टि. शोधः द्र.। [m]) बप्रा.। नाप. (पृथिवी- [निघ १,१])। व्यु.?। <√क्षम् इति दे. PW. प्रभृ., <√क्षि (निवासे) इति सा. [ऋ ४,३,६] दे. GW., <√क्षै इति सा. [ऋ १,१३३, ६]?। [n]) 'इयं क्षाः (=पृथिवी-) उपसां (क्षाः [दीप्तिः]) इव भूयाः (=भूयान्), यद् ह क्षुमन्तः (देवाः) अस्य जरितुः स्तुतिं भिक्षमाणाः (इह) शवसा समायन्' इति वा. इति कृत्वा श्लेषः द्र.। [o]) सपा. क्षाः<>ब्राः इति पाभे.। [p]) वैतु. ?ORN. क्रिप. (तु. ऋ २, २९,२) इति ?। [q]) पाठः?। (√*यक्ष् [संगतौ])>भाप. यक्षा–> –क्षाम् इति शोधः (तु. सपा. पै ६,२,५: सस्थ. टि. चक्र–> –क्रा)। अत्र यत् सम्यञ्चावभ्यञ्चावभि यक्षाम् इति शोधितः पादः द्र.। एतदनु च पृ ३६९ अभि-यत्–> –यन्ती इत्यस्य अभ्यञ्च्-> –ञ्चौ (स्त्री. प्र२) इति शोधोऽपि द्र. (तु. सपा. पै ६,२,५ अंशतः)। [r]) च१ आकारस्य लोपः उसं. (पा ६,४,१४०)।

क्षाति- √क्षै द्र.
क्षाम्- √क्षम् द्र.
१ क्षाम-, २क्षाम- √क्षै द्र.
क्षामन्-, क्षामा, क्षामि-, ?क्षामैः √क्षम् द्र.
√क्षि[a], क्षिधि>क्षी[b] कौ १,३३६; जै १,३५,५.
क्षिणोमि मा ११, ८३[c]; का १२,७,१७[c]; तै ४,१,१०,३[c]; मै २,७,७[c]; काठ १६,७[c]; १९,१०[c]; क ३०,८[c]; पै ३,७,३[d].
क्षिणाति ऋ १०,२७,१३; †क्षिणन्ति ऋ ६,७५,७; मा २९,४४; तै ४,६,६,३; मै ३,१६,३; काठ ४६,१; पै १५,१०,७; क्षिणामि[c] शौ ३,१९,३; पै ३,१९,८.
क्षेष्ट मै १,४,१२¶[e]; शौ ४,३४,८; पै ५,४०,१; ६,२२,९; १६,७१,६; क्षेष्ठाः का २,३,८; तै १,६,३,३; ५,१; ७,३,४; काठ ५,५[?]; ८,१३; क ८,१.
क्षीयते[f] तै १,७,३,४; क्षीयते[f] शौ १२,९,७; क्षीयन्त ऋ २,९,५; ¶तै १,७,३,४; ३,१,७,१; मै ४,२,८¶; पै १६,१४५,७; ¶क्षीयेते काठ २७,२; ३; क ४२,२; ३; क्षीयन्ते[f] ऋ १,६२,१२; क्षीयन्ते ऋ ६,४५,३; ¶तै ६,४,३,४; ¶काठ २७,८; २८,१; ६; ¶क ४४,१; ६.
क्षायि[e] तै १,६,३,३; ७,१,६; काठ ५,२.
१क्षय- -यम् पै १०,५,११[g].
क्षित[h]- -¶तः तै ६,५,१०,२[?]; मै ४,८,९[?]; -तस्य पै २०,४४,३.
†क्षिता(-त-आ-)युस्[j]- -युः ऋ १०,१६१,२; शौ ३,११,२; २०,९६,७; पै १,६२,२.
१क्षिति- -तिः शौ ११,७,२५; ८,४; २६; १२,७,५; ८,६; पै १६,८४,४; ८५,४; ८७,६; १४२,५.
क्षीण[h]- -णैः पै १६,८,१०.
¶क्षेष्णु[k]- -ष्णु मै १,६,१०.
√क्षि (निवासे), >क्षयि क्षयतः ऋ १०,६५,८; †क्षयत् ऋ ८,६९,११; शौ २०,९२,८; क्षयाम ऋ १,१११,२.
क्षेति ऋ ३,५५,४; ७; ७,३२,९; ८,८४,९; १०,४०,११; ¶तै ५,१,३,२[l]; †क्षेति ऋ १,८३,३; ९४,२; ४,१,९; ५०,८; ५,६१,१९; ९,१२,३; कौ २,५४८; जै ३,४३,४; शौ २०,२५,३; पै १२,१,२; क्षेषि ऋ ७,१८,२; †क्षेषि ऋ ६,४,४; १०,५१,५; तै १,३,१४,७; †क्षेषत् ऋ ६,३,१; मै ४,१४,१५.
¶क्षियते काठ १९,३[l]; क्षियति क ३०,१¶[l]; शौ १०,२,२२[m]; २३[m]; ११,७,१६[m]; पै १६,६१,१[m]; क्षियन्ति शौ १३,३,१; क्षियन्ति ऋ ७,७४,६; १०,५१,२; पै ५,६,४; ६,३,२; क्षिय शौ ६,१२१,४[n].
क्षयय>या ऋ ३,४६,२[o].
२क्षय[p]- -यः ऋ ८,६४,४; -यम् ऋ ३,२,१३[q].

---

a) धा. क्षये हिंसायां च वृत्तिः। हिंसायामेवेत्यर्वाचः।
b) तु. विव. WSR. BS.; वैतु. पपा. क्षि-धी इति, सा. नाप. (=क्षय-साधन-) इति कृत्वा क्षि-धि- (उप. <√धा) >तृ१ इति।
c) सपा. क्षिणोमि (माश ६,६,३,१५ तैब्रा २,५,३ सा. [शौ.] च) <> क्षिणामि इति पाभे.।
d) पाभे. कृते पृ ११३८ k टि. द्र.।
e) सपा. क्षेष्ट <> क्षायि (तैब्रा ३,७,५,७ आपश्रौ ४,१०,९ च) <> क्षेष्ठाः (गोब्रा २,१,७ वैताश्रौ ३,२० च) इति पाभे.।
f) कर्तरि यकि वैकल्पिक आद्युदात्तः (पा ६,१,१९५)।
g) सपा. क्षयम् <> क्षुधम् इति पाभे.।
h) कर्तरि क्तः प्र. दैन्ये दीर्घविकल्पः (पा ६,४,६१)।
i) सकृत पाठे? क्षिताः इति शोधस्तस्यैव प्रकरणतः संगतत्वात् (तु. तै.)।
j) विप. (पुरुष-)। बस.।
k) विप.। कर्तरि स्नुः प्र. उसं. (पा ३,२,१३९)।
l) सपा. क्षेति <> क्षियते <> क्षियति इति पाभे.।
m) तु. सस्थ. टि. अनु।
n) सपा. तैब्रा २,६,१ स्व (<√अस् [भुवि] लोटि मपु१) इति पाभे.। तु. सस्थ. टि. अनु।
o) वैतु. वें. धा. क्षये वृत्तिः?।
p) विप. (अग्नि-, इन्द्र-)। कर्तरि अजन्ते वृषादित्वादाद्युदात्तः (तु. मा. [द्वितीये स्थले] GRV. प्रभृ.)।
q) Bergaigne OV. प्रभृ. दिविक्षयम् इति समस्तं संकेतुकाश्चिन्त्याः (तु. नान्तरीयं पूर्वं स्थलम्, ORN. च)। ORN. धा. ऐश्वर्ये वृत्तिरिति संकेतो विमर्शसहः द्र.।

३क्षय[a]– -यः ऋ १,१४४,[७(८,७४,७)१०, ६४, ११]; ३,८,१; ५,१२,६; ७, ६६,५; ८,१५,९; ६३, ७; ¶तै ३, ५, २,२; ७,४, २,५; ¶मै ३, ६, १; ४,८,८, १३, १†; ¶काठ १५, १२; २८, १०;३७,१७; क ४५,१¶; †कौ २, ७०२; ९९७; जै ३,४६,८†; शौ २०,१०६,३†; पै ५,१५,७?; –यम् ऋ १,४०,७; १३२, ३[२]: १३३,७; २. ११, १४; ३,२,६; ३,२; ११, ७; ४०, ४; ४, ५३, ७,५, ४८,४; ६,२,५; ४९,१५; ७,१,१२: ५९,[२; ८,२७,१६]; ८, ४७,४: ९,. ८२, ३;९७,२६: १०, ४७,८; ६३,५: तै ३,५,२, १; ४,४,१,१; मै २,८, ८; काठ १७, ७: ३७, १७; क २६, ६; †कौ २,६६७:९०७; †जै ३,५५, ८; ४. १५, ३: †शौ २०, ६,४: ६७,१: –†यस्य ऋ ५,९.२:८, ६१,१४; मा ८,६; का ८,३,१; तै १,४,२३,१: २,२,१२,२; मै ४,१२, २: कौ २,६७२: जै ३, ५५, १३: –¶यात तै ७.४,२, ५; मै ३, ६, १: –यान् ऋ ४, ५४, ५; –याय ऋ १, ३६, [८: ७,६०, ११]; १२३,१; ४, ५३, ६; ५,६५,४; ६,५०,३: ८,१५, १३; ६८, १२; ९,९, २; १०९, ३; १०, ९, ३; ५८, [१-१२]; ९९, ८; मा ५, ३८; ४१; ११, ५२†; ३६,१६; का २,६,८; ५, ९,४; १०, १; १२,५,३†; ३६, १,१६; तै १, ३, ४,१; ३,५,२, १; ४, १, ५,१†; ४,१,१;५, ६, १, ४†; ७,४, १७, ४†; मै १, २,१३:१४; २,७,५†; ८,८; ३, ८, १०¶; ४,८, ८¶; ९,२७†; काठ ३, १; २; १६, ४; १७, ७; ३५, ३: ३७, १७; क.२,८: ९: २६,६; †कौ २, २८७: ७१८: ११८९; †जै ३, २४, २: ५९, १०: ४,२८,१; शौ १,५. ४†: ७, ७७, ३: पै १. ८४, १-१०; १०,४५,१०; २०,६,७; –ये ऋ १. ७४. ४: ८६,१: ५,६४, ४; ५: ६,२५,६: ८,२,७, १०,२२, १:११८,१; मा ३,२१:८,३१†: १३,५३: का ३, ३, १२: ९, ५, ४†: १४, ६, १: तै १, ५,६.१: ३.५,३,१; ४, २, ११, २†: ३, १,१[h]; मै २,७, १८; काठ १६, १८; क २५,९; कौ १,३४०‡[c]: जै १, ३५, ९‡[c]:४,१६,८†: शौ २०,१.२†; पै ३, ३३,३: –येण ऋ ७, ४६, २[d]: –†येषु ऋ ५. ७३, ४; ८, ८४, ८; १०. ८,२: तै ३, ५, ११, ५: मै ४.१०,३; काठ १५,१२: –यौ ऋ २,२७, १५, मै २,५,४[e]¶.

१क्षयण[c]– -णाय[f] मा १६,४३: का १७,७,२; काठ१७,१५;क२७,५.

२क्षयण[g]– -णाय[f] तै ४,५,९,१.

२क्षिति[h]– -तयः ऋ १, ३३, ६; १००,७; १५१, ३; ३, १८, १; ४, २४, ४; ३८, ५; ५,१, १०; ३२, १०; ३६, ६; ६, १,५; ७, २८,४; ८,१६,९;९,८९,६; †मै ४, ११, ४; १३, ६: †काठ ७, १६: १८, २०; कौ १,३३७, जै १, ३५, ६: ४,५, २†; –तिः ऋ १,६५,३: १५,४: ४.५, १५; पै १६,४६,४; –तिभ्यः ऋ ३,१३, ४: ६. ६१, ३: १०, ८९. ११; –तिषु ऋ १, ७३,४,२,२,३; ७, ८८, ७; –तीः ऋ ३,३,९; १४,४; ५,३७, ४: ६,६५, १. ७, ६५, २: ७५,४; ७९, १:८,६, २६; –†तीनाम् ऋ १,७,९: ५९, १; ७२,७: १७६, ३: १७७, ३: ३, २०, ४: २४, २: ५,७, १: ३५, [२; ६, ४६, ७]: ६, ३२,४; ७, ९८. [१: १०,१८७,१]; ८,६७, १३: १०, ७८.१: मा १५,२९; का १६, ५. १०: २, ६, ११, ४: ४. ४, ४, ४; मै ४, ११, १; काठ २, १५: कौ १, ३६२: जै १, ३७, १०: ३,२२.१; शौ ६, ३४,१: २०, ११. २: ७०, १५; ८७,१: पै १९,४५,१.

क्षैत[i]– -†तः ऋ ९. ९७, ३; कौ २,७५१.

a) नाप. (निवास-)। अधिकरणे घः प्र.। आद्युदात्तः (पा ६,१,२०१)। b) वैतु. सा. धा. क्षये वृत्तिरिति।
c) पाभे. कृते पृ ११८८ *k* टि. द्र.।
d) तु. वें. प्रभृ.; वैतु. सा. धा. ऐश्वर्ये वृत्तिरिति।
e) अर्थः ?। नाप.। =स्थिरजल-प्रदेश- इति सा. उ. म.। अधिकरणे युच्>अनः प्र. उसं. (पा ३, ३,१३०)।
f) सपा. क्षयणाय <> क्षयणाय <> क्षेणाय इति पाभे। g) अधिकरणे ल्युट् प्र. इति *e* टि. विशेषः।
h) नाप. (भूमि-, प्रजा-)। पूर्वत्र अधिकरणे क्तिन् प्र. उदात्तः उसं. (पा ३,३,९७)। उत्तरत्र कर्तरि क्तिच् प्र. (पा ३,३,१७४) चित्स्वरश्च।
i) नाप. (सोम- [राजन्-])। तद्राजीयः अञ् प्र. (पा ४, १,१६८ [तु. PW. प्रभृ.: वैतु. सा. विप. इति कृत्वा तत्रभवीयः प्र. इति])।

†क्षैत-वत्[a]– -वत् ऋ ६,२,१; कौ १,८४; जै १,९,४.

क्षियत्– -यतः ऋ १,१२६,१; –यन्तः ऋ ४,२५,८; ७,८८,७?[b]; ८,८३,६; कौ १,४४४; जै १,४६,८; ३,३४,२२; –यन्तम् ऋ १,११७,५; २,११,५; १२,११; ३,३०,८; ३९,५; ४,१७,१३; १०,६८,८; मा ११,६९†; का २०,५,२†; शौ १३,२,४३; †२०,१६,८; ३४,११; पै १३,७,११†; १८,२५,३.

क्षेण[c]– -णाय[d] मै २,९,८.

क्षेत्र[e]– -त्रम् ऋ १,१००,१८; ११०,५; ३,३१,१५; ५,४५,९; ६,४७,२०; ९,८५,४; ९१,६; १०,३३,६; ते २,४,८,२; ¶मै १,६,९; २,१,१; २,११; ४,७[2]; ८[2]; ३,८,७[2]; १०; ४,४,६; काठ ११,९[2]; पै २,२३,२; ७६,३; ५,३६,६; ६,१९,१; ९,२२,१५; १६,६४,१; १९,५२,५; –त्रस्य ऋ १,११२,२२; ४,५७,१; ३; ७,३५,१०; १०,६६,१३; तै १,१,१४,२†; ८,१३,३; २,२,१,५¶; मै २,१,१[2]¶; ६,११; १३; ९,३; ४,३,१¶; ११,१[2]†; काठ ४,१५†; ९,१७[2]¶; १५,७; ९; २६,१¶; ३०,४¶; क ४०,४¶; ४६,७¶; शौ २,८,५; १२,१; १९,१०,१०†; २०,१४३,८†; पै २,५,१; ८,१६,८; १०,६,११; १३,८,१०†; १९,१२,११; ३५,९[2]; –०त्रस्य ऋ ४,५७,२; ते १,१,१४,३†; ४,७,१५,६; मै ३,१६,५; काठ ४,१५†; २२,१५; ३०,४[2]†; क ४६,७[2]†; –त्राणाम् मा १६,१८; का १७,२,२; ते ४,५,२,१; काठ १७,१२; क २७,२; –त्राणि ऋ ६,६१,१४; ते ३,२,८,५; ७,२,७,५[2]†; मै ४,११,२†; १२,३[2]; काठ ५,२; १७,१८†; २६,२¶; ३०,३[2]; †; ¶[2]; ३२,२; क ४०,५¶; ४६,६[3]; †; ¶[2]; शौ २,२९,३; १४,२,७; पै १८,७,८; १९,१७,१२; –त्रान् ऋ १,११९,७; ५,२,३; ४; शौ ११,१,२८; पै १६,९१,८; १७,१३,१; १८,७,७?; –त्रान्ऽ-त्रान् पै ६,१५,२; –त्राय ऋ ७,१००,४; मै ४,१४,५†; शौ ३,२८,३; –त्रे ऋ ५,६२,७; ¶ते २,२,१,२; ३,१; ¶मै २,२,११; ५,४; ४,४,६; ¶काठ २४,१०; ¶क ३८,३; शौ ४,१८,५; ५,१७,१६; ३१,४; १०,१,४; १८; ४,८; ११,१,२२; १२,१,४३; पै २,२२,१‡[f]; ३,१,४; ५,२४,६; ६,१५,३[2]; ९,१९,२; १२,६,४; १६,१५,८; ३५,४; ३६,८; १७,५,२; २०,९,४; –त्रेषु पै १९,५१,१४; –त्रैः पै ४,२७,७.

क्षैत्र[g]– -त्राय ऋ ८,७१,१२.

क्षेत्र-जित्–

क्षैत्रजित्य[h]– -त्याय[i] मा ३३,६०; का ३२,५,६.

क्षेत्र-जेष[j]– -षे ऋ १,३३,१५.

¶क्षेत्र-जय[k]– -यः, –याय मै २,२,११.

¶क्षेत्र-पति– -तिः काठ २४,१०; क ३८,३.

१¶क्षैत्रपत्य[l]– -त्यः काठ ९,१७.

२क्षैत्रपत्य[m]– -त्यम् पै १,९९,४.

¶१क्षेत्रपत्य, त्या[n]– -त्यम् ते १,८,२०,१; २,२,१,५; –त्यया काठ २६,१; क ४०,४.

२क्षैत्रपत्य[m]– -त्येषु ऋ १,११२,१३.

a) विप. (यशस्-)। वैतु. [पक्षे] सा. <१क्षिति– (<√क्षि [क्षेय]) इति।

b) सस्थल-वरुणकर्तृक-क्रियावचन एव श्रुतिस्वारस्याद् शतृ प्र. उसं. (पाउ ३,१२६) इति कृत्वा क्षियन्त– >-न्तः (प्र१ [='क्षितिषु···वरुणोऽस्मन पाशं विमुमोचद्' इति वा.]) इति मतम् (वैतु. अन्ये प्र२ इति)। एतदनु वा. ? पृ ७७५ h टि. शोधः। c) १क्षयण– इत्यस्य वात्रि. द्र.।

d) पामे. कृते पृ ११९१ f टि. द्र.।

e) नाप. (भूमि-, प्रदेश- प्रभृ.)। अधिकरणे ष्ट्रन् प्र. नित्स्वरश्च। f) सपा. क्षेत्रे <> योनौ इति पामे.।

g) =क्षेत्र-। स्वार्थे अण् प्र. ञित्स्वरश्च।

h) भावे ष्यञ् प्र. ञित्स्वरश्च।

i) सपा. तैब्रा २,४,६,८ क्षेत्रजित्याय इति पामे.।

j) पस. अन्तोदात्तः (तु. टि. जेष–>–षे; वैतु. सा. उप. <√जेष्+भावे क्विप् प्र. इति कृत्वा हलन्तं प्राति. इति)। k) विप.। उस. उप. खच् प्र. (पा ३,२,४६)।

l) विप. (चरु-)। सास्यदेवतीयः ण्यः प्र. (पा ४,१,८५)। पाक्षिकी वृद्धिः उसं. (पा ७,२,११७)।

m) भाप.। ष्यञ् प्र. (पा ५,१,१२४)। शेषं l टि. द्र.।

n) विप. (चरु-, ऋच्-?)। शिष्टं l टि. द्र.

क्षेत्र-भाग- -गम् पै ५,२१,२.

क्षेत्र(त्र-त्र)र्षि- -र्षयः पै ५ २९,७.

क्षेत्र-विद्[a]- -वित् ऋ ९,७०, ९; तै ५, २, ८, ५¶; काठ २०,७¶; क ३१, ९¶; -विदम् ऋ १०,३२,७; -विदा ऋ १०, ३२,७.

क्षेत्र-वित्-तर- -रः ऋ १०, ३५,८.

क्षेत्र-सनि[b]- -नि मै ३,११,१०.

†क्षेत्र-साति[c]- -ता ऋ ७, १९, ३; शौ २०,३७,३.

†क्षेत्र-साधस्[d]- -धसः ऋ ३,८, ७; -धसम् ऋ ८, ३१, १४; तै १, ८, २२, ३; मै २,१३,७; काठ ११,१२.

क्षे(त्र>)त्रा-सा[e]- -साम् ऋ ४,३८,१.

क्षेत्रिय,या[f]- -यम् मै २, ३,१[g]; ४, ३, १[g];¶[g]; काठ १५, १[g]¶; शौ २,८,२-५; ३, ७, १,२[g],३; ६[g]; ७; ४,१८,७; पै १,९९,१; ३,२,१; २[g]; ३;५[g]; ६; ५, २४, ७; १९, ४१, ४; २०, ४१, ७; -यस्य शौ २, ८,१; ३,७,४; पै १,९९, २; -याः[h] पै २, ८, २[i]; -याणाम्[j] शौ २,१४,५[j]; -यात् शौ २,१०,१[k];२-८; ३,७,५‡[l]; पै २,३,१; ४; ३,२,७; ५, १७, १;८,३,६[m]; -याय पै १,९९,३.

क्षेत्रिय-नाशन[n]- -नम् पै १९, ३५,७.

क्षेत्रियनाशनी- -नी शौ २,८,२-५.

क्षेम[o]- -मः ऋ १,६७,१;१०, २०, ६; मा १८, ७; का १९, ३, ३; तै ४, ७, ३, १; मै २, ११, ४; काठ १८, ८; क २८, ८; शौ ११,९,१३; १३,१,२७; पै १६, ८३, ३; १८, १७, ७; -मम् ऋ १,६६,२; १०,१०४,७; खि ५,१०, २; काठ १९, १०¶; क ३१,२¶; शौ ३,३,५; ४,१, ४[p]; १९,८,२[p]; २०,१२७,८; पै २, ७४, ७; -मस्य ऋ १, १००, ७, ७, ८२, ४; ८, ३७,५; काठ १९, १२¶; क ३१, २¶, शौ २०, १२७, ८; -माय मा ३, ४३; ९,२२; १४,२१; ३०,१४; का ३,४,७; १०, ४, ५; १५,६, १; ३४, ३, १; तै ७, १,११,१; मै २,८,३; काठ १७,३; ४१,२; क २६, २; -मासः ऋ ८, १९, ८; -मे ऋ ५, ३७, ५; ७, ५४, ३;८६,८; १०,२७,७; ८९,१०; तै ३,४,१०,१†; ३¶; ५,२,१, ७¶; काठ १९,१२¶; क ३१, २¶; शौ ३,१२,१; पै ३, २०, १; ४,२७,२; -मेण ऋ १,५५, ४; ७, ८२, ५; -मेभिः ऋ ८, ८४,९.

क्षेम-काम- -मासः ऋ १०,९४, १२.

√क्षेमय[q]

क्षेमयत्- -यन्तः ऋ ४,३३, १०; ५,४७,४; -यन्तम् ऋ ३, ७,२.

१क्षेम्य,म्या[r]- -म्यः मै १, ८, ९; ३,२,२¶; शौ १२, २, ४९; -¶म्यम् तै ५, २, १, ७; मै ३, २, २; -¶म्यस्य [illegible] ५,२,१,७.

a) नाप. (पथ-प्रदर्शक-)। उस.। उप. <√विद् (ज्ञाने)।
b) विप. (हविस्-)। उस.। उप. <√सन् इति।
c) तस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,४२)।
d) नाप. (अग्नि-, मित्र-, देव- प्रभृ.)। उस.। उप. कर्तरि असुन् प्र.।
e) विप. (वैतु. वें. भाप., सा. नाप. [अश्व-])। उस.। उप. <√सन् इति।
f) नाप. ([अप्रतिकार्य-] दुःसाध्य-रोग-)। तत आगत इत्यर्थे तात्रभविकेऽर्थे च (तु. सा. B. प्रभृ. [शौ २,१४,५]; वैतु. परक्षेत्रे चिकित्स्य इत्यर्थे [पा ५,२,९२]) घच् >इयः प्र. चित्स्वरश्च।
g) सपा. क्षेत्रियम् <> ग्रन्थिम् (आपश्रौ १०,१०, ३; १३,७,१६ च) इति पाभे.।
h) नाप. स्त्री. ([दुःसाध्यरोगरूपा-] सदान्वा-)।
i) सपा. -याः <> -याणाम् इति पाभे.।
j) तु. सा. B. [illegible] [illegible] PW. प्रभृ. क्षेत्राणाम् इति पाठे यस्य स्वार्थे प्र. [illegible]ऽभिप्रयन्तः।
k) सपा. तैब्रा २,५,६,१ आपमं २,१२,६ हिगृ २,३, १० क्षेत्रियै इति पाभे.।
l) [illegible] ऋ १०,१३७,६ [illegible] पाभे.।
m) सपा. क्षेत्रियात् <> दुष्कृतात् इति पाभे.।
n) विप. (भेषज-)। उस.।
o) भाप. नाप. च (कल्याण-, रक्षा-)। मन् प्र. (पाउ १, १४०) नित्स्वरश्च। p) पाभे. कृते पृ ११८८ n टि. द्र.।
q) क्यजन्तः नाधा.।
r) विप. (धुर्- प्रभृ.) च भाप. (तु. क्षेम्यम्, क्षेम्यस्य) च। तदर्थीयः स्वार्थिकश्च यथायथं यः प्र. (तु. पाम ५,४,३०) तत्स्वरश्च।

–म्या ऋ १०,२८, ५; –¶म्याः मै ३,२,२.

२क्षेम्य[a]– -म्याय मा १६, ३३; का १७, ५, २; तै ४, ५, ६, १; मै २,९,६; काठ १७,१४.

३क्षेम्य, म्या[b]– -म्यः पै १७, ३४,९; १९,५५, १५; –¶म्यम् काठ १९,१२; क ३१, २; –म्या पै १६, ४६, ४; –म्येण पै १९, ५५,१५.

क्षेम्यत्– -म्यन्तः ऋ २,४,३.

√क्षि (ऐश्वर्ये), क्षयति ऋ ५, ४२, ११; †क्षयति ऋ १,३२, १५[c]; ५१,१४[d]; १०,१२०,८; मै ४, १४, १३[c]; शौ ५, २, ८; २०, १०७,११; पै ६, १, ८; १३, ६, १५; †क्षयसि ऋ ४, ५.११.६. १३. ?; १०,९१,३; मै ४. १०, १; क्षयथः ऋ ९, ९५. ५; क्षयथः ऋ १,११२, ३; †क्षयथ >था ऋ ६, ५१,७; १०,३०, १२; काठ ३९, १; क्षयन् ऋ ६,२३, १०; ७, २०, ६; क्षयन् ऋ १०,१०६,७.

क्षेति ऋ ५,३७,४.

४क्षय– -यस्य ऋ ४,२०. ८[e]; ६, ७१,६[f][g].

१क्षयत्– -यतः ऋ ६, ५१, ४[f]; –†यन् ऋ १, २४,१४; ३,२५, ३; तै १,५, ११, ३; मै ४,१०; ४; १४, १७; काठ ४०, ११; –†यन्तम् ऋ ७, १००, ५; ८, १९, ३५; मा १२, ११०[g]; का १३,७,९; तै २, २,१२,५[h]: ४, २,७,३; मै २,७,१४:४,१०,१; काठ ६, १०: १६, १४; क २५, ५; कौ २, ९७६: ११७०; जै ४. २३, ६; –यन्ता ऋ ७. ६४, १; –यन्तौ ऋ ७,९३,२.

†क्षयन्ती– -न्तीः ऋ १०,९, ५: मै ४, ९, २७; जै ४, २९, १; शौ १,५,४.

२क्षयत्–

†क्षयद्-वीर[i]– -०र ऋ १, ११४,१०; –रः ऋ ८,१९,१०: –रम् ऋ १, १०६, ४; १२५, ३; पै ४, २८, ४; –रस्य ऋ १, ११४, ३; काठ ४०, ११; –राय ऋ १, ११४, १; २; १०, ९२, ९; मा १६, ४८: का १७, ८,२; तै ४,५,१०,१;२; ३‡[j]: मै २,९,९; काठ १७, १६;४०, ११; क २७,६.

√क्षिप्[k], > क्षेपि, क्षिपसि शौ ९, १,१०;२०; पै १६,३२-३३,१०; क्षिपत् ऋ १०,१८२,[१-३].

क्षेपयत् ऋ ५, ९,७.

†चिक्षिपः ऋ १०,१६, १; शौ १८,२,४.

क्षिप्[l]– क्षिपः ऋ ३, २३, ३: ५, ४३,४: ९,८, ४ : १४, ७; १५, [८; ६१, ७]; ४६, ६; ७९, ४; ८०, ८; ५; ८५, ७; ८६, २७; ९७,१२; काठ ३५, ५; क ४८, ६; †कौ २,३७१: ४३१: ५३१; ६०३: †जै ३, ३०, १४; ३३, ६ ४१.७;५१,१.

क्षिपा[m]– -पाभिः ऋ ९, ९७, ५७.

†क्षिपणि[n]– -णिम् ऋ ४, ४०, ४; मा ९, १४; का १०, ३, ७; तै १. ७. ८, ३; मै १,११,२; काठ १३,१४.

†क्षिपणु[o]– -णोः ऋ ४,५८, ६; मा १७, ९४; का १९, १, ७; काठ ४०, ७; पै ८,१३,६; १६, १५०,७§.

क्षिप्त-प्ता– -सम्य[p] शौ ६, १०९,

a) विप. (रुद्र-)। तदर्थीयः यत् प्र. (पा ५,४,२५) यतो. स्वरश्च।

b) स्वराऽभावात् पृथङ् निर्देशः।

c) सपा. तैब्रा २,८,४,३ क्षेति इति पामे.।

d) वैतु. सा. अर्थतो यनि. पुष्णन्नपि <√क्षि(क्षये) इति।

e) पाठे? क्षयसि (मपु१) इति शोधः (तु. ऋ ६,१३,२, GRV. Aufrecht [KZ २७,६१०]; वैतु. वें. सा. धा. निवासे वृत्तिः, वें. अन्तर्भावितण्यन्तस्य कर्तरि रूपमित्यपि)।

f) वैतु. [पक्षे] सा. <√क्षि (निवासे) इति।

g) तु. Egg. [माश ७,३,१,३३] Gri.; वैतु. उ. म. <√क्षि [निवासे]।

h) तु. K.; वैतु. भा.°सा. <√क्षि (निवासे) इति।

i) विप. (रुद्र-, पूषन्- प्रमृ.)। बस. (पृ ४१८ i टि. द्र.)।

j) पाठे? क्षयद्-वीर (मं१) इति शोधः (तु. सपा. ऋ १,११४,१० पामे. छन्दश्च)।

k) प्रासने प्रहितौ प्रेरणे हिंसायां प्रमृ. धा. वृत्तिः।

l) नाप. (अङ्गुलि- [निघ २,५])। कर्मणि क्विप् प्र.।

m) =क्षिप्- (तु. दृश्- > दृशा- प्रमृ.)।

n) भाप. (अश्वगति-विशेष-)। कनिच् प्र. (पाउ २, १०७) चित्स्वरश्च।

o) नाप. (व्याध-)। कर्तरि कनुच् प्र. (पाउ ३, ५२) चित्स्वरश्च।

p) नाप.। =अवयवक्षेपणशीलत्वातरोगविशेष- इति सा., =विद्ध-, क्षत- इति PW. प्रमृ.।

३; पै १५,१६, ६; ९; १७, १-३; १९, २७,१०; —सा ऋ १, १२९,८[a].

क्षिप्त-भेषज[b]— -जः पै २०, ५१,८.

क्षिप्त-भेषजी[c]— -जी शौ ६, १०९,१; पै १९,२७,९.

क्षिप्र,प्रा[d]— -प्रम् खि ४, ५, ६[e]; ५,१९, १; ¶मै ४,२,९[२];१४[२]; ६, १[२]; काठ १२, २[२]¶; शौ ८,८, ४; ११, १, १३; १२, १, ३५[f]; १०, १; ३;४; २०,१३५, ४; पै १६,२९,३;९०,३; १४५, ९-१२; १८,४, ८; —प्रा ऋ ४, ८, ८[g]; ¶काठ १३, १२; —प्राः पै २, ४०, १; —प्रे तै ७, १, ७, ४; —प्रेण ऋ २,२४,८.

क्षिप्र-धन्वन्[h]— -०न्वन् पै १७, २१,४; —न्वने शौ ११,६, २३; पै १६, २३, ३; १७, २१, ३; —†न्वा ऋ ९, ९०, ३; कौ २, ७५९; —न्वानौ पै ५,२२,८.

क्षिप्र-श्येन[i]— -नस्य[j] तै ५, ५, ११, १; काठ ४७, १; —नाय[j] मा २४,३०; का २६, ६, ५; मै ३,१४,११.

?क्षिप्र-हस्त— -०स्त पै १७,२१,४

?क्षिप्रे(प्र-इ)षु[k]— -षवे ऋ ७, ४६,१.

*क्षेप[l]—

¶क्षेपिष्ठ,ष्ठा— -ष्ठः मै २, ५,१; काठ १२,१३; २१,४; २४,३[m]; ७; क ३१, १९; ३७,८; —ष्ठम् मै ३,२,५; —ष्ठा तै २,१,१,१; ३,४,३,२.

¶क्षेपीयस्— -यः काठ १९, ३; १०; क ३०,१;८.

क्षेप्नु[n]— -प्नोः ऋ १०,५१,६.

क्षीण— √क्षि द्र.

?क्षीतायवेन[o] पै १७,२३,४.

?क्षीदर्नीया पै ५,६,२.

?क्षीयतीर्ये रुगी पै ६,३,७

क्षीर[p]— -रम् ऋ १,१६४,७; ९, ६७, ३२; १०, ८७, १६; खि २, ९, ४[२];३,१०[२], १६; २०; मा १९, ७३; का २१,५, २; मै १,८,२¶; २,२,३¶; ३,११,७; काठ ३८, १; कौ २,६४९†; शौ †२,२६, ४;५;५,१९,५;८,३,१५†;९,८, ९; ९,१; १४,५†; १०, ९,१२-२४;१०,८;१०;११; पै २,१२, ४;५; ७८,३; ५,१६,४; १३,५, २७; १६,७,६†; ६६,७; १००, १३; १०७, ८; १०; १०८, १; ११४, १; १२५, १; १३७, २-१०; १३८, १-४; २०, ८, २; ८७, १; —रस्य शौ १, १५, ४; पै १,२४,२;५,१५,१; —रे ¶तै ३, ४, ८, ७; ९,६; शौ ५,२९, ७; १८, २, ३०; पै ४, ४०, ४; १३, ९, ८; —रेण ऋ १, १०४, ३; खिगा २६, १५; काठ ६, ३[२]¶; क ४,२[२]¶; शौ ४,३४, ६;७; पै ६, २२, ६;७; —रैः ऋ ८,२,९; जै ४,१६,१०.

†क्षीर-पाक[q]— -कम् ऋ ८,७७,१०; मै ३,८,३; जै ४,११,४.

क्षीर-वत्— -वान् शौ १८,४,१६[r].

क्षीर-श्री[s]— -श्रीः मा ८, ५७; का

[a]) विप. (जूर्णि-)।

[b]) नाप. (लोहितवृक्ष-)। षस.।

[c]) षस. अन्तोदात्तः। शिष्टं पृ ८६ i टि. दिशा द्र.।

[d]) विप.। रक् प्र. (पाउ २,१३) तत्स्वरश्च।

[e]) क्षि° इति स्वरे? यनि. शोधः।

[f]) पाभे. क्रन्ते पृ १०७४ j टि. द्र.।

[g]) नाप. (वाराग-)। क्षिप्राऽइव इति पपा.। यनि. न. द्वि३ इति। व्यु.?। <√क्षिप् (*संवरणे) इति मतम् (तु. सा. [वचनमात्रे]; वैतु. GW. क्षिप्रम्ऽइव [अव्य.] इति, वै. क्षिप्रःऽइव [=क्षेप्ता] इति, सा. =[क्षेप्य-] दुरित- इति, GRV. =[त्वरितगति-] ज्या- इति, ORN. =[धनुषः] रंहस्- इति कृत्वा तृ१ इति)।

[h]) विप. (सोम-, प्राण- प्रभृ.)। बस.।

[i]) नाप.। कस. अन्तोदात्तः।

[j]) सपा. °नस्य <> °नाय इति पाभे.।

[k]) विप. (रुद्र-)। बस.। पाठे? क्षिप्रइषवे द्र.। स्वभ्रावते इति शोधितः पादः द्र. (तु. छन्दः [तु. AM. प्रभृ.])।

[l]) =क्षिप्र-। अच् प्र.।

[m]) सपा. क्षेपिष्ठः <> क्षोदिष्ठः इति पाभे.।

[n]) =क्षिपणु-। नाप. (तु. GRV. Gri. प्रभृ.; वैतु. वे. सा. =धनुष्-, PW. GR. WAG [१, १६८] प्रभृ. भाप. [ज्याघातः] क्षेपण- इति)। नुः प्र. उसं. (पाउ ३, ३२)।

[o]) पाठे? क्षिताऽऽयु-> क्षितायव-> -वेन इति शोधः।

[p]) नाप. (दुग्ध-)। व्यु.?। <क्षर् वा <√घस् वा [पाउ ४, ३४] या [२,५] प्रभृ., <√श्रै इति ?MW.।

[q]) विप. (ओदन-)। उस. कर्मणि घञन्ते थाथि-स्वरः।

[r]) सपा. तैआ ६,८,१ घृतवान् इति पाभे.।

[s]) विप.। उस. उप. <√श्री (पाके) इति।

९,७, ६; तै ४, ४, ९, १; काठ ३४,१६¶.

क्षीरि(न्>)णी- -णीम् शौ ७, ५२,९; पै १,४९,२.

√क्षु

क्षव[a]- -वम् शौ १९, ८,५: -वस्य पै २०,१३,४.

क्षु[b]- क्षु ऋ १०, ६१, १२[c]; क्षोः[d] ऋ ९,९७,२२[e].

†क्षु-मत्[f]- -मत् ऋ ९, ८६,१८: कौ २, ५०४: जै ३, ३९, ३; -मतः ऋ २.१,१०; १०,११६, २; -मति[g] ऋ ४,२,⌊१८(७,६०, ३;८,२५,७)⌋; शौ १८, ३,२३: -मन्तः ऋ १, ३०, १३; १०, ३१,५; तै १, ७,१३, ५; २.२, १२,८; ४,१४,४; मै ४,१२,४: काठ ८, १७; कौ १, १५३: २, ४३४; जै १, १६, ९; ३,३३,९: शौ २०, १२२, १; -मन्तम् ऋ २,४,८: ९,५; ८, ८१, १: ८८, ७: १०, ३८, २; कौ १, १६७: २,३६; ७८; जै १,१८,३; ३,४, ७; ८, ४; शौ २०, ९,२: ४९, ५.

†क्षुमती- -ती ऋ १०, ११, ३; शौ १८, १, २०; -तीः ऋ १०,२,६.

√क्षुद्, >क्षोदि, क्षोदन्ते ऋ ५, ५८, ६; क्षोदन्ति ऋ ७,५८,१.

अक्षोदयत् ऋ ४,१९,४.

क्षुद्र[h]- -द्रः पै १६,१२४,८; -द्रम् ऋ १,१२९,६; काठ १०, २¶; -द्रा ऋ ८,४९,४; खि ३,१,४; -द्राः मा १४, ३०: का १५, ९, ३; तै ४,३,१०,२; मै २,८, ६: काठ १७, ५; क २६, ४; -द्रात् पै १५, २३, ९; -द्रेभिः पै १५,२३,३; -द्रेभ्यः शौ १०, २२,६;२३,२१.

क्षुद्र-पृष(त्>)ता[i]- -ती मा २४,२: का २६,१,४; तै ५.६, १२, १; मै ३, १३, ३: काठ ४९,२.

क्षुद्र-सूक्त- -क्तानाम् पै ८, १५,६.

*क्षोद्-

¶क्षोदिष्ठ- -ष्ठः क ३७, ४[j]; -ष्ठम् मै २, २, १२: -ष्ठाः मै १, ८, ६: २, २, १३[2]: ६, ६.

¶क्षोदीयस्- -यांसः काठ १५, ५.

क्षोदीयसी- -सी पै १५, २३,९.

क्षोदस्[k]- -दः ऋ १, ६५, ३[2]; ६६, ५; ९२, १२; १८०,४; २, २५,३; ६,१७,१२; ८,२५,१५; १०, ५६, ७; ६१,२; -दसः ऋ १, १८२, ५; -†दसा ऋ १, ११२,१२; ५,५३,७; ७,९५,१; मै ४,१४,७.

√क्षुध्, ¶क्षुध्यति काठ २४, ७; क ३७,८; अक्षुध्यत् ¶तै ७,४, ३, १; ¶अक्षुध्यन् काठ २१,७.

क्षुधत् शौ २,२९,४; पै १,१३, १.

क्षुध्[l]- क्षुत् मा १७, १: का १८,१, १; ¶तै १,६,७.४;२,४,१२,६; ४,६,१,१§;५,४,४,१; ६,१,३, ५: मै २,४.४¶: १०,१; ३,३, ५; ६,७¶; ४,२,३¶; काठ १६, १७[m]: १७, १७; २१,७; २३, ४¶: क २५,८[1];२८,१:३६,१¶; शौ९,,१२, १२; पै १६,१३९; १३; क्षुधः शौ ११, १०, २१; क्षुधः ऋ ८,६६,१४:१०,४२,३; तै ६,२, ५,४¶; काठ २४,७¶; क ३७, ८¶; शौ २०, १७,३†; पै १,४६,३; १६,८७, १; क्षुधम् ऋ ८,६०,२०: १०, ४२, ⌊१०; ४३, १०; ४४, १०⌋; ११७, १: ¶तै १,६, ७, ४; २,४,१२,७; ५,६, ६[2]: ६, १,३,५; ७, २,४, १[3]; ¶मै १, १०, १५[2]; २, ४, ४; ३, ७, ४; ९, ४[3]; ४.२,३[2]; काठ ३६,९[2]¶; शौ ७.५२,७†:

a) भाप. (क्षिक्ना-)। अप् प्र. (पा ३,३,५७)।

b) नाप. (अन्न- ⌊निघ २,७⌋)। व्यु. ?। < √घस् इति द्रे. PW. GW. BS. प्रमृ., ⌊पक्षे⌋ द्रे. < √क्षि (निवासे) इति।

c) वैतु. वें. सा. क्षिप्रार्थे अव्य. इति ?।

d) वैतु. वें. सा. विप. इति ?।

e) सपा. क्षोः<>द्युक्षोः इति पाभे.।

f) विप. (जरितृ-, रै-, वाज-, सोम- प्रमृ.)।

g) विप. (यूथ-)। न. प्र३ इति (तु. GW. प्रमृ.; वैतु. वें. सा. क्षुध-मत्- > नेप्र. सप्र१ इति)।

h) विप., नाप. [क्षुद्रसूक्त- (तु. शौ १९,२२,६;२३,२१ ⌊तु. PW.⌋)]। रक् प्र. (पाउ २,१३) नत्स्वरश्च।

i) विप.। बस.।

j) पाभे. क्रुते पृ ११९५ m टि. द्र.।

k) नाप. (जलौघ- ⌊निघ १,१२⌋)। असुन् प्र. नित्स्वरश्च।

l) =बुभुक्षा-। भावे क्विप् प्र.।

m) सपा. क्षुत्<>शुक् (माश ७,५,२,३२-३६ च) इति पाभे.।

८, ८, १८; १९, ३१, ११[a]; †२०,१७, १०; ८९, १०; ९४, १०; पै १६, ३०, ६; १७, ३५, ६; क्षुधा ¶ तै ५,४,४,२; ७,४, ११, २; मै ३, ३, ५¶; ¶काठ २१,७; ३३, ३; शौ ४,७, ३; पै २, १, २; क्षुधे ऋ ७, १, १९; मा ३०, १८[b]; का ३४, ३, ५[b]; तै ७,१, १७, १; काठ ४१, ८; ४५,६.

क्षुत्-पिपासा- म(ल>)ला[c]- -लाम् खि २,६,८?[d].

¶क्षुत्-संबाध[e]- -धाः तै ७, ८, ११,२[f].

¶क्षुत्-संबाधमान[g]- -नाः काठ ३३,३[f].

क्षुधा[h]-

क्षुधा-मार[i]- -रम् शौ ४,१७, ६;७; पै ५,२३,८.

क्षुध्यन- -ध्यद्भ्यः ऋ १, १०४, ७; -ध्यन तै ५,५,१०,६¶.

¶क्षोधुक,का[j]- -कः तै १,६,७,४[2]; ५,२,५,६; ९,१;२; ६,१,९,१[2]; २; मै १,४,११; ६,४; ५; ११; ३,२,७; ७,४; ४,६,६; काठ ८, ५; २०,७; २४,२[2]; ६[2]; ७; २६, ६; क ७, १; ३१, ९; ३७, ३[2]; ७; ८; ४१, ८; -का मै ३,२, ५[2]; काठ २०, ८; क ३१, ६; -काः तै ७, ५, ९, १; मै ३, ७,४.

क्षुपा[k]- -पा[l] का ११,४,५.

√क्षुभ्

क्षुभ[m]- क्षुभा ऋ ५,४१,१३.

?क्षुभ्यः पै १५,२१,९.

क्षोभण,ना[n]- -†णः ऋ १०,१०३, १; मा १७, ३३; का १८, ४, १; तै ४,६, ४,१; मै २, १०, ४; काठ १८,५; क २८, ५; कौ २,११९९; शौ १९, १३,२; पै ७,४,२.

क्षु-मत्- क्षु- द्र.

१क्षुमा[o]- -मा[l] मा १०,८.

२क्षुमा[p]-

¶क्षौम[q]- -मम् तै ६,१, १, ३; मै १,६, ४; २,६,१; ३,७, ४[3]; ६, ७; ४,३, १; काठ १५, १; -मे मै १,६,४; -मेण मै ३, ६, ७.

†क्षुम्प[r]- -म्पम् ऋ १,८४, ८; कौ २, ६९३; जै ३,५६, २०; शौ २०, ६३,५.

क्षुर[s]- -रः खि ५,९,१; मा १५, ४; का १६, १, ६; तै ४, ३, १२, ३; मै २, ८, ७; काठ १७,६; क २६,५; शौ २०,१२७,४; -रम् ऋ ८,४,१६; १०,२८,९; -राः ऋ १, १६६,१०; -रेण शौ ६, ६८,१;३; ८,२,१७; पै २, ५२, ३; १६,४,७; १९,१७,१३;१४;

क्षुर-पवि[t]- -¶वि तै ६, २, ५, २; मै २,५, ९; -विः ¶तै २,१,५, ७;५,५,६;५,६,६,१; शौ १२, ५,९; १०, ९; पै १६,१४२,७;

---

a) पाभे. क्षुते पृ ११९० g टि. द्र.

b) सपा. तैत्रा ३,४,१६,१ क्षुत्तृष्णाभ्याम् इत्यधिकः पाठः।

c) विप. (अलक्ष्मी-)। बस.। पूप. द्वस. (तु. वैप ३ यद्र.)। स्वरे? यनि. शोधः द्र.।

d) °ला इति पाठे? यनि. शोधः (तु. खिमा ११, ८ मना २,६६; वैतु. तैत्रा १०,६६ °लम् इति पाभे.)।

e) विप. (गन्त्रिन्-)। बस.।

f) सपा. °धाः <> °धमानाः इति पाभे.।

g) विप. (गन्त्रिन्-)। तृस.।

h) =क्षुध्- (तु. इड्->इडा- प्रमृ.)।

i) तस.। उप. भाप. <√मृ।

j) विप.। ताच्छीलिकः उकञ् प्र. उसं. (पा ३, २, १५४) जित्स्वरश्च।

k) नाप. (इषु-)। व्यु.?। <√क्षुप् (विधूनने) इति सा.।

l) सपा. क्षुपा (काश ७, २, ४, २२ च) <> क्षुमा (माश ५, ३,५,२९ च) इति पाभे.।

m) भावे. क्विप् प्र.।

n) विप. (इन्द्र-)। मै. पै. नान्तः पाठः।

o) =क्षुपा-। नाप.। व्यु.?। नैप्र. <√क्षुप इति सा. (माश ५, ३, ५,२९), <√क्ष्माय् इति उ. म. WAG [१, ५३]। p) नाप. (गण- [नभा. जूट])। व्यु.?।

q) नाप. (वासस्- [वस्त्र-])। विकारे अञ् प्र. (पा ४, ३,१४०) ञित्स्वरश्च।

r) नाप. (अहिच्छत्रक- [तु. या ५,१७ वें. स्क. मा. BS.; वैतु. PW. प्रमृ. गुल्म-])। व्यु.?। <√क्षुभ् इति या. मा.।

s) नाप. (स्वधिति-)। व्यु.?। <√क्ष्णु इति GW. ?MW., <√क्षुर् इति अभा.।

t) विप. (ब्रह्मगवी-, लक्ष्मी-, यज्ञ- [तै २,१,५,७; ५, ५,६ प्रमृ.]), नाप. [रथ-चक्र- (मरुताम् आयुध- [मै १, १०,१४ काठ ३६,८ या ५,५])], व्रत-विशेष- [तै ६,२, ५,२]। उपमाने बस. (तु. भा.; वैतु. K. प्रमृ. विप. इति)।

१४६, ५; १७,२८,१; -¶विना मै १,१०,१४; काठ ३६,८.
क्षुर-भृष्टि[a]- -ष्टिना शौ १२,११,५.
क्षुर-वत्- -वन्तम् पै १३,१३,३.
क्षुल्ल[b]-
क्षुल्ल-क[c]- -काः तै २, ३, ९, ३¶; शौ २, ३२, ५; ५, २३, १२; -केभ्यः तै ४,५,४,१[d].
क्षुल्लक-वैश्वदेव[e]- -वः[f] मै २, ११, ५; काठ १८, ११: क २८, ११.
क्षेण-, क्षेत्र-, क्षेत्रिय- प्रभृ. √क्षि (निवासे) द्र.
***क्षेप**-, क्षेपिष्ठ-, क्षेपीयस्-, क्षेप्नु- √क्षिप् द्र.
क्षेम-, √क्षेमय, क्षेमयत्- √क्षि (निवासे) द्र.
?**क्षेम्रा** पै २०,४२,७.
१क्षेम्य-, २क्षेम्य-, ३क्षेम्य- √क्षि (निवासे) द्र.
क्षेष्णु- √क्षि द्र.
क्षेष्यत्- √क्षि (निवासे) द्र.
√क्षै, >क्षापि, ¶क्षापयतः मै १, ४, १३.
क्षापयतु पै १६, १४५, ६; क्षापय शौ १२, १०,५: पै १६, १४६,१.
क्षाति[g]- -तिः ऋ ६,६,५.
१¶क्षाम,मा[h]- -मः, -मा मै १, ८,९.
२क्षाम[i]-
¶क्षाम-वत्- -वते तै २, २, २, ४: ५[२]; मै १, ८, ९[२]: काठ १०, ७[२j]; -वान् काठ १०,७[j].
क्षैत-,क्षैत्र-,क्षैत्रजित्य-,१क्षैत्रपत्य-, २क्षैत्रपत्य- √क्षि(निवासे)द्र.
क्षोण[k]- -णस्य ऋ १,११७,८.
†**क्षोणि,णी**[l]- -णयः[m] ऋ १०,२२,९: -णी[n] ऋ १, १८०, ५; ८, ७, [२२;५२,१०]; ९९, ६; खि ३, ४,१०$; मा ३३,६७; का ३२, ५, १३; कौ २,९८८; १०२८; जै ४,२६,७; शौ २०, १०५,२; -णीः[o] ऋ १, ५४, १; ५७, ४; १७३, ७; ८,३, १०; १३, १७; कौ १,३७३; जै १, ३९,४: शौ २०, ९, ४; १५, ४; ४९, ७; -णीभिः[p] ऋ २, ३४,१३; १०, ९५, ९: -णीभ्याम्[n] ऋ २, १६,३.
***क्षोद**-,क्षोदस्-,क्षोदिष्ठ-,क्षोदीयस्- √क्षुद् द्र.
क्षोधुक- √क्षुध् द्र.
क्षोभण- √क्षुभ् द्र.
क्षौम- २ क्षुमा- द्र.
√क्ष्णु
क्ष्णुवान[q]- -नः शौ ५, २०, १[r]; पै ९,२८,१.
क्ष्णोत्र[s]- -त्रेण ऋ २,३९,७.
क्ष्मा[t]- क्ष्मः[u] ऋ १, १००, १५;

[a]) नाप. (आयुध-विशेष-)। बस.।
[b]) =क्षुद्र-। विप.। व्यु.?। <क्षुध्- + √ला इति पाका ६,२,३९।
[c]) स्वार्थे कः प्र.।
[d]) सपा. क्षुल्लकेभ्यः <> अर्भकेभ्यः इति पाभे.।
[e]) कस. पूप. प्रकृतिस्वरम् (पा ६,२,३९)।
[f]) सपा. क्षुल्लकवैश्वदेवः <> महावैश्वदेवः <> वैश्वदेवः इति पाभे.।
[g]) भावे क्तिन् प्र. उदात्तः (वैतु. सा. अधिकरणे इति)।
[h]) विप. (अग्नि-, अग्निचन्-)। कर्मणि क्त>मः प्र. (पा ८,२,५३)।
[i]) =दाह-। भावे मन् प्र. उसं. (पाउ १,१४०) नित्स्वरश्च।
[j]) क्षम॰ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. तै. मै.)।
[k]) व्यु. अर्थश्च?। व्याप. [विश-विशेष- (तु. ?GRV. Gri.; वैतु. ?GW. नाप. [वीणा-])]। <√क्षि (निवासे)इति या [६,६] ?स्क. कर्तरि प्र. इति),<√क्षु (शब्दे) इति स्क. [ऋ.]।
[l]) नाप.। व्यु.?। अर्थ उत्तरेषु टि. द्र.।
[m]) =[शासक-भिन्न-] मनुष्यसंघ- इति (तु. सा. PW. प्रभृ.: वैतु. वे. =भूमि- इति)।
[n]) द्विवचने =द्यावापृथिवी- इति [निघ ४,३], =ग्रुस्थ-पृथिवीस्थ- [जन-] इति PW. GW. प्रभृ.।
[o]) अर्थः?। =पृथिवी- [प्र१] इति वें. सा.?।
[p]) अर्थः?। वें. सा. प्रथमे स्थले =वीणा-, अन्यत्र =वाच्- इति; =देवपत्नी- इति PG [१,२७७] ORN.: =सोम-धारा- इति Foy [KZ ३४,२६७]।
[q]) विप. (दुन्दुभि-)। अदा. शानच्छन्दसम्।
[r]) तु. RW. W. प्रभृ.: वैतु शंपा. क्षुणुवानः इति।
[s]) नाप. (शाण-)। करणे ष्ट्रन् प्र. नित्स्वरश्च।
[t]) =क्षमा-। नाप.। व्यु.?। <√क्ष्माय् इति या [१०,८], <√क्षम् इति सा., <√क्षि (निवासे) इति स्क. [या.]।
[u]) पं१ रूपम् (तु. स्क. GW. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. ष१ इति)। आकारलोपः उसं. (पा ६,४,१४०)।

क्ष्मया ऋ १, ५५, ६[a]; ५, ८४, ३;७,४६,३; १०,६१,७;८९,३; क्ष्मया[a] मा ३३, ९२‡; क्ष्मया काठ १०,१२†; जै ३,२८,१‡[a]; पै १९,३५,४‡[a].

:द्विवुङ्का[b]— -का तै ५, ५, १५, १; काठ ४७, ५; —†काः ऋ १०, ८७,७; शौ ८,३,७; पै १६,६,७.

√क्ष्विद् (=√क्ष्विद्) ¶क्ष्वेदेत् काठ १९, १२; २५, ८; क ३१, २; ४०, १.

?क्सीदम् पै १९,३९,१३.

ख

ख[c]— खम् ऋ ४,११, २; १०, १५६, ३; मा ४०, १७; कौ २,८७९†; खात् खि ३, १६, २; †खानि ऋ २,१५,३; ४,२८,१; ५,३२, १; ७, ८२, ३; तै २,३,१४,५; मै ४, ११, २; काठ ९, १९; कौ १, ३१५; जै १, ३३, ३; §शौ १०,२, १; ६; §पै १६,५९,१; ७; खे ऋ ८, ७७, ३; ९१, ७[d]; शौ १४, १, ४१[d]†; पै ४, २६, ७[d]†;१६,६१,१०?[d].

√खज् (मथने)

खज[e]—

खज-कृत्[f]— -कृत् ऋ ६, १८, [२; ७,२०, ३]; काठ ८, १७†; —†०कृत् ऋ ८, १, ७; कौ १, २७१; जै १,२८,९:४,१०,५.

†खजं-कर[g]— -रः ऋ १,१०२,६; पै ३,३६,३.

खट[h] खिमा २९,४७.

खड्डूर[i]— -रे शौ ११,११,१६.

खड्ग[j]— -ड्गः मा २४, ४०; का २६, ८,५; मै ३,१४,२१.

√खण्ड्

खण्ड— कौपृष्पि.

खणखखा[k]— -०खा३इ[l] शौ ४, १५, १५.

?खदन्ति[m] पै १७,१४,४.

खदिर[n]— -०र शौ ८, ८, ३; पै १६, २९, ४; —रः खि ५, १५, १४; तै ३,५, ७, १¶; मै ३,९, ३¶; शौ २०, १३१, १७[o]; —रम् शौ १०, ६, ६-१०; पै १०, ३, २; १६,४२,६-८;८३,१; २; —रस्य ऋ ३, ५३, १९; —रात् शौ ३, ६, १; ५,५, ५[p]; पै ३, ३, १; —रे[p] खि ४, ७,५; ७[२],४; पै ६, ४,४.

खादिर[q]— -रः मै ३,९, ३¶; —रम् खि ३, १६, ८?[r]; पै २, ५८,२; २०,६१,३; —रेण पै ५,९,१.

?खदोहिणीम् पै २०,३७,१०.

√खन्, खनति ¶तै २, ६,५, २;५, १. ५, १; ६, २,१०, ३; ३, ४, १, खनति ¶तै २,३,४, २; ३; ५,१,४,१[s]; ७,१; मै ३,१, ४¶; ¶काठ १९,४; ७;३७,१६; ¶क ३०,२; ५; शौ १०, ४, १४[s]; पै २०, ४३, ८; खनन्ति तै ५, ६,४,८¶; खनन्ति मै २,५,४[२]¶; ¶काठ १३,४[२]; २२,९; २५,९; ¶क ३५,३; ४०, २; शौ २, ३,

a) सपा. क्ष्मया <> क्ष्मया <> क्ष्मया (शाब्रा २६,१३ आश्रौ २, १५, २ शांश्रौ १०, १०, ८ च) इति पाभे. ।

b) नाप. । व्यु. अर्थश्च ? । =गृध्री- इति GRV प्रमृ. (तु. वें. सा. पक्षि-विशेष- इति ?), =कृमुखी-मर्कटी- इति भा. सा. [तै.], =जीव-विशेष- इति MW. ।

c) नाप. (अन्तरिक्ष-, द्वार-, छिद्र- प्रमृ.) । < √खन् इति या [३,१३] PW. प्रमृ. ।

d) पाठः ? खेपु इति शोधः (तु. पृ १०८० h टि.) ।

e) नाप. (संग्राम- [निघ २. १७]) । अधिकरणे घः प्र. (वैतु. सा. अच् इति) ।

f) विप. (इन्द्र-) । उस. ।

g) विप. (इन्द्र-) । उस. खजन्तम् उप. प्रकृतिस्वरम् ।

h) =शब्दानुकरण- । व्यु. ? ।

i) व्यु. अर्थश्च ? । =ख-दूर- (=आकाश-दूरदेश-) इति सा., =नीहार- इति B., =खलूरिका- इति CA., =खड्ग- इति Gr. । √*खड् (खण्डने) > भाप. मत् = खण्डन- (हिंसा-) इति मतम् ।

j) नाप. (गण्डक- [नभा. गेण्डा]) । व्यु. ? । < √खड् (*हिंसायाम्) इति (पाउ १,१२४) ।

k) नाप. (मण्डूकी-) । व्यु. ? ।

l) प्लुतिः (पा ८,२,१०७ [तु. अग्ना ३इ प्रमृ.]) ।

m) पाठः ? √खाद् > खादन्ति इति शोधः (तु. सस्थ. टि. वपन- > -ने, शुल्क- > -ल्कम्) ।

n) नाप. (वृक्ष-विशेष-) । व्यु. ? । < √खद् इति (पाउ १,५३) ।

o) ख° इति शंपा. ? ।

p) सपा. °रात् <> °रे इति पाभे. ।

q) विप. (यूप-, शङ्कु-, उल्मुक- प्रमृ.) । विकारे अण् प्र. (पा ४,३,१४१) तत्स्वरश्च ।

r) °दि° इति स्वरे ? यनि. शोधः ।

s) सपा. खनति <> खनतु इति पाभे. ।

३: पै ४, २१, १; †खनामि[a] ऋ १०, ९७, २०; मा १२, ९५; १००; का १३,६,२२; तै ४,२, ६, ५; खनामि ऋ १०, १४५, १; मा ११, २८; का १२,३,१; तै १, ३, २,१; ४, १,३, १[2b]; ६,२, ११, १; मै २,७,२; काठ १६, ३[2b]; शौ ३, १८, १†; ७, ३९, १; पै ३. २९. २; ७,१२, १०†; ९, ६, १ : १० : १५, १५, २; २०, ३०,७; खनामः[b] मा ११, २८; का १२. ३. १; मै २, ७, २; खनाममि शौ १, ३४, १; ४, ४, १; ६,१३६,१; पै १, ६५, ३; ६७, १; २.९,१; ४, ५, १; २; ९,३,२; १९,,२३, १; ४२, १५†[a]; खनतु मा ११, ६१; का १२, ६, १; तै ४, १, ६, १; मै २. ७, ६; ३,१,८. ४, ९,१; पै १,६७,२;१६,१६, ४[c]; खनन्तु काठ १६, ६; खननात मै ४, १३, ४; काठ १६, २१; खनाम तै ४, १, २, ३; अखनत शौ ४,४,१; ६,१३७,१. ७.३५. १; पै २०, ६,१; अखनत मे ३. १,८¶; शौ २, २३, २; ५,१४, १; पै २,१६,२; ३,१५, २; ४, ५,१; १६, २; ६,३,१; ७,१,१; १५,१५,२; २०,६०,६; अखनन् मा १२, ९८; का १३, ६, २४; †अखनम् पै ९, ३, ३[d]; ¶खनेत् काठ २५, ४[2]; क ३९, १[2]; खनेम मा ११, १९; का १२, २, ८; मै २, ७, २; खनेम खि ४, ९, ४[e]; मा ११, २२; का १२,२,११; तै ४,१,२,४; मै २, ७,२; काठ १६,२[2].

¶खायते मै ३,१,४:५.

१खन[f]–

खन्या[g]– -न्याभ्यः तै ७. ४, १३,१[h].

खनत्– -नन्तः मा ११, २१[i]; का १२, २, १०[i]; मै २. ७,२[i]; काठ १६,२[i]; ¶२५,९,१०:२६,५¶; ¶क ४०,२:३:४१,३.

खनमान,ना– -नः ऋ १, १७९, ६; -ना: शौ १९, २, ३; पै ८, ८, ९;१२,९;९,११,९.

खनितुम् मा ११, १०; का १२, १, १०; तै ४, १, १, ४; मै २, ७, १; काठ १६,१.

खनित्– -त्रा ऋ १०, ९७, २०; मा १२, ९५†; १००; का १३, ६, २२†; तै ४,२,६,५†; पै १, ६५, ३; ९,३,२; १९,४२,१५†; -तार: शौ ४, ६, ८; पै ४, ५, २;५,८,७.

खनित्र[j]– -त्रैः ऋ १,१७९,६.

१खनित्रि (म>)मा[k]– -माः ऋ ७,४९,२.

२खनित्रि(म>)मा[l]– -माः शौ १,६,४; ५,१३,९; १९,,२,२; पै ८,२,८;८,८.

खनिष्यन्त्– -ष्यन्तः तै ४, १,२,४[i].

खात[m]– -तम् तै २. ५,१, ३¶; शौ ५,१३,१; पै १९,, ४८.६; -ता: ऋ ४, ५०,३; शौ २०,८८,३†; -तान तै २,५,१,२¶.

खात-मूल– -ला: पै १३, ३, १२.

खार्वा[n] तै ४,१,१,६.

¶खेय[o]– -यम् मै ३, ८,५:८; काठ २५,६, २६,१; क ३९,,३; ४०, ४; -या: काठ २५,९; क ४०,२.

२खन[p]– -नः शौ १६,१, ३[q]; पै २. ११, ५[r]; १०,९,१[q]; १८, २८ ३[q]; -नम् पै ९,,११,९[s].

a) सपा. खनामि <> खनाममि इति पाभे. ।
b) सपा. मकृत खनामि <> खनामः (माश ६,४,१, २ च) इति पाभे. । c) पाभे. कृते पृ ११९९ s टि. द्र. ।
d) विशेषः पृ ३७८ a टि. द्र. ।
e) ०नेः इति स्वरे ? यनि. शोधः ।
f) नाप. (खनित्र-)। करणे घः प्र. ।
g) विप. (२अप्-)। तैर्नानिर्वृत्तीयः यत प्र. यना. स्वरश्च ।
h) सपा. खन्याभ्यः <> खल्याभ्यः इति पाभे. ।
i) सपा. खनन्तः (माश ६, ३, ३, १३ च) <> खनिष्यन्तः इति पाभे. ।
j) नाप. (नभा. कुद्दाल)। करणे इत्रः प्र. (पा ३,२, १८४) तत्स्वरश्च ।
k) विप. (२अप्-)। इमप प्र. उसं. (पावा ४,४,२०)।
l) इमः प्र. उसं. इति विशेषः। शिष्टं k टि. द्र. (वैतु. मा. दर्वीयांसं पन्थानमाश्रितः)।
m) विप. (अवत- [ऋ.]), नाप. (गर्त- [तै. शौ.])।
n) व्यु. पृ ११६० e टि. द्र. ।
o) विप. (वलग- प्रमृ.)। कर्मणि क्यपि प्र. धा. ईत्वम्। p) <√खन् इति। शिष्टम् उत्तरयोः टि. द्र.
q) नाप. (अग्नि-विशेष-)। धा. हिंसायां वृत्तिः। कर्तरि प्र.।
r) नाप. (शाण- [नु. सपा. शौ २, ४, ५ शाणः इति पाभे.])। धा. संधाने वृत्तिः।
s) पाठे? भिषक्-कर्णा-(पस.) > -०र्णौ (सं१) इति

खनत्–, खनमान– √खन् द्र.
खनि[a]– -निम् शौ १६,१,७.
खनितुम्, खनितृ–, खनित्र– √खन द्र.
?**खनित्रमीः** पै २,६७,४.
१**खनित्रिमा–**, २खनित्रिमा–, खनिष्यत्– √खन् द्र.
?**खमुत्**[b] पै १६, ५३,११.
१**खर**[c]–
खर्-ज्रु[d]– -ज्रुः ऋ १०,१०६,७.
खर-मज्र[e]– -ज्रा ऋ १०,१०६,७.
२**खर**[f]– -रः पै २० ३९,२.
खर्ग(ल>)ला[g]– -र्ला ऋ ७.१०४, १७; शौ ८,४,१७; पै १६, १०, ७; –लाः पै २,८७,३.
?**खर्गले** पै २०,३६,१०.
¶**खर्जूर**[h]– -राः तै २,४,९,२; मै १, १०,१२; काठ ११,१०; ३६,७
१**खर्व**[i]– -०र्व पै ७, ११, ७?; –र्वैः, –र्वेण ¶तै २,५,१,७.
खर्व-वासि(न्>)नी[j]– -नीम् शौ ११,११,१६.
ख(र्व-क>)र्विका[k]– -काम् शौ ११, ११,१६.
२**खर्व**[l]– -र्वाः[m] मै २,११,४.
खल[n]– -०ल पै ८,११,१०; –लः शौ ११, ३,९; पै ८, ११, ४; १६, ५३, ४; –लम् पै १२, ३, ६; –लस्य पै १२, ३, ५; –लात् पै १५, १८, ५; १७, १४, ३; –ले ऋ १०, ४८, ७; पै ६, १५, ४; ८,११,७-९; ९,७,३; १०, २४, ५; –लेषु पै ५,३०,३.
खल-ज[o]– -जाः शौ ८,६,१५; पै १६,८०,२.
खल्य,ल्या[p]– -ल्याभ्यः[q] काठ ३४, २; –ल्याम् पै १२, ३, ६; –ल्याय मा १६, ३३; का १७, ५,२; तै ४, ५, ६, १; मै २,९, ६; काठ १७, १४; क २७, ४.
खलति[r]– -तिः तै २,५,१,७¶; –तिम् मा ३०,२१; का ३४,४,३.
खालत्य[s]– -त्यम् शौ ११,१०,१९; पै १६,८६,९.
खलु[t] ऋ १०, ३४, १४; ¶तै १, ५, १,२; २,४; ९,५; ६[२]; ६,७,४; ७,१,१; ६; ६,७; २,१,१,२;३; ५,३;४; ६,५; ७,२;३[२]; ४[२]; ५-७; ९, २; २,४-५,६; ६, १; ४; ११,४; ३, ४, १; ११,५; ४,६, २;९,२; ४; १०,१; २[२]; ११,४; १२,६; ५,१,४; ६; ३,७; ५,६; १०,१; २; ११, ५; ६,९,४; ३, १,२,१; ७,१;८,२; ४,८,३; ४; ९,१, २[२];३; ४[२];५; ६; १०,३; ५; ५,१०,३; ५,१, २,३; ३,४; ५,३; २,१,३; ६; ४, १; ५, ४;

शोधः ? (तु. मृको. ने इति)। वा. आपि ? (तु. गस्थ. टि. चक्षुः)।
a) नाप. (आम्र-)। कर्तरि इः प्र. तत्स्वरश्च।
b) पाठे ? पृ १०८८ o टि. दिशा शोधः द्र.।
c) =तीव्र-। विप.। व्यु. ?।
d) विप. (वायु-)। बस.। उप. √ज्रि [गतौ]>भाप. (तु. सा. WAG [१,१३७ b], MG [३२])।
e) विप. ([तीव्र-गति-] आश्विन-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। उस.। उप. <√*मज्, ज्ज् (द्रुतगतौ) इति (तु. Gri.; वैतु. सा. <√मज्ज् [मज्जने] इति ?)। खरम्-अज्र- (=गर्दभ-वाहक-) इति ORN. ?।
f) नाप. (गर्दभ-)। व्यु. ?। <√*खर् (वहने [तु. Eng. *carry*]) इति मतम् (वैतु. ख-+मत्वर्थीयः रः प्र. [पावा ५,२,१०७])।
g) नाप. (उलूकी- [तु. सा. PW. ?W. प्रमृ.])। व्यु. ?। <√खर्ज् इति PW. GW.।
h) नाप. (नभा. खजूर)। व्यु. ?। <√खर्ज् इति (पाउ ४,९०)।
i) नाप. ([क्षुद्र-] पात्र-विशेष-, वामन- [वैतु. PW. प्रमृ. विप. =खण्डित-, खण्डिताङ्ग-])। व्यु. ?।
j) विप. (राक्षसी-)। उस.। उप. <√वस् (निवासे) यद्र. (तु. PW. Gri LR.; वैतु. W. <√वस् [आच्छादने] इति)। सा. तु खर्ववाशिनी- इति।
k) विप. (राक्षसी-)। स्वार्थे कन् प्र. तित्स्वरश्च।
l) नाप. (अन्न-विशेष-)। व्यु. ?।
m) सपा. खर्वाः <> खल्वाः <> खल्वाः इति पाभे.।
n) नाप. पुं. न. च (धान्यगाहनादि-स्थान-)। व्यु. ?। <√खल् वा <√स्खल् वेति या [३,२०], <√खज् इति दे. (निघ २,१७)।
o) विप. (रक्षस्-)। उस.।
p) विप. (स्फाति-, २अप्-, रुद्र-)। तत्रभवीयः यत् प्र. यना. स्वरश्च। q) पाभे. कुले पृ १२०० h टि. द्र.।
r) नाप. (खल्वाट-)। व्यु. ?। <√स्खल् इति (पाउ ३,११२)। <*खल-(नाप. [कपाल-]) इति मतम् ?।
s) भावे ष्यञ् प्र. (पा ५,१,१२४) ञित्स्वरश्च। खालित्य- इति सा. पाठः।
t) निश्चयार्थे अव्य.। व्यु. ?।

७-८,३; ९,२; ६; १०,१; ३,१, ३; ९,२; ४,३,२;४; ५,५;९,२; १०, १; ५^{2}; ११, ४; ५, ५, ३; १०,५; ६,२,५; ६,२; ८,४; ७, ३,४; ४,२; ६,१; ९-१०,२; ६, १,३,५; ४,६; ५,३;४; ६-७,३; ९,४; ११, १; ६^{2}; २,१,२; ७; २,४; ७; ५,३; ८,६:११,३; ४; ३,१,१; ५: ५, २: ७,५: ८, १; १०,२; ११, २; ३; ६; ४,२,६: ५,२: ८,१; २; ९,५; ५, ९, २; ६, ५, १; ७,१,३,१^{2}-३^{2}; २,८, ५; ३,१,२^{2}; ४,५,१; ७,३:११, ४;५,२.२^{2};५,१;६, ४; ¶मै १, ४,८^{2}; ६,३; ४: ५^{4};७; ९; १०; ८,३; ४^{2}; ९,६; १०,७:१६; २, १,१; ३^{2};४: २,४;७; १०:५,१: ४; ५; १०;११; ३,१,३; २,९^{2}: ६,३; ४^{3};५; ८:८,४; ८; ९,१^{2}: ३^{2};६-८: १०,१; ४:५; ४,२,३: ६^{2}: ३,१:४; ८;४,६: ५,१^{2}-३^{2}: ४:६,६:७,१;२;४^{2};८,२; ¶काठ ३२, १; ४; ३३, १; ३-५; ७: ८; ३४, १^{6}; ८: ११^{2}; ३५,१६; ¶क ४८,१४.

खलुति[a]- -०ते पै ७,११,७.

खल्य- खल- द्र.

१खल्व[b]- -ल्वम् पै १२, ३, ११[c]; -ल्वाः[d] मा १८, १२; का १९, ४,४; काठ १८, ९; क २८, ९; -ल्वान् शौ २,३१,१;५,२३,८: पै १,२९,३;२,१५,१;८,१८,१.

२खल्व[b]- -ल्वाः[d] तै ४, ७,४,२.

†खा[e]- खाम् ऋ २, २८, ५; ६,३६, ४; मै ४,१४,६.

खात-, खात्वी √खन् द्र.

√खाद्, खादति तै ६.२, ११, ४¶; काठ ३५, १४; खादति मै ३, ९, ३¶; क ४८, १३; पै १९, ३१, १५[f]; खादतः शौ ६, ४९, २[f]; खादन्ति शौ ८, ६, २३; पै १६, ८१, ५: खादमि जै ४, १०, ४[f]; खादथ>था ऋ १, ६४, ७; खाद शौ ८,८,३; खाद खि ७, ७, ७; मा ११,७८; का १२, ७, १३; तै ४, १, १०, २; मै २,७,७; काठ १६,७; पै १६, २९,४.

खाद[g]- -दम् शौ ९,६,१२; पै १६, १११,७; -देन[h] तै ५, ७, ११, १; काठ ५३,१.

खादत्- -दन्तः शौ ५, १९, ३; पै ९,१८,९.

खादस्[i]-

खादो-अ(र्ण>)र्णा[j]- -र्णाः ऋ ५,४५,२.

१खादि[k]- -दयः ऋ १, १६६, ९; ५, ५४, ११; ७, ५६, १३; मै ४, १४, १८†; -दिः ऋ १, १६८, ३; -दिषु ऋ ५, ५३, ४; १०, ३८,१.

१खादिन्[l]- -दिनः ऋ २, ३४,२.

†२खादिन्[m]- -दिनम् ऋ ६, १६, ४०: तै ३, ५, ११, ४; मै ४, १०,३: काठ १५,१२.

२खादि[k]-

खादि-हस्त[n]- -स्तम् ऋ ५, ५८,२.

खादिर- खदिर- द्र.

खा(र्>)री[o]- -र्यः ऋ ४, ३२,१७.

¶खार्गलि[p]- -लिः काठ ३०, २: क ४६,५.

खालत्य- खलति- द्र.

a) =खलति-। b) नाप. (अन्न-विशेष-)। व्यु. ?।

c) अर्थः ?। नाप. (व्रण-)। <√*स्खल् ⌊हिंसायाम्⌋ इति तु मतम् ?।

d) पाभे. कृते पृ १२०१ m टि. द्र.।

e) नाप.। =खनि-, आकर- इति PW. GW. GRV. प्रमृ., निघ १, १३ वें. मा. प्रमृ. =नदी- इति। शृङ्खला-? इति मतम्। व्यु. ?। <√खन् इति प्रायिकम्।

f) मपा. खादति <> खादमि <> खादतः इति पाभे.।

g) नाप. (खाद्य- ⌊शौ. पै.⌋, दन्त- ⌊तै. काठ.⌋)। घञन्तेऽन्तोदात्तः (पा ६,१,१५९)।

h) सपा. खादेन <> दद्भिः इति पाभे.।

i) =खाद्य-। असुन् प्र. नित्स्वरश्च।

j) विप. (नदी- तु. PW. प्रमृ.; वैतु. निघ १,१३ नाप. ⌊नदी-⌋ इति)। ⌊पोषकत्वात्⌋ खाद्यम् अर्णो जलम् अस्याः इति कृत्वा बस. (वैतु. सा. GW. GRV. प्रमृ. कुलंकषा- इत्यर्थं इति, GW. उप. =अर्णस्- इति च)।

k) नाप. (भूषण- वा आयुध- वा)। व्यु. ?।

l) विप. (मरुत्-)। मत्वर्थे इनिः प्र.।

m) =१खादि- वा २खादि- वा। स्वार्थिकः प्र.।

n) विप. (मरुत्-)। बस.। पूप. =१खादि- इति।

o) नाप. (परिमाण-विशेष- ⌊पंजा. भार, भरी⌋)। व्यु. ?। <√*खर् (वहने) इति मतम् ?।

p) व्यप. (लुशाकपि-)। व्यु. ?। <खर्गल- इति सा. ⌊तां १७,४,३⌋, <खर्गला- इति वा खुगल- इति वेति PW.। खार्जलि- इति क. ⌊मूको.⌋ पाभे. (WIS १ ३४)।

√खिद्
*खिदस्– -दसः खि ५,१९,१[a].
खिद्वँस्[b]– -०द्वः ऋ ६, २२, ४; शौ २०,३६,४†.
खेदा[c]– -दया ऋ ८,७२,८;७७,३; -दाम्[d] ऋ १०,११६,८.
†खिद्र[e]– -द्रम् ऋ ५, ८४, १; तै २, २,१२,२; मै ४,१२,२.
१खिल[f]–
खिल-काण्ड– मै पुष्पि ४.
२खिल[g]– -ले शौ ७, १२०, ४; पै २०,१९,७.
१खिल्य[h]– -ल्याः ऋ १०, १४२, ३.

२खिल्य[i]– -ल्ये[j] ऋ ६, २८, २; शौ ४,२१,२.
खील[k]– -लाः शौ १०,८,४; पै १६, १०१,७; -लान् पै १,३७,५.
√खुद्[l], खुद शौ २०, १३६, ५?[m]; खुदन्त ऋ १०, १०१, १२[n]; खि ५, २२, ११: शौ २०, १३७,२†.
*खुदस्[o]– -दसः शौ २०,१३५,४.
खोदन– -नम् खि ५, २२, १०: शौ २०[p],१३६,१२;१४.१५:
१खृगल[q]– -लम् शौ ३,९,३; पै ३,७, ४; -ला ऋ २,३९,४.
२खृगल–

खृगली[r]– -ल्यम् मै २,७,१२[s].
खेय– √खन् द्र.
खेल[t]– -लस्य ऋ १,११६,१५.
?खे ले ह लं म न स्त नि न श्चे भः पु रा मु तः प था न त्वा म म व्य त दि हो अ क्षे वु शृं ग व च्छि रः पै ६,८,४.
खैम(ख >)खा[u]– -०खाइद शौ ४, १५,१५.
√ख्या, चख्यथुः ऋ ७, ७०, ४[v]; अख्यत् ऋ ४, १४, ⌊(१३, १) १⌋[v];२४,८[w];शौ १८,१,२४‡[x]; अख्यन् ऋ ४, १३, ⌊१ (१४, १)⌋; खि ४, ९, ४; मा ११,

---

[a]) प्रखिदमः इति पाठे? अति प्राक् खिदसो महत् इत्येवं शोधयित्वा पादः सुपठः द्र. (तु. संस्कर्तुः टि.)। एतदनु सपा. शांश्रौ १२,२३,४ पाठोऽपि शोधार्हः।

[b]) विप. (इन्द्र-)। क्वसुः प्र. (तु. सा. GW. प्रभृ.; वैतु. PW. < खिद्वन्– इति)।

[c]) नाप. स्त्री. (खेदनोपकरण-)। करणे अन् प्र. उसं. (पा ३, ३,१०४) नित्स्वरश्च।

[d]) 'मघवः सत्रा (< *सत्रया < *सत्रा– ⌊=मदोद्रेक-⌋ यद्र.)…(शत्रुहन्त्री मती) वृषस्व (वीरयस्व, बलवद् धारयस्व)' इति वा. द्र. (वैतु. वे. सा. च यनि.=*खेद्– > षष इति?)।

[e]) नाप. [भार- (वैतु. या ⌊११,३७⌋ बल- इति)]। व्यु.?। < √खिद् (*वहने ⌊वैतु. खेदने इति या. प्रभृ.⌋)?।

[f]) नाप. (ग्रन्थ-परिशिष्ट-)। व्यु.?।

[g]) नाप. (रिक्त-प्रदेश-)। व्यु. ?।

[h]) नाप.। स्वार्थे यः प्र. (पावा ५,४,२५) तत्स्वरश्च।

[i]) भाप. (खिल-राहित्य-, परिपूर्णत्व-)। व्यु.?। =१खिल्य– इति सा. PW. प्रभृ.। *अ-खिल– > (भावे) *अखिलमय– > *अखिल्य– > यनि. इति तु मतम्।

[j]) सपा. तैब्रा २, ८,८,११ खिल्ले इति पाभे.।

[k]) नाप. (बन्धक-, कील-)। व्यु.?। नैप्र. < *प्रहील– (=प्रहिल- ⌊< √ग्रह्⌋) इति मतम्।

[l]) धा. अर्थः?।

[m]) वा. पाठस्य?। यनि. RW. अनु द्र. (वैतु. शंपा. मात.?)। सपा. खि ५,२२,६ भुव इति पाभे.।

[n]) धा. = √खुर्द् इति सा.?।

[o]) पाठे ⌊तु. शंपा.⌋?, प्रखुद ⌊तु. RW.⌋ इति च पाठे? यनि. शोधः। गमप्रस्यार्द्धर्चस्य? मतः सुसत्यमिद् गवामस्यें अस्यमि प्र (√स्वद् > स्वाद्– > *स्वादमय– > √*स्वादाय >) *स्वादायसि इति शोधमनु भूयो विमर्श- स्त्वपेक्षितः द्र. (तु. टि. √खिद् > *खिदस्–)।

[p]) ०दु० इति पाठे? यनि. शोधः।

[q]) नाप. (⌊कृत्या-यन्त्रक-⌋ मणि- ⌊तु. शौ. पदः मं.⌋, वे. सा. =तनुत्राण- इति, GRV. B. =रक्षामन्त्र- इति, PW. प्रभृ. =आधारदण्ड- इति च)। व्यु.?। (√कृ *बन्धने > भाप.) *कि– > नैप्र. *खृ–+(√गल् ⌊निगडने⌋ > भाप.) *गल– > बस. इति मतम्।

[r]) नाप. (कृष्युपकरण-दण्ड-विशेष- ⌊तु. कौसू ४३,१ PW. CA. प्रभृ.⌋, =चिबुक- इति ⌊हिश्रौ. भाष्यम्⌋; वैतु. C. ⌊आपश्रौ.⌋ विप. ⌊शव-⌋ इति?)। व्यु.?।

[s]) सपा. आपश्रौ १६, १८, ४ वैश्रौ १८.१५: १२ हिश्रौ ११,६,२६ खगल्यम्? (तु. C. मै. पाठः) इति पाभे.।

[t]) व्यप. (नृप-विशेष- इति स्क. वें. सा. PW. प्रभृ., =सूर्य- इति PG ⌊१,१७२⌋)। व्यु.?।

[u]) =खण्वखा– यद्र.।

[v]) तु. सस्थ. टि. अनु।

[w]) तु. सस्थ. टि. अभि।

[x]) पाभे. कृते पृ ११८९ l टि. द्र.।

१७^a,b; का १२,२,६^a,b; तै ४,
१,२, २^a,b; ५,१,२,६^a,b; काठ
१६, २^a,b; १९, ३^a,b; क ३०,
१^a,b; शौ ७, ८७, ४^a,b; ५^a,b;
१८,१, २७^a,b; २८^a,b; अख्यम्
ऋ ५,४८,४.

ख्यातृ- -त्रे काठ २६,१२.

ग

गः √गच्छ्, गम् द्र.

ग-इष्टि- गो- द्र.

?गगण[c]**-** -णम् पै ५,३४,५.

गगन[d]**-** -नम् खि २,१,४.

?गङ्गनम् पै १६,१४५,११[e].

?गङ्गपर्वन्[f]**-** -र्वणः[f] पै २०,१३,७.

गङ्गा[g]**-** -०ङ्गे ऋ १०,७५,५.

गाङ्ग्य[h]**-** -ङ्ग्यः ऋ ६,४५,३१.

√***गच्छ्**[i], गच्छ्[i], गम्, >गनीगम्, गमि, गामि, जिगमिष. गच्छति ऋ १०,८६,१२; ¶तै १, ७, १३, २†; ३, १, २, १; २; ८, ३,६; ५,३, २,५; ९,२; ६, १, १०,३; २, ११,४; ३,८,३; ¶मै १, ४,१०^२; १०,६; २,१,८; २, ९;१३; ३, ५; ४,४; ५,४;८;९; ३, २, ९; ४, ८^२; ४,२, ८^२; ९; काठ ८,१७†; कौ ४, ९; जै २, ७, ३; शौ ५, २३, ३; १०, ८, १६^l; ११,१०,३३; २०, १२६, १२†; गच्छति ऋ १,१,४; १६, ८; १८, ८; ८३,१; १२५,५;२, २५,४;९,७,७;१५,६;८६,१२^k; १०,१४, १३; खि ३,१०, ६^२१; ५,४,९; ¶तै १,६,९, ३; १०, ४^२; ५^२; ११, २^२; ७; २,१, २, ७; ३, ४; २,१०, ४; ३,११,१; ४, ११, ३; ६,१०, १; ३,४, १,२; ५,९, १; १०,२; ४,१,११,१†; ५,१, ८, ५; ६; ९,६;५, ८, २; ६,७,३; ७,५,७; ६,४; ६; ६,२, ११, ४^२; ६, ८,३; ७,१,३, ३^२; ७,४; २,४,३; ५,१; २;६; ७,५; ¶मै १,४,९; १०; ८, ६; १०, ६; ११,५^२; २,५, ८^२; ९; ३,२, २;५; ४,४; ६;८; ६,८; ७, १०; ८,४; ९, ७^२; १०, २; ६; ४, ५, ७; ६, १; ७, २; ६; १०, ३†; ¶काठ २,१४†; ८,१; ७^२; १०, ५;८;९; ११,२;३; १२,४; १४, ५^२ ८; २०,६ ८; ९; ११; २१, १; ३; ५; २२,१;३; ७; ९; १३; २३,३; ५;८;२५,२,७^२;२७,१; २८,१;३;५; २९, १; २; ६; ७; ३०,३; ३१,१५; ३२,१;५; ६^४; ७^४; ३६, १^२; ३;११; १३; ¶क ७,४^२; ३१, ८; १०; ११; १३; १६; १८; २०; ३५,१; ३; ३६, २; ५; ३८,५; ३९, ५^४; ४२,१; ४४,१; ३; ५; ४५,२; ३; ७;८; ४६, ६; कौ २,४८४†; ६५३^२१; जै ३,३६, ९†; शौ ९, ९, १०; ११, १०, ३३; १२, ४, ३२; १८, २, १†; २०, २५, १†; पै २, ५५, ४; ६,१२, ७!^m; ७, २, ३; १७, १९, २; २०, ३४,९^n; गच्छतः मै ३, ८, ७¶; गच्छन्ति ऋ १, १६४, ४; ¶तै ७,४, १, १; ४, २; मै २, २५, ५; १०, ८,३३; गच्छन्ति ऋ १, १६४, ३; ¶तै ७, २, १,४; ३, ४, २; ६-७, १; १०, ५; ४, २, १-३; ३,२; ४,१; ७,३; ५,१, ३; ३,२; ६,४; ८,१; ५^२; ¶मै १, १०,१९; ३,६, १०;१०,३; ४, ८,२; ¶काठ ११,८; ३६,१३^२; पै ७,१३, ७; १२,७, १३; १५, १९, १२; १६, ७२, ७; गच्छसि ऋ ८,९३, ६; ९, २०,[७; ६७,

a) पाभे. कुने पृ ११८५ *f* टि. द्र. ।

b) नु. गस्य. टि. अनु ।

c) नाप. । पाठे? √गम् > गमन- इति शोधः ।

d) नाप. (आकाश-) । व्यु. ? । <√गम् इति (पाउ २,७७) । गकन- इति मभा. (तु. WAG [१,१००*a*]) ।

e) सपा. गङ्गनम् <> गेल्वम् इति पाभे. ।

f) व्यु. कुने पृ १०८२ *q*, पाभे. कुने *r* टि. च द्र. ।

g) व्यप. (नदी-विशेष-) । व्यु. ? । <√गम् इति (पाउ १,१२३; या [९,२६]) ।

h) विप. (कक्ष-) । तत्रभवीयः ष्यः प्र. उसं. (पा ४, १,८५) तत्स्वरश्च ।

i) व्यु. ? । पाप्र. √गम् इत्यस्य स्थाने आदेशमात्रम् (पा ७, ३, ७७) । (√गम् > भाप.) *गमम्- + (√चर् > भाप.) *चर- > (वस.) *गमश्चर- > *गमश्च- > *गश्च- > (नाधा.) √*गश्च् इति कृत्वा यानि. उभौ धातू अस्यैव नैप्र. यानि. गन्तौ रूपान्तरं भवेतामिति मतम् (एतयोरुच्चारणमात्रस्य विवेकविप्रतिपत्ति-संकेतार्थं WAG [१,१३१;१३१ *b*] द्र.) ।

j) च गच्छति <> जिगीषति (<√गा) इति पाभे. ।

k) सपा. गच्छति <> गच्छसि इति पाभे. ।

l) मकृत् = सपा. ऐब्रा ७,१३ । शांश्री १५,१७,१ तु विन्दते इति पाभे. ।

m) गच्छिति इति पाठे? यनि. शोधः ।

n) सपा. गच्छति <> गच्छतु इति पाभे. ।

१९ (६२,३०; ६६, २७)]; खि ४, ७[२], ७[a]; कौ २, ३२४†; ३८३‡[b]; †जै ३,२६,१०; ३१, ३‡[b]; ४,८, ९; शौ २०, ११२, ३†; पै ३,१७,१; २०, ४०, ७; †गच्छथः ऋ १, २२, ४; ११२, १८; ११७,[२ (१८३,१)]; ७, ६९, [२; १०, ४१,२]; ७४, १; ८२,७; ८,९,६; १०,४१,३; खि १,९, १: मै ४,१४,१०: कौ १, ३०४: २,१०३; जै १, ३२, २: ३,१०,५; शौ ४,२९,२$; २०. १४०,१; गच्छथः ऋ ४,४५,४: ५,७४,३: ८,३५, [१३-१५]: पै ४,३८. २: गच्छथ ऋ ५, ५५, ५: गच्छामि मा ३, १०[c], ९: गच्छाति ऋ १०, १३, २, शौ १८,२. ५†: पै १,६०,१: १९. ३९,७: गच्छत मै १, २, ९‡: गच्छत मै ३, १०,२¶. ४,१२, ३‡[d]: गच्छान ऋ ८. ४९. ५: गच्छामि[a] शौ ५, ५. ६: पै ६. ४, ५. गच्छः पै १६, ४६-४७, १-१०.४८,१-४. गच्छाः ऋ ६. ३५,३: गच्छाथ ऋ ८. ७, ३०: गच्छतु ऋ ०,.६३, ०२:९७,६: १०, १६, ३[e]; ९; मा २, २२; ६, २१; ३५, १९; का २,५,५; ६,५,२; ३५, ४, १८; तै १,६, ३,२; मै १, २, १४; ४, १; ३, ९,८: काठ ३,३; ५,३[e]; २६,६: क २, १०; ४१, ४: †कौ १, ४८३: २,५८५; †जै १,५०,७; ३, ४८, १, शौ ७,१०३,१[f];९, ५,५:१२,२,८†;१८, २,२३; पै २,५. ७: ५,२६,४; १२,३,१६; ७,१४: १६, ९७, ४: १०३,६; १७,३०,९†: २०,४७,५: गच्छतान शौ २.३०, ३: गच्छन्तु ऋ ९,१०१, ४: तै ३,५,५,३: काठ ३५,४: †कौ १,५४७; २.२२२; †जै १, ५६, ५: ३,२०, ६: शौ २०.१३७.४†: पै १५, १८,६[२]: गच्छ ऋ ६. ७५, १६[g]: मा १७. ४५†[h]: का १८,४,१३†[h]: †मै २.९.१०: †शौ २, १२१३†[g]: शौ ५,२२, १२. गच्छ ऋ १०, १६, ३[e]: ८५, २६: १५५, १: ३: खि २, १२: ५: ४,५,५: १०[l]: ७,१, २[k]:४.१: मा १,२५: २६[२]: २, १२[l]: ३, १७: २४[l]: ३४: ६, २१[११]; ८, २२[३]; १२, ४; १३, ३१; २२, ३; का १, ९,३; ४[२]; १०, ५; २,३, ६; ४, ३[२l]; ४,६, १;१०,५; ६,५,१[११]; २, २,७[k]; ३,८[३]; १३,१,६ ;१४,३,५; २४, १,३; तै १,१,९,१: २; १३, २; २, ४, १; ३, ११, १[११]; ४,४३, १: ४४, ३[२]; ३, १,२,१[l]; ४, ४; ४, २, २: ४, १, १०, ५; ५,१, १०,५: ६,४,१,१; २[४];३[४]; ४[२]; ६,१,१¶: २, २[३]; ७,१,११,१; मे १,१, १०[३]; १३: २,४; १४; १८[११]: ३,३७[२]; ३८[४]; ४,१[l];९, १: २: २,१.३¶: ६,८; १६; ९, १०[२]: १३, १: ३. २, १: ९, ३; १०, ३. १२, १: ४.१,१०: १४; ८,२[१]: काठ १, ९[३]: १२: २,५; ३,८[११]: ४,९[३]:१२[३]:५,३[४l]:९, ८: ११: १३,११¶, १६,८;१९, ११: २८. ८[३]: ३०. ८: ९: ३१, ८.११:३२,३[४l]: ३९,३[२m]: ४१, २. क १,९[३]:१२:१७: २,१४[११]; ३. ७[३],१०[३]: ८,११;३१,१: ४४, ६[२]. ४७. ८: ११: कौ २, ३४, ५[n]. ५, १४, १०[३]: २२. ७: ६, ११३,२:७,१०२, ५[३]: १०, १, १,८)।

[a]) सपा. गच्छसि<>गच्छामि इति पाभे.।

[b]) पाभे. कृते पृ १२०४ *k* टि. द्र.।

[c]) सपा. गच्छतु<>गच्छतु (तां ६,१०,८ च) इति पाभे.।

[d]) सपा. गच्छत<>मत्स्व इति पाभे.।

[e]) सपा. गच्छतु (तैश्रा ६, १.४; ७,३ च)<>गच्छ<>गमयतात् (ऐत्रा २,६ तैत्रा ३,६,६,२ आश्रौ ३. ३,१ शांश्रौ५,१७,३ च)इति पाभे.।

[f]) पाभे. कृते पृ १२०४ *n* टि. द्र.।

[g]) सपा. गच्छ (तैत्रा ३, ७, ६, २३ आपश्रौ ३,१४, ३ च)<>जय इति पाभे.।

[h]) गृच्छ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मपा. शौ १०, १,८)।

[i]) सपा. सकृत् गच्छ (माश १,८,३,१५ च)<>स्थ (तैत्रा ३, ३, ९, ४ आपश्रौ ३. ६, ६ च) इति पाभे.।

[j]) सपा. गच्छ (माश ३. ३, २, ६ च) <>गच्छतात्<> माश्रौ २,१,४,६ गच्छेत् इति पाभे.।

[k]) सपा. गच्छ<>गच्छत इति पाभे.।

[l]) सपा. गच्छ<>शकेयम्<> आपश्रौ ४, १२, ६ गम्यात् इति पाभे.।

[m]) सपा. गच्छ (आपश्रौ १६,२५,२ च) <>सीद (माश ७,५,१,८ च) इति पाभे.।

[n]) पाभे. कृते पृ १०७८ *a* टि. द्र.।

८; ११,१,३५; १४,१,२०†;२, ७५; १८,२,७[1a];‡[b]; ४६;३,९; ४,६; १९, २४, ५[c]; पै १,५९, ३; २, ५, ८; २३, १; ३,१०, ६; ३२,७; ३७,१; ४,२४,६;५, १२,२; १४,१; २१,८; ७,१,८; १३,१,५; ९;१५; ५,४; १५,६, २; २३,७[2];१६,३५,८; ७१,९[2]; १०; ९२, ५; ९७, ५; १८, २, ९†; १९, १९, ३[d]; ३३, १२; २०,२६, १; ३४, ५[3]; ५४,२; गच्छतात् का ४, ८,१[e]; गच्छ-तम् ऋ १, ३४, ७; १३५,८७[2]; ४, ४९, ३ (८,६९,७)]; मा ४, ३३; ६,१६; का ४, १०, ४; ६, ३,७; तै १,३,९,२; ६, ३,९,६; मै १,२,९;१६; ३,१०,१; काठ २,७; ३,६; क २,१३; शौ १८, २,५३; गच्छत मा ७, ४६[f]; ९, १३; का १०, ३, ६; तै १, १, ११,१[g]; ४,४३, २; ७,८,२; ६, ६,१,४; मै १, ३, ३७; ११,२; ४, ८, २¶; काठ १,११[g]; १३, १४;३१,१०[g]; क १,११[g]; ४७, १०[g]; पै १०,१,५; गच्छानि ¶मै १,४,१०;१०,८; काठ ३२, ७; ३६, ३¶; अगच्छत् ऋ १, ३२, १४; ३, ३१, ७; तै ७, ४, १, १¶; ¶मै ३,१,१; ३; ७,४; ४,७,७; अगच्छत ऋ १०, ९८, ३[h]; ¶तै १, ६,९,२[3]; २,२,८, ५; ५,३,६; ५,७,६,६; ६,५,५, २; ७,२,५,२[2]; ३,६,१[2]; ७, १; ४,३,२; ¶मै १, ६,३; ४; १२; ११,५[2]; २,१,४; ३,१,४; २,२; ५; ४,८; ६,३; १०,६[1]; ¶काठ ८,४[2]; १०,२; ११,२[2];१४,५[2]; १९,२; २९,१[6];६; ¶क ६,९[2]; ४५,२[6];७; शौ१५,७,१; पै१३, ६, १४†; अगच्छताम् तै ७, १, ४,१¶; अगच्छताम् तै १,६,९, २¶; ¶अगच्छन् तै ५, ६, ५, ३; मै १,४,१०; १०,१४; ११, ५; ¶अगच्छन् तै २, १, २, १; ३,५,१; ५,६,७,३; ६,६,८,२; ३; ७, ४, २, १; २; मै १,९,८; २,२,२;७; ४,५;५,३; ४,२,९[2]; काठ ११, ३; १४,५; २१, ५; २२-२३, ३; २९, १; ७[2]; ३२, ७; ३६,८; क ३१,२०; ४५,२; ८[2]; †अगच्छः ऋ ८, ९८, [३; १०, १७०, ४]; १०,१७१, २; कौ २, ३७७; जै ३, ३०, २०; शौ २०, ६२, ७. अगच्छः ऋ १०, ७३, ६; अगच्छतम् ऋ १, ११९, ८; अगच्छतम् ऋ १०, ३९, ७; अगच्छत ऋ १, ११०, २; १६१, ६; ¶गच्छेत् मै १,६, ६;१०,८; २,२,३; ५,३; ८;९; ४,४,९; १०; ¶गच्छेत् तै १,६, १०,४;५; २,६,९,७; मै २, ४, ४; ३,९,८; काठ ८, ७; १२,४; ३६, ३; क ७, ४; गच्छेयम् तै ७, ४,१,१¶; ¶गच्छेयम् मै ३, ८,४; १०, ६; गच्छेम तै ३,५, ४,१[2];२; मै १, ४, ३[6]; गच्छेम तै ७, ४, २, १¶; काठ ५, ६[2]; ३२, ६[2]; शौ ६, १२१, १; ७, ८८,४;११,१,८.

गच्छतः पै १५,१८,५.

गमातः शौ १०,७, ४२; गमाथ शौ ३,८,४; १४, १, ३२; पै १, १८, ४; १८, ४, १; गन्तु ऋ ८, ६३, ४; पै १९, ४२, १५; गमन्तु पै १९, १, १३; गहि पै १२,३,१३; २०,३६,२; गन्तम् ऋ ५, ४३, ८[i]; गन्तम् ऋ ३, ३९, ३; ६, ६३, २; ७, ६८,२; गन्त>न्ता ऋ १,३८, २; ३९, ७; ५,८७,९; गन्त ऋ ५, ४३, [१० (१०, ३५, १३)]; गन्तन ऋ ७,५९,५.

अजगन् ऋ ५,३१,१०, ७,१८, ७; †अजगन् ऋ १, १३०, ९; १८७, ७; ३,९,२; काठ ४०,८; कौ १, ५३; जै १, ५, ९; पै ६, १६, ७; अजगन्त ऋ १०, १५५, ४; खि ५, २२, १२; शौ २०,१३७,१†; †अजगन्तन ऋ १०, ८६, २२; शौ २०, १२६, २२; †जगम्यात् ऋ १, ५८, [९; ६०,५; ६१,१६; ६२, १३; ६३, ९; ६४,१५; ८,९०, १०;

---

a) पपा. शंपा. मात. मकृत मस्वरं किप. चिन्त्यम् (तु. RW. WI.)। b) पाभे. कृते पृ १२०५ e टि. द्र.।

c) =सपा. पाग्र १,४,१२। आपमं २,२,७ हिग्र १, ४,२ तु गच्छासि इति पाभे.।

d) सपा. गच्छ<>ऋच्छतु (परि.) इति पाभे.।

e) पाभे. कृते पृ १२०५ j टि. द्र.।

f) पाभे. कृते पृ १२०५ k टि. द्र.।

g) सपा. गच्छत (तैब्रा ३, ३,६,५ च) <> यच्छत इति पाभे.।

h) तु. मस्थ. टि. अभि।

i) 'धुरं (=मधुरं) निधिम् अर्वाग् (=सामीप्येन) गन्तम् (=प्राप्नुतम्)' इति वा. (तु. ऋ ३,५८,५;८,८७,४; वेतु. मा. [निगा.] गच्छतम्->न्तम् ? इति, GRV. (आ) गन्तम् इति धुरम् [णमुलन्तम्] इति च)।

९, ९३, ५]; १०४,२; शौ २०, ३५, १६; ‡जगम्याः[a] कौ १, ३४०; जै १,३५,९; †जगम्याम् ऋ १,११६,२५; काठ १७,१८. गमेयम् तै १,६,२,४[२]; ३,३;४ १;३; ११,७[२]; ७,४,१; ४; काठ ५,१[४]; २[b]; ३[२]; ३२,१[४]; २[b]; ३; गमेम ऋ ८,४५, १०; ४६,[(१, ८६,३; ७,३२,१०)९; ५१, ५]; खि ३, ३, ५; कौ १, २०९; जै १, २२, ६; गमेम ऋ ७, ८४, [५: ८५, ५]; १०,४०, ११; मा १८, ५१[c]; का २०, ३, १[c]; पै १०,६,१.

जगाम ऋ १०, ५८, [१–१२]; १७९,२; तै १,३,९,१; शौ ७, ७५,२; १८,४,५४; १९,४०,१; †पै १,८४,१-३; ४$:५-७:८$; ९; १०; जगाम ऋ १, १४५,१; १७९,६; ७, १८,९; ८, १००, १०; १०, ११४, १; काठ २०, ८¶; क ३१,१०¶; पै५,२८,६; १७, १०, २[d]; १९, ३८, ६; जग्मतुः ऋ १०,४०,१४; जग्मुः ऋ १०, १३१, २; मा १८, ५२; ५८; का ११, १०, २†[e]; २०, ३,२; ४,१; २१, १, ५†[e]; २५,७, ६[e]†; †तै १,८,२१,१[e]; ५,२,११,२[e]; मै १, ११, ४†[e]; २,३, ८†[e]; १२,३;४; शौ २०, १२५, २†[e]; जग्मुः ऋ ३, ३६, ६; ४,४१,८; ५,५६,२; ६,२४, ६[f]; ८, २४,११; १०, १११,८; खि ३, १५, ६; काठ १२,९†[e]; १४, ३†[e]; १८, १५; ३१,१४; ३७, १८†[e]; ४०, १३; क २९, ४; जगन्थ मा २३, ४९; का २५, ९, ५; काठ ४४, ८[!]‡[g]; पै ६,२०,१२; जग्मथुः ऋ ८,७३, ८; †जगम>मा ऋ ७, ८८,५; ८९, ३; मै ४,१४,९; गमिष्यति मै १, ६, १२¶; शौ ५, २२,९; १०, ९, ११; पै १३, १, १८; १६, १३७, १; गमिष्यामि काठ १०,६¶; गम्यात् मै १,४,१[२];५; काठ ५,३[२]; ३२,३; †गम्याः ऋ १,१६३,१३[b], मा २९,२४; का ३१,३,१३; तै ४,६,७,५; काठ ४६, ३; †गम्याः ऋ १, १८७, ७; काठ ४०, ८; पै ६,१६, ७; अगमत् तै ७, ४, २०, १; काठ ४४, ९; पै १९, ३६, १३[२]; गमत् ऋ १, १७८, २; ७, ३२, [१० (१, ८६, ३; ८, ४६, ९ : ५१, ५)]; ११; ९७, १; ८, १, २७;९,४०, २; कौ २, २७५†; जै ३, २३, ७†; पै ३, ३६, ४; अगन् ऋ ३, ३७,१०;९,३२,५; १७,५[i]; मा ८,६०; का ९,७,८; तै २,६,५,६¶[२]; ३,५,६,३; ¶मै १,१०,८;१९; शौ १४, २, ३६; ४४; †२०, २०, ३; ५७, ६; अगन् ऋ १०,८६, २२; मा ८, ५९; ६०[h]; का ९,७,९[h]; तै १, ५, १०, ४; मै १, ४, ४; ८¶; ९;¶२,१,१०; २,१३; ३,९;४, १४, ६; काठ ५,६[२]; १२,११¶; १८,१६; २५,५[२]¶; ७[२]; ३२,६; ¶३६, ३; १३; क २९,४; ३९, ७¶;५[२]; शौ ७,२६,१;२; २०, १२६, २२†; पै १०, १०, १; १८, १०, ६; १८,४; २०, १४, १०; १५, १; २; ¶अगाइन्[k] तै २, ६, ५, ६; काठ २५, ५; क ३९, २; गन् खि ५, ६, १; मा २७, ३१; का २९, ३, ३; काठ १०, १२; अगमन् खि १,२, २; पै २०, ३३, ४[l]; †अग्मन् ऋ ४, २८, ३; ९, १११, ३; कौ २, ९८१; जै ४, १, २; †अग्मन् ऋ १, १०२, ७; २, ११,१६; ४,२,१७[m]; १६,१५; ४४, ६; ५, ४३, १४; ७, ७०, [७: ७१, ६]; ९,१०७, ९; १०, ६१, १०;१३; काठ १३, १५[m]; कौ २, ३४८; जै ३, २९, ५; शौ २०,१४३, ६; पै २०,३३, ५$;

[a]) सपा. जगम्याः <> जगन्वान् इति पाभे. ।

[b]) =सपा. लाश्रौ ३,६,३ । तै १,६, ३, १ तु अशीय इति, शांश्रौ १,१२,५ गमेय इति च पाभे. ।

[c]) सपा. गमेम (माश ९, ४, ४,३ च) <> पतेम इति पाभे. ।

[d]) सपा. शौ १०, ७,३१ इयाय इति पाभे. ।

[e]) =सपा. तैब्रा २,६,१,३ । मा १०,३२; १९,६; २३, ३८ माश ५, ५,४,२४ तु विशिष्टः पाभे. ।

[f]) सपा. जग्मुः <> जिग्युः इति पाभे. ।

[g]) पाठे? जघन्थ इति शोधः (तु. सपा. ऋ ७, २१, ६) ।

[h]) प्रपु१ भुवाजः GW. चिन्त्यः (तु. सा. उ. म. K.) ।

[i]) तु. सस्थ. टि. अनु ।

[j]) =सपा. माश ४,५,७,८ । ऐब्रा ७, ५ षब्रा १,५ शांश्रौ ३,२०,४ तु अगात् इति पाभे. ।

[k]) प्लुतिः (पा ८,२,१०५) ।

[l]) सपा. अगमन् <> असदन् इति पाभे. ।

[m]) पाभे. कृते पृ ११४९ *h* टि. द्र. ।

†ग्मन् ऋ १०,२९,५: १२३,४; शौ २०, ७६, ५; ग्मन् ऋ ३ ३८, २ : ५४, १४ ; गमः पै १९,३८,३; गः पै १३,१,१५; अगमम् पै १६, १३२, १[२]: गमम् ऋ ७,८९, १; अगन्म ऋ १, ५०, १०: ११३, ⌊१६: ८. ४८,११⌋; ४, ५, १२; ७, १२, १: ८, ४८, ३[a] : ९२, १३; †मा २, २५§: ८, ५२: १२, ७३‡[b]: २०.२१:२७.१०: ३५. १४:३८,२४: †का २.६,४§;९. ६,४: १३. ५. १२‡[b]: २२. १. ६: २९, १, १०; ३५. ४. १३: ३८,५. ७; तै १,६-७,६, १, ४. १. ७. ४†. ५. १. ८. ६†: मै १,४,७: †२.१२-१३.५: ४.९. २७†: काठ ३९, १३ : कौ १, ८९‡[c]:२.६५४†: जै १,१,९‡[c]: ३,५४,४†. शौ ७,५५,७†:१४. २,३६†: १६,९,३. १८,३,६४: अगन्म मा ९,२१[d]: १८. २९[d]: का १०, ४, ३[d]: १०, ९, ४[d]: तै १. ६-७, ६, १: ९. २[d]: ५, ६, ८. १; मे १, ४, २: काठ ५, ५ : १४, १[d]; १६, १२‡[h]: १८, १२[d]; १६; ३२, ५: ३८, ५: क २५, ३‡[h]: २९, १[d]: ४†: शौ १६. ९, ३; पै ५. ६, ९†; १०, १०, १[२] : १८, १०, ६†; २९, ४[२]; १९,४४,२; २०, १०, ३†: †गन्म ऋ २,२८, ७: ६, ६१, १४: तै ७,२, ७, ५; मै ४, ११, २: १४, ९: काठ १७, १८; ३०,३: क ४६,६; †गमाम ऋ ८,९२, २७: १०, ९, ३; मा ११, ५२; ३६. १६: का १२,५, ३: ३६,१, १६: तै ४,१, ५,१: ५,६,१,४: ७,४, १९,४: मै २, ७,५; ४, ९, २७. काठ १६. ४: ३५. ३; कौ २. ११८९: शौ १. ५,३; पै १९,४५,१०.

¶गमयति तै २,६,२,५: मै १. १०, १९: ४, ८, ७: ¶गमयति तै १,७, ३-४,४: २,१,१, १:५. ३:५: २,३,३: ५,६: ३,४,१:२: १२, २:४, ११.२: ५,९, ५: ६. ३.५; ४, ३: ५,३:४:६[२]: ९,५: ७; ३, ४, १,१; ३,३; ५[२]:८,७. ५,१, १०,५; २,१,६: २,२; ४; ५: ९,३;४,३,५. ७, ३; १२,१: ६,१,४,८: २,९,३: ३,२, १;२: ७,४: ११, ३: ६,१,१; २:४:२, २[२]; ९,२: ७,१.७,१[२]: मै १,४, १२:९,७: १०, ७: १८: २०: २, १,२: २, ३: ११: ५,४; ८:१०: ११: ३,६,१: ७,४:८, ९; ९,७; १०,१[२]:३:४: ४, ३, ८[२]: ५. १; ७;८,२: काठ ९,१६: १०, ११: ११,४: १३,५: १२[२]; १९,१२[२]: २१, ९[२]; २४, ५; २५, ५[२]; ७[२]: ८[४]: २६, २[२]: ६; ८[२]: २७, १; २८,१: ३; ४[२]; ८; २९, २; ३[२]; ३०, ७: ९[२]: १०: ३१,२; ११[२]: १२: ३२, ३[२]; ३५, १६; १८; ३६,१: १३[२]; १४: क ३१, २[२]; ३७. ६; ३९, २[२]: ५[२]; ४०, १[४]: ५[२]: ४१,४:६[२]: ४२,१; ४४,३: ४[२];८: ४५, ३: ४६,८: ४७,२; ११[२]; ४८,१४:१६: पै १७,२९. १७[२]§: गमयतः तै २,१,४,७¶; गमयन्ति ¶तै २. ३, १, १: ५, ३,१०,३:७.५,५,२:¶काठ ३४, ४: शौ ९, ७, ६; पै १६,११६, १: गमयामि मै १, ४, १०: काठ ३२, ७: गमयामः शौ १६, ६, ४: पै १७,२४,२: गमयामसि ऋ १०, १६५, ४[e]: खि २, ६, १७; शौ ३, १८, ३†[e]; पै १९, १३, १७. गमय. पै २०, ४४, १[f]: ५२, ७ : गमयतु तै १. ६,४, ३[२]: ७,४, ३: काठ ५,३[२]: ३२, ३[२]: गमयस्व खि ४, ५ १३; गमय>या ऋ १०,१५२, ४: †मा ८, ४४: १८,७०; †का ८,१८.१:२०,५,३: तै ७,१, ७. १[२]:२; कौ २. १२१८†: शौ १, २१,२†; पै २,८८,३: १७,२९, १७; ३९,५: ‡गमयतात्[K] मे ४ १३,४; काठ १६,२१: अगमयत्

---

[a]) मपा. अगन्म (काश्रौ १०, ९, ७ माश्रौ २, ५, ४, ४० च)<> अदृश्म इति पाभे. ।

[b]) मपा. अगन्म (माश ७,२, २, २१ च)<> अनारिष्म (तैआ ६, ६,२ आपश्रौ १६, १९, ८ च)<> अनारिष्ट इति पाभे. ।

[c]) मपा. ऋ ८,७४,४ ऐआ १, १, १, शांश्रौ २, १५, २ आगन्म इति पाभे. ।

[d]) सपा. अगन्म (माश ५, २,१, १२; ९, ३, ३, १४ तैआ १,३,७,५ आपश्रौ १८, ५,१४ च)<> अगाम इति पाभे. ।

[e]) मपा. आपमं १,१५,४ नशयामसि इति पाभे. ।

[f]) पाठः ? । आ मा गच्छन्तु ब्रह्मचारिणः स्वाहा (तु. मपा. तैआ ७,४,८), ब्रह्मचारिण उं आगमयाः स्वाहा, *ब्रह्मचारिण *आगमयानि स्वाहा इति वाक्यत्रिकमयः शुद्धः पाठः इति कृत्वा प्रकृते (आ√गम् > गमि > लेटि) आगमयाः इति शोधः ।

[g]) पाभे. कृते पृ १२०५ e टि. द्र. ।

तै १,५,९,४¶; ¶अगमयन् तै ७,३,१०,१; काठ ११,४; १४,७; गमयेत् मै १,८,५¶; ¶गमयेत् तै २,४,११,२; ६,५,६; ९,५; ६,१,४,८; मै १,८,५.

गमयांचकार शौ १८,२,२७; गमयिष्यति तै १,५,९,४¶; अजीगमत् ¶मै १,६,६; ३,८,५; पै १,५०,१; अजीगमन् पै १६,५७,१८; अजीगमम् शौ २,२५,५; ११,४,१-१८.

†गामय ऋ ५,५,१०[a]; काठ ३५,१९[b]; क ४८,१७.

¶जिगमिषति तै १,५,२,३; २,३,४,२; ¶अजिगाँम्सन् तै ५,५,५,४; ६,५,८,२.

अगनीगन् मा २३,७; का २५,३,३; मै ३,१२,१८.

गच्छत्– -†च्छन् ऋ ४,३८,४; ५,४५,९; ९,१५,⌊१;६१,२५⌋[c]; २५,५; ३८,⌊१ (५७,१)⌋; ४; ९०,१; कौ १,५१०[c]; ५३६[c]; २,५६३[c]; ६१६[c]; ६२४; ६२६; जै १,५२,१४[c]; ५५,४[c]; ३,४४,९[c]; ५०,४[c]; ५२,४; ७; –†च्छन्तः ऋ९,८,२; ६३,६; कौ २,५२९; जै ३,४१,५; –¶च्छन्तम् तै ७,१,२,३.

गत– -तः ऋ ७,५८,३; तै ४,४,९,१; ¶मै २,२,९; ११; –तम् ऋ १,१०५,४; मै ४,७,२; काठ २५,५¶; २९,२; क ३९,२¶; ४५,३; पै १,७८,२; –तस्य मै १,४,९¶; –ताः शौ १०,१०,३२; पै १६,११०,२; –तान् शौ १८,४,६१; पै ९,१३,१[d]; –तानाम् शौ ८,१,८; पै १६,१,८.

¶गत-मनस्[e]– -नाः तै ६,६,७,२;३.

¶गत-श्रि, श्री[f]– -श्रियः तै २,५,४,४; –श्रीः तै २,१,३,४; ५,१,९,३,७,२,७,२; मै २,२,९; १३; ३,१,९[2]; ८,४[2]; ९,१; काठ ११,४; २५,२[2]; २६,२; ३०,३; क ३८,५[2], ४०,५; ४६,६; –श्रेः काठ १९,१०; क ३०,८.

गता(त-अ)सु[g]– -सुः मै ४,७,२¶; –†सुम्[h] ऋ १०,१८,८; शौ १८,३,२; –सोः शौ १८,२,५९.

गति– -तिः मा १८,१५; का १९,५,३; तै २,६,९,८; ४,७,५,२; ७,१,४,२¶; मै २,११,५; ४,१३,९. काठ १८,१०; क २८,१०; –तिम् ऋ ५,६४,३; खिसा १८,२१; –ती पै २०,४२,१०.

गत्नु[i]– -त्नुम् शौ ६,११८,१[j].

गत्वा मा १७,६५; का १८,६,१; ¶तै १,५,९,४; २,२,६,१; ४,६,५,१$; ७,२,७,३; ८,६; ५,८,१; २; मै १,९,७¶[k]; २,२,१३¶; १०,६; ३,३,६; ¶४,४,५; ८,१०[2]; ¶काठ ९,३; ११,४; १८,४$[l]; २६,६; ३०,३; ३३,५[2]; ३५,१६; ¶क २८,४$; ४१,४; ४६,६; ४८,१४; शौ २,३६,३; ४,१४,२; १२,३,१३; १९,८,३; पै २,२१,२; ३,३८,२.

गत्वाय[m] ऋ ८,१००,८; खि ५,१२,५; शौ २०,१२८,५.

गत्वी[n] ऋ ४,४१,⌊५; १०,१०१,९⌋.

गनिग्मत्– -ग्मतम् ऋ १०,४१,१.

गन्तवे ऋ १,४६,७; मा १५,५५; १८,६२; ६३; का १६,६,७; २०,४,५; ६; तै ५,-,७,२; ३[3]; मै २,१२,४; काठ १८,१८; ४०,१३[2]; क २९,६; शौ ९,५,१७; पै ३,३८,१०; १६,९८,८.

गन्तवै ऋ १०,९५,१४.

¶गन्तव्य– -व्यः मै १,६,१२.

a) गमय इति पपा. ।

b) गमय इति मूको. पाभे. ।

c) पाभे. कृते पृ १२०५ *c* टि. द्र. ।

d) सपा. गतान् <> पितॄन् इति पाभे. ।

e) विप. (यजमान-) । बस. ।

f) विप. । बस. । उप. अस्त्रीप्रत्ययान्तेऽपि ह्रस्वविकल्पः उसं. (पा १,२,४८) ।

g) विप. (पति- प्रभृ.) । बस. ।

h) सपा. तैआ ६,१,३ हतासुम् इति पाभे. ।

i) भावे त्नुः प्र. उसं. (पाउ ३,३०) तत्स्वरश्च । गणम् इति RW. पाठः चिन्त्यः (तु. W.) ।

j) सपा. गत्नुम् <> ?वग्नुम् <> तैआ २,४,२ कामा १२६ : ८ वग्नुम् इति पाभे. ।

k) सपा. काठ ९,१५ आप्त्वा इति पाभे. ।

l) स्वर्गत्वा इति पाठे? स्वः, गत्वा इति द्विपदः शोधः (तु. शौ ४,१४,२, काठ ९,१२ स्वरित्वा इति पाभे.) ।

m) पृ ११६० *d* टि. द्र. ।

n) पृ ११६० *e* टि. द्र. ।

गन्तु[a]- -न्तोः ऋ १, ८९,९[b]; ३, ५४, १८; मा २५, २२†; का २७, ११, ९†; ¶तै ५,४,१२, ३[c]; मै ४,१४,२†; काठ ¶२३, ६;९;३५,१†; ¶क ३६,३;६.

गन्तुम् काठ ३०,९¶.

गन्तृ[d]- -न्ता ऋ १, ८६, [३ (७, ३२, १०; ८, ४६,९; ५१, ५)]; २, २३, १३; ४१, २; ४, २९, ४; ५, ३०, १; ६,२३, ४; ४४, १५; ८, ७१, ५; मा २७,२९†; का २९, ३, ७†; मै ३, १६, ५; काठ २२, १५; कौ ३, २, ६†; -न्तारः ऋ ३, २६, ६; -न्तारम् ऋ १,९,९; शौ २०, ७१, १५†; -न्तारा ऋ १, १७, २; ८, ५, [५:१३,१०;२२,३].

*गम[e]-

गमिष्ठ- -ष्ठः शौ ५, २०, १२; पै ९, २४, १२; -ष्ठा ऋ १, ११८,[३; ३,५८,३][f];५,७६,२; काठ २२,१५[g]; कौ २,११०३†; -ष्ठौ[g] तै ४, ७, १५, ३; मै ३, १६,५.

गमध्ये[h] तै १,३,६,२‡[i].

†गमध्यै[i,j] ऋ १, १५४, ६; मा ६, ३; का ६,१,३; मै १, २, १४; ३,९,३; काठ ३,३; क २,१०.

गमयत्- -यन् शौ १८, ४, ६४; -यन्तः मै ३,१०,१¶.

¶गमयितव्य- -व्यः काठ ३०,९.

¶गमयित्वा तै ३, १, २, १; २; ५, २, ९, ३; मै १,४,५[2]; ३,५,५; १०,४[2]; काठ २०, ८; ३२, ३[2]; क ३१,१०.

ग्मत्[k]- ‡ग्मन्तः[l] कौ १, ४०६; २,६०; जै १, ४५, ८; ३,६,६; ग्मन्ता ऋ १०,२२,६.

ग्मन्ता ऋ १,१२२,११.

ग्मा[m]- ग्मः ऋ १,२५, [२०; ५, ३८, ३]; ३७, ६; १०, २२, ६, ४९,२.

जगन्वस्- -न्वांसः ऋ ८, ४५, १९; -न्वांसा ऋ ५, ६४, १; -न्वान् ऋ १,११७, १५; ३,३८,६; ७, ८८,२; १०, १०, १[n]; शौ १८, १,१†[n].

†जग्मि[o]- -ग्मयः ऋ १, ८५, ८; ८९, ७; मा २५, २०; का २७, ११, ७; काठ ३५,१; -ग्मये ऋ ६,४२,१[p]; ८, ४६,१७; कौ १, ३५२[p];२,७९०[p]; जै १,३७,१[p]; -ग्मिः ऋ २, २३, ११; ७,२०, १; ८, ९३, २२; काठ १७,१८; -ग्मी ऋ १०,१०६,८.

जग्मिवस्[q]- -ग्मुषः ऋ ७, ३९, ३; खि २, ९, ३; -ग्मुषाम् तै ७, ५,८,१¶; -¶ग्मुषे मै ३,३, १; काठ २१,२; क ३१,१७.

जग्मुषी- -षी ऋ १, ११९, ५; -षीः ऋ १,१२२,१४.

जङ्गम[r]- -मम् खि ३, १०[5], २; ४, ५,३१.

जिगत्नु[s]- -†त्नवः ऋ ९, १०१, १२;१०,७८,३;५; कौ २,४५२; जै ३, ३४, १०; -त्नु ऋ ७, ६५, १[t]; -त्नुम् ऋ ९, ९७, १७; शौ ५, २, ६‡[u]; २०, १०७, ९‡[u]; -त्नू[u] ऋ १०,

a) नाप. (जीवन- [धा. अभिमतेऽर्थे वृत्तिः])। अधिकरणे तुन प्र. उसं. (पाउ १,६९) नित्-स्वरश्च (तु. टि. गातु- > -तुः [ऋ ३, ५४,१८], उ. म. च)।

b) वैतु. मा. तोसुन्नन्तमिति।

c) वैतु. भा. तोसुन्नन्तमिति।

d) विप. (वायु-, बृहस्पति-, इन्द्र- प्रभृ.)। तृन्नन्ते नित्स्वरः।

e) विप.। कर्तरि अच् प्र.।

f) तु. वें. सा. प्रभृ.; वैतु. स्क. प्रति-पूर्वकमिति।

g) सपा. गमिष्ठा (तैब्रा ३,१,२,१० च) <> गमिष्ठौ इति पाभे.।

h) तुमर्थीयः अध्ये प्र. उसं. (पा ३,४, ९) तत्स्वरश्च।

i) सपा. गमध्ये <> गमध्यै इति पाभे.।

j) अध्यैन् प्र. (पा ३,४,९) नित्स्वरश्च।

k) शतरि प्र. अकार-लोपः (पा ६,४,९८) तत्स्वरश्च।

l) सपा. ऋ ८,९८,७ शौ २०,१००,१ यन्तः इति पाभे.।

m) नाप. (पृथिवी-)। अधिकरणे वा कर्तरि वा कः प्र. उपधालोपश्च।

n) पाभे. क्रमे पृ १२०७ a टि. द्र.।

o) विप. (मरुत्-, इन्द्र-, सोम- प्रभृ.)। किन प्र. (पा ३,२,१७१) नित्स्वरश्च।

p) सपा. तैब्रा ३,७,१०,६ आपश्रौ १४, २९,२ जग्मवे इति पाभे.।

q) विप. (दूत-, देव- प्रभृ.)। क्वसुः प्र.।

r) विप.। यङ्लुकि अच् प्र. चित्स्वरश्च। ज' इति तैब्रा [१, ११,४] जङ्ग° इतीहत्यश्च स्वरः ? ।

s) विप. (सोम-, मरुत्-, वृष्टि- प्रभृ.)। क्नुः प्र. सन्वद्भावश्च (पाउ ३,३१)।

t) विप. (असुर्य- [तु. वें. सा. ORN.; वैतु. GW. ?GRV. L. [४१३] °त्नू [विप. मित्रावरुणौ-] > यनि. इति])।

u) सपा. °त्नुम् <> °त्नू इति पाभे.।

१२०,७; पै ६,१,७†; –०न्नू[a] काठ २२,१४; पै १५,१,७.

गच्छत्– ✓*गच्छ द्र.

गज[b]–

गजे(ज-इ)न्द्र[c]– -न्द्रैः खि २,६[३],२७.

१गण[d]– -णः ऋ १,८७,४[e]; ३,३५,९; ५,६१,१३; ७,५६,७; १०,१३७,५; मा १७,८३; १८,४५; का १८,७,३; २०,२,८; तै ४,६,५,६; ७,१२,३; मै २,६,६¶; ११,१; १२,३; ३,३,१०[e]¶; ४,३; ४,४,५¶; काठ १८,६; १४; २१,१०[e]¶; ३४,१६¶; क २८,६; २९,३; शौ १३,४,८; –णम् ऋ १,१४,⌊३; ६,१६,२४(१०,१८१,४)⌋; ३८,१५; ६४,१२; ४,३५,३; ५,४४,१२; ५२,१३,१४; ५३,⌊१०; ५८,१⌋; ५६,१; ५८,२; ६,५६,५; ८,९४,१२; ९,३२,३; १०,३६,७; ७७,१; मा ३३,४५†; का ३२,४,२†; तै ५,४,७,७¶; काठ २१,१०¶; कौ २,१२०†; जै ४,२७,५†; पै १९,५४,६-९; –णम्ऽ-गम् ऋ ३,२६,६; ५,५३,११; –†णस्य ऋ ५,१,३; १०,३४,१२; कौ २,१०९८; –णाः ऋ ५,७९,५; मा ६,३१[e]; का ६,८,२[e]; तै ३,१,८,२[e]; मै ३,३,१०¶; ¶काठ ११,१; २१,१०; शौ ४,१३,४†; १५,४; पै ५,७,५; –णान् मा ६,३१; का ६,८,२; तै ३,१,८,१; २,५,३[e]; मै ३,३,१०¶; काठ ३,१०; क २,१७; –†णानाम् ऋ २,२३,१; मा २३,१९; का २५,५,२; तै २,३,१४,३; ३,४,५,१$[f]; मै ३,१२,२०; काठ १०,१३; ४४,१; –णाय ऋ ७,५८,१; –णे ऋ ६,४०,१; ८,४६,३१; –†णेन ऋ १,२३,७; ११७,३; ३,३२,२; ४,५०,५; ७,९,५; ९,९६,१७; १०,१०३,३[g]; मा १७,३५[g]; का १८,४,३[g]; तै २,३,१४,४; ४,६,४,१[g]; ५,४,७,७¶; मै ४,१२,१; १४,११; काठ १०,१३; १८,५[g]; २१,१०¶; क २८,५[g]; कौ २,५२५; १२०१[g]; जै ३,४१,१; शौ १९,१३,४[g]; २०,८८,५; पै ७,४,४; –णेनऽ-णेन मै ३,३,१०¶; –णेभ्यः मा १६,२५; का १७,३,४; तै ४,५,४,१; मै २,९,४; काठ १७,१३; क २७,३; शौ १९,२२,१६; –णेषु ऋ १०,११२,९; मै २,१०,४‡[g]; –णैः ऋ १,६,८; मै १,३,२[e]; ३,३,१०¶; काठ २१,१०¶; शौ १९,४५,१०; †२०,४०,२; ७०,४; पै ५,१८,५; ६,१७,१०; १५,४,१०.

गण-पति[h]– -†तिम् ऋ २,२३,१[i]; मा २३,१९[i]; का २५,५,२[i]; तै २,३,१४,३[i]; मै ३,१२,२०[i]; काठ १०,१३[i]; ४४,१[i]; पै १९,५४,३$; –तिभ्यः मा १६,२५; का १७,३,४; तै ४,५,४,१; मै २,९,४; काठ १७,१३, क २७,३; –तये मा २२,३०; का २४,१७,१; मै ३,१२,११; –०ते ऋ १०,११२,९; पै १९,५४,३.

गाणपत्य– -त्यम्[j] मा ११,१५; का १२,२,४; –त्यात्[j] तै ४,१,२,२; ५,१,२,३; मै २,७,२; ३,१,३; –त्ये[j] काठ १६,१; १९,२; क २९,८

गण-प्रवर्धन[k]– –०न पै १९,५४,८.

¶गण-वत्– -वन्तम् तै २,३,३,५[l].

¶गणवती– -ती तै २,३,३,५; मै २,२,३; काठ ११,४.

a) पामे. कृन्त पृ १११० *b* टि. द्र.। तत्रत्ये प्राश्नक-चिह्ने नेष्टे।

b) नाप. (करिन्-)। व्यु.?। <✓गज् (मदे) इति अभा. प्रमृ., <✓गर्ज् (गर्जने) इति PW. प्रमृ.।

c) नाप.। उपमितः कस.।

d) नाप. (समूह-)। व्यु.?। <✓गण् (संख्याने) इति प्रायोवादः, <✓*गर् (संघाते) इति WW ⌊१,५२०⌋। (✓*वृज् ⌊संघाते⌋ >) *वर्गण- (=वर्ग- ⌊=सङ्घ-⌋) > नैप्र. यनि. इति मतम्।

e) सपा. गणाः (माश ३,९,४,७ च) <> गणान् (माश्री २,४,१,३५ वैताश्री १९,१८ च) <> गणैः इति पामे.। काठ ३,१० विशिष्टः पामे. च।

f) सपा. गणानाम् (तैत्रा ३,११,४,२ पागृ १,५,१० च) <> पर्वतानाम् इति पामे.।

g) सपा. गणेन <> गणेषु इति पामे.।

h) नाप.। पस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।

i) =सपा. ऐब्रा १,२१ शांब्रा ८,५; ९,६ माश १३,२,८,४ आपश्रौ २०,१८,१ हिगृ १,६,११। वपू १,५ तु गणनाथम् इति पामे.।

j) सपा. °त्यम् <> °त्यात् <> °त्ये इति पामे.।

k) विप.। उस. उप. कर्तरि कृत् द्र.।

l) सपा. गणवन्तम् <> गणिनम् इति पामे.।

गण-वर्धन[a]- -०न पै १९,५४,६.
¶गण-शास् (:) तै २,२,५,७; ११, १;३,१,५;५,४,७,७; मै ३,३, १०; काठ २१,१०.
गण-श्रि,श्री[b]- -श्रिभिः ऋ ५,६०,८; -श्रियः ऋ ८,२३,४; -०श्रियः ऋ १,६४, ९; -श्रिये मा २२, ३०; का २४,१७,१; मै ३,१२, ११; काठ ३५,१०: क ४८,८.
गणा(ण-अ)भिवर्धन[a]- -०न पै १९, ५४,७.
¶गणिन्- -णिनः तै १,४, ११, १: -णिनम्[c] मै २, २, ३; काठ ११,४; -णी मै २,२,३.
√गणि
गणक[d]- -कम् मा ३०,२०; का ३४.४,२.
ग(गय>)ण्या[e]- -ण्या ऋ ३,७,५.
?२गण- -णम्[f] पै २,८१,२.
गत-,गति-, गन्तु-, गत्वा, गत्वाय, गत्वी √*गच्छ् द्र.
√गद्, जगाद मै ४,९,१२¶[g].
√गध[h]
गध्य[i]- -ध्यम् ऋ ४, १६, ११: १६; -ध्यस्य ऋ ६, १०, [६; २६,२]; -ध्या ऋ ४,३८,४.
?गधीरः पै १३,५,५.
गनिग्मत्-, गन्तवे, गन्तवै, गन्तव्य-, गन्तु-, गन्तुम्, गन्तृ-, गन्तोस् √*गच्छ् द्र.
गन्ध[j]- -न्धः ऋ १,१६२,१०; मा २०, २७; २५,३३†; का २२,२, ४; २७,१३,२†; तै १,२,६,१;४,६, ८,४†; मै २,५,२¶; ३,१६,१†; काठ २७.३¶; ४६,४†; क ४२, ३¶; शौ ११,३,८; १२, १,२३-२५; १९,३८,१; पै १६,५३,१३; १७,३, ४;५; १४,७; १९, २४, १: २; २०,२०,२; -न्धम् ¶मै २, ५,२[5];४, २, १३[5]; काठ २७, ३¶; क ४२,३¶: शौ ८,१४,७;८; १२,१,२४: पै १७,३,५: -न्धात् पै ४,१४,३; -न्धाय मा २२,७; का २४,३,१; तै ७,१, १९,१; मै ३,१२,३; काठ ४१,१०; शौ ११, २,६, पै १६,१०४, ६: -न्धेन शौ ४,३७,२: ८,६, १०; १२,८,७; पै ५, ३०, ५: १३, ४, २:१६, ७९,१०;१४४,६;२०,२०,२.
?गन्ध-द्वा(र>)रा[k]- -राम्[l] खि २, ६,९.
गन्धर्व[m]- -र्वः १,१६३, २; ९,८३,४; ८५,[१२; १०,१२३, ७(८)][n]; १०,१०,४;८५,४०; ४१;१२३, ४; १३९, ५; ६; १७७, २; खि ४, १०, २; १०[5], २; ५,१२,३; मा २,३;९,१; ११,७; १७,३२; १८, ३८-४३; २९, १३†; ३०, १; ३२, ९; का २, १, ३; १०, १,१; १२,१,७; १८,३,८; २०, २,१-६; ३१,३, २†; ३४,१,१; ३५,३,६; तै १, १, ११, १; २, ९,१: ५,१०,२: ७,७,१; ३, ४, ७, १[6]; २[4]; ३[2]: ४,१,१,३; ६, ७, ३; ७, १†: ¶६, १, ६, ५; ११, ५; मै १, १, १२; ११, १; २, १०,३; १२,२[6]; ४,९,११[2]; काठ १,११: १३,१४; १५,११; १८,१;१४[6]; ४०,६; क १,११; २८, २; २९, ३[6]; कौ २, ११९७†[n]; शौ २, १, २; २,१-३; ४,४,१; ३७,११; १४,†२,

a) विप. । उस. । उप. कर्तरि कृत् ।
b) विप. (मरुत्-, अग्नि-), नाप. (मा. प्रभृ.)। उस. (तु. टि. अग्नि-श्री-, दीर्घविकल्पः उसं. [पावा ३,२,१७८], छान्दसव्याख्यायै तु. L. [३ ४२] च)।
c) पामे. कृते पृ १२११ l टि. द्र.।
d) नाप. (ज्योतिर्विद्-)। गणने धा. वृत्तिः।
e) विप. (गिर्-)। यना. स्वरः।
f) पाठः? *घन-> -नम् (नाप. [शल्य-]) इति शोधः। इदं धेहि *अध *घनं, यथा *वर्माऽतिरोहति । अयम् अयस्तर *आक्ष्योर, *वरंसम् *अपलुम्पतु इति च मन्त्र-शोधः द्र.। एतदनु पृ ८२२ ?अर्द-गण- इति निर्देशः प्रत्याख्यानः द्र., पृ ३९३ अयस्तराक्कुशः इति निर्देशो च अयस्तरः *आक्षि- (=अक्षि-) > आक्ष्योः इति द्विपदः शोधः स्यात् । एवं ?अथोमे इत्यपि यद्र.।
g) सपा. तैआ ४,२०,१ जगार इति पामे.।
h) धा. अर्थः ? । ग्रहणे इति प्रायोवादः (तु. या [५,१५] PW. प्रभृ.)। मिश्रीभावे इति [पक्षे] या. वें. सा., अभिकाङ्क्षायामिति वें. [ऋ ४,३८,४]।
i) विप. (वाज-)। कृत्यः यत् प्र. यना. स्वरश्च ।
j) नाप. (घ्राणगोचर-गुणविशेष-)। व्यु. ?।
k) विप. (श्री-)। बस.।
l) गन्धद्वाराम् इति स्वरे ? यनि. शोधः।
m) बप्रा.। (नाप. सोमरक्षक- प्रभृ.)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। (गान-हिमाद्रिस्त्र्यर्थेषु बहुप्रस्थानस्य सतः) √गन्ध् > (भाप.) गन्धर् (स)- + √मा (माने [=करणे]) > (कर्तरि) कः प्र. > *गन्धर्-म- (उस.) > (नैप्र.) यनि. इति तु मतम् (तु. टि. गन्धर्वी-)।
n) सपा. गन्धर्वः <> रोहितः इति पामे.।

३; ४; १८, १, ४†; २०,१२८, ३; पै १,७, १-३; २, ६, २; ४, १६, २; ९, ११, ७; १३,४,१६; †१८, ७, ३; ४; २०, ६१, ११; –र्वम् ऋ ८,१,११; ७७, ५; ९, ८६, ३६; १०, १३९, ४; तै ३, ५, ६, ३[a]; मै ४, ९, १५; शौ २,२,४; १४, २, ३६; पै १,७, ४; १८, १०, ६; –र्वस्य ऋ १, २२,१४; शौ ४,३७,७; ७,७७, ३; १४, २, ३५; पै १३, ४, ९; १८,१०,५; २०,१२,१; ३९, ७; –र्वाः ऋ ९,११३,३; मा ९,७; १२,९८; का १०, २,४, १३,६, २४; तै १, ७, ७,२; ६,१,६,५; ६; मै १, ११, १; ३,७, ३[२]¶; काठ १३, १४; ¶२४, १; ६[२b]; ¶क ३७,२[५]; ७; शौ ८, ५, १३; ७, २३; ९, १२, १०; ११, ७, २; १२, १, २३; ५०; १३, १,२३; १४, २, ९; पै २, २३, ४; ७६, ४; ४,५,१; ५, २६, ६; ७,११, ३; ८,११,६; ७[c]; ९,२५,१५; १३,४,११, १२; १६, १४, २; २८,३;९६,३;१३९,११; १५३, ३; १७,३,४; ५,८; १८,७,१०; १७,३; –र्वाः शौ ४,३७,१२; –र्वाणाम् ऋ १०, १३६, ६; मा २४,३७; का २६, ८, २; तै ५, ५,१६, १; मै ३, ६, २¶; १४, १८; काठ २३, १¶; ४७,६; क ३५,७¶; शौ २, २८, ६; पै ५, २९,२; ३०, ८; ३८, ६†; १३, ४,५; ६; १७, २४, ११; –र्वान् ऋ ३,३८,६; तै ५, ७, १५, १; ७,५, २५, २¶; काठ ५, ६; २५, ७¶; ५३, १; क ३९,५¶; शौ ४,३७,२;८;९; ८,६,१९; पै १३, ४, २; १३; १४; १६,८०, १०; –र्वाय ऋ १०, ८५,४१; शौ १४, २, ४; पै १८, ७, ४, –र्वेण पै २, २५, ४; –र्वैभिः शौ ७, ११४, ५[d]; –र्वेभ्यः तै ६, १, ६, ५¶; काठ २४, ६¶; क ३७, ७¶; पै ४, १८, ४; –र्वेषु खि ४, ८, ३; काठ २४, १¶; क ३७, २¶; –र्वैः शौ ४, ३४, ३; १०, १०, १३; पै ४, ९, ४[d]; ६, २२,३; १६, १०८,४.

गान्ध(र्व>)र्वी[e]– –र्वीम् ऋ १०,८०,६.

गन्धर्व जु(ष्ट>)ष्टा[f]– –ष्टाम् खि ४, ८,६.

गन्धर्व-प(ति>)त्नी[g]– –त्नीः पै १३, ४, १५; –त्नीनाम् पै १, ८९, ७; –त्नीभ्यः शौ २,२,५; पै १, ७,५.

?गन्धर्व-परिवादन[h]– –नम् पै ८, ३,९.

गन्धर्व-रूप[i]– –पेण खि ३, १५, १५.

गन्धर्व(र्व-ऋ)तु[j]– –तुना शौ १४, २,३४; पै १८,१०,४.

गन्धर्वा(र्व-अ)प्सरस्[k]– –रसः तै ३, ४, ८, ४[२]¶; ¶मै १,४,१२; ३, ४, ६; ४,२, १३; शौ ८,८, १५;१४,५[२]; ८; १०,९,९; ११, ८, ४; ९, २७; ११, १६; २४; १०, ५४, ४; पै ६, १८, ४; ९, २३,१४; १२,२,१४; १५, १३, ३; १६,३०,५; ७८, ३; ८४,५; १३५, ६[२]; १३६,९; –०रसः पै १०,१४,१; –रसाम् तै ३,४, ८, ८¶; शौ १९, ३६, ६; पै २, २७, ५; –रोभ्यः[l] मा ३०, ८; का ३४,१,८.

गन्धर्व-ष्ठा[m]– –ष्ठाम्[a] न १, ३, १; काठ ३,९; क २,१६.

†गन्धर्वी[n]– –र्वीः ऋ १०, ११, २; शौ १८,१,१९.

---

[a]) सपा. समुद्रेष्ठा गन्धर्वम् <> समुद्रं गन्धर्वेष्ठाम् इति पाभे.।

[b]) सपा. गन्धर्वाः <> सकृत देवाः इति पाभे.।

[c]) पाठे? यनि. पदमधिकर्मान्त कृत्वा तदश्रुतिरूपः शोधः?। [d]) सपा. °र्वैभिः <> °र्वैः इति पाभे.।

[e]) विप. [पथ्या- (तु. GW. GRV. प्रमृ.; वैतु. निघ १,११ वें. सा. नाप. ⌊वाच्-⌋)]। तस्येदमीयः अञ् प्र. उसं. (पा ४, १, ८६)। पादः? स च °मृतस्याग्ने° > °मृतस्याहा (°स्य,आह ⌊क्रिप.⌋, अ)ग्ने° इति कृत्वा छन्दस्तः सुपठः द्र. (वैतु. सा. GRV. क्रिप. आक्षेपुकाविति)।

[f]) विप. (मेधा-)। तृस.। [g]) विप. (अप्सरस्-)। बस.।

[h]) विप. (आञ्जन-)। उप. पाठः?। प्रतिकूलः वासः (गन्धः) > ⌊कस.⌋ *प्रति-वास- > √प्रतिवासि > (कर्तरि) *प्रतिवासन- इति शोधः (=गन्धेन गन्धर्वाणां प्रतिनुद्- ⌊तु. मूको. °वाच (<*श <*स) न- इति पाठः⌋)।

[i]) गन्धु° इति पाठः?।

[j]) षस. अन्तोदात्तः।

[k]) द्वस. अन्तोदात्तः।

[l]) सपा. तैब्रा ३,४,५,१ राभ्यः इति पाभे.।

[m]) विप. (समुद्र-)। उस. उप. विजन्तम्।

[n]) विप. (ग्रोषणा-)। व्यु. ?। गन्धर् (स- ⌊तु. टि. गन्धर्व-⌋ + -मी- (<√मा ⌊माने⌋ कर्तरि कृत्) उस. >

ग(,गा)न्धारि[a]— -रिभ्यः शौ ५, २२, १४; पै १३,१,१२; —रीणाम् ऋ १,१२६,७[b].

गभ[c]— -भे मा २३,२२;२४; का २५, ६, २; ४; तै ७, ४, १९, ३: ४: काठ ४४,८[२].

गभस्ति[d]— -स्तिना तै ६, ४, ५, ३¶: —स्तिम् ऋ १, ५४, ४: —स्ती ऋ ६, १९, ३; ७, ३७, ३: काठ २७, १¶; क ४२, १¶: —†स्तौ ऋ १,६२, १२: २, १८, ८: ६, २०,९; १०,४४,२; ६१,३:७३, ८; मा ७, १७:. का ७, ७, २: शौ २०, ९४, २: —†स्त्योः ऋ १, ६४, १०; ८२, ६; ८८, ६: १३०, ४: ३, ६०, ५; ५, ५४, [११ (८, ७, २५)]: ८६, ३: ६, २९,२: ४५, १८: ८,१२,७: ९, १०,[२; १३, ७], २०,[६; २६, ४; ६४,५; ६५, ६[e] (९९, ६)]; ७१, ३; ७६, २; १०७, १३; ११०, ५; १०, ९६, ३: कौ २, ११८;३२३; ३८५;४७०;५४३; ५७९; ८५७; जै ३,१२,५;२६, ९: ३१,५; ३४,५; ४२,९; ४७, ५; शौ २०,३०,३.

गभस्ति-पूत[f]— -तः ऋ९, ८६,३४; मा ७,१: का ७,१,१: तै १,४,२, १;६,४.५,३: मै १. ३,४: काठ ४, १:२७,१: क ३,१: ४२,१; —तम् ऋ २,१४,८.

***गभि**[g]—

गभि-षज्[h]— -षक् शौ ७, ८,१; पै २०,१,६.

गभीर,रा[i]— -रः ऋ ३. ३२, १६ : ७, ३३,८: मै ४, १४, ७[२]: शौ ५, ११, ३: पै ८, १, ३; —रम् ऋ १,२४, [३: ९, ८८, ८]; १०८, २:३, ४६, ४: ४, ५, ५: ६; ५, ८५, १; १०, ४७, ३; १२९,१; खि २, ५, १; मा ६, ३०[j]; का ६,८,१[j]; मै १, ३, ३[j]; ४, १४, ८†; काठ १२,१५†; —रा ऋ १, २४, ९[k];७,३२,६; खि १,९,६; मै १,३,३९†[k]; काठ ४,१३†[k]; क ३, ११†[k]; पै १४, ४,२[l]; —†राः ऋ २, २७,३; ६,७५, ९; ८,१६,४; १०, १०८,४; मा २९, ४६; तै ४,६. ६,३: मै ३, १६, ३; काठ४६,१; पै १५,१०, ९; —रे ऋ ४, २३, [१० (१०, १०८, २)]; ४२, [३; ५६, ३]; ८, ६७, ११: मै ४,१४,७†; पै ४,३३,६; १६,१५३,९: —ऽरे[m] ऋ १०,१०८,[२(४,२३,१०)].

गभीर-वेपस्[n]— -पाः ऋ १, ३५,७.

√गम् √*गच्छ् द्र.

?गम् पै ५,३२,९;६,१०,९.

***गम्—**, गमध्ये प्रभृ. √*गच्छ् द्र.

गम्भन्[o]— -म्भन[p] मा १३, ३०;

नैप्र. यनि. इति मतम् (वैतु. वे. सा. WG. प्रभृ. नाप. स्त्री. <गन्धर्व— इति)।

[a]) नाप. (ग[,गा]न्धार- देश-)। व्यु. ? । *भगम्— (=भग—) > *भगस्वन्त- (=भगवत्-) + (*वृन्ति- > नैप्र.) *वारि— (=निवास-) > (बस.) *भगस्वन्त-वारि— > नैप्र. यनि. इति मतम् । आद्यौ दीर्घविकल्पः (तु. पै. मूको.)। व्यु. उत्तरे टि. अपि द्र. ।

[b]) सा. [पक्षे] यनि. प्रांति. (नैप्र. इव) < *गर्भ-धारिणी— इत्यपि मेने, स्वरविरोधात् संबन्धाभावाच्च तदुपेक्ष्यम् ।

[c]) नाप. (क्रधु-)। =भग- [वर्णव्यापत्त्या] इति भा.सा. [तै.], उ. म. PW. प्रभृ.; =गर्भ- इति [पक्षे] भा. (एवमपि तात्पर्येऽभेदः [तु. पंजा. गभ्भे इति])। व्यु. ? । < √गभ् [=√ गम्भ् = √जम्भ्] इति PW. प्रभृ. । कर्त— + (√भृ [धारणे] कर्तरि) > *भ्र— > (कास.) *कर्त-भ्र— > नैप्र. यनि. इति मतम् ।

[d]) विप. (अशनि-), नाप. (हस्त-, रश्मि- प्रभृ.)। बप्रा. सद् बहुव्युत्पत्तिकं द्र.। [e]) पाभे. कृते पृ ६८४ n टि. द्र.। [f]) विप. (सोम-)। तृस.।

[g]) भाप.। < √*गभ् (दीप्तौ [तु. दीप्त्यर्थे गो— इति; वैतु. सा. W. प्रभृ. =गम्भीर- इति])।

[h]) विप. (धामन्— [वैतु. PW. प्रभृ. क्रिवि.])। उस. उप. √*सज् [सज्जायाम्] > कर्तरि सज्— इति ।

[i]) =गम्भीर—। विप. (अवत-, सवन-, सुमति- प्रभृ.)। व्यु. ? । < √*गभ् [गहने (तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. < √गम् इति [पाउ ४,३५], पक्षे अभा. < √गा इति च)] ।

[j]) सपा. गभी° (माश ३,९,४,५ च) <> गम्भी° इति पाभे.। [k]) सपा. गभी° <> गम्भी° इति पाभे.।

[l]) सपा. गभीरा <> गम्भीरः इति पाभे.।

[m]) नु इत्यनेन व्यवधानेऽप्य् आमन्त्रितस्वरः (तु. GW.)।

[n]) विप. (सूर्य-)। बस.।

[o]) नाप. (अगाध-प्रदेश-)। व्यु. ? । < √*गम्भ् (गहने) इति ।

[p]) सपा. गम्भन् (माश ७, ५,१,८ काश्री १७,५, १ च) <> गम्भीरम् (आपश्री १६, २५,२ च) <> गह्वन् (माश्री ६,१,७,२२ च) इति पाभे. ।

• क्रा १४,३,४.

गम्भर[a]– -रेषु ऋ १०,१०६,९.

गम्भीर,रा[b]– -रः ऋ २, २१, ४; शौ १९, ४९, २[c]; –रम् तै १, ४, १,१[d]; काठ ३९, ३[e]; शौ १९, ५०, ३; पै ११, १, ४; १४, ४, १३; –रया ऋ ६, १८, १०; –रा तै १, ४, ४५, १[f]‡; –रान् शौ ५, ३०, ११; पै ९, १४,१; –†रान् ऋ ३, ४५, ३; कौ २, १०७०; –राय ऋ ६, ६२, ९; –रे ऋ ६, २४, ८; शौ ४, २६, ३; ११,७,८; १९, २, ३; पै ८, ८,९; ९, ११, ९; –रेण ऋ ६, २४, ९; –रेभिः[g] मै १, १०,३; काठ ९, ६; क ८, ९; –रैः[g] तै १,८, ५,२; शौ १८, ४, ६२; ६३.

गम्भीर-चेतस[h]– -०तसा ऋ ८,८, २.

गम्भीर-वेपस्[i]– -पसः ऋ १०, ६२,५.

गम्भीर-शंस[j]– -सः ऋ ७, ८७, ६.

गम्भीरा(र-आ)वर्त–नाभि[k]– -भिः खि २,६[३],२६.

गय[l]– -यः ऋ ६,२,८; १०,६४,१६; तै ४, ४, ८, १; काठ ३९, ११; पै १९, ४४,६; २०, ६१,११; –†यम् ऋ १,७४,२; ५,१०,३; ४४,७; ६,७१,३[m]; ७४,३; ७,१८,१३; ३२,७; ८, २४, २२; ४५, १३; ९, २३,३; ८१,३; १०, ६६, ३; ९९,५; खि २, ४, २; मा ३३, २९[m]; ८४[m]; का ३२,५-६,१५[m]; तै १,४,२४, १[m]; ८, २२,५; मै ४, ११,२; काठ ४, १०[m]; ११, १२; क ३, ८[m]; कौ २,७३०; शौ ७,४३,१; ८९,१[m]; २०,६६, १. पै १,१०९,१; –यस्य ऋ ७, १९, १; शौ १, १४, ४; ६, ३, ३; २०, ३७, १†; पै १,१५,४; –यान् पै ४,१३,७; –ये मा २७, ३; का २९, १, ३; तै ४, १,७, २; मै २, १२, ५; काठ १८, १६; क २९, ४; जै ३, १, १; शौ २, ६, ३; –येन ऋ १०, ६३,[१७; ६४,१७]; –यैः पै ३, ३३,७[m].

†गय-साधन[n]– -नम् ऋ ९, १०४, २; कौ २,५०८; जै ३, ४०, ४?[o].

†गय-स्फान[p]– -नः ऋ १, ९१, १२; १९; ७, ५४, २[q]; मा ४, ३७; का ४, १०, ८; तै १,२, १०, १; ४, ३, १२, ५; मै ४, १०, ४; १२, ४[r]; काठ २, १४; ११,१३[?]; पै ७,५,९.

?गय[r]– -ये[r] ऋ ८,४१,७.

गर[s]–

¶गर-गिर्[t]– -गीः मै ३,६,७.

---

a) =गम्भन्- । नाप. ।

b) =गभीर- । विप. (इन्द्र-, उदधि-, हेति- प्रभृ.) । व्यु. ? । < √*गम्भ (गहने) ।

c) पाभे. क्रते पृ १२१४ *l* टि. द्र. ।

d) पाभे. क्रते पृ १२१४ *j* टि. द्र. ।

e) पाभे. क्रते पृ १२१४ *p* टि. द्र. ।

f) पाभे. क्रते पृ १२१४ *k* टि. द्र. ।

g) सपा. °रेभिः (मंत्रा २, ३, ५ आश्रौ २, ७,९ च) <> °रैः (हिगृ २,१०,५; १३,२ च) इति पाभे. ।

h) विप. (अश्विन्-) । बस. ।

i) विप. (अङ्गिरस्-) । बस. ।

j) विप. (वरुण-) । बस. ।

k) विप. (लक्ष्मी-) । बस. । पूप. कस. ।

l) नाप. (गृह- [निघ २,१०], धन- [निघ ३,४] प्रभृ.), व्यप. (ऋषि-विशेष-) । बप्रा. सद् बहुव्युत्पत्तिकं द्र. । < √गम् वा √गा वा √गै वेति दे. [निघ ३, ४], < √गि वा √जि वेति GW. WAG [१, १२५] MG [३७ *d*] प्रभृ. ।

m) सपा. गयम् (तैत्रा २, ४, ४, ७ च) <> गयैः <> वृधे इति पाभे. ।

n) विप. (सोम-) । उस. ।

o) गायः इति पाठः? यनि. शोधः ।

p) विप. (सोम-, वास्तोष्पति-, इन्द्र-) । उस. उप. √स्फाय् + कर्तरि ल्युः प्र. वर्णलोपश्च (पाम ६, १, ६६) ।

q) =सपा. पागृ ३,४,७ मागृ २,११,१९ हिगृ १,२८, १ । आपमं २,१५,२० तु पाठाऽभावः ।

r) अर्थः व्यु. च ? । =रथ- इति वें. सा., =गय- [=गृह-, धन-] इति पुरस् इत्यनेन योगे सप्त. चेति GW. ORN. प्रभृ. । असंवृग्-भावे गृह्याः > (नैप्र.) *गयाः (> *गयाय् >) यनि. [वरुणस्य पुरोऽन्ये सर्वे देवा वन्दिनः सन्तो यथानियोगं किङ्करा एवेति भावः] इति मतम् । एवं-स्थिते यनि. गय- (नाप. [वन्दिन-]) > (सर्वनामवद्भा-वोपचारेणेव) प्र३ इति ।

s) नाप. (विष-) । व्यु. ? । < √गॄ (निगरणे) इति अभा. । < √*गृ (= √कॄ [हिंसायाम्]) इति मतम् ।

t) विप. । उस. ।

गर-गीर्ण[a]- -र्णः शौ ५, १८, १३; पै ९,१७,४.

गरीयस्- गुरु- द्र.

*गरुड[b]- -डस्य खि २,१,३.

गरुड-पक्ष-निपात[c]- -तेन खि २, १,२.

गरुत्-मत्[d]- -मान् ऋ १,१६४, ४६; १०, १४९, ३; मा १२, ४[2]; १७,७२; का १३,१,४;६; १८, ६, ८; तै ४, १, १०, ५; ६,५, ३, ५, १, १०, ५; मै २,७,८[2]; १०,६;३,२,१; ३,९; काठ १६, ८[2]; १८, ४; १९, ११; २१,९; क २८,४; ३१, १; शौ ४,६,३; ९,१५,२८†; पै ५,८,२.

गर्ग[e]- -र्गाः[f] पै ८,१५,२.

गर्गर[g]- -०र[h] पै १३,१४,११; -†रः ऋ ८,६९,९; शौ २०,९२,६; -राः शौ ४,१५,१२; पै ५,७, ११; -राणाम् तै ३, ३,९,२; मै २,५,१०; ४,२, १०; काठ १३, ९; शौ ९,४,४; पै १६,२४,५.

†१गर्त[i]- -र्तम् ऋ ५,६२, ८; ६८, ५; ७, ६४, ४; मा १०, १६; का ११,५,७; तै १, ८, १२, ३; मै २, ६, ९; काठ १५, ७; कौ २, ८१७; जै ३,५७,७; -र्ते ऋ ५, ६२,५;६,२०,९.

†गर्त-सद्[j]- -सदम् ऋ २,३३,११; तै ४,५,१०,४; शौ १८,१,४०.

गर्ता(र्त-आ)रुह्[k]- -रुक् ऋ १, १२४,७.

२*गर्त[l]-

¶गर्त-मित्[m]- -मित् तै ६,६,४,२; काठ २५, १०; २६, ५; ६; क ४०, ३; ४१,३; ४; -मितम् तै ६,६,४,२.

गर्त-स्था[n]- -स्थाः मै ३,९,४¶.

¶गर्त्य[o]- -र्त्यः काठ २६, ३; क ४१,१.

गर्दभ[p]- -भः मा २४, ४०; का २६, ८,५; तै ५, ¶१, २,१; ३; ५[3]; ७; ५,१९,१; ७,१,१,२¶; ¶मै १, ५, १०; २, २, ४; ३, १,६; १४, २१$; काठ ७, ७¶; १९, ५[2]¶; ४७,९; क ३०, ३[2]¶; पै १९,५१,११; २०, ३९,२; ५२, ११; -भम् ऋ १, २९, ५; ३, ५३,२३; तै ५, १, २, १[2]¶; मै ३, १, ३[2]¶; काठ १९, २¶; क २९,८¶; शौ २०, ७४,५†;

a) विप. (राजन्य-)। उस. उप. कर्तरि कः प्र. उसं. (पा ३, ४,७२) थादि-स्वरश्च (वैतु. नारायणः [आश्रौ ९, ५,१] बस. इति स्वरानुपपत्तेः)।

b) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु. ?। <√गॄ [निगरणे] इति (पाउ ४,१५६), गरुत्- + √डी इति अभा.। *भग-र्- [=वर्ण-युक्त-] + पुत्र- [बस.] > नैप्र. यनि. इति मतम्।

c) तस. अन्तोदात्तः। व्यु॰ इति स्वरे ? यनि. शोधः।

d) व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। गरुत्- (भाप. <√गॄ [निगरणे]) + मतुप् प्र. इति या [७,१८], पक्षे गुरु- + आत्मन्- > बस. इतीव च। *भग-र्- (=दीप्र-) + *वृत्- (=तेजस्-) > (कस., नैप्र.) गरुत्- + मतुप् (=दीप्रतेजोयुक्त- [सुपर्ण- =सूर्य-]) इति चाऽथ *भग-र्- + *वृत्- (=पत्र- [तु. टि. गरुड-]) > (कस., नैप्र.) गरुत्- + मतुप् (=दीप्रपक्षयुक्त- [सुपर्ण- =पक्षिन्-]) इति च यथाप्रकरणं द्वितयं मतम्। e) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?। <√गॄ [शब्दे] इति मतम्।

f) बहु. < गार्ग्य-। गा॰ इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)। g) नाप.। बप्रा. सद् बहुव्युत्पत्तिकं द्र.।

h) अर्थः ?। <√गॄ (शब्दे) इति कृत्वा प्रवक्तृ-पर्याय इति मतम्।

i) नाप. (रथ-, आसन्दी-, उच्चासन- प्रमृ.)। व्यु. ?। बप्रा. सद् बहुव्युत्पत्तिकं द्र.। <√गॄ [शब्दे] इतीव या [३, ५] प्रमृ.। j) विप. (रुद्र-)। उस.।

k) विप. [उपस्- (वैतु. या [३,५] प्रमृ. दाक्षिणाजी- स्त्री- इति, वें. ?, सा. न्यायप्रार्थिनी- इति, HL. नर्तकी-, गायिका- इति च कृत्वा नाप. इति)]। उस. उप. कर्तरि प्र.। अत्र इव-शब्द उत्प्रेक्षायां द्र. (वैतु. या. प्रमृ. उपमायामिति)। उपसः सर्पादि विभातनिमित्तं यच्च शीघ्रत्वं तदेव तस्या गर्तारोहणेन प्रत्यायानपर्ताया कारणं द्र. (तु. मस्थ. टि. ह(स्र>)स्रा->-स्रा)।

l) नाप. [(श्मशानवद् दक्षिणाप्रवण- [तु. भा. K.]) अवट-]। कर्त- > नैप्र. यनि. इति मतम् (तु. MW.; वैतु. <√गॄ (निगरणे) इति [पाउ ३, ८६?])।

m) नाप. (यूपंकादशिनी- [तै.], औदुम्बरी- [काठ. क.])। उस. उप. <√मि (प्रक्षेपणे) + कर्मणि क्विप् प्र. इति।

n) विप. (यूप-)। उस. विजन्तम्।

o) विप. । अर्हाद्यर्थे यत् प्र.।

p) नाप. (खर-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√गर्द् इति (पाउ ३,१२२) MW. अभा., <√गर्ध् (<√गृध्) इति GW.?।

पै २०,३८, ३; –¶भस्य मै २, ५, १; काठ १३, १; –भाः पै १९, ३८, १०; २०, २४, १०; –भानाम् ऋ ८, ५६,३; खि ३, ८,३; –¶भे तै ५, १, ५,४; ७; ७, १, १, २; मै ३, १, ६; काठ १९, ५; क ३०, ३ ; शौ ५, ३१, ३$; –¶भेन तै ५, १, ५, ५^{३}; मै ३, १, ३; काठ १९, २; क २९,८; –भौ खि ५,२२,२[a]; शौ २०,१३६,२.

गर्दभी– -भी शौ १०, १, १४; पै १०, १. ८; १६, ३६, ४; –भीः पै १७, १४, ४; २०, १९,७[b].

गार्दभ[c]– -भम् शौ ६, ७२, ३; पै १९,२७,१५.

गर्दभ-नादिन्[d]– -दिनः शौ ८, ६, १०; पै १६,७९, १०; –दिनम् पै ६,१४,२.

गर्दा[e]– -र्दा तै ३,१,११,८[f].

१गर्भ[g]– -०र्भ ऋ ९,८२,४; शौ १९, ५७,३; पै ३, ३०, ३; –र्भः ऋ १, ७०, २^{६}; ९५, ४; १५२, ३; १६४, ९; २,१,१४: १०,३; ३, १,१२; ५,३; २९,२; ११; ३१, ३; ५,२,२; ४५,३; ७८, ७; ६, १५, १; ४७, २८; ७, ९,३; ८, १२,११; ९, ६८, ५; ९७, ४१; १०,१,२; ८,२; २७, १४; ३०, ८; ४५,६[h]; ७९, ४; १६८, ४; खि २,८, ३; १०,१; २; ५; मा ८,२६; २८; २९; १०,३^{२}; ११, ४३†; ४८; १२, २३†[h]; ३७^{६}; १९, ७६; ८७; २९, ५८†; ३७, १४; का ९,४,४; ५,१; २; ११, २, ३^{२}; १२, ८, ६†: १२; १३, २,६†[h]; ३, ८^{६}; २१, ५,३; ६, ८; ३७, ३, १; तै १,४,४५,३; २,१, २, ६¶; ३,३,५,३¶; ९, ९[i]; १०, १; ४,१,१; ३¶;२,२; ४,१, ४, २†; ४; २,२,२†[h];३, ३^{६}; ३, ११,५[j]; ६, ६, ६†; ५, १,५,३†; ४¶;८¶; १०: ५,१, ६¶:६,९,१¶; ¶६, १,३,२;२, ५,३: ५^{२};५,६,३;६,३,८$:¶मै १,६,१२:१०,६:२,५,२;७,८†; ५$; १०^{६};‡[k]; $^{३}: ३,१,५^{२}:†: ६; ६, ७^{२}: ८, २; $११,६: ९: १६,३†; ४,४,८; ९^{२}; ७,४; ९, ६$; काठ ४, १३: ११, ६¶: १३, १^{२}¶; ९^{२१}; १०^{२}; ¶: १६, ४^{२}; †; १०^{४}; ¶१९,५^{२};†:१०; ¶२३, २; ३^{२}; ६: २४, ९¶; २६,७¶; २९, ३^{२}; ¶३५, १३; ३६, १¶; ३८, १: ३; ३९,८^{६}; ४६, १†; क ३, ११; २५, १; ¶३०, ३^{२}; †;८; ¶३५,८;९^{२}; ३८, २¶; ४१, ५¶; ४८, १३; †कौ १,७९;५४२;२,६०५; †जै १,८,७; ५५,९; ३, ४९, २; शौ ३,२३,२; ५; ५, २५,७^{३};९; ६, १७, १-४; ९५, ३^{२}; १२१, ४; १२५, ३† ; ८, ७, ८; ९, १, ५;२१;३,२१;१४,९†;१५,२३; ११, ६, २०; ७, ७; ९, ६; १३, १, ४[m]; १९,४४,५; पै २, ३२, ३; ३, १४, २; ५; ५, १२,६^{२}; ३७,३; ८; ८,१४, ४†; ११,१, ३; ४; १३,२,६^{२}: ७; ९; १७;५, ४:१४,१६; १५,३,५, ११,७†; १६, १२, ८; २२, १०; ३२,५; ३४, १:४०,८; ५१,४; ६६,९†; ६९, १२; ८२, ६; १२९, ७; १५३, ७: १८,१५,४; २५,८†; १९, ४, ७-९‡[n]; ३२, ६; २०, २१,९†; २६,१;३;४; –र्भम् ऋ १, ९५,२; १३०, ३; १५६, ३; १५७, ५; १६४, ३३: ⌊५२; ३, १, १३⌋; १७३,३; १८५,२; २, १८, ७: ३५,१३; ३,१,६; १०; २, १०: २७,९; ३१,२;६; ४६, ५: ५७, ३; ४,७,९; १९,५; ५, ४१,१०: ४७, ४; ५८, ७; ८३,

---

a) गु° इति स्वरे? यनि. शोधः ।

b) सपा. शौ ७, १२०,४ विशिष्टः पाभे. ।

c) विप. (पसस्-)। तस्येदमीयः अञ् प्र. जित्स्वरश्च ।

d) विप. । उस. णिन्यन्तम् ।

e) अर्थः व्यु. च ?। विप. ⌊कन्या-⌋ इति भा. सा. MW. PG. । नाप. (धूलि-) इति तु मतम् ।

f) पाभे. कृते पृ ११३३ b टि. द्र. ।

g) नाप. (गर्भाशय-, भ्रूण-, योनि-)। व्यु. ?। <√गृभ् इति PW. GW. प्रमृ., <√गॄ (निगरणे) इति (पाउ ३,१५१) ।

h) =सपा. आपमं २,११,२६। मै २,७,९ काठ १६,९ तु विशिष्टः पाभे. ।

i) सपा. गर्भः <> पतिः <> रसः इति पाभे. ।

j) सपा. गर्भः (पागृ ३,३,५ च) <> धाम<> धामन् इति पाभे. ।

k) सपा. गर्भः <> गर्भे (माश ६,८, २,४;१२, ४, ४,४ च) इति पाभे. ।

l) सपा. सकृत् गर्भः <> वत्सः इति पाभे. ।

m) सपा. तैब्रा २,५,२,१ विशिष्टः पाभे. ।

n) सपा. गर्भः <> मनः इति पाभे. ।

१; ७; ६,४८,५; ५२,१६; ६६,
३; ६७,४; ७, ४, ५; १०१, १;
१०२, २; ८, ६,२०; ९,१९,५;
७४,५; ७७, ४; ८३, ३; १०२,
६; १०,२१, ८; २७, १६; ४६,
५[a]; ६८,७;८२, ५; ६; ९१, ६;
१२१,[७ (८)]; १६२, [१;
२][b]; १८३,३;१८४,१[c]; २[१]; ३;
खि ४,१३,१[d]; २[१]; ५,७, १,२;
मा २, ३३; ११, ४६; १३,४१;
१७,२९†; ३०†; ३२:१९,९४;
२३,६३: २७, २५†: २८, २५:
का २,७,६: १२,४,१०:१४,४,
४: १८, ३, ५†; ६†:८; २१,६,
१५; २५,१०,११: २९,४, ३†:
३०, ३, २: तै २,६,१,७¶: ३,
१,†११,३;६; ३,५,१:१०,२[e];
४, ¶३,१; २: ४, १, ४, ३; २,
१०,१, ३,११,३: ६, २, ३[२]†;
४; ५,१,५,७; ६,१,१; ९, १¶:
मै १,३,१२: ५, ६¶: ८, ५[२]¶:
२, १. १२¶: ७, ४: १७; १०,
३[२];†[१]; १३,१; १५[८]; २३†: ३,
१,६; ११,९: ४,४,९[२]¶; ६,३;
१३, २†; १४, ७†; काठ ६,
५[१]¶; ¶७,५; १५; ११, ६[२]¶:
१३†; १२, ५¶; ¶१३, १; ३;
९[२e]; ११; १२[१]; ¶; १५, १३;
१६, ४†;१७; १८, १[१];†; १९,
५;२३,६¶; २४.९¶; २७,१¶;
३१,१४; ३५,३†; ३८,३; ३९,
१०; ४०, १†; क ४, ४[१]; ५,
४¶; ६, ५¶; २८,२[१]; †; ३०,
३;३८,२¶; ४२,१¶; ४८,४†;
†कौ २, २२७; ८२९; ११७४;
३,२,२; †जै २,५,१०; ३,२०,
११; ४,२६,१०; शौ १,११,२;
३३,१-३; ३,१०,१२; ४,२,६†;
८; ५,२५, २[२]; ३[१]†; ४[४]; ५†[c];
७; ८; ६, १७,१; ७,२,१; ४०,
१†;८,६,१८;२०;९,१५,१२†;
११,६,२६; ७, ३; १३,१, १६;
†२०, १६, ७; ९६, ११; १२;
पै १,५,२; २५, १-३; १०६,४;
२, ७२, ३; ७४, ४; ४, १,७†;
८; ५,५,१-९; १२, ८[१]; ३७,७;
६,१०,१;२; ७,११,२; ८, १४,
२†; ११, १, १; ८, ९[२]; १०†;
११; १३,२,१[२]: ३; ४[१];५[१]; ६;
१५; ५,९; १४, १६; १४,१,२;
३†;४;१६,२३,६;६९,२†;८०,
९:८१,१; १५३,२; १८,१६,६;
२५, ७‡[f]; १९, २६,६; ५५,८;
१०; २०, १, ३; ९, ८†; २५,
१०; २६, २; –र्भस्य मै ४, ८,
९¶; काठ ८, ५¶; क ७, १¶;
शौ ५, २५, १; पै १३, २, ७;
–र्भाः ऋ १०, ७३,२; मा १४,
२३; २५; का १५, ७, २; ८,३;
तै ४,३,८,१; ९,२; ७, १०, १:
५,¶२, ३, ४[२]; ४,३; ४,८, ५;
९, १¶;¶६,१, ३,३[१]; ७,२; २,
५,३; ¶मै १,६, १२[१]; $२, ८,
४; ५; ३,२,१; ६,७; ७,५[२]; ४,
६,३; ६; ९[२]; ८,८; ¶काठ १७,
४[१]$; १९, ११; २०,४; १३$;
२३, ४; २४, ५[१]; २८, ६; ¶क
२६, ३[२]$; ३१, १; ६; ३६, १;
३७, ६[१]; ४४,६; शौ ५,१७,७;
पै ९, १५,७; ८; –¶र्भाणाम् तै
५, ६, ९, १; ६,१,७,२; मै ३,
२, १; काठ १९, ११; २४, ५;
२८,६; क ३१, १; ३७,६; ४४,
६; –र्भाव तै ४,२, १०, ४; शौ
१०,१०,२३; पै १६, १०९, ३;
–र्भान् मै १,८, ७¶; ४,२,११;
५,४¶; शौ ८,६,२३; २५;११,
६,३; पै ५,९,६;७; १६,२१,३;
८१,५; ६; १७, १३,३; १४,८;
–र्भाय शौ ६, ८१, २; पै १९,
१७, ४; –र्भे ऋ १, ६५, २;
१४८,५; ४,२७,१; ६,१६,३५;
८, ४३, ९[g]; ८३, ८; १०,१०,
५; ५३, ११; १७७, २; खि ३,
१०[२],१; मा ११,५७; १२,२३;
३६†[g]; ३१, १९; ३२, ४; का
१२,५,८; १३,३,७†[g]; ३५, २,
३; ३, ४; तै ४, १, ५,३: †२
३, ३[g]; ११, ३[k]; मै २, ७, ५
काठ १६,५;१०†[g]; क २५
१†[g]; कौ २, ७४७†; जै ३
२२,२†; शौ १०, ८,१३; २८
११,६, १४: १३, ३, २०; १८
१, ५†; पै २,३२,३; ७,३,११
९, २२, ३; १६, २२,४; १०२
२;१०३,५; १५१,१०; –¶र्भे
तै ६,५,१०,३; मै ४, २, १; १
४; काठ २७, ९; –र्भ्यः १
१,१४६,५; मै १, १०, ११[e]

a) सपा. गर्भम् <> गीर्भिः इति पाभे. ।

b) सपा. गर्भम् <> तन्वाम् इति पाभे. ।

c) पाभे. कृते पृ ११८५ *o* टि. द्र. ।

d) =सपा. तैआ १,१२,१ आपमं १,१२,७ मागृ २, १८,४ तु पुनर्(:) इति पाभे. ।

e) सपा. सकृत् गर्भम् <> महिमानम् (माश ४,५ २, १२ च) इति, अन्यत्र शौ १, ११, ५ कुमारम् इति च पाभे. ।

f) सपा. गर्भम् <> सुमुखम् इति पाभे. ।

g) पाभे. कृते पृ १२१७ *k* टि. द्र. ।

¶काठ ३६, ६; १४; -र्भेषु पै ५,१५,३.
गर्भ-करण[a]- -णम् शौ ५, २५, ६; पै १३,२,१६.
गर्भ-कृत्- -कृतः पै ११,१,१२.
गर्भ-कृत्वन्- -त्वनः पै १३, २, १८?[b].
†गर्भ-त्व- -त्वम् ऋ १, ६, ४; कौ २, २०१; जै ३, १८, ८; शौ २०,४०,३;६९,१२.
गर्भ-दूषण- -णः पै ७,१९,५.
गर्भ-ध्र[c]- -ध्रम् मा २३, १९[2]; का २५,५,३[2]; तै ७, ४, १९, १[2]; मै ३, १२, २०[2]; काठ ४४, ८.
†गर्भ-धि[d]- -धिम् ऋ १, ३०, ४; कौ १, १८३; २, ९४९; जै १, १९,९; शौ २०,४५,१.
¶गर्भ-मृत्[e]- -मृतः मै ४,८,८.
†गर्भ-र(स>)सा[f]- -सा ऋ १, १६४, ८; शौ ९, १४, ८; पै १६,६६,८.
गर्भा(र्भ-अ)दु[g]- -दम् शौ २, २५, ३; पै ४,१३,६.
गर्भा(र्भ-आ)धान[h]- -नः पै ५, १२, ८[i].
गर्भिन्[j]- -र्भिणः पै १३,२,७.
गर्भिणी[k]- -ण्यः[l] तै २, १, २, ६; -णी मै २, ६, १३[2]; ४, ४, ९[2]¶; पै १३, २, ७; -णीः ¶मै २,५, २; ४,४, ८; ¶काठ १३,१[4]; पै १३,२,७; -णीभिः कौ १, ७९‡[m]; जै १, ८,७‡[m]; -णीम् तै १, ८, १९, १¶; -णीषु ऋ ३,२९, २[m]; -¶ण्या मै १, ८, ५; काठ ६, ५[3]; क ४, ४[3].
२गर्भ[n]- -र्भाः काठ १३,१२.
¶गर्मुत्[o]- -मुन् तै २,४,४,१; २; मै २, २, ४[2]; -मुतः मै २, २, ४; -र्मुतम् काठ १०,११[2].
¶गार्मुत[p]- -तम् तै २,४,४,१; ३; मै २,२,४[2]; काठ १०,११[4].
√गर्ह्, गर्हसे ऋ ४,३,५.
√गल[q] (बधा.)
गल[q]-
गल-भू(प>)पा[r]- -पाः पै २, ३३,५.
?गलत्तख पै १, ५९,१.
?गलन्ती[s] पै १६,१२४,१०.
गलन्तिका- -काम् पै १६,१२४,१०.
†गल्दा[t]- -ल्दया ऋ ८, १, २०; कौ १,३०७; जै १,३२,५.
गवक[u]- -कस्य पै ८,७,३.
गवय[v]- -यः[w] तै ५,५, ११, १; काठ ४७, १; -यम् मा १३, ४९[2]; का १४,५,३[2]; तै ४,२, १०,३; मै २,७, १७[2]; काठ १६, १७[2]; क २५, ८[2]; -यस्य ऋ ४,२१, ८; -यान् मा २४, २८; का २६,६,३; मै ३,१४,१०.
गवयी- -यी[w] मा २४, ३०; का २६,६,५; मै ३,१४,११.
गवाशिर्-, गविष-, गविष्-, गविष्टि-, गवि-ष्ठिर- गो द्र.
गवीधुक,का[x]- -काः तै ५,४,३,२¶.

a) नाप. (पेय-वस्तु-)। उस.। उप. करणे ल्युट् प्र.।
b) °त्वानम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मूको.)। वा. सोमस्य विशेषणं द्र.।
c) विप. (तु. MW.)। उस.।
d) नाप. (योषा- ⌊वैतु. PW. GW. नीड-⌋)। उस.। उप. अधिकरणे किः प्र.।
e) विप. (प्रजा-)। उस. क्विबन्तम्।
f) विप. (पृथिवी-)। बस.।
g) विप. (कण्व-)। उस. अजन्ते थादि-स्वरः।
h) विप. (मघवान-)। उस.। उप. कर्तरि ल्युः प्र.।
i) सपा. शौ ५,२५,४ विशिष्टः पाभे.।
j) विप. (पशु-)। k) विप. (ओषधि-, पष्ठौही-)।
l) प्र३ स्त्री. ह्रस्वत्वं द्र. (पाम ७, ३,१०७)।
m) सपा. °णीभिः <> °णीषु इति पाभे.।
n) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।
o) नाप.। =अरण्यमुद्गरूप-धान्य- ⌊सा. K.⌋, =तृण-विशेष- ⌊भा.⌋। व्यु.?। पपा. नावग्रहः। <√गॄ (निगरणे) इति (पाउ १,९५)।
p) विप. (चरु-)। अण् प्र. उसं. (पा ४, ३,१३६)।
q) तु. वैप ३, २७१ *h*।
r) विप. (गो-)। बस.। पूप. =मास्ना-। उप. यद्र.।
s) प्राति. ?। <√गल् इति।
t) अर्थः व्यु. च?। या ⌊६,२४⌋ प्रभृ. BS. च भाप. <√गल् ⌊स्रवणे⌋ इति, GRV. Gri. PG ⌊१,८२⌋ विप. (गिर्-) इति, ORN. नाप. (बल-) इति?। नाप. =मल- ⌊ऋजीष-⌋ इति कृत्वा ⌊नभा.⌋ =गर्दा इति तु मतम्।
u) नाप. (सर्प-विशेष-)। व्यु. ?।
v) नाप. (गवाकृति-पशुविशेष-)। व्यु.?। गो-+ ⌊सादृश्ये⌋ अयच् प्र. उसं. (पा ५,३,९६) चित्स्वरश्च (वैतु. <√गम् ⌊पाउभो २,३,७⌋ इति)।
w) सपा. °यः <> °यी इति पाभे.।
x) नाप. (आरण्य-गोधूम-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

गावीधुक[a]- -कः ¶मै २, ६,३; ५: ४, ३,८; काठ १५, २; ४¶; ५¶;४५,१८; -¶कम् तै १, ८, ७,१; ९,२; १०,१; ५, ५,९,४; मै २,६,६.

¶गवीधुक-यवागू[b]- -ग्वा तै ५, ४, ३,२.

¶गवीधुका-सक्तु[b]- -क्तुभिः[c] काठ २१,६.

गवीनिका[d]- -के शौ १, ११, ५[e]; ९,१३.७; पै १६,७४,७.

गवीनी[i]- -न्याम् खि ४, १३, ३[f]; -न्योः मै १, ३, १२?[g]; ४, ६, ३?[h]; शौ १,३,६; ५,२५, १०[f]-१३[f]; पै १३,२, १०[f]-१४[f]; १९, ४८ १५; -न्यौ[e] तै ३. ३, १०,१; पै २०,२५,१०; २६,२.

गवेधु(क>)का[i]-

¶गवेधुका-सक्तु- -क्तुभिः क ३१, २१[c].

गवेषण- √गव्य,१गव्य-, २गव्य-, ३गव्य-, गव्यत्-, √गव्यय, गव्यय-, गव्यया-, गव्ययु-, गव्यु-, गव्यूति- गो- द्र.

√गह्[j],जंगह्, जंगहे ऋ १,१२६,६.

†गहन[k]- -नम् ऋ १,१३२,६;१०, १२९, १; मा ८, ५३; का ९, ६,५.

गहने-(ष्ठ>)ष्ठा[l]- -ष्ठा[m] मै १, २,७; काठ २,८[?]; क २,३[?].

गह्मन्[n]- -ह्मन् मै २,७,१६[o].

गह्य[p]- -०ह्य तै ५,५,९, १: -ह्यः तै ५,५,९,२.

गह्वर[q]- -रः तै ५, ५, १०, ४¶; -रम् शौ १२, २, ५३; पै १७, ३५,३; -रे पै ८, १८, ३; -रेषु काठ ३१,१४.

गह्वरे-ष्ठ,ष्ठा[r]- -ष्ठा मा ५,८[?m]; का ५,२,८[?m]; तै १,२,११,२[m]; काठ २,८[?m]; क २,३[?m]; पै १६, ७३, १; -ष्ठाय मा १६, ४४; का १७,७, ३; तै ४, ५, ९, १; मै २,९, ८?[s]; काठ १७, १५; क २७,५.

गह्वरे-ष्ठा[t]- -ष्ठाम् कौ १,३५३; जै १,३७,२.

√गा(गतौ),>जिगीष, जिगाति ऋ ५, ८७, ४; जिगाति ऋ १, २, ३; ३, १२,२; २७, १; ३९, १[u]; ६२, १३; १०, ८, २; खि ४,९,१; तै १,३,४, १†; २, ५, ७, ४¶; मै १, ६, १†; कौ २, २०†; †जै ३,२,११;४,१, ७; जिगासि पै १,५१, ३[v]; जिगात् ऋ ९, ७१, ५; जिगातु ऋ ८, ४५, ३२; जिगातु[w] खि ५, १, ५;३,७; मै ४,१३,१०.

जगायात् ऋ १०,२८,१.

गेषम् काठ ४५, १५[x]; गेष्म शौ ४,११,६[y]; १४,६; ११, १,

a) विप. (चरु-)। अण् प्र. (पा ४,३,१३६) तन्स्वरश्च।

b) पस. अन्तोदात्तः।

c) सपा. गवी° <> गवे° इति पाभे.।

d) नाप. (नाडी-विशेष-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः।

e) सपा. गवीनिके <> गवीन्यौ इति पाभे.।

f) सपा. °न्याम् (आपमं १,१२,६ माग्र २, १८, ४ च) <> °न्योः इति पाभे.।

g) °ण्योः इति पाठे? (तु. पपा. °ण्यो) यनि. शोधः।

h) °न्यौः इत्येवं पाठः? (तु. पा ६, १,१७४)।

i) पृ १२१९ *x* टि. द्र.।

j) =√गाह् (तु. W. LR. B. [शौ ५, १९,४]; वैतु. GW. धा. अन्तर्धौ वृत्तिरिति, वें. सा. दु. [या ५, १५] द. GG. ?GRV. <√ग्रह् इति, स्क. [या.] <√गम् इति, PW. MW. <√जंह् इति?)।

k) विप. [(गभीर-) अम्भस्- (तु. वें. सा. [ऋ. द्वितीये स्थले] GRV. MR.; वैतु. PW. GW. HL. प्रमृ. नाप. इति)], नाप. (ऋ. [प्रथमे स्थले] मा. का. मै.)। कर्मणि क्युट् प्र. लित्स्वरश्च। l) विप. (तनू-)। उस.।

m) सपा. गहनेष्ठा <> गह्वरेष्ठा इति पाभे.।

n) मनिन् प्र. (पाउ ४,१४५) नित्स्वरश्च।

o) पाभे. क्वने पृ १२१४ *p* टि. द्र.।

p) नाप. (अग्नि-विशेष-)। यत् प्र. उसं. (पावा ३,१, ९७) यना. स्वरश्च।

q) नाप. (गहन-, दरी- [तै.; वैतु. MW. विप.?], सघनवन- [शौ.])। ष्वरच् प्र. उसं. (पाउ ३,१) नित्स्वरश्च। r) विप. (तनू-, रुद्र-) उस.।

s) °ष्ठाय इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. मा. प्रमृ. पपा. च)। t) विप.। उस. विजन्तम्।

u) तु. सस्थ. टि. १आ। v) पृ ५५ सस्थ. अच्छा (वाचम् इति युक्तः कप्र.) इति यनि. चेति शोधः द्र.।

w) तु. भा. [तैब्रा ३,५,११,१ तैआ १,९,७], सा. [तै २,६,१० भाष्ये तैआ. च], Egg. [माश १,९,१,२७]; वैतु. सा. [माश.] <√जि इति।

x) =सपा. तैब्रा २, ५, ७,२ आपश्रौ १९,२४, १०। शौ १९,६१,१ तु अशीय इति, तैआ ४,४२,५ अयानि इति च पाभे.। y) सा. जेष्म [=जयेम] इति

३७; पै ३,२५,६; ३८,५.
अगात् ऋ ७,७८, ३; काठ २८, ४; क ४४,४; पै १,९५,३;९७, ३[२];१८,७,९[a]; गात् ऋ ३,३१, १; ८,५, ३९; १०,१८, ४; मा ३५, १५†; का ३५, ४, १६†; शौ ५,२०, १४; ८,१, ७; १८; १२, २, २३†; पै १६, १-२, ७; १७, ३२, ३†; १९, ४८, १३; अगुः मै १,६,१३¶; गुः ऋ १, १२०,८; ४, ३७, २; ५,४५,१; शौ १८, ३, ६२; गाः ऋ ८,२, ३९: गाः ऋ १, ६७, ३: ४, ३, १३: १०,५६,३[b], १०८,९; शौ ५, ३०, १: पै ९,१३, १; गात तै ३,२,५,१[c]; अगाम् मा १७, ६७: का १८,६,३; तै ४,६, ५, १; मै २, १०, ६; काठ १८. ४; क २८, ४; शौ ४,१४, ३; १८, २,४५; पै ३,३८,८;१६,९८,६; †अगाम ऋ १,३१,१६; शौ ३, १५, ४; पै १, ५१, ४: अगाम ऋ १०, १८, ३; मै १,११.३[d]: शौ १२,२,२२†; पै १७,३२,२†. जिगीषति[e] पै १६, १०२,५[f].
गातवे ऋ ३,३,१.
?गा पै १९,३८,२.
?गाक्नौच्य[g]- -च्याय मै २,९,१.

गाङ्ग्य- गङ्गा- द्र.
गाणपत्य- गण- द्र.
गातु[h]- -तवे मै ३, १,३¶; –तुः ऋ १, १३६, २; ३,४,४; ५४, १८?[i]; ५,३२, १०;९, ९६,१५[j]; १०, २०, ४; ६; ३०,१;६१, २५; तै १,७,१२, २; मै १,१०, ३; ३, १, ३¶; काठ ९, ६; १४, ३; ४५,१२: क ८,९; शौ ७,३, १; १०,९, १; १३,३, ४४; पै १६, १३६, १: १८,२५,४;२०,२,१; –तुभिः ऋ १,१००,४; –तुम् ऋ १,७१, २;७२, [९; ३,३१, ९]; ८०,६; ९५, १०;९६,४; ११२, १६;१५१,२; ६; १७३,१३; २, २०,५;२१,५:३,१,२;३१,१५[k]: ४,४,६:१८,१०;५१,१; ५५,४; ५,३०,७;६५,४;८७,८;६,६,१; २२,५; ३०, ३; ७,१३,३; ४७, ४: ६३,५; ८,४५,३०; ९,६९, ७; ८५,४; ९६, १०; ९७,१८; १०,१४,२;४९,९; ७६,३; ९९, ८: १०४, ८; १२२, २; खि ५, १.५[२]:३,७[२]:४,१: मा २,२१[२]; ८,२१[२]; का २, ५, ४[२]; ९, ३, ७[२]; तै १, १, १३, ३[२]; २,१४, ३†: ४,४४, ३[२]; ५, ११, २†, २,६,१०, ३[२]: ३, १,४, ३; ६, ६, २, ३[२]; मै १, १, १३[२]; २, १५[४];३,३८[२];४,१,१४[२];२,१२; ११,५†; १३, १०[२]; १४, १६; काठ १,१२[२];४,१२[२]; ६,११†; ३०, ८; क १, १२[२]; ३, १०[२]; कौ ४, १; जै २, ७, १; शौ २, ३४, २; ७, १०२, ७[२]; १०, २, १२; १३,१, ४; १८, १, ५०†; २०,३६,५†; पै ३, ३२, ३; ८, १४, १०†; १६, ६०, ४; १८, १५,४; २०, ३४, ८[२]; –तोः मै ३,१,३¶: पै १,५१,१.

गातु-मत्- -मत् पै १०,४,३.
†गातुमती- -त्या ऋ ७, ५४, ३: तै ३,४,१०,१.
√गातुय, †गातुय>या ऋ ८, १६,१२; शौ २०,४६,३.
गातुयत्- -यन् ऋ १,५२,८.
गातु-विद्[l]- -वित् ऋ १,५१, ३; ३, ६२, १३; ८, ६६, १४; ९, ४६, [५: ६५, १३]; ९२, ३; तै १,३,४,१†; मै १, २, १५; शौ ११,१,१५; पै १, ५४, १; १६, ९०, ५: –०विदः मा २, २१; ८,२१: का २,५, ४: ९, ३, ७; तै १,१, १३,३; ४, ४४, ३; ६, ६,२,३: मै १,१, १३; ३, ३८; ४,१,१४; काठ १, १२; ४,१२;

a) पाभे. कृते पृ ६९७ c टि. द्र., तत्र च <>अगात् इत्यधिकं निवेश्यम् ।
b) तु. मस्थ. टि. अनु ।
c) =सपा. आश्रौ ५,२,१४ शांश्रौ ६,८,६ । वैताश्रौ १७, ४ तु अपगाया ?(°गायत इति ?C. [तु. गोब्रा २,२,१४]) इति, जैमि १,१६७ छैत्सि इति, कौसू १०८,२ सत्सि इति च पाभे. ।
d) पाभे. कृते पृ १२०८ d टि. द्र. ।
e) सन् किद्वत् उसं. (पा १, २,९) ।
f) पाभे. कृते पृ १२०४ j टि. द्र. ।
g) व्यप. (देव-विशेष-?) । प्राति. ? गाक्नौ° इति सात., गां-गौष्य- इति MW. । व्यु. ? ।
h) बप्रा. । भाप. (अभ्युदय-) च नाप. (मार्ग-, गृह- प्रभृ. [तु. उत्तराणि टि.]) च । व्यु. ? । <√गा (गतौ) वा <√गै वा ।
i) नाप. [जीवन- (√गा धा. अस्मिन्नर्थे वृत्तिः [तु. टि. √गम् > गन्तु–; वैतु. सा. GW. धा. स्तुत्यर्थे वृत्तिरिति]))] ।
j) विप. । धा. गाहने वृत्तिः (तु. पृ ९६७ c टि.) ।
k) =सपा. तैब्रा २,७,१३,३ । ऋ ६,३०,५ मै ४, १४, १४ तु विशिष्टः पाभे. ।
l) विप. (अग्नि-, इन्द्र- प्रभृ.) । उस. ।

क १,१२; ३,१०; शौ ७,१०२, ७; पै २०, ३४, ८; -विदम् ऋ १,१०५,१५; शौ १३, २, ४३; पै १८,२५,३.

गातुवित्-तम- -†मः ऋ ८, १०३, १; ९, ४४,६; १०४, ५; १०६,[(१०१,१०)६]; १०७,७; कौ १, ४७; २, ८६५; जै १,५, ३; ४, २१, ३; पै २०, ५१, १; -मा खि ३, २२, ५; -†माः ऋ ८, १९, १६; ९, १०१, [१० (१०६, ६)]; कौ १, ५४८; २, ४५१; जै १,५६,३; ३,३४,९.

गातुवित्-तर[a]- -रा ऋ ८, २५, ९; खि ५,७,४,७.

√गातूय, गातूयन्ति ऋ १,१६९,५.

?गातोत पै १,५१,१.

गात्र[b]- -त्रम्ऽ-त्रम् मै ४, १३, ४; काठ १६,२१; -त्रा ऋ १,१६२, १८; ८,१७,५; मा २५, ४१†; तै ३, २,५, ३[c]; ४, ६, ९, ३†; काठ ४६, ५†; शौ १०, ७, २७[d]; ११,१,३१; १८, ३, ९; २०,४, २†; पै १६, ९२, १; -त्राणाम् ऋ १,१६२,१९; मा २५,४२†; तै ३, ४, २, २; ३,७; ४, ६,९, ३†; काठ १३, ११; १२; ४६, ५†; -त्राणि ऋ १, १६२, २०; ९, ८३, १; मा २३, ३९; ४२; २५, ४३†; का २५, ८, १; ४; तै ४, ६, ९, ४†; ५,२,१२,१[2]; मै १,२,१६; २,५,६; काठ १३, २;३४,११[e]; ४६,५†; ५०,६[2]; †कौ १, ५६५; २, २२५; †जै १, ९, १२; ३, २०, ९; शौ ५, २९, १२; ११, १, २४; १८,४, ५२; पै १३, ९, १५; १६, ९१, ४; १७, ९, ८[d]; -†त्रात ऋ १, १६२, ११; मा २५, ३४; का २७, १२, ३; तै ४, ६,८,४; मै ३,१६,१; काठ ४६, ५; -त्रात्ऽ-त्रात् पै ३,३९, ५; १३,२,२; -त्राय[f] शौ १, १२, ४; पै १, १७,४; -त्रेऽ-त्रे ऋ ८, ४८, ९; -त्रेभ्यः[f] मा २३,४४; का २५, ८, ३; तै ५,२, १२, २; काठ ५०,६.

गात्र-भाज्[g]- -भाक्[h] काठ १३, ११;१२; -भाजः[h] तै ३, ४, २, २;३,७.

गाथ-, गाथा-, गाथिन्- √गै द्र.।

√गाध (=√गाह्)

गाध,धा[i]- -धम् ऋ १, ९१, ११; ५,४७,७; ६,२४,८; ४८,९; ७, ६०, ७; १०, १०६, ९; ११३, १०; खि २, १४, ३; तै ४,३, ११, ४; मै २, १३, १०; काठ २९, ८¶; ३९, १०; †कौ १, ४१; २, ९७३; जै १, ४, ७†; †शौ १९,११,६; २०,३५,११; पै १३, ८, १६; -धानाम् पै २, १९, १; -धानि ऋ ७, १८, ५; -धेषु ऋ ८,७०,८.

गान्धर्वी- गन्धर्व- द्र.

?गामकी पै १९,२०,१७.

गायत्-, गायत्र-, गायत्रिन्-, गायत्री-, गायमान- √गै द्र.

गार्दभ- गर्दभ- द्र.

गार्मुत- गर्मुत- द्र.

गार्ष्टेय- गृष्टि- द्र.

गार्ह-, गार्हपत्य- √ग्रभ्, गृह द्र.

गार्वीधुक- गवीधुक- द्र.

गाष्ठा[j]- -ष्ठाम् शौ २, १४, ६; पै २, ४,३;१०,१,६.

√गाह

†गाह[k]- -ह्रान् ऋ ९,११०, ८; कौ २,८४४; जै ३,५८,१.

?गिदासः[l] पै १९,२८,१३;१५.

१गिर्[m]- गिरा ऋ ८,६९,१४.

२गिर्- √गृ,गॄ (शब्दे) द्र.

---

a) विप. (अश्विन्-)।

b) नाप. (शरीरावयव-)। व्यु. ?। <√गा (गतौ) इति अभा. PW. GW., <√गम् इति (पाउ ४, १६९)।

c) =सपा. आपश्रौ १२, २४, १३ माश्रौ २, ४,१,३५ वैताश्रौ १९,१८। काश्रौ ९,१२,४ तु गात्राणि इति पाभे.।

d) सपा. गात्रा <> गात्राणि इति पाभे.।

e) सपा. गात्राणि <> पात्राणि इति पाभे.।

f) सपा. गात्राय <> गात्रेभ्यः इति पाभे.।

g) विप.। उस.।

h) सपा. °भाक् <> °भाजः इति पाभे.।

i) विप. (अर्णस्- [ऋ ७,१८,५], नदी- [पै.]), नाप. (पद्भ्यां तरणयोग्य-प्रदेश-)। कर्मणि घञन्तेऽन्तोदात्तः।

j) =काष्ठा-। नाप. [प्रकृते =अश्वक्रमण-स्थल- (तु. काष्मन्-, W.B.; वैतु. मा. ग्लाष्ठा- [=ग्लानौ विश्रम-स्थल-] इति ?)]। व्यु. ?।

k) भावे घञन्ते अन्तोदात्तः।

l) पाठे ? यकृदा(त्-आ) स-(<√आस)>-सः इति शोधः।

m) नाप. [शिला- (वैतु. वें. सा. GW. ORN. Gri. २गिर्- इति, GRV. PG [३,६५] गिरि->सप्त१ इति)]।

[a]?गिरः ऋ ९, ६३, १०[a]; मा १५,५[b]; का १६,१,७[b]; तै ४,३,१२,२[b]; मै २, ८, ७[b]; काठ १७,६[b]; क २६,५[b].

?गिरयन्ती[c] पै १६,४७,३.

?गिरावृध्[d]- -वृधम् ऋ ९,२६,६.

१गिरि[e]- -रयः ऋ १,६१, १४; ६३, १; ६४,७; ५, ४१,११; ६,२४, ८; ६६,११[f]; ८,७,३४; १०,५९, ३; मा १८, १३; का १९,५,१; तै ४, ७, ५, १; मै २, ११, ५; १३, २३‡[g]; काठ १८, १०; ४०, १‡[g]; क २८, १०; शौ ६, १२,३; १२, १, ११; २०, ३५, १४†; पै ४, ५, ५; १७, २, २; १९,८,६; -रिः ऋ १, ३७, ७; ६५,३; ४.२०,६; ८,७,५; ५०, २; ९८, ८; ¶मै १, १०, २०. ४,५,१; काठ ३६, १४¶; †कौ १, ३९३; २, ५९७; †जै १, ४४, १; ३, ४८, १३; शौ ४,६, ८; †२०, ५१,४; ६४,१; पै ५, ८,७; १९,३७,१३; -रिःऽ-रिः पै १६,४७,३; -†रिभ्यः ऋ १, १०९, ६; ७, ९५,२; ८,७७,६; तै ४,२,११, १; मै ४, १०, ४; १४,७; काठ ४,१५; $पै ८,१२, ११; १९,२९, २; -रिम् ऋ १, ५६,२; ४, १७, ३; ५, ५४, ५; ५६, ४; ८, ४५, ३०; ६४, ५; ८८, २; १०, ८९, ७; १५५,१; तै २, ३, ३, १¶; ¶मै २,१,४; २,१३[२]; ¶काठ.१०,२; ३६,७; कौ २,३६†; जै ३, ४, ७†; शौ २, २५, ८; †२०,९,२; ४९,५; पै ४,१३, ५; २४,६; १३,१,९; २०, ५४, २; -रिषु ऋ ९,८२, ३; कौ २,६६७†; जै ३,५५, ८; शौ ५, ४, १; ९,१, १८; पै २, ३५, २; ४,१०,७; १५,२२, ८; १६, ३३,६; १९,८,१५; -री मैं ४. ४, ५¶; -रीणाम् ऋ ६, ६१, २; ८, ६, २८; ७,१४; ४३,१८; ९६,२; †मा २६,१५; तै ६,२,४,३¶; †मै ३,८,३; ४, १४, ७; †काठ ४,१६; ९, १९; कौ १, १४३; †जै १, १५, ९; शौ १०, ४, १४; पै १६, १६,४; १९,२०, ११; -रीन् ऋ १,३७,१२; ८,१५,२; १०,४४, ८; १३८, २; मा २५, ८; का २७,८,२; तै ५, ७, १६,१; ६, २,४,३¶; मै ३,१५,७; ४,११, ४†; काठ ५३, ६; शौ ६, १७, ३; †२०,६१,५; ६२,९; ९४,८; पै १९,३९,८; -रेः ऋ १, ५६, ३; १३०,७; १९१,१६; ६,२६, ५; ८.३२,४; ४९,२; खि ३,१, २; कौ २, १६२†; जै ३, १५, १०†; शौ ५,१३, ९; २०, ५१, २†; पै ८, २, ८; २०, ४९, ९; ५५, १०; -रौ ऋ ८, ४५, ५; मा २३, २६; २७; का २५, ६, ६; ७; तै ६,१,९,४; ७, ४, १९, २; मै २,१,४[३]¶; ३,७,८¶; १३, १. काठ १०, २¶; ३६, ७¶; ४४, ८; शौ ५,४,२; ६,६९,१; २०,३४,१२; पै ७, ७, ६; १३, ७,१२; १५,२३,५; १९,८, १४;

[a]) पाठः ? । <२गिर्- (<√गॄ ⌊शब्दे⌋ इति प्राश्नो-ऽर्वाक्श्च)। गिरि->(पादादौ सं३) गिरयः> ⌊नैप्र.⌋ यनि. इति वा गिर्- (=अद्रि-)> सं.३ इति वेति मतम् (तु. टि. ?गिरा-वृध्-, अद्रि-संहत-, अद्रि-पुत- च)।

[b]) प्राति. ? । नाप. (छन्दो-विशेष-) । गिर- इति वा गिरस्- इति वेति विमृश्यम् । व्यु. ? । <√गॄ (शब्दे वा दीप्तौ वा) इति विमृश्यम् (तु. सस्थ. टि. ?अजः)। माश ⌊८,५,२,५⌋ प्रमृ. तु =अन्न- इति कृत्वा <√गॄ ⌊निगरणे⌋ इति ।

[c]) अर्थः व्यु. च ? । √गॄ ⌊शब्दे वाऽदने वा⌋> गिरा->(नाधा.) √गिरि> यनि. इति विमृश्यम् ।

[d]) प्राति. ? । गिर्-आवृध्- इति वा गिर्या(रि-आ)वृध्- इति वा शोधः (तु. ORN.; वैतु. पपा. प्रमृ. गिरा-वृध्- इति)। विप. (सोम-) । उस. उप. भेदनार्थात् धा. कर्मणि प्र. (तु. पर्वतावृध्- ⌊ऋ ९,४६,१ भेदनप्रकरणसाम्ये⌋, गिरिष्ठा- ⌊ऋ ९,८५,१०; ९५,४⌋; वैतु. वें. सा. PW. GW. उम. पूप. २गिर्-> तृ१ इति, GRV. स्तुतिपर्वतोभयार्थश्लिष्टं *गिरा- इति पृथक् प्राति. इति च ?) ।

[e]) नाप. (पर्वत-, मेघ- ⌊निघ १,१०⌋, उत्सेध-, उच्च-स्थान-)। व्यु. ? । <√गॄ ⌊निगरणे⌋ इति या (१,२० ⌊तु. ऐआ २,१,८, अभा.⌋), <√गॄ ⌊शब्दे⌋ इति पक्षे (पाउ ४,१४३) दे. च । <√गॄ (*शिलोपलक्षित-पक्त्र-भावे) इति तु मतम् ।

[f]) ष. अर्थे प्रथमेति GRV. (तु. ऋ १,६६,२ पयो न धेनुः इति; वैतु. वें. सा. आपः ⌊=व्याप्ताः⌋ गिरयः ⌊=मेघाः⌋ इवेत्यन्वायुकौ ?, ?L ⌊३८३⌋ पं१ इति, MV. गिर्यः ⌊पं१⌋ इति, GW. गिरिभ्यः ⌊पं३⌋ इति च प्रस्तावुकः) ।

[g]) सपा. विश्वे गिरयः <> हिमवन्तः <> विश्वे हिमवन्तः इति पाभे. ।

१९,१०.

१गिरि-क्षित्[a]- -क्षिते ऋ १,१५४, ३.

१गिरि-जा[b]- -जाः पै १३,१,९.

†गिरि-भ्रज्[c]- -भ्रजः ऋ १०, ६८, ⌊१ (६, ४४, २०)⌋; तै ३, ४, ११,३; मै ४,१२,६; काठ २३, १२; शौ २०,१६,१.

†गिरि-ष्ठा[d]- -ष्ठाः ऋ १, १५४, ⌊२; १०, १८०, २⌋; ९, १८, १;६२, ४; ९८,९; मा ५, २०; १८, ७१; का ५, ५, ८; २०, ५, ४; तै १, ६, १२, ४; मै १, २, ९; ४, १२, ३; काठ २, १०; ८, १६; क २, ४; कौ १, ४७३; ४७५; २, ३५८; ४४३; १२२३; जै १, ४९, ७; ९; ३, ३०, १; ३४, १; ४,१७, २; शौ ७, २७, २; ८९, ३; पै १, ७७, २; २०, ६, १०; -ष्ठाम् ऋ ३, ४८,२; ५, ४३,४; ८,९४, १२; ९,८५, ⌊१०;९५,४⌋.

गिरि-सुत[e]- -ताय मै २,९,१.

२गिरि[f]-

२†गिरि-(ज>)जा[g]- -जा ऋ ५, ८७,१; कौ १,४६२; जै १,४८,८.

३गिरि[h]-

गिरि-चर[i]- -राय मा १६, २२; का १७,३,१; तै ४,५, ३, १; मै २, ९,३; काठ १७, १२; क २७,२.

गिरि-त्र[j]- -०त्र[k] मा १६, ३; का १७, १, ३; तै ४,५,१, २; काठ १७,११; क २७,१.

गिरि-श[l]- -०श[m] मा १६, ४; का १७,१,४; तै ४,५, १, २; मै २, ९,२; काठ १७, ११; -०श मै २,९,२[k]; क २७,१; पै १४, २, ५[k]; -शाय[n] तै ४,५, ५, १; मै २,९,५; काठ १७,१४; क२७,४.

गिरि-शन्त[o]- -०न्त मा १६, २; का १७,१,२; तै ४,५, १, १; मै २, ९, २; काठ १७,११; पै १४,२, ८; -०न्त मा १६, ३; का १७, १,३; तै ४,५,१,१; मै २,९,२; काठ १७, ११; क २७, १[२]; पै १४,२,५.

गिरि-शय[p]- -याय[n] मा १६, २९; का १७,४,३.

गिरिक[q]- -केभ्यः[r] मै २,९,९.

२गिरिक्षित्[s]-

गैरिक्षित[t]- -तस्य ऋ ५, ३३, ८;

---

a) विप. (विष्णु-) । उस. । उप. <√क्षि (निवासे)। सा. ⌊पक्षे⌋ पूप. गिर्- > सप्त१ इति ।

b) विप. (तक्मन्-) । उस. विडन्तम् ।

c) विप. (ऊर्मि-) । उस. । उप. <√भ्रज् (द्रुतगतौ ⌊तु. भा., सस्थ. टि. √*नाव् > अनावन्; वैतु. सा. अधः-पतन इति, <√भ्रंश् इति PW. GW. GRV. प्रभृ.⌋) ।

d) विप. (मृग-, विष्णु-, सोम- प्रभृ.) । उस. विजन्तम् ।

e) व्यप. । पस. अन्तोदात्तः । उप. =पुत्र- यद्र. ।

f) भाप. । √गॄ (*स्तवने)+ किः प्र. उसं. [पा ३, ३,९२ (वैतु. सा. भ. Gri. S. BSG ⌊५३⌋ उत्तरे प्राति. पूप. गिर्- ⌊स्तुति-⌋ > सप्त१ इति, PW. BW. GW. GRV. =१गिरि- इति, विव. हृदययज्ञान्यतरपर्यायभूतं किमपि प्राति. इति च ?)] ।

g) विप. (मति- ⌊=स्तुति⌋) । उस. । उप. √जन् > जनि + कर्तरि डः प्र. उसं. (पा ३,२,९७) ।

h) उत्तरेषु समस्तेषु प्राति. पूप. सदिदं प्राति. १गिरि- (तु. प्राग्वोऽर्वाक्च) इत्यस्मादभिन्नं भवन्त्युताहो २गिरि- इत्येतत्-सामीप्यभाक् सद् अनुनय-कृतो वाचकं ताभ्या-मुभाभ्यां भिन्नं भवतीति विमृश्यम् ।

i) विप. (रुद्र-) । उस. टाऽन्तम् ।

j) विप. (रुद्र-) । उस. थादि-स्वरः । उप. <√त्रा इति (तु. सा. ⌊तै.⌋ PW. प्रभृ.; वैतु. सा. ⌊का.⌋ म. पूप. अधिकरणे इति) ।

k) सपा. गिरित्र (श्वे ३,६ नी १,५ च) <> गिरिश इति पाभे. ।

l) विप., नाप. (रुद्र-) च । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. ? । <√शी ⌊*निवासे⌋ इति उ. म. प्रभृ., ⌊पक्षे⌋ पाम. मत्वर्थीयः शः प्र. (पा ५,२,१००) इति । √*शद् ⌊छदने⌋ > ⌊कर्तरि⌋ *शदु- > नैप्र. *शु- इति मतम् ।

m) पाभे. कृते पृ ११६१ k टि. द्र. । तत्र च गिरिश इत्येवं शोध्यः । n) सपा. °शाय <> °शयाय इति पाभे. ।

o) विप. (रुद्र-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. ? । <√शी ⌊निवासे⌋ इति PW. K. प्रभृ., शम्+तु- ⌊<√तन्⌋ > यनि. इति सा. उ. म., ⌊पक्षे⌋ म. °रिश- + अन्त- ⌊<√अम् गतौ⌋ > यनि. इति । √*शन्द् ⌊छदने⌋ > ⌊कर्तरि⌋ *शन्दु- > नैप्र. *शन्तु- इति मतम् ।

p) विप. (रुद्र-) । उस. प्रकृतिस्वरः । उप. ? । नैप्र. <*शदु- (तु. टि. गिरि-शु-) ।

q) विप. (हृदय-) । व्यु. ? ।

r) पाभे. कृते पृ ११२१ d टि. द्र. ।

s) व्यप. । व्यु. ? । t) व्यप. (त्रसदस्यु- ⌊ऋ.⌋, यस्क- ⌊काठ.⌋) । अपत्यार्थे अण् प्र. ।

" –ताः काठ १३,१२¶.
?गिरिपुरम्[a] मै २,६,८; ४,४,२.
?गिरोते पै ८,१६,१०.
?गिलः, गिलप, गिलाः पै १९,२५,५.
?गिल्विका पै १,५९,३.
गीत–, गीयमान– √गै द्र.
गीर्ण– √गॄ (निगरणे) द्र.
√गु, गू (शब्दे) >जोगु,गू, जोगुवे[b] ऋ १, १२७, १०[c]; ५,६४,२[d].
†जोगू[e]– -गुवाम् ऋ १०,५३, ६; तै ३,४, २, २; ३,६; काठ १३, ११;१२.
गुग्गुल[f]– -लम् पै ८,१०,३.
¶गुग्गुलु[d]– -लु मै ३,८,५.
गुङ्गु[g]– -ङ्गवः[h] पै २,६५, २;– ङ्गुभ्यः[h] ऋ १०,४८,८.
गु(ङ्गु>)ङ्गू[i]– -†ङ्गूः ऋ २,३२,८; पै २०,१०,१०: –ङ्गूम् पै११,१,६.
?गुड– -डेन पै ९,२५,१५.
गुण[j]– -णम्, –णे तै ७, २, ४, २¶; –णेभिः शौ १०,८,४३.
१गुद[k]– -दः ¶मै ३, १०,४;६; –दम् मा २३,२१[l]; का २५,६, १[l]; तै ६,३,१०,६¶; ¶मै ३,१०,३;६; –¶दस्य तै ६,३,१०,४;४,१,४; मै ३,१०,३[२]; –देन मै ३,१०,४¶.
२गु(द>)दा[m]– -दाः मा१९,८६; का २१,६, ७; काठ ३८, ३; शौ ९, ४,१४; १२,१६; १३,१७; १०, ९,१६;११,३, १०; पै १६,२५, ५; ५३,१५; ७५, ७; १३७, ६; १३९,१४; –दाभिः मा २५,७; का २७,७, १; तै ५, ७, १७,१; मै ३, १५, ९; काठ ५३, ७; –†दाभ्यः ऋ १०,१६३,३; शौ २,३३, ४; २०, ९६, २०; पै ४, ७,४; –दासु पै १६,१४८, ७.
√गुप्, > गोपाय, गोपि, गोपायते काठ २८, १¶; ¶गोपायन्ति मै ४,६, ६[?], काठ ६, ६; २८, १[२]; क ४,५; ६, १[?]; गोपायतः काठ ७, ५[?]¶; क ५,४[?]¶; शौ १५, ४, ३; ६; ९; १२; १५; १८; †गोपायन्ति ऋ १०, १५४, ५; शौ १८, २, १८; ¶गोपायन्ति मै १,५,७; ६, १२; काठ ७, ५; २६,२; क ५,४; ६,१; ४०, ५; ?गोपयसि पै १, ९८,१; गोपायत् पै ९,११,३; गोपायतु काठ ३७,१५[२]; शौ १९,१७,१-५;७-१०; पै ७,३,७;१६,१-५;७-१०; गोपायताम् काठ ३७, १०[४n]; १५[२]; गोपायन्तु काठ ३७,१५; शौ ८, १, १४; १९, १७, ६; पै ७,१६,६;१६,२,४; ¶गोपायस्व काठ ३१, १०[२o]; क ४७,१०[२o]; गोपाय तै १, २, ३, १; मै १, २,२; ३; ४, ११, ४[p]; शौ १९, ४८, ४[q]; गोपाय, > या खि ४, ९, ५; तै ३, ३, ८, ६[३]; ५, ६, ६, २¶; मै १,४, १; ५, १४[६r]; ४,९, २४[४r]; काठ २,४; ५,६; ७,३[४r]; ११[३r]; क १,१६; ५,२[३r]; पै १,९७,२; ३; ६,२१, ४; ?गोपाहि[s] पै १६, ७३, ३; गोपायतम् ऋ ६, ७४, ४; शौ ५,९,८; पै १,१०९,२; गोपायतम् मै १, ५, १४[२t]; काठ ७, ३[t]: ११[t]; क ५,२[t]; पै ६, ११,

[a]) स्वरूपं व्यु. च ?। पाभे. कृते पृ ११८० *d* टि. द्र.।
[b]) यङ्लुकि प्रपु१ इति। अभ्य. स्वरः।
[c]) तु. सस्थ. टि. प्रनि। [d]) वैतु. GW. उपु१ इति।
[e]) विप. (स्तोतृ-)।
[f]) नाप. (सुगन्धि-द्रव्य-विशेष-)। व्यु. ?।
[g]) नाप. (जनपद-विशेष- [तु. वें. मा.])। व्यु. ?। <√गु (शब्दे) इति MW.।
[h]) व्यप.। बहु. <तदपत्य- (तु. GW.MW.)।
[i]) व्यप. स्त्री. (कुहू-)। व्यु. ?।
[j]) नाप. (तन्तु-, रज्जु- प्रमृ.)। व्यु. ?। <√गण् इति या [६,३६], <√गुण् इति अभा. प्रमृ., <√ग्रह् इति MW.।
[k]) नाप. (शरीरावयव-विशेष-)। व्यु. ?। <√गु (पुरीषोत्सर्गे) वा <√गु (अव्यक्ते शब्दे) वा <√गुद् वेति अभा.।
[l]) सपा. गुदम् (माश १३, ५, २,३ च) <> गृदम् (आपश्रौ २०,१८,४ च) इति पाभे.।
[m]) १ गुद– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।
[n]) सपा. गोपायताम् (माग २, १५,१[२] च) <> रक्षताम् <>पाग ३,४,१५;१७ गोपायेताम् इति पाभे.।
[o]) सपा. गोपायस्व (शांग्र २,१८,३ च) <>रक्षस्व (माश ३, ६,३,१८; ४, ३,५,८ आपश्रौ १२, २१, १२ च) <> आपमं २, ३, ३१ आग्र १, २०, ७ गोपाय इति पाभे.।
[p]) वैतु. पपा. गोपाय इति।
[q]) तु. WI.; वैतु. पपा. शंपा. सात. RW. गोपाय इति।
[r]) =सपा. आपश्रौ ६,२४,६ माश्रौ १,६,३,७। कौसू ५५,१५ तु गोपायस्व इति पाभे.।
[s]) पाठः ? गोपाय इति शोधः संभाव्येत।
[t]) सपा. गोपायतम् (आश्रौ २,५,२ आपश्रौ ६, २४,

१४; गोपायत मा ५, ३४; गोपायत तै ७,१,१२,१[a]; काठ ४१, ३[a]; शौ १२, ३, ५५-६०; पै १७, ४१, ५-१०; ¶अगोपायन् काठ २४,६;२६,१; क ३७, ७;४०,४.

जुगुपतम् मै १,५,१४[b].

जुगुपुः ऋ ७,१०३,९; शौ १९, २७,९;१०; पै १०, ७, ९; १०; गोप्स्यन्ति शौ १०, ९, ७-९; पै १६, १३६,५; ८;९; गोप्स्यामि पै २०,२०,८.

गोपयन्ति काठ ३१,१५¶.

अजुगुपः[c] मै १, ५, १४[2]; काठ ७,३[2]; ११[2]; क ५, २[2]; ६,१[2].

गुपित,ता- -तः ऋ १०, ८५, ४; शौ २, २८, ४; १४, १, ५†; पै १८, १, ५†; -†तम् ऋ १०, १०९,३; शौ ५, १७, ३; पै ९, १५,३; -ताः शौ १०, १०,४; १८,४,७०; पै १६,१०७,४.

गुप्त,प्ता- -प्तः शौ ५, २०, १२[d]; ११,१२, ११; १७,१, २९[2]; पै १८,३०,११[2]:१२[2];-¶प्तम् मै १,५, १४; काठ ७,११[2]; क ६, १[2];-प्ता क ६,१¶; शौ ११,११, २; १२,५,३; पै १६, १४०, ३; -प्ताः काठ ७,११¶; पै १८, २५,१०;-प्तान् मै १,५,१४[2]¶; -¶प्ताम् मै १,५,१४, काठ ७, ११.

गुप्ति- -प्तये शौ ६,१२२,३[e]; १२, ३,७[e]; पै १६, ५१, ७[e]; ११३, ११[f]; -¶प्तिः तै ५, ७,६, ५; मै ३, ४, ८; -¶प्त्यै तै ५, ६, ६, २[2]; ६, २, ५,५; मै १,८,१; ७; काठ ६,१; क ३,१२.

?गुप्तेः[g] पै १,१२,३.

गुप्त्वा पै १६,९२,३.

गोपन- -नम् शौ १२,४,१०.

गोपयत्य[h]- -त्यम् ऋ ८,२५,१३.

गोपायत्- -यन् शौ ८, १, १३; पै १६,२,३.

गोपायमान- -नः मै १, ६, १०[2]; काठ ३७,१०[2].

१गोप्तृ[i]- -प्तारम् मै ३,६,९¶.

२गोप्तृ[j]- -प्ता ¶तै ५, ५, १०,१; २; ६,३, २,४; काठ ७, ११[3]¶; शौ ११, १, ३३; १७, १,३०[k]; -प्तार. तै ४, ४,५, १; २[2][1]; मै २, ८, १४[11]; शौ १०, १०, ५; पै १६, १०७,५; -प्तारम् खि ५, ३, ३; -प्तारो शौ ५,३०, १०; १५,४,२; ५;८; ११; १४; १७; पै ९,१३, १०; -प्तॄन् शौ १९,२७,४; पै १०,७,४.

¶गोप्त्री- -त्रीः काठ ३१, २; क ४७,२.

√गुर्>जुगुर्[m]

गूर्त,र्ता[n]- -०र्ते[o] ऋ १, १७३, २; -र्ताः ऋ ४,१९,८.

गूर्त-न(म>)मा- -माः ऋ १, १६७,१.

गूर्त-मनस्[p]- -नाः ऋ ६,६३,४,

गूर्त-वचस्[q]- -चाः ऋ १०. ६१,१.

गूर्तवचस्-तम- -मः ऋ १०, ६१,२.

†गूर्त-श्रवस्[r]- -वसम् ऋ १, ६१,५; शौ २०, ३५, ५, -वाः ऋ १,१२२,१०.

गू(र्त>)र्ता-वसु[s]- -सु ऋ १०,१३२,१.

गूर्ति[t]- -र्तयः ऋ १, ५६, २; ८, ५०, ⌊(४९,५)५⌋; खि ३,२,५;

---

४ माश्रौ १,६,३,८ गांगृ ३,६,२ च) <> जुगुपतम् (माश्रौ १, ६, ३, १५ च) <> आश्रौ २,५, १२ अजूगुपतम् इति पाभे.।

[a]) सपा. गोपायत (तैत्रा ३, ८,९,३ च) <> रक्षत (माश १३,१,६,२;४,२,१६ च) इति पाभे.।

[b]) पाभे. क्रते पृ १२२५ *t* टि. द्र.

[c]) सपा. आपश्रौ ६,२६,५ माश्रौ १,६,३,१४ अजूगुपः इति पाभे.। [d]) पाभे. क्रते पृ ११७१ *l* टि. द्र.।

[e]) सपा. तैआ २, ६, २ गोत्राय इति, काकृ १३३: २ गुप्त्यै इति च पाभे.। [f]) सपा. शौ ९,८,८ पाठाऽभावः।

[g]) पाठे? गुप्तः इति शोधः (तु. सपा. शौ २, २८,४ गुपितः इति पाभे.)।

[h]) विप. (⌊गोपायितव्य- या ५,१⌋ धन-)। √गोपय ⌊अत- प्रत्ययान्तात⌋ कर्मणि क्यप् प्र उसं. (पा ३,१, ३१;११४)। [i]) विप. (वायु-)। तृजन्ते नित्स्वरः।

[j]) नाप.। तृजन्ते चित्स्वरः।

[k]) सपा. गोप्ता <> गोपाः इति पाभे.।

[l]) सपा. गोप्तारः<> मकृत रक्षितारः इति पाभे.।

[m]) धा. उद्यमने स्तुतौ (तु. √गृ ⌊शब्दे⌋) च वृत्तिः द्र.।

[n]) विप.(इन्द्र-,उषस्-)। क्तान्ते नत्वाभावः(पा८,२,६१)।

[o]) तु. वें. सा.; वैतु. PW. GW. GRV. प्र...गूर्ते (प्रपु १) इति। [p]) विप. (⌊अग्नि-⌋होतृ-)। बस.।

[q]) विप. (नाभानेदिष्ठ-)। बस.।

[r]) विप. (इन्द्र-)। बस.।

[s]) विप.(सो-)। बस.। पूप. दीर्घः(पा ६, ३, १२८)।

[t]) भावे क्तिन् प्र. उदात्तः उसं. (पा ३,३,९७)।

–र्तये ऋ १०,६१,१५;–†र्तिमिः ऋ ९, १०५, १; कौ १, ५६९; २,४४८; जै१,५८,४;३,३४,६.
जुगुर्वणि[a]– -णी ऋ १, १४२,[८ (१३,८)].
१गुरु[b]– -रु[c] ऋ १, ३९, ३; ७,५६, १९; ८, ४७,७; १०, ३७, १२; मै ४,१४, १८†; पै ११, २, ८; –रुः ऋ १, १४७,४; शौ ६, ४२,२[d]; ९,३,२४; पै १६, ४१, २; –रुणा पै १९, ८,११[d]; –रुम् ऋ ४,५,६.
गुर्वी– -र्वी पै १६,४७,४.
¶गरीयस्– -यांसि काठ २९,७; क ४५,८; –यान् मै ३,८,२; काठ २४,१०; क ३८,३.
?गुरु-च्छाया– -या पै १७,१५,८.
गुरु-भृत्[e]– -भृत शौ १२,१,४८.
२गुरु[f]–
गुरोर्-दारा(र–अ)भिगमन[g]– -नात् खि ३,१०[2],५.
गुरु-मुष्टि[h]– -ष्टिना काठ २१,७¶[i].
?गुर्विंत्तिरि पै १६,४७,४.
गुल्गुल[j]– -ल पै ७,११,९.
१गुल्गुलु[j]– -लु तै ६,२,८,६¶; काठ २५,६¶; क ३९,४¶; शौ २, ३६,७; पै २,२१,६;१९,२४,३; –लुना पै २,२०,२.
२गुल्गुलु,लू[k]– -लु शौ १९, ३८, २; –लुः शौ ४, ३७, ३; पै १३, ४, ३; –ल्वोः शौ १९, ३८, १; पै १९,२४,१;२.
गुल्फ[l]– -¶ल्फः काठ २६, ३; क ४१,१; –ल्फयोः पै १६, १४९, १; –ल्फाभ्याम् पै १६, ७५, ११[m]; –ल्फौ शौ १०,२,१; २; पै २,८४,९; १६,५९,१;२.
¶गुल्फ-दघ्न– -घ्ने काठ २६, ३; क ४१,१.
गुल्म[n]– -ल्मान् मा २५, ८; का २७, ८,२; मै ३,१५,७.
?गुल्मतः पै २०,३७,२.
गुष्पित[o]– -तम् ऋ ८,४०, ६; मै १, २,२[p]; शौ ३, ७, २[q]; ७, ९५, १†; पै ३, २, २[p]; २०, २९, १†.
गुस्थित[r]– -तम् पै ४,३८,२[s].
√गु,गूह्,> जुघुक्ष,गूहते ऋ १०,२७, २४; गूहति तै १, ५, २,३¶; गूहन्ति ऋ १०,१०८,४; गूहथः ऋ ५,६३,४; †गूहताम् ऋ २,४०, २; तै १, ८, २२,५; मै ४,११,२; काठ ८,१७; गूहत > ता ऋ १, ८६, १०; गूहत[t] खि ३, २१, १; मा १७, ४७; का १८, ४, १५; कौ २, १२१०; पै ३,५,६; अगूहत ऋ २,२४,३.
गुहः ऋ ८,६,१७.
जुघुक्षतः ऋ ८,३१,७.

---

[a]) विप. ([अग्नि-आदित्यरूप-[?] होतृ-])। यङ्लुगन्तात् कर्तरि क्वनिः प्र. उसं. (पाउ ४, ११४) तत्स्वरश्च (तु. तुतुर्वणि– प्रमृ. GW. WG [११७० a] OV. BRR.; वैतु. वें. सा. जुगुर्–[नाप.]+√वन् [उम.] इति, MW. <√जॄ [स्तुतौ] इति)।
[b]) विप. (द्वेषस्-, मन्यु-, देवहेडन-, भार-, मन्त्र-प्रमृ.)। व्यु.? । <√गुर् (*बाधने) इति (पाउ १, २४), <√गुर् [उद्यमने] इति GW.।
[c]) क्वचित् वा. किवि. भवति।
[d]) सपा. यो गुरुः <> गुरुणा इति पाभे.।
[e]) विप. (पृथिवी-)। उस.।
[f]) नाप. (आचार्य-)। व्यु.?। <√गॄ (शब्दे) इति (पाउ १,२४)।
[g]) षस.। पूप. षस. ष. अलुक्।
[h]) नाप.। षस.। पूप. ग्रु– इत्यस्य वावि. द्र.।
[i]) सपा. गुरुमुष्टिना <> ग्रुमुष्टिना <> दर्भगुरुमुष्टिना इति पाभे.।
[j]) =गुग्गुल–, गुग्गुलु–। व्यु.?।
[k]) =१गुल्गुलु–। शौ ४,३७,३ अन्यत्र RW. WI. गुग्गुलु– इति।
[l]) =कुल्फ–। व्यु.?। <√गल् इति (पाउ ५,२६)।
[m]) सपा. गुल्फाभ्याम् <> जानुभ्याम् इति पाभे.।
[n]) नाप.। =क्षुपाधिष्ठातृ-देवता- इति उ. म.। व्यु.?। <√गुड् > ल् इति (पाउभो २,२,२४३) प्रमृ.।
[o]) विप. (क्षेत्रिय- [शौ ३,७,२]), नाप. (गुल्फित-, ग्रन्थि- [ऋ. शौ.])। व्यु.?। √गुष्प [=√गुफ्,म्फ्]> गुष्प– [=गुल्फ–(=उपचय- [तु. पाभे., वें. सा. (शौ.) GW. W. B. प्रमृ.]))] >नाधा. >यनि. इति?।
[p]) गुःपितम् इति सात.। सपा. सकृत् गुष्पितम् <> क्षेत्रियम् <> आपश्रौ १०, १०,३; १३, ७,१६ भाश्रौ १०, ६, १७ हिश्रौ १०, २, १२ गुल्फितम् इति पाभे.। एतदनु पृ ११९३ g टि. मु-शोध्यं द्र.।
[q]) पाभे. कृते पृ १०४१ c टि. द्र.।
[r]) =गुष्पित–। सप्र. माश [३,२,२,२०] गुष्टित– इति। व्यु.?।
[s]) सपा. गुस्थितम् <> युपितम् इति पाभे.।
[t]) सपा. गूहत <> विष्यत इति पाभे.।

गुह्[a]– गुहम्[b], गुहा[c] ऋ १,६७, ३.

गुहत्–

गुहद्-अवद्य[d]– -द्यम् ऋ २,१९, ५.

गुहमान– -नः ऋ ४,१,११.

गुहा[e]– -हा[f] ऋ १,६,५; २३, १४; ६५,१;६७,२;४;१२३,७;१३०, ३;१४१,३; १६४,४५;१६७,३; २, ४. ९; ११, ⌊५; ३, ३९, ६; १०,१४८, २⌋; १२,४; २४, ६; ३,१, ९[2]; १४; ५,१०; ७, १०; ५६, २; ४,५, ८; ९; १२;७,६; १८,५; २१, ७; ५,२,१; ८, ३; ११,६; १५,५; ८,६,८; ८, ३३; १४,८; ९,६,९;१०, ९; ६८,५; १०२,२; १०,५,२;२२,१; १०; ३९,९;४५, २; ४६,२; ५४, ५; ६१,१३; ६७, ४; ६८, ७; ७१, १; ७९, २; ८५, १६;१००, ७; १२४,२;१८१,२; खि ४,४, ३; १०,२[2]:१०[2], २; मा ८,९; ९, ९; १२,१९†; १५, २८†; ३२, ८[g]; ९[2]; का ८, ६, २; १०,२, ६;१३,२, २†; १६,५, ९; ३५, ३,५[g]; ६[2]; †तै ३,३, ११, २; ४,२,२,१;४, ४,३; ६,२, ३‡[h]; ५,७,१३, १; मै २,७, ९; १३, ७†; ८, ४[2]¶; ४,१, ९¶; १४, १४; काठ ९. १९†; १६, ९†; २९, ८[2]¶; ३१,७¶; १४; ३९, १४†; ५३, ३; क ४७, ७¶; †कौ २, २०२; २५८; ३६४; ४७७; ९९१; ११९२‡[i]; †जै ३,१८, ९; २२,५; ३०,८; ३६, २; शौ १,८, ४; १३, ३; २. १, १[g]; २[2]; ६, ९२, २; ८, ९, २; ९,१५, २७†; १०, ८, ६; ११, ७,१०;९,१५; १२,१,४४; ४६; ६०; १४,१, १६†; †२०. १६. ७; २८, २; ३४, ४; ३९, ३; ७०, १; ९१, ४; पै २, ६, २[2]; ५, १६, ६; ८. १८, ३; ९,१२, २; १३, ७, ४†; १६, १८, २; १०१,९; १५२, २; १५३,१०; १७,३,१२;५,४; ६,९;†१८,२, ५;२५,७; १९,३,५†; ३४,११; ४६, ९‡[i]; २०, १,४[j]; –हाभ्यः मा ३०, १६; का ३४,३, ३; –हासु खि ४,१०[2], २; खिमा ३३,१५.

गुह्य, ह्या[k]– -ह्यः शौ १०,७, ४१[l]; पै १७, ११, २[l]; –ह्यम् ऋ १, ८६, १०; २. ११,⌊५; ३, ३९, ६; १०, १४८,२⌋; ३, ५५,१५; ४,५,१०; ५८, १; ५,३,२[m]; ३; ९,८७, ३; ९६, १६; १०, ५५, १;२; ७९, ३; खि २, ३, १; खिगा ३३, २६; मा १७,८९†; का १९,१,३†; तै ३,३,४, १¶; मै १, ६, २†; काठ ४०, ७†; कौ २, २९†; जै २,१,५; ३,३, ८†; शौ ३, ५, ३; पै १,९५,२; ३,३६,४; ८. १३, १; १८,२५, ९; २०, २८. ७; –ह्यस्य शौ ७, ३०, १[n]; –ह्या ऋ ३, ३८, ३; ५,५,१०; ७. ८७,४; ८,४१, ५; खि ५,५, २; तै १, ८, २२, १; मै ४,११,२; काठ ४,१६; ३५, १९†; क ४८, १७†; शौ ७, ३०,२; पै १६,६७,८‡[o];२०,७, २, –ह्याः ऋ २.३२,२; ७,१०३, ८; शौ ११,१०, २८; पै १६,८७, ९; –ह्यानि ऋ १, ७२, ६; ९, ९५,२; १०,५३, १०; तै १, ८, २२,१[n]; मै ४.१०, १[n]; काठ ४, १६[n]; पै २०, ७, १[n,p]; –ह्याम् ऋ १०, ५३, ३; तै १, ३, १४,

[a]) नाप. (गुप्तप्रदेश-)। अधिकरणे क्विप् प्र.।

[b]) वैतु. LR. कमुलन्नम् इति।

[c]) पं. अर्थे नृ. द्र. (तु. ऋ १,५३,७;३,३२,१९, वें. सा. प्रमृ.)। [d]) विप. (रयि-)। बस.। (तु. टि. अर्चद्-धूम-)।

[e]) नाप. स्त्री.। अङ् प्र. आद्युदात्तत्वञ्च (पा ३,३,१०४; ६,१,२०३)।

[f]) क्वचित् क्रिवि.। विभक्तेर् डाऽऽदेशः।

[g]) सपा. तैआ १०,१,३ मना १,३ भुवनानि इति पाभे.।

[h]) सपा. ऋ १०, ८२, ५ मा १७, २९ मै २, १०, ३ काठ १८,१ विशिष्टः पाभे.।

[i]) सपा. गुहा (कौसू ११७,४ च) <> निधिः (तैब्रा २, ४, १, ८ तैआ ४,४२,२ च) इति पाभे.।

[j]) सपा. शौ ७,४४,१ विशिष्टः पाभे.।

[k]) विप. (तमस्-, रिपु-, नामन-, जिह्वा- प्रमृ.), नाप. च। कर्मणि क्यप् प्र. (पावा ३, १,१०९)। यद्वा गुहा- +⌊तदर्हतीयः⌋ यत् प्र. (पा ५, १, ६६), सा. ऋ १, ८६,१० तत्रभवीयः यत् प्र. यना. स्वरश्च।

[l]) पूर्वेण मन्त्रेणैकवाक्यता द्र.। भूयिष्ठेषु मूको. गुह्य इति पाठे? यनि. शोधः स्पष्टः (तु. RW. प्रमृ.; वैतु. W. गुहा इति शोध-प्रस्तावस्तु व्यर्थः)।

[m]) सपा. आपमं १,५,१२ स्वर्यम् इति पाभे.।

[n]) सपा. गुह्यस्य <> गुह्यानि (शाश्री २,४,३ च) इति पाभे.। [o]) पाभे. कृते पृ १११३ e टि. द्र.।

[p]) संस्कर्तुः संदेहचिह्नमपार्थकं द्र.।

२†; मै ४, ११,१?†[a]; काठ २, १५†; पै९,११,१३; –†ह्येन ऋ १,१६३,३; मा २९,१४; का३१, ३,३; तै ३,३,४,१¶; ४.६,७,१; काठ ४०, ६; –ह्येषु ऋ ३, ५४, [५;१०,११४,२(१२९,६)].

गुह्यमान– -नः मा २, १७[b], का २, ४, ४[b]; पै १६, ६७, ८‡[c]; –†नम् ऋ ४,५८, ८; मा १७, ९२; का १९, १, ६; काठ ४०, ७; पै ८,१३,८.

गूढ, ळ्ह– -ढः शौ ६, १३८,२; पै ५, ३३, ५; –ढम् ऋ १. ११७, ४; २,११,[५; ३,३९. ६; १०, १४८,२]. ५,४०. ६; ७,८६,८; १०, ७२, ७. १२९, ३; –ढा ऋ ६, ८८, १५; –†ळ्हे ऋ ८, ९६, १६; कौ १,३२६; जै १. ३४,४; शौ २०,१३७,१०.

गूळ्ह्वी ऋ ७,८०,२.

गूह(त>)न्ती– -न्ती ऋ४,५१.९.

गोह[d]– -हे ऋ ४, २१,६-८.

गुह[e]– -हाभ्याम् काठ ५३.३[f].

?गुहपाय पै २०,१०,४.

गूर्त–, गूर्ति– √गुर् द्र.

गूर्द[g]– -र्दः, –र्दाय, –र्दे, –र्देभ्यः काठ ३९,५.

√गूर्ध् >गृर्धि, †गूर्धय>या[h] ऋ ८, १९,१; कौ १,१०९; २,१०३७; जै १,१२,३;४,२९,३.

√गूह √गुह् द्र.

√गृ (अवबोधने)[i], >गारि, जागृ, ¶जागर्ति[j] मै ३,६, ३; ४,२, १[k]; जागृतः मा ३४,५५; का ३३,२,१८; पै १६, १०३, ११; जाग्रति शौ १९,४८,५[l]; जाग्रति शौ १९, ४८, ५[?m]:६?[n]: पै ६, २१,५: जागर्षि[o] खि २. ३,१[?]; जागृथ काठ ३७, १०[l]; जागरत् शौ १४, २८. २; ३; पै १, ७१, ८: १५,५,९:१०: जागरासि शौ १४, २, ३१[p]; जागरः पै १८, १०, १[p]; जागृताम् शौ ५. ३०, १०[q]; जाग्रतु पै ६, २१, ५[?]; जागृहि ऋ १०, ८७, २४: शौ १९,८७, ९: जागृहि ऋ ९, ६१, २४; ८२,४; १०, २५, ८; ८५, २७; मा ४,१४; २७,३; का ४, ५,६; २९, १, ३; तै १,२,३,१; ४,१,७,२; मै १, २,३; २,१२, ५; काठ २,४; १८,१६; २३,५; ४०, ९; क १, १६; २९, ४; जै ३,४४,७†; शौ २,६,३; ३,१५, ५; १२,२,१०; १३, १,९; १४, १,२१†; पै ६, २०, ९: २१,६; १६,८,८†; १७, ३०,१०; १८, २,१०†; १५, ९; †जागृतम् ऋ १, २१, ६; ७, १०४, २५; शौ ८. ४, २५; पै १६, ११, ५; जागृत[r] मै १, १, ३[s]; शौ १, ३०, १; जागृत तै १, ३, १२, १; काठ १,३[s];३१,२[s];३७,१०; क ४७,२[s]; पै १.१४,१: ?जागृतात्[t] शौ ४, ५, ७; अजागः ऋ १०, १०४, ९: जागृयात् मै ४, २,१¶; जागृयाम् खि २.१४,१; जागृयाम[u] मा ९,२२; का १०, ५,१: मै १,११,४; काठ १४,२; जाग्रियाम[u] तै १,७१०,१.

a) गुह्यम् इति पाठः? यनि. शोधः (तु. ऋ.)।
b) पाभे. क्रुते पृ ८०२ *h* टि. द्र.।
c) पाभे. क्रुते पृ ११०३ *c* टि. द्र.।
d) नाप.। अधिकरणे घञि प्र. तित्स्वरः।
e) कुहु– इत्यनेन स-न्यायता द्र.।
f) पाभे. क्रुते पृ ११३२ *o* टि. द्र.।
g) अर्थः?। नाप. (इष्- [तु. ?]. आपश्रौ १६, ३०, १; वैतु. PW. प्रभृ. भाप.])। व्यु ?। <√गृ(<गु)र्द् इति।
h) धा. स्तुतौ वृत्तिः (तु. निघ ३,१४)। यत्तु ORN. तृ१ इत्याह तन् निघातश्रुतेश् चिन्त्यम्।
i) ऋ १, १५८,२ प्रभृ. अन्तर्भावितण्यर्थः प्रयोगः।
j) प्र. पूर्वमुदात्तम् (पा ६,१,१९२)।
k) तु. सस्थ. टि. अनु।
l) सपा. जाग्रति <> जागृथ इति पाभे.।
m) पाठे? जाग्रतु इति शोधः (तु. सपा. पै., W.; वैतु. सा. व्यत्ययमुखेन साधुकः)।
n) पाठे? जागृहि इति शोधः। शिष्टं *m* टि. द्र.।
o) जा॰ इति स्वरे? यनि. शोधः।
p) सपा. जागरासि <> जागरः इति पाभे.।
q) सपा. जागृताम् <> जाग्रतुः इति पाभे.।
r) वैतु. विगतस्वरः मै. पपा.।
s) =सपा. आपश्रौ १, ४१, ३ माश्रौ १, १,३. ३७। हिगृ २,४,५ तु जाग्रत इति, पागृ १, १६, २२ जाग्रथ इति च पाभे., मा १,४ पाठाऽभावः।
t) पाठे? जागृयाम् इति शोधः (तु. सपा. खि २, १४,१ खिसा १५, १ पै ४,६, ७ √चर् > ?चरतात् इति च)।
u) सपा. जागृयाम (माश ५,२,२,५ च)<>जाग्रियाम इति पाभे.।

जिगृतम् ऋ १,१५८,२[a]; ४,५०,[११; ७,६४-६५,५; ९७,९[a]]; जिगृत ऋ ७,५७,६.
†जागार ऋ ५,४४,१४[3]; कौ २,११७६[3]; जागार ऋ ५,४४,१५[3];१०,१४४,५; शौ ५,१९,१०; ११,६,२५; पै ९,१९,३; १६,२३,५. जागर[b] पै ४,४०,१; जाग्रतुः पै९,१३,१०[c];
†अजीगः[d] ऋ ५,१,३;७,६७,१; कौ २,१०९८; †अजीगः ऋ १,९२,६; ११३,[४-६]; ३,५८,१;६,४७,३; ६५,१; ७,१०,१;७५,१; १०,२९,१; शौ २०,७६,१; अजीगः[e] ऋ १,११३,९.
जागरण[f]- -णम् मा ३०,१७; का ३४,३,४.
जागरित- -ताय तै ७,१,१९,२[g].
¶जागरितव्य- -व्यम् मै ४,२,१.
जागरिष्यत्- -ष्यते तै ७,१,१९,२; काठ ४१,१०.
जागरू(क>)का[h]- -के ऋ ३,५४,७.
?जागारम् खि २,८,२.
जागृत- -ताय काठ ४१,१०[g].
†जागृवस्- -वद्भिः ऋ ३,२९,२; ७,५,१; १०,९१,१; कौ १,२९; जै १,८,७; -वांसः ऋ १,२२,[२१; ३,१०,९]; ६,१,३; मा ३४,४४; का ३३,२,७; मै ४,१३,६; काठ १८,२०; कौ २,१०२३; -वांसम् ऋ ८,५,३६; -वांसा ऋ १,१३६,३.
जागृवि[i]- -वि ऋ ८,८९,१; मा ७,२; ८,४९; २०,३०†; २१,३६; का ७,१,२; ८,२२,३; २२,२,७†; २३,४,८; तै १,४,१,२; ३,३,३,२; ४,२,६,४,४,३; मै १,३,४; ३,११,२; ४,५,७; काठ २७,१; ३०,६; क ४२,१; कौ १,२५८†; जै १,२७,६[j]; पै १६,७३,३; -विः ऋ १,३१,९; ३,२,१२; २६,३;३९,१;२; ५,११,१; ८,४४,२९; ९,३६,२; ४४,३; ७१,१; ९७,२; ३७; १०६,४;१०७,६; १२;१०,३४,१; मा १५,२७†; का १६,५,८†; तै ४,४,४,२†; मै २,१३,७†; काठ ३७,१०[2]; ¶:३९,१४†; †कौ १,५१४; ५१९; ५६७; २,११७; २४७; ७०७; ७५०; †जै १,५३,४;९; ५८,२; ३,१२,४;२२,४;५८,४; शौ ५,३०,१०; ८,१,१३; पै ९,१३,१०; १६,२,३; १९,४३,८; -†विम् ऋ ३,२८,५; ३७,८; ६,१५,८; कौ २,९१८; जै ४,१६,१; शौ २०,२०,१; ५७,४; -०वे ऋ ३,३,७;२४,३; ८,९२,२३; काठ ३७,१०[2]; कौ २,१०११†.
जाग्रत्- -ग्रत् मा २०,१६; का २२,१,३; मै ३,११,१०; काठ ३८,५; शौ ६,११५,२; १६,७,१०; पै १६,४९,५; -ग्रतः ऋ १०,१६४,३; खि ४,११,४; मा ३४,१; का३३,१,१; शौ ६,४५,२†; ९६,३; ७,११३,२; †पै १९,१२,६; ३६,५; -ग्रतम् पै १०,११,२; -ग्रता पै १९,३९,२; -ग्रते मा २२,७; का २४,३,२; तै ७,१,१९,२; मै ३,१२,३; काठ ४१,१०; -ग्रद्भ्यः मा १६,२२; का १७,३,२; तै ४,५,३,२; मै २,९,४; काठ १७,१३; क २७,३.
जाग्रती- -तीम् तै १,४,३४,१; मै २,१३,१९; काठ ४०,४; शौ ८,६,८; पै १६,७९,७.
जाग्रत्-स्वप्न[k]- -प्नः ऋ १०,१६४,५.
जाग्रद् दुस्वप्न्य[l]- -प्न्यम् शौ १६,६,९.
√गॄ,गॄ (शब्दे),>गिर्, गृणीते ऋ ५,४१,[१० (६,१२,४)]; गृणीते ऋ १,७९,१२; †गृणे[m] ऋ ५,

a) वैनु मा. <√गॄ [शब्दे] इति (तु. ऋ ४,५०,११; ७,६४,५ तद्व्याख्यानम्)।
b) प्रपु. अपि विभाषया णित्त्वम् उसं. (पा ७,१,९१)।
c) पाभे. कृत्ते प्र १२२९ q टि. द्र.।
d) प्रपु१ द्र.। e) मपु१ द्र.।
f) नाप. (प्रहरिन्- [वैनु. MW. Gri. विप. इतीव ?])। कर्तरि युच्>अनः प्र. चित्स्वरश्च।
g) सपा. जागरिताय<>जागृताय इति पाभे.। मा २२,७, का २४,३,२ पाठाऽभावश्च।
h) विप.। उकः प्र. (पा ३,२,१६५) तत्स्वरश्च।
i) विप. (अग्नि-, धी-, सरस्वती- प्रभृ.)। क्विन् प्र. (पाउ ४,५४) नित्स्वरश्च। <*जागुरि- इति WAG [१,१८४ b]। -वि इति द्वि१ सन् कश्चित् व्रा. किवि. द्र.।
j) °वीम् इति पाठे? यनि. शोधः (तु. कौ.)।
k) नाप.। षस. अन्तोदात्तः (तु. वैं. GRV. ORN. वैप ३ १जाग्रत्-स्वप्न- इति; वैनु. सा. PW. प्रभृ. विप.)।
l) नाप.। षस. अन्तोदात्तः।
m) प्रपु१ त-लोपे प्र. स्वरः।

६,२; ८,२७,८;३३,५; ६२,८[a]; ७०,१[b]; मा १५,४२; का १६, ५, २४; मै २, १३, ७; कौ १, २७३; ३९१; ४३८$; २,२८३; १०८९; १११८$; जै १, २९, १;४४,३; ४६,२$; ३,२३,१५; शौ २०, ९२, १६; १०५, ४; †गृणे ऋ ८, ३, ४; मा ३३, ८३[c]; का ३२, ६, १४; कौ २, ९५८; जै ४,२०, ७; शौ २०, १०४, २; †गृणाति ऋ १, ४८, ४; ७,२६,५; ८,१५,९; कौ २, ९९७; शौ २०, १०६, ३; †गृणन्ति ऋ १, १४, २[d]; ४८, ११;४,३४,१०; ६,३४,३; ६५, ५; ८, ५४, ⌊(४६,३) १⌋; ७५, १०; खि ३, ६,१; तै २,६,११, २; मै ४, ११, ६; काठ ७,१७; कौ १, ११; २, ९९८; जै १,२, १; गृणन्ति ऋ ३, ३४, ७; ४, ३२, ११; ७, १८, २४; खि १, ११, २; शौ २०, ११, ७†; गृणीषे ऋ ८,६५,५; गृणे ऋ १, १४३, ६; ६,१५,७; ८,२३,७; १०, १५०, ३; मै २, ५, १०[e]; कौ २,९१७†; जै ४,१५,१०†; †गृणामि ऋ ७, १००,५; तै २, १२,५; ३,३,९,१[e]$; मै ४, १०, १; काठ ६, १०; कौ २, ९७६; जै ४,२३,६; पै ६, १०, ८$; गृणीमः काठ १३, ९[e]; पै १, ९७, १; गृणीमसि ऋ २, ३३, ८; †गृणीमसि ऋ १, ५३, २;६४,⌊१२(६.६६,११)⌋;१५५, ४; ८,१५,४;७१,१५: १०,२३, ५;८४,५;९२,१४; कौ १,३८३; २,२३०: जै १,४३, ३; ३,२०, १४; ४, १४, ९; शौ ४,३१,५: २०, २१,२; ६१, १; ७३,६; पै ४,१२,५: †गृणन्त ऋ ८,३,७: कौ १, २५६: २, ९२३; जै १, २७,४; शौ २०,९९,१: †गृणीषे[f] ऋ ६, ४४, ४: कौ १,३५७; जै १, ३४, ६; गृणीषे ऋ १,१४६, १: १८६, ⌊३ (८, ८४, १)⌋; २, २०,४; ३३,१२: ५,३४,९; ७, ६, ४; ३४, १६; ९७, ३; १०, १२२, १: कौ १, ३२७: जै १, ३४, ५: गृणीताम् पै २,७३,३; गृणन्तु पै ६, १७, १०‡[g]; २०, ९, ९[g]; गृणीहि ऋ ८, १०२, १२; गृणीहि ऋ ५, ५३, १६: ६,६८,३;९,८४,१; गृणन्>ता शौ ५, २७,९[h]; †गृणीत ऋ ८, ३,१३; शौ २०,५०,१.

२गिर्[i]– गिरः ऋ १,३,२;५,⌊८;८, ४४,१९⌋;६,६; ९;९,४; १०,९; १२;११,१;१४,१;२५,१०;२६, ⌊५; ४५, ५; २, ६,१⌋;३७,१०[j]; ५३, १; ५७,४; ५९,४; ६१,४; ६४,१; ७७,४;७९,१०; ८२,१; ८४,८;९३,९; ११८,१०;१२१, १;१२२,१४;१४१,७;८; १७६, २; १७८, ३; १८६, ७; २,२७, १: ३५,१;३९,७; ३,३,३; १०, ६; २०, २; २४, ४; २९, १०[k]; ३१, १३; ३९, ७: ४०, ८; ४२, ३; ५१,१: २: ६; ५२, ⌊३: (३, ६२, ८) ४,३२, १६⌋; ४, ४१, ८; ५, १०, ४: ११,५; १३. ३; २७, ३: ३९, ४;⌊(२२,४)५[2]⌋; ४१, १२: १४[l]; ४३, १०; ६१, १७; ६५, १; ६, १६,१६: ३७; ३४,१; ३६,३; ३८,३; ४; ४४, ५: ४५, २३:⌊२५; ८, ९५,१⌋; २८; ४७, १४: ५२, ९; ६९,२; ⌊४ (७)⌋; ७, ३, ८: ५. ५: १०, ३; १५, ६; १८, २: ३; २२,५; ३२,५: ३९,५[m]:४५,४; ४६,१; ६८, १; ९४,२: ९९.⌊७: १००, ७⌋: ८,२.३०: ३, ३:⌊१५; ४३,

---

a) तु. GW. Gri; वैतु. वें. सा., विव. भ. ⌊कौ १, ३९१⌋ उपु१ इति।

b) तु. वें., भ. (कौ १,२७३), GW. Gri.; वैतु. सा. विव. (कौ.) उपु१ इति। c) वैतु. म. उपु१ इति।

d) सपा. गृणन्ति <> गृणन्तु इति पाभे.।

e) सपा. गृणे<>गृणामि<>गृणीमः इति पाभे.।

f) उपु१ द्र.।

g) सपा. गृणन्तु <> रमन्ताम् इति पाभे.।

h) पाभे. कृते पृ ११४२ *d* टि. द्र.।

i) नाप. (स्तोतृ-, स्तुति-, वाच्-)। कर्तरि कर्मणि च क्विप् प्र.।

j) = स्तोतारः (रुद्रस्य सूनून् मरुत उद्दिश्य) इति कृत्वा पुं. प्र३ (तु. वें. GW. GRV. ORN. ⌊ऋ ५, २९,१: ५७,५: ६, ६३,१०: ९, ६३, १० प्रमृ.⌋; वैतु. ORN. ⌊पक्षे⌋ स्त्री. द्वि३ इति, स्क. सा. MV. प्रमृ. ष१ इति)।

k) सपा. गिरः (जैमि १, ६१ च) <> रयिम् (माश २,३,४,१३; ७,१,१,२८ तैब्रा १,२,१, १६; २, ५,८,८ जैमि १,६१ जाब्रा ४ च) इति पाभे.।

l) =स्तुति- इति (तु. सा. GRV. प्रमृ.; वैतु. BW. MW. =गिरि- इति GW. विप. इति)।

m) =स्तुति-। द्वि३ द्र. (तु. वें. GRV. प्रमृ.; वैतु. सा. =⌊स्तुत्य-⌋ देव- इति, BW. MW. नाप. =गिरि- इति)।

१ (९,६७, १७); ६,११;८,२२; १३,६; ७: १६,L१८; ९२, २१: ९, ६१, १४]: ३२, २३; ३३, १३: ३५, ६; ४४, २२; २५; ५२,८; ५७,४; ७१, १०; ८४, ३:६; ७; ८५,९: ९२,१९; २७; ९५, ६; ९६, १०: १०२, १३; १०३,१:९,२,७; ६,९: २०,५: २५, ५;३४,६; ४०, ५: ४३,२; ६१,२३; ८५,११: ९६,७:११४, २: १०, २०,१०:२९,३:५; ३३, ६; ६१,२५: ६४,१२; ६५,१४: ६६, १०; ६९, ३: ८९, ४: ९१, १२:९६,१;१०४,१;७;१४८,३: १६०,२: खि १, ४,५; ३,४,८: ५,११,४: †मा ५,२९;१२,५६: १३,५२;१५,६१; १७,६१;१८, ७७;२६,१३;३३,७७;८१: ३४, ५४: †का ५,७,५: १३, ४,१२: १४. ५,६; १६, ७, ४: १८. ५, १२: २०, ५, १०: ३२, ६, ८: ३३. २, १७; †तै १, ३, १. २: ६,१२, २‡[a]: २,२, १२,५: ३. १४, १: २,२, ११, १: ४,६,३, ४: ७,१,१$; ५, ७,३, २$: ६, २, १०, ७: †मै १,२, ११: ३, ३९: २, ४,४; १०, ५; १३, ७: ११: ४,१०,१[२]:$; ११,२:१२, १;३[२]:४; १४,३;१८; †काठ २, १२:१४; ४,१६;६,१०; ७,१६; ९,१९; ११,१२; १२,१५; १८, ३; २६,११; ३६, १५; ३७, ९;

३८,७; ४०, १४[३]; क २८, ३†; †कौ १,७;१३; ३४;४७;६८‡[b]; १४६;१५८;२०१; २०५;२२१; २५०; २५१; २९४$; ३३९; ३४३;३४९;३७३; ३७४;४१६; २,५५; ७२; ७४; १७७; २३५; २६७;२९५;३२२;३९३; ५९६; ६०६;६९३;७१२;७५६; ८५१; ८५३;८६५; ९०१; ९०४,९२०; ९४५; ९५७; ९७७; १०१७; १०५५; ११११$; ११४९: †जै १, १,७; २,३: ३,१४; ५,३;७, ६‡[b]; १६, २; २१, ८; २२, २; २३,८;२६,८;९;३१,२;३५, ८; ३६, २;८; ३९, ४ ;५; ४०, ८; ३,६,१;७, १०; १२; १६, १५: २०, १९; २२, १४; २४, ११; २६,८; २८, २; ३१, १३; ४४, ८;४८, १२; ५४, १; ५६, १५; २०; ५८, ९;४, ३,४; ६,५; ९, ८;१२,४;१४,५;६;२०, ६;२१, ३; २३, ८, २४, ९; शौ २, ५, ४[c]; †२०, ६, ८; १०, १; १५, ४; २१, १; २४, ३;३०,१; ३५, ४;४८,१; ५९,१; ६३, ५; ६९, ६;७०,२; ५; ७१, १०;७६ ,३; ५;७८,२;९६,२;१०४,१;११०, १;३: ११५,२; १२७, १४?$[d]; पै २,७,५; १८, २२, १०; १९, २८,१०?[e]; ४३, १३-१५; २०, ५१, १†; गिरम् ऋ ३, ६२, L(५२,३;४,३२,१६)८]; ५,१२,

१; १५,१; ४२, १३; ७, ५,१; ८, ७, ९; ९५, ५; खि १,५,९; कौ २, २३४†; जै ३,२०,१८†; पै ५, ३३, ९; †गिरा ऋ १, ३८, १३; ४६, १३; ७८, L१; ४,३२,९ (६, १६,२९; ३६; ८, ४३,२)]; २; ७९,L५; १०,११८, ३]; १३९,९[२]; १५१, १; २, १, ११; २,१;५; ६,६;२४,१; ३०, ११; ३, २७,L(१, ४४, ११)२; ८.(६,३)२३,९]; ५३,२; ४, ८, १; ५, १७, ३; १८, ३; २०,३; ४४,१[f];५२,१३; ५३, १६; ६८, १: ८७,३; ६,१५,१;७; ७,३२, २०;३६,४; ९४,११, ८,१,१८; २०[g];११,७;१९,१३; २१: २०, १९;२०; २३,२; २६,१५; २७, ५: ३१, १४;४०,४;७; ४१,२; ४६,१४; १७; ६९,४; ७४,११; ९३, ९: ९,१०,४; १४,२; २९, २; ६२,१५; ६७,९; ७१,३; ६; ८६, ३९: ४६: १०, २२, १; ६४, ३: ४; १०१, ३[h]; १३८, २: १४०, L(१, ४५, ७) ६[i]]; मा १२,६८[h];१११[i];११५; १५, ३६; ३३, ७६; का १३,५, ७[h]; ७,१०[i]: १४; १६,५, १८; ३२, ६, ७: तै १, ४,९, १[f]: ८, २२, ३; ४,२,५, ६[h]; ७, ३[i];४, ४,५; मै १,६,११[f]; २,७, १२[h]; १४[i]; १३, ५-८; ४,११, २[२]; काठ ४, ३[f]; ११, १२; १२, १५; १६,

[a]) सपा. गिरः <> बृहन (या ६, १४ च) इति पाभे.।   [b]) पाभे. कृत्ने पृ ७७५ c टि. द्र.।

[c]) सपा. आश्रौ ६,३,१ पाठाऽभावः।

[d]) पृ १४६ f टि. द्र.।

[e]) गिरोः इति पाठे? यनि. शोधः।

[f]) सपा. गिरा <> घुनिम् (माश ४, २,१,९ च) इति पाभे.।

[g]) सपा. गिरा (या ६,२४ च) <> ज्या इति पाभे.।

[h]) सपा. गिरा (माश ७,२,२,५ च) <> विराजः इति पाभे.।

[i]) सपा. गिरा (माश ७, ३, १, ३४ च) <> युजा इति पाभे.।

१२[a]; ३९, १२; १५; ४०, १४; क ३,३[b];२५,३[a]; कौ १,८;१२; २९; ५२; १६८; २३८; २६५; २८८$; ४८५; २,२१७; ३०५; ४७२;४९३;५१६;५७४; ८३९· ९१२; ९१७; ११९६; ११७१[c]; जै १, १, ८; २,२; ३, ९; ५,८; २५,६; २८, ३;३०,६$;५०,९; ३,१९,१२; २५,१;३५,७; ३८, ७; ४०,१२; ४६, १२; ४,१,८; १५,५; १०;१९,५; शौ२०,२२, ४; ४७, ३; ९२,१; ११; १३७, १४; †गिरा॒ऽगिरा ऋ ६, ४८,१; मा २७, ४२; का २९, ५, ११; मै २, १३, ९; काठ ३९, १२; कौ १,३५; २,५३; जै १,४, १; ३,५,१२; †गिरा॒म् ऋ १,१०, ३; ३,३१, १८; ६, २४, १; मा ८, ३४; का ८, ८, १; कौ २, ६९६; जै ३, ५६, २३; गिरे॒ ऋ ६, ६३,१०[d]; †गी॒ः ऋ १, ७७, १; ११७, १;⌊१६५-१६६, १५; १६७, ११; १६८, १०⌋; १७३,१२;१८१,७;८; १८३,२; ⌊४ (८, ५७, ४)⌋; ३,१, २; ७, ५; ४,४,८; ५, ४२, १; ४३,८; ६,२२,५; ७, ७०, ⌊७; ७१,६⌋; ७३, १;⌊८४-८५, ५k १०, ४, ७; ७४, ३; ९९, ११; मा ३. ४६; ३४, ४८; का ३, ५, ३; ३३, २, ११; तै १,२, १४, ४; ८, ३, १; मै १,१०,२; ४, ११, ३; ५; काठ ६,११; ९,४; १८;

१७,१८; क ८,७; शौ २०,३६, ५; †गी॒र्भि॒ः ऋ १,९,९;२५,३; ४९, ४; ५१,१; ९१,११;१२८, ८;१३९, ६; १४३, ४; २,६, ३; १०, २; ३,५, २; १२, १; २६, १;३७,३; ५१, ४; ५२,५; ५३, १;१०; ५८,८; ४,१०, ४; ४९, ५; ५,६,१०; ८,४;२०,१; २२, ⌊४ (३९, ५)⌋: ३६, २; ७२, १; ८३, १: ६,१, ⌊१०; १३, ४⌋; २,२; १३, ६; १५, ६;१७, ३; १८, १;२१, २;२२,१; ३७, ५: ४४, १३; ४५, ७; ६९, १; ६; १०; ५९, ⌊१०; ८, ८, ७ (१२, २३)⌋; ६७, १; ७,६, २; ५३, २: ८०,१; ९३, ४[e]; ९४, ६; ८,२, २७;८, ⌊८;१५; १९⌋: ११, ⌊६; १०, १४३, ३⌋; १५, १;१६,१;२२, ११;२४,६; ४२, ५: ४३, २८; ४६, ⌊३: ५४, १ (९९, ८)⌋: १७; ६०, ९; ६५, ३; ६८, १०; ७६,⌊५: ८८, १⌋; ९६,६; ९७, ४; १३; १०३, ७: ९,३५,५: ४३,१; ३; ९६, १७; १०,६,५:८५,२१:८८, ५; ९२, १४;९८, ९;११८, ९; १३५,७; १४१, ३: खि ३, ६, १; ४, ९, ७[f]; १४, १: मा ७, ३१: १९, ६४; २६,११; २७, ४२: का ७, १३, १; २१, ४, १४: तै १,४, १५,१; ४,१, ११, ४;४, ४, ७; मै १, ३, १७; २, १३, ८; ४, १०, १; ३; ५; १२, ३; १३,६;

७[e]; १४, ८; काठ २, १४; ४, ७;१५[e]; १८, २०; २३, ११; क ३,५; कौ १,३६; ७४‡[f]; १४४; २३६; २६४;३३८; ३७६;३८२; ४६०; २,१९;३५; १५२; ५२५; ८९४; ९३४; १००८; जै १, ४, २; ८, २‡[f]; १५, १०; २५, ४; २८,२; ३५, ७;३९, ७;४३, २; ४८,४; ३,२,१०; ४,६;१४, १२; ४१,१; ४,११,७; १४, १; २२,५; २७, ९; शौ ३,२०, ४; ७,११५,३$; $१३,१,५३;५४; १९,७,१$; २०,८,१:९,१;१९, ३;३६, १,४४, १;४९, ४; ५५, १; ६१, ४; ६२, ८; ७१, १५; पै १,८६,२$; ३, ३४, ६; १८, १०. ३; $२०,२; ३; २०,४८, ४; †गीर्षु ऋ ८,९२,७; कौ १, १७०; २,९९२; जै १, १८, ६; ४,२७,१.

†गि॒र्-व॒णस्[g]- -॒णः ऋ ३,४०, ६; कौ ९,१९५; शौ २०,६, ६; -॒णः ऋ १, ५, ७; १०; १०, १२: ११,६;४५, २;५७, ४; ३, ४१, ४; ५१, ⌊१०; ८,१, २६⌋; ४,३२, ⌊(१४, ४)८;८,३२,७⌋; ⌊११: ८,९९,२⌋;३४,⌊७;६,४०, ५⌋:६,३२ ४:४५,१३; २८;४६, १०;८, ३, १८; १२,५; १३,४; २२;२४, १२; ४९,३; ५१, ⌊६; ६१,१४⌋; ५२,८; ९०, ३; ९३, १०;९५,१; २; ९८, ७; ९,६४, १४; खि ३, १, ३; ३, ६; ४,

---

[a]) पाभे. पृ १२३२ *h* टि. द्र. । [b]) पाभे. पृ१२३२ *f* टि. द्र. । [c]) पाभे. कृते पृ १२३२ *i* टि. द्र. ।

[d]) नाप. [स्तोत्र- (तु. GRV.; वैतु. वें. सा. GW. प्रभृ. कर्तरि कृत् ⌊=स्तोतृ-⌋ इति)] ।

[e]) सपा. गी॒र्भि॒ः (तैब्रा ३,६,९१;१२,१ आश्रौ १,६, १; ३,७,१३ च) <> धी॒भि॒ः इति पाभे. ।

[f]) पाभे. कृते पृ १२१८ *a* टि. द्र. ।

[g]) विप. (अग्नि-, इन्द्र-, सोम-)। पपा. नावग्रहः। बस.। उप. भाप. < √वन्। यत्तु या ⌊६, १४⌋ गीर्भिरेनं वनयन्ति इति, वें. सा. प्रभृ. ⌊ऋ १,५,७ प्रभृ.⌋

८; मा ५, २९; का ५,७, ५; तै १,३,१,२; ६,२,१०, ७; मै १, २, ११; काठ २, १२; कौ १, १६५; २०१; २३०; २९४$; ३४९; ३७३; ४०६; २,६०;८७; १६४;१९३;६७२;७४३; जै १, १८,१; २१,२; ८;२४, ६; ३१, २$; ३६, ८; ३९, ४; ४५, ८; ३, ६, ६; ९, १; १५, १२;१७, १३;४८,१८;५५,१३; शौ २०, १५, ४; २३,४;६९,५; ८; ८३, २; १००, १; –णसम् ऋ २,६, ३; ६,३४,३; ५०,६; ८,२,२७; कौ २, १००८; –णसे ऋ १, ६२,१; ८, ८९,७; मा ३४,१६; का ३३,१,१०; तै १,६,१२,२; काठ ८,१६; कौ २,७८१.

†गिर्वणस्-तम- -०म ऋ ८,६८,१०; जै ४,२७,९; –मः ऋ ८, ४५, २०; –मा ऋ ५, ८६,४; काठ ४,१५.

गिर्-वणस्यु[a]- -स्युः ऋ १०, १११,१.

गिर्-वन[b]-

गिर्व-वाह[c]- -वाहः कौ १, ६८‡[d]; जै १,७,६‡[d].

†गिर्-वाहस[e]- -०हः ऋ १, ३०, ५; कौ २, ९५०; शौ २०, ४५,२; –०हः ऋ १,१३९, ६; ६,२४,६[१];८,२,३०; –हसम् ऋ ४, ४४,१; ६, २१, २; शौ २०,१४३,१; –हसे ऋ १,६१, ४; ८,९६,१०; शौ २०,३५,४.

गृणत्- -†णतः ऋ ३,६१,१;४,१७, ५; ५,३३,७; ६,२३,४; २४,२; ४९, ११; ७,१२,२; ९, ४३,६; १०,२२,[१५;१४८,४]; ११५, ५;९; कौ २, ६५५; जै ३, ५४, ५; –णताम् ऋ ६,४४,१३;४५, १७; १०, ८९, १६; –णते ऋ १,४४,६;५८,९; ९४,९; ११३, १७; २, ४,९; ३,३०,१५; ५९, ५; ४,११,२;२४,१; ६,४,८;६, ७; ११,३; ३१, ४; ३९, १; ५; ४०,१;४९,७; ६२,५; ११;६५, ६; ६६,९; ७,३–८,[१० (६०, ६)];३६,९;७७,४; ९,६९,[१० (१, ३१, ८; १०, ६७, १२)]; ८९, ६; १०, ३०, १२; ४९,१; ८७, ११; तै २, २, १२, ४; ४, १, ११, २†; ३; †मै ४,१०,३; १४, ३; ११; †काठ १७, १८; २०, १५; ३०, १; शौ ४, २१, २‡[g]; ५, ११, ११; ८,३,११†; पै ८,१,११; १२, १, ९†; १६, ७,१†; –णत्सु ऋ ५, ८६,[६[१]; ८,(१२, ४)१३,१२]; –णद्भ्यः ऋ ६, ८, ५; –†णन्तः ऋ १, ९,९;१७७,[५; ६,२५,९; १०, ८९,१७]; ३,१७,४; ४,१०,४; १६, ३; २९, ५;५,८,४;६,३३, [५; ६८,८]; ७, ५३,१; ६०,१; ७८, २; ८,३,१३; ५,२७; २७, [(१२,१९)१३]; ९, २९,२;१०, १०४,८[h];१२२,८; मा ३३,९१; तै ४,४,४, ७; मै २,१३,८; ४, १२,४; १३, ५; काठ १२, १४; १८,२१; कौ २, १११६; शौ ६, ६२, २[h]. २०, ३३, ३; ५०, १; ७१, १५; ७७, ३; पै १९, ३०, ६[h]; –णन्तम ऋ १, ५८,८; ९; ३,२०,४; ४,२९,४; ५, ७५,८; ६,२६,४; ७,५७,२.

गृणान, ना- -†नः ऋ १,३५, १०; ६२,५; १८१, ९; १८९, ६; २, १५,८; ४,१६,१; ८;[२१; १७, २१; १९–२४, ११ (५६, ४)]; १७, १८; २९,१; ५,८,९; १६, ५; ६,१६,१०;१७,१; १८,१४; ३३,२, ३६,४; ३९,५; ५०, ६; ७,८,५; ५६,१८; ८, ९३, १०;

उप. आहुस्तत्तात्पर्यांभेदकर्मिति (तु. ऋ ७, ९४, २; ८, ७, ९ प्रमृ.)।

[a]) विप. (इन्द्र-)। उस. उप. < √वनस्य < वनस्- < √वन् द्र. (तु. PW. GW.; वैतु. मा. < √गिर्वणस्य इति)।

[b]) =गिर्-वणस्-। विप. (इन्द्र- [तु. माश ३,६,१,२४])। बस.। उप. भाप. < √वन् इति (वैतु. GW. प्रमृ. मत्वर्थे वनिप् प्र. इति)।

[c]) विप. (अश्व-)। उस. पूप. कृते तु. पपा. GW. BS.; वैतु. ?BSG. ?ORN. [वकारोपजन-मात्रं], सा. भ. S. विप. (अग्नि-) इति कृत्वा गिर्-व-वाहस- [वकारस्य द्वित्वे] > यनि. सं१ इति, विव. गिर्-व-वाह- > -ह सं१ इति ?, ?ORN. [पक्षे] < गिर्-वाह- ! इति।

[d]) सपा. गिर्ववाहः <> ?गिर्वाहः इति पाभे.।

[e]) विप. (इन्द्र-)। उस.। उप. < √वह्।

[f]) पाठे ? गिर्व-वाहः इति शोधः (तु. छन्दः, GW. GRV. प्रमृ.; वैतु. PW. यनि. [सं१] इति)।

[g]) सपा. गृणते <> पृणते (तैब्रा २, ८,८,११ च) इति पाभे.। पाठः शोधार्ह इति w. [टि.]।

[h]) सपा. गृणन्तः <> मदन्तः (तैब्रा १, ४,८, २ च) इति पाभे.।

९,६२,[(३,६२,१८; ७,९६,३; ८,१०१,८)२४; ६५,२५]; ९७, ४९; १०, ६१, २६; १०४, ३; १११, ४; १३८, ४; १४७, ५; मा ३४, २६; का ३३,१,७; तै २,३,१४,५; मै ४, ९, ११$; १०,१; २; १२,३; १४,५; काठ ८, १६; २०, १४; कौ १,१; २, १०; ४१३: ७७६; जै १, १,१; ३, २, १; ३१, ३३; शौ १७,१, १०$; २०,२५,७; ३३, २;७७, १; ८; पै ८, १४, ११‡ᵃ; १८, ३१,५; २०, ७, ८; –ना ऋ १, ११७,११; ३,६२,[१८:७,९६, ३; ८, १०१, ८ (९, ६२, २४; ६५, २५)]; ५,४१,१९; ६,६३, २; ६८, ८; ७, ७५, ५; ७९,४; खि ४,८,४; मा २७, १९ᵇ; का २९,२,९ᵇ; तै ४, १, ८, ३ᵇ; मै २, १२, ६ᵇ; काठ १२, १४†; ३९,५; क २९,५; कौ २, १५†; जै ३,२,६†; शौ १,१३, ४; ५, २७,९ᵇ; पै २,६६,२; १९,३,६; –नाः ऋ ३,५०,३; ४,३४,५;५, ५५,१०; ५९, ८; ९,१३,३;६२, २२; तै १,६, १२,३!ᶜ; काठ ८, १७†; १८,१७ᵇ; †कौ २,४११; ५३९; †जै ३, ३१, ३१; ४२,५; पै ९,१, ९ᵇ; –ने ऋ १,१६०,५.

गृणीषणिᵈ ऋ ६, १५, ६; ८, १२, [१९ (२७,१३)].

?गृणᵉ खि ३,१५,३०.

गृणत्–,गृणान,ना– √गॄ,गॄ (शब्दे) द्र.

?गृर्णाः पै ५,९,३.

१गृत्सᶠ– –त्सः ऋ ३,८८,३;४,५,२;७, ४,२;८७,५;–त्सम् ऋ ३,१९, १;७,८६,७; –त्सस्य ऋ१०,२५, ५; २८, ५; –त्साय ऋ ३,१, २; –त्सेभ्यः मा १६,२५ᵍ; का १७, ३,४ᵍ.

१गृत्स-पतिʰ– -तिभ्यःⁱ मा १६, २५; का १७,३,४.

२गृत्सʲ– –त्सेभ्यः तै ४, ५,४,१ᵍ.

२गृत्स-पतिʰ– -तिभ्यः तै४,५,४,१ⁱ.

गृत्स-मदᵏ– -दाः ऋ २,१९,८; ४१, १८; –दासः ऋ २,४,९;३९,८.

गृदˡ– -दम्ᵐ तै ७, ४, १९, १; काठ ४४,८.

?गृ द प्र य द्य मूⁿ पै २०,१६,१.

√गृध्, अगृधत् ऋ १०,३४,४. जागृधुः ऋ २, २३,१६ᵒ; गृधत् शौ ८,६,१; पै १६,७९,१; गृधः मा ४०,१; का ४०,१, १; शौ ११,२,२१; पै १६,१०६,१.

गृध्नुᵖ– -†ध्नुः ऋ १,७०,६;१६२, २०; मा २५,४३; तै ४, ६, ९, ४; काठ ४६,५; पै ७,७,९$.

?गृध्यᵠ– -ध्यैः शौ १२,२, ३८; पै १७,३३,८.

गृध्यत्– -ध्यन्तम् ऋ ४,३८,३.

गृध्र,ध्राʳ– -ध्रः ऋ १,११०, ७; तै ५, ५, २०, १; मै ३, ९, १९; काठ ४७, १०; शौ ५, २३, ४; पै ७, २, ४; –ध्रम् पै ६, १४,२; –†ध्रस्य ऋ १०,१२३, ८; कौ २, ११९८; –ध्रा ऋ २, ३९,१; पै १६,१४३, ६; –ध्राः ऋ १, ८८, ४; ११८, ४; ९, ९७,५७; शौ ११, ११, ९;१२,

ᵃ) सपा. गृणानः <> वृधानः इति पाभे.।

ᵇ) सपा. °ना <> °नाः इति पाभे.।

ᶜ) पाठे? √वृ (वरणे) > वृणान– > –नाः इति शोधः (तु. पृ ७१३ b टि.)।

ᵈ) व्यु. पृ ९४७ f टि. द्र.।

ᵉ) पाठे? अग्रेण इति शोधः (तु. बृदे ६,१४१. खि ३, १०²,१७ अद्यम् इति)।

ᶠ) विप. (अग्नि-, इन्द्र-, कवि- प्रभृ.), नाप. [मा. का.]। व्यु.?। <√गृध् [अर्थः?]+क्सन् प्र. उसं. (पाउ ३, ६९) नित्स्वरश्च (वैतु. गा. [ऋ ३,१९,१] व्यत्ययमुखेन स्वरं साधुकः, या [९,५] <√गॄ [स्तुतौ] इति)।

ᵍ) पाभे. कृते पृ ११६१ m टि. द्र.। तत्र च <> गृत्सेभ्यः इत्यपि संनिवेश्यम्।

ʰ) विप. (रुद्र-)। षस.।

ⁱ) पाभे. कृते पृ ११६१ o टि. द्र.। तत्र च <> गृत्स° इत्यपि संनिवेश्यम्।

ʲ) =१गृत्स–। व्यु.?। <√गृध् [अर्थः?]+क्सः प्र.।

ᵏ) व्यप. (ऋषि-विशेष-, [बहुवचने] तद्वंशजा इति)। व्यु.?। कस. =गृत्समदन- इति या [९,५] स्क. दु.। उप. कर्तरि कृत् इति [प्राणो वै गृत्सोऽपानो मदः··· तस्मात् °मदः इति ऐआ २,२,१ इत्यपि सुवेचः]।

ˡ) नाप. (१गुद-)। व्यु.?।

ᵐ) पाभे. कृते पृ १२२५ l टि. द्र.।

ⁿ) पाठः?। सपा. शौ ७,११८,१ कृतद्विष्टा इति पाभे.।

ᵒ) तु. सस्थ. टि. अभि।

ᵖ) विप. (अग्नि-, अविरशत्रु-, शकुन- [पै.])। कर्तरि क्नुः प्र. (पा ३,२,१४०) तत्-स्वरश्च।

ᵠ) अर्थः व्यु. च?। नाप. पुं.। कर्तरि प्र. इति ?W. MW.

ʳ) विप. (बृहस्पति-, गोतम-, कवि- प्रभृ.), नाप. (पक्षि-विशेष- [ऋ १,११८, ४; २,३९,१ शौ ७,१००,१ प्रभृ.])। कर्तरि क्रन् प्र (पाउ २,२४)।

८; २४; १२,१०, १; पै १६, १४५,९; १७,२२,१४; १९,२९, ५: –†ध्राणाम् ऋ ९, ९६, ६; तै ३, ४, ११, १; मै ४,१२,६; काठ २३, १२; कौ २, २९४; १२१४; जै ३,२४,१०; –†ध्रात् ऋ ५, ७७, १; मै ४, १२, ६: –ध्रेभ्यः शौ ११, २, २; पै १५. २२, ८; १६,१०४, २; –ध्रौ शौ ७,१००,१, पै १९,२६,११.

†गृध्र-यातु[a]– -तुम् ऋ ७,१०४, २२: शौ ८,४,२२; पै १६,११,२.

गृध्र-सद्[b]– -सत् तै ४,४,७,१; मै २,१३,१८; ३,५,२; काठ ३९,९.

गृध्रा[c]– -ध्राभिः तै ५, ७, १४, १; काठ ५३,४.

√गृभ्,ह्,ग्रभ्,ह्,>ग्राहि,गृभाति पै ३,२२,२: अगृभम् खि ३,१५,५. जगृभ्यात् ऋ १०,३१,२. गृभ्णाति ऋ ९, ७८, १; ८३,४: गृभ्णाति कौ २, ४६‡[d]; जै ३, ५९,५‡[d]; †गृभ्णते[e] ऋ ९, ८६, ४३; कौ १, ५६४; २,९६४; जै १,५७,११; ४,२०,८; गृभ्णन्ति ऋ ८,७२,३; गृभ्णामि ऋ १०, ८५, ३६[f]; १४५, ४[g]; खि ३, १५, ५[2]: गृभ्णामि मै १, ११, ४[h]; शौ ३,८, ६; ६, ९४, २[i]; पै ९,७,४; १४,३,२; गृभ्णत ऋ ९, १४, ७; गृभ्णातु[j] मा ११, ५९; का १२, ५,९; मै २,७,६; ३,१, ७; गृभ्णीष्व[k] मा १,१८; का १, ६, ३; †गृभाय[l] ऋ ८, १७, ५: शौ २०, ४, २; गृभाय पै ३,२२,४; †गृभायत ऋ ७, १०४, १८: शौ ८, ४, १८; †गृभायत ऋ ८, ६९, १०; शौ २०, ९२, ७; पै १६, १०, ८; †अगृभ्णात् ऋ १, १६३,२; मा २९,१३: का ३१, ३, २; तै ४, ६,७,१; काठ ४०,६; †अगृभ्णत ऋ ३,९,६; ६,८,४[m]; ९,७८,३; ८६,३०; कौ २,७७५; अगृभ्णन् मा १०,१[n]; २२, २; का ११, २,१[m]; २४,१, २; तै ४,१,२,१; ५, १, २, १; ७,१, ११,१; मै २, ७, ९[2]‡[m]; ३, १२, १; काठ ४१, २; पै १४,१,९; अगृभ्णाम् मै २,६,८[n]; काठ १५, ६[n]; ४०, ६‡[o]; अगृभायम् पै १, ४७, २; गृभ्णीत ऋ ९,४६,४; १०६,३[d]; जगभ्रे ऋ १, १४८,३: ७,४,३; जगृभ्रे ऋ ५,३२,११; १०,६१, ८: जगृभ्रिरे ऋ ४,७,२; जगृभुः ऋ ५.२,५: पै १४, १, ६; जगृभथुः ऋ ६, ७२, ४; जग्रभ ऋ १०, १८, १४: खि ४, ६, ३[p]; पै २.३२,४; ५,११,७; ६,७,७; ९,७,७: १५, १८, ८; १९,२३, ३; जगृभ्म>भ्मा ऋ १, १३९, १०: १०,४७, १[q]; अग्रभीत् ऋ १, १४५, २; शौ १, १२, २; अग्रभीन् शौ १०,९,२; १८,३,

a) विप. (रक्षस्-)। बस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

b) विप. (अग्नि-)। उस. क्विबन्तम् ।

c) अर्थः व्यु. च? । भा. =अक्ष- ⌊=ग्रीवास्थि-⌋, मा. =कक्ष-, K. =पादस्याऽवननप्रदेश- ⌊=गर्त-⌋ इति ।

d) सपा. गृभ्णाति <> गृभ्णीत इति पाभे. ।

e) सपा. गृभ्णते <> गृह्णते इति पाभे. ।

f) सपा. गृभ्णामि (मंब्रा १, २,१६ आपमं १, ३, ३ आगृ १,७,३ शांगृ १,१३,२ पागृ १,६,३ मागृ १, १०, १५ गोगृ २,२, १६ च) <> गृह्णामि (हिगृ १, २०, १ च) इति पाभे. ।

g) सपा. गृभ्णामि (आपमं १,१५,४ च) <> जग्राह इति पाभे. ।

h) सपा. गृभ्णामि <> गृह्णामि (माश ५, १, २, ७ तैआ १,२२,८ च) इति पाभे. ।

i) सपा. गृभ्णामि <> गृह्णामि इति पाभे. ।

j) सपा. गृभ्णातु (माश ६, ५, २, २० च) <> गृह्णातु (तैआ ४,२,६ आपश्रौ १५,३,४; १६,५,३ च) इति पाभे. ।

k) सपा. गृभ्णीष्व (माश १,२,१,९ च) <> गृह्णीष्व (माश्रौ १,२,३,२० च) इति पाभे. ।

l) <√गृभाय इति PW. प्रमृ. ।

m) सपा. अगृभ्णत (शांब्रा २१, ३ या ७, २६ च) <> अगृभ्णन् <> अवर्धन (माश ६, ७, ४, ४ च) <> ववर्ध (तैआ ६,३,१ च) <> अहिन्वन् (आपमं २,११,२३ च) <> अहेषत इति पाभे. ।

n) सपा. अगृभ्णन् (माश ५,३,४, ३ च) <> अगृभ्णाम् <> अगृह्णन् (आपश्रौ १८,१३, १९ च) इति पाभे. ।

o) सपा. अगृभ्णाम् <> अपश्यम् इति पाभे. ।

p) सपा. पागृ १,१३,१ जग्रभम् इति, हिगृ १, १०, ६ अग्रभिषम् इति, आपमं २,८, ३ जग्रभैषम् इति च पाभे. ।

q) सपा. °भ्मा <> °भ्णा (तैब्रा २, ८, २, ५ च) इति पाभे. ।

१६; अग्रभीषत काठ १९, १३; अगृभ्रन् ऋ ५,२, ४; ग्रभीष्ट ऋ २,२९,५; मै ४,१२,६†; अग्रभम् ऋ १, १९१, १३; शौ ५,१३, १-३; ६, ८३, ९; १०, ३८, २; पै १, २१, ३; २, ३५,४; ३,९, ७†; १५,५; २९, ३[२]; †४,१७, ७; १९, ७; ५, ३, ३; ८,२,१; २ ; ९, ७, ६; १०, ४; १९, २४, ३.

अजग्रभम् शौ ४, ५, ४[३]; पै ४, ६,४[३]: जग्रभम् पै ४,२१,७.

गृहे[a] मे १, ९, ५[३]¶[b]; गृहते ऋ ५,३२,१२.

?गृहये[a] काठ९,१३[३]¶[c]; गृहाः पै १३,१, ९[d]: गृहामहि ऋ ८,२१, १६.

¶गृह्णीते मे ४,५,६:६,४; ८;७, ६[२];७;८,९; ¶गृह्णीते मे ३, ७, ८; ४,७,७[२]: ¶गृह्णाति ते १,७, २,३; ३,२,६,२: ३: ३,४,३:६, १;३[३]; ६,४,२,६;५,४;५,४,१[२]; २;५,३;७,१;२;८,१;१०,२; ३; मै १,४, ५; ७; ५,९; १०,१२; ११,६; २,३,३[२]: ३,१,१:३,५: ७,३;८,१:४,१,१२: ४,१[२]; ५, १[५]; २[२]; ६,८[२];९[२]; ७,१; ४;६; काठ ३१, ९; शौ ६, ७६, ४$; गृह्णाति ¶ तै १,५,८,५;६,७,१; ७,२,४;६,५;८,१८,१; २,२,६, २;३; ३,९,३;११,१;५; १२,१; १३,२; ६,५,२[२]; ३,२,६,२;३[२]; ५,९,२;१०,१; ५,२,१,३;६,२, १;७,५,१; ६,२,१,१;३; ४, २, १;२[६]; ३[२]; ४[२]: ५[४]; ३,३[२];११, २;५,४,१;२; ५,३,६,३;४[२]; ७, १–३;८,३;६,३,५; ९,२[२]; १०, १[२];२[२];११,३;४;७,२,८,१[३];२; ३[२];४[२]: ¶मे १,४,५; ७; १३;८, ३;१०,९:१२;१३;१६; २,१,२; ३,१,४[६]:७[२];९[२];१०[६]; ९,१; २; ४,१,१३,३,१;५,१[११]:२[६]; ३;८; ६,४;५[३]:६[२];८;९; ७,१;४;७;८, ५[२]: ६[२],९: ¶काठ ७,४; ७:८,७; ९,१५:११,८; १२,२[२];६[२]; १३, ६[२]: १४,६; २०,२[२];२१,७:२३, ६;२४,५[२];२६,२; २७,९[२]; २८, १[२]:२[२];६[२];७[२]:८;१०; २९,३;४; ६; ७;३०,२;४; ७[२/e]; ३१,१०: १५[५]:३२,६[६];७[२]: ३६,४;५;६[२]; ७: १०[२]: ¶क ४,१:३[२]:५,३:७, ४:३१,४[२];३७,६[२]:४०,५: ४४, २[२];६[३];७[३];८;४५,१;४;५;७; ८; ४६,५;७;४७,९;१०; शौ१३,३, ११; पै १९, १५,१५; ¶गृह्णाते मे ४,६,७; काठ २८,२; क ४४, २; गृह्णते मै ४,८, १०¶; गृह्णते काठ ३०, ५¶; शौ १८, ३, १८‡[f]; ¶गृह्णन्ति ते २,५,६,६; ५,१,५,१०; ६,१,३,७;३,४,३; ७,५,१,६; मै ३,१,६; ६,८; ९, ३; काठ १९ ५[२]:२७,७; क ३०, ३[२]; पै १,८५,१$; गृह्णे शौ १९, ३१,४[g]; गृह्णामि शौ ५, १३, २; १२,३,१७:१४,१,५०‡[h];पै१८, ५,६‡[h]; गृह्णामि मा १, १०[i]; १५; ५, ५; ७, २२[२]; २३[२]; ८, ४७[२]; ४९; ९,२[२]: ३[२j]; ४; १३, १: ५४-५८; २०,३२[२]; २३,२; ४: ३८, २६[२]; का १, ३, ७[२i]; ५,३; ५, २, १[२]; ७,९, १; २[८]; ८,२२,१[२];३; १०,१,२:३[२];४[२j]; ५;१४,१,१;७,२; ४;६; ८; १०; २३. ३, १[२]; २५, १-२,२; ३८, ६, १[२]; ते १, १, ५ २; १०, ३[२k]; २,१०,२[२l]: ४, २७-२८, १[m]: ६, १, २[२n]; ३[२o]; ७, १२, १[२]; २[१]: ३,२, ६, २;१०. १[२];३.

a) धा. ग्लानौ वृत्तिः (वैतु. अन्ये प्रहणे इति)।

b) अदा. लटि प्रपु१ त-लोपः (तु. गृहते ⌊प्रपु३⌋ इति; वैतु. सपा. काठ. ?गृहये ⌊तु. *c* टि.⌋ इति पाभे.)।

c) पाठे ? गृहते ⌊तुदा. लटि प्रपु१⌋ इति शोधः (तु. *b* टि. पाभे.; वैतु. Sch. तुमर्थकं कृद् इति समर्थयन् मै. सपा. लिङ्गभूतं निघातमुपेक्षकः)।

d) सपा. शौ ५,२२,७ विशिष्टः पाभे.।

e) सकृत् Sch. गृह्णति इति पाठे ? यनि. शोधः।

f) पाभे. कृते पृ १२३६ *e* टि. द्र.।

g) सपा. गृह्णे ३ हुम् <> गृह्णीयाम् इति पाभे.।

h) पाभे. कृते पृ १२३६ *f* टि. द्र.।

i) सपा. गृह्णामि <> सकृत् नियुनज्मि (माश ३, ७,४,३ च) इति पाभे.।

j) पाभे. कृते पृ १२३६ *h* टि. द्र.।

k) सपा. गृह्णामि <> भव (माश १, ३, १, १९ तैब्रा ३,३,४,३ शांश्रौ ४,८,१ च) इति पाभे.।

l) =सकृत् सपा. माश्रौ २,२,१,२। का ५,२,१ मै १, २,७ तु विशिष्टः पाभे.।

m) पाभे. कृते पृ १०१५ *f* टि. द्र.।

n) विशेषः पृ ६२७ *o* टि. द्र.।

o) सपा. गृह्णामि <> प्रतिगृह्णामि (तैब्रा २,२,५,६ तैआ ३, १०, २; ४ तां १, ८, १७ आश्रौ ५, १३, १५ आपश्रौ १४,११,२ च) इति पाभे.।

३,२[a];४, १[a];६,३^{३}[b]:५,६,२;८, १;९,२;१०,१^{२};४,३,२,१; २^{२}; ३^{२};५,७,९,१; २; ६,२,२,२; ७, ५,१६-१७,१; मै १,१,११;२,६; ७^{२};३,९:१४:३५;३६[a]; ४,४[c]; ९[c];६,१; ११,४[d]; २,३,८^{३};७, १९[e];३,७,१०^{२}; १२,१६; १७; काठ १,५;१०;२,८;३,१; ४,३^{२}; ६[d];५,६:७,१२^{२}[d]: १२,९^{२};१४, ३^{४}[c]:१६,१९[e]; २९,५: ३०,६[a]; ७; ३२,६[c]: ३५,३: ३६, १५^{४}: ३७,१८: ३९,१[f]:४५,११-१३: क १,५; १०; २,२: ८; ३, ४^{२}; ६,२;२५,९[e];४५,६; ४८,४; शौ ६,८२,१,७,८७,२; १४,१,४८: पै ८, २,२: १२, ८: १६, १२६, १-३; १७,३७,७;१८,५,७;१९, १०,१३[f]: १७, ४; १९,९; ३९, ७;२०,३२,३: गृह्णात् पै २,१७, ४;१३,१४,१२; गृह्णातु शौ ११, १, ११; गृह्णातु तै ४,१, ५, ४^{२}; मै २,५,६; काठ १३,२;१६,५[g]: १९,६[g]; क ३०,४[g]; शौ ५,१४, १२; १४,१,४९[h]; पै १२, ३, ६; १६, ९०,२; १८,५,५; ¶गृह्णन्तु मै ४,६,२; गृह्णीष्व तै १,१, ८, १; मै १,१,९[i]; काठ १,८[i][j]; क १, ८[i]; गृहाण शौ ११, १, १०; पै १६, ८९, १०; गृह्णीतात् शौ ११, १, १३; पै १६, ९०, ३; गृह्णीत मै ४,५,८¶; पै ८,१८,९; ¶गृह्णाम काठ २७,४; क ४२,४; अगृह्णीत मै ४,७,७^{२}¶;¶अगृह्णीत तै ६,५,५,२; ६,१०,१; ११,२; मै ४,७,३;७^{२}; काठ २९, ६[k]; क ४५,७; ¶अगृह्णात तै ५, २, १, ३;६,५,५,१; मै १, १०, १०^{४}; ११^{२};.१२; २, ५, ५;६;३,९,४; ४, ५, ८; काठ ९,१६^{३};११,३^{२}; ४: १२,६: १३; १३,२: २७,४: ३६,५^{२};६^{३}; क ४२,४; ¶अगृह्णत तै ६, ४, ११, १: २; ५, ८, २: ६, ८, ३; १०, १: ११, २; मै १, ९, ४^{२}; ५; ४,५, ६^{२}: ७, ३; ७^{२}; काठ ९, ११^{२}; १२: २७,९; ३०,४, ७; क ४६, ७; ¶अगृह्णन् तै १, ८,११, १$[l]; ६, ४,९,१; २; १०,१; ५,८,८; मै ३, १०,४^{२}; ४,५, ८^{२}; ६,२; काठ २७, ३^{३}; ४^{४}; क ४२, ३^{३}; ४^{४}; अगृह्णाम् पै ११, ५, १४; ¶गृह्णीत तै ७,२,७,२^{२}; ३^{२}; ४; मै ४,१, ५$; ६, ४; ८,९; काठ २९,६; ३०,३^{६}; ४; क ४५, ७; ४६, ६^{६}; ७; ¶गृह्णीयात् तै १, ७,४,३; ३, १, ९, १^{२}; ६,२,१, १; ४, २, २^{२}; ३^{२}; ६,८,१; २; ११,४; मै १, ४, १०; ६, ११; ८,६; ३,७,४; ४, ६, २; ८, ९; काठ ३५, १६; ¶गृह्णीयात् तै १, ७, ४,६; ३,५,९,१; ३^{३}; ६, ४, २, ३; ११,१; ५,१०,१;२^{२}; ६,३, ५^{२};५,४; ११,३^{२}; ४; ७, २,७, १^{२}; ५^{२}; मै ३,२,८;४,१, १३; ५,१;२; ६,६; ७,६^{२};८,५; काठ ७,९; १३,६; २०,९; २३, ६;२७,९^{२}; २८,१^{२};३; ६^{२}; २९, ३; ७^{३}: ३०,२;३^{२}; ७; ३१,१०; क ५,८, ३१, ११; ४४, ३; ६^{३}; ४५,४;८^{२}: ४६,५;६^{२}; ४७,१०; ४८, १४; गृह्णीयाताम् मै ४, ६,२¶: ¶गृह्णीरन् तै ७, २, ७, १; मै ४, ८, १०^{३}; काठ ३०, ३; ५^{२}; क ४६, ६; गृह्णीयुः मै २, २, १२¶: गृह्णीयाम् पै १०, ५,४[m].

†जगृहे ऋ १०, १२, ५; शौ १८, १, ३३; जग्राह ऋ १० १६१,१[n]; मै ३,९,२¶; शौ २ ९,१; ३, ११, १†;१४, १,४८ २०, ९६, ६; जग्राह शौ १९ ५८, २; पै १, ११०, २; १८ ५, ७; जगृहुः मै १ १०,१२ ¶काठ ३०, २; ३६, ६; क ४

---

a) पाभे. कृते पृ ६५४ *m* टि. द्र.।

b) सकृत् सपा. गृह्णामि (आपश्रौ २१,२१,४ च) <> प्रोक्षामि (आपश्रौ ७,१३,१० च) <> माश ११,५,४, ४ आपमं २,३,२१ पागृ २,२,२१ आपगृ ४,११,३ हिगृ १,६,५ परिददामि इति पाभे.।

c) विशेषः पृ ६२७ *o* टि. द्र.।

d) सपा. तैब्रा १, २, १, ८ आश्रौ २,१,१७ आपश्रौ ५, १, २ माश्रौ १, ५, १, ९ वैताश्रौ ५,७ हरामि इति पाभे.।

e) पाभे. कृते पृ १२३६ *h* टि. द्र.।

f) पाभे. कृते पृ १२३६ *i* टि. द्र.।

g) पाभे. कृते पृ १२३६ *j* टि. द्र.।

h) सपा. आपमं २,३,५ आगृ १,२०,५ हिगृ १,५, अग्रभीत् इति, मागृ १,२२,५ अग्रहीत् इति च पाभे.।

i) पाभे. कृते पृ १२३६ *k* टि. द्र.।

j) °ह्णीष्व इति पाठे? यनि. शोधः।

k) °ह्ण गृ° इति पाठे? °ह्णगृ° इत्येवं शोध्यः (तु. संस्कर्तुः टि.)। l) पाभे. कृते पृ १२३६ *n* टि. द्र.

m) पाभे. कृते पृ १२३७ *g* टि. द्र.।

n) सपा. जग्राह <> गृहीतः इति पाभे.।

५¶; शौ १०, १, ११; पै १६, ३६,१; जग्राह शौ ३,१८,३‡[a]; ‡जगृह्म>ह्मा[b] मै ४, १४, ५; ८; कौ १,३१७; जै १, ३३, ५; ¶ग्रहीष्यते मै ४, ७, ७; काठ २९, ६; क ४५, ७: ग्रहीष्यामि मै ४, ८, ९¶; ¶अग्रहीष्ट काठ ३०,२; क ४६,५; अग्रहीत् शौ ५, १७, ८; अग्रहीत् ¶मै १, ४, ५^{२}; ९^{७}; १०^{२}: ५, ९; ३, ७,९; ४,२,११; काठ ३२,७¶: शौ १४, १, ५१^{१०}: पै १, १७, २; ९, १६, ६; १६, १३६, २; १८,५,८^{४}; २०,४९,१^{२}.

¶गृह्यते तै ३, ५, ९, १^{२}; ६,४, ६,१, ८, ३: ९, १;५, १,२: ४, १; ५, ३; ७-८, २; ६, ९-१०, १; ११, १; २^{२}, ७,२,८, २^{२};३-५: मै ४,५, ७: ८^{२}: ६,५: ८^{२}: ७, १^{३}; ६: ७^{२}: ८, ८: १०^{२}; ¶गृह्यन्ते तै ६, ४, ६, ३; ७-८, ३^{२}: ९,२: ५,२,१^{२}: ६,३, ७,१: १०,१;२; ७,२,८, १^{२}; ३^{२}: ४^{२}: ५;६^{२}: ७^{४}: ५, ४, १: २: मै ३, ७,१०; ४,५, ५^{२}; ६;७; ६,१^{४}: ४; ५: ६^{२}; ७,१; ७; काठ २४, ७; २७,३^{२};४^{४}; ५;९; १०; २८, १^{२};२^{२}:६^{४};७^{३}; २९,२: ५; ३०, ५^{२}; ७^{२}; ३३, ४^{२}; ३५, १६; क ३७, ८; ४२, ३^{३}; ४^{४}; ५; ४४, २^{२}; ६^{४}; ७^{३}: ४५, ३; ६; ४८, १४; पै ६, ९, १$; ¶गृह्येते तै ६,४,१०,१; ५,८, १; मै ४,६, ३;७,१;४; ¶गृह्येते तै ६, ५, ३, १; ७,५,४,२; मै ४,६, २; काठ २८,१; ३०, ५; ¶गृह्यन्ते तै ३, ३, ३, २; ६, १; ५, १०,२; ३; ६,४,५,१:३; ७,१;९, ३^{२}; ११, १: ३; ५,२-३, १; ५, १^{२}; ११, ३; ६, ८, १-४; मै १, ४, १०; ३,७,१०; ४,३,१०;५,२^{२}; ५^{७}; ७; ६,१; ७^{२};८,१०^{२}: ¶गृह्यन्ते तै ३,२,१,२; ३,६,२^{३}; ५,१०, २^{३}: ३; ६,४,७,१; ५, ३-४, १; ५,१;३; १०,३; ७,३, १०, ३^{२}, ५,१,६; मै १,११, ९;४,५, २: ५^{२}, ८; ६, १^{२}:४; ७; ७, ३^{२}; काठ १४, ६^{३}; २७, ३; ५: १०; २८, २^{२}; १०^{२}; २९, ७^{२}; ३०, २^{३}: ५^{२}; ३३,४^{४}: क ४२,३; ५: ४४,२^{२}; ४५, १^{२}:८^{३}: ४६, ५^{२}: ¶गृह्यातै तै ६,४,७, ३; ८, ३^{२}; ¶गृह्यन्तै क ४२, ३[d]; ¶गृह्यान्तै[d] तै ६,४, ७, १; मै ४,५,८; काठ २७, ३: ¶गृह्यताम् काठ २७, ४^{२}; क ४२, ४^{२}; गृह्येताम् काठ २७, ८¶; गृह्येयाताम् तै ६,४,६,३; ¶गृह्येरन् काठ २९,, ७: ३०,५: क ४५,८.

¶ग्राहयति तै ३, ४, ८, ५; ६, २,६,४; ७,२, ७, ३; मै २, १, ६:५,६^{२}; ३,१,६; ६, ८; ७, ५: ९, ३; ४, १, ९; काठ ९, १६: १०,६[e]; ११,५: १३,२^{२}; २६, ५; ३०,३; ३१, ७; क ४१, ३; ४६,६; ४७, ७; ¶अग्राहयत् मै १,१०, ५;१०^{२}; २,२,७; ५, ६; काठ १३, २; ३५,२०; ३६,५^{२}; क ४८, १८; अग्राहयन् काठ १२, १३¶; ¶ग्राहयेत् तै ६,४, २,४; काठ २९,३: ग्राहयेयम् तै ६,२,६,४.

गृभ्- गृभः खि ५, ७, २, ६; मा २१, ४३-४५: का २३, ५, ३^{२}: मै ४, १३, ७: काठ १८, २१: गृभम् ऋ ७, ४, ३: गृभा ऋ ८,१०,१५.

गृभ[f]- -भात् ऋ ७,२१,२.

गृभयत्- -यन्त ऋ १,१४८,३.

गृभि[g]- -भिः शौ १२, १, ५०; पै १७,६,६.

गृभीत,ता- -तः ऋ १, २४, १२; १३: १६४, ३८: मा १७, ५५[h]; का १८,५,६[h]: तै ४. ६,३,२[h]; मै २, १०, ५[h]: ३, ३, ८; काठ १८, ३[h]; शौ ९, १५, १६†; पै १६,६९, ७†: -तम् ऋ ७,२४, २: पै ९, ७, ११; -ताः ऋ ६, ४६,१४; -†तान् ऋ १,९३,५; १०, ७९, ७: तै २, ३, १४, २; मै ४. १०, १: काठ ४, १६; -†ताम् ऋ १, १६२, २; मा २५, ३५: का २७, १२,२; तै ४.६, ८, १: मै ३, १६, १; काठ ४६, ४: -ते पै ९, ७, ११.

---

a) पाभे. कृते पृ १२३६ *g* टि. द्र. ।

b) पाभे. कृते पृ १२३६ *g* टि. द्र. ।

c) सकृत् = सपा. मंब्रा १, ६, १५ मागृ १, २२, ५ । आपमं २,३,५ आगृ १, २०,५ शांगृ २, ३,१^{२} हिगृ १, ५,९ तु अग्रभीत् इति पाभे. ।

d) सपा. गृह्यन्तै<>गृह्यान्तै इति पाभे. ।

e) ग्रहयति (तु. सात., SI.) इति पाठे? यनि. शोधः (तु. काठ. सर्वत्रान्यत्र) ।

f) नाप. (गृह-) । कः प्र. (पा ३,१,१४४) तत्स्वरश्च ।

g) विप. । किन् प्र. उसं. (पा ३,२,१७१) नित्स्वरश्च ।

h) सपा. गृभीतः (माश ९,२,३,९ च) <>गृहीतः इति पाभे. ।

गृभीत-ताति[a]- -तये ऋ ५,७४, ४.

गृभीत्वा शौ १२,३,२०; पै १७, ३७,१०.

गृभीथ- -थात् पै ६,११,१०[b].

गृभे[c] ऋ ८,१०,३.

गृभ्णान- -नाः[d] मा १५,५०; का १६,६,२; मै १,४,३; २,१२, ४; क २९,६.

गृह[e]- -०ह ? पै १०,२,४; -हः ऋ १०,११९,१३?[f]; तै ३,२, ८,४[g]; काठ ३,८; क २,१५; शौ २,१४,३; ५,६,४; ११; ७, ८८,१; पै २,८,६?[h]; ६,११,६; १२,१; ७,१३,८; ८,२०,११; १३,४,११; २०,३२,४; -हम् ऋ १,२२,४; ४९,१; ११०,२; १३५,[७; ४,४९,३; ८,६९,७]; २,४१,२; ५,२९,९; ६,२८,६,७, ७४,४; ८८,५; ८९,१; ८,५, [५; १३,१०; २२,३]; ७३,७; ८५,६; ९,४९,२[i]; १०,१६, १०; २२,६; ४०,३; ११; १४; ८५,१०; ८६,२२; १०१,२; खि ४,५,१६[j]; ९,७; मा २७, २९†; का २९,३,७†; मै १,२, ९; ४,६¶; ¶३,३,६; ७,८; ८, ७; ९,१[2]; ४,१४,९†; काठ ३५, १८¶; क ४८,१६¶; कौ २, ७८६[l]; ३,२,६; शौ ४,१८, २; २१,६†; ६,२७,२‡[k]; २९, २; ३७,१; ११,१०,१८; १२, २,७†; १९,४५,१; †२०,९२, ९; १२६,२२; पै २,६८,३; ५; ५,१,५; २४,२; २८,९; ६,७,६; ७,१,६; १०,१,५; ३,३; १५,४, १; १६,७३,२; ८६,८; १७,१३, ८; ३०,७†; १९,२७,१२; ३१, ७[l]; २०,१७,१; ३३,२; -हम् ऽ-हम् ऋ १,१२३,४; १२४,११; ८,९१,२; पै ४,२६,२†; -हस्य शौ २,१४,४; पै ५,१,४; -हाः ऋ ५,७६,४; १०,१४२,८; मा १८,४४; का २०,२,७; तै १, ६,५,२; ३,३,८,२[m]; ४,७,२; ३; ८,४¶; ४,७,८,१; ¶५,५,१०, ३; ४; ६,२,९,१¶; ७,३,१३,१; मै १,४,२; ५,१०¶; १०,२०¶; २,१२,२; ४,१,१३; काठ ५,५; ७,८¶; ८,७¶; १८,१४; २२, ७¶; ३१,१२¶; ३२,५¶; ३६, १४[2]¶; ३८,१३; ४३,३; क ७, ४¶; २९,३; ३५,१¶; शौ ६, १०६,२; ७,६२,७; १२,२,३९; ४,३; पै २,५६,१-५; ३,२६,२; ६; ५,२१,८; १३,१,३; १६,७२,७; १७,१६,३; ३३,९; १९,३३,४; ५३,११; -०हाः मा ३,४१; का ३,४,४; शौ ७,६२,४; ६; पै ३,२६,३; -हाऽइ तै ६,१, ४,५¶; -हाणाम् ऋ २,४२, ३; तै ३,३,८,२[m]; काठ ३८, १३[3n]; शौ ३,१२,६[o]; ६,३२, १; ९,८,१-६; १४,२,२६; पै १, १०३,३; २,२३,१; ३,२६,१; ४,१०,६; ६,१५,९; १६,११३, ९; १२०,३; ४; १८,९,७; १९, ३६,१५; १६; ४७,१२; २०,६०, ११; -हान् ऋ ७,१८,२१; खि २,६,८[p]; तै २,३,१,३¶; ¶मै १,६,११; १२; ९,८; २,२,१; ३; ३,२[3]; ४,२,१; ¶काठ ८, १२; ११,५; ६; क ७,७¶; शौ ११,१०,१; १४,२,१९; पै ५, १,१; १६,८५,१; १८,८,१०.

---

[a]) तु. पृ ४११ *d* टि., देव-ताति-, वृक-ताति- प्रमृ. च; वैतु. सा. बम. इति ।

[b]) सपा. गृभीथात्<>दुरितान् इति पाभे. ।

[c]) तुमर्थीयः के प्र. तत्स्वरश्च ।

[d]) सपा. गृभ्णानाः (माश ८, ६,३,१९ च) <> गह्नानाः इति पाभे. । [e]) व्यु. गृभ्- टि. दिशा द्र. ।

[f]) पाठे ? गृहान् उ इति शोधः (तु. वैं. Deussen AGP [१[2],१,१००]; वैतु. पपा. सा. कर्तरि कृत् इति, LR. AM [३२४] गृहम् इति, L [३३०] Gri. GRV. प्रमृ. गृहम् उ इति च शोधः इति ?) । [g]) सपा. गृहः<>गहे इति पाभे. । [h]) पाठे ? गृहान् इति शोधः ।

[i]) सपा. गृहम्<>गृहान् इति पाभे. ।

[j]) सपा. खिसा २९,१६ गृहान् इति पाभे. ।

[k]) सपा. गृहम्<>गृहेषु (मागृ २,१७,१ च) इति पाभे. ।

[l]) सपा. गृहम्<>गृहान् इति पाभे. ।

[m]) गृहाणामसमत्यै बहवो नो गृहा असन् इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ ६,७९,१ असमातिं गृहेषु नः इति पाभे. ।

[n]) सपा. सकृत् गृहाणाम्<>गृहान् (आश्रौ २,५, १७ आपश्रौ ६,२७,३; १६,१६,४ लाश्रौ ३,३,१ आपमं १,८,२ शांगृ ३,५,३ मागृ १,१४,६ हिगृ १,२९,२ च) इति पाभे. ।

[o]) पाभे. कृते पृ १०४० *k* टि. द्र. । सपा. मा २७,२ का २९,१,२ तै ४,१,७,१ मै २,१२,५ काठ १८,१६ शौ २, ६,२ तु पाठाऽभावः ।

[p]) सपा. तैआ १०,६६ पाप्मानम् इति पाभे. ।

–हान् ऋ ६, ५४, २; १०, ८५, २६; ८६, २०; खि ४,५,६;२१; खिसा २९,४४; मा २, ३२; ३, ४१[a]; ४२[b]; ४, ३३; ३४; २८, १८; का २,७,४; ३,४,५[a]; ६[1], ४, १०, ४; ५; ३०,२, ७; ¶तै २,२, २, ५[3]; ३,१, ८, १$; ४, १०,४; ६,२,९, १; ¶मै १,३, २$; ५, १४[3]; $;८,९[3]:९,८;२, १,५: ३, ४, ५[3]; काठ २,७; ३, १०; ७, ३; ११[2]; ¶:९,,१५[2]¶; १०, ६¶;२२, ७[3]¶: क २,१७; ५, २; ६, १[2]¶: जै ४, २९, १०‡[c]; शौ १,२७,४[d]: ३,१०, ११; १२, ९; ७, ६२,१[a]; ३[b]: ९, ३, २३: ११, ५: १४, १, २०†; २, २६; ७५; १५. १०, १; ११, १; १२, २: १३, ११: १८,२,२१: ४, ३७: ६३: २०, १२६, २०†: पै १,१०५,३: ३, २६, १;४: ४, १०,४: १३, ७: ६, १५, २;९,,१०,९; १२, ३, ३: १६, ४१, ३; १८, २, ९†; ९, ७: १४, ५; १९, ५३, १०: १२; –हाय ऋ १, १४०, १२: –†हाम: ऋ १०, १८, १२; शौ १८,३,५१; –हे ऋ १,१३,१२: ८४,१५;१६१,११; १९१, १०: ३,५३,६;६०, ५: ४,३,४; १८, ३: ४६, [६: ४९, ६; ८, २८, ८]; ८,१०,१;१९,११; २२, ८; २६,१७;३१, ४; ९, १००, [२; ८]; १०,६२,४;८५, २७; ४२[e]; १००, ६; १२२, ५; १८६, ३; खि २, २,४; ६, १२; १६; ६[3], २७; ११, ३; ४,५, २४; खिसा २०,,४३; मा ८, ५[f]; १७, ५२; का ८, २, १[f]; १८,५, ३; ¶तै १,२,९,१$: ५,१, २; २,२; ६, १;८,९, १[7]: २[4]: ३,२,९,५; ४, ६, ३, १$; ५,३,८,३;७,५,१, २; मै १,२,६: ५,३$;१०;¶८, ५: ७: ८: २, ६, ५[12]¶; १०, ४;१३,६†;३,७,८¶:¶४,२ ३; ३,८[13]: ¶काठ २,७$:६,६: ७, १$; ८, १२: १०, १०[2]: ११, ३[3]: १५, ४[12]: १८,३: २४,७[2]: ३७, १२: ३९,, १२†; क २, १: ४,५¶: ५,१; ७, ७¶; २८, ३: ३७,८[2]: †कौ १, १४७: २, २६५; ११९२: †जै १, १६,३; ३. २२, १२: ४, ३०,४: शौ १, १४, २: ३,२४, २: ३०, ४: ६, ५,३;२९,३: ७,८१, १: ८,१२, ८; १०,१, २०: ६, ४: ८, २६: १२,४,२७: ४८; १४,१, २१†: २,५९-६१: १५,१३,१; ३: ५: ७;९: १९,३१, ३;४५, २; ५७, ४: २०, ४१, ३†; पै १, १५, २; २,४,५: २०, १: ३, ३०,५; ४,१९, २†: ५,१९,४: ३०, २; ८, १२, ५; १०, १, १०: ५,३: १२, २; १२, ७, १३; १३, ५, १२: १३[k]: १५,४,२: १६,३६, १०; ४२, ४; १०३, ३; १३४, ४; १७, १८, ७; २०, ८; १८, २,१०†; ३, १†[g]; १२, ८; ९; १३, १; १९, ३,१५; ४६, ९†; २०, ८, ५; २७, ८; ९; ५६, ८; –हेऽ-हे ऋ १, २८, ५; ७१, ४: ५, ११, ४; १०, ९१, २; –हेभ्यः ऋ १, १२०, ८; ३, ५३, २०; शौ २, १४, २; ६, १३७, १; १४, २, १७; २७‡[h]; १८,२, २७; पै २,४,४; ३१,१; ५,१, २; १३, १; ७,३, ३; १८, १४,७; १९, ३५, १२; २०, २०, ४; ४६, ७; –हेषु ऋ १०, १६५, २[i]; खि २, २, २; मा ३,४३; का ३, ४, ७; तै २, ३, १३, १: ४, ५, १[3]; ५,३,७, २¶; ६,१, ८, ५¶: ¶मै १,३, ३९$; ५,१०; १०,२०[2]; २,१, ३: ३, ७, ७[2]; काठ ४,१३; ७, ८[2]¶; ३६,१४[2]¶; शौ ६, ४५, १: ७९, १[j]: २; ७, ६२, ५; १४, २, ६२; १८,३.१७: पै १, ३९, १-३; ३,२६,५; ५,२१,२; १७,१९,८[k], १८,८,८‡[h]: १९, १३, १४†; १६,१७; १८; २०, १८, ६; ३६, ७: –हैः तै ३, ५, ४,२; मै १, ४, ३: काठ ५, ६; १०, ९[2]¶; ३५, १०; क ४८, १२; शौ ७,८६, ४; ५; १४,२, १२; पै १६,११९,१[2]-३[2]: १७, २९,१६; १७; १८, ८, ३; १९,

---

a) पाभे. कृते पृ १२४० *n* टि. द्र. ।

b) =सपा. आपश्रौ ६,२७,३ लाश्रौ ३,३,१ शांगृ ३,७,२ हिगृ १,२९,१ । मागृ १,१४,५ तु **तेन** इति पाभे. ।

c) पाभे. कृते पृ १२४० *i* टि. द्र. ।

d) पाभे. कृते पृ १२४० *l* टि. द्र. ।

e) **हवे गृहे** इति पाठस्य स्थाने सपा. शौ १४,१,२२ **स्वस्तकौ** इति पाभे. ।

f) पाभे. पृ १२४० *y* टि. द्र. ।

g) गु° इति मुद्रणभ्रेषः (तु. BKA.) ।

h) सपा. ऋ १०,८५,४४ विशिष्टः पाभे. ।

i) पाभे. कृते पृ १२४० *k* टि. द्र. ।

j) पाभे. कृते पृ १२४० *m* टि. द्र. ।

k) सपा. **गृहेषु<>अमा** इति पाभे. ।

३६,१८?[a].

¶गार्ह- -र्हम् काठ ६, ६; क ४,५.

गृह-कपोति(?ती)[b]- -ति(?ती)-म्[c] पै २०,१९,८.

?गृहंगृहः[d] मै १,३,३९.

गृह-पु[e]- -पम् मा ३०, ११; का ३४,२,३.

गृह-पति[f]- -तये मा १०, २३; २४, २४; का ३, २, ५; ११,७, ३; २६,५,४; तै १,८,१०,१¶; १५-१६,२; मै २, ६, ६¶; १३; ३, १४, ५; ४,४, ७; काठ १५, ५¶; ८[२]; -तिः ऋ १,१२,[६; ७,१५,२; ८, १०२,१][k]; ३६,५; ६०,४; २,१,[२; १०,९१,१०]; ४,९,४; ६,१५,१३; ४८,८; ७, १६,५; ८,६०,१९[h]; १०,१२२, १; खि ४, ९, १; ५,५,१०; ७, ५,१२; मा ३,३९; १०,९; का ३, ४, ३; ११, ४, ६; तै १,४, ४६, ३†[g]; ६,४,४; ७,४,५; ८, १२,२; २,४,५,२; †३, ४,११, १[g]; ५, ११, ५[g]; मै २, ६, ९; १३,८†; ४,४,३; †१०,२[g]; १२,६[g]; १३, १०†; काठ ५, ४; १५, ७; १२†[g]; २३, १२†[g]; ३२, ४¶; ३४, १९†[g]; †कौ १, ६१; २, १९४[g]; †जै १, ६, ७; ३,१८,१[g]; ४, १९, ३; २९, ५; शौ ८,१०, ३; १४,१,५१; १९, ५५, ३; ४; पै १६, १२०, ५; १३३, २; १८, ५, ८; १९,३६, १६; ४८,२२; २३; २०,२९,५; -तिना मा २,२७[i]; तै १,५, ६,४[i]; ६,६,३[i]; ७,३,१, ३¶; मै १, ४, २[i]; ७[i]; ५, १४[i]; काठ ५,५[i]; ७,३[i]; क ५,२[i]; -तिम् ऋ ४, ११,[५; ५,८,१]; ५,८,२; ६,१६,४२; ५३,२; ७, १,१; १०, ११८, ६; खि ५,७, ५, १२; मा २८, ३४; का ३०, ३,११; तै २, ६, १०, ३¶; ३, ५, ११, ५†; मै ४, १०, ३†; †कौ १,६३‡[j]; ७२; २, ७२३; †जै १, ७, १‡[j]; १०; ३, ५९, १५; शौ १९, ३१,१३; पै १०, ५, १३; १७, २८, ४; -तीनाम् मा ९, ३९[k]; का ११, ३, १[k]; तै १, ८, १०, १; -॰ते ऋ ६, १५,१९; खि ३, १६, १; ५,७, ५, १२; मा २, २७, ३, ३९[l]; का २, ६, ६; ३, ४, ४[l]; तै १, ५,६, ४; ८, ५; ६,६,३; ७,६,४; २,४,५,२; मै १,४,२; ७; ५,४[m]; ११; १४[२]; ८, ५; ४,१४,१५†; काठ १, १०; ५,५; ६,८; ७,३; ११; १३; ३२, ५; क ४, ७[२]; ५, २; ६, १; २; कौ १,३९‡[h]; जै १,४, ५‡[h]; -¶तेः तै ७,३, ३, २[१]; -तौ पै १८, १४, ६; -पत्या[n] का २,६,६[i].

गृहपत्नी- -त्नी ऋ १०, ८५,२६; शौ १४,१, २०†; २, ७५; पै १६, १२०, ६; १८, २, ९†; -त्न्याः शौ ३, २४, ६; पै ५,३०,८.

गार्हपत्य[o]- -त्यः खि २,११, २; मा ३,३९[p]; १९,१८; का ३,

---

a) पाठः? । यदि अग्नि अप्सरा वै, यदि त्वं वा रक्षो गृहे इति पूर्वार्ध-शोधः ।

b) नाप. (गृहाश्रिन-कपोतस्त्री-) । मध्यपदलुमः कस. ।

c) पाठः? । प्रथमे पादे मायुषी? > माऽऽयुष्या इति, तृतीये पादे यानि. इति, चतुर्थे पादे ताः? > त्वाम् इति च शोधाः द्र. ।

d) पाठः? । सपा. मा ८,२० तै १, ४, ४५,२ प्रमृ. अन्यासु शाखास्वनुपलम्भात् प्रक्षिप्तोऽयं पाठोऽनन्वितश्च ।

e) नाप. (गृह-रक्षक-) । उस. । उप. <√पा (रक्षणे) ।

f) नाप. (गृह-स्वामिन्-, अग्नि-विशेष- [ऋ १,१२,६; मा १०,२३ प्रमृ.]) । षस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

g) =सपा. ऐब्रा १,१६ माश १२, ४,३,५ तैब्रा २, ७, १२,३ । कौसू १०८,२ तु बृहस्पतिः इति पाभे. ।

h) सपा. गृहपतिः <> गृहपते इति पाभे. ।

i) सपा. ॰तिना (माश १,९,३,१९ शाश्रौ ४,१२,१० आपश्रौ ६, २६, १ कौसू ७०, ९ च) <> ॰त्या इति पाभे. ।

j) सपा. गृहपतिम् <> विश्वविदम् इति पाभे. ।

k) सपा. गृहपतीनाम् <> गार्हपत्यानाम् इति पाभे. ।

l) सपा. गृहपते <> जातवेदः इति पाभे. ।

m) सपा. आपश्रौ ६,१९,३ पाठाऽभावः ।

n) वि-अभावः उसं. (पा १,४,८) ।

o) नाप. (अग्नि-विशेष- [मा ३,३९ शौ ५, ३१, ५ प्रमृ.]) । ॰त्यः प्र. (पा ४, ४,९०) । भाप. (गृहपति-त्व- [ऋ १,१५,१२; ६,१५,१९ प्रमृ.]) । ॰त्यम् प्र. । उभयत्र ञित्स्वरः ।

p) =सपा. माश २, ४,१,९ आश्रौ २,५,१२ । शांश्रौ २,१५,५ तु गार्हपत्यात् इति पाभे. ।

४, ३[a]; २१, २, ७; ¶ तै १,६, ७,१; ८,५,३$; ५,२, ३, ६;७, ४,२; ६,१, ८,५; ४,२,५; ¶ मै १,४,१०;५,१०;१०,३$; ३,२, ३;४; ४,५,९;१४,१७$, ¶काठ ६,४;८; ७,८[२]; ८,६;७; ९,६$; २०,१;२६,२;३२,७; ¶क ४,३; ७; ६, १[२]; ७, २; ४; ८, १०$; ३१, ३; ४०, ५; शौ ६, १२०, १[b]; १२१, २; ७, ६६,२; ९,७, १३; १२, २, ४८; १५, ६,१८; १८, ४, ८; ९; १९, ३१, २; पै १०, १,१०; ५,२; १२,९, १३; १६,५०,९; ११३,६; १७, ३४, ५; –ग्यम् ¶तै १,५, ४, १; २; ८,३[२]; ७,६,४; ५,२,४,४; ३,६; ६,२, ६,३; ¶मै १, ४, २$;५, १४[२]; ६,११; २,७,३; ४, ७,७, ८, ४; ४, १, १०; ८, ३; काठ ५,५,७,३;¶८,४[२]; ७[२];२४,६¶; ३१,८¶;३२,५¶; ¶क ५,२$; ६,१; ९[२]; ७, ४[२]; ३७, ७; ४७, ८; शौ १४,२, १८;२० पै १७, ३३, ५[c]; १८,८, ८†[d]; ९, १; –ग्यस्य तै १, ७, ६, ४¶; शौ १५,६,१५; पै १०,९,६;–ग्यात् खि ५, ७, ५, १२[२]; तै ६,२,६, ४¶; मै ३,८, ४¶; ¶काठ ६, ४; २५, ३; ¶क ४, ३; ३८,६; शौ १२,२,३४[e]; –¶ग्यानाम् मै २,६,६[e]; काठ १५,५[e]; –ग्यानि ऋ ६,१५,१९; मा २, २७; का २,६,७; तै ५, ७, २, १; मै ४, १४, १५†; काठ ४०, २†; –ग्या३म् मै १,८, ५¶; –ग्याय ऋ १०, ८५,२७; ३६; तै १,५, ८,३¶, ¶मै १,५,१४; ४,४,३; †शौ १४, १, २१; ५०; पै ४, १०,४; ७,६,९; †१८, २, १०, ५,६; –ग्ये ¶तै २, २, ५, ६; ११,१; ६,१,८,५; ३, २, १, ४, २,५;६,१,१[२]; ¶मै १,१०,१७; ३,२,४; ७,७; ९,१; ४,१,१२[२]; ८,३; ¶काठ ६,८[२];७,८;२१,४; २४,६; २६, २[२]; ३१, ९; ३६, १२; क ४, ७[२]; ३१, १९. ३७, ७, ४०, ५[४]; ४७, ९; शौ ५, ३१,५; ८,१०,२; १०, १, १८; पै १६, ३६,८; १३३, २; –ग्येन ऋ १,१५,१२; ¶मै १,५, १४; ३, ९, १; ¶काठ २०, १; २६, २; ¶क ३१, ३; ४०, ५; शौ १२,२,९. पै १७,३०,८.

गृह-पा[f]– -पाः पै १९,३६,१५[g].

गृह-मेध[h]– -धः मै १, १०, १५[२]¶; –धाः काठ ३६, ९[२]¶; –०धाः काठ २१,१३;–†०धासः ऋ ७,५९,१०; तै ४,३, १३,५; मै ४, १०, ५; –धेभ्यः मै १, १०, १; १५¶; ३, १३, १४[i]; ¶काठ ९,५[j]; ३६,९.

†गृहमेधीय[k]– -यम् ऋ ७, ५६, १४; तै ४, ३, १३, ६; मै ४,१०,५; काठ २१,१३.

गृहमेध्य[l]– -ध्यः काठ ३६, ९¶.

गृह-मेधिन्[m]– -¶धिनः तै २,४, ३,८; मै १,१०,१८; काठ १३, १२;३६,१३; –धिनम् मै १,६, ३¶; –धिभ्यः मा २४, १६[l]; का २६, ४, १[l]; तै १, ८, ४, १¶[j]; क ८,८¶[j]; –धी मा १७, ८५; का १८,७, ६; मै १,६, ३¶; शौ ८,१०,३;१९,३१,१३; पै १०, ५,१३;१६,१३३,२.

गृह-राज[n]– -जस्य शौ ११, १, २९; पै १६,९१,९.

¶गृह-वत्– -वान् काठ ८, ७; २२,७; क ७,४;३५,१.

¶गृहिन्– -ही तै ५,५,२,२[२].

१गृह्य[o]– -ह्यम् पै २, २, ५;

a) पाभे. कृते पृ १२४२ *p* टि. द्र. ।

b) सपा. कौसू १३३:४ औपासनः इति पाभे. ।

c) सपा. ०ग्यम् <> ०ग्यान् इति पाभे. ।

d) सपा. ऋ १०,८५,४४ विशिष्टः पाभे. ।

e) पाभे. कृते पृ १२४२ *k* टि. द्र. ।

f) उप. <√पा (रक्षणे) ।

g) ०पा इति पाठे? यनि. शोधः ।

h) विप. (मरुत्- [ऋ ७,५९,१० मै १, १०, १;१५; ३, १३,१४ प्रभृ.]), नाप. (गृह-यज्ञ- [मै १, १०, १५ प्रभृ.])। उस. थादि-स्वरः । विप. पक्षे उप. कर्तरि अच् प्र., नाप. पक्षे घञ् प्र. अपि ।

i) सपा. गृहमेधेभ्यः <> गृहमेधिभ्यः (आपश्रौ २०, १४,१० च) इति पाभे. ।

j) सपा. गृहमेधेभ्यः <> गृहमेधिभ्यः इति पाभे. ।

k) विप. (भाग-) । छः > ईयः प्र. (पा ४,२,३२) तत्स्वरश्च ।

l) विप. (पाक-यज्ञ-) । यत् प्र. ।

m) विप. । उस. णिन्यन्तम् ।

n) नाप. (अग्नि-) । षस. समासान्तष् टच् प्र. चित्-स्वरश्च ।

o) विप. (अग्नि-, रुद्र-) । भवार्थके यति प्र. यना. स्वरः ।

-ह्याय तै ४,५,९,१[a]; मै २,९, ८[a]: काठ १७, १५[a]; क २७,५[a].
२गृह्य[b]- -ह्याः तै १,८,६,१.
†गृहा(णा>)णा[c]- -णा ऋ १०, १०३,१२; मा १७,४४; का १८, ४, १२; कौ २, १२११: शौ ३, २,५; पै ३,५,५.
¶गृहीत, ता -तः तै २,१,३,५:४, ६; २,७,४: ३,१३,२[२]: ४,२,३; मै २,३,९:५,२;३: ५: ६: ९: ३, ७,४;४,३,७;६,४; काठ १०,९[२]: १०:१२,११:१३,२: ६: ७[२]: क २८,३§[d]; पै १,६२,१‡[e]; -तम् काठ २७,९: -तस्य तै २,६, ६, २[२]; ६,२,८,५[२]; -ताः मै ४,५, १:६,५; काठ १०,१०; -तान् मै ४,१, ५; काठ ३१,३; क ४७,३; -ते मै ४,५,२; -§तेभ्यः तै ७, ३, १९,१; २०,१: काठ ४३,९: १०: -तैः मै ३,७,९.
¶गृहीत-वमर्नीवरीक- -कः तै ६,४,२,२.
गृहीत्वा खि ३,१६, १:¶ तै १, ६, ८,४;३,१,२,८; १०,३;३,४,२; ६,४,२,१: २; ११,३[२]; ¶ मै २, ३,५; ३,९,१; ४,५,१:६,२; ४; ¶काठ ९,१५[२]; ११,८;१८,१९; २५,८; २७,६;९[२]; २८,६; १०; २९,३; ३९,२$; ¶क २९, ७; ४०,१; ४२,६;४४,६;४५,१;४; शौ १९,५८,३[२].
गृहु[f]- -हवे ऋ १०,११७,३.
गृह्णत्- -ह्णन् खि ५,७,२, ११[२]: ४, १५[२]: तै ६,६,१०,२¶; मै ४,१, १२[२]¶;१३, ९[२]; ¶काठ २९,६; ३१, ९[२]: ¶क ४५,७; ४७, ९[२]; पै १६, १५२, ८;९; -ह्णन्तः शौ १९,३५,१; पै ११,४,१.
गृह्णान,ना- -नः शौ ५,२०, ४; ६, ८१,१; पै ९,२४,३:१९,१७,१; -ना: तै ३,५,४,१[g]; ४,७, १३, ३[g]: काठ ५,६[g]; १८ १८[g]; २९, ६¶; क ४५,७¶;शौ ५,१७,१०, पै १०,४,९; -नाम् शौ ४,३८,२.
३गृह्य,ह्या[h]- -ह्यः मै ४, ७, ६[i]¶; -ह्याः ¶मै ४,५, १[२]; ७,३; शौ ५,२०,४; पै ९,२४,३.
¶गृह्यमाण- -णः तै ६, ५, ८, २: -णे मै ४,८,७.
ग्रभ[j]- -भाय ऋ ७,४,८.
ग्रभण-
ग्रभण-वत्[j]- -वत् ऋ १,१२७,५.
ग्रभीतृ[k]- -ता शौ १,१२, २; पै १, १७,२.
ग्रहण- -णम् पै ४,९,४[l].
ग्रहीतवै काठ ३३,४¶.
¶ग्रहीतव्य, व्या- -व्यः मै ४, ७, ७[४]; काठ ३३, ८; -व्याः तै ६, ६,८,२[२]; काठ ३३,८[१०]; -व्ये मै ४,२, १२[२];५,२.
¶ग्रहीतुम् मै ४,७,७[२].
*ग्रहीतोस्(:) काठ २२,११¶[m].
ग्रहीष्यत्- -ष्यन् काठ ३२,७.
१ग्राभ[n]- -भम् शौ १४, १, ३८; पै १८,४,७.
२†ग्राभ[o]- -भम् ऋ ८, ८१, १; ९,१०६,३; कौ १, १६७; २, ४३: ७८; जै १, १८, ३![p]; ३, ८,८;५९,५.
ग्राह- -हम् पै ११,२,१०.
¶ग्राहयित्वा तै २, १,४, ४; ५; ८, ७; मै २,५, ३[२]; ६; ११; काठ १३,८[२].
ग्राहि[q]- -हिः ऋ १०, १६१, १[r]; शौ ३, ११, १†; ६,११३, १[s]; ३[s]; २०,९६,६†; पै ५,२१, २; -हिम् शौ ८, २, १२; १२, ३, १८; पै १६, ४, २; १७,३७,८;

a) सपा. गृह्याय <> ग्रज्याय इति पाभे. ।
b) = १गृह्य- । यनो. स्वरस्याऽभावः उसं. (पा ६,१,२१३) इति ।
c) शानच् प्र. (तु. म. GW. ORN. W.; वैतु. सा. GRV. BS. क्रिप. इति)।
d) पाभे. कृते पृ १२३९ *h* टि. द्र. ।
e) पाभे. कृते पृ १२३८ *n* टि. द्र. ।
f) नाप. [दीनपुरुष- (भिक्षुक- [वैतु. अन्ये न तथा विविक्तिनः])] । कुः प्र. उसं. (पाउ १,१३) तत्स्वरश्च ।
g) पाभे. कृते पृ १२४० *d* टि. द्र. ।
h) कर्मणि क्यपि प्र. धा. स्वरः ।
i) भावे अप् प्र. (पा ३,३,५८)।
j) विप. (आयुस्- [=अन्न-])।
k) विप. (ज्वरादि-) । तृनि प्र. निःस्वरः ।
l) सपा. ग्रहणम् <> ग्लहनम् इति पाभे. ।
m) पूर्वेण समस्य अवरुणगृहीत- > -तः इति मन्यमानः SI. चिन्त्यः । पाभे. कृते पृ ९०७ *f* टि. द्र. ।
n) नाप. (ग्रहणम्-) । कर्तरि णः प्र. उसं. (पा ३, १, १४०) तत्स्वरश्च ।
o) नाप. । कर्मणि घञ् प्र. अन्तोदात्तश्च ।
p) 'राभम्' इति पाठे ? यनि. शोधः (तु. ऋ ८,८१,१)।
q) नाप. स्त्री. (अपदेवता-, राक्षसी-) । कर्तरि इञ् प्र. उसं. (पाउ ४, १२५) ञित्-स्वरश्च ।
r) सपा. ग्राहिः <> ग्राह्या इति पाभे. ।
s) सपा. तैब्रा ३,७,१२,५ विशिष्टः पाभे. ।

–ह्या शौ ३, २, ५‡[a]; १२, २, ३९; १६, ७,१; पै १,६२,१‡[b]; ३,५,५‡[a]; ५,१७,६; १७, २४, २: ३३, ९; –ह्याः शौ २,९,१; १०,६[c];८; ६,११२,१; २; १६, ५,१; ८,३; १९, ४५, ५; पै २, ३,४;५; १०,१; ८०,५; ३,३९, २; १५,४, ५; १६, ४६-४७,१-१०;४८,१-५; १७,२४,४; १९, २१,१२;२०,६०,१.

¶ग्राहुक– -कः तै ६, ४,१, १; काठ २३, ६; २४, ५; २७,३; क ३७,६; –काः मै ३, १,९; काठ १९,१०; क ३०,८.

ग्राह्य– -ह्यः ऋ १०, १०९, ३; काठ ३५, १०; क ४८, १२; शौ ५, १७,३†; पै ९,१५,३†.

जगृभ्वस्– -भ्वान् ऋ ४,२३,४.

गृभ्–,गृभ–,गृभयत्–प्रमृ. √गृभ्,ह् द्र.

गृष्टि[d]– -ष्टिः ऋ ४,१८, १०; शौ ८, ९,२४; पै १६, २०, १; –ष्टिम् पै ११, ५, ८; –ष्टीनाम् शौ २, १३,३[e];१९,२४,५[e].

गार्ष्टेय[f]– -यः ऋ १०,१११,२.

?गृष्ठ[g]– -ष्ठाभ्याम् काठ ५३,५[h].

√गृह्, गृहाणा–, गृहु–, १गृह्य–, २गृह्य–, ३गृह्य–, गृह्यमाण– √गृभ्,ह् द्र.

√गृ (शब्दे) √गृ द्र.

√गृ(निगरणे),>गारि, गिर्, गरन् ऋ १,१५८,५.

गिरति काठ २३, ६¶; गिरामि शौ ६, १३५, ३; पै ५, ३३, ९; ¶अगिरत् मै ३,८, १०; काठ २६,१[२]; क ४०,४[२].

?जगार ऋ ४,१८, ८[i]; †जगार ऋ १० २७, १३; २८,९; ३१, १०; ५५, ५; कौ १, ३२५; २. ११३२; ११७७[३]; जै १,३४,३; शौ ९,१५,९; पै १६,६८,८.

†अजीगः[j] ऋ १, १६३, ७; मा २९,१८; का ३१, ३, ७; तै ४, ६,७,३; काठ ४६,३.

गीर्ण– -र्णम् ऋ १०,८८,२.

जिगर्ति[k]– -र्तिम् ऋ ५,२९,४.

गेह्[l]– -हाय मा ३०,९; का ३४,२,१.

१गेह्य[m]– -ह्यः पै ६,१४,८; –ह्याः पै ७,११,३; –ह्याय मा १६,४४; का १७,७,३; तै ४,५,९,१; मै २, ९,८; काठ १७,१५; क २७,५.

२गेह्य[n]– -ह्यम् ऋ ३,३०,७.

√गै, गा, ¶गायते मै १,६, ७[५]; ४, ४,९; ¶गायते मै १,११,७;३, ३,५[६]; गायति काठ २१, ५[२]¶; गायन्ति ऋ ८,९२,२५[o];१०,७१, ११; ¶काठ १४,७;२०,८[२];२१, ५[१];¶क ३१,१०[२];२०[४]; गायन्ति ऋ १, १०, १; तै १,६, १२, २†; †कौ १, ३४२; २,६९४; †जै १, ३६,१; ३,५६, २१; शौ १२,१,४१; पै १७,५,१; गायसि ऋ २, ४३,२; ८,१९,२२; गाये ऋ ८, ४६, १७; कौ २,११७९; गायत् ऋ १,१६७,६; १७३,१; गाय ऋ १,३८,१४;६,१६,२२; ८,३३,४[p]; काठ ७,१६†[q]; गाय ऋ ६,४५,२२; मै ४,९,२;१०[३]; ११[६]; काठ ३८,१२[२]; कौ १, ११५†; १७७[r]; २,१,१६†; जै १,१३,१†; १९[r], ३;४,९,७†; शौ ६,१, १[२s]; २०,७८, १†; पै १०,१, १[२t]; †गाय... ऋ १, ४,

[a]) सपा. ग्राह्या <> अन्येन (या ९,३३ च) इति पाभे. । [b]) पाभे. कृते पृ १२४४ r टि. द्र. ।

[c]) सपा. तंब्रा २, ५,६,३ आपमं २, १२, ९ निर्ऋत्यै इति पाभे. । [d]) नाप. स्त्री. (सकृत्प्रसूता-गो-) । व्यु. ?। <ग्रह इति अभा. ।

[e]) सपा. गृष्टीनाम् <> ?वापीनाम्(RW. वशानाम्) <> आपमं २,२,७ पागृ १,४, १२ हिगृ १,४,२ <> आपमं २,२,८ हिगृ १,४,३ आपीनाम् कृष्टीनाम् <> आपमं २,२,८ हिगृ १,४,३ आपीनाम् इति पाभे. ।

[f]) विप. (वृषभ-) । ढक् >एयः प्र. उसं. (पा ४,१, १३६) कित्स्वरश्च । [g]) अर्थः व्यु. च ?।

[h]) पाभे. कृते पृ ११३१ z टि. द्र. । गुष्ठा° इति K. BC. ।

[i]) पाठः ? (तु. पृ ११३१ k टि.) ।

[j]) तु. या [६,८] वें. सा. PW. GW. प्रमृ.; वैतु. ORN. ?GRV. SI. <√गृ (अवबोधने) इति, [पक्षे] या. <√ग्रह इति ।

[k]) विप. (दानव- [वृत्र-]) । कर्तरि तिन् प्र. उसं. (पाउ ४. १८३) नित्स्वरश्च ।

[l]) नाप. (गृह-) । व्यु. ? । <√ग्रह [ग्रहणे] इति MW. । <√*गिह् [निवासे] इति मतम् ।

[m]) तु. टि. १गृह्य– । [n]) तु. टि. २ गृह्य– ।

[o]) सपा. गायति<>गायत इति पाभे. ।

[p]) सपा. गाय<>गाः (<गो–) इति पाभे. ।

[q]) तु. सा. GW.; वैतु. SI. प्र···गाय इति ।

[r]) तु. पपा. प्रभृ.; वैतु. सा. [पक्षे] बृहत् इति पूप. समस्तं सत् सं१ इति मन्वानः स्वरतश्चोद्यः ।

[s]) सकृत् पाठः शोधार्हः (तु. पृ ६२६ l टि.) ।

[t]) सपा. सकृत् गाय<>धेहि इति पाभे. ।

⌊१०;५,४ (८,३२,१३)⌋; २१, २:८,४५,२१;८९,१; ९८,१;९, ८६,४४; मा २०, ३०; का २२, २, ७; कौ १, ११८‡[a]; २५८; ३८८;२,३७५;९६५; जै १,१३, ४‡[a];२७,६;४०,८; ३,३०,१८; ४, २०,१०; शौ २०, ६८,१०; ६९,२; ¶अगायन् तै ६,१,६,६; मै ३,७,३; काठ २४,१; क ३७, २.

गात् ऋ ८,२,३८[b].

¶गीयते मै २,४, ५; ३,७, ३.

गाथ[c]– -थम् ऋ १,१६७,६;९,११, ४; कौ १,४४६;२,४६३; ९९४†; जै १,४६,१०;३,३४,२१.

गाथ-पति– -तिम् ऋ १,४३,४.

गाथ-श्रवम्[d]– -वसम् ऋ ८, २, ३८.

गा(थ>)था[e]– -†थया ऋ ८,३२, १;९८,९;९,९९,४; १०,८५,६; कौ २,६२;९८३; जै ३,६,८; ४, २४,४; शौ १४,१,७;२०,१००, ३; पै १८,१,७; –¶था तै ५, १, ८,२; मै ३,७, ३; काठ १४, ५; –था: काठ २०,८¶; क ३१, १०¶; शौ १०,१०,२०; १५,६, ११; पै १६,१०८,१०; –थानाम् शौ १५, ६, १२; –†थाभिः ऋ ८, ७१, १४; कौ १, ४९; जै १, ५,५;४,१४, ८; शौ २०, १०३, १; –थाभ्यः तै ७,५,११,२; काठ ४५,२; –थाम् मै ३,७,३[२]¶.

¶गाथा-नाराशंसी[f]– -सीभ्याम् मै १,११,५; काठ १४,५.

गाथा-नी[g]– -न्यः ऋ १,१९०, १; –न्यम्[h] ऋ ८, ९२, २; कौ २,६४†; –न्यां जै ३,७,२‡[h].

†गाथिन्[i]– -थिनः ऋ १, ७,१; तै १, ६, १२, २; मै २,१३,६; काठ ८, १६; ३९, १२; कौ १, १९८; २, १४६; जै १, २१,५; ३, १४, ७; शौ २०, ३८, ४; ४७,४;७०,७.

गायत्– -यतः तै ६,१,६,६¶; काठ २४, १¶; क ३७, २¶; शौ ४, १५, ३; –¶यते तै ५, १, ८, २; काठ २०, ८; क ३१, १०; –यन् मै ३, ७, ३[२]¶; –†यन्तः ऋ ८, ६१, ८; ६६, १; कौ १, २३७; २, ३७; ९३२; जै १, २५, ५; ३, ४,८; –¶यन्तम् तै ६, १, ६, ६; काठ २४, १; क ३७,२.

¶गायन्ती– -न्तीः काठ ३४, ५; –न्त्यः तै ७.५,१०,१.

गायत्र[j]– -त्रः मा ४,२४; का ४,८, १; ¶तै २,२,५,५;३,१,२,१$; ५,४, ४[२];५,१,१,२; ४,५[२]; २,४; ३,५; ६,४;४,४,४; ६,५; ७,१; ७,२,८,१; ¶मै १,५,५; ६,८; ७,४; ९, ५; १०,१०; ३, १,५;२,२;३;३,२;४,५;९,३;५; ४,७,१; ८,६; $९,१;४; ¶काठ ७, ९; ८, १०; ९,३; १३; १८, १९; १९,४[२]; १२; २०,१;४;५; २१,५; ७; २२,२; २६,८; २८, ७; २९, ४[२]; ३०, २[२]; ३६, ५; ¶क ७,६;८,६;२९,७; ३०,२[२]; ३१,२; ३; ६; ७; २०; ४१, ६; ४४, ७; ४५-४६, ५[२]; –त्रम् ऋ १, २७, ४; ३८, १४; १२०,६; १६४,२३; २, ४३, १; ८,१,८; २,१४; ३८, १०; १०,७१,११; खि ४, २, १४[k]; ५, ३, १; मा १२,४; ५; १३,५४; ३८,६; का १३,१, ४; ६; १४, ७, २; ३८, १, ६; तै १, ३,७,१; २, २,९, ५¶; ¶३,२,९,१;३; ४,१,१०, ५; २, १, १; ३, २, १; ५, ६, ५,१¶; ६,६,५,३; ४,५,१¶; ¶७,१,४,२;२,६,३;८,१; मै १, २,७;३,३९[l]; ¶६,८;१०; २,७, ८[२]; १९; ३, २,१; ३, ५[२]¶;४, ८¶;९,५[२]¶; ४,२,९¶;७,६¶; ९,७; ११; काठ ३,४; १६,८[२]; १९; ¶२१,५[२]; १२; २२, ३¶; २६,७; क २,११; २५,९; ३१,

a) पाभे. कृते पृ १२४५ O टि. द्र.।

b) लोटि मपु३ (तु. वे. सा. प्रमृ.; वैतु. GW. <√गा ⌊गत्यर्थ⌋ इति ?)।

c) नाप. (स्तोत्र-)। थः प्र. उसं. (पाउ २,४) तत्स्वरश्च।

d) विप. (इन्द्र-)। बस.।

e) नाप.। कर्मणि थन् प्र. निस्वरश्च।

f) द्वस. अन्तोदात्तः।

g) विप. (देव-, इन्द्र-)। उस. क्विबन्तम्।

h) सपा. ॰न्यम् <> ॰न्यां इति पाभे.।

i) नाप. (उद्गातृ-)।

j) बप्रा.। नाप. पुं. न. च। कर्मणि अत्रच् प्र. उसं. (पाउ ३, १०७)। विप. (अग्नि- ⌊तै २,२,५,५;५,४,४[२] प्रमृ.⌋, भाग- ⌊मा ४,२४ प्रमृ.⌋)। गायत्री– + त्यस्येदमीयः प्र. इति वा <गायत्– + √त्रै ⌊जैउ ३,७,१,४⌋ इति वा गायत्री– + स्वार्थे अण् प्र. ⌊भा. तै १,३,७,१⌋ इति वा।

k) खिसा २६,१३ गायत्री इति कोष्ठान्तर्गतः पाठः।

l) सपा. ॰त्रम् <> ॰त्रीम् (आपश्रौ १३,२२,१ च) इति पाभे.।

२०^{३}¶; ४१, ५; †कौ १, २८; २२५; २, ८४७; ११५५; ११७७$; ११८०; जै †१, ३, ८: २४, ३; ३, १, २; †४,१०, ६; ११, १०; शौ ९, १५, १†; पै २, ४९, १; १६, ६८, १†; –त्रस्य ऋ १,७९,७; १६४,२५; तै २, ३, १०,२[a]; मै २,३,४[a]; ५[a]; ८, ११; को २,८७४†; शौ ९, १५, ३†; पै १६, ६८, ३†; –†त्राः ऋ ८, १, ७; को १, २७१; जै १, २८,९; ४.१०,५; –त्रात् मा १३, ५४; का १४, ७,२; तै ४, ३, २, १; मै २,७, १९; काठ १६, १९; क २५, ९; –त्राय मा २९, ६०; का ३१, ५, १; तै ७,५, १४,१; मै ३,१५, १०; काठ ४५,१०; –त्रे ऋ १, १६४, २३; मै ४,९,१०; काठ ७,१४; ३३, ६¶; क ६,३; शौ ९, १५, १†; पै १६, ६८, १†; –त्रेण ऋ १, १२, ११; १६४, २४; १८८, ११; ९,६०, १; मा १, २७; २, २५; ५, २; ११,८; ९; ५८; ६०; ६५; १३, ५३;२३,८; का १,९,५;२,६,३; ५,१,२; १२,१,८;९; ५,९;११; ६,५;१४,६,१; २५,३,४; तै १, १,९,३;३, २,१; ६,५,२; ३,१, १०,१;३,३,१:२[b]; ५,३,१; ४, १, १, ३^{२}; ५,३;६,१;३;¶५,४,

१०,४;५, ८,१;२; ७,१,२,१¶; १८,१; २; ४,२०,१; मै १, १, १०; २,८; ३,३६^{२b}; ४,२;७¶; ५,१०¶; २,७,१^{२}; ६^{२}; १८; ८, ११; ३, १, १; ७; ८; १२,१९; ४, २, ११; ७,७; काठ १,९;२, ११; ५,५; १५,११; १६,१;५^{२}; ६; १८; १८,१९; १९, ६^{२}; ७; २२, ५^{२}; २५, ५; ९; ३०, ६^{२b}; ७; ३२, ५:३७,१३^{c};१४^{c}; ४१, ९^{२};४४,९; क १,९; २,५; २५, ९; २९,७; ३०, ८^{२}; ५; ३९,२: ४०, २; ४८,९: शौ ९,१५,२†; पै १, ६३, ४; १५, १, २; १६, ६८, २†: ७०,३; १७, २८, ६; २९, १६; –त्रेपु ऋ १, २१, २; –†त्रैः ऋ ८,१६,९; जै ४,५,२.

गायत्री[d]– -¶त्रियः तै २, ५,८,४;५,४,१२,१^{२}: –¶त्रिया तै २,२,४, ८$[e]; ५,३: ५,१०, २: ३; ३,२, ९,१; ५,१,२,५^{२}: २,२,४; ६,४; ६,८,३: ७,१,१: ६,३,३, ६; ४,३,२: ७,२,३,१; ३, १४, १$: ४,१, ३: –त्रियाः तै ३, १, ७, १: ७, ५, ५, १[f]: –त्रियाम् तै ७, २, ६, ३¶: –¶त्रियै तै २,१,७,१; ३,५,७, १; ४,३,२,१$: ६,२,१,२: ३^{२}: ४; ४, ११, ४: ५,७,१; –त्री ऋ १०, १४, १६: १३०,४; खिगा ३३, १९; मा १०, १०; १३,

५४; १४, १०; १८; २१, १२; २३,३३; का २, ३, २; ११, ५, १: १४,७,१; १५, ३, ५; ५,३; २३, २, १; २५, ७,१; ¶तै १, ५,८,३; ७, ५,४; ८, १३, १$: २,२,५,५; ९,५; ४, ३, १; २^{३}; ११,१; ५, १०,२; ३^{२}; ६,१,७; ७,५; ६; ३,१,६, २$: २,९,१; ३^{२}; ४,९,६; ७; ५,४,४: ७,१: $४,३,१-२, १; ५,१; ७,१; ४, १२,१; ५, १,१,२; ३,५^{२};४,५: २,१,१: ३,५^{२}: ११,१$: ३,३, ४^{२}:८,१;८,४,४;१०,४:६,५,१: ६, १, २, ७: ६, २: ४: ३, ३, ६^{२}: ४,५,१: २:११,४:७,१,१, ४:४,२^{२}: २,३,१^{२}:६,२;९,२:३, १२,१$: ४,१,३^{२}; २,५^{२}: १२, १$: ५,१,५^{२}: मै १, ¶४, ११: १३: ५-६,१०¶; ९,२: २,¶१, ८:११^{२}:४,४^{२}¶.६,१०: ७,१९: २०: ८, २: ३: १३, १४: ¶३, १. १^{४}; २: २. ३: ६: ३,२^{२}: ५; ४. ४^{२}-६^{२}; ७: ६.५: ७,३^{२}: ७:९; ११.११$: १२.२१$: १६.४$: ¶४,१,१:२,२:११^{२}: ३.१^{२}: ५: ५,५^{२}; ७,३: ८,८: ¶काठ ७.४: ९. ८, ३: ८^{२}: ९,३:१०$: १०, ७^{२}: १२. ८: १५.७: १६.१९$: $१७,२: ३: १८, १९: १९, १: ३^{२}:४^{२}; २०,१^{२}: २१,४:७:१०; १२^{२};२२,२^{४},३;६: १४$: २३,

a) सपा. °त्रस्य <> °त्र्या इति पाभे. ।

b) सपा. मा ८,५० का ८,२२,४ माश ११, ५,९,१२ पाठाऽभावः ।

c) सपा. मंब्रा १,५,१५ पाठाऽभावः ।

d) नाप. (छन्दो-विशेष-, मन्त्र-विशेष- [ऋ ३,६२,१० प्रमृ.], [छन्दसोपधेया-] इष्टका-विशेष- [तै ५,३,८,१ प्रमृ.]) । व्यु.? । स्त्री. ङीष् प्र. इति अभा. प्रमृ., गय- [=प्राण-] + √त्रै इति माश [१४,८,१५,७], <त्रि- + √गम् इति या [७,१२] ।

e) सपा. °त्रिया (तैब्रा १, ४, ४. ८ च) <> °त्र्या (माश ७, ५,१,३० आश्रौ ३, १२. २२ कौसू १३३. ६ च) इति पाभे. ।

f) =सपा. आपश्रौ १४, १९, १ । तां ९, ४, ६ शांश्रौ १३,५,४-६ काश्रौ २५,१४,१६ तु °त्र्यै इति पाभे. ।

५; १०[३]; २४,१; ६[२];८; २५,५; २६,१![a];१०: २७,९[२]; २८,१[२]; २९, ४; ३०,२; ३२,४: ३४,३; ७[२];८; ९[२]; ३७,२[२]; ३८,१०$; $३९,२;४: ७;१०[b]; ४०,११†; ४३, २$; ४४, १$; ५०. ५$; ¶क ५, ३; ६,८: ७, २[२]: ८,६; २५, ९$; $२६,१; २: २९,७; ८; ३०,१[२]: २[१]: ३१. ३[३]; १९; ३४,१; ३५,८; ३६,२; ३७,१[३]: २; ७[२]: ३८.१; ३९,२; ४०,४; ४१,८; ४५,५: ४६, ५: शौ ८, ९,२०;११,५: १८,२,६†: १९, २१,१, पै ५,१४.३: १६,१३३, १०; –¶त्रीः तै ५, ३, ८, १: ६.३,५,४: मै ३, ४. ६: ९, ५: काठ ८, १०; २१, ४: क ७, ६; ३१. १९; ३५, ५; –¶त्रीभिः तै १, ५,८,३: ५. १, ४, ५: मै ३,१, ५[१]: ३, २[१]: ४.७,३; काठ १९, ४; क ३०, २: –त्रीभ्याम् मै ३, २, २¶; –त्रीम् मा ९, ३२[c]; २८.२४. का १०, ६,३[c]: ३०, ३, १: तै १, ७, ११, १[c]; ¶२,६, १,५; ९,३; ४,३, ११, २$[b];५.६, ५, १;७,३:७,९,४; ¶७,२,९,२;३,२,२: ¶मै १,६, ४;११,१०$;२,१३,१०$[b]; ३, १,१;४,६: ७,८; ९;९,८;४,१, ८;५,३; ५[१]: ९,२$; ¶काठ ४, १३$[d]; ६, ७; ८, ८; १४, ४; १९,११;२१,५; २२.३; २३,५; २६, ८; ९; १०[३]; ३१, ६; ३४, ८[२]; १०; ३८, १४$; ¶क ३, ११$[d];४,६; ७,२; ३१,१; २०; ३६, २; ४१,६; ७; ८[३]; शौ ३, ३,२; ८,९, १४[b]; १०, ८, ४१; १३,१,१०; पै २, ७४, २; १६, १९, ४; १८, १५, १०; –त्रीपु काठ ३,३, ६: –त्र्यः मै ३, ४, ६¶; –त्र्या मा १३, ३४[c]: २८, ३५: का १४, ३,८[e]; ३०, ४,१: मै १, ४,१३¶; ५, ५¶:६, १[e]: ८, ८[e]; ¶३,१,४: २,२;६;४,५: ८,७;९,२;३: ४,६,४¶; ¶काठ ३,४$[e]; ७,४: ६; १३$[e]; ११, ७$[f]; १९, ३; १२; २०, ४: ५: २१,९; २२. २; ८; २४,६; ८[२]: २५,४; ८[g]; २६, ४: २८,१; ३: ७: ३०, १०; ३५, १५: ४३,४: ¶क ५,३; ५; ३१,१; २:६: ७; ३५, २; ३८, १[२]: ३९-४०, १: ४१,२;४४,३;७;४६,८; –त्र्याः ¶मै २,५, ७; ७,१९$[h]: ३, १, ७; ९, ३[२]: ४, ६, ४; ६; ७,१; ¶काठ १०,७;१३,८: १६,१९[h]; १९, ६; २७, ९; क २५, ९[h]; ३०,४; शौ ४, ३५, ६; –त्र्याम् मा ३८, १८; का ३८, ५, १: ¶काठ ९,१६; २१,१२; २२,२; २६,१०; क ४१,८¶; शौ १३, ३, २०; –त्र्यै मा १३, ५४[h]; २४,१२; का २,३,२[i]; १४, ७, २[h]; २६,३, २; मै ३,१३, १७; काठ ३४,४; ३५, १०; ५१,१; क ४८,१२; –त्र्यौ ¶मै १,६,८; ३,२,२.

¶गायत्री-चित्[j]– -चितम् मै ३,३,२.

गायत्री-छन्दस्– -न्दाः पै १९,४४,४.

¶गायत्र-चित्[j]– -चित्-, –चितम् काठ २१,४; क ३१, १९.

गायत्र-च्छन्दस्[k]– -न्दसः तै ३, २,५,२; –न्दसम् मा ८, ४७; का ८, २२. १; –न्दाः तै ३, २, १,१;५,४,४[२]¶;६, ३, ५, ४¶; मै ¶१,५,५:६,८;७,४;९,५; २, ३,३;४,८,६¶; ¶काठ ७,९: ८, ३:१०:९,३;१३: १२,६$; १७, १९$:२०,५; २९, ४[२]; ¶क ६, ८: ७,६: ८,६; ३१,७: ४५,५[२]; शौ ६,४८,१.

गायत्र-वर्तनि[l]– -नि मा ११, ८; का १२,१, ८: तै ३,१, १०, १; ४,१,१,३; मै २,७, १; काठ १५, ११; १८, १९; क २९, ७; –निम् ऋ ८,३८,६.

†गायत्र-वेपस्[m]– -पसम् ऋ ८.

---

a) °त्र्या इति SI. चिन्त्यः (तु. सपा. क ४०,४)।

b) सपा. °त्री <> °त्रीम् इति पाभे.।

c) सपा. गायत्रीम् <> अनुष्टुभम् (परि.) इति पाभे.।

d) पाभे. कृते पृ १२४६ *l* टि. द्र.।

e) पाभे. कृते पृ १२४७ *e* टि. द्र.।

f) पाभे. कृते पृ १२४७ *a* टि. द्र.।

g) °त्र्याः इति SI. चिन्त्यः (तु. सपा. क ४०,१)।

h) सपा. °त्र्याः <> °त्र्यै (माश ८, १, १, ५ च) इति पाभे.।

i) =सपा. काश्रौ २,१,१८। तैब्रा ३,७, ६,२ आश्रौ ३,१८,४ तु गायत्रियै इति, माश्रौ ५ २,१५,२ वाचे इति च पाभे.।

j) नाप. (⌊गायत्र्या समं चित-⌋ अग्नि-विशेष-)। उस.। उप. <✓चि (चयने ⌊पा ३,२,९२⌋)।

k) विप. (सोम-, ग्रह-, बहिष्पवमान-)। बस.।

l) विप. (बृहत्- ⌊=साम-विशेष-⌋, सुष्टुति-)। बस.।

m) विप. (इन्द्र-)। बस.।

१,१०, कौ १,२९५; जै १, ३१, ३; –पसे ऋ १,१४२,१२.

गायत्रिन्[a]– -†त्रिणः ऋ १,१०, १; तै १,६,१२,२; कौ १,३४२; २,६९४; जै १,३६,१; ३, ५६, २१.

¶गायमान– -नः तै ६, ६, १०, २; मै १,६,७.

?गायिषे[b] ऋ ७,९६,१.

गीत– -ताय मा ३०, ६; का ३४, १,६.

गीयमान– -†नम् ऋ ८,२,१४;८१, ५; कौ १, २२५; २,११५५; जै १,२४,३; –नासः ऋ ६,६९,२; –ने पै १४,१,१२.

गो[c]– गवा[d] ऋ ५, ३०, ७; मा २१, ३२, का २३,४,४, तै ६,१,१०, १¶; मै १,५,१०¶; ३,७, ३¶: ११,२; ¶काठ ७,७:२४,१[२]; २; ¶क ३७, २[२]:३; गवाम्[d] ऋ १, १०, ७; ३१, १२; ३३, १; ८१, ७;९३, [२:९,६५,१७]: १०१, ४; १२२, ७; १२४, ५: ११: १३०, ३; १६४,३; २,२३,१८; ३, ३१, ४; ४, १,१९; ३२,१८; ५१,८; ५२,२:३; ५:५,३०,४; ११–१३; ४५,२;५६,५;५९,३: ८६,३;६,२४,४; ६५,५;७२,४; ७,७६,६; ७७,२; ९८ ६;१०२, २;१०३,२;१०;१०४,१०;८,४, २०;३६,५;४६,२२,५१,२;६१, ६; ९,६६, २९; ७२,४; ७७,४; ८१,१; १०, ४८, ९; ४९, १०; ८७,१८;१०२,५;९;१०८,३;९; १६६, १; खि २,९,४; ५; ३,३, २; ५,१९,१; मा १९, ८२,३४, १३†, का २१, ६, ३; ३३, १, ७†; ¶तै २,१,१,५;२,८,२; ४, ५,२$; ५, ५, १,३; ¶मै १,१, २$: २,१,८[२]; २,३;४[२]; ३,११, ९; ४,२,७: ५; १०; १२, ४†; †१४,५; १८: †काठ ८, १६; १०, १२; ३८, ३$; ४०, ११: कौ †२, १८५; ९३०; १०७६; १०७७: ३,४, १०; जै २,४,५; ३,१७, ६†: शौ २,२६, ४,५; ३, ९, २; ४, ९,२;२२,४; ८, ३. १६†; ४, १०†; ७, १५: ९, ४, १७; १४, ३†; १२, १, ५; १९,३१, ८; ४७,६; †२०, ५६,४: ८७,६; ११८,२; १२५. ४$[e]; पै २,१२, ४; ५; २३, १: ३७,४; ३,७,३: २१,४; ३२,५; ३७,१;६,१५,८:२०,६;८,३,३: १०, ५,८; ११,७,१; १२,३,६; १३. ३, ६†; १६, ७, ८†: ९. १०†: १३,५; २५.७; ६६,३†; १७,१, ५: १९,५३,७–९; ५४, ६–८; २०, २८, ७; ४७, १; °गवाम् पै १०,२, ३; गवि[b] ऋ १,११९, ६; ४,५८, ४; ६,४६, १४; ५६,३; १०,९४,९; १०६, १०;११६,४; मा १७,९२†; का १९,१,६†; तै २,३,१०,२;५,२, ७¶; मै १,८,१०; २,३,४; काठ ६,३¶; ११,७; ४०, ७†; क ४, २¶; शौ २, ३२, १; पै २, १४, १;४,१०,८; ५,२०,६; ६,१०, ८;८,१३,४†; २०,४०,१; गवे[d] ऋ १,४३, २; ६; ५,३३, ४;६, ४५,२२;८,५,२०; ३०,४; ४७, १२; ६८,१३; ९२,२५; ९,११, ३: ७; ६१,१५; ६२, ३; मा ३, ५९, का ३,८, ३; तै १, ८, ६, १;†३,२,३,१;४,११,२; मै १, १०,४;२०; ४,१२,६†; काठ९, ७; २३, १२†; ३६,१४; क ८, १०; †कौ १,११५;११८; २,३; १८२; ६८७; ७९७; १०१६; †जै १,१३,१; ४;३,१,५; १७, ३: ५६, १४; ४,९, ७; शौ २०, ७८, १†; गवोः[d] मै १,८, ९¶; गः ऋ १,१०,८; ३२, १२;३३, ३:१०;६१,१०;६२,[२; ९,७९, ३९];[३;१०, ६८,११];८३, ५; ८४. १६: ९१,२२; ९२,२;९३, ४:१०१, ५;१०३, ५;११८, २; १२६, ५; २, १२, ३: १४, ३; १९, ३; २१, ५: २४, ३: १४; ३४, १; ३६, १; ३, ३०, १०;

a) विप. ([गीत-वन्-] ब्रह्मन्–)। वा. त्वा इति अकथितं च (पा १, ४, ५१) इत्यस्य विषय इति कृत्वा गायत्रम् इति शेषः।

b) पाठे? (√गै> लुङि कर्मणि प्र१) गायि इति च (*सद्–[=तद्-]>च१) से (=ते) इति च द्वे पदे भवत इति कृत्वा 'नदीनामसुर्या (=गौणे कर्मणि प्र.) से (=ते) बृहद् वचः (प्रधाने कर्मणि द्वि.) गायि' इति वा. (वैतु. वें. सा. पपा. अनु < √गै मपु१ इतीव?, GW. GRV. Gri. < √गायिष >°षे उपु१ इति, Barth. [IF २,२८२] स्वरश्रेपयुतं तुमर्थीयम् इति, ORN. कर्मणि प्रपु१ इति नदीनामसुर्या [=कर्तृ-पदम्] इति च)।

c) वप्रा.। नाप. (धेनु-, पृथिवी-, वाच्-, ग्रावन्- प्रभृ.)। व्यु. ?। < √गम् (गतौ) वा < √गा (गतौ) वेति या [२,५], पाउ [२,६७] प्रभृ. त्वाहुः ?।

d) वि. स्वरस्य प्रतिषेधः (पा ६,१,१८२)।

e) गवाम् इति RW.?।

२१; ३१, L २१ (१०, १२०,
८)]; ३९,५; ४४, ५; ४५, ३; ५०,
३; ४, १, १५; १७, १०; ११;
३२, २२; ५, १४, ४; २९, ३; ४५,
७; ८; ६२, ३; ६, १७, ३; ५; ६;
२३, ४; २७, ८; ३५, २; ३९, ५;
४३, ३; ४७, १४; २४; ५४, ५; ६;
६०, २[२]; ७५, २; ७, ३६, १; ८,
३, १९; १४, ८; २०, १९; ४१, १;
६३, ३: ९६, १७; ९, १४, L५; ८६,
२६; १०७, २६]; ४२, १; ६४, ३;
१३; ७१, ७; ७२, ३; ७८, १; ८२,
१; ३; ८७, ७; ८; ८९, ३; ९०, ४;
९१, ६; ९५, १[a]; ९६, ८; १६; ९७,
१३; १०८, ६; ११२, ३; १०, ८, ८;
१९, ६; ४८, २; ६७, ३; ४: ६; ८;
६८, ३-५; १०; ८९, ७; १०२, ८;
१२७, L(१, ११४, ९) ८]; १५६,
२; १६०, ३; खि ५, २२, ९;
मा २९, ३९; †३४, १७; २२;
का २८, १२, १: ३१, २, ३†;
†३३, १, ११; १६; तै २, २, ८,
२¶; ३, ४, ११, ३†; †४, १, ११,
२; २, ११, ३; ६, ६, १; ७, ३, १४,
१; † मै ¶२, १, ५; २, ६; १३; ३,
६, ६¶; १६, ३; ४; ४, ¶२, १०[२];
१४; १०, २; ३; ११, १; १२, ६;
१४, १; ५[२]; १०; १२; †काठ ४
१५[३]; १०, ६[२]¶; १३, १५; १६;
१७, १८; २०, १५; २३, १२; २८,

१०¶; ३०, १०¶; ४३, ४$;
४५, २१; ४६, १; ¶क ४५, १;
४६, ८; †कौ १, २८९‡[b]; ३४१;
४०५; ५६२: ५८५; २, १३३;
१५६; १९१; ६६६; ६६७; ७०९;
७२६; ७६०; ८७८; ९९१;
१०७०; ११०६; ३, ३, ३; †जै १,
३०, ७‡[b]; ३५. १०; ५२, ९; ५७,
७; ५९, ८; २, १, ३; ३, १३, ९; १५,
४; १७, १२; ४०, २; ५५, ७; ८;
५८, ६; ४, ११, ३; १९, ९; शौ
३, २८, १; ७, १२०, ४; १२, १,
३९; १३, १, २: १९; १८, १, ६;
†२०, ८, १; १६, ३-५; १०; ११;
२५, ५: २८, २; ३४, ३; ३५,
१०; ३९, ३; ९१, ३; ४; ६; ८; ९६,
३: १२७, ५[c]; १३६, ११$; १३७,
११; पै १, ६४, २; ५, २, ८; १२,
३, १६: ६, १०; †१३, ६, १२;
७, ३: १५, १०, २†; १७, ४, १०;
१८, १५, २: १६, ९; १९, ३८, ३;
गाम् ऋ १, ३३, १५; ११०, ८;
११६, २२; ११७, २०; १५१, ४;
१६१, L ७; ४, ३६, ४]; १०;
१६४, ९; ३, ३४, ९; ६०, २;
४, ३३, ४; ५७, १; ५, ५२, १६[d];
६, ४५, ७; ४६, २; ६२, ७; ७,
४४, ३; ८, १, २; ४, २१; १४, ३;
६५, ३; ७४, १०; ७८, २; ८१, ३;
९७, २; १०१, १५; १६; ९, ९, ९;

९४, ५; १०, ४२, २; ५९, १०;
६५, ११; ६७, ५; ७९, ६; ९७,
४; १०७, ७; ११२, ८; ११९,
१; १४६, ४; १५५, ५; १६५, ५;
खि २, ६, २[e]; मा १२, ७१; ७८†;
१३, ४३; १७, ७४‡[f]; २५, १;
२७, ३८; २८, २४; २९[g]; ३१[h];
३४; ३०, १८; ३५, १८†; का
१३, ५, १०; ६, ४†; १४, ४, ६;
१८, ६, १०‡[f]; २९, ५, ७†; ३०,
३, १-५; ६[g]; ७; ८[h]; ९-११; ३४,
३, ५: ३५, ४, १७†; तै १, १, १४,
२†; ७, २, २¶; ¶२, २, ६, ५; ३,
६, २; ६, ७, १; ४, २, ५, ६; १०,
२; ३. ११, ४; ६, ५, ५‡[f], ७, १,
५, २¶; मैं ¶१, ४, ५; ५, १०; ६,
११; ८, २; ९; ९, ४[२]; २, १, ९¶; ७,
१२; १७; ९, १०; १०, ६‡[f];
१३, ९†; १०; ¶३, १०, २[२];
७; ¶४, २, ३[२]; १३; ८, ३; ८[२];
११, १[२]†; १२, ५†; ¶काठ ४,
१५†; ७, ७; ८, ७; ९, ९$; ११;
१२[२]; १९†; ११, २; $१६, १२;
१७; १८, ४‡[f]; २१, ९; २८, ५;
३२, २; ३९, १०$; १२†; क ७,
४¶; ८, १२; २५, ३; २८, ४‡[f];
४४, ५¶; †कौ १, ५३०‡[a]; २,
८०; १६०; ७११; ११०६; †जै
१, ५४, ६‡[a]; ३, ८, ६; १५, ८;
५८, ८; शौ १, १६, ४; ३, ११,

---

[a]) सपा. गाः<>गाम् इति पाभे. ।

[b]) तु. मा. प्रमृ.; वैतु. भ. क्विप. L<√गै] इति । पाभे. कृते पृ १२४५ *f* टि. द्र. ।

[c]) तु. शाश्रौ १२, १४, ८, RW.; वैतु. शंपा. सात. स्वराऽभाव इति ।

[d]) एवंविधेषु स्थलेषु पाठे? छन्दस्तः गावम् इति प्रस्ताव इति GW. L [४३१-२] ।

[e]) सपा. गाम् (तैब्रा ६, ५, ३; १०, १, ५ मना १, ५ आपमं १, ९, १० हिगृ १, १८, ५ च) <>गौः <> माश्रौ ६, १, २, २६ गाः इति पाभे. ।

[f]) सपा. गाम् (माश ९, २, ३, ३८ च) <>गौः इति पाभे., शौ ७, १५, १ विशिष्टः पाभे. च ।

[g]) सपा. गाम् (तैब्रा २, ६, १७, ५ च) <>गौः (तैब्रा २, ६, १८, ३ च) इति पाभे. ।

[h]) सपा. गाम् (तैब्रा २, ६, १७, ६ च) <>गौः (तैब्रा २, ६, १८, ४ च) इति पाभे. ।

८; १७, ३; ४,९,७†; ५,१८,१; २; १०; १९, १०; २९, १; ६, †२८, १; ३; ७१,१; ७,५२,९; ८,७,११[a]; ९,१५; ९,१४,९†; १०,१,१७;२९; १२,४,२; १२, ९,८; १३,१,५६; †२०,११,९; २७, ३; ५५,३; ८५,२; ८९,२; ९१,५; ९८, २; पै १, १०, ४; ४९, २; ६१,२; २,२८,२; ४०, ३; ४, ४०, २; ५,३१, ३; ३६, ६; ७,१५,५; ८,३, १३†; १२, ८: ९,१७,१; २; १९, ३; १०, १,१३†; १३, ९, २: १६,१३, १;१९,५;३६,७; ३७.१०; ६६, ९†;१४५,८; १७,३,८; १६,२; १७,२; ३३,७[b]; १९,१३.१६†; २६,१०; ३७,३; ५१,१२; २०, १४, १; २३, ५; गावः ऋ १, २३, १८; २५, १६; ३२, ११; ३८, २; ६६,[५(६९.५)]; ७१, १; ९०,८; ९१, [१३; ८, ९२, १२[c]]; ९२,१;४; ९५,६; १३५, ८; १५३,४; १५४,६; १६३,८; १६४, ७; १६८, २, १७३, १; १८६, ७; १८७,११; १९१, ४; २,१२, ७; ३,३६,५; ५३,१४; ५६, २; ४,२३,९; ४१,८; ४२, १०;५,३०,१०; ३३,१०; ४७, ४; ५३,[१६; १०,२५,१]; ५६, ४: ६,२८,१;४;५[e]; ४०,२;६१, १;४५,[२८; ९,१२, २]; ६४, ३;६७, ११; ७, ९, ४; १८, १; १०; २३,४; ३५, १२; ७५, ७; ७९,२; ८,४,१८; ९, १९; २०, २१; ४१, ६; ४३,१७; ४६,३०;

४८,५;६९,६; ९६,५;९,२४,२; २६,२;३१,५;३२,[५(३३,५)]; ३३,४; ४१, १; ४९,२; ६२,५; ६६, १२; ६८, १; ७१,४; ७२, ६; ८४,५; ९३,३; ९४,२; ९७, ९;२२;३४; ३५; ९९,३; १०१, ८; १०,४,२; २७, ८; ३२, ४; ३४, १३; ६१, २१; ८५, १३; ८९,१४; ९०,१०; ९५,६; ९७, ८;१०८,५;११;१४६,३; १४९, ४; १७२, १: खि १, २,१; २, ६,१५; ९,४; ५,९, २; ११,३; †मा ३,४३$;६,३; ७,१०;१२, ८२; १३,२९: २९,१९; ३१,८; ३३, १८: †का ३. ८, ६$; ६, १,३: ७,४,२; १३, ६, ८; १४, ३, ३; ३१, ३, ८: ३२, २, १; ३५, १,८; तै १,३,६,२†;¶२, १,४, ५; २, २, ३;३,३,९,२[d]; †४,२,६, ३; ९, ३: ६, ७, ३; ६. ५, १०,१[2]¶; ¶७, १,१,५; ५, १-२, १; ¶मै १, २, १४†; ६,३; १०, १६; २, ५, १०$[d]; †७, १३; १६; ४,६, ३; ¶काठ ३,३†; १३,१६[c]†; १६, १३†; २८, १०; २९. ५: ९; ३०, १; ३३, १: ३५, १५: ३६, १०; ३९,३†;४०,८†; ४६,३†; ¶क २, १०†: २५, ४†: ४५.१; ६; ४६,४; †कौ १, १४६‡[e]:२०१; ३४९‡[e]; ४०४, ४२२: ४४२$; ४४३; ४७१; ४९१; ५२५; ५३७; ५६३; २, ९; १६९; २०९;२१०; २१९;२४२;३१२; ३५९; ४६८;५४७;७७०;७८६;

८४१;९८२;११०५; ३,३,५‡[f]; †जै १, १६, २‡[e]; २१,८; ३६, ८‡[e];४१,४; ४५,६;४६,६$;७; ४९,५; ५१, ५; ५४,३; ५५,५; ५७,८; २, १, ७‡[f]; ३, १,११; १६,७;१९,४;५;२०,१; २१,७; २५,८;३०,२; ३५, ३;४३, ३; ५३, ८; ४, २४, ३; २९, १०; शौ १, २,३;४,३†; ४;२२,३;२, २६, ४; ४, †२१,१;४;५[e];२४, २; ६,९,३; ५२,२†; ७, ६२,५; ८७, ६;१०१,१; ८, ७,२५; ९, ४, २०; १४, ५†; ११, २, ९; ३, ५; १०, २२: १४,१, १३†; १९,६, १२†; ९, ८; ११, १†; ५८, ३; †२०, १२, ४;२२, ६; ३४, ७; ९२, ३; $१२७, ५; १३; १४२, ४; पै १, २८, ३; ४०,४; ५९,१; ११०,३; १११, २; २,३,२; १२, ४; ३३, ४;५; ७६, ३; ९०, ४;३, २६, ५; ४, १६,७†; २०,४;३९,३; ५,१५, ३; ४; १७,४; २१, ८; ६,१०, २; १६, ११†; ७, ९, ६; १४, ६†; ९,५, १०†; ११,१०;२३, ९; १०,२,७; ११,६, ८†; १२, ३, १०; †१३, ६, ११; ७, ७; ८,११; १५, १६, १; १६,१४, ४; २५, १०; ५३, १०; ६६, ७†; १०३-१०४, ९; १२९, ६; १७, १४, ८; १८,२, २†; १९, ७,७; ९,११; २१,३; १०; २८, १०;३१,११; ३६,१; ४२,५†; ४५, ५†; २०, २४, ३; ३२,२; ३३,४;४७,१;५९, ३; ०†गावः

---

a) पाभे. कृते पृ १२५० e टि. द्र. ।

b) सपा. गाम्<>गोः इति पाभे. ।

c) द्वि३ द्र. (तु. वें. सा.; वैतु. GW. प्र३ इति) ।

d) सपा. गावः<>विशः इति पाभे. ।

e) सपा. ऋ ६,४५,२५ इन्द्र (परि.) इति पाभे. ।

f) सपा. गावः <>गोः इति पाभे. ।

ऋ ८, ७२, १२; मा ३३, १९; ७१; का ३२,२,२; ६,२; कौ १, ११७; २, ९५२; जै १,१३, ३; ०गावः ऋ ६, २८, ६; १०, १००,१०; खि ५,११, २; काठ ३५,३;४; क ४८,४; ५; शौ ३, १४,४;६; ४,२१, ६†; १४, १, ३२; ३३;२०,१२७,१२[a]; पै २, १३, २; ३; १८,४, १; २; १९, २२. १४; गावा ऋ ३, ३३, १; ५, २७, १; पै १९, ४७, ९[२]; गावौ ऋ ३, ५३, १७; ६, २७, ७; १०,२७,२०; ८५,११; ¶तै १,८, १, २; ८, १; ३,५, १.४; ¶मै २,१,८; ४,७, ७; काठ ८, ८¶; क ७, २¶; शौ ७, १००, २; १४,१, ११†; पै १,५२, १-४; २, ५८, १?; १८,१, ११†; २०,२८, ७; गोः ऋ १, २८,९; ५३, २; ६१, १२; ८४, १५; १२१, २[२]; ७; ९; १५८, २; १६३, ७; १८०,३;५; १८१,८; २, १४,१०; ३, १,[२३; ५-७, ११; १५,७; २२-२३,५]; ३०, १०; ३८, ७; ३९, ६; ५५,१:८; ४, १, १६[b]; ३, ९; ५, ३; १०; २२,४;८; २३,६; २८, ५; ४४, १; ५,४१, १८; ४५,६; ७,१८, २२; ८,३२,५; ५२, ५; ९,६५, २५; ७१, ५; ७९, ४; ९१, ३, १०१, ११; १०, १२, ३; ९६, ११;१००,१२;१११,३; खि ३, ४, ५; ५, १५, ५; मा ४, २६; १२,५१†; २३,४८; २९,१८†; का ४,९,१; १३,४,७†; २५,९, ४; ३१, ३, ७†; तै १, २, ७, १; २,६,७,१¶; †४,२,४,३;६, ७, ३; ६,१,१०,१[२]¶; मै १,२, ५;४,५;१०,१७¶;२,५,१¶;७, ११†;·१३,६†; ३,७, ७¶; ४, ¶२,१;१०;१२,३†; ¶काठ २, ६$; ७,७; ८,२;१६†; १३,१; १६, ११†; २४, ६; ३२, २; ३९,१२;७;४६,३†; क १,१९; ६,७¶;२५,२†; ३७,७¶; †कौ १,७६; १४७;४५८$; २,२६५; ४५३; †जै १, ८, ४; १६. ३; ४८, २$; ३,२२,१२; ३४,११; शौ १,२२,१; ७, ५, ५; २३,२; १२, २, ३७[c]; १८, १, ३२†; †२०, २१,२; ३२,१; ३५,१२; ४१.३; १४३,१; पै १, २८, १; ५,२८, ६†; ८, २,११; २०,६; ९,९, ३; १३, ५, ९; १९, २६, १३; ३०, १४; २०, ५, १; †गोनाम्[d] ऋ १, ६९,२; १२६, २; २, ३०, ५; ४,२०,८; ५,३, ३; ६,७; २७, २; ७,१६,७; ८, ५,[३७;६,४७]; ७८,१; ९,७४, ८;८७,३;९; ९७,३१;४३; १०, ८,९; ४७, १; ८०,५; १०८,८; खि २, ३, १; ५,८,३; मा ३३, १४; का ३२,१,१४; मै ४,१४, ५; काठ ३२, २¶; कौ १, ३८; ३१७;५३४; २,२९; ३,३,५‡[e]; जै १, ४, ४; ३३,५; ५५,२; २, १, ७‡[e]; ३, ३, ८; शौ २०, १२७,३$; गोभिः ऋ १, ७,३; १६, ९; २३,[१५(१७६, २)]; ५३, ४; ६२, ५; ९५,[८ (९, ७१, ८)]; १३४, २; १५१, ८; २,१५, ४; २५, २; ३०, ७; ३, ३०,[२०; ५०,४]; ३५,८; ५०, ३; ४,३,११; २७,५; ५, १, ३; २,५;३,२; २०,४; ४२,४;४५, ८;८०,३; ६,४७,२६;२७; ७५, ११; ७,१८,२; ४१, ३; ५४,२; ९०,[६; १०, १०८, ७]; ८,२, ३;६; २०,८;२४,६; ८२,५; ९, २,[४; ६६, १३]; ६,६; ८, ५; १०,३; १४,३; ३२, ३; ४३,१; ४५,३;४६,४; ५०,५; ६१,१३; ६८,९; ८४, ३; ८५, ५; ८६, २७;४७; ९१,२; ९६,२२; ९७, ४५; १०३,[२; १०७, २२]; १०४,४;१०७,२;९; १८;१०९, १५;१७; १०,७,२; १६,७;३१, ४;[४२-४४,१०];६४,११; ६८, २; १२; १११, २; खि १,७,१; ५,७,१,३; खिसा ३३, १७; मा ८,१५†; २०,३७;६६;७३; २६, १९; †२९,४८; ५२; ५३; ३४, ३६†; का ९,३,१†; २२,४,२; ६,१२;७,७; २८,११,१; †३१, २, ८; ९; तै १,४,४४,१†; २, ४, ५, १; ४, ४, ८,१; †६, ६, ४-६; मै १, ३, ३८†; २, ८, १४[२]; १३,६†;३,११,१; ३; ४; १६, ३[३]†; ४,२,३¶; १३, २†; १४, ९; काठ ४, १२†; ३५,३; ३८,६; ८; ९; ४६, १[३]†; क ३, १०†; ४८, ४; कौ १, ४८७; ५७५;२,८६;११२;१२०;१४९; ३४८; ३९०; ४३०; ४७१; ५११;५३२;५५९; ६६४;६८५; १०९८; †जै १, ५१, १; ५८, १०; ३,८, १२; ११,८; २९,५; ३१, १०; ३३,५; ३५, ६; ४७,

a) वैतु. सात. गावः इति । b) पामे. १२५१ f टि. द्र. । c) पामे. कृते पृ १२५१ b टि. द्र. ।

d) पादान्ते नुडागमः (पा ७,१,५७) । e) सपा. गोनाम् <> धेनोः इति पामे. ।

७; ४१,८; ४४,५; ५५,५; ५६, १३; ४, १६,७; २७,५; शौ ३, १६,३†; ६,१०८,१;†१२५,१; २; ७,५२,७†; ८६,४; ५;१०२, २†; १०,६,२३; १८,२, ५८†; १९, २७,१; †२०,१६,२; १२; १७, १०; २१,४; ३८,६; ४७, ६; ७०, ९; ८९,१०; ९४,१०; पै १,३९,१; ३,२२,६; ४, ३१, ३†; ८,१४,८†;१६,११; १०, ४,१,८;७,१; १५,११,२;६; ८; १२, ८; १६,४४, ५; १७, ३५, ६†; १९,१७,७; ३०,१२; २०, ३३, १०†; **गोभ्यः** ऋ ८, ४५, ३०; १०, १६५,३; शौ १, ३१, ४; ३,२८, ३; ६,२७,३†; ४९, ३; ९,३, १३; १२,२,१६; १९, ४७,९; पै १, २२, ४; ५, २४, ६;६,२०,९; १०,११,१०; १६, ३५,४;४०,५; १७,३१,५; १९, १३, १५†; १४, १२; ४०,११; **गोभ्याम्** मै ३, ७, ७¶; **गोषु** ऋ १,२९,१-७; ३७,५; ७०,५; ७१, ९; ८३,[१; २, २५, ४]; ११४,८; १२१, १५; १५१,१; ३,३१,१०; ३९, ४; ४, ३८,४; ५,३४,८; ४५,९; ६, १९, १२; २५,[४;६६,८]; २६,२;२८,८[a]; ३२,३;३५,२; ४४,२४; ७,३२, १६; ८, ५, २६; ३२,२५; ४७, १४; ७१, ५; ७५, ७; ९, १६, [६; ६२, १९];८६,१२; ९६,७; १०५,४; १०, ६१,४; ७३, ९; ९९, ४; १०६, ११; खि ५,४, ९; मा १२,१०५;१३,२३;१६, १६†; १८, ४७; २०, १०; का १३, ७, ४; १४, २,८; १७,१, १६†; २०,२,१०; २१,७,९; तै २,६, ११,२†; ३,४, ११, २†; ४,२,७,२;.९, ४; ५, १०, ३†; ५,७, ६, ३; मै २, ७, १४; १६; १३,१३;३,११,८;४,¶२,११[२]; १४[४]; ११-१२, ६†; काठ ७, १७†; १०, १०¶; १२†; १६, १४;१६¶;२३,१२†; २८,४¶; ३५,१२; ३६,१५; ३८,४; ४०, ३; क २५, ५; ४४, ४¶; ४८, १२; कौ †१,२७०;३३१;५७४; †२, २९५; ३८३; ९६१; ४,९; जै †१,२८,८; ३४, ९; ५८, ९; २,७, ३; †३,२४, ११; ३१,३; शौ ३, १५, ७; २१, २; ४,१८, ५, २२, २; ६, ३८, २; ४५,१; ५५, २; ६९, १; ९,१, १८; ४, ११;१०,१,४; ११,२,२१; १२, १,४; १९; २,१; १५; ४, २७; २८; ३९; १४, १, ३५; २,५३-५८; १९,४५,२; ५७,५; †२०, २५,१; ७४, १-७; पै १, १०६, ३; २,१८,२; ३५,२; ३,१२,२; २१,३; ३०, ५; ४, १०, ७; ५, ११, १; २९,१; ८,१०, ४; ९, २२, १६; १०, ६, ५; १३, ५, १४; १५,२,८; ४, २; १६,२५, १; ३३, ६; १०६,१; १७,१,३; २,१०;३,६; १८,७; ८; १९,९; ३०,१; ३१, ६; १८,४,५; १२, २-६; १९,९,३; २०,४,२; २७, १; ३६, ७; **गौः** ऋ १, १६४, १७; २८; २९; १७३,३; ८; ३, ७,२; ३०,१४; ३१, ११; ४,५, ९;४१,[५;१०,१०१, ९; १३३, ४][b]; ५,५६,३; ६,४५, २६; ८, ३३,६; ९४, १; १०, २७, २२; ३१, ६; १०; ६५, ६; १४५,६; १८९, १; खि ५, २, ३; मा ३, ६†; १४, १९; २१, १२-१६; १७[c]; १८; १९[d]; २०; २२; का ३,१,६†; १५, ५,५; २३,२,१-५;६[c]; ७; ८[d];९; ११; ¶तै १, ५,३,१†; ७,३; ७,१, २; २,१; २,२, ८, २; ५,२,६[२]; ७; ७,४; ४,३,७,१§; ६,४, ११, ४[२]; ७, २,४,२[२]; १०,२; ३, ५,२[२]; ६, १;२; ७,२;३; ९,२[२]; ४,१,१[२]; ८,२[२];१०,२; ११,१; २; ५,१, ४; ५; ¶मै १,५, १०; ६, १†; ५,१३; ८,१; ९; २,१,२; ८[२];२, १३; ३,२;५;८,३§; १३,१४§; ३,७,६; ११,११[१०]§[c,d]; ४,२, १;३[२];१२;३,४;८,३; ८; ¶काठ ६,२; ७,४;७[२]; १३†; ९, १४; १७,३§; २३,६; २४,१०; २७, ९[२]; ३३, २; ३[२]; ३६, ७; ३५, १४§; ३७,६[२];३८,१०[१२]§[c,d]; ३९, ४§; क ४, १¶; ५, ३¶; ६, ४†; ७, २†; २६, २; ३८, ३¶; ४८, १३; †कौ १, १४९; २, ७२६; ३, ५, ४; †जै १,१६,५; २,६,३; ३,५९, १८; ४, १०, ३§; ८; २४, ८§; शौ ३,१८, ६†; ५,१८,३; ११; ६, ३१,१†; ४९,१; ६७,३; ८, २, २५[e]; ६, १७; ९, २५; २६; †९, १४, १७;१५,६; ७; २१;

a) सपा. गोषु (तैब्रा २, ८, ८,१२ लाश्रौ ३, ३, ४ च)<>गोष्ठे इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ १२५० *f* टि. द्र. ।

c) पाभे. कृते पृ १२५० *g* टि. द्र. ।

d) पाभे. कृते पृ १२५० *h* टि. द्र. ।

e) पाभे. कृते पृ १२५० *e* टि. द्र. ।

१२,४, ३९; ७,६; १३,१,४१; २०,४८,४†; पै २,३३,३; ७१, ३; ३, २५, १३; ५,३१,१; ६, १०, १; ९; ९,१७,१०; १८,६; ११,५,५; १३,५,७; १६,५,५; २०,३; ४; ६७, ७†; †६८,६; ७; ६९,११†; ८०,८; १७,१९, ९; २९,१७; १८,१९,१†; १९, ६,१५; २६,१३; ३१,१४; ४५, ११†;२०,११,३†.

ग-इष्टि[a]– -‡इष्ये[b] मै ४, ११, ६; काठ ७,१७; –‡ष्टौ का ३२,५, ९[c];३३,१,१७[d].

†गवा(गो-आ)शिर्[e]– -शिरः ऋ १, १३७, [१: ९,६४, २८]; १; १८७,९; २,४१,३; ८,५२,१०; खि ३, ४, १०; काठ ४०, ८; कौ २,४; १०२८; जै ३, १. ६; ४,२६,७; पै ६,१६,८; –शिरम् ऋ ३, ३२, २; ४२,१; ७; ८, १०१,१०; खि ५, ७, ४, १५; जै ४,१६,४; शौ २०,२४,१;७.

†गवि(गो-इ)ष्[f]– -विषः ऋ ४,४१, ७;१०,७६,७; –विषे ऋ ८,२४, २०; जै४,१७,८; शौ २०,६५,२.

गवि(गो-इ)ष्[g]– -षः ऋ ४, १३,२, ४०,२.

†गवि(गो-इ)ष्टि[h]– ष्टये ऋ ८, ६१, ७; ७५,११[b]; ९,६६,१५;१०८, १०; तै २, ६, ११,३[b]!; कौ १, २४०; २,३६२; ९३१; ९९९[g]; जै १,२५,८; ३, ३०, ५; –ष्टिषु ऋ १,३६,८;५,६३,५; ६, ५९, [७(८,७५,१२)]; ८,२४,५; ९, ७६, २: १०, १४७, २; कौ २, ५७९; जै ३, ४७, ५; –ष्टौ ऋ १,९१, [२३; ६, ४७,२०][d];३, ४७,४[c]; ६, ३१,३; ८,५७, ३; १०,६१,२३: १०२, २; खि १, ४, ४; १०,३; ५,५,२; मा ३३, ६३[c];३४,२३[d]; शौ ४,२४,५$; २०,१४३,९; पै ४,३९,५$.

गवि-ष्ठिर्[i]– -†रः ऋ ५, १, १२; मा १५,२५; का १६, ५, ६; तै ४,४, ४,२; मै २, १३,७; –रम् ऋ १०,१५०,५; शौ ४, २९,५; पै ४,३८,५.

गवे(गो-ए)षण[k]– -णः ऋ १,१३२, ३[2]; ७,२०,५; ८, १७,१५; शौ ५,२०,११; पै९,२४,११; १०, २,५; –†णम् ऋ ६,५६,५; ७, २३,३; मै ४, १०, ५; शौ २०, १२,३.

√गव्य[l]

गव्यत्– -व्यतः पै २,३५,३;१९, ३७,५; –†व्यता ऋ ३, ३१,९; ४,१,१५; ६,४६,१०; शौ २०, ८३,२; –व्यते ऋ ६, ४५, २६; –व्यन् ऋ ३, ३३, ११; ९,८७, ७;९६,१; कौ १,५३३†; जै १, ५५, १†; शौ ५, २०, ३; १०; पै ९, २४,४; १०; –†व्यन्तः ऋ १, ३३, १; ४, १७, [१६; १०, १३१,३]; ७, ३२, २३; ८३,१; १०,१६०,५; मा २७, ३६; का २९,५,५; मै २, १३, ९; काठ ३९,१२; कौ २, ३१; जै ३, ४, २; शौ २०, ९६, ५; १२१, २; १२५, ३; –व्यन्तम् ऋ ८, २, ३५; –†व्यन्ता ऋ १, १३१,३; शौ २०,७२,२;७५,१.

१ग(व्य>)व्या[m]– -†व्या[n] ऋ ७, १८, ७[o]; ९, ६४, ४; कौ १, ४८२; २, ३८४; जै १, ५०,६;३,३१,४; –†व्यो (व्या+उ) ऋ ८. ४६, १०; कौ १, १८६; जै १,२०,२.

†गव्यु[p]– -व्यवः ऋ १, १५१,

a) गविष्टि– > नैप्र. यनि. । व्यु. तत्रैव द्र. ।

b) सपा. ग-इष्टये <> गविष्टये (ऐब्रा ७,७ आश्रौ ३,१३,१२ आपश्रौ १९,२५,१२ च) इति पाभे. ।

c) सपा. ग-इष्टौ <> गविष्टौ इति पाभे. ।

d) सपा. ग-इष्टौ <> गविष्टौ इति पाभे. ।

e) विप. (सोम-) । बस. । पूप. =क्षीर- ।

f) विप. (अद्रि-, इन्द्र-, स्तोतृ-)। उस. उप. <√इष् (इच्छायाम्) ।

g) विप. (सत्वन्-, दधिक्रावन्-) । उस. काऽन्ते थादि-स्वरः । उप. <√इष् (इच्छायाम्) ।

h) बप्रा. । विप., नाप. [संग्राम-] च, भाप. च। बस. वा तस. वा । उप. भाप. ।

i) वैतु. भा. द्वस. इति सा. कस. इति च वदन्तौ स्वर-तश्चोद्यौ ।

j) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । सस. सप्त. अलुक्, उप. षत्वं (पा ८,३,९५) च ।

k) विप. (इन्द्र-, गण-, रथ-, दुन्दुभि-) । उस. उप. <√इष् (गतौ) इति वा <√इष् (इच्छायाम्) इति वा यथायथं द्र. ।

l) क्यजन्तः नाधा. ।

m) भावे स्त्री. अः प्र. । n) तृ१ आज् आदेशः ।

o) वैतु. सा. द्वि३ (=गोसंघान्) इति ।

p) विप. (इन्द्र-, सोम-, अनु-, भरत- [=भरतकुलज-प्रभृ.) । उः प्र. तत्-स्वरश्च ।

१[a]; ३, ३३, १२; ७,१८, १४; –व्युः ऋ १, ५१, १४; ३, ३१, ८;४,२३,१०; ३१,१४; ६,४१, २; ७,३१,३;८, ५३,८; ७८,९; ९,२७, ४; ९७, १५; खि ३,५, ८; कौ २, ६८; १५८; ६३९; जै ३,७,६;१५,६;५१,५.

२गव्य,व्या[b]– -व्यम् ऋ १, ७२, ८; १२६,३; १४०,१३; ३,२२, १६; ४, २,१७[c]; ५८, ⌊१०(९, ६२, ३)⌋; ५, २९,१२; ३४,८; ५२, १७; ६१, ५; ६, १७, १; ७,९०, ४; ९२,३; ८,२१, १०; ९, १०८, ६; खि १, ४, ७; मा १७,९८†; २७,२७†; ३५,१७; का १९, १, ११†; २९, ३,४†; ३५,४,१५; तै १, ३, १४, ४†; २,२, १२, ८†; ३,३, ८,१; मै ४,१०, १†; १२, ४; काठ १०, १२†; ११, १३; १३, १५†[c]; ४०,७†; कौ १,५८५†; †जै १, ५९,८; ३,४०,२ शौ २,१३,१; ७,८७,१†; †२०, १४,४; ६२, ४; पै ८,१३, १०†; १५,५,१; –व्यस्य ऋ १,१३१,३;५, ३०, १५; ८,६६,३; †शौ २०, ७२, २;७५,१; –व्या ऋ ६,४४,१२; ७,६७,९; –व्यानि ऋ ८, ३४, १४; ९,८,६; २२,७; ६२, २३; †कौ २,४१२;५३३; †जै ३,३१, ३२; ४१,९; शौ १९, ४९, ३; पै १४,४,३; –व्याम् शौ १८,३, २२‡[c]; –व्ये ऋ ८,१३,२२;९, १०१, १६; मा २३, ८[d]; का २५, ३, ५[d]; मै ३, १२, १९[d]; –व्येभिः ऋ ६, ६०, ⌊१४; ८, ७३,१४;१५⌋.

३गव्य,व्या[e]– -व्या ऋ ५, ७९,७; ८,१, १७; ९, १४, ६; ८७, ५; –व्याः तै ५, ६, २२, १; काठ ५०, २; –व्याभिः खि ५,७,४, ६; –व्यायै[d] तै ७,४, २०, १; काठ ४४,९.

✓गव्यय

†गव्यया– -या[f] ऋ ८, ९३, १७; कौ १, १८८, जै १, २०,४.

†गव्ययु– -युः ऋ ९, ३६, ६; ९८, ३; कौ २,५९०; जै ३, ४८,५.

गव्यय[g]– -यम् ऋ १०,४८,४.

गव्ययी– -यी ऋ ९,७०,७.

गव्यूति[h]– -तिः ऋ ९,७४,३; १०, १४,२;८०,६; मै ४,१४,१६†; शौ १६, ३, ६; १८, १, ५०†; –†तिम् ऋ ३, ६२, ⌊१६; ७, ६५,४; ८,५,६⌋; ५,६६, ३; ७, ६२,५; ७७, ⌊४; ९,७८,५⌋; ९, ८५,८; मा २१,८; ९; का २३, १,८;९; तै १, ८, २२, ३[२]; २, ६,९,६¶; मै ४, ११, २[२]; १४, १२; काठ ४, १६[२]; कौ १, २२०; २, १३; जै १, २३, ७; ३,२,४; $पै ३,२७,३; ४,१४, २;५,१६, ४; –तीः ऋ १,२५, १६; पै १९,१,१२

¶गां-दोह[i]–

गांदोह-सनेजन[j]– -नेन मै १, ८,३.

†गो-अग्र,ग्रा[k]– -ग्रया ऋ १, ५३, ५;९,,७१,⌊(१,९५,८)८⌋; मै २, २, ६; काठ १०, १२; शौ २०, २१, ५; –ग्राः ऋ १, ९०, ५; १६९,८; ६,३९,१; मै ४, १४, १३; –ग्रान् ऋ ? ९२, ७; –ग्राम् ऋ २, १. ⌊१६; २, १३⌋.

?गोअग्रयाणाम् खि ५, ७,४,६.

[a]) सपा. तैब्रा २,८,७,६ गव्युवत् इति पाभे. यनि. अनु मु-शोधः द्र. (वैतु. सा. ⌊तैब्रा.⌋ वतिः प्र. इति भाषमाणः स्वरतश्चोद्यः)।

[b]) विप. (आजि-, ऊर्व-, व्रज- प्रभृ.), नाप.। समूहे विकारे तस्मैहितमित्यर्थे च यत् प्र. यना. स्वरश्च (वैतु. पा ४, २, ५० समूहेऽर्थे यः प्र. इति)।

[c]) सपा. गव्यम् <> गव्याम् इति पाभे.।

[d]) सपा. गव्ये <> गव्यायै इति पाभे.।

[e]) विप. (पशु-⌊तै.⌋, राधस्-, वस्त्र-, श्रवस्-), नाप. [रोमन्-(वैतु. GW. प्रभृ. ⌊तृतीये स्थले⌋ विप. ⌊अवी-⌋ इति, GRV. Gri. =१गव्या- इति), पयस्-⌊खि. तै.⌋]। तद्धितः यः प्र. इति २गव्य,व्या- इत्यतो विशेषः।

[f]) तृ१ आज् आदेशः।

[g]) विप.। व्यु. पृ ४७२ *d* टि. द्र.।

[h]) नाप. (गोचरभूमि-, गोष्ठ-, मार्ग-)। व्यु. ?। पपा. नावग्रहः। गो-+यूति- इति पावा ६, १,७९ (तु. सा. ⌊ऋ १, २५, १६⌋ बस. उप. भाप. इति वा, तस. उप. अधिकरणे प्र. इति वा ⌊तु. भा.⌋), गो-+ऊति- इति उ. म. PW. GW.।

[i]) नाप. (गो-दोहनी-)। उप. अधिकरणे प्र.।

[j]) नाप. (जल-)। कस. उप. करणे प्र.।

[k]) विप. (वाज-, प्रमति-, धी- प्रभृ.)। बस.।

गो-अज[a]- -जम् शौ १९,५०,५.
गो-अजन[b]- -नासः ऋ ७,३३,६.
¶गो-अर्घ[c]- -र्घम् तै ६,१,१०,१[२].
गो-अर्णस्[d]- -र्णसः ऋ १,११२,१८[e]; -र्णसम् ऋ १०,३८,२; -र्णसा ऋ २,३४,१२[f]; -र्णसि ऋ १०,७६,३.
¶गो-अश्व[g]- -श्वान् तै ५,२,९,४; काठ २०,८; क ३१,१०; -श्वेभ्यः तै ५,२,९,४.
गो-आयुस्[h]- -युषी काठ ३३,८.
†गो-ऋजीक[i]- -कम् ऋ ६,२३,७; ७,२१,१; कौ १,३१३; जै १,३३,१; -का ऋ ३,५८,४.
गो-ओप(श>)शा[j]- -शा ऋ ६,५३,९.
गो-काम- -मः खि ५,२,२; -माः ऋ १०,१०८,१०.
गो-गति[k]- -तिः शौ २०,१२९,१३.
गो-घात[l]- -तम् मा ३०,१८; का ३४,३,५.
गो-घ्न[m]- -घ्नम् ऋ १,११४,१०[n]; -घ्नात् खि ३,१०[२],४; -‡घ्ने तै ४,५,१०,३[n,o].
†गो-जा[p]- -जाः ऋ ४,४०,५; मा १०,२४;१२,१४; का ११,७,४; १३,१,१५; तै १,८,१५,२;४,२,१,५; मै २,६,१२; काठ १५-१६,८.
†गो-जात[q]- -ताः ऋ ६,५०,११;७,३५,[१४;१०,५३,५]; शौ १९,११,४; पै १३,८,१४.
गो-जित्[r]- -जित् ऋ ९,५९,१;७८,४; खि ४,३,१; तै ४,७,१४,४; मै २,७,१२; काठ ३८,१४; ४०,१०; शौ ५,३,११; ७,५२,८; पै १,४९,१;२,२२,६; ५,४,१०; -जितः ऋ ३,३१,२०; -जितम् शौ ६,९७,३‡[s]; १७,१,१-५; १९,१३,६‡[s]; पै ७,४,६‡[s]; १८,३०,१-३; १९,१२,९‡[s]; -जिता ऋ १,१०२,६; पै ३,३६,३†; -जिति शौ १३,१,३७; पै १८,१८,७; -जिते ऋ २,२१,१.
†गो-जी(र>)रा[t]- -रया ऋ ९,११०,३; मा २२,१८; का २४,५,१; कौ २,७१५; जै ३,५९,७.
†गो-त्र[u]- -त्रम् ऋ १,५१,[३; ९,८६,२३]; २,२३,१८; ८,५०,[(४९,१०)१०]; खि ३,२,१०; काठ ४०,११; पै १,५१,३$; -त्रस्य ऋ ८,६३,५;१०,१२०,[(३,३१,२१)८]; शौ ५,२,८; २०,१०७,११; पै ६,१,८; -त्रा ऋ २,१७,१; ३,३०,२१; ४३,७;४,१६,८; ६,६५,५;१०,४८,२; का २८,१२,१; शौ २०,७७,८; -त्राणि ऋ ३,३९,४; १०,१०३,७; मा १७,३९; का १८,४,७; तै ४,६,४,२; मै २,१०,४; ४,१४,१२; काठ १८,५; क २८,५; कौ २,१२०५; शौ १९,१३,७; पै ७,४,७; -त्रे खि ४,१२,२.
गोत्र-भिद्[v]- -भित् ऋ ६,१७,

---

a) विप. (तस्कर-)। उस. कर्तरि अच् प्र. (तु. सपा. पै १४,४,१५ गो[म]थम् इति पाभे. W. च; वैतु. मा. उप. नाप. इति)। गोरजम् इति RW. ?।
b) विप. (दण्ड-)। उस. करणे प्र.।
c) विप. (अध्वर्यु-, यजमान-, सोम-)। बस. अन्तोदात्तः।
d) विप. (रयि-, त्वाष्ट्र-)। बस.। उप. यद्र.।
e) पृ१। नाप. (मेघ- [स्क.], पर्वत- [वें.])। बस. (वैतु. सा. कस. इति)। उप. भाप. =प्रतिबन्ध- इति मतम्। f) विप. (ज्योतिस्- [=सूर्य-])।
g) द्वस. अन्तोदात्तः।
h) द्वयोः एकाहयागयोः द्वस.।
i) विप. ([पयोमिश्रित-] अन्धस्-, मधु-, सोम-)। बस.। j) विप. (अप्सरा-)। बस.।
k) पस.। RW. यनि. इति, शंपा ऋतीः इति, सपा. खि ५,१५,४ गोमिनीः इति पाभे.।
l) नाप.। उस. अणन्तम्।
m) भाप.। उस. उप. घञर्थे कः प्र. थाथा[दि]स्वरश्च (तु. वें. मा.; वैतु. सा. [पक्षे] नाप. इति, स्क. PW. GW. प्रमृ. विप. इति)। खि. गो॰ इति स्वरः? यनि. शोधः।
n) सपा. गोघ्नम् <> गोघ्ने इति पाभे.।
o) पाठः? -घ्नात् (पं१) इति शोधः (नैप्र. तत एवायं विपरिणामः द्र. [तु. n टि. पाभे., पूरुष-घ्न- > -घ्ने इति च])। p) विप. (हंस-)। उस. विडन्तम्।
q) विप. (देव-)। सस. पूप. प्रकृतिस्वरम्।
r) विप. (सोम-, इन्द्र-, बाहु- प्रमृ.)। उस.।
s) सपा. गोजितम् <> गोविदम् इति पाभे.।
t) विप. (पुरन्धि-)। बस.। उप. यद्र.।
u) नाप. (गोष्ठ-, गोसमूह- प्रमृ.)। तस्यसमूहीयः प्र. (पा ४,२,५१) इति, उस. उप. <√त्रै इति (तु. सा. ऋ २,१७,१)।
v) विप. (इन्द्र-, रथ-)। पूप. =गोष्ठ-, मेघ-, पर्वत- इति यथायथं द्र.।

२; मा २०,३८[a]; का २२,४,३[a]; तै २, ३, १४, ४; मै ४, १२,४; काठ १०,१३;३८,६[a];–†भिदम् ऋ २,२३,३; १०,१०३,६[b]; मा १७,३८[b]; का १८,४,६[b]; तै ४, ६, ४, २[b]; मै २,१०, ४[b]; काठ १८,५[b]; २६,११$; क २८,५[b]; कौ २,१२०४[b].

गोत्र-भृत्[c]– -भृत[a] मै ३,११,१.

¶गो-त्व– -त्वम् मै ४,२,१२.

*गो-दत्र[d]– -०त्र ऋ ८,२१,१६.

गो-दरि*[e]– -०रे ऋ ८, ९२,११.

†गो-दा[f]– -दाः ऋ १,४,२;३,३०, ⌊२१(३१,१४) ४,२२,१०⌋; ५, ४२, ८;८, ४५, १९; का २८, १२,१; कौ २,४३८; जं ३,३३, १४: शौ २०,५७,२;६८,२.

गो-दा(य>)यी[g]– -०यि![h] खि २, ६[?],१८.

गो-दुह्[i]– -दुहः ऋ ८, ५२, ⌊(१, ४,१)४⌋; –†दुहे ऋ १,४,⌊१(८, ५२,४)⌋; खि ३, ४, ४[j]; कौ १, १६०;२,४३७; जे १,१७,६; ३, ३३,१२; शौ २०,५७,१:६८,१: –धुक् ऋ १, १६४, २६: शौ ७, ७७,७†;९,१५,४; पै ५,३१,२: १६, ६८, ४†; २०, ११, १†: –०धुक् शौ ७, ७७,६; पै २०, ११,१०.

गो-धन–

गोधनिन्– -निनः पै १९, ४९,२[k].

†गो-धायस्[l]– -यसम् ऋ १०, ६७, ७: मै ४,१४,१०; शौ २०,९१, ७.

गो-नाम[m]– -मैः ¶मै ४, २, १; १०.

†गो-न्योघस्[n]– -घाः ऋ ९, ९७, १०; कौ १, ५४०; २, ३६९; जै १,५५,७;३,३०,१२.

गो-पति[o]– -तये शौ १२,४,३७-३९, पै १७,१९, ७; ९; –तिः ऋ १, १०१,४;३,३१,⌊२१(१०,१२०, ८)⌋; ४,२४,१:३०,२२;६,२८, ३-७,९८,६: ८,१४,२: ६२,७; १०,१०८,३: खि ५,११, ३; मै ४,१४,५†: कौ २,११८५†; शौ ४,२१,३†; १२,४,२७; १८,३, ४:२०,२७,२†; ८७,६†:१२७, १३: पै १७, १८, ७; –तिना शौ ३, १४, ६[p]; पै २, १३, ३[p]; –†तिम् ऋ ७.१८,४;८,६९,४; ९,३५,५: ९७,३४; १०,४७,१: ६७,८: १६६,१; मै ४, १४, ५: कौ १, १६८; ३१७; ५२५; २, २०९; ८३९; जै १,१८,४; ३३, ५; ५४,३; ३, १९, ४; शौ १२, ४,४; २२; ५२; १९, ५८, ३$; २०,२२,४;९१,८;९२,१; पै १, ११०,३; ५,३१,५$; १३,३,६; $१७, १६,४; १७, ३[q]; १८,२; २०, १२; –†ती ऋ ९,१९,२; कौ २,३५१; जै ३,२९,८; –†०ते ऋ ८, २१, २; कौ १, ४०२; जै १,४५,४; –०ते ऋ ३,३०,२१; ६, ४५, २१; का २८, १२, १; शौ ५, १८, १५; पै ९, १८,१; –तेः शौ ८, ७,२३, पै १६, ५, ३; –तौ ऋ १०,१९,३; खि २, ९,४; मा १,१; का १, १,३; तै १,१,१,१; मै १,१, १;४,१,१; काठ १,१;३०,१०; क १,१;४६, ८; शौ २,२६,४;१२,४,८; पै २, १२,४; १७,१६,७: २०,४७,१.

गौपत्य[r]– -त्यम् मा ११, ५८[s]; का १२,५,९[s]; तै ३,१, ९, ४; ४,१,५, ४; मै २, ७, ६[s]; काठ १६, ५[s]; क ३०,४: –त्येन मा ३,२२: का ३,३,१३: तै १, ५, ६,२: मै १,५,२: काठ ७, १:७; क ५,१.

a) सपा. गोत्रभित् <> गोत्रभृत् <> तैब्रा २, ६,८,२ मघवान् इति पाभे. ।

b) सपा. गोत्रभिदम् <> ग्रामजितम् इति पाभे. ।

c) समासस्वरौ गोत्र-भिद्– टि. द्र. ।

d) विप. (इन्द्र-) । बस. । उप. =दान- यद्र. ।

e) विप. (इन्द्र-) । उस. उप. √दृ (विदारणे)+ कर्तरि इः प्र. ।

f) विप. (इन्द्र- प्रभृ.) । उस. विजन्तम् ।

g) विप. (देवी-) । उस. उप. √दा (दाने)+अण् प्र. ।

h) ०यै इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. खिसा ११, १९) ।

i) नाप., भाप. (ऋ १,४,१ खि ३,४,४ प्रभृ. ⌊तु. स्क. वें. विव. भ. GW.: वेतु. सा. MW. Gri. विप. इति⌋) । उस. ।

j) ०हः इति संस्कर्तुः टि. ।

k) सपा. गोधनिनः <> फलिनम् इति पाभे. ।

l) विप. (वल-) । बस. उप. भाप. यद्र. ।

m) नाप. । षस. टच् प्र. (पा ५,४,१०३) चित्स्वरश्च ।

n) विप. (सोम-) । बस. । पूप. उप. चार्थः व्यु. च ? ।

o) नाप. । षस. पूप. प्रकृतिस्वरम् ।

p) सपा. आश्रौ ३,११,६ ०तौ इति पाभे. ।

q) सपा. गोपतिम् <> पुरुषम् इति पाभे. ।

r) भावे यक् प्र. कित्-स्वरश्च ।

गो-परीणस्[a]- -णसम् कौ २, ८३‡[b]; जै ३,८, ९‡[b]; –†णसा ऋ ८. ४५, २४[c]; १०, ६२, १०[d]; शौ २०,२२,३[c].

१गो-पाल्[e]- -लम् मा ३०, ११; का ३४,२,३.

१†गो-पीथ[f]- -थाय ऋ १,१९,१; कौ १,१६; जै १,२,६; पै६,१७,१.

गो-पुरोगव[g]- -वम् शौ ८, ७, १२; पै १६,१३,२.

गो-पोष[h]- -षम् काठ ३५,१८; क ४८,१६; शौ १३, १, १२; पै १८,१६,२.

गो-बन्धु[i]- -न्धवः ऋ ८,२०,८.

गो-भाग- -गम् पै ४,२७,३.

†गो-भाज्[j]- -भाजः ऋ १०, ९७, ५; मा १२, ७९; ३५, ४; का १३,६,५; ३५, ४, ४; तै ४,२, ६,२; मै २, ७, १३; काठ १६, १३; क २५,४; पै ११,६,६.

गो-मघ,घा[k]- -घा ऋ ६, ३५, ३; ७,७१,१; –घाः ऋ ६,३५,४.

गो-मत्- -मत्[l] ऋ १, ९, ७; ३०, १७; ४८,१२; ९२,१६; १९०, ⌊८; ७,२३,६⌋; २,४१,७; ५,५७, ७; ७,२७,५; ७५,८; ७७,५; ९४, ९; ८, २२, १७; ४६, ५; ४९, ⌊१०(५०,१०)⌋; ९३,⌊३; ९,६९, ८⌋; ९,४१, ⌊४; ४२,६; ६१,३⌋; १०५,४; १०, ३६,१३; ४२,७; खि ३, १, १०; †मा २०, ५४; ८१; †का २२,५,८; ८,२; †मै ४,१४, ५; ११; काठ ४, १५†; ८,१४; १६†; ४०,५; क ८,२; †कौ १, ५७४; २,२४५; ५६२; ८०२; ९६१; १०८४; †जै १, ५८, ९; ३, २१, १०; ४५, ४; ४,२,५; शौ १८,३, ६१; †२०, ७,३; १२, ६; ७१,१३; ८९, ७; पै १, ९६, ३; –†मतः ऋ १, ११, ३; ५; ७९,४[m]; ३,१६,१; ४, ३१,१३; ३२,६; ७; ५,२३, २; ६,१०,३; ४५,२३; ६२,११; ७३,३; ७,८१, ६; ८,३,१; १३, ⌊१४; ९२, ३०⌋; २१, ११; २५, २०; ३२,९; ४५,१०; २८; ४९, ९; ८२, ६; ९४, ६; ९५,४; ९, ५४,४; ६७,५; १०, २५, ११; ख्रि ३, १, ९; मा १५, ३५; का १६, ५, १७; तै १, ३, १४, ७; ४,४,४,५; मै २,१३,८; ४,१२, ५; काठ ४,१६; ३९, १५; ४०, ११; कौ १, ६०; ९९; २०४; २३९; ३४६; ४०३; २, १७६; १७९; २३४; ६०१; ७७१; ९११; १०१७; ११३७; जै १,६,६; ११, ३; २२,१; २५,७; ३६,५; ४५,५; ३,१६,१४; १७; २०,१७; ४८, १७; ४,९,८; १५,४; शौ ३,१०, ११$; २०,६०,३; ७८,२; ९०, ३; पै १,१०५,३$; –मता ऋ ७, ७२, १; –मताम् शौ ४,३६,६; –†मति ऋ १,८६,⌊३; ७,३२, १०; ८,४६,९; ५१,५⌋; ५,३४, ५; ७,२७,१; ८,२१,८; ७०,६; खि ३,३, ५; तै १,६,१२,१; मै ४,१२, ३; ४; कौ १, ३१८; २, २१३; जै १,३३,६; ३, १९,८; शौ २०,८१,२; ९२,२१; –मते ऋ ९.७७,३; मा २६, ४[2]; ५[2]; का २८. ३, १[2]; –मद्भिः ऋ ६, ४५, २१; मा २६, ५; –०मन् मा २६,४; का २८,३,१; –मन्तः पै २०, ८, १; –मन्तम् ऋ १, ८३,४; ४,१,⌊१५; १६,६; १०,

---

[a]) अर्थः व्यु. च ?। विप. । १गोप- + परि-णश्-> ⌊बस.⌋ नैप्र. यनि. इति मतम्।

[b]) गोपस्य (रक्षणस्य) परीणट् ⌊प्राप्तिः⌋ यत इतीन्द्र-विशेषणं द्र. (वैतु. वें. मा. PW. प्रमृ. विप. ⌊सोम-⌋ इति)। मपा. °णसम् <> °णसा ? इति पाभे.।

[c]) पाठे? गोपरीणसम् महे इति मूलतः मतः नैप्र. °सा महे इति वावि. कृत्वा तत्परः शोधः। पाभे. *b* टि. द्र.।

[d]) गोपस्य (रक्षणस्य) परीणट् (प्राप्तिः) ययोरिति दासा (प्र२ ⌊तु. सा.⌋) इत्येतद्विशेषणं द्र.। तृतीयस्य पादस्य पाठः? यदुस्तुर्वश्च तम् मामहाते इत्येवं मौलिकः पाठः स्यादिति कृत्वा तत्परः शोधः (तु. सा. अंशतः; वैतु. GW. प्रमृ. दासा ⌊द्वि२⌋ इति कृत्वाऽन्यथा वा. इच्छन्तः ?)।

[e]) नाप.। पपा. नावग्रहः। उस.।

[f]) उस. थादि-स्वरः (वैतु. √गुप् ⌊रक्षणे⌋ > भाप. ⌊गुप्ति-⌋ इति GRV. ?)। पूप. नाप. [=क्षीरमिश्र-सोम- (तु. ऋ १,१९,९ ⌊तु. स्क. वें. सा. विव. भ. Gri.; वैतु. PW. GW. प्रमृ. =क्षीरमात्र- इति⌋)]। उप. भाप. √पा (पाने)+थक् प्र. (पाउ २,९)।

[g]) विप. (अन्न-)। बस.।

[h]) उस. भावे घञन्ते थादि-स्वरः।

[i]) विप. (मरुत्-)। बस.।

[j]) विप. (ओषधि-)। उस.।

[k]) विप. (अश्विन्-, पूषन्-, हवन-)। बस.।

[l]) क्वचित् वा. क्रिवि. द्र.।

[m]) गोत्मः इति GW. ?।

४५,११]; ३४,१०; ५,४, ११; ६,४५,२४; ८, २, २४; ५,१०; ६,[९; ९, ६२-६३, १२]; ३३, [३;८८,२]; ९,२०,२; ३३,[२; ६३,१४];६३,१८; ६७,६; १०, २५,[५; ६२,७]; ७४,४; १५६, ३; मा ८, ६३; १२,२८†; ३३, २८†; †का १३, २, ११; ३२, २,११; †तै १, ४, ४६, १; ४, २,२,४, मै १,४,८¶;२,७,९†; †काठ १०, १२; १६, ९; ३२, ६¶; †कौ २,३६;११५; २१६; ३१९; ८७९; १०१८; †जै ३, ४,७; १२, २; १९,११; २६,५; ४,९,९; †शौ २०, ९, २; २५, ४; ४९,५;५२,३; ५७,१६;७७, ६; ७८, ३; पै १९, ५३, ३; –मन्ता खि ५, ७, ४, ६; –मान् ऋ ४,२,५; ८, ४, ९; ९,१०७, ९; खि १,१०, ३; †तै १,६,६, ४; ७, ६, ७; ३, १,११,१; †मै १,४, ३; ८; †काठ ५, ६; १०, १२; ३२,६; †कौ १,२७७; २, ३४८; †जै १, २९, ७; ३,२९, ५; शौ ६,६८,३[a]; पै २,५२,१.

१गोमती– -०ति ऋ १, ९२, १४; कौ २, १०८२; –ती ऋ १,८,८; शौ ३, १२, २; †२०, ६०, ४; ७१, ४; पै ३, २०,२; –†तीः ऋ १, ४८, २; १५; ११३, १८; १२३, १२; ५,६१, १९[b]; ७९,[८; ८,५,९; ९,६२, १४]; ७, ४१,[७; ८०, ३]; ८, २३, २९; मा ३४, ४०; कौ २, ४१३; जै ३, ३१, ३३; शौ ३, १६, ७; पै ४,३१,७; –तीनाम् ऋ २,२८,२; –तीम् ऋ ८, ६, २३; –तीषु ऋ ४,२१,४[c].

२गोमती[d]– -तीम् ऋ ८, २४, ३०;१०,७५,६.

गो-मथ– -थम् पै १४,४,१५[e].

गो-मय[f]– -यम् ऋ १०, ६२,२.

गो-मातृ[g]– -तरः ऋ १,८५,३.

गो-मायु[h]– -युः ऋ ७, १०३, ६; १०.

¶गो-मूत्र[i]– -त्रस्य मै २, १, ८; २, ४; काठ १०,११[२].

गो-मृग[j]– -गः मा २४, १; ३०; का २६,१,१;६,५; तै २,१,१०, २¶; ५, ५,२३,१; मै ३, १३, २; १४, ११; काठ ४८, २; –¶गम् तै २, १,१०,२; मै २, ५,५.

गो-रभस[k]– -सम् ऋ १, १२१, ८.

गो-रूप[l]– -पम् शौ ९,१२,२५.

†गो-वपुस्[l]– -पुषः ऋ १०,६८,९; शौ २०,१६,९.

गो-वर्चस[m]– -सम् मै ४, २,१३¶; पै ८,१०,५.

¶गो-विकर्त[n]– -र्तस्य[o] मै २, ६,५; ४,३,८.

†गो-विद्[p]– -वित् ऋ ९, ५५, ३; ८६, ३९; १०, १०३, ५[q]; मा १७, ३७[q]; का १८, ४, ५[q]; तै ४, ६,४, २[q]; मै २, १०, ४[q]; काठ १८, ५[q]; क २८, ५[q]; कौ २, ३०५; ३२७; १२०३[q]; जै ३, २५, १; २७,३; –विदम् ऋ १,८२,४; ८,५३,१; १०,१०३, ६[r]; खि ३,५,१; ५, ९, ३; मा १७, ३८[r]; का १८, ४, ६[r]; तै ४, ६,४, २[r]; मै २, १०, ४[r]; काठ १८, ५[r]; क २८, ५[r]; कौ १, ४२४; २, १२०४[r]; जै १, ४१,६; शौ १९,१३,[१+८]q;२०, १२७, ६§; पै ७, ४, ५+[q].

गो-विन्द[t]– -०न्द खि ७, ३, १; –न्दाय खि ७,३,२.

---

[a]) पाभे. कृते पृ ६९० r टि. द्र.।

[b]) नाप. (प्रदेश- [तु. PW. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. GRV. ORN. २गोमती–> यनि. इति स्वरतश्चिन्त्यम्])।

[c]) नाप. (सेना-) इति (तु. वें. सा. द.; वैतु. ?GRV. ?ORN. < २गोमती– इति)।

[d]) व्यप. (नदी-विशेष–)। अन्तोदात्तः उसं. (पा ६, १, २२०)।

[e]) पाभे. कृते पृ १२५६ a टि. द्र.।

[f]) विप. (वसु-)। मयट् प्र. (पा ५,४,२१)।

[g]) विप. (मरुत्-)। बस.।

[h]) विप. (मण्डूक-)। बस. उप. <√मा (शब्दे)।

[i]) षस. अन्तोदात्तः।

[j]) नाप. (गवय-)। मध्यमपदलोपिनि कस. अन्तोदात्तः।

[k]) विप. (सोम-)। बस.। [l]) विप. (वल-)। बस.।

[m]) नाप. (घृत-)। तस. अच् प्र. उसं. (पा ५,४,७८) चित्स्वरश्च।

[n]) नाप. (गो-घातिन्-)। उस. उप. कर्तरि अण् प्र.।

[o]) सपा. गोविकर्तस्य <> गोव्यच्छस्य इति पाभे.।

[p]) विप. (सोम-, इन्द्र-, रथ- प्रभृ.)। उस. उप. <√विद् (लाभे)।

[q]) सपा. गोवित् <> गोविदम् इति पाभे.।

[r]) पाभे. कृते पृ १२५६ s टि. द्र.।

[s]) तु. RW. W1.; वैतु. शंपा. सात. गोविदुन् ? इति।

[t]) व्यप. (कृष्ण-)। उस.।

†गो-बिन्दु[a]– -न्दुः ऋ ९,९६,१९; कौ २,५२७; जै ३,४१,३.

गो-व्यच्छ[b]– -च्छम् मा ३०, १८; का ३४, ३, ५; –च्छस्य काठ १५,४¶[c].

गो-शफ[d]– -फः शौ २०,१२९,१८[e]; १३५,३; –‡फात्[f] पै १९,४७, १४;१५; –फे खि ५, २२,१[g]: मा २३,२८: का २५, ६,८; शौ २०,१३६,१.

गो-शर्य[h]– -र्यम् ऋ ८,८,२०; –र्ये ऋ ८, ४९, ⌊१०; ५०, १०⌋; खि ३, १-२, १०.

†गो-श्रीत[i]– -ताः ऋ १, १३७, १; –ते ऋ ८,२१,५: कौ १,४०७; जै १,४५,९[j].

गो-(स>)ष–

गोष-तम[k]– -माः ऋ ६, ३३,५.

†गो-ष,सखि[l]– -खा ऋ ८, १४,१; कौ १,१२२; २,११८४; जै १, १३, ८; शौ २०, २७, १; –खायम् ऋ ५,३७,४.

†गो-ष(<स)णि[m]– -णिम् ऋ ६, ५३, ⌊१०(९,२, १०)⌋; कौ २, ९४३.

गो-ष(<स)दन[n]– -नम् जै २,१,९.

गो-षुं(<स)नृ[o]– -०षणः ऋ ४, ३२,२२[o].

†गो-षा(<सा)[p]– -षाः ऋ ९,२, ⌊(६,५३,१०) १०⌋; ६१, २०[q]; १०, ९५, ३; काठ ३५, ६; क ४८,७; कौ २,३९५; जै ३,३१, १५; –षाम् ऋ ९,१६,२.

†गो-षा(<सा)ति– -ता ऋ ८, ८४,७; १०,३८,१; कौ १,३४; जै १, ३, १४; –तिः कौ २, १६६‡[q]; जै ३, १६, २‡[q].

गो-षा(<षाद्>)दी[r]– -दीः मा २४,२४; का २६,५, ४; मै ३, १४,५.

गोषु-युध्[s]– -युधः ऋ ६,६,५;१०, ३०,१०; –युधम् ऋ १, ११२, २२.

गो-षे(<सेध>)ध[t]– -धाम् शौ १,१८,४; पै २०,१८,७.

गो-ष्टो(<स्तो)म[u]– -मम् तै ७, ४, ११,१¶; काठ ३३, ३¶; पै ५, १६,८.

गो-ष्ठ[v]– -०ष्ठ पै १५, १२,८[t]; –ष्ठः मै ४,२,१¶;११[4];१४¶; ¶काठ ७,७; ३२,६; शौ ३, १४,५; ६; ११,१,१३; पै २,१३,३;३,३७, १;१६,१०,३: –ष्ठम् ऋ ८,४३, १७;१०,१६९,४[w]; खि २,९,३; मा ५, १७; का ५, ५, ५: तै १, १, १०, १; ७,४,१७, २†; काठ १,१०; ३४,६†; शौ २, २६,२; ६,५९,२; ७,७९,२; १२, २,४; पै २,१२, २; ५,२८,३: १०,१, ४; १७, ३०, ४; १९,१४, ११; ४८,१[2]; २०,२७,१०; –†ष्ठात् ऋ १०, ९७, ८; मा १२, ८२; का १३, ६,८; तै ४,२, ६,३; मै २,७,१३;४,२,१०¶; काठ १६, १३; क २५,४; शौ २,१४,२$; पै २,४,४$;११, ६,८; –ष्ठान् पै

a) विप. (द्रप्स-)। उस.।

b) नाप.। उस. उप. <√*व्यच्छ् (व्यथने ⌊तु. PW. प्रभृ.; वैतु. उ. Gri. गमने इति⌋)।

c) पामे. कृते पृ १२५९ o टि. द्र.।

d) नाप.। पस. अन्तोदात्तः।

e) तु. RW.; वैतु. शंपा. प्रभृ. °फश्चते इति पाठस्य स्थाने गोशफथके? इति।

f) सपा. ऋ १०,१६६,५[2] उदकात् इति पामे.।

g) °शा° इति स्वरे? यनि. शोधः।

h) व्यप. (ऋषि-विशेष-)। व्यु. ?।

i) विप. (⌊पयोमिश्रित-⌋ मधु-, सोम-)। तृस.।

j) °श्रीस्ते इति पाठे? यनि. शोधः (तु. ऋ. कौ.)।

k) विप. (अस्मद्-)। पूप. गो-+√सन्> उस.। GW. छन्दस्तः °षा-त° इति।

l) विप. (सोम-, स्तोतृ-)। बस.। कौ. जै. °स° इति।

m) विप. (धी-, अयन- प्रभृ.)। उस.।

n) नाप.। उप.<√सद्+अधिकरणे प्र.।

o) =गो-पणि-। विप.। उस. विजन्तम्। पष्ठ्या आमन्त्रिते पराङ्गवत्-स्वरः (तु. वें. GW. प्रभृ.; वैतु. सा. अन्यथादर्शुकः)।

p) विप. (सोम-, रयि-)। उस. विडन्तम्।

q) सपा. गोषाः <> गोषातिः इति पामे.।

r) नाप. स्त्री. (जन्तु-विशेष-)। उस. उप. अण् प्र.।

s) विप. (अग्नि-, इन्द्र-, नृ-)। उस. पूप. विषये सप्त. तस्याश्चालुक्।

t) नाप. स्त्री.। उस. उप. कर्तरि अच् प्र.।

u) व्यु. पृ ६९० a टि. द्र.।

v) नाप. (कोष्ठ-)। व्यु.?। पपा. अनु उस. उप. √स्था+अधिकरणे कः प्र.। *गोष्-(=कोष-⌊आश्रय-⌋) +(√धा>)ध- इति मतम्।

w) सपा. गोष्ठम् <> गोष्ठे इति पामे.।

१०,१,७; –ष्ठे ऋ १,१९१,४;६, २८,१; १०,१६९,३; खि २, ८, ४;४,१२,१; मा ३,२१; का ३, ३,१२; तै १,५,६,१;२,३,१३, १;७,४,१७,२†; मै १,५,२;९[2], ४,२, १[2]¶; १०[2a]; काठ ७, १; ७[2]¶;३२,६¶;४४,६†;क ५,१; शौ २,२६,१;३,१४,३; ४,२१, १†; ६, ५२,२†; ७,८०,१; ९, ४,१९; २३‡[b]; ११, १०, ३२; १३, १,१९; १९,३१,१; पै १, ८६,४; १११, २; २, १२, १; १३, ५; ४, १६, ७†; ६, १५, ४,१०, ५, १;१६, ७५,९;२६, ४‡[b]; १८,१६, ९; †१९,७,७; ५१,७; ८‡[c];२०, ५७,५; –ष्ठेन शौ ३,१४,१; पै २,१३,४.

गोष्ठ्य[d]– -ष्ठ्याय मा १६, ४४; का १७, ७,३; तै ४,५,९,१; मै २,९,८; काठ१७,१५; क २७,५.

गो-ष्ठान[e]– –नम्[f] मा १,२५;२६[2]; का १,९,३;४[2]; क १,९[2]; ४७, ८[2];¶.

¶गो-सत्र[g]– -त्रम् तै ७,५,१,१.

गो-सनि[h]– -नि तै ७,५, २,२; काठ ३३,१; –निः मा ८,१२; का ८, ७,२; तै ३,२,५,७; मै १,३,३९; काठ ४,१३; क ३,११; –निम् शौ ३,२०,१०; पै ३,३४,११.

¶गो-सव[i]– -वः काठ ३७,६[2].

गो-स्थान[e]– -¶नः मै ४, १, १०; काठ ३१,८; क ४७, ८; –नम्[f] तै १, १, ९, १; २[2]; मै १, १, १०[3]; ४,१, १०[2];¶; काठ १,९[3];३१,८[2];¶.

गो-हन्[j]– -हा ऋ ७,५६,१७.

गो-अग्र– प्रभृ. गो– द्र.

गोतम[k]– -॰म शौ १८,३, १६; –॰म ऋ १,७९,१०; –मः ऋ १, ६२, १३;७८,२; ८८,५; १८३,५; पै २,२८,४; ५,२८,४;११,५,१३; –मम् शौ ४, २९, ६; पै १२,३, १२; –मस्य ऋ १, १६६, ९; –माः[l] ऋ १,७८,१; ४,३२,[९ (६,१६,२९; ३६; ८,४३,२)]; १२; ८,८८,४; –†मान् ऋ ४, ४, ११; तै १,२, १४, ५; मै ४, ११, ५; काठ ६, ११; –माय ऋ १, ८५, ११; –†मासः[l] ऋ १, ६०,५;६१,१६;८८,४; शौ २०, ३५, १६; –मेभिः[l] ऋ १, ६३, ९;७७,५;९२,७.

गौतम[m]– -मः पै ८, १५, १; ११, २,६; १४,३, २३; –मम् पै ४, ३८,६.

गौतमी– -मी खिसा २६,१९.

गो-त्र– प्रभृ. गो– द्र.

गोधा[n]– -धा ऋ ८, ६९,९; १०, २८, १०;११; मा २४, ३५; का २६, ७,५; तै ५,५,१५,१; मै ३,१४, १६; काठ ४७, ५; शौ ४, ३,६; २०,९२,६†.

गोधा-पि(ऽवृ)ष्टि[o]– -ष्टेः पै ८,७,३.

गो-धायस्– गो– द्र.

गोधूम[p]– -मस्य पै २, ११, १२; –माः मा १८, १२; १९, २२; का १९,४, ४; २१, २, ११; तै ४,७,४,२; मै १,११,८¶; २,११, ४; काठ १४, ८¶; १८, ९; क २८,९; –मैः मा १९,८९; २१,२९; का २१,६,१०;२३,४, १; मै ३,११,२;९; काठ ३८,३.

¶गौधूम[q]– -मम् मै १, ११, ८; काठ १४,८.

गो-नाम– गो– द्र.

गोनुशि[r]– -शेः पै ८,७,२.

गो-न्योघस्– गो– द्र.

गोपु[s]– -॰प पै ५, २८, १; –पः काठ

a) सकृत् सपा. आपश्रौ ७,१७,१ यज्ञे इति पाभे. ।
b) पाभे. पृ १२५३ *a* टि. द्र. ।
c) पाभे. पृ १२६० *w* टि. द्र. ।
d) विप. (रुद्र-) । भवार्थे यत् प्र. ।
e) विप. (व्रज-) । उस. अधिकरणे प्र. ।
f) सपा. गोष्ठानम् <> गोस्थानम् इति पाभे. ।
g) नाप. (गवामयन-) । षस. ।
h) =गो-षणि- । विप. (अयन-, भक्ष-, वाच्-) ।
i) नाप. (एकाह-विशेष-) ।
j) विप. (वध-) । उस. ।
k) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । पपा. नावग्रहः । व्यु. ? ।
l) बहु. <गौतम-
m) व्यप. । अपत्यार्थे अण् प्र. ।
n) वप्रा. । नाप. (स्नायु-, चर्मरज्जु-, जन्तु-विशेष- प्रभृ.) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः ।
o) पाठे ? यनि. शोधः । नाप. (सर्प-विशेष-) ।
p) नाप. (धान्य-विशेष-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । <√गुध् इति (पाउ ५,२) ।
q) विप. (चषाल-) । तस्येदमीयः अण् प्र. ।
r) नाप. (सर्प-विशेष-) । व्यु. ? ।
s) नाप. (रक्षक-) । व्यु. ? । पपा. नावग्रहः । रक्षणे सामान्यतो वृत्तिं मत्वा गो- + पु- (<√पा रक्षणे) इति संप्रदायः । √गुप् > कर्तरि कृद् इति मतम् (तु. टि. गोपा-) ।

४०,१०‡[a]; –पम् ऋ १०, ६१, १०; तै ४, ७,१४, १‡[b]; –पान् ऋ ६, ५१,३; –पाय खि ७, ३, २; पै २०,४९,३.

?गोपतिष्ठे° पै ६,१०,५:६.

गोपन–, गोपयत्य– √गुप् द्र.

?गोपयसि पै १,९८,१.

गो-परीणस्– गो– द्र.

†गोपवन[d]– -नः ऋ ८, ७४, १; कौ १,२९; जै १,३,९.

गोपा[e]– -पा ऋ ७,९१,२; ८,२५,१; १०,४०,१२; शौ ५,९,८; १४, २,५†; पै ५, १६, ५; ६, ११, १४; १८, ७, ५†; –†०पा ऋ ५,६२,९; ७,६४,२; मै ४,१४, १०; –पाः ऋ १,२२,१८; ९४, ५; ९६,४; १०१, ११; १६३,५; १६४,⌊२१; २, २७, ४⌋; २, ९, २; ६; २३, ६; ३, १०,⌊२; १०,(२१,७) ११८,७⌋; १५,२; ३१,⌊१४ (३०, २१; ४, २२, १०)⌋; ५५,१०; ४,१६,१७; ५, २,५; ११, १; १२, ४; ३१, १; ६, ७, ७; ९, ३; ५१, १५; ७, १३,३; ५१-५२, २; ५६, १८; ६०,⌊२(६, ५०,७; १०, ६३, ८)⌋; ८,२८,३; ३१,१३; ४१,४; ४८,९; ९,७३,८; १०,७.⌊(४,२) ७⌋; ८, ५; १७,३; १९, ८[f]; ५: २३, ६; २५,⌊(१, ९१,८) ७⌋; ४८, १०; ६९, ५; १२८, ६[a]; १३९,१; †मा १५, २७; १६, ७$; १७,५८; २९,१६; ३४,४३; †का १६, ५, ८; १७, १, ७$; १८,५,९; ३१, ३, ५; ३३, २, ६; †तै १,५,११,२; २,१,११, ४; ४, १४, १$; ३, ५, ११,३; ४,३,१३,२; ४,४,२; १२, ४$; ५,१,३$; ६,१,५; ३,३; ७,२; ७,१४,३[a]; ७,१,२०,१$; मै १, २, ३; °२, ९, २; १०, ५†; १३,७†; ३,६,९¶; १६,४; ४, ९, २७; †१०, ४; ५; १२,१†; २; काठ १, १२; २,१५†; १०, १२; ११,१२†; १५,१२†; १७, ११; १८, ३†; २१, १३†; २२, १४; ३७,१५; ३९, १४†; ४०, ६†; ४१, ११‡[g]; क १, १२; २७, १; २८, ३†; †कौ १, ४२९‡[h]; २, २५७; ६०३‡[h]; १०२०; †जै १, ४४, ५‡[h]; ३, २२, ४; ४९,१‡[h]; ४,९,१; शौ ३,८, ४; ५,३, २†; ६,७७, २†[f]; ७,२७,५†; ५५,२; ८६,६; ९, १४, २२†; १०, ८,९; १२, १,४७; ३, ११; १६,२,३; १८, २.५४†; पै १, १८, ४; ६६,१; १७, ४; १०१,४; १०२,३; ४; १०७,२; ३; २,६१,१; ३,२७, ६; ३२,३; ४,२७,१; ५,४,२†; १२,१,६†; १४,२,१०; १५,१, १०; १२, २†; १६,६७, १२†; १०१,५; १७,६,६; १५,६; २७, १; १८,३२,१३[i]; १९,१६,२†; २०, १०,७; –पाभिः ऋ ६,८, ⌊(१, १४३,८) ७⌋; –†पाम् ऋ १,१,८; ९१,२१; ९६,७; १६४, ⌊३१; १०,१७७, ३⌋; ३,४३,५; ६,४९,१५; ५२, ३; ८,४२,२; ९,५,९; ४८,४; खि ५,७,१,२; मा ३,२३; ३४,२०; ३७, १७; का ३,३,१५; ३३,१,१४; ३७, ३,४; तै १, ५, ६, २; मै १,२, १३; ५,३; ४,९, ६; १३,२; १४, १; काठ ७, १; ८; १२$; १५, १३$; १७,१९; ३८, १२$; क ५,१; कौ २, १९०; जै ३, १७, १०; शौ ९, १५, ११; १३, २, २$; पै १६,६८,१०; १८,२०, ६$; –†पौ ऋ २, ४०, १; तै १,८,२२,५; मै ४,११,२; १४, १२; काठ ८,१७; –०पौ ऋ ५, ६३,१.

गोपा-जिह्व[j]– -ह्वस्य ऋ ३, ३८,९.

गोपायत्–, गोपायमान– √गुप् द्र.

१गो-पाल– गो- द्र.

२गोपाल[k]–

गौपालायन[l]– -नः मै ३, १०, ४¶.

१गो-पीथ– गो- द्र.

---

a) सपा. गोपः <> गोपाः इति पाभे. ।

b) पाभे. कृते पृ ९६० f टि. द्र. ।

c) पाठे? गोपतिष्टे (=°तिष्, टे ⌊<ते⌋) इति द्विपदः शोधः स्यात् ।

d) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु. ? ।

e) =गोप– । शिष्टं पृ १२६१ a टि. द्र. (तु. √गुप् > गोपाय > यनि. इति सा. ⌊ऋ ३,३८,९ शौ ३,८,४⌋ ?) ।

f) गोपा अपि इति पाठस्य स्थाने सपा. तैब्रा ३, ७,९, ८ आपश्रौ १३,२०,१ गोपायति इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ ९,९४,१ विशिष्टः पाभे. ।

h) सपा. गोपाः <> राजा (तैब्रा १०, १,१५ मना १,१५ या १४,१६ च) इति पाभे. ।

i) पाभे. कृते पृ १२२६ k टि. द्र. ।

j) विप. (इन्द्र-) । बस. । °ह्व– इति BW. ।

k) व्यप. (तु. ऐब्रा ३,४८) । व्यु. ? ।

l) व्यप. (शुचिवृक्ष-) । गोत्रापत्ये फक् > आयनः प्र.

२गोपीथ[a]- -थः शौ १६,२,३.

३गोपीथ[b]- -थाय ¶तै २, ५, १, ७; ६,३,६; ५,५; ६,६; ६,१,३,८; २,५,५; ¶मै १,१,५$[c]; २,३, १[२]; ३,६,८; ८,६; ९, १; १०, ७; ४, १, १; ५[२]$[c]; ६, १; ९; ७,४; ¶काठ २३,५$;२५,६;८; २६,२;२८, ६[२];३०,१०;३१,५; ११;३७,१०; १५$;१६[२]; ¶क ३०,४; ३९,४; ४०,१;५; ४४, ६[२];४६,८;४७,५;११; शौ ५,९, ७[d]; पै ६,१२,५; -थे ऋ ५,६५, ६[e];१०,२५,१४;७७,७[e].

गोपीथ्य[f]- -थ्याय ऋ १०,९५,११.

४?गोपीथ- -¶थम्[g] काठ २४,६;२६, १; क ३७,७;४०,४.

गो-पुरोगव-, गो-पोष- गो- द्र.

१गोप्तृ-, २गोप्तृ- √गुप् द्र.

गोप्त्र[h]- -प्त्रेषु खि ४,६,१०[i].

गो-बन्धु- प्रभृ. गो- द्र.

?गोमयात्[j] शौ २०,१२९,१३.

गो-मातृ-, °मायु- गो- द्र.

?गोमिनीः[k] खि ५,१५,४.

?गोमीघ[l] खि ५,१५,४.

गो-मूत्र- प्रभृ. गो- द्र.

गोलत्तिका[m]- -का मा २४, ३७; का २६,८,२; तै ५, ५, १६, १; मै ३,१४,१८; काठ ४७,६.

गो-वपुस्- प्रभृ. गो- द्र.

?गोपद्[n] मै १, १, २;४,१, २; काठ १,२;३१,१.

गो-पृन्- प्रभृ. गो- द्र.

गोह- √गुह् द्र.

गो-हन्- गो- द्र.

गौतम- गोतम- द्र.

गौधूम- गोधूम- द्र.

गौपत्य- गो- द्र.

गौपालायन- २गोपाल- द्र.

गौर[o]- -रः ऋ १, १६,५; ४,५८,२; ८,४,३; ४५,२४; १०, ५१, ६; खि ५, ७,४,११; मा १७,९०; का १९, १, ४; तै ५, ५, ११, १$[p]; मै १,६,२; काठ ४०, ७; ४७,१$[p]; कौ १,२५२; २,८३; १०७१; जै १, २६,१०; ३, ८, ९; शौ २०, २२,३; पै ८, १३, २; -रम् मा १३,४८[२]; का १४, ५,२[२]; तै ४, २, १०, २; मै २, ७, १७[२]; काठ १६, १७[२]; क २५,८[२]; -रस्य ऋ ४, २१, ८; १०,१००,२[q]; -रा ऋ ७, ६९, ६[r]; -रान् ऋ ७, ९८, १; शौ २०,८७,१; -रान् मा २४,२८; का २६, ६,३; मै ३, १४, १०; -राय तै ७, ३, १८, १; काठ ४३, ८; -रौ ऋ ५,७८,२; ८, ८७,१;४.

a) नाप.(रक्षक-)। व्यु.?। पपा. नावग्रहः।(√गुप्>) गो(पि>)पी- + √धा (⌊नैप्र.⌋ *था) > उस. उप. कर्तरि कृत् (वैतु. PW. GW. प्रभृ. =रक्षा- इति कृत्वा गो-पी° इति)।

b) भाप. (गुप्ति-)। ऋ. पपा. अवग्रहः। भावे प्र.। शिष्टं *a* टि. द्र.।

c) सपा. गोपीथाय <> भूताय (माश १, १, २, १० काश्री २, ३,२३ च) <> रक्षायै <> स्फात्यै (तैब्रा ३,२,४,७ आपश्री १,१८,३ च) इति पाभे.।

d) सपा. काठ ३७,१५ विशिष्टः पाभे.।

e) तु. GW.GRV. प्रभृ.; वैतु. वें. सा. Gri. =सोमपान- इति।

f) भाप. (रक्षा-)। स्वार्थिकः यत् प्र. उसं. (पा ५,१, १२६) रित्स्वरश्च (तु. GW. GRV. ⌊टि.⌋ प्रभृ.; वैतु. वें. सा. पस. =पृथिव्या रक्षण- इति)।

g) पाठे? प्रति√गुप् > गोपि > प्रति-गोपित- > -तम् इति शोधः (तु. सस्थ. टि. प्रति)।

h) नाप. (शूद्र- ⌊तु. *i* टि. पाभे.⌋)। व्यु.?। *कर्म-वर्त्र- =कर्म-जीवन-) > ⌊नैप्र.⌋ यनि. इति मतम् (तु. व्यु. दास-, शूद्र-)।

i) सपा. गोप्त्रेषु <> शूद्रेषु (आपमं २, ८,४ हिगृ १,१०,६ च) <> काहि ११०:९ गोत्रेषु इति पाभे.।

j) RW. पाठः, शंपा. मात. गोमीद्या इति, सपा. खि ५.१५,४ गोमीघ इति च?।

k) पाठः?। पाभे. कृते पृ १२५६ *k* टि. द्र.।

l) पाठः? (तु. *j* टि.)।

m) नाप. (पक्षि-विशेष-)। व्यु.?। पपा. नावग्रह.।

n) पाठे? (तु. माश्री १,१,१, २४) घोष-वद् इति शोधः (तु टि. सपा. पाभे. ?घोषवत्- इति; वैतु. गो- + (√सद् >) सद्- > गो-षद्- इत्यन्ये)।

o) बप्रा.। विप. (⌊दीप्त-वर्ण⌋ पयस्-), नाप. (मृग-विशेष-)। व्यु.?। <√रुच् इति या ⌊११, ३९⌋, <√गुर् इति दे. ⌊१,११⌋, <√गॄ (शब्दे) इति मा., <गो- इति GW.।

p) सपा. गौरः<>रोहित इति पाभे.।

q) विप. (⌊गौर-वर्ण-⌋ पयस्- ⌊तु. PW. GW.GRV.; वैतु. वें. सा. नाप. इति⌋)।

r) पुं. प्र२ द्र. (तु. वें. GW.; वैतु. सा. स्त्री. प्र१)।

गौरी– -री ऋ ९,१२,३[a]: मै २,९,१[b]:४,२,४†[a]; कौ२,५४८†[a]: जै ३,४३,४†[a]; –रीः ऋ १,१६४,४१[c]: मै ४,२,११: –†र्यैः ऋ १,८४,१०: मै ४,१४,१४: कौ १,४०९: २,३५५: जै १,४०,१: ३,२९,१२: शौ २०,१०९,१: –†र्यम् ऋ ४,१२,⌊६; १०,१२६,८⌋: तै ४,७,१५,७: मै ३,१६,५: काठ २,१५[?]: पै ५,३९,८.

गौर-मृग[d]– -गाः मा २४,३२: का २६,७,२: मै ३,१४,१३.

गौर्-ललाम[e]– -माः तै ५,६,१६,१; काठ ४९,७.

गौरिवीति[f]– -तेः ऋ ५,२९,११.

¶**गौरिवीत**[g]– -तम् काठ ३०,७[?].

ग्ना[h]– ग्नाः ऋ १,२२,१०; ६१,८; ४,९,४; ५,४३,१३; ४६,२; ८; ६,५०,⌊(४) १५⌋; ६८,४; १०,९५,७; खि ५,५,७; मा ११,६१; ३३,४८†; का १२,६,२; ३२,४,५†; तै ४,१,६,२; ५,१,७,२[?];¶; मै १,९,४; २,७,६; ३,१,८[?];¶;४,१३,१०†; काठ ९,९; १६,६: १९,७[?];¶; क ८,१२: ३०,५[?]:¶; †शौ ७,५१,२; २०,३५,८; पै १५,५,५; ०ग्नाः मै ४,१४,९; †ग्नाभिः ऋ २,३१,४; ६,४९,७; ७,३५,६; १०,६६,३: ९२,१४: तै ४,१,११,२; मै ४,१४,३; काठ १७,१८; शौ १९,१०,६; पै १३,८,६; ग्नाम् ऋ ५,४३,६; ग्नासु ऋ १,१६१,४.

?**ग्नावः**[i] ऋ २,१,५.

†**ग्ना-वत्**[j]– -०वः ऋ १,१५,३; मा २६,२१.

†**ग्नास्-पति**[k]– तिः ऋ २,३८,१०; मै ४,१४,६.

ग्नास्-पत्नी[l]– -त्नीभिः ऋ ४,३४,७.

?ग्नि पै २०,३५,२.

ग्मत्–,?ग्मन्ता, ग्मा– ✓गच्छ् द्र.

✓**ग्रथ्**, ग्रन्थ्, ¶ग्रथ्नाति मै ३,८,७; काठ २५,८; १०; क ४०,१;३; ग्रथ्नन्ति तै ७,३,१०,३¶; ग्रथ्नातु तै १,१,२,२; मै १,१,२; ४,१,२: काठ १,२; ३१,१; क १,२; ४७,१; ¶ग्रथ्नीयात् तै ६,२,९,४: १०,७: काठ २५,८; क ४०,१.

ग्रथित– -तम् ऋ ९,९७,१८; –ता खि १,८,२.

ग्रथिन्[m]– -थिनः ऋ ७,६,३.

---

a) अर्थः व्यु. च ? =⌊माध्यमिका-⌋ वाच्- इति वे. मा., =गौर्-मृगी- इति PW. GW. प्रमृ., =मृगी-त्वच्- इति कृत्वा मत्व इति RS. (तु. ऋ ९,१०१,११)।

b) व्यप. । व्यु. ? । प्र१ ।

c) ⌊माध्यमिका-⌋ वाच्- इति या ११,३९ प्रमृ. । पाभे. कृते पृ ७६२ *d* टि. द्र. ।

d) नाप. । कस. । पृप. वर्णविशेष- इति ।

e) विप. (तूपर-) । बस. ।

f) व्यप. (ऋषि-विशेष-) । व्यु. ? । पपा. प्रमृ. गौरि– [<गौरी– (तु. GW. MV. ⌊८१ *g*⌋ प्रमृ.)]+वीति– इतीव । *गौ– (=वाच्-)+⌊✓रिभ् (स्तुतौ ⌊तु. रेभ-⌋)>भावे *रिभीति–> नैप्र.⌋ रिवीति–> ⌊बस.⌋ *गो°>⌊नैप्र.⌋ गौ° इति मतम् । गौरीविति– इत्यपि प्राति. वैप २ यद्र. ।

g) =गौरीवित– (वैप२ यद्र.) । नाप. (साम-विशेष-) । तेनदृष्टीयः अण् प्र. (पा ४,२,७) ।

h) नाप. (स्त्री- ⌊या ३,२१⌋, देवपत्नी- ⌊वे. प्रमृ.⌋)। व्यु. ? । <✓गम् इति या., पाउ ⌊३,६⌋; <✓जन् इति PW. GW. प्रमृ. । नैप्र. <✓घृण् (दीप्तौ) इति

i) ग्नाः(⌊द्वि३⌋ <ग्ना–) इति [✓वृ (वरणे ⌊=याचने⌋ > लुङि प्रपु१)] वः इति च पदद्वयमिति कृत्वा 'त्वं तव (=स्वाः) ग्नाः (पत्नीः) सजात्यं (=समान-कालं संभोगं) वः (अवृणोः)' इति वा. द्र. (वैतु. पपा. प्रमृ. ग्नावः इत्येकमेव पदमिति मन्वानाः वा. वृथा कृच्छ्रयन्तः) ।

j) नाप. (त्वष्टृ-देव- ⌊तु. अनुक्रमणी, खि ५,७,५,३ च⌋) ।

k) नाप. [नराशंस- (=अग्नि- ⌊तु. वे. ORV.⌋)] । अर्थः व्यु. च ? । (✓घृण ⌊दीप्तौ⌋>⌊भाप.⌋ *घृणस्–>⌊नैप्र.⌋) *ग्नस्–>(ष१) ग्नसस् इति च पतिर् इति च द्वे पदे सती नैप्र. यनि. विपरिणाते इति मतम् (तु. वाचस्पति- प्रमृ.; वैतु. पपा., सा. GW. प्रमृ. च ग्ना–> ष१ इति पूप. इति) ।

l) नाप. (अग्नायी-) । व्यु. ? । *ग्नस्–> ग्नसस् इति ⌊तु. *k* टि.⌋ पत्नी– इति च द्वे पदे यनि. विपरिणाते इति मतम् (वैतु. पपा. अनु ग्ना– इति पूप. इतीव कृत्वा मध्यमपदलोपी कस. इति वे. PW. GW. प्रमृ., सा. षस. इति च?) ।

m) विप. (पथि-) । कर्तरि इनिः प्र. ।

ग्रन्थि[a]– -न्थयः मै ३, ८, ७¶; –न्थिः शौ ९,३,२; पै १६,२९, २; –न्थिम् ऋ ९,९७,१८;१०, १४३,२; तै १, १. २, २; ¶६, २,९,४;१०,७; ७, ३,१०,३¶; मै १,१,२; १२; २, २[b]; ३, ८, ७¶; काठ १,२; ¶२५,८[२];१०; ३१, १; क १,२; ¶४०,१[२]:३; ४७, १; पै १३, २, ८; –न्थीन् काठ २५,८¶; क ४०, १¶; शौ ९,३,३; पै १६, ३९, ३; –न्थेः शौ २०,१३३,३; पै ११,२,१३.

ग्रन्थिन्[c]–

ग्रन्थिनी– -नी ऋ १०, ९५,६.

¶**ग्रन्थिष्यत**– -ष्यन्तः काठ २५,८; क ४०,१.

✓**ग्रभ्**, ग्रभ-, ग्रभण–, ग्रभीतृ– ✓गृभ्,हृ द्र.

✓**ग्रस्**, ग्रसेताम् ऋ ३,३५,३; ¶अग्रमत तै ३,४,३, १; २; ¶अग्रसत मै १,५,१२; काठ १३.१२.

जग्रसीत ऋ ५,४१,१७.

ग्रस–

†**ग्रसिष्ठ**– -ष्ठः ऋ १, १६३, ७; मा २९,१८; का ३१, ३, ७; तै ४,६,७,३; काठ ४६,३.

¶**ग्रसित**, **ता**– -तम् तै २,२,१०,५; ६,१,९,१; मै ३,७,४[१]. काठ ८, ५; ११,५; २४,२; क ७,१; ३७,३; –तान् मै ४,११, २‡[i]; –ताम् ऋ १,११२,८; १०,३९,१३.

†**जग्रसान**– -नाः ऋ १०, ९४, ६; –नान् ऋ ४,१७,[१;१०,१११, ९]; मै ४,११,४; काठ ६,१०.

✓**ग्रह्** ✓गृभ्,हृ द्र.

ग्रह[e]– -०ह मै १, ११,४; काठ १४,३; –हः तै १,२,६, १[a]; ६, ८,४¶; ३,२,६,१; ५,९. १¶; ६,१,९, ३[f]; ¶४, ८,३; ९,१; ५,१०, २¶; ७, ३, १३, १[g]; मै १,२, ५[f]; ¶४,५;१०; ३,७,४; ¶४,६, ८[२]; ८, १०[२]; ¶काठ २, ६$[f]; ९, १६[२]; २४,५$[f];७; २७, ४; ९;१०; २८,७;८; ३०,५; ७?[h]; ३२, ७; ३३, ४[२]; ३५, १०$; क १, १९[f]; ३७, ६[f]; ८¶; ४२, ४¶; ¶४४, ७; ८; ४८, १०; पै २०, ३८, ४?[i]; –हम् मा ३८, २६; का ३८, ६, १; तै १, ४,२७,१[j]; २८,१[k]; ३,१,२, ४¶; २,६,१; २; ६,५,१०,३¶; ७, ३, ११, २; मै १, ३, २९[j]; ३०; ९, ५¶; ¶४,६,२[२].८, १०; ¶काठ ४, ११$[j] ९,१२; २७, ४; २८,१; ३; ३०,४; ३५,१६; ४३, १$; ¶क ३,९$[j]; ४२,४; ४४,१; ३; ७; ४६,७; ४८,१४; –¶हस्य मै ४,७, ६; काठ ९, १६[२]; २८,३; क ४४,३. –हाः मा १९, २८; का २१,२, १७. ¶तै १,७, १२, १$; ३,२,१,२; ५, १०,१; ५, ६, २. १. ६, ४, ५, १;३; ७,१[३];११,१; ३; ५,२,१; २; ११,३; ६,८,३; ४; ७, २,७, ५[२];३, १०,३; ५,४,१; ¶मै १, ११,६; २,३, ५; ३,४,१; ४,३, १०;४,१;५,५;७[२];८[२];६,१[३];५; ६[२]; ८, ९; १०[३]; ¶काठ ११, ८; १४, ६[२]; २७, ३[२]; ९; १०; २८, ३; १०[२]; ३०, २[२]; ३[२]; ५; ३३, ४[२];८; ४३,३$[g]; क ४२,३[२]; ४४, ३; ४६, ५[२]; ६[२]; शौ ११,९,१८; १९, ९,७; १०; पै १६, ८३,८; –०हाः मा ९,४; का १०,१,५; –¶हाणाम् तै ३, ५,९,१; ६, ५,२,१; ११, २[२];३[२]; काठ २७,७[२]; –हान् ऋ १०,११४,५; मा ८,९[j]; का ८,६, १[j]; तै ३, १,९,१; १०,३;५,६, २,१; ६,४,११,१;२; ५,१०,१; ६,८,३;४; १०, १;७,२,७, ५[२]; ¶मै १,११,६;४, ६,२; ४;९;८, ९[२]; ¶काठ १४,६;२७, २; ७[२]; २८,१[२];२९,६;७[२]; ३०,२[२]; ३[२]; ३५,१६; ¶क ४२,२;[illegible],७;८[२]; ४६, ५[२]; ६[२]; ४८, १४; पै १६, १५१, २; –हाभ्याम् मा १९, ८९-९१; का २१, ६, १०-१२; मै ३.११.९[२]; काठ ३८,३[२]; –¶हे तै ६, ५, ७, ३; मै ४,८,७; काठ २८,२; क ४४,२; –¶हेण मै १, ९,६[२]; ४,८,७; काठ ९,१६[२]; २९, २; क ४५,३; –¶हेभ्यः मै ४,८,

---

[a]) नाप. । हृः प्र. (पाउ ४,१४०) ।

[b]) पाभे. कृते पृ १०४१ c टि. द्र. ।

[c]) विप. । इनिः प्र. उसं. (पाउ ४,६) तत्स्वरश्च ।

[d]) सपा. ऋ ६,७४,४ विशिष्टः पाभे. ।

[e]) नाप. (सोम-पात्र-, सूर्यादि-ज्योतिस्-) । बप्रा. यद् बहुव्युत्पत्तिकं प्राति. (वैतु. अन्ये < ✓ग्रह् [ग्रहणे] इति ?) ।

[f]) सपा. ग्रहः (माश्री २, १, ४, २ च) <> ग्रहाः (माश ३,३,२,७ च) इति पाभे. ।

[g]) सपा. ग्रहः <> ग्रहाः इति पाभे. ।

[h]) अग्रहः इति पाठे? यनि. शोधः ।

[i]) पाठस्य त्रुटितत्वात् वा.? ।

[j]) सपा. ग्रहम् <> ग्रहान् (माश ४,४, २,१२ च) इति पाभे. ।

[k]) सपा. मै १, ३,३० काठ ४,११ पाठाऽभावः ।

९[२]; काठ २७, ९; -हैः मा १९, २८: का २१, २,१७; काठ २९, ७¶; क ४५,८¶; -¶हौ तै ६, ४,१०,१; ५,८,१; मै १,९,४[२]; ४,५,७;६,५;काठ ९,११[२]; २७, २;८; क ४२,२.

ग्रह-त्व- -त्वम् काठ ९,१६[३]¶.

ग्रह-नक्षत्र-माला[a]-

ग्रहनक्षत्रमालि(न्>)नी- -नीम् खि ४,२,४.

ग्रह्य[b]- -ह्यः[c] मा ४, २४; का ४,८, २.

ग्रहण-, ग्रहीतवै, ग्रहीतव्य,व्या-, ग्रहीतुम्, °ग्रहीतोः, ग्रहीष्यत्-, १-२ग्राभ √ग्रभ्,ह् द्र.

ग्राम[d]- -मः ऋ ३, ३३,११; तै ३, ४, ९, २¶; काठ २६, २¶; क ४०,५¶; पै १,२७,३; ६, १२, ६: -मम् ऋ १०, २७, १९; १४६,१; १४९,४; ¶तै ३,४, ९,२; ६,५,११,२; ¶मै २, २, ३; ३, १; ५, १; ३, ४, ७; ४, १,१;२,७; ¶काठ ८,१०; १९, ११; २८, १०; ३०, १०; ¶क ७,६; ३१, १; ४५, १; ४६, ८; शौ ४,७,५; ३६,७;८; ५, १७, ४; पै २, १, ४; ९,१५,४; १९, ४१,८; १०; ५०,१२; २०,२७, ७; -मस्य तै ३, ४, ९, ३¶; -माः ऋ २,१२,७; शौ १२,१, ५६; २०, ३४, ७†; पै १३,७, ७†; १७,६,४; -मात् शौ १८, २,२७; पै १९,५१,१०; -मान् शौ ५, २०, ३; पै ९, २४, ४; -माय शौ ६,४०,२; पै १,२७, ४; -मासः ऋ १०, १२७, ५; -मे ऋ १,११४,१; मा ३,४५; १६,४८†; २०,१७; का ३, ५, २; १७, ८,२†; २२, १, ४; तै १, ८,३,१; २, १,१०,२¶; ४, ५,१०,१†; मै १,१०,२; २,५, ५¶; ९, १†; ३, ११, १०; ४, ¶६, २[४]; ३[४]; काठ ९, ४; १७, १६†; ३८, ५; क ८, ७; २७, ६†; शौ ४,२२,२; ८, ७, ११; पै ३,२१,३;५,१०,९; -मेण मै २,३,१¶; -मेभिः ऋ १,१००, १०; -मेषु ऋ १, ४४, १०; पै १,४२,३.

¶ग्राम-काम- -मः तै २, १, १, २; ३,२; ६,१;४; ७, ५; २, ५, ६; ८,१; ११,१; ३; ४; ३,३,८;९, २; ३, ४,९,२; ५, ४, ११, ३; मै २, १,८;२,३; ३, १; २; ३, ४, ७; ४, ३, ३; काठ १०, ४; -मम् मै २,१, ९; ३, १; ५,१; ८; ४,२, ७; -माय तै ३,४,८, १.

ग्राम-घोषिन्[e]- -षी शौ ५,२०, ९; पै ९,२४,९.

ग्राम-जित्[f]- -जितः ऋ ५, ५४, ८; -‡जितम्[g] शौ ६,९७, ३; १९, १३,६; पै ७,४,६; १९, १२,९.

ग्राम-णी[h]- -णीः ऋ १०,६२,११; १०७,५; तै २,५,४,४¶; काठ २७,१०¶; शौ १९, ३१, १२[२]; पै १०, ५, १२[२]; -ण्यः तै १, ८,९,१¶; मै १, ६, १; २; ५; २,६,५¶; ४, ३, ८¶; काठ ८, ८; १५, ४; क ६,९; शौ ३, ५, ७; -ण्यम् मा ३०, २०; का ३४, ४, २; -ण्या काठ १०, ३¶.

¶ग्रामणीय[i]- -यम् तै ७, ४, ५,२.

ग्राम-णीथ[j]-

¶ग्रामणीथ्य[k]- -थ्येन मै १, ६,५.

ग्रामा (म-अ) वचारिन्[l]- -रिणम् काठ २१,६¶[m].

ग्रामा (म-अ) वतारिन्- -रिणम् क ३१,२१¶[m].

¶ग्रामिन्- -मी तै २,१, १, २; ३, २; ६, १; ५; ७, ६; २, ८, १; ११,१; ३;४; ३,३,५;९,२; ३, ४,८,१;५,४,११,३.

ग्राम्य,म्या[n]- -¶म्यः तै २,१, १०,

a) द्रुम. गर्भितः पग. ।

b) नाप. । स्वार्थे यत् प्र. (तु. पाभे., म.; वैतु. स्क. ⌊का.⌋ PW. प्रमृ. विप. ⌊सोम-⌋ इति ?) ।

c) पाभे. कृते १२६५ f टि. द्र.

d) नाप. (मंवसथ-, संघ-) । व्यु. ?। <√ग्रस् इति (पाउ १,१४३) ।

e) विप. (दुन्दुभि-) । उस. ।

f) विप. (मरुत्-, इन्द्र-) । उस. ।

g) पाभे. कृते पृ १२५७ b टि. द्र. ।

h) नाप. । उस. । उप. <√नी इति ।

i) भावे ष्यञ् प्र. ईकारस्य लोपाभावः उसं. (पा ६,४,१४८) ।

j) =ग्राम-णी- । नाप. । उस. उप. √नी+थक् प्र. ।

k) भावे ष्यञ् प्र. नित्स्वरश्च ।

l) विप. (रुद्र-) । उस. ।

m) सपा. °चारि° <> °तारि° इति पाभे. ।

n) विप. (पशु-, इष्टका-) । तत्रभवाद्यर्थे यः प्र॰ (पा ४,२,९४) तत्स्वरश्च ।

२; मै २, ५, ५; –¶म्यम् तै ५, २,८, ६; ९,३; ४, ५,२; मै १, ६,५; १०, ६; ११, ८, ३,२,५; ४,३;१०; काठ ३६,१; –¶म्यस्य मै १,४,१०;२,१,३; काठ ३२, ७; –म्याः ऋ १०, ९०, ८[a]; मा १४, २९[b]; १८, १४; ३१, ६†; का १५,९,३[b]; १९, ५,२; ३५,१,६†; ¶तै १, ५, ८, १; ६,७,३; २, १, १, ५; ४, ६,२; ३,४,३,५; ४, ७, ५,२$; ५,२, ५,५; ४,९, १; १२,२; ६,१,८, १; ३,७,५; ५,११,२; ७,२,२, १[२]; ३, ४, १; ¶मै १,५,१०; ८,१; $२,८,६[b]; ११,५; ३,२, १;३; ७,६; ९,७; ४,१,१;३,२; ८,८; ¶काठ ६, २; ७, ७; ८[२]; १२,७; १३,१; १२; १८,१०$; १९,११; २०, ३; २४, ४; २९, ८[२];३०,९;१०; ३३,८; ¶क ४, १; २८,१०$; ३१,१; ५; ३७, ५; ४६, ८; शौ २, ३४, ४; ३, १०,६;३१,३; ११,७,२१; १९, ६, १४†; पै १, १०५, २; १५, १३,८; १६,१५५,१; २०, ५७, ६; –¶म्याणाम् तै ३, ४, ३,५; ५, १, ४, २; ६, २; ४, ३, १; –म्याणि तै ५, १, ६, ७¶; –म्यान मा ९, ३२[c]; का १०, ६,२[c]; ¶तै १, ६, ७,३[२]; २,५, ११, २;५,१, ४,२; २, ९, ६[२]; ४,३,२[३]; ५,५,२; ६, ६, ४, ५; ¶मै १,४,१०[२];३,३,६; ¶काठ १९,५; २०,५; २१,७; ३२,७[२]; क ३१, ७¶; पै ५, १५, २; ९, ५, १२‡[a]; –म्यामः पै ५, २२, ५; –¶म्येण काठ २१, ६; ३६, १४; क ३१,२१; –¶म्येभ्यः तै ५,२,९,५;५,५,२; काठ २०,८; क ३१,१०; –म्येषु तै ५, ४,४, ३¶; पै १७, २९, ६; –म्यैः काठ १९,५¶.

¶ग्राम्य-वादिन्– -दी ![d] तै २, ३,१,३; मै २,२,१; काठ ११,६.

ग्रावन्[e]– -वभिः ऋ ३, ४२, २; ५, ४८,३; ९, ८०,४; ८२, ३; मा २६,४;५; का २८, ३,१; तै ६, २, ११, ४¶; कौ २, ६६७†; जै ३, ५५, ८†; शौ २०, २४, २†; पै ८,१५,१२; –वभ्यः ऋ १०, ९४, १; मा ३८, १५; का ३८,३,१; मै ४,९,९; –वभ्याम् शौ ६, १३८,२; पै १, ६८, ३; –वसु खि १, १२, ३; –वा ऋ १,२८,१; ८३,६; ८४,३;१३५, ७; ४, ३, ३; ५, २५, ८; ३१, १२; ३६,४; ४०,[२; ८, १३, ३२]:८,३४,२; १०,३६,४;६४, [१५; १००,८]; ७०, ७; १००, ९; मा १,१४; ८,३३†. का १, ५,२;४[f]; ८, ९, १†; तै १, ४, १,१; ३७, १†; ७, ५,२५,२¶; मै १,३,३; ४,५,४[२]; ६[२]¶; ६, ९¶; काठ ३, १०; ३५, १६¶; ३७, ९†; ४०, ५; क २, १७; ४८, १४¶; †कौ २, ३७९; ११५९; †जै ३, ३०, २२; ४, २८,३; शौ ५,२०,१०; २२,१[g]; ६,३,२; १०,९,२; १२,३, १४; २१; २०, २५, ६†; पै १, ९६, २; २,३९,१; ९,२४,१०; १३, १,१; १६, १३६, २; १७, ३७, ४; ३८,१; १९,१,१५; –वाणः ऋ १, ८९, ४; ३, ३०, २; ५, ३१, ५; ३७, २; ६, ५१, १४; ७,३५,७; १०४, १७; ८, २७, १; ४२, ४; १०, ७६,६;७८,६; ९२, १५; ९४, [(३,६०,३)२]; १०८, ११; १७५, २-४; मा १८,२१;२५,१७†; ३४, १९†; का १९, ७, ३; २७, ११, ४†; ३३,१,१३†; तै १, ६ २,६†; ४, ७,८,१; ¶६, १,११,४; २, ११, ४[२]; ३, २, ६; मै २, ११, ५; ¶३,८,८; ¶४,५,२[२];९;६, ८; †१२, १; २; काठ ८,१६†; १०,१३†; १८,११; २५,९[२]¶; ३५, १६¶; क २८, ११; ४०, २[२]¶; ४८,१४¶; कौ १,४८†; जै १,५,४†; शौ ३,१०,५; ४,

[a]) सपा. ग्राम्याः <> ग्राम्यान् इति पाभे. ।

[b]) =सपा. माश ८,४,३,११ । तै ४, ३, १०,२ काठ १७,५ तु पाठाऽभावः ।

[c]) सपा. तै १, ७, ११, १ मै १, ११, १० विशिष्टः पाभे. ।

[d]) पाठे? (√ग्रभ् [ग्रहणे] >) *ग्राभ्य- (=स्वीकार्य-) इत्यस्य पूप. सतः यनि. वावि. इति कृत्वा तत्परः शोधः ।

[e]) नाप. (पाषाण-) । व्यु. ! । या [९,८] <√गॄ [स्तुतौ] इति वा, <√ग्रह् इति वा, <√हन् इति वा; वाच. <√ग्रस् इति । <√*गॄ > ग्रा (खर-भावे [पारुष्ये]) इति मतम् ।

[f]) बृहन् ग्रावा इति पाठस्य स्थाने सपा. मा १,१५ बृहद्ग्रावा इति पाभे. ।

[g]) सपा. सोमो ग्रावा <> अग्नीषोमा इति पाभे. ।

२४,३; ८,४,१७†; ९, ६, १५; १९, १०,७†; पै १, १०५, १; ४, ३९, २; १३, ८, ७†; १६, १०, ७†; ११२, १; –०वाणः ऋ १०,९४,१०; १७५, १: मा ६,२६; का ६, ७, ३; तै १, ३, १३, १; मै १, ३, १; ४, ५,२: काठ ३,९; क २,१६; –वाणम ऋ ७, ३३, १४: ८, २६, २४: तै ६. ४, ४,१¶; ¶मै ४,१,६[२]; ५,६[२]; काठ ३१, ४¶; क ४७, ४¶: पै ५, ३६, ६; –वाणा ऋ २, ३९.१: –वाणौ शौ ११, १, ९; १०: पै १६, ८९, ९; १०; –व्णः ऋ ३, ५७, ४; ५,४०,८; तै ६, ३,२,३[२];६; –व्णा ऋ ९. ६७, १९; ११३, ६; काठ ३५, १५¶; पै २, ३९,२; ९, ६, ९: १६, ७०,८; –†व्णाम् ऋ १०, ३५,९; ८५,४; शौ १४, १, ५; पै १८,१,५.

†ग्राव-ग्राभ[a]– -भः ऋ १,१६२,५; मा २५, २८; का २७, १२, ५; तै ४, ६, ८, २; मै ३, १६, १; काठ ४६, ४.

‡ग्राव-च्युत[b]– -तः[c] मा ७, २६; का ७,११,१.

?ग्राव-वायव्य[d]– -¶व्यानि काठ २६,२; क ४०,५.

ग्राव-हस्त[e]– -स्तासः ऋ १, १५, ७.

?ग्रावो खि ५.७,५,३[f].

ग्राह–, ग्राहयित्वा, ग्राहि–, ग्राहुक–, ग्राह्य– √ग्रभ्,ह द्र.

ग्री(व>)वा[g]– -वा खि ३,१६.१; पै १६,१३७,१०; –वाः ऋ ६,४८, १७; खि ४,५.३२: मा ५,२२; २६; ६,१: २०.८; का २,५,७: ५, ६-७, १; ६,१.१; २१,७,७: तै १,२,५,१[२]; ३,१,१[२]: ६, १, ८,४[२]: १०,४:२,१०,२[२]; मै १, २,१०[२]:३,७,९¶;८,८[२];११,८; काठ २, ५[२];९[२]; ११[२];१२[२]; ३, ३[२];२४,४[२];¶:८¶;१०¶; २५, १[२]¶; ९[२]:¶:१०[२];¶[२]; २६,५[२]; ¶; ३८,४; क १,१८; २,३;५[२]; ६; १०;३७,५[२];¶;¶३८,१; ३; ४ ; ४०,२[२]; ¶[२]; ३[२]; ¶[२]; ४१, ३[२]; शौ ६,३२, २; १३४,१; ९, १२,३;१०,१,२१;२,४; ९,२०; ११,१०,१५;१९,४९,९; पै १४, ४,९;१६,३६,१०;८६,४;१३९, ५; १९, ११, ७; –वाभिः तै ५, ७,१८, १; काठ ५३,८; –वाभ्यः ऋ १०, १६३, २; तै ७,३,१६, १; काठ २४,८¶;३४,३¶;४३, ६; क ३८, १¶; †शौ २, ३३, २;२०,९६,१८; पै १,२१,५;४, ७,२†; ९,३,१०; १६,७५,११; –वाम् पै २,८४,३; –†वायाम्[h] ऋ ४, ४०, ४; मा ९, १४; का १०,३,७; तै १, ७, ८, ३; मै १, ११,२; –वासु मा १२, ६५; का १३, ५,४; तै ४,२, ५, ३; मै २,७,१२; काठ १३,१४‡[h];१६, १२; २४, ८¶; क २५, ३:३८, १¶; शौ ६,६३,१; पै ७.१,१०; १६,१४७,५;१९,११,४:३९,५. ग्री(व्य>)व्या[i]– -व्याः शौ ६, २५, २; ७, ८०, २: पै १९, ५,५.

¶ग्रीव-दघ्न[j]– -घ्नम् तै ५, ६,८,३.

ग्रीव-बद्ध[k]– -द्धम् तै ३, ३, ८,३¶.

ग्रीवा-दघ्न– -घ्ने काठ २२,१३[२]¶.

?ग्रीवा मयार्[l] पै ७,१५,७.

---

[a]) नाप. (ग्रावस्तुत्- [ऋत्विग्-विशेष-])। उस. उप. कर्तरि अण् प्र.।

[b]) विप. (अंशु-)। पंस. पूर्वपदं प्रकृतिस्वरम्।

[c]) सपा. ग्रावच्युतः (माश ४,२,५,२ च) <> बाहु-च्युतः (गोब्रा २, २, १२ माश्रौ २, ४, ३, २९ वैताश्रौ १६,१७ च) इति पाभे.।

[d]) नाप. (ग्राव-शकल-)। उप. पाठे? (√*बध् [खण्डने] > भावे) *बाध- > *बाध-मय- > यनि. वावि. इति कृत्वा तत्परः शोधः द्र.।

[e]) विप. (ऋत्विज्-)। बस.।

[f]) पाठे? *ग्ना-व- (=ग्ना-वत्- [=त्वष्टृ-]) > -वम् [द्वि १] > यनि. वावि. इति कृत्वा तत्परः शोधः द्र. [त. ऋ १.१५,३)।

[g]) नाप. (शरीरावयव-विशेष-)। व्यु.?। < √गृ (निगरणे [तु. पाउ १,१५४]) वा < √गॄ [शब्दे] वा < √ग्रह् वेति या [२,२८]।

[h]) सपा. ग्रीवायाम् (माश ५,१,५,१९ या २,२८ च) <> ग्रीवासु इति पाभे.।

[i]) विप. (अपचित्-, गण्डमाला-)। यत् प्र. उसं. (पा ४, ३,५७) तित्-स्वरश्च।

[j]) विप. (अन्याधार-स्थण्डिल-)। पाप्र. दघ्नच् प्र. चित्स्वरश्च। [k]) विप.। तस. थादि-स्वरः।

[l]) पाठे? *ग्रीवाऽऽमय- > -यान् इति शोधः (वैतु. B. ग्रीवाम् मे मयान् [मयायः] इत्येवं शोधुकः)। सस्थ. अत्रय्या इत्यपि पाठः?, तत्र *अत्र्या (अ्रु-आ) मय- > -यान् इति शोधः द्र.।

ग्रीष्म[a]- -ष्मः ऋ १०, ९०, ६; मा १०, ११; १३, ५५; ३१,१४†; का ११,५,२; १४,७,३; ३५,१, १४†; तै ४, ३, २-३, १; ५, ७, २, ४; ६, ६¶; मै १, ८, २¶; २,७,१९; २०; ४,९,१८; काठ ६, २¶: ¶८, १; ६; १३, १५; १६,१९;३५,९;३९, ७; क ४,१¶; ६,६¶; ७,२¶; २५,९; ४८, १०; कौ ३, ८, २; जै २, ३, ३; ८, १†; शौ ६, ५५, २; १२,१, ३६; १५.३,८; १९, ६, १०†; पै १,१०६,३; ९,५,८†; १७.४,६; १९, ९,३; -ष्मम् तै १,६,२,३; २,६, १, १¶; काठ ४, १४, -ष्मस्य काठ ४, १४; -ष्माय मा २४, ११; २०; का २६, ३, १; ८,५; तै ७,२,१०, २¶; मै ३, १३, १९; १४, १; काठ ८,३¶; ५०,४; ५१,०; क ७,२¶; शौ ८, २, २२; पै १६, ५,२; -¶ष्मे तै २, १, २, ५[२]; ४,१;२; मै १, ६, ९[२]; काठ ८, १; १३,१; ७; क ६, ६; -ष्मेण मा २१, २४; का २३, ३, २; तै ५,६,१०, १¶; ७, १, १८, १; मै ३, ४, ८¶; ११, १२; काठ २२, ४¶; ३८, ११; ४१, ९.

ग्रैष्म[b]- -ष्मम् शौ ५, २२, १३; पै १.३२, ५; -ष्माः तै ५.६,२३, १; काठ ५०, ३; -ष्माय[c] तै ७, ५, १४,१; मै ३, १५, १०; काठ ४५, १०; -ष्मौ मा १४, ६[२]; का १५, १, ५[२]; तै ४,४, ११,१; मै २,८,१२; काठ १७, १०; ३५, ९; क २६, ९; ४८, १०; शौ १५, ४,५; ६; पै १७, २९,११.

ग्रैष्मी- -ष्मी मा १३,५५; का १४, ७, ३; तै ४, ३, २, १; मै २, ७, १९; काठ १६, १९; क २५,९.

¶ग्रु-मुष्टि[d]- -ष्टिः तै ५, ४, ५,३; -ष्टिना तै ५,४,५,२[e].

ग्रैव्या- ग्रीवा- द्र.

√ग्लह (*देवने)[f]

ग्लह[g]- -हान् शौ ४,३८, ३; -हे शौ ४,३८,१;२.

ग्लहन- -नम्[h] शौ ७, ११४, ५.

ग्लहा[i]- -हा शौ ६,२२,३[j].

?ग्लावमधुमासम्, ?ग्लावमधुलासम्[k] पै १,५९,५.

ग्लाविन्[l]- -विनम्[m] मा ३०, १७; का ३४.३,४.

ग्लौ- ग्लावम् पै १९, ८१, १०[n]; ग्लौः शौ ६, ८३, ३[o]; पै १, २१, ८; ५९,०; १९, ३७, १३; ४१,१५-१७[p]; ८२,१; ग्लौभिः[q] मा २५, ८; का २७, ८, २; मै ३.१५,७.

a) नाप. (ऋतु-विशेष-)। व्यु. ?। <√ग्रस् इति [या ४,२७ पाउ १,१४९], <√गृ (निगरणे) इति भा. तै १,६,२,३। √घृ (उपतापे) > *ग्रीष्- [भाप.] > नैप्र. *ग्रीष् > *ग्रीष्मय- > नैप्र. यनि. इति मतम्।

b) विप. (तक्मन्-, पशु- प्रभृ.)। प्राग्दीव्यतीयः अञ् प्र. (पा ४,१,८३) ञित्-स्वरश्च।

c) सपा. मा २९,६० पाठाऽभावः।

d) नाप. (दर्भ-मुष्टि-)। पपा. नावग्रहः। सस्व. अन्तोदात्तः। पूप. ग्रु- (नाप. =तृण-विशेष-) <√गृ (*वृद्धौ) इति मतम् (वैतु. मा. १गुरु- इत्यस्य नावि. इति ?)।

e) पाभे. कृते पृ १२२७ i टि. द्र.।

f) वैतु. पा ३, ३,७० =√ग्रह् (ग्रहणे) इतीव ?।

g) नाप. (२अक्ष-)। कर्माणि अप् प्र. धा. स्वरश्च तदवस्थः।

h) पाभे. कृते पृ १२४४ l टि. द्र.।

i) अर्थः व्यु. च ?। =कुल्हा-, गर्दा-, गल्दा- इति मतम्।

j) पाभे. कृते पृ ११३३ b टि. द्र.। पाठश्च ? इति कृत्वा गुल्हा इत्येवं शोध्यः (तु. अप्रा ३,२,१३)।

k) पाठः ?। निर् अहं ग्लापम् अधमम् (<√ध्मा) आसाम् (<इदम्-), अधराचीर् इतः पराः। अधराचीर् इतः पराः, प्राऽहं ग्लापम् अधमम् आमाम् इत्येवं मन्त्रभागः नुपठः।

l) नाप.। अर्थः व्यु. च ?। <√ग्लै (ग्लानौ) इतीव भा. मा. [नैप्रा.] PW. प्रभृ. ?।

m) सपा. तैब्रा ३,४,१४,१ ग्लावम् इति पाभे.।

n) स्त्री. नाप. (व्रण-)। व्यु. ?। (√कृ [हिंसायाम्] > *का > कापि > भावे क्विपि) *काप- > नैप्र. यनि. इति मतम्।

o) वैतु. सा. √ग्लै (हर्षक्षये) > भाप. इतीव (तु. पाउ २,६४) ?।

p) अर्थः ? =(सूर्यसोमयोः) प्रकाश- इति विमृश्यम्। तथात्वे च (√घृ [उपतापे] > *घ्रा > घ्रापि > भावे क्विपि) *घ्राप- > नैप्र. यनि. इति व्यु. विशेषः द्र.।

q) नाप. (शरीराङ्ग-विशेष- [वैतु. उ. म. =हृदयनाडी- इति])। व्यु. ?।

घ

?घ् पै १६,२४,६,

घ,>घा[a] ऋ १,५,३: १८,४; २७,२; ३०,८;१४;३६ [७:८,६९,१७]; ३७,११; ४८, ५: ५३, ७; ५४, ७;८२,४: १०९,२: ११२, १९; १३२, ३: १६१, ८[2]: १६२, ८: १७८,२:१८९,६: २,१५,१; ३४,१४: ३,१०,३: १८,५:२८, २: ३६,३: ४. १५, ५: २७, ७; ३०,८;९;२२;३२,२; २०: ५१, ७: ५, ६१, ८: ८५, ८; ६,४५, २३; ५६, २; ७,२९,४: ४५,३: ८,१,३०; २,१७;२७: २६:३३: १२,१६;१९, [(६,१६,७) १७: ४३, ३०]; २०, २१: २१,१७: २३, १९: ३२,७; ३३, १; १७; १८;४३,३;२९;४४,२३;४५,१; ४७,४;१५; ६६,११; १५; ७५, १४[b]; ९३,१; १०,१०,३; १०; २५, १०: ४३, २; ६१, १८: ९३, [(१, १२२, ११)४]: ९४. १३; खि ५, १५,३[2];४; मा ७, ३२†: २५,३१; का ७.१४,१†; २७,१२,८; †तै १,१,१४,१:८, ५,३$; २,६,११,३[b]; ३,४,११, ६; ४, ६, ८,३; †मै ३, १६,१; ४,९,११$; १२,६; १४, ३; ६: †काठ ४, १५; १३, १५; २३, १२; ४६, ४; †कौ १, १२५; १३३; २०६; २३०; २६१; ३६५‡[c]; ३८४; ४०४; ४२४; २,७०: ९२; ९५; २१४; ४३५; ६८८; ८००; ९८५; १००९; १०१७; †जै १,१४,१;९; २२, ३; २४,६; २७, ९; ३८, ४‡[c]; ४१,६: ४३,४; ४५,६; ३,७,८: ९, ६; ८; १९, ९; ३३, १०; ४, २, ३; ९, ८; १० १७,४; २४, ६: शौ ५, १३, १०; ११; ६,१, ३: †१८, १, ३: ११; ४, ८८; †२०,७,१;१७-१८,२: २१, ७; २६,२; ५२, १; ५७, १४; ६९, १; ७८,२; ९२, १४; १११, १: १२२, २; पै २, ४, २; १९, २: ७,१०,२-४; १९,१,३†;७,८[d]; १८,७;२०,१८,५.

?घद्दीघ पै १९,२,१५.

घन्–, घनाघन्–,घनिघ्नत्– √हन द्र.

घर्म्– प्रभृ., घर्मिन्– √घृ द्र.

*घर्म्य[e]–

घर्म्ये-ष्ठा[f]– -ष्ठा ऋ १०,१०६,५.

√घस्,>घासि, जिघत्स, घस्मत् ऋ १०,८६,१३; मा २१,४४;४५; का २३,५,३[2]; काठ १८, २१[3]; शौ २०, १२६, १३†; घस: ऋ ३,५२,३; ४,३२,१६; घस्ताम्[g] मा २१, ४३; का २३, ५, ३: घस्ताम् मै ४, १३, ७; घस्ताम् खि ५,७,२,६; काठ १८, २१. जग्धि पै ४,२१,२. †जघास ऋ १, १६२, १४; मा २५,३८; का २७,१३,७; तै ४, ६,९, २; मै ३, १६, १; शौ ५, २९,२; ४; जघास ऋ १.१९१, ११; काठ ४६, ५†; पै ४, १९, १†; २१,६; १३,९,४;५; जघस शौ ६,११७,२: पै १६, ५०, १; अघत्[h] खि ५, ७, ४, १५; मा २८, २३: ४६; का ३०, २, १२; ४, १२; अघस्ताम् मै ४, १३,९[i]: अघत्ताम् खि ५, ७,२, ११[i]; †अक्षन् ऋ १, ८२, २; मा ३,५१: १९,३६;२१,६०$[i]; का ३,७, १; २१,३,६; २३, ६, १३$[i]; तै १, ८, ५, २; मै १, १०, ३; काठ ९, ६: कौ १, ४१५: जै १,४०,७; शौ १८,४, ६१: †अक्षन् ऋ १,१९१,१२; १०,१५, १२; २७, ८; मा १९, ६६; का २१,४,१६; तै १,५,२, १¶; २,२, ५, ५¶: ६,१२, ५; काठ १९, १३$[i]: ३८,२; क ८, ९: शौ १८, ३, ४२; ४, ६५; पै ४, १९, ३: क्षन् ऋ १०, ९५, १५; अघः ऋ ५, २९, ८; ८, १२, ८; ?अघा[j] शौ २०, १२९,१६.

अजीघसन्[k] मै २,३,७?¶.

जिघत्सति शौ ५, १९,६; जिघत्सतः शौ ६, १४०, १; पै १९, ४९, ९; जिघत्सन्ति पै १७,

---

[a]) =ह [तु. पाभे.]। प्रसिद्धिनिश्चयाद्यर्थे अव्य.। व्यु.?।

[b]) सपा. घ <> ह इति पाभे.।

[c]) सपा. ऋ ६,२,४ विशिष्टः पाभे.।

[d]) सपा. घ <> ह इति पाभे.।

[e]) अर्थः व्यु. च?। सा. =अन्तरिक्ष- हविस्- च, GW. प्रमृ. =हर्म्य- इति?।

[f]) विप. (अश्विन्-)। उस.। [g]) धा. पाक्षिकं क्तित्वम् उसं, तथा सति लमा. निघाते धा. स्वरः।

[h]) सपा. अघत् <> अक्षन् (तैब्रा २,६,१५,२ च) <> अघस्ताम् (तैब्रा ३,६,१५,१ च) <> अघत्ताम् इति पाभे.। [i]) अक्षन् इति निसा.? (तु. मात.)।

[j]) तु. RW.; शंपा. सात. अघाः इति। एतदनु पृ ४४ सस्थ. अघ्- > -घाः इति संकेतो नेष्टः।

[k]) °सत् इति पाठे? यनि. शोधः।

१४, ५; जिघत्सः शौ ५,१८,1; पै ९, १७, १; जिघत्सेन् काठ १०,३¶.

घसि[a]– -सिना का २,३,६[b].

घास[c]– -सः शौ ४,३८,७;८,७,८; पै १६, १२, ८; –सम् मा ११, ७५; का १२, ७, १०; तै ४,१, १०,१; ६,५,९,३[२]¶; मै २, ७, ७; ४, ७, ४[२]¶; काठ १६, ७, २८,९¶; क ४४,९¶; शौ ११, ७,१८; १८, २, २६; १९, ५५, १; ६; पै १६, १५४, ८; २०, ४७, १०; ४८, १; –सात् शौ १८,२,२६.

घासे-अज्र[d]– -ज्राणाम् खि ५, ७, २, ६; मा २१, ४३-४५; का २३, ५, ३[३]; मै ४, १३, ७; काठ १८,२१.

†घासि[e]– -सिम् ऋ १, १६२, १४; मा २५, ३८; का २७, १३, ७; तै ४, ६, ९, १; मै ३, १६, १; काठ ४६,५.

जक्षिवस्– -वांसः मा ८, १९; का ९,३,५; तै १,४, ४४, २; मै १, ३,३८; काठ ४,१२; क ३,१०; शौ ७,१०२,३; पै २०, ३४, ३; –वान् शौ ४,७,३.

जग्ध,ग्धा– -ग्धम् ऋ १,१४०,२; मै ३,८,९[२]¶; ¶काठ १०,३; २५, ९; ३४,११; क ४०,२¶; शौ ५, २९,५; पै ६,४,११?[f];७,१९,८; १३,९, ६;१५; –¶ग्धात् मै १, १०,१०; काठ ३६,५; –ग्धायाम् पै ५,२४,३?[g].

जग्ध-पाप्मन्[h]– -प्मा शौ ९,७, ८; पै १६,११३,२.

जग्ध्वा तै २,२,६,२¶; काठ १०, ३¶; शौ ५,१८-१९, १०; पै ९,,१९,३.

जग्ध्वाय ऋ १०, १४६, ५[i].

जिघत्सु,त्सू[j]– -त्सवः पै २, ९१, २; –त्सुभ्यः शौ ८, २, २०; पै १६,४,१०; –त्स्वम् शौ २,१४, १; पै २,४,१.

घातुक– √हन द्र.

घार– √घृ द्र.

?घानिष्ठाः[k] पै १६,३६,६.

√घुण् (भ्रमणे)

घुण[l]– -णस्य पै ५,२०,६;७; –णाः पै ५,२०,८.

घुण-जम्भ(न>)नी[m]– -नी पै ५,२०,७.

√घुष् ,> घोषि, घोषात् ऋ १, १३९,८; शौ २०,६७,२†.

?अघुक्षन्त पै १०,१,११.

?‡ घोषयत् जै १, ५९, ६[n];

?‡ घोषयन्[n] कौ १, ५८३; २, २८८; जै ३, २४, ४; घोषयः ऋ ९,१०८,३.

१घोष[o]– -षः ऋ ३, ३०,१६; ३१, १०; ७, २३, २; ८३, ३; १०, ३३, १; १०३, ९; १६८,१; मा १७, ४१†; का १८, ४, ९†; तै ४,६,४,३†;४‡[p]; ५, ६, १, ४; मै २, १०, ४†; १३, १; †काठ १८, ५; ३५. ३; क २८, ५†; ४८, ४; †कौ २, १२०७; शौ ३,१३,६; १९, ६; ५, २०, ७; १०, १३,१०†; २०, १२, २†; पै १,५६,२;१५७,१;३; २,७३, ३; ३,४,६; ७,४,१०†; ९,२४, ८; १५,१२,३;७; –षम् ऋ ३, ७,६; ५,५४,१२; १०, ८४,४; ९४,१; १२३,४; मै ४, ६,८¶; शौ ३, १०,५[q]; ४, ३१, ४; ७, ४४,१; ८,६, ११; पै १, १०५, १; ४, १२, ४†; १६, ८०, १; –षाः ऋ ८,६३,७; १०,६८,१; १०३,१०[p]; १६८, ४; मा १७, ४२†[p]; का १८,४,१०[illegible]; तै ३, ४,११,३†; मै ४,१२,६†; काठ २३,१२†; कौ २,१२०८†; शौ ३,१९,६; ७,५४, २; ११, ११, ११; २०,१६, १†; पै १,५६,३; १७,१५,७;१९,१५,१;–षात् ऋ ६,३८,२; –†षान् ऋ ६,७५,७;

a) नाप. (आहार-)। कर्मणि इः प्र. (पाउ ४,१३०)।
b) सपा. आपश्रौ ३,२०,१ घसीना? इति पाभे.।
c) नाप. (आहार-, तृण-)। कर्मणि घञ् प्र. अन्तोदात्तः।
d) विप.। बस.। उप. भाप. (=गति-)।
e) नाप. (⌊तृणादिक-⌋ आहार-)। इण् प्र. (पाउ ४, १३०)। f) जग्धम् इति पाठे? यनि. शोधः।
g) जगधायां इति पाठे? यनि. शोधः (तु. सपा. शौ ४,१८,३ दग्धायाम् इति पाभे.)।
h) विप.। बस.।
i) सपा. तैब्रा २,५,५,७ जग्ध्वा इति पाभे.।
j) विप., नाप. (राक्षसी-विशेष- ⌊शौ २, १४, १⌋) च। उः प्र.। k) पाभे. कृते पृ ११८५ g टि. द्र.।
l) नाप. (कीट-विशेष-)।
m) विप. (ओषधि-)। उस.।
n) पाठौ? सपा. ऋ. घोषयः अनु सु-शोध्यौ।
o) भावे घञन्ते ञित्स्वरः।
p) सपा. घोषः <> घोषाः इति पाभे.।
q) पाभे. कृते पृ ११४९ f टि. द्र.।

मा २९,४४; तै ४,६,६,३; मै ३, १६,३; काठ ४६, १: पै ७, १३, १२$; १५, १०,७:१९, ११$; –षाय मा १०, ५; ३०, १९: का ११,४,२; ३४, ४,१; तै १, ८,१३,३; ७,५,१३,१: मै २,६, ११: काठ ८, ९¶:१५, ७; ४५, ९[2]; क ७,५¶; –षे ऋ १,१२०, ५?[a]; पै २,१८,३[b]: –षेण ऋ ८, ३४, २; कौ २, ११५९†; –षैः ऋ १,१८१,५: –षौ पै १५,१२, ७.

घोष-बु(द्ध>)द्धा[c]– -द्धा शौ ५, २०,५; पै ९,२४,५.

¶२घोष[d]– -षः काठ २५,८: क ४०, १.

३घो(ष>)षा[e]– -षा ऋ १,१२२, ५; १०,४०,५; –षाम् खि १,३, ५?[f]; –षायै ऋ १,११७,७.

†घोषि[g]– -षि ऋ ४,४,८[h]; ६,५,६[i]: तै १,२,१४,३: मै ४,११,५: काठ ६,११.

घोषिन्[j]– -षिणः शौ ४,१५,४.

घोषिणी[k]– -णी पै १९, २८,७; –णीः शौ ११, ९, २०; पै १६, ८३, १०; –णीभ्यः शौ ११, २, ३१; पै १६,१०६,११.

√घृ[l], †जिघर्मि[m] ऋ २,१०,५; तै ४, १, २, ४: ५,१, ३,२; काठ १६, २:१९,३; क ३०,१.

अघ्रियत[n] मै २,३,४:५; अघ्रियथाः काठ ११,७[n].

घर्म[o]– -र्मं खि ४,५,४०; मा ३८, २१: का ३८,५,४; मै १,१,९:४, १,९; ९, १०[p]; –र्मं मा ३७, १८:३८,१६:१८[3]; का ३७,३,५; ३८,३,२: ५,१[3]; मै ४,९,५;६[2]; ९; १२[q]; –र्मः ऋ १, १६४,२६; ३, २६, ७[r]: ५,१९,४; ३०,१५; ४३,७:७,७०,२;८,९,४; खि १, ७,१०:११,१; मा १,२; २२:८, ६१[s]; १८,२२;५०[t]; ६६†[r]; २०, ५५:३८,९;२७; ३९, ५; का १, २,१; ८,२; १९, ७,४; २०, २, १३[t]; २२, ६,१; ३८,२, ३;६,२; ३९,३,१; तै १,१,३,१;८,१;५, १०,४[2u]; ६,१२,२; २,२,७,२¶; ४,७,९,१; ५,४,८,४; ७,५,२[t]; मै १, १,३;९;६,१;२;६¶;७¶; ८, ३¶; २, १,९¶,२,८¶;११, ६; ३,११,३:४,१,३[2];¶;९[2]:¶; ९,३†:४;९?[u]:१०[v]: १३[w]: १२, २[2],५†[r]; काठ १,३;८, ५,२; ६, ३¶;७,१४;८,१६;१०,८[2]¶:१८, ११: २१,११; ३१,२[2];¶: ६¶; ७[2];¶; ३८-३९, ८: ४०,१३[t]; क १,३:८; ४,२¶; ६, ४: २८, ११:४७, २[2]: ¶: शौ ४,११,३; ७,७७,१:२:५;७†;८,८,१७;९, १२,३;१५,४: ११,३,१८: १९, २८,२: ३: २०,१३९,४†; पै ३, २५,५:५,१३,२;१३,११,२;३[2]; १६, ३०, ८:५३, ७:६८, ४†; १३९,५,१४४,४:१५०,६[2];१०; १५१,५; ६[2];७: १५२,५[2]; १९, ४८,१८: २०,११,१†; ६;७;९;

(a) वा. अर्थः व्यु. च ?। पूर्वया ऋचा युग्मकं स्यात् ? (तु. सस्थ. टि. ⌊यद्-> ⌋ या, यया)

(b) सपा. शौ ६,३८,४ विशिष्टः पाभे.।

(c) विप. (नारी-)। तृस.।

(d) धा. अर्थः ?। व्यप. (असुर-विशेष-)।

(e) व्यप. (ब्रह्मवादिनी-विशेष-)।

(f) घोषाम् इति स्वरे ? यनि. शोधः।

(g) विप.। इन प्र. नित-स्वरश्च।

(h) वा. क्रिवि. (तु. भा. वें. सा. PW.; वैतु. GW.MW. क्रिप. इति)।

(i) विप. (मन्मन्-)।

(j) विप. (मरुतां गण-)।

(k) विप. (२अप्-, सेना-)।

(l) धा. दीप्तौ क्षरणे च वृत्तिः।

(m) अभ्यस्तस्वरः।

(n) सपा. अघ्रियत <> अघ्रियथाः <> ?अघ्रियत इति पाभे.।

(o) बप्रा.। नाप. (⌊सूर्यस्य वाऽग्नेर्वा⌋ आतप-, अहर्- ⌊निघ १,९⌋, पात्र-विशेष-, संतप्त-गर्त-, उष्ण-घृत- प्रमृ.)। मः प्र. (पाउ १,१४९) नित्स्वरश्च।

(p) सात. स्वरः भ्रष्टः।

(q) तु. पृ ६८७ c टि.। =सपा. तैआ ४,२०,२ आपश्रौ १५, १७, १० माश्रौ ४,४,३९। माश्रौ २, ५,४,२४ तु सोम इति पाभे.। °र्मं इति स्वरे ? यनि. शोधः।

(r) सपा. घर्मः (या १४,२ च) <> ज्योतिः इति पाभे.।

(s) सपा. घर्मः (शांश्रौ १३, १२, १३ च) <> यज्ञः (आश्रौ ३,१४,१० च) इति पाभे.।

(t) =सपा. माश ९, ४, २,१९;२५ आपश्रौ ११, २०, १०। आपश्रौ १७,२०,१६ तु घर्म इति पाभे.।

(u) पाठे ? (तु. माश्रौ ४,३,२९) घर्मः इति शोधः (तु. पपा., सपा. मा ३८,१४ का ३८,२,८ माश १४,२,२,२७ तैआ ४,१०,२ काश्रौ २६,६,९ आपश्रौ १५,१०,१३ घर्म इति पाभे.)।

(v) सपा. मा ३८,२० का ३८,५,३ माश १४, ३, १, १८ तैआ ४,११,४ पाठाऽभावः।

(w) च्युतस्वरः पाठः यनि. सु-शोधः।

१२, १[a]; –र्मम् ऋ १,११२, १; ७; ११९, २; ६; १६४, २८[b]; १८०,४; ३,५३,१४; ५,७३,६; ७६, १; ८,९, ७; ७३, ३; ८७, [२,(४; १०,४०,१३)]; ८९,७. १०, १६,१०;१८१, ३: खि १, २,७;३,२२,२: मा ८,१९;१७, ५५: २६,६[c]; ३८,६; १२;१३; का ९, ३, ५· १८, ५, ६: २८, ४-५, १[c]: ३८, १,६; २,६; ७; तै १,४,४४, ३; ५,११, १[c]; ६, १२,२†: ४, ६,३,२:५, ४, ३, ३¶: मै १,३,३८; ८,४; २,१०, ५; ३,३,४¶.४,९,२[d]; ७:९[e]; ११, १[c]; काठ ४, १२:१६[c];८, १६†.१८,३:२१,६¶: क३ १०: २८,३;३१,२१¶: कौ २,७८१†; १०५८[c]: ११०२†: शौ ४, १, २;११,५; ६, ३६,१[c]: ७, ७७, ४;१०२,४: ९,१५,६†; ११,७, ५; १२, २,७†: २०,१४०, २†; पै ३,२५,४,५,२,१;१६,२:१६, ६८,६†; १५३,५; १७,३०,७†; १९,४,१; २०,११,३†[h];८;१२, २; –र्मस्य खि ३, १५,१०; मा ३८,१०; का ३८,२,४, तै ४,३, ११,५: मै १,१,८[f]; २,१३,१०; ४,१,८[f]; ९,९[2]; काठ ३९, १०; शौ ४,११,६: पै ३,२५,६; –र्मा ऋ १०,१०६,८;११४,१: –र्माः ऋ ७, १०३, ९; शौ ८, ९, १३; पै १६, १९,३: –र्मान् शौ ९,१, ८‡[b]:पै१६.३२,८‡[b]; –र्माय मा · ३८,३:९:३९,१२: का ३८,१-२, ३: तै ३, ५,२,२; मै ४,९,७;९: –र्माम: ऋ७,३३,७: तै४,३,११, १: मै २,१३,१०; काठ ३९,१०; –र्मे ऋ १०,८०,३; तै१,१,७,२; ५,१०,३; मै १,१,८;९;४,१,८; ९: काठ १, ७; ३१, ६; शौ ७, ७७,३[a]; पै २०,११,१०[k].

घर्म-दु[h]– -दुम् पै १९, २,१४.

घर्म-दुघा[i]– -घा पै ३, २१, ४[j]; –घे शौ ४,२२,४[j].

घर्म-पु[k]– -पेभ्यः मै ४,९,९.

घर्म-पावन्[k]– -वभ्यः मा ३८, १५; का ३८,३,१; मै १,१,११.

घर्म-पितु[l]– -त्वे मै ४,९,९.

¶घर्म-वत्– -वते तै २,२,७,२; ३[2]; मै २,२, ८; ९; काठ १०, ८[3]; –वन्तम् तै २,२,७,२.

घर्म-सद्[m]– -सत् मै १,१,१०; –†सद्भिः ऋ १०, १५,९; १०; मै४,१०,६; शौ १८,३,४७;४८.

घर्म-स्तुभ्[n]– -स्तुभे ऋ५,५४,१.

घर्म-स्वरस्[o]– -रसः ऋ४,५५,६.

†घर्म-स्वेद[p]– -दोभिः ऋ १०, ६७, ७; मै ४, १४, १०; शौ २०,९१,७.

घर्मिन्– -र्मिणः ऋ ७, १०३,८.

¶घार– -र्योः काठ २७,९.

१घृण[q]– -णा ऋ १, ५२, ६; १४१,४; ४, ४३, ६[r]; ५, ७३, ५[r]: ९, १०७, २०; कौ २, २७३; जै ३, २३, ५; –णात् ऋ १, १३३, ६; –†णे[s] ऋ ६,

---

a) सपा. घर्म <> यज्ञः इति पाभे. ।

b) सपा. घर्मम् <> घर्मान् इति पाभे. ।

c) =सपा. आश्रौ ८,१०,३ । शाश्रौ ३.३,५ तु भानुम् इति पाभे. ।

d) =सपा. तैब्रा ४, ४-५, १: ५,४,१ गोब्रा २, २, ६ आपश्रौ १५, ६,१ माश्रौ ४, २,१० । तैब्रा १.१८ माश १३, ५,१,१६: १४, १,३,२ शांश्रौ ५,९,८ काश्रौ २६, २,११ तु पाठाऽभावः ।

e) सकृत् मै. पपा. घ्रर्मम् इति । सपा. घर्मम् <> ?सुघर्म ?सुघर्मा च (माश १४,२,२,२९[2] तैआ ४,१०,२ आपश्रौ १५,१०,१३ बौश्रौ ९,११:१ भाश्रौ ११, ११,१ च) इति पाभे. ।

f) सपा. मा १,१८ तै १, १,७,२ काठ १,७; ३१, ६ माश १,२,१,१३ तैब्रा ३,२,७,६ आपश्रौ १,१२,३: २१,६ पाठाऽभावः ।

g) =सपा. शांश्रौ ५,१०, १० । आश्रौ ४,७,४ तु घर्मम् इति पाभे. ।

h) विप. (अघ-) । उस. उप. <√दा (दाने) ।

i) विप. (धेनु-) । उस. कप् प्र. ह्रस्य घश्च (पा ३, २,७०) ।

j) सपा. °घा <> °घे इति पाभे. ।

k) विप. (पितृ-) । उस. उप. <पा (पाने) ।

l) घर्मत्वः पितुरिति कृत्वा कस. अन्तोदात्तः ।

m) विप. (पितृ-) । उस. ।

n) विप. । (मारुत-शर्ध-) । उस. ।

o) विप. (नदी- [तु. वें. GW. GRV. प्रमृ.; वैतु. सा. Gri. चोपाचिलेन देवाः इयनेन पदेन योग इति]) । बस. । उप. भाव. <√स्वृ । यथा तादृश्यो नद्यः समुद्रसंचरणाय स्वरस्याऽपवरणं कुर्युः, एवं स्तूयमानाः मन्तो रोदसी चाहिर्बुध्न्यश्च यज्ञमभाजनार्थं स्वरस्याऽपवरणं कुर्युः प्रकटीभवेयुरिति यावत् ।

p) विप. (वराह-) । बस. ।

q) भाव. (दीप्ति-, आतपोत्ताप-) । नक् प्र. उसं. (पाउ ३,४) ।

r) वैतु. GW. ORN. °णाः इति शोधुकौ? ।

s) विशेषस्य कृते पृ ६४० n टि. द. ।

१५, ५; मा १७, १०; का १८, १,११; तै ४, ६, १, २; मै २, १०,१; काठ १७, १७; क २८, १; -णेन ऋ १०,३७,१०.

२घृण[a]-

घृ(ण>)णा-वत्[b]- -वान् मै ३, १४,२०[c].

?घृणन्- -णा ऋ २, ३३, ६[d]; ६, ३,७[e].

घृणि[f]- -णिः मा ३५, ८; का ३५, ४,७; तै १, ७, १२, २; मै १, १०,३; काठ ९,६; १४,३; ४५, १२; क ८, ९; शौ ७, ३, १; पै २०, २, १; -†णेः ऋ ६, १६, ३८; मै ४, ११, २; काठ ४०, १४; कौ २, १०५६; जै ३, ५४,२.

घृ(णि>)णी-वत्[g]- -वान् ऋ १०, १७६, ३; मा २४, ३९[c]; का २६, ८, ४[c]; तै ३, ५, ११, १†; मै ४,१०, ४†; काठ १५, १२†.

घृत[h]- -तम् ऋ १,८५,३; ८७, २; ११०,६; १२५,५, १३४,[६(४, ४७, २; ५, ५१,६) ८, ६,१९]; १३५, ७; १६८,८; २,३, ११[३]; ५,६; ३५,११; १४;३,२,१; ४, १,६; १०, ६; ५७, २; ५८, ४; ५,५,१; १२,१;८६,[६; ८,१२, (१३, १२)४]; ६, १०, २; ७०, २; ७,४१,[७; ८०,३]; ९५, २; ८, ७, १९; १२, १३; ३९, ३; १०२, २१[1]; ९,३१, ५; ८९,३; ६२, ९; ६७, ११; १२; ७४,४; ८२, २[1]; ८६, ३७; १०,१२,३; ३०,१३; ५१, ८; ६९,२[३]; ८२, १; ९१, १५; ९६, १; ९९, ४; १५४, १; मा २,३४;३,२†;५, ३८; ४१; ६,१९; ८,२४;†११, ७३[1]; ७४[1]; १३,४९; †१७,२५; ८८[३]; ९२; १८, ९; ६६†; २०, ७९†; २१, २९-४०; २५, ९;२९, १; ३४, ४०; ३५, १७; का २,६, ८;७,७; ३,१,२†; ५, ९,४; १०,१; ६,४, ३; ९,४,२; †[1]१२,७,८; ९; १४,५,३; १८, ३,१†; १९, †१, २[३]; ६; ४, १; २२,७,११†;२३,४,१-१२;२७, ९,१; ३१,१, १; ३५,४,१५; तै १,१, १४, ३†; ३,४,१;१०,२; १४,४†; ४,४५,२; ७,२,४[२]¶; ८, २२, १[२]; ¶२,२,९,४; १२, ७†;३,२,२; ८;१०,१; ११,५[२]; ५,२,७; ६,७,१[२];४; ३,३,८,१; ९,२; ४,१,१०, ११†[1]; २, १०, २; ३,१३, ८†; ६,२,४†; ७,४, १; ५, १,११,१¶; ३,१०,३¶; ५,१,५¶;६,१,३[k];४,१¶;७,८, २; २०,१; ६,१, १,४; ७,१¶; ८,३¶; २,२,४;३,७,५¶;५,८, २¶; मै १,१,११; २,१३; १४; १७; ३,३९; ¶६,८[२]; १३;१०, ७[२]¶; २, ¶१, ५; ७[३]; ¶३,४; ५[३]; ६[२]; ५, १०; ७,७[२]†[1]; १७; १०,३†; ११, ४, ¶३,१,९; २, २;७; ४,४;६,१[२]; २;७,५[३]; ७; ८,२; ९,३[२],१०,५; ११,२[१२]$; ४†; १५, ८$; १६,२$; ४,१, १२[२]¶; १३;१४; ¶२,१०;११; १३; ५, २¶; ७, ४[२]¶; १०,१; ११,२;४[२];†; ५;१४,७†;११[1]; काठ ३,१;२; ७, ४,१३; १५†; १६[२]; ७, १५¶; ८, ८¶; १०, १[४]¶;११,२[३]¶; ७;८[२]¶; १३[२]; १३,९; १६,७[२]†[1];१७; १८,२†;

---

a) =१घृण-। प्र. नित्त्वम् उसं. इति ततो विशेषः।

b) °णा-वा° इति पपा.?। नाप. (पशु-विशेष-)।

c) सपा. घृणा° <> घृणी° इति पाभे.।

d) पाठे? घृणेव इति शोधः। इह यनि. प्रान्ति. तमार्थे विप. इति कृत्वा यथा 'कश्चित् तप्तः सन् छायामुपेयाद् एवमहं रुद्रस्य सुम्नमशीय' इति वा. द्र. [तु. वें. सा.; वैतु. पपा. घृणिऽइव इति, R (ZDMG [४८, ४८०]) =घृणि-> -णेः [पं.]? इति, GRV. ORN. घृणि-> -णी [तृ. वा सप्त. वा] इति]।

e) नाप. [सूर्य- (तु. घृणि- > -णिः [मा ३५,८]))]। यनि. प्र१ इति मतम् (वैतु. सा. घृणि- > तृ१ सत् विप. इति, GW. प्रभृ. नाप. यदपि घृणि- > सप्त१ इति, शिष्टं पृ ६४५ e टि. द्र.)। 'भ्रजसा पत्मना यत् सूर्य इवाऽग्निः रोदसी आ···दम्' इति वा.।

f) नाप. (आतप-, दीप्ति-)। निः प्र. (पाउ ४, ५२)।

g) विप. (रथ- [ऋ.]), नाप. (पशु-विशेष- [मा. का.])।

h) नाप. (सर्पिस्-)। यनि. व्यु. [तु. मै २, ३, ४; ५ काठ ११,७, तै २,३,१०,१ (यत्र अध्रियत [तु. भा. K.] इति पाठे? सपा. मै. काठ. चानुसृत्या अध्रियत इत्येवं शोधः द्र.)]। काठ २४,७ तु <घृह इति।

i) सपा. घृतम् (माश ६,६,३,५;६ च) <> शिवम् इति पाभे.।

j) सपा. घृतम् <> घृता इति पाभे.।

k) सपा. घृतमिव <> घृतमिव्याः इति पाभे.।

l) सपा. घृतम् <> प्रियम् इति पाभे.।

९; १९, १०¶: ¶२०, ५; ७; ¶२१, ७; ८; ११; ¶२२, ६[२]; १३[२]; २३,१¶; ¶२४,४[२]; ५[३]; २५, १०¶; ¶२६, ३; ५[२]; ७ २८, ४¶; ३०, ४†; ३१, ९¶: १४; ३५,१[२];३; ६†; ¶३६,१; २;¶३७,२;१६; ३८,९†; ३९, २[a]: ४०,७†; ४६, २; ५३,१०, क २,८; ९:१४. ३,११: ६,५¶: ¶७,३; ५; २५,८; २८,२†: ९: ३०,८¶; ¶३१,७:९;३४,१¶: ३५,७¶:¶३७ ५[२]:६[२]:४०,३¶: ¶४१,१:३[२]; ५: ४४,४¶; ४६, ७†: ४७, ९¶: ४८,२[२]:४:७†: †कौ १,१८७: २,३०७: ३३१; ७८७: ३, ३, १२: †जै १,२०, ३: २,७,७: ३, २५,३; २७,७: ४, ३०, १: शौ २, १३, १: ३, १२, १: १३,५[a]: १६. ७†: ७, १९,२: ७७,३; ३०,१: २: ७७, ४: ८७, ६[२], ११४. २: ८, ७, १२:९,२,११; ४,४;७; १०,६, ५;९,११:१०,३२: ११,७, १५: १२, १,२९: †१८, १, ३२: २, १४: †२०, ३०, १: ४८, ३. पै ३,४,५:२०,१; ३९,४:४,९, ३:५,६,१;१०, १६,६; ३१,२; ३६,९: ६, १०, ९: ८,१३,४†: १२,७,७: १४, १, १६: १५,५, १; १६,२४,५; ८: ४२,५; ७६, ७;१०;११०,२; १३७,१;१५४, ५; १७, ३, १०: १८, १९, ३[b]:

२३,१; १९, ११, ६[c]; १९, ६; ५२, १†; २०, ६, ७; ७, १; २; ११, ८; ३२, २[३]; –तस्य ऋ १, १२५, ४; १२७, १; ३, १,७; ८; २१,१; ४; ४, ५८,१;२;५-१०; ५, ६२,४; ७, ६४,१; ८, ६, ४३; १०२, १६; १०,९५,१६; खि १, २, ६; ३, १: ४, १२,१; मा ६,१२;१३. ३८†. १५, ४७‡: †१७, १३$; ८९; ९०; ९३-९८; १८, ६५: का ६, ३,१; १४, ४,१†: १६, ५,२९†: १८,१,१३; †१९, १. ३; ४; ७[२]; ८-११; २०, ४, ८; तै १, ३,८,२. ८, २२, १; ५†; २,३,१०,२: ११, ३: ३, २, ८, १: ५,५,३; ४, २,९,६†; ४,४, ८†; ६,१,४; ५, ४,८, १¶: ७, ७, ३: ६, ३, ८, ४; ६, ७,३¶; मै १,१,१३: २, १६; ६, २[२]†; १०.२: २, ३,४; ५†; ७, १४[d]; १७: १०,१: १३,८†: ३, ¶२, ६:७:४,१¶:१०,१;४,२,१३¶; ४,१¶; ७, २[२]¶: १०, १; ११, २[२]:†:१३,५[२]†; काठ ३,६: ४, १६[२]: ९, ४; ५: ११, ७; ८¶: १२†: १६. १६: २१[२]†: १७, १७; २१,११¶: २४.७¶: २६, ११†; २९, २[२]¶: ३०, ८‡[e]: ३५, ४; ३६, १५: ३९, १५†: ४०, ७[२]†; १३: क २, १३: ८, ७: ८; २८, १; ३७, ८¶; ४५,

३[२]¶; ४८, ५; †कौ १, ४६५; २, ११६३; जै १, ४८, १०†; शौ ३,१२,८; ६,९,३[f]; ७,३०, १;२; ८७,१†; ९, ४, ५; १०, ६, २५; १८, ३, ७२; ४, ५७; १९,५८,१; २०,६७,३†; पै १, ११०,१; २,३३,५; ७३,२;१०, ४; ७, १५, ९; ८, †१३, १;२; ५-१०; १९, ५; ९,९,५[२]; १६, २४, ४; ४४, ६; १७, ३५, ७; १९, ३६,१; २०, ७,१;२; –ता कौ २,६६८‡[g]; जै ३,५५,९‡[g]; शौ ५, २७, ४[h]; –तात् ऋ ८, २४,२०; ४३,१०; खि १, १०, १; ४,६,९; मै १,६,१†; काठ ७,१२†; ३१, १४; क ६, २†; जै ४,१७,८†; शौ ५, २८,१४; १९, ३३,२; ४६, ६; २०, ६५, २†; पै ४, २३, ३; १२, ५, २; –तानि ऋ १, १८८, ५; १०, ११८,२; –ते ऋ २,३,११; ९, १०१,१२; १०,८०,६; मा १७, ८८†; का १९,१,२१; ¶तै २, २,९,३;४; ३,२,२; ६, १,७,१; ¶मै १,६,८[४]; १०,२०; २, १, ५[२]; ७; २, १[४]; २[२]; १३; ३, ५; ६,१$; ३, १, १०; ४, ३, १; ¶काठ ८, ९[२]; १०; १०, १[३]; ११, ४; ८; १५, १; १९, ९[२]; २२,१३; २४,५[२]; ¶क ७, ५[२]; ६; ३७, ६[२]; कौ २, ४५२†; जं ३, ३४, १०†; –तेन ऋ १,

a) पाभे. कृते पृ १२७४ *k* टि. द्र. ।

b) सपा. **घृतं पिबन्तम्** <> **अध्वगतः**(परि.) इति पाभे. ।

c) सपा. **घृतम्** <> **घृतेन** इति पाभे. ।

d) पाभे. कृते पृ ९९६ *a* टि. द्र. ।

e) सपा. **घृतस्य** (माश्रौ १,८,४,३६ मागृ २,४,५ कौसू ४५,११ च) <> **घृतेन** (माश ६, ६, ४,१२ आपश्रौ ७,६,५ माश्रौ १,७,३,४० या १०,४० च) इति पाभे. ।

f) = सपा. काश्रौ १३,३,२६ आपश्रौ २१, २०, ३ वैताश्रौ ३४,९ । मंत्रा १,८,२ तु आज्यस्य इति पाभे. ।

g) पाभे. कृते पृ १२७४ *j* टि. द्र. ।

h) सपा. **घृता चित्** <> **घृतेन** <> **घृताचीः** इति पाभे. ।

७२,३; ८४,१८; ९३, ८; १०; १५७,२; १६४,४७[a]; २, ३, ४; १०, ४; ३, ५,८;१८,३; ५, १, ७; ११,३; १४,६; ४२,३: ८३, ८; ६, १६,११;७०,४; ७१, १: ७,८,१; १४,२; ६२,५; ६४,४; १०,१७, १०; १९, ७: ३६, ६: ५९,५[b]; ६९,१; २; ११०, १०; ११८,४;६; खि १, २,६; ५, ८: ३,११,१; मा २,२२; ३,३: ४, २†: ५,२८; ६, ११; १६: ११, २३†; १२, ४४†[b]; ७०; ७४: १७, ७८[c]; ७९; १८, ५१; २०, ४५; २१,९†; २७, १२; १४[d]; २८,१०; २९,२[e]; १०;३५; का २,५,३;५: ३,१,३; ४, १, २†; ५,७,४; ६, २,६;३,७; १२, २, १२; ७,१९†[b]; १३, ३,१५;५, ९: १३: १८,६,१४[c]; १५; २०, ३,१; २२,४,१०; २३, १,९†: २९,२,२:४[d]; ३०,१,१०; ३१, १,२[e];१०; ४, ११†; तै १, २, १,१†; ३,१,२; ७-८, १; ९,२; ५,३,३;१०,२; ६-७,५, १; ८, २२,३†; ३,१,४,४†[b]; ९,३¶; ११,८:२,६,१; ५,६,१[f]; ४,१, २,५[2];†;‡[g]; ८,१[2d];२,३,४†[b]; ५,६; ६,५,५; ७,१२, २[h]; १३, १; ५, १, †३, २; ३; ११, १[e]; ४; ४,१०,१; ५,४,३[c]; ६,४,१; ७,४,१[c]; ६, २,१०,५: ३,५,३; ७,५; ९,३; ५, ८, ३; मै १, २, १ †; ११; १४-१६; ६, २; ७, १[3];†[b]; ११, ४; २,१, ५¶; ३, ८[i];७,२†: १२; १२, ३[2]; ६[2d]; ३,१,५¶: ४, ४[2]; ६, २†: ८, ९[2]¶; ९,३; १०, १[2]; ११, १: ९[j]; १६, २; ४, २, ५: १०; ११¶; ७, ४[2]¶; ८, ९; ११, २†; १२,५†[a];१३,३†: १४,६; काठ २,१†: १२: ३, ३:६[j]; ४, १६†: ७,१४;१५¶: ८,३;११, ५[9]¶: ९†[a]: १३†[a]: १६,२[2]†; १२:२०†: १८,३[k];४:१५:१७; १९, ३[2]†;१०¶:१२¶; ¶२०, ५:७; ¶२१,८;११: २२, १:५; १०¶: २५, १०[2]; ¶[2]: २६, ५[3]: ¶[2]; ७¶; ३१, ९¶: १४; ३४,१९[2]; ३५, ४[2]; ३६, १¶; ¶३७, २; १६: ३८, ६: १२; ४६, २[2c]; क १, १३†: २, ६; १०: १३[2]: ६, ७†; ५¶: ८; २५, ३; २९, ४; ५[2d]; ३०, १[2]†; ८¶; ¶३१, २; ७; ९; ३५, ४¶; ४०, ३[3]; ¶[2]; ४१, ३[2]; ¶[2]; ५¶; ४७, ९¶; ४८, १[2]; ५[2]; †कौ १, ७०; २, ११; ११०९; †जै १, ७, ८; ३,२,२; शौ १,३१,३; ३, १२, ४: १५,२:३†; १७,९: ४, १४, ६:२६,६; २७,५: ५, १२,१०†; २७, २; २८, ३; ६, २२, १†[a]; ३२,१[l]; ५१, २†; ७३, ३;९३, २; ७, ५९, १; ७९, २, ८७, ६: १०३, १; ११४, १: ३: ४; ९,२,१:१५,२२†[a]: ११,१,१८: ३१: १२,३,३७; ४१:४४: १३, १,८: ३३[m]; १८, ३, १०: १९, २७,५: पै १, २२,३; १०६, १; २, ३९,६: ५२, १: ५९, १; ३, २०,४:३८,५: ४,९,२;३५-३६, ५; ५, १८, ६[2]: ६, ३, ३†: ९, १२: ७,६, ६; ९, १,२; ३[d]; ३, ५: १०,७,५: १३, ९, १; १५, २१,१: २२,३: १६, ६९,१३†: ७६, १: ९०, ८; ९२, १; ९९, ४: १७,३९,७;४०,१: ४: १८, १५,८: १८,३: १९, १०, ११: १४,१४: २१,१६†: २२,१०†; २६,५[2]; ६; ४१,१०: ४३, ६†; २०, १४, २; ३२, २; ३४, ९; ४०,६;४३,७;४७,५: -०तेन[k/n] मा १७, ५०; का १८, ५, १; तै ४, ६, ३, १; मै २, १०, ४;

a) मपा. घृतेन <> घृतैः इति पाभे. ।

b) पाभे. क्लृते पृ १२७५ *e* टि. द्र. ।

c) =सपा. माश ९, २,३,४२ । मै २,१०,६; ३,३,९ काठ ३९,३ तु पाठाऽभावः ।

d) पाभे. क्लृते पृ १२७५ *h* टि. द्र. ।

e) सपा. घृतेन, अञ्जन् <> तनूनपात् इति पाभे. ।

f) सपा. घृतेन <> पृथिव्याः (माश्रौ २, १,२,७ माग्र १,११,६ च) इति पाभे. ।

g) सपा. ऋ २,१०,५ विशिष्टः पाभे. ।

h) मपा. घृतेन <> पृथिव्याः इति पाभे. ।

i) सपा. घृतेन <> शिवेन (ऐब्रा ७, ३३[2]; ८, २० माश १२,८,१,५ तैब्रा १,४,२,३; २,६,३,२ आश्रौ ३, ९, ५ आपश्रौ १९, ३, ४ च) <> सुतस्य इति पाभे. ।

j) मपा. घृतेन <> श्रुतेन (तैब्रा २, ६, ४, ४ च) इति पाभे. ।

k) मपा. घृतेन<>घृतेन<>घृतेभिः इति पाभे. ।

l) पाभे. क्लृते पृ १२७५ *c* टि. द्र. ।

m) सपा. तैब्रा २,८,८,९ पाठाऽभावः ।

n) आमन्त्रितस्य पराङ्गवद्भावः ।

क २८, ३; शौ ६, ५, १?[a];
–†तेभिः ऋ २, ७, ४; ८, १९, २२; २३; तै १, ३, १४, ५; जै ४, १२, १४; पै १९, ३, १३[b],
–†तैः ऋ १,१५३,१;३, ९,[९; १०, ५२,६]; ६२,[१६; ७,६५, ४;८,५,६]; ५,८,७;८,४३,२२; ४४, १; १०, ५, ४; ७९, ५; खि ४. ९, ७$; मा ३,१; १२, ३०: २१, ८; ३३, ७, का ३, १,१: १३, ३, १: २३, १, ८; ३२,१, ७; तै १, ८, २२, ३; ३, १,११, ४‡[c]; ४, २, ३, १; मै २, ७,१०; ४, ११, २,१४, १२; काठ ४. १६; ७,१२;१६, १०; क ६, २; कौ १, २२०; २, १३; जै १, २३,७; ३,२,४.

†घृत-केश[d]– -शम् ऋ ८, ६०, २; कौ २.९०३; जै ४. २५,५; शौ २०,१०३,३.

¶घृत-त्व– -त्वम् काठ २४, ७; क ३७,८.

घृत-दुह्[e]– -दुहः ऋ ९, ८९,५.

†घृत-निर्णिज्[f]– -र्णिक् ऋ २, ३५, ४; ३, १७, १; २७, ५; खि ५,७,३,९; तै २, ५,१२,२; मै ४, १०, १; १२, ४; १३, ८; काठ १९, १३; ४०, १४; –०र्णिक् ऋ १०, १२२, २; –र्णिजः ऋ ४,३७,२.

घृत-प(द्>)दी[g]– -दी ऋ १०, ७०,८; खि ३,११,१; तै २, ६, ७,१¶; ४; मै १, ६, १३¶; ४, १३,५; शौ ७,२८,१[h].

घृत-पावन्[i]– -वा शौ १३, १, २४; पै १८, १७, ४; –०वानः मा ६,१९; का ६, ४, ३; तै १, ३,१०, २; मै १, २, १७; काठ ३,७; क २,१४.

घृत-पू[j]– ‡पुवः[k] तै १,२,१,१; पै ६, ३, ३; –†प्वः[k] ऋ १०, १७, १०; मा ४, २; का ४, १, २; मै १, २,१; ३, ६, २; काठ २,१; क १, १३; शौ ६,५१,२; पै १९,४३,६.

घृत-पृच्[l]– -पृचा ऋ ६, ७०,४.

घृत-पृष्ठ[m]– -ष्ठः ऋ १,१६४,१; ५,३७,१; मै ४, १२,४[n]; काठ ११,१३; ३५,१[n]; क ४८, २[n]; शौ २, १३, १[n]; ९, १४, १†; १२,३,१९;५३; पै १५, ५,१[n]; १७, ३७,९; २०, ९, २; –ष्ठम् ऋ १, १३,५; ५,४,३; १४, ५; ७,२,४; १०, ३०,८; १२२, ४; पै १६,७१,६; ९६,७; –ष्ठाः ऋ १,१४,६; शौ ९, ५, १५; १८, ४, ५; पै १६, ९८, ५; –ष्ठे पै १६,७१,५.

घृत-प्रतीक,का[o]– -†कः ऋ ३, १,१८; ५,११.१; मा १५,२७; ३५, १७[p]: का १६,५,८; ३५, ४, १५[p]: तै १, ३, १४, ४[p]; ३. ३,८,१[p]; ४, ४,४,२; मै २, १३, ७; ४, १०,४[p]: काठ ३५, १: ३९,, १४; क ४८, २[p]; कौ २,२५७; जै ३, २२, ८; शौ २, १३,१[p]; पै १५, ५, १[p]; –कम् ऋ १, १४३, ७; १०, २१, ७; –का ऋ १०, ११४, ३; –काः पै २, ८६,१-६; –काम् ऋ ७, ८५,१.

घृत-प्रयस्[q]– -याः ऋ ३,४३,३.

a) ०तेन [तु. पपा. PW. WI.] इति पाठे? यनि. शोधः (तु. मपा. मा. प्रमृ. मा. W. च)।

b) पाभे. कृते पृ १२७६ *k* टि. द्र.।

c) पाभे. कृते पृ १२७६ *a* टि. द्र.।

d) विप. (अग्नि-)। बस.।

e) नाप. (घृत-धारा- [तु. ऋ ९, ७४, ६ पर्यायभूतस्य घृत-श्चुत्– इत्यस्य भूनाभिस्थानीयायां यज्ञवेद्यां निधानं श्राव्यमाणम्; वैतु. सा. गोपर्याय इति, Gri. दिक्पर्याय इति च?])।

f) विप. (अग्नि-, यज्ञ-)। बस.।

g) विप. (गो-, इडा-)। बस.।

h) सपा. ०पदी <> ०वती इति पाभे.।

i) विप. (देव-, रोहित- [आदित्य-])। उस. उप. <√पा (पाने)।

j) विप. (२अप्-)। उस.।

k) मपा. ०पुवः <> ०प्वः इति पाभे.।

l) विप. (द्यावापृथिवी-)। उप.।

m) विप. (अग्नि-, बर्हिस्- प्रमृ.)। बस. (वैतु. स्क. [या ५,७] तृस. इति)।

n) मपा. ०पृष्ठः (आश्रौ ५,१९,३ आपश्रौ १४, १७,१ आपमं २, २, १ हिगृ १, ३, ५ च) <> ०योनिः (माश १३,८, ४, ९ तैब्रा १, २, १, ११ तैआ २.५,१ आश्रौ २,१०,४ शांगृ १,२५,७ च) इति पाभे.।

o) विप. (अग्नि-, उषस्-)। बस.।

p) =सपा. माश १३, ८,४,९ तैब्रा १, २,१,११ तैआ २,५,१ आश्रौ २, १०,४ आपश्रौ १४,१७,१ आपमं २, २,१ शांगृ १,२५,७ हिगृ १,३,५। आश्रौ ५, १९,३ तु घृताहवनः इति पाभे.।

q) विप.। (अस्मद्-)। बस.।

घृत-प्रसत्त[a]– -त्तः ऋ ५,१५,१.
घृत-प्री[b]– -प्रियम् शौ १२, १, २०; १८,४,४१; पै १७,३,१.
घृत-प्रुष्[c]– -प्रुषः ऋ ६, ४४, ⌊२० (१०, ६८,१)⌋; ८,५९,४; १०,७८,४; खि १, ६, ४; काठ ३५, १; क ४८, २; -प्रुषम् ऋ १, ४५, १; ७, ४७,१; कौ १, ९६†; जै १, १०, ५†; -प्रुषा ऋ २, ३, २; मा २०, ४६; का २२,४,११; मै ३, ११,१; काठ ३८,६†.
घृत-बोधन– -नः पै २,२४,१.
घृत-भाग[d]– -गाः काठ १९,९¶.
?घृत-मत्[e] पै १६,१३,२.
घृत-म्-इ(न्व >)न्वा[f]– -न्वाः मै २,१३,१[g].
घृत-योनि[h]– -निः मा ३५, १७; का ३५, ४, १५; तै १,३, १४,४; ३,३,८,१; -निम् ऋ ३, ४, २; ५, ८, ६; -†नी ऋ ५, ६८, २; कौ २, ४९४[i]; जै ३, ३८, ८; -०ने[j] मा ५,३८; ४१; का २,३,८; ५,९,४; १०,१; तै १,३,४,१; काठ ३, १; २; शौ ७,२७,३; पै २०,३,७.

घृत-वत्[k]– -वत् ऋ १,२२,१४; ६४, ६; ३, ५, ६; ३१, ११; ५९,⌊१; ७, ४७, ३⌋; १०, १४, १४; ६४, ९; ६५,८; खिसा ३, ८; मा ४,२२; का ४, ७, २; तै १,३,१०,१[l]; २,५,८,४¶; ३, १,९,३; ११,७†; ३,११,३; ४, ११,५†; मै ४,१,१३¶; १२, ६; काठ १,३; ३,५; २३,१२†; २४,४¶; २६, ८; ३१, २[२]; ¶; १०¶; ३५,७; १९†; क २,१२; ३७,५¶; ४१, ६; ४७, २[२]; ¶; १०¶; ४८, ९; १०†; शौ ३, १०, ६; १७, ९; ७, ७०, २; ९, २, ८; १२, ३, ४५; १८, २,३†; पै १, १०५, २; ५,१६, ३; १७, ४०, ५; -वता शौ ३, १०, ११?[m]; पै १, १०५, ३; -वति तै १, २, ५, १; ६,१,८, २; मै १,२,४; ३,७, ६¶; काठ २,५; २४,४; ३९,६; क १,१८; ३७,५; -वद्भिः ऋ २, २६, ४; ७,३,७; -†वन्तः ऋ ३,२१,२; १०,२९,६; मै ४,१३, ५; काठ १६,२१; शौ ४,२५, ५§; २०, ७६,६; -वन्तम् ऋ १,३४,१०; १४२,२; ३,५,७; ६, १५, १६; ९, ८२,⌊(६२, ४)१⌋; १०,४५, ९; ९१, ४; १४८, ५; मा १२, २६†; का १३, २, ९†; तै १, ६,४,४; ७,४,६; ३, ५,११,२†; ४,२,२,३†; मै १,४, ३; २,७, ९; ४,१०,४†; काठ ५,४; १५, १२†; १६, ९†; क १, १२; †कौ १, ५६२; २, ६६६; †जै १,५७,७; ३,५५,७. -‡वन्ति[n] कौ १, ५३२; जै १, ५४, ८; -वान् का १, १०,५; काठ ३५, १८[o]; क ४८, १६[o]; शौ १८, ४, १९; -वान्ति[n] ऋ ९, ९६, १३[p].

घृतवती– -वती ऋ ६, ११, ५; ७०,१; मा १४,२[q]; ४; १५, ३; ३४, ४५†; का १५, १, २[q]; ४; १६,१,३; ३३,२,८†; तै ४, ३,४, २; ४, १२, ५; मै २,८, १[२q]; ७; ३,१६,४; ४,११,१†; काठ १३, १५†; १७, १[२q]; ६; २०, १५; २२, १४; क २५, १०[२q]; २६, ५; कौ १, ३७८†; जै १,३९, ९†; शौ ३, १२, २; पै ३, २०, २; १५,२, १; १६,

a) विप. (अग्नि-)। तृस.।
b) विप. (अग्नि-)। उस. उप. < √प्री।
c) विप. (जन-, मनस्- प्रभृ.)। उस. क्विबन्तम्।
d) विप. (आदित्य-)। बस.। सपा. माश ६,६,१,११ °भाजन– इति पाभे.।
e) पाठे? घृतम् इति (√मद् > ⌊कर्मणि घञ्⌋) आदम् इति च द्विपदः शोध. (तु. छन्दः, सपा. शौ ८, ७, १२ घृतम् अन्नम् इति पाभे. च)।
f) विप. (२अप्-)। उस. स्वच् प्र. उसं. (पावा ३,२, ३८)। g) घृतम् इद् नु आ इति पपा. सात. च पाभे. कृते पृ १२७४ k टि. द्र.।
h) विप. (अग्नि-, यज्ञ- प्रभृ.)। बस.।
i) °नि इति S. पाठः? द्विवचनस्थैव प्रमत्रान।
j) सपा. घृतयोने (माश ३, ६,३, १५;४,३; ४,५,१, १६ आश्रौ ५, १९,२ शांश्रौ ८, ४,३ च) <> घृतवने इति पाभे.। k) विप. (पयस्-, मधु-, स्तोक- प्रभृ.)।
l) सपा. घृतवत् <> घृतावत् इति पाभे.।
m) पाठे? घृत-वत्या(द्रुहया) इति शोधः? (वैतु. W. प्रभृ. नाप. इति)। n) सपा. °वन्ति <> °वान्ति इति पाभे.।
o) सपा. घृतवान् (आश्रौ १,१२,३७ आपश्रौ ९,३, १ च) <> घृताहुतः (माश्रौ ३,१,२८ च) <> घृताहुतिः इति पाभे.। p) °वन्ति इति पपा.।
q) सपा. घृतवती (माश ८, २, १, ५;१५ च) <> वसुमती इति पाभे.।

४०, २;२०,१२,६[a]; –तीः शौ १९,४२,२; पै ८,९,६; १८, ३; –¶तीम् तै २,५,९,६.
घृत-धॅनि[b]– -०नेे[c] मै १, ᐟ, १३;१४; क २,८;९.
†घृत-वर्तनि[d]– -निः ऋ ७, ६९,१; मै ४,१८,१०.
घृत-वृद्ध[e]– -०द्ध पै ६,९,११[f]; –द्धः शौ १३,१,२८[f]; पै १८, १७,८.
घृत-श्चुत्[g]– -श्चुतः ऋ ३,२१, ३; ७, ९६,५; ८,५९,४; ५; ९, ७४,६; ७७,१[h]; १०, १८,१२[i]; खि १,३,३; ६,४; ५; ३,३,१०; १०, १; मा १७, ३[j]; तै ३,१, ११,३†; ४, ४,११,४[j]; मै २, ८,१४[j]; †४, १०, १; १३, ५; काठ १६, २१†; १७, १०[j]; क ४८, १०[k]; कौ २, ६५०†; †जै १,५७,३[h]; ४,३,५; शौ १,३३, ४; १०, ९, २७; १८,३,५१†[i]; ६८; ४, २५; ४२; पै १,२५,४; ६,३,४; १४, १,५; १६,७१,३; ९१,७; १३८, ८; २०, ९, ७†; –श्चुतम् ऋ २,११,७;८,८,१५; १६;५१,१०; ५४,१; खि १,६, ६; ३,६,१; कौ २, ९६०†; जै ४,१९,२†; शौ १०,६, ६-१०; २०, ११९, २†; पै १६, ४२, ६-८; ४३, १;२; –†श्चुता[l] ऋ ५,१४,३; तै ४, ३, १३, ८; मै ४,१०,१.
घृत-श्च्युत्[m]– -¶श्च्युतः का १८.१,४[j]; मै ३, ३, ४[२j]; काठ १९,१४‡[i]; ३५,९[k]; क २९,९[j]; कौ १, ५५६‡[h]; –श्च्युतम् पै २, ६१, १; –¶श्च्युता काठ १९,१४‡[l].
घृत-श्री[n]– -श्रियम् ऋ ५, ८,३; मा २८, ९; का ३०, १, ९; तै ३, ३, ११, २; –श्रिया ऋ ६, ७०,४; –श्रीः ऋ १, १२८, ४; १०,६५,२.
घृत-सद्[o]– -सदम् मा ९, २; का १०,१,३; तै १, ७, १२,१; मै १,११,४; काठ १४,३.
घृत-सूदन[p]– -नः काठ ३५,४[२]; क ४८,५[२]; पै २०, १५, ६?[q].
?घृत-स्तावः[r] शौ १२,२,१७; पै १७,३१,८.
घृत-स्ना[s]– -स्नाः ऋ ४, ६, ९; ८,४६,२८.
१घृत-स्नु[t]– -स्नुवः ऋ १, १६, २; –स्नुवा ऋ ३,६,६.
२†घृत-स्नु[u]– -स्नुः ऋ ५,७७, ३; ९,८६, ४१; १०,१२२, ६; खि ५, ७, ४, १८; काठ १२, १४; कौ २, ९६६; जै ४, २०, ९; –स्नुना ऋ ६,५२, ८; –स्नू ऋ ३,४१,९; ४, २,३; शौ २०, २३,९; –०स्नू ऋ १,१५३, १; १०, १२, ४; शौ १८, १, ३१; –स्नूः ऋ २, २७, १; मा ३४, ५४; का ३३,२,१७; काठ ११, १२; –०स्नो ऋ ५, २६,२; का २४,४,९; कौ २,८७२.

a) पाभे. कृते पृ १२७७ *h* टि. द्र. ।
b) विप. । उस. उप. <√वन ।
c) पाभे. कृते पृ १२७८ *j* टि. द्र. ।
d) वि१. (रथ-) । बस. । e) विप. (अग्नि-) । तृस. ।
f) सपा. ०द्ध<>०द्धः इति पाभे. ।
g) विप. (स्तोक-, ऊर्मि-, स्वसृ- प्रभृ.) । उस. उप. <√श्चुत् ।
h) सपा. ०श्चुतः<>०श्च्युतः इति पाभे. ।
i) सपा. घृतश्चुतः<> घृतश्च्युतः<> तैआ ६, ७, १ मधुश्चुतः इति पाभे. ।
j) सपा. ०श्चुतः (माश ९, १. २, १८ च) <> ०श्च्युतः (तु. PW. MW.) इति पाभे. ।
k) सपा. ०श्चुतः<>०श्च्युतः इति पाभे. ।
l) सपा. ०श्चुता <> ०श्च्युता इति पाभे. ।
m) विप. (विराज्-, ऊर्मि-, सलिल- प्रभृ.) । उस. उप. <√श्च्युत् ।
n) विप. (अग्नि-, त्वष्टृ-, द्यावापृथिवी- प्रभृ.) । उस. ।
o) विप. । उस. उप. कर्तरि प्र. ।
p) विप. (अग्नि-) । बस. । उप. भाप. यद्. ।
q) ०ना इति पाठे? यनि. शोधः (तु. पूर्व स्थले) ।
r) पाठः? । वावि. इति कृत्वा ०वम् इति शोधः । 'यथा (त्वं) घृतेन स्तुषे तथा मृद्वा (स्व-मार्जनं कृत्वा)' इति वा. । उप. √स्तु (*घृतौ ⌊=√स्नु⌋) + णमुल् प्र. उसं. [पा ३,४,३७ (वैतु. PW. प्रभृ. उप. नाप. इति कृत्वा स्तू– यद्वा *स्तो– ⌊=च्योत-⌋>स्तावः ⌊द्वि३⌋ इति, W. CA. च स्तो– ⌊?*स्नो-⌋ इतीव च)] ? । s) विप. (हरित्-, स्वराज्-) । उस. उप. <√स्ना ⌊=√स्नु⌋ ।
t) विप. (केशिन्-, धाना-) । उस. उप. < √स्नु ।
u) विप. (अग्नि-, अत्य-, केशिन्-, द्यावापृथिवी- प्रभृ.) । बस. । उप. भाप. <√स्नु (तु. या ⌊१२,३६⌋ वैं. सा. GW. प्रभृ., या. ⌊पक्षे⌋ <√स्नु वा √स्रु वा √सनु वा, =घृतपृष्ठ- इति कृत्वा उप. < सानु– इति PW.) ।

घृत-ह(स्त>)स्ता[a]- -स्ता ऋ ७,१६,८.

घृत-ह(द>)दा[b]- -दाः शौ ४,३४,६; पै ६,२२,७.

¶घृता(त-अ)क- -कम् काठ २९,१: क ४५,२.

घृता(त-अ)च्-

घृताची[c]- -ची ऋ १,१६७, ३;३,६,१;३०,७;४,६,[(३,१९,२)३:६,६३,४]; ५,२८,१: ४३, ११: ७,१,६: ८४,१: खि ४,७, १[d]; ७[2], ८[d]; मा २,६[3]: १९[e]; १५,१८; का २,१, ८[3]: ४, ६[e]: १६,४,७; तै १,१, ११, २: ८, २२,२†;२,५,७,४¶; ४,३,१३, ६†: ४,३, २: १२,४: मै २,८, १०: ३, १६, ४[2]: †४, १०, १: १४, ३; काठ १,११[2]:४,१६†; १७,९:१८,३‡[f];२२,१४[2]:३१, १०: क १, ११[3]: २६, ८: २८, ३‡[f]; ४७, १०: शौ ९, १, ४: १०,४, २४: १९, ४८,६: पै ६, ४,८[d]: २१,६: १५,१, ९: १०; १६,१०,६;३२,८;३४,२.-ची: ऋ ७,५,५; ४३,२: ६०,३: ८, ४४,५; १०, १३९, २[f]; मा ३, ४; १७,५९†[f]; का ३, १, ४; १८,५,१०†[f]; तै ४,४, १२,४; ६, ३, ४†[f]; मै १, ६, १†; २, १०,५†[f]; काठ ७, १२†; १८, १७[g]; कौ २, ८९२†; जै ४, १३, ७†: पै १४, १, १७; १६, १०३, ७†; -चीम् ऋ १,२, ७; ३, १९,[२(४,६,३)]; १०,७०, १;मा ३३,५७†: का ३२,५, ३†; कौ २,१९७†: जै ३,१८, ४†: शौ १३,१,२७: पै १८,१७, ७;- च्यः खि ४,१२,१; -†च्या ऋ ३, २७, १; मै १, ६, १; जै ४,१,७; -च्याः खि २,८,४.

?घृता(त-आ)च(क>)का- -०के[h] खि ४,७[2],१०; पै ६,४, १०.

¶घृता(त-अ)नुषि(<सिक्त>)का[i]- -काम् तै ५,२,२,४.

†घृता(त-अ)न्न[j]- -न्नः ऋ ७, ३, १; काठ ३५, १: क ४८,२; कौ २, ५६९; जै ३,४६, ४; -०न्नौ ऋ ६,६७,८.

¶घृता(त-अ)न्वक्त,क्ता[k]- -क्तम् मै ३,१,९; -क्ताः मै १,६,७.

घृ(त>)ता-वत्- -वत् मै १, २,१७[l].

घृ(त>)ता-वृध्[m]- -वृधा ऋ ६,७०,४.

†घृता(त-आ)सुति[n]- -तिः ऋ १, १५६, १; -ती ऋ १,१३६, [१; २, ४१,६]; कौ २, २६२[o]; जै ३, २२, ९: -०ती ऋ ६, ६९,६.

घृता(त-आ)हवन[p]- -†०न ऋ १,१२, ५;४५, ५; पै ६,९,११; -नः खि ५,५,१०; तै २, ५,९, २; काठ ३५, १; क ४८, २; -नम् ऋ ८,७४,५.

घृता(त-आ)हुत[p]- -०त पै ६, ९,११[q]; -तः शौ १३,१,१२[r]; २८[q]: पै १,६५,१;१८,१७,८[q]; -तम् शौ ४,२३,३.

१¶घृता(त-आ)हुति[s]- -तिः तै २,५,९,२.

२घृता(त-आ) हुति[p]- -तिः पै १८,१६,२[r].

¶घृते(त-इ)ष्टका[t]- -काः तै ५, ३,१०,३;काठ २२,६; क ३४,१.

---

a) विप. (इडा-)। बस.। b) विप.(भाग-) बस.।

c) बप्रा. द्र.। विप. (धी-, जुहू-), नाप. (सरस्वती-, रात्रि- [निघ १,७], हरित-, सिलाची- प्रमृ.)। व्यु. कृते पृ २५१ c टि. द्र.।

d) सपा. घृताची<>सिलाची इति पामे.।

e) =सपा. माश १,८,३,२७ काश्रौ ३,६,१९। माश्रौ १, ३, ४,२८; ७, २,१२ तु °च्यौ इति पामे.। तै १,१, १३,३ तैब्रा ३,३,९,९ आपश्रौ ३,८,४ पाठाऽभावश्च।

f) सपा. °ची<>°चीः (माश ९, २, ३,१७ च) इति पामे.। g) पामे. कृते पृ १२७५ h टि. द्र.।

h) विप. (लाक्षा-)। पाठे? घृता(ची-क>) चिका-> -०के इति शोधः (तु. सपा. खि ४, ७,१; ७[2],८ घृताची इति, सपा. शौ ५, ५, १ सिलाची इति पामे.)। सिमा [२, २१३] घृताचिल्के इति प्रस्तावः भूयो विमृश्यः।

i) विप. (समिध्-)। तस. अन्तोदात्तः (पा ६,२,१४७)।

j) विप. (अग्नि-, मित्रावरुण-)। बस.।

k) विप. (समिध्-, कुमुक-)। शेषं i टि. द्र.।

l) पामे. कृते पृ १२७८ l टि. द्र.।

m) विप. (द्यावापृथिवी-)। उस.। पूप. दीर्घः।

n) विप. (विष्णु-, इन्द्राविष्णु-, मित्रावरुण-)। बस.।

o) °ति इति S. पाठः विभ. लुकि संभाव्येत (तु. पा ७,१,३९)। p) विप. (अग्नि-)। बस.।

q) सपा. °त<>°तः इति पामे.।

r) पामे. कृते पृ १२७८ o टि. द्र.।

s) षस. अन्तोदात्तः।

t) नाप. (इष्टका-विशेष-)। मध्यमपदलोपी कस.।

¶घृत्य,त्या[a]- -त्यः तै २,४, ५, २; -त्या काठ ७,१५; क ६,५.
¶घृङ्[b] काठ २४,७; क ३७,८.
१घृण-, २घृण-, ?घृणन्-, घृणि-, घृत- प्रभृ. √घृ द्र.
√घृप्[c]
घृपु[d]- -षुः ऋ १०,१४४,३; -पुम् ऋ १, ६४, १२; १०, २७, ६; -षौ ऋ ६,४६,४.
†घृष्वि[e]- -ष्वयः ऋ १, ८५, १; १६६, २; ९,२१, १; १०१, ८; कौ २, १६९, जै ३, १६, ७; -ष्वये ऋ १,३७,४, ४, ३२,६; ९; ८,६४,१२; ९,२,८; १६,१; कौ २, ३९४; जै ३, ३१, १४; -ष्विम् पै १९, ५०, १५$; -०ष्वे ऋ ४,२, १३; -ष्वेः ऋ ३,४६,१;६,१८,१२; ७,९३,२; मै ४,१४,१४.
घृष्विं-राधस्[f]- -०धसः ऋ ७, ५९,५.
घोर,रा[g]- -रः ऋ ७, २८,२; खि २, ११, ३[h]; मै ३, ९, ६[s]¶; काठ २६, ७[2]¶; क ४१, ५[2]¶; पै २०,३८,९; -रम् ऋ २,१२,५; ७, २०,६; ९, ८९, ४; खि ३, १०[2],१९; मै १,१०,३[1]; जै ४, १९, १०†; शौ १, १८, ३; ६, १४०, ३; १६, १, ८; १८, ४, ८३[1]; १९, ९, ३-५; १४; २०, ३४,५†; पै ५,३७,१; १३, ७, ५; १३,१; २; १९, ४९, ११; २०, १८, १; ३८,८[2]; -रया ऋ ८, ९२, १५;॰पै ४, १६, ८; -रस्य ऋ ४, ६, ६; तै ४, ३, १३,१†; शौ ७, ७३, ५[i]; -रा ऋ ४,१६,१७; ६,६१,७;६७,४; ¶तै २,२,२,३; ५, ७, ३, ३[2]; शौ ५, १८, १५; पै ५, ९, ६; २०,१९,२; -राः ऋ १, १६७, ४; १०,१०८,१०; तै ३, २,८, २; शौ २, ३५, ४; पै १५,१८, ७; ९; २०, १८, ५; १९, ४; -राणाम् ऋ १,१६९,७; -राणि शौ १२,७,२; पै १६, १४२,२; -रात् शौ ४, ९,६; १८, ४, ९; पै ८,३,६; -राम् पै २०, ८, ५; -राय मा २,३२[1]; का २,७,४[1]; तै ३, २, ५, ६[1]; -रासः ऋ ७ ६६,१३; १०, ९२, ३; -रे खि ४,२,९; मै २,२,१[k]; काठ १६, १२[k]; क २५, ३[k]; शौ ६, ८४, १[k]; पै १९, ५, ११[k]; -०रे ऋ १०, ९५, १; खिमा २६, १९; मा १२, ६४[k]; का १३, ५,३[k]; -रेण ऋ १०, ३४,१४; -रेभ्यः मै २, ९, १०; -रैः शौ १६, ७,२; पै १७,२४,३.
†घोर-चक्षस्[l]- -क्षसे ऋ ७,१०४, २; काठ २३, ११; शौ ८,४,२; पै १६,९,२.
घोर-चक्षु[m]- -क्षवः पै १७, १४,६.
घोर-चक्षुस्[n]- -क्षुषः पै १०, १२, ९; -क्षुषम् पै ११,४,३[o].
घोरं-रू(प>)पा[p]- -_पे खि ४, ५,२६.
घोर-वर्पस्[q]- -र्पसः ऋ १, १९, ५; ६४,२.
१घोष, २घोष-, ३घो(प>)षा- √घुष् द्र.
?घोषत्[r] तै १,१,२,१; क १,२;४७,१.
?घोषतोदक्तवृवत् पै ७,८,१.

a) विप. (भाग-, तनू-) यत् प्र. ।
b) अव्य. =शब्दानुकृति- । व्यु. ? ।
c) =√घृ (दीप्तौ) इति प्राञ्चः, =√हृष् इत्यर्वाञ्चः ।
d) विप. (मारुत-गण-, सखि- प्रभृ.) । कुन् प्र. उसं. (पाउ १,२३) नित्स्वरश्च ।
e) विप. (अग्नि-, मरुत्-, सोम प्रभृ.) । क्विन् प्र. (पाउ ४,५६) नित्स्वरश्च ।
f) विप. (मरुत्-) । बस. ।
g) बप्रा. । भाप., विप. (इन्द्र-, अग्नि-, मरुत्- प्रभृ.) च । अर्थः व्यु. च ? । <√*घुर् (ऐश्वर्यदीप्तिभयहिंसा-शब्देषु) इति मतम् ।
h) सपा. खिसा १०,३ घोषः इति पाभे. ।
i) यद् घोरं तस्मै इत्यस्य स्थाने घोराय इति पाभे. (तु. पृ ११८३ s टि. [तत्र क्रूरम् इत्यस्य स्थाने यत् क्रूरं तस्मै इति शोधः।]) ।
j) सपा. घोरस्य <> देवस्य (तैब्रा २,४,२,३ च) इति पाभे. ।
k) पाभे. पृ ११८४ c टि. द्र. ।
l) विप. (किमीदिन-) । बस. ।
m) विप. (सदान्वा-) । बस. ।
n) विप. (भ्रातृव्य-) बस. ।
o) सपा. घोरचक्षुषम् <> संघोरं चक्षुः इति पाभे. ।
p) विप. (कृत्या-) । बस. ।
q) विप. (मरुत्-) । बस. ।
r) पाठे ? घोष-वत् इति शोधः (तु. टि. सपा. पाभे. ?गोपद् [एतदनु पृ १२६३ n टि. घोषत्- इत्यत्र प्राति. चिह्नं नेष्टम् ।]) । *घोष- (=कोष-, निधि-) + वतिः प्र. । 'यथा यज्ञस्य कोषः स्यात्तथा हे गार्हपत्याग्ने ? त्वमसि' इति वा. (तु. तैब्रा ३,२,२,२ आपश्रौ १,३,३) इति मतम् ।

घोषि-, घोषिन्- √घुष् द्र.

घ्नत्- √हन् द्र.

घ्रंसª- -सः शौ १३, १, ४८; ५३; पै १८, १९, ८; २०, २; -सम् ऋ १,११६, ८; ५,४४, ७; ७,६९, ४; मै ४,१४, १०†; शौ १३, १, ४६; ४७; ५२; पै १८, १९, ६; ७; २०,१; -से ऋ ५, ३४,३.

? घ्रन्ᵇ शौ ७,१९,२; पै २०,३,७.

√घ्रा

घ्राणᶜ- -॰णाः पै ४, १६, ४‡ᵈ; -णान् पै ४, १६, १; २; ३ᵉ‡ᵉ; ६-८; -णानाम् पै ४, १६, ५.

घ्रातᶠ- -तान मा २२,७; का २४, ३,१; तै ७, १, १९, १; मै ३, १२,३; काठ ४१,१०.

†जिघ्रिᵍ- -घ्रिः ऋ १, १६२, १५; मा २५, ३७; का २७, १३, ६; तै ४, ६, ९, २; मै ३, १६, १; काठ ४६,५.

ª) भा. सा. प्रभृ. (√घुष् ⌊शब्दे⌋ >) घोषत्- इति प्राति. सत् नाप. (=धन-) इति, C. =गो-षद्- (=धन-) इति, K. (गोषु सीदति) इति, Dumont (ABORI ३५, XV) =गो- + सध्- (<√स ⌊सा⌋ ध्) इति च?]।

ª) नाप. (सूर्य-)। व्यु. ?। √घृ ⌊दीप्तौ⌋ > घरन्त- > नैप्र. यनि. इति मतम्।

ᵇ) √घृ ⌊दीप्तौ⌋ > घरन्त- > नैप्र. *घ्रन्- (नाप. ⌊=घर्म⌋) इत्यस्य प्र१ (तु. तैआ ५,१,५; वैतु. सा. =अनुकरणशब्दः सन् घर्मवाचक इति, WAG ⌊३,३२b⌋ घ्रंस- > ⌊प्र१⌋ घ्रंसस् > नैप्र. यनि. इति च)?।

ᶜ) नाप. (कृमि-विशेष-?)। धा. अर्थः? । कर्तरि क > णः प्र.।

ᵈ) सपा. घ्राणाः <> अदृष्टाः इति पाभे.।

ᵉ) सकृत् सपा. ऋ १,१९१,२ अदृष्टान् इति पाभे., अन्यत्र च विशिष्टः पाभे.।

ᶠ) विप. (अश्व-)।

ᵍ) विप. (उखा-)। किन् प्र.।

इति वैदिकपदानुक्रमकोषे सांहितिके प्रथमे विभागे

द्वितीयः खण्डः समाप्तः।